ईसा का सन्देश

लेखक-डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा.

अनुवादक -सुरेश रामभाई.

इस किताब में हजरत ईमा के सन्देश की व्याख्या ऐसे लाजवाब ढंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी श्रामानी से यह समक जाएगा कि ईसाई धर्म की खाम तालीम क्या है और हजरत ईसा ने इन्सान-इन्सान की बरावरी, भाई चारे, प्रेम और श्रहिन्सा पर कितना जोर दिया है.

श्राज हम योरप और श्रमरीका के लोगों को एक तरफ श्रपने को ईसा का पैरो कहने श्रोर दूसरी तरफ कमजोर कीमों को गुलाम बनाने के लिये एटम वम श्रीर हाइडरोजन बम की रचना करने देख मोचने लगते हैं कि क्या ईसाई धर्म में यह सब जुल्म श्रीर नाइन्माकी जायज है शिलेकन इस किताब को पढ़ कर इस तरह के सारे श्रम दूर हो जाएंगे श्रीर इंजील को पित्र तालीम अपने सही दूर हो जाएंगे श्रीर इंजील की पित्र जालीम अपने सही दूर में पूरे तौर पर श्रापके सामने श्रा जाएगी.

े यह किताब कुमारप्पा जी ने सन 1944 में जबलपुर कि में लिखो थी. इसके बारे में राष्ट्रियता महात्मा गांधी की राय है—

"मैं अपने अनुभव के बल पर कह सकता हूँ कि प्रोफेसर कुमारपा ने इन सकों में गारपेल (इंजील) का जो मतलब लगाया है वह सच्चा और सही है..."

महात्मा जी ने यह भी कहा था कि-

"हर आस्तिक से, चाहे वह ईसाई हो या किसी और धर्म का मानने वाला हो मेरी सिकारिश है कि इसे पढें

श्रंगरेजी में इस किताब के कई एडीशन निकल चुके हैं. श्रब यह इसका सरल और बामहावरा हिन्दुस्तानी श्रनुबाद निकल रहा है. किताब के श्रास्तीर में 'ईसा के जीवने के कुछ क़िस्से' देकर श्रनुवादक ने इसकी शोभा और भी बढ़ा दो है.

सुन्दर जिल्हा बढ़िया काग्रज, करीब डेढ़ सौ सके की के किताब का दोम सिर्फ डेढ़ रुपया

मिलने का पता— मैनेजर, 'नया हिन्द', 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

عیسی کا سندیش

ليکوک ـــ قانگر چ ، سی ، کمارپپا ، انووادک-- سريش رام بهائي.

اس کتاب میں حضرت عیسی کے سندیش کی ریائیہا ایسے تاحواب تھنگ ہے کی گئی ہے نہ بوعلے والا ہوی آسانی سے یہ سمجھ جائیکا کہ عیسائی دعرم کی خاص تعلیم کیا ہے آور حضات عیسی نے انسان انسان کی براہی ایمائی جارے ابیم آور اہلی ایراکنا زور دیا ہے۔

آج هم یورپ اور آمریکہ کے لہائیں کو ایک طرف آنے میں یورپ اور کہتے آور دوسری طرف کنزور قوصوں کو ملائے کے لئے ایڈم بم آؤر هائیکروجی بم کی رچفا کرتے دیکھ سوچنے لگتے عمل کہ کہا عیسائی دھرم میں به سب ظلم آرر ناانصافی جائز ہے لا لیکن اس کتاب کو یوشکر اِس طرح کے سارے بہتم دور ہوجائیں گے آور اسطل کی ہوتر تعلیم آنے صحیم روپ میں ہورے طور ایپ کے سامنے آجائیگی .

به کتاب کماریها جی نے سن 1944 میں جبل ہور جهل میں لکھی تھی، اِحکے بارے میں راشتہ بتا مہانما کاندھی کی رائے ہے۔۔۔

المیں آئے آنوبھو کے بل یہ کہ سکھا ھوں کہ پرواھسو کماریدا نے ان صعددن میں گلل (انجیل کا جو مطلب لکایا ہے وا سنچا آور صحیم ہے ۔۔۔۔۔۔۔۔''

انگریزی مهل اِس کتاب کے دئی ایدیشن نکل چکے ههل ، اُب یک اِس کا سرل آور بامتحاورا هلاستانی انوراد نکل رها هے ، کتاب کے آخهر میں 'عهسی کے جهرن کے کچھ قصے دیکر انورادک نے اسکی شوبها آور بهی بوهادی

سندر جلدا برهها كافلا قريب تيوه سو صفحے كى اللہ عالم مرف ديوه رويه،

ملنے کا پتد-

ميلينجر انها هند 145 متهى انم العآباد .

वेसक-पंडित झन्द्रस्थाव गीता और कुरान

इस कितान में हिन्दू धर्म और इसवाम दोनों के मेल में जातें, तीता का गड़प्पन, गीता के एक एक अध्याय में भीचोंड, कुरान का बढ़प्पन, लगभग १५ खास खास अध्योगें पर कुरान की करीब ५०० घायतों का सम्बो में बरीरह दिया गया है.

बी कोग सक पर्मी की मुनियादी बकता को जातना बीद सम्बद्धा कहिं काके किये यह किताब चनमोल है.

ं भीने सोन सी सके की सुन्दर जिल्द वंधी किताब की होसत सिकें ढाई कपया, डाक सर्च अलग.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो किता की ने कम्सीलियेटरी बोर्ड खालियर की शवत पर आसिकर में दिये थे.

सी सके की किताब. कीमत सिक बारह जाने.

महात्मा गांधी के वितटान से सबक

क्रिक्श्वाबिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर विकास की मुकादवी चौर इतिहासी पहलू से विचार कौर क्षिक दक्षात्र, जिसने व्यक्तिर में रेश पिता महात्मा गांधी इस की इसारे बीच में न रहने दिया.

कीसदी शमद आने.

प्रकार हमें क्या तिखाता है

महात्मा गांधी की सकाइ से अक्तूबर सन् 1947 में क्षित्रमा मौर प्रवी पंकाब के शेर के बाद वहाँ की अयंकर बंद वाई कीर आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो स्वीवर्ते काई बन का दर्दनाक वर्तन. इस छोटी सी कियाब के असीवर्तों को इस करने के किये इस स्वावर्त की वेश किये इस स्वावर्ते की विश्व करने के किये इस स्वावर्ते की विश्व करने के किये इस स्वावर्ते की विश्व करने के किये इस स्वावर्ते की वेश किये गए हैं स्वीवर्ते की स्वावर्ते की स्वावर

ं बंगाल और उससे सबक

इस झोटो इसी किताब में 1949-50 में प्रबी कोट बंडकामी बंगाल के कि रक्षेत्राराना सगर्थों पर रोशकी डाको महें हैं और प्रशेष मन्त्री के देगेशा के किये खत्म करने कि अरका के भी सुकाई की हैं. के बंदर अंग्लें हो काने.

THE REAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY.

وعوالت والعط سالرالال

قعا اور قوان

اسی افغالی میں هفتو همیم اور اسام دولوں کے قبل باتین افغا ۱ برین لبغا کے ایک ایک ادعیال ۲ پروا اوآن ۲ برین لگ بمک دا شامی خاص مفسوفین فرآن کی فریب ۱۰۰۰ آنگین کا لفظی ترجمه رفیرہ دیا ۱ ه ص

جو لوگ سب دهرمیں کی یقیادی ایکنا کو جانگا سمجھنا جاهیں اُن کے لگے یہ کتاب انمول ہے ۔ پولے تھی سو صفحے کی سندر جاند یقدمی کتاب کی معد صرف تعالی رزیعہ قاک خرچ الگ ۔

هندو مسلم ایکتا

اس کتاب میں وہ چار لیکنچر جانے کئے گئے میں جو قت جی نے کلسیلیٹری بورڈ گوالیار کی دعوت پر الیار میں دئے تھے ۔

سو صفحے کی کتاب ۔ قیبت صرف ہارہ آئے ۔

مهاتما کاندهی کے بلیدان سے سبق

سامپردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بهماری پر راج می' مذهبی ارز اتهاسی پهانو سے وچار آور اسکا ملاج' سی نے آخر میں دیش پتا مہاتما گاندهی تک کو همارے ہے میں نه رهنے دیا ،

قهمت يارة آنے ،

بنجاب هیں کیا سکھاتا ھے

منگال اور اس سے سال

ال جاہدات کاب میں 1940-50 میں ہوائی الاسمال کے الاسلامہ جاکراری کی آنکی کا الاسمال کی ا

والمناز فالأخرين بالمراكب

क्रिरकाषन्दी पर त्राष्

सम्यादम कुर्ग श्रीकुरन दास

इस पुस्तक में सन 1921 के सन 1948 तक गांची जी ने साम्प्रदायिकता के सवाल पर जो कुछ कहा या शिखा वह सब कापको एक जगह मिलेगा.

भारत के बाजाद होने पर यह बीर भी ज़रूरी हो गवा है कि इर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रमानों को समग्रेक बीर इस जहर को बपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. चाच्छा काराज, दो सी सके कीमत दो रुपया.

भाषा

लेखक--लाला मंदन गोपाल

हिन्दी, जर्द और हिंदुस्तानी की तकरार पर एक वे साग राथ इस किताब में आपको मिलेगी. राष्ट्र माण के सवाल में दिलचरपी रखने वाले हर भाई-कडन को इस किताब के पढ़ने, से फायदा होगा—सोचने की राहें सूफोंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नजरिया मिटेंगी. करीड़ सवा सौ सके की सुन्दर किताब, दाम ढेंद कपया.

भंकार

सम्भादक- भी रघुपति सहाय 'किराक्र'

पिछले पन्द्रह बरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई कि विताओं का यह संग्रह पड़कर आप को मालम होगा कि उरदू किवता ने किस तरह खयाली दुनिया की छोड़ कर जिन्हा की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. आज की टरदू शायरी गुल व बुल बुल और वस्त व किराक तक हो सीमित नहीं है. अब आप को उरदू किवता में किसोनी और मजदूरों के दिलों की घड़कर्ने सुनाई देंगी. गुलामी, अन्वाय और सुट समोट के ख़िलाफ आप को उसी आवाज सीमें की सुनेंगी जो आप के दिला गहराहियों को ख़ुबेगी.

- नागरी जिलाकर में ऐसा भरपूर वरदू कविता संप्रह आज तक नहीं निकला सुन्दर जिल्द, बदिया काराज, वन्दा

Charte and diese 128, afficia, enterere.

فرقاباتي پر باير

سیافات داس دویکردن داس

َ أَسِ يَسْعُكَ مِهِنَ سَنَ 1921 سَ سَنَ 1948 تَكَ الْحَمِي خَتِي لَا شَامُهُرُوالِمُكَا كَ سَوَالَ يَرْ خَوْ خَجَهُ كَهِا أَيَا الْحَمَّى خَتِي لَا شَامُهُرُوالِمُكَا كَ سُوالَ يَرْ خَوْ خَجَهُ كَهَا أَيَا الْحَمَّةُ مَالِمًا .

یہائیت کی آزاد هوئے یو یہ اور بھی ضرووی هو گھا ہے کہ اور بھیارتھا کی تقصانوں کو سمتجھ اور سمتجھ اور سمتجھ کو سمتجھ اور سمتجھ کو سمتجھ اور سمتحہ کو سمتحہ کو

مالت باله ، الها كافل ، دو سر مناهج ، تهمت بو ووقع ،

leta

ليهك الله مدن كويال

فقدی أودو اور هددستانی کی تکران پر ایک بے لاگ رافی ایک بے لاگ رافی ایس کتاب میں آپ کو ملے کی ۔ راشتر بہاشا کے سوال میں دلجسپی وکیلے والے هو بہائی بہن کو اِس لتناب کے پومل سے قائدہ هوا — سوچلے کی واهیں سوجهیں لیا جانکاری دوھے کی اور طرح طرح کی تفک نظریہ اُگی اُور طرح طرح کی تفک نظریہ

الرياشية اللولا منوا متخصير كى سائدرا كتاب دأم ديوم رويده.

جهنكار

سمهادك--شرى رگهردتى سهائے افراق،

ما علا 145 ماي الد الدوار

हिन्द्रस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

पचास रुपए से जियादा दाम की कितावें अरीदने वालों को और बुकसेवरों को सास रिकायत दी जावगी. पूरी जानकारी के लिये कि खिथे.

डाक या रेल सर्च हर हातत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

'मारत में अंग्रेजी राज' के लेखक पं० सन्दरताल द्वारा मुक अंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे बाच्छी तरह सममे भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना चहरी है.

: आसान समहाबरा भाशा. रायल घठपेजी बड़ा साइज सगभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द, कीमत केवल साढे सात रुपए.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-श्री मंजर घली सोखता

अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस को स्रोक सेवा संघ में बदल देने के लिये अपनी रुजबीच लिखी थी. यह देश के नाम उनकी आखिरी बसीयत है और इसकी व्याख्या गांधीजी के परम मक्त बी अंजर श्रकी सोखता ने की है जो गांधीवाद को सममते ्रजीर अपनाने वाले देश के इते गिते लोगों में से एक हैं. गांधीबाद को सममाने के लिये इसका पढ़ना बहुत जरूरी है. 225 सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत सिर्फ हो हपए

आज के शहीद

केसक--श्री रतन काल बंसल. का बहादुरों की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी हाकिमों की केलाई फूट की जाग में इनसानियत को भस्म होते देख एक अन की भी देर न की और उसे बुमाने की कोशिश में अपनी जान करकान कर दी. दान सिर्फ ढाई रुपया.

मुस्लिम देश भक्त

सम्पादक--श्री रतन लाख वंस्क

का मुसलमान देशमकों के जीवन का हाला जिन्होंने अपनी कान इयेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माता को पुतामी की जंबीरों से माबाद करने औं कोशिश की, किवाब बढ़े विक्रयस्य ढंग से लिख मार्थ है क्षेत्रम किस एक स्थान बारह बाते.

بحاس وزیلے سے وہادہ دایا کی کتابیں خریدنے والوں کو اور بكسيليون غو شامي رمايت في جاله عي. پرري جالكاري

داک یا بول کرے هر حالمی میں اهک کے نمے هوا .

بهارت کا ودهان

المارس میں انکریزی راج کے لیمک بلڈس سلدر ال دوارا سؤل انگریزی سے انووادت د

ھر بھارت واسی کا قرض ہے کہ جس ودھاں کے ادھین سوادھیں بھارت کا شاسن اِس سے چل رھا ھے اُسے اچھی طرح سمجھے بھارت کے عر گھر میں اس دستک کا رھنا

آسان بامحاوره بهاها . رایل اته ههجی بوا سائو . لگ بهگ چار سو پللے کپڑے کی سلدر جاند . قیمت کیول ساوھے سات رویگے .

مهاتما کاندهی کی وصیت ليبهك - شرى ملظر على سوخدد

انے دیہانت سے کچھ گھلٹے پہلے مہاتما کاندھے نے الكريس كو لوك سهوا سلام مهى بدل ديني كي ليم أيني نجويز لکھي تھي. يه ديھي کے نام أنكي آخري وصييت هے اور اسکی ویادهها کاندهی جی کے پرم بهکت شری منظر علی ا سوخته نے کی ہے جو گاندھی واد کو سمجھنے اور ایٹانے والے ایش کے اِنے گئے لوگوں میں سے ایک هیں .

كاندهى وأد كو سمجهلے كے لئے إسكا يوهنا بهت ضروري هے . 225 صفحے کی سلدر جلد بندھی کتاب کی تیت سرف دو رویکے .

آج کے شہید لیکیک سے شری رتین قبل بنسل أن بهادروں كى كهائياں جدهوں نے وديشى حاكموں لی پهیلائی پهوت کی آگ میں انسانیت کو بهسم هوتے ایکھ ایک جھوں کی بھی دیر نہ کی آور آسے بحصائے کی وهم مهر ایدی جان قربان کو دی. دام صرف دهائی رویه،

> مسلم ديش بهكت سمهادک سشری رتی لل یکسل

ان مسلمان ديمن بهميرن كي جيون كا حال جلهون أيلى بهان هاهيلي ير ركهكر هلدستان أور وديهون مين ماتے ہوئے بمارت ماتا کو غلامی کی وتجہوں سے آزاد کرنے کے وها کی و کانات ہوں دلجسپ ددیات سے لکھی لکی ہے

मगर यह एक सरह की दिवस हैं जिसकी रोक-याम करनी है. और इस तरह रोक-थाम करनी है कि जिवादती करने वाका साँप भी मर जाए और अपनी लाडी भी न दृटे. जीन को जान यूक कर रोर केन्द्रीकरन और दृस्टीशिप और रोर हथियार बन्दी के तरीक्षों को अपनाना क्षेगा. इसके बाद ही ईमानदारी, सादगी और सेवा के उसके जत पूरी तरह खिल सकेंगे और तभी अपनी कस्तूरी से वह दुनिया को पूरी तरह मोहित कर सकेगा.

हमें साफ साल्य पड़ता है कि चीनी कम्यूनिकम क जगर उसे कम्यूनिकम कहा जाए—कसी कम्यूनिकम के मुक्षाबले इम्सानियत और दियानतदारी में कहीं जियादा तर है, इतना तुर है कि दोनों में पहचान नहीं की जा सकती. और कार्न बाले जमाने में सारे मुल्क—चाहे वह कम्यूनिस्ट होने का ही सपना क्यों न देखते हों—कस की तरफ उतना न देखेंगे जितना चीन की तरफ, दूसरे कफ्जों में जिस तरह जिटेन की डेमोकसी (कोकराज) हिटलर या मुस्नोलिनी की नाजी शाही से ज्ञाला और जंबी चीज है, उसी तरह चीन की नई डेमोकसी (नया कोकराज) कस की सोशलिस्ट रिपबलिक (समाजी प्रजा तन्त्र) से आला और जंबी चीज है.

सी बातों की एक बात यह है कि इनसानी समाज लगातार आगे बद रहा है. इटली या जर्मनी के नाजी बाद के आगे ब्रिटेन या अमरीका का प्रजा तन्त्र, इस प्रजा तंत्र के आगे रूस का प्रजा तंत्र, और इसके भी आगे नए बीन का लोकराज. लेकिन अभी आगे मंजिल बहुत बाक़ी है—सर्वोद्य इनसानी समाज का मक्सद है और सत्याग्रह उस तक पहुँचने का असली और अकेला रास्ता है.

—सरेश रामभाई

کوری کس طوح کی حیس ہے جستی ویک تھام کوئی ہے ۔

ایس طوح روک تھام کرنی ہے که زیادتی کرتے والا
انگیب بھی مر جائے اور ایلی لائیں بھی نه توقے ، چھن اور فھر کندری کرن اور ترسکی شب اور فھر علیہ اور فھر ایفان ھولا ، اسکے بعد ھی سائٹاری سادگی اور سھوا کے اسکے ورت پرری طوح کھل تکھیکے اور تھھی ایلی کستوری سے ولا دنیا کو پوری طوح بھمٹ کرسکھکا ،

همیں ماف معلوم پرتا ہے کہ چیٹی کمیونوم—اگر سے کمیونوم کہا جائے۔۔۔روسی کمیونوم کے مقابلے انسانیت و فیالمحدداری میں کہیں زیادہ تر ہے' اتفا تر ہے که وئیں میں پہنچان نہیں کی جاسکتی اور آنے والے مائے میں سارے ملک۔۔۔چاھے وہ کمیونسمت عونے کا یہ شیٹا کیوں نہ دیکھتے موں۔۔روس کی طرف اتفا نه پکھلگے جتفا چین کی طرف ، دوسرے لفظوں میں پکھلگے جتفا چین کی طرف ، دوسرے لفظوں میں سولفی کی ناری شاهی سے اعلیٰ اور اونجی چیز ہے' می طرح چین کی ناری شاهی سے اعلیٰ اور اونجی چیز ہے' می طرح چین کی ناری شاهی سے اعلیٰ اور اونجی چیز ہے' می سوشلست ریباک (سماجی پرجا نفتر) سے ساجی پرجا نفتر) سے

سريش ولمبهائى

سا ۾ حملي رواني مون مال ۾ جو ڪانا که معادید دلوی-آزادی کے جار برس بعد تھے۔ و اللي كري هولي هالت هر-ايي نهين جو جل لل جاسكت مين ، أنها جهن للكار كبعا ه كه جماري بي ميں جو تظام ُ لوگ بهوک ُ جاک ماکک ُ پرچھنی یکس پرتوں " کی خاطر روہے بہائے اور ان کے بعالے الى يال يكال كا سلسات جل رها هے وہ جهزا هے أور ں کو بوھائے والا ہے . جسے هماری حکومت نے ''شان'' الكُلْكُمُ " سمعهم وكها هم ولا ملك كو يرياد كرنيكا وأسعه . اگر حکومت أس بر أور جلى تو ملک يک جاليمًا ' نددیشی اور ودیشی پرنجی پتیوں کے هاتھ ، همکو نے ھی ڈائٹروں سے ایٹا علیہ کرانا جامئے تو ھمارے سے روکوں کے شکار ہو چکے میں اور جلہیں مم سےسچی دردس ہے ، یہ کوئی آیسے بهنچیدہ چیز نہیں ہے جسکے ے کولے کے لیے کمھونوم سے جانکاری کی درکار ھو. دیوار پر ف لكهاه سجو نهيس بوهيكا أس بعد ميس يجهدانا هوا.

اِس کے بعد ادب کے ساتھ آئے چیلی بھائی بھلوں سے بھی هم ایک بات کہنا چاهتے هیں . همیں اطمینان هے له وہ جس چیز کو پکوتے میں پورے دل سے اور پرریطاقت سے پھڑتے میں، اسی وجه سے هم کنچه عرض کرنے کی هست لررهے هيں ، نگے چين کے کارناموں سے صاف ظاهر هے که ولا نوائی نہیں چاھتا میل مصبت سے رھانا چاھتا ہے ارر مجبوري درج كو هي هاته أثهانا هي . هم مانتي هين كه زیادتی کا هتمیار سے مقابلہ کرنا مقابلہ نه کرنے سے بہتر اور شاندار چیز ه . مگر اس سے بعی زیادی پکی بات یه ھے کہ همهار کے مقابلے سے بھی بہتر اور شاندار هوتا ہے۔۔ بلا معهدار کے مقابلہ کرنا اجسکا نام کے ستمائرہ ، يه هعههار هماري جسماني دمافي مالي قوچي وقیرہ طاقتوں کے نشان هوتے هیں الیکن ستیاگرہ هماری أندر عى يعلى هماري أنما كي طالت كا نشان هي . ستهاكرة كا طريقة بهلے كجه دير ميں أثر دكهائے مكر وا الد متمهارين کے مقابلے کھیں زیادہ ثابت اور تکاو هوتا ھے . سیے تو یہ ھے کہ متمهاروں کے جواب متمهاروں سے ھی دیتے سے مسلم حل نہیں ھرتا ہے' جو اُس کا حل دیکھٹا ہے وہ صرف عارضی هوتا ہے اور سوال کو آگے کے لئے تال دیعا ہے .

جبیں یہ شک اِس وجہ سے هوا کہ چین جہاں جھوٹہ چھوڑے اُدیوگ دھلدے کارخانے سلبھائی رہا ہے رہاں وہ حکمی کارخانے سلبھائی رہا ہے رہاں وہ حکمی کارخانوں اور بڑے کے درائی جیاں جھیں بھی رہتا ہے۔ ایسا ھونا کچھ تو قدرتی ہے کیونیاء کیکے دوسر جارا ایے لیے سامنے تہیں دیکھتا۔

किस की रोशनी से साफ पता नवता है कि इमार -आजादी के चार बरस बाब भी हवारी इसनी है हालत है-ऐसे नहीं को इस म किये जा सकते ॥ चीन ससकार कर कहता है कि हमारे देश में को , तक्क-मञ्क, चटक-मटक, पश्किमी "पेक्सपरों" तिर रुपया बहाने और उनके बढाए खयाली प्रकाद का सिलसिला चल रहा है यह मुठा है और मर्च डाने बाला है. जिसे हमारी हकूमत ने "शान" या नेटी" समभ रखा है वह मुल्क को बरबाद करने ता है. अगर हुकूमत इस पर और चली तो मुल्क बाएगा. चंद देशी और परदेशी पंजी पतियों के इमको ऐसे ही डाक्टरों से अपना इलाज कराना जो हमारे जैसे रोगों के शिकार हो चुके हैं और [मसे सच्ची हमदर्दी है, यह कोई ऐसी पेचीदा हीं है जिसके इस करने के लिये कम्यूनिज्म से री की दरकार हो, दीबार पर साक लिखा है-जो रेगा उसे बाद में पद्धवाना होगा.

हके बाद अदब के साथ अपने चीनी भाई बहनों से एक बात कहना चाहते हैं. हमें इतमिनान है कि बह विक को पकदते हैं पूरे दिला से और पूरी ताकत से हैं. इसी वजह से हम कुछ भरज करने की हिम्मत हैं. नए चीन के कारनामों से साफ फाहिर है कि वह नहीं चाहता, मेल मुद्दन्यत से रहना चाहता है और क्जें को ही हाथ उठाता है. हम मानते हैं कि ा का द्वियार से मुकाबला करना मुकाबला न करने कर और शानदार चीच है. मगर इससे भी पक्की बात यह है कि इथियार के मुकाबले से दर और शानदार होता है--विका हथियार के । करना. जिसका नाम है सत्यामह. यह हथियार किस्मानी, दिमापी, माली, फीजी वरौरा ताक्षतों के होते हैं. लेकिन सत्यामह हमारी अन्दर की यानी कारमा की ताक़त का निशान है. सत्याप्रह का भने कुछ देर में असर दिसाए मगर वह असर रीं के मुकाबले कहीं वियादा साबित और टिकाऊ , सब तो यह है कि ६थियारों का जवाब ६थियारों देने से मसला इल नहीं होता है, जो उसका इल है वह सिर्फ आरजी होता है और सवात को । लिये टाल देता है.

में यह राक इस वजह से हुआ कि चीन जहां हिटे ब्योग चंदे कारखाने संमाल रहा है वहाँ वह हिरखानों और बड़े पैमानों पर माल तैयार करने के में भी रहता है, ऐसा होना इस तो कुद्रती है बोई दूसरा चारा कसे अपने सामने नहीं दीकता.

कार्यका कराया है बनकी चिन्त्नी इस बात का बेहतरीन नम्ता कि दूसरी की बातें किस तरह जजन कर के एक्ट्रेस अपनी बना की जायें. इसके अलावा माओ ने हर किसी की वालीम से कायदा डठाया है. वह उस पादरी की तरह नहीं हैं जिसके लिये पाल और पीटर की करनी आखरी करनी है, उस फठमुला की तरह नहीं हैं जिसके लिये इरान आखरी किताब है, उस आ समाजी की तरह नहीं हैं जिसके लिये वेद ही हर चीज का आखरी प्रमान है. इस दिन्दुस्तानी कम्यूनिस्ट की तरह नहीं हैं जिसके लिये मास्को में आ जिरी जियारत-गाइ है. माओ दिल के बसी, दिमारा के बुलनर और छाती के चौड़े मालूम होते हैं. वह अपने असली दोस्त और असली दशमन की पहचानते हैं और उनका कहना है कि इन्क़लाव की कांमधाबी या.मां-कामयाबी इस बात पर मुनहसिर है कि हमें अपने दास्त और दुशमन में तमीज कर सकें ताकि "दंस अपने सगे दोस्तों के साथ मिल कर सगे दुशमनों का मुक्ताबला कर सकें." मात्रो का उसूल है-"मेल में मगड़ा और भगई में मेलं." यानी हर किसी से मेल, मगर भगड़ा मजबूरी की हालत में जब कोई बुनियादी तौर पर अपने सिलाक हो और जब मेल करने में अपने उसूल को ही चोट पहुंचता हो. यही वजह है कि चीन में निजा जायदाद है. निजी दीलत है, निजी कारखाने हैं. सब अपनी मेहनत करते और कमाते-खाते, न लेना एक न दंना दां. यही वजह है कि वेश्यापन, भिक्रमंगी श्रीर बेरोजगारी का वहां नाम निशान भी मुश्किल से मिलता है.

नया चीन जीता जागता संबूत है कि दबे पिसे मुल्क किस तरह सीना खोल कर खड़े हो सकते हैं. दो बरस के अपने कारनामों से नया चीन मानो चुनौती देता है—

अमरींका को या लड़ाई की शौकांन पिछम की दूसरी कौमों को —िक अपना हाथ रोक लों, जरा होश में आएं, दूसरों के उपर अन्दरूनी राज कायम करने के खयाल से मदंद करने या दूसरों को आपस में लड़ा कर बेवकूक बनाने का जाल वह जहां चाहें विद्याएं, पशिया और खासकर प्रकी पशिया में नहीं विद्या सकते.

पशिया के आजाद मुल्कों को—जैसे तुरकी, अरब, ईरान, पाकिस्तान, लंका और हिन्दुस्तान को—कि जरा इट कर खड़े हों, दूसरों का सहारा तकना या दूसरों से मांग मांग कर खाने से काम नहीं चलने वाला है. संभलें और अपनी बागडीर संच्यी तरह से अपने हाथ में लंकर अपना बर्तमोंने और मिंबरय खुद ही बनाएं.

हिन्दुस्तान के लिये तो मानी चीन एक सगे बड़े भाई की तरह बहुत कुछ रहवरी कर रहा है. उससे हम काकी बार्स सांख कर कायदा की सकते हैं. नया चीन एक मशाल فالبدة ألباليا في ألكي إنداي أس بات كا بهترين ندونه هـ كه حوسوں کی ماہوں کس طرح جوب کرکے ایکدم اپنی عام کی ماہ نے اور کسی عام کی ماہ کے اور کسی المرم المهيل هول جسكم الله بال أور بهالو كي كرني أخرى کرلی ہے' اُس کالم ما کی طرح نہیں ھیں جس کے لئے الرَأْنُ أَخْرِي كتاب هِي أس أريه سماجي كي طرح نهين خهن جسكے لله ويد هي هر چهن كا آخرى 'برمان هے' أس هندستاني كمورنست كي طرح نهين هين جسكم ليُّم ماسکو میں آخری زیارت گاہ ہے، ماؤ دل کے وسیع دماغ کے بلند اور چھاتی کے چوڑے معلوم هوتے هھیں ، وا ایم اصلی درست اور اصلی دشمن کو پهنچانته هیں اور أن كا كهذا ه كه انقلاب كي كامهابي يا ناكامهابي إس يات پر ملتحصر هے که هم آبه دوست اور دشمن میں تمیز کو سکھی تاکه " هم اللے سکے دوستاوں کے ساتھ مل کو سکے عشمتون كا مقابله كر شكهي ." ماؤ كا أصول في--" مهل میں جھگوا اور جھگوے میں میل 'شیعلی عر کسی سے میل مگر جهگوا مجبوری کی حالت میں جب کوئی بغهاده اطور ير الله خلاف هو اور جب مهل كرني مهل اليهاليه ا امول کو هی چوت پهلنچتی هو . يهی وجه هے که چين مهن نجى جائداد هے، نجى دولت هے، نجى كارخانے ههن ، سب اپنی مصلت کرتے اور کماتے کہاتے ک لیدا ایک نه دیدا دو . یهی وجه ه که ویشهاین به کملکی اور ہے روز گاری کا وهاں نام نشان بھی مشکل سے ملتا ھے .

نیا جہن جہتا جاگتا ثبوت ہے کہ دیے پسے ملک کس طرح سیفا کیول کر کھڑے ہو سکتے ہیں ، دو پرس کے آیے کارناموں سے نیا چین مانو چلوتی دیتا ہے۔۔۔

امریکه کو یا لوائی کی شوتین پنچهم کی دوسری قوموں کوست ایف الهائی کی شوتین پنچهم کی دوسری قوموں کوست ایف الهائی کی فوسوں کے اوپر الدروئی راج قائم کرنے کے خیال سے مدد کرنے یا دوسترن کو آپس میں لوا کر بھوقوف بنانے کا جال ولا جہاں جاھیں بنچھائیں' ایشیا اور خاص کر پوربی آیشیا میں نہیں بنچھا سکتے .

ایشها کے آزاد ملکوں کو۔۔جیسے ترکی' عرب' ایران ایکستان لککا اور هلدستان کو۔۔که درا دَت کر کھڑے هوں' دوسروں کا سہارا تکفا یا دوسرں سے مانگ مانگ کر کھالے سے کام نہیں چللے والا ہے' سقیملیں اور ایدی پاکسہ دور سعچی طوح سے آبے هاته میں لے کر ایفا ورتمان اور یموشیم شود هی بقائیں۔

مقدستان کے لئے مانو چین ایک سکے بوے بہائی کی طرب بہات کچہ رمبری کر رہا ہے ، اس سے مم کافی آپائین سیکھ کر فائدہ آٹھا سکتے میں نیا چین ایک مشعل श्रिक्षाय का सब में काला और रीशन काय है नय बील का कताज के मामले में स्वाबलमंत्री वन काना और इस तय बीन का मंद्रा कहा करने वाले सब से कान्यक अलमवरदार चेयरमैन माको-स्ले-ठूँग हैं.

माओं ने अपनी खारी इमारत सीन सम्बों के बत पर सकी की है- एक ईमानदारी, दो-सादगी, तीन-सेबा. चीनी इन्क्रताब की बुनियाद में यही तीन ईंटें हैं-ई-सा-से. बाह! क्या खूब बैठा है—इंसा से या साई से. यही यह सबक्र है जो दुनिया ने ईसा से सीखा, यही वह सबक्र जो मुहम्मद से सीखा. यही वह जो वेद-गीता से सीखा, यही वह जो बुद्ध से सीखा, यही वह जो कन्फ शियस से सीखा, यही वह जो लाखो-रसे से सीला-यही उस सबका निचोड़ है जो दुनिया में किसी ने अब तक जो कुछ सिखाया है, जरूरत हैं सिर्फ इस सबक्र को अमली जामा पहनाने की, तारीफ है इस सबक को अमली जामा पहना देने की. यह जामा पहना देने का का काम कौन कर सकता था ? दुनिया की सिर्फ दो क्रोमें कर सकती थीं-चीन या हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान अपनी दूसरी मुसीवतों के शिकंजे में बा, तैयारी कर रहा था. मगर बाजादी के बाद ध्यान कुछ बहक गया और इसिल्ये बह पिछड़ गया. हमारे बड़े भाई, चीन ने जियादा साबित क्रवंगी के साथ कर्म बढ़ाया और वह कामयाव हो गया. कोई बात नहीं, बड़ा भाई आज कामयाव हुआ तो छोटा कल हो ही जाएगा. लेकिन यह तय हैं कि बढ़े के तज़रने से फाबदा उठा कर छोटा कहीं आगे क्रदम रखेगा.

बाज चीन ईमान, सादगी और सेवा का मानो पुतला बना हुआ है. चेयरमैन माओ चीनी खज़ने से छै सी रुपए के करीब तनखा बेते हैं. इससे कम तनखा शायद ही दुनिया के किसी देश का राजा या राश्ट्र पित या बड़ा बज़ीर बेता हो. यह करीब करीब वही आदर्श है जो हमारे बापू ने हमें बताया था और जिसकी बिना पर 1931 में राश्ट्र ने करांची में एक ज़बरदस्त ठहराव पास भी किया था. हम अपने ठहराव से हटे थानी हिन्दुस्तान के हाकिम हिन्दुस्तान की जनता से हटे और दोनों के बीच में एक चौड़ी खाई बन गई जिसकी हमारे बड़े बज़ीर पंडित जबाहर लाल नेहरू ने अपनी चार साला रिपोर्ट में क्रव्य भी किया है.

स्ती इद तक चीन में यह खाई जो वो बरस पहले स्वा तरककी पर थी, अब पट गई, सरकार और प्रजा एक दूसरे से चिपट गए और फिर जो न हो जाय थोड़ा है.

कोई कहेगा कि यह सब करिश्मा 'कम्यूनियम' का है. हमारी राय में चीन के साथ कम्यूनियम का जोड़ना चीन के साथ नाइन्साकी करना है. लेकिन हां, माचो-स्से-तुँग कम्यूनिस्ट हैं. मार्क्स और लेनिन की तालीम से क्रन्होंने اِنقلاب کا سب کھی اُفکی اُور ووقتی کم ہے نگے جہنی کا گئے کے معاملے میں سوار اسی ہی جاتا اور اس نگے جہن کا جہندا کہوا کرنے والےسب اول عامدردار جہرمیں سارتے تلک میں ۔

ماو نے اپلی ساری سمارت تین کہمیوں کے بل پور كورى كى هر أيك سايمالد! رَفُ دوسسادكي لهي س سيرا- حيني انقلب كي بدياد مين يهي تين أينتين هير سالي . سا . سُ . وأه ! وه كها خوب بياتها هـ-عيسول سے يا سالهوں سے . يول وه اسبق هے جو دانها لے عيسهل سے سفکھا' يوي ولا سدق جو محمد سے سفکھا' يوي وہ جو وید گھٹا سے سیکھا' یہی وہ جو بدھ سے سیکھا' يري وه جو كلفوشس سے سهكها يهي وه جو اوتسے سے سيكها-يهي أس سب كا نجور هے جو دنيا مهن كسي نے اب تک جو کچھ سکھایا ہے . ضرورت ہے صرف اس سبق کو عملی جامع پہلانے کی تعریف کے اِس سبق کو عمل جامع بهذا دیدے کی ، یہ جامع بہذا دہلے کا کام کون ک سکتا تها ؟ دنیا کی صرف در قومین کر سکتی تهیں--حید یا هندستان . هندستان اینی دوسری مصهبترس کے شمنتهمیں تها' تیاری کر رها تها مگر آزادی کے بعد دهیان كجه يهك كها اور اس. لله ولا يحيه كها . هماري يوي بھائی' چھوں نے زیادہ ثابت قدمی کے ساتھ قدم ہوھایا اور ره کامهاب هوگها ، کوئی بات نههن بوا بهائی آج کامهاب هوا نو چهوٿا کل هو هي جائے کا ، ليکن يه طے هے که بڑے كے نجري سے، قائدہ أَتِها كر كهيس آئے.قدم ركھے كا .

آج چین ایمان سادگی اور سیوا کا مانو پتلا بنا هوا مید چیرمین ماؤ چیلی خزانے سے چه سو روپے کے تربیب تنظوالا لیتے میں ایس سے کم تلظوالا شاید هی دنیا کے کسی دیسی کا راجه یا راشتر پتی یا بوا وزیر لیتا هو . یه قریب قریب وهی آدرش هے جو همارے بابو نے همیں بتایا تها اور جلکی بنا پر 1931 میں راشتر نے کوانچی میں ایک زبودست تهہراؤ پاس بھی کیا تھا ، هم ابھ تهہراؤ سے هتے سیعلی هندستان کے حاکم هندستان کی بینی میں ایک چوری گھاٹی بن گئی جس کو همارے بوے وزیر پلقت جواهر لال نہور نے آبنی چار سالا رپورت میں قبول جواهر لال نہور نے آبنی چار سالا رپورت میں قبول

کوئی کہے گا کد یک سب کرشدہ کمھونوں 'کا ہے ، مماری رائی فیص چھوں کے ساتھ کمھونوں کو جورایا جھوں کے ساتھ کمھونوں کو جورایا جھوں کے ساتھ کی دار انسانی کی تعلقم نے آنھوں کے کمھوٹسنٹ کھیں کے آنھوں کے انھوں کے

(582)

151 ·····

सिकर दुनिया के एक विदार्थ से जियादा होती है. पक्की रि सक्की बात है कि हिन्दुस्तान और चीन के बीच एक सबी और पायेदार मेस दुनिया के अन्दर अमन-शान्ति सम रसने की सब से बढ़ी जमानत है.

—सुन्दरलाल

مراکر دایدا کی ایک تہائی سے زیادہ ہوتی ہے ۔ یکی اور سچی اور سپی اور چین کے بیٹے ایک اصلی اور پہلے کی سب پائدار میل دنیا کے اندر اس شانعی قائم رکھنے کی سب سے بچی ضمانت ہے ۔

حسلدر لال

ए चीन की चुनौती

बहे तारु ब बी बात है कि जिस चीन के लोग कीमची नाम से बदनाम थे, जिस के सरकारी हलकों में खत खोरी और मन मानी बेहद चलती थी, जिसमें लाखों हों अनाज के दाने दाने के लिये तरसते थे, जिसमें यापन और मिकमंगी और बे-रोजगारी का बोल ता था, जिसमें सब तरह से मानो तारीकी ही छाई थी— उस बीन में अंधेरे को चोरते हुए यकायक एक । सबेरा हो गया. यक्तीन नहीं आता, सच्चे जी से निन नहीं आता कि क्रोम की क्रीम की काया इस तरह ट सकती है. लेकिन आज की दुनिया की सब से बड़ी बाई यही है कि मानिये या न मानिये—बेहतर है कि नेये, आज नहीं तो कल जरूर मानियेगा— कि चीन में । मुख नया सबेरा हो गया है और उजाला देने वाला सुरज निकल आया है—जो दुनिया के कोने कोने में । हुए अंधेरे को चुनौती दे रहा है.

इस नय सूरज ने चीन को चन एक नया देश बना है और जाज चीन सिर्फ चीन नहीं, 'नया चीन' जाता है. पहली जक्तूबर 1949 को इस नए चीन जनम हुआ। उसी दिन नया लोकराज या न्यूडेमोक्रेसी हिंदा जनता का राज चीन में क्रायम हुआ।

चीन के जैसे इन्कलांच न एक दिन की करनी होती हैं न धारमी की. वह नतीजा होते हैं सारी कीम की कीम तपस्या और साधना का. वह इशारा होते हैं कीम कीम के दिल के दर्द और तक्ष और उभार का जो आने-अनजाने बदाए ले जाते हैं. वह नतीजा होते हैं ता के अन्दर की शक्तियों को टक्कर और मेल का, ही समंगों के दबाव और चढ़ाव का, उसके आदर्शों कशिश और गठाव का. यह सन बीजें ज्ञाला मुखी तरह अन्दर ही अन्दर काम करती हैं और बाहर तभी स्थाती हैं जब वह कोई ठोस और टिकाऊ और रहता और वह अन्दें कुछ चंद कारनामों से पहचानती स्ना वंद हिस्तयों के सिर पर सेहरा बांधती हैं दों के विस्तादा जुमायां होती हैं. इसी तरह बीनी

نئے چین کی چنوتی

ہوے تعجب کی بات ہے کہ جس چھن کے لوگ افیمیچی نام سے بدنام تھ' جھکے سرکاری ھلقوں میں اُوسٹ خوری اور من مانی ہے حد چلتی تھی' جس میں لاکھوں کروروں اُناج کے دانے دائے کے لئے ترستے تھ' جسموں ویشیاپن' بھکملگی اُور بے روزگاری کا بول بالا تھا' ھیس میں سب طرح سے مانو تاریکی ھی چھائی ھوئی تھی ۔ اُس چھن میں اُندھورے کو چھرتے ھوئے یکایک اُیک نیا سویرا ھوئیا، یقین نہوں آنا' سچے جی سے یقین نہوں آتا' سچے جی سے یقین نہوں آتا' سچے جی سے یقین نہوں آتا کہ توم کی قوم کی کایا اِس طرح پلت سکتی نہیں آج کی دنیا کی سب سے بڑی سچائی یہی ہے کہ مانیکا۔۔۔کہ چین میں سے می نیا سویرا ھوئیا ہے اور مانیکا۔۔۔کہ چین میں سے می نیا سویرا ھوئیا ہے اور کوئے کوئے میں کیسے ھوئے اندھورے کو چھوتی دے رہا ہے۔۔۔

اِس نئے سورج لے چھن کو آب ایک ٹھا دیھی بٹا دیھی بٹا دیھی اور آج چھن صرف چین نہیں ' نیا چھن ' کہلاتا ہے ، پہلی ائٹوبر 1949 کو اِس نئے چین کا جٹم ھوا ، اُسی فی ٹھا لوک یا نیو ڈیما کویسی نام کا جٹٹا کا راج چھن میں قائم ھوا ،

چین کے جیسے انتلاب نه ایک دن کی کرلی ہوتی ہیں نه ایک ادسی کی ، وہ نتیجہ ہوتے ہیں ساری قوم کی قیم کی تہسیا اور سادھنا کا ، وہ اشارہ ہوتے ہیں قوم کی قیم کی تہسیا اور سادھنا کا ، وہ اشارہ ہوتے ہیں قوم کی توم کی درد اور توب اور ابھارکاجو اسے جائے آنجائے ہوعائے کی دال کے درد اور میل کا اسکی اُمنگرن کے دباؤ اور چوھاؤ کا گئی ایکو اور میل کا اُسکی اُمنگرن کے دباؤ اور چوھاؤ کا اُسکی آمنگرن کے دباؤ اور چوھاؤ کا اُسکی آمنگرن کے دباؤ اور چوھاؤ کا اُسکی کی طرح اندر هی اندر کام کرتی هیں اور تاہر جوالا محمی کی طرح اندر هی اندر کام کرتی هیں اور تاہو اور تبھر اور تاہو اور میلواری شیل لے لیتی میں ، دنیا کو اُن کا پت اکثر میلواری شیل لے لیتی میں ، دنیا کو اُن کا پت اکثر میلواری سے پہنچانتی میں وہ تو کرناموں سے پہنچانتی شیمی وہ تاہوں کے سر پر سہرا باندهتی ہے تہوں آبوروں سے زیانہ نمایاں ہوتی ہیں ، اُسیطرح چیلی جو آبوروں سے زیانہ نمایاں ہوتی ہیں ، اُسیطرح چیلی

لسنبر 1

जाने, धार्मिक मत, जबस निकासने और प्रवर्शन करने के कराने की आज़ादी रहेगी.

नप चीन की सरकार कन्यूनिस्ट सरकार नहीं हैं. न यह पारटी सरकार है. यह दर असल मिली जुली (को आलीशान) सरकार है जिसमें सभी राजकाजी पारटियों के नुमायन्दे रारीक हैं. सरकारी हाकिमों में सिर्फ एक तिहाई ऐसे हैं जो कम्यूनिस्ट पारटी से ताल्लक रखते हैं.

सारे चीन में निजी जायदाद रखने का इक माना जाता है और निजी जायदाद लोग रखते भी हैं. निजी व्योपार, लेन देन और कारखानों को तरक्षकी दी जाती है. हमने देखा कि टिंटिसन, शंघाई और दूसरी जगहों पर अंगरेजी कम्पनियां खूब व्योपार कर रही हैं. अगर नया चीन कम्यूनिस्ट है तो उसका कम्यूनिजम 'चीनी कम्यूनिजम, है जो उसकी तासीर के मुताबिक है और वहां के लोगों के रिवाज से मेल खाता है.

तीन गुन

नय चीन में तीन गुनों पर खास कोर दिया जाता है—
"ईमानदारी, सादगी चीर देश की सेवा". इन तीनों को
चीनी विधान में खास तौर से शामिल किया गया है.
बाहर से खाने वाला कोई भी बेलाग चादमी चीन को
देख कर यह महसूस करेगा कि क्या बहां की जनता चौर
क्या सरकार, सब के सब फिल हाल एक साथ मिलकर
इन तीनों गुनों पर अमल करने पर तुल गये हैं. नए चीन
के क्रीमी स्वभाव, दिल चौर दिमाश की बुनियाद इन्हीं
तीन चटल चहानों पर कावम है.

आज कल चीन कोरिया से लढ़ाई लड़ रहा है. तिस पर भी चीन में हमने कड़ाई की चर्चा बहुत हो कम सुनी. चीन का आर्थिक संगठन लड़ाई को निशाना बना कर नहीं खड़ा किया गया है बिरुक रोज की जरूरत की चीजों को पैदा करने के इरादे से खड़ा किया गया है. मुकडन के शहर में, जो लड़ाई के हकके के नजदीक था, हमने देखा कि कारोबार बदस्तूर चल रहा है. चीन में लड़ाई के शीकीन कोग हैं ही नहीं. नप चीन और उस के नेता सुनिया के हर दूसरे मुरुक के साथ मिल कर और शान्ति के साथ उहना चाहते हैं. चीन के पिछले दो बरस के कारनामों को देख कर हर कोई इसी नतीजे पर पहुँचेगा कि नए चीन के महान और ज्यारे नेता पाओ-त्से-तुँग केवल एक बहादुर सिपाई। ही नहीं हैं बरिक एक रचनाश्मक बीहरी भी हैं.

भीन की तरह से हिन्दुस्तान भी दुनिया के हर देश के साथ मिल कर शान्ति से रहना चाहता है. हमारे प्रधान-भंजी ने राश्ट्रों के बीच शान्ति रखने की खातिर कोई कुद्म, चठा नहीं रखा, हिन्दुस्तान और चीन की आवादी بھائے دھاؤمگ میں میلوس تعالمے اور ہردوشن کرنے کوالے کی آزادی رہے گی .4

نگے جھیں کی سوکار کمھونسٹ سوکار نہیں ہے' تہ یہ ارتی کورنمٹت ہے ۔ وہ دو اصل ملی جابی (کوالیشن) ارتی کورنمٹت ہے جسمیں سمھی واج کاجی یارتیوں کے نمائٹدے ایریک کھیں ، سوکاری حاکموں میں صوف ایک تہائی یہے مھی جو کمھونسٹ پارٹی سے تعلق رکھتے میں ،

سارے چھی میں نتجی جائداد رکھنے کا حق مانا مانا ہے اور نتجی جائداد لوگ رکھتے بھی ھیں ، نتجی پردار' لین دین اور کارخانس کو ترقی دی جاتی ہ ، هم نے پردار' لین دین اور کارخانس کو ترقی دی جاتی ہ ، هم نے پردار کہ تنقسن' شاکھائی اور دوسری جگہرس پر انگریوی میناسکوب بیرھار کر رھی ھیں ، اگر نیا چین کمیونست پنیاں کو بھی کمیونوم ' ھے جو اُس کی تاثیر نے مطابق ھے اور وہاں کے لوگوں کے دواج اُس کی تاثیر ہاتا ھے ،

تين گن ،

نیئے چین میں تین گئوں پر خاص زور دیا جاتا ہے۔
ایمانداری سادگی اور دیش کی سیوا ۔" اِن تیلوں کو
چیئی ودعان میں خاص طور سے شامل کیا گیا ہے .
اھر سے آنے والا کوئی بھی بیلاک آدمی چین کو دیکھکر
محصوس کریا کہ کیا یہاں کیجئتا اور کیا سرکار' سب
نے سب فی الحال ایک ساتھ مل کر اِن تیٹوں گئوں پر
سل کرتے پر تل گئے ھیں . نئے چین کے قومی سوبھاؤ' دل
ور دماغ کی ہنیاد اِنھی تین اتل چتائوں پر قائم ہے .

آج کل چھن کوریا سے لوائی لو رہا ہے ، ڈس پر بھی ، پین میں میں ہم نے لوائی کی چرچا بہت ہی کم سقی ، چھن کا آرتیک سنگالیں لوائی کو نشانہ بنا کو نیمیں کھوا لیا گیا ہے بلکہ روز کی ضوورت کی چھڑوں کو پیدا کرنے کے رادے سے کھوا کیا گیا ہے ، مکڈن کے شہر میں' جو لوائی نے حلتے کے نودیک تھا ہم نے دیکھا که کاروبار بدستور پل رہا ہے ، چھن میں لوائی کے شوقین لوگ میں میں لوائی کے شوقین لوگ میں میک بھی رادر آسکے نیکا دنیا کے مر دوسرے ملک کے ساتھ ملکر اور شامتی سے رہنا چاہتے ہیں ، چین کے ساتھ ملکر اور شامتی سے رہنا چاہتے ہیں ، چین کے بر پہرسے کے کارناموں کو دیکھکر مر کوئی اِسی نتیجے بر پہرس کے کارناموں کو دیکھکر مر کوئی اِسی نتیجے بر پہرنے ہیں ہیں بہر پہرا ہیا ہے ایک ایک کھول ایک بہادر سیاھی ھی نیمی میں بلکھ ایک رجناتیک جوہری بھی میں ،

چھیں کی طرح سے مقدستان بھی دنیا کے هر دیش کے ساتھ ملکر شانتی سے رهقا جاهتا ہے ، همارے پردهان مقتری نے راشتاروں کے بھچ شانتی رکھنے کی خاطر کوئی قدم آٹھا نہیں رکھا ، هندستان اور جدن کی آبادی बौरत की किसे प्रक शाबी का चाल पड़ गया है. शादी के सिल सिले में पैसे का लेन देन एक दम बन्द हो गया है. आज वहां के समाजी या जीवन के दूसरे किसी पहलू में ब्रौरतें मदों के बराबर का हिस्सा लेती हैं. टेटसिन से पेकिंग जाने वाली एक रेल हैं जिस में ब्राईवर से लेकर गार्ड तक सभी चलाने वाले धीरतें हैं.

हमने नए चीन के सिनेमा और थेटरा देखे. उनसे काफी तालीम हासिल की जा सकती है, और जियादा तर में जागीरशाही, पूँजीशाही व साम्राजशाही की गुराइयां दिखाई जाती है. इन खराब शाहियों के मुझाबल चीनी लोग अपनी एक नई शाही पेश करते हैं जिसे उन्होंने "क्रीमी पूँजीशाही" नाम दिया है और उसकी तरफ लोगों की दिलाबरी बढ़ाते हैं. यहां की फिल्मों में मई औरत के बहुत्यों के हक पर बेहद जोर दिया जाता है, मेहनत को सबसे जुलन्दी का दर्जी दिया जाता है और तमाम दुनिया के रहने वालों की एकता का बिचार फैलाया जाता है. देखने बालों के दिला व दिमारा पर असर करने वालों और बहुत सी चीजें होती हैं. लेकिन किसी भी फिल्म में कोई ऐसी बात हमें नहीं मिली जिसे गनदी या भदी कहा जा सके.

सदालते

नए चीन ने अपनी अदालतों को एक दम बदल दिया

है. उनके यहां तीन तरह की अदालतें होती हैं, जैसे हमारे

यहां जिला अदालत, सूचा हाई कोटे और सुप्रीम कोट हैं.

पच्छिमी उंग की बकालत का तरीक़ा चीन में रह ही नहीं

गया. वकील और बैरिस्टर नदारद हैं. जज करीक़ों या

गवाहों से खद आमने सामने बात करते, मामले की जाँच

गवाहों से खद आमने सामने बात करते, मामले की जाँच

करते, मौक़ा महल जा कर देखते और फिर फैसला देते हैं.

आगर खहरत पड़ी तो कुछ क़ानूनी माहिरों से मदद लत

है. इन क़ानूनी माहिरों को "जनता के हकों के रखवाले"

कहा जाता है. इन्हें सरकार से तनखा मिलती है. यह
लोग किसी भी पारटी से एक पैसा भी नहीं ले सकते.

नतीजा यह है कि नए चीन में इन्ताफ सस्सा होता है,

जल्दी होता है और सद्धा होता है. यह चीज शायद ही

किसी दूसरे देश में मिले.

चीन में धार्मिक आजादी पूरी तरह से मिलती हैं. हमने कई जगह पर महिजदे, गुरुद्वारे और मन्दिर देखे जहां कोग आजादी के साथ पूजा बन्दगी कर रहे थे. लेकिन अद्मिक्सती है कि चीन में जो मजहब या बोल चाल की आजादी है उसके बारे में अजब अजब गलत फहमियां फेली हुई हैं. इसलिये हम चीनी विधान की पांचवीं धारा की सहां पेश करते हैं जिससे पता चलता है कि यह गलत फहमी कितनी बेजा है—

पद्मीनी सोकराज में सोगों को विचार, बोलचाल, प्रकाशन, विज्ञाना खुसना, चिट्ठी-पत्री, रहन-सहन, आने

विसम्बर '51

خورسائی مراف ایک شادی کا جال ہو گھا ہے ، شادی کے ساسی کے ساسینے میں پیسے کا لین دین ایک دم بند ہوگیا ہے . آج وفال کے سماجی یا جیوں کے درسرے کسی پہلو میں عورتیں مردوں کے برابر کا حصہ لیکی میں ۔ تیکٹسن سے پیکنگ جائے والی ایک ریل ہے جس میں قرائیور سے لے کو کارت کے سبھی خلانے والے عررتیں میں .

ظم نے گئے چین کے سنیما اور تھیتھر دیکھے ۔ اُن سے کافی تعلیم حاصل کی جا سکتی ہے ' اور زیادہ تر میں جاگھر دیکھے ۔ پونجی شاھی ' سامراج شاھی کی ہوائیاں دکھائی جاتی ھیں ، اِن جواب شاھیوں کے مقابلے چھٹی لوگ اپنی ایک نئی شاھی پیھر کرتے ھیں جسے اُنھوں نے '' قومی پونجی شاھی '' نام دیا ہے اور اُسکی طرف لوگوں کی دانچسپی بڑھاتے ھیں ۔ یہاں کی قلموں میں مبرد عورت کے ہراہری کے حق پر بے حد زور دیا جاتا ہے . محملت کو سبسے بلندی کا درجہ دیا جاتا ہے اور تمام دنھا کے رھنے والوں کی ایکٹا کا رچار پھیلایا جاتا ہے . دیکھئے والوں کے دال و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی چھڑیں والوں کے دال و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی چھڑیں والی نہیں ، لیکن نسی بھی قلم میں کوئی ایسی بات ھمیں نہیں ملی جسے گذدی یا بھدی کہا جا سکے . ھمیں نہیں ملی جسے گذدی یا بھدی کہا جا سکے .

نگر چین نے اپنی عدالتوں کو ایک دم بدل دیا ہے۔
اُن کے یہاں تین طرح کی عدالتیں هوتی هیں جیسے
همارے یہاں قبلع عدالت صوبہ هائی کورت اور سهریم
کورت هیں، پنچهمی تهنگ کی وکلت کا طریقہ چهن
میں رہ هی نبین گیا، وکیل اور بیرستر ندار هیں کیا،
جم فریقوں یا گواهوں سے خود آمنے سامنے بات کرتے معاملے کی جانبے کرتے موقع مصل جاکر دیکھتے اور پهر
معاملے کی جانبے کرتے موقع مصل جاکر دیکھتے اور پهر
فیصلہ دیتے هیں، اگر ضرورت پڑی تو کنچه قانونی ماعروں
سے مدد لہتے هیں، اُن قانونی ماعروں کو '' جاتا کے
مقوں کے رکھوالے '' کہا جانا ہے، اِنھی سرکار سے تفضوالا
ماتی ہے، یہ لوگ کسی بھی پارتی سے ایک پیسہ بھی
نہیں لے سکتے ، نتیجہ یہ ہے کہ نئے چین میں انصاف
نہیں لے سکتے ، نتیجہ یہ ہے کہ نئے چین میں انصاف

چین میں دھارمک آزادی پوری طرح سے ملتی ہے .
اللہ لے کئی جبته پر مسجدیں کرودرارے اور مندر دیکھ جہاں لوگ آزردی کے ساتھ پوجا بندگی کر رہے تھے . لیکن فیڈسستی ہے کہ چین میں جو مذھب یا بول چال کی آزائش ہے آسکے بارے میں عجبعجب علط فہمیاں پھیلی ہوئی ھیں ، اِس لیُے هم چینی ودھان کی یانچویں دھارا لو یہاں پھش کرتے ھیں جس سے پتہ حلتا ہے کہ یہ لو یہاں پھش کرتے ھیں جس سے پتہ حلتا ہے کہ یہ لیک طبعی کنٹی بیجا ہے۔

''پھیٹی لوک راج میں لواوں کو وچار' بول چال' 'پرکاشن' ملفا جلفا' چتمی پتری' رهن سپن' آئے

- which is her is not be in the

माई बनके गांव में गए जहां हमने बनके बरकी ब करवे चलते देखे. हमने देखा कि उनकी चीचें हमारे बड़ाँ के मुकाबने जियादा सीघी-सादी हैं. शंघाई में इसने एक अगह देखा कि पुराने ढंग के 200 चरस्रों पर सराब और वेकार अन को कात कर सुत तैयार कर रहे हैं. हमारे मेजबानों को जब पता बला कि हमें हाथ की कती और हाथ की बुनी चांजों में दिलचस्पी है तो हमारे मिशन के हर मेम्बर को चीनी खाडी क हो-हो थान मेंट दिये गए.

माज चीन में खाने पीने की हर चीज काकी तादाद में मिलती है चौर ऐसे दाम पर कि हर कोई खरीद सके-न दाम का कन्द्रोल है, न कपड़े या अनाज की वहां राशनिंग है. वहां के ट्रेड यूनियन भाव को ठीक रखते हैं. न कोई मिक मिक होती है, न कोई चोर बाजारी करता है और न कोई जमा कर लेता है. सट्टे बाजी सरकारी हुक्म से बन्द कर दी गई क्योंकि यह बनावटी तौर पर क्रीमर्ते घटाती बढाती है.

समाज सुधार.

अब इस इन समाज सुधारों पर विचार करेंगे जो नई सरकार ने किये. पेकिंग के बारे में यह कहा जाता है कि जब नई सरकार ने चार्ज खिया तो वहां तीन हजार वेश्याएं बीं. क्षेकिन आज एक भी नहीं हैं. यही हाल दूसरे शहरों भीर क्रसबों में भी था. नई सरकार ने इतने बड़े देश से वेरवा-पन मानो एक दम उठा ही दिया. यह सुधार भी कोई सरकारी हुक्मनामे से नहीं किया गया, न मजबूरी या ज्बरद्स्ती से. पहिक सममा बुमा कर और लोगों की मरपी से. नायव बड़े बजीर को-मो-जो ने हमें बताया कि किस तरह बन सब बहुनों को सममा बुमा कर, दस्तकारी सिस्ताने के नए नए दरजे खब्बवा कर, जहां वह अपनी रोजी इज्जत के साय कमाने का परिया निकाल लें, और इज्जत वाले लोगों से उनकी शादी करके उन्हें सही रास्ते पर लाया गया. इसी तरह से नए चीन ने भिकमंगी जत्म कर दी. पहले के सारी शिकारी बाज किसी न किसी पैदावारी प्रोप्राम में काम कर रहे हैं. आज चीन में बे-रोज्यारी नहीं है. जब इसने पेकिंग के मेश्रर से पूछा- "कहिये, आपके यहां आबादी का मसला कैसा है." उन्होंने मुस्करा कर कवाब दिया-- 'हमारे यहां आवादी का मसला है ही नहीं. आप चाहें तो कुछ भाई बहनों को यहां भेज दीजिये."

शहरों में मकान या रहने सहने की पूरी सुविधा है. अफ़ीम खाना या पीना मुल्क भर में मना है. किसी सरह का जुआ, सहाया रेस कोर्स वहां नहीं खेले जा सकते. शादी का जो नया कानून बना है वह वहां की एक खास शीज़ है, उसके आधार पर औरतों को बराबर के इक मिल गए हैं, उनका दर्जा ऊंचा उठ गया है और एक मई

بہائی اُن کے گوں میں گلے جہاں مم نے اُن کے جرف و ركه چلعے ديكھ . هم في ديكما كه أن كى جمزين هناري یاں کے مقابلیے زیادہ سیدھی سادی ھیں ۔ شلکہائی میں مم نے ایک جاتم دیکھا کہ برانے دھنگ کے 200 حرضوں پر شواب اور بیکار اُوں کو کات کر سوت تھار کو رمے میں ، همارے میزبانیں کو جب یاته چلا که همین ماته کی کای اور هانه کی بلی چهزوں میں دلچسپی کے تو همارے مشن کے هر ممهر کو چیلی کهادی ہے دو دو نهان بهیلت دئے گئے .

آنے جہیں میں کہانے پیلے کی هر چیز کافی تعداد میں ملتی ہے اور ایسے دام پر که هر کوئی خرید سکے - نه دام کا کلترول هے نه کهوے یا انام کی وهاں راشفنگ هے . رماں کے تربید یونین بھاؤ کو تھیک رکھتے ھیں ، نه کوئی جهک جهک هوتی هے' نه کوئی چور بازاری کرتا هے اُرر نه کوئی جمع کو لیٹا ہے ، سالے بازی سرکاری حکم سے بلد کر دی گئی کیونکہ یہ بناوتی طور پر قیمتیں کھٹاتے بوھاتے ھے ،

سماج سدهار،

اب هم أن سماج سدهاروں پر وچار كرينكے جو نئى سرکار نے کئے ۔ پیکنگ کے بارے میں یہ کہا جاتا ہے که جب نکی سرکار نے جارہ لیا تو وہاں تین ہؤار ویشهائیں نهیں' لیکن آج ایک بھی نہیں ہے . یہی حال دوسرے شہروں اور قصبوں مہربھی تھا . نگی سرکار نے اِتنے ہو ہے دیکس سے ویشهاین مانو ایک دم آتها هی دیا ، یه سدهار بهی کوئی سرکاری حکمقامے سے نہیں کھا گھا' نے مجبوری یا زیردستی سے بلکہ سمنجها بنجها کر اور لوگوں کی مرضی سے، نائب ہوے وزیر کو مو جو نے همیں بتایا که کس طرح أن سلُّ بهنون كو سنجها بجها كوا دستكاري سكهاني کے نئے نئے درجے کھلوا کر جہاں وہ ایڈی روزی عوص کے ساتم کمانے کا ڈریعہ نکال لیں' اور عزت والے لوگوں سے اُن کی شادی کر کے اُنہیں صحیم راستے پر لایا گیا . اِسی طرب سے لیے چھن نے بھکمنگی ختم کر دسی، پہلے کے سارے بھکاری آبے کسی نه کسی هیداواری پروگرام میں کلم کر رهے هيں ، أب چهن ميں يه روزگاري نهيں هے ، جب هم نے پیکنگ کے میڈر سے پرچھا -- '' کھٹے' آپ کے یہاں آبادى كا مسلك كيسا هي. " أنهول قيمسكرا كر جواب ديا-'' همارے یہاں آبادی کا مستُلہ ہے هی نہیں ، آپ چاهیں تو کچه بهائی بهنوں کو یہاں بهیم دیجئے ."

شہروں میں مکان یا رہلے سہلے کی ہوری سوودھا ھے اقیم کھانا یا پیٹا ملک بہر میں منع ھے ی کسی طرم کا جوا' سکا یا ریس کورس وهاں نہیں کھیلے جا سكتم . شادي كا جو نها قانون بنا هـ وه وهال كيخاص جهز ھے ، اُسکے آدھار پر عورتوں کو برابر کے حق مل گئے هين أن كا درجه أونجا أنه كيا هم اور أيك مود

The Market of the Control of the Con

۽ نهين کے مشعلف عصوں ميں لوگيں کی جيئون كويدني كي طالب 30 سے 53 في صدي تك يوهي هے . پُنهای دو سال مهن أثر پورب چهن مهن-جس مهن پائیم صربے هیں۔۔۔کسانوں کی چیز خریدنے کی طاقت 69 کی مدی ہودی ۔ نئی سرکار نے 1949 میں جارج لها أور 1950 مهن ديش كي كايا بلت كئي . أسي سال انام کی کھیٹی اتلی برزھی که دیہات کے ساڑھے پچیس کرور لوگ، شہروں کے آتھ کرور اور پچھلے سال کے اکال کہلانے والے علاقہ نے 4 کرور لوگوں کو کہلا کر انغا انام بیمی بچا که سازم چار کرور لوگ سال بهر تک اور کھاتے رہیں . 1950 میں پچھلے برس کے مقابلے كل پهداوار چوده في صدى زياده تهي اور 1951 سهن 1950 كِمُ مُقَابِلُمُ آنَهُ فَي صدى زيادة . تَحْمَيْنَا يَهُ هِي كَهُ 1951 کے آخیر میں چین کے پاس اتنا اناج هوا که اہتی کل آبادی کو کہا کر اور اکلی فصل کے لئے کافی جمع رکھیں اس کے پاس اتنا اناج بجے گاکه دس کرور آدمهوں کو ایک سال تک کهلاتا رهے . ایک بات یه بهی قابل تعریف هے که نئے چهن میں هر سپاهی روز سات آثه گهناتے که پای کا یا دوسرا دهندا کرتا هے . صرف ولا سهاهي جو اصلي مورچ مهن لوته ههن اِس کههايي کے کام سے بری رهتے هیں ، اُس سے نه صرف فوج کا خوج كهاتها هر بلكه كهيهى كي بيداوار بوعتى هر اور سياهي أور فهرسداهی مهی آپس کا بهائی چاره قائم رهتا هے .

كارخالغ.

کھانے کے ملاوہ ضرورت کی قریب قریب دوسری سبھی چھوڑی میں چھنی لوگ اِن دو برس میں سواولیہی هوگئے ھیں ایس سلسلے میں اُنھوں نے جو ایک خاص طریقہ اپنایا ہے' وہ ہے ایمولیشن قرائیو یعنی هوڑیائی وہ مودور یا کاریگر جو خاص طور سے زیادہ پیدا کرتے ھیں یا اپنے کام میں کوئی نئی اُیجاد کرتے ھیں اُن کی بہت والا واھی دوتی ہے اور سارے دیس سیں اُن کے نام کا پرچار کیا جاتا ہے اور وہ 'آدرش کاریہ کرتا' 'مؤدور بہادر' یا 'دل چین صردور بہادر' یا 'دل چین صردور بہادر' کے نام کا نام سے مشہور ہوتے ھیں .

چیلی تیتا آپ دیش میں کارخانے پویلانے کی بھرسک کوشش کررھ ھیں ۔ ساتھ ھی ساتھ وہ اتلے ویوھارک بھی جیس کہ آپ یہاں کسی آدمی کو نتھلا نہیں رھلے دیتے ۔ آپ یہاں کے دیہاتی دھندوں کو آنھوں نے دھیاں کے ساتھ سلبھال لیا ھے ۔ پیکنگ راجدھانی میں ایک بازار کا بازار کا بازار ایسا ھے جہاں روز مبنے چھ سے نو بنچے تک صرف بازر ایسا ھے جہاں روز مبنے چھ سے نو بنچے تک صرف ماتھ کا بنا کہوا ملتا ھے ۔ سوت کنچھ ھاتھ کا ھوتا ھے ارو ماتھ کا جیلی لوگ عتهکتے اور ھتھ بنے کہوے کو کیچھ مٹل کا جیلی لوگ عتهکتے اور ھتھ بنے کہوے کو انہوں " کہتے ھیں ۔ قاکٹر کمارپیا' میں اور کنچھ

चीन के अवविक्रिक हिस्सों में लोगों की चीजें खरीदने की ताकृत 30 से 53 फीसदी तक बढ़ी है. पिछले दा साल में इत्तर-पूरबी चीन में — जिस में णंच सूबे हैं — किसानों की चीज खरीदने की ताकत 69 कीसदी बढ़ी. नई सरकार ने 1949 में बार्ज लिया और 1950 में देश की काया पलट गई. उसी साल अनाज की खेती इतनी बढ़ी कि देहात के साढ़े पच्चीस करोड़ लोग, शहरों के आठ करोड़ और पिछले साल के अकाल कहलाने वाले इलाक्ने के चार करोड़ लोगों को खिला कर इतना अनाज बेशी बचा कि सादे चार करोड़ लोग साल भर तक श्रोर खाते रहें. 1950 में पिछले बरस के मुकाबले कुल पैदावार चीदह फीसदी (ज्यादा थी, और 1951 में 1950 के मुकाबले आठ की सदी ज़ियादा. तखमीना यह है कि 1951 के आखीर में चीन के पास इतना धनाज होगा कि अपनी कुल आबादी का खिलाकर और अगली फसल के लिये काफी जमा रखकर, उसके पाम इनना अनाज बचेगा कि दस करोड़ आदमियों को एक साल तक खिलाता रहे. एक बात यह भी का बिल-तारीक है कि नए चीन में हर सिपाही रोज सात आठ घन्टे खेती का या दूसरा धन्दा करता है. सिर्फ वह सिपाही जो असली मोरचे में लड़ते हैं इस खेती के काम से बरी रहते हैं. इस से न सिर्फ फौज का खर्च घटता है बल्क खेती की पैदावार बढ़ती है और सिपाही श्रीर ग़ैर सिपाही में आपस का भाई चारा कायम रहता है.

कारख़ाने.

Comment of the second

खाने के श्रालावा जरूरत की करीब करीब दूमरी सभी वीजों में चीनी लोग इन दो बरस में स्वावलम्बी हो गए हैं. इस सिक्षसिले में उन्होंने जो एक खास तरीका अपनाया है, वह है एमुलेशन खाइब यानी होड़ बाजी. वह मजदूर या कारीगर जो खास तौर से जियादा पैदा करते हैं या अपने काम में कोई नई ईजाद करते हैं उनकी बहुत वाह बाही होती है और सार देश में उनके नाम का प्रचार किया जाता है और वह 'आदर्श कार्यकर्ता', 'मजदूर बहादुर', 'स्वाई मजदूर बहादुर' या 'कुल चीन मजदूर बहादुर' के नाम से मशहूर होते हैं.

चीनी नेता अपने देश में कारखाने फैजाने की भरसक कोशिश कर रहे हैं. साथ ही साथ वह इतने व्यवहारिक भी हैं कि अपने यहां किसी आहमी को निठ्छा नहीं रहने देते. अपने यहां के देहाती घंदा को उन्होंन घ्यान के साथ संभाल लिया है. पेकिंग राजधानी में एक बाजार का बाजार ऐसा है जहां रोज सुबह छै से नौ बजे तक सिर्फ हाथ का बुना कपड़ा मिलता है. सून कुछ हाथ का होता है और कुछ मिल का. चीनी लोग हथ-कते चौर हथ-जुने कपड़े को ''शुपु" कहते हैं. डाक्टर कुमारप्या, मैं और कुछ

المالين أوزه المرون مون يون في الحجه عي ماهر يا خاص الماليم یار ایسے لوگ الیں جدیوں للخواہ کے مارہ ایک فہاگئی ارں سے بہتے کے طور پر مل جاتا ہے . اس چیز سے جہاں ایک طرف سرکاری خرب بهمت کم هوگیا، دوسری طرف زیاده تنخواه والوں اور کم تقطوله والرس کے بھیے کی کھائی بہمت كتيم يت كُلَّى وريب إميو كا قرق دور هوكها اور سماج كه اندر جو مالدآر اور نادار کے بیچ کی دیوار تھی وہ ایک دم دَهِ كُلُى . إِس كَا نَعْيَجِهُ هِي كَهُ نَدُ حِينَ مِينَ آبِ صَرَفَ کیوں کو دیکھکر یہ نہیں پہنچان سکتے کہ ایک آدمی یونیورستی کا وائس چانسلر ہے یا چھراسی کاوخانے کا منيجر هي يا مزدور' دفتر كا أنجارج هي يا كلرك ، يه بات یاں وکھنے کی ہے کہ یہ قرباتی جو سب لوگوں نے کی -ليكن أصل ميس يه قرباني نهيس هے كيرنكه اينى بنياسي ضرورت کی سب چیزیں سب کو مل هی جاتی هیں - تو خوشی سے کی' دل سے کی' جان کر کی ، هر چیلی کو ناز ھے کہ میں اپنے دیش اور دیش واسیوں کے لئے کچہ نہ ونچه کر رها هوں ،

سواری.

اسکہ علاوہ نئے چین نے اپنے یہاں سواری اور مال قورنے کا انتظام بہت کچھ سنبھال لیا ہے جو کومنتانگ راج میں چکنا چور هوگیا تھا ، 1950 کے آخیر میں 22 هزار کلومینٹر سوکیں جو مرمت یا بندوبست نه هونے کی وجہ سے بند اور بیکار پوی تھیں' پھر سے چالو هوگئی هیں ، بوے پیمانے پر نئی نئی لائنیں کھول دی گئی هیں ، کھا جاتا ہے کہ آزادی کے پہلے جندنی سوکیں ریائیں وغیرہ تھیں جنوری 1951 میں اُس سے یانچ گنا زیادہ هوگئیں، قاک کے راستے 60 فی صدی بوھائے گئے' تار 36 فی صدی' تیلی فون پہلے کے مقابلے سوا در گنے زیادہ هیں ، هوائی راستے کا بھی کافی اِستعمال هوتا ہے ،

سواولمدن .

ان طریقوں سے اور درسری ایسی کی باتوں سے نئے چین نے مہنکائی اور قیمتوں کے گھتاؤ ہوھاؤ پر قابو پالھا کی کھیتی اور کارخانوں کی پھداوار بوھا لی اور لوگوں کا ماددی اور نیتک درجہ کہیں زیادہ اونچا اتھادیا ، آزادی کے پہلے ایک امریکن ڈالو کی قیمت جہاں کئی ارب کھوب چیلی بین ہوتی تھی وہ 1950 میں 42000 بین اور میں 1950 میں 1950 سے لیکو مئی 1950 میں 1950 سے لیکو مئی ماہ کے اندر قامدے کے ساتھ قیمتوں کو تھکانے پر لایا دیا گیا جس کی وجہ سے چھڑوں کے اوسط دام 100 سے گر کر 98 پر آئے اور اب اور بھی گر رہے ھیں، اس کے خلاف اس عرصہ میں امریکہ میں یہ دام 100 سے برھیر 150 ہوگیا ،

कारकानी और दफ्तरों में भी हैं. कुछ ही माहिर वा कास तालीम पाप ऐस लोग हैं जिन्हें तनका के असावा एक तिहाई ऊपर से भन्ते के तौर पर मिल जाता है. इस चीज से जहां एक तरक सरकारी सर्च बहुत कम हो गया, वहां इसरी तरफ जियादा तनला वालों भीर कम तनला बालों के बीच का खाई बहुत कुछ पट गई, रारीब अमार का फक दूर हो गया और समाज क अन्दर जो मालदार धौर नादार के बीच की दीवार थी वह एक दम उह गई. इसका नतीजा है कि नए चीन में आप सिर्फ कपड़ों को रेखकर यह नहीं पहचान सकते कि एक भादमी यूनिवर्सिटी का बाइसचांसलर है या चपरासी, कारखाने का मैनेजर है या मजदूर, दक्तर का इन्चार्ज है या कलर्क. यह बात याद रखने की है कि यह क़ुर्वानी जो सब लोगों ने की-हेकिन असल में यह कुर्वानी नहीं है क्योंकि अपनी वित्यादी अरूरत की सब चीजें सब को मिल ही जाती हैं—तो ख़शी से की, दिल से की, जानकर की. हर चीनी को राष्ट्र है कि मैं अपने देश और देशवासियों के लिये कुछ न इन्छ कर रहा हैं.

सवारी,

इसके अलावा नए चीन ने अपने यहां सवारी और माल ढं ने का इन्तज़ाम बहुत कुछ संभाल लिया है जो होमिनटांग राज में चकना चूर हो गया था. 1950 के मांखीर में 22 हज़ार किलो मटीर सड़कें जो मरम्मत या उन्दोबस्त न होने की वजह से बन्द और बेकार पड़ी थीं फर से चालू हो गई हैं. बड़े पैमाने पर नई नई लाइनें बोल दी गई हैं. कहा जाता है कि आज़ादी के पहले जतनी सबकें-रेलें बरौरा थीं जनवरी 1951 में उस से पांच तुना जियादा हो गई. बाक के रास्ते 60 की सदी बढ़ाए गए, गर 36 की मदी, टेलीकोन पहले के मुक़ाबले सवा दो गुने क्यादा हैं. हवाई रास्ते का भी काकी इस्तेमाल होता है.

स्वावलम्बन.

इन तरीक्रों से और दूसर ऐसी ही बातों से नए चीन महराई और कीमतों के घटाब-बढ़ाव पर काबू पा लिया, बेती और कारखानों की पैदाबार बढ़ा ली और लोगों का माद्वी और नैतिक दर्जा कहीं ज़ियादा ऊंचा चठा दिया. माजादी के पहले एक अमर्शकन डालर की क्रीमत जहां कई अरब खरब चाना यन हाती थी वह 1950 में 42,000 स्न और 1951 में 22,270 यन रह गई. मार्च 1950 से किए मई 1950 तक-तान माह के अन्दर कायदे के साथ हीमता को ठिकान पर लगा दिया गया जिस की वजह से बाखा के औसत दाम 100 गर कर 98 पर आए और इस्मीका में यह दाम 100 स बढ़कर 150 हो गए. र अने विकास कार्यकर्ताओं ने क्या कमाल के साथ त-जागृति का काम किया है. यह उन्हीं की मेहनत का ता है कि लोगों के कान्यर मेहनत और कुरवानी की विना घर कर गई है. कहने की जरूरत नहीं कि विना इस विना के ऐसे काम हुआ भी नहीं करते हैं.

नए चीन में तनख़ाहें.

नई चीन सरकार ने चीथी खास बात जो की वह थी हूमत के खर्च को घटाना. आजादी के पहले ज़ियादातर किसरों को ऊंची वनसाहें भिसती थीं और बेतहाशा खर्च ।ता था. नई सरकार ने जहां ऊपर के हाकिमों की तनसा म की, बहां नीचे वालों की बढ़ा दी. ऐसा लगता है कि ए चीन के नेताओं को यह सूम गई कि रुपए पैसे का हत्व ज़ियादा नहीं होता और इनसान की मेहनत ही मसी कीमती और कह के काबिल बीज हैं. इसी वजह । नए चीन में तनसाहें नोटों के हिसाब से नहीं बल्कि मनाज के हिसाब से दी जाती हैं.

सरकारी नौकर दो तरह के हैं—एक वह जिन्हें सपनाई तरीक़ें पर तनसा मिनती है, दूसरे वह जिन्हें बाक्रायदा तनखा मिलती है. 'सपलाई तरीक्रे' में मुलाजिम ब्रीर इसके बाल बच्चों को भर-पेट खाना और खास तादाद में कपड़े मिलते हैं. उसके बच्चों को तालीम मुक्त, घर बार को दवा-दारू माफ और जेब सर्च के लिये दस-बीस हपद हर महीने अपर से मिलते हैं, इस सपलाई तरीक में सुबे के एक गवर्नर या दक्तर के क्लर्क में कोई कक नहीं किया जाता है. दूसरे यानी तनखा वाले तरीक में सरकारी लोग अन्याजा कर लेते हैं कि फलां-नौकर श्रीर इसके बाल बच्चों को कुल कितने अनाज की जरूरत होगी, कितना दूध, दवा, कपड़ों वग्रैरा की और फिर सब को जोड़ कर ''इकाई'' बना लेते हैं. इम तरह वह तय कर लेते हैं कि फलां आदमी को हर महीने कितनी 'इकाईयां' या 'पाइन्ट' मिलने चाहियें. असली रक्तम की अदायगी गल्ले की शक्त में न की जा कर राल्ले की कीमत के बराबर नोटों की शकत में की जाती है. अगर किसी महीने चीजों के भाव बदले तो उस महीने की तनला भी उस हिसाब से बदल जाती हैं.

अब जरा देखें कि हमारे हिन्दुस्तानी सिक्के के हिसाव से बीन के सरकारी अफसरों का क्या तनखा हैं मिलता हैं, बीन में सब से ऊंची तनखा 600 ठपए के कराब है जो चेयरमैन माओ-स्से-तुँग को मिलती हैं. सेन्ट्रल केबिनेट के मिनिस्टरों को 440 ठपए मिलते हैं. सरकारी कारखानों, फीज, यूनिवर्सिटी, स्कूल, कालिज, दक्तरों बरोरा में आम तीर पर सब से ऊंची तनखा साढ़े तीन सी ठपए हैं और सब से कम डेड़ सी. यही सूरत निजी اور اس کے عالم کی ساتھ جون کیا کیال کے ساتھ جون جاکرتی کا کام کیا ہے ۔ یہ اُنھیں کی مصلت کا پہل ہے کہ لوگوں کے الدر مصلت اور قربانی کی بھاونا گھر کر گئی ہے ۔ کہلے کی ضرورت نہیں کہ بٹا اِس بہاونا کے ایسے کام ہوا بھی نہیں کرتے ہیں ۔

نئے چھن میں تنخواہیں ،

نئی چھن سرکار نے چوتھی خاص بات جو کی وہ

ہی حکومت کے خرچ کو گھٹانا ، آزادی کے پہلے زیادہ تر

افسروں کو اونچی تلخواهیں ملتی تھیں اور بے تحاشا
خرچ ہوتا تھا ، نئی سرکار نے جہاں اوپر کے حاکموں کی

قنخواہ کم کی وہاں نہتے والوں کی بڑھا دی ، ایسا لکتا
ہے کہ نئے چھن کے نیٹاؤں کو یہ سوجھ گئی کہ روپ پھسے
کا مہتو کوئی زیادہ نہیر ہوتا اور اِنسان کی متحلت ہی
اصلی قیمتی اور قدر کے قابل چھز ہے ، اِسی وجہ سے
اصلی قیمتی اور قدر کے قابل چھز ہے ، اِسی وجہ سے
اللہ کے حساب سے نی جاتی ہیں ،

سرکاری نوکر در طرح کے هدن - آیک ولا جلهوں ا سيلائي طريق ، ير تلخواه ملتي ها دوسرے وا جلهيں بانامدة تلفواه ملتى هي ، " سيلائي طريق " ميس مالزم أور أسكيه بال بحوس كو بهر يهت كهانا أور خاص تعداد مهن كهور ملقم هيل . أسكم بحول كو تعليم مفت كهر بار كو درا دارو معاف اور جهب خرج کے لیے دس بهس روبے هر مهينے اور سے ملتے هيں ، اس سيائي طريقے ميں صوبے کے ایک گورٹر یا دفتر کے کلرک میں دوئی فرق نبھن کیا جاتا ہے ، دوسرے یعلی تنخواہ والے طریقے میں سرکاری ل کی اندازہ کر لہتے میں کہ قلال نوکر اور اسکے بال بنچوں کو کل کعنے انام کی ضرورت ہرگی کتفا دودہ دوا کھورں ولهود کی اور پهر سب کو جور کر " اِکائی " بنا لیاته هیں ، اسطارے وہ طے کر لھاتے میں که قال آدمی کو هر مهيني كتنى (اكاثيال) يا الانفت الملفي جاهلين. اصلی وقم کی ادالیگی فلے کی شکل میں نہ کی جا کر فلے كي قيمت كي برأبر نوتين كي شكل مين كي جاتي هي . الر کسی مہیلے چیزوں کے بھاؤ بدلے تو اس مہیلے کی تنظوالا بهي أس حساب سے بدل جاتی ہے .

آپ ذرا دیکھیں که همارے هندستانی سکے کے حساب سے چھن کے سرکاری انسروں کو کیا تلخواهیں ملتی هیں ، چھن میں سب سے اونچی تنخواه (600) روپے کے قریب بھی جو جھہرمیں ماؤتسے تلک کو ملتی ہے . سلترل کیہنٹ کے منستروں کو 440 روپے ملتے هیں ، سرکاری کارخانوں فوچ' یونیورستی' اسکول' کالیے' دفتروں وفیرہ میں هام طور پر سب سے اُرنچی تنخواه ساڑھے تین سو روپے ہے اُور سب سے اُرنچی تنخواہ ساڑھے تین سو روپے ہے اُور سب سے کم تیڑھ سو ، یہی صورت نجی

Later Comment

A Committee of the Comm

اتا تھا گھکی آپ آناج کی ھکل میں لھا جاتا ہے ۔
اتا تھا گھکی آپ آناج کی ھکل میں لھا جاتا ہے ۔
ان پیداوار کے تکمیلے کے آدھے سے کم نہیں لیا جاتا ۔
کبھی کبھی تو پوری کی پوری پیداوار لگان میں دمندا کھوجنا ہوتا تھا ۔ لیکن نئے نظام میں سرکار مقرر کر دیا ہے کہ لگان اصل پیداوار کا 13 فی مقرر کر دیا ہے کہ لگان اصل پیداوار کا 13 فی میں اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور میں اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور ایمن اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور میں اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور میں اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور میں اس کمی کر دیاہے کا نتیجہ یہ ھوا کہ دو کرور میں بھی گھا ،

نی سرکار نے اِس سلسلے میں تیسرا قدم جو اُٹھایا۔ سينجائي [كرسادهنون مين سدهار كرناء بهت مینین آیسی تهین جهان زیاده کاشت تبهی هو تھی جبکھ نگے نگے کفوئیں کھودے جائیں اور اطمیدان کے ساتھ ملتا رہے ، سرکار نے اس کے لئے ے دیا اور لائھوں کلوٹیں جگہ جگہ کھد گئے ، اِس ہی سرکار کی طرف سے بہت تھوڑی سی مدد اور ی فسرورت تھی. گاؤں والوں نے سامان اُننے پاس سے مصلت ایے آپ کی ایسی طرح سرکار نے اُن جگہوں ن الله عنى اسكهمين بنائين جهال الثر باره آيا نهی . اِس پانی کو آن حصوں کی طرف بههیم دیا اکثر سوکھے پڑے رہتے تھے ، یہ کام بھی گاؤں والوں اُسے کہا گھا ، صرف اُوپر سے سرکاری دیکھ بھال رھی، ا اسکیموں کے علاوہ هو آئی ندی کو باندھنے والی ے ہومی اسکیموں میں بھی سرکار نے زیادہ تر گاؤں ير هي، مدد لي . إس هوآئي ندى يوجلا كي ي نومبر 1950 مهن كي كلي. إس يوجنا مين له کسانوں نے حصہ لها جلهوں نے نومببر 1950 مروع کر کے جولائی 1951 تک قریب 19 کروں 50 یتر متی مثا پہیلکی اور ندیوں کو تھامنے کے لئے نكه حوض اور كلق بنا ليُّه . إس كا ناهجه يه هوا وم یانیم کرور آدمی (جو لگ بهگ همارے آئر ے کی آبادی کے برابر ہے) باڑھ کی آفت سے همیشه ، بم كئه ، ابهى حال هي مين إس علاقے مين جو بار قصل هوای أسے دیکھکر هر کسی کاچی بانسوں يوا تها , يه بات دهيان ديلے كي في كه إن إسكيموں جین کے نئے نیٹاؤں نے باہر سے ایک پیسه بھی نہیں لیا ، اُنہوں نے سب کام اہلی جن شکتی کے کیا ، هر کوئی جو ذرا نزدیک سے اِن چهزوں کو ھے وہ محصوب کرتا ہے کہ کس جوش ولکن کے ساتھ س نے ایدا جے جان لکا دیا ، أنهيں خوشي هوتي هے كه امے دیس کی خاطر احجه کام ایا . نئے، چین کے نیٹا

हासत ठीक करना. आजारी के पहले समान नक्त निका में सिया जाता था, तेकिन अब अनाज की शकत में सिया जाता है. पहले सगान पैदाबार के सक्तमीने के आधे से कम नहीं लिया जाता था. कभी कभी तो पूरी की पूरी पैदाबार सगान में खप जाती थी और वेबारे किसान को रोजी के लिये कोई वूसरा घंदा खोजना पड़ता था. लेकिन नए निजाम में सरकार ने यह मुक्कर्र कर दिया है कि सगान असल पैदाबार का 13 फीसदी से जियादा न होगा. पेकिंग के मेयर ने हमें बताया कि सगान में इस कभी कर देने का नतीजा यह हुआ कि दो करोड़ टन गल्ला हमारे किसानों को उनके इस्तेमाल के लिये एक साल में बच गया.

नई सरकार ने इस सिलसिले में तीसरा क़दम जो क्टाया वह था सिंचाई के साधनों में सुधार करना. बहुत सी जमानें ऐसी थीं जहां जियादा कारत तभी हो सकती थी जब कि नद नद कुएं खोदे जाएं भौर पानी इतमिनान के साथ मिलता रहे. सरकार ने इसके लिये हुक्म दे दिया और बास्रों कुंप जगह जगह खुद गर. इस काम में सरकार की तरफ से बहुत थोड़ी सी मदद और बमार की जरूरत थी. गांव बालों ने सामान अपने पास से लगाया, मेहनत अपने आप की. इसी तरह सरकार ने उन जगहों से पानी निकालने की स्कीमें बनाइ जहां अकसर बाद आया करती थी. इस पाली को उन हिस्सों की तरफ भेज दिया गया जो अकसर सखे पड़े रहते थे. यह काम भी गांव वालों की मदद से किया गया, सिर्फ ऊपर से सरकारी देख भाज रही. छोटी स्कीमों के अलावा हुआई नदी को बांधने वाली जैसी बड़ी स्कीमों में भी सरकार ने जियादा तर गांव वालों से ही मदद सी. इस हुआई नदी योजना की शुरूआत नवन्बर 1950 में की गई. इस योजना में 30 लाख किसानों ने हिस्सा लिया जिन्होंने नवम्बर 1950 से शुरू करके जुलाई 1951 वक क़रीब 19 करोड़ 50 लाख मीटर मिट्टी हटा फेंकी और निदयों को थामने के लिये जगह जगह हीज और कुन्द बना क्रिये. इसका नतीजा यह हुन्ना कि साढे पांच करोब आदमी (जो लगभग हमारे उत्तर प्रदेश की आबादी के बराबर है) बाद की आफत से हमेशा के लिये बच गए. कासी हाल ही में इस इलाक़े में जो पहली बार फसता हुई इसे देख कर हर किसी का जी बांसों उज्जल पहला था. यह बात प्यान देने की है कि इन स्कीमों के क्षिये चीन के नए नेत:ओं ने बाहर से एक पैसा भी उधार नहीं किया. उन्होंने सब काम अपनी जन शक्ति के बल पर किया. हर कोई जो जरा नजदीक से इन चीजों को देखता है वह महसूस करता है कि किस जोश व लगन के साथ इन लोगों ने अपना जी-जान लगा दिया. उन्हें ख़शी होती है कि हमने अपने देश की आतिर कुछ काम किया. नप चीन के नेता हाताज की विशाप बढ़ाई जाप. नई सरकार ने देखा कि चीत की सादे संवालीस करोड़ भावादी में इकतालीस कराड़ से उपर किशान हैं, जिनका एक मात्र सहारा खेती हैं. लेकिन जमीन की सारी मिलकियत 10 कीसदी तमीदार या रईस किसान के हाथ में थी. बाक़ी 90 की सदी रारीब किसान या बेजमीन बाले मज़दूर थे. चीन में खेती के लायक 140 करोड़ मी (करीब 24 करोड़ एकड़) व्याप्त के हाथ में थी, बाक़ी 20 कीसदी जमीदारों और रईस किसानों के हाथ में थी, बाक़ी 20 कीसदी जारीब किसानों और त्यार रहें से बेटी हुई थी, जिनकी तादाद कुल खेती हुई थी, जिनकी तादाद कुल खेती हुई थी.

नया ज़मीन सुधार.

नई सरकार ने ठान लिया कि यह अंधाधँदी तो खत्म ी होना चाहिये. 'नया जमीन सुधार कानून' पास किया ाया जिसके मुताबिक जमींदारों के पास की सारी बेशी उमीन उनसे लेकर बेजमीन वाले खेती मजदरों में बांट दी हैं. लेकिन नए हाकिमों ने यह एहतियात रखी कि किसी मींदार को रोजी के साधनों से महरूम न किया जाए ाकि वह अपने बाल-बच्चों का पेट पाल सके. हर जमींदार : पास कम से कम इतनी जमीन छोड़ दी गई जितनी ह मामुली किसान को दी जाती थी. कभी कभी उससे तयादा जमीन भी जमींदार को दे दी गई जिससे वह बड़े जे में अपनी और अपने बाल बच्चों की परवरिश कर कता है. जेवर या नक़दी जिसके पास जो कुछ था रहने या गया. इसके अलावा अगर किसी जमींदार के पास ाई कारलाना था या वह कोई धन्दा करता था तो उसमें ो हाथ नहीं लगाया गया. यहीं नहीं, सरकार ने ऐसे ामों में पराने जमींदारों की मदद की और उनका हौसला दाया.

चीन के नए हाकिम इस जमीन सुधार क़ानून को पनी नई अर्थ-व्यवस्था की बुनियाद मानते हैं. यह सब रिशमा सरकारी हाकिमों या हुक्मनामों के ज़रिये से नहीं त्या गया बिल्क गांव वालों ने खुद अपने आप किया. इ जमा हो कर आपस में तय कर लेते थे कि अपने जाकि में ज़मीन सुधार के सिलसिले में क्या किया जाए गिर ज़मीन कैसे तक़सीम की जाएं. इस क़ानून की बदौलत । ज चीन में 30 करोड़ बेजमीन वाले मज़दूर ज़मीन के लिक बन गए हैं और ठाठ से अपनी ज़मीन पर खेती हर रहे हैं. उम्मीद की जाती है कि 1952 के जून तक यह । ती सुधार सार चीन में पूरा किया जा सकेगा.

अपने यहां की खेती की पैदावार संभालने के लिये। एकार ने दूसरी चोज जो की वह भी लगानवन्दी की الله کی پهداوار بوهائی جائد، نئی سرکار نے دیکھا کہ چین کی ساوھ سیلتالیس کرور آبادی میں اکتالیس کورر آبادی میں اکتالیس کرور سے ارپر کسان میں جن کا ایک ماتر سہارا کھیتی ھے۔ لیکن زمین کی ساری ملکیت 10 فیصدی زمیدار نہیس کسان کے هاتم میں تھی، بائی (90 فی صدی فریب کسان یا ہے زمین والے مزدور تھے، چین میں کھیتی کے لائق 140 کرور مئو (قریب 24 کرور ایکر) زمین میں سے 80 فی صدی زمینداروں اور رئیس کسانیں کے هاتم میں تھی باقی (الا فی صدی فریب کسانیں اور کھیتی مودروں میں بتی ہوئی تھی جن کی تعداد کل کھیتی مودروں میں بتی ہوئی تھی جن کی تعداد کل کھیتی آبادی کی (90 فی صدی کے قریب تھی .

نها زمین سدهار .

نئی سرکار نے اٹھان لیا کہ یہ اندھا دھندی تو ختم هي هونا چاهيُد ، ' نيا زمين سدهار قانون ' پاس کيا گھا جسکے مطابق زمینداروں کے پاس کی ساری بیشی زمین أن سے لے كر ہے زمين والے كھيتمي مزدوروں ميں بانت دی کئی . لیکن نئے حالموں نے یہ احتیاط رکھی کہ کسی زمیددار کو روزی کے سادھتوں سے محصروم نہ کیا۔ جائے تاکہ وہ ایے بال بحوں کا یہت بال سکے. هر زمیندار کے پاس کم سے کم اُتلی زمین چھور دی گئی جاتلی ایک معمولی کسان کو تبی جاتی تھی ، کبھی کبھی اُس سے زیادہ زمین بھی زمیندار کو دے دی گئی جس سے وہ بوے مزے میں اینی اور اپنے بال ہنچوں کی پرورش کو سکتا هے ، زیور یا نقدی جسکے پاس جو کچھ تھا رہانے دیا کیا ، اِسکے علاوہ اگر کسی زمیددار کے پاس کوئی کارخانہ تها یا وه کوئی دهقدا کوتا تها تو اُس میں بهی هاته نہوں لگایا گیا . یہی نہیں سرکار نے ایسے کاموں مهن برائے زمینداروں کی مدد کی اور اُن کا حوصلہ بوھایا .

چھن کے نئے حاکم اِس زمین سدھار قانون کو اپنی نئی اُرتھ وہوستھا کی بنیاد مانتے ھیں ۔ یہ سب کرشمہ سرگاری حاکموں یا حکم نا وں کے ذریعے سے نہیں کیا گیا باکہ گؤں والوںنے خود آپ آپ کیا ۔ وتجمع هوکو آپس میں طے کو لیتے تھے کہ ایکے علقے میں زمین سدھار کے سلسلے میں کیا کیا جائے اور زمینیں کیسے تقسیم کی سلسلے میں کیا تقسیم کی بدولت آج چین میں اور گیاتی کے زمین والے مزدور زمین کے مالک بن گئے ھیں اور ٹھاتی ہے زمین والے مزدور زمین کے مالک بن گئے ھیں اور ٹھاتی سے اپنی زمین پر کھیتی کر رہے ھیں ۔ امید کی جاتی ہے اپنی کمانے کی جاتی ہے کہ کو کے جون تک یہ کھیتی سدھار سارے چین میں ہورا کیا جاسکے کا ۔

اہے یہاں کی کہیتی کی پہدارار سنبھالنے کے لئے سرکار نے دوسری چھڑ جو کی رہ تھی لگان ہندی کی

والمراجعة والمعارض والمتعارض والمراجع المراجع

A STATE OF THE STATE OF

इमारे इस दौरे से एक खयात हर किसी के कान्दर रैदा होता है. वह यह कि क्या इम हिन्दुस्तान के कोया भी नए चीन से कोई सबक्र सीख सकते हैं. और अगर प्रीख सकते हैं तो वह सबक्र क्या है और उससे किस तरह देश की हालत को संभाला जा सकता है.

चीनी कोग नए कोकराज के क्रायम होने को 'आजादी' (लिबरेशन) नाम से पुकारते हैं. आजादी के पहले वहां रर कोमिनटांग पारटी का राज था जिस के सिरमीर जनरल चियांग काई शेक थे. उस सरकार की राय थी कि चीन की बढ़ती हुई आधादी की जरूरत के मुताबिक वहां अनाज नहीं पैदा होता और इसलिये अनाज बाहर से मंगाना चाहिये. सच यह है कि विदेश से, खास कर अमरीका से, करोड़ों मन राल्ला आया करता था. तिस पर भी देश के किसी न किसी हिस्से में अकाल पड़ता था या खाने की कमी की शिकायत रहती थी. कुछ इलाकों में बाद की वजह से खेती करना नामुमिकन था. दूसरों में पानी न बरसने की वजह से बंटाधार हो जाता था. फिर ऊपर से सवारों की दिक्कत थी जिसकी वजह से मुमीबत जदा कोगों की मदद के लिये अनाज इधर से उधर आसानी से आ-जा नहीं सकता था.

आजादी के पहले चीन में काराजी नोटों की इतनी भरमार थी कि सन 1939 बाकी लड़ाई के पहले जितने नोट जियादा बनते थे उसके मुकाबले 1770 खरण गुने नोट जियादा चलने लग गए थे. सन 1940 और 1948 के बीच की इस हालत की यह जानकारी हमें चीन के पीपुल्स बैंड के मुखिया से ही मिली है. चीजों के भाव इतनी शिहत से बद गए थे कि सुनकर तबियत दंग रह जाती थी. लंदाई के पहले अगर किसी आदमी का सौ इकाई से काम चलता था तो उस वक्नत 1388-4000 खरव इकाइयां चाहिये थीं. इसका मतलब यह है कि अगर किसी के पास दस हजार चीनी डालर होते तो इससे वह दियासलाई की एक कांटी भी नहीं खरीद सकता था, पूरी दियासलाई की पेटी की तो बात ही क्या है. इसके श्रवादा, लोगों का कहना है कि उस जमाने में चीन के जैसे घूसखोर हाकिम दुनिया में श्रीर कहीं मुश्किल से थें. बड़े बड़े कारखाने वाले, फीजी सामान का ब्योपार करने वाले, जमींदार और रईस लोग ऐश-चाराक करते थे और भोग-विलास की जिन्दगी विताते थे, लेकिन काखों करोड़ों रारीबी और बेकसी में पिसे जा रहे थे. इसका जरूरी नतीजा यह था कि बेरोजगारी, वेश्यापन और भिक्मंगी का देश भर में बोल बाला था.

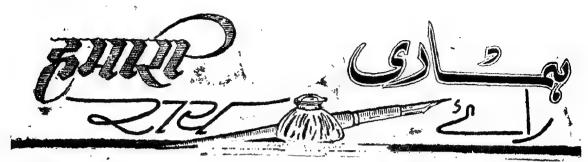
1949 में जब नई सरकार ने राज संभाना तो पहला इरादा उसने यह किया कि देश में से गरीबी स्नत्म करके همارے اِس دورہ سے ایک خیال هر کسی کے اندر پیدا هوتا هے ، وہ یہ کہ کیا هم هندستان کے لوگ بھی نے چین سے کوئی سبق سیعه سکتے هیں ، اور اگر سیعه سکتے هیں تو وہ سبق کیا هے اور اُس سے کس طرح دیش کی حالت کو سنبھالا جاسکتا ہے .

چیدی لوگ نئے لوک رأج کے قائم هونے کو 'آزادی'
(لیبریشن) نام سے پکارتے هیں ، آزادی کے پہلے رهاں پر
کوملتانگ پارٹی کا راج تھا جس کے سرمور جلول
چھانگ کائی شھک تھے ، اُس سرکار کی رائے تھی که
چھن کی پوهتی هوئی آبادی کی ضرورت کے مطابق یہاں
ااج نہیں پیدا هوتا، اور اُس لئے اناج باعر سے ملکانا
چاهئے ، سبج یہ ہے کہ ودیش سے' خاص کر امریکہ سے'
پاھئے ، سبج یہ ہے کہ ودیش سے' خاص کر امریکہ سے'
زنہ کسی حصے میں اکال پڑتا تھا یا کھانے کی کسی کی
شکیت رهتی تھی ، کچھ مقتوں میں باتھ کی کمی کی
کیمتی کوئا ناممکن تھا ، دوسروں میں باتھ کی وجہ سے
کیمتی کوئا ناممکن تھا ، دوسروں میں پانی نہ برسلے
کی وجہ سے بلتا دھار هوجانا تھا، پھر اوپر سے سواری کی
دائے اناج ادھر سے اُدھر آسانی سے آجا نہیں سکتا تھا ،

آزادی کے پہلے چین میں کفڈی نوٹوں کی اتلی بهرمار تھی کہ سن 1939 والی لوائی کے پہلے جھلے نوت زیادہ چلتے تھے اُس کے مقابلے 1770 کورب کلے فرت زیادہ چلنے لگ کئے تھے سن 1940 اور 1948 کے بھی کی اِس حالت کی یہ جانکاری همیں چین کے پھیلس بینک کے مکھیا سے ھی ملی ہے ، چھڑوں کے بھاؤ انٹی شدت سے بچھ کئے تھے که سن کر طبیعت دنگ رہ جاتی تھی ، لوائی کے پہلے اگر کسی آدمی کا سو اِکائی سے کام چلتا تها تو اُس وقت 13884000 كهرب اكائياں چاهئے تهیی اس کا مطلب یہ ھے کہ اگر کسی کے پاس دس هزار چیلی قالر هوتے تو اُس سے وہ دیاسائی کی ایک کانتی بھی نہیں خرید سکتا تھا'پوری دیاسلائی کی پیٹی كى تو بات هي كها هي . إس كي علولا لوگون كا كهذا هي كه أس زمانے میں چین کے جیسے گھوس خور حاکم دنیا مهن اور کههن مشکل سے بتھے، بوے بوے کارخانے والي فوجى سامان كا بهويار كرنے والے زمهلدار اور رئیس لوف عیم آرام کرتے تھے اور بھوگ والس کی زندگی بتاتے تھے' لیکی لانہوں کروزوں فریعی أور بے کسی میں پسے جارهے تھے ، اس کا ضروری تعیجہ یہ تھا کہ بے روزگاری' ريشهاين اور بهكمدلكي كا ديس بهر مهل بول بالا تها .

1949 میں جب نئی سرکار نے راج سنبھالا تو پہلا ارادہ اُس نے یہ کیا کہ دیش میں سے مریبی ختم کرکے

and the same of the same of



नए चीन का संदेश

पहली अक्तूबर 1951 को नए चीन के लोकराज की दमरी सालगिरह थी. चीन की कई संस्थाओं की यह इच्छा हुई कि हिन्दुस्तान व दूसरे देशों के डेलीगेशन इस लशी के मौक पर उनके साथ शरीक हों. इसिलिये उन संस्थाओं ने, जिनमें पांच खास हैं--कुत चीन पीस कौंसित. कुल चीन फोडरेशन आफ लेबर, कुल चीन डेमोक्रेटिक विमेन्स फेंडरेशन, कुल चीन डेमोक्रेटिक वर्कर्स फेंडरेशन श्रीर कुल चीन फेंडरेशन श्राफ लिट्टेचर एन्ड श्रार्ट सर्किल्ज ने नई दिल्ली वाले चीनी राजदत के जरिये हिन्द जनता के एक डेलीगेशन के आने के लिये दावत नामा भेजा और. यह इच्छा जाहिर की कि इस डेलीगेशन में हिन्द चीन दोस्ती संघ, कुल हिन्द पीस कींसिल, ट्रेड यूनियन और विमेन इलकों के प्रतिनिधि, चौर हिन्दुस्ताने के नामी विद्वान, लेखक, साइन्सदां, शिचाशास्त्री वरौरा भी शामिल हों. यह दावत नामा सितम्बर के पहले हफ़्ते के श्राखीर में मिला था श्रीर दिल्जी से हवाई जहाज में रवाना होने की काखिरी तारीख 20 सितम्बर थी. इसलिये जल्दी जल्दी में सब इन्तजाम किया गया. फिर भी यह कोशिश की गई कि डेलीगेशन में सब सुबों के और तरह तरह की विचार धारा वाले लोग हों.

हेलीगेशन के 13 मेन्द्र थे और 2 सेकेटरी. चीन में हम लोग 39 दिन तक रहे. दिन्छन से लेकर उत्तर तक हमने चीन के सात बड़े बड़े शहर देखे—कैन्टन, पेकिंग, मुक्डन, टिन्टसिन, नानिकंग, शंघाई और हांगचृ. हम नए चीन की यूनिवर्सिटियों, स्कूजों, कालिजों, निजी और सरकारी कारखानों, गांवों और बाजार हाटों में भी गए. हमने बहां की अदालतों को काम करते देखा, चीन के नए लोक संगठनों के काम करने के तरीकों को देखा सममा. हमने वहां के सिनेमा, थेटर, देहाती और दस्तकारी नुमायशें भी देखीं. हमारे ऊपर कोई पावन्दी नहीं थी. हम जहां चाहें जा सकते थे, जो चाहें देख सकते थे. क्या सरकार, क्या जनता, सभी हमारे साथ प्रेम से पेश आते और दिल खोल कर यात करते थे. نئے چین کا سندیش

پہلی اکتوبر 1951 کو نئے چین کے لوک راج کی دوسري سال کره تهي . چدن کې کځي سفستهاون کي يه اجها هوئي كه هددستان و دوسرے ديشوں كے ديلى كيشن اس خبشی کے موقعے پر اُن کے ساتھ شریک ھوں ، اس لئے اُن سنستہاؤں نے' جن میں بانیم خاص هیں۔کل چهن يوس كونسل كل چين فيدريشن آف لهبر كل چهری تیموکریٹک ویملس فیڈریشن' کل چهن تیموکریٹک وركرس فهدريشن أور كل چون فهدريشن آف لتريچر ایلڈ آرے سرکلز نے نگی دانی والے چھٹی راجدوت کے ذریعے هند جلتا کے ایک دیلی گیشن کے آنے کے لیے دعوت نامه بههنجا أرد يه إجها ظاهر كي اله إس ديلم كهشن مهی هند چهن درستی سنگه کل هند پیس کرنسل ا تریق یونین اور ویدن حلقوں کے پرتی ندھی اور هندستان کے نامی ودوان' لیکھک' سائنس دان' شکشا شاشتری وقیرہ بھی شامل ہوں ، یہ دعوت نامہ ستمبر کے پہلے هنتے کے آخیر میں ملا تھا اور دلی سے ہوائی جہاز میں روانه هرنے کی آخری تاریخ 20 ستمبر تھی ، اسلئے جادى جادى مين سب أنتظام كيا كيا ، بهر بهي يه کوشش کی گذی که قایلی گیشن مهن سب صوبوں کے اور علوم طرح کی وچار دهارا والے لوگ هوں .

تیلی گیشن کے 13 مدبر تھ اور 2 سکریڈری، چھن میں ھم لوگ 39 دن تک رہے ۔ داہیں سے لے کر اتر تک ہم نے چین کے سات بڑے بڑے شہر دیا ہے۔ کیلئی، پھکٹگ، مکتن، ٹلٹسن ؛ نائکنگ، شلگهائی اور ھانگ چو ۔ ھم نئے چین کی یونیورسٹیوں، اسکولوں، کالجوں، کیجی اور سرکاری کارخانوں، گڑں اور بازار ھاتوں میں بھی گئے۔ ہم نے رھاں کی عدالتوں کو کام کرتے دیکھا ۔ چین کے نئے لوگ سلکتھلوں کے کام کرتے کے طریقوں کو دیکھا سمجھا۔ ہم نے وھاں کے سلیما، تبھٹر، دیہائی اور دستکاری نمائشیں دیکھیں ۔ ھمارے لوپو کوئی پابلدی نمین نمین نمائشیں دیکھیں ۔ ھمارے لوپو کوئی پابلدی نمین تھیں دیکھی ممارے ساتھ پریم مکتے تھے ، کیا سرکار، کیا جنتا، سبھی ھمارے ساتھ پریم مکتے تھے ، کیا سرکار، کیا جنتا، سبھی ھمارے ساتھ پریم میں پیھی آئے اور دل کھول کر بات کرتے تھے ،

السمور 251

शुक्र. हिन्दुस्तान की बड़ी अदालत—सुप्रीम कोर्ट के चीक

- 7. रूसी इन्क्रलाव की 34 वीं सालगिरह—मास्कों में परेड. शान्ति के लिये अमरीकी राज पति दूमैन का बाडकास्ट—निहत्या करने के लिये तीन मद वाली योजना कश्मीर कानून सभा का इजलास खत्म.
- 8. रूसी विदेश मंत्री, विशिन्सकी का पांचों बड़ी साक्षतों की मीटिंग के लिये सुमाव बर्ल्ड बैन्क मिशन बम्बई पहुंचा—हिन्दुस्तान में पांच इन्ते रहेगा.
- 9. स्वेज शहर चौर पोर्ट सईद में कारोबार बन्द. कनाडा हिन्दुस्तान को एक करोड़ डालर का गेहूँ देगा.
- 10. सिक्युरिटी कौंसिल ने कशमीर के मामले में हाक्टर प्राहम को छै हक्तों की मोहलत और दी. सीरिया की सरकार ने स्तीका दे दिया. बीच पूर्वी कौजी दल बनाने के लिये फ्रांस, अमरीका, ब्रिटेन और रूस की तरफ से बयान.
- 11. बीच पूरबी फ़ौजी दल वालों के बयान पर आजम पाशा का एतराज. सूडान में "मुश्तरका मोर्चें" के नाम से एक नया आन्दोलन. उत्तर प्रदेश के 11 पूरबी जिलों के 13000 गांवों के 31 लाख लोगों के लिये अनाज का टोटा.
- 12. ब्रिटेन के बड़े बजीर अमरीकी राजपति से जनवरी में मिलेंगे. चुनाव खुबसूरती और नेक दिली से कताने के लिये पंडित जवाहर लाल की देश भर से अपील.
- 13. मिस्र में तीन दिन के लिये खतरे की हालत का एलान. नैपाल के बड़े बजीर राना का इस्तीका. आचार्य विनोधा जी भूदान यह के सिलिस में पैदल सकर करते हुए दिल्ली पहुँचे.
- 14. क्राहिरा में अंगरेजों के खिलाफ दिन मनाने के लिये पाँच लाख का जुलूस—बड़े वज़ीर नहास पाशा आगे आगे. सऊदी अरव और सीरिया मिस्र के हफ़ में हैं. नेपाल में भी कोइरेला नई मिनिस्ट्री बनाएंगे. रिज़र्व बैंक ने सूद की दर तीन की सदी से बढ़ा कर साढ़े तीन की सदी कर दी.
- 15. बाशिंगटन में ईरानी बढ़े वजीर डाक्टर मुस्सा-दिक्र का ऐलान—ईरान की माली हालत खतरे में—अमरीका ने रुपया देने से इनकार कर दिया. दिक्खनी अकरीका में मनी लाल गांधी का गारे क़ानून पर विरोध.

، هندستان کی ہوئی عدالت -- سهریم کورت -- کے. حساس کا دیہانت هولیا .

. روسی انقلاب کی 34 ویں سال کرہ — ماسکو رید . شانعی کے لئے امریکی راج پعی ترومیں کا .ت — نہتما کرنے کے لئے تین مد والی یوجفا . قانون سیما کا اجلاس ختم .

. روسی ودیش ملتری؛ وشلسکا پانچوں بری ں کی میتنگ کے لئے سجھاؤ . ورانہ بینک مشن ، پہونچا ۔۔۔ هندستان میں پانچ هفتے رہے گا .

، سوئو شهر اور پورت سعید میں کاروبار بند . مندستان کو ایک کررو ڈاڈر کا گیہوں دیکا .

سکیورتی کونسل نے کشمھر کے معاملے میں اراھم کو چھ ھفتوں کی مہلت اور دی ، سھریا کی نے استعفیٰ دے دیا ، بیچ پوربی قوبتی دل بٹانے فرانس' امریکہ' برائین اور روس کی طرف سے بیان ۔

امیچ پوربی فوجی دل والوں کے بھان پر اعظم اعتراض ، سودان میں '' مشعرکہ مورچے '' کے نام نیا آندولن ، آثر پردیش کے 11 پوربی ضلعوں کے 18 گؤوں میں 31 گؤتا ،

11. برتین کے بڑے وزیر امریکی راج پٹی سے جنوری ماہیئے . چناؤ خوبصورتی اور نیک دلی سے چالئے ، پندت جواهر لال کی دیش بھر سے اھدل .

11. مصرمیں تین دن کے لئے خطرے کی حالت ان . نیپال کے بوے وزیر وانا کا استعفی . آچاریہ جی بہودان یکیہ کے سلسلے میں پیدل سفر کرتے ، للی پہونچے .

1. قاهرہ میں انگریزوں کے خلاف دن منائے کے نے لاکھ کا جلوس — ہوے وزیر نصاس پاشا آگے آگے . ی عرب آور سیریا مصر کے حق میں دوں نیبال شری کوٹرالا نئی منسٹری بنالنگے . رزرو بینک نے کی در تین فی صدی سے بڑھا کر ساڑھے تین فی کر دی .

11. واشلکتن میں ایرانی ہوے وزیر داکتر مصادق نے ۔۔۔ ایران کی مالی حالت خطرے میں ۔۔۔ آمریکہ یہ دیلے سے انکار کر دیا ، دکھلی افریقہ میں ملی دھی کا کورے قانون پر ورودھ ،

- 26. जंगरेती जुनाव में कंकरवेदिव वृत जीत गया— वर्शित साहुव कर्व क्जीर बने.
- 27. कोरिया में सुलह की बात बीत जारी. तिब्बत के दलाई लामा ने बीन सरकार को क्रवूल किया. गुजरात में आकाल. मध्य भारत का वौरा करते हुए विनोबा जी आगरा जिले में घूमे.
 - 28. बीन से एक गुडविंक मिशन कलकता पहुँचा.
- 29. पूर्वी उत्तर प्रदेश में फसल की खराबी से पांच लाख आदमियों को तुक्तसान.
- 30. कन्बोडिया में फ्रान्सीसी हाई कमिश्नर मार-डाला गया. जिटेल के फीजी खफसरों का जापस में मशबरा.
- 31. बीच पूरवी पैक्ट में शरीक होने न होने के वास्ते क्ख की चेतावनी. नार्थे घटलांटिक पैक्ट में शामिल होगा. श्रीनगर में कश्मीर कानून सभा का इजलास शुरू. विलायती खाद बनाने वाले सिन्द्री (बिहार) के कारखाने में काम शुरू.

नवम्बर

- 1. चीन ने पंच क्रीम सुलहनामे के लिये अपील की. अंगरेजी हाकिमां को मिस्न सरकार की चेताबनी. थाई लैंड में कम्यूनिस्ट कारवाई जोरों पर. बंगाल के नए गवर्नर डाक्टर हरेन्द्र कुमार मुकरजी ने चार्ज लिया.
- 2. मराको में पुलिस और जनता में मुठभेड़---पांच आदमी हलाक. ब्रिटेन ने मिस्र में क्षीजें पहुँचाई. हिन्द् गुडिवक मिरान--सदर पंडित सुन्दर लाल-चीन से नई दिल्ली बापिस आया.
- 3. मिस्न की नील नदी की घाटी में तेल पर से घंगरेज़ों ने रोक टोक इटा ली. हिन्दुस्तान बरसों तक अनाज के मामले में स्वावलम्बी नहीं हो सकता—ग्वालियार में स्वातिंग कसीशन के एक मेम्बर का बयान.
- 4. घटलान्टिक पैक्ट में शामिल होने पर रूस की तुरकी को चेतावनी. सीरिया में राजकाजी हल चल. खेती की तालीन के लिये एक कुत्त हिन्द कौंसिल आफ एमी-कलचरल एजुकेशन बनाई जाएगी.
- 5. धारव देश मिस्न के साथ हैं—आजम पाशा का वयान. स्वेज नहर के इलाक में घंगरेजों के खिलाक मिस्न वालों ने "आजादी" की कारवाई शुरू की दिली यूनिवर्सिटी ने चीन गुडविल मिशन के सदर व पक मेम्बर को डाक्टरेट की डिथी मेंट की.
- 6. अंगरेजी नई पालिमेन्ट के खुलने पर बादशाह की स्वीय. यूनो की जनरस अधेन्वली का पैरिस में इजलास

- 27. کوریا میں صلح کی بات چیمت جاری ، تبت کے دلائی لا مانے چون سرکار کو قبول کیا ، گجرات میں اکال ، مدھیت بھارت کا دررہ کرتے ھوئے رنوبا جی آگوہ فلم میں گھونے ،
 - 28. چين سے ايک گذرل مشن کلکته پهنچا.
- 29، پوریی آتر پودیش میں قصل کی خرابی سے پانچ لاکھ آدمیوں کو نقصان ۔
- 80۔ کمبرتیا میں فرانسیسی ھائی کمشفر مار ڈالا گیا ، پرٹین کے فوجی افسروں کا آپس میں مشورہ ۔
- 31. بینچ پرربی پیکت میں شریک هوئے نه هوئے کے واسطے روس کی چیٹاونی. ناررے انقابتک پیکت میں شامل هوتا . هری نکر میں کشمیر قانون سبها کا اجلاس شروع . ولایتی کهاد بقانے والے سندری (بہار) کے کارخانے میں کار شروع .

قومهو

- 1. چین نے پنچ قوم صابح نامے کے لئے اپھل کی ، الگریزی حاکموں کو مصر سرکار کی چھٹاونی ، تھائی لیفقہ میں کمیونسٹ کاروائی زوروں پر ، بنگال کے نئے گورٹر قاکٹر ھریندر کمار مکر جی نے چارج لیا ،
- 2. مراکو میں پولیس اور جلتا میں متب بھیو پانچ آدمی ہلک برتین نے مصر میں فوجیں پہونچائیں ، هندگذول مشن چین سے نئی دلی واپس آیا .
- 3. مصر کی نیل ندی کی گھاتی میں تیل پر سے آلگریزوں نے روک توک مقالی، هندستان برسوں تک اناج کے معاملے میں سوارلمبی نہیں ہو سکتا گوالیار میں پلانڈگ کمیشن کے ایک ممبر کا بھان ۔
- 4. اثلانتک پیکت میں شامل هوئے پر روس کی ترکی کو چیٹاوئی، سیریا میں راچکاجی هل چل. کیهتی کی تعلیم کے لئے ایک کل هدد کونسل آف آگریکلچرل آیجوکیشن بدائی جائے گی.
- 5. مرب دیش مصر کے ساتھ هیں اعظم یاشا کا بھانی ، سوئز نہر کے عاتے میں انگریزرں کے خالف مصر والرب نے '' آزادی '' کی کاروائی شروع کی، دلی یونهورستی نے چھن گذرل مشن کے مدر و آیک ممبر کو قاکتریت کی تگری بھیلت کی ،
- 6. انگریزی نئی پارلیمات کے کہلنے پر بادشاہ کی اسیعے، یو نو کی جارل اسبیای کا پیرس میں اجلاس

A STATE OF THE STA

देश विदेश की डायरी

(16 अक्तूबर 1951 से 15 नवन्बर 1951 तक)

धकतूबर

- 16. क़ाहिरा चौर सिकंदरिया में अंगरेखों के खिलाफ़ सरगरियां. क्रमीर के बारे में डाक्टर प्राहम ने अपनी रिपोर्ट सिक्युरिटी कौंसिल में पेश की पाकिस्तान के बड़े बजीर नवाब जादा लियाक़त अली खां रावलपिंडी में गोली से मार दिये गए.
- 17. ख्वाजा नाजिसवद्गीन पाकिस्तान के बड़े बजीर और सैयइ गुकास मुहस्मद गश्ररनर जनरस मुहर्गर किये गए. सत्यवती नगर (नई दिल्ली) में हिन्द कांगरेस का 57 वां इजलास शुरू.
- 18. मिस्र में स्वेख नहर के इलाक़े में आंगरेशी और मिस्ती कीओं में मुकाबला. पंडित नेहरू की सवारत में आंगरेश का खुला इजलास.
- 19. मिस्न सत्याग्रह करेगा अंगरेजी चीजों का बोईकाट शुरू, कांगरेस का इजलास खत्म. 24 वरस पुरानी आत इंडिया स्टेटस पीपुल कान्फ्रेस ने अपना संगठन खत्म किया.
- 20. दिल्ली में भारती जन संघ का डाक्टर शयामा प्रशाद मुकरजी की सदारत में पहला जलसा. गुजरात से लेकर पंजाब तक 1000 मील लम्बे इलाड़े में कसल को भारी तुक्रसान.
- 21. कोरिया में अमरीकी और कन्यूनिस्ट अफसर मुझइ की बात बीत करने को तैयार. बर्मा के बड़े वजीर नई दिल्ली पहुंचे.
- 22. स्वेज नहर की जहाजरानी पर अंगरेजों का कब्जा. चीनी नेता माच्यो-त्से-तुग की अमरीका से ईमानदारी के लिये अपील. फारमूसा में जलजला.
- 23. मिस्र अपने इक्त के लिये लड़ने को तैयार— नहासपाशा का एलान. कम्यूनिस्टों ने तेलंगाना (हैदराबाद) में आन्दोकन बन्द किया. तालीम का ढंग बदलने के लिये बम्बई के बड़े बजीर बाला साहब की अपील.
- 24. यूनो हे दुनिया में जगह जगह मनाया गया. मिस्र में अंगरेकों के खिलाफ जगह जगह जुलूस व मीटिंग. सूचा सरहद में आजाद चुनाव के लिये पखतूनों की मांग.
- 25. त्रिटेन में साम चुनाव. पत-मत-जू. (कोरिया) में सुसह की बात चीत शुरू. हिमाचत प्रदेश में चुनाव शुरू.

ںیش وںیش کی ڈائری

(16 اكتوبر 1951 سے 15 نومبر 1951 تك)

اكعوبر

- 16. قاهرہ اور سکندریا میں انگریزوں کے خلاف سرئرمیاں ، کشمیو کے بارے میں ڈاکٹر گراهم نے آپنی رہورت سیکیورٹی کونسل میں پیش کی، پاکستان کے بڑے رزیر نواب زادہ لیالت علی خان راول پنتی میں گولی سے ماردئے گئے ،
- 17. خواجه ناظم الدین پاکستان کے بڑے وزیر اور سید غلم محصد گورنوجڈرل مقرر کئے گئے ، ستھه وتی نکر (نئی دلی) مهی هلد کانفریس کا 57 وال اجلاس شروع،
- 18. مصر میں سوئو نہر کے علاقے میں انگریزی اور مصری فوجوں میں مقابلت ، بلڈت نہرو کی مدارت میں کانگریس کا کہلا اِجلاس ،
- 19. مصر ستیناگرہ کریکا—انگریزی چیزوں کا بائی کات شروع ، کانگریس کا اجلاس ختم ، 24 بوس پرانی آلاندینا استیتاس نیویل کانفرنس نے ایدا سلکیتان ختم کیا ،
- 20. دلی میں بھارتی جن سنگه کا ڈاکٹر شیاما پرشاد مکرجی کی صدارت میں پہلا جلسہ ، گجرات سے لیکر پنجاب تک 1000 میل لمبے علاتے میں قصل کو بھاری نقصان .
- 21. کوریا میں امریکی اور کنیونسٹ افسر صلع کی بات چیت کرنے کو تھار ، برما کے بوے وزیر نگی دلی پہونچے
- 22. سویو نهر کی جهاز رانی پر انگریزوں کا قبضہ . چیلی نیٹا ماوتسے تلک کی امریکہ سے ایمان داری کے لگے ایمان میں زلزلہ .
- 23. مصر آبھ حتی کے لگے لونے کو تھار نصاص پاشا کا اُملان ، کمیونسٹوں نے تھلٹانٹ (حیدرآباد)، میں آندولن بند کیا ، تعلیم کا دَمَنگ بدلنے کے لئے بندگی کے بڑے وزیر بالا صاحب کی ایپل ،
- 24. یونو دے دنیا میں جگہ جگہ مقایا گیا ، مصر میں انگریزوں کے خلاف جگہ جگہ جلومی و میگنگ ، موبد سوعد میں آزاد جفاؤ کے لئے پشتونوں کی مانگ ،
- 25. پرتهن میں عام جداؤ ، پن ، من ، جو ، (کوریا) میں صلح کی بات چیت شروع ، هناچل پردیش میں چناؤ شروع ،

डाब हम अपने चीनी दोस्तों से बिदा मांगते हैं.
सिर्फ अपने मेखवानों से ही नहीं बिल्फ चीन की महान
जनता से बिदा मांगते हैं. जनता की तरफ से स्वागत
श्रीर ग्रुभ कामनाएं जहां भी हम गए हर जगह हमें
मिलती रहीं—पेकिंग या टिनसिन, नानिकंग या शंवाई,
केन्टन या मुकडन, गांव या कारखाने, यूनिवर्सिटी या
स्कूल, अदालनें या थेटर. सच यह है कि सड़कों-गिलयों
तक में अजनबी लोगों ने भाई चारे व दोस्ती की मुस्कान
के साथ हमारा स्वागत किया.

श्रव हम वापस जा रहे हैं. ऐसे वक्त श्रपनी श्रहसान मन्दी दिखलाने का हमारे पास सिर्फ एक ही जरिया है. वह यह कि श्रपने लोगों के पास—जिनके प्रतिनिधि बन कर हम यहां श्राप—जाकर हम वह श्रुभ कामनाएं पहुंचा दें जो नए चीन की जनता और नेताओं से हमें मिलीं. और उस श्रवरज भरी हर-पहलू तरवक्षी की भी जानकारी उन्हें दें जो श्रापने इन दो बरसों में की है. इस तरह हमको श्रापको मिलाने वाले प्रम और दोस्ती के—जो सम्बन्ध दो हजार बरम से चले श्राते हैं—बन्धन में बांधने वाले धारों को फिर से जोड़ कर हम मजबूत श्रीर पक्षा करें गे.

सुन्दर लाल (सदर)
आर. के. करंजिया
टी. चक्रव्रती.
(बहन) हना सेन.
जे. सी. कुमारप्पा.
खवाजा आहमद अञ्चास.
वी. के. आर. बी. राव.
जी. पी. हत्थी सिंह.
रिमल भट्टाचार्य.
एम. भगेरिया.
बी. कल्यानम.

آب هم آئے چھلی درستیں سے بدأ مانکتے هیں، موف آئے میزان سے هی نہوں بلکه چین کی مہان جلتا ہے بدأ مانکتے هیں، مہان جلتا کی طرف سے سوالت اور شبه کا منائیں جہاں بھی هم لئے هر جگت همیں ملتی رفیں ۔۔۔ پیکنگ یا تیلسن' نانکن یا شنکھائی' کینتن یا مکدن' گؤں یا کارخانے' یونیورستی یا اسکول' عدالتیں یا تھیڈر سے یہ ہے کہ سوکوں یا اسکول' عدالتیں یا تھیڈر سے یہ ہے کہ سوکوں گلیوں تک میں اجذبی لوگوں نے بھائی چارے و دوستی گی مسکان کے ساتھ همارا سواقت کیا ،

آب هم واپس جا رهے هيں . ايسے وقت اپنی احسان مقدی دکھلانے کا همارے پاس صرف ایک هی ذریعہ هے وہ یہ کہ ایپے لوگوں کے پاس — جن کے پرتی ندهی بن کو هم جو نئے — جا کر هم وہ شبه کاملائیں پہونچا دیں جو نئے چهن کی جفتا اور نیتاؤں سے همیں ملهں . اور اس اچرج بهری هر پہلو ترقی کی بهی جانکاری آنهیں دیں جو آیه ان دو برسوں مهں کی هے . اِسطرے همکو آپ کو مقلے والے پریم اور دوستی کے — جو سمبنده دو هوار پرس سے چلے آتے هيں — بندهن ميں باندهنے والے دھائے کو پہر سے جو ر کر هم مضبوط اور پیکا کریں گے .

سندر لال . (صدر)

آر ، کے ، کرنجها ،

ٿي چکرورتي.

(بهن) هلاسهن .

چے ، سی ، کمارپیا ،

خواجه احدد عباس.

وی ، کے ، آر ، ری ، راؤ ،

جي ، پي ، هٽهي سلگه ۽

نرمل بهتا چاریه .

ايم بهگهريا .

وى . كليانم ا

ارر پرشوتم پرشاد .

पुनर्जन्म हो रहा है. हमारे चीनी भाईयों के पास अगी का अनुभव और जानकारी है. सनके अन्दर सदियों पुरानी इनसानी कलचर के संस्कार हैं. सैकड़ों बरसों की आगीर-दारी, गुलामी और साम्राजशाही, शोशन के बावजूद सनकी हिम्मत और नेकी में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया है. अब हमारे इन भाईयों को प्रेरना और शक्ति का एक नया सोता मिल गया है जो उन्हें हमेशा मस्त रखता है. यह सोता है चीन की नई सरकार और उसके नेता चेयरमैन माओ-से-तुंग जो जी जान से अपने लोगों की सेवा में लगे हुए है.

आजादी के बाद दो बरस के अन्दर क़ौमी फिर-बनाब के काम के सभी दायरों में जो तरक़्क़ी बन्होंने की है इससे पशिया के सभी देशों को प्रेरना मिलती है.

जो नई बड़ी तबदीलियां हमने यहां देखीं उनमें से सिर्फ दो की तरफ हम इशारा करेंगे. एक है नए चीन का जमीन सुधार जिसकी बदौलत तीस करोड़ चीनी किसान सादयों की गुलामी से मुक्त हो गए. यह ऐसा इन्क्रजाबी कदम है जो दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं मिलता. दूसरा है यहां का नया शादी क़ानून, जिसने चीन की औरतों को आजादी और बराबरी का दर्जा दे दिया है. इस चीज का एक बहुत दूर-गामी असर सारी दुनिया की, खास कर पशिया की औरतों पर पड़ने बाला है.

लोगों की ऊंची भावना.

यहां के मजदूर और किसान पैदाबार के बड़े भारी काम में लगे हैं. उनके देश प्रेम की आग एक-सू हो कर सगन से काम करने की आदत देख कर हम दंग रह गए. नए चीन के नौजवानों की ऊंची भावना और क़ुरवानी का जजवा देखकर भी हम पर बहुत असर पड़ा. हमने देखा कि अपने देश की आने वाली बेहतरी की खातिर यह जवान मर्द औरत खुशी खुशी तकली में सह रहे हैं और जिस आत्म विश्वास के साथ अपने नन्हें कंचों पर भारी से भारी बोक उठा रहे हैं, वह तो कमाल की बात है.

मआदूर तबक्के के या जंग आजादी के बहादुर मर्द औरतों ने तो हमारे सामने एक नई दुनिया ही पेश कर दी. बनके अन्दर की रचनात्मक बहादुरी में निजी कामयाबी और बहोतरी की शान-अजमत के साथ साथ कुल देश के लोगों का दित बहुत ही सुन्दर ढंग से पैवस्ता है. और नए चीन के बच्चों को देख कर तो हमारा मन ही मोहित हो गया. उनके चमकते, हंसमुख और प्रसन्न चेहरों पर हमें चीन के इतिहास के नए सबेरे की आमा दिखलाई पड़ी. جنم هو رها هے ، هیارے چینی بھائیوں کے اندر صدیوں اسانی کلنچر کے سنسکار هیں ، سیکورں برسوں کی انسانی کلنچر کے سنسکار هیں ، سیکورں برسوں کی داری فقصی اور سامراج شاهی شوشن کے ان کی هدت اور نیکی میں رتی بھر بھی فرق آیا هے ، آب همارے اِن بھائیوں کو پریرنا اور شکتی نیا سرتا مل گیا هے جو اُنھیں همیشت مست رکھنا یہ سوتا هے چین کی نگی سرکار اور اس کے نیتنا ین ماؤنسے تنگ جو جی جان سے آئے لوگوں یوا میں لگے هوئے هیں ،

زادی کے بعد دو برس کے اندر قومی پھر بقاؤ کے کام مبھی دائروں میں جو ترقی اُنھوں نے کی ہے اُس سے اُنے مبھی دیشوں کو پریرنا ملتی ہے .

جو نئی ہوی تبدیایاں هم نے یہاں دیکھیں آن سے صرف دو کی طرف هم اشارہ کریلگے . ایک هے چین کا زمین سدهار جس کی بدولت تیس کرور کسان صدیوں کی فلامی سے مکت هوگئے . یہ ایسا ی قدم هے جو دنیا کے اتہاس میں کہیں نہیں ملتا . اھے یہاں کا نیا شادی قانون جس نے چھن کی کو آزادی اور برابری کا درجہ دیا ھے . اُس چھن کی ایہت دور کامی اثر ساری دایا کی خاصکر ایشیا کی پر پرنے والا ہے .

لوگوں کی اونچی بھاوتا ۔

یہاں کے مزدور اور کسان پیداوار کے بڑے بھاری کام لگے ھیں ۔ اُن کے دیش پریم کی آشا اُور ایک ہو کر لگن سے کام کرنے کی مادت دیکھکر ھم دنگ رہ نئے چین کے نوجوانوں کی اونچی بھاونا اُور اُن کا جذبہ دیکھکر بھی ھم پر بہت اثر پڑا ، ھم نے اُن کہ ایے دیش کی آنے والی بہتری کی خاطر یہ مرد عورت خوشی تکلیفیں سہت رہے ھیں ۔ مرد عورت خوشی خوشی تکلیفیں سہت رہے ھیں ۔ مس آتم وشواس کے ساتھ آئے نئیے کلدھوں پر بھاری سے بوجھ اُٹھا رہے ھیں وہ تو کمال کی بات ہے .

مؤدور طبقے کے یا جنگ آزائی کے بہادر مرد مورتوں نو همارے سامنے ایک نئی دنیا هی پیش کر دی ، لئے اندر کی رچناتمک بہادری میں نجی کامیابی اور نری کی شان عظمت کے ساتھ ساتھ کل دیش کے کا هت بہت هی سندر تهنگ سے پیوستا هے ، اور چین کے بیچوں کو دیکھکر تو همارا من هی موهت ایر آن کے چمکتے هنس مکھ اور پرسن چهروں میں جھن کے اتہاس کے نئے سویرے کی آبھا اگی پی

The second second section in the second

इस काम को जनजाम देने के जिए दस लाख नए मास्टर भरती किये जा रहे हैं. चनको ट्रेनिंग दी जा रही है और कुछ दिनों बाद खोंक शिक्कों की कल नरी कीज की तादाद में कम से कम नीस लाख जनान मई बौरत होंगे.

तालीम की मिनिस्ट्री अपने इस महम काम को पूरा करने की कोशिश कर रही है. पहला करम उठा लिया गया है. हमें यकीन है कि अपने काम में हमें कामयाबी क कर मिलेगी. इस कामयाबी की गारंटी मार्क्स बाद-जेनिन वाद के उस्तूल हैं, माओ-से-तुँग के उपदेश हैं और चीनी कम्यूनिस्ट पारटी की रहनुमाई है.

('शंघाई न्यूज' से)

اس کام کو انتجام دیلے کے لئے دس لاکھ نئے ماسٹر بھرتی کئے جا رہے ھیں' اُن کو تریفنگ دی جا رھی ھے اُرر کچھ دنرں بعد لوگ شکشکوں کی کلچری فوج کی تعداد میں کم سے کم بیس لاکھ جوان مرد عورت ھرنگے ،

تعلیم کی ملسٹاری اپنے اِس اھم کام کو پورا کرنے کی کوشھ کر رہی ھے بہلا قدم اُٹھا لیا گیا ھے ، ھمھن یقین ھے کہ اپنے کام میں ھموں کامهابی ضرور ملم گی ، اِس کامهابی کی گرنٹی مارکس واد—لیٹن واد کے اُصول ھیں ماوتسے تذکی کے اُپدیش ھیں اور چھڈی کمھونست پارٹی کی رھلمائی ھے ،

(' شفكهائي نهوز ' سے)

चीन की जय

(हिन्द् गुडविल मिशन का बयान)

चीन में इस लोग चार इक्ते रहे. इसकी याद इसें हमेशा बनी रहेगी. इस अर्से में इसने जो बहुत से अपने दोस्त अजीज बनाए उनसे अब इमें बिदा होना पड़ रहा है. इस अपने देश बापस जा रहे हैं. लेकिन अपने इस सफर की लुभावनी याद मुलाए न भूलेगी. यहां पर जो मुहज्बत, दोस्ती, स्वागत, आब भगत हमारीकी गई उनके बोक से इस दबे जाते हैं, और न इस इन्हें कभी भूल सकते हैं.

बीन की जिन लोक संस्थाओं ने बड़े प्रेम के साथ हमें बुलाया था—जैसे चीन पीस कमेटी, कुल बीन फैडरेशन आफ हिमाकेटिक विमेन, कुल बीन असोसियेशन आफ राईटर्स एन्ड आर्टिस्ट और न्यू डेमोकेटिक यूथ लीग—उनके हम कितने अहसान मन्द हैं हम कह नहीं सकते. चीनी लोकराज की दूसरी साक्षिगरह के मौक्रे पर हमारे इन मेजबानों ने हमारी, जो लाविर की वह बयान से बाहर है. उन्होंने बेहद तकलीकों बद्दित करके हमें हर तरह का आराम पहुँचाने की कोशिश की. यही नहीं, उन्होंने हमें मौक्रा दिया कि नए चीन के जीवन के जुदा अहस पहलुकों को अच्छी तरह देखें और समकें.

चीन की इन्क्रलाबी तरक्की.

इस मौक्रे के किये इम खास तौर से अइसान मन्द हैं क्योंकि इमें यह देखने की खुश क़िसमती हासिल हुई कि किस तरह एक प्राचीन और महान देश का शानदार چين کی جے (هند کڌول مشن کا بيان)

چهن مهن هم لوگ چار هنتے رہے . اِسکی یاد همهن همیشه بنی رہے گی . اِس موسے میں هم نے جو بہت سے ابی دوست عزیز بنائے اُن سے اب همهن بدا هونا بورها هے . هم ابنے دیش واپس جا رہے هیں . لیکن آبنے اِس سفر کی لبهاونی یاد بهائے نه بهولے گی . یهان پر جو محبت دوستی سوائت آ و بهائت هماری کی گئی اُن کے بوجه سے هم دیے جاتے هیں اور نه هم اِنهیں کہی بهول سکتے هیں .

چین کی جن لرک سنستهاؤں نے بڑے پریم کے سانھ همیں بلایا تھا — جھسے چین پیس کمیٹی' کل چین فیڈریشن آف تیماکریٹک ریمن' کل چین فیڈریشن آف رائٹرس اینڈ آرٹسٹس اور نیو ڈیمو کریٹک یوتھ لیگ — اُن کے هم کتنے احسان مند هیں هم کھ نہیں سکتے ، چینی لوک رائے کی دوسرے سال گرہ کے موقعے پر همارے اِن میزبانوں نے هماری جو خاطر کی وہ بیان سے باهر هے ، اُنھوں نے بے حد تکلیفیں برداشت کر کے همیں هر طرح کا آرام پہونچانے کی کوشش کی ، یہی نہیں' اُنھوں نے همیں موقع دیا کہ نئے چین کے جھوں کے جدا جدا جدا پہلوؤں کو لچھی طرح دیکھیں اور سمجھیں ،

چين کي انقلابي ترقي .

اس موقعہ کے لکہ خاص طور سے احسان ملد ہیں کیونکم معدی یہ دیکھنے کی خوش قسمتی خاصل ہوئی کہ کس طرح ایک پراچوں اور مہان دیش کا شاندار

के साथ अपने आवरी वाद को फिर से नई शकक देने की कि हैं हैं हैं कर करें के लिए हैं की कि काम कर रहे हैं.

चीन में भीरे भीरे खेती सुभार का श्रीप्राम पूरा हो रहा है, खेती और दस्तकारी-कारखानों का विकास हो रहा है और वह अपने रंग में आ रहे हैं, जनता के रहन सहन का दर्जा ऊंचा उठ रहा है और क़ौमी रचना के लिये बढ़े पैमाने वाली योजनायें भी अमल में आ रही हैं. इनकी वजह से हमारे तालीमी निजाम पर बढ़ी जिम्मेदारी आ पड़ी है--राश्ट्रीय पुनर्रचना के काम के लिए काकी तादाद में जवानों को तैयार करना और साथ ही साथ देश के कच्चों की तालीम की मांग पूरी करना. पिछले दो बरस का काम हमारे जागे के काम के मुकाबले में, जैसा चेयरमैन माओ-स्से-तुँग ने एक बार कहा था, "दस हजार कोस के सफर का सिर्फ पहला क़दम" जैसा है.

इन नई बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिये चीनी सरकार की इन्तजामिया कौन्सिल ने 10 व्यवस्त 1951 को पुराने स्कूली तरीके के सुधार के लिये ठहराव पास किए और बीनी लोकराज की मंजिल के पहले क़दम के लिये नया स्कूली तरीक़ा जारी किया. यह नया तरीक़ा इस बात की गारंटी होगा कि सब काम करने वालों और उनके बच्चों को तालीमी आसानियों का आनन्द लूटने का पूरा मीका मिले. इसकी बदौलत जनता में का हर मर्द-औरत-जिसमें जो तासीर है--उसके मुताबिक सच्चे और पक्के तौर पर देश निर्मात के काम में हाथ बंटा सकेगा.

दस लाख नए मास्टरों की ट्रेनिंग.

लोक तालीम के चीनी कार्यकर्ता अपने अन्दर के क्किलाबी जजबे का सही इस्तेमाल कर रहे हैं. इसकी ब्दीस्त वह अपनी आरजी अङ्चनों और कमियों का कुकावला आसानी से कर लेते हैं. आने वाले कुछ बरसों । बन्हें एक हेद लाल के करीय ट्रेन्ड जवान मर्द भौरत थार करना है जो देश निर्मान में जोरदार हिस्सा ले सकें मौर पांच लाख मामूली जवान तैयार करना है. इनका गम है कि सारे चीन के किसान और मजदूर बुनियावी ज्ञाचरी तालीम पा जाएं. धनका यह भी काम है कि ारखानों में लगे सभी आदमियों को राजकाजी तालीम नेता जाए और उनके बीच से अहातत एक दम खत्म हो ाए, राजकाजी तालीम हर किसान को देनी है और लिखना इना भी उनमें से बहुत से जवानों को सिखाना है. हमारे स्मने दूसरा कौरी मक्कसद यह है कि स्कूल जाने वाजी मर के बच्चों में से 80 की सदी के ऊपर बच्चों को क्तीम पाने की आसानी मिले और देश के जितने जवान क्षत सबको तालीम के लियं पूरे पूरे साधन होने चाहियें. ي رهِ ههن -

چهن میں دههرے دههرے کیهتی سدهار کا پروگرام سرا عو رها هے کوبیتی أور دستكارى-كارخانس كا وكاس مررها هے آور وہ اور رنگ میں آ رہے میں جلتا کے رهن سين كا درجه أونجا أته رها هي أور قرمي رجلا كي لئے بوء بيدانے والی يوچگاڻيس بھي عدل ميس آرهي هيں . اِن کی رجه سے همارے تعلقمی نظام پر ہوی ذمنداری آ ہوی م ــ راشتری پدر رچلا کے کام کے لئے کافی تعداد میں جرانوں کو تھار کرنیا آور ساتھ ھی ساتھ دیش کے بحور کی تعلیم کی مانگ پوری کرنا ، پنچهلے دو پرس کا کام همارے آئے کے کام کے مقابلے میں جوسا چھرمین ماؤنسے للگ نے ایک بار کہا تھا ' ' دس هزار کرس کے سفر کا صرف يهلا قدم " جهسا هے .

اِن مُنِّی ہوھتی ہوئی سانگوں کو پورا کرنے کے لیّے چیلی سرکار کی انتظامیه کونسل نے 10 اگست 1951 کو پرالے اِسکولی طریقے کے سدھار کے لئے تھھراؤ یاس کئے ارر چینی لوگ رأم کی منزل کے پہلے قدم کے لئے نہا إسكولي طريقه جآري كها . يه نها طريقه إس بات كي کارندی هوکا که اب کام کرنے والوں اور اُن کے بچوں کو تعلیمنی آسانیس کا آنده لوللے کا پورا موقعه ملے ، اِسکی بدولت جنتا میں کا هر مرد عررت ۔۔ جس میں جو تاثیر ہے أسكم مطابق سجے أور يكم طور پر ديھى نومان كے كام میں هانه بتا سکے گ

دس لائه نگ ماسگرون کی تریننگ .

لوک تعلیم کے چیئی کاریہ کرتا آئے آندر کے اِنقلابی جذبے کا صحصیم استمال کو رہے میں ، اس کی بدولت وہ ایڈی عارضی ارجائوں اور کمھرن کا مقابلہ آسانی سے کو ليتے هيں آنے والے نجه برسوں ميں أنهيں ایک تيوه لاء کے قریب ٹریلڈ جوان مرد عورت تھار کرنا بھے جو دیھی نرمان میں زوردار حصه لے سکیں اور پانیج لاکھ معمولی جوان تیار کرنا ہے . اِن کا کام ہے که سارے چین کے كسان اور مزدور بلهادي كلحوري تعلهم يا جائيس . أن كا یہ بھی کام ہے کہ کارخانوں میں لگے سبھی آدمھوں کو راج کاجی تعلیم مل جائے اور اُن کے بوچ سے جہالت ایک دم خعم هو جائے ، راج کاجی تعلیم هر کسان کو دیلی ہے اور لکھلا پوھلا بھی اُن میں سے بہت سے جوانوں کو سکھانا ہے . همارے ساملے دوسرا نوجی مقصد یے ہے کہ اِسکول جائے والی عمر کے بنجوں مهن سے .80 فی مدسی کے اُریز بنچوں کو تعلیم یائے کی آسانی ملے آرر دیش کے جانے جوان هیں اُن سب كي تعلقم كم لك يهوري يوري سادهن هوني جاهلين .

> ·51 years

And the state of the second of

(514)

गार तिमीन के कास में सब में जियादा कायदेमन्त साबित हो मकते हैं. सब यह है कि भाज हमारे कालिजों को रोना उहता है कि पूरी तादाद में विद्यार्थी नहीं मिलते क्योंकि मंक्रन्डी स्कूल में तालीम लेने के बाद वह बाहर काम पर निक्त जाते हैं. जमीन के बटवारे के बाद किसान मां-बाप __ उनकी आंखें शान से चमकती होती हैं— अपने बच्चों को लेकर स्कूल चलते चले आते हैं और उनके दाखिले की मांग करते हैं. बहुत से प्राईमरी स्कूल तो एक दम भर गए हें और सब उम्मीद बारों को भरती करने से मजबूर हैं. कल किसान-जो अपर के बोमों से मुक्त हो कर खद मखतार बन गए हैं - अपने ही बल पर बड़ी तादाद में नए नए स्कूल खोल देते हैं. लोगों की इस वालीमी प्यास से शिचकों या मास्टरों के अन्दर शिद्धत की डमंगें पैदा होती हैं. वह सोचते हैं कि हमारी लोक शिचा का भविश्य कितना सुन्दर होने जा रहा है और लोक शिचक होना कितने गौरव की बात है.

े विकास के प्रकार करा बाब

श्राज चीनी जीवन के हर पहलू में नए व पुराने में कश्मेकश हो रही हैं. इस वजह से समाज के हर दायरे में बड़ी बड़ी तबदीलियां जोरों से हो रही हैं. हमारे तीनों ब्रान्दोलनों-से ब्रमरीकी हमले,का मुक़ाबला श्रीर कोरिया को इमदाद, खेती सुधार श्रीर ग़ैर इन्फ़लाबी लोगों को दबाना - जनता की तालीम सफलता से आप से आप होती हैं. चीन के साढ़े 47 करोड़ भाई बहनों में देश प्रेम के साथ साथ अन्तर क़ौमी भावना अच्छी तरह बढ़ रही है. इतिहास का यह तक्षाजा है कि जब दूसरे बढ़े चले जा रहे हों तो एक आदमी खड़ा नहीं रह सकता. चीन की गहरी समाजी तबदिलीयों का असर वहां की ताजीम पर भी पड़ा है. आप से आप इस में सुधार हो रहा है और यह अंचे दर्जे की तरक जा रही है.

अभी हाल में एक तहरीक चलाई गई. उसमें तालीम के अन्दर "सुधार वाद" पर जो पुराने खयाल थे उन पर चर्चा और बहस.की गई. यह सुधार वाद इन्क़लाबी कान्दोलन के रास्ते में रुकावट पैदा कर देता है. इस तहरीक में हमारे सभी कारकुन शरीक हुए और पुराने आदर्श बाद के असर के जिलाफ आन्दोलन ने जोर पकड़ा. इस तरह की गम्भीर बहसों से तरह तरह के तालीमी सुधारों के लिये खासा दिमागी मसाला मिलता है. श्रीर विशेष कर करीकुलम के और पढ़ाई का कोर्स बनाने में-जो तालीमी इन्कलाब में सब से जियादा ऋहमियत रखने बाली चीजें हैं. इसके अन्दर यह लाजमी था कि दुनिया या विश्व के बारे में जो दो अलग अलग रायें हैं उनमें मुक्ताबला हो-यानी आदर्श वाद और भौतिक वाद में मुक्तावला, माकस वाद, लेनिन वाद, और मामो-त्से-तुँग के

والشكر ترمان كے كام ميںسب ميں زياده فائدے مند ثابت هوسکتے ههن . سم يه هے كه آج همارے كالحون كو رونا رهتا ہے که پوری تعداد میں ودیارتھی نہیں ملتے کیونکه سيكفقري أسكول مهن تعليم لينے كے بعد ولا باهو كام ير نعل جاتے هيں. زمين كے بتوارے كے بعد كسان ماں ہاپ ان کی آنکھیں شان سے چمکٹی ہوتی میں امے بچوں کو لے کر آسکول چلانے چاتے آتے موں اور اُن کے داخلے کی مانگ کرتے هیں . بہت سے پرائمری اسکول تو ایک دم بهر کئے هیں اور سب اُمهدواروں کو بهرتی كرت سے معجدور ههور كچه كسان-جو أوپر كے بوجهوں سے مكيت هوكر خود مكار بن كيَّ هين سائع هي بل پر بعد تمدان مهي نئم نئر اسكول كهرل ديتم هيس ، لوگون کی اِس تعلیمی پیاس سے شکشکوں یا ماستروں کے اندر شدت کی اُمنگیں بیدا هوتی هیں ، ولا سوچاتے هیں که هماري لوک شکشا کا بهرشیء کتفا سندر هونے جارعا هے اور لیک شکشک هونا کندے گورو کی بات ھے .

آبے چیلی جہوں کے هر پہلو میں نئے و پرانے میں کشبکش هررهی هے ایس رجه سے سمام کے هر دائرے میں بڑی بڑی تبدیلیاں زوروں سے هورهی هیں ، همارے تهنون آندوللون سے امریکی حملے کا مقابلہ اور کوریا کو امداد کهیعی سدهار اور فیر انقلابی لوگوں کو دیایا--جلتا کی تعلیم سپهلتا سے آپ سے آپ ہوتی ہے ، چھن کے ساتھے 47 کرور بھائی بھلوں میں دیش پریم کے ساتھ ساته انتر قومی بهاونا أجهی طرح بوه رهی هے . أتهاس کا یہ نقاضہ هے که جب دوسرے بوهے جانے جارهے هوں تو ایک آدمی کهوا نهیس ره سکتا . چین کی گهری سماجی تبدیلهوں کا اثر وہاں کی تعلیم پر بھی پوا ہے . آپ ہے آپ اُس مهن سدهار هرزها هے اور یه اونتے درجے کی طرنب جا رهي هے .

ابهی حال مهن ایک تحریک چلائی گئی، اُس میں تعلیم کے اندر '' سدھار راد '' پر جو پرانے کیال تھے أن ير جرچا آور بنتث كى كئى . يه سدهار واد انقلابي آندولن کے راستے میں راوٹ پیدا کر دیتا ہے اس تعصريك مهن هماري سجهي كاركن شريك هوئيه أور يراني آدرم واد کے ادر کے خلف آندرلن نے زور پکوا ، إسطوم کی گمیهور بحدثوں سے طرح طرح کے تعلیمی سدھاروں کے لیے خاصا دمافی مساله ملتا هے . آور وشیش کر کریکولم کے أور يوعائي كا كورس بقالم مين -- جو تعليمي انقلاب مهن سب سے زیادہ اھمیت رکھنے والی چھزیں هیں ، اِسکے اندر یہ الرمی تھا کہ دنیا یا وشو کے بارے میں جو دو الگ الگ رائیں هیں آن میں مقابله هو سیعلی آدرهی راد آور بهونک راد میں مقابله . مارکس رأه لهلن وأه أور ماؤتسے تدی كے

के लिये पांच बड़े बड़े इन्क्रिलाबी कालिज खोले गए हैं. इन कालिजों में हजारों लाखों मर्व औरत अब तक राज-काजी तालीम पा भी चुके हैं.

1951 के पहले दौर तक चीन के 5100 से केन्ड्री स्कूलों में पढ़ने वालों की तादार 15,70,000 थी. उंची सालीम की 201 संस्थाएं थीं (यूनिवर्सिटी, कालिज, खास ट्रेनिंग के स्कूल) जिनमें 1951 के शुरू में छै माह में 1,28,000 विद्यार्थी थे. इन से केन्ड्री स्कूलों और उंची विद्या की संस्थाओं में भरती जड़ाई के पहले से कहीं जियादा है.

इन कामयावियों के साथ साथ यह भी ध्यान देने की बात है कि सारे देश के विद्वान बड़ी लगन के साथ तालीम ले रहे हैं और अपने आदर्श और खयालात को फिर से ढाल रहे हैं. आआदी के बाद वाले पहले साल में, तालीमी कार्यकर्ताओं में से ही. चार लाख से ऊपर लोग शर क हुए, यहां उन्हें "समाजी विकास का इतिहास", माश्रो-त्से-तुंग का नया लोकराज" और चीनी क्रांति पर इसरी बहम किताबों के जरिये तालीम दी गई. आज कल सारे देश के तालीमी जवान 'कम्युनिस्ट पारटी के जवानों की तरह' सरकार में, जीज में, लोक संस्थाओं में रोज दो घंटे पढ़ते हैं. पदने वाले विश्यों में सरकारी नीति, राजकाजी वसुल और दस्तकारी के इनर बताये जाते हैं. सारे देश के चीनी विद्वान मार्क्स बाद, लेनिन बाद और माओ-त्से-तुँग के उपदेश पद रहे हैं चीन के मास्टरों ने अपने सामने यह मक्तसद रखा है-जनता के मासरों को शब्छे मार्क्स बादी होने के साथ साथ अच्छे मासर भी होना चाहिये."

लोक शिक्षा के दायरे में काम करने वालों ने 'एजुकेशनल वर्कर्स द्रेडयूनियन' नाम का एक संगठन खड़ा किया है. इसके आज दस लाख मेम्बर हैं.

हर ग्रे जुएट की मुलाज़मत.

चीन के तालीमी कार्यकर्ता को नाज है कि आपने देश वासियों की सेवा में वह कुछ कर सकें. पिछले पचास साल में किसी को सपने में भी खयाल नहीं हो सकता था कि यह बातें मुमिकन हैं. आज वह आपनी आंखों से देखते हैं कि तालीम—जहां यह एक बार इन्क्रलाव और क्रीमी पुनर्रचना के अन्दाज में ठीक बैठी—जनता की खोकशाही को पक्की शकल देने में जबरदस्त मदद करती है. सिर्फ दो साल के अन्दर पुरानी हालत काफर हो गई. कालिज या सेकेन्ड्री स्कूल में तालीम पाये किसी भी भेजुएट को अब बेरोजगारी का सामना नहीं करना पढ़ता. भेजुएट बड़ी जुशी के साथ उन कामों पर जाते हैं जो सरकार उनके लिये तय करती है और जिनके अन्दर वह

لٹے پانچ ہوتے ہوتے انتقابی کانچ کھولے گئے ھیں ، اِن جوں میں ھزاروں لاکھوں مود عورت آب تک راچ کاجی لیم پا بھی چکہ ھیں ،

آ 1951 کے پہلے دور تک چین کے 5100 سیکنڈری کرارں میں پرعلے والوں کی تعداد 15,70,000 تھی، کرارں میں پرعلے والوں کی تعداد 201 تھی، نیونیورسٹی کہنے تعلیم کی 201 سئستھائیں تھیں (یونیورسٹی کے خاص ترینڈنک کے اِسکول) جن میں 1951 کے روع کے چھ ماہ 'میں 1,28,000 ودیارتھی تھی اُن میں پکنڈری اسکولوں اور اونچی ودیا کی سنستھاؤں میں رتا کی اور اونکی دیادہ ہے ۔

اِن کامیابیوں کے ساتھ ساتھ یع بھی دھیان دیئے کی ے مے کہ سارے دیمی کے ردران بوی لگن کے ساتھ تعلیم رهے ههی اور ایے آدرش اور خهالات کو پهر سے قعال ي هيس ، آزادي كے بعد والے پہلے سال ميں عليمي يه کرتاؤں ميں سے هي'؛ چار لاکھ سے اُوپر لوگ شريک الے جہاں اُنہیں ''ساجی وکاس کا اُنہاس'' ماؤنسے ک کا "نیا لوک راج" اور چیلی کرانعی پر دوسری م کتابوں کے ذریعے تعلقم دی گئی ، آج کل سارے دیمی ا تعلیمی جوان کمیونست پارٹی کے جوازوں کی طرح رکار میں' فوج میں' لوک سفستھاؤں میں' روز ''گھنٹے ھتے ھیں _۔ پوھنے والے وشیوں میں سرکاری ٹیٹی ' ج کلجی اصول اور دستکاری کے هذر بتائے جاتے هیں . آرے دیش کے جیلی ودوان مارکس واد' لهدن واد آور اوتسے تذک کے اُپدیش پڑھ رھے ھیں، چھن کے ماستروں الي سامني يه مقصد ركها هي -- "جدتا كي ماسدرون اچھے مارکس وادی ہوئے کے ساتھ ساتھ اچھے ماسٹر ہونا الهنّے ."

لوک شکشا کے دائرے میں کام کرنے والوں نے 'ایجوکیشڈل کوس تریکیونیں' نام کا ایک سنگھٹن کھڑا کھا ھے ، س کے آج دس لاکھ صعبر ھیں ،

هر گريجوڻهت کو ملازمت.

چین کے تعلیمی کاریہ کرتاؤں کو ناز ہے کہ ایے دیش اسپوں کی سیوا میں وہ کچھ کرسکیں ، پنچھلے پنچاس ال میں کسی کو سیلے میں بھی خیال نہیں ہوسکتا ہا کہ یہ باتیں ممکن ہیں ، آج وہ اپلی آنکھوں سے پیکھتے میں کہ تعلیم—جہاں یہ ایک بار انقلاب اور ومی پلر رچانا کے انداز میں تھیک بیتھی سسجلتا کی وک شاهی کو پکی شکل دیئے میں زبردست مدد کرتی وک شاهی کو پکی شکل دیئے میں زبردست مدد کرتی ہی البع یا سیکنتری اسکول میں تعلیم پائے کسی بھی ربحوئیت کو آب ہے روزگاری کا سامنا نہیں کرنا ہوتا ، ربحوئیت بوی خوشی کے ساتھ اُن کاموں پر جاتے ہیں ربحوئیت بوی خوشی کے ساتھ اُن کاموں پر جاتے ہیں ربحوئیت کو اُندر وہ

इन काम्प्रे सों में इमारी क्रीमी वालीम के नए ढंगों के
मुताबिक ठहराब पास किये गए जिनमें अलग अलग दर्जों
होर किसमों की वालीम के तरीक़े और उस्ल तय किये गए.
इसकी मदद से सारे स्कूल कदम व कदम एक साथ विकास
और फिर बनाव के रास्ते पर चल सकते थे. इन कान्फ्रों सो
में तालीम की मिनिस्ट्री ने देश भर से तरह तरह के विश्यों
के माहिरों और विशेश जानकारों को बुलाया. वे लोग बहुत
जार शोर के साथ इनमें शरीक हुए और सभी श्रहम व
वेचीदा मसलों पर ठहराव पास किये गए. आज नए चीन
में मुखतिक जगहों पर दस साल से ऊपर कारकर्ता जी
जान से गुलीम की मिनिस्ट्री के श्रादेशों की पाबन्दी करने
में लगे हुए हैं.

इस साल पहली सक्तूबर को तालीम की मिनिस्ट्री अपनी महान जन्म भूमि की जब सालगिरह मनाती है तो वह यह कारनामें पेश करती है—

कुल मिला कर चार लाख चालीस हजार से ऊपर प्राईमरी स्कूल हैं जिन में तीन करोड़ सत्तर लाख से ऊपर लड़के सड़की पढ़ते हैं. बीस बरस के कीमिनटांग राज में प्राईमरी स्कूलों में सबसे जियादा पढ़ने बालों की तादाद 1946 में पहुंची थी. लेकिन हमारी यह तादाद इसके मुकाबले 45 की सदी जियादा है.

जहां तक मजदूरों किसानों की तालीम की बात हैं उसका तो पुराने चीन में कहीं नाम निशान भी नहीं था. लेकिन 1951 के पहले दौर में मुलाजिम पेशा मजदूरों वाले कालतू समय के स्कूजों में पंद्रह लाख किसान मजदूरों ने तालीम ली.

पिछले जाड़ों में 'शार्ट टर्म विनटर स्टडी' वाले प्रोप्राम में दाई करोड़ से जियादा किसान शरीक हुए थे. 1951 के पहले दौर में बाकायदा स्कूलों में पढ़ने वाले किसानों की तादाद कुल देश में एक करोड़ के ऊपर थी.

1951 के शुरू के छै महीनों में कुछ खास स्कूलों में, जहां कलचरी तालीम दी जाती थी, एक लाख पैंतीस हजार से अपर किसान मजदूर भरती हुए. इस ट्रेनिंग से उन्होंने अपनी तालीम में जो कमी बेशी थी वह पूरी कर ली.

इमारे देश में छोटे कोर्स वाले 37 सेकेन्ड्री स्कूल हैं जहां मजदूरों और किसानों को खास ऊंची तालीम दी जाली है. इन स्कूलों में विद्यार्थियों की तादाद सात हजार थी. चीनी लोक यूनिवर्सिटी नए तरीक़े पर क्षायम की गई है. इसमें बड़ी तादाद में मजदूरों किसानों के जत्ये आते हैं. वहां पर मजदूरों वा किसानों के खानदान के बच्चों को जंबी तालीम मिलने की सभी सुविधाएं रहती हैं.

पुरानी वालीम पाए विद्वानों को फिर से "वालीम देने"

و کانفرنسوں میں ہماری قومی تعلیم کے نئے تھلکوں کے مطابق تھہواو پاس کئے گئے جن میں جدا درجوں اور قسموں کی تعلیم کے طریقے اور اُصول علیہ کئے گئے . اس کی مدد سے سارے اسکول قدم به قدم ایک ساتھ کیاس اور پھر بغاو کے راستے پر چل سکتے تھے . ان کانفرنسوں میں تعلیم کی مفستری نے دیش پر طرح طرح کے وشیوں کے ماہروں اور وشیش جاندروں کو بالایا . وے لوگ بہت زور شور کے ساتھ ان میں شریک ہوئے اور سبھی اہم و پہنچدہ مسئلوں پر تھہراؤ پاس کئے گئے . آج نئے چین میں منطقاف جان ہو دس سال سے اوپر کار کرتا جی جان سے تعلیم کی مفستری کے آدیشوں کی پابندی کرنے میں بھی لگے ہوئے ہیں .

اِس سال پہلی اکتوبر کو تعلیم کی مدستری اُپدی مہان جلم بہومی کی جب سال گؤہ مداتی ہے تو وہ ہم کارنامے بیش کرتی ہے .

کل ملا کر چار آلکه چالیس هزار سے آرپر پرائمری اسکول هیں جن میں تین کرور ستر آلکه سے آرپر لڑکے لڑکی پڑھتے هیں ، بیس برس کے کومنتانکی راج میں پرائمری اسکولوں میں سب سے زیادہ پڑھئے والوں کی تعداد 1946 میں پہونچی تھی ، لیکن هماری یہ تعداد اِس کے مقابلے 40 کی صدی زیادہ ہے ،

جہاں تک مزدوروں کسانوں کی تعلیم کی یات ہے اُس کا تو پرانے چون میں کہیں نام نشان بھی نہیں آس کا تو پرانے چون میں کہیں نام نشان بھی نہیں تھا ۔ لیکن 1951 کے پہلے دور میں مالازم پیشٹ مزدوروں نے فاللا سے کے اسکولوں میں پندرہ لاکھ کسان مزدوروں نے تعلیم لی ،

پچھلے جازوں میں 'شارت ترم ونتواستتی ' والے پروگرام میں تھائی کررز سے زیادہ کسان شریک ھوئے تھے۔ 1951 کے پہلے دور میں باقاعدہ اسکولوں میں پرعلے والے کسانوں کی تعداد کل دیھی میں ایک کروز کے اوپر تھی۔

1951کے شروع کے چھ مہیدوں میں کچھ خاص اسکولوں میں؛ جہاں کلچری تعلیم دی جاتی تھی؛ ایک لائھ پینٹیس ھڑار سے اوپر کسان مزدور بھرتی ھوئے ۔ اُس ترینئنگ سے اُنھوں نے اُیڈی تعلیم میں جو کمی بیشی تھی والا پوری کر لی .

همارے دیھی مہی چھوتے کورس والے 37 سهکندری استحول همی جہاں مزدوروں اور کسادوں کو خاص اونتھی تعلیم دی جاتی ہے ۔ اِن اِستحول مہی ودیارتھموں کی تعداد سات ہزار تھی ، چھنی لوک یونیورستی نئے طریقے پر قائم کی گئی ہے ۔ اُس میں بڑی تعداد میں مزدوروں کسانوں کے جتھے آتے ہمیں ، وہاں پر مزدوروں یا کسانوں کے خادان کے بنچوں کو اونتھی تعلیم ملنے کی سبھی سنوو دھائیں رہتی میں ،

پرانی تملیم پائے ودوانوں کو " پھر سے تعلیم دیاہے "

इनकी एक दम काया पलटने और नए सिरे से तामीर करने की जहरत थी. साथ ही साथ इन्क्रलाबी अड्डों के (जिन्हें पुराने आजाद इलाक़े कहा जाता है) स्कूर्तों को भी बदलने की जहरत थी क्योंकि लड़ाई के बक्नत की तालीम को एक बाक़ायदा और हमेशा काम आने वाली शकल देना थी. नए चीन को ऐसे करोड़ों मदों औरतों की सखत जहरत थी जिनमें तामीरी माद्दा हो. काम करने वाले मज़दूर किसान भी, जिन्हें नई नई राजकाजी और आर्थिक आजादी मिली थी, तालीमी असानियां चाहते थे. इस चीज की जहरत उनके बेटे बेटियों को थी. पुराने ढंग के बुद्धि जीवियों को फिर से तालीम देने की फहरत थी. चीन के नए लोकराज की मांग थी की तालीम के दायरे में सोलह आने इन्क्रलाब किया जाए. नई सरकार के कायम होने पर सभ्यता और तालीम के दायरे का यह खबरदस्त काम तालीम की मिनिस्ट्री के सुपूर्व किया गया.

'जन-शिक्षा का सिलसिला' फैलाने के लिये जो प्रोमाम बंना उसकी शुरू की बातें पिछले दो बरस में पूरी कर ली गई हैं. इस प्रोप्राम के बनाते बक्त हमारे सामने माझो-त्से-नुंग के उसूल रहबर का काम करते थे झौर इसमें चीनी पोलीट किल कन्सलटेटिव कान्फ्र स के कामन प्रोप्राम का भी ध्यान रखा गया. यह तालीम का काम निहायत पेचीदा और अनोखा है. लेकिन माझो-त्से तुँग ने जो रास्ता बताया है, इन्क्रजाबी अड्डों में जो बीस साल से जियादा का हमें गादा तजरबा है, कस के जो ऊंचे तालीमी तजरबे हैं, रूसी शिक्कों से जो मदद हमें मिल रही है, इनके आधार पर हम बढ़े जोरों से तरक्की कर रहे हैं.

तालीमी मिनिस्ट्री के क्रायम होने के दो महीने के अन्दर, विसम्बर 1949 में पहली क्रीमी तालीमी कान्फ्र, स की गई. इस में राश्ट्री पैमाने पर तालीम के बारे में नीति ते हुई. जोर इस बात पर दिया गया कि नई तालीम चीन की तामीरी जरूरतों को पूरा करे. दूसरे, इस पर भी जोर दिया गया कि इमारे स्कूल किसानों-मजदूरों सब के लिये खुले हों. पुरानी तालीम के बारे में भी जो राश्ट्र-निर्मान के काम से अलग थी और बुनियादी तौर पर लोगों के हितों के खिलाफ जाती थी—नई हिदायतें इस कान्फ्र, स में की गई. यह तबदीली बहुत ही बुनियादी आहमियत रखने वाली है. पुराने तालीमी ढंग को सुधारने के लिये भी नीति इसमें तथ पाई और यह फैसला किया गया कि आगे किस तरीक़े से कैस क्रदम उठाने हैं.

पिछले दो बरस में चीनी लोकराज की तालीमी मिनि-स्ट्री ने और भी कई बड़ी कान्फ़ें से बुलाई हैं जैसे किसानों मकदूरों की तालीम, सेकेन्ड्री तालीम, बुनयादी और नामल सालीम, क्रीमी अक्रलियत की तालीम बरौरा.

جن شکشا کا سلسله پھیلانے کے لئے جو پروگرام بنا کی شروع کی ہاتیں پچھلے دو پرس میں پوری کو لی نی شروع کی ہاتیں پچھلے دو پرس میں پوری کو لی اوتسے تلک کے اصول رھبو کا کام کرتے تھے اور اِس میں بھتی پولیٹکل کنسلتیتو کانفرنس کے کامن پروگرام کا کی دعیان رکھا گیا ، یہ تعلیم کا کام نہایت پھچیدہ اور وکھا ھے لیکن ماوتسےتنگ نے جو راستہ بتایا ھے 'انقلبی اس میں جو بیس سال سے زیادہ کا ممیں گاڑھا تجربہ رُس میں جو اونچے تعلیمی تجربے ھیں ' روس کے جو اونچے تعلیمی تجربے ھیں' روسی کے جو اونچے تعلیمی تجربے ھیں' روسی کے جو اونچے تعلیمی تجربے ھیں' روسی کے خو اونچے تعلیمی تجربے ھیں' روسی کے اور اونچے تعلیمی تجربے ھیں' روسی کے دو اونچے تعلیمی تجربے ھیں' درسی کی جو مدد ھیوں مل رھی ھے' اُن کے آدھار پر

تعلیمی ملستری کے قائم ہونے کے دو مہینے کے اندر ی دسیبر 1949 میں پہلی قومی تعلیمی کانفرنس کی دسیبر 1949 میں پہلی قومی تعلیمی کانفرنس کی بھی طے ہوئی ۔ زور اس بات پر دیا گیا کہ نئی تعلیم بین کی تعلیمی ضروتوں کو پورا کرے ، دوسرے' اس پر ی زور دیا گیا کہ همارے اسکول کسانوں مؤدروں سب لئے گیاہے ہوں ۔ پرائی تعلیم کے بارے میں بھی و راشتر نرمان کے کام سے الگ تھی اور بقیادی طور پر ارشتر نرمان کے کام سے الگ تھی اور بقیادی طور پر فرنس میں کی گئیس بیاتی تھی۔۔۔نئی ہدائتیں اِس فرنس میں کی گئیس ، یہ تبدیلی بہت ھی بقیادی میٹ رکھنے والی ہے ، پرائے تعلیمی ڈھٹگ کو سدھارئے میں طویتے سے گیسے قدم آٹھائے ھیں ،

پچھلے دو ہرس میں چیٹی لوک راج کی تعلیی اسٹاری نے او ربھی کئی ہوی کانفرنسیں بلائی ہیں مینے کسالوں مودوروں کی تعلیم' سیکلڈری تعلیم' نیادی اور ٹارمال تعلیم' قومی مقالمت کی تعلیم وفیود ،

मालदार इटन्नों के लदके-लदकी बिदेश जाते थे. जब वह लीट कर आते थे तो जो तालीम उन्हें मिली हुई थी उस से जनता को बहुत कम कायदा पहुंचाया जा सकता था. इस तालीम के बल पर वह सिर्फ हाकिम बन सकते थे. सेकेन्ड्री स्कूल के ऊपर की संस्थायें बहुत थोड़ी थीं. किर मी प्रेजुण्ट वे रोजगार रहते थे. कहने की ज़क्रत नहीं कि पिछ घसीद कोमिनटांग राज में सारी तालीम जागीरदारी शाही और ताना शाही ढंग की थी. इन स्कूलों में चीन के बच्चों और जवानों को कोई आज़ादी हासिल नहीं थी.

जहां तक जन-शिक्षा की बात है उसकी असली जहें 1927 वाले इन्कलाब में कायम हो गई थीं. किसानों ने अपने अजग स्कूल खोल दिये थे. सन 1927 से लेकर 1949 यानी आजादी के समय तक चीन में दो चीन थे—एक वह जिस में कोमिनटांग का राज था, दूसरा बह जिस में जनता का राज था. यह जनता का राज उन्हीं इन्कलाबी अड्डों पर था जहां से जनता ने अलग अलग समय बरावित की थी. इसी तरह तालीम भी दो तरह की थी—एक जागीर शाही या साम्राज शाही, दूसरी लोक शाही.

पिछले बीसबरम में इन्क़लाबी चड़ों में काफी काम कर डाला गया. बाबा धादम के जमाने के रीतरिवाज श्रीर चीनी तालीम के पुराने ढंग बदल दिए गये श्रीर वह नई तालीम जारी की गई जो लड़ाई की हालत से मेल खाती थी और चीनी कान्ति में मदद देती थी. इस नई तालीम की खास खर्ग यह थी कि यह जनता के दिल को प्यारी थी और उनके हितों को फायदा पह वाती थी. ताजीम का यह वह तरीका था, जिसे कामरेड मान्रो-त्से-तुंग अपने नए लोक राज में ''क़ौमी, वैज्ञानि अधीर सब-को-प्यारा" कहत हैं. उन बीस बरस से अपर के अरसे में जब चीन में लड़ाई की लपटें जल रही थीं यह तरीका फैनता-घटता गया. इन्कलाबी काम के लिये इसने हजारों बाखों जवान लडके-लडी तैयार किये. इस तालीम से करोड़ों लोगों की राज काजी चेतना ऊपर उठी. धीरे धीरे धच्छे भच्छे अनुभव इस तालीम में हुए और यह तरक्की करती गई, नतीजा यह हुआ कि इसने अपनी जगह बनाली खौर कोमिनटांग इलकों की पुरानो खौर सडी-गली तालीम के मुझाबले में, जो लोगों के हित के खिलाफ जाती थी. इस ने अपनी तरक लोगों का ध्यान खींचा.

मगर पूरे राश्ट्र में यह तालीमी इन्क्रलाब तभी लाया जा सकता था जब कुन देश आजाद हो, और ऐमा ही हुआ. आजादी के बाद उन स्कूलों में—शहर के चाहे देहात के—हाथ जगाया गया जा कोमिनटांग के कन्ट्रोल में थे. مالدار کتمبوں کے لوکے لوکی ودیش جاتے تھے جب، وہ لوق کر آتے تھے تو جو تعلیم انہیں ملی هوئی تھی اس سے جلتا کو بہت کم فائدہ پہونتجایا جاسکتا تھا . اس تعلیم کے بل پر وہ صرف حاکم بن سکتے تھے سیکنڈری اسکول کے اربر کی سلستھائیں بہت تھوڑی تھیں ، پھر بھی گرینجویت پروزگار رہتے تھے ، کہلے کی ضرورت نہیں که پنجویت پروزگار رہتے تھے ، کہلے کی ضرورت نہیں که پنجویشیڈو کومئٹانگ راج میں ضرورت نہیں اسکولی میں چھن کے بنجوں آور جوانوں کی تھی ، اِن اسکولی میں چھن کے بنجوں آور جوانوں کو کوئی آزادی حاصل نہیں تھی ،

جہاں تک جن شکشا کی بات ہے اُسکی اصلی جویں 1927 والے انقلاب میں قائم ہوگئی تبیں ، کسانوں نے اپنے 1947 والے انقلاب میں قائم ہوگئی تبیں ، کسانوں نے اپنے 1949 اسکول کیول دیئے تھے ، سن 1927 سے لیکر 1949 میں دو چین تھے ۔ ایک وید جس میں کوملٹانگ کا راج تھا ، دوسرا وہ جس میں جلتا کا راج اُنہیں انقلابی اقوں پو جہا ہے ہا دی جلتا کا راج اُنہیں انقلابی اقوں پو تھا جہاں سے جلتا نے الگ الگ سے بخاوت کی تھی ۔ اسی طرح تعلیم بھی دو طرح کی تھی ۔ جاگھر شاھی ۔ یا سامراج شاھی دوسری لوگ شاھی ،

يجهلے بيس برس ميں انقلابي أدوں ميں کافي م ی قالا گیا . بایا آدم کے زمانے کے ریت رواج اور چینی تعلیم کے پرانے ڈھلک بدل دیئے گئے اور وہ نئی تعلیم جاری کی گئے جو اوائی کی حالت سے میل کھائی تھی اور چیڈی كرانعي مين مدد ديعي تهي . اِس نئي تعلهم كي خاص خوبی یہ تھی کہ یہ جنتا کے دل کو پیاری تھی اور اُن کے هنوں کو فائدہ پہونجائی تھی . تعلیم کا یہ وہ طویقہ تھا' جسم کامرید مارتسے تلک ایے نئے لوک راج میں "قومی" ویکهاتک اور سب کو بیارا ، کهتم هیں ، ان بیس برس سے اریر کے عرصے سیں جب چین میں لڑائی کی لیتیں جل رهي تهين تو يه طريقه پهيئتا بوهتا گيا . انقلابي كام کے لگے اس نے ہواروں لاکھوں جوان لڑکے لوکی تھار کئے ۔ اس تعلقم سے کررورں لوگوں کی راج کاجی جینٹا اوپر اتم . دهمرے دهمرے اچھے آنوبھو اس تعلیم میں هوئے اور یہ ترقی کرتی گئی ، نتهجه یه هوا که اس نے اہنی جگم بنا کی اور کومنٹانک حلقوں کی پرانی اور سوی کلی تعلیم کے مقابلے میں جو لوگوں کے هت کے خلف جاتی تهی' اِس نے اپنی طرف لوگوں کا دھیان كهينجا

مگر پورے راشتر میں یہ تعلیمی انقلاب تبھی لایا جا
سکتا تھا جب کل دیش آزاد ھو' ارر ایسا ھی ھوا۔
ازادی کے بعد اُن استواں میں — شہر کے چاہے دیہات
کے سے عاتم لگایا لیا جو کوملٹانگ کے کلٹرول میں تھے۔

Land Market

पंजी वादी और साम्राज वादी लोग ऐसा कहा करते ये कि चीन एक पिछड़ा हुआ देश है जिसकी कोई सभ्यता नहीं है. एक सदी से ऊपर तक चीन के मजदूर-किसान पूँजीवादी, साम्राज बादी और जागीर दारी वरोरा के नीचे पीसे गए. उनकी सभ्यता और हालीम तबाह कर दी गई. यही नहीं, उनके जिन्दा रहने तक का हक खतरे में या. तालीम का जो पुराना दस्तूर था वह अमीरी और साम्राज शाही ढंग पर रचा गया था. उसका कोई वास्ता काम करने वाली जनता या वहां के लाखों-करोड़ों लोगों से नहीं था. वह महल जमीदारों और पूँजीपतियों वगरा के कायदे के किये थी. जियादातर आदमी जो उस तालीम को नहीं पा सकते थे और उन स्कूल-कालिजों के दरवाजे जिनके लिये बंद थे वह उन्हें नफरत और गुस्से की निगाह से देखते थे, और उन्हें ब्यंग में "विद्या के विदेशी घर" कहा करते थे.

"बिद्या के विदेशी घर" नाम से पुराने चीन की तालीम की साम्राज शाही तासीर का साफ साफ पता चल जाता है. यही तासीर हमारे देश के राज काजी और माली जीवन की थी. इसकी वजह से चीन के उद्योग-धंदे और कला-कौशक नहीं बढ़ सकते थे. साम्राज शाही और जागीर शाही-प्रधान देश में जिस चीज का जरूरत रहती है वह है कुछ पजेन्ट या दल्लाल, जो लोगों पर कायू रख कर उन पर हकूमत कर सकें. बाक्रायदा तालीम पाए हुए और रचनात्मक अकल वाले लोगों की वहां न जरूरत रहती है न गुंजायशा. असल बात यह है कि पिछ-घसीटू राज यह चाहता ही नहीं था कि लोगों की तहजीब या दर्जी ऊंचा उठे क्योंकि यह फिर एक बोम बन जाता और उस राज के लियं खतरा साबित होता.

नतीजा यह है कि आजादी के पहले चीन में जनशिका की पिछले पचास बरस से चर्चा चली आती थी
लेकिन 85 की सदा से जियादा आदमी बिना-पढ़े लिखे
थे और पढ़ने-वाली उमर के बच्चों में 40 की सदी से
कम स्कूलों में जाते थे. कालिजों और यूनिवर्सिटियों की
सादाद प्राईमरी स्कूलों से जियादा थी लेकिन वह चंद या
थोड़े-से लोगों के कायदे के लिये ही थे. पुराने चीन के
साम्राज शाही-पसंद समाज में यहां के कालिज और
यूनिवर्सिटियां सिके शुरुआती स्कूलों की तरह थे जिन में
भरती होने के बाद लोग जिटेन, अमरीका वरौरा पढ़ने
जाते थे. साम्राज शाही देशों के नुमायन्दों ने भी अपने
स्कूल-कालिज यहां पर खोल रखे थे—इसी मकसद से
कि चीन के खिलाक अपना तहजीबी हमला कामयावी
से कर सकें.

चीन के दाविज से पेजुएट की दियी केकर बहुत से

1 1

پرنجی وادی آور سامواج وادی لوگ ایسا کها کرتے یہ کہ چھن ایک پنچھوا ہوا دیھی ہے جسکی کوئی سبھیٹا پین ہے ، ایک صدی سے ارپر تک چھن کے مزدور کسان رنجی رادی' سامراج وادی آور جاگیرداری وفیرہ نے تابے بہتے ، انکی سبھیٹا آور تعلیم تباہ کردی گئی ، بہت کئے ، انکی سبھیٹا آور تعلیم تباہ کردی گئی ، بہت کا جو پرانا دستور تبا وہ امھری آور سامراج شاھی بلیم کا جو پرانا دستور تبا وہ امھری آور سامراج شاھی بنک پر رچا گیا تبا ، اسکا کوئی واسطہ کام درنے والی بنتا یا وہاں کے لائھوں کرورون لوگوں سے نہیں تبا ، وہ بحض زمیدداروں آور پونجی پتیوں وفیرہ کے فائدے کے بحض زمیدداروں آور پونجی پتیوں وفیرہ کے فائدے کے تبی زیادہ تر آدمی جو اس تعلیم کو نہیں پاسکتے ہے آور ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جاکمے لئے بلد تبے آدر ان سرور کیا کیا جو دیشی گھر '' کہا آدر تبار کیا تبار دیا کے دروازے جاکمے گئے تبے آدر ان تبار دیا کے دروازے جاکمے گئے تبار دیا کے دروازے جاکمے گئے ہوں کہا تبار دیا کہا تبار دورانے دیا کوئیس گھر '' کہا تبار دیا کے دروازے جاکمے گئے تبار دورانے کے دروازے جاکمے گئے ہوں کیا تبار دیا کے دروازے جاکمے گئے ہوں کیا تبار دیا کہا تبار دورانے کوئیسی گھر '' کہا تبار دورانے کیا تبار دورانے کے دروازے جاکمے گئے دروازے جاکمے گئے کیا تبار دورانے کیا تبار دورانے

رودیا کے ودیشی گھر'' نام سے پرائے چین کی تعلیم سامراج شاھی تاثیر کا صاف صاف پکھ چل جاتا ہے ۔

می تاثیر همارے دیش کے راج کاجی ارر مالی جھوں تھی ۔ اِس کی وجه سے چین نے اُدیوگ دھندے اور جاکیر اور جاکیر دوشل بہیں ہو سکتے تھے ، سامراج شاھی اور جاکیر اھی پردھان دیش میں جس چیز کی ضرورت رھتی ، ولا ھیں کچھ اینجنت یا دلال' جو لوگوں پر قابو رکھ اُن پر حکومت کرسکیں ، یا قاعدہ تعلیم پائے ھوئے رچناتمک عقل والے لوگوں کی وھاں نہ ضرورت رھتی ، نہ گنجائش ، اصل بات یہ ہے کہ پچھ گھسیتو واج ، چاھتا ھی نہیں تھا کہ لوگوں کی تہذیب یا درجه ، چاھتا ھی نہیں تھا کہ لوگوں کی تہذیب یا درجه بچا اُتھے کیونکہ یہ پھر ایک ہوجہ بی جاتا اور اُس راج لئے خطرہ ثابت عوتا ،

نتیجہ یہ ہے کہ آزائی کے پہلے چین میں جن شکشا پچھلے پچاس ہرس سے چرچا چلی آتی تھی لیکن 8 فی صدی سے زیادہ آدمی بنا پچھ لکھے تھے اور پچھنے لی ممر کے 40 فی صدی سے کم اسکولوں میں جاتے تھے۔ حجوں اور یونیورستیوں کی تعداد پرائمری اسکولوں سے ادہ تھی لیکن وہ چند یا تھوڑے سے لوگوں کے قائدے کے می تھی تھے ۔ پرانے چین کے سامراج شاھی پسند سماج یں یہاں کے کانچ اور یونیوستیاں صرف شروماتی اسکولوں میں یہاں کے کانچ اور یونیوستیاں صرف شروماتی اسکولوں بریکہ وفهرہ پچھنے میں بھرٹی ھونے کے بعد لوگ بریشن کے بیکہ وفهرہ پچھنے جاتے تھے ۔ سامراج شاھی دیشوں کے سائندوں نے بھی ایے اسکول کالج یہاں پر کھول رکھے تھے ۔ اسی مقصد سے کہ جھن کے خلاف اینا تہذیبی حملہ بیابی سے کرسکیں ،

چین کے کالیم سے گریجویت کی تکری لے کر بہت سے

विसम्बर '51 (508)

نسبر 51'

و بهار کی تکو:

में किस तरह शान्ति से रह सकती हूँ." तान-की के इन शब्दों को सुन कर मैं अपने आपको मन ही मन कोसने लगा.

मुक्ते पहले जान लेना चाहिये था कि उसके दिल में क्या त्कान उठा हुआ है. कोरिया उसकी मां भूमि है. कोरिया उसकी मां भूमि है. कोरिया के गांव, उसकी गिलियां, बहां के लोग, वहां के खेत. वहां के पहाड़, वहां का पानी, वहां की हवा उसके लिये क्या अहमियत रखती हैं ? कोरिया की तवाही उसके दिल पर क्या क्या चोट पहुँचाती होगी!

ऐसे वक्षत में अब कि अमरीकी हवाई जहाज सारी कारिया को तबाह करने पर तुले हुए हैं, अमरीकी सिपाही बच्चों, औरतों और बूढ़ों तक की परवा किये बिना कोरिया को शमसान बना रहे हैं, तान-की चुप चाप किस तरह बैठ सकती है.

अप मुक्ते तान-की की तरफ देखने का साहस नहीं हो रहा था.

यह सच है मैं तान-की से प्रेम करता हूँ, मुक्ते अपना
सुखी जीवन पसन्द है. लेकिन यह भी सच [है कि जिस
बक्षत तक इस दुनिया में ऐसे लोग मौजूद हैं जो अपने
निजी कायदे के लिये समूची दुनिया को लड़ाई की भयानक
आग में क्रोंक देते हैं, हमारे जीवन के सुखी ज्ञां को हम
से छीन लेते हैं, जो नहीं चाहते हैं कि हम इनसानों की
ऐसी जिन्दगी बसर कर सकें, हम अपने बच्चों से मिलने
जा सकें—वह हमला आवर यलों के करीब तक आ
बहुंचे हैं.

+ + +

मेरे दिमारा में उठने वाले विचारों के कारन चेहरे पर होने वाली तबदीली को समम्म कर तान-की एक बार मुस्करा दी.

नये चीन में तालीम के दो साल (भाई लिंड शीह)

पिछले दो बरस में हमारे देश और हमारे लोगों ने वड़ी बड़ी फामयाबियां हासिल की हैं और काकी तरककी की हैं. चीन की नई कान्ति ने हमारी समाजी और आर्थिक जिन्दगी में दुनियाबी तबदीलियां पैदा कर दी हैं. इसी के साथ साथ तालीम के दायरे में भी बेमिसाल तरककी हुई है. सच यह है कि चीन के सादे सैंतालीस करोड़ इनसान एक जाबरहस्त तालीमी इन्किलाब में से गुजर रहे हैं.

میں کس طرح شانتی سے رہ سکتی ہوں ،'' تانکی کے اِن شہدوں کو سن کر میں آپ آپ کو من ہی من کو سنے لکا ۔

مجھے پہلے جان لینا چاھئے تھا کہ اُسکے دل میں کھا طوفان اُٹھا ھوا ھے . کوریا اُس کی ماں بھومی ھے . کوریا کے لاوگ وھاں کے کارن اُسکی کلھاں وھاں کے لوگ وھاں کے کھیت وھاں کے پہاڑ وھاں کا یانی وھاں کی ھوا اُسکے لیے کیا اُھمیت رکھتے ھیں . کوریا ٹی تباھی اُس کے دل پر کھا کھا چوھ بہونچاتی ھوگی !

ایسے وقت میں جبکہ امریکی ہوائی جہاز ساری کوریا کو تباہ کرنے پر نانے ہوئے ہیں' امریکی سپاھی بچوں' عورتیں کو برقہ کئے بنا کوریا کو شمسان پنا رہے میں' تانکی جب چاپ کس طرح بہتم سکتی ہے۔ اب مجھے تانکی کی طرف دیکھئے کا ساھس نہیں اب مجھے تانکی کی طرف دیکھئے کا ساھس نہیں

هو رها تها .

یہ سپے ہے کہ میں تانکی ہے پریم کرتا ہوں' منجھے اپذا سکھی جہوں پسند ہے ۔ لیکن یہ بھی سپے ہے کہ جس وقت تک اِس دنیا میں ایسے لوگ موجود میں جو آپ ننجی فائدے کے لئے سموچی دنیا کو اوائی کی بھیانک آگ میں جھونک دیاتے ہیں' ہمارے جھوں کے سکھی چھنوں کو ہم سے چھھی لھائے ہیں' جو نہیں چاھائے کہ ہم انسانوں کی ایسی زندگی بسر کو سکیں' ہم آپ بنچرں سے ملئے جا سکھی — وہ حملہ آور یلو کے قریب تک سے ملئے جا سکھی ۔

× + x x

مهرے دماغ میں آٹھنے والے وچاروں کے کارن چھڑے پر ھونے والی تبدیلی کو سمجھکر تانکی ایک ہار مسکرا دی .

نٹے چین میں تعلیم کے دوسال (بہائی لهؤشیه)

پچھلے در برس میں همارے دیش اور همارے لوگوں نے بڑی بڑی کامیابیاں حاصل کی هیں اور کافی ترقی کی ہے، چھن کی نگی کرانٹی نے هماری سماجی آور آرتھک زندگی میں بقیادی تبدیلیاں پیدا کردی هیں ۔ اِسی کے ساتھ ساتھ تعلیم کے دائرے میں بھی بےمثال ترقی هرگی ہے ۔ سمج یہ ہے کہ چھن کے ساتھ سینتالیس کرور السان ایک زبردست تعلیمی انقلاب میں سے گزر رہیھیں ۔

थागे बदते हुए उसने पूझा—"इसका नाम क्या है ?" "किम ल्यांग च्य."

नाम सुनते ही उसका चेहरा सुरत पड़ गया. उसने उसे जमीन पर रख दिया और ग़ीर से पहचानने की कोशिश करने लगी. मैं परेशान था कि आखिर इस बात ने इसे चौंका क्यों दिया. कुछ चन बाद उसने दियासलाई जलाई और घायल के चेहरे को ध्यान से देखा और फिर ऐसा मालूम हुआ कि वह कुछ कह रही है जो मेरी समम में नहीं आ रहा है.

वह सीधी खड़ी हो गई. मैंने देखा उसकी आंखों में आंस थे. भरीए गले से वह बोली—"यह मेरा भाई है." यह तान की से मेरी पहली मुलाकात थी.

इस वक्त लैम्प की धीमी रोशनी में बैठी अपनी पत्नी तान-की को देख कर मुक्ते बारह बरस पहले की जिन्दगी की याद हो आई. जापान विरोधी लड़ाई की घटनाओं में जान सी पड़ गई.

लेकिन अवं तो तान-की आठ घरस के एक लड़के की मां थी. उसका जीवन सुख से भरा परा था. हमें अपने काम में आनन्द आता था. हममें काम करने के लिये एक साहस था, एक लगन थी. मुक्ते खयाल आया कि अपने फ़र्ज़ को भली भांत समभने और उस पर सखती से क़ायम रहने के कारन ही तान-की अनिगनत कठिनाइयों के बीच सफल रह सकी, उसी के साहस, फर्ज शनासी और विश्वास के कारन ही मुक्ते कितनी बार प्रेरना मिली और मैं काम-याबी से अपने रास्ते पर आगे बढ़ने में कामयाब हजा.

मुक्ते याद हो आया कि 1942 में जब हम लोग छप कर काम कर रहे थे, जापानियों ने तान-की को पकड लिया. तरह तरह की भयानक तकली कें दें कर भी वह तान-की से एक शब्द भी न जान पाए.

जितनाही मैं पिछली बातों पर सोचता गया उतना ही मुक्ते अपने ब्योहार के लिये नफरत सी होने लगी.

इस दो साल के सुखी जीवन ने जैसे मुक्ते मेरा फर्जा भूता दिया हो. मैं कायर बन रहा था.

मैं सोच रहा था जीवन के बारे में मेरा विचार क्यों कर बदल गया. क्यों मैं वह अब नहीं रहा जो मुक्ते होना चाहिये. जीवन से सदा संघंश में ही मुक्ते आनन्द आना चाहिये.

क्या तान-की से एक बार फिर बिछड़ने का साहस म्रम में नहीं रह गया ?

ं अपने देश पर इस भयानक संकट के जमाने में

آنے بومعے هوئے أس في بوجها -- " إدا نام كيا

🤨 کے لیانگ چھو "

نام سنتے ھی اُسکا جہوہ سست ہو گھا ۔ اُس نے اُسے رمیں یر رکھ دیا اور فور سے پہنچانٹے کی کوشش کرتے لگی، میں پریشان تھا که آخر اِس بات نے اِسے چونکا کھوں دیا . رجہ چھن بعد اُس نے دیاسائی جاائی اور گھایل کےچھرے ر دهیاں سے دیکھا اور پھر ایسا معلوم هوا که ولا کچھ کے رهی ه جومهري سمنجه مين نهين آرها هي .

وہ سیدھی کھڑی ھوگئی . میں نے دیکھا اُسکی آنکھوں میں آنسو تھے ، بھرآئے گلے سے وہ بولی ــ " یہ مهرا بهائي هے 🔐

یہ تانکوی سے مہری پہلی ملاقات تھی .

اِس وقت لهمپ کی دهیمی روشنی میں بیتھی اینے یعنی تانکی کو دیکھر صحیے ہارہ برس پہلے کی زندگی کی یاد هو آئی . جاپان ورودهی لوائی کی گهتناؤں میں جان سی پو گئی .

لوکن اب تو تانعی آٹھ ہوس کے ایک لوکے کی ماں تھے۔ اُس کا جھوں سکھ سے پھراپررا تھا۔ ھمیں آھے کام میں آمَنَّد آنا تھا ، ہم میں کام کرنے کے لئے ایک ساہس تھا اُ ایک لگن تهی. مجهد خهال آیا که اید فرض کو بهلی بھانت سمجھلے اور اُس پر سختی سے قائم رہلے کے کارن ھی تابکی آبکلت کالهذائهوں کے بیچ سپهل رہ سکی ـ اُسی کے سامس فرض شفاسی اور وشوآس کے کارن ھی مجهد كتنى بار بريرنا ملى اور مين كاميابي سے أي واستے پر آئے بوھلے میں کامیاب ھوا۔

مجه ياد هو آيا كه 1942 مين جبهم لوك چهپ کر کام کر رہے تھے' جاپانیوں نے تانکیکو پکر لھا ، طرح طرح کی بھیانک تکلیفیں دے کر بھی وہ تانکی سے ایک شہد بھی نہ جاں یائے .

جتنا هی میں پچھلی باتوں پر سوچتا کیا اُتنا هی مجهد الهے بهوهار کے لئے نفرت سی هونے لکی ،

اِس دو سال کے سکھی جیون نے جیسے مجھے میرا فرض بهلا دیا هو . مین کیر بن رها تها .

میں سوچ رہا تھا جیوں کے بارے میں میرا وچار کیوں کو بدل گیا . کہوں میں وہ آپ نہیں رہا جو مجھ هرنا چاهیکے ، جهرن سے سدا سنگهرش میں هی مجھ أنند أنا جاهيً

کیا تانکی سے ایک بار بھر بحھوٹے کا ساھس مجھ میں نہیں رد گیا ؟

X × 2 ایے دیش پر اس بہیانک سنکت کے زمانے میں

हो बरस बंदी एक वहन एक भरोसे के दोस्त के साथ यलो नदी के पार जापान के खिलाफ लड़ने वाले एक छापा भार दस्ते में शामिल हो गए थे.

किम को पीछे जाने वाले दल के साथ जाने का हुकम मिला. पर जापानियों से अपनी नफरत और पिता की मौत के बदले की प्रवल इच्छा के कारन वह चुप चाप वापिस जौट झाया और ठीक इस जगह पहुँचा जहां भयानक गोलावारी हो रही थी. गोलावारी के बीच रह कर वह घायल साथियों को अपनी कमर पर रख कर सुरिच्चित जगहों पर पहुंचाने में लग गया. इसकी उमर कम थी इसलिये उसको राइफल नहीं दी गई थी. इसी बीच दुश्मन के एक गोले से किम दुरी तरह घायल हो गया. घाव उसके सिर में लगा था. बहुत जियादा जून निकल जाने की वजह से बेहोश हां कर वह गिर पड़ा.

डसे फीरन पीछे हटाने का हुक्म हुआ. उसकी अपनी पीठ पर लादे में जल्दी जल्दी चल कर पीछे की तरफ जाने वाल दस्ते तक पहुंच जाना चाहता था. सारा रास्ता जंगल स हो कर था और एक भयानक अन्धेरा छाया था. वर्फ गिरना बन्द थी लेकिन पेड़ों पर जमी वर्फ अभी तक गिर रही थी जो मेरे आगे बढ़ने में रुकावट पैदा कर रही थी.

मैंने किम के घात्र को एक कपड़े से बांधने की कोशिश की लेकिन खून बहना बन्द नहीं हुआ. सरदी के कारन उसके होंट नीले पड़ गए थे. उन्ड से बचाने के लिये मैंने उसे अपने कोट में लपेट लिया और तेली से आगे बढ़ने की काशिश करने लगा. कठिनाइयां मुक्ते माल्म ही नहीं हो रही थीं. चलते चलते सुबह हो गई. अब मेरा बदन थकात्रट से चूर चूर हो गया था.

हम अब हेड क्वार्टस के क़रीब ही थे. एक कामरेड ने घायल को ले चलने में मेरी सहायता करने को कहा. हम दोनों संभाल कर उसे उठा कर लिये जा रहे थे. अब में जान गया था कि मेरी सहायता करने वाली औरत थी, कुछ दूर चलने के बाद उसने अपनी राइफिल मुम्मे देत हुए किम को अपने कन्धे पर रख लिया. उसके पांव कुछ उगमडागए. वह बोली—"हमारा साथी लड़का ही जान पड़ता है."

"हां, इसकी उमर कुल अभी सोलह बरस की ही है." मैंने जवाब दिया.

मैं दर रहा था कि कहीं उसके पांच न साइखड़ा जाएं भीर दोनों ही गिर पड़ें. इस विचार से मैं सीधा खड़ा रहने में उसे सहायता देता रहा जब तक उसने भार ठीक नहीं कर तिथा.

فو بوس بوی آیک بہن ایک بھروسے کے دوست کے ساتھ یلوندی کے پار جاپان کے خلاف لونے والے ایک چھاپا مار دستے میں شامل ھوکئے تھے .

کم کو بہتھے جانے والے دل کے ساتھ جانے کا حکم ملا ،
پر جاپانیوں سے اپنی نفرت اور پتا کی موت کے بدلے کی
پربل اچھا کے کارن وہ چپ چاپ واپس لوت آیا اور تھھک
اُس جگه پہونچا جہاں بھیانک گوله باری ھو رھی تھی ،
گوله باری کے بھچ رہ کر وہ کھائل ساتھھوں کو اپنی کمر پر
رکھکر سرکشت جگہوں پر پہونچائے میں لگ گھا ، اُس
کی همر کم تھی اسلئے اُسکو رائفل نہیں دی گئی تھی ،
اسی بھچ دشمن کے آیک گولے سے کم بری طرح گھایل
ھوگھا ، گھاؤ اُس کے سر میں لکا تھا ، بہت زیادہ خون
تکل جانے کی وجہ سے بیہوش ھو کر وہ گر پوا .

أسے فوراً پہچھے متانے کا حکم ہوا ۔ أسکو اپنی پہتھ پر اللہ و ایس جلدی جلدی چل کر پہچھے کی طرف جائے والے دستے تک پہونچ جانا چامتا تھا ۔ سارا راسته جلکل سے ہو کر تھا اور ایک بھیانک اندھیرا چھایا تھا ۔ برف گرنا بلد تھی لیکن پھڑوں پر جمی برف ابھی تک گر رہی تھی جو مہرے آئے بڑھنے میں رکارت پیدا کر رہی تھی جو مہرے آئے بڑھنے میں رکارت پیدا کر رہی تھی ،

مهن نے کم کے گہاؤ کو ایک کپڑے سے باندھئے کی کوشش کی لیکن خون بہنا بند نہیں ھوا . سردی کے کارن آس کے ھونت نیلے پو گئے تیے . ٹہنت سے بچانے کے لئے میں نے آسے آئے کوت میں لپیت لیا اور تیزی سے آئے بوھئے کی کوشش کرنے لگا . کٹینائیاں مجھے معلوم ھی نہیں ھو رھی تھیں . چلتے صبح ھوگئی ، آپ میرا بدن تھکارت سے چور چور ھوگیا تھا .

هم أب هيد كوارترس كے قريب هى تھے . ايك كامريت في گهايل كو لے چلنے ميں مهرى سهائتا كرنے كو كہا . هم دونوں سنبهال كر أسے أنها كر لئے جا رهے تھے . أب مهن جان گها تها كه مهرى سهائتا كرنے والى عورت تهى . كچه دور چلنے كے بعد أس نے اپنى رائفل مجھ ديتى ، كچه دور چلنے كے بعد أس نے اپنى رائفل مجھ ديتى ، كچه دور چلنے كے بعد أس نے اپنى رائفل مجھ ديتى ، كچه دكمكا كئے ، وہ بولى —'' همارا ساتهى لركا هى جان بوتا ھى ."

'' هاں' اِسکي عمر کل ابھي سوله برس کي هي هے ،'' مهن نے جواب دیا .

میں قررها تھا کہ کہیں اُسکے پاؤں نہ لوکھوا جائیں اُور درنوں ھی کر پریں اِس وچار سے میں سیدھا کھوا وہتے میں اُس نے بھار قبیک اُس نے بھار قبیک نہیں کر لھا ،

لاها

हो कर कोरिया जाने बाले साथियों के बारे में सब कुछ पता था. पर मुझे एक छ न को भी यह खयाल न आया था कि तान-का भी को रथा जःना बाहेगी क्या नसं का काम उसे पसन्द नहीं है या रेलवे सर्पनाल में उनका काम जकरों नह हैं? अगर वह बला गई ता एक बार फिर हमार जीवन पर दुख ही दुख छा जाएगा. उसमे ि छुड़ने का ध्यान बाते ही दिमारां उल्लेकन से परेशान हा कर मैं टहलने लगा.

मेरी आंखें उसके क्ररीय रखे गाइन पर गई जो वह स्यांग के लिय ठीक कर रही थी. मुक्ते अपनी सांस ककती सी जान पढी. यकायक मैं कह उठा— "स्यांग का क्या होगा, उसकी देख भाल कीन करंगा ?"

डसने श्रपना भांखों पर से रूमान हटाते दृए श्रपना सिर अपर डठाया भीर मेरी तरफ देखते हुए कुछ कहने की कोशिश की, पर शब्द डसके मुँह से न निकल सके. डसने श्रपना सिर फिर नीचे कर लिया.

इसकी चुण्पी देख मुसे अपना दिल फटता मा जान पड़ा. एक तरफ मुसे तान-की की बात पर दुख हो रहा था और दूसरी तरफ खुद अपने ब्योहार के लिये अपने से एक नफरत. मैं उठ कर उसके कर व पहुँचा और ठीक उस के सामने कुरसी खेंच कर बैठ गया. मैं कारिया की इस औरत को ठीक ठीक समझने की कोशिश कर रहा था. इसके साथ मैंने अपने जावन के दस बरस बिताए थे और पूरा जीवन बिताने की प्रतिका की थी.

हर इन हम साथ रहे, हमने दुख साथ साथ सहे, सुख में साथ साथ खुशियां मनाई. पिछली वातें मेरे दिमारा में बक्कर काट रही थीं. मैं अपनी तान-की का बारह बरस पहले की मेंट के बारे में सोचने लगा.

1937 के सर्दों के मौसम की बात है बारों तरफ पहाड़ियों पर और मैदानों में बर्फ की मोटा चादर सी बिझा हुई जान पड़त थी. मैं उस बहत एक गोरिल्ला दस्त के साथ था. ह्यू-कान के क्ररीब हमारी मुठ भेड़ जापानियों के जंगक में घूम- बाल एक पेट्रोल से हुई — श्रचानक एक बम फटा जिसके फटने से आस पास के पेड़ भी गिर पड़े. ऐसे बहत में एक दम फैसला करना जरूरी था. यह तय हुआ कि हमारी टुकड़ी का एक हिस्सा तो पास ही में ठहरी हुई हमारी की जागे बढ़ने से रोक. मैं उसी घूप में था जो दुशमन का मुकाबला करने के लिय रक गया था. एक कोरियन साथी किम-ल्यांग-च्यू जिसकी डमर सिर्फ सोलह बरस की बा हमार साथ रुकना चाहता था. उसके पिता को आपानियों ने मार डाला था, उसको तरह तरह की तकलाफें दुई गई थी. किम का मां भी छुट चु भी थी. वह और उससे

جو کو کوریا جائے والے ساتھیوں کے ہاوے میں سب کچھ ہاتھ تھا ۔ ہو مجھے ایک جھن کو بھی یہ خیال نہ آیا تھا کہ ناکی بھی کوریا جانا جائے۔ گی ۔ کیا نوس کا کم آسے پسلد نہیں ہے یا ریلوے آسیتال میں اُس کا کام ضروری نہیں ہے ؟ اگر وہ چلی گئی تو ایک یار پھر ھمارے جھوں پر دکھ جھا جائے گا ۔ اُس سے بنچھوٹے کا دھیاں کو کے دماغی اُلجھی سے پریشان ھو کو میں تھیلئے لگا ۔

مہری آنکھیں اص کے قریب رکھے گاؤں پر گئیں جو رہ ایانگ کے لئے تھیک کو رھی تھی ، مجھے آپٹی سانس رکتی سی جان پوی ، یکایک میں کہ اُٹھا — '' لیانگ کا دیا ھوگا ، اُس کی دیکھ بھال کون کرے کا آ''

اُس نے اپنی آنکھوں پر سے وومال ھٹاتے ھوٹے اپنا سر اُوپر آٹھایا اور میری طرف دیکھتے ہوئے کچھ کھنے کی کوشش کی' پر شید اس کے منہ سے نہ نکل سکے ، اُس نے ایدا سر پھر، ھجے کو لھا ،

اسکی چھی دیکھ مجھ ایفا دل پھتتا سا جان پرا .
ایک طرف مجھ تانکی کی بات پر دکھ ھو رھا تھا اور
درسری طرف خود آئی وبھوھار کے لئے آئی سے ایک نفرت ،
میں اُٹھکر اُس کے قریب پہونچا اور تھیک اُس کے
ساملے کرسی کھیلچ کر بھتھ گیا ، میں کوریا کی اِس
عورت کو تھیک تھیک سمجھلے کی کوشش کر رھا تھا ،
اسکے ساتھ مھی نے آئی جیون کے دس پرس بتائے تھے اُور
بورا جھون بتائے کی پرتگیا کی تھی ،

هر چهن هم ساته رهے . هم نے دکھ ساتھ ساتھ سہے' سکھ مهن ساتھ ساتھ خوشیان مغائیں . پچھلی باتیں میرے دماغ میں چکر کات رهی تعین . میں ایٹی تانکی کی باری میں سوچلے لگا .

हमते अपने बेट स्थांग को स्कूल भेज दिया था और छुट्टियां आने पर हम दोनों ही उसे बापस लेने गए थे. तान-की और मुसे अब अपने अबने कामों से थोड़ी फुरसत भी मिल जाती थी. हम दोनों बाजार जाते, अपनी जरूरत की चीजें एक दूसरे की राय से ही खरीदते. किसी दिन फुरसत के समय कोई दूसरा काम न होने पर हम लाग यलो नहीं के किनारे टहलने चले जाते और घन्टों पिछली घटनाओं और अविश्य की योजनाओं पर बातें करते रहते. अब हमारा काम भी मुकर्र था और उसमें हमें जानन्द आता था. हममें एक नया उत्साह, एक नया जोश पैदा हो रहा था और हम बेहद सुखी थे. ऐसी हालत में मैं तान-की के शब्दों का मतलब नहीं समक सका.

"तुम इहना क्या चाहती हो ?" मैंने पूछा.

'में बहुत सोचती रही हूँ." इतना कह कर वह चुप हो गई उसके बेहरे पर कुछ परेशानी की रेखाएं उभर आई. फिर कुछ छन बाद वह बोली—''मैं कुछ दिन पहले ही तुम से कहना चाहती थी......मैं कोरिया जाना चाहती हूँ."

उसके मुंह से यह शब्द सुनने की आशा मैं नहीं रखता या. मैंने अपनी प्याली मेज पर रख दी. मैं सोचने लगा— तान-की सुमें छोड़ कर जाना चाहती हैं—मेरी पत्नी, मेरी जीवन साथी, मेरी सब इख सुमें छोड़ कर..........अपने प्यारे बच्चे को छोड़ कर जाना चाहती है. मैं बहुत अधीर हो उठा. एक गहरी पीड़ा से मेरा मन भर गया.

"तान-की ! क्या सचमुच ही तुम जाना चाहती हो?" मैं एक ही सांस में कह गया. उसने व्यपना सिर हिलाया.

"नहीं, नहीं ! तुम नहीं जा सकतीं. मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगा.'' मैं जोश में यकायक खोर से चिल्ला डठा.

कुछ छन इम दोनों के बीच एक इलमन पैदा करने वाली खामोशी छाई रही. तान-की की खांखें खुल कर चौड़ी हो गईं थीं खीर इनमें परेशानी साफ मलक रही थी. इसने अपने खापको संभालते हुए कहा—"तुम्हारा क्या मतलब है, क्या तुम मुक्ते नहीं जाने दोगे ?"

मैंने अपने शब्द दुहरा दिये.

इस पर उसने बहुत हां मीठे राब्दों में कहा—''मुके विश्वास है तुम मुक्ते जाने से नहीं रोकोगे. को कुछ तुम कह रहे हो जोश और मुक्तको न समक सकने के कारन कह रहे हो. तुम जानते हो, मैं जाने के लिये कितनी बेचैन हूँ? न जाकर क्या मैं अपने दिमारा को काबू में रख सकूँगी? क्या मैं इन हाखतों में मुखी रह सकती हूँ श"

इन्ज न समक पा सकते वाले वालक के समान में इसकी तरफ देखां रहा था. सुक्ते अपने नगर से वालन्टियर هم نے اپنے بیٹے لیانگ کو اسکول بھیج دیا تھا ارر چھٹھاں آنے پر هم دونوں هی اُسے واسس لھٹے لئے تھ ، قائکی اور مجھے اب اپنے اپنے کاموں سے تھوڑی قوصت بھی مل جاتی تھی . ہم دونوں بازار جاتے اُلئی ضورت کی جھڑیں ایک دوسرے کی رائے سے هی خویدتے کسی دن قوصت کے سیے کوئی دوسرا کام نہ هوئے پر هم لوگ یادندی کے کھارے تہلئے چلے جاتے اور کھئٹوں پچھلی گھٹٹاؤں اور بھوشیم کی یوجٹاؤں پر باتیں کرتے رہتے . اب همارا کام بھی مقرر تھا اور اُس میں همیں آنڈد آتا تھا . هم میں ایک تھا اوساء ایک نیا جوش پھدا هورها تھا اور هم سید مد سکھی تھے ، ایسی حالت میں میں تاکی کے شہدوں کا مطلب نہیں سمجھ سکا .

ألم كهذا كيا جاهتي هو؟ ، سين في يوهها .

وامرین بہت سوچتی رهی هوں۔'' اتفا که کر وہ چپ هوگئی . اس کے جہرے پر کچه پریشانی کی ریکھائهں ایمر کتھ اللہ اللہ اللہ کی میکھائیں اللہ اللہ اللہ کا میں کتھ جہن بعد وہ ہولی۔'' میں کتھ دن پہلے ہی تم سے کہا چاعتی تھی۔۔۔۔۔۔مین کوریا جانا چاعتی هوں۔''

اُس کے مند سے یہ شبد سننے کی آشا میں نہیں رکھتا تھا ۔ میں نہیں رکھتا تھا ۔ میں نے اپنی پیالی میز پر رکھ دی ۔ میں سوچنے لکا سے تاکی مجھے چھرز کر جانا چاھتی ھے۔۔۔میری پتنی میری سب کچھ' مجھے چھرز کر ۔۔۔۔۔ اُنے پیارے بچے کو چھوز کر جانا چاھتی ھے ۔ میں بہت اُدھیر ھو اُتھا ۔ ایک گھری پھڑا سے میرا میں بہت اُدھیر ھو اُتھا ۔ ایک گھری پھڑا سے میرا میں بہر گیا ،

''تانکی ! کیا سے مے هیتم جانا چاهتی هو؟'' میں ایک هی سانس میں کے گیا ، اُس نے اپنا سر هایا ،

''نہیں' نہیں آ تم نہیں جاسکتیں ۔ میں تمہیں الہیں جانے درنگا۔'' میں جوش میں یکایک زرر سے چاآتھا، کچھ چھن ہم درنوں کے میچ ایک الجھن بیدا کرنے والی خاموشی چھائی رھی ، تابکی کی آبکھیں کھل کر چوری ھرکئی تھیں اور اُن میں پریشانی صاف جھلک رھی تھی ، اُس نے آئے آپ کو سفیھالتے ھوئے کہا۔۔۔ 'تمہارا کیا مطلب ھ' کیا تم مجھے نہیں جانے درئے؟'' میں نے آئے شہد دھرا دیئے .

اس پر اس نے بہت کی صفاتے شہدوں میں کیا۔۔
المجھے وشواس ہے تم مجھے جانے سے نہیں روکے گے . جو
کجھ: تم که رہے ہو جوش اور مجھکو نه سمجھ سکنے کے
کارن که رہے ہو . تم جانتے ہوا میں جانے کے لئے کتفی بے
چین ہوں ؟ نه جا کر کیا میں ابنے دماغ کو قابو میں
وکھ سکونگی ؟ کیا صفار اِن حالتوں میں سکھی رہ
سکتی ہوں ؟ اُ

کجه نه سمجه پا سکنے والے بالک کے سمان میں اُس کی طرف دیکھ رہا تھا ، مجھے ایک نگر سے والنتیر आज सभी चीजें नियम में बंध गई थीं. सब एक धुरे से चल रही थीं. हमारे लिये भिवश्य में आने वाने शुभ-दिनों का यह सन्देश था. हमें अपनी हर चाज की रचा करनी पढ़ेगी. जो हाथ इन्हें तबाह करना चाहते हैं उनसे मुक्ताबला करना पढ़ेगा. हम यह नवजीवन पाकर उसे अब खो नहीं सकते! मैं उन्हों विचारों में खोया, कल्पनाओं मैं गुमसुम धीमे धीमे वर्क शाप से लीट रहा था.

x × ×

काफी अन्धेरा होने पर ही मैं तान-की के पास पहुंच सका. दरवाजा छोल कर मैं अन्दर गया. तान-की बच्चों का सूती गाउन ठीक कर रही थी. लैम्प की रोशनी उसके चेहरे और खुले बालों पर पड़ रही थी. इस समय उसके मुखड़े पर छाई चमक को मैं एक दुक घूरता हुआ उसके करीब बैठ गया.

"यह मेरे विलकुल ठीक आता है." एएटर की तरफ इशारा करते हुए मैंने कहा.

बसने हाथ की सुई एक तरफ रख दी और गाउन को तह करती हुई बोली—"शब उन्ड पड़ने लगी हैं. खब की बार जब तुम जाना तो ल्यांग के लिये यह गाउन और दूसरे गर्म कपड़े ले जाना न भूकना." ल्यांग हमारे आठ बरस के बच्चे का नाम हैं. हमने यह नाम उसके मामा किम-ल्यांग-च्यू की याद सदा अमर रखने के लिये रखा है. तान-की का आई किम-ल्यांग-च्यू जापानियों के हाथों अपने देश की रक्षा करता हुआ शहीद हुआ था.

मैंने दो प्यालों में गरम पानी डाला और एक तान-की की तरफ बदा कर दूसरा जुद उठा लिया. ब६ उस प्याले को दोनों हाथों से पकड़ते हुए गंभीर निगाहों से मेरी तरफ देखने लगी.

हसे कुछ बोलते न देख कर मैंने खुद ही पूछा— "तुम मुफसे क्या कहना चाहती थीं?"

तान-की ने जवाब नहीं दिया. वह उसी तरह मौन बैठी रही. मैंने आशंका से पूछा--- "क्या बात है ?"

अपने प्यांते से एक घूँट तेकर उसने धीमी आवाज में कहा—"संसार का हर आदमी सुर्खा रहना चाहता है." मेरी तरफ से आंखें विना हटाए ही वह कहती गई—"पर वह आदमी सुर्खी नहीं रह सकता जो अपनी जिम्मेदारी को मुता दे."

سبهی چیزیں ٹیم میں بلدھ گئی ٹیمن ۔ سب
رے سے چل رھی ٹیمن ، ھدارے لئے بمرشعہ میں
شبه دائرں کا یہ سندیش تیا . ھمیں اپنی ھر
رکشا کرنی ہوے گی ، جو ھاتھ اِنھیں تماہ کرنا
میں اُن سے مقابلہ کرنا ہوے گا ، ھم یہ نوجھوں پاکر
اکھو نہیں سکتے اُ میں اُنھیں وچاروں میں کہویا
میں گم سم دھیسے دھیسے ورک شادی سے لوگ

+ × ×

اندھورا ھوئے پر ھی میں تانکی کے پاس پہونچ روزاء کھول کر میں اندر گیا ، تانکی بچوں کا سوتی یک کررھی تھی ، لیسپ کی روشتی اُس کے اور کھلے بالوں پر یو رھی تھی ، اِس سے اُس کے پر چھائی چمک کو میں ایک تک گھورتا ھوا' ، قریب بیٹھ گیا ،

لا ميرے بالكل تهيك آتا هے ،'' سويتر كي طرف رہے هوئے ميں نے كہا ۔

نے ھاتھ کی سوئی ایک طرف رکھ دی اور گاؤن رتی ھوئی ہولی۔۔۔''اب ٹھنڈ پونے لگی ہے ۔ آپ جب تم جانا تو لیانگ کے لئے یہ گاؤن اُرر دوسوے رحے لے جانا نہ بھولفا ۔'' لیانگ ھمارے آٹھ برس کا نام ہے ۔ ھم نے یہ نام اُس کے ساما کم لیانگ کی یاد سدا اُسر رکھنے کے لئے رکھا ہے ۔ تانکی کا کم لیانگ چیو جاپانیوں کے ھاتھوں آئے دیوس کی رتا ھوا شہید ھوا تھا ۔ میں نے دو پھالوں میں گرم نالا اور ایک تانکی کی طرف بوھاکر دوسوا خود یا اُس پھالے کو دونوں ھاتھوں سے پکوتے ھوئے نگاھوں سے بھری طرف دیکھئے لگی ۔

ے کچھ بولٹے تم دیکھ کر میں ٹے خود ھی پوچھا۔۔ بچھ سے کیا کہنا چاھٹی تھیں ^{6.9}

رکی نے جواب نہیں دیا۔ وہ اُسی طوح موں بیتھی میں نے آشلکا سے پوچھا۔۔۔''کیا بات ہے؟''

پ پیالے سے ایک گھونٹ لے کر اُس نے دھیمی آواز کھالے۔'' سنسار کا ہر آدمی سکھی رھنا چاھتا ہے۔'' طرف سے آنکھیں بنا ھٹائے ھی وہ کہتی گئی۔۔ آدمی سکھی نہیں رہ سکتا جو اُپلی ذمے داری

 मैं उसकी तरक भेद भरी आंखों से देख रहा था! मन में तरह तरह के सन्देह उठने जगे—वह इस वक्त क्यों आ रही हैं ? क्या करुरी काम हो सकता है ? उसके करीब आ जाने पर मैंन सवाज किया 'कामरेड का क्या

THE PART OF STREET

करीब आ जाने पर मन संवात किया काम कि का क्या हाल है ?" मेरा मतलब एक राष्ट्र पहले ममर की गोले में जलमी होकर अस्पताल में भरती होने वाले एक काम रह

इसने अपना सर हिला कर मानो मुझे बताया कि

कामरेड की हालत ठीक है.

मेरे बिलकुल करीय आ कर उसने एक उनी मोयटर मेरे हाथों में थमा दिया. पास पड़ेहुए डिब्बों पर गोलियों के गढ़ों को ध्यान से देखते हुए उसने कहा—"सियोल से मेरी मां की चिट्ठा आई है. उसमें उसने लिखा है कि अमरीकी हवाई जहाज कारखाने, स्कूल, मकान, दुकान सारी चीजों बरबाद कर रहे हैं, यह कुछ भी नहीं छोड़ रहे हैं."

... मैंने इसके चेहरे के भाव पढ़ने की कीशिश की, पर

वह मुक्ते शान्त जान पड़े, उनमें उवाल नहीं था.

मेर कारियन बालने के मुकाबले मेरा पत्नी कहीं अच्छी तरह चानी भाशा बोज सकता है. इसकी खास बजह यह है कि वह कोरियन हाते हुए और यलो नदी के उस पार पैदा होकर भी, छुटपन से ही यलो नदी के इस पार रह कर परवान चढ़ी थी।

अपनी चिन्ता को अधिक न द्वा कर मैंने उससे सवाल किया—"आज इस समय कैसे आ धमकीं, तुम्हारी

छुट्टी है क्या ?"

उस बक्त बह उन गढ़ों में अपनी उंगितयां डाल कर उनकी गहराई देख रही थी. मेरा सवाल सुनकर वह सुस्कराई. आगे बढ़ कर उनने मेरे हाथ से सोयटर ले लिया श्रीर फिर बोली—"आज रात अस्पनाल के आराम घर में मैं तुम्हारा इन्तजार कहंगी, सुमे तुमसे कुछ कहना है." यह कह कर वह लाइन पार करती हुई दूसरी तरफ खड़े हिक्नों की आइ में आंखों से आंमज हा गई.

×

शाम के बक्त सूरज की किरने चारों तरक फैज रही थीं. दिन भर के बाद इस समय आममान साक चमक रहा था.

चारों तरफ —रेलवे लाइन, कोयना गोदाम, पानी की टंका, वर्क शाप, ऊंबी ऊंबा । चम नयां और मजदूरों के आराम घर — देख कर नए निमान की एक भावना उम इता जान पड़तों थी. पच छेम हा तरफ जात सूरज की लाज । करने नई बनी इमारता का लात इंटों पर एक चमक पेदा कर रहीं थीं.

منهن أس كى طرف بههد بهبى آنكهوں بيد دبيكه وها تها أمن مهو طبح طبح كے سنديم أتها لي سيرة إس وقت نيون آوهى هے؟ به هروبي كام هو حكتا هے؟ أس كے قريب آجائے ہو مهن بے سوال كها ۔.. "كامريد كا نها حال هے؟" مهرا مطلب أيك روز بهلے أمريكي كولے سے زخمي هونو استقال مهن بهرتي هونے وألے أيك كامريد سے تها .

اُس نے اپنا سر ملاکر مانو مجھے بتایا کہ کامریۃ کی حالت ٹیمک ہے .

مهرے بانکل قریب آکر اُس نے ایک اونی سویٹر مهرے هاتهرں میں تهما دیا . پاس پڑے هوئے قہرں پر گولهوں کے اُدھوں کو دهیان سے دیکھتے هوئے اُس نے کہا۔۔ 'سیول سے میری ماں کی چٹھی آئی ھے . اُس مهں اُس نے لکھا ھے کہ امریکی هوائی جہاز کارخانے' اسکول' مکلی' دوکان' ساری چھڑیں برباد کررھے هھں' وہ دچھ بھی نہھی جھوڑ رہے هھیں۔"

میں نے اُس کے چہرے کے بہاؤ پڑھانے کی کوشش کی' پر وہ معجمے شاست جان پڑے' اُن میں آبال نہیں تھا۔

مهرے کورین بوللے کے مقابلے مهري پہلي کہيں اُچھی طرح چھلی بھاشا بول سکتی هے ، اس کی خاص وجه یہ هے که وہ دورین هوتے هوئے اُور یلوندی کے اُس پار پیدا هوکو بھی' چھٹین سے هی یلوندی کے اِس پار وہ کو پروان چوھی تھی ۔

آپنی چنتا کو ادھک نہ دباکر میں نے اُس سے سرال کیا۔۔۔"آج اِس سمے کیسے آدھمکیں' تمہاری چہتی ہے

أس وقت وہ أن كةهوں مهى أينى انكلياں ذال كو وہ أن كى گهوائى ديكه رهى تهى ، مهوا سوال سن كو وہ مسكر ئى . آئے ہوھ كو أس نے مهوے: هاته سے سويٹو لے لها أور پهر بولى—" آج رات اسپتال كے آرام گهو ميں مهى تسهارا انتظار كورنكى ' مجهے تم سے كچھ كها ہے." يه كو كو وہ لائن يار كوتى هوئى دوسرى طرف كوچے قبوں كى آو مهى آنكھوں سے أوجهل هوگئى .

x x x x

شام کے رقت سورج کی کرنیں چاروں طرف پہیل رھی تہیں'، دن بھر نے بعد اِس سے آسان صاف چیک رہا تھا ،

بھاروں طرف—ریلوے لائن دوئلہ کودام پانی کی گفتگی کودام پانی کی گفتگی کو ورک شاپ اونچی اوسچی چملیوں اور مزدوروں کے آرام تھو—دیمہ کو لئے نرمان کی یک یہارتا اُموتی جاتے سورچ کی لال کونیں نگی بلی عمارتوں کی لال اینٹوں پر ایک چمک پیدا کررھی تھیں ۔

228 See 2 11 61

ि हजारों चचर होते हैं. चगर इमारी तिसाबट की वरह इसमें भी 40-42 चचर होते तो शायद चीन ने टाइपों की भी ईजाद कर ती होती.

बारहवीं मदी के बािखर में तो भारत में बौद्ध धर्म का मी सितारा इवने लगा, इसिलिय भारती विदानों के चीन जाने की संभावना नहीं रह गई थी. चेगेज खाँ हालांकि बौद्ध नहीं था, लेकिन इसकी इमदरदी बौद्धों के साथ ज़क्र बी. चंगेज ने अपने पोते क्रुवबाई खां वगैरा की तालीम की ज़िम्मेदारी एक बौद्ध भिद्ध को द-थी.

आगे चलकर क़ुबतई (1260-94 ईसवी) ने बौद्ध धर्म स्वीकार किया. घुमंतू मंगोलों के कलचरी निर्मान में बौद्ध धर्म ने इतनी मदद की कि पीछे चलकर वह मंगोलों का जाती धर्म बन गया. अब भारत में बौद्ध धर्म नहीं था, लेकिन मंगोल में धर्म प्रचार का काम तिब्बती आवार्यों ने किया. मंगोल त्रिपटक का अधिक भाग तिब्बती त्रिपटक (कंजूर, तंजीर) का अनुवाद है.

षाहर के ज़ियादातर देशों से भारत का सम्बन्ध षीद्ध धर्म के ज़िरेये दुन्ना था. वह सम्बन्ध बौद्ध धर्म के खरम होने से जहाँ कमज़ोर होन लगा, वहाँ देश की गुलामी ने भी कलचरी मेल को अुताने में हाथ बटाया. सिद्यों बाद भारत इस हालत में हैं कि वह उस पुराने कलचरी सम्बन्ध को फिर से जिन्दा करे. باره ویو صدی کے آخر مہیں تو بھارت میں بودھ دھرم کا بھی ستارہ قوبئے لگا اس لئے بھارتی ودوائرں کے چھن جانے کی سمبھارنا نہیں رہ گئی تھی۔ جلگھڑ خاں حالانکہ بودھ نہیں تھا لھی اس کی همدردی بودھوں کے ساتہ ضرور تھی، چلگھڑ نے آئے پوتے تبلئی خاں وفھرہ کی تعلیم کی قمعداری ایک بودھ بهکشو کو دی تھی۔ آئے چل کر قبلئی (94-1260 عیسوی) نے بودھ دھرم سویکار کیا، گھوملٹو ملگولوں کے کلچری نرمان میں بودھ دھرم نہیں مدد کی که پیچھے چل کر وہ ملکولوں کا جاتی دھرم بی گیا، آپ بھارت میں بودھ دھرم نہیں تیا لیکن ملکول میں دھرم پرچار کا کم تبتی آچاریوں نے کیا، ملکول میں دھرم پرچار کا کام تبتی آچاریوں نے کیا، ملکول میں دھرم پرچار کا کام تبتی آچاریوں نے کیا، ملکول تریتک کا ادھک بھاگ تبتی تریتک

باهر کے زیادہ تر دیشوں سے بھارت کا سمیدھ ہودہ دهرم کے فریعے هوا تھا، وہ سمیدھ بودھ دهوم کے ختم هونے سے جہاں کمؤور هوئے لگا وهاں دیش کی فلامی نے بہی کلچری میل کو بھائے میں هاته باتایا ، صدیوں بعد بھارت اس حاات میں هے که وہ اس برائے دلمچری سمیدہ کو بھر سے زندہ کرے ،

एक चीनी कहानी

प्यार की टकर

(भाई याद चँग)

यक्तो नदी के उत्तरी किनारे पर एक रेजने स्टेशन है. मैं बसी स्टेशन की मशीन शाप का चार्जमैन हूँ.

एक रोज में कमरीकी बन्नारों के हार्थों तबाह किये हुए बायतर कीर दिखां पर बमों की चोट से पैदा होने बाले गढ़ों की देख भात कर रहा था. बायतर और दिन्दे तितरिवतर इधर उधर पढ़े थे. उसी समय मैंने तान-की को अपनी तरफ आते देखा! मुक्ते बहुत तान्जुब हुआ देलवे स्टेशन के बिलकुल करीब ही एक अस्पताल है और तान-की उसा में देख नंस है. इस वक्तत उसका आना मुक्ते अचरज में बाल बना नहीं रह सकता था. क्योंकि बहुत हा जहरो काम दोने पर वह अस्पताल की ब ट छोड़ती है.

ایک چه ای کهانی

پیار کی **تکو** (بهائی یار چلک)

یاوندی کے اُتری کفارے پر ایک ریلوے اسٹیشن ہے . سیں اُسی اسٹیشن کی مشین شاپ کا چاربرمین ہوں .

ایک روز میں امریکی بمباروں کے ھاتھوں تباہ کئے
ھرئے بانلر اور قبوں پر بموں کی چوٹ سے پیدا ھونے والے
گذھوں کی دیمے بھال کررھا تھا ۔ بانلر اور قبے تعر بعر
ادھر ادھر بہتے تھے اسی سے میں نے تانکی کو ایلی
طرف آتے دیکھا محصے بہت تعجب ھوا۔ ریلوے اسکیشن
کے بالکل قریب ھی ایک اسپتال ہے اور تانکی اسی میں
عید نوس ہے ۔ اِس رقت اس کا آبا محصے اچرچ میں
قالے بلا نہیں وہ سکتا تھا ۔ کیونکہ بہت می ضروری
کا ھونے پر وہ اسپتال کی قیوتی چھوڑتی ہے ۔

विसम्बर '51

(500:)

·5] بسبد

पांचनों सदी के आखिर में भी दिक्खनी चीन के एक राजकुमार ने कुछ गीत बनाप. इस वंश के इतिहास में लिखा
है कि 487 ईसवी में राज कुमार ने "धर्ष की गाधात्रों के
गाने के लिये राग तैयार करने के बास्ते कितने ही भिजु को
को इकट्ठा किया." बन्होंने जो गीत तैयार किये थे, उनसे
तीन सदी बाद जापान से आने बाले तीर्थ यात्रियों पर
बहुन असर पड़ा.

ज्योतिश.

भारती आचार्यों की प्रेरना और सहायता से चीन में ज्योतिश और हिसान में नई तरक्षकी हुई. 618 ईसवी में एक भारती विद्वान ने पहले थांग सम्राट के लिये एक नया कलेंडर बनाया. उससे एक सदी पीछे भारती पंडित शुभार सिंह भीर विश्व बीद्धी के शार्गिद चीनी भिक्षु ई-शिंग (683-747 ईसवी ने हिसान करके बतलाया कि सुरज के साल में 365-244 दिन और चांद महीने 29-53 दिन होते हैं. 721. ईसवी में सरकार ने इस सुधरे हुए कलेंडर को मान लिया.

वैद्यक.

द्वा इलाज की विद्या में बौद्धों का बहुत बड़ा हाथ था. उनके विद्दार में सभी जगह एक आम डिस्पेन्सरी रहती थी. विद्दारों से जुनकर नौजवान भिज्ञ वैदाक सीखने के लिये चांग-आन भेजे जाते थे.

छपाई.

जनता का प्यारा धर्म होने के कारन सबसे पहले बौद्ध धर्म ने चीन में छापे का इस्तेमाल किया. बौद्धों के कोई कोई प्रन्थ पत्रासों हज़ार की तादाद में दूसरे पाठकों के लिये लिखे जाते थे. उन्होंने देखा कि जिस तरह उन्हें अचरों की मुहर बना कर काराज़ पर छापा जा सकता है, उसी तरह हम छोटी मोटी किताबों को भी छाप सकते हैं. नवीं सदी के आखिर तक चुंग-लू इस तरह की छपाई का मरकज़ बन गया. 929 ईस्वी में लू-यांग के राज वंशा ने जे-च्यान पर क्षबज़ा कर लिया और पांच बरस तक राज किया. यहां उनको छापे खाने का पता लगा. 971-83 ईसवी में चीनी बौद्धों ने पांच हज़ार जिल्लों में सारे 'त्रिर पटक' छाप दिये, जिसकी कापियां 985 ईसवी में कोरिया और 986 ईसवी में जापान पहुँचीं.

इस तरह दसवीं सदी के खत्म होते होते चीन में छापे जाने का भारी प्रचार हो गया था. हां, वह इस जमाने के ढंग की छपाई नहीं थी. अलग अलग बने धात के अच्छों को इस्पोज करके छापने का काम योरप ने किया. ऐसा न करने का कारन यह भी था कि चीनी लिखावट में उचारन (तकप्रकुष्ण) का नहीं, मतलब का इशारा होता है. इस المحمار مدی کے آخر میں بھی دکھئی چھن کے ایک راجکمار کے کچھ گیمت بقائے اس ونش کے انہاس میں الکھا ہے گفت بھائی میں راجکمار نے '' دھرم کی گاتھاؤں کے گئے راگ تیار کرنے کے واسطے کتنے ھی بھکشوؤں کو اکتھا کیا '' انہوں نے جو گیمت تیار کئے تھے' اُن سے تین صدی بعد جایاں سے آنے والے تیرتھ یاتریوں پر بہت اُئر ہوا ،

جهونش.

بھارتی آچاریوں کی پریرنا اور سھانتا سے چین میں جبرتھ اور حساب میں نئی ترقی ہوئی ۔ 618 عیسوی میں ایک بھارتی ودران نے پہلے تھانگ سمرات کے لئے ایک نیا کلفتر بغایا ۔ اُس سے ایک صدی پیچھ بھارتی بھکشو اور وجر بودھی کے شاڈرد چینی بھکشو اور وجر ہودھی کے شاڈرد چینی بھکشو اور شنگ (747-683 عیسری) نے حساب کر کے بتایا کہ سورج کے سال میں 244-365 دن آور چاند مہینے میں دگار کو مان لیا ۔

ويدك

دوا علاج کی ودیا میں بودھوں کا بہت ہوا ھاتھ تھا۔ اُن کے رھار میں سبھی جگھ ایک عام تسیدسری وھتی تھی ۔ وھاروں سے چن کر نوجوان بھکشو ویدک سیکھلے کے لگے چانگ آن بھیجے جاتے تھے ،

چە ھائى.

the contract of

جنتا کا پیارا دھرم ھونے کے کارن سب سے پہلے ہودہ دھرم نے چین میں چہاپے کا استعمال کیا ، بودہوں کے کوئی کوئی گرنتھ پچاسوں ھزار کی تعداد میں دوسرے ہاتھکرں کے لئے لکھے جاتے تھے ، اُنھوں نے دیکھا کہ جس طرح التے اکشروں کی مہر بناکر کافذ پر چھاپا جاسکتا ھے' اُسی طرح ھم چھوٹی موٹی کتابوں کو بھی چھاپ سکتے ھیں ، نویں صدی کے آخر تک چنگ تو اِس طرح کی چھپائی کا مرکز بن گیا ، 929 عیسوی میں طرح کی چھپائی کا مرکز بن گیا ، 929 عیسوی میں لویانگ کے راج ونش نے جے چوآن پر قبقہ کرلیا اور پانچ ہوس تک راج کھا ، یہاں اُن کو چھاپ خانے کا پتد لئا ، میں سارے 'قربتک' چھاپ دیئے' جس کی کاپیاں 585 میں حویان پہونچیں ، میں کویا اور 986 میں جاپان پہونچیں ،

اِس طرح دسویں صدی کے ختم ھوتے ھوتے چین میں چھاپے خالے کا بھاری پرچار ھوگیا تھا ۔ ھاں' وہ اِس زمالے کے دعلگ کی چھپائی نہیں تھی ۔ انگ الگ بنے دھات کے اکشروں کو کمھوز کرکے چھاپے کا کام یورپ نے کیا ۔ ایسا نه کرنے کا کارن یه بھی تھا که چیلی لکھاوت میں اُرچےاری (تلفظ) کا نہیں' مطلب کا آشارہ ھوتا ہے ۔ اُس

But he was the first of the

में तुन ह्वांग गुफा विहार खास महत्व रखते हैं. यहाँ की कला पर गंधार (तच्च शिला पेशावर) चौर मथुरा कला का बहुत द्यासर पड़ा है. यह बहुत मुमकिन है कि जैसे साहित्य के निर्मान में भारती पंडितों ने चीन में जाकर काम किया, उसी तरह भारती कलाकारों ने इन कला की महान यादगारों को तैयार करने में हाथ बटाया हो.

1913-14 ईसवी में कुछ पिछमी खोज करने वालों की टोलियां बीच एशिया और चीन के कई मागों में गई थीं. इस समय जरमन टोली का नेता लेलाक, जिटिश टोली का स्टाइन, फ्रेंच टोली का वासी था. रूसी एकेडेमी का भी एक दल आया था, फानसीसी दल अपने काम के लिये बढ़ता सेचुवान में पहुंचा, जहाँ सातवीं सदी से पहले की कई अहम चीजें मिलीं. वहां के गुफा विहार तुन्ह-वांग से कम ब्रह्मियत नहीं रखते. यहाँ के सबसे जियादा ब्रह्म खंडहर यू-कान (बुद्ध पवित्र स्थान) भौर च्यान-यू, यन (बुद्ध की चोटी) हैं. ह्वान पू एन का गुका विहार किवाड़ यू यन नगर के पास एक पहाड़ पर है, जिनमें सात आठ सी गुफायें हैं. इसे एक चीनी सरकारी छोहदेदार वई-कांग ने बनवाया था. पिबत्र स्थानों में से कितने ही बोधी सत्तुओं और भिद्धशीं की मूर्तियां हैं. इन गुफाओं में बहुत से शिला लेख (पत्थर के अम्भे जिन पर इकारत खुदी हैं।, जिन में कितने ही संग युवान, मंग धौर चंग (मंचू) काल के भी हैं. इस स्थान से कुछ मील दूर हट कर हांग चे-से में कितनी ही गुफाएँ हैं, जिनमें बहुत से सुन्दर चित्र हैं. इसी पहाड़ में 16 फीट लम्बी एक ध्यान किये हुए बुद्ध की मुर्ति हैं.

संगीत.

चीन का अपना एक आजाद संगीत है, जिसका दूसरे देशों से बहुत कम मेल हैं. भारत में संगीत बीना और बेनू जैसे साजों के सहारे गाया जाता है, पर चीन में जैसा कि आज भी अकसर देखा जाता है, हाथ से बजाने बाले बाओं से मदद ली जाती है. छटी सदी में इन गुफाओं में जो हरय दिखाए गए हैं, उनसे पता चलता है कि बीना भौर वेनू जैसे बाजों का उस समय कुछ कुछ प्रचार होने लगा था, जो पीछे बन्द हो गया. शुरू में बौद्ध धर्म का प्रचार करने वालों के लिये यह बड़ी कठिनाई भी कि कैसे बौद्ध स्तुतियों और प्रार्थना भों को चीनी संगीत में ढाला जाप. चीनी शब्द एक सलेबली होते थे, जब कि संस्कृत शब्द अधिक सलेवली होते हैं. वहाँ एक ऐसे संगीत की ज़रूरत थी, जिसे विदेशी और खदेशी दोनों ही मक्त एक साथ इकट्ठा गा सकें. कहा जाता है एक विई (192-232 ईस्बी) राजकुमार चाव-ची ने ऐसे 42 गीत बनाए थे. जिनमें बहुत से झटी भीर सातवीं सदी में भी मौजूद थे.

میران موانک کهها وهاد خاص مهمو رکهمے هیں ، یهال کی الدر تندهار (تكشة يوشارر) أور متهرا كة كا بهت اثر يواهي. ر بہت ممکن ھے که جیسے سامعه کے نرمان میں بھارتی بلذتوں نے چین میں جاکر کم کیا اُسی طرح بھارتی کا المور غان كلا كي مهان ياد الرور كو تهاد كر ليمين عاته بتايا هو 1913-11 میسوی میں کچھ پچھیدی کھوج کرلے رالوں کی تولیاں بیچ ایشیا اور چین کے کئی بھاگوں میں گئیں تھیں ، اُس سمے جرمن تولی کا نیٹا لیلاک' برتش توانی کا استائن ونه تولی کا واسی تها . روسی اکیدیدی کابھی ایک دل آیا تھا فرانسھسی دل ایے کام کے لئے بڑھا سیچو وان میں پہونچا کہاں ساتویں صدی سے بہلے کی کئی آهم چیزیں ملهں ، وهاں کے گیها وهار نله هواگ سب سے نله هواگ سے کم اهمیت نهیں وکھتے ، یهاں کے سب سے الله الم كهنت هر يوكان (بده يوتر استهان) اور جهان یو ین (بده کی چوتی) هیں ، هوان ، یو ، ین کا الها ومار کوار یو ین نگر کے پاس ایک پہار پر ہے جن میں سات آتھ سو کھیائیں ھیں . اِسے ایک چیلی سرکاری عهدےدار وئی کانگ نے باوایا تھا . پوتر استھانوں مھی سے كلا هي بودهي ستتوون اور بهكشوؤن كي مورتهان هيں . إن كهاؤن مين بهت سے شد الايكه (يعهر كے کہدیے جن پر عدارت کهدی هے) جن میں کتابے هی سدی، یوآن منگ اور چنگ (منچو) کال کے بھی هيں . إس استهان سے كچه ميل دور همت كر هوانگ چے . سے میں کتنی می کپھائیں میں' جن میں بہت سے سندر چتر هيں . اِسى پهار مهن 16 فت لمبى ايك دهیان کئے هوئے بدء کی مورتی هے .

سلكيت.

چهن کا اینا ایک آزاد سنگیت هے جس کا دوسرے ديشوں سے بہت كم ميل ھ . بهارت ميں سلكيت وينا ار ریدو جوسے سازرں کے سہارے کلیا جاتا ہے' پر چون میں جهسا که آج بهی انثر دیکها جاتا هے' هاته سے بجانے والے باجوں سے مدد لی جاتی ہے ، جہا ی مدی میں اِن کیهاؤں میں جو درشیم دکھائے گئے هیں' اُن سے بتم لکتا ہے' که رینا اور ویلو جهسہ باجوں کا اُس سے كجه كجه برجار هوني لكا تها جو يهجه بند موكها . شروع میں بودھ دھرم کا پرچار کرنے والوں کے لئے یہ بوی کٹھنائی تهی که کهسه بوده استوتیرن اور پرارتهناؤن کو چهنی سلكيت مين دها جائه . چينى شبد ايك سليبلى ھوتے تھے' جبکہ سلسکرت کے شبد ایک سلیبلی ھوتے هیں . وهاں ایک ایسے سلکھت کی ضرورت تھی' جسے وديشي اور سوديشي دونون هي بهكت ايك ساته اكتها ا ساهن . کہا جاتا ہے ایک ویکی (232–192 عهسوی) راجكمار جاؤ جي لے ايسے 42 كيت بقائم تھ، جن میں بہت سے چھٹی اور ساتویں شدی میں بھی موجوداتھ،

बर्मी के विचारों के खिलाफ नहीं है. दोनों के विचार एक हा हैं. एक आदमी दोना का पालन कर सकता है. हमार यहां के उन्ने विचारों के साथ साथ बद्ध विचारों को भान लिया जाए, तो अञ्झा है. पुद्धमान आदमा जहां भी ब्रच्छा चोजें पाता है, उनका जमा कर तता है, वह दूसरो से साख लेने के लिये तैयार रहता है."

भारती विद्वानों में धर्म रश्वक का चीन में अहम स्थान है. यह मेधाबी महान विद्वान असल में बीच एशिया के शक वंशी थे भीर घूमते फिरते भारत आए. यह 36 भाशाएँ जानते थे. भारती कलचर के फैजाने की उनको अवरदस्त लगन थी. 294 ईसवी में यह चीन की एक राजधानी चांग आन में पहुँचे, जहां 29 साल । 284-313 ईसवी । रहकर वन्हान अपना काम किया. हजारों चीना विद्यार्थियों ने उनसे शिवा ली, उनसे भा जियादा लोगां ने उनके उपरेशों से कायदा उठाया. उन्होंने 211 भारती मंथों का चीनी भाशा में अनुवाद किया था, जिनमें से 92 अभी तक मिजते हैं. कुमार जीव का नाम चान के महान अनुवाद करने वाले की शक्त में ही नहीं, बल्कि महान साहित्यक (अवीव) के तीर पर भी लिया जाता है. कुमार जीव 385 ईसवी में चान पहुँचे और 16 बरस तक रह कर वहां ऊंचे साहित्य के निमान में लगे रहे.

मृतिं कला और चित्र कला.

बौद्ध धर्म ने चीनी साहित्य की श्रनमोल सेवा की. चीनी कला को भी उसकी देन अमर है. उस समय के बने हुए चित्र चान में बरबाद हो चुके हैं, लेकिन तुन ह्वांग (बाच ए/शया) की गुफान्त्रां में जो बौद्ध चित्र मिले हैं. उनसे पता लगना है कि चित्र कला में भा उन्होंने चीन की शान इसा तरह बढ़ाई जैसे मूर्ति कला में. शैन्सी, हियू, शातुँग, होन:न, शैन्सी श्रीर कान्सी सूबीं में उस समय की मूर्ती कला के सुन्दर खंडर हैं. संसार में शायद हा कोई ऐसा बड़ा म्यू जियम हो, जहाँ इन सुबा से मिली हुइ कोई न कोई मूर्ती न रखी हो. उत्तरी सम्राट 'तो पावियां ने और उसके इत्तराधिकारियों ने उस समय की मृति कला की देख रेख का कितना ऋच्छा इन्तजाम किया, क मनुश्य की तोड़ फाड़ के बाद भी उनमें से कितनी ही मानेयाँ बच गई 414-520 इंसवी के बीच तुपा सम्राट ने पहले वई राजधानी के पास फिर आधुनिक था-तंग (शान्सी) के पास किसने ही विहार पहाड़ी को खोद कर वनवाए, यह वहा समय था. जब कि अजन्ता के विहार वन रहे थे. इन गुका-विहारों को सुन्दर मूर्जियों से मजाया गया था. तूपा और दूसरे राजवंशों ने और कई जगह गुभा बहार बनवाए, जिनमें शैन्सी में ते युन, शान-तुन, ली-चिंग, लूयांग के पास लो-मिन और बीच पशिया

دهرمیں کے وجاروں کے خلاف نہیں ہے ، دونوں کے وجار ایک تھی ھیں ، ایک آدمی دونوں کا پالن کوسکتا ہے ، ھمارے یہاں کے اونچے وچاروں کے ساتھ ساتھ بودھ وچاروں کومان لھا جائے ، تو اچھا ہے ، بدھیمان آدمی جہاں بھی اچھی چھزیں پاتا ہے اُن کو جمع کو لیتا ہے ، ود درسروں سے سیکھ لینے کے لئے تھار رہتا ہے . '

بھارتی ودرانوں میں دھرم رکشک کا چین میں اھم استھان ہے۔ یہ میدھاوی مہان ودران اصل صفی بھی ایھیا کے شک ونشی تھے اور گھومتے پھرتے بھارت آئے۔ یہ 36 بھاشائیں جانتے تھے۔ بھارتی کلنچر کے پھھٹے کی ایک واج دھائی جانتے تھے۔ بھارتی کلنچر کے پھھٹے کی ایک واج دھائی جانگ آن میں پہوئیچے جہاں کی ایک واج دھائی جانگ آن میں پہوئیچے جہاں 29 سال (313 284 عیسوی) وہ کر آنھوں نے اپنا کامکیا ، مؤاروں چھٹی ودیارتھؤوں نے آن سے شکشا لی' آن سے بھی ویادہ لوگوں نے آن کے ایک ایک میشوں سے قائدہ آٹھایا ، آنھوں نے اپدیشوں سے قائدہ آٹھایا ، آنھوں نے میں سے 92 ایمی نک ملتے ھیں ، کمار جھو کا نام چھن مہان سارتھیک (ادیب) کے طور پر بھی لیا جاتا ہے . کمار جھو 85 ھیسوی میں چھن پہونیچے اور 16 برس کمار جھو 865 ھیسوی میں چھن پہونیچے اور 16 برس کمار جھو 865 ھیسوی میں چھن پہونیچے اور 16 برس

مررتی کا اور چتر کا .

ہودھ دھرم نے چیلی ساھعیم کی انبول سہوا کی۔ چیلی دلا کو بھی اس کی دین اسر ھے . اُس سم کے بلے هوئے چترچین میں برباد هوچکے هیں ٔ لیکن تن هوانگ (بیبے ایشها) کی کپهاؤں میں جو بودھ چھر ملے هیں' أن سے یعد الكتا ہے كه چتو الله مهل بهى أنهوں لے جهن كي هان أسى طرح بومائي جهسے مورتي کلا ميں۔ شهندسي هیوا شاتلگ هو آن شیلسی اور کانسی صوبوں میں أس سيے كى مررتى كا كے سلدر كهندر هيں. ساسار ميں شاید هی کوئی ایسا برا مهرزیم هو جهان اِن صوبون سے ملی ہوئی کوئی نہ کوئی مورتی نہ رکھی ہو ، آتری سمرات و تو یاچهو ، لے اور اس کے اترادھکاریوں لے اس سهے کی مورثی کا کی دیکھ ریکھ کا کٹنا اچھا آنتظام کیا' که منتص کی تور پهور کے بعد بھی اُن میں سے کتنی ھی هورتهاں بے کانیں. 520-414 عیسری کے بیچ تریا صمرات نے بہلے وی ای راجدهانی کے پاس پهر آدهونک تھا تنگ (شانسی) کے پاس کتنے هی وهار پهاروں کو کھوں کر بغوائے ، یہ وہی سے تھا' جبکہ آجلتا کے وہار بن رہے تھے . اِن گھھا وهاروں کو سقدر صورتیوں سے سنجایا گیا تھا . تبھا اور دوسرے راج ونشوں نے اور کای جاته کھھا وھار بلوائے' جن میں شیلسی میں تے بن' شان تن'

81 साल बाद शुरू हुआ, जबकि पारथियन विद्वान अन-सी काओं (76-149 ईसवी में)) चीन पहुँचे. उस समय ईरान पर पारिथयन वंश का राज था. शक छौर पारिथयन दोनों ही उसी पुराने शक जिनसे सम्बन्ध रखते थे, जिनसे आगे प्रवी योरपका सलाद जातियां निकली अन या अन सी चीनी भाशा में पारिथयन को कइते हैं. सी-काओ के बार में कहा जाता है कि उन्होंने राज छ। इ कर भिन्न वन लिया था. करयप की तरह बीच एशिया के रास्ते वह 149 ईसवी में चीन की राजधाना लायांग में पहुंचे और वहां के सफ़ेद घोड़े विहार में रहते लगे. अपने बाईस साल के चीन के जीवन में उन्होंने भारती विचार धारा से चानी विद्वानों को परिचित कराने के लिये अनथक मेहनत की. अन-मी काओं के सिर अपगर चीन में बौद्ध धर्म की नीव मजबूत करने का सेहरा है, तो साथ ही साथ दाना देशों के कलचरी सम्बन्ध को मध्यूत करन का भी सेडग उन्हीं के सिर वांधना पड़ेगा. उनके 95 अपनुवाद किय प्रंथों में 55 अबभी मिलते हैं. हान कात में चीन ने सभा मैदानों में बड़ी तरक्की की थी. राज हाजी और कल चरी दोनों तरह से उसी समय वीन का बहुत दूर तक फैताब हुआ। साहित्य, कला, नई नई ईजादें मभी तरक चीन ने उस काल में तरक्का की थीं. इपा तरक्का में भारती बीद्ध धर्म ने भी पहुंच कर हाथ बटाया था. उस काल के दूमरे अनुवाद करने वार्त श्रोर प्रचार करने वाले चू-अन-जी (भारतो महावल) खोर तुत-को-क्रो भारती थे, स्नांग के स्त्रीर वांग मूंग-स्यांग ताजिक थे. वांन में उन वक्तत भारता विवार घारा और कनचर का इतना स्वागत हुआ कि आ गे इस काम में हाथ बंटाने के लिये खतन, ताजिक-स्तान, भारत और सिंघल से कितने ही विद्वान वहां पहुँचे. चीन में रजवाड़े की सहायता से सब से आगे कुर-को-सी की तालीम का बहुत प्रचार था, जिम का ऋध्यात्मिकता (रहानियत) से गहरा ताल्लुक नहीं था. नाम्रो की तालीम रहस्यवाद जन्र था, पर उसमें से अलगाव अधिक था. व द धर्म की तरक वहां के सोचने विचारने वालों का ध्यान किस लिये गया, इसके बार में इस समय के एक चीना विद्वान की राय थी-

"कन फूसी तालीं महकूमत के जियादा गंभीर सवालों का कोई उत्तर नहीं दे सकती. वह न जीवन संगाम में सड़ने के लिये आदमी को शक्ति दे सकती हैं, और न मीत के समय तसल्ली ही '' चीन की विवार धारा के साथ मिलन और सममीता करन के लिये हमार भारती नुमाइन्दे बराबर तैयार रहत थे. ईमा की दूसरी मदा में दिक्लनी चीन में मूचू एक मशहूर बौद्ध विद्वान थे. उनकी राय थी—"कंग फंग-चे धम राज धम हो सकता है, लेकिन की सम जनता का धम है. बुद्ध की तालीम चीन के पुराने

ا سال بعد شروع هوا جبكة دارتهدن ودوان أن سي . ر 76-149 مهسری مهن) چهن پهونجي . أس سيے ال ير پارتهين ونه كا راج تها . شك أور پارتهين دونون السي پرانے شک جن سے سنبندھ رکھتے تھے جن سے روزی یورپ کی سلاد جانیاں نملیں . آن یا آن . سی لم بهاشا مهل پارتهها کو کهتم هیل . سی . کافی کے ے میں کہا جاتا ہے کہ اُنھرں نے راج چھوڑ کر بھکشو ، ليا تها ، كشهب كي طرح بيب أيشيا كي رأستي ولا 1 عیسوی میں چین کی راہ دھانی لویانگ میں نجے اور وہاں کے سفود کھوڑے وہار مهی رہلے لگے . ابھے ہس سال کے چھن کے جدون مھی انہوں نے بھارتی ا، دعاراً سے چھٹی ودوانوں کو پریجیت کرانے کے لئے یک محمنت کی . آن . سے . کاؤ کے سر اگر چھوں مھوں a دهرم کے نیو مضبوط کرنے کا سہرا هے ، تو ساته هے ساته یں دیشوں کے کلحوری سمجدھ کو مضبوط کرنے کا سہرا اُنھیں کے سر باندھلا یوے کا ، اُن کے 95 اد كيُّ كُولْمُوس مين 55 اب بهي ملته هين. ، کل میں چھن نے سبھی میدانوں میں بوتی کی تھی ، راج کاچی اور کلچری دونوں طرح سے سمے چین کا بہت دور تک بھیاؤ هوا . ساھتھه' نڈی نڈی اینجادیں' سبھی طرف چین نے اُس کال ي ترقى كي تهي إسى ترقى مهن بهارتي بوده دهرم بھی پہولیم کو ہاتھ بتایا تھا ۔ اُس کال کے دوسرے اد کرنے والے اور برچار کرنے والے چو . ان . لی (بھارتی بل) اور تن کو او بھارتی نھے کھانک کے اور گ- مونگ سهانگ تاجک ته. چین میں اُس ت بهارتی وچار دهاوا او، کاهیر کا اتفا سوائت هوا که اس کام میں ھاتھ بٹانے کے لئے ختی تاجکستان بھارت سنهکل سے کتنے هی ودران وهاں پهونچے . مهن چين اڑے کی سہائتا سے سب سے آئے دین ، فو سی کی يم كا بهت هرچار تها جس كا أدهيا تعكما (روحانيت) گهرا تعاق نهدي تها . ناؤ کي تعليم مين وهسيمواد · تها' پر اُس میں دلیا سے التاؤ آدیک تُھا ، بودھ دھرم طرف وھاں کے سوچنے وچارنے والوں کا دھیاں کس لیے گھا^ا کے ہارےمیں اُسسیے کے ایک چیڈی ودوان کی رائے تھی --''کن فوسی تعلیم حکومت کے زیادہ گمجھیر سوالوں کا ے اُتر نہیں دیے سکتی ، وہ نہ جھون سلگرام مھی ، کے لئے آدسی کو شکتی دے سکتی ہے اور نہ موت سمیر تسلی هی ،" چین کی وچار دهارا کے ساتھ ملغے سمجهونا کرنے کے لیے همارے بھارتی نمائلدے برابر رهتے تھے ، عیسول کی درسرم سدی میں دکھنی ن میں مرو . چو ایک مشہور بودھ ودران تھے . أن كى تھی۔۔کنگ فنگ، جے دھرم راج دھرم ھوسکتاھے' لیکن م دھرم جنتا کا دھرم ھے . بدء کی تعلیم چھن کے پرانے

the best of the second with the second

चीन पर बौद्ध धर्म का ग्रसर

(महा पंडित राहुल सांकृत्यायन)

चीन में ऐसी परम्पराएँ मिलती हैं जो ईमा से दो मदी पहले वहाँ बीद धर्म के जाने को साबित करना चाहती हैं, लोकन उनका धाधार ठोस नहीं हैं. तो भी अगर नए चीनी जनराज की सीमा को ले लें तो सिक्यांग में बौद्ध धर्म के ईसा से पहले तीसरी सदी में पहुंचने को नामुमिकन नहीं कहा जा सकता. लेकिन हान बंश (220-25 ईसबी) के समय तो जरूर ही चीन में बौद्ध धर्म पहुँच चुका था. इसी वंश का राजा मिंग-ती (58-76 ईसबी) को बौद्ध धर्म का प्रचारक माना जाता है. राजाओं की प्रधानता के जमाने में हर चीज का राजा के साथ नाता जोड़ना जरूरी सममा जाता था.

ब्रगर तुर्क सम्राट 'तू-वा' (568-809) भौर उसकी प्रजापर एक जंगी कैदी बौद्ध भिन्नु असर डाल सकता था. तो लाखों की तादाद में जो बौद्ध, शक, दून, जंगी केंदी हा कर चीन में जाते थे, उनसे बौद्ध धम का पारचय चाना जनता को नहीं मिला हा, यह नहीं भाना जा सकता. मिग-ती के बौद्धधर्म को अपनाने का यहा मतलव समझना चाहिये कि अब वह चीनी रजवाड़े में भी मान केक़ाविल हो चता. सिंग-ती ने बौद्ध धर्म की किताबों ख्रीर भिलुखों को लाने के लिये अपने दूत बाहर भेजे. उन्हीं के साथ धरमी किताचे लिये 67 ईसवी में कश्यव मतंगा खीर धर्म रतन हो भारती भिद्ध चीन पहुँचे. भारता ग्रंथ का सब से पुराना अनुवाद करयप ही का है, जो अब भो मिलता है. मिंग-वी ने सफोद घोड़ों पर चढ़कर राजधानी लो-यांग पहुंचने वाने इन भिक्तुकों का बड़ा स्वागत किया, और उनके लिये वहां सफेद घाड़ा विदार (पे-मा-से) बनवाया. कश्यप बीच मंडल के निवासी थे. बीद्ध प्रथों में कुह चेत्र से संथाल परगना और हिमालय से विन्धयाचल के बीच की भूम यानी आजकल का उत्तर प्रदेश और विदार को बीच मंडल कहा जाता है. कश्यप हीन साहित्य के पंडित थे. वह दक्क्सिन भारत में धर्म प्रचार के लिये गए थे. उनके साथी धर्म रतन भी बीच मंडज के रहने वाले विद्वान थे. अगरचे कश्यप और धर्म रतन ने और भी प्रथा का भनुवाद किया था, लेकिन वह अब मिलते नहीं हैं, तो भी उन्होंन अपने पढ़ने पढ़ाने, बहस छौर सत संग के जारय जा काम किया, वह चीन को भारत के नजदीक लान में बढ़ा सहायक हुआ, इसमें शक नहीं.

साहित्य के मैदान में सब से ठोस काम करयप के

چین پر بوده دهرم کا اثر

(مها پذدت راهل سانکرتیائن)

چان میں ایسی پرمپرائیں ملتی هیں جو عیسواسے دو صدی پہلے رہاں بودہ دھرم کے جانے کو ثابت کونا چاھتی هیں' لیکن اُن کا آدھار تہوس نہیں ہے۔ تو بھی اگر نئے چیلی جن رأج کی سیما کو لے لیں تو سفتھانگ میں بودھ دھرم کے عیسی سے پہلے تیسری صدی میں بہونچئے کو ناممکن نہیں کہا جاسکتا لیکن هان ونش (25-22 عیسری) کے سے تو ضرور هی چھن میں بودھ دھرم پہواجے چکا تھا اسیونشکا رأجه ملگتی میں بودھ دھرم پہواجے چکا تھا اسیونشکا رأجه ملگتی راجائی کی پردھانتا نے زمانے میں ھر چیز کا راجه کے ساتھ واجائی کی پردھانتا نے زمانے میں ھر چیز کا راجه کے ساتھ واجائی کی پردھانتا ہے اتا تھا ،

اكر ترك سمرات أن تربا ' (809-568) أور أسكي يرجا يرايك جلكي تهدي بوده بهكشو اثر ذال سكتا تها تو لاکهوں کی تعداد میں جو ہودہ شک می جنگی قیدی هوار چین میں جاتے تھے' اُن سے بودھ دھرم کا يريحي جيلي جلتا كو نهين ملاهو يه نههن مانا جا سامتًا . مذک تی کے بودھ دھوم کو ایٹانے کا یہی مطلب سمنچهما چاهد که آب ره چهدی رجوازے میں بهی مان کے قابل هو چلا منگ تی نے برده دهرم کی کتابوں اور بهکشوؤں کو لانے کے لئے آئے دوت باہر بهرھے ، اُنههی کے ساته دهرمی نتابین لئے 67 عیسوی میں کشیب متنکا اور دەرم رتن دو بهارتى بهكشو چين پهو*ن*نچے . بهارتى گرنعه کا سب سے پرانا انوراد کشیپ هی کا هے جو اب بهی ملقا ہے ، سائک تی نے سفید گھوڑوں پر چڑھکر راجدہانی لويانگ يېونچند والّم إن به اشرون كابوا سوالت كها اور أن کے لئے وعاں سفید گہروا وهار (یے - ما - سے)بقوایا . کشیم بیچ منڈل کے نواسی تھے۔ یودھ گرنٹھوں میں کرکشیتر سے سنتهال پرکنه اور همالیه سے وندههاچل کے میرے کی بہومی یعلی آجکل کا اتر پردیش لور بہار کو بیم ملدل کہا جاتا ہے . کشیب ھین ساھتیه کے بلدت تھے۔ وہ دکھن بھارت میں دھوم پرچار کے لئے گئے تھے۔ أن كے ساتھى دھرم رتن بھى بھچ ملدل كے رهلے والے ودوان تھے . اگرچه کشیپ اور دھرم رتن نے اور بھی گرنتھوں كا أُنوراد كها تها لهكن ولا أب ملته نهين هين توبهي أنهين نے ابے پوهلے پوهانے بحث اور ست ملک کے ذریعے جو کام کھا' وہ چھن کو بھارت کے نزدیک لانے میں ہوا سهائک هوا اس مین شک تهین .

ساهعه کے میدان میں سب سے تہوس کام کشیب کے

1

इस मौसम में काराज की किताबें फेंक हो! गरमी की दोपहर साने के लिये हैं. जाड़े के बरफीले तूफीनों में, पढ़ाई नहीं हो सकती— फजूल किताबें रखने से क्या फायदा— इन्हें फेंक दो!

हान फ्रान्ति के पहले वहां की सरमायादार सरकार उनकी गादी कमाई किस तरह छीन लेती थी. इस का जिकर नीचे लिखे गीत में किया गया है. जरा गीर फरमाइये—

संगीत की मीठे सुरों से, हमने धान खेतों में रोपी. हमारी आशाओं के साथ, हमारे धान बढ़े. कड़ी मेहनत के बाद, हमारे जानवर घास चर रहे हैं, पर सरकारी अफसर, नए चावतों के, पक्षान खा रहे हैं. और हम किसानों, मेहनत कशों, धरती के लालों को, धान के खिलकों पर सन्तोश करना पड़ता है. सरकारी दक्षतर में जा कर हमें अपनी सारी कमाई, जावरदस्ती छोड़ देनी पड़ती है.

चीन और हिन्द के यह देहाती गीत कितने मिलते जुसते हैं. आज चीन में पूरा समाजी आजादी हैं और किसानों मजदूरों के सिरों म दुखों और तकलीकों के काले बादल इट रहे हैं. वहाँ की पूंजी वादी सरकार की तरह अब वह लोक गीत भी बदल जाएंगे जिनमें अपनी तकलीकों का कारन भाग्य और भगवान की इच्छा को समम कर सन्तोश कर लिया जाता था. क्योंकि अवामी इन्क़लाब ने जनता की जेहनियत को भी बदल दिया है. चीनी किसान और मजदूर अब अपने हाथों अपनी किस्मत बदल चुके हैं और पूंजीवाद और साम्राजवाद के जालिम हाथों कुचली हुई चनकी आत्माओं में आजादी की चमक आ गई है और उनमें एक नया जोश पैदा हो गया है. चनके दिल आत्म विश्वास और खद प्तमादी से मर गए हैं.

اِس موسم میں کافق کی کتاب چھیٹک دو! گرمی کی دوچہر سولے کے لگت ہے ، جاڑے کے برقیلے طوفانوں میں' روھائی نہیں ھو سکتی۔۔ فضول کتابیں رکھتے سے کیا فائدہ'' انہیں پھیٹک دو!

چین کی مہان کرائٹی کے پہلے وہاں کی سرمایعدار سر^{با}ر انکی کاڑھی کماٹی کس طرح چھون لیٹی تھی اِسکا ذار نینچے لکھ گھت میں کھا گھا ھے ، ذرا فور فرمایگے---

سنگیت کے میڈھے سروں سے'

ھم نے دھان کھیتوں میں روٹی ، ھداری آشاؤں کے ساتھ' ھمارے ھان ہوہے .

کوی مصلت کے بعد؛ همارے جانور گهاس چررہے ههں؛ پر سرکاری افسر' نگے چاولوں کے'

پکوان کها رہے هیں .

اور هم کسانوں مصلت کشوں دهرتی کے اللوں کو، دهان کے چھلکوں پر سلتوش کرنا ہوتا ہے .

سرکاری دفتر میں جاکر همیں ایٹی ساری کمائی' زبردستی چهور دیائی پرتی ہے .

چین آور هند کے یہ دیہاتی گھت کتنے ملتے جلتے
هیں. آج چین میں پوری سماجی آزادی ہے آور کساس
مزدروں کے سروں سے داہوں آور نکایفوں کے کالے بادال
چھت رہے هیں ، وهاں کی پونجی وادی سرکار کی طرح
اب وہ لوک گیت بھی بدل جائیں گے جن میں اپنی
تکلیفوں کا کارن بھاگیہ آور بھگوان کی اچھا کو سمجھکر
سنترهی کرلیا جاتا تھا ، کیونکہ عوامی انقلاب نے جلتا
کی ذھنیت کو بھی بدل دیا ہے ، چینی کسان آور
مزدور اب اپنے هاتھوں اپنی تسمت بدل چکے هیں آور
پونجی واد آور سامراج واد کے ظالم هاتھوں کچلی هوئی
انکی آتماؤں میں آزادی کی چمک آگئی ہے آور ان
میں ایک نیا جوهی پودا ہوئیا ہے ، آنکے دل آتموشواس
میں ایک نیا جوهی پودا ہوئیا ہے ، آنکے دل آتموشواس

ल डा निर्मिर पास तेल नहीं है. सखी नतू साना क्यों नहीं खाती ? लड़की कोई साथी नहीं है.

सखी—श्यच्छा ! वठ दिया तो जला.
लड़की—चुप भी रह ! देख, तुकान वठ रहा है.

त्रहकी की सखी खीज उठती है और आखीर में कहती है—'श्राच्छा दुखी न हो! तेरा प्रीतम शाम तक जरूर आ जायगा, चुलिन."

श्रकीम चीन की चीज नहीं है. त्रिदेशियों ने इसका प्रचार चीन में करके चीन को चड़ा नुक़सान पहुँचाया है. श्रामीन के बारे में भी एकगीत है—

अर्काम किसी दूसरे देश से यहाँ आई, चारों और से वह हमारी इत्या कर रही हैं. मीत से पहले हम मीत के मुंद में समा रहे हैं, अफ़ीमचियों का दिया ठीक ऐसा लगता है— जैसा कि कह के पास जला करता है, धन और ताकत का नाश हो गया, हमारे पास, हाय! अञ्च तक न बचा. कपड़े न रहे, और न कोई सचा साथी ही रहा.

एक बूढ़ा चांनी अपना जिन्दगां को आखिरी मंत्रिलें तय कर रहा है. अपनी बीता हुई जिन्दगी की ओर वह त्रूम कर दे ता है, निराशा से उसका दिल अकसोस करने लगता है. जिन्दगी का बहुत सा समय उसने वेकारा में ही विता दिया. वह कहता है—

सोचा था बचपन में, नगाड़ा बजाऊंगा, पर यह काम कठिन लगा.

किर सोचा कि टोपियां हो बुनूँ,
पर मैं एक भी पोपी न बुन सका.

किर सोचा जुड़ाई का काम ही करूं,
पर एक दूटी केतली भी न जोड़ सका.
प भगवान! तूने मुक्ते औरन क्यों न बनाया?
हाय! मैं सीने पिरोने का काम भा तो नहीं कर सका.
इसी सोच में मैं बुढ़ा हो गया हूँ,
(जन्दगी की आस्तिरी मंजिल पर खड़ा हूँ.

चीन में कुछ बच्चे पढ़ाई से जी चुराते हैं. एक ऐसे ही चीनी लड़के का गीत हैं--बसन्त, क़ुद्रत की किताब पढ़ने का समय हैं, الوقی سد مهری واس ایل نهون ه ، مکهی سد تو کهانی ؟ الوکر سکوکی ساتهی نهین ه ، اسکهی ساتها از اله دیا تو جلا .

لوکی سبچپ بھی رہ ! دیکہ' طرفان آٹھ رہا ہے ۔ لوکی کی سکھی کھھج آٹھٹی ہے آور آخیر میں کھٹی ہے۔۔۔''اچھا دکھی تہ ہو! تیرا پریٹم شام تک ضرور آجائے۔ عوالے ا

انیم چین کی چیز نہیں ہے ، دیشیوں نے اِس کا پرچار جین میں کرکے چین دو ہوا نقصان پہونجایا ہے . انہم کے بارے میں بھی ایک گیت ہے۔۔۔

اقیم کسی دوسرے دیش سے یہاں آئی' خاروں اور سے وہ هماری شتیا کررهی هے . موص سے پہلے هم صوت کے ملت میں سمارهے ہیں' افیمچیوں کا دیا تھیک ایسا لکتا ہے' جیسا کہ قبر کے پاس جا کرتا ہے . دهن اور طاقت کا ناش هوگیا' همارے پاس' هائے ! اُن تک ته بچا . کہرے نہ رہے' اور نہ کوئی سچا ساتھی هی رها .

ایک بورها چیلی اپلی زندگی کی آخری ملزلیں طیے کورها ہے ۔ اپلی بیتی هوئی زندگی کی اور وہ گھوم کر دیکھتا ہے ، نراشا ہے اس کا دل افسوس کرنے لگتا ہے ، زلدگی کا بہت سا سبے اُسلے بیدری موں هی بنتا دیا ، واکیتا ہے۔۔

سوچا تھا بحچپن موں' ناازا بحاؤں گا' پر یہ کام کٹھن لگا ، پھر سوچا کہ توپھاں ھی بدوں' پر میں ایک بھی ترپی نہ بن سکا ، پھر سوچا جوزائی کا کام ھی کروں' پر ایک توتی کیتلی بھی نہ جوز سکا ، اے بھگواں! تونے محجھے عورت کیوں نہ بلایا ؟ ھائے! میں سیٹے پروئے کا کام بھی تو نہیں کرسکا ، اسی سوچ میں میں بوزھا ھوگھا ھوں'

زندگی کی آخری مغزل پر کهوا هرس . جهن مهی بهی کچه بچے بوهائی سے جی چراتے ههی ایک ایسے هی چهنی لوکے کا گربت مے---بستیت تحریف کی کتاب بوهنے کا سمے هے'

'51 _}

हैं. जरा पक मयावनी लोरी भी सुनिये— मेरे राजा मुन्ने सीजा, न तो मां हूँ साए. सोजा मेरे राज दुलारे, न तो भेड़ा साए. सोजा मेरे घाँस के तारे, मन्ना वावा घाए. पीठ पे चसके एक नगाड़ा, मुन्ने की हरवार.

चीन में भी चिदियों की बोली से शगुन विचार किया जाता है. हमारे देश के नीलकंठ की तरह 'दिवी कि की" वहाँ की जच्छी चिदिया समभी जाती है. एक गीत है—

अच्छी दिवी कि की बोल रही है,
मीठे सुरों में बोल रही है.
अब पिता बहुत सा धन कमाएंगे,
मां के ख़ौर बेटे होंगे.
भाई का भी विवाह हो जाएगा;
भाभी आएगी, उसे भी बच्चे होंगे,
और मुक्ते छोटा चाचा कह कर पुकारेंगे.

भीन के मझाह अपनी मेहनत और कारीगरी के लिये दुनिया भर में मराह्रूर हैं. एक मझाह का गीत है— दक्षिन से बादल उठ रहे हैं, किश्ती अमुन्दर से निकाल को.

× ×
इत्तर से बादल उमड़े,
हा पानी घरों में बहर घुछेगा.

× प्रव से वादत भाष, त्कान से बचने को तैयार हो जायो.

× ×
पिछम में बादन डठे,
मेघों की देवी बारिश के कपड़े पहन रही है.

एक चीनी ताइकी अपने प्रीतम के विरह में बैठी है. दुस के मारे उसकी आखें गीली हो उठी हैं. उसकी एक 'सबी इससे दुख का कारन पूछती है. पर ताइकी क्या सवाब है १ परा उनका सवात जवाब भी सुनिये—

ससी- युक्तिन (गोरी) वाक सँवार को.

بن فرا ایک پیهاونی لوری بھی سلگے ۔۔۔
میرے راجا صلے سوجا،
ن تو ۔۔ ماں هوں ۔۔ کھائے ۔
سر جا میرے راج دالرے،
ن تو بھیزا کھائے ،
سو جا میرے آنکھ کے تارے،
جہبا بابا آئے ،
پیٹھ پہ اُس کے آیک نکارا،
میے کو قر وائے ،

اچەي دوق ككى يېل رهى ھے'

مهناهے سوروں مهن بول رهی ها م آپ يتا بهت سادهن كمائهذكے'

ماں کے اور بھٹے ھونگے .

بهائی کا بھی وراہ هو جائے گا ؛

بهابهی آلے کی اُسے بھی بنتے ہونگے،

اور مجھ چهوتا چاچا که عر هكاريلكے .

چین کے ملاح اپنی متعنت اور کاریکری کے لئے دنیا میں مشہور ھیں ، ایک ملاح کا گیت ہے —

دکھن سے بادل اُتّه رہے هیں'

کشتی سمددر سے نکال لو .

اُتر سے ہاد**ل اُمدّے**'

بازه کا پائی گهررن میں ضرور گھسے گا۔

× × ×

پورب سے بادل آئے'

طوفان سے بچلے کو تیار هوجا .

بجهم مين بادل أته

میکھوں کی دیوی ہارش کے کپڑے پہن رھی ہے۔

ایک چینی لوکی آئے پریتم کے ہوہ میں بیتھی ہے ، کے مارے اُس کی آنکھیں گیلی ہو اُتھی میں ، اُسکی سکھی اُس سے دکھ کا کارن پوچھتی ہے ، پر لوکی جواب دے ؟ ذرا اُن کا سوال جواب بھی سنگے ۔۔۔

سکهی --- چان (گوری) یال شاوار لو .

×

×

×

×

×

तू ने दृल्हें को स्था हैंसा है।
पहाड़ की तरह पैरों वाले,
जिसके घर में घान तक नहीं है.
ऐसे दूल्हें को क्या देखा हैं ?
उस हँसना तक नहीं आता,
श्रो री नई दुलहन!
तुमें तो ऊद विजाब के साथ,

तेकिन शादी की रस्में पूरी होते ही सारी चहल पहल त्यायन हो जाती है, दुलहन की बिदाई के समय उसकी वपन की सिखियां सब चुहल भूल जाती हैं, प्यारी सखी शिक्षोह में उनकी काँखें बरबस गीली हो जाती हैं. भरे ए गले से वह कहती हैं—

आठ आदमी पल भर में तेरी पालकी उठाएंगे, तुमे ससुराल जाना ही पड़ेगा—

भाई अपनी बहन को पालकी में बिठाएगा, बहिनें आँखों में अ सू भर कर बहन को बिदा करेंगी— ज्याह की ख़ुशी में, घन्टे बज रहे हैं, आतिशबाजी इन्द्र रही है,

पर सखी तेरे विद्धोह में, हम सब सखियां रो रहीं हैं.

सी सवा सी साल पहले चीन में कभी कभी बड़ी बड़ी हिकयों की शादी छोटे लड़कों से कर दी जाती थी. इन इकियों को अपने पित के घर रहना पड़ता था, और की सास अकसर उनसे कठारता का बरताब किया ती थी. इस तरह की एक बहु की छोटी बहन हती है—

मेरी बहन, तेरा सत्रहवां साल पूरा हो गया, दा चार साल में तू इक्कीस की हो जायगी; पर तेरा दुल्हा तो सिर्फ दस साल का ही रहेगा.

मेरी बहन दृल्हे से कितनी ऊंची लगेगी.

मेरी बहन कहेगी—"अगर तेरी मां मुके सतापगी— तो ये दूक्हें! मैं तुके इसी कुएँ में उकेल दूंगी." चीनी मानाय भी हिन्हत्त्वती मानायों की तरह अपने

चीनी मातायँ भी हिन्दुस्तानी माताओं की तरह अपने चों को डरा कर सुलाने की कोशिश करती हैं. वह अपने ों को 'मां हूँ' नाम के दैस्य का नाम लेकर डराया करती

لوکن شادی کی رسدیں پوری ہوتے می ساری چہل پہل فائب ہو جاتی ہے' دولہن کی بدائی کے سیے اُس کی بدائی کے سیے اُس کی بدائی کی سکھیں' کی بچہن کی سکھیاں سب چہل بہول جاتی ہیں' پیاری سکھی کے بچہوہ میں اُن کی آنکھیں پربس فائی ہوجائی ہیں۔۔۔

آٹھ آدمی پل بھر میں تیری پالکی اُٹھائیں گے' تجھے ۔ سسرال جانا ھی پوے کا ۔۔۔

بھائی اینی بہن کو پالکی میں ہتھائے گا' بہتیں آئکھوں میں آنسو بھو کر بہن کو بدا کریں گی ۔۔۔ بیاد کی خوشی میں' گھلٹے بہے رہے ھیں' آتش بیاد کی خوشی میں' گھلٹے بہے رہے ھیں' آتش بیانی چھوت رہی ہے'

پر سلاپی تهرنے پیچاوہ میں'' هم سب سلاپیاں رو رهی هیں .

مهری بهن تیرا سترهران سال پررا هرگیا کو خود جار سال میں تو انهس کی هوجائے گی ؛ پر تیرا درلها تو صرف دس سال کا هی رہے گا . پر تیرا درلها کو صرف دس سال کا هی رہے گا .

ایک دن درنوں ساتھ ساتھ پنگھٹ جائیلگے ' مھری بہن دولمے سے کندی اونچی لگے گی ۔

مھوی بہوں کہد گی - ۔'' اگر تیری ماں معجھے ستائے گی -- تو آے دولیہ ! میں تعجھے اِسی کلوئیں میں کالان ان دولیہ ! میں تعجھے اِسی کلوئیں میں

بیتی جهانی مانائهی بهی جادستانی ماناوں کی طرح ایے بیتین کو قوا کو ساللہ کی کوشیس کرتی هیں ۔ وہ ایھ بیتوں کو تمال کو ترایا کرتی

The state of the s

तुम हमारे प्रतिनिश्चि हो.
तुम्हारे हाथ में माला है.
तुम घोड़े पर सवार हो.
तीर की तरह चड़कर तुम, स्वर्ग में 'तुम'
यू-हु-घांग से मिलने जाते हो.
तुम पापियों को सजा चौर पुन्यात्माओं को इनाम
दिलाते हो.

तुम महान हो.

चौर दूसरे ही दिन जैसे ही सूरज की नई किरनें क्यानिन पर पड़ती हैं, चीनी बच्चे खुशी के मारे नाच डठते
 हैं, नप साल की खशी में वह गाते हैं—

स्वागत को नए साज, स्वागत को नए साज; तुम्हारे काने की खुशी में, हम अपने सब दुखों को भूल चुके हैं. (काज) माई खुशी से मूल रहा है, (कौर) बहन खुशी से कूद रही है, (क्योंकि) मां बाप ने हमें नए नए इनाम दिये हैं! कौर—बड़ों ने मुट्टी भर पैसे दिये हैं.

कात के पहते दिन दिये गए यह पैसे "या-पुई चईन" कहताते हैं. वच्चे इन्हें अपनी मरची के मुताबिक खर्च करने के लिये आजाद होते हैं.

चीन में भी हिन्दुस्तान की तरह बेबाओं की जिन्दगी हुओं से भरी हुई होती है. चीन के सुंग राजाओं के समय वहां विधवा विवाह पाप समका जाता था. मिंग राज में अगर कोई विधवा जिन्दगी भर फिर से विवाह नहीं करती वी से बड़े आदर से देखी जाती थी. राज की तरफ से असकी इजज़त होती थी और उनके बाम की तिख्तयां सड़कों पर टांग दी जाती थीं. राहगीर आदर से अपना सर उनके सामने मुकाते थे. "नियांग" देवी के त्योहार के समय एक वेबा के आंसुओं में दूबे हुए गीत को भी सुनिये—

नियांग देवी का त्योहार आ गया,
सववायें देवी की पूजा कर रहीं है.
सन्तान के लिये प्रार्थना कर रहीं हैं,
पर मैं वेवा पूजा और बिनती करके क्या बरदान मांगूं?
हमारे देश की तरह चीन में भी शादी ब्याह बड़ी घूम
बाम से होते हैं. नई दुलहन की सिखयाँ उसे कैसे छेड़ती
हैं, यह इस गीत में देखिये. सिखयां कहती हैं—
ओ दी नई दुलहन!

تم مدارے پرلی لفظی ہو ،

تبہارے ہاتھ میں سالا ہے ،

تم گبرتے پر سوار ہو ،

تیر کی طرح آزکر تم' سورگ میں 'تم'

یر ہو آنگ سے ملئے چاتے ہو .

تم باہیوں کو سزا اور ہنیہ آتماؤں کو انعام دلاتے ہو'
تم مہان ہو ،

ارر دوسرے هی دن جهسے هی سورج کی نگی کرنهن بن پر پوتی ههن جههای بنچے خوشی کے مارے ناچ تے هیں' نگے سال کی خوشی مهن ولاگاتے ههں۔۔۔
سرائت اونگے سال'

سواك ت أونيِّ سال ؛

تمہارے آنے کی خوشی میں

هم ایے سب دکھوں کو بھول چکے هیں .

(آج) بھائی خوشی سے جھول رہاہے '

(ارر) بہن خوشی سے کود رھی ہے'

(کیونکه) ماں باپ نے همهن نگے نگے انعام دیگے هیں! ارر-بوں نے متهی بهر پیسے دیگے هیں.

سال کے پہلے دن دیئے گئے یہ پھسے ''یاسوئی چٹین'' آتے ھیں ، بچے اِنھیں اُپٹی مرضی کے مطابق خرچ ، کے لئے آزاد ھوتے ھیں ،

چین میں بھی ھندستان کی طرح بھواؤں کی زندگی اور سے بھری ھوئی ھوتی ھے . چین کے سونگ راجاؤں سے بھری ودھوا رواہ پاپ سمجھا جاتا تھا . بھنگ میں اگر کوئی ودھوا زندگی بھر پھر سے وراہ نہیں ن تھی تو بوے آدر سے دیکھی جاتی تھی ، راج کی ن سے اسکی عزت ھوتی تھی ، راج کی نختیاں ن سے اسکی عزت ھوتی تھیں ، راھگیر آدر سے اپنا انکے سامنے جھکاتے تھے ۔ ''نھانگ'' دیری کے تھوعار انکے سامنے جھکاتے تھے ۔ ''نھانگ'' دیری کے تھوعار سے ایک بھوہ کے آنسوؤں میں توبے ھوئے گیست کو سنگے ۔۔۔

سمیے انبانگ دیوی کا تووہار آ گھا' سدھوائیں دیوی کی پوچا کررھی ھیں ، سلتان کے لگے پرارتھا کررھی ھیں' پر میں بھوہ پوچا آور بلتی کرکے کھا بردان مانکوں؟'

Marine of the state of

चीन के देहाती गीत

(भाई श्रवन कुमार पचौरी)

हर एक खेतिहर देश की असली जनता तो वहां के गांवां में ही रहती है. देहातों की जिन्दगी से सम्बन्ध रखने वाले गीतों से इमें उस देश की कलचर को समफने में मह से जियादा मदद मिलती है. सियासी नीति और इनक्लाबों का अगर उन पर असर पड़ता भी है. तो भी वह इन्हें बदलने में सफल नहीं हो पाते. व्याकरन (ब्रामर) श्रीर छन्दों में बंधा हुआ साहित्य (क्रिटरेचर) हमें जनता के एक खास पढ़े लिखे शहरी आदिमियों की जिन्दगी और इलचर के बारे में ही बताता है. जनता की असली हालत तां वहां के देहाती साहित्य से ही मालूम हो सकती है. हेहाती गीतों में हमें वहां की आम जनता के सख-दुख, प्रेम-विरह और कृदियों से भरे हुए रीत रिवाओं का अच्छी तरह से पता बलता है. इसलिये कि किसी भी मुल्क की श्रमली कल वर में वहां के देहाती गीतों का बहुत बड़ा हाथ होता है, हिन्द्रस्तान की तरह चान भी एक खेतिहर देश है. चीनी जनता पूरे साज खेतों में कसलें खड़ी करने के काम में मशराल रहती हैं, वहां की जमीन पथरीली है और ठन्ड के मोसम में कड़ी सरदी पड़ने के कारन उन्हें अपने काम की पुरा करने में बहुत सी कठिनाइयां का सामना करता पडता है. इनके त्योहार उनकी रोजाना की जिन्दगी मं नयापन श्रीर ताजगी लाकर, उन्हें मुसीबतों से लड़ने के लिय नया बक्त और नया जोश दे जाते हैं. इसलिये चीनी जनता त्योद्वारों का इन्तजार बड़ी बेताबी से करती है. इन मीक़ों पर बच्चे, बूढ़े भीर नौवजान सभी अपने आगे की जिन्दगी में आने वाली सुसीवतों का सामना करने के लिये खुद को तैयार करते हैं. साल के आ खिरी दिन चीन में बड़ी खशियां मनाई जाती हैं. इस दिन चीनी लोग अपने देवी देवताओं की पूजा करते हैं और वन मुसीबतों को कम करने की प्रार्थना करते हैं. एक चीनी कहानी है, कि उस दिन उनके कुल देवता "त्साद्यो वांग यह'' स्वर्ग के मालिक "यू-हू-आंग" देवता के पास जाते है. अपने साथ वह दो घड़े, जिनमें दुनिया के हर इनसान के पाप और पुनव बन्द रहते हैं, ले जाते हैं. यू-हू-आंग इन यहां को खोलते हैं. और हर इनसान के पापों के हिसाब से सजा और पुन्यों के हिसार से इनाम का लेखा करते हैं. 'त्साभी-बांग-यह" की तारीक में एक देहाती गीत है-

स्साच्यो-बांग-येह, तुम महान हो.

چین کے دیہاتی گیت

(بهائی شررن کمارپچوری)

هر ایک کیپعیهر دیش کی ابای جنتا،تو رهان کے اؤوں میں می رہتی ہے ، دیہاتوں کی زندگی سے سمبلدہ کھنے والے گیٹوں سے منہن اُس دیش کی کلنچر کو سبعهلے میں سب سے زیادہ مدد ملتی ہے . سیاسی نیتی ور انقلابون کا اگر آن پر آثر ہوتا بھی ہے' تو بھی وہ آنھوں بدللے میں سپیل نہیں هو باته ، ویاکرن (گرامر) اور جهددون أميل بددها هوا ساهتيه (التربيجر) همهن جلتا کے ایک خاص بوقے لکھے شہری آدمیوں کی زندگی ور کلمچر کے بارے میں هی بتاتا هے ، جنتا کی اصلی ھالنت تو وہاں کے دیہاتی ساھتھ سے ھی معلوم ھوسکتی ھے ، دیہاتی گیتوں میں همیں وهاں کی عام جلتا کے سکھ دکھ' پریم برہ اور روزھیوں سے بھرے ھوٹے ریت رواجوں كا أجبى طرم سے بته جلتا هے ، إدائيكه كسى بهى ملك کی اصلی کلنور سیں وہاں کے دیہاتی گیڈوں کا بہت ہوا هاله هوتا هے ، هندستان كيطرم جهن بهي ايك كهيتيهر ديش هي ، چيئي جنتا پورے سال کهيتوں ميں انصلين کہوی کرنے کے کام میں مشغول وہتی ہے ، وہاں کی ومین پتهریلی هے اور تهلک کے موسم میں کوی سردی پڑنے کے کارن اُنھیں ایے کام کو پورا کرنے میں بہت سی کٹھٹاٹھوں کا سامقا کرنا ہوتا ہے ۔ اُن کے تہوار اُن کی روزانہ كي زندكي مين نيا ين أور تازكي لاكر، أنهين مصهبتون سے لولے کے لئے نہا بل اور نہا جوش دے جاتے میں . اس لئے چینی جنتا تہوارس کا انتظار ہوی بیتاہی سے کرتی ہے . إن موقعوں پر بحج' بروھے اور نوجوان سبھی آیے آگے کی زندگی میں آنے والی مصیبتوں کا سامنا کونے کے لگے خود کو تھار کرتے میں . سال کے آخری دریا چاہی میں بوی خوشیار مذائی جاتی هیں . اِس دن چهلی لوگ آئے دیووں دیوتاوں کی پوجا کرتے ھیں، اور اُن مصهباتوں کو کم کرنے کی پرارتها کرتے هیں۔ ایک چیدی کھاتی ہے کے اِس دن اُن کے کل دیوتا '' تساؤ وانگ یہم " سورگ کے مالک '' یوھو آنگ '' دیوٹا کے پاس جاتے مہں ، آنے ساتھ وہ در گھڑے' جن میں دنیا کے هر انسان کے پاپ اور پلیہ بلد رہتے ہیں' لے جاتے ہیں . یوهو آنگ اِن گهروں کو کهرلاتے هیں اور هر انسان کے یایوں کے حساب سے سزا اور یلیوں کے حساب سے ابعام کا الهكها كرتے هيں . '' نساؤ وانگ يهه '' كي تعريف ميں لیک دوبیاتی کیس هے --

> تساؤ وانگ یه' تر مهان هو.

गितियों तक में घूमा है और अपनी संचेत आंखों से उसने न की देखा है, उस मिशन के सदर पंडित सुन्दर काल के बयान से अपर की बातों का सबूत मिलता है.

चीनी फिल्मों की तकनीक पर लिखने के लिये दूसरा लेख फ़रूरी होगा. हमें तो यहाँ इन फिल्मों के सदाचारी पहलू से मतलब है. तकनीक और कैमरे का जहाँ तक ताल्लुक है वह सब, चीन ने रूस से लिया है. अमरीकी या अमरिका की नक़ल हिन्दुस्तानी फिल्मों की तरह चीनी फिल्मों की धुरी "कड़की कड़के का प्रेम" ही नहीं होती—प्रेम और प्रेम वृत्ति का अपना एक महत्त्व है, लेकिन हर चीज करूरत के मुताबिक और ठीक वक़्त और ठीक जगह पर अच्छी मालूम होती है.

चीन में प्रेम की सतह से ऊपर चठकर दूसरे इनसानी खखबे की तरफ ध्यान विया गया है, चीन को देश भक्त पैदा करने हैं, वहाँ रचना करनी है, उसके लिये कामकर्ता पैदा करने हैं. उन "इनसानों" को पैदा करना है को इनसानियत को एक समुचा सममें और इनसानों के ब्रिये वह सब कुछ कर सकें जो कोई अपने भगवान के खिये करता आया है. चीन वाले इन बातों के लिये फिल्म का सही उपयोग करते हैं. यह है चीन का फिल्मी सदा-चार जिसकी तारीफ किये विना वह जोग भी नहीं रह सके को फिल्मों के सखत खिलाफ हैं. बाज बाप हिन्दस्तानी या अमरीकी फिल्मों को अपने घर वालों के साथ बैठ कर विना संकोच बातुमव किये नहीं देख सकते, लेकिन चीन में ब्याप हर होटे बड़े के साथ बैठ कर फिल्म देख सकते हैं. ब्रह्मीन मानिये आपको किसी समय भी लज्जा नहीं श्रापती. आप जब हाल से बाहर आएंगे तो आप में निर्मान करने का एक जोश होगा, आप जीवन का एक आदर्श लेकर निकलेंगे, आप त्याग की भावना अपने में महसूस करेंगे, यही हाल चीन की दसरी कलाओं का भी है.

बह है सदाचार की वह कंचाई जहाँ बाज वह बया चीन खड़ा है जो सदाचार की बढ़ चढ़ कर वारों नहीं करता, पर हम क्सके कारनामे का कुछ अन्याचा कर सकते हैं. ہیں تک میں گھوما ہے آور ایلی سچیلت آنکھیں سے اُس جدن کو دیکھا ہے؛ اُس مشن کے صدر بلقت سلدر الل بیان سے اربر کی باتوں کا ثبرت ملتا ہے .

چیلی قاموں کی تعلیک پراکھلے کے لئے دوسرا لھکھ روس ہوگا ، همیں تو یہاں اُن قلموں کے سناچاری پھاو مطلب ہے ، تعلیک اُور کھمرے کا جہاں تک تعلق کے سب چھن نے دوس سے لھا ہے ، اُمریکی یا اُمریکھ کی سب چھن نے دوس سے لھا ہے ، اُمریکی یا اُمریکھ کی نظرمی لوکے کا پریم اُن ہیں طوح جھیلی قلموں کی دھرمی نوکی لوکے کا پریم اُن ہیں ہوتی — پریم اُور پریم تی ایک مطابق مہتو ہے لہکن ھو جھیؤ ضرورت کے مطابق راہیک وقت اور تھیک جگه پر اجہی معلوم ھوتی ہے ،

چین مهی پریم کی سطح سے اوپر اُٹھکر دوسرے انسانی نذي كي طرف عميان ديا كيا هي، جين كو ديش بكت يهدا كرنے هيں وهاں رجلا كرنى هـ أسكے ليَّے م كرتا يهدأ كرني أهين . أن " انسانون " كو يهذا نا مے جو انسانیت کو ایک سموجه سمجهه اور انسانوں اً لئے وہ سب کچھ کر سکیس جو کوئی آباء بھگوان کے ير درا أيا هم ، جهن والم إن باتوس كم ليم قلم كا صحيم بهرک کرتے هيں ، يه هے چين کا قلمی سدانهار جس ي تعريف کئے بنا وہ لوگ يهي تهذن وہ سکے جو قلموں لے سطت خلاب میں ، آج آپ مندستانی یا امریکی لمیں کو اپنے گھر والوں کے ساتھ بھٹھکر بھا سقکوپے انوبھو مُرنهين ديكه سكتم ليكن چين مين آپ هر چيوت يوء نے ساتھ بیٹھکو فلم دیکھ سکتے میں ، یقهن مانئے آپ کو سی سے بھی لجا نہیں آنے کی اب جب مال سے امر آئیں کے تو آپ میں ترمان کرنے کا ایک جوش ہوگا آپ جهرن کا ایک آدرش لے کر نکلیں گے' آپ تھاگ کی بهاونا الهم مهى معصنوس كريائكم : يهى حال جهن كى فرسري کلاوں کا بھي ھے ،

یہ ہے سدانھار کی وہ ارتجائی جہاں آج وہ نیا جہن کہرا ہے ہو سدانھارہ کی ہوہ ہوہ کر ہاتھن نہیں کرتا؛ ہر مم اُس کے کارنامے کا کچھ اندازہ کر سکتے میں ،

हिस्यों का इस मैदान में नया नया कजरना था. क्रम्न बनाकर सदाचार क्रम्म नहीं हो सकता. सदाचार को जनता में फैलाने के किये जरूरी है कि जनता का नैतिक स्तर इंचा किया जाए. चीन में रोजी रोजगार की कमी नहीं रह गई बीर कोग पेट की मुसीबत से बाजाद हो गए हैं. अब उन्हें सोचने विचारने बीर नैतिक स्तर इंचा करने का काफी समय मिससा है. यही कारन है कि बनका सदा-चार उंचा होता जा रहा है.

जिन्सी और दूसरी गड़बड़ियों को दूर करने में चीन में कानून से बहुत कम और शुद्ध समाजी द्वाव से बहुत जियादा काम तिया गया है. इस तरह का जुर्म करने वालों को खजीब सखा दी जाती है. चीन में गए हिन्दुस्तानी गुडविल मिशन को वहीं पर नीचे दिया हुआ किस्सा मालूम हुआ-

एक नौजवान भादमी किसी सरकारी काम से पेकिंग से दसरे शहर को भेजा गवा. वहाँ उसने अपना सरकारी कर्ज पूरा किया, लेकिन रात को कहीं किसी औरत के पास वला गया, जाहिर है, क़ानुतन यह चीज कोई जुर्म नहीं है. फिर भी जब पेकिंग में पुलिस ने यह खबर भेजी तो उस महकमें के सारे लोगों को इकट्टा किया गया, जिस महकमे में वह नौजवान एक अकसर था, मीटिंग में चपरासी से लेकर अंचे से अंचे अफसर तक सब जमा हए. बहे अकसर ने खड़े हो कर सारा किस्सा लोगों को बताया श्रीर कहा- 'हम अपने राश्ट का सदाचार ऊ'चा करना चाहते हैं और हमारा यह नौजवान यह हरकत करके आया है." वह नौजवान शरमा कर रोने लगा और अलकते आँसुओं के साथ उसने सबसे माफी मांगी और यक्कीन दिलया कि आगे से बह ऐसा काम हरशिज नहीं करेगा. यह हैं वह तरीक़े जिनसे चीन की सरकार अपने कर्मचारियों को सदाचारी बनावी है.

किसी देश के साहित्य और सिनेमा में इस देश के जीवन की मत्तक दिखाई पढ़ती है, उनका आदर्श दिखाई पढ़ती है, उनका आदर्श दिखाई पढ़ता है, उनके रीतिरिवाज और रंग ढंग से परिचय होता है, जब इस जीनी साहित्य और चीनी कला को सामने रखते हैं तो हमें पूरी तरह मालूम होता है कि इन मैदानों में भी मुल्की सदाजार का बहुत जियादा खयाल रक्जा जाता है. "ईसा की सम्याता के रजक देशों" में नंगी तसवीरों की भरमार होती है, अखवारों के पनने अशलील तस्त्रीरों से भरे रहते हैं, दुराचार को प्रोत्साहन देन वाले विज्ञापन हर तरक दिखाई पढ़ते हैं. बेकिन जीन में इस तरह की अशलील वालों का कहीं गुजर भी नहीं है. यह सिक पढ़ी पढ़ाई वालें नहीं हैं या जीनियों का अंबा चुन्च विश्वास नहीं है. हिन्दुस्तान से गया हुया गुड़ियल मिशन जीन की

جلسي أور دوسری گوہویوں کو دور کرئے میں جھوں میں خلوں میں قانوں سے بہت کم اور شدھ سماجی دیاؤ سے بہت ویادہ کام لیا گیا ہے۔ اس طرح کا جرم کرنے والوں کو عجید ب سوا می جائی ہے۔ چین میں کئے ہندستانی گذول مشن کو ویس پر نیجے دیا ہوا قصہ معلوم ہوا —

ایک نوجوان آدمی کسی سرکاری کام سے پھکنگ سے
هوسرے شہر کو بھیجا گھا، وھاں اُس نے اینا سرکاری قرض
پورا کھا، لیکن رات کو کہنں کسی مورت کے پاس چا
گھا، ظاهر ہے، گانونا یہ چھڑ کوئی جرم نہیں ہے،
پھر بھی جب پیکنگ میں پولیس نے یہ خبر بھیجی
پور سے میں وہ نوجوان ایک افسر تھا، مالینگ میں
محکمے میں وہ نوجوان ایک افسر تک سب جمع
ہوڑاسی سے لے کو اونچے سے اونچے افسر تک سب جمع
ہوڑے ، بوے افسر نے کھڑے ھوکر سارا قصہ لوگوں کو بالیا
اور کہا ۔ ' هم ایے راشار کا سداچار اونچا کونا چاھا۔
بوجوان شرما کو روئے لگا اور چھلکتے آنسوؤں کے ساتھ
نوجوان شرما کو روئے لگا اور چھلکتے آنسوؤں کے ساتھ
ایسا کام ھرگؤ نہیں کرے گا، یہ ھیں وہ طریقے جن سے
ایسا کام ھرگؤ نہیں کرے گا، یہ ھیں وہ طریقے جن سے
ایسا کام ھرگؤ نہیں کرے گا، یہ ھیں وہ طریقے جن سے

کسی دیفس کے ساھٹیہ اور سلیما میں اُس دیش کے جمون کی جہاک دکھائی پوتی ہے' اُن کا آدرش مکھائی پوتی ہے' اُن کا آدرش مکھائی پوتاہے اور رنگ ڈھنگ سے پریجے موتا ہے ، جب هم چیلی ساھٹیہ اور چیلی کا کو ساملی رائی ہیں تو همیں بوری طرح معلوم ہوتا ہے که اِن میدائیں میں بہی ملکی سداچار کا بہت زیادہ خیال رکھا جاتا ہے ، '' عیسی کی سبھٹٹا کے رکشک رکھا جاتا ہے ، '' عیسی کی سبھٹٹا کے رکشک کی شہوں'' میں نلگی تصویروں سے بھرے رہتے ہیں' دواچار کی پروٹساهی دیلے والے رکھایی هر طرف دکھائی پوتے کی اشلیل باتوں کا کیس گلر بھی نہیں میں اِسطرح کی اشلیل باتوں کا کیس گلر بھی نہیں میں اِسطرح کی اشلیل باتوں کا نہیں ہیں یہ صرف بوھی پوھائی باتوں کی نہیں ہیں یہ حوث بوھی پوھائی باتوں کی نہیں ہیں یہ حوث بوھی پوھائی باتوں کی نہیں ہیں یہ جیلوں کا اندھا دھاد وشواس کیس نہیں یہ جیلوں کیا ہددا وشواس خیوں کی نہیں ہیں یہ جیلوں کیا ہددا وشواس خیوں کی

के किये, उसकी सम्मदा और सहयोग की तरकती के किये स्थान करना सीख लिया है. जाज चीनी जनता को किसी सरकार से घुना अने हां हो लेकिन किसी हनसान से नफरत नहीं है. चनक लिये दुनिया की जनता एक है—यह है सवा चार की वह ऊँवाई जो धर्म पुस्तकों में बन्द जरूर है लेकिन धर्म का ढंढोरा पोटने वालों ने कभी इसे इस तरह जमल में नहीं अपनाया.

कुछ लोगों का कहना है कि चारी करना कुछ इनसानों की आयुत होती है. लेकिन यह बात सच्चाई से बहुत दूर है. इनसान को अगर जीवन बितान की सुविधाएं हों और समाज की इस तरह रूप रखा हो जिसमें वह ईमान्दारी से जीवन बिता सके और लाजच से बचा रहे तो वह हरगिण हरांगज़ चारा या बेईमानी नहीं करगा. चान में ऐसा समाज काराज़ पर ही नहीं अमल में भा पैदा कर दिया गया है. नतीजा यह है कि वहाँ लोगों की ईमानदारी चमक वठी है. चोरी के कारन ही मौजूद नहीं रह गय तो चारी करने की किसको चरुरत!

जिम्सी सदाबार की चरचा बहुत की जाती है और यह भी कहा जाता है कि कम्यूनिस्ट तो इस सदाचार के बिरोधी हैं. लेकिन अजीव बात है कि केवल वही देश आज जिन्सी जीवन का आदर्श सा बन गए हैं जो कि अपने को कम्युनिजम का मानने वाला कहते हैं-चीन भी उन्हीं देशों में से एक है. आज बीन में कोई भी वेश्या बाक़ी नहीं रह गई. इन बहिनों को चीनी सरकार ने पातत समम कर या भले भादमियों के समाज को शुद्ध रखने के बिये जरूरी जान कर जन भान्दोलन से शहर रखने की कोशिश नहीं की. क्रानून पास करके नुमाइशी तरीक्षे से बेश्या पंत के खारमे का ढंढोरा भी नहीं पीटा. चीनी सरकार के आइमी इन बहिनों के बीच में गए और सब को इकट्टा करके इनमें एक नया जोश भर दिया, एक नया आदर्श कनके सामने खड़ा कर दिया. कोई भी वेश्या अपने पेशे से खुरा नहीं होती, वह खुश हों भी नहीं सकती. लेकिन अपनी मजब्दियों को क्या करे. नए चीन ने उन मजब्दियों को सरम कर विया जो किसी स्त्री को वेश्या पन के गढ़े में बकेलती हैं. धन बेश्याओं को काम सिखा कर कैक्टरियों में भरती कर दिया गया या किसी दूसरे काम में लगा दिया गया ताकि वह ईमानदारी और इज्जत से अपनी रोजी कमा सकें. बहुत बड़ी वावाद ने शावियां भी कर ली धीर सुषद् परिनयां बन गई.

बेरयापन के सत्म करने या दूसरे ऐसे मोटे सदाचार के उस्तों को जिन्दा करने में चीनियों ने कसियों से बहुत इस सीखा है. तरीक्रे वही एसातियार किये हैं सेकिन उन सोहितयों से वच गए हैं जो रूस में हो चुकी वी क्योंकि ع المرائي معهد المحدد المحدد المحدد المرائي المرائي المرائي المحدد المرائي المحدد المرائي المحدد المرائي المحدد المرائي المحدد المحدد

کچھ لوگوں کا کہنا ہے کہ چوری کرنا کچھ انسانوں کی عادی ہوتی ہے ، لیکن یہ یات سچائی سے بہت دور ہے ، انسان کو اگر جیوں بھانے کی سوودھائیں سے بہت اور سماج کی اس طرح روب ریکھا ہو جس میں وہ ایمانداری سے جیون بقاسکے اور لالچ سے بچوا رہے تو وہ ہرگز ہرکز چوری یا ہے ایمانی نہیں کرے کا ، چھن میں ایشا سماج کافذ پر ہی نہیں عمل میں بھی پیدا کودیا گیا ہے . سماج کافذ پر ہی نہیں عمل میں بھی پیدا کودیا گیا ہے . نہیری کے کارن ھی موجود نہیں رہ گئے تو چوری کی ایمانداری جمک اُٹھی کرنے کی کس کو ضرورت اُ

جلسی سداچار کی چرچا بہت کی جاتی ہے اور یہ بھی کہا جاتا ہے که کمیونست تو اِس سدانچار کے رردهی هیں. لیکن عجیب بات هے که کیول رهی دیش آج جنسي جهون کا آدرش سا بن کئے همن جو که ایم کو كمهونوم كا ماني والا كهاي ههي -- جهن بهي أمهن ديشون میں سے ایک ہے . آج چین میں کوئی بھی ویشیا باتی نہیں رہ گئی ، اِن بہلوں کو چھٹی سرکار نے پات سنجه کر یا بہلے آدمیوں کے سناج کو شدھ رکھتے کے لئے ضروری جان کو جن آندوان سے باہر رکھاتے کی كرشش نهيس كى . قانون ياس كرك نمائشي طريقے سے ویشهاین کے خاتیے کا تھندھورا بھی نہیں پیشا ، چھنی سرکار کے آدمی اِن بہلوں کے بیٹے میں گئے اور سب کو اکٹیا کرکے اِن میں ایک ٹیا جوش بھر دیا' ایک نیا آدرهی اُن کے سامنے کہوا کردیا ، کوئی بھی ریشیا ایے ييشے سے خوش نيين هوتی وا خوش هو بهي نهون سكعى . لهكن أيلى مجهوريون كو كها كرم ، الله جهن نے اُن مجھوروں کو ختم کردیا جو کسی استری کو ریشهاہی کے گذھے میں تھکیلٹی میں ، آن ریشهاؤں کو كم سكهاكو فهكالريون مهن بهرائي كوديا كها يا كسي دوسري كم ميس تعاديا كيا تاكم ود أيسانداري أور عوس س أيدى روزی کماسکیں ، نہمت یوی تعداد نے شادیاں یہی كرلهن أور سكهم يكلهان بن ككهن .

ربھیا ہن کے خکم کرنے یا دوسرے آیسے موتے سدانہار کے اصابی کو زنفہ کرنے میں چھلیوں نے ررسیوں سے ایمت کچھ سیکھا ہے ، طریقے رعلی اشتہار کئے جیں لیکی آن خلطیوں سے بینے گئے علی جو روس میں جوچکی ایک گیرانکہ इन्हरदरी जैसे पैके आपना किये हैं, जो हुछ भी पुराने बीन में इनके जिये मना था जाज मए बीन में बह सब इनके कुछत्वे में हैं, बीन में महिला इंजिनियरों की तात्व भी खुब बढ़ रही हैं.

स्वमुच हमारी औरतें ज्मींत्र शाही की सताने वाली शाही की रसमें से क्रुटकारा पा गई है. पिंछले साल सेन्ट्रल सरकार ने शादी का एक नया कानून बनाया है जिसने एक अच्छा और समम्मदारी का शादी का तरीक़ा क़ायम कर दिया है. इस क़ानून ने तलाक़ की आज़ादी दी है, औरतों को दूसरी शादी करने का हक दिया है, औरत को इस क़ानून ने जायदाद में हिस्सा दिया है और वसको जायदाद की विरासत का भी हक मिल गया है. क़ानून ने औरतों को न सिर्फ काराज पर यह इक दिया है बिल्क इस इक की रचा भी करता है. चीन में बालपन की शादी सिरे से ख़त्म कर दी गई है. ज्याहता बीवी के अलावा रखेल रखने का रिवाज कानूनन ख़रम कर दिया गया है. वेश्यापन अब गुज़रे ज़माने की चीज़ है. इस कानून ने चीनी घरों में ख़राहाली की गंगा बहा दी है.

चीन में सदाचार

(भाई मुजीब रिज़ वी)

दुनिया में दो तरह के गिरोह हैं—एक वह जो सदाबार का ढोल खूब पीडते हैं लेकिन जुद सदाबार से पर रहते हैं. दूसरे वह जो सदाबार की बढ़ बढ़ कर बातें नहीं करते लेकिन बनके हर काम में सदाबार की उचाई बमकती रहती है. नया बीन बाज दूसरे गिरोह में हैं. वह सदाबार की बरबा कम और उस पर अमल अधिक करता है. सदाबार पर पंजिताज वहस से न अब तक कोई नतीजा निकला है और न निकल सकता है. यहाँ हम बारा कियों को झांद कर केवल माटे मोटे बर्यों में सदाबार शब्द का इस्तेमाल करते हैं.

मानों की सरकार से पहले पेसा कोई जुर्म नहीं था जो चीन में नहोता बा—बुट मार, रिरक्त खोरी, जायब की जुराबी, बोरी बमारी, खून खराबी, बोका बढ़ी, भाईवारे की सिरे से ना पैदगी. बोकन नप चान में जाज यह सारी चीजें गए गुजरे जमाने की बातें हो गई हैं. वहां जापन्नी एका है. आई चारे की मावना हर चीनी के दिल में हिलोरें ले रही हैं. वहाँ अब एक दूसरे की मदद करने जौर फायदा पहुँचाने की बात साग साचते हैं, एक दूसरे की जड़ काटने की बातों में बेकार साकत नहीं मंदाते. चीनियों ने 'इनसान'

اسع می هماری عورتیس زمیندار شاهی کی ستانے والی شادی کی رسبوں سے چھتکارا یا لگیس هیں ، پچھلے مال سنترل سرکار نے شادی کا ایک نیا قانون بغایا ہے جس نے ایک اچھا اور سمجیداری کا شادی کا طریقہ قائم کودیا ہے ، اِس قانون نے طلاق کی آزادی دی ہے ، عورتوں کو دوسری شادی کرنے کا حق دیا ہے ، عورت کو اِس قانون نے جائداد میں حصه دیا ہے اور اُس کو جائداد کی وراثت کا بھی حق مل کیا ہے ، قانون نے عورتوں کو نہ صرف کافل پر یہ حق دیا ہے بلکہ اُس حق کی رکشا بھی کورت کو کورتی کافل پر یہ حق دیا ہے بلکہ اُس حق کی رکشا بھی کورت ہے ، چھن میں بال پن کی شادی سرے سے خاتم کودی کی انون نے عورتوں کو کودی کی گانون خم کردیا گیا ہے ، ویشھاپن اب گذرے زمانے کی چھڑ ہے ، اِس قانون نے چھٹی گھروں میں خوشتصالی والے گانونا خم ردیا گیا ہے ، ویشھاپن اب گذرے زمانے کی گلکا بہادی ہے ، اِس قانون نے چھٹی گھروں میں خوشتصالی

چین میں سالچار (بهائی مجیب رموی)

دنیا میں دو طرح کے گروہ هیں۔۔ایک وہ جو سداچار کا تھول خوب بیٹتے میں لیکن خود سداچار سے پرے رمتے هیں، دوسرے وہ جو سداچار کی بوھ چوء کر ہاتیں نہیں کرتے لیکن اُن کے هر کام میں سداچار کی اونچائی چمکتی رهتی ہے، نیا چین آج دوسرے گروہ میں ہے، وہ سداچار کی چرچا کم اور اُس پر عمل ادھک کوئی ہداچار پر پنڌتاؤ بحصا سے نہ اب تک کوئی تعیمیہ نکلا ہے اور نہ نکل سکتا ہے، یہاں هم باریکیوں کو چیوج کر کیول موتے ارتیوں میں سداچار هید کا استحمال کرتے ہیں۔

ماؤ کی سرکار سے پہلے ایسا کوئی جرم نہوں تھا جو چھیں میں نہ ھوتا تھاسلوت مار' رشوت خوری' آپس کی چھئی میں نہ ھوتا تھاسلوت مار' رشوت خوری' آپس بھائی چارے کی سرے سے ناپیدگی، لیکن نئے چھن میں آج یہ ساری چیزیں گئے گزرے زمانے کی باتیں ھوسرے کی دل میں ھلوریں لے رھی ہے، رھاں اب ہی فوسرے کی صدد کرنے اور فائدہ پہونچانے کی بات نہیں بیکو طاقت نہیں گلوائے، چیلیوں نے 'آنسان' نہیں گلوائے، چیلیوں نے 'آنسان' نہیں گلوائے، چیلیوں نے 'آنسان' نہیں کیوں

नए चीन की नई माएं

(मेडम नाई-फी-चुन)

[हिन्दुस्तान में आप हुए चीनी मिशन की मेडम नाई-की-चुन एक मेन्बर हैं. आप पेकिंग सरकार के उस विभाग की असिस्टेन्ट सिक्रेटरी हैं जिस की मंत्री मेडम सन-यात सेन हैं—पड़िटर]

नए चीन में हर चीज पर नया पन छा रहा है. वहाँ की कौरतें भी नई होती जा रही हैं. मेरा मतलब यह नहीं है कि वह नप तरीक़े से गढ़ी गई हैं बल्कि यह है कि अब चीनी औरतों की हालत में इतनी तबदीली आ गई है कि वह विजक्रक नई मालूम होती हैं. नए चीन की धौरतों को मरदों के बराबर ही सारे राजकाजी अधिकार हैं. वह किसी मैदान में भी मरदों से पीछे नहीं हैं. गाँव में औरतें बहम सरकारी नौकरियों पर क्रवजा जमाए हैं और जनहित के कामों में जोश के साथ लगी हुई हैं. जमींदार शाही में भौरतों की दालत जानवरों से भी गई गुजरी थी. जाज को भौरतों को भाजादी मिल सकी, उनको बराबर का इक मिल सका, इसका कारन यह है कि चीन में जमीन का सुधार कर दिया गया है, जिसने जुमींदार शाही की सत्म कर दिया और उसी के साथ उससे पैदा होने बाले रीतरिवाज, आचार विचार सबको वकन कर दिया है.

जाज तमाम जीनी जन सभाजों में करीब करीब एक तिहाई तादाद जीरतों की है. बहुत सी जीरतें पार्किमेन्ट में बैठी हुई हैं. दिनों दिन इन्तजामी महकमों जीर सरकारी नौकरियों में जीरतों की तादाद बढ़ रही है. गांव में जीरतें मुखिया हैं, जिलों में जिला जकसर हैं, शहरों में मेयर हैं— हर जगह उनके लिये हैं जीर वह हर जगह पहुंच भी रही हैं. सेन्द्रल सरकार में मंत्री भी हैं. इस समय तीन जीरतें मंत्री मंडल में भी शामिल हैं. इन लोगों ने जन सेवा का बहुत जब्द्रा परिचय दिया है—अब जौरत मर्द की मेहनल और काम में कोई फर्क नहीं रह गया. एक जौरत का काम एक मर्द के काम के बराबर ही समम्मा जाता है और दोनों को बराबर मज़रूरी भी मिजती है. इसके जलावा छुटी, बच्चा पैदा होने की हालत में दबा दाक जीर इसी तरह की दूसरी रिकायतें भी मिजती हैं.

चीनी चौरत को चाज न सिर्फ राजकाजी बरावरी मिली हुई है बल्कि माली बरावरी भी चसको हासिल है. चौरलों ने क्रम खुदबरी, पोस्ट मैनी चौर रेसगादी की

نٹے چین کی نگی مائیں (میتم نائی نی جون)

[هندستان میں آئے هوئے چهنی مشن کی مهدّم ائی نی چی ایک معور هیں، آپ پهکنگ سرکار کے اس ربھاک کی اسستانٹ مکریٹری هیں جس کی بنتری مهدّم سن بیات سهن هیں ۔۔۔ آیڈیٹر]

نئے چین میں هر چیز پر نیا پن چها رها هے ، وهان مررتیں بھی نکی مرتی جا رھی میں ، مہرا مطلب نہیں ھے کہ وہ نگے طریقے سے گڑھی گئی ھیں بلکہ یے کد اب چیلی عورتوں کی جات میں م تبلدیلی آلکی هے که وہ بالکل نشی معلوم هوتی ی انگے چھوں کی قورتوں کو مردوں کے برابر ھی سارے كاجى ادههكار ههل . ود كسى ميدان مهل بهى مردول پیچه نهیں میں کاوں میں مورتیں آھر سرکاری راوں پر قبقہ جمائے میں اور جن مت کے کاموں میں ش کے ساتھ لگی موثی ہیں ، زمیندار شاهی میں تن کی حالت جانوروں سے بھی گئی گزری تھی ، آج مررتوں کو آزادی مل سعی ان کو برابر کا حق مل ا اِس کا کارن یہ هے که چین میں زمین کا سدعار کر ا کیا ہے، جس نے زمیندار هاهی کو ختم کر دیا اسی کے ساتھ اُس سے پیدا ھولے والے ریت رواج ' آجار ار سب کو دفن کر دیا ہے .

آب تمام چهندی جن سههای مهن قریب ایک ائی تعداد مورتین کی ہے ، بہت سی مورتین پارلیسٹت ن بهتهی هوئی ههن . دنون دن انتظامی محکمون سرکاری توکریوں میں مورتوں کی تعداد ہوء رهی هے . مين مورتين مكهها هين فلعون مين فلع أنسر ن شہروں میں میر میں --- هر جگه أن كے للے هے اور هر جاته پهوني يهي رهي هين . سنگرل سرکار مين عرى بهى ههن . أس سيم تهن عررتهن منعرى ملكل س بهیشامل ههن ، إن لوگون في جن سهوا كا يهت اجها بعد دیا ہے ۔ اب عورت مرد کی معدمت اور کام میں لى قرق نهيس ولا لها . أيك عورت كا كام أيك مرد كركام كي ابر می سنجها جاتا هے اور دونوں تو برابر مزدوری بھی نتى هے، اس كے عقود جونتى بحصه يهدا هونے كى حالت ميں را دارو اور اسی طرح کی دوسری رمانتیں یعی منتی هیں ، چیلی مورس کو آج نه صرف راج کاجی برابری ملی وئي هر بلکه مالي يوايي يوي اُس کو حاصل هـ و ورنیں نے قوام قراقهوری پرسمتر میلی اور دیل اوی کی हिन्दुस्तान की चीन से सबक से सकता है वह यह ही है कि अपना माली संगठन या आर्थिक पाकिसी ह्या बनाए वृक्ति यह कि किसी आर्थिक पाकिसी के लिये बाम जनता का सहयोग किस तरह हासिल किया जाता है कैसे सारी जनता को बसमें शरीक कर तिया जाता है.

पिछ्लम के देशों ने चीन पर जो पावन्त्याँ लगाई हैं वनका कुछ असर तो लाजमी तौर पर उस पर पड़ा है. लेकिन वह सब तकली के और दिश्कातें जो इससे पैदा हुई, थीं अब एकदम। काफूर हो गई हैं. यही नहीं, लोगों का उस' तरफ ध्यान भी नहीं जाता है. इसकी वजह है कीम की कीम का यह इराहा कर लेना कि इस पावन्दी का तोस तरीकों से इस मुकाबला करके ही रहेंगे. इस इराहे ने उनके अन्दर अनोखी ताकत पैदा कर दी है. इसका नतीजा यह हुआ कि चीन में पैदाबार जूब बढ़ी है, हर चीज जो पिछ्लमी देशों से मंगाई जाती थी उसके बदले की चीजें तिकाल लींगई हैं और दस्तकारी का सामान जुटाने व काम बनाने में चीनियों ने जो महारत हासिल की है उसका तो खयाल ही अवरज में डालता है. साथ ही साथ रूस और उसके होस्त देशों के साथ ब्योपारी ताल्लुकात भी जियादा बढ़े हैं.

कोरिया की लड़ाई का असर चीनियों के आम जीवन द रहन सहन पर कुछ नहीं पड़ा. सरकार ने काला बाजार स्नार कर दिया और चीजों की क्रीमतों को बढ़ने से रोक स्निया. इसके अलावा जियादा पैदाबार करके कोरिया की सड़ाई की जरूरी मांगें भी उन्होंने पूरी कर सी.

हर आर्थिक बायरे में औरतें एक अहम हिस्सा ते रही हैं. राजकाजी कामों और किसान संगठनों में तो वह ऊंची जगह पर हैं ही, कारखानों वरोरा में भी असरदार जगह तिये हुए हैं.

जहां तक रूपी इमदाद की बात हैं, रूस से चीन को तकनीकी हान के अलावा चरूरी मशीनरी सामान भी मिल रहा है. मुक्ते यक्षीन है कि कारलानों और ट्रांस्सपोर्ट के दायरों में रूस बिला किसी हिचकिचाहट के चीन की मदद कर रहा है. अवरज की बात तो यह है कि चीन में आम करने वाले रूसी माहिर कोई जंबी नौकरियों पर नहीं हैं. वह चीनी अकसरों के नीचे काम करते हैं, वही तनलाहें केते हैं जो चीनियों को मिलती हैं और वैसी ही तकलीकें बंदारत करते हैं. इसी सहयोग का नतीजा है कि चीनी लोग मोटर और रेस, तारीख में पहली बार अपने आप बनाने सग गए हैं. अब सो वह जीप कार भी बना रहे हैं.

चीन को बाहर के तैयार माल की चरूरत अब भी है. भगर हिन्दुस्तान से यह माल शिले तो बदले में काफी भनाज वह बहां मेज सकता है. المعالق حو جین بر سبق لر سکتا هر وه یه نهون که آیان مالی سلکتین یا آرتیک یالیدی کها بنائر ایک یه الهدی کها بنائر ایک یه که کفر عام جلتا کا مهورگ کسطرے حاصل کیا جاتا هے' کیسے ساری جنتا و اُس میں شریک کر لیا جاتا هے ،

مجمم کے میموں نے جان پر جو پابندیاں لاائی میں ن کا کنچه اثر تو الزمي طور يو اُس پر يوا هـ ، ليکن وه سے تعلیدیں اور دلتھی جو اِس سے پیدا ہوئی تھیں ب ایک دم کانور هرکئی هیں . یہی نهیں ارگوں س طرف دهیان بهی نهی م دانا هے ، اِس کی وجه هے زم کی قوم کا یه اراده کر لینا که اِس پایندی کا تهرس غریقے سے هم مقابلہ کو کے هی رهیں کے ، اِس اراضے نے ان کے اندر انوامی طاقت پیدا کر دی ہے ، اِس کا تعمید، ہ هوا که چهن سوں پيداوار خوب بوهي هے، هر چهز جو جهمی فیشوں سے سلکائی جاتی تھی اُسکے بدلے کی چھڑیاں نعال لمي كئيس هيل اور دستكاري كاسامان بجال و كام بقائے موں جیدیوں نےجو مہارت حاصل کی ہے اُسکا تو شیال هي أجرب موس دالتا هي . ساته هي ساته روس أور أس ك درست دیشوں کے ساتھ بھرداری تعلقات بھی زیادہ برجے مھی، کوریا کی لوائی کا آثر چینیوں کے عام جیون و راس سهن ہو کچھ نہیں ہوا . سرکار نے کالا بازار خالم کو دنیا اور چھڑوں کی قہمتوں کو ہوعلے سے روک لیا ، اِس کے عالوہ

بھی آنھوں کے پوری کر لیں ،

ھر آرتیک دائرے میں مورتیں آیک اھم حصہ لے
رہی ھیں ، راج کاجی کاسی اور کسان سلکتیلیوں میں
تو وہ اونتھیجکہ پر ھیں ھی' کارخانوں وقیرہ میں بھی اثر
داو جگہ لئے ھوئے ھیں ،

ایافتا پیداوار کو کے کوریا کی لوائی کی ضروری مانگیں

چهاں تک روسی امداد کی بات ہے' روس سے چهن کو تکاہکی گیاں کے علاوہ فروری مشیقری سامان بھی مل رہا ہے ، مجھے یقین ہے که کارخانوں اور ترانسپورت کے دائروں میں روس بلا کسی هچکچاهت کے چهن کی مدد کر رہا ہے ، اُچرچ کی بات تو یہ ہے که چهن میں کام کرتے والے روسی ماهر کوئی اُونچی نوکریوں پر نہیں هیں ، وهی وهی او چینی افسروں کے نیچے کام کرتے هیں' وهی تلخواهیں لیٹے هیں جو چینیوں کوملتی هیں اور ویسی می تکاہنوں برداشت کرتے هیں ، اِسی سهبوگ کا نتیجے که چینی میں پہلی نتیجے ہو کہ چینی لوگ موٹر اور ریل' تاریخ میں پہلی بار ایم آپ بقائے لگ کئے هیں ، اب تو وہ جیب کار بھی بار ایم وی میں پہلی بار ایم آپ بقائے لگ کئے هیں ، اب تو وہ جیب کار بھی بیا وہ هیں ،

جهن کو باهر کے تیار مال کی فرررت اب بھی ہے۔ اگر ملدستان سے یہ مال ملے تو بدلے میں کافی آناج وہ یہائی بہیم سکتا ہے ۔

संक्ष्म का जज़ना दिखाई देता ना. कर्क सिर्फ बहु है कि जहां हिन्दुस्तान में राजनीति के अन्धर जन जेलना और जन आन्दोलन का जज़ना जाज़ादी के बाद काफी सुरफा गया मालूम होता है, वहां चीन में चीनी लोकराज के कायम हो जाने के बाद यह जज़ना ज़ियादा बढ़ा है, मज़बूत बना हैं और तगड़ा पड़ा है.

पक जास बात यह है कि हर पक के अन्दर काम करने की धुन है. उन सबका एक मक्सद दीखता है— ज़ियादा पैदाबार. लोग एक दूसरे से ररक इस बात में करते हैं कि हमारे दायरे में पैदाबार दूसरे आदमी से ज़ियादा हो. बहादुर मज़दूरों और आदर्श कारकुनों की आज के चीन में सबसे जियादा इजज़त है. हर नीजवान चीनी लड़के लड़की को यह इच्छा रहती है कि मैं बहादुर मजदूर या आदर्श कारकुन बन जाऊं.

चीन के चन्दर कम्यूनिस्ट पारटी का जनता पर असर कुछ उन्हों सूरतों से पैदा हुआ जिनसे महातमा गांधी चौर उनके साथियों ने हिन्दुस्तान की जनता पर आसर क्रायम किया था. चीन की कम्यूनिस्ट पारटी को चीनियों के ऊपर कोई हुक्म नहीं लादना पड़ता. लोग इस पारटी की नेता-गिरी इस बजह से मंजूर कर लेते हैं क्यों कि उस पारटी की तरह दूसरी किसी पारटी ने यहनत से काम नहीं किया है, और न जनता की सेवा के लिये इतनी लगन दिखाई है.

श्रीन सरकार की कामयाबी की कुन्जी यह है कि उसकी मीति या पालिसी को जनता का जबरदस्त सहयोग मिला है. इसकी बजह भी जाम जनता के जन्दर घुस कर देश के बढ़े कड़े सवालों पर चर्चा व बहस करना. यही वजह है कि बहां की सरकार कई पारटी हकूमत कामयाबी के साथ बला संकी है.

बीनी यह जानते हैं कि हिन्दुस्तान की सरकार बनसे
जुदा ढंग की है. लेकिन इसमें बनको कोई परेशानी नहीं
होती क्योंकि बनको माल्म है कि दुनिया के रौर कन्यूनिस्ट देशों में हिन्दुस्तान ही सिर्फ पेसा गुरु ह है जिसने
बीन के साथ अपनी बेलाग होस्ती का रिश्ता रखा है और
हमेशा बसका पलान किया है—यह सिर्फ खवान से ही
नहीं बक्ति अमली शकत में कर दिखाया है. पंडित अवाहर
लाल नेहक की दूर अन्देशी है—उन्होंने सैनफ़ांसिसको
कान्फ़ से में शरीक होने से इन्हार कर दिया और दुनिया
से जंबो आवाज में कहा कि नए बीनी लोकराज को बीन
की असली सरकार माना जाए—वीनियों को यह इतमीनान
हो गया है कि उनके और हिन्दुस्तान के बीच जो तारीखी

وم کا جَذَبِهُ تَکَهَائَی فَیْکَا آیا ، فَرَق صَرف یه که جهان هفدستان میں رأج ثیثی کے آندر جن بیدا اور جن آندولن کا جذبه آزادی کے بعد کافی مرجها معاوم هوتا هے، وهان چهن میں چهنی لوک رأج کے مرجانے کے بعد یه جذبه زیادہ بوها هے، مطبوط اور تکوا ہوا ھے، مطبوط اور تکوا ہوا ھے،

ایک خاص بات یہ ہے کہ هر ایک کے اندر کام کرنے دهن ہے . ان سب کا ایک مقصد دیکھتا ہے۔۔زیادہ اور اوگ ایک فرصد دیکھتا ہے۔۔زیادہ اور اور اور دهنگ اوس بات میں یہ هیں کہ همارے دائرے میں پیداوار دوسرے آدمی سے یہ ہو ، بہادر مزدوروں اور آدرهی کارکٹوں کی آج کے ن میں سب سے زیادہ عزت ہے . هر لوجوان چیلی ن میں سب سے زیادہ عزت ہے . هر لوجوان چیلی نہادر مزدور یا می کارکن بن جاوں ،

چین کے آندر کیہونسٹ پارٹی کا جفتا پر آثر کچھ
یں صورتوں سے پیدا ہوا جن سے مہاتما کاندھی اور اُن
ساتھیوں نے ہندستان کی جنتا پر آثر قائم کیا تھا ،
ن کی کیپونسٹ پارٹی کو چیٹیوں کے اُرپر کوئی حکم
س الدنا پڑتا ، لوگ اِس پارٹی کی نیٹاگری اِس وجه
منظور کرلیٹے ہیں کیونکہ اُس پارٹی کی طرح دوسری
س پارٹی نے مصنت سے کام نہیں کیا ہے' اور نہ جنتا
سیوا کے لئے اتنی لگن دکھائی ہے ،

چین سرکار کی کامهاہی کی کاجھی یہ ہے کہ اُسکی ی یا پالیسی کو جلتا کا زیردست سہیوگ ملا ہے ، لی رجہ تھی عام جلتا کے اندر گھس کر دیش کے ، بوے سوالوں پر چرچا و بحث کرنا ، یہی وجہ ہے ، هاں کی سرکار کئی پارتی حکومت کامهاہی کے ساتھ سکی ہے ،

چینی یه جانگے هیں که هذدستان کی سرکار اُن سے اُدھنگ کی ہے۔ لیکن اِس میں اُن کو کوئی پریشانی ن هوتی کیونکه اُن کو معلوم ہے که دنیا کے غیر واست دیشوں میں هندستان هی صرف ایسا ملک ہے ن نے چین کے ساتھ اپنی بیاگ دوستی کا رشتہ رکھا ہے میبھت اُس کا اعلان کیا ہے۔ یہ صرف زبان سے هی ن بلکہ اصلی شکل میں کر دیکھایا ہے۔ پندس جواهر نمان میں شریک هونے سے اِنکار کردیا اور دنیا سے اُنکار کردیا اور دنیا سے اُنکار کردیا اور دنیا سے آئی آواز میں گیا کہ نئے بیٹھی لوگ واج کو چین اصلی سرکار مالیا جائے سے بیٹھی لوگ واج کو چین اصلی سرکار مالیا جائے سے بیٹھیں کو یہ اطبیقان اُن کے آئی میلی جو تاریخی اُن کے آئی میٹھی اُن کے اُن کے آئی میٹھی ہوئی بیٹھی ہو تاریخی بادھ جو آتا ہے وہ بیٹر سے جاری هی نہیں ہوگا بلکہ بادہ نہیںگئ اور مطبیق ہوئے جاری هی نہیں ہوگا بلکہ بادہ نہیںگئ اور مطبیق ہوئے جاری هی نہیں ہوگا بلکہ بادہ نہیںگئ اور مطبیق ہوئے جاری هی نہیں اُن کے آئی کے اُن کا اُن کے اُن کا اُن کے اُن کیا اُن کے اُن کیا اُن کی اُن کے اُن کے اُن کیا اُن کے اُن کے اُن کے اُن کے اُن کے اُن کیا ہون اُن کے اُن کیا کہ اُن کیا ہوں کیا ہوں اُن کیا ہوں اُن کیا ہوں اُن کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا ہوں کیا

दी को सहम कर दिया गया सेकिन कारसाने दारों के साथ काम करने दिया जाता है. जीनी लोग सवाल को बहुत समम्बारी से हल करते सभी सुचारों में जाम जनता को साथ ले जलने जी कोशिश होती है. वहां के लोग कमाल के काम ले हैं.

(6)

न्टन में उन्होंने असमत फरोशी को चन्द् महीनों में कर दिया और उन सब औरतों को क्रीमी पैदाबार के जगा दिया. बाद के वन्नत जो अज़बा आम लोगों उसे उन्होंने कायदा उठाया. इसकी वजह से वह आफतों से बच गए. लेकिन हमारे देश में गांधी बाताबरन तैयार कर गए थे उसे हमने ठंडा पड़ गा. इसका नतीजा यह हुआ कि हम न इधर के रहे ह रहे."

नए चीन की ताकत

(डाक्टर वी. के. चार. वी. राव)

पंडित सुन्दर लाल की सदारत में सितम्बर के i जो हिन्द गुड बिल मिशन चीन गया था उसके वर डाक्टर बी. के. आर. बी. राव भी थे. आप कृत जाफ पकोनामिक्स के डायरेक्टर हैं. हिन्दु-रापस आने पर आपने प्रेस वालों से एक वयान र में जो कहा उसका खुलासा हम नीचे दे रहे डीटर रे

। नए इन्क्रलाब के बाद चीन बालों ने जो कमाल ही की है वह ऐसी अवरज मरी है कि अगर मैंने ांखों से उसे न देखा होता, और सिर्फ किसी के से सुना ही होता तो मैं उस पर क्रवई यक्तीन नहीं । थां.

भरोसा है कि चीन वासों में जो जांश और लगन कि पर जल्दी ही चन्हें कारकाने चलाने की वह हारी हासित हो आएगी जिसकी बिना पर वह किसी भी कारकाने दार मुल्क से टक्कर ले सकते हैं. वे बड़ी चीज जिसने मेरे ऊपर असर किया वह मुक्ते वह महसूस हुआ कि क्रीम की क्रीम जाग र अपनी मंजित की सरफ बढ़ रही है. मुक्ते वस र आन्दोत्तन की याद हो आई जो इमारे देश 31 में पैदा हुई थी. चीन के अन्दर भी वही ।म बाका, क्रोस, क्रान, ठोसपन, खुद सख्ती और

وراس کو ختم کر دیا گیا لیکن کوخالے داروں کو مویے کے ساتھ کام کرنے دیا جاتا ہے ۔ چیشی لوگ آنے موال کو یہت سمجھداری سے حل کرتے میں انہ سمجھی سدھاروں میں عام جنتا کو ساتھ لے چلئے کی آن کی کوشش ہوتی ہے ۔ وعاں کے لوگ کمال کے کام کرنے والے میں ۔''

(6)

''کھنٹن میں آنہوں نے عصمت فروشی کو جند مہینوں میں ھی ختم کر دیا اور اُن سب عورتوں کو قومی پیداواو کے کاموں میں لکا دیا ، ہاڑھ کے وقت جو جذبت عام لوگوں میں تھا اُس سے اُنہوں نے فائدہ اُتھایا ، اِس کی وجہ سے وہ بہت سی آفتوں سے بچ گئے ، لیکن ھمارے دیمی میں کاندھی جی جو واتاورن تیار کر گئے تھے اُسے می ٹے تہذا ہو جانے دیا ، اِس کا نتہجہ یہ ھوا کہ ھم نے تہذا ہو جانے دیا ، اِس کا نتہجہ یہ ھوا کہ ھم نے ادھر کے رہے نہ اُدھر کے رہے ."

نئے چین کی طاقت

(قائتر وي . ك . آر . وي . راو)

[پلڈت سلدر لال کی صدارت میں سلامبر کے مہیئے میں جو ھلد گذرل مشن چین گیا تھا اس کے ایک ممبر ڈائٹر وی ۔ آر ، وی ، راؤ بھی تھے ، آپ دلی اسکول آف ایکوناسکس کے ڈائرکٹر ھیں ۔ ھلدستان واپس آئے پر آئے پریس والوں سے ایک بیان کے دوران میں جو کہا اُس کا خلاصہ ھم نیچے دے رہے ھیں۔۔۔ایڈیٹر]

اُنِهِ لَيُ اَنقَالِ لَا بعد چين والوں لِه جو کمال کی لرقی کی في ولا أیسی اُچرج بهری في که اگر ميں لِه اُپلی أنگهوں سے أَسے لَه ديكها هوتا' اور صرف کسی کے ملاء سے أُسے سفا هي هوتا' تو ميں اُس اور قطعی يقين نهيں کو سکتا تها ،

مجھے بہروست ہے کہ چھن والوں میں جو جوش اور لکن ہے اس کے بل ہر جلدی ھی اُنہیں کارخائے چائے کی وہ سب جانکاری حاصل ھوجائیکی جسکی بنا پر وہ دنیا کے کسی بھی کارخانے دار ملک سے تکر لے سکتے ھیں ،

مب سے بوی جہاز جس فے مہرے اُرپر اثر کیا وہ یہ فہی کہ معود یہ معصوس ہوا کہ قوم کی قوم جاک گئی ہے اور اپلی مغزل کی طرف بوہ رہی ہے . مجھ اُس جہتا اور اندولن کی یاد ہو آئی جو همارے میص میں 1930 میں بیدا ہوئی تھی ، جھن کے اندر بھی وہی گئے ہوگام والا حوص الکن تھوس پن خود سطتی اور

विताने की क्रीमत इस नहीं चुकाना चाहते. इस रहते ही इस तरह से हैं कि लड़ाइयां हों और फिर हाथ कठा कर ईरनर-खड़ाह से दुआ करत हैं कि लड़ाई और बरवाही से हमें बचा. यह मज़ाक नहीं तो क्या है ? शान्ति के लिये जल्दी-वाला-रास्ता हम अपना सकते हैं लेकिन इसकी पीठ पर लम्बी मुद्दत वाली योजना अरूर होनी चाहिये. बह योजना ही हमार जीवन को इस तरह बदल सकेगी कि शान्ति पैदा हो."

(5)

"आपने मुक्तसे चीन के खेती सुधार के बोरे में पूछा है. ऐसा जगता है कि चीनियों ने इस बारे में बहत ही छही भीर मजबूत क़दम उठाया है. इन्होंने आंख मुँद कर रूस की नक्कल नहीं की है बल्कि वहां के तजरबे से क़ीमती सबक़ लिया है. चीन के अन्दर जमीन पर समाजी मिलकियत कहीं नहीं है. निजी मिलकियन यहां का क़ानून है लेकिन इस मिलकियत के इस्तेमाल पर राज का पूरा काब है. निजी मुनाफे का, हांलांकि उसकी हद बना दी गई है. बोल बाला है और बही प्रेरक शक्ति है. जमींदारी-जिसमें किसान का खुन चूपा जाता था-- खतम कर दी गई दें लेकिन उन मालदार किसानों को जो खुद कारत करते थे छूजा तक नहीं गया. अब तक किसानों को अपनी पैदाबार का आठ आने से लेकर सोलह आने तक हिस्सा असींदार को दे देना पडता था. लेकिन यह चीज खतम कर ही गई और अब जोतने वाले को अपनी मेहनत का पूरा फक्ष मिलता है.

क्षगान पैदाबार का क़रीब करीब 13 की सदी है और बागाज की शकत में बसूल किया जाता है, इस तरह करने से धन्हें बीकों की बदती क़ीमतों को रोकने में बड़ी मदद मिली है. सिपाहियों और मास्टरों को अनाज की शकल में तनसाह मिलती है, आतंक का कहीं नाम नहीं—लेकिन हां, जिन ज़र्मीदारों ने बिद्रोह कं कोशिश की उन्हें ज़रूर दवा दिया गया, उनकी ज़मानें ज़न्त करती गई. लेकिन जिन ज़र्मीदारों की ज़मीन जोतना क़बूल था उनको दूसरों के जैसी सभी सहतियतें पहुंचाई गई.

रूसी इन्किलाव का आधार मिल मजदूर ये लेकिन भीनी इन्क्रलाव का आधार खेती सुधार है. दोनों में भेड़ केवल तादाद का नहीं बल्कि किस्म का है. नतीजा यह है कि भीन में वैसा कन्यूनिजम नहीं है जो इस रुस के साथ नरबी करते हैं. रूस का चीन की नंति को ढालने में चतना हाथ नहीं है जितना इस सममा करते हैं.

कई तरह से चीनी इन्क़लाव हमारे लिये सबक वाता इस्तकारी, कारजानों के मामले में भी खून चूसने वाले بنانے کی الیسط هم انہیں چکاف جوافاتے یہ هم وهاتے علی اس طرح سے هیں که اوائیاں هوں اور پهر هاته اتها کر ایشرو اللہ سے دعا کرتے هیں که الوائی آور بریادی سے همیں بچا ۔ یہ مذاتی نہیں تو کیا ہے ؟ شائتی کے لئے جلدی راز راسته هم ایفا سکتے هیں لیکن اِسکی پیانہ پر لمبی مدت والی یوجفا ضرور هوئی چاهئے ۔ وہ یوجفا هی همارے جیوں کو اس طوح بدل سکے کی که شائعی پیدا هو ۔''

(5)

''آپ نے مجھ سے چھن کے کھھٹی سدھار کے بارے میں پوچھا ھے ، آیسا لکھا ھے که چھلھوں نے اِس بارے میں بہت ھی صحیح اور مضبوط قدم اُتھایا ھے ، آنھوں نے آنھوں کے آنکھ موند کر روس کی نقل نبھی کی ھے بلکہ وھاں کے تجربے سے قیمتی سبق لیا ھے ، چھن کے آندر زمھن پر سماجی ملکھت کھیں نبھی فیص ھے ، نجی ملکھت یہاں کا قانوں ھے لیکن اِس ملکھت کے استعمال پر راج کا بررا قابو ھے ، نجی ملاقع کا حالانکہ اُس کی حد بنا بررا قابو ھے ، نجی ملاوی کو روھی پریرک شکتی ھے ، زمھنداری دی گئی ھے لیکن اُن مالدار کسانوں کو جو خود کاشت دی گئی ھے لیکن اُن مالدار کسانوں کو جو خود کاشت بیدارار کا آنھ آنے سے نے کر سولہ آنے تک حصہ زمیندار کو اپنی دے دینا پوتا تھا ۔ لیکن یہ چیز ختم کر دی گئی اُرد

لکان پھداوار کا قریب قریب 13 فی صدی ہے اور اناج کی شکل میں وہ ول کھا جاتا ہے۔ اِس طرح کرنے اناج کی شکل میں وہ ول کھا جاتا ہے۔ اِس طرح کرنے سے آبیں چھزوں کی چوہتی قیمتوں کو روکئے میں بوی مدہ الشواہ ملتی ہے ، آتلک کا کہیں نام نہیں — لیکن ماں' جن زمینداروں نےوہود کی کوشش کی آنہیں ضوور دیا دیا گیا ، اُن کی زمینیں ضبط کو لی گئیں ، لیکن جن زمینداروں کی زمین جوتنا قبول تھا اُن کو دوسروں کے زمینی سہولیتیں جوتنا قبول تھا اُن کو دوسروں کے جیسی سبھی سہولیتیں پہونچائی گئیں ،

روسی انتلاب کا آدهار مل مودور تھے لیکن چیقی انتلاب کا آدهار کیھتی سدهار ھے ، دونوں میں بھید کیول تعداد کا نہیں بلکہ قسم کا ھے ، نتیجہ یہ ھے که چین میں ویسا کمیونزم نہیں ھے جو هم روس کے ساتھ نتی کرتے بھیں ، روس کا بھین کی نہتی کو تھالئے میں انتا ہاتے نہیں ہے جتاا ہم سمجھا کرتے ہیں ۔

کئی طرح سے چھلی انقلاب همارے لئے سبق داتا ہے ، استخاری کارتعالیں کے معاملے میں بھی گون چوسک والے

The control of the control of

المجور مرق الالها وبالى اوالى كى هكل له لهتى هـ. أس الها مرف الوالى كا علاج كرنا علامت كا علاج كرنا هـ ته كه المثلى بهمارى كا . هتههار بندى اور صلحتوں سے يه سوال بهرا حل هونے والا نهوں هـ . هم يه صحصوس كرتے هيں كه حجب اينى ضرورتوں كے بناوتى نام هم كهرے كريں ئے اور بهر ميں بوس ئے تو اوائيوں كا هونا الارمى هـ . هم يه بهى محصوس كرتے هيں كه أيسه بناوتى ناموں سے قدرتى اللج اور ايرشا بوهتے هيں اور نفرت بهدا هوتى هـ جس كا نتهجه ايرشا بوهتے هيں اور نفرت بهدا هوتى هـ جس كا نتهجه لوائى هـ . اس لئے هندستان كا طريقه خاص كو ولا جس كورته على مدت كے رهير مهاتما كاندهى هيں مستقل شانتى قائم كونے كا بروگرام هـ . ليكن أناى بات ضرور هـ كه يه لمبنى مدت كا يروگرام هـ .

''بہاٹی اهرن برگ نے کہا' 'اگر کوٹی ڈاکو ہجے کو مارنے گهر میں کیس آئے تو کیا بھے کو بھانا کاندھی وادس طریقے کے خلاف عوا ؟ مهن نے جواب دیا 'معاف كَيْسِتُهُ أَبِ في مثال توهك نهيل بهتهتي هي . هم كو جو پکونی چاہئے . اگر بھے کے بدن پر کوئی ایسی چھڑ ہے۔۔ چہسے زیرر۔ جس سے قاکو کا من بہتھا حرابت کرنے کو عوتا ہے تو هم ایک ذاکو سے اسے بنچالیس کے تو دوسرا آله کا تیسرا آله کا . اِس طرح سوال حل نههن هوئے والا ھے ۔ لوائیاں ہاڑھوں کی طرح ھوتی ھیں ۔ ارو ہاوھ نام ھے ہرسات کے پانی کے جمع ھو جالے کا، بہمت پیسم معدات خرج کرکے باڑھ روکلے کے لئے مم دام بنا سکتے ہیں . لیکن جہاں یہ ڈام پہوتے کہ تجامی پہر سے آئے . اس لئے باڑھ روکلے کا مناسب طریقہ یہ بھے کہ جم ہوسات کے پانی سے کام شررع کویں ، اگر ہم زمین جوت الهن تو ولا پانی سوکه کر أیجاؤ بنتی هے . اگر جنگل بغادين تب بهي بارش لا پاني بهكار نه جاكر زمهن مهن جلا جاتا ہے اور آئے سوتے کے پانی کی طرح کام میں آجاتا ھے ، زمین خود ایک ہوے حوض یا تالب کا کام کولیتی ه اور یانی کو بههانک بازه کا روپ نهیں لیلے فیٹی . چهورتے چهورتے داموں سے بھی یه کام چلتا ہے . یه جهورين ديكهاني مين تو معنولي سي لكتي هين ليكن ان کی اممیت سے کون انکار کرسکتا ہے ؟

" الندهی جی کا طریقہ یہی ہے کہ برسات کی بونڈوں کو روک کر اُن کو سکارج سے لگا دیا جائے' نہ کہ اُن کو جمع ہونے دیکر باڑھ کی شکل میں مصیحت پیدا گرئے دیں ، جو رچفاتمک پروگرام اُنہوں نے چھوڑا ہے وہ فنیا کی شانتی کے لئے بہت بڑی امداد ہے ، آپ کے شانتی سمیللوں کی پہلچ یا اُبیل اس پروگرام کے سامنے نہیں کے برابر ہے ، مصیحت اصلی یہ ہے کہ سادہ جھوں نہیں کے برابر ہے ، مصیحت اصلی یہ ہے کہ سادہ جھوں

बाबीर में दुनिया ज्यापी लयाई की राकल से लेती है. इसिलये कि लयाई का इसाज करना स्वामत का इलाज करना है न कि असली बीमारी का. हथियार बन्दी और मुलहों से यह सवाल पूरा हल होने वाला नहीं है. हम यह महसूस करते हैं कि जब अपनी जरूरतों के बनावटी नाम हम खड़े करेंगे और फिर केन्द्री पैदावार के विश्वे उन जरूरतों को पूरा करने के बच्चर में पड़ेंगे तो लड़ाइयों का होना लाजमी है. हम यह भी महसूस करते हैं कि ऐसे बनावटी नामों से क़ुव्रती लाल और ईशी बढ़ते हैं और नफरत पैदा होती है जिसका नतीजा लड़ाई है. इसिलये हिन्दुस्तान का तरीका, जास कर वह जिसके रहबर महात्मा गांधी हैं, मुस्तकित शान्ति कायम करने का तरीका है. लेकिन इतनी बात जरूर है कि यह लम्बी मुद्दत का प्रोमाम है.

"भाई पहरन वर्ग ने कहा, 'आगर कोई डाकू वरुने को मारने घर में घुस आए तो क्या बच्चे को बचाना गांधी वादी तरीक के खिलाफ होगा ?' मैंने जवाब दिया. 'माफ किजिये, आप की मिलाल ठीक नहीं बैठती है. हमको ज़ पकड़नी चाहिये. खगर बच्चे के बदन पर कोई ऐसी चीज है-जैसे जेबर-जिससे बाकू का मन बेजा हरकत करने को होता है तो हम एक डाकू से बसे बचाएंगे तो दूसरा बाएगा, तीसरा बाएगा. इस तरह सवाल इल नहीं होने बाला है. सड़ाइयां बाढ़ों की तरह होती हैं. और बाद नाम है बरसात के पानी के जमा हो जाने का. बहुत पैसा मेहनत लर्च करके बाद रोकने के लिये इस डाम बना सकते हैं. लेकिन जहां यह डाम फूटे कि तबाही फिर से आई. इस लिये बाद रोइने का मुनासिब तरीका यही है कि हम बरसात के पानी से काम शुरू करें. अगर हम जमीन जोत लें तो वह पानी सोख कर उपजाऊ बनती है. अगर जंगल बनाइँ वर भी बारिश का पानी बैकार न जाकर जमीन में चला जाता है और आगे सोते के पानी की तरह काम में आ जाता है. अमीन खुद एक बड़े हीज या तालाब का काम कर लेती है और पानी को भयानक बाद का रूप नहीं लेने देती. छोटे होटे हामों से भी यह काम चलता है. यह षीचें देखने में सो मामूली सी जगती हैं लेकिन इनकी महमियत से कीन इनकार कर सकता है ?

"गांधी जी का तरीक्रा यही है कि बरसात की बूँदों को रोक कर उनको सुकारज से जगा दिया जाए, न कि उनको जमा होने दे कर बाद की शकता में मुसीबत पैदा करने हैं. जो रचनात्मक प्रोमाम उन्होंने छोड़ा है वह दुनिया की रान्ति के किये बहुत बड़ी इमदाद है. आपके शान्ति-सम्मेजनों की पहुँच हा अपीक इस प्रोमाम के सामने नहीं के बरावर है, सुबीबन, असकी यह है कि सादा जीवन

है. यहां की सरकारी मरामिदी समम्बार है जौर सक लोग दिल से इसके साथ हैं. वजह यह है कि सक मुलाज़िम जनता से हिल मिल गए हैं. सब एक ही तरह के कपड़े पहनते और एक ही तरह रहते हैं. उंचे और नीचे में कोई बड़ा फर्क नहीं है. चेयरमैन माओ को हर महींने केवल 2,800 कट्टी मक्का मिलती है (एक कट्टी = 10 छटांक), साथ में एक मकान और एक मोटर हमारे हिसाब से चेयरमैन माओ की तनखाह 600 ठपया महीना बैठेगी. मैं दो कैविनट मिनिस्टरों से मिला जो करीब करीब 450 उपये के बराबर पाते थे. जो स्वयं सेवक हमारे साथ थे उन्हें करीब 150 उपया मिलता है. इस से आप देख सकते हैं कि चीन में इस तरह के नेता हैं जो जनता का सा जीवन विताते हैं.

"यहां पर वैसी ही एक जान मालम होती है जैसी हमारे यहां 1931 में थी. इस का उतना ज़ियादा असर नहीं है जितना हम समझते हैं. रूसी कम्यूनिज्म का आधार राश्ट्रीकरन और बढ़े पैमाने की तैयारी है. लेकिन चीन आसगी या निज्ञी जायदाद में—बाहे वह कुछ सीमित ही है—बक्कीन करता है. छाटे पैमाने की तैयारी वाले कारखाने यहां खूब हैं. यहां का आधार है—नया खेती कानून और खेती सुधार. इस कुनियादी फर्क की वजह से चीन आंख बन्द कर के हस की नक्कल नहीं कर सकता.

"मुक्ते यह देख कर खुशी हुई कि यहां बेतन का आधार क्रिश्ते क्रिश्त वही है जो मैंने अपने पनने आश्रम, सेल्होड़ (यह वर्षों से बीस मील के फासले पर है) में रखा है. बीन में खाना, कपड़ा, मकान मुक्त और जेब सर्च के बिचे दस पन्द्रह कपए महीने. मेरा हिसाब जियावा साइन्टिफिक है क्योंकि समतोली खराक की बिना पर कायम किया गया है. लेकिन दोनों का मेल ताज्जुब की

(4)

"बीन में मेरी मुलाकात माई इलया एहरन वर्ग से हुई जो रूस के नामी लेखक और उपन्यासकार हैं. वह रूस सरकार के एक ऊंचे प्रोपेगेन्डा अफसर भी हैं. उन्होंने मुक्से पूछा कि हिन्दुस्तान तो सचमुच शान्ति-पसंद देश है लेकिन फिर भी शान्तिवादी या पैसिकिस्ट संस्थाओं की अंतर कीमी शान्ति सभाओं में वह कोई खास हिस्सा क्यों नहीं लेता ? मैंने जवाब दिया:

'हमारा नलिरवा ही आपके नलिरवे से जुदा है. हमारी फिलासकी और क्रोमी कलवर की तासीर वह है कि हम इनसान की निजी जिन्दगी के सुधार की तरफ प्यान देते हैं. हम लढ़ाई को एक समाजी बीमारी मानते हैं जो आहुमियों के अन्दर की हिंसा का तनीजा है और बही ربہال کی سوگری مقبلی سمجھ دار ہے اور عمیا اوالت اسے اس کے ساتھ میں ، وجہ یہ ہے کہ سب مائرم اللہ اس کے ساتھ میں ، سب ایک می طرح کے کہوے اور ایک می طرح کے کہوے یہ ور ایک می طرح رمینے میں کوئی ہوا اور ایک میں ماؤ کو جر مہیلے ہول 2,800 کئٹی مکا ملتی ہے (ایک کٹٹی = 10 بہتانک)' ساتھ میں ایک مکان اور ایک موٹر همارے حساب یہ جہرمین ماؤ کی تلخواہ 600 روپے مہیئہ بیٹھیئی ، یں دو کیملت منسٹروں سے ما جو تریب تریب طاق تھے یہ برابر پاتے تھے ، جو سوئم سیوک همارے ساتھ تھے ہیں تریب 150 روپیه مائا ہے ، اس سے آپ دیکھ ہیں تریب کہ جین میں اسطرح کے تیٹا میں جو جاتا میں جو جاتا ساجھین بٹاتے میں ،

'' یہاں پر ویسی هی ایک جان معلوم هوتی هے جیسی مارے یہاں 1931 میں تھی ، روس کا اتفا زیادت اثر یہ ہیں ہے جہتا هم سمجھتے هیں ، روسی کمیونوم کا آدھار شتری کرن اور برے پیمانے کی تیاری ہے ، لیکن چھن ماسکی یا نجی جائداد مین — چاہے وہ کچھ سیمت ہے ہے ۔ یقیوں کرتا ہے ، چھوتے پیمانے کی تیاری لے کارخانے یہاں خوب هیں ، یہاں کا آدھار ہے ۔ یا کہیٹی قانون اور کھیٹی سدھار ، اِس بنیادی فرق ی وجہ سے چین آنکھ بند کر' کے روس کی نقل نہیں ، سکتا ،

''مجھے یہ دیکھکر خوشی ھوٹی کہ یہاں ویکن کا آدھار ریب قریب وھی ہے جو میں نے آپ بھے آشرم' سیلہور (یہ ردھا سے بھیس مہل کے فاصلہ پر ہے) . میں رکھا ہے . میں میں کھانا' کہوا' مکن منت اور جیب خرج کے لئے سی پندرہ روپے ھرمہیئے . میرا حساب زیادہ سائنٹنک ہونکہ سمتولی خوراک کی بنا پر قائم کیا گیا ہے . کیونکہ سمتولی خوراک کی بنا پر قائم کیا گیا ہے . "

(4)

"چھن میں میری ملاقات بہائی الہا اُھرن برگ سے
اوئی جو روس کے نا ی لیکیک اور اُپٹیاس کار ھیں ،
ا ررس سرکار کے ایک اونچے پروپیکنڈا افسر بھی ھیں ،
انہوں نے مجہسے پوچھا کہ ھندستان تو سے میے شانگی
سند دیش ہے لیکن پمر بھی شانگی وادی یا پیسینست
سند دیش ہے لیکن پمر بھی شانگی سبھاؤں میں وہ کوئی
ماستہاؤں کی انٹر قومی شانٹی سبھاؤں میں وہ کوئی

اهمارا نظریه هی آپ کے نظرانے سے بعدا هے . هماری السان اور قومی کلتچر کی تاثیر یه هے که هم انسان کی نجی زندگی کے سدهار کی طرف دهیاں دیائے میں الیں . هم تواتی کو آیک سماجی بیماری مائیے هیں جو آدمیوں کے آلفیر کی هلسا کا تائیجہ ہے آرد ہیں

"बीन को जिसना जियाना मैं देखता हूँ बरना ही मैं स पर मोहित होता जाना हूँ. कैन्टन जब हम पहुँचे तो खा के हांग कांग के मुकाबले वह रारीब शहर है लिकन काई म कोई ईमा नहीं थी. न भिक्रमंगे थे, न मक्बी, न कोई ईमा नहीं थी. न भिक्रमंगे थे, न मक्बी, न हों बोर न इन्ते. मड़कें एक इम साक थीं. पहरे वाले हपा हयों के नाक मुंह दसी तरह बन्द थे जैसे आपरेशन हों वाले डाक्टरों के. सड़कों पर आम तौर से साइकिलें, शाइकिल रिकशे और बस चल रहे थे. कुछ मोटरें थीं लिकिन ह जियादातर सरकारी थीं. टैक्सी या निजी कार नहीं खलाई पड़ती थी. हवाई अड्ड मोपड़ों की तरह थे और हाज चढ़ने उत्तरने के रास्ते पड़ी नहीं बने थे, उन पर इस कोलतार था. सभी जगह सादगी थी. न ऐसे आदमी जिसते थे औ दूसरों के मुकाबले बड़ रईस हों, सब करीब रिव एक से थे.

''कैन्टन की दुकानों के साइन बोर्ड इतने खुशनुमा और त विरंगे मालूम हो रहे थे मानो किसी स्थाहार की तैयारी ते. कैन्टन कलकत्ते जैसा बड़ा शहर है. लेकिन कहीं भी तलतू या बेकार खमीन नहीं मिलेगी. शहर तक के खन्दर तो जमीन खाली है वहां खेती कर ला गई है. हम लागों त मुकाबले बहां के खादमी बहुत ही मेहनती हैं. जब मैं विषक्ष के बक्त गलियों में घूमने गया तो देखा कि मांयें वपने बच्चों को नहला रही हैं."

(3)

"पेकिंग में पहली अक्तूबर का जशन इमने देखा. ।यरमैन माओ के पास से इस लाख आदमी उस दिन तंकले होंगे. इस लोग सुबह के सादे नी बजे से शाम के गर बजे तक खड़े ही रहे. फीज, समुन्दरी बेंड़ और हवाई रहाफ का मार्च कोई ढेढ़ घंटे तक हुआ. इसके बाद रेलवे पौर **कारखानों के मजदूर आए—तब फिर किसान, गांव** ति, स्कूल कालिज के लड़के लड़कियां वरौरा. सब उलामी देते निकल गए, एक दम शान्ति और डिसिपलिन ा. उनके अन्दर से जोश मानो उमड़ा पद रहा हो. ऐसी गवना के लोग कभी गुलाम नहीं रह सकते. इसके काबने हिन्दस्तान गया गुजरा है. हम गान फुना कर हि सममते हैं कि पूरव के बगुआ हम ही हैं. लेकिन रीन इस से कोसी जागे हैं. चीन वाले अपने मकसद पर क सू होकर चल रहे हैं और उनके अन्दर इरादा मालूम दिता है, चन्हें कोई नहीं रोक सकता. हमारे सामने न कोई रकसद है न कोई मंजिल, इसलिये हम में जोश नहीं है.

"साना हर जगह बहुतेरा है. जहरत की दूसरी चीजें में बहुत ही सस्ती मिसती हैं. हां, इन्क्रलेशन जहर है, किन सरकार ने इसे दूर करने का रास्ता निकाल लिया

''کھنٹن کی دوکانوں کے سائن ہورت اتنے خوشنما اور رنگ مونگے معلوم ہو رہے تھے مادو کسی تیومار کی تھاری ہو ، کھنٹن کلمٹے جیسا ہوا شہر ہے ، لیمن کہیں بھی فالتو یا بھکار زمین نہیں ملے گی ، شہر تک نے اندر جو زمین خالی ہے وہاں کہیٹی کر لی گئی ہے ، ہم لوگوں کے مقابلے وہاں کے آدمی بہت ہی محملتی ہیں ، جب میں وہاں کے وقت کلیوں میں کہومنے گیا تو دیکھا کہ مانیں اپنے بچوں کو نہا رہی ہیں ۔"

(3)

नए चीन की भलक

(बाक्टर जे. सी. कुमारत्या)

[डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा कुल हिन्द माम च्छोग संघ, मगनवादी, वधी, के सदर हैं. आप हिन्द गुडिविल मिशन के मेम्बर की हैंसियत से चीन गए थे. आपने दौरे में चन्होंने जो खत आपनी संस्था के मंत्री को भेजे वह उनके माहवारी परचे "माम च्छोग पत्रिका" में छपे हैं. इन खतों से नए चीन की एक खासी मलक मिलती है. हम उन खतों में से कुछ को यहाँ दे रहे हैं.

(1)

--पद्घीटर 1

"हम स्रोग हांग कांग शाम को पहुँचे. स्विमिंग हाउस होटल में हमें ठहराया गया. इस होटल के बैरों में हिन्दु-स्तानी होटलों के बैरों से बड़ा फर्क दीखता था. हमारे यहां के बैरे गर्दन मुकाए इनाम या बखशीश के मुन्तिकर रहते हैं. लेकिन हांग कांग में बीनी बैरों के चेहरे पर खुशी छाई हुई थी, वह मुस्करा रहे थे बौर सर ऊंचा करके अपना काम करते थे. उन्हें देखकर हैरत होती थी. उन्हें अपने च्य बीन का नाज था. उन्होंने हमारा स्वागत किया और इस वरह पेश आए मानो वही हमारे मेजवान हों.

"दूसरे दिन सबेरे मैं यह देखने निकल गया कि हांग कांग की रारीव वस्तियां कैसी हैं. मैं ऐसी जगह गया जहां अमे कम्मीद थी कि बदबू और गंदगी होगी-मांस मछली काजार और सब्जी मंडी. लेकिन मैं तो दंग रह गया. न मुक्के मक्की दीखी, न कौवे न चील-जो पूरव में गंदगी के मशहर सकेये सममे जाते हैं. सड़कें साफ थीं, हालांकि करेंग सरीव थे कुछ लोग तो सक्क के पास पटरी पर पदं बे. न कहीं थुक दिखाई देता था न और कोई गंदगी. न कोई पू आसी थी-सिर्फ सूखी मछली की क़द्रता गंव अश रही थी. पच्छिम को छोड़ कर ऐसा साफ नगर मैंने कहीं नहीं देखा. नहीं, नहीं, जन्दन के कुछ हिस्से भी यहां धे सबक़ ले सकते हैं. इस जगह राज अंगरेजी है मगर आबादी रारीब चीनियों की है. इनकी हात्तत हमारे शहरों में बटरी पर रहने वालों से जियादा मुखतिक नहीं है. क्रमारे शहरों का इन्तजाम भी कंगरेज लोग एक जमाने भें करते थे. मगर भेद जमीन आसमात का मालूम पहला है. इसकी बजह चानियों का सहयोग ही हो सकता है. शाम का हम जहाज से कैन्टन के लिये रवाना हुए. इस अहाआ पर करीब दो दिन के बाद हमने बाय के बक्त हो श्राक्तवां देखीं. मेरे साथी फौरन बोल चठे, 'देखां, देखां! हो सविखयाँ है."

نقے چین کی جھلک (قانٹر جے سی کاریبا)

[قائقر چے . سی . کماریہا کل هدد گرام آدیوگ سنته مگی واری وردها کے صدر هیں . آپ هدد کررل مشن کے معبر کی حیثیت سے چین گئے تھے . آئید درے میں آنہوں نے جو خط آیڈی سفستھا کے ملتری کو بھیچے وہ ان کے ماعواری پرچے ''گرام آدیوگ پاریکا'' میں چھیے هیں . ان خطوں سے نئے چین کی ایک خاص جھلک ملتی ہے . هم آن خطوں میں سے کچھ خاص جھلک ملتی ہے . هم آن خطوں میں سے کچھ

(1)

الم لوگ هانگ کانگ شام کو پہونچے ، سوئملگ هاؤس هوتل میں همیں تهہوایا گیا ، اِس هوتل کے بھروں میں هندستانی هوتئوں کے بھروں سے بڑا فرق دیکھتا تھا ، همارے یہاں کے بھرے گردن جھکائے انعام یا بخشیص کے منتظر وہتے هیں ، لیکن هانگ کانگ میں چیلی بھروں کے چہرے پر خوشی چھائی هوئی تھی ' وہ مسکرا وقد تھے اور سر آونچا کر کے اینا کام کرتے تھے ، انہیں دیکھکر حورت هوتی تھی ، آنہیں اینے تھے جیدن کا ناز تھا ، انہیں نے همارا سواکت کیا اور اِس طرح یہی آئے مانو انہوں نے همارا سواکت کیا اور اِس طرح یہی آئے مانو

رهی همارے مهوبان هوں - در همارے مهوبان هوں عمل که که که در درسرے دان سویرے مهل یه دیکھیے نکل گها که ھانگ کانگ کی غریب ہستیاں کیسی ھیں ، میں آیسی جاء کیا جہاں مجھے أميد تهی که بديو اور گلدگی هوكی ... مانس منههای بازار اور سبزی ملدی . لیکن میس تر دنگ رہ کیا نے مجھے مکھیدکھی انه کوے نه چیل--جو پورب میں گلدگی نے مشہور صلیکے سنجھے جاتے میں. سرکین صاف تهیں حالانکہ لوگ غریب تھے، کچھ کوگ تو سرک کے پاس پاٹری پر پرے تھے، تع کہیں تھوگ دکهائی دیتا تها نه اور کوئی گلدگی . نه کوئی یو آتی تهی۔۔۔مرف سواہی مجھلی کی قدرتی گلدھ آئی۔ لہی، پنچیم کو جهور کر ایسا صاف نگر مهن نے کیمن نیمن دیکھا ، نیس نهیں لفص کے کچھ حصے بھی یہاں سے سبق لے سکتے ھیں ، اِس جگد راج انکریزی ہے مگر أيادى فريب چيليس كى ه . إن كى حالت هاري شہر میں پالوں پر وہنے والیں سے زیادہ مشالف نہیں هے . همارے شهروں کا انتظام بھی انگریؤ لوگ ایک زمانے میں کرتے تھے مکر بھید زمین آسمان کا معلوم ہوتا ہے . اِس کی وجم جھلیوں کا سہیرگ ھی خوسکتا ھے۔ شلم کو هم جهاز مع قبهنتون كِلي روانه هوني. إسجهاز ير قريب دو دن کے بعد هم نے چانے نے وقت دو مکھھاں دیکھیں، مهرے سانهی فوراً بول أنه "فدیکهوا هیکهو ا دو مکهیان هیرا"

बहुकी महीने में हाई की कृतिह सबकाह के रही थी, फैक्टरी के डायरेक्टर की तनकाह सादे तीन सी यूनिट थी, सरकारी महकमों में कम से कम तनकाह डेद थी यूनिट थीर जियादा से जियादा तनकाह सादे तीन सी यूनिट है. इसी तरह का कर्क एक यूनिवर्सिटी के बाइस चानतकर और एक चपरासी में है. चेयरमैन माओ-से-चुंग को तनकाह मारत के राश्ट्र-पति की तनकाह के मुकाबले में सोलहबाँ हिस्सा है. इस जिहाज से हम चीन के अन्दर हर किसी कारकान के मज़दूर और मैनेजर में, एक यूनिवर्सिटी के वाइसचानसकर और एक चपरासी में पीशाक वरारा के जिहाज से कोई तमीज नहीं कर सकते.

चीनी हुक्काम देसी ख्योग अंदों की हिम्मत बढ़ाते हैं. वेहिंग में हमने एक पूरा बाज़ार ऐसा देखा जहां हाथ का बना हुआ कपड़ा बिकता है. कुछ देहातों में हमने देखा कि लोग हाथ का कपड़ा बुन रहें ये और उनकी औरतें पुराने तरीके पर कात रही थीं. हमने एक बड़ी नुमायश देखी जहां हाथ से तैयार की जाने वाली चीजें रखी हुई थीं.

मज़ह्बी आज़ादी

चीन में पूरी मज़हबी आज़ादी हासिल है. हमने मसजिदें देखीं जहाँ बाक़ायदा नमाफ अदा की जाती थी, हमने सिक्सों के गुरुद्वारे भी देखे जहाँ मन्य साहब रखा हुआ था और डसे डसी तरह पढ़ा जाता था जैसे हिन्दुस्तान में. हमने बड़े बड़े बौद्ध मंदिर भी देखे जहां बड़ी बड़ी मूर्तियां रखी हुई थीं. हांग-चू में ऐसे ही एक मंदिर की छत गिर पड़ी थीं. हमने देखा कि हकूमत के पैसे से उसे नए सिर से बनाया जा रहा है.

में यह असर लेकर और संतुरट हो कर चीन से वापस भाया हूँ कि नया चीन और नए चीन के नेता पशिया की हर कीन के साथ पुर अमन तीर पर रहना चाहते हैं. चीन का जियादा ध्यान सिर्फ जंगी सामान बनाने की तरफ ही नहीं है बल्कि ऐसे सामान की तरफ भी ध्यान दिया जा रहा है जो रोज के इस्तेमाल में आते हैं. इसका कारन यही है कि चीन में कोई जंग को पसंद नहीं करता.

में यक्रीन रखता हूँ कि नया चीन हिन्दुस्तान के प्रकावले में इन अस्तों के जियादा करीय है जिनका प्रचार महात्मा गांधी करते थे. आज जो हम अपने मुक्क में देखते हैं इनमें से बहुत सी खुराइयाँ आज से दो साल पहले चीन में भी देखने में आती थीं. मुमे इस बारे में जरा भी खंदेह वहीं कि जगर हिन्दुस्तान में हम उन खुराइयों जो दूर करने का अजवा रखते हों तो हम नए चीन से बहुत इस सीख सकते हैं.

وی میں المحافظ کے قائریکار کی تلخواہ کے رهی المحافظ کی المحافظ ماتھے تھن سو یونٹ تلخواہ ماتھے تھن سو یونٹ تھی ، سرکاری محکموں میں کم سے کم تلخواہ تہی سو یونٹ سو یونٹ آور زیادہ سے زیادہ تلخواہ ساتھے تھن سو یونٹ ہے ۔ اسی طرح کا قرق ایک یونھررسٹی کے واٹس چانسلر آور ایک چپراسی میں ہے ۔ چیرمین ماوتسے تلگ کی تلخواہ بھارت کے راشار پائی کی تلخواہ کے مقابلے میں سولہول حصہ ہے ، اِس لحاظ سے ہم چین کے اندر هر کسی کارخانے کے مزدور آور ملیجر میں ' ایک یونیورسٹی کے واٹس چانسلر آور ایک چپراسی میں پوشاک وفیرہ کے لحاظ سے کوئی تمین نہیں کو سکتے ۔

چیڈی حکام دیسی اُدیوگ دھندوں کی هدف ہوھاتے
ھیں ، پیکڈگ میں هم نے ایک پورا بازار ایسا دیکھا
چہاں ھاتے کا بنا ھوا کپڑا بین رہے تھے لور اُن کی
ھرتیں پرانے طریقے پر کات رھی تیمیں ، ھم نے ایک بڑی
نمائش دیکھی جہاں ھاتے سے تیار کی جانے والی چیویں
رکھی ھوڈی تیمیں ،

چھن مھی پوری مذھبی آزائنی حاصل ہے . ہم نے مستجدیں دیکھیں جہاں باقاعدہ نماز ادا کی جاتی تھی عمر نے سمھوں کے گرودرارے بھی دیکھے جہاں کرناتھ صاحب رکھا ہوا تھا آور اُسے اُسی طرح پوھا جاتا تھا جیسے ملائشتان میں . ہم نے ہے ہوے بودھ مقدر بھی دیکھے جہاں بوی بوی مورتیاں رکھی ہوئی تھیں . ھانگ چو میں ایک مذرر کی جہت گر پوی تھی ، هم نے دیکھا کہ حکومت کے پھسے سے آسے نگے سرے سے بدایا جوا ھے ،

میں یہ اثر نے کر آور ساتشت ہوکر چھن سے واپس آیا ھوں کہ نیا چین آور نگے چین کے نیکا ایشیا کی ھر قوم کے ساتھ پر آمن طور پر رھا چاھتے ھیں ، چین کا فیلات ھی قیمان صرف جلگی سامان بلانے کی طرف ھی قیمین ھے بلکہ آیسے سامان کی طرف بھی دھیان دیا قیمین ھے بلکہ آیسے سامان کی طرف بھی دھیان دیا بھا چھ جو روز کے استعمال میں آتے ھیں ، اِس کا کارن بیس ھے کہ چین میں کوئی جلگ کو پسلد نہیں گرتا ، میس یتین رکھتا ھوں کہ نیا چین هدستان کے جہاتا گاندھی کرتے تھے ، آج جو ھم آبے ملک میں دیکھتے جیسا گاندھی کرتے تھے ، آج جو ھم آبے ملک میں دیکھتے ہیں اُن اُصولوں کے زیادہ قریب ھے بین کا پرچار جھیں اُن میں بھی دیکھتے میں آئی تھیں ، محجے اِس جھیں میں بھی دیکھتے میں ڈو ھم نئے جھیں سے بہت سی برائیاں آج سے دو سال پہلے جھیں میں بھی دیکھتے میں ڈو ھم نئے جھیں سے بہت سکے سادیہ نہیں کہ آئر ھلدستان میں جھی اُن برائیوں کو دور کرنے کا جذیہ رکھتے ھوں دو ھم نئے جھی سے بہت کچھ سکتے ھیں ۔

देखना चाहते थे. हमने देखा कि पूरे मुहन में निजी मिलिक यतों और निजी मिलिकयत वाले कारकानों की हिम्मक बढाई जाती है. यही नहीं बल्कि सरकार इन निजी कारखानों को कच्चा माल भी मुहैया करती है और इस बात की जमानत देती है कि उनका तैयार किया हुआ माल बेचा जाएगा. विदेशी पूँजी लगाने के क्षिये भी काफी गुंजायश है. इमने टेन्टसन, शंघाई और दूसरी बहुत सी जगहों परं अंगरेज कमी को काम करते देखा. हमने खास तीर सें छान बीन की और हमें बताया गया कि चीन के अन्यर पेसा दोई एक भी कारसाना या जमीन नहीं जो समाजवादी ढंग की मिलिकयत हो. नए चीन की हकूमत कोई कम्युनिस्ट हकूमत नहीं है और न वह एक पारटी की सरकार है बल्क वह केवल एक मिली जुली पारटी की सरकार है जिस में देश की तमाम पारिटयों के नुमाइन्दे शामिल हैं. सरकार में ऐसे मेम्बरों की गिनती सिर्फ एक तिहाई है जिनके बारे में दावे से कहा जा सके कि वह कम्युनिस्ट हैं, क्षेकिन अगर इसके बाद भी यह कहा जाए कि चीन एक वन्यूनिस्ट मुल्क है तो मैं कहूँगा कि चीन का कम्युनिकम 'चीनी कम्युनिकम' है जिस में जनता की परानी परम्पराचीं को बनाए रखा गया है.

कान्ती भदालतें

चीन ने चपनी क्रानूनी चवालतों में इन्क्रजाबी तबवीली को है और बकालत के पश्चिमी तरीक़े को एक दम बदल दिया है. किसी जमाने में केवल राघाई शहर में बारह सी वकील रहा करते थे. लेकिन बाज वहां एक भी वकील नहीं है. इन सबको दूसरे मुहकमों में ले किया गया है और सिर्फ पांच बहुत काबिल वकीकों को सरकार ने खुद नौकर रस लिया है जिन से पेचीदा मामलों में सलाह की जाती है. इस तरह न सिर्फ यह कि बीन से मुक़र्मे बाजी की श्रीसारी दर हो गई है बल्क अब मुक्तदमों के फैसले भी बहुत बहद हो जाते हैं और इन्साफ सस्ता हो गया है. चीनी सरकार मुकरिमों का सुधार ट्रेनिंग दे कर भी करती है और सजा हैने के मुकाबले में उनकी सदाचार की शिक्ता भी देती है. नई चीनी सरकार ने उन लोगों तक को माफ कर विया है जिन्होंने कोमिटांग सरकार से इथियार लेकर नई सरकार से जंग की थी. इसका नतीजा यह है कि वह नई सरकार के सबसे बढ़े वकावार बन गए हैं. 🗇

तनखाहे

चीन में तनखाहें सिक्के की बुनियाद पर नहीं बल्कि रास्ते की बुनियाद पर दी काती हैं. जिन कारवानों में इस सोग गए, इसने देखा कि आम मजदूरों और मैनेजर बा डायरेक्टर की तनखाहों में तीन और आठ का अनुपात दिवासुक) था. एक विस्कृट कुक्टरी में जहाँ एक मजदूर

دیکہنا جامعے تھے ۔ ھی تے دیکھا کہ ہورے ملک میں نجی ملکونانوں کی میں نجی ملکھاتوں آور تعیی ملکیت والے کارخاتوں کی میت برمائی جاتی هے . یہی نهیں بلکه سرکار اِن نمبی المفانون کو کچا مال یعی مهها کرتی هے اور اِس بات رُ مَمَانَتُ ديعَى هِ كَهُ أَنْ لَا تَبَارُ كَمَا هُوا مَالُ بَيْجِا ی ودیشی پونجی لگانے کے لئے بھی کانی گذھائش ر م نے تنتسی شلکہائی اور دوسری بہت سی دکیوں پر انکریز فرموں کو کام کرتے دیکھا . هم نے خاص درر سے چہاں بھی کی آور مبھی بتایا گیا که چین کے ندر ایسا کوئی ایک بھی کارخانه یا زمین نهیں جو ساب وادی دهنگ کی ملکیت هو . نگر چین کی حكومت كولى كمهودشك حكومت نهيس ه أور نه وا یک پارٹی کی سرکار ہے بلکہ وہ کھول ایک ملی جلی ارثی کی سرکار کے جس میں دیش کی تمام پارٹون کے مالندے شامل هيں ، سرکار ميں ايسے ممبروں کی گفتی من ایک تہائی ہے جلکے ہارے میں دعوے سے کہا جاسكے كه ولا كمهونست هيں . ليكن أكر إسكے بعد يهى اله ہا جائے که چهن ایک کمیونست ملک هے تو میں بين كا كه چين كا كمهونزم دچهدي كمهونزم على جس مهال جنتا کی پرانی پر- ہراؤں کو بغائے رکھا گیا ہے ،

قانونى عدالتهن

چین نے ایدی قانونی عدالتوں میں انقلابی تبدیلی ای هے اور وکالت کے پچھمی طریقے کو ایک دم بدل دیا ہے . کسی زمانے میں کیول شفکمائی شہر میں بارہ سو الله رها كرتم تهم، لهكان آج وهان أيك بهى وكيل نههان ہے . ان سب کو دوسرے محصکموں میں لے لها گھا ہے آور مرف پانچ بہت قابل وکیلوں کو سرکار نے خود توکر رکھ يا هے جن سے پهنچيدة معاملين مين صلح لي جاتي هے . س طرم ند مرف یه که چین سے مقدیم بازی کی بهماری اور موککی ہے بلکہ آپ مقدموں کے فیصلے بھی بہت جلد هو جاتے ههن آور أنصاف سستا هوگها هے ، جهاى سرکار منصوص کا سدهار تریشنگ دے کر بھی کرتی ہے ارر سزا دیلے کے متابلے میں اُن کو سداجار کی شکشا بھی دیعی ہے ۔ نئی جہلی سرکار نے اُن لوگرں تک کو معاف کر دیا ہے جنہوں نے کومنتانگ سرکار سے هعوبیار لے کو نئی سرکار سے اجلگ کی تھی ، اُس کا نتیجہ یہ که وہ نئی سرکار کے سب سے ہوے وفادار بن کیے میں .

تلخواهين

چهن مهی تنظواهیں سکے کی بنیاد پر نہیں بلکہ
الے کی بکیاد پر دیں جاتی ههی ، جن کارخانوں میں
م لوگ گئے ہم نے دیکھا کہ عام مزدوروں آور منیجو یا
دائریکٹر کی تنظواهوں مهی تھی آور آته کا انوبات (تناسب)
نیا ، ایک بسکت فیکٹری میں جہاں ایک مزدور

बाने जाने, उटने बैटने पर कोई पावन्दी नहीं बी. इस अहां बाहे जासकते ये और जो देखना पाहते देख सकते थे. बीनी जनता और चीनी हाकिम भी इससे खिंचे खिंचे न रहते थे. इसने जो कुछ भी जानकारी हासिल करनी चाही इसमें उन्होंने हमें पूरी पूरी सहुिलयत दी.

दो साल की तरक्की

पिछले दो साल के अन्दर चीन ने जो कुछ किया इसका हम पर बेहद असर पड़ा. जापानी क्रब्जे के बीच बीर बाद में कीमिंटांग राज में देश की समाजी और ब्राधिक जिन्दगी का ढाँचा विककुल दुकड़े दुकड़े हो गया था. चीन के नेताओं को विलक्कत नए सिरे से अपने देश को बनाना पड़ा. इन दो घरसों के अन्दर वह अपने बरबाद हए उद्योग धंदों को बहाता करने और मुल्क के आर्थिक निजाम को संवारने में सफज़ हो गए हैं. रिश्वत स्रोटी बन्द कर दी गई है और अब वही अफसर जो हो साल पहल तक दुनिया के सब मुल्कों से जियादा घून स्तोर थे, पारसा बन गए हैं. यही नहीं, सब मिला कर जनता का सदाचार भी बहुत ऊंचा हो गया है. इसका सबन इस बात से मिलता है कि इतने लम्बे चौड़े चौर महान देश से वेश्याक्यों क्यीर भिक्तमंगों का बिलकुल खात्मा हो चका है. खेती में सुधार किया गया है और जिन लोगों के पास जमीं ने नहीं थीं उन्हें जमीनें दे दी गई हैं कौर अप देश की पैदाबार इतनी बद गई है कि जो देश सिर्फ चन्द साल पहले तक दूसरे देशों से राल्ला मंगाता था अब लाखों टन गुल्ला दूसरे देशों को भेजता है. ख्योग धंदों के मैदान में भा उसने इतनी तरक्षकी की है कि अब वह जिन्द्गी के हर जेन में अपनी जरुरत आप पूरी कर लेता है.

समाजी सुधार

चीन में समाजी सुधार भी हुए हैं. खास तौर पर भीरतों के सिलांसले में बहुत सुधार हुआ है. चीनी औरत को, जो किसी जमाने में एक जागीर समभी जाती थी, बराबर के हक दिये गए है. शादी के बारे में नया क़ानून बनाया गया है और एक से जियादा पत्नी घर में रखने की मनाही कर दी गई है. बेरांजगारी को जत्म करने की कोशिश की जा रही है और जीवन के हर मैदान में माल-दारों और रारीबों, माखिकों और नीकरों, आक़ा और गुलामों के फर्क को निटाया जा रहा है. क्रीमतों को एक सनह पर हिकाया जा रहा है और पैदाबार बढ़ा कर सिक की बढ़ती के मससे पर क़ायू पाने की कोशिश की जा रही है.

चीन कम्यूनिस्ट देश नहीं है यहां हिन्दुस्तान में हम से वहा जाता है कि चीन एक कम्यूनिस्ट देश है. हम इस बात को ऐन मौक्षे पर पहुँच कर المحلق المحلق بها المحلق و عراق بالطائق المحلق الم

دو سال کی توقی

پهچلے دو سال کے اندر چین نے جو کچھ کیا اُسکا هم پر بهتد اثر ہوا . جاپانی قبضے کے بیچے آور بعد میں گومنقانگ راج میں دیص کی سماجی اور آرتهک زندگی كا دَمَالِهِم بِالْكُلِ تُعْرِي تُعْرِي هُولِيا نَهَا . جِينَ كَ نَمِنَاوِلَ کو بانکل نگ سرے سے ایے دیش کو بنانا ہوا . اِن دو ہرسوں کے اندر وہ اسے بریاد ہوئے ادیوگ دھددوں کو بعمال کرنے آور ملک کے آرتیک نظام کو سٹوارنے میں سههل هركتم مين ، رشرت خوري بلد كردي كتي هم آور اب وهي انسر جو دو سال پهلے تک دنها کے سب ملكوں سے آیادہ گھوس خور تھے' پارسا بن گئے ھیں ، یہی نههو اسب ملاكر جنتا كا سداچار بهى بهت أونها هولها هي اسكا ثبوت اس بات سے ملكا هي كه أتلي لمبي جوڑے اور مہان دیش سے ویشیاؤں اور بھک مذکوں کا بالكل خاتمه هوچكا هے ، كهيلاى مين سدهار كها گيا هے اُور بھی لوگوں کے پاس زمینیں نہیں تھیں آنھیں ومهنهن دے دی کئی هیں ارر اب دیش کی پهداوار اللي بوط گئي هے که جو ديش صرف چلد سال پہلے تک دوسرے دیشوں سے فاع صلاقاتا تھا اب لاکھوں تن فاع دوسرے دیشوں کو بھھجتا ہے۔ اُدیوک دعندوں کے مهدان میں بھی اُسلے اِتلی ترقی کی ہے که اب وہ زندگی کے هر چهيتر مين ايني فرورت آپ پوري کرليتا هے .

سماجي سدهار

چین میں ساجی سدھار بہی ھوٹے ھیں . خاص طور پر عورتوں کے سلسلے میں بہت سدھار ھوا ہے ، چینی عورت کو جو کسی زمانے میں ایک جائیر سمتھی جاتی تھی برابر کے حق دیئے گئے ھیں . شادی کے بارے میں رکینے کی مذایا گیا ہے آور ایک سے زیادہ پتنی گهر میں رکینے کی مذاعی کرئی گئی ہے ، یہ روزگاری کو میں رکینے کی کوشش کی جارھی ہے آور جیوی کے ھو میدان میں مالداروں اور فریبوں مالکوں آور نوکروں آور فلاموں کے فرق کو متایا جارھا ہے ، قیمتوں کی ایک سطح پر تکیا جارھا ہے اور پرهاکو سکے کی ایک سطح پر تکیا جارھا ہے اور پرهاکو سکے کی بوھتی کے مسئلے پر قابو یانے کی کوشش کی جارھی ہے ،

جهن کیونست دیش نهیں ہے

The second secon

یہاں منستان میں هم سے کہا جاتا هےکه چین ایک فیمونسٹ دیش هے . هم اِس باسکو مین موقع پر پہلچکر

يجهل مثمبر مهن هدين نكى دهلي مهن جيلي _{دوت} واس کی معرفت چهن کی کگی لوک سنستهاوں کی طرف سے دھوت نامے ملے که هم چیلی لوگ راج کی دوسری سالگری کے موقعے پر هونے والے جلسوں میں شریک ھوں ، یہ دعرت نامے ھم نے منظور کر لئے لیکن همارے چاس شمہ بہت کم تھا ۔ بھر بھی الگ الگ مربس سے سمبندھ رکھنے والے الگ انگ لوگوں کو چھن جانے والے گذول مشن میں شامل کرنے کی کوشش کی کئے . مشن کے اندر ممدر جیسے دائدر جے . سی . کماریها، مدر کل هند گرام أديوك سنكه وردها واکتر وي. كے. آر . ري ، راؤ الريعة دهلي أسعول آف ايكونامكس أور شرى متى هناسهي صدو كلّ هند ويمنس كانفرنس آزاد طبقه ارد خیال سے سمجلدھ رکھلے والے تھے ، مشن میں کسی كيبانست ممهر كو شامل نهيل كها كها نها . يه إس لك كيا كيا كه خهال يه تها كه كچه نشيكس يا غير جانبدار مندستانی چهن دیکهکر آئهن آور خود وهاں کے حالات کو دیکھھی ، سرکار آور چین کی الگ الگ سنستهاؤں کی طرف سے همارا بہت شاندار سواکت کھا کھا ، جہان کیمیں ہم گئے، چینہوں نے ایلی مہمان نوازی کی حد فردی اور اِس بات کا اُنہوں نے خاص طور سے دھیاں رکھا که همیں کوئی تعلیف نه هونے پائے .

هم چهن کے سات بڑے ہوے شہروں مهن گئے۔ - (1) كينتن (2) پيكنگ (3) مكدن (4) تينتسن (5) نانكنگ، (6) شلكهائي آور (7) هانگ چو. مم نے چین کی یونیورسٹیاں دیکھیں' وھاں کے اسکولوں أور كالجول مهل كيِّه كارخانون مين كيِّه -أن مين بهي جو سرکاری ملکیت تھے آور اُن میں بھی جو نجی ملکیت تھے ، ھم وھاں کے بازاروں مھی بھی گھومے ، ھم نے چھی كى مدالغين بهى ديكههن أورية ديكها كه وهان مقدمون کے فیصلے کس طرح کیے جاتے هیں ، هم لے چین کی الگ الگ سنستهاوی کو دیکها آور آن سنستهاوی س تعلق ركهنے والے لولوں آور درسرے اثردار چيليوں سے بات چيت کی هم نے چھوں کے سلیما بھی دیکھے' اُنکے تھیدوں میں بھی گئے اور اُنکی کھیتی ہاری اور دستکاری کی نمائشوں كو بهي ديكها عن مهل ديهاتي دستكاريون كي نمائشيل بہی شامل تھیں ، مختصر یہ که هم نے وہ سب نچھ دیکھا جو هم آئے تھوڑے سے دنوں کے دورے مهن دیکھ سكتے تھے ۔ هم چين ميں جاليس بن تهري آور سے یدھے کد اِس عرصے میں یہ بعد مصروف رھے ، همارےکہیں

पिछले मितमबर में हमें नई दिल्ली में चीनी द्तवास की मारकत चीन की कई लोक संस्थाचो की तरफ से दावत नामे मिले कि हम धीनी लोक राज की दसरी सालगिरह के सीके पर होने वाले जलसों में शरीक हों. यह दावत नामे इसने मंज्र कर लिये लेकिन इमारे पास समय बहुत कम था. फिर भी अलग अलग सुबों से सम्बन्ध रखने बाले अलग अलग लोगों को चीन जाने वाले गुहविल मिशन में शामिल करने की कोशिश की गई. मिशन के अकसर मेम्बर जैसे डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा, सदर कुल हिन्द माम डद्योग संघ, वधी, डाक्टर वी. के. आर वी. राव, डायरेक्टर देहली स्कूल आफ एकोनामिक्स छौर श्रीमती हुआ सेन, सद्र कुल हिन्द वीमन्स कान्फरेन्स आजाद तबक्रे भौर खयाल से सम्बन्ध रखने वाले थे. मिशन में किसी कम्यूनिस्ट मेम्बर को शामिल नहीं किया गया था. यह इसिलिय किया गया कि स्तयाल यह था कि कुछ निशपन था ग्रीर-जानिबदार हिन्दुस्तानी चीन देख कर छ।एं छौर लुइ वहाँ के हालात को देखें. सरकार झीर चीन की अलग अलग संस्थात्रों की तरक से हमारा बहुत शानदार स्वागत किया गया. जहाँ कहीं हम गए, चीनियों ने अपनी मेहमाँ नवाजी की हद कर दी अपीर इस बात का उन्होंने खास तौर से ज्यान रखा कि हमें कोई तकलीक न होने पाए.

ं इस चीन के सात बड़े बड़े शहरों में गए--(1) कैन्टन (2) पेकिंग, (3) मुकदन, (4) टेनटसन, (5) नानकिंग, (6) शंघाई और (7) हांग-चू. हमने चीन की युनि बर्सिटियां देखीं, वहाँ के स्कूली कीर कालिजों में गए, कारलानों में गए- उनमें भी जो सरकारी मिल्कियत थे और इसमें भी को निजी (मिल्कियत थे. हम वहाँ के बाजारों में भी घूसे, इसने चीन की अदालतें भी देखीं और यह देखा कि वहां मुक़दमों के फैसले किस तरह किये जाते हैं. हमने चीन की अलग अलग संस्थाओं की देखा और उन संस्थाओं से ताल्लुक रखने वाले लोगों और दूसरे असर-दार चीनियों से बातचीत की. इसने चीन के सिनेमा भी देखे, उनके थेटरों में भी गए और इनकी खेती बाड़ी और इस्तकारी की नुमाइशों को भी देखा, जिनमें देहावी द्स्तका-रियों की नुमाइशें भी शामिल थीं. मुख्तसर यह कि हमने बह सब कुछ देखा जो इस अपने थांड़े से दिनों के दोरे में क्रेस सकते थे. इम चीन में चालीस दिन ठहरे और सच बह है कि इस अरसे में बेहद मसरूक रहे. हमारे कहीं

the second secon

इसलिये, सदर साहब ! मैं आपकी फिर से यकीन दिलाता हूँ कि इस शान्ति और श्काम के कायम करने की श्रापका कोशिश में हिन्दुस्तान आपके साथ है. इसके पहले कि में खत्म करूं, एक चोज और कहना चाहता हूँ, लेकिन वह खासगी या निजी बात है. मैं इसके लिये आपकी माक्षी चाहता हूँ. वह यह है कि इन पांच हफ्तों में हम जो चीन में रहे तो जिन चीनी भाई बहिनों से मुक्ते वास्ता पहा उनसे मुक्ते अपने कुटुम्ब जैसी मुह्ब्बत पैदा हो गई है. में अपनी ही नहीं बल्क अपने मिशन के हर भाई बहन के दिल की भावना चाहिर करता हूँ जब मैं यह कहता हूँ कि अपने इस सकर में जिन लोगों से हमें वास्ता पड़ा है इनमें से कुछ को तो हम कभी नहीं मूल सकेंगे.

त्रापने जिस प्यार से हमें यहां पर रखा वह हम कभी नहीं भूल सकते. यक्षीन मानिय कि यहां से जाने में हमें तक्लीक ही हो रही है. सुफे ऐसा लगता है मानो हमें किर अपने उस भाई से जुदा होना पड़ रहा है जिससे बरसों के बाद सुलाक्षात हो पाई थी.

सदर साहब ! हम—भीन भीर हिस्दुस्तान—केवल हो देश ही नहीं हैं जिनमें पकता है, बिल्क हम एक ही जानदान के भाई बहिन हैं. मुभे यक्तीन है कि हमारा रिश्ता महजा राज काजी रिश्त के मुकाबले कहीं जियादा गहरा श्रार सच्चा है. जिन नौजवान लड़के लड़कियों से में यहां मिला उन्हें में अपने बंदे भीर बेटा मानने लग गया हूँ. में उन प्यारे बेटों भीर बेटियों के मुस्कराते चेहरों को कमा नहीं भूल सकता जो हर स्टेशन पर हमें फूलों की मालाएं दिया करते थे. कैसी अनोखी मुहच्चन ! कैसा अनोखा प्यार ! इसके अलावा बड़ी उमर के जो लोग हमारे पास आए और जिन से हमारा जियादा नजदीं का ताल्लुकरहा, वह भी हमारे साथ ऐसे ही ब्योहार करते थे जैसे समे भाई बहनों के साथ किया जाता है. इन मीठी और लुभावनी यादों को लेकर हम हिन्दुस्तान वापस जा रहे हैं. यह याद हमेशा ही हमारे दिल में बनी रहेगी.

हमारी पुरानी किताबों में लिखा है कि सारा इन्सानी समाज एक कुटुम्ब है. मैं मानता हूं कि इस घरती पर रहने वाले हो सो करोड़ प्रानी सच मुच एक कुटुम्ब हैं. मैं मानता हूं बह दिन जल्द आने वाला है जब हम सब एक कुटुम्ब की तरह रहना शुरू कर देंगे. अगर इस में काई अद्यान है तो उसे दूर कर वह दिन नजदीक लाने की कोशिश करेंगे. यही असली मतलब है प्राया की एकता का, यह। असली मतलब है हिन्दुस्तान और चीन की एकता का, यह। असली मतलब है हिन्दुस्तान और चीन की एकता का.

कैन्टन

29, 10, '51

اس کہ اس شائی اور ایکاکے قائم کرنے کی آپ کی موں کہ اس کے پہلے کہ کوشش موں هندستان آپ کے ساتھ ہے۔ اِس کے پہلے کہ سیس ختم کروں ایک چیز اور کہنا چاهتا ہوں' لیکن وہ خاصکی یا نجی بات ہے۔ میں اُس کے لئے آپ کی معانی چاهتا ہوں۔ ولا یہ ہے کہ اِن پانچ هفتوں میں معانی چاهتا ہوں۔ ولا یہ ہے کہ اِن پانچ هفتوں میں محمصے واسطہ پڑا اُن سے مجھے اپنے کتمپ جیسی محصص محمصے واسطہ پڑا اُن سے مجھے اپنے کتمپ جیسی محصص ہو بھائی بہن کے دل کی بہاونا ظاہر کرتا ہوں جب میں ہے کہتا ہوں کہ اپنے اس سفر میں جن لوگوں سے همیں ہی کہتا ہوں کہ اپنے اس سفر میں جن لوگوں سے همیں واسطہ پڑا ہے اِن میں سے کچہ کو تو ہم کمہی نہیں بہنول سکینکے۔

آئے جس پیار سے قمیں یہاں پر رکھا وہ ہم کبھی نہیں بھول سکتے ، یقین مانگے که یہاں سے جائے میں ہمیں تکلیف ہی ہو رہی ہے ، مجھے ایسا لگتا ہے مانو پھر اپنے اس بھائیسے جدا ہونا پر رہا ہے جس سے برسوں کے بعد ملاقات ہو بائی تھی .

صدر صاحب! هم -- چهن أور هددستان -- كهول در ديش هي نههن ههن جن صهن ايكتا هـ بلكه هم ايك هي خاندان كے بهاني بهن ههن . محجه يقدن هـ كه همارا رشته محض راج كاجي رشتي كے مقابلے كهين زيادة گهرا اور سچا هـ . جن نوجوان لوكے لوكهوں سے صهن يهاني بهن هون لوكه لوكهوں سے صهن ان ههارے بيتون اور بيتهوں يـ مسكراتے چهروں كو مهن أن ههارے بيتون اور بيتهوں يـ مسكراتے چهروں كو كهي نهين بهولوں كي مالائين ديا كرتے تهـ . كهسي انوكهي محصمت! كهسا انوكها يهار! اس كے علاوة بوي عمر كے جو لوگ همارے انوكها يهار! اس كے علاوة بوي عمر كے جو لوگ همارے ياس آئے اور جن سے همارا زيادة نوديك كا تعلق رها ولا بهي همارے ساته آيسے هي بيوهار كرتے تهـ جيسے سكے بهائي بهذوں كے ساته آيسے هي بيوهار كرتے تهـ جيسے سكے بهائي بهذوں كے ساته آيسے هي بيوهار كرتے تهـ جيسے سكے بهائي بهذوں كے ساته آيسے دي بيوهار كرتے تهـ جيسے سكے بهائي بهدوں كو لے كر هم هندستان واپس جا رهـ ههـ . ان ميتهـي اور هـ يه ياد هميشه هي همارے دل مهـي بني ويد وي گي. .

هماری پرانی کتابوں میں لکھا ہے کہ سارا انسانی سماج ایک کثمب ہے ، میں مانتا ہوں که اِس دھرتی پر رهنے والے دو سو کروڑ پرانی سچ مچ ایک کتمب ہیں ، میں مانتا ہوں وہ دن جلد آنے والا ہے جب ہم سب ایک کتمب کی طرح رهنا شروع کو دینئے ، اگر اس میں کوئی آرچوں ہے تو اُسے دور کر وہ دن نزدیک لانے کی میں کوئی آرچوں ہے تو اُسے دور کر وہ دن نزدیک لانے کی کوشش کرینگے ، یہی اصلی مطلب ہے ایشیا کی ایکتا کا ۔ پہر املی مطلب ہے هندستان اور چین کی ایکتا کا ۔ کہنٹیں کہنٹیں ۔ 27 ، 10 ، 25

कीर है. द्वी हुई होम होने न होने का कोई सवाक ही नहीं है. आज बोन दुनिया की बड़ी से बड़ी और उन से उनी ताकतों में से है. और बीन की बात छोड़िये, जब हम प्रिया का जिकर करते हैं तो मैं पूछता हूं क्या कोरिया के चन्द लाख आद्मियों ने ही पिच्छम को एक जबरद्ग्त मबक नहीं मिखा दिया है ? यह वह सबक नहीं है जिसे कोई सहज में भून जार. कोरिया ने अपनी हिम्मत दिखाई है, चीन ने अपनी ताकत दिखाई है. अंगरेजी साम्राज बाद के शिकंजे को तोड़ कर हिन्दुस्तान आजाद हुआ है. एशिया की दूसरी क्षीमें भी या तो आजाद हो गई हैं या आजाद होने जा रही.

यहां पर इस जलसे में जिन चार पांच देशों के नुमाइन्दे मौजूद हैं उन देशों की कुत आवादी मी करोड़ के क़रीब होती है, यह आबादी दुनिया की आबादी का ठाक आधा हिस्सा है, और मैं आपको इतिमनान दिलाता हूं कि अगर दिनया की यह आधी आवादी एक साथ क़द्म उठाती है तो कोई ताकत ऐसी नहीं है जा इसके आगे ठहर सके. एशिया ने इरादा कर लिया है कि वह आजाद होगा और फिर से बड़ी चीज होगा. साम्राजशाही, पंती-शाही और जागीरशाही का जमाना लद गया, हमेशों के क्रिये कद गया. जब तक यह चीजें रहती हैं तब तक दुनिया में असली शान्ति कायम ही नहीं हो सकती. अपीर मैं आपसे कहता हूँ, कि पशिया के देशों ने इन शाहियों को स्रत्म करने का फैसला कर लिया है. इसलिये में आपको किर से यक्तीन दिलाता हूँ कि मान्ना नशाही, पूंजीशाही श्रीर जागीरशाही के जिलाक आप जो लड़ाई लड़े रहे हैं उसमें हिन्दुस्तान आपके कंबे से कंबा मिताकर साथ देगा.

पशिया की एकता इस लातिर नहीं है, उसका यह
सत्तव नहीं है, कि किसी रूसर देश पर हम ना—चढ़ाई की
लाए. इसमें कोई शक नहीं कि योरप या अमराका के
किसी देश पर हमें धावा नहीं करना है. हमारी ताक़त
एक जबरदस्त और दर्दनाक जरूरत का नतीजा है. सीबरस से ऊपर हुआ हम पिछ्छमा साम्राजशाही का शिकार
बने और मुसीबतें उठाई. हममें से कुछ तो आज भी,
असी भी, उठा रहे हैं. यही वह जतरा है, यही वह बदिकस्मती है जिस ने हम सब को एक कर दिया काफी बड़े
पैमाने नक हम इस चंगुल से निकल आए हैं और जो
कुछ बाक़ी बचा है उससे भी जलद निकल आएंगे.

इसिलिये योरप या अमरीकः या और कहीं किसी भी देश को पशिया की एकता में कौक खाने की जाकरत नहीं है! हमारी एकता का मकलद हैं—दुनिया में शान्त कायम इस्ना. हमारी पकता का मकलद हैं दुनिया के सब रहने इस्की एक हो जाएं. ی هیپی چیپی قوم فون ته هول قاکولی سال می هی بی اور اونچی سے بی هی طاقتوں مهی سے فی بوی نی بات چهوریئے سے بی طاقتوں مهی سے فی ، آور چهی کی بات چهوریئے اس مم ایشها کا فار کرتے هیں تو مهی پرچهم کو ایک زیردست بی نبهی سکها دیا هے ؟ یه وہ سبق نبهی هے جسے کوئی بی نبهی مهول جائے ، کوریا نے اپنی همت دکھائی هے ، انگریزی سامراج واد کے بین نے اپنی طاقت دکھائی هے ، انگریزی سامراج واد کے میں بهی یا تو آزاد هوا هے ، انگریزی سامراج واد کے میں بهی یا تو آزاد هوائی هیٹ یا آزاد هونے جارهی

یہاں پر اس جاسے میں جن چار پانیم دیشوں کے مائدہ مرجود میں أن ديشوں كى كِل آبادى سو كرور ، قریب ہوائی ہے ۔ یہ آبادی داما کی آبادی کا تھیک الما حصه هے . أور مهل آپ كو أطمهدان دلانا هول كه الكر نها کی یہ آدھی آبادی ایک ساتھ قدم اُٹھاتی ہے تو ائی طاقت ایسی نہیں ہے جو اس کے آگے تھیر سکے ایشیا ، اراده کر لها هے که وہ آزاد هرکا اور پهر سے بوی چهزهوگا. امراج شاهی یونجی شاهی اور جاکهر شاهی کا زمانه لد ہا ہمیشہ کے لئے لد گیا ، جب تک یہ چیزیں رہتی یں تب تک دنیا میں اُملی شانعی قائم هی نہیں وسکائی ، اور میں آپ سے اہتا ہوں کہ ایشیا کے دیشوں ، أن شاهيوس دو خدم كرني كا فيصله كر لها هي . اس ليَّـ هن آب کو پهر سے يقين دلاتا هن که سامرات شاهي ا رنجی شامی اور جاگیر شاهی کے خلاف آپ جو لوائی ر رهے هیں اُس میں هندستان آپ کے کندھے سے کندما . K 20 alm 5 L

اس لئے یورپ یا امریکہ یا اور کہوں کسی بھی دیش کو ایشیا کی ایکٹا اسے خوف کھانے کی ضرورت نہیں ہے! ماری ایکٹا کا مقصد ہے دنھا کے سب رہنے والے ایک مرای ایکٹا کا مقصد ہے دنھا کے سب رہنے والے ایک مر جائیں ،

हीर से हमारा कांपका दो इजार करस का पुराना रिस्ता किर से हरा हो गया है. हिन्दुस्तान और चीन में जो होस्ता थी वह पहले के मुक्तावले कहीं जियादा गहरी और तजदीक हो गई है. मैं आप को यक्तान दिखाता हूँ कि अब यह दोस्ती पन्नी और टिकने वाली वन गई है. मैं अपनी तरक से, अपने मिशन की तरक से और हिन्दुस्तान के लोगों की तरक से आपको यक्तीन दिलाता हूँ कि हमारे इस दोरे के बाद दुनिया में कोई चीज ऐसी नहीं है जो हमारे आपके प्यारे और दोस्ताना ताल्लुकात में कोई खलल हात सके, सदर साहब ! चीन की जनता ने पिछले दो बाम में जो कमाल हासिल किये हैं वह हमने देखे. हमने देखा कि अपने सजदूरों, अपने किसानों, अपनी औरतों और अपनी आम जनता के लिये आप कितना कुछ इस ब्रास में कर सके हैं. हमने देखा कि समाजी, आर्थिक श्रीर दस्तकारी-कारखाने के मामलों में आपने कितनी हैरतनाक तरक्षकी की है. इस सबका हम पर गहरा असर पहा है. मैं अपने को इतिहास का विद्यार्थी मानता हूँ भीर मुक्ते यक्तीन है कि दुनिया के शायद ही किसी मुल्क ने सिर्फ दो बरस की सहत में इतनी तरककी की होगी जितनी चीन ने की हैं.

अपनी तरक से, अपने मिशन की तरक से और हिन्द-स्तान की जनता की तरफ से मैं चोना जनता के आगे सिर भुकाता हूँ, जिसने कमाल के कारनामे दिखाए हैं. आपके महान नता चेयरमैन माश्री-तंग के आगे सिर फुकाता हुँ. जब जरा खमोशी के साथ मैं यह साचता हूँ कि आपक दश में इस बार घूम कर हमन क्या क्या सीखा तो मैं इस नताजे पर पहुँचता हूँ कि चेयरमैन माश्रा सिर्फ चान के ही नेता नहीं हैं बल्क एक तरह स दंखा जार तो एशिया के लीडर हैं।जसमें हिन्दुस्तान भी शामिल है. जैसा मैने मभा अर्ज ।कया, यहां पर इमने जो खुद्ध देखा, उससे इमन अपन देश की तरक ही और बेहतरा के लिय काकी बन्क लिया है. हमने आपके कारखान देखे, यूनिवर्धिटियां रखीं, गांव देखे, बाजार देखे, संगठन सभाएं दखीं. इमने भाप के यहां की अदालतें कचहरियां देखीं. इन सबस हम इसा नवीजे पर पहुंचे कि हमारे देश हिन्दुस्तान को चीन च बहुत कुछ सीखना है.

जहां तक राज नीति का सवाल है उस दायर में भी बीन न पिछले बन्द बरसों में जा फतह हासिल का है वह काई छोटी बोज नहीं हैं. मेरा लयाल है कि पिछल में के साजाज बादिया का यह सबक अच्छी तरह मिल गया होगा कि बीन अजेय है, इसे काई नहीं जीत सकता. सदर साहब ! आपने अपनी स्पीच में कहा कि बीन अब इसी हुई क्रीम नहीं रह मई हैं. लेकिन हमारी राय इछ

فور الله عاول أن كا كاو هوار يرس كا يرانا وشعه يهر سر هرا هوانها هے ، هادستان اور چون میں جو دوستے تھی وہ پہلے کے سقابلے کہوں زیادہ گہری اور نودیک هوکئی ہے ۔ مهل آپ كية يقهن دلاتا هون كه اب يه دوستى يكى أور تكفي وألى بهن گئی هے ، میں اپنی طرف سے اللے مشن کی طرف سے أور مندستان کے لوگوں کی طرف سے ایکو یقین داتا ھوں که همارے اِس دورے کے بعد دنیا میں کوئی چھڑ ایسے نہیں ہے جو هدارے آیکے پیارے اور دوستانہ تعلقات مهن كوئي خلل ذال سكے ، صدر ساحب! چين كي جلتا نے پنچهانے دو برس مرس جو کمال حاصل کئے هیں ولا هم لے دیکھے . هم لے دیکھا که اپنے مؤدروں ' آپنے کسانوں ' اپلی مررتیں اور ایدی مام جلتا کے لئے آپ کتدا کچھ اِس مرصے میں کرسکے هیں . هم نے دیکھا که سماجی ارتهک اور دستکاری---کارحانوں کے معاملے میں آپ نے کتنی حیرتفاک ورقی کی هے ، اِس سب کا هم پر کهرا اثر پوا هے ، میں اله . الماس كا وديارتهي مانتا هون أور مجه يقهن ه کیا دائیا نے شاید هی کسی ملک نے صرف دو برس کی معرب میں اتلی ترتی کی هوگی جاتلی چین نے کی ہے ۔

A Property of the second

ایدی طرف سے اپنے مشن کی طرف سے اور هندستان ای جلتا کی طرف سے میں چیلی جلتا کے آلے سر جهکانا ھوں جس لے کمال کے کارنامے دنھائے ھیں. آپ کے مہان نهتا چهرمهن ماؤنسه تذگ کے آگے سر جهکاتا هوں . جب فرا خاموشی کے ساتھ میں یہ سوچھا هوں که آپ کے دیش مهور اس بار کھوم کر ہم نے دھا کھا سھکھا تو مھی اِس تعیجے پر پہونچتا هوں که چیرمین ماؤ صرف چین کے ھی نیٹا نہیں ھیں بلکہ ایک طرح سے دیکھا جائے تو ایشها کے لیدر هیں جس مهن هندستان بهی شامل ھے ، جہسا میں نے آبھی عرض کیا' یہاں پر ہم نے جو کیچھ دیکھا' اُس سے هم نے ایے دیش کی ترقی اور بہتری کے لئے کانی سوق لیا ہے ، هم نے آپ کے کارخانے دیکھے' بونهبوستيان ديمهين الان ديمها بازار ديمها سنكهتن سبهائیں دیکھیں ، هم نے آپ کے یہاں کی غدالتیں كجوريان ديكوين إن سب سے هم إسى نقيمي ير پهونمي اله همارے دیش هندستان کو چین سے بہت کھے سيكينا في.

جہاں تک رأج نیتی کا سوال ہے اُس دائوے میں بھی جھیں نے پنچہلے چلد برسوں میں جو قتم حاصل لیے ہے وہ کوئی چھوٹی چھڑ نہیں ہے ۔ میرا خیال ہے کہ بچھم کے سامراج وادیوں کو یہ سبق اچھی طرح مل گیا ہو کہ جھیں اچے ہے اُ اُسے کوئی نہیں جیست سکتا ۔ بھر صاحب ! آبے اُپلی اسھیج میں کہا کہ چھیں اب بھی ہوٹی قوم نہیں رہ گئی ہے ۔ لیکن ہماوی رائے کچھ

ىسىپر 51٪

The state of the s

करते.'' दिन्दुस्तान यह बाहता है कि इंगलैन्ड हो बाहें समरीका, या कोई सौर देश हो, एक्डिस का हो या प्रव का, वह सब के साथ इन्तहाई दोस्ती के ताल्लुक रखे. मुफे यक्कीन है कि यही इच्छा चीन की है सौर यही रूस की भी. हमारा खालिरी मक्कमद 'एक नई दुनिया' बनाना है, ऐसी दुनिया जिसमें लड़ाई की कोई गुंजायश न हो, जिसमें सब मुल्कों के लोग खपना मला खुरा एक सा देखते हों, जिसमें कोई किसी को चूस न सके, जिसमें किसी देश का दूसरे पर राज न हो और जिसमें सब, सब की भकाई के लिये काम करते हों.

हिन्दुस्तान और चीन इस मक्तसद के हासिल करने के लिये एक दूसरे के हर तरह साथ हैं. हमें उम्मीद हैं कि दूसरे सभी देश और राश्द्र इस नेक काम में हमारा पूरी तरह हाथ बटायेंगे.

(अंगरेकी अखवार 'शंघाई न्यूक' से)

चीन को अलविदा

मेरे प्यारे चीनी माइयो और बहनो!

चालीस दिन हुए हम आपके इस कैन्टन राहर में हिन्दुस्तान से आप थे. उस वन्नत जिस मुह्ब्बत और उदारता के साथ आपने हमारा स्वागत किया था और जो प्यार मरी खातिर तवाजे आपने हमारी की उससे हमारे दिमारों पर बहुत काकी असर पहा था. इसके बाद हम पेकिंग पहुँचे और फिर चीन के दूसरे शहर देखे. मेरा खयाल है आप यह उम्मीद करते होंगे कि इस अरसे में हमने जो देखा और उसका जो असर हम पर हुआ उसकी कुछ अक्तक आप को दें. मैं वह काम बहुत खुशी से करता हूँ.

स्य बात यह है कि जब आपने हमें बुलाया तो हम होस्त और हमदर्द बनकर आए. लेकिन हमारे दिमाग़ में कोई लगाव चिपकाव नहीं था. हमने हिन्दुस्तान में आपके देश की बाबत बहुत कुछ सुना था, यहां की बाबत बहुत कुछ पदा था. आप के लिये हमारे दिल में काफी इजजत और प्यार था. फिर भी, हमें बड़ी लुशी इस बात से हुई कि आप के खाजात दर्शत करने का मौका हमें मिलेगा. और बह मौका हमें मिला. इसके लिये हम आपके बहुत एहसान मन्द हैं.

कात्र में इस नीज पर कार्ज कि हम पर क्या असर क्या, बहुत बोड़े से में कापको में बताऊं कि हमारे इस " مدستان یہ بہاہتا ہے کہ انگلہات ہو جام امریکہ یا اور دیش ہو ابتہم کا هو یا پورپ کا ولا سب کے انتہائی دوستی کے تعلق رکھے ، مجھے یقین ہے کہ اپہا چین کی ہے ، مجھے یقین ہے کہ رہی مقصد 'ایک نئی دنیا' بنانا ہے' ایسی دنیا ی میں لوائی کی کوئی گنجائش نہ ہو' جس میں بملکوں کے لوگ اپنا بہلا برا ایک سا دیکہتے ہوں' جس کو کوئی کسی کو چوس نہ سکے' جس میں کسی کا دوسرے پر راج نہ ہو اور جس میں سب' سب بہلائی کے لئے کام کرتے ہوں .

هندستان اور چین اِس مقصد کے حاصل کرنے کے ایک دوسرے کے هر طرح ساتھ هیں . همیں اُمهد هے دوسرے سمھی دیش اور واشتر اِس نیک کام میں ارا دوری طرح هاتھ بتائیذگے .

(انگریزی اخبار 'شلکهائی نهوز' سے)

چین کو الوداع

میرے بھارے چیلی بھائھو اور بہلو!

چالیس دن هوئے هم آپ کے اِس کینٹن شہر میس دستان سے آئے تھے ۔ اُس وقت جس محبت اور ادارتا ساتھ آئے همارا سوائت کیا تھا اور جو پیار بھری خاطر نع آئے هماری کی اُس سے همارے دمافوں پر بہت اُر پوا تھا ۔ اِس کے بعد هم پیکنگ پہونتچے اور پھر بن کے دوسرے هہر دیکھے ۔ میرا خیال هے آپ یہ اُمید نے هوں گے کہ اس عرصے میں هم نے جو دیکھا اور اُس جو اثر هم پر هوا اُسکی کچھ جھلک آپ کو دیس ، میں کم بہت خوشی سے کرتا ہیں ۔

سے بات یہ ہے کہ جب آئے همیں هندستان سے بایا تو دوست اور همدود بن کر آئے . لیکن همارے دماغ میں لی لائل چپکاؤ نہیں تھا . هم نے هندستان میں آپ کے شی کی بابت بہت کچھ سفا تھا' یہاں کی بابت ت کچھ پوها تھا . آپ کے لئے همارے دال میں کافی ت اور پھار تھا ، پھر بھی' همیں بڑی خوشی اِس بات هوئی کھ ۔ آپکے ساکھات درشن کونے کا موقعہ همیں یکا . اور یہ موقعہ همیں ما ایکے ایکے بہت سان مقد هیں .

اب میں اس چیز پر آوں کہ ہم پر کیا اثر ہوا ، ببت در اب میں آپکو میں یتاوں که همارے اس

जाहर है कि चीन के नचरिये और तर्ज में रूस के जारिये और तर्ज से फर्क हैं. तिस पर भी रूसी लोग और मी रूरकार चीन की मदद कर रहे हैं. इससे पता चलता कि रूस वालों का दिल कितना बड़ा है और दिमाग जिना वसी है. चीन की इस नई तामीर में रूस हर तरह मदद, तकनीकी हो चाहे कैसी, महुंचा रहा है. इसके लावा मार्शल स्टालन ने कई बार यह सुकाब रखा है दुनिया के सभी देश धीरे धीरे और एक साथ हथियार म करना शुरू कर दें. यही नहीं, रूस ने अब तक लड़ाई हाथ नहीं डाला है हांलाकि उसके पड़ांस में ही लड़ाई गाले गरज रहे हैं. रूस के इस अलग रहने से बहुनों हैरन भी हुई है.

हम इस सब से इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि कम्यूनिस्ट प्रश्नीर उसके नेता भी शान्ति चाइते हैं और दूमरे देशों मिल कर अमन के साथ रहना चाहते हैं. चीन में मेरी ताकात कई असर और इज्जात दाले रूसी विद्वानों से , उन्हें यक्तीन है कि चनका आदर्श शान्ति के वातावरन ही फज फूल सकता है और लड़ाई से उनके पल्जे कुछ नहीं पड़ने वाला है. सुमें इस में जरा भी शक नहीं है रूस अमन का पुजारी है.

इत सब बातों के आधार पर मैं कह सकता हूँ कि व- मार्शल स्टालन की रहतुमाई में, चीन-चेयरमैन मां की रहनमाई में और हिन्दुस्तान-पंडित नेहरू की नुमाई में-तीनों दुनिया की शान्ति की हिकाजत के य साथ साथ खड़े हो सकते हैं. लाजिमी बात है कि ों देशों का विकास अपने अपने ढंग और तरीकों से होगा. लेकिन शान्ति के लिये तीनों बेचैन हैं. और सच है कि हम पशिया के देशों का एक हो जाना और एक न ताकृत बन जाना देखना चाहते हैं, इस वजह से नहीं एशिया या पशिया के किसी देश की यह तमना है कि मी द्सरे इलाक या देश पर अपना राज कायम कर ले. क इस बजह से कि पशिया के देशों ने पिन्छमी ताकतों सम्राजशाही सालसामों का शिकार बन कर काकी टें खाई हैं और इस्त्र देश तो आज भी खारहे हैं. शया एक हों की आवाज सामने के खतरे से बचने के ये सिर्फ बचाव की स्नातिर है. एशियाई एकता इम ख्रयाल से न इंगलैंन्ड को हरने की जरूरत है. न स्रीका को धीर न पश्चिम के किसी और देश को.

महारमा गांधी की सीख के मुताबिक हिन्दुस्तान लड़ाई नकरत करता है. हमारे बड़ बजीर नेहरू ने हाल ही कहा है कि "लड़ाइयों से कोई सवाल हल नहीं हमा العمال المنظوري في جو أسكى الملهت كي مطابق هي أور النائل كي ورائي أدرشون بي مول لهاتا هي .

طاهر ہے کہ چہن کے نظریئے اور طرز میں روس کے تظریئے اور طرز میں روس کے تقطریئے اور طرز سے فرق ہے ۔ تس پر بھی ررسی لوگ اور روسی سرکار چین کی حدد کر رہے ھیں . اِس سے پہت بھتا ہے کہ روس والوں کا دل کتنا ہوا ہے اور دماغ کتنا وسلم ہے ۔ چھن کی اِس نئی تعمیر میں روس هر طوح کی مددا تکنیکی هو چاہے کیسی' پہونچا رہا ہے ۔ اِس کے عاوہ مارشل استان نے کئی ہار یہ سجھاو رکھا ہے کہ دنیا کے سبھی دیش دھیرے دھیرے اور ایک ساتھ ھیمیار کم گرنا شروع کردیں ۔ یہی نہیں' روس نے اب تک فوائی میں ھاتھ نہیں ڈال ہے حالانکہ اُس کے پروس میں نوائی کے کرنے کرچ رہے ھیں ، روس کے اِس انگ رھئے ہیں ہوئی ہے ۔

هم اِس سب سے اِس نتیجے پر پہونچانے هیں که کمیونست روس اور اُس کے نها بھی شاناتی چاهائے عیں اور دوسرے دیشوں سے مل کو اُمن کے ساتھ رهنا چاهائے هیں ، چھن میں میری ملاتات کئی آثر اور عزت والے روسی ودوانوں سے هوئی ، انهیں یقین هے که اُن کا آدرش شاناتی کے واتارن میں هی پهل پهول سکتا هے اور لوائی سے اُن کے پائے کچه بھی نهیں پولے والا هے ، مجھے اُس سے اُن کے پائے کچه بھی نهیں پولے والا هے ، مجھے اُس میں ڈرا بھی شک نہیں هے که روس اُمن کا پجاری هے ،

اِن سب باتوں کے آدھار پر میں کہ سکتا ھوں که روس-مارشل استالین کی رهنمائی مهر، چین--جهومهن ماء کی رهدمائی مهی اور هددستان--یاتات ٹھرو کی رہلمائی میں ۔۔ تیلوں دنیا کی شائلی کی حفاظت کے لئے ساتھ ساتھ کوڑے هوسکتے هھی ، الزمی باس مے له تهدوں دیشوں کا وکس اپنے آپنے دھنگ اور طویقے سے می هوکا ، لیکن شاندی کے لگے تہذوں نے چین میں . اور سبے یہ ہے کہ هم ایشیا کے دیشوں کا ایک ہوجانا اور ایک تہوس طالت بن جانا دیکھنا چاهائے جهن اس رجم سے نہیں کہ ایشیا یا ایشیا کے کسی دیمی کی ہے تمنا ہے کہ کسی درسرے ملائے یا دیص براہنا وآنے قائم کرلے المام اِس وجه سے که ایشیا کے دیشوں نے پههمي طاقتون کي سامراج شاهي لالساؤن کا شکار بهن کر کافی چوٹیں کہائی ہمن اور کچھ دیش تو آبے بھی کہا رہے میں ، ایشیا ایک هوا کی آواز سامنے کے خطرے سے بچلے کے لئے مرف بچاؤ کی خاطر ھے . ایشیائی المنعا کے اِس خیال سے نه انگلیلڈ کو ڈرنے کی ضرورت ھے ان امریکہ کو اور نہ پچھم کے کسی اور دیش کو .

مہانما گاندھی کی سیکھ کے مطابق مقدستان لوائی سے تقرت کرتا ہے ۔ عمارے بڑے وزیر نہرو نے حال ھی میں کہا ہے کہ در لوائیوں سے کوئی سوال حل نہیں ھوا

- Children Carlotte Control

इसी तरह से डिन्द्रशान भी-जिसे महात्मा गांची से भेरना मिली है-अमन शान्ति से रहना चाहता है और दुनिया की हर क़ौम के साथ माई चारे का सम्बन्ध रखना चाइता है. हिन्दुस्तान की सरकार ने अपने बड़े व शीर पंडित जवाहर लाल नेहरू की रहतमाई में राश्ट्रों के बीच अपन शान्ति बदाने के लिये जो कुछ किया जा सकता था किया है. जापानी सुतहनामे जैसी निकम्मी चीज की हिन्द सरकार ने दाय भी नहीं लगाया. यूनो में चीन को इज्जतदार जगह मिले, इसके लिये हिन्द्स्तान ने जो हो सका वह किया और कर रहा है. वह कर रहा है इस वजह से क्योंकि दिन्दुस्तान मानता है कि यूनो सब राश्ट्रों का संगठन तब तक नहीं कहला सकती जब तक उसमें चीन पूरी तरह शरीक न हो.

सोशालिजम या कम्यूनिजम की इल्मी बहस में मैं इस वक्रत नहीं जाऊंगा. लेकिन मुक्ते यक्तीन है कि शायद ही दुनिया में कोई ऐसा विचारक होगा जो जरा आगे की साचता हो और यह न मानता हो कि दुनिया की आर्थिक बेहतरी तभी हो सकती है जब यहां किसीन किसी तरह का सोशालिस्ट या कम्यूनिस्ट निजाम क्रायम हो. इस बार में जो मत भेद हैं वह आखिरी मंजिल के बारे में उतने नहीं हैं जितने इस बात की बाबत कि इस मंजिल तक पहुंचने के लिये जुदा जुदा देशों में इसकी शकत क्या हो ऋौर वह कीन तरीक़ इस्तभाल किये जाएं, चीन कम्यूनिस्ट कहा जाता है और चीनी लोग इस बात से इनकार नहीं करते. लेकिन इमने देखा कि चीन में हर कारखाना, जमीन का हर दुंकड़ा और हर रोजगार या तो किसी की निजी मिल-**िकियत है या सरकारी मिलकियत है। निजी मिलकियत का** इक चीन में माना जाता है और उसकी क़द्र की जाती है. निजी कारलाने चलाने के लिये भी लोगों का हीसला बदाया आता है. हां, इस सबके ऊपर सरकार की निगरानी जरूर रहती है. जनता की सरकार यहां तक करती है कि निजी ं कारकाने वालों को कच्चा माल दिलाती है, इनके तैयार ं माल की किकी का जिम्मा लेती है और उन के मालिकों को मुनासिव (20 फीसदी तक) मुनाफा भी खाने देती है, यही नहीं, विदेशी पूँजी, विदेशी कारखानों और विदेशी कम्पनियों को भी बढ़ने फैतने का काशी मीका नए चीन में दिया जाता है.

चीन की सरकार रौर पारटी और सब पारटियों की मिली हुई सरकार है. चीन के नेता सोचते हैं कि अगर कम्युनिस्ट भादरी पर वह कभी पहुँचे भी तो कम से कम तीस साल बर्हें लग जाएंगे. अपने देश के माजी बन्दोबस्त को वह कम्युनिस्ट न कह 'नया लोकराज' (New Democracy) कहते हैं. भगर चीन कम्यूनिस्ट है तो इसका कम्यूनिजम

إس طرح س علقشتان بهى سد عميد مهاتما التعمل بريرن ملى في - أدن شانتي سے رهنا جاهتا هے أور الهائ هر قوم كے ساتھ يهائي بھارے كا سميلدھ ركھما الماءة هي هندستان كي سركار نے أبي بوے وزير یں جواہر لال نہرو کی رہنمائی میں راشترں کے بیج من شائتی بوهانے کے لئے جو کچھ کیا جا سکتا تھا کیا ر جاياني سلحمنامي جهسي نكسي جهز كو هدد سركار ر هاته بهی نهیس لکایا . یونو میں چین کو مزت دار من ملے اس کے لئے مددستان نے جو هرسکا وہ کھا آور ، رها هے . ولا كر رها هے أسى وجه سے كهونكه هلدستان بانتا ہے کہ یونو سمب راشقروں کا سلکتھیں تب تک نہیں یلا سکتی جب تک اُس میں چین پورق طرح شریک

سوشلوم یا کمهونوم کی علمی بنجث مهن مهن ایس رت نہیں جاؤنکا ، لیکن مجھے یقین ھے که شاید ھی ينيا مهن كوئي ايسا وچارف هوگا جو ذرا آگه كي سوچتا هر اور یه نه ماندا هو که دنها کی آرتهک بهدی تبهی عوسكاتي هے جب يهاں كسى له كسى طوح كا سوشلست یا کدیونست نظام قائم هو . اس بارے میں جو مت بھید ھوں وہ آخری مدول کے بارے میں اُنٹے نہیں ھوں جھلے اس بات در بابت که اس ماول تک بهونجینے کے لئے جدا جدا ديشون مين اس كي شكل كها هو اور ولا كون طريقے استعمال كئے جائهں ، چين كميونست كها جاتا ھے اور چیلی لوگ اِس بات سے انکار نہیں کرتے ، لیکن مر نے دیکھا کہ چھوں میں ہر کارخانہ زمھن کا ہر تکوا ارز هر روزگار یا تو کسی کی نجی ملکیت هے یا سرکاری ملكوت هي نجي ملكوت كا حتى چهن مهن مانا جاتا ھے اور اُس کی قدر کی جاتی ہے ، نجی کارخانے چلانے کے لئے بھی لوگوں کا حوسلہ بوهایا جاتا ہے . هاں اِس سب کے اوپر سرکار کی نگرانی ضرور رھتی ھے ، جنگا کی سرکار یہاں تک کرتی ہے کہ نجی کارشائے والوں کو کچا مال دلاتی هے' اُن کے تیار مال کی بکری کا ذمع لیتی هے اور اُن کے مالکوں کو مقاسب (20 فیصدی تک) مقافع بھی کھائے دیتی ہے . یہی نہیں' ودیشی پونجی' ودیشی کارخانوں اور ودیشی کمپنیوں کو بھی ہوعلے پھھلنے کا کافی موقعہ نگہ جیں میں دیا جاتا ھے ،

چھیں کی سرکار فھر پارٹی اور سب پارٹیوں کی ملی مولی سرکار ہے ، چھوں کے نیٹنا سوچتے میں که اگر كميونست آدرهن يراولا كبهي يهونجي يهىتو كم سائم تهس سال اُنہیں لگ جاٹیلگے ۔ آئے دیش کے مالی بقدویست کو و" لمهونستانه كه انها لوكارأج (New Democracy) کہتے بھیں ، افر چھیں کیھونست کے حو اُس کا کھونوم

يعالميون كو خالم كرديا أسلم إلل لمه جوری دیش سے بہیک مانکلے اور رنڈیوں کے بعثے كو مثادياً ساري جلعا كا نيتك استر أرنجا أنّها دیا سب بے زمین والے کسانوں کو زمین دے کر اپنی کیھٹی کی پیداوار اِس حد تک بوھالی که جہاں تین برس پہلے أبے درسرے ملکیں سے الکھیں ائن آناہے کی بھیک مانگلی پوتی تھی آہے وہاں وہ الکھوں آئی آنام دوسرے دیشوں کو بھیم سکتا ہے . اُس لے الم کارخانوں میں پک مال اِس طرح آور اتقی تعداد میں تیار کر لیا که آہے وہ اپنی روز کی ضرورت کی هر جرؤ خود بهدا كر ليتا هي . نيُ جين في فرق متا ديا مالک اور ملازم کا فریب اور امیر کا آقا اور فلام کا اس لے چھڑوں کے بھاؤ ٹھکانے پر لکا دیئے اور مہدگائی کے سوال كو سجهان قهمتهن آسمان پر جوهتي جلي جاتي تههي ... تھیک تھیک حل کر دیا ، اُس نے ساری جلعا میں ایک ایسی جان ڈال دی که وہ جی جان سے کام میں جت گئی اور دیش کی خاطر هر قربانی کرنے کو تیار هوگئی. اگو جنتا میں قربانی کا یہ جذبہ بیدا نہ ہوا ہوتا تو اِتنا سب هونا ناميكن تها ، إسسب كي خاص وجهه عهر مهن ماؤنسے تلک کے آجوک آور رچلانیک رهلمائے اور اُن کے بے لاگ آور سعے ساتھیوں کا جتھا ۔ چین کا یہ ایک ایسا کمال ھے جس یو بلا آنکھوں دیکھے بقوق کرنا مشکل ہے ، ہم ح انے دیش وہاس جا رہے میں پر پچھلے دو برس کے چیلی إتهاس كے زبردست كارنامے كا جو اثر هم پر يوا هے أسے كبهى نهوں ہوول سکتے ۔

همهن یه بهی یقین هے که چهن اور اُس کے نها دنها کی هر قرم کے ساتھ اُس سے رها چاهیے ههر . جهان جهان هم لئے جن سبهاؤں میں هم بیٹیے 'جن بازاروں مهل هم گهومے جو اوں شہر هم نے دیکھے کہیں بھی همھی کوئی بھی ایسا نہ ملا جسے کوائی کی دعن هو، وهال لزائي کي کوئي سوچتا بهي نهيل. چهن مهل لوائی کے شوقیوں یا خون کے پیامے لوگوں کا یتھ بھی نہھی ھے . آیہاں کا جو آرتهک سفکتهن هے وہ لوائی کو نشاعہ ہداکر نہیں کووا کہا جا رہا ہے' بلکھ روز کے برتلے کی جهزوں کو تھار کرنے کے لئے کھڑا کھا گھا ہے ، جو دیش رجدالمک کاموں میں اتنی اجھی طرح لکا ہو اُسے کہاں إثلى قرصت كه لوائي كي بات كرے يا المطرح كا كوئي برویهگلقه رهے مکدن تک کے نگر میں جو کوریا کی سرحد کے پاس ہے اھم لے دیکھا کہ سب لوگ اسے معمولی کاردار میں لگے هوئے تھے . يہی حالت هم نے کينتن مير ديكهي . هدين معلوم هوتا هے كه چيرمين ماو ايك كيول فلهر جلول هي نهين هين بلكه ارتبع يائے كے رجداتمك الهقر يهي هيں . همهن يقين هے كه جهن اور أس كے البتا سعيد دل سر أمن شابتي جاهتي هين .

हचलियों को खत्म कर दिया, उसने इतने सम्बे-बीदे देश वे भीक मांगने और रंडियों के पेशे को मिटा विया, सारी बतता का नैतिक स्तर ऊंचा उठा दिया, सब ने अमीन वाले क्रमानों को जमीन दे कर अपनी खेती की पैदाबार इस ह तक बढ़ाली कि जहां तीन बरस पहले उसे दूसरे लकों से काखों टन अनाज की भीक मांगनी पहती थी पाज वहां वह काखों टन अनाज दूसरे देशों को भेज सकता हसने अपने कारकानों में पका माल इस तरह और तनी तादाव में तैयार कर लिया कि आज वह अपनी रोज ी जहरत की इर चीज खद पैदा कर लेता है. नए चीन ने कि मिटा दिया मालिक और मुलाजिम का, रारीव और मीर का आका और गलाम का उसने चीजों के भाव हेकाने पर लगा दिये और मंहगाई के सवाल को - जहां हमते आसमान पर चढती चली जाती थीं—ठीक ठीक ल कर दिया, उसने सारी जनता में एक ऐसी जान डाल दी के वह जी-जान से काम में जुट गई श्रीर देश की स्नातिर र करवानी करने को तैयार हो गई. अगर जनता में हरवानी का यह जजबा पैदा न हुआ होता तो इतना सब ोना नाममकिन था. इस सब की खास वजह है चेयरमैन गाओ त्से-तुंग की अचूक और रचनात्मक रहनुमाई, और उनके बेलाग श्रीर मच्चे साथियों का जत्या. चीन का यह एक ऐसा कमाल है जिस पर बिना आंखों देखे यक्तीन करना स्शिकत है. हम अपने देश वापस जा रहे हैं पर पिछते दो त्रस के चीनी इतिहास के खबरद्स्त कारनामे का जो असर [म पर पड़ा है उसे कभी नहीं भूल सकते.

हमें यह भी यक्तीन हैं कि चीन और उसके नेता दनिया की हर क़ीम के साथ अमन से रहना चाहते हैं. जहां जहां हम गए, जिन सभाश्रों में हम बैठे, जिन बाजारों में हम घूमे, जो गांव शहर हमने देखे, कहीं भी हमें कोई भी ऐसा न मिला जिसे लड़ाई की धुन हो. वहां लड़ाई की कोई सोचता भी नहीं. चीन में लड़ाई के शौक़ीन या लन के प्यासे लोगों का पता भी नहीं है. यहां का जो श्राधिके संगठन है वह जड़ाई को निशाना बना कर नहीं खड़ा किया जा रहा है, बल्क रोज के बरतने की चीजों को तैयार करनेके लिये खड़ा किया गया है. जो देश रचनात्मक कामों में इतनी अच्छी तरह लगा हो उसे कहां इतनी फुरसत कि जड़ाई की बात करे या इस तरह का कोई प्रोपेगेन्हा रचे. मुकद्न तक के नगर में, जो कारिया की सरहद के पास है, हमने देखा कि सब लोग अपने मामूली कारबार में लगे हुए थे. यही हालत हमने कैन्टन में देखी. इमें मालम होता है कि चेयर मैन माधी केवल एक दिलर बनरल ही नहीं हैं बहिक ऊंचे पाए के रचनात्मक लीडर भी हैं, इमें यक्तीन हैं कि चीन और इसके नेता सक्से दिल से भगन शान्ति चाहते हैं.

. 14

था, जैसे सर के लिये टोप, जांश्यिया या पायजामा, जपाई के टाइप, कृतवतुमा, आविशवाची और बारुद, इसी तरह हिन्दुस्तान ने जो दुनिया को बहुत सी चीजें दी हैं उनमें से खास है हिन्द्से-जो योरप में बरबी हिन्दसे कहलाते हैं, और दशमल तरीक़ा जो सारे हिसाब किताब, ज्योतिश भीर भर्थशास्त्र की बुनियाद हैं. आज से दो हजार साल पहले इन दोनों महान और पुराने देशों में काफी नजदीकी रिश्ता था. इस रिश्ते पर न्योपार, कलचर और धर्म की छाप थी, यह दोस्ताना रिश्ता था, भाई चारे का रिश्ता था जिससे दोनों देशों को फायदा पहुँचता था छीर जो होनों की शान को बढ़ाता था. समय बीतता गया. होनों देशों में लेन-देन कम होता गया. यह रिश्ता भी उसी चाल से इलका पड़ता गया. बाद में जब पच्छिम के देश इस होनों पर हावी हो गए और हमारी अपनी अपनी घरेल आकरों बढ़ गई तब इस रिश्ते का चिरारा एकदम गुल हो गया. हिन्दुस्तान श्रंगरेजी साम्राज शाही के शिकंजे में फंस गया और चीन लगभग नौ योरपी ताक़तों के चकर में पड़ कर काफी मुसीवतों का (शकार बना, हिन्दुस्तान में विदेशी राज सी बरस से ऊपर रहा. क़रीब इतने ही अरसे चीन परेशान रहा.

खुरा किसमती से दोनों देशों ने करवट बद्ली. महात्मा गांधी की अनमोल रहनुमाई में हिन्दुस्तान ने चार साल हुए आजादी हासिल की. चीन भी बहादुरी के साथ विदेशी साम्राजशाहियों और घरेलू पिछ घसीट ताक़तों से लड़ता रहा—लड़ता रहा उस प्रेरना के उभार से जो उसे डाक्टर सन यात सेन से मिली और उस अनमोल रहनुमाई में जो वेयर मैन माओ-स्से-तुंग से चीन को मिली. इसका नतीजा है कि आज से दो बरस पहले चीन ने सच्ची आजादी हासिल की. हम इस वक़्त चीन में जनता की इस लोक-शाही की दूसरी सालगिरह को ही देखने आए थे. और इस आए थे चीन के लोगों को उनके इस महान कारनामें पर वधाई देने.

करीय पक महीना हम यहां रह चुके. हमें बेहद अचरज और खुशी यह देख कर हुई कि इतने छोटे से अरसे में बीन किस तरह इतनी तरक्क़ी कर गया और उसने अपनी हमाजी और आर्थिक (जन्दगी को—जो करीय करीय बरबाद हो चुकी यी—कैसे फिर से बना डाला. हमें तो बह जादू-सा सगता है कि कैसे दो बरस के अन्दर चीन ने इतना कमाल कर डाला. उसने अपने उन उद्योग धंदों और कारखानों को फिर से खड़ा कर जिया जो ककनाचूर हो चुके के, और बेहद बदा लिया. उसने अपने यहां के हाकिमों असीर असम जनता की तरह तरह की देईमानियों और

و ديس سر كر لله الونها خانكهها يا يالتهاسة جههالي ك ب تطب نما؛ آتص بازی آور بارود . اسی طوح ستان نے جو دنیا کو بہت سی چھڑیں دی میں میں سے خاص میں مند سے۔۔۔جو یورپ میں مربی لدسے کہاتے میں' آور دشمل طریقہ جو سارے حساب ان جهرتش آور ارته شاستر کی بلیاد هیں. آج سے مزار سال پہلے اِن دونوں مہان اور پرائے دیشوں میں ی نزدیکی رشته تها . اِس رشتے پر بهوپار' کلچر آور يرم كى چهاپ تهى . يه دوستانه رشته تها بهائى ارے کا رشتہ تھا جس سے دونوں دیشوں کو قائدہ المجتا تها آور جو درنوں کی شان کو بوعانا تھا . سب بديد كيه دونون ديشون مين لين دين كم هرتا كها . ، رشته بهی اُسی جال سے هلکا پرتا کیا . بعد میں یب پچھم کے دیش ہم دونوں پر حارمی ہوگئے آرو مارى ايلي ايلي گهريلو أفتين بوه كثين تب إس ئتے کا چراغ ایک دم کل هوایها . هندستان انگریزی امراج شاعی کے شکلتھ میں پہلس گیا آور چین لگ ہگ نو یورپی طاقتوں کے جار میں پرکر کافی صیبتوں کا شکار بنا ، هندستان مهن ودیشی راج سو رس سے اوپر رھا' قریب اِنلے می مرمے چھن پریشان رھا ،

خوش قسمتی سے دونوں دیشوں نے کوت بدائی ، بہاتما گاندھی کی انمول رهنمائی صیب هندستان نے چار سال هوئے آزادی حاصل کی ، چین بیبی بہادری کے ساتھ ودیشی سامراج شاعهوں آور گھریلو بچھ گھسیت طاقترں سے لوتا رها۔۔لوتا رها اُس پریرنا کے اُبھار سے جو سے آزار اُس اُنمول رهنمائی سے آزار اُس اُنمول رهنمائی بین جو چیرمین ماؤتسے تنگ سے چین کو ملی ، اِسکا بیس جو چیرمین ماؤتسے تنگ سے چین کو ملی ، اِسکا بیس جو کہ آج سے دو برس پہلے چین میں جنتا کی اِس حاصل کی ، هم اِس وقت چین میں جنتا کی اِس اُرک، شاھی کی دوسری سالگرہ کو ھی دیکھنے آئے تھے ، اور هم آئے تیے چین کو انکے اِس مہان کارنامے اور هم آئے تیے چین کو اُنکے اِس مہان کارنامے پر بدھائی دیئے ،

تریب ایک مهدند هم یهاں را چکے . همیں بیصد اچرج آور خوشی یا دیکهکر هوئی که آننے چهرائے سے عرصے میں چهن کس طرح اتلی ترقی کرگیا آور اسنے اپلی سماجی آور آرتهک زندگی کو حجو قریب قریب بریاد هوچکی تهی حکیسے پهر سے بنا ڈالا . همیں تو یہ جادو سا لکتا ہے که کیسے دو برس کے اندر چهن نے آتنا کمال کرڈالا . اسلے اپنے ان ادیواب دهندوں آور کارخانوں کو یہر سے کہوا کوئیا جو چکنا چور هو چکرته اور پرحد برها لیا . اس نے اپنا سال سالی نظام مانو پهر سے رہ آور اسلے اپنا اسالی نظام مانو پهر سے رہ آور اسالی نظام حانو پهر سے رہ آور اسالی نظام حانو پهر سے رہ آور المانهوں آور

151 may 1

हम यह भी अधीन है कि नया चीन हिन्दुस्तान की होस्ती की बहुत कड़ करता है. में अपने चीनी भाइयों को इतमिनान विवादा हूँ कि दिन्दुस्तान के लोगों के विवा में भी बीन की नई सरकार के साथ वेशी ही दोस्री खौर माई चारे ही भावता है, अपने महान नेता महास्या गांधी की सीख के मनाविक, हिन्दुस्तान शान्ति का हामी है और हमें यक्तीन है कि चीन और दिन्दुस्तान की दोस्ती विश्व-शान्ति के लिये इडा मारी सहारा साबित होगी. मुक्ते उम्मीद है कि हमारे मिशन के आने से इस दोहती के बढ़ने में बहुत मदद मिलगी. आपस में एक दूसरे के यहां ऐसे मिशनों की तादाद बागे चल कर बढ़ेगी. इमारी बूनिवर्सिटियां एक दूसरे के विद्यार्थियों को अपने यहाँ रखकर उनको कुछ तालीम देने का इन्तजाम कर सकवी हैं. इसी तरह से तरह तरह के मिरान-साइन्सवानी के, आधिक शास्त्रियों के, कलाकारों कं, भीरतों के, लेखकों के, भीर मजदूरों के भी-एक देश से इसरे देश में आ जा सकते हैं.

में यह स्पीच इस उम्मीद के साथ जत्म करता हूं--मीर यह उम्मीद बड़ी पक्की व सच्ची उम्मीद हैं—ि कि हिन्दुसान और चीन में देस्ती दिन दूने रात चौगुने बदंगी, दोनों एक दूसरे के जियादा नज़दीक आएंगे और तरह तरह से आपस का यह रिश्ता बढ़ेगा. मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि हिन्द-चीन के इस रिश्ते से दुनिया की की मों के बीच एकता कायम होने में मदद मिलेगी, उनकी तरककी होगी और यह फूले फर्जेंगे.

नया चीन जिन्दाबाद !

10. .10. 1951

दुनिया की शान्ति के अलमबरदार— बीन और हिन्दुस्तान

चीन में इम जहां जहां गए हमारी इतनी खातिर हुई, इतने प्यार चीर मुहब्बत से यहां के लोग हमारे साथ पेश आर, इमारे इर चाराम चीर भासाइश का इतना खयाल रखा गया, इतने जोश के साथ हमारी इर छोटी-बड़ी सच्ची- मूटी जकरत को पूरा किया गया कि हम सब के सब इस चनोखी आवमगत पर दंग रह गए. इम हिन्दुस्तान वापस आ रहे हैं पर इन चीजों की प्यारी याद इमारे दिल में हमेशा बनी रहेगी.

चीम एक पुराना देश है जिस की सभ्यता का इतिहास कम से कम चार हजार बरस से मिन्नता है. यही हाल हमारे देश का है. चीन ने दुनिया को कई ऐसी नेमतें दी हैं जिसके किया इनसानी सभ्यता का फलाना दूसना नामुसकिन منون يه بهي ياتون هے له ايها جين هلدستان كى الموسطى كي بيت قدر كرتا هے . موں أبه جدفي بهائيس الوالمنهان دااتا هوں که هندستان کے لوگوں کے دل مهن ا اُنہیں چین کے لوگوں اور چون کی نگی سرکار کے ساتھ ویسی على دوستنى اور بهائى چارے كى بهارنا هے . أبي مهان التات الله الله على سيكه ع مطابق الدسان شانعي لا عمامي هے اور همين يقين هے كه چهن اور هندستان کی درسکے وہو شانعی کے لئے بڑا بہاری سہارا ثابت ھوگوں مجھے اُنہد ہے کہ همارے مشن کے آنے سے اِس فوستن کے بوہنے میں بہت مدد ملیکی . آیس میں ایک فرسوے کے یہاں ایسے مشدرں کی تعداد آلے چل کر پوههٔ کی ، هماری یونهورستهاں ایک دوسرے کے ودیارتههوں کو آنے یہاں رکھ کر آنکو کچھ تعلیم دیتے کا انتظام کرسکتی غیں . اسی طرح سے طرح طرح کے مشن--سائلسدانوں کے آوتهک شاستریس کے کاکارس کے عورتوں کے لیکھموں کے اور موهوروں کے بھی ۔۔ایک دیش سے دوسرے دیش مهن آجا سکتے هيں .

میں یہ اسپیچ اِس اُمید کے ساتھ حُدُم کرتا ہوں۔۔۔
اُور یہ اُمید بری یکی و سچی اُمید ہے۔۔ کہ ہددستان
اُور چھی میں دارستی دن دونے رات چوکئے برعمیکی،
درنوں ایک درسرے کے زیادہ نزدیک انھنگے اور طرح طرح
سے آپس کا یہ رشتہ برقے کا . میں یہ بھی اُمید کرتا ہوں
کہ ہدد چھی کے اِس رشتے سے دنیا کی قوموں کے بیچ اِیکٹا
گائم ہونے میں مدد ملیکی، اُن کی ترقی ہوگی اُور وہ
ہولے بہلیکے ۔

نیا چین زندهباد!

10. 10. 1951

ںنیا کی شانتی کے علمبردار۔۔۔ چیس اور هندستان

چھیں میں هم جہاں جہاں گئے هماری اُتلی خاطر هوئی اُتلی خاطر هوئی اُتلی بھارے هوئی اُتلی علامے هوئی اُتلی بھارے هر آرام آرر آسائش کا اُتلا خیال بھیا گھا گھا اُتلی جوش کے ساتھ هماری هر جھوٹی ہوی سبجی جھوٹی ضرورت کو پورا کیا گھا که هم سب کے سب اِس اُنوکھی آربهگا پر دنگ رہ گئے . هم هندستان اُن انوکھی جورہے هیں پر اِن جیزوں کی بیاری یاد همارے والے میں همیشہ بنی رہے گی .

ر جهون ایک پرانا دیش ہے جسکی سبھیتا کا اِتہاس کم سے کم سہار ہوار برس سے ملتا ہے ۔ یہی حال همارے تیمن کا ہے ، جھی نے دنھا کو کئی ایسی نمخین دنی جھیں جھکے باتا انسانی سبھیتا کا پہلنا پہولنا ناممکن

'51 seems

के करवानों में इमने केश हैं सामुबी मचतुर बीर मैनेजर की तनखाड़ों में कोई बड़ा कहा मही है. कैन्ट्रम में ओ बड़ी भारी पेपर सिक है बहां पर सब से कम और सबसे जियावा तनखाहों में तीन व बाठ की निस्वत थी. पेकिंग की एक फैक्टरी में हमने देखा कि एक मजदर लड़की को जहां ढाई सौ कट्टा अनाज हर महीने मिलता था. हायरेक्टर की सिर्फ साढ़े तीन सी. हमें यह जान कर खुशी हुई कि नए चीन में छाटे से लेकर बड़े तक, जियादातर सरकारी मुलाजिमों को तनसा रुपया या सिक्के के क्जाए अनाज की शक्त में मिलती है. इसी का नतीजा है कि एक कैविनेट मिनस्टर या यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर के इपड़ों में और मामूली क्लर्क या फ़ैक्टरी-मजदूर के कपड़ों में क्षरीय क्ररीय कोई फर्क़ नहीं रहता. महज देखने से एक इसरे में तमीज करना मुशकिल था. अगर मजदूरों बा किसानों की भीड में चेयरमैन माक्यो खड़े हों तो उन्हें कपड़ों के बल पर ता पहचाना भी नहीं जा सकता. हमने देखा कि नया चीन एक अमली लोकराज और सही मानों में लोकराज है.

चीनी लोकराज की सालगिरह के दिन हमने देखा कि काक्षीं-हरोड़ों लोगों में अपने नए लोकराज और उसके चेयरमैन के जिये कितना उत्साह है. उस दिन हमने देखा क्रीजें क्रवायद कर रही हैं, गोला-तोप-सामान चल रहा है, हवाई जहाज दोड़ रहे हैं और लोगों के लम्बे चौड़े जलस खुंपचाप ताली बजाते हुए निकल रहे हैं. हमने देखा।क धन सबमें कितनी एकता है, कितनी हिन्मत है और उनके अन्दर क्या कमाल की जान है. हमें यक्रीन है कि नया चीन अजेय है, इसे कोई नहीं जीत सकता. इमें यह सममाया गया और हमने पहतियात से सममा कि इन दो बरेसों में नए भीन ने किस तरह अपनी पैदावार बढ़ा ली. बाम निरा लिये, मंहगाई के सवाल को हर कर लिया, आपने आने-जाने के चकनाचूर साधनों को, ज़िन में रेलवे शी शामिल है, किस तरह फिर से बना लिया और उनमें शरकारी भी कां, अपने अन्दर आने वाले और बाहर आने बात क्योपार का सिलसिला ठीक बैठा लिया, और संबंधे खास बात जो की वह यह कि अपने यहां के बे जरीत बालों को जमोनें दी. इस सबसे पता चलता है कि कहा के मेताओं में तामीर का कितना माद्वा है और लोगों में किस क़दर मुस्तकिल मिजाजी है, जिस पर किसी भी पुरुष को नाज हो सकता है. जो कुछ हमने देखा उससे कारा यह पक्का यक्कीन हो गया है कि नए चीन में न में इसरी पर इमला करने की इच्छा है न हो सकती है. सिं बड़ीन है कि नया चीन शान्ति के लिये एक बहुत बड़ा कारा है और सारी दनिया के लोगों से मिस कर मेल-क्षित के साथ रहता चाहता है.

ر المعالمان معن عم له حلكما له مسولي جلال الله يليمر عي تتطواهون ميون كولي يوا قرق ليهن هي . يبلتن ميں جو يوي بهاري يُعَهِّر مَل هـ وهال يو سب س ار سب سے ویادہ تشمولمیں میں تین و آٹھ کی نسمت پیکنگ کی ایک فیکٹری میں هم نے دیکھا که اک مزدور اوکی کو جہاں تعالی سوکٹٹی آباج هر منعا تها قالرکار در صرف ساوه تهی سو . همیس یہ جان کو خوشی هوئی که نئے چهن میں چهوائے سے لے ک بچے تک زیادہ تر سرکاری ماازموں کو تلخواہ رویهم یا سکے کے بعوائے انام کی شکل میں ملتی ہے ، اِسی کا نتهجه هے که ایک کهبلت منستر یا یونهررستی کے ائس جانسلر کے کھورں میں اور معمولی کلرک یا فیکٹری مزدور کے کہوں میں قریب قریب کوئی فرق نہیں رھتا ، منعض دیکھلے سے ایک دوسرے میں تمیز کرنا مشکل تها ، اگر مودوروں یا کسانوں کی بہیر میں ،چیرمٰوں ماؤ کیوے هوں تو اُنههں کھووں کے بل پر تو پہنچانا بھی نہیں جاسکتا . هم نے دیکھا که نیا چین ایک عملی لوگ راج اور سعیم معدوں میں لوک راج ہے .

چہلی لوک راچ کی سال گرہ کے دین هم نے دیکھا کہ ود کروڑوں لوگوں میں ابھ نگے لوک راج اور اُس کے جيرمين كے لئے كتا أتساء هے ، أس دن هم كے ديكها نوجیں قوامد کر رهی هیں؛ گولم توپ سامان چل رها هے؛ موائی جہاز دور رہے میں آور لوگوں کے لنجہ چوریے جارس جب چاپ تالی بجاتے هرأء نکل رقے هيں ، هم لے ديكها که أن سب ميں كتنى ايكتا هے كتنى هست هے اور أن كے اندر کتنیکمال کی جان هے ، همیں یقین هے که نیا چهن اجدُ هے اس كوئى نهيں جهت سكتا . هميں يه سمجهايا کیا اور هم نے احتیاط سے سمجها که اِن دو برسوں میں نئے جین نے کس طرح ایلی پیداوار بوعا لی' دام کرا لئے' مہنکائی کے سوال کو حل کر لیا؛ اید آنے جانے کے چملا چرر سادهدرس کوا جن مدن ریلوے بھیشامل هے کسطرح يهر سے بنا لها اور ان ميں ترقى بهى كى، ليے اندر آلے رالے اور یاہر جانے والے بھوپار کا ملسله تھوک بیکھا لھا، اور سب سے شامی بات جو کی وہ یہ کہ آیے یہاں کے بے زمین والیں کو ومهنیں دیں ، اِس سب سے پته جلتا ہے ک یہاں کے نیعاوں میں تعمیر کا کتفا ماددا ہے اور لوگوں میں کس قدر مستقل مواجی ہے' جس پر کسی بھی ملک کو ناز هوسکتا هے . جو کچه هم لے دیکھا اس سے هداراً يه يكا يقين هوكها هي كه نثر جهان مين نه تو دوسرون پر عمله کرتے کی اِچہا مے ته هوسکتی هے ، همیں یقین مے که نیا جمین شانتی کے لئے ایک بہت ہوا سیارا م اور ساری دنیا کے لوگیں سے مل کو میل متھیسی کے ساتھ . A little lie,

हरेगा कि मैं पह सानवान का दिस्सा हूँ और इसी तरह हाम करेगा.

हिन्दुस्तान में जो शान्ति आन्दोलन चल रहा है उसका
यही मकसद है. दूसरे प्राथाम भी उसकी मातहती में पूरे
किय जा रहे हैं—जैसे शान्ति अपोल पर दसखत, पंच
ताकत सुजहनामे पर इसरार, वरारा. हमें यक्कोन है कि
दिन दिन हिन्दुस्तान और चीन में सच्ची दोस्ती और
भाई चारा बढ़ेगा. और यही वह चीच है जिसके बल पर
हां सकती है.

People's Daily में 7. 10. '51 को छपा लेख]

पेकिंग रेडियो से ब्राडकास्ट

22 सितम्बर की सुबह को जब हमारा जहाज हांगकांग से चल कर नए चीन की धरती के नजदीक पहुँच रहा था तो हमने तोपें छूटने की आवाज सुनी, कैन्टन के बंदरगाइ की सजावट को दूर से देखा और मिलेट्री बैन्ड की मनोहर अवाज हमारे कान में पड़ी. इससे हम समफ गर कि हमारे खागत की कैसी जबरदस्न तैयारियां हैं. उस बक्त से लेकर अब तक—इस बक्त तक—जो मुहब्बत, जो उदारता, जो मेहरवानी चीनी सरकार और चीनी भार्यों ने हमारे उपर बरसाई है और जिस जोश और खुशो के साथ हमारा स्वागत किया है, उससे हमारे हिन्द मिशन के हर मेन्बर का दिल फूला नहीं समाता. हम अपने देश वापस जा रहे हैं मगर यहां की मोठो याद हमें हमेशा ही बनी रहेगी.

हमने नए चीन के—निजी और सरकारी—दोनों तरह के कारखाने देखे. यहां की यूनिवर्सिटियां देखीं. हमने यहां के मजदूरों के, नौजवानों के, औरतों के और तरह तरह के संगठनों को अमली रूप में देखा. हमने यहाँ की सहयोगी सोसाइटियां देखीं, नाटक देखे, सिनेमा देखे. हम नए चीन के बाजारों में, गली-कू बों में और गावों में घूमे. हर जगह हमें महसूस हुआ कि नए लौकराज की सभी जमाअतों के लोगों के दिलों में कितना उत्साह और अपने नेता चेयर मैन माओ-त्से-तुँग के लिये किजना प्यार है. हन दो बरसों में नए चीन ने वह पेबीदा सवाज हल कर लिये जो बहुत से देशों के नेताओं और सरकारों को परेशान किये हुए हैं. चीन की सरकार ने इतने बड़े मुरक में से भिक्मांगी और इसमत करोशी को विलक्षत खत्म कर दिया. इसने वह वेईमानी और रिश्वत खोरी खत्म कर दी जिसके लिये चीन के हाकिम दो बरस पहले सारी दुनिया में बदनाम

پیکنگ ریت یو سے برات کاست

22 ستمبر کی صبح کو جب همارا جہاز هانگ کانگ سے چل کر نئے چین کی دهرتی کے نزدیک پہنچ رہا تھا تو هم نے توپیس چہوتانے کی آواز سلی' کیلٹن کے بلدرگاہ کی سجاوت کو درو سے دیکھا اور ملٹری بھلات کی مقوهر آواز همارے کان میں پڑی . اِس سے هم سمجھ کئے که همارے سواگت کی کیسی زبردست تیاریاں هیں ، اُس وقت تک سے جو محبت' وقت تک سے جو محبت' جو اُدارتا' جو مہربانی چیلی سرکار اُور چیلی بھائیوں نے همارے اُوپر برسائی ہے اور جس جوهم اور خوشی نے همارے اوپر برسائی ہے اور جس جوهم اور خوشی نے ساتھ همارا سواگت کیا ہے' اُس سے همارے هلد مشن ساتھ همارا سواگت کیا ہے' اُس سے همارے هلد مشن جیل رہے ہیں مگر یہاں کی میٹھی یاد، همانے دیش واپس جا رہے هیں مگر یہاں کی میٹھی یاد، همین همیش هی

م نے نئے چھن کے نجی اور سرکاری--دونوں طرح کارخانے دیکھیں ۔

کم کارخانے دیکھے ، یہاں کی یونیورسٹیاں دیکھیں ،

م نے یہاں کے مودورو کے نوجوانوں کے مورتوں کے اور طرح طوح کے سنگٹھلوں کو معلی ررپ میں دیکھا ، هم نے یہاں کی موہوئی سوسائٹیاں دیکھیں ناٹک دیکھے سلاما دیکھے ،

میں گھویے ، هر جگه همیں محسوس هوا که نئے لوک میں گھویے ، هر جگه همیں محسوس هوا که نئے لوک والے میں سمبی جماعتوں لوگوں کے دارں میں کتفا انساء اور اور اور موارد کی لئے کتفا ایساء اور اور اور سوکاروں کو پریشان کئے کہا ہوں میں کے بین نے وہ یہجیدہ سوال حل کو لئے بہت سے دیشوں کے نیتوں اور سوکاروں کو پریشان کئے بہت سے دیشوں کے نیتوں اور سوکاروں کو پریشان کئے بہت سے دیشوں کی سرکار نے اتاے ہوے ملک میں سے بھی اور مصمت فروھی کو بالکل ختم کر دیا ۔ اِس بھی بھی اور وہوس خوری ختم کر دیا ۔ اِس بھی جس کے بھی بھی ہمیں ہوتا ہے لیمانی اور وہوس بھی میں بدنیا میں بدنیا میں بدنیا

इधर चन्द बरस में अमरीका की दिलचरपी पूरव के रेशों में बढ़ती जा रही है. अमरीका की जो पालिसी है मौर जो कारनामे हैं उन पर हिन्दुस्तान की पूरी निगाह है. [में यह देखकर दुख हुचा कि चान कल की सभ्य या प्ररीक कही जाने वाली सरकारें किस हद तक आपे से गहर बद्ती चली जाती हैं. और यह किस लिये हैं ? सिर्फ [संलिये कि दूसरे देशों पर उनका फीजी और आर्थिक मसर क्रायम हो जाए. इस अरसे में कोरिया वालों को हो सुसीवतें डठानी पड़ी हैं और जिन आफतों का सामना हरना पड़ा दसमें हमारी दिली हमददी वनके साथ है. बारे हिन्दुस्तान की यह इच्छा है कि कोरिया एक हो, हों पर पक राज हो जिसमें किसी बाहर वाले का कोई मसर न हो और अपने सब पड़ोसियों से, खास कर चीनी बोकराज से, भाई 'चारे का उसका ताल्लुक हो.

जहां तक विश्व शान्ति आन्दोलन की बात है, उसमें हो उस चीन ने लिया है इम उसकी ताईद करते हैं. हमने हुद देखा कि चीन के महान नेता, चेयरमैन मक्रो-रधे-तंग । कितने बढ़े रचनात्मक काम किये हैं. पिछले दो बरस विनकी रहतुमाई में चीन ने जो ग़ैर मामूकी तरक्री में है इसे देखकर जहां हमें अवरज होता है वहां बेहद ाशी भी हाती है.ऐसा रवनात्त्रक आदमी अगर अमन ग सवाहां न होगा तो कीन होगा ? अपने देश वापस ाने पर इस अपने भाइयों को अपनी निजी जानकारी इ. बल पर बताएंगे कि चेयरमैन माझो शान्ति के बड़े से है अपन्यों में हैं. हम जानते हैं कि कोरिया के मामले े **चीन ने तभी हाथ डाला** जब उसकी अपनी सरहद ात्ररे में पढ़ गई थी. लेकिन यह हाथ जो डाला सो महज ापने बचाव की खातिर डाला. आप जानते होंगे कि ाम्ह सरकार ने यूनो और अमरीका को होशियार कर वा का कि 38 वीं पड़ी लकीर के आगे न बढ़ना, महात्मा भि से हमें जो प्रेरना मिली है उसकी वजह से हिन्दुस्तान सिंग के बीच किसी भी तरह की लड़ाई के खिलाफ है. वियत रूस ने जो सुमाव इस सिलसिले में पेश किया है सकी इस बद्दत क़द्र करते हैं. रूस का सुमाब है कि निया के सभी देश धीरे धीरे मगर एक साथ हथियार खी शक करदें. इस के अलावा रूस का यह भी कहना है सभी पटामिक हथियार एक साथ खत्म कर दिये जाएं. ई इस बात का अकसोस है कि तूसरे बड़े मुल्कों को यह मार्व मंजूर न हुए. हिन्दुस्तान दिल से इस दिन का तकार करेरहा है जब सारे देश अपनी मरजी से थयार छोद देंगे, मुलक के कुल हथियारों को तोड़ कर हल-बड़े की शकत दे दी जाएमी, जब इस घरती पर रहने के एक हो जाएंगे और जब हर इनसान यह महसूस

ادهر بھلد برس میں امریکہ کی طبیسی پورپ کے دیشوں میں بوهتی جا رهی هے . امریکه کی جو پالیسی م اور جو کارنامے هيں أن يو هندستان كى يورى نكاة ه. . مین یه دیکهکر دکه هوا که آجکل کی سبههه یا شریف کہے جانے والی سرکاریں کس حد تک آیے سے باھر بڑھائی جلى جانى مهن . اوريه كس لله ؟ صرف اس لله که درسرے دیھوں پر ان کا فوجی اور آرتھک اور قائم ھو حائم اس عرصه مهن كوريا وألون كو جو مصهبتهن الهاني پوي هين اور جن آفتوں کا سامغا کرنا پوا اس میں هماری دای ممدردی أن كے ساتھ هے . سارے هندستان کی یه اِچها هے که کوریا ایک هو' وهاں پر ایک راج هو جس میں کسی باهر والے کا کوئی آثر کھ هو اور ایے سب پورسیوں سے خاصکر چیڈی لوک راہے سے بهائی چارے کا اُس کا تعلق هو .

جہاں تک وشو شائتی آندولن کی بات ہے' اِس میں جو رئے چھن نے لیا ھے هم اُس کی تائید کرتے هیں . هم نے خود دیکھا که چین کے مہان نیتا' چیزمین ماؤٹسے تنگ نے کتنے ہوے رچناتمک کام کئے میں، پچھلے در برس میں ان کی رهنمائی میں چین نے جو فیر معمولی ترتی کی مے آسے دیکھکر جہاں ممیں اچرج موتا مے وهاں بے حد خوشی بھی هوتی هے ایسا رچناتمک آدمی اگر امن كا شوامان نه هوا تو كون هوا ؟ اله ديش وأيس جانے پر هم ابھ بھائیوں کو اپنی تھی جانکاری کے بل پر بتائين كوكة جهرمين ماؤ شانتني كے بوے سے بوے كهميون میں میں ، هم جانتے میں که کوریا کے معاملے مهں چین نے تبھی هاتھ ڈالا جب اُسکی ایدی سرحد خطرے ميں پوئلئی تھی ، ليكن يه هاته جو دالا سو معض أيه بجاَّء کی خاطر ڈالا ، آپ جانتے موں کے که هند سرکار نے یونو اور امریکه کو هوشهار کردیا تها که 38 ریس پوی لکیر کے آگے نہ ہومنا ، مہاتما گاندھی سے ھٹھی جو ہریرنا ملی ہے اُس کی وجه سے هندستان قوموں کے بیچ کسی بھی طرح کی لوائی کے خلاف ہے . سوریت روس نے جو سجهاو اس سلسلے میں پیش کیا ہے اُس کی هم بہت تدرکرتے میں . روس کا سجهاؤ هے که دنیا کے سبهی دیمی دهیرے دهیرے مگر ایک ساته هتههار بندی شروع کردیں إسكم علاوة روس كا يه بهي كهذا هم كه سبهي آيتا-ك هتههار ایک سانه خدم کردئه جائیں . همیں اِس بات کا انسوس م له دوسرے بوے ملکوں کو یہ سجهاؤ منظور نه هرئے. هندستان دل سے أس دن كا انتظار كررها هے جب سارے دیش اینی مرضی سے هعهدار جهوردیس کے ملک کے کل مجھیاروں کو توز در هل پھارت کی شکل دے دی جائے گی جب اِس دھرتی پر رھٹے والے ایک ھوجائیں گے اُور جب ھر انسان یہ محصوس

शान्ति का आन्दोलन

मुक्त से कहा गया है कि चीन में 'अमरीकी हमले का मुक्त बला करों' और 'कोरिया की मदर करों' वाला जो आग्दालन चल रहा है और शान्ति के लिये हिन्दुस्तान और चीन में जो तहरीक चल रही है उन पर अपनी राय जाहिर करूं. मैं खुशी से "पीपुलस डेजी" के लिये यह लेख लिख कर यह काम कर रहा हूँ मुक्ते यक्तीन है कि जो खयाल मैं जाहिर कर रहा हूँ बही हिन्दुस्तान के जियादा तर लोगों का खयाल है.

अन्तर क्रीमी मैदान में हिन्दुश्तान हमेशा शान्ति का वैरोकार रहा है. आज भी वह पूरे दिल के साथ शान्ति का पैरोकार है. थोड़ा अरसा पदल इस अंगरेकी हुकामी क्षीर पँजीवादी साम्राजशाही के पंजे में फंसे थे भीर हिन्दुस्तान में विदेशी हुकूमत का रहना हर हिन्दुस्तानी के लिय शर्म और दुख की बात थी. इस तीदाद में तो बहुत थे लेकिन निहत्ये थे. पर चार साल हुए अंगरेजी साम्राज-शाही के शिकंजे में से हम निकल आए और आजाद हुए. हमारी आजादों की लड़ाई के रहवर महास्मा गांबी थे जिनकी याद हाल ही में साथों को मो-जो ने "शान्ति के तिये शहीद'' के नाम से की थी. सचमुच महात्मा गांधी शान्ति के बड़े से बड़े अलमबरदारों में थे. किसी भी सूरत वा शकत से कोई देश अगर दूसरे पर चढ़ाई करे तो वह हमें नकरत की बात लगती हैं. हमारा विश्वास है कि चाचादी पसंद्रहर मर्द औरत का फर्ज है कि ऐसी चढ़ाई या हमले का मुक्तावला करने के लिये जो कुछ उससे बन सके करे, बढ़ाई या हमले का अहिंसात्मक ढंग से मुकावला करने का तरीका हमें महात्मा गांधी ने बताया. हम हिन्दुस्तानियों ने उनके तरीक़ों को अपनाया और कमाल की कामयाबी हासिल की. साथ ही साथ महात्मा गांधी की साफ राय थी कि जहां जहां चहिंसात्म क तरीक़ की वाक-कियत लोगों को नहीं है या किसी वजह से वह अमत में नहीं लाया जा सकता तो इस देश के लोगों का यह पाक कर्ज हा जाता है कि चढ़ाई का मुकाबना हथियार के बल ते ही करे. चन्होंने हमें सिखाया कि हमले के आगे हाथ पर हाथ बर कर बैठ जाना कायरता ही नहीं जुर्म है. इसिलये इम हिन्दुस्तान के लोगों की अपने चीनी भाइयों के साय पूरा हमद्दि है. भीतरी और बाहरी हमते के मुकाबते में क्तोंने जो मोरचा लिया उसका हम हर तरह समर्थन करते हैं और क्लकी सफलता पर उन्हें कथाई देते हैं.

شانتي كا أندولي

مجھ سے کہا گھا ہے کہ چین میں ' آمریکی حملے کا مہابلہ کرو' اور 'کوریا کی مدد کرو' والا جو آندولن چل چھا ہے اور شائعی کے لئے مندستان آرر چھن میں جو تحصریک چل رہی ہے ان پر اپنی رائے طاهر کروں ، میں خوشی سے '' پرپلس ڈیلی '' کے لئے یہ لیکھ لکھکر یہ گام کر رہا ہوں ، مجھے یتین ہے کہ جو خیال میں بھاھر کر رہا ہوں وہی مندستان کے زیادہ تر اوگوں کا خیال ہے .

أتعر قومي مهدأن مهن هندستان همهشه شانتي كا چھرو ہوا ہے . آج بھی وہ پورے دال کے ساتھ شانعی کا همروکار هے ، تهورا عرصه بهلے هم انکریزی حکامی اور پونجی وادسى سامراب شاهو كے باعجے مهن بهاسے ته اور هقدستان مهن وديدهي حكومت كارهذا هر هندستاني كے لئے شرم أور ککه کی بات تهی . هم تعداد مهن تو بهمت ته لهکن المهاتم أبر جار سال هوأے الكرين سامراج شاهى كے شكلت ميں سے هم ذكل آئے اور آزاد هوئے . هماري آزادي کی لوائی کے رهبر مہاتما کاندهی تھے، جن کی یاد حال مھی مھی ساتھی کو ، مو ، جو نے ''شانٹی کے لئے شہید'' کے نام سے کی تھی ، سے میے مہاتما گاندھی شاندی کے ہوے سے ہوے علمدرداروں میں تھے ، کسی بھی صورت یا کیل سے کوئی دریش اگر دوسرے پر چوھائی کرے تو وہ عبهن نفرت کی بات لکھی ہے . هدارا رشواس ہے که آزادی فساف هر مرد مورت کا فرض هے که ایسی چوهائی یا خلاملے کا ۱۹۱۹ملہ کرتے کے لگے جو کچھ اُس سے بن سکے کرے . چڑھائی یا حملے کا اهنسانیک دهنگ سے مقابلہ : کوتے کا طریقہ سیس مہانیا کاندھی نے ایتایا ۔ ھم معدستانهوں نے آن کے طریقوں کو اینایا اور کمال کی عليهابي حاصل كي . ساته هي ساته شهاتما كاندهي كي عماق واله تهي كه جهال جهال أهنساتمك طريقه كي ا الفیت لولوں کو نہیں ہے یا کسی وجه سے وہ عمل میں رقيهي لايا جا سكتا تو أس دي<u>ش كه لوكون كا يه ياك قرض هو</u> ورجاتا م که جوهائی کا مقابله هتههار کے بل سے هی کرے . النهس في همهن سكهايا كه حمله كه آله هاته پر هاته دهر عقدشتائن کے لوگوں کی افتے چیلی بہائیوں کے ساتھ پوری العنيدردين هے، بهيعرى اور باهرى حمله ع مقابلے مهن المهورية لها أس كا هم هر طرح سدرتهن كرتي هين أير أن كي سههلتا ير أنهين بدعائي ديتے هين .

and the street of the state of

What the head of the wife with the

चलती है और कूसरी कोई नहीं चलती. पूरव या पिछम के सभी क्रान्तरानों का यह खबाल है. हिन्दुस्तान की यह कोशिश हमेशा रहेगी कि चीनी लोक राज की दुनिया की एक बड़ी ताक़त समक्ता जाए. हम यहाँ पर आपके नए राज को अपनी तरफ से सलामी देने आए हैं. आपने को काम खब तक किये हैं और जो आगे करने का बादा करते हैं वह ताउजुब जैसे लगते हैं. पिछले दो दिन में आपकी सरकार के प्रोमाम के कुछ पहलुओं से जानकारी हासिल करने का मीक़ा हमें मिला. हम आपकी कामयाबी चाहते हैं."

जब यह पूछा गया कि चीन के बारे में हिन्दुस्तान में जानकारी कितनी है तो पंडित सुन्दरलाल ने जवाब दियाः

"चीन के बारे में हमारे अखबारों में खबरें आती तो लगातार हैं मगर दूरन्देशी उनमें कम रहती है. इसके सुक्षाबले पेकिंग का विदेशी माशा प्रेस कमाल का काम कर रहा है. चेयरमैन माओ की किताबें हिन्दुस्तान में छपी हैं और उनके कई कई एडीशन निकल गए हैं. हिन्दुस्तान में पेसी किताबों की मांग बढ़ती जाती है जिनसे नए चीन के सब हालात मालूम हों. यह मांग पूरी करनी होगी.

"चीनी लोकराज के बढ़े बढ़े नेताओं के नाम— देवरमैन माओ-त्से तुंग, जनरल चू तेह, बढ़े वजीर चू-त्रांले, मायब-चेयरमैन लिऊ-शाओ-ची—बच्चा बच्चा जानता है. हिन्दुस्तान के लोग चीनियों और उनके नेताओं के बहै में विवादा से जियादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं. बाजकल आपका सुन्दर अखबार 'पीपुलस चायना" के अवदी नहीं मिल पाता है. पेकिंग के बिदेशी-माशा

पीडित सुन्दरसाल से जब वह पृक्षा गया कि आपको पानके में कोई तकलीफ तो नहीं हुई तो उन्होंने मुस्करा कर

के की आपके महान यात्री हैन-सांग हमारे देश में आए में ही राज हम ने उनकी ऐसे तोहफे दिये थे जो एक राजा ही दें सकता था. अब तेरह सौ साल बाद आप एक हिन्दुस्तानी मिशन का स्वागत कर रहे हैं—ऐसे जोर सोर के साथ, ऐसे खुले दिल के साथ, ऐसी मुहब्बत और हुएखत के साथ—जो जनता का लोकराज ही कर सकता है, जो वही सरकार कर सकती है जो अपनी जनता के काम के आकावा उनके दिल की भी आईना हो." التی فی آور فوقوق گولی نهیں چالتی ، پووب یا پجھم سببی قانون دانوں کا یہ کھال ہے ۔ هندستان کی یہ شش همیشہ رہے گی کہ چینی لوک راج کو دنیا کی بری طاقت سمجھا جائے ۔ هم یہاں پر آپ کے نئے کو اپنی طرف سے سامی دیائے آئے هیں ۔ آئے جو کام ایک کئے هیں اور جو آئے کرنے کا رمدہ کرتے هیں وہ جب جیسے لکتے هیں ، پجھاے دو دن میں آپ کی کار کے پروگرام کے کچھ پہلوؤں سے جان کاری حاصل کرنے کا تم همیں میں آپ کی بروگرام کے کچھ پہلوؤں سے جان کاری حاصل کرنے کا تم همیں میں آپ کی بروگرام کے کچھ پہلوؤں سے جان کاری حاصل کرنے کا تم همیں میں آپ کی کاری حاصل کرنے کا تم همیں میں آپ کی کاری حاصل کرنے کا تم همیں میں آپ کی کاری حاصل کرنے کا

جب یہ پوچھا گھا کہ چھن کے بارے میں ھندستان بی جانکاری کتنی ہے تو پنتے سندر قال نے جواب دیا :

' چین کے بارے میں همارے اخباروں میں خبریں تو اعادار هیں مخبریں تو اعادار هیں مخبریں تو اعادار هیں مخبریں کے مقابلے بہتملگ کا ودیشی بماشا پریس کمال کا کام رها ہے ۔ چهرمین ماؤ کی کتابیں هندستان میں بہی هیں اور اُن کے کئی کئی ایڈیشن نکل گئے هیں اسکان میں ایسی کتابوں کی مانگ بوهتی جاتی جن سے نئے چون کے سب حالات معلوم هوں ۔ یہ مانگ ی کرنی هوگی ،

'نچینی لوک واچ کے بوتے بوتے نیتاؤں کے نام۔۔
برمین ماونسے قنگ' جفرل چو تھ' بوتے وزایو چو آن لے

بب چیرمین لیو شاؤ چی ۔۔ بچہ بچہ جانتا ہے ،
دستان کے لوگ چینفیوں اور اُن کے نیتاؤں کے بارے

م زیادہ سے زیادہ جانکاری حاصل کرنا چاہتے میں ، آچ

آپ کا سندر اخبار ''بیبلس چاننا'' بھیسب کو نیمیں

یاتا ہے ، بیکنگ کے ودیشی بہاشا پریس کا کام اُور

یانت سادر قل سے بھی یہ پوچھادگیا کہ آپ کو سے میں کوئی تعلیقت کو نہیں ہوئی کو آنویں لے سرا کر ہوگی دیا ہ

'' جب آپ کے حیان یاتری ہیوں سانگ ہمارے ش میں آپ کو ایسے تعدیے ش میں آلے تھے تو واجہ ہرتی ہے آپ کو ایسے تعدیے کے تیے جو آپک واجہ ہی سے سکتا تھا ۔ آپ تھرہ سو آل بعد آپ آپک ماتھا کا میں سخویا سوائٹ کو رہے میں سے زور شہو کے ساتھا کیسی معتمدت میں کے ساتھا کیسی معتمدت میں کے ساتھا کیسی معتمدت میں کے ساتھا کیسی معتمدت کے ساتھا کیسی معتمدت کے ساتھا کے کام کے میں کے دل کی پھی آٹھات جو ایسی جاتا کے کام کے دو ایسی جاتا کے کام کے دو ایسی جاتا کے کام کے

(158)

الإنجال الوي الدي

उनके इस इस में कोई भी दसल नहीं देगा. में जानता हूँ कि दूसरे देशों की तरह हिन्दुस्तान में भी कुछ लोग ऐसे हैं — जैस गही से हटाए गए रजवाड़े, पूंजीपित वरौरा — जो अमरीकी या अंगरेजी पूंजीपितयों के साथ मिलकर जनता को अब भी चूसना चाहते हैं और यह सोचते हैं कि अगर दुनिया भर में लड़ाई छिड़ जाए तो इससे उन्हें फायदा हागा. लेकिन ऐसे लोगों का असर आम जनता में रत्ती भर भी नहीं है और न हमें इसे कोई अहमियत देनी चाहिये. आप इतमिनान रिखये कि हिन्दुस्तान हमेशा शान्त का अलमबरदार रहेगा. हिन्दुस्तान जानता है कि "लड़ाई से" जैसा कि हमारे बड़े बजीर पंडित जवाहर लाल नहींह कहा करते हैं "कोई सवाल हल नहीं हुआ करते."

A. 10 A.

जब यह पूछा गया कि चीनी लोकराज के बारे में श्रापका क्या स्त्रयाल है तो पंडित जी ने जवाब दियाः

"मेरा क्या सभी हिन्द बासियों का खयाल दो मोटे मांटे उसूलों के आधार पर बना करता है. पहले यह कि चीन में कैसी सरकार क़ायम हो इसका फैसला सिर्फ चीनी ही कर सकते हैं—वही और सिफ वही यह फैसला करने के लिये सबसे बढ़ कर और आला मुन्सिफ हैं. किसी दूसरे को इस मामले में नहीं पड़ना चाहिये. आपने अपने देश में एक बहुत बड़ी क़ान्ति की और दुनिया को जता दिया कि अपने चेयरमैन माओ-स्से तुंग के बतलाए नए लंकराज के उसूलों में आप का विश्वास है. हिन्दुस्तान दिल खोल कर चीनी लोकराज का स्वागत करता है. हम मानते हैं कि चीन दुनिया की एक बड़ी ताक़त बन गई है जो शान्ति और तरक़क़ी की पैरोकार है और हमारी दुआ है कि आप को दिन दूनी रात चौगुनी खुशी और कामयाबी हासिल हो और आप सदियों फूलते फलते रहें.

"दूसरे, हम दोनों देशों के आपसी भाईचारे पर पारटीबाजी की या स्वार्थी विदेशी ताक्षतीं की दखल-अन्दाजी की हवा के भोकों का कोई असर नहीं पढ़ना चाहिये. हिन्दुस्तान से जो बन सका वह उसने किया ताकि सब मुल्क चीन की नई सरकार को चीन की असली सरकार मान को कारमुसा या तेवान के हाकिमों को कुल चीन की सरकार का नुमाइन्दा मानने के खिलाफ हिन्दुस्तान ने हमेशा ही आवाज उठाई है. अंगरेजी क़ानूनदां, प्रोफेसर आपने हाइम का कहना है कि किसी नई अन्तर क़ौमी शक्ति को मानना या न मानना आपके मन की बात नहीं है और न सीहे या चीर बाज़ारी की चीज है, अन्तर क़ौमी कानून या रिवाज के मुताबिक किसी सरकार को क़ाबलियत का इक़रार करते हैं, कि इम यह कबूल करते हैं कि फलां इलाक में यह सरकार और सिर्फ वही सरकार सचमुच

۔ نجب یہ پوچھا گیا کہ چیای لرک راج کے بارے میں آپ کا کھا خھال ہے تو پندت جی نے جواب دیا :

المهرا کیا سبهی هذه باسهون کا خیال دو موقد موقد المولون کے آده او پر بلا کرتا ہے ، پہلے یہ که چین میں اکسی سرکار قائم هو اِس کا نیصله صرف چینی هی کو سکتے هیں — وهی اور صرف وهی یه قیصله کرنے کے لئے سبب سے بچھکر اور اعلیٰ ملصف هیں ، کسی دوسرے کو ایس معاملے میں نہیں پونا چاہئے ، آپ نے آپ دیش میں ایک بہت بوی کوانتی کی آور دنیا کو جتا دیا که میں ایک بہت بوی کوانتی کی آور دنیا کو جتا دیا که ایس میں آپ کا وشواس ہے ، هندستان دل کیول کر اصولوں میں آپ کا وشواس ہے ، هندستان دل کیول کر چینی دنیا کی ایک بوی طاقت بن گئی ہے جو شانتی چینی دنیا کی ایک بوی طاقت بن گئی ہے جو شانتی بینی رات چونلی خرشی آور عماری دعا ہے که آپ کو دن بیمانی رات چونلی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ کو دن بیمانی رات چونلی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ کو دن بیمانی رات چونلی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ

and the state of the second second second second

"बारहवीं सदी के आते आते हिन्दुस्तानियों की विदेश चूमने की आदत खूट सी गई. तुरकी राज के जमाने में सिन-क्यांग में हो कर जाने वाला खुश्की का रास्ता बन्द हो गया. इस बारे में ज्यादा जानकारी मशहूर अंगरेज, मरहूम सर ओरेल इलाइन की किताबों से मिलती है. साइन-इन्डिया नाम से इन्होंने कई जंगी किताबें लिखी हैं. तकला मकन के रेगिस्तान में भी उन्होंने खोजें की. उन से पता चलता है कि उस जमाने में दोनों देशों में कितना गहरा कलचरी ताल्लुक था.

"मेरा मिशन ही नहीं बल्क हिन्दुस्तान के लोग यह बाहते हैं कि यह ताल्लुक फिर पैदा किया जाए. लेकिन केवल समाजी और कलचरी दायरे में ही नहीं, आज कल की दुनिया के मुताबिक राजकाजी और आर्थिक दायरों में भी यह ताल्लुक पैदा किया जाए. मैं जानता हूँ कि दोनों देशों की भाशा अलग अलग होना इसमें एक बड़ी रुकावट साबित होती है लेकिन इस रुकावट पर हम हावी हो जाएंगे. वह दिन दूर नहीं जब चीनो जबान और साहित्य के महकमे हमारी सभी यूनिवर्सिटियों में खुल जाएंगे. इस सम्बन्ध में शान्ति निकेतन यूनिवर्सिटी ने, जिसे स्वर्ग-बासी डाक्टर रवीन्द्र नाथ टैगोर ने क़ायम किया था, क्रांस उठाया भी है.

"जहाँ तक शान्ति का श्रीर तीसरी दुनिया-व्यापी हुड़ाई के खतरे का सवाल है, हम हिन्दुस्तान के लोग सोलह आने शान्ति के हामी हैं. हमारे देश के महान नेता बहात्मा गांधी ने जो पाठ पढाया है उससे हमें यही प्रेरना बिलती है. इसके श्रलावा हिन्द सरकार की एलानिया नीति ही अन्तर क़ौमी शानित है और यही चीनी लोक राज की भी एलानिया नीति है. लेकिन शान्ति की वकालत के बह माने हरशिज नहीं लगाए जा सकते कि अगर किसी रूप या शकल में इम दोनों लोगों के मुल्क पर बाहर से कोई चढ़ाई या हमला करे तो हम उसका मुक़ाबला कारने के इरादे में ही कमज़ीर पड़ जाएंगे, चीनी लोकराज के ग्रुखिया सेना पति जनरल चू-तेह साफ साफ कह चुके हैं कि चीन के पिछले सभी इलाक़ों को हम एक करके रहेंगे. इस बड़े काम में हम हिन्दुस्तान वालों की शुभ कमानाय आपके साथ हैं. दुनिया में शान्ति का मतलब है कि भाई चारे की बिना पर सारी दुनिया के रहने वालों का संगठन खड़ा किया जाए, अन्तर क़ौमी मगड़े ते करने के लिये लड़ाई के साधन को सारिज कर दिया जाए. स्व तरह की शाहियों को, जैसे जागीरशाही, मुल्क-साही, साम्राजशाही, चाहे वह पूंजी के जोर पर चलती हों का श्रामक के जोर पर, सत्म कर दिया जाए, और सब किया की यह इक्त हासिल हो कि वह जैसी चाहें सरकार बनाएं. البارهویں صفی کے آتے اللہ اللہ کی وقیقی ملے کی عاصل کی وقیقی ملے کی عاصل چھوٹ سی گئی، ترکی راپے کے زمانے میں میانک میں عوکر جانے والا خشکی کا راستہ بقد هوئیا ، بارے میں زیادہ جانکاری مشہور انگریز مرحوم سراوریل نے کی کتابوں سے ملتی ہے ، سائن انڈیا دام سے اُنہوں نے جلگی کتابیں لکھی ھیں ، تکلا مکن کے ریکستان ن بھی اُنہوں نے کھوجیں کیں ، اُن سے پتہ چلتا ہے کہ زمانے میں دونوں دیشوں میں کنڈا گہرا کلنچری نے تھا ،

المهرأ مشن هی الهدی بلکه هددستان کے لوگ یه دیے هدی که یه تعلق بهر سے بهدا کها جائے لیکن ل سماجی اور کلچری دائرے مهی هی نهیں آج کل دنیا کے مطابق راج کلجی آرد آرتهک دائروں مهی یه تعلق بهدا کها جائے مهی جانتا هوں که درنوں موں کی بهاشا الگ الگ هونا ایس میں ایک بچی ت کایت هوتی هے لیکن اِس رکارت پر هم حاوی هو شکید مودن دو دن دور نهیں جب چهلی زبان اور ساهتهه محمد هماری سبهی یونهورستیں میں کهل جائهنگے محمد هماری سبهی یونهورستیں میں کهل جائهنگے مسمدد همیں شانتی نکیتن یونهورستی نے جسے کی واسی تاکنر رویددر ناته تیکور نے قائم کیا تها قدم کیا بهی ہی۔

"جهان تک شانتی کا آور تهسری دنها ویاپی لوائی خطرے کا سوال مے م مندستان کے لوگ سوله آنے تی کے حامی هیں . عمارے دیش کے مہان نیٹا تما کاندھی لے جو پاٹھ پوھایا ہے اُس سے ھمھی یہی نا ملتی قم اسک علانه مند سرگار کی علانه نهای اندر قوسی شاندی هے آور یہی چیدی لوک راج کی مقانیہ نیعی ہے . لیکن شانعی کی وکالت کے یہ لى هركو نههل لكائم جاسكتم كه الر كسى روب يا ل میں ہم دونوں دوگوں کے ملک پر ہاھر سے کوئی عائی یا حصلہ کرے تو ہم اُسکا مقابلہ کرنے کے ارادے ں ھی کمؤور پوجائیلگے . چیلی لوک راج کے مکھیا الما يتني جلول جو ته صاف صاف كه جكم هين كه ن کے پنچھلے سبھی مالوں کو ہم ایک کرکے رهیوں ر إس بوے کلم مهی هم هندستان والوں کی شبه لائهی آپ کے ساتھ میں ، دنیا میں شانعی کا مطاب که بہائی چارہ کی بنا پر ساری دنیا کے رہنے والوں سلكها كهوا كها جاأية العر قوسى جهكور طے كرلے لئے اوائی کے سادھن کو خارج کردیا۔ چائے' سب طرح شاهیوں کو جیسے جاتھر شاهی بملک شاهی سامراہے انے وا چونجی کے زور پر چلتی موں یا حکومت زرز برا خدم کردیا جائے اور سب دیشوں کو یہ حق مل هو قلا وه جهسي جاهين سركار يقالهن .

चीन में हिन्द गुडविल मिशन

[20 सितम्बर 1951 को पंडित सुन्दर लाल की सहारत में हिन्दुस्तान से एक गुड़ितल मिशन चीन गया था जिसमें तेरह मेन्बर और दो सेकेटरी थे. इस मिशन का चीन में बहुत जोरदार स्वागत किया गया. मिशन ने चीन के काकी हिस्से का दौरा किया. मिशन के सदर पंडित सुन्दर लाल ने इस दौरे में जो लास स्नास बयान या भाशन दिये वह यहां तारीस वार दिये जाते हैं.

- पडीटर 1

कैन्टन में भाशन

(22 सितम्बर 1951 को)

"पहली श्रक्तूबर 1951 को हमारे पड़ोसी देश, चीन के नए लोकराज की दूसरी सालगिरह है. इस मौक्ने पर अपने चीनी भाइयों को हिन्दुस्तान की जनता की तरफ से बधाई देने के लिये यह सिशन चीन आ रहा है. हमारे सिशन में हिन्दुस्तान के सब हिस्सों के लोग हैं और ज़दा ज़दा रांजगार या काम करने वाले हैं. आपके महान देश में हम इस वजह से बाए क्योंकि हम इससे प्रेम करते हैं और हमारे दिल में इसकी इज्जत है. हम दोनों में रिश्ता आज का नहीं बीस सदी या दो हजार बरस से ऊपर का है. यह रिश्ता बढ़े प्रेम और भाई चारे का क़रीबी रिश्ता है. सच यह है कि हिन्दस्तान के पुराने इतिहास का काफी हिस्सा उन बयानों के आधार पर तैयार किया गया है जो आपके सरनाम संकीर, ह्यान सांग, और फाहियान लिख कर छोड़ गए हैं, हमारे देश के एक विद्वान प्रोफ्नेसर डाक्टर पी. सी. बागची ने "हिन्दुस्तान और चीन" नाम की एक किताब लिखी है, उसके लिये ब्रसों वह आपके देश में रहे और खोज करके जानकारी हासिल की. दुर्भाग्य से उनकी तिषयत आजकल अच्छी नहीं है, इस लिये वह हमारे साथ न आ सके.

"चीनी के बरतन हिन्दुस्तान क्या, दुनिया भर में मशहूर हैं. इसी तरह से आप के यहां का रेशम लासानी है चीनी कलाकारों और दस्तकारों के काम की तारीफ़ हमेशा से ही दुनिया भर में होती रही है. चित्रकारी में भी चीन का मुक़ाबला कोई नहीं कर सकता है. लेकिन शायद सारे पूरव को जो चीन की सबसे बढ़ी देन थी वह है काराज बनाना—यह काम हिन्दुस्तान ने दसवीं सदी में आप से सीखा था.

چینی میں هند گدول مشی

[20 ستمبر 1951 کو بلقت سلدر الل کی صدارت میں مددستان سے ایک گذرل مشن جین گیا تھا جس میں تیزہ ممبر آور دو سکریٹری تھے ایس مشن کا چین میں برمت زرردار سرائمت کیا گیا، مشن نے جین کے کانی حصے کا دروہ کیا ۔ مشن کے صدر بلقت سلدر الل نے اِس دررے میں جو خاص خاص بیان یا بہاشن دیائے رہ یہاں تاریخوار دیئے جاتے ہیں ۔ ایڈیٹر]

كينتى ميں بھاشى (22 ستمبر 1951 كو)

"ليهاء الكتوبر 1951 كو همارے پورسى ديھ" چين کے نیٹے لوک راج کی دوسری سالگوہ ہے . اِس صوقعے پر ایے چھنی بہاٹیوں کو مندستان کی جنتا کی طرف سے بدهائی دینے کے لئے یه مشن چین آ رها هے ، همارے مشن میں مندستان کے سب حصوں کے لوگ هیں آور نجدا جدا روزار یا کام کرنے والے عمل ، آپ کے مہان دیش میں هم اِس وجه سے آئے کیونکہ هم اِس سے پریم کرتے هیں أور هماري دل مين إسكى عزت هي . هم دونون مين رشته آب کا نہیں بیس مدی یا دو هؤار برس سے اوپر کا ھے . یه رشته بوے پریم آور بھائی چارے کا قریبی رشته هے . سے یہ ہے کہ مددستان کے پرانے اِتہاس کا کافی حصہ ان بہانوں کے آدھار پر تھار کیا گھا ھے جو آپ کے سرنامستھر هوان سانگ آور فاههان لکهکر چهور کیے ههی ، همارے دیش کے ایک ودران برونیسر داکتر بنی . سی . باکچی لے "هندستان اور چهن" نام کی ایک کتاب لکھی ہے۔ السکے لئے برسوں وہ آپ کے دیش مہیں رہے اور کھوج کرکے بعا کاری حاصل کی . دربهاگیه سے اُنکی طبیعت آج کل أجهى نهين هي إس لله ولا هماري ساته نه أسكي .

المحالی کے برتن هندستان کیا' دنیا بھر میں مشہور اسی طرح سے آپ کے بہاں کا ریشم الثانی ہے ، اسی کا کام کی تعریف دنیا بھر میں عوتی رعی ہے . چترکاری میں بھی چین کا مقابلہ میں مورب کو جو چین کی تعریف کو جو چین سازے پورب کو جو چین کی میں اس کی کام کی میں آپ یہ سیکھا تھا .

ब्बीर वह यह जान गर हैं कि दुनिया में शानित किस तरह क्रायम रखी जा सकती है और इमलों का मुकाबला कैसे किया जा सकता है.

बरमा

(भाई थाकिन कोदा मांग)

े आम जनता लड़ाई से नफरत करती है. 'लड़ाई तो केवल मुठ्ठी भर लोग चाहते हैं. जो साम्राजशाही पसंद हैं, पूँजी पति हैं और गोला-शरूद का ब्योपार करते हैं, इन्होंने ही कोरिया में लड़ाई छेड़ रखी है.

दुनिया में शान्ति कायम रखने के लिये बरमा के हम सब लोग जो लड़ाई से नकरत करते हैं, सारी दुनिया के अमन-पसंद लोगों के के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलने को तैयार हैं.

हिन्दुस्तान

(पंडित सुन्दरताल)

हमें हमले-चढ़ाई से, चाहे वह किसी तरह या शकत की क्यों न हो, चड़ी नफरत है. इस मानते हैं कि ऐसे इमले-चढ़ाई का मुक़ाबला करने के लिये जो कुछ किसी आजादी-पसंद इन्सान से बन सके वह करना इसका पूरा फर्ज है. इमले-चढ़ाई का मुक़ाबला करने का एक अहिंसारमक तरीका महात्मा गांधी ने हमें बताया. साथ ही साथ उनकी साफ राय थी कि जहाँ बाहिसात्मक तरीक़ों की जानकारी नहीं है या किसी वजह से उसे असल में नहीं लाया जा सकता तो उस देश का जिस पर हमला किया जाए यह पाक फर्ज है कि हथियारों की मदद से धकावजा करे. महात्मा गांधी ने हमें सिखाया, कि हमले-चढाई के आगे घटने टेक देना कायरता ही नहीं, बल्क वक जुर्म है. इसलिये इस हिन्दुस्तान के लोग अपने चीनी आइबों का पूरी तरह समर्थन करते हैं और अन्दरूनी व काहरी दुशमनों का मुकाबला करने में जो कामयावियां कर्ने मिली हैं इस पर उन्हें बचाई देते हैंइमें पूरा विश्वास है कि हिन्दुस्तान और चीन के बीच सच्चा भाई चारा और दोस्ती दिन दिन कायम होगी। इमें पूरा विश्वास है कि इस माई बारे से दुनिया में

ور رہا ہے جان گلے میں کد دنیا میں عابتی کس طرح بائر رکھی جاسکتی ہے اور حملوں کا مقابلہ کیسے کیا۔ مسکتا ہے

برسا

(پهائي تهائن کودا مانگ)

عام جلتا لوائی سے نفرت کرتی ہے ، لوائی تو کھول متھی بھر لوگ جاھی ہستد میں ، جو سامراج شاھی پستد میں پرنچی ہتی ہتی ہیں اور گولہ بارود کا بھوبار کرتے ھیں انہوں نے ھی کوریا میں لوائی جھیج رکھی ہے ،

دنیا میں شانعی قائم رکہتے کے لئے برما کے هم سب بڑے جو لوائی سے نفرت کرتے هیں' ساری دنیا کے امن پسند لواوں کے ساتھ کندھے سے کندھا ملا کر چلتے کو تیار هیں ،

هندستان

(يندَت سندر لال.)

همیں حملے جوهائی سے چاھے ولا کسی طرح يا شكل كي كهون ته هوا يوي تفرك هي ، هم مانعي هين که ایسے حملے چوهائی کا مقابلت کرنے کے لیے جو کچھ کسی آزادی یسفد انسان سے بن سکے وہ کرنا اس کا پورا نرنی هے . حملے عوهائی کا مقابلہ کرنے کا أیک أهلسانمک الريقة مهاتما كالدهي في همهن بتايا . ساته هي ساته أن كي صاف رائه تهي كه جهال أهلساتمك طريقه كي جان کلی نہیں ہے یا کسی وجه سے أسے عمل میں نہیں لیا جاسکتا تو اُس دیش کا جس پر حمله کها جائے یه هاک فرض هے که هتههاروں کی مدد سے مقابله کڑے ، مهانما کاندھی نے ھمیں سکھایا' که حملے چوھائی کے آئے لهتلي تيك دنها كاثرتا هي نههن بلكه ايك جرم هن. اس لئے هم هندستان کے لوگ آبے چینی بھاٹھوں کا پوری طرح سمرتهن کرتے هيں اور اندروني و باهري دشملوں کا مقابلة كرني مين جو كامهايهان أنهين سلى هين أس يو أنهين بدهائم ديتن ههن همهن يورا وشواس هے كه هندستان اور چهن كے بدي سنيدا بهائي جاره اور دوستني دن دن قائم هواي . همدن ہرا وشواس مے که اِس بھائی چارے سے دنیا میں امن شانتی تھوس اور مستقل طریقے سے قائم ہوسکے گی ۔

कासन-शान्ति ठोस भौर मुस्तक्रिल तरीक्रे से क्रायम हो

व्हराव. इसी तरह से इस कौरिका वालों की मदद को तैयार रहे, जापान की हथियार बन्दी के खिलाक रहे और इस मनचले सुन्नहनामे को हमने नहीं माना जो जापान के माथ किया गया,

सोवियत रूस ने जमन और लोक राज का जो मंडा उठाया है उसके नीचे अपने प्रेसीडेन्ट होनी मिंह की रहनुमाई में काम करना हम फर्ज मानते हैं. हम दिल व जान से मार्शल स्टालिन के साथ हैं जो दुनिया में अमन के अव्वल दरजे के अलमबरदार हैं और चेयरमैन मार्चो-रसे-तुंग के साथ हैं जो एशिया के सबसे कड़े नेंता हैं. हम वीत नाम बालों का यह पक्का इरादा है कि सारे एशियाई भाइयों के साथ ही नहीं दुनिया भर के लोगों के साथ मिलकर रहेंगे और बहादुरी के साथ अमनशान्ति की जोरदार लड़ाई में शिरकत करेंगे.

इन्डोनेशिया

(भाई मोइन्मद तबरानी)

हम इन्होनेशिया के लोग समन पसंद हैं और हर तरह की लड़ाई के मुझालिक हैं. चीन की लोकशाही सरकार की तरह इन्होनेशिया का भी यही मकसद है—शान्ति कायम करना और इमलों का मुकाबला करना.

यह सच बात है—हम बढ़ बढ़ कर बातें नहीं कर रहे हैं—िक चीन की लाकशाही सरकार हमारे सामने मिसाल पेश कर रही है कि किस तरह हमले का मुकाबला कर के अपने मुक्क में शान्ति का राज कायम किया जाए. मेर दिल में सब से जयादा इज्जात उस कहानी और माद्दी मदद की है जो केरिया को अमरीकी साम्राजशाही के खिलाफ उसकी लड़ाई में चोन ने दी. जैसी मदद चीनी लोकशाही सरकार ने कोरिया बालों को दी है बैंह मदद एक ऐसा देश ही दे सकता था जो सचमुच बड़ा है और जिस के नेता सच मुच बड़े नेता हैं.

कोरिया को चीनी मदद मिलने से अमरीकी हमला नाकामयाब रह गया. इसकी बजह से अमरीकी रज बत-पसंदों को बढ़े बढ़े नुक़सान ही नहीं उठाने पड़े बल्कि अमरीका के नाम को भी बट्टा लगा. दिन पर दिन अमरीका की पोज़ीशन गिरती जा रही है और चीन के लोकशाही राज की पोज़ीशन उठती जा रही है. चीन की इस अन्तर कीमी पोज़ीशन के उठाव से न सिर्फ चीन को बल्कि एशिया के सब देशों को कायदा पहुँच रहा है और साब ही साथ दुनिया के इन सभी देशों को जो शान्ति चाहते हैं और लड़ाई के खिलाफ हैं. यहीं वजह है कि चीन की लोकशाही सरकार पशिया के देशों के लिये एक मिसाल बन गई है المراف السی طبع سے هم کوریا والوں کی مدد کو تھار وہے جانیاں کی هاتھار بادی کے خلاف رہے اور اُس میں چانے صاححفامے کو هم نے نہیں مانا جو جایاں کے ساتھ عما کیا ۔

سوریت روس نے امن اور لوک راج کا جو جهندا اُٹھایا ہے اُس کے لیجے اُنے دریسهدنت ہو چی مدہ کی رہندائی میں کام کرنا ہم فرض سنتے ہیں۔ ہم دل و جان ہے مارشل استالن کے ساتہ ہیں اور چیرسین ساؤتسے مانی کے اول درجے کے علم بردار ہیں اور چیرسین ساؤتسے تفک کے ساتہ ہیں جو ایشها کے سب سے بوئے نیکا ہیں۔ ہم ویت نام والوں کا یہ یکا ارادلا ہے کہ سارے ایکھائی بھائیوں کے ساتہ ہی نہیں دنیا بھر کے لوگوں کے ساتہ سکر رہیں گے اور دہادری کے ساتہ امن شاندی کی زور دار اوائی میں شرکت کریں گے ،

انتونيشيا

(بهائی محصد تهرانی)

هم اندرنیشها کے لوگ امن پسند هیں اور هر طرح کی لوائی کے مطالف هیں، چین کی لوک شاهی سرکار کی طرح اندونیشیا کا بھی یہی مقصد ہے — شانتی قائم کرنا اور حملوں کا مقابلہ کرنا ،

یه سی بات هے -- هم بوط بوهکر باتیں نهیں کر رهے هیں ۔- هم بوط بوهکر باتیں نهیں کر رهے هیں ۔- هم بوط بوهکر همارے ساملے مثال پیش کر رهی هے له کس طرح حملے کا مقابلہ کر کے ابنے ملک میں شاندی کا راج قائم کیا جائے ، میرے دل میں سب سے زیادہ عزت اس روحانی اور مادنی مدد کی هے جو کوریا کو امریکی سامراج شاهی کے خالف اس کی لوائی میں چین نے دی ، جهسی مدد چیلی لوک شاهی سرکار نے کوریا والوں کو دی هے وہ مدد ایک ایسا بھیش هی دے سکتا تها جو سے میے بوا هے اور جس کے بیشا سیم میے بوے اور جس کے شیشا سیم میے بوے ایکا هیں ،

کوریا کو چیلی مدد مللے سے امریکی حملہ نگامیاب وہ گیا ، اس کی وجہ سے امریکی رجعت پسلدوں کو ہوے مورنقصان هی نہیں اُٹھائے پڑے بلکہ امریکہ کے نام کو بھی بیٹا لگا ، دن پر دن امریکہ کی پوزیشن اُٹھتی جا رهی سے اُپر چین کی اس انتر قومی پرزیشن اُٹھتی جا رهی سے بیشوں کی اس انتر قومی پرزیشن کے تہاؤ سے نہ میٹ چین کو فائدہ پہونچ میٹ اور سانہ هی ساتہ دسیا کے اُن سبھی دیشوں میٹور چونشانتی چاهتے هیں اور اوائی کے خان سبھی دیشوں میٹور چون اور سانہ کہ چھوں کی لوک شاهی سرکار اوائی کے خان سبھی سرکار اُپر کہ جھوں کی لوک شاهی سرکار اُپر کہ بیٹور کے لیے ایک مثال بن کئی ہے

मंगोलिया

(भाई दामदित सुरीन)

आज दुनिया में शान्ति और बाजादी के सोशिलस्ट पड़ाद का रहवर रूस देश ही हैं. चीनो जनता ने अपनी विजय के जिर्ये इस पड़ाव को और भी मजबूत बना दिया है. परिाया के अन्दर शान्ति की हिकाजत करने का भारो काम चीन बालों ने ही अपने कंधों पर उठा लिया है.

इसमं गोल बाले चीनी भाइयों की शानदार कामयावियों पर फूले नहीं समाते. चन्होंने एशिया के सब देशों के चागे यह सिसाल हमेशा के लिये कायम कर दी कि चाजादी चौर स्वराज की लड़ाई में साम्राजशाही लुटेरों का किस तरह मुकाबला किया जार. हम मंगोल वाले साथ हैं चीनी भाइयों के, कोरियन भाइयों के चौर अमन चाहने वाले सब माइयों के—और जब तक हमारे अन्दर जान बाकी है इस मुकाबला करेंगे—बापान के साथ अलग सुनहनामे का, जापान को दोवारा हथियार बन्द करने का और कोरिया में चढ़ाई करने का.

वीत नाम

(भाई दीन थाम)

द्भ बीत नाम वाले यह मानते हैं कि अमरी की साआजशादी ने हाल में जो कारनामे दिखाए हैं—वीत नाम में वृक्षल देना, कोरिया पर चढ़ाई करना और तैवान पर काबू जमा लेना, जापान को हथियार बन्द करना और उसके साथ अजग से 'मुलहनामा' करना—वह उसकी पक बोजना का दिस्सा है. यह योजना है एशिया पर हावी होनें की और एक नई लड़ाई दुनिया में छेड़ देने की. हम बीत नामियों का विश्वास है कि हम खुद जो माज मुकाबला कर रहे हैं, जो मुकाबला हमारे कोरियन भाई कर रहे हैं वह सीर जो मुकाबला हमारे चीनी भाई कर रहे हैं वह सिराया में क्या, सारी दुनिया में ही शान्ति कायम रखने आससी असरदार साधन है.

साथ ही साथ हम बीतनाम वालों ने बढ़े जोश और शान के साथ हर ऐसे आन्दोलन का स्वागत किया है जो दुनिया है जो दुनिया है जाने में मददगार साबित हो. हमने पटलान्टिक पैक्ट का विरोध किया, पिल्झमी जर्मनी की हथियार बन्दी है इस इमेशा खिलाक रहे. यही नहीं शान्ति की हिकाजत के लिये जो बढ़े बढ़े कदम उठाए गए उनमें भी हमने दिल जीतकर शिरकत की, जैसे स्टाकहाम की अमन कान्करेंस का पटामिक हथियारों को रोकने का उहराब वितन बीस कीन्सिस का पांच-वाक्रतों-की सुलह का

منكوليا

(پهائی دام دين سرين)

آج دنیا میں شانتی اور آزادی کے سوشلست ہواؤ کا رھبر روس دیھی می ہے ۔ جہلی جنتا نے اپنی وجے کے ذریعے اس پراؤ کو اور بھی مضبوط بنا دیا ہے ۔ ایشیا کے اندر شانتی کی حفاظت کرنے کا بہاری کام جھن والوں نے ھی ایپ کندھوں پر آٹھا لیا ہے .

مم منگول والے چینی بھائیوں کی شاندار کامیابھوں کے پر پھولے نہیں سماتے ، اُنھوں نے ایشھا کے سب دیشوں کے آئے یہ مثال ہمیشہ کے لیئے قائم کر دی کہ آزادی اور سوراج کی لوائی مھی سامراج شاہی نتیورں کا کس طرح مقابلہ کیا جائے ، ہم مملکول والے ساتھ ہیں چینی بھائیوں کے کرریں بھائیوں کے اور امن چاہلے والے سب بھائیوں کے اور جب تک عمارے اندر زبان باتی ہے ہم مقابلہ کرینگے ۔ جاپان کے ساتھ الگ صلحامے کا جاپان کو دربارہ ہتھار بند کرنے کا اور کوریا میں چوھائی کرنے کا .

ويت نام

(بهائی دین تهام)

هم ویست نام والے یہ مانتے هیں که امریکی سامواج شاهی نے حال میں جو کارنامے دکھائے هیں۔۔۔ویست نام میں دخل دینا کرریا پر چڑھائی کرنا اور تیوان پر قابو جما لینا کریا جاپان کو هتهیار بند کرنا اور اس کے ساته الگ سے 'صلحفامہ' کرنا۔۔ولا اُس کی ایک یوجنا کا حصه فی یہ یہ یوجنا ہے ایشیا پر حاوی ہونے کی اور ایک نئی از اُئی دنیا میں چھوڈ دینے کی ، هم ویست نامیوں کا ورواس ہے کہ هم خرد جو آج مقابلہ کررہے هیں' جو مقابلہ همارے دینی بھائی کررہے هیں اور جو مقابلہ همارے جینی بھائی کررہے هیں وہ ایشیا میں کہا ساری دنیا میں ہی شاندی قائم رکھنے کا سب سے اثردار۔سادھن ہے۔

ساتھ ھی ساتھ ھم ویت نام والوں نے بڑے جوش اور شان کے ساتھ ھر ایسے آندولن کا سوائٹ کھا ھے جو دنیا میں شابقی لانے میں مددار ثابت ھو ۔ ھم نے اُتلانتک بیکٹ کا ورودھ کھا بجھمی جرمفی کے ھتھیار بقدی کے هم همیشت خلاف رھے ۔ یہی نہیں شانقی کی حفاظت کے لئے جو بڑے بڑے آدم اُٹھائے کئے اُن میں بھی ھم نے دل کیول کر شرکت کی جیسے استاک ھام کی امن کا نفرنس کا آٹاسک ھتھیاروں کو روکئے کا تھیراؤ یا کانونس کونسل کا یانچ طاقتوں کی صلم کا

.

रेशिया की आवाज-शान्ति

[पहली अक्तूबर सन '51 को चीन के नए लोक-राज की सालगिरह के जलसे में बोरप और पशिया के चीवह मुल्कों के गुड़िवल मिशन ने शिरकत की थी. जलसे की खुशी में चेयरमैन माओ-से-तुंग की तरफ से सब को दावत दी गई थी. उस दावत में पशिया के मुल्कों से गए लीडरों ने झोटी झोटी तक़रीरें की. अजीव बात है कि हर एक पशियाई मुल्क की तरफ से दो ही बातों पर जोर दिया गया—पशिया की एकता और शान्ति. नीचे दिये बयानों को पढ़ कर ऐसा लगता है कि सारे पशिया की जवान एक हो गई हो, दिल एक हो गया हो, दिमाग एक हो गया हो और एक साथ आवाज निकल रही हो—पशिया एक हो, शान्ति क़ायम हो—पड़ीटर 1

कोरिया

(भाई खून हुन)

बीन के छोग हमारे पड़ोसी हैं, बड़े भाई हैं. यही नहीं, हम दोनों ने एक लम्बी मुद्दुत से विदेशी साम्राजशाही के हमलों के खिलाक एक दूसरे के कंधे से कंधा मिला कर मोरचा लिया है और इसिलये हम सिपाही साथी हैं. आज भी अमरीकी हमलों का सामना करने और कोरिया को मदद पहुँचाने के इरादे से हम साढ़े सेंतालीस करोड़ चीनी भाइयों ने अपनी जन्म भूमि की शान और अपने घरों की आवरू कायम रखने के लिये कोई कसर उठा नहीं रखी हैं. अपने इस दौरे में हमने इन जबरदस्त कोशिशों को अपनी आंखों से देखा. हम पर सब से ज़यादा अमर उस जन आन्दोलन का पड़ा जो देश सेवा के अहदनामों पर दसखतों के लिये किया जा रहा है. यह बेहतरीन सबूत है यहां के लोगों की अंची देश भितत का और उनके सच्चे अन्तरक्षीमी प्रेम का.

इसारा और धीन का चीली दामन का साथ है जिसे न कोई तोड़ सकता है और न मिटा सकता है. जो लड़ाई हम इस बक्त लड़ रहे हैं वह ईमान और इन्साफ की लड़ाई है. यह खड़ाई तरककी की तरफ ले जाने वाली है. इस धमासान लड़ाई में हम दोनों का खून एक साथ वह कर जो एका हम में क्रायम हो गया है बसके अधार पर हम बना किसी राक के यह कह सकते हैं कि साम्राज-रााही के खिलाफ आखीर में जीत हमारी ही होने वाली है और होगी.

یمیا کی اواز ۔۔ شانتی

[پہلی اکتوبر سن 51'کو چھن کے نئے لوک راج کی سالکوہ کے جلسہ 'میں یورپ اور ایشها کے چودہ کی شاکوں کے گئول مشن نے شرکعت کی تھی . جلسے کی خوشی میں چھوسی میں جیوسی ماوتسے تنگ کی طرف سے سب کو بھرت دی گئی تھی . اُس دعوت میں ایشها کے ملکوں سے گئے لیکورں نے چھوٹی چھوٹی تقریس کیں ، عجھپ یات ہے گئے لیکورں نے چھوٹی چھوٹی تقریس کیں ، عجھپ یات ہے گئے ہو ایک ایشها ئی ملک کی طرف سے دو ھی یاتوں پر زور دیا گھا — ایشها کی ایکتا اور شائتی ، نہجے دیئے بہائوں کو یہ هکر ایسا لکتا ہے که سارے ایشها کی زبان ایک ھوگھا ھو' دمانے ایک ھوگھا ھو' دمانے ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها ایک ھوگھا ھو' دمانے ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها ایک ھوگھا ھو' دمانے ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها ایک ھوگھا ھو اور ایک ساتھ آواز نکل رھیھو ۔۔۔ ایشها

کوریا (بهائی هیون هن ٍ)

چھن کے لوگ دمارے پورسی ھیں ہوے بھائی ھیں، بہائی ھیں، یہی نہدی ہم درنوں نے ایک المبی مدت سے ودیشی سامراج کیا ہی کے حملوں کے خلاف ایک دوسرے کے کلدھے سے کلدھا بھی مورچہ لھا ھے اور اِس لگے ہم سہاھی ساتھی کو مدد پہونچانے کے ارادے سے ہم سارھے سهلگالیس کررز کھیئی بھائیوں نے اپنی جلم بھرمی کی شان اور ائنے کھیوں کی آبرو قائم رکھنے کے لئے کوئی کسو اُتھا نہیں رکھنے کے لئے کوئی کسو اُتھا نہیں کوشھوں کی آبرو قائم رکھنے کے لئے کوئی کسو اُتھا نہیں کوشھوں کو اپنی آفکھوں سے دیکھا ۔ ہم پو سب سے کوشھوں کو اپنی آفکھوں سے دیکھا ۔ ہم پو سب سے کوشھوں کو اپنی آفکھوں سے دیکھا ۔ ہم پو سب سے کہائی اگر اُس جس آندولن کا پواجو دیش سھوا کے عہد فیلوں ہو دیش سھوا کے عہد فیلوں کی اونچی دیش بھکھی کا اور اُنہوں کی اونچی دیش بھکھی کا اور

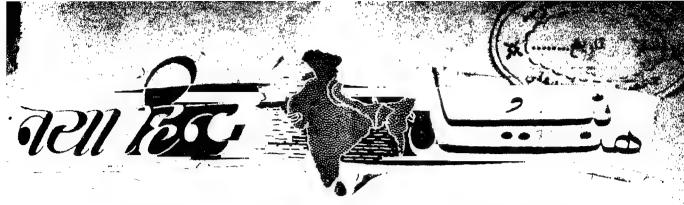
هماراً أور چین کا چوای دامن کا ساتھ ہے جسے نه اس تہر سکتا ہے اور نه متاسکتا ہے ، جو لوائی هم اِس آبعہ لو رہے هیں وہ ایمان اور اُنصاف کی لوائی ہے ، یه وائی قبرائی کی طرف لے جانے والی ہے . اِس گهماسان میں هم دونوں کا خون ایک ساتھ ہے کر جو ایک هم اُن گائم هوئیا ہے اُسکہ آدهار پر هم بنا کسی شک کے اُنگی هوئی که سامراج شاهی کے خالف آخیر میں هی هوئے والی ہے اور هوئی ،

नए चीन का क्रोमी गीत

نئے چین کا قومی گیت

ਰਨੀ ! ਚਨੀ ! वह सब चठो जिन्हें नहीं क़ुबूल है रालामी दीन दासता खडी खडी! हां, हो खड़ी इमारे हाड़ मांस की दीवार एक बहुत बड़ी कि इस घड़ी है आ पड़ी हमारी चीनी क्रीम पर बला बहुत बड़ी कड़ी हर एक विज से कोर से चठे आवाज एक साथ हुठो हुठो ! हठो हठो ! दिसियों लाखों हों पर एक एक दिल हों एक जान खोल छातियां जशन चले चलो चले चलो दुशमनों की गोलियां हां, छातियों पे मेलते बढ़े बज़ी बढ़े बज़ी ! बढे चलो बढे चलो!

أثوه! أثهو! ولا حب أتهو جدههن نهين قبول هـ فلأمى ردين داسعا کهڙي کهڙي ! هان' هو کهري ھمارے ھار مانس کی ديوار ايک بهت بوی که اِس گهری ھے آپری هماري چيڏي قوم پر بلا بہت بری کری ھر ایک دل سے زور سے أثهر آواز ایک ساته أثهو أتهو! 1 -43 -43 دسهون لاکهون هون پر ایک ایک دل هوں ایک جان كهول چهانيان جوان چاہے چانو چاہے چانو دشملون کی گرلیان هاں' جهاندوں په جهيلتے ہوتے جار ہوتے چار ا الم فراد بلغ علد إ



चीन नम्बर

जल्द 11 दिसम्बर, सन् '51

नम्बर 6 6 अ

چين نمبر دسمبر' سن 51'

ولد 11

जात **भादमी**, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की फोली.

جات آدمي پريم دعرم، هـ مفدستاني بولي ' 'نها هند ' پهنچ کا کهر گهر لئے پريم کي جهولي .

नए चीन का क्रौमी गीत

[नए चीन ने अभी कोई क़ौमी गीत तैयार नहीं किया. नीचे दिये गीत को ही उन्हों ने क़ौमी गीत की जगह दे रक्खी है. अगले सके पर इसका हिदुस्तानी रूप दिया जा रहा है.—एडीटर]

نٹے چین کا قومی گیت

[نگے چھن لے ابھی کوئی قومی گیت تیار فہیں گیا ، فیتے دیگے گیت کو ھی آنھوں نے قومی گیت کی جگھ دے رکھیھے ۔ اگلے صفتے پر اِس کا ھندستانی روپ دیا جا رہا ہے ۔ اللہ سایڈیٹر]

中華人民共和國國歌 chung hua jen min kung ho kuo kuo ko

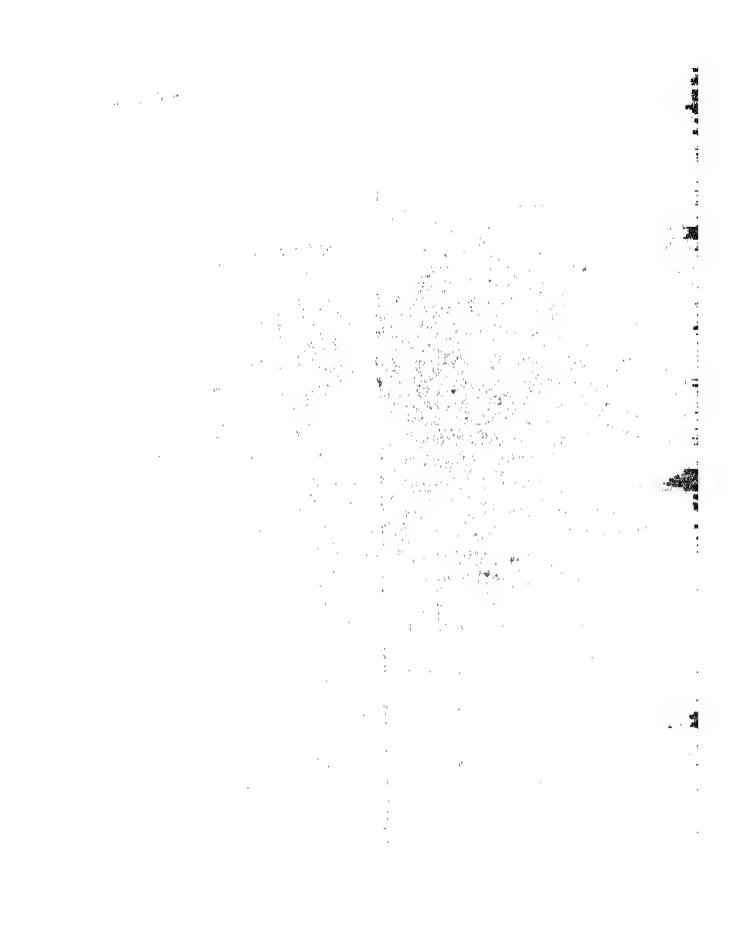
起來!不順做奴隸的人們! 把我們的血肉, 築成我們

新的是城!中華民族到了最危險的時 hain ti ch'ang ch'ang chung hua min tsu tao liao tsui wei hsien u shih

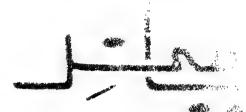
候, 每個人被迫着發出最後的吼弊。起來! 起 hou mei ko jen pei p'o cho fa ch'u tsui hou ti hou sheng ch'i lai ch'i

來!起來!我們萬米一心。圖着敬人的 他 火 lai ch'i lai wo man chung i hisha mao cho ti jen ti R'ao huo

前進! 留着敌人的 砲 火 前進! 前進! 前進! 造!



TUIL L



एडीटर—ताराचंद, भगवानदीन, मुज्पम्र हसन, विश्वम्भर नाथ, सुन्दरलाल الايتر--تارا جند بهكوان دين مطفر حسن بشمهم ناته سندير الل



पंडित सुन्दरकाल और चेयरमैन माभी-रसे-तुंग

ي مارس دلك أور يدتت مدرال

किते कलचर साराइटी, इलाहाबाद 💨 अंगि 💸



झंकार

सम्पादक-श्री रघुपति सहाय 'किराक्र'

पिछले पन्द्रह बरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई किविताओं का यह संग्रह पढ़कर आप को मालूम होगा कि उरदू किविता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर जिन्दगी की सच्चाइयों से अपना नाना जोड़ लिया है. आज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल और वस्त व किराक तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरदू किवता में किसानों और मजदूगों के दिलों की धड़कनें मुनाई देंगी. गुलामी, अन्याय और लूट खसोट के खिलाफ आप एक ऐसी आवाज मुनेंगे जो आप के दिल को जोश से भर देगी.

इस संग्रह में जिन शायरों की रचनाएं इकट्ठा की गई हैं उनमें से कुछ के नाम:—

'जोश' मजीहा बादी, 'किराक़' गोरख पुरी, 'मुत्तत्तवी' करीदाबादी, अमरागलहक 'मजाज', अली सरदार जाकरी, 'साहर' लुधियानवी, अहमद नदीम काम्मिमी, केफी आजमी, 'हकी उ'हाश्यारपुर्गा. 'वामिक' जीनपुरी, 'मजम्ह' सुलतान पुरी, जी निसार अखतर मसउद अखतर जमाल. 'सलाम' मळलीशहरी, 'वज्द' हैंदराबादी, 'मखमूर' जालन्थरी, ''क्षतील' शिकाई. 'अदा' बदायूनी, कंवल असाद 'कंवल,' मीराजी, मुख्तार मिहीकी, त्रखतमिह, 'शमीम' किरहानी, जमीलुद्दीन 'आली,' गुलाम रव्यानी 'ताबाँ' मसउद अली जोकी,' प्रमधवन, मोहम्मद सफदर, जहूर नजर, अहमद रियाज. इन्द्रजीत शमी, विश्व मित्र 'आदिल', हबीब तनवीर, 'ताजवर' सामरी, 'अशश्रर' मलीहाबादी, 'मुजफ्कर', शाहजहांपुरी, नरश कुमार 'शाद.' 'स्थामी' मारहवी, सैयदा फरहत, 'अकसर' आजरी, प्रोकेसर 'शोर', 'राही' मासूम रजा, युमुक जकर, वरीरा.

कार्गरी लिखाबट में एसा भरपूर उरदृ कविता संप्रह् भाज तक नहीं निकला, सुन्दर जिल्द, बढ़िया काराज, उन्दा खपाई, दाम सिर्फ तीन रुपया.

नोट् किताब छपते छपते इस में कुछ और नई किताएं भी जोड़ दी गई हैं और उसके सके दो सी से भी जियादा हो गए हैं इसलिये अब इस किताब का दाम तीन रूपया रख दिया गया है—मैंनेजर

मिलने का पता— मैनेजर, 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

<u>څ</u>ونکار

پوسمپادک-شرق رکهویتی سهائے 'فراق'

اسے سنگرہ میں جن شاعروں کی رچھائیں اکتھا کی نئی ھیں۔ اُنمیں سے کنچھ کے نام : -

اُلُّمُ نَاكُرِي لَهُكَاوِكَ صَوْنَ أَيْسًا بَهْرَبُورَ أَرْدُو دُولِتُنَا سَنَكُرَةَ آجَ لَكُونَ دُولِتُنَا سَنَكُرَةً آجَ لَكُنْ يَعْمِدُ خَهْمِالُي. دَامِيلُونِي تَهَانُي روييه .

ا الْوَقْ - كتاب چوپتے چوپتے اس میں کچھ آور نئی کویٹائیں بھی جوز دی گئی ھیں آور اسكے صفحے دو سو اللہ اللہ اللہ کتاب كا دام توں رویهه رکھدیا گھا ہے--مینیجر توں رویهه رکھدیا گھا ہے--مینیجر

ملنے کا یعد۔۔

ميلهجر' انها هلد' 145' متهى كليم' العآباد.

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइदी

هندستانی کلچر سوسائتی

मकसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, खखबारों, रिसालों बग्रेंश का छापना .
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानकरेन्सों, तक्चरों से सब धर्मों, जातों, विरादरियों श्रीर किर्क़ों में श्रापस का मेल बढ़ाना .

--: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िम० अन्दुल मजीद ख्वाजा; वाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदाम आरे डा० अन्दुल हक; गर्वानंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; संकटरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर—

डा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद मुलेमान नदवी, मि० मंजर ऋली सोख्ता, श्री बी० जी० खर, मि० एस० के० कद्रा, पं० बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द्र रांका, काजी मोहम्मद अञ्दुल सक्तार और श्री स्रोम प्रकाश पालीवाल.

मम्बरी के कायदों के लिये लिखिये -

मुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्टी गंज, इलाहाबाद .

नोट—सोसाइटी के नये काय है के अनुसार मेम्बरी की कीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द?" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया चून्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायगा. अलग स मेम्बरी की कीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या ज्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे.

1 (1 (1)

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا پههلانا پر پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هوں .
- (2) ایکٹا پھیلانے کے لئے کتابوں' اخراروں' رسالوں بیرہ کا جہایتا .
- (3) پوهاڻي گهرون' کتاب گهرون' سيهاؤن' کانفرنسون' بهورون سے سب دهرمون' جاتون' پرادريون اور فرقون مهن بس کا مهل بوهانا .

--: 0:---

سوسائتی کے پریسیڈنٹ۔۔۔۔سٹر عبدالنجید خواجہ؛ ٹس پریسیڈنٹ۔۔۔ڈاکٹر بھکوان داس اور ڈاکٹر عبدالنحق ، برننگ باڈی کے پریسیڈنٹ ۔۔۔ ڈانٹر بھکوان داس؛ کریٹری ۔۔۔ پنڈٹ سندرلال ،

گورندگ ہاتی کے اور ممبر ـــ

قاکتو سید محمود' داکتر نارا چند' مولوی سید لمیمان ندوی' مستر منظر علی سوخته' شری بی جی . مستر ایس . کے . رودرا' پندت بشمبهر نانه' مهاتما هگوان دین' سیته پونم چندرانکا' قاضی محمد عبدالغنار ور شری اوم پرکاش پالیوال .

ممیری کے قاعدوں کے لگے لکھگے ۔

سندر لال

سكريترى؛ هلدستانى كلچر سومائتى. 147 متهى كنم: المآباد .

نوقسسوسائٹی کے نئے قاعدے کے انوسار ممبری کی نیس صرف آیک روپیء کردسی گئی ہے ۔ ''نیا ہند'' کے جو گلفک ممبر بننا چاہیں اُن کو صرف چھء روپیء چندہ میتے پر ھی ممبر بنا لیا جائیا ۔ الگ سے ممبری کی نیس دینے والے سوسائٹی کی نالمی ہوئی کوئی کتاب جو یک روپیء دام کی ھوئی مفت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی ھوئی بر ایک بار ایک ورپھء کم کواسکینگے ۔

प्रमा हिन्द के परिकार में से कई का विश्वासत जाती की साहक के साथ काफी रक्त चन्त था. और इसकिये इस मारे भी इस स्नके सनदान से खास चौर से और कारे बीची बच्चों से खास तौर से इसदर्श चाहिर करते हैं और ईरकर से प्रार्थना करते हैं कि शहीद की रूड को अस्मीत मितो.

--- भग्रवानदीन

-- يهكوان دين

'नया हिन्द' का चीन नम्बर

'नवाहिन्द' के प्रेमियों को यह जान कर खुशी होगी कि पंडित सुन्दर लाल जी की सदारत में जो हिन्द गुडबिल मिहान बीन गया था दूसरी नवम्बर को दिल्ली वापस का गवा है.

भिरान ने चीन में जो देखा और सममा उसकी कुछ कुछ चर्ची अखबारों में पांडे हैं लेकिन 'नया हिन्द' के बेबी इस से पूरी पूरी जानकारी की आशा करेंगे. इसी बिको 'नया हिन्द' का दिसम्बर नम्बर 'चीन नम्बर' के जान से निकलेगा.

इस नम्बर में पंडित सुन्दर लाक जी के सलावा मिरान के दूसरे मेम्बरां क लख भी होगे. हमारी कोशिश होगी कि इस नम्बर में हमार महान पड़ोसा देश के हर पद्सू बंद राशना पड़े सार पाठकां को बान के बार म रौर आनिवश्र सौर कजरबेकार आखों का देखा हाल पढ़ने को मिस साथ सार सनके सामने नए बीन की सच्छो उस्वीर सा साथ.

यह नम्बर पहली दिसम्बर तक निकल आयगा और

-- गैनेशर

انیا هند کا چین نیبر

' نیا ہند ' کے پریدیوں کو یہ جان کر خوشی ہوگی کہ پلکت سندر لال جی کی صدارت میں جو ہند گوڈ ول مصن چین گیا تھا وہ دوسری نومبر کو دلیوایس آگیا ہے۔

مشن نے چین میں جو دیکھا آور سنجھا اُس کی کچھ کچھ چرچا اُخباوں میں آئی ہے لیکن ' نیا ہلد ' کے پریمی ہم نے پوری چوری جانکاری کی آشا کرینگے ۔ اِسی لگے ' نیا ہلد ' کا دسمبر نمبر ' چین نمبر ' کے نام سے نکلے گا ،

اِس نمہر میں پلڈت سلار ال جی کے علاق مھی کے دوسرے ممہروں نے لیکھ بھی تھونگے ، ھماری خوشعن عربی کہ اِس نمبر میں ھمارے مہاں پورس دیش کے عربی پہلو پر روشلی بوے اور پاٹھکیں دو نئے چھن کے پارے میں فیورجا مدار اور تجربهکار آنکھیں کا دیکھا حال پوھٹے دؤ مل جائے اور اُنکے ساملے نئے چین کی سنچی تصیبر آجائے ،

یہ نبیر پہلی دسمبر تک نکل جائے گا۔ آور اِسکا دام مرف دس آنے ہوگا ۔

سمهلهجور

इसी साक्षीय का तो यह असर है कि अब यह नहीं कहा जा सकता कि यह करता राजकाजी करता था और इस जरा सी भूत और वे परवाही का यह नतीजा हो सकता है कि और दो बार वे गुनाहों को इसी तग्ह अपनी जान से हाथ धोना पड़े.

न जाने क्यों हजरत ईसा, हुसैन और मात्मा गांधी की शहादते इन कातिलों की यह सबक नहीं देतीं कि इस तरह के करल उस उस्त को कोई धका नहीं पहुंचा सकते जिस बस्त की जड़ काटने के खयाल से यह कालेल इतना बड़ा गुनाह कर बैठते हैं? यह क्यों इन में समक में नहीं खाता कि इनसानी खून से उस्त की जड़ मिंचती हैं कटती नहीं खोर जिस इनसान का खून होता है वह इनसान शहीदों में शामिल हो कर उसी उस्त के पौधे में एक शाख का खोर इजाफा कर देना है.

क्या कातिल और कानिल के सददगार अपनी आंखों यह नहीं देख रहे कि एक मिनट भी मक़तूल की गदी खाली नहीं रही. कौरन ही तो उन्हीं जितने मजबून ना जमुदोन साहब ने गबरनर जनरेली का लात मार कर बजारत की उस गद्दी को संभाल लिया, जिस पर अभी अभी एक शहाद हो जुना था.

कातिल के मददगार यह अच्छी तरह समक लें कि हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तानी सरकार लियाकत अली खाँ के जाते जा भले ही उनके कुछ कामों क' शक की नज़र से देखती हों पर उनकी शहादत के बाद तो हिन्दुस्तान और उसकी सरवार उनके हर काम का वह मतलब निकालती है जिस की वजह से शहाद पर कोई शक नहीं रह जाता.

राहीद की जिन्दा। में हिन्दुस्तान पर इमले का शोर जरूर मचा पर वह हुआ कहां. काशमार पर भी जो हमला हुआ था उसके बार में यह कहना जरा मुशकिल है कि इस में उनका हाथ था. असल में राज काजी मैदान में कूर कर कमी कभा कुछ ऐसे काम करने पढ़ते हैं जो देखने में बुर और बेहूदा मालूम होते हैं पर उनके पीछे जो मन्शा रहती है वह बड़ी जेक और समम्मदारी की हो सकर्ता है. इस किये उन बुरे और बेहूदा कामा का नर्ताजा होने से पहले कोई नतीजा निकाल बैठना खतरे से खाली नहीं होता और जभी तो मुलकों की सरकारें आम आद्मियों की तरह से न कर्ल्या भड़कती है और न जल्दी कुछ कर बैठती हैं. आज ही हिन्दुस्तान में देख लीजिय आने वाले जुनाव की खालिर क्या क्या श्राफ नहीं खिलाय जा रहे हैं.

करल की तह की काल पायरतान में जार है. अफगा-निस्तान ने कातिल को अफगानी मानने से इनकार कर दिया है और यूंही नहीं इनकार दिया उसके पास इनकार का प्रका सब्दे भी है.

William Committee and the second

اسی تعلیم کا تو یک آثر ہے کہ اب یک نہیں کہا جاسکتا کہ ہے۔ گلل رائے کاجی گئل تھا اور اِس ذرا سی بھول اور یے گئاھیں کوائشی کا یہ نتیجہ ہوسکتا ہے کہ اور دو چار بے گناھیں گرائشی طرح ا بنی جان سے ماتھ دمونا ہوں۔

النجی کی شہادتیں اور فیاتما النجی کی شہادتیں اور فیاتما النجی کی شہادتیں اور قاتلوں کو یہ سبق نہیں فیتیں کہ اس اصول کو کوئی دھا انہیں پہونچا سکتے جس اصول کی حو کاٹنے کے خیال سے یہ فاتل اتفا ہوا گفاہ کر بیٹیتے ھیں ؟ یہ کیوں اِن کی سمجھ میں نہیں آنا کہ اِنسانی خون سے اصول کی بیتویں سفجھ میں نہیں آنا کہ اِنسانی خون سے اصول کی بیتویں سفجھی ھیں کٹتی نہیں اور جس اِنسان کا جُون ھوتا ہے وہ انسان شہیدوں میں شامل ھوکر اُسی اُمول کے پودھ میں ایک شام کا اُور افاقہ کردیتا ہے .

کھا قائل اور قائل کے مددگار اپلی آنکیوں یہ نہھیں کیگھا رہے کہ ایک منت بھی مقتو کی گدی خالی نہیں رہمی فوراً ھی تو اُنہیں جتلے مضبوط ناظم الدس صاحب سے گورنوجندیلی کو لات ماردر وزارت کی اُس گدی کو اُسطیعال لھا جس پر اُبھی اُبھی ایک شہید ھوچکا تھا ۔

قاتل کے مددگار یہ اُچھی طرح سمجھ انہی کہ مقدستان اور هندستانی سرکار لیاقت علی خان نے جھتے جی پہلے هی ان کے کچھ کاموں دو شک کی نظر سے دیکھتی ہوں پر اُن کی شہادت کے بعد تو مقدستان اور اُس کی سرکار اُس کے هر کام کا وہ مطلب نظاتی ہے جسکی وجہ سے شہید پر دوئی شک نہیں وہ جاتا ۔

شہرد کی زندگی میں هندستان پر حالے کا شہرو فہرور منها پر رہ هوا کہاں ۔ کاشیور پر بھی جو حملہ هوا تھا آس کے بارے میں یہ کہنا ڈرا مشکل ہے کہ اِس میں کود آس کا هاتھ تھا ۔ اصل میں راج کاجی میدان میں کود گو کبھی کبھی کبھی ایسے کام کرنے پرتے هیں جو دیکھئے میں برے اور بیہودہ معلوم هوتے هیں پر اُن کے پینچھے جو منظقیا رهتی ہے اور بیہودہ کاموں کا نتیجہ هوتے سے اور بیہودہ کاموں کا نتیجہ هوتے سے اور جیھی تو ملکوں کی سرکاریں عام آدمیوں کی جو بیری اور جیھی تو ملکوں کی سرکاریں عام آدمیوں کی جو بیری ہیں اور نہ جلدی کچھ کو بیری ہیں اور نہ جلدی کچھ کو بیری ہیں دیکھ لیجئے آنے ہیں ہیں دیکھ لیجئے آنے ہیں کھائے جا

العل کی تحقیقات یائستان میں جاری ہے۔ الفانستان نے قائل کر انفانی ماننے سے انکار کر دیا ہے اور یون علی نہیں انکار کر دیا اُس کے پاس انکار کا پکا کبرت بھی ہے ،

概1 ___

कारीकी और समिति से सहकान्तिक और मिसिनिक विक्तों से या और इसी अवस्त के गढ़ कम्यानों से मू. पन. को. की शान नहीं बढ़ती, ताकत तो बढ़ ही कैने सकती है. अब तक यू. एन. को. इस गुटों और पैक्टों को अपने ऊपर कक्षंक का धन्या नहीं मानेगा तब तक ऐसे अमेशन होते ही रहेंगे जैसा काज स्वेज पर हो रहा है.

सू. एन. को. के जन्म क्षेत्रे के दिन से और किनहीं सानों में भी ताक़त में काने के बाद से कभी कोई ऐसा करोदान दुवा है जिसको सब मुक्तों ने अप्रेशन माना हो. सू. एन. को. में गुटबन्दी के रहते अप्रेशन आग जगने की तरह मूर्ज से मूर्ज आदमी के जिये अप्रेशन रहेगा. पर गुटु में बंधे सममत्वार मुल्कों की नजर में वह बचाब की कहाई या ऐसा ही कुछ नाम पायगा.

यह सब कह कर हम मिक्स को यही सलाह देते हैं कि वह यू. एन. जो. की शरक आंख न वठा कर ज्यपने दिल को जांचे और श्रम्लाह पर मरोसा कर के ईमानदारी के साथ श्राहिसात्मक लड़ाई छेड़ दे. यही एक ऐसी लड़ाई है जिसकी हार को दुनिया के लोग जीत के नाम से पुकारते हैं.

27.10.751

- 🕶 वान्दीन

लियाक्रत अली खां--

16 अक्तूपर को रावलियंडी में जैसे ही नवाबजादा बियाकत अली खां बोलने के लिये खड़े दुए कि किसी ने इस पर गोली दारा दी और वह थोड़ी देर के बाद ही अस्थताल में इस दुनिया को छोड़ कर चल दिये.

जैसे ही यह जबर रेकियों से दिल्ली पहुँची तो दिल्ली ही सरकार के जन्दर सब बातें भूत कर, राहीद के साथ जो पुराली हम बतनियत थी वह जाग डठी और उन्हें वैसा है अकसोस हुआ जैसा किसी और मशहूर हमवरन के बारे में होता. और फिर हिन्दुस्तानी सरकार ने उसी जयाता के सुताबिक इजहार भी किया. यह बहुत ठीक किया.

मीत एक दिन सबको आनी है और किसी न किसी की आप दिन आती ही रहती है, पर इस तरह पिस्तीस की गोली पर सवार हो कर आई हुई मौत दिस या दिलों पर गहरा निशान छोड़े बरोर नहीं जाती और उन निशानों से मजबूर हो कर ही दिस को जुबान और इसम के अरिवे सामने आना ही पहला है.

राजकाजी करन जाज कल कोरों पर हैं और हो सकता है यह करन भी क्सी खंजीर की एक कड़ी हो. पर मुराकिल तो यह है कि पाकिस्तान की जनता कुछ इस तरह की वाकांम पाए हुए हैं कि यह ऐसे नाजुक मौकों पर जपना समतोल (तवाजुन) को बैठती है और क्रान्त को जपने हुए मैं सेकर क्रान्ती तहकीकात को बेकर बना देती है. امریکی آن پرشش فقت نے 1230ء کی فیصلگ بھائی۔ یے یا اور اُسی طرح کے کام یکتھنوں سے ہو۔ اُبن اور کی شان نہیں بوقعی طاقت تو ہوہ ھی کہنے سکھی ہے جب تک ہو۔ این اور اِن گلوں اور پیکٹوں کو آٹھ اور کلنک کا دھیت نہیں مانے کی قب تک ایسے آئریھی ہوتے ھی رھیں کے جیسا آج سرائو پر ھورھا ھے۔

یو. این ، أو . کے جالم لیاتے کے دن سے أور کاپی معنوں میں بھی طالت میں آئے کے بعد سے کھھی کوئی ایسا اگریشن هوا ہے جسکو سب ملکوں نے اگریشن مانا هو . یو . ایس ، أو . میں گات بلنس کے رهانے اگریشن آگ لکائے اگریشن او . میں بادھ سمجھدار ملکوں کی نظر میں رہے کا پر گات میں بلدھ سمجھدار ملکوں کی نظر میں رہ بچاؤ کی لوائی یا ایسا هی کچھ نام بائے گا .

یہ سب کہکر هم مصو کو یہی مللے دیائے هیں که ولا یو این . او . کی طرف آنکه نه آٹهاکر افر دال کو جانچی ارر الله پر پهروسه کرکے ایمانداری کے ساتھ اهلساتمک لوائی چهوڑ دے . یہی ایک ایسی لوائی هے جس کی مار کو دنیا کے لوگ جیت کے نام سے پکارتے هیں .

لياقت على خال--

16 اکتوبر کو راولیٹگی میں جیسے هی نواب زادہ لیا تھا۔ کہ کسی نے لیا تاہدہ علی خان بولئے کے لئے کہتے ہوئے کہ کسی نے آن پر گولی داغ دی اور وہ تہوری دیر کے بعد هی اسپتال میں اِس دنیا کو چھور کر چل دئے ۔

جیسے هی یه خبر ریدیو سے دلی پهونچی تو دلی کی سرکار کے اندو سب باتیں بهول کرا شهید کے ساتہ جو پرانی هموطلیت تهی وہ جاگ آٹهی آور آنهیں ریسا هی انسوس هوا جیسا کسی اور مشهور هموطن کے پارے میں هوتا ، اور پهر هلدستانی سرکار نے اسی خهال کے مطابق اطہار بهی کہا ، یہ بہت تهیک کیا ،

موت ایک دن شب کو آنی ہے اور کسی نه کسی کو آئے دن آتی هی وهای ہو اس طوح پستول کی گولی پر سوار هوکو آئی هوئی موسدال یا دلوں پر گہرا نشان چهورے بغیر نہیں جاتی ، اور اُن نشانوں سے معجدور هوکو هی دل کو زبان اور قلم کے ڈریسے سامنے آنا هی پوتا ہے ،

راچ کاجی قدل آچ کل زوروں پر هیں اور هوسکتا ہے
یہ قدل بھی آسی زنجیور کی ایک کوی هو ۔ پر مشکل
تو یہ ہے کہ پاکستان کی جلتا کچہ اِس طرح کی تعلقم
یائے هرکے ہے کہ رد لیسے تارک موقعوں پر ایٹا سمتیل
(توازن) گھو بیٹیکی ہے اور قانون کو اپنے هائی
میں نے کا قانونی تصفیقات کو بینٹر بقانیکی ہے ،

बरतानिया के अवस्त का सुकारका इमले से नहीं करेगा, बह बाई कार्ट के इवियार से करगा. पर यह इमारी समफ में बितकुल नहीं जाता कि वह शान्ति भन्नक बानी जमन लार खासियत बाजी और यू. एन. जा. की सुरचा कौं तिल नाम बाली संस्था के पास क्या मांगन जा रहा है. वहां हमें हाथ जापगा बरसों का ममेला, और जब तक स्वेज के मैदान में बरतानिया के हर तरह के अबु तैयार हो चुकेंगे और क्या जजब कि उस सुरचा कौंसिल के कोई हा दुक कैसला मिलने से पहले तीसरी लड़ाई खड़ी हो लाय और फिर अमरान का धवाल ही न रह जाय.

मिस्न कीन कम हैं! उसने भी मीके वे मौके किसी न किसी गुट्ट में मिल कर देसे कदम उठाए हैं जिन से बरतानिया को मदद मिली है और आज बरतानिया उसी मदद से फायदा उठाकर अपन मदद देन वाल । मस्न पर जबरदस्ती कर बैठा है.

विल के हाथ में इस वन्नत बरतानिया की ताकत की बाग डोर आ जाना छुछ कम मारके की बात नहीं है. अब यह सम्मीद करना मुशकिल है कि स्वेज के मैदान से बरतानिया की फीजें जल्दी ही लौट जायंगी.

इस वजह से नहीं कि मिस्न कमजोर है बिल्क इस वजह से कि अहिंसा का हथियार कभी न चूकने वाला हथियार है, इम मिस्न को यही सलाह देंगे कि वह स्वेज के मामले में जरा भी कदम पीछे न इटाए और इस यझ में शांक्त मर आहुतियां दे डाले. उसकी जीत होगी क्यों कि उसके अहिंसक हथियार पर सच्चाई का पानी चढ़ा हुआ है. पुराने मुलहनामे गुलामी के पहें हैं, उन पट्टों को ठीक मानना गुनाह है, उन पर अमल हरामद दरना सत्य को पांव से कुवलना है, उनकी इज्जत करना इश्वर से विमुख होना है, उन पट्टों को ग्रालत मानना धर्म है, उन पट्टों पर अमल न करना सच्चाई का सिर पर बिठाना है. उन पट्टों का दुकरानां और वे इज्जती की नजर से देखना ईश्वर और अल्लाह पर विश्वास करना है.

बन होटे होटे मुहकों को जो वे सममे बूमें किसी भी गुटु में शांसत हा गए हैं मिल के इस स्वेज नहर के मामले से सबक लेना चाहिये चार यह चक्त्री तरह समम रखना चाहिये कि किसा भी दिन बनको धपन यहां जहाची और हवाई झड़ों के लिय मजबूर किया जा सकता है. होटे होटे मुलक अब भी गुटु से निकल कर एक बहुत बड़ी ताकत बन सकते हैं और धपनी इसलाकी आवाज पठा कर अध्यरीका और कस दोनों को ही ठीक राह पर आने के लिय मजबूर कर सकते हैं धार यू. एन. ओ. को सच्चे मानों में असन की संस्था में तबदील कर सकते हैं.

المحالة المحالة المحالة المحالة المحالة المحالة والمحالة المحالة المح

یہ مصر کوں کم ہے 1 اُس نے بھی موقعے ہے موقعے کسی ته کسی کمی میں ممبر ملکر ایسے قدم اُٹھائے ھوں جن سے برطانیہ کو مدد سے فائدہ اُٹھاکر اُبھ مید دیتے والے مصر پر زبر دستی کر بھاتھا ہے ۔

چرچل کے ہاتھ میں اِس وقت برطانیہ کیطاقت کی ہاک قرر آجانا نچھ کمعرکے کیات نہیں ہے۔ آب یہ آمید کونا مشکل ہے کہ سواز کے میدان سے برطانیہ کی فوجوں جلدی ہی لوت جائیں گی ،

أسى وجه سے نہيں كة مصر كمؤور هے بلكة أس وجه سے كه اهلما كا هتههار كبهى نه چوكنے والا هتههار هے هم مصو كو يہى صامئے ميں فرأ بهى قد معامئے ميں فرأ بهي قدم يهجهے نه هتائے اور اس يكهه ميں شكتى بهر أهلمك هتههاو ير سچائى كا يانى چوها هوا هے . يرائے أهلمك هتههاو ير سچائى كا يانى چوها هوا هے . يرائے ملحقات هائى ير عمل درآمد كرنا ستهة كو ياؤں سے كچلنا هے أن ير عمل درآمد كرنا ستهة كو ياؤں سے كچلنا هے أن كى عوت كرنا أيشور سے ومكم هونا هے أن يتوں كو فلط ماننا همرم هے أن يتوں ير عمل نه كرنا سجائى كو سر ير يتهانا هد أن يتوں كو تهكرانا أور بے عوتى كى نظر سر ير يتهانا هد أن يتوں كو تهكرانا أور بے عوتى كى نظر سے ديكها ايشور اور الله ير وشواس كرنا هے .

اُن چہوٹے جہوٹے ملکوں کو جو بے سمجھے ہوجھے
کسی بہی گت میں شامل ہوگئے ھیں مصو کے اِس سوئر
کی معاملے سے سبتی لینا چاھئے اور یہ اچھی طرح
جہائی اُور ہوائی ادّون کے لئے محجور کیا جاسکتا ہے ،
جہائی اور ہوائی ادّون کے لئے محجور کیا جاسکتا ہے ،
جہائی طاقت بی سکتے ھیں اور اُیڈی اخلاقی آواز اُتھاکر
اُنیکہ اور ووس فونوں کو ھی تھیک واد پر آلے کے لئے
محجور کو سحے معنوں

चीन की वे परकाही से कुछ इस तरह दशाया गया कि इने गिने ही कुछ आवमो जान पाये. इस द्वाने का नतोजा यह द्वा कि दक्तिसानी कोरिया की नरफ से छेड़ छाड़ बढ़ती रही भीर भांखर एक दिन उत्तरों कोरिया को इस छेड़-हाइ से तंग या कर अपने बचान के लिये दक्खिना क रिया पर काकायदा इमला करना पड़ा. इस जग आहिर सच्चाई की ह हज़ड़ मचा कर कभी जांच न होने दो गई. इस इस वजह से कोरिया का हमला अप्रैशन वन गया. चट पट अमरीका की चाला ही से अमन की संस्था यू. एन. आं. जड़ाई की संस्था में तबदील हो गई और उसने अपनो की जो को अमरीकी जनरत की मातहती में कोरिया लड़ने के लिये मेज दिया. उत्तरी और दक्किलनी कोरिया चान इतना मिट चुका है कि अगर विदेशी कौजें वहां से हट जायं तो कोरिया में उल्लू वाली शानित और असन का राज ही दिखाई दे. अगर ऐसी ही शान्ति और अमन यू. एन. ओ. का आदर्श है तो यू. पन. भो. जरूर सफत हुई है और ऐसी सफतता सो वह आसानी से स्वेज के मैशन में भी हासिल कर सकती है.

बरतानिया से कीजें चली मा रही हैं, स्वेत के मैदान पर इकट्टी हो रही हैं मानो वहां कोई कठ पुनली का तमाशा व्या जिसे देखने के लिये वह त्राई थीं. वरतानिया से जहाजी वेशं चलात्रारहाहै, उड़न खटोनों का दस्ताचलात्रा रहा है मानो स्वेज के मैदान में कुटवाल का मैच हो रहा हो. बह कारवाई सारे मुलक देख रहे हैं और मिस्न को छोड़ बह 51 मुल्क भी देख रहे हैं जो यू एन. बी. में शामिल हैं पर इसे वह अभेरान नहीं कह सकते क्योंकि अमरीका ने अभी उसे अभेरान नहीं कहा, और अगर कम या और कोई मुल्क उसे अप्रेशन कह भी दे तो उसकी सुनना ही कौत है क्योंकि यू एन. को. में उसकी गुट की गिनती बहुत थोड़ी है. भाज कता के नये क़ातून के मुताबिक आदमा सरेने पर भी मरा हुआ नहीं माना जा सकता, अगर कोई शाक्टर इसे मरने की सनद न दे. बरतानिया अगर मिल की तहसं नहसं भी कर देती वह जब तक अधेशन नहीं समन्त्र का सकता जब तक थू. एन. को. का मंत्री ली उसे मझेरान न कह दे, यह आज की दुनिया का क़ानून है. हिन्द्स्तान में जब अंगरेजी राज था तो क़ानून की उस तरह की अनोखी अतोखी वार्ते सुनने में आया करती थीं. मरने बाला अभी जिन्दा है पर उसके मारने वाले को फाँमी की क्षणा हो गई भौर फांसी पर चढ़ा भी दिया गया और इसकी कारा की काकिरी किया भी कर दी गई, आज यू. हत. जो. के फैसले भी कुछ ऐसे अनोखे होते हैं. वे दिल ही संस्था से भीर स्मीद भी क्या की जा सकती है,

निया ने ठीक दी सोचा दें कि वह असी इन दिनी

جان کی یہ اور کی ہے کچھ ارسارے میں کیا کہ الے گلے می کچھ آدسی جان ہائے اس دیانے کا نتیجہ یہ عوا ی دکیلی کوریا کی طرف سے چھیر چھاڑ بڑھٹی رہی اور آخر ایک دن اُتری کوریا کو اس جمیر جمار یے تلگ اگر انے بچار کے لئے دکھنی کوریا پر باقاعدہ حملہ کرنا پڑا ۔ اس دی طاهر سنجالی کی دو هاو منجا کر کیهی جانج له مرنے دی گئی . بس اِس وجه سے کوریا کا حمله آگریشن یں گیا اور جب پت امریکه کی چالائیسے امن کیسلستہا يو اين ، أو ، لو ثي كي سلستها مين تبديل هوگئي أور اس نے ایدی فوجوں کو امریکی جدرل کی مانتھای میں كرريا لولم كم لكم بهيم ديا . أترى أور دكهلي كوريا أج أتفا مت چکا ہے کم اگر ودیشی فوجیس وہاں سے ہت جائیں تو کرریا سهی ألو وألی شانعی اور أسن کا راج هی دکهائی دے . اگر ایسی هی شانتی اور امن یو . این ، او ، کا آدرهی هے آدر ایسی آدرهی هے اور ایسی سپھلتا تو وہ آسانی سے سوئز کے میدان میں بھی حاصل کر سکت*ھے* ،

برطانهم سے فوجیں چلی آرهی هیں' سوٹز کے مهدان پر انتهی هو رهی هین مانو وهان کوئی کته پتلی کا تماشه تها جسے دیکھلے کے لگے وہ آئی تھیں . برطانیہ سے جہابی بيرًا چلا آ رما هے اُرن كه تركون كا دسته چلا آ رها هے مانو سوئن کے میدان موں قت بال کا مہیج هو رها هو . یه کاروائی سارے ملک دیکھ رہے ھیں اور مصر کو جورو وا 51 میک بھی دیکھ رہے میں جو یو ، این ، او ، میں شامل هیس پر آسے وہ اگریشن نہیں کی سکتے کھونکہ امریکم نے کبھی اسے الریشن نہیں کہا ، اور اگر روس یا ارر کوئی ملک اُسے اگریشن کہ بھی دے تو اُس کی سفتا ھی کون ھے کیونکہ یو ، این ، ار ، میں اسکی گت کی للتی بہت تہوری ہے . اجکل کے نگے قانون کے مطابق آدسی سرنے ہو یہی سرا هوا نهیں سانا جاسکتا اگر کوئی دادر کوئی دادر کوئی دادر کو کی ساند نه دے . برطانه اگر مصر کو تہس نہس بھی کر دے تو وہ جب تک اگریشن نہیں سمجها جا سكتا جب نك يو. اين . أو . كا منترى لي أسے اگریشن نه که دے ، یه آج کی دنیا کا قانون هے، هددستان مهں جب انگریزی راج تھا تو قانون کی اس طرح کی انوکھی انوکھی چاتیں سفلے میں آیا کرتی تھیں ، مرنے والا ایمی زندہ ہے پر اس کے مارنے والے کو پھانسی کی سوا مرککی اور پہالسی پر چوہا بھی دیا گیا اور اُسکی اہی کی آخری کریا بھی کر دی گئی ، آج ہو ، این ، أو ، کے فیصلے بھی کی ایسے انوکی طوتے هیں ، بے دل کی سلستها سے اور امید بھی کھا کی جا سکتی ہے .

ميسر في الهدك هي سويها هي كه ولا أيمي كنهه جلين

न्वेज नहरं और मिस

स्वेज की नहर जो मिस्र से बगी हुई है और जिस पर विम्न की माजिकी से शायद ही किसी की इनकार हो अब तक वरतानिया की दुकान बनी हुई थी, दो बार दिन से हावनी हो गई है और क्या अजब कुछ दिनां में नी-वाबादां का रूप लेले.

योरप के छोटे छोटे मुल्ड न जाने कब से किसी तरह से प्रिया और अफरीका के बड़े बड़े मुल्कों के छोटे छाटे हिस्सों के मालिक बन बैठें हैं और हमेशा के लिये उसके मालिक बने रहना चाहते हैं. यह बात अपने आप में तो बर्ग है ही पर इस में एक बुराई और है और वह यह कि योरप के जिल मुल्कों के हाथ में पश्चाया और अफरीका के वेसे हिस्से नहीं हैं बनकी ऐसे हिस्से पाने के लिये राल टपकती रहती है. और अगर वह अमरीका जितने ताक्रतवर या चालाक बन जायं तो जल्हा ही परिाया या अकरीका के किसी न किसी हिस्से पर कब्जा कर बैठें और का अजब दो ही दिन में वह उस हिस्से को ऐसा समफने लगें मानों उन्हें भीरास में ही मिना हो.

हात हो में जापान के दो दक्किनी टापुमों पर देख रेख के बहाने अमरीका डट गया है और सिर्फ इस वजह से कि बह ताक्रतवर और चालाक है. अमरीका के मुकाबले का चालाक अगर रूस होता तो उन टापुओं का माजिक श्रमराका हरशिज नहीं हाता. या तो फिर रूस खह होता या अपने गुट के किसी और को वहां विद्या देता, जापान के इन दक्तिसनी टायुकों पर अमरीका किसी नाते भी हरा सही इट फारूर गया है. और इस इस मामने में जुप रहा इसकी बजह यह है कि जापान के दो उत्तरी टापु को पर बर ख़द जासन जमाप द्वप है.

इस तरह का नेतुका पन सारी दुनिया में खाया हुआ है, श्रीर फिर भी यु. एन. श्रो. नाम की संस्थान मालूम किस इयाई की चादर कोड़ कर यह कह रही है कि वह दुनिया भर की पंचायत है, दुनिया भर का भक्ता चाहती है भौर दुनिया भर में अमन फैलाना चाहती है.

स्वेष पर बरतानिया की गोली से मिख के आदमी का मरना और जादिसयों का बायल होना सुनकर हमें कोरिया की याद का जाती है, बहां भी शुरू में खुद कम-रीकियों ने या अमरीका के इशारे पर दक्खिनी कोरिया के लोगों ने उत्तरी कोरिया के खिलाफ छेड़ छाड़ शुरू की थी पर उन दिनों दूमरो बड़ी कड़ाई का नशा लोगों के दिल से इतना न असर पाथा था कि दुनिया के और मुल्क उस विक्लिनीः कोरिया की हें। जाद की तरफ निगाह बातते, इसकि कर मामका कामरोका की मदद से कौर कस और

ﷺ میں اور جو مصر سے لکی ہوئی ہے آور جس پر مناعی ہے۔ شائد ھی کسی کو انکار ھو' ابتک المانية كى دوكان بلى هوئى تهى دو جار دن سے جهاوني هُوْلِكُتِي هِيْ أَوْرَ كُهَا مَصِبُ كَجِهِ دَنُونِ مَهِن نُوآيادي كَا وولية لد ك

یورپ کے جہوتے چیوٹے ملک نه جالے کپ سے کسی طرح سے ایشیا اور افریقہ کے بڑے بڑے صلعوں کے جموالے بعمول کے مالک بن بیتم میں آور معیشہ کے لئے أسكر مالك بنے رهنا چاهتے هيں . يه بات أنه آپ مهن بھو اہری ہے۔ هی ير اِس ميں ايک برائی آور هے آور وہ يه عد یورپ کے جن ملکوں کے جاتم میں ایشیا آور افریقه کے ایسے حصہ نہیں میں انکی ایسے حصہ پانے کے لئے رال تهجتی رهتی هے. آور آگر وہ امریکه جتنے طاقتوریا عالف بن جالين تو جلدي هي ايشها يا افريقه ك کسی ته کسی حصے پر قبقه کر بیٹھیں آور کیا مجت عر هي دن مهل أس حصد كو ايسا سمجهل لكين مانو أَنْهِهِنَ مَهْرَاتُ مِهِنَ هَي مَا هُو .

. بھال ھی میں جاپان کے دو فکھنی تاپروں پر دیکھ ربکته کے بیانے امریکہ دے کہا ہے آور صرف اِس رجہ سے کھ وہ طاقعور آور چالاک ھے، امریکہ کے مقابلے كل بهالاف اكر روس هوتا تو أن تايوون كا مالك المرهكم هركو تهيين دوتا . يا تو يهر روس خود هوتا یا اُبھے گت کے کسی آور کو رهاں بتھا دیتا ، جاپان کے ان دکھنی تاہوں پر امریکہ کسی ناتے بھی ڈڈا سھی ڈٹ فيورد كها هم . آور روس اِس معامله مهي بهب رها اُرسکی وجه یه هے که جاپان کے دو اُتوی ٹاپروں پر وہ خُود السن جمالي هولي هي ,

إس طرم كا به تكاين سارى دنيا مهن جهايا هوا هي . چهور بهی یو . آین ، او . نام کی سلسکها که معلوم کس اههائی کی جادر اوره کر یه که رهی هے که وہ دنیا بهر کی ﴿ يُقْبِحِالِيكَ هِ * دنها يهر كا يهدُ جامتي هِ أور دنها يهر مهن السي پهيلانا جاهٽي يے .

سوٹو پر پرطانیہکی گولی سے حصر کے آدمی کا موتا اُور المجهون كا كهائل هونا سنكر هديس كوريا كي ياد آجاتي المراعد وهاں بھی شروع موں خود امریکیوں نے یا امریک ع الشاري ير دايهاي كوريا كے لوگوں نے أترى كوريا كے خلاف معمور سونها و عروم کی تھی پر اُن دنرن درسری ہوی لوائی المنافقين كي دل سے اللا له أثر بايا تما كه دنما كي أور مالک آس دکھنی کوریا کی جمعو جدار کی طرف نتاہ عَالَتُهِ السَّاكِي وَهُ مَعَامِلُهُ أَمِرِيكُهُ كُي بِلَانَهُ مِنْ أَوْرَ رُوسٍ أَوْرَ

نہیں رہ آگی تھ المسائیا ایکم ہم سے مت بھر سکتی ہے ایم یک میں یہ سلستیا ایکم ہم سے مت بھر سکتی ہے ایم کی طاقت سے کوئی ایسی گرامات نہیں دکھا سکتی ہیں ہیں سے دنیا کے سب ماکوں کے خوراک' کھڑے اور مکان کا سوال حل هوسکے ، اور اُن کا اِسطرے سوچڈا ڈبھک ھی ہے کہ اگر یہ سوال پورس طرح حل هوجائے اور آسانی سے مل ہوجائے تو پھر کھوں اُمریکہ کوریا میں لولے کے لگہ جائے' اور کھوں ووس برطانیہ کو آنکھ دکھائے' اور کھوں جاپان سے جاپان سے گھورائے' اور کھوں آسٹریلیا جاپان سے ہیان میں آپ ہے نہ پائے' اور کھوں ایک ملک میں آپ ہوائی اُنے ماک میں آپ میان کے بانی میں ایا جہانی بھوے کے لئے ادّا بلانے ملک کی بات جہت کرے ۔

یو . این . او . اگر زنده رهنا چاهتی هے تو آسے ستھے معنوں میں امن کی سنستھا پنتا هوگا اور ان پوی ہوں طاقتوں کے آبسی جہتوں میں پو کر ایسے معاملوں میں پونے سے بچنا ہوگا جو آس سے تعلق نہیں رکھتے . ان ملکوں کو بہت جلدی آجے میں شامل کرنا ہوگا جو آسمیں ملنا نہیں جاھتے ہیں اور جو ملک کسی وجه سے آسمیں ملنا نہیں جاھتے ان کے امن کی قصے داری آسکو آئے اور ارتعلی مرکی . اسکا یہ مطلب ہوئے تہ سمتھا جائے که اُن ملکوں کے اندرونی جھٹروں میں آسے ہوئے کی فرورت ہے ، ہمارے کے اندرونی جھٹروں میں آسے ہوئے کی فرورت ہے ، ہمارے نہیں ہیں مطلب ہے کہ یو ، این ، او ، کی یہ نمی داری ہی وہ آس کے بس کے باہر کی بات ہو تو نہیں ہو جہ سے یہ آس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس میں شامل اگر کسی وجہ سے یہ آس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو ایسی وہ اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو ایسی وہ اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو ایسی وہ اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو ایسی وہ اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو ایسی وہ اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بس کے باہر کی بات ہو تو اُس کے بین بنتھا ہو تو اُس کے بین کر بیتھا ہو تو اُس کے بین کی بات ہو تو اُس کے بین کی بات ہو تو اُس کے بین کی بات ہو تو اُس کے بین کی بہتھا ہو تو اُس کے بین کی باتوں کی بات ہو تو اُس کی بینے باری بنتھا ہو تو اُس کے بین کی بات ہو تو اُس کے بین کی بین کی بات ہو تو اُس کے بین کرنے کی بین بین ہو تو اُس کے بین کی بین ہو تو اُس کے بین کی بین ہو تو اُس کی بین بین ہو تو اُس کی بین ہو تو آس کی بین ہو تو آس کی بین ہو تو اُس کی بین ہو تو آس کی بین ہو تو اُس کی بین ہو تو آس کی ب

لال چین پہر چاھے وہ کسی بھی وجہ سے کیوں نہ ھو اگر ہو ، این ، او ، میں شامل نہیں ھے تب ہو این ، او ، کی یہ سب سے بوی ڈمہ داری ھے کہ وہ روس' جاپان' مندستان' برطانیہ' امریکہ یا دنیا کے کسی ملک کا بھی چین پر حملہ نہ ہونے اور اگر کوئی حملہ کر ھی دے تو آسے اخلاقی مدد نہ دے ، پھو چین کو کیا پری کہ رہ یو ، آین ، او ، کو بوی نظر سے دیکھے ، پر یو ، آین ، او ، اسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما ایسی بہلی سنستھا بنتے سے بہلے چین کو آبھ میں ما

پرماتما کرے نگے برس میں قدم رکھتے ہو ۔ آین ، آو ۔ کے مالکوں کو سچی سنجھ آگے آور ہمیشہ کے لگے نہ سپی دس بیس پرسوں کے لگے ہی شاندی کی بہار ساوی دانیا میں پیپل جائے آور دنیا آیک بہائی تھارے کے رشتے میں بندھ جائے ۔

25-16-51 - بهگوليونون

नहीं रह गई कि यह दुनिया की कोई अकाई कर सकती है, इस ऐटम गुग में वह संस्था ऐटम बम से मिट भर सकती है, ऐटम की ताक़त से कोई ऐसी करामात नहीं दिखा सकती जिससे दुनिया के सब मुस्कों के खुराक, कपड़े और मकान का सवाल हल हो सके. और उनका इस दरह सोखना ठीक ही है कि अगर यह सवाल पूरी तरह इस हो जाय और आपानी से हल हो जाय तो फिर क्यों असरीका कोरिया में लड़ने के लिये आय, और क्यों कस बरतानिया को बांखा दिखाप, और क्यों जापान चीन से पबराप, और क्यों आस्ट्रेलिया जापान से बच न पाप, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुस्क दूसरे मुस्क के पानी में अपने आहाजी बेड़े के लिये शड़ा बनाने की बात चीत करे.

यू. पत: भो. भगर किन्दा रहना चाहती है तो इसे सक्षे मानों में अमन की संस्था बनना होगा भौर इन बढ़ी बढ़ी तांक्रतों के भापसी भागड़ों में पढ़कर ऐसे मामलों में पड़ने से बचना होगा जो अमन से ताल्लुक नहीं रखते. उन मुल्कों को बहुत जल्दी अपने में शामिल करना होगा जो उसमें मिलना बाहते हैं और जो मुल्क किसी बजह से इसमें मिलना नहीं चाहते उनके अमन की जिन्मेदारी इसको अपने ऊपर ओदनी होगी. इसका यह मतकब हरगिषा न सममा जाय कि इन मुल्कों के धन्द्रती मनकों में उसे पढ़ने की जरूरत हैं. हमारे कहने का सिफी यही सतलब है कि यू. पन. को. की यह विन्मेदारी है कि बह ऐसे मुल्कों पर जो उसमें शामिल नहीं हैं किसी दूसरे मुक्क का हमला न होने दे और अगर किसी वजह से यह इसके बस के बाहर की बात हो तो वह इललाकी हथियार के काम ले और हमला रोकने के लिये ऐसी बड़ी पंचायत का यह इथियार बढ़े काम का साबित होगा.

काल चान फिर चाहे वह किसी भी वजह से क्यों न हो जगर यू पन. चा. में शामिल नहीं है तब यू पन. चो. की बहु सब से बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रूस, जापान, हिम्दुस्तान, बरतानिया, अमरीका या दुनिया के किसी सुक्क का भी चीन पर हमला न होने दे. चौर अगर कोई हमला कर ही दे तो उसे इखलाक़ी मदद न दे. फिर चीन को क्या पड़ी कि वह यू पन. ओ. को बुरी नजर से देखे. पर यू पन. चो. ऐसी मली संस्था चनने से पहले चीन को अपने में मिला ही लेगी क्योंकि चीन को मिलना चाहता है.

परमात्मा करे नये बरस में क्रदम रखते यू पन. को. के मालिकों को सक्वी समस धाए और इमेशा के लिये ब सही दस बीस बरसों के लिये ही शान्ति की बहार खारी दुनिया में फैल जाय और दुनिया एक भाई बारे के दिश्ते में बंध जाब.

25-10-'51

--प्रगचानदीन

बरहातिया में यह क्यी बाहरों के मिल कैउने के समय और यू. प्रत. तो. नास लेवें समय करतानिया में राजा था और आज भी हैं. वहां की सरकार पारित मैन्टरी मरकार थी और आज भी है. इसी तरह अमरीका में अपने ढंग की जमहूरियत यो और आज भी है, फ्रांन्स में कुछ बीर ही ढंग की सरकार थी और बाज भी है, वान में अपने ढंग की सरकार थी और आज भी किसी हंत की है, रूस में किसी और ही हंग की सरकार वी और ब्राज भी है. यहीं संबद्धार की सरकारें मिलकर एक अजब गुल रस्ता बना मां और फिर सबको भला लगना ही था पर अब एक फूल को न जाने क्या सूफ बैठी है जो चाहता है कि सब मेरे रंग के हो जायें या कम से कम पक रंग तो मेरा रंग अपना ही ले. यह भगड़े की जड़ नहीं है तो क्या है, और ऐसे ऋगदे का इस दुनिया भर की पंचायत में क्या काम है और इसके लिये बीटो और बोट को क्या वहरत ! ऐसा सममौते की सनद (Charter) में कहां

यह अपने ढंग का अनोखा मगड़ा कैसे उठ खड़ा, क्यां उठ खड़ा? इसको तह में हम न भी जायें तो यह तो साक दिखाई दे रहा है कि मगड़ा अमन से क्लटी चीज है और यह अमन की संस्था को खा जायगा या अमन की संस्था को मगड़ालू संस्था में बदल देगा. और अमन की यह संस्था यू. एन. औ. उसी और फिसलती जा रही है.

इसमें शक नहीं कि दुनिया भर की पंचायत इस यू. एन. भी. ने दिसयों काम बहुत अच्छे किये हैं और दूर दर के बहत से मुल्कों का बहुत पास ला विठाया है और दास्ती के रिश्ते में बांध दिया है. पर बड़ी ताक्षतों की आप-सी उन्ही लड़ाई के बुरे कामों में वह अच्छे काम इतने दव गए हैं कि दुविया के आतम आदिमियों की नजर इस तरक नहीं जाती. इसिंजये जब हिन्दुस्तान जैसे अमन पसन्द और बड़े मुल्क के प्रधान बजीर जवाहर लाल यू. एत. को को बनाए रखने की बात कहते हैं और बने रहने के जिये आशीबीद देते हैं तब लोग समम ही नहीं पात कि जबाहर लाल क्या कह रहे हैं, क्यों इस मागड़ालू संस्था को कायम रखना चाहते हैं ? आम होग करें भी क्या ? कोरिया की बरबादी उनके सामने हैं, जापान पर अमरीकी फ्रीजों का घेरा उनकी निगाह में है, इन्हो-चीन की लड़ाई की खावाज उनके कानों में है, ईरान का तेल का मगड़ा, स्वेज सुद्धान का भागड़ा आए दिन अखबारों में पढ़ने को सिलता है. (फर वह कैसे मान लें कि यू. एन. भो. एक ऐसी संस्था है जिसके लिये जिन्दाबाद का नारा लगाया आय.

यू. प्त. को. से दुनिया के लोगों को अब यह बम्मीद

المعالمية مين ان برى طاقتون ك مل بياليل ك بيد الور عو ، اين ، أو ، قام لهاتم سم يرطانهه سهي وأجه تها ﴿ وَوَ آيِم مِهِي هِم ، وهان كي سركار يارابهمنالري سركار تهي أور أني الهي هم ، إسى عارج امريكه مين اله تعلك كي المهموريية الله أور آج بوي هـ؛ فرانس مين كچه اور هي قعلک کی سرگار تھی آور آج بھی ہے' چین میں آیے تعالمک کی سرکار تھی اور آج بھی کسی تھنگ کی ہے ا ررس میں کسی اور ھی تھاگے کی سرکار تھی اور آج المهى هه ، يهي سب طرح كي سركارين مل كر أيك عصب الل داسته بدا تها آور پهر سب كو بهلا لكدا هي تها پر اب ایک پهول کو نه جانے کیا سوجه بیتھی ہے جو جاهتا انھ که اسب مهرے رنگ کے هوجائیں یا کم سے کم ایک ولک تو مورا رنگ ایدا هی لے . یہ جھگوے کی جو انہیں چے تو کیا ہے' اور ایسے جھکوے کا اس دنھا بھر کی پنچایت مهن کها کم هے اور اِس کے لیے ویلو اور ووٹ کی کہا ضرورت ! اليسا سمجهول کی سند (Charter) مهل کهال ذکر هے .

یہ ایک تھانگ کا انوکھا جھکوا کیسے آتھ کھوا کیوں آتھ کھوا آ اسکی تہت میں ہم نہ بھی جائیں تو یہ تو صاف جاکھائی دے رہا ہے کہ جھکوا امن سے اللی چھو ہے اور یہ ایمن کی سنستھا کو کیا جائے کا یا امن کی سنستھا کو جھکوالو سنستھا میں بدل دیکا ۔ اور امن کی یہ سنستھا ہیو ، ایمن اور یہسلتی جا رہی ہے .

السنهن شک نهین که دنیا بهر کی پلچایت اس ہو، این ، او . نے دسیوں کام بہت اچھے کئے هیں اور هور دور کے بہبت سے ملکوں کو بہت پاس لا بگھایا ھے اور دوسعی کے رشتے میں باندہ دیا ہے ، پر ہوی طاقعوں عی آیسی تھلاتی لوائی کے برے کامیں میں واد اچھے کام اِنْهُ دَبِ اللَّهِ هِينَ كَهُ دُنْهَا كَمْ عَامَ آدَمَهِنِ كَي نَظِر أَسطَرَفُ نههو جاتي . اسلئم جب هددستان جيسم امن يسدد اور ہونے ملک کے پردھان وزیر جواھرلال ہو ۔ این . او . کو بدائے رکھنے کی بات کہتے میں اور بنے رهنے کے لئے أشهرواد دياته ههن تب أوك سمجه هي نههن ياتي كه جواهر لال کیا که رهے هیں ' کیوں اس جهکوالو سلستها کو قائم رکھنا چاھتے ھیں؟ مام لوگ کریں بھے کیا ؟ کردیا کی پریادی أن کے ساملے ہے، جاپان پر امریکی قوجوں کا عهدا أن كي نعاه ميل هـ ؛ اندوجين كي لوائي كي آواز أن کے کالیوں صهبی هے ايران کا تهل کا جهکوا سوئو سودان کا بها الله دن اخداروں میں بوھنے کو ملتا ہے ، یہ وہ كهسم مان لهل كه يو . اين . او . ايك ايسي سنستها في جستم لي إنده بأد كا نعره لكايا جائي .

يو، آين ، أو ، سد دانها كم لوكون كو أب يه أسهد

,61 june

कर साठ हुए जा रहे हैं, इन्हों जीन में आग सनी हुई हैं, ईरान और मिल्ल में न जातें कर क्या हो जाय, कारामीय को से कर हिन्दुस्तान कीर पिकस्तान में भी कोई नया शागूका खिलाया जा सकता है, पूरवी और पिक्लमी सरमनी दोनों मिलकर न जाने कर क्या कर बैठें. मतलब् यह कि शुनिया के हर हिस्से में धमन की जगह धशान्ति का ही राज है. और इस धशान्ति की जिम्मेदार कीन है— -धमन की देवी के नाम से पैदा हुई यू. एन. ओ.

किसी पत्थर की मूरत के दो आंख की जगह चार जांस भी हो सकती हैं पर क्या वह देख सकती हैं ? हां, यह देख सकता है जो उस मूरत का मालिक है. पत्थर की मूरत के दो कान की जगह चार कान हो सकते हैं. पर क्या वह मूरत सुन सकती हैं ? हां, वह सुन सकता है जो उस मूरत का मालिक है. अब मूरत का मालिक जो देखे या सुने वही मूरत देखे और सुनेगी. यही हाल यू. एन. ओ. का है. उसके दो नहीं दसियों आंखें हैं पर उसे यह दिखाई नहीं देता कि चीन की सरकार कीन है. उसके दो कान नहीं इसियों कान हैं पर उसे यह नहीं सुनाई देता कि हिन्दुस्तान जितना बड़ा मुक्क यह कह रहा है कि चीन की मालिक चीन की लात सरकार. उस मूरत बनी यू. एन. ओ. का मालिक की यह देख रहा है कि चीन का मालिक चांग-काई रोक हैं और वह यही सुन रहा है, इसिलये यू. एन. ओ. यही देख सन रही है.

द्सियों आंखों और द्सियों कानों वाली यू. एन. त्रो. न कोरिया की बरबादी देख सकती है और न वहां की साओं और बच्चों की कराह सुन सकती है. वह अपने विकक्त पास के वीटो और वोटों को भी न देख सकती है और न सुन सकती है. अब बताइये ऐसी संस्था की बरस गांठ के मोक्रे पर हम उसे क्या बधाई हैं.

सिल बैठ कर बात करने के वायदे से यूं एन. जो. के नाम से जमा हुए वे बरतानिया, अमरीका, फ्रांस, जीन जीर कस. पर भूल बैठे अपना वायदा जोर अब जब भी मिक्क बैठने को इकट्टा होते हैं तो बीटो और वोटों के हथि-बारों से लड़ बैठत हैं. और इस लड़ाई का नाम चल पड़ा है ठन्डी लड़ाई. इस ठन्डी लड़ाई में एक न एक दिन यू. एन. जो. ऐसी अकड़ कर रह जागी जैसे लकवे की मार से आदमी का जिस्म, और फिर न जाने किघर को उसका मुंह होगा और किघर को होंगी आंखों की पुतली. वह बूरत तो उस बहुत भी रहेगी पर इतनी बदसूरत कि कोई उसे देखना पसन्द न करेगा. हां, तो इन पांच ताक़तों में से जीन नाम की एक ताक़त जो अब सक्के मानों में एक ताक़त जम गई है उसे उस गुट ने जिस के हाथ का यू. एन. जोते खिलीना बनी हुई है दूव में बड़ी सक्खी की तरह जिलांक बाहर कर दिया. यह अच्छा मिक्स बैठना हुआ !

کسی پتہو کی مورت کے دو آنکہ کی جگہ چار آنکہ وہ موسکتی ہے؟ ھاں' وہ موسکتی ہے ؟ ھاں' وہ نہ سکتی ہے ؟ ھاں' وہ نہ سکتا ہے جو اُس مورت کا مالک ہے ، پتہور کی بوت سن سکتا ہے جو اُس بورت کا مالک ہے ، پتہور کی بوت سن سکتا ہے جو اُس سن کا مالک ہے ، اب مورت کا مالک جو دیکھے یا سنے مورت دیکھے اور سلیکی ، یہی حال یو ، اُین ، او ، اُس کے دو نہ ہیں دسیوں آنکہ ہی مالک ہو ، اُس ، او ، اُس نہ نہ نہ نہ ہیں دائی سلائی اُلی دہ ہندستان جتنا ہوا ملک یہ کہ رہا ہے کہ ہن مالک ہیں کی الل سرکار، اُس مورت بنی یو اُسی ہو اُسی اُلی مالک ہانی او ، اُس مالک ہانی ہو اُس کے دو اُس مالک ہانی ہو اُس مورت بنی یو اُسی او ، اُس مالک ہانی ہو اُس مورت بنی یو اُسی اُلی دو این ، او ، مالک ہانی ہو اُس میں رہا ہے کہ چین کی الل سرکار، اُس مورت بنی یو اُس کے دو این ، او ، شیک ہے اور وہ یہی سن رہا ہے کہ چین کا مالک چانگ شیک ہے اور وہ یہی سن رہا ہے کہ اُس لُنے یو ، این ، او ،

دسیوں آنکہوں اور دسیوں کانوں والی یو ، این ، او ، وریا کی بریادی دیکھ سکتی ہے اور نہ وہاں کی ماوں ،چوں کی کراہ سن سکتی ہے ، وہ اپنے بالکل پاس کے اور ووتوں کو بھی نہ دیکھ سکتی ہے اور نہ سن تی ہے ، اب بتائیہ ایسی سنستہا کی برس کانٹھ کے ، یہ وہ اپنے کہا بدھائی دیں ،

مل بھتھ کر بات کرنے کے وہ دے سے ہو ۔ این ۔ او ۔ کے سے جمع ہوئے تھے برطانیہ امریکہ فرانس چین اور پر بھول بھتھے اپنا وہدہ اور اب جب بھی سل بنے کو اکتما ہوتے تھیں تو ویٹو اور ووٹوں کے ہتھیاروں لو بھٹھتے تھیں ۔ اور اس لواٹی کا نام چل پڑا ہے تی لوائی ، اس ٹھنٹی لوائی میں ایک نہ ایک مار سے آف می کا جسے لقوے یو ، این ، او ، ایسی انو کو رہ جائیگی جیسے لقوے مار سے آف می کا خور کو اس میں وہ مورت ملے ہوگا اور کدھر ہونگی آنکھوں کی بھتی ، وہ مورت اس وقت بھی وہیگی پر آتی بدھورت که کوئی آنیے ساتھ کا بھا کہ کوئی آنی میں بنام کی آنی طاقتوں میں بنام کی آنیک طاقتوں میں بنام کی آنیک طاقت جو آپ شنچے معلوں میں بنام کی آنیک طاقت جو آپ شنچے معلوں میں بانی طاقتوں میں این ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہے، دورت معلوں میں این ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہے، دورت معلی میں این ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہے، دورت میں بیاں ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہے، دورت میں بیاں ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہوئی ہے، دورت میں بیاں ، آو ، کہلونگ بھی ہوئی ہوئی ہوئی ہیں بیان بھی بھی ہوئی ہوئی ہیں بیان بھی بھی ہوئی ہوئی ہوئی ہیں بیان بھی بھی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہیں بیانہ کی بی

मूर का कि किने बक्त के बाबने में तेती हैं बाशा और निराम के कोट केती बहती है खुद मीत गाए तो गाए यह बाहती है कि दूसरे इसके गांच गांचं इसे यह तक नहीं मालम कि गीत गाने या तारीक के गांत सुनने से बादरों की मंक्ति तक नहीं पहुंचा जाता और न कोई पहुंचा है. पर कुछ मुल्क हैं को आप दिन भाट बन कर हमके गीत गांते रहे हैं.

यू. एन. जो. यह खूब समक ते कि जो मुल्क उसके गीत गाते हैं वह उसके लक्त भी हैं ऐसी बात नहीं है. उन्हों भिक्त गीत गाने तक ही महतूद है. मौका पड़ने पर वह उसे इस तरह छोड़ कर भागेंगे जिस तरह आदमी के साथ हमेशा बलने वाली परछाई जन्धेरे में उसे छोड़ कर भाग जाती है.

लीग आफ नेशन्स जिस तरह जान बुत के हाथ में होतती थी ठीक उसी तरह यू. एन. जो. साम काका के इाय का खिलीना है. जान बुल की सीग अगर कुछ भला न कर पाई तो कम से कम ज़ुरा तो न कर सकी. इतना ही क्यों ? पिछली लड़ाई के मीक्षे पर लीग केसवें सर्वा बरता-तिया के प्रधान बजीर बाल्ड वन ने तो लड़ाई न होने के लिय कोई काशिश उठा न रखी पर हिटलरी जरमनी और जापान इन दोनों को तो अपने अपने देश में पांव फैलाने के लिये जगह ही न थी इसलिये इन दोनों ने जान बुल की लीग की स्ती भर परवाह न की और यों लीग आफ नेशन्स कराह कराह कर मर गई. काका साम की यू. पन. भो. जोरदार है. वह जहां चाहे टांग अड़ा बैठता है और टांग अड़ाने में इतनी जरूर बाजी करती है कि उसे यह ध्यान ही नहीं रह जाता कि दुनिया के मुल्कों ने उसे अमन फैनाने के लिये पैदा किया है न कि टांग अड़ा कर लड़ाई या नदाइयां शक करने के लिये.

लीग आफ नेशन्स दुनिया को एक करने में नाकामयाब रही यानी सब मुकड़ों को न मिला पाई. पर यू. एन. ओ. तो दुनिया के दो दुकड़े करने में कामयाब हो गई. पर वह ऐसे ही हो हुकड़े हैं जैसे मनसल और पोटास. जिस वतत भी किसी कंकरी के साथ मिल कर यह मनसल और पोटास ठोकर खावेगी तो सारी दुनिया उसी तरह अनगिनत दुकड़ों में विखर आयगी जिस तरह मनसल और पोटास से बना हुआ पटाखा दीवार से टक्कर खा कर एक जोर की आवास निकाकता हुआ छोटे छोटे दुकड़ों में छितरा जाता है.

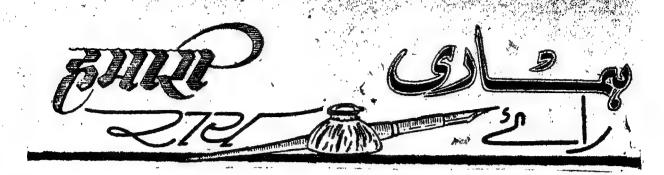
यह वृ धन. थो. है या वड़ी बड़ी ताहतों के कुरती बड़ने का अकादा. बोट और बीटो के दिवयारों से आए दिन ताड़ाई हारी और जीती जाती है. इन बड़ी ताहतों की बड़ाई के बीच में आकर कोरिया जैसे कोटे कोटे गुरूक जल

یو این او یا خوب سمجه اے که جو سلک اُس کے گیت گات کا هیں وہ اُس کے بهکت بھی هیں ایسی بات بہی ه اُن کی بهکتی گیت کانے تک هی مصدرد ہے ، موقع پونے پر وہ اُسے اس طرح جهور کر بهاگهدگے جس طرح آدمی کے ساتھ همیشه جانے والی پرچهائیں اندهمرے جیں اُسے جهور کر بهاگ جاتی ہے .

لیگ آف نیشلس جسطرے جان بل کے ھاتھ میں گیھلتی تھی تھی اسی طرح ہو ۔ این ۔ او ۔ سام کاکا کے جاتھ کا کھلیتی تھی تھیں اسی طرح ہو ۔ این ۔ او ، سام کاکا کے ہاتھ کا کھلونا ہے ۔ جان بل کی لیگ اگر کچھ بھلا نہ کر ہاتی تو کم سے کم ہوا تو نہ کرسکی ۔ اتفا ھی کھوں ؟ ھحھلی اوالی کے سروے سروا ہرطانھہ کے پردھان وزیر بالڈون نے تو لوائی نہ ہونے کے لئے کوئی کوشش اُتھا تھ وہی یہ میں باوں پھیلانے کے لئے جگہ ھی نہ تھی اُنے اُن دونوں نے جان بل کی لیگ جگہ ھی نہ تھی یوروانا نہ کی اور یوں لیگ آف نیشلس کراہ کراہ کر سرگئی ۔ اُنے کہاور یوں لیگ آف نیشلس کراہ کراہ کر سرگئی ۔ یوروانا نہ کی اور یوں لیگ آف نیشلس کراہ کراہ کر سرگئی ۔ اُنے کہا سایت گا سایت گا ہے تھی اور تانگ ازائے میں اتفی جلد گانگ آوائی ہے کہ اُسے یہ دوردار ہے ، وہ جہاں چاہے بازی کرتی ہے کہ اُسے یہ دوردار ہے ، وہ جہاں جاہے بازی کرتی ہے کہ اُسے یہ دوردار ہے ، وہ جاتا کہ دنیا گانگ اُزا کر لوائی یا لوائیاں شروع کرنے کے لئے پھدا کیا ہے نہ کہ گانگ ،

لیگ آف نیشنس دنیا کو ایک کرنے میں ناکامیاب رہی یمنی ناکامیاب رہی یمنی سب ملکوں کو نہ ملا پائی ، پر یو ، این ، او ، او دنیا کے دوٹکوے کرنے میں کامیاب ھوکئی ، پر وہ ایسے ھی دو ٹکوے ھیں جیسے منسل اور پرتاس ، جس وقت میں کھارہ کی تو ساری دنیا اُسی طرح انگذمت ٹکووں میں کھارہ جائیگی جس طرح منسل اور پرتاس سے بنا ھوا کھارہ جائیگی جس طرح منسل اور پرتاس سے بنا ھوا کھارہ ہوار سے تکر کھاکر ایک زور کی آواز نکالتا ھوا

یہ ہو این او ہے یا ہوی ہوں طاقتوں کے کشتی ٹوٹے کا اُکھارہ ووٹ اور ویٹو کے متھیاروں سے آئے میں لوائی ماری ٹور جمعی جاتی ہے ان ہوی طاقتوں کی لوائی کے ہمیے میں آکر کوریا جمسے جموثے ملک جل



यू. एन. भो. का नया बरस-

यू. एन. छो. नये बरस में दाखिल हो रहा है. क्या रिवाज के मुताबिक इसको बधाई दी जाय ? यू. एन. छो. एक संस्था है, संस्था जानदार नहीं हुआ करती. इसकी बधाई देना इतना भी ठीक नहीं है जितना भैंस के आगे बीन बजाना. भैंस के कान होते हैं, वह सुनती है और हो सकता है भैंस बीन की आवाज सुन कर अपने पगुराने में कुछ कर्क़ कर ले पर यू. एन. घो. तो इतना भी नहीं करने की क्योंकि न वह जानदार है, न उसके कान हैं और न वह सुनती है.

यह बिलकुल ठीक है कि यू पन. को. जानदारों की बनाई हुई कीर जानदारों की बनी हुई है. उसमें सब जानदार ही काम करते हैं कोर बद जानदार मामूजी जानदार नहीं सममदार कीर खूब सममदार हैं. फिर सममदारों की इस संस्था की बेजा तारीक किस लिये. यही ठीक होगा कि इसकी बरस गांठ के दिन इसकी बन युराइयों से इसे जागाह किया जाय जो इसमें जगह पा गई हैं और पाती जा रही हैं.

बू. एन. छो. समम ले कि वह अपने ढंग की नई संस्था नहीं है. इससे पहले उसी जैसी 'लीग आफ नेशन्स' नाम की एक संस्था रह चुकी है जो निकम्सी नाम से वर्नाम होकर ऐन उस वक्त मर गई जब उसे अपने करतक दिखाने के लिये मौका मिला था. कहीं इसी तरह की मौत इस यू. एक, को. को भी हासिल न हो.

कीम जाफ नेशन्स जबकि जपने निकम्मे पन के लिये बद्दाम थी तो यू. एन. जो. जपने बेहद सकम्मे कि के लिये बद्दाम होती चली जा रही हैं. लीग जाफ्र शान्स जज बनकर जममी थी, पंचायत बनकर बढ़ी हुई जोर समाशे की चीज बन कर मर गई. यू. एन. जो. जमन कायम करने के लिये पैदा हुई, लड़ लड़ कर बढ़ी हो रही हैं, जल्द बाजी के लिये मशहूर हैं. उतावती सो वायली की कहावत के बाजुसार बदनाम तो हो ही रही है कभी ऐसी ठोकर भी يو. اين. او. كا نيا برس__

آیو این او آنگے پرس میں داخل هو رها هے .

اللہ رواج کے مطابق اِسکو بدهائی دی جائے؟ یو این او .

اللہ سنستہا هے سنستہا جائدار نہیں هوا کرتی اسکو دیائی دینا اتنا بھی تھیک نہیں هے جتنا بھینس کے لئے بھن بجانا ، بھینس کے کان هوتے هیں وہ سنتی هے رو هو سکتا هے بھینس بھن کی آواز سن کر آئے پکررائے ۔

اللہ کی کیونکہ نہ وہ جاندار هے نه اُس کے کان هیں اور ،

وہ سنتی هے ،

یه بالکل تهیک هے که یو: این . او . جانداروں کی لئائی هوئی آور جانداروں کی بلگی هوئی هے . اُس میں سب جاندار هی کام کرتے هیں ارز وہ جاندار معمولی جاندار نهیں سبجه دار اور خوب سمجه دار هیں ، پهر سبجه داروں کی اس سنستها کی بیجا تعریف کس لئے . یہی تهیک هوکا که اِس کی برس گانته کے دن اِسکی اُن برائیوں سے اِسے آگاہ کیا جائے جو اِس میں جانم یاگئی هیں اور یانی جارهی هیں ،

یو این او سبجه لے که وہ انه تعلگ کی نئی سلستها نہیں ہے ۔ اُس سے پہلے اُسی جیسی لیگ آف نیشلس اُ نام کی ایک سلستها وہ جبکی ہے جو نکسمی نام سے بدنام ہوکر مین اُس وقت مر گئی جب اُسے انها کرتب دکھانے کے لئے موقع ملا تھا ، کھیں اُسی طرح کی موت اُس یو ، اُبی ، او ، کو بھی حاصل نه ہو .

لیگ آف لیشلس جبکہ آپ تکمے بن کے لئے بدنام ابی تو ہو، این اور آپ ہے حد سکیے بن کے لئے بدنام مرتی چلی جارہ ہیں اور آپ ہے حد سکیے بن کو جبی جنس جم بن کو جبی ہوئی آف نیشلس جم بن کو جبی ہوئی آف نیشلس جم بن کی جبر بین کو مرکثی ، یو این ، او ، اس قانو قرائے کے لئے بیدا ہوئی او کو بنی ہو رہی ہے؛ جلد قرائی کے لئے مشہور ہے آفوای سو باولی کی کہارت کے انواناو بدنام مربو ہو جو جو بھی کہارت کے انواناو بدنام جاروں کی کہارت کے انواناو بدنام جاروں کی انواناو بدنام بدنا

- 9. सिका के प्रसार पान करती रहेंगी जगरेशी सरकार का केसला. किसान मणदूर प्रजा पारटी यहने की तरह काम करती रहेगी जानार्थ करजानों का जैसजा. कर्तकते में बड़ी अबरदश्त आग जग मई—14 आदमी जग कर खाक.
- डाक्टर अम्बेव्हर ने निनिस्ट्री से इस्तीका दे दिया.
- 11. स्वेज नहर में बिटेन अपनी की जें बनाए रखेगा. कम्यूनिस्ट और अमरीकी अफसरों में सुलह बात जीत के लिय चरचा शक.
- 12. ईरान का तेंल मामला तय करने के लिये अम-रीका की कोशिश. बन्बई सदकार ने विजली कम लर्च करन का हुक्स दिया पालियापेन्ड में इन्डस्ट्राज विल पाप.
- 13. मिडिल ईस्ट कमान में आने के लिये जिटेन, अमरीका, फ्रांस और तुरकी की मिस्र से अप ल ईरान ने अंगरजी ठ-राव, कि तल बात चात फिर से शुरू की जाए, इन्कार कर दिया. लंका के चीन को रवर बेचन पर अमरीका की लंका का मदद न देन की धमकी.
- 14. चार ताकतों का ठइराव मिस्र को नामंजूर. यान मुन जो में सुलह बात चीत शुरू.
- 15. जापान के त्कान में 385 आदमी मरे, हजारों घायल, 30,000 घर वरबाद. पालियामन्द में पंचसाजा याजना पर बहस. दिस्ता में कागरेस वर्किंग कमेटो की बैठक.

الله العلم مهن الكريون فوجهن على وهمن الى - المتعلق ا

10. قائلًا أمييدكر نے منسترى سے أستعفا ديديا .

11. سوئو نہر میں برتین اپنی فوجیں بنائے رکھ کا . کموونسٹ اور امریکی افسروں میں صلع بات جیت کے لیے جرجا شروع .

12. ایران کا تیل معاملہ طے کوئے کے لگے امریکہ کی فرق کا حکم کرنے کا حکم بیا ، پارلیامنٹ میں انڈسٹریز بل پاس .

13. مقل ایست کمان میں آئے کے لگے برائین امریکھ فرانس اور ترکی کی مصر سے اپیل ، ایران نے انگوریوں ٹھہراو کے تھل بات چیت پھر سے شروع کی جائے انگار کردیا ، لفکا کے چین کو ربر بھجیتے پر امریکھ کی لفکا کو مدد نه دیئے کی دھمای ،

14. بهار طاقتون کا تههراو مصر کو نامنطور ، یان می جو مین ملم بات چیت شروع .

15. جاپان کے طوفان میں 385 آدمی مرے' مزاروں گھایل' 30,000 گھر برباد ، پارلیاملت میں پلچ سالہ پرجلا پر بعدان ، دلی میں کانگریس ورکنگ کمیٹی کی بھٹھک ،

".....हमारे सामने जो इन्न हो रहा है, उसे हम देख रहे हैं. चाटे की झाटी छोटी मिर्जे हाथ की चिक्क मों को, तेल की मिर्जे गाँव की देंकी को और शकर की मिर्जे गुड़ बनाने के देहाती साधनों वग्नेरा को मिटाती जा रही हैं. देहाती मज़रूरी के इस तरह उठ जाने से देहात वाले कंगाल हो रहे हैं और धनी कोग मालदार बन रहे हैं. अगर काफी लम्बे अरसे तक यही सिल-सिला चलता रहा तो और किसी जतन के बग्नेर ही देहातों का नाश हो जायगा."

- महारमा गांधी

''…. بھمارے سامئے جو کتھ ھورھا ہے' آیے مم دیکھ رہے ھیں، آٹے کی جھوٹی جھوٹی ملیں ھانھ کی جھیوٹی جھوٹی ملیں گان کی تھیلکی کو آئے کی ملیں گان کی تھیلکی کو اور ھکر کی ملیں کو بنانے کے دیہاتی سادھنوں وفیرہ کو مثانی جارھی ھیں، دیہاتی مزدوری کے اِس طرح آٹھ جھانے سے دیہات والے کفال ھورھے ھیں اور دھلی لوگ مال دار بن رہے ھیں ، اگر کافی لسے عرصے تک یہی مال دار بن رہے ھیں ، اگر کافی لسے عرصے تک یہی میلانے کے اُس حوالے گا .

سسمهاتما كأندهى

'मुसितम' यूनिवरसिटी विक पास. यू. पी. असेम्बती ने 'हिन्दी' के किये विक पास किया.

- 28. अर्जनटाइन में क्रीज का बिद्रोह ब्रिटेन ईरान तेल का मामला यू. एन. भी. की सुरक्षा कौम्सिल में ले जाएगा. लन्दन में कामनवेल्य के सपलाई मिनस्ट्रों की बैठक.
- 29. ईरान की खाड़ी में अपने जहाजों को "तैयार" रहने के लिये अंगरेजी सरकार का हुक्म. एक बड़े अमरीकी जनरल फीजी मामलों पर बात करने जापान पहुँचे.
- 30. कागरेस की तरफ से पंडित नेहरू ने लुधियाने में जुनाव का पहला भारान दिया.

• भक्तूबर

- 1. अंगरेजी सरकार ने अंगरेज माहिरों को ईरान से इंटाना ते कर लिया. जीन में आजादी की सालगिरह मनाई गई, तेल के मामले पर सुरुषा कीन्सिल में बहस होने पर हस का एतराज.
- 2. स्वीडिन में राजा गुस्टब ने नया मंत्री मंडल बनाया. हिन्दुस्तान भर में महात्मा गांधी की सालगिरह मनाई गई. एक हजार लड़कों की हड़ताल पर सागर यूनिबर-सिटी एक माह के लिये बन्द.
- 3. हिन्दुस्तान में विदेशी हकूमतों के अडू खत्म होने चाहियें—लन्दन टाइम्स की अपील. फिरक़ायन्दी का पूरी साकृत से मुकाबला करने का पंडित नेहरू का एलान.
- 4. बादशाह जार्ज ने पार्तियामेन्ट को बरखास्त किया. भी रकी ष्यहमद किदवाई कांगरस में फिर वापस.
- 5. क्रमींदारी करम करने के सिक्सिकों में विधान सभा का क्रानून जायज —सुप्रीम कोर्ट का फैमला. अक्तूकर में क्रमरीका से वो लाख टन गेहुँ हिन्दुस्तान भेजा जायेगा.
- ह. रूस के पास ऐटम बम होने का स्टालिन का एकान कीर ऐसे हथियारों की पूरी रोक के लिये रूस तैयार. पार्लिकासेंग्ट ने प्रेस बिल दो साल के लिये पास किया. नामपूर में भारती लोक कांमरेस' नई पारटी का जन्म.
- 7. सुलह बात चीत फिर से शुरू करने के लिये कम्यूनिस्टों का जनरल रिजवे को खत ईरानी बड़े वजीर डाक्टर सुरसादिक रोल मालले पर यू. पन. आ में बहस करने के लिये अमरीका को रवाना.
- 8. बंगरेजों के साथ 1986 वाला सुतहनामा मिस्र ने रद कर दिया—मिस्री बड़े वजीर नहास पाशा का एलान. बुदाह बात बीत के लिये यान-सुन-जो नाम की जगह तय

مسلم' یوٹھورسٹی بل ہائی ۔ یو بی استملی لے ہائیں ۔ لئے بل ہاس کیا ،

- 28 ارجلتائن میں نوج کا ودروہ ، برتین ایران یل کا معاملہ ہو ، این ، او ، کی سرکشا کونسل میں لے جائے کا ، لقدن میں کامن ویلٹھ کے سہائی مقسلروں کی بیٹیک ،
- 29. ایران کی کہاری میں آبھ جہازیں کو ''تھار'' منے کے لگے انگریوی سرکار کا حکم ، ایک بڑے آمریکی جنرل فرجی معاملوں ہر بات کرتے جایان پہنچے ،
- 80. کانگویس کی طرف سے پلکت نہرو نے لدھیائے۔ میں چفاؤ کا پہلا بہاشن دیا . اکتوبر
- 1. انگریزی سرکار نے انگریز ماہروں کو آیران سے ہگانا طے کو لیا ، چین میں آزائنی کی سال گرہ مدائی گئی۔ تیل کے معاملے پر سورکشا کونسال میں بعضت عولے پر روس کا اعتراض ،
- 2 موئدن میں راجه گسٹو نے نیا مدعوی مدخل بدایا ، مدعوی مدخل بدایا ، مدستان بیمر میں مہانما کاندھی کی سانگرہ مدائی گئی ایک ہوار لوکوں کی هوتال پر سائر یونهورسٹی ایک مالا کے لئے بلد ،
- 3. هندستان مهن ودیشی حکومتوں کے آتے ختم هونے چاهئیں لنڌن ٿائمس کی اپیل ، فرقه بندی کا پرری طاقت سے مقابلہ کرنے کا پندت نہرو کا اعلان ،
- 4. بادشاہ جارے نے پارلھامنٹ کو برخاست کیا ، شری رفیع احمد قدوائی کانکریس میں پھر واپس ،
- 5. زمیدداری ختم کرنے کے ساسلے میں ودھاں سبھا کا قالوں جائو --- سپریم کورٹ کا قیصلہ ، اندوبر میں امریکہ سے دو لادہ تن کہیں ہندستان بھیجا جائے گا .
- 6 ررس کے پاس ایڈم ہم ھونے کا اِسٹالی کا اُعلان اور ایسے ھٹھیاروں کی پوری روگ کے لئے روس تیار، پارلیامنٹ نے پریس بل دو سال کے لئے پاس کیا ، ناکیور میں 'بھارتی لوک کانگریس' نئی پارٹی کا جام ،
- 7. صلع یات جیت پھر سے شروع کرنے کے لگے کمیونسٹوں کا جھول وجوے کو خط الیرانی ہوے وزیر قائد مصادق تیل معاملے پر یو این او میں بحدث کرنے کے لگے امریکہ کو روانہ۔
 - 8. انگریزوں کے ساتھ 1936 والا صلحتامہ مصر نے رد کر دیا ۔۔۔ مصری بڑے وزیر نتحاس یاشا کا اُعلان ، ملنے یاف جو نام کی جاتم طے بالا ۔ ا

देश विदेश की डायरी

(16 सितम्बर से 15 अक्तूबर तक)

सतम्बर

- 16. ईरान और अकसानिस्तान के नी व तेत खरीवने के लिये सममीता हुआ:
- 17. कम्यूनिस्टों से बोबाराबात करने के लिये जनरल रिजने की खबाहिश मंजूर देरान तेल के मामले में कोई सममीता नहीं कर सकता—डाक्टर मुस्सादिक, पार्लियामेन्ट में हिन्दू कोड बिल पर बहस.
- 18. पंच साला योजना चलाने के लिये हिन्द सरकार का सूचा सरकारों को हुक्म.
- 19. जिटेन में आम चुनाव के लिये 27 अक्तूबर की तारास्त्र तय हुई. विनोबा जी को अपने नए दौरे में दो हजार एकड़ जमीन दान में मिली.
- 20. ईरानी कैंबनेट ने जिटेन को 25 दिन का घर्टामेटम दना तथ किया स्वामी सीता राम शास्त्रों ने घनशन तोड़ा. पंडित सुन्द्रताल की लीडरी में एक ग्रैर सरकारों हिन्द गुडविल मिशन चीन के लिये रवाना.
- 21. उत्तर पटलांटिक सुरत्ता सुलहनामे में यूनान और तुरकी भी लिये जाएँगे. हज को जान वाले तींस हजार में से तान हजार यात्री इस साल गरमी लू से मर गए.
- 22. ब्रिटेन का तेल मामले पर बात करने से इनकार. हिन्दुस्तान की मिजों का 25 फासदी करड़ा बिदेश मेजा जाएगा. इलाहाबाद में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में सरकार ने ताला बन्द कर दिया.
- 23. कम्यूनिस्टों पर पात्रन्दी लगाने के लिये आस्ट्रे-लियन सरकार को इजाजत नहीं—आस्ट्रेलियन जनता के बहुमत का फैसला.
- 24. कोलम्बो योजना के मातहत आस्ट्रेलिया इस साल हिन्दुस्तान को सावे बार करोड़ कपर की मदद देगा. जनरत रिजवे ने सुजह बात बीत के लिये नई जगह की सिफारिश की. हिन्दू कोड बिल पार्तियामेन्ट के इस इजलास में नहीं पास किया जाएगा.
- 25. नौ दिन के अन्दर ईरान छोड़ देने के लिये ईरान सरकार अवरचा तेल भादियों का हुक्म. बम्बई के सूते में अकाल जैसी हालत.
 - 26. ब्रिटेन की इरान की चेतावनी.
- 27. अवादान का तेज कारलाना पूरी तरह ईरानियों के क्रकों में, पार्लियामेन्ट में बनारल 'हिन्दू' और अलीगद

دیش ودیش کی تاثری

(16 ستمبر سے 15 اکتوبر تک)

JANK

- ایران اور افغانستان کے بھی تمل خریدنے کے اللہ سمجھوته ہوا .
- 17 کمھونسٹوں سے دوبارہ بات کرنے کے لئے جذرل رجوے کی خواهش منظور . ایران تیل کے معاملے میں کوئی سنجھوت نہیں کر سکتا—قائٹر مصافق ، پارلیاملت میں هندو کوڈبل پر بحث .
- 18. پنچسالہ یوجفا چلانے کے لئے مقد سرکار کا صوبہ سرکاروں کو حکم .
- 19. ہرٹین میں عام چفاؤ کے لئے 25 افتوبر کی تاریع طے هوئی ، وأربا جی کو آب نئے درویے میں دو هوار ایکو زمری دان میں ملی ،
- 20. ایرانی کیبنت نے پرٹرین کو 25 دن کا التیمیڈم دینا ، سوامی سیتارام شاستوی نے انشن توڑا ، پنگت سندر الل کی نیڈری میں ایک غیر سرکاری هذه گذول مشن چین کے لئے روانه ،
- 21. آتر اللانگک سرکشا صلحفات میں یونان اور توکی بھی لیے جائیدگے ، حبے کو جانے والے تیس ہوار میں سال کرمی لوسے مر کئے .
- 22. برٹین کا تیل معاملے پر بات کرنے سے انکار، اہتدستان کی ملوں کا 25 فی صدی کپڑا ردیش بھیچا جائے گا، الداباد میں ہندی سامتید سمیلن نے دفتر میں سرکار نے تالد بند در دیا .
- کُلًا کمھونسٹوں پر پاہندی لکا نے کے لئے آسٹویلین سرکار کو اجازت نہیں۔ آسٹریاین جنتا کے بہومت کا فیصلہ ۔
- 24. کولمبو ہوجا کے مانحت آسٹریلیا اِس سالِ مفدستان کو ساڑھے چار اروز روپے کی مدد دے کا ، جارل وجوے نے صلح بات چیت کے لئے نئی جگه کی سفارش کی ، مادو کوڈبل پارلیامات کے اِس اجاس میں نہیں بالی کیا جائیکا ،
- 25. نو دن کے آدر ایران چھوڑ دیتے کے لئے ایران سکار کا انگریزی تھل ماہروں کو حکم ، ہممگی کے صوبے اگل جھسی حالت ،
 - 26ء پرتین کی ایران کو جهتارنی .

पांचवीं सूची इसके यह है कि किसने का को तरीका काम में काया गया है वह ऐसा है कि धगर किसी को गीता ज्ञान से जरा भी शीक हो तो पढ़ने वाले का दिल इस टीका को पढ़ने से जल्दी नहीं ककतायगा. दर्शन जैसे रखें विशय को भी मन लगतो भाशा में लिखना चासान काम नहीं है. और यह आसानी इस टीका में मीजूद है.

जिन के पास और बड़ी बड़ी टीकाएं हों उनको भी इस टीका पर एक बार नजर बालजाना चाहिये. हमारा है वन्हें कुछ नका ही होगा.

-- भगवानदीन

राजनीति विज्ञान

लेखक—श्री विनयेन्द्रनाथ बन्धोपाध्याय एम. ए. चौर भी देशरी कान्त शर्मा, एम. ए; बी. एल; लिखावट—नागरी; सफे 134; दाम दो ४९६; निकालने वाले—विश्वभारती, 6/8 द्वारकानाथ टैगोर लेन, कलकत्ता 7.

इस किताब को देखते ही यह लगता है कि यह किसी खंगरेखी किताब का अनुवाद है या अंगरेखी किताब को सामने रखकर लिखी गई है. लेकिन यह कहीं बताया नहीं गया है. इस किताब की भाशा इतनी अधिक संस्कृत भरी है कि कान खड़े हो जाते हैं. नमूने के लिये सका 72 पर भारत के विधान के बार में लिखा है—"इसमें शासन-संसार की अशेश लिखित व्यवस्थायें सम्यक रूप से सिश्चिश्ट हैं." इसके माने काजिज का विद्यार्थी या कोई दसरा क्या लगायेगा ?

जहां तक विशय की बात है, किताब में राजनीति के समुल सममाए गए हैं, लेकिन उन पर अंगरेजियत जुरो तरह आई हुई है. मूमिका के अन्दर लेखकों ने जो एक बात कही है उससे हमें बहुत तकलीफ हुई. उनका कहना है कि हिन्दुस्तान की राजनीति के उसूल हमेशा पिछ्यम की बुनियाद पर खड़े रहेंगे. हमारा तो खयाल है कि भारत के मौजूदा विधान के इसी बुनियाद पर खड़े होने की वजह से बह केवल काराज पर लिखा रह गया है और जनता पर समका रसी भर भी असर नहीं पड़ा है. इस किताब के सोलह जाना अंगरेजी होने का सबसे बड़ा सबूत यह है कि खाखिर में जो राजनेताओं के परिचय इसमें दिये हैं उनमें पेरे ग़ैरे तीस नाम गिनाए हैं लेकिन हिन्दुस्तानी एक भी वहीं. मानो हिन्दुस्तान में अब तक एक भी राजनेता नहीं पैदा हुआ.

विश्व भारती (शान्ति निकेतन) जैसी राश्ट्री संस्था है ऐसे ग़ैर-राश्ट्री मसाले से भरी और ऐसी ग़ैर-राश्ट्री भाशा में निकलने वाली किताब देखकर इस अवने देश के भविश्य पर दुख व विन्ता से सोवने क्षण जाते हैं,

-सुरेश रामभाई

نچین کی اس میں یہ کا انجیلے کا ہو طریقہ
یں انیا گیا ہے وہ ایسا ہے کہ آگر کسی کو گیٹا گیاں
ا بھی شرق ہو تو پوھلے والے کا دل اس تیکا کو پوھلے
ادی نہیں اُکٹائے گا ۔ دوشن جیسے روکھے وشے کو بھی
کتی بھاشا میں لکھنا آسان کام نہیں ہے ۔ اور یہ
اِس تیکا میں موجود ہے ۔

جن کے پاس اور بوی بوی تیکائیں مرں اُن کو بھی یکا ہو آیک بار نظر قال جانا چاھئے ، همارا خیال ہوں کچھ ندم هے هوگا ،

— بهگواندین

، نیتی وگیان

س کتاب کو دیکہتے ہی یہ لگتا ہے کہ یہ کسی یہ نتاب کو سامنے یہ نتاب کا انہواد ہے یا انگریزی کتاب کو سامنے لکھی گئی ہے ۔ لیکن یہ کہیں بتایا نہیں گیا ہے ۔ کتاب کی بھاشا آنئی ادھک سلسکرت بھری ہے کہ بوے ہو جاتے ہیں نسونے کے لئے صفحہ 72 پر بھارت مہاں کے بارے میں لکھا ہے۔''اِس میں شاسن کی کاشیش لکھت ویوستھائیں سمیک روپ سے شمد میں ۔'' اِس کے معلے کالم کا ودیارتھی یا کوئی کیا لگائے گا ؟

ہماں تک وشے کی بات ہے' کتاب میں راج نیتی ول سمجھائے گئے ھیں' لیکن رائریزیت ہری سے چھائی ھوئی ہے ۔ بہومیکا کے اندر لیکھکوں نے جو بات کہی ہے اس سے دمیں بہت تکلیف ھوئی ، کہنا ہے کہ ھندستان کی راج نیتی کے اصول ہمیشہ کی بلیاد پر کہوے رھیں ئے ۔ ھمارا تو خیال ہے ارت کے موجودہ ودھان کے اِسی بنیاد پر کہوے ھوئے رجہ سے وہ کیول کافل پر لکھا رہ گیا ہے اور جلنا پر نہ رہی بہر بھی اثر نہیں پوا ہے ، اِس کتاب کے سولہ آنہ نی بھر بھی اثر نہیں بوا ہے ، اِس کتاب کے سولہ آنہ نے نیتاؤں کے پرینچے اِس میں دیئے میں اُن میں غیریہ تیس نام گنائے ھیں لیکن ھندستانی ایک غیریہ دیا ہوا ۔

رشو بهارتی (شانتی نکیتن) جهسی واشگری تها نے ایسے فیو واشگری اسالے سے بہری اور ایسی فیو می بہاشا میں نکلفے والی کتاب دیکیکر ہم ایددیش بوشید پر دکی و چنگاہے سوچنے لگ جاتے میں ،



كيتا كيان

गीता ज्ञान

टीका लिखने बाले — श्री दीना नाथ दिनेश; मिलने का पता — मानव धर्म कार्यालय, पीपल महा-देव, दिल्ली.

भगवत गीता के पहले तीन अध्यायों की यह टीका है. इसमें मूल श्लोकों के साथ साथ पद छेद और फिर शब्दार्थ भी दिया गया है और उसके नीचे श्लोक का दिन्दी पदा में अनुवाद है. व्याख्या काकी आसान शब्दों में की गई है. फिर भी इतनी आसान नहीं हो पाई कि मामूनी पदे लिखे समस लें. हो सकता है पंडत जी का यह खयाल रहा हो कि गीता मामूली लोगों के लिये हैं ही नहीं.

इस टीका में यह बड़ी भारी ख़ूबी है कि यह इस इरादे से नहीं कि खी गई कि लिखने वाले को क्या सादित करना है. बिक इस इरादे से लिखी गई मालूम होती है कि गोता क पढ़ने वाले के दिल में यह बात समा जाए कि यह उस लडाइ की चीज नहीं है जो तलवारों से लड़ी जाती है. उस लड़ाई की भी चीज है जो आए दिन हमार अन्दर होती रहती है. इसलिये दिनेश जी ने उन जफ्जों को जिन पर बह बह पंडित घंटों बहस करते हैं पढ़न बालों का यं समका दिया है मानो वह लक्ष्य इतने मामूली हैं कि उन पर वक्त खोता बेकार है, उनके कुछ भी माने करने पर आगे बढ़ा जा सकता है. यह खुबी कोई कम खुबी नहीं है. रूमरी खबी इस टीका में यह है कि जहां जो बात कही गई है अगेर एसका इवाला किसी उपनिशद में मौजूद है या किसी भौर पुराने प्रंथ में उसका जिक है तो वह वहां करूर दर्ज कर दिया गया है. और पढ़ने वालों की हर तरह सिल्जी करने की कोशिश की गई है। वींसरी खबी इस शेका में यह है कि किसी रत्तोक को पदकर जो जिज्ञासा इल और जानने की पढ़ने बाले के दिल में उठती है उसकी रंग करने के लिये इस सिलसिले की और वार्ते भी वहां दर्ज हर दी गई हैं.

नीयी सूबी इसमें यह है कि जगह जगह पर यह उममाने की कोशिश की गई है कि हमारे अन्दर भीशम होत है, द्रोख जैन है, अर्जुन कीन है वरीश वरीश. تهكا لكهالم والى -- شرى ديدا ناته دنهش؛
ملنے كا پته--مانو دهرم كارياليه پهپل مهاديو دلى بهكوت گيتا كے پهلے تين ادهيايوں كى يه تهكا هے .
إس مهن مول إشلووں كے ساته ساته پد چههد اور پهر شهدارته بهى ديا گيا هے اور اُس كے نهجے اشلوك كا هندى بيديه مهن انواد هے . وياكهها كافى آسان شهدوں مين كى تُكى هے . يهر بهى اتلى آسان نهيوں هو پائى كه معمولى يوها لكها سنجه لين ، هوسكا هے پهترت جى معمولى يوها لكها سنجه لين ، هوسكا هے پهترت جى كا يه خيال رها هو كه گيلا معمولى لوگوں كے لئے هے

اِس ٹیکا میں یہ ہوی بہاری خوبی ہے کہ یہ اس أرادے سے نہیں لکھی گئی کہ لکھنے والے کو کھا ثابت کرنا ہے . بلکہ اس ارادے سے لکھی گئی معلوم هوتی ہے که گھتا کے پرهلم والے کے دل مهن يه بات سما جائے که يه اُس لوائی کی چھڑ نہیں ہے جو تلواروں سے لوی جاتی ھے اس لوائی کی بھی چیز ہے جو آئے دن ہمارے اندر ھوتی رہتی ہے، اُس لیّہ دنیش جی نے اُن لفظوں کو جن پر اوے اوے ہندت کہنتوں بصف کرتے میں پومنے والوں کو یوں سنجها دیا هے مانو وہ لفظ اتلے معمولی هيس كه أن ير وقت كهونا بيكار هي . أن كم كحيه بهي معلي کرنے پر آگے بوھا جا سکتا ہے . یہ خوبی کوئی کم خوبی أبهدن هے ، دوسری خوبی اس لیکا میں یہ هے که جہاں جو بات کہی گئی ہے اگر اُس کا حواله کسی اُپدشد میں موجود هے یا کسی اور پرانے گرنتھ میں اُس کا ڈکو ھے تو وہ ہوھاں ضرور درج کر دیا گیا ہے ، اور پوھلے والوں کی ھر طرح تسلی کرنے کی کوشش کی گئی ھے۔ تھسری خوبی اس تهکا مهن یه هے که کسی اِشلوک کو پرمکر جو جگهاسا عجه أور جاند كى يوهد وال ك دل مين أتهتى ه أسكو میروا کرنے کے لئے اس سلسلے کی اور باتیں بھی وہاں درج الله الكواهي كأني هين .

الله الله میں یہ ہے که جاکه چاکه پر یہ سنجهائے کی کوشش کی گئی ہے که هدارے اندر بهیشم کون ہے درونو کی درونو

kı d

जामी तब तक भी कर्मक हुन कीरी के बारते जनक रीक जाना चाहिये, दूसरे, वर्षिश रोज ज़रूर करनी चाहिये. तबरें नहीं तुमने वह नई तरह की बर्जिश करनी शुरू की चा नहीं जो नुम्हें मैंने विल्ला दका बताई थी. चौर कावी पर तिल्ल दी थी. चगर अब तक न शुरू की हो तो अब शुरू करना. चगर तुम तिल्ले की लत पर जाकर एक दरी बिला कर रोज सुबह ही नई और पुरानी दोनों वर्जिशों करों, और बर्जिश करने के पात्र घंटे बाद रोज जितना ज्यादा दूध पिया जा सके उतना पियो तो जो चक्कर वरीरा तुम्हें आएं है सब दूर हो जाएं और जून भी बदने लगे और ताक़त भी खानी शुरू हो जाय. इस बास्ते तुम कौरन वर्जिश करने ज़रूर शुरू कर दो और वरावर रोज सुबह किया करों और जिल्लो कि तुम्हें बर्जिश करने में क्या दिनक्रत मालूम होती है.

राधे, जापान का तो तुमने हाल बहुत सा सुना होगा और ग्लाब पर यह भी देखा लया हागा कि जापान कहां है धीर हिन्दुस्तान से किस तरफ है, धगर धव तक न देखा हा ता धव देख लेना. जापान की सब औरतें मदों की तरह बराबर बार्जश करता हैं और जो बार्जश इस मुल्क में कराई जाती है वह बहुत ही धच्छी होती है. उस में जब बार्जिश करत करत ताकत अच्छी तरह आ जातो है ता फिर ऐसे ऐसे दांब पेच सिखाए जाते हैं कि उनके ज़िरये से धौरतें बड़े बड़े पहलवानों को उठा कर ज़मीन पर फेंक सकती हैं. मैंने एक किताब इस जापान की वर्जिशों की धोर दांब पेचों का मंगाई है. उसका नाम जियू जित्सू है. तुम अच्छी जल्दी वर्जिश कर के अपने बदन में ताकत पैदा करो सा ध्वकी दक्षे जब मैं देहली आउंगा तो तुम उस किताब को देखना और फिर जो दांब पेंच उसमें लिखे हैं उनकी भी मशक करना.

राधे, तुम्हारा बाहर और शहरों और मुल्हों में फिरने और वहां तरह तरह के आदिमयों और बीजों को देखने और इनकी अच्छी अच्छी बातें मालूम करने को मन चाहे है या नहीं. अब से तक्तरीबन दो बरस में मैं दो बरस की फरलोक लुगां, इस बक्त अगर तुम्हारा मन होगा तो तुम्हें जापान और चीन से बलेंगे. मगर इस बक्त तक तुम्हें आंगरेजी बहुत अच्छी तरह पढ़ सेनी चाहिये क्यों कि इन मुल्हों में हिन्दुस्तानी तो कोई भी नहीं आनता इस बास्ते आंगरेजी में सब से बातें करनी पड़ेंगो. राधे, तुम अब इस्तानी से रोज पढ़ों हो या नहीं. इसका जवाब ज़सर देना और जब यह चिट्ठी पहुँचे, इसी बक्त जवाब सिसा हेना.

ادیے' جاپائ کا تو تم نے حال بہت ساسفا ہوگا اور
پر یہ بھی دیکھ لیا ہوگا کہ جاپان کہاں ہے اور
تان سے کس طرف ہے ، اگر ب تک نه دیکھا ہو
ادیکھ لیفا ، اجاپان کی سب عورتیں مردوں کی
برابر ورزش گرتی ہیں اور جو ورزش اِس ملک
کرائی جاتی ہے وہ بہت ہی اچھی ہرتی ہے ، اُس
جب ورزش کرتے طاقت اچھی طرح آ جاتی ہے
ایسے ایسے داؤں بھی سکھائے جاتے ہیں که اُن کے ذریعے
ایسے ایسے داؤں بھی سکھائے جاتے ہیں که اُن کے ذریعے
ورتی بڑے بڑے پہلوانوں کو اُنھاکر زمین پر بھینگ
اور داؤں پھچوں کی منگائی ہے ، اُس کا نام جھو
و ہے ، تم جادی جادی ورزش کرکے ایک بدن میں
یہیدا کرو تو اب کی دفعہ جب میں دھلی آؤنا
اس کتاب کو دیکھنا اور پھر جو داؤں پیچ اُس

ادھے' تمھارا باھر اور شہروں اور ملکرں میں پھر نے
عال طرح طرح کے آدمیوں اور چھزوں کو دیکھتے اور
بی اچھی اچھی باتیں معلوم کرنے کو من چاھے ھے
یوں اب سے تقریباً دو برس میں میں دو برس کی
نورنا' اس وقت اگر تمھارا من ہوگا تو تمھیں جاپان
بین لے چلیں گے، مگر اُس وقت نک تمھیں انگریزی
اچھی طرح پڑھ لھٹی جاھئے ، کھونکہ اُن ملکوں
اجھی طرح پڑھ لھٹی جاھئے ، کھونکہ اُن ملکوں
میں سب سے باتیں کرنی پویٹکی ، رادھ' تم
ستانی سے روز پڑھو ھو یا نہیں ، اِس کا جواب ضرور
اُر جب یہ جھی پہرنچے' اُسی رقت جواب ضرور

क्ष्ममधी खुट्टी

النبي جهالى

IN THE LAW TO BE A TANK OF THE PARTY OF THE الله على إليادة كزلى جال أور كسى يات كا وسع فكر له كرر الله سب بهماری تعماری چکر آلے کی سر دکولے کی المناتي آلے كئ سب كى سب هوا هوجاوے مكر ساته هي یے بھے یاد رکھنا چاھائے کہ ورزش کرنے کے تھوری دیر بعد عوده ضرور پيشا چاهئے اور اگر برا معلوم نه هو "تو مكهن يهي ضرور كهانا جاهلي . أيك بات أور تمهين كرني جاهلي که روز چاچا کے ساتھ بگی سیں بیٹیکر هوا خوری کرنے ارر بھاکنے درونے کے واسطے ضرور جانا چاھٹے ، ہارتے • کے ياس كهلى هوا مين دورنے سے يهى يوا قائدة هوتا هے . خبر نہیں نہ تم اب روز ہوا خوری کرتے جاؤ ہو یا نہیں . اس کے علوہ اب کی میں نے تمہارے جاچا کو لکھا تھا کہ اپ کی جو اُنھیں چھٹیاں میں تو سب کو لے کر کسی پہار پر علم جالیں . یہار پر جاکر دو مہیلے رهو اور وهاں خوب يهاكر دورو اور كهيار اور أچهلو اور كودر . تم چاچا سے برابر كهام رهو تاكه ولا ضرور تم سب كو له جائهن .

14-6-06

کل کی چاتھی میں میں نے لکھا تھا کہ تم ایک تو أينا دل هر ولت خوش ركها كرو درسرے ورزش روز ضرور کها کروا تهسرے هواخوری کو ضرور جایا کروا جرتم اب جو تمهارے جاچا کی جهاتیاں هوں تو پهار پر ضرور جانا ، آب تم لکھو که تم نے آن باتوں کے کولے کے وأسطے کیا کوهش کی .

مهلسي 16_6_06

تم لے کبھی پہار دیکھ بھی ھیں یا نہیں . ھردوار مهن تو دوچار چهوتی پهاریان هین وه تو تم نے دیکھیھی ھوں گی شہر نہیں تم کسی پہاری پر چوعیں یا فههر . أب جو تم چاچا كے ساتھ بهار در جاؤ تو وهاں خرب چلفا بهرا اور ورزش كرنا تاكه خوي تهمك هوجائد أور زیادہ هوجائے . اصل سوں خون کے صاف أور زیادہ بهولے هي سے أدمى تددرست رهنا هے أور طاقت أتى هـ . الیو شون صاف کھلی تازی ہوا میں پھرٹے اور ورزھی کولے المناهبة في أور بوهنا ها. إس واسطه هب تك بهار ير ته

ہے بھ دانی شہر کے آثر میں بہاری کے آریز ایک کھلی عد عمال اکثر شہر کے لوگ سویرے شام سیر کرنے اب تک آتے جاتے میں .

बनते हैं हराबर रोज प्रसाहा है। जवादा करती आजो कीर किसी वात का रंज किक न करों तो सब बीमारी तुन्हारी चक्कर आत की, सिर दुसाने की, बाएटे आने की, सब की सब हवा हो जावे. सगर साथ ही यह भी बाद रखना चाहिये क वर्जिश करने के घोड़ी देर बाद दूध करूर पीना चाहिये बार बगर बरा मालम न हो तो मक्खन भी जहर खाना चाहिये. एक बात और तुम्हें करनी बाहिये कि रोज बावा के साथ बग्गी में बैठ कर इवास्तोरी करने और भागने दोड़ने के बास्ते जरूर जाना चाहिये. बाबटे के पास खुली हवा में वीडने से भी बड़ा कायदा होता है. खबर नहीं कि तुम अब रोज हवाखारी करते जाओ हो या नहीं. इसके अलावा अब की मैंने तुन्हारे चाचा को लिखा था कि अब की जो उन्हें छुट्टियां हों तो सब को लेकर किसी पहाड़ पर चले जायं. पहाड़ पर जाकर दो महीने रही और वहां खुड़ भागा दौड़ो और खेलो और छत्रलो और कूरो. तुम चाचा सं बराबर कहती रही ताकि वह जरूर तुम सब की ल जायं.

मेल्सी 14-6-06

राधे.

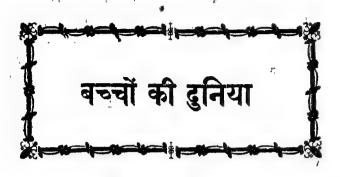
कल की चिट्ठों में मैंने लिखा था कि तुम एक तो अपना दिन हर वक्षन खुश रखा करो, दूमरे वर्जिश रोज ज़रूर किया करो, तीसरे हवा खोरी को जुहर जाया करो, चौथे अब जो तुम्हार चाचा भी छूट्टियां हो तो पहाड़ पर जरूर जाना. अब तुम लिखो कि तुमने इन बातों के करने के वास्त क्या कोशिश की.

> मेरुसी **16-6-06**

राधे.

तुम ने कभी पहाड़ देखे भी हैं या नहीं. हरिद्वार में तो दा चार छोटी पहाड़ियां हैं वह तो तुम ने देखी ही होंगी, ख्वर नहीं तुम किसी पहाड़ी पर चढ़ीं या नहीं. अब जो तुम चाचा के साथ पहाड़ पर जाओ तो वहां खूब चलना फिरना और बर्जिश करना ताकि खन ठीक हो जाय और ज्यादा हो आय. असल में खून के साफ और ज्यादा होने ही से आदमी तनदुरुस्त रहतों है और ताक़त आती है. और खून साफ ख़ुती ताजी हवा में फिरने और वर्जिश करने से होता है और बढ़ता है. इस बास्ते अब तक पहाड़ पर न

*वह विस्ती शहर के **एतर** में पहादी के अपर एक खुती जमह है, जहां अकसर शहर के लोग सबेरे शाम सैर करने श्रम तक आते जाते हैं....



बादल और चांद

(भाई हामिदुल्ला 'अफसर')

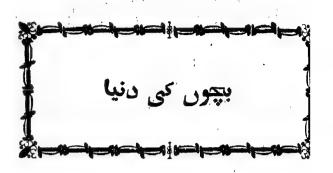
सीने सागर बाले चांद! सुमको पास बुलाले बांद! बरसा में जाता है कहाँ तू लेकर शाल दुशाले चांद! तारे हैं ये जास लगाये मुँह परदे से निकाले बांद! बादल का एक हलका हलका मुंह पर आँचल डाले चांद! गंगा के बारे में डतर कर फिर कुछ गोते खाले चांद! के बागा है कहाँ से यह तू कई के इतने गाले चांद! कांप रहे हैं तारे, इनको तू कम्बल में छिपाले चांद!

बादल के फन्दे में न फँसना सुन ए भोले भाले चांद! (डरद् 'झाजकल' से)

> किकी धंगला 13-6-'06

राघं,

मैंने सब से पहली चिट्ठियों में तुम्हें लिखा था कि अपने दिल को हमेशा खुश रखना चाहिये और कोई बात रंजीदा या खुशस या सुरत रहने की हो भी जाय तब भी फौरन ससको अपने मन से अलग कर देना चाहिये, और ऐसी ऐसी वालों की बाबत सोचना चाहिये जिनसे दिल खुश रहे. जो आदमी दिल को हमेशा खुश रखने के सिवाए हर एक आदमी को वर्षिश भी खरूर करनी चाहिये. खबर नहीं कि आज कल तुम वर्षिश भी रोज करो हो या नहीं. वर्षिश अरनी तो हरगिज नहीं छोड़नी चाहिये वरिक रोज बरोज अयादा वर्षिश करते जाना चाहिये. बर्षिश करने से ही खुम बदता है, बदन में ताइत आती है, रग पट्टे मज़बूत



بادل اور چاند

(بهائي حامد ألله (أفسر')

یے ساگر والے چاند! مجھکو پاس با لے چاند! رکھا مھی جاتاھے کہاں تو لیکر شال دوشائے چاند! یہ ھیں یہ آس لگائے منہ پردے سے نکالے چاند! ال کا اک ھلکا ھلکا منہ پر آنچل ڈالے چاند! یہر کچھ فوطے کھالے چاند! آیا ھے کہاں سے یہ تو روٹی کے اتابے گالے چاند! پرھھیں تاربے الکو تو کممل میں چھیالے چاند!

پادل کے پہندے میں نہ پہنستا ُ سن اے بھولے بھائے چاند (اُردو 'آجکل' سے)

> ككرى بنگة 13-6-206 رادين'

میں نے سب سے پہلی چتھیوں میں تمہیں لکھا
کہ ایے دل کو همیشہ خوص رکھنا چاھئے اور کوئی
س رنجیدہ یا اداس یا سست رهنے کی هو بھی جائے
ہ بھی فوراً اُس کو ایے می سے الگ کر دینا چاھئے' اور
سی ایسی ہاتوں کی بابت سوچنا چاھئے جی سے دل
رس رہے ۔ جو آدمی دل کو همیشہ خوص رکھتا ہے وہ
سار بہت هی کم هوتا ہے ، دل خوص رکھنے کے سوائے
ایک آدمی کو وورش بھی ضرور کرنی چاھئے ۔ خمر
ایک آدمی کو وورش بھی ضرور کرنی چاھئے ۔ خمر
سی تو هرگز نہیں چھورنی چاھئے بلکہ روز بروز زیادہ
ش کرتے جانا چاھئے ، ورزش کرنے سے هی خون ہوھنا

शादी में एक क्रमां, इस हिसाब से क्रुएं कोदे जार्य तो बालीस साल में होने बाली बीस करोड़ शादियों में बीस करोड़ कुएं खुदेंगे. जहां कुएं खोदना बिलकुत नामुमिन ही है, वहां की बात अलग है. लेकिन अकसर जमीन में पानी होता ही है, यह नियम है. जमीन के नीचे छिपी हुई यह सरस्वती प्रकट होनी बाहिये!

इसिंक्ये जिनके पास जमीनें जियादा हैं, उनसे लेकर जो को कमीन मांगते हों कौर जिनके पास न कमीन हैं और न कोई दूसरा ही घन्दा, धन्हें वह बांट दी जाय.

गांव के लोग कैम से कम दरने इक उपए पैसे के आसरे रहें और उनकी अरूरतें गांव में ही पूरी हों, इसका अयान अगर रखा जाय दो सब को काम देना नामुमिकन नहीं है. लेकिन गांव वाले रुपए पैसे के आसरे न रहें, इसके लिये हम कहतें आए हैं कि लगान राल्ले के रूप में इस्त किया जाय. आप ऐसा क्यों नहीं करते ?

गुरु मानक की बानी

ए साधु, यह सारा संसार राम ने ही बनाया है. कोई तो इस सृद्धि को नारा हो जाने बाली मानता है और कोई इसे सदा बनी रहने वाली सममता है, यह बढ़े अबम्मे की बात है, कुछ समम में नहीं आता ! काम, कोध और मोह बरौरा के बस में हो कर आदमी ने परमात्मा की मूर्ति को मुला दिया है. रात को दिखाई देने वाले धपने की बरह भूटे रारीर को वह सच्चा मानता है. संसार में जो बीचें इमें दिखाई देती हैं वह सब बादल की छाया की तरह नाश हो जाने वाली हैं. नानक कहते हैं कि इस संसार को मूटा सममो और राम की रारन में रहो.

प बाधु, मन का बगंड छोड़ दो. काम, कोध और दुरट आदमियों की संगत से रात दिन दूर ही रहो. मुख दुख और मान अपमान को एक सा ही समम्मना चाहिये. जा आदमी सुख और दुख होनों से ऊपर हठा रहता है वही इस संसार के तत्व को पहचान सकता है. तारीफ और जुपली दोनों को छोड़ कर ही मुक्ति की खोज करनी चाहिये. नानक कहते हैं कि यह सब काम करना बड़ा कठिन है. किसी किसी ने ही गुरु के मुख से यह भेद बाना है.

اس لئے جن کے پاس زمیلیس زیادہ میں' أن سے لے کو جو جو زمین مانکتے هوں اور جن کے پاس ته زمین ہے اور نه کوئی دوسرا هی دهندہ' أنهیں وہ بانت مائے۔

گاؤں کے لوگ کم سے کم درجے لک روپے پیسے کے آسرے وہیں اور اُن کی ضرورتیں گاؤں میں ھی پوری ھوں' اس کا اُفتھان اُلو رکہا جائے تو سب کو کام دینا نامنکی نہیں ہے ۔ لیکن گاؤں والے روپے پیسے کے آسرے نہ رھیں' اِس کے لیے ھم کہتے آئے ھیں کہ لیان فلے کے روپ میں وصول کیا جائے ۔ آپ ایسا کیوں نہیں کرتے ؟

گرو نانک کی بانی

اے سادھو' یہ سارا سنسار رام نے ھی بدایا ہے ۔ کوئی

تو اِس سرشائی کو ناھی ھوجائے والی صانعا ہے اور کوئی
ایسے سدا بنی رھنے وہنے والی سمجھتا ہے یہ برے اُچنبیہ
کی بات ہے' کچھ سمجھ میں نہیں آتا ! کام' کرودھ اور
مید وفیورہ کے یس میں ھو کر آدمی نے پرماتما کی صورتی
کو پہلا دیا ہے ، رات کو دکھائی دینے والے سہانے گئی طرح
جمہوائے شریر کو ولا سجا مائٹا ہے ، سنسار میں جو چھزیں
میں دکھائی دیتی ھیں ولا سب بادل کی چھایا کی
طرح ناھی ہوجائے والی ھیں ، نانک کہتے ھیں که اِس

الے سادھوا میں کا گھملڈ جھوڑ دو ۔ کاما گرودھ اور دھیت آدمھیں کی سلکت سے وات دی دور ھی وھو ۔ اسکھ دکھ آور مان ایمان کو ایک ساھی شمعهدا الله الله اور دکھ درنون سے آریو آٹھا رُھھا ھے وھی آور چھلی آور چھلی سلسار کے تقو کو پہنچان سکتا ھے : تعریف آور چھلی آئیں سلسار کے تقو کو پہنچان سکتا ھے : تعریف آور چھلی آئیں کو چھوڑ کر ھی مکتی کی کھوچ کرنی چاھئے ۔ لالک گھیئے ھیں کہ یہ سب کام کرنا ہوا کتھی ھے ، کسی کسی نے گرؤ کے مکھ سے یہ بھید جانا ھے .

ہے، کہنائوں کی شرط ہو جی رمان، کے الواون، میرن بالكي لهكن بعد مين ميرم دهيان ميري أيا ر طریقہ سے کام تبہیں ہوگا، میریزنے دیکھا کے کے ذریعے چائے جانبوالے سہبوئی کہیتی کے عبل به کیدینود لؤگ هلس رهے هیں کیونکه دود ناکامیاب هوام هے ، غریب لوگوں کو حساب کتاب کا گھان ھوتا ، سہدوکی کھیتی کے لئے یہ گیاں چاھئے' نہیں ات کے لوگ کہرائے هیں . اِس لئے میں نے سهیرگی کی شرط چھور دی اور نجی کھھٹی کے لئے ھی۔ ہانگلی شروم کر دس ۔ جن لوگوں تے مجھے سہھوگی کی شرط پر زمین دینے کی اِچها ظاهر کی اُن سے نے کہا'۔'' پہلے آپ ہوے ہوے آدمی أسطوم کا عمل الكهائي " سوكاري، كهياي مين يه لوكب أيدا خاصا رکھکر اینا اثر قائم رکھنا جاھتے تھے۔ میں نے اُن ا " آپ زمین دے ڈالئے . زمین کے بدلے میں ، کے پھارڈا سے مکت ھوجائھے غریموں کو اُس کے مالک

حث کرنے والی نے آن آیکانامک ھولڈنگ (مالی وچار سے ناکائی) اور ایکانامک ھولڈنگ (مالی وچار سے کی دلیلیں بھی پھش کھی ، لیکن یہ مالی کائی فیکا سوآل بھلوں کی وجہ سے ھی کھوا ھوتا ہے' کیونکہ بتا ہے کہ میں بیس ایکو سے چھوٹی آکائی پر کام کر شکتا ، میں کہتا ھوں کہ چارکٹنٹ ملکو بیل رکھیلکے اور اس حد تک سہیوگ کرینگے ، اور بھی جن باتیں میں سہیوگ کرسکیلگے' کرینگے ، لیکن جو کھیت کرنا چاھٹا ہے اور جو جو کھیت الیا جاھٹا ہے اور جو جو کھیت ریانائی ھونے کا سوال کھوا نہیں ھونا چاھئے ۔

ک کہتے میں که بوی بوی زمینیں چاهئیں. مهرے پاس پون ایکو زمین تھی ، شروع شروع میں اور بیج کا خرچ آیا ، آب آگے وہ بھی خرچ نہیں ، اِس پون لیکو زمین میں سے ہم نے دس ہوار پونڈ بھاجی نکالی دو آنہ پونڈ کا حساب لکاٹیں' تو بھی روپے کی ساک بھاجی ہوئی ،

م نے رهت بھی جاتھ سےهی جاتیا ، برسات کی بھی کچھ خم رهنے سے کام چھے کی ایسی، لگے بارد نے دیموم والے سے پوچھا تھا! پہلے میں کھیتی اسی، لگے بارد نے دیموم والے سے پوچھا تھا! کان میں کھیتی اس مطلب ہے بارھی: اگر هم زمین کی بھیسی ہوئی کر سکھیں تو بھیسی کی رابعی کر سکھیں تو بائی کی برامین کی برامین کی بائی برکت کر سکھیں تو نان کی برامین کی بائی ایک کے جم نے تھا کان کی بائی ایک جھیں کو سب بھی نے ہم نے تھا کان کی برائی ایک جھیں کی بائی ایک جھیں کو سب بھی نے ہم نے تھا کی ایک کی برامین کی برائی ایک کے جم نے تھا کی ایک کی برائی برامین کی سب بھی نے بھی رابعی برامین کو سب بھی نے بھی رابعی برامین کی سب بھی نے بھی رابعی برامین کی برام

ब्द्योग्री जेतीकी शर्व पर ही वहां के कोगों में क्यीन नांदी, केकिन गाम में मेरे ज्यान में आया कि इस तरी के से काम नहीं होगा। मैंने देखा कि सरकार के वरिये जलाए जाने माने सहयोगी खेती के अमल को बेलकर वह लोग इंस रहे हैं क्येंकि वह नाकामयाव सावित हुआ है अरीव लोगों को द्विसाद-किताब का झान नहीं होता. सहयोगी खेती के लिये यह ज्ञान चाहिये, नहीं तो देहात के लोग घवराते हैं. इसिवाये मैंने सहयोगी खेती की शर्त छोड़ दी और निजी सेती के लिये ही अमीन बांटनी शुरू कर दी. जिन कोगों ने भ्रमे सहयोगी खेती की शर्त पर अभीन देने की इच्छा आहिर की, सनसे सैंने कहा, "पहले आप बढ़े बड़े आइमी इस तरह का अमल कर के दिखाइये." सहकारी खेती में यह क्रोग धपना सासा हिस्सा रखकर अपना असर क्रायम स्खाना बाहते थे. मैंने उनसे कहा, "आप जमीनें दे डाकिये. अभीन के बद्ते में मालिक की भावना से मुक्त हो जाइये. ब्रुरीकों को उसके माखिक बनने वीजिये."

बहस करने बालों ने अन इकानामिक होल्डिंग (माली विचार से नाकाकी) और इकामामिक होल्डिंग (माली विचार से काकी) की इलीलें भी पेरा कीं: लेकिन यह माली काकी और नाकाकी का सवाल बेलों की वजह से ही लड़ा होता है, क्योंकि बेल कहता है कि मैं बीस एकड़ से ब्रांटी इकाई पर काम नहीं कर सकता. मैं कहता हूँ कि चार कुटुक्व मिलकर बेल जोड़ी रखेंगे और वस हद तक सहयोग करेंगे. और मी जिन जिन बातों में सहयोग कर सहयोग करेंगे, करेंगे, लेकिन जो-जो खेती करना चाहता है और बोन को मानता है, उस केत सिलन चाहिये. वहां माली बिचार से काकी और नाकाकी होने का सबात खड़ा, नहीं होना चाहिये.

कोग कहते हैं कि बड़ी बड़ी कमीने वाहियें. लेकिन मेरे पास पीन एकड़ जमीन थी. शुरू शुरू में खाद और बीज का खर्च आया. अब आगे वह भी खर्च नहीं आपगा. इस पीन एकड़ अमीन में से हमने दस हज़ार पींड साग भाजी निकाली. दो आना पींड का हिसाब सुगायों, तो भी 1250 उपए की साग भाजी हुई.

इस ने रहट भी हाथ से ही खलाया नरसात की भी कुछ ज़ेती हम ने की है, लेकिन बारिश के भरोसे रहने से काम नहीं बलेगा. इसीलिये नारव ने धर्म राज से पूछा बा, "तरे राज में केती सिर्फ देवता के भरोसे तो नहीं होती ?" देवता से मतलब है बारिश. अगर हम जमीन के नीचे छिपी हुई गुप्त गंगा प्रकट कर सकें, तो हिन्दुस्तान की ध्रमीन की कावित्यत पांच गुनी बहेगी. इसलिये इस ने तेलंगाना की यात्रा, में लोगों को सब जगह खबीन में छुएं सोवने का प्रोमाम ही सबलाया. इर एक कोई एक करावा निकास दे और गोहत्या बन्दी हो जाय, यह ठीक नहीं." उनका कहना ठीक है. कोई एक मुरात सम्राट दिल्ली के तखत पर से गोहत्या बन्दी का हुक्म जारी कर दे, इस तरह का यह सवाल ही नहीं है. लेकिन प्रधान मंत्री स्वराज में लोकमत का नुमाइन्दा है. अगर वही यह बात न करे तो फिर कीन करे ?

7. बुनियादी तालीम

सिर्फ इतना कह देने से कि बेसिक तरीका मन्जर है. काम नहीं चलेगा. यह दिखाना होगा कि मौजूदा तालीम के मुकाबले नई बुनियादी तालीस का खर्च जियादा है या कम. बनियादी तालीम के कारन लड़कों के मन में एकता का खयाल घर पकड़ता है, इसलिये शुरू से चाहे बुनियादी स्कृत या शाला स्वावलम्बी भले ही न मालूम होती हो, तो भी आखिर वह महज स्वावलस्वी ही नहीं, बल्कि अमन कुन भी साबित होता है. इसलिये आपको कहना चाहिये कि वह शाला चल सकती है, और प्लानिंग रिपोर्ट में बुनियादी शाला की योजना देनी चाहिये. शाला के पास दो एकड़ जमीन होनी चाहिये और लड़कों को अपनी मेहनत से शाला के बरीचे में साग, तरकारियां और कपड़े के लिये फरूरी कपास पैदा कर लेनी चाहिये. मास्टर को इस जमीन में से अपनी गुजर के लायक साग-भाजी और कपास मिलती रहनी चाहिये. गांव के गुरु जी को एक-एक पायली (100 तोला) राल्ला मिलना चाहिये. इतना सब करने पर भी और जो फुटकर खर्च आयेगा, वह इस योजना में बतलाना चाहिये.

हरिजन लड़कों के लिये छात्रालय या हास्टल या आश्रमों की योजना आपने सुमाई है. हमारे मत से धन आगे चलकर हरिजनों के लिये घलग छात्रालय या धाश्रम नहीं होने चाहियें. हरिजन लड़कों के बारे, में सिर्फ इतना ही देखना काश्री नहीं है कि धनकी तालीम कैसे बढ़ेगी, बिल्क यह भी देखना चाहिये कि छुआ छूत मिटाते हुए तालीम कैसे बढ़ेगी? इसिलये अलग छात्रालय खोलने क बदते उन्हें सब के लिये चलने वाले छात्रालयों में ही जगह दिलानी चाहिये.

8. ज़मीन के बारे में सरकार की नीति

आप कहते हैं कि छोटे-छोटे दुकड़ों से पैदाबार कम होती है. अपनी यह बात आप को साबित करना पड़ेगी. सहयोगी खेती की तालीम सबको देने के बाद ही आइन्दा उस तरह की खेती की जा सकेगी. लेकिन जब तक अपनी जुदा जुदा खेती की तरक लोगों का मुकाब है, तब तक जमीन के छोटे-छोटे दुकड़ों के कारन पैदाबार में कमी होगी, ऐसा मानने की कोई बजह नहीं है. तेलंगाना में शहर मैंने کوئی ایک فتوں نکال دے اور گوهتها بلدی هوجائے یہ گھیک نہیں ،' اُن کا کہنا تبیک ہے ۔ کوئی ایک مغل سمرات دالی نے تخت پر سے گو هتیا بلدی کا حکم جاری کر دے' اس طرح کا یہ سوال هی نہیں ہے ۔ لیکن پردهان منتری سوراج میں لوک مس کا نمائندہ ہے ۔ اگر وهی یہ بات نہ کرے تو پھر کون کرے ؟

7. بنیادی تعلیم

صرف اتدا کم دیلے سے که بهسک طریقه منظور هے، کام نہیں چلے کا ، یہ دکہانا هوگا که سوجودہ تعلیم کے متابلے نئی بنیادی تعلیم کا خربے زیادہ هے یا کم . بقیادی تعلیم کے کارن لوکوں کے من میں ایکٹا کا خیال گھر یکوتا ھے، اس لئے شروع سے چاھے بلهائنی إسكول يا شالا سواو لمبي بهلے هي نه معلوم هوتي هو' تو پهي آخر ولا متعض سواو لمبي هي نهين اللكه امن كن بهي ثابت هوتي ه اس لئے آپ کو کہنا جاھئے کہ وہ شالا چل سعتی هِ اور بِلانتك روورت مين بنيادي شالا كي يوجنا ديني جاهیے. شالا کے پاس در ایکو زمین هونی چاهیے اور لوکوں كو ايلى مصلت سے شالا كے بغينچے ميں ساك، تركارياں ارد کہوے کے لئے ضروری کیاس پیدا کر لینی چاھئے . ماستر کو اُس زمین میں سے اپنی گذر کے لائق ساگ بہاہی اور کیاس ملتی رهنی جاهئے ، کارں نے گرو جی كو ايك ايك يائلي (100 توله) فله مللا چاهد . أتغا سب کرنے پر بھی آور جو پھٹکر خرج آئے گا' ولا اِس بوجانا مهن بعلانا جاهيًے .

مریبین لوکوں کے لئے چھاترالے یا هوستل یا آشرموں کی یوچھا آپ نے سجھائی ہے ، همارے صف سے آب آگے چھاترالے یا آشرم نہیں ہونے چھاترالے یا آشرم نہیں ہونے حامثیں ، هریبین لوکوں کے بارے میں صرف اِتفا هی دیکھا کافی نہیں ہے کہ اُن کی تعلیم کیسے بوھے گی' بلکہ یہ بھی دیکھنا چاھئے که چھواچھوت مثاتے هوئے تعلیم کیسے بوھے گی ؟ اِس لئے الگ چھواچھوت مثاتے هوئے یدلے اُنھیں سب کے لئے چائے والے چھاترالیوں میں هی چکہ دالنی چاھئے .

8. زمین کے بارے میں سرکار کی نہیں

آپ کہتے ھیں کہ چھوٹے چھوٹے تکووں سے پیداوار کم فوتی ھے۔ اپنی یہ بات آپکو ثابت کرنا ہوے گی ، سپھولی کھیتی کی تعلیم سب کو دینے کے بعد ھی آئندہ اسٹیٹرے کی کھیتی کی جا سکیٹری ، لیکن جب تک اپنی جداجدا کھیتی کی طرف لوگوں کا جھکاؤ ہے۔ تک زمین کے چھوٹے چھوٹے تکووں کے کارن پیداوار میں کس ھوٹی ایساؤ مانئے کی کوئی وجھ نہیں ھے ، تیلنانہ میں شروع میں میں میں نے

ACCES !

की हिम्मत नहीं दिलाई देती. इथियार बन्दी करो, कहते की हिम्मत नहीं है, मशीन बन्दी करो, कहने की भी हिम्मत नहीं है. गो इत्या बन्द करने की खरूरत नहीं है, यह कहने की भी हिम्मत नहीं है, लेकिन आंपको यह पहचान लेना चाहिये कि इस मुल्क में गोहत्या चल नहीं सकती. गाय-बेल इमारे समाज में दाखिल हो गये हैं और इसलिये यह हमारा समाजवाद है, लोग मुकसे पूछते हैं कि, "क्या दूसरे जानवरों की तुम्हें दया नहीं आती ?" मैं कहता हूँ, 5"नहीं. पहले मुक्ते गाय पर दया कर तेने दो. उसको अगर मैं बचा सहा, तो फिर बची हुई दया दूसरों के लिये बरतूँगा. गाय को बचा कर ही मैं दूसरों को बचा सक्ँगा." सवाल सीधा है कि आपको अपने देश की हिकाजत करना है या नहीं ? अगर करना है तो गोषध हिन्दुस्तानी कलचर के मुवाफिक नहीं बैठता. इसका आपको ध्यान रखना चाहिये. गो हत्या जारी रही, तो हिन्दुस्तान में बग़ावत होगी. इसलिये 'गो इत्या जारी रहें कहने की हिम्मत आपकी नहीं होती. 'झौलाद रोको' के बारे में झाप साम बोलते हैं. शराब बन्दी के बारे में 'धारे चलाे' का इसरार करते हैं. इसी तरह यह भी कह डालिये कि गाय मारने में कोई हर्ज नहीं। लेकिन राश्ट्रकी हालत देखकर आप वैसा नहीं कर सकते. हमारा कहना यह है कि गो हत्या-बन्दी करना ही मुनासिब है. रास्ट्र की माली हालत इस बोम को उठा सकती है. गो सदर्न में रहने वाले ढोरों के मल मृत्र और हिंदुयों की खाद हा बच्छी तरह से बगर हम उपयोग कर सकें, तो गो-पालन का बोम नहीं होगा. और मुसलमानों की तरक से अगर आप इतमीनान चाहते हों, तो मैं लिख कर देता हूँ कि उन्हें गो हत्या नहीं चाहिये.

मेंब कोगों से मैंने महिन्नदों में जाकर कहा कि "अज्ञाह जगर मांस का भूका होता और मांस से खुश होने वाला होता, तो उसे यह क़साई ही खुश कर लेते. उसका सन्देश सुवाने के लिये पैराम्बर की ज़रूरत न रही होतो. लेकिन बह मांस का भूका नहीं है, मिन्त भाव का भूका है." मेरी यह बात उनकी समफ में आ गई. उस वक़्त सरकार ने बहां गो हत्या-वन्दी का एकान नहीं किया था. मौलवी लोग मेब कोगों से कहते ही ये कि गो-हत्या नहीं होनी चाहिये. लेकिन एक गांव में दो गायें मारी गई और इस पर वहां तूफान मचने की नौबत आई, तब मैंने लोगों को सममाया

क्या आप ऐसा नहीं मानते कि गो इत्या बन्दी हिन्दु स्तान के लोगों का मैंन्डेट (फरमान) है ? आप को दो-दुक कहना चाहिये कि हम गो हत्या बन्दी करेंगे. बैसे, इस मामले पर जवाहरताल जी का बंगलोर का माशन सुके बहुत पसन्द आया. उन्होंने कहा, "दिल्ली में बैठ कर

هست لهين دكهائي ديتي . هتههار بلدني كرو كهلي رهمت الهول هے المهول بلاس كرو كہانے كى بھى همت س هے . کو هتیا بند کرنے کی ضرورت نیس هے یہ نے کی بھی همت نبھی هے . لیکن آپ کو یہ پہنچان نا جاهيم كه اس ملك مين كو هعهما چل نهين سكعي، بیل هماری سمایے میں داخل هوکئے هیں آور اس یه هنارا سماج واد هے . لوگ مجه سے پوچهتے هیں " کیا دوسرے جانوروں کی تمہیں دیا نہیں آئی ؟" س دباتا هون الا تهدور . پهلے منجه کائے پر دیا کر لیلے . اُس کو اگر مهن بحیا سکا تو پهر بحی هوئی دیا مروں کے لگے برتونکا ، کائے کو بنچا کر ھی شھوں دوسروں بجا سكونكا "، سوال سيدها هے كه آپ كو أيه ديش حفاظت كرنا هے يا نهين ؟ اگر كرنا هے تو كو بدھ دستائی کلچو کے موانق نبھی بیٹھتا اس کا آپ کو یان رکهها چاهئے . گو هتیا جاری رهی تو هندستان ن بغاوت هوگی ، اس لئے 'کو هتھا جاری رہے ' کہنے عمت آیکی نہیں ہوتی ۔ 'اولاد روکو' کے بارے میں آپ ب بولتے میں ، شراب بندی کے بارے میں دھیرے چلو صرار کرتے هيل . اِسى طرح يه بهي كه داللے كه كائے مارنے ن كوئى هرج نهين! ليكن راشتر كى حالت ديكهكر ا ريسا نهين كر سكتے ، همارا كهذا يه هے كه كو هتها يهي كرنا هي مناسب هے . واشتر كي مالى حالت ع بوجه كو أتها سكتى هي . أو سدن مين رها وألي ہروں کے مل موتر اور مذیبوں کی کہاد کا اچھی طرح اكر هم أيهوك كر سكهن تو كو يالن كا بوجه نهين هوكا. مسلمانوں کی طرف سے اگر آپ اطمیقان چاہتے: هوں' مهن لكهكر ديمًا هون كه أنهيق كوهمها نهيق چاهيًے.

میو لواوں سے میں نے مستجدوں میں جاکو کیا کہ اللہ اگر مانس کا بہوکا ہوتا اور مانس سے خوص ہوئے اس کا ہوتا تو اُسے یہ قصائی ہی خوص کو لیتے ۔ اُس کا دیھی سنانے کے لئے پیغمبڑ کی فرورت نه رهی هوتی ۔ " بین وہ مانس کا بہوکا نہیں ہے ابیکٹی بہاؤ کا بہوکا ہے ۔ " رمی یہ بات اُن کی سمجھ میں آگئی ۔ اُس وقت سوکار وهاں گوهتیا بندی کا اُمان نہیں کیا تھا ، مولوں لے میو لوگوں سے کہتے ہی تھے کہ گوهتیا نہیں ہوئی اهئے ، لیکن ایک کاؤں میں دو کائیں ماری گئیں اُور میں پور وہاں طوفان مجھنے کی نو بت آئی' تب میں لوگوں کو سمجھایا اور معاملہ بڑھنے نہیں دیا ۔

کیا آپ ایسا نہیں مانئے که گوهتیا بندی هندستان لوگوں کا میندیت (قرمان) <u>ه</u> آ آیکو دو توک کہنا اهیے که هم گوهتیا بندی کرینگے، ویسے' اس باملے پر جواهر لال جی کا بنگلورہ کا بہائش منجھے مع پسند آیا، آنہوں نے کہا' ¹² دلی میں بیٹھکو

इससे. में,बेहचा होता तक चाप ऋक देते कि हमें तसवार के बदसे सबला चाहिये। हाया हाया नैसी तबाही है यह !

5: हमेशा भीक मांगने का प्लान

आपने प्रतिक्का की कि सन '51 के बाद हम बाहर से धनाज नहीं मंगायेंगे, इतनी बड़ी प्रतिक्का करने के बाद धन जब यह दिखाई देने लगा कि वह पूरी नहीं हो सकती, तब आप एक प्लानिंग कमीशन कायम करते हैं. वह प्लानिंग कमीशन कहता है, कि अभी कुछ बरस के लिये हमारा गुल्क अनाज के मामले में स्वावलस्वी नहीं हो सकता है. और इसके बाद सरकार को सारी लाज छोड़ कर कहना पढ़ेगा कि प्लानिंग कसीशन कहता है कि अनाज के मामले में देश स्वावलस्वी नहीं हो सकता, इसिवये हम बाहर से अनाज मंगायेंगे!

हम सगावार जिस्तवे भाव हैं कि पहले भनाज स्वा-बलम्बन साथ सीजिये.. लेकिन अधर ध्यान न दे कर बाज भाष कहते हैं कि 30 लाख टक अनाज बाहर से मंगाना पहेगा, बाहर कोई हमारे बाप की जायतार रखी है ? बाहर से मंगाने का कैसला करने. पर बाहर बालों की मर्जी के मुताबिक यहां. पर फसल पैदा करनी होगी. इस तरह यह हमेश्य के लिये भीक सांगने का प्रतान होने वाला है. आपने यह भी तिख दिया है कि शायद जियादा भी मंगाना पढ़ेगा. क्याः आप दरअसलः कभी हिन्द्रशानः की हिफायत का विचार करते हैं ि अगर करते हों तो क्या कभी यह विचार आप के सनमें आता है कि अनाव की अव्यव आते पर आप क्या करेंगे ? कक अगर पाकिस्तान से आपकी खडाई हो गई, तो साफ हैं कि वह आपको अनाज देने से इनकार करेगा, फिर अमरीका बगौरा जो कोई आपकी अनाज देंगे. बह आपके जिये प्रेस के कारत होंगे या आपको अपने षधनों में बांधने के लिये होंगे ? इसलिये आप कम से कम इतता क्यों नहीं कहते कि अनाज और कपढ़े के बारे में हमें श्वाबक्तस्वन पहले साधना है." प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट पदकरः भाज देहातः के सोगों को जियादाः अमाज उपजाने का हीसजा-नहीं हो सकताः संकट के समन देश के जिये कुछ त्वाग करने का जोश वन्हें यह दिनोर्व पहकर महीं पैटा होता.

6. गोतम-बन्दी

्बापने अपनी रिपोर्ट में एक अगह कहा है कि कसाई बानों का भी जानवरों की तादाद पर कोई असर नहीं हुआ है. कमजोद डोरों को मार डालने से अर्थशास्त्र की निगाह से बहुत ही जोरहार योजना बनेगी, इसमें कोई शक नहीं. तेकिन वैसा करो, यह कहने की आपकी हिम्सत नहीं है. किसी भी मामले में साफ रहजुमाई करने की आप اس نے او بہتو سرتا که آپ کر دیت که مدین تلوازی بدلے ا عبال بہامار ا هائے مائے کیسی تباهی د یه ا

5 منهمه بهیک مانکلی کا پالن

آپ نے پرتکھا کی که سن 51' کے بعد هم باهر سے اللہ نہیں ملکائیدگے ، اِنٹی بری پرتکھا کرنے کے بعد آپ جس پرتکھا کرنے کے بعد آپ جس پر بہان هوسکتی' تہ اُپ ایک پلانٹگ کمیشن قائم کرتے هیں ، وہ پلانٹگ کمیشن کہتا ہے ، که ایمی کچھ برس کے لئے همارا ملک انام کے معاملے میں سوارلیبی نہیں هوسکتا ہے ، آور اِسکے بعد سرار کو ساری لام چھوڑکر کہنا پڑے گا که اِسکے بعد سرار کو ساری لام چھوڑکر کہنا پڑے گا که پینٹیگ کمیشن کہتا ہے که آنام کے معاملے میں دیش سوارا مہی نہیں هوسکتا اور سے آنام سوارا مہی دیش میکائیں ہے اُ

هم لكاتار لكهتم أثب هين كه پهلے أناج سوأو لمين ساده المجلم المكن أدهر دهدان نه دے كو آج آب كہا ههي كه 30 لائه تي اناج باهر سے ملكانا پوے آ . باهر كوئى همارے پاپ کی جائیداد رکھی ھے؟ باعر سے متالے گا مهصلے کرتے ہے ہام والوں کی مرضی کے مطابق یہاں پر فصل بهذا كرنى هوكي . إس طرح يه هنهشه كے لئے بهرك مانكتے كا يلان هونے والا هے . آب نے يه بهى لكهديا هے که شاید زیادہ بھی ملاانا پوے گا۔ کیا آپ دراسل کیھی مندستان کی حفاظت کا وچار کرتے میں ؟ اگر کرتے میں تو کھا کبھے یہ وجار آپ کے من میں آتا ہے که اناج کی: اوجس آنے ہر آپ کھا کریدگے ؟ کل اگر پاکستان سے آپ کی لوائی هوکلی و صاف مے که وہ آپ کو اناب دیات سے إذكار فريانا . يهم أمريكه وفهرة جو كوئي أب كو أناج ديانكما ية أبي كم الله وربع كم كارن دينكم با آب كو ابد يقدهقون. مُنهن بالدهائي كو ليَّد دينك ؟ إس ليَّد آب كم س كم إلا کھوں ، نہیں کہتے کہ انام آور کیوے کے بارے میں میوں سولو تبدن بها سادهنا ه . بالنك كميشي كي ريورت پوهیدن آج دیدات کے لوگوں کو زیادہ اناج اُیجائے کا حوصاء فہوں موسیدان سلید کے سے دیمی کے لئے کچھ تیاگ كول كا عدوهن أنههن يه وبورت بوهكر نهيس بهدا هوتا .

8. يرگو بده بندي

آپ نے اپنی رپورت میں ایک جگه کہا ہے کہ قصائی مائی کا بھی جانبروں کی تعداد پر کوئی اثر نہیں ہوا ہے کہ قصائی کے علاور قموروں کو مار ڈالئے سے ارتب شاستر کی ناتا ہے کہ ایک میں کوئی شکت بھی کرور دار یوجلا بنے کی اُس میں کوئی شکت بھی کہ لیکن رپیدا کروا یہ کہنے کی آپ کی ہست ابھی

راس ہو۔ کمیشن کے معمو نے کہا ، پہلے بھی یہاں کی اس سے کیوا ھوتا تھا ، اس سے کیوا ھوتا تھا ، عمر سے کیوا آنے لگا اِسلئے یہاں کا موتا کیوا بقد عمر سے میشن ملکاکو، عموں مہین میشن وابقا ھروع ھوگھا ،

ونوبا ؛ ودیشی کہوا جب آنے لکتا ہے تو آسکے مقابلے بن آپ سولایشی ملوں کی حفاظت کرتے میں نا؟ و آسی طرح ملون کے مقابلہ میں کہادی کی حفاظت ون نہیں کرتے ؟

وبيهات کے جو دهندے آپ نے چهین لئے هیں وا يد دنيهاتيون كوا وايس تههن ديعي الآن كن جو كجه دهي چلتي ها وه اهابجون كو سارت ك لله دساغ اللے والے باپ کی طرح چلتی ہے . آپ نے دیہانہوں سے ي كا دهنده چهين ليا أور ملين كهرلين تيل كا عقدة شجهها أولي أول تبال كي مليس كهولهن أكراكا فحقده بههرین کو، شکرر کے زیادخانے الهولے . اسی طرح دیہاتوں کو اعالي المالي فيو الوراب أن أن هو رجوهائي كي أنو وه أس بنوهائر رور کے اسلید ، کہسے ، قیمور سکھنے کے کا شہر والوں کا واريت آب كهسم كومكهن كم ؟ إسل لك لهسا كحجه مِنْ مُهِينَ هُونِا مِهَاهِيُهُ جِسِي. سِي الْمِرام أَديوكُون كُو مُقصان ن او ايدور استعلماء جمهوع جماوا اصول ، يبوي هم كه جن مندون كا كنجا بال بديهاتين بيدن عددا هوقا هم أور جن ا يكير مال كون بعيمان كر لوگون كور فيروري هوتي . هـ و و على يتربههمالهور بي كي الليم أويووردا بجلي مجعفوظ وكهلي المثيرين أويورة سرفارست متجاوظ بجلكابور سيكي طرح من درهند بردردیهاتوں، کے التے مصدوط کھوں نہیں وکھ المكتر كرنمواب مين كها بوانا هي كار يهود جهون مهن نے ، دوارہ انمهور ، وہ اجاليكا ، موبو اشوق كے جهون ك ليك بهن اللون المولون مين تايو كانا ، جاها . المكلور مهن ي العلم الانكويس المعالى لي أس يهايك، ع المعهد لَلْهِونِي رَجِهِي رَبِيِّهِي فِي السِّيرِ لَكُور بَلْهِدِرَاوا ياس: كوا الها .

हों, तो फिर बाप देहात में से सगान बत्त करके बाहर क्यों से जाते हें ? बापका काम सिर्फ सिकारियों करना नहीं है. उन पर बमल कराने के लिये मुनासिक रास्ते सुम्हाने की लाकृत बाप में होनी चाहिये. मिल बाजों की कोशियों से सत्तरह गज की बादमी कपने की निकासी जी-बी बह बारह गज क्यों रह गई? कहते हैं कि मिल बाओं को काफी कपास नहीं मिली, इसलिये कपड़ा कम बना. कारन के बिना काम नहीं होता, यह तो उस्ल ही है. लेकिन उन्हें कपास नहीं मिली, इसका मतलब यही है कि उन्हें जो कपास बाहिये, बैसी कपास यहां पैदा नहीं होती; बीर यहां जो कपास होती है, वह उनके काम की नहीं. बापना बच्चा नाचता नहीं, इसिलये दूसरे का बच्चा नहीं सिवा जाता !

इस पर कमीशन के मेन्बर ने कहा: पहले भी यहां की कपास से कपड़ा होता था, पर वह मोटा व खुरदरा होता था: बाहर से महीन कपड़ा आने कगा, इसलिये यहां का मोटा कपड़ा बन्द हो गया और बाद में बाहर से कपास मंगा कर यहीं महीन कपड़ा बनना गुरू हो गया.

विनोबा: विदेशी कपड़ा जब आने लगता है, तो उसके मुक्ताबते में आप स्वदेशी मिलों की हिकाजत करते हैं न ? फिर क्सी तरह मिलों के मुक्ताबते में खादी की हिकाजत करते ?

वेहात के जो धन्दे आपने झीन लिये हैं, वह आप देहा-वियो की वापस नहीं देते. आपकी जो कुछ बुद्धि चलती है. वह अपने बच्चों को मारने के लिये दिमारा चलाने बाती बाप की तरह बतती है. जापने देहातियों से कपड़े का धन्दा स्त्रीन लिया और मिलें खोलीं, वेल का धन्दा स्त्रीन क्रिया और तेल की मिलें खोजीं, गुड़ का धनदा झीन कर शक्कर के कारवाने खोशे. इस तरह देहातों को खंगात बनाने बर अगर आपने उन पर चढाई की. तो वह उस चढाई के सामने कैसे ठहर सकेंगे ? शहर वालों का बचाव तब आप के बे, बर सकेंगे ? इसलिये ऐसा कब भी नहीं होना चाहिये. जिससे. ब्रामोधोगों को नुकसान हो. इस मामले में हमारा असले गडी है कि जिन धन्दों का कच्चा माल देहातों में पैदा होता है और जिनके पक्के माल की देहात के लोगों को क्षारत होती है, वह धन्दे देहातियों के क्षिये 'रिक्वक' वानी महफूल रखने बाहियें. 'रिजवर्ड' फारेस्ट-महफूल काराकों की तरह कुछ धन्दे देहातियों के लिये महक्रेज क्यों नहीं रखे जा सकते ? जवाब में कहा जाता है कि फिर बीवन में कोई मजा नहीं रह जायगा. मौज शीक के जीवन के लिये इन्हें गांव-गांबड़ों का नाच-गाना चाहिये. बंगलीर का हिन्द कांगरेस कमेटी की उस बैठक के गंमीर अक्षेत्रकार में आपने इसके लिये ठहराय पास करा लिया.

ग्रामोद्योगों से भाप कहते हैं कि वह अपने पैरों पर खंडे रहें, आप मेरी टांगें तोड़ देते हैं और फिर मुमसे अपनी टांगों पर खड़े होने के लियं कहते हैं! तिस पर भी में अपने हाथों के बला चल लेता हूँ, इसके लिये आपको मक्ते शाबाशी देनी चाहिये. आपको यह विचार करना चाहिये कि सरकार जब विदेशी थी. तब उसकी मरजी के बौर पालिसी के खिलाफ गांधी जी ने खादी बौर प्रामोद्योग चलाकर दिखाए. लेकिन इसकी कद करने के बरले आप इम से कहते हैं कि गांधी जी जैसे आदमी के पचीस-पचीस बरस कोशिश करने पर भी जो नहीं हो सका. वह आज कैसे ममिकन है ? मैं आप से प्रव्रता है कि हमें आज जो स्वराज मिला हैं, उसमें खादी का कोई दस की सदी हिस्सा भी है या नहीं ? मां कहती है, 'बेटा, मैंने बाज तक मेहनत करके तुमे संभाला है. बाब तू मुमे संभाल ले.' लेकिन उसे संभालने के बदले आप उसे नसीहत करने लगे हैं! गाधी जी ने जो किया वह कैसे किया, इसका समे अचरज होता है. उन्होंने वह एक चमत्कार ही करके दिखाया.

आपको सोचना यह चाहिये कि गांधी जैसा अकेला आदमी अगर मुशकिल हालत में इतना कर सका तो आज, जब कि अपनी सरकार है, कितना अधिक होना चाहिये ? यह चलटे हिसाब (इनव्हर्स प्रपोर्शन) की मिसाल है, लेकिन आप उसे 'सीधे हिसाब' (डिरेक्ट प्रपोर्शन) की मिसाल बनाकर हल करना चाहते हैं. हिसाब के न जानने का यह नतीजा है,

. अपने हाल ही के दौरे में मैंने गांव-गांव से पुछा. समाजवादियों से भी पूछा कि 'भैया. यहां खादी के सिवा भौर कोई उद्योग तुम सुमा सकते हो ?" वह भी मानते हैं कि खादी के सिवा दूसरा कोई उद्योग हम सुका नहीं सकते और न दे ही सकते हैं. खादी के लिये तेलंगाना में काकी मौजू वातावरन है. सौ सौ स्त्रियां तीन-तीन मील से अपने सिर पर चरखे लेकर मुम से मिलने आती थीं और बड़ी आसानी से वो-वो ढाई-ढाई घंटे कातती थीं. एक सार भी नहीं टटता था. फिर भी वहां की सरकार इसका विचार भी नहीं करती है. इसका कारन इतना ही है कि आप लोगों ने अपनी कुछ बातें लास यूत मान रखी हैं. अपनी इन लासबूत बातों को अब आप छ। दिये. आप यह क्रम्ब की जिये कि इस सब को काम देंगे. फिर अराप देखेंगे कि प्रामोधोगों के सिवा रास्ता ही नहीं है. आप कहते हैं कि देहात के सब लोगों को काम देने की योजना खद देहारियों को ही करनी चाहिये, हम तो हर जगह यही वतसाले जार हैं. लेकिन अगर आप यही बतलाने वाले

کرام اُنھوکیں سے آپ کہتے ہیں که وہ آیے پھروں پر والهوي رهيس ، آپ ميري تانكين ترو ديته هين أور پهر معجهسے اپنی تانگوں پر کھوے ھونے کے لئے کہتے ھیں! تسپر بھی میں اپ ھاتھوں کے بل چل لیتا ھوں اسکے لئے آپ کو مجھ هاباشي ديني چاهئے. آپ کو يه وجار کرنا جاهگے که سرکار جب ودیشی تھی تب اسکی مرضی کے آور پالیسی کے خلاف گندھی جی نے کھادی آور گرام أديوك چلاكر دعهائي ، لهكن إسكى قدر كرنے كے بدلے آب هم سے کہتے هیں که گادهی جی جہسے آدمی کے پچھس پچھس برس کوشش کرنے پر بھی جو نہیں ھوسکا' وہ آج کیسے مدکن ہے ؟ میں آپ سے پوچھٹا ھوں که همیاں آج جو سوراج ملا هے اُس میں کھادی کا کوئی دس فیصدی حصة بهی ه یا نهیس؟ ماں کهتی هـ، 'بیتا' مهن ني آب تک متعدت كرك تجه سدمهالا هر . أب تو مجهد سنبهال لے ، المكن أسے سنبهالنے كے بدلے آپ أسے نصیصت کرلے لکے هیں! کاندهی جی نے جو کیا وہ کھسے کیا' اسکا مجھے اچرے ہوتا ہے . اُنہوں نے ایک چنگکار هی کرکے دکھایا ،

آپ کو سوچنا یه چاهئه که گاندهی جیسا آکیلا آئیمی آگر مشکل حالت میں اِتنا کرسکا تو آج' جبکه اپنی سرکار هے' کتفا ادهک هونا چاهئے؟ یه 'التے حساب' (اِنوهرس پرپورشن) کی مثال هے' لیکن آپ اُسے 'سهدهے حساب' (تیریکت پرپورشن) کی مثال بناکر حل کرنا چاهتے هیں ، حساب کے نه جانئے کا یه نتیجه هے ،

اله حال هي کے دورے میں میں نے گاؤں گاؤں سے پونچها سماج واديرن سر بهي پوچها كا "بهيا يهال كهادي کے سوا آور کوئی ادیوک تم سعها سکتے هو؟" وہ بھی مأنعم هیں که کهادی کے سوا دوسرا کوئی اُدیوک هم سجها نہیں سکتے آور نه دے هی سکتے هیں . کهادی كَ لَيِّهِ تَهِلَكُانُهُ مِهِن كَانِي موزون وأتاورن هـ. سو سو أستريان تھوں تھوں میل سے اپنے سر پر چرخے لے کر مجہسے ملئے اللی تمیں آور ہوی آسانی سے در در دھائی دھائی گھلٹے كتابي تهيل . أيك تار بهي نهيل الرئتا تها . يهر بهي وهان کی سرکار اسکا وجار بھی نہیں کرتی ہے . اِسکا کارن التناهم هركه آب لوكس نے أيدى كنچه بالين النبوت مان ركهي هيون . ايني إن الثبوت باترن كو أب آب چهرزئيم . آپ يه عَيْول عَيْجِيْد که هم سب کو کام دينگے ، پهر آپ ديکههن گ کہ گرام ادیولوں کے سوا راستہ می نہیں ہے . آپ کہتے میں که دیہات کے سب لوگوں کو کام دیلےکی یوجفا محود دنیهاتهون کو هی کرنی چاهگے . هم تو هو جگه يهى يَعْلَقُ آلِهِ هِينَ . لَيْكُنْ أَثَرَ آبُ هِي يَعْلَقُ وَالْهِ

نسب 51 🕹 🕹 🖒 🖒 🖒

Salar Salar

जाप ऐसी प्रविद्या की जिये और फिर चाहे तैसी प्लानिन कर क्षीजिये, चाहे जैसी प्रशीन क्षीजिये, मुक्ते एतराज नहीं है. पर धाप बलटे कहते हैं कि सब को काम देना मुमकिन नहीं है. सारे रारट को काम देने की जिन पर ज़िम्मेदारी है, बन्हें घगर यह मुमकिन नहीं मालूम होता, तो उन्हें हसीका दे देना चाहिये!

2. शराव ख़ोरी

अभी में सारे तेलंगाना में घूमकर आया हूँ. चहिंसा में मेरा विश्वास है, इसिलये में अपना काम करता रहा. लेकिन बैसा न होता तो में कम्युनिस्टों में दाखिल हुआ दिखाई देता, ऐसी वहां की हालत है. इन पांच-पचास या सौ बरसों में लोग वहां बरावर शराब पीते आप हैं. राश्ट्र के राश्ट्र अपर कठे, लेकिन चनमें कहीं जामित नहीं. लेकिन इस बात की प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट में कहीं चर्चा नहीं है. इस बात की तरफ उनका कहीं ध्यान नहीं गया है. तेलंगाना के वेहात का जीवन में देखकर आया हूँ. जिस तरह आश्रम में शाम को प्रार्थना होतो हुई दिखाई देती है, इसी तरह वहां रोज मगड़े होते हुए दिखाई देंगे. मैंने खुद सोगों को इस तरह लड़ते हुए देखा है. उनका जीवन कैसे सुधर सकेगा, इसकी फिक इस कमीशन को विलक्कत नहीं है.

3. आबादी पर रोक

परिवार बढ़ने के बारे आप कहते हैं--बाल-बक्ने कम वैदा की जिये. मैं कहता हूँ - आप हमारे सेवक हैं या गुरु ? आपका काम हमें खिलाने का है. हिन्दुस्तान में प्रजा विवादा है, ऐसा मैं नहीं मानता. क्या आपका पैदायश-कस्टोल के सम्बन्ध में अतुभव है ? प्रजा अधिक क्यों बढ़ती है, इस पर क्या आपने कभी विचार किया है ? सिंह के औक्षाद कम होती है, वकरी के जियादा होती है. आपके इस 'क्योबाद राको' प्रचार से वच्चे किसके कम होंगे ? देहात में बच्चे कम होने की जरूरत है. और आज तो देहात में ही किसान के बच्चे जियादा होते हैं. गिरी हुई समाधी हासत की बदौलत यह सब हो रहा है. उसका इसाज भौलाद कन्ट्रोल नहीं है, बल्क जीवन को ठीक दिशा में मोड़मा है, मैं सम्तान बढ़ने देने, वाखा हूँ, बेकिन साथ साम यह भी कहने वाला हूं कि जीवन की रीति ही ऐसी हो, जिससे 'सन्तान अपने आप ही कम हो और अच्छी हो. सन्तान अच्छी होने के बिये जिन वातों की करूरत होती है, चन्हीं वातोंकी जुरूरत सन्तान कम होने के क्षिये होती है. यह सवाल बौलाद-कन्ट्रोल का नहीं है, अविक जीवन बदलने का और उसके मुताबिक हालात पैदा करने का है.

اب ایسی پرانک منجید آرد معر جاھ جمسی باندگ کرامجید ا چاہ جمسی مشہلیس لیجٹ محید اعتراض نہوں ہے ۔ ہر آب انٹے کہتے ہوں کہ سب کو کام دیلا مدکن نہیں ہے ۔ سارے رائٹر کو کام دیلے کی جن ہر ذمہ داری ہے ' آنہیں اگر یہ مسکن نہیں معلوم ہوتا' تو آنہیں استعفیل دے دیدا چاھئے!

2. شرا*ب* خوری

ابھی میں سارے تھلٹانہ میں گھوم کو آیا ھوں .
اھنسا میں میرا وشواس ہے' اِس لیّے میں اپنا کام کرتا رہا ۔ لیکن ویسا نہ ھوتا تو میں کمیونسٹوں میں داخل ھوا دکھائی دیٹا' ایسیوھاں کی حالت ہے۔ اِن پانچ' پنچاس یا کے راشتر اُویر آتھ' لیکن اُن میں کھیں جاگرتی نہیں ۔ لیکن اِس بات کی پلانلگ کمیشن کی رپورٹ میں کھیں جرچا نہیں ہے ۔ اِس بات کی پلانلگ کمیشن کی رپورٹ میں کھیں جرچا نہیں ہے ۔ اِس بات کی طرف اُن کا کہیں دھیان نہیں کیا ہے ۔ تیلٹانہ کے دیہات کا جیون میں دیکھکر آیا ھوں ۔ کیا ہے ۔ تیلٹانہ کے دیہات کا جیون میں دیکھکر آیا ھوں دیتی ہے' اُسی طرح وہاں روز جھکڑے ہوتے ہوئے دکھائی دیتی ہے' اُسی طرح وہاں روز جھکڑے ہوتے ہوئے دکھائی دینئی ۔ میں نے خود لوگوں کو اِس طرح لاتے ہوئے دیکھائی دینئی کے ۔ اُن کا جیون کیسے سدھر سکے گا' اِس کی فکر اِس کی میشن کو بالکل نہیں ہے ۔

3. آبادس پر روک

پریوار ہوھئے کے بارے میں آپ کہتے ھیں - بال بدي كم هدا كيديد ، مين كهتا شون سد آب همار م سيوك هين يا قرو ؟ آپ كا نام هنين كهلانے كا هے . مندستان مهن برجا زياده هي ايسا مين نههن مانعا . کیا آپ کا پیدایش کفترول کے سمبندھ میں انوبیو ھے ؟ پرجا ادھک کیوں بوھتی ھے' اِس پر کیا آپ نے کبھی وچار کھا ہے ؟ سلکھ کے اولاد کم هوتی ہے ' بکری کے زیادہ هرتی هے . آپ کے اِس اُولاد روکوا پرچار سے بجے کس کے کم هونگے ؟ هيهات مهن هجے کم هوئے کی فدرورت هے . ارر آب دیہات میں هی کسان کے بحد زیبادہ هوتے هیں . گری هوئی سمایچی حالیت کی یدولت یه سب هو رها ھے ، اُس کا علام اولاد کفالرول نہیں ہے' یانکہ جھوں کو تهیک دشا میں مورنا هے . میں سلتان برعلی دیلے والا هوں' لیکن ساتھ ساتھ یہ بھی کہنے والا هوں کہ جھوں کی ریت هی ایسی هو' جس سے ساتان آنے آپ هی کم هو أور اجهى هو . سفتان اجهى هول كد لله جن باتون كي ضرورت هوتن هے؛ أنهين باتوں كي شرورت سلتان كم هوني كم اللِّيمَ هوتي هي . يه سوال اولانا كالترول كا تهين هي بالكه جهون بدلق کا اور اشکے مطابق حالت بهدا کرنے کا ھے .

Aak Sa

A LEADING COMPANY

1 ------- 1E4

ताल्लुक क्रायम करने के लिये वसकी सक्यी सिन्मत की जाये जिसकी खातिर एक नई कौज—जो पुराने माना वाहें वन्हें मुनारक—सड़ी की जाय. इम रह रह कर सोचते हैं कि जवाहर लाल जी इस नेक काम में देरी क्यों कर रहे हैं चौर देश का दुखड़ा क्यों नहीं दूर करते जब कि वह सहज में दूर कर सकते हैं.

—सुरेश रामभाई

--- سريش رأم بهائي

'सर्वोदय' से

हिन्द सरकार का पंच साला प्लान

[प्लानिंग कमीशन के एक मेम्बर भाई राम करन पाटिल, 10 जगस्त 1951 को आचार्य विनोबा जी के जाश्रम पौनार में हिन्द सरकार के पंच, साला प्लान पर उनकी राय जानने के लिये जाए थे. विनोबा जी ने दर्दमरे लहजे में जो अपनी राय जाहिर की वह सितम्बर के 'सर्वोद्य' में जपी है. उसका एक हिस्सा हम नीचे दे रहे हैं.—एडीटर]

1. सब को काम

A Company of the Company

आपकी सारी योजना में यह बात नहीं है कि हर एक को काम और खाना मिलेगा ही. भारत के विधान में आपने यह उसूल मान लिया है, फिर भी आपकी योजना में वह प्रतिक्का नहीं है. घर का मालिक हमेशा यह मानता है कि सारे कुनवे को खाना और काम अभी इसी वक्त मिलना आहिये. उसी तरह से सारे समाज का विचार करने के लिये सरकार की ज़रूरत होती है. यह उसूल मान कर जब आप योजना बनायेंगे तो सारी हरिट ही बदल जायेगी. इस हरिट से हमें क्या करना मुमकिन है, इसका विचार करना चाहिये. लेकिन इस हरिट से विचार नहीं किया आता. उन्हें फीज चाहिये, वक् पैमाने पर उद्योग चाहिये. यह सब मानकर ही यह योजना बनाई गई है, और फिर कहते हैं कि सब को काम देना मुमकिन नहीं है. मैं कहता हूँ कि मैं पहले सब को काम और अनाज दूंगा, सारी योजना इस हरिट से तैयार कहंगा.

सन को काम देने के बारे में आपको ऐसी प्रतिका करनी चाहिये कि फलाँ सारीख से हम सन को काम हेंगे.

وسرووں ہے ا

هند سرکار کا پنیے سالہ پلان

إ پلائلگ كىيشن كے أيك ممبر بهائى رام كرهن يائل، 10 أكست 1951 كو آچاريه ونوبا جى كے آشرم پونار ميں هند سركار كے پنچ سالت پلان پر أن كى وائد بهائنے كے ليك آئے تھے. ونوبا جى ئے دود بهرے لهنچ ميں جو اپنى وائد ظاهر كى وة سلمبر كے او سروودے ميں چهنى هے ، أسكا أيك حصه هم نينچے دے وهي هيں . — اقبار]

1. سپ کو کام

آپ کی ساری یوجفا میں یہ بات نہیں ہے کہ ھو ایک کو کام آور کھانا ملے کا ھی ، بھارت کے ودھان میں آپ نے یہ اصول مان لیا ہے' پھر بھی آپ کی یوجفا میں وہ پرتکھا نہیں ہے ۔ گھر کا مالک ھمیشہ یہ مانتا ہے کہ سازے گفیہ کو کھانا آور کام آبھی اسی وقمت ملفا چاھئے ۔ آسی طرح سے سارے سماج کا وچار کرنے کے لئے سرگار کی شروت ہوتی ہے ۔ یہ اصول مان کر جب آپ یوجفا بفائیں گے تو ساری دوشتی ھی بدل جائیگی ، اِس دوشتی سے بہتھی کیا کونا ممکن ہے' اُس کا وچار کرنا چاھئے ۔ لیکن بیس ہوشتی ہے وچار نہیں کیا جاتا ۔ آنھیں فوج جاھئے' اُس بوشتی ہے آور پھر کہتے ھیں کہ سب کو کام دیفا سنگی نہیں ہے۔ میں کہتا ھرں کہ میں پہلے سب کو کام دیفا آس دوشتی سے تیار کورنا ۔

سب کو کام دیلے کے بارے میں آپ کو ایسی پرتکیا کرتی جاملے که قال تاریخ سے هم سب کو کام دینگے۔

(421)

बत इ ता दूसरा जात ता हाता हा जायता जाकन अध्यत के बीत तमी होंगी जैसा कि पहले होती रही हैं — जब हम जपनी अक्रल और जी-जान उस चील के लिये खपा दें जो किसी क़दर के लायक है और हम से जुलन्दी पर है."

इस खयाल की इम हर तरह से ताईद करते हैं लेकिन देखना यह है कि कांगरेस इस 'असली जीत' के लिये क्या कृदम और किस तरह उठाती है.

सदर के एड्रेस के बाद ठहराव शुरू हुए. दो ठहराव सब-जेक्ट कमेटी में जैसा हुआ। था सदर की तरफ से पेश किये गए. फिर विदेशी नीति और फिरक़े बन्दी बाले ठहराव आला स्पीचों के साथ रखे गये. दूसरे दिन 19 तारीख की शाम को आर्थिक प्रोमाम बाला ठहराव आया जिस पर कुछ वर्षा बली. लेकिन सबजेक्ट कमेटी की इस ठहराव वाली बर्चा के मुकाबले यह चर्चा बेजान और कम पुरजोश मालूम होती थी. चर्चा का जवाब तो हुक्कामी लहजे में ही दिया गया. इसके बाद इजलास को खत्म करते हुए पंडित जवाहर लाल की तक़रीर हुई और फिर जाक्ते के शुक्रिये माफी के बाद क़ीमी गीत के साथ कांगरेस के 57 वें जलसे की कारवाई सहम हुई.

दिल्ली कांगरेस के दूल्हा जवाहर ताल जी थे, उसके सब कुछ वही थे. सारा जलसा उनके चारों तरफ मानो नाच रहा था. कांगरेस के नुमायन्दों की निगाह जवाहर ताल जी पर थी चौर जवाहर ताल जी की निगाह नुमायन्दों पर. ज्यादातर नुमायन्दों के हावभाव ऐसे थे मानो जवाहर ताल जी से पूछते हों, "पंडित जी! टिकट हमें दीजियेगा या नहीं ?" चौर पंडित जी का जवाब था, "यह सब क्या वाहियात हैं ? मुल्क में जात पात या भेद भाव कैताने चौर तवाही मचाने वाली ताकतों के खिलाफ कमर कस कर आप तैयार हैं या नहीं ?"

विल्ली कांगरेस में हमें महसूस हुआ कि आज हिन्दुस्तान की जनता और उसके सिर-मीर जवाहर लाल के
बीन में नेता मां की बड़ी दीवार खड़ी हुई है. यह नेता वह
है जिन्होंने बड़ी हिम्मत और बहादुरी से अंगरेजी साम्राज
का मुक्कावला करके उसे बारों खाने बित गिरा दिया.
लेकिन इस लड़ाई में जुद भी दम दे गए और अब आराम
के अकावा कोई दूसरा काम इनके बूते का नहीं है. अपने
जवाहर लाल की बात उन्हें प्यारी जरूर लगती है लेकिन
वह उस पर अमल करने से मजबूर हैं और इस बुरी तरह
मजबूर हैं कि जहां हैं वहां से इटने को भी जी नहीं बाहता,
आगे बढ़ने की कीन कहे. शायद इसी वजह से महातमा
गांधी ने बसोयत की थी कि यह नेता बने रहें लेकिन
इनका संगठन तोड़ दिया जाय और जनता के साथ सच्चा

اِس خیال کی هم هر طرح سے تائید کرتے هیں لیکن دیکھا یہ هے که کائکریس اِس 'اصلی جیت' کے لیے کہا ندم اور کس طرح اُتہاتی هے .

صدر کے ایڈریس کے بعد تھہراؤ شروع ہوئے . در تھہراؤ سبجکت کمیٹی میں جیسا ہوا تھا صدر کی طرف سے پیش کئے گئے . پھر پدیشی نیٹی اور فرقے بندی والے تھہراؤ املی اسهیتچوں کے ساتھ رکھے گئے . دوسرے دن 19 تاریخ کی شام کو آرتھک پروگرام والا تھہراؤ آیا جس پر کچھ چرچا چلی ، لیکن سبجکت کمیٹی کی اِس تھہراؤ والی چرچا کے مقابلے یہ چرچا ہے جان اور کم پرجوش معلوم ہوتی تھی ، چرچا کا جواب تو حکامی لبحچے میں میں دیا گیا ، اس کے بعد اجلاس کو ختم کرتے ہوئے بغذی جوامر لال کی تقریر ہوئی اور پھر ضابطے کے شکری معانی کے بعد قومی گیت کے ساتھ کانگریس کے 57 ویں جلسے کی کاروائی ختم ہوئی .

دلی کانگریس کے دولہا جواہر الل جی تھ' اُس کے سب کچھ وھی تھے ۔ ساوا جاست اُن کے چاروں طرف مانو ناچ وھا تھا ۔ کانگریس کے نمائندوں کی نکاہ جواھر الل جی پر تھی اور جواھر الل جی کی نکاہ نمائندوں پر ۔ زیادہ تر نمائندوں کے ھاؤ بھاؤ ایسے تھے مانو جواھر اللجی سے پوچھتے ھوں' '' پنقت جی! تکت ھیس دیجئے کا یا نہیں؟'' اور پنقت جیکا جواب تھا' '' یہ سب کیا واعیات ہے ؟ ملک میں جات پات یا بھید بھاؤ پھیلائے اور تباھی مجانے والی طاقتوں کے خلاف کمر کس کر آپ تیار ھیں یا نہیں ؟''

دلی کانگریس میں همیں محصوس هوا که آج هندستان کی جنتا اور اس کے سر مور جواهر لال کے بیج میں نیتاوں کی بری دیوار کھڑی هوئی ہے ، یہ نیتا وہ کا مقابلہ کر کے آسے جاروں خاتے جت گرا دیا ، لیکن اس کوائی میں خود بھی دم دے گئے اور آب آرام کے علاق کوئی درسوا کام اِن کے بوتے کا نبیدس ہے ، آنچ جواهر قال کی بات آنہیں بھاری ضرور لگتی ہے لیکن وہ اُس پر عمل کرتے سے مجبور ہیں کہ جہاں کرتے سے مجبور ہیں کہ جہاں میں وہاں سے فٹلے کو بھی جی نبید جاھیا آئے میں وہاں سے فٹلے کو بھی جی نبید جاھیا آئے وصیحت کی تھی کہ یہ نبیتا بنے رہیں لیکن اُن نے وصیحت کی تھی کہ یہ نبیتا بنے رہیں لیکن اُن کے وسیحت کی تھی کہ یہ نبیتا بنے رہیں لیکن اُن کے ماتھ سچا

85.5

The second of th

गिरामा-इराना अस्य पाइत है जिनके इस जिलाफ हैं जैसे फिरका करेंदी बरीरा.

खपे हुए एड स के बारें में तो कहना ही क्या ? पंडित जवाहर लाल की गिनती दुनिया के अच्छे से अच्छे लिखने वालों में है. उन्होंने इसमें कहा है कि हम यहां पर असलियत का सामना करने और आगे का प्रोप्राम तय करने के लिये जमा हुए हैं. हमने जो हिन्दुस्तान की सेवा की वह महेंच इस वजह से नहीं की कि यहां हम पैदा हुए बल्कि इस वजह से की कि हमने सोचा कि हमारा हिन्दुस्तान कुछ उस्लों और मकसवों का नुमायन्दा है, और अलमवरदार है इन्सान की मादी और कहानी तरक्की का और इन्सानी समाज की एकता का. दुनिया की कश्मकश पर रोशनी डालते हुए उन्होंने बताया कि आज बहुत काकी बुराई फैली हुई है जिसका हमें मुक्ताबला करना है लेकिन इसका मुक्ताबला उन्हों तरीकों से नहीं करना चाहिये जो खुद बुराई से लबालव हैं और न नकरत या हिसा से यह काम कामयावी के साथ किया जा सकता है.

लेकिन अपने देश के सवालों पर चन्होंने जो विचार जाहिर किये हैं वह एक प्रधान मंत्री के हैं न कि लोक नेता के. मसलन जमीन के बारे में उन्होंने जो कहा वह एक गोलमोल बात है जिससे न जमींदार को शिकायत होगी न किसी हाकिम को, लेकिन किसान को कोई संवोश न होगा. इस्रो तरह खुराक के मामले में स्वावलम्बन को जरूरी बताया है मगर अब तक यह क्यों न हो सका और क्यों करोड़ों मन अनाज बाहर से मंगा कर मुल्क बेच विया जा रहा है इसका कोई जबाब नहीं दिया. इसके अलावा प्लानिंग की दुहाई देते हुए प्लानिंग कमीशन के कारनामे की तारीफ की है और कहा कि "कुछ लोगों की राय जो भी हो, मेरा खयाल है कि आगे चलकर सोच-विचार या प्लानिंग ज्यादातर इसी पंचसाला योजना के आधार पर किया जायेगा." कहने की जरूरत नहीं कि जैसे यह कान बन गया वैसे काराजी प्लान हमेशा बनते रहेंगे लेकिन मलक के अन्दर उरद के ऊपर सफोदी बराबर भी फर्क नहीं हुआ क्योंकि प्लान बनाने वाले यानी हुकाम लोग और उनके सामीदार या जी हुजूरी करने वाले एक दुनिया में रहते हैं और सासम दीन दुखी जनता दूसरी दुनिया में. दोनों के बीच की जो स्नाई है वह दिन दिन चौड़ी ही होती जा रही है.

फिरक बन्दी के हर खयात की—जो जाने अनजाने हमारे अन्दर घर कर तेते हैं—उन्होंने जड़ से ख्लाड़ फेंकने की अपील की, और आखिर में कहा है—

"एक जुनाद जीतने या हारने को ज्यादा महत्व हमें नहीं देना चाहिये. अगर हम अपने अन्दर की तदाई जीव ر ادوالا این جائے عنی جی کے مرحات میں جے انسلامی ہمرہ

ليكنين اله ديش كے سوالوں پر أنهوں نے جو وجار ظاهر كيّے هیں وہ آیک پردھان ملتوں کے ہیں نہ که لوک ٹیٹا کے . مثلاً زمین کے بارے مھی اُنھوں جو کہا وہ ایک گول مول مات ہے جس سے ته زمیددار کو شکایت مولی ته کسی الماكم كوا لهكن كسان كو كوثى سفكوش نه هوكا . إسى طرح عمداک کے معاملے میں سواولمین کو ضروری بتایا هم معراب تک یه کیس نه هوسکا اور کیس کروروں من اناج جاهو سےملکا کرملک بینے دیا جا رہا ہے اس کا دوئی جواب تہیں دیا ۔ اس کے علوہ پلاننگ کی دھائی دیتے ھوئے مِینٹ کیمشن کے کارنامے کی تعریف کی مے اور کہا مے که الا كنهم لوكون كي وأئه جو بهي هوا ميرا خيال هے كه الله چل كر سوچ وچار يا پلاننگ زياده تر إسى ينج سالا محملاً کے آدھار پر کہا جائیکا ،" کہلے کی ضرورت نہیں که جهميية بان بن أيا ريس كافذى بان هموشه بلتے رهيرگ الفائدر ملک کے آندر اُرد کے اُریر سفیدی برابر بھی فرق نہیں ہوا کیونکہ پان بنانے والے بعلی حکام لوگ اور اُن کے استجهی دار یا جی حضوری کرنے والے ایک دنیا میں رہیے ههی اور معصوم دین دکهی جلتا درسری دنیا مهی . دونون کے بھیے کی جو کہائی ہے وہ دن دن چوڑی ھی ہوتی جا ٠ المن الله ١

قبقے ہندی کے هر خیال کو -- جو جانے انجانے همارے الجونے کھر کر لھاتے همل -- انہوں نے جو سے اُکھار پھیلکتے کی اور آخر میں کیا ہے --

The state of the section of the sect

में 'कुछ' की जगह 'बहुत' सम्ब कह 'विया), किसी मी श्रोग्राम का, जैसे बीमे का ही सही, रास्ट्रीकरन वहीं किया गया है. दूसरे भाई ने कहा कि जमीन के बारे में हमें इस ठहराव में साफ साफ कहना बाहिये कि वह हवा पानी की तरह सबकी है, रारीबों को उसे दे देना चाहिये और इस सिसिसिसे में आचार्य विनोबा भावे जो ऋदम उठा रहे ै चनकी हम ताईद करते हैं. इसी तरह से एक भाई ने कहा कि इमारे यहां की जो टैक्स सम्बन्धी नीति है उसे हमें 'जांचना' ही नहीं 'बदलना' चाहिये, मगर ऐसा लगता था कि ठहराव वाले लोग कांगरेस प्लेट कार्म से नहीं इकूमत-हिन्द के मंच से बोल रहे थे जो—जैसा हर हकूमत का ढंग होता है-एक चिकने घड़े की तरह है और जो रसी भर दस-से-मस नहीं होना चाहती. इस बहस का जवाब वर्किंग कमेटी के नए मेम्बर ने जो दिल्ली केबिनट के नए मिनिस्टर हैं दिया वह अजीव-रारीव था. चन्होंने कहा कि वीमे का रारद्रोकरन इमें मंजर है मगर आदमी कहां, जमीन पर धन का इक इमें मंजूरे हैं मगर जिनके पास है उनसे लेकर बांटें कैसे, और दूसरी तरमीमें मंजूर तो हैं मगर उन पर अमल अमी मुशकिल है. हमें महसूसे हुआ कि आर्थिक प्रोप्राम पर कोई ठइराव कांगरेस के लिये पास करना नामुमकिन है क्योंकि वह इस दायरे में कुछ नहीं कर सकती. अगर कर सकती है तो सिर्फ इकूमत की जी-हुजुरी और इसकिये अगर नाम के वास्ते करना ही था तो यह ठहराव पास कर देवी-

'कांगरेस इकूमते-हिन्द के आर्थिक प्रोप्नाम की पूरी तरह ताईद करती है और जनता से अपील करती है कि यह दिन दूने रात चौगुने सरकार के इशारे पर चलती ही रहे.'

खुता इतलास एक दम खुले में हुआ क्योंकि 17 तारीख़ की शाम को सबजेक्ट कमेटी वाला पंडाल बिजली की किटिंग की कराबी से जल गया था. जिस फुर्ती से स्वागत समिति ने खुले इजलास का इन्तजाम किया वह वालई वधाई की बीझ है. लेकिन जूप की वजह से यह इजलास शाम को साई पांच बजे ही शुरू किया जा सका. पहले दिन सदर कांपरेस पंडित जवाहर लाज नेहरू का एडू स हुआ. लेकिन ख्वाहर खाल जी ने जो पडू स पहले से लिख रखा था खीर जो छप कर तकसीम भी हो गया था वसके बजाय कहींने पक नया पढ़ स दिया. जपनी स्पीच में उन्होंने सीजूदा हालात पर रोशनी हालते हुए कांगरेस वालों से अपील की कि जमाने की नई रफलार को देख कर काम करें. उन्होंने कहा कि हमें बड़ने में छुत्क आता है और इस्रालिये हम जुनाव खड़ेंगे, हमें इस्र बात की परवाह नहीं कि हम जीतते हैं या हारते हैं. लेकिन हम उन की जों को

نے 'نچو' کی جاتم 'بیت العظ کی دیا)' کسی ہیں پورلزام ا جهسے بهت کا هی سهی، راه اوی کرن نهیں کیا گیا ہے۔ روسرے یہائی نے کہا کہ زمین کے بارے میں همیں اس نهبراؤ میں ساف صاف کہنا جاھئے که وہ ہوا پانی کی الرم سب کی ہے فریبوں کو آپیے دے دینا چاہئے اور اِس السلم ميس أجاريه ونوباً بهاوي جو قدم أتها ره هي ن کی هم تائید کرتے هیں . اِسی طرح سے ایک بھائی نے ہا که هدارہ بہاں کی جو ٹیکس سمبلدهی نیتی ہے ہے میں 'جانچنا' می نہیں 'بدلنا' چاھٹیے مکر ایسا عمّا تها که تههراو والے لوگ کانگریس پلیتفارم سے نہیں عمومت هلد کے ملیے سے بول رہے تھے جو - جهسا هو شہومت کا ڈھلگ ھوتا ہے ۔ ایک چکلے گھڑے کی طرح ہے ر جو رتی بھر تس سے مس نہیں ھونا چاھتی ۔ اِس حصث کا جواب ورکنگ کمھٹی کے نئے ممبر نے جو دلی ببنت کے نئے منستر میں دیا وہ عجیب فریب تھا . بهوں نے کہا کہ بیسے کا راشتری کون همیں منظور ہے عر آدمی کهان زمین پر سب کا حق همین منظور ، مگر جن کے پاس فے آن سے لیکر بانٹیں کیسے' آرر رسرى ترميمين منظور تو هين مكر أن پر عمل ايهى شکل هے. همیں منصسوس هوا که آرتهک پررگرام پر کوئی ہمرام کانگریس کے لئے یاس کرنا نامیکن ہے کھونکے ولا س دائرے میں کچھ نہیں کر سکتی ، اگر کرسکتی ہے و صرف حکومت کی جی حضوری اور اِس لگے اگر نام ل واسطے كرنا هي تها تو يه تهبراو ياسن كرديتي---

'کانگریس حکومت هلد کے آرتیک پررگرأم کی پوری ارح تاثید کرتی ہے اور جلتا سے اپیل کرتی ہے که وہ دن ونے رات چوگئے سرکار کے اِشارے پر چلتی هی رہے ۔'

کہلا اجلاس ایک دم کہلے میں ہوا کیونکہ 17 تاریخ فی شام کو سبچکت کمیٹی والا پندال بجلی کی فتلگ فی کراہی سے جل گیا تھا ۔ جس پھرتی سے سوائت سمیتی مکہلے اجلاس کا انتظام کیا وہ واقعی پدھائی کی ہینے ہے ۔ لیکن دھوپ کی وجہ سے یہ اجلاس شام و سازھے پانچ بحج هی شروع کیا جاسکا ، پہلے دن بدر کنگریس پندت جواہر لال نہرو کا ایدریس ہوا . یکن چواہر لال جی نے جو ایدریس پہلے سے لکھ رکھا یا اور جو چھپ کر تقسیم بھی ہو گیا تھا اُس کے بحیائے بوری ایک نیا ایدریس دیا ، اپنی اسبیج میں انہوں نے وجودہ حالات پر روشنی ڈائے ہوئے کانگریس والوں سے اُبھل ہو کہ وہا کہ ہمیں لوئے میں ناہوں نے ہو کہ وہا کہ ہمیں لوئے میں ناہوں نے ہوئے کنگریس والوں سے اُبھل ہو کہ وہا کہ ہمیں لوئے میں ناہوں نے ہوئے کی نگی رفتار کو دیکھکر کام کریں ، اُنھوں نے ہوئے نویں کو دیکھکر کام کریں ، اُنھوں نے ہوئے نویں کی ہمیں اُبھی میں نطف آتا ہے اور اِس لئے ہم

प्रकार मेम्बर में बाद है इस फिलाई में वे कि बुनाव में अपनी जगह पन्नी या मजनूत कर हैं. यही वजह है कि सबजेक्ट कमेटी की बहसें फीकी और बेजान थीं. सदर की तरक से दो ठहराव होने के बाद-पिछली बरस में गुजरे हुए कांगरेस के सेवकों पर शोक और कांगरेस विधान में तब-हीली के लिये कुल हिन्द कांगरेस कमेटी को अखतियार-तीन ठहराव पेश किये गये-विदेशी नीति पर, फिरक बन्दी पर (यह दोनों 17 तरीख को) और आर्थिक प्रोपाम पर जो 18 तारीख को पेश हुआ, जहां तक विदेशी नीति बाले ठहराव की बात है चसमें इकूमत-हिन्द की नीति की मोलह आने ताईद करते हुए कांगरेस ने यूनो में अपना विश्वास पाहिर किया और पाकिस्तान से वास्ता रखने वाले मामलों का शान्ति से फैसला करने की अपील की. फिरक़े -बन्ही बाले ठहराव में कांगरेस ने बताया कि धर्म या जात पात या संस्कृति-तहकीभ, किसी भी शकल में फिरक़ बन्दी इसे मन्ज्र नहीं है और इसे वह मुल्क के लिये घातक सममती है.

आर्थिक प्रोप्राम वाले ठहराव को पढ़कर हमें कुछ रारम सी आती है. उससे साफ पता चलता है कि कांगरेस ताकृतवर और दौलत मन्दों की जमात है न कि रारीबां और बेकसों की. इस ठहराव को जब हम पढ़ते हैं तो ऐसा लगता है कि यह एक निराले दिमारा की पैदावार है. इसमें अलल-टप बातें, तुक या देतुक रखदी गई है. जास तौर से लचर बात जमीन के बारे में है. उसमें कहा गया है—

'हिन्दुस्तान की आर्थिक बुनियाद जमीन ही है. यहां के खेती तरीक का इस तरह से संगठन होना चाहिये ताकि जो मेंहनत करे उसे उसका फल मिल सके और जमीन का उपयोग समाज के लिये एक दौलत के रूप में किया जाए...'

कहने को तो कुछ जरूर कहा है मगर जाहिर है कि असजी बात नहीं कही गई है—वह यह दें कि जमीन उसी की सममी जाए जो उस पर खुद मेहनत करे न कि उसकी जो कहता कुछ है और करता कुछ है. इसी तरह देहाती धंदों के बारे में कहा है कि 'उन्हें अंची से अंची तकनीकी लायकी के साथ किया जाना चाहिये.' शायद ठहराव लिखने वाले के दिमारा में जापान का खयाल आ रहा था. इस ठहराव में एकाध बात जो सही है वह महज्ज एक उपदेश के तौर पर है जिसका अमल से कोई वास्ता नहीं मालूम एकता. हमारा यह खयाल उस बहस को सुनकर और भी पक्षा हो गया जो इस ठहराव के सिलसिले में हुई.

बहस के दौरान में एक आई ने कहा कि सरकार ने जनता के हित में कुछ भी नहीं किया है (जिस पर सदर साहब साफा हो गए और फिर इनके इसरार पर इन आई الله جنيز تو آن هي اس لواق مين 🕳 که چناو اللهي چکه يکي يا مضبوط کو لهن. يبي چھاں تھیں . صدر کی طرف سے دو تھھراؤ ھونے کے بعد --معیلے برس مهل افرے هوئے کانگریس کے سهوکوں پر شوک اور کانگریس ردهان مهی تبدیلی کے لئے کل هند کانگریس کنیتی کو اختیار - تین تهراز پیش کئے گئے - ودیشی نہتی یہ فرقے بندی پر (یہ دونوں 17 تاریخ کو) اور آرتوکی پیکرام یر جو 18 تاریخ کو پیش هوا . جهال تک وديشي نهتي والے تهمواو كي بات هے أس مهن حكومت هدد کی نیعی کی سوله آنے نائید کرتے هوئے کانگویس لے یو نو مهی اینا وشواس ظاهر کیا اور پاکستان سے واسطه وكهل وال معاملون كا شانتي س فيصله كول كي أيمل كي. فرقے بندی والے تھہواؤ میں کاسکریس نے بتایا که دھرم یا جات بات یا سلسکرنی تهذیب کسی بهی شکل مهن فرقے بندی اسے منظور نہیں ہے اور آسے وہ ملک کے لئے گھاتک سنجھٹی ہے ،

آرتیک پروگرام والے تھہواؤ کو پڑھکر ھمیں کچھ شرم سی آتی ہے ، اُس سے صاف پتہ چلتا ہے که کانگریس طاقت ور اور دوات مدوں کی جماعت ہے نه که فریدوں آور ایسا ہے کسوں کی اِس تھہواؤ کو جب ھم پڑھتے ھیں تو ایسا لگتا ہے که یه ایک نوالے دماغ کی پیداوار ہے ، اِس میں الل تب باتیں' تک یا ہے تک رکھدی گئی ھیں ، خاص طور سے لچر بات زمین کے بارے میں ہے اُس میں طور سے لچر بات زمین کے بارے میں ہے ، اُس میں کہا گیا ہے —

'هندستان کی آرتهک بنیاد زمین هی هے ، یهاں کے گھھتی طریقے کا اس طرح سے سلکھتن هونا چاهیئے تاکه چو منعقت کرے اُسے اُس کا پہل مل سکے اُور زمهن کا آپھوگ سماج کے لیے ایک دولت کے روپ مهن کیا جائے...'

کہنے کو تو کنچہ ضرور کہا ہے مگر ظاهر ہے کہ املی بات نہیں کہی گئی ہے۔ وہ یہ ہے کہ زمون اُسی کی سمجھی جائے جو اُس پر خود محملت کرے تھ کہ اُس کی جو کہتا کنچہ ہے ، اِسی طرح دیہاتی دہندوں کے بارے میں کہا ہے کہ 'اُنہیں اُونچی سے اُونچی تکنیکی لائٹی کے ساتھ کہا جانا چاھئے۔' شاید اُونچی تکنیکی لائٹی کے ساتھ کہا جانا چاھئے۔' شاید اُنہہراؤ لکہنے والے کے دماغ میں جاپان کا خوال آرھا تھا۔ اُس ٹھہراؤ میں ایگ آدھ بات جو صحیمے ہے وہ محصل اُنہیں ایک آدھ بات جو صحیمے ہے وہ محصل اُنہیں معلم پرتا ، ھمارا یہ خوال اُس بحدث کو سنکر اُنہیں معلم پرتا ، ھمارا یہ خوال اُس بحدث کو سنکر اُنہیں میں ھوئی ،

ہمت کے دوران میں ایک بھائی نے کہا کہ سرکار نے ۔ پیٹھٹا کے هت میں کچھ بھی نہیں کیا ہے (جس پر صدر صاحب خنا ہولگے اور یہر ان کے اصرار پر اُن بھائی

चौंडा साइनचोर्ड कोका-कोला जैसी नशीली चीज का वा जो काव नई नई फैरान में का रही है. हमें नहीं मालूम कि इन इरितहारों से स्वागत कमेटी ने कितना पैसा कमा लिया या यह कांगरेस के नये अन्ताज का—जिसे पंडित जवाहर लाल नेहरू के लक्ष्यों में 'Approach' समम्मना चाहिये—नमूना थे.

कांगरेस वैसे तो 66 बरस की है लेकिन आजादी की सहाई के दौरान में कई बार इजलास न हो सकने की बजह से यह 57 वां इजलास ही था. इसके करने का फैसला पिछले सितम्बर के महीने में ही किया गया था जब कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की एक बैठक में पंदित जवाहर लाल नेहरू कांगरेस के सदर चुने गए. हमें वह दुल भरी कहानी सुनाने की अरूरत नहीं कि क्यों पंडित जवाहर लाल ने बिकेंग कमेटी से इस्तीफा दिया, किस तरह विछले सदर बाबू पुरुशोत्तम दास टंडन ने अपनी विकेंग कमेटी को बदलने से इनकार किया और फिर किस तरह टंडन जी ने इस्तीफा दिया. लेकिन यह जहरू कहेंगे कि कांगरेस वालों ने महसूस किया कि इसकी सस्ता हालत में जवाहर लाल के अलावा कोई दूसरा चारा उनके पास नहीं है और इसिलये वह यह जानमा चाहते ये कि इस मौक पर पंडित जी का हमारे लिये कया संदेश या हुक्स है.

कांगरेस इजलास का दस्त्र है कि शुरू में सबजेक्ट कमेटी की बैठक होती है जो विकंग कमेटी के तैयार शुहा उहराबों पर गीर बहस करके बन्हें खुले इजलास के लिये गुकन्मल बनाती है. सबजेक्ट कमेटी की यह बैठक 17,18 तारीख को सुबह के वक्त हुई. 17 की सुबह जब बैठक शुरू हुई तो पिछली रात की द्र्भरी घटना—रावलपिंडी में एक पागल का पाकिस्तान के बढ़े बजीर नवाबजादा कियाक्रत अली जां को मार देना—का असर सब के दिल पर था और खास कर पंडित जवाहर लाल के दिल पर जो इचर कई महीनों से ऐसी किरके वाराना और अंगली ताक्रतों के जिलाफ लड़ने का बीड़ा उठाए हुए हैं.

पंडित जवाहर लाल ने अपनी शुक्त की स्पीच में ही दुनिया की बदलती हालत की चर्चा की, बताया कि इसमें हिन्दुस्तान क्या पार्ट खेल रहा है और इसके अन्दर कांगरेस का क्या फर्ज है. उन्होंने कहा कि कांगरेस के सामने हाल में होने वाले जुनाव ही सब कुछ नहीं हैं, वह महज उसके सी कामों में से एक काम है, बाक़ी काम हैं जनता के बीच में जाना और उसके दिल में तरह तरह की सेवाओं से घर बनाना. लेकिन हमें यह तसलीम करना चाहिये कि सबजेक्ट कमेटी के मेन्बर भाई लोग कमेटी की कारवाई पर ध्यान व हेकर अलग अलग गुटों में बैठकर आपस में मिसकौट कर रहे से और जुनाव का मूत उन पर सवार सा. शासक

راسائن بورۃ کوکا کولا جھسھی کشیلی جھیز کا تھا جو آب نئی فیشن میں آرھی ہے ، ھمیں نہیں معلوم که ان ہاروں سے سواکت کمیٹی نے کتنا پیسه کما لیا یا یه ریس کے نئے انداز کا—جسے پندت جواھر لال نہرو کے میں 'Approach' سمجھنا چاھئے — نمونہ تھے۔

الكريس اجلس كا دسكور هـ، شروع مهن سبجكت كي بيتهك هوتي هـ جو وركفك كميتي كي تهار تههراوؤن پر غور بعدث كر كي أنهين كهلي اجلس كي مكنل بناتي هـ ، سبجكت كميتي كي يه بيتهك ال تاريخ كو صبح كي وقت هوئي. 17 كي صبح بيتهك هروع هوئي تو پچهلي رأت كي درد بهري أ— وارليفتي مين أيك پاكل كا پاكستان كي برك نواب زادة لهاقت على خان كو مار دينا — كا اثر كي دال پر تها اور خاص كر پنتت جواهر لال كي دل و إدهر كئي مهينون سے ايسي فرقے وارانه أور جنگلي ور يو ادهر كئي مهينون سے ايسي فرقے وارانه أور جنگلي ور كي خلاف لونے كا بيوا أنهائے هوئے هوں.

نقت جواهر الل نے اپنی شروع کی اسپیچ میں هی بیالتی حالت کی چرچا کی بتایا که اِس میں کی بیان کیا پارف کیا بارف کیا بارف کیا ہار اِس کے اُندر کانگریس فرض ہے ، اُنہوں نے کہا که کانگریس کے سامنے حال کموں میں سے ایک کام ہے' باقی کام هیں جفتا کے کموں میں سے ایک کام ہے' باقی کام هیں جفتا کے میں جانا اور اُس کے دل میں طرح طرح کی سے گھر بنانا ، لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے سے کہر بنانا ، لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے سے کہر بنانا ، لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے سے کہر بنانا ، لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے یہاں نه دے کر افک افک کانوں میں بیانہ کر آیس میں بیانہ کر وہے تھے اُپر چناؤ کا بہرت اُن پر سوار تھا ، شاید

त्यारे जाकिर, मैं अपना गिसास दठाता हूँ और जन वह गिलास मेरे वाएं हाथ में है और दाएं हाथ से अब में लिख रहा हैं.

लेखक--भ. दी.

तुम्हारा अपना ही नन्द किशोर मेहरा

عدارت دُاكو' مين اينا كاس أتهانا هون أور أب وه الله مير عالين هاته مين هے اور دائيں هاته ہے اب مهن لکه رها هون .

صهارا أينا هي نئد کھور مہرا

दिल्ली कांगरेस

कांगरेस के दोस्त हों या मुखासिफ, अकसर लोगों को शिकायत है कि इस बक्त जब कांगरेस के पास कोई नई बात कहने को नहीं थी तब इतना बढ़ा जलसा करके लाखों रुपए बहाने की क्या जरूरत थी. लेकिन हमारा खयाल है कि कांगरेस जब तक जिन्दा है तब तक उसे अपना सालाना इजलास करने की परम्परा कायम रखनी चाहिये. मगर अहमदाबाद में कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की 29,30 जनवरी बाजी बैठक में जो कांगरेस का नया विधान बना है उसमें कांगरेस इजलास और चुनाव हर दूसरे साल करने का तय पाया जो एक बदक्किसमती का फैसला है, खास कर आज कल के जमाने में जब दुनिया के हालात तेजी से बदल रहे हैं. हमें यक्नीन है कि अगर साल दर साल का तरीक़ा जारी रहता तो न पंडित जवाहर लाल नेहरू को वर्किंग कमेटी से इस्तीका देने की जरूरत पड़ती और न कांगरेस के अन्दर इतनी बेलुरकी पैदा होती जो पिछले दो महीनों में हुई. लेकिन अगर हर इजलास के मौक्रे पर कांगरेस के पास नई चीज ऐसी नहीं है जो वह मुल्क के आगे पेश करे तो यह कांगरेस के बुढ़ापे की बालामत है.

दिल्ली कांगरेस नई दिल्ली में बड़े वजीर के बंगले से चन्द फरलांग की दूरी पर 17, 18,19 अक्तूबर को हुई-उस जगह का नाम दिल्ली की एक बहादुर और जांनिसार वेटी के नाम पर सत्यवसी नगर रखा गया था. वैसे इस जगह पर विदेशी राज दतों की वस्तियां वसने वाली हैं. देखते ही ओ इस कांगरेस की खास बात मालूम पड़ती यी बह यह कि नुमायश नाम की चीज का इस मरतवा कहीं पता ही नहीं है. इघर कई बरस से नुमायश कांगरेस इजलास का खास हिस्सा सममी जाती थी. शायद समय की कमी की वजह से स्वागत कमेटी उसका बन्दोबस्त नहीं कर सकी, क्षेकिन हमें यह देखकर हैरत हुई कि सत्यवती नगर में भुसते ही को बड़े बड़े साइन-बोर्ड दिखते थे वह दिल्ली के सिनेमाओं के इरितहार थे और एक बढ़ा सम्बा

لى كانگريس

کانگریس کے دوست ہوں یا مضالف اکثر لوگوں کو شکایت ہے کہ اِس وقت جب کانگریس کے یاس کوئی نگی بات نہنے کو نہیں تھی تب اتفا ہوا جاسم کرکے لابهوں ردیے بہائے کی کیا ضرورت تھی ، لیکن همارا خهال هے که کانگریس جب تک زندہ هے تب تک أسے اینا سالانه اجُلاس کرنے کی پرمپرا قائم رکھنی چاھئے ، مکر احمدآباد مهن کل هند کانگریس کمیڈی کی 29,30 جنوری والی بهالهک موں جو کنگریس کا نیا ودھان بنا ہے اُس میں کانگریس اجلاس اور جذاو هر دوسرے سال کونے کا طے پایا جو ایک بدائستی کا فیصلہ ہے ' خاص کر آجکل کے زمانے مهن جب دانها کے حالات تیزی سے بدل رہے میں . همیں يقهن في كه أقر سال در سال كا طريقه جارى رها تو نه پنگے جواہر لال نہرو کو ورکنگ کمیتی سے استعفیل دیاہے کی ضرورت ہوتی اور نه کانگریس کے اندر اتنے نے لطفی پیدا هوتي جو پچهلے دو مهيلوں مهي هوئي . ليکن اگر هر الماس کے مرقعے پر کانگریس کے پاس نگی چھڑ ایسی نہمں ہے جو وہ ملک کے آگے پیش کرے تو یہ کانگریس کے ہومانے کی علامت ھے .

دلی کانگریس نگی دئی میں ہونے وزیر کے بفکلے سے جلد فرانگ کی دوری پر 17,18,19 اکتوبر کو هوئی--اس جگه کا نام دلی کی ایک بهادر اور جال نثار بیتی کے قام پر سعیهوتی نکر رکها گها تها. ویسے اس جگه پر ودیشی وأبع دوتوں كى بستنهاں بسلے والى هيى . ديكهتے هي جو أس كالكريس كي خاص بات معلوم يوتر تهيوه يع كه نمائص نام کی چیز کا اس مرتبه کیس پته هی نیس 🙇 . أِدهر كُلُي برس سے نمائش كانگريس أجلس كا خاص حصه سمجھی جاتی تھی۔ شاید سے کی کبی کی وجہ سے سوالت کمیلی اس کا بلدوبست نہیں کرسکی ، لیکن هُنهان يَّهُ ديكهكر حيرت هوئي كه ستههوتينگر مهن گھسکے ھی جو ہوے ہوے سائن ہورات داعتے تھے ولا دائے کے سلیماوں کے اشتیار تھے اور ایک بوا لمیا

बर्बक्त हाबरी, अब तू मुक्ते क्या देख रही हैं. से मैं वैदे सारे इन पंक्षों को नोचे सेता हूँ जो कम्बक्ता इतना भी उड़ना नहीं जानत कि मक्ते वे मक्ते फैंड कर तुक्ते उदा ले आएं और मुक्ते कभी कोई ज़रूरी बात की बाद दिला दें. जब यह पंख इतना भी काम नहीं कर सकते तो इन का होना न हाना बेकार. लो, मैं तुम्हें चीर चीर कर बिखेरता हूँ, और अभी ता क्या, अभी तो मैं तुम्हें आग के सुपूर्व करूगा. मैं दुनिया में तुम्हारा कोई भी निशान न रहने दूंगा. तुमने मुक्ते रमजानी की नज़र में गिरा दिया, इतना ही नहीं तुमने मुक्ते शीला, शंकर और उन की मां की नज़रों में भी

पे याद, त्यह कह कर बच नहीं सकती कि तुमेरी हायरी छीन कर ले गई थी, यह दलोल मेरी है. अब तू मेरी दल्लील लेकर मेरा मुक्राबला नहीं कर सकती. मेरे विसास में तेर रहने के लिय वे किराए की कोठरी सिर्फ इसा काम के लिये तो मिली है कि तू बक़्त बे बक़्त मेरे काम आप भौर मुक्तसे ऐसी वे इनसाका न होन दे जैसी आब हो गई, मैं यह हर/गज़ मानने का तैयार नहीं कि तू शैर हाजिर था. तू रोर हा।ज्र हाना तो जानता ही नहीं. हां, तू अपनी और सहित्यों से बातों में लग जान में होशियार है और जब कोई उन सहिलियों से बातें करने लगे तब तू मद आ कृरती है. मैं जानता हूँ आज तू ज़रुर किसी सहेली या सहेलियों के साथ रंगरिलयां मना रही होगी तभी तो ज्रा सी भूज से तूने मेरी इज्जत को साक में मिला दिया और सब की नजरों में नीचे गिरा दिया. डायरी बेजान है उसे माक किया जा सकता था, पर त् तो जानदार है, तुमे माक नहीं किया जा सकता हां. सुने मालूम है कि तरी और मेरी एक जान है पर में आज तेरा जान तन के लिय उस तरक ध्यान ही न दूंगा बलिक तेरी बान लेकर मैं अपनी जान भा ले लूँगा. जान से भी जियादा प्यारी चीज है आबरू. आबरू गई ता जान का होना न हाना बेकार. आद्मियत वरीर आदमा कैला, इनसानियत क्योर इनकान कैसा और आवरू वरीर जान कैसी.

धे बाद, वस अब तू तैयार होजा और अपने मरने से पहते जिस को तुमे याद करना हो याद कर तो. पर क्या तू इस क्रावित रह गई है कि किसी को याद कर सके.

में हायरी और याद को कोसने में इतनी बुरी तरह तमा कि मैं रमजानी क बार में कुछ सोच हो न पाया. बस मेर मन ने यह मान लिया कि अब कुछ नहीं हो सकता और जीते जा अब यह चेहरा इस क्रांबल नहीं है कि उसे रमजानी ता क्या उस के बच्चे और इन बच्चों की मां भी-इसे देख सके ست گاگری اب تو سوعے کہا دیکہ رھی ہے۔ آئے مہن سارے اُن پلکھوں کو توجے لیکنا ھوں جو کسطت اتفا اُن نہیں جانتے کہ موقعے یہ موقعے پھیل کو تجھے لے آئیں اور مجھے کہهی کوئی ضروری بات کی یاد دلا محب یہ پلکھ انفا بھی کام نہیں کو سکتے تو اِن کا نہ ھونا بیکار لو' مہن تمہیں چھر چیر کر یکھیرتا اور ابھی تو کہا اُبھی تو میں تمہیں آگ کے سھرد اور ابھی تو کہا اُبھی تو میں تمہیں آگ کے سھرد اور ابھی دنیا میں تمہارا کوئی بھی نشان نہ رھئے ، میں دنیا میں تمہارا کوئی بھی نشان نہ رھئے ، تم نے مجھے رمضانی کی نظر میں گرا دیا اُنقا ھی ، تم نے مجھے شہلا شنکر اُور اُن کی مان کی نظروں ، بھی گرا دیا ۔

اے یاد' تو یہ کہکر پیچ نہیں سکتی کہ تر میری ے چھھن کر لے گئی تھی کیے دلیل میری ھے ۔ أب تو ر دلیل لے کو میرا مقابلہ نہیں کو سکتی ، میرے ر میں تیرے رہنے کے لئے نے کرائے کی کوٹھری صرف اسی کے لئے تو ملی ہے کہ تو وقت سے وقت مہدے کام آئے جه سے ایسی بے انصافی نه هونے دے جهسی آج نے ، میں یہ هرگؤ مانگے کو تھار نہیں که تو غیر حاضر تو فهر حاضره ونا تو جانتي هه رنهين . هان تو أيذي اور المهول سے باتوں میں لگ جاتے میں هوشهار ہے ، اور جب اُن سهیلیوںسے باتیں کرنے لگے تب تو جہت آ کودتی مهن جانتا هون آج تو فرور کسی سههای یا سههاهون ساته رنگ رلهان سفآ رهی هوگی تجهی تو فرا سی بهول و نے میروں عوت کو شاک میں ملا دیا اور سب کی ں میں نیچے کرا دیا . ڈائری ہے جان ہے اُسے معاف جا سكتا تها هر تو تو جان دار هے؛ تجهے معاف نهيں جا سكتاً . هان مجهد معلوم هد كه تدري اور مهري ، جان هے پر میں آج تیری جان لیڈے کے لئے أس ے دعیان هی نه دول کا بلکه تیری جان لےکو میں اپلی ، بھی لے لوں کا . جان سے بھی زیادہ آپیاری چیز ھے . آبرو گئی تو جان کا هونا نه هونا بهکار . آدمهت ر آدمی کیسا انسالیت بغیر انسان کیسا اور آبرو بغیر

اے یاں' بس آپ تو تیار هوجا اور آیے صرفے سے پہلے کو تصفے یاں کرنا ہو یاں کر لے ، پر کیا تو اس قابل ٹی ہے کہ کسی کو یاں کر سکے ،

میں قائری اور یاد کو کوسٹے میں اتنی بری طرح لگا میں رمشانی کے بارے میں کچھ سرچ ھی نہ یایا ۔ میرے میں لے یہ مان لیا کہ اب کچھ نہیں ھوسکتا جیتے جی اب یہ چہرا اِس قابل نہیں ہے کہ اِس بانی تو کیا اُس کے بچے اور اُن بچرں کی ماں بھی

(4種) 51 元章

اً س کے خاس اور بھی کون گون چالدی کی جھڑیں پرآمد هوئی ههن اور یه بهی معلوم هوگها که رطفانی جھیڑییں جوروی کرنے کا اقرآر کرتا ھے ، قون بقد کرتے کے ابعد تهن مفت تک يهر مين أيلي واد به كشتي لوتا رها . مگل مہرہے یاد نے جس فیصفی بھی مدد نه کی که امیں یند ا شاہ سکوں کہ میں نے وہ چاتو ومشائی کو یاداار کے طور پر دبیا هما ، مهن سوچ هی رها تها که دروآزے پر بهر تھاپ دیری اور شیلا باعر سے چلائی که باہو جی آپ کی قائرین میھی سب کجھ لکھا مل گھا ۔ مھی نے طرواڑہ کھولا الور فہدی قائری پوھی ۔ اب یاد ایک عم قارہ ھوگڈی اور ومضائی کی ردامی کا سارا سین مہری آنکیوں کے ساملے المان اب علی کے لئے ذرا سی ہی جاتم نه وہ گئی ۔ عبلا عي لقي دوبارة يهو مهرا حكم هوا كه قم جاو ، ولا قوراً نهال های الس بار پهلے کی طرح ولا أفاس نهیں توی ، اُیوں کے بھیریے پر سعائی کی کھوچ کی خوشی اجریں سار رهی تھی۔ میں نے دروازہ پھر بند کر لھا ۔

والزر المهدا عداد هے گذاہ . وَأَنْرَى الْمُهَمَّا يَادَهُأَسُتُ ي العاب مين بلد كر دينا هي . سب قصور ايس دائري كا سے اور منہیں نے قائری تعالی ہوتی تو یہ ہاتھیں میں عمون نه بهولانا . اور آب القا بوا ظلم مهور هاتهون نه عوا هوتا جو مين كو بيتها هون ، جهون لال مهوا دوست ي پر ولا مهري طرح مسلمانون کا دوست تو تهيين هـ . ومضائي معجم بهاليجهسا يهارا هي يرجهون لال تو ومضائي كو سائب سمجوها هـ ، اور يهر وه يوليس كا أفسر هـ أي ای معدیے کی جرمت سے کام' سچائی سے کھا سروکار ، اور مهن جهون لال کو کچه بھی کے دیلے کا حقدار ہوں کیوں؟ موں نے جو بھان دیا ہے کسی دیاؤ سے نہمں دیا' خوفی سر دیا ہے ، فلط بیانی میں میرا قصور ہے اور پھر سب سے پياده قصور ۾ اِس ڌائري کا . يه کمبيضت ڌائري ميري بياه كو الهي ورقس مهن جدها بعظمى أور يهر مجه بعال آئی عبلا کی معرفت ، اور بتالے بھی آئی تو اُس وقت جب میں ایے هاته کتا جکا اور اینا دستعتی بیان پولیس انسیکٹر کے هاته سونب چک ، جب یه ڈالوی پے جان "کہنے تو یہ کمبضت ہے جان هی کهوں تع بلی رهی . اور گار به ، بولی هی تهی تو شید سه کیوں بولی . سجه سه برطعي ميري قالري تهي . شية ذائري نهين راهاي اس الله أسكى ياك ةالرس كا كام دياتي هـ أور ولا زنده # الرون بع . أس نے مهري ذائين كى ياد شيا كو دال دين رايي مهور زايلي قالوس كرياد بهول بيتها كهونكه عه اكمينست غائرين ميوري ياد معه سے جدون چکی تھی، اے

flan बाह 'से बंद मासूब हो गया कि असामी रमवाती है. और इसी सिकांबिले में यह भी पता तम गया कि सके वास और भी कीन कीन चांदी की चीजें बरा-ह हुई हैं और यह भी मालूम हो गया कि रमजानी विज चोरी करने का इक्ररार करता है. श्रीन बन्द करने के ह तीन मिनट तक फिर मैं अपनी याद से क़रती लड़ता हा मगर मेरी याद ने दस फीसदी भी मदद न की कि यह मान सकुं कि मैंने वह चाक रमजानी को यादगार तीर पर विया था. मैं सोच ही रहा था कि दरवाले पर हर थाप पड़ी चौर शीला बाहर से चिल्लाई कि बाबूजी गपकी डायरी में सब इक्ष विखा मिल गया. मैंने द्रवाजा ोला और डायरी पढ़ी. अब बाद एक दम ताजा हो गई ीर रमजानी की विवाई का सारा सीन मेरी आंखों के । मने आ गया. अब शक के लिये जरा सी भी जगह रह गई. शीका के लिये दोबारा फिर मेरा हुक्म हुका तम जायो. यह फौरन चक्क ही इस बार पहले की तरह ृ ध्वास नहीं थी. यसके चेहरे पर सच्चाई की स्रोज की शी लहरें मार रही थी. मैंने द्रवाचा फिर वन्द कर या.

डायरी किसाना गुनाह है गुनाह. डायरी किसाना क्तारत को कितान में बन्द कर देना है. सब कुसूर इस परी का है. अगर मैंने डायरी न लिखी होती तो यह तें मैं कभी न भूलता और भाज इतना बड़ा जरूम मेरे यों न हुआ होता जो मैं कर बैठा हूँ. जीवन लाल मेरा ज़ है पर वह मेरी तरह मुसलमानों का दोस्त तो नहीं रमजानी मुक्ते बेटे जैसा प्यारा है पर जीवनलाल तो बानी को सांव सममता है, और फिर वह पुलिस का मार है. उसे अपने मुकदमें की जीत से काम, सचाई से चरोजार. और मैं जीवनकाल को कुछ भी कह देने का ार भी अयों ? मैंने जो बयान दिया है किसी दबाव से विया. खुद्धी से दिया है. राजव बयानी में मेरा कुसूर है फिर के भ की जिथादा के सूर है इस डायरों का. यह क्त बायर, रे ब्रेडी याद का अपने बरकों में छिपा बैठी फिर सुमे । जाने आई शोला की मारफत. और बताने माई तो क्स का रे अब मैं अपने हाथ कटा चुका और ग वस्त्रती बबान अक्रिस इन्स्पेक्टर के हाथ सीप चुका. गह बावरी बेजान थीं को सह कम्बखत बेजान ही क्यों री रही. ख़ौर खगर भ'र बोसी हो थी तो शीला से क्यों े मुक्तसे बोलती, मेरी जायरी थी. शीला डायरी नहीं ी इसिलये उसकी बाद डा परी का काम देती है छीर ज़न्दा डायरी है. इसने मेरी शायरी की साद शीला को ंदा और मैं अपनी दावरी की याद मूल बैठा क्योंकि इन्बर्कें कावरी मेरी बांद मुक्त से छीन शुक्री बी. ऐ

में अपनी सक्ती की कह कर सुन कर सक रह बया कैने इसके जवाब में अब न प्रदुष्टर शीला से कही कहा कि जन्मा जाव सुम जाको. और इस मेरी मावाज में हुक्स की इतनी सकती मौजूद थी कि वह फौरन वठ कर चल दी. उसके जाने के बाद मैंने कमरे का दरवाका बन्द कर लिया.

सदकी के इस बयान से मेरी याद कुछ हरी तो हुई पर की यह तय न कर पाया कि सचमुच मैंने यह बाक्रू रमसानी को पाकिस्तान पत्नते वहत इनाम या यादगार के कप में दे दिया था. अब मेरे दिख का यह हाल था कि वह कभी यह कहता था कि हां दिया तो या कौर कभी यह कहता था कि नहीं विलक्कल नहीं दिया था. इनाम में मिला चाक कहीं इस तरह दिया जा सकता है, हां, एक चात षकर है कि इस चाक़ को मैं न शीला को देता था और न शंकर को, यहां तक कि शंकर की मां को भी इस चाक् को देते हुए मैं सिमकता था. पर न जाने क्यों रमजानी के हाथ में देते अमे न कोई मिमक होती और न मैं कुछ सोव में पद्वा था. शायद इसकी यह बजह रही हो कि रमजानी इसको ठीक तरह से रखता था चौर उसका ठीक ठाक इस्तेमाक भी जानता था. फिर यह सब वातें इस बात का समृत नहीं हैं कि मैं इस इनामी चाक़ को रमजानी को दे बाबूँ. ऐसी प्यारी चीज किसी दूसरे को नहीं दी जा सकती अब सक कि उसकी जियादा ध्यारी बात मेरे सामने न ही. इसी तरह सोषते सोषते मुक्ते वह भी वाद का गया कि रमकानी की जुदाई के वक्तर मेरी आंखें तर हो गई भी घर चाकु देने की यह भी कोई कोरदार दलील नहीं की. प्रका पाक भी कोई पीज़ है जो ऐसे मौके पर दिया आय. मैं जितना भी सोचता था इसी नतीजे पर वहुँचता था कि बह चाक मैंन रमजानों का नहीं दिया. बहुत साचने पर इतना याद आया कि रमजानो के बलते बन्नत मैंने बरार कोला था और उसमें से रमजानी को देने के लिये फांक रुपये निकाले थे. रुपए, नोट नहीं. तब चाक् इरार में आ और उपप चास् के नीचे थे. चास् इटा कर उपप विकासे थे. पर चाक होने की बात बाद के किसी कोने में इंडे बही मिलती थी. बहुत सोचने पर भी मैं यह तय न कर पाया कि मैंने बाक् रमजानी को दिया. शीका की कार्य में व कायने को तैयार ने वा कि जिस दरह मेरी चगर वह कार राजत है कि मैंने रमजानी को चाक, नहीं दिया तो सीता की यह बाद भी तो रालत हो सकती है कि मैंने रमजाना को का दिया था। और फिर वही क्या पता कि असामी रमजानी ही है, यह बाद न मैंने इन्स्पेक्टर साहक से पूछी की कीए न श्रीका ही ने अपने बयान में बताई. यह व्यान में आते ही प्रक्रिय स्टेशन को फोन किया और थोड़ी देर में

مهني البائلي الوالي كي يط عائدة سن كر عين وط كها . منوس س كَمْ عَمِوْلَ مَنْ كَنْهِمْ لَهُ كَلِيكُو اللَّهَا فِي يَهِي كَهَا. كَمْ يا آب تم عِلْةِ ، أور أس مهرى آواز مهن حكم كي أتلي اعی موجود تهی که وه فوراً آتهکو چل دی . أس كے نے کے بعد میں نے کسرے کا میوازہ یقد کر لھا ۔

لوکی کے اس بھان سے مہری یاد کنچہ ھری تو ھوئی جی ہم طیے نہ کر پایا که سے میے دیں نے یہ چاقو یرانی کو پاکستان چلتنے وقت انعام یا یادار کے روپ ر دے دیا تھا اب میرے دل کا یہ حال تھا کہ وہ ہی یہ کہتا تہا کہ هاں دیا تو تھا اور کبھی یہ کہتا ا كه نهيل بالكل نههل ديا تها . انعام ميل ما جاتو ين اس طرح ديا جا سكتا هي ، هان ايك بات فروو که اس بهاقو کو میں نه شید کو دیگا تها اور نه شفکر ، یہاں نک که شلکر کی مال کو بھی اس چاتو کو بير هوئے میں جهجهکتا تھا ، پر ته جائے کیوں رمضانی ، عاله مهن دیلے منص نه کوئی جوجهک هوئی اور ، منهن کنچه سوچ مهن پوتا تها . شاید اِسکی یه وجه می هو که رمضانی اسکو تهیک طرح سے وقعتا تھا ۔ ر اس کا تهیک تهیک استعمال بھی جانتا تھا ۔ ہر یہ سب باتھی اس بات کا ٹبوت نہیں میں کد بیں اس انعامی جاقو کو رمضانی کو دیے ڈالوں ، یسی پیاری چیز کسی دوسرے کو نہیں دی جا سکتی جب تک که اُس سے زیادہ پھاری بات مورے ساملے نه او ، اِسی طرح سوچتے سوچتے مجھے یہ بھی یاد آگیا۔ که رمضائی کی جدائی کے وقت مہری آنکھیں تر ہوگئی نهیں پر جانو دیاہے کی یہ بھی کوئی زوردار دلیل نہیں تهي. پهلا چاڻو يهي کوئي چيز ۾ جو ايسم مولم پر ديا جائے ، میں جگفا بھی سوچکا تھا اسی نکمجے پر پہفچتا تها که وه جهافو مهن نے ومضائی کو نهیں دیا ، بیت سوبهتے پر افقا یاد آیا که رمقانی کے بھلتے وقت میں نے قرار کھولا تھا اور اُس میں سے رمضانی کو دیائے کے لگے پالیج روئے شکالے تھے ، رویے' نوطا نہیں ، لب جانو قرأر میں لها آور روبے جاتو کے نیٹھے تھے ، جاتو مثلا کو روپے نکالے ھے ، پر بھاقر دیائے کی بات یاد کے کسی کولے میدں قطِلقَهِ نَهِي مَلَكَى تَهِي . يَهِت سُوطِيُّد يَر بَهِي عَيْنِ یہ طبے تھ کو پایا کہ میں تے چالو ومقانی کو دیا ، عبلا عی بات میں یوں ماللے کو تیار ته تھا که جسطرح میری اگر یہ یاد قلط ہے که مهن نے زمضائی کو جاقو تھیں دیاتو شهلاکی په یاد بهی تو غلط هوسکتی هے که میں غوانشانی كو بهافته دبيا تها . أور بهر يهي كيا يقد كد اسامي ومضائي من نے بات نہ میں نے انسپکٹر صاحب سے 1948ء آدی اور ته غیق فی لے ابھ بنیان میں بتائی ، یہ دعیاں سوں المرسى في المرافض الماليكان في كها أور تهوري دير مون

भौते बहा न कि एक असामी की उताही में मिना है. वह हवालात में है. मैं कल ही अस को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने वाला हूँ."

"यह है कीन जो सिर्फ मेरा चाक चुरा ले गया. मेरे कमरे में चाक से जियादा कामती और जियादा हलकी दिसियों ऐसी चीजें हैं जिनमें से किसी एक को भी ले जाता तो बासानी से कहीं बेच कर अच्छे दाम उठा लेता. यह अजब बेवकूफ चोर है जो उठा कर ले गया मेरा इनाम में मिता चाक, बेशक उसने मेरी प्यारी चीज चुरा कर मुमे तकलीक तो दी पर खुद उसके तो कुछ हाथ न आया."

"डाकू सोने की चीजें छोड़ कर बन्दूक छौर कारतूस पर सब से पहले हाथ मारते हैं और गठकटे छौर मामूली चार चाकू कैंवी को आपकी घड़ी से जियादा क्रीमती समफते हैं."

"तो क्या मेरा चाक्र गिरहकटों के काम का है. यह तो भाई क्रलम तराश है क्रलम तराश."

"ते ज तो है, जेव तराश का काम भी दे सकता है."
इस तरह थोड़ी देर गप शप हांक कर खोर मेरा
बयान ले कर जीवन लाल जी चन दिये.

श्रमी उनको गए हुए श्राधा घंटा भी न बीता होगा कि मेरा सङ्की शोला कालिज से वापन श्रा पहुंची, श्रीर सीधी मेरे कमरे में आई और मुक्त से बोली:—

"बाबूती! वह आपका चांदी का चाक्र तो मैंने आज पुतिस इंग्पेन्टर जीवन लाल के हाथ में देखा, वह उसकी हमारी प्रोफेसर नन्दनी को दिखा रहे थे. वह उसके भाई होते हैं न. बाबूती, जब मेरी नजर उस चाक्र पर पड़ी तो मैं पूछ बैठी कि यह चाक आप के पास कैमे. यह चाक ता हमारे बाबूजो ने रमजानी को उस बक्त इनाम में दे दिया था जब वह पाकिस्तान के लिये रवाना हो रहा था. इस चालू को तो हमारे बाबूजी हमारे हाथ में भी नहीं देत थे. इस चाक से तो उनका चपरासी रमजानी ही उनकी पेनिसल बनाया करता था. यह आप के पास कैसे आ गया. क्या उमने आ(पको बेच दिया? भीर यह आपके पास कब से हैं? बाबूजी, इसके जवाब में जीवन लाल जी ने सिर्फ इतना ही कहा कि नहीं नहीं, तुम रालती पर हो. तुम्हारे विताजी के कमरे से यह चोरी हुआ है और इस उन से असी पूछ कर आ रहे हैं. वह बाक्क कोई और होगा जिसकी तुम बात कर रहा हो. बाबुजी, मैंने यह बाक बनसे फिर देखने के लिये मांगा पर उन्होंने सुके नहीं दिया. और न कुछ आगे और बताया, भौर्म स्टब्स् सोधे पुतिस स्टेशन चत दिये.''

المهور لے کہا تہ کہ ایک اسامی کی فاض میں ملا کی وہ حوالت میں ہے ۔ میں کل ھی اسکو معسلوبت کے جامئے پیش کرنے والا ہوں ۔''

''آآکو سونے کی چیزیں چھوڑ کر بلدرق اُور کارتوس پڑو۔ سُپ سے پہلے هاتم مارتے هیں اُور کالمکالے اُور معمولی جور چالی قیلچی کو آپکی گھڑی سے زیادہ قیمائی سمجھاتے هیں ''

ر "تو کہا مہوا چاتو گرہ کتوں کے کلم کا ھے ، یہ تو بہائی قلم تراش ،"

''تہو تو ہے' جیب تراهی کا کام بھی دے سکتا ہے ۔'' اس طرح تہوری دیر گپ شپ هانک کر آور میرا جهان لے کر جدون لال جی چل دیگے .

الیہی اُن کو گئے مرئے آدھا گینٹھ بھی نہ بیتا ھوگا کہ مہری لوکی شیلا کالیے سے واپس آپہنچی' اور سیدھی مہرے کرے میں آئی اور مجھ سے بولی :---

الهابو جي ! ولا آپ کا چاندي کا چاقو تو ميں نے آج پوئیس انسوعدر جدون لال کے هانه مهن دیکها وه أسكو هماری پروفهسر نددنی کو داها رهے تھے، وہ اُس کے پہائی ہوتے میں ته ، باہوجی' جب سیری نظر اُس خواتو پر پری تو میں پوچھ بیٹنی که یه چاتو آپ کے پاس کھیے ، یہ جالو تو همارے باہو جی نے را شانے کو اُس وقت انعام میں درے دیا تھا جب وہ پاکستان کے لیے روانع هو بها تها . اس چالو كو تو هماري بابو جي هماري هاته مهی بهی نهیں دبتے تھے. اِس چانو سے تو اُن کا چپراسی ومصانى هى أن كى پدسل بدايا كرتا تها . يه آب كه پاس لَيْسِي أَلْهَا . كَهَا اسْ فِي آلِ كُو بِهِنِي دِيا ؟ اور يه أَسِ فِي ياس لب سے ہے ؟ ياہو جي' إسكي جوآب ميں جهون الل جي ي مرق الله مي كها كه نهيل نهيل تم فلطي يو هو .. سیارے پتاجی کے کمرے سے یہ جوری هوا هے اور رهم اُن الهي پوچهکر آره هين ، ره چالو کرگي اور هوگا جس فی تم پایس کر رهی هو . بابو جی صین نے وہ چاقو اُن یے پھر دیکھنے کے لئے مانکا پر انہوں نے مجھے نہیں دیا . واقع كنوم آكراور بعايا فوراً أتهكر سهده يوليس استهشن

कहां सका. वह तो यहीं रहा और आज भी यहीं है, पर कहां और किस तरह से हैं यह तुम्हें मेरे खत में आगे चल

कर मालूम होगा.

11 नवन्वर को न जाने क्यों मुक्के उस चाक्रू की याद हो आई जो सुके दौड़ में अञ्चल त्याने पर इनाम में मिला था और जिसका दस्ता चांदी का था और जिस पर तुमने काद ही अंगरेजी में मेरा नाम पन. के. मेहरा खुदवाया था. यह भी तुम जानते ही हो कि वह चाक़ू मुमे किस क़दर प्यारा था. बस मैं उस चाक्रू को अपने बक्स में तलाश करने लगा. बदत तलाश किया न मिला. अपने कमरे की सब अलमारियां खोज डालीं, मेज के सब दराज देख डाले. अगर घर पर शीला या शंकर में से कोई होता तो उनसे भी पृष्ठता पर वह दोनों सैर हाजिर थे. उनकी मां मुहल्ले में ही अपनी किसी सहेली के यहां गई हुई थीं. इस लिये मेरी पूछ ताझ की स्ताहिश मेरे मन में दब कर रह गई. मैं ततारा करने से न थका था न नाउम्मीद हुआ था, बराबर क्से इसर उधर ढंढ रहा था. इतने में दरवाजों पर थाप पड़ी. जैसे ही दरबाजा खोला तो सामने नजर आए जीवन सास इंस्पेक्टर पुलिस. मैं पूछ बैठा कि जनाव इस बक्त कैसे चा टपके. वह बोले—"बैठिये, बैठिये, मभी सब क्रिस्सा बताता हैं.

''देखिये, यह चाक्रू आप का है?'' चाक्रू जेब से निकाल कर मेरे हाथ में थमाते हुए जीवन लाल जी ने कहा.

"है तो मेरा ही. मगर यह आप के पास कैसे पहुँ चा? मैं तो हो घंटे से इसी की तलाश में पागल बना हुआ हूँ. इसके क्षिये मैंने कमरे की सारी चीजें उत्तट पुलट कर हालीं. कहिये तो आप इसे कब बठा कर ले गए थे?"

"स्तूब! मैं उठा कर ले गया था. ऋरे भाई यह एक असामी के पास निकला है, उसके पास और भी कई बांदी की बोर्जे निकली हैं पर यह चाक तुम्हारे बार के साथी एक वकील ने पहचान लिया और उसी ने कहा कि यह बाक नंद किशोर मेहरा का है. मैंने उन के पास देखा था. इसे मैं खूब पहचानता हूँ और यह कि यह चाक उन्हें इनाम में मिला था और वह इस को बड़ी मच्छी तरह रखते हैं. इसिलये मैं इस चाक को ले कर आपक पास तहक़ीक़ात के लिये आया हूँ कि अगर यह चाक जापका ही है तो आप एक बयान लिखा दीजिये आर बक्त पर गाबाह के तौर पर अदालत में हाजिर होने के लिये तैयार शहरे."

मैंने कहा—''दयान तो मैं लिखा दूंगा पर यह तो इहिये कि यह आपको मिला कहां ?'' ہاں سکا ، وہ تو یہوں رہا اور آج یہی یہوں ہے ، پر کہاں ، ر ر کسطرے سے ہے یہ تمہوں مورے خط میں آگے جل کو ا علوم ہرگا ،

11 نومير كو ته جائے كيوں مجھے أس چالوكى ياد وأثى جو مجهد دور مهل أول آنے پر انعام ميں ملا ا اور جس کا دسته جاندی کا تها اور جس پر تم لے ود هی انگریزی میں میرا نام این . کے . مهرا کهدوایا اً. یه بهی تم جانتے هی هو له وه چاتو مجھے کس ١٠ يهارا تها . بس مهي أس جاقو كو أيه بكس مهي هی کرنے لایا ، بہت تلاش کیا نہ ملا ، اپنے کسرے کی ب الماريان كهوم قالهن موذ كے سب دراز ديكه قالے . . کہر پر شہلا یا شدکر میں سے کوئی ہوتا تو اُن سے بھی حديدا يروه دونون فهر حاضر تهم ، أن كي مان معطي ہی ھی ایدی کسی سہیدی کے یہاں گئی ھوئی تھیں . ل لئے موری پوچھ تاچھ کی خواهش میرے میں میں ب رو ولا كُنُى ، موس تلاهل كون سے نه تهكا تهائه نا أمهد ا تها بوابر أسے إدهر أدهر دهونده رها تها . اندے سهل وازے پر تھاپ بوی . جیسے ھی دروازہ کھولا تو ساملے ار آئے جہوں ال انسبکتر پولیس . مهی پوچه بیتها جناب اس وقت كيس آ تهكي . ولا بولي-"بهتها الله شيئي ابهي سب قصه يتانا هن .

''دیکھئے' یہ چاتو آپ کا ہے؟'' چاتو جہب سے نکال کر برے ھاتھ میں تھماتے ھوئے جیون لال جی نے کہا ۔

''ھے تو مہرا ھی، مگر یہ آپ کے پاس کہسے پہوئنچا ؟ بن تو در گھلتے سے اسی کی تلاص مہن پاگل بانا ھوا ن ، 'س کے لئے میں نے کسرے کی ساری چھڑیں کا پلت کر قالھی ، کہائے تو آپ اِسے کب اُٹھا کر لے ، تھے ؟''

''خوب إ میں اُٹھا کو لے گیا تھا ۔ اوے بھائی یہ ایک امی کے پاس نکلا ھے' اُسکے پاس اور بھی کئی چاندی پینویں نکلی ھیں' پر یہ چاتو تمھاوے بار کے ساتھی اُٹ وکھل نے پہنچان لھا اور اُسی نے کہا کہ یہ چاتو د کشور مہرا کا ھے ، موس نے اُن کے پاس دیکھا تھا۔ میں خوب پہنچانہا ہوں آور یہ کہ یہ چاتو اُنہیں نام میں ملا تھا اور وہ اِسکو بوی اُچھی طرح وکھتے ہیں ۔ اس لیے میس اِس چاتو کو لے کو آپکے پاس متیقات کے لئے آیا ھرں کہ اگر یہ چاتو آپکا ھی ھے تو میں ایک بھاں لکھا دینجیے ور وقت پر گواہ کے طور پر اُلک بھاں لکھا دینجیے ور وقت پر گواہ کے طور پر اُلک میں حاضر ھونے کے لئے تھار رہیے۔''

میں نے کہا۔۔۔"بیان تو میں لکھا دونکا پر یہ تو کھٹے ۔ یہ آپ کو ملا کیاں آ''

نوبير 51'

मह तो हुन सनक ही की कि मैं यह अवकुरी करने में कोई जलद बाकी नहीं कर रहा कीर मैं तो अपने तजरने की मुनियाद पर यह कह सकता हूं कि खुदकुरी जल्दनाजी में हा ही नहीं सकती. हाँ, यह किसी दरजे तक ठीक है कि खुदकुरी करने से पहले दिल व दिमारा को और मी जियादा नातें करने का मौका दिया जाया करता होता तो हो सकता था कि खुदकुरी से मरने नालों की तादाद कुछ कम हो जाती. किर भी वह इतनी कम न होती जिसकी बिना पर यह साबित किया जा सकता कि जलद नाजी से भी खुद कुरी की जा सकती है. खतरे के एक दम सामने माने पर जो खुद कुरीयां होती हैं उन्हें बक्रत के लिहाज से जलद नाजी में भले ही गिन लिया जाय पर दिमारा के प्रोचने के लिहाज से उन खुदकुरीयों के मौके पर भी दिमारा इतना ही सोच जाता है जितना इसने बहुत वक्रत जगा कर सोचा होता है.

मैं इस बहस को जियादा बढ़ाना नहीं चाहता, और अब मैं बोड़े से जफ़्जों में तुमको यह बता देना चाहता हूँ कि मैं क्यों आत्म-हत्या करने जा रहा हूँ.

तुम यह खत मेरे भाई ईश्वर क्ल को भी दिखला देना. मीर यह लिखने की जरूरत नहीं कि धागर यह घवराने होंगे तो तुम इसे समका देना, भीर तुम हर तरह इस काबिल तो हो ही.

अब मेरी सुनो.

मेरे चपरासी रमजानी को तुम अच्छी तरह से जानते होगे. वह कितना छोटा मेरे पास आया था और किस रह घर भर ने उसको प्यार से अपनाया था. शंकर ही मां उसको शंकर जैसा ही प्यार करती थी और शंकर ही बड़ी बहन रमजानी को कितने प्यार से भण्या कह हर पुकारता थी और तीज-स्थोहार के मौक्कों पर रमजानी हे साथ पेसा ही ब्योहार करता थी जैसा शंकर के साथ. मौर रमजानी को मैंने ही कब चपरासी सममा था. मैं एंकर जैसा प्यार उसे न भी देता हूँ पर और वार्तों में तो एसे शंकर जैसा रखता था. खैर.

यह भी शायद तुन्हें माल्म होगा कि यह रमजानी सन 47 के नवम्बर के महीने में पाकिस्तान जाने के बिये हम हो छोड़ गया. और इस दक्षत भी जब उसने घर छोड़ा था में उसकी आंखें भी उब उका आई थीं और मेरी आखें भी हर हो गई थीं और शंकर की मां ने तो अपनी झाड़ी मांसुओं से भिगो की भी और शंकर की बहन शीला तो हिंदा रो पड़ी थी. शंकर अगर उस दक्षत स्कूल न गया तिता तो हो सकता है रमजानी ने पाकिस्तान जाने की हात न सोची होती. और फिर वह पाकिस्तान जा भी یہ تو تم سمجھ ھی لو کہ مہیں یہ خوف کھی کوئے مہیں کوئی جلد بازی نہیں کررھا آور میں تو آئے تجربے کی بنیاد پر یہ کہ سکتا ھوں کہ خود کھی جلد بازی مہیں ھو ھی نہیں سکتی . ھاں' یہ کسی درجے تک تہیں ھو ھی نہیں سکتی . ھاں' یہ کسی درجے تک تہیں یہ خود کھی کرنے سے پہلے دل و دماغ کو آور بیعی زیادہ پاتھی کرنے کا موقع دیا جایا کرتا ھوتا تو ھو سکتا تھا کہ خود کشی سے سرنے والوں کی تعداد کجھ کم ھوجاتی . پھر بھی وہ اتنی کم نہ ھوتی جسکی بنا پر ھو تا بہت کیا جاسکتی ہے ، خطرے کے ایک دم سامنے آئے پر چو خود کشی بیازی میں بہنے ھی گن لیا جائے پر دماغ کے سوچنے کے بازی میں بہنے ھی گن لیا جائے پر دماغ کے سوچنے کے بازی میں بہنے ھی گن لیا جائے پر دماغ کے سوچنے کے خود کشی بازی میں بہنے ھی گن لیا جائے پر دماغ کے سوچنے کے خود کشیوں کے موقعے پر بھی دماغ کے سوچنے کے بازی میں بہنے ھی گن لیا جائے پر دماغ کے سوچنے کے خود کشیوں کے موقعے پر بھی دماغ آئنا

مهی اس بحث کو زیادہ بوهانا نههں چاهکا' أور آپ مهی تهوڑے سے لفظوں مهی تمکو یہ بٹا دینا چاهدا هی که مهی کیوں آتم هٹیا کرنے جارها هوں .

تم یہ خط میرے بہائی ایشور دت کو بہی دکھلا دیدا، اور یہ لکھنے کی ضرورت نہیں کہ آگر وہ گھمرانے لگے تو تم أسے سنتها دیدا اور تم هر طرح اس قابل تو هو هی ، اب مهری سلو .

مہورے بچپراسی رمضانی کو تم انچھی طرح سے جانتے
ہوگے ، وہ کتفا چھوٹا میرے پاس آیا تھا اور کس طرح
گھو پھر نے اسکو پھار سے اپلایا تھا ، شنکر کی ماں اسکو
شفکر جیسا ھی پھار کرتی تھی اور شلکر کی بڑی بھن
رمضانی کو کتانے پھار سے بھیا کو کر پکارتی تھی اور تھیم
تھوھار کے موقعوں پر رمضانی کے ساتھ ایسا ھی بھوھار
گرتی تھی جیسا شلکر کے ساتھ ، اور ومضانی کو میں نے
ھی کب چھراسی سمتیما تھا ، میں شلکر جیسا پھار
اُسے تم بھی دیتا ھوں پر اور باتوں میں تو اُسے شلکر
جھسا رکھتا تھا ، خیر ،

یه بهی شاید تمهین معلوم هوگا که یه ومقانی سن بهر کے نومبر کے مهیئے میں پاکستان جانے کے لئے همکو بهبورگیا . اور اس وقت بهی جب اس نے گهر جهورا تیا تو اس کی آنکهیں بهی دیدیا آئی تهیں اور شاکو کی ماں نے تو آنکهیں بهی تر هوگئی تهیں اور شاکو کی ماں نے تو اپلی سازی آنسووں سے بهکولی تهی اور شاکر کی بهن شید تو یا قامده روپوی تهی ، شاکر اگر اس وقت اسکول تی گیا هوتا تو هوسکتا هے رمضانی نے پاکستان جانے کی بات نے سوچی هوتی ، اور پهر وہ پاکستان جانے کی

काता है और यह सुने आम कमितनत जाति के लोगों की सवाना शुरू कर देते हैं.

नए चुनाव होने वाले हैं. साम्प्रदायिक जमातों की तरफ से नफरत फैलाने वाली बार्वे और रालत ढंग से भड़काने वाले नारे लगने शुरू हो गद हैं और उनका नतीजा भी सामने आने लगा है. सरकार का फर्ज है कि वह ऐसे नफ़रत फैलाने बाले प्रचारों की तरफ सास ध्यान रसे और ऐसी बातें न होने दे जिनसे देश की शान्ति को खतरा हो. जनता और देश के नेताओं से भी प्रार्थना है कि वह ऐसे प्रचार से बचें और यह समम लें कि अगर देश में लोकशाही को जिन्दा रखना है तो फिरक़ावन्दी के खिलाफ मोरचा लेना ही होगा. अगर ऐसा न इया तो देश में तानाशाही आ जायेगी और देश बरवाद ी जायेगा क्योंकि तानाशाही कुछ दिनों तो चलती है हेकिन अन्त में वह देश को तो हुवती हैं, जरमनी और हती की मिसाल हमारे सामने हैं और हमें उससे सबक ना चाहिये.

نگے خدا مونے والے بھیں . سامیردایک جماعتیں کی طرف سے تفرت پھیلانے والی باتیں اور فلط ڈھلگ سے بھوکانے والے نعرے لکانے، ھووع هوگئے هيں اور أن كا

نتيجه بهي ساملے آنے لكا هے . سركار كا فرض هے كه ولا ایسے تفوق بھیلانے والے پوچاووں کی طرف خاص جھیاں رکھے اور ایسی ہاتیں نه هونے دیے جن سے دیش کی شانتی کو خطرہ هو ، جانتا اور دیمی کے نبتاوں سے بوی يراوتهنا، في كه ولا ايسي يرجار سي بحهور أور يه سمجه لهن که اگر هیش میں لوک شاهے کو وائلہ رکھتا ہے تو قرآءیتنی ك خلاف مورجة لهذا هي جولاً . أكر أيسا ته هوأ تو ديه مين تانا هاهي آجائيكي أور ديش برباد هوجائے لا كهونكة تانا شاهي كجه دنس تو جلتي هي لهكن أنت

میں وہ دیش کو لے دویعی ہے ۔ جرمنی اور اثنی کی

مثال همارے ساملے ہے آور همهن اس سے سبق لیفا

In also of the webs week water when is

جالا على أور ود كولي عام كم كليت بجالي ك لوكون كو سعاما

रानी

एक चिटी

ारे आई काकिर,

अब हिन्द. तुम आड़े बक्त में हमेशा मेरे काम आए. हारे सममाने का तरीका हमेशा इतना अव्हा साबित म कि मैं बड़ी बड़ी रालतियों और बदकारियों से बच .. और भाव भी अगर तुम मेरे पास मौजूद होते तो तैहाशियम सायनाइड पड़े पानी के गिलास को इस के सतम होने के बाद न पी पाता. जो गिकास मेरी मेज मेरे सामने रखा है मुक्ते बहुत जस्दी वहाँ पहुँचा देगा जाते के सैं क्राविल हूँ. तुम समुन्दर पार अफरीका में हो और मैं हिन्दुस्तान के शहर दिल्ली से तुन्हें यह लिख रहा है.

मार्ज की इस दुनिया का कैसा अनोब्रा इन्तकाम है री खुद इसी की तैयारी का यह खत तुन्हें इस बक्त ग अब दा एक इक्ते पहले तुम तार के करिये से मेरी हा हाल जान चुके होंगे. और अगर तुम मेरी मौत हसे कही पगका जाओ और इबाई जहाज से साधे शान चले बाबो तो फिर नहीं मालूस तुन्हें कितने बाद यह स्रत मिलेगा और तुम मेरी मौत की ठीक व्हिंसमम् सकीगे.

Mig Sy

شروع، کر دیکے هوں ۔

ايك چتهي

پھارے بھائی ڈاکر^و

جے هلد. تم آرے وقت میں هدیشه میرے کام آئے، تعیارے سمجبانے کا طریقه هدیشه اتنا اچها ثابت هوا که میں ہوں ہوں فلطیوں اور بدکاریوں سے بچے گیا ۔ اور آہے بھی الكو تم مهرد ياس موجود هوتے تو مهن پرداشهم سالفائد یوے پانی کے گلس کو اس چانھی کے شام هونے کے بعد نے یہ باتا ، جو گلس میرس میؤ پر میرے ساملے رکھا ہے مصهد بہت جادی وهاں پهونجادیکا جہاں جائے کے میں قابل هون . تم سندر يار افريقه مهن بهتم هو أرزَّ مهن اهتدستان کے شہر دلی سے تبہیں یہ خط لکھ رہا ہیں،

آج کی اس دنیا کا کیسا انوکیا انتظام ہے که مهری غود کھی کی تیاری کا یہ خط تبہیں اُس وقت ملیکا جب دو ایک مفالے بہلے تم تار کے ڈریجے سے مهری موت گا حال جان چکے هوئے . اور اگر تم مهری موس کے تار سے کہمن پکلا جاو اور ہوائی جہاز سے سمدھ ہندستان جا۔ و يو يهر لهين معلوم تمهين كالله دن يعد يه خط ملها لَيْنَ لَوْ مُهِرِي مَوْسَا كُنْ تَلْهَالِكَ تَهِيكَ وَجِهُ سَمَعِهِ سَكُولُ .

नवन्वर '51

(408)

٠51 مسمولة

كهاني

The second se

यह मानना पदेण कि हिन्दुस्तान के सीगों में साम्भ-दायिक और जात-पात से सम्बन्ध रखने वाले विचारों का बहुत जल्द असर होता है. इसे हम कह सकते हैं कि एक तम्बी मुद्दुत की गुलाभी ने, ऐसी शिला ने और विदेशी सरकार की तरक से उन्हीं लोगों को बढ़ावा मिलने ने जो साम्प्रदायिक भावना रखने वाले थे, इस पौधे को जिन चीजों से ज़राक मिलती है, उसके खिलाफ प्रेम, मुह्ब्बत और भाई चार के विचारों का प्रचार किया जावे और फिरका-वाराना या मजहनी नफरत फैलाने वालों पर रोक हो और उन्हों नफरत की निगाह से देखा जावे तो यह पौधा मुरमा-कर धीर धीरे सूख सकता है और हो सकता है कि हमारी आने वाली सन्तान इससे बिलकुल बच जाय.

सवाल पैदा होता है कि क्या इतनी बड़ी खूरेजी से देश ने काई सबक सीखा है और हम में इन बाखे बीर गंद खयालों को छोड़ने की समक बाई है? बाकसीस कि आज भा मुल्क की हालत देखने के बाद जवाब 'नहीं' में ही मिलता है. बाज साम्प्रदायिकता की नदी ने छोटी छोटी नालियों का रूप धारन कर लिया है बीर वह जात-पात के विचार बीर साम्प्रदायिक संगठन बीर साम्प्रदायिक नकरत के रूप में जाहिर हो रहा है.

मेरा खयाल है कि असेम्बली वरीरा के चुनाव, जहाँ प्रजा तंत्र यानी जमहूरियत के लिये जरूरी हैं, उनमें रालत प्रचार के लिये जरूरी रोक न होने से और उस पर पूरी तरह निगरानी न रखने से जनता में नफरत का खहर फैज़ने का डर है. उसकी वजह यह है कि इन जगहों के लिये जो उम्मीदशर होते हैं उनमें कुछ डी लोगों को छोड़ कर बाक़ी सब लोग चुनाव में किसी न किसी तरह जीतना चाहते हैं. हर एक की सेवाओं भौर चरित्र का इतना प्रभाव नहीं होता कि आम लोगों में उनकी तरफ कुछ खिचाव हो, फिर सबसे जियादा असर करने बाली साम्प्रदायिक या जात धर्म की बातें होती हैं. उनकी बिना पर यह लोग फिरक़ावाराना संगठन बनाते हैं, उनके ख़द नेता बनते हैं श्रीर दूसरे फिरक़ों श्रीर जातियों के खिलाफ जहर फैलाते हैं. देहातों में, जहाँ लोग जियादातर पढ़े किखे नहीं होते, उन पर यह जादू खूब चलता है. चुनाव हो जाते हैं और फिर चुने जाने वाले सज्जन के दरशन दसरे चुनाव से पहले शायद ही कभी होते हों. लेकिन जिन देहातों में उन्होंने यह जहर फैला रखा होता है, वह किरकायन्ता और पारटी-याची में फंस जाते हैं. इसका नतीजा बहुत खतरनाक होता है. छोटी जातियाँ बड़ी जातियों से बुरी तरह दुबी रहती हैं. गाँव में अकसरियत भीर भक्का बियत के मागड़े शुरू हो जाते हैं. बहुगानत जाति

ور الماس باس سے سمبقدی رکھنے والے وجاروں کا بہت والے اللہ اللہ ہوتا ہے ۔ اِسے هم کہ سکتے هیں که ایک لمبی منت کی قامی نے ایسے شکشا نے آرر ودیشی سرکار کی مئرف سے انہیں لوگوں کو بوھارا ملقے نے جو سامپردایک ہوتا رکھنے والے تھے اِس پودھے کو پائیقے دیا ۔ یہ ضرور ہوتا رکھنے والے تھے اِس پودھے کو پائیقے دیا ۔ یہ ضرور ہے کہ اگر اب اِس پودھے کو جن چیزوں سے خوراک ملکی ہے اُسکے خلاف پریم محمد اور بھائی چارے نے وچاروں کا چیچار کہا جارے آور فرقهوارانه یا مذهبی نفوت کی ناہ سے دیکھا بھیلانے والوں پر روک هو آور اُنھیں نفوت کی ناہ سے دیکھا اور هوسکا هے کہ هماری آنے والی سندان اِس سے بالکل اور هوسکا هے که هماری آنے والی سندان اِس سے بالکل بچے جائے ۔

سوال پیدا هوتا هے که کیا انظی ہوی خونریزی سے دیسے نے کوئی سبق سیکھا هے آور هم میں اِن اُوچھ آور گئندے خیالوں کو چھوڑنے کی سمجھ آئی هے ؟ افسوس کم آجے بھی ملک کی حالت دیکھنے کے بعد جواب 'نہیں' میں هی ملکا هے . آج سامپردایکا کی بڑی ندی نے چھوٹی نالیوں کا روپ دھارن کرلھا هے آور وہ جات پات کے وچار آور سامپردایک سنگھتی آور سامپردایک نفوس کے روپ میں ظاہر ہو رہا ہے .

مهرا شهال هے که اسمبلی وغیرہ کے چلاو جہاں يبها تلتر يعني جمهوريت كي لئي ضروري هين أن مين فلط پرچار کے لگے ضروری روک نه هونے سے آور أس پر پوری طرح نگرانی نه رکهنے سے جلتا میں نفرت کا زهر پههلنے کا در ھے . اسکی وجه یه هے که ان جگهوں کے لئے جو اُمیدوار ہوتے ہیں اُن میں کچھ هی لوگوں کو چھوڑ کر پاقی سب لوگ چھاؤ میں کسی ته کسی طرح جهتدا چاهته ههی . هر ایک کی سهواوں آور جبرتر كا إنفا بربها؛ نهيل هوتا كه عام لوكول ميل أنكى اطرف کچه کهلچاؤ هو' پهر سب سے زیادہ اثر کرنے والی سامهردایک یا جات دهرم کی باتین هوتی هین . اُنکی بنا برية لوك فرقه وأرانه سنكتبن بذاته هين أنكي خود نهتا ہلتے میں آبر دوسرے فرقوں آور جاتیوں کے حلاف زھر عملاتے همن . ديمانوں -يو، جمان لوگ زيادہ تر يوھ لكم نهيل هوت أن يريه جادو خوب جلتا هي. جناؤ هو جاتے هيں أور پهر چئے جانے والے سجوں كے، درشو فوسرے جلاؤ سے پہلے شاید هی کبھی هوتے هوں ، لهکن خون ديهانون مهن أنهول في يه زهر بهيلارتها هوتا هي ولا فرقه اُلِلْتِي أور يارتي بازي ميں يهنس جاتے هيں . اِس كا انتهم بهت خطرناک هوتا هے . چهوتی جاتیاں بوی جاتهن سے برق طرح دہی رهتی هیں ، گان میں اکثریت الدو اقلمت کے جهارے شروع هو جاتے هيں . بهوالمت جاتي

कौराशों ने इमें आजाद कराया. हम सच्चाई, मुह्ब्बत और इनसाफ़ की राह पर चल कर दुनिया को वह दिखायेंगे कि इस जमाने में सबसे बड़ी शखिसयत और हम पर अहसान करने वाले की हमारे दिलों में कितनी इज्जत, मुह्ब्त और भक्ति है. हिन्दुस्तान ने हमेशा निजी और पब्लिक जिन्दगी में रूहानी ताक्कतों पर बहुत जोर दिया है.

ईरबर हमें अच्छी नियत और हमारे इरादों में सल्स और मज़बूती दे ताकि हम तंग नज़री, सुद गरज़ी से उपर उठ कर वतन की खिदमत कर सकें. हम एक नाजुक जमाने से गुजर रहे हैं. दुनिया का राजकाज अमन और जंग के तराजू में तुल रहा है. अगर हम हालत को न समम सके, अगर हमने उन लीडरों का साथ नहीं दिया जो साफ़ दिशी और साफ़ गोई से वह कमजोरियां दिखाते हैं जिन से हमारी क्रीम की नीव खतरे में है, जिन से लोक शाही और गौर फिरक़ेवारी राज को धक्का पहुँच रहा है और अपनी हालत सुधारने के लिये हमने उनकी चुनौती को क़बूल नहीं किया तो फिर पछतावे के लिये मोहलत तक न मिलेगी—

"गया वक्त फिर हाथ आता नहीं"

फ़िरक्रा बन्दी का जहर

(भाई त्रिवेनी सहाय)

भारत में स्वराज के बाद साम्प्रदायिकता या किरक्ता-बन्दी का भयानक रूप सामने बाया जिससे इतसान की विराबट की इद मालूम हुई और पठा बला कि वह गुमराह होने,पर जानवरों से भी बदतर हो सकता है. लेकिन खयाब होता है कि क्या यह सू मन्तर स्वराज के मिलने ने किया को एक साथ पूरे मुल्क में दो फिरक़े एक दूसरे से लड़ गद और एक दूसरे के खन के व्यासे बन गए. काफी सोचने के बाद भी ऐसा मालूम नहीं होता. बल्क इसकी जहें पिछले चुनावों के समय के सान्प्रदायिक प्रवार और जीतने की धुन में मस्त नेताओं की तरफ से एक दूसरे के खिलाफ नफरत फैलाने, प्लेट फारमों से बिला किसी रोक थाम के इसरों को गालियां देने और पाकिस्तान व अखंड हिन्दु-स्तान के गली गली, गांव गांव नारे लगाये जाने के अन्तर हिसाई देती हैं. इसी फिरक़ वाराना प्रचार ने लोगों के जन्दर नफरत की आग भर कर हिन्दू मुखबमानों के वासों परों को बरबाद किया और बरबाद किया इनसानों ही नैविकता, रहमदिली, माई बारे के विवारों को जिससे ्या देश विरावट के गबढ़े में जा गिरा.

ششون في همين آواد كوايا . هم سجائي محمد و انساف كى والا يو چل كر دنيا كو يه دكهائيس كه ايس وماني مين سب س يوى شخصيت اور هم ير احسان نے والے كى همارے دلوں ميں كه كتني عوت محمد اور يمتى في ردحانى في هميشه نجى اور يملك زندئى بن روحانى طاقتوں يو يهت زور ديا هـ .

ایشور همیں اچھی نہت اور همارے ارادوں میں غلوص اور مضبوطی دے تاکه هم تنگ نظری' خود غرضی ے اوپر اُٹھ کر وطن کی خدمت کوسکیں . هم ایک نازک سائے سے گزر رہے هیں . دنیا کا راج کاچ امن اور جنگ نے ترازو میں تل رہا ہے . اگر هم حالت کو نه سمجھ سکے' اگر هم نے اُن لیڈروں کا ساتھ نہیں دیا جو صاف الی اور صاف گوئی سے وہ کمزوریاں دکھاتے هیں جن سے غماری قوم کی نیو خطرے میں ہے' جن سے لوک شاهی اور فیر فرقےواری راج کو دهکا یہونچ رها ہے اور اپنی حالت سدهارنے کے لئے هم نے اُن کی چھوتی کو قبول نہیں کیا تو پھر پچھتاوے کے لئے دہلت تک نه ماے گی۔۔۔

"إيا رقت يهر هاته أنا نههن"

فرقت بندی کا زهر (بیائی تربینی سیائے)

بہارت میں سوراج کے بعد سامپردایکٹا یا فرقه بندی کا بھیانک روپ ساملے آیا جس سے انسان کی گراوے کی کی حد معلوم هوئی آور پته چلا که وه گسراه هوئے پر جانوروں سے بھی بدتر هوسکتا ہے . لیکن خیال هوتا ہے کہ کیا یہ چھومنٹر سورانے کے مللے نے کیا جو ایک ساتھ پورے ملک میں دو فرقے آیک دوسرے سے لڑ گئے آور ایک دوسرے کے خون کے پہلیے بین گئے . کافی سوچانے کے بعد بهى ايسا معلوم نههن هوتا . بلكة إسكى جوين يحهل چھاویں کے سم کے سامپردایک پرچار اور جھتلے کی دھن میں مست نیٹاوں کی طرف سے ایک دوسرے کے خلاف ندرت یههانے' پلیس فارموں سے بلا کسی روک، تہام کے دوسروں کو کالهاں دیتے أور پاکستان و أکهنت هددستان کے کلی کلی کاوں کاوں نعرے لکائے جائے کے اندر دکھائی دیتی هیں . اسی فرقهوارانه پرچار نے لوگیں کے اندر تفریع کی آگ بھر کر ھندو مسلمانیں کے لاکھوں گھروں کو عرباد کها آور برباد کیا انسانس کی نیتکتا وحم دلی بهالی چارے کے رچاروں کو جس سے پورا دیس گراوت کے گھے

ن میلی کا برابری کو خور کرنے کی کیھی ودور اور فریب طبقه ایه لله سوسائلی میس ایک موت في جائه قمونده رها هے . اگر هم يدلي هوئي حالمه أور ہے رهن سبن کے تعلک سیں میل پهدا نه کرسکهن کے و ایک زیردست مالی انقلاب آئے گا. فرانے واریست پر ی لانے کے لئے اخلائی (نیٹک) اور روحانی طائتوں له مقبوط کها جائے . اِس سلسلے میں هم کو دهرم ملمب سے ہوی مدد ملے کی . دعرم مذهب سے مهرا مطلب هـ - سچى مذهبى وواداوى انسان دوستى مصبت اور قربانی سے نه که اس وهم پرستی سے جسے فلطی سے دھرم مذهب كا نام ديا كيا ہے . خدا كا نام لے لے كر العلم طلم نبهن تعالى كثر كتاب بهوانك جرم نههن كثر لله الله منهب يهي ه تو دنيا سے جنني جاد مت جائے اُتھی می اِس میں دنیا کی بہلائی ہے . لیکن اگر مذهب سے مطلب اونچی روحانی اور اخلائی طالتوں سے ه تو پورب نے پچھم کی طاقتوں کو اس شانتی کا هميشة يبقام ديا هي . إس زماني مهن بهي مهاتما گاندهي في دنها كو اس كا پيغام ديا . اجهائي كو جسماني طائت سے نبھی بلکہ اعلسا' پریم اور بلیدان سے حاصل کرنے کا سقديش سفايا ، اگر أن كم بعائم هوئے اصولوں پر چلتم رهیں تو پیشک پنچھمی ملکرں کے جنگی وجاروں پر اجه اثر قالے جاسمتے میں اور اِس طرح دنیا کے امن اور اس کی ترقی میں همارا ہوا حصه هوگا ، آئیے هم تههه کریں که پنگت جواهر لال کی اندرونی اور یاهری پالیسی میں اُن کا هاتھ بقائیں کے ، وہ کاندهی جی کے ستھے چاتھیں میں'،

آندھو' مہاراشقر اور کرناٹک کے نیکاؤں سے مھری اُپھل ہے که وہ زبان کی بنیاد پر صوبوں کے قائم کرنے کی یاب کو قومی نکاه سے دیکھیں ، کہیں اِس آندولن سے مِلک کے فائدے کو أنجائے طور پر دھکا ند لگ جائے . مهرى رائه مهن ملا جلا حيدرآباد جهان تلنكي مرهلي علتي اور هندستاني بولنے والے اور الک انگ کلمچنز کے مانقے والے امن چین کی زندگی گزارنے والے عام لوگ عمل المفدستان کے لئے ایک زبردست طاقت ثابت ہوگا ، زبان کی بغیاد پر صربی کے قائم نگے جانے کے بارے میں جفتا چو بھی فیصلہ کوے کی مسلمان اُس کا ساتھ تو دیں کے ھی۔ بُوسِي میں عام لوگوں کا فائدہ ہے اُس میں مسلمانوں کا يهي قائده هـ . ليكن هم سب كو أيك بوا اور أونتها بهندستان بناني كي خواهش هي . يه لهها نهيل هولا كه الماداري موبه واربت اور في قدواريت مين بت كو ولا جالي . الهما بايو أور آزادسكيراه ميس دومرےشهيد هونے والس کی نفواست ابھی شردھانجلی پھش کرتے میں ، انہیں کی

हें. बाबी वा **मरामर्श को दूर करने की कोशिया करें कि**नसे समाज की नींब हिक रही है. किसान, मजबूर और गरीब तबका अपने किये सोखाइडी में एक इच्छत की जगह ह'ड रहा रे खगर हम बदली हुई हाखत और अबने रहन सहन के हंग में मेल पैदा न कर सकेंगे तो एक खबरवस्त माली इस्कताब आएगा. फिरकेबारियत पर रोक लगाने के लिये एखलाक्री (मैतिक) और रुझानी ताक्तों को सजबूत किया जाय. इस सिलसिले में हमको धर्म मणहूब से बड़ी मदद मिलेगी. धर्म मणहब से मेरा मतलब है-सच्ची मजहबी रवादारी, इनसान दोस्ती, मुहब्बत और करवानी से न कि उस बहम परस्ती से जिसे ग्रासती से धर्म मजहब का नाम दिया गया है. ख़्रा का नाम जो ले कर कितने जुल्म नहीं ढाए गए, कितने भयानक जुर्म नहीं किये गए! मगर मजहब यही है तो दुनिया से जितनी जल्द मिट जाय उतनी ही इसमें दुनिया की भलाई हैं. जेकिन अगर मजहब से मतलब अंची रुहानी और एखलाकी बाकवों से हैं तो पूरव ने पच्छिम की ताकतों को अमन शान्ति का हमेशा पैग्राम दिया है. इस जमाने में भी महात्मा गांघी ने दुनिया को अमन का पैताम विया. अक्छाई को जिस्मानी ताकत से नहीं बल्कि षहिन्सा, प्रेम और बतिदान से हासिल करने का संदेश सुनाया. अगर बनके बताए हुए बसूलों पर चलते रहें तो वेशक पिछमी मुल्कों के जंगी विचारों पर अच्छे असर बाले जा सकते हैं और इस तरह दुनिया के अमन और उसकी तरक्की में हमारा बढ़ा हिस्सा होगा. आइये हम तैहच्या करें कि पंडित जवाहरलाज की अन्द्रती और बाहरी पाकिसी में उनका हाथ बटायेंगे. वह गांधी जी के सच्चे जानशीन हैं.

आन्ध्र, महाराश्ट्र और करनाटक के नेताओं से मेरी अपील है कि वह जवान की जुनियाद पर सूर्वों के कायम करने की बात को क्षीमी निगाइ से देखें. कहां इस आन्दोलन से मुल्क के कायदे को अनजाने तौर पर वक्का न लग जाय. मेरी राय में मिला जुला हैदराबाद जहां तलंगी, मरहटी, कज़ड़ी और हिंग्दुस्तानी बोलने वाले और अलग अलग कलकर के मानने वाले अमन चैन की जिन्दी गुज़ारने वाले आम लोग हैं हिन्दुस्तान के लिये एक जबरदस्त वाक़त साबित होगा. ज्वान की जुनियाद पर सूर्वों के कायम किये जाने के बारे में जनता जो भी फैसला करेगी मुसलमान एसका साथ तो देंगे ही. जिसमें आम लोगों का कायदा है उस में मुसलमानों का भी फायदा है. केकिन हम सबको एक बड़ा और कँवा हिन्दुस्तान बनाने की साहिरा है. यह अच्छा नहीं होगा कि वकावारी सूर्ववारियत और फिरको बारियत में बंट कर रह जाय.

बाबों की खिवमत में भवांकति पेश करते हैं. उन्हीं की

इस बापू, और जाजादी की राह में दूसरे शहीद होने

नौकरियां भी और जो अब इटनी में आकर बेरोजागर फिर रहे हैं. वह लोग जो रौरसमाजी लोगों के जुल्म चौर वियादती का शिकार बने, जिनकी जायदादें छिन गई. जिनको निकासी जायदाद कानून से नुक्रसान पहुँचा. जो रोफ थाम रखने की कोशिश में गिरफतारियों और दूसरे हर से सहमे हुए हैं उनके दिलों में यह हर बैठ गया है कि इसरे शहरियों के बराबर इक उन्हें हासिल नहीं हैं. दनके साथ इन्साफ का बरतान नहीं किया जाता. मेरी राय में इन सवालों की हद मुसलमानों तक ही नहीं है बलिक उनका ताल्लुक लोकशाही से हैं. यह वह कसीटी है जिस पर रौरिकरक्रवारी राज को, जिससे हम क्रानुनी और एखबादी दोनों तरह से बंधे हैं, परखा आयगा. अगर हम यह पाहते हैं कि दुनिया की निगाह में हमारी इपजत बढ़े तो यह जरूरी है कि हम लोकशाही के कायल भी हों. कोई देश अपने माली, राजकाजी आंर समाजी मसलों को कामयाबी से हल नहीं कर सकता जब तक कि हर शहरी. को इसका यक्षान न हो जाय कि न सिर्फ उसकी जिन्दगी, इञ्चल भीर जायदाद महफद्म है बल्कि हाथ पैर चलाने के उसे बराबर के मौक्रो हैं और उसे किसी ऐसी चीज से अलग नहीं रखा गया जो दूसरों को द्वासिल है. अगर कोई तबका बाद. ब्रुत की बीमारियों या कठिनाइयों से तबाह हो जाय तो कोकशाही उसल की मांग है कि ऐसे तबको का भौरों के मुकायले में सास तौर से लिहाज रसा जाय और हमदर्शी की जाय.

फिरकाबारी रोग कई शक्तों में जाहिर होता है. मुक्रे जिसों के दौरों में यह देख कर बढ़ा रंज हुआ कि जाइकन रीर जायन, लिंगायत गैर लिंगायत, रेड्रो गर रेड्री के बीच द्वरामनी के जपने लोगों के दिलों में तेजी से लहरें ते रहे हैं. यह किरक्रेवारियत की दूसरी सुरत है. अगर इसकी रोक बाम नहीं की गई, इस पर क़ाबू नहीं पाया गया तो इस कठिनाइयों में फंस जायँगे, जंजाल से निकलना मुहाल हो ायगा. हमें वायदा करना होगा कि कोई क़रवानी क्यों स इंनी पड़े हम फिरफ़ वारियत के खिलाफ लड़ेंगे और साहमा गांधी की तरह अपनी जान की बाजी तक लगा देंगे. किरक्रेबारियत और जत्या बन्दी के रुजहान हैदराबाद और सारे हिण्दुस्तान के लिये जहम सवाल वन गए हैं. स्वार्थ, जलगाव और पिछचसीट विचारों को बेलगाम होने से रोकने के विये हमें कोई असरदार क़द्म चठाना पड़ेगा. इस एक बाजार मुल्क के रहने वाले हैं जिसकी तारीख और ं जिसकी तहकीय ऊंची हैं. हमें ऐसे हंग निकाकने पढ़ेंगे जो न सिक हमारी तरक्षकी में बल्कि सारी दुनियाकी तरक्षकी में सवस्थार साबित हों. एके की जंजीरों को मजबूत करने और क्रयमी साक्रतों के बेहतर इस्तेमाल के लिये दो तंजवीजें पेश करता हैं: यक तो यह कि इस माली हालत की मांग पर जियादा ज्यान

نوکریاں تعمی اور جو اب جماعی میں آئو ہے روزار بھر ہے تھیں۔ وہ لوک نجو غهرسماجی لولوں کے ظلم آور زيادتي كا شكار بلي جشكي جائدادين جهن كثين جن كو نكاسى جالداد قانون س نقصان پهوندها جو روك تهام رکھتے کی کوشش میں گرفتاریوں اُور دوسرے ذر سے سینے ھوٹے ھیں اُس کے دانوں میں یہ در بیٹھ گیا ہے که دوسرے شہریوں کے برآبر حتی اُنہیں حاصل نہیں میں' اُن کے ساتھ انصاف کا برتاو نہیں کیا جانا . میری رائے میں اِن سوالوں کی حد مسلمانوں تک هی نهیں هے بلغه إن کا تعلق لوک شاهی سے ہے ، یہ وہ کسوٹی ہے جس پر فیونولعواری راج کو' جس سے هم قانونی اور اخلائی دونوں طوح سے بنده مهن بركها جائے كا . اكر هم يه جاهتے مهن كه دنيا کی نکاہ میں هماری عزت بوھے تو یہ ضررری ھے کہ هم لوک شاهی کے قائل بھی دوں . کوئی دیدھ الم مالی واج کاچی اور سماچی مسکاوں کو کامیابی سے حل نہیں کر سکتا ھے جب تک کہ هر شہری کو اِس کا یقهن تھ هوجائے که نه صرف أس كىزندكى عزت اور جائداد مصفوط في بلكه هاته یھر چلانے کے آسے ہراہر کے موقعے میں اور آسے کسے ایسے چھڑ سے الگ نہیں رکھا گیا جو دوسروں کو حامل ہے ، اگر کوئی طبقه بازه' چهوت کی بهماریوں' یا کٹھفائهوں سے تباہ هوجائے تو لوک شاهی أصول کی مانگ هے که ایسے طبقے کا اوروں کے مقابلے میں خاص طور سے لتحاظ رکھا جائے اور ھندرننی کی جائے ۔

فرق وأرى روك كئي شكلون مين ظاهر هوتا هي. مجھے ضلعوں کے دوروں میں یہ دیکھ کو ہوا رنبے ہوا کہ براهمن فهر برأهمن اللكايت فهر للكايت ويتبي فهر ريتيي أ کے بیٹے دشنئی کے جذبے لوگوں کے دلوں میں توزی سے لہریں لیے رہے میں ، یہ فرقہ رایت کی دوسری صورت ھے ، اُگر اِس کی روک تھام نہیں کی گئی اس پر قابو نہیں پایا گیا تو ہم کتمنائیوں میں پہنس جائیں گے' جنجال سے نکلنا مصال هو جائے گا . همیں وعدہ کرنا هوا که کوئی قربانی کهوں نه دینی پوے هم فرقهواریت کے خلاف لویں کے اور سہانما کاندھی کی طرح اپنی جان کی بازی تک لکادیں کے . فرقمراریت اور جعماً بندی کے رجحان حهدرآباد اور سارے هندستان کے لئے اهم سوال بن گئے مهل . سوارته الغاؤ اور يحيه گهسيتو ميمارس كو بے لکام هونے سے روالمے کے لگے همهن کوئی آثردار قدم أثهانا پڑے گا ً هم آیک آزاد ملک کے رهقے والے هیں جس کی تاریخ ارر جسکی تہلیب اونجی ہے . همیں ایسے تعنگ نکالنے پڑین کے بعو نه صرف هماری ترقی بلکه ساری دنها کی ترقی میں مددار ثابت میں ، ایکے کی ونجهروں کو مضبوط کرنے اور اینی طالتیں کے بہتر المناهمال کے لئے دو تصویریں پیش کرتا میں : ایک تو یہ گل کم مالی خالت کی مانک پر زیادہ دھیاں

यह एक जागीरवारी समाज की मासक है, इसमें उस समाज की तमाम खरावियां मौजूर हैं लेकिन फिरकेबारियत और तास्युव की परखाई दिखाई नहीं पड़ती.

दस बारह साल से मुसलमानों में फिरक़ेबारी जजबा भड़कने की बजह यह थी कि बरतानवी हिन्द में जो गड़-बढ़ियां हुई उनकी सहरें हैत्राबाद को भी खू गई. हमारी सरकार स्त्रार्थी और नाक़ाबिल लोगों के हाथों में थी, वह हालत पर क़ाबू न पासके. मुसलमानों को अपनी तंग-नजरी का काकी लंमियाजा भुगतना पड़ा. अब हैत्राबाद की किरक़े-वारियत मर चुकी है. जो रही सही है वह आखिरी सासें ते रही है. यक़ीन के साथ कहा जा सकता है कि मुस्तक-बिल में हैत्राबाद के राज काज को कम से कम मुस्लिम किरक वारियत की तरफ से कोई डर नहीं है.

लोकशाही विचारों और लोकशाही में चीजों के ढालने का जहां तक ताल्लुक है हमें अभी बहुत दूर जाना है. हिन्दस्तानी विधान और भारत लोकराज क्रायम होने से लोकशाही की दाग्र बेल पड़ चुकी है. पर इमारे विवारों पर गैरमजहबी और जागीरवारी असर अभी तक छाए हैं. हिन्दु कों खीर मुसलमानों दीनों की वही हालत है. तालीम और प्रोपेगेन्डा से लोकशाही फिजा पैदा करने की बड़ी फिलरत है. लोकशाही की मांग है कि फर्ट (व्यक्ति) का आदर किया जाय न कि इन पुराने जागीरदारी ढंगों का जो अब भी इञ्जात की निगाह से देखे जाते हैं. इनसान की सेवा के लिये हमें उसी रास्ते पर चलना पड़ेगा जो दुनिया के दूसरे मुलकों ने जनता की भलाई के लिये अपनाए. यह एक मुशकिक काम और भारी किम्मेदारी है. महात्मा गांधी का हम को एहसान मानना चाहिये कि इनकी लीहरी में हमें राजकाजी आजादी मिल गई. पर यह जीत हार बन जायगी अगर हम माली और समाजी आजावी हासिल करने में नाकाम हुए. हमारी सारी कोशिशें जनता को कपड़ा, खाना और रहने की आसानियां पहुँचाने में अर्थ होनी चाहियें. आजाद मुल्क के हर शहरी के यह बुनियादी इक हैं. हैदराबादी बतन की खिदमत में किसी से पीछे नहीं रहेंगे. हमें बहुत कुछ करना है. अगर हर शहरी इन प्रान की खिदमत का सच्चा जजवा ले कर उठे और मिली जुली कोशिश हो तब भी योरपी मुल्कों के रहन सहन की अंबाई तक पहुंचने में कई साज लगेंगे. सोचिये तो हमारा क्या नतीजा हागा अगर हम एक दूसरे से अजग होकर मामूको बालों भीर मन मुटाव में अपना क्रीमती समय बरबाद करें,

जो मसने आज मुसलमानों को परेशान कर रहे हैं वह चन्दु रोजा हैं. मिसाल के तौर पर इन नोगों को फिर वसाने का मसना जिनकी रोजी का जरिया सिर्फ सरकारी بالله الله الماليوداري سماج كى جهلك هے؛ إس مهن أس سماج كى تمام خرابهان موجود هيں ليكن قرام واريت اور تعصب كى پرچهائين دكهائي نهين پرتى ،

دس بارہ سال سے مسلمانوں میں فرقعواری جذبه بهوکئے کی وجه یه تهی که برطانوی هلد میں جو گوبویاں هوئیں اُن کی لهریں حیدرآباد کو بهی چهو گئیں . هماری سرکار سوارتهی آور ناقابل لوگوں کے هاتهوں میں تهی وہ حالت پر قابو نه پاسکے . مسلمانوں کو أَبِدَی تلگ نظری تا کافی خمیازہ بهکتلا پڑا ، اب حیدرآباد کی فرقه واریت مرچکی ہے . جو رهی سهی ہے وہ آخری سائسهن لے رهی ہے . یتنین کے ساته کہا جا سکتا ہے که مسلم مستقبل میں حیدرآباد کے راج کاج کو کم سے کم مسلم مستقبل میں حیدرآباد کے راج کاج کو کم سے کم مسلم فرقه واریت کی طرف سے کوئی قر نهیں ہے .

لوک شاهی وچاروں اور لوک شاهی مهں جھڑوں کے قهاللے کا جہاں تک تعلق ہے هديس ابھي بہت دور جاناھ ه . هلدستانی ودهان اور بهارت لوک راج قائم هونی سے لوک شاعی کی داغ بیل پر چکی هے، پر هدارے وچاروں پر فیر مذهبی آرر جاکیرداری اثر آبهی تک چهائے هیں . هندووں اور مسلمانوں دونوں کی وهی حالت ہے . تعلیم اور، پروپیکنده سے لوک شاهی فضا پیدا درنے کی بری ضرورت ھے . لوک شاهی کی مانگ ھے که فرد (ویکتی) کا آدر کیا جائے نہ که اِن پرانے جائیرداری تعلکوں کا جو آپ بھی عزت کی نہد ہے دیکھے جاتے میں انسان کی سہوا کے لئے معیں اسی راستے پر چللا پڑے گا جو دنیا کے دوسرے ملکوں نے جنتا کی بھائی کے لئے اپنائے . یہ ایک مشکل کام الور بهاري فمعداري هي ، مهاتما كاندهي كا هم كو احسان ماندا جاهي كه ان كي الهدري مهن همهن راج كاچي آزادیی مل کئی ، پر یه جیت هار بن جانهکی اگر هم مالي اور سماجي آزادي حاصل كرنه مين ناكام هوئه . هماری سازی کرششهی جلتا کو کهرا کهانا اور رهنی کی آسانیاں پہونچانے میں خرچ هونی چاهئیں ، آزاد ملک کے هر شہری کے یہ بلیادی حق هیں . حهدرآبادی وطن كى خدمت ميں كسى سے پيچھ نهيں رهيں كے . همين عیدت کنچه کرنا هے . اگر شر شهری انسان کی خدمت کا شجا جذبه لے کر اُتھ اور ملی جلی کوشش هو تب بھی الورائي ملكوں كے رهن سهن كى أونجائي تك يهونجلے میں کئی سال لکیں کے . سوچئے تو همارا کیا نتیجه فيولا إكرهم أيك دوسرے سے أنگ هو كر معمولى باتوں لور من معاو مهن اينا قهمتي سيد برباء كردين .

جو مسکلے آج مسلمانوں کو پریشان کر رہے ھیں وہ ہند روزہ ھیں ، مثال کے طور پر ان لوگوں کو پھر سے سائے کا مسکلہ جن کی روزی کا فریعہ صرف سرکاری

हों उस पर सोच विचार करें और ईमानदारी से इस बात की कोशिश करें कि मुल्क का कोई तज्का यह महसूस न करने पाये कि इसके साथ इनसाफ नहीं हुआ।

हैदराबाद में न सिर्फ हिन्दु कों और मुसलमानों के आपसी ताल्लुक अच्छे थे बल्कि बीते दिनों में सरकार भी बेहद वे तास्युव और रौरजानिबदार थी. पिछते दस बीस बरस को छोड़ कर हैदराबाद की हकूमत ऐसी ही क़ौमी भौर रौरसम्प्रदाई थी जैसी कि मैसूर की सरकार. रवादारी का यह जुमाना सच्चे मानों में उस समय से खतम हो गया जब महाराजा किशन प्रशाद बहादर रियासत के प्रधान मंत्री के फोहदे से अलग हो गए, जब निषामत जंग, राय मुरलीधर, अक्षील जंग और वेन्कट रामा रेड्डी जैसे बड़े लोग पिन्शन लेने या मर जाने के कारन सरकारी जिम्मेदारियों से अलहदा हो गए. तारीख गवाह है कि पांच सौ साल की लम्बी मुद्दत में किरक़ -बाराना मेल मिलाप इतना मजबूत था कि हिन्दू और मसलमान प्रधान मंत्रियों की तादाद लगभग बराबर थी. हिन्दू और मुसलमान जागीरदारों और बालियाने समस्तान को जागीर दी गई, मन्दिरों और मस्जिदों को नक्तदी और जमीन दोनों शक्लों में इनाम दिया गया. समाजी जिन्दगी में मुसल-मान और हिन्दू एक दूसरे से घुल मिल गये थे. माल के महकमे के दफ्तर में इसका दस्तावेशी सबूत मौजूद है कि ईद के साथ दीवाली भी धूम धाम से मनाई जाती थी. ऐसी और भी मिसालें हैं. बाहरी हमला होता या रियासत में बगावत होसी तो बिना मजहबी करक या किसी दूसरे करक के मिला जुला मोरचा कायम किया जाता था. हैदराबाद से जब सरहटों की लड़ाई छिड़ी तो हैदराबादी कीजों के कमान्डर मरहटे ही थे. हैदरावादी चाहे वह हिन्दू हों या मुसलमान, ईसाई हों या पारसी, आन्ध्र के रहने वाले हों या महा-रारद्र या करनाटक के, किसी को भी फिरक़ वारियत की क्त नहीं लगी थी. अलग अलग मजहबों के मानने वाले, व्यक्तग अलग अवानें बोलने वाले, अलग अलग तहजीब के बाहने वाले, एक दूसरे से दूर रह कर भी क़रीब थे. इस अलगाव में भी एकता की शान थी. बेमेल होने में भी एक मेल था. तास्युव नहीं था. पिछली पांच सदियों में न सिर्फ द्विन्दुओं और मुसलमानों में बिलक करनाटक, आन्ध्र और महाराश्ट्र में मेल और खलूस था. शादी रामी की रसमों चौर दूसरी रसमों में करका भी था और मेल भी. रहने सहने के तरीक, सोचने विचारने के ढंग पर फिरकों ने इन्ह असर डाला और उन्हीं अलग अलग बातों ने इकट्टा होकर हमारी राजकाजी, माली और समाजी जिन्दगी में एक नई स्प्रिट पैदा कर दी और इँदराबाद और उसके रिवाकों को संबारा. मैं यह नहीं कहता हूँ कि जिस समाज की तस्वीर मैंने खोंची है उसमें कालिख विलक्कत नहीं है.

س پرسوچ وچار کریں اور ایمانداری سے اِس بات کی کریں که ملک کا کوئی طبقه یه منصسوس نه کرنے م اس کے ساتھ انصاف نہیں ہوا ،

عیدرآباد مین نه صرف هندروں اور مسلمانوں کے تعلق اچھے تھے بلکہ بھتے دنوں میں سرکار بھی ہے ے تعصب اور فیر جانبدار تھی . پچھلے دس بیس کو چهور کر حیدرآباد کی حکومت ایسی هی قومی هرسمهردائی تهی جهسی که مهسور کی سرگار. مي كا يه زمانه ستج معلول مين أس سيم س خدم جب مهاراجه کشن پرشاد بهادر ریاست کے پردهان و کے عبدے سے الگ موکئے' جب نظامت جلگ' مرلى دهر، عقيل جنگ اور ويذكن رأما ريتى جهسے لوگ پنشن لینے یا مرجانے کے کارن سرکاری داریوں سے ملحدہ هوکئے . تاریخ گواہ هے که پانٹے سو كى لىبى مدت سين فرقه وارانه ميل ملاب أتنا مفيوط م هندو آور مسلمان پردهان منتریوں کی تعداد لگ ، برابر تهي . هندو اور مسلمان جاكيردارون اور والهان مان کو جاگیریس دی گئیں' مقدروں اور مسجدوں هدی اور زمین دونوں شعلوں میں انعام دیا گھا . جی زندگی میں مسلمان اور هندو ایک دوسرے سے سَل گئے تیے، سال کے محکمے کے دفتر میں لا دستاريزي ثبوت موجود هے كه عيد كے ساتھ ی بھی دھوم دھام سے منائی جاتی تھی ۔ ایسی اور مثالیں هیں . باهری حمله هوتا یا ریاست مهں ت ھوتی تو بدا مذھبی فرق یا کسی دوسرے فرق کے جة مورچه قائم كيا جاتا تها . حيدرآباد سے جب تیں کی لوائی چھڑی تو حیدرآبادی فوجوں کے کمانڈر لله هي ته، حيدرآبادي چاه ولا هندو هول يا مسلمان ائی موں یا پارسی اندھر کے رہنے والے موں یا راشتر یا کرناتک کے کسی کو بھی فرقه واریت کی چھوت ل لعى تهى الك الك مذهبون ك ماننه واله الك ، زبانیں بولنے والے؛ الگ الگ تہذیب کے چاھئے ' ایک دوسرے سے دور رہ کر بھی قریب تھے . اِس میں بھی ایکتا کی ایک شان تھی ، بے میل ھونے ل بهي ايک ميل تها . تعصب نهين تها . پچهلي ہ صدیوں میں تع صرف هلدوؤں أور مسلمانوں میں له كاناتك، أندهر أور مهاراشتر مين مهل أور خارص . شافنی قمی کی رسموں اور دوسری رسموں میں ، بھی تھا اور مھل بھی، رھلے سہلے کے طریقے' سوچلے ارنے کے تامنگ پر فرتوں نے کنچھ اثر ڈالا اور اُنھیں الگ ے ہاتوں نے اکتہا ہوکر ہماری راج کچی ٔ مالی اور سماجی لىمين ليك نئى الهرك بيدا كردى اور صيدرآباد اور أسكم ين كو سنوارا . مين يه نهينكيغا هوركه جسساجكي المر میں نے کہیلچی اسمیں کالکھ بالکل نہیں ہے ، (5) भारत और चीन के बौद्ध मिचुओं में दोस्ती का सम्बन्ध कायम हुआ जो भारत और चीन की खटूट दोस्ती का निशान था। चीनी भिच्छ चीन लौट कर वहीं से भारती भिच्छ मों से पत्र ब्योहार के खरिये खपनी दोस्ती कायम रसते थे, ब्हेन-सांग ने चीन से भारती भिच्छ मों के नाम जो खत लिखे ये वह आज भी चीनी रैकाडर्स में रक्खे हए हैं.

The state of the s

- (6) व्हेन-सांग जैसे बीनी भिखुकों के असर से भारत और चीन के शासकों ने आपस में राजनैतिक रिश्ता क्रायम किया. सीम्राट हर्श ने अपना एक राज दूत बीनी सम्राट के द्रबार में भेजा था और बीनी सम्राट ने बद्दे में अपना एक दूत हर्श के द्रबार में भेजा था. इसी तरह समय समय पर भारत और बीन के बीच राज्जुदूतों का आना जाना जारी रहा.
- (7) चीनी मिद्धजों में से कई ने अपने समय के भारत के राजनैतिक, धार्मिक और सामाजिक जीवन का हाल तकसील से लिख छोड़ा है. भारत का प्राचीन इतिहास लिखने में इन बयानों से बहुत मदद मिली है. भारती इतिहासकार इन चीनी बयानों को प्राचीन भारती इतिहास का सबसे बड़ा फरिया मानते हैं. अगर यह भिद्ध ऐसी कितानें न लिख जाते तो प्राचीन भारत का इतिहास लिखना मुशकिल ही नहीं नामुमकिन हो जाता.

भारत में बीनी भिजुजों के जाने के यह कुछ सास नतीजे हुए. पर इन बीनी यात्रियों की हिम्मत, बित्तवान जीर बेलगाव त्याग का सब से महस्वपूर्न नतीजा यह हुआ कि भारत और बीन के बीच एक गहरा और टिकाऊ कलचरी सम्बन्ध क्रायम हुआ जिसके निशान आज भी क्रायम हैं.

हैदराबाद के मुसलमान

(भीर अकवर अली खां, वैरिस्टर, हैदराबाद)

[15 अगस्त सन '51 आजादी के दिन यह लेख दैदराबाद के अजवारों 'सियासत' और 'दकन कानिकक' में निकता था. इसके जास जास हिस्से आसान बोली में इम नीचे दे रहे हैं —पडीटर]

राजकाजी और माली मसलों को इस करते बद्दत इमें इसकी कोशिश करनी चाहिये कि मजहब की बुनियाद पर इनसानों की निन्ती करना छोड़ दें. इस पहलू को जितनी चहित्रमंत दी जाब हासत चतनी ही बिगड़ जायगी. बोक्शाही का मक्कबद यही है कि इम जिस मसले से दो चार

- (6) وهین سانگ جیسے چینی بھکھوؤں کے اثر سے بھارت اور چین کے شاسکوں نے آپس میں راج نیتک وشتہ آلٹم کیا ۔ سمرات ہرھی نے آپنا ایک راج دوت جھنی سمرات کے دربار میں بھیجا تھا اور چینی سمرات نے بدلے میں آپنا ایک دوت ہرس کے دربار میں بھیجا تھا ، اسی طرح سے سے پر بھارت اور چین کے راج دوتوں کا آنا جانا جارہ رھا ۔
- (7) چینی بهکشروں میں سے کئی نے آئے سے کے بہارت کے راج نیٹک' دھارمک اور ساماجک جیوں کا حال تنصیل سے لکھ چھوڑا ہے . بھارت کا پراچین آنہاس لکھئے میں ان بیانوں سے بہت مدد مای ہے . بھارتی انہاس کار ان چینی بھانوں کو پراچین بھائی آنہاس کا سب سے بڑا ڈریعہ مانتے ھیں . اگر یہ بھکشو آیسی کتابھی نه لکھ جاتے تو پراچین بھارت کا انہاس لکھنا مشکل ھی نہیں ناممکن ھوجاتا .

بھارت میں چیلی بھکشوؤں کے آنے کے یہ کچھ خاص نعیجے ھوئے ۔ پر ان چیلی یاترہوں کی ھست بلیدان اور یہ لگاو تیاگ کا سب سے مہتو پرون نتیجہ یہ ھوا کہ پھارت اور چین کے بیچ ایک گہرا اور آگاؤ کلچری سمبلدھ قائم ھوا' جس کے نشان آج بھی قائم ھیں .

حیدرآباں کے مسلمان

(مير ادبر على خان بيريستر عيدرآباد)

[15 اکست سن آ5' آزادی کے دن یہ لیکھ حیدرآباد کے اخباروں 'سیاست' اور 'دکن کرانیکل' میں نکا تھا ، اِس کے خاص خاص حصے آسان ہولی میں ہم نہتے دے رہے میں ۔۔۔ ایڈیٹر]

واچ کاچی اور مالی مسئلوں کو حل کرتے وقت همیں من کی کوشش کرنی چاھئے کہ مڈھب کی بٹیاد پر نسانوں کی گلائی کرنا چہور دیں ۔ اِس پہلو کو جٹلی همیت دی جائے حالت اُتنی هی بگر جائے گی ۔ لوک لباهی کا مقصد یہی ہے کہ هم جس مسئلے ہے دو جار पड़ा है. यह दीनवान वीड़ों के घरवस्तिवाद प्रम्य की किताब है. इसे भराहूर भारती भिच्च वासुवन्च ने किसा था. कहेन-घांग ने इसका चीनी भारा। में चातुवाद किया और इसी के नाम से "कोश" पन्य क्रायम किया.

चन 664 ईसवी में ठहेन-सांग इस स'सार से चता चसा.

ब्हेन-सांग की मृत्यु के बाद उसकी मूरितयां बना कर बौद्ध मन्दिरों में कायम की गईं. बहुत से लोग बुद्ध की मूरती के साथ ब्हेन-सांग की मूरती की भी पूजा करते हैं. इन मूरितयों में ब्हेन-सांग भिद्ध का बाना पहने, टोपी लगाए, दाहिना हाथ जपर उठाए और बाएं हाथ में भिश्वा का बरतन लिये हुए दिखाया गया है.

इ-छिंग

सन 671 ईसवी में इ-ख़िंग चीन से भारत के लिये रवाना हुआ. उसके साथ कई और भिच्नु आने वाले थे पर चलते समय उन सचने इ-ख़िंग का साथ छोड़ दिया. इ-छिंग समन्दरी रास्ते से अकेले भारत के लिये चल पड़ा. रास्ते में बह सुमात्रा में कुछ साल ठहरा. यहां वह बौद्धों की जिन्दगी, उनके रहन सहन के तरीक़ों और उनके मजहबी तौर तरीक़ों को सममने की कोशिश करता रहा. बाद में इसके बारे में उसने एक किताब लिख डाली.

भारत आकर वह बौद्ध धर्म की सभी मशहूर पिवत्र आगहों को नेखने गया. फिर वह नातन्त्र विश्वविद्यालय में दब साल ठहरा यहां इसने बहुत सी कितानों की नक्कब की.

सन 695 ईसवी में वह चीन लौट गया. अपने साथ वह बौद्ध धर्म की 400 किताबें ले गया. चीन में उसने मृत सरविस्तवाद की एक किताब का अनुवाद किया और एक संस्कृत चीनी शब्द कोश तैयार किया.

काह्यान, शुंगं युन, व्हेन-सांग और इ-ल्लिंग के अलावा बहुत से और भी बीनी भिद्ध बीन से भारत आए. इनके भारत बाने के सात लास नतीजे हुए—

- (1) चीन में बौद्ध धर्म का प्रचार बढ़ा और बौद्ध महों का संगठन भारती तरीके से हुआ.
- (2) चीन में भारती साहित्य काफी तादाद में पहुंचा और इसका चीनी अनुवाद किया गया.
 - (3) चीन में मारती कला को काफी रिवाज दिया गया.
- (4) भारत में चीनी भिद्धकों के बरसों रहने से बीनियों को भारती जिन्दगी का अनुभव हुआ और भारतियों को चीनियों के रहन सहन का पता लगा और दोनों ने एक उसरे की अच्छी वार्तों को अपनाने की कोशिश की.

۔ یہ میں او بودھوں کے سووسائی واد یاکہ کی ہے۔ اِسے مشہور بہارتی بھکشو واسو بقدھو نے لکھا ھیں سانگ نے اس کا چھٹی بھاشا میں انوواد اِسی کے نام سے ''کوش'' یاکٹھ قائم کھا .

ن 664 عیسوی میں وہین ساتگ اس سلسار سے

ھن سانگ کی موتھو کے بعد اُس کی مورتیاں بودھ مقدوں میں قائم کی گئیں ، بہت سے لوگ مورتیا کے مورتی کی بھی کرتے ھیں . اُن مورتیوں سانگ کی مورتی کی بھی کرتے ھیں . اُن مورتیوں میں وھین سانگ بھکشو بھیے ' توبی لکائے ' داھنا ھاتھ اُرپر اُتھائے اور بائیں ہی بھکھا کا بوتی لئے ھوئے دکھایا کیا ہے .

وبنك

ن 671 مهسری میں آی چھنگ چھی سے بھارت روانہ ہوا ، اُس کے ساتھ گئی اور بھکشو آنے والے چھری سے اُلے علیہ سے اُن سب نے آی چھنگ کا ساتھ چھوی ی چھنگ سمندری راستے سے اُنھلے بھارت کے لئے اُل راستے میں وہ سماتوا میں کچھ سال تھھوا . اور مور سریقوں کو سمجھنے کی کوشش کے مذہبی طور طریقوں کو سمجھنے کی کوشش یا ۔ بعد میں اِسکے بارے میں اُس نے ایک کتاب او

،ارت آکو وہ بودھ دھرم کی سیھی مشہور پوتر جگہوں کھنے گیا ، پھر وہ نالقد وشو ودیائے میں دس سال ، یہاں اُس نے بہت سی کتابوں کی نقل کی .

ن 695 عیسوی میں وہ چون لوت گیا . آئے ساتھ انھ دھرم کی 400 کتابیں لے گیا . چین میں آس سروستی واد کی ایک کتاب کا انوواد کیا اور ایک رت چینی شبد کوش تیار کیا .

ههان شلک بن وهین سانگ اور اِی چهنگ کے بت سے اُور بھی چهنگ کے بت سے اُور بھی چهنی بهکشو چهن سے بھارت آئے . بهارت آنے کے سات خاص نتیجے هوئے ۔۔

- چین میں بودہ دھرم کا پرچار بوھا اور بودھ کا سلکتھن بھارتی طریقے سے ھوا۔
- 2) چهن میں بھارتی ساھتیہ کائی تعداد میں
 ا اور أس کا چینی انوراد کیا گیا ۔
 - 3) جيني مين بهارتي که کو کافي رواج ديا گيا .
- 4) بہارت میں چیٹی بہکشوؤں کے برسوں رھٹے بیندیوں کو بہارتی زندگی کا آبوبھو ھوڈ آور بھارتیوں کو وی کے رھی سین کا پتد لگا آور دوئیں نے ایک دوسرے ہیں باتین کو آیڈا نے کی کوشش کی ۔

जा का विक किया और विका इवाचत मारत बड़े बाने माकी मांगी. सम्राट ने व्हेन-सांग को माक कर दिया र हमे राजधानी आने की वाबत वी. व्हेन-सांग ने भारत चीन की इञ्जत और चीन का मान बढाया था. इसलिये इ व्हेन-सांग राजधानी में पहुंचा तो राजधानी की सारी ाता उसके स्वागत के जिये उमड पड़ी. "चीन के इतिहास किसी भी बौद्ध मिछ का इतना शानदार स्वागत नहीं किया ।। था जितना इस तीर्थ यात्री हा. उस दिन सम्राट ने. उनके बार ने, सरकारी नौकरों ने, सौदागरों ने और आम ाता ने छड़ी मनाई. सड़कों पर मर्दी और औरतों की इ लग गई. यह लोग मंडे दिखा कर और नाच गाकर ानी खुशी जाहिर कर रहे थे. कृ दरत ने भी उस दिन ा-सांग का दिल से इस्तक्षवाल किया. आसमान बिलकल हथा. बादल और पानी के कोई आसार नहीं थे. तमान से ख़शी मलक रही थी. व्हेन-सांग का पुराना चीड़ वेड़ भी भूम भूम कर ख़शी मना रहा था. जब से व्हेन-ा भारत के लिके चला तभी से वह पच्छिम की छोर भुका ाथा. जब वह भारत से चीन के लिये रवाना हुआ से वह पेड़ अपने मालिक के घर लौटने की सूचना देने लिये पूरव की छोर क्कक गया, और उसी तरह क्कका जब तक व्हेन-सांग चांग-गान वापस नहीं पहुंच गया." गान युद्धान-च्वांग''—तेखक वाटर्स, सफा—11).

सम्राट ने न्हेन-सांग को बहुत दिनों तक अपने महल में आर एक अलग कमरे में बैठ कर वह न्हेन-सांग से त का हाल घंटों सुना करता था.

न्हेन-सांग भारत से अपने साथ महायान बौद्ध धर्म 124 किताबें और 520 दूसरी किताबें बाईस घोड़ों पर कर चीन ले आया था. न्हेन-सांग के कहने पर सम्राट न तमाम किताबों के अनुवाद के लिये विद्वानों की एक ी नियोजित कर दी थी.

सम्राट के कहने पर व्हेन-सांग ने अपनी यात्रा का एक किताब में लिख डाला. इस किताब को "सि-यू-यानी "पच्छिमी देसों का हाल" कहते हैं. इसे व्हेन-ने सन 646 ईसवी में सम्राट को पेश किया था. चीन, या और जापान में यह बौद्ध धर्म की एक पवित्र व मानी जाती है. भारत के इतिहासकारों को भारत ज्वीन इतिहास जिखने में इस किताब से बहुत मदद है. प्राचीन भारत का जितना सच्चा और यक्रीन लायक बयान इस किताब में मिलता है उतना और में नहीं.

बीन में व्हेन-सांग ने बौद्ध धर्म का एक पन्थ कायम जिसे "किउत्शे" यानी "कोश" पन्थ कहते हैं. इस का नाम बौद्ध धर्म की किताब "अभिधर्म कोश" से

خالم الكر عما أبر با أخارت بهارت حلي حال کی جمائی مانکی سرات نے وقین سالگ کو معاف كر دينا الور أيم راجدهاني آلے كى دعوت دى . وهين سانگ نے بھارت میں چین کی عزت اور چین کا مان بوهایا تها ، اس لئے جب وهين سانگ راجدهاني مهن يهونچا تو راجدھانی کی ساری جنتا اُس کے سوالت کے لئے اُمر پڑی ، ''چھوں کے اِتہاس میں کسی بھی بودھ بھکشو کا أتلاً شاندار سواكت نههي كها كها تها جتلا إس تيرته ياتري کا ۔ اُسی فین سمرات نے آئی کے دربار نے ' سرکاری نوکروں نے' سوداگروں نے اور عام جنتا نے چھٹی مغائی ۔ سرکوں پر مردوں اور عورتوں کی بھیر لگ گائی یہ لوگ جھندے هکها کر اور ثایم کا کر اینی خوشی ظاهر کر رهے تھے۔ قدرت نے بھی اس دن وعین سانگ کا دل سے استقبال کیا . آسمان بالکل صاف تھا، بادل اور یانی کے کوئی آثار فهیں تھ' آسمان سے خوشی جهلک رهی تھی . وههن سانگ کا برانا چیز کا پیر بھی جھوم جھوم کر خوشی ملا رها تها . جب سے وهوں سانگ بهارت کے لئے چلا تبهر ، سے وہ پنچھم کی اور جھکا ہوا تھا ، جب وہ بھارت سے چھوں کے لئے روانہ هوا تب سے وہ پہر انے مالک کے گھر لوٹلے کی سوچنا دینے کے لئے پورب کی اور جھک گیا' اور اُسی طرح جهکا رها جب تک وهون سانگ جانگ کان واپس نهیں ههنی کها ." ("آن یوان چوانگ"-لهکهک-واترس (11-100

سموات نے وہیں سانگ کو بہت داوں تک اپر مصل میں رکھا اور ایک الگ کمرے میں بیٹھ کو وہیں سانگ سے بھارت کا حال گھنٹوں سفا کرتا تھا ۔

وعین سانگ بھارت ہے اپنے ساتھ مہایاں بودھ دھرم کی 124 کتابیں اور 520 دوسری کتابیں ہائیس گھوڑوں پر لاد کر چین لے آیا تھا ۔ وھین سانگ کے کھلے پر سمرات نے اِن تمام کتابوں کے انوواد کے لئے ودوانوں کی ایک کمیٹی نیوجت کردی تھی ۔

سمرات کے کہتے پر وہیں سانگ نے اپنی یاترا کا حال ایک کتاب میں لکھ ڈالا اس کتاب کو ''سی یو کی'' یعدلی ''پچھسی دیسور کا حال'' کہتے ہیں ۔ اے وہیں سانگ نے سن 646 عیسوی میں سمرات کو پھش کیا اللہ چھن' کریا اور جابان میں یہ بودہ دھرم کی ایک پوتر کتاب مائی جائی ہے ، بہارت کے اتہاس کاروں کو بھارت گا پراچین اتہاس لکھتے میں اس کتاب سے بہت مدد ملی ہے ، براچین ابہاس لکھتے میں اس کتاب سے بہت مدد ملی ہے ، براچین بھارت کا جملا سچا اور یتین کرتے لائق بھان اس کتاب میں میں نہیں ،

چوں میں وهیں سانگ نے بردھ دھرم کا آیک پلٹھ قائم کیا جسے''کیو شے'' یعنی''کرش'' پلٹھ کھٹے ھیں ، اس پلٹھ کا نام بردھ دھرم کی کتاب ''ابھیدھرم کوھی'' سے

The state of the s वर्म के जनेक पत्थ कायम हो गए वे जो जापस में जहा करते थे. इस लिये उसने यह तय किया कि वह भारत जाकर बौद्ध धर्म और बौद्ध दरशन का अध्ययन करेगा। भौर वहां से बौद्ध किताबें लाकर उनका चीनी अनुवाद

सन् 629 ईसवी में व्हेन-सांग चीन की राज धानी चांग-गान से भारत के लिये रवाना हुआ. उसने भारत काने के लिये चीन के सम्राट से इजाजत नहीं ली. बीच एशिया के रास्ते होकर वह भारत आया.

भारत में व्हेन-सांग सोलह साल ठहरा. इस अरसे में बह भारत की सभी मशहर जगहों को देखने गया. उसने भारत के पवित्र बौद्ध स्थानों की भी यात्रा की और वहां जाकर अपनी श्रद्धान्जिल अरपित की. नालन्द विश्वविद्यालय में वह पांच साल ठहरा. यहां वह मशहूर बौद्ध शिच्नक आचार्य शीलभद्र के साथ बौद्ध धर्म की किताबों का अध्ययन करता रहा और उसने उनसे बौद्ध दरशन की तालीम हासिल की.

भारत के राजाओं से भी व्हेन-सांग ने गहरी दोस्ती पैदा कर ली थी. जिस समय वह भारत आया था, सम्राट हर्श भारत में राज कर रहा था. हर्श बौद्ध धर्म का मानने बाला था. इसके अलावा वह महायान पन्थ का समर्थक था. व्हेन-सांग भी महायानी था. इसलिये हर्श ने उसे अपने हरबार में रख जिया और उसकी बड़ी आवभगत की. बहुत-सांग अपनी विद्वता के लिये भारत में भी बहुत जल्द मराहर हो गया. सम्राट हर्श उसकी विद्वता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने व्हेन-सांग की बौद्ध दरशन की व्याख्या सनने 🕏 लिये क्रज़ीज में एक विशाल धार्मिक सभा का आयोजन किया जिसमें सारे हिन्द्स्तान से बौद्ध भिन्न भीर प्रचारक मुलाए गए. इसके भलावा, सभी राजाओं को इस सभा में शामिल होने की दावत दी गई. आसाम के राजा भास्कर-बरमन जो सम्राट हर्श के गहरे दोस्त थे, इस सभा में शामिल हुए थे, यह सभा कई दिन बलती रही. व्हेन-सांग की वर्म व्याख्या से सारी सभा पर बहुत गहरा असर पड़ा और व्हेन-सांग सारे भारत में मशहूर हो गया. इसी सभा में कुछ शक्षानों ने सम्राट हर्श की हत्या करने की कोशिश की थी और उस कमरे में आग लगा दी थी जहां भगवान युद्ध की सोने की मूर्ति रखी हुई थी.

व्हेन-सांग सन 645 ईसवी में चीन वापस गया. सम्राट हर्श ने बहुत से डमहार के साथ उसे अपने दूतों की देख रेख में भारत की सरहद तक पहुंचा दिया. वहां से फिर वह चीन चला गया.

चीन में व्हेन सांग का शाही स्वागत किया गया. जब वह चीन के रास्ते में था तभी उसने सम्राट के नाम एक प्रार्थना पत्र जिल्ल कर भेजा जिलमें उसने अपनी भारत

دھرم کے انہا پھٹھ قائم ھولکے تھے جو آپس میں لوا كرت ته . أس ليُّ إس ن يه طم كها كه وه بهارت جاكر بودھ دھرم اور ببدھ درھن کا ادھون کرے گا اور وہاں سے . بوده تعابیل الكر أن كا چهدى أنواد كريكا .

سن 629 عيسوي ميں وهين سانگ چين کي راجدهاني جانگ کان سے بھارت کے لئے روانہ ہوا . اُس نے بھارت جالے کے لئے چھن کے سمرات سے اجازت نہیں لی ، بیج ايشها يك راستم هو كر ولا بهارت آيا .

بهارت میں وهین سانگ سوله سال تههرا . اِس برمے میں وہ بھارت کی سبھی مشہور جگہوں کو دیکھلے یا ، اُس نے بھارت کے یوتر بودھ استھانوں کی بھی یاترا لى اور وهال جاكر ايني شودهانجلي أريت كي. نالند شووديالية مين وه پانچ سال تههرا . يهان وه مشهور وده شکشک آجاریه شیل بهدر کے ساتھ بودھ دھرم کی تابین کا ادههن کرتا رها اور اُس نے آن سے بودھ فارشن ی تعلیم حاصل کی ۔

بھارت کے راجاوں سے بھی رعین سانگ نے گھری وستی یهدا کر لی تھی ، جس سیے وہ بھارت آیا تھا' سرات هرهی بهارت میس راج کر رها تها . هرهی بوده هرم کا مائدے والا تھا۔ اس کے علاوہ وہ مہایان پدیھ کا سمرتهک ہا . وهين سانگ بهي مهاياني تها' اس ليُے هره ف سے ایم دربار میں رکھ لیا اور اس کی ہوی آؤ بھکت کی، هیں سانگ اینی ودونا کے لئے پہارے میں بھی بہت بلد مشہور هواکها . سمرات هرش اس کی ودوتا سے أنقم ر بھارت ھوٹے کے اُنھوں نے رھین سانگ کی بودھ دوشن ی ریاکھھا سننے کے لئے قنوب میں ایک وشال دھارمک سبها کا آیوجن کیا جس میں سارے هندستان سے بودھ معشو اور پرچارک بلائے گئے . آس کے علاوہ سبمی راجاؤں او اِس سبها میں شامل هونے کی دعوت دسی کئی . آسام نے راجا بھاسکر ورمن جو سمرات هرش کے گہرے دوست تھے' س سبها میں شامل هرئے تھے ، یہ سبها کئی دن چلای ھی ، وھھن سانگ کی دھرم ویاکھھا سے ساری سبھا پر ہت کہوا اثر ہوا اور وهین سانگ سارے بھارت میں شهور هوگها . اسی سبها میں کنچه براهملوں نے سمرات برھی کی معیا کرنے کی کوشش کی تھی اور اُس کدرے بیں آگ لی دی تھی جہاں بھگران بدھ کی سونے کی ېږرتي رکهي هوئي تهي .

وهين سانگ سن 645 ميسوي مين چين واپس یا . سراه هرش نے بہت سے اُنہار کے ساتھ اُسے اید اونوں کی دیکھ ریکھ میں بھارت کی سرحد تک پہونچا ايا . وهال سے پهر وہ چهن چا گيا .

چهن مهن وههن سانگ کا شاهی سواکت کیا گیا. جب ہ چھن کے راسعے میں تھا تھھی اُس نے سمرات کے نام ایک وارتهقایعر لکھ کر بههجا جس مهن أس نے اہلی بُھارت रांग-मुने बीच परिया हो कर भारत काया. भारत के तत्तर पिछम के सरहरी राज खर्यन के राजा के नाम वह चीन की मलका का ख़त ले आया था. उसने वह ख़त उद्यन के राजा को दिया. राजा साहब ने उस ख़त को बड़ आदर से स्वीकार किया और उसे पढ़वा कर सुना. जब राजा साहब को यह माल्म हुआ कि चीन की मलका बौद्ध धर्म की मानने बाली हैं तो उन्होंने कीरन पूरव की ओर (चीन की ओर) मुँह करके, हाथ जोड़ कर और ध्यान मम होकर अपना सिर मुका लिया. फिर उन्होंने शुंग-युन की बड़ी खातिर की और चीन के बारे में तरह तरह के सवाल किये. चीन के बीद धर्म के बारे में उन्होंने खास दिलचस्पी ली. चीन के बारे में शुंग-युन की बातें सुन कर राजा साहब बोले—

"आपने जो कुछ बताया अगर वह सब सच है तो आपका देस सचमुच भगवान बुद्ध का देस हैं. मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इस जीवन के बाद मैं आपके देस में ही जन्म लूँ." ("बुधिस्ट रेकार्ड्स आक दी वेस्टर्न वर्ल्ड"—बीत, सका—94)

खद्यन में कई साल रह कर शुंग-युन बौद्ध धर्म की किताबें इकट्ठा करता रहा, किर वह गान्धार गया. वहां भी उसन बहुत सी किताबें हासिल की किर सन 522 ईसवी में बह गान्धार से चीन वापस चला गया. वह अपने साथ बौद्ध धर्म की 170 किताबें चीन ले गया.

व्हेन सांग

जितने चीनी यात्री भारत आए चनमें व्हेन-सांग सबसे जियादा विद्वान था, उसने सबसे जियादा शाहरत हासिल की और भारतियों के साथ सबसे जियादा मेल जोल पैदा किया.

व्हेन-सांग सन 603 ईसवी में पैदा हुआ. उसके घर में कभी कंग फूट्ये धर्म के मानने वाले थे. इसलिये शुरू शुरू में वह कंग फूट्ये धर्म की ही किताबों का अध्ययन करता रहा. फिर जब वह तेरह साल का हुआ तो उसका बड़ा भाई बीछ भिद्ध हो गया. अपने भाई के साथ साथ व्हेन-सांग भी बीछ धर्म का अनुयायी हो गया और उसने बीछ साहित्य की पढ़ाई शुरू की. बचपन से ही वह बड़ा होनहार और तेज था. याद करने की ताक़त भी उसमें और लोगों से जियादा थी. उसने बीछ दरशन का इतना गहरा अध्ययन किया कि बहुत जल्दी सारे चीन में वह अपनी विद्वता के लिये मशहूर हो गया. चीन के दूर दूर हिस्सों से बीछ भिद्ध उसके एस तालीम हासिल करने आने लगे.

ब्हेन-सांग बीद्ध किताबों के बीनी धातुबाद से बहुत असंदुरद था. असने यह भी देखा कि चीन में बीद المحکی ایشیا هوکر بھارت آیا . بھارت کے آئر بھیم کے سرحدی اے ادین کے راجه کے نام وہ چین کی ملکه کا کھیا کے ابر کی سرحدی اس نے وہ خط آدین کے راجه کو دیا. راجه ضاحب نے اس خط کو بڑے آدر سے سویکار کیا اور اُسے پوعواکر سفا . جب راجه صاحب کو یہ معلوم ہوا که چھن کی ماکه بودھ دھرم کی مانئے والی ھھی تو آنہوں نے فوراً پورب کی اور (چھن کی اور) ملھ کرکے انہوں نے کر اور دھیان مگن ہوکر اپنا سر جھکا لھا . یعر آنہوں نے شاک ین کی بڑی خاطر کی اور چھن کے بارے میں طرح طوح کے سوال گئے . چھن کے بودھ دھرم کے بارے میں طرح طوح کے سوال گئے . چھن کے بودھ دھرم کے بارے میں میں آنہوں نے خاص دلچسپی لی ، چھن کے بارے میں میں آنہوں نے خاص دلچسپی لی ، چھن کے بارے میں میں آنہوں نے خاص دلچسپی لی ، چھن کے بارے میں

الله آپ نے جو کچھ بتایا اگر وہ سب سے ہے تو آپ کا دیس سے میں ایشور سے دیس سے میں ایشور سے پرارتھا کرتا ہوں کہ اس جیران کے بعد میں آپ کے دیس میں ہی جنم لوں ." (''بدھست ریکارڈس آف دی ویسٹرن ریکارڈس عیل' صفحت — 94)

أدين ميں كئى سال وہ كر شنگ بن بودھ دھرم كى كتابيں انتها كرتا رھا ، پھر وہ كاندسار گيا ، وھاں بھى اُس نے بہت سى كتابيں حناصل كيں ، پھر سن 22 عيسرى ميں وہ گندھار سے چھن واپس چلا كيا ، وہ آئے ساتھ بودھ دھرم كى 170 كنابيں چھن لے گيا ،

وههن سانگ

جعنے چیلی یاتری بہارت آئے اُن میں وہین سانگ سب سے زیادہ ودران تھا اُس نے سب سے زیادہ شہرت حاصل کی اور بہارتیس کے ساتھ سب سے زیادہ میل جول پیدا کیا .

وهین سانگ سن 603 عیسوی میں پیدا هوا . أس کے گهر میں سبھی کنگ فوتزے دهرم کے سانئے والے تھے . اس لئے شروع شروع میں وہ کنگ فوتزے دهرم کی کتابوں کا ادهین کرتا رها ، پھر جب وہ تیرہ سال کا هوا تو اس کا ہوا جہائی بودھ بهکشو هوگیا . اننے بهائی کے ساتھ ساتھ رهیں سانگ بھی بودھ دهرم کا انویائی هوگیا اور اس نے بودھ ساهتین کی یوهائی شروع کی . بحین ساور اس نے بودھ ساهتین کی یوهائی شروع کی . بحین ساقی وہ بہا هونهار اور تیز تها . یاد کرنے کی طاقت بھی اس میں اور لوگوں سے زیادہ تھی . اس نے بودھ دوشن کی آئی گہرا ادھین کیا که بہت جلدی سارے چھن میں وہ اپنی ودوتا کے لئے مشہور هوگیا . چھن کے دور دور دور نوا لیکی ودوتا کے لئے مشہور هوگیا . چھن کے دور دور انگر ،

وهدن ساگ بودھ کتابوں کے چینی انواد سے بہت استشت تھا ۔ اُس نے یہ بھی دیکھا کہ چین میں بودھ

हाज पर यह असन (बौद भिद्ध) स्वार है, इसकिये मारे ऊपर इसनी मुसीवतें का पड़ी हैं. इस असन को इसी पास के टापू पर उतार दिया जायगा जिससे इस क आदमी की वजह से तमाम दूसरे मुसाफिरां की जान तरे में न पड़े."

जब फाहयान के धार्मिक गुरु द्नपित ने बाह्यनों का ह इरादा सुना तो वह बहुत नाराज़ हुए. उन्होंने उन हिमों से कहा—"अगर तुम इस भिन्नु को जहाज़ से तारांगे तो इस के साथ तुम्हें मुक्ते भी उतारना पड़ेगा. गर तुम मुक्ते इसके साथ नहीं उतारना चाहते तो मुक्ते र खालों क्योंकि अगर तुम इस अमन को जहाज़ से तार दोगे, तब मैं चीन पहुँच कर सीधा बादशाह के पास फिंगा और उनसे तुम्हारी शिकायत करूंगा. चीन का दशाह बौद्ध धर्म का षट्टर मानने वाला है और वह मन्द्रर खादर करता है." यह नकर वह सब के सब बहुत घबराए और उन्होंने फाहयान । जहाज़ से उतार देने का इरादा बिलकुल छोड़ दिया.

मौसम अब भी खराब रहा. मुसाफिरों का राशन और नि सब खतम हो चला. इसलिये मल्लाहों ने जहाज़ में चीन के दिनार कहीं लगा दिया, जहां कोई बन्द्रगाह था. यहीं फाइयान उतर गया. पास के खेत और उड़ती है चिड़ियों को देख कर वह समम गया कि यह चीन ही देस है. यहां से वह उस जिले के हाकिम की मद्द चीन की राजधानो बांग-गान चला गया.

पन्द्रह साल बाहर रह कर सन 414 ईसवी में फाहयान पने चांग-गांन के मठ में वापस काया.

काह्यान ने अपनी भारत यात्रा का एक वयान तिस्ता जिसे "कू-कुआे-की" यानी "भगवान बुद्ध के देस की हानी" कहत हैं. इस किताब में काह्यान न अपने समय भारत में जो कुछ देखा और सुना सब दर्ज़ किया है. रत के इतिहासकारों को भारत का प्राचीन इतिहास खने में इस किताय से बहुत मदद मिली है.

फाइयान की भारत यात्रा का वयान चीनी मिंचुओं बड़े चाव से सुना और उससे उनके दिल पर बहुत असर हा. फाइयान की हिम्मत और निडरता से प्रभावित हो कर निक बौद्ध भिक्षु चीन से भारत आए. सच तो यह है कि हियान ने ही चीनियों को भारत आने का रास्ता दिखाया तिर हिम्मत दिलाई.

शूंग-युन

शुंग-युन चीन का एक बौद्ध भिन्नु था. 517 ईसवी में चीन की मलका ने बौद्ध किताबें लाने के लिये उसे अपना बूंत बनाकर भारत भेजा था. جہاز ہو یہ شرموں (بودھ بهکشو) سوار ہے اس لگے ممارے اوپر اتنی مصهبتیں آ یوی هیں ۔ اِس شرمین در کسی ہاس کے تاہو پر آتار دیا جائے کا جس سے اِس ایک آدمی کی وجہ سے تمام دوسرے مسافروں کی جان خطرے میں نہ ہوتے ۔''

جب فاهیان کے دھارمک گرو دن پتی نے براهدئوں کے ارادہ سفا تو وہ بہت ناراض ہوئے۔ اُنہوں نے اُن براهدئوں سے کہا ۔ '' اگر تم اِس بھکشو کو جہاز سے اُناررکہ تو اِس کے ساتھ تسھیں محصے بھی اُنارنا پوے گا . اگر تم محصے اِس کے ساتھ نہیں اُنارنا چاھتے' تو محصے ماردالو کھونکہ اگر تم اِس شرمی کو جہاز سے اُنار دوئے' تب میں چون پہونچ کو سیدھا بادشاہ کے پاس جاؤں گا آور اُن سے تمہاری شکایمت کروں گا . چین کا بادشاہ بودھ دھرم کا کثر مانئے والا ہے آور وہ بھکشوؤں آرر پجاریوں کا بہمت آدر کرتا ہے۔'' یہ سفکر وہ سب کے سب بہت گیجر نُد آرر اُنہوں نے فاہھان کو جہاز سے آنار دیئے کا اِرادہ بالکل چھوڑ دیا۔

موسم ب بھی خراب رھا ، مسافروں کا راشن آور پائی سب ختم ھوچلا ، اِس لئے ملاحوں نے جہاز کو چھن نے کفارے کھیں لئا دیا جہاں کوئی بلدرگاہ نہ تھا ، یہھی فاھھان آتر گیا ، پاس کے کھیت آور اُرتی ھوئی چڑیوں کو دیکھکر وہ سمجھ گیا کہ یہ چین کا ھی دیس ہے ، یہاں سے وہ اُس ضلع کے حاکم کی مدد سے چھن کی واجدھائی جانگ گان چلا گیا .

پندرہ سال باہر رہکر سن 414 عیسوی میں فاہیاں اپنے چانگ کان کے متب میں واپس آیا . فاہیان نے اپنی بہارت یاتوا کا ایک بیان لکھا ہے جسے ''فو کواو ،کی '' یعنی ''بھکوان بدھ کے دیس کیکھانی'' کہتے ہیں ، اِس کتاب میں فاہیان نے اپنے سے میں بھارت میں جو کچھ دیکھا آور سنا سب درج کیا ہے . بھارت کے اِتہاس کاروں کو بھارت کا پراچین اِتہاس لکھنے میں اِس کتاب سے بہت مدد ملی ہے .

فاههان کی بھارت یاترا کا بھان چیڈی بھکشووں نے بہت اثر پرا ، بہت اثر پرا ، فاههان کی هست آور نقرتا سے پربھارت هوکر انیک بودھ بھکشو چین سے بھارت آئے ۔ سے تو یہ ہے کہ فاعیان نے ہی چیڈیوں کو بھارت آئے کا راستہ دکھایا آور هست دلائی۔

شنگ يئ

شلگ بین چهن کا ایک بوده بهکشو تها . 517 میسوی میں چهن کی ملکه نے بوده کتابیں لانے کے لئے أے اپنا هوت بذاکر بهارت بهمتها تها ، ते भाषा था, तेकर वह चीन के तिये एक बहुत वहे भीवागरी जहाज पर सवार हुआ।

काह्यान की लंका से चीन की यात्रा बहुत ही खतरनाक साबित हुई. इस बार उसे जिन मुसीबतों का सामना करना पड़ा वह उसकी चीन भारत यात्रा से कहीं जियादा दुखदाई था.

जिस जहार पर फाहयान सवार हुना, उसमें दो सी मसाकिर और मल्ताह थे. उस जहाज के साथ एक छोटा जहाज भी बंधा हुआ था जो खतरे के समय इस्तेमाल किया जा सकता था. लंका से जिस समय जहात चला. मौसम बहुत अच्छा था और हो दिन तक जहाज आसानी से चलता रहा. तीसरे दिन बड़े जारों का तुकान आया श्रीर बढ़े जहाल में एक सूराख हो गया. इसी के जरिये जहाज में पानी भरने लगा और अब डर हमा कि कहीं जहाज दूब न जाए. छोटे जहाज के मल्लाह बड़े जहाज वालों को धोका देकर रस्ता तुड़ा कर अलग निकल गए जिससे बड़े जहाज के मल्लाह बड़ी परशानी में पड़े. उन्होंने सौदागरों को श्रादेश दिया कि वह श्रपना सब सामान पानी में फेंक दें जिससे जहाज का बोम हलका हो जाय. उन्होंने वैसा किया. काहयान ने अपनी पानी की सुराही और हाथ धोने का बरतन पानी में फेंक दिया, उस हर लगा कि कहीं उसकी तमाम किताबें और मूर्रातयां भी पानी में न फॅक दी जायँ. इसिलये उसने भगवान अवलो कतेश्वर से प्रार्थना करना शुरू की-"हे भगवान! मैं बौद्ध साहित्य की खोज में दर दर देसों में घूमता फिरा. आप कृपा कर के अपनी रुहानी शक्ति से सुमे किसी सुरिच्चत जगह पर ले चिलये." तेरह दिन तुकान चत्तता रहा. फिर एक दिन जहाज एक टापू के किनारे लगा. यहां मल्लाहों ने जहाज को रोक कर उसके सुराख को बन्द कर लिया श्रीर अब जहाज किसी तरह जावा पहुंचा, जावा में फाह्यान ने दूसरा जहाज किया. इस जहाज पर भी दो सौ बाहमी थे.

एक महीने सात दिन तक जहाज चलने के बाद समन्दर
में जोरों का तूकान काया और तूकान के साथ पानी भी.
आकाश में बादल थिर आए जिसकी वजह से दिशा का पता
लगाना भी मुशक्तिल हो गया. जाहाज खतरे में पड़ गया.
किस वक्षत दूव जाय कुछ ठीक नहीं. सौदागर और मल्जाह
सभी बहुत परेशान थे. ऐसे समय काहयान ने भगवान
अवलोकिनेश्वर की प्रार्थना फिर शुरू कर दी. और इसी
समय जहाज के बाद्यन मुसाफिरों ने एक सभा की जिसमें
यह विचार किया गया कि जहाज पर जो मुसीबत आ पदी
है, उसका कारन क्या है. बहुत सोच विचार और बहस
के बाद यह तय पाया कि सारी मुसीबत की जह बौद्ध
भिद्ध काइयान है. उन्होंने एलान किया—"चूंक इमारे

یا تھا کے کر وہ چین کے لئے ایک بہت ہوئے سوداکری زاہر سوار ہوا ۔

فاههان کی لفکا سے چھن کی یائرا بہت ہی خطر یا ثابت ہوں خطر یا ثابت ہوئی ۔ اِس بار اُسے جن مصیعتوں کا سامفا پڑا وہ اُس کی چھن بھارت یائرا سے کہیں زیادہ دائی تھی ۔

جس جهاز ير فاههان سوار هوا أس مهي دو سو افر اور ملاح تھے . اُس جہاڑ کے ساتھ ایک چھوٹا جہاڑ بلدها هوا تها جو خطے کے سمی استعمال کہا جا لا تها للكاس جس سع جهاز چلا موسم بهت أجها اور دو دن نک جهاز آسانی سے چلتا رہا ، تهسرے یوے زوروں کا طوفان آیا اور بوے جہاز مھی ایک اعر موکھا ، اِسی کے ذریعہ جہاز میں پانی بھوتے الگا آپ در هوا که کهیں جهاز دوب نه جائے . چهوائے جهاز ملاے ہوے جہاز والوں کو دعوکا دے کر رسا توڑا کر انگ ے گئے جس سے بڑے جہاز کے مقم بڑی پریشانی میں ، أنهون نے سوداگروں کو آدیش دیا که وہ اپنا سب بان یانی مهی پههنگ دین جس سے جهاز کا بوجه هلکا ھائے، اُنھوں نے ویسا کیا، فاھیان نے ایڈی پانی کی حمل أور هاته دهونه كا برتن پائي ميس پههلک ديا . قر لگا که کهیں اس کی تمام کتابیں اور مورتیاں بھی میں نه پهیدک دی جائیں . اِس نئے اُس نے وان اولوکھیشور سے پرارتھا کرنا شروع کی ۔۔۔ و ھے وأن ! مهن بوده ساهتیه کی کهوچ مین دور دور میں میں کھومتا پھرا ۔ آپ کرپا کر کے ایٹی روحانی ھی ہے معومے کسی سرکشت جگہ پر لے چلگے .^{۱۱} تھرہ طرفان چلتا رھا، پہر ایک دن جہاز ایک تاہو کے ہے لگا ، یہاں ملاحوں نے جہاز کو روک کر اس کے أم كو بدد كر ديا اور اب جهاز كسى طرح جاوا بهونچا . آ میں فاعیان نے درسرا جہاز کیا . اِسَ جہاز پر بھی سو آدمی تھے ،

ایک مہیلے سات دن تک جہاز چلئے کے بعد سملدر نوروں کا طوفان آیا اور طوفان کے ساتھ پائی ہمی . ن ووروں کا طوفان آیا اور طوفان کے ساتھ پائی ہمی ، مشکل ہوگیا ، جہاز خطرے میں یو گیا ، کس یا توب جائے کنچہ ٹھیک نہیں ، سرداگر اور صلاح سبھی یا توب جائے کنچہ ٹھیک نہیں ، سرداگر اور صلاح سبھی یا پریشان تھے ، ایسے سمے فاہمان نے بھگوان اولوکٹیشور پراتھنا پھر شروع کر دی اور اسیسے جہاز کے براہمن افروں نے ایک سبھا کی جس میں یہ وچار کیا کہ جہاز پر جو مصوبہت آ پڑی ہے' اس کا کاون کے بہت سوچ وچار اور بعدث کے بعد یہ طے کہ بہت سوچ وچار اور بعدث کے بعد یہ طے کہ ساری مصیبت کی جو ہودھ بھکشو نے ، انہوں نے اعلان کیا ۔'' چونکہ ہمارے

जन्होंने सोचा, यह वही जगह है जहां भगवान बुद्ध ने अपनी जिन्दगी के पच्चीस साल गुजारे थे. इस समय वह (काह-यान और उसका साथी) अपनी जान सतरे में डाल कर विदेसियों के बीच रह रहे हैं. उनके साथ जो भिद्ध उसी मफ़सद से कई देसों से होते हुए भारत आ रहे थे, कुछ तो जीन वापस चले गए और कुछ रास्ते में ही मर गए. और अब उस जगह को देख कर जहां किसी समय भगवान बुद्ध रहा करते थे और अब वहां मौजूद नहीं थे, उनका विल दर्ब से मर आया. उनको इस तरह दुखी होते देख कर, उस मठ के भिद्ध उनके पास आए और उनसे पूछा—"आप लोग किस देस से आ रहे हैं ?"

1986年 - 1987年 **阿拉斯 建氯甲基**化 (中) 发现的

धन्होंने जवाब दिया—"हम लोग हान देस (चीन) से झा रहे हैं."

यह सुनकर उन भिजुओं को बड़ा ताष्त्रव हुआ और बह बोले—"कितने अचरज की बात हैं! जरा सोचिये तो, बौद्ध धर्म की तालीम हासिल करने धरती की सरहद से हतनी दूर यह लोग आप हैं." और फिर आपस में बात करते हुए उन्होंने कहा—"हमारे पुरखे जो इसी जगह समय समय पर रह चुके हैं, उन्होंने हान देस के लोगों को इतनी दूर आते कभी नहीं देखा!" (कू-कुओ-की, लेखक—काहयान, सका-45)

खेतवत मठ में फाहयान को बड़े आदर के साथ ठहरा-या गया. कुछ दिन यहां रह कर फाहयान दूसरी जगहों को देखने चला गया.

फाइयान भारत में बौद्ध धर्म की किताबें इकट्टा करना चाइता था इसलिये वह पाटली पुत्र गया. पाटली पुत्र में उसका भारत जाने का मिशन पूरा हुआ. यहां से उसे '7000 गाथाओं की अवस्तिवाद पन्य की एक किताब, 6000 गाथाओं की संयुक्त अभिधर्म हृद्य शास्त्र की एक किताब, 2500 रलोकों की निरवान सूत्र की एक किताब 5000 रलोकों की वैपुल्य निरवान सूत्र की एक किताब और महा संधिका पन्य के अभिधर्मशास्त्र की एक किताब मिली. यहीं उसने बहुत सी बौद्ध मूरतियां भी इकट्ठा की जिन्हें वह चीन के गया. फाइयान तीन साल पाटलीपुत्र में रहा. इस अरसे में उसने संस्कृत का अध्ययन किया और बहुत सी बौद्ध पुस्तकों को नक्षल किया.

पाटली पुत्र में अपना काम पूरा कर के वह बीन के किये रवाना हुआ. रास्ते में वह लंका में दो साल ठहरा. यहां उसे महीशासक पत्थ के विनय पिटक की एक किताब मंती दीर्घतम और संयुक्त गम की एक एक किताब मिली. यह किताबें पहली बार चीन लाई गई थों. इन किताबों को, और उन मूर्तियों और किताबों को, जो बह भारत से

نہوں کے سونھا ' یہ وهی جگھ ہے جھاں بھاتوان بدھ نے ایلی زندگی کے پھیھس سال اگذارے تھے ، اس سبے وہ فاهیان اور اس کا ساتھی) ایڈی جان خطرے میں ڈال اور بدیسیوں کے بھی راہ رہے ہیں . اُن کے ساتھ جو بیکھو سی مقصد سے کئی دیسوں سے هوتے هوئے بھارت آرہے تھے' جب تو چھن واپس چلے گئے اور کھی واستے میں هی بیکوان بدھ رہا کرتے تھے اور 'ب وہاں موجود نہیں تھا' یکوان بدھ رہا کرتے تھے اور 'ب وہاں موجود نہیں تھا' یکھکر' اُس مقہ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے یکھکر' اُس مقہ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے یکھکر' اُس مقہ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے وجھا۔'' آپ لوگ کس دیس سے آرھے ہیں آئے اور اُن سے وجھا۔'' آپ لوگ کس دیس سے آرھے ہیں آئے اور اُن سے وجھا۔''

أنهوں نے جو'ب دیا ---' هم لوگ هان دیس (چین) ہے آرہے هن . ا

یہ سن کو اُن بھکشوؤں کو ہوا تعجب ہوا اور وہ بولے۔۔ ' ککٹے اچرج کی بات ہے! فرا سوچئے تو' بودھ دھرم بی تعلیم حاصل کرنے دھرتی کی سرحد سے اللّٰی دور یہ لوگ نے ھیں ۔'' اور پھر آپس میں بات کرتے ہوئے انہوں نے بیا ۔۔'' ھمارے پر ہے جو اِسی جگہ سے سے پر وہ چکے بیل اُنہوں نے مان دیس کے لوگوں کو انلی درر آتے کیهی نہیں بیل اُنہوں نے ھان دیس کے لوگوں کو انلی درر آتے کیهی نہیں بیلیا'' (فو ، کواو ، کی' لیکھک ۔۔ فاھیاں' صفحہ۔۔۔ 45)

جهستان مته میں فاههان کو بوے آدر کے ساتھ تهہرایا یا . کچھ دن یہاں رہ کر فاههان درسری جگہوں کو یکھیے چلا گیا .

قاهدان بہارت میں بودھ دھرم کی کتابیں اِکھٹا کرنا چاھتا تھا اِس لئے وہ پاٹلی پتر گیا۔ پاٹلی پتر ہیں اُس بھارت آنے کا مشن پورا ھوا۔ یہاں سے اُسے 6000 کاتھاؤں ستی واد پنتہ کی ایک کتاب 6000 کتھاوں کی مندکت ابھدھرم ھردے شاستر کی ایک کتاب 5000 اشلوکوں شارکوں کی نروان سوتر کی ایک کتاب اور مہا سادھیکا فی ویپولید نروان سوتر کی ایک کتاب اور مہا سادھیکا فی ویپولید نروان سوتر کی ایک کتاب اور مہا سادھیکا فی بہت میں اُس نے بہدھ مورتیاں بھی اکتھا کیں جنھیں وہ نے بہت میں اُس نے سامکرت کا ادھین کیا اور بہت سی بودھ میں اُس نے سامکرت کا ادھین کیا اور بہت سی بدھ بھیکوں کو نقل کھا۔

پاٹلی پتر مرس اپنا کام پررا کرکے وہ چین کے لئے روانہ اوا راستے میں وہ لفکا میں دو سال ٹھھرا ۔ یہاں آسے بھی شاسک پلتھ کے رئے پاک کی ایک نتاب ارر ۔ بدیکمت گم کی ایک ایک نتاب ملی یہ گاییں پہلی بار چھن لائی گئی تھیں ۔ اِن کتابوں را اور اُن مررتیوں اور کتابوں کو جو وہ بھارت سے

फाहबान अपने संबंध के जीनी बौद्ध साहित्य से बहुत असंतुरट था. भारत से अनेक बौद्ध कितायें आई वीं और उनका जीनी अनुवाद किया गया था पर वह सबके सब ग्रांतव थे, और उनमें बहुत नुक्ष्य था. इसके अलावा जीन में बौद्ध दरशन और बौद्ध धर्म के बारे में बहुत सी ग्रांतत धारनाएं पैदा हो गई थीं. बौद्ध कि गांवों को सही तरह से समक्षाने वाला भी जीन में उस समय काई न था. इसलिये फाहयान ने यह तय किया कि वह भारत जाकर बौद्ध धर्म की किताबें इकट्ठा करेगा, उनका अनुवाद करेगा और भारत के बौद्ध भिच्छुओं और शिच्चकों से बौद्ध धर्म की तालीम हासिल करेगा.

सन 399 ईसवी में फाह्यान अपने कुछ साथियों के साथ चीन से भारत के लिये रवाना हुआ. बीच एशिया के रास्ते होकर वह भारत आया. रास्ते में उसे अनेक मुसीनतों का सामना करना पड़ा. उसके साथ जो भिज्ज आ रहे थे, उनमें से बहुत तो चीन वापस लौट गए और कुछ गस्ते में ही मर गए. अपनी भारत यात्रा की किताब में उसने इस सफर का जो बयान लिखा है वह बहुत दर्द-भरा और दुखदायी है. उससे पता चलता है कि अपना मिश्न पूरा करने के लिये फाह्यान अपनी आन कितने जोखिम में डाल कर भारत आया था.

बीच पशिया के लोप रेगिस्तान पार करने के बारे में बह लिखता है—

"इस रेगिस्तान में बहुत से शैतान रहते थे. इनसे मुठभेड़ होने पर यह सब के सब आदमी को भार डालते थे. आसमान में न एक चिड़िया उड़ती दिखाई पड़ती थी और न खमीन पर एक जानवर चलता दिखाई देता था. रास्ते का पता लगाना नामुमकिन था. केवल मुरदों की गली हुई हिड्ड्यों से ही राह का पता लगता था." (फू-कुआ-डी, लेखक—फाह्यान, अनुवादक—बील, खका—24)

कोप रेगिस्तान पार करने के बाद इसे रास्ते में जो दिक्क़तें डठानी पड़ीं डनके बारे में फाइयान लिखता है-

''सड़कों पर न रहने के मकान थे और न रहने वाले ये. सड़क की कठिनाइयों के कारन उन्हें अपनी यात्रा में जो मुसीवतें उठानी पड़ीं, उनकी तुलना करना आदमी की बाक्कत के बाहर है." (कू-कुओ-की, लेखक—काहयान, अनुवादक—बीज, सका-25)

भारत आकर काह्यान ने सारे देश में अमन किया मीर वह यहां के सभी पिनत्र बौद्ध स्थानों को देखने गया. इसी सिक्ससिले में वह अवस्ती (कोशल प्रदेश) के जेतवन मठ भी पहुंचा. जेतवन मठ को देख कर काह्यान का दिल भर आया. इस वक्ष्त की अपनी भावनाओं को जाहिर करते हुए वह किखता है—

"अब फाइबान और ती-बिंग जेतवन मठ पहुँचे तो

فاههان آئے سمے کے چیدی بودہ سامتھ، یہ بہست استشعال آئی آٹھی اردہ کتابھی آئی آٹھی ور اُن کا چیدی انوواد کیا گیا تھا پر وہ سب کے سب فلط تھے، اور اُن میں بہت نقص تھا اُس کے علاوہ چین میں بودہ درشن اور بودہ دھرم کے بارے میں بہت سی فلط دھارنائیں پیدا ہوگئی تھیں اورھ کتابوں کو صحتیم طرح سے سمجھانے والا بھی چین میں اُس سے کوئی نہ تھا اوس لئے فاہیان نے یہ طے کھا کہ وہ بھارت جائر بودہ دھرم کی کتابیں اِنتہا کرے گا اُن کا انوواد کریکا اور بھارت کے بودہ بهکشوؤں اور شکشکوں سے بودہ دھرم کی تعامل کرے گا ۔

سی 999 عیسری میں فاهیان اپ کچھ ساتھیوں کے ساتھ چھن سے بھارت کے لئے روانہ ہوا ۔ بیچے ایشیا کے راستے ہوں اُسے انیک مصیدتوں راستے ہوکو وہ بھارت آیا ، راستے میں اُسے انیک مصیدتوں کا سامفا کرنا ہوا ۔ اُس کے ساتھ جو بھکشر آرھے تھے 'اُن میں سے بہمت تو چین واپس لوت گئے اور کچھ راستے میں ہی سخر کا جو بھان لکھا ہے وہ بہت درد بھرا اور دکھ فائی ہے ۔ اُس سے بعد چلتا ہے کہ اُپنا مشن پورا کرنے کے فاہدان ایکی جان کتا ہوکھم میں ڈالکر بھارت آیا تھا ،

بھچ آیشھا کے لوپ ریائستان پار کرنے کے بارے میں وہ لکھتا ہے ---

'' إس ویکستان میں بہت سے شهطان وطلے تھے ، إن سے مته بهوو هوئے ہے ہیں سب کے سب آدمی کو مار قاتے تھے ، اس آسمان میں نه ایک چوپا اُوتی دکھائی پوتی تهی اُور نه ومین پر ایک جانور چلتا دکھائی دیتا تھا ، راستے کا پته لگانا نامدگی تھا ، کیول مردوں کی کلی هوئی هذیوں سے هی رالا کا پته لگتا تھا ،'' (قو ، کوار ، کی' لیکھک سے فاهیان' انووادک سے بیل' صفحت ۔۔۔ 24)

لوب ویکستان پار کرنے کے بعد اُسے واستے میں جو فاقعین اُٹھانی پویں اُن کے بارے میں فاقعان لکھتا ہے۔
'' سوکوں پر نه وھنے کے مکان تھے اور نه وھنے والے تھے ، سوک کی کشیدائیوں کے کارن اُنھیں اپنی یاترا میں جو مصیبتیں اُٹھانی پویں' اُن کی تلفا کرنا آدمی کی طاقت کے باہر ہے۔" (فو ، کواو ، کی' لیکھگ ۔ فاهیان' الوادک ۔ بیل' صفحت ۔ 25)

بہارت آکر فاهیاں نے سارے دیش میں بہرمن کیا اور رق بہاں کے سبھی پوتر بودھ استہانیں کو دیکھنے گیا ۔ اِسی سلسلے میں وہ شورسٹی(کوشل پر دیش) کے جیستوں مثلہ بھی بہولنچا ، جیستوں مثلہ کو دیکھکر فاعیان کا دل بھر آیا ، اُس وقت کی اہلی بہاؤناؤں کو ظاهر کرتے ہوئے ہوئے کہ لکھتا ہے ۔۔۔

" جب قافهان أور تو چفگ جيترن مٿه پهولنج تو

- 19

भारत में चीनी बौद्ध भिक्ष्

(भाई भान चन्द्र वर्मा)

भारत और चीन के कलचरी मेल को बढ़ाने और मज़बूत करने में उन चीनी बौद्ध यात्रियों ने भी बहुत मदद की जो चीन से समय समय पर भारत आए. वों तो चीन में बौद्ध धर्म का प्रचार सन 65 ईसवी में शुरू हो चुका था और भारत से बौद्ध प्रचारक भी चीन जाने लगे थे फिर भी चीन से बौथी सदी के जनत तक कोई भी चीनी भिद्ध भारत नहीं आया. सन 399 ईसवी में पहला चीनी यात्री काह्यान भारत आया. और फिर उसके बाद सैकड़ों चीनी भिद्ध समय समय पर भारत आए. भारत में इन भिद्ध आं ने स्वासकर चार काम किये—

- (1) इन भिद्धचों ने सारे देश में घूमकर बौद्ध धर्म के पित्र स्थानों का दरशन किया और वहां अपनी श्रद्धान्जिल अरपित की.
- (2) यह भिद्ध जियादातर बौद्ध धर्म की शिशा हासिल करने नाजन्द विश्वविद्यालय आते ये और यहीं रह कर अध्ययन करते थे.
- (3) भारत में इन भिद्धश्रों ने बहुत सी बौद्ध किताबों का श्रानुवाद किया भीर बहुतों को नक्तक किया.
- (4) इन भिचुओं में से इन्द्र बौद्ध मूर्तियों की तसवीरें बनाइट अपने साथ चीन लेते गए जिससे चीन में भारती कता की काकी रिवाज मिला बहुत से भिचु अपने साथ मूर्तियां भी ले गए.

इस बीनी मुसाफिरों में से कुछ ने अपनी यात्रा का हास किस छोड़ा है. इन्हों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इन बीद भिद्धुओं ने कहां कहां क्या क्या किया. पर जो चोनी भिद्ध भारत आप उन से में बहुनों ने इस तरह का कोई बयान नहीं लिखा है, इसिलये तकसील में बहुन कम भिद्धुओं की जिन्दगी का सच्चा बयान मिलता है. नाचे उन कुछ चीनी भिद्धुओं के बारे में लिखा जा रहा है जो चीन से भारत आए—

शिह फ़ाइयान

फाइयान चीन के पिंग-याग जिले का रहने वाला वा. तीन साल की उमर में उसे बौद्ध मिद्ध बना लिया गया. इसके. समय में यह रिवाज था कि जिल चादमी को बौद्ध मिद्ध की दीचा दी जाती भी उसे 'शिह्' बानी 'शाक्यपुत्र' की उपाधि मिलती थी, इसलिये फाइयान भी 'शाक्यपुत्र' सानी 'शिह' फाइयान कहा जाने लगा.

بهارت میں چینی بوں ہیکھو

(بهائی بهان چندر ورسا)

بھارت اور چین کے کلچری میل کو بڑھانے اور مقبوط کرنے میں اُن چیئی بودھ باتریوں نے بھی بہت مدد کی جو چین میں شروع سے سے پر بھارت آئے . یوں تو چین میں بردھ دھرم کا پرچار سن 65 عیسوی میں شروع ہوچکا تھا اور بھارت سے بودھ پرچارک بھی چین جائے لگے تھے بھر بھی چین سے چوتھی صدی کے اندت تک کوئی بھی چیئی بیکشو بھارت نہیں آیا ، سن 998 عیسوی میں پہلا چیئی باتری فاھیان بھارت آیا ، اور پھر اُس کے بعد سیکڑوں چیئی بھکشو صدے سے پر بھارت آئے . بھارت میں اُن بھکشو صدے سے پر بھارت آئے . بھارت

- (1) اِن بهکشروں نے سارے دیش میں گھوم کر بودھ دھرم کے یوتر استھانوں کا درشن کیا اُور وہاں اپنی شردعانتجلی اربت کی .
- (2) یه بهکشو زیاده تر بوده دهرم کی شکشا حاصل کرنے نالند وشوردیالے آتے تھے اور یہھی رہ کر ادههیں کرتے تھے .
- (3) بھارت موں اِن بھکشوؤں نے بہت سی ہودھ کتابوں کا انوواد کیا اور بھتوں کو نقل کھا ،
- (4) اِن بھکشوؤں میں سے کنچھ بردھ مورتیوں کی تصویریں بڈاکر آئے ساتھ چیدن لیکے گئے جس سے چیدن میں بھارتی کلا کو کائی رواج ملا ۔ یہنت سے بھکشو آئے ساتھ مورتیاں بھی لے گئے ۔

ان چینی مسافروں میں سے کچھ نے اپنی یاتوا کا حال لکھ چھوڑا ہے ۔ اِنہیں کے آدھار پر یہ کہا جاسکتا ہے کہ اِن بودھ بھکشوؤں نے کہاں کہاں کہا کہا کہا، یو جو چینی بھکشو بھارت آئے اُن میں سے بہترس نے اِس طرح کا کوئی بیان نہیں لکھا ہے' اِس لئے تفصیل میں بہت کم بھکشوؤں کی زندگی کا سچا بھان ملتا ہے' نہجے اُن کجھ جھنی بھکشوؤں کے بارے میں لکھا جا رہا ہے جو جھن سے بھاوت آئے۔۔۔

شيه فاهمان

فامیاں چھن کے پنگ یاگ ضلعے کا رہلے والا تھا ،
تھن سال کی عمر میں أسے بودہ بهکشو بغالیا گیا ، أس
کے سیے میں یہ رواج تھا کہ جس آدمی کو بودہ بهکشو
کی دیکشا دی جاتی تھی أسے 'شیہ' یعنی 'شاکیہ پتر' کی
آیادھی ملتی تھی' اِس لئے فاھیاں بھی 'شاکیہ پتر'
یعنی 'شیہ' فاھیاں کہا جانے لگا ،

स्क्रियां के साइवत में

(माई गु. म.) (5)

शाम का वक्त था. एक पहाड़ी की कोटी पर एक खुदा के बन्दे के इद् गिर्ह कुछ लोग बैठे हुए थे. सब की आँखें हुबते हुए स्रज पर लगी हुई थीं. ज्यों ही स्रज हुब गया, उस खुदा के बन्दे ने अपना सर ऊँचा किया और आए हुए लोगों से पूछा—"यह खुशबू कहाँ से आ रही हैं ?" उन का यह सवाल सुनकर सुनने वाले खरा हैरानी में पड़ गए क्योंकि उन में से उस वक्त किसी को भी किसी किसम की खुशबू नहीं महसूस हुई थी. इस लिये उनमें से एक ने हिम्मत कर के थोड़ी देर के बाद जवाब दिया—''साहबे मन! यहाँ तो किसी किसम की खुशबू हमें महसूस नहीं हो रही."

"खूब रही". ख़ुदा के बन्दे ने कुछ मुस्करा कर कहा—
"तुम कहते हो किसी किस्म की ख़ुराबू तुम्हें महसूस
नहीं हो रही भौर मुक्ते तो क़रीब एक आध घंटे से हर एक
तरक से गुलाब के फूलों की ख़ुराबू ने सममो मस्त और
मतवाला कर दिया है."

"गुजाब के फूलों की ख़ुशबू ?" एक दूसरे की तरफ नजर करते हुए उनके आस पास बैठे हुए लोगों में से एक ने शक के लहजे में कहा.

"हाँ, हाँ." खुदा के बन्दे ने जवाब दिया-"गुलाब के फुलों की ख़ुशबू! मगर तुम लोगों ने तो सिर्फ बाहरी बाग के गुलाब क फूल ही देखे हैं. इसलिये तुम्हें तो किसी और क्रिस्म के गुलाब के फल का खयाल ही क्या आ सकता है. मगर हर एक इन्सान के अन्दर भी एक बाग़ है. वहाँ क्रिस्म किस्म के फल उगते हैं और उनकी खुशबू हर एक इन्सान को कभी न कभी महसूस होती ही है. जब वह किसी से सक्वी मुहब्बत करता है या किमी की सक्वाई से खिद्मत करता है या किसी के लिये दिल व जान से क़रबानी करता है उस वक्षत उसे इस अन्द्रूनी बारा के फूलों की खुशबू महसूस होती है अगरचे बहुत दफा वह उसे पहचान भी नहीं सकता. उसे एक अजीव किस्म को ख़शी मालूम होती है. मगर वह नहीं जानता कि इस खुशी का मूल उसके अपने दिल के बाग की खुशबू ही है. इन्सान की रूह क्या है ? अगर वह एक फूल नहीं जिसे खुदाबन्दताला ने अपने दिल के बारा में से उखाड़ कर उसके दिल में लगा दिया है, तो वह और क्या है. और मुहब्बत क्या है? इन्सान की रूह की ख़ुशबू, और जहाँ जहाँ श्रीर जब जब जैसे कि इस वन्नत तुम लोगों श्रीर मेरे बीच में बंधा है, एक रूहानी रिश्ता (दुनियावी रिश्ता नहीं) बंध जाता है तो उस बक्तत इस अन्दरूनी बारा के फूलों की ख़ुराबू कोगों को महसूस होती है."

موقوں کی صعبت میں

(بهائی گ . م .) (5)

شام کا وقت تھا ۔ ایک پہاڑی کی چوٹی پر ایک خدا یہ بندیے کے ارد کرد کچھ لوگ بیٹھے ھوٹے تھے ، سب کی نکھھی دوبتے ھوٹے سورے پر لگی ھوٹی تھھں ، جھوں نکھھیں دوبتے ھوٹے سورے پر لگی ھوٹی تھھں ، جھوں ہا اور آئے ھوٹے لوکوں سے پوچھا۔"' یہ خوشیو کہاں سے رھی ھے ا'' اُن کا یہ سوال سن کو سننے والے ڈرا حیرانی بیں چو گئے کیونکہ اُن صیب سے اُس وقت کسی کو بھی نہیں قسم کی خوشیو نہیں محصوس ھوٹی تھی ، اِس کے اُن میں سے ایک نے همت کر کے تھوڑی دیر کے بعد چواپ دیا ۔" صاحب من اُ یہاں تو کسی قسم کی چواپ دیا ۔" صاحب من اُ یہاں تو کسی قسم کی خوشھو ھمیں محصوس فروی ۔"

'' خرب رهی '' خدا کے بندے نے کچھ مسکرا کر لہا۔۔'' تم کہنے هو کسی قسم کی خرشیو تمہیں متحسوس مهدن هو رهی آرد مجھے تو قریب ایک آدھ گھنٹے سے هر ایک طرف سے گلاب کے پھولوں کی خرشیو نے سمجھو مست اور معوالا کر دیا ہے ۔''

'' گُلاُب کے پھولوں کی خوشعو ''' آیک دوسوے کی طرف نظر کرتے ہوئے ان کے آس پاس بیٹھے ہوئے لوگوں مھی سے آیک نے شک کے لہنچے میں کہا .

" هان اهان المحدا كے بندے نے جواب ديا -"كلاب کے پھولوں کی خوشبو! مگر تم لوگوں نے تو صرف باھری ہاغ کے گلاب کے یہول هی دیکھے هیں . اس لئے تمہیں تو کسی اور قسم کے کلاب کے پہول کا خیال می کیا آسکتا ہے . مگر هر ایک انسان کے اندر بھی ایک باغ ہے ، وہاں قسم قسم کے پہول اکتے هدی اور اُن کی خوشبو هر ایک انسان کو کہھے۔ ته کبھی محسوس هوتی هی هے ، جب ولا کسی سے سچی مصبت کرتا هے یا کسی کی سچائی سے خدمت كرتا ہے يا كسى كے لئے دل و جان سے قربانى كرنا ہے أس وقمت أسے اِس اندرونی باغ کے پھولوں کی خوشدو محسوس هوأن هے اگرچه بهت دفعه ولا أسے بهجان بهي نهين سكتا . أہے ایک عجیب قسم کی خوشی معلوم ہوتی ہے . مگر ور نہیں جانتا کہ اس خوشی کا مول اُس کے ایم دال کے هام کی خوشفوهی هے. اِنسان کی روح کیا هے ؟ اگر وہ ایک پہرل نہیں جس خداوندتعای نے آئے دل کے باغ میں ليے أكهار كو أس كے دل ميں لكا دياهے كو وہ أور كها هے ، أور معددت کیا ہے ؟ اِنسان کی روح کی خوشیو ، اور جہاں جهاں اور جب جب جیسے که اِس وقت تم لوگوں اور مورے بدی میں بددها هے ایک روحانی رشته (دنیاری وهده نهيل) بنده جانا هے تو أس وقت إس أندروني باغ کے پھولیں کی خوشدو لوگوں کو منتصوس ہوتی ہے ،'

बह दावत दिये वरीर नहीं रहता है. फिर इसरार मी करता है और अगर उसके घर पर पहुँच आओ तो इतनी खातिर और मदारात करता है कि बयान नहीं किया जा सकता. यानी पहले तो वह अपने घर के तमाम लोगों से परिचय कराता है छोटे बड़े, औरत मर्द सब से. फिर घर के सब लोग मेहमान की खातिर में जी जान से लग जाते हैं और वारी बारी से कहते हैं—आप ने हमें सर फराज किया है और हमारे घर को रोशन कर दिया है. कसम खुदा की आप की तशरीफ आवरी से हम लोगों को बड़ी बरकत हासिल हुई है. इस का जवाब उलट कर यही होता है. कि यह सब कुछ आप हजरात की बदीलत मुमे हासिल हुआ है. और यह कि यह सब कुछ आपकी खुश इखलाकी, मेहमां नवाजी और बंदा परवरी का करिशमा है वरीरा बरीरा.

मेजवान के घर के सब नर नारी, बालक चौर कन्याएं कब इस तरह चुल मिल जाती हैं कि मालूम होता है यह अपना ही सानदान हैं. छोटे बढ़े सब बेतकल्लुकी से बातें करने जगते हैं और अनिगनत सवालात करने लग जाते हैं, बहु,भारत को जानना चाहते हैं और भारत की हर चीज के बारे में जानना चाहते हैं. भारत कितना बड़ा मुल्क हैं, मारत में कितने लोग हैं, भारत में कितने बड़े शहर हैं, कितने छोटे हैं. भारत में अरबी बोली जाती है कि कोई दूसरी भाशा. दूसरी भाशा कैसी भाशा है, एक है कि कई भाशाय हैं. भारत सरकार और पाकिस्तान का क्या अगड़ा है. इस में कीन दोशी है कीन निर्दोश. भारत में मुसलमान कितने हैं गौर मुसलिम कितने. गौर मुसलिम भारतियों का मुखबमानों के साथ क्या बरताब है, यह लोग आपसी मान को क्यों नहीं खत्म करते. क्या उन मान्दों में श्रंगरेजों **डा भी हाथ है वग्रेरा वग्रेरा. वे शुमार** सवालात होते हैं कौर बनका जवाब देते देत मातका बन्द हो जाता है.

(बाक्री फिर)

"बह धन को एसके सिंहासन से हटा कर ईरवर के किये बोड़ी जगह खाली करे. मेरा ख्याल है कि ध्रमरीका का भविश्य क्षत्र बत है. लेकिन अगर वह धन की ही पूजा करता रहा तो एसका भविश्य अंधकारमय है, फिर लोग चाहे जो कहें. धन आखीर तक किसी का सगा नहीं रहा. वह हमेशा बेवका दोस्स साबित हुआ है."

---महास्मा गांधी

و دهومت دیگے بغیر نہیں رها ہے . پھر اصرار بھی کوتا ہے اور اگر اس کے گہر پر پہوتے جاو تو اللی خاطر اور مدارات کرتا ہے کہ بھاں نہیں کیا جاسکتا . سعلی پہلے تو وہ اپنے گھر کے تمام لوگوں سے پربیتے کراتا ہے کہوئے ہوئے ہوئے کو سب لوگ مہمان کی خاطر میں جی جان سے لگ جاتے میں اور باری باری سے کہتے میں — آپ نے همیر، سرفراز کیا آپ اور ممارے کہو کو روشن کو دیا ہے . قسم خدا کی آپ کی افرر ممارے کہو کو روشن کو دیا ہے . قسم خدا کی آپ کی نشریف آوری سے هم لوگوں کو یوی بوکت حاصل هوئی نے . اس کا جواب الت کو یہی هوتا ہے کہ یہ سب کھی نیا حضرات کی بدولت مجھے حاصل هوا ہے . اور یہ کہ بہ سب کھی آپ کی خوش اخلاقی' مہمان نوازی اور بندہ بروری کا کرشمہ ہے وفیوہ وفیوہ .

مهزیان کے قهر کے سب نر ناری الک اور القيائين كنهم أس طرح كهل مل جاتي هون له معلوم هرتا هے يه اپنا هي خاندان هے ، چهوائے ہوے سب نے تکلفی سے ہاتیں کرنے لکتے ھیں اور اور المحت سوالات كرني لك جاتم هيلي . وه بهارس كو جاندا چاہتے میں اور بھارت کی ہر چیز کے بارے میں جانا چاهتے هيں ، بهارت كتلا بوا ملك هے بهارت ميں كثنے وگ میں' بھارت میں کتنے ہوے شہر میں' کتنے جھوتے انیں ، بھارت میں عربی ہولی جاتی ہے که کوئی دوسری هاشا . دوسری بهاشا کیسی بهاشا هے ایک هے که کئے بهاشائهی ههی . بهارت سرکار اور یاکستان کا کها جهگوآ ہے ، اُس میوں کون درشی ہے کون نردوھی ، بھارت میں مسلمان کتنه ههی فیر مسلم کتنی ، فهر مسلم بهارتیس كا مسلمانوں كے ساتھ كيا بوتار هے علاق آيسي جهكتے و كيون نهيس ختم كرته . كيا أن جهكون مهر أنكريون ا بهى هاته هے وفير وفيرة به شمار سوالات هوتے هين أور ن کا جواب دیتے دیتے ناطقہ بند هوجاتا هے

(ہاقی پھر)

''وہ دھن کو اُس کے سلکھاسن سے ھٹاکر ایشور کے لئے تھوڑی جگہ خالی کرے ، مھرا خھال ہے کہ امریکہ کا بھوشیہ اُجول ہے ، لیکن اگر وہ دھن کی ھی پوچا کرتا رہا تو اُس کا بھوشیہ اُدھفکار سے ہے' پھر لوگ چاہے جو کہیں ، دھن آخھر تک کسی کا سکا نہیں رہا ، وہ ھیھٹہ پہوا درست ثابت ہوا ہے''.

--مهالما كاندهى

इलाज इसके मज़हब के हुक्स पर बलने में मौज़्द है और क्योंक वह मज़हब के हुक्स नहीं मानता इसकिये मुमीबतों और तकलीकों का शिकार है. मज़हब पर ठीक ठीक चलकर वह अपना मुमीबतों और तकलीकों को दूर कर सकता है और उसे हर तरह की सुल शांति भी मिज सकती है. हर मिस्नी यह मानता है कि दुनिया में उसी का मज़हब सच्चा है और सब भूदे. धम के मामने में इनी तरह को तंग खयाली हिन्दुस्तान के लोगों में भी मिजती है. यह विचार कहाँ तक सढ़ी है और कहाँ तक राजत है यह एक दूसरी बात है मगर दुनिया के तमाम मज़हबी लोगों में अपने धरम के मामले में इस तरह की विचार धारा जरूर पाई आती है.

इसके बावजूर मिस्र के लोग काकी आजार खयाल और काफी जिन्दा दिल हैं. अभी कल की बात है. मैं ट्राम पर सबार था. एक खातून (महिला) अपनी तेरह चौदह साल की लड़की के साथ ट्राम में सवार हुई. खातून को पीक्के की बेंच पर जगह मिल गई, लड़की खड़ी रही मेरे बाजू में ज्रा सी जगह थी. एक मिस्री ने इशारा किया और लड़की मेरे पास आकर बैठ गई. एक शेख ने कहा, जोड़ा अच्छा है. सबलोग खिल खिला कर हंस पड़े. एक दसरे अरब ने लड़की को मुखातिब करते हुए कहा-'तू इस हिन्दी से ज्याह कर ले. बड़ा आदमी मालूम होता है. तुमे गहनों से लाद् देगा'. पीछे से उलकी माँ ने कहा--'मुक्ते मंजूर है.' मैंन कहा—'लड़को मुक्ते विलकुत पसंद है. भाली भाली भी है भौर ख़बसूरत भी. मैं इसे हिन्द्स्तान ले जाऊंगा. खुदा के फ़ज़ल से मेर पाँच बेटे हैं. जिसको यह पसंद करेगी उससे इसका ब्याह करद्रा.' उसकी मां ने कहा - 'नहीं जनाव, मैं ता इसका ज्याहे आप ही से करूंगी.' इस बीच में पीछे की बेंच पर कुछ जगह खाली हुई. तद्की जो अवतक नीची निगाह किये हुए चुप चाप बैठी हुई थी, उठकर अपनी मां के पहलू में जा बैठी. एक मिस्रों ने कहा - 'शौहर ने मुँह नहीं लगाया तो भाग खड़ी हुई ? मैंने कहा — 'नहीं जनाव, यह मेरी बद किस्मती है. लड़की ने मुक्ते पसन्द नहीं किया. तभी तो वह मेरे पास से उठकर चली गई.' उसकी माँ ने कहा-निहीं नहीं यह बात नहीं है. लड़की बिलकुत राजी है. आजिर कुंत्रारी है ना ! जरा शरमाती है.

मिस्न के जोग निहायत सीधे सादे, निहायत मिलनसार, निहायत खुश इखलाक और मेहमाँ नवाज होते हैं. दिल्ली में में सुद्वतों रहा किसी एक मर्दे-खुदा ने मेरी दावत नहीं की, न किसी हिन्दू भाई ने न किसी मुसलमान ने. यह अलग बात है कि किसी दोस्त के यहाँ खाने के वहत पहुँचा तो खा किया, लेकिन मिस्न में जिससे भी मुलाकात होती है

اور کیا است کے مختم پر چاتے میں مہمود ہے اور اسکے مصبحبوں اور اسکی مصبحبوں اور اسکی مصبحبوں کو رہ اسکی اسکے مصبحبوں کو رہ اسکی اسکی مصبحبوں اور تکلیفوں کو دور کر سکتا ہے اور اسے محرس مصبحب میں سکتی ہے ۔ ہر مصرس می صابحا ہے کہ دنیا میں اُسی کا مذہب سجا ہے اور سب جہرتے ۔ دھرم کے معاملے میں اِسی طرح کی تلگ سب جہرتے ۔ دھرم کے معاملے میں اِسی طرح کی تلگ مخمالی مندستان کے لوگوں میں بھی ملکی ہے ۔ یہ وچار کہاں تک خاط ہے یہ ایک موسرس بات ہے مگر دنیا کے تمام مذہبی لوگوں میں اُنے دوسرس بات ہے مگر دنیا کے تمام مذہبی لوگوں میں اُنے دوسرس بات ہے مگر دنیا کے تمام مذہبی لوگوں میں اُنے دوسرس بات ہے میں اس طرح کی وجار دھارا ضرور پائی دوسرس ہے معاملے میں اُس طرح کی وجار دھارا ضرور پائی

آس کے باوجود مصر کے لوگ کافی آزاد خیال اور کافی زندلا دل هیں . ابھی کل کی بات ہے . میں ترام پر سوار تها . ایک خاترن (مهید) اینی تیره چوده سال کی لوکی کے ساتھ ترام میں سوار ہوئیں ، خاتوں کو پہچھے کی پلنے پر جگه مل کئی ، لوکی کهوی رهی، مهرے بازو میں فرا سی جگه تھی ایک مصری نے اشارہ کیا اور لوکی مورے یاس آکر بھٹھ گئی ، ایک شھٹے نے کہا جورا اجها هے . سب لوگ کولمکھلا کر شنس بڑے ایک دوسرے عرب نے لوکی کو مخاطب کرتے ہوئے کہا ۔۔ ' نو اس هندی سے پھالا کا لے' بوا آدمی معلوم هوتا هے، تجھے گہدوں سے لاد دے کا ، ا پینچھے سے اُس کی ماں نے کہا - - اسجھے منظور هے ، میں نے کہا ۔ اوائی مجھے بالکل یسلد ھے . بهولی بهانی بهی هے اور خریصورت بهی . مهن اِسے هددستان لے جاونکا ، خدا کے فضل سے میرے پانیے بہتے ھھوں ، جس کو یہ پسند کرنے کی اُس نے اس کا بھالا کر ہونگا ،' اس کی ماں نے کہا ۔۔' نہیں جناب' میں تو اس کا بیاه آپ هی سے کرونگی ، اس بیچ مهن پهنچه کی بدیم پر کچه جگه خالی هوری . لوکی جو آب تک نهجي ناه کئے هوائے چپ چاپ بيتهي موثي تهي، اتهمر اپنی ماں کے پہاو میں جا بیٹھی ایک مصری نے قها -- شرهر نے منه نهیں المایا تو بهاک کهوی هوای ، مهن نے کہا ۔۔ انہیں جذاب یہ میری بدقستی ہے . لوکی نے مجھے پسات نہیں کھا ۔ تب ھی تو وہ مھرے پنس سے اُٹھکر چلیگئی . ' اس کی ماں نے کہا ۔۔' نہیں نهين يه بات نهين هے ، لوكي بالكل راسي هے ، آخر کلیاں ہے تا! درا شرماتی ہے ؟

مصور کے لوگ نہایت سیدھے سادے نہایت مللسار' نہازمیں خوص اخلق اور مہماں نواز ہوتے میں دائی مہری میں مدتوں وہا کسی ایک مود خدا نے میوی دعوت نہیں کی' نے کسی هلدو بہائی نے نہ کسی مسلمان نے ، یہ انگر بات ہے کہ کسی دوست کے یہاں کہانے کے وقت یہونچا تو کہا لہا لہکن مصر میں جس سے بھی مالاناتھوتی ہے

रहनावे बोढावे धौर रहन सहम में कोई चीज भी नी या इसलामी बाक़ी नहीं रही है. यहां तक कि रंग ं भौर विचार भी पश्चिमी सांचे में ढल गए हैं. शायरी. प्रकारी, लित कला, आर्ट और तिट्रेचर भी योरप के में रंग गया है. लेकिन रारीब मजदूर, किसान श्रीर म लोगों में अभी तक पूरवी पन और इस्लामा तहज्ज रंग नुमायां है, अगरचे पिछ्छम के असर से विलक्कल ली नहीं है. खास कर श्रीरतों की रिहाइश, घरलू लिवास र रहन सहन पर मजहब का गहरा असर पड़ा है. फिर जब यह श्रीरतें बाहर निकलती हैं तो पूरव का असर धनके रंग ढंग और लिबास से बड़ी हद तक नुमायां ा है. परदे का रिवाज उस शक्ल में, जो कि हिन्दुन्तान मुस्लिम औरतों में पाया जाता है, यहां नहीं है. फिर यहां जिसको परदा कहा जाता है वह यहां के आम के की औरतों में आमतौर पर देखा जाता है. उसकी क्त यह होती है कि झीरतें एक काली चादर थैले की क्त में बोद लेती हैं, जिससे जिस्म का बेशतर हिस्सा ं जाता है. सिर्फ दोनों पिंडलियों का कुछ हिस्सा, ों हाथ और मुंह खुला रहता है. बहुत सा कीरतों मंह बिलकुल खुला रहता है, बहुत सी बारितें जाली मुंह पर इस तरह रखती हैं कि नाक स र का आधा चेहरा तो विलकुल खुला रहता है और को सिरेपर एक पड़ी होती है जिसमें एक जाली कती रहती हैं जो चेहर के निचले हिस्से को किसी झदर ह सेती है. अगरचे जाली इतनी छिछली और महीन ी है कि चेहरा फलकता रहता है. बस यही परदा है र यही पच्छमी या इसलामी कलचर.

कत्वयर के सिल सिले में यहाँ कुछ वी जें एक दूमरे से इत बलटी देखने में आती हैं. एक तरफ तो मिस्री वे बहुक सनीमा, थेटर, अधनंगे नाच गाने और शराब लारी के मैदान में एक दूसरे से आगे जाते हुए नजर आत हैं और दूसरी तरफ नमाजियों का हजूम भी कुछ कम नहीं होता. इसी तरह हज करने वालों की तादाद भी तमाम दुनिया के मुसलमानों से जियादा मिस्री मुसलमानों की होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली हाजियों की गिनती के बराबर. हालांकि गिनती में किमहुं साकिस्तान के मुसलमानों से मिस्री आधे से भी कम हैं किर पाकिस्तान के मुसलमानों से मिस्री आधे से भी कम हैं

इससे जियादा अचरज की चीज मिस्तयों की जहनियत जीत विचार हैं. एक शख्स जिसकी मजहब से कोई अनाब नहीं यह यह सममता है कि मज़हब के बग़ैर वह विचया नहीं रह सकता. न वह जिंदा रह सकता है न

کے بیشارے اوزھاوے اور رہن سین میں کوئی جھڑ بھی پورہی یا أعلامی ہاتی تبھی رهی ہے ۔ یہاں تک که رنگ دهنگ اور وچار بهی پچهسی سانچے میں دَهل كُلِّي هيس . شاعري عدركاري للت كلا أرق أور للريجر بھے یورپ کے رنگ میں رنگ گیا ھے ۔ لیکن غریب مزدرر' کسان اور عام لوگوں میں ابھی تک پورٹی پن اور اسلامی تهذیب کا رنگ نمایاں ہے اگرچہ بجهم کے اثر سے بالکل خالے نبھور ھے ، خاص کر مورتوں کی رمائش' گھریلو لباس اور رهن سهن پر مذهب کا گهرا اثر پوا هے . پهر پهی جب یه مورتین باهر نکلتی هین تو پررب کا آثر بهی ان کے رنگ ڈھلگ اور لباس سے بوی حد تک نمایاں هوتا ہے ، پردے کا رواج اُس شکل میں جو که هندستان كى مسلم عورتوں ميں پايا جاتا هے' يہاں نہيں هے ، بهر بھی یہاں جس کو پردہ کہا جاتا ہے وہ یہاں کے عام طبقے كى عورتوں ميں عام طور پر ديكها جاتا هے . اسكى شكل يه هوتي هے كه مورتيس ايك كالى چادر تهيلے كى شكل مهن أروّه لهتی ههن جس سے جسم کا بیشتر حصه قمک جاتاً هِ . صرف دونون يقدنهون كا كنيه :هصع دونون هاته أور مقع كهلا رهتا هے . يهت سي مورتوں كا مقه بالكل كها رها هـ بهت سي مررتين ايك جالي مله ير أس طرح رکهتی هیں که ناک سے اوپر کا آدھا چہرہ تو بالکل کھلا دعتا ہے اور ناک کے سرے پر ایک بتی ہوتی ہے اجس میں ایک جالی لٹکٹی رہتی ہے جو چہرے کے نچاہے حصے کو کسی قدر دھانک لیعی هے . اارچه جالی اتنی چهچهلی اور موهن هوتی هے که چهره جهلکتا رهتا هے . بس يهي پرده هے أور يهي بجهمي يا اسلامي كلچر.

کلچر کے سلسلے میں یہاں کچھ چیزیں ایک دوسرے
سے بہت اُلٹی دیکھئے میں آتی ہیں اُلک طرف تو
مصری بے دعرَک سفیما' تھیٹر' ادھ ننگے ناچ گانے اور
شراب خوری کے میدان میں ایک دوسرے سے آئے جاتے
ہوئے نظر آتے ہیں اور دوسری طرف نمازیوں کا هجوم بھی
کچھ کم نہیں ہوتا ، اسی طرح حج کرنے والوں کی تعداد
بھی تمام دنھا کے مسلمانوں سے زیادہ مصری مسلمانوں
کی ہرتی ہے ، یعنی ہفدستان اور پاکستان کی ملیجلی
حاجیوں کی گفتی کے ہواہر ، حالانکہ کفتی میں هندستان
کے مسلمانوں سے مصری آدھے سے بھی کم ہیں اور پاکستان
سے ایک چوتھائی سے بھی کم ہیں اور پاکستان

اس سے زیادہ اچرے کی چیز مصریوں کی ذعلیت اور وچار ھیں ایک اشخص جس کو مذہب سے کوئی لااز نہیں وہ یہ منجہتا ہے کہ مذہب کے بغیر ود زندہ نہیں وہ سکتا ، نہ وہ زندہ وہ مکتا ہے نہ اس کی قیم ، اسکی تمام مصیبتوں اور تکلیفوں کا

and the same

यहां कम गिनत जातियों के साथ बहुगिनत जाति का वरताय बहुत क्दार और इमद्दांना है. क्रिक्ती अपनी आबादी के हिसाब से नौ शीसदी हैं सेकिन सरकारी नौकरियों में इनकी गिनती 30 शीसदी है और बड़ी से बड़ी कगहों पर भी इसी हिसाब से वह काम करते हैं.

मिस्न का बजट 231 मित्तयन पौंड का है जिसके 3234,000,000 रुपए होते हैं. इस में से 1148,000,000 रुपया देश बचाव पर खर्च होता है और 448,000,000 शिक्षा पर, 252,000,000 तन्दुकस्ती पर और बाक़ी दूसरी मदों में.

मिस्न में चार यूनिवरसिटियां, 28 का तिज और क्ररीय पांच इकार के प्रायमरी मिस्ति और हाई स्कूल हैं. सरकारी का लिजों और स्कूलों में इस वक्त 15 लाख वा तिब-इल्म या विद्यार्थी पढ़ते हैं. नई पंच साला स्कीम के मातहत इनकी गिनती 50 लाख की होगी.

इन स्कूलों और कालिजों के भलाबा भल-भजहर यूनियरसिटी के मातहत भी कई कालिज और बहुत से स्कूल हैं. फिर बहुत से प्राइवेट स्कूल कालिज भी हैं.

मिस्र के सरकारी अस्पतालों में 50 हजार मरीकों के लिये चारपाईयां हैं. 25 हजार ग़ैर सरकारी अस्पतालों में हैं.

मिस्न में तीन सौ से कुछ अपर मुखतिक सोसाइटियां भीर क्ल के हैं जिनमें बहुत सी सोसाइटियां ऐसी हैं जिनकी शाखें किस्न के हर हिस्से में फैली हुई हैं. यह सोसाइटियां तरह तरह के प्रोप्ताम और मक्रसदों के मातहत काम करती हैं. राज काजी, समाजी, आर्थिक, धार्मिक, तिजारती, सम्बाती हर क्रिस्म के काम. इन सोसाइटियों में बहुत सी सोसाइटियां और तोतों, बच्चों, बूढ़ों, लंगड़ों, ल्लों, अन्धों, बहरों, नादारों और रारीबों की इमदाद और सहायता भी करती हैं. इनके लिये साना कपड़ा भी मुहैया करती हैं और मुनासिब काम भी. फिर रारीब तबक्रे के दूध पीते बच्चों की देखभाल और आम बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिये भी इन सोसाइटियों का इन्तजाम काबिले कह है. इसी तरह बहुत सी सोसाइटियां रारीब खानदानों की मुनासिब मदद भी करती हैं और कुछ मजहबी, इस्रलाक़ी और कलचरी सुधार भी.

मिस्न का समद्दुन, तह जीन, संस्कृति और कल वर विस कुत बदल गया है, उने तब्क़ के लोग और बीच के दरजे के लोग सब के सब पिष्कुमी तह जीव, पिष्कुमी रहन सहन और पिष्कुमी सिवास को ज्ञयना चुके हैं. महों के लिवास में सिर्फ तुरकी टोपी तुरकों के राज के जमाने की बाद दिला रही है लेकिन उने तबक़े की और नीचे के तबक़े की जीरतों ر کو الفیص جاتھوں کے ساتھ بھوگفیت جاتی کا برتاؤ بہت اور اور همدردانہ ہے ۔ قبطی اپنی آبادی کے حساب سے نو سکی ہیں ای کی گفتی سکاری نوکریوں میں ای کی گفتی آبادی ہے اور بوی سے بوی جگہوں پر بھی اِسی ساب سے وہ کام کوتے هیں ۔

مصر کا بجت 231 ملین پرنڈ کا هے جس کے 3234,000,00 روپے ہوتے ہیں . اس میں سے 3234,000,00 روپی دیھی بیچار پر خرچ ہوتا ہے اور 448,000 شکھا پر' 252,000,000 تلدرستی پر بائی دوسری مدوں میں ،

مصر میں چار یونیورستیاں ' 28 کالم اور قریب ہے ہوار کے پرآئسری میں اور هائی اسکول هیں ، سرکاری میں اور اسکولوں میں اس وقت 15 لائه طالب علم یا بارتھی پڑھتے هیں ، نثی پلیج سالہ اسکیم کے مانتصت ان گفتی پنچاس لاکھ کی ہوئی ،

ان اسکولوں اور کالجوں کے علوہ الازهر یونهورستی ماتصت بھی کئی کانچ اور بہت سے اسکول ھھں ، بہت سے پراٹھویت اسکول کالیج بھی ھھں ،

مصر کے سرکاری اسپتالوں میں 50 ہزار مریقوں کے چارپاٹیاں ہیں ۔ 25 ہزار غیر سرکاری اسپتالوں میں ،

مصر میں تین سوسے کچہ اوپر متکلف سوسائٹھاں ایسی هیں کئی میں جن میں بہت سیسوسائٹھاں ایسی هیں کئی میں جن میں بہت سیسوسائٹھاں ایسی هوئی کی شاخیں مصر کے هر حصے میں بہیلی هوئی ماتصح کام کرتی هیں ، واج کاجی' سماجی' آرتیک' بہیت سی سوساٹیاں عورتوں' بچوں' بوزعوں' للگورں کا اندھوں' بہروں' ناداروں اور فریبرں کی امدان اور سیایٹا کرتی هیں ، ان کے لئے کہانا کپڑا بھی مہیا کرتی اور مطاسب کام بھی ، پھر غریب طبقے کے دودھ بیچوں کی دیکھ بھال اور عام بچوں کی پڑھائی ایکھورں کی دیکھ بھال اور عام بچوں کی پڑھائی مورح بہت سی سوسائٹیاں فریب خاندانوں کی طرح بہت سی سوسائٹیاں فریب خاندانوں کی شیب مدد بھی کرتی هیں اور کچھ مقدی ' اخلائی احتوال میں سیسائٹیاں فریب خاندانوں کی شیب مدد بھی کرتی هیں اور کچھ مقدی' اخلائی

مصر کا تمدن تہذیب سفسکرتی اور کلتور بالکل گیا ہے اونتھے طبقے کے لوگ اور بیچ کے درجے کے سب بچھمی تہذیب بچھمی رهن سهن کھنی لیاس کو ایفا جکے هیں ۔ مردوں کے لباس صرف ترکی ترکین کے راج کے زمانے کی یاد دلا ، لیکن اونچے طبقے کی اور نہیے کے طبقے کی عورتین الیکن اونچے طبقے کی عورتین

Surveyed the second of the sec

के द्दारस आफ लार्ड स को हैं. हाँ, मिस्न के बादशाद के अधिकार इंग्लैंड के बादशाद के अधिकारों से कुछ जियादा हैं. बेकिन इन एखतियारों का इस्तेमाल करने की बादशाद को न तो जरूरत पड़ती हैं और न इसकी फुरसत मिलतां है.

भाम सदन की बहुगिनत पारटी का लीहर प्रधान पंत्री चुना जाता है और दूसरे सब मंत्री प्रधान मंत्री की प्ररक्त से चुन लिये जाते हैं और उस समय तक वजीरी कुरसियों पर डटे रहते हैं जब तक कि भाम सदन में चनकी पारटी का बहुमत होता है और जब तक यह बहुमत उन पर विश्वास करता है.

इस वक्षत हकूमत की बागडोर वक्ष्य पारटी के हाथों में है. वक्ष्य पारटी की मिस्न में वही हैसियत है जो हिन्दुस्तान में कांगरेस की. वक्ष्य पारटी के सब से बड़े लीडर मरहूम साद पाराकोल बाशा माने जाते हैं. उनकी इज्जत मिस्न बालों के दिलों में वही थी और है, जो हिन्दुस्तान में मरहूम गांधी जी की थी और है. इस समय वक्ष्य पारटी के लीडर मुस्तका नहास बाशा हैं. उनकी हैसियत मिस्न में वही है जो हिन्दुस्तान में पंडित जवाहर लाल नेहरू की है.

मिस्री हकूमत के अदालती क्रानुन जियादातर फान्स से किये गए हैं या फिर स्वीटजरलेंड और इंगलेंड से. हां, परसनत ता सिर्फ मुसलमानों के लिये हैं और इसलामी इंग से बनाया गया है. यह क़ानून सिर्फ मुसलमानों के निकाह, तजाक, विरासत का बँटवारा और वक्षफ (इस्ट) तक सीमित है. यह परसनल ला बहुत कुछ हिस्दुस्तान के मोइमडन ला से मिलता जुलता है. फर्क बस इतना है कि हिन्दस्तान में मोहमहन ला से सम्बन्ध रखने वाले मुक्कदमों का फ़ैसला भी जाम जवातत में होता है लेकिन मिस्न में इसके लिये खास अदालतें हैं. इन खास अदालतों में धाम क्षजों की जगह शरियत के माहिर क्राजी होते हैं भीर इनके क्रीसते आखरी माने जाते हैं. इन काजियों के पास दसरे मुक्तदमे जाते भी नहीं हैं. आम अदाखतों का इन्तजाम वैसा ही है जैसे हिन्दुस्तान का है यानी पुलिस कोर्ट, सोबर कोर्ट, हाई कोर्ट वरौरा में भी उसी तरह का काम होता है जैसे हिन्दुस्तान में होता है.

मिस्न का रक्तवा चार लाख मुरव्या मील के करीव हैं जिसमें सिर्फ चार फीसदी जमीन पर खेती वाड़ी हो सकती है. बाक़ी जमीन रेगिस्तान है. मिस्न में बारिश न होने के बरावर होती है. खेती दरियाए नील के पानी से होती है. आवधारी का इन्तजाम अच्छा है और इसमें और मं। तरक्षकी हो रही है.

मिंख की इस कावादी करीब दो करोड़ के हैं जिनमें 18 कास किन्दी, दो सास विदेशी और बाक्री मुससमान हैं. اِس آف لاردس کو هیں . هاں' مصر کے بادشاہ دهیکار انگلینڈ کے بادشاہ کے ادهیکاروں سے کچھ هیں . لیکن ان اختیاروں کا استعمال کرنے کی د کو نہ تو ضرورت پوتی ہے اور نہ اُس کی فرصت ہے .

ام سدن کی بہوگئت پارٹی کا لیڈر پردھان ملتری جاتا ہے اور دوسرے سب منتری پردھان مبلتری کی سے چن لئے جاتے ھیں اور اُس سمے تک وزیری اِس پر ڈٹے رہتے ھیں جب تک که عام سدن میں یارٹی کا بہومت ھوتا ہے اور جب تک یه بہومت وشواس کرتا ہے .

س وقت حکومت کی باک دور وفد پارٹی کے عاتهوں ہے ، وفد پارٹی کے عاتهوں ہے ، وفد پارٹی کے سب سے بڑے بتان میں کانگریس کی ، وفد پارٹی کے سب سے بڑے مرحوم سعد فلول باشا مانے جاتے ھیں ، اُن کی مصر والوں کے دانوں میں وھی تھی اور ہے ، اس بتان میں مرحوم گندھی جی کی تھی اور ہے ، اس رفد پارٹی کے لیڈر مصطفی نتحاس باشا ھیں ، اُن کی مت مصر میں وھی ہے جو ھندستان میں پندت بال نہرو کی ہے ،

مصری حکومت کے عدالتی قانون زیادہ تر فرانس نے کئے ھیں یا پھر سوئٹزرلینڈ اور انکلینڈ سے ۔ ھان' ل لا صرف مسلمانوں کے لئے ھے آور اسلامی دھنگ بایا گها هے ، یہ قانون صرف مسلمانوں کے نکام طاق ا ، كا بتوارة اور وقف (ترست) تك مهست هي . يه ل بہت کچھ مندستان کے مصدق لا سے ملتا ه . فرق بس أتنا ه كه هندستان مهن محمدن لا مهده وكهني والے مقدموں كا فيصله يهى عام عدالت هوتا هے لهکن مصر ميں اس کے لیے خاص عدالتيں و إن خاص عدالتون مهي عام جعون كي جگه ت کے ماہر قاضی ہوتے میں اور اُن کے نیصلے آخری جاتے ھیں . اِن قاضهوں کے پاس درسرے مقدمے جاتے نهين هيي . هام عدالتون كا أنتظام ويسا هي ه ا هندستان کا هے یعنی پولیس کورت کورت کورت كورت وفهولا مهل يعي أسى طرح كام هوتا ه جيس متان میں هوتا ھے .

مصر کا رقبہ بھار لاکھ مربع میل کے قریب ہے جس صرف بھار فیصدی زمین پر کھیٹی بازی ھو سکتی باتی زمین ریگسٹان ہے ، مصر میں بارش نه ھوئے برابر ھوتی ہے ، کھیٹی دریائے نیل کے پانی سے ھرتی ب پاشی کا انتظام اچھا ہے اور اس میں اور بھی ھو رھی ہے ،

مصور کی کل آیا ھی قریب ڈو کروڑ نے بھا جن میں کہ قبطی' دو لاکہ ودیشی آور یاقی مسلمان ھیں ۔

मोलाना अब्दुक्षा मिस्री का खत—क्राहिरा से

त्यारे पंडित सुन्दरलाल,

अपने पिछले खत में मिस्न का कुछ हाल लिख चुका [. इस खत में भी कुछ हाल लिख़्ँगा. यों अगर लिखा ताय तो यहाँ के एक एक विशय, एक एक चीज पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है, हो सकता है आगे चलकर में यहाँ की चीजों पर बहुत तकसील से लिखू पर अभी तो तैं बहुत कुछ न लिखकर बहुत थोड़े में कुछ लिख रहा हूँ.

मिस्र बीच पूरव के देशों में बहुत उन्नति शील देश है. शिच पूरव के दूसरे कई देशों की तरह यह भी "इसलामी" शि कहलाता है. यहाँ की सरकार भी इसलामी कही जाती है. लंकिन दर असल इसको इसलाम से महन्त नाम का जगाव है. (मस्न की सरकार का ढांचा तीन अहम जुनों शानी तत्वों से बना है. इसका विधान तो इंगलेंड का है, अदालती और पुलिस क़ानून फ्रान्स और स्वीटजरलेंड के हैं और 'परसनल ला' इसलाम. का है.

मिस्न की हकूमत का उपरी ढाँचा इस मानी में इंगलैन्ड से बहुत कुछ मिलता जुलता है कि यहाँ भी हकूमत की सब से ऊँचा गई। पर हिज मेजेस्टी शाह कारूक बिराजते हैं और बहुत आन बान और शान के साथ बिराजते हैं और मिस्नी सरकार का सब काम काज हिज मेजेस्टी के नाम से होता है. अगरचे सब काम दूसरे लाग ही करते हैं जैसे इंगलैन्ड में होता है.

सोच विचार और कायदे कान्न बनाने के लिये इंगलैन्ड के हाउस आफ कामन्स और हाउस आफ लार्ड स की तरह यहाँ भी दो सदन हैं. एक आम सदन और दूसरा खास सदन आम सदन के मेन्बरों की गिनती 319 आर खास सदन के मेन्बरों की गिनती 319 आर खास सदन के मेन्बरों की गिनती 180 है. आम सदन के तमाम मेन्बर चुनाव से आते हैं और खास सदन के आधे मेन्बर चुनाव से और आधे सरकार की तरफ से नामजद होकर. चुनाव में राय देने का इक यहाँ सिर्फ बालिश मदौं को है औरतों को नहीं. औरतों को राज काजी मामलों में भी कोई दखल नहीं है, आगर के औरतों यहाँ काफी पदी लिखी और आश्राह है.

आम सदन की उमर पाँच साल की और खास सदन की दस साल की रक्खी गई है. आम सदन को वह सब अधिकार हैं जो इंगलैन्ड में हाउस आफ कामन्स की हैं. मिस्र के खास सदन को भी वही एखतियार हैं जो इंगलैन्ड

مولانا عبدالله مصری کا خط—قاهره سے

بهارے یندت سندر لال'

افي پچھلے خط ميں مصرکا کچھ حال لکھ چکا ھوں. اس خط ميں بھی کچھ حال لکھوں کا ، يوں اگر لکھا جائے تو يھاں کے ايک ايک وشے ايک ايک چھڑ پر بھت بھچھ لکھا جا سکتا ھے ، ھو سکتا ھے آئے چل کر ميں يھاں کی چھڑوں پر بھت تنصيل سے لکھوں پر ابھی تو ميں کچھ لکھ مھیں بھت کچھ نے لکھکر بہت تھوڑے ميں کچھ لکھ رہا ھوں ،

مصر بیچ پورب کے دیشوں میں بہت اُنتی شیل دیش ہے۔ بیچ پورب کے دوسرے کئی دیشوں کی طرح یہ بھی '' اسلامی '' دیش کہلاتا ہے ۔ یہاں کی سرکار بھی اِسلامی کہی جاتی ہے ۔ لیکن دراصل اسکو اسلام سے متحض نام کا لگاو ہے ۔ مصر کی سرکار کا ڈھانچا تیں اہم جزوں یعلی تلاووں سے بنا ہے ۔ اِس کا ودھاں تو الکلیفڈ کا ہے' مدالتی اور پولیس قانوں فراسس اور سوئٹڈرلیفڈ کے میں اور پولیس قانوں فراسس اور سوئٹڈرلیفڈ کے میں اور پولیس کا اسلام کا ہے ۔

مصر کی حکرمت کا اوپری تعانچه اس معنی میں الگذیند سے بہت کچھ ملتا جلتا ہے که یہاں بھی حکومت کی سب سے ارنچی گدی پر هز مجستی شاہ فاروق براجتے هیں اور مصری سرکار کا سب کام کاج هز مجستی کے نام سے هوتا ہے ، اگرچہ سب کام دوسرے لوگ هی کرتے هیں جیسے انگلیند میں هوتا ہے .

سوچ وچار اور قاعدے قانون بقانے کے لئے انگلینڈ کے جا اوس آف کامنس آور ہاؤس آف لارڈس کی طرح یہاں بھی جو سدن ھیں ، ایک عام سدن اور دوسرا حاص سدن ، عام سدن کے ممہروں کی گفتی 319 اور خاص سدن کے ممہروں کی گفتی 180 ھے ، عام سدن کے تمام ممہر چفاو ہے آتے ھیں اور خاص سدن کے آدھے ممہر چفاو سے اور آدھے سرکار کی طرف سے نامؤد ھوکر ، چفاو میں وائے دینے کا حق یہاں کی طرف سے نامؤد ھوکر ، چفاو میں وائے دینے کا حق یہاں کی معاملوں میں بھی کوئی دخل نہیں ، عورتوں کو واج گاجی معاملوں میں بھی کوئی دخل نہیں ھے' اگرچہ عورتیں یہاں کافی پڑھی لکھی اور آراد ھیں .

The state of the s

मुल्क के वास्क्र एक इनकलाव व्यक्तिसम्बद्ध होंग से बाव से बाप हो जायेगा.

हमें यक्त न है कि श्राहिंसारमक इनकता म करना हिन्दु-स्तान की मिट्टी की तासीर है. हिन्दुस्तान के लोगों ने श्राहिंसा के जरिये दुनिया की सबसे बड़ी हुकूमन की जत्म कर दिया, वही लोग उसी श्राहिंसा या सत्याग्रह के जरिये विरोधी सरकार या ताक नों को श्रापन प्रेम श्रीर सेवा से जीत कर हिन्दुस्तान के श्रान्दर किसान मज़दूर का सच्चा स्वराज कायम करेंगे. यही वह संदेसा है जिसकी तमना श्राज दुनिया हमारे हिन्दुस्तान से कर रही है. यह संदेसा श्रामली तौर से देना हिन्दुस्तान के जीवन का मक्रसद हमेशा से रहा है श्रीर हमेशा तक तक रहेगा.

—सुरेश रामभाई

ملک کے النّدر ایک القلاب اهلسالمک کاملگا سے آب سے آ آب هو جالیکا .

همه یقه هے که اهمسانیک انقلاب کرنا هلدستان کی متی کی ناثیر هے . هلدستان کے لوگوں نے اهلسا کے فریعے دنیا کی سب سے بڑی حکومت کو ختم کردیا وهی لوگ اُسی اهلسا یا ستیاگرہ نے فریعے ورودعی سرکار یا طاقتوں کو افیے پریم اور سیوا سے جیت کر هلدستان کے اندر کسان مزدور کا سجا سوراج گائم کریلگے ، یہی وہ سلدیسه هے جسکی تملا آج دنیا همارے هلدستان سے کر رهی هے . یه سلدیسه عملی طور سے دنیا هلدستان کے جیوں کا مقصد همهه سے رها هے اور همیشه تک رعیکا .

--سریش رام بهائی

घास के एक तिनके ने कहा ---

(ख्लील जिन्नान)

धास के एक तिनके ने पतमाड़ में माड़े पत्ते से कहा— "तुम गिरते समय शोर क्यों मनाते हो ? तुम्हारे इस शोर ने मेरे सुन्दर सपने को तोड़ दिशा है."

पत्ता गुस्से में भाकर बोला—"श्रो नीन, पस्ती में रहने बाले, संगीत से बेबहरा, निड्लिड़े तिनके! जब तू अंबी हवा में नहीं रहता, तो राग की लय की क्या जाने ?"

फिर पतमड़ में गिरा हुआ पत्ता जमीन पर सो गया जीर जब बहार आई तो उसकी आंख खुली पर अब वह घास का एक तिनका बन चुका था!

जब पतमाड़ आया और उस पर दूसरे पत्ते गिरने लगे सी इस ने धीरे से कहा—

"यह पतमुद्ध में गिरे पत्ते कितना शोर मवाते हैं और औरी मीठी नींद भंग कर देते हैं.''

श्रनुवादक—बेनी मांधव

گھاس کے ایک تنکے نے کہا۔۔ (خلیل جہران)

کھاس کے ایک تلکے نے پتجھو میں جھوے پتے سے کہا۔۔''تم گرتے سے شور کیوں مجاتے ہو؟ تمهارے اِس شور نے میرے سندر سینے کو تور دیا ہے .''

پتا فصے اسیں بہر کر بولا۔۔۔''او نیچ' پستی میں رہنے والے' سنگیت سے یہ بہرہ' چڑ چڑے تنکے! جب تو اونچی ہوا میں نہیں رہتا' تو راگ کی لے کو کیا جائے؟''

پهر پتجهو میں گراهوا پته زمین پر سو گیا اور جب بهار آثی تو اُس کی آنکه کهای پر اب وه گهاس کا ایک تنک بن چکا تها!

جب پھر یتجھو آیا اور اُس پر دوسرے یتے گرنے لکے تو اُس نے دھیرے سے کہا۔۔۔

''یت ہتجہو میں کرے پتے کتنا شور مجاتے میں اور مہری میتھی نیند بہنگ کردیتے میں۔''

انورادك-يىلى مادهو

पर और पूरी हैमानदारों के साथ नहीं अपनाया जाता तो कम्यूनिजम हिन्दुस्तान में आकर ही रहेगा. उसका आना लाजमी है, क्यों कि जनता के पास कोई दूसरा बारा नहीं है. आज जनता बेहाल है, बेचैन है, आधी जागी हुई है, उसके पास अपना नेता नहीं है. हुकूमत या लोकशाही या बाक्षायदा इन्तजाम के नाम पर जो चील चलरही है उससे मुल्क के अंदर अंधेर और आफत मची हुई है. इनको दूर करने के लिये जनता कम्यूनिजम को खुली दावत देती है."

भाज बद्किस्मती यह है कि हुकूमत और पढ़े लिखों का मुँह पिछ्छम को है तो जनता का पूरव को. दोनों एक दूसरे से मिलते ही नहीं. पंडित जयाहर लाल तक ने क्रबृल किया है कि पिछले चार बरस में जापस की यह खाई बढ़ी है, लूब बढ़ी है. इसिलये पहली जरूरत तो इस बात की है कि जनता के अन्दर अपना विश्वास पैदा किया जाये, और जो कुछ भी किया जाये सच्चे जी से किया जाये.

किशोर लाल भाई चेतावनी देते हैं-

" हम क़द्म क़द्म भले चलें, लेकिन झगर यह क़र्म ऊपरी दिल से चठाए जाते हैं तो कम्यूनिस्टों की बाद रोके नहीं ठकेगी. और चूँकि आज की हालत कुछ ऐसी नहीं है जिसे क़ायम रखने के लिये कोई भगवान या मालिक से दुआ करें, इसलिये यह बाद पूरी ताक़त से आयेगी और अपने गस्ते में पड़ने वाली हर चीज को कहीं का कहीं चखाड़ फेंकेगी."

यह असितियत है. भूके को रोटी चाहिये. अगर कम्यू-निस्ट यह रोटी देता है तो भूका उसके साथ है, अगर सत्याप्रही देता है तो उसके साथ है. अगर दोनों देते हैं तब वह ज़रूर कुछ सोच विचार में पड़ेगा. लेकिन जहां तक मौजूदा सरकार की बात है उसके ऊपर इतिमनान शायद ही किसी को बाकी हो. भूके का भगवान रोटी में है, न कम्यूनिजम में, न सर्वोदय में.

y x x

आगे के बारे में कुछ भी कहना जियादती है. मन के अहू फोड़ने से भी काम नहीं चलता है. लेकिन जहां आज की हालत से हमें बेचैनी होती हैं वहां खुशी यह होती हैं कि सर्वोदय केवल एक विचार ही नहीं है, उसके मानने वाले मैदान में उतर आये हैं. गांधी जी की जिन्ह्गी ही सर्वोदय का एक आजा नमूना थी. लेकिन उनके पैरोकार बड़ी खूबी के साथ इस तरफ क़दम बढ़ा रहे हैं. विनोवा जी का पैदल घूमना और मू-दान-यह में शरीक होने के लिये हर रारीब अमीर से अपील करना एक ठीस क़दम है. उनका कहना है इससे एक हवा वंध जायेगी जिससे इस

پر اپر اپری ایمانداری کے ماتھ نہیں ایکایا جاتا تو اور کی دوسرا میں آئر ھی رھیا ، اُس کا آتا لاز-ی ہے کیونکہ جلتا کے پاس کوئی دوسرا جارہ نہیں گے، آبھی جائی ہوئی ہے، آبھی ہے، جائی ہوئی ہے، اُس کے پاس اینا نیتا نہیں ہے . حکومت یا لوک شاہی یا باقاعدہ انتظام کے نام پر جو چیز چل رھی ہے اُس سے ملک کے اندر اندھیر اور آفت مجھی ھوئی ہے . اُن کو دور کرنے کے لئے جلتا کیونوم کو کہلی دھوت دیتی ہے ۔''

آج بدائستی یہ ہے کہ حکومت اور پوھے لکھوں کا ملک پھھم کو ہے تو جلتا کا پورپ کو ، دونوں ایک دوسرے سے ملتے ہی نہیں ، پلڈت جواہر لال تک نے قبول کیا ہے کہ پنچھلے چار برس میں آپس کی یہ کھائی ہوھی ہے ، خوب بوھی ہے ، اس لئے پہلی ضرورت تو اس بات کی ہے کہ جلتا کے اندر اپنا وشواس پیدا کیا جائے ' اور جو کنچھ بھی کہا جائے ' اور جو کنچھ بھی کہا جائے ، اور جو کنچھ بھی کہا جائے ،

كشور لال بهائي جهتاوني ديتے همي --

" ہم قدم قدم بھلے چلیں' لیکن اگر یہ قدم اُوپری دل سے اُتھائے جاتے ھیں تو کمیونسٹوں کی ہارھ روکے نہیں رکے گی ۔ اور چونکہ آج کی حالت کچھ ایسی نہیں ہے جسے قائم رکھنے کے لئے کوئی بھکوان یا مالک سے دعا کرے' اس لئے یہ ہاڑھ پوری طاقت سے آئے گی اور ایے راسٹے میں پڑنے رالی ھر چھڑ کو کہیں کا کہیں اُنھاز پھینکھکی ۔"

یه اصلیمت هے ، بهوکے کو روڈی چاهئے ، اگر کمیونست یه روٹی دیتا هے تو بهوکا اُس کے ساتھ هے ' اگر محیا گرهی هیتا هے تو اُس کے ساته هے ' اگر دونوں دیتے هیں تب ویا ضرور کچھ سوچ وچار میں پریکا ، لیکن جہاں تک موجودہ سرار کی بات هے اُس کے اُرپر اَطمیقان شاید هی کسی کو باتی هو ، بهوکے کا بهگران روٹی میں هے ' نه کمھونیم میں' نه سروردے میں ،

آئے کے بارے میں کچھ بھی کھنا زیادتی ہے ۔ من کے لقو پھرونے سے بھی کام نہیں چلتا ہے ۔ لیکن جہاں آج کی حالت سے ممیں یہ ہوتی ہے وہاں خوشی یہ ہوتی ہے کہ سروودے کھول ایک وچار ھی نہیں ہے' اسکے مالئے مہدان میں آئر آئے ھیں ۔ گاندھی جی کی زندگی ہی سروودے کا ایک اعلیٰ نمونہ تھی ۔ لیکن اُن کے پھروکار بوی خوبی کے ساتھ اِس طرف قدم بچھا رہے ھیں ۔ وابیار کھوستا اور بھودان یکھہ میں شویک ہوتے کے لئے ہو فریب امیر سے ایمل کرنا ایک تھوس قدم ہوتے کے لئے ہو فریب امیر سے ایمل کرنا ایک تھوس قدم اُن کہنا ہے اسے ایک ہوا بددھ جائیگی جس سے اس

on the continuents of the Continuent of the Continuents of the Continu

ابت (انگر زملا) سرز معربستهار (سبدمرمرن)زلل لیکنا شي بوساً) شرديشي كا استعمال كرنا اور جهواجهوس له كرنا. نرا غیر سے دیکھیں تو یعد جلے کا که کمیونست بھالی اُن الهارة ميس سے صرف استكرة ير اصرار كرتے هيں --- برهستجريه كهائم با نه وكهائم أس كوثى شكايت نهين هوائي استبه مهن تو ولا يقين هي نههن كرنا يا كرنا ه تو أه الگ اهلک سے' استھے کی وہ قدر کرتا ھے' شریر شرم کو برأ تبھی ہما' اسواد کو دیوانہ ہن سنجهما هے' آبھ آسے پسلد هے' ، ورم کو تو وہ افہم مانگا ہے' سودیشی أسے بابا آدم کے مالے کی چیز معاوم پوئی ہے چھواچھوت وہ اُتھ کئی عهال کرتا هے ، اِس طرح اُبلی بہترین سے بہترین حالت یں بھی کمھوائم سروودے کا محصف ایک چھوٹا سا ٹکوا ر ، سم تو يه هے كه كمهونست بهائيجس جهيز كو ماليها تبك دائرے ميں بلند حالت ميں ديكهنا چاهتے هيں عیا گرھی اُسے جیوں کے هر پہلو میں بلقد دیکھفا چاهتا ، . إِسْ يَا تَعْهِجِهُ يَهُ هُونًا هِي كَهُ أَيْمًا جَسَمٌ ۚ جَو كَمَهُونُسَتَ ، سب سے بھاری جوز ہے ستھا گرھی کے لئے سب سے می والوق بن جاتا ہے ، اِسی وجه سے سروردے أور كىيونوم یں کوئی میل نہیں رہ جاتا اور دونوں ایک دوسرے کے ار خلاف ہوتے ہیں .

هم نے اوپر کمھرنست بھائھوں کے اصولوں کی چرچا اور یہ دیکھا کہ اُن میں اور سروردے کے مانئے والوں ہیں کتفا گھرا اور بقیادی فرق ہے ۔ ''گاندهی اور مارکس'' کی کتاب میں کشور لال بھائی اور ونوبا جی' دونوں هی' اپنے مقتصے هوئے قلم اور پیقی و دور پہقچنے والی لا سے اِس چیز کو اِقلہ آسان طریقے سے رکھدیا ہے کہ هو ی خوب اچھی طرح سے سمجھ سکتا ہے ۔ لیکن اصول ی خوب اچھی طرح سے سمجھ سکتا ہے ۔ لیکن اصول بل هی هیں' اصل بات ہے اُن کا عمل ۔ آج همارے دستان میں دونوں وچار موجود میں ، اُن کی کامیابی اِس سے پر مقصصر ہے کہ دونوں کے پیروکار کس طرح عملی روپ سے بر مقصصر ہے کہ دونوں کے بین دکھیوں کی سچی سہوا کو

سبرووں کے دعویدار بہت بنتے ھیں' سرار بھی بنتی لیکن اگر سروردے کی آر میں سرکار محصض آمیروں امیر اور فریبوں کو فریب بنائے کا کام کرتی ہے تو وہ ام تو ہوگی ھی' چریت بھی ھوجائے گی' لیکن یہی اس سے وہ وچار بھی بدنام ھوگا ، اگر آس وچار پر ک طرح سے ایمانداری کے ساتھ عمل نہیں کیا جاتا ہے بیس کشور لال بھائی کی بھوشیہ بانی کی سچائی کے بھی کہتا ہے ۔

المراجة الكر الندهي جي كالرأسالة عنج منغ عملي طور

अभ्य (निकर रहता), सर्व घम सममाव (सव वर्गी के लिये एक सी इजजत), स्वदेशी का इस्तेमाल करना भरीर क्रमा कत न करना. परा शीर से देखें तो पता क्लीगा कि कम्यूनिस्ट भाई इन ग्यारह में से सिर्फ़ असंग्रह पर इसरार करते हैं-- ब्रह्मचर्य रखिये या न रिस्तिये उसे कोई शिकायत नहीं होगी, सत्य में तो बह यक्कीन ही नहीं फरता, या करता है तो अपने अलग ढंग से, अस्तेय की वह क़द्र करता है, शरीर अम को बुरा नहीं कहता, अस्वाद को दीवाना पन सममता है, अभय डसे पसंद है, धर्म को तो वह अकीम मानता है, स्वदेशी उसे बाबा आदम के जमाने की चीज मालूम पड़ती है, ख़ुआ छूत बह कठ गई खयात करता है. इस तरह अपनी बेहतरीन से बेहतरीन हालत में भी कम्युनिज्म सर्वोदय का महज एक छोटा-सा दुकड़ा है. सच तो यह है कि कम्यूनिस्ट भाई जिस चीज को माली या कार्थिक दायरे में बुलन्द हालत में देखना चाहते हैं, सत्याप्रही एसे जीवन के हर पहलू में मुलन्द देखना चाहता है. इसी का नतीजा यह होता है कि अपना जिस्म, जो कम्यूनिस्ट को सबसे प्यारी चीज है, सत्यामही के लिये सबसे बड़ी रुकावट बन जाता है. इसी बजह से सर्वोद्य और कम्युनिज्म में कोई मेल नहीं रह जाता और दोनों एक दूसरे के कट्टर खिलाक पश्ते हैं.

x x x x

इसने ऊपर कम्यूनिस्ट भाइयों के उसूलों की चर्चा की कौर यह देखा कि उनमें कौर सर्वोदय के मानने वालों में कितना गहरा और बुनियादी कर्क है. "गांधी और मार्क्स" नाम की किताब में किशोरलाल भाई और विनोवाजी, दोनों ने ही, अपने मंसे हुए कलम और पैनी व दूर पहुँचने वाली निगाह से इस चीज को इतने आसान तरीके से रख दिया है कि हर कोई खूब अच्छी तरह से समफ सकता है. सेकिन उसूल उसूल ही हैं, असल बात है उनका अमल. आज हमारे हिन्दुस्तान में दोनों विचार मीजूद हैं. उनकी कामयाबी इस बात पर मुनहसिर है कि दोनों के पैरोकार किस तरह अमली रूप में इन्हें अपना कर यहां के दीन दिखारों की सच्ची सेवा कर पाते हैं.

सर्बोदय के दावेदार बहुत बनते हैं, सरकार भी बनती हैं. लेकिन अगर सर्वेदिय की आड़ में सरकार महत्त अमीरों को अभीर और उरिवों को उरिव बनाने का काम करती हैं तो वह बदनाम तो होगी ही, चौपट भी हो जायगी, लेकिन यही नहीं, इससे वह विचार भी बदनाम होगा. अगर इस विचार पर ठीक तरह से ईमानदारी के साथ अमल नहीं किया जाता है तो हमें किशोरलाल भाई की मिबरय वानी की सचाई के बारे में कोई शक नहीं है. उनकी कहना है—

अवगर गांधीकी का रास्ता सचमुत्र अमली तौर

सारते. बेर् बाव सर्वोदय के विकार से एक इम कार्ती है. क्याका सामने वाला तो इधिवारों के सवा सोलइ आने खिलाफ है कोर कहिंसा के विना एक इन्च भी नहीं सासक सकता.

अपने इस लेख के शुरू में ही हमने जो चार हिसाब दिये हैं उनकी असलियत अब साक समक में जा जाती है. इन चारों में पहला, दूसरा और चौथा तो दिमारा का बहुज कितूर हैं, तीसरा हिसाब यह है—

गांधी बाद-अहिंसा = 0

इस के बारे में हम इतना कहेंगे कि यह रालत नहीं है. बोझ सा सही है, लेकिन पूरा सही नहीं है. क्योंकि गांधी बाद या सर्वोदय जिस विचार का नाम है वह महज अहिंसा ही नहीं है, बल्क यह वह बिचार है जिसका पैरोकार सत्य को पाना चाहता है, सत्य जिसका मक्सद है और उस तक पहुँचने के लिये वह अहिंसा के रास्ते सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ना चाहता है. अहिंसा या प्रेम के रास्ते ही वह उस सत्य या बेतन को पा सकता है जो सारे आलम की जड़ है. यह प्रेम का रास्ता बहुत ही तंग रास्ता है जिसका मजा लगातार मश्क से ही मिल सकता है. जैसा कबीर ने कहा है—

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुझा, पंडित हुआ न कोय, ढाई अक्लर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय.

इन ढाई अक्खरों का ज्ञान कर तेना कोई मजाक नहीं है. एक प्रानी की खारी जिन्दगी भी नाकाफी है. जरा दूर तक देखें तो आख़िरी मंजिल पर पहुँचने के लिये, प्रेम का पूरी तरह पंडित बनने के लिये, इन्सान का यह बदन भी—जो एक तरह की पूँजी है—उसके लिये एक रुकावट है क्योंकि इसकी वजह से कुछ-न-कुछ हिंसा तो हो ही जाती है, प्रेम में कुछ न कुछ बाबा तो पड़ही जाती है.

इस तरह अपनी ऊंची से ऊंची उड़ान में सर्वोदय के अंदर जिस्म या बदन की भी गुंजायश नहीं है, दूसरी फिर किसी चीज का तो कहना हो क्या ? यह वह चीज है जिसके बारे में कुछ कहते नहीं बनता और कलम रुक जाता है. हमारे कम्यूनिस्ट माई इसे खयाली पुलाव कहेंगे, लेकिन दर असल यह चीज उनकी क्या हर एक की समम के बाहर की चीज हो गई है. दिमाग फेल हो जाता है, सिफी दिल चलता है, दिल की मावना चलती है.

इसी सिक्स सिलं में यह कह देना मुनासिव होगा कि सर्वोद्य के विचार पर अमल करने के लिये उसके पैरोकार पर इन म्यारह क्रायदों की पावन्दी लाजमी हो जाती है— आहंसा, सरव, अस्तेय (चोरी न करना), बद्धाचर्य (नम्स पर क्रावू), असंग्रह (सामान अमा न रखना), रारीर अम (जिस्मानी मेहनत), अस्थाद (जवान के चटोरे न वनना),

آئے اِس لیکھ کے شروع میں ھی ھم نے جو چار حساب دیکے ھیں اُن کی اصلیت اب صاف سمجھ میں آجاتی ہے ، اِن جاروں میں پہلا' دوسرا اور جوتھا تو دماغ کا مجھن فتور ھیں' تیسرا حساب یہ ہے —

الادمى وأد - امنسا = 0

اسكے بارے میں هم اندا كہیں كے كه يه قلط نہیں ہے، شهورا سا صحیح ہے، ليكن پورا سحيم نہيں ہے، كهيرتك كاندهى واد يا سروودے جس وجار كا نام ہے وہ محصل اهدسا هى نهيں هے، بلكه يه وہ وجار هے جس كا مقصد هے پہروكر ستيه كو پانا چاهتا هے، ستيه جس كا مقصد هے اور اس تك پہنچنے كے لئے وہ اهدسا كے راستے سيوهى هر سيوهى جوهنا چاهتا هے، اهدسا يا پريم كے راستے هى وہ اس ستهه يا چيتن كو پاسكتا هے جو سارے عالم كى جو هي ديه پريم كا راسته بہت هى تلك واسته هے جس كا مهد نے جس كا مهد نے جس كا استه هى مل سكتا هے . جهسا كهور نے

پوتهی پوهی پوهی جنگ موا' پلقت هوا نه کوئے قطائی اکهر پرایم کا' پڑھے سو پلقت هوئے

این دھائی اکھروں کا گیان کو لیڈا کوئی سڈاتی نہیں ہے ۔ ذرا ہے ۔ برائی کی ساری زندگی بھی ناکائی ہے ۔ ذرا دور تک دیکھیں تو آخری سڈزل پر پہڈچئے کے لئے' پریم کا پوری طرح پلات بلئے کے لئے' اِسان کا یہ بدن بھی — جو ایک طرح کی پونجی ہے — اُس کے لئے ایک رکارت ہے کھونکہ اسکی وجہ سے کچھ نہ کچھ ہلسا تو ہو ہیجاتی ہے ، پریم میں چھ نہ کچھ بادیا تو ہو ہیجاتی ہے۔

اِس طرح اپنی ارنچی ارنچی اُزان میں سروودے کے اُندو جسم یا بدن کی بھی گاجائش نہیں ہے، دوسری پھر کسی چیز کا تو کہنا ھی کیا ؟ یہ وہ چیز ہے جس کے یارہے میں کچھ کہتے نہیں بنتا ارر قلم رف جاتا ہے ، جنازے کمیونسٹ بھائی اِسے خیالی پاؤ کہیں گے، لیکن جیامل یہ چیز اُن کی کیا ھر ایک کی سمجھ کے باھر کی چیز ھوگئی ہے ۔ دماغ فیل ھوجاتا ہے، صرف دل کی جاوز ہوگئی ہے ۔ دماغ فیل ھوجاتا ہے، صرف دل جاتا ہے، دل کی بھاونا چلتی ہے ۔

اسی ملسلے میں یہ کہدینا مناسب ہوگا کہ سروودے کے بھوار پر مل کرنے کے لئے اُس کے پھووکار پر اِن گیارہ قامدین کی پابندی لازمی ہوجاتی ہے — اہلسا' ستھہ' آسٹھے (چھوری نہ کرنا)' برہمچریہ (نئس پر قابو)' آسٹگریہ (سامان جمع نہ رکھنا)' شریر شوم (جسمانی مصفحت)' اسواد (زبان کے چھورے نہ یلنا)'

The state of the fill of the state of the st

ाचे पचे होता की काविर इस्तेमात में काना है. सम्बा स्यामही अपने शरीर का, जो कुछ पसके पास है उसका, बस एक ट्रस्टी है भीर यह ट्रस्टी शिप उसे जीवन भर स्थाना है.

इस तरह सर्वोदय के विचार पर चलने के लिये वर्धा पंचरवा, रौर केन्द्री करन और ट्रस्टी शिष पर अमल करना लि है. इन तीनों चीजों को बहुत ही सकाई के साथ इस्तेर लाल भाई ने चन्द सकों में रख दिया है. इन से ांची जी की क्या मुराद थी यह बात बिलकुल साफ साफ स में आ गई है.

हमने कहा है कि सर्वोदय में स्वदेशी-कतई स्वदेशी-ा बोलबाला है. सर्वोदय का मानने बाला यानी सत्या-ही यह चाहेगा कि स्वदेशी का पूरा पूरा इस्तेमाल कहाँ तनी अपनी आतिर दूसरों को कम से कम तकलीक दूं. 🗯 लिये वह अपना काम अपने आप करेगा. खाने कपड़े विश्वकरते अपने आप पूरी करने की कोशिश करेगा. ।सको कामयाबी से निभाने के लिये उसे वो बातें अमली ौर पर करनी होंगी-पहली यह कि खद चोटी का ासीना एडी तक बहाये. यानी बदन से मेहनत का काम ले. इडनत करने पर ही वह रोटी खायेगा. दूसरी यह कि वह प्रपत्नी प्रकरतें बहुत ही कम कर देगा और जो जो जकरतें हिंगी इनको अपनी या गांव के लोगों की मेहनत से पूरी हर तेता. और जब अपनी जरूरतों के तिये इसे बाहर के शाखार का मंह नहीं देखना पड़ता तो पैसे या सोना रखने ही इसकी तमन्ता आप से आप कम हो जायगी. इन दोनों बीकों को विनोबा जी ने श्रम देवता (मेहनत के देवता) की ध्यासना पूजा और कांचन-मुक्ति नाम दिया है, जिनकी इरफ इन्होंने अपनी भूमिका के आखिर में ध्यान खींचा 🖁 ब्यीर कहा है कि इन दो वालों से ही हिन्दुस्तान की क्रिनाइयाँ दूर हो सकती हैं. असल में यह दोनों एक हैं म्बोंकि एक के बिना दूसरी नामुमकिन है, इसी चीज में, जैसा विनोबाजी ने बताया है, गांधी विचार या सर्वोदय का सार दिखा देता है, साम्यवाद या कम्युनिजम से उसका मेस दिखाई देता है और उसी में क्या कम्युनिकम और क्या पंजीवाद दोनों का हल दिखाई देता है.

बह क्या ? कम्यूनिजम और पूँजीवाद होनों का हल ? हां, कम्यूनिजम और पूँजीवाद में जहां काले-सफेद का फर्क है बहां होनों ही हिव्यारों या हिंसा के मानने वाले हैं और वैसे या सोने को ही सब कुछ मानते हैं, कांबन-मुक्ति दोनों में से किसी में नहीं होती. आगे चलकर भने ही पैसे या कोने का दाम या अहमियत कम्यूनिजम में कम हो जाये केविन हिवसर या हिन्सा वो दसकी जान है, मानो बिना केविन हिवसर या हिन्सा वो दसकी जान है, मानो बिना جس آنے سیوا کی خاطر استعمال میں قال ہے۔ سیا سعیا کرھی اور غریر کا جو کچھ اسکے پاس، ہے اسکا کھول ایک ترسٹی ہے اور یہ ترسٹی عمید آنے جھون افلا نبھانا ہے .

اِس طرح سرورہ کے وجار پر جلقہ کے لیّے وردھا ویوستھا فیر کیندری کرن اور ترستی شپ پر عمل کرنا عرب اور ترستی شپ پر عمل کرنا عرب ان میں دیائی کے ساتھ کھور الل بھائی نے چند صنعوں میں رکھدیا ھے ۔ اِن سے اللہ عرب کی کیا مراد تھی یہ بات بالکل صاف صاف اِس میں اگلی ہے ،

هم نے کہا ہے کہ سرووں میں سودیشی --قطعی سوديشي—كا بول بالا هي . سروودے كا مائلے والا يعلى ستها گرهی به جاید تا که سودیشی کا پورا پررا استعمال کروں یعلی ایلی خاطر دوسروں کو کم سے کم تعلیف دوں إسلك وه أيفا كام الله آب كرے كا كهائے كبوے كى ضرورتين آنے آپ پوری کرنے کی کوشش کرے کا . اِس کو کامیابی سے نبھانے کے لگے اُسے در ہاتیں عملی طور پر کرنی ہونگی۔۔ پہلی یہ که خود چوتی کا پسیلم ایوی تک بہائے علی بدن سے مصلت کا کام لے . مصلت کرنے پر هی وہ روتی كهائي كا . دوسرى يه كه ولا أيدى ضرورتهن بهت هي كم کردے کا اور جو جو ضرورتیں رھینگی اُن کو اینی یا الله کے لوگوں کی مصلت سے پوری کرانے کا ، اور جب آپلی فرورتیں کے لئے آسے باہر کے بازار کا مقد نہیں دیکھنا ہوتا تو پیسے یا سونا رکھنے کی اُسکی تمنا آپ سے آپ کم هو جائیگی. اِن دونوں چیزوں کو وتوہاجی نے شوم دیوتا (مصلت کے دیوتا) کی اُپاسلا پوجا آور کانتین مکتی نام دیا ہے؛ جنکی طرف أنهوں نے اپنی بهومهكا كے آخر میں دھیاں کہینچا ہے آور کہا ہے کمران دو باتوں سے ھی هندستان کی کتینائیاں دور هرسکتی هیں ، اصل میں یہ دونوں ایک هیں کرونکہ ایک کے بنا دوسوی ناممکن ھ . اِسی جهنو میں جیسا ونوباجی نے بتایا ہے کاندھی وجاو یا سروروں کا سار دنھائی دیکا ھے . سامیعواد یا کسیونوم سے اُسکا میل دکھائی دیٹا ہے اور اُسی میں کیا کیھونزم آور کیا پونجیواد دونوں کا حل دکھائی دیتا ھے ۔

یہ کہا ؟ کمپونوم آور پونجی واد دونوں کا حل ؟ هاں' کمپونیم آور پونجی واد میں جہاں کالے سنید کا فرق ہے وہاں دونوں ہی ہتھیاروں یا هنسا کے ماننے والے ہیں اور پیسے یا سولے کو هی سب کچھ مانتے میں' کانتھوں مکھی دونیں میں سے کسی میں نہیں ہوتی ۔ آئے چلکو بھلے ھی پیسے یا سولے کا دام یا (ہمیت کمپونوم میں کم ہور جائے لیکیے متعیدار یا ہنسا تو اسکی جان ہے' مانو بینا ہتھیاروں کے تو کمپونیست ایک قدم بھی آئے نہیں رکھ

The state of the s

. سروودے کی بہاشا ایک دم اُلٹی ہے ، پہلی منول پر بهونت کے لئے سروودئی هر سادهن استعمال نهیں کریکا، چهتن شکتی کو-سته، کو-ره کبهی نهیل بهول سکتا. لس لکے اسکے هر قدم میں' هر کام میں اور هر سانس میں سی سعیم پر اصرار دوکا اسی سعیم کا آگرد دوکا یعلی جسے الدهى بهى كشيدون مهن كهين وه ستها كرهي هوكا. دوسري و مارنا ود برا سمجهتا في اسليه عنهيار أتهانا كذاه مانتاه . ية يقوبل يا معهدار بل ير أسرا نه كرك أتم بل يو أسرا ارتا ھے وہ ایدا سارا کام خود کرنا چاھتا ھے اور گذر بسر نے اپنے کوئی ایک دھلدہ۔۔۔بہتر ھو کہ وہ باپ دادوں سے مع آنے والا دهدد هو-هوشداری و سمجه بوجه کے ساته رنے لکھکا ، أسے كم سے كم چهزيں چادگهن ، أسے يه خواهش ہیکی که کہیں وہ درسروں کے دل کو چوٹ ته پہوتچائے' وه چوزیں وہ خود هی تهار كرانے . اس لين ستها كرهي لوديشي كا مريد هوكا سرديش معنى أيقا ديش هي مِينَ الْمُمَّا أَيْمًا كُورُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اتھ پھر شود ، اس لئے سروودے میں کھدوی کرن (De- کي جگه هير کيندری کرن (Centralism Centralism رمتا ہے . لیکن ستیا گرمی ایے هاته ر ایفائی هوئی چیزوں کو' سے میے کسی چیز کو بھی' المي تهين سنجهدا كسي مال ير وه أيلي ملكهت الله مانعاً . سارا ماجراً أس شكتى كا م جسك اشاري ﴿ مَالَمِ حِلْ رَمَّا هِي . سُلَّهَا كُرَهِي كَيْ يَاسَ حِوْ سَامَانِ هِي الیک عدرہ کی دھروھر ہے جو اُسے احتماط کے ساتھ نینی ہے تاکہ اسلی مالک کو ویسی کی ویسی واپس کرسکے . إِنْ عِيرِ سِتُهِ عِنْ كَمْ مِنْ عَلَيْ مِلا عُوا لَيْكَ سَادَهُ فِي عِيدُ

तर हो के कार्य करते के किया करता है. वह तीर ही तरह हर बीच को चीरता हुआ सीचा. चला आयेगा. इसी लिये उसे हर तरह के हथियार चाहियें और हर तरह का सामान व कारखाने चाहियें. उसे वह वहे मिल चाहिये और वह सब चीच चाहियें जिससे वहत बचे और कम से कम समय में जियादा से जियादा नकीजा मिले. इसी बजह से उसे खेती में ट्रैक्टर और कीमिया खाद चाहिये. इसी का नतीजा है कि रूस (और शायद चीन भी) हिंसा में सोलह चाने यकीन रखता है और साइन्स के हर तरह के जीजारों से अपने चाप को महफूज और सजा धजा रखना चाहता है. और जब यह सब चीचें उसे चाहियें तो इस सारे सामान को बटोरने, संभालने की जातिर पैसा या सोना उसे जाप से चाप चाहिये. इस तरह कम्यूनिस्ट पूँजी बाद के खिलाफ होते हुए भी सोने या पूँजी से प्यार करता है.

सर्वोदय की भाशा एकदम बलटी है. पहली मंजिल पर पहुँचने के लिये सर्वीवयी हर साधन इस्तेमाल नहीं करेगा. चेतन शक्ति को-सत्य को-वह कभी नहीं भूल सकता. इसिताये उसके हर क़द्म में, हर काम में भीर हर सांस में इसी सत्य पर इसरार होगा, इसी सत्य का आपह होगा, यानी जिसे गांधी जी के शब्दों में कहें वह सत्याप्रही होगा. दूसरे को मास्ना वह बुरा समभता है, इसलिये इथियार उठाना गुनाइ मानता है. वह पशुबल या इथियार-बल पर आसरा न करके आत्मवल पर आसरा करता है. वह अपना सारा काम खद करना चाहता है और गुजर-बसर के लिये कोई एक घंदा-बेहतर हो कि वह बाप-दादों से चला बाने वाला धंदा हो-होशियारी व समम-नुम के साथ करने लगेगा. इसे कम से कम चीजें चाहियें. इसे यह ख्वाहिश रहेगी कि कहीं वह दूसरों के दिल को चोट न पहुँचाये, वह चीजें वह खुद ही तैयार कर ले. इसलिये सत्याप्रही स्वदेशी का सुरीद होगा, स्वदेश माने अपना देश ही नहीं बल्कि अपने प्रदेश का सूबा, अपना जिला, अपना घर, अपने हाथ पैर खुद, इसक्तिये सर्वोदय में केन्द्री करन (Centralism) की जगह ग़ैर-केन्द्री करन (De-Centralism) रहता है. लेकिन सत्याप्रही अपने हाथ से बनाई हुई चीकों को, सबगुच किसी बीज को भी, अपनी नहीं सममता, किसी मास पर बह अपनी मिलकियत नहीं मानता. सारा माजरा दस शक्ति का है जिसके इशारे पर आजम चल रहा है. सत्याप्रश्री के पास जो सामान है वह एक तरह की घरोहर है जो इसे पहतियात के साथ बरतनी है ताकि असली माकिक को वैसी की वैसी वापिस कर सके वहां तक कि क्सका शरीर भी सही मानों में बसका अपना नहीं है. साम की कोज करने के किये मिला हुआ दक साधन है

Commence of the second second

और तरह तरह की पूँजी या तालाशाहियों का उतना ही वहा दुरामन है जितना कि कम्यूनिजम है. सच तो यह है, कि इन के जिलाफ लड़ाई में सर्वोद्य और कम्यूनिजम एक तरह से साथ साथ हैं, हालांकि जैसा हम उत्तर देख चुके— शेनों में मुनियादी फर्क है.

x x x x

कम्यूनिस्टों के बारे में इसने ऊपर कहा है कि वह हो बुके-पन के पैरोकार हैं. मान लीजिये कि सर्वोद्धी भी बोड़ी देर के लिये इस हो चुकेपन को मान लेता है. इब दोनों को मैदान में उतर आना चाहिये और समाज को उसके मुकर्पर रास्ते पर चलने में मदद देना चाहिये.

बोनों उतर आये, और उन्होंने मद्द देने के किये हाथ कराना भी शरू कर दिया. लेकिन शरू में ही सर्वोदयी को यक मुसीबत का सामना करना पड़ा. वह यह कि वह यह देखता है कि कम्यूनिस्ट अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिये जा बेजा या भले बरे का खयाल नहीं करता, जो उसके हाथ तागा उसने उठाया, जो बीच में आया उसे उस ने दे सारा और आगे बदने की हिवस रखता है. सर्वोदयी बह सोचता है कि जो चेतन शक्ति मुक्तमें है वह दूसरे में सी है, मैं इस दूसरे को मारने वाला कीन ? मैं उससे कहुँगा कि मेरे रास्ते से इट जा, मुक्ते जाने दे, मैं अपनी बात पर इसरार करूंगा, अपनी बात मनवाने के लिये उस पर जोर काल्ँगा यहां तक कि अपना खाना पीना भी बंद कर सकता हैं और यही कोशिश करूंगा कि उसका दिल पसीज जाये और वह मुझे जगह दे; लेकिन खुद उसकी जान नहीं ब्रॉमा, इसे किसी तरह की भी चोट नहीं पहुंचाऊंगा, दिल से बसकी बराई हरशिज नहीं विक भलाई ही बाहुँगा.

बह है कम्यूनिस्ट और सर्वोदय वाले के वीच साधन का कड़े. कम्यूनिस्ट साधन के बारे में कोई परहेज नहीं मानता, सर्वोदयी—हांलांकि उपकी मंजिल एक हो-साधन पर ही सब दारोमदार रखता है. मंजिल पर तो जब पहुँचा जायेगा पहुँचा जायेगा. लेकिन उस मंजिल पर पहुँचने के लिये रास्ते के सभी कदम अपनी जगढ पर मंजिल हैं. मगर इस पहुंची मंजिल पर पहुंचने के लिये कम्यूनिस्ट घड़ से, बटपट क्रदम चठाता है, सर्वोदयी जरा दार्य वार्ये, जागे वीके, अपर नीचे देख कर. एक को मार काट से कोई प्रदा्य वहीं सिर्फ अपनी जान सकामत रहे, दूसरे को मार काट से कोई प्रदा्य वहीं सिर्फ अपनी जान सकामत रहे, दूसरे को मार काट से कोई वास्ता नहीं चाहे अपनी जान ही क्यों न चली जाये. इस तरह दोनों के रास्ते अलग अलग हो आते हैं. एक कहीं का रह जाता है, दूसरा कहीं का.

जन साधन का परहेज कम्यूनिस्ट को नहीं तो वह विकास के तैयार शुदा हर जीज़ार, बाहे वह पटम वस ही هر خارج کی پرلمبی یا تانا هاهبوں کا انقا هی - بوا ی هے جانف که کسوروم هے . سچ تو یه هے که ان کے ادوائی مهن سروودے اور کسهونوم ایک طرح سے ساتھ هیں حالانکه جهدا هم اربر دیکھ چکے — دونوں بنهادی فرق هے .

x x x

کمھونسٹوں کے بارے میں ہم نے اوپر کیا ہے کہ وہ ۔ کے پن کے پیروکار ہیں ۔ مان لیجھگے کہ سروردگی بھی ۔ ن دیو کے لگے اس ہو چکے پن کو مان لیتا ہے ۔ تب کو مہدان میں آئر آنا چاہگے اور سماج کو اُس کے ۔ راستے پر چلئے میں مدد دینا چاہگے .

دونوں أدر آئے' اور أنهوں نے مدد دينے كے لئے هانه لكانا هروم کر دیا . لیکن شروع مهن هی سرووددی کو مصیبت کا ساملا کرنا ہوا ، وہ یہ کہ وہ یہ دیکھتا ہ کمیواست ایدی مغول پر پہونچیلے کے لیے جا بہجا لمے برے کا شهال نهوں کرتا جو اُس کے هاته لکا اُس نے ا جو بھی میں آیا سے اس لے دے مارا اور آئے ہوھلے موس رکھتا ہے ، سروردئی ہے سوچتا ہے کہ جو چھتن ن مجه مهن هے وہ دوسرے مهن بھی هے عين أس ہے کو مارنے والا کون ؟ مھیں اُس سے کھونکا که مھرے نے سے مت جا' مجھے جائے دے' میں اپنی بات پر ر کرونگا، ایدی بات مدوانے کے لگے اس پر زور دالونگا ے تک که اینا کهانا پینا بهی بند کر سکتا هوں اور یهی هی کرونکا که اُس کا دل پسیم جائے اور وہ مجم جکه ليكن خود أسكى جان نهيس لونتا اس كسى طرح ہوں چوت نہیں پہونچاونکا کل سے اسکی برائی هرگؤ ل يلكه يهادني هي جاهونكا .

یہ ہے کمہونست اور سرووں ے والے کے بھی سادھن کا فرق،
نست سادھن کے بارے میں کوئی پرھیز نہیں مانتا

دئی — حالانکہ آسکی مغول ایک ہو — سادھن پر
سب دارومدار رکھتا ہے ، مغول پر تو جب پہنچا جانے
بہلچا جائے کا لیکن اُس مغول پر پہونچلے کے لئے
بہلچا جائے کا لیکن اُس مغول پر پہونچلے کے لئے
ن مغول پر پہونچلے کے لئے کمہونسٹ دھو سے جہت
اللہ اُتھاتا ہے سروودئی ڈوا دائیں بائیں آئے پیچے '
نیجے دیکھکر ۔ ایک کو مارکاٹ سے کوئی اعتراض نہیں

الیکی جان سلامت رہے 'درسرے کو مارکاٹ سے کوئی
مغرب جانے سے کوئی جان می کیوں نہ جانے ۔
مغرب خونوں کے واستے الگ الگ عوجاتے میں ایک مغرب کی کوئی

جب سادھی کا ہرھیز کیھرنسبت کو نہیں تو رہ ای کے تھار شدہ ھر اوزار' چاھے رہ ایکم ہم ھی

والمعدد الله المراجع المحاليون كي بالليس كي فريع يهواهي . أس ولت سبهي ساللسدان مع ببدهوں کو بے جاندار مائتے تھے اور آیتم نام کی جهوز نه اتوت اور بدیادی اکائی ماند والے تھے ساوے جاند ناڑے اور سیاروں کی حرکت نہوتن کے بتائے قانوں کے مطابق مائتے تھے . کہلے کی ضرورت نہیں که بیسویں صدی کے الدوء موتے موتے جکدیش چلدر بسو لے یہ ثابت کر دیا نها که پیر پودهس میں بھی همارے جیسی جان اور تمیز هوتی هے . ههدری ویکول نے یه ثابت کو دیا تها که ایکم جهون بون کیا جاسکتا هے اور یہ بقهادی اکائی هرگز نههی ھے اور آئنسٹائن نے یہ ثابت کو دیا تھا کہ آسمانی چھزوں کھے حرکت کوئے مام ڈعلگ سے' نہوٹن کے اصولوں پر نبھی ھوتی . همارے کہلے کا مطلب یہ ھے کہ انهسویں صدی دنھا کے الباس میں سب سے زیادہ مادہ پسلد آور مادہ ہرست تھی ۔۔ کوٹی اچرے کی بات نبھن که اسی مدی نے مالی و آنسانی دائرے میں مادے کے علموداد کارل مارکس کو بھی کیو! کر دیا ، ہم یہاں یہ بھی بعادیں که مارکس خود چیلے تھے فویر بائے کے جو سولہ آنے مادے وادبي ايا مائي وادي فلا سفر لها ، ماركس كا كهفا هي --

'' میرے لئے تو آدرهی نام کی چیز اس ' مادی ہنیا ' کے علاوہ کچھ بھی نہھی ھے ۔ یہ مادی دنیا وھی ھے جو انسانی دماغ سے ظاھر ھوتی ھے اور طرح طرح کے وجاروں کی شکل لیکی ھے ۔''

ظاهر هے که چیتی کو سانٹے والے کو یه رچار کسی طرح بھی سلطور نہیں هوسکتا .

هم نے اوپر کہا ہے کہ انیسویں صدی کے وکھائی اصولی قلصے کو جگدیش چندر بسو' ھیندی ویکرل اور آلفسٹائن نے تھا دیا ، اسی طرح سے مارکس اور لینن کے مالی اُصولی قلمے کو تالسٹائے اور الدھی نے تھا دیا' اور اسمیونوم کے برابر صهی سروردے کا وچار پیش کیا اور اُس پر عمل کرکے اُسے پائدار بنایا، لیکن جس طرح سے سوئے کاموں میں سائنس بیات اور لاہوازیئے وقیرہ کے اصول برتے جاتے ھیں' اُسی طرح سے عام برتاو میں کمیونوم کے اصول کی گنجائش اور ھمیشتہ بنی رھیکی ۔ لیکن اُس کا کون سا بینی ہے اور ھمیشتہ بنی رھیکی ۔ لیکن اُس کا کون سا بینی ہے اور ھمیشتہ بنی رھیکی ۔ لیکن اُس کا کون سا بینی ہے اور ھمیشتہ کی ضرورت ہے کی دیواریں توتیس محصل بینی ہے لور کمیونوم کی ٹیکر تو آیسی بات نہیں ہے' یلکتہ بینی کون خرورت ہے کہ دنیا میں محصل بینیں ہے' یا بینی کون سا بینیں ہے۔ اور کمیونوم کی ٹیکر تو آیسی بات نہیں ہے' یلکتہ بینیں جن سے اُس کو صورچہ لینا تھا اور ہے ۔ جہاں بینجہی تھیں جن سے اُس کو صورچہ لینا تھا اور ہے ۔ جہاں ہے اُس کو صورچہ لینا تھا اور ہے ۔ جہاں ہے اُس کو صورچہ لینا تھا اور ہے ۔ جہاں ہے اُس کو صورچہ لینا تھا اور دوسرے وادوں ہے کہ بینچہ کی دوسوں طاقتیں بینجہی تھیں جن سے اُس کو صورچہ لینا تھا اور ہے ۔ جہاں ہے اُس کو صورچہ لینا تھا اور دوسرے وادوں ہے کی بات ہے وہ اُن پونجی اُور دوسرے وادوں ہے کی بات ہے وہ اُن پونجی اُور دوسرے وادوں ہے کی بات ہے وہ اُن پونجی اُور دوسرے وادوں ہے۔

वर्षेचे वर्षी वर काविन वामीकाची मा बानवरों की साइन्स के फरिये पहुँचे. इस बहुत सभी साइन्सवां पेड पौदों को वे जानदार मानते थे धौर ऐटम नाम की चीज को बादट और खुनियादी इकाई मानने वाले थे. सारे चांत तारे और सैयारों की हरकत न्यूटन के बताये क्रानून के मुताबिक मानते थे. कहने की जुरूरत नहीं कि बीसबीं सदी के शह होते होते जगदीश चढ़ बसु ने यह साबित कर दिया था कि पेड़ पौधों में भी हमारे जैसी जान और तमीज होती है. हेनरी बैकरल ने यह साबित कर दिया था कि ऐटम छिन्य मिन्न किया जा सकता है और यह बुनियादी इकाई हरमिष नहीं है. और आइन्सटाइन ने यह साबित कर दिया था कि आध्यमानी चीजों की हरकत कोई आम दंग से, न्यूटन के अतुकों पर नहीं होती. हमारे कहने का मतलाब यह है कि क्लीसबीं सदी दुनिया के इतिहास में सब से जियाका माद्रा पसंद और माद्रा परस्त थी-कोई अचरज की बात नहीं कि इसी सबी ने माली व इन्सानी दायरे में माद्दे के अलमवर्षीर कार्ल मार्क्स को भी खड़ा कर दिया. इम यहां यह भी पतादें कि मार्क्स खद चेले थे फोयर गल के जो सोलइ काने माद्देवादी या माटीवादी किसासकर था. मार्क्स का कहना है-

"मेरे लिये तो आदर्श नाम की चीज इस 'माद्दी दुनिया' के अलावा कुछ भी नहीं है. यह माद्दी दुनिया वही है जो इन्सानी दिमारा से आहिर होती है और तरह तरह के विवारों की शक्त लेती है.''

आहिर है कि चेतन को मानने वाले को यह विचार किसी तरह भी मन्जर नहीं हो सकता.

× × × ×

हमने ऊपर कहा है कि उन्तीसवीं खदी के विज्ञानी बसुली किने को जगदीश चन्द्र बसु, हैनरी वैकरल और चाइन्सटाइन ने ढा दिया. उसी तरह से मार्क्स चौर देनिन के मासी उसूली किसे को टाल्सटाय चौर गांघी ने ढा दिया, धीर कम्यूनिजम के बराबर में सर्वोदय का विचार पेश किया और इस पर अमक्ष कर के इसे पायदार बनाया. लेकिन जिस तरह से मोटे कामों में साइन्स में न्यूटन और कांबुआजिये वरीरा के चसूल वरते जाते हैं, उसी तरह से शास करदाव में कम्यूनिजम के समूल की गुँजायश बनी है और इसेशा बनी रहेगी. लेकिन उसका कीन सा पहलू ? कही कि अमीर रारीन के बीच की दीवारें टूटें. यहां यह सी कह देने की जरूरत है कि दुनिया में महज सर्वोदय कौर कम्युनिजम की टक्कर तो पेसी बात नहीं है, बहिक कम्ब्रुनिजम के शिक्षाफ प्जीबाद, नाजीवाद वरारा दूसरी वाकरों भी भी जिनसे उनको मोर्चा लेना या भौर है. जहां वक सर्वोदय की बात है वह इन पूंजी और दूसरे वादों

کا لکھجھ لہیں بلکھ ماں آور بحد کے بینے دودھ کی خاطر آردیک مقابلے میں بھے کی جہمت کا تعیجہ ہے!

اسي سے دونوں میں ایک اور نیا قرق پیدا ہوجاتا ہے۔۔۔۔ ویکٹی یا قرد اور سماج کا ، کمیونسٹ کے لئے ویکٹی کی کوئی ہستی نہیں ہے' وہ تو ایک ورگ یا درچے یا مشین کا پرزا ہے ، ویکٹی آیا اور کیا' لیکن اصل اور قائم سماج کے وکاس کا راستہ محص ایک درچے کا دوسرے کو سماج کے وکاس کا راستہ محص ایک درچے کا دوسرے کو میا کر آئیاس میں متبی بھر مالدار لوگ لکوئیا فرینوں کو دباتے رہے ، آب جب فرینوں میں میں متبی نہور میں مقال آگئی ہے تو وہ یہ چیز پرداشت نہ کر کے سماج میں دیگی اور میں لوگ مورے سے اپنی زندگی گذار سکیلگی .

اس سلسلے کورجاری رکھتے ہوئے کمھونسٹ بھائی کہتے ہیں کہ انسان کا اب تک کا سارا انہاس اُن کے اس خھال کی گواھی دیتا ہے ۔ انسان کی کوئی الگ اهمهت نہیں ہے' وہ سماجی مشھوں کا پرزہ بنا ہوا ہے اور اس مشھوں کا تعلق ایک طیے شدہ بات ہے ، انسان چاہے یا نہ چاہے سماج اُس طرف بوھ رہا ہے ۔ '' مقابلے '' کے طریقے سے اس کا بوھا لکانار جاری ہے اور جاری رہھکا ، سماج کا یہ راستہ بدلایا تالا نہیں جاسکتا ، اسی کو کمھونسٹ بھاشا میں کہا راستہ مقرریا طے ہو چکا پی کہا جاتا ہے' یعلی سماج کا راستہ مقرریا طے ہو چکا ہے' یہ یدستور جاری دھیکا ،

x x x x

ھم نے اوپر کہا ہے که کدھونزم وچار کو کارل مارکس نامی گیان وان هستی نے جاندار بقانے کا کام کیا ۔ برسوں کی پوهاٹی اُور سر کھیائی کے بعد وہ اُس نعیمے پر پہونچے تھے که دنیا کا اتباس ورگوں یا درجوں کے آپسی مقابلے کی کہانی ہے، ار اس کی جو کوئی خدا یا پرماتنا یا۔ باھری همعی نهیں بلکه بے جاندار مادہ ہے جو هدیشه ممهشة سے هيرها هيجب جاندار چيز کا نام بهي نهيں تها . ماركس أنهسوس مدى (1813-1818) كي رهاء والے تھے ، یہ وهی مدی هے جب کوئلہ ' بھاپ اور بعد میں بصلی نے اُن ہوتی چھڑیں کر دکھائی تھھں' سائلس یا وكهان كا سكاره بلقد تها يورب خوب مالا مال هو رها تها اور پھسے بیا مادیے کا بول بالا تھا ۔ اُنھیں دنوں میں قارزین نامک سائنسدان هرئے جلهوں نے یہ کهوے کی که انسان کا جلم کسی خاص طاقت سے نہیں ہوا بلکہ انسان سے پہلے آئی دوئی چھزوں کی آیسی ٹکر یا مقابلے کے کاری آپ سے آپ موگیا۔ جس نتیجے پر مارکس مالی نکاہ سے

हा नतीजा नहीं, बलिक मां और बच्चे के बीच तूच की प्रांतिर आर्थिक मुकाबते में बच्चे की जीस का नतीजा है!

इसी से दोनों में एक और नया फक्ष पैदा हो जाता - स्विक या फर्व और समाज का कम्यूनिस्ट के लिये म्यिक की कोई हस्ती नहीं हैं, वह तो एक वर्ग या दर्जे या मशीन का पुर्ज़ है. व्यक्ति आया और गया, लेकिन असल और क़ायम चीज़ समाज है, समाज की ही हस्ती क्वी रहती है. और समाज के विकास का रास्ता महज़ एक दर्जों का दूसरे को दवा कर आगे बदना है. अब तक के हतिहास में मुट्ठी भर मालदार लोग लख्खा गरीकों को द्वाते रहे. अब जब गरीकों में अकल आ गई है तो वह यह चीज़ बदारत न कर के समाज का ढांचा बदल देंगे, शरीब अमीर का फक्ष नहीं रहेगा और सब लोग मजे से अपनी ज़िन्दगी गुज़ार सकेंगे.

इस सिलसिले को जारी रखते हुए कम्यूनिस्ट भाई कहते हैं कि इन्सान का अब तक का सारा इतिहास एनके इस खयाल की गवाही देता है. इन्सान की कोई अलग अइमियत नहीं है, वह समाजी मशीन का पुर्ज़ बना हुआ है और इस मशीन का ढंग एक ते शुदा बाद है. इन्सान चाहे या न चाहे समाज उस तरक बद रहा है. "मुकाबले" के सरीक से उसका बढ़ना लगातार जारो है और जारी हदेगा. समाज का यह रास्ता बदला या टाला नहीं जा सकता. इसी को कन्यूनिस्ट भाशा में Determinism यानी होचुकापन कहा जाता है, यानी समाज का यह रास्ता मुक्तरेर या ते हो चुका है, यह बदस्तूर जारी रहेगा.

इसने ऊपर कहा है कि कम्युनिष्म विचार का काले मार्क्स नामी ज्ञान वान हस्ती ने जानदार बनाने का काम किया. बरसों की पढ़ाई और सर खपाई के बाद वह इस सतीजे पर पहुँचे थे कि दुनिया का इतिहास वर्गी या दर्जी के जापसी मुकाबले की कहानी है, और उसकी जड़ कोई खादा या परमात्मा या बाहरी शक्ति नहीं बिल्क वे जानदार माद्वा है जो हमशा हमेशा से ही रहा है जब जानदार चीज का नाम भी नहीं था. मार्क्स उन्नीसवीं सदी (1818-1883) के रहने वाले थे. यह वही सदी है जब कोबला, भाप और बाद में बिजली ने अन होती. चीजें कर दिखाई थीं, साइन्स या विज्ञान का सितारा बुलन्द या, योरप खूब मासामाल हो रहा था और पैसे या माद्दे का बोल बोला था. उन्हीं दिनों में डार्विन नामक साइन्सदां हुए जिन्होंने यह खोज की कि इन्सान का जन्म किसी खास हाकत से नहीं हुआ बल्कि इन्सान से पहले आई हुई की की आपसी टकर या मुक्ताबले के कारन आप से कार्य हो गया. जिस नतीजे पर मार्क्स माली निगाह से

ب والمعاوم ل حال لما يا بعدها لما له عرا و ميں بيالملم يا سالم كى كوشعى كرا جهل . العليمة في كه همين من كو هر ليلي والأ راك سلل مَلِكا في . اكر سرول ميل يه بنياسي ميل يا تال نه نا تو راگ بلغا نامیکن تها . اسی طوم اس ساری يا كے وكاس كا ميل يا تال هے .

اردر کہتے ہات سے فوراً هی دوسرا سوال بنه پهدا هوتا كة آخر آس وكاس كي جو كيا هي . اس سب كي بلياد و کوئی جان دار چیز ہے یا ہے جان دار مادہ ہے. ، هم سروودے اور کمھونوم کے دوسرے قرق ہو آ پھونجے . ہواست بھائی کہتے میں که سارے وکلس کی جو جو ہے؛ لمی کوئی جاندار چیز نه هوکر بے جان دار ماده هی ر ھے . وہ بتاتے میں کہ مزاروں لاکھوں برس پہلے جان و چیز توی هی نهیں' یے جاندار مادد هی مادہ تها س نے آئے چل کو جاندار جھو کی شکل لے لی . جان را جهو يا جهرن كي مان يه جان دار مادة هي ه. ، جاندار مادے سے وکاس ہو کر جاندار جیو آئے آور اسی رے حضرت انسان آئے . یہ سب کا سب کرشمہ ہے جان ار مادے کا مے جو اپنے خاص خاص دعلکوں اور شکلوں یں ظامر موتا رمتا ہے ۔

لهکن سروردے وچار کے مطابق سارے وکاس کی جو ہو نہ ہوکر چیتن یا جاندار چیز ہے . سارے مادے یا ہو پدارتھ کا جلم چیکن سے ھی ھے' یا اگر چیکن نہ ھو رجو كا يته هركز نهيل جل سكتا . يه چيتن هي نهون هے، یہی ستیه هے . ستیه هی اتل چهوز یا اصول . . يه سعيه يا آنما سب مين ايک سي رعتي هر اور مهشه رهتی هے ، باتی سارے روپ یا صادے أسی ستیه يه پهدأ هين ، أس ستيم كي خوبي يه هي كه كو يه ستيم با آتما سب میں رہتا ہے پہر بھی اس کی مهؤ الهدي هوتي؛ اكثر تو زندگي يهر إس كي تمهو الهين و بالي .

ا اسی چیز کو لے کر سروردڈی اور کمھونست میں آنما رو صن کا بھید ہے ، کمھونست آنما کو نبھی مانگا' من (matter) کو مانعا ھے' سروردئی من کو نہیں مانعا' اليا كو مانعا هي . إسى وجه سے كيهونست و دهوم ، دام و جوز میں یقین نہیں رکھتے اور آنیا کومانما ولم الله عدا جهدوا کاق سب کے سب کو یہ أَنْ وَلَكُ مِا قَعْمُومُ لَا مَا تَلِي مِنْ حِمِ أَنْسَانِ فِي أَلِمُنَا مَطَلَّب الله المرق في لكم كوه ركه هين. سروودئي كو جه چهنو مذهبي الفعارسك روحاتي يا ألمك مصوس دوتي هي كمهونست المناهد أرتهك سلكهره كا تعيجه مانعا هي. أن المطابق ماں کا دودہ ماں کی آنما اور بھے کی آنما کے بیار

केरीकर कर एक इसमें के कानबीका का सेवालाह न हो कर वक दूसरे में बैठने या सटने की फोशिया करते हैं. इसी का नवीजा है, कि इमें मन को इर क्षेने बाला राग सुनने को मिलवा है. अगर सुरों में यह बुनियादी मेल या काक न होता हो राग बनना नामुमकिन था. इसी तरह इस सारी दनिया के विकास का मेल या वाल है.

अपर कही बात से कौरन ही दूसरा सवाल यह पैदा होता है कि कांखिर इस विकास की जड़ क्या है. इस सब की दुनियाद में कोई जानदार चीज है या बेजानदार माद्वा है. अब हम सर्वोदय और कम्यूनिजम के दूसरे फक्क पर आ पहुँचे, कम्युनिस्ट आई कहते हैं कि सारे बिकास की अब जब है, यानी कोई जानदार बीज न हो कर बेजानदार मादुदा ही जड़ है. वह बताते हैं कि इचारों साओं बरस पहले जानदार चीज भी ही नहीं, बेजानदार माद्वा ही माद्वा था जिसने आगे चल कर जानवार जीव की शक्त ले ली. व्यात्वार जीव या जीवन की मां वेजानदार माद्रुश ही है. वे जानदार माद्रु से विकास हो कर जानदार जीव आए और इसी तरह हजरत इन्सान आए. यह सब का सब करिशमा ने जानवार माद्वे का है जो अपने खास खास ढंगों और शक्तों में ज़ाहिर होता रहता है.

ं लेकिन सर्वोदय विचार के मुताबिक सारे विकास की जद जद न होकर चेतन या जानवार चीज़ है. सारे माद्रवे या जड़ पदार्थ का जनम चेतन से ही है, या अगर चेतन न हो तो जद का पता इरगिज नहीं बल सकता. यह चेतन ही जीवन है, यही सत्य है. सत्य ही भटल चीज या उसल है. यह सत्य या आत्मा सब में एकसी रहता है और हमेशा रहती है. बाक़ी सारे रूप या मादू दे इसी सत्य से पैदा हैं. इस सत्य की खुषी यह है कि गो यह सत्य या कारमा सब में रहता है फिर भी इस की तमीज नहीं होती, ककसर तो जिन्दगी भर इस की तमीज नहीं हो पाती.

इसी चीज को लेकर सर्वोदयी और कम्युनिस्ट में बारमा बीर मन का भेद हैं. कम्यूनिस्ट बारमा को नहीं मानता, मन (matter) को मानता है, सर्वोदयी मन को नहीं मानता. चात्मा को मानता है. इसी वजह से कम्युनिस्ट 'धर्म' नाम की चीज में यक्तीन नहीं रखते और बारमा, परमात्मा, राम, ईश्वर, ब्रह्माह, खुदा, जेहबा, गहर-सब के सब को यह दोंग या दकोसला मानते हैं को इम्सान ने अपना मतलब हल करने के लिये गढ़ रख है, सर्वोदयी को जो बीज मज़हबी या धार्मिक, रहानी या आत्मिक महसूस होती है, कम्यूनिस्ट एसे महज् आर्थिक संबर्ध का नतीया मानता है. इनके सुवाबिक मां का हुंच, मां की आत्मा और कच्चे की आत्मा के प्यार

الله الله على الله الله الله الله الله الله الله على الله وهها الكاتار وكلس كي طرف يوه رهي هي. يه يات سرروداني بھی منظور کیلگے ، لیکن ہوا سوال یہ ہے که یه 'واکس کس طور هو رها هے . مان لهجئے العآباد کے دشہرے کے موقعے یو رات کے چار بھے چوک میں چوکیاں دیکھٹے کے لئے بهرو لکی ہے ، یہ بههو لکاتار چائمان ہے ، کوئم ، نها آدِمي أب ديكهكنے پهنچها هے . وه بهير مبن كهسے كا أور راسته بدائے کا یعنی ہوئے کا . مکر ہومنے کے دو طریقے هين ، ايک تو په که وه هوا چر سوار هے؛ دائين باڻين؛ آکے پہنچھے سب پر لائھی یا دوسری کسی چھڑ سے وار کرتا هرا دهول دهار اودهم مجاتا هوا حو آيا أس فهالا هوا جا جا رما هے اور اس طرح بوھ رها هے دوسرا طریقه یه هے که ولا دُرا دهم علي كا دائين بائين أكى يعجم يهار سے بھائی بقدوں سے کہے گا --- اور محمد یہی جکھ تہوری سی بيديجيئه ميں بھي دوشن کر لس . " وہ نه کسي پر هاتھ أَتَّهَانًا هِم نَهُ بِهِا بِوا كَيْمًا هِم . أور الرَّاسِ بديم بهيج مهير ولا یس بھی گھا تپ بھی رام کا نام کے کر صفر کرنے کا یہ نَهِينَ كَمْ آيةً سِم ياهر هوكر' أو ديكم نَمْ تاو أور آكم يوه هي جائمی آیے درشن هوکئے تو بھلا[،] نه هوکئے تو بھلا .

هنارے کمیونست بھائیوں کا یقین ہے کہ دنیا میں ' وکاس ' کا پہلا والا طریقہ کام کر رہا ہے . دشہرے کے مہلے کی مثال لیں۔۔ اُن کا کہنا ہے کہ سب آدمی ایک دوسرے کے دشمن بھیں یا اُن میں چھپولٹے ہوے ایسے ورگ یا دوچے بین گئے بھیںکہ ایک دوجہ دوسرے کے خون کا پیاسا ہے' ایک دوسرے کو دیکھنا برداشت نہیں کر سکتاً اِن درجوں میں ہمیشہ ہی '' مقابلہ ' یا '' سفکھرش '' میچا ہوا ہے اور ایک دوسرے کو چت کرئے کی کوشش میں بھی وار ایک دوسرے کو چت کرئے کی کوشش میں بھی ، اُسی طرح سے' اُن بھائیوں کا کہنا ہے' دنیا بوہ رہی ہے ، جو واقعات ہوتے بھیں اُن میں بنیادی طور سے آیسی تنا تنی تکر ہے ، اُن ورودھی چیزوں میں مقابلہ ہر وقت گرو ہے ۔

اس کے خلاف سروودئی کا یہ وجار ہے کہ سب آدمی ایک درسرے کے دشمن نہیں بھائی بھائی ھیں' کو یہ فہرور ہے کہ اُن کے رهن سہن میں اتفا فرق ہے کہ وہ الگ الگ ورگ یا درجے کے جہسے لکتے ھیں الفا فرق ہے کہ ایک فوسرے کے دشمن بقیادی طور پر نہیں ھیں ایک درسرے کا کا دبا کریہ مررتی کے درشن نہیں کرنا چاھتے' بلکہ محصم کے ساتھ' ایک درسرے کی سویدھا کے خیال کے ساتھ ایک درسرے کی سویدھا کے خیال کے ساتھ جورشن کرنا جاھتے ھیں اِس اِ سارے رہائے کی پہنچھے ایک سلسلہ ہے، وہ کیسا ؟ جیسا کہ سلکھت میں عوت ھی

कपर इसने कहा है कि कम्यूनिस्ट वह मानते हैं कि वा लगावार विकास की तरफ वह रही है. यह वात वियो भी मंजूर करेंगे. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि 'विकास' किस तरह हो रहा है. मान लीजिये

।हाबाद के दशहरे के मीक़े पर रात के चार बजे चीक में क्यां देखने के लिये भीड़ लगी है. यह ओड़ लगातार ायमान है. कोई नया आदमी अब देखने पहुँचता है. भीइ में घुसेगा और रास्ता बनायेगा यानी बढ़ेगा. र बढ़ने के दो तरीक हैं. एक तो यह कि वह हवा पर गर है, दायें बायें, आगे-पीछे सब पर लाठी या दूसरी भी चीज से बार करता है, घुं माँ घार ऊधम मचाता गा, जो भाया उसे द्वाता हुआ बला जा रहा है और । तरह बढ़ रहा है. दूसरा तरीक़ा यह है कि वह जरा मे चतेगा, दार्ये-वार्ये, आगे-पोक्षे प्यार से माई बंदों से गा-"मुमे भी जगह योड़ी सी दे दीजिये, मैं भी ान कर लं." वह न किसी पर हाथ उठाता है न भला-त फहता है. और भगर इस बीच भीड़ में वह पिस । गया तब भी राम का नाम लेकर सबर कर लेगा, यह [िकि आपे से बाहर होकर, आव देखे न ताव और गो पह ही जाये. इसे दर्शन हो गये तो भला, न हो गये

इमारे कम्यूनिस्ट भाइयों का यक्नीन है कि दुनिया में विकास' का पहला वाला तरीका काम कर रहा है. शहरे के मेले की मिसाल लें—उनका कहना है कि सब गढ़मी पक दूसरे के दुरामन हैं या उनमें क्लोटे बड़े ऐसे में या दुर्जे बन गये हैं कि एक दर्जा दूसरे के खून का प्यासा , पक दूसरे को देखना बद्दारत नहीं कर सकता. इन दर्जों में मिशा ही "मुकाबला" या "संघर्रा" मचा हुआ है और रक दूसरे को बित करने की कोशिश में हैं. इसी तरह से, ल साइयों का कहना है, दुनिया बढ़ रही है. चीजों में हिन्सादी तौर से आपसी तनातनी है. जो वाक्रयत होते हैं इनमें बुनियादी तौर से आपसी टक्कर है. इन विरोधी क्लों में मुकाबला हर वक्त जारी है.

इसके लिलाफ सर्वोदयी का यह विचार है कि सब आदमी एक वृसरे के दुशमन नहीं आई आई हैं, गो यह फलर है कि बन के रहन-सहन में इतना फर्क है कि वह अलग अलग वर्ग या दर्जे के जैसे लगते हैं. लेकिन यह एक दूसरे के दुशमन बुनियादी तौर पर नहीं हैं. एक दूसरे का गलर दवा कर यह मूर्ति के दर्शन नहीं करना चाहते, बल्क मुह्ब्बत के साथ, एक दूसरे की सुविधा के खयाल के साथ—दर्शन करना चाहते हैं. इस सारे जालम के पीछे एक सिलसिका है. वह कैसा? जैसा कि श्विष्या को सोना या भाराम नसीय नहीं होता. से किन इस पर भी सुबह को जब वह एउसी है तो पिछली रात से गई गुज़री हालत एसकी होती है. हाखों करोड़ों को तो मानो हर दम रात है, हर दम जागरन करना है. यह पक बहुत ही दर्व भरी हालत है जो बयान के बाहर है भोर किसका भन्दाज़ भनुभव करने पर ही मिल सकता है. मैंने देखा कि दुखी प्रानियों के दिस को कबीर के एक भजन से दिलासा दिला सकना नामुमिकन है. मुके पेट को तो बस एक भजन चाहिये—जानदार रोटी. भौर यह रोटी एन्हें खैरास में नहीं मिल सकती, बल्कि उन्हें आपनी कमाई से पानी चाहिये. और कमाई तभी कर सकेंगे जब सर का पसीना एकी तक बहा हैंगे."

इससे ज़ियादा किसी का दिल दूसरों के लिये क्या तद्य सकता है? ऐसा दिल कब ऊंच-नीव या अमीर रारीय के मोंडे कर्क बदीरत कर सकता है? इसी बजह से गांधी जी ने अपने खयास को 'सर्वोदय' नाम से ज़ाहिर किया. सर्वोद्य माने सब का उदय, सब का उद्धजं, सब की तर्कां, सब की बेहतरी—सब की, चाहे वह राजा हो या रंक, ज़र्मीदार हो या किसान, पूंजीपित हो या मज़दूर, बाझन हो या मंगी, कैसा ही क्यों न हो. और बेहतरी—महज़ रूपये-पैसे पा जेना नहीं, बिक जिस्म की, दिमारा की, चाल चलन की, आत्मा या रूड की, सार जीवन की, जीवन के हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े पहलू की—हर तरह से बेहतरी.

कम्यूनिस्ट भी अमीर रारीष के बीच की दीवार को तबाहकुन और समाज के लिये घातक मानते हैं. उनका यह बुनियादी खयाज़ है कि यह दीवारें एक दम गिरा देनी चाहियें और जब तक आपस में भेद-भाव रहेगा इन्सानी इस्ती को अमन चैन नहीं मिल सकता.

सर्वोदय और कम्यूनिजम में दूसरी बीज जो एक सी है वह वस्ती पहल से वास्ता रखती है. वह यह कि यह सारी स्टिंट या कायनात एक मिली जुली बीज है, एक इकाई की तरह है. इसमें जो घटनायें और वातें होती हैं वनका असर एक दूसरे पर, सारी दुनिया पर पड़ता है. साथ ही साथ, यह दुनिया कोई उस हालत में नहीं है बिलक सगावार जनायमान है जिसमें आने-जाने या जीने-मरने का मेला हर दम सगा रहता है. इसके अलावा एक बात यह भी है कि दुनिया जो सगातार जनती है तो विकास या तरक्की की तरफ, नीवाई से अंबाई की तरफ बलती है!

بهرا کو سونا یا آرام فصیس نهیس هوتا الهای اس پر گای سیم کو جب را آتهای هے تو پنجهلی راس سی گای گاری بحالت آسکی هوتی هے الانوں کروروں کو تو ماتو هو دم رات هے ، هردم جاگرن کرنا هے ، یه ایک بهمت هی دره بهبری حالت هے جو بیان کے باهر هے اور جس کا آنداز پرانیوں کردتے پر هی مل سکتا هے ، میں نے دیکھا که دکھی پرانیوں کردل کو کمھرکے ایک بهنجن سردالدا دالسکفا ناممکی پرانیوں کردل کو کمھرکے ایک بهنجن جاهئے — جاندار ورثی ، اور یه روثی آنهیں خیرات میں نہیں مل سکتی ورثی ، اور یه روثی آنهیں ایک بهنجن جاهئے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی انہیں ایک بها دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی تعین نہیں ایک بہا دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی تعین نہیں ایک بہا دیاگے ، اور کمائی تمهی کر سکتی تو بیانی جاندار کمائی تمهی کر سکتا ہے ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیاگے . اور کمائی تمهی کر سکتا ہے ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیاگے . اور کمائی تمهی کر سکتا ہے ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیاگے . اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیا گی ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیا گی ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیا گی ۔ اور یہ دیا پر سیفا ایروں تک بہا دیا گیوں کی باتا کر کمائی تمہی کر دیا ہو کی باتا کر کمائی بہا کی باتا کی باتا کر کمائی تمہی کر دیا کر کمائی باتا کی باتا کی کمائی باتا کی باتا کر کمائی باتا کی باتا کی باتا کر کمائی باتا کر کمائی باتا کی باتا کی باتا کی باتا کی باتا کردا کی باتا کی باتا

اس سے زیادہ کسی کا دال درسروں کے لگے کھا توپ سکھا فرق پودائست کو سکھا ہے ؟ ایسا دل کب اونے نہیے یا امیر غریب کے بھونڈے فرق بودائست کو سکھا ہے ؟ اسی وجہ سے گاندھی جی نے اپنے شھال کو ' سروودے ' نام سے ظاهر گھا ۔ سروودے معلے سب کا آدے ' سب کا عروج' سب کی ترقی' سب کی بھتری — سب کی' چاھے وہ واجہ ھو یا رنگ' زمیندار ھو یا کسان' پونتجی پٹی ھو یا مزدور' براھمن ھو یا پہلاری — محص بوریے پیسا ھی کھوں نہ ھو ۔ اور بہٹری — محص بوریے پیسا ھی کھوں نہ ھو ۔ اور بہٹری — محص بوریے پیسے پالیفا نہیں' بلکہ جسم کی' دمائے کی' جال بھر طرح جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح بہتری ،

کمھونست بھی امیر غریب کے بھیے کی دیوار کو تہاہ کی ارر سماے کے لئے گھانک مانتے ھیں ۔ اُن کا یہ بغیادی حیال ہے کہ یہ دیواریں ایک دم کرا دینی چاھٹیں اور خیا کک آپس میں بھید بھاؤ رہے کا انسانی ھسٹی کو آمن چین نہیں مل سکتا ۔

سروردے اور کمھرنزم میں درسری چیز جو ایک سی
یے وہ اصولی پہلو سے واسطے رکھتی ہے ۔ وہ یہ ہے کہ یہ ساوی
سرفیتی یا کائٹات ایک ملی جلی چیز ہے ایک اکائی
کی طرح ہے ۔ اس میں جو گھتٹائیں اور بانیں ہوتی
میں اُن کا اُثر ایک دوسرے پر' ساوی دنیا پر پوتا ہے ،
ساتھ ھی ساتھ' یہ دنیا کوئی تیس حالت میں نہیں ہے
پیلکہ لگاتار چلائے مان ہے جس میں آنے جائے یا چیئے
پیلکہ لگاتار چلائے مان ہے جس میں آنے جائے یا چیئے
پیلی کا میلا ہو دم لکا رہتا ہے ۔ اِسکے علوہ ایک بات یہ
پیلی طرف' نیجائی سے اونجائی کی طرف چلتی ہے !

آپ هم دونوں کے اصولی فرق کو لیس ۔

क्रं नहीं है, सिर्फ साथन पर जोर जांसग जातग है. धिवाद का आधार कहिंसा है जोर कम्यूनिस्ट किसी उस साथन पर इसरार नहीं करते. मोटे तौर पर इस जि को लोग इस तरह ज़ाहिर करते हैं—

कम्यूनिएस—कार्हिसा = गांधीवाद......(1) इशोरताल भाई की किताब का मकसद यही है कि यह ब्राइस्त राजत-फ्रह्मी दूर हो. मनचले लोग तो यहां तक इस्ते हैं जिसकी सुराद यह है.

गांधीबाव—महिंसा = कम्यूनिजम.....(2) शांतर इसके कि हम वोनों चसुकों की गहराई पर ग़ीर करें हम बह कह देना चाहते हैं कि ऊपर के दोनों हिसाब धरासर ग़लत हैं. दूसर की एक शकत वह भने हो सकती हैं—

गांबीबीद—अहिंसा = 0.....(3) खौर पहले की वह है—

× × × ×

सर्वोदय और कन्यूनिजम के फर्क पर गौर करने के पहले हम यह बतादें कि दोनों में कहां तक बातें एक सी हैं. सब से पहली चीज़ जो हमें दोनों में बराबर मिलती हैं वह है गरीब या दीन दुस्ती के लियं दर्द, गरीब और अमीर के बीब जा बाज जबरदस्त दीवार सड़ी हैं और समीर जो गरीब का शोशन दिन दूने रात चीगने जाने- अनुजाने करता है यह बात न कन्यूनिस्टों को गवारा है न सबोदयी की. गांधी जो ने 1946 ने कहा था—

"वर्ग वर्ग में श्रीर जनता में, राजा में श्रीर रंड में जो देखनाक मेद है उसे जायज उहराना या यह कहना कि राजा की ज़रूरत ही ज़ियादा के लिये हैं बेकार की दलील है श्रीर मेरी बात का मज़क़ उड़ाना है..........शाज जो श्रमीर रारीब में फर्क है उससे मेरे दिल को भारी बोट सगती है. विदेशी सरकार और अपने राहर के भाई बच्चु मिस कर रारीब देहातियों का शांज शोशन कर रहे हैं.......यह कितना शर्मनाक है ?"

हिन्दुस्तान की दर्द नाक ग़रीबी के बारे में विखते हुए
1921 में गांधी जी ने विखा था--

"इन्द्रसानी बासमान के नीचे रहने वासी इन्सानी

قرق تھھی ہے' صرف سادھی پر زور آلگ آلگ ہے۔ گاندھی ہاد کا آنھار آھنسا ہے اور کمیونسٹ کسی خاص سادھی پر آساد کا آسادی ہر آساز نہیں کرتے ، موتے طور پر اس چیز کو لوگ اس طرح طاهر کرتے ھیں —

Little of the the second of th

کمیونوم--اهلسا = گاندهی واد (1) کشور گال بهائی کی کتاب کا مقصد یهی هے که یه زبردست فلط فهمی دور هو . منتجلے لوگ تو یهاں تک کہتے همی جس کی مراد یہ هے---

گندھی واد — اهنسات کیونزم (2) پیشتر اسکے که هم دونوں اسولوں کی گہرائی پر غور کویں هم یه کہ دینا جاهتے هیں که اربر کے دونوں حساب سراسر فلط هیں . دوسرے کی ایک شکل یہ بہلے هوسکتی ہے—

كاندهى واد — أهنسا = 0 ... (3) أور يهاء كي يه هے ---

گاندھی واد + اهنسا = × (په معنے) ... (4) چوتیے اور پہلے حسابوں سے عی یہ صاف ہوجاتا ہے که گاندھی واد یا سروردے (آئے ہم سروود ے لفظ کا عی استعمال کرینگے کھونکہ اصل میں گاندھی جی کی ہستی کو گاندھی واد کے کھورے میں نہیں باندھ کر رکھا جا سکتا) اور کمیونؤم میں کتنا ہوا اور کھاں تک کا قرق ہے .

× × × ×

سروودے اور کیپوئزم کے فرق پر غور کرنے کے پہلے هم آیہ بعا دیں که دونوں میں کہاں تک باتھیں ایک سی هیں . سب سے پہلی چیز جو همیں دونوں میں برابر ملعی ہے وہ ہے غریب یا دین دکھی کے لئے درد . غریب اور امیر کے بیچ جو آج زبردست دیوار کھوی ہے اور امیر جو غریب کا شوشن دن دونے رات چوگئے جانے انجانے کرتا ہے یہ بات نہ کیپونسٹوں کو گوارا ہے تم سروردشی کو . گاندهی جی نے 1946 میں کہا تھا ...

" ورگ ورگ میں اور جنتا میں' واجد میں اور ونک میں جو حیرت ناک بھید ہے آسے جائز تھہوانا یا یہ کہنا که واجہ کی فرورت ھی زیادہ کے لئے ہے بھکار کی دلیل ہے اور میری بات کا مذاق آزانا ہے آج جو امیر غریب میں فرق ہے آس سے میرے دل کو بھاری چوق لگتی ہے ودیشی سرکار اور ایم شہر کے بھائی بندھو مل کو قریب دیہاتیوں کا آج شوشن کو رہے ھیں یہ کتنا شرمغاک ہے ؟''

ہلدستان کی درد ناک فریبی کے بارے میں الکہتے بیٹے 1921 میں ٹاندھی جی نے لکھا تھا —

الا هندستانی آسمان کے نہدیے رهنے والی انسانی

कम्यूनिकाम से हमारे यहां के लोग बहुत कम बाक्तिक हैं, लेकिन कम्यूनिस्ट के बारे में यह स्तयाल कम गया है कि यह बाक़ई कुछ कर सकने बालों की टोली है और— क्योंकि रूस व चीन के नक़शे आंखों के सामने आते ही हैं—यह लोग सचमुच हालत में तबवीली ला सकते हैं.

कहने की पासरत नहीं कि जिन महात्मा गांधी ने हिन्दुस्तान में तुफान मवा दिया, अंग्रेजी हुकूमत जैसी ताकतवर हुकूमत के छक्के छुड़ा दिये और दुनिया के सामने पशुबल या अहिंसा के मुकाबले आत्म बल या अहिंसा का मंड़ा खड़ा कर के दिखा दिया, उनके चलाये 'सर्वेदिय' पर तो उनके देश वासियों को आप से आप श्रद्धा पैदा होती है. लेकिन आज जिसे देखिये वही 'सर्वोदय' का नारा लगा रहा है-क्या कांग्रेस, क्या किसान मजदूर प्रजा पारटी, क्या सोशिलस्ट, क्या जन संधी—सभी इसका दम भरते हैं. यही नहीं, कभी कभी तो कम्यूनिस्ट भी अपने को सर्वोद्य का हामी कहते हैं. नवीजा यह है कि कोई साफ तस्वीर लोगों के सामने नहीं है कि आखिर सर्वोदय क्या है या गांधी जी क्या चाहते थे और कम्यूनिस्ट क्या चाहते हैं या कम्यूनिजम क्या है. ख़ुशी की बात है कि यह तसवीर बहुत सकाई और खुबसूरती के साथ हाल ही में श्री किशोरलाल मशहवालां ने अपनी किवाब 'गांधी ऐन्ड मार्क्स' में पेश की है और जो हिन्दी गुजराती में 'गांघी **भौ**र साम्याबाद' शक्ष नाम से निकली हैं. उत्पर से सोने में सहागा यह कि इस किताब की भूमिका आचार्य विनोवा ने लिखी है. पूरी कितान में किशोरलाल माई के लिखे 56 सफ़ो हैं, 34 बिनोबा जी के लिखे और बाक़ी 18 सफ़ो अपैनडिक्स के हैं जिनमें किशोरकाल भाई और गांधी जी के सेक्रेटरी प्यारे लाल भाई के बार लेख हैं जो गांधी जी के सामने छप चुके थे. इस तरह हम इस किताब को विनोबा जी भौर किशोरलाल भाई दोनों 🕏 विचारों का इजहार मानते हैं, जिन्हों ने मिलकर हमेशा के लिये एक इमारत खड़ी करवी है. बाज इस वक्त जहां तक हमारी जानकारी है हमारे देश में इन दोनों महारथियों के मुकाबले गांधी जी को जियादा सममने चौर उनकी राह पर देहतर चलने वाले दूसरे क्षीग नहीं हैं. इम तो यहां तक कहेंगे कि गांघी जी या गांधीबाद के बारे में जो यह नहीं जानते वह कोई दूसरा नहीं जानता. इस किताब को हम विनोबा जी भौर किशोरलाल माई की ठोस व बेह्तरीन सेवा का नमूना मानते हैं.

आमतौर से यह कहा जाता है कि क्रम्यूनिज्म और गांधी जी की बार्सों में जहां तक मकसद का सवाल है कोई

* अ यह किलाब नवजीबन प्रकारान मंदिर अहमदाबाद ने जानी है. التقولوم سرفساوے بہاں کے لوگ بہمت کم واقف عین لیکن التقول سے کہ یہ واقعی التقول سب کے بارے میں یہ خیال جم گیا ہے کہ یہ واقعی کوچہ کو سکتے والیں کی تولی ہے اور — کیونکہ روس و چین کے نقشے آنکیوں کے سامنے آتے ہی ہیں ۔ یہ لوگ سے میے حالت میں تبدیلی السکتے ہیں .

THE REAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

ﷺ کہنے کی ضرورت نہیں کہ جن مہاتما گلدھی نے هندستان میں طوفان محا دیا اُ اُسکریزی حکومت جهسی طاقتیں حکومت کے چھکے چھڑا دیئے اور دنھا کے سامنے یشوبل یا هنسا کے مقابلے آتم بل یا اهنسا کا جهندا کهوا کو کے دکھا دیا' اُن کے چلائے ' سروودے ' پر تو اُن کے المحمل واسيول كو آپ سے آپ شردها بهدا هوتی هے . لهكين آئے ہسے دیکھگے وهی' سروودے ' کا تعوہ لکا رها ہے - کہا كالكريس؛ كها كسان مزدور يرجا بارتى؛ كها سوشلت؛ كها جن سلکھی --- سبھی اِس کا هم بھرتے هیں ، یہی نہیں[،] کبھی کبھی تو کمیونست بھی آئے کو سررودے کا حامی کہتے ھیں ، نتیجہ یہ ہے کہ کوئی صاف تصویر لوگوں کے ساملے نہیں ہے کہ آخر سررودے کیا ہے یا کاندھی جی كما جاهي تم إور كمهونست كيا جاهي هيل يا كمهونوم کھا ہے . خوشی کی بات ہے که یه تصویر بہت صفائی أور خوبصورتی کے ساتھ حال ھی میں شرق کشور لال مشرو والا لے اپنے کتاب الاندھی اینڈ مارکس ' میں پیش کی ه اور جو مددی کجراتی میں اللہ می اور سامیمواد کے نام سے نعلی ہے ، أربر سے سوئے میں سہاکا یہ که اِس کتاب کی بہرمها آچاریه ونوبا نے لکھی ہے ، ہوری کتاب میں کشرر لال بہائی کے لکیے 56 سنتے میں' 34 وتوبا جى كے لكم اور باقى18 صنصر أيهندكس كے هوں جن سیں کھور لال بہائی اور گاندھی جی کے سکریٹری پیارے قل بھائی کے جار لیکھ ھیں جو گاندھی جی کے ساملے تهمی چکے تھے ، اس طرح هم اس کتاب کو ونوبا جی اور کشور لال بھائی درنوں کے وچاروں کا اظہار مانعے میں' عُمِلِهِن تِے ملکر هميشه نے لیے أیک عدارت کهوی کر دین ھے . آج اس وقع جہاں تك هماري جانكاري ھے همارے ديمن مين إن دونون - بارتهيون كي قابل كاندهي جي كو المنادة سمجهد اور أن كي رأة پر بهتر جلف والے دوسرے الوگ نہیں ہیں. هم تو یہاں تک کہینگے که کاندهی خمی یا کاندهی واد کے بارے میں جو یہ نہیں جانگے وہ عَيْثَى دوسرا نهيل جانتا . اس كتاب كو هم ونويا جني اور الطور لال بهائي كي تهوس و بهترين سيوأ كا نمونه سائلے هيں .

حام طور سے یہ کہا جاتا ہے کہ کسیونزم اور گاندھی جی ہے۔ یہاتیں میں جہل تک مقصد کا سوال ہے کوئی

ه یه کتاب نوجهون پرکاشی مندر احمدآباد نے بهایی هے .

ے هو وہ دهوکے کی تھی ہے گفاہ ہے ، یہ بات سب لوگ معسوس بھی کرتے مہی اور اس لئے اس تهاهی کو دور اولے کے لئے مبلی روپ سے قدم آتهانا چاهتے هیں ، آپ سوال یہ ہے کہ وہ قدم کیسا اور کیا هو ۔ یہ بہت ہوا سوال ہے جس سے هندستان کے لاکھوں کروروں کی هی نہیں بلکہ ساری دنیا کی بہتری کا راسطہ ہے .

ظاہر ہے که موجودہ سرکار سے کسی کو کوئی آس ذرا بھی نہیں ہے کہ وہ جفعا کے دود کو دور کرے گی ، لہذا الم پدلک میں سے دی کوئی طاقت أُتَّهذی ہے جو اس الوف کچه کام کر سکهگی، تهورے عرصہ سے دو نام وگیں کی زبان پر آنے شروع ہوئے میں -- ایک سررودے ور دوسوا کمهونست . يها شدد ايک وجار هے دوسوا یک خاص طوح نے لوگوں کا نام ھے . پہلا شبد مهاتما الدعى كى أيتجاد هـ ؛ دوسرا الكريزي بهاشا كا يون تو بهت رانا شبد مے مگر أس ميں جان ةاللے كا كام ايك نامى جرمن کھان وان آچاریہ نے کھا جو کارل مارکس نام سے سر ام هے . سروردرے وجار مہاتما کاندھی نے پیش کھا' آئے ھنگ سے بحاس بحین برس تک اس پر عمل کیا اور سکے آدمار پر دکھنے افریقہ اور مندستان میں ہوی ہوی عكومتوں سے تكريں ليل ، هزاروں الكهوں لوگ إن تكروں بھی شریک هوئے جانهوں نے بڑی سے بڑی قربانهاں کرکے آیے هدائشي ادههكار وأيس لئم . كمهونست أن لوكون كا نام ے جو کمیونزم نام کے اصول میں یقین رکھتے هیں . یہ ھی اصول ھے جنس پر کارل مارکس کی تصفحہوں کے طابق عمل کر کے لوگیں نے روس میں 1917 سیں علاب کیا اور لیان نامی بلند هستی نے دنیا میں سب ہ پہلی کمھونست حکومت روس میں قائم کی جو آب ال قائم هے ، یه وهی اصول هے جس کی روشلی صیب کام ر کے اُبھی دو ہوس ھی ہوتے چھن میں ماوتسے نامی ہادر ھنعصمیت نے کمیونسٹ سرکار قائم کی اور یے حال' د حواس بهکی هوئی جلتا کی کیا پلت دی . اِسی سول کے پہروکار کمھونسٹ بھاٹھوں نے ھلدستان میں بھی نگه جگه جنتا کے بدیج احجه سووا کر کے ایفا اثر قائم کها ہ' خاص کر حیدرآباد ریاست کے پوربی حصے میں جہاں ے ماتر بہاشا تیلکو ہونے کی وجہ سے اُسے تھللکانہ کہا باتا مے اور جوں کا معرول ہے کہ هم سماج کے اندر سے چھوٹے رے اونیے نیمے کے بھید ختم کر کے ایک ورگ ھین سماج لانا چاهیے هیں جس میں سب کو روثی' کپوا' مکان لے کا اور سب خرشیخوشی رہ سکیلگے . لیکن کنھونست بالهون کا کام کنچه اُس طرح دور دهرب کا کلے چھیلے کا یا ہے کہ وہ کہل کر کوٹی چھٹر یا تمونہ هلدستان کی بلغا کے آگے نہیں رکھ سکے هیں، یہی وجه فے که

न हो वह थो के की टट्टी है, गुनाइ है. यह बात सब लोग महस्स भी करते हैं और इसकिये इस तबाही को दूर करने के लिये अमली रूप से क़द्म डठाना चाहते हैं. अब सबाल यह है कि वह क़द्म कैसा और क्या हो. यह बहुत बड़ा सबाल है जिससे हिन्दुस्तान के लाखों करोड़ों की ही नहीं बल्कि सारी दुनिया की बेहतरी का बास्ता है.

जाहिर है कि मौजूदा सरकार से किसी को कोई आस परा भी नहीं है कि वह जनता के दर्द को दूर करेगी. किहाजा आम पबलिक में से ही कोई ताक़त उठनी है जो इस तरफ कुछ काम कर सकेगी. थोड़े अरसे से दो नाम लोगों की जबान पर आने शुरू हुए हैं-एक सर्वेदिय और दूसरा इम्युनिस्ट. पहला शब्द एक विचार है, दूसरा एक खास तरह के लोगों का नाम है. पहला शब्द महात्मा गांघी की ईजाद है, दूसरा अंग्रेजी भाषा का यूं तो बहुत पुराना शब्द है मगर उसमें जान डालने का काम एक नामी जर्मन ज्ञान-बान बाचार्य ने किया जो कार्ल मार्क्स नाम से सरनाम है. सर्वेदिय विचार महात्मा गांधी ने पेश किया. अपने ढंग से पदास पदपन बरस तक उस पर समल : किया और इसके आधार पर दक्किनी अफ्रीका और हिन्दुस्तान में बड़ी बड़ी हकूमतों से टकरें लीं. हजारों लाखों लोग इन टकरों में रारीक हुए जिन्होंने बड़ी से बड़ी क़रवानियां कर के अपने पैदायशी अधिकार वापिस लिये. कम्युनिस्ट इन सोगों का नाम है जो कम्युनिषम नाम के उस्त में यक्नीन रखते हैं. यह वही उसल है जिस पर कार्ल मार्क्स की नसीहतों के मुताबिक अमल करके लोगों ने इस में 1917 में इन्क्रलाव किया और लेनिन नामी बुलन्द इस्ती ने दुनिया में सब से पहली कम्यूनिस्ट दुक्मत रूस में कायम की जो अब तक क्रायम है. यह वही उसूल है जिसकी रोशनी में काम कर के अभी दो बरस ही हुए चीन में मास्रसे नामी बहादुर शस्त्रसियत ने कम्युनिस्ट सरकार कायम की और बेहाल, बरहवास, बहकी हुई जनता की डाया पलट दी. इसी उसल के पैरोकार इम्यूनिस्ट भाइयों ने हिन्दुस्तान में भी जगह जगह जनता के बीच कुछ सेवा कर के अपना असर क़ायम किया है, खास कर हैदराबाद रियासस के पूर्वी हिस्से में जहां की मात् भाषा तेलुगू होने की वजह से उसे तेलंगाना कहा जाता है और जिनका द्वा है कि हम समाज के अन्दर से छोटे बढ़े ऊंच नीच 🕏 भेद खतम करके एक वर्ग हीन समाज बनाना चाहते हैं जिसमें सब को रोटी, कपड़ा, मकान मिलेगा और सब सुशी सुशी रह सकेंगे. लेकिन कम्यूनिस्ट माइयों 🕾 ाम क कड़ा छ इस तरह दोड़ घूप, लुकने छिपने का रहा 🤻 🗣 वह ख़ुल कर कोई चीज या नमूना हिन्दुस्तान की जनता के आगे नहीं रख सके हैं. यही बजह है कि

सर्वोदय और कम्यूनिस्ट

हमारे हिन्दुस्तान में क्या, विदेश में क्या, सब जगह का समाज वो मोटे हिस्सों में बँटा है. एक की तादाद कम है लेकिन उसके पास पैसा है, दौलत है और ताक़त है. दूसरे हिस्से की तादाद बहुत जियादा है लेकिन उसके पास न पैसा है न दौलत और न ताक़त. मगर दुखी दोनों हिस्सों के लोग हैं क्योंकि मालदार लोगों के पास जो कुछ भी है बह उनके पेट को पूरा नहीं पड़ता और उन्हें दिन दूना रात चौगना चाहिये ताकि उनकी उमंगें पूरी हो सकें, और रारीय लोग तो फिर रारीय हैं ही, उनको तो सचमुच दो जून खाना मुशकिल से नसीव होता है. दोनों खेंचतान करते हैं कि हमारे पल्ले कुछ और पढ़ जाये और हमारा काम बने. इन्सान के सारे इतिहास को इस कश्मकश की कहानी एक तरह से कहा जा सकता है.

मसल मशहूर है कि पांचों उंगलियां एक सी नहीं होतीं. बेकिन उनमें जो फर्क़ है वह कितना थोड़ा है यह सब जानते हैं. इसी तरह समाज के लोगों की हालत में थोड़ा बहुत फर्क हो तो कोई शिकायत की बात नहीं, लेकिन अगर जमीन आसमान का भेष हो तो फिर वह डालत बर्दाश्त के बाहर हो जाती है. बद्किसमती से हमारे देश में यह फर्क जमीन जासमान के फर्क से भी बढकर है. जब अंध्रेजी हुकूमत यहां थी तो यह सममा जाता था कि यह फक्क उसने कर रखा है. इसिलये ले दे कर सब लोग बसे हटाने में लग गए, मगर इसके हटने के बाद अपनी ही सरकार आई तो यह फर्क किसी तरह भी कम नहीं हुआ. रईस रईस होते बले जा रहे हैं और शरीब शरीब, उलटे बीखों के दाम इतने बढ़ गए कि मामूली जरूरतें पूरी होता भी दशवार हो गया और जाम जनता की निगाह में **आजादी** न मिली बरबादी मिली. मौजूदा सरकार हैरान है और लास कोशिश करने पर भी इस चकर से नहीं निकल पा रही है. इसके खिलाफ वह विदेशों से अनाज की भीक मांग मांग कर और पैसा उधार ले लेकर अपने देश को एक तरह से गिरवी रखे दे रही हैं. कोई स्रत सरकारी इलके में ऐसी नजर नहीं आती जिससे बह उन्मीद हो कि यह तबाही भी खतम होगी और दिन पसरेंगे.

क्रुदरत का यह अमिट क़ानून है कि जो जीज शुरू होती है वह ख़तम भी होती है. तो यह तबाही या बरबादी भी एक न एक दिन ख़तम होगी. मगर इस आशा को मन में बांचकर या इसके पूरा होने के लिये दुआ मिन्नतें करने भर से काम नहीं चल सकता. जिस दुआ के पीछे अमल

سرووں ہے اور کمیونست

همارے عقدستان میں کھا' ودیش میں کھا' سب جگھ کا سماج دو موتے حصوں میں بتا ہے۔ ایک کی تعداد کم ہے لیکن اس کے پاس پیست ہے' دوامت سے اور طاقت ہے ۔ دوسرے حصے کی تعداد بہت زیادہ ہے لیکن اس کے پاس نہ پیست ہے دولت اور انه طاقت ، مگر دکھی دونوں حصوں کے لوگ هیں کیونکھ مائدار لوگوں کے پاس جو کچھ بھی ہے وہ اُن کے پیت کو پورا نہیں پوتا اور اُنہیں دونا رات چوگلا چاھئے تاکہ اُن کی اُملگیں پوری ہو سیج میے دو جون کھانا مشکل سے نصیب ہوتا ہے ۔ تو سیج میے دو جون کھانا مشکل سے نصیب ہوتا ہے ۔ قو سیج میے دو جون کھانا مشکل سے نصیب ہوتا ہے ۔ فوٹوں کھیلیے تان کو قبل کی اُملگیں کو اُس خوائے اور پو گھمکھی کی کہائی ایک طاح سے کہا جا سکتا ہے ۔

مثل مشہور هے که پانچوں أنكلياں أيك سي نهين هوتيس. لهكن أن ميس جو فرق هي وه كتذا تهورا هي يه سب جاناتے میں ، أسى طرب سماج كے لوگوں كى حالت میں تہورا بہت فرق ہو نو کوئی شکایت کی بات نههن ليكن اكر زمين آسمان كا بههد هو تو پهر وه حالت برداشت ی باهر هوجاتی هے . بدقسمتی سے همارے دیس مهن یه فرق زمهن آسمان کے فرق سے بھی بوهکر هے . جب انگریزی حکومت یهان تهی تو یه سمجها جاتا تها که یہ فرق اُس نے کر رکھا ھے ۔ اُس لگے لے دے کو سب لوگ أس مثالے میں لگ گئے . معر أس كے هالمے كے بعد الهلي هي سركار آئي تو يه قرق كسي طرح بهي كم نههن هواً ، رئيس رئيس هرتے چاہے جا رهے هيں اور فريب فریب ، اُللہ چھڑوں کے دام انفے چوھ کلنے کہ معمولی فرورتهن بوری هونا بهی دشوار هوگها اور عام جفتا کی نگاه مین آرادی نه ملی بربادی ملی موجوده سرکار حیران ہے اور لائھ کرشف کرنے پر بھی اِسَ چعر سے نہیں نعل آیا رهی هے ، اس کے خلاف وہ دیشوں سے اناج کی پھیک مانگ مانگ کر اور ریست ادھار نے لے کر ایے الميش كو ايك طرح سے دُرري ركھے ديے رهي هے ، كوئي صورت مرکزی حلقے میں ایسی نظر نہیں آتی جس سے یہ اُمید هو که یه تباهی بهی ختم هوکی اور دن ی**بائیں کے .**

قدرت کا یہ اُست قانون ہے کہ جو چھڑ شروع ہوتی ہے۔ وہ ختم بھی ہوتی ہے ، تو یہ تباہی یا بربائس بھی اُلیک دن ختم ہوئی ، مگر اس آشا کو من مهں یاندہ کرتے ہے۔ یاندہ کرتے ہے۔ اس کے پرزا ہونے کے لئے دما منتهں کرتے بھر سے گہر نہیں جل سکتا ، جس دما کے پیچھے عمل اُلیک نہیں جل سکتا ، جس دما کے پیچھے عمل

पहचान कहिन्सा की है यह,
जो हिन्सा से बढ़ कर रन के,
दावें उंगली सब दांत तले,
जब वह धन दे, तन दे, मन दे.
पहचान कहिन्सा की है यह

जिसको सब ही होवें अपने, जो सह न सके अन्याय कभी जो आँख न दे उससे अपने.

पहचान श्राहिन्सा की है यह जो प्रानों को प्रानी माने, दुख को मेटे, क्यों ने नौबत, प्रानों के जाने की श्राने.

पहचान अहिन्सा की है यह जो लेसी ही आराम नहीं, फिर रहे लड़ाई. अमन रहे.

उसका तो घटता काम नहीं. पहचान श्रहिन्सा की है यह जो पग पग पर देखे काँटे.

फिर बड़े रहें या हों छोटे, पुचकारे, मुस्कादे, डाँटे,

पहचान श्रहिन्सा की है यह जो प्रेमामृत में दूवी हो,

जो न्याय, दया, सच, जोड़ सके जिस में ऐसी भी खूबी हो.

पहचान अहिन्सा की है यह जो लिये जा रही हो हमको,

. कॉटों में, मगर तसल्ली भी जो दिये जा रही हो हमको.

पहचान आहिन्सा की है यह जारव का हमें पथ दिखलाए,

खोटे रस्ते पर चले नहीं सच की स्नातिर जो मिट जाए.

---मगवानदीन

پېچان اهنسا کی ۾ يه'

جو هنسا سے بوھ کر رن لے'

دابهن أنكلي سب دانت لله'

جب وہ دھن دے اتن دے امن دے .

پہنچان اہلسا کی ہے یہ

۔ و جس کو سب ھی ھوریں آئے'

جو سہم نہ سکے انہائے کبھی

جو آنکھ نہ دے اُسے جھیلے .

پہنچان اهنسا کی مے یہ

جو پرائوں کو پرانی مانے[،]

دکھ کو معلم کی کھوں دے نوبت

پرادوں کے جانے کی آنے .

پهنچان اهلسا کی هے یه

جو ليتى هى آرام نهيں،

پھر رہے لوائی' امن رہے'

اُس کا تو گهٹنٹا کام نہوں. پہنچان اهلسا کی مے یہ

جو پک یک پر دیکھ کانٹے

پھر ہوے رھیں یا ھوں چھوٹے'

پنچکارے' مسکادے' ڈانٹے۔

پهنچان اهنسا کی هے یه

جو پريم أمرت مين دويي هوا

جو نيائے' ديا' سے' جوڙ سکے

جس مهن ايسي بهيڏوبيهو.

بهنجان اهلسا کی هے یه

چو لئے جا رهی هو هم کوا

کانٹوں میں' مگر تسلی بھی

جو ديئے جا رهي هو هم كو.

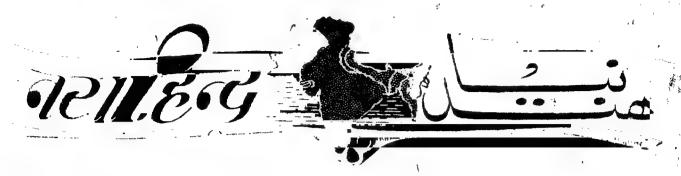
پہنچاں اہنسا کی ہے یہ

جو رب كا همين يته دكهاليًه

کھوٹے رستے پر چاہے نہیں

سے کی خاطر جو ست جائے .

ـــ بهکوان دين



जिल्द 11

नवम्बर, सन् '51

तम्बर 5

نمهر 5

نومهر' سن 51'

غلد 11

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली. جات آدمي' پريم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هند ' پہنچے کا گهر گهر لیّے پریم کی جهولی .

अहिन्सा भक्तों से

सौ बार वसल्ली दिल को दो संतोश करो, हाँ, सन करो, भौरों को तसल्ली तो दो ही सी जन सही मत जन करो. बदकारों को तुम गले लगा बदकारी उनकी पी डालो, सुम तो दो उनको नेक बना धनकी नेकी में जी डालो. नेकों को बढने दो आगे उनकी जग पर जय होने दो. हिन्सा, बोरी, बदकारी को अपनी अपनी पत खोने दो. हिन्सा के पाँव न जमने दो पर कायरता का ध्यान रहे! बह कहीं अहिन्सा देवि बनी न जमाती भूटी शान रहे! पुज ही जाती है कायरता, हाँ, पहन श्राहिन्सा का चोला, क्षाती ही है संस्वामी वह, बार्क पर, कर उनको पोला.

اهنسا بهکتوں سے

سو ہار تسلی دل کو دو سفتوهی کرو' هان' سهر کرو' اوروں کو تسلی تو دو ھی بدكاري أن كي بي ذالو' تم تو دو أن كو نيك بنا أن كي نيكي ميں جي دالو . نیکوں کو بچھنے دو آگے اُن کی جگ پر جے **ھونے دو'** هدسا، چوری، بدکاری کو ایلی ایلی یت کھونے دو. ھنسا کے پاؤں نه جمنے دو پر کایرتا کا دههان رهے! ولا كههن أهنسا ديوي بني نه اجماتی جهوتی شان رهه ! پېچ هی جاتی هے کايرتا' هان يهن أهنسا كا ، جولاً ا الله هي هے بدنامي

¹² ثما هدد ¹²

हिन्दुस्तानी कलचर मोसाइटी

माहवारी परचा नवस्वर 1951

هندستانی کلچیر سوسائٹی ماہواری پرچا نومبر 1951

ा किससे	भव	61	135 (2)		کھا کس ہے
—श्रहिन्सा भक्ता सं (कविना)ुभगवातदीन	* * 4	367		۱ ۲۰ویتا) - بهگوان دین	T ۔۔ اعلسا بہکتوں سے ۔۔۔
-सर्वोदय च्रीर कम्यूनिस्ट-सुरंश रामभाई	> ==	369		ت ، ، سریش وام به ئی	
—मंलाना अवेदुल्ला मिस्री का खत—काहिर	सि	385		كالخطاء فاعره س	
—मृकियों का सीहबत में—बाई गु. म.		391	* . *		4- ، موق نون ئى م نع نت
भारत में चीनी बौद्ध भिन्तु-भाई भान वन्द्र	वर्मा	393		، بهکشو - بهائی وانچندر	
ं—हैंदराबाद के मुसलमानं —मीर् अकवर छ		401		ي - مهر اقبر على خان ا	
किरका बन्दी का जहर भाई त्रिवेनी सहा		106			? — فرقه بالمای با رهو —
एक चिट्टी (कहाती) भगवानदीन					۶ - ایک چاپی (دہانو
l—विल्ली कांगरेस— पुरेश रामनाई					السد دان الكايس الله سا
।0हिन्द सरकार का पंचसानी प्लानविनी			***		10 - هدد سار کا پنچ
11—गुरु-नानक को वानी			100		11 — قاو ئائك كى دا ئى
12- बच्चों की दुनिया					الله ۱۰۰ سپون کی دنها
!3—कुछ किनावें	Pnan				13 ــ الاچھ انتابيس
14देश विदेश की डायकी	* * *			انري	
15— मारी राय—यू. एन. ऋषे. का नयाः				. أين . أو . كا ندا برسا	
ं भग शनदीन¦ स्वेत नेहर कीर फिस्न — भगव				ولو آور مصو بهگوان ا	
लियाकन् अली खां—भगवानदीन	***	438		بهغواندين	البادب على خال -

श्रीमत—हिन्दुस्तान में है कपया साज, बाहर दस कपया • साल. एक परचा दस आते .

र्मनेजर 'नया हिन्त्'

ئىلىجر ئىيا ھاد ⁵

145, मुद्रःगंज, इलाहाबाद .

test Tolkha.

145 متهى كنج العاباد،

قیمت دندستان میں چھ روبیه سال العو دس روپیه سال ایک پرچه دس آنے .

Service—4) their sales grant

किन्द्र स्टब्स पर से जान तक वी कार्य की यूनी हुई स्टब्स को का बह संगंद पहरूर नाम की बास के होगा कि कार की कार किन तरह संगंदी होगा की कोड़ कर स्टब्स की सरवाहकों से क्या जाता जोड़ किया है. बाउ को कार प्रस्करों होता के इस्तुल चीर करत व किराह दक हो सीतिया नहीं है. जाव जाय को करद कविया में किनायां कीर मजदरों के तिलों की स्वकन्त सुनाई वेंगो. सकायों करनाय चीर सह ससोड के किलाक जाप का रेसी कावाच सुनांगे को काप के विश्व को जोशा से

्रिस संबद में जिन शायरों की रचनाएं इक्ट्रा की गई

'सोश' मसोहानारी, 'किरास' गोरस पुरी, 'मुचलनी' हैं ही श्वारी, स्मार्ट्स के 'मजाज', सनी सरदार जाजरी, 'सोहर' हु विधाननी, कहमद नतीम कासिमी, के फी शिक्षमी, 'इकी बंदिमी, 'कार के स्मार्ट्स के स्मार्ट्स के स्मार्ट्स के स्मार्ट्स के स्मार्ट्स मान्य के स्मार्ट्स के समार्ट्स के स्मार्ट्स के समार्ट्स के समार

्रांकारी विकासका में ऐसा भरतूर प्रस्त कविता स्वयह स्रोत के बढ़ी निकता, सुन्तर जिल्हा, रहिया स्वयूप्त, कन्ता स्वयं कृत किये तीन प्रत्या.

में के निवास करते वपते हमा में इस मोर महं बोक्स के बोर से मो हैं और स्वेश को ने मो से मी किया हो कर हैं स्वीतने कर देश सिवास का सम الله المولق مول الراق

المراقب المرا

ی میں جن شامروں کی وجفائیں اکانہا کی۔ مردوں سے کنچہ کے غلم ا----

الله الالله الموادية والمهدوري المطلبي المرافعة المعدوري المعاولة المرافعة المعدورية المعدورة المعدور

وہ حمی ایسا ہیں۔ اردو کویٹا سلکو آنے منافعر جات ، ووقیا کافل ، مسدد جوبہائی ، معاد

الله جادية جودة لهي مين الود أور نثي الاز الله على فين أور الله صفح عوالم الله عين إلى نثر أب إلى كتاب ؟ دام الله في السيادين

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मों एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किताबों इबाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सचाइयों को एन किया गया है.

इसके बाद गीता के लिखे जाने के वक्षत की इस देश हालत, गीता के बदण्यन और एक एक अध्याय को हर गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आखिर में क्रुरान से पहले की अरब की हालत, क्रुरान बहुपन और एक एक बात पर क्रुरान की तालीम को ताल किया गया है. इस में क्रुरान की पांच सौ से ऊपर विशेष का सम्बी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया ता है कि क्रुरान में जेहाद, आक्रवत, आखरत, जन्नत, क्रिम, काफिर बरोरा किसे कहा गया है.

जो जोग सब धर्मों की एकता को सममना चाहें या बूधर्म और इसलाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की भी जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताब को इर पहना चाहिये.

पीन तीन सी सफ़े की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की

हिन्दू मुसलिम एकता

इस में वह चार लेक्चर जमा कर दिये गये हैं जो दि की ने कन्सीकियेटरी बोर्ड ग्वालियर की श्वत पर क्षियर में दिये थे.

सौ सके की किताब, कीमत सिर्फ बारह जाने,

महात्मा गांधी के बितदान से सबक

लेखक-पंडित सुन्दरकाल

साम्प्रवाधिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर तकाजी, मंजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और का इलाज, जिसने बालिर में देश पिता महात्मा गांची को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह जाने.

ميتها أور قواق

ليكهك_بنكات سندر الل

لیں کتاب کشروع میں دنیا کے سب ہونے ہونے تھوموں کی ایکٹا کو داھایا گیا ہے آور سب دھرموں کی کتابوں سے حوالے دیے در ملتی جلتی بنیادی سچائیوں کو بیان کیا گیا ہے ۔

اُسکے بعد گیٹا کے لکھے جانے کے وقت کی اِس دیش کی مالٹ کیٹا کے بوہن آور ایک ایک آدھیاہے کو لھکر گیٹا ہے۔ کی تعلیم کو اِنگایا گیا ہے .

آخر میں قرآن سے پہلے کی عرب کی حالت' قرآن کے بویں اور ایک ایک بات پر قرآن کے بویں اور ایک ایک بات پر قرآن کی تعلیم کو بھان کیا گیا ہے ، اس میں قرآن کی پانچ سو سے آرپر آیٹوں گا لفظی ترجمہ دیا گیا ہے . یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرآن میں جہاد' ماقیم' آخرت' جنت' جہام' کافر وقیرہ کسے کہا گیا ہے ،

چو لوگ سب دهرموں کی ایکٹا کو معجملا چاھیں یا هندو دهرم اور اسلام دونوں کی ان دو امر یستکوں کی سچی جائٹاری خامل کرنا چاھیں اُنھیں اس کتاب کو فرور پرقفا چاھیے۔

پوٹے تین سو صفحے کی سلدر جلد یلدھی کتاب کی قیمت صرف ڈھائی روبھہ ،

هندو مسلم ایکتا

اس میں وہ چار لیکچر جمع کر دئے گئے میں جو پندت جی نے کلسیایٹری بورت گوالیار کی دموت پر گوالیار میں دئے تھے ،

سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف بارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

لهكهك---بلدت سندر لال

سامیردایکتا یعنی قرته پرستی کی بهداری پر راج کانمی مختلی کانمی مختلی کانمی مختلی اور اسال مختلی کی مختلی کانمی کا

قهست ياره آنے .

हिन्दुस्तानी करुवर सोसाइटी की कितावें

बीचे तिसी सब किताचें नागरी और हर्दू दोनों सिसावटों में बताग शताग मिल सकती हैं. जो किताब एक भी तिसावट में छपी है इसका जिकर कर दिया गया है.

दस रुपए से ज्यादा दाम की कितावें ख्रीदने वालों भौर वुक्सेसरों को खास रिकायत दी जायगी.

बाक या देख कर्च हर हातात में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ 'भारत में आंगरेजी राज' के लेखक पं० सुन्दरलाल द्वारा मुख्य आंगरेजी से अनुवादित.

इर सारतबासी का कर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे माच्छी तरह समक ले.

विद बाप बाने बाले बाम बुनाव में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर है, समक कर हिस्सा लेना बाहते हैं और बाबाद भारत में अपने अधिकार समक्रना बाहते हैं तो बहरी है कि बाप इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ लें.

आसानी के क्षिये किताब के आसीर में हिन्दी से अंगरेजी और अंगरेकी से हिन्दी साठ पत्रे की राज्यमाला दे ती गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना कहरी है. जासान वामहाबरा भाशा. रायस कठपेजी वड़ा साइज़. सगमग वार सौ पत्री. कपड़े की सुन्दर जिल्द. कीमत केवस सादे सात कपप.

هندستانی کلیپر سرسانتی کی کتابیس

ا دس وریگے سے زیادہ دام کی کتابیں خرید نے والوں اور سهاروں کو خاص رعایت دی جائیکی .

قاك يا بهل خرج هر حالت مين العك كے ذمه هوا ،

بهارت کا ودهان

پورا هلامی انوراد

يو 26 چفوري سن 1950 سے سارے بھارت میں لکو ہوا۔

الهارت میں انگریزی راج کے لیکیک پانگست سفور لال انگریزی سے انبرانت ،

ُ هر پهارت واسي کا فرض هے که جس ودهان کے ادهین اجهیں بهارت کا شاسن اِس سمہ چل رها هے أُسے اُچهي سے سمجھ لے .

یدی آپ آنے رائے مام چفاو میں' جس پر بھارت کا را بھوشید نربھر ہے' سبجہ کر حصت لیٹا جاہئے ھیں اور انہمارت میں اپر ادھیکار سبجہتا جاہئے ھیں دو ضووری گا آپ اس پسٹک کو دھیاں سے پڑھ لیں ۔

آسانی کے لگے کتاب کے آخیر میں عقدی ہے انگریؤی انگریؤی ہے علدی ساتھ پللے کی عبد مالا دے دی رُفّ ،

بھارت کے هر گهر میں اس یستک کا رهاا ضروری ہے ، آسان بامتحاررہ بہاشا ، رایل آتھ پیچیہوا سائز ، لگ آسان بامتحارہ بہاشا ، رایل آتھ پیچیہوا سائز ، لگ آپ چار سو پائلے ، کیوے کی سلدر جاند ، قیمت کیول رہے مات روپائے ،

चगर सम्बाग भाग चीन कामा में एक होता चीर क्स ताकृत के हाथ में होता की कामरीका के दात्र में केत रही बी सो हिन्दुस्तान की वह शान न होती जो एशिया में **उन्नको बाज हासिल है. और इसमें भी कोई शक नहीं** कि जापान के पिर जाने के बाद चीन की चाज की **आजादी इत**नी मजबूत न होती अगर हिन्दुस्तान बरता-निया की मुट्टी में होता. असल में हिन्दुस्तान की आजादी और मबबूती चीन की आजादी और मजबूती है. चीन की भाजादी भीर मजबूती हिन्दुस्तान की भाजादी और संसन्ती है. हिन्दुस्तान के पास, अगर वह सलाह देने की हैसियत रखता है और अगर चीन वसे इस काविल संस्कृता है कि वह हिन्दुस्तान से सलाह ले, तो हिन्दुस्तान यही सकाह दे सकता है कि बस दुनिया में अमन रखने के लिये फिसी व्याक में न फंसो. और इस बात के कहने के कभी न बरो जिस बात के कहने से दुनिया में अधन और शान्ति कायम रह सकती है.

दिन्युस्तानी क्रीम के बापने अमन की बेदी पर जान देवी थी. दिन्युस्तान भी अमन की बेदी पर जान देना प्रक्रम्य करवा है और यही सबक चीन को दे सकता है और यही इसकी मेंट है जो चीन की आज़ादी के नए वरक के दिन कह चीन को दे रहा है.

25. 9. '51.

भगवानदीन

स्या शेस विक-

अगस्त की भाखरी तारीख़ को नई दिल्ली की पार्कि-मेन्द्र में हमारे होम मिनिस्टर ने एक नया प्रेस बिल पेश किया है जिसकी जिना पर सरकार हिन्दुस्तान के अस्त्रवारों भीर सिखने वालों को एक नए शिकंजे में कसना चाहती है या सरकार के पहलू से देखा जाय तो नए सांचे में बाजना चाहती है. हिन्दुस्तान का शायद ही कोई संस्थादार कक्षवार होगा जिसने इस विक की तरफदारी की हो. कवा सम्पादक संडल कानफरेम्स, क्या पत्रकार संबक्त फेडरेशन, सभी ने इसका विरोध किया है. लेकिन सकं सायक कडील की तरह हुकूमत की तरक से उसकी पैरंबी होती चली जा रही है जौर हुकूमत की पारटी के मेन्बर-पार्लिमेन्ट तो फिर एक तरह की रखेल होती ही हैं—इंसके फीड़े हैं. हमें वहीं माखन कि इस वित की भी गंद हिन्दू कोड विस की तरह तो नहीं होगी. मगर इसमें कीई भी शबहा नहीं कि एक आषाए जमहरी देश के लिये भूसा प्रेस बिल एसके माथे पर कलंक का टीका है.

- खुरेश राम माई

ھٹنسٹانی قوم کے باپ نے امیں کی ریدی پر جان دے دی تھی۔ ھٹنسٹان بھی امن کی ریدی پر جان دیٹا پسٹد کرتا ہے اور یہی سبق چین کو دے سکٹا ہے اور یہی آس کی بھیلت ہے جو چین کی آزادی کے نگے پرس کے دن وہ چھن کو دے رہا ہے ،

رکھتے کے لگے کسی بلاک میں نہ پہنسو ، اور اُس بنات کے کیلئے سے کبھی نہ دور جس بات کے کہتے سے دنیا میں

- بهگواندین

25-9-51

نيا پريس بل_

أمن اور شائعی قائم رہ سکتی ہے ۔

الصب کی آخری تاریخ کو نگی دلی کی پارلیمانت مهی هدارے میم منسلار نے ایک نها پریس بل پیش کها ھے جسکی بنا پر سرکار هندستان کے اخباروں اور الكهلي والبن كو ايك لله شكلتي مين كسنا جامعي ه يا سرکار کے پہانو سے دیکھا جائے تو نئے سانچے میں تعالقا جاهتی ہے . هندستان کا شاید هی کوئی سنجهدار اخبدار عیلا جس نے اِس بل کی طرفداری کی هو ، کھا سبھافک مفدل کانفرنس' کیا پاترکار مفدل فیدریشن سبعی نے اس كا سيده كها هم ليكير أيك التي ركيل كي طرم حكومت کی طیف سے اُسکی پھروس ہوتی جانی جانچی ہے اور حکومت کی ہارائی کے معدر-پالمعملات کو پھر ایک طبیع کی رابطی حولی هی هے -- اسکے پهنچے میں ، همین غهين معلوم كه أس بل كي بهي عب هندو كية بل كي هارب دو تهیں هوای . مکر استهن کولی بعنی شهد تهیں که لیک: آزاد جمهوری دیش کے لگ ایسا پریس على أسكر مالهر بر كللك كا تمكد هر .

-سريص زأم بهافي

सन्बेश का हिन्दुकान कुंद आज़ाद न बा. इन दिनों का चीन बरतानिया और अमरीका के हाब में खेल रहा या और इस बरतानिया के हाथ में जो हिन्दुस्तान की छाती पर सवार था. और इस अमरीका के हाथ में जिसकी हिन्दुस्तान के लिये राल टफ दृही थी.

हिन्दुस्तान आज़ाद हुआ पर एसकी आज़ादी ऐसी न भी जिसके ऊपर खड़ा होकर हिन्दुस्तान वह शानदार जगह से सके जो पशिया में जापान को मिली हुई थीं इसी अन्धेरे में पशिया महादीप में एक चमक नजर आई और वह चमक ही चीन की आज़ादी की शकत में टिकने वाजी चांदनी का रूप से बैठी.

आज चीन उसी चांदनी में विदेशियों की गुजामी से करीन क़रीन सारा आज़ाद हो चुका है. बस दो एक कांट्रे ही ऐसे रह गए हैं जो उसके पांच में चुम रहे हैं.

चीन की बहादुर जनता ने चीन को सिर्फ आजाद ही नहीं किया बल्क उसको इसलाक़ी गुनों में इतना ऊंचा उठा दिया है कि अमरीका और दो एक मुल्कों को छोड़ दुनिया के सभी मुल्कों ने उसको आजाद क़बूल कर लिया है और उसके इसलाक़ की तारीफ करते हैं.

चीन की आजादी से हिन्दुस्तान की आजादी को ऐसी खुराक मिली और बराबर मिल रही है जिसकी बजह से हिन्दुस्तान की आजादी में जो नुक्षस रह गए थे वह आपो आप दूर होते जा रहे हैं और बहुत थोड़ी कोशिश से ही हिन्दुस्तान इस रतबे की तरफ बढ़ता चला जा रहा है जो कभी जापान को हासिल था. इसमें कोई शक नहीं कि चीन की आजादी ने हिन्दुस्तान की उस हैरानी को एक इम दूर कर दिया जो हिन्दुस्तान को जापान के गुलाम हो जाने से हो गई थी.

पहली अक्तूबर को बीन अपनी आजादी का दूसरा बरस जरम करके तीसरे बरस में क्रदम रक्लेगा और हमी दिन बीन अपनी राजधानी पेकिंग में प्या धाम से एक अलसा मनायगा जिसमें दिन्दुस्तान से गया हुआ पीलिमिशन हिस्ता लेगा और हिस्सा लेकर यह साबित करेगा कि हिन्दुस्तान की जनता और बीन की जनता कसपी खयाल से उतनी ही पास है जितने दो भाई हों. जनता इन इसलिये कह रहे हैं कि जो शान्ति मिशन यहां से गया है बह बीन की जनता का ही बुलाया हुआ है. और जो यहां से गए हैं बह भी जनता की संस्थाओं के भेजे हुए आदमी हैं. उस मिशन में इस 'नया हिन्द' के पहीटर पंडित सुन्दर लाल भी शामिल हैं और जन के वापस आने पर 'नया हिन्द' के परिवार को जरूर वहां के सफरिसस हासात आगे के नम्बरों में पढ़ने को मिलोंगे.

معالی کی استخال کید ایکاندیا کی دایل کا بھی انگلیکا کو آمریکہ کے جانب میں کیمل رہا تیا اور اس انگلیکا کے عالم میں جو سازمیان کی جمالی ہر سوار انگلیکا اور اُس آمریکہ کے عالم میں جس کی شدستان کے کے وال ٹیک رہی تھی ۔

مدنستان آزاد هوا پر اُس کی آزادی ایسی نه تهی ایسی کے اوپر کهرا هو کر هندستان وه شاندار جگه لے ایک جو ایشها مهی جایان کو صلی هوئی تهی ایک خبک نظر اُنگی اُور وَه چوبک هی جهن کی آزادی کی شکل میں ایک جاندنی کا روپ لے بیٹھی .

بھوبی کی بہادر جفتا نے چدی کو صرف آراد ھی انہا پہنے کی بہادر جفتا نے چدی کو صرف آراد ھی انہا کہا ہاتھ اور در ایک ملکوں کو جھور دنیا کے سبھی ملکوں نے اس کو آزاد قبول کر لھا ھے اور اس کے اخلاق گئے تعریف کوتے ھیں ،

سچھن کی آزادی سے هندستان کی آزادی کو ایسی خوراک مہلی اور برابر مل رهی ہے جس کی وجة سے هندستان کی آزادی میں وجة سے هندستان کی آزادی میں اور بہت آزری کرشش سے هی هندستان آس رتبے کی طرف بڑھتا چلا جا رها ہے جو کبھی جاپان گو حاصل تیا ، اِس میں کوئی شک نہیں که جھیں کی آس حیرانی کو ایک دم دور کر گونی جو هندستان کی اُس حیرانی کو ایک دم دور کر فیا جو هندستان کی اُس حیرانی کو ایک دم دور کر

پہلی اکٹربر کو چین اپنی آزائی کا درسرا برس ختم کرکے تھسرے برس میں قدم رکھے کا اور اسی دی چین ایک کی راجدہانی پیکنگ میں دھرم دھام سے ایک جلسے مثانے کا جس میں ھندستان سے کیا ھوا پیس مقدستان کی جنتا اور جین کی جلتا کلتچری خیال سے گیا ھی پاس ہے جتادہ بہائی ھیں ، جنتا ھم اس لئے بیر ہے ھیں کہ جو شانتی مشن یہاں سے گیا ہے ، وہ چین گئے ھیں بینا کا ھی بالیا ھوا ہے ، اور جو بہاں سے گئے ھیں بینا کی سلستہاؤں کے بہینچے ہوئے آدسی میں ، بینی شامل ھیں اور ان کے واپس آنے پر ' نیاھند' کے اور میں میں وی نیا ھند' کے ادبیتر پلکت سندر میں ہیں کو فرور وہاں کے مفصل حالت آگے کے نموروں میں پریکھے کو ملیں گے ،

बीन की आंजादी ने हमारे दिस पर वह बात परंबर की सकीर की तरह अमिट बना दी कि बहुत से ऐव मुक्कों में सिर्फ गुलामी की बजह से हुआ करते हैं और वह ऐव गुलामी के खत्म होने के बाद अगर कीरन ही नहीं मिट जाते तो कुछ दिनों में जरूर मिट जाते हैं. सैकड़ों बुरी आदतों के लिये बदनाम बीन आज चन बुरी आदतों से हतना दूर हो गया है कि बरसों पुराने आज़ाद मुल्क चस सक्त भर की चमर बाले मुल्क से सबक ले सकते हैं. इसे तो हम बमत्कार कहें, करिशमा कहें या जादू कहें कि साल भर बहले मूकों मरने वाला चीन दूसरों की भूक मिटाने के लिये खुले हाथों मदद करने के लिये तैयार मिलता है. एक स्थल में चीन की यह काया पलट!

इसमें कोई शक नहीं जापान ने कोरिया दवा रक्खा मा, चीन पर बड़े जुल्म कर रहा था. चौर इसमें भी कोई शक नहीं कि जापान के जुल्म उन जुल्मों से बढ़ कर बे जो बरतानिया ने मोपला ट्रेन ट्रेजिडी, जिलयान वाला बारा, चिमूर आश्टी इत्या कान्ड और बिलया बरबादी नाम से हिन्दुस्तान में किये थे, या जो और पच्छिमी मुल्क अपने मातहत मुल्कों पर कर रहे थे. और जापान को वैसा करना भी बाहिये था क्योंकि उसने इन जुल्मों की कला सीखी भी तो इन पच्छिमी मुल्कों से थी.

इसमें राक नहीं जापान अपने जमाने में बड़ा जालिम दहा, पर सभी धाक जमाने वाले मुल्क जालिम ही हुआ करते हैं. इसिसमें जुल्म की ऐसी बात जो सभी मुल्कों में यकसां पाई जाती है अगर निकाल दी जाय तो जापान और दूसरे मुल्कों जैसा ही रह जाता है. और फिर यह कहना ही पड़ेगा कि जापान अपने जमाने में पशिया की शान था. अपने गिरने से पहले वह रूस जैसे बड़े मुल्क का दोस्त था. और उसी रूस का दोस्त था जिसे आज अमरीका अपने लिये खतरा समस्ता है और अमरीका और बरतानिया जैसे बड़े मुल्कों से दुशमनी मोल ले बैठा था. और इसमें शक नहीं कि वह इन दोनों दुशमनों से न जाने कब तक और लोहा लेता अगर पटम बम जैसी गैर क़ानूनी बीज उसके मुल्क पर न गिराई गई होती.

आपान के हार जाने और एक दम गुलाम हो जाने से एस समय की हिन्दुस्तान की विदेशी अंगरेजी सरकार भने हीं सुरा हुई हो पर हिन्दुस्तानी जनता का दिल तो एक दम बेठ गया था. जापान की हार के वक्त हिन्दुस्तानियों में पशियाई खून जोश मारने लगा था और इस वजह से हिन्दुस्तानियों को जापान से हमद्दी पैदा हो गई थी और असी हमद्दी की वजह से चनके दिल से एक सर्द आह बिक्त गई थी कि जापान के गिरने से पशिया की शान गिर कार और अब हिन्दुस्तानियों की आंखों के सामने एक چھو کی طرح آمت بنا دی کہ بہت سے عیب ملکوں انہوں کی طرح آمت بنا دی کہ بہت سے عیب ملکوں انہوں صرف قلامی کی وجہ سے ہوا کرتے ہیں اور وہ فیب فلامی کے ختم ہونے کے بعد اگر قورا ہی نہیں مت جاتے انہوں میں خدوں میں فرور مت جاتے ہیں محدوں سے اتفا اور ہو گھا ہے کہ برسوں پرانے آزاد ملک اُس سال بھر کی عمر والے ملک سے سبق لے سکتے ہیں اُسے تو ہم جمتکار نہیں کرشمہ کہیں یا جادو کہیں کہ سال بھر پہلے نہیں مردے والا چین دوسروں کی بھوک متانے کے لئے بہلے ہاتھوں مدد کرنے کے لئے تیار ملتا ہے ایک سال بھی چین ہیں چین کی باک سال بھی چین کی سال بھی جین کی سال بھی ہیں جین کی بھوک مدد کرنے کے لئے تیار ملتا ہے ایک سال بھی چین جین جین کی بھی جین کی باکھیں کی بھی جین کی بھی بھی جین کی بھی بھی جین کی بھی جین کی بھی جین کی بھی جین کی بھی بھین کی بھی جین کی بھی بھین کی بھی بھین کی بھی بھی بھین کی بھی بھی بھین کی بھی بھین کی بھی بھی بھین کی بھی بھین کی بھی بھین کی کینا پلت ا

اس میں کوئی شک نہیں جاپان نے کوریا دیا رکھا تھا' چین پر بوے ظلم کر رھا تھا ۔ ارر اس میں بھی کوئی شک نہیں کہ جاپان کے ظلم اُن ظلموں سے بوعکر تھے جو بوطائیۃ نے مریقا ترین تریجیڈتی' جلفان والا باغ' چمور آشتی ھتیا کانڈ اور بلیا بربادی نام سے ھندستان میں کئے تھے' یا جو اور پچھمی ملک ابنے مانتصت ملکوں پر کر رہے تھے، اور جاپان کو ویسا کرنا بھی چاھئے تھا کیوں که اُس نے اِن ظلموں کی کلا سیکھی بھی تو اِن پچھمی ملکوں سے تھی ،

إس ميں شک نهيں جايان أبد زمانے ميں بوا طالم ومانے ، پر سبهی دھاک، جمانے والے ملک طالم هی هوا کوتے هيں ، اِس لئے ظلم کی ایسی بات جو سبهی ملکوں ميں يکساں پائی جاتی ہے اگر نکال دی جاتے تو جايان اور دوسرے ملکوں جيسا هی رہ جاتا هے . اور پهر يه کهنا گرنے سے پہلے وہ روس جيسے بوے ملک کا دوست تها ، اُو اُسیروس کا دوست تها ، اور اسیروس کا دوست تها ، اور اسیروس کا دوست تها ، اور امریکه الهائے خطرہ سمجھتا هے اور امریکه اور برطانهه جیسے بوے ملکوں سے دشمنی مول نے بیتھا تها ، اور اِس میں شک نهیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نهیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نهیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نهیں که وہ اِن دونوں به جیسی غیر قانونی چیز اُس کے ملک پر نه گرائی

جاپان کے هار جانے اور ایک دم غلام هوجائے سے اُس سے کی مندستان کی ودیشی انگریزی سرکار بھلے هی خوص هوئی هو پر هندستانی جلتا کا دل تو ایک دم بھتے گیا تھا بہان کی هار کے وقت هندستانیوں میں ایشیائی خون جوهی دارئے لگا تھا اور اس وجه سے مندستانیوں کو جاپان سے همدردی پیدا هوگئی تھی اور اُس هندردی کی وجه سے اُن کے دل سے ایک سرد آلا نکل اُنگی تھی گئی تھی کہ جاپان کے گرئے سے اُنگوں کے شان گر گئی ۔

and the country of the control of the second of the control of the

के सार सब में अयादा पैसा इसमें चीन ने ही सगाया है. इसकिये इतने नुमायां मेन्द्र के खिलाफ पावन्दी जिगाना सरासर नाइनसाफी है. हमें नहीं मालूम कि चीन को खुद कर्ल्ड वैंक से कितनी मदद की तमझा है, खेकिन जो भी हो, कर्ल्ड वैंक का इस तरह हाथ खींच लेना शराकत से हटी हुई इरकत है और इनसानी भाई चारे के खिलाफ है.

मगर हम यह भी बता दें कि अगर दुनिया के साहू कार यह सपना देखते हों कि इस तरह क्तर कोरिया व चीन का गता दबाकर वह क्नसे तोबा बुबबालेंगे तो वह एक मूटा सपना देख रहे हैं जिसका आंखें खुलते ही नाम निशान भी नहीं रहेगा.

इसी सिलसिले में एक ख़याल हमें यह और झाता है कि अगर यह साहकार सचपुच कमजोर की मदद के हामी हैं और जिसने पहले चढ़ाई की हो उसकी अकल ठिकाने पर लगा देना चाहते हैं तो फिर वह दुनिया के दामन पर पड़े दूसरे घड़बों को क्यों नहीं देखते. और जो उन घड़बों के लिये ज़िम्मेदार हैं उनके ऊपर भी कुछ पायन्दी क्यों नहीं लगाते. उन्ह बैंक जैसे साहकार का कर्ज है कि ईमान से ले

श्रीर ईमान से दे.

—सुरेश रामभाई

चीन की आजादी का दूसरा बरस

यों तो चीन हुआरों बरस आजाद रहा पर दिसयों बार गुलामी से आजाद भी हुआ, पर इस बार की आजादी बीती हुई हज़ारों बरस की आजादी से और दिसयों बार पाई हुई आजादी से अलहदा ही किस्म की है. और उन सब आजादियों से अंचे दरजे की भी है. अगर बह कांटे भी जो नई पाई हुई आजादी के पांव में लगे हुए हैं निकल गए होते तब तो यह बीसवीं सदी की चीन की आजादी अपने ढंग की ऐसी आजादी होती कि पिच्छमी दुनिया। दाँतों तजे ढंगली द्वाकर रह जाती और पूरबी दुनिया इस आजादी कों देखकर जामे में फूली न समाती.

बरतानिया और अमरीका अकीम के नहीं में महा बीन से यह कभी उम्मीद नहीं कर सकते थे कि इसका पीकापन कभी इतना सुर्क भी हो सकता है कि कहीं भी पीकापन न रह पाप. बरतानिया और अमरीका हो नहीं पहिला में रहने वाले हम हिन्दुस्तानी भी सचमुच पहले पहन तो देसा समने थे मानो हम सपना देख रहे हों. पर जब हमारे बहादुर प्रधान मंत्री ने बरतानिया और अमरीका जैसे साल ही में बहाई में जीत का सेहरा बांधे हुए मुक्कों से पहले बीन की आजादी को क़ब्ल किया और वहां के सबद्ध हमारे देश में जा मए तब हम यह समने कि जिसे अब सपना समक रहे थे वह सपना न वा सच्ची बात थी.

مکو هم یه بهی بتا دین که اگر دنها کے ساهوکار یه سیفا دیکھتے هون که اِس طرح آتر کوریا و چین کا کا دیاکو یو آن سے توبه باوا لیلکے تو رہ ایک جھوتا سیفا هیکھ رہے میں جس کا آنکھیں کہلتے هی نام نشان بهی

اسی سلسلے میں ایک خیال هدیں یہ اور آنا ہے اگو یہ ساهوکار سے مے کدؤور کی مدد کے حامی هیں اور جس نے پہلے چوعائی کی هو اسمی عقل تهکانے پر لیا دینا چاهتے هیں تو پہر وہ دنیا کے دامن پر پرے دوسرے دھیوں کو کیوں نہیں دیکھتے، آور جو اُن دھیوں کے لئے ذمے دار هیں اُن کے آوپر بھی کچھ پابلدی کیوں نہیں لگاتے .

الور ایمان سے دے ،

---سريش رأم بهائي

چین کی آزادی کا دوسرا برس__

یوں تو چین هزاروں برس آزاد رها پر دسیوں بار مقامی سے آزاد بھی هوا ، پر اس بار کی آزادی بھتی هوئی هزاروں برس بار پائی هوئی آزادی سے اور دسیوں بار پائی هوئی آزادی سے ملیحدہ هی قسم کی هے ، اور آن سب آزادیوں سے آزادیوں سے ملیحدہ کی بھی هے ، اگر وہ کانتے بھی جو نئی پائی موٹی آزادی کے پاؤں میں لگے هوئے هیں نکل گئے هوتے هیں تکل گئے هوتے هیں نکل گئے هوتے هیں تکل گئے هوتے هیں ازادی کے پاؤں مدی کی چین کی آزادی ایم تعدلگ کی ایمانی آزادی کو دیکھکر بھیا گو وہ جاتی اور پوربی دنیا اِس آزادی کو دیکھکر جہنے میں بھی بھولی نہ سماتی ،

بوطانهه اور آمریکه انیم کے نشر میں مست چین سے یہ کبھی امید نہیں کر سکتے تھے که اِس کا پیلا پن کبھی امثا سرم بھی ھوسکتا ھے که کہھں بھی پیلا پن نه کہ کہھی اشا سرم بھی ھوسکتا ھے که کہھی بھی بیلا پن نه والے هم هفتستانی بھی سے میے پہلے پہل تو ایسا سمجھ کھے مانو ھم سپنا دیکھ رھے ھوں ، پر جب ھمارے بہادر ویدھان مفتری نے برطانیه اور امریکه جیسے حال ھی میں لواکی میں جیست کا سپرا باندھ ھوئے ملکوں سے مہل چیسے کی آزادی کو قبول کیا اور وھاں کے راجدوت مفارے بیش میں آئئے تب ھم یہ سمجھے که جسے ھم سمجھے کہ جسے ھم سمجھے که جسے ھم سے سمجھے که جسے ھم سے سمجھے که جسے ھم سمجھے کہ بست ہیں سمجھے که جسے ھم سے سمجھے کہ جسے ھم یہ سمجھے که جسے ھم سمجھے کہ جسے ھم یہ سمجھے که جسے ھم سمجھے کہ جسے ھم یہ سمجھے کہ جسے ھم یہ سمجھے کہ جسے ھم یہ سمجھے کہ جسے ھم

चैश यँजी साख डालर में चीन 60,00 फ्रांस 52,50

हिन्दुस्तानं 40, 60 (लगभग दो भरव रुपया)

बैंठ के पास कुल पूँजी आठ आरब से भी जियादा है. इसमें से अपने मेम्बर देशों की बेहतरी और तरकका की सातिर बैंक सादे चार की सदी सूद लेकर पैसा उधार दिना करता है. हिन्दुस्तान को भी तीन बार करके 5 करोड़ 98 लाख डालर (लगभग 25 करोड़ रुपया) मिल चुका है जिसका मोटा हिसाब यह है—

- 1. 3 करोड़ 28 लाख डालर वास्ते.....रेलवे
- 2. 85 लाख बालर बास्ते..........खेती मशीनरी

इस साहुकार के जन्म से ही इसके जिलाफ शिकायत यह रही है कि यह अमरीका के हाथ का जिलीना है जो असने दूसरों को जलचा कर फांसने के लिये बना रखा है. अमी हाल में निकली बेंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बेंक छन्हीं की मदद करेगा जिनका "मकतद और इच्छा" होनों ही अपने देश के साधन बढ़ाने की हो. हमें नहीं मालूम कि कौन सिर फिरा ऐसा देश होगा जो साधन न बढ़ाने के बजाब किसी दूसरे देश की खातिर इतना भारी स्द देवर डघार लेगा. लेकिन जाहिर है, असल में इसके पीछे राजनीत है और बेंक खुझम खुझा यह चाहता है कि जो इसकी मदद ले वह उसी का राग अलापे.

हमारी यह राय इस बात से भी पक्की हो जाती है कि 14 सितम्बर को वाशिंगटन में इस कवें के गवर्नों ने बह तय किया कि चीन और उत्तर कोरिया के जिलाफ पाबन्दी लगाई जाय. यह पाबन्दी यनो की जनरल असेम्बली की उस सिफारिश पर की गई है कि उत्तर कोरिया और स्नाल चीन ने कोरिया के मामले में पहले चढाई करके इतियां की अमन शानित को खतरे. में डाला है. हमें इसमें षारा भी शक नहीं कि राजनीति के फेर में पढ़ कर बैंक का चीन व कत्तर कोरिया के खिलाक यह क़द्म उठाना एक अवरदस्त ज्यादती है. कहने की जरूरच नहीं कि उत्तर कोरिया भाज दुनिया का सबसे दुखी इलाका है, वहां पर जो तबाही हुई है उसके लिये इनसानियत की अदालत में एक न एक दिन अमरीका से जवाब तलब किया जायगा. बजाय इसके कि उसकी मदद की जाय उस पर बह मंदिशों बांधी जा रही हैं. और चीन-अले ही वह क्षाल चीन हो गया हो-का दुखड़ा भी अगर किसी से कम है तो सिर्फ उत्तर कोरिया से. फिर चीन का तो इस वैंक

ديقن دو دالر مهن 60,00 موني الله دالر مهن 60,00 موني فرانس 52,50 موني فرانس موني فرانس موني فرانس دو ارب رويه (رب دويه على دو ارب رويه على دو ارب دويه على دويه على دو ارب دويه على دويه

بھلک کے پاس کل پونجی آٹھ آرب سے بھی زیادہ نے اس میں سے اپھے مسجر دیشوں کی بہتری اور ترقی نے خاطر بھلک ساوھ چار قی صدی سود لیکر پیسہ معار دیا کرتا ہے ۔ مدستان کو بھی تین بار کر کے 5 کرور 9 لا بھ ڈالر (لگ بھگ 25 کرور روبیہ) مل چکا ہے سی کا موانا حساب بھ ہے۔

- 1. 3 كروز 28 لكه قالر واسطى رياوى
- 2. 85 لائه قالر وأسطي كهيتي مشيئري
- . 3. 1 كرور 85 لاكه قالر واسطي.... دأمودر گهاتي بيدان

اس ساھوکار کے جلم سے ھی اِس کے خلاف ھکایت

عرفی ہے کہ یہ امریکہ کے ھاتھ کا کھلونہ ہے جو اُس نے

اوسروں کو لاحچا کر پھانسٹے کے لئے بنا رکھا ہے ، اُبھی

عال میں نکلی بینک ٹی رپورٹ میں کہا گیا ہے کہ یہ

مؤنوں ھی ایپ دیش کے سادھن بڑھائے کی ھو . ھییں

مؤنوں ھی ایپ دیش کے سادھن بڑھائے کی ھو . ھییں

مہیں معلوم کہ کون سر پھرا ایسا دیش ہوگا جو سادھن

ہے بچھانے کے بجائے کسی دوسرے دیش کی خاطر اُنٹا

ہے ری کر اُدھار لے گا . لیکن ظاہر ہے' اصل میں

میں کے پہنچھے راج نیت ہے اور بینک کہلم کہلا یہ جاھتا

هداری یه رائے اس بات سے بھی پکی هوجانی ہے که، 14 ستمبر کو واشلگتن میں اس بینک کے گورنروں نے یہ طے کیا کہ چین اور اُتر کوریا کے خلاف پایلدی لکائی چائے . یہ پایٹسی یواو کی جنرل اسمبلی کی اُس سفارش ہو کی گئی ہے کہ آثر کوریا اور الل چین نے کوریا کے معاملے سین پہلے بہومائی کر کے دنیا کی اس شانعی کو خطرے میں 3الا ھے ، همیں اس میں ذرا بھی شک نہیں که راج نیمت کے پہھر میں پر کر بیلک کا چین و اُتر کرریا گے خاف یه قدم أنهانا ایک زبردست زیادتی هے ، کہنے کی المرورت نہوں کہ اُتر کوریا آج دنیا کا سب سے دکھی عاقہ ہے وہاں پر جو تباهی موثی هے اس كے لئے انسانیت كى مدالت میں ایک نه ایک دن امریکه سے جواب طلب لها جائے کا . بنجائے إس كے كه أسكى مدد كى جائے أس ير يه بندشين باندهي جا رهي هين . ارر چين -- بهاي هي وه لال چهن هوگها هو -- كا دكهوا بهي أكر كسي سر كم هے تو صرف آثر کوریا سے، پھر چین کا تو اس بیڈک

o Nikhadi i

काम विमोधा भी इतना घरती का दान मांगने नहीं तिकता जितना अभय दान देने निकला है. वह कन्यनिस्टों को खुनौती देता है कि वह छिपे छिपे क्यों काम करते हैं. चार्य उसके साथ. एक तरह से विनोबा तो ऐसा कहता हवा मालूम होता है कि ऐ कम्युनिस्टो सरकार तुम्हें क्या मभय दान देगी, तुम ही आकर सरकार को अभय वान दो और दससे कह दो कि हां, हम कम्युनिस्ट हैं भीर इस बरह की सरकार चाहते हैं जिस में कोई दखी न हो. पर अभय दान देने का ऊंचा काम कम्युनिस्ट उसी वक्त कर सकते हैं अब ख़द हरना छोड़ दें. और ख़द हरना वह जभी छोड़ सकते हैं जब जमीवारों, पैसे वार्तो और सरकारी अफसरों को बराना छोड़ दें. और ऐसा वह जभी कर सकते हैं जब सक्वे मानों में बहादुर बन जायं. और सच्चे मानों में बहादुर वही होता है जो बतने पर ही भरोसा करता है जो इसे झदरत ने पैदा होते बक्षत दिया है और वह है इनसानियत और प्रेम से भरा हुआ दिल.

विनोबा कम्युनिस्दों से ऐसा कहते हुए माल्म होता है कि देखो गांधी इनसानियत और प्रेम से भरा हुआ दिल केकर खतरे के गढ़ नो आखाली में भी जाते हुए नहीं इरता. पर आज दुमैन जैसा नक़ली बहादुर हस में जाते हुए खर मानता है और स्टालिन जैसा नक़ली बहादुर अमरीका जाने की हिम्मत नहीं कर सकता.

यह सब कह कर हम इतना ही कहना चाहते हैं कि शन वही ने सकता है जो दुनिया दारों की नजर में नंगा प्रीर भिकारी दिखाई देता है. उसी के दिये हुए दान से दिया में अमन चैन फैल सकता है. कपड़ों से लवे जेवरों रे सजे पूँजीपतियों के दान से पेट भर सकता है, कुछ गिमारियां अच्छी हो सकती हैं पर हमेशा मांगने का डर ना रहेगा. और लड़ाई का भूत सवार रहने की वजह से रात को सुख की नींद आ सकेगी न दिन को चैन मिल किगा.

25. 9. '51.

—भगवानदीन

र्ल्ड बैंक की ज्यादती-

दुनिया के 44 देशों के मशिवर से हुई 1944 वाली हैन बुद्ध कानफरेन्स के आधार पर क्रायम हुआ। वर्ल्ड काम का बैंक दुनिया भर के साह्रकार का काम कर है आजकता इस बैंक के 47 मेन्बर हैं जिन्होंने अपना शा जमा करके उसे खड़ा किया है. इसके पांच बड़े बड़े मीक्षरों और उनकी लगाई पूँजी का ब्योरा यह है—

देश	पूँजी लाख बातर में
व्यमरी का	3, 17, 50
ब्रिटेन	1, 30, 00

الما يم الكا دورتي كا دان مانكل نيون علا وعدا ابه دان ديلے نكا هے . ولا كيونستوں كو جارتى ساتھ ، ایک طرح سے ونوبا تو آیسا کہتا ہوا معلوم ہوتا ہے کہ اے کمھونسٹو سرکار تمہیں کھا آبھے دان دے لی تم ھی اکو شرکار کو آیھے دان در اور اُس سے کیا دو کہ هاں اُ هم کنهونست هیں اور اِسطارے کی سرکار عامیے اهیں جس ميں كوئى دكهى نه هو . ير أبه دان ديق كا أونجا كام کنهونست اُسی ولت کر ساتھ هيں جب خود درنا جمور فين ، اور خود درنا ولا جبهي چاوز سکتے ههن جب ومهدداوں بهسم والوں اور سرکاری افسروں کو قرانا جهور فیں ، اور ایسا وہ جبھی کر سکتے ہیں جب سچے معلوں مهن بهادر بن جائين ، اور سجے معدوں میں بهادر وهی عولاً هے جو أننے پر هي بهروسة كرتا هے جو أسے قدرت لے يه أنجوت وقت ديا هے أور ولا هے إنسا همت أور يولم سے مهرا هوا دل .

واویا کمھونسٹوں سے آیسا کہتے ھوئے معلوم ھوتا ہے کہ دیکھو گاندھی اِنسانیت اور پریم سے بھرا عوا دل لے کر خطرے کے کوھ نوانھالی میں بھی جاتے ھوئے نہیں قرتا . پر آج گرومیں جیسا نقلی بھادر روس میں جاتے ھوئے گر مانٹا ہے اور اسٹالی جیسا نقای بھادر آمریکہ جانے کے ہمت نہیں کر سکتا .

یہ سب کہکر ہم اتفا ہی کہنا چاہتے ہیں کہ دان وہی دے سکتا ہے جو دیا داروں کی نظر میں نظا اور پہکاری دے سکتا ہے ۔ اُسی کے دیئے ہوئے دان سے دنیا میں امن چین پہیل سکتا ہے ، کپروں سے لدے زیووں سے سجے پونجی پتیوں کے دان سے پیٹ بہر سکتا ہے 'کچہ بیماریاں اُچھی ہوسکتی ہیں پر ہمیشہ مانگلے کا در بہتا رہے گا ۔ اور لوائی کا بھوت سوار رہنے کی وجہ سے نہ رات گو سکھ کی نیفد آسکے گی نہ دن کو چین مل سکے گا ،

ــ بهگواندین

25-9-51

وراق بینک کی زیادتی۔۔

دنیا کے 44 دیشوں کے مشورے سے هوئی 1944 والی برتھیں ورقیس کانفرنس کے آدهار پر آنام هوا ورلت بینک نام کا بینک بینہا بھر کے ساهوار کا کام کر رها ہے ۔ آج کل اس بینک کے آپ مہر هوں جنہوں نے اینا پیست جمع کر کے آپ بھوا کیا ہے ، اس کے پانچ بوے بوے ساجھی داروں اور آن کی ایکائی پرنتوں کا بھورا یہ ہے ۔

پونتجى لائه ةالر مهن 3,17,50 1,30,00

ديس أمريكه سلم

दान कौन दे सकता है...

पक रिशी ने दान चार तरह के बताए हैं— (1) भोजन दान (2) दवा दान (3) आन दान (4) अभय दान.

- (1) खाना खिलाना सब से कम दरजे का दान है क्योंकि इसका असर कम से कम दो तीन घंटे और बहुत रहा तो चौबिस घंटे रहता है.
- (2) द्वाई के दान का असर इक्तों, महीनों और बरसों भी रह सकता है.
- (3) ज्ञान दान यानी सीख के दान का असर उमर अर रहता है. तभी तो दुनिया दारी का तजरबा हासिल किये हुए लोगों का यह कहना है कि चाहे दुकड़े देने वाला सर आय पर सीख देने वाला न सरे.
- (4) अभय दान का असर यानी किसी को वे खौक बना देने का असर उमर भर तो रहता ही है और अगर मरने के बाद दूसरी जिन्दगी है तो उस जिन्दगी के लिये भी बला जाता है.

बस सीख का दान और अभय दान यही दो दान तो गांधी जी करते रहे. और यही दान करने के क्षिये तो बिनोबा निकले हैं.

भोजन दान भीर दवा दान करने वाले मुलाए जा सक्ते हैं भीर मुलाय जाते रहे हैं, पर ज्ञान दान भीर ध्रभय दान करने वाले न मुलाय जा सकते हैं, न भुलाय जाने का रिवाज है.

हिन्दू यूनिवर्तिटी खुत्तने के अवसर पर बनारस में गांधी जी ने तभी तो यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को यह धपदेश दिया था कि अगर तुम सच्चे जी से हिन्सा के बारिये हिन्दुस्तान को आजाद करने में विश्वास करते हो सो खुपके से क्षिप कर क्यों बम फॅकते हो. बम लेकर सामने मैदान में आओ और जान पर खेल जाओ.

यह कह कर उन्होंने यही तो समकाया था कि तुम इरपोक हो, तुम्हारे अन्दर डर भरा हुआ है. तुम बम फेंक कर भी लोगों को बहादुरी की जगह डर सिखा सकते हो, बहादुरी की तालीम नहीं दे सकते.

ब्हीर फिर गांधी जी ने किया ही क्या — हिन्दुस्तानियों में अंगरेजों का जो डर भरा हुआ या उसे निकाल बाइर किया. हो सकता है गांधी जी अपने जीते जी आजादी न हिला सकते. पर इससे क्या ? वह उस दरवाजे में लगे ताले की कुंजी हिन्दुस्तानियों के हाथ सींप चुके थे जिस ताले में आजादी बन्द थी. और बही ताला था अंगरेजों का डर.

یان کون نے سکتا تھے۔۔

آیک رشی نے دان جار طرح کے بعائے میں — (1) بہوجی دان (2) درا دان (3) کیان دان (4) ایم دان .

- (1) کہانا کہلانا سب سے کم درجے کا دان ہے کہونکہ اِس کا اثر کم سے کم دو تھن گہلگے اور بہت رہا تو چوبھس گہلگے رہتا ہے .
- (2) دوائی کے دان کا اثر هفتوں' مہینوں اور پرسوں بھی رہ سکتا ہے ،
- (3) کیاں دان یعنی سیکھ کے دان کا اثر مدر بھر رھتا ھے، تبھی تو دانیا داری کا تجربه حاصل کئے ھوئے لوگوں کا یہ کہنا ھے کہ چاھے تعوے دینے والا مر جائے پر سیکھ دینے والا نہ مرے
- (4) آبھے دان کا اثر یعنی کسی کو بے خوف بنا دینے کا اثر صدر بھر تو رہتا ھی ھے ارر اگر مرنے کے بعد دوسری زندگی ھے تو اُس زندگی کے لئے بھی چلا جاتا ھے .

ہس سیکھ کا دان اور آبھے دان یہی دو دان تو کاندھی جی کرتے رہے ، اور یہی دان کرنے کے لگے تو ونوبا نکلے ھیس ،

بہوجن دان اور درا دان کرنے والے بہلائے جا سکتے میں اور بہلائے جاتے رہے میں کرنے والے بہلائے جاتے دان کرنے والے نہ بہلائے جانے کا کرنے والے نہ بہلائے جانے کا رواج ہے.

ھندو یونیورستی کہلنے کے اوسر پر پذارس میں کاندھی جی نے تبھی تو یونیورستی کے ودیارتھیوں کو یہ آپدیش دیا تھا کہ آگر تم سچے جی سے هنسا کے ذریعے ھندستان کو آزاد کرنے میں وشواس کرتے ھو تو چپکے سے چھمی کو کیوں ہم پھینکتے ھو ۔ ہم لے کر سامنے میدان میں آر اور جان پر کھیل جاؤ .

یم کہکر اُنہوں نے یہی تو سمجھایا۔ تھا۔ کہ تم قربوک ھو' تمہارے اُندر کار بھرا ہوا ھے ، تم ہم پھیلک کر بھی لوگوں کو بہادری کی جگہ ڈر سکھا سکتے ھو' بہادری کی ۔ تعلیم تبییں دے سکتے ،

ارر پہر گاندھی جی لے کیا ھی کیا ۔ مقدستانیوں میں انکریزوں کا جو تر بہرا ھوا تھا آسے نکال باھر کیا . ھوسکتا ھے گاندھی جی آبے جھتے جی آزادی نه دلا سکتے . پر اس سے کیا آ وہ اس دروازے میں لگے تالے کی کلجی مقدستانیوں کے هاته سونب چکے تھے جس تالے میں آزادی بند تھی ۔ اور وهی تالا تھا انگریزوں کا تر .

विन्तेना के दिने एस करी कीक के कप में को जमीदारों की मिल रहे हैं व्यार यह सीक श्वमें से किसी एक के मन के भी कहाँ कभी भी जब चक्क गई तो यह रंग कामगी किसका क्यान करना क्रकम की ताकत के बाहर है.

याद रहे, विनोश किसी के दिये दुकड़े आने वाता नहीं, वह तो राम के दुकड़े खाता है और वही दुकड़े का सकता है. वह पेट भरने के तिये दुकड़े फकर खाता है पर वह उनको खाकर हाथ से जो मेहनत कर डातता है वह उन दुकड़ों से विवादा ही होती हैं कम नहीं. यह दुकड़ों का हिशाय अपनी अन्तरास्मा या अपने राम को सममाये विना, रात के तिये अपनी आँखें बंद करने की बात नहीं सोचता.

सन 1923 में मंदा सत्याग्रह के जवसर पर जब ज्याने रसोई पर का काम संभाता था तब शिस्त की पूरी पावन्ती की वजह से अपने सब सावियों को नाराज करके ही वह उनको खुश कर सका था.

खब ही दिनों जेस में डसने अपने साथी कैंदियों को सिर्फ इस वजह से नाराज कर दिया था कि वह उस राम बाँस को पूरा कूट डालता था जो उसको सचा के तौर पर कूटने को मिलता था. डसे कर्तव्य का सच्चा झान हैं इसी कारन पहले लोग उस से विगड़ते हैं और किर उसके मित्र बन जाते हैं.

भीक या वान के दुकड़ों को राम के दुकड़ों में बदलना कोई सीखना चाहे तो इस से सीख ले.

विनोवा न कम्युनिस्टों का दुरामन है न कम्युनिकम का. वह तो दुरामन है उस आपसी लड़ाई (क्रास बार) का जो कम्युनिकम और कम्युनिस्टों को पक-मेक नहीं होने देती. जिस्र दिन कम्युनिकम और कम्युनिस्ट दोनों पक हो जायंगे उस दिन सारी दुनिया कम्युनिस्ट हो जायगी, विनोवा हिन्दुस्तान के राजकाजी शारीर में भरे वर्ग युद्ध (क्रास बार) के बहर को चूसने के लिये निकल पड़े हैं, घरती का दान लेना तो एक बहाना है. जब देखना यह है कि वह इस खहर को वहां तक चूस पाते हैं. विनोवा पर निगाह लगाने बाले जितनी सफलता बाहते हैं इसका सौवां या हजारवां अभ्या भी सफलता विनोवा को मिलने वाली नहीं. पर जितनी सफलता मिलेगी वह ऐसे बीज का काम करेगी जो आगे वर्ग युद्ध के जहर को वर्ग प्रेम के अस्त में बदल कर व्यव्ह काई बारे की सेती सहलहाने का काम करेगी.

25. 9. 151.

—भगवानदीन

والنها کے عیلے فام گھری سیکھ کے روپ میں جو واسکہ آروپ میں جو واسکہ آروں کو مل رہے ھیں اگر وہ سیکھ آن میں سے کسی آلیک کے من میں بھی کہتی تو وہ ایک گئی تو وہ واگ لائیکی جسکا بیان کرنا قلم کی طاقت سے باھر ہے .

یاد رہے' ونوبا کسی کے دیگے تکوے کھائے والا نہیں' وہ تو رام' کے تکونے کھائے وار وہی تکوے کھائے والا نہیں' وہ پرت کو کھاکو پرت بھرئے کے لگے تکوے ضرور کھاتا ہے پر وہ اُن کو کھاکو ھاتھ سے جو متصلمت کر ڈالٹا ہے وہ اُن تکووں سے زیادہ ھی ھوتی ہے کم نہیں ، وہ تکووں کا حساب ایلی ابتر آتما یا آئے رام کو سمجھائے بنا رات کے لگے ایلی آئکھیں بند کرنے کی بات نہیں سوچھا ،

سن 1923 میں جہندا ستیا گرہ کے آرسر پر جب آس نے رسو کی پوری آس نے رسوئی گہر کا کام سلیمالا تھا تب شست کی پوری پاہلائی کی وجہ سے اپنے سب ساتھیوں کو ناراض کرکے ھی وہ اُن کو خوش کرسکا تھا ۔

ان هی دارس جیل میں اُس نے ایے ساتھی قیدیوں کو صرف اِس وجه سے ناراض کردیا تھا که وہ اُس رام یانس کو یورا کوت قالتا تھا جو اُس کو سڑا کے طور پر کوٹنے کو منا تھا ، اُسے کرتویہ کا سچا گھان ہے' اُسی۔ کارن پہلے ٹوگ اُس سے بگڑتے میں اُرر پہر اُسکے معر بن جاتے میں .

پوپیک ایا دان کے ٹکڑوں کو رأم کے ٹکڑوں میں بدلنا کوگی سیکیٹا چاہے تو اُس سے سیکھ لے .

وتوبا نه کیهونستوں کا دشمن هے نه کیهونوم کا ، وہ تو دهبن هے اُس آپسی لوائی (کلاس وار) کا جو کیمونوم اُور کیهونیستوں کو ایک میک نهیں هوئے دیتی ، جس هی کیمونوم اور کیمونست دونوں ایک هو جائینگے اُس هی ساری دایا کیمونست دونوں ایک هو جائینگے اُس کے واج کلیمی شریر میں بھرے ورگ یدھ (کلاس وار) کے وجر کو چوسئے کے لئے نکل پڑے هیں دهرتی کا دان لینا تو ایک بہانا ہے ، اب دیمهنا یہ ہے که وہ اِس زهر کو کہاں تک چوس پاتے هیں ، ونوبا پر نگاہ لگائے والے جگلی سیهنگا چاهتے هیں اُس کا سو واں یا هوارواں اُنس بھی بیمی بیمی کو ورگ پریم کے اُمرت میں بدل کر وشو بھائی جارے جائے کو ورگ پریم کے اُمرت میں بدل کر وشو بھائی جارے گئے کیمی بیمی جو آئے ورگ پریم کے اُمرت میں بدل کر وشو بھائی جارے

--- بهگولی دیون

25 . 9 . 51

बेशी की तुराई अलाई कार्मी की आदमिकत के क्म जियादा नंगे होने के किर हैं, न कि आदमी या उसमें बैठे ईश्वर अञ्जाह के सिर.

विनोबा को सफलता खरूर होगी. कम होगी या जियादा इस मंभट में इम पड़ना नहीं चाहते, क्योंकि हम स्रक्तता के पीछे कम जियादा लगाना निरी दुनियादारी की बात सममते हैं और उस दुनिया दारी की तराजु में इनसानियत नहीं तुला करती, और न हम चाहते हैं कि हम ऐसी भूल करें.

25. 9. '51.

--भगवानदीन.

्यूमि दान-

कोई सनचला कह सकता है कि यह बामीन की जरात सांगने बाला फक़ीर, बिनोबा सब अख़बारों में जगह-पा जाता है, पर इसको अमीन का दान देने बाले अखबार के किसी कोने में ही नहीं बैठ पाते, यह मामला क्या है ?

कोई सर फिरा सोच सकता है कि यह वर्धा के सेठ जमनाकाल बजाज के दुकड़ों पर पता विनोवा प्रसिद्धी के मैदान में अपने दाशी सेठ से भी कहीं आगे निकत गया है, यह बात क्या है?

यह जानकी बाई बजाज और उनके बेटे कमल नयन बजाज की रोटियां तोड़ने बाला दिन दूनी रात चौगुनी, बीसवीं सदी के भारत में, अपनी जगह बनाता चला जा रहा है. यह भेद क्या है ?

सममने के लिये तो बात बड़ी सीघी है. शहरी छोड़ इर गांब का रहने वाला यह अच्छी तरह जानता है कि पैसा हाथ का मैल है. इसी नाते घन भी हाथ का मैल हुआ और अनों में से एक घन है घरती घन, वह भी हाथ का मैल हुआ. है तो चांदी सोना भी मिट्टी क्योंकि मिट्टी से पैदा है, पर घरती तो साम मिट्टी है एसका दान भी कोई वान है! अंग्र यही वजह है कि दान देने बाले अखवार में कहीं नहीं और दान लेने वाला अखवार के पहले सफे पर शब्दों में ही नहीं, शकत में भी मौजूद मिलता है.

असल में विनोबा दान लेता कहां है, वह तो घरती मोल लरीदता है और उपकी इतनी ग्रीमत देता है जितनी न कोई खेठ दे सकता है और न सरकार. और वह क्रीमत है आदमी के दिल में इनसानियत जगा देना यानी आदभी को उपके राम से मिलने की राह पर लगा देना. और फिर विनोबा उस घरती को अपनाता कहां है, वह तो पोस्टमैन औं तरह 'इघर आई, उधर उधर दे दी' वह जाम करता है साह 'इघर आई, उधर उधर दे दी' वह जाम करता عفقی کی برائی بھائی ائمی کی آمیسد کے قر ریافہ نیکے مردے کے سر ہے' نہ کہ آئمی یا اس موں بیٹی ایشور اللہ کے سر

ودویا کو سپهلگا ضرور هوگی . کم هوگی یا زیاده آس جهنجهت میں هم پونا نهیں چاهتے 'کیونکه هم سپهلگا کے پہنچه کم زیادہ لگانا نوی دنیاداری کی بات سنجهتے هیں اور آس دنیاداری کی ترازو میں انسانیت نهیں تا کرتی' لور نه هم چاهتے هیں که هم آیسی بهول کریں .

---بهگواندین

25, 9, '51

بهومی دان___

کوئی میں چلا کہ سکتا ہے کہ یہ زمین کی خیرات ماتکئے والا فقیر' ونوبا سب اخباروں میں جکہ یا جاتا ہے' پر اسکو زمین کا دان دیئے والے اخبار کے کسی کوئے میں ہی نہیں بیٹھ پائے' یہ معاملہ کیا ہے ؟

کوئی سر پہرا سوچ سکتا ہے کہ یہ وردما کے سہتم جملا لال بنجاج کے تکون پر پلا ونوبا پرسدھی کے مہدان میں آیے دائی سہتم سے بھی کہیں آئے نکل کیا ہے ۔ بات کیا ہے ؟

نه جانکی بائی بجاج اور اُن کے بھٹے کمل نہن بجاج کی روٹھاں تور نے والا دن دونی رات چوکلی' بھسویں صدی کے بہارت میں' اپلی جانہ بغاتا جلا جارہا ہے' یہ بہید کیا ہے ؟

سمجہلے کے لگے تو بات ہری سیدھی ہے ، شہری چھور جو گاوں کا رھلے والا یہ اچھی طرے جانتا ہے کہ پیسہ ھاتھ کا میل ہے ، اسی تاتے دھن بھی ھاتھ کا میل ھوا اور دھلوں میں سے ایک دھن ہے دھرتی دھن' وہ بھی ھاتھ کا میل ھوا ، ہے تو جاندی سونا بھی متی کیونکہ متی سے پیدا ہے' پر دھرتی تو صاف متی ہے اُسکا دان بھی کوئی دان ہے۔! بس یہی وجہ ہے کہ دان دیتے والے اخبار میں کہیں نبھی اور دان لیلے والا اخبار کے پہلے صفحے پر شہدوں میں ھی نبیں' شکل میں بھی موجود ملتا ہے ۔

اصل مهی ونوبا دان لیکا کہاں ہے' وہ تو دھرتی مول خوریدتا ہے اور اسکی آنلی قیمت دیکا ہے جکٹی نہ کوئی سیکھ دے سکتا ہے اور نہ عورار ، اور وہ قیمت ہے آدمی کے دل میں انسانیت جاتا دیٹا یعٹی آدمی کو اس کے وام سے ملئے کی واہ پر لگا دیٹا ، اور پهر ونوبا اُس دھوتی کو ایٹانا کہاں ہے' وہ تو پوست مہیں کی طرح 'ادھر آئی' اُنھر دیے دی' یہ کم کوتا رہتا ہے ،

कौण बहुत पहले से इस तरह की हवा तैवार कर चुके थे. हम तो विनोबा की या कहिन्सा की सफलता या जीत इस बद्धत सममेंगे जब विनोबा किसी दूसरे प्रान्त में कुछ सफलता हासिल कर के दिखा हैं.'

यह हमने कम्युनिस्टों की चुनौती का अपने शब्दों में खलासा दिया है.

विनोवा के मन की बनावट से जितनी हमारी जानकारी है उसके बल पर हम यह कह सकते हैं कि विनोबा इस तरह की चुनौतियों को ध्यान में रखकर कभी किसी मैदान में नहीं कृदा करते. वह तो अपने मन में बैठे ईश्वर से ही सलाह करते हैं और उसी के हक्म की परवाह करते हैं, और उसी को मान कर वह किसी भी काम में लग जाते हैं. अब जो वह दूसरे प्रान्तों में खमीन मांगनें निकले हैं तो वह इम्युनिस्टों की चुनौती के जवाब में नहीं निकले हैं. उनके मन ने अपने अन्दर बैठे ईश्वर से काफी बहस की और जब हर तरह उनके ईश्वर ने उनके मन की तसल्ली कर दी तो वह जमीन मांगने के लिये निकल पड़े. हो सकता है अब भी विनोबा की पूरी हार हो और कहीं से भी चप्पा भर अमीन उन्हें न मिले, इससे वह न हिम्मत हारोंगे चौर न अपने ईश्वर को दोश देने बैठेंगे. इस तरह की असफलता में वह अपने ही मन को दोशी मानेंगे. क्योंकि जो काम दुनिया में कोई भी कर सके भौर उसको विनोबान कर सकें तो उसमें विनोबा के ईश्वर का क्या दोशा. विनोबा के मन और इसके करने के तरीक़ों को ही दोश दिया जा सकता है, और अगर विनोबा को इंस काम में सफलता हुई तो विनोबा अपने को, अपने मन को या उसकी तरकीकों को सराहने वाले नहीं. सफनता का यश उस अन्तरातमा या उस ईश्वर के पांव में पटल विया जायगा जो ईश्वर उनके अन्दर बैठा है.

विनोवा या सत्य और अहिन्सा पर सक्वे जी से विश्वास करने वाले जब भी किसी मैदान में क्रदम रखते हैं तो इस सवाई को ही ध्यान में रखकर क्रदम रखते हैं कि हर आदमी में आदमियत मौजूद रहती है. और उसी नंगी आदमियत का नाम अन्तरात्मा, जमीर, कानशन्स, इनसानियत या ईश्वर है. उस नंगी आदमियत तक अगर कोई आदमी अपनी बुराइयों का जामा अतार कर और नंगा होकर पहुंच सके तो वह जरूर दूसरी आत्मा अपनी बुराई का जामा उतार कर उससे मिलती है, उसकी बात अपनाती है और जितनी देर तक वह बुराई के जामे से अलग रहती है ऐसे काम कर जाती है जो उसके लिय तो मले होते ही है दुनिया भर के लिये भी भले होते हैं. अव अगर विनोवा अपने नंगे होने में कमी कर जायंगे तो उत्तने ही कम लोगों की नंगी आदमियत तक पहुँच पायंगे और इतनी ही कम लोगों की नंगी आदमियत तक पहुँच पायंगे और

المگلبا بیدی پہلے سے اُس طوح کی ہوا تھار کوچکے تھے۔ کی فو رمویا کی یا اعلیا کی سپھلتا یا جھت اُس والت سمجھھٹکے جب ونویا کسی دوسرے پرانت میں کچھ سپھلٹا حاصل کرکے دکھادیں '

یے هم نے کمهونسٹوں کی چلوتي کا آبھ شیدوں میں مخطعه دیا هے .

ونوبا کے من کی بلاوت سے جللی ہماری جانکاری ہے أسكم بل پر هم يه كه سكت هين كه ونوبا إس طرح كي چلوتیوں کو دھیاں میں رکھ کر کبھی کسی میدان میں نہیں کودا کرتے ، وہ تو آیے من میں بیٹھ ایھور سے هی صالع کرتے میں اور اُسی کے حکم کی پرواہ کرتے میں' اور أسى كو مبان كر ود كسى بهي كام مين لگ جاتے هيں . أب جو ولا دوسرے پراندوں میں زمون مانکلے نکلے هیں ھو وہ کمھونسٹوں کی چلوتی کے جواب میں نھیں نکلے هیں . ان کے من نے ایے اندر بھٹھ ایشور سے کافی بعدث کی اور جب ہر طرح اُن کے ایشور نے اُن کے من کی تسلی کردی تو وہ زمین مانکلے کے لئے نکل ہوے . هوسکتا ہے ہے۔ ہی وتوپا کی پوری هار هو اور کهش سے بھی چپا بھر ومهن أنههن نه ملے اِس سے نه وہ هدت هارينكے اور نه ال آیشور کو دوش دینے بیٹویلکے ، اس طوح کی اسپیلتا مهن ولا اله هي من دو دوشي مانينگي . کهونکه جو کام فنها میں کوئی یہی کرسکے اور اُس کو ونویا نه کر سعیس تو اس میں ونوبا کے ایشور کا کیا درس . وُنْوِیا کے میں اور اُس کے کرنے کے طریقوں کو هی دوهي ديا جاسكتا هي. اور اكر ونويا كو اس كام مهن سَهِهِ عَلَيْ اللهِ عَوْدُولِهِ اللهِ كُوا اللهِ مِن كُو يَا أُسْكَى تَرْكُهُ عِنْ كو سراها وال نهين . سبهاتا كا يش أس أنتراتما يا أس ایشور کے پاؤں میں پاتھ دیا جانھا جو ایشور اُن کے الدر بيتها هـ .

ونوبا یا ستیه اور اهلسا پر ستیم جی سے وشواس کرنے والے جب بھی کسی میدان میں قدم رکھتے ھیں تو اس سیمیائی کو ھی دھیان میں رکھ کو قدم رکھتے ھیں اور اسی سیمیائی کو ھی دھیان میں رکھ کو قدم رکھتے ھیں گئی آدمیں میں آدمیت موجود رھتی ہے ، اور اسی خلکی آدمیت کا نام انتراتما ضبیرا کانشنس انسانیت یا ایھور ہے ، اس نگی آدمیت تک اگر کوئی آدمی ایلی براٹیوں کا جامہ آتار کو اور نلکا ھوکر یہونی سکے تو وہ فراٹی ہے اسکی بات ایفاتی ہے اور جملی دیر تک وہ فراٹی کے جامہ سے الگ رھمی ہے ایسے کام کو جاتی ہے جو فراٹی کے جامہ سے الگ رھمی ہے ایسے کام کو جاتی ہے جو اس سے فراٹی کے جامہ سے الگ رھمی دیا بھو کے لئے بھی بھلے اس کے اس سے الگ رھمی دیا بھو کے لئے بھی بھلے اس کے اس سے الگ رہنوا ایونیکے ھوئے میں کسی کرجائیلگے اور آتھی ھی کم لوگوں کی نلگی آدمیت تک یہونی تو آٹھیلے اور آتھی ھی کم لوگوں کی نلگی آدمیت تک یہونی نائیلے اور آتھی ھی کم لوگوں کی نلگی آدمیت تک یہونی

इस नहीं सममते कि इसमें कहाँ सिद्धान्त की दार हुई, कहां शिवस्यत की जीत हुई और कहां को कराही की बेक़दरी हुई. यह नासमफ लोकशाही ही थी जो अंगरेजों को अपने सिर पर बिठाए हुए थी और यह भी नासमफ लोकशाही ही थी जिसने अंगरजों को निकाल बाहर किया. और अब भी नासमफ लोकशाही न जाने क्या कर बैठे. शराब के नशे में जिस तरह आदमी अपनी समफ खो बैठता है बससे कहीं जियादा समफ वह रुपए के नशे में खो बैठता है.

किसी ने ठीक कहा है— कनक कनकते सौ गुनी मादकता अधिकाय बाय खाय बौरात है याय पाय बौराय.

सच मुच धतूरा (कनक) स्ताने से नशा होता है पर सोना (कनक) तो हाथ में आने से ही पागत बना देता है.

सिद्धान्त यह है कि वरिका कमेटी को खाल इंडिया जुने. यह है जाल इंडिया का रिआयत, कि वह सभापति को अपनी वरिका कमेटी बना लेने हे. सिद्धान्त यह है कि आल इंडिया अपने सभापति को कभी बरखास्त कर हे, यह है आल इंडिया की रिआयत कि वह सभापति को मौका हे कि वह अपना स्तीका पेश पर हे. पर यह रिआयतें रिकाज में आकर कायदा कानून बन बैठती हैं और फिर सिद्धान्त सी जबने लगती हैं और बहस का मजमून बन जाती हैं.

जोकशाही में पहाड़ की तलहरी उसकी घाटियाँ, उसके मैदान, इसकी घोटियाँ सब शामिल हैं. सिद्धान्त में सिर्फ चोटियाँ शामिल हैं, शिख्यान्त में सिर्फ इनी गिनी घोटियाँ शामिल हैं. सिद्धान्त और चोटियाँ बनती बिगड़ती रहती हैं और तलहरी अटल खड़ी उनका तमाशा देखती रहती है. असल में बिगाइती बनाती तो बही हैं.

सोकशाही की सदा जय होती है और दिला में लोक शाही की ही जय हुई.

24.9.31

--भगवानदीन

कम्युनिस्टों की चुनौती—

बहुत दिन नहीं बीते जब कम्युनिस्टों ने विनोवा को यह चुनौती दी थी:—

'विनोबा तेलंगाना में जमीं वारों से किसानों को जमीन विज्ञाबा रहे हैं और उसमें उन्हें जो बोड़ी बहुत सफलता मिती है वह सिर्फ इस वजह से हैं कि वहां हम अन्युनिस्ट

کسی نے تھیک کہا ہے ۔۔

كنك كنكته سو كني مادكتا أدههكائه

وأے کھائے بورات ہے بائے بائے بورائے .

سپے میے دعتورا (کلک) کھانے سے نشہ ھوتا ہے پر ولا (کلک) تو ھاتھ میں آنے سے ھی پاکل بنا دیتا ہے .

سدهانت یه هے که ورکنگ کمیتی کو آل اندیا چئے ۔
هے آل اندیا کی رعایت که وہ سبها پتی کو اپنی ورکنگ بیتی بنا لینے دے ۔ سدهانت یه هے که آل اندیا آپ بها پتی کو کبهی برخاست کر دے یه یع آل اندیا کی بایت که وه سبها پتی کو موقع دے که وه اپنا استعفیل بیتی کو دے ، پر یه رعانتها رواج میں آکر قاعدہ قانون بی بهتهتی هیں اور پهر سدهانت سی جچئے لگتی بی بهتهتی هیں اور پهر سدهانت سی جچئے لگتی

لوک شاهی میں پہار کی تلبگیاس کیگهاتیاں' اُس میدان' اُس کی چوتھاں سب شامل هیں. سدهانت اس مرف چوتھاں سب شامل هیں صرفانی اس مرف چوتھاں شامل هیں' شخصیت میں صرفانی یہ خوتھاں بنتی تر متعی عیں اور تاہتی اُٹل کھری اُن کا تماشه دیکھتی تھی ہے ، اصل میں بارتی بناتی تو وهی ہے ،

لوک شاهی کی سدا جے هوتی هے اور دالی میں لوک اهی کی هی جے هوئی .

24 ، 9 ، 51

ميونسٿوں کي چنوتي--

بہت دن نہیں ب<u>ہتے</u> جب کی<u>ہونسٹوں نے ونویا کو پہ</u> فوتی دنی تھی ہے۔۔۔

'ونویا تلکانه میں زمینداروں سے کسانوں کو زمین وا رہے ھیں اور اُس میں اُنہیں جو تورزی بہت سپیلتا کی جے وہ صرف اُس وجه سے ہے که وہاں هم کمیونست जान है, पटेश श्रीक्स का वे जुबाब में कोश दिश्या किया. मों टंडन जी की शिक्स वित कांगरेस के सभापति के जासन पर जा बैठी. जगर यह कहा जाय तो बेजा न होगा कि टंडन जी पटेल की गोदी में बैठ गए. जुजासा यह कि नासिक कांगरेस में शिक्स यत की जीत हुई सिद्धान्त की नहीं.

नासिक की कांगरेस में कांगरेस का जो प्रोमाम पास हुआ उस में भी सिद्धान्त की जीत नाम को भी नहीं थी. इस में थी जीत नेहरू शिखसयत की. या तो इस समय कांगरेस की लोकशाही अपने में नहीं थी या दूसरे में थी तभी तो ऐसी चीज वहाँ पास होगई, जिसे कांगरेस की कोकशाही जी से ठीक नहीं समऋती थी. पर इससे क्या बह जी से ठीक समसे या न समसे इसे जीतने से काम. लोकशाही हारना जानती ही नहीं. इसकी हार कभी नहीं होती. कारसी की एक कहावत है कि "इकट्टे होकर मरने में भी बड़ा जानन्द जाता है." फिर लोकशाही क्या हारेगी. यह लोकशाही के बार्ये हाथ का खेल है कि वह चाहे सिद्धान्त को जिता है, चाहे शिखसयत को. चगर सिद्धान्त भौर शिखसयतों में कुछ भी दम होता तो क्या आज दुनिया में भूट, हिन्सा, चौरी, पूंजीवाद, पेयाशी, शराव खोरी, सूद जैसी चीजें कहीं देखने को भी मिलतीं. जैसी रुष्ठ वैसे फरिरते यह फहावत किसे नहीं मालूम. वैसे ही, जैसी सोकशाही वैसे ही सिद्धान्त या वैसी ही शख्सियत.

सिद्धान्त और शिक्षस्यत का काम है कि वह लोकशाही की मानें भौर कोकशाही का हुक्म मानना ही दुनिया में सब से बड़ा सिद्धान्त हैं. जो इसकी नहीं मानता वह सिद्धान्त मानने बाला आवमी नहीं कहा जा सकता. और वही अपनी शिखसयत स्त्रो बैठता है. दिल्जी में यहीं भूत टंडन जी ने की और बन्होंने इस मूल से अपनी शाख्यियत खोई नहीं तो उसे धक्का जलर पहुँचाया. यह लोकशाही तो थी जिसने टंडन जी का इस्तीका मंजूर किया. यह कोकशाही तो थी जिसने नेहरू जी को समापति चना. बह, दो या चार, सचमुष, अलग अलग तानाशाह है, जिल्होंने इन दोनों प्रस्ताबों के खिलाफ राय दी अगर उनके दिस में यह बात थी कि दुनिया उनकी माने और लोकशाही को न माने. बेशक, राय देने तक वह खोकशाही के कांश थे तेकित अगर वह उसे अब भी सिदान्त समसे हुए हैं तो नेराक वह तानाशाही की तरफ दौड़े चले जा रहे हैं. शुक्ला जी ने नागपुर पहुँच कर क्या ठीक बात कही-"मैंने लोक-शाही के नाते खिलाफ राय दी और लोकशाही के नाते अब जोतराही के साथ हूँ और नेहरू को अपना नेता मानवा है."

المسابق بالله شخصیت نے بہار میں ایروا حصد اللہ بیار اللہ بیار اللہ بیار کی شخصیت کا کریس کے سیمایتی کے آسن پر جابیٹیں اگر یہ کیا جائے تو بیعیا تہ ہوگا کہ اللہ بیتا کی گردی میں بیٹی گئے ۔ خالمہ یہ کہ ناسک کانگریس میں شخصیت کی جیت ہوئی سدھانت کی نہیں ۔

ناسک کی کانکریس میں کانگریس کا جو پروگرام پاس هوا اس مهل بهی سدهانت کی جهت نام کو بهی نهها تهى . أس مين تهي جيت نهرو شخصيت كي . يا تو اس سیے کانگریس کی لوک شاھی آیے میں نہوں تھی یا دوسرے مهن تهی تجهی تو ایسی جهنو وهان پاس هوگئی ا جسے کانکریس کی لوک شاهی جی سے تھیک نہیں سنجهعی تهی . پر اس سے کہا وہ جی سے تهیک سنجھے یا نه سمجه آی جیدنی سے کام . لوک شاهی هارنا جاندی هي نهين . أسكي هار كدوي نهين هوتي . فارسي كي ایک کہاوت ہے که "اکٹیے هوکر مرئے میں بھی ہوا آندد آتا ہے،'' پہر لوک شاعی کہا ہاریکی ۔ یہ لوک شاہی کے بائيس هانه كا كهيل هے كه ولا چاهے سدهانت كو جنادے جاهے شخصیت کو . آگر سدھانت اور شخصیتیں میں کچه بهی دم هوتا تو کها آج دنیا مهی جهوت علسان جوری پونجی دادا عیاشی شراب خوری سود جهسی چیویں کہیں دیکھلے کو بھی ملتیں ، جیسی روح ریسے قرشتے یہ کہارت کسے نہیں معلوم ، ویسے هی جیسی ا لوك شاهى ويسم هي سدهانت يا ويسى هي شخصيت.

سدهانت اورشخصیت کا کام هے که ولا لوک شاهی کی مانهن أور لوك شاهي كا حكم مانقا هي دنيا مهن سب سے ہوا سدھانت ھے . جو اِس کو نہیں مانکا وہ سدھانت مالغے والا آدمی نہیں کہا جاسکتا اور وهی اپلی شخصیت کهر بیابتا هے ، دای میں یہی بهول تندن جی لے کی اور انہوں نے اِس بہول سے ایلانی شخصیت کهوٹی نبهی تو اُسے دھکا ضرور پہوندیتایا ، یہ لوک شاهی تو تھی جس نے تندن جی کا استعفیل منظور کیا . یہ لوک شاهی تو تهی جس نے نہرو جی کو سمهایتی چلا۔ ولاً دو يا چار سم مع الك الك تأنا شالا هين جفهون نے ان دونوں پرستاورں کے خلاف رائے دی اگر اُن کے دل مهور یه بات تهی که دنیا أن کی مانے آور لوک شاهی کی تع مالے . بیشک رائے دیلے تک وہ لوک شاهی کے انس تهم الهكين اكر أيد ولا أب بهي سدهانت سمتجهم هوائم هيل لو بهشک ولا تانا شاهی کی طرف دورے چاہے جارہے میں. **کا بھی نے نائیور پہوانے کر کیا تبیک بات کہی ۔۔''میں** دلیک شامی کے ناتے خان رائے دس اور لوک شامی کے ناتے اب لوک شاهی کے ساتھ هوں اور نهرو کو اُیٹا نهتا مانتا هوں." धराण बेहर खराब चीच है. इस बात को सभी खूप सममते हैं. यहाँ सभी से इमारी गुराद उन सभी से हैं जिनको इमने नासमक जोकशाही के तीसरे दरजे में रका है.

इसी शराय को लेकर अमरीका में बढ़े जोरों का जान्योजन वठा और एक मरतवा सारे अमरीका में शराब बन्द कर वी गई. बेशक यह काम लोकशाही की मदद से हुआ, लेकिन एस लोकशाही की मदद से जिसे यह ज्ञान तो या कि शराब इनसान और इनसानियत के लिये बेहद खराब चीज है पर यह पता न था कि उसे इस तरह का मान है. वस, अमरीका की ससमदार लोकशाही की एक था कुछ शिखसयतों ने उस जनता को उसके झान का झान कराया भीर अमरीका में शराब बन्दी के लिये राय ले ली भौर सरकार ने क़ानून के जरिये शराव वन्द्र कर दी. यह शराव बन्दी की बात सुनकर बरतानिया के जुर्ती ने बोरी से अमरीका शराब पहुंचाना श्रुह की और पहले और दूसरे नम्बर की नासमभ लोकशाही को भक्काना हारू किया और तीसरे नम्बर की लोकशाही की खोपड़ी पर जाद का दन्हा फेर कर अमरीका में फिर शराव शुरू करा दी. जिसने शराब शुरू कराई वह भी लोकशाही यी और जिसने बन्द कराई वह भी लोकशाही थी. फरक़ इतना था कि जिसने बन्द कराई वह सममदार कोकशादी थी और जिसने फिर श्रुक्त कराई वह सममदार नासमम बोकशाही थी.

इस यह सब कहकर यह कहना चाहते हैं कि हम सब को सममत्तार सममत्तार लोकशाही के फैसलों को ही सब्बी लोकशाही के फैसलों सममता चाहिये. और सममत्तार ना समम लोकशाही के फैसलों को सममना तो ग़लत फैसला ही होगा, पर बेबसी से उन्हें सर पर तो चढ़ाना ही पड़ेगा. बन्दरों की नासमम लोकशाही ने क्या सममत्तार बया का घोंसला नहीं तोड़ दिया था. और जिस तरह बया ने इस लोकशाही का जुल्म सड़ा था उसी तरह मासमम लोकशाही के जुल्म औरों के साथ साथ सममत्तारों को भी सहने पडते हैं.

दंडन जी को सोकशाही ने समापित चुना. और जब जुना तब सिखान्त जैसी कोई बीज सोकशाही के सामने नहीं थी. उसके सामने थीं दो शिखलयतें—एक कृपतानी जी और दूसरे टंडन जी—इन दोनों की शिखलयतों को भी हिन्दुस्तान की सारी जनता पूरी तरह नहीं जानती थी. बह किन ही और दो शिखलयतों को ठीक ठीक समम्तवी थी. और वह दो थीं—नेहरू और पटेस. नेहरू शिखलयत बस बन्नत चुप रही. सुनवे हैं यही उस शिकस्यत की القرائب نے معا کرانیہ بھتو ہے، اس بادہ کو سبھی کونیہ مجھی ہے۔ مجھی ہے مجھی ہے اس بادہ کو سبھی ہے مجھی ہے ہوئے ہے ہوئے میں کو دم نے ناسمجھ لوک شاھی کے توسوے دوجے بن رکھا ہے .

إسى شراب كو ليكر أسريكه مهن بوعد زورون كا أندولن ا اور ایک مرتبه سارے امریکه میں شراب بند کردی . بیشک یه کام لوک شاهی کی مدد سے هوا کلیکن ے لوک شاهی کی مدد سے جسے یه گیاں تو تها که اب انسان ارر انسانیت کے لئے یہ حد خراب چیز ہ به ينته نه تها كه أس اس طرح كا كهان هي . بس امريكة سبحهدار لوک شاهی کی ایک یا کچه شخصیتوں نے ، جنتا کو اُس کے گیاں کا گیاں کرایا اور امریکه میں ب بدن کے لیے رائے لے لی اور سرکار نے قانون کے ذریعے ب بند گردی . یه شراب بندی کی بات سفکر برطانهه دهورتوں نے چوری سے امریکه شراب پہونچانا شروع اور پہلے اور دوسرے نمبر کی ناسمجھ لوک شاھی کو کانا شروع کیا آور تیسرے نسبر کی لوک شاهی کی پری پر جادر کا تندا پههر کر امریکه مهن پهر شراب ع کوادی ، جس نے شراب شروع کراٹی وہ بھی لوک می تھی اور جس نے بند کرائی وہ بھی لوک شاھی تھی۔ النا تها که جس نے بند کرائی وا سمجهدار سمجهدار ے شاهی تهی اور جس نے پهر شورع کرائی ولا سمجهدار مجه لوک شاهی تهی .

هم یه سب که کریه کها چاهیے ههل که هم سب

سمجهدار سمجهدار لوک شاهی کے فیصلوں کو هی

ی لوک شاهی کے فیصلہ سمجها چاهیے ، اور سمجهدار

مجه لوک شاهی کے فیصلوں کو سمجها تو الله فیصله

هواا پر یے یسی سے آنہیں سر پر تو چوهانا هی پویکا،

رول کی ناسمجه لوک شاهی نے کیا سمجهدار بها کا

سله نهیں تور دیا تها ، اور جس طرح بها نے اس

شاهی کا ظلم سها تها اُسی طرح ناسمجه لوک شاهی

ظلم لرروں کے ساته ساته سمجهداروں کو بهی سهنے

تفقن جی کو لوک شاهی نے سبھا پتی چھا ، اور پہنا تپ سدھانت جیسی کوئی چھڑ لوک شاهی کے نے نہیں تب شخصتیں۔۔۔ایک نے نہیں دو شخصتیں۔۔۔ایک می بھی اور دوسرے تفکن جی۔۔۔ان دونوں کی شخصیتوں ہی ہددستان کی ساری جانا پوری طرح نہیں جانائی ، ولا کن ھی اور دو شخصیتوں کو تبیک تبیک سنجھتی ، ولا کن ھی اور دو تبید۔۔۔نہرر اور پتیل، نہرر شخصیت ، اور ولا دو تبید بھی بہی اُس شخصیت کی ولیت جینے رہی ، ساتھ ھیں یہی اُس شخصیت کی

के किसी न किसी कोने में पाए आते हैं. एन में और कितनी ही भलाइयां क्यों न हों पर दुनिया के सब लोग पक हैं, उनकी भलाई ही में सब की भलाई है, यह भलाई उनमें नाम को भी नहीं पाई जाती. ऐसी जनता से फीजी सिपाहियों का काम भी मुशकिल से लिया जा सकता है.

(2) वह लोग जो अपनी भलाई बुराई भी बिलकुत नहीं सममते, पर उन्हें इतनी तमीज जरूर है कि वह यह सममते हैं कि वह खज्ञानी हैं और अपना भला बुरा नहीं सममते. बस यही जनता का वह भाग है जिसे कुछ मन चले बहका लेते हैं और उससे पके चारे का काम लेते हैं. जिसमें इनके बहकाने की जितनी काबलियत है वह उतनी ही फीजें खड़ी कर सकता है, कोई इन्हें धर्म के नाम पर बहकाता है, कोई देश के नाम पर, कोई इनसानियत के नाम पर, कोई प्रेम के नाम पर, कोई ईश्वर के नाम पर, कोई सत्य अहिन्सा के नाम पर और कोई लोकशाही के नाम पर. इन लोगों में यह तमीज तो होती नहीं कि यह खुद सीच सकें कि इनकी भलाई बुराई किस बात में है, इसलिये जो जैसा समका देता है वैसा यह मान लेते हैं और उसके लिये जान लड़ाने के लिये तैयार हो जाते हैं. अगर ऐसा न होता तो क्या आज हिन्द्रस्तान की गोरखा पत्तटमें हिन्दुस्तान ने बरतानिया के हाथ सौंप दी होतीं और क्या वही गोरखा पलटनें बरतानिया की मातहती में जगह जगह ऐसा काम कर रही होतीं जिससे बरतानिया की जगह हिन्द्रतान बदनाम हो रहा होता. श्रीर क्या वह गोरखा पलटनें बरतानिया की मातहती में बिना सोचे सममे कोरिया के मैदान में अपनी लड़ाई के कर्तव दिखा रही होतीं. इसी तरह की हर मुल्क की नासमक जोकशाही कोरिया में फीजी हैसीयत से जा डटी है और कोरिया को तहस नहस करके दुनिया के तहस नहस होने की बुनियाद डाल रही है.

(3) वह जनता जो अपना भला बुरा खूब सममती है पर उसे यह पता नहीं कि उसे अपने भले बुरे का झान है.

वस ऐसी नासमम जनता को सममत्तर लोकशाही की शिख्ययों सममाती हैं और उनका नशा उतार देती हैं और जगर वह मुल्क गुलाम होता है तो वह उनके जरिये उसको आजाद करालेती हैं और फिर उन्हीं लोगों से वह हकूमत का काम लेती हैं. हजरत मुहम्मद ने यही किया और महात्मा गांधी ने भी यही किया. रूस, चीन, जापान, जमरीका सभी मुल्कों में लोकशाही की सममत्तार शिख्स-वर्ते जन्म लेती रहीं और इसी तरह अपना काम करती रहीं.

Margar '51

کے لیکی تھ کسی کوئے میں پائے جاتے ھیں۔ اُن میں اُور کھنی گئی بھلائیاں کیوں نہ ھوں در دنیا کے سب لوگ اُیک ھیں اُ آن کی بھلائی اُن کی بھلائی ھے' یہ بھلائی اُن سیل نام کو بھی نہیں پائی جاتی ۔ ایسی جلانا سے فوجی سیاھیوں کا کام بھی مشکل سے لیا جا سکتا ھے ۔

(2) وہ لوگ جو اُپلی بھلائی برائی بھیالکل نہھں سنجھتے' یر اُنھیں اِتنی تمیز ضررو ہے کہ وہ یہ سمجھتے

هیں که وہ اکیانی هیں اور اینا بہلا برا نہیں سمجھتے.

يس يہي جلتا کا وہ بهاک فے جسے کچھ من چلے بہكا لهتے مهن اور اُس سے یکے جارے کا کام لهتے ههن، جس ميس إن الله المكالم كي جتلى قابليت هي ولا اتلى هي فوجيس کھوی کو سکتا ہے ، کوئی اِنہیں دھرم کے نام پر بہاکاتا ہے۔ گوٹی دیوں کے نام ہر' کوٹی اِنسانہت کے نام پر' کوئی پریم کے تام ہو' کوئی آیشور کے نام پر' کوئی ستھ اعدسا نُکُم اُنام پر اور کوائی لرک شاہی کے نام پر ۔ اِن لوگوں مہی یه تاین تو موتی نهیاں که یه خود سوچ سکیل که این کی بهلائی برائی کس بات میں هے کی اس لئے جو جیسا سمجها ديمًا م ريسا يه مان ليتم هيس أور أس كے لئے جابي لوانے کے لئے تھار هوجاتے هيں ، اگر أيسا نه هوتا تو کھا آہے هادستان کی گورکھا پلگذیں هددستان نے برطانهم غُے هاته سونب دی هونهن اور کها وهی گورکها پلتلین مرطانهه کی ماتحتی میں جگه جگه ایسا کام کر رمی هوتهن جس سے برطانهم کی جگم مقدستان بدنام هو رها هوتا . أور كيا ولا كهوركها يلتَّلهن برطانهم كي ماتحتى مهن بنا سوجے سمجھے کوریا کے مهدان مهن أبني لوائي کے کر تب دکھا رھی ھوتدی ، اِسی طرح کی ھر ملک کی فاسمعه لرک شاهی کوریا میں فوجی حدثیت سے جا والی ہے اور کوریا کو تعس نعس کر کے دنیا کے تعس نتصس هونے کی بلیاد ذال رهی هے .

(8) ولا جنانا جو ابنا بهلا برا خوب سمجهای ه

پر آسے یہ پتہ نہیں کہ آسے آبے بہلے برے کا گیاں ہے۔ بس ایسی ناسب جہ جلتا کو سبجہدار اوک شاہی کی شخصیتیں سبجہاتی ہیں آور آن کا نشہ آتار دیتی ہیں اور اگر وہ مَیْلِک قلم ہوتا ہے تو وہ اُن کے ذریعے اُس کو آزاد کرالیتی فیں اور پہر آنہیں لوئوں سے وہ حکومت کا کام لیتی ہیں۔ حضوت محصد نے یہی کیا اور مہاتما کاندھی نے بھی یہی حضوت محمد نے یہی کیا اور مہاتما کاندھی نے بھی یہی کیا۔ روس' چھن' جاپان' آمریکہ سبھی ملکوں میں ٹوک شاھی کی سمجھدار شخصیتیں جئم لیتی رھیں ٹوو اِسی طرح ایفا کام کرتی رھیں،



लोकशाही, सिद्धान्त और शिख्सयत-

लोकशाही के नाम पर नेहरू टंडन मामले को लेकर कितने ही नोट पढ़ने को मिले. सममदार लिखने वालों में शायद ही कोई बचा हो जिसने इस पर कुछ लिखा न हो. सब लेखों का निचोड़ इतना ही है कि इस मामले में शाखिसयत की जीत हुई, सिद्धान्त (बसूल) की हार हुई. और सिद्धान्त की हार में लोकशाही की वेकदरी हुई.

इम इस बारे में लिखने से पहले लोकशाही यानी डेमोक्रेसी को इम क्या समके हैं इसे साफ कर देना चाहते हैं. उसके साफ कर देने से हमें डम्मोद है कि शख्सियत और सिद्धान्त की लोकशाही में क्या जगह है यह भी साफ हो जायगा.

लोकशाही यानी लोकमत को हम दो तरह का मानते हैं—एक सममदार लोकमत—दूसरा ना समम लोकमत—सममदार लोक मत जैसी चीज दुनिया में कहीं नहीं है. जब वैसा हो जायगा तब सरकार नाम की कोई चीज नहों रह जायगी. सममदार लोकमत से हमारा मतलब है ऐसी जनता से जो अपनी भलाई बुराई को अच्छी तरह सममती है और यह भी सममती है कि वह उसे खूब सममती है. ऐसी जनता दुनिया के परदे पर कहीं नहीं है. हां, ऐसी शिख्सयतें ज़कर मिलती हैं. वह ही जनता में कह फूँकती हैं, उन्हें लोकशाही की जानकारी कराती हैं और कुछ दूर तक उन्हें लोकशाही की तरफ बढ़ा देती हैं.

ा नासमम लोकशाही दुनिया के सब देशों में खूब फैली हुई है. यह लोकशाही भी तीन तरह की होती हैं—

(1) वह जो अपना भला बुरा विलक्त नहीं जानती और जिस को यह भी तमीज नहीं है कि वह यह सममती हो कि वह अपना भला बुरा नहीं जानती. इस में वह सब कोग शामिल हैं जो जंगली हालत में दुनिया के हर मुल्क

ے شاھی' سدھانے اور شخصیے

لوک شاہی کے نام پر نہرو ٹنڈن معاملے کو لے کر کتنے نوت پوھنے کو ملے ، سمجھدار لکھنے والوں میں شاید کوئی بچا ھو ، کوئی بچا ھو جس نے اس پر کچھ لکھا نہ ھو ، الیکھوں کا نچور اِننا ھی ھے کہ اِس معاملے میں صیت کی جیت ھوئی سدھانت (اُسوال) کی ھار ہے اور سدھانت کی ھار میں لوک شاعی کی پے ، اور سدھانت کی ھار میں لوک شاعی کی پے

هم اِس بارے میں لکھنے سے پہلے لوک شاعی یعنی وکریسی کو هم کیا سمتجهرهیں اِسے صاف کر دینا چاهنے ، اُسکے صاف کر دینے سے همیں اُسید هے که شخصیت سدهانت کی لوک شاهی میں کیا جگه هے یه بھی ، همچائے گا ،

لوک شاهی یعنی لوک مت کو هم دو طرح کا مانتی — ایک سمجهدار لوک مت جیسی چیز دنیا میں نہیں ہے، جب ویسا هوجائے کا تب سرکار نام کی پیز نہیں رہ جائے گی . سمجهدار لوک مت سے را مطلب ہے ایسی جلتا سے جو اینی بهائی برائی اچھی طرح سمجهتی ہے اور یہ بھی سمجهتی ہے که ایسی جلتا دنیا کے پردے پر نہیں ہے جوب سمجهتی ہے . ایسی جلتا دنیا کے پردے پر نہیں ہے ۔ ایسی جلتا دنیا کے پردے پر نہیں ہے ۔ ہاں ایسی شخصتیں ضرور ملتی هیں ، نہیں لوک شاهی جانکاری کواتی هیں اور کچھ دور تک آنھیں لوک ہی کی طرف بڑھا دیتی هیں ،

ناستجه لوکشاهی دنیا کے سب دیشوں میں خوب پههلی ہے۔ یہ لوک شاهی بهی تین طرح کی هوتی ہے۔ (1) ولا جو اپنا بهلا برا بالکل نهیں جاندی اور کو یہ بهی تمیز نهیں ہے که ولا یہ سمجھتی هو ولا اپنا بهلا برا نهیں جاندی اس میں ولا سب لوگ لی هیں جو جانگلی خالت میں دنیا کے هو ملک لی هیں جو جانگلی خالت میں دنیا کے هو ملک

- 6. कोरिया आर्मिस्टेस कानफरेन्स एक नई जगह करने के लिये जनरल रिजने की तकवीज. सैन फान्सिस्कों में जापानी सुलहनामें पर रूस के एतराज, नई दिल्ली में कांगरेस वरिका कमेटी की बैठक शुरू. वरिका कमेटी के सभी मेन्बरों ने अपना स्तीफा कांगरेस सदर को दे दिया.
- 7. आचार्य विनोबा जी का दिल्ली पैदल जाने का फैसला. टंडन जी ने नई दिल्ली में प्रेस कानफरेन्स में पलान किया कि मैं कांगरेस सदर की जगह से स्तीका दे दूंगा मगर वरकिंग कमेटी हरगिज नहीं बदल सकता.
- 8. नई दिल्ली में कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की "गुप्त" बैठक में टंडन जी ने स्तीका दिया और बड़े बजीर पंडित जवाहर लाल नेहरू कांगरस सदर चुने गए. सैनफ्रांसिस्कों में जापानी सुलहनामें का रूस, जेकोसलोवाकिया और पोलैंड ने बाईकाट किया.
- 9. कांगरेस वालों से ईमानदारी और नेक नीयती से काम करने के लिये कांगरेस सदर जवाहर लाल की अपील. कांगरेस का सालाना इजलास 18, 19 अन्तूबर को दिल्ली में होगा.
- 10 श्रांगरेजी सरकारी खजाने ने ईरान की स्टिलिंग रोक को डालर में बदलने के खिलाफ कारवाई की. कनाडा इस साल डेढ़ करोड़ डालर की मदद हिन्दुस्तान को देगा.
- 11. कम्युनिस्टों ने रिजवे की तजवीज नामंजूर कर दी. पाकिस्तानी बड़े वजीर ने कशमीर के चुनाव को मखील बताया.
- 12. अमरीका के डिफ़ेन्स मंत्री जनरत मारशत ने स्तीफा दे दिया. आचार्य विनोबा जी अपने पौनार आश्रम से नई दिल्ली पैदत रवाना.
- 13. अवादान के कारखाने के अंगरेजी इंजीनियर को ईरान सरकार का हुक्स कि अपना चार्ज ईरानी इंजीनियर के सपुर्द करें. ईद के मौक्रे पर शेख अब्दुल्ला का प्लान कि कशमीर हमारा है.
- 14. कांगरेस से इटे लोगों को वापस आने के लिये पंडित नेहरू की अपील. जरनिलस्ट फेडरेशन का प्रेस बिल के खिलाफ ठहराव.
- 15. पंडित नेहरू ने अपनी नई वरिकंग कमेटी के पंद्रह मेम्बरों के नामों का एलान किया. प्रजा पारटी की कौंसिल ने तय किया कि वह कांगरेस में शामिल नहीं होगी. बर्ल्ड बैंक की चीन और उत्तर कोरिया के जिलाफ कारवाई. नई दिल्ली की कैबिनेट में प्लानिंग मिनिस्टर का नया तक्कर र.

- 6 کوریا آرمسٹس کانفرنس ایک نئی جگه کرنے کے لئے جغرل رجوے کی تجویز ، سین فرانسمکو میں جاپاتی صلح نامے پر روس کے اعتراض ، نئی دلی میں کانگریس روکفگ کمیٹی کی بیٹھک شروع ورکفگ کمیٹی کے سبھی ممہوری نے اپنا استعفی کانگریس صدر کو دے دیا ،
- 7. آچارید ونوبا جی کا دلی پهدل جانے کا فیصلہ . تندن جی نے نگی دلی میں پریس کانفرلس میں اعلان کھا کہ میں کانکریس صدر کی جگت سے استعفی دیے درں کا مکر ورکٹگ کمیٹی ہرگز نہیں بدل سکتا .
- 8. نئیدار میں کل هند کا گریس کمیتی کی''گیت'' ہیٹھک میں تنتی میں تنتی جی نے استعفی دیا اور بوے وزیر پنتی جواہر لال نہو کانکریس صدر چنے گئے . سین فرانسسکو میں جاپانی صلح نامے کا روس' زیکو سلووائیہ اور پولینت نے بائی کات کیا .
- 9. کانگریس والوں سے ایدانداری اور نھک نھتی سے کام کرنےکے لئے کانگریس صدر جواھرلال کی ایھل ، کانگریس کا سالانہ اجلاس 18 19 اکتوبر کو دلی میں ہوگا ،
- 10. انگریزی سرکاری خوائے نے ایران کی اسٹرلنگ روکو کو قالو میں بدلئے کے خلاف کاروائی کی . کفاڈا اِس سال قیرھ کررز ڈالر کی مدد مندستان کو دے گا .
- کمھونسٹوں نے رجوے کی تجویز ناملطور کر دی۔ پاکستانی ہوے رؤیر نے کشمیر کے چفاو کو مخول بتایا ۔
- 12. امریکہ کے دندس منتری جدرل مارشل نے استعفی دے دیا ، آچاریہ ونوبا جی ایے پونار آشرم سے نگی دلی پہدل روانہ .
- 13, ایادان کے کارخانے کے انگریزی انجہدور کو ایران سرکار کا حکم که ایدا چارے ایرانی اِنجہدورکے سہرد کریں ، عہد کے موقع پر شیخ عبدالله کا املان که کشدور همارا هے.
- 14. کانگریس سے ھتے لواوں کو راپس آنے کے لئے پینگ نہرو کی اپیل . جرناست فقریشن کا پریس بل کے خلاف تہراؤ .
- 15. پنتس نہرو نے اپنی نئی ورکنگ کمیٹی کے پندوہ ممہروں کے ناموں کا اعلان کیا ، پرچا پارٹی کی کونسل نے طے کیا کہ وہ کانگریس میں شامل نہیں ہوگی، ورفق بینک کی چین اور اتر کوریہ کے خلاف کارروائی ، فئی دلی کی کیبنت میں پلاننگ منستر کا نیا تقرر .

- 26. आसाम के पास रेल गाड़ी पटरी से उतर गई. कुल हिन्द शिया कानफरेन्स का पंडित नेहरू पर 'पूरा यक्तीन' रक्तने का पलाम.
- 27. हिन्दुस्तान जापान से द्यलग सुलह करेगा—बड़े वाफीर का हिन्द पार्लिमेन्ट में एलान.
- 28. पंडित जवाहर लाल की नई दिल्ली में प्रेस कानफरेन्स—मजबूरी की हालत में कांगरेस सदर बनने को तैयार. हिन्दुस्तान के बिरेशी ट्रेड वैलेन्स की हालत में काफी तरक्की. जापान और अमरीका में अलग कौजी सलहनामें पर रूसी प्रेस में नाराजगी.
- 29. कांगरेस की गुत्थो सुलफती नखर नहीं आती— नई दिल्ली की खबर. बनस्पति की चीजों पर बाहर भेजने के लिये एक्सपींट डियूटी हिन्द सरकार ने हटा ली.
- 30. इसराईल और घरब के देशों को आठ करोड़ डालर देने का अमरीका का फैसला. टंडन जी का वरिकंग कमेटी को बदलने से लखनऊ में इनकार.
- 31. कशमीर के नए चुनाव में शेख अबदुल्ला और नेशनला कांनफरेन्स के पच्चीस नाम बद्द उम्मीद्वार बिला सुकाबला चुन लिये गए. दिन्द पार्लिमेन्ट में प्रेस बिल होम मिनिस्टर ने पेश किया. यू. पी. असेन्वली में बच्चों की बेहतरी के बारे में बिल पास.
- 1. सितम्बर—यू. पन. श्रो. की सिक्योरिटी कीन्सिल ने सिस्न को स्वेज नहर में इसराईल जाने वाले जहाजों को रोक देने पर मिस्न की बुराई की श्रीर उन्हें छोड़ देने के लिये उहराव पास किया. मिस्न का यह फैसला मानने से इनकार. डाक्टर मुसादिक का पलान कि ईरान श्रपनी जगह पर अटल रहेगा. श्रीनगर में कशर्मार यूनिवरिसटी के कनवो-केशन में होम (मिनस्टर राज गोपालावार्य की स्पीच. श्रास्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड श्रोर श्रमरीका ने श्रापस में एक हिकाशती पैक्ट पर दस्तलत किये.
 - 2. ब्लैक पूल में अंगरेज़ी लेबर पारटी की कानकरेन्स.
- 3. ईरान सरकार अवादान वाला तेल का कारखाना चालू करेगी. पार्लिमेन्ट में सी. रियासतों का बिल पास. दिल्ली के पास रेल गाड़ी लड़ गई.
- 4. सैन फ्रांसिस्को में जापानी सुलह कानकरेन्स शुरू
- 5. अफ़सानी बड़े बजीर का नई निल्ली में पंडित नेहरू द्वारा सत्कार. अंगरेजी ट्रेड यूनियन कानिफ़रेन्स में बाएं दल का ठहराव खारिज. अहमदाबाद में गो हत्या बन्द आत्योजन करने वालों पर पुलिस ने गोली चलाई.

- 26. آسام کے پاس ریل گاری پاگری سے آثر گئی، کل مدشیعہ کانفرنس کا پلکت نہرو پر ' پورا یقین ' رکھلے املان ۔
- 27. هندستان جاپان سے الگ صلح کرے کا -- برے پر کا هند پارلیمنت میں اعلان .
- 28. پنگت جواهو ال کی نئی دلی میں پریس نفوس سے مجبوری کی حالت میں کانگریس صدر بلنے و تھار ، هندستان کے ودیشی ترید بیللس کی حالت بیں کافی ترقی ، جاپان اور امریک میں الگ فوجی صلح امے پر روسی پریس میں نارافگی ،
- 29. کانگریس کی گٹھی سلجھٹی نظر نہیں آتی۔۔۔ ئی دلی کی خبر ، بلسیٹی کی چھڑوں پر باھر بھجلے کے لئے ایکسپورٹ ڈیوٹی ہند سرکارنے ہٹالی ،
- 30. اسرائیل اور عرب کے دیشوں کو آٹھ کرور ڈالر ایٹے کا امریکہ کا فیصلہ ، تغذن جی کا ورکفگ کسیٹی کو دلئے سے لکھلؤ میں آنکار ،
- 31. کشمور کے نگے چفاؤ میں شیخ عبدالله اور یشفل کالفرنس کے پچیس نامود اُمیدوار بلا مقابله چن گئے گئے . هند پارلیمنت میں پریس بل هوم منستر نے بھی کیا . یو . پی . استبلی میں بچوں کی بہتری کے اربے میں بل پاس ،
- 1. سلامهر -- يو . اين ، او . كى سكهورتى كونسل في صر كو سوئهز نهر ميں اسرائهل جانے والے جہازوں كو روك يفيه هر مصر كى برائي كى ارر أنهيں چهور ديف ك لئے تههراو اس كها . مصر كا يه فيصله مانفيس إنكار . قاكتر مصادق كا علان كه ايران ايفى جكه پر اتل ره كا . شرى نكر ميں كشمهر ونهورستى كے كفووكهان ميں هوم مفستر راج كويالا هاريه كى اسبهج ، آستريلها نهوزى لهذا اور امريكه في آيس هيں ايك حفاظتى پهكت پر دستخط كئے .
- 2. بليك پول مهن الكريزي الهبربارتي كيكانفرنس.
- 3. ایران سرکار ابادان والا تهل کا کارخانه چالو کرے ی پارلیملت مهی سی . ریاستوں کا بل پاس . دلی کے اس ریل گاری لو گئی .
- 4. سین فرانسسکو میں جایانی صلم کانفرنس بروم هوگی .
- 5 الغانی ہوے وزیر کا نئی دلی میں پندت ہرو دوارا ستکار التعریزی ترید یونین کانفرنس میں الیں دل کا تھہراؤ خارج الصدآباد میں کو معیا بند عوان کرنے والوں پر پولیس نے کولی چائی .

The same of the sa

देश विदेश की डायरी

- 16. अगस्त-ईरान में तेल की बात चीत अटक गई. कांगरेस सदर टंडन जी का बन्बई में एलान कि चाहे जो हो में अपना फर्ज अदा करूंगा. स्वामी सीताराम शास्त्री का आन्ध्र सूबा बनाने के मामले पर गुन्दर में अनशन गुरू.
- 17. पार्लिमेन्ट ने पंजाब में गवरनरी हकूमत के लिये बिल पास किया.
- 18. ईरान ने झंगरेजी सुमाव रह कर दिये. इलाहाबाद के पास रेक गाड़ी (छोटी लाइन) पटरी से इतर गई. मद्रास में आचार्य कुपलानी ने तामिजनाद प्रजा पारटी के पहले जलसे का उद्घाटन किया.
- 19. कोरिया में अमरीकी फीजों का एक अवानक (लेकिन छोटे इलाक़े में) धाबा.
- 20. पखतून जिरगए-हिन्द के सदर की बाक्टर फानक माहम से आजाद पखतूनिस्तान के बारे में ग़ीर करने के लिये दरखास्त. जिनेवा में यू. पन. आ. की आर्थिक और समाजी बैठक में विदेशी पूँजी के मामले पर दिन्दुस्तान और अमरीका के नुमाइन्दों में मत भेद.
- 21. ्कांगरेस की पार्लिमेन्टरी बैठक में पंडित जवाहर लाल की दिल खोल कर बात चीत. नैपाल के राजा हिन्दुस्तान आए,
- 22. मध्य प्रदेश के होम मिनिसटर द्वारिका प्रसाद भिन्न का पंख्ति जवाहर लाल की भीतरी बाहरी पालिसी के खिलाफ बयान और डिक्टेटर होने का इलजाम.
- 23. केसांग में बमनारी किये जाने पर कम्यु नस्टों को एतराज—बात चीत बन्द. ईरान में मामला तय न हो सका. श्रांगरेजी नुमाइन्दे स्टोक्स सन्दन को बापस रवाना. मिस्न के बड़े बजीर नहास पाशा का एलान कि हम सन 36 बाला सममौता क्रबूज नहीं कर सकते.
- 24. आपान के अमरीकी कमान्डर जनरत रिजवे की कम्युनिस्टों से बात चीत करने के लिये नई शर्ते. ईरान के मामले में जब तक वहां की सरकार कोई खास क़दम न उठाए तब तक आगे और कुछ न बढ़ने का अंगरेजी कैबिनेट का फैसला. मध्य प्रदेश के होम मिनिस्टर द्वारिका प्रसाद मिश्र का मिनस्टरी से स्तीका.
- 25. सैन फ्रांसिसको कानफरेन्स में हिन्दुस्तान के शरीक न होने का पतान. नई दिल्ली में टंडन-नेहरू गुत्थी को सलमाने की कोशिशें जारी.

ەيش وەيش كى تائرى

- 16. اگست-ایران میں تیل کی بات چیت اتک کئی. انگریس صدر تندن جی کا بمبئی میں اعلان که چاہے جو هو میں ایٹا فرض ادا کرونتا سوامی سیتا رام شاستری کا آندھر صوبه بنانے کے معاملے پر گنتور میں ان شن شروع.
- 17. پارلهملت نے پلنجاب مهن گورنری حکومت کے لئے بل یاس کھا .
- 18. ایران نے انگریزی سجهاو رد کو دیگے. الدآباد کے پاس ریل کاری (چھوٹی لائن) پٹری سے اُتر کئی ، مدراس میں آچاریه کریلانی نے تامل ناد برجا پارٹی کے پہلے جلسے کا اُدکھائن کیا .
- 19. كوريا مين امريكى قوجون لا أيك أچانك (ليكن چهوٿ علاقے مين) دھاوا .
- 20. پختون جرگهٔ هند کے صدر کی 3:کتر فرانک گراهم سے آزاد پختونستان کے بارے میں فور کرنے کے لئے درخواست ، جدوا میں یو ، این ، او ، کی آرتهک اور سماجی پیٹھک میں ودیشی پونجی کے معاملے پر هندستان اور امریکہ کے نمائندوں میں مت بھید ،
- 21. کانگریس کی پارلیمنگری بیگهک میں پندت جواهر لال کی دل کهول کر بات چیت ، نیپال کے راجہ مندستان آئے ،
- 22, مدھیہ پردیش کے ھوم منستر دوارکا پرساد مشر کا پنت جواھر لال کی بھیتری باہری پالیسی کےخلاف بیاں ارد دنتیتر ھونے کا الزام .
- 23. کیسانگ میں ہمباری کئے جانے پر کمہونسٹوں کو اعتراض سے بات چیت بند ، ایران میں معاملہ طے نه هوسکا ، انگریزی نمائندے اسٹوکس لندن کو واپس روانه مصو کے بوے وزیو نتماس باشا کا اعلان که هم سن 36 والا سمجھوٹھ قبول نہیں کر سکتے ،
- 24، جاپان کے امریکی کمانڈر جدرل رجوے کی گمھولسٹوں سے بات چھت کرنے کے لئے نگی شرطیں ، ایران کے معاملے میں جب تک وہاں کی سرکار کوئی خاص قدم نه اُٹھائے تب تک آئے اور کچھ نه بوھنے کا انگریزی گھھٹمٹ کا فیصله ، مدھیه پردیش کے هوم مقسٹر دواوکا پرساد مھر کا منسٹری سے استعابی .
- 25ء سین فرانسسکو کانفرنس میں هلدستان کے شریک نه هولے کا اعلان نگیدلی میں اللہ نہور کتھی کو سلمجھائے کی کوششیں جاری .

हैं कि जिन लोगों को सवानों की शिका से दिस्त्यार्थी हैं। वह इन कितानों से जाकर लाभ उठाएँ. सब कितानें सोसह सोसह सके की हैं और हर कितान का दाम पांच आना है. ن که جن لوگوں کو سهالوں کی شکشاً سے ماجسوں ہو اُن کتابوں سے ضرور لابھ آٹھائیں ۔ سب کتابیں سولہ له صفحے کی مہن اور هو کتاب کا دام یابیج آت ہے ۔

काम धंदे

गोपी तांगे वाला
सम्पत कहार
अब्दुर्रहमान राज
छोटे लाल बढ़ई
कल्लू हलवाई
धूल जी रसोइया
द्वारका प्रसाद नाई
ध्यारे लाल दर्जी
फूलचन्द मूल चन्द पंसारी

जीवन-चरित्र

श्री कुरन जी
श्री राम चन्द्र जी (दो भाग)
महात्मा गौतम बुद्ध
भक्त कवीर
चमीर जुसरो
निजामुद्दीन चौिलया
गुढ नानक देव जी
करवला के शहीद
स्वामी द्यानन्द सरस्वती
मुस्तका कमाल पाशा (दो भाग)

प्रसिद्ध पुस्तकें

रामायन (दो भाग)
हाविम ताई (तीन भाग)
भाल्हा ऊदल हैं (दो भाग)
शाकुन्तला और दुश्यन्त
पद्मावत
पंच तंत्र (दो भाग)
भालिफ लैला (चार भाग)

मिलने का पता— मक्तवा जामिका लिमिटेड, जामिका नगर, देहली

کام دھندے

گوپی تانکے والا سمیت کہار میدالرحمان راج چہوتے لال ہوھئی کلو حکوائی دھول جی رسوئیا دوارکا پرساد نائی پیارے لال درزی یہول چند مولچند پنساری

האנט הנינ

شری کرشن جی شری جی (دو بهاگ) مہاتما گوتم بدھ مہاتما گوتم بدھ بہت کبھر مسرو المهر خسرو نظام الدین اولیا گرو ناتک دیوجی کربلا کے شہید سوامی دیانند سوسوتی مصطفی کمال پاشا (دو بهاگ)

پرسده يستكهن

راماین (دو بهاگ) ماتم طائی (تین بهاگ) آلها اودل (دو بهاگ) شکنتلا آور دشیفت پدماوت پنج تنتر (دو بهاگ) الف لیله (دو بهاگ) الف لیله (جار بهاگ)

ئے کا پتھ— مکتبه جامعه لمهتهد، جامعه نگر، دهلی .

Contains a second of the second

A MANAGE TO THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE इस पास्तत को पूरा कर रहे हैं. इस सम्बंध में वह 'रोर-भो-शायरी' नामी किताब बहुत पहले निकाल चुके हैं, इससे सोगों की त्यास नहीं बुक्ती. गोयलीय जी ने अब तथं किया है कि उरद् की शायरी के इतिहास को सामने रख वह उरदू शायरों को हिन्दी में पेश करेंगे ताकि कोई ब्रुटने न पाप. यह बहुत बड़ी योजना है. 'शेर-ब्रो-सुखन' उस सिलसिले की पहली किताब है. किताब मोटी होने की वजह से उसे छै भागों में बांटा गया है. शह से बेकर 1900 ई॰ तक के सब मशहर और इतिहासी अहमियत रखने बाले 'राजल गो' शायरों का इस में जिक हैं. हर शायर की राजल का नमूना देने से पहले उसकी जिन्दगी का भी थोड़ा थोड़ा सा परिचय दिया गया है, उस के वातावरन श्रीर माहील का भी अनुमान कराया गया है. सम्पादक के नोट तो बहुत मारके के हैं. उरद् शायरी से इस तरह की जानकारी इससे कम में कोई किताब अभी तक नहीं पेश कर सकी. गोलीय जी की इस मेहनत पर जितनी बधाई हो जाय कम है.

किताब की जिल्द बेहद सुन्दर है और पीछे इन्डेक्स दिया हुआ है. किताब के लाभ के बारे में जो कुछ भी कहा जाय कम है. मेरो निगाह में तो बस इतना हो कहना काकी है कि इस किताब को हर उस आदमी को पढ़ना चाहिये जो उरदू साहित्य की एक प्रनाली के बारे में एक ही किताब पढ़कर बहुत कुछ जानना चाहता है. मन बहलाब के लिये तो यह जबरदस्त साधन है. हमें अब 'शेर-ओ-सुखन' के दूसरे भागों का बेचैनी से इन्तजार है.

---मुजीब रिजवी

प्रौढ़ शिक्षामाला की किताबें

जामिश्रा मिल्जिशा देहली के प्रीद शिचा विभाग (इदारए-तालीम व तरक्की) ने दस साल तक सियानों में शिचा फैकाने का काम किया है. इस सिलसिले में उसने जो तजरबे किये हैं वह बहुत सफल रहे हैं. मक्तवा जामिशा देहली ने बालिग़ों की शिचा के लिये बहुत सी किताबें भी छापी हैं. इन किताबों की खूबी यह है कि इन्हें अच्छर पहचान सकने वाले लोग भी बड़े मजे में पद सकते हैं. किताबों की भाशा बहुत आसान है और इन छोटी छोटी किताबों के जरिये हर तरह की आनकारी बद सकती हैं.

असग असग विशयों की किताबों के असग असग कबर हैं जो बहुत सुन्दर हैं. टाइप काफी मोटा इस्तेमाल किया गया है और तस्वीरों की वजह से यह किताबें और भी अपयोगी बन गई हैं. किताबों के नाम ही से उनके अन्दर क्या है, यह मासूम हो जायगा. इम सिफारिश करते

أيس فيرون كو يورا كر رهے همن . أس سمهلات مهن ولا المعر و شاعری ا نامی کتاب بهت پهلیه نکال چکیه مهل ، اُس سے لوگوں کی پیاس نہیں بجھی ۔ گوٹلمہ جی لے اب طے کیا ہے کہ اُردو کی شاعری کے اُتھاس کو ساملے رکھ وہ اُردو شاعروں کو هلدی مهں پهش کریں گے تاکه کوئی جهولاني نه بائي يه بهت بوي يوجلا هي ، اشعر و سخس اس سلسے کی پہلی کتاب ہے. کتاب موثی هولے کی وجه سے أسے جه بهاكوں ميں بانتا كيا هے . شروع سے لے کر 1900 مهدوی تک کے سب مشہور ارر آنہاسی اہمیت رکھتے والے ''فزلگو' شامروں کا اُسَ مهن دَّ ر هـ . هر شَاعر کی فَوْل کا نمونه دیلے سے پہلے اُس کی زندگی کا بھی تھوڑا تھوڑا سا پریجے دیا کہا ہے اس کے واتاورن اور ماحول کا بھی انومان کرایا گیا ہے . سمیادک کے نوٹ تو بہت معرکے کے هیں ، أردو شاعری سے اِس طرح کی جانکاری اِس سے کم میں کوئی کتاب ابهی تک نبهن پیش کر سکی . گوئلیه جی کو اس مصلت پر جنلی بدعائی دی جائے کو ہے .

کتاب کی جلد ہے حد سندر ہے اور پہنچھے انداکس دیا ہوا ہے۔ کتاب کے لابھ کے بارے میں جو کچھ بھی کیا جائے کم ہے ، مہری نگالا میں تو بس اتفا ھی کہنا کائی ہے کہ اِس کتاب کو ھر اُس آدمی کو پڑھنا چاہئے جو اُردو ساھتھہ کی لیک پرنالی کے بارے میں ایک ھی کتاب پڑھکر بہمت کچھ جانفا جاھتا ہے ۔ میں بہلار کے لئے تو یہ بہردست سادھی ہے ، ھمیں اب اشعروستین کے دوسرے بہائوں کا یہ چینئی سے انتظار ہے ،

--- منجهب رضوی

هروره شکشا مالا کی کتابیس

جامعہ ملیہ دہلی کے پررزھ شکشا و بھاگ (اِدارہ تعلیم و ترقی) نے دس سال تک سیانوں میں شکشا پھیلانے کا کام کیا ہے . اِس سلسلے میں اُس نے جو تجربے کئے ہیں وہ بہت سپہل رہے میں . مکتبہ جامعہ دھلی نے پالغوں کی شکشا کے لئے بہت سی کتابیں بھیچہابی میں . اِن کتابوں کی خوبی یہ ہے که اِنھیں اکشر پہنچان سکتے والے لوگ بھی برے مزے میں پڑھ سکتے ھیں . کتابوں کی بھاشا پہت آسان ہے آرر اِن چھوتی چھوتی جھوتی کتابوں کی ذریعے هر طرح کی جانکاری بڑھ سکتی ہے .

الگ الگ وہوں کی کتابوں کے الگ الگ کور ہیں جو بہمت سندر ہیں۔ تائپ کافی موتا اِستعمال کیا گیا ہے آور تصویروں کی وجہ سے یہ کتابیں اُور یوی آیموگی بن گلی ہیں، کتابوں کے نام ہی سے اُن کے اندر کیا ہے کہ معلوم ہوجائے گا، ہم سفارش کرتے

Work all at the transfer of the second of the second



प्तितारों से जरों तक

तिसने वाले-जगनाथ आजाद.

निकालने वाले-मकतवा शाहराह, देहली.

तिखावट—डरदू, सके 192, क्रीमत दो रुपए बारह बाने.

'बेकरां' के बाद जगन्नाथ आज़ाद का यह दूसरा सजमुषा है. सन '47 के बाद बहुत सी चीजों में तबदीली हुई है. आज़ाद की शायरी में भी काफी तबदीली हुई है. इस देशिन का नाम "सितारों से ज़रों तक" ही इस तबदीली का परिचय देता है. इस किताब में सन '47 के बाद की कही हुई नज़में, राज़लें और रुबाइयाँ शामिल हैं. कमज़ोर से कमजोर इनसान की ताक़त का आजाद कायल है और रुहता है—

बही इनसान, साहिल पर जिन्हें तूकां का धोका हो अगर अड़ जाय, तूकानों को भी साहिल सममते हैं.

आज सिक्कों की चमक हमारे साहित्यकों की नीयत डांबांडोल कर देती है, मजबूरी के धारे उन्हें बहा तो जाते हैं. आजाद उन्हें यह पैराम देता है—

> अपना पैराम अमाने को सुनाने के एवज ताज और तखत भी मिलते हों तो इनकार करें.

आजाद का माहौल तो आज हम सबका माहौल है. बेकिन इस माहौल ने आजद पर जो असर डाला है, उसकी शायरी को जो रूप दिया है, उसे जानने के लिये इस किताब को पढ़ना बहुत ही जरूरी है.

—मुजीब रिजवी

शेर-मो-सुखन

ر المنظول إلى المنظمة المنظمة المنظمة

सम्पादक-भी खयोध्या प्रसाद गोयलीय निकालने वाले-भारतीय ज्ञान पीठ, काशी.

लिखाबट-हिन्दी, सफ्ते 754, क्रीमत आठ रुपया.

चरदू साहित्य को सिर्फ नागरी लिखावट जानने वालों के सामने जाने की जाज सफत जरूरत हैं. गोयलीय जी ناروں سے ذروں تک

لكهايم والرسجكن ناته آزاد .

نكالنے والے -مكتبه شاهراه عملي .

لکیهاوت—آردو' صفتے 192' قیست دو روپے بارہ آئے،
'بیکراں' کے بعد جگن ناته آزاد کا یہ دوسرا مجموعه
، سن 47' کے بعد بہت سی چیزوں میں تبدیلی
ن هے . آزاد کی شاعری میں بھی کافی تبدیلی ہوئی
، اُس دیوان کا نام ''ستاروں سے ذروں تک'' هی اس
یلی کا پریتے دیتا هے . اِس کتاب میں سن 47' کے
یلی کا پریتے دیتا هے . اِس کتاب میں سن 47' کے
ر سے کیزور انسان کی طاقت کا آزاد قائل هے اور کہتا

سی انسان' ساحل پر جلههی طوفان کا دهوکا هو ر آز جائیں' طوفانوں کو بھی ساحل سمجھتے هیں . آج سکوں کی چمک همارے ساهنیکوں کی نیمت اِآدُول کردیتی ہے' مجبوری کے دهارے اُنھیں بہا لیجاتے اِ آزاد اُنھیں یہ پیغام دیتا ہے —

اپنا پہنام زمانے کو سفانے کے عوض تاج اور تنصت بھی ملتے ھوں تو افکار کریں

آزاد کا ماحول تو آج هم سب کا ماحول هے . لیکن ماحول نے آزاد پر جو اثر تألا هے ' اُس کی شاعری کو روپ دیا هے ' اُس کتاب کو پڑھنا ت هی ضروری هے .

۔ مجھی رضوی

مروسخس

سمهادک - شری أبودهها پرساد گوثلهه نكلنے والے - بهارتهه گهان بهته كاشی.

الكهارة ــ مندى منج 754 قيست آله رويه.

اُردو ساھتھہ کو صرف ناکری لکھارے جانئے والوں کے بئے لانے کی آج سطمت فہرورے ہے . گوئلیہ جی क्योपारी ने भाने में झाइवर के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई भौर झाइवर को गिरफ्तार कराने के खिबे अपनी सारी कोरिश लगादी मगर वह कामयाब न हुआ.

बहुत दिन बीत गय. कई बरस के बाद सी. आई. बी. की रिपोर्ट पर एक आदमी पकड़ा गया. सी. आई. डी. के आफसरों को पूरा यक्षीन था कि यह आदमी बही चोर ब्राइवर है.

खस आदमी को अदालत में पेश किया गया और घोका देने का इलजाम लगा कर मुक़दमा चलाया गया. मगर उसने झाइवर होने से ही इनकार कर दिया और कहा कि मैंने आज तक ख़ाइवरी नहीं की है. वह आदमी जमानत पर रिहा हो गया और मुक़दमा चलने लगा. कई बार अदालत में पेशी हुई, मगर वह इनकार ही करता रहा. वह इतनी सफाई से बहस का जवाब देता था कि मुखालिफ बकील की कुछ न चलती. आखिर नौबत यहाँ तक पहुंची कि मुक़दमें को खत्म करने की बात होने लगी.

लेकिन सच सच है और भूट भूट. एक दिन उस जादमी के पाप का भंडा फूट ही गया हुआ यह कि एक दिन अदालत ही में ज्योपारी ने उस आदमी की यह कह-कर बुलाया—"ड्राइवर साहब! मेरी एक बात तो सुनिये."

बह भादमी मुलिजमों के कटबरे में खड़ा था. ब्योपारी की बात मुनकर उसी तरह चौंक पड़ा जैसे कोई हमारा नाम लेकर पुकारे तो हम चौंक कर देखने लगते हैं. उसने मट ब्योपारी की तरक देखा और कहा—"कहिये क्या कहते हैं ?"

हाकिम बैठा हुआ यह सब देख रहा था. उसे विश्वास हो गया कि यह आदमी पहले जरूर ड्राइवर रहा होगा. और फिर उसे चोरी और धोका देने के जुर्म में सात बरस की सजा दे दी गई और उसका माल सरकार ने जब्त करके क्योपारी को दिला दिया.

('पयाम तालीम' से)

चुटकुला

बाप-बेटा, रास्ते में देख कर चला करो, नहीं तो किसी दिन मोटर के नीचे आ जाओगे.

बेटा-इससे क्या ? मैंने न जाने कितनी बार हवाई जहाज के नीचे आ गया हूँ.

—वेनी माघो प्रसाद

بھویاری نے تھانے میں قرائیور کے خلاف رپورٹ انگھائی اور قرائیور کو گرفتار کرانے کے لیے ایلی ساری کوشش اعادی مگر وہ کامیاب نہ ہوا ۔

بہت دن بیتگئے، کئی برس کے بعد سی، آئی، تی، کی رپورٹ پر ایک آدمی پکڑا گیا ، سی ، آئی ، قی کے انسروں کو پورا یقین تها که یہ آدمی وهی جور قرائهور ھے،

أس آدمی كو عدالت مهی پهش كها گها اور دهوكه دينے كا الزام لكاكر مقدمه جاليا گها . مكر أس نے قرائهور هوئے سے هی الكار كر ديا اور كها كه مهی نے آج تك قرائهوری نههی كی هے . وہ آدمی ضمانت پر رها هوگها اور مقدمة جهانے لئا . كئی بار عدالت منهی پهشی هوئی مگر وہ الكار هي كرتا رها . وہ اللي صفائی سے بنتمث كا جواب دينا تها كه منطائف وكيل كي كنچه نه جاتى . آخر نوبت يہاں تك پہلنچی كه مقدمے كو ختم كرنے كی بات هونے لئى .

لیکن سے سے ہے اور جہوت جہوت ۔ ایک دن اُس آدمی کے پاپ کا بہنڈا پہوت ہی گیا ، ہوا یہ که ایک دن مدالت می میں بھوپاری نے اُس آدمی کو یہ کہکر بالیا — اُدرائیور صاحب ا میری ایک بات تو سنگے۔''

وہ آدہ ہی مازموں کے کٹکھرے میں گھڑا تھا .
پھوپاری کی بات سن کر اُسی طرح چونک پڑا جھسے کوئی
ھمارا نام لے کر پکارے تو ھم چونک کر دیکھنے لگتے ھیں .
اُس نے جہت بیوپاری کی طرف دیکھا آور کھا۔۔''کھئے
گیا کہتے ھیں ؟''

حاکم بیٹھا ہوا یعسب دیکھ رہا تھا ۔ اُسے وشواس ہولیا کہ یہ آدسی پہلے ضرور قرائیور رہا ہوگا ۔ آور پھر اُسے چوری آور دھوکہ دیئے کے جرم میں سات برس کی سؤا دیدی گئی آور اُس کا مال سرکار نے ضبط کرکے بھوباری کو دلا دیا۔

('پیام تعلیم' سے)

جتكله

پائی ۔۔۔ بیٹا' راستے میں دیکیکر چلا کرو' نییں تو کسی دی موٹر کے نیصے آجاو کے ۔

ِ بهتا ۔۔۔ اِس سے کیا ؟ میں نه جانے کتابی بار هوائی جہاز کے نینچے آگیا هوں ،

--بینی مادهو پرساد

कौटने से पहले इन कोगों ने महोरी का कर्फ हटाने का बेलचा देखा जो एवरेस्ट की चोटी के पास के टीले से 30 फीट नीचे पड़ा था. यह बेलचा पत्थरों पर इस तरह पड़ा था मानो किसी ने कल ही उसे वहाँ रखा हो. यही बेलचा उन वो बीरों महोरी और इरविन का आखिरी निशान था जो सन 1924 में पवरेस्ट की चोटी तक पहुँचते बादलों में खो गए थे. एवरेस्ट की ऊंची बोटी तक पहुँचने की यह कोशिश भी नाकामयाव रही.

सन 1933 में एवरेस्ट की चोटी को हवाई जहाज से कतह किया गया. महीनों की तैयारी के बाद, दो हवाई जहाज 3 अप्रैल को विहार के जिला प्रनीया से एवरेस्ट के लिये रवाना हुए. उनका नेता लार्ड क्लैंडस डेल था. उस दिन मीसम कुछ अञ्झा था और चोटी भी साफ दिलाई दे रही थी. आहिस्ता आहिस्ता हवाई जहाज 30,000 फीट ऊपर उहे और एवरेस्ट की चोटी पर चक्कर काटने लगे. सारी दुनिया यह सुनकर ताज्जुव में पड़ गई कि एवरेस्ट की ऊंची चोटी को आदमी ने हवाई जहाज से फतह कर लिया है.

सन 1936 में पाँचवीं बार एवरेस्ट पहाड़ पर पैदल बढ़ने की कोशिश की गई. इस बार रिटक्ज ही यात्रियों का नेता बना. 27 अप्रेल को चढ़ाई शुरू हुई. मीसम बहुत अच्छा था. ऐसा लगता था इस बार सफलता जरूर मिलेगी. यात्रियों ने पहाड़ पर अपना चौथा कैम्प 23,000 फिट की अंचाई पर लगा लिया था. पर इसी बीच जोरों का बर्फ गिरने लगा और पहाड़ पर बढ़ना नामुमकिन हो गया. इस तरह यह यात्रा भी नाकामयाव रही.

इन पाँच कोशिशों की असफलता के बावजूर एवरेस्ट कतह करने की कोशिशों अब भी जारी हैं.

भूट कैसे छिपता ?

एक ब्योपारी ने कुछ सामान सरीद कर एक किराये की मोटर की और उसी पर माल रखकर आप भी उसी मर बैठ गया, थोड़ी दूर चलने के बाद उसने ब्राइवर से गाड़ी दकवाई और पेशाब करने के लिये मोटर से नीचे उत्तर गका.

वह जैसे ही पेशाब करने बैठा, ब्राइवर ने गाड़ी स्टार्ट करदी और कुल सामान लेकर चलता बना. क्योपारी सैकड़ों बार इस तरह अपनी दुकान तक सामान ले गया था, केंकिन कभी ऐसा संजोग न हुआ था. सामान के अलाबा क्योपारी का थैला भी मोटर में था जिसमें क़रीब तीस या बक्तीस हजार रुपए के नोट थे. نوتینے سے پہلے آن لوگوں نے مللوری کا ہوف مقانے کا بع دیکھا جو ایورست کی چوٹی کے پاس کے ٹیلے سے مت نہجے پڑا تھا . یہ بیلجہ یقہروں پر اِس طرح با ماتو کسی نے کل ھی آسے وھاں رکھا ھو . یہی بیلجہ و وہروں مللوری اور ارون کا آخری نھان تھا جو سن اور میں لیورست کی چوٹی تک پہونچتے پہونچتے بہونچتے بہونچتے کی جوٹی تک میں کھو گئے تھے . ایورست کی اُونچی جوٹی تک چھے کی یہ کوشش بھی ناکامیاب رھی .

سن 1933 میں ایورست کی چوٹی کو ھوائی جہاز دے کیا گھا ، مہیلوں کی تیاری کے بعد در ھوائی جہاز ریل کو بہار کے ضلع ہورنیا سے ایورست کے لئے روانت ، اُن کا نیٹا اور چوٹی بھی صاف دکھائی دے رھی تھی۔ اُجھا تھا اور چوٹی بھی صاف دکھائی دے رھی تھی۔ تھ آھستہ ھوائی جہاز 30,000 قت اربر اُڑے اور ست کی چوٹی پر چکر کاٹنے لئے ، ساری دنیا یہ سن بچب میں پر گئی کہ ایورست کی ارنچی چوٹی کو بچباز سے قلام کر لیا ہے ،

سن 1936 میں پانچویں بار ایورست بہار پر پہدل نئے کی کوشش کی گئی . اس بار بھی رقاز ھی رقبل ہوں کا نبتا بنا ۔ 27 ایریل کو چڑھائی شروع ھوئی ، م بہت اُچھا تھا . ایسا لکتا تھا اِس بار سپھلتا ضرور کی ۔ یاتریوں نے پہار پر اینا چوتھا کھمپ 23,000 کی اونچائی پر لکا لیا تھا ۔ اُسی بیچ زوروں کا برن لکا اور پہار پر چڑھنا ناممکن ھوگھا ، اُس طرح یہ اُ بھی نا کامیاب رھی ۔

اں پانچ کوششوں کی اسپھلتا کے ہاوجود ایورست ع کرنے کی کوششیں اب بھی جاری ھیں .

جهوت کیسے چھپتا ?

آیک بھوپاری نے کی سامان خرید کر ایک کوائے کی ر لی اور اسی پر بھٹھ گھا ، ر لی اور اسی پر بھٹھ گھا ، رس دور جانئے کے بعد اُس نے درائھور سے گاری رکوائی بھٹاپ کرنے کے لئے موڈر سے نہیجے آنو گھا ،

وہ جیسے ھی پیشاب کرنے بیتھا' ترائیور نے گاڑی لارت کردی اور کل سامان لے کر چلتا بنا . بیویاری کورن بار اس طرح اپنی دوکان تک سامان لے گیا تھا' سی کبھی ایسا سلجوگ نہ ہوا تیا . سامان کے علاوہ پاری کا تھیلا بھی موٹر میں تھا جسمیں قریب تھس گیس ہوار روپ کے نوت تھی .

الهون في دنيه

करी बर्जीकी हवा के कारन उन क्षोगों को कैम्प में थोड़े हिन कमना पड़ा और फिर वह आगे न बढ़ सके. जब बरफ का तूकान आता है तो हर चीज वर्फ से ढक जाती है और आगे के रास्ते का पता नहीं लगता इसिलये इन लोगों को बौट आना पड़ा. सन 1921 की यात्रा सफल न हुई ता भी उन लोगों ने एवरेस्ट पहाड़ के आस पास का एक नकशा बना लिया और पवरेस्ट जाने का रास्ता हुँढ लिया.

सन 1922 में दूसरी यात्रा शुरू हुई. जी. सी. ब्रुस ने 25,000 फिट ऊँचाई पर एक कैम्प लगाया. वहां से यह लोग और आगे बढ़े और 26,985 फिट की ऊँचाई पर पहुंचे. वहां मौसम बहुत खरान था. फिर भी उन लोगों ने हिम्मत न हारी और 27,300 फिट तक पहुंच गए. मौधम और जियादा खराब होने के कारन उन्हें लौटना पड़ा. उन्होंने फिर ऊपर चढ़ने की कोशिश की. इस बार जब वह ऊपर चढ़ रहे थे तब बर्फ के एक पहाड़ के बीच वह फंस गए और दब गए. सात क़ुक्षी मर गए मगर एक भी अंगरेज पहाड़ बाज नहीं मरा.

सन 1924 में तीसरी यात्रा शुरू हुई जिस का नेता म स था. उसने पहले 16,800 किट की ऊँचाई पर कैम्प क्रागाया. फिर आखिर में उसने क्ररीय 27,000 किट की कॅचाई पर कैम्प लगाया. यहाँ से एवेरस्ट की चोटी बहुत नखदीक थी. मशहूर यात्री मल्लोरी जो पहली कोशिशों में हिस्सा ले चुका था, अपने साथी एन्डिव इरविन के साथ, जो अभी अभी आक्सकोर्ड से पदाई खतम कर के आया था, एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने की कोशिश की. 6 जून को सुबह साढ़े सात बजे मल्लोरी और इरविन अपने है नम्बर केम्प से रवाना हुए. प्वरंस्ट की चोटो के वह नजदीक पहुँच गए और इसके पास चलते हुए दिखाई पड़े. मगर थोड़ो देर के बाद धादल घिर आया और तब से इरविन और मलोरी का कुछ पता न मिला. हो सकता है कि उनको सांस लेने के लिये आक्सीजन की कमी पड़ी हो या दोनों बर्फ़ के नीचे आ गए हां. इन दो वीरों की याद में कैम्प के पास बनके साथियों ने एक यादगार क्रायम की.

सन 1933 में चौथी बार पहाड़ बाजों के एक दल ने एवरेस्ट जीतने की कोशिश की. इस दल का नेता रिटल्ड था. 17 मार्च का एवरेस्ट पर चढाई शुरू हुई, उन्होंने अपना छटा कैन्प 27,400 फिट की अंचाई पर लगाया इस के बाद वह और भी ऊ चे गए और 28,100 फिट की अंचाई तक पहुंच गए. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने के लिये केवल 1000 फिट बाकी था. लेकिन अब अपर चढ़ना खतरनाक और मुशकिल हो गया. बड़े बोरों का बरफ गिरने लगा और तूकान आ गया जिसकी वजह से पहाड़ बाजों को बापस लीटना पड़ा.

وی برافیکی طوا کے کارن اُن لوگوں کو گھمپ مھی مجوز ہوتے ہوت ہوت سکے ۔ بوت برف کا طرفان آتا ھے تو ھر چھٹو برف سے تھک جاتی ھے اور آئے کے راستے کا بتہ نہیں لکتا اس لئے ان لوگوں کو لوت آنا ہوا سس 1921 کی یاترا سپھل نہ ھوئی تو بھی اُن لوگوں نے ایورست بہار کے آس پاس کا ایک نقشہ بدالھا اور ایورست جانے کا راستہ تھونکھ لھا ۔

سن 1922 میں دوسری یائوا شروع ہوئی، جی. سی. پروس نے 75,000 فت اونچائی پر ایک کیمپ لایا ۔ وہاں یہ اور 26,985 فت کی اونچائی پر پہونچ ۔ وہاں موسم بہت خواب تھا ۔ پھر بھی اُن لوگوں نے ہمت نه هاری اور 27,300 فت تک پہونچ گئے۔ موسم اور زیادہ خواب ہونے کے کارن اُنہیں لوٹٹا ہوا ۔ انہوں نے پھر اوپر چوہئے کی کوشش کی ۔ اس بار جب وہ اُرپر چوہ رہے تی تب برف کے ایک پہار کے بھی وہ پہٹس گئے اور دب گئے ۔ سات قلی مرکئے مگر ایک بھی انگریز پہار باز نہیں مرا .

سن 1924 مون تيسري ياترا شروع هوئي جس كا نهتا ہررس تھا ، اُس نے پہلے 16,800 فت کی اونچائی یر کہدی لکایا . پہر آخر میں اس نے قریب 27,000 قمت کی اوندچائی پر کیدمپ لکایا ۔ یہاں سے ایورست کی چواتی پهت بردیک تهی ، مشهور یاتری ملوری جو پهلی كوششون مين حصه لي چكا تها الي سأتهى أين دريو اردن کے ساتھ ہو ابھی ابھی آکسفورڈ سے پوھائی خاتم کر کے آیا تها' ایوریست کی چوتی پر پهونچلے کی کوشش کی . 6 جون كو صبع سازه سات بحيمللوري اور آرون اله چه نمير کھمپ سے روآدہ هوئے ، ايورست کی چورتی کے وہ نزديک پہونے کئے اور اُس کے پاس چاہنے موئے دکھائی پوے . مگر لهروی دیر کے بعد بادل گهر آیا اور تب سے اِرون اور مللوری كا فتيه ينه نه ملا . هو سكتا هے كه أن كو سانس لها كے لیئے آئسیجن کی کمی پڑی ہو یا درنوں ہرف کے نہجے آگئے هوں . اِن دو ويروں كى ياد ميں كيمپ كے پاس اُن کے ساتھیوں نے ایک یادگار قائم کی .

سن 1933 میں چوتھی بار پہار بازوں کے ایک دل یہ ایر اللہ اللہ اللہ اللہ ایروست جیتنے کی کوشش کی۔ اِس دل کا نیتا رائلو تھا۔ 17 مارچ کو ایورست پر چرتائی شروع ہوئی۔ اُنھوں نے اینا چھتا کیسپ 27,400 فت کی اُونچائی پر لگایا ۔ اِس کے بعد وہ اُور بھی اُونچے گئے اور 28,100 فت کی اُونچائی تک پہونچ گئے ۔ ایورست کی چرتی پر پھونچلے اُونجائی تک پہونچ گئے ۔ ایورست کی چرتی پر پھونچلے کے لئے کھول 1000 فت باقی تھا ، لیکن اب اوپر چرھنا خطرناک اور مشکل ہوگھا ، بوے زوروں کا برف گرنے لگا اور طوفان آگیا جس کی وجه سے پہار بازوں کو واپس اُوندیا ہوا۔

एवरेस्ट की कहानी

(भाई सी. बी. कुशनन)

दुनिया का सबसे ऊँचा पहाड़ "एबरेस्ट'' है. बह 29,141 फिट ऊँचा है श्रीर नैपाल के उत्तर में है. इस पहाड़ की ऊँची चोटी तक पहुँचने के जिये पाँच बार कोशिशों की गई. लेकिन हर एक काशिश नाकामयान रही. एवरेस्ट को कतह करने का जतन श्रव भी जारी है. श्रगस्त के महीने में इंगलैंड से चार पहाड़ बाजों का एक दल एवरेस्ट पर बढ़ने के लिये भारत श्राया है. इस दल के नेता एरिक शिप्टन है. दिल्ली में इनका बड़ा स्वागत किया गया है.

प्वरेस्ट पहाड़ का नाम सर जार्ज प्वरेस्ट के नाम से पड़ा है. उन्होंने ही सबसे पहले इस मशहूर पहाड़ की ऊँचाई का पता लगाया था. सन 1841 में जब वह हिमालय की मशहूर चाटियों की ऊँचाई का पता लगा रहे थे तब एक दिन एक हिन्दुस्तानी अकसर उनके कमरे में आगा भागा पहुँचा और चिल्लाने लगा—"मैंने दुनिया के सबसे ऊँबे पहाड़ का पता लगा लिया है." उसने सही कहा था. वह पहाड़ 29,000 किट ऊँचा था. तब से वह पहाड़ "माउन्ट पवरेस्ट" कहा जाने लगा.

यह बात योरप में सन 1841 में ही मालूम थी तो भी किसी योरोपियन ने सन् 1920 से पहले एवरेस्ट को नहीं देखा था. इसकी वजह यह थी कि तिन्त्रत के लोग किसी परदेसी को अपने देस में नहीं आने देते थे. सन 1920 में तिन्त्रत के दलाई लामा ने आंगरेजी यात्रियों को तिन्त्रत आने की इजाजत दी.

सन 1921 में एवरेस्ट की चोटी तक पहुँचने की पहली कोशिश की गई. एवरेस्ट का रास्ता खोजने के लिये नी आदमी चले जिनके नेता कर्नल होवर्ड बेरिंग थे. जी. एल. मक्लोरी भी उनमें थे. वह लोग 18 मई को दारजिलिंग से रवाना हुए और जेलप घाटी पार करने के बाद तिब्बत पहुँचे. तिब्बत पहुँचेने पर उन्हें पता लगा कि एवरेस्ट जाने के दो रास्ते हैं—एक नजदीक का रास्ता और दूसरा दूर का रास्ता नजदीक का रास्ता वंग घाटी के बीच से निकलता था इसलिये उन्हें लम्बे रास्ते से होकर जाना पड़ा जो तिब्बत के गांवों से होकर जाता था. यह रास्ता आधान था.

एक महीना चलने के बाद वह खारटा घाटी पहुंचे और बड़ी मुराकिल से उन्होंने वहां एक कैम्प लगाया. इसके बाद 20,000 फिट की ऊँचाई पर उन लोगों ने एक और कैम्प लगाया और वहां से वह पवरेस्ट की जाँच करने लगे. जल्दी ही उन लोगों ने और ऊँचाई पर दूसरा कैम्प लगाया. इस कैम्प से उन्हें पवरेस्ट का पूरा दश्य दिखाई पड़ा. मगर

ایورست کی کهانی

(بهالی سی ، وی ، کوشلن)

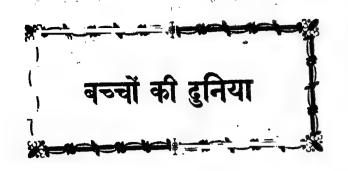
دنیا کا سب سے اونچا بہار ''ایورست'' هے ، یہ 29,141 کی است اونچا هے اور نیهال کے انتر مهں هے ، اِس بہار کی ارنچی چوتی تک پہونچنے کے لئے پانچ بار کوششیں کی گئیں لیکن ہر ایک کوشش نا کامیاب رهی . ایورست کو فقم کرنے کا جتن اب بھی جارهی هے ، اگست کے مهیئے مهی انگلیلڈ سے چار بہار بازوں کا ایک دل ایورست پر چوعئے کے لئے بھارت آیا ہے ، اس دل کے نیٹا ایویکشیٹن هیں ، دلی مهن اِن کا برا سواکت کیا کیا ہے .

ایورست بہات کا نام سر جارج ایورست کے نام سے پڑا ھے، اُنہوں نے ھی سب سے بہلے اس مشہور بہات کی اونچائی کا بتہ لکایا تھا ، سن 1841 میں جب وہ ھمالے کی مشہور چوآئیوں کی اونچائی کا بتہ لکا رہے تھے تب ایک دن ایک ھندستانی افسر اُن کے کمرے میں بھاگا بھاگا یہونچا اور چلانے لگا۔۔۔''میں نے دنھا کے سب سے اونچے بہات کا بتہ لکا لیا ھے۔'' اُس نے صحیح کہا تھا ، وہ پہات اونچا تھا ، تب سے وہ پہات وہ ہہات ایورست'' کہا جانے لگا ،

یہ بات ہورپ میں سن 1841 میں ھی معلوم تھی تو بھی کسی یوررپھن نے سن 1920 سے پہلے آیوریست کو نہیں دیکھا تھا ، آسکی وجہ یہ تھی کہ تبت کے لوگ کسی پردیسی کو اپنے دیس میں نہیں آنے دیتے تھے ، سن 1920 میں تبت کے دلائی لاما نے آلکریزی یاترپوں کو تبت آنے کی اجازت دی ،

سن 1921 میں ایورست کی چوتی تک یہونچلے کی پہلی کوشش کی گئی ایورست کا راسته کهوجلے کے لئے نو آدمی چلے جفکے نهتا کرنل هرورة بهرنگ تھ . جی ایل ملوری بهی آن میں تھ . وہ لوگ 18 مئی کو دارجلنگ سے روانه هوئے اور جیلپ گهاٹی پار کرنے کے بعد تبت پہونچے . تبت پہونچلے پر انہیں پته لکا که ایورست جانے کے دو راستے هیں۔ ایک نوریک کا راسته ارر دوسرا دور کا راسته . نودیک کا راسته راسته عور جانا پڑا جو تبت کے گوؤں سے هوکر جانا بڑا جو تبت کے گوؤں سے هوکر جانا راسته آسان تھا . یه راسته آسان تھا .

ایک مہینہ چلنے کے بعد وہ کھارتا گھاتی یہونچے اور ہوی مشکل سے اُنہوں نے وہاں ایک کیمپ لگایا ۔ اسکے بعد 20,000 فت کی اُرتچائی پر اُن لوگوں نے ایک اور کیمپ لگایا اور وہاں سے وہ وہ ایوریست کیجانچ کرتے لگے۔ جلدی ھی اُن لوگوں نے اور اونچائی پر دوسرا کیمپلگایا ۔ اس کیمپ سے اُنہیں ایوریست کا پورا درہیم دکھائی ہوا ۔ مگر



بچوں کی دنیا

शाम का गीत

हे मन अपने को भी डालो बैर बुराई मार निकालो खोलो ऍठन, गुस्सा थूको लोभ जलापा दोनों फूँको देखो, अब तुमको है सोना है न, ज़रूरी इज़का होना ? बोलो, अन्मां सुख से सोए छोटी जीजी नेक न रोए नींद पिता जी को जो आए मीठी हो वह सुख सरसाए गहरी नींदें माई सोएं सपने बुरे न देखें रोएं रहें बुरे कामों से डरते सुस्ती पास न आए मरते सबका भला मनाकर सोना बैर विरोध मिटा कर सोना सब से श्रीत बढ़ा कर सोना बहुत असीसें पाकर सोना सोकर देखो चठना ऐसे जनम हुआ हो अब हो जैसे जोम, जामीन सहज से बोलो बक्त हो गया, आओ, सोलो.

--- अगबानवीन

شام کا گیت

كهواو أيلتهن فصه تهوكو لوبه جلايا دونون يهونكو دیکھو' آب تم کو ھے سونا هے تع ضروری هلکا هوتا ؟ ہولو اماں سکھ سے سوٹے چەرتىجىجى نىك نەرۇپے نهدد پتاجی کو جو آئے مهنتهی هو ولا سکه برسائے گهري نيندين بهائي سوئهي سہانہ برے تھ دیکھیں روٹھی رهیں برے کاموں سے ڈرتے سستی پاس نه آئے مرتے سب کا بھلا مقاکر سوتا بهر وروده مثاكر سوتا سب سے پریت بوھاکر سونا يهمت أسى سهق ياكو سونا ارم' آمهن سهيم سے بولو وقت هوگها آو سرلو.

-- بهکوان دین

सवास घठता है कि वह फिस तरह का अब काम बसाने वासी है ? मैं कांगरेस का दुरामन नहीं हूँ. अब मैं उसके नियम के अप्रताबिक मेम्बर नहीं रहा हूँ, लेकिन आजादी के सिये उसके बढ़े बढ़े आन्दोलनों में मैंने उसकी सेवा की है. लेकिन अगर वह सही रास्ते से भटक रही है, तो मैं उसका साथ नहीं दे सकता, और न मुक्ते देना चाहिये.

बर्धा, 11-9-'51

-किशोरलाल मशरूवाला

सफ़ेद क्रोम की नफ़रत

सफ़ेद क़ीम सब कुछ भूल सकती है लेकिन शायद यह नहीं भूल सकती कि एसका रंग सफ़र है. बक्षत पड़ने पर कालों को बाप भी बना सकती है लेकिन नफरत के भाव में कोई कमी नहीं होगी. पशिया को बचाने की तरकी वें हो रही हैं. पशिया को "बाजाद" रखने की कोशिश में वह तत मन धन सब लुटा रहे हैं. वह कालों के दोस्त हैं, उनके श्रम चितक हैं. लेकिन नकरत करना भी उनका धर्म है ! यह लोग किसी को 'नेटिव' कहते हैं, किसी को 'कुली' का नाम देते हैं भौर भव दक्तिखनी कोरिया वालों को नकरत से 'गुक' कहते हैं. अमरीकी और अंगरेजी कीजें कोरिया में लड़ने गई हैं. अपने लिये या कोरिबा वालों के लिये इसका फ़ैसला नीचे दिया बयान जोर जोर से सुना रहा है. दक्किनी कोरिया वालों के साथ जिस तरह का सल्दक बह जोग कर रहे हैं उसे खुद कनाडा के जंगी खबर देने ं बाते भी बिक्ष रास से, जो अभी कोरिया के मोरचे से लीटे हैं और अपना बयान रेडियो से विखेरा है, सुनिये और यक्तीन कर क्रिजिये कि सकेंद्र कीम सब कुछ भूल सकती है लेकिन कालों से नफरत करना नहीं भूल सकती।

الها ها كا وه أس طرح كا كام جلالے والى ها؟ مهل س كا دشين نهيں ، آب ميں أس كے نيم كے مطابق نهيں رها هوں ليكن آزادى كے لئے أس كے برے برے لين الرود ميں ميں ميں نے أس كى سيوا كى ها ـ ليكن اگر ود مي راستے سے بهتک رهى ها تو ميں أس كا ساتھ نهيں سكتا اور نه مجهد دينا جاهئے .

كشور لال مشرروالا

ردها 11-9-351 (سعا

سفید قوم کی نفرت

سفید قوم سب کچه یهول سکتی هے لیکن شاید یة بهول سکتی که اس کا رنگ سفید هے . وقت یونے یں کو باپ بھی بدا سکھی ہے لیکن نفرس کے بہاؤ كوثى كمي نهوى هولى . أيشها كو بنهاني كي تركهمهن نی هیں' آیشیا کو ''آزاد'' رکھنے کی کرشش میں وا ن دھن سب لٹا رہے ھیں ۔ وہ کالوں کے دوست ھیں' کے عبد جلتک میں . لیکن نفرت کرنا ہی اُن کا هے! یہ لوگ کسی کو انہائوا کہاتے میں کسی کو ا کا نام دیکے میں آور آب دکھئی کوریا والوں کو نفرت کک کہتے میں . امریکی اور انگریزی فوجیس کوریا کونے کگی ھیی ، اپنے لیے یا کوریاوالوں کے لیے اِس کا ته نهجے دیا بهان زور زور سے سفا رہا ہے . دکھنی والوں کے ساتھ جس طرح کا سلوک یہ لوگ کر رہے أس خود كناة ا كي جنگي خدر ديني والے شري بل سے جو ابھی کوریا کے مورجے سے لوقے ھیں اور اپدا ريديه سے بكههوا هے؛ سذئے أور يقين كرلهجئے كه سنيد سب کچه بهول سکتی هے لیکن کالوں سے نفرت کرنا ر يهول سكاتي .

المرس یہ نہیں کہتا ہوں کہ دکھتی کوریا والے ہم سے کرتے ہیں . میرا کہتے کا مطلب یہ ہے کہ وہ ہم کو نہیں کرتے ہیں . میرا کہتے کا مطلب یہ ہے کہ وہ ہم کو نہیں کرتے ، لیکن میں یہ ضرور گہتا ہوں کہ اگر نے اپنے بیوهار کو نہ بدلا تو دعیرے دھیرے وہ سے میے نفرت کرتے لگیں گے..... یو . این ، آو ، کی کی مدد کرتے سے آن کو کوئی سررکار نہیں ہے ، کی مدد کرتے سے آن کو کوئی سررکار نہیں ہے ، کی مدد کرتے سے آن کو کوئی سررکار نہیں ہے ، کولیس کو ایک دکھتی کوریا ویل این ، آو ، کے پولیس دیکھا تھا ، دکھتی کوریا والے اینا سب کچھ کھو ہیں ، آن کا کتمب تحو بدیاد ہوگیا ، کم سے کم هم کو آن سے ہیں ، آن کا کتمب تحو بحر ہوگیا ، کم سے کم هم کو آن سے بھیں لی ہے ، اِس کو نہ وہ معاف کرسکتے ہیں جھیوں لی ہے ، اِس کو نہ وہ معاف کرسکتے میں جھیوں لی ہے ، اِس کو نہ وہ معاف کرسکتے ہیں ۔

मेरे देखने में अभी तक कोई ऐसी चीक नहीं आई, वससे जाहिर होता हो कि इस योजना में उन्होंने कोई जाती जिस्से जाहिर होता हो कि इस योजना में उन्होंने कोई जाती जिस्सी जी थी. सच तो यह है कि उनका मन उस तरफ है नहीं सकता था. हम सब जानते हैं कि वह उस मय साम्प्रदायिक एकता के निर्मान में 'करूंगा या मरूंगा' मावना से लगे हुए थे, और ऐसी किसी चीज का याल ही नहीं कर सकते थे, जिससे कुछ भी ग्राततकहमी शा होने का हर हो.

बाबा राघव दास मशहूर रचनात्मक काम करने वाले और उत्तर प्रदेश की विधान सभा और सुबा कांगरेस मेटी के खास मेम्बर हैं. साथ ही असरदार बोलने वाले ौर एक मठ के महंत भी हैं. हुकूमत के अधिकारियों पर नका बड़ा असर है, और उससे भी जियादा असर हमारी ाली जनता पर है. अयोध्या की बाबरी मस्जिद के बारे में । मगड़ा हुआ, उसमें उनका हाथ था. लेकिन उनका यह इम इससे भी जियादा शरारत भरा है. अपने इस भाव का मुकाबका उन्होंने, सन् 1947-'48 में गांधी ो ने दिल्ली के हिन्दु कों से मुसलमानों को उनकी मस्जिदें टाने की बात कही थी, उसके साथ किया है. बाबा जी यह व जानते हैं कि वह बात विलक्कल अलग तरह की थी. वमें गड़े पत्थर उखाड़ने की, एक पुराना और भूला हुआ गड़ा उभारने की कोशिश नहीं थी. हिंसा और बेरहमी री वह गांधी जी की आंखों के सामने हुई एक हाल की इना थी, और जिन कोगों से उन्होंने यह मस्जिदें लौटाने कहा, वह ही इसके लिये जिम्मेदार थे. उसमें कोई दो ' बरस पुराना मागड़ा फिर से शुरू नहीं किया जा ाथा.

बाबा राघव दास के बारे में मुक्ते कड़े शब्दों का इस्ते-त करना पड़ रहा है, इसका मुक्ते दुख है. क्योंकि उनके ये मेरे मन में काफी निजी आदर रहा है. लेकिन मैं यह कहने तिये मजबर हूँ कि उनका रुजहान बहुत जियादा किरक़े-राना है. और हमारी भोली जनता में फिरक्रेवाराना ार फैलाने वाले वह अकेले कांगरेसी नहीं हैं. खासकर ार प्रदेश में इस क़िस्म के अनेक लोग हैं. एक ने तो श्री ादेव देसाई और गांधी जी के नाम पर जाली चिट्टा र लेख भी तैयार करने की ढिटाई की है. अगर कांगरेस, ता कि वह दावा करती है, हिन्दुकों की साम्प्रदायिक था नहीं है, तो मेरी समक्त में नहीं आता कि ऐसे लोग ामें कैसे रह सकते हैं. क्या उसे यह महसूस हुआ है कि ' एक गम्भीर सवाल है और इसके कारन देश में फिर साम्प्रदायिक दंगों की आग भड़क सकती है और जन सकता है ? कांगरेस दावा करती है कि वही एक राज-मी संस्था है, जो देश का काम चला सकती है.

مهرے فیکھنے میں ابھی نگیا گوئی ایسی چھڑ نہیں ائی جس سے طاهر ہوتا ہو کہ اس پوہنا میں انہوں نے گوئی ذاتی دلنچسڈی لی تھی ۔ سچ تو یہ ہے کہ اُن کا من اُس طرف جا ھی نہیں سکتا تھا . ھم سب جانتے ھیں کہ ولا اُس سے سامیردائک ایکتا کے نرمان میں 'کرونکا یا مرزنگا کی بھاونا سے لگے ہوئے تھ' اور ایسی کسی چیز کا خیال ھی نہیں کر سکتے تھ' جس سے کچھ بھی فلط فہسی پھدا ہوئے کا تر ہو ۔

· 如此一种,他就是是是一个一种,我们就是这个一个。

بابا رائهو داس مشهور رجلاتمک کام کرنے والے هیں اور آتر پردیرهی کی ودهان سبها اور صوبه کانگریسی کمیتی کے شاص مدہر هوں . ساتھ هي اثر دار بولنے والے اور ايک مثله کے مہنت بھی ھیں . حکومت کے ادعیکاریوں پر اُن کا ہوا اثر ہے، اور اُس سے بھی زیادہ اثر هماری بھولی جلتا یر ہے . ایودھیا کی باہری مسجد کے بارے میں جو جھکڑا هوا أس مهى أن كا هاته تها . ليكن أن كا يم قدم أس سے بھی زیادہ شرارت بھرا ھے . اپنے اِس سجھار کا مقابلہ أنهوں لَـ، سن 48'-1947 ميں كاندھى جي لے دلى كے هدی ہے مسلمانوں کو اُن کی مسجدیوں لوتانے کی بات کہے (تھی' اس کے ساتھ کیا ھے ۔ بابا جی یہ خوب جانتے ھیں کہ وہ بات بالکل الگ طوح کی تھی ، اُس میں گوے پہنوا دیا اور بھولا ھوا جگھوا أبهارنے کی کوشش نہوں تھی ۔ هفسا اور بے رحمی بھری وہ کاندہی جی کی آنکھوں کے سامئے ہوئی ایک حال کی گهٹلا تھی' اور جن لوگوں سے اُنھوں نے یہ مسجدیں ٹوٹانے کو کہا' وہ می اس کے لئے ذمے دار تھے ۔ اُس میں کوئی هو سو برس برأنا جهگرا بهر سے شروع نہیں کیا جارها تھا ۔

ہایا راکھو داس کے ہارہے میں مجھے کوے شہدرں کا استعمال كرنا ير رها هے اس كا منجهے دكھ هے ، كهونكة أن كے لئے مهرم من ميں كافي نجى آدر رها هے . ليكن ميريد کہلے کے لئے محجبور هوں که أن كا رجحان بہت زيادة قرقهوارانه ہے ۔ اور هماري يهوای جفعا مهن قرقے وارانه وهر يهمالغ والم ولا أكمل كانكريسي نهيل هيل . خاص كر اُتو پردیش میں اس قسم کے آنیک لوگ ھیں . ایک نے تو شری مہا دیو دیسائی اور کاندھی جی کے نام پر جعلی چاہی اور لهکه بھی تیار کرنے کی دھتائی کی هے . اگر كالكريس؛ جهسا كة ولا دعوول كرتبي هے؛ هندووں كي سامهردالک سلستها نهون هے اتو مهري سمجه مهن نههن آتا که ایسے لوگ اُس میں کہسے وہ سکتے هیں'، کہا اُسے یہ معصسيس هوا هے که يه ايک گمجهير سرال هے اور اِس کے کارن فیص میں پور سے سامپردائک دنگوں کی آگ بھوک سکتی ه اور خون بهه سکا هے؟ کانگریس دعوی کرتی هے که وهی ایک رابرکاجی سفستها هے' جو دیش کا کام چا سکتی هے .

Contraction to the second of t

"जुनाव जाने वाला है. करोड़ों जीरतों नदीं को इनसाफ ुका आरवासन देना है. और इस यह पूरा विश्वास करते हैं कि इन तीन महान इतिहासी स्थानों का फिर से सम्मान होते देख भारती जनता न्याय में अधिक विश्वास करेगी."

षाबा राधव दास ने यह साफ नहीं किया है कि वह काशी, अयोध्या और मधुरा में ठीक क्या करना चाहते हैं. वह किन मन्दिरों का उद्घार चाहते हैं ? क्या उनका इशारा यह है कि काशी में औरंगजेब की बनवाई हुई बड़ी मस्जिद, या अयोध्या में हनुमान गढ़ी या मथुरा में इसी तरह की मस्जिदों को 'दुबारा' जैसा कि अयोध्या में करने की कोशिश हुई है, मन्दिरों में बदल देना चाहिये ?

इस सिलसिले में गांधी जी और सरदार का नाम लेना विलक्कल ही रालत था. सोमनाथ का मन्दिर खंडहर की हालत में या और हिन्दुओं के अधिकार में था. वहां कोई मस्जिद नहीं थी, और न किसी मुसलमान ने उस जगह के अधिकार का ही दांबा किया था. कुछ बड़े बड़े हिन्दुओं ने. जिनका काकी असर था, उसका फिर से निर्मान करना चाहा. इसका उन्हें पूरा अधिकार था. इन हिन्दुओं में सरदार जैसे कुछ केन्द्र या रियासती सरकारों के मंत्री भी थे चुँकि जुना गढ़ राज भारत संघ में शामिल हुआ और इसी के साथ इस काम का आरम्भ हुआ, और चूँकि सोमनाय के इतिहास में साम्प्रदायिक अनवन की पुरानी थाद जुड़ी हुई है, इसलिये इसमें रालतफहमी पैदा हो सकती थी और हुई भी, यह कहा जा सकता है कि सरकार से सम्बन्ध रखने वाले हिन्दू नेताचों ने इसमें हिस्सा न लिया होता, तो अञ्चला होता. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि चन्हें ऐसा हिस्सा लेने का हक नहीं था. गांधी जी ने इसमें जो हिस्सा जिया, वह यह सममने के लिये ही कि मन्दिर के फिर से निर्मान का यह काम सरकारी खर्च पर न हो. तारीक्ष 7 दिसम्बर '47 के 'हरिजन सेवक' में उनका तारीख 28 नवस्वर '47 का प्रार्थना प्रवचन निकला है. उसमें इस विशय का जिक है. उसे में यहां नकल करता हैं:

"एक भाइ लिखते हैं कि सोमनाथ के मन्दिर का जो फिर से उद्घार होने वाला है, उसमें सरकारी पैसा नहीं सगाना चाहिये. मुक्ते बताया गया है कि शामलदास गांधी ने आरजी हुकूमत बनाई है और इस काम के लिये जनता से इकट्टे किये पैसे में से 50 हजार उपए देना मंजर किया है. जाम साहब एक लाख देने वाले हैं, सरदार पटेल ने कहा कि सरदार ऐसा नहीं है कि जो चीज हिन्द्र थों के लिये ही है, उसके लिये सरकारी फ्लजाने से पैसा निकाले. हम सब हिन्दी हैं, मगर धर्म हमारी अपनी चीज है. सोमनाथ के फिर से उद्घार के लिये हिन्दू जो पैसा सशी से हेंगे, इसी से काम चल जायगा. पैसा नहीं मिलेगा, तो बह काम पड़ा रहेगा. मैं यह सुनकर ख़ुश हुआ."

''ڇٺاءِ آنے والا ھے . کروڙوں عبرتوں امردوں کو انصاف شواسن دینا هے . اور هم یه ډورا وشواس کرتے همی که تهی مهان اِتهاسی استهانون کا پهر سےسممان هوتے دیکھ أم جنعا نهائم مهي ادهك وشواس كويكي ."

بابا راکھو داس نے یہ صاف نہیں کھا ہے کہ وہ کاشی ا هیا ارر معهرا میں تهیک کیا کرنا چاهتے هیں . وہ ملدرون كا أدد عار جاهتے هيں ؟ كيا أن كا إشارة يه ع کاشی میں اورنگ زیب کی بنوائی هوئی ہوتی مستجدا بودهها مهن هدومان گرعی یا متهرا مین اسی طرح مسجدون کو 'دوبارا' جهسا که ایودهها مهن کرنے کی هي هوڻي هے' ملدروں ميں بدل دينا چاهئے ؟

إس سلسلے میں کاندھی جی اور سردار کا نام لیقا إر هي فلط تها . سومداته كا مددر كهدكهر كي حالت آتھا اور ھلدووں کے ادھیکار سیس تھا ، وھاں کوئی جد نہیں تھی' اور نه کسی مسلمان نے اُس جگه کے بکار کا هی دعوہ کیا تھا ، کچھ بڑے بڑے هندوؤں نے' کا کافی اثر تھا، اس کا پھر سے نومان کونا چاھا ، اِس نهين يورا ادهيكار تها . أن هذدوس ميس سردار جهسم ، کیلدر یا ریاستی سرکاروں کے ملتری بھی تھے ، چونکھ ا کوھ راج بھارت سلکھ مھی شامل ھوا اور اُسی کے ، اس کام کا آومیه هوا، اور چونکه سومقاته کے اِتہاس ا سامیردایک ان بن کی پرانی یاد جوی هوئی هے، لَيْمِ إِسَ مِينَ فَلَطَ فَهِمِي فِهِذَا هُو سَكِنْ تَهِيُّ أَرْر یہ کہا جا سکتا ہے کہ سرکار سے سمبندھ رکھٹے هدو نیتاؤں نے اس میں حصه نه لیا هوتا' تو اچها . ليكن ايسا نهيس كها جا سكتا كه أنهيس ايسا م لھلے کا حق نہیں تھا ، کاندھی جی نے اس میں حصه لیا ولا یه سمجھنے کے لئے می که مندر کے بھر سرمان کا یه کام سرکاری خرج پر نه هو . تاریخ 7 دسمیر کے 'هريجن سيوک' ميں أن كا تاريخ 28 نومبر 47' رارتهنا پروچن نعلا هے اس مهن اس وشد کا ذیر ه مهي يهان نقل كرتا هون :

" آیک بھائی لکھتے ھیں که سومناتھ کے مندر کا جو سے أددهار هونے والا هے' اس ميں سركاري هيسة نهيس چاھئے . مجھ بدایا گیا ہے کہ شامل داس الدھی ارضی حکومت بدائی ہے اور اس کام کے لیے جدیا سے ہ کئے پیسے میں سے 50 مزار روپے دینا منظور کیا . جام صاحب ایک لاکه دینے والے هیں . سردار پٹیل کہا کہ سردار ایسًا نہیں ہے کہ جو چیز هلدوؤں کے لیے هے، اُس کے لئے سرکاری خزائے سے پہست نکالے . هم سب بي هيل مكر دهرم هماري أيلي چوز هي سومالته ھر سے اددھار کے لئے ھلدر جو پیسہ خوشی سے دیلگے' سے کام چل جائے گا ، پیسٹ نہیں ملے گا تو وہ کام ہوا

لا . مين يه سن كر خوش هوا".

अक्तूबर '51

(338)

शरारत भरा ऋदम

उत्तर प्रदेश के मशहूर कांगरेसी काम करने झाले वाश राषवदास के इलाहाबाद की हिन्दी 'अमृत पत्रिका' के तारीख 29-7-'51 के परचे में छपे एक लेख का हिस्सा नीचे देता हूँ.

"स्वर्गीय सरदार पटेल ने भारत के मशहूर इतिहासी
पुन्य स्थान भी सोमनाथ जी का फिर से उद्घार करके यह
बता दिया कि पुराने पिवत्र स्थानों का उद्घार काज़ाद मारत
में ज़रूर होगा. वह हमें अमली आश्वासन दे गए हैं. पूज्य
बापू जी ने मारत के आज़ाद होने पर जो मस्जिदें हिन्दु आं
के क्रव्यों में थीं, उन मस्जिदों को मुसलमानों को वायस
दिलाकर हमें यह आशा दिलाई कि मुसलमानों के राज के
समय हिन्दु ओं के जो मन्दिर अपवित्र कर दिये गए थे, या
जिन पर मुसलमानों ने क्रव्या कर लिया था, उनका भी कभी
उद्घार होगा......

"हम यहां पर यह भी नम्नता से कहना चाहते हैं कि इत्तर प्रदेश के तीन खास स्थान काशो, स्योध्या सौर मथुरा के साथ भारतीय जनता सौर उसके कलस्वरी जीवन का गहरा सम्बन्ध है. भी राम, भी कृशन सौर भी विश्वनाथ भारत के दिल के राजा हैं. घर घर इनकी चरचा है. भी नोमनाथ जी के बारे में भारती जनता बहुत कम जानकारी स्वती है, इसलिये भी इन स्थानों का फिर से बद्धार अपना क खास महत्त्व रखता है.

"यहां कभी कभी यह बात कही जाती है कि यह
ताम्प्रदायिक सवाल है. पर इतिहास इस बात का गवाह
कि यह साम्प्रदायिक सवाल नहीं है. यह जीतने वाले
भीर हारने वाले के बीच का सवाल है. अगर यूनियन
कि (अंगरेजी मंडा) जा सकता है और इसकी जगह पर
तेरंगा मंडा आ सकता है, अगर बाइसराय की जगह को
ताइद्रपति शोभा दे सकते हैं, तो इन गौरव बाले पिवत्र स्थानों
ता फिर से उद्धार भी हो सकता है. अगर भारत सरकार
ते देख रेख में एक हज़ार बरस पहले के विजेता (जीतने
ताले) के ज़रिये बरबाद किये गए सोमनाथ जी के मन्दिर
त उद्धार भुमकिन है, तो फिर इत्तर प्रदेश के इन तीनों
वानों के फिर से उद्धार में ठकावट क्यों कर होगी ?

"सवाल महत्त्व का है. उसको जितना जल्दी इस किया त्रियं, उतना ही अच्छा है. इमें श्री सोमनाथ जो के मन्दिर । फिर से उद्धार देखकर जितनी खुशी होती है, उतनी ही त महान तीर्थ स्थानों से सापरवाही देखकर बेचैनी सी है."

شرارت بهرا قدم

اتر پردیعی کے مھہرہ کانگریسی کام کرنے والے بابا راگہو داس کے المآباد کی ھندی ' اسرت پٹریکا ' کے تاریخ 51'-7–29 کے ہرچے میں چھپے ایک لیکھ کا حصہ نہجے دیٹا ھوں ۔

" سورگهه سردار پتیل نے بھارت کے مشہور اِتھاسی پنهه استهاں شری سومناته جی کا پھر سے اُددھار کرکے یہ بتا دیا که پرانے پوتر استهانوں کا اُددھار آزاد بھارت میں فرور ھوگا ، وہ ھمیں عملی آشواسن دے گئے ھیں ، پوجنه باپو جی نے بھارت کے آزاد ھونے پر جو مستجدیں ھندوؤں کے تیفے میں تھیں' اُن مستجدوں کو مسلمانوں کو زایس دلا کر ھمیں یہ آشا دلائی که مسلمانوں کے راج کے سے فلاکور ھمیں یہ آشا دلائی که مسلمانوں کے راج کے سے مقدوؤں کے جو مندر ایہتر کر دیئے گئے تھے' یا جن پر مسلمانوں نے قبضه کو لیا تھا' اُن کا بھی کبھی اُددھار

راهم یہاں پر یہ بھی نمرتا سے کہذا چاہتے ھیں کہ اُتر پردیش کے تھی خاص استھاں کاشی' ایودعھا اور متھرا کے ساتھ بھارتیہ جنتا اور اُس کے کا چری جھوں کا گہرا سمیندھ ہے ، شری رام' شری کرشن اور شری وشو ناتھ بھارت کے دل کے راجہ ھیں ، گہر گھر اُن کی چرچا ہے ، شری سومناتہ جی کے بارے میں بھارتی جنتا بہت کم جانکاری وکھتی ہے' اِس لئے بھی اِن استھانوں کا پھر سے اُدعار اینا خاص مہتو رکھتا ہے .

ورائیہاں کہ ہی کہ ہی اس کہی جاتی ہے کہ یہ سامیردایک سوال ہے . پر اِتہاس اِس بات کا گواہ ہے کہ یہ سامیردایک سوال ہے . پر اِتہاس اِس بات کا گواہ ہے کہ یہ سامیردایک سوال ہے . اگر یونہیں جیک (انگریزی جہندا) جاسکتا ہے اگر وایسرائے ہے اور اُس کی جگہ پر ترنکا جہندا آسکتا ہے اگر وایسرائے کی جگہ کو راشٹر پتی شوبھا دے سکتے ھیں تو اِن گورو والے پوتر استہانوں کا پہر سے اُددھار بھی ھو سکتا ہے . اگر بہارت سرکار کی دیکھ ریکھ میں ایک ھزار برس پہلے کے بہارت سرکار کی دیکھ ریکھ میں ایک ھزار برس پہلے کے وجیتا (جہتنے ولے) کے ذریعے برباد کئے گئے سومناتھ وجیتا (جہتنے ولے) کے ذریعے برباد کئے گئے سومناتھ کی سیکھا ہے ۔ اگر بہی کے سادر کا اُددھار ممکن ہے تو پھر اُتر پردیش کے اُس تیفوں استہانوں کے پھر سے اُددھار میں رکاوت کھوں کے ہوئی ؟

''سوال مہتو کا ہے اس کو جتنا جلدی حل کیا جائے' اتنا ھی اُنہا ہے ، همیں شری سرمناتہ جی کے مقدر کا پہر سے اُندھار دیکھکر جتنای خرشی ھوتی ہے' اُندی ھی اِن مہاں تیرته استہانوں سے الپرواھی دیکھکر یے چینای ھوتی ہے''

खद किया और फिर आपकी देखा देखी आप के पास रहने वाले और आप के भक्त भी करने लगे. कुछ न कुछ यह इवा सारे देश में फैल गई. बापू, यह सुनकर आप को कितनी खशी होगी कि ऐसे अनेकों बाल गांधी पैदा हो गए हैं जिन्हों ने मेहतर के काम में पुश्तहा पुश्त के मेहतरों को कहीं पीछे छोड़ दिया है. और वह बाल गांधी ऐसे कुल के हैं जिनके कुल में मेहतर की परछाई से भी खूत हो जाती थी. आख़िर जब मेहतर अपना काम छोड़ेंगे तो उनका काम अपनाने के लिये कोई और होना ही चाहिये. और बापू यह सून कर खाप को बड़ी खशी होगी कि यह नए मेहतर बाल गांधी इस मेहतर के काम के बदले में एक पैसा भी नहीं लेते. कोई अखबार में उनकी तस्वीर देदे, यह तस्वीर खेंचने वाला जाने. कोई उन्हें म्युनिसपलटी के क्षिये बोट दे दे, यह बोटर जाने. कोई उन्हें सूबा कांगरेस कमेडी का सभापति चुन दे, यह कांगरेसी मेम्बर जाने, कोई चन्हें मिनिस्टर चुन दे, यह क़ानून सभा जाने. कोई उन्हें 3000 तनसाह और मोटरें देदे, तो यह विधान की लाल किताब जाने. और अगर अब उन से कोई मेहतर का काम न से तो यह काम लेने वाले जानें, बोलिये वापू , इन बाल गां-वियों से आप और क्या चाहते हैं. आप सोचिये तो सही, आप भी तो दुनिया भर की फिकर, दुनिया भर के सुवार और अनगिनत मंभट अपने कंधों पर संभाल बैठे थे. आप ने भूत की या आप ने ठीक किया यह आप जानें. पर यह बाल गांधी तो एक बहत में एक ही काम संभात सकते हैं. अब जब आप के बराबर हो जायंगे तब शायद ष्याप के जितना बोम संभाल सकें. हो सकता है उस वक्षत के क्षिये बोक्त ही न रह जाय! यह उनकी क़िश्मत!

बापू, आप के नाम पर मरने वाले यह वाल गांधी क्या बड़े होकर इतने किस्मत वाले भी न निकलेंगे कि इन बोकों से बचे रहें!

बापू, अब तो आप की दूर तक पहुँच है. इन बास गांधियों के हक़ में दुआ की जिये.

—भगवान वीन

"मद्धा की कसौटी वह है कि अपना फर्ज अदा करने के बाद जो कुछ भी भला या बुरा नतीजा हो, इनसान उसे मानले. सुख आए या दुख आए, उसके लिये सब बराबर होना चाहिये."

---महात्मा गांधी

غُودُ کیا اُور بہر آپ کی دیکھا دیکھی آپ کے پاس رهنے والے اور آپکے بھکرت بھی کرنے لگے، کچھ ند کچھ ید هوا سارے دیش میں پیمل کئی۔ یایو^ء یه سلکر آپ کو کتلی خوشی هوگی که ایسه انهکس بال کاندهی بیدا هرگئے هیں جلهوں لے مہتر کے کام میں پشتہا پشٹ کے مہتروں کو کہیں پیچھ چهور دیا ہے . اور وہ بال کاندھی ایسے کل کے میں جن کے کل میں مہتر کی پرچھائیں سے بھی چھوت ھو جاتی تهي . آخر جب مهتر اينا كام چهرزيدتك تو أنكا كام ايناني كم لئم كوثي أور هونا هي جامئي . أور بايو يه سفكر آيكو ہوئی کوشی هوگی که یه نگه مهتر بال کاندهی اِس مهتر کے کام کے بدلے میں ایک پیست بھی نہیں لیتے ، کوئی اخدار میں أن كى تصوير دے دے كية تصرير كوينچلے والا جانے ، کوئی آنہیں مہونسیالتی کے لئے ووت دے دے یہ ووالر جانے، کوئی اُنہیں صوبہ کانگریس کمیشی کا سیمایشی چن دے کانگریسی معدر جانے کرئی انہیں منسقر چن دے' یہ قانون سبها جانے' کوئی اُنہیں 3000 تفخواہ اور موتریس دیدنے تو یہ ردھان کی لال کتاب جانے ، اور اگر اب أن سے كوئى مهدر كا كامانه لے تو يته كام لهذه والے جانهيں. ہولگےباہو' ان بالگاندھیوںسے آپ اور کھا چاھتے ھیں . آپ سبوچئے تو سایی آپ بھی تو دنیا بھر کی فکر' دنیا بھر کے سدھار اور آن گلت جہلجہت اسے کندھوں پر سنبھال ہیتھے تھے۔ آپ نے بھول کی یا آپ نے تھنک کیا یہ آپ جانهن ، پریه بال کاندهی تو ایک وقت مهن ایک هی کام سلیهال سکتے ههی ، اب جب آپ کے برابر هوجائیلگے تب شاید آپ کے جملا بوجه سلبهال سکیں . هوسکما هے أس وقبت كولمُّ بوجه هي نه ولا جائه ! به أن كي قسمت ! ہاہو' آپکے نام پر مرنے والے یہ بال کاددھی کیا ہوے ھوکر

بہور ایکے نام پر مربے والے یہ بال دددھی تیا ہوے ھودر اتنے قسمت والے بھی ناء نکلیفکے که اُن پرجھوں سے بنچے رهیں!

یایو' آپ تو آپ کی دور تک پہونچ ھے . ان بال کادھیوں کے حتی میں دعا کیجگے .

--- بهگوان دین

" شردها کی کسوتی یہ ہے کہ اپنا فرض ادا کرنے کے بعد جو کچھ بھی بھلا یا برا نہ بجہ ہو' اِنسان آیے مان لے . سکھ آئے اُس کے لئے سب برابر ھونا چاھئے ۔''

--مهاتما كاندهي

बर्ज के पढ़े लिखे और हर तरह समम्मदार ही समम्मदार के. वह हमें घेर कर बैठ गए, और लगे अपना अपना हाल सुनाने. एक साहब बोले, मैं पाँचसी रुपए महीने का नौकर या और पांच रुपए रोज अपने खाने पर सर्च करता था. अब आपको मालूम है मैं क्या खर्च करता हूँ ? सिर्फ बारह आने रोज ! और बहुत जल्दी आठे आने पर आ जाऊँगा.

दूसरे साहब बोले, मेरी आप क्या पूछते हैं, मैं तो दस रुपर रोज खर्च कर देता था तो कम, और पन्द्रह कर देता था तो कम. और अब तो मैं सिर्फ बारह जाने पर रहता हूँ!

तीसरे साहब बोले, मुक्ते तो साहब डेढ़ सौ रुपए मिलते थे, डेढ़ रुपया मेरा खर्च था और अब में पूरे पाँच आने में अपनी गुजर कर लेता हूँ !

बापू, आपको इन त्यागियों का हाल सुनकर कितनी खुशी हुई होगी. खाने में ही नहीं, पहनने के मामले में भी बह आप से दर तरह आगे बढ़े हुए थे. बापू, हमारे मन पर भी इन सबका बड़ा असर पढ़ा और जी में लहर उठी कि ऐसे त्यागियों के साथ ही रहना चाहिये. और अब हम उन से खूब घुल घुल कर बात करने लगे. और फिर हमने पूछा कि भाप सब कितने कितने गज सूत कात लेते हैं. तो पाँच रुपए से ख़र्च घटाने वाले त्यागी ने बताया कि वह दिन भर में 300 गज सूत कात लेता है, ऋौर दस पन्दरह हपए रोज खर्च से घटाकर बारह आने तक पहुँचने वाले ने बताया कि वह 200 गज सूत रोज कात लेता है. और हेंढ रुपए वाले ने बताया कि वह 600 गज सत रोज कात त्तेता है. फिर हमने पूछा कि धगर यही सूत आप किसी और से कतवाते तो कताई क्या देते. जवाब मिला जियादा से जियादा की सी गज एक पैसा! यानी आश्रम की कुल कमाई ग्यारह पैसे रोज थी और खर्च 116 पैसे रोज. अब रहे उनके उस मेहनत के दाम जो वह कींतन करने और गीता पढ़ने में करते थे अन दामों का अन्दाचा तो बापू कोई क्रगा नहीं सकता. उनके तो इतने ही दाम होते हैं जितनी मां की मुहब्बत के और गुरू की सीख के. हां, तो बापू यह आप के चरखे, रामधुन और गीता पाठ की बागिया को जहलहाए हुए हैं और फिर इन्हें इक है कि बाल गांधी होते हुए भी अपने को बापू समर्भें.

बापू, आप की सूम कमाल की थी. आप जी से चाहते थे कि अक्षूतों का चढ़ार हो और यह खूब सममते थे कि अक्षूतों में से तरह तरह के और अक्षूतों का चढ़ार तो आ-सानी से हो सकता है पर मेहतरों का चढ़ार कोरे उपदेश से नहीं हो सकता और इस मामले में आदेश की तो जरा भी पहुंच नहीं हो सकती. इसिलये आप ने अपने आशम से मेहतर का बाईकाट किया और मेहतर का काम आप ने قَرَبِي كَ يَرِقِ لَكُمَ أَوْرَ هُرَ طَنِعَ سَنَتِهِدَارَ هَى شَمْتِهِدَارُ هَى شَمْتِهِدَارُ هَى شَمْتِهِدَار تم . وه همیں کهیر کر بیٹھ گئے' اور لکے ایفا آیٹا حال سٹانے ایک ماحب بولے' میں پانچ سوروپے مہینے کا نوکر تھا اور پانچ روپے روز آیے کہانے پر خرچ کرتا تھا . آپ آپ کو معلوم ہے میں کیا خرچ کرتا ھوں ؟ صرف یارہ آنے روز! اور بہت جلدی آتہ آنے پر آجاؤنکا .

دوسرے صاحب بولے' مهری آپ کها پوچھگے هیں' مهی تو دس روپے روز خرچ کر دیٹا تھا تو کم' اور پندرہ کر دیٹا تھا تو کم۔ اور آپ تو میں صرف بارہ آلے پر رھٹا ہوں!

الیسرے صاحب ہولے' مجھے تو صاحب تیرہ سو روپے ملتے تھے' تیوہ روپیه میرا خرچ تھا اور آپ میں پورے پانچ آلے میں اپنی گذر کر لیٹا ہوں!

ہایہ، آپ کو ان تیاکھوں کا جال سلکر کٹئی خوشی ھوٹی ھوکی ، کھانے میں ھی نہیں' پہلئے کے معاملے مين بهي يه آپ سے هر طرح آكے بوقے هوالہ تھے . بايو، هماوے میں پر بھی ان سب کا ہوا اثر پڑا اور جی میں لہر أَتْهَى كُمْ أَيْسِم تَهَاكُونِ كَ سَاتُهُ هَى رَهَانًا چَآهَكُم ، أور أب ہم آن سے خوب کہل کہل کر باتیں کرنے لگے ، اور پھر هم نے پوچھا کہ آپ سب کتنے کتنے کو سوت کات لھتے میں . تو پائی روپے سے خرچ گھٹانے والے تیائی نے بٹایا کہ وہ دن هور ميس 300 كر سوت كات ليما هے، أور دس يقدره روي روز خرب سے گھٹا کر بارہ آنے تک پہونچلے والے نے معایا که ية 200 كن سرت روز كات ليتا هي. اور ديوه روي والم في يقايا كه ولا 600 كن سوت روز كات الهتا هي . يهو هم لم یوچها که اگر یهی سوت آپ کسی اور سے کتواتے تو کتائی کیّا دیتے ، جواب ما زیادہ سے زیادہ فی سو گؤ ایک پیسہ ! يملى آشرم كى كل كمائى گياره پيسم روز تهي اور خرچ 116 م بهسے ووز ، اب وہ ان کے اس متعلت کے دام جو وہ کھرتن کرنے اور گھتا پوھلے میں کرتے تھے ، أن داموں كا اندازہ تو پاہو کوئی لایا نہیں سکتا ۔ اُن کے تو اتلے هی دام هوتے ھیں جعلی ماں کی مصبت کے اور گرو کیسیکھ کے، ھاں' تو باہو یہ آپ کے چرخے ام دون اور کھتا ہاتھ کی باکھا کو لهلهائے هوئے هيں اور پهر انهيں حق هے كه بال الدهي هوتے هوئے بھی أيے كو بايو سمجھھى .

باہو' آپ کی سوجھ کمال کی تھی۔ آپ جی سے چاھتے تھے کہ اچھوتوں کا اُددھار ھو اور یہ خوب سمجھتے تھے کہ اُجھوتوں کا اُدھار تو اُساتی سے ھوسکتا ھے پر مہتروں کا اُددھار کورے اُیدیھی سے نہیں ھوسکتا اور اس معاملے میں آدیھی کی تو ذرا بھی پہونچ نہیں ھوسکتی ، اس لگے آپ نے ایم آھرم سے مہتر کا بائھکات کیا اور مہتر کا کام آپ نے

A STATE OF STATE OF

بهت هراب بلدی جهراههوس کا است لوکیوں کا جالداد میں حصه کسانوں کا رمین پر حق ، باپو اگر کسی سے میں بعد بال سرکار ایسا کر بیٹھئی تب کیا هوگا ! باپو آپ تو مسکرا رور هیں سے معاملے سلحی نے هیں آپ تو مسکرانینکے هی ، پر هم تو انجین میں اور الحیه گئے هیں ، اور هم نے ایسی الجینی میں اور الحیه گئے هیں ، آپ هم پر هنسئے نہیں ، کوئی راد بدائے ، یہ آپ کی سحیه اور اهنسا کی بات تو هم سے سدعتی نہیں ، کوئی اور نسخه بتائے جس میں هم سے سدعتی نہیں ، کوئی اور نسخه بتائے جس میں هم سے دونیں دوائیں تو بالکل نه هوں ،

باہو' ان بال گاندھہوں کی نظر مہیں تو آپ اُسی دی اسے مہاتما ھیں جس دی آپ جغم لیا ، اس لگے یہ آپ کے ہچپی کی کسی بھی بات کی نقل کر کے آپ آپ کو باہو ماننے لکتے ھیں ، اور جس کام کو آپ کبھی بھول سے ایک دن کر ڈالا اُسے یہ برسوں کرنے کے آپ آپ کو حقدار سمجھتے ھیں ، اور جب آپ کو یہ مہاتما سمجھتے ھیں تو ایسا عونے کے حقدار بھی ھیں ، یہاں ھمیں شیخ سعدی کی کہی ھوئی ایک بات یاد آگئی ،

بایو، ایک دن ایک بادشاه جنگل مهن شکار کههل رها تھا ، جب اُس کے لیئے جنگل میں کھایا بلنے لکا تو معلوم هوا ساته میں نمک بالکل نہیں ہے، بادشاہ نے پاس لکہ گاؤں سے ندک لانے کے لئے ایک آدمی بھیجا اور اسے ھدایت کی دیکھوا پیسم دے کر نمک لانا ، درباری اوک یہ سن کر هنس پوے . بادشاہ نے پوچھا عنستے کھوں ھو ۔ درباریوں نے جواپ دیا حضور ذرا سا نمک لانا ھے پیسے دیلے کی کیا ضرورت' اور گؤں والے پیست لیلکے بھی بکب ؟ بادشاہ نے جواب دیا کہ یاد رکھوا اگر بادشاہ رعیت کے باغ سے ایک سہب توہ کر کھا لے تو بادشا کے نوکر چاکر پیتر کا پیتر اکهار لینکے . اسی طرح اگر بادشاہ آدھے اندے کا ظلم ٹھیک سمنجیے تو اُس کے درباری لوگ سیکووں مرفوں کو کماپ بغاکر کھا جائیٹگے ، یاد رکھو' ظلم کی جو بت جهرتی دوتی هے پر اُس کا پیر ساری دنیا کیور لیتا ھے . هاں' تو باپّو' یہ بال کاندهی آپ کی ایک ایک بات كو خيرب كهيئي كر ايناتي هيس اور الهي كو بايو سمجهين همي اور چاھ كہتے نه هوں؛ من ميں تو يه اله كو آپ سے ہوا سمجھتے ھیں .

باہو' کچھ لوگوں نے آپ کا چرخہ ایفا رکھا ہے ۔ أور ایسا ایفا رکھا ہے ۔ گور ایسا ایفا رکھا ہے کہ وہ چرخہ چلانے کے سوائے ہاتھ کا اور کوئی کام نہیں کرتے ، اور چرخہ بھی وہ دن میں گھفٹے دو گھفٹنے سے زیادہ نہیں چلاتے ، باقی وقت گیٹا کے پوہفے اور کھوٹن میں خرچ کرتے ہیں ، بایو ایک دن ہم ایسے آپک آشرم میں جا نکلے ، اُس آشرم میں سب اونچے

जैसे शरावणनी, खुआखूत का अन्त, सविक्यों का जायदाद में दिस्सा, किसानों का जमीन पर इक्ष. बापू, जार किसी दिन सचमुच यह वाल सरकार ऐसा कर बैठी तब क्या होगा ! बापू, जाप तो मुस्करा रहे हैं—हमारा दस निकला जा रहा है. आपने तो बड़े बड़े उल के मामले सुल-काए हैं, आप ता मुस्कराएंगे ही. पर हम तो उलकान में जौर उलका गए हैं और हमने ऐसी उलकानें कहाँ सुलकाई हैं. आप हम पर हंसिय नहीं. कोई राह बताइये. यह आपकी सस्य और अहिन्सा की बात तो हम से सधती नहीं. कोई और नुसला बताइये जिस में यह दोनों दवाएँ तो विलक्षल नहों.

बापू, इन बाल गांधियों की नजर में तो आप उसी दिन से महात्मा हैं जिस दिन आपने जन्म लिया. इसित्ये यह आपके बचपन की किसी भी बात की नक़ल करके अपने आपको बापू मानने लगते हैं. और जिस काम को आपने कभी मूल से एक दिन कर डाला उसे यह बरसों करने के अपने आपको इक़दार समझते हैं. और जब आपको यह महात्मा समझते हैं तो ऐसा करने के इक़दार भी हैं. यहां हमें रोख सादी की कही हुई एक बात याद आगई.

बाप, एक दिन एक बादशाह जंगल में शिकार खेल रहा था. जब इसके लिये जंगल में खाना बनने लगा तो मालूम हुआ। साथ में नमक विलक्षत नहीं हैं. बादशाह ने पास लगे गांव से नमक लाने के लिये एक आदमी भेजा और इसे हिदायत की, देखो, पैसा देकर नमक लाना. दरबारी क्षोन यह सुनकर हंस पड़े. बादशाह ने पूछा, हंसते क्यों हो. दरबारियों ने जवात्र दिया, हुजूर जरा सा नमक लाना है पैसे देने की क्या जरूरत, और गोंव वाले पैसा लेंगे भी **क १ बादशाह ने** जवाब दिया कि याद रखो, अगर बाद-शाह रैयत के बारा से एक सेव तोड़ कर खाले तो बादशाह के नौकर जाकर पेड़ का पेड़ खलाड़ लेंगे. इसी तरह अगर बादशाह आधे अन्डे का जुल्म ठीक सममे तो उसके दरबारी लीग सैकड़ों मुरगों की कवाब बना कर खा जायंगे. याद रखो, जुल्म की जह बहुत छोटी होती है पर उसका पेड़ सारी दुनिया घेर लेता है. हां, तो बापू, यह बाल-गांधी आपकी एक एक बात को खुक खींच कर अपनाते हैं और अपने को बापू सममते हैं और बाहे कहते न हों, मन में तो यह अपने को आप से बड़ा समझते हैं.

कापू, कुछ कोगों ने आपका बरखा अपना रक्खा है. और ऐसा अपना रक्खा है कि वह घरखा चलाने के सिवाय हाथ का और कोई काम नहीं करते. और चरखा भी वह दिन में घंटे दा घंटे से जियादा नहीं चलाते. बाकी वक्रत गीता के पढ़न और कीर्तन में खर्च करते हैं. बापू एक दिन इस ऐसे एक आअम में जा निकते. उस आजम में सब उँचे

बन्दा करती हैं और कभी बीसका जाती है. और बापू, सरकार भी क्या करे, वह ही कौन सी बरस की बुड़ी, या तीस पैतीस की अधेड़, या अष्टारह बरस की जवान है! उसकी भी तो उमर लेदेके चार बरस या इस से कुछ उपर है।

बापू, यह तीन तीन बरस के गांधी बड़ी जल्दी भूक हड़ताल पर उतर आदे हैं. आप तो भूक सत्यामह को आखिरी हथियार मानते थे और उसको सबसे पैना और बड़ा हथियार सममते थे. पर यह बाल गांधी तो हर दम उसी हथियार को बांधे फिरते हैं. और छोटा मोटा नहीं आमरण अनशन की हट कर के बैठ जाते हैं. इससे तो हमारी सरकार और भी घबरा जाती है. बापू इन बाल गांधियों का यह काम नहीं कि वह यह सोवते फिरें कि सत्यामह क्या चीज़ हैं? सत्य बिलकुल दूसरी चीज़ हैं? आमह सत्य पर किया जाता है. राजकाजी ज़रूरत और चीज़ होती है, सत्य बिलकुल दूसरी चीज़ हैं? आमह सत्य पर किया जाता है. राजकाजी ज़रूरतों पर आमह कर बैठना सत्यामह नहीं दुरामह होता है. इस बात से उन्हें क्या लेना देना. और बाल गांधियों को ऐसा कभी सोचना भी नहीं चाहिये. अगर वह ऐसा सोचने लगें तो उनके आगे बढ़ने का रास्ता ही उक जाय.

बापू, आजकत आमरण अनशतों की बहार आ रही है. आप का यह एक एक गुए। एक एक आदमी में अलग अलग अपने अपने तरीक्रे से फक्त फूक्त रहा है. यह देख कर तो आपकी बालों खिल जाती होंगी और आप फ़र्त न समाते होंगे. कभी कोई इस बात को लेकर भूकों मरने की तैयार हो जाता है कि इधर जब तक रेल नहीं निकलेगी मैं खाना नहीं खाऊंगा, कोई नहर निकलने की बात पर हट कर बैठता है, कोई भाशा वार सुबों के न बनने पर सरने को तैयार हो जाता है, कोई कालिज की भीस कम कराने के लिये खाना छोड़ बैठता है. कोई बरखास्त होने पर फिर अपनी जगह पाने के लिये डट जाता है. खुलासा यह कि आज कल इर काम पूरा कराने के लिये भूके मरने के हथियार से काम लिया जाता है. इन बाल गांधियों से कोई स्वार्थ और परमार्थ के समझने की बाशा भी क्या करे। और इनको सममाने को भी कौन तैयार हो ! हां, अगर कोई इन सब बाल लीलाओं को देख कर मुस्कराने वाला इनकी पीठ ठोंक कर इनकी हिम्मत बंधाने बाला होता तो यह बाल गांधी आप ही इसम का रस लेते और बाल सरकार भी इनकी लीकाओं पर बीखलाइट का तमाशा न विखाती.

बापू, हमें तो यह डर लगा हुआ है कि कहीं किसी दिन यह बाल सरकार आमरण सत्यामह न कर बैठे. और इस सत्यामह के लिये ऐसे ही दो चार विशय हो सकते हैं. الهبرا الهتی هے اور کبھی آبُوکھا بھائی هے آ آور عاہو سرکار بھی کیا کرے' وہ هی کرین سو برس کی بدھی' یا تیس پیڈائس کی ادھیہ' یا الّهارہ برس کی جوان ہے! اُس کی بھی تو عمر لے دے کے جار برس یا اِس سے کچھ اُوپر ہے!

باپر' یہ تین تین برس کے گاندھی بڑی جلدی بھوک ھونال پر آتر آتے ھیں . آب تو بھرک ستھائرہ کو آخیری ھتھیار مانتے تھے اور اُس کو سب سے پھٹا اور بڑا ھتھھار کو سمجھٹے تھے ، پر یہ بال گاندھی تو ھر دم اُسی ھتھھار کو بادھے پھرتے ھیں . اور چھوٹا موٹا نہیں آمری انشن کی ھمی کو کے بھٹے جاتے ھیں . اِس سے تو ھماری سرکار اور بھی گھبرا جاتی ہے ، باپو اِن بال گاندھیوں کا یہ کام نہیں کسے کھتے ھیں؟ راج کاجی ضرورت اور چیز ھوتی ہا ستیہ کسے کہتے ھیں؟ راج کاجی ضرورت اور چیز ھوتی ہا ستیہ بالکل دوسری چیز ہے آگرہ کر بیٹھٹا ستھاگرہ نہیں دوراگرہ راج کاجی ضرورت اور چیز ھوتی ہا اور بال راج کاجی ضرورتوں پر آگرہ کر بیٹھٹا ستھاگرہ نہیں دوراگرہ ہوتا ہے . اس بات سے آنھیں کیا ایفا دیٹا ۔ اور بال گاندھیوں کو ایسا کبھی سوچنا بھی نہیں چھٹے ، اگر واستہ ھی گا راستہ ھی

ہاپو' آج کل آمون آشنوں کی بہار آرھی ہے، آپ كا يه أيك ايك كن أيك أيك أدمى مهور الك الك ابد اس طریقے سے پہل پہول رعا ھے . یہ دیکھکر تو آپ کی بالهبيس كهل جاتى هونكى اور آپ يهول نه سماية هونكه. کھھی کوئی اِس بات کو لے کر بھوکوں مرنے کو تھار ہوجاتا ھے که اِدھر جب تک ریل نہیں نکلے گیمیں کھانا نہیں کھاوں ا کوئی نہر نکلنے کی بات پر سٹ کر بیٹیٹا ہے ا کوئی بھشا وار صوبوں کے نہ بدلنے پر سرنے کو تھاو ہوجاتا ھے کوئی کلیم کی فیس کم کرانے کے لئے کہانا چھوڑ بیٹھٹا هـ كوثى برخاست هونے پر بهر أيلى جكه يانے كے لئے قب جاتا هے ، خلاصه يه كه آج كل هر كام پورا كرائے كے لئے عهوك مرلع كے هدويار سے كم لها جاتا هے . إن بال كاندهوں سے کوئی سوارتہ اور پرمارتہ کے سمجھلے کی آشا بھی کیا کرے ! آور اِن کو سمنجهانے کو بھی کون تھار ھو ! ھاں' اگر کوئے اِن سب بال لھاؤں کو دیکھ>ر مسکرانے والا اُن کی بهته تهونک کر ان کی همت بندهانے والا هوتا تو یه بال الندهي آپ هي اودهم کا رس لنڌے اور بال سرکار يهي ان في لهاون پر بولهاهت لا تماشه نه دکهاني .

باہو میں تو یہ در لکا ہوا ہے کہ کہیں کسی دس کے بال سرکار آمرن ستیاکرہ نہ کر بیٹیے ، اور اس بھاگرہ کے لئے ایسے ہی در جار رشے مرسکتے میں .

the state of the s

जाब, उसकी उमर केंद्र की संजा दी जाब, उसकी फांसी के तखते पर सटका दिया जाब, उसकी थोते तीरों से बींका जाय या यह कि उसकी आधा जमीन में दफन कर के उस पर कुले छोड़ दिये जायं. और किर बापू, यह भी आपकी मासूम है कि जब बादशाह अकबर ने यही सवाल बीरवल से पूछा तो बीरवल ने यह जवाब दिया था कि नहीं, उस बादशाह की दाढ़ी पकड़ने वाले को मिठाई खिलाई जाय. और यह जवाब सुन कर सारे दरवारी हक के बक के रह गय बे, और बादशाह यह जवाब सुनकर मुस्करा दिये थे. पर दरवारी क्या कि निहां के बादशाह यह जवाब सुनकर मुस्करा दिये थे. पर दरवारी क्या कि बीदशाह यह जवाब सुनकर मुस्करा दिये थे. पर दरवारी क्या कि मी कुछ समम्म पाए थे ? आखिर बीरवल को ही उन बेबकू कों को यह समम्माना पड़ा था कि बादशाह के बीर के सिवा कीन हो सकता है जो बादशाह की दाढ़ी पकड़े और वह गोद में बिठाकर बड़े प्यार के साथ सिवाय मिठाई के और किस बात का मुस्तहक हो सकता है.

बापू, ठीक इसी तरह से बाज कोई मामूली अमीरजादा अपने दोस्तों से यह पुत्र बैठे कि अगर मेरी औरत को कोई हसवाई के हाथ चार आने में बेच कर जलेबी साने की बात कह बैठे तो इसके साथ मैं क्या बरताव कहां. चहर इसके ना समम दोस्त कुछ ऐसी ही सजा तजवीज कर देंगे जैसी बाहबर के दरबारियों ने की थी. बीर मुशकिल से ही कोई एक ऐसा निकलेगा जो बीरबल जैसा ठीक श्रीर खुरत जवाब दे सके. और बापू अगर आज आप हिन्दुश्तान के बोटी के सममदारों से कहीं यह सवाल कर वैठें कि आगर कोई भारत माता को अमरीका के हाथ कुछ मोटरों क्षीर बड़े बड़े मकानों के लोभ में आकर गिरवी रखने की बात सोच बैठे तो उसको क्या सजा दी जाब. तो क्या अञ्चल, सारे चोटी के नेता, अपनी समम को धता बता कर एक आवाज में चिल्ला पड़ें कि ऐसे आदमी को कौरन गोली हो मार देना चाहिये. और जब जैसे ही उनके इस फैंसले की चिल्लाहट खत्म हो तब वैसे ही कहीं एक सीधा सावा आदमी यह कह बैठे कि नहीं, उस ो तो पुचकार कर गोदी बे जिना चाहिये, और उसकी इस हिम्मद पर उसकी बलाएं क्षेत्री चाहियें. तो बापू इस बक्षत सिवाय आप के कीन मस्करायगा, चोटी के नेता तो भाग बन्ता होकर ऐसी सलाइ हेने वाले के ऊपर कूद पड़ेंगे और म जाने उसका मया हाल कर देने के लिये तैयार हो जायंगे. बापू, यह तो आप ही समफते हैं कि आखिर तीन बरस के गांधी के सिवाय और कीन ऐसी बात योच सकता है.

बापू, इन तीन तीन बरस के गांधियों ने सारे हिन्दुस्तान में डधम मचा रखा है. इनके उधम को, आप जिन्दा होते, तो ह्ँसते हँसते देखत रहते और अब भी आप बहां कहीं हैं वहीं से इस तमाशे को इंस इंस देख रहे होंगे. सुर जाज की इमारी सरकार तो ऐसे तसाशे देख कर कभी جائے اس دو عمو قید کی سوا دی جائے اس کو پھانسی کے تخطیے پر لگنا دیا جائے اُس کو تھوتے تیروں سے بھادھاجائے یا یہ کہ اس کو آدھا زمین میں دفن کرکے اُس پر کھے جھور دار جائیں ، اور پھر باپو یہ بھی آپ کو معاوم ہے کہ جب بادشاہ اکھر نے یہی سوال پیربل سے پوچھا تو بیربل نے یہ جواب دیا تھا کہ نہیں اُس بادشاہ کی داڑھی بارے والے کو مشہائی کھلائی جائے ، اور یہ جواب سن کر سارے وہاری مسکوا دئے تھے ، پر درباری کھا پھر بھی کچھ سمجھ سارے آخر بھربل کو ھی اُن بھوتوفوں کو سمجھانا ہائے تھے ؟ آخر بھربل کو ھی اُن بھوتوفوں کو سمجھانا ہائے تھے کہ بادشاہ کی داڑھی پکڑے اور وہ گوں میں باتھاکر بڑے بھار بادشاہ کی داڑھی پکڑے اور وہ گوں میں بات کا مستحق ھو بادشاہ سوائے متھائی کے اور کس بات کا مستحق ھو سکتا ھے ۔

ہاہو'۔ ٹھوک اِسی طرح سے آج کوئی معمولی اُمھرزادہ ایے درستوں سے یہ پوچھ بیٹھے که آگر میری عورت کو کوئی حلوائمی کے هاتھ چار آنے میں بوچ کر جلیبی کہانے کی بات کہ بیاتھ تو اس کے ساتہ میں کیا برتاؤ کروں. ه ور اس کے ناسمجه دوست کچه ایسی هی سزا تجویز کر بیں کے جہسی اکبر کے درباریوں نے کی تھی ، اور مشکل ب می کوئی آیک ایسا نکلے گا جو بھربل جوسا تھیک اور چست جواب دے سکے . اور باہو اگر آج آپ هددستان کے چوٹی کے سمجھداروں سے کہیں یہ سوال کر بہتھھں که اگر کوئی بھارسماتا کو امریکہ کے هاته کنچھ موثروں اور ہوے ہوے مکانوں کے لوبھ میں آکر گرری رکھٹے کی بات سويم بياهم تو أس كو كها سزادى جائم . تو كها عجب سارے چوتی کے نیتا' ایلی سمجھ کو دھتا بتائر ایک آواز میں چلا ہویں که ایسے آدمی کو فوراً کولی سے ماردیفا جاهد ، اور جب جیسے هی أن كے اس فيصلے كى چلاهت عدم هو تب ویسم هی کهین آیک سیدها حادا آدمی یه کے بہتھے کہ نہیں' اس کو تو پنچکار کر گودس لے لیدا چاھئے' اور أس كي إس همت ير أس كي بلايين لهذي جاهدين. تو باہو اس وقت سوائے آپ کے کون مسکرائے گا . چوتی کے نیتا تو آگ ببولا ہوکر ایسی صفح دیائے والے کے اوپر کوہ پویس کے اور نے جانے اس کا کیا حال کر دینے کے لئے تیار ھو جائیں گے ، باپو' یہ تو آپ ھی سمجھتے ھیں که آخهر تین برس کے کاندھی کے سوائے اور کون ایسی بات به وی سکتا هے .

باپو' اِن تھن تھن برس کے کاندھیوں نے سارے ھندستانے میں اُودھم منچا رکھا ھے ۔ اِن کے اُودھم کو' آپ زندہ ھوتے' تو ھنستے ھنستے دیکھتے وعلیے اُور آب بھی آپ جہاں کہیں ھیں وھیں سے اِس تماشے کو ھنس ھنس دیکھ رہے ھونگے ۔ پر آج کی مماری سرکار تو ایسے تماشے دیکھکر کھھی

174

14

ध्यके बहुत बारीक दक्ते कर दिये जार्य और बाटने से जो होटे होटे रेशे वर्ने उनमें से कहीं पक रेशा को दिया जाय तो वह पानी पा कर केले का पेड़ बन जाता है. खुकासा यह कि पका केला सब का सब बीज होता है. आपके शहीद होने के बाद, हमारा ऐसा खयाल है, कि हिन्दुस्तान के चोटी के नेता थीं ने, आपके इस पाँच भूत से बने तन के बारे में भी कुछ ऐसा ही अन्दाजा लगाया. इसीलिये उन्होंने आपकी हिंदुयों के फूल जगह जगह निहयों में डाल दिये, और विनोबा के परमधाम के नीचे बहने वाली पौनार नदी में भी उनमें से कुछ फुलों को जगह मिल गई. और वापू, यह सुनकर तो हुम्हें कितनी खशी होगी कि चोटी के नेताओं का अन्दाजा आपकी मुट्टी भर राख के बारे में विलक्कल ठीक निकला ! बापू, तीन बरस के इस अरसे में हिन्दुस्तान के कोने कोने में अनिगनत गांधी पैदा हो गए हैं. उमर के लिहाज से तो वह अभी बच्चे हैं क्योंकि तीन बरस की उमर होती ही क्या है, लेकिन यह सुनकर तो बापू आपको बेहद ख़ुशी होगी कि उनमें से हर पक अपने आपको बापू समकता है. यह दूसरी बात है कि दूसरे कोग उन्हें बाप कह कर नहीं प्रकारते.

बापू, कैनी बाल (आदमलोर) बनना, आगर बुरी बात न हो और समाज की दौड़ में पीछे हटने बाली बात न हो, तो हम कहे देते हैं, हमारे मन में आज यह बात जरूर धठी कि आगर आपके शधीद होने के बस्त हम हिन्दुस्तानी कैनीबाल होते तो हम किसी न किसी तरह आपकी बुद्धि, आपका सत्य, आपकी अहिन्सा हजम किये बिना न मानते. आपकी हिन्दुस्तान भर में फैलाई हुई राख के जरिये आपकी की बुद्धि का या सत्य और अहिन्सा का भी कुछ अंश हमार हिस्से में आया है या नहीं यह हम नहीं कह सकते. पता नहीं ईश्वर का इसमें का भेद था कि हम आपकी शहादत के वन्नत कैनीबाल नहीं थे.

बारू, यह ठीक है कि अभी जितने गांधी पैदा हुए हैं वह उमर में चाहे कितने बड़े क्यों न हों, गांधी बनने की उनकी उमर अभी तीन बरस नौ ही महीने की है. और उस उमर के लिहाज से वह जो कुछ कर रहे हैं वह इस झाबिल जरूर है कि उनकी बढ़ावा दिया जाय और उनकी हिम्मल बढ़ाई जाय. और इसमें शक नहीं कि आप जहां भी होंगे वहां से ऐसा जरूर कर रहे होंगे.

वापू, अब आप से तो हम क्या कहें, आपको तो बाद-शाह अकवर की वह बात मालूम ही हैं जिस बकत उसने अपने दरबारियों से यह सवाल किया कि अगर कोई हमारी दादी पकड़ ले तो उसका हम क्या करें. और दरबारियों ने जो जवाब दिया था वह भी आपको मालूम है. उन नासममों ने यही हो ज्वाब दिया था कि उसको बेंत की सजा दी

النس کے بیت باریک کردائے بجانیوں آدر کاٹھے سے جو جهولة جهولة ريش باين أن مين س كهين أيك ريشا بو دیا جائے تو وہ پانی پاکر کیلے کا پھر بن جاتا ہے. خامه يه كه دِكا كيلا سب كي سب بوج هوتا هي . آپ ك شبید مونے کے بعد عمارا ایسا خیال ہے که هددستان کے چوائی کے نیٹاؤں نے' آپ کے اِس پانے بھوت سے بانے توں کے بارے مربی بھی کھھ ایسا می اندازہ لگایا' اِسی لئے اُنہوں نے آپ کی هذیوں کے پهول جگه جگه ندیوں مهور قال دئے۔ آور ونوبا کے درمدهام کے نهجے بہلے والي پونار ندي مهن بهي أن مين سے کچه پهولوں کو جاکه مل کئی . اور باپو یه سن کو تو تمهیس کتنی بخوشی هوگی که چوتی کے نهتاؤں کا اندازہ آپ کی متھی یھر راکھ کے بارے میں یا لکل تھیک نکلا ! ماہو تین فرنون کے اِس مرصے میں مقدستان نے کوئے کوئے میں آن گلت کاندھے پیدا ھوکئے ھیں ، عسر کے لتحاظ سے تو وہ ابھے بحے میں کیونکہ تری برس کی عمر هوتی هی کیا ھے کہ لیکن یہ سوں کر تو باہو آپ کو بے حد خوشی ہوگی کہ أن مهل سے هر آیک ایے آپ کو باپو سمجھتا ہے . یہ دوسری واس مے که دوسرے لوگ اُنهیں بایو که کر نہیں پکارتے .

بایو، کهلی بال (آدم خور) بلقا، اگر بری بات نه هو اور سماج کی دور میں پیچیے هالئے والی بات نه هو، تو هم که دیات همارے من میں آج یه بات فررر اُتھی که اگر آپ کے شهید هوئے کے وقت هم هلاستانی کیلی بال هوتے تو هم کسی نه کسی طرح آپ کی بدهی آپ کی اهلسا هم کیے بان نه مانیے . آپ کی هلاستان بهر میں پهیلائی هوئی نه مانیے . آپ کی هلاستان بهر میں پهیلائی هوئی والمه کے ذریعے آپ کی بدهی کا یا ساته اور اهلسا کا بهی کچه آنهی همارے حصے میں آیا هے یا نهیں یه هم نهیں کو سکتے ، پاته نهیں ایشور کا اِس میں کیا بهید تها که هم آپ کی شهادت کے وقت کهلی بال نهیں تھے ۔ یاپو، یه تهیک هے که ابهی جالے کا دهی پیدا هوئے ۔

باپو اب آپ سے تو هم کها کہیں' آپ کو تو بادشاہ انبر کی وہ بات معلوم هی ہے جس وقت س نے اپنے درباریوں میے بیٹ سوال کیا کہ اگر کوئی هماری داڑهی پکرلے فو آس کا هم کیا کریں ، اور درباریوں نے جو جواب هیا تھا وہ بھی آپ کو معلوم ہے ، اُن ناسمجھوں نے بھی تو جواب ھیا تھا کہ اُس کو بیٹت کی سزادی खुश करने के लिये करोंने इस होस्टल को जमीन दे की बी. लाखों रुपया इस मट्टी से कमाते हैं. इकारों कांगरेस को चंदां दें देते हैं. उन से बोल ही कीन सकता है. आए दिन मिनिस्टरों की दावत होती रहती है. भला उनके खिलाफ किस की दाल गल सकती है."

"अश्डाचार तमाम फैल गया है, यह सही है. लेकिन हाई कोर्ट में तो अपील हो सकती है. वहाँ तो तुम अपनी खन्दुरुस्ती और सदाचार की दुहाई दे कर इन्साफ मांग सकते हो." मैंने जैसे उसकी अड़चन दूर करने के लिये खनरदस्त सुमाब पेश करते हुए कहा.

"जी, जरूर । हाई कोर्ट क़ानून के शब्दों को मानता है. इसकी झात्मा को नहीं. होस्टल के बनने से पहले यह भट्टी षहाँ थी इसिलये इसे यहाँ रहना चाहिये. रालती उन लोगों की है जिन्होंने यहाँ होस्टल बनवाया था. इसलिये हाई कोर्ट हा फैसला हो जायगा कि अगर आप चाहें तो होस्टल दूसरी जगह खिसका लीजिये. आपको परी आजाबी है..... और तुम जानते हो शराव की भड़ी के लिये जगह मिल सकती है, मंदिर महिजद बनाने के लिये जगह मिल सकती है, बनस्पति घी की फ़ैक्टरी खोलने की जगह **मिल सकती है,** सिगरेट की फ़ैक्टरी के लिये जगह पैदा की जा सकती है, लेकिन विद्यार्थियों के होस्टल बनाने के लिये जगह नहीं मिल सकती, स्कूल खोलने के लिये जगह नहीं मिल सकती, जनता के वास्ते अस्पताल खोलने की जगह नहीं मिल सकती, रहने के लिये मकान बनाने की जगह नहीं मिल सकती. जमीन तो किसी न किसी जमींदार की ही है. वह धन चाहता है जनता का कायदा नहीं. सरकार भी तो इसी की है, जो कुछ करेगी उसके कायदे का बचाव करके ही तो करेगी....."

मेरे मुँह से आवेश में निकल गया-

"जय स्वराज! जय भारत!! जय रिशियों मुनियों की संवान!!! شوهن کرنے کے لئے آلہوں نے اس موسلال کو زمین فید کئی تھی ۔ لاکھوں روپیہ اِس بھٹی سے کیاتے ھیں ۔ مزاروں کانگرینس کو چندہ دے دیتے ھیں ۔ اُن سے بول ھی کون سکتا ہے ۔ آئے دن منسٹروں کی دعوت ھوتی رھٹی ہے ۔ بہلا اِن کے خلاف کس کی دال کل سکتی ہے ۔''

'' بهرشتا چار تمام پهیل کیا هے' یه صحیح هے . لهکن هائیکورٹ میں تو اپیل هوسکتی هے . وهاں تو تم اپنی لندرستی اور سداچار کی دهائی دیے کر انصاف مانگ سکتے هو .'' میں نے جیسے اُس کی اُتچن دور کرنے کے لئے ابردست سجهاؤ پیش کرتے هوئے کہا .

12 جمر) ضرور ! هاکیکورت قانون کے شہدوں کو مانتا هے' اُس کی آنما کو نہیں . هوسٹل کے بلقے سے پہلے یہ بهتن يهان تهي إس ليّه إس يهان رهذا چاهيّه . فلطي أن لوگوں کی هے جنهوں نے یہاں هوستل بنوایا تھا ، اِس لَيْءِ هَانُهِكُوتَ كَا فَيَصَلَّمُ هُوجَائِمِ كَا لَهُ أَكُرُ آبِ چَاهِينَ تَو اوستل دوسری جگه کهسکا لیجائے آپ کو پوری آزآدی ہے اور تم جاناتے ہو شراب کی بہتی کے لیے جاتم مل سکتی ہے مندر مسجد بنانے کے لئے جگه مل سکتی ہے ا ہڈسپتی گھی کی فیکٹری کھولئے کے لئے جگہ مل سکتی ہے' سکریت کی فیکٹری کے لئے جگہ پیدا کی جا سکتی ہے' یدی ودیارتهدوں کے هوستل بغانے کے لئے جگه نهیں ال سکتی اسکول کھولئے کے لئے جگہ نہیں مل سکتی جفتا ہے واسطے اسپتال کھولئے کی جگھ نہیں مل سکتی بھٹے کے لیے مکان بذائے کی جگہ نہیں مل سکتی ، زمین أو كسى له كسى زميندار كي هي هے ، ولا دهن چاها هے جنتا کا فائدہ نہیں ، سرکار بھی تو اُسی کی ہے ، جو کچھ کرے کی اُس کے فاتدے کا بحیاؤ کر کے ھی تو فرے کی .. "

میرے منہ سے آویش میں نکل گیا ---

"جے سرراج ا جے بھارت! جے رشھوں مذھوں کی سلتان!!!

बापू से

षापू,

गेहूँ का एक दाना जमीन में दक्षन होकर अपने जैसे सैकड़ों हजारों पैदा कर लेता है. और इमने यह भी सुन रखा है कि एक पके हुए केले को अगर एक सुसती पर सूंत दिया जाय और फिर उस सुतती को सुखा कर केंची से

باپو سے

ايو'.

گیہوں کا ایک دانا زمین میں دفن ہوکر آپ جیسے میکووں ہواروں پیدا کرلیٹا ہے۔ اور ہم نے یہ یہی سن کہا ہے کہ ایک سختی پر کہا ہے کہ ایک سختی پر موٹی کہانے کو اگر ایک سختی پر موٹی کہانے کو سکھا کر قیفتھی سے

बह सद्क पर बैठा के कर रहा था. सामने कोतवासी पर एक सिपादी संगीन से लैस खदा वा कानून दूट चुका था और वह खड़ा था....... मुजरिम सामने खड़ा था और वह खड़ा देश रहा था. उसकी खता दी क्या है. कानून ही कुछ ऐसा है—इस हिन्दुस्तान में सब मन के हावों मजबूर हैं!

the first of the safety will also said the

दन के उतरने से एक मुसीबत इल हो गई. मैं ठंडी हवा का मजा ले सका. खूब ही सीन हैं. हम सड़कों को पार करते हुए टी. जी. होस्टल पहुँच गए. तेज बहादुर कमरे में नहीं थे. बराल बाजों से माल्म हुआ वह गोमती किनारे चूमने गए हैं. मैंने उनके कमरे के सामने सामान फेंका और गोमती की तरफ चल दिया. सी राज़ के फासले पर गोमती सहरें मार रही थी. मैं तज बहादुर तक पहुँच गया. हम होनों गले मिले. मैंने !जझासा से लदे स्वर में पूछा—"क्या गम्मीर मामला है, तेज?"

"मामला तो कोई गम्भीर नहीं है. सिर्फ सतीश की शादी होने वाली है. आज ही होगी. तुम्हें वह बुलाना चाहता था. मुक्त से तार दिलवा दिया. तुम धनरा तो कठे होगे ?"

मैंने उसके कंधे पर हाथ मारते हुए कहा—"घत तेरी के! ऐसा भी कहीं मजाह किया जाता है."

द्रिया का सीन बहुत मोहक था. बहाव में तेजी थी घीर लहरों में जवानी की आंगड़ाई. हरियाली किनारे के होनों तरक थी. यह सुम्दर दृश्य मुक्ते बहुत भा रहा था. के किन शराव को बूहवा में मिल गई थी. मैंने दो चार बार सूँच कर पता लगाने की काशिश की कि बूकिधर से आ रही है. कुछ पता न लग पाया. किर तेज से पूछा— "शराब की महक कहाँ से आ रही है तेज?"

''हमारे होस्टल के बिलकुल बरास में एक भट्टी है." तेज ने उत्तर दिया.

''लखनऊ में प्रराव पीने पर तो पावन्दी है और होस्टल के बग़ल में भट्टी जल रही है. यह दुरंगी हमारी समफ से दूर है.'' मैंने गम्भीर स्वर में तेज से कहा.

"यह कांगरेस राज है कांगरेस राज." तेज ने अनंग किया.

"तुम लोग लड़ते क्यों नहीं हो. सरकार से मांग करो कि इस मट्टी को बन्द कर दे." मैंने आवेश भरे लहजे में सुमाब रखा.

तेज के मुँह पर हलकी सी मुस्कराहट का गई और क्सने कहा—''तुम नहीं जानते कि मट्टी के मालिक बड़े क्सीदार हैं. यह सारी कमीन उन्हीं की हैं. गवरनर साहब को وہ سوک پر آبیگہا کے کر رہا تھا ۔ سامنے گوتوالی پر ایک سپاھی سلکین سے لیس کھڑا تھا ۔ تانوں ٹوٹ چکا ہا اور وہ کھڑا ہا اور وہ کھڑا ہی رہا تھا اور وہ کھڑا ہی رہا تھا ، اس کی خطا ھی کیا ھے ۔ تانوں ھی کچھ اسا ھے ۔۔۔ اِس عندستان میں سب من کے ھاتھوں حجبور ھیں !

are the state of the

أن كے أتونے سے ایک مصهبت حل هوگئی . مهن لهندی هوا كا موالے سكا . خوب هی سين هيں . هم سوكوں كو پار كرتے هوئے تی . جی . هوستل پہونچ گئے .. لهج بهاد و كمرے ميں نهيں تھے .بغل والوں سے معلوم هوا ولا گومتی كفارے گهوسفے كئے هيں ، مهن نے أن كے ليرے كے سامنے سامان پههنكا أور كومتی كی طرف جل ليا . سوگؤ كے فاصلے پر گومتی لهرين سار رهی تهي . ميں لهم بهادر تک پهونچ گيا . هم دونور ، گئے ملے ميں نے ميں جكهاسا سے لدے سور ميں پوچها — در كيا گمههر معامله ها تهيج آن

۔ مهن نے اُس کے کندھے پر هاتھ مارتے هوئے کہا۔۔۔''دهت تهری کے! ایسا بھی کہیں مذاتی کھا جاتا ھے''

هویا کا سین بہت مرهک تھا ، بھاؤ صهن تھزی تھی أور لھروں صهن جوانی کی انگرائی ، هریالی کفارے کے فونوں طرف تھی ، یہ سندر درهیم مجھے بہت بھا رها تھا ، لیکن شراب کی بو هوا میں مل گئی تھی ، میں نے در چار بار سونگھکر یتم لکانے کی کوشش کی کم یو کدھر سے آرهی ہے ، کچھ یتم نہ لگ پایا ، بہر تھیج سے بوچھا سے ارهی ہے ، کچھ یتم کہاں سے آرهی ہے تیج گئا

وہ ممارے موسئل کے باعل بغل میں ایک بھٹی ہے۔ " تھیے نے اُتر دیا۔

" لکھنؤ میں شراب پینے پر تو پایندی ہے اور هوستل کے بغل میں بہتی جل رهی ہے ، یه دورنگی هماری سمجه سے دور ہے ، '' انوں نے کمدیور سور میں تیج سے کہا ،

" یه کانگریس رآج هے کانگریس راج ." تیج نے ویلگ کہا .

'' ٹم لوگ لوتے کھوں نہیں ھو ۔ سرکار سے امانگ کور کم ایس بھٹی کو بند کر دے ۔'' میں نے آریش بھرے لہجے امیں سمجھاؤ رکھا ۔

تیم کے منہ پر هلکی سی مسکراهت آئٹی اور اُس نے کہا ۔۔'' تم نہیں جانتے که بہتی کے مالک ہوے میندار هیں ، یہ ساریزمین اُنہیں کی ہے، گورنر صاحب کو था. देरी मेरे दिमारा में चलमान पैदा कर रही थी. मैंने मुँमला कर कहा—"बाबा जलदी भी करो, बैठा भी लो.

इसने दसरी सवारी को बैठा लिया. अभी कुछ ही क्रदम रिक्शा चला होगा कि उन सज्जन ने मेरी तरक अपना मुँह घुमाया और बोले- "आप जानते हैं. मैं कीन हूँ. मैं महाराजा ग्वालियार का 'प्यर ऐपरेन्ट' हूँ.'' मुँह से शराव का मभका निकल रहा था. मुमे शराबी से एक तरड की इमदर्री है. जब कोई शराब पी लेता है तो वह सच बोलता है. सच शायद बिना नरो के कोई बोलता ही नहीं है. नशे नशे में फरक़ जरूर है लेकिन हैं तो सब नशे ही की बातें. लेकिन यह आदमी साफ भूट बोल रहा था. यह कोई रारीव क्लर्क मालूम हो रहा था. अपनी पत्नी को इसा कर, बड़नों का दूध और खाना छीन कर इसने शराब पी थी. शराब पी थी तो भी यह फूट बोल रहा था. सुमे चिद्र सी हो गई. मैंने मुँह मोड़ लिया. वह बकवास करता रहा. थोड़ी देर बाद मुक्ते चुहत सूक्ती. उसकी तरक मुँह घुमा कर मैंने पूका-"लखनऊ में तो शराब पीना मना है. भाप कहां से बढ़ा कर भा रहे हैं ?"

''जी, लखनऊ में मना है लखनऊ में......आस पास के गांव में कोई मनाही नहीं है. जब मन चाहता है...... एक दो स्टेशन इधर उधर निकल जाता हूँ.....सेर हो बाता हूँ...''

"पुलिस कुछ नहीं करती? शहर में आप इस तरह पी कर धूम रहे हैं. भाप को तो जहर पकड़ लेना चाहिये." मैंने सवाल किया.

"हाँ गिरफ्तार तो कर लेना चाहिये.....लेकिन...... केकिन.......पुलिस जो ठहरी...... और वह भी स्वराज की पुलिस..... हा हा हा हा.....वस जो सामने आया कुछ टिका दिया. सारा मामला ठीक हो जाता है." वह ठहाका लगा लगाकर हंसता रहा. मैं सुकड़ा हुआ नशे में सूबे व्यंग का मजा लेता रहा.

ठीक कैसर बारा पुलिस चौकी के सामने वह सज्जन कर गय. रिक्शे से करते ही उनको के हो गई. अच्छा हुआ रिक्शे पर उनको जलटी नहीं हुई. एक तो के दूसरे शराब की के. दिमारा भन्ना उठा. जी बाहा उन को एक बपत लगाऊँ. मैंने सुस्से में कहा—"जब इज़म नहीं कर पाते तो ढकोसते क्यों हो ? अपना पेट काटते हो, खून जलाते हो, दुख सहते हो, सिर्फ कम्बख्त नशे के क्षिये."

''बात तो ठीक है...... मन को क्या किया जाय !..... मून के हाथों हम सब मजबूर हैं !!'शराबी ने नीचे शरदन किये हुए मुफे क्तर दिया. اً عیری مهرانے دماغ میں الجهن پیدا کر رهی تهی ، س نے جهلجها کر کہا --- '' بایا جلدی بهی کرو' آها بهی لو ''

آس نے دوسری سواری کو بیٹھا لیا . ابھی کچھ قدم رکشا چلا هولا که أن سجن نے مهری طرف اینا مله سايا أور يولي-" آپ خانگ هين' مهن كون هون . مهن ہاراجہ گوانہار کا ' ایرایهرنت ' موں ،'' منه سے شراب بهمکا نکل رها تها ، مجهد شرابی سے ایک طرح کی مدردی هے ، جب کوئی شراب پی لیکا هے تو وہ سی بولگا ، سے شاید بدا نشے کے کوئی بولٹا ھی نہوں ہے ، نشے الم میں فرق ضرور هے لیکن هیں تو سب نشے هی کی تهن . لَيكن يَه آدمي ماف جهوت بول رها تها . يه _ائی فریب کلرک معلوم هو رها تها . ایلی یقلمی کو رلاکر^ه چوں کا دودھ اور کھانا چھین کر اِس نے شراب ہی تھی ۔ براب پی تھی اور بھی یہ جھوٹ بول رھا تھا ، مجھے چوھ ہے ہوکگی میں نے ملت مور لیا ، وہ یکواس کرتا رہا ، ہوڑی۔ دیر بعد منجمے چہل سوجھی ، اُس کی طرف ملغ ہما کر میں نے پوچھا ۔۔۔'' لکھڈؤ میں تو شراب پیغا 6 نتع ھے ، آپ کہاں سے چڑھا کر آ رھے میں

" جی' لکھڈؤ میں ملع ہے لکھڈؤ میں سی پاس کے گؤں میں کرٹی ملاقی نہیں ہے ، جب من چاہٹا ہے ایک دو اسٹیشن اِدھر اُدھر نکل جاتا ہوں ''

'' پولیس کچھ نہیں کوتی ؟ شہر میں آپ اِس طرح ہی کر گھوم رہے ھیں ۔ آپ کو تو ضرور پکڑ لیٹا چاھئے۔'' میں نے سوال کیا ۔

'' هال گرفتار تو کر لهفا چاهنے لیکن...... یکن بیسی چو تهہری اور وہ یہی سوراج لی پولیس جو تهہری اس جو سامنے لی پولیس سارا معامله تههکه جوجاتا هے .'' وہ تههاکا کا کر هفستا رها . میں سکوا هوا نشہ میں دویے وینگ کا موا لیتا رها .

تھھک قیصر باغ پولیس چوکی کے ساملے وہ سجن اثر گئے . رکشے سے اترتے ہی اُن کو قے ہوئگی ، اچھا ہوا رکشے پر اُن کو آلگی نہیں ہوئی . ایک تو قے دوسرے شراب کی قے . دماغ بھلما اُتھا . جی چاھا اُن کو ایک چپت لگاؤں ، میں نے قصے میں کیا ۔" جب مقم نہیں کر پاتے تو تھکوستے کیوں ہو ؟ اپنا پیت کاتتے ہو' خون جاتے ہو' دکھ سہتے ہو' صرف کیبخت نشے کے لئے ."

" پات تو ٹھوک ھے من کو کھا کیا جائے! ... من کے ھاتھوں ھم سپ مجھور ھھں!!'' شرابي لئے ٹینچے گردن گئے ھوئے مجھے آتو دیا .

and the state of t

A War was you डाक्टर साहब ने बात काट कर बहुना शुरू किया-"अंगरेज का जमाना रह रह के बाद करना पड़ता है. मामुली मामुली डाक्टर तीन तीन सी बार चार सी की भामवृती कर लेते थे. बिना कहे सुने उपए मिलते थे. लेकिन आज कल कमबखतों से मुँह स्रोल के कही भी तो कोई नहीं देता. आप तो डाक्टर ही हैं, मैं तो सिविल सर्जन हूँ. लेकिन पहले के मुकाबले में कुछ आमदनी नहीं होती. कहीं किसी करल बरौरा के मुकदमे में मौका भी मिलता है तो किसी न किसी खद्रर धारी को भी शामिल करना पड़ता है..... मैं तो अब आफ कह देता हूँ सर्टीफिकेट लिखने, स्रतरनाक चोट का सर्टी फिकेट बरौरा देने का मरा रेट मुकरंर है. खरा काम खरा दाम. किसी के साथ रिशायत नहीं, परसों एक गाँव में लाठी चल गई. एक आदमी की हड़ी टूट गई. मैंने उसकी पारटी वालों से साफ कह दिया कि पाँच सौ रुपया दो नहीं तो मैं 'खतरनाक" बोट नहीं लिख्ँगा. लगे इधर उधर की पट्टी पढ़ाने. मैंने एक भी नहीं सुनी. बिना लिये मैंने क़लम नहीं उठाया."

"हम जैसे छोटों का तो कुछ बस ही नहीं चलता. मुक़द्मे बरौरा हम तक पहुंचने ही नहीं पाते. ऊपर ही ऊपर सव तय हो जाता है. मरीजों से पान फूल के लिये भी कुछ नहीं मिलता. मैं तो बताऊँ साफ, श्राप से क्या छिपाना. दबाएँ ब्लैक मार्केट में विकवा जेता हूँ, और पानी रोगियाँ को देता हं. लेकिन इतने हिस्सेदार हो जाते हैं कि कोई खास भागवनी नहीं होती."

"मालिर किया ही क्या जाय. भई कुछ न कुछ अपने और बच्चों के लिये करना ही पड़ेगा. फिर किसी सूरत क्यों न हो. पेट पालना भी कोई जुर्म है. ' सिवित सरजन साहब ने डाक्टर साहब की करतूत को ठीक ठहराते हुए कहा.

मेरे मुंह से एक बारगी निकल गया-"जय स्वराज ! जय भारत !! जय महारिशियों की सन्तान !!! "

मेरी आवाज से दोनों चौंक पड़े और चुप हो गए. मैंने किसान में ह पर रखकर करवट नद्त ली.

सुबह सुबह गाड़ी लखनऊ पहुंच गई. मेरे पास था ही क्या, मृद से स्टेशन से बाहर आया. मेडिकल कालिज जाने के लिये रिक्शा किया. इस समय मैं प्रसन्न था, मेरी क्षमंग लौट काई थी. ऐसा लगरहा था कि मैंने अपने दोस्त को फाँसी से बचा लिया है, या खुद किसी भूटे इक्का म से बरी कर दिया गया हूँ. मैं बेहद ख़ुश था. रिक्शा सभी जगह से हिला भी न था कि पीछे से आवाज आई —''रिक्शास्त्राली हैं ?''

रिक्शे वाले ने पूछा, अगर मैं राजी हूँ तो वह यह सवारी भी बैठा ले. उसकी पैसे मिल जायँगे. वह अपनी राहीकी का रोना रोने लगा, सुके उस बक्त तेज तक पहुंचना دَائِدُر ماحب نے بات لات کر کہنا شروع کیا -- ووانگریز کا ہماتہ رہ رہ کے یاد کرنا ہوتا ہے . معمولی معمولی ڈاکٹر تهن تهن سو چار چار سوكي آمدني كر لهتے تھے . بلاً کھے سلے روبے مالتے تھے لیکن آج کل کمیشتوں سے مله کھول کے کہو بھی تو کوئی نہیں دیتھا ۔ آپ تو ڈاکٹر ھی ھیں' میں تو سرل سرجن ھوں ، لھکن پہلے کے مقابلے مهن احجه آمدنی نههی هوتی کهدی کسی تعل وقهرد کے مقدمے میں موقع بھی ملتا ہے توکسی نہ کسی کهدر دهاري كو بهي شامل كرنا پوتا هي....مين تو أب مان كه ديعًا هور سرته فكت لكه لم خطرناك جوت كا سرتهفكت دين وفيره كامهرا ريت مقرر هي . كهرا كام کھوا دام ، کسی کے ساتھ وعاثت نہیں ، پرسوں ایک کاوں مهن لاتهي چل کئي . ايک آدمي کي هڏي تاوت گئي . میں نے اُس کی پارٹی والوں سے مان کہ دیا که پانچ سو وويه دو نهيل تو ميل أخطرناك " چوت نهيل لكيول کا لکے ادھر اُدھ کی یای پڑھانے ، میں نے ایک بھی

ور هم جهسے چهوتوں کا تو کچه بس هی نههوں چلتا . مقدمے وقیرہ عم تک پہونچنے ھی نہیں ہاتے اُپر هم اوير سب طے هرجاتا هے . صريفرن سے يان يهول كے لئے بھی کنچہ نہیں ملعا ، میں تو بعاوں صاف اُپ ہے كها جههانا . دوائيس بليك ماركيت مهى يكوا لينا هون اور بانی روایوں کو دیتا هوں . لهکن آتائے حصے دار هو جاتے میں که کوئی خاص آ-دای نهیں هوتی ،"

" آخر کها هي کها جائه . بهتي کچه نه کچه ايم ہو بھیوں کے لگے کرنا ھی پڑے گا ، پھر کسی صورت کیوں ع هو . پهت يالغا بهي كُونُي جرم ك . " سول سوجن ساهب نے داندر صاهب کی کرترت کو تھوک تھوراتے الوثير كها .

مهرے مدء سے یکہارگی تکل کہا ۔ '' جے سوراج ! ج هارت ! چے مہارشیوں کی سنتان !!! ''

مهری آواز سے درنوں چونک پڑے اور چپ هولئے. میں نے کہ ب مدء پر رابکر کروے بدل لی ،

مهم صبح کاری لکهاؤ پهونیج گئی . مهرے پاس تها في كها . جهت سے استهشن سے باهر آیا . مقيكل كالم عالم كو لئه وكشا كها . إس سم مهى يرسن تها" مهرى ملك لوق آئى تهى . ايسا لك رها نها كه مهى له اله ہسمت کو پھانسی سے بحوا لیا ھے' یا خود کسی جھوتے والم سے بری کر دیا گیا ھوں ، میں بے حد خوص تھا ، شا ابھی جگه سے ملا بھی نه تها که پیچھے سے آواز آئی س" رکشا خالی هے ؟""

وكشيم والے لم يوجها اگر مهل راضي هول تو وه يه اری بھی بیٹھا لے . اُس کو پیسے مل جانوں کے . وہ لم فريبي كا رولا رول لكا مجهاس وقت تهم تك يهونجها

ही चाहिये, अपनी सरकार होगई है न.' वह बोले—'क्या बात करते हैं दारोग़ा जी आप भी, अब ही तो मौका हैं हाथ की संकाई का.' मैंने संकोच जाहिर करते हुए कहा —'क्या किया जाय.' वह मुस्करा कर बोले—'जूब धड़ाके से हाथ चलाइये. हम तो हैं ही. कोई जँच नीच पड़ेगा तो देखा जायगा. लेकिन.....आधो आध रहेगा दारोगा जी.' मेरी तो बालें खिल गई. यकीन मानो एक साल में उस बाने से इस हज़ार रुपये मैंने कमाए थे. सेकेटरी साहब के हवाले भी इतना ही कर दिया. बब तो मेरी हिम्मत खुल गई है. जहां जाता हूँ वहां के सबसे असरदार कांगरेसी से मामला तय करलेता हूं."

"यही हाल तो अपना भी है दारोगा जी ! लेकिन अब सो इन कांगरेसियों का लालच बढ़ता ही जाता है. जियादा से जियादा हिस्सा मांगते हैं. मेहनत करें हम और मुफ्त का हिस्सा इन को बटाएं. अच्छे आए कहीं के....."

मुक्ते इंसी का रही थी और साथ ही गुस्सा भी. लेकिन
मैं कर ही क्या सकता था. बात तो सच थी. गाईं। ने ज़ोर
जोर से सीटी देनी शुरू कर दी थी. मैंने दारोग़ा लोगों को उन
के हाल पर छोड़ा और सीधा अपने विस्तरे पर आ गया.
कुछ ही देर में गाई। रुक गई. यह रायबरेली स्टेशन था.
लोग इतनी रात गए भी गाई। के लिये यहां खड़े थे. दो
साहब मेरे डिब्बे में भी घुस आए. दोनों के साथ काकी
सामान था. सफेद पतलून और सफेद क़मीज़ दोनों पहने
थे. अन्दर आकर उन्होंने चारों तरफ नजर डाली. कोई
जगह खाली नहीं थी. नाक भी चढ़ा कर उन्होंने कर्रा पर
बिस्तर खोल दिया और मेरी बग्रल में ही दोनों बैठ गए.
गाई। रायबरेली से चल पड़ी.

मैं किताब पड़ता रहा भौर वे दोनों बातें करते रहे. पहते मैंने कोई ध्यान नहीं दिया लेकिन एक जगह कहानी बड़ी बत्त हो गई. मेरा बित्त वहाँ से हट गया बिन चाहे ही मेरा ध्यान उनकी बातों की तरफ होगया.

"बतते बताते अच्छी मुलाकात होगई. कहीं आने जाने का मौका ही नहीं मिलता जो लोगों से मुलाकात हो सके....."

"क्या कहा जाय डाक्टर साहब. बहुत बुरा जमाना लगा है. आप तो जानते हैं मैं कितना घुमक्कड़ था लेकिन इस तक्त मरीकों से आमदनी होती थी, महँगाई भी नहीं थी. हाथ खोलकर खर्च करता था. अब तो कोई कमवरुउ पैसे ही नहीं देता. जो है सो मुक्त काम लेने की सोचता है. किसी सूरत गाड़ी चली जा रही है. शरीक आदमियों की किसी सूरत इज्जत बची जा रही है......"

''یہی حال تو ایٹا بھی ہے داروقہ جی ! لیکن اب تو اِن کانگریسیوں کا اللج بڑھتا ھی جاتا ہے ، زیادہ سے زیادہ حصہ مانگتے ھیں ، مصلت کریں ھم اور منت کا حصہ اِن کو بقائیں ، اچھے آئے کہیں کے....'''

میں کتاب پڑھتا رہا اور وہ دونوں باتیں 'رتے رہے ، پہلے میں نے کوئی دھیان نہیں دیا لیکن ایک جگه کہانی بوی تل ہوگئی ، میرا چت وہاں سے مت گها ، بن چاہے ہی میرا دھیان اُن کی باتوں کی طرف ہوگیا ، ''چاتے چلاتے اچھی ملاقات ہوگئی ، کہیں آنے جانے کا موقع ہی نہیں ملتا جو لوگوں سے ملاقات ہو سکے''

"کہا کہا جائے تاکٹر صاحب ، بہت برا زمانہ کا ھے،
آپ تو جائتے ھیں میں کٹنا گھمکر تیا ، لھکن اُس
وقت مریشوں سے آمدنی ھوتی تھی' مہنکائی بھی نہیں
تھی ، ھاٹھ کیول کر خرچ کرتا تھا ، اب تو کوئی کمبنشت
پیسے ھی نہیں دیٹا ، جو ھے سو مفت کام لیٹے کی
سوچٹا ھے ، کسی صورت اُڑی چلی جارھی ھے ، شریف
آدمیوں کی کسی صورت عزت بچی جارھی ھے ، شریف

पुत्रकुश्तहर कान में काई. जोगों ने लाइट बुमा दी थीं, अंधेरे में मेरा ज्यान कन बातों की तरफ गया. बाय हम के बिलकुल क़रीब ही कोई दो आदमी बाल कर रहे थे. मैं भोती ठीक करने के बहाने वहीं कक गया और बात सुनमें की कोशिश में लग गया. उनकी बातों से मालूम हुआ कि दोनों पुलिस के आदमी हैं. जब दो आदमी एक ही महकमें के मिलते हैं तो अपनी कागुजारियां गिनवाते हैं. बड़े अफसरों की मुराई और अच्छाई की करचा करते हैं, पूरे महकमें का रिविज्यु हो जाता है. बह लोग अपने महकमें के बारे में वे सर पैर की बातें करते रहे. मैं चलने ही बाला था कि मुमें सुनाई पड़ा—

"दारोसा जी! अंगरेज अंगरेज़ ही था और यह देसी साहब देसी साहब ही हैं. क्या कहने उसके इन्तजाम के. क्या शान थी उसकी. भई हम लोगों को तो बावशाह बना गया था बादशाह....."

बात काटते हुए दूसरे ने जवाब दिया—"सच बात तो यह है कि अंगरेज ही की देन हैं जो हम लोगों का कुछ रोब अब तक चला जा रहा है. नहीं तो इन लोगों का बस चले तो हम लोगों को भंगी बना कर छोड़ें. अंगरेज हमें शाही सवारी घोड़ा दे गया था, और यह बोड़ा छीन कर मोटर साइकिल दे रहे हैं. यार घोड़ा घोड़ा ही है. मोटर साइकिल का उसका क्या मुकाबला. घोड़े पर थानेतार जिधर निकल जाता था लोग रोब से दब जाते थे."

"तभी तो इनके राज में गड़बड़ी फैली है.... कोई
पुलिस का रोब तो मानता ही नहीं है.... बिना पुलिस के
किसी ने शान से हकूमत की है!.... लेकिन दारोगा जी,
कांगरेस सरकार ही क्या करे. बात इन्साफ की कहना
चाहिये. कानून के हथियारों से इसने तो हम को खूब लैस
कर दिया है. अधिकार पर अधिकार इम को देती जाती
है. किया क्या जाय, लोगों में ही न जाने कहाँ से हिम्मत
आगई है. लाल पगड़ी का कोई रोब ही नहीं मानता. भई रोब
का जमाना तो गया. कमाने के अलबक्ता मौके हैं. वह मी सब
के किये नहीं. जो तरकी जान गया है उसके पी बारे
हैं.....

"बात तो ईमान की हैं. कांगरेस में कोई और बुराई हो तो हो लेकिन अपने लोगों को तो काफी मौका हाथ की सफाई के लिये दिया गया है. मैं तो बर गया था. अंगरेज के जाते ही मैंने रिशवत से छै महीने के लिये हाथ खींच लिया था. लेकिन भगवान की भी लीजा खूब है. एक दिन कांगरेस के सेकेटरी साहब मुक्त से मिलने आए और अलग ले जाकर बोले—'दारोग़ा जी, इन्न मामला बल नहीं रहा आजकल.' मैंने कहा—'आप लोगों से साहब बर कांगता है. और अब हमको अपनी आदत बदल लेनी

پسپہسافت کل میں آئی۔ لوگوں نے لائٹ یجھا دی تھی،
الدھمرے میں میرا دھیاں اُن ہاتوں کی طرف گیا ۔ ہاتھ
روم کے بالکل قریب ھی کوئیدو آدمی بات کر رہے تھے،
آمیں دھوتی تہیک کرنے کے بہائے وھیں رک گیا اور بات
سنٹئے کی کوشش میں لگ گیا ۔ اُن کی ہاتوں سے معلوم
ھوا کہ دونوں پولیس کے آدمی ھیں ۔ جب دو آدمی
ایک ھی محکمے کے ملتے ھیں تو اپنی کارگواریاں
گفواتے ھیں' بوے افسروں کی برائی اور اچھائی کی
چوچا کرتے ھیں ، پورے محکمے کا ریویو ھوجاتا ہے ۔
وہ لوگ اپنے محکمے کے بارے میں یہ سر بھر کی باتیں
وہ لوگ اپنے محکمے کے بارے میں یہ سر بھر کی باتیں

''داورقه جی ا انگریز انگریز هی تها آور یه دیسی صاحب دیسی صاحب هی هیں کیا کہلے اُس کے انگریز انگلام کے ۔ 'بیا شان تهی اُس کی ، بهگی هم لوگوں کو تو بادشاہ بنایا گیا تها بادشاہ''

ہات کاتھے ہوئے دوسرے نے جواب دیا۔ ''سپے ہات تو یہ ہے کہ انگریز ھی کی دین ہے جو ہم لوگوں کا کچھ رہب اب تک چلا جارہا ہے ، نہیں تو اِن لوگوں کا پس چلے تو ہم لوگوں کو پہلکی بناکر چھوڑیں ، انگریز ہمیں شاھی سواری کھوڑا دے گیا تھا' اُور یہ گھوڑا جھھن کر موار سائکل دے رہے ہیں ، یار گھوڑا گھوڑا ھی ہے ، موار سائکل کا اِس کا کیا مقابلہ ، کھوڑے پر تھانہدار ہمیھر نکل جاتا تھا لوگ رہب سے دب جاتے تھے۔''

ورتبهی تو اِن کے رأج میں گو ہوی پهپلی هے......ینا کوئی پرلیس کا رعب تو مانتا هی نهیں هے.....ینا پرلیس کے کسی نے شان سے حکومت کی هے ا..... الیکن داررفت جی' کانگریس سرکار هی کیا کرے ، بات انصاف کی کہنا چاهئے ، قانون کے هتهیاروں سے اُس نے تو هم کو خوب لیس کردیا هے ، ادهیکار پو ادهیکار هم کو دیتی جاتی هے ، کیا کیا جائے' لوگوں میں هی نه جانے کہاں سے هست آکئی هے ، لال پگڑی کا کوئی رهب هی نهیں مارتا ، بهئی رهب کا زمانه تو گیا' کمانے کے البته موقعے هیں ، ولا بهی سب کے لئے نهیں ، جو البته موقعے هیں ، ولا بهی سب کے لئے نهیں ، جو البته اس کے پوبارے هیں ... ''

1.34

विचार ही विचार निकला. देस का यह नक्ष्या देसकर मेरे दिल पर तो सांप लोट जाता है. लेकिन क्या कहूँ. बूढ़ा हो गया हूँ. कुछ बस भी तो नहीं चलता.....स्वराज क्या हुचा मुसीबत चा गई. मैं धगर यह सब जानता तो कभी भी घर बार न उजाड़ता, न जेल जाता, न पुलिस की लाठी खाता. इस मारत के लिये थोड़े ही हमने त्याग किया था."

"मुक्ते भी कुछ कुछ याद पड़ता है. मैं सोचता हूं मैं भी कितना देवजूक था उस बहत. हर एक से यही सवाल किया करता था. मुक्ते असल में किकर हो गई थी. तुम्हें याद हो या न याद हो मुक्ते याद पड़ता है कि मैंने दूसरे दिन फिर पूछा था कि भई स्वराज के बाद आखिर होगा स्वा......?"

पंडित जी बात काट कर बोल उठे—''खूब याद हैं हाँ साहब! आप के बार बार पूछने से मुक्ते भी चिन्ता हो गई थी. मैंने आप को फिर समक्ताया था कि जब श्वराज हो जायगा तो देस भर में दूध और घी न विकने वादगा. सबके घर में भैंस गाय होंगी. बाहर से कोई बरीदेगा ही नहीं. दूध घी का रेला पेला होगा. सचमुच ही भारत में दूध की नदियाँ बहेंगी. तुम ने फिर पूछा था हाँ साहब कि अगर किसी का जानवर तुड़ा गया तो क्या होगा ? मैंने कहा था तुम भी खाँ साहब अजीव आदमी हो. एक के यहाँ कुछ कमी होगी तो दूसरे के यहाँ से सौरात में आ जाएगा. मिल जुल कर सब का काम बन्नेगा. लेकिन यार कुछ भी न हुआ, कोई बात भी तो सच्ची होती. जो कुछ हुआ सब उलटा ही हुआ.....''

"लेकिन पंडित इतना तो जरूर हुआ कि देश में दूध ही विकता सबमुच बन्द हो गया." जा साहब ने व्यंग परे स्वर में कहा.

"हाँ भई हुआ तो कुछ जहर ही ! यह दूसरी बात है के बह नहीं हुआ जो कि होना चाहिये था." पंडित जी ने कि ठहाका लगाया. दोनों की ऊँची हंसी डिक्ने में गूँज ही थी. भारत के स्वराज का मजाक कड़ा रही थी. चुनौती रही थी. में इस चुनौती पर सोच रहा था, शायद सारा गरत सोच रहा था. में इन पुराने त्यागियों के स्वराज पर तीचता रहा, नप नेताओं के स्वराज पर सोचता रहा गरत में खुशहाली महज बकवास है, सुख सम्पन्नता महज पना. लेकिन चोर बाजारी, लूट, जोंकपन, रिश्वत, बदमाशों, शासवाजी, जुलम अत्याचार सच्ची बातें हैं, आज के शारत की बातें हैं, आजाद भारत की बातें हैं, आजाद भारत की बातें हैं, माज के शरत की बातें हैं, आजाद भारत की बातें हैं, में उसी उस ह सोच रहा था. और दसी सोच में न जाने कब सोगया.

रात को एक बार पेशाब करने के लिये उठा और बाध स्म से लीट रहा था कि रात के समाटे में कुछ وچارهی وچار نکا دیس کا یه نقشه دی که کر مهریدال پر تو سانب لوت جاتا هی کیکی کها کرن ، بورها هوگها هون ، کچه پس بهی تو نههن چلگا....سوراج که هوا مصهبت آگئی، مهی اگریه سب جانگا تو کبهی بهی گهر بار نه اُجارتا ا نه جهل جانا نه پولیس کی اللهی کهاتا ، اِس بهارت کے لئے تهورے هی هم نے تهاگ کها تها ."

''مجھے بھی کچھ کچھ یاد پرتا ہے ۔ میں سرچتا ہوں میں پھی کٹنا بیرترف تھا اُس وقت ۔ هر ایک سے یہی سوال کیا کرتا تھا ، مجھے اصل میں فکر ہوگئی تھی ۔ تمہیں یاد ہو یا نہ یاد ہو مجھے یاد پرتا ہے کہ میں نے دوسرے دی پھر پوچھا تھا کہ بھئی سرراج کے بعد آخر ہوگا کیا ۔ . . . ؟''

پنتسجی بات کات کر بول اُٹھ۔ ''خوب یاد ہے خان صاحب! آپ کے بار بار پوچھلے سے مجھے بھی چنتا ہوگئی تھی میں نے آپ کو پھر سمجھایا تھا کہ جب سوراج ہوجائے کا تو میں بھر میں دودھ اور گھی نہ پکلے پائے گا ، سمب کے گھر میں بھیلس گئے ہونگی، باہر سے کوئی خریدیکا ہی نہیں، دودھ گھی کا ریا پیلا ہوگا، سچ مچ ھی بھارت میں دودھ کی ندیاں بھیل گی، تم نے پھر پوچھا تھا خان صاحب کہ اگر کسی کا جانور توا گیا تو کھا ہوگا؟ میں ساحب کہ اگر کسی کا جانور توا گیا تو کھا ہوگا؟ میں ایک کے یہاں کچھ کمی ہوگی تو دوسرے کے یہاں سے سوفات میں آجائے گا ، مل جل کر سب کا کام چلے گا ، لیکن یار کیچھ بھی نہ ہوا کوئی بات بھی تو سچی ہوتی ، بہو کچھ ہوا سب اُلٹا ھی ہوا. ''

الهكن هذات أننا تو ضرور هوا كه ديش مين درده كيي بكنا سج مي بند هوگيا. شان صاحب نے وينگ بهرے سور مين كہا .

راس کو پہناب کرنے کے لئے اُٹھا ، بانہ روم سے لیت رہا تھا کہ رات کے سناتے میں کنچہ पर किय गई और मानाज में जरा मानेश भर गया और सन्देंनि फिर बात शुरू की — "लेकिन आज सारे सपने दूट गए......हम ने तुमने जिसके लिये कुरवानी की थी वह भारत कहीं दिखाई ही नहीं पड़ता." बूदे पंडित ने फिर एक ठंडी सांस खींची और किसी विचार में को गए.

खाँ साहब भी दुखी माल्म पड़ रहे थे. शायद वह भी किसी बीते दिन की याद ताजा कर रहे थे. मैं उनकी तरफ टकटकी बांधे देख रहा था. उनकी बुदाई के पास मेरी जवानी को देने के लिये बहुत कुछ था. मैं लेना चाहता था. उनकी उमर मैं लेना नहीं चाहता था, मैं उनका अनुभव लेना चाहता था, उनकी लगन और कुरवानी लेना चाहता था, विकन वा, उनका भाई चारा और प्रेम लेना चाहता था. लेकिन जवानी के पास देने को क्या था—फूट, स्वार्थ, चाल बाजी और द्वेश—मेरी आंख उनसे एक बार मिली और शरम से किताब के पन्नों में गड़ गई.

डिब्बे में सम्राटा था. सब पर नींद अपना जादू फेर रही थी. पंखों की भन भन जरूर कानों में आती थी. फिर भा पूरी शान्ति फैली हुई थी.

"पंडितजी, नैनी जेल में एक दिन खाना खाते वंक्रत की बात याद है न ?"

"हां, हां, खाँ साहब ! मेरे लिये तो वह कर्ल की सी बात है. आप का उस दिन का सवाल भी मुक्ते याद हैं. उस समय तो मैं आप पर हंसा था. लेकिन अब सोचता हूँ कितना मौके का वह सवाल था."

"मेरी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि कुछ याद ही, नहीं रहता. बताओं तो पंडित क्या बात थी. भई अब जिन्दगी में रह ही क्या गया है. बुक्तते चिराग़ हैं हम लोग. यही मिल बैठ के पिछले दिनों की याद के सहारे तो चले जा रहे हैं."

"तुम चिन्ता में इबे हुए आए इस दिन. उदास बैठ
गए. फिर फट से पूछ बैठे कि स्वराज में क्या होगा? सब
लोग इंस पड़े. मैंने भी मन ही मन मोचा था कि लाँ साहब
भी क्या बेवकूक आदमी हैं. लेकिन तुम्हारी चिन्ता देखकर
मेरी हिम्मत मज़क उड़ाने की नहीं हुई. मैंने तुमसे कहा था,
भई जब स्वराज हो जायगा तो हमारे यहां अनाज और
कपड़े की विलकुल कमी न रह जायगी. सब को काफी
कपड़ा मिलेगा. अनाज की रेल पेल होगी. कोई भूका नंगा
न रह पायगा. हमारे देश में कमी ही किस बात की है. यह
तो सब अंगरेज की लूट है जो हम पर गरीबी का राज है.
स्वराज मिलते ही हम अनाज और कपड़े के मालिक खुद
हो जायेंगे. अपनी फकरत पूरी किये बिना दमड़ी की भी
चीज बाहर न जाने पायगी. लेकिन खाँ साहब, वह सब

پر کہنچ گئیں۔ اور آواز میں قوا آویش بیتر کیا اور آنیس نے بھر بات شروع کی۔۔'' لیکن آچ سارے مینے ٹوٹ گئے هم نے تم نے جس کے لئے قربانی کی تھی ولا بھارت کیمں دامائی هی نہیں ہوتا ،'' ہوتھے ہلات نے پھر آیک تملقی سانس کھیلچی اور کسی وجار میں کمو گئے۔

خان صاحب بهی دنهی معلوم پر رهے تھے، شاید ویا بھی کسی بیتے دن کی اد تازہ کر رہے تھے، میں اُن کی طرف لگھککی باندھ دیکھ رہا تھا۔ اُن کی برعائی کے پاس میری جوانی کو دینے کے لئے بہت کچھ تھا، میں لیڈا چاھٹا تھا، اُن کی عمر میں لیڈا نہیں چاھٹا میں اُن کا آئوبھو لیڈا چاھٹا تھا، اُن کی لگن اور قربانی لیڈا چاھٹا تھا، اُن کا بھائی جارہ اُور پریم لیڈا چاھٹا تھا، لیکن تھا، اُن کا بھائی جارہ اُور پریم لیڈا چاھٹا تھا، لیکن جوانی کے پاس دیئے کو کیا تھا ۔۔۔ پھوٹ سوارتھ، چالھازی جوانی کے پئی میں دیگے اُن سے ایک بار ملی اور شرم سے کور دویش ۔۔۔ میری آنکھ اُن سے ایک بار ملی اور شرم سے کھاب کے پئی میں کو گئی .

قاپومیں سفاتا تھا ، سب پر نیقد اُپقا جادر پھیر رھی تھی ، پقعہرں کی بھن بھن قارور کانوں میں آتی تھی ، پھر بھی پرری شانعی پھیلی ہوئی تھی ،

'' ہنڈت جی' نینی جیل میں ایک دن کہانا کہاتے۔ وقعت کی بات یاد ہے نہ؟''

''ھاں' ھاں' خان صاحب! میرے لیے تو وہ کل کی سی یات ھے ۔ آپ کا اُس دن کا سوال بھی متجھے یاد ھے ۔ اُس سمے تو میں آپ پر ھلسا تھا ۔ لیکن آپ سوچھا ھوں کتا موتم کا وہ سوال تھا ۔''

'' میری یاد داشت اننی کمزور هوگئی هے که کچه یاد هی نبهیں رهتا ، بتاؤ تو پندت' کها بات تهی ، بهدی آب رندگی میں ره هی کها گها هے ، بجهتے چواغ هیں هم لوگ ، یهی مل بهتم کے بچهلے دنوں کی یاد کے سهارے تو چھے ها رہے هیں ،'

"تم چنتا میں توپ ہوئے آئے اُس دن ، اُداس بیتہ گئے ، پہر جہت سے پوچہ بیتھ که سوراے میں کیا ہوگا؟ سب اوگ ہنس بوے ، میں نے بھی من ھی من سوچا تھا کہ خان صاحب بھی کیا بیوتوف آدمی ھیں ، لیکن تمہاری چنتا دیکھکر میری ھمت مذاق اُرائے کی نہیں تعہاری چنتا دیکھکر میری ھمت مذاق اُرائے کی نہیں گا تو ھمارے یہاں اناے اور کیڑے کی بالکل کمی نہ وہ جائے تو سب کو کانی کیڑا ملے کا ، اناے کی ویل پیل جائے گی ، سب کو کانی کیڑا ملے کا ، اناے کی ویل پیل چوگی ، کوئی بھوکا نفتا نہ وہ پائے کا ، همارے دیش میں کھی ھی کس بات کی ھے یہ تو سب انگریؤ کی گھی ھی کس بات کی ھے یہ تو سب انگریؤ کی گھی ھی اُنے اور کیڑے کے مانک خود ھوجائیں گے ، اپنی شرورت پوری کئے بنا دسری کی بھی چیؤ باھر ضرورت پوری گئے بنا دسری کی بھی چیؤ باھر ضرورت پوری گئے بنا دسری کی بھی چیؤ باھر ضرورت پوری گئے بنا دسری کی بھی چیؤ باھر

विती सुक्षी इनसानी जावाज मेरे कानों में गूँज चठी— य गंगा माई की !"

पुत पर से जब गाड़ी गुजरती है, देश का कुछ न इस पन फरूर इस नदी के पेटे में दफन कर दिया जाता है. वियां भी कितनी भागवान हैं. नील हो या गंगा या कोई हैर जल घारा, सभी का भाग अच्छा है. इनसान किस किस रह इनकी पूजा करता रहा है. जाज भी वह इनकी जा करता है. पेट काटता है, भूकों मरता है, दुख उहता है, लेकिन गंगा के पेट में कुछ न कुछ जरूर सरा देता है. काश इसके आधा भी इनसान इनसान की जा कर सके, मानवता की भक्ति कर सके ! लेकिन विवासों को किर कौन पूछेगा, उनकी पूजा कौन करेगा, नकी इछा कौन पूरी करेगा यही तो ट्रेजडी है! मैंने मन से वाल किया—आखिर यह लोग क्यों अपना धन इस तरह ।राथ करते हैं ? मेरे मन ने उनकी तरफ से उत्तर दिया— न के हाथों मजबूर हैं—इन्हें रोशनी की जरूरत है, इनकी शरमा को विकास की जरूरत है.

एकाएक धक्के के साथ गाड़ी रुक गई. मैं भी यथार्थ । ताबरन में लीट आया. इधर उधर नजर डाली. दो शिवमी मेरी बराल वाली सीटों पर आमने सामने बैठे थे. में बूदे थे, दोनों कंगे सर थे, दोनों के मुंह पर रोब छाया आ था. इड्डी की जीड़ाई और बुदापे में सुरखी साफ बता ही थी कि जरूर उन्नीसवीं सदी के माडल हैं. पांव सेर जा बी लाने वालों की ऐसी शकत होती थी. अब ता ऐसी शकतें अजायब घर की जीजें हैं. भाग से ही कहीं देखने हो मिल जाती हैं. मैंने उन पर आँखें गड़ा दीं. उनके इनाबे उदावे, शकत सूरत और हाव भाव में कोई खास मन्तर नहीं था. सन-सी सकेद दादियां दोनों के चेहरों पर खि कीहवा से लहरा रही थीं. मैं उस समय तक कुछ न जान सका कि वह कीन हैं और क्या हैं जब तक उन्होंने हुद ही बात करनी शुरू न कर दी—

"कहो, पंडित! जेल की पहली मुलाकात याद है न ?" "जीवन के अंग को कभी भुलाया भी जा सकता है मैं साहब. क्या जमाना या वह भी और हम लोग भी या थे." बूदे पंडित ने ठंडी सांस लेते हुए कहा और इस रह की मुद्रा बनाई जैसे सारा अतीत उनके सामने एक गर नाच गया हो.

कुछ देर जुप रहने के बाद खाँ साहब ने फिर कहा— 'आज जब में उस बक्तत की बातों को बाद करता हूँ तो दंशी आती है पंडित जी. जुमाना ही बिस कुल बदस गया."

"बह तो परलोक की बातें हो गई हम लोग क्या बचा सोबते थे, क्या सपने देखते थे. लेकिन.....'' दुख बंदित की आंखों से टपकने लगा, निराशा की रेखाएँ माथे ملی جلی انسانی آواز مهرے کائیں میں گونیم اُٹھی۔۔ "جے کلکا مائی کی ! "

پل پر سے جب کاری گزرتی ہے' دیش کا کچھ نہ کچھ دعیں ضرور اِس ندی کے پیٹے میں دفن کردیا جاتا ہے .

ندیاں بھی کتنی بھاگواں میں . نیل ہو یا گنکا یا کوئی اور چل دھارا' سبھی کا بھاگ اچھا ہے . انسان کس کس طرح اِن کی پوجا کرتا رہا ہے . آج بھی وہ اِن کی برجا کرتا رہا ہے . آج بھی وہ اِن کی سہتا ہے' لیمن گنکا کے پیت میں کچھ انہ کچھ ضرور سپتا ہے' لیمن گنکا کے پیت میں کچھ انہ کچھ ضرور سوا دیتا ہے . کاش اِس کے آدھا بھی انسان انسان کی پوجا کرسکے! لیمن دیوتاؤں پوجا کرسے؛ مانوتا کی بھگتی کرسکے! لیمن دیوتاؤں کو پھر کون پوچھ کا اُن کی پوجا کون کرے گا اُن کی اِچھا کون پوچھ کرے گا اُن کی پوجا کون کرے گا اُن کی طرف سے اِچھا کون پوچھ کی ایک آدھ یہ سوال کیا۔ آخر یہ لوگ کیوں اپنا دھن اِس طرح خراب کرتے ہیں ؟ میورے مین نے اُن کی طرف سے اُتر دیا۔۔۔من کے ماتھوں محجبور ہوں۔۔۔اِنھیں راشلی کی ضرورت ہے ، اُن کی آدر دیا۔۔۔من کے ماتھوں محجبور ہوں۔۔۔اِنھیں راشلی کی ضرورت ہے ، اُن کی آنما کو وکاس کی ضرورت ہے .

ایکایک ایک دهکے کے ساتھ گاری رک گئی ، میں بھی یہ ایتھارتھ واتا ورن میں لوت آیا ، اِدهر اُدهر نظر دالی ، دو ادمی مهری بغل والی سینترس پر آسنے سامنے بینتھ تھ ، دونوں بورھے تھ ، دونوں ننگے سر تھ دونوں کے منه پر وعب چھایا هوا تھا ، هذی کی چورائی اور بوهای میں سرخی صاف بنا رهی تھی که ضرور اُنیسویں صدی کے مادل هیں ، پانچ سیر کا گھی کھانے والوں کی ایسی شکل موتی تھی اب تو ایسی شکلی عجائب گھر کی چیزیس هیں ، بھاک سے هی کہیں دیکھنے کو مل جانی میں ، میں فیرت اور هاو بھاو مهی کوئی خاص انتر نہیں تھا ، سن سی سورت اور هاو بھاو مهی کوئی خاص انتر نہیں تھا ، سن سی سفید دارهاں دونوں کے چھروں پر پلکھے کی هوا سے لھرا رهی تھی ، میں اس سے تک کچھ نه جان سکا که ولا کون هیں ، ور کیا هیں جب تک اُنھوں نے خود هی بات کون هیں اور کیا هیں جب تک اُنھوں نے خود هی بات کونی شروع نه کر دی ۔۔۔

'' کہو' پندس ! جہل کی پہلی ملاقات یاد ہے نہ؟'' '' جہوں کے انگ کو کبھی بھلایا بھی جا سکتا ہے خاں صاحب ، کہا زمانہ تھا وہ بھی اور ہم لوگ بھی کھا تھے ،'' ہوڑھے پندس نے تھندسی سانس لیتے ہوئے کہا اور اِسطرے کی مدرا پنائی جہسے سارا انہت اُن کے ساملے ایک بار ناے گھا ہو .

کچھ دیر چپ رھلے کے بعد خان صاحب نے پھر کہا۔۔
'' آج جب میں اُس وقت کی ہاتوں کو یاد کرتا ھوں تو مدسی آتی ہے پلائت جی ، زمانہ ھی بالکل بدل گیا ،''
'' وہ تو پراوک کی ہانیں ھوگئیں ۔ ھم لوگ کیا سوچھے تھے کیا سپلے دیکھیے تھے ، لیکن ۔۔۔۔۔'' کیا سپلے دیکھیے تھے ، لیکن ریکھائیں ماتھے دیکھیائی آنکھوں سے ٹیکٹے لگ' نراشا کی ریکھائیں ماتھے

कहना चाहते हैं?'' धनकी मुद्रा से गुस्सा खौर चुनैती का पता चल रहा था.

"मैं कुछ नहीं कहूँगा. जाय ही सोविये. मैं क्रानून की बात नहीं करता. सिर्फ भाई-बारे के नाते कहता हूँ....."

"आपं क्या चाहते हैं, साफ साफ क्यों नहीं कहते ?" मुख्याहट अरे स्वर में उन सज्जन ने सवाल किया.

"मैं कानून की बात नहीं करता हूँ सिर्फ सदाचार की निगाद से......"

''भापका मतलब है कि हम चार वर्थ छोड़ दें.''

'जैसा आप ठीक सममें. मैंने कहा न कि मैं कान्त की बात नहीं कर रहा हूँ. सिर्फ आप के भाई बारे और न्याय से अपील कर रहा हूँ. आप जो ठीक सम्भिये कीजिये. मैं कुछ कह नहीं रहा हूँ. माफ कीजियेगा मैं आप से कह भी कैसे सकता हूँ. आप ही विचार कीजिये. आप लोग तो जनता के आदमी हैं. आप को तो क्रट चठाकर लोगों को आराम पहुँचाना चाहिये.....माफ कीजियेगा मैं कुछ कहता नहीं हूँ. जो आप ठीक समर्भें. देखिये न एक मुसाफिर को बैठने तक के लिये सीट नहीं हैं. चसने पैसे सर्च किये हैं और आप ढाई टिकट में आधे डिब्बे पर कब्जा जमाए हैं. आप ही सोचिये न."

'जैसा आप किह्ये.'' खहर धारी सज्जन के स्वर से ज्ञाटपक रही थी.

"मैं कुछ नहीं कहूँगा. जो आपका सदाचार और भाई चारा कहे !'' अन टिकट कलक्टर की आवाज में व्यंग भर गया था.

मुक्ते इस बात चीत से दिलचस्पी पैदा हो गई. एक टिकट कक्लटर एक खट्टर धारी के सदाचार और, उसके इन्साफ से अपील कर रहा था. उसके मन को, उसकी आत्मा को जीतने की कोशिश कर रहा था. लेकिन खादी के मोल के नीचे आत्मा नहीं थी, अधिकार था, स्वार्थ थ'. कांगरेसी सज्जन ने चादर खोलकर ओढ़ ली और चुप हो गए. उनका यह मौन उत्तर था—''वकवास बन्द करो, हम लाखों को रोज यह पाठ पढ़ाते हैं, इन चीजों से लोगों को सूब बेबक्कफ बनाते हैं, तुम चले हो हमारा ही जादू हम पर आजमाने.'' टिकट कजक्टर उनको इस बेशरमी पर इकित खड़ा रहा. उसके चेहरे पर एक कटोली मुस्कराहट थी और उस मुस्कराहट में छिपा हुआ मेरे लिये एक संदेश.

म जाने कब तक मैं खोया रहता कि गाड़ी फाफामऊ के पुत्त पर जा गई. तगा शोर मचने. मैंने आंख बन्द कर ती, कामों में उगली ठूँम ली. मन ही मन कोसने संगा—कमबस्त यह शोर जतम भी हो—इस शोर में المِنْهِا جاهيَّ هيں؟" أن كى مدرا سَ قصة أرر جائوتي كا يته

ورآپ کا مطلب ہے کہ هم چار برته چهور دیں."

"جهسا آپ تهیک سمجهیں . میں نے کہا نہ کہ میں فائرن کی بات نہیں کر رها هوں . صرف آپ کے بہائی جارے اور نهائے سے اپیل کر رها هوں . آپ جو منعائی سمجھئے کہ بھیں کچھ کہ نہیں رها هوں . منعائف کیجھئے کا میں آپ سے کہ یمی کیسے سکتا هوں . آپ کو تو کشت آبها کو لوگ تو جفتا کے آدمی هیں . آپ کو تو کشت آبها کو لوگوں کو آوام پهونچانا چھیں . آپ کو تو کشت آبها کو لوگوں کو آوام پهونچانا چھیں . جو آپ تهیک سمجھیں . دیکھئے نه ایک میسافر کو بھٹھئے تک کے لئے سمت نہیں ہے . اُس نے میسافر کو بھٹھئے تک کے لئے سمت نہیں ہے . اُس نے میسافر کو بھٹھئے تک کے لئے سمت نہیں ہے . اُس نے میسافر کو بھٹھئے تک کے لئے سمت نہیں ہے . اُس نے میسافر کو بھٹھئے جمائے هیں ، آپ هی سوچئے نہیں میں آدھے ذیا

۔ ''جہسا آپ کہگئے،'' کہدر دھاری سعون کے سور سے لیجا ٹیک رھی تھی ،

رامیں کچھ نہیں کہونگا، جو آپ کا سداچار اور بہائی چارہ کھے!'' اب تکت کلکٹر کی آواز میں رہائی بہرگیا تھا،

محجمے اِس بات چہت سے دلحجسپی پیدا ہوگئی، ایک تعدی کائٹر ایک کهدر دھاری کے سداچار اور اُس کے انصاف سے اپیل کر رھا تھا، اُس کے من کو اُس کی آتما کو جہتلے کی کوشش کر رھا تھا، لیکن کھادی کے جھوال کے نہتچے آتما نہیں تھی اُدھیکار تھا سوارتھ کے جھوال کے نہتچے آتما نہیں تھی اُدھیکار تھا سوارتھ لی اُور چہر ہوگئے اُن کا یہ مون اُنٹر تھا ''یکواس بلد کرر' چہر کوپ کو ررز یہ یاٹھ پڑھاتے ھیں' اِن چھڑرں سے لوگرں کو نےوب بھرتوف بلاتے ھیں' تم چاہے ھو ھمارا ھی جادو کے خوب بھرتوف بلاتے ھیں' تم چاہے ھو ھمارا ھی جادو کے خوب کہوا رھا، اُس کے جہرے پر ایک کھیلی مسکراھت میں چھیا ھوا مھرے مسکراھت تھی اور اُس مسکراھت میں چھیا ھوا مھرے فیلے اُلے اُلے سندیش،

ند جانے کب تک میں کھویا رھتا که گاری پھاپھامئو کے پل پر آگئی ، لٹا شور منچدے میں نے آنکھ بلد کولی' کانوں میں انگلی ٹھونس لی ، من ھی من کوسلے لپاسکیبطت یہ شور ختم بھی ھو ۔۔۔ اِس شور میں ारह सबे हो गए जैसे कोई बिना टिकट मुसाफिर किसी हेक्वे में घुसता है और अपने में छुट वहम अनुभव करके तहमा सहमा इधर कथर दबक कर बैठ आने की कोशिश किस समा अप क्या रहता है. उन्हें बेटिकट मुसाफिर हरगिज़ा ही समझा जा सकता था. उनकी वरदी ही सफाई की वाह थी. पांच मिनट के बाद उन्होंने मुसाफिरों से टिकट मांगना शुरू कर दिया. में डिक्बे के बीच में आसन जमाए हा. मेरा टिकट देख कर वह मेरे दाहिने हाथ की तरफ हर एक मई लेटा था. दूसरी पर एक औरत ने क्रन्ज़ा जमा आ या. बाकी दोनों बरथों पर छोटे छोटे अनगिनत बच्चों वासन जमा रखे थे. जैसे ही टिकट कक्षक्टर ने उधर हा कल किया, अपर की वर्ष से एक सजन ने मुक कर कहा—"यह लीजिये."

दिकट कसक्टर टिकट देखने लगा. मेरी नज़र उन सज़न की तरफ गई. सफ़ेद खादी में सजे हुए थे. आंख पर मोटे फ़रेम का घरमा चढ़ा हुआ था. सर पर आड़ी तिरख़ी रोपी थी और होटों की सुरख़ी बता रही थी कि पान भी जाते हैं. मैंने अनुमान किया, हो न हो कोई छोटा मोटा कांगरेसी नेता ही हो सकता है. 1947 के बाद यह चिकनाहट और यह हुतिया उनकी ही हो सकती है.

''बारों वर्थ पर आप दी लोग हैंं ? के क्लक्टर ने पूछा.

"जी हाँ."

...

''लेकिन टिकट तो आप ने कुल डाई ही लिये हैं." ''जी. बाकी बच्चे हैं और तीन बरस से छोटे हैं.''

टिकट कलक्टर ने एक बार उन्हें चूर कर देखा. चेहरे से ऐसा लगा कि वह कहना चाह रहा हो—हुजूर, मुके सब क़ानून मालूम है. क़ानून की बात न कीजिये तो अच्छा है—लेकिन न जाने क्यों उसने वह नहीं कहा जो शायद वह कहना चाहता था. नौकरी जाने का ग़ज़ब का ढर होता है. मुसाफिरों के लिये वह क्यों मुसीबत मील ले. खहर धारी के मुकाबले पर क्यों आप. अधिकार के छत्ते को क्यों छेबे. कहीं इन सज्जन ने भूट मूट किसी अफसर से कुछ कह दिया तो उसकी कीन मुनेगा. फौरन बोरिया विस्तर बंध जायगा. शायद कुछ मिनंट की खामोशी इसी अधेद बुन की बजह से थी. वह वहीं खड़ा था और वह सज्जन रह रह कर उसकी तरफ देख रहे थे.

धास्त्रिरकार स्नामोशी दूरी और टिकट कलक्टर ने कहा—"मैं कुछ न कहूँगा, आप ही सोचिये." उसकी आवाज से आत्मा की घुटन की बूजा रही थी.

बहुर धारी सज्जन बोले- "कहिये कहिये, क्या

قیے میں ایس آئے، پہلے وہ دروائے ہو آکر اِس طرح کورے مولئے جیسے کوئی بنا تعت مسافر کسی دیے میں کیستا ہے اور ایے میں جیست وہم انوبیو کر کسی دیے میں کیسما ردھر اُدھر دیک کر بیتہ جانے کی کوشش میں کچھ دیر کہوا رهتا ہے. اُنہیں بے تکت مسافر ھرگز کیا تھیں سمجھا جا سکتا تھا . اُن کی وردی ھی صفائی کی کوالا تھی ، پانچ منت کے بعد اُنہوں نے مسافروں سے تکت مانکنا شروع کر دیا . میں دیے کے بیچے میں اُس جمائے تھا . میرا تکت دیکھکر وہ میرے داھلے ھاتھ کی طرف تھا . میرا تکت دیکھکر وہ میرے داھلے ھاتھ کی طرف لیک ہرا ایک عورت نے لیک کو لیک عورت نے اُس جمائے اُن گفت بچوں نے آسن جما رکھے تھے ، جیسے ھی تکت کیکٹر نے اُدھر کا رہے کیا اور کی برتھ سے ایک سجن نے اُن گفت بچوں نے آسن جما رکھے تھے ، جیسے ھی تکت کیکٹر نے اُدھر کا رہے کیا اور کی برتھ سے ایک سجن نے کیکٹر نے اُدھر کا رہے کیا اور کی برتھ سے ایک سجن نے حیک کی کیا ۔" رہے لیجگے ."

تُکتُ کُلکڈر تُکت دیکھٹے لکا ، مھری نظر اُن ستجن کی طرف گئی ، سنود کھادی میں ستچے ہوئے تھے ، آنکھ پر موٹے فریم کا چشت چڑھا ہوا تھا ، سر پر آڑی توجھی توبی تھی اور ہونگوں کی سرخی بانا رہی تھی که پان بھی کھاتے ہیں ، میں نے انومان کھا' ہو نه ہو کوئی چھوٹا موڈا کانگریسی نیاتا ہی ہوسکتا ہے ، 1947 کے بعد یه چکاہت اور یہ جایه اُن کی ہی ہوسکتی ہے .

" چاروں برتھ پر آپ ھی لوگ ھیں؟ " تعت کلعثر نے پوچھا ،

" جي هان ، "

" ليكن تكت تو آپ لے كل تھالىھىلئے ھيں ."

" جي التي بنج هيل أور تين برس سے جهوائے

تکت کلکتر نے ایک بار اُنہیں گھور کر دیکھا ، چھرے

یے ایسا ایما کہ وہ کہنا چاہ وہا ہو ۔۔۔ حضور ' مجھے سب
قانوں معلوم ہے ، قانوں کی بات نہ کیجگہ تو اچھا ہے۔۔۔
لیمی نہ جائے کیوں اُس نے وہ نہیں کہا جو شاید وہ کہنا
کے لیمے وہ کیوں مصیبت مول لے، کھدر دھاری کے مقابلے یو
گیرں آئے ، ادھیکار کے چھتے کو کھوں چھھڑے ، کھش اِن
سجن نے جھوت موت کسی افسر سے کچھ کے دیا تو اُس
کی کوں سنے گا ، فوراً بوریا بستر بندھ جائے گا ، شاید
تجھ منت کی خاموشی اِسی اُدھی بن کی وجه سے تھی۔
تو وہیں کھڑا تھا اُور وہ سجن وہ کو اُس کی وجه سے تھی۔

رہے تھے ، آخرکار خاموشی توتی اور تکت کلکٹار نے کہا۔۔۔ '' میں کچھ نے کہونکا' آپ دی سوچئے ۔'' اُس کی آواز سے آتما کی گھٹن کی ہو آ ردھی تھی ،

तो क्या सोखता, आज सोखता हूँ इच्छा जी कितनी प्रवत्त हैं. में स्टेशन से दो ती गज और आगे बद गया. रास्ते में होटल हैं, जन पर रेडियो बजा करते हैं. पटरी पर नटों के डेरे क्यों होते हैं. लेकिन मुम्मे किसी का पता नहीं चला, किसो का ज्ञान नहीं हुआ. मेरे लिये जैसे उस समय कोई वीज मौजूद ही नथी. एक रिक्शा बाला ज्ञन्नाटे से चला आ रहा था. मैंने पूछा—"राम बाग स्टेशन चलोगे?" उसने लाज्जुथ से कहा—'राम बाग?……राम बाग? …… यह राम बाग ही तो है." मैंने कौरन गलती भांप ली और बोला—''नहीं भई प्रयाग, प्रयाग."

रिक्शा ते जी से सड़कों की छाती को रौंदता हुआ चला जा रहा था. वह किन सड़कों से गुजर रहा था उस समय मुफ्ते यह भी पता न था. मेरी आंखें घड़ी पर ठहरी थीं और बार बार मुंह से निकल जाता था— ''रिक्शे वाले तेज बलाओ'' शायद रिक्शे वाले ने मेरी बेचैनी भांप ली थी. वह सिर्फ इतना कह कर चुप हो जाता था— "वस आ गया प्रयाग, प्रयाग ही तो है आगे, मिन्टों में पहुँचाता हूँ बाबू जी, मिन्टों में."

दिमागी डलभन और अशानित साथ लिये मैं प्रयाग स्टेशन पहुँच गया. मेरी घड़ी के अनुसार सिर्फ दो मिनट गाड़ी छुटने में थे. जल्दी जल्दी टिकट खरीदा. भागता हुआ। देतेटकारम पर पहुँचा. वहाँ गाड़ी मौजूद नहीं थी. जान सी ही निकल गई. कमजोर दिल होता तो जरूर दौरा पड़ गया होता. मैंने पागलों की तरह एक कुली से पूछा—"लखनऊ की गाड़ी चली गई क्या ?" वह दो सेकेन्ड चुप रहा, मेरी तरफ देखता रहा और फिर बोला—"अभी चार पाँच मिलट की देर है आने में." दम में दम आया. टहलता हुआ स्टेशन मास्टर के कमरे की तरफ गया. घड़ी पर नजर डाली. मेरी घड़ी पाँच मिनट तेज चल रही थी. मेरे मुँह पर हँसी दौड़ गई और मैंने मन ही मन कहा—चलो एक तो कायदा हुआ तेज घड़ी रखने से.

गाड़ी आते ही बिना खाली डिब्बे का लालच किये हुए में एक इन्टर क्लास के डिब्बे में मट घुस गया. सारी बरशें पर लोग बिस्तरा बिछाए हुए थे. कोई जगह दिखाई न पड़ी. अभी घत्रराहट का पसीना सूखा नहीं था. थकावट ने मेरी डमंग और ताज़गी छीन ली थी. मैं लेटना चाहता था. कर्श पर ही होल्डाल खोल दिया. मुमे अजीब से खुशी महसूस हुई. इस खुशी में मस्ती नहीं थी फिर भी यह खुशी ही थी—बाधाओं से लड़ाई जीतने की खुशी! मैं लेटे लेटे फिर सोचने लगा—अगर मैं इसी वक़्त तार न पढ़ता, अगर गाड़ी न मिखती, तो क्या होता.....??

4 2

Surviving Mark 1

प्रयाग स्टेशन से गाड़ी जैसे ही रेंगी एक नए साहब

ا آج سوچا هو اِچها بهی کندی پربل هے، مهل دو سو کو اور آلے بوه گها ، راستے مهل هوتل و ریدیو بجا کوتے ههل ، پتری پر نترل کے دیرہے س ، لیکن مجھے کسی کا پتہ نہیں چھا کسی کا موا ، مهرے لئے جیسے اس سے کوئی چهز نہ تهی ، ایک رکشا والا زناتے سے چھا آرها تها ، وچها --" رام باغ استهشی چلو گے آ"، اُس و کہا--" رام باغ استهشی چلو گے آ"، اُس کہا--" رام باغ آستهشی چلو گے آ"، اُس یہ کہا--" رام باغ استهشی بیدو گو گا کا اور یہائی پریاگ ، پریاگ

وی سے سرکوں کی چھاتی کو روندتا چلا جا رھا سرکوں سے گزر رھا تھا اُس سیے محجھے بہ بھی میری آنکھیں گھری پر ٹھھری تھیں اُور بار نکل جانا تھا ۔ '' رکشے والے تیز چلاؤ '' شاید ی میری بے چیلی بھانپ لی تھی ، وہ صرف چپ ھوجاتا تھا ۔۔'' بس آئیا پریاگ پریاگ کے ملتوں میں پہونچاتا ھوں بابو جی۔

استهشن سكارى جهسدهى دينكى ايك ندر احب

की बात ही सामने न आती थी. मट से घडी पर नजर बाली. सवा दस बज चुके थे, मन के जलते तथे पर जैसे किसी ने पानी डाल दिया. ऊपर की सांस ऊपर चौर नीचे ्र **की सांस**्मीचे रह गई. मेरा दिमारा भन्ना चठा. माँ मलाहट ने मान बद्ल दिये. मैं जल्दी घषराता नहीं हूँ लेकिन न बाने क्यों घबराहट ने मुक्ते आ द्योचा-शान्ति जो मुक्त से छिन गई थी!! मुक्ते ऐसा लगा, अगर मैं लखनऊ न पहुँचा तो तेज को फांसी हो जायगी, मैं उस से फिर कभी न मिल सक्रा. जाशा जीर निराशा की चोटें दिमारा में चल रही थीं. इतों में सैकड़ों तरकी में मेरे दिमाश में आई. और सनीमा के परदे के समान दिमारा के पटल को कोरा छोड़ कर चली गईं. इलाहाबाद स्टेशन से दस बज कर बाईस मिनट पर गाड़ी जाती थी. वहां इस समय पहुँचना नाममकिन था. यकवारगी दिमारा में विचार आया क्यों न प्रयाग स्टेशन से कोशिश करूं. संजोग ही तो है. शायद गाही मिल जाय.

मुक्त में विज्ञली सी भर गई सेरे पट्टे ख़ुद वख़ुद काम में लग गए. मुक्त में एक फुरती थी जो इस से पहलें मैंने कभी अनुभव नहीं की थी. विस्तरा बांधा और एक कोला लेकर रिकशा की खोज में चल दिया. दरवाजा बन्द किया या नहीं इसकी सुध नहीं थी. उस समय मेरे दिमाज में एक ही विचार था— मुक्ते लखनऊ जरूर पहुँचना चाहिये— मेरा दिमाज इर समय कुछ न कुछ सोचा करता है. उस वक्षत सोचने का अवसर नहीं था. सारी शक्तित खिंच कर पैरों में आ गई थी. पल पल मुक्ते घंटों माल्म हो रहे थे. उलक्षत बढ़िती ही जा रही थी. मैं दौड़ हरगिज नहीं रहा था लेकिन फिर भी सांस ऐसी ही तेज थी जैसे सी गज़ की दौड़ लगा रहा हैं.

बाधाएँ इकट्ठा रास्ता रोकती हैं और जब हटने लगती हैं तो इकट्ठा हट भी जाती हैं. कीन जानता था कि इस समय चौराहे पर रिक्शा भी न मिलेगा. इधर उधर नजर घुमाई दूर दूर किसी रिक्शे का नाम निशान न था. सोचने और इन्तजार के लिये वक्त कहाँ था. मैं राम बाग स्टेशन पहुंच गया. वहाँ तो रिक्शा मिलना ही चाहिये था. लेकिन संजोग को क्या कहा जाय. वहाँ भी मैदान साफ था. निराशा का घोर अधियारा मेरे सामने छा गया. मेरी कनपटी जलने लगी. नाक के बजाए मैंने मुँह से सांस लेना शुरू कर दिया. अधिक थकावट के कारन खूद बखुद मेरे मुँह से सांस निकलने लगती हैं. आँखों में आँसू डब डबा रहे थे. कोई मेरी शकत देखता तो जरूर पागक समक कर कतराने की कोशिश करता, लेकिन मुक्ते हरगिज हरगिज खबर न होती. मेरा ध्यान ही किसी तरफ नहीं जा सकता खबर न होती. मेरा ध्यान ही किसी तरफ नहीं जा सकता खबर न होती. मेरा ध्यान ही किसी तरफ नहीं जा सकता

لی یات می ساملے تو آتی تھی۔ جھٹ سے گھڑی ر نظر ڈالی ، سوا دس بچ چکے تھے ، من کے جاتے وے پر جھسے کسی نے پانی ڈال دیا۔ اوپر کی سانس اوپر اور نهجے کی سانس نیجے وہ گئی۔ میرا دماغ بهللا تها' جهنجهاهت نے به و بدل دیئے . میں جلدی کهبرانا نهیں هرر لهای نه جائے کیوں گهبراهت نے مجے آ دیوها - شانعی جو محم سے چین کئی تھی !! محمد ایسا عا الرميس لكهدؤ نه پهونچا تو تهيج كو پهانسي هوجائد لی' میں آس سے پھر کبھی نعمل سکوں گا. آشا ارر نواشا کی چوتیں دماغ میں چل رهی تهیں ، چهلوں میں سیکوں ترکیبیں میرے دماغ میں آئیں اور سلیما کے بردے کے سمان دماغ کے پدل کو کورا چھوڑ کر چلی گئیں . العآباد استهشن سے دس بجکو بائیس ملت پر نازی جانی تھی ۔ وہاں اِس سیے پہوندچذا ناممکن تها . يكهاركي دماغ ميروچار آيا كيون نه پرياك استيشن سے کوشش کروں ، سنجوگ هی تو هے ، شاید گاری مل جائے ،

مجھ میں بجلی سی بہر کئی میرے پتھے خود بخود کام میں لگ گئے مجھ میں ایک پہرتی تھی جو اِس سے پہلے میں لگ گئے مجھ میں ایک پہرتی تھی اِندھا اور ایک جہولا نے کر رکشا کی کھوج میں چل دیا ، دروازہ بند کیا یا نہیں اُِس کی سدھ نہیں تھی ، اُس سے مہورے دماغ میں ایک ھی رچار تھا ۔۔ مجھے لکھلؤ شورر پہونچلا چاھئے ۔۔ میرا دماغ ھو سے کچھ نه کچھ سوچا کرتا ہے ، اُس وقت سوچئے کا اوسر نہیں تھا ، ساری شکتی کھنچ کو پھروں میں آگئی تھی ، پل پل مجھ شکتی کھنچ کو پھروں میں آگئی تھی ، پل پل مجھ گھنٹوں معلوم ھو رہے تھے ، الجھن بڑھٹی ھی جا رھی تھی ، میں دوڑ ھرگؤ نہیں رھا تھا لیکن پھر بھی سانس تھی ، میں دوڑ ھرگؤ نہیں رھا تھا لیکن پھر بھی سانس ایسی ھی تھڑ تھی جیسے سو گؤ کی دوڑ لگا رھا ھوں .

بادهائیں انتہا راسته روئتی هیں اور جب متنے لگتی هیں نو انتہا هت بھی جاتی هیں ، کون جانتا تہا که اِس سبے چوراهے پر رکشا بھی نه ملے گا ، ادهر اُدهر نظر گهمائی دور دور کسی رکشے کا نام نشان نه تھا ، سوچئے اور انتظار کے لئے وقت کہاں تھا ، میں رام باغ استیشن پہونچ کھا ، وهاں تو رکشا ملنا هی چاهئے تھا ، لیکن سنجوگ کو کھا کہاجائے ، وهاں بھی میدان صافتها ، نراشا کا گهرر اُندهیارا میرے سامئے چھا گیا ، مهری کفیتی جلئے لگی ، ناک کے بچ ئے میں نے مقه سے سانس لینا شروع کر دیا ، ادهک توکاوت کے کارن خود پخود میرے مندی مندی کھرانے کی کوئی میری شکل دیکھتا تو ضرور پاگل سمجھکر رہے تھے ، کوئی میری شکل دیکھتا تو ضرور پاگل سمجھکر رہے تھے ، کوئی میری اُونا اُلیکن مجھے هرگز هرگز تھا ، پربل اِچھا نے محجھ ہے قابو کر دیا تھا ، اُس سیے تھا ، پربل اِچھا نے محجھ ہے قابو کر دیا تھا ، اُس سیے تھا ، پربل اِچھا نے محجھ ہے قابو کر دیا تھا ، اُس سیے

मैं सारा गुस्सा मूझ गया. चीचाँ की ठीक रखने के मन ही मन वार्दे शराची की वार्तों की तरह रकदम दिमारा से कतर गए. लेकिन देवताओं को कब यह पसन्द था. चन्होंने पहले से ही साजिश कर रखी थी. मन में शान्ति निवास करेगी तो उन का गुजर कहां होगा ! दरवाजे के दरारे से गिरा हुआ एक तार दिखाई पड़ा. मेरा नाम क्यों म्बों विसावट में जपर लिखा था. बरसों से पढते पढते और लिखते लिखते औरन अपना नाम पह लेने की बादत सी पह गई है. किसी तरह भी लिख दीजिये मैं अपना नाम वो पद ही खंगा. हर खराव विखावट वाला जरूर कुछ न कुछ वहा आदमी होता है. मैं भी बड़ा आदमी हूँ. लेकिन अगर बहुत से बड़े भादमी हो जाएं तो बहुप्पन में मजा ही क्या. भला जमघट को कभी किसी ने पूछा है. गुढ घंटाल अपनी बानी में कह गए हैं 'जो कुछ भी रही अकेले रहो, यही सफलता का गुर है.' जिस क्लर्क ने मेरा नाम किला था वह भी बढ़ा **भादमी माक्रम होता था. जिस्तावट देखते ही मेरा पारा** चढ गया. मैं तो में यह कम्बखत कहां से आ गया. बड़ों से एक की जियादती मेरे लिये सहन से बाहर है. दूसरे इस बात पर भी गुस्सा आ रहा था कि इतनी रात गए तार क्यों आया है. पहले तो बेनाम निशान तार देने वाले को मैंने कोसा. फिर उस आदमी को कोसने लगा जो इस रात में बाराम करने के बजाय तार बांटता फिरता है-कोई मीज से सोता है और कोई उसकी सेवा के किये रात भर जागता है, यही तो इस जग का नियम है. तार का सतलव ही है कि कोई न कोई असाधारन बात है. नहीं तो किस के पास इस महंगाई में पैसे बढ़े हुए हैं. मैं इस समय किसी असाधारन घटना के लिये तैयार न था. मैं सोना चाहता या, दिमारा की शान्ति चाहता था, मन की शान्ति बाहता था. लेकिन धत तेरी जिज्ञासा की ! एक भी न चली. लाख कोशिश की कि तार चठाकर रख दूं, सबुह फ़रसत से खोल जूँगा, लेकिन इच्छा तेज होती गई. तरह तरह के बहाने गढ़ने शुरू कर दिये. मेरा चाराम चैन क्रिन गया. जिस बात से हर रहा था चा खिर बही सामने चाई. लगी दिमारा में धमा चौकड़ी होने. इच्छा के आगे घटने टेकने ही पड़े. तार खोला. लिखा था—"मामला बहुत गर्मीर तुम्हारा जाना बहुत जहरी तेज."

तेज बहादुर मेरा पुराना दोस्त है. मेडिकल कालेज में तीखरे साल में पद्वा है. में उसकी आदत जानता हूँ. बिना मतलब तो वह जत भी न लिखता तार देने की कौन कहे. मैं सोबने लगां जहर मामला गम्भीर है. मुके लबनऊ जरूर जाना चाहिये. दिमारा में जैसे एक ही धुन धुस गई, मन में एक ही इच्छा समा गई—मुके लखनऊ जरूर जाना चाहिये और कौरन जाना चाहिये—रूपरे एक

غصه يهول کها ، جهزون کو گهوکنه رکهنے کے ص دے شرابی کی ہاتوں کیطرے ایکدم عمام سے اُتر ن دیوتاوں کو کب یہ یسلد تھا ۔ اُنہوں نے پہلے ازهی کر رکھی تھی ، من میں شانعی نواس کرے ، کا کزر کہاں ہوگا! دروازے کے درارے سے گرا ہوا دُنهائي ورا . ميرا نام چيون ميون لکهاوڪ مين ہا . برسوں سے پوھتے ہوھتے اور لکھتے لکھتے فوراً ہ لیلے کی مادت سی پرکگی ہے ۔ کسی طرح بھی ، ميں اپنا نام تو يوء هي لونكا . هر خراب لكهاوت عجه نه کچه بوا آدسی هوتا هے . مهن بهی بوا ں ، لیکن اگر بہت سے ہوے آدمی هوجائیں مهی موا هی کها ، پهلا جمگهت کو کیهی کسی ہے ، کرو کہ مقال اُدھی بانی میں کہ کئے ھیں بهی رهو انهای رهوا یہی سپهانگا کا کر هے ، پس ميرا نام لكها تها ولا يهى يرا أهمى معلوم هوتا بارت دیکهای هی میرا باره چوه کها . میں یہ کمبضت کہاں سے آگھا ، موں مهن لیک ر مهرے لئے سہن سے ہاھر ھے ، دوسرے اس بهي فصد آرها تها كه اتدى راس كيُّم تار كهون آيا ہ تو یے نام نشان تار دینے والے کو مھی نے کوسا آدمے کو کوسنے لگا جو رات کو آرام کرنے کے ر بانٹندا پھرتا ھے۔۔۔کوئی موج سے سوتا ھے اور کوئی سہوا کے لئے رات بھر جائتا ہے یہی تو اِس ہم ہے ، تار کا مطلب ہی ہے کہ کوئی تھ کوئی ، بات ہے ، نہیں تو کس کے پاس اِس مہلاائی نسے برھے ھرئے ھیں ۔ میں اِس سمے کسی اً گھٹٹا کے لیئے تیار نہ تھا ، مھی سونا جاھٹا غ کی شانعی چاهتا تها' من کی شانعی جاهعا كن دهت تيري جكياسائي! أيك بهي نه جاي. یں کی که تار اُٹھاکر رکھ دوں' سمعم فرصت سے ناماً لیکن اچها تیز هوتی کئی، طرح طرح کے وهد شروع كرديد ، ميرا آرام چهن چهن كها، ت سے قرر رها تها آخر وهی سأملے آئی ، لکی میں دھما چوکوی ھوئے، اِچھا کے آگے گھالی می ہوے . تار کھولا ، لکھا تھا۔"معاملہ بھت تمهارا آما يهت ضروري تهير. "

پہادر مهرا پرانا دوست هے . مذیکل کالم مهل سال میں پوھٹا هے میں اُس کی عادت جانٹا ا مطلب تو وہ خط بھی نه لکھٹا تار دیلے کی ، میں سوچلے لکا۔۔۔ ضرور معامله گمههر هے ، بھٹو ضرور جانا چاھئے . دماغ میں جھسے ایک ھی ں گئی میں مهں ایک ھی اچھا سا گئی۔۔مجھے رو جاناچاھئے اُرر فوراً جاناچاھئے۔۔دوسرے یکھی

A TON THE STATE OF THE STATE OF

गंगा से गोमती तक

(माई मयंक राज) ...

देवता जब नाराज होते हैं तो सकर करवाते हैं. जियादा नाराज होते हैं तो पैदल चलवाते हैं. बहुत जियादा नाराज होते हैं तो पैदल चलवाते हैं. बहुत जियादा नाराज होते हैं तो बोम लदवा कर पैदल चलवाते हैं. ग्रानीमत जानिये, न मुक्ते पैदल चलना पड़ा और न बोम ही लादने की नौबत आई. फिर भी मैं सोचता हूँ देवता मुम से नाराज थे. ऐसे भी, हम इनसानों की जिन्दगी से खेलने में उन्हें कुछ मजा सा आता है, तंग करने की उनकी आदत सी हो गई है. तंग करने के एक दो साधन थोड़े ही हैं उनके पास. खोज के लिये पूरा मुहकमा खोल दिया है.

इनसान से शान्ति छीन को तो उसके पास बाक़ी ही क्या रह जाता है. वह मुद्दों हो जाता है, वह बेकार हो जाता है, वह सोच नहीं सकता, वह चल नहीं सकता, वह सो नहीं सकता. अशान्ति की पीड़ा से कराहने के सिवा वह कुछ नहीं कर सकता......यही तो शैतान के अवतारों का हथियार है!

में ख़ुश ख़ुश सात बजे रात को घूमने चला गया. दोस्तों से मुलाकात हुई. गप सदाक चल पड़ी. बातों का न सर था घोर न पैर. कोई विशय छूटने नहीं पाया. यह भी बताना मुशकिल है कि बात कहां से शक्त हुई थी और कहां उस का अंत हुआ. सद बातें तुक ही की की जाएं तो बात करने का मजा ही क्या. किसी सूरत गप की कड़ी दूटी. दस बजे सब ने रुखसत ली. मेरी आंखें नींद से बन्द होती का रही थीं. नींद अपनी मरजी से मेरे पास आती है, मेरी इच्छाकी वह ताबेदार नहीं है. हर था कहीं उचट गई तो रात भर करवटें बदल बदल कर सुबह होगी. साइकिल से जल्द कृद पसीना पोंछते हुए द्रवाजा खोला. कमरे में घोर क्रनिध्यारा छाया था. पानी के डर से खिड़कियां भी बन्द थीं. बीजों को ठीक रखने की बुरी भारत मुक्ते जू तक नहीं गई. लाइट हुँढने के चक्कर में दो एक चीजों से टकराया, कुछ चापस में टकरा कर अपनी जगहों पर ही रह गई और कुछ रात के सन्नाटे में शोर मचाती नीचे जा रहीं. मुम्मे लाइट की खोज थी, उन के डठाने की चिन्ता नहीं. मैं पहले से ही हांप रहा था, मुँफलाहट ने सांख भीर तेज कर दी. गुस्सा कुछ अपनी लापरवाही पर आ रहा बा भौर कुछ बेचारे टेबिल लैमा पर. गुस्सा और मुँमलाइट के साथ अन्धों की तरह इधर उपर हाथ घुमा रहा था. क्रेम्प कम्बख्त जाता कहां. मिल ही गया. एक खट की आबाज हुई और कमरे में रोशनी ही रोशनी पैदा हो गई.

گنگا سے گومتی تک (بہائی مینک رابے)

دیوتا جب ناراض هوتے هیں تو سفر کرواتے هیں . ویاده اناراض هوتے هیں تو پیدل چلواتے هیں . بہت ویاده ناراض هوتے هیں تو پیدل چلواتے هیں . ویاده ناراض هوتے هیں تو بوجه لدوا کو پیدل چلواتے هیں فلایمت جانئے ان محجمے بهدل چلال پڑا اور نه بوجه هی لادنے کی نوبت آئی . بهر بهی صیب سوچتا هی دندگی محجم سے ناراض تھے . ایسے بهی هم انسانوں کی زندگی سے کھیلئے میں اُنهیں کچھ مزا سا آتا ہے اتلک کرنے کی ایک دو ایک دو سادهن تهروت هی هیں اُن کے پاس . کهوج کے لئے پورا سادهن تهروت هی هیں اُن کے پاس . کهوج کے لئے پورا سادهن تهروت هی هیں اُن کے پاس . کهوج کے لئے پورا محکمہ کهول دیا ہے .

انسان سے شائٹی چھھن لو تو اُس کے پاس پائی ھی کیا رہ جاتا ہے ، وہ صودہ ھو جاتا ہے' وہ بیکار ہو جاتا ہے' وہ سوچ نہیں سکتا' وہ چل نہیں سکتا' وہ سو نہیں سکتا، اشانٹی کی پیوا سے کراھٹے کے سوا وہ کچھ نہیں کرسکتا،یہی تو شیطان کے ارتاروں کا ھتھیار ہے!

مهن خوش خوش سات بحج رأت كو گهوملے چلا گيا. دوستوں سے ملاقات هوئی . کب سراک چل يوں . بانوں کا نه سر تها اور نه پیر ، کوئی وشه چهوتین نهیا ، یه بهی بثانا مشکل هے که بات کہاں سے شروع هوئی تهی اور کہاں اُس کا انت ہوا ، سب باتیں تک ہی کی کی جائیں تو بات کرنے کا مؤا ھی کیا ، کسی صورت کپ کی کوی ڈرڈی ، دس بھے سپ نے رخصت لی ، مہری آنکھیں نیلد سے بدد ہوتی جارھی تھیں ، نیاد ایلی مرضی سے مهربے پاس آتی هے؛ مهربی اچها کی وہ تابعدار نهیں ہے ، قر تھا کہیں اُچٹ اکلی تو رات بھر کروٹیں بدل بدل کر صبم موگی ، سائکل سے جلد کرد یسیله پونجهاتے هوئے دروازہ کهول کمرے میں کهور اندههارا جهایا تها . پانی کے قر سے کھوکیاں بھی بغد تھیں . چیزوں کو تھیک رکھنے کی بری عادت مجھے چھو تک نہیں کئی، لائت تھونتھنے کے چکر میں در ایک چھڑوں سے ٹکرایا' کچھ آپس میں ٹکرا کر اپنی جگہوں پر ھی رہ گئیں اور کچھ رات کے سفائے میں شور مجاتی نہدے آرهیں ، مجم لائت کی کھوج تھی اُن کے 'تہائے کی چنٹا نہیں. میں پہلے سے هی هانبرها تها جهنجهاهت تے سانس اور تھڑ کردی ، قصه کچھ ایلی لاپرواھی ير آرها تها ارر كجه بيجارے تيدل ليسي پر. فصه اور جهلجهاهت کے ساتھ اندھوں کی طرح ادھر ادھر ماتھ کہما رما نها ، ليسب كمبخت جانا كهان مل هي كها ، ايك كهت کی آواز هوئی ارز کمرهٔ من ن پوششی می روشلی بهدا هرگئی .

समक में नहीं जाना कि दमान का सवाब और असर दुगना हो जाता है अगर अपनी ज्वान में पढ़ी आए. वेद प्रचार पर सासों रूपए खर्च हो रहे हैं और बड़ी बड़ी टीकाएं जिसी जा रही हैं जिन्हें संस्कृतवाँ ही पढ़ सकते हैं. ऐसा कोई तरज्ञमा नहीं किया गया जो मेरे जैसा साधारन जादमी समम सके. गीता के तरजुमे और टीकाएं तो बहुत हैं लेकिन साफ सुबरा कोई नहीं. अभी तक संध्या और गीता का पाठ संस्कृत में ही करना पुन्य समभा जाता है. क्यों न हो हिन्दू और मुसलमान बाह्यनों के बेट का भी सवाल है. अगर इम आप समम सकें तो इन्हें कीन पूछेगा ? इस पेट की भाग के लिये ही भाजकत के बाह्यनों (जन्म के भीर कर्म के दोनों) की कोशिश है कि राश्ट्र भाशा संस्कृत हो, नहीं तो सुराकिल संस्कृती हिन्दी हो वाकि वह और उनकी सन्तान भोले भाले किसानों और मजदूरों को मन्दिरों में ही नहीं बिक्क कबहरियों, दफतरों, बिनज ज्योपार और हर एक पेशे में लूट सकें. यह देस सेवा और साहित्य सेवा क्या सुन्दर जाल हैं!......(बाक्री लेखक की किताब 'भाशा' में पढिये)

"वैल गाड़ी नहीं जा सकती"

(डाक्टर जे. सी. ड्रमारप्पा)

प्तानिंग कमीरान परविजरी बोर्ड की बैठक में शामिल होने के लिये में नई दिल्ली गया था. उसी समय वह हथकंडे मेरे सामने चमक षठे जिन से धनवान रारीवों से नाजायज कायदा चठाते हैं. प्लानिंग कमीशन का दफ्तर 'राश्ट्रपति भवन' के उत्तरी हिस्से में हैं. मैंने स्टेशन से एक तांगा किया ध्यीर अपने ठहरने की जगह पर सामान उतारने के बाद तांगेवान को "लाट साहब के महल" चलने का हक्म दिया. क्षांगेवान ने उत्तर दिया-"मैं एक गरीव आदमी हूँ, अगर आप को वहां ते चलुँगा तो एक मंभट में फँस जाउँगा, क्योंकि वहां तांगा ले जाने की इजाजत नहीं है." मैंने उसे विश्वास दिलाया कि मैं सब कुछ समक बूक लूँगा. उसकी हिस्सत बंबी और वह मुक्ते लेकर बन्न दिया. सेकेटेरियट के हो ब्लाकों को पार करने के बाद जब वह वाइसरीगल बाज के गेट में बाई तरक मुद्दने वाला था, एक नवजवान सिस ने अधिकार भरी आवाज से उसको सदक से हटने का आदेश दिया. मैंने उस भाई को बताया कि यह एक पिक्सिक सङ्क है और मुमे इसके इस्तेमाल का पूरा इक है. बहु नौजवान पुलिस की वरदी भी नहीं पहने था जिससे

سمجه مين نهين آيا كه نماز كا ثواب أور أثر دكتا هو جاتا يه اگر اپنى زبان مهى پرعى جائي ، ويد پرچاو هر لاكهرى رریئے خرچ مو رہے میں اور بری بری تیکائیں لکھی جارهي هين جنهين سنسكرت دان هي يزه سكتے هون . ایسا کوئی ترجیه نهیں کیا گیا، جو مهرے جیسا سادهارن آدی سنجه سکے . گیٹا کے ترجیے اور تھکائیں تو بہت ههل ليكن صاف ستهرا كوثي نهيل . أبهى تك سندهيا أور كوتا كا ياته سلسكرت مين هي كرنا بلية سمجها جاتا ہے . کیس نه هو هندو اور مسلمان براهمتوں کے پهت کا یعی سوال هے . اگر هم آپ سمجه سکهن تو إنهين كون يوچهها ؟ إس يهت كي أك كي لئي هي آجکل کے پراھمنوں (جنم کے اور کوم کے دونوں) کی کوشش ه که راشتر بهاشا سلسکرت هوا نههن تو مشکل سلسکرتی هندي هو تاكم ولا أور أنكى سنتان يهول بهال كسانون اور مودروں کو ملدروں میں هی نهیں بلکه کچهریوں' دفترون بلم بهربار أور هر أيك بيشم مين لوق مكهن . يه ديس سهوا اور ساهتيه سهوا ديا سندر جال هين (د تی لوغیک کی کتاب ' بهاشا ' مرین پوهنگ)

"بیلگاری نہیں جاسکتی " (دائٹر جے . سی . کساریها)

پاننگ کمیشن اقریزری بورة کی بیایک مین شامل ہونے کے لئے میں نئی دلی کیا تھا ، اُسی سم وہ معمدندے میرے ساملے جمک آتھ جن سے دھن وان فريبون سے ناجائز فائدہ أَتْهَاتِ هيں ، يلاملك كموشن کا دفتر 'راشتر بعی بھوں' کے اُتری حصے میں ہے ، مدن لے استموس سے ایک تانکہ کھا اور اپنے تھھورنے کی جگہ ہر سامان آتارنے کے بعد تانگروان کو "ات صاحب کے معدل " چلنے کا حکم دیا ، تنگیران نے اور دیا-المربي ايك فريب آدمي هرن اكر آپ كو رهال لے جلونكا قو أيك جها مجهد مين يهلس جاونكا كهونكه وهان تانکه لے جانے کی اجازت نہیں ہے"، میں لے اُسے وشواس دلایا که مهن سب کچه سمجه بوجه لونکا . أس كي همت بلدهی اور وه مجهد له کر چل دیا . سکریگریت ک ھو بھائوں کو ہار کرنے کے بعد جب وہ وائسریکل لاہے کے گھٹ مهن بائهن طرف مونے والا تها ایک نوجوان سکھ نے الدامكار معرى آراز سے أس كو سوك سے مثلے كا آديش ديا. مھن لے اُس بھائمی کو بتایا که یه ایک پہاک سوک ہے اور مجهد إس كم استعمال كا پورا حق هـ . ولا نوجوان ہولیس کی وردس بھی نہوں پہلے تھا جس سے

पर जुमा पहले सलेवानिक में हुआ था. वहां के नाम नों ने हिसे बहुत दिनों तक कायम रखा. लेकिन गो कितावें इस में लिखी जाती रहीं, आम आदमी अपनी अपनी लोकल में लिखी जाती रहीं, रूस की राजधानी मास्तों हुआ करती थी. पीटर बड़े के दिनों में इस शाही शहर की बोली ने अपना सिका जमा लिया लेकिन अब भी इस में बाइ बिल की बजह से सलेवानिक की काकी चाशनी है. रूसी आदानों ने इस सलेवानिक के लिये बहुतेरे हाथ पाँच मारे लेकिन जुगरा किये के सामने उनकी कुछ न चली. अगर दिल्ली इमारी राजधानी रही तो दिल्ली की बोली को राज करने का काकी मीका है.

योरप की ज़बानों में से इताल बी एक ऐसी जाबान है को राजधानी से नहीं निकजी बिल फ़जोरेन्स की बोली थी. इसकी बड़ी बजह तो यह है कि चीद हवीं सदी में तीन बोटी के शायर दाँते (Dante), पेटरार्क (Petrarch) और बोकैशियो (Bocacio) फ़जोरेन्स में पेदा हुए और इन के मुकाब ते में कोई सिर न उठा सका. दूमरी वजह यह बताई जाती है कि इटली की और बालियों के मुकाब ते में फ़लोरेन्स की बोली लातीनी से ज़ियादा मिनती जुनती थी.

इस सरसरी नजर से हमें एक सबक्ष यह मिल्या है कि अकसर वही ज्वान मुल्क में आम होती है जो राजधानी की हो, कहीं कहीं लेकिन बहुत कम यह भी होता है कि ऐसे शहर की बोली जाम हो जाती है जहाँ कोई खास महाकवि या बड़ा मजहबी रिकारमर पैदा हुन्ना हो. हिन्दुस्तान की षाशानों से भी यही सबक मिलना है. पुराने जमाने में बद्ध की वजह से मागधी ने पांव फैताए. तुलसी की वजह से अवधी ने कुछ दिनों सिर उठाया. बंगाल में कम से कम तीन बोलियाँ बोली जाती थीं. राजधानी कलकत्ते में थी इसिलिये वहाँ की बोली तमाम बंगात में जाम हुई. पंजाब में चार पाँच किसिम की बोजियाँ थीं लेकिन लाहीर राज-धानी था इसलिये जितनी कितावें पंजाबी में छपती हैं वह लाहीरी पंजाबी में छपती हैं. शिवाजी के बाद उस के वजीर ने पूना को राजधानी बनाया इसिलये पूना की मरहटी सारे मरहटी देस में थाम हुई. चूँकि पूना और कलकत्ते होनों शहरों में संस्कृत के कालेज भी राजधानी के साथ ही साथ खोले गए इसलिये इन दोनों जनानों में संस्क्रा ने जियादा जोर किया.

दूसरा सबक हमें यह मिलता है कि जिल किसी जबान में अंजीत (बाइबिल) का ऐसा तरजुमा किया गया हो जो आसान हो और जो पूजा पाठ में बरता जा सके तो उस तरजुमे की ज्वान का उस मुल्क की ज्वान पर बड़ा असर पदता है. क़ुरान के उरदू में तीन चार तरजुमे हुए बेकिन उनकी ज्वान एक सी नहीं. अभी तक यहाँ के मुसलमानों की ترجمہ بہتے سلہوانک میں ہوا تھا ۔ وہاں کے براہملوں نے اسے بہت دنوں تک قائم رکھا ، لیکن کو کتابھی اِس میں لکھی جاتی رہیں' مام آدمی ایلی اُپلی لوکل بولی بولٹی رہے ، درس کی راجدہا ی ماسکو ہوا کرتی تھی ، پیٹر بول میں اِس شاہی شہر کی بولی نے اُپلا سکہ جما لیا لیکن اب بھی اِس میں بائبل کی وجہ سے سلہوانک کی کافی چاشنی ہے ، درسی براہدنوں نے اُس سلہوانک کی کئی بہتیرے ہاتہ یاؤں مارے لیکن جغرافیے ساموانک کی لئے بہتیرے ہاتہ یاؤں مارے لیکن جغرافیے کے سامنے اُن کی کچھ نہ چلی، اگر دلی ہماری راجدہانی رہی تو دلی کی بولی کو راج کرنے کا کافی موقعہ ہے .

پورپ کی زبانوں میں سے اطالہی ایک ایسی زبان ہے جو راچدھانی سے نہیں نکلی بلکہ فلورنس کی بولی تھی ، اس کی برتی وجہ تو یہ ہے کہ چودھویں صدی میں تھن چوائی کے شاءر دائتے (Dante)' پیڈرارک (Petrarch) اور بوکیشھو (Bocacio) فاورنس میں پیدا ھوئے اور ان کے مقابلے میں کوئی سر نہ اُٹھا سکا ، دوسری وجہ یہ بتائی جاتی ہے کہ اِتّای کی اور بولیوں کے مقابلے میں فلورنس کی بولی الطہابی سے زیادہ سلتی جلتی تھی ،

اس سرسری نظر سے ہمیں ایک سبق یہ ملکا ہے که اکثر رهی زبان ملک میں عام هوتی هے جو راجدهانی كى هو . كَهين كهين لهكن بهت كم يه بهي هوتا هے كه ایسے شہر کی بولی عام هو جاتی هے جہاں کوای خاص مها کوی یا بوآ مذهبی رفارمر پهدا دوا هو . هددستان کی زباس سے بھی یہی سبق ملتا ھے۔ پرانے زمانے میں بده کی وجه سے مائدهی نے پاؤں پههاائے . تلسی کی وجه سے آودعی نے کچھ دنوں سر اُتھایا . بنگال صیق کم سے کم تین بولیاں ہولی جاتی تھیں ، واجدهانی کلکھے میں تھی اسلئے وہاں کی ہولی تمام بلکال میں عام هرئی . پنجاب میں چار دانچ قسم کی بولیاں تھیں ليكن لامور راجدهاني تها أسلك جتذي كتابهن ينجابي میں چهپتی هیں وہ لاهوری پنجابی میں چهپتی هیں. شہوا جی کے بعد اُس کے وزیر نے یونا کو راجدھانی بنایا اسلیے پونا کی مرهتی ساری مرهتی دیس میں مام هورئي . چونکه پونا اور کاکتے دونوں شہروں میں سلسکرت کے کالم بھی راجدعانی کے ساتھ ھی ساتھ کھولے کئے اس لئے ان دونوں زبانوں میں سلسکرت نے زیادہ زور کھا .

دوسرا سبق همیں یہ ملتا ہے کہ جس کسی زبان میں انجھل (بائبل) کا ایسا ترجمہ کیا گیا ہو جو آسان ہو اور جو پوجا پاٹھ میں برتا جاسکے تو اُس ترجمے کی زبان کا اُس ملک کی ربان پر بوا اثر پوتا ہے۔ قرآن کے اُردر میں تین چار ترجمے ہوئے لیکن اُن کی زبان ایک سی نہیں ، اُبھی تک یہاں کے مسلمانوں کی

... J. 1.

सक्त का नए हैं. कांगरेज़ी पते हुकों को कभी आपस में कोई भी देसी बोसी बोसते सुनो, चौथाई सफ़ज़ तो अंग-रेज़ी होंगे. एक दिन आने वाला है जब यह साहब भी अपनी ज़बान में लिखना शुरू करेंगे. इस किताब में भी कुछ अंगरेजी सफ़ज़ भरे गए हैं सिर्फ इस लिये कि मेरे अंगरेजी पढ़े भाई भी इसे पढ़ सकें.

उरदू और हिन्दी के निकास और विकास की बाबत तिखने से पहती ज़बानों के फलने और फूलने के कुछ मोटे असूत बयान करना मुनासिब हैं. चूँकि यह असूत योरपी विद्वानों ने योरपी ज़बानों से निकाले हैं इस लिये योरपी ज़बानों की कहानी थोड़ी लिखता हूँ जिस से उन असूतों की बुनियाद समम में आजाय.

लातीनी ने मुद्दूत तक योरप में राज किया रोमन राज के खूते पर. रोमन राज के बाद यह बहुत दिनों तक जी न सकी बावजूद ईसाई धर्म की मदद के. लातीनी के बाद जिस ज्वान ने पहले पहल योरप में अदबी सूरत अख्तियार की वह रपेनिश थी. आठवीं सदी के शुरू में जब मुंसलमानों ने वहाँ फतह हासिल की, रपेन में कम से कम तीन बोलियां बोली जाती थीं: चूँ कि उत्तरी हिस्से के बाशिन्दों की कोशिश से मुसलमान रपेन से आहिस्ते आहिस्ते निकाले गए इसलिय उत्तरी हिस्से की वाशिन्दों की कोशिश से मुसलमान रपेन से आहिस्ते आहिस्ते निकाले गए इसलिय उत्तरी हिस्से की ज्वान दिक्खन की तरफ फैलने लगी और अगरचे इस ने और बोलियों को बिलकुल मिटाया नहीं बेकिन जब तरहवीं सदी में इस में ऊँचे दरजे की कविताएँ लिखी गई तो सारे रपेन में इस का सिका जम गया. यानी मौजूदा रपेनिश के फैलने की वजह दो हैं, एक पोलिटिकल और दूसरी कविता.

परी जिसे अंगरेजी में पेरिस कहते हैं मुद्दूत से फ़ानस की राजधानी चली आती हैं. परी में दरबार होने की बजह से और इसलिये मंडी होने की वजह से परी की जबान सारे फ़ान्स की ही नहीं बल्कि पास पास के देसों की भी आम जबान बन गई. इंगलैंड में भी यही हुआ. लन्दन सिद्यों से राजधानी हैं इसलिये वहां की बोली तमाम मुलक की बोली हो गई.

जरमन की कहानी निराली है. बरिलन को राजधानी बने बहुत अरसा नहीं हुआ और न जरमन के और शहरों से बरिलन में कोई खास खूबी है. ल्थर एक मजहबी रिकारमर था. उसों उसों उस का मत फैलता गया उसकी जबान भी साथ देती रही और सारी जरमनी में ही नहीं खास पास के कुछ देसों में भी फैल गई. बड़ी वजह इस के फैलने की यह थी कि बाइबिल का इस जबान में अच्छा और आसान तरजुमा किया गया. सारी पूजा पाठ अब इस में होने लगी.

रूसी की कहानी अजब है. शुरू में मुद्दत तक किताबी जबान सर्वेदानिक रही. बजह यह थी कि वहां बाइबिस का نظ آگئے ھیں ، انگریزی پڑھے ھرؤں کو کبھی آپس مھی،کوئی ہی دیسی ہولی برائے سفو' چوتھائی لفظ تو انگریزی ھونگے ،

ک دن آنے والا ہے جب یہ صاحب بھی آپئی زبان میں ،
بھٹا شورع کریڈکے ، اِس کتاب میں بھی کچھ انگریزی لفظ برے گئے ھیں صرف اس لئے کہ میرے انگریزی پڑھے بھائی ہی اِسے پڑھ سکوں ،

أردو أور هندي كے نكاس أور وكاس كى بابت لكھنے سے ليے زبانوں كے پھلنے أور پھولنے كے كچھ موتے أصول بھان كرنا فاسب هے. چونكه يه اصول يورپى ودوانوں نے يورپى زبانوں ، نكالے ههں اس لئے يورپى زبانوں كى كہانى تهوري لكھتا بن جس سے أن اصولوں كى بنياد سمجھ مهن آجائے ،

الطهایی نے مدت تک یورپ میں راج کیا رومن راج ہوتے پر ، رومن راج کے بعد یہ بہت دنوں تک جی نه کی باوجود عیسائی دھرم کی مدد کے . الطهائی کے بعد سس زبان نے پہلے پہل یورپ میں ادبی صورت اختیار سس زبان نے پہلے پہل یورپ میں ادبی صورت اختیار سلمانوں نے وہاں فتنے حاصل کی' اسپین میں کم سے کم سے کم نے دولیاں بولی جاتی تھیں . چونکه اتری حصے کے شدوں کی کوشش سے مسلمان اسپین سے آھستے آھستے فیلئے لگے اس لئے اتری حصے کی زبان دنین کی طرف بلے گئے اس لئے اتری حصے کی زبان دنین کی طرف بلئے لگی اور اگرچه اس نے اور بولیوں کو بالکل مقایا نہیں بینی جب تیرھریں صدی میں اس میں اونتے درجے کی بیٹائیں لکھی گئیں تو سارے اسپین میں اونتے درجے کی بیٹائیں لکھی گئیں تو سارے اسپین میں اس کی وجه دو بیٹائیں لکھی گئیں تو سارے اسپین میں اس کی وجه دو بیٹائیں ایک پولیٹیکل آور دوسری کویتا .

پرمی جسے انگریزی میں پیرس کہتے میں مدت سے رائس کی راج دھانی چلی آنی ہے ، پری میں دربار وئے کی وجہ سے پری مندی ھوئے کی وجہ سے پری نہاں سارے فرانس کی ھی نہیں بلکہ پاس پاس کے پیسوں کی بھی جا زبان بن گئی . (نگلیفنڈ میں بھی ہی موا ، للدن صدیوں سے راجدھانی ہے اسلئے وہاں کی بی تمام ملک کی بولی ہولگی .

جرمین کی کہائی ترالی ہے ، پرلن کو راج دھائی بھے
ہمت عرصہ نہیں ھوا اور نہ جرمن کے اور شہروں سے برلن
بین کوئی خاص خوبی ہے ، لوتھر لیک مڈھبیرفارمر تھا ،
بھریچھوں اسکاست پھیلتا گیا اسکیزبان بھیساتھ دینتی
سی اور ساری جرملی میں ھی نہیں آس پاس کے کتچھ
ہسوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پیھلئے کی
ہسوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پیھلئے کی
ہسوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پیھلئے کی
ہسوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پیھلئے کی
ہ بائیل کا اُس زبان میں اچھا اور آران ترجمہ
اُ گھا ، ساری پوچا پاتھ اب اُس میں ہوئے لگی ،

روسی کی مہانی عجب ہے۔ شروع میں مدت تک اللہ زبان سلیوانک رھی۔ رجه یہ تھی که وہاں ہاکیل کا

(311)

اكتربر 51 '

1.5-6-34

बोतियों का जोर बढ़ता गया. नतीजा यह कि इन में एक सकेवली लक्ष्यों की गिनती खूब बढ़ी और उन में मिठास आगई. इस पर ब्राह्मन और उनके चेले शोर मचाने लगे और आजकल चलटी गंगा बहाने में लगे हुए हैं. अपनी हिन्दी ही देख लो रात को रात्रि, पूनो को पूर्णिमा, आग को अगिन और इस तरह सैकड़ों लक्ष्यों को मुशकिल बनाया जा रहा है.

बिलकुल इसी तरह हिन्दू और मुसलमान मौलवियों के हाथ हमारी बोली में कारसी अरबी के लक्ष्य ट्रेंसे गए हैं. आस की जगह उम्मीद, श्रोस की जगह शबनम, पड़ौस की जगह हमसायगी सैंकड़ों लफ्जों की फजल भरमार. केकिन यह सब थोड़े दिनों का मामला है. जबानें सदा सुधरती रहती हैं. हमारी भी सुधरेगी यानी आसान होगी. इन पंडितों और मीलवियों का दोश नहीं. सब जवानों के साथ ऐसा ही होता रहा है और होता रहेगा. जवानों का यह अटल क्रानून है कि जब कोई जवान इलमी सूरत अखितयार करने लगती है तो उसकी शकत शरू में तो सादा होती है लेकिन ज़िं उसने ज़रा संभाला लिया तो जो इस देस में पहले इलमी या अदबी जवान थी वह उस पर सवार हो जाती है और उसकी डिक्शनरी ही नहीं उसकी बामर और बनावट को बदलने की कोशिश करती है भीर धार इस नई जवान में लिखने वाले की यह नई जवान मार भाशा नहीं होती तो उसके लेख में वह पुरानी भदवी पाधान खुब जोर करती हैं. अपने ही देस में देखिये एक पंजाबी लेखक उरदू में जियादा कारसी और हिन्दी में षियादा संस्कृत के लफ्ज बरतेगा बनिस्तृत एक दिल्लो वाले के. यही वजह है कि बनारस के लिखने वालों का हिन्दी इतनी हिन्दी नहीं जितनी संस्कृत होती है. योरपी ज्वानों पर इसी तरह शुरू में लातीनी ने खब अपना सिका जमाया था. आहिस्ते आहिस्ते जितने फजल लातीनी लफ्ज उनमें बुस गए थे आप ही आप निकल गए, ईरान में जब अरबों की फतह हुई तो वहां की अदबी जवान भी अरबी हो गई. इसबीं सदी में जब फारसी में अदब शुरू हुआ तो पहले पहल (जैसे फिरदौसी के शाहनामे में) घरवा लक्ज बहुत कम इस्तेमाल किय गए हैं. इस अद्व ने तरक्क़ो की ता इस में घरवी लक्ज़ ही नहीं अरवी तरकी वें भी ख़ब बरती गई. आजकल की फारसी में बहुत कम अरबी लक्ष्य बरते जाते हैं. तुरकी में भी यही हुआ. अपने ही देस में नजीर और गालिब की शायरी में और कबीर और हरिशचंद्र की कविता में फरक देख लांजिये.

अभी तक हमारी ज़बान पूरी संभती नहीं. इस पर एक और जोरदार हमता होने वाला है. आजकत हमारी इसमी सवाय अंगरेजी है. बोल वाल में तो बहुत से अंगरेजी ھوں کا زور بوطا گیا۔ تعیجہ یہ کہ آن میں اسلیملی لفظرن کی گلتی خوب بوھی آور آن میں اسلیملی لفظرن کی گلتی خوب بوھی آور آن میں ہاس آگئی ۔ اِس پر براھین آور آن کے چیلے شور متھائے ، اور آج کل اُلٹی گنگا بہائے میں لگے ھوئے ھیں ، اُپئی دی ھی دیکھ لو رات کو راتری' پونو کو پورندا' آگ کو ی اور اس طرح سیکورن لفظوں کو مشکل بنایا جا ہے۔

بالکل اِسی طرح هذه و اور مسلمان مولویوں کے هاته ارمی ہولی موں فارسی عربی کے لفظ تھونسے گئے عیں . ے کی جگه اُمید' اوس کی جگه شیلم' پروس کی جگه سائگی سیکروں لفظوں کی قضول بهر مار . لیکن یه ب تهوی دنوں کا معاملہ ہے . زبانیں سدا سدھرتی تى ھيں . ھمارى بھى سدھريكى يعنى آسان ھركى . ینڈتوں اور مولوہوں کا دوش نہیں . سب زبانوں کے ته ایسا هی موتا رها هے اور هوتا رهے کا ، زبانوں کا یه اتل نوں ھے کہ جب کوئے زبان علم صورت اختمار کرنے لگتی تو أسكى شكل شروع ميس تو سادة هوتي هم ليكن جهال ے فرا سلبھالا لھا تو جو اُس دیس میں پہلے علمی یا بیزبان تھی وہ اُس پر سوار ہوجاتی ہے اور اُسکی دکشلوی ر نهدن اسکی گرامر اور بدارت کو بدلیے کی کوشش کرتی أور اكر أس ندّى زيان ميس لكهني والي كي يم ندي زيان ماتو اشا نهیں هوتے تو اُسکے لیکھ میں وہ پرانے ادہی زبان خوب كرتي هي . أيه هي ديس مهن ديمهيَّ ايك بلنجابي مهک اُردر میں زیادہ فارسی اور هذدی میں زیادہ لسكرت كى لفظ برتيمًا به نسبت ايك دلى واله كي . يهى نه هے که بدارس کے لکھلے والس کے مددی اِتلی مددی نبھی تنفی سنسکرت هوتی هے ، یورپی زبانوں پر اسی طرس روع مهن الطهلي نے خرب اپنا سکه جمایا تها ، آهستے ستي جعني ففول لاطيني لفظ أن مين فيس كيَّ ته ہ هي آپ نکل گئے ، ايران موں جب عربوں کي فتم ائمی تو وهاں کی آدبی زبان بھی عربی هوکئی . دسویس دى مهن جب فارسى مين آدب شررع هوا تو پهلے پهل جهسے قردرسی کے شاهنامے میں) موبی لفظ بہت کم معمال کلئے گئے هيں . اس ادب نے ترقی کی تو اس یں مربی لنظ می بہتی عربی ترکیبیں یہ*ی خرب* پرٹی ھی ۔ آج کل کی فارسی میں بہت کم عربی لفظ برتے الله هين ، تركى مين بهي يهي هوا ، أنه هي ديس ہی نظور اور فالب کی شاعری میں اور کبھر اور ہریش لمدر كى كويتا مين فرق ديكه ليجيد.

ابھی تک ھماری زبان پوری سٹیھلی نبھن ، اس پر ک اور زرردار حملہ ھونے والا ھے ، آج کل ھماری ملمی ان انگریزی ھے ، بول چال میں تو بہت سے انگریزی

हार और य. पी. में सब जातों के जोग बसते ये और स किये यहां की बोलियों को हिन्दु मों की बोलियां कहना चित होगा. संस्कृत भी उन ही दिनों में बनाई गई लेकिन शमीर में. उन दिनों कशमीर में सिर्फ ब्राह्मन रहते थे. सा माल म होता है कि कशमीर में आयों की कोई ऐसी र बीर क्रीम जा बसी थी जिसने वहां के असली रहने ालों का बीज तक नास कर दिया था और इसलिये उन ो बोली तीसरी चौथी सदी बी० सी० तक बहुत कुछ वैदिक ौर पेशाची से मिलती जुलती थी. आयों को यहां आए जार बरस से जियादा हो चुके थे. इजार बरसों में हर ाली में जो कि बोली जाती हो जमीन आसमान का फरक । जाता है. उस जमाने की कशमीरी बोली भी बोलने में ासान हो गई होगी. यू. पी. के ब्राह्मनों को उस कशमीरी ातो ज्ञान नथा लेकिन वैदिक की सुध बुध थी इसलिये द्धि मत के प्रचार को रोकने के किये संस्कृत का सहारा त्या गया और उसे बैदिक शकल देने के लिये जान बुक र मुशकिल बनाया गया और ऐसा बांधा गया कि वह ल न सके. पाली बौद्धों की जुबान बनी खौर संस्कृत । हानों की. पाली ब्यासान, संस्कृत मुशकिल. पाली में ब्याट बर बा, बा, इ, ई, ड, ऊ, ए बौर बो. संस्कृत में सोलहiस्कृत में 'स', 'घ' और 'श' पाली में केवल 'स' जिस से ाफ जाहिर है कि 'ष' और 'श' की आवाज हमारे उत्तर ांड की बोिलयों में से निकले हचारों दरस हो गए हैं. 'प' ो शायद हमें कभी बोलना आया ही नहीं और 'श' बोलना ो हम ने बहुत कुछ मुसलमानों से सीखा. आम आदमियों ो बोली में 'श' सिर्फ फारसी लफजों में बोला जाता है. ंस्कृत सदियों तक बतौर धरमी और इलमी जवान इस्ते-ाल होती रही. ज्योतिश, गनित धर्म और क़ानून पर मच्छी अच्छी कितावें इस में लिखी जाती रहीं. गो इलमी बान यह हजार बरस रही, बोली यह कहीं नहीं जाती ी. जो थोड़े बहुत आदमी इसे जानते थे वह भी दरबार ा कचहरी या शास्त्रार्थ में चाहे इसे बोल लें, घर में नहीं लिते थे. औरत चूँकि कोई इसे बोलती न थी इसलिये यह भी किसी की मां-बोली नहीं बनी. अगर मातृभाशा के ।।इने हैं मां की बोली तो इसे मातृ भाशा कहना भूल है गैर धगर मातृ भाशा के माइने हैं हमारी भाशा की मां ो यह भी रालत है क्यों कि यह आप बनाई गई हमारी ोिचयों से.

मुसलमानों के आते के बाद संस्कृत के पुजारियों की गनती रोज बरोज घटती गई. यह घरमी ज्वान भी न ही. अक्सर श्राह्मन शाक और रौत हैं. दूसरे हिन्दू अन्वर शनव (विशनू के पुजारी) हैं. शाक्तिक किताबें संस्कृत में गिर वैरनव पुस्तकें हिन्दुस्तानी बोलियों में बनीं. हिन्दुस्तानी

بهار اور یو . پی. میں سب جانوں کے لوگ بسکتے تھاور اس لَيْدِ بِهِانِ كُي بُولِيونَ كُو هَنْدُووُنِ كَي بُولِهَانِ كَهِنَا أَجْتَ هُوكًا. سنسكرت بهيأن هي دارسمين بلائي كلي لهكن كشمهر مهن. أن دنون كشمهر مين صرف براهمن رهاتم تهم ايسا معاوم ھُوتا۔ ہے کہ کشمیر مہی آریوں کی کوئی آیسی شور ویر قوم جا بسی تھی جس نے وہاں کے اصلی رہائے والوں کا بھیے تک ناس کر دیا تھا اور اس لئے ان کی بولی تیسری چوتھی مدی ہے . سی تک بہت کچھ ویدک اور پیشاچی سے ملتی جلتی تھی . آریوں کو یہاں آئے ہزار ہرس سے زیادہ ھو چکے تھے ، ھزار برسوں میں ھر بولی میں جو کہ بولی جاتی هو زمهن آسمان کا فرق هوجاتا هے . اُس زمانے کی كشميري بولى بهى بوللم مين آسان هوككي هوگي. يو . پي. ع براهمنوں کو اُس کشمیری کا تو گیان نه تها لیکن ویدک کی سدھ بدھ تھی اُس لئے بودھ مت کے پرچار کو روکلے کے لئے سنسکرت کا سہاراً لیا گیا اور اُسے ویدک شکل دینے کے لئے جان بوجهکر مشکل بنایا گیا اور ایسا باندها کیا که ولا هل نه سکے . پالی بودهوں کی زبان بنی اور سلسکرت براهمدون كي . يالي أسان ستسكوت مشكل . يالي مهن آته سور प 'क 'व 'ई 'इ 'श्रा 'झ ، سلسكوت مين سوله 🛶 'स' و 'श' پالی میں کھول ' स' جس سے صاف طاهر هے که व اور व کی آواز همارے اُترکهند کی پولیوں میں سے نکلے ہواروں برس ہوکگے ہیں ۔ '۹' تو شاید همیں کبھی بوللا آیا هی نہیں اور रा بوللا تو هم نے بہت کچھ مسلمانوں سے سیکھا ، عام آدمیوں کی بولی مهن ال صرف فارسى لفظون مين بولا جاتا هي ، سقسكرت ضديون تک بطور دهرمی اور علمی زبان استعمال هوتی رهی، جیوتش کلت دهرم اور قانون پر-اچهی اچهی کتابیس اس میں لکھی جاتی رهیں ، کو علمی زبان یه هزار برس رهي، بولي يه کههن نهين جاتي تهي . جو تهوڙ ع بهت آئمی اسے جائے تھے وہ بھی دربار یا کچہری یا شاسترارتہ مهى جاهے اسے برل ليں' گهر ميں نہيں بولتے تھے. عورت چونکہ کوئی اِسے بولٹی نہ تھی اُس لگے یہ کبھی کسی کی ماں پولی نہیں بنی اگر ماتر بھاشا کے معنے ھیں ماں كى بولى تو إس ماتر بهاشا كهذا بهول ه، أور أكر ماتر بهاشا ع معلے ههن هماري بهاشا كي مان تو يه بهي فلط هے کھیلکھ یہ آپ بنائی گئی هماری بولیوں سے .

مسلمانوں کے آئے کے بعد سنسکرت کے پجاریوں کی گفتی روز بروز گھٹتی گئی ۔ یہ دھرمی زبان بھی نه رھی ۔ اکثر ہراھمن شاکت اور شهو هیں ۔ درسرے هندو اکثر ریشنو (وشنو کے پنجاری) هیں ، شاکتک کتابیں سنسکرت میں اور پیشنو پستکیس هندستانی بولیوں میں بنیں ، هندستانی

अभी संस्कृत नहीं बनी थी, बस के पहले भी बहुत से स्रोग ईरान से और ईरान के रास्ते हिन्दुस्तान में आए. इन लोगों के जरिये और ईरानी राज के कारन पुरानी फारसी से बहुत से लक्ष्ज हिन्दुस्तानी जवानों में आए. कुछ तो संस्कृत ने ही अपना लिये और कुछ हमारी पुरानी प्राकृत सुरसैनी में शामिल हो गए. यह आम खयाल कि संस्कृत एक शुद्ध भाशा यानी परदेसी लक्ष्जों से पाक है. ग़लत है. इसी तरह यह खयाल भी रालत है कि फारसी के सारे लक्क हमारी बोली में मुसलमान लाए. बहुत से लक्ष्य तो मोहम्मद साहब के पैदा होने से पहले आ चुके हैं जैसे अनार, रोडी, तवा, बराबर, इस लिये यह खयाल भी रालत है कि फारसी के लफ्जों के बरतने से हिन्दी बालों का धर्म बिगड़ता है. यहाँ हिन्दू पानी और मुसलमान पानी तो है ही अब हिन्दू शब्द और मुसलमान लक्ष्य भी हो गए हैं! दुनिया के खेल का वमस्कार देखिये, मुसलमान पानी और हिन्दू पानी का तो भेद कम हो रहा है, लक्ष्णों का भेद जोरों पर है.

のないというないはないのであるというない しままだしている

संस्कृत के बनाए जाने के तीन चार सौ बरस पहले जैन भीर बौद्ध धर्म यहाँ पैदा हुए बिहार की तरक. वहाँ की भाशा में ही प्रचार शुरू हुआ. बौद्ध मत बहुत फैला, यहाँ तक कि रावलपिड़ी के पास तक्षशिला में इस की यूनीवर-सिटी बनी. लगभग 250 बी. सी. में अशोह ने एक ऐसी बोली को जो यहाँ की बहुत सी बोलियों के जोड़ से पैदा हुई थी अपनी दरवारी ज्वान बनाली. अब इसे पाली कहते हैं. तश्वशिला में पाली में तालीम दी जाती थी. लेकिन वहाँ यह धर्मी और इलमी जवान ही रही. अदबी जवान तो यह दिक्खन में जा कर बनी और मँजी यह जा कर लंका में, शरू तो हुई यह सीधी सादी मागधी प्राकृत से लेकिन जब इस के पैर जम गए और उभरने लगी, इस पर वैदिक ने इमला किया. यह एक भीर मिसाल है उस घटल कुद्रती क़ानून की. जब कोई बोली इलमी सूरत अखतियार करने लगती है तो आस पास जो इलमी भाशा हो वह उस पर छा जाती है. नतीजा यह कि संस्कृत की तरह यह भी शायद किसी देस, शहर या गांव में बोली नहीं जाती थी. इस में घौर संस्कृत में इतना फरक जरूर रहा कि संस्कृत में तो लक्जों को मुशकिल बनाने की कोशिश की गई, पाली में आसान. जैसे संस्कृत का कर्णत जो हिन्दुस्तानी में काढ़े हैं, पाली में कढ़े; संस्कृत विद्युत, हिन्दी बिजली, पाली बिज्जू; संस्कृत अची, हिन्दी आंख, पाली और पंजाबी अखी.

पाली आज कल पढ़ाई बहीं जाती नहीं तो यह माल्य हो जाता कि हमारी आज कल के हिन्दुस्तानी लफ्जों की शक्त इतनी संस्कृत के शब्दों से नहीं मिली जितनी पाली के शब्दों से. वजह यह है कि पाली तो बनी भी बिहारी और यू. पी. की बोलियों के जोड़ से. उन दिशों में भी

سکوت نہیں بدی تھی ۔ اُس کے پہلے بھی بہمت سے راں سے لور ایران کے راستے هندستان مهن آئے . ان فریعے اور ایرانی راہے کے کارن پرانی فارسی سے بہت مندستانی زبانوسمیس آئے۔ کنچه تو سنسکرت نے هی اور کچه هماری پرانی پراکرت سورسینیمین شامل يه مام خيال كه سنسكرت أيك شده بهاشا رديسي لفظوں سے پاک هے' غلط هے اِسي طرح م بهي افلط هم كه فارسي كم سارے لفظ هماري بولي سلمان الله . ببت سے لفظ تو محمد صاحب کے نے سے پہلے آچکے هیں جیسے ادار' روتی' توا' برابر. ، یہ خیال بھی فلط ہے کہ فارسی کے لغظوں کے هندی والوں کا دهرم بگوتا هے . یہاں هندو پانی لمان یاتی تو هے هی اب هدو شبد اور مسلمان ، هولئے هیں ! دنها کے کهیل کا چمتکار دیکھئے' یانی اور هندو یانی کا تو بهید کم هو رها هے؟ کا بھید زوروں پر ھے .

سکرت کے بنائے جانے کے تین چار سو برس پہلے ر بودھ دھرم یہاں پیدا ھوئے بہار کی طرف ۔ یه بهاشا مین هی پرچار شروع هوا . بوده ست یلا' یہاں تک که راولیدتی کے یاس تکشلا میں يونهورستى بنى لك بهگ 250 بى سى . رک نے ایک ایسی بولی کو جو یہاں کی بہت لهوں کے جوز سے پیدا هوئی تهی اینی درباری الى . أب إس الى كهتم هدى . تكشلا مهى يس تعلهم دي جاتي تهي ، ليكن وهان يه دهرمي سی زبان هی رهی . ادبی زبان تو یه دکهن مهر ی اور منجی یه جاکر لنکا میں ، شروع تو عوثی مھی سادی ماکدھی پراکرت سے لیکن جب اِس کے كُلُّم أور أبهرني لكي إس بر ويدك نے حمله كها . ے اور مثال مے اُس اتل قدرتی قانون کی . جب لی ملسی صورت اختهار کرنے لگتی ہے تو آس نو علمي بهاشا هو وه أس ير چها جاتي هي . تتهجه سنسكرت كي طرم يه بهي شايد كسي ديس، كاول مين بولى نهين جاتى تهي . إس مين عبرت مهن أنذا فرق ضرور رها كه سنسكرت مهن تو کو مشکل بغانے کی کوشش کی گئی' پالی مھی عهسے سلسکرت کا کرشتی جو مندستانی مهن کارھے ے میں کوھے؛ سلسکرت ودیرت' ملدی بجلی' یالی سلسكرت أكشى ملدى أنكه بالى أور يلتجابي أفهى و آجکل پوهائی نهیل جاتے نهیل تو یه معلوم هوچانا رمی آج کل کے هندستانی لنظوں کی شکل اتقی ت کے هيدوں سے نہيں ملی جتنی پالی کے سے ، وجه یه هے که پالی تو بدی تهی بہاری اور . کی بولیوں کے جوڑ سے . اُن دنوں میں بھی

उरदू भौर हिन्दी

(भाई मद्त गोपाल)

[अगस्त और सितम्बर के 'नया हिन्द' में 'खालिस बोली' खिनड़ी बोली और बोली की दीवार' नाम के लेख भाई मदन गोपाल जी की किताब "भाशा" से लिये गए हैं. यह लेख भी उसी किताब का एक हिस्सा है. पूरी किताब छप कर तैयार है और नागरी और उरदू दोनों लिखावटों में मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाबाद से मिज सकती है. क्रोमत डेइ रुपया. —एडीटर]

उरदू और हिन्दी का भगड़ा कुछ बहुत पुराना नहीं, लेकिन खिचता खिचता इतना जन्या हो गया है कि अब धर्म का भाग बन गया है. दो बोलियों का आपन में भगड़ा सदा से चला आया है और होता रहेगा. जिस तरह से यह भगड़े और देसों में निपटे हमारे देस में भी निपटेंगे. यह देखने के लिये कि और मुल्कों में यह भगड़े किस तरह तय हुए, यह मुनासिब है कि हिन्दुस्तान की ज्वानों पर और और देसों की ज्वानों पर सरसरी नजर डाली जाए.

पांच इजार बरस हुए हिन्दुस्तान में आयों के आते से पहले उत्तरी हिन्दुस्तान की क्या बोजो थी उस की बाबत हमें कुछ इत्म नहीं क्योंकि उन लेखों की जो उस जमाने के हमें मिले हैं अभी तक कोई पढ़ नहीं सका. आयों ने यहाँ के रहने वालों को दस्यू, नककीने, कपटी, जंगली वरौरा कहा है. पिछली सदी तक तो जो कुछ वह लिख गए हैं सच माना जाता था लेकिन अब हम जानते हैं कि जब आर्य यहाँ आए थे, वह डठाऊ चूल्हे थे. खेती बाड़ी यहाँ आकर उन्होंने सीखी. उन की शुरू की वैदिक ज्वान भी यहाँ की पहली बोली के मेल से पैदा हुई और वह भी बहुत दिन जी न सकी. बौद्धां और जैनियों ने यहाँ की बोलियों में प्रचार शुरू किया. जब बन के प्रचार से ब्राह्मनों के जात के किले गिरने लगे तो उन्होंने संस्कृत बनाई. शुरू में तो यह केवल धर्मी बोली बनी. जब बाह्मनों का किजा जात फिर मजबूत हो गया, उन्होंने इसे दरबारी ज्वान बनाली. उस के बाद यह अदबी (साहित्यिक) ज्वान बन गई. अदबी बनकर इस ने वह रंग रूप निकाला कि हिन्दुस्तान में ही नहीं आस पास के देसों में भी राज करने लगी.

सातनीं सदी नी. सी. में ईरानियों ने पिन्द्रम में मिस्र तक और पूरन में सिंध दरिया तक अपनी हकूमत क्रायम की. पांचनीं सदी नी. सी. में उने का दारा के राज में सितारा कृष न्याका और मेहन म की नदी पर उनका क्रव्या हो गया.

أردو اور هندى

(بهائی مدن گوپال)

[اکست اور ستمبر کے 'نہا ہند' میں 'خالص برلی' کہچتی بولی اور بولی کی دیوار' نام کے لھکھ بہائی مدن گویال جی کی کتاب ''بہاشا'' سے لئے گئے ہیں ۔ یہ لیکھ بہی اسی کتاب کا ایک حصہ ہے . پوری کتاب چھپ کر تیار ہے اور ناگری اور اُردو دونوں لکھاوتوں میں منیجر 'نہا ہند' 145' متھی گئج' العآباد سے مل سکتی ہے . قیمت دیوھ ررپھ—ایدیتر]

أردو اور هندي كا جهكوا كنچه بهت پرانا نهين ليكن كهنچكا كهنچكا اتنا لميا هوكها هے كه أب دهرم كا بهاك بن گها هے . دو بولهوں كا آپس مهن جهكوا سدا سے چا آيا هے اور هوتا رههكا . جس طرح سے يه جهكوے أور ديسون مهن نهتي نهتينكے . يه ديكهنے كے لئے كه اور ملكوں مدى يه جهكوے كس طرح طے هوئے يه مناسب هے كه هندستان كى زبانوں پر اور أور ديسوں كى ربانوں پر اور أور ديسوں كى ربانوں پر سرسوى نظر ةالى جائے .

پانچ ھزار برس ھوئے ھندستان مھی آربوں کے آنے سے پہلے اُتری مندستان کی کیا ہوئی تھی اُسکی بابت هدين كتچه علم نهين كيونكه أن ليكهون كو جو أس زماني کے دمیں ملے هیں ابھی تک کوئی پڑھ نہیں سکا ۔ آریوں نے یہاں کے رہنے والوں کو دسہو تکفیئے کیٹی جنگلی وفهرة كها هي . پنچهاي صدى تك تو جو كنچه وة لكه كثر هين سب مانا جانا تها ليكن أب هم جانات هين كه حِبَ آرية يهال آئے تھ' وہ اُتھاؤ چواھے تھ . کھیتی باری یہاں آکر اُنہوں نے سیکھی ، اُن کی شروع کی ویدک زبان بھی یہاں کی پہلی ہولی کے مهل سے پہدا ہوئی اور ولا يهي بهت دن جي نه سکي . بودهون اور جهدهون لے یہاں کی بولہوں میں پرچار شروع کھا ، جب أن كے پرچار سے براهمدوں کے جات کے قلعے گرنے لگے تو انہوں نے سلسكرت بدائي . شررع مدن تو يه كيرل دهرمي بولي هني حب براهمنون كا قلعه جات يهر مضهوط هوگها أنهور نے اسے درباری زبان بنائی . أسكم بعد يه ادبي (ساهتیک) زبان بن اکبی . ادبی بن کو اس نے وہ رنگ روپ نکال که هندستان میں هی نہیں آس پاس کے عيسون ميں بھي راج كرنے لكى .

ساتویں صدی ہی ۔ سی . میں ایرانیوں نے پنچھم میں مصر تکاور پورب میں سندھ دریا تک اینی عکومت قائم کی پانچویں صدی ۔ میں اُن کا دارا کے راج میں ستارا خوب چنکا اُور جھیلم کی ندی پر اُن کا تعقد ہوگیا۔

اكتربر 51'

इनके सुघरने की कोई सूरत नक्षर नहीं जाती. योजनाएँ (स्कीमें) बनाने में, बन महोत्सव मनाने में जौर सोमनाथ के शिव मन्दिर पर लाखों रूपया खर्च किया जाता है लेकिन जनता का बढ़ता हुआ दुख दूर करने की तरफ किसी का ध्यान नहीं दिखाई देता. कांगरेसी नेता, जिनका सारी जनता सम्मान करती थी, आपस में लड़ रहे हैं. यह मताड़े कम होने की जगह बढ़ते ही जा रहे हैं जोर हमारी राश्ट्री एकता यानी क्षीमी इत्तहाद की निशानी कांगरेस दूट रही है और जनता का उस पर विश्वास से उठ रहा है.

पिछले चार साल में जो विधान बनाया गया है उसमें नो शहरी आजादियाँ दी गई थीं विधान में सुधार करके उन पर भी पाबन्दी लगा दी गई है. लोगों का कहना है कि जिस विधान सभा ने यह विधान बनाया है वह जनता की नुमाइन्दा नहीं थी, क्योंकि उसे बालिश वोट से नहीं चुना गया था और उसने जो विधान बनाया है वह जनता का विधान नहीं है बिलक अंगरेजों के बनाए हुए इंडिया ऐक्ट 1935 को नए ढंग से जिख कर जनता के सामने पेश कर दिया गया है. इस विधान से जनता को अपने नुमाइन्दे चुनकर भेजने का अधिकार जरूर मिला है लेकिन उन्हें वापस बुलाने का अधिकार नहीं मिला.

इसिलये कांगरेस हो या दूसरी पारटी या पारटियाँ उनका उसी वक्त विश्वास किया जा सकता है जब बह जनता को अपने नुमाइन्दे जुनने के साथ अपने नुमाइन्दे बादस बुलाने का अधीकार भी दें. जब बोटरों को अपने नमाइन्दे वापस बुलाने का अधिकार प्राप्त होगा तभी वह असल ताक़त जनता के हाथ में रहेगी और तभी जनता की चनी हुई सरकार जनता की भलाई के काम करेगी. जनता की भलाई और देस की तरक्की उस बक्तत तक समिकन नहीं जब तक समाज के इस पुराने ढाँचे को बदला न जाय. देस की आर्थिक तरज़की के लिये यह भी जरूरी है कि हमारे देस में लगी हुई सारी अंगरेजी पूँजी और देस की तमाम अंगरेजी और दूसरी जायदादों को जिस सरह भी हो सके खतम किया जाय और जमीन गरीब किसानों में बाँटी जाय. अगर किसी पारटी के मैनिकेस्टो में यह बातें शामिल नहीं हैं तो हमारा खयाल है कि वह पारटी जनता की भलाई की बात नहीं कर सकती. चुनाव में वोट डालते वक्षत जनता को यह बार्वे ध्यान में रखनी होंगी.

ان کے سدھرنے کی کوئی صورت نظر نہیں آتی ۔ یوجفائیں (اسکیمیں) بنانے میں مہوتسو مفانے میں اور سومناتھ کے شو مقدر پر لاکھوں رویعہ خرج کیا جاتا ہے لیکن جفتا کا بوھتا ہوا دام دور کرنے کی طرف کسی کا دھیاں نہیں دکھائی دیتا ، کاسکرسی نیتا جن کا ساری جفتا سندان کرتی تھی آپس میں لورھے ھیں ۔ یہ جھتوے کم ہونے کی جگہ بوھتے ہی جا رہے ھیں اور ھماری راشتری ایکتا یعنی تومی اتتحاد کی نشانی کانگریس توت رہی ہے اور جفتا کا اس پر سے وشواس آتہ رہا ہے .

پچھلے جار سال میں جو ودھان بنایا گیا ہے اُس میں جو شہری آزادیاں دی گئی تھیں ودھان میں سدھار کر کے اُن پر بھی پابندی لگا دی گئی ہے . لوگوں کا کہنا ہے کہ جس ودھان سبہا نے یہ ودھان بنایا ہے وہ جنتا کی نمائندہ نہیں تھی' کیونکہ اُسے بالغ ووت سے نہیں چنا لیا تھا اور اس نے جو ودھان بنایا ہے وہ جنتا کا ودھان ہیں ہے بلکہ انگریزوں کےبنائے ہوئے اندیا ایکت 1935 کو نئے دھنگ سے لکھ کر جنتا کے سامنے پیش کر دیا گیا ہے . اس ودھان سے لکھ کر جنتا کے سامنے پیش کر دیا گیا کے اُس ودھان سے جنتا کو اپنے نمائندے چن کر بھیجئے کے اُس ودھان سے جنتا کو اپنے نمائندے چن کر بھیجئے کا ادھیکار ضرور ملا ہے لیکن اُنھیں واپس بلانے کا اُدھیکار نہیں ملا .

اسلکے کانکریس هو یا درسری پارتی یا پارتهاں أن كا أسى وقت وشواس کیا جاسکتا ہے جب وہ جفتا کو آنےنمائندے چفنے کے ساتھ ایے نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار بھی دیں ، جب روتروں کو ایم نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار ہرایت هوکا تبهیود امل طاقت جلتا کے هاته میں رہے گی اور تبھی جنتا کی چنی ہوئی سرکار جنتا کی بھائی کے کام کرے کی . جنتا کی بھائی اور دیس کی ترقی اسوقت نک ممکن نہیں جب تک سماج کے اس پرانے دھانھے ا بدلا نه جائے ، دیس کی آرتهک ترقی کے لئے یه بهی فروری ہے که همارے دیس مهی لکی هوئی ساری انگریزی بونصی اور دیس کی تمام انگریزی اور دوسری جائدآدوں کو جس طرح بھی هوسکے خدم کھا جائے اور زمین فریب کسانس میں بانڈی جائے . اگر کسی پارٹی کے میٹی فسڈو میں یہ ہاتیں شامل نہیں هیں تو هماراً خیال هے که وہ بارتي جلعا كى بهلائي كي بات نهمن كرسكتي . چلاؤ میں روت ڈالئے وقت جلتا کو یہ ہاتیں دھیاں میں رکھنے ہوں گی .

251

बहां कोंगों को अपने तुमाइन्द्रे चुनते का और उन्हें नापत बुलाने का भी अधिकार प्राप्त है. रूस, नया चीन और पूरवी योरप के छुझ देसों पोलैंड, रूमानिया, बलगारिया, हंगरी और चेकोसलोवाकिया में सच्ची जनवादी सरकारें कायम हैं. वहां की जनता न सिर्फ अपने नुमाइन्दे चन सकती है बलिक अगर बह चाहे तो उन्हें वापस भी बुलां सकती है, जिस से असल ताकत हमेशा जनता के हाथों में रहती है. यही कारन है कि वह जनता के चुने हुए नुमाइन्दे जनता की सक्वी मलाई के क़ानून बनाते हैं, उन्हें यह ध्यान रहता है कि अगर हमने कोई भी काम जनता की मरजी के जिलाफ किया तो इम से यह ताकत छिन सकती है. वहां न सिर्फ क्रानून बनाने वाली संस्थाओं के मेन्बर और मंत्री जनता के चुने हुए होते हैं बल्कि क़ानूनों को देस में सागू करने वाले सरकारी श्रक्तसर, जज, मजिस्ट्रेट और पुलिस अफसर वरौरा भी जनता के चुने हुए होते हैं. अगर कोई अफसर अपने ओहरे का राजत इस्तेमाल करता है तो जनता इसे अपने पद से हटा सकती है. इस तरह जनता की चुनी इंडे जनता की सरकार जनता की भलाई के लिये काम करती है और उसके वजीर और अकसर सचमुच जनता के सेवक होते हैं.

खंगरेज सामराजियों ने डेद सौ साल से हमारे देस को गुलाम बना रखा था और जनता की तरक्रकी रुकी हुई थी. हमारे काम धन्दों और तमाम आर्थिक साधनों पर बिदेसी क्योपारियों और हुक्मरानों का कब्जा था. इसी कारन भूक और बेरोजगारी बढ़ी, जनता को अनपद रखा गया और देस सभ्यता और कल पर की दौड़ में दुनिया से पिछड़ गया. भूक और बेकारी को दूर करने और अपनी कल चर को आगे बढ़ाने के लिये ही हम अंगरेज सरकार के लिलाक लड़ रहे थे. जब हम देस की आजादी की मांग करते थे और अंगरेज सरकार को हटाकर जनता की सरकार बनाने की बात कहते थे तो हमारा मतलब यही होता था कि अंगरेजों के चले जाने के बाद जनता की आर्थिक लूक समोर बनव होगी और देस तरक्की करेगा.

15 अगस्त 1947 को ढोल पीट कर एलान किया गया कि अंगरेज चले गए और हमारा देस आजाद हो गया. लोगों ने सुख का सांस लिया. अगरने बँटवारे के कारन देस के टुक हो गए, लाखों आदमी मरे और जाखों के घर बार उजड़ गए. लेकिन किर भी आजादी तो मिली मगर आजादी से जनता की जो उम्मीवें बँधी होती हैं, पिछले बार साल में उन पर आस पड़ गई. वे रोजगारी और महँगाई कम होने की जगह पहले से कई गुना बढ़ गई. तालीम और महँगी हो गई. रेलों के किराये और हैंक्स बढ़ गए. हालात दिन दिन विगड़ते ही गए. अब भी

جہاں لوگوں کو ایے تماثندے جنتے کا اُور اُنھیں وایس بلانے کا بھی ادھیکار پرایت ھے . روس' نہا جھن' اور بوریس یورپ کے کچھ دیسوں بولیدڈ' رومانهہ' بلغاریہ' هلکری اور چهکو سلورائیا میں سچی جن وادی سرکارین نائم هیں ، وعال کی جنتا نه صرف ابنے نمائندے چن سكتى هم بلكة أكو ولا جاهم تو أنهين وايس بهي بلا سكتم هم جس سے اصل طاقت مدیشہ جنتا کے ماتھوں میں رہتی ھے . یہی کارن ھے کہ وہ جنتا کے چنے ہوئے نمائندے جلتا کی سچی بہلائی کے قانون بلاتے هیں' اُنهیں یہ دهیاں زهما مے که اگر هم نے کرئی بھی کام جندا کی مرضی کے خلف کہا تو هم سے يه طاقت چهن سكتى يه . وهاں نع صرف قانون بقانے والی سفستھاؤں کے ممیر آور مفتری جنتا کے چلے هوئے هوتے هيں بلکه قانونوں کو ديس مهن لکو کرنے والے سرکاری انسر' جبے' مجستریت اور پولیس افسر وفیرہ بھیجنتا کے چنے هوئے هوتے هیں . اگر کوای افسر الع عهدے کا فلط استعمال کرتا هے تو جنتا اسے انهے پد سے هتا سکتی ہے ، اس طرح جلتا کی جلی ھوئی جلتا کی سرکار جنتا کی بہلائی کے لیے کام کرتی ہے اور اس کے وزیر ارر انسر سے مے جنتا کے سہوک ھوتے ھیں ،

انگریز سامراجیوں نے تیزہ سو سال سے همارے دیس کو غلام بنا رکھا تھا اور جنگا کی ترقی رکی ہوئی تھی ، همارے کام دهندوں اور تمام آرتھک سادهنوں پر بدیسی بھرپاریوں اور حکمرانوں کا قبضہ تھا ، اِسی کارن بھوک اور بے روزگاری بوھی جنگا کو ان پڑھ رکھا گیا اور دیس سبھیٹا اور کلچر کی دور مھی دنیا سے پنچھر گیا ، بھوک اور بھکاری کو دور کرنے اور اپنی کلچر کو آئے بڑھانے کے لئے ھی هم انگریز سرکار کے خلاف لڑ رھے تھے ، جب هم دیس کی آزادی کی مانگ کرتے تھے اور انگریز سرکار کو ہٹا کر جنگا کی سرکار بنانے کی بات کھٹے تو ھمارا مطلب یھی ھوتا تھا کہ انگریزوں کے چلے جانے کے بعد جنتا کی آرتھک لوت تھا کہ انگریزوں کے چلے جانے کے بعد جنتا کی آرتھک لوت

15 اگست 1947 کو قعول پیست کر اعلان کیا گیا که الگریز چاہے گئے اور همارا دیس آزاد هوگیا . لوگوں نے سکه کا سانس لیا . اگرچه بتوارے کے کارن دیس کے تکرے هوگئے ' ککھیں آدمی مرے اور الکھوں کے گھر بار اُجِوَ گئے . لیکن بھر بھی آزادی تو ملی مگر آزادی سے جلتا کی جو اُمهدیں بیناهی هوتی هیں' پیچھلے چار سال میں اُن پر اُرس پو گئی . بھ روزگاری اور مہلکائی کم هونے کی جگه پہلے سے کئی گلا بڑھ گئی . تعلیم اور مہلکائی کم هونے کی جگه پہلے سے کئی گلا بڑھ گئی . تعلیم اور مہلکای هوگئی دیلوں کے کرائے اور تیکس بوھ گئے . حالات دن دن بگرتے هی گئے . اب بھی

भी उसी तरह के गिरोह में हैं. अब बोटर क्या कर सकतें हैं. उसे पांच साल के लिये चुना गया है और पांच साल तक वह उनके सर पर रहेगा.

इस तरह आदमी का आदमी से विश्वास बठ जाता है और सच्चाई, ईमानदारी का कोई मतलब नहीं रह जाता. हालत सुधरने की जगह दिन दिन बिगड़ती जाती है. इस का सिर्फ एक ही इलाज है और वह यह है कि असल ताक़त हमेशा बोटरों के पास रहे. वह ऐसे हा सकता है कि जिस तरह जनता किसी भी आदमी को चुनने का अधिकार रखती है, उसी तरह अगर कभी भी उसे यह मालूम हो जाय कि यह आदमी चोरों जुवारियों के गिरोह से मिला हुआ है तो जनता दोबारा अपने बोट डाल कर इसे वापस बुला. सके. यानी जनता को न सिर्फ चुनने बिलक पह से हटाने का अधिकार भी मिलना चाहिये.

यह एतराज हो सकता है कि झाज हम किसी को सुनते हैं, कल उसे वापस बुलाते हैं, परसों दूसरे को खुनते हैं झौर तरसों उसे वापस बुलाते हैं. इस तरह चुनाव, जमहू- विवत और लोकशाही एक खेल और मजाक बनकर रह जाती है. इसिलये जनता को अपने नुमाइन्हें चुनने का अधिकार दिया जा सकता है लेकिन जनता जय चाहे उसे अपने नुमाइन्हें वापस बुलाने का अधिकार नहीं दिया जा सकता.

किसी जुग में इतसान को अपने तुमाइन्दे चुनने का भी अधिकार प्राप्त नहीं था. उस जुग में सारी राज शक्ति सिर्फ एक शखस-राजा-के हाय में होती थी और इसे ईश्वर का अवतार समभा जाता था. जब दुनिया आगे बढी और जनता अपने नुमाइन्दे चुनने का अधिकार मांगने लगी तो इस मांग का मजाक उड़ाया गया और उस अधिकार के मांगने वालों को जेलों में डाला गया और गोलियों से चढाबा गया. एक बरसे तक अपने नुमाइन्दे चन कर भेजने की बात को नामुमकिन माना गया. लेकिन जुग को बद्दलना था और वह बद्दला. शहरी आजादियां, वोट, प्रेस और पारटियां नए जुग की देन हैं जिनसे जनता ने अपने नुमाइन्दे जुनने का अधिकार हासिल किया है और उस पर असल होना मुमकिन हो गया है. अब दुनिया और आगे बदी है और पूँजीवादी जुग से नए जनवादी जुग ने जन्म लिया है, जिन देसों में सच्चा जनवादी जुग शुरू हो चुका है वहां जनता को न धिर्फ अपने नुमाइन्दे जुनने बल्कि इन्हें बापस बुलाने का अधिकार भी मिल गया है.

बरतानिया, श्रमरीका श्रीर फ्रांस बरौरा में पूंजीवादी सरकारें कायम हैं. वहां जनता को सिर्फ अपने नुनाइन्दे शुनने का श्रिकार है, उन्हें वापस बुलाने का श्रिकार नहीं. इसके खिलाफ दुनिया के लगभग श्राधे नकशे पर कुछ ऐसे देस दिखाई देते हैं जहां सच्ची जनवादी सरकारें बन गई हैं. علی آسی طوم کے اورہ سین ہے ، آپ ووٹر کھا کرسکتے ہیں ، آسے ہانچ سال کے لئے چھا گیا ہے آور پانچ سال تک وہ اُن کے سر پر رہے کا ،

اس طرح آدمی کا آدمی سے وشواس أته جانا هے اور سجائی ایمانداری کا کوئی مطلب نہیں رہ جانا . حالت سدھرنے کی جگہ دن دن بگوتی جاتی هے . اِس کا صرف ایک هیعلج هے اور وہ یہ هے که اصل طاقت همیشه ووترون کے پاس رهے . وہ ایسے هوسکتا هے که جس طرح جنگا کسی بھی آدمی کو چننے کا ادھیکار رکھتی هے اسی طرح اگر کبھی بھی اسے یہ معلوم هو جائے که یه آدمی چووں گواریوں کے گروہ سے ملا هوا هے تو جنتا دوبارہ انے ووت ڈال خواریوں کے گروہ سے ملا هوا هے تو جنتا دوبارہ انے ووت ڈال کو اسے واپس بلا سکے ، یعنی جنگا کو نه صرف چلنے کو ایسے واپس بلا سکے ، یعنی جنگا کو نه صرف چلنے بلکہ پدسے هگانے کا ادھیکار بھی ملنا چاھئے .

یہ اعتراض هرسکتا هے که آج هم کسی کو چفتے هیں' کل اسے واپس بلاتے هیں' پرسوں دوسرے کو چفتے هیں اور ترسوں اسے واپس بلاتے هیں۔ اِسطرح چفاؤ جمہوریت اور لوک شاهی ایک کهیل اور مذاق بن کر رہ جاتی ہے۔ اس لیّے جفتا کو ایے نمائندے چفنے کا ادھیکار دیا جا سکتا ہے لیکن جفتا جب چاہے اُسے ایے نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار نہیں دیا جا سکتا .

کسی جگ میں انسان کو اپنے نمائندے چلنے کا بھی ادهیکار برایت نهیں تھا۔ اس جگ میں ساری راج شکتی صرف ایک شخص --راجا-- نے هاته میں هوتی تهی اور أسے أيهرر كا أوتار سمجها جاتا تها . جب دنها آلے بوهی أور جنتا ایم نمائندے چننے کا ادھیکار مانگنے لگی تو اس مانگ کا مذات اوایا کیا اور اس ادھیکار کے مانکھے والوں کو جهلوں میں قالا گیا اور گولیوں سے آزایا گیا ۔ ایک فرصے تک آنے نمائندے چی کر بھھجتے کی بات کو ناممکی مانا گها . لهکن جگ کو بدللا تها اور وه بدلا . شهری آزادیان' ووق پریس اور پارتهاں نگے جگ کی دین هیں جن سے جلتا نے ایے نمائندے چلنے کا ادمیکار حاصل کیا ہے اور اس پر عمل ہوتا ممکن ہوگیا ہے ۔ اب دنیا اور آگے ہوھی ہے اور ہونجم وآدیے جگ سے نگر جن وادی جگ نے جلم لہا ھے . جن دیسوں میں سچا جن وأدى جگ شروع هوچكا ھے وہاں جفعا کو نہ صرف ابع سائندے چننے بلکہ الهيس وايس بلائے كا ادهيكار بهى مل كيا ھے .

پرطانیم' امریکم آرد قرانس رفهره میں پونچی وادی
سوپازیں قائم هیں۔ وهاں جفتا کو صرف آیے نمائلدے چفلے
کا ادھوکار ہے' اُنہیں واپس بلانےکا ادھوکار نہیں، اِسکیے خلاف
مثیا کے لگ بہگ آدھے نقشے پر کچھ ایسے دیس دفھائی
میں جہاں سچی جن والی سرکاریں بن گئی هیں'

नहीं हैं. कहने को कहा जाता है कि जनता की सरकार, जनता की सरकी से, जनता की मलाई के लिये काम करेगी. लेकिन जनता के चुने हुए लोगों की सरकारें भी जनता की मरजी के खिलाफ काम करती हैं. शहरी आजादियों पर पावन्दियां लगाती हैं, जनता को उसकी मरजी के खिलाफ लड़ाई में मोंक देती हैं और कलचर और तहजीव को तबाह करती हैं.

बात यह है कि तुमाइन्दे चुनने के लिये वोट का अधिकार मिल जाने से ही हकूमत की असल ताक़त, जिसे साबरेन्टी कहते हैं, चुनने वालों के हाथ में नहीं बल्कि चुने हुए लोगों के हाथ में रहती है. वह जैसे बाहें जसे इस्तेमाल करते हैं. एक बार चुने जाने के बाद जनता का उन पर कोई दबाव नहीं रहता और वह दूसरे चुनाव तक अपनी सम मानी करते रहते हैं.

मिसास के तौर पर हमारे देस में अब जो चुनाव होने जा रहा है दूसरा चुनाव इसके पांच साल बाद होगा और इस होने दाले चुनाव के वोट तीन जनवरी की शाम तक पड़ेंगे. इस चुनाव में कोई आदमी अपने आप को वोटरों के सामने उम्मीदबार के तौर पर पेश करता है और सच्चे दिल से और लच्छेदार भाशा में कहता है कि अगर आप लोग मुक्ते अपना नुमाइन्दा चुन देंगे तो आइन्दा पांच साल में मैं लोगों के रोजगार और तालीम का प्रवन्ध कहांगा, उजड़े हुआों को बसाऊंगा, समाजी चोरी नहीं होने दूँगा और देस के काम धंदों को तरक्षकी देने के लिये जितनी भी अच्छी अच्छी योजनाएं आज तक बनाई गई हैं उन्हें अमल में लाऊंगा वरोरा वरोरा

तीन जनवरी की शाम तक बोटरों के हाथ में असल ताकत है वह जिसे चाहें चुन सकते हैं और वह उस आदमी को अपना नुमाइन्दा चुन लेते हैं. लेकिन चार जनवरी की सुबह को लोगों को एक दम मालूम होता है कि यह आदमी जितने वादे करता था उनमें से एक भी पूरा नहीं होगा क्यों कि यह गरीब जनता के दुश्मनों पुँजीपतियों और समाजी चोरों के एक गिरोह से मिला है. यह गिरोह चीनी और बनस्पति भी के कारखानों का मालिक है और चुनाव में इस आदमी को कामयान बनाने के लिये उन लोगों ने रूपया लगाया था. अब वोटर कुछ नहीं कर सकते. वह अपना गला उसके हाथ में दे बैठे हैं और वह पांच साल तक जरूर उन का हाकिम रहेगा. जनता को लूटेगा, लुट-बाएगा और लोगों को भूका मारेगा. पांच साल बाद जब फिर चुनाव बायंगे तो उसका कोई दूसरा भाई बन्द जो कभी कभी चोर बाजारी के खिलाफ भारान भी करता रहा है लोगों से फिर वही बादे करेगा और मेम्बर या हाकिम बन जायगा और चुनाव के बाद यह भेद खुलेगा कि यह

াকসালে ভূজা, সত্ত্বাস্থা বিশ্বস্থান সংগ্ৰহ

بات یہ مے کہ نمائلدے چننے کے لئے ورت کا ادھیکار کی جانے سے ھی حکومت کی اصل طاقت' جسے ساورنتی ہتے ھیں' چننے والوں کے ھاتھ میں نہیں بلکہ چنے وئے لوگوں کے ھاتھ میں رھتی ہے ۔ وہ جیسے چاھیں سے استعمال کرتے ھیں ۔ ایک بار چنے جانے کے بعد بنتا کا اُن پر کوئی دباؤ نہیں رھتا اور وہ دوسرے چناؤ کے ایکی من مانی کرتے رھتے ھیں .

مثال کے طور پر همارے دیس میں اب جو چداؤ وئے جارها ہے دوسرا چداؤ اسکے پاسچ سال بعد هوگا أور س هوئے والے چداؤ اسکے پاسچ سال بعد هوگا آکس هوئے والے چداؤ کے روت تین جدوری کی شام تک ایس کے اس چداؤ میں کوئی آدمی آئے آپ کو ووڈروں نے ساملے امیدوار کے طور پر پیش کرتا ہے اور سجے دل سے اور لچھے دار پیاشا میں کہتا ہے که اگر آپ لوگ مجھے پدا نمائندہ چن دیں گے تو آئندہ پاسچ سال میں میں وگوں کے روزگار اور تعلیم کا پربندھ کروں گا اُجوے هوؤں و بساؤں گا سماجی چوری نہیں ہوئے دوں گا اور دیس و بساؤں گا سماجی چوری نہیں ہوئے دوں گا اور دیس نہیں مدندوں کو ترقی دیلے کے لئے جندئی بھی اُنہیں عمل نہیں گوں گا وفیرہ وفیرہ ۔

تھی جدوری کی شام تک روٹروں کے هاتھ میں اصل علماقت هے . وہ جسے چاههن چن سکتے ههي اور وہ اُس أدمى كو ايدا نمائده چن لهتے هيں . لهكن چار جدوري لی صبعے کو لوگوں کو ایک دم معلوم هوتا هے که یه آدمی جعنے رمدے کرتا تہا أن ميں سے ایک بھی پورا نہيں مولا کیونکہ یہ فریب جذتا کے دشمنوں پونجی پٹیوں اور سماجی چوروں کے ایک گروہ سے ملا ہے ، یہ گروہ جہلی اؤر بنسیتی کھی کے کارخانوں کا مالک سے اور چناہ میں اس آدمی کو کامهاب بنانے کے لیے ان لویوں نے رویعہ لکایا نھا ، اب ووٹر کچھ نہیں کرسکتے وہ اینا کلا اس کے هاتھ مهن ديم بيته هيس اور ولا يانيم سال تك ضرور أن كا حائم بھے گا ۔ بجلتا کو لوٹے کا لقوائدی اور لوگوں کو بھوکا مارہے گا ۔ بانی سال بعد جب بهر چناؤ آئیں کے تو اس کا کوئی سندرا بہائی بند جو کبھی کبھی چور بازارہ کے خلاف بھاھی بھی کرتا رہا ہے لوگوں سے پہر وہی وعدے کرے کا أور ممبر با حاكم بني جائيكا . ارر جدار كي بعد يه بهيد كهايكا كه يه

इनसान को—चाहे वह किसी भी धर्म या किरके का हो, आस्तिक हो या नास्तिक—जिन्दगी के वृनियादी हक्कू या अधिकार हासिल हों. इन अधिकारों में दो बातें जरूरी हैं—

(1) हर इनसान को अच्छा भोजन और मकान मिले ताकि वह अपने शरीर को तन्दुकरत रख सके और मेंह, आंधी और धूप से बचा सके और काम करने के बाद उसे आराम करने की सहित्यत हो.

(2) हर इनसान को खुद इलमी और कलचरी तरक्की करने और क्रीम की इलोमी और कलचरी तरक्की में हिस्सा लेने का मौका मिले.

इनसान दूसरे जानदारों की तरह सिर्क पेट भर कर ही सन्तरट नहीं रहता, उसकी जिन्दगी का एक इलमी और कलचरी पहल भी है. वह सोचता है, अपने ज्ञान को आगे बढ़ाता है और उस ज्ञान के जरिये दुनिया को समकते और सन्दर बनाने की कोशिश करता है. रामायन, महाभारत जैसी किताबें, अच्छी अच्छी कहानियां, तसवीरें और हमारा ताज महल इस ज्ञान और सुन्दरता के रूप हैं. जितना जितना यह ज्ञान बढता है उतना उतना ही आदमी का आतम सम्मान या खुद्वारी बढ़ती है और अपनी शक्ति पर भरोसा पैदा होता है. ब्याज का इनसान यह बात अच्छी तरह जानता है कि वह अपनी मेहनत और कोशिश से अज्ञान, अंध विश्वास. तमस्य ब. इटधर्मी और इक्रमतों की लड़ाइयां खत्म करके अपने जीवन को सुखी और शानदार बना सकता है, बशर्तेकि उसे इसका मौका मिले. जब हम यह मांग करते हैं कि जनता के लिये रोटी और अधिकार चाहिये तो इस का मतलव वह सारे साधन जुटाना होता है जो इनसान को इनसान बनाते हैं. इसमें रोजगार और मकान के ऋलावा सब के लिये तालीम, बोलने, लिखने और सोचने का हक भी शामिल होता है.

किसी सरकार के होते हुए अगर जनता की बड़ी तादाद भूकी और अनपद रहती है, उसे लिखने, पढ़ने, सोचने और मिलने जुलने की आजादी हासिल नहीं तो वह सरकार जमहूरी या जनवादी नहीं हो सकती. किर भूकी जनता उसे अपना सहयोग नहीं देती और उसे बदलने की कोशिश करती है. सरकार से इन सब बातों की गारन्टो लेने के लिये ही इनसान ने सदियों की कोशिशों के बाद बोट का अधिकार प्राप्त किया है. इसी लिये हर जमहूरी, जनवादी या लोकशाही विधान में लिखा रहता है कि सरकार सब के लिये रोजगार और तालीम का प्रबन्ध करेगी और अपनी कलवर को आगे बढ़ाने के लिये जनता को शहरीआजा-विवा हासिल होंगी.

लेकिन तजरबे से इनसान ने यह भी समक लिया है कि सिर्फ विधान में इन बातों का लिखा रहना ही काफी لشان کو جهاهے وہ کسی بھی دھرم یا قرائے کا ھوا آسٹک ھو ہا ناسٹک سے زندگی کے بغیادی حقوق یا ادھیکار حاصل موں ، ان ادھیکاروں میں دو باتیں ضروری ھیں —

(1) هر انسان کو اچها بهوجن ارر مکان ملے ناکم وہ ایے شریر کو تندرست رکھ سکے اور میڈیم، آندھی اور دھرپ سے بچا سکے اور کام کرنے کے بعد آسے آرام کرنے کی سهولیت ھو.

(2) هر انسان کو خود علمی اور کلچری ترقی کرنے اور قوم کی علمی اور کلچری ترقی میں حصہ لیلے کا موقع ملے۔

انسان دوسرے جانداروں کی طرح صوف پیت بھر کو ھی سفتشت نہیں رھتا ۔ اسکی زندگی کا ایک عامی اور کلچری پہلو بھی ھے ، وہ سوچتا ھے' آئے گیان کو آئے بچھاتا ھے اور اس گیان کے ذریعے دنیا کو سمجھٹے اور سفدر بٹانے کی کوشش کوتا ھے ، رامائن' مہاپھارت جیسی کتابھی' اچھی اچھی کہانیاں' تصویریںاور ھمارا تاج متصل اس کیان اور سفدرتا کے روپ ھیں ۔ جتنا جتنا یہ گیان بود داری بوستی ھے اور ایڈی شکتی پر بھروسہ پیدا ھوتا ھے ۔ آج بوھتی ھے اور ایڈی شکتی پر بھروسہ پیدا ھوتا ھے ۔ آج بوھتی کا انسان یہ بات اچھی طرح جانتا ھے کہ وہ ایڈی متحفت کو انسان یہ بات اچھی طرح جانتا ہے کہ وہ ایڈی متحفت اور کوشش سے اگیان' اندھ وشواس' تعصب' ھت دھرمی اور شاندار بنا سکتا ھے' بشرطیکہ آسے اسکا موقع ملے ۔ اور شاندار بنا سکتا ھے' بشرطیکہ آسے اسکا موقع ملے ۔

جب هم یه مانگ کرتے ههں که جفتا کے لئے روثی اور ادهیکار چاهئے تو اِس کا مطلب ولا سارے سادھن جٹانا هوتا هے جو انسان کو انسان بغاتے هیں ، اِس مهن روزگار اور مکان کے علاولا سب کے لئے تعاہم اور سوچئے کا حق بھی شامل هوتا هے ،

کسی سرکار کے ھوتے ھوئے اگر جفتا کی بڑی تعداد بھوکی اور اُن پڑھ رھتی ھے' اُسے لکھنے' پڑھنے' سوچنے ارر ملنے جلئے کی آزائی حاصل نہیں تو وہ سرکار جمہوری یا جن وادی نہیں ھوسکتی ، پھر بھوکی جفتا اُسے اپنا سہیوگ نہیں دیتی اور اُسے بدلنے کی کوشش کرتی ھے ، سرکار سے اُن سب باتوں کی گارنٹی لینے کی لئے ھی اُنسان نے صدیوں کی کوششوں کے بعد ووق کا اُدھیکار پرایت کیا ھے ، اِسی لئے ھر جمہوری' جن وادی یا لوک شاھی ودھان میں لئے ھر جمہوری' جن وادی یا لوک شاھی ودھان میں لکھا رھتا ھے کہ سرکار سب کے لئے روزگار اور تعلیم کا ھربقدھ کرے کی اور اُپنی کلنچر کو آئے بڑھانے کے لئے جفتا کو شہری آزادیاں حاصل ھوں گی ،

لیکن تجربے سے انسان نے یہ بھی سنجہ ایا ہے که صرف ودھان میں ان باتوں کا لکھا رھفا ھی کافی

Mining Williams.

استقور هو الیک آدمی کے دو نام هوتے هیں ، ایک جس ہے دنیا أبے بلاتی فے یا پہچانتی فے اور دوسرا ا حس سے خدا أسے بلانا هے أور يہنجانتا هے . يه دوسرا نام بي سنجا نام هي انسان جو درارتها دوجا كرتا هي ولا صرف و لئے هي كه كسى شبه كهوى مهن ولا يربهو كو أهه كو بلاتا ن لے اور اِسی طرح اُبغا سنچا نام جان لے . هو ایک کے نے خدا نے ایک خاص نام رکھا ہوا ہے جیسے ہر ایک گھر ين مان يلي الله بجول كو الك الك نام سے بلاتے هين . یا کے لوگ اکثر نام پانے یا کرنے کی دور دعوب میں لگے يع هين . كيا هي أجها هو اكروه أينا سجانام يانيها باننے کے لئے رات دن تربین . مکر اوروں سے معجمے کیا طلب مجهد تو أينا نام تلاش كرنا هي أور اسي تلاش ، سلسلے میں ھی کبھی کبھی میں یہاں اُس سمندر ، کنارے اکیلا آدھی رات گزر جانے کے بعد آیا کرتا ھوں . ر تک تو مجهد يهان إس وقت كوئي نهين ملا ، مكر ملوم نہیں تم کہاں سے آج یہاں تیک پڑے ، کھا تم بھی یہ سٹھے نام کی تلاش میں میری طرح اِدھر اُدھر پہتکتے۔ بتے ھو ؟ "

میں کچھ جوآب نہ دے سکا ، صرف میری دونوں کیوں کیوں کیوں کیوں کی اُدسو چھل چھل یہنے لگے اُور جب میری آنکھیں دھل کو کچھ صاب ھولگیں تو میں لے ممان کے تاروں کی طرف تاکا اُور پوچھا۔۔۔'' یہلا تم ھی مرا سچا نام بتا دو ''

को सुनी, हर एक बादमी के दो नाम होते हैं. एक वह जिससे दुनिया एसे बुकावी है या पहचानवी है और दूसरा वह जिससे खुदा उसे बुलावा है और पहचानवा है. यह इसरा नाम ही सच्या नाम है. इनसान जो प्रार्थना पूजा करता है वह सिर्फ इसिलये ही कि किसी शुभ घड़ी में वह प्रभू को अपने को बुलाता सुन ले और इसी तरह अपना सच्चा नाम जान ले. हर एक के लिये खुदा ने एक खास नाम रक्ला हुआ है जैसे हर एक घर में मां बाप अपने कच्चों को अलग अलग नाम से बुलाते हैं. दुनिया के लोग अकसर नाम पाने या करने की दीड़ ध्रुप में लगे रहते हैं. क्या ही अच्छा हो अगर वह अपना सचा नाम पाने या जानने के लिये रात दिन तड्पें. मगर श्रीरों से मुम्ते क्या मतलब. मुमे तो अपना नाम तलाश करना है और इसी तलाश के सिलासिले में ही कभी कभी मैं यहाँ इस समुन्दर के किनारे अकेला आधी रात गुजर जाने के बाद आया करता हूँ. आज वक तो सुमे यहां इस वक्षत कोई नहीं मिला. मगर मासूम नहीं तुम कहां से आज यहाँ टपक पड़े. क्या तुम भी अपने सचने नाम की तलाश में मेरी तरह इधर बधर भटकते रहते हो ?"

में कुछ जवाब न दे सका. सिर्फ मेरी दोनों आंखों में से आंसू छल छल बहने लगे और जब मेरी आंखें धुल कर कुछ साफ हो गई तो मैंने आसमान के तारों की तरफ ताका और पूछा—"भला तुम ही मेरा सच्चा नाम बता दो."

चुनाव भ्रोर जनता

(भाई हंसराज 'रहबर')

बढ़े इन्तजार के बाद सन 1952 के शुरू में चुनाव होने का फैसला हो गया. जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं नई और पुरानी पारिटयां मैदान में उतर रही हैं और अपने अपने एलेक्शन मैनीकेस्टो खाप रही हैं. एलेक्शन मैनीकेस्टो क्या चीज है और जनता को उसे किस निगाह से देखना चाहिये ! इन दो बातों पर विचार करने के बाद ही आदमी अपने बोट का सही इस्तेमाल कर सकता है.

असहूररियत या लोकशाही का मोटे तौर पर मतलब यह है कि जनता की सरकार, जनता की मरजी से जनता की भक्ताई के लिये काम करे और उस श्वरकार के रहते हर

چناؤ اور جنتا

(بهائی هدسراج 'رهیر')

پونے انتظار کے بعد سن 1952 کے هروع میں جاؤ بوئے کا فیصلہ مرکیا، جیسے جیسے جاؤ نزدیک آرھے هیں پی آور پرانی پارٹیاں میدان میں اتر رهی هیں آرر پی آیے الیکشن میڈی فیسٹو چہاپ رهی هیں ، الیکشن پیٹی فیسٹو کیا چوز ہے آور جانا کو اسے کس نگاہ سے پیٹیٹا چاھئے ؟ اِن دو باتوں پر وچار کرنے کے بعد هی

جمہوریت یا لوک شاهی کا موتے طور پر مطلب یه آ که جفتا کی سرکار' جفتا کی مرضی سے جفاتا کی ہلائی کے لئے کام کرے اور اُس سرکار کے رہتے ہو

· And the second of the second

कोड़ डाइ बरा देखों तो, सुझ की कसक डमादी तू पक्का पंकेरवर वादी रहा एक, है एक, यही तय डसी एक की सदा रही जब बही प्रगट होता होता लय प्रानी में कन कन में जगके, उस ही की आबादी तू पक्का एकेश्वर वादी

پهورو قاع قاوا دیکهو او سکه کی قصل آق کی ۔

تو پکا لیکیشور وائنی ۔

رها لیک هے ایک کی سدا رهی جے ۔

اسی ایک کی سدا رهی جے ۔

رهی پرکت هوتا هوتا لے ،

پرکت هوتا هوتا لے ،

پرانی میں کن کن میں جگ کے اس هی کی آبادی ۔

تو پکا لیکیشور وائی ۔

سبهکوان دین

सूफ़ियों की सोहबत में

-भगवानदोन

(4)

(भाई गु. म.)

पक दका समुन्दर के किनारे में बाकेला सैर कर रहा था. रात बहुत बीत चुकी थी. क़रीब क़रीब सब के सब लोग, जो वहां सैर करने बाए थे, अपने अपने घर वापस बले गए थे, एकान्त में बैठकर में बानन्द लुटु रहा था कि मालूम नहीं कहां से एक फ़क़ीर, जिसने मैले कुचैले कपड़े पहन रक्खे थे, मेरे सामने बाकर खड़ा हो गया. उसे देख कर मुक्ते बड़ी हैरानी हुई. क्योंकि इस वक्तत समुन्दर का किनारा विलक्कल खाली था. तो यह फक़ीर कहां से आ गए? मगर इस सबाल का तसल्लीबखरा जवाब उस बक्तत में बपने बापको न दे सका. फिर इनकी इच्जत करने की खातिर मैंने बपने होनों हाथ जोड़े और सर् मुकाया. फिर मैंने इनसे बड़े अदब के साथ उनका नाम पूछा.

"मेरा नाम ?" चन्होंने मेरा सवाल दोहराते हुए कहा— 'मैं खुद वह नहीं[जानता, तो तुम्हें क्या बतलाऊं ?"

"आपने क्या फरमाया १ में आपके कहने का मतलब . इंद्र समक्ता नहीं.'' मैंने नम्नता से कहा.

चन्होंने जवाब दिया—''मैं खुद भी तो जो कुछ तुन्हें कह हा हूँ उसका पूरा पूरा मतलब बड़ी सुद्दत तक नहीं समभ का था. मगर हाल ही में एक खुदा के बन्दे ने इसका मतलब में समभाया है और तब से मैं दिन रात अपने नाम की जाश में इधर उधर भटकता हूँ."

"तो क्या मेहरबानी करके आप मुक्ते भी नाम का ज समभाएँ। ?"

"क्यों नहीं.'' उन्होंने जवाब में कहा — "क्यों कि जो ह एक खुदा का बन्दा कहता है वह सब के लिये होता है.

صوفیوں کی صحبت میں (4) (بہائی ک،م،)

ایک دفعه سمندر کے کنارہ میں اکیا سیر کر رہا تھا .

رات بہت بیت چکی تھی . قویب قریب سب کے سب لوگ جو وہاں سیر کرنے آئے تھے اپنے اپنے گھر رأیس چالے گئے تھے . ایکانت میں بیٹھ کر میں آسند لوت رہا تھا کہ معلوم نہیں کہاں سے ایک فقیر جس نے میلے کچیلے کپڑے بہن رکھے تھ میرے سامنے آکر کھڑا ہوئیا .

کچیلے کپڑے بہن رکھے تھ میرانی ہوئی . کھونکہ اس وقت سمیدر کا کنارا بالکل خالی تھا . تو یہ فقھر کہاں سے آگئے ؟

مگر اس سوال کا تسلی بخص جواب اس وقت میں اپنے میکر اس سوال کا تسلی بخص جواب اس وقت میں اپنے آپ کو نہ دے سکا ، بھر ان کی عزت کرنے کی خاطر میں نے اُن یہ دونوں ہاتھ جوڑے اور سر جھکیا . بھر میں نے اُن

رد میرا نام؟ " أنهرن نے میرا سوال دوهراتے هوئے کہا سے در میں خود وہ نہیں جانعا' تو تمہیں کیا یعلاں کا '

ر آپ نے کہا قرمایا ؟ میں آپ کے کہنے کا مطلب کچھ سنجھا نہیں ، میں نے نمرتا سے کہا .

آنهوں نے جوآب دیا ۔۔ '' میں خود یہی تو جو کچھ تمہیں کے رہا ہوں اس کا پورا پورا مطلب بوی مدت تک نہیں سبجھ سک تھا ، مکر حال ہی میں ایک خداکے بندے نے اس کا مطلب مجھے سبجھایا ہے اور تب سے میں دن رات اپنے نام کی تلاش میں اردور ادور بھٹکٹا ہوں ۔''

رو تو کیا مہربانی کرکے آپ مجھے بھی نام کا راز سمجھا ٹیلگے ؟"

'' کھوں نہوں '' اُنھوں نے جواب میں کیا ۔۔۔ '' کیوں کہ جو کچھ ایک شدا کا بلدہ کہٹا ہے وہ سبکے لئے ہوتاہے ،

इसा इन्हीं से पेट अर्रेंगे, पोसेंगे आजादी तु पक्का एकेरवर वादी भाई माई भना सब्दें क्यों ? कोट, कचहरी, कीच सड़ें क्यों ? पंचों के भी पाँव पहें क्यों ? प्रेम प्रीत से बाँटें खाएँ, सस्ती सीख सिखा दी तू पक्का एकेश्वर वासी कहीं बड़े हैं मेहतर भाई कहीं बड़े हैं धोबी नाई बड़ी बेशक बनियाई कहीं कहीं पुरोहिताई ठकुराई, जायज सब में शादी तू पक्का एकेश्वर बादी वली बनी, हाँ, रहे अमीरी सेवक बनकर रहे वजीरी सीख सिखाने रहे ककीरी बूसेगा फिर कौन किसी को, रोबी ऐंठ मिटा दी तू पक्का प्रकेश्वर वादी दारू सूम बूम खा जाती सूफ बूफ ईश्वर से आती यों ईश्वर की इजजत जाती पीपी रब को भूले, फैलाते बरवादी वारू तू पक्का एकेश्वर वादी बैठे करें ईश्वर की फिर कीन वढाई

ब्याज सूद में यही बुराई तन का, तेरा, तोड़ ताब तब नर बन जाता मादी तू पक्का एकेश्वर वादी

तोप बनी खाकर 'तू तेरा' तमंचा तेरा ढेरा तेरा तीर का कम न तरेरा जो भी इनको मेट मिटाए, अगला वह ही हादी त् पक्का एकेश्वर वादी

अपनी धुन का था तू धुनिया सौ गुनियों का था तू गुनिया बोला, राम संभालें दुनिया बदबखतो क्यों मरे जा रहे, रो रो नानी दादी

तू पक्का एकेश्वर वादी अब न गढ़ो ऐटम बम प्यारो

जर्म जला इनसान खबारो काफी वह, हिम्मत मत हारो

बाखा, उपदेश देने वाला.

کما انہیں سے بہت بہریں کے پوسیں کے آزادی تو یکا ایکهدور وادی

> بهائی بهائی بها لوین کهرن ؟ کونگ کچهری کیم سویں کیوں ؟ پنجوں کے بھی پاؤں ہویں کیوں ؟

یریم پریت سے باتیں کھاٹیں' سستی سیکھ سکھادی تو یکا ایکیشور وادی

> کہیں ہوے میں مہتر بھائی کہیں ہوے ھیں دھوہی کہیں ہوی ہے شک

شانىي كههن يروهنائي تهكرأئي جائز سب مهن تو یکا ایکیشور وادی

بنی' هاں' رہے ہن کر رہے سکهائے رھے

لا پهر کون کسی کو' رعبی اینته متادیی تو یکا آیکیشور وادی

پی رب کو بھولے' تو یکا ایکهشور وأدی

> كعائي بوهائي برائي سود مهن يهي

تورتاه تب نر بن جاتا مادی تو یکا أیکیشور وادس

> کهاکر تو تيغ

کو سیت مثانے' اکلا

دهن کا تہا سو گڏيون دنها رأم کیوں مرے جا رہے' رو رو تو یکا ایکهشور وادی

> ایتم یم پهارو أيارو

ولى = ترستى. = جرم = كيئانو . هادى = هدايت دياء वसी द्रस्टी = जर्म = कीटागु. हादी = हिदायत देने والا أيديس ديل والا . पाया. हादी वालों की दादी भी नाम की हैं. दोनों करको तो साफ होते हैं सिर्फ ठुट्टी कौर दोनों मँछों के बीच में महेंच जुमा बराय नाम खराखरी बाल कुछ इस तरह के होते हैं कि दूर से चेहरा बिलकुल साफ माल्म होता है. मगर पास से कुछ बाल माल्म होते हैं, ऐसे जैसे दो तीन दिन से किसी ने शेव न किया हो. अजहर के हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों में दो हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों में दो हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों में दो हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों ने शिकायत की कि हमको यहाँ के लोग कंजूस और पादरी कहकर चिदाते हैं.

15 अगस्त '51

भावका भाई---भव्दल्ला भिस्री

(बाक़ी किर)

پایٹ دارهن والوں کی دارهی بھی نام کی ہے۔ دونوں دونوں کلے تو صاف ہوتے ہھی صرف ٹھتی اور دونوں موجھوں کے بھی میں فرنی نما ہوائے نام خشخشی بال کنچھ اِس طرح کے ہوتے بعیں که دور سے چھرہ بالکل صاف معلوم ہوتا ہے ۔ مگر پاس سے کنچھ بال معلوم ہوتے میں ایسے جیسے دو تین دن سے کسی نے شیو نه کیا ہو ، ازهر کے هندستانی طالب علموں میں دو هندستانی طالب علموں میں دو هندستانی طالب علموں میں دو هندستانی طالب علموں میں خاصی ہیں ، اِن دونوں نے شکایت کی که همکو یہاں کے خاصی هیں ، اِن دونوں نے شکایت کی که همکو یہاں کے لوگ کانچوس اور پادری کے کر چوهاتے هیں .

آپکا بھائی

15 اكست 51

عبداللة مصرى

(ہائی پھر)

बापू

त् पक्का प्रकेश्वर वादी

पक्ष राम है नाम उसी के रब, रहमान, खुदा, ब्रह्मादी

त् पक्का प्रकेश्वर वादी

सिर्फ अरब का नहीं खुदा है

नहीं हिन्द का राम जुदा है

रूप एक मंजूरशुदा है

अब इसमें मगड़ा ही क्या है, सीधी राह बतादी

तू पक्का एकेश्वर बादी एक खुदा के हम सब बन्दे जात पात, मत, मजहब, फन्दे फाँस लड़ाने के ढब धन्दे

इस न फँसें इनमें बन अंधे, खड़तल बात जतादी

तू पक्का परेशवर वादी काम न पिलने के सब मागड़े मैं उसको वह मुमको रणड़े हुए मिलों से लूले लंगड़े

काम बहुत, इम कार्ते, पहनें, हाथ बनी ही खादी

तू पक्का एकेश्वर वादी हाथ राम ने इसी क्षिये तो हमें दया कर दान दिये दो मरें भले, पर, अगर जियें तो بايو

تو پکا ایکیشور وادی ایک رام ہے نام اُسي کے رب' رحمان' خدا' برھمانسی تو پکا ایکیشور وادي

مرف عرب کا نہیں خدا ہے نہیں ہند کا رام جدا ہے روپ ایک منظور شدا ہے

اب اِس میں جھگوا ھي کيا ھے' سيدھی راہ بعادی تو پکا ايکيشور وادي

ایک خدا کے ہم سب بندے عات یات مت مذهب پهندے بهانس لوانے کے ذهب دهندے

هم نه پهنسهدران میرین اندهی کهوتل بات جعادی

تو پکا ایکیشور رائنی کام نه ملنے کے سب جھگڑے میں اُس کو وہ منجھکو رگڑے ھوئے ملوں سے لولے للگڑے

كام بهت' هم كاتهن' پهلهن' هاته بلى هي كهادي

تو پکا ایکیشور وادی هاته وام نے اسی لگے تو همیں دیا کو دان دئے دو مریس بہلے' پر' اگر جیگیں تو

अक्तूबर '51

(298

*51 mzs

बहुबाक बरहरी (बहु बहुम) कौर कमलरी (कुट बहुम) होनों तरह के बहुम पाप जाते हैं. घहुसास बरतरी मज़हूबी पतबार से हैं और घहुसास कमलरी माली या कार्यिक पतबार से हैं. हम सुसलमान हैं कीर इसलाम सब से घड़्छा मज़हब है यह हर मुसलमान का एक कितरी जज़बा (स्वमाविक भावना) है. हर ईसाई, हर यहूबी, हर हिन्दू और हर दूसरे मज़हब का मानने वाला अपने मज़हब के बारे में यही सममता है. लेकिन मिस्र के मुसलमान बावजूद इस विचार में कट्टर होने के दूसरे मज़हबों के लोगों से कोई बैर नहीं रखते बिल्क सब के साथ पक सा मेल जोल रखते हैं.

शहसास कमतरी योरोपियन क्षीमों की ग़ैर मामूली माह्नी तरक्की, रोर मामूली ताकत, शान शौकत, ठाठ बाट, सज बज और ममंद बग़ैरा की वजह से हैं. और वह इस कमी को दूर करने के लिये हद दरजा जहां जहद और कोशिश कर रहें हैं. उन्होंने काफी तरक्क़ी भी की है. मिस्र आज मिडिल ईस्ट में तुरकी के बाद सब से बढ़ा चढ़ा सुरु है. मिस्री सरकार की पिछले साल की कुल आमदनी हो अरब इक्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्यानवे लाख पचास हज़ार यानी कुछ कम तीन अरब दिस्या है और खर्च तीन अरब तेईस करोड़ है जबकि मिस्र की कुल आबादी दो करोड़ साढ़े वाईस लाख है बानी हमारे सूबा यू. पी. से आधी आबादी है. मगर आमदनी और लर्च पाँच गुने से भी ज़ियादा है. इससे मिस्र की आजकल की माली तरक्षकी का कुछ अन्दाज़ा हो सकता है. इसके लिये और भी बहुत से आँकड़े दिये जा सकते हैं.

मिस्न के मुसलमानों में इतनी मज़इबी कड़ाई नहीं है जितनी हिन्दुस्तान के मुसलमानों में. मिस्न की औरतें आम तौर पर सेर तफ़रीह, सिनेमा थेटर, जुमा की नमाज, ख़रीइ फ़रोख़्त के लिये वे मिम्मक बाहर निकलती हैं. ज़ियादा तर देसी लिबास में होती हैं. मगर पड़ी लिखी औरतें और ज़ड़िक्यां सब की सब योरोपियन लिबास में वे मिम्मक निकलती हैं खोर वे बुरक़ा होती हैं. बुरक़ा बाली औरतों का बुरक़ा मीनाम को होता है. यानी पूरा जिस्म तो उनका ढका होता है पर पिंडलियों तक दोनों पैर, दोनों हाथ और चेहरे के ऊपर का हिस्सा बिलकुल नंगा रहता है. सिर्फ नाक के सिरे से लेकर दुड़ी तक एक हलकी जाली इस तरह की लटकती है कि पूरा चेहरा ज़रा ग़ीर से देखने पर दिखाई देता है.

मिस्री सोग आमतौर पर दादी और मूँखें मुँडवाते हैं. बड़े बड़े उत्तमा और मज़हबी पेशवा भी ऐसा ही करते हैं. क़ाहिरा और असकंदरिया की अकसर मस्जिदों के पेश-हमामों और वाइजों से भी मैंने खास तौर से मुलाक़ात की. क्रमें दो कीन के सिवा सबको क्सीत-शेव्ह (सका चट) الحساس برتری ابروهم) اور کمتری اجهت وهم افولون فارح کے وهم پائے جاتے هیں احساس برتری مشعبی افتیار سے هے ، هم مسلمان هیں اور احساس کمتری مالی یا آرتهک اعتبار سے هے ، هم مسلمان هیں اور اسلام سب سے اچها مشعب هے یه هرمسامان کا ایک نظری جذبه (سوابهاوک بهارنا) هے ، هر هیسائی هر یهرونی هر هندو اور هر دوسرے مذهب کا مانئے والا ایم مشعب کے بارے میں یہی سمجهتا هے ، لیکن مصر کے مسلمان باوجود اس وچار میں کتر هونے کے درسرے مذهبوں کا لوگوں سے کوئی بھر نہیں رکھتے یا که ساته ایک ساته ایک ساته ایک ساته ایک

احساس کمتری بوروپون قوموں کی فیر معمولی مادی توموں کی فیر معمولی مادی توموں کی فیر معمولی مادی شان شوکت شات سج دھیے اور گھمڈڈ رفیوہ کی وجہ سے ہے . اور پہات سے کمی کو دور کرنے کے لئے حد درجہ جدو جہد اور کوشش کو رہے ھیں . اُنہوں لے کافی ترقی بھی کی ہے . مصر آج مذل ایست میں توکی کے بعد سب سے بوھا چوہا ملک ہے . مصری سرکار کی پچہلے سال کی کل آمدنی دو ارب اکیانوے لاکھ پچاس ھزار یعلی کچھ کم تین ارب روپھ ہے اور خرچ تین ارب تیکس کروڑ ہے جبکہ مصر کی کل آبادی دو کروڑ ساڑھ بائیس لاکھ ہے یعلی ھمارے صوبہ ہے بھی زیادہ ہے . اِس سے مصر کی آب کل کی مالی ترقی سے بھی زیادہ ہے . اِس سے مصر کی آب کل کی مالی ترقی سے بھی زیادہ ہے . اِس سے مصر کی آب کل کی مالی ترقی سے بھی زیادہ ہے . اِس سے مصر کی آب کل کی مالی ترقی سے اندازہ ھرسکتا ہے . اس کے لئے اور بھی بہت سے آنکڑے دیگے جا سکتے ھیں ۔

مصر کے مسلمانوں میں اتنی مذہبی کوائی نہیں ہے جہنی هندستان کے اسلمانوں میں ، مصر کی عورتیں فام طر پر سیر تنریم' سنیما تهیئر' جمعہ کی نماز' خرید فروخت کے لئے ہے جہجک باہر نکلتی ہیں ، زیادہ تر دیسی لباس ایس ہیں ہرتی ہیں، مگر پوھی لکھی عورتیں ارر لوکیاں سب کی سب یرروہوں لباس ہیں ہرقعہ عوتی ہیں ، برقعہ یہ جہت نکلتی ہیں اور پے برقعہ ہوتی ہیں ، برقعہ والی عورترں کا برقعہ بھی نام کو ہوتا ہے ، یعنی پورا ہوسم تو ایکا قھکا ہوتا ہے ، یعنی پورا ہوسم تو ایکا قھکا ہوتا ہے پر پندلیوں تک دونوں بیر' محسم تو ایکا قھکا ہوتا ہے ، ایپر کا حصہ بالکل نفا رہنا ہے ، صرف ناک کے سرے سے لیکر تیدی تک ایک هلکی جالی مرف ناک کے سرے سے لیکر تیدی تک ایک هلکی جالی مرف ناک کے سرے سے لیکر تیدی تک ایک هلکی جالی اس طرح کی لٹکتی ہے کہ پررا چہرا ذرا فرر سے دیکھنے ، پر دکھائی دیتا ہے ،

مصوی لوگ عام طور پر دارهی اور مونچهیں مندواتے هیں . بوے بوے عاماً اور مذهبی پیشوا بهی ایسا هی کرتے هیں . قاعرہ اور اسکندرید کی اگر مسجدری کے پیشاماموں اور واعظوں سے بھی میں نے خاص طور سے ملاقات کی . اس میں در تین کے سوا سب کو کلین شیود (صفاجت)

تی فرووسه نههی، اور اکو تو شدا کی منظوی کو تکلیف نه دے ." اس تاریخی خط کے علاوہ حضرت عمر نے عمر و بی عاص کو ایک هدایت نامه لکها که اِس سال میلے که دن دریائے نیل کے نام کا یه خط نیل کے بیچ دھارے میں چھور دیا جائے اور مصر کی تمام جلتا کو اطمیانان دلا دیا جائے که آب نه تو دریا کا پانی کم هوگا نه باره آئے گی، ایشور کی کریا سے ایسا هی هوا ، تب سے کلیا بهیلت کی رسم بلند هوگئی ، پر نیل دیوی کی آؤ بھکت' میلا تهیلا اور بشن آب بهی هو سال هوتا هے اور بوے تهات سے هوتا ہے بازیاں وفع میں ایک سے ایک ناچ گائے' باچ گاچ' آتش جازیاں وفع میس کیچه هوتی هیں' بہت اهتمام اور دهوم بازیاں وفع میں موتی هیں اور اس پورے میلے کا دھام سے هوتی هیں اور اس پورے میلے کا سلامی هوتی هی آور اس پورے میلے کا شام سلامی هوتی هی دریائے نیل کی سلامی هوتی هی دریائے نیل کی انتظام سواری خرب سے هوتا هے .

مصر کے پرانے باسیوں میں کچھ پرندوں' چرندوں' مگر مجھ' سانپ' سررج' جاند' ستاروں اور گئو کی ہوجا بھی ھوتی تھی ۔ پرندوں میں کوے کا خاص مان تھا ۔ پتھر کی پرانی مورتیوں میں آدمی کے دعق اور کوے کی سی چونچ اور سر والی بہت سندر صورتیاں آب بھی مصر کے عجانب کھو میں گثرت سے صوحرد ھیں اور اُن میں پرانی مینا کاری کے خوشنما نقش ناار بھی خوب چمکتے پرانی مینا کاری کے خوشنما نقش ناار بھی خوب چمکتے ھیں ۔ کوا مصریوں میں عقل' ھنر اور گھان کا دیوتا مانا جاتا تھا ۔ پر آب یہ سب وچار پرانے ھوگئے ۔ اور آج کے مصری اُنھیں بھول گئے ،

مصرکی سرکاری بہاشا مربی ہے ۔ لیکن یہاں کے پڑھے لکھے لوگ آور بہت سے کار باری بہت سی زبانیں جانگے ھیں ۔ مشک فرنچ' اُلگی' جرمن رفیوہ ، فرنچ اُلے انگریزی جانئے والے زیادہ ھیں ۔ مصریوں میں

की कहरत नहीं. और अगर तू खुदा के हुका से बसता है तो ठीक ठीक चल भीर खदा की सखलक को तकसीक न है." इस तारीख़ी स्नत के अलावा हजरत उमर ने उमह बिन बास को एक हिदायतनामा लिखा कि इस साल मेले के दिन द्रियाप नील के नाम का यह खत नील के बीच धारे में छोड़ विया जाय चौर मिश्र की तमाम जनता की इतिमनान दिला दिया जाय कि अब न तो दरिया का पानी कम होगान बाढ आयगी. ईश्वर की कृपा से ऐसा ही हुआ। तब से कन्या भेंट की रसम बन्द हो गई. पर नीक देवी की आवभगत, मेला ठेला और जशन अब भी हर साल होता है और बड़े ठाट से होता है जिनमें एक से एक नाच गाने, बाजे गाजे, धातशवाजियां वरौरा सब कुछ होती हैं, बहुत एहतमाम और धूम धाम से होती हैं-· सरकारी तौर पर दरियाए नील की सलामी होती है, तो**पें** वगती हैं और इस परे मेले का इन्तजाम सरकारी सर्ज से ष्टोता है.

मिस्न के पुराने बासियों में कुछ परिन्दों, चरिन्दों, मगरमण्ड, सांप, सूरज, चांद, सितारों और गऊ की पूजा भी
होती थी. परिन्दों में कीए का जास मान था. पत्थर की पुरानी
मूर्तियों में आदमी के घड़ और कीए की सी चोंच और सर
बासी बहुत सुन्दर मूर्तियां अब भी मिस्न के अजायब घर में
कसरत से मौजूद हैं और उनमें पुरानी मीनाकारी के खुराहुमा नक्ष्श निगार भी खूब चमकते हैं. की आ मिस्नियों में
बात्स, हुनर और झान का देवता माना जाता था. पर अब
यह सब बिचार पुराने हो गए और आज के मिस्नो उन्हें
भूका गए.

मिस्न के लोग आम तौर पर बड़े सीधे सादे, अमन पसन्द, नेक, मेहमांनवाज और दयावान होते हैं. इनमें आपसी मगड़े बहुत कम होते हैं. धरम करम के मामले में भी किसी से मगड़ा फक्षाद नहीं करते. रंग रूप, इसव नसव, चूत छात और भाशा का भी मिस्न में कोई मगड़ा वहीं. न कलवर, तह बीब या संस्कृति का कोई मगड़ा है. मिस्न के लोग हर मुल्क, हर रंग और हर नसक के लोगों से मेस ओल रखते हैं और प्रेम करते हैं. बस यह दियों और अंगरेजों से यह लाग नफरत करते हैं. मगर इस नफरत के कारन मजहबी, अखलाक़ी या तह जीबी नहीं हैं बिल्क सिर्फ सिवासी और इक़रतादी (आर्थिक) हैं. इसके अलावा अलग अलग निजी तीर पर उनके ताल्लुक़ात अंगरेजों और यह दियों से बुरे नहीं हैं.

मिस्र की सरकारी भाशा अरबी हैं. लेकिन यहाँ के पढ़े बिस्ते कोग और बहुत से कारवारी बहुत सी खबानें जानते हैं. मसलन फ्रेंच, श्रंगरेजी, श्रीक, इटाली, जरमनी वरौरा. फ़्रेंच और श्रंगरेजी जानने वाले जि़बादा हैं. मिस्रियों में

चौर करवारी होते है. फिर नहे नहे पंडित चौर विद्याब. जनता ठट्ट के ठट्ट खड़ी राह देखती थी, जब उसके सामने अलूस पहुँचता तब जनता अक़ीदत और श्रद्धा से बेखद हो जाती और जय जय के नारों से किया गुँज जाती. कन्या पर फलों की बारिश होती. इस तरह मीलों का सफर तय करते हुए जब जलूस नील के किनारे पहुँचता तर्वे लोगों का जोश हद से गुजर जाता. कन्या भी उस वक्षत बहुत खुश होती और फट फट कर रोती और चीखती भी क्योंकि मीत की चड़ी अब उसके सामने विखाई देती. महाराजा. बड़ा बजीर श्रीर पुरोहित तीनों कुक कर कन्या को प्रनाम करते और उसके रथ से उसको बड़े अदब के साथ उतारते. फिर फूलों से सजी हुई एक नाव पर उसे बिठाते. घूप जलाते, मंत्र पढ़ते और नील देवी की पूजा करने के बाद **इससे** प्रार्थना कराते चौर कइते—"हे देशी! हम त्रफे अपनी सबसे सन्दर कन्या भेंट दे रहे हैं. अब त हम से साल भर ख़ुश रहना हम सब तेरे सेवक हैं. हमें बाढ़ से बचाना और सखे से बचाना (यानी हमारे यहाँ पानी की कमी भी न हो और न बाढ़ आए).

"हम अगले साल किर इसी दिन तुके अपनी सबसे सुन्दर कन्या पेश करेंगे." यह कह कर वह लोग उस जीती जागती सुन्दर कन्या को नील नदी की मौजों के हवाले कर देते थे और यह दिन मिस्न का सबसे बड़ा ख़ुशी का दिन होता था.

मिक्रियों में यह रिवाज इजारों बरस जारी रहा. मिश्र पर हमी ईसाइयों का क्रका दुवा. समियों ने भी इस रसम को क़ायम रखा. फिर रूमियों को अरब मुसलमानों के मुकाबले में हार हुई और मिस्र इसलामी अमलदारी में श्राया. तब हज़रत उमक बिन श्रास को जो मिस्र के अरब हाकिम थे इस जीव हत्या के रोकने की फिक हुई. लेकिन शरीश्वत की रूसे वह जनता की मजहबी आजादी, उनके रहन सहन और रिवाजों पर किसी तरह की पाबन्दी नहीं खगा सकते थे. उन्होंने मिस्र के पंडितों और सरदारों को बुला कर अपने तौर पर सममाया और कहा आप जरान जिस तरह चाहें करें मगर एक जीती जागती निरहोश कन्या को दरिया में न ड्रबाएँ. उन लोगों ने कहा कि अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो नील देवी खका हो जायगी धौर हम सब तबाह हो जायंगे. बाद से खेतियां डूब जायंगी या पानी की कमी से सूख जायंगी. उमह बिन आस ने इन समाम बातों की तकसील मदीना दारु बखलाकत में भेज दी और खलीका से हिदायत मांगी. खलीका हजरव चमर न नील नदां के नाम एक खत लिखा. खत का मजमून यह था—"यह ख़त में श्रक्षाह के नाम से ख़िख रहा हूँ जो बड़ा द्याल और द्यावान है. ऐ दरियाए नील, मैं तुम से कहता हुँ तु अगर अपने मन से चलता है तो तेरे चलने

اور فارباری هوتے تھے ، پہر ہوے ہوے بندت اور والواس . جلتا ٹھٹھ کے ٹھٹھ کھڑی راہ دیکھٹی ٹھی، جب أس كے سامنے جلوس يہونجتا تب جلتا عقيدت اور شردہ سے بے خود ہوجاتی اور جے جے کے نعروں سے فضا کونیم جاتی . کنیا پر پهولوں کی بارش هوتی . اس طرب مہلوں کا سفر طے کرتے ہوئے جب جلوس نہل کے کفارے یہونچا تب لوگوں کا جوش حد سے گزر جاتا ، کنھا بھی أس ولت بهم خوش هوتی اور پهوت پهوت کر روتی اور چهشتی بهی کهونکه موت کی کهوی اب اُس کو سامنے دكهائي ديتي ، مها راجا عوا وزير أور پروهت تيلون جهک کو کنها کو پرنام کرتے اور اس کے رتب سے اس کو بوے اوب کے ساتھ اُتاریے، پھر یھولوں سے سنجی ہوئی ایک فاق ی اُسے بتھاتے ، دھوپ جلاتے ' مفتر پڑھتے اور نھل دیوی کے پہچا کرنے کے بعد اس سے پرارتہا کراتے اور کہتے -الله ديري ! هم تجه أيذي سب سي سندر كليا بههلت دے رہے ھیں . آب تو ہم سے سال بھر خوش رها . هم سب تهرے سهوک ههن . همهن باده سے بحیانا اور سوکھ سے بحد نا (یعلی همارے یہاں پانی کی کمی بھی نہ هو اور نه . یاوہ آئے) .

'' هم اگلے سال پہر اِسی دن تجھے اپنی سب سے سندر کنیا پیش کریں گے ۔'' یہ کہکر وہ لوگ اُس جہتی جائعی سندر کنیا کو نیل ندی کی موجوں کے حوالے کر دیجے تھے اور یہ دن مصر کا سب سے بڑا خوشی کا دن ہوتا تھا .

مصريون مهن يه رواج هزارون برس جاريرها ، مصر پر ووسى مهسائيون كا تبضّه هواً . روصهون في بهي إس رسم کو قائم وکھا ، پھر رومیوں کو عرب مسلمانوں کے مقابلے میں هار هوتی اور مصر اسلامی عملداری مهی آیا ، تب حضرت عمرو ہی ماس کو جو مصر کے عرب حاکم تھے اس جیو هتیا کے روکنے کی فکر ہوئی ، لیکن شریعت کی رو سے وہ جفتا کی مذہبی آزائی اُن کے رهن سهن اور رواجوں پر کسی طور کے پاہلدی نہیں لگا سکتے تھے . اُنہوں نے مصر کے پیکترس اور سرداروں کو بلا کر ایے طور پر سمجھایا اور کہا آب جشن جس هرم چاهین کرین مکر ایک جیتی جاگتی فردوهی کلیا کو دریا میں نه دبائیں . أن لوگوں نے کھا کہ اگر هم ایسا نهیں دریں کے تو نیل دیری خفا هو نھائے کی اور هم سب تباہ هوجائیں گے ، باره سے کھیتھاں قرب جائهنگی یا بانی کی کسی سے سوکھ جائیں گی ، عمرو بن ماص نے أن تمام باتوں كى تفصيل مدينه دارالتقافت مهن بههجسی اور خلیمه سے هدایت مانکی . خلینه حضرت مسر نے نول ندی کے نام ایک خط لکھا . خط کا مصمون يه تها -- " يه خط مين ألله لح نام سے لكه رها هوں جو ہوا دیالو اور دیاوان ہے . اے دریائے نہل میں تصه سے کہتا ہوں تو اگر آیے من سے چلتا ہے تو تھرے چلانے

1. 1. 14

में भाम थी. सिक के पुराने खंडहरों से इजारों मूर्तियाँ निकली हैं जो क्राहिरा के अजायन घर में अब भी मौजूद हैं. बहुत से मंदिर भी टूटे फूटे जमीन के नीचे पाप गए हैं भौर बहुत से फिरश्रीनों के दरबार श्रीर उनके जमाने के साज सामान भी मिले हैं जिनके देखने से साफ पता चलता है कि मिस्न की पुरानी तहजीब और विचार भारत की पुरानी तहजीब और विचारों से बहत कुछ मिलते जुलते थे. खुद घहरामात की कहानी में इसके बहुत से सब्त मिलते हैं. इन श्रहरामात की तामीर आवागवन के कलसके की बिना पर हुई थी. मिस्र के पुराने पंहितों का अक़ीदा था कि आदमी मरता नहीं बल्कि सिर्फ क़ालिब यानी शरीर बद्ध देता है. फिर एक जमाने के बाद वह उस संसार में फिर से जनम लेता है. जनम लेते वक्षत अगर उसका पुराना कालिब किसी तरह महक्ज रह जाय तो जनम लेते बाला फिर अपनी पहली शान शौकत से जनम लेगा. इसी फलसफो के कारन बढ़े लोगों और राजाओं की लाशें हमेशा तक महफूज रखने के लिये बहुत जतन किये गए. ममी तैयार की गई और पहाड़ ऐसे मक्रवरे बनाए गए जो जाँधी, पानी, बाढ़ और भूडोल से भी बचे रह सके. इसमें शक नहीं कि मिकियों की यह पुरानी इमारतें जुँ की तुँ अवतक खड़ी हैं और इसी तरह फिरश्रीनों की क्तारों भी पाँच पाँच हजार बरस से रक्खी हैं. इस जमाने से इस जमाने तक मिस्न में बहुत से इनक़लाय हुए, बेशुमार शाहनशाहियते अजूद में आई और मिट गई मगर फिर औन के समय की यह यादगारें अब तक मौजूद हैं.

भारत के लोग जिस तरह गंगा जममा को पवित्र मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं मिझ के पुराने वासी भी नील नदी को मुक्कद्वस (पाक) मानते और उसकी पूजा करते थे. नीत देवी को खश रखने के तिये मिकी हर साल गरमियों के सौसम में, जब कि नील की बाद का जमाना होता है, एक बड़ा जरान करते थे. हमारे यहाँ के कुन्भ के मेले की तरह बहुत बड़ा मेला लगता था. पंडित, विद्वान, राजा, परजा सभी हिस्सा लेते थे. बहुत कुछ दान पुन होता था और नहान होता था. तरह तरह की पूजाएँ होती थीं. होरो गेलीफी लिखावट में विक्रो हुए बहुत से श्लोक और मंत्र पढ़े जाते थे, हर साल मिला की एक सुन्दर से सुन्दर कन्या पहले से खुन ली जाती थी जो महारानी की तरह बहुत ठाठ बाट और बाजे गाजे के साथ जरान में घुमाई जाती थी. **इसको क्रीमती कपड़े भौर जेवर पहनार** जाते थे. रंगा रंग फूलों के द्वार उसके गर्ब में बाले जाते थे. उसका बहुव शानदार जल्स निकतचा था. जलूस में कन्या तो रच पर दिख्डी थी और राजा पैदल इस रथ के आगे आगे सलामी हैसा हुआ। बलता था राजा के इद् गिद् इसके सब मंत्री

مهن عام تھی ، مصر کے پرائے کھلڈروں سے ھزاروں مورتھاں نکلی میں جو قاهرہ کے مجانب گهر میں آب یہی سوجود ھھی ۔ بہمت سے ملدر بھی ٹوٹے پہوٹے زمیوں کے نیجے دائے کٹے ھیں اور بہت سے فرعونوں کے دربار اور انکنے زمانے کے سازساءان بھی ملے ھیں جن کے دیکھلے سے صاف پتھ چلتا هے که مصر کی پرانی تهذیب اور وچار بهارت کی یرانی تهذیب اور وچاروں سے بہت کچھ ساتنے جلتے تھے . خود اهرامات کی کہائی میں اِس کے بہت سے ثبوت ملع ھھی . اِن اھرامات کی تعمدر آواکون کے فلسفے کی بدا پر ہوئی تھی ، مصر کے درائے بذرتیں کا عقیدہ تھا که آدمى مرتا نههن بلكه صرف قالب يعلى شرير بدل ديتا ھے ، یہر ایک زمانے کے بعد وہ اس سفسار میں پھر سے جنم ليتا هي جنم ليتم وقت أكر أس كا هرانا قالب كسى طرم محفوظ ره جائي توجلم ليلي وألا يهر أيلي یہلی شان شوکت سے جلم لے کا اِسی فلسفے کے کارن ہوے لوگوں اور راجاؤں کی الشیس همهشد تک محفوظ رکھنے کے لئے بہت جتن کئے گئے ، منی تھار کی گئی لور يهار أيصم مقبرے بغائے كئے جو أندهي ياني ' ياره' أور بهودول سے بھی بھے رہ سکے ، اِس میوں شک تبیوں که مصریوں کی یہ پرانی عمارتیں جوں کی توں ابتک کھوی هوں اور اسی طرح فرعواوں کی لاشیں بھی بانچ پانچ ھوار ہوس سے رکھی ھیں . اس زمانے سے اس زمانے تک مصر میں بہت سے انقلاب هوئے' بے شمار شاعنشاهیتیں وجود میں آئیں اور مت گئیں مکر فوقوں کے سے کی يه يادگاريس ابتک موجود هيل.

بھارت کے لوگ جس طرح گذا جمنا کو پوٹر مانتے ھھی اور ان کی پوجا کرتے ھیں مصر کے پرانے باسی بھی نهل ندی کو مقدس (پاک) مانتے اور اسکی پوجا کرتے تھے ، نیل دیری کو خرص رکھلے کے لئے مصری ہر سال گرمهوں کے موسر مهی، جبکه نهل کی بارہ کا زمانه هوتا ھے' ایک ہوا جشن کرتے تھے ، ممارے یہاں کے امدھ کے سہلے كى طرم برمت بوا ميلا لكما تها . يلدَّت ودران راجا يرجا سبهی حصه لهتے تھے ، بہت کنچه دان من هوتا تها اور نهان هوتا نها . طرح طرح کی پوجائیں هوتی تهیں . ههرو گهلیفی لکهارت میں لکھ هرئے بہت سے اشاوک اور منتر پڑھے جاتے تھے' هر سال مصر کی ایک سندر سے سندر کنیا پہلے سے چن لی جاتی تھی جو مہا رانی کی طرب بہت تہاتہ بات اور باچے کلچے کے ساتھ جشن میں کھمائی جاتی تھی ، أسكو قهمتی كيور اور زيور پېغائے جاتے تھے . رنا رنگ پھولوں کے ہار اس کے کلے میں ڈالے جاتے تھے۔ أس كا بهت شاندار جلوس نكاها تها . جلوس ميس كنها تو رتھ پر بھٹھٹی تھی اور راجا پیدل اس رتھ کے آئے آئے سلمے دیدا موا چلایا تھا . راجا کے ارد کرد اس کے سب مقدری कर्म जलम तिवयमें को समम कर कर्ने झान, अविस वा कर्म की तरफ कगावे और तुनिया मर के तालीम देने वालों का फर्ज है कि वह लड़कों और खड़िक्यों के जलग अलग स्त्रभाव को समम कर उन्हें इनसानी समाज का झान बढ़ाने या कता और कलवर को तरफ की देने या अपने अमल से पेशों और दस्तकारियों को बढ़ाने और तरफ़कों देने की तरफ लगावें. यही मानव धर्म यानी मज़हबे इनसानियत का रास्ता है.% الگ الگ طبیعتوں کو سنجهتو آنهمیں گهان جهتی الگ الگ الگ طبیعتی اللہ الگ علیم کی طرف لکاوے اور دنیا بهر کے تعلیم دیتے والوں کا فرض ہے که وہ لوکوں اور لوکھوں کے الگ الگ سوبهاؤ کو سنجهکر آنهیں انسانی سماج کا گهان بوهائے یا کلا اور کلچر کو ترقی دیتے یا ایم عمل سے پیشوں اور دستکاریوں کو بوهائے اور ترقی دیتے کی طرف لکاویں . یہی مانو دھوم یعلی مذہب انسانیت کا راستہ ہے . *

मोलाना अब्दुक्षा मिस्री का खत-क्राहिरा से

त्यारे पंढित सुन्दरलाल—आदाब, तसलीमात, नमस्ते और सब कुळ × × × × मुमे तो अपने देस की हर चीज सुन्दर मालूम होती है. गंगा जमना, काशी, मथुरा, बृन्दाबन कितने सुन्दर नाम हैं. फिर 'भारत माता' और 'जन्ता' भोली भाली देवियाँ' और 'ज्ञानी ध्यानी' 'देबी देवता' सभी तो सनमोहन. आदमी पाप भी करता है और पुन भी, संसार में बजाला भी है और अंधेरा भी. सुख दुख की इस घरती में पाप और पुन दोनों का पाया जाना कुदरती है. अगर पाप न हो तो यह संसार स्वर्ग बन कर खत्म हो जाय. अगर पुन न हो तो निरा नरक ही नरक. हमें पापियों के साथ ज़ियादा प्रेम करना चाहिये क्योंकि वह कम बुद्धि रखने की वजह से ज़ियादा प्रेम के हकदार हैं. जैसे बंजर ज़मीन ज़ियादा जल और खाद की हकदार होती हैं.

में यह जत क़ाहिरा (मिस्र) से लिख रहा हूं. इतिहास से मालूम होता है कि यह देस भी हमारे देस की तरह घरती का एक बहुत पुराना देस है. यहाँ के बादशाहों— फिर श्रीनों के मक़बरे, जिन को इस देस बाले श्रहरामात और फिरंगी लोग पेरामिड कहते हैं, पाँच छै हज़ार बरस की तारीख बताते हैं और इतिहास के कुछ विद्वान उन्हें और भी पुराना बताते हैं. फिर श्रीन यहाँ के बसने वालों की पुरानी भाशा में राजा महाराजा या बादशाह को कहते थे. मिस्र के इस पुराने जमाने की संस्कृति, रहन सहन, सोच विचार और घरम करम भारत के पुराने लोगों की उन बं जों से बहुत कुछ मिलते जुलते थे. मूर्ति पूजा मिस्र

श्रुजियादा जानकारी के लिये लेखक की आंगरेजी किताब 'The Essential Unity of All Religions' पढ़िये.

مولانا عبدالله مصری کا خط—قاهره سے

پھارےپاقتسلدر لال—آداب' تسلیمات' نمستے اور سب کبچه × × × مجھے تو آئی دیس کی هر چھز سئدر معلوم هوئی هے . گلکا جملان کاشی' متهرا' پرنداین' کتفےسندر نام هیں ، پھر 'بھارت ماتا' اور 'جلکا' 'بھولی بھالی دیویاں' اور گھانی دهیانی' 'دیوی دیوتا' سبھی تو سندر هیں ، سبھی کو میں موسن وعین . سبھی میں اجالا یعی هے اور اندهیرا یعی ، سکھ دکھ کی اس مھرتی میں پاپ اور پن دونوں کا پایا جانا قدرتی ہے ، اگر مھرتی میں پاپ اور پن دونوں کا پایا جانا قدرتی ہے ، اگر پاپ نه هو تو یه سفسار صورگ بن کر ختم هو جائے . گلر پن نه هو تو یه سفسار صورگ بن کر ختم هو جائے . گلر پن نه هو تو یه سفسار صورگ بن کر ختم هو جائے . گلر پن نه هو تو یه سفسار عورگ بن کر ختم هو جائے . گلر پن نه هو تو یه سفسار عورگ بن کر ختم هو جائے . گلر پن نه هو تو نہ سفسار عورگ بن کر ختم بوجائے . گلور پن نه هو تو نہ سفسار عورگ ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیادہ کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیال اور کھاد کی حق دار هوتی ہے .

میں یہ خط قاهرہ (مصر) سے لکھ رہا ہوں ۔
اُنہاس سے معلوم هوتا ہے کہ یہ دیس بھی همارے دیس
اُنہاس سے معلوم هوتا ہے کہ یہ دیس بھی همارے دیس
اُنہ طرح دهرتی کا ایک بہت پرانا دیس ہے ۔ یہاں کے
افغاهوں۔۔۔فرعونوں کے مقدرے جمعہ اس دیس والے
افغامرات اور فرنگی لوگ پھرامت کہتے هیں اور اِنہاس کے کچھ ودواں
افغام اور بھی پرانا بتاتے هیں اور اِنہاس کے کچھ ودواں
اُنہ ہوانی بھاشا میں راجا مہاراجا یا بادشاہ کو کہتے
اُنہ مصر کے اُس پرانے زمانے کی سفسکرتی وہوں کی اُن

انگریزی کتاب کی انگریزی کتاب کا انگریزی کتاب کتاب The Essential Unity of All Religions

यही तीन पहलू दुनिया की हर सभ्यता के होते हैं. एक साइन्स, झान और विद्या का पहलू. दूसरा लोगों की इच्छाओं, उनके आदशों, उनके शीक और भावों का पहलू और तीसरे उनके रहन सहन, बरताव और काम काज का पहलू. किसी भी सभ्यता या तह जीव का झान का मंडार जितना बड़ा, जितना तरह तरह का और जितना ठीक और सच्चा होगा, वहाँ के लोगों के भाव, जजबात, शीक और सादशीं जितने ऊँचे, जितने सुन्दर, जितने बेलाग और जितना इनसानियत के अस्लों पर कायम और उदार और रवादार होगा, उतनी ही वह सभ्यता या वह तह जीव बड़ी और ऊँची समभी जायगी. इस तरह हर तह जीव का बड़पन धर्म या मजह व के इन तीनों अस्लों में ठीक ठीक तरक की करने और उन पर ठीक ठीक अमल करने पर है.

दुनिया के उस्ताहों, अध्यापकों और तालीम देने वालों का जास कर्ज़ है कि वह हमेशा इस बात का खयाल रक्खें कि उनके विद्यार्थियों का दिमारा, उनका दिल और उनका जिस्म तीनों ठीक ठीक और एक साथ मिल कर चलें और बढ़ें. वह तालीम ही अच्छी तालीम हो सकती है जो विद्यार्थी के दिमारा को सच्चे और काम आने वाले जान से भर दे, उसके दिल को उँवा रक्खे और उसे दिल पर कायू करना सिखावे और उसके रहन सहन को नेक, परोपकारी और मेहनती बनावे जिससे दिमारा, दिल और जिस्स तीनों सुन्दर दिखाई दें. इसके जिये साइन्स की तालीम ,मानव धर्म यानी मज़हवे इनसानियत की तालीम और अच्छी दस्तकारियों और पेशे की तालीम तीनों ज़करी हैं.

आजकल योरप के बढ़े चढ़े देशों में यह बात बड़ी जिल्ही होने लगी है कि किस विद्यार्थी में कितने दरजे की और किस तरह की समक है, इसे वह ख़ब तजरबे कर कर के पता लगाते हैं. लेकिन अभी शायद उनका ध्यान इस तरफ नहीं गया कि हर विद्यार्थी के स्वभाव को भी समझते की कोशिश करें, यानी यह कि विद्यार्थी में ज्ञान को बढ़ाने का पहलू जियादा जोर का है या इच्छा का पहलू जियादा जोरदार है या अमल का पहलू जियादा चमकता हुआ है. इस चीज के बरौर सममे हर लड़के या लड़की को समाज में उसकी ठीक जगह दे सकना नामुमकिन हैं. इसके बिना न वह फूज की तरह पूरा खिल सकेगा और न समाज को उससे परा कायदा पहुँच सकेगा. जिस तरह हकीम या वैद्य का काम है कि वह अपने रोगी के मिजाज को समम कर यह तय करे कि रोगी के अन्दर कक, वात या पित्त में से किस को बढ़ाने भीर किस का दवाने की जरूरत है, वैसे ही धर्म गुरुधी और मक्दबी लीडरों का यह फर्ज है कि वह अपने लोगों की

الیک سائلس گیاں اور ودیا کا پہلو . دوسرا لوگوں کی ایک سائلس گیاں اور ودیا کا پہلو . دوسرا لوگوں کی اجھاؤں ان کے آدرشوں ان کے شرق اور بھاروں کا پہلو اور سیسرےان کے رهن سہن برتاؤ اور کام کاج کا پہلو . کسی بھی مسبورہا یا تہذیب کا گیاں کا بھندار جتنا ہوا جنتا طرح طرح کا اور جتنا تھیک اور سچا هوگا وهاں کے اوگوں کے بھاؤ جذبات شوق اور آدرهی جتنے اونجے 'جتنے سندر' جتنے بی لاک اور جتنے نیک هونگے' ان کا رهن سهن جتنا پاک جتنا انسانیت کے اوولوں پر قائم اور ادار اور روادار هوگا آتنی هی وہ سبھیتا یا وہ تہذیب بوی اور اونچی سمجھی جائے گی . اس طرح هر تہذیب کا بربین دھرم یا مذهب جائے گی . اس طرح هر تہذیب کا بربین دھرم یا مذهب کے اِن تھنوں اوراوں میں تھیک تھیک ترقی کرنے اور اُن پر تھیک تھیک ترقی کرنے اور اُن

دنها کے استادوں' ادھیاپکوں اور تعلیم دینے والوں کا خاص فرق ہے کہ وہ ھمیشہ اِس بات کا خیال رکھیں کہ اُن کے ودیارتھیوں کا دماغ' اُن کا دل اور اُن کا جسم تینوں تھیک تھیک اور ایک ساتھ سل کر چلیں اور یوھیں ، ولا تعلیم ھی اچھی تعلیم ھوسکتی ہے جو ودیارتھی کے دماغ کو سجے اور کام آنے والے گیان سے بھر دے' اُس کے دل کو اونچا رکھے اور اُس ک دل پر قابو کرنا سکھاوے اور اُس کے وان اس کے دل کو مصاغ' دل اور جسم تینوں سلدر دکھائی دیں اُس کے دماغ دماغ' دل اور جسم تینوں سلدر دکھائی دیں اُس کے دماغ کی تعلیم اور اچھی دستماریوں اور پیشے کی تعلیم تینوں فروری ھھی ،

آچکل یوزپ کے بڑھ چڑھ دیشوں میں یہ بات بڑی اچھی مور الکی ھے کہ کس ودیارتھی میں کتنے درچے کی اور کس طرح کی سمجھ ھے، اِسے وہ خوب تجربے کر کرکے پتہ لئاتے ھیں . لیکن ابھی شاید اُن کا دھیان اِس طرف نہیں گیا کہ ھر ودیارتھی کے سوبھاؤ کو بھی سمجھنے کی کوشش کریں، یعلی یہ کہ ودیارتھی میں گیان کو بڑھانے کا پہلو زیادہ زور دار ھے یا عمل کا پہلو زیادہ زور دار ھے یا عمل کا پہلو زیادہ چمکتا ھوا ھے . اس چیؤ کے بغیر سمجھے ھر لڑکے یا لوکی کو سماج میں اُس کی تھیک جگہ دے سکنا نام کی تھیک جگہ دے سکنا نام کی تھیک جگہ دے سکنا مام کی اور نہ سماج کو اُس سے پورا فائدہ یہونچ سکے گا ، کہ سمجھکر یہ طے کو اُس سے پورا فائدہ یہونچ سکے گا ، کہ سمجھکر یہ طے کرے کہ روگی کے اندر کف وات یا پت کہ سمجھکر یہ طے کرے کہ روگی کے اندر کف وات یا پت میں کہیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت میں کہیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت میں کہیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت میں کہیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت میں کہیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت میں کھی اور ملھی لیکروں کی یہ فرض ہے کہ دوگی کے اندر کف اور ملھی لیکروں کی یہ فرض ہے کہ دوگی کے اندر کف اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پت کھیں کیں کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویت یا پیارہ ملھی لیکروں اور ملھی لیکروں کی یہ فرض ہے کہ دہ اُنے لیکروں کی دوران کو دورانے کی دیائے کی دوران کو دیائے کی دوران ھے، ویائے کی دوران ھے، ویائے کی دوران ھے، ویائے کی دوران ھے دوران کی دیائے کی دوران کے دوران کی دوران کی دوران کی دیائے کی دوران کی دوران کے دوران کے دوران کی دوران کی دوران کے دوران کی دوران کی دوران کی دوران کی دوران کیوران کی دوران کی دوران کی دوران کی دوران کی دوران کیوران کی دوران کی دوران کی دوران کی دوران کی دوران کیا کی دوران کی دورا

के बर्स का नाम 'ताबां' रक्खा. ताबां का अर्थ भी रास्ता है. चीनी शब्द 'ताबां' के लगभग यह सब अर्थ होते हैं जो संस्कृत शब्द 'धर्म' के. ताबां धर्म और वैदिक धर्म दोनों के जानने वालों की राय है कि दोनों में कदम कदम पर एक दूसरे के साथ गहरी समानता है. 'ताओं' शब्द 'नहा' शब्द के भी अर्थ में आता है.

हम इनमें से किसी रास्ते को भी समकें, परखें और उस पर चलें, नतीजा हर सूरत में हमें एक ही मिलेगा, धानी यह कि धर्म का रास्ता सुख शान्ति का रास्ता है, दुख, मौत और डर से छुटकारे का रास्ता है. वह रास्ता 'तकें खुदी' या 'अस्मिता त्याग' यानी अपनी छोटी खुदी को समाज की और दुनिया की बेजनत विशाल आत्मा में लीन या कना कर देने का रास्ता है.

दुनिया के सब धमों में तीन अलग अलग मार्ग या तरीक़े मिलते हैं. वैदिक धर्म में इन्हें झान मार्ग, भक्ति मार्ग और कर्म मार्ग कहा गया है. इसलाम में इन्हीं को 'मारकत', 'तरीक्रत' और 'शरीअत' कहा जाता है. यही तीन रास्ते ईसाई मजहब में भी मिलते हैं. बौद्ध धर्म में इन्हीं तीन को 'सम्यक हिरट', 'सम्यक संकल्प' और 'सम्यक व्यायाम' कहा गया है. जैन तत्वार्थ सूत्र में भी इन्हीं तीनों का जिकर है. सूकी किताब 'गुलशने राज' में इन तीनों रास्तों को खूब अच्छी तरह समकाया गया है और यह भी कहा गया है कि ये तीनों रास्ते—"खुअद दायम मियाने कुको ईमाँ" यानी इक और इसलाम दोनों में यह एक बराबर हैं.

ऐसे ही महाभारत में जिला है-

"अपनी जबान को, अपने मन को और अपने शरीर को, जो इन तीनों को अपनी बुद्धि के बस में रख सके वही त्रिवंडी है."

बौद्ध प्रंथ धम्मपद में भी 'भिद्ध' की ठीक यही तारीक की गई है और इसी को 'साधूपन' कहा गया है. आदमी के स्वभाव के ये तीन पहलू साक हैं—झान, इच्छा और किया यानी इलम, खाहिश और अमल. इसी लिये इन तीन के मुताबिक तीन रास्ते या रास्ते के तीन पहलू सब धमों में बताए गए हैं—ठीक जानना, ठीक चाहना और ठीक अमल करना. पारसी धम में इसी को जरा बदल कर 'हुन्त', 'हुखत', 'हुखत' नाम दिये गए हैं जिनके मानी हैं—ठीक सोचना, ठीक बोलना और ठीक बरतना. उपनिशदों में भी यह स्वयाल बारबार आता है. यही बात महाभारत में भी बारबार दोहराई गई हैं. जेन्द्र बस्ता में लिखा हैं—

"बाहुरमज्द यानी ईश्वर कहता है कि जो लोग सकाई सोचते हैं, भलाई कहते हैं और भलाई करते हैं उनके में साथ रहता हूँ और उनके नहीं जो बुराई सोचते हैं, बुराई कहते हैं और बुराई करते हैं.'' کے دھوم کا نام 'تاؤ' رکھا ۔ تاؤ کا اُرتھ بھی راستھ ہے ، چھٹی شہد 'تاؤ' کے لگابھگ وہ سب اُرتھ ھوتے ھیں جو سفسکرت شہد 'دھوم' کے ۔ تاؤ دھوم اور ویدک دھوم دونوں کے جانئے والوں کی رائے ہے که دونوں میں قدم قدم پر ایک دوسرے کے ساتھ گھری سمانتا ہے ۔ ' تاؤ' شبد ' برھم' شہد کے بھی اُرتھ میں آتا ہے ۔

هم ان میں سے کسی راستے کو بھی سمجھھی پرکھیں ارر اس پر چاہیں نتیجہ هر صورت میں همیں ایک ہی ملے گا یعلی یہ کہ دهرم کا راستہ سکہ شانتی کا راستہ ہے ، وہ راستہ دکھ، موت اور در سے چھٹکارے کا راستہ ہے ، وہ راستہ خودی کو سماج کی اور دنیا کی بے انت وشال آنما میں نہیں یا فنا کر دینے کا راستہ ہے .

دنیا کے سب دھرموں میں تھن الگ الگ مارگ یا طریقے ملتے ھیں۔ ریدک دھرم میں انھیں گھان مارگ یا بھکتی مارگ اور کرم مارگ کہا گیا ھے ، اسلام میں انھیں کو ' معرفت ' ' طریقت ' اور ' شریعت ' کہا جاتا ھے ، بھورتین راستے عیسائے مذھب میں بھی ملتے ھیں ، بودھ دھرم میں انھیں تین کو 'سمیک درشتی 'سمیک سفکلپ' اور 'سمیک ویا یام' کہا گھا ھے ، جین تدوارته سوتر میں بھی انھیں تیڈوں کہا گھا ھے ، جین تدوارته سوتر میں بھی انھیں تیڈوں کہا گھا ھے ، اس انھیس انھی طرح سمجھایا گیا ھے اور یہ بھی واستے کفر و راستے کی یہ تھنوں راستے سنتھوں دائم میانے کفر و امیان کیا ہے کہ یہ اور اسلام دونوں میں یہ ایک برابر ھیں ،

ایسے هی مها بهارت میں لکھا ہے ۔۔" ایڈی زبان کو ایڈی کو ایڈی کو ایڈی بیٹوں کو ایڈی پیھی کے بس میں رکو سکے رهی تردندی هے . "

بوده گرنته دهمید میں بھی 'بھکھو' کی تھیکا یہی تعریف کی گئی ہے اور اِس کو ' سادھویس ' کہا گھا ہے ۔ آدمی کے سوبھاؤ کے یہ تین پہلو صاف ھیں ۔ گیاں' اِچھا اور کریا یعلی علم' خواھش اور عمل ۔ اِسیلئے اِن تین کے مطابق تین راستے یا راستے کے تین پہلو سب دھرموں میں بتانے گئے ھیں ۔ تھیک جانفا' تھیک چاھفا اور آبھیک عمل کرنا ، پارسی دھرم میں اِسی کو فرا بدل کر آبھیک عمل کرنا ، پارسی دھرم میں اِسی کو فرا بدل کر آبھیک عملی ھیں ۔ تھیک سوچفا' تھیک بولفا اور تھیک ہوتفا ، اُپلشدوں میں بھی یہ خیال برابر آتا ہے ۔ یہی ہوتفا ، اُپلشدوں میں بھی یہ خیال برابر آتا ہے ۔ یہی ہوتفا مہابھارت میں بھی بار با دھرائی گئے ہے ، زنداوستا میں لکھا ہے ۔۔

ا اُهرهزد یعلی ایشور کہتا ہے کہ جو لوگ بھلائی سرچتے میں اُن کہتے میں اُور بھلائی کرتے میں اُن کے میں ساتھ رہتا ہوں اور اُن کے نہیں جو برائی سوچتے ہیں' برائی کہتے میں اور برائی کرتے میں ۔''

Market State of the state of th

धर्म या रुहानी साइन्स, मानव धर्म या मजहबे इनसानियत जो सब अलग अलग धर्मी का वह हिस्सा है जो सब में पाया जाता है हमें यह साफ बताता है कि ईश्वर की इच्छा क्या है. दूसरा यह कि खास सूरतों में अच्छे श्रीर समम-दारी के कानून जो अच्छे और समभदार लोगों के बनाए हुए हों, ऐसे लोगों के जो ईश्वर को यानी सबके घट घट में रहने बाली आत्मां को जानते और प्यार करते हों. और जो बेलाग और बेतरज होकर सब का, सब अलग अलग भर्म वालों का, सब जमातों और सब पेशे वालों का भला चाहते हों, और भला करने की पूरी कोशिश करते हों, जिन पर सबको भरोसा हो-ऐसे लोगों के बनाए हुए कानून ही जहाँ तक मुमकिन हो सकता है ईश्वर की इच्छा के अनुसार हो सकते हैं. ऐसे लोग ही अल्लाह के नजदीक हैं और उसके बेटे कहलाने के हक़दार हैं. वह जनता या समाज की व्यापक बात्मा, 'रूहे कुल' के नुमाइन्दे होते हैं. पेसे सोगों के बनाए हुए क्रानुनों से ही जनता का भला हो सकता है. ऐसे लोगों की इकूमत ही 'राम राज' या 'हकूमते इलाही' कहला सकती है.

'किश्चियैनिटी' शब्द का भी असल मतलब वही हैं जो धर्म का. 'किस्टास' का अर्थ हैं 'ईश्वरी क्वान में नहाया हुआ' यानी वह जो अपनी छोटी खुदी को मिटा कर बड़ी खुदी यानी समाज की आत्मा या परमातमा को उसकी जगह बैठा चुका हो.

'नैदिक धर्म' का अर्थ है ज्ञान का धर्म, समफदारी का धर्म. 'सनातन धर्म' का अर्थ है हमेशा का धर्म. 'मानव धर्म' का अर्थ है हमेशा का धर्म. 'मानव धर्म' का अर्थ है सब इनसानों का धर्म जिसे आजकत योरप में 'ध्रुमनिजम' कहते हैं. 'बौद्ध धर्म' का अर्थ है धुद्ध यानी अकत का धर्म. 'आर्य धर्म' का अर्थ है भले कोगों का धर्म. मजहब का अर्थ है रास्ता, यानी पथ या पंथ, नेकी का रास्ता, सुख सौक्य का रास्ता.

इस रास्ते पर चलने के लिये रोशनी हर आदमी को अपने अन्दर से ही मिल सकती है. भागवत में लिखा है—

"रोशनी आदमी के अपने अन्दर ही है और कहीं नहीं, और वह रोशनी सब प्रानियों में एक वरावर है."

हजरत ईसा ने कहा है—"इस बात को समक लेना ही कि सब की घारमा ही मेरी घारमा है सवाई को जानना है, अपनी तरह सबसे प्यार करना ही ठीक जिन्दगी है भीर सबके लिये वही करना जो आदमी अपने लिय बाहता है यही धर्म का रास्ता है."

जापान के पुराने धर्म का नाम 'शिन्तो' है. 'शिन्तो' का अर्थ भी सब आत्माओं का रास्ता है. 'लाओ रखे ने चीन

كُلُّتُوم بِيَّا رُوحُنَالِي سَاكِلُسُ مَالُو دَهُومِ بِياً * كُلَّهُبِ أَنْسَالُهُمُتِهِ جو سب الک الک دهرموں کا وہ حصہ ہے جو سب مهن يايا جاتا هے همين يه ماف بتاتا هے كه ايشور كى إجها کیا ہے . دوسرا یہ که خاص صورتوں میں اچھے اور سمجهداری کے قانون جو اچھے اور سمجهدار لوگوں کے بنائے ہوئے ہوں؛ ایسے اولوں کے جو ایشور کو یعلی سب کے کہت کہت میں رہنے والی آنما کو جانتے اور بھار کرتے ھوں' اور جو بے لاک اور بے فرض ھوکر سب کا' سب الگ الگ دهرم والوں کا' سب جماعتوں اور سب پیشے والوں کا بھلا چاعتے ہوں' اور پھلا کرنے کی پوری کرشش کرتے هوں جوں يو سب کو بهروسه هو--أيسے لوگوں کے بدائے هور قانون هي جهان تک ممكن هوسكتا هے أيشور کی اچھا کے انوسار ہوسکتے ہیں . ایسے لوگ می اللہ کے نردیک میں اور اس کے بیٹے کہلانے کے حقدآر هیں . وہ جفتا یا سمام کی ریابک آنما' 'روح کل' کے نمائلدے ہوتے ھیں . ایسے لوکوں کے بنائے ھوئے قانونوں سے ھی جلتا كا بهلا هوسكتا هي . أيسم لوكون كي حكومت هي 'دام داب عا احكومت الهي كهلا سكتى هے .

' کرشچینتی 'شدد کا بھی اصل مطلب وہی ہے جو دھرم کا ' کرستاس' کا ارتھ ہے ' ایشوری گیاں میں نہایا ہوا' یعلی وہ جو اپنی چھوتی خودی کو متا کر ہوں خودی یعنی سماج کی آتما یا پرمانما کو اس کی جگه بیتھا چکا ہو ۔

' ویدک دهرم ' کا ارته هے گهان کا دهرم' سمجهداری کا دهرم ' سناتن دهرم ' کا ارته هے همیشته کا دهرم . 'مانو دهرم' کا ارته هے سب انسانوں کا دهرم جسے آجکل یورپ مهن ' مهمومئزم ' کہنے ههن ، ' بوده دهرم ' کا ارته هے بدهی یعنی عقل کا دهرم ، آریه دهرم کا ارته هے بهلے لوگوں کا دهرم ، مذهب کا ارته هے راسته' یعنی یته یا لوگوں کا دهرم ، مذهب کا ارته هے راسته' یعنی یته یا یندی کا راسته' سکه سوکههه کا راسته

اس راستے ہو جلنے کے لگے ررشنی ہو آدمی کو آھے اندر سے ھی مل سکتی ھے ، بھائوت میں لکھا ھے —

" ررشنی آدمی کے اپنے اندر ھی ھے اور کہیں نہیں' ارر وہ روشنی سب پرانیوں میں ایک برابر ھے ۔''

حضرت عیسی نے کہا ہے ۔۔۔ '' اِس بات کو سمجھ لینا ھی کہ سب کی آتما ھی مہری آتما ہے سچائی کو جاننا ہے اور ہے، اینی طرح سب سے پیار کرنا ھی تھیک زندگی ہے اور سب کے لئے وھی کرنا جو آدمی آپ لئے چاھتا ہے یہی دھرم کا راستہ ہے ،''

جایان کے پرانے دھرم کا نام 'شنتو' ھے . اور 'شنتو' کا اُرتہ بھی سب آتماؤں کا راستہ ھے . لاؤ تزے نے جھن

WYO, W. A. A.

रकार सब इसमें का जाते हैं. किना इस करह की कुरवानी या इस तरह के त्यार के कोई आदमी अपनी छोटी छोटी निजी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकता. स्वार्थ भी परमार्थ के सहारे ही चक्क सकता है. संसार का यही अटल नियम है. गीता में भी कुरन ने कहा है:—

"भगवान ने सृश्टि के शुरू में यह से सब प्रानियों को बना कर उन्हें यह हिदायत करदी कि इस यह से ही तुम सब फल फूल सकते हो. यही वह कामधेनु गाय है जो तुम्हारी सारी इच्छाओं को पूरा कर सकती है."

यहाँ 'यहा' का मतलब है एक दूसरे की सेवा, एक दूसरे की मद्द और एक दूसरे के लिये त्याग यानी अपनी छोटी सी ख़बी को दूसरों की या समाज की भलाई में क़रबान कर देना. इसी तरह समाज भी हर आदमी के लिये यह यानी करवानी करता है. इसी लेन देन को इस तरह के कानूनों के जरिये कायदे में लाया जाता है. जो कानून अधि-कारों को कर्तव्यों के साथ और इनसानों को एक दूसरे के साथ बाँधते हैं. हर आदमी को यह समकता होता है कि मैं समाज का एक छोटा सा हिस्सा हूँ. मेरी आत्मा उसी बड़ी भारमा का एक बर्रा है, ठीक उसी तरह जिस तरह आदमी के जिस्म का हर श्रंग श्रीर हर अर्रासारे जिस्म का अंग होता है. जिस्म की जिन्दगी में उसकी जिन्दगी और जिस्म की मौत में उसकी मौत होती है. इस एक बात को समभ लेना ही सारे धर्म, मजहब या रिलिजन का इत्र हैं. ऋौर आगो चल कर यह जान लेना कि यह सब अलग अलग जानें या अलग अलग वजूद उसी एक बड़े वजूद से निकले और बने हैं और आखिर में उसी में जाकर मित्र जायंगे घौर इस समम से जो सच्चा बढ्धन, ऊँचापन, बदारता और रवादारी भादमी में पैदा होती है यही ऊँचे से ऊँचा धर्म, मजहब या 'रिलिजन' है.

इसलाम शब्द 'सल्म' से निकला है, जिसके मानी हैं 'शान्ति' या 'अमन'. इन मानों में इसलाम शब्द ही इसलाम धर्म का सार है. इसका मतलब है शान्ति के साथ अल्लाह के सामने अकना यानी अपने को उसके हकाले कर देना, उसकी सब आज्ञाओं को मानना. संस्कृत में इसी को 'प्राण्यधान' या 'प्रपत्ति' कहा गया है, यानी खुदी को मारना और खुदा को उसकी जगह बैठाना. वैदिक असूल है—"नमम किन्तु तब ईहा" यानी हे ईश्वर! तेरी इच्छा पूरी हो मेरी नहीं. इस भाव में इब कर और उसके अनुसार अमल करके धी आदमी सारी दुनिया के साथ अमन और सुख से रह सकता है.

यहाँ यह सवाल पैदा होता है कि कितने आछी ईश्वर, खुदा या परमात्मा की इच्छा को जान सकते हैं. इसके दो खुदाब हैं. एक यह कि ज्यापक बुनियादी धर्म, साइनसी ''بھگوان نے سرشتی کے شروع میں یکھے سے سب پرانیوں کو بنا کر انہیں یہ هدایت کردی کہ اس یکھہ سے هی تم سب پہل پہول سکتے هو ، یہنی وہ کامدهینو گائے ہے جو تمہاری ساری اِچہاؤں کو پورا کرسکتی ہے ،

یہاں اِس ایکیء' کا مطلب ہے ایک دوسرے کی سہوا' ایک دوسرے کی مدد آور ایک دوسرے کے لئے تھاگ یعنی اینی چهواتی سی خودی کو دوسروں کی یا سماج کی بهلائي مين قربان كرديدًا . إسى طرح سماج يهي هر آدمی کے لیے یکھے یعنی قربانی کرتا ہے . اِسی لهن دين کو اس طرح کے قانونوں کے ذریعے قاعدے میں لایا جاتا ھے جو قانون ادھیکاروں کو کرتوپوں کے ساتھ آور انسانوں کو ایک درسرے کے ساتھ باندھتے میں ، هر آدمی کو یہ سمجهدا هوتا هے که میں سماج کا ایک چهوتا سا حصة هوس . مهرى آتما أسى برقى آتماً كا ايك ذرة هـ تمهك اسی طرح جس طرح آدمی کے جسم کا هر انگ ارز هر دره سادے جسم کا انگ هوتا هے . جسم کی زندگی مهن أسكی ، وندای اور جسم کی موت مهن اُس کی موت هولی هے . اس ایک بات کو سمجه لینا هی سارے دهرم مذهب یا ولهجون كا عطر هے . اور آئے چل كرية جان ليدا كه يه سب آگ الگ جانیں یا الگ الگ وجود أسی ایک ہوے وجود سے نکلے اور بئے میں اور آخر میں أسى میں جَاکِ مَل جائين ئے اور اِسِ سمنجھ سے جو سچا۔ ہوپین' المنصابين أ ارتا اور رواداري آدمي مين يهدا هوتي ه يهي اونجے سے اونچا دهرم' مذهب يا 'رليجن' هے .

اسلام شبد 'سلم' سے نکلا ہے' جس کے معلی میں اشانتی '
پیا 'امن'، ان معدر صمیں اسلام شبد هی اسلام دهرم کا سار ہے۔

ایس کا عطلب ہے شانتی کے ساتھ اللہ کے ساملے جھکا ا پیعلی ایل کو اس کے حوالے کر دینا' اس کی سب آگیاؤں گو ماندا ، سنسکرت میں اِسی کو 'پرنی دهان' یا پیرپتی' کہا گیا ہے' یعلی خردی کو مارنا اور خدا کو اس کی جگھ بھتھانا ، ویدک اصول ہے۔۔'' نمم کفتو تو ایہا'' پیملی ہے ایشور ا تیری اِچھا پوری هو مهری نہھی ، اِس پیملی میں ترب کر اور اس کے انوسار عمل کوکے هی آدمی

یہاں ہے سوال پھدا ہوتا ہے کہ کتلے آدمی ایشور' خدا یا پرماتما کی اِچھا کو جان سکتے ہیں ۔ اِس کے دو جواب ہیں ۔ ایک یہ کہ ویایک بنیادی دھرم' سائنسی

لها هلا

हीरा हरेक को नहीं विस्ताया जाता. हरेक असकी कर्ज़ नहीं कर सकता. इसीकिये असली ज्ञान उपमाणों और मिसाकों में बयान किया जाता है.

इजरत ईसा ने इनजील में एक जगह कहा है:--

"ईश्वर के राज के भेद जानने का तुम्हें मौका दिया गया है, लेकिन इन लोगों को यह मौका नहीं दिया गया. जिस किसी के पास चाबी होगी उसी को मौका दिया जायगा, और इसे बहुतायत के साथ मिलेगा. लेकिन जिस किसी के पास चाबी नहीं है या जिससे डर है कि वह चाबी का रालत इस्तेमाल करे उस से कभी कभी जो कुछ इसके पास है वह भी ले लिया जाता है."

तेकिन फिर सवाल सामने आता है कि आखिर धर्म, मजहब या रिलिजन है क्या चीज ? यहाँ हम इस सवाल पर बहुत सरसरी विचार ही कर सकते हैं.

अंगरेजी राज्द 'रिकिजन' दो लातीनी शब्दों 'रि' और 'किजारे' से बना है जिनके मानी हैं 'फिर से बांधना' यानी जो चीज आइमियों को एक दूसरे के साथ और सबको अनवान के साथ हमद्रदी और श्रेम की डोरी में बाँधे वही 'रिलिजन' है. आदमी का निचने दरजे का स्वाभाव, उसका मन, उसका नक्ष्स उसे बार बार दूसरे आद्मियों से और भगवान से फाइता रहता है और ेरिलिजन' उसे बार बार फिर से जोड़ता रहता है. इस एकता की तरफ बराबर ध्यान जमाप रखना, खाते पीते चलते फिरते इसका खयाल रखना यही धर्म का सार है. इसी से आदमी के सब काम ठीक और अच्छे रह सकते हैं. इसी से क़ौमों में वह शक्ति पैदा होती है जिससे बड़ी बड़ी सभ्यताएं जन्म लेती हैं भीर क्रायम रहती हैं. इतिहास में जितनी बड़ी बड़ी सभ्यताएं हुई हैं या हैं हरेक का अपना कोई न कोई खास 'रिक्तिजन' होता है, कोई न कोई आदर्श होता है जिसकी वह मानती और पूजती हैं. हर नए रिलिजन की पैदाइश के साथ साथ यानी धर्म की पुरानी भावना में फिर से जान बाले जाने के साथ साथ लोगों में मिल कर काम करने की इच्छा जागती है और हमेशा इसी से नई सभ्यताओं ने सम्म लिया है.

संस्कृत शब्द 'धर्म' 'धु' धातु से निकला है जिसके मानी भी 'बाँभे रखना' या 'सँभाले रखना' है, जो अर्थ रिलिजन का है वही धर्म का है.

समाज में लोगों को बाँधे रखना या मिलाए रखना तभी हो सकता है जब सब एक दूसरे को कुछ देते रहें भीर एक दूसरे से लेते रहें. इसी को 'हक और फर्ज' या 'अधिकार और कर्तव्य' अंगरंजी में 'राइट एन्ड ड्यूटी' का नाम दिया जाता है. एक दूसरे के लिये छोटी छोटी करवानियाँ या الههرا هر ایک کو نههی دکهایا جاتا . هر ایک آسکی قدر نهیس کرسکتا . ایسی لگے اسلی گهان آیماؤں آور مثالوں میں یہان کیا جاتا ھے .

حضرت عیسی نے آ۔ حجیل میں ایک جات کیا ہے:

''ایشور کے راج کے بھید جانئے کا تبہیں موقع دیا گیا
ہے، لیکی اُن لوگوں کو یہ موقع نہیں دیا گیا ، جس
کسی کے پاسچابی ہوگی اُسی کو موقعہ دیا جائیکا' اور اُسے
بہتایت کے ساتھ ماہکا ، لیکن جس کسی کے پاس چابی
نہیں ہے یا جس سے قر ہے کہ وہ چابی کا فلط استعمال
کرے اُس سے کبھی کبھی جو کچھ اُسکے پاس ہے وہ بھی
لہ لها جاتا ہے۔''

لیکن پهر سوال سامنے آتا هے که آخر دهرم' مذهب یا رلهجن هے کها چیز ؟ یہاں هم اس سوال پر بہت سرسی وچار هی درسکتے هیں .

انگریزی شبد 'دلینجن' دو لاطهانی شبدون 'دی' اور الجارے' سے بنا هے جن کے معنی ههں 'بهر سے باندهنا' یعلی جو چہز آدمیوں کو ایک دوسرے کے ساتھ اور سب کو پھگوان کے ساتھ همدردی اور پریم کی دوری میں باندھے وهي 'رلهجون' هي . آدمي كا نجيل درجي كا سوبهاؤ' أسكا من ' اُسکا نفس اُسے ہار ہار دوسرے آدمیوں سے اور پھگران سے پہارتا رہما ہے اور "رلیجن" أسے بار بار پھر سے جورتا رهمًا هي . اِس ايكمًا كي طرف برابر دهيان جمائے ركهذا؟ کہاتے بیتے چلتے بہرتے اِسا خیال رکھنا یہی دھرم کا سار ھے ، اسی سے آدمی کے سب کام تہیک اور اچھے وہ سائتے ہوں ، اِسی سے قوموں میں وہ شکتی بیدا ہوتی ھے جس سے ہوی ہوی سبهیتائیں جنم اہتی ہیں اور قائم رهعه هدي التهاس مين جعلى برى برى سبهيعائين هرئی هیں یا هدی هر ایک کا ایدا کوئی نه کوئی خاص الهجور) هوتا هے کوئی نه کوئی آدرش هوتا هے جسکو ولا مانعی آور پوجعی هوں . هر نئے راهجری کی پهدائش کے ساتھ ساتھ یعلی دھرم کی پراسی بھاؤنا مھی پھر سے جان قالے جانے کے ساتھ ساتھ لوگوں موں مل کو کام کرنے کی اجها جائتی ہے اور هديشة إسى سے نئى سبهيتاؤں نے جلم

سنسكرت شبد 'دعرم' 'دهرى' (यु) دهاتو سے نكلا ہے جسكے معلى ہوى 'باندھ ركھنا' يا 'سنبها لے ركھنا' ھے . جو ارته رليجن كا ھے وهى دهرم كا ھے .

سماج میں لوگوں کو باندھے رکھنا یا ملائے رکھنا تبھی ھوسکھا ھےجب سب ایک دوسرے کو کچھ دیتے رھیں اور ایک دوسرے کو کچھ دیتے رھیں ایک دوسرے سے لھتے رہھیں ، اِسی کو 'حق اور فرض' یا 'ادھیکار اور کرتویہ' انگریزی ، ھی 'رائٹ اینڈڈڈیوڈی' کا نام دیا جاتا ہے، ایک دوسرے کے لئے چہوٹیچھوٹیڈوربانیاں یا

द्रस्त सगाने का एक बसत होता है और उकाइने का दूसरा बसत होता है......गिराने का एक बसत होता है और बनत होता है और बनत रोने का होता है और कोई हंसने का, कोई समय चुप रहने का होता है और कोई बोलने का."

मुहम्मद साहब की एक मशहूर हदीस हैं. वह कहा करते ये — ''इस समय तुम एक ऐसे खमाने में हो कि जब जो जो हुकुम तुमको दिये जा रहे हैं उनमें से एक द्ववां हिस्सा भी अगर तुम छोड़ दोगे तो तुम बरबाद हो जाओगे. इसके बाद एक जमाना आयगा कि जब जो आदमी जो जो हुकुम इम बक्षत दिये गए हैं अनके दसवें हिस्से पर भी अमल करेगा वह निजात पायगा.'' (तिरमिजी)

मौलाना जलालु उद्दीन रूमी ने दीन की 'अस्त' यानी इसके प्रधान अंश को इसके 'क क' या गौरा अंश से अलग करते हुए अपनी मसनवी में लिखा हैं:—

मन ज कुरां मराज रा बरदाश्तम उस्तकां पेशे सगां अन्दाख्तम

यानी मैंने कुरान में से गूदा गूदा के लिया है और हड़ियां कुत्तों के सामने फेंक दी हैं.

मौलाना रूम की मसनवी को मुस्लमान आलिम "कारसी जवान का करान" कहते हैं.

गीता में भी छरन ने साफ साफ शब्दों में वेदों के रीत रिवाजों और कर्म कान्डों पर जोर देने वालों की निन्दा की है और उन्हें 'नासमंभ' कहा है.

एक और बात भी हैं. जिनकी बात्माएं अभी बच्चों की सी हैं उन्हें हम धीरे धीरे कम फररी चीजों से अधिक जरूरी चीजों की तरफ ले जाते हैं. धीरे धीरे उन्हें शब्दों से असल अर्थ की तरफ लाते हैं. इनजील में कहा गया है कि—"बच्चों को दूध दो और बड़े आदिमयों को खाना हो." हजरत मूसा और हजरत मोहम्मद भी बिना नकाब या परदे के 'नूर काहिर' यानी उस अन्ताह के चेहरे को न देख सकते थे. अर्जुन की जब एक पल के लिये आँखें खुलीं और उसने 'हजारों सूरजों से बढ़कर' चमक बाले उस बिराट रूप को देखा तो वह काँप उठा. उस ,बेबन्त की ज्योति के सामने आदमी की सारी खुदी और उसका सारा वज्द जलकर या पिचल कर जतम हो जाता है.

पुरान में लिखा है-

"मामूली आद्मियों के देवता निहयों और ताला में में होते हैं, उन से जियादा सोचने सममने वालों के देवता आकाश और रोशनी में होते हैं, बच्चों के देवता लकड़ी पत्थर में होते हैं और बुद्धिमान आदमी खुद अपनी आत्मा के अन्दर अपने देश्वर अल्लाह का दर्शन करता है." فرخمت لگائے کا ایک وقت ہوتاہے آور اُکھار نے کا دوسرا وقت ہوتا ہے۔ گرائے کا ایک وقت ہرتا ہے' اور بنانے کا دوسرا وقت وقت ہوتا ہے' اور بنانے کا دوست ہوتا ہے اور کوئی ہلسنے کا کوئی سے جہے رہنے کا ہوتا ہے اور کوئی بولنے گا''۔

مال فعرز با معمل الساعد ، أراسك

محمد فآحب کی ایک مشہور حدیث ہے ، وہ کہا کرتے تھے کھ۔ 'اِس سبے تم ایک ایسے زمانے میں ہو که چب جو جو جو حکم تمکو دیئے جارہے میں اُن میں سے ایک دسواں حصہ بھی اگر تم چھور در گے تو تم برباد ہو جاؤ گے ، اِس کے بعد ایک زمانہ آئیکا کہ جب جو آدسی جو جو حکم اِس وقت دیئے گئے میں اُن کے دسویں حصے پر بھی ممل کریکا وہ نجات پائیکا '' (ترمذی)

موالنا جلال الدین رومی نے دین کی 'اصل' یعنی اُسکے پردھان اُنھی کو اُس کے 'فروع' یا گون اُنھی سے اُنگ کرتے ہوئے اپنی مثنوی میں لکھا ہے :---

من زقرآن مغز را برداشتم أستخوان پیش سکان انداختم

یعنی میں نے قران میں سے کودا کودا لے لیا ہے اور ھتیاں کتوں کے ساملے پھینک دی ھیں .

مولانا روم کی مثذری کو مسلمان عالم ''قارسی زیان کا قرآن'' کہتے ہوں ۔

گیتا میں شری کرشن نے مان مان شیدوں میں ویدوں کے ریت رواجوں اور کرم کانڈوں پر زور دیائے والوں کی نندا کی ہے اور انہیں 'ناسمجھ' کہا ہے ۔

ایک اور بات بھی ہے، جنکی آنمائیں آبھی پچوں کی سی هیں آنہوں مم دهورے دهورے کم فرروی چھڑوں سے ادھک فرووی چھڑوں سے ادھک فرووی چھڑوں کی طرف لے جاتے میں، دهیرے دهیرے آنہیں شہدوں سے اصل ارتب کی طرف لاتے میں، آنتجیل میں کہا گیا ہے نمسہ''بچوں کو دوده دو اور بڑے آنمیوں کو کھانا دو'، حضرت موسیل اور حضرت محصد بھی اللہ نہ ب یا پردے کے'نور قاھر' یعنی اس اللہ کے چہرے کو نه دیکھ سکتے تھے، آرجن کی جب ایک پل کے لئے آئکھیں کہلیں آور اس نے 'ھزاروں سورجوں سے بچھکر' آئکھیں کہلیں آور اس نے 'ھزاروں سورجوں سے بچھکر' آئیا ۔ آئیا ہے انت کی جیوتی کے سامنے آدمی کی ساری شیان اور اس کا سارا وجود جل کر یا یکھل کر خمتم هو شیانا ہے۔

پران میں لکھا ہے-

المعدولي آدموں كے ديوتا نديوں اور تالاہوں ميں المؤتّ طُيوں أن سے زيادہ سوچانہ سمجھانہ والوں كے ديوتا أَدُهِي أُونِ مِنْ مِنْ اور روشلي ميں هوتے هيں' بنچوں كے ديوتا لكوى پُخهر ميں هوتے هيں أور بدهي مان آدمي خود أيلي لائن أندر أنج أيشور الله كا درشن كرتا هے ''

तफरका दर नम्खे हैवानी बुबद रूहे वाहिद रुहे इनसानी बुबद

यानी फरक या भेद भाव जानवरों या जानवरों के से दिमारा वालों के घन्दर होता है, इनसानी रूह वह है जो सब रुहों की एकता को समम्तती है.

अरबी का शब्द 'इनसान' 'उन्स' से निकला है जिसके मानी हैं 'प्रेम' या 'इमदरदी'. इनसान वह है जो सब के साथ प्रेम या हमदरदी करें, जो सब इनसानों का दस्त हो. ऐसे ही संस्कृत शब्द 'आर्य' 'ऋ' धातू से निकला है जिस का अर्थ 'जाना' है. आर्य शब्द का अर्थ बताते हुए एक बिद्वान ने कहा है—

निवारगार्थम अर्ती नाम अर्तम योग्यो भवेततुयः अर्थते सततम चार्तैः स आर्थ इति कथ्यते.

यानी आर्य इस आदमी को कहना जो दुखियों का दुख दूर करने के क्राविल हो और जिसके पास हमेशा दुखी लोग अपने दुख दूर कराने के लिये चल कर आवें.

गीता में बार बार कहा गया है कि जो सब प्रानियों को एक ही निगाह से देखता है और अपने को सब में और अपने अन्दर सब को देखता है, और जो एक ईरवर के अन्दर सबको और सब के अन्दर एक ईरवर को देखता है बही बानी है और वही देखने वाला है.

यह भी जाहिर हैं कि किसी भी धर्म, मजहब के सब रीत रिवाज और उसकी सब बातें एक बराबर जरूरी या एक सी अहम नहीं होतीं. सब मजहबों में यह बात बता ती गई हैं कि उनमें कुछ बातें जियादा जरूरी हैं और कुछ कम, कुछ 'नित्य' हैं और कुछ 'काम्य' कुछ पक हुक्म हैं और कुछ सममाने के जिये मिसाल के तौर पर कहे गए हैं, कुछ 'मोहकमात' हैं और कुछ 'सुतशाबेहात.' सब मजहबों में यह भी बताया गया है कि देश, काल और हाजत के मुताबिक आदमी के यह छोटे छोटे कर्ज या ऊपरी रीत रिवाज बदलते रहते हैं. महाभारत में जिखा है—

देश काल निमित्ता नाम भेदै घर्मो विभिद्यते

यानी देश और काल, जगह और वक्त के फरक से धर्म अलग अलग होते हैं. यहाँ पर धर्म से मतलब इन्हीं ऊपरी रीत रिवाजों से हैं.

इनजील में लिखा है-

"हर चीज के लिये मौसम होता है और दुनिया की इर रारज के लिये एक वश्नत होता है ××× पैदा होने इर एक वश्नत होता है और मरने का अलग वश्नत होता है, ی تفرالم در نفس حیوانی بود روح واحد روح انسانی بود

یعنی فرق یا بههد بهاؤ جانوروں یا جانوروں کے سے دماغ والوں کے اندر هوتا هے' أنساني روح ولا هے جو سب ورحوں کی آیکتا کو سمجھتی ہے .

مربی کا شبد 'انسان' ' آنس' سے نکلا ھے جس کے معلی مهی 'پریم' یا 'همدردی'. آنسان وہ ھے جو سب کے ساتھ پریم یا ممدردی کرے' جو سب انسانوں کا دوست ھو ، ایسے ھی سلسکوت شبد 'آریہ' 'ری' (علی) دھاتو سے نکلا ھے جس کا ارتم 'جانا' ھے ، آریہ شبد کا ارتم بھاتے ھوئے ایک ودوان نے کہا ھے۔

ئوارنارتهم ارتینام ارتم یوگهو بهویت تویه اریخے ستتم چارتهه سازیه اتی کتهیخے.

یعلی آریه اُس آدمی کر کہنا جو دکھیوں کا دکھ دور کرنے کے قابل هو اور جس کے پاس عمیشت دکھی لوگ ابھے دکھ دور کرانے کے لئے چل کر آویں ۔

گیتا میں بار بار کہا گیا ہے کہ جو سب پرانیوں کو ایک ھی نگاہ سے دیکھتا ہے اور آئے کو سب میں آرو۔ آئے اندر سب کو دیکھتا ہے اور جو ایک آیشور کے اندر سب کو اندر ایک ایشور کو دیکھتا ہے وھی گھانی ہے اور وھی دیکھتے والا ہے ۔

یہ بھی ظاہر ہے کہ کسی بھی دھرم' مڈھپ کے سب
ریت رواج اور اسکی سب باتیں آیک برابر ضررری یا
ایک سی اھم نہیں ہوتیں ، سب مڈھبوں میں یہ
بات بھادی گئی ہے کہ اُن میں کچھ باتیں زیادہ ضروری
ھیں اور کچھ کم' کچھ 'نتیہ' ھیں اور کچھ 'کامیہ'
کچھ پکے حکم ھیں اور کچھ سمجھانے کے لئے مثال کے
طور پر کھے گئے ھیں' کچھ 'محکمات' ھیں اور کچھ
متصابہات ' سب مذھبوں میں یہ بھی بتایا کیا ہے کہ
دیھی' کال اور حالت کے مطابق آدمی کے یہ جھوتے
جھوتے فرض یا اوبری ریت رواج بدائے رہیے دھی مہابھارت میں لکھا ہے۔

دیمی کال نگتا نام بههدی دهرمو ریجهدیتی

۔ یعلی دیش اور کال' جگه اور وقت کے فرق سے دھوم انگ الگ ہوتے ہیں ۔ یہاں پر دھرم سے مطلب انہیں اورجی ریت رواجوں سے ہے ۔

انعمیل میں لکھا ھے--

المرچیز کے لئے صوسم ہوتا ہے اور دایا کی ہو الرقی کے لئے ایک وقت ہوتا ہے × × × پیدا ہوئے کا الیک وقت ہوتا ہے اور صرفے کا الگ وقت ہوتا ہے؛ कापान के एक विद्वान डान्टर इनाओं नितान ने अपनी कितान 'आपान' में लिखा है कि सावनीं सदी ईसवी के शुरू में जापान में एक बहुत बड़ा सन्त और राजनेता हुआ है जिसका नाम शोतोकू था. जापान के इतिहास में उसे बड़े से बड़े महात्माओं में गिना जाता है. कहते हैं कि जब बह मरा तो बूढ़े लोग इस तरह रोप कि जिस तरह उनका बच्चा मर गया हो और नीजवान लोग इस तरह रोप कि मानो उनकी मां मर गई हो. उस जामाने में 'शिनतो' धर्म जापान में पहले से मीजूद था और कनफूशियन धर्म चीन से और बौद्ध धर्म भारत से कोरिया के रस्ते जापान पहुँच चुके थे. इन तीनों मजहबों के पन्डे पुरोहित आपस में लड़ने लगे थे. डर था कि जापान के रहने वालों में मगड़े न बढ़ जायं. शोतोकू ने उन मगड़ों का फैसला इन शब्दों में किया:—

"शिनतो धर्म, धर्म की जड़ और उसका स्रोत है. जमीन और आसमान के पैदा होने के साथ साथ इस धर्म के शंकर फूटे. यह धर्म भादमी को शुरू का रास्ता सिखाता है. कनफ़्शियन धर्म, धर्म की शाखें और उसके पत्ते हैं, आद्मी की पेदायश के साथ साथ इस भर्म के कल्ले निकले. यह धर्म आदमी को बीच का रास्ता बताता है. बौद्ध धर्म, धर्म का फूल और धसका फत है. भादमा का दिमारा। ताक़तों के बढ़ने के साथ साथ इसने जन्म लिया. यह धर्म आदमों को आखिरी रास्ता दिखाता है. इसलिय इन तानों में से किसी को छोड़ना और किसी का लेनाया एक को दूसरे से जियादा पसन्द करना या बड़ा बताना देवल हट धर्मी भीर खुद्रारजी है. x x x x बाहर से किसी नए धर्म के आने और अपनाए जाने से हमारो क्रीम की दिमाता अंबाई एक हाथ बढ़ेगी ही. उससे पहले के धर्मी का अधिकार छिन नहीं जायगा. सच यह है कि हर नया धर्म पुराने धर्म की रोशनी को बढाता और चमकाता है."

पक अंगरेजी किव ने बहुत अच्छा कहा है—"दूसरे का मज़ाक उड़ाना छोटे दिल वालों का काम है. बड़े और उदार दिल वालों के तार तराक़े भो बड़े और उदार ही होते हैं."

बीनी बौद्ध विद्वान सू-शुन-यान ने सिसा है—

"आलग आलग मज़हबों की तालीम एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं. बड़े दिल वाले लोग जानते हैं कि सब मज़हबों के अन्दर एक हां सी सचाइयां हैं. छोटे दिल वाले लाग केवल उनके फरकों को देखते हैं."

हर जमाने की पाक आत्माओं के अन्दर एक ही सा आन उतर कर उन सबको एक ईश्वर के और सब रस्कों के देस्त बना देता है. جاپان کے ایک ودوان قاکلر آنازو نعوبے نے آپنی کتاب میں ایک بہت ہوا سنت اور راج نیتا ہوا میں ایک بہت ہوا سنت اور راج نیتا ہوا ہی جیس کا نام شوتوکو تھا ۔ جاپان کے اتباس میں اسے بورے سے روے مہاتماؤں میں گفا جاتا ہے ۔ کہتے ہیں کہ جب وہ مرا تو روزھ لوگ اس طرح روئے کہ جس طرح آن کا بحت مر کیا ہوار نوجوان لوگ اس طرح روئے کہ مانو اُن کی ماں مر گئی ہو ۔ اُس زمانے میں ' شفتو' مانو اُن کی ماں مر گئی ہو ۔ اُس زمانے میں ' شفتو' عام حایان میں پہلے سے موجود تھا اور کلفوشین دھرم جاپان میں بہلے سے موجود تھا اور کلفوشین دھرم بہارت سے کوریا کے رستے جاپان بہونی چکے تھے ، اُن تیاوں مذہبین کے بہتے پروہت بہونی میں لوگ لگے تھے ، آن تیاوں مذہبین کے بہتے والوں میں جہتوں کے بہتے والوں کے میں جہتوں کا فیصلہ اُن جہتوں کیا ۔۔۔

''شقتو دهرم' دهرم کی حو اور اس کا سروت ہے . زمهن اور آسان کے پردا هونے کے ساتھ ساتھ اِس دهرم کے انکر پھوٹے . یہ دهرم آدمی کو شروع کا راسته سکھاتا ہے . کلفوشین دهرم' دهرم کی شاخیس اور اُسکے بتے هیں آدمی کی پید ٹس کے ساتھ ساتھ اِس دهرم کے دلے نکلے . یہ دهرم آدمی کو بیچ کا راسته بتاتا ہے . بوده دهرم' دهرم کا پھول اور اُسکا پھل ہے . آدمی کی دماغی طاقتوں کے بوهنے کے ساتھ ساتھ اِس نے جنم لیا . یہ دهرم آدمی کو آخری ساتھ ساتھ اِس نے جنم لیا . یہ دهرم آدمی کو آخری راسته دکھاتا ہے . اس لگے ان تھنوں میں سے کسی کو بھھورنا اور کسی کو لینا یا ایک کو دوسرےسے زیادہ پسلد کرنا یا بوا بتانا کھول دمت دهرم کے آنے اور اینائے جانے سے هماری یا ہوا بتانا کھول دمت دهرم کے آنے اور اینائے جانے سے هماری یا ہور کی دماغی اونجائی ایک هاتھ بوهیکی هی . اُس سے پہلے کے دهرموں کا ادهیکار چھوں نہیں جائیکا . سے یہ ہے کہ هو نیا دهرم پرانے دهرم کی روشنی کو بوهانا اور چمکانا کہ هو نیا دهرم پرانے دهرم کی روشنی کو بوهانا اور چمکانا

ایک انگریزی کوی نے بہت اچھا کہا ہے ۔''دوسرے کا مذاتی اُزانا چھوتے دل رائوں کا کام ہے . بڑے اور اُدار دل رائوں کے طور طریقے بھی بڑے اور اُدار ھی ھوتے ھھوں ۔''

چینی بردھ ودوان لو شن یان نے لکھا ھے۔۔

''الگ الگ مذہبوں کی تعلیم ایک دوسرے کے مطاق نہیں ہیں ۔ بڑے دل والے لوگ جانتے ہیں که سیب مذہبوں کے اندر ایک ھی سی سچائیاں میں ۔ بہبوتے دل والے لوگ کیول اُن کے فرقوں کو دیکھتے ہیں۔''

هر زمانے کی پاک آنماؤں کے اندر ایک هی سا گیاں اُنو کر اُن سب کو ایک ایشور کے اور سب رسواوں کے دوست بنا دیتا ہے۔ इन सब अलग अलग बोलियों, लिबासों और तौर तरीक़ों में इधर से उधर तक फैली हुई और रमी हुई एक बुनियादी एकता है जो इन सब को संभाले और मिलाए हुए है. यह वह सचाई है जिसे कभी हमें अपनी याद से नहीं मिटने देना चाहिये.

खड़े, मटके, सुराही, गिलास, लोटे, जग वग्रैरा बरतन कितनी भी खलग खला शक्लों के हों उन सब के खन्दर का पानी एक हैं. लैम्प, लालटेन, दिये, कन्दील, कानूस खौर बरब कितनी भी खलग खलग शक्लों के हों सब के खन्दर की रोशनी एक हैं. लकड़ी हो या कोयला, उपले हों या कोई और ईंधन खाग सबके खन्दर एक हैं. चलते फिरते जानवर खनगिनत हैं और खनगिनत ही उनकी शक्लों हैं पर जान सब के खन्दर एक हैं. इसी तरह मजहब बहुत से हैं और सबके खलग खलग रीत-रिवाज और नाम रूप हैं पर आलमगीर यानी ज्यापक मानव धर्म, मजहबे इनसा-नियत एक ही हैं.

मशहूर अंगरेज विद्वान जे. ई. कारपैन्टर ने अपनी किताब 'दि प्लेस आफ क्रिशचियानिटी इन दी रिलीजन्स आफ दि बर्ल्ड' में चीन का हाल बयान करते हुए किस्बा है:—

"बीन में यह रिवाज है कि जब कई देशों या सूबों के कोग एक दूसरे से मिलते हैं तो हर एक दूसरे से पृछता है—'आप किस ऊँचे (सबलाइम) मजहब के हैं ?' तीन आदिमयों में शायद एक कनकूशियन मजहब का मानने बाला है, दूसरा ताओ धर्म का और तीसरा बौद्ध धर्म का. इसके बाद उन तीनों में से हर एक अपने मजहब के आलावा किसी दूसरे मजहब की दिल खोलकर तारीफ करना शुरू कर देता है. फिर वह तीनों मिलकर यह कहते हैं. 'मजहब बहुत से हैं, समम एक हैं, हम सब भाई हैं.''

बीन के इस रिवाज को सुनकर एक तरह के आदमी विक्षा पहेंगे—"ढोंगी!" दूसरी तरह के आदमी कह पहेंगे—"पुराने खूसट, पागल, काठ के उल्लू!" एक तीसरी तरह के आदमी, जिनकी तादाद आजकल बदिक्रस्मती से शायद बहुत कम है, कहेंगे—"कैसी अच्छी इनसाफ, सममदारी और शराफत की बात है!" अलग अलग विद्याओं के साहिर और बलग अलग कलाओं के कलावन्त जो अपनी अपनी विद्या और अपनी अपनी कला में मगन हैं और एसे सममते हैं, अगर वह सच्चे विद्वान और कलावन्त हैं, नीम मुल्ला या नीम हकीम नहीं हैं, तो एक दूसरे की कलाओं और विद्याओं के अन्दर उसी एक इनसानी होशियारी, लगन और बुद्धि की प्रखरता को देस सकते हैं, उस की फद्र कर सकते हैं और उसके सामने आदर के साथ कर कुका सकते हैं.

الن سب الگ انگ بولهون لباسون أور طور طویقون مهون الاهم سے اُدهر تک پهیلی هوای اور رسی هوائی ایک پلهادی ایکا هی جو اُن سب کو سلبهالی اور مالئے هوائی هی دیا سبحالی هی جسے کبهی همیں اپلی یاد سے نہیں ماللے دیا جاهائے .

گهر یا متک مراحی کلاس ارتی جگ وههرا برتن الدر کا کتنی بهی الگ الگ شکلوں کے هوں أن سب کے اندر کا پاتی ایک هے . لیمپ کالتین دیئے قندیل فاتوس اور پلب کتنی بهی الگ الگ شکلوں کے هوں سب کے اندر کی روشنی ایک هے . لکری هو یا کوئلک اپلے هوں یا کوئی اور ایندهن آگ سب کے اندر ایک هے . چلتے پهرتے جانور این گفت هیں اور ان گفت هی ان کی شکلهن هوں پر جان سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح مق ب بهت سے هوں اور سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح مق ب بهت سے هوں اور سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح مق ب بهت سے هوں اور سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح مق ب انسانیت ایک مانو دعرم مذعب انسانیت ایک هی هے ،

مشہور انکریز ردوان جے . اِی ، کارپھنٹر نے اپنی اتاب ' دی پلیس آف کرشچیانٹی اِن دی رلیجنس آف دی ورلڈ' میں چین کا حال بیان کرتے ہوئے لکھا ہے :---

'' چھن میں یہ رواج ہے کہ جب کئی دیشوں یا صوبوں کے لوگ ایک دوسرے سے ملتے ہیں تو ہر ایک دوسرے سے ملتے ہیں تو ہر ایک دوسرے سے پوچھٹا ہے۔' آپ کس اُونچے (سب لائم) مڈھب کے ھیں ؟' ترن آدمیوں میں شاید ایک کلفوشین دھرم کا مانئے والا ہے' دوسرا تاؤ دھرم کا اور تیسرا پودھ دھرم کا اُلے تیشرا پودھ کھرہ کی دار کول کر تعریف کونا کے علاوہ کسی دوسرے مذھب کی دار کھول کر تعریف کونا شروع کر دیتا ہے ، پھر وہ تینیوں مل کر یہ کہتے ھیں ۔ ثمنھب بہت سے ھیں' سمجھ ایک ہے' ھم سب بہائی ھیں' ،''

چھن کے اس رواج کو سن کر ایک طرح کے آدمی عجلا پرہنگے۔ و تعونگی ! ، دوسری طرح کے آدمی کے پرینگے۔ اس پرانے کھرست یائل اگتہ کے آلو! . " ایک تیسری طرح کے آدمی ہے شاید بہت کے آدمی جن کی تعداد آجکل بد قسمتی سے شاید بہت شرافت کی بات ہے ! " الگ الگ ردیاؤں کے ماعر أور شرافت کی بات ہے !" الگ الگ ردیاؤں کے ماعر أور الگ الگ ردیاؤں کے ماعر أور الگ الگ الگ ودیا اور أبدی الگ الگ ودیا اور أبدی ودیا اور ابدی کوران آور کلارنت میں اور أسے سمجھتے میں اگر وہ سجے وران آور کلارنت میں نیم ملا یا نیم حکیم نہیں میں ہیں تو ایک درسرے کی کلاؤں اور ودیاؤں کے اندر اسی ایک انسانی هوشیاری کائن اور بدعی کی پرکھرنا کو دیکھ سکتے اس کی قدر کر سکتے میں اور اس کے سامنے آدر کے ساتھ سر جھکا سکتے میں ،



इ.11 श्रक्तूबर. सन् '51 नम्बर 4 जात श्रादमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली.

جلد 11 اکتوبر' سن 51' نمبر 4 ا جات آدمي' پريم دهرم هـ' هندستانی برلی' 'نیا هند ' پېنچـ کا کهر گهر لگـ پريم کي جهولی .

राही

(भाई अली अहमद एम० ए०)

राही । अपनी राह चला जा

रगपर हैं सी सी धोके माया के फैले हैं फंदे हैं फूल, ज़ियादा कांटे कांटों को भी फूल सममता

राही ! श्रपनी राह चला जा

ो पथ तेरा नाले टीले बन जाएँगे हिमाले ो को दौड़ेंगे काले इन कालों के सीस कुचलता

राही ! भपनी राह चला जा

अट्ठे, भूकम्प श्राए परवत से परवत टकराए । वलने से रुक जाए रुकने का तू नाम न लेना

राही । अपनी राह चला जा

िक मत ढूंढ इशारे भडका देंगे राह ये तारे पीत के सपने सारे इन सपनों को मृद् समम्मता

राही ! अपनी राह चला जा

भाँख मतपक सकते हैं दिया राह भटक सकते हैं भीर सूरज थक सकते हैं धकना काम नहीं है तेरा

राही। अपनी राह बला जा

راهی

(بهائی علی احمد ایم ، اے ،)

راهي! ايدَى راه چلا جا

ہگاہگاہر هوں سوسو دهوکے مایا کے پھیلے هیں پھندے کم هوں پھول زیادا کا تھے کانٹوں کو بھی پھول سمجھٹا

راهي! ايني راة چلا جا

روایس کے پتھ تیرا نالے تیلیے بن جائیں کے ہمالے قسلے کو دوریں کے کالے ان کاوں کے سیس کچلٹا

راهي! ايلني راه چا جا

طوفان اُٹھ' بھوکمپ آئے پریت سے پریت ٹکرائے فھرتی چلنے سے رک جائے رکنے کا تو نام نے لینا

راهي ! ايلي راه چلا جا

اَنکھور کے مستقمون قداشارے بہتنا دیں کے راہ یہ تارے معورت سمجھتا معورت سمجھتا

راهي ! ايدي راه چلا جا

عادی آنکو جهیک سکتے میں دریا راہ بہتک سکتے میں عائد اور سررے تیک سکتے میں تیکنا کام نہیں مے تورا

راهي! ايني راه چلا جا

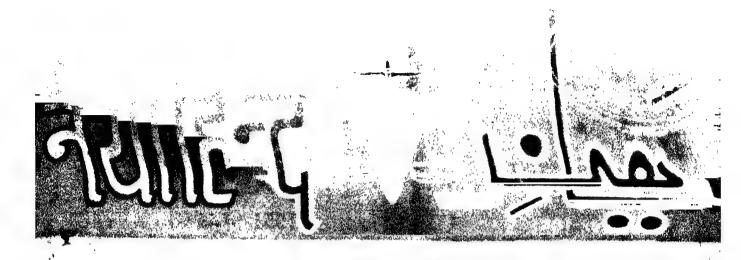
PARISH A STRIKE

मास्यारी प्रत्या भवत्या 1951

الور (ای برها) الوربر 1951

्राविक - मार्थ प्रश्नी व्यक्त रव	9 281	يهالى على لعند ليه . ا	
THE REAL PROPERTY OF	₹1 16 11	ندر البالت ارلت	
		South to a line of the think of	

Meggie fast in un-mier	rà 298		
MANAGER WANTED			
			AND WAR
			and the state of the state of
के क्षेत्रक में- मार्च गु. व.	300	حامون - بهالي الساء م	
是一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个			
कीर करता—मार्च हतराज 'रहन	302	يهاكي هفسراج أرهورا	
The state of the s	The state of the s		1 70 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
- विश्वी गाउँ अस्त नोपा ड	303	سمعاف صعب كبداا	ئے آپو اور فالدی۔
The state of the s			The state of the s
अविकार का सकते"-अपटर	जे. सी.	ي جاسكاني السنة كالن ج	عدانا الدانية
	318		
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	Same first the second	4
	राज अधि ो. ८८८		
_limel कर (क्यानी)—सर्व समय	(14	ے (کہائی)۔ بھائی م	سربيا س ليملي ند
_ www.co			
			يستطلع سي سيكولانه
Mill Bert - wife Particular an	nadius 337	-بهالي کڪيو کل مھيو وا	
		400	
The Company of the Control of the State of the Control of the Cont		San Sugar State St	
3) (54)			
		1966年代,第二日本省、北京	
			المواطئ
The state of the s			The state of the s
	249		
I - want down	चार भारता स्थापन	والمراجع المراجع	
	and		
AND THE PROPERTY OF THE PROPER			
	A SIA		
The second with		في جي الحرائل الداء	
the stand of the			mark and a second
		مرسرا مرس سعول مو	
- manager	352		
, तेन विक-सुरेश राज कार्र			



एडीटर—ताराचंद, भगवानदीन, मुज्यकर हसन, बिशम्भर नाथ, सुन्दरलाल ् اقیٹر—تارا چند' بهکران دین' مظفرحسن' بشمههر ناته' سندر لال

नायव एडीटर-सुरेश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

نائب اتيتر--سريف رام بهائي؛ مصود أحد 'هذر'

इस नम्बर के खाम लेख

मानव धर्म या मजहबे इनसानियन का रास्ता— डाक्टर भगवान दास

मौलाना अब्दुल्ला मिस्री का खत—काहिरा से बापू (किवता)—भगवानदीन खुनाव और जनता—हंसराज 'रह्बर' वेजगाड़ी नहीं जा सकती—जे. सी. कुमारप्पा गंगा से गोमती तक (कहानी)—मयंक राज बापू से—भगवानदीन

्रहमारी राय—

कम्युनिस्टों की युनौती—भगवानदीन
भूमिदान—भगवानदीन
बर्ल्ड बैंक की ज्यादती—सुरेश रामभाई
वीन की आजादी का दूसरा वरस—भगवानदीन

اِس نمبر کے خاص لیکھ

تمانو دهرم یا مذهب انسانیمت کا راسته ذا**کت**ر بهکوان دا*س*

مرلابا عبدالله مصرى كا خط قاهرة سے

ا بایو (کویتا)-بهگوان دین

أهداء آور جلتا سعنسراج أرهيرا

بول لازی نہوں جاسکتی ہے ۔ سی ، کماریدا لگا سے گومتی تک (کہانی اسمیفک راج

ہاپو ہے۔۔۔بکھوان دین

ھناری رائے۔۔

کمهونسترس کی چلوتی--بهکوان دین

بهومی دان— بهکوان دین

ورات بهلک کی زیادتی--سریش رأم بهائی بهائی بهائی بهائی بهائی بهائی بهائی دوسرا برس--بهگوان دین

द्ध्यानी कलचर सासाइटी, इलाहाबाद



ــــان كلجــــ رسويسائث الآباد

भक्तूबर 1951 अ

क्रीमत इस जाना

تيبيع دس أند

हिन्दुस्तानी कलचर

पर

निबन्धों (मकालों) के लिये

डनाम

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने तय किया है कि हिन्दुस्तानी कलचर पर तीन सबसे चच्छे निवन्धों (मकालों) के लिये तीन इनाम दिये जाएं. पहला इनाम एक इजार कपए, दूसरा इनाम पाँच सी रुपए और तीसरा इनाम ढाई सी रुपए.

नियन्थों के उस हिन्दुस्तानी कल पर के, जो पिछले सार क्याने में रूप लेती रही है, दिकाऊ पहलुओं को प्यान करते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कल चर के रंग रूप को बताने की कोशिश होनी चाहिये. नियन्ध अंगरेजी में वा हिन्दुस्तानी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस क्यार से अधिक शब्द न हों. जुलस्केप काराज पर, काराज के एक तरक, एक चौथाई हाशिया छोड़कर, टाइप करके हर बियन्थ की तीन कापियाँ 30 सितम्बर सन 1951 तक बीचे के पते पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कल चर कोसीइटी को हक होगा कि आए हुए नियन्थों में से जिसे बाहे शाया करे.

सुन्दरलाल

सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

नोट:—यह नियन्च पहले 30 जून तक मँगाए गए थे और इनाम की रक्तमें कुछ कम थीं. अब इस के लिये बास और रक्तम दोनों बदा दिये गए हैं.

--सन्दरसात

هندستانی کلیجر

نبندھوں (مقالوں) کے لئے انعام

هندستانی کلچر سوسائٹی نے طے کہا ہے کہ هندستانی چر پر تین سب سے أچھے نبندهوں (مقالوں) کے لئے بن أنعام دئے جائیں ، پہلا أنعام أیک هزار روپ دوسرا عام پانچ سو روپ أور تيسرا أنعام دَهائی سو روپ .

نبندھوں میں اُس ھندستانی کلچر کے' جو پچھلے اوے زمانے میں روپ لیتی رھی ہے' تکاؤ پہلوؤں کو بیان تے ہوئے آئے کے لئے ایک ھندستانی کلچر کے رنگ روپ بیتانے کی کوشص ھونی چاھئے ، نبندھ انکریزی میں ھندستانی میں ہوئے چاھئیں ، پانچ ھزار ہے کم یا س ھزار سے ادھک شبد نہ ھوں ، فلسکیپ کافڈ پر' کافذ ایک طرف' ایک چوتھائی حاشیہ چھوڑ کر' تانپ کر کے ایک طرف' ایک چوتھائی حاشیہ چھوڑ کر' تانپ کر کے نبندھ کی تین کاپھاں (30 ستمبر سن 1951 تک نہجے نبندھ کی تین کاپھاں (30 ستمبر سن 1951 تک نہجے پہتے پر آجانی چاھئیں ، ھندستانی کلچر سوسائتی کو تی ہوگا کہ آئے ھرئے نبندھوں میں سے جسے چاھے شائع

سندرلال سكريترى' هندستانى كلىچر سوسائتى 145° متهى كنم' الهآباد

نوٹ - یہ نبدہ پہلے 30 جون تک مظائے گئے تھے انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں ۔ آب اِس کے لئے وقت رقم دونوں ہوتا دئے گئے میں .

--سندرلل

ष्ट्रस्तानी कस्तनः सोसाइटी

لىمايى ئاچى برسائنى

) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बदाना, फैलाना गर करना जसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.

) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों हा झापना .

) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाजों, कानफरेन्सों, से सब घर्मों, जातों, विश्वदियों और फिक्कों में का मेल बढ़ाना .

-: 0:--

साइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० अन्दुत मजीव ख्वाजा; प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अन्दुत एवर्निंग वाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; ो—पं० सुन्दरतात.

वरनिंग बाडी के और मेम्बर-

्रेसेयद महमूद, ढा० ताराचन्द, मीतवी सैयद । नदवी, मि० मंजर अती सोख्ता, श्री बी० जी० ।० एस० के० हद्रा, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा दीन, सेठ पूनम चन्द्र रांका, काजी मोहम्मद अब्दुल कीर श्री कोम प्रकाश पालीवाल.

न्बरी के कायवों के किये कि किये -

मुन्दरकाल सेकेटरी, हिदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टी गंज, इक्राहाबाद

ह सोसाइटी के नये कायते के अनुसार मेम्बरी कि सिर्फ एक कपया कर दी गई है. "नया हिन्द" बाह्रक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया देने बर हो मेम्बर बना लिया जायगा. जलग से बी कीस देने बाले सोसाइटी की निककी हुई कोई को एक ब्राया दाम की होगी मुक्त से सकेंगे या ایسی هندستانی کلنچر کا پوهانا پهیلانا میا جس میں سب هندستانی شامل هوں ، معا پهیلانے کے لئے کتابوں' اخیاروں' رسالوں

هی فیرون کتاب گهرون سیهاون کانفرنسون هی معرسون جاتین برادریون اور قرقون مین هیان

-: 0:--

ه پریسه قابت مستر عبداسچهد خواجه؛ بریسه قافتر به عران داس اور قافتر عبدالحق . ها پریسه قابت — قافتر به عوان داس؛ هارت ستدرال .

یا پالٹی کے اور مسیر ۔۔۔

الله المحموداً قائلر تارا جاداً مهاری سید المشار ملفر علی سیخته شری بی جی . ایس کی وردرا بلکت بشمیهر نانه مهاتما ایس بینه بوتم جددرانه قاضی محمد عبدالفدار برنامی بالهوال .

کے قامدوں کے لئے ایمیکے ۔

سقدر 3ل

رستاریگری' هلدستانی کلچر سوسائگی' 148' متمی کلج' المآباد .

المسائق کے نئے قاعدے کے انوسار مسیری کی انوسار مسیری کی اس اوربیت کردس گئی ہے ۔ "نیا ہدد" کے اسید پھٹا جامیں ان کو صرف چہت رویہت چندہ سید بنا ایما جائیتا ۔ الگ سے مسیری کی سید بنا تھا کی نظمی ہوئی کوئی گئای چو سیدی کی انوبات ہو اسلامی کے بیا وبلانا شام

पंचाय हमें क्या सिखाता है

महास्मा गांधी की सलाह से अक्तूबर सन् 1947 में पिछ्नमी और पूरवी पंजाब के दौरे के बाद वहाँ की भयंकर बरवादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो असीवते आई उन का दर्नाक वर्नन. इस छोटीसी किताब में भाजकल की मुसीबतों को इल करने के लिये उछ सकाद भी पेश किये गए हैं. क्रीमत चार आने.

बंगाल स्रोर उससे सबक

ं इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी चौर पच्छिमी बंगाल के फिरक्रेवाराना मगडों पर रोशनी बाजी गई है और ऐसे फगड़ों को हमेशा के लिये खत्म कर नेकी तरकीय भी सुमाई गई है. कीमत सिर्फ दो आने.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखह-श्री मंजर बली सोखना

30 जनवरी को अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस के जनरल सेक टरी को बुला कर सह विधान दिया की वह उनकी तरफ से उसे त्राल इंडिया कांगरेस कमेटी में पेश कर हैं. यह छोटा सा विधान देश के अब्द गांधी जी की आजिरी वसीयत है और इसकी व्याख्या कांकी जी के परम भक्त भी मंजर अली सोखता ने की है जो गांधीबाद को सममते और अपनाने वाले देश के इने गिने क्तेगों में से एक हैं.

गांधीबाद को समझने के लिये इसका पदना बहुत जरूरी 🕽, 225 सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की कीमत सिर्फ

आज के शहीद

सम्पादक-श्री रतन लाल वंसल.

बन बहादुरीं की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी हाकिमों की किलाई फ्रेंट की काग में इनसानियत को भस्म होते देख एक छन की भी देर न की और उसे बुमाने की कोशिश में भापनी अधन करकान कर वी.

हर एकता प्रेमी के पढ़ने की किताब. क़ीमत सिर्फ

मुस्लिम देश भक्त

लेखक--श्री रतन लाल बंसल .

चया मुसलमान देशभक्तों के जीवन का हाल जिन्होंने अपनी जान इथेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में कर्ते हुए भारत माता हो गुलामी की जंबीरों से बाजाद करते की कोशिश की. किताब बड़े विस्तवस्य ढंग से लिखी है. क्रीमत तिफ्रे एक रुपया बारह जाने.

in language 145, artista, company,

بنجاب هييل كيا سكهانا

مهاتما گاندهی کی صلح سے اکتربر سن 1947 میں یہ اور بورائی بلتجاب کے دورے کے بعد رهالی کی بهیلکر برائی ارز آپسی مار کات کے کارن لوگوں پو جو جو مصفحتیں آئیں ان کا دردناک وردن ، اس چھوٹی سی التاب میں آجکل کی مصیبتیں کو حل کرنے کے لئے كنهم سنجهار بهي پيش كئي كئي هيل . تيست چار آني .

بنگال اور اُس سے سبق اس جہرتی سی تعاب میں 50-1949 میں پوربی أور یعیهمی بنکال کے فرقموارانه جهکور پر روشقی دالی گئی هر اور ایسے جهکروں کو همیشت کےلئے ختم کرنے کی ترکیب بھی سجهائی گُئی ہے ، قیمت صرف دو آنے .

مهاتما گاندهی کی وصیت لیمهک ـ شری منظر ملی سرخته

30 جغوري كو أيه ديبانت سے كچه كهذاتم بهلے مهاتما گاندھی نے الکریس کے جغرل سکریٹری کو بلا کر یہ ودهان دیا که وه آن کی طرف سے اسے آل انڈیا کا کریس کمیٹی میں پیش کر دیں ، یہ چھوٹا سا ودھان دیش کے نام كاندهي جي كي آخري وصيهت هي ارر إسكي ويائهها گاندھی جی کے پرم بھکت شری مقطر علی سوختہ نے کی هے جو گاندھی واد کو سمجھئے آور ایٹانے والے دیش کے انے گئے لوگوں میں سے ایک ھیں .

گاندھی واد کو سمجھلے کے لگے اِسکا یوھلا بہت ضرورہی ھے .. 225 صفحے کی سندر جاد بندھی کتاب کی قیست مرف دو روپگے .

اج کے شہید

سميادك - شرى رتن لال بنسل

أن بهادورں کی کہانیاں جنہوں نے ودیشی حاکموں الی بھیلائی بھوت کی آگ میں انسانیت کو بیسم ھوٹے ایک بیکھانے کی ایک چھن کی ایک جینانے کی ایک اور اُسے بجھانے کی وشش میں اینی جان قربان کر سی .

هر أيكتا بريسي كے پوهلے كي كتاب ، قيمت صرف

مسلم ديش بهكت لهكهك-مشرى رتن ال بلسل .

الله مسلمان تبیش بهکترس کے جهون کا حال جلہوں الهش جان همهای در رکهکر هندستان آور ودیشوں میں بعر عبل بهارت مانا کو فلامی کی ونجهروں سے آزاد کرنے کی هی کی . کتاب برے دانچسپ دھنگ سے لکھی گئی ہے . قیسی مرف ایک روبعه باره آلے .

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मों की एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किनाबों से हवाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सबाइयां को बयान किया गया है.

उसके बाद गीता के लिखे जाने के बक्षत की इस देश की हालत, गीता के बड़प्पन और एक एक अध्याय की लेकर गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आखिर में क़ुरान से पहले की अरब की हालत, क़ुरान के बड़प्पन और एक एक बात पर क़ुरान की तालीम को बयान किया गया है. इस में क़ुरान की पांच सी से ऊपर आयतों का लक्ष्मी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया गया है कि क़ुरान में जेहाद, आक्रवत, आखरत, जन्नत, जहन्नम, काफिर वरोरा किसे कहा गया है.

जो लोग सब धर्मों की एकता को सममना चाहें या हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की सच्ची जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताब को जरूर पढ़ना चाहिये.

पौने तीन सी सके की सुन्दर जिल्द वॅथी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपया.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस में वह चार लेक्चर जमा कर दिये गये हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में दिये थे.

सौ सफ्रे की किताब. क्रीमृत सिर्फ बारह आने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक

तेखक-पंडित सुन्दरताल

साम्प्रदायिकता यानी किरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और एसका इक्षाज, जिसने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

كيتًا أور قرأن

ليكهك__پنتات سندر لال

اس کتاب کشررع میں دنیا کے سب ہونے ہونے دھرموں کی آپکتا کو دعمال کیا گئا اور سب دھرموں کی کتابوں سے حوالے دیے دیے کر مائی جلتی بلیادی سجائیوں کو بیان کیا گیا گیا ہے .

اُسکے بعد گیتا کے لکھے جانے کے وقت کیاِس دیش کی حالت' گیٹنا کے ہوین اور ایک ایک ادعیاے کو لیکر گیٹا کی تعلیم کو بتلایا گیا ہے .

أخر مهن قرآن سے پہلے كى عرب كى حالمت قرآن كے بوپن أور أيك أيك بات پر قرآن كى تعليم كو بهان كها كيا ہے ، اس مهن لران كى پانچ سو سے أوپر آيگوں كا لفظى قرجمة ديا كها هے . يه بهى بتايا كها هے كه قرآن مهن جهاد ، عالمات جهاد ، كافر وفهرہ كسے كها كها هے .

چو لوگ سب دهرموں کی ایکٹا کو سنجھنا چاهیں یا هندو دهرم اور اسلام دونوں کی آن دو امر پستکوں کی سچی جانکاری حامل کرنا چاهیں آنہیں اس کتاب کو ضرور پومنا چاهیہ .

ہوئے تین سو صفت کی سلدر جلد ہندھی کتاب کی قیمت صرف ڈھائی رویھے .

هندو مسلم ايكتا

اُس میں وہ جار لیکنچر جانع کر دئے گئے میں جر پلگت جی نے کلسیایاتری برزد کوالیار کی دموت پر گوالیار میں دئے تھے .

سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف بارہ آئے ،

مهاتما گاندھی کے بلیدان سے سبق

لهكهك-پلدت سندر لال

سامهردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بهماری پر راج گلهی مذهبی اور اتباسی پهلو سے وجار اور اسکا علاج بیس الله آخر میں دیش بتا مہاتما کا دهی تک کو همارے بینے میں نه رهانے دیا .

الهست بارة آنے .

सिकते का पता— अधिक 'समा दिन्द' 145, मुद्री र्गज, इलाहाबाद. َمُلَكِ كَا يَعَدِ— ﴿ مِهِلِيْتِورِ 'نَهَا هَلَدُ' 145 مَكَهِي كُلْجٍ ' لارآيادُ سِ

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

नीचे लिखी सब किताबें नागरी और दर्तृ दोनों लिखावटों में अलग अलग मिल सकती हैं. जो किताब एक श्री लिखावट में छपी है उसका जिकर कर दिया गया है.

दस उपए से ज्यादा दाम की कितानें ख्रीदने वालों भीर मुकसेकरों को खास रिमायत दी जायगी.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

को 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ

'भारत में अंगरेजी राज' के लेखक पं अन्दरलाल द्वारा मूल अंगरेजी से अनुवादित.

इर भारतवासी का कर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समम ले.

यदि आप आने वाले आम चुनान में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर हैं, समक्ष कर हिस्सा लेना चाहते हैं और आजाद भारत में अपने अधिकार समकना चाहते हैं हो अहरी हैं कि आप इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ लें.

आसानी के क्षिये कितान के आखीर में हिन्दी से अंगरेजी और अंगरेजी से हिन्दी साठ पत्रे की शब्दमाला दे दी गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है. आसान बामहावरा भाशा. रायल कठपेजी बड़ा साइज़ आगभग बार सी पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द. कीमत केवल आहे सात रुपए.

هندستانی کلچر سوسائٹی کی کتابیں

محے لکھیسب کتابیں نائری اور اُردو دونوںلکھاوٹوں مھی الگ انگ مل سکتی میں ، جو کتاب ایک ھی لکھاوٹ میں جوپی ہے اُس کا ذار کر دیا گیا ہے .

دس ربھتے سے زیافہ دام کی کتابھی خریدنے والوں اور مکسهلروں کو خاص رعایت دی جائیگی .

داک یا ریل خرچ هر دالت میں کامک کے ذمه هوگا.

بهارت کا ودهان

پورا هندی انوراد

جو 26 جنوري سن 1950 سے سارے بھارت میں لاکو ھوا۔

'بہارت میں انگریزی راج' کے لیکھک پنڈت سندر لال دوارا میل انگریزی سے انورادت .

هر بهارت واسي كا قرض هے كه جس ودهان كے ادههن سوادهين بهارت كا شاسن إس سبے چل رها هے أسے أجهي طرح سبجه لے .

یدی آپ آنے والے عام چناؤ میں' جس پر بہارت کا سارا بہوشیہ نربہر ہے' سنجہ کر حصہ لینا چاہتے میں اور آزاد بہارت میں ایے ادھیکار سنجہنا چاہتے میں تو ضروری ہے کہ آپ اس یستک کو دھیاں سے پڑھ لین .

آسانی کے لیے کتاب کے آخیر میں ھلدی سے انگریزی اور انگریزی سے ھلاسی ساٹھ پللے کی شہد مالا دے دی گٹی ھے .

بھارت کے هر گھر میں اس پستک کا رهنا ضروری ہے ، آسان بامتحاورہ بھاشا ، رایل آٹھ پھجی ہوا سائز ، لگ پہگ جار سو پلنے کوچے کی سندر جلد ، قیمت کیول مناجھ سات رویگے ،

बिन्ध करोड़ों मन नाज इमारे जैसे हुसरे देशों को भी भेज सके, सारे देश के सदाचार को एक दम उपर हठा दिया, और देश भर के सरकारी नौकरों की रिशवत खोरी को एक बीते जमाने की कहानी बना दिया, उस पड़ोसी लाल चीन या उसके बस्लों से इमें किसी तरह का खतरा नहीं है.

यह सवाल इस समय कुछ मानी नहीं रखता कि निजी तौर पर टन्डन जी फिरकापरस्त हैं या नहीं छोर हैं तो किस दरजे तक हैं. न इस सवाल के कुछ मानी हैं कि टन्डन जी का निजी मुकाब अमरीका की तरफ कितना है या कस की तरफ कितना है या कस की तरफ कितना. जिस कांगरेस के टन्डन जी सदर हैं वह खपनी प्लान की हुई पालीसी के मुताबिक कन्द्रोल, बनस्पत्ति घी या गाँव के धन्दों के मामले में भी टन्डन जी के साथ न चल रही है, न चलने का बादा करती है और न चल सकती है. सुरत बिलकुल साक है.

पक तरफ अमरीका की साम्राजी लालसा, अमरीकी वालें, देश की फिरक़ा परस्त ताक़तें, कुछ पूँजीपित और पुराने राजाओं और जागीरदारों का मिला जुला दल हैं, जिसकी कोशिशों अगर कामयाब हो गईं तो देश को जबरदस्त मुसीबतों और हो सकता है फिर एक बार राजकाजी गुलामी में से निकलना पड़े. दूसरी तरफ देश को किसी तरह इन सब जतरों से बचा ले जाने की कोशिश हैं, जिसकी सबसे जियादा लगन और सबसे जियादा कामित कियात महातमा गांधी के बाद देश को जबाहरलाल में ही दिखाई देती हैं. और जबाहरलाल जी का पिछले चार बरस का रवैया साबित कर रहा है कि छन में यह काबियत है.

हालत काफी नाजुक है. हमारी बात अगर टन्डन जी के दिल में उतर सके तो हम नम्रता के साथ उनसे प्रार्थना करेंगे कि वह अपने चारों तरफ निगाह डालें, खुद अपनी शक्तियों और कमजारियों को समभें और अपने इस वक्षत के राजत आग्रह को छोड़कर देश की बाग पूरी तरह जवाहरजाल जी के हाथों में सौंपने में देश वासियों को खशी खशी मदद दें.

आत इंडिया कांगरेस कमेटी या कांगरेस क्या कैसला करेगी इससे हमें अधिक सम्बन्ध नहीं हैं. जियादा बड़ा सवाल देश के कैसले का है, और इसमें जरा भी शक नहीं कि इस समय की संकट की हालत में देश का भला, देश की जैरियत और देश की सलामती इस में और केवल इसी में है कि कम से कम आइन्दा कुछ वरसों के लिये देश की बाग पूरी तरह से जवाहर लाल जी के हाथों में दे दी जाय.

31. 8. '51.

—सुन्दरताल

پاٹھ کروروں میں ناچ مبارے جوسے درسرے فیشوں کو بھی بھوجے سکے اسارے دیش کے سداچار کو ایک دم آوپر اتھا دیا اور دیش بھر کے سرکری نوگروں کی رشوت خوری او ایک بھیے رمانے کی کہانی بنا دیا اس پررسی لال چوں یا اس کے اصولوں سے مدد کسی طرح کا خطرہ ابھی ہے ۔

یه سوال اس سے کچھ معلی نہیں رکھتا کہ نجی طور پر ٹاکس جی فرتہ پرست عیں یا نہیں اور عدی تو کس درجے تک عیں ۔ نہ اِس سوال کے کچھ معلی عیں کہ ٹلکن جی کا نجی جهکاؤ امریکہ کی طرف کتنا ہے یا روس کی طرف دتنا ۔ جس کانگریس کے ٹلکن جی صدر میں وہ اپلی اعلان کی عولی پالیسی کے مطابق تلگرول پلسپتی گھی یا گاؤں کے دھلدی کے معاملے میں بھی تلکن جی کے ساتھ نہ چل رعی ہے نہ چللے کا وعدہ گرتی ہے اور نہ چلسکتی ہے ، صورت با کلصاف ہے ،

ایک طرف امریکه کی سامواجی السا امریکی چالین ویش کی فرقه پرست طاقتین کتچه پونجی پاتی اور پرانے واجائی اور جاگهرداروں کا ملاجلا دل هے جس کی کوششین اثر کامیاب هوگئین تو دیش کو زیردست مصیباتوں اور هو سکتا هے پهر ایک بار راج کاجی فائمی میں سے نکلفا پرے۔ فوسری طرف دیش کو کسی طرح ان سب خطروں سے بھیائے جائے کی کوشش هے جس کی سب سے زیادہ الگن اور سب سے زیادہ قابلیت مہانما کاندھی کے بعد دیش کو جواهر الل میں هی دکھائی دیائی هے ، جواهر الل جی کا پوچھائے جاز برس کا رویہ ثابت کر رہا هے که ان میں یه پیچھائے جاز برس کا رویہ ثابت کر رہا هے که ان میں یه پایلیت میں یه

حالت کانی نازک ہے ، هماری بات اگر تلکن جی کے مل میں آتر سکے تو هم نمرتا کے ساتھ آن سے پواوتھلا کرینگی کہ وہ آیے جاروں طرف نگاہ قالیں' خود آیئی گیکھوں اور کمؤوریوں کو سمجھیں اور ایئے اِس وقت کے فلط آثارہ کو چھوڑ کر دیش کی باگ پوری طرح جواهر الل جی کے هاتھوں میں سونیئے میں دیش واسیوں کو خوشی مدد دیں ،

آل ارتها کانگریس کمیٹی یا کانگریس کیا فیصلہ کرے

گی اِس سے همیں اِدهک سمبلدہ نہیں ہے ، زیادہ ہوآ ،

سوال دیش نے فیصلے کا ہے' ارر اِس میں ذرا بھی شک

نہیں کہ اِس سے کی سلمت کی حالت میں دیش کا

پہلا دیش کی خوریت اور دیش کی سلمتی اِس میں اور

گھٹول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئلدہ کچہ برسوں کے

گھٹول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئلدہ کچہ برسوں کے

گھٹول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئلدہ کچہ برسوں کے

میں دے دی جائے ۔

- سندر ال

31.8.51

शब्दों में आगाद किया था. दूसरी ताक त कुछ ऐसे राजाओं महाराजाओं की है जो जनता की इस वनत की कमजोरियों और तकलीकों से फायदा एठा कर देश की नई एकता को लोड़ कर अपने अपने इलाकों में अपनी अपनी मनमानी हकूमतें फिर से कायम करना चाहते हैं. राश्ट्रीय संघ के बढ़े से बढ़े नेता कई बार साफ साफ कह चुके हैं कि हिन्दू पूंजीपतियों और हिन्दू राजों महाराजों को बदाना और फिर से कायम करना उनके सास उद्देशों में से है. हालत जनवरी सन '48 से कहीं नाजुक बतलाई जाती है. यहाँ तक कि अगर अरूरत हो तो हिश्यारों की मदद से भी नेहरू सरकार को बदल देने की तथ्यारियां सुनने में आ रही हैं. यह चारों ताक़तें साफ साफ टन्डन जी और उनके दल के पंछे हैं, और जवाहरलाल के सिलाफ टंडन जी को पूरा पूरा बदावा दे रही हैं.

टन्डन जी आर जवाहरलाल का मामला शुरू हाते ही नागपुर से खबर चाई थी कि संच चौर महासमा दोनों ने देश भर में अपने आदिमियों को यह गश्ती चिद्रियां भेबी हैं कि जवाहरलाल जी के खिताफ टन्डन जी को हर तरह से मदद दी जावे. नागपुर से भी द्वारका प्रसाद मिश्र के कई क्यान इस मामले को और भी साफ कर देते हैं. मिश्र जी ने रूस और अमरीका की लागडाट में अमरीका की वरक साक अपना मुकाव जाहिर किया है, रूसी या चीनी कम्युनिष्म को भारत के लिये सबसे बड़ा खतरा बताया है, अमरीकी ढंग की क्रोकशाही के बचाब के लिये अपनी आवाज उठाई है, जवाहरलाल जी की बिदेशी पालीसी को वह राजत और वरबाद करने वाली सममते हैं. पाकिस्तान की तरफ जवाहरलाल के रुख को वह पोच मानते हैं, इनकी राय है कि और कोई बात न सही तो पाकिस्तान के हिन्दुओं के बचाव के नाम पर ही हमें पाकिस्तान पर फ़ौरन भावा बोल देना चाहिये, वरौरा. डाक्टर खरे ने भी मिश्र जी को उनके विचारों पर बधाई दी है. मिश्र जी अभी तक टन्डन जी के सबसे बड़े मददगार दिखाई दे रहे हैं.

यह सब बात काकी गहरी हैं. तक सीली बहस की यहां जरूरत नहीं. पाकिस्तान हो या कोई और देश हम दुनिया भर के साथ अमन से रहना चाहते हैं. हम जहाँ तक बन पढ़े दुनिया की दलबन्दियों में पड़ना नहीं चाहते. और अगर भारत और किसी दूसरे देश में लड़ाई हो ही आवे तो देश मिश्र जी या उनके दल के मुक़ाबले में जवाहर जात के हाथों में अपने को कहीं जियादा सुरिष्ठत मानता है. भारत की जनता के सामने यह बात भी विलक्षत सामता है. भारत की जनता के सामने यह बात भी विलक्षत सामत है कि जिस लाल चीन ने दो बरस के अन्दर ही उस देश को जहाँ करोड़ों लोग नाज की कमी से मर रहे थे इस का बिल कर दिया कि वह न केवल अपना ही पेट पाले

مهان هها کی مهاند العمل کے دید اور اس خطری سے مان سان شہوں میں آلاد کیا تھا ، عوسری طاقت کی اس کھتے ایسے راجاؤں مہاراجاؤں کی ہے جر جاتا کی اس وقت کی کہ وردیوں اور تکلینوں سے دقدہ آتھا کر دید کی نگی ایکی من مانی نگی ایکی کو تور کر آپ آپ علاقوں میں اپنی اپنی مانی مانی عکومتیں پر سے قائم کرنا چاہتے میں ، راشتریہ سنکھ کے بڑے سے بڑے نیٹا کئی بار صاف صاف کی چکے میں کو بڑھانا اور پور سے قائم کرنا ان کے خاص ادیشوں میں سے ہے . اور پھر سے قائم کرنا ان کے خاص ادیشوں میں سے ہے . حالت جاتی میں نہرو سرکار کو بدل دیاہے کی تھاریاں سنئے میں بھی نہرو سرکار کو بدل دیاہے کی تھاریاں سنئے میں آرمی میں ، یہ چاروں طاقتیں صاف صاف تلقن جی اور جواهر لال کے خاف تلقن جی کو پورا پورا پورا پورا پورا ور اور میں میں ،

تندن جي اور جواهر الل كامعامله شروع هوته هي ناکھور سے خبر آئی تھی که سلکھ اور مہا سبھا دونوں کے دیش بهر میں آنے آدمیوں کو یہ گشتی چھتیاں بھیجی هیں که جواهر لال جی کے خلاب ثلثان جی کو آهر طرح سے مدی دی جاوے ، ناکهور سے هی شری دوارکا پرساد مشر کے کئی بیان اس معاملے کر اور بھیصاف کر دیتے میں . مھر جی نے روس اور امریکہ کی لاک ڈاٹ میں امریکہ كى طرف صاف ايغايجهكاو ظاهر كيا هے، روسى يا چيلى کمیونوم کو بھارت کے لئے سبسے ہوا خطرہ بعایا ہے امریکی تھنگ کی لوک شاھی کے بچاؤ کے لئے اپنی آراز اُتھائی هـ جواهر لال جي کي وديشي پالهسي کو وه فلط أرر برياد كرن والى سمجهت هيس . پاكستان كى طرف جواهر لال کے رخ کو ولا پرچ مانتے هیں' ان کی رائے مے که اور کوئی بات نه سهی تو پاکستان کے هندور کے بنچاو کے ام ير هي همهن پاکستان پر فوراً دمارا بولديدا چاهيء رفیرہ . قاکار کھرے نے بھی مشر جی کر اُن نے وچاروں پر دهائی دی هے . مشر جی آبھی تک تلدن جی کے سب سے بڑے مددگار دکھائی دے رہے میں .

یه سب باتیں کافی گہری هیں . تفصیلی بحث کی پاس ضرورت نہیں ۔ پاکستان هو یا کوئی اور دیش هم نیا بھر کے سانھ اس سے رهنا چاهتے هیں . هم جہاں کی بن پڑے دنیا کی دل بلدیوں ، یں پرنا نہیں چاهتے ، ور اگر بہارت اور کسی دوسرے دیش میں لوائی هو هی نارے تو دیش مشر جی یا آن کے دل نے مقابلے میں لوائی کا میں لوائی کا میں لوائی کا میں لوائی میں ایک کو کہیں زیادہ سرکشت لوائی کے هانہوں میں آئے کو کہیں زیادہ سرکشت انتا ہے ، بہارت کی جفتا کے ساملے یہ بات بھی بالکل اف ہے کہ جس لال چہرے نے دو برس کے اندر هی اس اف کو جہاں کروزوں لوگ ناج کی کمی سے مروقے ہے اس کے دیا کہ وہ نہ کیول اینا هی بھت ہائے ہے ایک کمی سے مروقے ہے ایس کردیا کہ وہ نہ کیول اینا هی بھت ہائے

La Sec

राखिसियतों से भी हैं. लेकिन सवाल का राजकाजी या सुरुकी पहलू इतना बड़ा है कि इस के सामने शखसियतों का करक बहत ही इस मानी रखता है.

दोनों से इमारा परिचय एक पीढ़ी से उपर का है. दोनों से इमारा घनिश्ट सम्बन्ध है. दोनों से इमें प्रेम है. कुछ बातों में इमारे विचार टन्डन जी से मिलते हैं जवाहरलाल जी से नहीं. दूसरी कुछ बातों में इमारे विचार टन्डन जी के मुक़ाबले में जवाहर लाल जी से जियादा मिलते हैं. कुछ बातों में इमारा दोनों से मतथेद है और जाहिर है बहुन सी बातों में न इन दोनों के विचारों में कोई खास फरक है और न इन के भीर हमारे विचारों में.

मिसाल के लिये कंट्रोल, बनस्पति घी और गांव के दूसरे धन्दों के बारे में हमारे बिचार जवाहरलाल जी की निस्वत टन्डन जी से जियादा मिलते हैं. इस तरह के सवालों का भी अपना महत्व हैं. लेकिन इस समय की नाजुक हालत में देश को कहीं जियादा बड़े खतरों का सामना करना पड़ रहा है. कंट्रोल या बनस्पति घी जैसे सवालों को देश कुछ दिनों के बाद भी हल कर सकता है और करेगा लेकिन जो जियादा बड़े खतरे सामने हैं उन्हें अगर हमने जल्दी ही हल न किया या उनके मामते में हम जरा भी चूक गए तो डर है कि हम अपने देश और आजादी दोनों से हाथ धो बैठेंगे.

हमारी नई आजादी की जड़े अभी तक जमने नहीं पाई.

खासकर अमरीका और इंगलिस्तान की राजकाजी
और माली लालसाओं और कोशिशों से हमें हर वकत डर
लगा हुआ है. हम जावते हैं कि देश का बंटवारा इन्हीं
कोशिशों का नतीजा था. दुनिया की सामराज प्रेमी ताकतें
हमेशा से अपने माउहत मुलकों या कमजोर मुलकों के
आपसी मगड़ों खासकर उनकी मजहबी गिरोह बन्दियों
को भड़काती, बदाती और उनसे कायदा उठाती रही हैं.
आज भी, हिन्दुस्तान में हो या पाकिस्तान में, हिन्दू किरका
परस्ती हो या मुसलिम किरका परस्ती, दोनों को अमरीका
के पैसे और अमरीका और इंगलैन्ड के वादों से काकी
बदावा मिल रहा है. हम यहाँ इन चीजों की तकसील में
जाना ठीक नहीं सममते. हिन्दू महासभा और रास्ट्रीय स्वयं
सेवक संघ को अमरीका की तरक से बदावे दिये जाने की
बातें असवारों में आचुकी हैं और वह वे बुनियाद नहीं हैं.

इनके साथ दो और ताक़तें हैं जो, जाने या अनजाने,
मुल्क की नई आजादी के खिलाफ इस गहरी और खतरनाक
साधिश में हिस्सा के रही हैं. एक देश के ने पूंजीपित जो
महात्मा गांधी के निलदान के नहुत पहले से अमरीकी
पूंजीपितियों के साथ मिलकर और हिस्सा नटा कर देश की
करोड़ों चुसी हुई जनता को और अधिक चूसने की कोशिशों

دونوں سے همارا پرہیچے ایک پھڑھی سے اوپر کا ہے۔ دونوں سے همھیں پریم ہے۔ دونوں سے همھیں پریم ہے۔ کچھ باتوں میں همارے وچار تلقین جی سے ملتے هیں جواهر لال جی سے نبیدں، دوسوی کچھ باتوں میں همارے وچار تلقین جی کے مقابلے میں جواهر لال جی سے همارے وچار تلقین جی باتوں میں همارا دونوں سے مت بہدد ہے اور ظاهر ہے بہت سی باتوں میں نم اور دونوں کے وجاروں میں کوئی خاص فرق ہے اور نم ان کے اور

میرال کے لئے کنترول' بنسپتی کہی اور گاؤں کے دھندوں کے بارے مہں ھمارے وچار جواھر لال جی کی نسبت تنقش جی سے زیادہ ملتے ھیں ، اسطرح کے سوالوں کا بھی اپنا مہتو ھے ، لیکن اس سے کی نازک حالت میں دیھی کو کہیں زیادہ بوے خطروں کا سامنا کرنا پو رھا کتھ ، کنترول یا بنسهتی کھی جیسے سوالوں کو دیش کتھ دنوں کے بعد بھی حل کر سکتا ھے اور کرے کا لیکن جو زیادہ بوے خطرے سامنے ھیں اُنھیں اُور ھم نے جلدی ھی حل نہ کہا یا اُن کے معاملے میں ھم ڈرا بھی چوک کے ھی حل نہ کہا یا اُن کے معاملے میں ھم ڈرا بھی چوک کے قو در ہے کہ ھم ابنے دیش اور آزادی دونوں سے ھاتھ دھو دیا

هماری نئی ازادی کی جویں ابھی تک جملے نہیں اہلی اور عامی ازادی کی جویں ابھی تک جملے نہیں اور عامیکہ اور انگلستان کی راج کاجی اور مالی الساؤں اور کوشٹوں سے هدیں هر وقت قر لگا هوا علی الساؤں اور کوشٹوں سے هدیں هر وقت قر لگا هوا نتھجہ تها ، دنیا کی سامراج پر یمی طاقتیں همیشہ سے ایم مالتحت ملکوں یا کمؤور ملکوں کے آپسی جھگڑوں خاص کو ان کی مذهبی گروہ بلدیوں کو بھوگاتی بھوھاتی اور ان سے قائدہ اجہاتی رهی هیں ۔ آج بھی هندستان میں مفدو قرقہ پرستی هو یا مسلم فرقہ پرستی دونوں کو امریکہ کے بیسے اور امویکہ اور انگلیلڈ کے وعدوں سے کافی بڑھاوا مل رها ہے ۔ هم یہاں ان جھڑوں کی تفصیل میں جانا تھمک نہیں سمجھتے ۔ ان جھڑوں کی تفصیل میں جانا تھمک نہیں سمجھتے ۔ گی طرف سے بڑھاوے دیاء خانے کی بانیں اخباروں میں گی طرف سے بڑھاوے دیاء خانے کی بانیں اخباروں میں گی طرف سے بڑھاوے دیاء خانے کی بانیں اخباروں میں آمکیکی میں اور وہ بے بغواد نہیں هیں .

اُن کے ساتھ دو اور طاقتیں ھیں جو' جانے یا انجائے' ملک کی ملی آزادی کے خلاف اس کہری اور خطرناک سازھی میں حصہ لے رھی میں . ایک دیھی کے وہ پونجی پتی جو مہانیا گاندھی کے بلیدان کے بہت بہلے سے امریکی پرنجی پتیوں کے ساتھ مل کر اور حصہ بتاکر دیھی کی کروروں چوسلے کیکوششوں

उस दिस की जगह या तो मूरसता से खुद बैठने की सोची या किसी को विठाने की सोची. ठीक बसी तरह आज भी मेरा दिल जवाहर लाज, जो मेरी नज़र में, यानी लाखों करोड़ों की नज़र में, उस कसौटी पर काफी खरा बतरता मालूम होता है जिस कसौटी पर गांधी जी परखे गए थे, किसी एक या दस बीस की नज़र में खोटा जंच सकता है, कसौटी पर खोटा परखा तो नहीं जा सकता, और वह या वे मूरख उस जगह बैठने या उस खगह किसी को बिठाने की सोचें तो क्या यह वैसा ही काम न होगा जैसा गांधी जी के साथ हुआ!

"इसमें शक नहीं कि संगठन व्यक्ति से बडा होता है. पर असल में संगठन देखने के लिये ही बड़ा होता है भौर बेजान तो होता ही है, और बेजान कितनी भी बड़ी चीज किसी छोटे से छोटे जानदार से बड़ी नहीं मानी जा सकती. मकान कितना ही बड़ा क्यों न हो इसके एक कोने में आ जाने वाले आदमी से हरगिज वडा नहीं है. कांगरेस कितनी ही बड़ी क्यों न हो वह सरकार की और हर संगठन की तरह बेजान मशीन हैं. इसीलिये कांगरेस बड़ी नहीं. जवाहर लाल कांनरेस से बहुत बड़े हैं और अगर तुम समक कर देखो तो जानदार होने के नाते तुम भी कांगरेस से बड़े हो. तुम कांगरेस से बड़े हो यह बात वड़ी आसानी से समम में आ सकती है अगर तुम अपने जापको जवाहर लाल की पोजीशन में ले जा सको और जवाहर लाल को अपनी पोजीशन में ला सको. क्या तुमने अनेकों बार पार्लिमेन्ट के मंच से नहीं सुना कि सरकार मशीन होती है और वह द्या करना नहीं जानती. इसी क्रिये सरकार को सरकार के ज़ुल्मों की सजा नहीं दी जाती. मेरे खयात में मुक्त (कांगरेस) से मेरी असलियत समक कर तुम्हारी तसङ्गी हो गई होगी. और तुम्हें यह मालूम हो जायगा कि मैं बड़ी होती हुई भी उन मानों में बड़ा नहीं हूं जिन मानों में तुमने अपना कोई मतलब सीधा करने के लिये मुक्ते बड़ा कर डाला है."

25. 8. '51.

—भगवानदीन

जवाहरलाल और टन्डन जी--

इस समय देश के सामने सब से बड़ा सवाल जवाहर लाल जी बीर टन्डन जी का आपसी फरक है. घर घर बीर गाँव गाँव में इसका चरवा है. लाखों लोगों को ऐना लगता है कि इस सवाल के निपटारे पर ही एक बड़े दरजे तक मुल्क की आगे की किस्मत का फैसला है.

यह नहीं कहा जा सकता कि इस सवाल का सम्बन्ध राखिसियतों से नहीं केवल विश्वारों या आदशों से हैं. राखिसियतें विचारों और आदशों से विलकुत अलग करके नहीं देखी जा सकतीं. इस सवाल का सम्बन्ध दोनों की کسی کو باتھانے کی سوچی، تھیک اسی طرح آپ بھی مھرا فال جواھر قال' جو میری نظر میں' یعلی الاکھوں کروڑوں کی نظر میں' اسی کسوٹی یا نظر میں' اس کسوٹی پر کانی کھرا اُترتا معلوم ھوتا ہے جس کسوٹی پر کانی دی گئے تھے' کسی ایک یا کس بھس کی نظر میں کھوٹا جلج سکتا ہے' کسوٹی پر کھوٹا پرکھا تو نہیں جاسکتا' اور وہ یا رہ مورکہ اس جگا ہے کھوٹا پرکھا تو نہیں جاسکتا' اور وہ یا رہ مورکہ اس جگا ہے کھوٹا پرکھا نہ ھوٹا جیسا گاندھی جی کے ساتھ ھوا!

 انس میں شک نہیں که سلکتین ویکٹی سے ہوا۔ هوتا هے . پر اصل میں سلکتھن دیکھنے کے لئے هیوا هوتا ھے اور بے جان تو ہوتا ھی ھے . اور بے جان کتنی بھی بڑی جهز کسی چہوٹے سے چہوٹے جاندار سے بوی نہیں مانی جاسکتی مکان کتفا هی بوا کهوں نه هو اُس کے ایک كون ميس آجالي والے آدمي سے هركز برا نهيں هے . كانكريس کتفی هی بوی کیس نه هو وه سرکار کی آور هر سفکتهن كى طرح يه جان مشين هي . اسىلئ كالكريس برى نهين . جواهر لال کاسکریس سے بہت بوے هیں اور اگر تم سمجھ کر دیکھو تو جاندار هونے کے ناتے تم بھی لانگریس سے بڑے هو، تم کا گریس سے ہونے هو يم بات بول آسانی سے سمجه موں آسکتی ہے اگر تم آیے آپ کو جواہر لال کی پوزیشن میں لے جا سکو اور جواهر لال کو ایدی پوزیشن مهن لا سکو . کها تم نے انھکوں بار پارلیمنت کے مدیج سے نہیں سنا که سرکار مشهن هوتي هے اور وہ دیا درنا نههن جانتي. اسي لئے سركار کو سرکار کے ظلمیں کی سؤا نہیں دی جانی ، میرے شیال میں مجه (کانگریس ' سے مہری اصلیت سنجیکر تمہاری تسلَّى هوكئي هوكي أور تمهين يم معاوم هوجائے كا كه مين بڑی ھوتی ھوئی بھی اُن کاموں میں بڑی نہیں ھوں جن معنوں میں تم نے اپنا کوئی مطلب سیدھا کرنے کے لیے مجه ہوا کر دلا ہے ."

25-8-751 -- بهکران دین

جواهر لال اور تندن جي--

The same and the s

اِس سے دیش کے سامنے سب سے ہوا سرال جواهر اور گاؤں جی اور تلقن جی کا آپسی فرق ہے ، گھر گھر اور گاؤں کو ایسا لکتا کاوں میں اس کا چرچا ہے ، الاَعوال لرگوں کو ایسا لکتا ہے کہ اس سوال کے نیٹارے پر ھی ایک بڑے درجے تک ملک کی آئے کی قسست کا فیصلہ ہے .

یے نہیں کہا جا سکتا کہ اس سوال کا سمبندہ شخصیتوں سے نہیں کیول وچاروں یا آدرشوں سے ہے۔ مستعمل الگ کرکے نہیں مستعمل الگ کرکے نہیں دونوں کی تعلق کیا سمبندہ دونوں کی تعلق کیا سمبندہ دونوں کی

पाई पक हो. जानर वह इस पांच का एक मुने कोड़ कर पत दें या मुक्त में रहते हुए भी निकम्मा बनकर बैठ जायं तो मेरा सारा बड़ा पन छोटे पन में बहत जाता है. मेरा यह हाथी जैसा डील धम से ऐसे ही जमीन पर गिर पड़ता है जैसे हाथी अपने दिल पर एक गोली खाने से मिर पड़ता है जैसे हाथी अपने दिल पर एक गोली खाने से मिर पड़ता है और मेरी दहाड़ ऐसे ही हवा में बिला जाती है जैसे उस शेरनी की दहाड़ जिसने अपनी छाती में रक्खे हुए छोटे से दिल पर गोली खाई हो. शेरनी के बड़े और सरावने डील को गिराने के लियं तीर में बंधी हुई मामूनी सुई की नोक काफी है.

"त्यारे मिश्र, क्या तुम्हें यह याद नहीं कि तुमने अपनी समर में कई बार कोशों को अपने बढ़े डील डील वाले मां बाप को सिर्फ इस लिये चिता पर जलाते देखा है कि बनके अन्दर रहनेवाला छोटा सा दिल बेकार हो गया होता है. और क्या तुम्हें यह नहीं मालूम कि दिल बड़ी भारी देह का एक छोटा सा हिस्ता होता है, इसे जाने दो. अपनी जेब में पड़ी हुई घड़ी को देखो. उसके अन्दर बाल-कमानी क्या कुछ भी हैं ? कहां घड़ी ऋौर कहां बेचारी बालकमानी ! घौर फिर उस बालकमानी की उन नोकों को देखो जिनके बल पर वह इधर उधर घमती है. श्रीर उन दोनों नोकों में से सिर्फ एक नोक को लो और श्रव घड़ी के बड़े पन और उस नोक के छोटे पन का मुकाबला करो. बह नोक कछ भी है ? पर है और बड़ी खहरी है. वह नोक, बाहे अपनी मरजी से, बाहे दसरे की ग़लती से अध्यार अध्यनी जगह न रह पाय तो फिर क्या तुम उस घड़ी को अपनी जेव में रहने दोगे ? हां, तुम यह कह सकते हो कि तुम दूसरी वालकमानी ले आत्रोगे. पर इससे क्या, इस बालकमानी के आने तक तो वह घड़ी बेकार ही रहेगी, और इस बालकमानी के काने पर तो इसटा यही साबित होगा कि बालकमानी घड़ी के लिय बहत जहरी हैं. और इसलिये एक निगाह से बालकमानी घडी से बड़ी है.

''त्यारे, मुक्त कांगरेस के लिये, फिर मैं चाहे कितनी बड़ी क्यों न हूं एक ऐसे सच्चे पक्के दिल की हमेशा खहरत है और रहेगी जो दिल मेरी माँ भारत के सब बेटी बेटों को एक नजर से देखता हो और उन पर अपनी जान स्योद्धावर करने के लिये हमेशा तैयार रहता हो. तुम जिस तरह से अच्छी चड़ी में खोटी बालकमानी लगा सकते हो सेसे ही मुक्त में अच्छे दिल की जगह खोटा दिल बिटा सकते हो. पर उससे मैं घड़ी की तरह कितने दिन चलूँगी?

"त्यारे मिश्र ! क्या तुमने अपनी आंख से यह नहीं देखा कि जो गांधी लाखों करोड़ों की नजर में मेरा ठीक देखा दिल बना हुआ था जैसा मुक्ते ज़रूरत थी, उसे भी एक मूरक बालक ने क्या का क्या समझ किया. और المان المجه عول والله والله المامع المان المامع المان المجه عول المان والله المجه عول والمدول المان المحال المحال المان والله المان المحال المان الما

''پھارے مھر' کھا تمہیں یہ یاد نہیں کہ تم نے آپنی عمر میں کئی بار لوارں کو اینے بجے قبل قول رالے مال باپ کو صرف اس لئے چاتا پر جلاتے دیکھا ہے که أن كي. اندر رهني والا جيونا سا دل يهكار هو كها هوتا هي . أرر کها تمیهی یه نیوی معاوم که دل یوی بهاری دیم کا ایک چہوتا سا حصہ ہوتا ہے اسے جانے دو . اینی جهب مہر یکی ہرئی گری کو دیکھوں اُس کے اندر بال کمانی کھا کجہ بھی ہے ؟ کہاں کیزی اور کہاں بھچاری بال کمانی ! اور پھر اُس بال کمانی کی اُن دو نوکوں کو دیکھو جن کے بل پر وہ ادھر اُدھر کھوہ تی ھیں ۔ اور اُن دونوں نو وں میں سے صرف ایک نوک کوانو اور آپ گھڑی کے ہوے ہن اور اُس نوک کے چہوتے ہیں کا مقابلہ کوو . وہ نوک کنچہ بھی ہے ؟ پر ہے اور بڑی ضروری ہے ، وہ نوک چاہے اینی مرضی ہے کام درسرے کی فاعلی سے اگر ایلی جمعه نه ره يائي تو پهر کيا تم أس گهري کو ايالي جهب مهن رهلے دو گے ؟ هان' تم يه كه سكتے هو كه تم دوسرى ہال کمانی لے آؤ کے . پر اِس سے کھا' اُس بال کمانی کے آلے تک تو رہ کھوی بیکار می رهیکی ۔ اور اُس بال کمانی کے آنے پر تو القا یہی ثابت ھوگا که بال کمانی گھڑی کے لليُّه بهت فروري هي . آور اِس للَّه ايك نكاة سي بال كماني گهڙون سے اڙي ھے ۔

" پھارے' مجھ کانگریس کے لئے' پھر مھی چاھے کتلی عربی کھوں نہ ھوں' ایک ایسے سجے پکے دل کی ھمھشہ ضرورت ہے اور رہے کی جو دل مھری ماں بھارت کے سب بھٹی پھٹی پھٹی کو ایک نظر سے دیکھتا ھو اور اُن پڑ اپنی جان نہر چھاور درنے کے لئے ھمھشہ تیار رھتا ھو ۔ تم جس طرح سے اُچاں گھڑی مھی کھوٹی بال کمانی لکا سکتے ھو ویسے ہی محجھ میں اچھ دلکی جگه کھوٹا دل بتھا سکتے ھو ۔ پھر اس سے میں گھڑی کی طرح کتنے دن چھونگی ؟

'' پہارے مشر! کھا تم نے اپلی آنکھ سے یہ نہیں دیکھا کے چو گاندھی لاکھوں کروڑوں کی نظر میں میرا تھیک اُسا دل بنا ہوا تھا جیسا منجیے ضرورت تھی' اُسے بھی لُک مورکھ بالک نے کیا کا کھا سنجھ لیا۔ اور

ستسر 51'

فاعد

इन्होंने मेरी क्या गत बना रक्खी थी उसका हाल तो मेरे वहाँ के बेटों से पूछिये. उन की लोकशाही में तो सुमे आप दिन खन के आँसू बहाने पड़ते थे, आप दिन सर के बाल नोखने पड़ते थे और न जाने क्या क्या भोगना पखता था. मिश्र जी का कभी सुम्म से पाला नहीं पड़ा, वह मेरी शकल स्रत से बिलकुल वाक्रिक नहीं हैं तो मेरे बेटे पर उन्होंने सुम्म मां को कभी नहीं पहचाना. ठाकुर शाही के साथ ही वह खेले कूरे हैं, उसी के साथ बड़े हुए हैं, उसी से उन्होंने ज्याह रचाया है, उसी के साथ मिलकर उन्होंने अपनी घाक जमाई है और उसी ठाकुर शाही को वह लोक-शाही नाम से पुकारते हैं क्योंकि जिस लहजे में वह बोलते हैं न वह लोकशाही का लहजा है और जो काम वह लोक-शाही के नाम पर करना चाहते हैं न वह लोकशाही का काम है.

"अच्छा होता अगर वह लोकशाह न वनकर ताना-शाह वन कर खड़े होते पर मुशकिल तो यही है कि ताना-शाह खड़े नहीं हुआ करते, तानाशाह तो मैं और सिर्फ मैं ही कड़े किया करती हूँ.

— भगवानदीन

कांगरेस बनाम मिश्र जी-

कांगरेस अगर बोल सकती होती तो वह अपने मिश्र जी को बढ़े प्यार से यों सममाती—

"प्यारे मिश्र, यह तो तुम बिलकुल ठीक कहते हो कि मैं नेहरू से बहुत बड़ी हूँ और हां, मैं तुम से तो बहुत ही बड़ी हैं और इसी वजह से मेरा अनुभव नेहरू से बहुत बढ़ा और तुम से तो बहुत ही बड़ा है. मुफे अपनी श्विम्दर्गी का हाल नेहरू और तुम से कहीं जियादा और कहीं अच्छा मालूम है. और मुके यह भी मालूम है कि -भैं कब छोटी थी, कब बड़ी हुई और कब बड़ी होती हूं भौर कब छोटी हो जाती हूं. मैं तुन्हारे सूबे नागपुर में ंसन् '20 में इतनी बड़ी थी जिसका कुछ ठिकाना नहीं. मगर भुम बड़ी का अंगरेजों ने बहुत कम डर माना, पर अव गांधी बाबा ने मुमको दिसयों हजार से घटा कर है हजार की छोटी बना दिया तब मैं दिस बों हजार से कई लास गुना बड़ी हो गई और तब अंगरेज मुकसे डरने सरो. असल में मैं बड़ी छोटी गिनती से नहीं होती. अच्छे संगठन से भी नहीं होती, बहुत जोश से भी नहीं होती. मैं तो बड़ी होती हूं सच्चे, पक्के और मेरी मां भारत और इसके सब बच्चों को एक नजर से और प्यार से बैसने बाले दिलों से. फिर चाहे वह दस पाँच ही हों और البور في ميوري الها كت بنا ركبى تهى أس كا تعال تو ميره مهره وهال كے بهتوں سے پوچهئے ، أن كى لوك شاهى مهن تو منجه آئے دن غرن كے آنسو بهائے پرتے تھا أور نه جائے كها كها بهوگنا پرتا تها ، مشر جى كا كبهى منجه سے بالا نہيں پرا . واقف نهيں . هيں تو ميره بهتے پر أنهوں نے منجه مال كو كبهى نهيں بهنچانا ، تهاكو شاهى كے ساته هى وہ كهيئے كودے هيں أسى كے ساته برے هيں اسى كے ساته برے هيں أسى كے ساته ساته مل كو أنهوں نے ابهوں نے بهالا رچايا هے أسى كے ساته مال كو أنهوں نے إبنى دهاك جمائى هے ، أور أسى ليته مل كو أنهوں نے إبنى دهاك جمائى هے ، أور أسى تهائو شاهى كو وہ لوك شاهى نام سے يكارتے هيں كهونكه جس لهنچے ميں وہ بولتے هيں نه وہ لوك شاهى كا لهنچه هيں وہ لوك شاهى كے نام پر كرنا چاهتے هيں نه وہ لوك شاهى كا كام هے . أور جو كام وہ لوك شاهى كے نام پر كرنا چاهتے هيں نه وہ لوك شاهى كا كام هے .

" اچھا ہوتا اگر وہ لوک شاہ نہ بن کر تانا شاہ بن کو کھوے موتے پر مشکل تو یہی ہے کہ تاتا شاہ کھوے نہیں ہوا کرتے تانا شاہ تو میں اور سرف میں ہی کھڑے کیا کرتی ہوں "'

- بهگواندین

كانگريس بنام مشر جي__

کانگریس اگر ہول سکٹی ہوتی تو رہ آئے مشر جی کو ہوئے پیار سے یوں سمجھاتی----

''یھارے مشر' یہ تو تم بالکل ٹھیک کہتے ہو که مھی خہرو سے بہت ہوی ہوں اور ماں میں تم سے تو بہت می ہوں اور اس وجہ سے میرا انوبہو نہرو سے بہت ہوا اور تم سے تو بہت هی برا هے . مجم ايني زندگي كا حال نهرو ارز تم سے کہیں زیادہ اور کہوں اچھا معلوم ھے . اور منجھ یہ بھی معلوم ھے که میں کب چھوٹی تھی کب يوي هواي آور کپ يوي هوتي هون اور کپ چهواتي هو جاتی هرن ، مهر تمهارے صوبے ناگیرر میں سن 20 میں أللى بوق تهي جسكا كچه تهكانه نهيس . مگر مجه بوق كا الكريورس لے بهت كم در مانا . پر جب كاندهى بايا لے مجهکو دسهوں هزارو سے گھٹاکر جه هزار کی جهودی بنا دیا تب مهی دسهوں هوار سے کئی لاکھ گنا ہوی هوگئی اور تب انگزیز مجه سے درلے لگے . أمل میں میں بوی جهورتی لنعی سے نہوں ہوتی' اچھے سلکیتن سے بھی نہیں ھوتی' بہت جوش سے بھی نہیں ھوتی میں تو ہری مرتی موں سچے؛ پکے اور مهری ماں بھارے اور أسكم سب بحور كو ايك نظر سے اور بهار سے ديكھا وال دلوں سے پہر چاہے وہ دس پانچ ھی ھوں اور

o Solinia d

जबाहर कांक की तानाशाही में मेरे सगे बेटें हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, बारसी जो बरतानिया की भूटी लोकशाही के बहकाने में बाकर दिल फाड़ बैठे से खुशी खुशी गले मिल पाते हैं. साथ साथ का पी लेते हैं बार दिन पर दिन यह पेतबार बढ़ाते जाते हैं कि वह सचमुच एक लोकशाही के कोख जाए लाल हैं.

"जवाहर जाल की तानाशाही में मैं बापू की तानाशाही की तरह खेल कृद सकती अगर एंग्लो-अमरीकी धूर्तता से भरी लोकशाही ने मेरे बच्चे को बहकाया न होता. मैं मच्छी तरह जानती हैं कि मेरे बेटे बहक कर मुक्ते बद्नाम करते हैं, मुक्ते मार डाजते हैं और मेरे मारने का इलपाम तानाशाही के सिर मंढ कर उसे शहनशाह बनने का मौका दे देते हैं, तानाशाह, लोकशाही का पैदा किया हुआ होता है. लोकशाही चौर तानाशाह में वही रिश्ता होता है जो पानी और मझली में. पानी के सुखने पर यानी पानी में फूट पड़ने पर (क्योंकि सूखने में यही तो होता है कि कुछ पानी पानी रह जाता है, कुछ पानी कीच का रूप ले लेता है, कुछ पानी भाप बन जाता है और कुछ किघर ही भाग जाता है) जैसे मछली तड़पने लगती है वैसे ही लोकशाही में फूट पड़ते पर तानाशाह तड़पने लगता है और लोक-शाही का दम निकलने से पहले ही तानाशाही का दम निकल जाता है. तान।शाह लोकशाही की नफरत की चीज बनकर एक पता भी जिन्दा नहीं रह सकता. वह तो उसके प्रेम की मूर्ति बनकर ही जिन्दा रह सकता है. जवाहर लाल तानाशाह नहीं है. लोकशाही ने उसे तानाशाह के आसन पर बिठा रक्खा है. कोई शहनशाह तानाशाह नहीं हो सकता क्योंकि वह दिल से तानाशाह होता है श्रीर लोक-शाही को यह बरदाश्त नही.

"मैं लोकशाही हूँ पर मैं सरस्त्रती की तरह अपना पति 'सरस्वता' नहीं रखती. मैं कुनारी ही पैदा हुई हूँ, कुनारी ही रहती हूँ और कुनारी ही मरती हूँ. जो आदमी लोक-शाही होने का दाना करता है वह मेरा पति बनना चाहता है. लोकशाही और लोक पति एक मानी रखते हैं. मुके (लोकशाही को) कोई लोकशाह घोका नहीं दे सकता. में वानाशाह को सिर्क इस बजह से चाहती हूँ कि वह मेरा वेटा होता है पति नहीं. मैं अपने ढंग की अकेली नारी हूँ. मैं विवाह नहीं करती, मेरा कोई पति नहीं, पर मैं अनिगतत पुत्रों बाली हूँ. लोग सममदार हो कर ही मुके अपना सकते हैं. मुकको न विवाह करने की जकरत पहती है और म बेटे अनने की.

"मिश्र जी मेरी दुहाई देकर 'लोकशाह' बनना चाहते हैं, तभी तो वह मुक्ते पार्लमेन्टरी कमेटी से भी बाहर विकास देना चाहते हैं. और जहाँ वह घर मंत्री ये वहां چواہر قال کی تانا شاہی میں مہرنے سکے بھتے ہادو' مسلمان' سکھ' عیسائی' جین' بودھ' پارسی جو برطانیہ کی چہوٹی لوک شاہی کے بہخارے میں آکر دل پھاڑ بھٹنے ٹیے خوشی خوشی کلے مل راتے میں' ساتھ ساتھ کھا پی لیٹے میں اور دن پر دن یہ امتباز بوہاتے جاتے میں که راہ سے میے ایک لوک شاہی کے کوکھ جائے قال میں .

" جواهر قل کي نانا شاهي مين مين بايو کي تانا هاهی کی طرح کهیل کود سکتی اگر آید کلو امریکی دهورتا سے بھری لوگ شاھی نے میورے بنچوں کو بہکھیا نہ ھوتا ، میں الهدي طرح جاندي هون كه مهرے بياتے بهك كر محب بدنام کرتے هيں منص مار ذلتے هيں اور مهرے مارنے ك الوام تانا شاہ کے سر مندہ کر أسے شہنشاہ بللے کا موقع دے دیتے میں . تانا شاہ لوک شامی کا پیدا کیا ہوا ہوتا ہے . لوک شاهی اور تانا شاہ میں وهی رشته هوتا ہے جو پانی اور مجهلی میں ، پانی کے سوکھٹے پر یمٹی پانی میں پہوٹ یونے پر (کیونکه سوکھئے میں یہی تو ہوتا ہے که کچه پانی پانی وا وا جانا هے کچه پانی کیچ کا ووب لے لیعًا مے کچه بانی بهاپ س جاتا هے اور کچه کدهو هی بهاک جاتا هے) جوسے معتبلی تربع لکتی ہے واسم هی لوک شاهی میں پہوٹ پولے پر ثانا شاۃ توبھ لکتا ہے اور لوك شاهى كا دم نعلله يهلد هى تارا شاه كا دم نعل جاتا ه . تانا شاہ لوگ شاهي کي نفوت کي چيز بن کر ايک پل مھی زندہ نہیں رہ سکتا ، وہ تو اُس کے پریم کی مورتی بن كر من زنده ره سكتا هي ، جواهر لال تانا شاه تهين هي . اوک شاهی نے اُسے تانا شاہ کے آسن پر باتھا رکھا ہے ، کوئی شهلهاه تانا شاه نههن هوسكتا كهونكه وه دال سے تانا شاه هوتا هے اور لوک شاهی کو یه برداشت تبهی .

ا مھر جی مہری دھائی دے کر ' لوک شاہ ' بلنا معموری دھائی دے کر ' لوک شاہ ' بلنا معموری کی اور معموری کی اور جہاں وہ گھر مقتری تے وہاں اور جہاں وہ گھر مقتری تے وہاں

में दाखिल होती हूँ तो मेरा की यूकने पर क्तार होने पर मीं थूकने की बात सोचना बन्द कर देता है क्योंकि वहां किसी सरकार का 'थूको मत' का साइनबोर्ड लगा हुआ में नहीं पाती. वहां मुक्ते विलक्कल यह नहीं मालूम होता कि मैं किसी दूसरे की हकूमत के नीचे हूँ. वहां मुक्ते विलक्कल अपना राज मालूम होता है. इसलिये वहां मैं थूकने को सिर्फ वेश्वदवी ही नहीं सममती गुनाह भी सममती हूँ.

"गांधी जी कहूँ या बापू! नहीं, बापू ही ठीक रहेगा. बापू की तानाशाही में, या बापू को तानाशाही में से, मैं इस हिन्दुस्तान में जहां मैं एक दिन मर चुकी थी, फिर पैदा हुई. बापू की वानाशाही में में फलो फूली, मूली, खेली और घरों में बन्द माँ, बहनों और बेटियां को अपने साथ खुले मैदान में खेलन के लिये ले आई. बापू की तानाशाही में मैंने खाद आर कीच को चन्दन चूरे, स्तो और कीम से जा मिलाया. खाद से मीठे मीठे फल पैदा होते रहे हैं और कीच से कमल खिलते रहे हैं, यह तो सभी जानते थे. पर बापू की तानाशाही में मेरी मारकत लोग यह भी जान गए कि खाद और कीच इतने प्यारे भी हैं कि उन्हें चन्दन चुरे, स्तो भीर क्रीम की तरह अपनाया जाय. जिनकी परखाई से जोग गनदे हो जाते थे उनके स्परां से बापू की तानाशाही में लोग पवित्र होने लगे. बापू की तानाशाही में माँ आमना करन को गोद खिलाने लगीं और जसोदा मैया मुहम्मद को दूध पिलाने लगीं. बापू की तानाशाही में मैं इसती ही नहीं थी, मेरा दिल उमड़ कर मेरी दोनों आँखों से प्रेम की गंगा घोर जमना वह निकलतो.थीं, जब मैं सबके मुँह से 'सन्त श्री अकाल' और 'अलाहो-अकबर' के नार एक साथ निकलते सनतीं थी. बाप कुछ हिन्दुस्तानियों और दुनिया के और कोगों की न बर में भी भन्ने हा तानाशाह रहे हां, मेरी नजर में तो वह ऐसे ही थे जैसे गंगुत्रा तेली, कलुत्रा घोबी. घसीटा चमार, खूबी मेद्दतर खोर खंगना कन्जर.

"हाँ! जवाहर लाल की तानाशाही में, मैं खुद खेल नहीं पाती. मैं क्रहक़हा भी नहीं लगा सकती. पर हंस लेती हूँ, सुरकरा लेती हूँ, खुश रह लेती हूँ और हर तरह अमरीका, बरतानिया और फ़ाँस से कहीं जियादा अच्छी रह लेती हूँ. जवाहर लाल की तानाशाही में साइन्सदां ऐसे बन्द नहीं रक्खे जाते जैसे काफ़ूर. जवाहर लाल की तानाशाही में सममदार किसी बात पर राय जाहिर करने से इतने नहीं रोके जाते जितने मेरे नाम से मशहूर हस में. जवाहर लाल की तानाशाही में बाह्मन लड़की को अन्त्यज लाक से विवाह करके भी हिन्दुस्तान के प्रधान बजीर का आशीर्वाद मिलता है. और अन्त्यज लड़का भी बाह्मन की आशीर्वाद मिलता है. और अन्त्यज लड़का भी बाह्मन की अश्री से शादी करके आशीर्वाद से महरूम नहीं रह पाता.

میں فاخل هوئی هوں تو میرا جی کیوکلے پر آثابور حول ہو کی کیوکلے پر آثابور حول ہو کی کیوکلے کی اسائی میرکد کی دورہ میں کیوکلے کی دورہ کا 'تهوکومت' کا سائی بیورڈ لٹا ہوا میں نہیں پاتی و ماں مجھے بالکل یہ نہیں معلوم ہوتا کہ میں کسی دوسرے کی حکومت کے نیچے ہوں ، وہاں مجھے بالکل اپنا راج معلوم ہوتا ہے ، اِس

گناه بهی سمجهتی هرن . ورن اینو از نهین بایو هی تهیک و تاندهی چی کهون یا بایو از نهین بایو هی تهیک رهے گا . باہو کی تانا شاهی میں کیا باہو کی تانا شاهی میں ہے' میں اس هندستان میں جہاں میں ایک دن مرجكي تهي ، يهر بيدا هوئي ، بايو كي ناتا شاهي مين مهن پهلی پهولی جهولی کهیلی اور کهرون میں بند مان بهدوں اور بھتیوں کو آیے ساتھ کھلے مھدان میں کھیللے کے لکے آئی ، باہو اس شاھی میں میں نے کهاد اور کهی کو چندن چورے استو اور کریم سے جا ملایا . کھاد سے میتھے میتھے پہل پیدا ھرتے رہے میں اور کھی سے کیل کھلٹے رہے میں کی تو سبھی جانٹے تھے ، پر باپو کی تانا شاهی میں میری معرفت اوک یه یوی جان گئے که کهاد اور کیچ اتد پیارے بھی هیں که اُنهیں چندن چورے' اسدو اور کریم کی طوح ایدایا جائے . جن کی پرچھاٹھی سے لوگ گلدے ہو جاتے تھے اُن کے اسپرش سے باپو کی تانا شاهی میں لوگ ہوتر ہونے لگے . باپو کی تانا شاهی میں ماں آمنہ کرشن کو گود کھلانے لگی اور جسودامیا مصد کو قودہ یلانے لکھی ۔ یاپوکی تانا شاهی میں میں هنستي هي نهين تبي، مهرا دل أمو كر ميري دونون آنکھوں سے پرایم کی گلکا اور جملا بھ نکلتی تھیں جب میں سب کے مذہ سے 'ست شری اکال' اور ' الله انجر' کے نعرب ایک ساتھ نکلتے سنتی تھی ، باہو کچھ هندستانهور اور دنیا کے اور لوگوں کی نظر میں بہلے ھی تانا شاہ رہے هوں' مهري نظر مين تو وه ايسے هي تھ جيسے كلكوا تهلی، کاوا دهویی، گهسیتا چمار، کهربیمهتر اور انکفا خجر. ود هان إ جواهر لال كي تانا شاهي مين ميس خود کهیل نهیں پاتی . میں قبقیہ بھی نہیں لگا سکتی . هر هنس لیتی هرس؛ مسکرا لیتی هرس؛ خوش ود لیتی هرن اور هر طوح اسريكه، برطانيه اور قرانس سے كهيں ربياده أجهى وه لهتى هول . جواهر لال كى تانا شاهي مهن سائلس دان أيس بند نهين رام جاتے جيس كافور ، جواهر قل کی تانا شاهی میں سجیدار کسی یات پر رائے طاهر کرتے ہے اتلے نہیں روع جاتے جانے میرے نام سے مهيور روس ميں ، جواهر لال كي تانا شاهي ميں يراهس لیکی کو انتها لرکے سے وواد کرکے یہی هندستان کے ير معان وزير كا إشهرواد ملتا هـ . اور انتهم لوكا يهي المعند لوكر مدواهر كوكر أعوزواد محدوم لهول ولا يالل

जाय जब बह अदा करने के काबिक हो जगर इस वक्ष हरजाना बस्क किया गया तो वह इतना कमजोर हो जायगा कि अपना मामूकी बचाव भी न कर सकेगा. और यह हाक्षत ऐसी खतरनाक होगी कि किसी बक्रत भी तीसरी कड़ाई को जन्म दे सकती है.

हिन्दुस्तान की राय में असली बुराई है जापान की बाग दूसरे के हाथ में रहना. यह नहीं होना चाहिये. इसके बाद न.तो जापान को इस वक्षत इतना बढ़ाया जाय कि वह चाहे जब दूसरे के इशारे या मामूली मदद से किसी पर इमले की बात सोचे और न इतना कमजोर रखा जाय कि कोई भी पड़ोसी मुल्क उसे कुछ दिनों में ही फिर अपने मातहत करने की बात सोचे.

इस युलहनामे पर रूस, लाल चीन, हिन्दुस्तान और पशिया के दूसरे देश अगर दसखत नहीं करते तो यह सुलहनामा न रहकर सुलहनामे का मजाक़ ही रहेगा.

--भगवानदीन

लोकशाही बनाम तानाशाही-

अगर लोकशाही के जवान होती और वह बोल सकती तो वह यह कहती—

"मैं न रूस में हूँ न चीन में. अमरीका और बरतानिया में तो जबरन भरती के क़ानून की वजह से मेरे पांव ही कैसे जम सकते हैं. मैं योरप के किसी मुल्क में नहीं हूं. हां, स्विट चरलैंड की पहाड़ियों में मेरा कुछ कुछ निवाह हो जाता है. पशिया के और मुल्कों में भी मेरा मन नहीं लग पाता. जीवित गांधी के हिन्दुस्तान की बात मैं फिर कहूँगी, पर गांधी के बाद के हिन्दुस्तान में तो फिर मेरी कहीं जगह न रह गई. मैं लोकशाही हूँ, न मैं शहनशाही के ही साथ रह सकती हैं, न मैं प्रेसीडेन्ट शाही के साथ रह सकती हूँ. तानाशाही में अगर तानाशाह सचमुच अपने दिल का शाह भी हो तो वहां में हँस बोल सकती हूँ. पर ऐसे तानाशाह को तो कोई मुल्क आसानी से जन्म नहीं देता. इसलिये दानाशाही के साथ भी मेरा निवाह नहीं हो सकता. असल में मेरा निवाह किसी दूसरी शाही के साथ नहीं हो सकता. सरकार और लोकशाही ऐसे ही वे मेल हैं जैसे अन्धेरा चौर उजाता.

"मेरा (लोकरााही का) मिजाज इस तरह का बना हुआ है कि मैं जब रेल के डब्बे में बैठती हूँ तो बड़ी शान्त होती हूँ. पर जब रेल के डब्बे में 'थूको मत' का साइनशोर्ड बन्धा पेखाती हूँ तो मेरा दिल ऍठ जाता है, और उसी के साम केरा पेट ऍडने लगता है. मेरा जी मतला उठता है. خُوَالُوجِبُ وَا اَدَا كُرِلَے كَ قَابِلَهُ وَ اَلَّا اِسْوِقْتَهُوجِانَا وَمُولَ لَكُمْ اَيْنَا مَعْمُولَى الْجَارِ وَوَجَالًا لَا لَا كَمْ أَيْنَا مَعْمُولَى الْجَارِ فَوَجَالًا لَا لَا مُعْمُولًا لَا اَوْرُ لِلَّا خَالَتَ أَيْسَى خُطُو نَاكَ هُولًى لِهِي لَا أَوْرُ لِلَّا اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهُ عَلَّا عَلَا عَلَاللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى اللّٰهُ عَلَى الللّٰهُ

ھندستان کی رائے میں اصلی برائی ہے جاپان کی باک دوسرے کے هاته میں رهنا ۔ یه نهیں هونا چاهئے ۔ اس کے بعد نه تو جاپان کو اِس وقت اتفا بوهایا جائے که وہ چاہے جب دوسرے کے اُشارے یا معمولی مدد سے کسی پر حملے کی بات سرچے اور نه اتفا کمؤور رکھا جائے کہ کوئی بھی پووسی ملک آے کنچھ دنوں میں هی پور ایے ماتھت کرنے دی بات سوچے .

اِس ملحدامے پر روس' لال چین' هلدستان اور ایشها کے دوسرےدیشاکو دسخط نہیںکرتے تو یہ ملحدامہ نه رهکہ ملحنامے کا مذاق هی رهے گا .

—بهگواندین

ہوک شاهی بنام تانا شاهی۔۔

اگر لوک شاہی کے زبان ہوتی اُور وہ ہواں سکتی تو وہ ہے کہتی۔۔۔۔

"مهن نه روس مهن هون نه چهن مهن ، أمريكه اور برطانهه مین تو جبرن بهرای کے قانون کی وجه سے مهربے ہلوں ھی کیسے جم سکتے ھیں، میں یورپ کے کسی ملک میں نہیں موں ، هاں اسویگزرلینڈ کی پہاریوں مهن مهرا كتهم كنهم بذاه هو جاتا هي . ايشها كي أور ملكون میں بھی میرا من نہیں لگ یانا . تجیوت کاندھی کے هندستان کی بات میں پہر 'پونگی' پر کاندھی کے بعد کے مندستان میں تو پهر مهری کېین جگه نه ره گئی . مهن لیک شاهی مرن نه میں شہلشاهی کے هی ساته ره سکتی هون نه مهن پریسهدنت شاهی کے ساته را سکتی هون. تانا هاهی میں اکر تانا شاہ سے میے آیے دل کا شاہ یہی به تو بهال مهن هلس بول سکتی هول . در ایسے تانا الله کو تو کوئی ملک آسانی سے جدم نہیں دیکا . اِس ولي عالما شاهي كے ساتھ يهي مهرا نباة نهين هو سكتا ، المل میں میرا نباہ کسی درسری شاهی کے ساتھ نہیں هو الشاعل سرکار اور لوک شاهی ایسے هی بے مهل ههن ويسم الدعهرا أور أجالا .

इस मुलहनामे के जरिये सन '43 के क्राहरा और सन '45 के याल्टा और पोट्सडम एलानों के ऊपर हरताल फेरी जा रही हैं जिनकी रू से जापान का उन जजीरों पर कोई हक नहीं रह जाता था जो उसने हथिया लिये थे और जिन की रू से कोरिया हर तरह से आजाद रहना चाहिये था और जिनकी रू से चीन को उसके छिने हुए हिस्से जापानियों से वापस मिल जाने चाहिये थे. उनही एलानों की रू से दक्खिनी सखालीन और क्यूराइल टापू इस के हाथ में होने चाहिये थे. उन ही एलानों की शरतों की रू से जापान आज वे हथियार वाला होना चाहिये था. पर ऐसा मालूम होता है कि जापानियों ने उन एलानों को इस तरह बरवाद किया है कि उनकी याद तक अमरीका और बरतानिया को नहीं रह गई. तभी तो यह नया जापानी मुलहनामा जापान को अपने हाथों तलवार तमंचों से लैस कर रहा है.

इस नए जापानी सुलहनामे की जास खास शरतें यह हैं:

- (1) जापान की हद्बन्दी.
- 🏒 (2) जापान को फिर से हथियारों से लैस करना.
 - (3) जापान से हरजाना वसूल करना.
 - (4) जापान में अमरीकी कौज का बना रहना, और
 - (5) कारमूसा की क्या हालत रहेगी ?

इन सब शरतों पर यू. एन. जो. में शामिल मुल्कों में सतभेद है.

हिन्दुस्तान धन रारतों को ठीक नहीं सममता जो कारमूसा के बारे में की गई हैं. वह जापान से इस वक्ष्य हरजाना बसूल करने के भी खिलाफ हैं. धीर यह तो वह हरगिज पसन्य नहीं करता कि जापान की जमीन पर दूसरे मुक्क की फीजें छाई रहें.

इम नहीं समकते जापान भी इस शर्त पर कि उसके मुल्क में दूसरे मुल्क की फीजें बनी रहें कैसे राज़ी हो सकता है.

माल्म हुचा है इस सुलहनामे की रू से जापान के रिक्यू चौर बोनिन टापू किसी दूसरे मुल्क की देख भाल में रहेंगे. इसके दो यह साफ मानी हैं कि जापानी जापान के मालिक रहते हुए भी मिल्कियत के मामले में दूसरे मुल्क से बबे रहेंगे.

पशिया के मुल्क तो यह चाहते हैं कि कारमूसा का टापू चस चीनी सरकार को वापस कर दिया जाय जो इस वक्ष्य झारे चीन पर काविज है, किर वह सरकार चाहे किसी भी खरह की क्यों न हो.

्रहरजाना वस्स करने के बारे में हिन्दुस्तान की यह क्षेत्र है कि जापान से इरजाना क्सी बक्क क्सूस किया آس صلحهامے کے فریعے سن 43 کے قاهرہ اور سن 45 کے یا تھا اور پولس قم کے املانوں کے اوپر هرتال پهیری جا رهی ھے جس کی رو سے جاپان کا اُن جزیروں پر کوئی حتی نہیں رد جانا تھا جو اُس نے همهها لئے تھے اُور جن کی رو سے کوریا هر طرح سے آزاد رها چاهئے تھا اور جن کی رو سے چھن کو اُس کے چھنے هوئے حصے جاپانهوں سے واپس مل جانے چاهئے تھے ، اُنہیں اعلانوں کی رو سے دکھئی سکھالیں اور کیورائل تاہو روس کے هاته میں هونے چاهئے تھے ، اُنہیں اعلانوں کی رو سے جاپان آج بے سکھالیں اور کیورائل تاہو روس کے هاته میں هونے چاهئے تھے ، اُنہیں اعلانوں کی شرطوں کی رو سے جاپان آج بے جاپانیوں نے اُن اعلانوں کو اس طرح برباد کیا ھے که اُن جاپانی ملحقامہ جاپان کو ابھ هاتھوں تلوار کو یہ بیا جاپانی ملحقامہ جاپان کو ابھ هاتھوں تلوار میں بیدی یہ بیا ہاہوں کر رہا ھے ،

اس نیے جاپانی صلحنامے کی خاص خاص شرطیں یہ میں :

- (1) جاپان کی حد بلدی ،
- (2) جاپان کو پھر سے ھتھیاروں سے لیس کوٹا ،
 - (3) جادان سے هو جانا وصول كونا .
- (4) جاپان میں امریکی فوج کا بنا رهنا . اور
 - \S فارموسا کی کہا حالت رہے گی \S

ھندستان اِن شرطیں کو تھیک نہیں سمجھتا جو قارموسا کے بارے میں کی گئی ھیں ، وہ جاپان سے اِس وقت ھر جانا وصول کرنے کے بھی خلاف ھے اور یہ تو وہ ھرگز پسلد نہیں کرتا کہ جاپان کی زمین پر دوسرے ملک کی فرجیں چھائی رھیں ،

هم نہیں سمجھتے جاپان بھی اِس شرط پر که اُس کے ملک میں دوسرے ماک کی فوجیں بلی رهیں کیسے واقعی هوسکتا هے .

معلوم هوا ہے اِس صلحتامے کی رو سے جاپان کے راہو اور ہوتی تاہو کسی دوسرے ملک کی دیکھ بھال ممیں رھیں گے ۔ اُس کے تو صاف یہ معلی ھیں که جاپائی جاپان کے مالک رھانے ھوئے بھی ملکھت کے معادلے میں دیے رھیں گے ،

ایشها کے ملک تو یہ چاھاتے ھیں کہ قارموسا کا تاہو اُس چھٹی سرکار کو رایس کو دیا جائے جو اِس وقعه سازے چھوں پر قابض ھے' پھر وہ سرکار چاھے کسی بھی ظرنے کی کھوں تہ ھو ۔

میں ملامعان کی کے ہارے میں ملامعان کی یہ

गया कि इन्होनीशिया जैसा छोटा द्वापू और दरमा जैसा नया आचाद मुल्क हर तरह के हिमयारों से लैस जापान से अपना बचाव कैसे करेंगे.

इस जापानी सुलहनामें में तो हम यही पाते हैं कि जमरीका जापानी शहद की मिक्खियों के छत्ते को छेड़ कर और जपने और जापान के बीच में धुएं का परदा खड़ा करके खुद मिक्खियों का तमाशा देखना चाहता है.

जिसने जापानी इतिहास पर सरसरी नजर भी डाली है वह अच्छी तरह जानता है कि जापान ने पिछले छुगालीस बरस से सिवाय इसके किया ही क्या है कि बह अपने पड़ोसियों पर आप दिन जबरदस्ती करता रहे. यह किस को नहीं मालूम कि जापान के पास न खाने के लिये काकी नाज है और न बदली हाजे के लिये काफी जाद है और न बदली हुई जीलाद के लिये काफी जगह. ऐसी हालत में वह उधर की तरफ बदे अग्रैर कैसे रहेगा जिधर उसे कम से कम खतरा हो.

यह किसे नहीं माल्म कि जापान बरसों कोरिया और कारमूसा का मालिक रह चुका है, रूस में जारशाही का मुकाबला करके उसको धक्का पहुँचा चुका है और चीन के एक हिस्से पर भी बरसों काबिज रह चुका है. किर इस मुलहनामें में इन सब बातों की रोक थाम का कोई इन्तजाम न होने से क्या यह नहीं सममा जा सकता कि अमरीका जापान को बम बना कर पिच्छिम के देशों पर फेंकना चाहता है.

किसको नहीं मालूम कि बरतानिया और योरप के और देश और अमरीका भी उस वन्नत सिर्फ तमाशा देखा किये क्षव जापान चीन पर जाबरदस्ती कर रहा था, जब तक पर्ल हास्बर पर जापान का हमला न हुआ जो सन 1941 की बात है वब तक क्या अमरीका मैदान में कूदा ? सिर्फ तव और तभी अमरीका ने जापान को सब से बड़ा मुजरिम माना, और क्या अमरीका को यह नहीं मालूम कि वह सौ बरस भी जापान से लड़कर जापान को नहीं हरा सकता था अगर उसने एटम बम के नाजायज इस्तेमाल को जायज मानकर जापानियों पर न गिराया होता. भमरीका गाद रक्खे उसने जापान को धर्म युद्ध में नहीं जीता अधर्म युद्ध में जीता है. अगर कुरती में काटना और नोचना अधम है तो पिछली लड़ाई में गैस का इस्तेमाल अधर्म रहते हए प्टम क्य का इस्तेमाल अधर्म ही रहेगा. इमें याद है कि सस बक्त एक ईसाई पादरी ने अमरीका के एटम बम गिराने के काम को अधर्म कहा था. पर वही तो सत्य परमेरवर की आवाज थी. खेर, इन सब बातों को छोड़िये. हम तो यही कहेंगे कि अमरीका जान बूस कर यह भूल कर रहा है और समम में नहीं आता क्यों कर रहा है.

گیا که انگرایشیا جیسا چهران الیو اور یوما جیسا تها آزاد سلک هر طرح کے هتهداروں سے ایس جاپان سے ایکا بحواد کیسے کریں کے .

اِس جایانی صلحدات میں تو هم یہی پاتے هیں که امریکه جایانی شہید کی مکھیرں کے جہتے کو جعدو کر اور اپنی اور جایان کے بیچ میں دورٹیس کا چردہ کہوا کرکے خود مکھیرں کا تباشد دیکھذا چاھتا ہے

جس نے جاپائی اِنہاس پر سر سری نظر بھی ڈالی ہو وہ اُجھی طرح جانتا ہے کہ جاپان نے پچھلے چھیالیس پر سر سوئے لیے کہ وہ آئے پچھلے چھیالیس پر آئے دن زوردستی کرتا رہے ، یہ کس کو نہیں معلوم کہ جاپان کے پاس نہ کھانے کے لئے کافی ناج ہے اُرر نہ تن ڈھکنے کے لئے کافی ناج ہے اُرر نہ تن گھکنے کے لئے کافی اوادن کے لئے کافی عرف کو اوادن کے لئے کافی جگہ ، ایسی حالت میں وہ اُدھر کی طرف بڑھ بھھر کیسے رہے گا جدہر آئے کم سے کم خطرہ ھو ،

یه کسے نہیں معلوم که جاپان پرسوں کوریا اور قارموسا کا مالک وہ چکا ہے' روس میں زار شاعی کا مقابلہ کرکے اُس کو دھکا پہونچا چکا ہے اور چون کے ایک حصے پر بھی پرسوں قابض وہ چکا ہے ۔ پھر اِس صلححقامے میں اِن سب باتوں کی روک تھام کا کوئی انتظام نے ہوئے سے کیا یہ نہیں سمجھا جاسکتا کہ امریکہ جاپان کو ہم بفاکر ہجھم کے دیشوں پر پھیلکا چاھتا ہے۔

کس کو تبھی معلوم کد برطانیہ اور یورپ کے اور قیش اور امریکه بهی اس رقت صرف تماشه دیکها کئے جب جایان جین پر زبردستی کررها تها ، جب تک هرل هاربر ير جايان كا حمله نه دوا جو سن 1941 كي بات هے تب الک کها امریکه مهدان مهی کودا ؟ صرف تب اور تههی امریکه نے جایاں کو سب سے بوا مجورم مال ، اور کھا امریک کو یہ نہیں معلوم که وہ سو برس بھی جاپان سے لوکر جایان کو نہیں ہرا سکتا تیا اگر اُس نے ایکم ہم کے ناجائه استعمال كوجائز مان كر جايانهون ير نه كرايا هوتًا. اسریکه یاد رکی اُس نے جادان کو دھرم یدھ مھی نبھی جيعًا أدهرم يده مين جيتا هي. أكر كشتي مين كاتنا المرانوها ادهرم في تو پنجهاي لوائي مهن كيس كا استعمال المعدم وهتم هوئے ایتم بم لا استعمال ادهوم هي وه كا . هنهی یاد ہے که اُس وقت ایک میسائے یادری نے امریکہ کے ایکم یم گرانے کے کام کو ادھرم کیا تھا ۔ پر رھی تو سکھ وَوْمُهُمُورِ كَى آواز تهى . خير ان سب باتون كو چهوزيائه. ﷺ ۔تو یہی کیمن کے کہ امریکہ جان برجہ کر یہ بہول کر 🚛 🙇 اور سمجه میں نہیں آتا کیوں کر رہا ہے۔

الله في المراجعة والمستقل المستقل المس

सुलहनामें में सुलह की सगह लड़ाई के बीज ही दिखाई देते हैं और यही हाल बरमा और इन्होनीशिया का है.

आस्टेलिया और न्युजिलैंड जो हर तरह से अमरीकी गुद में हैं वह तक घबराए हुए हैं कि यह जापान को हथियारों से लैस करके किया क्या जा रहा है. मतलब यह कि प्रशान्त महासागर के सारे मुलक सुलहनामे के इस मसौदे को हर तरह से लड़ाई नामा मानते हैं.

सुना है कि भारद्रेलिया और न्युजिलैंड इस पर इंध-खत कर रहे हैं. तब तो हम यही कहेंगे कि लड़ने के लिये खनके बाजू फड़क रहे हैं और जापान के मुकाबले में मरने के लिये उनेके पंख निकल आए हैं. लेकिन वह मरना नहीं चाहते भीर मरने से बचने का इताज उन्होंने यह सोचा है कि वह दोनों मिलकर अमरीका के साथ जापानी सुलह-नामे पर दसखत करने से पहले अमरीका के साथ एक सुबहनामा श्रीर कर लें. यह चाल तो उनकी ठीक है, पर यह इस बात की गारन्टी नहीं है कि तीसरी लड़ाई नहीं होगी.

कितने मजे की बात है कि अमरीका मरे हुए जापानी शेर में जान डाल कर यह भी सममता है कि वह उसे धरकस का शेर बनाव रखेगा. और धन्दर धन्दर यह भी इरता है कि अअब नहीं वही शेर फिर अमरीका नहीं तो कहीं न्यूजीलैंड या कास्ट्रेलिया पर न चढ़ बैठे. क्योंकि उन्हें षह खुब मालूम है कि जापानी शेर का बरसों से ब्रास्ट्रेलिया पर हांते रहा है. जब अमरीका को खुद इस मुलहनामे में सुकाई विखाई देती हैं तो इन्होनीशिया, बरमा और हिन्दु-स्तान को बही चीज दिखाई दे, इस में अवरज का.

इस सुलहनामे पर इसखत हो जाने के बाद अगर पशिया के हिन्दस्तान, बरमा और इन्डोनीशिया जैसे मुल्क दसखत करने से रह जाते हैं तो उनको इसके सिवाय क्या बारा रह जायगा कि वह या तो किसी दूसरे गुट से मिलें षा फिर अमरीका के साथ वैसा ही सुलहनामा करें जैसा आस्ट्रेलिया और न्युजिलैंड करने जा रहे हैं और फिर अपने पड़ोसी रूस और चीन को दुशमन बनाएं.

इसमें भी कोई शक नहीं किया जा सकता कि जापानी शेर आस्ट्रेकिया की तरक रुख न करके पिछम या उत्तर पिक्छम की तरक रुख करले और क्यांग के साथ सांठगांठ कर के जापानी समंदर को लांघने की सोचने लगे, तो फिर तीसरी लड़ाई शुरू होगी ही और प्रशान्त सागर का अमन खतरे में पड़ जायगा, हमारी समम में नहीं आता कि अमरीका यह सब स्नतरा क्यों मोल ले रहा है. क्या स्तके पास पटमी हथियारों और पटमी बम का इतना ढेर 🖏ग गया है कि जो उसे चैन से बैठने नहीं देता.

इस सुलहनामे के नए मसीदे में यह कहीं नहीं सोचा

सिसम्बर '51

مالصفامے میں مام کی جگه لوالی کے بیم هی فکهائو دیتے مهں اور یهی حال برما اور اندوا بشیا کا ھے .

آستريالها اور نهوري لهلد جوهر طرح سے أمريكي كت مهن هيں ولا نق مهمرائے هوئے هيں که ينه جايان كو هنههاروں سے لیس کرکے کیا کہا جارہا ہے ، مطلب یہ ہے کہ یہ شانیوں مہاساکر کے سارے خاک صلحامے کے اِس مسودے کو کور طرح سے لوائی نامہ مانعے میں .

سِنا هِ كه آستريلها أور نيوزيلهند اِس پر دسطط كر رہے میں . تب تو هم يہى كہيں كے كه لرنے كے لئے أن ك ہازو یہوک رہے میں اور جایاں کے مقابلے میں مرنے کے لئے أن كي يدَّعه نكل أليه هين ليكن وه سرنا نهين جاهته اور مرنے سے بچھے کا علام أنهوں نے يہ سوچا هے كه ولا دونوں مل کر امریکه کے ساتھ جاپانی صلحامے پر دسخط کرنے سے بہاے آمریکہ کے ساتھ ایک صلحفامہ اور کولیں ، یہ چال تو أن كي تهيك هي پرية إس بات كي كارنتي نههن هے که تهسری اوائی نهین هوگی .

کھلے موے کی بات ہے کہ امریکہ موے ہوائے جاپانی شير.مين جان ڌال کريه بهي سنجهتا هے که وه أسے سركس كا شهر بدائے ركھے كا . أور أندر أندر يه بهي درتا هے که هجب نهین وهی شیر پهر آمریکه نهین توکهین نهوزيليلد يا آستريليا يرنه جوه بيتهي كهونكم أنهور یہ خوب معلوم ہے کہ جاپائی شہر کا برسوں سے آسٹریلہا یر دانت رها هر جب امریکه کو خود اِس صلحنامے مهن لزائی دکهائی دیعی هے تو اندونیشیا برما ارر هدستان کو وهی چیز دکهائی دے اس میں اچرم کیا۔

اس صلحامے یو دسخط ہو جانے کے بعد اگر ایشھا کے هندستان برما اور اندونهها جهسے ملک دسخط کرنے سے رہ جاتے ہیں تو اُن کو اِس کے سوائے کہا چارا رہ جائے گا کہ وہ یا تو کسی دوسرے گت سے صلیم یا پھر امریکہ کے ساته ريسا هي صام نامه جرين جهسا آستريلها أور نهرزیایند کرنے جارہے هیں اور یهر اند پررسی رس ارو چهن کو دشان بنائین .

إس میں بھی کوئی شک نہیں کیا جاسکتا که خِمَايِائي شهر آسٽزيلها کي طرف راج نه کرکے پنچهم يا اُتر یجهم کی طرف رام کرلے اور چھانگ کے ساتھ سانٹھ کانٹھ کرکے جایاتی سملدر کو لانگھلے کی سوچلے لگے کو پھو تهسري لوائي شروع هوگي هي أور پرشانت ساگر كا أمن خطرے میں ہو جائے گا ، هماری سمجھ میں نہیں آتا که أنبرنكه يه سب شطرة كوون مول لي رها هي . كها أس كي پانس ایکسی متههارون أور ایکسی ام کا اتفا دعور لگ گها ع کا مو اسے جهن سے بهایت نهیں دیتا .

أس ماستان الماسود، مهل يه كهم نهس سوجا



जापानी सुलइनामा-

इस सुलहनामे का नाम 'जापानी सुलहनामा' धोके का माम है, इसमें दिखावा ही दिखावा है, सुबह की असलियत नाम को भी नहीं है. इसका अगर हम नाम रक्लें तो वह हो सकता है 'प्रशान्त महासागरी लड़ाई नामा.' इस सुलह-नामें में इस यू. एन. जो. ने जो जाज अमरीका के हाथ में स्रोत रही है तीसरी जड़ाई का ऐसा बीज वो दिया है जिसमें बहुत जल्दी किल्ले फूटेंगे और जल्दी ही फल लग जायंगे. इस सुलहनामें में सलाह लेने के लिये जापान के पहोसी लाल चीन के मान्नो-रसे-तुँग को बुलावा तक नहीं विया गया. और अमरीका के हाथ में खेलने वाले च्यांग के मँह पर पट्टी बांध दी गई है. रहे पशिया के दूसरे मुल्क वह सब जहां तक हमें पता चला है इस सुलहनामे को पतन्द नहीं करते और एशिया के मुल्कों की पसन्दगी तो इसके लिये बेहद जरूरी थी. पर न जाने इस बेहद जरूरी को यू. पन. भो. ने बेहद की हद काट कर सिर्फ वे जहरी क्यों समम्ब

अमरीका और श्रंगरेज दोनों मिलकर इस मुलहनामें के तमाशे को सितम्बर के पहले हफ्ते में सान फ़्राँसिसको में दिखाने वाते हैं और बड़ी भान बान से दिखाने वाते हैं कोर बड़ी भान बान से दिखाने वाते हैं क्योंकि ह्या इसके मसौदे के एक दम खिलाफ है. जो जो मुल्क इस मुलहनामे पर दसखत करेंगे धनके बारे में हमारी यह राथ है कि या तो वह अमरीका से दबकर दसखत कर रहे हैं का उनके बाजू लड़ाई के लिये इतने फड़क रहे हैं कि वह तीसरी कड़ाई में अपने करतब दिखाने की तेजी से राह देख रहे हैं.

हिन्दुस्तान और मामलों में चाहे गांधी का देश न भी रहा हो पर दुनिया में सब्बे मानों में शान्ति बनाए रखने में बह सी फीसदी और पूरी ईमानदारी से गांधी का देश बना हुआ है. साथ ही साथ वह जापान के काफी पास है और उसका जापान से सैकड़ों बरस से कलबरी सम्बन्ध भी रहा है. इतना ही नहीं वह जापान की साम्राजवादी साहिशों से भी पूरी दूरह वाकिक है. उसको भी इस

جاپانی صامح نامهـــ

اِس صلحامے کا نام 'جاپانی صلحقامہ' دھوکے کا نام هي ، إس مين دكهاوا عي دكهاوا هي . صلع كي اصليت نام کو بھی نہیں ہے . آیس کا اگر هم نام رکھوں تو وہ هو سنعا هے 'درشانت مهاساگری لوائی نامع' اِس ملصنامے میں اُس یو، این، او، نے جو آج امریکہ کے هاته موں کهیل رهی هے تیسری لوائی کا ایساً بهیم بودیا ہے جس میں بہت جلدی کلے پہرٹیں کے اور جلدی هی پہل لگ جائیں گے ۔ اِس ساعطامے میں مالے لیلے کے لگے جاپان کے پورسی لال چین کے ماوتسے تونگ کو بالرا تک نہیں دیا ایا ۔ اور امریکہ کے هاته میں کھیالجہ والے جهانگ کے مدہ پر پتی ہاندہ دی کئی ہے . رہے ایشها کے فوسرے ملک وہ سب جہاں تک همهن پاته چلا مے اِس صلحالم کو یسند نہیں کرتے اور ایشیا کے ملکوں کی پسلدگی تو اِس کے لگے ہے حد ضروری تھی ، پر ته جانے اِس نے حد فروری کو یو . این . او . نے بے حد کی حد کاف کو صرف ہے ضووری کیوں سمنجھا ،

امریکہ اور انگریز درنوں مل کر اِس صلحہ امیے کے تمالئے کو ستمدر کے پہلے هنتے میں سان فرانسسکو مین فکرانے والے هیں کیونکہ دکرانے والے هیں اور بڑی آن بان سے دکھائے والے هیں کیونکہ اِس اِس کے مسودے کے ایک دم خلاف هے ، جو جو ماک اِس صاحبہ اور دسخط کریں کے اُرر کے بارے میں هماری یھ رائے ہے کہ یا تو وہ امریکہ سے دب کر دسخط کو رہے هیں یا اُن کے بازو لوائی کے لئے اتنے پہوک رہے هیں که وہ تیسری لوائی میں آئے کرتب دکھائے کی تیزی سے راہ دیکھ رہے ہیں۔

هندستان اور معاماوں موں چاھے گادھی کا دیش نه
یھی رها هو پر دنیا میں سلّتے معلوں میں شانتی بلائے
رکھتے میں وہ سو فیصدی اور پوری ایمانداری سے گلدھی کا
دیش بنا ہوا ہے . ساتھ هی ساتھ وہ جاپان کے کافی پاس
ہے اور اس کا جاپان سے سیکووں بوس سے کلچوی سمیلدھ
ہیں رها ہے . اتنا هی نہیں وہ جاپان کی سامراج وادی
گیرانھیں سے بھی پوری طوح واقف ہے . اس کو بھی اِس

वस विदेशकी खबरे

(भगस्त 1951)

1. मारको के व्यक्तवार "प्रवत्।" में व्यंगरेक मिनिस्टर मारीसन का विचार व समाचार की बाजादी पर एक लेख कौर चसका जवाब छपा. लोकमान्य तिलक की इक्तीसबीं बरसी. वर्षों में गांधी विचार परिशव कायम हुई.

2. दुमैन चार पाइन्ट योजना के मुताबिक हिन्दुस्तान में ममरीकी कारखाने खुलने का फैसला. पाकिस्तानी बदे क्यीर का बिला किसी शर्त हिन्दुस्तान माने से इनकार.

8. तेल के मसले पर ईरान से बात करने के लिये स्टोक्स मिरान लन्दन से रवाना. दरमंगा जिले में जबर-क्स बाद.

4. केसांग की बात चीत बीच में ही बाटक गई. मजा पारटी की कौंसिल ने कन्ट्रोल हटाने के मुचाफिक ठह-राव पास किया.

5. पंडित जबाहर लाल का पाकिस्तान को जबाब.

6. तेहरान में इंगलैंड और ईरान के बीच बात-चीत हारू. नई दिल्ली में राजपति ने पालिमेन्ट का नया इजलास खोला.

7. हसी सोवियत के सदर हा विश्व शान्ति के तिये समरीकी राजपति को खत. केसांग की बात चीत फिर से शहर करने के लिये समरीकी जनरत रिजवे की शतें.

8, आसाम का कुछ हिस्सा भूटान को दे देने का बिल पार्लिमेश्ट में पास. सरकार के पास चावल की कमी— अनाज मिनिस्टर का एलान.

9. मिस्र को त्रिटेन मिस्र सुलहनामे पर एतराज. हिन्दुस्तान के घगले चुनाव 3 जनवरी से 24 जनवरी तक होंगे, रेलवे वालों ने हड़ताल फिलहाल नहीं करने का फैसला किया.

10. पंडित जवाहर लाल ने कांगरेस वरिकंग कमेटी और सेन्द्रल कांगरेसी पार्लिमेन्टरी बोर्ड से स्तीका दे दिया.

11. मौलाना आजाद का वरिकंग कमेटी से स्तीका. विक्षी में वरिकंग कमेटी की बैठक शुरू.

12. पाकिस्तान सरकार पस्नतूनिस्तान के लोगों को अपना जनमजात इक लेने से नहीं रोक सकती—अफ़रानी राज दूत का पतान.

13. दिल्ली में वरिकंग कमेटी की बैठक जारी. नैपाल के राजा दिक्षी पहुंचे.

14. कांगरेस सदर ने कहा कि पंडित जवाहर लाख का स्वीका कुलहिन्द कांगरेस कमेटी की एक खास मीटिंग में पेश किया जायगा हिन्दुस्तान के मुसलमानों का पाकिस्तान की कश्मीर पालिसी पर डाक्टर प्राहम को मेमोरन्डम

15. जगह जगह आजादी का दिन मनाया गया.

नोट—भाइन्या से एक माद्द की 15 तारीख से दूसरे साद की 15 तारीख तक की खबरें दी जाया करेंगी. گایش جلیس کی خبرین (گست 1951)

1. ماسکو کے اخبار '' یرودا '' میں انگریز منسٹر ماری سن کا وچار وسماچار کی آزائشی پر ایک لهکه اور اس کا چواپ چهپا ۔ لوک مانهم تلک کی ایکٹیسویس برسی ۔ وردھا میں کاندھی وجار پریشد قائم ھوئی ۔

2. ترومین چار پاینت یوجداکے مطابق هدستان میں امریکی کارخانے کہلنے کا فیصلت ، پاکستانی بڑے وزیر کا یک کسے شرط هندستان آنے سے آنکار ،

3. تیل کے مسلے پر ایران سے بات کرنے کے لئے استوسی مشی للدن سے روانہ . دربہنکا ضلعے میں زبرہ ست بارہ .

4. کیسانگ کی بات چیمت بیچ میں هی اتک گئی . پرچا پارٹی کی کونسل نے کفترول هتانے کے موافق تہاو یاس کیا .

5. بندس جواهرال کا داکستان کو جواب .

6. تہران میں انگلینڈ اور ایران کے بیچ بات چیت شروع انگی دلی میں راج پائی نے ہارلمینٹ کا نہا اجلاس کہرا ،

7. روسی سرویت کے صدر کا رشو شانعی کے اگے امریکی راجیتی کو خط ، کرسانگ کی بات چیت پهر سے شروع کرنے کے لئے امریکی جدرل رجرے کی شرطیں .

8. آسام کا کنچھ حصم بھوتان کو دے دیائے کا بل پارلمیلت میں پاس ، سرکار کے پاس چاول کی کمی --اناج مدستر کا املان ،

9 مصر کو ہرتین مصر صابح نامہ پر اعتراض ۔ عندستان کے اللہ چنار 3 جنوری سے 24 جنوری تک ہوتکا کے ۔ ریلوے والرس نے هوتال فیالتحال نہمں کرنے کا فیصلہ کیا ۔

10. پنت جواهر لال نے کانگریس ورکنگ کمیٹی اور سنگرل کانگریسی پارلنمیئٹری بورتسے استعفیات دیا ، 11. مولانا آزاد کا ورکنگ کمیٹی سے استعفیل ، دلی میں ورکنگ کمیٹی کمیٹی کمیٹی کمیٹی کمیٹ

12. پاکستان سرکار پختونستان کے لوگوں کو اپنا جلم جات حق لہلے سے نہیں روک سکتی - افغانی راج دوت کا اعلان .

13. دلی میں ورکنگ کیٹی کی بیٹھک جاری . نیپال کے راجہ دلی پہوانچے .

14. کانگریس مدر نے کہا کہ پلکت جواہر لال کا استعلی کل ہلک کا متعلق کل ہاکہ میں کہا ہے کہا کہ استعلیٰ کی ایک خاص میں لگا کا میں پیش کیا جائے گا۔ ہلکستان کے مسلمانوں کا ہاکستان کی کشمیر یالسی پر ڈاکٹر گراہم کو مهموریندم .

15. جگه جگه آزادی کا دن منایا گها

نوٹ -- آئندہ نے لیک ماہ کی 15 تاریخ نے دوسرے
 ٹی 15 تاریخ تک کی خبریں دی جایا کرینگی .

The state of

निकासने वासे—परका संघ की वामितनाव शाखा भौर सर्वोदय प्रचारवासयम, विरुपुर (वृक्तिसन भारत), सफे 112; वाम—चौदह थाने.

जब इमारे पास यह किताब आई तो इम हैरत में रह गए कि यह चीज अब तक क्यों नहीं मिककी थी. तरह तरह के मसलों पर महारमा गांधी के विचारों को जमा कर के किताबें निकल चुकी हैं लेकिन खादी पर, जो उनकी सास ईजाद थी, अब तक नदारद ! इसक्षिये आजू जी का इम सब पर बड़ा घड़सान है कि उन्होंने मेहनत करके यह चीज तैयार की और दुनिया के आगे रख दी.

किताब के बारे में कुछ भी कहना सूरज को दीपक दिखाना है. बापू के जो लेख या स्पीचें इस में जमा की गई हैं इनमें वह जान है, वह खाग है, वह खच्चाई है कि हर किसी को—खगर इसने पहले से ही इस के खिलाफ मन में कोई राय न बना ली हो—मानना पड़ेगा कि चरले और खादी की हिन्दुस्तान को फरूरत है, जितनी खाजाद होने के लिये थी उस से कहीं ज्यादा खाजादी पाने के बाद है. खादी के पनपने पर ही हमारे देहाती धंदे पनवेंगे, हमारे देहात पनपेंगे, हिन्दुस्तान पनपेगा वरना सब का भंटा धार होने बाला है, कोई बाक्कत नहीं बचा सकती.

बापू में, हिन्दुस्तान में या इनसानी समाज में जिसे ज़रा भी दिलचरपी है उसने अगर यह किताब नहीं पढ़ी तो हम कहेंगे कि कुछ नहीं पढ़ा. चौदह आने में यह किताब बहुत सस्ती है.

—सुरेश रामभाई

चरखे की तात्विक मीमांसा

निकालने बाले—मंत्री, बरखा संघ, सेवा प्राम, वर्धा. सफ्रे-72, दाम एक रूपया.

यह किताब 'आईडियोलाजी आफ दी चरला' का दिन्दी अनुवाद हैं. मंत्री, चरला संघ से इतनी बिनती जरूर है कि अगली बार जब इसे छपवाएँ तो इस की बोली सब का बोली जैसी कर दें ताकि हर कोई इसे आसानी से समम सके.

—सुरेश रामभाई

تعالمے والے -- بهرخه سلکه کی تامل ناد فاقها لور غیرہ میرجار یالیم' تررپور (دکین بھارت)' صفحے 112؛ دام جودہ آئے .

بچپ همارے پاس یه کتاب آئی تو هم حهرت مهن وه گئے کة یه چیز آب تک کیوں نهیں نکلی تهی ، طرح طرح کے مشابل کے مشابل پر مہاتما کاندهیکے وچاروں کو جمع کرکے کتابیں نکل چکی هیں لیکن کهادی پر' جو اُن کی خاص ایجاد تهی آب تک ندارد! اس لئے جاجو جی کا هم سب پر بوا احسان هے که انہوں نے مصامت کرکے یه چهز تهار کی اور دنیا کے آئے رکه دی .

گفاب کے بارے میں کچھ بھی کھلا سورج کو دیپک فکھانا ہے، باپو کے جو لیکھ یا اسپیجھیں اِس میں جمع کی گئی ھیں اُن میں وہ جان ہے' وہ آگ ھے' وہ سجائی ہے کہ ھر اسی کو ۔ اگر اس نے پہلے سے ھی اُس کے کان میں میں کوئی رائے نه بلالی ھو۔ مائٹا پڑے گا که چرخے آرر گیادی کی ھندستان کو ضرورت ہے' جگٹی آزاد ہوئے کا لگے تھی اُس سے کہیں زیادہ آزادی پائے کے بعد ہے۔ کہادی کے پنیٹے پر ھی ھمارے دیہاتی دھٹدے پٹیش گے' عمارے دیہاتی دھٹدے پٹیش گے' ھمارے دیہاتی دھٹدے پٹیش گے' ھمارے دیہاتی بیا ورت سب کا ہوت سب کا ہوت سب کا ہوت سب کا ہوت ہوت ہیں۔

پاپو میں' هند، تان میں یا انسانی سماج میں جسے ڈرا بھی دلچسپی ہے اُس نے اگر یہ کتاب ٹیمن پڑھی تو هم کیمن کے کہ کچہ نہیں پڑھا ۔ جودہ آنے میں یہ کتاب بہت سستی ہے ،

-- سریض رام بهائی

چوخے کی تاتوک میمانسا

التخلف رائے۔۔۔ مقتری' جرخه اسلام' سیوا گرام' ورفھا ۔ مفصے۔۔۔۔47' دام ایک رزیہ ۔

یه کتاب 'آئڈیولاجی آف دی چرخه' کا هلدی آئوواد ہے ، ملتری' چرخه سلکھ سے آتلی بلٹلی ضرور ہے که که اگلی بار جب آسے چھپوائیں تو اِس کی بولی سب گنی بولی جیسی کر دیں تاکه هر کوئی اِسے آسانی سے منعهه سکے ،

مسيريش رأم يهافي

करी बहते हैं, सच्ची बहते हैं, वेशवह कहते हैं. ब्यहोंने इसे कियान के शुक्र में ही बतवाया है कि समाज को रोज की किन्याने के लिहाज से गाँच हिस्सों में बांटा जा सकता है—मारखाऊ (बीता-शेर जैसे), लुटेरे (बन्दर जैसे), जफाकश (बिक्सा जैसे), गिरोह बन्द (शहद की मन्खी जैसे) और सेवक (मां जैसे). यही पाँच क्रिस्में हकूमतों, राश्ट्रों में भी सिलती हैं. पूँजी पतियों को जो खुद कोई मेहनत न करके दूसरों का पसीना चूसते हैं वह मारखाऊ दरजे में गिनते हैं, नौकर पेशा को लुटेरों में, किसान को जफाकश में, सोवियत रूस को बीथे में. सेवा बाला दरजा वह है जिस की तरफ गांधी जी ने हमारा ध्यान खींचा और जिसकी खातिर बन्होंने काम किया. सध्यता का असली नाप ही यही है कि हम मारखाऊ और लुटेरेपन से किस हद तक सेवा की तरफ बढे.

बाक्टर कुमारप्पा ने बहुत ही सुन्दर हंग से सत्य और काहिन्सा के आधार पर समाज के आधिक और नैतिक हाँ भे की तसवीर दी है जिसमें इनसान को अपने निजी किकास का पूरा मौक्षा मिलेगा और वह मशीन का एक निकन्मा पुर्जा न रह कर समाज का एक जानदार हिस्सा बनेगा जिसकी सेवाओं के सिले में समाज उसे पालता पोसता है. यही खास चीज है जो समाजवाद, साम्यवाद, सामाजवाद, नाजीवाद वरारा को एक तरक और गांधी-वाद को दूसरी तरक अलग कर देती है. अगर सच्चे सुख और शान्ति की इनसान को तमका है तो इस रास्ते पर उसे कता होगा.

खुरी की बात है कि इस किताब में जो आर्थिक तजबीय डाक्टर. कुमारप्पा ने पेश की है उसी को अमल में साने के लिये वह वर्षा नगरी से बीस मील दूर एक देहात में आकर बैठ गए हैं और खेती वरौरा सब बीओं के प्रयोग अपने हंग से-डन्होंने शुरू कर दिये हैं.

कितान बहुत ही प्यारी है और पढ़ने वाले के मन को हरतेवी है. हमारी देशी भारा। मों में इसका अनुवाद जरूर किया जाना चाहिये.

—सुरेश रामभाई

दि भाईडियोलाजी भाफ़ दी चरखा

(महात्मा गांधी के खादी के सवास पर कुछ लेखों भौर स्पीचों का संग्रह)

सम्पादक—भाई भी कुरन दास जाजू; .क्रिसाबर—संगरेजी; گهری گهینے هیں سچی گهی هیں نے هیوک گهی هیں ، انہوں نے اس کتاب کے شروع میں هی بھایا ہے کہ سماج کو روز کی زندگی کے لحاظ سے پانچ حصوں میں بانٹا جا ساتا ہے ۔ مار گهاؤ (چیٹا شیر جرسے) لگھرے (بلشر جیسے) کرولا بلد (شید کی میمی جیسے) جائش (چویا جیسے) گرولا بلد (شید کی میمی جیسے) اور سیوک (ماں جیسے) نیمی بانچ قسمیں حکومتوں اور سیوک (ماں جیسے) بیمی بانچ پرنجی پتیوں کو جو خود کوئی معملت نه کرکے دوسورں کا پسینا چوستے هیں ولا مار کہاؤ درجے میں گنتے هیں نوگر روس کو چوتھ میں سیوا والا درجہ ولا ہے جس کی طرف روس کو چوتھ میں سیوا والا درجہ ولا ہے جس کی طرف انہوں نے کام کیا ۔ سیهیٹا کا اصلی ناپ هی یہی ہے آنہوں نے کام کیا ۔ سیهیٹا کا اصلی ناپ هی یہی ہے گھرا کی جی اور جس کی خاطر کیا جو مار کہاؤ اور لٹھرے پن سے کس حد تک سیوا کی

قائلر کمارپها نے بهت هي سفدر تھاگ سے سلاھة اور لهنسا کے آدھار پر سماج کے آرتهک اور نهلک تھانچے کي تصوير دي هے جس ميں انسان کو افج نتجی وکاس کا پورا موقع ملے کا اور ولا مفيض کا ایک نکما پرزلا نه رلا کو سماج کا ایک جاندار حصہ بنے کا جس کی سهوارس کے صلیہ میں سماج أسے پائلا پوسلا ہے، یہی خاص چھڑ ہے جو سماج وادا سامیہ وادا سامراج وادا نازی واد وقهرلا کو ایک طرف اور کاندھی واد کو دوسری طرف الگ کر دیکی ہے ، اگر ستجے سکھ اور شانگی کی انسان کو تمنا ہے تو اس راستے پر اسے جلنا ہوگا ،

خوشی کی بات ہے کہ اس کتاب میں جو آرتیک تجویز ڈاکٹر کماوییا نے پیش کیھے اسی کو عمل میں لانے کے لئے وہ وردھا نگری ہے بیس میل دور ایک دیہات میں جاکر بیٹھ گئے میں اور کیفٹی رفیرہ سب جوزوں کے پریوگ آئے تھاگ سے آنہوں نے شروع کر دیئے میں ،

کعاب بہمتھی پہاری ہے اور پوھٹے والے کے من کو ھر لیٹی ہے ، ھماری دیشی بھاشارں میں اِس کا آنوواد ضرور کیا جاتا جاھٹے ،

ـــ سريش رام بهائي

دى آئتيولاجي أف دى چرخه

(مہاتبا گاندھی کے کہائی کے سوال پر کچہ لیکھوں اور آسپینچوں کا سنگرہ)

> سیادگ — بہائی شری کرشن داس جاجوا اگھاری — آنگریزی ا

सिवन्बर '51

(266)

'51 mile

الهے پروچائیں میں رتوبا جی نے سروردے کھیائی۔ لعلهم أديوك دهلدون شهر ديهات قدرتي على سهدوك، کهدر' هاته چکی' جن سهرا رفهره پر روشقی آذائی هم اور دل میں کور کر جائے والی ہاتیں کہی تھیں، مقال کے طور پر مادل آباد فلعے کے نمل کانوں کا پررچن المحملة ، اس ميں أنهوں لے كہا كه " همارے کھمت میں طرح طرح کے نکمے جہار اُگے ہوئے تھے' أن كے كاتلے كا جو كم هوا أسى كا نام سوراج تھا . اب سورام بالے کے بعد اس کہیت میں منصلت کونا ہے اور برنا قد ، ليكن سون ديكم رها هون كه لواون كا يهي خهال فد كه اب تو كالله كا سه هـ . يه بالكل فلط خيال هـ . تو ولا جو كهيلاى من منصلت كرك قصل لكانا هي أسى كا نام ه سروردے " کتنے سیدھے سادے لفظوں میں کتنی ہوی پاس ونوبا جی نے کہ دی ! اسی طرح کے انمول رتلوں سے یه کتاب بهری هوئی هے . ونوبا جی کی سادی کشاندار اور یے لاگ زندگی کی ان کے دل کی توپ کی ان کی پیشی اور دور درهی نااه کی اُن کے کہلے اور تهلقے دساخ کی جهلک پوهلے والے پر اثر ڈالے بنا نہیں رہ سکھی، یہ کتاب پوهلے سمجھلے اور قمل کرنے کی چھڑ ہے ،

قھائی سو صفحوں کے قریب کی کتاب کا دام صرف بیس آئے وکھکر بھارت جین مہا منقل' وردھا نے ایک ہوا بھاری آئے وکھکر بھارت جین امید ہے کہ یہ ونوبا جی کی دوسوی پستکیس اور اس طرح کا اور ساھتیہ بھی اِسی طریقے سے نکال کو سجی جن ساوا کرتے رہینکہ ،

-- سریش رامبهائی

كاندهين ايكونامك تهات__

الكها واله - دَاكتر هِ . سي و كماريها ؟

نعللے والے — وورا ایلڈکو' ہمبئی 2 .

لکھارے سے انکریزی؛ صفحے — 72؛ دام — سوا رویھ، محمدی ہونیورسٹی کے 'اسکول آف ایکونامکس ایفڈ سوھھولا جی' کے ڈائردگر' مشہور آرتہ شاسٹری پرونیسر سی۔ آیوں ، وقبل ڈینگرانی میں 'لائدریری آف انڈین ایکونامکس' آفیم ہے۔ کتاب اس مالا نکل دھی ہے ، یہ کتاب اس مالا کا پہلا بھول ہے ،

گولم آدیوگ اور دیسی یا گدهی وادی ارته شاستر کے علیمودار هوئے کے ناتے ڈاکٹر جے ، سی ۔ کماریپا کے نام سے دیمی اور ودیمی کے لوگ اجھی طرح واقف ہیں ، ولا یات

मिक्सते, उनके दिल का हाल पूजते और शाम को प्रार्थना में एक प्रवचन देते थे. रात को आशाम कर सुबह किर निकल पदते.

अपने प्रवचनों में विनोवाजी ने सर्वोदय, खेती. वालीम, ख्योग-धंदों, शहर-देहात, क्रद्रती इलाज, सहयोग, स्तदूर, हाथ चक्की, जन सेवा वरौरा पर रोशनी डाली है क्योर दिल में घर कर जाने वाली वार्ते कही हैं. मिसाल के तौर पर आदिलाबाद जिले के निमल गांव का प्रवचन लीजिये. इसमें उन्होंने कहा कि ''हमारे खेत में तरह तरह के निकम्मे माड उगे हुए थे, उनके काटने का जो दाम हमा इसी का नाम स्वराज था. अव स्वराज पाने के बाद इस खेत में मेहनत करना है और बोना है, लेकिन में देख रहा हूँ कि लोगों का यही खपाल हैं कि अब तो काटने का समय है. यह बिलकुल रालत खयाल है. तो वह जो खेती में मेहनत करके फसल लगाना है इसी का नाम है सर्वोद्य." कितने सीधे-सादे लक्जों में किवनी कड़ी बात विनोबा जी ने कह दी! इसी तरह के अनमोल रह्नों से यह किताब भरी हुई है. विनोबा जी की सादी, शानदार और और वे लाग जिन्दगी की, उनके दिल की तदप की, उनकी पैनी और दूरदर्शी निगाह की, **उनके खुले और उंडे** दिमारा की मलक पढ़ने वाले पर असर डाले विना नहीं रह सकती. यह किताब पढ़ने, सममते और अमल करने की चीज है.

ढाई सौ सकों के करीब की किताब का दाम सिर्फ बीस आने रख कर भारत जैन महामएक, वर्धो ने एक बड़ा भारी उपकार किया है. हमें उम्मीद है कि यह विनोबा जी की दूसरी पुस्तकें और इस तरह का और साहित्य भी इसी तरीक़ से निकाल कर सच्ची जन सेवा करते रहेंगे.

—सुरेश रामभाई

गांधियन एकोनामिक थाट-

तिखने वाले—डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा; निकालने वाले—वीरा ऐन्ड की, बम्बई 2.

निस्नाबट-अंगरेजी; सके 72; दाम -सबा हपया.

बन्बई यूनिवरसिटी के 'स्कूज आफ एकोनामिकस ऐन्ड छोशियोताजी' के डायरक्टर, मशहूर अर्थ शास्त्री प्रोफेस सर सी. एन. वकील की निगरानी में 'लायम री आफ इन्डियन एकोनामिकस' नाम से किताबों की एक माला निकल रही है. यह किताब इस माला का पहला फूल है.

शामोधोग और देसी या गांधीबादी अर्थ शास्त्र के अलम-बरदार होने के नाते डाक्टर जे. सी. कुमारण्या के नाम से देश और बिदेश के लोग अच्छी तरह बाक्रिक हैं. वह बात

'तिये या बैठते हए दिल को समारने के लिये वह आतंक फैलाते थे. बनके दिसारा में न जाने क्यों बैठ गया था कि काने लोगों पर शान शौकत दिखा कर असर कायम रखा जा सकता है. आतंक फैला कर और शान शोकत दिखा कर श्रंगरेज हिन्द्स्तान पर राज करना चाहते थे. साम्राज की दीवार को जात भेद, रंग भेद और बेजा अभिमान मजबूत करते हैं. जो अंगरेज भी साम्राज की सेवा के लिये इंगलैंड से आता था वह इन्हीं शराबों से बद्मस्त यहाँ भारा था. साम्राज की यह शराबें ढेजाहोरा को बदमस्त नहीं कर पार्ड, उसका दिल मजदरों के साथ धड़कता है. बह एक अंगरेज और एक काले हिन्दुंस्तानी में फरक नहीं करता. मजदरों की उसके दिता में इज्जात है, वह उनसे हमदर्शी रखता है. डेलाहोरा को दूसरे अंगरेज राहार सममते हैं. मज़दूरों से हमददी रखने के कारन ही इसे अपनी प्रेमिका को छोड़ना पड़ा, सिविल सर्विस छोड़नी पड़ी. चाय बगान की डाक्टरी छोड़नी पड़ी. लेकिन वह ख़श था. उसने दुख सहा था पीड़तों के लिये, मानवता के लिये. पूरी नाबेल गंगू नामी किसान की कहानी है और उस कहानी का खारमा रेगीहन्ट की गोली खाकर गंगू की मौत पर होता है, गंगू असल में हिन्दुस्तान के किसान समाज का नुमाइन्दा है. इस नावेल में अंगरेकी साम्राज से पैदा होनी बाली समस्याओं और चरित्रों का चित्रन सुन्दर ढंग से किया गया है. अंगरेकी साम्राज की बूट खसोट और जल्म की सच्ची कहानी 'दो पत्तियां, एक कली' अपने पन्नों में समी कर विदेशी जनता तक गई है और उन्हें इमारा इमदर्द बनाया है.

—मुजीब रिज्बी

सर्वोदय यात्रा

तिसने वाले—भाषार्य विनोबा भावे. निकालने याले—भारत जैन महामण्डल, वर्धा. तिखावट—नागारी, सक्ते 161; दाम सवा रुपया.

शह किताब उन फूलों का हार है जो रोज शाम को प्रार्थना के बाद विनोबा जी की बानी से बरसते थे. उन दिनों जब कि बह वधी से हैदराबाद तक की तीन सौ मील से उपर की यात्रा पैदल पूरी कर रहे थे. यह यात्रा 8 मार्च 1951 से शुरू होकर 7 अप्रैल को सत्म हुई, यह यात्रा मध्य प्रदेश के वधी और यवतमाल जिलों के गांवों में होकर निजाम की रियासत हैदराबाद, आदिलाबाद, निजामाबाद, मेदक और हैदराबाद जिलों के गांवों में हुई. विनोबा जी रोज सबेरे सादे चार पाँच बजे निकल जाते थे, दस-बारह-सत्त्रह सील बल कर एक गांव में ठहर जाते, वहां के लोगों से

ا بهالتم هريدل كو أبهار في لي وه أتلك يهيات تهي دماغموں نع جانے کیوں بیٹھ گیا تھا که کالے لوگیں پر هوكت فكها كو الرقايم وكها جاسكتا هي. أتفك كر اور شان شوكت دكهاكر انكريز هندستان پر راج جاهاتے تھے ، سامرام کی دیوار کو جات بھیدا رنگ اور بےجا ابھیدان مضبوط کرتے ھیں . جو انگریز بھی اب کے سهوا کے لگے انگلهلک سے آتا تھا وہ انههن شراهوں دمست یهان آنا تها . سامراب کی یه شرایین تیلا کو یدمست نہیں کرپائیں ۔ اُس کا دل مزدوروں کے دموکتا هے ، وہ ایک انگریز اور ایک کالے هندستانی فرق نہیں کرتا ۔ مزدوروں کی اُس کے دل میں مزت ہ اُن سے همدردسی رکھتا ہے . تبیلا هورا کو دوسرے انگریز سمجهتے هیں ، مودروں سے همدردی رکھنے کے ه أسر أيلي يريمكا كو جهورتا يوا عول سروس جهورتي چائے ہکان کے داکٹری چهرونی پوی . لیکن وہ خوس اُس في دكه سها تها يهوتوں كے لئيے مانوتا كے لئي . ناول گلگو نامیکسان کیکهائی هے اور اُس کهانی کا ہ ریکی هلت کی گولی کھاکر گلگو کی موت پر هوتا كنكو أمل مهن هندمتان د كسان سماي كا نمائنده اِس ناول میں انگریزی سامراج سے پیدا ھونے والی عهاوں اور چرتروں کا چترن سندر ڈھنگ سے کیا گیا ہے. ہی سامراہ کی لوت کهسوٹ اور ظلم کی سچی کہانی بتهان ایک کلی اله پدوں میں سموکر ودیشی جلتا کئی ہے اور اُنہیں همارا هددرد بنایا ہے ۔

سامجيس رفيي

ووں نے یاتوا

لكهاي وألى -- أجارية ونوبا بهاوك .

نكالله وأله - بهارت جين مها ملذّل وردها . لكهات - ناكري منص 161 دام سوا رويه.

یہ کتاب اُن پہولوں کا ھار ہے جو روز شام کو پروارتها مد ونوہا جی کی بانی سے برستے تھے ۔ اُن دنوں جب رہ وردھا سے حهدوآباد تک کی تین سو میل سے اوپر باترا پیدل پوری کر رہے تھے ۔ یہ یاترا 8 مارچ 1951 مروع ہوئی ۔ یہ یاترا 8 مارچ مدوع می کے وردھا اور بوت مال ضلعوں کے گؤں میں ھو ملم کی ویاست حهدوآباد کے عادلآباد' نظامآباد' کی اوپر حهدوآباد ضلعوں کے گؤوں میں ھوئی ۔ ونوبا کی اوپر حهدوآباد ضلعوں کے گؤوں میں ھوئی ۔ ونوبا دوز سویرےساڑھ جار یانچ بحید نکلجاتے تھ' دس یارہ دستانے جاریاتے میں دس یارہ دستانے جاریاتے کو دیاتے دیاتے کو دیاتے کی دیاتے کو دیاتے کی دیاتے کو دیاتے کی دیاتے کی دیاتے کی دیاتے کو دیاتے کو دیاتے کی دیاتے کی دیاتے کو دیاتے کی دیا

151 mm

दो पत्तियां, एक कली

किसाने वासे—डाक्टर मुरुकराज आनंद ; लिखाबट— नागरी., सफें 277; क्रीमद—बार रुपय पाँच आने.

निकालने वाले—चेतना प्रकारान क्रिमेटेड, धाविद रोड, देहराबाद दक्खिन.

देश से वियादा विदेश में डाक्टर युरुकराज आनंद अपनी रचनाओं के लिये मशहूर हैं. उनकी रचनाएं अंगरेजी भाशा में होती हैं. डाक्टर आनंद का पहला नावेल 'क़ुली' का तरजुमा लगभग सभी योरपी माशाओं में हो चुका है. 'दो पित्तयां, पक कली' भी अंगरेजी माशा में हैं. इस का अनुवाद श्री श्यामू सन्यासी ने किया है. अनुवाद में बहाव और माशा की स्वाभाविकता दोनों हैं. जमांदारों के जुलम और साह्कारों की लूट से परेशान होकर किसान मजदूर बनने पर मजबूर हो जाता है. हिन्दुस्तान में अंगरेजी साम्राजवादियों को यहां का कच्या माल लूटना था, उन्हें सस्ते मजदूरों की जहरत थी. इसी लूट खसोट, जुलम जियादती और इन से पैदा होने वाले कुदरती असरों का चित्रन इस नावेल में किया गया है.

होशियर पुर गांव के गंगू नामी किसान की जायदाद पर साहकार क्रबजा जमा लेता है. जमीन का मोह उसे मजदरी कर के अपनी जमीन बापस जेने का आदेश देता है. उसी गांव के एक बूटा राम नाई के जात में फंस कर रांगू चाय बगान में भा जाता है. किसान का भ्रम यहां ट्ट गया. बूटा राम हमदर्द होने के बजाय साहब लोगों का देजन्ट निकला. गंगू ने बड़े दुख से कहा "नाऊ वड़ा **ब्रुतीसा''. नौकर शाही का यह सिद्धान्त है कि ह**र एक अपने बदे की गाली सुनता और खुशामद करता है और अपने से छोटों को गाली देता है और खुशामद करबाता है. कहते हैं बिना इस सिद्धान्त के नौकर शाही बल ही नहीं सकती. बाय बगान के साहबों, क्लरकों. घरवारों. चपरासियों, बैरों सभी का यह सिद्धान्त है. सब से कमजोर क़ुली है. उसी पर इन सब का गुस्सा उतरता हैं. और हर एक किसी न किसी तरह क्रकियों की सताता और रिशवत लेता है, रामी और शादी का भी विचार नहीं करता. सकामी की प्रवृति ने हिन्दुस्तानियों को पंत्थर बना विया था. वह इनसानी भावनाओं से इमदरदी करना भी श्रुद्ध सप के गंगू की पत्नी मरी पड़ी थी, वेचारा ककन के क्षिये करका बँदः रक्ष मा और हिन्दुस्तानी क्सर्क और चकरासी साहब से मिसवाने और सिकारिश करने के लिये क्स क्सी कावमी से रिशवत मांग रहे थे. इस दृश्य का विश्वन रोदं अने कर देता है. अंगरेख हिन्दुस्तान में मुद्री बर के कह तेहर हरे हुए रहते के अपने हर को हुपाने के

ا ایک کلی ایک کلی ا

لکھنے والے--داکٹر ملک راج آنند ؛ لکھارت-ناگری؛ صفعے 277؛ نیست --چار روپے پانچ آلے . نکانے والے- چیتنا پراٹس لیٹٹ ماید ررڈ حیدرآباد

دكهن .

ویمی سے زیادہ ردیش میں تاکلو ملک رأج آنقد اپنی رچفاؤں کے لئے مشہور هیں، أن کی رجفائیں انگریزی بھاشا میں هوتی هیں، تاکلو آفقد کا پہلا ناول انگریزی بھاشا میں هوتی هیں، تاکلو آفقد کا پہلا ناول میں هو کا کا ترجمہ لگ بھگ سمی یہرپی بھاشاؤں میں هے، چکا ہے، 'دو پتھاں' ایک کای' بھی انگریزی بھاشا میں ہے، انوراد میں بہاؤ اور بھاشا کی سوا بھاوکتا دونوں هیں، ومهنداروں کے بھلم اور ساهوکاوں کی لوت سے پریشان هوکو کسان مودور بنایا ہے بریشان هوکو کسان مودور بنایل پر مجبور هو جاتا ہے، هندستان میں انگریزی سامراج وادیوں کویہاں کا کچا مال لوتفا تھا' البھی سستے سامراج وادیوں کویہاں کا کچا مال لوتفا تھا' البھی سستے مودوروں کی غرورت تھی، اسی لوت کھسوت' ظلم زیادتی اور ان سے بیدا هونے والے قدرتی اثروں کا چترن اِس ناول میں کیا کیا گیا ہے۔

ھوھھار ہور کاوں کے گلکو نامی کسان کی جائداد ير ساهوكار قبضه جما لهتا هي. زمهن كا مود أس مودوري كركم أبلي زمهن وأيس الملم كا آديش ديما هي . اُسی کاوں کے ایک ہوتا رام نائی کے جال میں پہلس کر كَلْكُو جَائِد بِكَانِ مِهِنِ آجانا هِ. كسان كا يهرميهان توك كها. ہوتا رام همدرد هونے کے بجائے صاحب لوگوں کا أيجلت تملال گلکو نے ہونے دکھ سے کیا ''ناؤ ہوا جھٹھسا''۔ نوکر شاهی کا یه سدهانت هے که هر ایک آبے بوے کی گالی سلتا اور خوشامد کرتا ہے اور آئے سے جہوتیں کو کالی دیتا ہے اور شوهامد کرواتا ہے ۔ کہتے میں بنا اِس سدھانت کے نوکر فاهی چل هی نهیں سکتی ۔ چائے بکان کے صاحبوں ا كلكركون سردارون چيراسيون بيرون سبهي كا يه سدهانت ہے . سب سے کمزور قلی ہے . اُسی پر اِن سب کا فصه اترتا هے، اور هر ایک کسی نه کسی طرح قلیوں کو ستاتا أور رشوت ليعا هـ أ فدى أور شادى كا يمى وبهار تهمي كرتا. علمی کی پرورتی نے هندستانیوں کو پتھر بنا دیا تھا ، وہ النسائي بهاوناوں سے همدرسي كرنا يهي يهول كئے تھے. کلکو کی پتنی مری ہوی تھی' یہ جارا کنن کے لئے قرف قهرتكم وها تها أور هندستاني كلوك أور جهواسي صاحب س منوانے اور سفارش کرنے کے لیے اُس دکھی آھمی سے وهوس مانگ رق تھے ۔ اس درشهه کا چترن روٹيس کهوے كر فيتا هي ألكريز هندستان مين متهي بهر ته. وا ع عد قرب هوئے رهانے تھے، أبي در كو جهيائے كے

'विष्य अपन हिन्द धर्म के एक जाजू का बहुत ही अच्छी तरह से वर्नन करता है. इससे यह बात सहज ही स्वत जाती है कि दिन्द धर्म की कोई विधायक (Positive) व्यवस्थित, सगंठित और सुसंगत, पारमार्थिक नीव नहीं हैं. 'प्रामार्य बुद्धिवेंदेषु' से यह सूचित होता है कि वेद सारे हिन्दुकों का प्रमान प्रंथ है परन्तु ऐसे सत्तर प्रतिशत लोग हिन्दू समाज में हैं जिनको वेदाधिकार नहीं है और जिनके रीत रिवाज वैदिक धर्माश्रत नहीं हैं. भला उनके किये वेद प्रमान प्रंथ कैसे हो सकता है ? जिन कोगों को बेद सुनने का भी अधिकार नहीं, बल्क सुनने से महा-पातक और नरक का अधिकारी बनना पड़ता है उन लोगों की वेदों पर प्रामान्य बुद्धि या बद्धा है, ऐसा कहने का कुछ अर्थ ही नहीं है, साधनाओं की अनेकता और उपास्यों का अनियम यह व्याख्या ही नहीं हो सकती. प्रत्येक विशिश्ट सन्प्रदाय के हिन्दू के यानी शैव, वेशनव, स्मार्त, शाक्त आदि के विशिश्ट साधन और विशिश्ट उपास्य हैं ही. यह शत ठीक है कि सारे हिन्दुओं के एक तरह के साधन अथवा एक तरह के खपास्य नहीं हैं, परन्तु यह अभावात्मक क्षचन हिन्द धर्म का सच्चा लचन नहीं. जब किसी पदार्थ का अथवा पदार्थ समुदाय का लच्चन कहने की आवश्यकता होती है तब इस पदार्थ के बाहर न मिलने वाले परन्त उस सारे पदार्थ को व्याप्त करने वाले उस पदार्थ का भाव रूप (Positive) स्वरूप कहना पड़ता है. 'डपास्यानानियम भौर 'साधनानाम नेकता' से इतना ही सिद्ध होता है कि सारे हिन्दुकों का हिन्दू धर्म एक विशिष्ट सर्व साधारन वर्म नहीं है. हिन्दुओं के धर्म अनेक हैं और हिन्दुओं के धर्म में एक सूत्रता नहीं है.

हिन्दुओं की समाज संस्था का महत्व का (Positive) तक्तन जाति व्यवस्था है. प्रार्थना समाज, आर्य समाज आदि आधुनिक अपवादों को यदि छोड़ दिया जाय तो हिन्दुओं का बहुजन समाज जाति संस्था को मान कर शी भतता है. आर्य समाज और प्रार्थना समाज में भी जाति मान कर चतने वाले बहुत से लोग हैं. जैन धर्म जाति नहीं मानता है, तो भी जैनी जाति मानते हैं. हिन्दुस्तान के मुसलमानों और किश्चियनों तक में जाति मानने वालों की भारी संख्या है. हिन्दू समाज की इस मुख्य संस्था का असर इनमें भी बाक्षी रह गया है."

यस यह सारी किताब इसी तरह की भाशा और इसी तरह के विचारों से भरी हुई है.

-- भगवानदीन

الله الخصي هندو دهوم كر ايك بازر لا يهده هي أجهي طرب سے پوئن کرتا ہے . اس سے یه بات مهم هی کهل جاتی ہے کہ مندر دھرم کی کوئی ردھائک (Positive وبوساتهمی سنکتهت آور سوسنکت یارمارتهک نهو نههن هیں . 'برأمانیه بدهبرویدیشو ' سے یه سوچت هوتا هے که وید ساوے هدووں کا درمان گرنتھ کے پرنتو ایسے ستر برتی شبع لوگ هقدو سباج مهن ههن جلكو ويد ادهيكار نههن هے اور جلکے ریت روایے ویدک دھرم آشرت نہیں ھیں. بهلا أن كر لئي ويد يرمان كرنته كيسي هوسكتا هي ؟ جن لوگوں کو وید سفقے کا بھی ادھیکار نہیں ہے اہلاء سفقے سے میا یاتک اور نرک کا ادھیکاری بننا ہوتا ہے اُن لوگس کی ويدين يريرامانهم بدهي يا شردما هي اليسا كهني كا كنجه ارتم هے نبھی ھے سادھا اور کے انهکھا اور آياسووں کا آنوم يہ وياكهها هي نههن هوسكتي . پرتيك وششت سمهردائه ك هندو کے یعنی شہو' ریشنو' اسمارت' شاکت آدی کے رششت سادهن أور وششت أياسه هين هي . يه بات تهيك هي كه سارتے ہددوں کے ایک طرح کے سادھن اتھوا ایک طرح کے أواسيه تهير هين؛ برندو يه ابهاراتمك لكسن هدو دهرم كا سجا لكشن نهيل . جب كسى يدارته كا اتهوا يدارته سامودائے کا لکشن کہلے کی آوشهکتا هوتے ہے تب أس بدارته کے باہر نه مللے والے پرندو اُس سارے بدارته کو وہایت کرنے والے اس پدارته کا بھاؤ روپ (Positive) سوروپ كهِنَا يُوتَا هِي ' أَيَّاسُهَا اللَّهُ ' أَوْر 'سَانَعَنَا مَام نَهِ عَمَّا ' سِي أَنْنَا می سده هوتا هے که سارے هندورس کا هیدهرم ایکوششت سرو سادهارن دهرم نهیں ہے . هنجؤوں کے دهرم انیک هیں اور هندورس کے دهرم میں ایک سوترتا نہیں ہے .

هندؤوں کی سماج سفستھا کا مہتو کا (Positive) الکشن جاتی ریوستھا ہے ، پرارتھنا سماج ' آریہ سماج آدی آدہ و کا اپرادوں کو یدی چھوڑ دیا جائے تو هندؤوں کا بہت جون سماج جاتی سفستھا کو مان کر هیچلتا ہے . آریہ سماج اور پرارتھنا سماج میں بھی جاتی مان کر چلفے والے بہت سے لوگ هیں ، جون دعرم جاتی نہیں مانتا ہے تو بھی جینی جاتی ما تے هری ، هندستان کے مسلمانوں اور کرشچینوں تک میںجاتی مانتے والوں کی بھاری سنکھیا اور کرشچینوں تک میںجاتی مانتے والوں کی بھاری سنکھیا ہے ، هندو سماج کی اس مکھیت سفستھا کا اثر اُن میں بھی ہاتی وہ گھا ہے ،''

ہس یہ ساری کتاب اسی طرح کی بھاشا اور اسی طرح کے متاری سے بھری ہوئی ہے .

-- يهكوان دين

खुद नायूराय जी मेसीने. फिताब के नाम से पढ़ने बालों को किताब में क्या किखा है यह सममने में कोई दिक्कत नहीं हो सकती जीर पंडित सुख लाल संघवी ने यह लिख कर कि ... "ऐसे लेखक का नाहान परम्परा में जीवित रहना नवयुग का जीवित लच्चन हैं" यह बता दिया है कि किताब अपने ढंग की ऐसी है जैसी अब तक इससे पहले कभी नहीं लिखी गई. हम श्री संघवी जी की राय में राय मिलाते हुए यह कहेंगे कि जगर यह किताब बोलती हिन्दी में लिख दो जाय तो हिन्दुस्तान में एक क्रान्ति पैदा कर सकती है. और वह क्रान्ति भन्ने के लिये ही होगी.

यह फिताब कुछ हिन्दू धर्म से चिद्रकर नहीं लिखी गई. बड़े उन्हें जी से इतिहास और विज्ञान होनों को निगाइ में रखकर किसी का पचपात किये बिना लिखी गई है. जिन्होंने इसको लिखा है और जो कुछ उन्होंने इसमें कहा है वह वैसा कहने के हर तरह अधिकारी हैं क्योंकि वह संस्कृत के अच्छे ज्ञाता और चारों वेदों के पाठी होने के साथ साथ पिष्छमी विद्या अंगरेजी के जानकार भी हैं और पिष्छमी दर्शन शास्त्र को भी उन्होंने जूब पदा है. कार्ल मार्क्स का भी किताब में जगह जगह हवाला है. कम से कम पीन सी किताबों का इस किताब में निचोड़ मीजूद है. इस किताब की भूमिका लिखी है श्री नरेन्द्र देव जी ने.

इस पुस्तक को हमारे पास समालोचना के लिये आए बेढ़ बरस हो चुका. हम तीन बार इसको पढ़ चुके और हर बार कुछ न कुछ हमारी जानकारी बढ़ी ही. हम इस पर एक बढ़ी आलोचना लिखना चाहते थे पर किसी वजह से वैसा न कर सके. इस बक्षत तो हम इतना ही कहेंगे कि यह किताब आँखें खोलने वाली किताब है. बस इसमें कमी इतनी है कि इसकी भाशा इतनी संस्कृतमय कर दी गई है कि बी. प. में हिन्दी लेकर पास करने वाला विद्यार्थी भी इसे आसानी से नहीं समम सकता. मालूम ऐसा होता है कि साधारन हिन्दी जानकारों के लिये यह किताब लिखी भी नहीं गई. पर धर्म पुस्तकों की तरह यह घर में रखने कायक तो है ही.

इस पुस्तक का मसाला उस व्याख्यान-क्रम से लिया गया है जो लेखक ने नागपुर विश्वविद्यालय में दिये थे. इसिलये यह यूनिवरसिटी लायक रियों में रहने के काम की जियादा है और मामूली चादिमयों के काम की कम.

ऐसी किताब में इन्डेक्स का न होना बड़ी आरी कमी है, दूसरे एडीशन में प्रकाशक इसका खयाज रखें. बानगी के तौर पर हम किताब में से नीचे कुछ विये देते हैं:

"बोकमान्य तिलक ने हिन्दू धर्म का जो निन्न लिखित सञ्चन किया है वह सन्तोश जनक नहीं है:---

त्रामाययबुद्धिवेदेषु साधनानामनेकता । जपारवानामनिष्रमः दतद्धर्मस्य सच्चाम् ॥ تون الاتهورام جى پريسى في الكها هي يه معجها والو كو كتاب مهى كها لكها هي يه معجها مهى كوئى دقت نهيال هوسكتى أور هندت سكه الل مشكهوي في يه لكهك كا براهما ميا هي يه يه يه يه الكهوي في يه لكهك كا براهما ورمهرا مهى جهوت وهنا نويك كا جهوت لكهن هي يه يتا ديا هي كه كتاب أي تهمي نهيال لكهى كئى . هم شرى سنگهوي لي رائي مهاي مهاي هدى يه كهاي يه كهاي كها ورائي مهاي هدى يه كهاي يها كها كوئاب بولتي هندى مهال لكهاي يها كوئاتي يهدا كو سكتى هي ، أور وه كرائتى بهنا كهاي هي هوكى، كوئاتى بهنا كو سكتى هي ، أور وه كرائتى بهنا كائي هي هوكى، كوئاتى بهنال كهى گئى، هاكل كهاي كوئاتى بهنال كهاي گئى،

یہ کتاب کچھ مندو دهرم سے جوهکر بہوں لکھی دنی۔
پولے تھنڈے جی سے اتھاس اور رکھان دونوں کو نگاہ میں
رکھکر کسی کا پکھی پات کئے بنا لکھی گئی ہے ۔ جنھوں
نے اسکو لکھا ہے اور جو کچھ اُنھوں نے اِس میں کہا ہے وہ
ریسا کہنے کے هر طرح اُدھ کاری هیں کھونکہ وہ سنسکرت
کے اُچھے گیاتا اور چاروں ویدوں کے پاتھی هوئے کے ساتھ ساتھ
پچھمی ودیا انگریزی کے جانکار یھی هیں اور پچھمی
دوشن شاستر کو بھی اُنھوں نے خوب پوعا ہے ۔ کارل مارکس
کا بھی کتاب میں جگہ جگہ حوالہ ہے ۔ کم سے کم یون سو
کتابوں کا اُس کتاب میں نچوز موجود ہے ، اس کتاب
کی بھومکا لکھی ہے شری نریندر دیو جی نے .

اس پستککو همارے پاس سمالوچنا کے لئے آئے قیرہ پرس هو چکا ، هم تین بار اسکو پڑھ چکے اور هر بار کچھ نه کچھ هماری جائکاری بوهی هی ، هم اس پر ایک بوی آلوچنا لکھنا چاهتے تیے پر کسی وجه سے ویسا نه کر سکے ، اِس وقت تو هم اتنا علی کہینکے که یه کتاب آنکھیں کھولئے والی کتاب ہے ، بس اِس میں کمی اتلی هے که اِسکی بهاشا اللی سلسکرت مے کر دی گئی که بی ، اے ، میں قلمی سلسکرت مے کر دی گئی که بی ، اے ، میں شدول نے کر پاس کرنے والا ودیارتھی بهی اِسے آسانی سے نہیں سمتھ سکتا ، معلوم ایسا هرتا هے که سادعاری هندی جان کاروں کے لئے یه کتاب لکھی بهی نہیں گئی ، پر دهرم جان کاروں کے لئے یه کتاب لکھی بهی نہیں گئی ، پر دهرم جان کاروں کی طرح یه گهر میں رکھنے لائق تو هے هی ،

اس بستک کا مسلم اُس ویاکههان کرم سے لها گها هے جو لهکهک نے ناکهور وشو ودیالے مهن دیئے تھے ، اُسلگے یه بیونهورسائی الانهریریوں میں وہائے کے کام کی زیادہ هے اور معمولی آدمیوں کے کام کی کم .

آیسی کتاب میں انڈیکس کا نہ ہونا ہوی بہاری کمی ہے ۔ فوسرے ایڈیشن میں پرکاشک اس کا خیال رکھیں . باگی کے طور پر ہم کتاب میں سے نینچے کچھ دیئے دیئے ہیں :

'' لوگ مانیه تلک نے هلدو دهرم کا جو نمن لکهمی لکھی کیا ہے وہ سلعوش جلک نہیں ہے :-پورا مانیه بدعهرویدیشو سادعانا نام نیکتا ،

أياسها نام نهمه أيتدهرمسيه لكشكم

संबवी ने अपना अवलोकन लिखा है. पढ़ने वालों को प्रन्थ शुक्त करने से पहले इसे जकर पढ़ लेना चाहिये. ऐसा करने से किताब के पढ़ने में किसी जगह भी अरुचि का ढर नहीं रहेगा. यह किताब मराठी में लिखी गई है, गुजराती रूप इसका दिया जा चुका है और हिन्दी में इसको इस प्रस्तक माला ने निकाला है, इस किलाब में कोसाम्बी जी ने जहां आलोचना की है वहां खासी पैनी कर दी है. अगर इतनी पैनी न होती तब भी फाम चल सकता था. पढने बाने अगर इस पैनी बानोचना से अपने आपको बचालेंगे तो इस किताब में जो सचाई भरी पड़ी है उसका पूरा धानन्द से सकेंगे.

कोसाम्बी जी ने इस किताब में हजारों बरस पहले से चाज के दिन तक भारतीय संसस्कृति के चनेकों रूपों को बड़ी गहराई से पढ़ समम कर अपनी जो राय कायम की है वह ऐसी नहीं है जो यूं ही खड़ा दी जाय. उन्होंने संस्कृति को पांच हिस्सों में बांटा है-एक वैदिक दो अमन, तीन पौरानिक, चार पारवात्य, पांच संस्कृति और अहिन्सा. और इन का मेल कुछ इस तरह बिठाया है जिस तरह आज तक किसी लेखक ने न किया. इसके पढने में आनन्त तो आता है पर यह कहने के लिये कि कोसाम्बी जी ने जो कक लिखा है वही ठीक, इसके लिये इतिहास के बहुत बड़े ह्यान की जरूरत है और उतने ज्ञान का दावा हम नहीं कर सकते. इस तो इस किताब के बारे में इतना कह सकते हैं कि आजकत जितनी ऐसी किताबें लिखी जाती हैं वह या तो इतिहास को निगाह में रखकर या विज्ञान को निगाह में रस कर या दोनों को ही निगाह में रख कर, और यह किताब जियाबातर इतिहास को निगाह में रख कर जिस्ती गई है भौर इतिहास के बारे में कुछ विद्वानों की यह राय है कि बह कभी सबा नहीं हो सकता और हम भी इस राय के हैं. इसलिये हम को इसके सममने में थोड़ी मुशकिल होती है. हो सकता है यही मुशकिल पाठकों को भी हो.

कुछ भी सही कोसाम्बी जी ने इस किताव में ऐसे धिचार दे दिये हैं जिन पर चिन्तन करने के लिये जी मचल षठता है और ऐसी सामग्री इकट्टी कर दी है जिससे इस विशय पर लिखने वाले लेखकों को बेहर मदद मिल सकती हैं.

किताब बड़े काम की है. भाशा बहुत मुशकिल नहीं है लायन रियों के बढ़े काम की है और लेखकों के पास तो यह रहनी ही चाहिये,

हिन्दू धर्म की समीक्षा-

यह इसी पुस्तकमाला का द्सरा फूल है. यह भी असल में मराठी में लिखी गई है और इसके लेखक हैं तक तींब पंडित सम्मन शास्त्री जोशी. इसका दिन्दी अनुवाद किया है

سَلَّمُهُوى لِي أَيْمًا أُواوكن لكها هِ . يَوَهُلِي والرس كو گرنته شروع کرنے سے پہلے آسے ضرور پود لیدا چاھئے ۔ آیسا کرنے سے کتاب کے پومنے میں کسی جگہ بھی آروچی کا در نهين رهيكا . يت كلا ب مراتهي مين الكهي كثر هي كتجراتي روب اِسکا دیا جا چکا ہے اور هددسی میں اِس کو اس یستک مالا نے نکالا ہے ۔ اس کتاب میں کوسامیں جی نے جہاں آلوچلا کی ہے وہاں خاصی پیلی کردی ہے. اگر اتفی پیلی نه هوتی تب یهی ام چل سکتا تها: پرهف والے اگر اس پیفی آلوچذا سے آپ آپ او بچالیفگے تو اس کتاب میں جر سجائی بہری پتی ہے اُس کا پورا آنلد لے سکھلکے

کوسامیمی جی نے اس کتاب میں ہزاررں برس پہلے سے آپے کے دن تک بھارتھہ سلسکرتی کے اُنھکوں روپوں کو برّی گہرائی سے پوھ سنجھ کر آپائی جو رائے قالم کی ہے وہ ایسی نہیں ہے جو یوں می آزندی جائے . انہرں نے سنسكرتي كو ياني حصول ميل بانقا في اليك ويذك ا هو شرمی تهن بورانک چار پاشچانه، پانچ سنسکرتی ارر اهنساً . اور ان كا ميل كنوبه اس طرح بتهايا ه جسطرح آج تک کسی لیکھک نے نه کھا ، اِسکے پوهنے میں آنند تو آتا ہے پر یہ کہلے کے لئے که کوسامهی جی لے جو کچھ لکیا ہے وہی تھیک اسکے لئے انہاس کے بہت ہوے گیاں کی ضرورت ہے اور اُتنے کہاں کا دعوا ہم نہیں کر سکتے . هم تو اس کتاب کے بارے میوں اتدا کہ سکتے هیں که آجکل جعلی ایسی کتابوں لکھی جاتی هیں وہ یا تو اُنهاس کو نگاه مهی رکه کر یا وگهان کو نگاه مهی رکهکر یا درنون کو هی نگاه مهن رکه کو . اور یه کتاب زیاده او انہاس کو نکاہ میں رکھ کر لکھی گئی ہے ارر انہاس کے ہارے میں کچھ ودوانوں کی یہ رائے کے کہ وہ کبھی سعا نہیں هوسکتا اور هم بھی اِس رائے کے مهن ، اُس لئے هدکو اِس کے سمجھلے میں تهوری مشکل هوتی هے . هوسکگا هے يوں مشکل پائهکوں کو پھی هو .

کچھ بھی صحیم کو سامھی جی نے اِس کتاب میں ایسے وجار دے دائے میں جن پر چندن کرنے نے لائے جی منهل أَتَّهِمًا هِم أور أيسى سامكري أنتهي كردي هِم جس سے اس وشہ پر لکھنے والے لیکھکوں کو بے حد مدد مل

كتاب يوے كام كى هے ، بهاشا بهت مشكل نهيں هے. المربريوں كے بوے كأم كى هے اور ليكهكوں كے ياس تو يه رهلی هی چاهنّے ،

. هفور دهرم کی سمهکشا ---

يه اسي يستک مالا كا دوسرا يهول هـ. يه بهي اصل مهن مراقهی هیں لکھی گئی ہے اور اُس کے لیکھک میں ترک تیرتھ فَقِيَّاتُ لِكُومِ بِنِ شَاسِكُونِ جَوِشِي لِسِ لَا هَلَانِي أَنْرُوادَ كِيا هِـ



हेम चन्द्र पुस्तक माला-

हिन्दी प्रनथ रक्नाकर कार्यालय, हीरा बाग्न, गिरगांव, 'बन्बई के मालिक श्री नाथुराम प्रेमी हिन्दी की खच्छी किताबें निकालने के लिये हिन्दुस्तान भर में मशहूर हैं. इस की एक वजह यह है कि वह खुद एक बड़े उंचे दरजे के लेखक हैं. और दूसरी बजह यह है कि उनकी साहित्य की रुखि बड़ी उंची है. यह हैम चन्द्र मोदी पुस्तक माला उन्हों ने ही शुरू की है. हेम चन्द्र प्रेमीजी के एकलीते बेटे थे. बह भरी जवानी में उन्हें छोड़ कर चल बसे. प्रेमी जी ने उनकी याद में दुख में गलने की जगह यही ठीक सममा कि उस जवान की मन लगती चीजें ही छापकर ससते दामों में पढ़ने वालों तक पहुँचा दी जायं. इस के लिये उन्होंने दस हज़ार रूपया खलग कर दिया. और इस तरह से बेटे की जगह बाप ने बेटे का श्राद्ध किया. यादगार का यह इसा ही खच्छा तरीका है.

इस पुस्तक माला की पांच कितावें हमें मिल चुकी हैं जिनके नाम हैं:

- 1. भारतीय संस्कृति और अहिंसा
- 2. हिन्दू धर्म की समीज्ञा
- 3. जड्बाद
- 4. स्वतंत्र चिन्तन
- 5. नारी का मूल्य

इन में से स्वतंत्र चिन्तन और जड़वाद की आलोचना विसम्बर सन '50 के 'नया हिन्द' में हो चुकी है. बाकी तीन की इसी अंक में दी जा रही हैं.

इस पुरतक माला के सभी प्रनथ ऐसे हैं जो हर सायम दी सीर हर घर में होना चाहियें.

मारतीय संसकृति और अहिन्सा

बर देश चन्द्र मोदी पुस्तक माला का पहला फूल है. कि के दे स्वर्गीय धर्मानन्द को साम्बी. इसका दाम दो कि के कि पुस्तक के शुरू में मशहूर पंडित सुखलाल

هيم چندر بستک مالا—

هندی گرنته رتفاکر کاریالیه هیرا باغ گراؤن بسبتی کی امیک شوی کاتبیں کی مالک شری ناتهورام پریمی هندی کی اجھی کتابیں نکالفے کے لئے هندستان بهر میں مشہور هیں ، اِس کی ایک وجه یه هے که وہ خرد ایک برے اونچے درجے کے لیک میں ، اور دوسری وجه یه هے که اُن کی ساهته کی رچی بری اُنچی هے . یه هیم چندر مودی پستک مالا اُنہوں نے هی شروع کی هے . هیم چندر پریمی جی کے اکلوتے بیتے تھے ، وہ بهری جوانی میں اُنهیں چھود کر چل بسے ، پریمی جی نے اُن کی یاد میں دکھ میں کی لئلے کی جگه یہی تبیک سمجھا که اُس جوان کی من کلا کی جوابی هی پہنے داموں میں پوهنے والوں لگی چوزیادی جئیں ، اِس کے اُئے اُنہوں نے دس هزار دریه کا گراده کیا ، اور اِس طرح سے بھٹے کی جگه باپ دریه کی جیا هی اُنہوں نے دس هزار دریه کا گراده کیا ، اور اِس طرح سے بھٹے کی جگه باپ دریه کیا ہی اُنہوں نے دس هزار ایس کے اُئے اُنہوں نے دس هزار ایس طرح سے بھٹے کی جگه باپ دریه کیا ہی اُنہوں نے دس مریه کیا ہی اُنہوں نے دس طریقه کی جگه باپ

ر ایس پستک مالا کی پانچ کتابیں همیں مل چکی هیں جن کے نام هیں :

- 1, بهارتیه سدسکرتی اور أهدسا
 - 2 هلدو دهرم کی سمهکشا
 - 3. جو واد
 - 4. سوتلتر چندن
 - 5. نارى كا مولية

ان میں سے سوتندر چندن اور جورانہ کی آلوچنا عسمبر سن 50^\prime کے 'نہا ہند' میں ہو چکی ہے ، یاتی عسمبر سی انک میں دی جارہی ہیں .

إس پستک مالا کے شبهی گرنته ایسے هیں جو هر
 الهواری اور هر گهر میں هونا چاهایں ۔

بهارتهم سنسكرتي أور اهنسا

की. मां ने कहा कि तू जो सुशीका की इतनी वारीक करती है वो फिर तू भी उसकी तरह क्यों नहीं पढ़ना किसाना शुरू करती. कुशीला ने कहा कि मेरा मन वो पढ़ने किसान में जगता नहीं है. मैं सुशीला की तरह किस तरह काम करूं. मां ने कहा कि जब सुशीला का मन लग जाता है तो तेरा क्यों नहीं लगता. उसी के पास तू भी जा कर बैठा कर और जिस तरह बह सब करती है उसी तरह तू भी करना शुरू कर दे. कुशीला ने कहा कि अच्छी बात है मैं आज शाम को सुशीला से पूछू गी.

नोट: सुशीला और कुशीला की कहानी का यह सिक्षिता यहाँ खत्म हो जाता है, मगर आगे की एक चिट्ठी
में इसका नतीजा यह निकला है कि सुशीला के अच्छे
असर में आकर कुशीला ने भी अपना मन पढ़ने लिखने
में लगाया और अपना हर काम ठीक वक्षत पर सलीके से
करना और पढ़ना सीखा, और थोड़े ही दिनों में वह भी एक
बहुत अच्छी लक्की बन गई.

भारत देस

(बहन सैयदा फरहत)

कितना अच्छा, कितना प्यारा

सुन्दर भारत देश हमारा

फूल हैं इसमें रंग विरंगे
नीले, पीले, सब्ज और ऊदे
सब से हैं इस बाग्र की शोभा
बाग्र का जीवन, सबका एका
भारत माता सबकी मां है
सब में अटकी उसकी जाँ है
हिन्दू, मुसलिम, सिक्झ, ईसाई
इसके पूत, आपस के भाई
सब के सुख से उसको सुख है
भारत बाग्र की नन्ही कितयो
नन्हे मुन्ने, प्यारे बच्चो !

अपनी खुराबू से महकाओ सब फूलों को अपनाओं तुम पीत भरे नरामे गाओं तुम

> बात की रहा कर्य है तुम पर देश की सेवा कर्य है तुम पर

> > (बरदू 'बाजकल' से)

बारा को अपने खुब सजाओ

علی مال فی کہا کہ تو جو سوھیلا کی آتھی قمریف آوای کی تو پہر تو بھی اسکی طرح کیوں نہیں پڑھٹا لکھٹا شہوی کوئی۔ کوئی۔ کوئی۔ کوئیا کہ میں سوشیلا کی طرح کس طرح کام کروں ، میں سوشیلا کی طرح کس طرح کام کروں ، ماں نے عکہا کہ جب سوشیلا کا میں لگ جاتا ہے تو تھڑا کیوں نہیں لگتا ، اسی کے پاس تو بھی جاکر بیٹھا کر اور جس طرح وہ سب کرتی ہے اسی طرح تو بھی کرنا شروع کردے ، کوئیلا نے کہا کہ اچھی بات ہے میں آج شام شروع کردے ، کوئیلا نے کہا کہ اچھی بات ہے میں آج شام کو سوئیلا سے پوچھونگی ،

نوت: سسوشیلا اور کوشیلا کی کہاتی کا یہ سلساء یہاں خام هوجاتا ہے، مگر آئے کی ایک چاتی میں اس کا نتیجہ یہ نکلا ہے کہ سوشیلا کے اچھے آثر میں آکر کوشیلا نے بھی اپنا میں پڑھنے لکھنے مدی لگیا اور آپنا هر کام انہوں واللہ کو سلیقے سے کرنا اور پڑھنا سیکھا اور تھوتے ہی دنوں میں وا بھی ایک بہت آچھی لوکی بن گئی .

بهارت ديس

(بهن سهدة فرحت)

کتف اچها، کتف بهارا اسلار بهارت دیش همارا بهارت دیش همارا نگری پهول هیس اس میس رنگ برنگی سب سی سے هے اس باغ کی شوبها بهائ کا جیون، سب کا ایکا سب کی ماں هے بهارت مسلم، سکم، عیسائی اس کی جان ها هدر، مسلم، سکم، عیسائی اس کی جان ها ایس کے پوت، آپس کے بهائی اس کو سکم ها اس کو سکم ها اس کو دو هم ها کوئی دکمی هو، اس کو دو هم ها بهارت باغ کی نقمی کلیو بهائی نقیم مینی، پهاری بحورا بهائی کلیو بهائی خوشمو سے مہکاؤ تم ایکی بهاری نقیم گاو تم بهائی بهاری نقیم گاو تم بهائی بهاری نقیم گاو تم بهائی بهاری نقیم گاو تم بودید بهائی نقیم گاو تم بودید بهائی نقیم گاو تم بودید بهائی بهاری نقیم گاو تم بودید بهائی نقیم گاو تم بودید بهائی بهاری نقیم گاو تم بودید بهائی بهان بهائی نقیم گاو تم بودید بهائی بهائی

(أردو " أج كل " مد)

किकी बंगसा 12-6-²06

राधे,

कल की चिट्ठी की तरह आज भी सुशीला कुशीला की बातें किस्बी जाती हैं. सुशीला ने कहा कि बालों का गिनना तो आसान है क्यों कि उनको हर तरह से इह सकते हैं. तोल सकते हैं और एक एक अलग कर के गिन सकते हैं. मगर तारों को तो न क् सकते हैं न अलग अलग कर सकते हैं. फिर भी गिनने वालों ने जितने तारे आंख से दिखाई देते हैं उन को तो गिन ही लिया है. उनके अलावा जितने बड़ी से बड़ी दूरबीन से दिखाई देते हैं उनको भी गिन लिया है. और सिर्फ गिना ही नहीं है बल्कि हर एक तारे का नाम रख दिया है, और इनकी फोहरिस्तें बना ली हैं भौर उनको पहचानने की तरकीवें निकाल ली हैं. क़शीला ने पूछा कि तारों को क्यों कर गिन सकते हैं. वह तो इतनी दूर हैं और जहां देखो वहां एक के उत्पर एक पास पास गुच्छे दिलाई देते हैं. सुशीला ने कहा अभी तो मैंने इतना पदा नहीं है कि सब तरह के तारों को गिन लूँ और पहचान लॅं. मगर बड़े बड़े मशहूर मशहूर तारों का पहचानना तो इब्र भी मुशकिल नहीं है. यह जो तरह तरह की शकलें तारों की मैंने कल रात को तुम्हें दिखलाई यह इसी वास्ते तो बनाई हैं कि जो जो तारे इन शकलों को बनाते हैं वह फौरन पहचाने जा सकें. कुशीला ने पूछा कि अच्छा बतायी कि जितने तारे हमें आंख से दिखाई देते हैं वह कितने हैं. सुशीला ने कहा कि जितने तारे आंख से साफ दिखाई देवे हैं वह तो सिर्फ़ तीन हजार हैं. और इन में से तीन सी या चार सौ तारे पेसे हैं कि जो उन शकतों के जरिये जो मैंने तुम्हें इल दिखलाई, बड़ी आसानी से पहचाने जा सकते हैं. बाक्तियों का पहचानना जरा मुशकिल है. कुशीला ने कहा कि अरी सशीला तुमे यह सब बातें क्यों कर और कहां से मालूम हो गईं. सुशीला ने कहा कि कुछ तो कितावों के पढ़ने से और कुछ अपने बढ़े भाई से जो कालिज में पहते हैं.

यह बार्वे हो ही रही थीं कि इतने में पांच बज गए.

मुशीला ने कहा कि मेरे तो उठने का वक्त हो गया. में

तो अब नहाने धोने जाती हूँ, फिर पढ़ने लिखने का काम
करूंगी. बेहतर है कि तुम भी इसी तरह करो. सब काम
ठीक वक्त पर करने चाहियें ताकि फजूल वक्त जाया न
हो. तुम मेरी उजली चादर अपने बिस्तरे में बांध कर ले
आधो. मैं तुम्हारी मैली चादर कल तक धुलवा दूंगी. फिर
बादरें बदल लेंगे. यह कह कर सुशीला तो उठ कर चली
गई और अपनी मां से जाकर सुशीला की बड़ी तारीक

12-6-06.

کل کی چہتی کی طرح آج بھی سوشیلا کوشیلا کی ہاتیں لکھی جاتی ھیں۔ سوشیلا نے کہا که بالوں کا گلنا تو آسان مے کھونک، اُن کو هر طرح سے چهو سکتے هيں' تول سمتے هيں اور ايك ايك الك دركے كن سكتے هيں . مكر تارول کو تو ند چهو سکتے هيں ند الگ آلگ کر سکتے هيں. پھر وہی گللے والوں نے جتنے تارے آنکھ سے دعهائی دیتے ههں أن كو تو كن هي لها هـ . أن كے علاوہ جلائے بوس سے ہوی دوربین سے دکھ ٹی دیتے هیں اُن کو بھی گن لھا ھے . اور مرف گذاهی نهوں هے بلته هر ایک تارے کا نام رکھ دیا ہے، اور ان کی فہرستین بناای میں اور اُنکو پہنچانیا۔ کی ترکیبیں نکال لی هیں ، کوشیلا نے پوچھا که تاروں کو کیوں کر کی سکتے هیں وہ تو اتلی دور هیں اور جهاں دیکھو ہماں ایک کے اوپر ایک پاس پاس کچھے دکھائی دیتے هیں ، سرشیلا نے کہا ابھی تو میں نے اتنا پرها نہیں ہے که سب طرح کے تاروں کو کن لوں آور پہنچان لوں ، مگر ہوے ہوے مدہور مشہور تاروں کا پہنچاندا تو کچھ بھی مشکل نہیں ہے ، یہ جو طرح طرح کی شکلیں تاروں کی میں نے کل رات کو تمہین دکھائیں یہ اسی واسطے تو بفائي هيں که جو جو تارے أن شكاوں كو بناتے هيں وہ فوراً يبحال جاسمين ، كرشيلا نے پوچها كه أجها بعار كه جعلے تاریم همهس آنکه سے دکھائی دیتے هیں وہ کتیے هیں . سرشهلا نے کہا که جدنے تارے آنکہ سے صاف دکھائی دیدے هين ولا تو صرف تين هزار هين ، أرر أن مهن سے تهن سو یا جار سر تارے ایسے هیں کہ جو اُن شکلوں کے ذریعے جو میں نے کل تمہوں دکھلائیں' بری آساس سے پہنچانے جاسكتے هيں، ياقهوں كا پهنچانئا۔ذرأ -شكل هے ، كوشيلا نے کیا کہ اربی سوشیلا تجھے یہ سب باتیں کیوں کر اور کہاں سے معلوم هواگهن . سرشهالا نے کہا که کنچه تو کمایوں کے يوها لي اور كنوه أنه بور بهائي سے جو كليم مهن بوعقے

یه باتیں هو هی رهی تهیں که أنلے میں پانچ بیج گئے. سوشیلا نے کہا که میرے تو انهنے کا وقعت هوگها ، میں تو انهنے کا وقعت هوگها ، میں تو انهنے کا وقعت کو اب نہائے دهوئے جاتی هوں' پهر پرهئے لکھلے کا کام گرونگی ، بهتر هے که تم بهی أسی طرح کرو ، سب کام تهیک وقت ضائع نه هو . تم میری اجلی جادر ایے بسترے میں بانده کر لے جاؤ ، میں تمہاری میلی جادر کل تک دهلوا دونگی ، پهر میلی جادر کل تک دهلوا دونگی ، پهر میلی بدل لیلگے ، یه که کر سوشیلا تو آله کر میٹی کئی اور کوشیلا آبا بسترا بانده کر اینے کهر جالی تعریف اور ایلی مال سے جاکر سوشیلا کی بری تعریف

उसको ठीक ठीक पढ़ने और सममने से भगवान का हाल और उसकी मरजी मालूम होती है. इस वास्ते छोटी या बड़ी जो चीज भगवान की बनाई हुई हम को मिले या दिखाई दे उसका असल हाल मालूम करने की कोशिश करनी चाहिये.

कुशीला ने पूछा कि अच्छा यह जो तरह तरह की शकतें तारों की बनाई हैं इसका क्या फायदा है. सुशीला ने कहा कि यह शकलें कोई असली थोड़ी हैं. यह तो सिर्फ तारों को पहचानने और गिनने में और उनको अलग अलग द्रबीन वरौरा से देखकर उनका हाल मालम करने के वास्ते यों ही मुक़र्रर कर की हैं. इसी वास्ते बाजी बाजी शकतें तो ठीक ठीक मिल जाती हैं और बाजी ठीक नहीं मिलतीं, मसलन बड़े कुत्ते के तो पैर भी मालूम होते हैं. पंछ भी और कान भी. मगर छोटे करों का तो सिर्फ मंह भौर पीठ ही पीठ दिखाई देती हैं. असल मतलब तो इनका सिर्फ यह है कि सारे तारे गिने और पहचाने जा सकें. क्कशीला ने हैरान होकर कहा कि हैं! तारों को भी कोई गिन सकता है ? यह तो इतने सारे हैं कि कोई सारी उमर गिने जाय तो भी खतम न हों. सिर के बाल और आसमान के तारे तो अनगिनत हैं, इनको क्यों कर कोई गिन सकता है, सुशीका ने कहा कि जो पढ़े न लिखे न सोचे न अक्रल को काम में लाए उसके लिये तो कोई काम भी आसान नहीं, सब मुशकिल मालूम होंगे. मगर जो भगवान की वी हुई अक्रल को काम में लाए और अच्छी अच्छी किताबें पढ कर जो कुछ उन में लिखा है उसकी बाबत खब सोचे बहु मुशकिल से मुशकिल काम के लिये भी कुछ न अब्ब तरीक़ा निकाल लेता है. देखो तुम्हें तो आसमान के तारे और सिर के बाल अनगिनत मालूम होते हैं लेकिन गिनने बालों ने दोनों को गिन लिया है और कितां में लिख विया है. सिर के बाल गिनने तो कुछ बहुत मुशकिल भी नहीं हैं. क्योंकि अगर किसी के वाल विलक्कल बरावर काट कर तोल लें और फिर जितने बाल एक रत्ती या एक माशे में हों इन को गिन लें तो फिर सारे वालों की गिनती मालूम हो जायगी. मसलन अगर किसी के सब बाल जो काटे गए आध पाव यानी दो छटांक वजन में हों, और एक रत्ती में सी बाल गिने जायं तो सारे बाल आध पाव की रत्तियां बना कर फिर सौ में जरब देने से निकल आयंगे, जैसे देखों आध पाव की हो छटांक और दो छटांक के 10 तोजे और दस तोलों के 120 मारो और 120 मारों की 960 रित्यां बनीं. इसलिये कंगर एक एक रत्ती में सी बाल होते हैं तो 960 रितयों में 960 × 100 यानी 96000 वाल करा सिर पर हुए. कुशीला बड़ी अवरज में पड़ी कि अरे त तो सिर के बाल भी गिन सकती है.

آسکو تھیک تھیک ہوھئے اور سمجھئے سے بھگواں کا خال اور آس کی مرضی معلوم ہوتی ہے۔ اِس واسطے جھوائی یا ہوی جو چیز بھگواں کی بنائی ہوئی ہم کو ملے یا دکھائی دے اُس کا اصل حال معلوم کوئے کی کوشش کرئی جاھئے۔

كوشيلا نے پوچها كه اچها يه جو طرح طرح كى شكلهن تارس کی بنائی هیں اِس کا کیا فائدہ ہے . سوشیلا نے کہا که په شکلین کوئی اصای تهوری هین . په تو صرف تاروں کو پہنچانئے اور گذاہ میں اور اُن کو الگ الگ دوربین وفیرہ سے دیکھ کر أن كا حال معاوم كرنے كے واسطے يس هى مقرر كرلى هيں ، أسى وأسطم بعضى بعضى شكليس تو تهدی تهدی مل بجاتی هدن ارد بعضی تهدک نهدن ملتیں ، مثللًا بی کتے کے تو پہر بھی معلوم ہوتے ہیں۔ پونچه بهی اور کان بهی ، مکر چهوتے کتے کا تو صرف منه اور پیٹم هی پیٹم دکهائی دیتی هے . اصل مطلب تو اِن کا صرف یہ هے که سارے تارے گئے اور پہنچائے جاسکھیں . کشیلا نے حیران ہوکر کہا کہ ہیں! تاروں کو بوی کوئی كن سكامًا هم ؟ يه تو أدلم سارم هيس كه كوئى سارى عمر کلے جائے تو بھی خدم نه هوں . سر کے بال اور آسمان کے تاری تو ان گفت هیں' اِن کو کیونکر کوئی کن حکا هی موشیلا نے کہا کہ جو پڑھے نه لکھے نه سوچے نه عقل کو کام مہیں لائے اُس کے لئے تو کوئی کام بھی آسان نہیں اُ سب مشكل معاوم هونكي ، مكر جو بهكوان كي دي هرئي مقل کو کام میں لائے اور اچھی اچھی کتابیں پوھ کر جو كجية أن مهن لكها هي أس كي بابت خرب سوچ ولا مشكل سے مشکل کام کے لئے بھی کچھ نہ کچھ طریقہ نکال لیٹنا ھے . دیکھو تمہدر تو آسمان کے تارے اور سرکے بال ان گلمت معلوم هوتے میں لیکن گذیبے والس نے دونوں کو کن لھا ہے اور رکتابیں مهن الله دیا هے . سر کے بال کللے تو کچه بہت مشعل بھی نہیں ھیں ، کیونکہ اگر کسی کے بال بالکل ہراہر کات کر ترل نیں اور پھر جتنے بال ایک رتی یا ایک ماشے میں هوں أن كو كن لهن تو پهر سارے بالوں كى گنتی معلوم ہو جائے ئی . مثلًا أَدُر كسى كے سب بال جو کتے گئے آدم پاؤ یعلی دو چھٹانک وزن میں ھیں اور ایک رتی میں سو بال گئے جائیں تو سارے بال آدھ یاؤ کی رتبان بناکر پہر سو میں ضرب دینے سے نکل آئیں کے . جیسے دیکھو آدھ پاؤ کی دو چھٹانک اور دو چھٹانک کے 10 تولے اور دس تولین کے 120 ماشے اور 120 ماشوں کی 960 رتيان بقين . إس الله اكر ايك ايك رتى مين سو ياق هوتي ههي تو 960 رتيون مين 100 × 960 يعاي 96000 يال كل سر پر هرئية . كوڤيلا بوي أبو ي مون پون کو اونے کو تو سر کے بال بھی کی مکتی ہے .

अपनी सब बादरों को संभात कर रखी और जहाँ एक परा भी मैली ही उसे फौरन धुली की नेदी और बोबन जब कपड़े लाए तो खुब अध्छी तरह देख कर लो और जो कपड़ा खराव धुला हुआ हो उसे फिर भोकर लाने के बास्ते बापस कर दो और उसकी धुलाई न दो, तो आप मे आप कपड़े हमेशा उजले रहेंगे भीर अच्छे धुलने लगेंगे. मेरे पास तीन चादरें श्रीर भी धुली हुई रखी हैं, मैं एक तुम्हें लाकर देती हैं और सुबह तम्हारी मैली चादर को खड़े घाट अपनी धोषन से धुलवा दूंगी. फिर देखो तुम्हारी चादर भी ऐसी ही अजली हो जाती है कि नहीं. यह कह कर सुशीला ने इशीला को एक उजली चादर ला दी और मैली चादर मैले कपड़ों में बाँध कर रख दी. फिर जब दोनों अपनी अपनी खाटों पर लेट गई तो सुशीला ने कुशीला को तारों में बड़ा खटोला. छोटा खटोला, तारों का शेर, सांप भीर बिच्छू, समुन्दर का सांप, अजद्हा, और कब्बा और प्याला यह सब दिखालाया, सफोद और लाल दिनया विखलाई और यह भी बतालया कि यह जो तार दिखाई देते हैं इन में से जो लपक लपक नहीं करते वह तो दुनियाएं हैं भीर बाक़ी सब सूरज हैं.

सुदह दिन निकलने से एक घंटा पहले जो सुराीला की भाँख खुली तो उस ने कुशीला को तारों का देव, साँड भौर बड़ा कुत्ता भौर छोटा कुत्ता दिखाया.

> चेले वहान 11-6-'06

राधे,

कल भी सुशीचा कुशीला का हाल लिखा था आज फिर वही

कुशीला ने जब तारों का देव और कुत्ते और खरगोश और सांख और जहाज बग़ैरा सब देख लिये तो फिर उसने सुशीला से पूजा कि इन तारों को देखने और पहचानने से कायदा क्या १ सुशीला ने कहा कि सब से बड़ा कायदा तो यह है कि भगवान की बनाई हुई जितनी जियादा बीकों को इम देखें, पहचानें और उनका सही सही हाल माल्म करें, उसी क़दर जियादा हमें यह पता लगेगा कि परमेरवर असल में कौन है, कैसा है, और उसकी क्या मरजी है. जिस तरह हम को किसी आदमी की बनाई की किताब को पढ़ने से माल्म हो जाता है कि वह आदमी किसा है और उसका क्या मतलब और उसकी क्या राय है हमी तरह सगवान की बड़ी मारी किताब, जो इस

الله سب جادروں کو سلیمال کو رکوو اور جھائی ایک قوا ہوی صهلی هو اسے دورا دهلئے کو دے دو اور دهوین جب کھڑے اللہ تو خوب اچھی طرح دیکھکر لو اور جو کھڑا خراب دھا ھوا ھو أس بور دھركر لانے كے واسطے واپس كر دو اور أس كى دھائى نه دوا تو آپ سے آپ کھڑے مدوشہ اُجلے رمیں کے اور اچھ دهلئے اکیں گ میرے پاس تین چادریں اور بھی دهای هولی رکهی هیں؛ میں ایک تمهیں لادر دیاتی هیں ارد صرم تمها می مهلی جادر کو کهرے گهات آیلی دهوین سے دهلوا دونگی . پهر ديکهو تمهاري چادر بهي ايسي هي أجلى هوجاتي هے كه نهيں . يه كهكر سوهها في كوشها كو ایک آجاء چادر لادی اور میلے چودر میلے کھروں موں باندهکر رکه دی . پهر جب دونوں ایلی اید که توں پر لهت گئیں تر سرهيلانے كرشيلا كو تاروں ميں برا كهاولا جهرانا كهتولاً تارون كا شهرا سانب اور ينهموا سملدر كا ساسي اودها اور كوا اور يهاء يه سب دكهالها سفهد اور ور دنیا دکھائے اور یہ بھی بعقیا اللہ یہ جو تارے داھائی دیتے میں اِن میں سے جو لیک لیک نہیں کرتے وہ تو دنهائهن ههن أور باقي سب سوريم هدى .

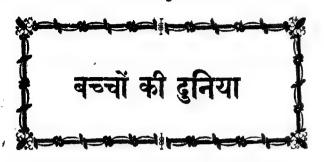
صیمے دن نکلئے سے ایک کہنتہ پہلے جو سوشیہ کی آنکہ کہلی تو اُس نے کرشیا کو تاروں کا دیو' سانڈ اور ہوا کتا اور چھوٹا کتا دکھایا ۔

چهلے وہاں 11-0-106

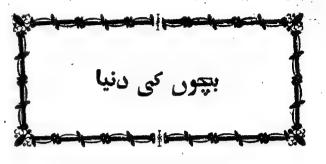
رادهے'

کل بھی سوشیلا کوشیلا کا حال لکھا تھا آج پھر وھی .

کوشھلا نے جب تاروں کا دیو اور کتے اور خرگوش اور
سابق اور جہاز رقیرہ سب دیکھ لیئے تو پھر اُس نے سوشھلا
سے پوچھا که اِن تاروں کو دیکھنے اور پھچانئے سے قائدہ
کھا اُ سوشھلانے کہا کہ سب سے بوا فائدہ تو یہ ھے کہ بھگوان
گھی بلدئی ھوئی جتلی زیادہ چھڑ ں کو ھم دیکھیں،
پھچ نیں اور اُن کا سہی سہی حال معلوم کریں، اُسی
قدر زیادہ ھمیں یہ بتہ لکے کا کہ پرمیشور اُصل میں کون
قدر زیادہ ھمیں یہ بتہ لکے کا کہ پرمیشور اُصل میں کون
گھی کیسا ھے اور اُس کی کیا مرضی ھے . جس طرح ھم
کو کسی آدمی کی بقائی ھوئی کتاب کو پوھنے سے معلوم ھو
جہاتا ہے کہ وہ آدمی کیسا ھے اور اُس کا کہا مطاب اور
جہاتا ہے کہ وہ آدمی کیسا ھے اور اُس کا کہا مطاب اور



चेते वहान 10-6-'06.



چهانے وہاں 10-6-'06

وادهے'

كيشهلالا من سرشها مين ايسا لنا كه شام هركدًى اور أبي گھر جانے کی یاد ھینه آئی سوشید نے کہا که اگر تم رأت کو یہاں هی سوجاؤ تو مرس تمہیں تارے دکھاؤں کی اور اُن سے جو طرح فاوج کی شکلیں بلکی ہیں رہ بھی ۔ کوشیلا نے کہا اچھا میں آیے گھر کہ آؤں پھر ابھی آجاؤں گی . یہ کہکر کوشیلا نے اپنی ماں سے جا کر کہا کہ میں تو آج سوشیلا کے گهر سرونگی ، امال نے پوچها که کیوں ، کوشیلا نے کہا کہ شوشیلا نے تو مجھے آج بھی اچھی اچھی باتیں سفائیں ، میرا من کرتا ہے که اُس کے پاس هی بہتھی رهوں، ماں نے پوچھا' کیا باتیں سوشیلا نے بگائیں ، کوشیلا نے بعایا کہ دن میں تو پڑھانے لکھانے کی باتیں بعائی رھی أب رأت كو تارے دكھائے كى . ماں نے پوچھا تاروں كو ديكهاليس كيا فائده هي ، كوشيلا نر كها مجهي تو خبر تهين . یہ بھی سوش لا سے پوچھ لونکی ، ماں نے کہا اُچھی بات ھے اگر سوھیلا کے پاس تیرا اِنکا من لکتا ھے تو رھال جاکو آبے سورہ ، ہسترا اینا لے جا .

کوشیلا ایلا بسترا آنها سوشیلا کے یہاں پہونچی، دونوں کی کھاتیں جھت پر بچھ گئیں ، سوشیلا نے جو ایلا بستر بچھا یا تو برا اُجلا اور صاف تھا ، چادر بالکل سفید دھلی ھوئی جس میں نہ گلجلت تھی نہ کوئی دھیہ مگر کوشیلا نے جو اپنا بسترا کھولا تو اُس کی چادر بالکل میلی اور بدبو دار نکلی ، اور سارے میں گلجلتیں پوی مہلی اور بدبو دار نکلی ، اور سارے میں گلجلتیں پوی ھوابی ، سوشیلا نے کہا اُرے کھسی میلی چادر ہے' تم ایسی خراب چادر پر خبر نہیں ، کوشیلا نے کہا کہ ھم تو اکثر ایسے ھی بستروں پر سویا کرتی ھی اور مھری ماں کی جادر بھی بستروں پر سویا کرتی ھی اور مھری ماں کی جادر بھی جادر ایسی ھی میلی کھونکر رھتی ہے ، خبر نہیں سوشیلا تیری جادر بھی جادر ایسی اُنٹلی کھونکر رھتی ہے ، خبر نہیں سوشیلا تیری جادر ایسی اُنٹلی کھونکر رھتی ہے ، شاری تو جب دھویں ہوتی ایسی اُنٹلی کھونکر رھتی ہے ، شاری تو جب دھویں ہوتی ، بھی ایسی نہیں ھوتی ،

राधे,

कुशीला का मन सुशीला में ऐसा लगा कि शाम हो गई और इसे घर जाने की याद ही न आई. सुशीला ने कहा कि जगर तम रात को यहाँ ही सो जाओ तो मैं तुम्हें तारे विकाऊँगी और उनसे जो तरह तरह की शकलें बनती हैं बह भी. कुशीला ने कहा अच्छा मैं अपने घर कह आऊँ फिर अभी आजाऊँगीं. यह कह कर क़शीला ने अपनी माँ से जाकर कहा कि मैं तो आज सुशीला के घर सोऊँगी. माँ ने पछा कि क्यों. कुशीला ने कहा कि सुशीला ने तो मुक्ते आज बड़ी अच्छी अच्छी वातें सुनाई. मेरा मन करता है कि इसके पास ही बैठी रहूँ, माँ ने पूझा, क्या वातें सुशीला ने बताई. छुशीला ने बताया कि दिन में तो पढ़ने लिखने की बातें बताती रही अब रात को तारे विखलायगी. माँ ने पूछा तारों को देखने से क्या फायदा है. कुशीला ने कहा मुक्ते तो सबर नहीं. यह भी सुशीला से पूछ लंगी. माँ ने कहा भक्की बात है अगर सुशीला के पास तेरा इतना मन क्षगता है तो वहां जाकर आज सो रह. विस्तरा अपना ले जा.

कुशीला अपना विस्तरा उठा सुशीला के यहाँ पहुँची. दोनों की खाटें छत पर विक्र गईं. सुशीला ने जो अपना विस्तर विद्याया तो बड़ा उत्रला और साफ था. चादर विज्ञकुल सफोद धुली हुई जिस में न गुजंलट थी न कोई धब्बा . मगर कुशीला ने जो अपना विस्तरा खोला तो उस को चादर विज्ञकुल मैली और बद्बूद्वार निकली. और सारे में गुँजलट पड़ी हुई. सुशीला ने कहा कि अरे कैसी मैली चादर है, तुम ऐसी खराब चादर पर खबर नहीं कैसे सोती हो. तुम ने इसे धुलवाया क्यों नहीं. कुशीला ने कहा कि हम तो अक्सर ऐसे ही विस्तरों पर सोया करती हैं और मेरी माँ की चादर भी ऐसी ही मैली इचैली हैं. खबर नहीं सुशीला तेरी चादर ऐसी उज्जली क्यों कर रहती हैं. हमारी खो अब धोबन भी घोकर जाती है तब भी ऐसी नहीं होती, खबर घोषा ने कहा यह तो खबर रखने की वास है. जगह

भारा। की जाती है कि वह अपनी पूरी राक्ति भर रचनात्मक भोमाम के काम को बढ़ाएंगे. पर वह सर्व सेवा संघ के समाइन्दे होने का दावा नहीं कर सकेंगे.

सचमुष थोड़े से योग्य रचनात्मक काम करने वालों का अपने निजी 'आजाद' ढंग से या किसी राजकाजी परटी के मेन्बरों की हैंसियत से राजकाज में हिस्सा लेना खुद रचनात्मक प्रोधाम के हित में अच्छा हो सकता है. ऐसे मौक्रे भी आ सकते हैं जब हर रचनात्मक काम करने वाले को रचनात्मक काम के अन्दर अपनी बुनियादी अद्धा की रचा के लिये राजकाजी आन्दोलन में कृदना पड़े. लेकिन यह सवाल इस समय पैदा नहीं होता.

(8) इन हालतों में सर्व सेवा संघ के लिये एक राजकाजी पारटी की तरह काम करना ठीक नहीं है. लेकिन संघ चाहता है कि वे रचनात्मक काम करने वाले जो किसी राजकाजी संगठन के मेम्बर हैं अपनी पारटियों पर इस बात के लिये जोर डालें कि केवल इस तरह के लोग ही खड़े किये जावें जो बेरारज हों, योग्य हों और जो पैसे के या किसी और तरह के बेजा असर में न आ सकें. केवल इसी तरह हम अपनी धारा सभाओं के मेम्बरों के और छन लोगों के जो देश के अच्छे शासन के लिये जिम्मेवार हैं नैतिक यानी इखलाक़ी स्तर को ऊँचा कर सकते हैं. बोटरों को आम तौर पर संघ की सलाह यह है कि उन्हें फिसी ऐसे अम्मेदवार को बोट देने से इनकार कर देना चाहिये जिसकी पवलिक जिन्दगी, उनकी राय में, उतनी पवित्र नहीं है जितनी होनी जरूरी है, बाहे वह उम्मेदवार किसी ऐसी पारटी की तरफ से भी क्यों न खड़ा किया गया हो जिस पारटी की तरफ इस बोटर का निजी अकाव है. इन्हें यह भी बाद रखना चाहिये कि किसी ऐसे उम्मेदवार को बोट देने का, जो फिरक्रेवाराना विचार का है या जो अपना मक्कलद पूरा करने के लिये हिन्सा के तरीक़ों को काम में लाने में विश्वास रखता है, सवाल ही नहीं वठ सकता क्यों कि यह बातें 'सर्वोदय' के असलों के विलक्त खिलाफ हैं.

افعا کی جاتی ہے که وہ اپنی پوری شکتی بهر رہناتمک پروارام کے کام کو بڑھائینگے، پر وہ سرو سیوا سلکھ کے نمائلان ہے جونے کا دعوا نہیں کر سکیلگے ،

سی می تورزے سے بوئیہ رچانسک کام کرتے والوں کا اللہ نجی اراد 'قطلگ سے یا کسی راج کاجی بارتی کے ممموروں کی حیثیمت سے راج کاج میں حصا لیا خود رجانسک پررگرام کے همت میں اچھا ہوسکتا ہے ۔ ایسے موقعے بھی آسکتے ہیں جب ہر رچانسک کام کرتے والے کو رچانسک کام کے اندر اپنی بلیادی شردھا کی رکشا کے لیے راج کاجی آندولن میں کودنا ہوے ۔ لیکن یہ سوال لیے راج کاجی آندولن میں کودنا ہوے ۔ لیکن یہ سوال

(6) ان حالتوں میں سرو سیوا سلکھ کے لئے ایک راے کاچی پارٹی کی طرح کام کرنا تھیک نہوں ہے . لھکن سَنْكُه جاءتا هے كه وہ رچلاندك كام كرنے والے جو كسى راج کاہمی سلکتھن کے ممبر هیں اپنی پارتین پر اس بات کے لئے زور قالوں کہ کھواج اس طرح کے لوگ ھی کھوے کئے جاریں جو یے قرض هوں' یوکید هرآن اور جو پھسے کے یا کسی اور طورے کے بھجا آثر میں نه آسیس. کھول اسی طرب ہم ایڈی دھارا سبھاؤں کے معدروں کے اور اُن لوگوں کے جو دیعل کے اچھے شاسل کے لئے ذبیرار میں تهتک یعلم اخلاقی استر کو آونجا کر سکتے هیں . ووڈروں کو عام طور ہو سلکھ کی صلح یہ ہے که انہیں کسی ایسے اُمهدوار کو ووق دیلم سے انکار کر دیدا چاهئے جسکی پداک زندگی أن كي رائم مون أتلي يوتر نهين هـ جتلي هواي ضروري ھے کا جاتھ وہ أو يدوار كسى أيسى بارتى كى طرف سے بھى كهول نُه كهوا كها كها هو جس بارتَّى كي طرَّف اس ووتر كا تنجى جهكاو هي . أنهيس يه بهي ياد ركهانا چاهكي كه كسي ایسے آمیدوار کو ورت دیڈے کا جو فرقہ وارانہ وجار کا ہے یا جو أينا مقصد پورا كرنے كے اللہ هنسا كے طريقوں كو كام مين لانے ميں وشواس رکھتا هے' سرال هينهيں أنه سکتا کیرنکہ یہ باتیں ' سروودے ' کے اصولوں کے بالکل خلاف میں .

प्रेम कुछ नहीं मांगता. बल्कि कुछ न कुछ देता रहता है, प्रेम दुख सहता है कभी नाराज नहीं होता और न कभी बदला लेता है. जहाँ प्रेम है, वहां भगवान भी है.

🗸 —सहात्मा गांधी

پریم کنچه نہیں مانکتا بلکہ کنچه نه کنچه دیگا رحمتا ہے، پریم دکه سپتا ہے' کبھی ناراض نہیں ہوتا اور نه گههی پدناء لیتا ہے، جہاں پریم ہے' رہاں بھکواں بھی ہے ،

-- مهاتما كاندهى

- (4) फिर भी यह ध्यान में रखना जरूरी है कि धाजकल की हालत में धारा सभाओं और सरकारों का मसर जनता की जिन्दगी पर हर तरक से पड़ता है और र जगह और हर स्तर पर धारा सभाएं और सरकारें तरट की नई रचना को रूप देती हैं. ऐसी हालत में उन गरिटयों की सरकारें, जिन्हें ऐसे राजकाजी, समाजी और माली ढाँचे में विश्वास है जिससे 'सर्वोदय' का आदर्श पूरा करने में मदद नहीं मिल सकती, रचनात्मक प्रोप्राम को ररा करने में खद बड़ी रुकावट बन जाती हैं और नई नई हकावटें खड़ी कर देती हैं. इसिलये जब कि रचनात्मक काम करने वालों को अपना काम बेरोक करते रहना चाहिये, **खन्हें समम ब्रम के साथ राजकाज में भौर देश के ठीक** ठीक शासन में दिलावस्पी लेने को भी अपनी बीतरशा रबनात्मक सेवा यानी समग्र सेवा का ही एक हिस्सा सममाना चाहिये. इसके लिये बोटरों को इस तरह की तालीम देना उनका कर्ज है जिससे वह अपने जोट की पिश्रता और उसकी शक्ति को समक्तने लगें और सोच समक कर और निस्वार्थ ढंग से अपने बोट का इस तरह इस्तेमाल करना सीखें जिससे आम जनता का भला हो भीर प्रवृत्तिक जिन्दगी में प्रवित्रता भावे. इसका यह मतलब नहीं है कि हर रचनात्मक काम करने थाला किसी न किसी राजकाजी पारटी का मेम्बर ही हो. असल में अधिक अच्छा यही है कि जयातातर रचनात्मक काम करने वाले किसी भी राजकाजी पारटी के मेम्बर न हों.
- (5) इस सवाल पर कि सर्व सेवा संघ के मेम्बरों को राजकाज, चुनाव बरोरा में अमली हिस्सा लेना आहिये या नहीं या सुद दम्मीद्वार होना चाहिये या नहीं, संघ अपने 11 और 12 अक्तूबर 1950 के ठहराव की फिर से ससदीक करता है. वह ठहराव यह है—

"सर्व सेवा संघ के खोहदेदार और पूरा वक्त देने वाले कार्य कर्ता, चाहे वह तनसाह लेते हों या न लेते हों, किसी राजकाजी संगठन में या किसी गवरमेन्ट या लोकल गवरमेन्ट में किसी चुनाव के खोहदे के लिये उम्मेदवार नहीं होंगे, और खगर बिना किसी तरह के विरोध के भी वह इस तरह की किसी जगह के लिये जुन लिये जावें तब भी वह उसे मंजूर नहीं करेंगे. वह किसी चुनाव जान्दोलन में अमली हिस्सा नहीं लेंगे."

षाहिर है कि ऊपर की रोक वन मेम्बरों के लिये नहीं है जो संघ के ओहदेदार या पूरा वक्त देने वाले कार्यकर्ता नहीं हैं. ऐसे मेम्बर अगर वनका सम्बन्ध किसी खास रचनात्मक संस्था से है तो वसके निषमों के मातहत रहते हुए, अपनी निजी हैसियत से, जिस तरह वह ठीक सममें हाककाज में हिस्सा लेने के लिये आजाद हैं. उनसे यह

 (4) پھر بھی یہ دھیاں میں رکھنا ضروری ہے کہ آج کل کے حالت مھی دھارا سبھاؤں اور سرکاروں کا اثر جلتا کے زندگی پر هر طرف سے پرتا هے اور هر جگه اور هر استر یر ممارا سبهانیو اور سرکارین راشتر کی نثی رجنا کو روپ دیتی هیں ، ایسی حالت میں أن پارتین کی سرکاریں' جنهيں ايسے راج کاجي سماجي اور ماني دهانچے ميں وهواس هے جس سے 'سروودے' کا آدرهن پروا کرنے میں مدد نههن مل سکتی و رجنانمک پروگرأم کو پورا کرنے میں خود ہری رکارت ہی جانی هیں ارر ندی نکی رکارتیں کھری کر دیعے مهور اس لئے جب که رجداتمک کام کرنے والوں کو ایڈا کام بےروک کرتے رهنا چاهگے اُنهورسمجه بوجه نے ساته راہم کانے میں اور دیش کے تھیک تھیک شاسن میں داچسپی ليلي كو بهى ايلى چوطرفه رچاناندك سيوا يعلى سنكر سهوا کا یہی ایک حصم سمجھدا چاھئے . اس کے لئے ووڈروں کو اس طرب کی تعلیم دیدا ان کافرض هے جس سے وہ اید ورت کی پوترتا اور اسکی شکتی کو سمجھنے لکیں اور سوچ سمجهکر اور نسوارته دهاگے ایم ووت کا اس طرح استعمال کرنا سهکههن جس سے عام جلاتا کا بہلا هو اور پہلک زندگی مهن پوترتا آوے . أس كا يه مطلب نهين هے كه هر رجد تمک کام کرنے والا کسنی نہ کسی راج کاجی پارٹی کا ميير هي هو ، اصل مين ادهك أجها يهي هے كه زيادة تر رجناتمک کام کرنے والے کسی بھی راج کاجی پارٹی کے ممبر

(5) اس سوال پر که سرو سهوا سلامه کے سمبوری کو رائے کاج' چلاو وفیرہ میں عملی حصہ لینا چاھئے یا نہیں' سلامہ انج 11 اور 12 اکتوبر 1950 کے تھہراو کی پھر سے تصدیق کرتا ہے۔ وہ تھہراو یہ ہے۔

'' سرو سہوا سلکھ کے عہدے دار اور پروا وقت دیئے والے کاریم کوتا 'چاہے وہ تنخواہ لیکے ہوں یا نم لیکے ہوں' کسی واج کاجی سلکتھی میں یا کسی کورمیلت یا لوکل گورمیلت میں کسی جلاؤ کے عہدے کے لئے اُمیدوار نہور، ہوں گے' اور کر بنا کسی طرح کے ورودھ کے بھی وہ اُس طرح کی کسیجکم کے لئے چن لئے جاریں تب بھی وہ اُسے منظور نہیں کرینگے ، وہ کسی چناؤ آندوان میں عملی حصم نہیں لینگے ،''

ظاھر ہے کہ ارپر کی روک أن منبورں کے لئے نہیں ہے جو سلکھ کے عہدے دار یا پررا رقت دیتے والے کاریہ کرتا نہیں ھیں ، ایسے منبر اگر اُن کا سبندہ کسی خاص رحکاتیک سلستہا سے ہے تو اس کرنیموں کے ماتصحه رجھے ھوئے اپنی نحی حیثیت سے' جس طرح وہ تھیکہ سیمیمیں راے کاے میں حصہ لینے کے آزاد ھیں اُن سے یہ

आने वाले चुनाव के बारे में

(रचनात्मक या तामीरी काम करने वालों श्रीर वोटरों को हिदायत)

29 जुलाई सन 1951 को वर्धी में सर्व सेवा संघ की एक बैठक हुई थी जिसमें आने वाले चुनाव के बारे में नीचे लिखा ठहराव पास हुआ:—

चूँकि सब रचनात्मक कामों का आखिरी मंशा 'सर्वोदय' यानी एक ऐसा समाज क्रायम करना है जिसमें कोई दूसरे से बेजा फायदा न उठावे और जिसकी बुनियाद सचाई, अहिन्सा और सबके भने पर हो, और

चूँ कि काने वाले चुनावों को निगाह में रखते हुए कालग कालग राजकाजी पारिटयों की तरक से प्रोधाम और एलान निकल रहे हैं जिनमें एक दूसरे से बहुत करक नहीं है और जो एक दरजे तक सर्वोदय की भाशा काम में लाते हैं, और

चूँ कि चहुत से रचनात्मक काम करने वाले सर्व सेवा संघ से इस बारे में साक साक हिदायत चाहते हैं,

इसिलिये इस मौक्ते पर सर्व सेवा संघ इन मामलों पर नीचे लिखे मुताबिक अपने विवार और अपनी पालिसी जाहिर करता है:

- (1) सर्व सेवा संघ राजकाजी पारिटयों के इन प्रोप्रामों और पलानों में से किसी को भी 'सर्वोद्य' के कायम करने के लिये काकी नहीं पाता. सर्व सेवा संघ को यह भी विश्वास नहीं होता कि यह पारिटयाँ ताकत हासिल कर लेने पर इन प्रोप्रामों पर भी पूरी तरह और असरदार ढंग से अमल करेंगी, इसलिये यह संघ माज की राजकाजी पारिटयों में से किसी को भी अपनाने के लिये तैयार नहीं है.
- (2) संघ को यक्तीन है कि राजसत्ता से बिलकुल सालग रहते हुए और वोटरों की शुद्ध और निस्वार्थ सेवा में सपने को लगाए रखते हुए देश में राजकाजी शक्ति पैदा की जा सकती है और वोटरों पर इस तरह का असर डाला जा सकता है और उनकी इस तरह रहनुमाई की जा सकती है कि वह ठीक तरह के आदिमयों को ही चुन कर सत्ता की जगहों में भेजें.
- (3) रचनात्मक काम करने वाले हकूमत चलाने की सीधी विश्वेषारी अपने हाथ में लें यह सवाल तभी पैदा होगा अब लोग खुद इस बात को महसूस करें और कहें कि वह बाहते हैं कि रचनात्मक काम करने वाले ही हकूमत अपने हाथ में लें और दूसरा कोई न ले. पर यह अभी सामा और बाद है.

آنے والے چناؤ کے بارے میں

(رچفاتمک یا تعمیری کام کرنے والوں ارر ووڈروں کو هدایت)

99 جولائی سن 1951 کو وردھا میں سرو سھوا سنگھ کی ایک بیٹیک ہوئی تھی جس میں آنے والے چٹاؤ کے ہارے میں نیچے لکھا تہبراو پاس ہوا :--

چونکہ سب رچد تمک کاموں کا آخری منشا 'سرووں۔' یعلی ایک ایسا سماج قائم کرنا ہے جس میں کوئی دوسرے سے بیچا فائدہ نہ اُتہاوے اور جس کی بدیاد سجائی' العدسا اور سب کے اہلے پر ہو' اور

چونکھ آنے والے چداووں کو نکاہ میں رکھٹے ہوئے انگ الگ راج کاجی پارٹیوں کی طرف سے پروگرام اور اُعلان نکل رہے میں جن میں ایک دوسرے سے بہت فرق نہیں ہے اور جو ایک درجے تک سررودے کی بہلشا کام صیں لاتے ہیں' ارد

چونکه بات سے رچنانمک کام کرنے والے سرو سہوا سنکھ سے اس بارے میں صاف صاف هدایت چاهاتے هیں؛

اس لئے اس موقعے پڑ سرو سیوا سفکھ اِن معاملوں پر نیجے اکھے مطابق اپنے وچار اُور اُپذی پالیسی ظاعر کرتا ہے :

(1) سرو سهوا سلکه راج کاجی پاتهوں کے اُن پروگراموں اور اعلانوں مهیں سے کسی کو بھی ' سروودے ' کے قائم کرنے کے لئے کافی نہیں پاتا ۔ سرو سهوا سلکه کو یہ بھی وشواس نہهیں ہو اُ کہ یہ پارتهاں طاقت حاصل کو لھلنے پر اُن پروگراموں پر بھی پوای طرح اُور اُثردار تھلگ سے عمل کریڈگی' اس لئے یہ سلکھ آج کی راج کاجی پارتیوں میں سے کھی کو بھی اولیانے کے لئے تیار نہیں ہے .

(2) سلکه کو یقین هے که راج ستتا سے بالکل انگ رهتے هوئے اور ووٹروں کی شدھ اور نسوارته سهوا میں اید کو لکائے وکہتے هوئے دیش مهں راج کاجی شکتی پیدا کی جا سکتی هے اور ووٹروں پر اس طرح کا اثر ڈالا جا شکتا هے اور ووٹروں پر اس طرح کا اثر ڈالا جا شکتا هے اور اس طرح رهنمائی کی جا سکتی هے که واقیها طرح کے ادمیوں کو هی چن کر ستتا کی جگہوں مہیں بهینجیں ،

(3) وبهاتمک کام کرنے والے حکومت چلانے کی سیدھی گئی۔ گئی۔ والے حکومت چلانے کی سیدھی کی پیدا ھوگا کی اور کیوں اور کیوں کا وہ کی کو محسوس کریں اور کیوں کا وہ کی کا کوئے والے ھی حکومت اپنے کا اور کیوں اور دوسرا کوئی نام نے ، پر یہ ابھی بھوشیہ کا بات ہے ،

हो मीटिंग करके बोहदेदारों का चुनान कर तिया जान. इसरे इतवार को पास के एक गाँव में सब लोग अपने बरखे साथ ले जाकर कताई करें. लेकिन इस सभा में जो उपसे बहम फैसला हुआ वह यह था कि मन्डल के मेन्नर केसी चुनाव में हिस्सा न लोंगे चाहे वह म्युनिसिपल बोर्ड हा हो या डिस्ट्रिक्ट बोर्ड का, सूबे की असम्बली का ो या सेन्ट्रल असम्बली का. कांगरेस की दलवन्दियों से ही दूर रहेंगे.

आखिर में सदर साहब ने सब को धन्यवाद दिया फिर मेठाई और नमकीन मंगाकर सब लोगों को जलपान कराया था और सब लोग अपने अपने घर चल दिये.

दूसरे दिन श्रक्ष गर में ज़बर छपी कि गांधी लोकसेवा न्डल के नाम से शहर में एक संस्था बनी है जो गांधी जी । मिशन को श्रागे चलाएगी.

फिर सनीचर के अलबार में खबर खपी कि इतवार को क्षित की मीटिंग होगी सब मेन्बरों से हाजिर होने की पर्यना की जाती है. जगह वही पुरानी थी जहाँ पहली हिंग हुई थी.

सोमवार के अखबार में छुपा कि मन्डल के सदर ही सज्जन चुने गए जिन के घर पर मीटिंग थी. सेकेटरी ह नौजवान चुने गए जिन्हों ने साम्प्रदायिकता का विरोध ह्या था. साथ ही अगले इतवार का प्रोप्राम छुपा था कि हर के नज़दीक गाँव में कताई होगी.

दूसरे सोमवार को श्रालवार में खबर श्राई कि मन्डल ो सभा में श्राधक लोग न जा सके क्योंकि उस दिन शहर श्रक खास रईस की मौत हो गई थी.

सीसरे सोमवार को मन्छत की कोई खबर श्राखनार म छपी.

षीथा सोमवार भी खाली गया.

पाँचवें सोमवार को एक खास खबर छपी-

"मन्डल के सदर शहर कांगरेस कमेटी के खुनाव में पने विरोधी को तीन वोटों से हरा कर शहर कांगरेस मेटी के सदर खुन लिये गए. दोनों पारटियों में बड़ा सखत कांबला हुआ लेकिन विरोधी दल की सारी कोशिशें सफल रहीं."

श्रीर उसके दो दिन बाद यह स्तबर आईकि उन दोनों स्तवानों ने, जिन्होंने साम्प्रदायिकता का विरोध किया था, हैर जिन में से एक मंडल के सेक्रेटरी खुने गए थे, कांगरेस इस्तीका दे दिया. کو مختلفات کو کے مہلیداووں کا جداو کو بھا جائے۔ جوسرے اتوازکو پاس کے ایک کاوں میں سبادگ آنے چوشرے کا کائی کریں ، لیکن اس سبھا میں جو سب ہے اہم قیصلہ ہوا وہ یہ تھا کہ مذال کے مدور کسی جداؤ میں حصہ تھ لیں کے چاھے وہ میونسیل بورة کا ھو یا ڈسٹرکٹ بورة کا صوبے کی اسمبلی کا ھو یا سنترل اسمبلی کا ، کاگریس کی دلیندیوں سے بھی دور رھیں گے ،

آخر میں صدر صاحب نے سب کو دھندہ واد دیا پیر متھائی اور ندکین ملکا کر سب اوگوں کو جلیان 'رایا گیا اور سب لوگ آئے آئے گھر چادیئے .

دوسرے دن اخبار میں خبر چھپی که گندھی لوگ سیوا مندل کے نام سے شہر میں ایک سنستھا بنی ہے جو گندھی جی کاندھی جی کے مشن کو آئے چلائے گی .

پہر سنیچر کے اخبار میں خبر چہپی کہ آ وار کو منقل کی میٹنگ ہوئی سب ممبروں سے حاضر ہونے کی پراتھنا کی جاتی ہے ۔ جگہ وہی پرانی تھی ۔ تھی ،

سوموار کے اخبار میں چھپا کہ مندل کے صدر وہی سجن چلے کئے جن کے گھر پر میگنگ تھی، سکریٹری وہ نوجوان چلے گئے جٹھوں نے سامیردایکٹا کا ورودھ کیا تھا ، ساتھ ھی آگاے اتوار کا پروگرام چھپا تھا کہ شہر کے نڈدیک گؤں میں کٹائی ھوگی ،

دوسرے سوموار کو اخبار میں خبر آئی که ملکل کی سبہا میں ادمک لوگ نه جاسکے کیونکه اس دن شہر کے ایک خاص رئیس کی موت ہوگئی تھی ۔

ٹیسرے سوموار کو منڈل کی کوئی خبر اخبار میں نه چہیں ،

چوتها سرموار بهی خالی گها،

پانچوین سوموار کو ایک خاص خبر چهیی --

''منڈل کے صدر شہر کانگریس کمیٹیکے چفاؤ میں آپے ورودیی کو تین ورڈوں سے ہرا کو شہر کانگریس کمیٹی کے صدر چن لئے گئے ، دونوں پارٹیوں میں ہوا سخت مقابلت ہوا۔لیکن ورودھی دن کیساری کوششیں اسپهل رھیں ۔''

اور اسکے دو دن بعد یہ خبر آئیکه اُن دنیں نوجوانوں نے جلموں نے حلموں کے سامپردایکھا کا ورودھ کیا تھا' اور جلموں سے ایک مندل کے سکریٹری چلے گئے تھے' کانگریس سے استعلیٰ دے دیا ،

मेन्बर इकटा डोकर देहातों में बाबा करें और बडी समा करके अगले इतकार का श्रोत्रांस बना लिया करें.

सरदार जी ने कुडा-"लेकिन सिर्फ सभा करने से तो काम नहीं चलेगा हमें कोई तामीरी काम भी करना चाहिये." पक सज्जन ने कहा- 'हमें चाहिये कि हम हरिजनों की बस्तियों में जादर उनका सुधार करें."

सरदार जी ने कहा-"लेकिन हरिजनों में जाकर हमें खाली सेकबर नहीं देना चाहिये. हमें बाहिये कि इस अपने साथ अपनी औरतों को भी ले चलें, जो हरिजन बहनों में काम करें. इमें अपने साथ माड़ ले चलना चाहिये, जिससे कि इम जनकी बस्ती की सफाई करके उन्हें सफाई से रहना बता सकें. इमें अपने साथ साबुन और तेल भी ले चलना होगा. हम हरिजन बच्चों को नहलाएंगे, उनके सर में तेल लगाएंगे और वनके कपड़े धोकर वन्हें सिखाएँगे कि इस तरह बच्चों को साफ रखना चाहिये. हमारी औरतें यही काम हरिजन भौरतों में करेंगी."

सरदार जी के समर्थन में केवल सदर साहब बोले-"सरदार जी ठीक कहते हैं."

बाक्री सब लोग खामोश रहे.

फिर साम्प्रदायिकता विरोधी नौजवान ने कहा--"हमें मुसलमानों के मुहल्ले में चलकर एकता के लिये काम करना चाहिये."

सरदार जी ने कहा-"एकता के लिये भीज ससलमानों से जियावा हिन्दुओं में काम करने की जरूरत है. पाकिस्तान बनने और बाप के शहीद होने से मुसलमानों की फिरका परस्ती बिलकुल खत्म हो गई है. अब हिन्दुओं की फिरक़ा परस्ती सत्म करनी है. मैं यह नहीं कहता कि मुसलमानी में हमें न जाना चाहिये पर आप जानते हैं कि अभी दो महीने पहले हमारे शहर में मुसलमानों को कितना नुक्रसान पहुँचा है. जिन मुसलमानों की दुकानें जलाई गई हैं उनमें बहुत से ऐसे हैं जिनकी सारी पूँजी खतम हो गई है. उनके पास जाने से पहले हमें हिन्दुओं के पास जाना चाहिये. प्रायश्चित के रूप में हमें उनसे चन्दा लेकर रूपया इकट्टा करना चाहिये. जब इस रूपए जमा कर लें तब इस ऐसे मुसलमानों के पास जायं जिन्हें रूपए की जरूरत है. हम इतसे माकी मांगें और उनसे दरखास्त करें कि वह कुछ सपर लेकर अपना कारवार शुरू करें. ऐसा करने ही से सनके दिला पर असर होगा और वह महसूस करेंगे कि हिन्दुक्षों का दिल बदला है. खाली लेकचर बन्हें सन्ताश नहीं दे सकता."

सरदार जी की इस बात का भी केवल सदर साहब को ही समर्थन करना पड़ा, और फिर यह तय हुआ के इतवार

من عليا هوكو هيهالين مين جايا كرين أوز وهين سمها الله الله الوار كا يروكرام بكا لها كريس .

William W.

استردار جى نے كہا سااليكن صرف سبها كرنے سے تو كام بَهِينَ جِلْمِ لا همين كرئي تعميري كام يهي كرنا جاهليُّ. آلِک سجن نے کیا۔۔ ''همیں چاہئے که هم هريجلس كي يستين مين جائر أنكا سدهار كرين،

سردار جی نے کہا۔۔''لیکن مریجانی میں جائر همهن خالى لكريور نههن دينًا جاءئي. همهن جاءئيً که هم اید ساته، ایدی عوردرن کو یعی کے جالین -جو هريجي بهدون مهن كام كرين . همهن أنه ساله جہارر لے جلنا چاھئے ، جس سے که هم انکی بستی کی صفائی کرکے انہیں صفائی سے رهانا بتنا سکیس . همیس الع ساته صابن ارد تهل بهي لے چلفا هوگا. هم هروجون بجوں کو نہائیں کے ' ایکے سر میں تیل لٹائیں کے اور اسکے کھوے دافو کر انھیں سکھا ٹیں کے کد اُس طرح بھوں کو صاف رکهذا جاه يُه . هماري دورتين يهي كام هريجن هورتين مهن کريان کي ،

سردار جی کے سمرتھن میں کھول صدر صاحب براے۔۔ السردار جي ٿهيڪ کهتے هيں''۔

ہالی سب لوگ خاموش رہے .

ھھو سامھرداليكھا ورودعى نوجوان نے كھا--"عمهى مسلمالیں کے متعلم میں چلکو ایکٹا کے لگے کام کونا

سردار جی نے کہا۔"ایکٹا کیلئے آج مسلمانوں سے ویادہ هددووں میں کام کرنے کی ضرورت ہے ، پاکستان بقلے اور یا ہو کے شہید هوئے سے مسلمانوں کی فرقہ پرستنی بادال ختم هو گئی هے . اب هندووں کی فرقه ارستی خدم کرنی ہے ، میں یہ نہیں کہدا کے مسلمانوں نہیں میں نه جانا چاملے پر آپ جانتے میں که ابھی ابو وجهلے پہلے همارے شهر مهل مسلما ول کو کندا تقصال مِنْ م د الله مسلماس كي دكانين جالي كدي هيل أن نها بهمت سے ایسے هیں جن کی ساری پولنجی شام او على ما اركم ياس جانے سے پہلے همهن هلدووں كے ياس الله والله علي ، برا شجت ك روب ميل هديل أن سے جلده عمر ووجه اكالها كرنا جاهل . جب هم رويل جمع كرليس الله مع السع مسلمانوں کے پاس جائیں جدووں رویکہ کی المراسية . هم أنسي معافى مر نكيس أور أن سے در خواست ایسا که وه کنچه رویک لهکو اینا کاربار شروع کریس . ایسا الکے دل پر اثر هوگا اور وہ معصوس کريس کے معدول الله من الله من الله المحور انهين سلعوهي العد مع

المعالم على كي أس يات كا يهي كيول مدر ماهب سمرانهن کرنا ہوا۔ اور پهر یه طے هوا که اتوار

मैंने अपने मुहल्ले के लोगों से कहा कि यहां अस्ती चंटे نے ایم مصلے کے لوگوں سے کہا کہ یہاں اسی کیلا۔ अखन्ड कताई होनी चाहिये. लोग आगर पहले ही इनकार ى كتائى هونى جاهيّے . لوگ اگر پهلے هي الكار कर देते तो कोई बात न थी. मगर सब ने वादा किया और بیتے تو کوئی بات نہ تھی۔ مگر سب کے وعدہ मैंने अपने घर में कताई शुरू की, दूसरे ही दिन से लोगों ور مہن نے آیے گھر میں انٹائی شروع کی ، دوسرے هی का आना कम होने लगा. और आखिर में सिर्फ मैं और سر ليكن كا أنا كم هوني لكا . أور أخهر مهن صرف مهن मेरे लड़के लड़कियां ही चरला चलाते रहे. तो मेरा मतलब هرم لوکے لوکیاں هی چرخه چاتے رهے. تو مهرا مطلب यह है कि हमें सब से पहले यह तय कर लेता चाहिये कि و اله همون سب سے پہلے یہ طے کر لیڈا چاھئے که هم हम यहां जो कुछ तय करेंगे उस पर सच्चे दित से अमल ، جو کچے طے کریں کے اُس پر سجے دل سے عمل بھی भी करेंगे. नहीं तो ऐसी किसी संस्था बनाने की कोई कहरत کے ، نہیں تو آیسی کسی سلستها بنانے کی کوئی س نهيس . جن كو كام كونا هي ولا هو حالت مهن كام नहीं. जिन को काम करना है वह हर हालत में काम करते रहेंगे. मैंने तीस बरस पहले बापू का संदेश सुना भीर तब وهين آل ، مين لے تيس برس پہلے باپو کا سنديش اور تب سے اُن کی هر بات پر جهاں تک هو سکتا ہے से उनकी हर बात पर जहां तक हो सकता है अमल करता हूँ. मुक्ते बहिसा पर पूरा विश्वास है. मुक्ते इसका तजरवा كرتا هون . منجه اهلسا ير يورا رشواس في ، منجه हो चुका है. पंजाब में इतने दंगे हुए पर मेरा अहिंसा पर كا تجوبه هو جوكا هے . ينجاب سهن أتلے دنگے هوئے ير से विश्वास न हिगा. मेरे मुहल्ते पर कई बार हमले हुए اهلسا یر سے وشواس نه تکا ، مهرے محصلے پر کمی بار पर मैं हर दका अकेला हमला करने वालों के पास बला ، هوئے پر میں هر دفعہ اکیلا حملہ کرنے والوں کے باس गया और मेरे अकेले समफाने पर वह हर बार लौट गय. یا اور میرے اکیلے سمجھانے پر وہ ہر بار لوٹ گئے۔ میں मैं डरद और गुरमुखी जानता था. पर जब गांधी जी ने ارر گورمکھی جانگا تھا ۔ پر جب کاندھی جی نے हिन्दुस्तानी की यह तारीफ की कि दोनों विखावटें सीसनी ستامی کی یہ تعریف کی که دونوں لکھاوڈیں سهکھلی चाहियें तो मैंने हिन्दी भी जिखना सीख लिया, और अब भी نیں تو میں نے هندی بھی لکھنا سبکھ لیا ، اور اب मेरी राय है कि दमें गांधी जी की किसी बात को इस रोशनी مهربي رائي هے که دمين الدهيجيكيكسي يات كو اس में न देखना शाहिये कि हिन्दुस्तान का बटवारा हो गया ی مهن نه دیکهدا چاهلے که هندستان کا با واره هرکیا है. हमें किसी हावत में भी पाकिस्तान की नक़ल न करनी همیوں کسی حالت میں بھی پاکستان کی نقل نه चाहिये. पाकिस्तान में आज एक भी सिख नहीं रह गया چاهگه . پائستان میں آج ایک بھی سکھ نہیں رہ है पर मेरे विल में पाकिस्तान के खिलाफ कोई नफरत ہے یہ مہرے دل مہل پاکستان کے خلاف کوئی نفرت नहीं. चहिंसा पर विश्वास रखने वाले के दिल में नफरत ن اهدسا ہے وشواس رکھنے والے کے دل میں تغرب तो होनी ही नहीं चाहिये. पाकिस्तान में ग़ैर मसलिमों के نی هی نهیں چاهیے . پاکستان میں فیر مسلموں کے جو برتاؤ بھی ھو' ھمھی انے یہاں کی اقلیعوں کو साथ जो बरताव भी हो, हमें अपने यहां की अक्रिक्षियतों ركها اينا دهرم سنجه لينا جاهد . مجه أمهد को खश रखना अपना धर्म समम लेना चाहिये. मुक्ते उम्मीद है कि आए जो भी संस्था बनाएंगे उसमें इन बातों का जरूर آب جو بھی منستھا بدائیں کے اُس میں اُن باتوں رر دعیان رکھیں گے ." ध्यान रखेंगे."

सरदार जी के बाद एक दूसरे नौजवान सिख की बारी थी. यह नौजवान शायद सरदार जी के लड़के थे. इन्होंने कुछ न कहा और इस तरह लोगों के बारी बारी इयनी राय आहिर करने का सिखसिला जत्म हो गया.

अब फिर सदर की जगह बैठे हुए सजन की तरक जोगों ने देखा. उन सजन ने नौकर को पान जाने का हुज़ुम दिया और फिर बोजे—"आप जोगों ने जो विचार प्रकट किये उनसे हमें आगे काम करने में मदद मिलेगी. अब मैं बाहता हूँ कि संस्था का नाम तब हो जाय और काम की रूप रेखा तैयार हो जाय."

थोड़ी बहस के बाद संस्था का नाम "गांघी लोक सेवा मन्द्रल" तय हो गया.

आगे के काम के लिये तथ दुवा कि हर इतवार की सब

a Regulation of

سُردار جَي كَهُ بعد ايك دوسرے توجوان سكه كى بارى يه نوجوان شايد سردار جى كَهُ لوَكَ تَهِ ، انهوں لَهُ نه كها أور اس طرح لواوں كَهُ بارى باري أيلى رائــ كرتے كا سلسله ختم هو گها .

ب پہر صدر کی جگہ بہتھ ہوئے سجن کی طرف نے دیکھا . اُن سجن نے نوار کو پان لانے کا حکم دیا ہر بولے ۔ ''آپ لوگوں نے جو وچار پرکت 'کے اُن سے آئے کام کرنے میں مدد ملے گی . اب میں جامتا کہ سنستھا کا نام طے هو جائے اور کام ای روپ ریکھا مسطانہ''

ہوری بحث کے بعد ساستھا کا نام "کاندھی لوک ساتھا کا ا

لے کے لائے کے طے میا که مو اتوار کو سب

काश नहीं का किक निराशा थी. कहींने ने कहा-"हम में से बहुत से कांगरेसियों का हिन्दू सुसलिम एकता की तरफ से विश्वास एठ गया है. हम मानने तारी हैं कि हिन्दस्तान का बटवारा होने के बाद हिन्दु मुसलिम एकता पर गांधी जी चोर दे कर रालती कर रहे थे. पाकिस्तान जनने के बाद यह सवाल ही खतम हो गया है. दसरी बात यह है कि गांधी जी देश की एक रार्ड भाशा चाहते थे. वह भाशा हिन्दी नहीं थी. वह भाशा चरद भी नहीं थी. गांधी जी देश की भाशा हिन्द-स्तानी चाहते थे. आज आप में से कितने हैं जो यह सममते हैं कि गांधी जी की यह मांग सही थी. अभी अपभी यहाँ जितने भाइयों ने बातें की हैं वह संस्कृत लदी हिन्दी में की हैं. गांधी जी ऐसी भाशा को पसन्द नहीं करते थे जो एक आम ष्मादमी समफ न सके. मैं जानना चाहता है कि यहाँ कितने भाई हैं जो गांधी जी की हिन्दुस्तानी की हिमायत करते हैं. अगर इम सच्चे गांधी भक्त हैं. हमें गांधी जी के मिशन से प्रेम है तो हमें इनकी उन चीजों को खास तौर पर अपनाना चाहिये जिनकी तरफ से गांधी जी का बार बार नाम लेने वाले राजकाजी लोग वे परवाही बरत रहे हैं. हमारा जो संगठन वने उसके सामने पहला मक्तसद यह होना चाहिये कि वह गांधी जी की हिन्द्स्तानी का प्रचार करे. हमारे जो मेम्बर हों उनके लिये पहली शर्तयह हो कि वह नागरी मीर उरद्दोनों लिपियाँ सीखें, जो लोग गांबी जी के वेचारों को पूरी तरह नहीं अपना सकते उन्हें अपने को गंधी जी का भक्त एलान करके जनता को धोका न देना षाहिये. गांधी जी के नाम का नाजायज फायदा घठाना केसी तरह भी उचित नहीं है."

एम० एक० ए० साहब ने इन सज्जन की तरफ इस तरह खा जैसे कह रहे हों कि यह सब बेकार सवाल हैं. इसरे ोगों ने भी इन सज्जन को मत्की ही सममा और बात पागे बढ़ गई. अब एक सरदार जी की बारी आई. सरदार ती सर से पैर तक खादी के कपड़े पहने थे. उनके कपड़े द्वत साफ न थे. क्रमीज, पाजामा और पगड़ी देख कर एक माल्द्रम होता थाकि इन कपड़ों ने घोत्री का घर नहीं खा. सब कपड़े हाथ के धुले मालूम होते थे. नील का लेगाल न करने से कपड़ों में सफ़ेदी की समक न आई ो. परदार जी ने बढ़े दर्द भरे लहजे में अपनी बात शह - "साइयो! मेरी तरफ से एक बिनती है. इस यहां इस हर हैं और यह तय करने के लिये इकट्टा हर हैं कि हैं काम करना है, इसित्रये जब हम यहां से छठें तब भी मारे विक्री में यह पक्का इरावा होना चाहिये कि हम काम हों। जाज हो इस बात करने में बहुत जागे रहते हैं हर सबस के बहुत सब से पीछे नचर आते हैं. मैं आप अवार्ड. विकास अन्त्यवर में गांधी जयन्ती के मौक्रे पर

بهرين تهين تها بلكه ترافا تهي أنهون لا عياس اللهم مهن سے بہت سے کانگریسیوں کا هلدو مسلم ایکتا كى طرف سے وشواس أَتَّه كيا هے ، هم ساللے لكے فَهِن كه عدد ستان كا يتواره دوني كے بعد عددو مسلم ایکتا پر کاندهی چی زور دی کر غلطی کر رہے تھے۔ بالسندان بدائم كي بعد يه سوال هي خدم هوايا هي دوسري باس یہ ہے کہ تا دھی جی دیش کی آیک راشار بھالہ! چاهتے تھے، وہ بھاشا هلدی نهوں تھی، وہ بھاشا أردو بھى نهين تهي . الدهي جيّ درش کي بهاها هندستاني جاهد ہے۔ آب آپ میں سے کتلے میں جو یہ سمجھتے میں که کاندهی جی کی یه مانگ صحیح تهی ، الهی الهی الهی يهال جتله بهائرول نے بانهن کی ههن ولا سلسکوت لدی مندني مهن کي هين . کاندهي جي ايسي بهاشا کو پسند نهين كرية ته جو ايك عام آدمي سنجه نه سكه . مين جانياً جاءتا هو که يهان کتنے بهائی ههن جو کاندهی جي کي هندستاني کي حمايت کرتے هيں. اگر هم سنچ النوم بهاست میں ممیں کالدمی جی کے مشن سے پریم ہے تو همهن أن كي أن چيزون دو خاص علور پر ايداناً جاهی جن کی طرف سے کادہ ی جی کا بار بار نام لیلے والے راہے کاجی لیگ ہے پرواھی برت رہے میں ، همارا جو سلكتون بله أسكم سامل بها مقصد يه هونا چاهد كه ولا لاندهی جی کی هندستانی کا پرچار کرے . همارے جو مربر هوں آن کے لئے پہلی شرط یہ هو که وہ ناگری اور اردو دولس لهان سیکھیں، جو لوگ کاندھی جی کے وچاروں کو پوری طرح نہیں ایڈا سکٹے أنهیں اللہ کو گاندھی جی کا بهكس أعلان كرك جلتا كو دهوكا نه ديقاچاهد كاندهي جدك ناء كا ناجال فائده أثهانا كسي به طرح أجت نهيل هـ " ایم ، ایل ، ایر ، ماحب نے اِن سجن کی طرف اس طرح ديكها جهسے كي رقع هرن كه يه سب بهكار سوال هين.

मुक्ते बहुत कम फुरसत सिकती है. पर मुक्तसे जो सेवा हो सकेगी उसके लिये में तैयार हूँ.

षाव जिल सज्जन को बोलना था वह एक नौजवान थे. धन्होंने बड़े जोश के साथ कहा- "हमें यह न भूलना चाहिये कि बापू हिन्दू मुमलिम एकबा के लिये काम करते हुए मारे गए हैं. बापू के बलिवान से साम्प्रदायिक दंगों की आग एक दम से अरूर बुक्त गई है पर यह नहीं कहा जा सकता कि यह आग फिर नहीं सुलग सकती. श्राज राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और महासभा वाले चुप हो गए हैं पर इस का यह मतलब नहीं कि इनके दिल बदल गए हैं. बापू की हत्या ने जनता में साम्प्रदायिकता के खिलाफ जो गुस्सा पैदा कर दिया है उससे हर कर ही यह लोग चुप हो गए हैं. हमें इसका ध्यान रखना है कि जहाँ जनता का रास्सा कम हुआ, यह लोग फिर मैदान में आजाएंगे और साम्यवायकता का जहर फैलाना श्रुक्त कर देंगे. हमें चाहिये कि अपनी संस्था में चुन कर ऐसे कोर्यों को रखें जो दिल से साम्प्रदायिकता के स्त्रिलाफ हों. हमें इस समय सब से अधिक और हिन्दु सुसलिम एकता पर देना चाहिये और हिन्दुओं में घुस कर साम्प्रदायिकता के खिलाफ प्रचार करना चाहिये."

इन के पास जो सज्जन बैठे थे वह भी नौजवान थे जौर शायद धह दोनों नौजवान आपस में दोस्त थे क्योंकि उन से जब बोलने को कहा गया तो उन्होंने भी हिन्दू मुसलिम एकता पर जास जोर दिया और आखिर में यह कह कर कि मैं भाई...... के प्रत्येक शब्द का समर्थन करता हूँ, जुप हो गए और सब लोगों पर इस तरह निगाह डाली मानो दूसरों से भी अपना समर्थन चाहते हों.

पर उन की आशा पूरी न हुई क्योंकि किसी ने भी साम्प्रदायकता के विरुद्ध या हिन्दू मुसलिम एकता की बात न की.

एक सज्जत ने हरिजन उद्घार पर कोर दिया. दूसरे सज्जन ने इन का पूरा समर्थन किया.

तीसरे सज्जन ने कताई मन्डल कायम करने का सुमाव रखा.

चीथे सज्जन ने सेवामाम जाश्रम के ढंग पर जिले में एक बाश्रम खोलने का प्रस्ताव किया.

पाँचवें सज्जन ने हरिजनों में शिक्षा प्रचार की तरफ सब का ध्यान खींचा और रात में हरिजन क्यों का पढ़ाने के लिये सब से अपना नाम लिखाने की प्रार्थना की.

छटे सज्जन ने 'जो पंचों की राय' के अन्याज में पाँचवें सज्जन का समर्थन किया.

तिकिन सातवें सजान की बात पर एक दम सब चौंक को, यह सजान भी एक नौजवान थे. उनकी आबाज में المنطق الهرات كم الومات ملكي في الا معجه سے جو سهوا العرب كى اس كے ليار ماں تهار هوں ا

اب جن سجن کو بولغا تها ولا ایک نوجوان ٹھے: افورل ہ پڑے جرهل کے ساتھ کہا۔ " همهن یه نه بهولها جاهگے که بایو هندر مسلم ایکتا کے لئے کام کرتے هوئے سارے گئے ھیں . باہو کے بلردان سے سامپردایک دنگرں کی آگ ایک كم سے ضرور بعدہ كئى ہے پر يته نهيس كها جا سكتا كه ية آگ بھور نہیں سلگ سکتی . آج راشٹری سریم سھوک سلکھ اور مهاسبها والے چپ هواكم هيں يراس كا يه مطلب لہوں کا ان کے دل بدل گئے میں، باہو کی متیا نے جلتا مهل سامهردایکتا کے خلاف جو قصع پهدا کر دیا هے اس سے قر کر ھی یہ لوگ چپ ھرکئے ھیں ھییں اس کا دهیان رکهنا هے که جهال جلتا کا قصه کم هوا یه لوگ پهر سيدان سيس آجائيس کي اور ساسهردايکتا کا زهر پههالا شورع کر دیں کے هدين چاعلے که ايلی سنستها مهن چلکر ایسے لرگوں کو رکھیں جو دال سے سامھردایکٹا کے خلاف مرن، همیں اس سمے سبسے ادعک زور علدو مسمم ایکتا پر دینا چاهیئے اور هندروں مهرگهسکر سامپردایکتا کے خلاف پرچار درنا چاہئے ."

ان کے پاس جو سجن بیڈھے تھے وہ بھی نرجوان تھے اور شاید یہ دواوں اوجواں آبس میں دوست تھے کھونکہ ان سے جب بوالمے کو کہا گیا تو آنھوں نے بھی ملدو مسلم ایکٹا پر خاص زور دیا اور آخر میں یہ کہکر کہ میں بھائی ۔۔۔۔۔ کے برتیک شبد کا سررتین کرتا ہوں' چپ ہوگئے اور سب لوگرں پر اس طرح نگاہ تألی مانو درسروں سے بھی۔ ایک سرتین چاہدی جانو درسروں سے بھی۔ ایک سرتین چاہدی جانو درسروں سے بھی۔ ایک سرتین چاہدی جانو درسروں سے بھی۔

ہر اُن کی آشا۔ پوری نہ ہوئی کیونکه کسی نے بھی سامپردایکتا کے وردہ یا ہندو مسلم ایکٹا کی بات نہ کی ۔

ایک مجن نے هريجن أدهار پر زور ديا .

درسرے سعوں نے اُن کا پورا سمرتھن کھا ۔

تھسرے سجوں نے کتائی ملڈل قائم کرنے کا سجھاو رکھا ۔ چوتھے سجوں نے سھواگرام آشرم کے تھلگ پر ضلع مہیں ایک آشرم کھولئے کا پرسٹاؤ کیا ۔

پانچوں سجن نے هریجار میں شکشا پرچار کی طرف سب کا دھیان کھیلچا اور زات میں هریجن بچوں کو پوھائے کے لگے سب سے اپنا نام لکھانے کی پرارتھا کی ۔

الماز میں کے انداز میں کی رائے کے انداز میں ا

افائن خافیقی معنی کی بات پر ایک دم سب چونگ بری روم معنی بھی گئی کیموانی تھے۔ ان کی آواز میں

इस कोट से भारान के बाद इन सज्जन ने एक बार फिर सब कोगों को पान पेरा किये. इनके बोलते बहर जो सामोशी झाई बी वह दूट गई. सब लोग आपस में बीरे धीरे कुछ बातें करने लगे. आखिर एक सिरे से लोगों को एक एक करके अपनी राय जाहिर करने को कहा गया.

एक सक्षन, जिन्हें गांघी जी के साथ कुछ समय रहने का सीमाग्य मिल चुका था, कहने लगे---

"में भी यही सोचा करता था कि यहां ऐसा कोई संगठन होना चाहिये जो गांधीवादी सिद्धान्तों का प्रचार करे. आप ने हम सब को एक जगह इकट्ठा करके बढ़ा अच्छा किया. मेरे विचार में हमें एक नई संस्था बनानी चाहिये. वैसे गांधी सेवा संघ जैसी संस्थाएं बनी हुई हैं पर उनके साथ बंध कर उनके सब उद्देशों को पूरा करने और उसके सब नियमों का पालन करने में सब भाइयों को कठिनाई हो सकती है. इसलिये मेरा सुमाव यह है कि हमें अपनी एक अलग संस्था बनानी चाहिये."

उनके बाद उनकी बराल में बैठे हुए दूसरे सज्जन से राय देते की कहा गया. यह सज्जन नगर के कपदे के बड़े ब्योपारी हैं. इन की दुकान पर इटली, इंगलैंड, अमरीका, जापान और भारत की मिलों के हर तरह के कपड़े विकते हैं लेकिन यह ख़ुद गांधी जी के बढ़े भक्त हैं. अपने इस्तेमाल के लिये हमेशा बहुर भंडार के कपदे खरीदते हैं. एक पान भौर मुंह में रखते हुए एन्होंने कहा-"यह देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि आज जब देश को बापू की बहुत अधिक फकरत थी तब वह उन से वंचित (महरूम) हो गया. पर बापू अमर हैं. वह कभी मर नहीं सकते. लेकिन अव हमारे ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई है. हमारा धर्म है कि बापू जो कुछ कहते थे इस उस पर अमल करें और वह को काम अधूरास्त्रोड़ गए हैं उसे पूरा करें. मैं सन बाईस से कांगरेस में हूँ और तब से बराबर अपने हाथ के कते सूत का कपड़ा पहनता हूँ. मेरे विचार में हम जो संस्था बनाएं इसके हर सदस्य के लिये यह शर्त हो कि वह एक घन्टा रोज बरखा चलाए और दूसरों को मी बरखा चलाना सिसाए." यह कहकर उन्होंने जेब से सिगरेट केस निकाला फिर माचिस निकाली मगर कुछ सोच कर दोनों चीजें जेव में रस्त लीं और हाथ बढ़ा कर फिर एक पान लेकर खाया भीर अपने पास बैठे हुए एक सज्जन की तरफ इस तरह देखा मानो कह रहे हों कि अब आप कुछ कहिये.

यह सकान शहर कांगरेस के ओहदेगार होने के साथ साथ सुबे की असेन्यली और और विधान सभा के भी नेकार के केवल इतना कहकर चुन हो गए कि मैं ऐसी हर संस्था का स्वागत करता है जो बापू के मिशन को लेकर चले. پہر سب لوگوں کو پان پیش کئے ، اُنکے بولقے وابت جو گھر سب لوگوں کو پان پیش کئے ، اُنکے بولقے وابت جو گفاموشی چہائی تھی وہ ترف گئی ، سب لوگ آپس میں فھیرے دھیرے کچھ باتیں کرنے لگے ، آخر ایک سب ہے ہوئوں کو ایک ایک کرکے اُپنی رائے طاحر کرنے کو کہا گھا ،

أیک سجن جمهوں گندھی جی کے ساتھ کچھ سے رہیے کا سوبھائیہ مل چکا تھا کہنے لگے ---

المیں بھی بہی سوچا کرتا تھا کہ یہاں آیسا کوئی سٹکھٹن ھونا جاھئے جو کاندھی وادی سدھانہوں کا پرچار کرنے والی سدھانہوں کا پرچار کرنے والی جاتھ ادتھا کرکے ہوا اچھا کیا ۔ میرے وچار میں ھیس ایک نئی سٹسٹھا بلائی چادئے ۔ ویسے کاندھی سیوا سنکھ جیسی سلسٹھائیں بنی ھوئی ھیں پر آئکے ساتھ بلادھکر آئکے سب آدیشوں کو پروا کرنے آرر اُس کے سب نیموں کا پالی کرنے میں سب بھائوں کو کٹھلائی ھوسکتی ھے اسلئے مہوا سجھاؤ سب بھائوں کو کٹھلائی ھوسکتی ھے اسلئے مہوا سجھاؤ

أن كے بعد أن كى بغل ميں بيتھ هوئے دوسرے سعون سے رائے دیدے کو کہا گیا ، یہ سعون نکر کے کوڑے کے بوتے مهوباری هیں. أن كى دوكان ير اثلی: انكليلة؛ أمريكه: جاہان ارر بہارت کی ملوں کے هر طرح کے کپڑے بعقی هیں لهای یه خود کا دهی چی کے بچے بهکت هیں. اور اللے استعمال کے لئے ہمیشہ اودر بہندار کے کبرے خریدتے ہیں۔ ایک یاں اور سنہ سیس رکھتے ہوئے انہوں نے کہا ۔۔ '' یہ ديه كا بيت بوا دربهائيه هے كه رائے جب ديش كو بايو کی بہت ادھک ضرورت تھی تب وہ اُن سے وندےت رمحروم) هوالها وريايو أمر هيل . ولا كبهى مر نهيل سكته ، لهكن اب همارے اوہر بہت ہوی ذہمداری آئٹی ہے . هماوا دهرم ھے که باہو جو کچھ کہتے تھے ہم اُس پر مثل کریں اُور وہ جو کام ادھورا جہرو کئے میں آسے پورا کریں ، میں سے باٹیس سے کا گیس میں موں اور تب سے برابر اپنے ماتھ کے کاتے سوت كا كهوا يهلما هول . مهرم وجار مهل هم جو سلستها مِمَالَين أسكم هو سدسيه كي ليَّه يه شوط هو كه ولا أيك كهفاله أوز جرحًا جلائم أور دوسرون كو يهي چرخا جلانا سكهائم الله ھے کہکر آنہ ان نے جھب سے سگریت کیس نکالا پہر ماجس فهائي مگر کچه سرچاکر درارس چيزيس جهب مهن رکه لهن الور هائم بوها و بهر أيك بان لے كر كهايا أور أبي ياس بهتھ هوال ایک سجن کی طرف اس طرح دیکها مانو که ره هور که اب آپ کچه کهئے .

یہ ستجن شہر کانگریس کے عہدے دار ہوئے کے ساتھ ساتھ صوبہ کی اسمبلی اور ردھان سبھا کے بھی صمیر تھے انھول اتفا کہکر جب ہوئئے کہ ہم ایسی ہر ساساتھا کا سوالیس کرتا ہوں جو یاپو کے مشن کو لیکر چلے۔ ं घोती कुरते वाले विलक्क रारीय मासूम होते हैं. बीच दिवार की चरफ एक जगह खाली है. यह शायद इस जिमे के सदर की जगह है. थोड़ी देर बाद एक सज्जन गिले के खन्दर से हाथ में पान की थाली लिये आर और सबको जयहिन्द कर के उस खाली जगह पर बैठ गए.

इन के बैठने के बाद कुछ लोग कहते हैं अब कारवाई इस होनी चाहिये और वह सज्जन कहना शुरू करते हैं—

"मैं पहले तो आप सब लोगों से ज्ञमा चाहता हूँ कि प्रापने यहाँ पधारने का कश्ट किया."—पान की थाली सरी तरक बढ़ा कर उन्होंने लोगों से पान खाने की व्यंता की और एक बार बारों तरक देख कर फिर बात हु की.

"मैंने आप लोगों को एक स्नास कारन से कश्ट दिया ... हम भाज इस लिये इक्ट्रा हुए हैं कि राश्ट्र पिता ाहारमा गांधी को स्वर्ग सिधारे अभी पूरे दो महीने भी नहीं ति. हमें विचार करना है कि बापू जो मिशन छोड़ गए हैं से हमें क्योंकर आगे बढ़ाना चाहिये. आज कांगरेस में दो रह के लोग हैं. एक वह जो बाप के रचनात्मक प्रोप्रामों ो चता रहे हैं और राजनीति में कोई हिस्सा नहीं लेते. सरे बह लोग जो राजनंति में हिस्सा लेते हैं भौर बाप के चनात्मक प्रोप्राम से जिन्हें कोई दिलचरपी नहीं. पहले ाले लोग राजनीति में आगे नहीं आते इसलिय उनका दिश जनता तक नहीं पहुँच पाता. यह लोग अपने आश्रम ला रहे हैं और भारत की करोड़ों जनता से इनका |**म्बन्ध बिलकुल कट सा गया है. दूसरे कोग** जो राजनीति ी दलदल में फंसे हैं उन्हें दलबन्दी और राजनीति ऋगड़ों । इतना समय ही नहीं निलता कि वह रचनात्मक कामों ी तरक ध्यान दे सकें. होना तो यह चाहिये था कि हर ांगरेसो गांधा जो के मिशन को आगे बदाने के लिये ठ साड़ा होता पर ऐसा नहीं है. मैंने यह सोच कर कुड़ प्रश्नों से बात की और फिर यह तय किया कि हमें अपने ाहर ही में कांगरेस से अलग एक संस्था बनानी चाहिये गौर बाप के मिशन को आगे बढ़ाने में लग जाना चाहिये. म कांगरेस का विरोध करेंगे न कांगरेस से अलग होंगे ार हमारी इस संस्था के सदस्य कांगरेस की दलवन्दियों भाग न लोंगे. इमारे नगर में येसे लोगों की काफी तादाद को गांधीवाद को दिल से मानते हैं पर यह सब लोग बेखरे हए हैं और इन के आपस में मिलने जलने का कोई हरीका निकल आए तो यही सोग बहुत कुछ कर सकते . जब हमारा संगठन हो जायगा तो दसरे लोग भी हमारे डाथ आएंगे और इस तरह इस बापू के मिशन को आगे बढ़ा सकेंगे. में चाहता हूँ कि बाप लोग भी इस विशय पर बापने अपने विचार प्रकट करें."

کے دھوتی کرتے والے بالکل غریب معلوظ عین ۔ بیغے میں دیوار کی طرف ایک جگه خالی ہے ۔ یہ شاید اس مجمع کے صدر کی جگه ہے ، تیوری دیر بعد ایک سجوں بنگلے کے اندر سے ہانہ میں پانون کی تھالی لئے آئے ارد سب کو چے ہند کرکے اُس خالی جگه پر بھٹھ گئے . اُر سب کو چے ہند کرکے اُس خالی جگه پر بھٹھ گئے . اُلکے بعد کرچے لیگ کہتے ہیں اب کارروائی

شروع هونی جاهیے اور وہ سجن کہنا شروع کرتے هیں۔
''سیں پہلے تو آپ سب لوگوں سے چہما چاهتا هوں
که آپ نے یہاں پدهارنے کا کشت کھا''، پان کی تہالی دوسری طرف بڑھا کر اُنہوں نے لوگوں سے پان کہالے کی پراتہنا کی اور ایک بار چاروں طرف دیکھک، پھر بات شدہ '

کانگریس میں دو طرح کے لوگ میں ، ایک وہ جو باہو گے رجافاتیک پروگراموں کو جا رہے ھیں اور راج نیتی موں کوئی حصہ نہیں لیتے دوسرے وہ لرگ جو رائے نیتی مہی حصة لينتے هيں اور بابو كے رجلانمك يروكرام سے جنههى کوئی دلنچسچی نہیں ، پہلے والے لوگ رابر نیتی میں آئے نہیں آتے املئے اُنکا سندیش جنتا نک نہائی پہنیے پاتا . يم لوگ انه آشرم چلا رهي هيس أور بهارت كي كرورون جلتاً سے إنكا سمبندھ بالكل كت سا كها ھے. فرسرے لوگ جو راج نیتی کی دلدل میں پہلسے هیں آنہیں دلیندی اور رائے نیٹک جھکوں سے اتنا سے ہی نهين ملتا كه ولا رجلانك كامون كي طرف دعهان دے سکھی ، ہونا تو یہ چاہیے تھا کہ ہر کانگریسی کاندھی جی کے مشن کو آئے ہوھانے کھائم اُٹھ کھوا ھوتا پر ایسا نہوں ہے . میں لے یہی سہم کر کچھ متروں سے بات کی اور پھر یہ طے کیا کہ همیں آنے شہر هی میں کانگریس سے الگ ایک سلستها بنائی چاهه، اور بایو کے مشن کو آگے بوهائے مهن لگ جانا چاهیے . هم کانکریس کا ورودہ نههن کرین کے نم کانگریس سے آ گے ہونگے پر هماری اس سلستها کے سدسیه کانگریس کی دلیادیوں میں بہاگ نا لیس کے۔ هماري نگر ميں ايسے لوكوں كى كافي تعداد هے جو كاندهى واد کو دل سے مانتے میں پریہ سب لوگ بکھرے ھولیے هين اور أنكم آيس مين مليم حليم لا كرثي فريعه نكل آئے تو یہی لوگ بہت کچھ کرسکتے میں جب عمارا سفکھٹلی ہو جائے کا تو درسرے لوگ بھی همارے ساتھ آئھوں گنے اور اس طرح هم باہو کے مشی کو آگے ہوھا سکھی گے ، مِین جِاهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ وَلَيْ اللهِ وَلَيْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله

The state of the state of

सस्य करने के साथ साथ उन्होंने बौद कता के सुन्दर से सुन्दर नमूनों को भी महियामेट कर डाला. फिर भी कोरिया की सुनसान पहादियों में भारती कता के निशान वहां के बौद मन्दिरों में बाज भी मौजूद हैं.

पिछलों कई सिद्यों से एशिया के मुल्क बिदेती हकूमत और बिदेती बन्कों के ढर से अपनी पुरानी कलचरी एकता और राजनैतिक भित्रता खो बैठे थे. आज बह अपनी पुरानी दोस्ती और पुरानी एकता क़ायम करने को फिर खस्मुक हैं. भारत और चीन अपनी ऐतिहासिक मित्रता को फिर से जगा चुके हैं. अब वह दिन दूर तहीं जब कोरिया भी बिदेसी कीओं को अपने देस से खदेड़ कर आजाद होगा और अपने पुराने दोस्त भारत से एक बार फिर सम्बन्ध जोड़ने के लिये हाथ आगे बढ़ाएगा.

गांधी जी के नाम पर

(भाई अनवर अब्दुङ्गा)

ं मार्च सन '48' की बात है. देश पिता महात्मा गांधी को गए पूरे हो महीने भी नहीं हुए थे.

यक बंगले के बाहर के वालान में पनदृह बीस आदमी कैठे हैं. खिदकी में एक बदे के म में महात्मा गांधी की तसकीर रखी है. मजमे में हर तबके के लोग हैं. कुछ की वृष्य सी सफेंद खादी का कुरता, पायजामा या घोती बतलाती है कि खादे पीते ही नहीं बचा कर भी रखने वाले तबके के का स सम्बन्ध है. कुछ की घारीहार खादी की आधी अस्तितीय की कमील और मैले पैजामे सम्हें निचले बीच के الله گرانے کے ساتھ ساتھ آنھوں نے بودھ کا کے ساتھو سے ساتھو سے ساتھ کوریا کے ساتھ کوریا کی مالی کے دیارہ کا کے نشان رہاں کے انہاں رہاں کے بیادہ مدروں میں آج بھی موجود ہوں ۔

بھارس اور کوریا کا کلچہی میل آیشیا کے دلتچری الہاس کی بوی مہتو کی گیتا ہے ۔ صدیرں پہلے بھارتی کلتچر کی جو لہر بھارت سے چھن کی طرف ہوھی تھی وہ جھیں میں نام رک کر کوریا بھی پہرنچی پھر کوریا سے بھی آجی میں سیا گیا ۔ کوریا والوں نے ھی پہلے بودھ تھرم کا سندیش جاپان والوں کو سنایا تھا ۔ اِس میں گوئی شک نہیں کہ بھارت اور کوریا نے کلتچری میل ھونے پر ھی بھارت اور خوریا نے کلتچری میل ھونے پر ھی بھارت اور جاپان میں بھی کاتچری سمبندھ قائم ھوا ۔ ایشیا کی کلتچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلتچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلتچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلتچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ

پچھلی کئی صدیوں سے ایشھا کے ملک بدیسی حکومت اور بدیسی بندرتوں کے تر سے اپنی پرانی کلچری 'ایکٹا اور راج نیٹک مترنا کھر بیٹھے تھے، آج وہ آپنی پرانی دوستی اور پرانی ایکٹا قائم کرنے کو پھر آتسک مھں ، بھارت اور چھن اپنی انہاسک مترنا کو پھر سے جکا چکے مھیں ، آب وہ دن دور نہیں جب کوریا بھی بدیسی قوجوں کو آھے دیس سے دھدیر کر آزاد ہوگا اور ایھ پرائے دوست بھارت سے ایک ہار پھر سمبندھ جوڑنے کے لئے ہاتھ آئے

گاندھی جی کے نام پر

(بهائی انور عبدالله)

ﷺ مارچ سن 48 کی بات ہے، دیش پٹا مہاتما گفتھی کو گئے ہورے در مہیلے بھی نہیں ہوئے تھے،

ایک بلکلے کے باہر کے دائن میں پلدرہ بیس آدمی بیکھتے ہیں۔ کہوائی میں ایک بوے فریم میں مہاتما الدینی کی تصویر راہی ہے۔ مجمع میں ہر طبقے کے الدینی کی تصویر راہی ہے۔ مجمع میں ہر طبقے کے الدینی کچھ کی دردہ سی سنید کہائے پرتے ہی نہیں بچا کر بھی رائے طبقے سے آنکا سمبلدہ ہے۔ کچھ کی دھاری دار کہائے کی دھاری دار کہائے کی ادھی آستھی کی امینی آستھی کی دھاری دار میلے باجامے آنہیں نجانے ہیں۔

पित्र पुस्तक मानी जाती थी. इस कितान का नहीं नाम था "सि-यू-की" (Si-Yu-Ki) थानी "पिक्सिमी देसों का हाल." यह कितान कोरिया के हर मठ में और हर कितान घर में पाई जाती थी.

कोरिया में बौद्ध धर्म के पतन के साथ साथ बौद्ध कितावों का भी खुरा हाल हुआ. मन्दिरों घौर मठों के बरबाद किए जाने के साथ साथ बौद्ध साहित्य भी बरबाद हो गया. किर भी कुछ कितावें बच रहीं जिन्हें जापानियों ने इकट्ठा किया घौर चन्हें फिर छपवाया.

6-कोरिया में भारती कला:-

कोरिया में बौद्ध धर्म के फैजने के साथ साथ वहां बौद्ध कला को भी रिवाज दिया गया. कोरिया के बौद्ध मिन्दिरों में जो मूरितयां कायम की गई उन पर भारती बौद्ध बुत साजी की द्वाप साक दिखाई देती थी.

सिल्ला की सलतनत के खमाने में (668-918 ई०) कोरिया में खास तौर से भारती कंता का चलन था इस खमाने में कोरिया से अनेक बौद्ध भिद्ध भारत आए थे. भारत से बह अपने साथ अनेक बौद्ध मूरतियां और नक-काशी के नमूने कोरिया लेगए थे.

इसी खमाने में कोरिया में, अमिताभ बुद्ध और बोधि-सत्त कुआन-यिन की मूरितयां जगह जगह मन्दिरों में आयम की गई, दोनों पर भारती कला का असर जाहिर आ. अमिताम बुद्ध आसन पर बैठे, एक पैर पर दूसरा पैर रखे, अपनी गोद में अपना हाथ रखे और ध्यान में मम दिखाए गए हैं. बोधिसत्त्व कुआन-यिन का रूप भी भारत से ही किया गया हैं बोधिसत्व सिंहासन पर शाही ठाठ के साथ आराम से बैठे हैं. उनका दायां पैर सिंहासन पर दै और दायां हाथ दायें पैर पर से होता हुआ नीचे लटक रहा है. बायां पैर भी नीचे लटक रहा है और बायां हाथ सिंहासन को पकड़े हुए हैं.

इस खमाने की डीनी और कोरियाई कला पर अपनी राय जादिर करते हुए मशहूर इतिहासकार केनेथ लाटुरेट जिस्तता है:—

"बौद्ध मन्दिरों में गान्धार की यूनानी बौद्ध कला या गुप्तबंश के जमाने की भारती कला का अधर साम तौर से बाहिर है. इस जमाने में जितनी सुन्दर मूरितयां बनाई गई बतनी सुन्दर मूरितयां कोरिया में कभी नहीं बनीं. इसके नमूने आज भी कोरिया और बीन में मौजूद हैं".

कोरिया से मंगोल राज स्ततम होते ही कंगफूत्यू धर्म के मानने वालों ने कोरिया के तमाम बौक मन्दिरों और बौक सठों को गिरा दिया. घातु की जितनी मुरतियाँ बनी किस सब को उन्होंने गला जाला. बौक घर्म का असर پھوپینٹ مائی جائی تھی۔ اس کافٹ کا رہاں تھے تھے ۔ بیا '' سی . یو . کی'' (Si-Yu-Ki) پیملی '' پجھمی دیسوں کا حال ''. یہ کتاب کوریا کے هر ماٹھ میں اور هر کتاب کہر میں پائی جائی تھی .

کرریا میں بودھ دھرم کے پتن کے ساتھ ساتھ ہودھ کھاہوں کا بھی برا حال ھوا ۔ مقدروں اور مقهوں کے بریاد کئے جائے کے ساتھ ساتھ ہودھ ساتھ بھی بریاد عوگھا ، پھر پھی کچھ کتابھی بھے رہیں جقہیں جاپانیوں نے اکٹھا کھا اور آنھیں پھر جھھوایا ،

6 - كوريا مرس بهارتى كا :--

کوریا میں بودھ دھرم کے پھیلئے کے ساتھ ساتھ وھاں پودھ کلا کو یہی رواج دیا گیا ، کوریا کے بودھ متدرون میں جو مورتیاں قائم کی گئیں اُن پر بھارتی بودھ ہت سازی کی چھاپ صاف دکھائی دیتی تھی ،

سلا کی سلطانت کے زمانے میں (668 – 918 میسوی) کوریا میں خاص طور سے بہارتی کا کا چائن تھا ، اِس زمانے میں کوریا سے انیک، بودھ بھاکھو بہارت آئے تھے ، بہارت سے وہ اپنے ساتھ آئیک بودھ مورتیاں اور نقاشی کے نمونے کوریا لے کائے تھے ،

اسی زمانے میں کوریا میں امتیابہ بدھ اور بودھی ستو کوآن - بین کی مورتیاں جگھ جگھ مددوں میں قائم کی گئیں . دونوں پر بھارتی کا کا اثر ظاھر تھا ۔ امتیابہ بدھ آسی ہر بھتے ایک پیر پر دوسرا پیر رہے اینی گود میں اینا ھاتھ رکھے اور دھیان میں مگن دکھائے گئے ھیں ۔ اینا ھاتھ رکھے اور دھیان میں مگن دکھائے گئے ھیں ۔ یودی ستو کوآن ان کا روپ بھی بھارت سے ھی لھا گیا ھے ، بودھی ستو سنکھاسن پر شاھی تھات کے ساتھ آرام سے بھتھے ہیں ، ان کا دایاں پیر سنکھاسن پر ھے اور دایان ھاتھ دائیں پیر یہ ووتا ہوا نیجے لٹک رہا ھے ، بایاں پیر بھی نیجے لٹک رہا ھے ، بایاں پیر بھی نیجے لٹک رہا ھے ، بایاں پیر بھی نیجے لٹک رہا ھے ، بایاں کو پکوے ہوئے ھے ،

اس زمانے کی چھٹی اور کوریائی کلا پر آینی وائے طاہر کرتے ہوئے مشہور انہاس کارکیٹٹھ الٹرریت لکھٹا ھے :---

" پودھ مقدروں میں گاندھار کی یونائی ہو ھ کلا یا گیت ونھی کے زمانے کی بھارتی کلا کا اثر خاص طور سے طاھر ہے ۔ اِس زمانے میں جاتفی سقدر مورتیاں بقائی گٹیں گئیں سقدر مورتیاں نوریا میں کوریا میں کیمی نویں بقیں ۔ اِس کے تمونے آج بھی کوریا اور چین میں موجود ھیں گا

کوریا ہے مفکول والے ختم ہوتے ھی کفکفوتسو دھوم کے مالئے والوں نے کوریا کے تمام یودھ مقدورں اور بودھ مقابوں کو کوا دیا۔ شماعہ کی چکٹی مورتمال یکی آنہوں کی سیب کے آنہوں نے کا 13٪ بودھ مھرو کے آلو अवतार लेकर गौतम बुद्ध की शकत में इस संसार में आए थे. अमिताम शब्द का कार्य है 'वैयोति ही व्योति" यानी नूर ही नूर.

इस पंथ की तालीम का निचोड़ यह है: भगवान आमिताम बुद्ध में पूरी भक्ति और विश्वास रखो, उनकी पूजाकरों और अपने को उनकी मरजी पर छोड़ दो. यही निवीन प्राप्त करने का रास्ता है.

इस पंथ के मानने वाले कोरियाई अक्त भगवान मिताम से प्रार्थना करते हुए कहते हैं:— 'ना-मो मितो प्रस्त'

यानीः—"हे भगवान अभिताभ ! मैं भक्ति भाव से भौर तुमा पर पूरा विश्वास कर के तेरी शरन में भाता हूँ."

महायान बौद्धों के लिये निर्वान हासिल करने का यह भक्ति मार्ग है.

इस पंथ के अलावा, बोधिधर्म के चान पंथ का, तिब्बत के लामा पंथ का और चीन के तियेन-ताई पंथ का भी कोरिया में काफी प्रचार हुआ. इन सब पर्थों को भारत के और चीन के बौद्ध भिद्धकों ने कायम किया था.

5-कोरिया में बौद्ध साहित्य

बौद्ध धर्म के साथ साथ कोरिया में बौद्ध साहित्य भी पहुँचा. पहले तो चीन से भारत का बौद्ध साहित्य कोरिया ते जाया गया फिर बाद में कोरिया से जो भिक्षु भारत आए, वह अपने साथ बौद्ध धर्म की किताबें कोरिया ते गए. बौद्ध धर्म के हर पंथ का साहित्य कोरिया पहुँचा. वहां के भिद्ध मों ने बहुत सी बौद्ध किताबों का अनुवाद किया.

सन 1000 ईसवी के क़रीब चीन से बौद्ध त्रिपिटक (यानी सूत्रपिटक, चौर च्यानिधर्म पिटक) की एक कापी कीरिया लाई गई. यह त्रिपिटक चीन के सम्राट की चाज़ा से सन 971 ई० में तैयार किया गया था. इसमें उस समय तक की बौद्ध धर्म की तमाम किताओं शामिल थीं. कोरिया के राजा ने इस त्रिपिटक का फिर से सम्पादन करने के किये कोरिया के विद्यानों की एक कमेटी बनाई थी. तैयार होने के बाद इस त्रिपिटक का एक एडीशन कोरिया से निकाला गया. इसी के आधार पर जापान में सन 1880 ई० में बौद्ध त्रिपटक का एक जापानी एडीशन तैयार किया गया.

सन 1251 ई॰ में बौद्ध त्रिपिटक कोरिया में पहली बार स्रोपकर निकाला गया.

कोरिया के कोग चीन के मशहूर बौद्ध भिन्नु व्हेन सांग बढ़ी कुछ करते थे. व्हेन सांग ने अपनी भारत यात्रा की को जिला किसी वह कोरिया में बौद्ध धर्म की एक बहुत الوقال الدور كوتم يده في شكل مون إس سلسار مين آلي الدور أميعا و شبد كا ارتو هر "تجدولي هي جهولي" يعلي الوزي الدور .

اس پنته کی تعلیم کا نجهور یه هے: بیکوان امهتابه بده امهی بوده اور اور مهی بوده اور اور اور اور اور اور اور ان کی بوجا کرو اور ان کی مرضی در چهور در . یہی نروان برابت کرنے کا راسته هے .

اِس یفتم کے مانٹے والے کوریائی بمکت بمکوان آمیتا، م سے ہرارتمنا کرتے ہوئے کہتے ہیں: —

انامو أحيدو پل'

یعنی :--- 'ه بهگران ادیتابه! میں بهکتی بهای سے اور تجه پر پورا رشواس کرکے تیری شرن میں آتا هوں .''

مہایاں بودھوں کے لئے نروان حاصل کرتے کا یہ بھکتی مارگ ہے .

اس پنتھ کے عالوہ' بردھ دھرم کے چان پنتھ کا' تبت کے لامہ پنتھ کا اور چین کے تی بیبن تاثی پنتھ کا بھی کوریا میں کافی پرچار ھوا ۔ اِن سب پنتھوں کو بھارت کے اُور جین کے بودھ بھکشوؤں نے قائم کھا تھا ،

5--- کوریا میں بودھ ساھتیه

ہودھ دھرم کے ساتھ کوریا میں بودھ ساھتیہ بھی چہوئی ہے۔ چہوئی ہے بھارت کا بودھ ساھتیہ کوریا لے ہھایا گیا بھر بعد میں کوریا سے جو بھکشو بھارت آئے وا اُنے ساتھ بودھ دھرم کی کتابھی کوریا نے گئے ، بودھ دھرم کے عمر پلتھ کا ساھترہ کوریا بھونتھا ، وہاں کے بھکشوؤں نے بہت سی بودھ کتابوں کا انبواد کھا ،

سن 1000 عیسوں کے قریب چین سے بودھ تریٹک (یعلی سوتریٹک) کی ایک کاپی کوریا لائی گئی ، یہ تریٹک چھن نے سمرات کی آئیا سے میں 179 عیسوی میں تیار نھا گیا نھا ، اِس میں اُس سیے نگ کی بودھ دھرم کی تمام تنابیں شامل تیہں ، کوریا کے راجہ نے اِس تریٹک کا پہر سے سمیادن کرنے کے لئے کوریا کے وورانوں کی لیک کمیٹی بدائی تھی ، تیار ھوئے کے بعد کے وورانوں کی لیک کمیٹی بدائی تھی ، تیار ھوئے کے بعد کیس تریٹک کا ایک آدیشن کوریا سے نکالا گیا ، اسی کے آدھار کیا ہے میں بودھ تریٹک کا گیا ، سی کیا گیا ،

سن 1251 ههسری میں بودھ تریٹک کوریا میں پہلی اور کا کھا ۔

کوریا کے طوف چھوں کے مشہور بودھ بھکشو وھیں سانگ کی ہوی عوض کرتے تھے ، وھھوں سانگ نے آپنی بھارت یاترا کی ہوی عوض کرتے تھے ، وھھوں سانگ نے آپنی بھارت یاترا کیچو کفاب لکھی وہ کوریا میں بودھ دھرم کی آپک بہت आपादी की तदाई के खिलाफ कु बला साँ का साथ दिया था. इसलिये वह देस के दुशमन साबित हुए और जनता की सहातुभृति सो बैठे.

मंगोल राज का पतन होने के बाद कंगफृत्सू धर्म के मानने वालों ने ही कोरिया का राज संभाला. छन्होंने क़ानून बना कर बौद्ध धर्म का प्रचार बन्द कर दिया और कोरिया के सब बौद्ध धर्म का प्रचार बन्द कर दिया और कोरिया के सब बौद्ध धर्म को अपनाए है वो छोटे राजाओं ने अब भी बौद्ध धर्म को अपनाए हक्षते की कोशिश की. चन्हें गद्दी से चतार दिया गया. कोरिया के रहे सहे बौद्ध भिद्ध शहर छोड़ कर पहाड़ों और अंगलों में जा बसे. वहीं चन्होंने अपने मन्दिर और मठ क़ायम किये.

(पांच) जापानी राज का जमाना (1910-1945 ई०)

कुछ सिवयों बाद सन 1910 ई० में जापानियों ने कोरिया पर करका कर किया. बौद्ध धर्म का कोरिया में फिर प्रचार शुक्क हुआ. लेकिन इस बार भी विदेशी हकूमत के साथ साथ बौद्ध धर्म कोरिया में फिर से आया और विदेशी इक्सत की मदद से ही उसे फैलाने की कोशिश की गई, शहरों में बौद्ध मन्दिर और बौद्ध मठ फिर से कायम किये गय. बौद्ध धर्म की पुरानी किताबों को इकट्टा करके उन्हें नए सिरे से छपवाया गया. जगह जगह बौद्ध सोसाइटियां कासम की गई, कुछ समय के लिये कोरिया में बौद्ध धर्म का असर बदता दिखाई पड़ा. इसी बीच दूसरा महायुद्ध छिड़ गया और कोरिया से जापानी राज उठ गया. इसके बाह कोरिया में बौद्ध धर्म का क्या हाता हुआ होगा यह कहना सुन्नी कठिन है.

4-कोरिया में बौद्ध धर्म के फ़िरक़े

कोरिया में बौद्ध धर्म की महायान सम्प्रादाय का ही प्रचार हुआ था. इस के कई किरक़े समय समय पर कोरिया में कायम हुए जिसमें 'सकेद कमक पंथ' के मानने बाबे सबसे ज्यादा थे.

'सफ़ेंद कमल पंथ' को चीनी भिद्ध दृद-युगान ने भारती भिद्ध बुद्ध नरा चौर बुद्ध भद्र की मदद से चीन में कायम किया था. चूँ कि इन भिद्ध औं का मठ एक ऐसे तालाब के किनारे था जिसमें सफ़ेंद कमक खिले थे इसलिये उनके फिरके का नाम 'सफ़ेंद कमक पंथ' पड़ गया. उस पंथ का प्रचार को रेया में भी हुआ।

इस पंथ के लोग यह मानते हैं कि गौतम बुद्ध भगवान आमिताभ बुद्ध के अवतार ये, अभिताभ बुद्ध ही सारी दुनिया के सिरजनहार हैं, उन्हों की बजह से दुनिया कायम बीर जो कुछ भी होता है उसके कारन वही हैं, वहीं آزادی کی توالی کے خلاف لبلا خان کا ساتھ دیا تھا ۔ اس لیے وہ دیس کے دھنن ثابت ھوئے اور جلتا کی سہانو بھوتی کھو بھٹھے ۔

منگول والے کا پھن ہوتے کے بعد کنگ فوتمو دھرم کے مانئے والوں نے ہی کوریا کا رائے سنبھالا ۔ اُنھوں نے قائرن بنادر بودھ معرم کا پرچار بندہ کردیا اور کوریا کے سب بودھ مندروں اور متھوں کو گروا دیا ، کوریا کے دو چھوتے راجاؤں نے اب بھی بودھ دھرم کو اپنائے رکھنے کی کوشش کی ، اُنھیں گدی سے آثار دیا گیا ، کوریا کے رہے سہ بودھ بھکشو شہر جھوڑ کر بھاڑوں اور جنگلوں میں جا بسے وھیں اُنھوں نے ایے مددر اور متھ قائم کئے ،

(پانچ) جاپانی راج کا زمانه (1910-1945 عیسوی)

کچھ صدیوں بعد سن 1910 عیسوی میں جاپانیوں نے کوریا پر قبضہ کرلیا ۔ بودھ دھرم کا کوریا میں پھر پرچار شروع ھوا ، لیکن اِس بار بھی ودیشی حکومت کے ساتھ ساتھ بودھ دھرم کوریا میں پھر سے آیا اور ودیشی حکومت کی مدد سے ھی اُسے پھیلانے کی کوشش کی گئی . شہروں میں بودھ مندر اور بودھ مائھ پھر سے قائم کئے گئے۔ بودھ دھرم کی پرانی کتابوں کو انتہا کرکے اُنھیں نئے سرے بودھ دھرم کی پرانی کتابوں کو انتہا کرکے اُنھیں نئے سرے کے گئے کوریا میں بودھ دھرم کا اثر بوھتا کئیں . کچھ سیے کے لئے کوریا میں بودھ دھرم کا اثر بوھتا دکھائی پوا ، اسی بھی دوسرا مہایدھ چھو کھا اور کوریا سے جاپانی راج اُنھ گیا ، اِس کے بعد کوریا میں بودھ دھرم کا گھی ہودھ سے حاپانی راج اُنھ گیا ، اِس کے بعد کوریا میں بودھ دھرم کا کیا ہیں کیا ہی کہیں ہے .

4-کوریا میں بودھ ذھرم کے فرقے

کرریا میں بودہ دھرم کی مہایاں سمپردائے کاھی پرچار ھوا تھا ۔ اس کے کئی فرقہ سمے سمے پر کوریا میں کانم ھوئے' جسے میں 'سفید کمل پفتہ' کے مانئے والے سب سے زیادہ تھے ،

'سفید کمل پنہ کو چیلی بھکشو ہوئی یوآن نے بھارتی بھکشو بدھ یھی اور بدء بھدو کی مدد سے چین میں قائم کیا تھا ، چونکہ اُن بھکشوؤں کا ماتھ ایک ایسے تلاب کے کلارے تھا جس میں سفید کمل کھلاتے تھے اُس لگے آن کے فرانے کا فام 'سفید کمل پناتہ' پر گیا ، اِس پناتھ کا پرچار کوریا میں بھی ہوا .

اِسْ بِفَقِهِ کِ لُوگ یَه مَانَعِیُّ هَمِن کَه کُوتُم بِدَه بِهِکُوانِ اِ پِعَانِهِ بِدَه کِ اُرْدَارِ تَمِنُ اَمِعَنَانِهِ بِدِه هِی ساری دَنَیا کِ سروی هار هیں' اُنهیں کی بِجَه سے دَنیا قائم هِ اُور جُو عَنِينَ هِوَا هِ اُسْ کِ کَارِن وَهَی هَمِنَ وَهِی

(वीन) कोराई की सवसकत का ज़माना (918—1392 कि)

इस अमाने में बौद्ध धर्म को रिया का राज धर्म बन खुका था. राज दरबार में बौद्ध धर्म के दरसव बड़े ठाट से मनाए जाते थे. कोरिया में इसी बक्त जगह जगह बड़े शानदार बौद्ध मठ कायम हुए. कानून बनाकर यह हुक्म दिया गया कि जिस आदमी के तीन बेटे हों बह अपना एक बेटा बौद्ध मठ को भिद्ध बनने के लिये सींप दे. राज कुमारों को पदाने के लिये बौद्ध भिद्ध रसे जाते थे.

चौदहवीं सदी में चीनी सम्राट कुवलई सां ने कोरिया पर हमला करके उसे अपने अधीन कर लिया. उसने कोरिया में बौद्ध मत का प्रचार करने में हर तरह की मदद दी. इसी जमाने में भारती भिद्ध ध्यानभद्र कोरिया आया था.

(चार) चोज़ेन की सलतनत का ज़माना (1392—1910 ई॰)

ं इस जमाने में कोरिया के अन्दर यकायक बौद्ध धर्म का पतन शुरू होगया. इस पतन की कहानी भी बौद्ध धर्म के इतिहास में एक अनोखी कहानी है. जब तक कोरिया के अपने देसी राजा खुद बौद्ध धर्म अपनाते रहे और प्रजा को भी उसे अपनाने के लिये हिम्मत दिलाते रहे तब तक कोरिया की जनता का प्रेम बौद्ध धर्म के साथ बना रहा और बढ़वा गया. पर कुबलई खां एक विदेशी हमलावर थाः कोरिया उससे पहले कभी दूसरों का गुलाम न हुआ था. कोरिया की जनता में कुबलई खां के खिलाफ बगावत पैदा होने जगी. अवलई खाँ ने राज का पूरा जोर लगा कर बौद धर्म को फैलाना और मनवाना चाहा. यहाँ तक कि उसके जमाने में कोरिया के बौद्ध मठ हथियार बन्द फौजों से भरे रहते थे और वहाँ के बौद्ध भिन्न सिपाहियों की तरह हियार बाँध कर बाहर निकलते थे. दुराचार और रिश्वत स्तोरी इनमें और सारे राज के अन्दर बहुत बढ़ी बढ़ी थी, विदेशी राज से नफरत बढ़ने के साथ साथ इस तरह बौद्ध धर्म से भी कोरिया वालों के दिलों में नफरत पैदा होगई. यही कोरिया के अन्दर बौद्ध धर्म की गिरावट का खुला कारन था. कोरिया बालों ने क्रुवलई खाँ की विदेशो हकूमत को अपने देश से निकाल दिया और उसी के साथ साथ अपने देश के अन्दर से बौद्ध धर्म को भी खतम कर दिया.

बौद्ध धर्म की जगह अब कोरिया के अन्दर चीन ही के कंगफूस्यू धर्म ने ली क्योंकि कंगफूस्यू धर्म के मानने वालों ने ही एक क्रान्तिकारी दल बन कर कुबलई खाँ के खिलाफ बसाबत का मंद्रा खदा किया था. इसीबिये जाम जनता कंगफूस्य देख के साथ होगई. दूसरी तरफ बौद्ध मिलुमों ने

(تين) كيزالركي سلطلت كا زمانه (918-1392)

اِس زمانے میں بودھ دھرم کوریا کا راج دھرم بی چکا اُتھا۔ راج دربار میں بودھ دھرم کے آنسو بڑے تھات سے منائے جاتے تھے۔ کوریا میں اُسی رانت جگت جگت بڑے شاندار بودھ مثلہ تائم ھوئے۔ قانون بداکر یہ حکم دیا گیا کہ جس آدمی کے تین بیتے ھوں وہ اُپنا ایک بیتا بودھ مثلہ کو بھکھو بنے کے لئے سونپ دے ، راج کماروں کو کچھانے کے لئے بودھ بھکھو راجے جاتے تھے .

چودھویں صدی میں چینی سنرات قبلتی خان نے کوریا پر حملہ کرنے آئے انہ ادھین کرلھا ، اُس نے کوریا میں بودھ ست کا پرچار کرنے میں ھر طرح کی مدد دی اِسی زمانے میں بہارتی بہکشو دھیاں بہدر کوریا آیا تھا،

(چار) چوزين کی سلطنت کا زمانه (1392-1910) عدست).

اسی زمانے میں کوریا کے اندر یکیک ہودھ دھرم کا پتن شروع هوکیا . اِس دِدن کی کہانی بھی ہودھ دهرم کے اقهاس مهل ایک آنوکهی کهآنی هے ، جب تف کوریا کے آیے دیسی راجه خود بودھ دھرم ایداتے رہے اور درجا کو بھی اُسے اینانے کے لئے هست دلاتے رہے تب تک کوریا کی جنتا کا پریم بودھ دھرم کے ساتھ بنا رھا اور بوعتا کیا ۔ ور قبلتی خاں ایک ودیشی حمله ورتها . کوریا أس سے نهی کمهی درسروں کا فلام نه هوا تها ، کوریا کی جفعا مهن قبلئی خال کے خلاف بغارت پیدا مونے لگی . قبلئی خال نے راج کا یورا زور لگائر ہودھ دھرم کو یہمیانا اور مقوانا چاھا . یہاں تک که اُس کے زمانے میں کوریا کے بودھ مله هلههار بلد فوجوں سے بھرے رهائے تھے اور وهاں کے پوده بهکشو سیاهیوں کی طرح هتههار بادده کر یاهر نکلتے تعد . دراچار اور رشوت خوری این مهی اور سارے راہ کے اندر بهمت برهی چرهي تهی . رديشي راج سے نخرت پوهلے کے ساتھ اِس طرح بودھ دعرم سے بھی کوریا والوں کے فالول مدن تفرت بهدا هوائي يهي . كويا في الدو بوده دهرم كى كواوت كا كهلا كارن تها . كوريا والول نے قبلتي خال کی ودیشی حکومت کو اید دیش سے ذکال دیا اور اُسی کے ساته ساته أنه ديش كے اندر سے بودھ دعرم كو خاتم كرديا .

بودھ دھرم کی جگہ اب کوریا نے اندر چھن ھی کے گھلفوتسو دھرم نے لیکھوتس دعرم کے مانئے والوں نے ھی اُلگھوتسو دھرم نے لیکھوتس دار تا اُلگی خال کے خلاف بغارت کا جہلڈا کھوا کیا تھا۔ اُسیائے عام جلتا تلکفوتسو دل کے ساتھ ھوگئی ۔ دوسری طرف بودھ بھکھووں نے

ستىبر 51′

(एक) तीन रियासती का जमाना (57 बी सी 668 है)

इस जमाने में कोरिया तीन रियासतों में बंटा हुआ था. क्तर में कोग्रयू, दिक्खन पिछ्छम में पाकचे, और दिक्खन पूरव में सिल्ला. सन 372 ईसवी में बौद्ध धर्म का प्रवार क्तरी राज कोग्रयू में शुरू हुआ. कुछ साल बाद बौद्ध धर्म का संदेश पाकचे रियासत में पहुँचा. और फिर आखीर में सन 424 ईसबी में सिल्ला राज में भी बौद्ध धर्म का प्रचार शुरू हुआ.

होरिया की जिन्दगी पर बौद्ध धर्म बहुत जल्दी छा गया क्योंकि एसके मुकाबले में एस समय कंगकृरजे या ताओं के समान कोई बड़ा मजहब कोरिया में न था. फिर कहाँ एक तरफ बौद्ध धर्म के शानदार मन्दिर, उसकी असर-दार टीमटाम ने कोरिया के लीधे सादें बाशिन्दों को पूरी तौर से अपने बस में कर लिया, दूसरी तरफ बौद्ध धर्म के कैंचे आदर्श कोरिया वालों के दिमारा पर छा गए. बौद्ध धर्म ने मर्द और औरत दोनों को बराबरी का दरजा दिया इसक्रिये औरतें जास तौर से बौद्ध धर्म की तरफ कुर्की और धन्होंने कोरिया में बौद्ध धर्म के प्रवार काम में जोश के साथ हिस्सा लिया.

इसी खमाने में कोरिया के क़रीब क़रीब तमाम शहरों में बौद्ध मन्दिर खौर बौद्धमठ क़ायम किये गये. कोरिया से बौद्ध भिन्नु भारत गए और वहाँ से बौद्ध साहित्य कोरिया खाया.

(दो) सिल्ला की सलतनत का ज़माना (668— 918 ई०)

यह जमाना कोरिया में बौद्ध धर्म के इतिहास का सुनह्ता जमाना कहा जाता है. भारत में, चीन में, कोरिया में चौर परिाया के चौर देसों में भी इस समय बौद्ध धर्म कोगों की जिन्दगी पर पूरी तरह छाया हुआ था. न सिर्फ आम जनता ही बल्कि इन देसों के हुक्मरां भी बौद्ध धर्म के कहर मानने वाले थे चौर बौद्ध धर्म के प्रचार में राज की सरफ से परी मदद दो जाती थी.

चीन में उन दिनों तोग जानदान राज कर रहा था और भारत में सम्राट हर्ष. दोनों बौद्ध थे. कोरिया में सिल्ला का राजा सारे देश पर इकूमत कर रहा था. सिल्ला में सम 424 ई० में ही बौद्ध धर्म फैल चुका था. इस जमाने में भी भारत से कोरिया और कोरिया से भारत बहुत से बौद्ध भिन्न आप और गए. भारती कला का असर इस जमाने की कोरिया की बुतसाजी सौर नक्षकाशी दोनों पर खुब पड़ा.

इसी जमाने में भारत चीर कोरिया के बीच समन्दर के ज़रिये तिजारत का भी हाल मिलता है. चीर इसी समय में चीन के कंगकृत्स धर्म का प्रचार भी कोरिया में शुरू हुचा.

(ایگ) تین زیاستوں کا زمانہ (57 بی ۔ سی-- 668 میسوس)

اس زمانے میں کوریا تین ریاستوں میں بنتا ہوا اور اتر میں کولوریو' دکین پچھم میں پاکھے' اور اکھن پورب میں سلنا سن 372 عیسوی میں بودھ دھرم اپرچار اتری رائے کوکرریو میں شروع ھوا ۔ کچھ سال بعد وقد دھرم کا سندیھی پاکھے ریاست میں پہونچا ، اور ہر آخیر میں سن 424 عیسوی میں سلنا رائے میں بھی ودھ دھرم کا پرچار شروع ھوا .

کوریا کی زندگی پر بودھ دھرم جلدی چھا گیا کھونکھ سی کے مقابلے میں اُس سے کلگفوترے یا آ او کے سمان وکی ہوا مذھرم کے شاندار ملدرا اُس کی اتر دار تھم تام نے بریا کے سیدھ سادے باشددوں کو پوری طور سے آئیے بس بریا کے سیدھ سادے باشددوں کو پوری طور سے آئیے بس بوریا والوں کے دماغ پر چھا گئے ، بودھ دھرم کے اونچے آدرش رویا والوں کے دماغ پر چھا گئے ، بودھ دھرم نے مرد اور رویا والوں کو برابری کا درجھ دیا اِس لئے عورتیں خاص رویا میں بودھ دھرم کے پرچار کام میں جوش کے ساتھ بریا میں جوش کے ساتھ لیا ،

اِسی زمانے میں کوریا کے قریب فریب تمام شہروں میں ودھ مقدر اور بردھ مقم قائم کئے گئے۔ کورہا سے بودھ بہکشو ہارت کئے اور وہاں سے بودھ ساھتھہ کورہا آیا۔

(دو) ١٠٠٠ كى سلطانت كا زمانه (668 – 918

عیسری)

یہ زمانہ کرریا میں بودھ دھرم کے انہاس کا سلهلا زمانہ
ہا جاتا ھے، بھارت ھیں' چھن میں' کرریا میں' اور ایشیا
، اور دیسوں میں بھی اِس سے بودھ دھرم لوگوں کی
دگی پر پوری طرح چھایا ھوا تھا ، نہ صرف عام جلتا ھی
کہ اِن دیسوں کے حکمراں بھی بردھ دعرم کے کثر مانلے والے
اِر بودھ دھرم کے پرچار میں راج کی طرف سے پرری
دد دی جاتی تھی ،

چهنی میں آن دنوں توگ خاندان راج کر رہا تھا اور ارت میں سیرات میں ، دونوں بودھ تھے کوریا میں لا کا راجہ سارے دیش پر حکومت کر رہا تھا ، ملا میں ان طوع عیسوی میں ہی بودھ دھرم پبیل چکا تھا ، اِس الے میں بھی بھارت ہے۔ اِس اللہ میں اور کوریا اور کوریا سے بھارت بہت سے لاھ بھکھو آئے اور گئے ، بھارتی 18 کا اثر اِس زمانے کی کوریا بیت سازی اور نقاشی پر خوب ہوا ،

اسی زمانے میں بھارت اور کرریا کے بیچ سفدر کے بعد تعوارت کا بھی بعال ملکا ہے اور اِسی سے میں بھے کیکٹیٹوٹو دھرم کا پرچار بھی کرریا میں فررع ہوا ۔ मिड्ड मारत जाए और सैक्ट्रों यहां से चीन गए. चीन में भारती भिड्डजों ने बौद्ध वर्म के प्रचार में काफी मदद पहुँचाई. इन्हीं भिड्डजों में से ड्रह्म कोरिया भी गए. कोरिया जाने वाले बौद्ध भिद्धजों में ध्यानभद्र का नाम खास तौर से लिया जाता है.

प्यानमद्र बीच भारत का रहने वाला था। उस का बीनी नाम चे-कोंग था. बौद्ध धर्म का प्रचार करने वह बीन गया था. चीन में उठ समय मंगोल खानदान राज कर रहा था. मंगोल शब्द से ही मुराल शब्द बना है और यह वही खामदान था जिसमें आगे चलकर तैमूर और सम्राट बाबर पैदा हुए. चीन का सम्राट कुवलई खाँ जो बंगेज खाँ का पोता था बौद्ध धर्म का कहर मानने वाला था. मंगोल राजकाल में बौद्ध धर्म चीन का राज धर्म सममा जाता था.

कृषतई लाँ ने कोरिया पर इमता कर के उसे अपनी भीनी सततनत में शामिल कर लिया. बौद्ध धर्म का प्रचार अब वहाँ और जोरों से होने लगा. इस काम में हिस्सा लेने के लिये ध्यानभद्र सन 1326 इसवी में चीन से कोरिया पहुंचा.

कोरिया में ध्याभद्र 37 साल रहा इस अरसे में उसने बौद्ध धर्म का प्रचार किया और दो बौद्ध किताबों का अनुवाद चीनी भाशा में किया

सन 1363 ईसवी में वह कोरिया में ही मरा.

3-कोरिया में बौद्ध धर्म का उठाव और गिराव

भारत और कोरिया के सम्बन्ध को समक्तने के लिये यह जानना जरूरी है कि कोरिया में बौद्ध धर्म का किस तरह प्रचार शुरू हुआ, वह कैसे कोरियाई जिन्दगी पर झागया और फिर कैसे और क्यों उसका असर जाता रहा.

कोरिया के इतिहास को आम तौर से पांच हिस्सों में

- (i) तीन रियासतों का जमाना (57 बी. सी. ---668 ईसबी.)
- (ii) सिल्ला की सत्ततनत का जमाना (668—918 इसकी.)
- (iii) कोराई की सलतनत का जमाना (918 —1392 ईसवी.)
- (iv) नोजेन की सलतनत का जमाना 1392 -1910 ईसवी.)
 - (🔻) जामानी राज (1910—1945 ईसवी.)

پُهکشیک بہارت آئے اُور سهکوں یہاں سے چھن گئے، اُنجین میں بہارتی بہکشوں نے بودھ دھرم کے پرچار میں کافی مجدد پہنچائی اِلیس بہکشوں میں سے کچھ کوریا بھی گئے ۔ کوریا جانے والے بودھ بہکشوؤں میں دھیاں بہدر کا دام تعالی طور سے لیا جاتا ہے ۔

حهیان بهدر بیچ بهارت کا رهنه والا تها، اس کا چهلی قلم چه کونگ تها ، بوده دهرم کا پرچار کرنے ولا چهنی قلها تها ، چهن مهن اس سبے منکول خاندان واج کو رها تها ، منکول شبد سے می مغل شبد بنا هے اور یه وهی خاندان تها جس مهن آگه چلکر تهمور اور سمرات بابر پیدا هوئه . چهن کا سمرات تهائی خان جو چنکهؤ خان کا پوتا تها بوده ههرم کا کنتر ماننے والا تها ، منگول راج کال مهن بوده ههرم چهن کا راج دهرم سمجها جاتا تها .

الهائمی خان نے کوریا پر حمله کر کے آسے ایکی جیٹی سلطنت میں شامل کر لیا ، بودہ دھرم کا پرچار اب وہاں آور زوروں سے ہونے لگا ، اِس کام میں حصم لینے کے لگے دھیاں بیدر سن 1326 عیسری میں چھن سے کوریا بہونچا ،

کوریا میں دھیاں بہدر 37 سال رھا ۔ اِس عرفیے میں اُس نے بودھ دھرم کا پرچار کیا اور در بودھ کتابوں کا اتواد چھلی بہاشا میں گیا ۔

سن 1363 فيسوي مهن ولا كويا مهن هي موا .

3-کوریه میں بردھ دھرم کا اُتھاو اور گراو

یهارت اور کوریا کے سمبندھ کو سمجھنے کے لئے یہ جانگا ضرو می ہے کہ کوریا سیاں ہودہ دھرم کا کس طرح پرچار شروع ہوا وہ کیسے کوریائی زندگی پر چھا گھا اور پھر کیسے اور کھوں اس کا اثر جاتا رہا۔

کوریا کے آتہاس کو عام طور سے پانچ حصوں میں بانٹا جاتا ہے: --

- نام کی سلطانت کا زمانہ (668 فیسوی (ii)
 عیسوی)
- (iii) كورائى كى سلطلت كا زمانه (918-1392 فيسوي .)
- (iv) چورين کې سلطلت کا زمانه (1392-1910) عهرين کې سلطلت کا زمانه (1392-1910)
 - (v) جاہاتی رأج (1910 1946 میسوی .)

कोरिया से आर्थवर्मी पहले चीन की राजधानी चांग-गांन आया. चांग-गांन से वह सन 638 ईसवी में नालन्द पहुँचा. नालन्द में उसने बौद्ध धर्म की बहुत सी किताबों को नक्षल किया. कहा जाता है वह 'विनय पिटक' और 'अभिधर्म शास्त्र' का बहुत बड़ा विद्वान था.

सत्तर बर्स की समर में नासन्द में ही उसकी मृत्यु हो गई.

व्हाई-निये

जिस समय आर्थ वर्मा नालन्द में था उसी समय कहाई-निये नाम नाम का एक और कोरियाई बौद्ध भिद्ध भारत आया. कोरिया से वह भी नालन्द में तातीम हासिल करने आया था.

भारत आकर व्हाई-निये पहले कुछ दिन गया के महा बोधि मन्दिर में रहा. फिर वह नालन्द चला गया. यहीं इसने बौद्ध धर्म की किताबों को नक्षत किया और बौद्ध दरशन की शिक्षा ली.

चीनी यात्री चाइ-चिंग सन 671 ई० में चीन से भारत चाया था. वह जब नालन्द की लाज री में चीनी किता शों को सजा कर रख रहा था तो उसे व्हाई- निये के हाथ की लिखी कुछ किता में भिलीं. उसने जिन बौद्ध किता वों को नक्षत किया था वह असल और नक्षल दोनों वहां मौजूद थीं. चाइ-चिंग ने मठ के भिद्ध कों से इस बारे में जब पूछ ताझ की तो उसे मालूम हुआ कि व्हाई-निये नालन्द मठ में रहा करता था और वहीं साठ साल की उमर में उसने शरीर छोड़ा.

व्हेन-ताई

यह भी कोरिया का एक बौद्ध भिन्न था. इसका भारती नाम सर्वज्ञान देव था. यह सन 650 ईसवी में विब्बत और नैपाल होकर भारत आया था.

ध्हेन-ताई भारत की सभी मशहूर बौद्ध जगहों को देखने गया. भारत में कुछ दिन घूम फिर कर वह कोरिया वापस चला गया.

इन चार भिद्ध मों के चलावा और भी बहुत से बौद्ध भिद्ध कोरिया से भारत चाए. कहा जाता है, साचीं सदी में दो बौद्ध भिद्ध कोरिया से समन्दरी के रास्ते होकर भारत जा रहे थे. पर बद्ध कस्मती से भी विजय (सुमात्रा) पहुँचते ही उनकी मौत हो गई. एक भिद्ध कोरिया से किसी तरह समन्दर के रास्ते भारत पहुँचा पर भारत पहुंचते ही चला बसा.

2 -कोरिया में भारत के भिक्ष

कोरिया में बौद्ध धर्म का प्रचार शुरू होने से पहले कीन में बौद्ध धर्म पहुँच चुका था बीन से सैकड़ों बौद्ध کوریا سے آریم ورسا ہوئے چین کی واجدعانی جانگ آیا۔ جانگ کان سے وہ سن 638 عیسوی خین دلند انجاء ناللہ میں آس نے بودھ دعوم کی بہت سی ابوں کو نقل کیا۔ کہا جاتا ہے وہ 'ونے پیٹک' اور 'ایہی رم شاسٹر' کا بہت بوا ردران تھا .

ستر برس کی عمر میں ناللہ میں ھی اُسکی مرتیو ی ،

وهائی ندے

جس سیم آزیم ورما ناللد میں تھا اُسی سیم وھائی ، نام کا ایک اور کوریائی ہودھ بھکشو بھارت آیا ۔ کرریا وہ بھی ناللد میں تعلیم حاصل کرنے آیا تھا .

بھارت آکر رھ ٹی تھے پہلے کچھ دن کھا کے مہاہودھی در میں رھا ۔ پھر وہ نالذد چلائیا ۔ یہیں اُس نے تع دھرم کی کتابوں کو نقل کیا اور بودھ درشن کی نشا لی ۔

چینی یاتری آئی چنگ سن 671 عیسوی میں ان سے بھارت آیا تھا ، وہ جب نالند کی النبریری میں بنی سے بھارت آیا تھا ، وہ جب نالند کی النبریری میں بنی کتابوں کو سجاکر رکھ رھا تھا تو اُسے وہانی نیے بردہ کتابوں کو نقل کیا تھا' وہ اصل اور نقل دونوں بن بردہ کتابوں کو نقل کیا تھا' وہ اصل اور نقل دونوں سے اس مورجوں تھیں ، آئی چنگ نے مقم کے بھکشوؤں سے بارے میں جب پرچھ تاجھ کی تو اُسے معلوم ہو کہ ائی نیے نالند مقم میں رھا کرتا تھا اور وہیں ساتھ لئی عمر میں اس نے شریر چھوڑا ،

وهين تائي

یة بهی کوریا کا ایک بوده بهکشو تها . اِس کا بهارتی نام وگیان دیو تها . سن 650 عیسوی میں تبت اور نیپال کر بهارت آیا تها .

وهین تاقی بهارت کی سدهی مشهور بوده جگهون کو دیکهایی ا ا بهارت مین کنچه دن گهوم پهر کر وه کرریا وأیسن لاگها .

ان چار بهکشوؤں کے علاوہ اور بھی بہت سے بودہ بھکشو یا سے بھارت آئے ، کہا جاتا ہے' ساتویں صدی میں دو سے بہکشو کوریا سے سمندر کے راستے ہوگر بھارت آرھے ، پر بدنسمتی سے شری وجے (سمائزاً) پہونچتے ہی کی مرت ہوگئی ، ایک بھکشو کوریا سے کسی طرح مقدر کے راستے بھارت پہونچا پر بھارت پہونچتے ہی

2 - کوریا میں بہارت کے بھکشو

کوریا میں بردھ دھرم کا پرچار شروع ھوئے سے پہلے چھن بن بودھ دھرم پہونے چکا تھا، چین سے سفکوی بودھ दूसरा यह कि बौद्ध धर्म के तीओं में जाकर छन्होंने अपनी श्रद्धा दिसाई.

तीसरा यह कि पन्होंने अनेक बौद्ध किसानों का अनुनाद

किया और कुछ को नक्कल भी किया.

कोरिया से भारत आने वाले बौद्ध भिसुत्रों में नीचे जिसे चार नाम मशहूर हैं:—

(i) व्हाई-लुन (ii) आर्यवर्मा (iii) व्हाइ-निये (iv) व्हेनसाई.

व्हाई-खन

• व्हाई-लुन का भारती नाम प्रक्रवर्मन था. भारत के मशहूर बौद्ध स्थानों को देखने और नालन्द में पौद्ध किला-सकी की शिक्षा लेने के लिये वह कोरिया से भारत आया.

रास्ते में वह इत्तर चीन की राजधानी कोयांग में ठहरा कोयांग में चीन के सम्राट ने इससे प्रार्थना की कि वह भारत में मशहूर चीनी बौद्ध भिन्नु ठहेन-चिन की मदद करे. ठहेनचिन सन 639 ई० में चीन से भारत आया था. वह भारत में रहकर बौद्ध कितावों का चीनी भाशा में अनुवाद कर रहा था.

भारत आकर व्हाई-लुन बौद्ध धर्म के सब तीथों में गया. बीच भारत के अमरावत मठ में वह बहुत दिन रहा. वहां से वह "तू-हो-ला-से" यानी तूखार-मठ गया. इस मठ को एशिया के तुखारिस्तान देश के बौद्ध भिद्ध श्रों ने भारत में अपने रहने के लिये बनवाया था. इसी मठ में व्हाई लुन ने संस्कृत पढ़ी. यहां से वह नालन्द विश्वविद्यालय गया. वहां बौद्ध दरशन की तालीम हासिल कर वह कोरिया वापिस चला गया.

न्हाई जुन ने अपनी भारत यात्रा का बयान एक किताब में लिखा है. वह किताब इतनी मशहूर नहीं हो सकी जितनी फाहियान या हेनसांग की. इस किताब में उसने एक खास बात लिखी है.

वह लिखता है कि उसके भारत आने के क़रीब पांच सौ साल पहले यानी दूसरी सदी ईसवी में उत्तर भारत में श्रीगुप्त नाम के एक राजा राज करते थे. उनके राजकाल में बीस बीनी यात्री भारत आए थे. महाराजा ने उनके रहने और पढ़ने के लिये नालन्द के पास एक बढ़ा मकान बनवा दिया जिसे 'चीन मन्दिर' कहते थे. उस मकान के और उन श्रिष्ठुशों के खर्च के लिये एक गांव दे दिया गया.

क्हाई जुन जिखता है कि एस मन्दिर के खंडहरों को उसने अपनी आंखों से देखा था.

आर्यवर्गा

आर्यवर्मा कोरिया का बौद्ध भिन्नु था. उसका कोरियाई साम क्या वह पता नहीं लगता. वह भी नालन्त में عوسرا یہ که بودھ دھرم کے تیرتیوں میں جاگر اُنہوں نے اُنہوں نے اُنہوں نے اُنہوں نے اُنہوں نے اُنہوں نے اُنہوں ا

تهسرا یه که انہوں نے ایک بوده که بین کا انہواد کیا ۔ آن کچه کو نقل بھی کیا ۔

روریا ہے بھارت آنے والے بودھ بهکشواں میں نہجے الکھے جار نام مشہور ھیں :--

(i) ، رهائی لُن (ii) آریه ورسا (iii) وهائی نائے (iv) وهیون تائی .

وهائی لن

وهائی لن کا بھارتی نام در گیہ ورسن تھا ، بھارت کے مشہور ہودہ استھانوں کو دیکھئے اور نالقد میں بردہ فلاسفی کی شکشا لیلے کے لئے وہ کوریا سے بھارت آیا ،

راستے میں وہ اُتر چین کی راجدھائی لویانگ میں تھیرا ، اویانگ میں چین کے سمرات نے اُس سے پرارتھا کی کہ وہ بہارت میں مشہور چیلی بودھ پہکشو وہیں چی کی مدد کرے ، وعین چن سن 639 میسوی میں چین سے بہارت آیا تہا ، وہ بہارت میں وہ کر بودہ کتابوں کا چیلی بہاشا میں ارواد کر رما تھا ،

بھارت آکر وھائی لن بودھ دھرم کے سب تھوتھوں مھی ا کھا ، بھچ بھارت کے امراوت مثلہ میں وہ بہت دن وھا ، وھاں سے وہ ''تو ھو۔لاسے'' یعلی تخار مثلہ گھا ، اُس مثلہ کو ایشیا کے تخارسٹان دیش کے بودھ بھکشوؤں نے بھارت میں ایپ ریلے کے لئے بلرایا تھا ، اُسی مثلہ میں وھائی ابن نے سلسکرت پڑئی ، یہاں سے وہ ناللد وشوودیالے گیا، وھاں بودھ درشن کی تعلیم حاصل کر وہ کوریا واپس

وهائی لن نے اپنی بھارت یانرا کا بھان ایک کتاب میں لکھا ھے ۔ وہ نتاب اُنفی مشہور نہیں ھوسکی جتفی فاعهان یا ھیون سانگ کی ۔ اس کتاب میں اُس نے ایک خاص بات لکھی ھے ۔

را الکہ تا ہے کہ اس کے بھارت آنے کے قریب پانچسو سال پہلے یعلی درمری صدی عیسوی میں اتر بھارت میں شری ایک نام کے ایک راجہ راج کرتے تھے ، اُن کے راج کال میں بیس چیلی یائری بھارت آئے تھے ، اُن کے راج کال میں بیس چیلی یائری بھارت آئے تھے ، مہاراجہ نے اُن کے رهنے اور پڑھنے کے لئے ناللہ کے پاس ایک بوا مکن بنوا دیا جسے 'چین ملدر' کہتے تھے ، اُس مکان کے اور اُن بھکشوؤں کے خرچ نے لئے ایک کاؤں دے دیا گیا۔ وہائی لن لکھتا ھے کہ اُس مقدر کے کہنت ھروں کو میں نے اپنی آنکھوں سے دیکھا تھا ،

آريع ورسا

آریه روما کرویا کا بوده بهکشو تها ، اُسکا کوریائی نام کیا تها یه پته نهی لگتا و نه بهی ناللد مهی بوده دهرم کی تعلیم حاصل کرنے بهارت آیا تها . भारत और कोरिया के सम्बन्ध के इस इतिहास को सममित के लिये नीचें लिखी पांच वातें जानना जरूरी हैं—

पहली यह कि, कोरिया और भारत, दोनो पशिया के मुक्क होते हुए भी एक दूसरे से काकी दूर हैं. इन दोनों के बीच चीन का देस हैं. कोरिया चीन का पड़ोसी है और चीन भारत का. इस लिये पहले तीन सी साल तक भारत और कोरिया का कल चरी लेन देन चीन की मारकत होता रहा. सातवीं सदी में कोरिया से बौद्ध भिद्ध सीधे भारत आने लगे.

दूसरी यह कि, कोरिया जब राजकाजी निगाह से चीन के आधीन नहीं या तब भी वह हमेशा से चीन के कलचरी असर में रहा. चीनी बोली, चीनी धर्म, चीनी राजकाजी और समाजी ढंग और चीनी कला—इन सब को कोरिया वालों ने पूरी तरह अपनाया इसिंबये चीन वालों ने भारत से बालों जो कुछ लिया उसे भी कोरिया वालों ने अपना लिया.

तीसरी यह कि भारत और कोरिया के बीच जो कुछ भी लेन देन हुआ उसका सम्बन्ध सीधे या नासीधे बौद्ध मजहब से था.

चौथी यह कि भारत का को रिया के साथ तिजारती सम्बन्ध भी था.

पांचवीं यह कि कोरिया से जितने बौद्ध भिद्ध भारत जाए उनमें से कोई इतना मशहूर नहीं हुआ जितना चीनी चात्री फाहियान और हवेनसांग. इसलिये इन कोरियाई यात्रियों के बारे में बहुत कम लिखा गया है.

इन बातों को ध्यान में रखते हुए, भारत और कोरिया के मेल के बारे में हमें नाचे लिखी बातों पर एक सरसरी सकर डालनी होगी:—

- (1) भारत में कोरिया के बौद्ध भिद्ध.
- (2) कोरिया में भारत के बौद्ध भिच्छ.
- (3) कोरिया में बौद्ध धर्म का डठाव और गिराव.
- (4) कोरिया में बौद्ध धर्म के फिरक़े.
- (5) कोरिया में बौद्ध साहित्यः
- (6) कोरिया में भारत की कला.

1- भारत में कोरिया के बौद्धि भिश्रु

कोरिया में बौद्ध धर्म का प्रचार सन 372 ईसबी में शुरू हो गया था. सातनीं सदी में कोरिया से बौद्ध भिच्छमों का भारत जाना शुरू हुजा. कोरिया से सैकड़ों बौद्ध भिच्छ भारत जाए. भारत में उन्होंने स्नास तौर से तीन काम

पहला यह कि उन्होंने नालम्य विश्विद्यालय में बौद्ध

بھارت اور کوریا کے سمبلیٹ کے اس الباس کو سختھا۔ کے لئے نہیجے لکھی پانچ بانیں جانا ضروری ہیں۔۔

پہلی یہ کہ کویا اور بھارت کونوں ایشها کے ماکس ہوتے ہوئے بھی ایک درسرے سے کافی دور هیں ، اُن درنوں کے بھچ چین کا دیس ہے . کویا چین کا پررسی ہے اُور چین بھارت کا . اس اللہے پہلے تین سو سال تک بھارت اور کوریا کا کلچری لین دین چین کی معرفت عولا رھا . ساتریں صدی میں کوریا سے بودھ بھکشو سہدھے بھارت آلے لگے ،

درسری یه که' کوریا جب راج کاجی نگاه سے چین کے ادعون نهیں نهیں تها تب بهی ولا عمدشه سے چین نے کنچری اثر میں رها ، چینی بولی' چینی دعرم' چینی راج کاجی اور سماجی تدنگ اور چینی کلانان سب کو کوریا والوں نے پوری طرح اپنایا ، اس اگرے چین والوں نے بھارت سے جو کچھ لھا اُسے بهی کوریا والوں نے اپنا لھا .

تیسری یه دی بهارت اوز کویا کے بیچ جو کچه بهی الین دین هوا اُسکا سمبلده سیدهے یا ناسیدهے بوده مذهب سے تها .

چوتهی یه که بهارت کا کوریا کے ساته تجارتی سمبلده یهی تها .

پانتچویں یہ کہ کوریا سے جتلے ہودھ بھکشو بھارت آئے اُن میں سے کوئی اُنفا مشہور نہیں ہوا جتنا چیلی یاتریوں یاتری فاہیان اور ہوین سانگ، اس لگے اُن کوریائی یاتریوں کے بارے میں بہت کم لکھا گیا ہے .

اِن ہاتوں کو دھیاں میں رکھتے ھوئے' بھارت اور کورنیا کے میل کے بارے میں ھیس نینچے لکھی باتوں پر ایک سرسری نظر ڈالئی ھوئی :۔۔۔

- (1) بھارت میں کوریا کے بودھ بھکشو ،
- (2) کوریا میں بھارت کے بودھ بھکشو.
- (3) كوريا مهن بوده دهرم كا الهاؤ أور كراؤ ...
 - (4) کوریا میں ہودھ دھرم کے قرقے .
 - (5) كوريا مين بوده ساهتهه .
 - (6) كوريا ميس بهارت كي كلا.

1--- بھارت میں کوریا کے بودھ بھکشو---

کوریا میں بودھ دھرم کا پرچار سن 372 عیسوی میں شہریع ھوگیا تھا ۔ ساتویں صدی میں کوریا سے بودھ بہکشوؤں کا بھارت آنا شروع ھوآ ۔ کو یا سے سیکروں بودھ بہکشو بھارت آئی ۔ بھارت میں آنہوں نے خاص طور سے تھن کلے سے

پہلا بد کہ اُنہی لے نالدہ رفوردیالے میں بودہ مذہب

रस में औरत को इर तरीके से नर्ष के बराबर कर दिया गया है. सिर्फ काराफ पर ही नहीं बिल्क अमल में भी औरत को बराबर के अधिकार मिल गए हैं. शादी ब्याह और तलाक़ के कानूनों में पहले ढील दी गई और फिर कड़ाई की जाने लगी. फिल्म बरौरा के जरिये प्रोपेगेन्डा करके शादी की अहमियत और बारबार की शादी से नफरत लोगों के दिलों में जमाई गई. उन्हें एक नए जीवन का पैरााम सुनाया गया. लोगों की माली हालत सुधार कर शादी के लिये जमीन तैयार कर दी गई, जो लोग माली अड़चन की बजह से शादी न कर सकते थे वह बुरे तरीकों से बासना की प्यास बुमाते थे. कस में अब यह बात नहीं रही. रूस में औरत अब मई पर माली बोफ नहीं रह गई.

कानूनों के खरिये कुछ बातें ऐसी की गई जिनकी मिसाल किसी भी देश में नहीं मिलती. कुछ पूरवी रिप- ब्लिकों में पहले एक वेवा को उसके मरे हुए पति के किसी रिश्तेत्वार से शादी करने पर मजबूर किया जाता था, औरतें भगाई जाती थीं और उनकी इच्छा के जिलाफ उनसे शादी की जाती थीं. लड़कियों को न भगाए जाने, शादी ब्याह या जिन्सी मामलों में किसी तरह की खबरदस्ती न होने देने की पूरी जिम्मेदारी उस इलाके के अफसर की है. अगर वह अपने फर्ज में नाकामया होता है तो उस पर अदालत में मुक्क समा चलता है और सख्त सजा दी जाती है.

किसी भी देश में मियां बीवी को साथ साथ रहने की बह आसानी नहीं है जो रूस में है. अगर मई का तबादला दूसरी जगह हो जाता है तो क़ानूनन औरत की भी तबदीली उसी जगह की हो जाती है.

रूस में तलाक के मुकदमे कम होते जा रहे हैं. लोग होड़ पकड़ की प्रवृति से नकरत करने लगे हैं और एक संगठित कुट्ंबिक जीवन उनका आदर्श बन गया है. روس میں عورت کو هر طریقے سے مرد کے ہواہر کو دیا گیا ہے . صرف کافل پر هی ابھی بلکہ عمل میں بھی عورت کو ہراہر کے ادھیکار مل گئے۔ شادی بدالا اور طلاق کے قانونوں میں پہلے تھیل دی گئی اور بھر کوائی کی جائے لگی . فلم وفیرہ کے ذریعے پررپھکنڈہ کر کے شادی کی اعمیت اور ہار کی شادی سے نفرت لوگوں کے داوں میں جمائی گئی ، انہیں ایک نئے جیون کا پیندام سفایا گیا ، لوگوں کی مالی شائت سدھار کر شادی کے لئے زمین تھار کو دی گئی ، میلی شادی نه کرسکتے تھے وہ ہولی مالی اوچوں کی وجه سے شادی نه کرسکتے تھے وہ ہرے طریقوں سے جو واسفا کی پھاس بجھاتے تھے ، دوس میں اپ یہ بات نہیں رهی ، دوس مین عورت اب مرد پر مالی ہو ۔ یہ نہیں رهی ، دوس مین عورت اب مرد پر مالی ہو ۔ یہ نہیں رهی ، دوس میں عورت اب مرد

تاترئوں کے ذریعے احجہ باتیں ایسی کی گئیں جن کی مثال کسی بھی دیش میں نہیں ملتی اکچہ پورای مثال کسی بھی دیش میں نہیں ملتی اکچہ پورای رہیں میں پہلے ایک بھوہ کو اُس کے مرے ہوئے پتی عورتیں رشتے دار سے شادی کرنے پر محجہرر کیا جاتا تھا عورتیں برگائی جاتی تھیں اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن سے شادی کی جاتی تھی اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن سے شادی کی جاتی تھی اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن سے شادی کی جاتی تھی اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن بیاہ یا جنسی معاملوں میں کسی طرح کی زبردستی نہ ہوئے دیئے کی پوری ذات داری اُس علاقہ کے افسر کی ہے اُلو وہ ایے فرض میں نا کامیاب ہوتا ہے تو اُس پر عدالت میں مقدمہ جلتا ہے اور سخیت سزا دی جاتی ہے ۔

کسی بھی دیم میں میاں بیوی کو ساتھ ساتھ رھئے کی وہ آسانی نہیں ہے جو روس میں ہے۔ اگر مرد کا تہاداہ دوسری جگه عوجاتا ہے تو قائرنا عورت کی بھی تبدیلی اُسی بجگه کی عوجاتی ہے ۔

روس میں طاق کے مقدمے کم ہوتے جارہے ہیں' لوگ جھور پکر کی پرورتی سے انفرت کرنے لگے میں اور ایک سلکاٹیت کا میک جیون اُن کا آدرش بن گیا ہے ۔

भारत और कोरिया का सम्बन्ध

(भाई भानचन्द्र वर्मा)

आज से करीब सोलह सौ साल पहले, सन 372 ईसवी में, गीतम बुद्ध का संदेश कोरिया पहुँचा. कोरिया अपनी सादगी और सचाई के कारन उन दिनों 'संन्यासी देश' कहलाता था. उसी समय से भारत और कोरिया के बीव कलबरी सम्दन्ध कार्यम हुआ. करीब एक हजार साल तक

بهارت اور کوریا کا سبنده (بهائی بهان جندر درما)

آج سے قریب سولہ سو سال بہاے سن 372 عیسوی میں گوتم بدہ کا سندیش کوریا بہونچا ۔ کوریا اُپنی سادئی اُور سنچائی کے کارن اُن دنوں 'سلیاسی دیش' کہلاتا تھا ۔ اُسی سے سے بہارت اُور کوریا کے بیچ کلچوں سمبلدھ تائم موا ۔ قریب ایک ہزار سال تک یہ لین دین جاری میا ۔

सोवियत अधिकारियों के सामने हर वन्नत रूसी समाज को मजबूत करने का खयाल था और वह यह भी नहीं वाहते थे कि आपसी रजामन्दी के बजाय किसी दबाव के आधार पर किस को मियां बीबी की तरह रखा जाय. उन्होंने इसीलिये पहले ढील दी और फिर जैसे जैसे लोगों का नैतिक स्तर ऊंचा होता गया वह कानून को भी सखत करते गए. सन '44 में तीसरा कानून पास करके तलाक पर रूस में सखत कमावट सगा दी गई.

नए क्रानुनों के अनुसार तलाक लेने वाले मर्द या औरत को एक जन घरालत के सामने दरखास्त देनी पड़ती है. इस दरलाहत को आम लोगों की जानकारी के लिये अल-बारों में छाप दिया जाता है. अगर दरखास्त देने बाले इच्छा जाहिर करें तो मुकदमे की सुनवाई बन्द कमरे में भी हो सकती है. जन अदाजत दूसरी पारटी को बुलाने के लिये सन्मन जारी करती हैं. चौर दरखास्त में दिये कारनों की जाँच परताज करती हैं. जाँच परताल के बाद जन अदालत का कर्ज है कि वह इस मुमकिन तरह से दोनों मियां बीबी में मेल कराने की कोशिश करे. जब मेल से नाउम्मीदी हो जाती है तब मुक़दमा जियादा अधिकार वाली एक दूसरी बड़ी अदालत के सामने पेश कर दिया जाता है. इस भदाकत को हक है कि वह तकाक की इजाजत देयान दे. अधगर तलाक की इजाजत मिज्ञ जाती है तो अधालत ही तय करती है कि बच्चे किसके पास रहें और उनका खर्च कीन चठाए. साथ ही साथ मियां बीबी की जायदाद के बटबारे का फैसला भी अवालत कर देती है.

अवात्तत के जैसले के बाद रजिस्ट्रार तलाक का सरिट-फिकेट देता है और दोनों के पासपोर्ट में भी इस अलगाव को दर्ज कर देता है.

तलाक के लिये दरखास्त देने की कीस अब सी रूबल है जो करीब करीब सी रुपय के बराबर होता है और रिजस्ट्रार के यहाँ से सरटिक्षिकेट लेने की कीस पाँच सी से वो हजार रूबल तक है.

हस के तलाक के कानून में अनोखी बात यह है कि कानून में तलाक देने के लिये कोई कारन नहीं बताए गए. योरप के दूसरे देशों में जो कानून इस सम्बन्ध के हैं उनसे जियादातर बद्चलनी पर ही तलाक मिल सकता है. हर एक मुक्दमें में एक ही कारन नहीं हो सकता. ऐसे भी अदालत के सामने गन्ध उछालना और एक दूसरे को बद चलन सा बत करने के लिये गवाही दिलवाना बग्नेरा बहुत बुरी बातें हैं.

नए क़ानून पास होने के बाद से रूस में तलाक के अक्टूबरे 33 की सदी रह गए हैं. बाज योरप भीर अमरीका के सबसे कम तलाक जिस देश में होते हैं वह रूस है.

سویت آدههکارپوں کے سامانے هر وقت روسی سمانے کو مقبوط کرنے کا خیال تھا اور وہ یہ یہی تبھی نبھی جاہئے تھے کہ آپسی رضا مقدی کے بجائے کسی دباؤ کے آدهاز پر کسی کو میاں بیوی کی طرح رکھا جائے ۔ انہوں نے اسی لئے پہلے تھیل دی اور پھر جیسے جیسے لوئوں کا نبتک استر اور چا هوتا گیا وہ قانوں کو بھی سخت کرتے گئے ۔ سن 44 میں تبصرا قانوں یاس کرکے طابق پر روس میں سخت رکارت تبصرا قانوں یاس کرکے طابق پر روس میں سخت رکارت

نئے قانوں کے انوسار طلاق لیلے والے مرد یا عورت کو ایک جن مدالت کے ساملے درخواست دیدی پوتی ہے. اِس درخواست کو عام لوگوں کی جانکاری کے لئے اخباراں مهن جهاب ديا جانا هے. اكر درخواست دينے والے إجها ظاعر کریں تو مقدمہ کی سلوانی بلاد کمرے میں بھی۔ ھو سکتی ہے ، جن عدالت درسری پارٹی کو بلانے کے ایکے سمن جارمی کرتی هے ، اور درخوامت میں دیئے کارنوں کی جانبے پرتال کرتی هے . جانبج پرتال کے بعد جن عدالت کا فرض ھے که ولا هر مدكن عارم سے دونوں مهاں بهوى مهال مهال کرانے کی کوشش کرے ، جب میل سے نا اُمیدی هوجاتی ھے تب مقدمة زیادہ ادھهکار والی ایک دوسری بوی عدالت کے سامنے پوش کر دیا جاتا ہے ، اِس عدا ت کو دی ہے کم وہ طلاق کی اجازت دے یا نہ دے ، اگر طلاق کی اجازت مل جاتی ہے تو عدالت هی طے کرتی ہے کہ بجے کس کے پاس رهیس اور أن كا خرج كون أتهائي. ساته هی ساته مهال بھوی کی جائداد کے بتوارے کا فیصلہ بھی عدالت کر دیتی ہے .

عدالت کے فیصلے کے بعد رجسترار طلاق کا سرتینکت دیتا ہے اور دوزرں کے پاسپورٹ میں بھی اِس آ کاو کو درج کر دیتا ہے .

طلق کے لئے درخواست دیلے کی فیس اب سو روبل ھے جو قریب قریب سو روپیۃ کے برابر ھوتا ھے اور رجسٹرار کے یہاں سے سرتینکت لیلے کی فیس پانچ سو سے دو ھرار روبل تک ھے .

روس کے طلق کے قانرن میں انوکی بات یہ ہے کہ قانون میں طلاق دیئے کے ایئے کرئی کارن نہیں بتائے گئے . یورپ کے درسرے دیشرں میں جر قانون اِس سمیڈھ کے میں اُن سے زیادہ تر بدچلئی پر می طلق امل سکتا ہے . مر ایک مقدمے میں اُنک ھی کارن نہیں ہو۔ کتا . ایسے بھی عدالت کے سامنے اُندھ اُنچہ لنا اُرر ایک درسے کو یہ جلی تابت کرنے کے لیے گوامی داونا رفیرہ برت بری دوس میں ا

نگے قانوں نے پاس ہونے کے بعد سے روس میں طاق کے مقدمے 33 ایصدی رہ گئے میں ۔ آج یورپ اور امریکہ میں سب سے کم طاق جس دیش میں ہوتے میں وہ

(232)

रोक लगा दी गई हैं. पहले वहां अववदा या कि मियां और बीबी के रिश्तेदारों में भी शादी नहीं हो सकती बी लेकिन सोवियत में यह कायंदा कांग नहीं माना काता.

योरप में आम तरीक़े से शादी के बाद औरत मर्द का खानदानी नाम अपना लेती हैं. रूस में अरित बाहे तो अपना पहले का खानदानी नाम ही क्षायम रख सकती हैं. नाम बदलना दोनों की मरजी पर छोड़ दिया गया है मर्द बाहे औरत का नाम अपना ले और औरत बाहे मर्द का. दोनों को इस विशय में रजिस्ट्रार के सामने पलान करना पड़ता है. रूस में जब मर्द के नाम को औरत अपना लेती है तो मामर के अनुसार उसकी खनाना शर्कल दे दी जाती है. जैसे मिस्टर अरजेन की बीवी को मिसेज अरजेना कटा जाता है.

किसी मर्द और झौरत की शादी के लिये तीसर आदमी की रजामन्दी की ज़रूरत नहीं होती. मर्द और झौरत रजिस्ट्रार के यहाँ दरखास्त देते हैं और उसके साथ यह भी साफ साफ लिखते हैं कि उनकी शादी में कोई कानूनी बाधा नहीं है और दोनों एक दूसरे की तन्हरुस्तों के बारे में पूरी पूरी जानकारी रखते हैं; यह उनकी पहली शादी है, दूसरी शादी है या तीसरी शादी है, और पहली शादी से उनके कोई बच्चा भी है या नहीं.

हर एक का फर्ज है कि अगर कोई बात शादी में पतराज के का बिल है तो वह आकर अदालत को इत्तला दें. इस तरह की इत्तला मिलने पर उस वक्त तक के लिय शादी बुल्तवी कर दी जाती है जब तक माम ते की जाँच न कर ली जाये.

रिजस्ट्रार मर्द और औरत को शादी संबन्धी कानून पढ़कर सुनाता है. शादी के रिजस्टर पर तक दोनों दसस्त । कर देते हैं और रिजस्ट्रार इस शादी का गवाह हो जाता है.

तलाक

19 दिसमार 1917 में तलाक संबन्धी वह कान्त पास किया गया जिसका अपर जिकर आ जुका है. इस कान्त के अनुसार तलाक बच्चों का खेल हो गया था. तलाक हासिल करने की कीस सिनेमा टिकट के भी कम था एक कारड लिख कर रजिस्ट्रार को सूचना दे देने से तलाक हो जाता था. तलाक की दरखास्त में तलाक जेने का कोई कारन दर्ज करना जरूरी नहीं था. सन '36 में इस संबन्ध में दूसरा कान्त पास किया गया. यह तलाक के बारे में जार ख़खन कृदम था. अब मियां बीबी दोनों को रजिस्ट्रार के सामने हाजिर होना जरूरी कृरार दिया गया. अनके साम बोटी में की तसाक दर्ज होने लगा और पहले से कीस

وگذائع دی کئی ہے ، پہلے وہاں قاعدہ تھا کہ مہال گؤو گؤی کے رشتے داروں میں بھی شادی نہیں ہرسکتی تھی مکن سوریت میں یہ قاعدہ 'پ نہیں مانا جاتا ،

یورپ میں عام طریقے سے شادی کے بعد عورت مرد کا خاندانی نام اپنا لیتی ہے . روس میں عوت چاہے تو اپنا پہلے کا خاندانی نام ھی قائم رکھ سکتی ہے . نام پدلنا دونوں کی مرضی پر چھوڑ دیا گیا ہے ، مرد چاہے میں رجسترار کے سامنے اعلان کرنا پڑتا ہے ، روس میں جب مرد کے نام کو عوت اپنا لیتی ہے تو گرامر کے اوسار اس کو زنانه شکل دے دی جاتی ہے ، جھسے اسلار ارزن کی بھوی کو مسلم ارزیاع کہا جاتا ہے ،

کسی مرد اور عورت کی شادی کے لئے تھسوے آدای کی وضامندی کی ضرورت نبھیں هوتی ، مرد اور عورت رجسٹرار کے یہاں درخواست دیتے میں اور آس کے ساتھ یہ یہی صاف صاف لکھتے میں که اُن کی شادی میں کوئی تااوای بادها نبیں هے اور درنوں ایک دوسرے کی تندوستی کے بارے میں پوری پوری جانکاری رکھتے هیں تهسری بید اُن کی پہلی شادی هے دوسری شادی هے یا تهسری شادی هے اُور دہای شادی هے دوسری شادی هے یا تهسری شادی هے اُور دہای شادی هے دوسری شادی ہے یہ تهسری شادی ہے اور دہای شادی هے یہ دوسری اُنہیں ،

ھر ایک کا۔فرض ھے کہ اگر کوئی بات شادی میں اعتراض کے قابل ھے تو وہ آکر عدالت کو اطلاع دے ۔ اِس طرخ کی اطلاع ملئے پر اُس والت تک کے لئے شادی ملتوی کر دی جاتی ھے جب تک معاملے کی جانچ تھ کرلی جائے۔

رجسترار مرد اور عورت کو شادی سمهندهی قانون پوه کر سفاتا هے . شادی کے رجستر پر تب دونوں فستخط کر دیتے هدی اور رجسترار اِس شادی کا کواہ هو جاتا هے .

طلاق

191 دسمبر 1917 میں طاق سمبادھی وہ قانوں پاس کیا گیا جس کا زرر ذکر آچکا ہے۔ اس قانون کے انوسار طالق بچوں کا کھیل ہوگیا تھا۔ طالق حاصل کرنےکی فیس سفیما گئٹ سے بھی کم تھی۔ ایک کارڈ لکھکر رجسترار کو سوچلا ہے۔ دیلے سے طالق ہوجاتا تھا طالق کی درخواست میں طالق لیلے کا کوئی کارن درج کرنا ضروری نہیں تھا، سن طالق لیلے کا کوئی کارن درج کرنا ضروری نہیں تھا، سن بھی طالق کے بارے میں ذوا سخت قدم تھا، آب میاں بھوی مینون کو رجسترار کے ساملے حاضر ہونا ضروری قرار دیا گیا۔ فیس بچھا میں بھی طالق درج ہوئے لئا اور پہلے سے فیس بچھا میں بھی طالق درج ہوئے لئا اور پہلے سے فیس بچھا می گئی ،

रोक लग गई. जायदाद बँटाने और सहायता का ऐसा सबाल आ गया कि बहुत ही थोड़े लोग यह जंजाल पालने की हिम्मत करने लगे.

सन '44 में रूस में इस सम्बन्ध में एक और कानून पास हुआ. रूस अब खुशहाल हो चुका था, औरतें पूरी करह अपने पैरों पर खड़ी हो चुकी थीं. यह वक़्त था जब कानूनी लगाम को मोड़ने की ज़रूरत थी. अब एक और नए कानून के जिर्थे ग्रेर कानूनी शादियों को कानूनी मानना बन्द कर दिया गया. केवल चन्हीं शादियों को अब फ़ानूनी माना जाने लगा जो सरकारी दफ़्तर में बाक़ायदा रिजस्टर कराई गई हों.

रूस में शादी की प्रथा

आज इस देश में सिर्फ उन्हीं शादियों को क़ानूनी माना जाता है जो बाक़ायदा रजिस्ट्रार के दफ़्तर में रजिस्टर इराई गई हों. सोबियत नागरिकों को पूरी आजादी है कि बह जो धर्म चाहें मानें और अपने धर्म के मुताबिक शादी ह्याह भी करें लेकिन राज ऐसी शादियों को क़ानूनी नहीं मानता.

यहाँ हर नागरिकको पासपोर्ट मिलता है. जिन लोगों की शादी होती है उनके पासपोर्ट पर दर्ज कर दिया जाता है कि इनकी शादी हो चुकी है. इस तरह अपनी पहली शादियों को छुपाया नहीं जा सकता.

सोवियत नागरिक और बाहरी नागरिक के बीच की शादी और या विदेशियों की शादी भी जो रूस में हो मामूली तरीक़ों से रजिस्टर की जाती है.

आगर रूसी मर्द्या औरत किसी बाहरी औरत य। मर्दे से शादी कर ले तो उसका नागरी हक नहीं छिनता.

शादी के लिये एक ज़रूरी शर्त उमर है. सोवियत रूस बहुत सी आजाद रिपब्लिकों का मजमूआ है. जियादातर रिपब्लिकों में औरत और मर्द दोनों की शादी के लिये कम से कम 18 साल उमर मुक़र्र है. कहीं कहीं हवा पानी के कक्ष को ध्यान में रखकर 16 साल में भी शादी की इजाआत है.

सोवियत रूस में एक मई खोर एक औरत के सम्बन्ध को बहुत महत्व दिया जाता है और हर तरह से ख़याल रक्का जाता है कि कहीं भी एक मई या एक औरत का सम्बन्ध जियादा औरतों या जियादा महीं से न होने पाए. इस तरह का सम्बन्ध रखने पर सखत सजा दी जाती है.

जिन लोगों का खून मिलता हो या आधे माई और आधे बहिन हों उनकी शादी सोवियत रूस में नहीं हो अकती. चचेरे, ममेरे या फुकेरे माई बहिनों में शादी पर روک لگ گلی جائداد بقاع اور سهالاتا کا ایسا سوال آگھا کہ بہت رقی تھوڑے لوگ یہ جھوال باللے کی هست کرنے لگے .

سن 44 میں ورس میں اِس سمیدھ میں ایک اُور قانون پاس هو! . روس آب خوص حال هو چکا تها ورتی پر قانون پاس هو! . روس آب خوص حال هو چکی تهیں . هورتیں پروری طرح آبے پیروں پر کھڑی هو چکی تهیں . یہ وقت تها جب قانون کے ذریعے فیر قانونی شادیوں کو آب ایک آور نئے قانون کے ذریعے فیر قانونی شادیوں کو قانونی مانا بند کر دیا گیا . کیول آنهیں شادیوں کو آب قانونی مانا جانے لیا جو سرکاری دفتر میں یا قاعدہ رجستر کرآئی گئی هوں .

روس میں شانس کی پرتھا

آج اِس دیش میں صرف اُنھیں شادیوں کو قانونی مانا جاتا نے جو با قاعدہ رجسگرار کے دقاتر میں رجسگر کوائی گئی ھوں سرویت ناگرکوں کو پوری آزادی ہے که وہ جو دھرم چاھیں مانیں اور آئے دعرم کے مطابق شادی بیاہ بھی کریں لیکن راج آیسی شادیوں کو قانونی نہیں مانا .

یہاں هر ناؤرک کو پاسپورٹ ملٹا هے . جن لوگوں کی شادی هوتی هے اُن کے پاسپورٹ پر درج کر دیا جا ا هے که اِن کی شادی هو چکی هے . اِس طرح اُپڈی پہلی شادیوں کو چهپایا نہیں جاسکتا .

سویت نگرک اور باغری ناگرک کے بیچے کی شادی اور یا ردیشهوں کی شادی بھی جو کہ روس میں ہو معمولی طریقے سے رجسگر کی جاتی ہے .

اگر روسی مرد یا عورت کسی باهری عورت یا مرد سے شدی کرے تو اُس کا ناگری حق نہیں چھلگا ۔ . "

شادی کے لئے ایک فروری شرط عمر ھے. سوویت روس بہت
سی آزاد رپہلکوں کا مجموعہ ھے . زیادہ تر رپہلکوں میں
عورت اور مرد دونوں کی شادی کے لیئے کم سے کم 18 سال
عمر مقرر ھے . کہ بن ابھیں ھوا یادی کے فرق کو دھیاں
میں رکھ کو 16 سال میں بھی شادی کی اجازت ھے .

حرویت روس میں ایک مرد اور ایک عرق کے سمبندھ کو بہت مہتو دیا جاتا ہے اور هر طرح سے خیال رکھا جاتا ہے اور ایک عورت کا کہا جاتا ہے کہ کہیں یہی ایک مرد یا ایک عورت کا سمبندھ زیادہ عورتیں یا زیادہ مردوں سے نہ طولے پائے۔ ایس طرح کا سمبندھ رکھتے پر معصت سوا دی جاتی ہے۔

جن لوگوں کا خبری ملکا هو یا آدھے به کی اور آدھے پوری هیں آن کی شادی سرویت روسی میں نہیں هو سکتی ۔ معرفی معمورے یا پیشانی بہاری میں شادی پی को सुधारने के बजाय एक नया रास्ता निकास सिका. धौरत की कमकोर माली हालत से कायदा बठाया गया. तेर कृन्नी सम्बन्ध शुरू हो गए. न रहा कोई कान्न धौर न तलाक की ज़रूरत. इनकलाव का दौर धभी शुरू हो हुआ था. नया रूस भट्टी से निकल रहा था. धौरत धभी पूरी तरह धपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकी थी. धौरत की रहा धपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकी थी. धौरत की रहा धपने पैरों के लिये संभव नहीं थी धौर समाज की हालत बद्तर होती जा रही थी. धाल्म् सन '27 में रूसी धपिकारियों ने फिर एक कानून पास किया धौर इस तरह के तौर कानूनी सम्बन्ध को भी कानूनी शादी मान कर धौरत को नीचे पिरने से रोकने की कोशिश की. नये कानून के धनुसार नीचे सिखे सम्बन्ध रखने वाले कानूनी मियां बीवी मान लिये गए—

- 1. बह मर्द और औरत जो साथ रहते हों.
- 2. जो जाम तरीक़े से मियां बीबी समसे जाते हों.
- 3. जो सामे में घर गृहस्यी रखते हों.
- 4. जिन्होंने कभी भी एक दूसरे की देख रेख की हो श्रीर बच्चों का मिलकर पालन पोसन किया हो.

इसी क़ानून के ज़रिये मधिकारियों ने जायदाद मौर विरासत की समस्या का भी निपटारा कर दिया.

शादी से पहले की जायदाद के मालिक औरत और मर्द अलग अलग मान लिये गए. लेकिन शादी के बाद की जायदाद में मियां और बीवी का बराबर का अधिकार मान लिया गया. अलगाव हो जाने पर अदालत को उस जायदाद का-बटबारा करने का अधिकार दे दिया गया.

अगर दोनों में से कोई मर जाय तो औरत की जाय-[ाद का मर्द और मर्द की जायदाद की औरत वारिस करार [] गई.

दोनों में से कोई किसी जिस्मानी वजह से काम करने कि व्यायक न हो तो तलाक के बाद दूसर का उसको हायता देना कर्ज माना गया. कानून ने उसे हक दिया के वह यह सहायता अदालत के बल पर हासिक कर सके. जस्मानी कमजोरी चाहे शादी के पहले की हो और चाहे लाक के बाद पैदा हो गई हो पर यह सहायता देना हरी था.

इस कानून ने मई झौर औरत किसी को यह इक नहीं या कि वह किसी दूसरे की कमाई पर मौज करे और द काम न करे. अगर दोनों खुद कमाने खाने के काबिल तो नान मुक्का (खाना, कपड़ा बग़ैरा का खर्च) मिलने ज़करत नहीं है.

इस कानून से भिन्न मई शादी रचाने वालों पर काकी

آی سندهارنے کے بجائے ایک نها راسته نکال لها . فورت کی کمزور مالی حالت سے قائدہ آلها یا گها . فهر قالون اور فهر قالونی سبیدھ شروع هرکئے . نه وها کوئی قانون اور نها طاق کی ضرورت . انقلاب کا دور ابھی شروع هی هوا تها ایها ورس بهتی سے نکل رها تها . عوت آبھی پوری طرح آبھ پیروں پر کھڑی نہیں هوسکی تهی . عورت کی رکھا آبھ پیروں پر کھڑی نہیں هوسکی تهی . عورت کی حالت ادهیکاریوں کے لئے سمبھو نہیں تھی اور سماج کی حالت بدتر هوتی جا رهی قانونی ناس کیا اور اس طرح کے فهر قانونی سمبددھ کو بھی قانونی شادی مان کر عورت کو نیعیے گرئے سمبددھ کو بھی قانونی شادی مان کر عورت کو نیعیے گرئے سے روکئے کی کوشش کی : نئے قانون کے آنوسار نہیے لکھ سبیدتھ رکھئے .

- 1. ولا مر أور مورت جو ساته رهتے هوں ---
- 2. جو عام طریقے سے میاں بیری سمجھ جاتے هوں .
 - چو ساچه میں گر گهرهستای رکھتے هوں .

جنہوں نے کبھی بھی ایک دوسرے کی دیکھ ریکھ
 کی ہو اور بچوں کا ملکر بالی پوسی کیا ہو .

اسی قانوں کے ذریعے ادھیکاریوں نے جائداد اور وراثت کی سمسیا کا بھی نیٹارا کر دیا ۔

شادی سے پہلے کی جائداد کے ماک عورت اور مود الگ الک مان لئے گئے ۔ لفکن شادی کے بعد کی جائداد میں سفاں اور بدوی کا برابر کا ادھیکار مان لها گیا ۔ الکاؤ هوجانے پر عدالت کو اُس جائداد کا بتوارہ کرتے کا ادھیکار دیا گیا ۔

اگر دونوں میں سے کوئی مرجائے تو عورت کی جائداد کا مرد اور مرد کی جانداد کی عورت وارث قرار دی گئی۔

دونوں میں سے کوئی کسی جسمانی وجہ سے کام کوئے کے لائی نہ ہو تو طلق کے بعد دوسرے کا اس کو سہائۃا دیا فرض مانا گیا ، قانون نے اُسے حق دیا که ولا یہ سہائۃا مالت کے بل پر حاصل کرسکے ، جسمانی کمزوری چاہے شادی کے پہلے کی ہو اور چاہے طلاق کے بعد پیدا ہوگئی ہو ہو ہو ہو ہو ہو ہا ،

اس قانون نے مرد اور عورت کسی کو یہ حتی نہیں دیا کہ وہ کسی دوسرے کی کمائی پر موج کرے اور خرد کام نہ کرے ، اگر دونوں خود کمانے کہائے کے قابل ھیں تو نان نفتہ (کہانا کہوا رشیرہ کا خرج) ملئے کی ضرورت نہیں ہے .

اِس قانون سے نت نگی شادی رچانے والوں پر کافی

وس مهی انتقاب آس زمانے میں ہوا جبعہ یورپ مهن استریوں کو پزیم کرنے اور پریم کے آدھار پر شادی کرتے کا ادھیکار بہت پہلے سے مئی چکا تھا ۔ روسی ادھیکاریوں نے دھیان سے اس وشے پر فور کیا اور اس نتیجے پر پہونچے که اِن شادیوں مهی اصلی پریم کا انھی کافی کم هے . اُن شادیوں مہی اصلی پریم کا انھی کافی کم هے . اُن ورسی دولت شادی بھاہ کے معاملے مهی پریماؤ دائتے ھیں ، اِس انکر کو ھرائے کے لئے روسی ادھیکاریوں نے دھیکاریوں نے سب سے پہلے عورت کو راج کاجی' مالی اور سماجی ادھیکار دیے دیئے ۔ ماں بغلے کے بعد جو کتھنائیاں سہنی پرتی تھیں اُن کو دور کو دیا ، عورت کو خود اُس کے پھروں پرتی تھیمی اُن کو دور کو دیا ، عورت کو خود اُس کے پھروں پرتی تھیمی اُن کو دور کو دیا ، عورت کو خود اُس کے پھروں پرتی

سوریت وگھاتھوں نے اس بات کو مالئے سے آنکار کو دیا کہ انسان پیدائشی دراچاری ہوتا ہے اور خاص کر جلس کے معاملے میں نمت نگی عورت سے سمبندھ رکھنے کی پرورتی مرد میں قدرتی ہے ۔ اُن کا کہنا ہے کہ اِن سارے دراچاروں کی جو آدمی کی پرکرتی میں نہیں ہے بلکہ پرستیوں نے یہ حالت اُس پر لاد رکھا ہے ۔ دنیا کے اتہاس میں پہلی بار اُنہوں نے انسان کو سائنسی یوجذاؤں کے سہارے سداچاری بنانے کی کوشش شروع کی ۔

روس میں جس طرح أنهور نے مالي خوش حالی پهذا کی اور کچھ برائهوں کا خاتمه کیا اُس کا بهان هم پہلے کر چکے هیں۔ سماج ویکھیوںسے بنداھے اور ویکتی ایک مرد اور ایک عورت کے سمبندھ سے پردا هوتا هے ۔ اِس لئے شادی بهاہ کوئی ویکھی گت سمسیا نہیں هے ، شادی بهاہ پر دیس کے بهوشیه کا محل کھڑا هے دوسی ادهیکاویوں نے سمجھ لیا تھا که بنا اِس مہتو سے بهوی سمسیا کا حل کئے وہر دوس میں بڑھیا سماج پیدا هی نہیں کر سکتے ، آٹھے دیکھیں شادی بیاہ کو سنگتهت اور پریم کے آدھار پر قائم کوئے کے لئے اُنہوں نے کہا کہا ؟

سن 17' کا انقلاب ہوتے ہی اُسیسال دسمبر میںشادی بھاتا اور طلاق کے بارے میں خاص قانوں پاس کئے گئے ، اِن قانون پاس کئے گئے ، اِن قانون میں طلاق کو خوب تھیل دے دی گئی ، مود یا عورت جسکا من چاھے رجسترار کو کارت لکھر طلاق حاصل کو سکتا تھا ، کچھ لوگوں نے اِس کا ناجائز قائدہ آٹھاتا ھروع کیا ، نت نئے بھاتا رجائے جانے لگے ، جسطرے لوگ کھڑے بدلتے ھیں اُسیطرے بھوی اُور میاں بدلنے لگے ، روز شادی بدلتے ھیں اُسیطرے بھوی اُور میاں بدلنے لگے ، روز شادی پولیے ہوں کا فیکھریوں اور دانتروں میں ترسکار ھوئے لگا ، ٹریت نیونہیں والوں نے اس پرورتی کے خلاف جہاد شروع کو دیا ، نیونہیں والوں نے اس پرورتی کے خلاف جہاد شروع کو دیا ،

स्त में इन्कृताब उस ज्माने में हुआ जब कि योरप में रित्रयों को प्रेम करने और प्रेम के आधार पर शावी करने का अधिकार बहुत पहले से मिल चुका था. रूसी अधिकारियों ने ज्यान से इस विशय पर गौर किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि इन शादियों में असली प्रेम का औरा काफी कम है. असर, ओहदा, अनदौलत शादी ज्याह के मामले में प्रभाव डालते हैं. इस जहरीली किजा में प्रेम का अंकुर सुरमाया रहता है. इस अंकुर को इरा करने के तिये के लिये रूसी अधिकारियों ने सबसे पहले औरत को राजकाजी, माली और समाजी अधिकार दे दिये. मां बनने के बाद जो कठिनाइयां सहनी पड़ती थीं उनको दूर कर दिया. औरत को जुद उसके पैरों पर खड़ा करदिया.

सोवियत विज्ञानियों ने इस बात को मानने से इनकार इर दिया कि इनसान पैदाइशी दुराचारी होता है और खास कर जिन्स के मामते में नित नई औरत से संबन्ध रखने की प्रवृति मर्द में कुव्रती है. उनका कहना है कि इन सारे दुराचारों की जड़ आदमी की प्रकृति में नहीं है बिल्क परिस्थितियों ने यह हातत उस पर लाद रखा है. दुनिया के इतिहास में पहली बार उन्होंने इनसान को साइन्सी खोजनाओं के सहारे सदाचारी बनाने की कोशिश शुरू की.

हस में जिस तरह उन्होंने माली खुशहाली पैदा की जीर कुछ खुराइयों का खारमा किया उसका बयान हम पहले कर चुके हैं. समाज व्यक्तियों से बनता है और क्मिक्त एक मई और एक औरत के संबन्ध से पैदा होता है. इसिलये शादी व्याह कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है. शादी व्याह पर देश के भविश्य का महल खड़ा है. रूसी अधिकारियों ने समम लिया था कि बिना इस महत्व से अरी समस्या का हल किये वह रूस में बढ़िया समाज पैदा नहीं कर सकते. आइये देखें शादी व्याह को संगठित और प्रेम के आधार पर कायम करने के लिये उन्होंने क्या किया ?

सन '17 का इनक्रताब होते ही उसी साल दिसम्बर में शादी ब्याह और तलाक के बार में खास कानून पास किये गय. इन कानूनों में तलाक को खूब ढील वे दो गई. मर्द या औरत जिसका मन बाहे रिजस्ट्रार को कार्ड जिखकर तलाक काखल कर सकता था. कुछ लोगों ने इसका नाजायज कायदा घटाना शुरू किया. नित न प्रव्याह रचाय जाने लगे. जिस तरह लोग कपने बदलते हैं उसी तरह बीवी और मियां बदलने लगे. रोज शादी और रोज तलाक से समस्वार लोगों को नफरत हुई. ऐसे लोगों का फैक्टरियां और इक्तरों में तिरस्कार होने लगा. ट्रेड यूनियन वालों ने अपने प्रवृत्ति के ख़िलाफ जिहाद शुरू कर दिया. लोगों को रोज अपने स्वाक के लिये जाने में शर्म आने लगी. उन्होंने अपने

(928)

الم المنظوم آهوتی کو همارا سماج بوی ارتبوی نظر سے فیکنیگا می الور ایسی لوکی کو اشهاروتی سنجهگا هے . ماں باپ کا الهصله زیادہ تراربه پر ملتعصر هوتا هے . لوکے والے دیکھتے الهیں جہور کہاں زیادہ ملے کا اور لوکی والے دیکھتے هیں گم سے کم میں کون پہلس جائے گا .

آنهے ابنے کهروندے سے باہر تکلکر دیکھیں بریم أور الماني كا كها سمدنده رها هي . شروع زماني مهن استري ایری سببنده کا استر جانوروں سے شاید می کچھ اونچا رها هے، أس يك كا آدمى إن سب بهيدوں كو نههن سمجهما تها . درههرے دعهرے انسان کو کنچه سمنچه آلی اور گرب وواله کا روایم یهدا هوا ، ایک گروپ کی ساری عورتها اسی گریب کے سارے مردوں سے سمبندھ رکھتی تھیں ، کام تریتی مرداكا حق تها أور عورتين كيول سادهن تهين . بحجه كيسم پیدا هرتا هے اِس کی جانکاری اُن کی سمجھ سے یاهر کی عهد تهي ، الممي كي مقل كا أور وكاس هوا اور أسكي سمجه مهن أياً كم بحيم كهونكر يهذا هوتا هي يبدأ هوا نها السان عُلِائِيَ عَوِرِتِ هِي كَا يَجِهُ تَهِينِ هِي يَلَكُهُ مَرِدٌ كَا يَهِي أَسَ كَمْ پهدا کرنے میں حصه هے . اِس سدجه کے ساتھ آیک مرد اور ایک مورت کے سمبلدھ کا رچار پہدا ہوا، سمانے کے وجاروں کی اس تبدیلی میں عورت کی دشا اور خُر'ب ھولگی . آبہت سوں کے بنجائے آب وہ آیک کی جائداد ہی گئی ، اُس کا درجم مرد کی داسی سے زیادہ کچھ تم تھا ۔ کسی کسی جگه تو هورت کو سارا کام پهی خود بھی کرنا ہوتا تھا ، وقت کا چکر چلقا رھا اُور ،ھر چکر کے ساتھ انسان کا وچار بھی بدلتا گیا ۔ آج کل کے شادی بھاہ کے ریت رواج بھذا ھوٹے۔ شادی پھاہ میں دودھ أور خون كے بھيد بھاؤ برتے جالے لگے. ایس یک کے لوگ جب جوان ہوتے تھے تو ساتھیوں سمهت گهوڑے پر سوار هوکر کسی کنورر قبیلے پر حملہ کرکے کوئی لوکی اُٹھا لاتے تھے اور اُسے ایدی پتدی بدا لیتے تھے ، ایسی زبردسلای کی فضا میں سنچے پریم کا انکر کیسے يهدأ هوسكتا تها .

دھورے دھورے آدمی کو کھائے پیلے کے انتظام اور رھلے سعیدے کی ویوستھا سے کتھ فوست ملی ، آئے استدو کو کتھہ سوکھت کر کے اُس نے اس سوکھتا شروع کیا ، اُس نے اس سمعلقہ میں طرح طرح کے وصول بنا ڈانے ،

ایک مرد اور ایک عورت کا سبندھ انسان نے ھزاروں بوس کے تجربے سے سبکہا تھا۔ اِس رواج کا مطلب یہ اور کی یہ کہ جو صرد اور عورت ایک درسرے کو چاھتے اور بیبالد کرتے ہیں وہ آیس میں شادی کر لیں ، مرد کو بیبالد کرتے ہیں وہ آیس میں شادی کر لیں ، مرد کو بیبالد کرتے ہیں اور عورت طرح طرح کے بندھن میں بیبالی ہوئی تھی ،

की इस तरह बाहुति को इमारा समाज नहीं केंकी नकर से देखता है. और ऐसी कड़की को 'शीकवर्ता' समम्मता है. मां बाप का फैसला जियादा तर लोभ पर मुनहसिर होता है. लड़के वाले देखते हैं जहेज कहां जियादा मिलेगा और लड़की वाले देखते हैं कम से कम में कीन फंस जायगा.

बाइये अपने घरोंदे से बाहर निकलकर देखें प्रेम और शादी का क्या संबन्ध रहा है. शुरू जमाने में स्त्री पुरुश संबन्ध का स्तर जानवरों से शायद ही कुछ अंचा रहा है, इस युग का आदमी इन सब भेदों को नहीं सममता था. धीरे धीरे इनसान को कुछ समम आहे कीर प्रप विवाह का रिवाज पैदा हुआ. एक मुप की सारी औरतें इस प्रय के सारे मर्वों से संबन्ध रखती थीं. काम दृश्ति मर्द का हक्ष था और औरतें केवल साधन थीं. वच्चा कैसे पैदा होता है इसकी जानकारी उनकी समम से बाहर की बीज थी. आदमी की अक्षल का और विकास हुआ और उसकी समम में आया कि वच्चा क्यों कर पैदा होता है, पैदा हुआ नया इनसान खाली औरत ही का बच्चा नहीं है बल्कि मई का भी उसके पैदा करने में हिस्सा है. इस समक्त के साथ एक मर्द और एक औरत के संबन्ध का विचार पैदा हुआ, समाज के विचारों की इस तबदीली, में भौरत की दशा और खराब हो गई. बहतलों के बजाए अब वह एक की जायदाद बन गई. उसका दर्जा मर्द की दासी से जियादा इक्ष न था. किसी किसी जगह तो घौरत को सारा काम भी खुद ही करना पदता था. वक्त का चक्कर चलतारहा और हर चक्कर के साथ इनसान का विचार भी बदलता गया. भाजकत के शादी ब्याह के रीतरिवाज पैदा हुए. शादी व्याह में दूध और सून के भेद भाव बरते जाने लगे. इस युग के लोग जब जवान होते थे तो साथियों समेत भोड़े पर सवार होकर किसी कमजोर कैवीले पर हमला करके कोई लड़की उठा लाते थे और उसे अपनी पत्नी बना क्षेते थे. ऐसी ज्बरदस्ती की फिजा में सच्चे प्रेम का अंकर कैसे पैदा हो सकता था.

श्रीरे धारे भादमी को खाने पीने के इन्तजाम जीर रहने सद्ने की व्यवस्था से कुछ फुरसत मिली. अपने अस्तितत्व को कुछ सुरक्षित कर के उसने सोचना शुरू किया, उसने इस संबन्ध में तरह तरह के उसूल बना डाले.

एक मई और एक औरत का संबन्ध इनसान ने इज़ारों रस के तज़रबे से सीखा था. इस रिवाज का मतत्तव यह इसिंग कि जो मई और औरत एक दूसरे को चाहते और अन्य करते हैं वह आपस में शादी करतों. मई को पूरी शक्ति भी और औरत तरह तरह के बन्धन में जकड़ी भाज अब कि दुनिया में इतना बदा इनक्रवाब बरपा है और आजादी की ग्रहार मराको की जमीन पर भी मक्तने के किये बेजैन है, वहां के बाशिन्दों की वम्मीद भरी निगाहें इनसानी दुनिया की तरक आम तौर पर और परिया की आजाद क्रोमों की तरक खास सौर पर अपनी आजादी के सवाल के इल के लिये लगी हुई हैं.

آپے جیکہ دنیا میں اتھا ہوا انقلاب بریا ہے اور آزادی کی بہار مراکو کی زمین پر بھی مجھلنے کے لئے ہے جین ہیا وہاں کے باشندوں کی آمید بھری نکامیں انسانی دنیا کی طرف عام طور پر اور ایشیا کی آزاد قوموں کی طرف خاص طور پر اپنی آزادی کے سوال کے حل کے لئے لگی ہوئی میں .

रूस में सदाचार

शादी और तलाक

(भाई मुजीव रिजवी)

किसी ने कहा है शादी कर लेना आसान है पर उसके निवाह के लिये कलचर की करूरत है. सहनशीलता कलचर की पक ही निशानी है. लेकिन इस धोंगा मुश्ती के मुग में सहनशीलता को कायरता समका जाता है. सहनशीसता से जब यह दुराव हो तो शादी की गाड़ी कैसे चल करूती है. नतीजा यह है कि जियादातर शादियां असफल है, हर घर में यह शिकायत सुनी जा सकती है.

बिना एक दूसरे को जाने समसे और पसन्द किये सक्षी सहनशीतता पैदा नहीं हो सकती और जब तक सहस्रशीतता का जन्म न हो शादियां भी सफल नहीं हो सकतीं. बिना शादियों को सफल बनाए दुराचार का निप-टारा की नहीं हो सकता. वह सफलता तभी मुमकिन है बब शादियां स्त्री पुषश की आपसी जानकारी और जुनाव के आधार पर हों और दोनों में प्रेम चनिक होने के बजाए किन चिन बदना सहता रहे.

'तुराचार को मिटाने की लड़ाई में रूसी अधिकारियों ते इस बात को सामने रखा और ऐसी परस्थिती लाने का कोशिश कस्ते रहे जिसमें सच्ची जानकारी और प्रेम के जाबार पर शादियां हो सकें.

सवाल होता है क्या अब तक एक दूसरे की जानकारी और प्रेम के आधार पर शावियां नहीं हुई? वास्तव में यह विचार विल्कुल नया है. योरप में अब यह पीज पुरानी हो-चुकी है सेकिन हमारे देश में अब भी यह एक हन्मताबी विचार माना जाता है. इका दुका बाधी कहीं कहीं सर बजाते हैं. समाज उनका तिरस्कार करता है और इस बजावत की सजा उन्हें कई तरीक्रों से भूगतनी पहती है. बकारी स्त्रियां विल्कुल गऊ हैं. अगर मां बाप उनको कसाई

روس میں سداچار

شادی اور طلاق

(يهائی مجيب رضوي)

کسی نے کہا ہے شا ی کو لینا آسان پر ہے اُس کے نہا کے لئے کے لئے کلچو کی ضرورت ہے۔ سپن شیلتا کلچو کی ایک ہی شیلتا ہے۔ لیکن اِس دہینا مشتی کے یگ میں سپن شیلتا کو کایوتا سمجھا جانا ہے ، سپن شیلتا سے جب یہ دراؤ ہو تو ہادی کی گاری کیسے چل سکتی ہے ، نتیجہ یہ ہے کہ زیادہ تر شادیاں اسپہل ہیں' ہو گھر میں یہ شکیت سلی جاسکتی ہے .

بنا ایک دوسرے کو جانے سمجھے اور پسند کئے سچی سپی شہلتا پیدا نہیں ہوسکتی اور جب تک سپی شہلتا کا جنم نہ ہو شادیاں بھی سپهل نہیں ہوسکتیں . بنا شادیوں کو سپهل بنائے دراچار کا نیٹارا بھی نہیں ہوسکتا . یہ سپهلتا تبھی سمان ہے جب شادیاں استری برش کی آیسی جانکاری اور چفاؤ کے آدھار پر ہوں اور دونوں سیس بریے جہنک ہونے کے بجائے دن بدن بوھتا رہے .

دراچار کو مقائے کی لوائی مہیں روسی انھیکاریوں نے اِس بات کو ساملے رکھا اور ایسی پوستتھی لانے کی کوشش کرتے رہے جس مہیں سچی جانکاری اور پریم کے آدعار پر فادیاں ھوسکیں ۔ ۔ ۔ فیادیاں ھوسکیں ۔ ۔

سوال هوتا ہے کیا اب تک ایک درسرے کی جانکاری اور پریم کے آدھار پر شادیاں نہیں ہوئیں ؟ واستو میں یہ وجھار بالکل نہا ہے ۔ یہرپ میں اب یہ چھڑ پرآنی ہو چکی ہے لیکن ہمارے دیش میں اب بھی یہ ایک انقلبی وجھار مانا جاتا ہے ۔ اکا دکا باغی کھیں کہیں کہیں سر آنھاتے میں ۔ سماج آن کا ترسکار کرتا ہے اور اس یغارت کی سوالی انتہوں کئی طریقیں سے بھکتنی پرتی ہے ۔ ہماری استریاں میں گئو ہمیں ، اگر ماں بانید ان کو قصائی کے ہاتھ میں یکوری میں یکوری میں یہائی کے ہاتھ میں یکوری میں ہوتی ہے۔ ہوتی ہے۔ ہوتی ہے۔ ہوتی ہے۔ ہوتی ہے۔ ہوتی کے ہاتھ میں یکوری میں یکوری میں یکوری میں یہ ہوتی یہائی ہوتی ہے۔ ہوتی ہوتی یہائی ہوتی ہے۔ ہوتی ہے۔ ہوتی یہائی ہوتی ہوتی ہے۔

यह पालीसी मुकामी बारित्यों से उनकी रोकी कीन कर इनकी विलक्कत फाकामस्त बता रही है. पूरे मुस्क में हाक्टरी सहायता पहुँचाने के लिये केवल वो सौ हाक्टर हैं लेकिन जनता को क्षाबू में रखने के लिये फीज के आजावा चौरह हजार पुलिस रखी गई है. तालीमी बजट का 93 फीसदी हिस्सा फ्रांसीसी कच्चों की तालीम पर खर्च किया जाता है. फ्रांसीसी कुल टैक्स का केवल 5 फीसदी अदा करते हैं लेकिन मुरुक की आमदनी का 95 फीसदी अदा करते हैं लेकिन मुरुक की आमदनी का 95 फीसदी हिस्सा जनके आराम के लिये खर्च होता है. इस जुल्म ने मुरुक को सखत माली बदतरी में फँसा दिया है. जनता रारीबी, जेहालत और रोग का शिकार हो रही है.

जाज कल इस्तक्रताल पारटी वहां की जाजादी की तहरीक की जान है. जाम लोगों के जलावा हसमें उलमाए दीन, कलाकार और व्योपारी भी शामिल हैं. पारटी के पास काको पूँजी है और वह पूरे अकरीका और पिछमी पशिया में बहुत असर रखती है. भारत व पाकिस्तान की आजादी के बाद से फिर वहां आजादी की तहरीक में जान पड़ गई है और वहां का हर रहने वाला आज अपने वतन को गुलामी से छुटकारा दिलाने के लिये वेचैन है. एक तरफ इन्डोचीन में कांसीसी साम्राज की धिजयां बिखर रही हैं और दूसरी तरफ मराको की जनता में आजादी की मांग की बाद फ्रांसीसी साम्राज को जूड़ा करकट की तरह बहा ले जाने के लिये उमंडने ही वाली है. लेकिन फ्रांस अपनी ताक्षत के जोम में इस आने वाले खतरे को देख नहीं रहा है और वह जैसे भी हो मराको की जमीन पर अपने क्षवम जमाए रखना चाहता है.

लोकशाही और आजादी का अलमवरदार अमरीका भी फ़ाँस की इस तानाशाही और सामाजी पालीसी की सिर्फ मदद ही नहीं कर रहा है बिल्क लोकशाही और आजादी ही के नाम पर तीसरी जंग लड़ने के लिये मराकों में अपनी की के नाम पर तीसरी जंग लड़ने के लिये मराकों में अपनी की कें उतार रहा है और हवाई अड़े कायम कर रहा है. एक तरफ तो कोरिया को कम्युनिस्टा के हाथों से बचाने के लिये इनसानी खून से होला खेली जा रही है और तीसरी बड़ी लड़ाई तक का खतरा मोल लिया जा रहा है और दूसरी तरफ न केवत एक क्रीम के युकामी के जमाने को सम्बा किया जा रहा है बिल्क उसको जिन्दगी भी दूमर की जा रही है.

मराको के बाशिन्दों और उनके प्यारे बतन की आज़ादी के मसके का इक उस कोशिश पर निर्भर है जिसके किये वहाँ के जांबाज देश भक्त राहाद्त का प्याका पीते बते आप हैं और उन के अरमानों से भरे दिक्त आजादी की बाट ओहते ओहते बतन की खाक में मिसते रहे हैं. उन्होंने अपने जिसर के खन से अपने पाक बतन को रंग दिया है.

آج کل استقلال پارتی وهان کی آزادی کی تصویک کی جان ہے۔ عام لوگوں کے علاوہ اس موں علمادیوں کی جان ہے۔ عام لوگوں کے علاوہ اس موں علمادیوں کا کار اور بھوپاری بھی شامل هیں ، پارتی کے پاس کالی پونجی ہے اور وہ پورے انویقہ اور پیچھمی ایشیا میں بھید سے پور وهان آزادی کی تصویک میں جان پو گئی ہے لیور وهان کا هر رهنے والا آج آئے وطن کو فلامی سے چھلکاڑا فلا کے لئے ہے چین ہے ، آیک طرف اندوچین میں فرانسیسی سامراج کی دهجیاں بمہر رهی هیں اور دوسری فرانسیسی سامراج کی دهجیاں بمہر رهی هیں اور دوسری فرانسیسی سامراج کو کوڑا کردت کی طرح بہا لیجانے کے فرانسیسی سامراج کو کوڑا کردت کی طرح بہا لیجانے کے فرانسیسی سامراج کو کوڑا کردت کی طرح بہا لیجانے کے فرانسیسی سامراج کو کوڑا کردت کی طرح بہا لیجانے کے فرانسی آبلی طاقت کے خوابی ہیں والی ہے . لیکن فرانسی آبلی طاقت کے خوابی بھی ہی والی ہے . لیکن فرانسی آبلی طاقت کے خوابی بھی ہو مراکو کی زمین پر آئے قدم جمائے رکھنا جمائے رکھنا ہے ۔

لوک شاهی اور آزادی کا علیهودار آمویکته بھی فوانس کی اس تانا شاهی اور سامراجی پالیسی کی صرف مدد بھی نہیں کو رہا ہے بلکه لوک شاهی اور آزادی هی کے کنام پر تهسوی جملگ لوئے کے لئے موالو میں اپنی فوجیس آتاو رہا ہے اور هوائی آتے قائم کہ رہا ہے ۔ ایک طرف تو کوویا کو کمیونسٹاس کے هاتهوں سے بحجانے کے لئے انسانی کوویا کو کمیونسٹاس کے هاتهوں سے بحجانے کے لئے انسانی ایک کو کمیونسٹوں کے ہا رہی ہے اور تیسری بوی لوئی گئے کا خطرہ مول لیا جا رہا ہے اور دوسری طرف نه کھول ایک قوم کے غلامی نے زمانے کو لمبا کیا جا رہا ہے رہا ہے اور دوسری طرف نه کھول ایک قوم کے غلامی نے زمانے کو لمبا کیا جا رہا ہے ۔

مراکو کے باشلدوں اور اُن کے پیارے وطن کی آزائیں کے مسلے کا حل اُس کوشش پر نربور ہے جس کے لئے وہاں کے مسلے کا حل اُس کوشش پر نربور ہے جس کے لئے وہاں کے نومانوں سے بھرے دل آزادی کی بات موس کے نومانوں سے بھرے دل آزادی کی بات میں ملتے وہے ہیں۔ موسی کی خاک میں ملتے وہے ہیں۔ اُنہوں نے ابھ جاکر کے خون سے ابھے پاک وطن کو ونگ

सन 1936 में स्पेन की घरेल लड़ाई के मौके पर वहां के आज के शासक जनरल फरेन्कों ने जो उस वक्त स्पेनी मराकों का गवरनर था, एलान किया कि जगर मराकों की जनता इस जंग में उसका साथ देगी तो हकूमत हाथ में जाने पर वह उनको आज़ादी की दीलत से माला माल कर देगा. सीधी सादी जनता इस पलान के धोके में आगई. स्पेन की घरेल लड़ाई के सिलसिले में तीस हजार से जियादा मराकशी सिपाही करल हुए और उन्हीं की लाशों के देर पर जरनल फान्कों ने पक नया साम्राज खड़ा किया. लेकिन मराकों को बजाय आजादी मिलने के और जियादा मुसीबतों से दो चार होना पड़ा और गुलामी का शिकन्जा पहले से भी जियादा सउत कर दिया गया.

पिछली बड़ी सड़ाई में जबकि फ्रांस जरमनी के क़बजे में जा खुका था, इत्तेहादियों की मदद से इसी जमीन पर जनरल डेगाले की लीडरी में आजाद फांस की तहरीक परवान चढी. इत्तेहादियों और जनरता डेगाले के बड़े बड़े बादों के जाल में फँस कर हजारों मराकशी नौजवानों ने जंग सत्म होने पर बाजावी मिल जाने की उम्मीद में क्षस तहरीक की कामयाबी के लिये अपनी जान की बाजी सगाई. तारीख के पन्ने गवाह हैं कि नाजी हवाई जहाजों, टैंकों और तोपों का किस दिलेरी से मुकाबला करते हुए वह मराको के सपत मौत से बरालगीर हुए. इन देश भक्तों को यह कहां खबर थी कि मैदान जंग में उनके बहे खन के गारे से फ्रांसीसी साम्राज की गिरी हुई दोबारें नए सिरे से ऊँथी की जायंगी और वही दीवारें उनके वतन को खंत काल तक गलाम बनाए रखेंगी. इस जरमन सम-भौते के खिलाफ़ रूस पर इमला करते वक्ष्त हिटलर ने कहा था कि सममीते तोडने ही के लिये किये जाते हैं. चुनांने फांस जो नाजियों के हाथों गुलामी का मजा चल चुका या और दनके जलमों का शिकार हो चुका था, जुद हिटकर के क़ील पर अमल करते हुए जंग के अंत पर अपने बादे से फिर गया. यही नहीं मराको पर फॉफीसी सामाजी शिकत्जा और भी कस दिया गया.

इस वक्ष्य तक वहाँ चार लाख फ़ांसीसी आवाद हो चुके हैं और उनका आना और वसना वरावर जारी है. योरप में आए दिन जंग के हर से फ़ांसीसी पूंजीपति मुराको में सरह तरह के कारवार में अपनी पूँजी लगा रहे हैं क्योंकि यह इलाक़ा जियादा महफूज है. एक तरक मराको की तिआरत पर गैर मुलकियों का पूरा क्षवजा होता जारहा है और दूसरी तरक मुकामी किसानों को बेदलल करके सनकी जमीने नए आए फ़ांसीसियों को दी जारही हैं. सराको के रहने वाले अपने वाप सावा की दीलत और سن 1936 میں اسیمن کی گهریلو لوائی کے موقعے پر وہاں کے آج کے شاسک جغرل قریفکو نے جو اُس وقت اُسپیلی مراکو کا گورنر تھا' اعلان کیا کہ اگر مراکو کی جفعا اِس جفک میں آئے پر وہ اِن کو آزادی کی دولت سے مالا مال کردے گی سیدھی سادھ جاتا اِس اعلان کے دعوکے میں آگئی ۔ اسپین کی گهریلو لوائی کے سلسلے میں تیس ہوار سے زیادہ مراقشی سہاھی قتل ہرئے اور اُنہیں کی المہوں کے تھیر پر جغرل فریفکو نے ایک نیا سامراج کھوا کھا ۔ لیکن مراکو کو بجائے آزادی ملئے کے اور زیادہ مصیبھی سے دو چار ہونا پوا اور غلامی کا شکفجہ پہلے سے بھی زیادہ سخت کردیا گھا .

پچھٹی ہوی لوائی میں جبکه فرانس جرمتی کے قبقے میں جا چکا تھا اتحادیوں کی مدد سے اِسی زمین پر جدرل تیکالے کی لیڈری میں آزاد فرانس کی تصریک یروان جوهی . انصادیوں اور جدرل تیکالے کے بوے بوے وعدوں کے جال میں پہلس کر ھزاووں مراتھی نوجوانوں نے جنگ ختم هونے پر آزادی مل جانے کی امید میں اِس تصریک کی کامہابی کے لیے اُپلی جان کی بازی لکائے ۔ تاریخے کے پلے گواہ ھیں کہ نازی ھوائی جہازوں' تهلکیں اور توپوں کا کس دانھرمی سے مقابلہ کرتے ہوئے وہ مراکو کے سپوت موت سے بغلگیر هوئے . اِن دیش بهکتوں کو یہ کہاں خبر تھی کہ میدان جلگ میں اُن کے بہے خون کے کارے سے فرانسیسی سامراج کی گری هوئی دیواریں نگے سرے سے اُوندچی کی جائیلگی اور رھی دیواریں اُن کے وطرر کو انبت کال تک فلام بدائے رکھوں کی ، روس جرمن سمجهوتے کے خلاف روس پر حمله کرتے وقت هالر ئے کہا تھا که سمجھوتے تور نے هی کے لیے کیے جاتے همن . جدائصہ فرانس جو نازیوں کے هاتھوں فلامی کا مزا جکھ چکا تھا اور اُن کے ظلموں کا شکار ہو چکا تھا خود ہٹلو کے قبل یو میل کرتے ہوئے جلگ کے انت پر ایھ وعدے سے پهر کیا . یعی نهین مراکو پر فرانسیسی سامراجی شکنجه اور بھی کس دیا گیا :

اِس وقت تک رهاں چار لاکھ فرانسیسی آباد هوچکے هیں اور اُن کا آبا اور بسفا برابر جاری ہے . یورپ میں لائے دین جاگ کے در سے فرانسیسی پونجی پھی مراکر میں طرح طرح کے کاربار میں اپنی پونجی لٹارہے هیں کیونکہ یہ ملاقہ زیادہ صحفوظ ہے . ایک طرف مراکو کی تجارت پر میں ماکیوں کا پرزا قبضہ هوتا جا رها ہے اور دوسری طرف مقانی کو بے دخل کرکے اُن کی زمینیس نئے آئے فرانسیسیوں کو دی جارهی هیں ۔ مراکو نئے رہتے والے لیے باپ دادا کی دوانت اُور زمین ہے مستورم کئے جا رہے ہیں ۔ شیر ملکی حکومت کی مستورم کئے جا رہے هیں ۔ فیر ملکی حکومت کی

सिसम्बर '51

224

51 me

गहीं से क्यारने की भी अमकी दी गई थी और उनके सब कामीं पर कड़ी पाबन्दी लगा दी गई थी. लेकिन सारे मुक्क में बसाबत की आग भड़क जाने के डर से जनरहा जोएन इन को अलग नहीं कर सका फिर भी वह अपने इस इराहे को अमल में लाने के लिये मीका ढंढ रहा है.

सातवीं और दसवीं सदी ईसवी के दरमियान मराकी अरबों के कब्जे में आगया और जल्द ही अरब और वहां के असल बाशिन्दे बरबर आपस में घुल मिल गय. अरवीं ने वहां लगभग एक हजार वरस तक शान और कामयायी से इकूमत की. उनके जमाने में मराको ने हर लिहाज से बहुत तरक्षको की. लेकिन बद्वारवीं सदी ईसवी के श्रुक से मराको की किस्मत का सितारा चकर में आ गया. उस जमाने के सुलतानों की आराम तलबी, कबीलों के आपसी मगर्बों, जागीरदारों की आपस की लड़ाइयों और आए दिन की घरेलू जंगों ने मुल्क को तबाह व बरबाद और कसज़ोर कर दिया. नतीजा यह दुआ कि योरप के मुल हों की लखनाई निगाहें उस पर पड़ने लगीं. सन 1912 में आर्स ने उत्तरी इलाक की एक पेटी के अलावा जो कि स्पेन के कब्जे में है, बाकी पूर मुल्क पर कब्जा कर क्षिया लेकिन द्दनिया को धोका देने के लिये वहां के सुलतान को नाम क तिये बनाए रखा.

गुलामी में जकड़ जाने पर वहां के वाशिन्दों की आखें खुलीं और उन्होंने अपने घरेलू माड़े बन्द कर के मिल कर इस नई आजत का मुझाबला करने के लिये कोशिश शुरू की. तब से बराबर मराको की जनता अपनी आजावी के लिये बहुत से कौमी नेताओं के मातहत जिन में अमीर अब्दुक करीम खास हैं हर मुमकिन क़ुरबानी करती खली आई है. लेकिन बावजूद इन बेमिसाल क़ुरबानियों और बड़ी बड़ी लड़ाइयों के वह अब तक अपन प्यारे देश को फ़ांसीसी और स्पेनी साम्राजियों की गुलामी से आजाद कराने में कामयाब नहीं हो सकी. आज पूरे मराको में शायद ही ऐसा कोई घर हो जहां का कोई न कोई लाल ज़ांकिम फ़ांसीसियों और स्पेनियों के हाथों मिट्टी में मिलाया न जा खुका हो. मराको में फ़ांसीसी ब स्पेनी राज की तारीख के सफहे, वहां के बेगुनाह नौजवानों, बूढ़ों, बच्चों और औरतों तक के खून में ढूबे हुए हैं.

अमीर अब्दुल करीम ने एक ज़बरद्स्त आज़ादी की तहरीक सन 1925 में एक साथ फ्रांसीसी और स्पेनी सामाजियों से तमाम मुल्क को पाक करने के लिये शुर्क की थी. उस तहरीक की नाकामयानी और अमीर अब्दुल करीम के देश निकाले के बाद इन जालिम हकूमतों के हाथों हजारों बेगुनाह आम लोग बड़ी बेदरदी से तलवार के बाद इतार दिये गए और तहरीक को इस हद तक कुचला गया कि लोग फिर सर उठाने की हिम्मत न कर सकें.

ساتویں اور دسویں صدی مهسوی کے درمهان مرائو عربی کے قبیم میں آگھا اور جاد می عرب اور وعاں کے اصلی باشندے بربر آپس میں گھل مل گئے۔ عربوں نے وهاں اگ برگ ایک وزار برس تک شان اور کامهابی سے حکومت کی ، اُن کے زمانے میں مرائو نے هر لتحاظ سے بیمت توقی کی ۔ نیکن الهارهویں صدی عیسری کے شراع سے مراکو کی قسمت کا ستارا چکر میں آگھا ، اُس زمانے کے سلطانوں کی آرام طلعی' قبیارں کے آپسی جھاری کے بالیوں اور آئے دن کی گھریلو چاکھوں نے سلک کو تہاہ و برباد اور کمزور کر دیا ، نتهجه بیم سے ہوں کے المیانی کے ملکوں کی للجائی تکاعیں اُس پر پونے لکھی کے علاوہ جو کہ اسیمن نے اُتری علاقے کی ایک لکھی میں فرانس نے اُتری علاقے کی ایک پر قبضہ میں ہے اپنی بیک پر قبضہ کو ایا لیکن دیا کو دعوکہ دیائے کی ایک پروے ملک پر قبضہ کو لیا لیکن دیا کو دعوکہ دیائے کی پورے ملک پر قبضہ کو لیا لیکن دیا کو دعوکہ دیائے کے پورے ملک پر قبضہ کو لیا لیکن دیا کو دعوکہ دیائے کی پورے ملک کو تبام کے لئے بنائی دیائی دیائی ۔

اللہ میں جکو جائے پر وہاں کے باشلدوں کی آنکھیں اور انہوں نے آئے گہریلو جھکوے بلد کر کے ملکر اس نگی آاس کا مقابلہ کرتے کے لئے کوشش شروع کی . تب سے ہواہر مواکو کی جلتا اپلی آزادی کے لئے بہت سے قومی نہتاؤں کے ماتحت جن میں امیر عبدالکویم خاص ہیں ہو ممکن قربانی کرتی چاہی آئی ہے . لیکن بارجود اِن بہ مثال قربانیوں اور بڑی بڑی لوائیوں کے وہ آب تک اُنے پہارے دیش کو فرانسیسی اور اسپیلی سامواجیوں کی فلامی سے آزاد کرائے ، یس کامیاب نہیں ہوسکی . آج ہورے مراکو میں شاید ہی ایسا کوئی گھر ہو جہاں کا گوئی نه کوئی الل طالم فرانسیسیوں اور اسپیلیوں کے پہلی میں مالیا نه جا چکا ہو . مراکو ، یس گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کے یہ گھڑا نسیسی و امیدلی راج کی تاریخ کے صفحت وہاں کی گھڑا نہ نوجوانیں ، بوزھرں ، پیچرں اور عروتوں تک کے خوں میں گھڑا ہوں کھیں ۔

امهر عبدالعربم نے ایک زبردست آزادی کی تعریک سن 1925 عیسری میں ایک ساتھ فرانسیسی اور اسپیقی سامراجهوں سے تمام ملک کو پاک کرنے کے لئے شروع کی تھیں۔ اُس تعریک کی تاک یابی اور امیر عبدالعربم کے فیص نکالے کے بعد اِن ظالم حکومتوں کے ماتھوں ہواروں بے فید علی بعد اور تعریک کو اس حد تک کچھ گیا کہ لوگ پھر سو گئے۔ اور تعریک کو اس حد تک کچھ گیا کہ لوگ پھر سو آٹھائے کی ہمت نہ کوسکھی ۔

बौर एक खूबसूरत व शानवार शहर है. केल इसकामी सालीम का मरकल (केन्द्र) है. यहाँ बीच के प्रमाने से एक इसकामी यूनिवरिसटी कायम है. मराको नामी शहर जो फ्रान्सीसियों के जाने से पहले मुल्क की राजधानी था, एक बारीनक शहर है. एटलान्टिक महासागर पर केसा-कांका यहाँ का एक बढ़ता हुआ बन्दरगाह है. तंजेर नामी शहर व बन्दरगाह जनतरकोमी इन्तजाम में है. जबराल्टर के बिलकुल सामने शहर व बन्दरगाह सियोता स्पेनी मराको की राजधानी है. इन शहरों में अरब तामीर कला के अच्छे से अच्छे नमूने दिखाई देते हैं. यहाँ की इमारतें दुनिया की साबसूरत से स्वृत्वसूरत और शानदार से शान-इंगर इमारतों में गिनी जाती हैं.

मराकों के रहने वाले मुसलमान हैं. वावजूद योरप के पास होने और फ्रान्सीसी असर के वहाँ के वाशिन्दे अभी एक पण्छिमी तहजीव के असर से बड़ी हद तक बचे हुए हैं. इनकी आदरें, रहन सहन और खाने पीने के ढंग, क्षियास, रीत रिवाज और कायरे कातून सब पर इसलामी और पशियाई तहजीव का असर हैं. वह अपने ऊँचे कैंदेक्टर, ईमानदारी, खुदवारी और रीर मामूली मेहमान-दारी की विना पर दुनिया की क्रीमों की तारीख़ में खास अमह रखते हैं. आज भी कोई मराक्शी नौजवान अपने खुजूरों से आँख मिलाकर बात करने या उनके सामने सम्बाकृ पीने की हिम्मत नहीं कर सकता.

रवात में मराको के आजकल के शासक मुलतान सैयइ मोहन्मद खामिस रहते हैं. लेकिन इन को मुल्क के अन्दर की या बाहर की पालीसी में दखल देने का कोई अख़ित्यार नहीं है. वह केवल एक नाम के मुलतान हैं. असल में शासन के कुल अधिकार फ़ाँस की सरकार के मुक़र्रर किये हुए रेजीडेन्ट जनरल के हाथों में हैं. जिस की आँख के इशारे पर मुलतान का रहना या न रहना निर्मर है. बावजूद इतनी पावन्दियों के आजकल के मुक़तान को वहां की आजादी की सहरीक से गहरी दिल- अरपी है. बह एक तरक़की पसन्द और सक्वे इनसान हैं. अपने वतन को बाहरी असरों से पाक करके जनता की ज़न्दगी का स्तर बढ़ाने के लिये वन का दिल बेचैन रहता है. इन्हीं गुनों की बदौलत वह अपनी की में सब को प्यारे हैं.

वहां की क़ीमी पारटी इस्तक्साल पारटी के साथ सुक्तवान की बहती हुई दिल बरपी की देख कर फाँस की अरकार की ज़बरदस्त खतरा महसूस होने लगा था. इसकिये काज कल के रेजीडेन्ट जनरक जोएन ने उन कर तेजा द्याव हाल कर उनसे इस्तक्ताल पारटी से آور ایک خوبصورت و شاندار شهر هے . فیو اسلامی تعلیم کا مرزو (کیلدر) هے ، یہاں بینچ کے زمانے سے ایک اسلامی یونیورسٹی قائم هے ، مرازو نامی شهر جو فرانسهیوں کے آنے سے پہلے ملک کی راجدھانی تھا ایک بارونی شهر بیے . الگانائک مها ساکر پر کیسا بلانکا یہاں کا ایک بوهتا هوا بلندولاد هے . تنجیر نامی شهر و بلدولاد انتر قومی انتظام مهیں ہے . جبرالتر کے بالکل سامنے شہر و بلدولاد سیوط میں مرازو کی راجدھانی ہے ، اِن شہروں میں عرب اسهیلی مرازو کی راجدھانی ہے ، اِن شہروں میں عرب تعمیر تلا کے اچھے سے اچھے نمونے دیھائی دیتے ہیں ، یہاں تعمیر تلا کے اچھے سے اچھے نمونے دیھائی دیتے ہیں ، یہاں کی عمارتیں دنیا کی خوبصورت اور شاندار سے شاندار عمارتوں میں کئی جاتی ہیں .

مراکو کے رہنے والے مسلمان ھیں ، ہارجود یورپ کے پاس ھونے اور فرانسیسی اثر کے وهاں کے باشقدے ابھی تک پنچھمی تہذیب کے اثر سے بڑی حد تک بچے ھوئے ھیں ، اِن کی عادتیں' رھن سپن اور کہانے پینے کے دھنگ' لیاس' ریت رواج ارر قاعدے قانون سب پر اسلاسی اور ایشیائی تہذیب کا اثر ھے ، وہ اپنے اولنچے کیرکو' ایمانداری خود داری اور فیر معمولی مہمانداری کی بنا پر دنیا کی قوموں کی تاریخ میں خاص جگہ رکھتے ھیں ، آج بھی کوئی مراقشی نوجوان اپنے بزرگوں سے آبکہ ملا کر بات کرنے یا اُن کے ساملے تمباکو پینے کی ھمت نہیں کوسکتا

ربات میں صرائو کے آج کل کے شاسک سلطان سید محصد خامس رفقے ھیں لیکن اِن کو ملک کے اندر کی یا باھر کی پالیسی میں دخل دینے کا کوئی اُختیار نہیں ھے ، وہ کیول آیک نام نے سلطان ھیں ، اصل میں شاسن کے کل اُدفیکار فرانس کی سرکار کے مقرر کئے ھائے ریزیڈنٹ سیطرل کے ھاتھوں میں ھیں ، جس کی آنکھ کے آشارے پر سلطان کا رھانا یا نہ رھانا نربھر ھے ، یاوجود انٹی ایلدیوں کے آجکل کے سلطان کو وہاں کی آزادی کی تحدیک سے گہری دلتھ ہی ھے ، وہ آیک ، ترقی پسند اور ستھے انسان گہری دلتھ ہی ھے ، وہ آیک ، ترقی پسند اور ستھے انسان ھیں اور سادہ زندگی بسر کرتے ھیں ، آئے وطن کو باھری آئی کا دل ہے جین رھتا ھے ، اِندیس گئوں کی بدولت وہ آئی کا دل ہے جین رھتا ھے ، اِندیس گئوں کی بدولت وہ اُندی کی ایکی قرم میں سب کو پیارے ھیں ،

وهاں کی قومی پارٹی استعقال پارٹی کے ساتھ ساطان کی بڑھا ہی ہوڑی دلچسپی کو دیکھکر فرانس کی سوگار کو زبردست خطرہ محصوس ہونے لکا تھا۔ اِسلیٹے آجکل کے رزیڈفٹ جذرل جوٹین نے اُن پر بے جا دباؤ ڈالکر اُن سے استقال پارٹی سے علیدیکی کا اُمائن کوا اُن اُن کو علیدیکی کا اُمائن کوا اُن اُن کو علیدیکی کا اُمائن کوا اُن اُن کو علیدیکی کا اُمائن کوا اُن کی علیدیکی کا اُمائن کوا اُن کو علیدیکی کا اُمائن کوا اُن کو علیدیکی کا اُمائن کوا اُن کو علیدیکی کا اُن کوا اُن کو علیدیکی کا گورٹی کی کو علیدیکی کا اُن کو کو خواندیکی کا کو علیدیکی کا کو علیدیکی کا کو کان کی کو کان کو کی کو کو کو کان کی کان کو کو کان کو کان کی کو کان کو کان کو کو کو کان کو کان کو کو کان کو

سلمبر 51'

बाब के जुनाने में मराको की बद्धकी का स्रज बमास पर बा और दुनिया की सम्य कीमों के दिलों में उसके बढ़-पन का सिक्का जमा हुआ था. उस जुनाने में यह देश बिद्या और कसा, तहजीब व कलवर का गहवारा सममा जाता था.

तारी स से पता चलता है कि पुराने जमाने ही से यह सर जमीन अपने मौके और जरखेज़ी की बिना पर दुनिया की बहुत सी क्षीमों को अपनी तरफ खेंचती रही हैं. जिस कीम के कब्बे में अफरीका का यह हिस्सा रहा है, ससी का मंदा रोम सागर के अधिकतर मुस्कों पर तहराता रहा है.

मराको एतर पिक्कमी अफरीका में है. इसके एतर में रोम सागर और पिड्यम में एटलान्टिक महा सागर नहरें मारते हैं. दक्खिन में सहारा का बड़ा रेगिस्तान और पूरव में अबजेरिया का इलाका है. इसका फैलाव 2,19,000 मुख्या मील है. और आवादी लगभग एक करोड़ है. मुल्क में घरनी धौर वरवरी खवानें बोली जाती हैं. जुराराफिया के खयाल से मुलक के तीन हिस्से हैं. उत्तर और पिछम के समुन्दरी किनारे के उपजाऊ मैदान, बीच के पहाड़ और पठारी इलाक़े जो अतलस पहाड़ के सिलसिले का एक हिस्ता है और दक्किन का ऊसर वंजर इलाका जिसमें कहीं कहीं नल लिस्तान नजर आते हैं और जो आगे चल-कर सहारा रेगिस्तान से मिल जाता है. किनारे के इलाकों में बाम तौर से न जियादा जरही होती है भौर न जियादा गरसी. पहाडी और पठारी इलाक्ने जाड़े में बहत ठंडे रहते हैं और दक्क्जिनी इलाक़े में बरदाश्त के नाकावित गरमी पड़ती है, बारिश सिर्फ जाड़े में हाते हैं. दक्खिनी इलाक़े को छोडकर यहाँ की जमीन आम तौर से उपजाऊ है. गेहँ. जी, डबार, रुई, तम्बाकू, खजूर, जैतून, सन्तरा, अंगूर भीर वसरे मेवे यहाँ की जास पैदाबार हैं. यहाँ के घोड़े बहुत मज़बूत और मेहनती होते हैं. सवारी के अलावा वह खेती के काम में भी लाये जाते हैं. यहाँ की भेड़ें अपने अच्छे किस्म के ऊन के किये मशहर है.

खेती बाड़ी और बाराबानी, कालीन व शाल की बुनाई, चाँदी, ताँवा व पीतल के बरतन और चमड़े का सामान, और भेड़ें बराना यहाँ के जास घन्दे हैं. राज्ञा, चमड़ा व चमड़े का सामान, ऊन, कालीन, जैत्न का तेल, मेवा करोरा बाहर जाते हैं और कपड़े, मशीनरी व जिन्ह्यों की दूसरी जरूरी चीजें बाहर से मँगाई जाती हैं. मराको खानों से भी माला माल है जिन में वाँबा, पीतल, सीसा, जरता, निकल, फारकेट, अवरक और कोबाल्ट खास है.

रवात, क्रेज, मराको, बेबाब्जांका, तंजेर चौर सियोता कहाँ के बढ़े चौर मराहुर शहर हैं. रवात यहाँ की राजधानी بہتے کے زمانے میں مراکو کی ترقی کا میروپے کسال پر عبد اور دنیا کی سبیب قوموں کے دلوں میں اُسکے بڑایوں کا سکتے جہا اور کا کا سکتے جما درا تھا ، اس زمانے میں یہ دبیعی ودیا اور کا تیکیب و کلچر کا کہوارہ سدچھا جاتا تھا ،

تاریخ سے پتھ چلتا ہے کہ پرائے زمائے ھی سے یہ سر زمین ایھ موڈم اور زرخیزی کی پنا پر دنیا کی بہت سی قوموں کو ایٹی طرف کییٹی پر دنیا کی بہت سی قوموں کو ایٹی طرف کییٹی جس قوم کے قبضہ میں افریقہ کا یہ حصہ رہا ہے، اُسی کا جہلڈا روم ساگر کے اُدھک تر ملکوں پر لہراتا رہا ہے .

مراکو آتر پیهمی الریقد میں هے ، اس کے آتر میں روم ساکر اور پنچهم مهن اتلانتک مها ساگر لهرین مارته هين . دكهن مين صحاراً كا يوا ريكستان هي ارد پورب مين الجيريا كا علاله هـ. إس كا يبيلاءِ 2,19,000 مربع مهل هـ ارد آبادی لگ بهگ ایک کرور هے ، ملک میں عربی اور پربری زبانیں بولی جاتی هیں ، جغرافیه کے خهال سے ملک کے تون حصے میں . اتر اور پنچمم کے سمندری کنارے کے اُبجادِ میدان' بیج کے بہار اور یتھاری علاقے جو اُطلس پہاڑ کے سلسلے کا ایک حصہ ہے اور دکھن کا اوسر بذھور عققه جس مهل کیدن کهین نظستان نظر آتے هیں اور ارر جر آئے چل کر صحاراً ریکستان سے مل جاتا ہے . کنارے کے علائیں موں عام طور سے نہ زیادہ سردی ہوتی ہے اور نہ زیادہ کرمی ، پہاری ارر پتھاری علائے جارے سیں بہت تهندے رہتے میں اور دکھنی ملاتے میں برداشت کے ناقابل گرمی پرتی ہے ، ہارش صرف جارے میں ہوتی ہے ، دکھئی ملاقے کو جھور کر یہاں کی زمین عام طور سے اُیجاؤ ہے . عييون جوا جوارا روثى تعداكو كهجور زيتون سلترة أنكور أور فوسرے مووے یہاں کی خاص پیداوار هیں . یہاں کے گھوڑے بیت مضبوط اور محملتی ہوتے میں ، سواری کے علرہ وہ کھیٹی کے کام میں بھی لائے جاتے عیں ، یہاں کی بههویں اللہ اجھی قسم کے اون کے لئے مشہور ھیں .

کههتی بازی اور باهبانی قالین و شال کی بفائی و الدی نائی اور چاندی تانیه و بهتل کے برتن اور چموے کا سامان اور بههوی چاندی باندی خاص دهندے هیں، فلم چموہ و چموے کا سامان اون قالین ویتون کا تیل میوہ وفیرہ باهر جانے میں اور کهوے مشیقری و وندگی کی دوسری فروری جین اور کهوے مشائی جاتی ههی ، مراکو کهانوں سے بهی جاتی میں ، مراکو کهانوں سے بهی جاتی میں ، مراکو کهانوں سے بهی جاتی مال ہے جی میں تانیا بهتل سیست جستم نکل فیلسفیس ایری اور کو بالت خاص هیں ،

ریاسا این مراکو کیسا بلانکا تنجیر اور سیوطت یہاں کے برحد اور مشہور شہر هوں ، ریات یہاں کی راجدھانی

(26)

व मुजस्तमा आजादी का देखते होंगे किस दिल से हास्मारक देख के आँसू पीते. डॉने किस दिल से का दिन भूके नंगे मनाते होंगे किस दिश से रते होंगे किस दिल से ये जीते होंगे किस दिल से गखर देस की देख आए. इम डालर देंस की देख आए

(27)

की अंचल उंगलियों ने विजली की रगों की छेवा है ों में इस उकती हुई नागित के फ़र्नों को छेवा है अधिकार के सागर की वैकल सहरों को खेदा है क के रखरें जल थल को ऐसी किरमों को छेवा है गलार देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(28)

बिजली की बस में किया खुद की बस में लाही न सकी त को काम में लाई मगर इनसान के काम अपाही न सकी की गरमाया लेकिन सीनों को गरमा ही न सकी । द्वल दबाने वाली सभ्यता दिल का बढन पाही न सकी गर्सर देस की देख आए, हम बालर देस को देख आए

(29)

डाक्सने बालों को मानवता के साँचे में ढलना आए बेबीनों को बिदव शान्ति की गोदी में पलना आए ती हुई इस तीसरी जंग की आई को उलवा आए हारा जमी पर इनसानों को सहज सहज चलना आए । खर देस की देख आए, इम डालर देस की देख आए.

(भाई सैयद जमीर इसन काजिमी)

इस महीनों से मराको का नाम अखनारों के सकों पर : या रहा है केकिन बाबजूद इसनी सिबासी, कीजी माबी बहुमियत के मराको के बारे में कोगों की जान-। बहुत कम हैं. जैसे जैसे तीसरी बड़ी जंग का खतरा भाता है वैसे वैसे यह देश राजकात्र से दिलचरपी वे बालों का ध्यान अपनी तरफ खींचता जा रहा है.

(26) सुजस्पमा = मूरतः महा स्मारक = कही बादगार.

(27) चिर अथकार = कमी न मिटने वाला अधेरा.

یه سب مجست آزادی کا دیکیتے مولکے کس دل سے یہ میا سارک دیکھ کے آنسو پیٹے مراکے کس دل سے آزادی کا دن بهرکے للکے مداتے هونگے کین دل س یہ مرتے مینکے کس دل سے یہ جیتے مینکے کیش دل سے هم ڈالر دیسوں کو دیکھ آئے؛ هم ڈ لر دیسی کو فیکھ آئے

(27)

ولميان كي جندل أنكلهور له بجلي كي ركور كو جهدوا ه المفون میں اس ارتی هوئی ناان کے پہنیں کو جہدوا ہے جراندهکار کے ساکر کی بھکل لمروں کو جمهوا ہے جو پھونک کے رکھدیں جل تھل کو ایسی کرنوں کرچھھڑاھ هم قالو ديس كو ديكه آفي هم قالو ديس كو ديكه أله

(28)

لوهے پنجلی کو ہس میں کہا شود کو ہس میں لاهی تعسکی انسان کو کام میں لائی مگر انسان کے کام آھی نہ سکی هاتهیں کو گرمایا لیکن سیفیں او گرما هی ته سکی یه بلای دنیانے والی سمبه عا دل کا بلای یاهی نه سکی هم قالر میس کو میکه آئے ، هم قالر درس کو دیکه آئے

(29)

یم تھالنے والوں کو مانوتا کے سانتے سین تعلقا آئے الم بیسهان کو وشوشاتی کی گوری میں پلنا آئے ملک لاتی عرشی اِس تهسری جاگ کی آلی کو ثلقا آلے الم کاهی زمهن پر انسانون کو سیم سیم جالما آئی هم دالر دیس کو دیکه آثر' هم دالر دیس کو دیکه آئی

مر أكو

(پیمائی سید ضمیر حاسن کاظمی)

کنوں مہیلوں سے مرافو کا تام آخباروں کے مقصوں ہو تين آرها هي لهاين باربجود أثلى سهامي فوجى أور مالي المسمعة كي موزكو كي عاديه مهن لوكون كي جالكاري ههمعد کم ہے ، جهید جهید تهسری بوی جنگ کا خطرہ پاس آنا جانا ہے ریسے ریسے یہ دیش واج کاج سے دلجسٹی رکھلے۔ وائین کا دعیتان ایٹی طرف کیپٹنچکا جا رہا ہے :

(27) جوانيمكر = كيمي نه مثلے والا اندهيرا .

^{(6)-}معصمه = مورسا مهاسمارك = يوي ياد كر .

गर बातें इनकी बन जाएँ, गर बातें इनकी बल जाएँ इनिया को साफ निगल जाएँ, बरती पें इक्सत फरमाएँ इम देस के करता घरता अपना काम जी पूरा कर पाएँ इनिया भर पर एक रोज़ सितारे और धारियाँ लहराएँ इम डालर देस को देख आए, इम डालर देस को देख आए المائهن إن كى بن جائين كركهاتهن إن كى حال جائين كركهاتهن إن كى حال جائين دهرتى يه حكومت فرمائين أنها كو حيس كى كرتا دهرتا أينا كام جو پورا كو پائين فائها بهر پر اك ررز ستارے أور دهاريان لهرائهن هم قالر ديس كو ديكه آئے هم قالر ديس كو ديكه آئے

(22)

(22)

बह वालस्ट्रीट का सहा ख़ाना ब्हाइट हाउस का साज़िश घर बह दल्साली के दाँव पेच वह हाउस के छू मंतर बह ख़टाख़ट तिजारत में बह प्रजा तंत्र का अडम्बर बह लेन देन की धूम धाम वह राजनीति की अगर मगर हम शालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए ولا وال استریت کا سته بته رهائت هاوس کا سازهی گهر ولا دلائی کے داوں پوچ ولا قیلو میسی کے جمور ملتر ولا لوثا لرث تجارت میں ولا پرجا تلتر کا آقامهر ولا لین دین کی دهوم دهام ولا راج نیت کی اگر مگر هم قالر دیس کو دیکه آئے ،

(23)

(23)

इस बाल स्ट्रीट में दुनिया का दीवाला बोला जाता है जो छुटवादे, जो बिकवादे वह जाता खोला जाता है इस व्हाइट हाउस में सब की दुखती रगों को टटोला जाता है सरकारों, मुल्कों, कौमों को काँटों में तोला जाता है हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए اس وال استریت میں دنیا کا دیوالہ ہولا جاتا ہے جو لقوا دیے جو بکوادے وہ کہاتا کھولا جاتا ہے اس وہ استھاؤس ہیں سبکی دعمتی رگوں کو تقولا جاتا ہے سرکاروں ملکوں توسوں کو کانقوں میں تولا جاتا ہے ہی تار دیس کو دیکھ آئے ہم قائر دیس کو دیکھ آئے

(24)

(24)

डस देस: में सबसे बड़ा अपराध है जीन रूस से हमदर्श इस से भी बड़ा जुर्म है अम्ने आलम का होना हामी और ऐटम बम के ख़िलाफ तो जिसने भूले से एक बात कही उसने तो बैठे बिठाफ मोल एक आफ्त अपने सर लेली हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

أمر دیس میں سب سے ہوا ایرادہ ہے چین وس سے همدردنی اس نے بھی ہوا جرم ہے اس عالم کا هونا حامی اور ایٹم یم کے خلاف تو جس نے بھولے سے اِک بات کہی اُس نے تو بھٹے ہٹھائے مول اِک آفت اپنے سر لے لی حال دیس کو دیکھ آئے۔

(25)

(25)

सोलह करोड़ में एक करोड़ को मज़दूरी या काम नहीं यानी कम से तीन करोड़ * को चैन नहीं आराम नहीं यह आलम है तो कैसे कहिये जीना उन पे हराम नहीं जीवन का सहारा द्रट चला है धुबद नहीं या शाम नहीं हम डासर देस को देख आए, हम डासर देस को देख आए سولم کرور میں ایک کرور کو مزدروی یا کام نہمیں معلی کم سے کم جنون کرور کو چین نہمی آرام نہمیں پید عالم ہے تو کمسے کہئے جملا آن یہ حرام نہمیں بجموری کا سہارا۔ توت چلا ہے صبح نہیں یا شام نہمیں بیا شام نہمی تار دیس کو دیکم آئے' هم ذائر دیس کو دیکم آئے۔

(24) अन्ते आतम = विश्व शान्ति; हामी = समर्थक.

" एक करोब वेरोजगारी के बाल बच्चे मिसकर कम से कम

^{&#}x27; (24) امن عالم = وهو شانقی؛ حامی = سمر تهک . نه ایک کرور بهروزگاروں کے بال بحجے ملکر کم سے کم نهری کرور هونگے .

आज़ादी, द्या, धरम, इन्साफ़ की इस तक़ज़ीब की क्या किहेंचे यू. एन. भी. में ''आज़ाद'' गुलामों की तरतीब को क्या किहेंचे इन्सानी कारबार में दौतानी तरकीब को क्या किहेंचे जो इस से रहती दुनिया को ऐसी तहज़ीब को क्या किहेंचे इस डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए

(17)

याँ लोग हैं भ्रापने श्रपने लिये याँ कोई किसी का हई नहीं यह बात कान में पनी नहीं यह ख़बर उन्होंने सुनी नहीं तारीख़ उस मोद पे है कि जहाँ गुंजायश इसकी रही नहीं जी काम करें वह भूकों मरें बेकारों की कोई कमी नहीं हम डालर देस को देख श्राए, हम डालर देस को देख श्राए

(18)

कुल इनसानों को चन्द इनसान मोल ले लें बेदाम दरम इनसान इनसान का साथी है, इनसान इनसान का है इमदम इसको यह बताते हैं धोका, यह कहते हैं इसको महा भरम खूदग्रज़ी इस तहज़ीब की जड़, बेददीं बुनियादे-महकम हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(19)

' दुनिया भर का ज्योपार सिटाकर खुद ज्योपारी बन बैठा सच्ची सूटी नूरत गदकर दुनिया का पुजारी बन बैठा इनसाँ को "स्वरों का चारा देकर भंडारी बन बैठा बन्दर को सिली इलदी की गिरह फ़ौरन पंसारी बन बैठा इस डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए

(20)

सर से क़दम तक मोहितिक हरने एक सिपाही सौ हियार यह दुनिया का पालनहार यह तहज़ीन का ठेकेदार हैंक, तोप, बारूद बनाना उसका सबसे बड़ा ब्योपार नक्षरी लेकर मीत बेचना सबसे चोखा कारोबार हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए آزاشی عیا عمرم (عداف کی اِس تکلیب کو کیا کیئے یو یو کیا کیئے یو یو یو کیا گیئے اور میں ''آزاد'' فلاس کی ترتیب کو کیا گیئے از اُنی کاروبار میں شیطانی ترکیب کو کیا گیئے جو کس لے رمعی دنیا کو ایسی تہذیب کو کیا کیئے ہم قالر دیس کو دیکھ آئے

(17)

یاں لوگ میں لیے اپنے لگے یاں کوئی کسی کا مدّی تھا۔ یہ ہات کی میں پوی نہیں یہ خبر اُنہوں نے سلّی تھیں تاریخ اُس مور یہ ہے کہ جہاں گلجائش اِسکی رهی نہیں جو کام کریں وہ بھوکوں مریں بھکاروں کی کوئی کسی نہیں می تالر دیس کو دیکھ آئے۔

(18)

کل انسانوں کو چند انسان مول لے لیں بے دام درم انسان انسان کا ساتھی ہے' اِنسان انسان کا ہے هددم اِس کو یہ بتاتے میں دھوکا' یہ کہتے میں اِس کو مہابہرم خود غرضی اِس تہذیب کی جو بے دردی بنیاد محکم مے قائر دیس کو دیکھ آئے۔

(19)

دنها بهر کا بهوپار متاکر خود بهرپاری بن بهتها سچی جهوتی مورت گوهکر دنها کا پنجاری بن بهتها انسان کو هسوورون کا نهاره دیکر بهلقاری بن بهتها بندر کو ملی هلدی کی گره فوراً ینشاری بن بهتها هم قالر دیس کو دیکه آنه هم قالر دیس کو دیکه آنه کا

(20)

سر سے قدم تک مہلک حربے ایک سیادی سو هتههار مے دنیا کا پالنهار یہ تہذیب کا تهدکہ داو تہلک تربیا تربیا بارود بنانا اُسکا سب سے بڑا بعوبار نقدی لے کر موت بهتها سب سے چوکها کاروبار هم قالر دیس کو دیکھ آئے

⁽¹⁶⁾ तकजीय = भुटलाना.

⁽¹⁸⁾ हमदम = साथी; बुनियादे महक्त = मजुबूत जीव.

माइलो एक बहुत घटिया धनाज को धमरीका में पुधारों को शिक्षाया जाता है. हिन्दुस्तान में धनाज की धमी पूरी करने के लिये क्हीबों रुपए का माइलो धमरीका ने मेजा है.

⁽²⁰⁾ मोहलिक हरने - पातक हथिगार

^{(16).} تعليب = جيئلان .

^(18) همديم حسانهي؛ يلهاد مصكم = مضبوط نهو .

وماثلو ایک بہت گھٹھا آناج جو آمریکہ میں سورروں کو گھلیا جاتا ہے ، ھندستان میں آناج کی کئی پوری کرنے کے لئے کروروں روپے کا ماثلو آمریکہ نے بیھنجا ہے ،

ر 20) مهلک حربے علمانک هعمهار.

(11)

हुनिया भर की बरबाद करें, दुनिया भर का निर्माता भी हुनिया भर का निद्रोही भी, दुनिया भर का निज आता भी दुनिया भर को भूका सारे, दुनिया भर का बाजवाता भी दुनिया भर में ख़ैरात करे दुनिया भर पर कालवाता भी हम हासर देस को देस आए, हम डालर देस को देस आए

(12)

इस देंस में डालर के सेठों के दिश की कसी कर्न फूटती है जब उनकी तिजारत दुनिया भर को एक भाव से खटती है क्यंप में तीन अठबी भुनाने की आदत कब छूटती है सोने पर सोना गिरता है, माया पर माया इटती है हम डालर देंस को देख आए, हम डालर देंस को देख आए

(13) .

रिशवत, भमकी भीर करल के भी याँ अपना काम बलाते हैं शिविंग क्या है गोरे मिलकर ह्वशियों को ज़िन्दा जलाते हैं इन जुमों में याँ बदे बदे सज्जनगर हाथ बटाते हैं भीर इस कोड़ी तहज़ीब पे ये इस दरजा नाज़ फ़रमाते हैं हम डालर देस को देस आए, हम डालर देस को देस आए

(14)

इस गैंग्स्टर तर्ज़े ज़िन्दगी से अब दुनिया भर को खतरा है इस गैंग्स्टर राज नीत से अब दुनिया में क़ियामत बरपा है इस गैंग्स्टर बील अपटे ने सारे संसार को छटा है इस गैंग्स्टर सहें कहें ने दुनिया को नरक बनाया है इस डालर देस की देख आए, इस डालर देस की देख आए

(15)

ए के भागी हैं ऐटम बम, एवं का मतलाव है हाइब्रोजन बम बच्चों के ककहरों को देखी बुल जामगा सारा भेद भरम स्कूलों, बरों, दफ़्तरों दफ़्तरों बाज़ारों में मचा है एक उधम ती देखें बहाँ बालों के लिये बस मारकाट है धरम करम इस डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए (11)

فلفا بھو کے بریاد کرہ' دنیا بھو کا نرمانا بھی فلفا بھی فلفا بھی دنیا بھو کلیے بھواتا بھی فلفا بھر کا آن داتا بھی فلفا بھر میں خھوات کرے دنیا بھر پر للجاتا بھی فلیا بھر میں کو دیکھ آئے' ھم ڈالر دیس کو دیکھ آئے۔

(12)

اُس دیس مهر قالر کے سیا ہوں کے دل کی کلی کب پھوٹتی ہے جہ اُن کی تجارت دنیا بھر کو ایک بھاو سے لوٹتی ہے ویے مہر تین اُٹھلی بھلانے کی عادت کی جھوٹتی ہے سوئے پر سرن کرنا ہے' مایا پر مایا ٹوٹٹی ہے ہم قالر دیس کو دیکھ آئے' ہم قالر دیس کو دیکھ آئے'

(13)

رھوسہ دھنکی اور قتل سے بھی یاں اُپقا کام جلاتے میں نہوسک کیا ہے گورے ملکر حبشتوں کو زندہ جلاتے میں اُپی جوموں میں یاں بڑے مرجے سجوں گی ماتھ بٹاتے میں آور اِس کورھی تہذیب یہ یہ اِس درجہ ناز قرماتے میں ، ہم ڈالر دیس کو دیکھ آئے ' ہم ڈالر دیس کو دیکھ آئے

(14)

اس گهلکسٹر طرز زندگی سے آپ دنھا بھر کو خطرہ ہے اس گهلکسٹر راج نیٹی سے آپ دنھا میں قیامت ہریا ہے اس گهلکسٹر جیل جھیٹے نے سارے سلسار کو لوٹا ہے اس گهلکسٹر سٹے بڑے نے دنیا کو نرک بنایا ہے جاردیس کو دیکھ آئے' ہم قالر دیس کو دیکھ آئے۔

(15)

⁽¹¹⁾ निर्माता = काम बनाने वाला; विद्रोही = वागी, दुरमग; निज आता = सगा माई. (13) गैंग्स्टर = छटेरी, डाइक्सों के गरीह सम्बंध रक्षने वाले. (15) ककहरीं = अलिफ वे, क स की विदाने.

نوماتا حکم بھانے والا ؛ ودروهی = یافی دهمن ؛ دهمن ؛ نیج بهراتا = مکابهائی . (13) کینکستر = لقیروں ٔ ڈاکوؤں کے قرود سے سمبندھ رکھنے والے . (15) ککہروں = الف ، ب کا کہا کی کتابیں .

हुनिया भरसे सहा बहा, दुनिया भरसे ब्योपार भी है हुनिया भर पर हैं इया भाव, दुनिया भर पर उपकार भी है सब के हक का दल्लाल भी है, आज़ादी का ठीकेदार भी है इस सेवा भाव के सदक्ते में दुनिया का बंटा धार भी है हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(7)

स्कूरों, कालिओं, यूनिवर्सिटियों की न वहाँ फ़िल्लत न कमी बह तहरीरों की नोक फोंक, तक़रीरों की गरमा गरमी बह लेक्चर हालों की भीक माक वह पारिटयों में घमा बमी दुनिया भर की ऐसी तैसी बह राजनीत में हट धरमी हम डालर देस को देख खाए, हम डालर देस को देख आए

(8)

वह हालीवुड का परिस्तान, वह फिल्मों की मालका मालकी वह नर्म गुलाबी मुस्कराहटें आँखों में हलकी हलकी वह नोक पत्तक वह हर मूरत जोबन रस से छलकी छलकी वह ऐक्टरों की लाफ मापक वह ऐक्ट्रेसें छलबल कलकी हम बालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(9)

वह वहरी वेदे जल बल जीत के रख देने के घक्कर में वह वायुयान मंडलाते हुए आकाशों के भव सागर में वह उदन किले जो अंगारे बरसा जाएं दुनिया भर में वह वस्तारों के दल बादल जो आग लगादें घर घर में हम बालर देस को देस आए, हम डालर देस को देस आए

(10)

बह भारी टैंक जो हफ़तज़्वान तय कर डालें बेखीफ-श्रो-ख़तर बह आर्टिलरी फ़ीलाद आग का बढ़ता हुआ गहन गिरिवर बह तीपें जिनकी बादों से बन जॉंग चटानों में सरीवर बह दुनिया भरकी मौत का सामों, आफ़त, गारत, फ़ितना-श्रो-शर हम डालर देस की देख आए, हम डालर देस की देख आए

(7) जिल्लात = कमी; (9) बहरी बेबे = समुन्दरी बेबे; बायुगान = हवाइ जहाज़; बम्बार = बमबरकाने वाले. (10) इम्रतकृतान = क्साम की उसकी बहातुरी का इम्प्तहान लेने के लिये, सात महान काम सीपे गए थे. सात कठिन से कठिन मंत्रिलें या काम; काठिंलरी = तोप.खाना; गहन गिरिवर = बडे बारी पहाड; सरोवर =

دنیا بہر سے سٹا بٹا دینا بہر سے بھوپار بہی ہے دنیا بہر پر می بیا دنیا بہر پر ایکار بہی ہے سب کے حق کا دلال بہی ہے آزادی کا تبیکیدار بہی ہے اِس سیوا بہاو کے صدقے میں دنیا کا بنتا دوار بہی ہے دار دیس کو دیکھ آئے' ہم دائر دیس کو دیکھ آئے' ہم دائر دیس کو دیکھ آئے۔

(7)

اسکولوں کالجوں پونھووسٹھوں کی نہ وہاں قد ی نہ کمی وہ تعدیدوں کی ڈرما کرمی وہ تعدیدوں کی گرما کرمی وہ لکتھو طالوں کی بھھڑ بھاڑ وہ پارٹیوں میں گیما کیمی فنیا بھر کی ایسی تیسی وہ رأج نیت میں ست دھرمی ھم قاار دیس کو دیکھ آئے۔

(8)

وہ ھالی وہ کا پرستان وہ فلسوں کی جھلکا جھلکی وہ نرم گلبی مسکراھاتیں آنکورں میں ھلکی ھلکی وہ نوک پلک پلک وہ ایکاریسوں جھلکی چھلکی وہ ایکاریسوں جھل بل کل کی ھم ڈالر دیس کو دیکھ آئے۔

(9)

وہ بھوری بھوے جل ٹھل جوے کے رکھدیلے کے چگر میں وہ واپو یان ملتالتے ہوئے آکشوں کے بھو ساگر میں وہ اُزن قلعے جو انکارے برسا جائیں دنیا بھر میں وہ بساروں کے قل بادل جو آگ لگا دیں گھر گھر میں ہم قالر دیس کو دیکھ آئے۔

(10)

وہ بھاری تینک جو هفت خوان طے کر تالیں بے خوف و خطر وہ آرٹلی فولاد آگ کا برعان ہوا کہن کریور وہ تربھی جاکی بازھوں سے ای جائیں چانوں میں سرورر وہ دنھا بھر کی موت کے مامان آفت' فارس' فادلہ و شر هم تالو دیس کو دیکھ آئے' هم تالو دیس 'و دیکھ آئے۔

⁷ قلب کمی (9) بحری بھڑے = سملدری بھوے = سملدری بھوے : واپویان ہوائی جہاز ؛ بمھار = ہم برسانے والے ، (10) ہفت خوان = رستم کو اسکی بہدری کا استحان لیلے کے لئے سات کتون سے لیلے نکے لئے سات کتون سے کتھی شکولیں یا کام ؛ اوالری = لوپ شانه؛ گہن ڈیور = بوے کھی نہاوی بیادی بہادی نہاوی بہادی

हम डाजर देस की देख आए

(भाई रघुपति सहाय 'फिरांक')

(1)

है रंग बिरंग वहाँ जीवन, इस डालर देस की देख आए बह इरा भरा दौलत का चमन, इस डालर देस की देख आए काने के मज़े कपड़ों की फबन, इस डालर देस की देख आए कीज काहूमें मगन, कीज काहूमें मगन, इस डालर देसकी देख आए हम डालर देस की देख आए, इस डालर देस की देख आए

(2)

बह रातों को भी दिन का सैमाँ, वह दूकानें जगमग जगमग बह रेल पेल मोटर कारों की, हर ड्राइवर हुशियार सजग बह रुकती बदती हुई ट्रीफ़िक, बह दब जाने का डर पग पग बाज़ारों का हंगामा जुदा, घन्टों भोंपों का शोर धालग हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(3)

वह लक् दक साठ मंज़िले बातें आसमान से करते हुए हर मंज़िल एक दुनिया जिस पर सी वहम-भ्रो-गुमान गुज़रते हुए वह घनघनाहरें लिफ़रों की रह रहकर चदते उतरते हुए अरबों खरबों के कारबार दिन रात विगवते सेंबरते हुए हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(4)

भक्तों को सुनाई दे जाती है गिरधर की मुरली की भनक ज़िन्दानों में रह रहकर ज़ैदी सुनते हैं ज़ंजीरों की हनक कान आहट पर रखकर प्रेमी, सुन लेते हैं नूपुर की भनक दिल की धक्कन से आती है हर्र कान में याँ हालर की खनक हम हालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(5)

बाजे गाजे का राग भी है और बाल डाम्स का रंग भी है कुंबादों की भरमार भी है, विज्ञान, कला, शुन ढ'ग भी है कुंबा दान पुन्य का स्वांग भी है, उपवेश पाठ सत्संग भी है और इनके अलावा भी कुंब बातें हैं जिन्से दुनिया दंग भी है हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(2) ट्रैफिक = सवारियाँ और सबक की मीब; (3) वहम-बो-गुमान = ब्यात विचार; लिफ्टों = विजती से चढ़ने उतरने बासी मसीन; (4) जिन्हानों = जेलों; (5) बाल डांस = अंगरेज़ी महन विकास कीरत मर्ब मिलकर नाचते हैं;

ھم قالر دیس کو دیکھ آئے (بیائی رکھ پنی سیائے ' نواق ')

هے رَنَّک برنگ وهاں جهون عم دَار ديس کُو هيکه آئے وه هرا بهرا دوات کا چس هم دَالر ديس کو هيکه آئے که اُنے که مزے کهورن کی پهدن هم دَالر ديس دو ديکه آئے کروکاهومهن کوو کاهومهن مکن عم دَالر ديس کو هيکه آئے هم دَالر ديس کو هيکه آئے هم دَالر ديس کو هيکه آئے

(2)

ولا راتوں کو بھی دن کا سیاں ولا درکانیں جگمگ جگمگ ولا ریل پیل و وتر کاروں کی طر درائیور هشیار سجگ ولا رکھی بوھتی ہوئی تریفک ولا دب جانے کا در یک پگ بازاروں کا ھنگامہ جدا کہنٹوں بھونیوں کا شرر الگ ہم ڈائر دیس کو دیکھ آئے ہم دائر دیس کو دیکھ آئے

(3)

وہ لق دق ساتھ مذولے باتیں آسمان سے کرتے ہوئے مرکے مرکب محرف اک دنیا جس پر سو رہم و گمان گذرتے ہوئے وہ گھلکیداہتیں لفتوں کی رہ رہکر چوہتے آترتے ہوئے اربوں کہربوں کے کار بار دن رات بگوتے سفورتے ہوئے مر قالر دیس کو دیکھ آئے

(4)

پھکٹوں کو سفائی دے جاتی ہے گودھر کی مرلی کی پھلاک زندانوں میں رہ رہ کر قیدی سفتے عیں زنجیروں کی چھلاک کان آھٹ اور رکھکر پریدی سن لینے ھیں نرپر کی جھلاک فل کی دھرکن سے آنی ہے ہر کان میں یاں ڈالر کی کھلاک ہم ڈالر دیس کو دیکھ آئے

(5)

ہاجے گلجے کا راگ بھی ہے اور بال ذانس کا رک بھی ہے انہ ہاجی ہے گیتھاجوں کی بھرمار بھی ہے وگیاں کلا کن ڈھاگ بھی ہے انکتھہ دان پن کا سوانگ بھی ہے اندیش پائے ستسلگ بھی ہے اور ان کے علاق بھی کنچہ باتیں میں جن سے دنیا د گیمی ہے اور ان کے علاق بھی کنچہ باتیں میں جن دیس کو دیکھ آئے۔

(2) ٹرینک ت سواریاں اور سوک کی بھیو؛ (3) ہوم و گمان سخیدل وجار؛ للاون ساجتانی سے چوہ لے اُترنے والی مشدن ، (4) ولدانوں سجیاوں؛ (5. بال 3انس ساٹریوی ناچ جس میں عورت مرد ملکر ناچتے ھیں .

सरकारी वकतरों में चौर काननी समामों और भवावती में अंगरेजी की जगह बरती जावगी. यह जनता की भाशा नहीं, विद्वानों की जवान होगी. इसके माने यह हुए कि जैसे कभी संस्कृत की छत पड़ी थी, जिस की जगह कभी कारसी ने ली थी और अब अंगरेजी ले रही है, उसकी जगह यह नई भाशा की छत पड़ेगी. खयाल अच्छा है! इस में जात पात का भेंद तो बहुत पुराना है. मतों का भेद भी काफी पुराना हैं. इन मतों में भाशा का भेद कुछ नया है जो दिनों विन कोर पकड़ रहा है. माशा न्यारी न्यारी, लिपि अलग अलग. कॉंगरेस कहती है कि अब सूबों का भी बटवारा भाशा के अनुसार होगा. हर प्रान्त में ऊँची से ऊँची पदाई इस प्रान्त की भाशा में दी जायगी, जिसका शायद यह फल हो कि हर एक प्रान्त में एक विद्वानों की प्रान्ती भाशा चौर दसरी आम जनतां की, और फिर विद्वान भी शायद दो प्रकार के होंगे, एक प्रान्ती भाशा के और एक राश्ट्री भाशा के. और बहुत मुमकिन है कि आजकत के संस्कृत विद्वानों की तरह अंगरेजीयाँ भी अपने को एक अंलग क्लास समर्में! इनके झलबार, किताबें, क्लबें ही नहीं विरादरी भी कालग बन जाय. हर एक प्रान्त की महाजनी लिपि श्रलग चौर तो चौर हर एक मत की लिपि अलग. जाति सेवा भाष तो मुद्रुत से सुनते श्राए थे अब प्रान्ती सेवा भाव की भनक भी कानों में पड़ने लगी है. हमारा इतिहास तो यही सिखाता है कि जहाँ राज बहुत फैला तो भापस की फूट ने उसे रहने न दिया. देखिये कल क्या होता है. यह साफ है कि एक नई जवान बना कर समाज में एक और छत द्यानना, जिसकी सीदी न हो, नादानी सी माल्म होती है. क्यों न दिल्ली या आसपास की बोली को ही दकतरी जवान बनाबा जाय. मेरा मतलब केवल भारा के ढाँचे श्रीर बुनाषट से है, शब्द तो सब जगह से लिये जा सकते हैं. भागर कुछ साइन्सी टमों की कमी दिखाई देता नई टमें बनाने की जगह क्यों न उन टर्मी से ही काम लें जो श्राज कक्ष सरकारी दकतरों में बरती जाती हैं. आखिर अगर विज़ी ही राजधानी रही तो यहाँ के आप पास की बोली ही राज की बोली बनेगी. फिर क्यों नहीं इस नेक काम में हमारी सरकार इस बोजी का हाथ बटाती.

अन्त में पंडित पद्म सिंह शर्मा की तरह मैं भी अपनी किताब को, केवल पहला शब्द बवल कर अकबर के इस शेर से सतम करता हैं:—

> 'बोली में जो सब शरीक होने के नहीं, इस मुल्क के काम ठीक होने के नहीं. सुमकिन नहीं शेख समदल कैंस बनें, पॅडित जी वालमीक होने के नहीं."

أسركاري فاقتون مهن أور فاتوني سدهاون اور مدالتس مين التكويري في نجام برتي جائے كي. يه جنگائي بهاشا لههن وتاراتوں کی زیان هوای اِس كرمعلے يه هولےكه جهسے كبه سلسکرت کی چہنت پری تھی کے سرکی جگه کیھی قارشی نے لی کھے اور آپ آنگریوں لے رهی هے؛ اس کی جکه یه نکی بهشا فی چوہ پرے کی ، شیال اچھا ھے! هم میں جات ہاتے کا بھید تو بہت پرانا ھے . معوں کا بھید بھی کافی پُرانا هے ، اِن متوں مهن به شا کا بهود کچه نیا هے جو فانون دون زوز یکو رهاه . بهاشا نهاری نهاری لیی آنگ الک ، کانگریس کہتے ہے کہ اب صورن کا بھی بتوارا بَهَاهَا کے انوسار ہوتا ۔ ہر برانت مربی ارتیجی سے ارتیجی 'پوهائی اُس پرانمت کی بهاشا میں دی جانے گی جس کا شاید 🙀 یهل هر که هر ایک پرانت میں ایک وفوانون کی پرانتی بهاشا اور دوسری مام جلتا کی ارر پهر ودوان بھی شاید دو برکار کے ھونگے' ایک برانعی بہاشا کے اور أیکراشتری بهاها کے اور بہت ممای هے که آجکل کے سفسکرت ودوانوں کی طرح اسکریزی دال بھی آیے کو ایک انگ کلاس سمجهیں! اُن کے اخبار' بٹاہیں' نلبیں ھی نہیں ہوادری بھی اگ بن جائے ، هر ایک پرانت کی مہاجلی فهي آگ آور تو اور هر ايک مت كي لهي الگ . جاتي سیوا سیوا بهاؤ تو مدت سے سنتے آئے تو، اب پرانتی سهو ايهاو كي يهلك يهي كالرن مهن يوني لكي هي. همارا أتهاس تويهن سكهانا هے كه جهال راج يهت يهيلا تو آیس کی پھوٹ نے آسے رہانے تھ دیا ، دیکھکے ال کیا هُوتًا هِ . آيَه صاف هِ كه ايك ندّى زبان بناور سماج مهن ایک اور چهت دلله جس کی سووهی نه هود فالدأني سي معلوم دوتي هي . انهون ته داي يا آس پاس کی ہوای او هی دفتری زبان بغایا جائے . میرا مطلب کھول بھاشا ہے دھانچے اور بناوت سے ھے شبد تو سب جکه سے لئے جاسکتے هیں . اگر تجه سالدسی قرموں کی کم دفوائی دے تو نگی تر میں بنانے کی جاء کیوں نه آن الروس سے هي کام لهن جو آج کل سرکاري دنتروں مهن برتي جاتی فیں ، آخر کر دای هی راجده نی رقی تو یہاں کے آس پاس کی پرٹی ہی راج کی ہولی بنےگی ، پور کیوں نہیں أِس نُوكُ كَامُ مِهِن همارتي سُركار إِسْ بُولِّي كَا هَاتُهُ يَتَّالَى _

انت میں یاقت یوم شفکہ شرما کی طرح میں اپنی ایدی کتاب کو کیول پہلا شید بدل کر اکبر نے اِس اِنجر سے کتاب کو ایدر نے اِس اِنجر سے کتاب کوتا ہوں:---

''ہولی میں جو سب شریک ہونے کے نہیں' اِس ملک کے کام ٹھیک ھونے کے نہیں ، مشکق نہیں شیعے آمرالقیس بلیں' پیٹھوس جی والمیک جونے کے نہیں ''

THE WAY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

दिनों कार्यों सुरत अवशिकार की वो कार में बहत के संस्कृत के शाबा प्रका तरसम रूप में और क्रम करन रूप में था पूछे. अब हम बाहते हैं कि सारे हिन्द्रस्तान की एक माशा हो. इतने बढ़े देस में एक भाशा बनने के किये तो सैकड़ों बरन चाहियें के किन प्रव हम इतना तो कर सकके हैं कि इस जपनी राहट भाशा ऐसी बनाएं जो सब प्रान्तों में आसानी धें समग्री जा सके. इस का सहत तरीका यह है कि जो को समज हिन्द की हर एक बोली की विकशनरी में उसी कष या वैसे ही रूप में पाय बाते हों उन्हें अपनी राख बाशा में तरसम रूप में ले बावें बाहे वह शब्द किसी भी शाम्य की बोल बोली में उस सरसम रूप में न पाया जाता हो. यह विचार देखने में तो सुन्दर ही नहीं सरल भी माल्म हीता है. खराबी है तो केवल यह कि भारा विद्या के धारे खोटे मोटे नियम जो मैंने पच्छिमी विद्वानों से केवर इस किवाब में जिसे हैं वह सब इटते हैं:—(1) भाशा जो देस में फैलती है वह भकसर राजधानी की बोल बोखी होती है या कभी कभी किसी कविया धर्मी लीडर की. (2) कोई ताक्रत जल्दी किसी भाशा के ताने वाने भौर इस की बुनावट को बदल नहीं सकती. इन तरसम शब्दों से हमारी सब बोलियों का ताना सम्बा हो जाता है. (8) हमारी आज कल की इलमी ज़बान अंगरेजी है, संस्कृत नहीं, इस बहुत देश में मंगरेकी जानने बालों की गिनती संस्कृत के जानने वालों की गिनती से कई गुनी है, इसिंद्रिये यह नामुमिकन है कि हमारी बोलियों की बठती श्राचानी में उस का रंग न आप. (4) इसारे देस में डिस्ट् ही नहीं रहते, और मतों के लोग भी रहते हैं, उनसे हमें मेक रक्तना पदेगा. (5) भाशा सदा सरलता की तरक बहती है, मोडे नोकवार शब्द यानी जुड़े हुए व्यंजनों बाते शक्य कोगों के गक्षे में चुमते हैं. (6) जिपि का भाशा से गहरा नाता होता है. हमारे विधान वाले बाहे कितना ही हेबनागरी को बाहें इमारे देख की आर्थिक दशा को देव सामरी से बैर है, न नौ मन तेल होगा न राबा नाचेंगी. आत कत ही नहीं पैसा सदा से महावल शन है. (7) अपने देंस का इतिहास में कुछ सुना चुका हूँ. अगर देस का रख बर्कना है तो संस्कृत से नेजा लगाव छोड़ना ही होता. (8) दुनिया अब इतनी छोटी हो गई है कि हम विवाद्यक्ष प्रकार नहीं रह सकते. हमारी भाशा पर और क्रान्तों. की भाशा का दी नहीं और मुक्कों की जवान का भी असर पहेगा.

कहीं कहीं कोई कोई बेकिन दवी खवान से कुछ माई नेरी बार्कों का मूँ जवाब देते हैं कि यह सब कुछ ठीक है, केकिन वह कोई भारत मानी बोक-बोक्सी नहीं बना रहे, वह केकिन वह किसी बोक्सी, क्ष्मी क्षींतरी खबान बना रहे हैं जो

فنون ادبى مروت لخليار كي تو أس مهن فهمها بين بيلسكوه ك شيد التهم تلاسم روب ميس أور كتهم تديهم وربي مهس اکہسے ، اب مر جامتے میں که سارے ماخستان کی ایک بهاها هو. اتلے بولے دیس مهن ایک بهاها بقلے کے لیے تو سیکروں برس چاہائیں لیکی آپ ہم الله تو كرسكيم هيل كد هم أيلى رأدكر بهالها أيسى بلائهن جو سب براندون مين أساني سے سمجھي جاسكے. اُس کا سیل طریقہ یہ ھے کہ جو جو لفظ ھان کی ہر ایک بولی کی تکشاری میں اُسی روپ یا ریسے هی روب مهي يائه جاته هي أنههي أيقي راهتر بهاها مهن تعسم روپ میں لے آریں چاہے وہ شبد کسی بھی پرانت کی بول ہواے میں اُس تنسم روپ میں نه پایا جاتا هو، په وچار ديکهنے مين تو سادر هي توهن سرل یہے معلور هوتا هے . خرابی هے تو کھول په که بهاشا ودیا کے سارے موالے موالے نہم جو مھی لے پنچھسی ودوانوں سے لے کر اس کتاب میں لکھے میں وہ سب توتتے میں :-(1) بهاشا جوديس مين پهيلتي هے وہ اکثر راجدهاني کی ہول ہولی ہوتی ہے یا کبھی کبھی کسی کسی کوی یا دهرمي ليدر كي . (2) كوئي طالت جادي كسي بهاها کے تائے بالے اور اُس کی بغاوت کو بدل نہیں سکتی ان تنسم شددوں سے عماری سمب درلہوں کا ٹاٹیا کمیا ہو جاتا ہے ، (3) ہماری آنے کل کی ملمی زبان أنكريزي هے' ساسكرت نهيں' إس وقت ديس ميں الكريزي جانف وااول كي كلتي سلسكرت كي جانف والول کی گلکی سے کئی گلی ہے، اس لئے یہ نامیکی ہے کہ هداری بولهوں کی آتهتی جوانی میں اُس کا رنگ نه آئے. (4) مبارے دیس میں مندر عی نہیں رہتے؛ اور معوں کے اوک بھی رہتے میں' اُن سے منیس میل رکیلا پوے گا۔ (5) بھاشا سدا سرلعا کی طرف بہتی ھا نوادار موتےشہد یعلی جوے هوئے ویلجلوں والےشہدلیکوں کے کلے میں چھیتے میں . (6) لیے کا بھاشا سے کہرا ناتا هوتا هي . هماري ودهان والي جاهي كتنا هي ديوناكري کو چاهیں هدارے دیس کی آرتیک دشا کو دبیوناگری سے مهر ه ، نه نومن تيل هولا نه رادها ناچهن کي . آج کل هى نوهن ههسه سدا سے مها بلوان هے . (7) أبي فيس كا أنهاس مهن كنجه سلاچكا هون ، أكو هيس كا رم بدالما هے تو سلسكرت سے بهجا لكاء جهورتا هي هُولًا . (8) دنها أب اللي جهرتي هركشي هي كه هم بالكل الگ لهیں رہ سکتے . هماری بهاشا پر آور پرائتیں کی پھاشا کا عی نہیں اور ملکوں کی زبان کا بھی اگر ہوے گا۔ گهیوں گہوں کوئی کوئی لیکن دبی زبلن سے کنچه بهالی مهرول باتول کا بول جواب دیکے هیں که یہ سب کنچه المنكسة ليكن ولا كولى بواها يعلى بول بولى تهم بتارها

ولا كهول ايك الكهي بولي اليك دفتري زبان بقاره هيل جو

में बाचीनी सिखाने के किये जिसी गई भी. यही हाल इस हिन्दी प्रामर का था. नाम तो हिन्दी की. जिस्ती गई संस्कृत सिखाने के लिये. सुनता हूँ यह वामर यू. थी. और दिल्ली में कोर्स में है. देख कर दिल ठंडा हो गया. ऐसा मालूम होता है कि हम भी वही राजती करने पर तुले हुए हैं जो अंगरेज अपने देख में उन्नीसवीं सदी तक करते आए हैं. वितियम बार ने अपनी अंगरेत्री जवान की प्राप्तर (1767) में सातीनी टरमों के बरतने की बजह इस तरह बयान की है-''ब्ँकि किसी बादमी को पता नहीं कि उसे फिर कोई बौर ज्यान भी सीखनी पड़े तो उसे अंगरेबी भी क्यों न इस तरह सिखाई जाय जिस से इसे और जवान सीखने में बासानी हो." क्या ख़ब ! बंगरेजी सीखना चाहे हर एक के लिये मुशकिल हो जाय ! कैसी अचरज की बात है कि अंगरेजी जानते हुए भी हमारे शिक्षा विभागी और यूनीवरसिटियाँ दूसरों की रालतियों से कायदा नहीं हुठा सकती. ईश्वर उन्हें चिरंजीव करे ताकि अपनी रासतियाँ वह आप देख सकें और हमारी संवान को इस मुसीबत से छटकारा मिले.

到高度的 100 grows 100 grows

चाँद वरदाई हमारी भाशा का सब से पहला कवि कहा जाता है. उस की कविता में भी बहुत से फारसी के लक्ष्य पाप जाते हैं. यह लाहीर का रहने वाला पृथ्वीराज के दरबार का कवि था. हिन्दी का दूसरा दौर अकवर के जामाने का है. उस में भी कारसी लक्ष्यों से परहेज नहीं. अगर हिन्दी चरद के विकास और मगड़े की बाबत ज्यादा जानना हो तो पं० पद्म सिंह शर्मा की किताब "हिंदी उरद भौर हिन्दुस्तानी" पढ़ लीजिये. एक हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति की बाबत यह कहता कि वह फारसी के पच्चपाती थे, ठीक नहीं मालूम होता. उन के विचार के अनुसार हिन्दी को बिदेसी लफ्जों से साफ करने का खयाल बहुत प्राना नहीं और बहुत कुछ चन्द कम समम मुसलमानों की रीस का फल हैं. कुछ मुसलमान हिन्दी शब्दों से परहेज करते थे, बन की देखा देखी कुछ हिन्दू भी कारसी लफ्जों को बाह्यत समझने लगे. इस परहेज की एक और वजह भी दी जाती है. उस पर ठंडे विका से विचार करने की जरूरत है.

में पहले लिख आया हूँ कि वंजारों की मेहरवानी से विस्ती की बोली हर दूर के देखों में अगर बोली नहीं तो समझी जाने लगी. इस बोली में बहुत से लफज़ तो हिन्दी के बे, इख फारसी के, पर संस्कृत का शायद कोई न था. इसी तरह रमते साधू संतों की मेहरवानी से कोई दस बीस संस्कृत के ऐसे शब्द जिन का बास्ता धर्म से था सारे हिन्दु-स्ताम में समझे और बोले जाने लगे. मैं यह भी लिख आया हूं कि मुसलमानी राज से पहले संस्कृत सिद्धों तक हमारी इसली जवान रही है और इसलिये जब किसी प्राकृत ने इन

میوں قطیعی سکھانے کے لئے لکمی گئی توں - بہی حَمَالَ إِسْ هَلَدْنِي كُرَامِرِ كَا تَهَا . نَامَ تُوهَادُنَّي كَي كُنَّهِي گئے سلسکرت سکھانے کے لئے ، سلتا ھیں یہ گرامر ہو، ہی أور دلي مهن كورس مين هے . ديكهكر دل تهددا هوكها . ایسا معلوم هوتا هے که هم بهی وهی فلطی کرنے پر تلے هوئے مهن جو انگريز اي ديس مين أنيسوين صدي نک کرتے آئے میں . ولهم واق نے آپنی انگریزی زبان کی گرامر (1767) میں لاطیدی ترموں کے برتدے کی وجہ اِسطرم بیان کی هے۔۔" چونکہ کسی آدمی کو یتد نہیں کہ اُسے پھر کوئی اُور زبان بھی سیکھنی پڑے تو اُسے انگریزی بھی کیوں تھ اِسطرے سکھائی جائے جس سے اُسے اُور زبان سیکھنے مھی آسانی هو ." کیآ خوب! انگریزی سیکهنا چاه هر ایک کے لگتے مشکل هوچائے ! کیسی آچرے کی بات ہے که انگریزی جانعے موئے ہی ممارے شکشا وبھائی اور یونھورستیاں دوسروں کی فلطیوں سے فائدہ نہیں آٹھا سکتیں . ایشور أنههن لجرنجهو كرے تاكم أيلي فلطهان ولا أب ديكم سكههن اور هماری سفتان کو اِس مصهبت سے چھتکارا ملے ،

چاند بردائی هماری بهاشا کا سب سے پہلا کوی کہا جاتا ہے . اُس کی کویٹا میں بہت سے قارسی کے لفظ پائے جاتے میں . یہ لامور کا رہنے والا پرتھوی راج کے دریار کا کوی تھا ، ہندی کا درسرا دور اکھر کے زمانے کا ھے۔ اُس میں بھی فارسی لفظوں سے یوھیڈ نہیں ، اگر ھلدی اُردو کے وکاس اور جھگڑے کی بابت زیادہ جانفا ہو تو پلتت پدم سنگه شرماً کی کتاب "هندی اُردو اور هندستانی'' پوه لیجدُ ، ایک هندی ساهته سمهان کے سبهایتی کی بابت یه کهها که وه قارسی کے یکس ہاتی تھے' تھیک نہیں معلوم ہوتا ، اُن کے وچار کے انوسار هذيبي كو بديسي لغطوں سے صاف كرنے كا خيدال بهت پرانا نهیں اور بهت کچه چند کم سمجه مسلمانوں کی ریس کا پہل ہے . کچھ مسلمان مندی شبدوں سے پرهیؤ كرته تها أن كى ديكها ديكهى كچه هددر بهى فارسى لنظون كو أجهوت سمجهد لكي أس يرهيز كي ايك اور وجه بهی دی جاتی هے . اُس پر تهددے دل سے وجار کرتے کی ضرورت ھے .

میں پہلے لکھ آیاھوں کہ بلجاروں کی مہربانی سے دلی کی بولی دور دور کے دیسوں میں اگر بولی نہیں تو سمجھی جانے لگی ، اس بولی میں بہت سے لفظ تو مفتی کے تیے سامھو سفتوں کی گوئی نہ تھا ، اسی طرح رمٹے سامھو سفتوں کی مہرباتی سے گوئی دس بیس سفسکرت کے ایسے شبد جو کا واسطہ دھوم سے تھا سارے مقدستان میں سمجھے اور بولی جانے لگے ، میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلماتی بولی جانے لگے ، میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلماتی بولی جانے لگے ، میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلماتی بولی جانے لگے ، میں یہ بھی کھی بھانی بھانے گھی بھی بھی بھی ہواگوت کے آن

और सब से ज्याना रोने की बात यह कि बाज हमारे विद्यान इस सम्बता पर प्रकृतिकत ही कर नावते हैं. चौथी खड़ी बी. सी. में ईरानी बाद, दूसरी खढ़ी बी. सी. में बूजानी कार, पहली सदी की, सी. में गूजर बाद, फिर बहुतेर बाए राजपूत, मंगोलियन, हुन और बहुत सी क्रोमे--पिछम से भी, पूरव से भी और इसर से भी. दो चार हकार का लशकर जमा करना और पविश्वम से पूरव तक का भावा बोलना सुमकिन होगया. और तो और जो यहाँ आग तोने भी आया घर का मालिक वन बैठा. पुर्वगाली, डच. फ्राँसीसी. बंगरेज व्योपार के लिये आए थे, राजे बन बैठे. अजब तमाशा है, इतनी क्रीमें यहाँ आकर वर्डी केकिन हमारा खन सभी तक शुद्ध आर्थों का ही रहा और इसिविये हमारा धर्म है कि हम अपनी शुद्ध आर्य भाशा वैदिक ही बोलें! और दूसरी अदि-हांसक बात यह है कि इस अरसे में बाहे कितने ही राज यहाँ वने और लुटे, माहानी टैक्स जो हम पर दो तीन हजार वरस हुए लगाए गए ये वह इस अब तक बढ़ी ज़शी से देते हैं कोई हिन्द जन्म नहीं से सकता, व्याह नहीं सकता, मर नहीं सकता और तो और पुरखों को याद नहीं कर सकता जब तक अपनी भामदनी के भनुसार वह यह टैक्स भदा न करे. बाहे हम पैसे पैसे के लिये मूट बोलंने, बोरी करने, रिश्वत देने में और सब देसों को मोलों पीले छोड़ बाए हों, हमारा यह लुशी खुशी टैक्स देना हिन्दू जाति को महा-धर्मी और महा-भारमी बनाता है. इसिलये इस धर्म शक्ति को किसी तरह हानि पहुँचाने से ज्यादा और कोई पाप बढ़ा नहीं हो सकता ! हमारी बोली का इतिहास इस बात का साबत है कि जब कोई प्राकृत यानी बोल बोली, तिस्त्री बोली का रूप भारन करती है तो इसका मुख्य प्रचार जात पात के विरुद्ध होता है और इस तरह इस टैक्स को हानि पहुँचाता है. बौद्ध श्रीर जैन मस ने यही प्रचार अपनी प्राकुतों में किया. सहियों बाद दिन्दुस्तानी पैदा हुई. उस में भी कवीर, नानक आदि ने यही राग अलापे. इसिलये ऐसी भारा। को बीते रहने हेना महा पाप है! ऊपर से यह 'अंगरेकी आ टपकी जो ाराबरी बराबरी ही चिल्लासी हैं. ऐसे कड़े वक्तों में संस्कृत ो हमें फिर बचा सकती है! इसलिये उसे लाओ जरूर, स्क्रव के रूप में नहीं ला सकते तो हिन्दी की ही राकल सडी!

मैंने बचपन में उरद् की छौर संस्कृत की मामरें कुछ कुछ ने थीं. हिन्दी की मामर देखने का इचकाक नहीं दुमा था. किताब को देवनागरी में छपवाने के लिये मैंने अपनी नवासी से अस की हिन्दी मामर ली. उसे देख कर को सर्वे की अंगरेजी मामर याद आगई जो उम्रोसवी के सुक में इंगलैंड के बहुत से स्कूलों में पढ़ाई जाती की सुक में इंगलैंड के बहुत से स्कूलों में पढ़ाई जाती

الله است بنے زیادہ رولے کی بات یہ کہ آپ مماریم ودوان اس ستهها ير دريهلت هوكر فاچاتي هدن، بهوتهي صفيي بي، سي، مهن ایوانی آئے کوسوی صدی ہی سی، میں یوفانی آئے پہلی صدی ہی ۔ سی میں فوجر آنے' پھر بہتھرے آئے راجھوت ملكولين هون أور بهت سي قومهن -- پچهم سے بهي پورب سے بھی اور أتر سے بھی . دوجار هزار كا لشكر جمع كرنا أور ينجهم سے پورب تك كا دهاوا بولنا ممكن هوكيا . أور تو ارد جو بہاں آگ لیاے بھی آیا کھر کا مالک بن بھٹھا ، يرتكالي في فرانسيسي الكريز "بيويار كه ليم آنه ته ولي بن بهشي عصب تماشه هے اللي قومهن يهال آکو يسهن لهكن همارا خون ابهى تك شدء آريون كا هي رها أور إس للے همارا دهوم هے که هم ایکی شده آریه بهاشا رهدک هی بولين ! أور دوسرى أتها السك بات يه ه كه أس موس میں چاہے کتنے ہی راج یہاں بئے آور لیے' براہمتی تھکس جو هم ير دو تهن هزار برس هوئد لتائد كلد تص وه هم آب تك ہوں خوشی ہے دیتے میں ، اوثی هلدو جام نہیں لے سکتا! بهاه نههس سعتا مرنهين سعتا أور تو أور يركهون كوياه نههن ورسعتا جب تک ابدی آمدنی کے انوسار وہ یہ تھکس ادا نہ کرے ، چاہے هم پیسے پیسے کے لئے جھوٹ بوللے ا جوری كرلية وشوساديليمهن أور سب ديسون كومهلون يهجهد جهور آلي هررا همارا يد خرشي خرشي تهكس ديدا هدو جالي عُو مهادعومي أور مها آتسي بلانا هي . إسليُّ إس دهرم شكتي کو کسی طرح هانی بهنچالے سےزیادہ آور کوئی پاپ ہوا نهیں هوسككا أ هماري بولي كا إنهاس إس بات كا ثبوت هـ كه جسب کولی پراکرت یعنی بول بولی کایی بوای ووب دھاوں کرتی ہے تو اُسکا منعهد پرچار جاس پات کے ورفظ هولا هے أور إسطرح إس تبكس كو هائي پهلنهالا 🙇 . ہودھ آور جھن مت نے یہی پرچار ایلی پراکرتوں مهن کها ، صديون بعد هندستاني پيدا هوئي ، أسبهن بھی کبیر' نانک آدمی نے یہی راک الانے ، اِسلیم ایسی بهاشا کو جهتے رهنہ دینا مها پاپ هے! أربر سے يه أنكريزي آٹھکی جو برابری برابری ھی چلاتی ہے . ایسے کوے والتين مين سلسكرك هي هنين پهر بكيا سكتي هـ ا اسلکے آیے لاو ضرورا سنسکرت کے روب میں نہیں لا سکتے غو هلائي کي هي شکل مين سوي ا

میں نے پنچین میں اُردو کی آور سلسکرت کی گرامریں فیچی کچی پوھی تہیں ۔ ہلدی کی گرامر دیکھنے کا اتفاق فیمن ہوا تھا ۔ اِس کتاب کو دیوناگری میں چھپوائے کے لئے میں نے اپنی ایک نواسر سے اسکی ملدی گرامرلی۔ اُسے دیکھکر لفگلے مرے کی انگریزی گرامریان آئٹی جو اُنیسریں صدی کے شورع میں انگلیلڈ کے بہمت سے اسکواوں میں پرھائی جاتی شورع میں انگلیلڈ کے بہمت سے اسکواوں میں پرھائی جاتی تھی جو نام کو تو انگریزی سکھانے کے لئے لهکی اصل

সা ক্তর	संस्कृत	हिन्दी	पंजाबी	يقجابي	مددي	سلسكرت	يز ا گرت
महिषा	मृत्तिका	मट्टी	मट्टी	متغى	مثثى	مرتكا	Latto
करहो-करनो	कृरण	कान्द्र-किशन	कान्द्र-किशन	ی کائهه کشن		رو کرھن	کلو هو کلگ
जइसो	यादृशा	जैसा	जेहा	لبهج	جهسا	يادرها	جٹی سو
सालो	श्याल	साता	साला	سالا	yt	شهال	سالو
सामलो	र्यामल	साँवला			سابولا	شيامل	ساملو
माडसिङ्जा	मातृश्वसा		मासी	مراسي	مرسى	۰ باتر شرسی	ماوسجتجا
पोत्थऋं	पुस्तकं	पोधी	पोथा	پوته	پوتهی	يسالكم	پوتهم
रुक्ख	वृत्तः	रुख	रुख	4593	دوکه	وركشه	روکھ
मसाग्	श्मशानं	मसान	मसाण	مسانع	مسان	شدهانن	مسانن
संकलं	श्रृंखलं	सांक्ल	संकल	سلكل	سانعل	هرنكهلن	سلكلن
स्च	सत्य	सच	सच्च	€ 7 -	€"	ayx	6 "
रात्ती	रात्री	रात	राचीं	رائعيس	رات	د أقري	راتتى
डागी	अग्नि	चाग	- इत्य	اگ	آگ	اگذي	: گگ ی

संस्कृत के बनाए जाने का कारन में संस्कृत के बाब में लिख आया हूँ, गो संस्कृत बनी थी चौथी सदी बी. सी. में. पहला पत्थर जिस पर संस्कृत ख़ुदी हुई है वह 150 बी. सी. का है और इस के बाद के भी जितने पत्थर दो तीन सी बरस तक के मिले हैं वह प्राकृत में हैं. संस्कृत पत्थर तो तीसरी सदी बी. सी. में ख़ुदने ग्रुरू होते हैं. माने यह कि संस्कृत को दरवारी जवान बनने में पाँच है सी बरस लगे बे, किसी नई भाशा को पंद्रह बरस में दफतरी जवान बनाने का खबाल अञ्चला है. लाख दिल को समकाओ, जो भाशा बनाई जा रही है नई भाशा ही नहीं एक बनावटी भाशा है. भावकत प्राने संस्कृत शब्द ही नहीं लाव जा रहे, बल्कि हमारी बोली के मामूली से मालूमी लक्ष्णों की संस्कृत का आमा पहनाया जा रहा है. दूसरे लक्ष्यों में यूँ कहना शायद शक्त न हो कि हमारी बोली को वैदिक से मिलाया जा रहा है और लक्ष्यों के लिहाज से हम तीन हजार बरस पहले जाना चाहते हैं.

आर्य यहाँ एक इल्ले में नहीं आए, एक दो सदी तक वे सहरों में आते रहे. जो लहर आई उसने अगली को और आगे उदेला. यहाँ आकर उन्होंने खेती वाड़ी सीखी, इसिलेंचे उनमें भी जाड़ान पैदा हो गए. एकता का भाव उनमें अभी पैदा हो नहीं सका या कि समाज अलग अलग जातियों (Communities) में ही नहीं अलग अलग जातीं (Castes) में भी वट गई. समाज के दुकड़े दुकड़े करने के लिये यह नसल और जात की दीवारें काफी न थीं, संस्कृत बना कर एक भाशा की छत डाली गई. जो इसे जाने वह अपर की छत पर रहने वाला अपने आप को इछ बेचता सा समझने लगा. इस तोड़ फोइ का फल है हमारा इतिहास कहते हैं. जिस का दिला हमारा हम

The state of the s

سلسکرے کے بنائے جانے کا کارن میں سلسکرت کے اب مهن لکه آیا هون . گو سلسکوت بلی تهی چوتهی مدمی ہے ، سی ، میں کہلا پاٹھر جس پر سلسکرت کھدی لوئی هے وہ 150 ہی . سی ، کا هے اور امکے بعد کے بھی متلی پتهر دو تون سو پرس تک کےملے مهی وہ براکرت مهی اهن ، سلسکرت پلهر تو تیسری صدی یی . سی . مهن عديشروع هوتے هيں . معلميه كه سلسكرت كو درباوي زبان لمنه مدس بانج چه سو برس لکے تھے ، کسی ندی بهاشا کو لمدرة يرس مهن دنتري زيان بنائے كا خيال أجهرتا هے . اکه دل کو سمجهای جو بهاشا بقائیجا رهی م نئی بهاشا نی نہیں ایک بناوتی بھاشا ہے ۔ آجکل ہوانے سنسکرت نبد هی نہیں لائے جا رہے الکه هماری بولی کے معلولی ہے معمولی لفظوں کو سلسکرت کا جامہ پہلایا جا رہا ھے۔ عوسرے لفظوں میں یوں کہنا شاید فلط نه هو که مماری ولی کو ویدک سے ملایا جا رہا ہے آور لفظوں کے لحاظ سے س تین هزار برس پہلے جانا چاہتے هیں .

آرید یہاں ایک علے میں نہیں آئے' ایک دو مدی لک وہ لہروں میں آئے رہے۔ جو لہر آئی اس نے اگلی کو اور آئے تھکھا۔ یہاں آکر انہوں نے گھیدی باری سیکھی' سلئے ان میں بھی براھس پیدا ھوگئے ۔ ایکتا کا بھاو ان میں ابھی پیدا ھو نہیں سکا تھا کہ سماے الگ الگ میاتیوں (Communities) میں ھی نہیں اٹک الگ ہاتوں (Castes) میں بھیبت گئی۔ سماے کے تکرے تکول ہاتوں اور خات کی دیواریں گئی تھ تھیں' ہائے وہ لیے نسل آور جات کی دیواریں گئی ۔ جو ایے مشموری بھائے وہ لیے آپ کو کھید دیوتا جاتے وہ لیے آپ کو کھید دیوتا جاتے وہ لیے آپ کو کھید دیوتا ہاتے وہ لیے آپ کو کھید دیوتا جاتے ہیں۔ جس کا عل

आर्थी के आने से पहले सिन्ध पंजाब में तो जरूर और स्रयाल किया जाता है कि राजपूताना और दक्किन में भी सरस्वती, नर्वदा और ताप्तो की बादियों में सुमेरी सभ्यता फैली हुई थी. वह उस जमाने के लिहाज से बड़ी ऊँची सभ्यता गिनी जाती है. हिन्द के दसरे हिस्सों का हाल माल्यम नहीं लेकिन खयाल यही है कि वहाँ सभ्यता बहुत कम थी. उस जमाने की बोलियों का हमें अभी तक कुछ पता नहीं, लेकिन आयों के आने के दो तीन सौ बरस बाद जो बोली यहाँ बोली जाती थी वह वैदिक थी जो आर्य भाशा और हिन्द भाशा के जोड़ से पैदा हुई थी. इसलिये उसे पुरानी संस्कृत कहना ठीक नहीं क्यों के यह प्राक्तत यानी कृदरती भाशा थी. इस वैदिक भाशा में वड़े अच्छे अच्छे कवि हुए हैं जिनकी कविता को वेद कहते हैं. आहिस्ते आहिस्ते, जैसे कि हमेशा होता है इस भाशा के लफ्ज भी छोटे और स्वरों से लदने लगे घौर इसने देस देस में जाकर चार सौ बरस में कई रूप रंग बदले. इस घरसे में जात पात भी बन गई, सातवीं सदो बी, सी, में बौद्ध श्रीर जैन धर्मों ने जन्म लिया. इन धर्मी की दया से पांचवीं छटी सबी बी० सी० में जो प्राकृत बाली जाती थीं उन में से कुछ का ज्ञान अभी तक हो सकता है, इन प्राकृतों से एक बात साफ है कि हमारी आजकल की बोलियां उन शकतों से ज्यादा मिनती जुलती हैं और संस्कृत जा पीछे बनाई गई यी उस से कम मिलती हैं. इसके माने यह हुए कि जिन्हें पंडित तद्भव शब्द कहते हैं वह असल में तत्सम है और तत्सम तद्भव.

पाली की डिक्शनरी में ऐसे सैकड़ों लक्ज़ मिलते हैं. मैं नमुने के तौर पर थोड़े से लिखता हूँ:—

পাক্ত র	संस्कृत	हिन्दी	पंजाबी
छ	षष	छै	र्छो
सत्ता	सप्त	सात	सत
संका	सन्ध्या	साँभ	संभा
सिप्पी	য়ুক্তি	सीपी	सिप्पी
सिप्पी	शिल्पन	सेवी	सेपी
द्स-द्ह	दश	द्स	द्स-दह
बारह	द्वादश	बारह	बाराँ
तरह	त्रयोदश	तेरह	तराँ
घर	गृह	घर	घर
कहाँ	কু স	कहाँ	किथे
पुत्रो	पूर्ममाशी	पूनो	પુત્રો:
रुखो	रुच	रुखा	रखी
रोगी	रोगिन	रोगो	रोगी
सुई	सूची	सुई	सूँई

آریس کے آنے سے پہلے سلدھ پلجاب میں تو ضرور اور خهال کیا جاتا ہے که راجپوتانه اور دکھن میں بھی سرسوتی نربدا اور تایتی دی وادیون مین سودیوی سیمهتا پهیلی هوئی تھی ۔ وہ اُس زمانے کے احداظ سے بوی اُونچی سبھیتا للي جاتي هـ ، هلد كي دوسرے حصول كا حال معلوم، نہیں ایکن خیال یہی ہے که رمان سبهیتا بہت کم تھی۔ اس زمانے کی بولیوں کا همیں ابھی تک کچھ پتاء نہیں' لهکون آریوں کے آنے کے دو تین سو برس بعد جو بولی بہاں بهار جاتی تهی وه ویدک تهی جو آریه بهاشا أور هدد بهاشا کے جوز سے بہذا ہوئے تھے . إسلئے أسے بوانی سلسكرت كهذا تهيك نهين كرونكه يه براكرت يعتى قدرتي بهاشا تھی اس ویدک بھاشا موں بولے اچھے اچھے کوی ہوئے هوں جلکی توبتا کو ورد تهتے هیں ، آهستے آهستے جیسے که همیشه دوتا هے اِس بهاشا کے الفظ بھی چهوائے اور سوروں ہے لدنے لکے ارز اِس نے دیس دیس میں جاکر چار سو پرس میں کئے روپ رنگ بدلے. اِس مرصہ میں جات پات بھی بن گئی ، ساتویں صدی ہی . سی میں بودھ آور جبن فهرموں نے جلم لیا ان دھرموں کی دیا سے پانچویں چهتی صدی بی . سی . میں جو پراکرتیں بولی جاتی تهين أن مين سي كجه كا كهان أبهى تك هوسكتا هي ان پراکرتوں سے ایک بات صاف ہے که هماری آبو کل کی بولهاں اُن بواکرتوں سے زیادہ ملکی جلتی ههر آور سأسكرت جو يوجه بدائي كئي تهي أس سے كم ملكى هيل . إسكے معلى يه هرأے كه جنهيں بندت تدبهو شبد كہتے هيں وة أصل صين تقسم هي أن تنسر تديهو .

ہالی کی ڈکشاری میں ایسے سیکوں لفظ ملکے ہیں۔ میں نمونے کے طور پر تہوڑے سے لکھتا ہوں :۔۔۔

ينجابي	هلدى	سلسكرت	پراکرت
چهی	4	شھ	42
سمت	مساون	سپس	(XX.
سلجها	سانجه	سلدعها	سنجها
سيپى	سيهي	شوكتني	سپپی
سے بی	سے پی	شلپن	سپپی
دس ده	دس_	دهی	دس ده
بارآن	باره	دوا دش	۴/۶
تهران	تهره	تريودش	تهره
گهر	گهر	گره	گهر
۷۰ ک ت ھے	کهاں	كوتر	كهاں
يولذو	پو ^ز و	پورنماسی	پوندو
24 ⁵ 33	روكها	دوکھ	24597
(وگی	(زگی	روگن	ڊو گ ي
سون إي	سوگی	"رچ ن	يسوثي

भौर सोसाइटियाँ बनीं जिन का आदर्श ही यह है कि ऐसी सलीस सुथरी भाशा में लिखो जो जनता आसानी से समम सके.

हमारे यहाँ न एक मत, न एक लिपि, न एक भाशा, न कोई कौजी हिक्टेटर जो भूत से भविश्य की तरक हमारा रुख बढले. ताक़त बोट की है और बोट भी अनपदों का जिनका गुआरा खेती पर है. यह एक मानी हुई बात है कि जिस देस में गुजारा बहुत कुछ खेती बाड़ी पर हो वहाँ जोर बाह्मनों का होता है जो सदा भूत नचाते हैं. उन का वस चले तो और किसी को पढ़ने न दें. बीसवीं सदी में यह बात खल्लम खल्ला तो नहीं कही जा सकती पर भाशा को मश-किल से मुशकिल बना कर वही मनोरथ सिद्ध हो सकता है. धरद् वालों ने डरद् मुखल्ला बनाई जो ''जो समके सो समके हो न सममे अपनी जहालत के हवाले". हिन्दी वाले हिन्दी को संस्कृतमई बना रहे हैं जिस से एक ऐसी लोहे की दीवार खिंच जाय जो मासानी से टापी न जाए. दकतरी बोली के लिये वह लिपि चुनी गई जिसकी लिखाई छपाई दोनों में हगी और मुशकिल हों. इन बाह्मनों के अनपढ चेलों का बोट लोने के लिये हर एक पार्टी भाशा को दिनों दिन सराकिल बना रही है ताकि दलील से नहीं में टेलफ्जों के जाद से बोट तिया जाए. हमें आजादी बहत कुछ गांधी जी की मेहरबानी से मिली. अगर वह चाहते तो शायद डिक्टेटर हो सकते थे लेकिन वह खिहन्सा का देवता कहना भी मनवाता था तो कठ कर. इस के नमिलवर्तन (असहयोग) के हिथार से भी जाहानी राज को हर था इस लिये एक श्राधिक बहके श्राह्मन ने उसे मार बाला. कौन जाने कल क्या होगा. सुमिकन है कि यहां की हकूमत की बाग डोर किसी दिन किसी ऐसे फौजी अफसर के हाथ आ जाय जो डिफटेटर बन कर देस का उख बदल दे अगर ऐसा जल्द म हुआ तो किसी भी सुधार के लिये तब तक 25-30 बरस सम करना पढ़ेगा जब तक नई पौद जवान नहीं होती. सुसकिन है कि इस अरसे में इस तरह के बाहान फिर किसी विदेशी क्रीम को यहां बुला लें या ऐसी हालतें पैदा कर हैं जिनसे ग़ैरों का फिर हिन्द में हकूमत करना मुम-किन हो जाय.

कत क्या होगा इस पर लिखना नादानी है. इतना जारूर कहा जा सकता है कि जब तक किसी देस के बदन में कोई कीड़ा लगा रहे वह देस पनप नहीं सकता. जबान का जादू, जबान की दीवार, मरे हुए बाबा की मोटी मोटी जार्से यह तीनों बीमारियाँ जान लेखा न सही देस का लहू जुस जेती हैं. बिहान कहते हैं कि इतिहास मुद्द मुद्द कर कही हरस दिखाता है; इसलिये अपने इतिहास पर कुछ क्यार हासनी मुनासिय है. اور سوسائٹیاں بنیں جن کا آدرش ھی یہ ہے کہ ایسی سلیس ستوری بہاشا میں لکھو جو جلتا آسانی سے سنجھ سکے .

هماری یہاں نه أیک مت نه ایک لهی نه ایک ، بہاشا' نہ کوئی فوجی ذکتیتر جو بہوت سے بہوشیم کی طرف هماراً رنم بدلے. طالت روت کی هے اور روت بھی آن پوهوں کا جن کا گزارہ کھیتی پر ھے . یہ ایک مانی ھوئی بات ھے که جس دیس میں گزارہ بہت کچھ کھیتی ہاتی پر ہو وہاں زور براعملوں کا ہوتا ہے جو سدا بھوت نجاتے هيں . أن كا يس چلے تو أور كسى كو يوهلے نه دين . بيسوين صدى مهن يه بات كهام كها تو نههن کھی جاسکتی پر بھاشا کو مشکل سے مشکل بناکر وھی مدورته سده هوسکتا هے . اُردو والوں نے اُردو معلی بنائي جو "جو سنجه سو سنجه جو نه سنجه ايلي جه لت كَ حواليًا. هندى والے هندى كو سنسكرك مدى بنارهے هيں جس سے ايک ايسي هے كي ديرار كههنيج جائے جو آسانی سے تاہی نه جائے . دفتری بولی کے لیّے ولا لهي چلي گُلي جس کي لکهاڻي چههاڻي دونون مهلکی اور مشکل هول . إن براهمدوں کے آنهوھ چیلوں كا روت ليذ كي لئے مر ايك پارتى بهاشا كو دنوں دن مشکل بدارهی هے تاکه دلیل سے نہیں موثے لفظوں کے جادر سے ورق لیا جائے . همیں آزادی بہت کچھ کاندهی جی کی مہربانی سے ملی . اگر وہ چاھتے تو شاید ڈکٹھٹر هوسكتے تهے ايكن وه أهلسا كا ديوتا كهذا بهى ملواتا تها تو روقه کر . اُس کے نملورتن (اسپھوگ) کے هتههار سے بھی براھمنی راج کوڈر تھا اِس لئے ایک ادھک بھکے بوأهمن نے أسے ماردالا . كون جانے كل كها هوكا . ممكن ھے که یہاں کی حکومت کی باگ ڈور کسی دن کسی أيسے فوجی ادسر کے هاتھ آجائے جو دنتیتر بنکر دیس کا رئے بدل دے ، اگر ایسا جلد نع ہوا تو کسی بھی سدمار کے لئے تب تک 25-30 برس صبر کرنا ہو ۔ 8 جب تک ندی پُود جوان نهیں هوتی . حمین هے که اِس عرصے میں اِس طرح کے براهمن بھر کسی بدیسی قوم كويهال بالليس يا أيسي حالتهن بهدأ كردين جن سے فیروں کا پھر ھند میں حکومت کونا ممکن

کل کیا ہوگا اِس پر لکھنا نادانی ہے . اتنا فرور کہا جاسکتا ہے کہ جب تک کسی دیس کے بدن میں کوئی کیوا نکا رہے وہ دیس پنپ نہیں سکتا . زبان کا جادو' رزبان کی دیوار' مرے ہوئے بابا کی موتی موتی آنکھیں یہ تینوں بیماریاں جان لھوا نہ سہی دیس کا لہو چوس لیتی ہیں ، ودوان کوتے ہیں که اِتہاس مو مو کو رہی درشیہ دکھاتا ہے' اسلئے آئے اِتہاس ی کچھ نظر ڈالنی مناسب ہے .

. I have thinking

الوُّو جورائي وهم تعميل كواسكتاتها . أور ديدون كي مسلماتون عمی طور ترک بھی شریعت کا دیوانی قانون مانٹے تھے . أس كي جكه كمال ن سولتورلهند كا ديواني قايرن تركي بههن جاری کردیا ، یافه کرنا اور کرآنا جرم بشادیّے ؛ ان دو سدهاروں سے عورت قانون مهی مرد کے برابر هوگئی . بھارت میں ہلدو کرت (جو اُس کے ساملے ایک بہت جهوتا سدهارهے) جار برس سے لٹک رها هے . لٹک للتک کر اتدا دیلا هوگیا هے که شاید سابها مهی اور یعد پُوار قانونی سبها کی چهللی میں سے چهن تکلے . درای مهن کمال پاشا نے جو سب سے ہوی اور خوبصورت مستجد تهامي أسے كنچه تبديل كركے عجائب گهر بقا الها أور كثبي صمنعوں کو دائر یا اسکول بنا لیا ۔ همارے دیس مهی سوگ کو بھی سیدھا کرتے کے لگے ھم کسی مقدر بیا مسجد كا كونه نهيل ها سكتي . وهال دهوم كا سارا جادو عربي **خوتوں می**ں تھا ، اُس نے مربی حرقوں کو دیس نکالا فیا ۔ پہلی جلوری 1926 کے بعد وہاں ایک کتاب بھی ھربی حرفوں میں نہیں چھپی ، ھمارے یہاں ہو**ا**ہملی لهی کو دیس نکالا دیلے کی جگه دیونا ارمی کو سرکاری لهی بقائے کی تجویز پاس ہوچکی ہے ، کمال نے ترکی مرین سے وہاں کی برالعملی بھاشا عربی کے سارے لفظ تکلوا **3الے ، حماری سرکار براہمئی بھاشا سنسکرت کو بلا رہی** ه تائم بهال کی پرچا سرکاری بولی او سمعیه نه سکے .

فرکوں کے سر کا لیاس رہ لال ترکی تاہی کالے پہندنے وألى هوا كرتي تهي ، كمال نے أس كا پهلنا بهي جرم قوار ر دیا لود ترکون کو فرنگی توپی پهدائی . ترکی برآهمدون کا أيلًا بواهملي الماس يهن كر كهر سے باهر تكلفًا بلد كرديا . یہ سب کچه اس نے اب دیس کا ربح بدللے کے لئے کہا . اس كم ليم أس كجه سماجي شاخين هي نهين جوين مهی کاتمی پویس . وه اینی قوم کو سدا یهی للکار کو کهتا تها التراقو بهادار والله جلو". 98 نيصدي ترك مسلمان همن اور 86 نیصدی کی مال بولی قرای هم ، یورپی ومالوں میں سے فرانسیسی کا مب سے زیادہ زور ہے ، پھر هومي و پهر اِتالين. انگريزي كي چوتهي جكه ه. سائلسي و فرانسهسی سے لئے لئے اور بہت سے یورپی لفظ زیان سُهوں عام عودیے . إن سب سدهاروں كا يولى ير يم اثر میا که آجکل کی ترای دسرین مدی کی ترکی سے بہت المن ملعى جاهى له ، كو تركي مين سور كل أنه هين لنظ سرروں سے اتلے لدے میں که بولی میں فکو کھل على و الله المدهارون عد المله تركى مين بهى لاهلم والم نجاد ورف عروں کے لئے ایسی بھاشا اور ایسے وشیوں پر لکھتے له دو صرف بره هولي سمجه سكتي تعد عام جلتا كا كسي کو دهیان نه تها. ان سدهارون نے کایا پات دی. اب تومی نعُره " خُلْدُو دُولُرو (خُلْق = جِلْدًا وُرُدُوهِ = مين كُهسو) ه

श्रीर जिन की वही तामील करा सकता था. और देसों के मुसलमानों की तरह तुर्क भी शरीयत का दीवानी कानून मानते थे. इसकी जगह कमाल ने स्विटजरलैंड का दीवानी कानून तरकी में जारी कर दिया. परदा करना और कराना जुर्म बना दिये. इन दो सुधारों से औरत कानून में मई के बराबर हो गई. भारत में हिन्दू कोड (जो उसके सामने एक बहुत झोटा सुधार है) चार बरस से लटक रहा हैं. लटक लटक कर इतना दुबला हो गया है कि शायद सभा में और पतला पड़ कर कानूनी सभा की छलनी में से छन निकले. तुरकी में कमालपाशा ने जो सब से बड़ी और .खूबसूरत मसजिव थी वसे कुछ तववील करके अजायन घर बना लिया श्रीर कई मसजिदों को दफतर या स्कूल बना लिया. इमारे देस में सदक को भी सीधा करने के लिये हम किसी मंदिर या मसजिद का कोना नहीं हिला सकते. वहां धर्म का सारा जाद अरबी हरफों में था. उसने अरबी हरफों को देस निकाला दिया. पहली जनवरी 1926 के बाद वहां एक किताव भी अरबी हरकों में नहीं छपी, हमारे यहां माझनी लिपि को देस निकाला देने की जगह देवनागरी को सरकारी लिपि बनाने की तजबीज पास हो चुकी है. कमाल ने तुरकी में से वहां की ब्राह्मनी भाशा अरबी के सारे लक्ष्य निकलवा डाले. इमारी सरकार ब्राह्मती भाशा संस्कृत को बुला रही है ताकि यहां की प्रजा सरकारी बोली को समम न सके.

तुरकों के सिर का जिबास ग्रह लाल तुरकी टोपी काले फुंदने वाली हुआ करती थी. इमाल ने उसका पहनना भी जुर्म करार दिया और तुरकों को किरंगी टोपी पहनाई. तुरकी त्राक्षनों का अपना त्राक्षनी लिबास पहन कर घर से बाहर निकलना बन्द कर दिया. यह सब कुछ उसने अपने देस का र अ बदलने के लिये किया. इस के लिये उसे कुछ समाजी शाखें ही नहीं जड़ें भी काटनी पड़ीं. वह अपनी क्रीम की सद। यही जलकार कर कहता था "तुरको, बहादुरो, बढ़े वलो.'' 98 की सदी तुकं मुसलमान हैं और 86 की सदी की मां बोली तुरकी है. योरपी जगानों में से फाँसीसी का का सबसे ज्यादा जोर है. फिर जर्मन, फिर इतालियन श्रंगरेजी की बौथी जगह है. साइन्सी टर्म फाँसीसी से लिये गए और बहुत से योरपी लक्ष्य खबान में आम हो गए. इन सब सुधारों का बोली पर यह असर हुआ कि आजकत की तुरकी दसवी सदी की तुरकी से बहुत कुछ मिसती जुलती है. गो तुरकी में स्वर कुल आठ दें लक्ष्य स्वरों से इतने लदे हैं कि बोली में शका घुल गई.इन सुधारों से पहले तुरकी में भी लिखने वाले चन्द पदे हुओं के लिये ऐसी माशा और ऐसे विशयों पर तिखते थे जो सिक पढ़े हुए समम सकते थे. बाम जनता का किसी को प्यान न था इन सुधारों ने काया पत्तट दी. अब कीमी नारा "सुरुक् डोमू" , सरुक = जनता, डोमू = में घुसो) है तम अब खड़े हो और अपना सवाल पूछ रहे हो, नजर करनी होगी. हाँ, अब कही, क्या तुम्हें तुम्हारे बाँस् कहीं नजर आते हैं ?

"नहीं, मुक्ते तो आँसू के बदले कुछ कमल के फूल

नजर आते हैं.

"तो बस अब तुम्हें तसल्ली हो गई कि तुम्हारे आँसू कहाँ गए और उनका क्या हन्ना ?

"हाँ, प्रभु, खब मैं समका. तुम कोई ऐसी कीमिया

जानते हो जिससे निराशा को आशा में बदल देते हो." तब उस प्रभु के प्यारे ने अपना गीत गाना और नाचना बन्द किया. तारों ने अपनी चौकीदारी पूरी की और अपने घरों को वापस चले गए. मैं भी अपनी मोपड़ी की तरफ हो जिया. अभी में रास्ते में ही था कि मुमे अंगरेजी की एक कहावत याद आई. और जब तक मैं अपनी फोपड़ी में न दाखिल हुआ, तब तक वह कहाबत मेरे कानो में गुँजती रही-

"मेन्स डिसएप्वाइन्टमेन्ट इच गाइस एप्वाइन्टमेन्ट."

याती---

जब कभी इनसान होता है निरास तो समभ ले को प्रभु है उसके पास.

أَتَّم اب كهرب هو أور اينًا سوال يوبهم ره هو تطر كرنى هوكى . هان أب كهو كيا تمهيل تمهاري أنسو کویں نظر آتے میں ؟

النهیں' معجم تو آنسو کے بدلے کنچه کمل کے پهول نظر

آتے ھیں ۔

""تو ہس اب تمہیں تسلی ہوکگی که تمہارے آنسو کہاں گئے اور اُنکا کیا ہوا ؟

''هاں' پوبهو' آب میں سمجها . تم کوئی ایسی کھمیا جانتے ہو جس سے نراشا کو آشا میں بدل دیتے

تب أس يربهو كے پيارے نے اپنا كرت كانا أور ناجلا یند کیا . تاروں نے اپنی چوکیداری پوری کی اور ابھ گهروں کو واپس چلے کئے ، میں بھی آیدی جھونپوی كي طرف هوليا ، أبهي مين راسته مين هي تها كه مجهد انگویزی کی ایک کہاوت یاد آئی . اور جب نک میں ایدی جهونیوی میں نه داخل هوا آت تک وه کهاوت میرے کانوں میں گونجتی رعی— ''میلس تس ایوانٹملت ازکاتس ایوانٹملت.''

جب کبھی انسان ھوتا ھے نراس تو سنجه لے اوہ پربھو کے اُسکے پاس .

खालिस बोली-खिचड़ी बोली ऋौर बोली की दीवार*

(भाई मदन गोपाल)

1923 में तुरकी में प्रजाराज हुआ. कमालापाशा उसका भरका मेसीडेन्ट एक कौजी अफसर था जिसने अपनी बहादुरी से तुरकी को पहली जंग में इस खूबी से बचाया कि जवान तुकरों की चाँखों का तारा बन गया. क्रीम और देस का सच्चा आशिक था इसिल्ये क्रीम भी उस पर जान देती थी. वह डिक्टेटर बन बैठा. स्याह करे, सुफ़ैद करे किसी की मजाल न थी जो उसके सामने वूं कर सके. वह जानता था कि जब तक वह तुरकों का रुख न बदले यानी जब तक वह नासनों के जारू के मंदिर को न तोड़े और उसमें स्थापित किये हुए भूतकाल के देवता को देस से न निकाले देस उभर नहीं सकता इस रख को बदलने के लिये उसने पांच है ऐसे नादिरशाही हुक्म दिये जो सिफ बह ही दे सकता हा

خالص بولی کهچتری بولی اور بولی کی دیوار (بهائی مدن گریال)

1923 میں ترکی میں پرجا راج دوا ۔ کمال پاشا اس کا پہلا پریسیدیلت ایک فوجی آفسر تھا جس نے ایدی بهادری سے ترکی کو پہلی جلک میں اِس خربی سے بحیایا که جوان ترکیل کی آنکھوں کا تارا بن گھا ، قوم أور ديس كا سعها عاشق تها إس ليَّ قوم بهي أس هر جان دیتی تهی . ره ذکتیتر بن بیتها . سهاد کرے[،] سفید کرے کسی کی منجال نہ تھی جو اُس کے سامقے عوس کرسکے ، وہ جانتا تھا کہ جب تک وہ ترکیں کا رہے قه بدلے بعدی جب تک وہ براھمنیں کے جانو کے مقدر أو نه توزے اور اُس میں سعهایت کئے هوئے بهوت کال ديوتا كو ديس سے نه نكالے ديس أبهر نبهي المحتا . إس رم كو بدلله كي لئم أس ني يانه جه ايس او شاهی حکم دئے جو صرف وہ هی دیے سکتا تھا

[•] पिछले नम्बर से छाते

[«] پچھالے نمیر سے آگے .

'कादिर' और 'मगवान' दोनों के ठीक दक ही मानी हैं. जो 'भगवानदास' का मतलब है ठीक वहीं 'बब्दुंस कादिर' का है. पारसी नाम 'बाहुरमञ्द' और संस्कृत 'बासुरमेधा' दोनों का एक ही मतलब है.

दुनिया के धर्मों को क्रायम करने बाले अपने अपने देश और काल की अहरत के मुताबिक्क बसी एक सनातन धर्म बसी बीनुलक्कटयमा के खास खास पहलुओं पर जोर देते रहे हैं. असली धर्म विद्या या इरफान, एक ही है. बीज वही हप नए नए. الله الهرا الهكوان ورنول كه تهيك اليك هي معلى هيل. الهور الهكوان داس كا مطلب هي تهيك وهي المدالة الدر الهداك الهوري المراميدها الهوري كا الهوري المراميد الهوري كا الهوري الهوري الهوري الهوري كا الهوري الهوري الهوري الهوري كا الهوري ال

دایا کے دعرموں کو قائم کوئے والے آئے آئے دیش آور کال کی ضرورت کے مطابق آسی آیک سفاتی دھوم آسی دیورالقید کے خاص خاص پہلوؤں پر زور دیکے دھے آسی دھوم ودیا یا عرفان ایک ھی ہے ۔ چھڑ وھی روپ نگے نگے ۔

सृफ़ियों की सोहबत में

(3)

(गु. म.)

आधी रात का वक्षत था. सारी दुनिया सोई हुई थी. सिर्फ आसमान के तारे और प्रभु के त्यारे जाग रहे थे. एक ऐसा ही प्रभु का त्यारा एक दरखत के नीचे अपना मुँह अपने घुटनों के बीच दशकर बैठा हुआ था. जब क़रीब क़रीब दो घंटे गुजर चुके तो उसने अपना सिर ऊँचा किया और अपना इकतारा, जो उसके पास ही पड़ा हुआ था, उठाकर उसके साथ इन्न गाने लगा और नाचने भी लगा. उसके गाने में मिठास तो थी ही, पर एक चुम्बक जैसा असर भी था.

में कुछ देर तक उसका गीत धुनता रहा. चाहिस्ता चाहिस्ता उसका मतलब क्या है, मुक्ते माल्म पड़ा. उस गीत का मतलब कुछ इस तरह का था—

"प्रभु, जाज मैं तुमसे एक सवात पूछता हूँ. उसका जवाब तुम्हें देना ही होगा. और अगर उसका जवाब भुमे तुमने न दिया तो फिर तुम्हारी और मेरी दोस्ती में कुछ करक जा जाने का डर है.

"मेरा सवाल यह हैं. मैंने अपनी जिन्दगी में निराश होकर सैक्क़ों ऑसू बहाए हैं. अब तुम मुक्ते बताओं कि मेरे वह ऑसू कहाँ गए. क्या वह सिर्फ मिट्टी में ही मिल गए ?

(प्रमु सवाल का जवान देते हैं) "इससे पहिले कि मैं तुम्हें बताऊँ कि तुम्हारे वह बाँस कहाँ गए, तुम्हें मेरी तरफ बाना होना अहाँ मैं खड़ा हूँ. बीर इस तरफ जहाँ

صوفیوں کی صحبت میں

(3)

(ی.م.)

آدہی رات کا وقت تھا۔ ساری دنھا سوئی ھوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی ہوئی مرف آسان کے تارے اور پر بھو کے پھارے جاگ رہے تھے ایک ایسا ہی پرببو کا پھارا ایک درخت کے نہنچے اپذا سنہ اپنے گھٹلوں کے بھچ دیا کر بھٹھا ہوا تھا ، جب قریب قریب دو گھٹٹے گزر چکے تو اس نے اپلا سر اونچا کھا اور اپلا ایکٹارا' جو اس کے پاس ھی پوا ھوا تھا' آٹھا کو اُسکے ساتھ کچھ گانے لگا اور ناچئے بھی لگا ۔ اُسکے آٹھا کو اُسکے ساتھ کچھ گانے لگا اور ناچئے بھی لگا ۔ اُسکے میں مٹھاس تو تھی ھی' پر ایک چمبک جھسا اثر بھی تھا ۔

سیں کچھ دیر تک اُسکا گھت سنتا رہا ۔ آدستہ آهستنه اُسکا مطلب کیا ہے' مجھ معارم پوا ۔ اس گھت آهمللب کچھ اِس طرح کا تھا۔۔

''پر بھو' آج میں تم ہے ایک سوال پوچھٹا ہوں ، آسکا جواب تمہیں دینا ہی ہوگا ، اور اگر اُسکا جواب مجھے آپے کے له دیا تو پھر تمہاری اور میری دوستی میں کچھ قبل آجائے کا قریے ،

"جبیرا سوال یہ ہے ۔ میں نے اپدی زندگی میں فراھی عودر سیکووں آنسو بہائے ھیں ۔ آپ تم سیسے بیتار که میورے وہ آنسو کہاں گئے ، کیا وہ صرف مثلی بیون ھی مل گئے ؟

﴿ پربھو سوال کا جواب دیتے ھیں) ''اِس سے پہلے کہ میں تمہیں بھاؤں کہ تمہارےوہ آنسو کہاں گئے' تمہیں میری طرف آنا ھوگا جہاں میں کہوا ھرں۔ اور اُس طرف جہاں

हे हैं और बदसते रहेंगे. अल्लाह इंरवर असग असग केलावों, असग असग ज्वानों और असग असग रस्तों हे ज़रिये एक ही हक्षीकत दुनिया को सिखाता रहा है.

करान कहता है— "अल्लाह के शेम की मज़बूत रस्ती बीर पढ दूसरे से श्रेम तुम सब को मिलाए रखे, कभी क दूसरे से फटनें की न सोबो."

वेद कहता है—"तुम सब के दिल, दिमारा और सब का वेय एक दो, ताकि तुम सब फूलो फलो. सब सुख से रहो, इब मिल कर खाओ, मिलकर पियो और मिलकर काम हरो, साथ साथ बलो, एक आवाज से बोलो और सब कि ही सबाई को सममो."

नीनी मन्य शुकिंग में जिला है—"अपने सन पड़ोसियों स्थाप मेज मिलाप से रहना सीखो, तुम सन माई हो, एक के साथ प्रेम से रही."

्यही बात और इसी तरह की बातें इनजील में जगह बाह यहने को मिलती हैं.

मराहर ईसाई शहीद जस्टिन ने कहा है—"जितनी क्क्डी बातें कही गई हैं, दुनिया के किसी देश और किसी हैं."

एक सुकी कहता है-

"फक्रत तफावत है नाम ही का दर व्यस्त सब एक ही हैं, यारो ! जो कावे साफी की मीज में है ससी का जलवा हवाव में है."

ं बानी केवत नामों ही का फरक है, ऐ यारो ! असल सिंध एक हैं, जो साफ पानी लहर के अन्दर हैं उसी की सिंक बुबाबुले के अन्दर हैं.

स्की अतार ने कहा है—"रूह अक्रल और इतम से अक्षा को जानती है. रूह के लिये ताजी और तुरकी का केई करक नहीं है."

मौदाना रूम ने कहा है—"रूड की दोस्ती अक्स से और इस्म से हैं. रूड के अन्दर हिन्दू, मुस्तिम, ईसाई इस का कोई फरक नहीं."

े नेवों में बारवार कहा गया है कि बारमा की कोई जात, काक्षक, रंग या वरन नहीं होता.

स्वयुष करक केवल नामों का ही है. बात एक हो को अस्ताह है वही ईरवर है. जो अकवर का मतलब है हैं? बरम या महा का अर्थ है. 'अस्ताहो अकवर' के सबी आनी हैं 'वरमेरवर' या 'महावेब'. को मानी 'रहीम' हैं बड़ी 'शिव' के हैं. जो मानी 'रहमान' के हैं वही कि के हैं. 'दास' और 'अब्द' के एक ही वर्ष हैं. رقع همی آور بدلتے رهیلکے ، الله ایشور الگ آلگ کاتابوں الگ الگ کاتابوں الگ الگ الگ الگ کاتابوں کے ذریعے ایک هی حالیات دنیا کو ساماتا زها ہے .

قران کہتا ہے۔۔''اللہ کے پریم کی مضبوط رسی اور لیک دوسرے سے پریم تم سب کو مالئے رکھے' کبھی ایک دوسرے سے پہائے کی نہ سوچو''.

وید کہتا ہے۔۔۔''تم سب کے دل' دماغ اُور سب کا دھیے ایک ھو' تاکہ تم سب پھولو پھلو ، سب سکھ سے رھو' سب مل کو کام کرو' ساتھ ساتھ ساتھ ایک آواز سے بولو اُور سب آیک ھی سچائی کو سمجھو۔''

چھٹی گرنتھ شوکنگ میں لکھا ہے۔''ابھ سب پروسیوں کے ساتھ میل ملاپ سے رھٹا سیکھو' تم سپ بھاٹی ھو' سب کے ساتھ پریم سے رھو۔''

یہی بات اور اسی طرح کی باتیں انجیل میں جاته جاته پڑھانے کو ملعی ہیں ۔

مشہور عیسائی شہید جسٹن نے کہا ہے۔ ''جتنی اچھی باتیں کہی گئی ھیں' دنیا کے کسی دیش اور کسی قوم میں بھی' وہ سب ھم عیسائیوں کی ملکیت ھیں۔''

ایک صوفی کهنا هے۔۔

''نقط تفارت هے نام هی کا درامل سب ایک هی هیں یارو! جو آب صائی کی موج میں هے اُسی کا جلوہ حیاب میں هے ،''

یعنی کیول ناموں هی کا فرق هے اے یارو! امل میں سب ایک هیں جو صاف پانی لهر کے اندر هے اُسی کی جمک بلیلے کے اندر هے .

صوفی عطار نے کہا ہے۔۔۔

''روح عقل اور علم سے زندگی کو جانتی ہے ، روح کے لئے تازی اور ترکی کا کوئی فرق نہیں ہے ۔''

مولانا روم نے کہا ہے۔۔۔''روح کی درستی عقل سے ہے اور علم سے ہے ، روح کے اندر هندو' مسلم' عیسائی ترک کا کوئی فرق نہیں ۔''

ويدوں ميں بار بار کہا گيا هے که آنما کی کوئي جات' سمهردائے' رنگ يا ورن نهيں هوتا .

سے میے فرق کیول ناموں لاھی ہے ، یاس ایک ھی ہے،
ہو الله ہے وھی ایکوو ہے ، جو اکبو کا مطلب ہے وہی
پرم یا تیا کا اُرتہ ہے ، 'آللہ آکبو' کے لنظی معلی ہیں
'پرمیشور' یا 'مہادیو' ۔ جو معلی 'رحمان' کے ہیں وہی 'شاکر' ' 'کھو' کے میں ، جو معلی 'رحمان' کے میں وہی 'شاکر' گھو' کے ایک ہی آرتہ علی ۔ ने कहा है कि यह सब अगके पिछके 'बुद्ध' और अगके पिछके 'तीर्यंकर' बार बार उन्हों एक बुनियादी सचाइयों का उपदेश देते रहे हैं, केवल जब यह सचाइयां लोगों के दिलों में फीकी या धुन्दली पड़जाती हैं तो यह महापुरुश अपनी ठीक ठीक जिन्दगी से उनमें नई जान डालते रहे हैं और डालते रहेंगे.

इनजील में लिखा है—''क्या कोई ऐसी बात है जिस की बाबत यह कहा जासके कि यह नई बात है ? हर बात पहले से चली ब्यारही है, हर बात सनातन है, सूरज के नीचे कोई बात नई नहीं है. (पक्लेजियास्टिक्स)

इज़रत ईसा ने कहा है—"मैं पुराने धर्म और पहले के निवयों के काम को नरट करने के लिये नहीं आया बिठ उसे पूरा करने के लिये आया हूँ." (इनजील)

करन ने अर्जुन से कहा है—''जो बात मैं तुमें सिखा रहा हूँ वही विवस्तान ने मनुको, मनुने बदवाकु को, इत्ताकु ने दूसरों को, इसी तरह युग युग में एक रिशी ने दूसरे की, एक आदमी ने दूसरे आदमी को सिखाई हैं, लोग उसे भूल गए हैं, पर सब जगह मौजूद, सब कुछ जानने बाले सर्वशक्तिमान परमात्मा के अन्दर वह सब जान मौजूद है."

क़ुरान में यह चीज़ बार बार और तरह तरह से कही गई है—

"जो बात इस फ़रान में कही गई हैं वही सब पुरानी किताबों में कही गई है."

"कोई क्रीम नहीं कि जिसके अन्दर हादी यानी राह दिखाने बाले न भेजे गए हों."

"और अल्लाह ने जितने रस्त इससे पहले भेजे हैं सबने यही उपदेश दिया है कि सबका अल्लाह एक है और सब को केवल उसी की इवादत करनी चाहिये,"

"और जितने रसूल मेजे गए हैं उन सब ने अपनी क्रीम की ज्वान में ही उपवेश दिया है ताकि कोगों के दिलों में किसी तरह का शक न रह जावे."

"क़ुरान भरनी में इसकिये उतरा है कि मक्का भीर भास पास के राहरों के लोग भासानी से समम सकें."

"दंग धन संव रस्तों में किसी तरह का फरक नहीं करते."

इन बायतों से कीर इक्षी तरह की और बहुत सी बायतों से साफ जाहिर है कि सब बंधों की बुलियादी सम्बाह्मां एक हैं. समाई एक ही समाई हैं. उस पर किसी कौन, किसी बंध वा किसी रसूल का इवारी नहीं है. उसर के सीक रिवाल देश, काल और हालांस के बॅल्सीर बदलते کہا ہے کہ یہ سب اگلے پچھلے ابدہ آور پچھلے انیرتہنکرا بار بار آنہیں ایک باہوائی آئیوں کا آپدیش دیتے رہے میں کھول جب یہ انہاں لوگوں کے داوں میں یہیکی یا معددلی پو نے میں تو یہ مہا پرش آپنی تہیک تہیک وندگی ہے اُن نئی جان ذائتے رہے میں اور ذائتے رہیفکے۔

اِنجهل میں لکھا ہے ۔۔۔۔'' کیا کوئی آیسی یات ہے کی باہما یہ کہا جاسکے کہ یہ نگی بات ہے ؟ ہر پہلے سے چلی آرھی ہے' ہر بات سفاتن ہے' سورے کے ہے کوئی بات نگی نہیں ہے ، (اُکلے زیاسٹکس)

شطنون عيسي لے كہا ہے --

'' سُمِس پرائے دھرم اور مہلے کے نبیوں کے کام کو نشدی کے لگے آیا کے لگے آیا ۔ کے لگے نہیں آیا باکھ اُسے پورا کرنے کے لگے آیا ۔'' (انجیل)

کرھن نے ارجن سے کہا ہے ۔۔

14 کھو بات میں تجھے سکھا رھا ھوں رھی ویوسواں نے گو مئو نے اکشواکو کو اکشواکو نے دوسررں کو اسی طرح پیگ میں ایک رشی نے دوسرے کو ایک آدمی نے پیٹ آدمی کو سکھائی ھیں لوگ آسے بھول گئے ھیں اپنے بچکھ موجود سب کچھ جانئے والے سروشکھی ماں نما کے آخیر وہ سب گھاں موجود ہے ۔''

قرآن میں یہ نھیز بار بار اور طرح طرح ہے کہی گئی

'' جو۔ یات اُس قرآن میں کہی گئی <u>ہے</u> وہی سب _{ین} گ**تابیں میں** کہی گئی ہے ،''

الله والى قوم نهيون كه جسكے اندر هادي يعقى والا الله والد نه يهيون كئے هوں ."

ا اور جھینے رسول بھیجے کئے ھیں اُن سب نے اپنی کی زبان میں ھی اُیدیش دیا ہے تاکہ لوگوں کے دلوں کسی طرح کا شک نہ رہ جارے ''

الکوان مربی میں اس لئے آترا ہے که مکے اور آس کے کیپروں کے لوگ آسانی سے سمجھ سکیں ۔'' آغم آن سب وسولوں میں کسی طرح کا فرق نہیں

این آفتوں سے اور اسی طرح کی اور بہت سی آفتوں ایک طافع ہے کہ سب دھرموں کی بنیادی سچالہاں میں ، اس پر کسی میں دھرم یا کسی رسول کا اجازہ نہیں ہے ، اوپر بیت روایے دیتھ، کال اور حالت کے انوسار بدائتے

स्त्रह्मकों के क्रायम करने वाले खुद इस कारे में क्या कहते हैं, इन सब मजहबों के बानियों ने साफसाक बह कहा है कि इस सब एक ही बुनियादी सक्वाइयों का बपदेश देते आए हैं,

श्यनिशव् में लिखा है—
गवाम् अनेक वर्णनाम्
ज्ञीरस्यास्ति एक वर्णना
श्वीखन् पश्यते जानम्
लिगिनास्तु जवाम् यथाः

्यानी गाएं चलग चलग रंगों की होती हैं, पर दूध साम का पक रग का यानी सफ़ेद होता है. झानी यानी आदिफ दूध को देखता है और ऊपर के रीत रिवाजों में खंसे हुए कोग गायों के रंग को देखते हैं. मौलाना रूम ने हुंचुरत हैंसा के डपदेशों का ज़िकर करते हुए कहा है...

> जामये सद रंग जां खुन्ने सका सात्राभी यक रंग गरता चूं जिया

बानी सैकड़ों रंग के कपड़े उस साफ अही में पड़ कर इस तरह सफ़ेद और यकरंग हो गए जिस तरह सावों रंग सिकड़र सफ़ेद रोशनी बन जाते हैं.

भी करन ने भगवत गीता में दो बार कहा है-

े पे अर्जुत! कोग सब तरक से चलकर अक्रम अक्रम राक्ष्मों से भी सुक तक ही पहुँचते हैं."

्षृद्धि बद्ध व्याखिरी मंज़ित है जिसकी तरक सारी दुनिया

ं पारसी वर्म के बानी ज्रातुरव ने जिल्हा है-

"बीर इम दुनिया के उन सब पहले के घर्मों को मानते बीर कुनते हैं जो नेकी सिकाते हैं."

माना में जिसा है कि—"असम्य इत्यु क्रीमों में भी क्रम क्रोमों को सच्चा धर्म सिसाने के लिय पैग्रम्बर होते होते हैं."

जो अमाना हिन्दुस्तान में बुद्ध और महाकोर का या बही बीन में ,लाओत्जे और कंगफूरजे का या. बीन के बीत बुद्ध, लाओरजे और कंगफूरजे तीनों को एक त्रिमूर्ति की बरह अपने बराबर के पैरान्द्रर या अवतार मानते हैं. कंग-कूरजे ने कहा है—"जो होन धर्म पहले से बला का रहा है मैं केवल बसी को आगे बला रहा हूँ, मैं कोई नई बाद नहीं बाद सकता."

बुद्ध ने अपने से पहले के बुद्धों' का और अपने वाद के 'बुद्धों' का, भीर इसी तरह 'जिन' यानी महाबीर ने अपने से पहले के भीर अपने बाद के 'वीर्यंकरों' (पुल अस्ता इताने वालों) का शिकर किया है, और दोनों معجنوں کے تنظم کرنے والے خود اس باورے میں کیا کیتے میں ۔ اُن سب مذہبوں کے بانیوں نے سائب سائب یہ کہا ہے کہ می سب اُیک می بائیدی سبہائیوں کا اُیدیش دیاتے ۔ آئے میں . آئے میں .

أدنشد مين لكها ه --

گوام اتیک ورنا نام چھھر سیاسی ایک ورنتا چھیکھمت پشھتے گھانم للگلاسٹو گوام یکھا

یعلی کائیں آلگ آنگ رنگوں کی هوتی هیں' پر دوده سب کا ایک رنگ کا یعلی سفید هوتا ہے ۔ گیاتی یعلی ساوف دوفھ کو دیکھتا ہے اور آوپر کے ریت رواجوں مہی پہلسے دوئے لوگ کایوں کے رنگ کو دیکھتے ہیں ۔ مولانا روم نے حضرت عیسی کے آپدیشوں کا ذکر کرتے ہوئے کہا ہے۔

جامهٔ صدرنگ زال خسم صفا ساده و یک رنگ کشته چول ضها

یعنی سیکوں رنگ کے کیوے اُس صاف بھٹی میں پوکر اسطرے سفید اور یک رنگ هوگئے جس طرح ساتیں رنگ ملکر سفید روشنی بن جاتے هیں .

شری کرشن نے بھکوت گھٹا میں دو بار کہا ہے۔۔ '' اے لوچن ! لوگ سب طرف سے چل کر الگ الگ رامبٹوں سے بھی مجھ تک ھی پہونچتے ھھں ۔''

یہی وہ آخری ملزل ہے جس کی طرف ساری دنیا یوھی چای جا رھی ہے ۔

پارسی دهرم کے بانی زرتشت نے لکھا ہے ---

'' اور هم دنیا کے آن سب پہلے کے دھرموں کو ماتھے اور پوجھے هیں جو نیکی سکھاتے هیں ۔''

کا تھا میں لکھا ہے کہ ۔۔۔''اسبہید دسیو قوموں میں یہی اُن لیگوں کو سنچا دھرم سکھائے نے اگے پیغمور ھوتے بھے ھیں ۔''

جو زمانہ جلدستان میںبدھ اور مہاریر کا تھا وہی چھی میں لا وترے اور کلگ فوتڑے کا تھا ، چین کے لوگ بھی الوتڑے اور کلگ فوتڑے کی تھنوں کو ایک تومورتی کی طبح برابر کے پھٹمبر یا لوتار مانتے ھیں ۔ کلگ فولڑے کے کہا جہ سے " جو دین دھرم پہلے سے چلا آرما ہے میں کھول آسی کو آئے چلا وہا ھوں' میں کوئی نگی بابتد نہیں گوہ سکتا ۔''

یدہ نے ابھے ہے پہلے کے ' بدھوں ' کا اُور اُبھے بعث کے ''بدھوں' کا' اُور اُسی طرح 'جن ' یعلی مہاریو نے اُبھے سے پہلے کے اور آبھے بعد کے '' تھوتھلکاروں' ﴿ پُنِانَ بِنَا وَاسْتُمَّ بِمُنْائِمَ وَانْوِنَ ﴾ کا فکر کھا بھا' آبو عوشوں'

बादिये. हर बच्चा अपनी जाजाद त्रवियत, अपनी पसन्त और अपने अन्दर के मुकाब के अनुसार जो बाहे पढ़े या न पदे और जिघर को चाहे जाय, लेकिन इस तरह के सब भावमी नौजवानों को कुछ न कुछ सिखाते ही हैं और वही चीज सिसाते हैं जो बह सद नीजवानों के लिये सब से अधिक फायदे की सममते हैं. कस के कन्युनिस्ट अपने नौजवानों को जोरों के साथ कम्यनिजम सिखाते हैं. इटबी के काशिस्ट उन्हें काशिजम सिखाते हैं. इंगलैंड और अमरीका वाले अपने नौजवानों को जबरहरवी डेमोक टिज्म बल्क इन्पीरियलिकम सिखाते हैं. बातें सब बाजादी की करते हैं पर सब अपने अपने यहाँ के नौजवानों को परे जोरों के साथ अपने अपने सांचे में दालने की कोशिशों में स्रो हुए हैं. आजादी की इस दलील में सच्चाई केवल उतनी है और वह बड़ी जरूरी चीज है कि बाक़ी जिन्दगी के लिये हर लड़के लड़की को उस काम, उस धन्दे या उस पेशे की तालीम देनी चाडिये जो उसकी तिबयत, उसकी ताकत चौर इस की पसन्त के अनुसार हो. बस. यह तो हुई हर बच्चे की खास तालीम. इस के भलावा और इसके साथ साथ हर बच्चे को खाम और जल्दी कलचरी तालीम भी चार चीजों में देनी चाहिये-पदना, लिखना, हिसाब और मानव धर्म (मजहबे इन्सानियत).

यह ठीक है कि बड़े होकर हर लड़के सहकी को अधिकार है कि वह जिस चीज को चाहे माने और जिसे चाहे न माने, जो चाहे आपनाए रहे और जो चाहे कोड हे. सैकड़ों बादमी, खास कर पढ़े लिखे. रोज बपना मत. अपने विचार और अपनी पारटी बदलते रहते हैं. यह आए दिन का बदलाव हमारे समाज को बहुत नुक्रधान पहुँचा रहा है. इसका इलाज भी यही है कि हम मजहब के बुनि-यादी असलों यानी सब मजहबों के उन आम असलों की. जो हर इनसान के लिये जरूरी रहानी और इसलाकी यानी भाष्यात्मिक भौर नैतिक, खराक हैं, दुनिया के सब बादकों और लड़कियों को छोटा उमर से ही पूरी पूरी वालीम हैं. आगे बल कर हमारे बच्चे कोई भी पेशा क्यों न अपनावें मानव धर्म के यह आम असूल ही उन की हर तरह के जिन्दगी में बुनियाद का काम करेंगे और उन्हें गुमराही से और एक दूसरे की नकरव और दुरामनी से बबावेंगे.

अब सबाल रह जाता है कि यह मानव धर्म यानी यह इनसानी मजहब है क्या जीज. इसी को हम विश्व धर्म या आसमगीर मज़हब भी कह सकते हैं. इस इनसानी मज़हब में वह सब सक्वाइयां और वह सब काम शामिल हैं जो अधिकतर नहीं बल्कि सब बढ़े बढ़े मज़हब ठीक भानते हैं. सबसे यहबे इस यह देखें कि इन सब अलग अलग المعلوع الوسار جو جاهے برھے یا نه پرھاور جمعر کو جاھے الله للكن اس مارم ع سب آدمي نوجوانون دو اجه نه كچه عَهَاتِهِ هِي هِينِ أور وهي جيزين سكهاتِ هين جو وه خود عمالين كي لئے سب سے ادعك قالدے كى سنجونانے هيں. یں کے کمپونست آیے نوجوانوں کو زوروں کے ساتھ کمھوئزم عَهَاتِم هيں اللي كے فاشست أنهيں فاشسوم سكهاتے هن . انگلیدی اور آمویکه والے آئے توجوانوں کو زوردستی يموكريكوم بكء أمههرياوم سكهاته هيس باتهن سب راضی کی کرتے میں پر سب ایے اپنے یہاں کے نوجرآنوں کو الاست زوروں کے ساتھ اپنے اپنے ساتھے میں تھالئے کی بهبرس میں لکے مولے میں . آزادی کی اس دلیل بھی سیجائی کیول اتذی ہے اور وہ ہوی ضروری چھڑ ہے ی ہائی زندای کے لئے ہو لوکے لوکی کو اُس کام' اُس اهلدے یا اُس پیشے کی تعلیم دیلی چاهائے جو اُسکی المههدت اس کی طاقت اور اسکی پسان کے انوسار هو . س ، يه تو هوئي هر يحيد كي خاص تعليم ، اسك عالود أور سکے ساتھ ساتھ هر بھے کو عام اور ضروری کلنچری تعاہم بهي جار چيزوں ميں ديئي جاهئے۔پوهنا لکهنا عساب لور مانو دهرم (مذهب إنسانيت).

یہ تھیک ہے کہ ہوے ہوکر ہر لوکے لوکی کو ادھیکار ہے وہ جس چینو کو چاہے سائے اور جسے چاہے نہ سائے جو ادسی چاہے نہ سائے جو اور جسے چاہے نہ سائے جو تھائی کر پوہے لکھے اور جو چاہے جہور دے ، میکروں آدسی خاسی کر پوہے لکھے اور اور ایفا میت آپ وہارے سماے کو بہت نقصابی پہونچا وہائے ، اسکا علاج بھی بھی کہ ہم سلھب تقصابی پہونچا وہائے ، اسکا علاج بھی بھی ہے کہ ہم سلھب کے ان عام آصولوں کی بھیائیک اور ایسان کے لئے ضروری روحانی اور اخلائی یعنی کہ ہمیائی کو جھوڑ ایسان کے لئے ضروری روحانی اور اخلائی یعنی گھیائیک اور نیتک کوراک ہیں دنیا کے سب لوکوں اور گھیائی کر ہمارے بیچے کوئی بھی پیشہ کیوں نہ ایناویس کی مدرم کے یہ عام آصول ہی آنکی ہو طوح کی زندگی جس پہیائی مدرم کے یہ عام آصول ہی آنکی ہو طوح کی زندگی جس پنیائی کی نفوت اور ایک کوئی یہیں گھراہی ہے اور ایک کوئی بھی پیشہ گھراہی ہے اور ایک کوئی نفوت اور دشمنی ہے بچارینکے ،

اب سوال رہ جاتا ہے کہ یہ مانو دھرم یعلی یہ انسانی میں سوال رہ جاتا ہے کہ یہ مانو دھرم یا عالمگیر میں ہیں کہ سمجے ہیں اس انسانی مذھب میں وہ سب کام شامل ھیں جو ادھک تر سب برے برے مذھب تیک ماندے ھیں ، سب برے برے مذھب تیک ماندے ھیں ، سب برے برے مذھب تیک ماندے ھیں ،

हटा कर इसरे किसी भी अजहब को मानने जगते हैं. पर विलों की गहराई के अन्दर किसी न किसी मज़हब की ध्यास सब के अन्दर बनी रहती है. इस से जाहिर है कि बादमी के लिये जरूरी चीज 'मजहब' है, यह मजहब या बह मजहब नहीं. अब हमारे लिये वो रास्ते रह जाते हैं. या तो सब मजहबां से इनकार करदें या सब को मानने बरों. यह दोनों नामुमिकन हैं. इसिलये अमली चीज और सब से अच्छी और अक्रलमन्दी की चीज यही है कि जिलने बड़े बढ़े मजहब दनिया में हैं उन सब में से हम इन नाम रूपों और रीत रिवाजों को अलग कर के जो सब में अलग अलग हैं, और जो अपनी अपनी जगह और अपने अपने हालात में मुनीव हो सकते हैं, उन सब चीओं को जमा कर लें जो सब में एक सी हैं और किन्हें सब 'ज़हरी मानते हैं, फिर हम अपने सब बच्चों को यही असली कहानी नाज खिलाएं, चन्हें उन ही की क्षाजीम दें, चौर चन्हें यह भी बताएं कि रीत रिवाज के क्रिल के सचाई के वानों को क़ायम रखने के लिये जरूरी हो सकते हैं, वह लाने और इजम करने की चीज नहीं हैं.

कक्क लोगों का कहना है कि पुराने जमाने में जो काम मजहब से लिया जाता या वह अब कला, क्रान्त, फलसफे और साइंस से मिलाकर लिया जाता है, इसलिये अब हमें किसी नए या पुराने मजहब की जरूरत नहीं रही. इस का जवाब यह है कि आदमी कोई तीन या चार टकड़ों में बंटी हुई चीक नहीं है, वह एक वजूद है, एक अस्तित्व है. फल-सके, साइंस, कातून और कला का मेल बैठाने वाली उसके अन्वर कोई एक चीज होनी चाहिये. अंगरेजी शब्द 'रिली-जत' का कर्य 'बांधना' है. हिन्दी शब्द 'धर्म' का कर्य सब को संभाजना है. धर्म या मजहब ही वह चीज है जो सब स्रोगों के दिनों की एक दूसरे के साथ और सब को ईश्वर के साय पक बोर में बांधे रखती हैं. इसके खिलाफ दुनिया के लोग जातच और दुनियावी खाहिशें इमें एक दूसरे से काइती हैं. वेदान्त या तसब्बुक वह चीज है जिसमें कत-सका, साइंस और कता, बल्कि कहना वाहिये मजहब. साइंस और कला तीनों आकर मिल जाते हैं और जिस में सब मजहबों का इत्र खिंच कर मा जाता है. हमें यह भी न भूसना चाहिये कि जाजकल की साइंस के बढ़े से बड़े पंडितों की खोज ने हमें यहाँ पहुँचा दिया है कि सारी मादी दुनिया यानी सारा जड़ जगत ऐटमों यानी परमानुकों 'इलकटोन'. 'प्रोटोन', 'न्युट्रोन', 'रज्ञू ट्रोन', 'पोजीट्रोन' वरौरा वरौरा, यहाँ तक कि विजली की ताक्रत और आखीर में केवल माइन्ड फोर्स यानी विश्व शक्ति या खबाब की वाक्रत से बनी हुई है और बसी से क्रायम है.

कुछ कोग इस बात पर जोर देते हैं कि तार्जाम में बाइकों भीर ताइकियों को जियादा से ज़ियादा माजादी देनी

علا كر فارسرے لسى دونى ملعب كو ماللے ليك عيل ، ور ملوں کی گہرائی کے آلدر کسی تد کسی مذهب کی پهاس سب کے اندر یدی رهتی هے . اس سے طاهر هے که آدسی کے لیے فروري چيز املهب يه يه ملهب يا وه ملهب تبين . اب همارے لئے دو راستے رہ جاتے میں. یا تو سب مذهبین سے افکار کو دیس یا سب کو ماللے لگھی ، یہ دوتوں ناممکن ههن ، اسائم ملی چیز اور سب سے اچھی اور عقاملدی کی چیزیہی ہے کہ جانے ہوے ہوے افادب دنیا میں میں أن سب مهن سے هم أن نام روپان اور ريت رواجون كو الگ كركے جو سب مهر الك الك هيں أور جو ايلى اپلى جائة ارر ایم ایم حالات میں سنید دوس تنے هیں' أن سبجيزوں کو جمع کر لیں جو سب میں ایک سی هیں اور جلهیں سب فروری مانعے هيں ، پهر هم ابنے سب بحوں کو يهي اصلي روحاني نام كهاائين أنهين ان هي كي تعليم دين ارر اُنہیں یہ بہی اتاایں که ریت رواج کے چھلکے سچائی کے دانیں کو قائم رکھنے کے لئے ضروری دوسکتے هیں وہ کھائے اور مقسم کرنے کی چیز تبیں میں ،

كچه لوكوں كا كهنا هے كه پرانے زمانے مهن جو كام مذهب سے لیا جاتا تھا وہ اب کلا قانون فلسفے اور سائنس ہے ملاء لیا جاتا ہے ۔ اُس لیے آپ هیوں کسی نثے یا برائے مذهب کی ضرورت نہیں رهی . اس کا جواب یہ ہے که آدمی کوئی تین یا چار ٹکورں میں بٹی هوئی جهز نهيل هے واليك وجود هے أيك أستتو هے قلسنے ساٹنس' قانوں اور کا کا مہل بیتھانے والی اُس کے اندو کوئی ایک جهنو هونی چاهئے ۔ انگریزی شبد 'رلهجن' کا ارته 'بالدمنا' هے . مندی شید 'دهرم' کا ارته سب کو سُلبهالنا هي دهرم يا مذهب هي وه چيز هي جو سب لیگیں کے دلوں کو ایک دوسرے کے ساتھ اور سب کو ایشور کے ساتھ ایک تورے میں باندھے رکھتی ہے . اِسکے خلاف فنها کے لیابہ لالیے اور دنهاوی خواهشیں هنیں آیک دوسرے م پهارتي هيل ، ويدانت يا تصوف وه چيز هے جس مهى قلسفه سائلس أور كلا بلكه كهذا جاهيُّ مذاب سائلس اور که تهلین آکر مل جاتے هیں اور جس مهن سب مذهبن کا عطر دیدی کر آجاتا ہے . همهن یه بهی نه بهوالا چاهئے که آجکل کی سائلس کے ہونے سے بڑے بلکتیں کی کہوے نے همیں یہاں بہونتھا دیا ي كد ساري مادس دنيا يدلى ساوا جو جالت أيالس يعلى در ماتنون "الكارون" " (دراتون" " نهوالرون" " الماوالرون" الموريقارين وفهرة وفهرة يهان تك كه يتجلى كى طااس أبر أضير مين كهرال ماللة فررس يعلى جت شكتى يا خيال كي طاقت سے بني هوئي هے اور اُسي سے قائم هے .

کیپھ لوگ اس یات پر زیر دیتے میں که تعلیم میں لیکیٹے ایر توکیس کو زیادہ ہے زیادہ آزاسی دیتی

الله الله ينجين كو تعليم ديلران كها فيروره . الريماييب ي الله أدمى كا كام جل سكتا تو هم يهي إن سوأ وس كا يهني جوابيه دیتے که هدين کوئي حق نهيں' لور نه اسکی کوئي فرورت ه . يرسيم يه ه كه مذهب كه بنا كام چل نهيس سكتا . اس لگر جواب دیدا ہوتا ہے کہ بجس کو مذمبی تعلیم دینے كا هيهن أتدا هي حق هه أوريه همارا أتدا هي زيردست فرض هـ جدفا أنهين لكهذا يوهذا حساب بهوكول ا إتهاس أور سائنس سكهانا ، أثلا هي نههن يه سب جهریں آدمی کی آنما کے بہلے کے لئے اُنٹی ضروری نہیں هين جندا ملعب ، هم يه سب چيزين أيه بنهون كو أسليُّم يوماتي هيس كهواكم هم لم تجربي سے ديكه لها هے كه إنهيس جانلي مهن هي أن كا يهلا هي . إسميس أكر هم فلطهان کو جائیں تو کر جائیں ، فلطیاں انسانوں سے فی ہوتی ههی نهونکه کهانا کډوی کډهی لرگون کو بدهقینی أوو تقصان کو دیا ہے اسلیے لوکوں کا دہاسا هم همیشه کے لیے بغد نہیں کو سکتے، همهن جاهئے یه که هم اِس بات کی بھی کوشش کریں کے کہانا اچہا مو جلدی بچنے والا مو اور جانا چاعکے الله می دیا جائے کس سے تلدرستی بلے بکرے نہیں ۔ اِسی طرح مذهب کی آنه بجون کو تعلیم دیگے سیے تین پاتیں کو جان لھانے کی پوری کوشش کرنی جاہئے ۔۔ آیک ہے کے ملحب کی کون کون سی باتیں یکی' محکم اور اثل عمور دوسوی یہ که وہ باتیں اُنچی سے اُونچی سالیس کی کسولی پر سنچی اور کهری اُترثی هین یا نهیں؛ اور اس س بھی بومکر تیسری بات داہیں یہ دیکھلی جاھئے که عين كون سى باتين سب مشهون مين أيك سى هين^ا جیں پو سباکی رائے ملتی ہے ، جن سے سب میں ایک دوسرے سے همدردی میل ملاپ اور پریم بوھ سکے ، کار جیاهیی لیکوں کے اقدیم پی اور آن کی آیسی نفرتوں کو کم کرنے الله بهي يهي أيك طريقه هـ .

اسی سوال پر آب هم دوسری طرح سے وجاز کریں ،

وابعا کے اودھک تر لوگ اپنے اپنے دھرم میں پیدا ھوتے ھیں

اپنے اسی کو چپتے رھتے ھیں تبیک جس طرح هر

آدمی اپنے باپ دادا کی جائداد کو چپتا رھتا ھے ،

پر اگر دو ہجے ساتھ ساتھ پیدا ھرن ایک کسی

میسلمان گور میں اور دوسرا کسی ھلدو گھر میں اور

اپنے اسی سیے ھلدو ہجے کو لے جا کر مسلمان گھر میں

اپنے میں بھے کو لے جا کر ھلدو گھر میں رکھ دیں

پر میں پھدا ھوا بجے برا ھوکر مسلمانوں کی سی

اپنے میں پھدا ھوا بجے برا ھوکر مسلمانوں کی سی

اپنے میں پھدا ھوا بجے برا ھوکر مسلمانوں کی سی

اپنے میں پھدا ھوا بجے برا ھوکر مسلمانوں کی سی

اپنے میں پھدا ھوا ہو مسلمان گھر میں پھدا ھوا

اپنے میں طرح رہنے سیلے اور سوچلے لگے گا۔

काबी बादने बक्षों को ताबीम देने की क्या बहरत. यसर सजहब के बिता आवमी का कास बढ़ सकता तो इस भी इन सबाजों का यही जवान देते कि हमें कोई हक नहीं. श्रीर न इस की कोई जरूरत है. पर सच यह है कि मजहब के बिना काम चल नहीं सकता. इसलिये जवाब देना पहला है कि वचों को मजहबी तालीम देने का हमें उतना ही हक है और यह हमारा जतना ही जबरदस्त फर्ज है जित्ता उन्हें विखना, पहना, हिसाब, भूगोल, इतिहास भीर साइंस सिखाना. इतना ही नहीं, यह सब बीखें बादमी की श्यात्मा के भले के लिये इतनी ज़रूरी नहीं हैं जितना मज़हब. हम यह सब बीजें अपने बच्चों को इसक्रिये पढाते हैं क्योंकि हमने तजरवे से देख जिया है कि इन्हें जानने में ही इनका भला है. इसमें अगर हम राजितयों कर जाएं तो कर जाएं. रातितयां इनसानों से हो होती हैं. चूँकि खाना कभी कभी बोगों को बदहजमी और तुक्तसान कर देता है इसिलये लोगों का खाना हम हमेशा के लिये बन्द नहीं कर सकते. हमें चाहिये यह कि हम इस बात की भी कोशिश करें कि खाना अच्छा हो, जल्दी पचने वाला हो झोर जितना चाहियं उतना ही दिया जाय, जिससे तन्द्-हस्ती बने बिगड़े नहीं. इसी तरह मज़हद की अपने बच्चों को तालीस देते समय तीन बातों को जान लेने की परी कोशिश करनी चाहिये-एक यह कि मजहब की कौन कौन सी वार्ते पक्की, सुहकम और अदल हैं, इसरी यह कि वह बार्ते ऊँची से ऊँची साइंस की कसौटो पर सबी भीर खरी इतरती हैं या नहीं, और इससे से भी बद्कर तीसरी बाब हमें यह देखनी चाहिये कि कीन कीन सी बातें सब मजहबों में एक सी हैं, जिन पर सब की राय मिलती है, जिन से सब में एक दूसरे से हमदरदी, मेल मिलाप और प्रेम बढ़ सके. कट्टर मजहबी लोगों के अन्धेपन और उनकी आवसी नकरतों को कम करने का भी यही एक तरीका है.

इसी सवाल पर अब हम दूसरी तरह से विचार करें.
दुनिया के अधिकतर लोग अपने अपने धर्म में पैता होते
हैं और उसी को विपटे रहते हैं, ठोक जिस तरह हर
आदमी अपने बाप दादा की जायदाद को चिपटा रहता
है. पर अगर दो बच्चे साथ साथ पैदा हों, एक किसी
मुख्लमान वर में और दूसरा किसी हिन्दू घर में, और
हम इसी समय हिन्दू बच्चे को लेजाकर मुस्लमान घर में
और मुस्लमान बच्चे को लेजाकर हिन्दू घर में रख हैं
और दोनों को वहीं पताने और बड़ा होने दें, तो हिन्दू घर
में पैदा हुआ बच्चा बढ़ा होकर मुस्लमानों की सी सब
वारों करने लगेगा और मुस्लमान घर में पैदा हुआ बच्चा
हिन्दुओं की तरह रहने सहने और सोचने लगेगा. इसी
तरह अकसर लोग अपने जनम के मजहब से विश्वास

The state of the s

भव घरती की कोख ये कोई ऐदम वस न गिराए कहीं न कोई हीरी शीमा नागा साकी बनाए ज़हरीली गेसों का बादल मीत न अब बरसाए काल न कोई बोने पाए मूक न कोई उगाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

यही सदाई जो फैसाए काल, बिपत, महँगाई क्यों न बनें घनवान फिर इसके रसिया और सौदाई सोहे के बदले में करादे जो सोने की कमाई अब न फैसेंगे लाख कोई डालर का जास बिछाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

दोस्त हमारा अब तो वही है जंग का हैं। जो दुशमन देटम की ताकत से खलाए ट्रैक्ट्रों के इंजन रेगिस्तानों को जो सीचे और बनादे गुलरान केती हैंसिया काटे हथींका कारीगरी फैलाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

बेत नाम, मलाया, बरमा, बरंब हो या अफ्रीका यूनान, इटली, जरमन, फ्रान्स, इंगलैंड हो या अमरीका दुनिया भर में जंग पसन्दों का है रंग अब फीका भूके भारत वाले भी दानों से नहीं ललचाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

भूकी जनता से धर्राकर वह सरमाया दारी आड़ में मज़हब की करवादेती है मारा मारी ख़ुद तो ख़िप जाती है मरती है जनता बेचारी आपस की यह जंग न बदकर और तबाही लाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

آب دهرتی کی کوکه په کوای آیگم یم نه گرائے کهیں نه کوئی هیرو شیما ناکا ساکی بدائے زهریای گیسوں کا بادل مؤت نه آب برسائے کال نه کوئی بولے پائے بهوک نه کوئی آگئے

جنگ نہونے پائے مانہی کنگ نہونے پائے إ

بعن لواقی جو پھیلائے کال بیمی مہتھائی کوس آئ بیمی مہتھائی کیوں آئ بکیس دھلواں پھر اسکے رسیا آور سودائی لوھے کے بدلے میں کوا دے جو سونیکی کمائی اب نے پھسیلگے لاکھ کوئی ڈ لر کا جال بحیهائے اب نے پھیلے بائے ساتھی جلگ نہوئے پائے !

دوست همارا آب تو وهی مے جنگ کا هو جو دشین ایتم کی طاقت سے چلائے تربیک تربی کے انجن ریکستانوں کو جو سینچے اور بنا دے گلشن کھیتی هنسیا کائے هتمورا کاریکری دویلائے جنگ تہونے دائے!

ویت نام' ملایا' برما' عرب هو یا افریقا یونان' اِتّلی' جرمن' فرانس' انگلیلڈ هویا امریکہ دنیا بهر میں جلگ یسلدوں کا آب رنگ هے پهیکا بهرکے بهارت والے بهی دانوں سے نبھی للجائے ،

جنگ نہونے پائے ساتھی جنگ نہونے پائے !

بھوکی جلتا سے تھرا کر یہ سرمایہ داری آر میں مذھب کی کروا دیتی ہے مارا ماری خود تو چھپ جاتی ہے مرتی ہے جلتا ہے چاری آیس کی یہ جلگ نه بوھکر اور تباھی لائے

جنگ نہونے دائے ساتھی جنگ نہونے پائے !

इनसान और मजहब

(डाक्टर भगवान दास)

बहुत से लोग मंजहब के नाम पर कट्टर, जांचे ब्लौर नासमक लोगों के आपसी कगड़ों, इटअर्मियों, जलमों बौर बुरे से बुरे पापों को देख कर यह कहने लगे हैं कि इमें अपने बचों को किसी तरह की भी मजहबी तालीम नहीं देनी बाहिये. इतनी बुरी बीज अपने बच्चों के अपर नहीं देनी बाहिये. इतनी बुरी बीज अपने बच्चों के अपर साहने का हमें क्या हक है. जो मजहब आदमी आहमी से दुशमसी पैदा करते हैं कुन्हें इतना अन्या कर देते हैं.

انسان اور مذهب (قائلر بهکوان دامن)



निस्य 11

W- /

सितम्बर, सन् '51

स्बर 3

ستمير' سن 51' نسير 3

11 ala

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्दु' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली.

جات آدمی' پریم دهرم هے' هندستانی پولی' 'نها هند ' پہنچے کا گهر گهر لئے پریم کی جهولی ،

जंग न होने पाए

(भाई मुजनकर शाहजहाँपुरी)

ं अंग न होने पाए साधी, जंग न होने पाए !

जंग के कारन विक गईं कितनी मरियम श्रीर सीताएँ को बैठी श्रापने नयनों के तारे कितनी माएँ लाख बलाएँ लाई एक दो हों तो उन्हें गिनाएँ श्राब की जंग खिड़ी तो कम है जो न क्रियामत ढाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

मांग का सेंदूर उजका और कितनों की चूकी इडी कितनी बाँहों से जौशन उत्तरे माथों की बेंदी छूटी जंग के ख़्नी देव ने घर घर शान्ति सब की छूटी हम पर, तुम पर, सब पर बीती कीन किसे सममाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

श्रव न हों बेवा जवान मुहागिन श्रव न यतीमी बरसे घूंषट में घुट घुट के न कोई पिया मिशन को तरसे भरती होने पेट की ख़ातिर जाय न कोई घर से जंग किसी साजन को श्रापनी सजनी से न खुड़ाए

अंग न होने पाए साथी, अंग न होने पाए !

इस्म-भ्रो-भ्रद्य, भ्राजादी भीर बच्चों के गालों की लाली जंग ने फैला रक्की है हर शोबे पर अदहाली मुस्तक्रविल पर अथा म बरसने देंगे हम पामाली भी बार अशाँ के रक्की और कर वसे कर आग

جنگ نه هونے پائے

(بهائی مظفر شاهنجهانیوری)

جلگ نہونے پائے ساتھ ؛ جلک نہونے پائے !

جلگ کے کارن بک گئیںکتئی مریم آور سیتائیں کھو بیٹھیں آئے نینوں کے تاریے کٹنی مائیں لاکھ بلائیں لائی آک دو ھوں تو اُنہیں گنائیں اب کی جنگ چھوی تو کم ہے جو نہ قیامت تھائے

جلگ نہونے پائے سانھی ' جلگ نہوئے پائے!

مانگ کا سیلدرر اُجڑا اور نتاوں کی چوڑی توتی کتفی ہانہوںسے جوشن اُترے ماتھوں کی بھلای چھوتی جلگ کے خونی دیو نے کھر گھر شانتی سیکی لوتی ھم پرا تم پرا سب پر بیتی کون کسے سمتجھائے

جلگ نہونے ہائے ساتھی' جلک نہونے بائے!

آپ نہوں بیوہ جوان سہائن آپ نے یتھمی برسے گھونگیت میں گھت گھت کے نے کوئی پیا ملن کو ترسے بھرتی ھونے پھت کی خاطر جائے نے کوئی گھر سے جلگ کسی ساجن کو آپنی ستجنی سے نے چھوڑئے

جنگ نہونے پائے ساتھی' جنگ نہونے پائے !

علم و ادب آزادی اور بچوں کے الوں کی الی جنگ نے پہید رکھی ہے ہو شعبے پر بدھائی مستقبل پو آب نہ برسانے دینکے ہم پامالی

ताना कलचर सोसाइटी

都

माहवारी परचा सितम्बर 1951

🌁 " تها هلد "

هندستانی کلچر سوساًنتی ا

ماهواری پرچا ستمبر 1951

क किससे

صفحه الآلة

کیا کس سے

वा न होने पाए (कविता)—भाई 'मुजफकर'		ا الله الله الله عنه الله الله الله الله الله الله الله ال
क्षारवहाँ पुरी	197	شاهجهانپوری
क्षान और मजहब—डाक्टर भगवान दास	198	و انسان اور مذهب - قابقر بهکوان داس
स्कियों की सोहबत में आई गु. म	205	ا صولیوں کی صندیت میں بھائی گ . م
का किस बोली-खिचड़ी बोली और बोली की		4۔خالص بولی — کهدی پولی اور بولی کی دیوار
सार-, भाई मदन गोपाल	206	۔۔۔ پہ ئے مدن گویال ۔۔۔ ،۔۔
बाजर देस का देख आए-(कविता)-		الله على الله الله الله الله الله الله الله ال
कर रबुरात सहाय अभराक	215	رگوم بندر بسرائر أفراق أن الله الله الله الله الله الله الله الل
विश्व - भाई सैयद जमार हसन काजमी	220	6 مرا و - يهائي سيد ضيور حسن لاظمي (
क्ष में सदाचार-शादी और तलाक-भाई		7 - روس مدر سداحار شادر اور طاق
	226	بهائي متجيب رضوى . • • • • • • • • • • • • • • • • • •
क्षार्य चार् कार्या का सम्बन्ध-भाड भान		8- بهارت اور کوریا کا سمیلدہ بهائی بهان چلدر
	233	ورما
की के नाम पर (कहानी) भाई अनवर		9۔۔۔ گاندھی جی کے نام پر رکہانی) ۔۔۔ بہائی
	243	الورا سيساب
आते वाले चनांव के बारे में		
A STATE OF THE STA	254	11 بنچوں کي دنيا ا
किताचें	259	12 ـــ نچه کتابهی ۱۰۰۰ ۰۰۰
विदस का अवर		13 ــ دیس بدیس کی خبریں
कारी राय-जापानी सुतहनामा-भगवानदीन :		14 هداري رائے - جاياني صلح نامهبهكوان دين ؛
क्यादी बनाम तानाशाही—भगवादीन; कांगरेस अब मित्र जी—भगवनदीन; जवादर लाल छौर		لوک شاهی بنام تا با شاهی-پهگوان دین ؛
जी-सुन्दरलाल.	200	كانگاريس بنام مشر جى—بهگوان دين ؛ جوافرلال
A 1/2/4	-03	لور ٿنڌن جي—سندر لال .

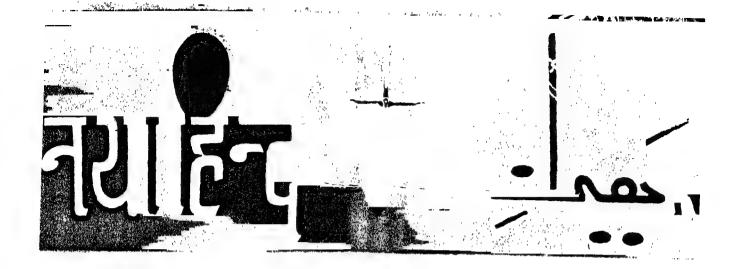
हैन्दुस्तान में छै रुपया साल, बाहर दम रुपया साल, एक परचा दस आने .

र्मनेजर 'नया हिन्त' قیمت مندستان میں چھ رویعہ سال' باھر دس رویعہ سال' ایک پرچه دس آنے .

میڈیج_ر 'نیا هڈد '

الها؛ معمى كنبي الداباد .

संज, इलाहाबाद .



एडीटर ताराचंद, भगवानदीन, मृज्फार हसन, विशम्भर नाथ, सृद्रस्टाल التيقر--تارا چلدا بهكوان دين مطرحسن بشمجهر ناته سلدر الل

नायव एडीटर--- **म्रेश रामभाई, महमूद अहमद** 'हुन्र'

الايترس سريص رام بهائي مصود احد "عفر .

इस नम्बर के खास लेख

इनसान और मजहब-डाक्टर भगवान हास हम डालर देस की देख आए (कविता) -- रघुपति सहाय 'किराक्र' मराको-सय्यद् जमीर इसन काजमी भारत और कोरिया का सम्बन्ध-भान चन्द्र गांधी जी के नाम पर (कहाती)-अनवर अब्दूलता

हमारी राय-

जापानी सुलहनामा-भगवानदीन लोकशाही बनाम तानाशाही--भगवानहीन कांगरेस बनाम मिश्र जी--भगवानदीन

ل المبر کے خاص لیکھ

السان آور مذهب قائدر بهعوان داس هم فالر دیس دو دیکه آنے (دویتا) ا را الإسروكهو يترى سهائم افراق المير المور سهد ضعير حسن كاظمى و فرزيا كا سميلده- بهاي چندر

> جاباني صامع نامعسبهموان دين لوك شاهى بدام تاتا شاهى -- يهكوان دين كاتكريس بغام مشر جي--بهكوان دين

दिवाजी कलचर सांसाइटी, इलाहाबाद 🕍 आंगी हैं।



هماري والهوس

सितम्बर 1951 عادس أند क्रीयत दस श्राना

हिन्दुस्तानी कलचर पर निबन्धों (मकालों) के लिये इनाम

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने तय किया है कि हिन्दुस्तानी कलचर पर तीन सबसे श्रच्छे निबन्धों (मकालों) के किये तीन इनाम दिये जाएं. पहला इनाम एक हजार इतप, कुसूरा क्रमम पाँच सी रुपए श्रीर तीसरा इनाम ढाई सी उपक

जिनका में इस हिन्दुस्तानो कलचर के, जो पिछले सारे जमाने में रूप लेती रही है, टिकाऊ पहलुओं को बयान करते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कलचर के रंग रूप को कताने की कोशिश होनी चाहिये. निवन्ध अंगरेजी में या हिन्दुस्तानी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस काह से अधिक शब्द न हों. कुलस्केप काग्रज पर, काग्रज कि के की तीन कापियाँ 30 सितम्बर सन 1951 तक मीचे से पते पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी को हक होगा कि आए हुए निवन्धों में से जिसे बाहे शाया करे.

सुन्दरलाल

सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

्रेनोट:—यह निबन्ध पहले 30 जून तक मँगाए गए थे भौर हुनाम की रक्तमें कुछ कम थीं. श्रव इस के लिये अपने भीर रक्तम दोनों बढ़ा दिये गए हैं.

---सुन्दरलाल

ھندستانی کلچر پر نبندھوں (مقالوں) کے لئے

لبندلفون التعاور انعام

هندستانی کلچر سوسائتی نے طے کیا ہے که هندستانی کلچر پرتین سب سے اچھے نبندهوں (مقالوں) کے لئے تین انعام دئے جائیں . بہلا انعام ایک s(t, (t, y)) دوسرا انعام پانچ سو و پ اور تیسرا انعام ڈھائی سو روپے .

نبندھوں میں اُس ھندستانی کلچر کے جو بچھاے سارے زمانے مھی روپ لیتی رھی ہے تکاؤ بہلوؤں کو بھان کہتے ہوئے آئے کے لئے ایک ھندستانی کلچر کے رنگ روپ یا ھندستانی کوشش ھونی چاھئے ۔ نبندھ انگریزی مھی یا ھندستانی میں ھونے چاھئیں ۔ پانچ ھزار سے کم یا دس ھزار سے ادھک شبد نہ ھوں ۔ فلسکیپ کافڈ پر کافڈ کے ایک طرف ایک چوتھائی حاشهہ چھوڑ کر قائب کو کے ایک طرف ایک چوتھائی حاشهہ چھوڑ کر قائب کو کے مین بندہ کی تین کابھاں (30 ستمبر سن 1951 تک نہجے کے بتے پر آجانی چاھئیں ، ھندستانی کلچر سوسائٹی کو حق ھوگا کہ آئے ھوئے نبندھوں میں سے جسے چاھے شائع

سندرلال سكريترى؛ هددستانى كلچر سوسائتى 14:5؛ متهى كنير؛ العآباد

نوت سے یہ نبندہ پہلے () جون تک منائے گئے تھے اور انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں ۔ اب اِس کے لئے وقت ارر رقم دونوں بڑھا دئے گئے میں ۔

--سندرلال

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाहरी

هندستانی کلچر سوسائتی

मक्रसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों बरौरा का छापना .
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाकों, कानफरेन्सों, लेक्चरों से सब धर्मी, जातों, विरादिरयों और फिक्कों में आपस का मेल बढ़ाना .

-: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० अन्दुल मजीइ ख्वाजा; बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अन्दुल इक ; गवर्निंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; सेक टरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर-

डा॰ सैयद महमूद, डा॰ ताराचन्द, मौतवी सैयद सुलेमान नदवी, मि॰ मंजर खली सोख्ता, भी बी॰ जी॰ खर, मि॰ एस॰ के॰ हद्रा, पं॰ बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्भद खब्दुल रापकार और श्री खोम प्रकाश पालीवाल .

मेम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरताल सेक्रेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुद्री गंज, इलाहाबाद .

नोट—सोसाइटी के नये क्रायदे के अनुसार मेम्बरी की फीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया बन्दा देने पर ही मेम्बर बना जिया जायगा. अजग से मेम्बरी की फीस देने बाजे सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे बा ज्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम हरा सकेंगे. راً) ایک ایسی هلدستانی کلچر کا بوهانا کههلانا کو برنهار کرنا جس میں سب هلدستانی شامل هیں .

(2) ایکٹا پبیلانے کے لئے کتابوں' اخباروں' رسالوں ۔ کھوٹا کا جمایتا .

(3) پوهائي گهرون' کتاب گهرون' سههاؤن' کانفرنسون' کانفرنسون' کانفرنسون' پرآدريون اور فرقون مهن کانفرنسون کا مهل پوهانا .

-:0:-

سوسائٹی کے پریسه ذات سستر مبدان جید خواجه؛ اس ور دائتر مبدالحق . اس ور دائتر مبدالحق . ایرنبائل ایادی داس؛ ایرنبائل ایر

گورننگ ہاتی کے اور مسر ۔۔

قائلر سید محمود' داکتر نارا چند' مهلوی سید میشور نارا چند' مهلوی سید میشور مستر منظر علی سوخته' شری ہی، جی . اوردا' بنقت بشمهور ناته' مهاتما میشوران عین سیته بونم چندرانک' قاضی محمد عبدالغنار بیشور اور برکامی بالهوال .

السُّينيني كے قامدوں كے لئے لاكھ لاكھ ــ

سلدر لال سكريترى' هلدستانى كلچر سوسائتى' 145' متهى كلج' العاليان .

پوطانسسوسائٹی کے نئے تامدے کے انوسار ممبوی کی الیسی صرف ایک روپیہ کرسی گئی ہے ۔ "نہا ہند" کے پیراٹھک مبیر بننا چاہیں ان کو مرف چہہ روپیہ چندہ کی پیر ھی مقبر بنا لیا جائیا ۔ الگ سے ممبوی کی پیس دینے والے سوسائٹی کی نکلی ہوئی کوئی کتاب جو پیک ورپہہ دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی کتابیں لیتے پر آیک بار آیک روپہہکم کواسکیدگے ۔

फ़िरक्राबन्दी-पर वापू

सम्पादक-श्री श्रीकुरन दास

देरा पिता महात्मा गांघी ने राजकाज के मैदान में क़दम रकते ही फिरक़ाबन्दी के ज़हरीले नतीजों और भीरान ख़क्कसानों का अन्दाजा कर तिया था. यही कारन था कि उन्हों ने अपने जीवन की आख़िरी साँस तक फिरक़ाबन्दी के ख़िलाफ सदाई जारी रक्खी.

इस पुस्तक में सन 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायिकता के सवाल पर जो कुछ कहा वा लिखा बंद सब एक जगह जमा कर दिया गया है.

भारत के आज़ाद होने पर यह और भी ज़रूरी हो गया है कि इर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक़सानों को समफे और इस ज़हर से अपने दिल और दिमाग को साफ करे.

यह किसाब हर हिन्दुस्तानी को ज़रूर पदनी चाहिये. सुन्दर जिल्द. अच्छा काराज़, दो सौ सके. कीमत हो दपया.

छप रही है

भंकार

सम्पादक-श्री रघुपति सहाय 'फिराक्र'

पिछले पन्द्रह बरस से बाज तक की उरदू की चुनी हुई किवताओं का यह संब्रह पद्कर बाप को मालूम होगा कि उरदू किवता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर किन्त्रा की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. बाज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल बौर वस्त व किराक तक ही सीमित नहीं है. बाब आप को उरदू किवता में किसानों और मजदूरों के दिलों की घड़कनें सुनाई देंगी. गुलामी, बन्याय और लूट ससोट के ख़िलाफ आप पक ऐसी आवाज सुनेंगे जो आप के दिल को जोश से अर देगी.

नागरी तिखाबट में ऐसा भरपूर चरवू कविता संग्रह काज तक नहीं निकला किताब 15 सितम्बर तक निकल जाबगी. सुन्दर जिल्द. बढ़िया काराज, सन्दा छपाई. दाम सिक्ष टाई उपया.

فرقهبندی پر باپو

سمیادک-شری شریکرشن داس

دیش پتا مہانیا کاندھی نے راج کاچ کے میدان میں دم رکھتے ھی فرقعیلدی کے زھریانے نتیتجوں اور بھیشن الصانوں کا اندازہ کو لیا تھا ۔ یہی کارن تھا کہ اُنھوں نے آئے بھون کی آخری سانس تک فرقعیلدی کے خلاف لوّئی باری رکھی ،

اِس پستک میں سن 1921 سے سن 1948 تک اندہی جی نے سامہردایکٹا که سرال پر جو کچھ کہا یا کہا وہ سب ایک جگه جمع کرد یا گیا ہے .

بھارت کے آزاد ھوئے پر یہ اور بھی ضروری ھو گھا ھے کہ اور بھارت واسی سامھردایکھا کے نقصانوں کو سمجھ اور سی بھر سے ایے دل اور دماغ کو صاف کرے .

یه کتاب هر هندستانی کو ضرور پرهنی چاهگی.

سندر جلد . اچها کافت . دو سو صفحے . تیست ، و رویعه .

چھپ رھی ہے

جهنكار

سنیادک-شری رکھریتی سہائے 'فراق'

ناگری لهکاوت میں ایسا بهرپور اُردو کویتا سلگرہ آج تک نہیں نکل ہائیگی ۔ تک نہیں نکل جائیگی ۔ سلمر جلد ، بوھیا کافل ، عمدہ چھپائی ، دام صرف تھائی رویدہ ،

भिक्कने का पता— ै गैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इसाहाबाद.

पंजाब हमें क्या सिखाता है

महात्मा गांधी की प्रताह से अक्तूबर सन् 1947 में पच्छिमी और पूरबी पंजाब के दौरे के बाद वहाँ की मयंकर बरबादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीवतें आई उन का दर्दनाक वर्नन. इस छोटीसी किताब में आजकल की मुसीवतों को इल करने के लिये कुछ सुमाव भी पेश किये गए हैं. क्रीमत चार आने.

बंगांज और उससे सबक्र

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी चौर पच्छिमी बंगाल के फिरक्रेबाराना मगड़ों पर रोशनी हाली गई है और ऐसे मगड़ों को हमेशा के लिये खत्म कर नेकी तरकीब भी सुकाई गई है. क्रीमत सिर्फ वो जाने.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-श्री मंजर असी सोखता

30 जनवरी को अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस के जनरल सेक टरी को बुला कर यह विधान दिया की वह उनकी तरफ से इसे आत इंडिया कांगरेस कमेटी में पेश कर हैं. यह छोटा सा विधान देश के नाम गांधी जी की बाखिरी बसीयत है और इसकी व्याख्या गांधी जी के परम भक्त श्री मंजर अली सोखता ने की है जो गांधीबाद को सममते और अपनाने बाते देश के इने गिने स्तोगों में से एक हैं.

गांधीबाद को सममने के लिये इसका पदना बहुत जहरी है. 225 सफ्रे की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत सिर्फ हो डपये.

आज के शहीद

सम्पादक-शी रतन काल बंसल.

चन बहादुरों की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी हाकिमों की फैलाई फूट की जाग में इनसानियत को मस्म होते देख एक इन की भी देर न की और उसे बुम्प्रने की कोशिश में अपनी जान क़रवान कर दी.

इर एकता प्रेमी के पढ़ने की किताब. क्रीमत सिर्फ द्याई हपया.

मुस्सिम देश भक्त

लेखक-श्री रतन लाल वंसल .

चय मुसक्तमान देशमक्तों के जीवन का हाल जिन्होंने अपनी आन इयेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद करने की कोशिश की, किताब बढ़े दिखबस्य ढंग से जिली गर्व है. क्रीमश सिर्फ एक क्पया बारह आने.

सिखने का वरा-

नीकर नवा हिन्द' 145, सुदीगंज, इलाहाबाद .

پنجاب ھیں کیا سکھاتا ھے

مہانما کاندھی کی صلح سے (کانوبر سن 1947 میں ہم اور پورہی پنجاب کے دورے کے بعد وہاں کی بھیلکر ہربادی ارر آیسی مار کات کے کارن لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں اُن اِ دردناک رزنن ، اس چھوٹی سی کتاب میں اجکل کی مصیبتوں کو حل کرتے کے لئے كهد سجهار بهي ييص كيُّ ليُّه هيل . قيمت چار آني ،

بنگال اور اُس سے سبق اس جہرتی سی تعاب میں 50-1949 میں پررہی لور پنچیمی بنکال کے فرقعوارانع جیکوں پر روشنی ڈالی قلی ہے اور آیسے جھکروں کو ہمیشہ کےلئے خاتم کرنے کی الركهب بهي سجهائي كُنّي هي . قيمت صرف دو ألّ .

مهاتما گاندهی کی وصیت

ليكهك - شرى منظر على سوخته

30 جغوري كو ابي ديبانت سے كچه كهدتے بهلے مهاتما الندھی نے انگریس کے جنرل سکریٹری کو اللا کر یہ ودهان دیا که وه ان کی طرف سے اسے آل اندیا کانگریس کمیٹی میں پیش کر دنیں ۔ یہ چہوٹا سا ودھان دیش کے نیام کاندهی جی کی آخری وصیهت هے اور اِسکی ویاکهها الندهي جي کے پرم بهکت شري منظر على سوڪته نے کي ھے جو کاندھی واد کو سمجھلے اور ایٹانے والے دیش کے إن كلي لوكون مين سے ايك هيں .

گاندھی واد کو سمجھنے کے لیے اِسکا پڑھلا بہت ضروری هے . 225 صنعے کی سندر جاد بندھی کتاب کی قیست صرف دو رویگے ،

اج کے شہیں

سمهادک - شری رتن لال بنسل

أس بہادروں کی کہانیاں جنہوں نے ودیشی حاکموں عى يهيلائي يهوت كى آگ مين اسانيت كو بهسم هوتي بیکھ ایک چھن کی بھی دیر نه کی آور اُسے بنجھانے کی گوشش مهی اینی جان قربان کر دیی .

ھر ایکھا پریمی کے پوھلے کی کتاب، قہمت صرف

مسلم ديش بهكت ليكهك شوري رتن لال بنسل .

اور مسلمان دیش بهکترس کے جهرن کا حال جلیس النالي عان همهاي ير ركهكر هندستان أور وديشون مين رہتے عیلے بھارت ماتا کو غلامی کی زندجیروں سے آزاد کرنے کی عطم کی . کتاب ہرے دلمیسپ دھنگ سے لکھی کئی ہے .

قیست صرف ایک روبیه بارد آنے .

ملقے کا یتد۔۔

ميلهجر 'نها هدد' 145' مالهي كليم' الدآباد ،

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मों की एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किताबों से हवाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सबाइयों को बयान किया गया है.

उसके बाद गीता के लिखे जाने के बक्षत की इस देश की हालत, गीता के बड़प्पन और एक एक अध्याय को लेकर गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आखिर में क़ुरान से पहले की अरब की हालत, क़ुरान के बड़प्पन और एक एक बात पर क़ुरान की तालीम को बयान किया गया है. इस में क़ुरान की पांच सौ से ऊपर आयतों का लक्ष्मी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया गया है कि क़ुरान में जेहाद, आक्रबत, आखरत, जजत, जहज़म, काफिर वरोरा किसे कहा गया है.

जो लोग सब धर्मों की एकता को समकता चाहें या हिन्दू धर्म धीर इसलाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की सक्ती जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताब को खकर पदना चाहिये.

पौने तीन सौ सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की

हिन्दू मुसिबम एकता

्र इस में वह चार तेक्चर जमा कर दिये गये हैं जो चंकिक की ने कन्सीलियेटरी बोर्ड म्कालियर की दावत पर अमालियर में दिये थे.

सी सके की किताब. कीमत सिर्फ बारह जाने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक्र

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

साम्प्रदायिकता यानी फिरकापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका इसाज, जिसने झाखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

كيتا اور قران

ليكهك__بنتات سندر لال

اس کتاب کے شروع میں دنیا کے سب بوے بوے دھرموں کی آیکتا کو دامانیا گیا ہے آور سب دھرموں کی کتابوں سے حوالے دے دے کر ملتی جلتی بنیادی سچائدوں کو بھان کیا گیا ہے ۔

أسكے بعد گهتا كے لكھے جائے كے وقت كى إس ديش كى حالت ك ليكر گهتا كے بوين أور أيك أيك أدعها لے كو ليكر گهتا كى تعليم كو بتلايا گها ہے .

آخر میں قرآن سے پہلے کی عرب کی حالت' قرآن کے بچین اور ایک ایک بات پر قرآن کی تعلیم کو بیان کیا گیا ہے ۔ اس میں قرآن کی پانچ سو سے اوپر آیٹوں کا لفظی ترجمہ دیا گیا ہے ۔ یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرآن میں جہاد' عاقبہ' کافر وفیرہ کسے کہا گیا ہے ۔

جو لوگ سب دھرموں کی ایکھا کو سنجھنا چاھیں یا ھندو دھرم اور اسلام دونوں کی ان دو امر ہستکوں کی سچی جانکاری حاصل کرنا چاھیں آنھیں اس کتاب کو ضرور پڑھنا چاھئے۔

پوٹے تین سو صفحے کی سلدر جلد بلدھی کتاب کی قیست صرف ڈھائی روبیہ .

هندو مسلم ايكتا

اُس میں وہ چار لیکنچر جمع کر دیئے گئے میں جو پلقت جی نے کا دعوت پر گوالهار کی دعوت پر گوالهار میں دیئے تھے ۔ گوالهار میں دیئے تھے ۔

سو صفتے کی کتاب ، قیمت صرف یارہ آئے ،

مهاتما گاندھی کے بلیدان سے سبق

ليكهك سينت سندر لال

سامپردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بیماری پر راج کلجی مقعبی ارز اتہاسی پہلو سے وجار اور اسکا علی ا جسی نے آگر میں دیش پتا مہاتما گاندھی تک کو ھمارے بینے میں نه رهنے دیا .

قهست باره آلے .

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

नीचे लिखी सब किताबें नागरी और उद्दू दोनों लिखावटों में अलग अलग मिल सकती हैं. जो किताब एक ही लिखावट में छपी है उसका जिकर कर दिया गया है.

दस रुपए से ज्यादा दाम की कितावें ख्रीदने वालों और बुकसेलरों को खास रिश्वायत दी जायगी.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाइक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी श्रनुवाद

जो 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ

'भारत में श्रंगरेजी राज' के लेखक पं० सुन्द्रलाल द्वारा मूल श्रंगरेजी से श्रनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समक ले.

यदि आप आने वाले आम जुनाव में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर हैं, समक्ष कर हिस्सा लेता चाहते हैं और आजाद भारत में अपने अधिकार समक्षना चाहते हैं तो जहरी हैं कि आप इस पुस्तक को ध्यान से पद लें.

आसानी के किये किता के आखीर में हिन्दी से अंगरे की और अंगरे की से हिन्दी साठ पत्रे की शब्दमाला है दी गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना अक्री है. आसान वामहावरा भाशा. रायल अठपे नी बड़ा साइज़. लगभग चार सौ पन्ने. कपदे की सुन्दर जिल्द. कीमत केवल सादे सात रुपए.

هندستانی کلچر سوسائتی کی

زینچے لکھیسب کتابیں ناکری اور اُردو دونوںلکھاوٹوں مھی الگ الگ مل سکتی مھی ۔ جو کتاب ایک ھی الکھاوٹوں کا کیارت میں چھپی ھے اُس کا ذکر کر دیا گیا ھے ۔

دس ربیکے سے زیادہ دام کی کتابیں خریدنے والوں اور پہسیلروں کو خاص رعایت دی جائیکی .

قاك يا ريل خرج هر حالت مين العك كے ذمه هوا .

بهارت کا ودهان

پورا هندی انوراد

جو 26 جغوري سن 1950 سے سارے بھارت مھ**ں ل**کو ھوا۔

'بہارت میں انگریزی راج' کے لیکھک یفقت سندر لال عوارا مول انگریزی سے انورادت .

هر بهارت واسي کا قرض هے که جس ودهان کے ادههن سوادههن بهارت کا شاسن اِس سے چل رها هے اُسے اُچهي طرح سنجه لے .

یدی آپ آنے والے عام چناؤ میں' جس پر بھارت کا سارا بھوشیہ نربھر ہے' سمجھ کر حصہ لیٹا چاھتے ھیں اور آزاد بھارت میں آئے ادھیکار سمجھٹا چاھتے ھیں تو ضرورنی ہے گہ آپ اس پسٹک کو دھیاں سے پوھ لیں .

بہارت کے ہر اہر میں اس یستک کا رہنا ضروری ہے ،
آسان ہامتحاورہ بہاشا ، رایل آتہ پیجی بڑا سائؤ ، لگ
بھگ جار سو یننے کیوے کی سندر جاند ، قیمت کیول
سات رویئے ،

सममते हैं. इस से यहां पता चलता है कि हमारे विधान
में अभी कितना लोच बाक़ी है. लेकिन प्रेस वालों को इस
सुधार से घबराना नहीं चाहिये क्योंकि अगर वह असल
में जो जान से अपने बुनियादी हक पर लड़ने को तैयार
रहेंगे तो कोई उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता.

लेकिन हमें असली दुख तीसरे पैरे की 'बी' दफा को पढ़कर पहुँचा है. इस दका का बास्ता हमारे देश के माली मामलों और उद्योग धंदों से है. इसमें सरकार ने जो अखतियार अपने हाथ में ले लिये हैं उनसे तो हमें डर है कि हमारे छोटे मोटे देहाती उद्योग धंदे जो इस वक़्त लबे-दम हालत में चल रहें हैं वह और भी चौपट हो जायंगे. आज जब हकूमत डंके की चोट पर बिदेशी और देशी पूँजी , पितयों की । पीठ सहला कर काम कर रही है तो हम यह मानने से इनकार करते हैं कि वह इस दक्षा का इस्तेमाल बनके बजाय किसी दूसरे के इक में करेगी. यहां यह बताने की जरूरत नहीं कि किस तरह पिछले चार बरस में हमारी आजाद सरकार ने एक के बाद एक देहाती धन्हों को पैरों तले द्वाया है. इस दक्ता के बन जाने पर तो हकूमत को अपनी इस रविश को कमाल तक पहुँचाने में कोई भी अब्बन बाकी नहीं रह जाती. अकसोस कि हमारी सरकार एक तरफसे तो विधान में सुधार कर प्रजा का हित महफूच रखने की डींग मारती है और दूसरी तरकसे उसको तबाह कीर बेहाल कर देने के क़दम चठाने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखती.

—सुरेश रामभाई

مبتجهاتے میں ابھی کتنا لوچ باتی ہے ، لیکن پریس ودھان میں ابھی کتنا لوچ باتی ہے ، لیکن پریس والس کو اِس سدھار سے گھورانا نہیں چاھئے کیونکہ اگر وہ اصل میں جی جان سے آبھ بنیادی حق پر لونے کو تیار وہینگے تو کوئی اُن کا بال بھی بانکا نہیں کر سکتا ،

لیکن همین اصلی دکھ تیسرے پیرے کی ابی دفعہ کو پرهکر پہنچا ہے . اِسِ دفعہ کا واسطه همارے دیش کے مالی معاملوں آور ادیوگ دھندرں سے ھے . اِس میں سرکار نے جو اختیار ایے هاته میں لے لئے هیں أن سے تو همهن در هے که همارے چهوتے موتے دیہاتی اُدیوک دعدے جو آس وقت لب دم حالت میں چل رقے ھای وہ اور بھ جویت هوجائیں کے . آج جب حکومت درکے کی چوت یر مدیشی اور دیشی پونتجی پتیوں کی پیتم سها کر کام كر رهي هے تو هم يه مانقے سے إنكار كرتے هيں كه ولا إس دفعہ کا استعمال أنكم بجائے كسى دوسرے كے حتى مهن کریگی . یہاں یہ بتانے کی ضرورت نہیں که کس طرح پچھلے چار ہرس میںهماری آزاد سرکار نے ایک کے بعد ایک ديهاتي دهلدوں كو يهروں تلے دبايا هے . اِس دفعه كے بن جانے پر تو حکومت کو اپنی اِس روش کو کمال تک پہلتھانے میں کوئی یہی اُڑچن بائی نہیں رہ جاتی ، افسوس که هماری سرکار ایک طرف سے تو ودعان میں سدهار کر پرچا کا هت مصلوظ رکهنے کی ڈیلگ مارتی ہے لور درسری طرف سے اُسکو تباہ آور بے حال کر دیئے کے قدم اُتُوائِے میں کوئی کسر باقی تبھی رکھتی ۔

--سریش رام بهائی

गाहकों से-

इसारे गाहकों और दूसरे प्रेमियों ने देखा होगा कि जुलाई के महीने से 'नया हिन्त' नई शक्त में निकलना हुक हुआ है. जुलाई से इसारा नया साल भी शुरू होता है, और जियादातर गाइक इसी माह में बनते हैं. इसिखये इसने अपने गाहक रिजस्टर को फिर से तैयार कराया है और नए सिरे से गाहक नम्बर दिये हैं. सब माई बहनों से अरज है कि अपना नया गाहक नम्बर नोट करलें और चिट्ठी पत्री के समय स्सका हवाला दे दिया करें ताकि कारवाई जल्दी की जा सके.

> —मैनेजर, 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

گاھکوں سے۔

همارے کاهکوں اور دوسرے پریمیوں نے دیکیا ہوگا کہ چولائی کے مہیلے سے 'نیا هند' نئی شکل میں نکلنا شروع ہوتا شروع ہوتا ہور زیادہ تر کاهک اِسی ماہ میں بلتے ہیں ۔ اِس لئے ہم نے اپنے کاهک اِسی ماہ میں بلتے ہیں ۔ اِس لئے سرے سے کاهک نمبر دئے ہیں ۔ سب بہائی بہنوں سے عرض ہے کہ اپنا اُنها کاهک نمبر نوت کرلیں آور چتھی پتری کے سبے اُس کا حوالہ دے دیا کریں تاکه کاروائی جادی کی جاسکے ،

حميلهجر' 'نها هلد' 145' متهى كليم' الهآباد

विवान में सुधार-

始起的 (1945年) 中心的 中心的 (1955年) (1966年)

पिछले ज्न के महीने में नई दिल्ली में हमारी पार्लिमेंट ने इन्झिया यानी भारत के विधान में (जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था) कुछ सुधार किये हैं और "विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951" के नाम से नया कानून पास किया है. यह पूरा ऐक्ट इम इस नम्बर में दे रहे हैं. इसको इम अलग से भी खपवा रहे हैं और जिन भाई बहनों के पास इमारी किताब 'भारत का विधान' हो वह एक कारड भेजकर "विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951" इम से मंगा सकते हैं.

सरकारी इलकों का कहना है कि छेद सरस के अन्दर ही विधान में सुधार की ज़रूरत इस बजह से पड़ गई क्योंकि जनहित के जो बहुत से काम देश की या प्रदेशों की सरकार करना बाहती थीं उनमें कानूनी तौर से ककावटें पड़ीं, जैसे ज़मींदारी-ख़त्म-हो क़ानून बहुत सी जगह गस हो चुके थे मगर कई हाई कोटों ने विधान की रोशनी में उस क़ानून को बेजा ठइराया. इसी तरह से बोलने मीर विचार ज़ाहिर करने की आज़ादी के बहाने देश के ख़ज़ाक ज़बानी और प्रेस में गन्दा प्रचार किया जाने लगा. सी छोटी बड़ी ख़ामियों को दुरुस्त करने के लिये यह ख़बार ऐक्ट बनाया गया.

इस सुधार ऐक्ट में 14 पैरे हैं, जिनमें 3, 4 और 5 गास महिमक्त रखते हैं. बाक़ो तो राजपंचायत, सदन है बैठकों को बुताने, मंग करने के सिखिखि में राजपित, ध्यासत पित या राज प्रमुख के हक, विदेशी जज के नियोन्न, पिछड़ी हुई जमातों की बेहतरी वर्गेरा से ताल्लुक रखते और जिन पर किसी को कोई एतराज नहीं होगा. चौथे गिर पांचनें का ताल्लुक वर्मीदारी-खत्म-हो कानून की काओं से हैं जिन से जनहित को कोई नुक्सान नहीं होने ला है और जिन का हम स्वागत करते हैं.

सबसे ज्यादा बहस तक वितार पैरा है जो विधान दक्ता 19 में सुधार है. इसके पहले हिस्से को हिन्दुस्तान अस्त्रबार बालों ने अपने बुनियादी अधिकार पर एक हरद्स्त खोट महसूस किया और सारे प्रेस में इसकी ह रही. हकूमत की तरफ से प्रधान मंत्री पंडित जवाहर का नेहरू और घर मंत्री भी राजमोपाला अवार्य ने इस हार को जायफा और लाजमी बताया. हमें हँसी इस त पर बाती है कि जो अस्त्रवार वाले इस सुधार के साफ जियादा वारोर मचाते हैं और प्रेस की आजादी असम बरदार बनते हैं वही अमकी राक्स में खुले तौर इसके सब से बड़े दुशमन हैं. इसका यह मतलम नहीं इस हस सुधार को सुनासिय और बेहतरी लाने वाला

والعلق مين سدهار __

پچھلے جون کے مہیئے میں نئی دئی میں هماری پارلیملت نے اندیا یعنی بھارت کے وہمان میں (جو 26 چفوری 050 کو ادر 1950 کو ادر 1950 کی شام سے نیا اندوں پاس کیا ہے ۔ یہ پورا ایکت هم اِس نام سے نیا وہیں ، سکو هم الگ سے بھی جھپوا رہے هیں آور جن بھائی بہلوں کے پاس هماری کتاب ' بھارت کا ردهان ' بھارت کا ردهان ' بھارت کا ردهان ' بھارت کا ردهان ' بھی جہ وہ ایک کارت بھیج کو '' ودهان (پہلا سدھار) لیکت' ایکت میں ملکا سکتے ہیں .

سرکارئی حلتوں کا کہنا ہے کہ تیوھ بوس کے آندر ھی ودھاں میں سدھار کی ضوروت اِس وجہ سے پوگئی کیونکہ جن ھت کے جو بہت سے کام دیش کی یا پردیشوں کی سرکاریں کرنا چاھتی تھیں اُن میں قانونی طور سے رکاوتیں پریں جیسے زمینداری ختم ھو قانون بہت سی جگہ یاس ھو چکے تیے مگر کئی ھائی کورتوں نے ودھاں کی ورقشی میں اُس قانون کو بیجا تبہرایا ۔ اِسی طوح سے پولئے اُور وچار ظاھر کرنے کی آزادی کے بہانے دیش کے خالف وہائی آور پریس میں گندہ پرچار کیا جانے لگا ۔ ایسی چھوائی بری خامیوں کو درست کرنے کے لئے یہ سدھار اُیکت چھوائی بری خامیوں کو درست کرنے کے لئے یہ سدھار اُیکت

اِس سدھار ایکت میں 14 پھرے ھیں' جن میں 13 اور 5 خاص اھیمت رکھتے ھیں ۔ باقی تو راج پشجایت' سدن کی بیٹھکوں کو بلانے' بھلگ کرنے کے سلسلے میں راج پتی' ریاست پتی یا رأج پرمکھ کے حق' وشیشی جم کے نیوجن' پچھڑی ھوئی جماعتوں کی بہتری رفیقی جم کے نیوجن' پچھڑی ھوئی جماعتوں کی بہتری رفیقی دو کوئی اعترانی ختم رفیقی ہوتا ، چوتھ آور بانچویں کا تعلق ومیشداری ختم ھو گانوں کی ناموں سے ھے جن سے جنھت کو کوئی نقصان نہیں ھوئے والا ھے آور جن کا ھم سوائت کو کوئی نقصان نہیں ھوئے والا ھے آور جن کا ھم سوائت کرتے ھیں ۔

سب سے زیادہ بعدت طلب نیسرا پیرا ہے جو ردھان کی دائیہ 19 سیم سدھار ہے ۔ اِسکے پہلے حصے دو هندستان کی دائیہ رائیں نے اپنے بنیادی اُدھیکار پر ایک زبرنست چوت معصوس کیا آور سارے پریس میں اِسکی فونج رھی ۔ اِسکے میں اُسکی فونج رھی ۔ اِسکے میں طرف سے پردھان منتری پنڈست جواہر الل تیہو آور گور منتری شری راج گربالا چاریہ نے اِس سدھار کو جو اُنھاز والے اِس سدھار کے خلاف زیادہ شور منجاتے ھیں جو انتھار والے اِس سدھار کے خلاف زیادہ شور منجاتے ھیں آور پریس کی آزائی کے امام بردار بنتے ھیں رھی عملی شکل میں کہلے طور پر اِسکےسب سے بڑے دشنن میں ۔ اِس کا یہ مظلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مظلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا کو میں مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب اور بہتری النوالا کو میں کو اُنس کی کو اُنس کی اُنس کی اُنس کی کو اُنس کی کو اُنس کی اُنس کی کو اُنس کی کی اُنس کی کو اُنس کی

the state of the s

जुकाई के काश्विरी इपने में दिल्ली में इस कमीशन के सकाइकार कोई की बैठक हुई थी. उसमें नायब सदर ने वड़ी एइतियात से सममाया कि यह प्तानिंग असल में कोई प्लानिंग ही नहीं है, और बताया कि इस रिपोर्ट में भाज की मौजूषा हासत में कुछ घडले नतीजे निकालने के खयाल से कींच से तौर तरीक्षे इस्तेमाल किये जायेँ इसकी सिर्फ मलक षी गई है. कमोरान ने समाज में क्रांति पैदा करने की डींग नहीं मारी है जीर न ऐसी कोई जीवन मान बद्बाने की कोशिश की है जिसके कारन जाज के समाज के, कम से कम ऊँचे दरजे के लोगों को अपना श्राराम का जीवन छोडना पडे.

इस रिपोर्ट पर सरसरी निगाह वौडाने से ही यह पता चक जायगा कि हमारा दावा सही है. यह सचमुच कोई प्लानिंग ही नहीं है. इस मोटी किताब में बहुत सी इकी इक्की आफार योजनाएँ हैं. उनका एक दसरे से कोई सन्बन्ध नहीं विखाई देता. इनमें तसे कुछ में साम्राजवादी ब् आती है, कुछ में समाजवाद की, कुछ में गांधीवादी होने का स्वांग है और कुछ तो क़रीब क़रीब समाजवावियों जैसी ही हैं. विचार और मकसद का ताल मेल कहीं नजर नहीं आता. ऐसा साफ दिखाई देता है कि हर एक योजना में बास खास हितों के दबाव में भाकर उनके कायदों को घका नहीं लगाया गया है. यह दिपोर्ट क्या बल्कि जुदा जुदा हितों के अपना उस्सू सीधा करने की की गई कोशिशों का हैरतनाक तमाशा है और कमीशन के मेन्बर अलग अलग हुकार्मी पर की गई इन कोशिशों के दबाव में आप दुए माल्यम होते हैं.

राश्ट के सामने जो प्लानिंग रखा जाता है वह उसे एक मकसद की तरफ ले जाने बाला होना चाहिये, फिर वह मक्कसद बाहे माटीबादी हो, बाहे नैतिक, बाहे समाजी बा रूहानी. ऐसा जब तक नहीं होता तब तक लोग उसको जोश से नहीं मंजूर कर सकते. और लोगों का उसका जोश से स्वागत किये किना वह प्लानिंग अमल में भी नहीं आ सकता. इसिंक्षिये जीवन का मक्कसद क्या हो इसका इस रिपोर्ट में कोई जिकर न होने की कमी को अगर जल्दी ही पूरा न किया गया तो इसके तैयार करने की सारी मेहनत बेकार जायगी.

हमें बताया गया है कि इस 'दलानिंग' रिपोर्ट को पका करने के पहले पार्लिमेन्ट में गौर करने के लिये पेश किया आचता. इमें बाशा है कि यह मक्तसद की कमी वहाँ दूर कर ्दी जायगी बौर दसका स्वरूप ऐसा कर दिया जायगा कि बह एक मुनासिब और जोशीली या जानदार चीज बन आधाी, आज का उसका स्वरूप बेकार सा ही है.

('माम क्योग पत्रिका' से) -- जे. सी कुमारप्पा

المالي في أشور منافي مين إس شهدي کے صلاح کار ہورہ کی بیٹلوک ہوٹی تھی ، اس میں نائب صدر لے بوی اُحتیاط سے سمجھایا که یه پائلگ اصل میں کوئی پلانلک هی نهیں هے . ارد بتایا که اِس ریوت میں آم کی موجودہ حالت میں کچھ اچھے نتیسے نکلنے کے خیال سے کون سے طور طریقے استعمال کئے جائیں اِسکی صرف جھلک دی گئی ہے . کمیشن نے سمانے میں کرانتی پهدا ، کرنے کی تیلگ نہیں ماری ہے ارز نه ایسی کوئی جیوں مان بدلنے کی کوشش کی ہے جس کے کارن آج کے سماج کے کم سے کم اونجے درجے کے لوگوں کو ایٹا آرام کا جهون جهورنا يع ل

اس رپورٹ پر سرسری نگاہ دورانے سے هی یه بعد چل جائها که همارا دعوا صحیم هے . یه سے می کوئی پلانفک هي نههن هي . اس موتي کتاب مهن بهت سي اکي دکي آزاد ہوجدائیں هیں . أن كا ايك دوسرے سے كوئى سمبندھ انہیں ادکھائی دیٹا ، اِن میں سے کچھ میں سامراج وادی بو آتم هے کنچه مدن سماج واد کی کنچه میں کاندهی وادی هونے کا سوانگ هے اور کچه تو قریب قریب سماج وادیوں جيسي هي هيل . وچار أوو مقصد كا تال مهل كهيل نظر نههر آتا ، ایسا صاف دکهائم دیتا هے که هر ایک پوجلا میں خاص خاص متوں نے دہاو میں آئر اُنکےفائدوں کو دھکا نبهن لاایا گها هے ، یہ رپورت کها بلکه جدا جدا هدوں کے اپنا اُلو سیدھا کرنے کی کی گئی کوششوں کا حمرت ناک تماشة هے اور کمهشن کے ممبر الگ الگ مقاموں پر کی گئی ان کوششوں کے دیاو میوں آئے ہوئے معلوم ہوتے ہیں ۔

واشتر کے سامنے جو یلانفک رکھا جاتا ہے وہ آسے ایک مقصد کی طرف لے جانے والا هونا چاهدُے کھر وہ مقصد چاه ماتے وادی هوا چاهے نهتک عاهے سماجی یا روحانی . ایسا جب تک نہیں ہوتا تب تک لوگ اُسکو جوش سے نہیں منظور کو سکتے ، اور لوگوں کا اُس کا جوهی سے سواكت كلُّم بنا ولا يلانفك عمل مهن بهي نهين أسكتا. اسلئے جهوں کا مقصد کیا هو اِس کا اِس رپورت مهن کوئی ذکر نہ مولے کیکسی کو اگر جلدی ھی پورا نہ کھا گھا تو اسکے تهار کرنے کی ساری متصلمت بیکار جائے گی .

همين يعايا كيا هے كه اس 'يلاندگ' رپورت كو يكا كرنے کے بہلے یارلیمنت میں فور کرنے کے لئے بیش کیا جائے گا. هبيني آها هے که يه مقصد کي کسي وهان درر کر دي جائے كى اور أسكا سورب ايسا كو ديا جائي كا كه وه ايك مقاسب ارر جرشهلی یا جاندار جیز بن جائےگی . آج کا اُسکا سروپ بيكار ساهى هے ،

﴿ اگرام أديوك يعريكا نے ﴾ --- چے . سی . کمارپها

(194)

राय मांगी, वृष्टि बनमें है किसी ने कोई जवाब नहीं दिया, इसकिये मुमें वहीं मानना चाहिये कि इस नहन की रिकायत सही है.

प्रयाग महिला विद्यापीठ एक पुरानी संस्था है और मैं सममता हूँ कि इसके चलाने में उत्तर प्रदेश के कुल आस नेताओं और साहित्य अदब वालों का भी हाथ है. उसकी आचार्या हिन्दी की मशहूर कविश्वी हैं. मैं आशा करता हूँ कि परीचा लेने वाले के वे इज्जाती के अमल से बहुन मुखतार बेगम सिद्दीकी के मन को जो धक्का लगा होगा, उसकी ठीक कल्पना वह करती होंगी.

यह बहन जिस विद्यालय से परीका के लिये आई, उसके क्रायम करने वालों ने अपनी संस्था के नाम के साथ पूज्य कस्तूर वा का नाम जोड़ा है. मालूम नहीं, अपने एक विद्यार्थी के साथ किये गए इस बुदे तर्जे अमल पर उन्होंने क्या किया है. अगर वह इस वे इज्ज़ती को चुपचाप सहते हैं, तो बेहतर होगा कि वह कस्तूरबा का नाम अपनी संस्था के नाम से हटा दें. जब तक उनके विद्यार्थी की इस वे इज्ज़ती की सही भर पाई नहीं होती, और ज्योहार की बराबरी और परीका में इन्साफ किये जाने का इतमिनान नहीं मिलता, तब तक उन्हें अपने विद्यार्थियों को इस महिला विद्यापीठ की परीकाओं के लिये नहीं भेजना चाहिये.

घटना मामूली दिख सकती है. ऐसा महसूस हो सकता है कि एक खावक लेकिन कुछ पुराने ख़बाल बाले इम्तहान लेने वाले से एक मामूली छोटी लड़की की कुछ वे इज्बती हुई है, इसमें उसकी इतनी ज्यादा चरचा करने की क्या खहरत है ? लेकिन इन घटनाओं को छोटा मानने के खयाल में ही जोखम भरा है. यह मामूली सी दिखने वाली बद्तमीज़ी एक ख़ौकनाक रोग की शुरुष्टात हो सकती है.

यह घटना उत्तर प्रदेश की राजधानी में हुई है. इससे इसे और भी जयादा बड़ाई मिल जाती है. इस से लोगों में चाल इस धारना को बल मिलता है कि उत्तर प्रदेश के नेता और वहां की हकूमत पिछ घसीट फिरका बन्दी की तरफ मुक रहे हैं. इन्हीं छोटी घटनाओं से बाद में धर्म की जगहों को खराब करने, उन पर ज़बरदस्ती अपना क्रब्ज़ कर लेने और फिरक्रेबाराना हैंगे वगौरा के बजहानों की ग्रुक्मात होती है.

—किशोरलाल मशरूवाला

योजना या खिलवाइ-

नई दिल्ली की सरकार की तरक से बनाए गए प्लानिंग क्योरान ने एक पंच साला योजना का ढाँचा पेश किया है. उस पर सोकमत आजमाबा जाकर पत्ती रिपोर्ट तैयार की الے مالیے چونیہ ان میں ہے کسی نے کوئی جواب انہوں میں اس لئے مجھے یہی ماندا چاہئے که اس بین کی شخصت صحیم ہے .

پریاک مہیلا ردیا پیٹھ ایک پراتی سنستھا ہے اور مھیں سمجھتا ھوں کہ اِس کے چلانے میں اُتر پردیش کے کچھ خاص نیٹاؤں ارر ساھتیہ ادب رالوں کا بھی ھاتھ ہے ۔ اُسکی آچاریا ھندی کی مشہور کریٹری ھیں ، میں اُشا کوتا ھوں کہ پریکشا لینے والے کے یہ عزتی کے عمل سے بہیں مختار بیگم صدیقی کے من کو جو دھکا لکا ھوگا' اُس کی تھیک کاپنا وہ کرتے ھونگی .

یہ بہن جس ودیالے سے پریکشا کے لئے آئیں' اسکے قائم کرنے والوں نے اپنی سلستھا کے نام کے ساتھ پوجھہ کستوریا کا نام جوزا ہے ، معلوم نہیں' اپنے ایک ودیارتھی کے ساتھ کئے گئے اس برے طرز ممل پر اُنہوں نے کھا کھا ھے ، اگر وہ اس بے عزتی کو جب چاپ سہتے ھیں' تو بہتر ھوگا' کہ وہ کستوریا کا نام اپلیسنستھا کے نام سے ھتادیں ، جب تک اُن کے ودیارتھی کی اس بے عزتی کی صحیح بھر یانی نہیں ھوتی' اُور بھوھار کی برابری اور پریکشا میں انصاف کئے جانے کا اطمیقان نہیں ملتا' تب تک اُنہیں اُنھے ودیارتھیوں کو اُس مہیلا ردیا پھتھ کی پریکشاؤں کے اُنھیں بھیدوبنا جاہئے ۔

گهند معمولی دکه سکتی ه . ایسا محسوس هوسکتا هے که ایک ائتی لیکن کچه پرآنے خیال والے امتحان لهنے والے سے ایک معمولی چهوتی لوکی کی کچه بے عزتی هوئی هے ' اس میں اسکی اتنی زیادہ چرچا کرتے کی کہا ضرورت هے ' لیکن آن گهنداؤں کو چهوتا ماننے کے خیال میں هی جوکهم بهرا هے . یه معمولی سی دکھنے والی بدتمهنی میں هی جوکهم بهرا هے . یه معمولی سی دکھنے والی بدتمهنی ایک خوفلاک روگ کی شروعات هو سکتی هے .

یه گهتدا آدر پردیش کیراج دهانی میں هوئی ہے ۔ اس سے لوگوں میں چائے آس اور بھیزیادہ برآئی مل جاتی ہے ۔ اس سے لوگوں میں جالو اِسدهارنا کو بل ملتا ہے که اُترپردیش کے نیتنا آور وهاں کی حکومت بچھ کهسیتو فرقه بندی کی طرف جھک رہے بھیں ، اِنبیں جھوتی گهتداوں سے بعد میں دهرم کی جگھوں کو خراب کرنے' اُن پر زبردستی اُپنا قضبه کو لیلے جُھوں 'فرقه وارانه دنگے وفیرہ کے رجمانوں کی شروعات ہوتی ہے ،

--- كشور لال مشروالا

يوجنا يا كهاوارً_

نگی دلی کی سرکار کی طرف سے بدائے گئے پاندگ گیوشش نے ایک پدچ سالہ یوجدا کا دھانچہ پیش کیا ہے۔ گیشش نے ایک پدچ سالہ یوجدا کا دھانچہ پیش کیا ہے۔ آس پر لرک صب آزمایا جاکر یکی رپورٹ تیار کی بھالیگی۔

CONTRACTOR SAFER SAFER SAFERS

'मेरा बनाबा हुआ। यह सामा सुन्तर बरतनों में परोसा। त्या था, लेकिन मुक्ते यह देखकर बका दुख हुआ कि परीका। त्ये वाले ने मेरी बनाई बीजों का स्वाद ही नहीं लिया, व्हें टेबिल के नीचे अपने पाँच के पास रख दिया और इंदर को दे दिया. कारन यह था कि मैं मुसलमान हूँ.

'जब मैं दूसरी हिन्दू लड़िक्यों के साथ रसोई पका ही थी, तब एक आदमी ने मेरा नाम पूछा, और डलके हद मुफे हिन्दू परीचा देने वालियों से दूर रसोई पकाने के जिये कहा. इस वेड़क्जाती के ज्योहार से मुफे बड़ा दुख आ है.

—मुखतार बेगम सिद्दीकी

"जाहिर है कि परीचा लेने बाले ने दूसरे और तीसरे रे में जिनका जिकर हुआ है, ऐसी दो राजतियां कीं. इस र समास हो सकता है कि उसने इस परीचा देने वाली के अस की काबलियत की जांच कैसे की ? इस मज़मून में सकी काबिलयत का अन्दाजा किस आधार पर किया ? रीचा देने वालियों के कुज नम्बरों पर और तमाम नतीजे र परीचा लेने वाली की इस भूल का क्या नतीजा हुआ। ।गा, यह भी कीन कह सकता है ?

"सब से ज्यादा चीट इम्तदान लेने दाली के मन के स मुकाब का खयाल करके लगती है, जिसकी वजह से स निर्दोश परीचा देने वाली की ऐसी बेइ काती हुई, यह ह नौजवान सदकी की ज्वरदस्त बेह कत्ती थी. शायद ापने दंग का यह किस्सा अकेला नहीं होगा. हिन्दश्रों के क्षी क्योहार के कारन अलग अलग धर्म और जातियों क्तिये अलग अलग संस्थाओं की सांग, बनावट और हौती हुई है. आ जिर में इसका नतीजा यह होता है कि नक के अलग अलग गिरोह हो जाते हैं, और फिर देश द्रकड़े होते हैं या राज के दुकड़े होकर छोटे छोटे राज दे होते हैं. फहने की जरूरत नहीं कि यही वह बीज था ासने दो-क्रौम-वाद को जन्म दिया, और जिससे आखिर हिन्दुस्तान के दुकड़े हो गए. यह बीज कितना ही गहरा मैं ब हो, अगर हमने उसे जड़ से नहीं उखाड़ दिया, तो इक्षर राज बनाने का हमारा खयाल हवाई महल ही क्षित होगा. अगर हिन्दुस्तान की जनता को एक होकर ह सजबत क्रीय बनना है, तो इस क्रिसिय के फरक या ल अंद की मिटा देना चाहिये."

भी सुरेश रामभाई ने यह नोड मेरे पास कुछ हफ्ते हो मेजा था. उसे छापने से पहले मैंने इस शिकायतों सक्त्याई की खोज कर लेना ठीक सममा, और इस माझ से प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद और सहूरना बालिका विद्यालय, तस्त्रनऊ के स्थास अधिकारियों स्था विद्या कर इस घटना पर उनकी जानकारी और البغوا علما حوا یہ تعلقا سفور والی میں ہورہ گا تیا؟ لیکی سیمی یہ سیمیکر ہوا دائے جوا کہ پروکھا لیگ والے نے مہری بقائی چہروں کا سواد ھی نہیں لیا؟ آنہیں آبیل کے نینچے آئے پاوں کے پاس رکھ دیا آور مہتر کو دے دیا ۔ کارن یہ تھا کہ میں مسلمان ھوں ۔

'جب میں دوسری هندو لوکیوں کے ماتھ رسوئی پکا وهی تھی' تب ایک آدمی نے میرا نام پوچھا' اور اسکے بعد مجھے هندو پریکشا دینے والیوں سے دور رسوئی پکانے کے لئے کہا ۔ اس بےعزتی کے بیوهار سے مجھے ہوا دکھ هوا ھے .

--مختار بهكم صديقي

والعاهر ہے کہ پریکشا لینے والے نے دوسرے اور تھسرے پھرے میں جن کا ذکو ہوا ہے' ایسی دو فلطیاں کیں ، اس پر سوال ہوسکتا ہے کہ اُس نے اُس پریکشا دیئے والی کے کام کی قابلیت کی جانبے کیسے کی ؟ اِس مقسون میں اُسکی قابلیت کا اندازہ کس آدھار پر کیا؟ پریکشا دینے والیوں کے کل تمبروں پر اور تمام نتیجے پر پریکشا لینے والی کی اس بھول کا کیا نتیجے ہوا ہوگا ہے بھی کرن کہ سکتا ہے ؟

"سب سے زیادہ چوت استحان، لیڈے ولی کے می کے اس جهكار كا خيال كرك لكتى هـ على وجه سر آس نردره پريکشا دينے والی کی بےعزتی هوئی . يه ايك نوجوان لوای کی زبردست بےعزتی تھی . شاید ایے دھدگ کا یہ قصہ اکیا نہیں ہوگا ، مقدووں کے اسی بیوھار کے کارن الگ الگ دھرم اور جاتھوں کے لئے الگ الگ سدستهاؤں کی مانگ بناوت اور بوعوتی هوئی هے . آخو میں اسکا نتیجہ یہ هوتا ہے که جنتا کے الگ الگ گوہ هو جاتے هيں' اور پهر ديش كے تكوے هوتے هيں يا راج كے تکوے هوکر چھوٹے چھوٹے راج کھوے هوتے هيں ، کھلے کی ضرورت نهیں که یہی وہ بھی تھا جس نے دو قوم وأد کو بھلم دیا اور جس سے آخر میں هندستان کے تُکورے مَوْكِيِّهِ . يه بيم كتنا هي تهرا كيون نه هو الرهم نه أس جو سے نہیں آکھار دیں تو سیکولر راج بنانے کا همارا خهال هرائی مصل هی ثابت هوکا . اگر هلدوستان کی جنتنا كو أيك هوكر أيك مطبوط قوم يننا هے تو أس قسم کے فرق یا جات بھید کر مثا دینا چاھئے''۔

विकास में कि कि कि मान्य हुए कि नमें हो की तरफ इस अपने पाठकों का अपन स्थिता चाहते हैं. उनमें से एक में यह कहा गया है कि मन्दिर, मसजिद या दूसरी धार्मिक जगहों के बारे में इस कोई मना हा या छीना मपटी धार्मिक जगहों के बारे में इस कोई मना हा या छीना मपटी धार्मिक जगहों के बारे में इस कोई मना हा या छीना मपटी धार्मिक नहीं करें धौर 14 धारत 1947 को जो हालत यी वही बदस्त्र झायम रखी जाय. दूसरे ठहराव में एक झौमी एकता मंडल झायम करने की तजवीज की गई थी जो किसी राजकाजी दल या गिरोह में न हो कर आपसी मेता भाई बारे की बदाने की कोशाश करेगा.

कहने की ज़रूरत नहीं कि दोनों ही ठहराव एक दम पहरी और मुनासिब हैं. धार्मिक जगहों के मामले में तो सरकार को भी बाहिये कि 14 बगस्त 1947 बाली पोजीशन को बनाए रखे और उसमें कोई आँब न आने दे. इसी में

हमारा सबका भला है.

क्रौसी एकता मंडल की कामयाबी बहुत कुछ उसके कारकुनों के काम पर मुनहसिर है. हमें यक्षीन है कि ब्रह्मचारी जी ऐसे साथियों के साथ काम करेंगे जिनके दामन साफ होंगे और जो अपने असर से लोगों का दिल हर लेंगे.

आखिर में इस फिर यही कहेंगे कि क़ौमी एकता की ज़करत जितनी आज है उतनी कभी नहीं थी. अपने निजी जीवन में इस में से हर एक को इस एकता का अलमबरदार बन जाना है. इस बक्षत स्वामी रामतीर्थ का कहा एक शेर हमें बाद आ रहा है—

चीस्त हिन्दू या मुसलमां दो कुज़ा यक कूजागर, गरचें कूज़ा दो शुमार आयद व लेकिन गिल यकेस्त!

—सुरेश रामभाई

الله المنافق میں کئی تهبراو یاس هوی جی منین مرتب هم ایپ باتیکوں کا دمیان کوفیتها جات هاه باتیکوں کا دمیان کوفیتها جات مادر کی میں سے ایک میں یہ کیا گیا ہے کہ مقدر سنید یا درسری دھارمک جگہوں کے بارے میں اور یکی اور یکی جیکوا یا چھیفا جھیٹی آرس میں نیمن کوئی اور کیا اگست 1947 کو جو حالت نہی وہی بدستور قائم کھی جائے . دوسرے تهبراو میں ایک قومی ایکٹا مندل لئام کرنے کی تجویز کی گئی تھی جو کسی راج گاچی بیل یا گروہ میں نے ہوکر آرسی میل و بھائی جارے کو ہوگائے کی کوشش کریکا .

کہتے کی ضرورت نہیں کہ دونوں ھی تھہواؤ ایک عم ضروری اور مناسب ھیں ۔ دھارمک جگہوں کے معاملے میں تو سرکار کو بھی چاھئے کہ 14 اگست 1947 والی ہوزیشن کو بنائے رکھ اور اس میں کوئی آنچ نه آنے دے ، اسی میں همارا سب کا بہلا ہے ،

قومی ایکتا مندل کی کامیابی بہت کچھ اُسکے کارکدرں کے کام پر منحصر ہے ۔ همیں یقین ہے که برهمچاری جی ایسے ساتھیوں کے ساتھ کام کرینگے جلکے دامن صاف مونگے اور جو اپنے اثر سے لوکوں کا دل هرلینگے ۔

آخر میں هم پهر یہی کهناگے که قومی ایکتا کی فیروت جتنی آج ہے آئلی کبھی نہیں تھی ۔ اینے نجی جهروت میں هم میں سے هر ایک کو اِس ایکتا کا علمبردار این جانا ہے ۔ اسوقت سوامی رام تیرته کا کہا ایک شعر همیں یاد آرها ہے ۔۔۔

چهست هلدو یا مسلبان دو گوزه یک کوزه گر گرچه کوزه درشمار آید و لیکن گل یکهست

--- سريش _رام بهاڻي

यू. पी. सरकार के लिये-

"नीचे बाला खत लखनऊ के मशहूर रोजाना अख़बार 'नेरनल हेराल्ड' के 11 मई 1951 के नम्बर में छपा था:

भी कस्तूरका बालिका विद्यालय लखनऊ से प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद की प्रवेशिका परीक्षा में बैठी थी. परीक्षा केन्द्र महिला विद्यालय कालिज में रखा गया था.

'हमारी रसोई की परीचा 3 मई को हुई. उस दिन मैंने करीब दस ठपए खर्च करके सूचना के मुताबिक रसोई तैयार की. परीचा की राह देखती बैठी रही, क्योंकि मेरा का साववाँ था. बेकिन परीचा क्षेने वाले ने मुक्ते 20-25 सहित्यों के बाद क्योंका.

پو ، ہی ، سر کار کے لئے۔۔

''نیعچے والا خط لکھنؤ کے مشہور روزانہ اخبار 'نیشنل میوالڈ' کے 11 مگی 1951 کے نمبر میں چھپا تھا : ''میں کسٹورہا بالکا ردیالیہ لکھنؤ سے پریاگ مہلا جھیا 'میں کسٹورہا بالکا ردیالیہ لکھنؤ سے پریاگ مہلا جھٹھ' العباد کی پرویشیکا پریکشا میں بہتھی تھی ،

السع 51'

3 m. m. mile

है. देश के बोर्के बहुत असे के हमें जाने के लिये दो ही रास्ते दिखाई देते हैं:—

एक महास्मा गांची का बताया रास्ता और दूसरा रूस और साम जीन का रास्ता. इन दोनों रास्तों में कुछ बुनयादी मेस की बातें भी हैं और कुछ बुनियादी फरक की भी. इस बारे में इम अपने विचार फिर किसी नम्बर में ज़ाहिर करेंगे, और कोई बीच का रास्ता हमें किसी काम की जगह बहीं पहुँचा सकता. इन दूसरे रास्तों में से किसी पर चल कर भी देश की मुसीबतें बद सकती हैं घट नहीं सकतीं. साल्म होता है देश को अपना ठीक रास्ता देख सकने और बस पर बल सकने से पहले अभी कुछ और कड़ी आज़-सायशों में से निकलना बाक़ी है.

25, 7, '51

—सुन्दरताल

क्रोमी एकता कान्फ़रेन्स भीर मंडल-

हिन्द्रतान के आजाद हो जाने और उसके वो टकड़ों में बँड जाने के बाद क़ौमी एकता या हिन्दू मुसलिम मेल की बात करना पुरानी लकीर के फक़ीर जैसे बनना मासूम होता है. अकसर भाई बहन यह सममते हैं कि हिन्दस्तान हिन्दुओं का देश है जिसे वह अपने धर्म, कलचर और सभ्यता के मुताबिक्र बनाएँगे, और मुसलमान का घर तो पाकिस्तान में है. लेकिन जरा भी सोचने पर साफ हो जाता है कि यह खयात बहुत ही बेबुनियाद है और हम सबको चीपट कर देने वाला है. सच तो यह है कि हिन्दू मुसलिम भेज की, क्रीमी एकता की जितनी जरूरत आज है उतनी कभी नहीं थी. जितनी देर इस देश के कल रहने वालों को-हिन्दु, मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई वरौरा-डाथ की अंगलियों की तरह एक होने में लगेगी उतनी ही हेर इनको एक शानवार क्रीम वनकर अपना अमर संवेसा द्धनिया तक पहुँचाने में लगेगी. खुशी की बात है कि हमारे प्रधान मंत्री पंडित जबाहर लाल नेहरू का इस चीज में पूरा यक्रीन है और इस तरफ क़दम बढ़ाने में जाती तीर पर उन्होंने कोई कोशिश एठा भी नहीं रखी है. लेकिन इस चीज में हमें महज हकूमत के भरोधे नहीं रहना है. इसमें तो हर बादमी थोड़ा बहुत कुछ न कुछ कर के मुल्क के एक इकाई बनने में ज्वरदस्त मदद पहुँचा सकता है. इसकिये 24, 25 अप्रैक को जखनऊ में जो कौमी एकता कान्करेन्स दुई उसका हम बहुत खुशी से स्वागत करते हैं. इस कान्फ्रेन्स के सदर पंडित सन्दर बाब जी वे और इसके कर्ता वर्त श्री अवय बद्धचारी ये जो अयोध्या की मसजिद के मामले से अपने चीड़े और दुई मरे दिख के तिये मराहर है.

ن المحل الأخلول الله الله عالم المحل الأخلال الاخلى واحق عامال عرف حول -

ایک مہاتما گاندھی کا بتایا راستہ اور قوصراً روس اُرر لال چھیں کا راستہ ، ان دونوں راستیں میں کچھ بلہاڈس میل کی باتیں بھی ھیں اور کچھ بنیادی قرق کی بھی ، اس بارے میں ھم اپنے وچار پھر کسی نمبر میں ظاہر کرینگے ، اور کوئی بیچ کا راستہ ھمین کسی کم کی جگھ نہیں پہونچا سکتا ، ان دوسرے راستوں میں سے کسی پر چل کو بھی دیش کی مصیبتیں بڑھ سکتی میں پر چل کو بھی دیش کی مصیبتیں بڑھ سکتی میں گھٹ نہیں سکتیں ، معلوم ھوتا ہے دیش کو اُپنا تھھک راستہ دیکھ سکتے اور اُس پر چل سکتے سے پہلے اُبھی

25 , 7 . '51

قومی ایکتا کانفرنس اور منتال

هددستان کے آزاد هو جانے اور اُسکے دوتکروں میں بت جانے کے بعد قومی ایکٹا یا هندو مسلم میل کی ہات کرنا پرانی اکھر کے فقیر جھسے بغنا معلوم هوتا ھے ، اکثر بھائی بہن یہ سمجھتے ھیں که ھندستان ھندورں كا ديش هے جسے وہ أبع دهرم' كلجر أور سبهينا كے مطابق بدائهدگی اور مسلمان کا گهر تو پاکستان مهن هے ، لهکن ذرا بھی سوچئے پر ماف هو جاتا هے که يه خهال بهت ھی ہے بلیاد ہے اور هم سب کو چرپت کردیائے والا ہے۔ سے تو یہ ہے کہ ہندو مسلم میل کی قومی ایکٹا کی جَعْلَى صُرورت آب هے اُللی کبھی نہیں تھی، جنلی دیر آس دیھی کے کل رہنے والوں کو-معددو مسلمان سکه پارسی عیسائی وفهرا-هاته کی انگلهوں کی طرح ایک هونے میں لگیگی اُتنی هی دیر آن کو ایک شاندار قرم بن کر اینا امر سندیسه دنیا تک پهونتهانے میں لکیکی. خوشی کی بات ہے که عمارے پردھان ملتوبی يندَّت جواهرال نهرو لا اسجوز مين پُورا يتين هے اور اس طرف قدم ہوھائے میں ذاتی طور پر آنہوں نے کوئی كوشش ألها يهي نهيل ركهي هـ. ليكن أس جهز میں میں معش حکومت کے بہروسے نہیں رمثا ہے ، اس میں تو هر آدمی تهروا بہت کچه نه کچه کرکے ملک کے لیک آلائی بلنے میں زیرد، معا مدد پہرتھا سكتا هي. أس ليُّ 24-25 أبريل كو لكهدو مين جو قهمي ليكتا كانفرنس هولي أسكا هم يهت خوهي بيد سراكب عرته هين . اس كانفرنس كي مدر يندس سقدرال جي تي لورامي كرتا دمرتا غري أغم يرمنهاري تي جو ابردهها کی مسجد کے معاملے سے اپ جوزے اور فرد بھڑے دل کے لگے معبور میں ۔

भगस्त '51

(190)

41 ___

बापान को बामरीका के बंधे से बिकासने से बारत को सोशंकिस्ट सरकार को कोई बास्ता व होगा. हमारे यहाँ की सोरासिस्ट पारटी इन्डोनेशिया से सेकर मिस्न तक के देशों से गठ बन्धन करना बाहती है. यह अच्छी बात है. पर उस के पसान से चाहिर है कि लास बीन और सास रूस से उसे खासी नफरत है. एसान में यह भी कहा गया है कि दुनिया की पिछड़ी हुई क़ीमों को उपर उठाने के सिये और दुनिया से मूक और सड़ाई मिटाने के सिये यू. एन. थो. जो कोशिशों कर रही है उनके साथ पूरा पूरा सहयोग किया जायगा. जाहिर है इमारे यहाँ की सोशसिस्ट पारटी को केवल कम्युनिस्टों से अलगाव ही नहीं उन्हें अमरीका से खास सगाव भी है.

सर्वोदय योजना

पिछले साल महात्मा गांधी के असलों के मानने वाले कुछ भाइयों ने 'सर्वोदय योजना' नाम से एक योजना निकासी थी जिसमें देश के जीवन के सब पहल कों को मिगाह में रखते हुए देशवासियों को यह बताया गया था कि जनता के दुखों को दूर करने और देश को आगे बढाने में इमें क्या क्या करना चाहिये. इमें अफसोस है कि इस योजना की तरफ देश के लोगों का ध्यान बहुत कम गया है. उस योजना के तैयार करने वाले चुनाव के लिये कोई पारटी बनाकर देश के सामने नहीं आ रहे हैं. इसलिये चुनाव की इस गरमा गरमी में उनकी आवाज नक्षकारखाने में तृती की **भावाज ही हो सकती हैं. फिर भी हम 'नया हिन्द' के किसी** कारते अंक उस योजना की इस मोटी मोटी बातें देने की कोशिश करेंगे. सोशिलस्ट पारटी के एलान में सर्वोदय योजना के बहत से शब्द और फिक्करे शामिल कर लिये गए हैं. उससे यह असर पैदा हो सकता है कि सोशांतिस्ट पारटी के बिचार महात्मा गांधी के असूलों से मिलते जुलते हैं. पर ध्यान से पढ़ने पर भी हमें सोशालिस्ट पतान और महात्मा गांधी के विचारों में कोई सास बात मिलती ज़तती विसाई मडीं देती.

दो ही रास्ते हैं

चुनाव जीतने के लिये अभी तक जिलने बतान निकाले गय है हमें इनमें से किसी के ज़रिये भी देश का कोई खास भता बिखाई नहीं देता. काँगरंस की फूट और क्लके साथ वसका नाकाशमन भी हमें बदता ही दिखाई दे रहा है, घटता कुछा नहीं. बंगलीर के जलसे में दोनों दलों को फिर से मिलाने के लिये जो ठहराव पास किया गया है वह मिलाने की तरफ जाता हुछा दिखाई नहीं देता. बसका कुद्रति नतीजारफूट का बदना ही हो सकता या और हुआ سوار کو کوکی واسطہ نہ هوگا ، همارے بیهاں کی سوهاست بارتی اندونهشها سے لیکر مصور تک کے دیہاں کی سوهاست بارتی اندونهشها سے لیکر مصور تک کے دیہاں کی سوهاست بندون کو اندونهشی کرنا چاهتی ہے ، یہ اجھیبات ہے ، یر اس کے اعلان سے طاهر ہے کہ لال چھیں اور لال روس سے اسے خاصی ندوت ہے ، اهلان میں سے بھی کہا گیا ہے کہ دنیا کی پنجیوتی ہوگی قوسوں کو ارپر اُتھانے کے لئے اور دنیا سے بھوک اور لوائی مثانے کے لئے یو ، این ، او ، جو کوششیں کر رهی ہے لوائی مثانے کے لئے یو ، این ، او ، جو کوششیں کر رهی ہے لوائی مثانے پروا پورا میہوک کہا جائے گا ، ہاھر ہے همارے یہاں کی سوشاست بارتی ،و کیول کمیونستوں سے الکاؤ بھی نہیں انہیں امریکہ سے خاص لکاؤ بھی ہے ،

سروودے یوجنا

بجهلے سال مهاتما کاندھی کے اصولوں کے سانٹے والے کھھ بھائھیں نے 'سروودے یوجفا' نام سے آیک یوجفا تعلی تھی جس میں دیس کے جمون کے سب پہلوؤں کو نگاه میں رکھتے ہوئے دیمی واسیوں کو یہ بعایا گیا تھا که جنتا کے دکہوں کو دور کرنے اور دیش کو آئے برهانے مهن همين کها کها کرنا بچاعگے ، همين افسوس في ک اُس پرجدا کی طرف دیش کے لوگوں کا دھوان بہت كم قيا هي . اس يوجفا كي تهار كرني والي جداو كي لغي کوئی ہارائی بناکر دیمی کے سامنے نہیں آرھے میں . اس للَّهِ عِلْمُ فِي إِسْ قَرِمًا قُرْسَى مِينِ أَنْ فِي آوَازُ نَقَارُ خَالَةً میں طوطی کی آواز ھی ھوسکتی ھے، یہر بھی ھم الها هندا کے کسی اگلے آنک میں أس یوجنا کی تجه مَولَى مُولِّى بِالْهُنِ دَيِنْمَ كَى كُوشُش كُرِينْكُمْ ، سُوشُلْسَت پارٹی کے اعلان میں سررودے پرجلا کے بہت سے شبد ارر قدرے شامل کولئے گئے میں . اس سے یہ اثر پیدا هوسکتا ید که سرشات پارتی کے وچار مہاتما گاددھی کے اصولوں سے ملعے جلتے میں . پر دھیاں سے پوھئے پر بھی ھیوں سوشلست اعلن اور مهاتدا کاندهی کے وچاروں میں کوئی شاس بات ملعی جلعی دکهائی نهین دیعی ،

موهى رأسته هيس

چار جیکئے کے لئے ابھی تک جانے اعلان نکالے گئے

میں مسیں ان میں سے کسی کے ذریعے بھی دیمی کا گوئی

خاص بہلا دکھائی نہیں دیانا ، کانگریس کی پھرات اور

اسکے ساتھ اُسکا ناکارہ پن بھی عمیں بومانا ھی دکھائی دے

رما ہے گھاٹا ہوا نہیں ، بنگلور نے جلسے میں دونوں

میں کو پھر سے ملائے کے لئے جو تھہراو پاس کھا گھا ہے

یہ ملائے کی طرف جاتا ہوا دکھائی نہیں دیانا ، اُسکا

قدرتی نعیجہ پھرت کا بوھنا ھی ھوسکتا تھا اور ھوا

لي والي من اللي تراره البالين الما الباليين لیدا قولاہ بچلی اور رسالتی جیزس کے کارشانوں جاتے اور لهل جیسے بڑے ہوے بکانوں کو ھی تھیں' کہوا' شکر اور سیمنت کے سب کارخانوں کو بھی قومھا دیاگے یعلی ایلی سرکار اور سرکاری نوکروں کے ھاتھوں میں لے

سوشلت اعلان مهن ديش كي سماجي، مالي أور رأج کاچی زندگی کو نئے سرے سے اور بالکل نئے ڈھنگ سے تعمهر کرنے کی بات کہی گئی ہے . بڑے ہوے پونجی یعیوں کو مٹانے اور دیھی کے دھن کا جہاں تک ھوسکے برابر کا بہوارہ کرنے کا وقدہ کھا گیا ہے کہا کہا تھے ہونے زمینداروں کی زمین بدا معارضه دبیئے ضبط کر لی جائے گی، کسی ایک آدمی کے پاس تیس أیکڑ سے زیادہ زمین نہیں رہلے دی جائے گی ' کسانوں اور مودوروں کے بہلے کا خاص خیال رکھا جائے کا راجہ لوگوں کے سالھانے بند کر دیگے جائیلگے کسی دیش واسی کی مآہ واری آمدنی ایک سو روپے سے کم نه هولی، نه کسی کو مزار رویے سے ادھک دیا جائے کا جات پات کی دیواریں ترز دمی جائینگی پتی درج جاتوں کی تعلیم یر دس سال کے آندر ایک عرب روپیہ خربے کیا جائے گا، سرکاری نوکریوں میں یتی درم جانیوں کے لیے کبچھ خاص جگههن رکهی جائینگی؛ دیش کی کم گلت جماعتیں اید اه مذهب ابني ابني بهاشا اور ابني ابني ليي كو قائم رکھ سکینگی اور آنے خاص استولوں میں آنے بچوں کو ان سب چهزور کی تعلیم دے سکینگی ' جو کار بار اُدیوگ دهندے پوری طرح سرکار کے هاتھ اور سرکار نے کفائرول میں هونگے أن سے سميلده ركهني وال تجارت بهي سركار كيهاته مهل هوكي، أبع کل کے کھے اور اُدھورے کنگرول کی جگه سمجهداری کا اور یکا مملقرول نهج سے اوپر تک قائم کیا جائے گا نئے صوبے بهاشاوں کے آدھاو پر قائم کئے جانهنگے وفهرہ وفهرہ ،

هم نے پورے اُعلان کا سار دینے کی کوشش نہیں کی ، کھول کھتھ موتی مورثی باتھی نمونے کے طور پر بیان کی هيس . إن مين ظاهر هي كتوب باتيس چهي ههن أور کنچه خاص لوکوں کے یا جماعتوں کے ورث حاصل کرنے کے لگه کهی گئی هیں .

اس اعلان میں دو باتیں خاص چمکٹی هرئی هیں . ایک ، یع کو کار سرشاستوں کے هاتھوں میں حکومت آگئی تو أن كي سركار أيذكلو أمريكه أور جهري روس أن دو دُاول کے کسی جھکوے میں کوئی حصہ نه لیکی اس کا مطلب کھیل یدھ میں تاسلہ رہنا نہیں بلکہ یہ بھی هوسکتا ہے كاروبا كر جهاكري سے يا جهن كر يو ، اين ، أو ، مهن لك جالے یا نه لئے جاتے ہے یا فارسوسا کے بھو سے ا جهلي سركار كي حوالي كأن جاني يا نه كلي جاني سي يا

के हाथों में आगरे तो वह बेंकी. क्रिया कम्पनियां. हा फीलाइ, विजली और रसायनी कीवी के कारलानों. य और नीत जैसे बढ़े बड़े बगानों को ही नहीं, कपड़ा. कर और सीमेंट के सब कारलानों को मी क्रीमया देंगे नी अपनी सरकार और सरकारी नौकरों के हाथों में लेंगे.

सोशनिस्ट एलान में देश की समाजी, माली और जकाजी जिन्हगी को नए सिरे से और बिल कुल नए ढंग तामीर करने की बात कही गई है. बड़े बड़े पूंजीपितयों मिटाने और देश के धन का जहाँ तक हो सके बराबर ब्बॅटबारा करने का बादा किया गया है, कहा गया है हे जमीदारों की जमीन बिना मुखावजा दिये जब्त करली यगी, किसी एक आदमी के पास तीस एकड से जियाहा मीन नहीं रहने दी जायगी, किसानों और मजदूरों के अले खास खयाल रखा जायगा, राजा लोगों के सालियाने द कर दिये जायंगे, किसी देशवासी की महिवारी आम-शियक सौ रुपर से कम न'होगी, न किसी को हजार ाए से अधिक दिया जायगा, जातपात की दोवारें तोड़ दी यंगी, पट्टी दर्ज जातों की तालीम पर दस साल के अन्दर s अरव रुपया खर्च किया जायगा, सरकारी नौकरियों पड़ी दर्ज जातियों के लिये कुड़ खास जगहें रक्खी जायंगी, ा की कमरिानत जमातें अपने अपने मषहक, अपनी अपनी शा और अपनी अपनी लिपि को क्रायम रख सकेंगी र अपने सास स्कृती में अपने बच्चों की इन सब बाबों तालीम दे सकेंगी, को कारबार उद्योग धन्दे पूरी तरह कार के हाथ और सरकार के कन्ट्रांत में होंगे उन से कम्ब रखने बाली तिजारत भी सरकार के हाथ में होगी. अकत के कच्चे और अध्रे कन्ट्रोल की जगह समभत्री ं भौर पक्का कन्ट्रोल नीचे से से ऊपर तक कायम बा जाबगा, नए सूबे भाशाओं के आधार पर क़ायम वे कायंगे, बरीरा बरीरा.

इमने पूरे पलान का सार देने की कोशिश नहीं की. ात कुछ मोटी मोटी बातें नमूने के तौर पर बयान की हैं. में जाहिर है कुछ वातें अच्छी हैं, और कुछ खास लोगों बा जमातों के बोट हासिल करने के लिये कही गई हैं.

इस एलान में दो बातें खास चमकती हुई हैं. एक यह अगर सोशलिस्टों के हाथों में हकूमत आगई तो उनकी कार एंगली-अमरीका और चीन-रूस इन दो दलों के भी सगड़े में कोई हिस्सा न लेगी. इसका मतलब केवल में सटस्थ रहना नहीं बल्क यह भी हो सकता है कि रिया के मागड़े से, या चीन के यू. एन. आ. में लिये ने या न लियं जाने से, या फारमुसा के फिर से चीनी कार के हवाले किये जाने या न किये जाने से, या

Committee to the state of the s

والى بالين أدمك دابي بالين أدمك دابالي فيلى هيال معن کنارول کو دهورے فعمورے طالے کی جات ہے۔ الله ماف لکها هے که دیش کی کم سے کم آمدانهیں کواویر لے بالله جائے کا اور بڑی سے بہی آمدنیوں کو گھٹایا جائے گا ۔ الراكم سے كم مزدورى يانے والے كو 50 روپے ملتے هيوں تو اوروک سے ادھک تلخواہ والے حاکم کو ہزار سے ادھک نے اللہ کا ، دیمی کی ضرورت کی جاتنی چیزیں دیمی کے اندر ہیں سکتی هیں اُن کے ودیشوں سے منکائے جانے ہر روک لگائی جاوے کی جو جو چھڑیں کاؤں کے آندر گھریلو ادیاک معندین سے تھار موسکتی میں آنویس بنانے کی ہونے ہونے کل کارشانوں کو اجازت نہیں دی جائے گی، کہوا اور کھانے کی چھڑیں کاوں کے دھندوں سے ھی بنھنکی ' ہوی ہوں مثلوں سے نہیں' کاوں کے اُدیوک دھلدوں کو ہو طرح برهایا جالے کا ہوے ہوے کل کارخالے کیول متھیار' بجلی مشهدوی جرسی چهزوں کے تیار کرنے اور کہتیج پهداوار بومانے کے لیے هي رهيلکے . أس أعلان مهن يه بهي كها لها ہے که بہت زیادہ ہوے ہوے کل کارخانوں کے کھلئے سے ایس کے غریبوں کو فائدہ کم کے نقصان ادعک ، کہا گیا ہے کہ اوریاک دعدوں کو قومیائے سے مودووں کے ساتھ الصاف نہیں ہوسکتا' بجائے نجی پرنجی واد کے اِس سے ليك ارو زيادة بهيلكر سركاري يونجي واد يبدأ هوجاتا هي نعقهم کے بایت کہا گیا ہے کہ انگریز سرکار نے جو زهر همارے بھوں کی تعالم میں اہلی فرض کے لیے گوول دیا تھا وہ الهي تک سوجود هے' همين أس زهر كو ديش كى تعليم لله تكلفا هرا بلهادي تعليم كو يوهاني كا ذكر هرا أور روس لئے مثال دے کر کہا گیا ہے که همیں آنے دیش میں ایک بھی آدمی ان پڑھ نہیں رہلے دیلا ۔ زمین کی بابت الها الها هم كه جو بوائم جوتم وهي أسكا مالك . جات يات لو شعر كها جائم كا، وفياره وفياره .

الله کوئی بھی پارٹی آئے وہدوں کو کہاں تک پروا کوسکے لیے یا نہ کوسکیکی یہ آیک الگ بات ہے ۔ اس میں کوئی ہگت نہیں کہ آچاریہ کریلانی کی پرجا پارٹی نے جو پروگرام سے نہیں کے ساملے رکھا ہے وہ سوکاری کانگریس کے پروگرام سے نہیں کانگریس کے پروگرام سے نہیں گائدہی کے اصولوں کے زیادہ نکت اور جانتا کو ویادہ اسپید دلائے والا ہے ۔

إسرهاست يارتى كا أعلن

الله جناو جہتنے کے لئے تیسرا پروگرام همارے سامنے کی دیش کی سرشلست پارٹی کے بیش کو بھی ہورا یتین ہے کہ دیش کے ادیراک دھندوں کا سختیریس اور تجاوت کو بے پڑھی اور ناسنجھ جانتا کے باتین میں چھورنا دیش کے لئے ھتکر نہیں ہے! تھوں ئے بھی اپر املان میں کہا ہے که اگر حکومت

को सारस बेंबाने वाली बाते व्यक्तिक विसाद देती हैं. उसमें कन्द्रोत को बीरे धीरे इटाने की बात मां है और बन्द्रोत को बदाने की संभावना भी दिखाई गई है. पर यह साफ लिखा है कि देश की कम से कम आमदनियों को जपर ले जाया जायगा और बड़ी से बड़ी आमदनियों को घटाया जायगा. अगर कम से कम मजदरी पाने वाले को 50 रुपए मिलते हैं तो अधिक से अधिक तनखवाह बाले हाकिम को हजार से अधिक न मिलेगा, देश की जरूरत की जितनी चीजें देश के अन्दर बन सकती हैं उनके विदेशों से मँगाए जाने पर रोक लगाई जवेगी, जो जो चीजें गाँव के अन्दर घरेल एद्योग धन्दों से तैयार हो सकती हैं उन्हें बनाने की बड़े बड़े कल कारलानों को इजाजत नहीं दी जायगी. कपड़ा और खाने की चीजें गाँव के धन्दों से ही बनेंगी, बड़ी बड़ी मिलों से नहीं, गाँव के उद्योग धन्दों को हर तरह बढाया जायगा. बडे बढ़े कल कारलाने केवल हथियार, विजली, मशीनरी जैसी चीजों के तैयार करने और खनिज पैदाबार बढ़ाने के लिये ही रहेंगे. उस एलान में यह भी कहा गया है कि बहत जियादा बड़े बड़े कल कारलानों के खुलने से देश के रारीवां को फायदा कम है नुकसान अधिक. कहा गया है कि उद्योग धन्दों को क्रौमियाने से मजरूरों के साथ इन साफ नहीं हो सकता, बजाय निजी प्जीवाद के इससे एक और ज्यादा भयंकर सरकारी प्रजीवाद पैदा हो जाता है. तालीम की बाबत कहा गया है कि अंगरेज सरकार ने जो ज़हर हमारे बच्चों की तालीम में अपनी रारज के लिये घोल दिया था वह अभी तक मौजूद है, हमें उस जहर को देश की तासीम से निकालना है, बुनियादी तालीम को बढ़ाने का जिकर है, और रूस की मिसाल देकर कहा गया है कि हमें अपने देश में एक भी आदमी अनपढ़ नहीं रहने देना. जमीन की बाबत कहा गया है कि जो बोए जोते वही उसका मालिक, जात पात को खतम किया जायगा, वरारा वरारा.

कोई भी पारटी अपने बादों को कहाँ तक पूरा कर सकेगी या न कर सकेगी यह एक अलग बात है. इसमें कोई शक नहीं कि आचार्य कुपलानी की प्रजा पारटी ने जो प्रोप्राम देश के सामने रक्खा है वह सरकारी काँगरेस के प्रोप्राम से महात्मा गांधी के अस्तों के क्यादा निकट और जनता को जगदा उम्मीद दिलाने वाला है.

सोशलिस्ट पारटी का एलान

अगला चुनाव जीतने के लिये तीसरा प्रोप्राम हमारे सामने इस देश की सोशितस्ट पारटी का है. सोशितस्ट पारटी के नेताओं को भी पूरा बक्रीन है कि देश के उद्योग बन्दों, दस्तकारियों और तिजारत को बेपदी और ना समम जनता के हाथों में छोड़ना देश के लिये हितकर नहीं है! अन्दों ने भी अपने दलान में कहा है कि अगर हक्नमत

Min At St.

कांगरेस और सरकार ने बहुत छुड़ किया है. अब केबत वस काम को जारी रक्षने की जरूरत है. इतिहास के विधा-र्थियों को मालूम है कि यह पट्टी दुर्ज जातियाँ उस समय भी भंगरेज सरकार ने भपनी राजकाजी जरूरत के लिये गढ़ी थीं. देश के आजाद होने पर हमें कोई मियाद मुक्करर करनी चाहिये थी-पाँच बरस या अधिक से अधिक दस बरस-जिस मियाद के बाद देश भर में कोई 'पट्टी दर्ज खात' या 'पिछडी हुई जमात' न रह जाय. यह काम कोई नासमिकन काम भी नहीं है. सन 1872 में जापान ने अपने यहाँ की अक्त जातियों, ईता और हेनिन के शक्ता वजूद को खतम करने के लिये जो कुछ किया था श्रीर जितनी कामयाबी के साथ किया था उसकी मिसाल हमारे सामने हैं. दूसरे ढंग भी हो सकते हैं. पर कुछ जातों भौर जमातों को पट्टी दर्ज जातें भौर पिछड़ी हुई जमातें बनाए रखने में शायद आज के कुछ राजकाजी नेताओं को भी उसी तरह का फायवा दिखाई देता है जिस तरह का पहले के अंगरेज राजकाजियों को विखाई देता था.

पतान पर जात इन्डिया कांगरेस कमेटी में जो बहस हुई उसमें किसी मेन्बर ने पूछा कि इस एकान में शराब-बंदी का जिकर क्यों नहीं है. पंडित जवाहर लात जी ने जवाब दिया कि शराब बन्दी से हमारी सारी आर्थिक क्यबस्था 'बिलकुज उत्तट पुलट हो जायगी.'' यह भी कहा गया कि देश में बहुत से क्रबीले ऐसे हैं जिनके रीत दिवाज बिना शराब के पूरे नहीं होते, शराब बंदी उनके साथ जुरूम होगा और 'बराबत' तक का डर है. जगर यही समक राजा राम मोहन राय और लार्ड बिलियम बैन्टिंग को सती का दिवाज कानूनन बन्द करने के वक्त आजाती हो माल्य नहीं हिन्दू स्त्रियों की दशा आज क्या होती ! इन बिचारों और आदशों को रखते हुए कांगरेस और कांगरेसी सरकारों को महात्मा गांधी के नाम और उनके जास्तों की दुहाई देने का कोई इक्र नहीं रह जाता. हमें दुखा है कि हम कहाँ से कहाँ पहुंच गए.

पत्तान में कहीं जिकर नहीं किया गया कि सरकारी नौकरों या अफसरों की जिशादा से जियादा तनलाह की क्या हर होनी चाहिये, न कहीं कम से कम तनलाह और जियादा से जियादा तनलाह का कोई औसत बताया गया है. कुछ जोगों ने चाहा या कि यह तय कर दिसा जावे कि किसी परिवार के पास तीस एकड़ से जियादा या जो भी आंकड़ा सुक्रर्र कर दिया जावे उससे जियादा जमीन न हो. इस समाज का भी मजाक उड़ा दिया गया.

प्रजा पारटी का एलान

आचार्य कृपलानी की इसी प्रजा पारदी के मुकाबले के पुकान में हमें गांधी जी के असुतों का पास और जनता الكريس أور سركار في بهت كجه نها في . أب كيول أس کم کو جاری رکھلے کی ضرورت ہے . اِتہاس کے ودیارتھھوں کو معلوم کے کہ یہ پائی درج جانیاں اُس سبے کی انگریز سرکار نے اپنی راج کاجی ضرورت کے لگے کوهی تھیں ، دیھ کے آزاد هونے پر همیں کوئی میعاد مقرر کرنی چاهگے تھی۔۔پانچ برس یا ادھک سے ادھک دس برس۔جس میعاد کے بعد دیش بهر مهل کوئی 'پتی درج جات، یا ليجهوي هولي جماعت ته وه جالي يه كام كولي ناممكن کام بھی نہیں ہے. سن 1872 میں جاپان نے اپنے یہاں کی اجھوت جاتھوں ایٹا اور عیلن کے الگ وجود کو خاتم کرائے کے لئے جو احجہ کیا تھا اور جنتلی کامیابی کے ساتھ کیا تھا اسکی مثال همارے ساملے ہے. دوسرے تھلگ بھی ہوسکتے میں یو کچھ جاتیں اور جماعتیں کو یتے درہے جاتیں اور پچھڑی حوثی جماعتیں بنائے رکھنے میں شاید آج کے کنچھ راج کاجی نہتاؤں کو بھی اُسی طرح کا فائدہ دکھائی دیتا ہے جسطرے کا پہلے کے آنگریز راج کاچیوں کو دکھائی دیتا تھا۔

اعلان پر آل اندیا کانگریس کمیتی میں جو بحث هوئی اس میں کسی ممبر نے پوچها که اس اعلان میں شراب بغدی کا ذکر کیوں نہیں ہے . پغدت جواهرال جی ویوستها ''بالکل اُلت پلت هوجائیگی''، یہ بھی کہا گیا کہ دیش میں بہت سے قبیلے ایسے هیں جفکے ریت رواج بغا شراب کے پورے نہیں ہوتے' شراب بغدی اُن کے ساته بغا شراب کے پورے نہیں ہوتے' شراب بغدی اُن کے ساته طلم عوا اور 'بغاوت' تک کا در ہے . اگر یہی سمجه راجا رام موهن رائے اور الرد راہم بیفتگ کو ستی کا رواج قانونا بغد کرنے کے وقت آجاتی تو معلوم نہیں هغدو استریوں کی دشا آج کیا ہوتے اُلی وچاروں اور آدرشوں کو مہاتما رکھتے ہوئے کانگریس اور کانگریسی سرکاروں کو مہاتما رکھتے ہوئے کانگریس اور کانگریسی سرکاروں کو مہاتما رکھتے ہوئے کانگریس اور کانگریسی می دھائی دینے کا کوئی حق نہیں رہ جاتا . ہمیں دکھ ہے کہ ہم کہاں سے کہاں جی نہیں رہ جاتا . ہمیں دکھ ہے کہ ہم کہاں سے کہاں

اعلان میں کہیں ذکر نہیں کیا گیا کہ سرکاری نوکروں یا افسروں کی زیادہ سے زیادہ تنخواہ کی کیا حد ہوئی چاہئے' نه کہیں کم سے کم تنخواہ اور زیادہ سے زیادہ تنخواہ کا کوئی اوسط بتایا گیا ہے ۔ کچھ لوگوں نے چاہا تھا کہ یہ طے کودیا جاوے که کسی پریوار کے پاس تیس ایکو سے زیادہ یا جو بھی آنگوا مقرر کردیا جاوے اُس سے زیادہ زمین نه ہو ۔ اُس سجھاؤ کا بھی مذاتی اُرا دیا گیا ۔

پرجا پارتی کا اُعلی

آبھاریہ کربلانی کی اُسی ہرجا پارٹی کے مقابلے کے اُملان مہر مبین کاندھی جی کے اُسرلین کا پاس اور جنٹا

प्रकान में कहा गया है कि रेखों के प्रकार में बहत तरक्की हुई है. कारा ! इसारे आजवन के बड़े बड़े हाकिम अपने मातहतों की काराश्री रिपोर्टों पर राय कायम करने के बजाय पुराने बादशाहों की तरह कभी कभी भेस बद्दा कर जनता के अन्द्र फिर सकते. वह खुद अनपहचाने कभी तीसरे दरजे में सकर करते तो उन्हें इस बारे में जनता के दुखों का कुछ अन्दाजा होता.

पलान में बहुत सी बातें हैं जिनकी तकसील में जाना हम बेकार सममते हैं. गाँव के उद्योग धन्दों का जिकर जरूर है और, यह भी माना गया है कि देश भर में हाथ से कपड़ा बुनने वालों को सूत नहीं पहुंच रहा है, पर जाहिर है कि जो सरकार कपड़े के बढ़े बढ़े कल कारखानों को अपने हाथ में लेगी उससे गाँव के धन्दों को अधिक मदद की डम्मीद नहीं की जा सकती.

कंट्रोल एक जरूरी चीज बताई गई है, यह भी कहा गया है कि कंट्रोल से जो रिश्वतखोरी पैदा हो गई है उसका इजाज भी कंट्रोल को और अधिक कड़ा करना ही है. कहा गया है कि खाने और कपड़े के कंट्रोल के खिलाफ किसी कांगरेसी को कानाफूसी भी नहीं करनी चाहिये!

एक जगह देश की यह भी बताया गया है कि आम कोगों के रहन सहन का स्तर इतना ऊँचा हो गया है कि बड़ी से बड़ी आमदनी और कम से कम आमदनी का फरक पहले से कम होगया है! मालूम होता है हमारे हाकिम किताबी फारमूलों, तकनीकी शब्दों और अपने मातहतों की रिपोटों के गोरखधन्दों से बाहर निकल कर द्रनिया को देखने के नाकाशिक हो गए हैं.

सरकारी नौकरियों की बाबत कहा गया है कि जिस "ऊँचे स्तर" तक सरकारी नौकर पहुँच गए हैं. इसे "क्रायम रखने" की जरूरत है!

कहा गया है कि जनता की तालीम और सेहत पर अधिक ध्यान देने के लिये हमारी सरकारों के पास पैसों की कमी है. पर "कला, साहित्य, संगीत, नाटक, गाना मीर नाचना" इन के प्रचार की जरूरत पर खूब जोर दिया गया है. कहा गया है कि इन चीजों का जनता में प्रचार र किया गवा तो जनता अनकलवर्ड रह जायगी। हम हुद कलचर के बड़े कायल हैं. हमें गाना, बजाना और ाचना भी अच्छा लगता है. पर हम इस एलान के तैयार इरने बालों को कैसे सममाएं कि भारत की अनता को इस ।सय इन चीजों की निरनत जिन्दगी की कुछ और बुनियादी विशें की कहीं जियादा करूरत है.

कहा गया है कि पट्टीवर्ज जातों (शेबुल्ड कास्ट्स) रीर विद्युरी हुई जमातों (बैडवर्ड क्लासेज) के किये

الله مال الما في كه ريلوں كے يونقد ميں جيت الله مولى هے . كاش ! همارے آج كل كے بورے بورے ماكم ماتحتوں کی کفشی ریورٹوں پر رائے قائم کرنے کے بعدائی پراتے بادشاموں کی طرح کبھی کبھی بھیس بدل کو جانتا کے اندر یہر سکتے . وہ خود ان پہنچائے کبھی تیسرے فرجے میں سفر کرتے تو اُنہیں اس بارے میں جنتا کے دکھوں کا كحم اندازه هوتا.

أعلن مهن بهت سي بانين هين جي كي تفصفل تہیں جانا هم بهکار سمجهائے هیں۔ اول کے اُدیوک دهقدرں كا ذكر ضرورها أوراً يه يهي مازا كيا هي كه ديش بهر مهل هاته ي كهوا بننے والين كو سوت نهين يهوني رها هے؛ ير ظاهر ھے کہ جو سرکار کھڑے کے بڑے بڑے کل کارخانوں کو آمے ماتھ میں لے کی اس سے گاؤں کے دھندوں کو ادھک مدد کی أسهد تهدي كي جاسكاتي .

كنترول ايك ضروري چهڙ بتائي گئي هے' يه يدي كها گها هے که کلگرول سے جو رشوت خوری پهدا هرگئی هے أسكا علاج بهي كللرول كو أور ادمك كوا كونا هي هـ . كها گہا ہے کہ کہانے اور کیوے کے کفٹرول کے خلاف اسی لانگریسی کو کانا پھوسی بھی نہیں کرنی چاھئے!

لیک جمع دیمی کو یہ بھی بتایا گیا ہے که عام لوگوں کے رهن سهن کا استر اتفا اونجا هوايا هے که بومی سے بوی آمدنی اور کم سے کم آمدنی کا فرق پہلے سے کم هرکها هے! معلوم هرتا في همارے حاكم كتابي فاردولوں كليكي شہدوں اور ایے ماتحدوں کی رپورٹوں کے گورکھ دھندوں ہے باھر نکل کو دنیا کو دیکھلے کے نا قابل ھوگئے ھیں . سرکاری نوکریوں کی بابت کہا گھا ھے کہ جس ''اونچے

استر" تک سرکاری نوکر پہونیے گئے هیں؛ آسے "قرقم رکھنے" كى ضرورت هے !

کیا گیا ہے کہ جلتا کی تعلیم اور ضحت پر ادھک دھیان دیئے کے لئے هماری سرکاروں کے پاس پیسوں کی كمي هي ير "الله ساهتيه سنكيت ناتك أنا أور داچدا ا أ ي يرچار كي فرررت ير خوب زور ديا كيا هي . كها كيا ه که آن چيزوں کا جلتا ميں يرچار نه کيا گيا تو جلتا این کلچرة ره جائيگى ! هم خود کلچر کے بوے قائل هوں . همهن گانا، بنجال آور تاچنا بهی اچها لکتا هے ، پر هم اس امان کے تیار کرنے والوں کو کیسے سمجھائیں کے بہارت کی جاتا کو اس سے ان چیزوں کی نسبت زندگی کی كتهد أور بقهادي جهزون كي كهون زيادة ضرورت هي .

کہا گیا ہے کہ پتی درج جاتوں (شیدرلد کاسٹس) الور پھھوری هوئی جماعترں (بیک ورة کاسؤ) کے لئے इतर राज के डामी व्यविकतर चैर वातिनदार ना तख र चीन से वियादा इमदुर्दी रक्षने वाले.

कांगरेस पारटी का एलान.

इसी जुलाई महीने में बंगलोर आक्ष इन्हिया कांगरेस नेटी के मौक्रे पर देश के बहुत से लोगों को आशा थी कि गरेस की यह दलबन्दी मिटकर फिर दोनों दल एक हो यंगे. पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इसके लिये काफी कोशिश ही. फेकिन मालूम होता है सरकारी कांगरेस के अन्तर बरे विकारों और आदशों का जोर है. पंद्रित जवाहर ात नेहरू को सफलता न बिल सकी, इसी अवसर पर गिरेस ने अगला चुनाव जीतने के लिये अपना प्रोधाम रा के सामने रक्ला. प्रोप्राम को इसने ध्यान से कई बार हा. उसमें बहुत सी अच्छी अच्छी बातें हैं. जैसी ऐसे कि के इस तरह के प्रोप्रामों में आम तौर पर होती हैं. बान में महास्या गांधी और उनके असतों की भी काकी हाई दी गई है. पर हमें इस सारे प्रोमान में न कहीं गांधी ो के विचारों भीर असूलों का पास दिखाई देता है और इमारी राय में इससे देश की दखी जनता को किसी रह का दारस मंध सकता है.

एतान में जगह जगह कांगरेसी सरकारों के अब तक इंकारनामों की तारीकों की गई हैं, देश को आजादी दिलाने किये देश पर कांगरेस के पहसान को दोहराया गया है, रिकार की कठिनाइयों को बयान किया गया है, यह स्थाना था है कि देश में जाखों आदमी बिना खाने, कपड़े और कान के किसी तरह अपने दिन गुआर रहे हैं, इसका कास इसाम बनाया गया है.

प्तानिंग कमीशन यानी देश की कम्मति की योजना तैयार इस्ते वाक्षा कमीशन, योजना मों की और हर काम योजना त्ना कर करने की देश को तालीम दी गई है. सबसे बड़ी रोजना सारे प्रताम में यह चमकती है कि देश के क़रीब इसीब सब ख्योग धन्दे और उनसे सम्बन्ध रखने वाली इसी तिजारत धीरे भीरे सरकार और उसके नौकरों के [ाथों में माजाबे.

जाज कस की राजकाजी भाशा में बहुत से शब्द हमें काफी चोके में डाल देते हैं. जिसे उद्योग घंदों का नेशन-काइजेशन, राश्ट्रीकरन या 'क्रीसियाना' कहा जाता है वह आज कल की हालत में केवल 'सरकारियाना' है. एलान में इस तरह के सरकारियाने के जच्छे नतीजों को ज्यान किया गया है. पर अधिकतर देश वासियों का जब तक का तजरबा बाही है कि जो धन्दे जमता के हाथों से जिन कर सरकार जीर सरकारी जादियों के हाथों में बागए उनमें जनता की दिक्कतें बढ़ी हैं घटी नहीं.

سیکولر رائے کے عامی افعال تر فیر جائب دار یا روس اور چین سے زیادہ همدردی رکھتے والے ۔

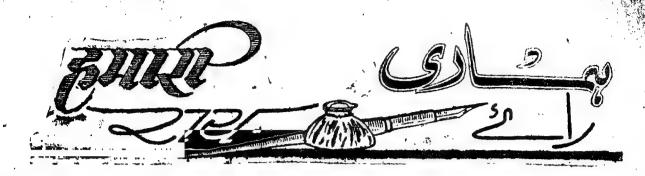
كانكريس پارتى كا املان

إسى جوالتى مهيئ مهل بنكلور. آل أنديا كالكريس کمیٹی کے صوقع پر دیھی کے بہت سے لوگوں کو آشا تھی کہ کانگریس کی یه دل بندی مت کر پهر دونوں دل آیک همجائينكي ويلدَّت جواهر لال نهرو ني إسكم لله كافي كوشش بھی کی . لیکن معلوم هوتا هے سرکاری کانگریس کے اندر دوسرے وچاروں اور آدرشوں کا زورھے ، پلدت جراهر لال نہو کو سپهلکا نه مل سکی . اسی اوسر پر کانگریس نے اگا جاداو جیتنے کے لئے اینا پروٹرام دیس کے سامنے رکھا ، پروگرام کو هم نے دههان سے کئی بار پوها . اس مهن بہت سی اچمی اچمی باتیں هیں' جهسی ایسے سرتعہ کے اس طرح کے پروگراموں میں عام طور پر ہوتی میں ، اعلان میں مہاتما کاندھی اور آن کے اصولوں کی بھی کافی فھائی دی كثى هے ، پر همين اس سارے پروارام ميں نه كهين كاندهى جی کے وچاروں اور اسالوں کا پاس دکھانی دیتا ہے۔ اور نہ هماری رائے میں اس سے دیش کی دکھی جنتا کو کسی طرح لا دعارس بدده سمتاه.

اعلان میں جگہ جگہ کانگریسی سرکاروں کے آب نک کے کارناموں کی تعریفیں کی گئی ھیں' دیش کو آزادی دلائے کے کے لئے دیش پر کانگریس کے احسان کو دھرآیا گیا ھے' سرکار کی کٹھفائیوں کو بیان کیا گیا ھے' یہ مانا گیا ھے کہ دیش میں لاکووں آدمی بقار کھائے' کیوے اور مکان کے کسی طرح ایم دن گزار رہے ھیں' اسکا خاص علاج بتایا گیا ھے .

پلاسٹک کمیشن یعنی دیش کی اُندگئی کی یوجنا تھار کرنے والا کمیشن یوجناؤں کی اور ہر کام یوجنا بنا کر کرنے کی دیش کو تعلیم دی کُنْرہے ۔ سب سے بڑی یوجناً سارے اُماری میں یہ چمکتی ہے کہ دیش کے قریب قریب سب اُمیرگ دھندے اور اُن سے سمبندھ رکھنے والی ساری تجارت دھیرے دھیرے سرکار اور اس کے نوکروں کے عاتھوں میں آجارے ،

آبجکل کی راج کاچی بھاشا میں بہت سے شبد همیں کائی دھوکے میں قالدیتے هیں ، جسے ادیوگ دھدوں کا نیشنگازرشن راشگری کون یا ' قومیانا ' کیا جاتا ہے وہ آج کل کی حالت میں کیول ' سرکاریانا ' ہے ، امان میں اس طرح کے سرکاریائے کے اچھے نقیمہوں کو بیان کیا گیا ہے ۔ یر ادھک تر دیش واسیوں کا اب تک کا تجربه یہی ہے کہ جو دھندے جفتا کے هاتیوں سے جھن کو سرکار اور سرکاری آدمیوں کے هاتیوں میں آگئے اُن میں جفتا کی سرکاری آدمیوں کے هاتیوں میں آگئے اُن میں جفتا کی مقتی بھی دیگھی بھی گھٹی نہیں ۔



देश ऋौर राजकाजी पारटियां-

'नया हिन्द' के पिछले नम्बर में हम कांगरेस और उस की दलबन्दी के बारे में अपने कुछ विचार प्रकट कर चुके हैं. सारे देश में एक दूसरे के जिलाक विचार, असूल और आदर्श टकरा रहे हैं. राजसत्ता हाथ में लेने की इच्छा, लोगों के निजी कगड़े और दिलों के अन्दर एक दूसरे से लगाव या अलगाब बीच में आकर इस हालत को और अधिक पेचीदा बना देते हैं. नतीजा है देश में तरह तरह की राजकाजी पारटियों का खड़ा होना और इन पारटियों के अन्दर एक दरजे तक सिद्धान्तों का करक होते हुए भी लग-भग हर पारटी में कम या ज्यादा हर विचार के लोगों का पाया जाना. यही हालत इस समय कांगरेस की है.

फिर भी मोटे तौर पर कांगरेस में दो तरह के विचार एक दूसरे से टक्कर ले रहे हैं. एक तरफ वह लोग हैं जो देश में सेकुलर यानी ब्योहारी राज फलता फूलता देखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वह हैं जो कड़वे राजकाजी तजरवों से घवरा कर या अपने अन्दर की तंग नजरी के कारन सीधे या नासीधे देश को सेकुलर आदर्श से हटा कर एक स्नास तरह की साम्प्रादायिकता या फिरका परस्ती की तरफ से जाना चाहते हैं.

हम यह नहीं कहते कि कांगरेस वालों के जो दो बड़े दल हाल में बन गए हैं, यानी एक सरकारी कांगरेस और दूसरे प्रजा पारटी, वह केवल इसी असूल के ऊपर एक दूसरे से अलग हुए हैं. यह भी जाहिर है कि साम्प्रदायिकता की निगाह से ख्दार से ख्दार विचारों के लोग और तंग से तंग किरका परस्त दोनों दलों में मौजूद हैं. पिछ्छम की राजकाजी पारटी बाजी का, जिसकी हम इस देश में अंघी नक्षल कर रहे हैं, यह एक खास गुन है कि उसमें असूलों से भी अबिक राखिसयतों की चलती है. किर भी इसमें शक नहीं कि काँगरेस के इन दोनों दलों में मोटा करक वही है जो इमने उपर बयान किया है. एक बात यह भी व्यान देने की है कि साम्प्रवायिक विचारों के लोग अधिकतर

ىيش اور راج ^{كاجي} پارتياں—

انیا هندا کے پنچھانے نمیر میں هم کانگریس اور آسکی دل بندی کے بارے میں ایک دوسرے کے خلاف وچاراامول ساوے دیمی میں ایک دوسرے کے خلاف وچاراامول اور آدرهی تکرا رہے هیں، رأج ستا هاته میں لیئے کی چھالا لوگوں کے نتجی جھگڑے اور داوں کے اندر ایک دوسرے سے لگاؤ یا الگاؤ بیچ میں آکر اس حالت کو آرد اور میں ادیک بیچھیدہ بنا دیتے هیں نتیجہ هے دیشی میں طرح طرح کی راج کاجی پارتیوں کا کھڑا ہونا اور ان یارتیوں کے اندر ایک درجے تک حدمانتوں کا فرق ہوتے ہوئے بھی لئگ بھگ مر پارتی میں کم یا زیادہ سر وچار کے لوگوں کا لگا بیکی حالت اِس سیے کانگریس کی ہے .

پہر بہی مولے طور پر لانگریس میں دو طرح کے وچار ایک درسرے سے لکر لے رہے ہیں ، ایک طرف وہ لوگ ہیں جو دیھی میں سیکولر یعنی بیوھاری راج پہلتا پہولتا کیکھنا چاہتے ہیں، دوسری طرف وہ ہیں جو کڑوے راج کلجی تجربوں سے گھرا کر یا آئے آندر کی تنگ نظری کے گڑی سیدھے یا نا سیدھ دیھی کو سیکولر آدرھی سے ھٹا گڑی ایک خاص طرح کی سامپردایکتا یا فرقم پرسٹی کی طرف لے جانا چاہتے ہیں ،

هم یہ نہیں کہتے کہ کانگریس والوں کے جو دو ہوے دول حال میں بن گئے هیں' یعنی ایک سرکاری کانگریس اور دوسرے پرجا پارٹی' وہ کیول اسی اصول کے اوپر ایک موسورے سے انگ ہوئے هیں یہ بھیظاہر ہے کہ سامپردایکتا گئے تھیں ہے ادار وچاروں کے لوگ اور تنگ سے تنگ پرسمت دونوں دلوں میں موجود هیں ، پچمم کی اور کا کہ رہے میں اندهی آئے گئی پارٹی بازی کا' جسکی هم اس دیش میں اندهی آئی کو رہے میں' یہ ایک خاص کن ہے کہ اس میں اصولوں نیش ادهک شخصہ بارٹ کی چاتی ہے ، بھر بھی اس موتا نیمی دونوں دلوں میں موتا نیمی شک نیمی کہ انہوں کیا ہے ، ایک بات یہ بھی دیمیان دیا ہے کی ہے کہ سامپردایک وچاروں کے لوگ ادعک تر دیمیان دیا ہے کہ دیمین اور امریکہ کے طرفدار میں' اور

السع 15′

- 18. उत्तर बद्धानिक मुनह में तुरकी व म्तान भी कि होंगे. भी रकी महमन कित्वाईका कांगरेससे स्तीका. 19. केसांग की बात चीत में महनन. मौलाना शब दिल्ली वापिस. कटक में छात्रों पर साठी चार्ज.
- 20. जोर्डन शाहके अबदुल्लाह गोजी से मार दिये सिल जुल कर काम करने के लिये पंडिन नेहरू की । । रेस वालों से अपील.
- 21. राजपति दूमैन के नुमायन्दे के तेल मसला करने के लिये कुछ सुमाय. घरन लीग के सेक टरी मुम पाशा को इतिमनान कि हिन्दुस्तान परदेस पर के नहीं करेगा.
- 22. स्पेन में खड़ा बनाने पर अंगरेजी खलवारों की रीका को चेतावनी. पच्छिमी कौजी ताकतों का साथ के लिये मिस्र की शर्ते. खाचार्य कुपलानी का गुजरात में दिक्सनी आसाम में बहुत बड़ी बाढ़.
- 23. ईरान के मामले में उन्मीद की नई किरन. फ्रांस मार्शल पेता का देहान्त. दुनिया की शान्ति के लिये स्थत इकुमत सब से बड़ा खतरा है—राजपति टूमैन.
- 24. नेहरू जी का पाकिस्तान के बड़े बजीर की खत. प्रवेश में एक मिनिस्टर का स्तीका.
- 25. कोरिया की बात चीत आगे बढ़ने के लिये लाल का नया सुमाव. नई पंच साला योजना की कामयाबी के बिदेखी पुँजीकी जरूरत—काईनैन्स मिनिस्टरका एलान.
- 26. कोरिया लड़ाई रोको बात बीत के लिये एजेन्डे दोनों फरीक राजी. पाकिस्तानी बड़े वज़ीर की सुलह रिंच वार्तों के साथ पंडित नेहरू को दावत.
- 27. करांची में 'डिफेन्स हे' के मौके पर बड़े वजीर ।एक से 'मुका' को क्रीमी निशान बनाने का पलान.
- 28. केसांग की बात चीत में "योड़ी तरक्षकी." त्रिटेन कियार बन्दी की तीन साला योजना. हकूमत की नरीं को सुधारने के लिये गोरवाला कमीशन की रिपोर्ट. ह में बाद.
- 29. नई दिल्लीमें नेहरू जी का पतान कि हिन्दुस्तान भि श्री खुनौती का सामना करने को पूरी तरह तैयार.
- 30. कोरिया में लड़ाई बन्द करने की बात चीत में पारटी अपनी जगह अटल. पंडित जवाहर लाल की किसी शर्स के पाकिस्तान के बड़े बज़ीर को दिल्ली आने ावल.
- 81. धवादान में तेश साफ करने बाले दुनिया के से बढ़े कारजाने में काम बन्द, दिक्सन बियत नाम के नर मार डाले गए. भी रकी बहमद किंदबाई ने नई कि कैंबिनेट से स्तीका दिया.

- 18. آتر آنگانگک صلع میں ترکی و بیدان بھی شریک مونائے ، تدری و توزع الصد قدوائی کا کانگویس سے آسانگی ، 19 مونانا آزاد دلی وایس ، کاک میں جہاتروں پر النہی جارج ،
- 20. جورتن کے شاہ عبداللہ گولی سے مار دئی گئے. مل جل کر کام کرنے کے لئے پفقت نہرو کی کانگویس والوں سے اپیل .
- 21. راج پھی ترومین کے نمائلدے نے تھل مسلم حل کرنے کے لئے کھھ سمجھاؤ ، عرب لیگ کے سکریتری اعظم یاشا کو اطمهنان که هندستان پردیس پر چوهائی نهیں کرے گا ،
- 22 اسپین میں اتے بتائے پر انگریزی اخباروں کی چیٹارنی ، پچھمی فوجی طاقتوں کا ساتھ دیئے کے لئے مصر کی شرطیں ، آچاریہ کرپلانی کا گچرات میں دورہ ، دکھتی آسام میں بہت بوی باڑھ .
- 23. ایران کے معاملے سپس اُمید کی نگی کرن ، فرانس کے مارشل بھتاں گذر گئے ، دنیا کی شانعی کے لئے سوریت حکومت سب سے بڑا خطرہ ہے۔۔۔راج پتی تررمین ، اتر کے بڑے وزیر کو خط ، اتر 24

- 25. کوریا کی بات چیت آکے بڑھانے کے لئے الل دل کا نیا سجھاڑ ، پنچ سالا یوجنا کی کامھابی کے لئے بدیسی پونجی کی ضرورت—قائی نینس منستر کا اعلان .
- 26, کوریا لوائی روکو بات چھت کے لگے ایجلڈے پر دونوں فریق راضی ، پاکسٹانی بڑے وزیر کی صلع کی پانیج شرطوں کے ساتھ ہلڈت نہرو کو دھوت ،
- 27. کراچی میں 'ڈفیٹس دے' کے سوٹع پڑ ہڑے وزیر کی طرف سے 'مکا' قومی لشان بٹانے کا اعلان ،
- 28. کیسانگ کی بات چیت میں ''تهوڑي ترقی''. هتهیار بندی کی تین سالا یوجنا . حکومت کی مشنهری برتین کی کو سدهارنے کے لئے گور والا کمیشن کی رپورت . بہار میں بارھ .
- 29۔ نگی دلی میں نہرو جی کا املان که هندستان کسی بھی چتونی کا سامنا کرنے کو، پوری طرح تیار ہے . 30۔ 30۔ کوریا میں لوائی بند کرنے کی بات چیت میں دونوں پارٹی اپنی جگه اتل ، پندت جواهر لال کی بلا کے عرص باکستان کے برے وزیر کو دلی آنے کی دعوت .
- 31. ایافان میں تیل مان کرنے والے دنیا کے سب سے بڑے کارخانے میں کام بقد ۔ دکھن ویت نام کے گورتر مار ڈالے کئے ، شوی رفیع آھند قدوائی نے نئی دلی کی کیملت سے اسلامانی فیا ،

देस विदेस की जुबाई महीने की डायरी

1. कोरिया की लडाई रोकने के सिलसिकों में बात बीत केसांग में होगी. स्थाम के प्रधान मंत्री को बातियों ते रिहा कर दिया.

2. मौलाना चाजाद इस्तम्बुल पहुँचे. चमरीकी राज इत नी मेड़ी ईरान के बड़े बजीर मुसादिक से मिले.

- 3. जापान के नित्री मंडल ने स्तीका दिया. गुजरात के खेद्तसंघ का कांगरेस से खलग होकर प्रजा पारटी का साथ देने का कैसला.
 - 4. सोशलिस्ट पारटी का जुनाव घोशना पत्र प्रकाशित.
- 5. हेग अदाखत ने ईरान के मामले में फैसला अंगरेजों के इक्ष में दिया. पंडित नेहरू ने रेसवे बालों से इड़ताल न करने की अपील की. मिस्न ने ब्रटेन को बेतावनी दी कि हमारे यहां आप हवाई अड़े नहीं बना सकते.

6. हेग का फैसला ईरान को नामंचूर. रेलवे कर्म-चारियों ने 27 बागरत से हड़ताल करने का फैसला किया.

- 7. हिन्द सरकार के पिछले चार साल के क्यूनामों की रिपोर्ट पंडित नेहरू ने मुल्क के सामने पेश की. मौझाना आजाद तेहरान पहुँचे.
- 8. कोरिया लड़ाई रोको बात चीत की शुरुवात, यू.पी. की जन कांगरेस का प्रजा पारटी में मिल जाने का फैसला.
- 9. अमरीकी राजपति ट्रमैन का डाक्टर मुसादिक को खत. प्लानिंग कमीशन का पंचे साक्त प्लान छपा.
- 10. केसांग में "बहुत इत्सिनान" के साथ बात चीत. हिन्द सरकार ने गेहँ और चावल का दाम बढ़ा दिया.
- 11. राजपति ट्रमैन के नुमाइन्दे हैरी मैन का बीच में पड़ना ईरान को मंजूर. रेखबे हदतात रोकने के लिये नया आहिनेन्स. बंगलीर में कांगरेस वर्राकंग कमेटी की बैठक शहर.
- 12. केसांग की बात बीत में अन्काव. जापान के बारे में ब्रिटेन और अमरीका का बनाया नथा सुलाह मसीविदा पेश. बरकिंग कमेटी ने कांगरेस चुनाव मनिकस्टो पास किया.
- 13. तेहरान में अमरीकी राजदूत का स्वीफा. कुल हिन्दू कांमरेस कमेटी में पंडित नेहरू की रिपोर्ड मंजूर.

14. केसांग की बात चीत फिर से शुरू दोगी.

15. कांगरेस से हट जाने वालों को फिर से आने की दावत देते हुए वंगलीर में ठहराव पास हुआ.

16. तेहरान में मारशक्त का का एकान. वैजितियम में बादशह ल्योपोल्ड की जगह गड़ी पर उनका लड़का शहरकादा बेडोइन बैठा.

17. केसांग की बातचीत राजी जुरी से चल रही है. इटक में विद्यर्थियों का सत्यात्रह.

س بدیس کی جولائی مهینے کی قائری

کوریا کی لوائی روکلے کے سلسلے میں بات چیمت مھانگ میں ہوگی۔ سیام کے پردھان مشتری کو یافیوں رھا کردیا ۔

کے مولانا آزاد استنبل بہونچے . امریکی راج درت ہے کریدی ایران کے بوے رزیر قائدر مصادق سے سلے .

3. جاپان کے مفتری مندل نے استعفی دیا . رامن کے دیمددت سفکہ کا کانکریس سے الگ هوکر پرجا لے کا ساتھ دینے کا فیصلہ .

4. سوهلست پارتی کا چناو گهرشنا پیر پرکاشت.

5. هیگ کی عدالت نے ایران کے معاملے میں ریزوں کے حق میں فیصلہ دیا ، پنڈت نہرو نے ریلوے ہی نیے هوتال نہ کرنے کی اپیل کی ، مصر نے برتھن کو بھاوتی دی کہ یہاں آپ هوائی اقے نہیں بناسکتے ،

6. هیگ کا فیصله ایران کو نامنظور . ریلوے عها ریوں نے 27 اکست سے هوتال کرنے کا فیصله کها :

7. هدد سرکار کے پنچھلے چار سال کے کاوناموں کی رف پنگرٹ نہرو نے ملک کے سامنے پرھی کی ، مولانا که طہران پہونتے ،

8. کوریا لوائی روکو بات جهتکی شروعات ، یو . هی. به کانگریس کا پرجا پارتی میں مل جائے کا فیصله .

9. امریکی راج پعی تررمین کا داکتر مصادی کو خط. ننگ کیشن کا پلی سالا پلان چهها .

10. کیسانگ میں ''بہت اطمینان'' کے ساتھ بات یمت ، هند سرکار نے کیہوں اور چاول کا دام بوها دیا . 11. والے یعی ترومین کے اسائندے هیری میں کا

ہے میں پونا ایران کو ملظور ، ریلوے هوتال روکئے کے انہا آرڈیٹلس ، بنگلور میں کانگریس ووکٹک کمیڈی بیٹلوک شروع ،

12. کیسانگ کی بات چهت مهن اتکاؤ . جایان پیاریمهن برتین اور امریک کا بنایا نها صلع مسوده پهش. کیگ کمهای نے کانگریس چناؤ مینینهسام پاس کها .

13. طوران میں امریکی راج دوت کا استعفی ، کل لیہ کابگویس کمیٹی میں بلڈت نیرو کی رپورٹ منظور ،

14. کهسانگ کی بات چیت پهر سے شروع هولی .

15. کانگریس سے هٹ جانے والوں کو پهر سے آنے المورت دیتے ہوئے ہوئے بلکلور میں ایک تھہرار پاس ہوا ،

16. طهران صیل مارشل لا کا اعلان . بلتجهم میل اشاه لیبیدلک کیجاته گدی پر آنکا لوکا شهزاده بیتران بیگها. 17. کیسانگ کی بات چیت راضی خوشی سے چل

ی ہے ، کفک میں وہیارتھیں کا ستیاگرہ .

बन गया. काशिज के विनों में जयक्यात जी ने ही प्रव्यी-राज को स्टेज पर एतारा और उसमें क्रिपी कार्यावयत की सराहना की. पृथ्वी राज आज हिन्दुस्तानी फिल्मी दुनिया का सबसे ऊँचा कलाकार है और नए हामा जगत का इसे निर्माता कहना भी उचित है. पृथ्वी ने प्रोफेसर साहब को वाबत दे रखी थी कि वह आकर अपने पुराने शागिर्द की कामियावियों की सराहना करें और नाकामियों को बताएं. हैदराबाद में जब पृथ्वी थेटर्स अपना प्रदर्शन कर रहा था तब प्रोफ़ेसर साहब वहाँ पहुंच गए. फिर साथ ही साथ इन कोगों ने हैंदराबाद, मैसूर, कोल्हा पुर और बम्बई वरारा का वौरा किया. प्रोफेसर जयदयाल ने इस दौरे के सारे प्रोप्राम को डायरी की सरत में लिख डाला. इस डायरी में उन जगहों का अच्छा परिचय मिलता है जहाँ जहाँ इस थेटर ने दौरा किया था. पृथ्वी राज के डामों—राष्ट्रार, दीवार, आहुति धौर शकुन्तला-के बारे में भी इस किताब से जानकारी मिलती है. पृथ्वीराज और उसकी कला पर इन पर्झों में काकी अच्छी रोशनी डाली गई है. पृथ्वी थेटर्स के कला-कारों में सज्जन, राजकपूर, जुहरा, सीतादेवी वरौरा के बारे में भी इस किताब से जानकारी मिलती है. किताब के आज़ीर में पृथ्वी राज, इसके इदुम्ब और पृथ्वी थेटर्स के कोगोंकी तसवीरें दी हुई हैं.

यह किताब उस आदमी ने किसी है जो न केवल नाटक कता का जानकार है बल्कि प्रथ्वीराज को भी खूब जानता है. इस जिये प्रथ्वी राज और उसकी कता की सुन्द्रता और मनशा को समफने के जिये यह किताब अच्छा साधन है.

—मुजीब रिजवी

रचनात्मक कार्यक्रम

केलक—महात्मा गांधी. अनुवादक-काशीनाथ त्रिवेदी. निकालने वाले-नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, अहमदाबाद. सके-पचास. दाम है आने.

यह पचास सफे की किताब गांधी जी ने सन '45 में लिखी थी. नवजीवन प्रेस ने अब इसकी तीसरी बार छापा है और छै आने दाम रखे हैं. यह किताब आज उतबी ही नई है जितनी सन '45 में थी. किताब के अंत में 27 जनवरी सन '48 के 'हरिजन' से 'कांगरेस का स्थान और काम' लेख लेकर दे देने से यह किताब और भी काम की बन गई है. इससे यह पता चलता है कि गांधो जो कांगरेस से क्या बाहते थे ? यह सब के काम की किताब है और इन्हें तो इसे बहुत थ्यान से पढ़ना चाहिये जिनके हाथ में कांगरेस की बाग होर है.

بن گیا، الب کے دانوں میں جے دیال جی لے عی يرتهين رام كو استهم ير أثارا أور أس مهل جههي قابلهمت کی سراهدا کی ، پرتھری راہ آہ هدستانی قلمی دنیا کا سب سے اونچا کلا کار مے آور نئے قراما جاسکا أبے نوماتا كہنا بھی اُجت ہے ، پرتھوی نے پروٹیسر صاحب کو دعوت دے رکھی تھیکہ وہ آذر آنے پرائے شاگرد کی کامیابیوں کی سراھنا كريس أور ناكامهون كو باتائهن . حهدوآباد مهن جب يرتهون تهیترس اینا پر درشی کر رها تها تب پروفیسر صاحب وهال پہنے گئے . بهر ساتھ هی ساتھ ان لوگوں نے حیدرآباد' مهمور کولها پور آور بمیشی وفهره کا دوره کها ، پروفهسر جے دیال نے اِس دورے کے سارے پروگرام کو ڈائری کی مورس مهل لكه ذالاً. إس ذائري مين أن جكيون كا أجها بريد ملتا ه جهال جهال إس تهيتر نے دورہ کیا تھا . یرتھوی راہے کے قراموں - غدار' دیوار آھوتی آور شکفتلا -- کے ہارے میں ہوی اِس کتابسے جانکاری ملتی ہے . پرتوری راج آور أسكى كلا ير إن ينون مهن كافي أجهى روشنى دالى گئے ہے . پرتھری تھیٹرس کے کلا کاروں میں سجن راجکھور' زهرد استادیوی وفیرد کے بارے موں بھی اس کتاب میں جانکاری ملعی هے ، کتاب کے آخهر مهں پرتهوی راج' اُسکے کٹسپ اور پرتھوی تھیٹرس کے لوگوں کی تصویریں دی ھوئى ھھن ،

یہ کتاب اُس آدمی نے لکھی ہے جو نہ کھول ناتک کلا کا جانکار ہے بلکہ پرتھوں رأج کو بھی خوب جانکا ہے ، اِس لئے پرتھوں رأج آور آسکی کلا کی سندرتا آور منشا کو سنجھنے کے لئے یہ کتاب اچھا سادھوں ہے ،

--متجهب رضوي

رچناتیک کاریه کرم

ليكهك ---مهاتما كاندهى، أنورأدك-كاشي ناته ترويدي، نكالئے والے --نوجهوں پركاشن مقدر' أحمدآباد ، صفحے- -بجاس، دام چه آنے ،

یہ پچاس صنعے کی کتاب گادھی جی نے سن 45' میں لکھی تھی، نوجیوں پریس نے آب اِس کو تیسری بار چھایا ہے اور چھ آنے دام رکھے ھیں، یہ کتاب آج اُتلی ھی نئی ہے جتنی سن 45' میں تھی، کتاب کے انت میں 77 جنوری سن 48' کے 'مریجن' سے کانگریس کا استعان اور کام' لیکھ لے کو دے دیتے سے یہ کتاب اور بھی کام کی بن گئی ہے، اُس سے یہ پتہ چلتا ہے کہ گادھی جی کاگریس سے کیا چاھتے تھے ؟ یہ سب کے کام کی کتاب ہے اور اُنھیں تو اِسے بہت دھیاں سے پودیا

NT .

आजकता के समाने में अब किसी माल और मिलां का होर होरा है और सारे अखनार समी का राग असापते हैं, 'चरके के आदर्श' को तेकर चलने वाला अंगरेजी जवान में एक नया असायर निकालना हिम्मत और तारीफ का काम है. हम भी यह अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो दल, कल नहीं तो परसों चरके का जमाना फिर से आने वाला है और हिन्दुस्तान ही नहीं सारा आजम इस पर चित्रहारी होगा.

अख़बार के कवर पर ही महात्मां जी की जिखाबट में 1944 का जिखा उनका एक अमर संदेसा है—''सच्चे बनो, नेक बनो और निखर बनो''—जो हम सभी जोगों और अख़बार बाजों के सममत्वे बुमते और अपनाने की चीज है, लास तीर से इस कसीटी के मौक्रे पर.

यह अख़बार इसी जुलाई से निकलना शुरू हुआ है, इमारे सामने पहला ही नम्बर है जिसमें आचार्य विनोबा भाषे, भी किशोर लाल भाई, छुमारप्या जी और जाजू जी वशैरा के सार भरे और बेहतरीन लेल हैं, जगह जगह महात्मा जी की बानी पिरो ही गई है जिससे चीज की रोनक बढ़ जाती है, हमें उम्मीद है कि अपने अच्छे लेखों और सुलके हुए विचारों से 'ख़ादी बर्ल्ड' ख़ादी और माम खोग यानी गाँवों के यानी हिन्दुस्तान के सच्चे स्वरूप को पेश करके सब की असली सेवा करेगा.

इस मंहगाई के जमाने में भी इसका सालाना चन्दा तीन रुपए जैसी छोटी रक्षम है. हमारी सिकारिश है कि अंगरेजी सममने वाले सभी लोग जिन्हें अद्योग धन्दों या अर्थ शास्त्र से दिलचरपी है या रचनात्मक काम पसंद है इसे अपनाप और चाहे वह भले मिल व कारखाने के तरफदार हों फिर भी तसवीर के दूसरे रुख पर निगाह डालें. हिन्दुस्तान के हर स्कूल और कालिज लायब री में इसका पहुंचना लाजमी तौर पर फायदा पहुंचाएगा.

—सुरेश रामभाई

ब्राई गो साउथ विद पृथ्वी राज ऐंड हिज पृथ्वी थेटर्स.

लिखने वाले —प्रोफ्रेसर जयद्याल.

निकालने वाले—पृथ्वी थेटर्स पन्लीकेशन्स, बम्बई 4.

भाशा चंगरेजी, साइज डिमाई चठ पेजी, सन्ना 80,

यह किताब प्रोफेसर जयद्याल की डायरी हैं. प्रोफेसर साहब प्रथ्वी राज के गुरू भी हैं और दोस्त भी, इन्हीं की सकाइ से प्रथ्वी ने अभिनयकता को पढ़ा और बढ़ा कलाकार المنان کے زمانے میں جب ودیکی مثال اور سلوں کا ہے اور سارے اخبار اسی کا واقب البائلے عیں کے آدری کے آدری کے آدری کو لیکر چلنے والا انگریوی زبان میں کیا اخبار نکالفا عمت ار تعریف کا کام ہے ۔ هم یہی یہ اچھی طرح جانکے هیں که آج نہیں تو گل کل نہیں تو پرسوں چرخے کا زمانہ پھر سے آنے والا ہے اور علیستان هی نہیں سارا عالم اس پر باجہاوی ہوگا .

اخبار کے کور پر ھی مہاتما جی کی لھکاوت میں 1944 کا لھکا اُنکا ایک اُمر سندیسہ سے۔''سچے بنو' نہیک بلو اور نقر بنو''۔۔جو ھم سبھی لوگوں اور اخبار والوں کے سمجھنے بوجھنے اور اُپنانے کی چیز ہے' خاص طور سے اُس کسراتی کے موقع پر .

یہ اخبار اِسی جولائی سے نکلفا شروع ہوا ہے۔ معاوے ساملے پہلا ہی تمبر ہے جسمیں آچاریہ ونربا پہاوے' شرق کشورلال بہائی' کمارپیا جی اور جاجو جی وفیرہ کے سار بہرے اور بہترین لیکھ میں ۔ جگہ جگہ مہاتما جی کی باتی پروئی گئی ہے جس سے چیئز کی روئی بوہ جاتی ہے ، ہاہی اُمید ہے کہ آجے لیکبوں اُور سلجھے ہوئے وچاروں سے 'کہائیی ورلق' فہائی اور گرام اُنورگ بعلی کاوں کے یعلی ہندستان کے سجے سروپ کو فیص کے سب کی اصلی سیوا کریکا ،

اس مہنگائی کے زمانے میں یہی اسکا سارت چددہ تین رویے جیسی چہوتی وقم ہے ، هماری سفاوش ہے که الگریزی سمجھینے والے سبھی لوگ جنھیں ادیوک دهندوں یا ارته شاستر سے دلچسهی هے یا رچاتمک کام مسند هے اسے ایدائیں اور چاھے وہ بھلے مل و کارخانے کے طرفدار ہوں یہر بھی تصویر کے دوسرے رہے پر نکاہ ڈانیں . همندشتان کے هر اسکول اور کالیج الانجریری میں اسکا یہونچنا الازمی طور پر فائدہ یہونجائیکا .

--سريهي رأم يهائي

آئی کو ساؤته وی پرتهوی راج اینت هز پرتهوی تهیترس

لکھلے والے -- پرونیسر جے دیال ، نکالئے والے--پرتھوی تھیٹرس پہاھکیشلس' ہمبدی 4 .

بهاها أمكزيوى سائز ديمائى اله يهجى مقصه 80، فيست عانه وربي آلو آلى .

یہ کتاب پرولیسر جے دیال کی ڈائری ہے ، پرولیسر صاحب پرتھوں راج کے گرو بھی ھیں آور دوست بھی ، اِنھیس کی صفاح سے پرتھوں نے اُبھیلے کا کو پرھا اور ہوا کا کار 2. इन्न केंक ऐसे हैं जो महात्मा जी के सिखे नहीं हैं. बहिक, जैसे लेख नम्बर 146, 169 स्वर्गीय महादेव माई पा प्यारे साल जी या किसी और के कलम से हैं. यह बात साहिर हो जानी चाहिये थी.

तीसरी चीज एक सुमान के तौर पर यह कहना चाहते हैं कि लेखों पर उन अलवारों की तारीखें दी हुई हैं जिनमें बह छपे, न कि वह जिन तारीखों पर सहारमा जी ने उन्हें अपने क्लम से लिखा या स्पीच में कहा. अगर अगले एक्शिन में ऐसा हो सके तो और भी अच्छा होगा.

—सुरेश रामभाई

बेसिक एजुकेशन

वेखक—महात्मा गांधी. लिखावट—अंगरेषी.

सका-113. दाम-डेढ् रुपया.

निकालने बाले — नवजीवन पबिलिशिंग हाउस, महमदाबाद .

'सत्याग्रह' वाली किताब की तरह इसमें महात्मा जी के नई तालीम सम्बन्धी लेख आई भारतन कुमारण्या ने जमा किये हैं. जा शिकायतें हमें इस किताब के बारे में रहीं वही एसके बारे में भी हैं. जनवरी सन् 1945 में होने वाली नई प्रास्तीम कान्फरेन्स में महात्मा जी की दी हुई मार्के की स्पीच का इसमें कहीं जिकर ही नहीं है, जिसमें इन्होंने कहा था कि नई तालीम बालों की हालत उन लोगों की सी है जिनकी माब अथाह और असीम समुन्दर पर वह रही है जिसे खिवाय अगवान कपी श्रुव तारे के कोई दूसरा सहारा अहीं है.

किताब के एक एक सके से पता चलता है कि देश की कालीम के सवाल के बारे में कितनी जबरदस्त आग महास्मा जी के सीने में धधकती रहती थी और वह नई वालीम को कितना जरूरी सममते थे. सचमुच उन्होंने अपने क्रित तामीरी काम को राश्ट्र की नई तालीम बताया है.

तालीम में और महात्मा गांधी के विचारों में दिलचर्यी रक्षते बाले हर भाई बहन के पास यह किताब रहनी चाहिये.

—सुरेश रामभाई

खादी वर्ल्ड

सम्पादक-भाई एन. रामस्वामी.

तिसावट - अंगरेजी.

सालाना चन्दा- तीन रुपए.

निकासने वाले—चर्का संय की तामिसनाद शासा, सहूर मलार और सर्वोदय प्रवारातायम तीरूपुर (सावय सन्तिया रेजमे).

2 کیے لیکھ لیسے میں جو مہاتیا جی کے لکھے نہیں میں 169 169 سورگیہ میادیو یہائی یا پہارے لال جی یا کسی اور کے قام سے میں یہ یاس طاهر هو جانی جاهد تھی ۔

نیسری چیز آیک سعهاو کے طور پریه کہنا چاهتے هیں که لیکھوں ہے آن آخهاروں کی تاریخیں دی هوئی هیں جن میں رہ چهیے' نه که وہ جن تاریخوں پر مہاتما جی نے آنہیں آپئے قلم سے لکھا یا آسهیچ میں کہا ۔ اگلے ایڈیشن میں ایسا هرسکے تو اور بھی اچها هوگا .

— سریش رام بہائی

بيسك أيجوكيشي

ليكهك مهاتما كاندهي.

لكهاوق--الكريزي.

منح -- 113. دام- تيوم رويه، .

نكالنے والے نوجيون پبلشنگ هاؤس' احمدآباد .

استيا گره' والى كتاب كي طرح أس ميں مهاتما جي كے نكى تعليم سمينده ي ليكه بهائي بهارتن كمارپيا نے جمع كئے هيں . جو شكائتيں هميں أس كتاب كے بارے ميں رهيں وهي اسكے بارے ميں بهي هيں . جنوري سن 1945 ميں هوئے والى نكي تعليم كانفرنس ميں مهاتما جي كي دي هوئي معر كے كي اسهيج كا اس ميں كہيں فادر هي نهيں هے' جسميں أنهوں نے كہا تها نه نئي تعالم والوں كي حالت أن لوگوں كي سي هے جنكي ناو اتها اور اسهم سمندر پر بہ رهي هے جسے سوائے بهگوان روپي دهرو تارے كے كوئي درسرا سهارا نهيں هے .

کتاب کے ایک ایک صفتے سے پتا چلتا ہے که دیش کی تعلیم کے سوال کے بارے میں کتلی زبردست آگ مہاتیا جی کے سیئے میں دعدکتی رہتی تھی اور وہ نگی تعلیم کو کتفا ضروری سمجھتے تھے، سچ می اُنہوں نے ایے کل تعدیری کام کو راشتر کی نگی تعلیم بتایا ہے،

تعلیم میں اور مہاتما گاندھی کے رچاروں میں دلچسپی رکھنے والے هر بھائی بھن کے پاس یہ کتاب رہنے جاھئے.

-سریص رام بهائی

کهایی ورلت

ممهای -- بهائی این . رام سوامی .

لكهارك-الكريزي .

سالانه چلانه—ندن روان

تعلقے والے---جرخع بھی کی تامل ناد شاکھا کھدو عمر اور سروردے ہو جارا لام تھرو چو (سارتھ انقیا ریلوے) .

with the state of the order of the state of

51 must

किताब विकेशी तो कृष और अजब महीं इसी खाल में इस का दूसरा पढ़ीशन झापना पड़े, पर यह 'किसी के मन पर गहरा असर झोड़ जायगी, इसमें हमें शक है. हो सकता है, कोई बलते बलते रेल में किसी से यह किताब मांग कर पढ़ ले और तीसरे हिस्से की एक दो घटनाएँ पढ़ने के बाद वह किताब उससे वापस ले ली जाय तो कोई गहरा असर उसके मन पर रह जाय और किताब की रारज पूरी कर दे.

—स.

सस्याग्रह

नेकक—महात्मा गांधी, तिखावट—शंगरेकी. सको—406, वाम—साढ़े बार रुपर. निकातने वाले—नवजीवन पवितिशंग हाउस, अहमदाबाद.

भहमदाबाद का नवजीवन प्रकाशन मन्दिर जुदा जुदा मजमूनों पर महात्मा गांधी के लेखों का संप्रह सस्ते दामों में छाप कर दुनिया की भौर दुनिया के साहित्य की अच्छी सेवा कर रहा है. 'सत्याप्रह' नाम की किताब में महात्मा जी के सत्याप्रह से ताल्लुक रखने वाले 183 लेख, जो उन्होंने दिक्खन अफ्रीका के अपने अख़बार 'इन्डियन ओपीनियन' और फिर हिन्दुस्तान में 'यंग इन्डिया', 'हरिजम' वगौरा में 1904 से लेकर 1916 तक लिखे थे, दिये गए हैं. जमा करने की मेहनत का काम भाई भारतन कुमारण्या ने किया है जिन्होंने नवजीवन की खातिर इस तरह की और चीजें भी तैयार की हैं.

किताब को ग्यारह हिस्सों में बांटा गया है जिनसे सत्याग्रह के सभी पहलुओं पर अच्छी रोशनी पड़ती है.

'सत्याग्रह' और 'सर्वोद्य'—यह दो लक्ष्य महात्मा जी की ईजाद हैं. सर्वोद्य स्तकी जिन्दगी का मक्सद था और सत्याश्रह स्तको पाने का साधन. लेकिन मक्सद मक्सद है, दूर की बीज है, साधन अपनी बीज है, अपने करने की और काफी हद तक अपने बस की बीज है. इस्रतिये उस पर महात्मा जी जैसे सत्याग्रही के विचार पढ़ने सायक ही नहीं, सोचने और फिर समम ब्रुककर अमक करने लायक हैं. यह किताब रतनों का सान है जिसमें जो जितना गहरा स्तरेगा स्तना ही ज्यादा पाएगा.

केस जमा करने के बारे में दो बातें हम कहना बाहते हैं—

1. इस सिक्षिति के कुछ तेस जरूर इसमें देने से रह गए हैं. इमें खास तौर से महारमा जी के उस तेस की याद का रही है जो उन्होंने 'दि मेट सैम्टीनक' नाम से गुरु-देश रवीन्द्र नाथ के एक देश के जवाब किसाथा.

42-

ستيا گره

ليكهكـــمهاتما كاندهى كهاوت-الكريوس.

صنعے-406 دام-سازھ چار روپے .

رنكالله واله -- نوجهون بملشلك مارس احداباد .

احداباد کا نوجیوں پرکاشن مقدر جدا جدا مضمونوں مہاتما کاندھی کے لیکھوں کا سفکرہ سستے داموں میں اب کر دنیا کی اور دنیا کے ساھتھ کی اجھی سیوا رہا ہے ۔ استھا گرہ نام کی کتاب میں مہاتما جی کے یاگرہ سے تعلق رکھنے والے 183 لیکھ جو آنہوں نے دکھن ہتے کے اب اخبار 'الذین اوبی نین' اور پھر ھندستان 'ینگ انڈیا' 'ھریجن' وفیرہ میں 1904 سے لیکر نیک لکھے تھے' دئے گئے ھیں ، جمع کرنے کی نیت کا کام بھائی بھارتن کماربھا نے کیا ہے جگھوں نوجھوں کی خاطر اس طرح کی اور چھڑیں بھی تیار، فیس

کترب کو گیارہ حصوں میں بانٹا گیا ہے جن سے اُرک کے سمبی پہلوؤں پر اُچھی روشنی پوتی ہے .

'ستیا گرہ اور 'سرووں ہے'۔۔ یہ دو لفظ مہاتما جی کی اور ہیں ، سرووں ہے اُن کی زندگی کا مقصد تھا اور یائے کا سادھی ، لیکن مقصد مقصد ہے' کی چیز ہے ، اُس کئے کی اور کی چیز ہے ، اُس کئے اُسپر مد تک اُنے بس کی چیز ہے ، اُس کئے اُسپر منا جی جیسے ستیا گرھی کے وچار پڑھئے لائق ھی منا جی جیسے ستیا گرھی کے وچار پڑھئے لائق ھیں ، سوچئے اور پھر سنتی بوجھ کر عمل کرتے لائق ھیں ، کتاب رتیوں کا کی کھان ہے جسمیوں جو جتھا گہرا گیاہ ویادہ پانیتا ،

بھکھ جسم کرنے کے بارے میں در باتیں هم کہنا

۔ اس سلسلے کے کچھ ایکھ ضرور اس مَیں دیئے۔ گئے میں ۔ مدیں خاص طور سے مہاننا جی کے اُس پیاد آرمی ہے جو اُنہوں نے 'دی گریت سیٹٹیٹل' نام دیو رپیٹدرناتھ کے ایک لیکھکے جواب میں لکھا تھا۔ यह किताब हर हिन्दी जानने वाले के धर में रहनी बाहिये. क्योंकि इस में साहित्य के धस खजाने का पता द्या गया है जो हिन्दी का अपना है और जिसे हिन्दी गाले भूले हुए थे. हर हिन्दी जानने वाले को इस किताब के पढ़ने के बाद हिन्दी पर और ज्यादा अभिमान करने की हेम्पत हो सकेगी और उसे यह साल्म हो जायगा कि उस के पास हिन्दी साहित्य की ऐसी चीज है जो विदेशियों को शौरात के तौर पर भेंट की जा सकती है और अगर इम प्राते नहीं हैं तो इस खजाने का कोई न कोई हिस्सा जरूर हम तक अन्तर कीमी रूप ले जुका है.

सन '48 में इस का पहता पड़ीशन छपा पर हमारे आमने यह सन '50 का दूसरा पड़ीशन है. इस से पता इक्कता है कि किताब की कह हुई है, पर काफी नहीं. क्या ही प्रच्छा हो अगर यह किताब जियादा तादाव मेंछाप कर प्राठ कपए की जगह चार कपर की कर दी जाय.

— **Я**.

गहरे पानी पैठ

तेस रू-भाई श्रयोध्या प्रसाद गोयतीय. सक्रे-224, दाम ढाई रुपया. मितने का पता-भारतीय ज्ञान पीठ, काशी.

यह फिताब नावेल नहीं है फिर भी हाथ में लेकर होड़ने को जी नहीं चाहता. यह किताब काव्य नहीं है फिर री इसमें सब रस मौजूद हैं. यह कहानियों की किताब भी हीं है पर हर बात इस ढंग से कही गई है कि वह अपने माप में कहानी बन गई है और कहानी का रस देती है. तियलीय जी का कलम रसीला रसिया बन गया है. उसके स्थे जो भी चढ़ता है रसीला बन जाता है. यह सब तो है र यह किता । जिस रारज से लिखी गई है उस रारज को ्रा कर पायगी इस में इमें शक है. यह तीन हिस्सों में ही है. एक गुरुजनों के चरनों में बैठ कर जो सुना, दो तिहास और धर्म प्रन्थों में जो पढ़ा, तीन हिये की आँखों । जो देखा. पहले दो भागों का जियादा हिस्सा ऐसा है जो ान को मोह लेता है, खुश करता है पर चित्त पर कोई ाहरा असर नहीं छोड़ जाता. 'गपोड़ शंख' कहानी दर्ज हरने में लेखक ने क्या सोचा पता नहीं. इसी तरह से रंगा सियार' उन घटनाओं से कोई मेल नहीं खाता जो हिये की आँखों से देखा' हिस्से में दर्ज हैं. धर्म कथाओं में री कई कथाएं अपना अच्छा असर नहीं छोड़ सकती. गठकों को दुविधा में डाल सकती हैं. अञ्झा होता अगर सि का तीसरा यानी 'हिये की आँखों से देखा' माग अक्षग केताब की शक्त में छपता. तीनों भाग साथ छपने से यह

یہ گتاب عر هاتی جائلے والے کے گهر میں رهلی بھاھگے ۔ کھونکہ اِس میں ساھٹیہ کے اُس خوانے کا یہ دولے فیا گیا ہے اور جسے هاتی والے بهولے موثے تھے ۔ هر هاتی جائلے والے کو اِس کتاب کے پوهلے کے بعد هاتی پر اور زیادہ آبھیمان کرنے کی همت هوسکے کی اور اُس یہ معلوم هو جائے کا که اُس کے پاس هاتی کی ایسی چهز ہے جو ودیشهوں کو سرفات کے طور پر بھیلت کی ایسی چهز ہے جو ودیشهوں کو سرفات کے طور پر بھیلت کی جاسکتی ہے اور اگر هم بهولتے نہیں هیں تو اِس خوانے کا کوئی نه کوئی حصه ضرور اُب تک اُنگر قومی روپ لے چکا ہے ۔

سن 48' میں اس کا پہلا آئیشن چھیا پر همارے سامنے یہ سن 50' کا دوسرا آیڈیشن ہے ، اس سے پته چلتا ہے کہ کتاب کی قدر هوئی ہے کہ کافی نہیں . کیا هی اچھا هو اگر یہ کتاب زیادہ تعداد میں چھاپ کر آٹھ روپے کی خردی جائے .

· 4i ---

گہرے پانی پیٹھ

لىكەك---بھائى ايردھيا پرساد گرئليە . صفتے_—224 . دام ڈعائى روپيە .

ملئے کا پته- بهارتها گیان پوتها کاشی .

یہ کتاب ناول نہوں ھے پہر بھی ھاتھ میں لے کر چهورنے کو جی نہیں چاھتا . یہ کتاب کاویہ نہیں ہے يهر بهي اِس مهن سب رس موجود هين ، يه كهانيون کی کتاب بھی نہوں ہے پر ہر بات اِس قائل سے کھی گئی ہے که وہ آیے آپ میں کہانی بن کئی ہے اور کہانی كا رس ديتي هي . كونليه جي كا قلم رسيلا رسيا بن كيا هي. أسكے متعے جو بھی چوعتا هے رسيلا بن جاتا هے . يه سب تو هے يويه كتاب جس فرض سے لكھى گئى هے أس فرض كو يورا كر پائيكى اِس ميں هميں شك هـ . یہ تھی حصوں میں ہتی ھے . ایک گروجنوں کے چونوں م بي بيتهكر جو سدا دو إنهاس آور دهرم گرنتهون مين جو پڑھا' تھی ھیے کی آنکھوں سے جو دیکھا۔ پہلے دو بھاگوں كا زيادة حصه ايسا هے جو من كو موة ليتا هے ' خوش كرتا هر يرجت ير كولي گهرا اثر نهين جهور جانا ، اگهور هلكها کہاتی درج کرنے میں لیکھک نے کیا سوچا پته نہیں: اسے طرح سے 'رنگا سیار' أن گهتناؤں سے كوئى مهل نهين کھاتا جو آھھ کی آنکھوں سے دیکھا' حصے میں درج ھیں۔ دهرم كتهاول مين بهي كثي كتهائيل أيدا أجها أثر نهيل جهدر سكتور أ ياتهكون كو دويدها مين ذال سكتي هين أجها هُونا أَكُو إِسَا تَهْسُوا يَعْلَى أَهُمَ كَي آنكهون سِدْيكها عَهَاكُ الكَّ كَتَابِي كَي هُكِل مِهو بَهِ هِنَا تَهْلُون فِهَاكُ سَاتُه جَهْهِ لَمْ سِدِية



आधुनिक हिन्दी कविता

पडीटर—नानु भाई बारोट, गिरिराज किशोर. सके—84. दाम एक कपया.

मिलने का पता-गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद.

इस किताब को सच्चे मानों में क्रौमी गीत पोथी कहा जा सकता है. इस में पैंतीस आक्षान किवताओं को एक जगह इकट्ठा किया गया है. किताब के पीछे मुशकित शब्दों की टीपनी देकर उसे और भी जियादा काम का बना दिया गया है. यह पहली किताब है जिसमें नजीर अकबर आ बादी, मैथिली शरन गुष्त, मौलाना अलताक हुसेन हाली, अयोध्या सिंह हरिश्रीध, मास्त्रन लाल चतुर्वेदी, सैयद अकबर हुसेन अकबर, मुमित्रानन्दन पंत, बज नारायन चकबस्त, महादेवी बर्मा, सियाराम शरन गुष्त, सुभद्रा कुमारी चौहान, शब्बीर हसन खां जोश जैसे पैंतीस किव एक जगह बैठे हैं और बच्चों से बूढ़ी बार्ते कर रहे हैं.

यह किताब हर स्कूल लायकेरी में होना जरूरी है. इस तरह की 'क़ौमी गीत प्राइमर' के लिये गुजरात विद्यापीठ को बचाई.

—મ

शेर-भो-शायरी

पढीटर—श्रयोध्या प्रसाद गोयलीय. सक्ते—640, दाम श्राठ रुपया. मिलने का पता— भारतीय श्रामपीठ, काशी.

महा पंडित भी राहुल सांकृत्यायन की प्रस्तावना ने यह बता दिया है कि यह किताब कितने मौक़ की है और कितने काम की है और यह भी उन हीं का कहना है कि यह किताय कितने गहरे अध्ययन के बाद लिखी गई है.

चोटी का कोई चरदू शायर नहीं कूट पाया, सभी का नमूना इस किताब में मौजूद है. उन शायरों की जीवनी देकर पाठकों के दिस में यह खाहिश पैदा करने की कोशिश की गई है कि वह का की और रचनाओं को मंगाएं और पढ़ें.

أدهونك هندى كويتا

ایقیگر--نانو بھائی ہاروت کری راج کشور صفتے۔۔۔۔84 ، دام ایک رویعہ .

ملنے کا بعہ-کجرات ردیا بہتم احمدآباد

اِس کتاب کو ستچے معدول میں قومی گیت پوتھی کہا جاسکتا ہے ۔ اِس میں پیئتیس آسان کوئٹاؤں کو ایک جگھ اکتھا کیا گیا ہے ۔ کتاب کے پینچھے مشکل شجدوں کی تیپلاردے کو اُسے اور بھی زیادہ کام کا بنا دیا گیا ہے ۔ یہ پہاری کتاب ہے جس میں نظیر اندرآبادی میتھلی شرن گیست موانا الطان حسین حالی ایود عیاستکھ ہری آودہ مائوں الل چترویدی سید اندر حسین اندر سمترا نندن پنمت برج نارائن چکیست مہائیری ورما سیارام شرن پنمت سرمدرائیاری چوھان شہیر حسن خال جرھ کیسے پیٹھی سرمدرائیاری چوھان شہیر حسن خال جرھ جھسے پیٹھی اور بچوں سے جھسے پیٹھی ہاتیں کررہے ہیں .

یه کتاب هر اسکول لائهریدی میں هونا ضروری هے . اس طوح کی اقومی گیت پرائسزا کے لگے گجرات ودیا بیٹھ کو بدھائی .

· *! —

شعر و شاعري

التریتر—ایردهیا پرساد گرئیلیه صفحهـ—640 . دام آته رویهه صلقه کا پته—بهارتیه گیان پیته کشی

میا بلقت شری راهل سانکرتهائن کی پرستارنا نے اور کتنے کام کی جستارنا نے اور کتنے کام کی بیتا دیا ہے اور کتنے کام کی بیتا اور یہ بھی اُن هی کا کہنا ہے کہ یہ کتاب کتنے گہرے اُنسین کے بعد لکھی گئی ہے .

چوٹی کا کوئی آردو شاعر نہوں چھوٹ پایا ' سبھی کا ان شاعروں کی جھوئی ان شاعروں کی جھوئی ان شاعروں کی جھوئی ان کی کر پاٹھکوں کے دل میں یہ خواھمی پیدا کرنے کی کرشائی کی گئی ہے کہ وہ اُن کی اور رچناوں کو منتائیں ارد پردھیں ،

F-

ाधे.

ज की चिट्टी में सुशीला और कुशीला का हाल लिखा ीर इस में भी उन्हों का हाल लिखा जायगा. और ो चिट्रियों में भी इसी तरह. कुशीला उस रोज सुशीला शाम तक ठहरी और सुशीला ने इसे पढ़ने लिखने र काम ठीक ठीक वक्त पर श्राहल के मुताबिक के बढ़े कायदे बताए और दिखलाया कि सुशीला ने कै भी नई नई बातें इसी तरीक पर चलने से सीख उसने कुशीला को वर्जिशें भी कई तरह की कर कर उलाई. कुशोला ने पूछा कि अरी तूने यह सब बातें । सीख लीं. सशीला ने कहा कि यह सब बातें कितायों ते से मालूम हो सफती हैं. आज कल के जमाने में रह की किताबें हर एक क्रिस्म की छपी हुई बिकती कोई आदमी इन को पढ़ना सीख ले फिर वह जिस बात या बीज का हाल चाहे ख़ुद पढ़ कर मालूम कर है. इशीला ने कहा कि मैं भी चाहती हूँ कि पढ़ना ा अच्छी तरह आ जाय. मगर मेरा मन ही नहीं जब मैं पढ़ने लिखने को बैठती हूँ तो जरा मन नहीं भीर यही दिल चाहता है कि मट पट सब कुछ हो जाय तो जाकर खेलें. सुशीला ने कहा कि पदना एक खेल ही है और बढ़े तमाशे का खेल है कि जो ाहो इसी की बाबत पढ़ सकी. अगर तुम मालूम षाहती हो कि पीतल क्या चीज़ है, कहां से आता इसके बरतन क्यांकर बनते हैं, तो किताबों के पढ़ने म हो सकता है. अगर तुम जानना चाहो कि पहाड़ : बनते हैं, दरखत क्यों कर उगते हैं, बांद में धटने ा क्यों दिखाई देते हैं, मेंह क्यों बर बता है, आंधी इती है, आदमी क्या है, जानवर क्योंकर बने. क्यों चमकती है भौर चिरारा क्योंकर जलता है सब और इज़ारों किस्म की और बातें कितानों के । माल्यम हो सकती हैं.

चुटकला

प-तृने मेरा क्रलम क्यों तोड़ा ? ॥—इसलिये कि आप मुक्ते सका दें. प-क्या तुमे सका अध्नी मालूम होती हैं ? ॥—सका तो अध्नी मालूम नहीं होती लेकिन ह बाद अस्मां मुक्ते खाने को मिठाई देती हैं।

كل كي جاتهي مين سوشية أور كوثية كا حال لكها تها' أور أس مهل بهي أنههل كا حال لعها جائم كا ، أور اللي چتهيون مهن بهي اسي طوح . كوشيلا أس روز سوشهلا کے گھر شام تک تھھری اور سوشیلا نے اُسے پوھلے لکھلے اور ھر کام تھیک تھرک وقت یر عقل کے مطابق کرنے نے بڑے قائدے بتائے اور دکھلایا که سوشیلا نے کیسی کیسی نثی نثی باتھی اسی طریقے پر چلنے سے سیکھ لیں . اُس نے کرشیق کو ورزشهی بهی اللی طرح کی کرکر کے دکھاڑیں . کوشیلا نے پوچھا کہ اربی تولے یہ سب باتیں کہاں سے سیکھ لھی . سوشھا نے کہا کہ یہ سب باتھی کتابوں کے بوھنے سے معلوم هوسکتی هیں . آج کل کے زمانے میں طرح طرح کی کتابین هر ایک قسم کی چبهی هوئی بکتی هیں . جو کوئی آدمی اِن کو پڑھنا سیکھ لے پہر وہ جس کسے بات يا چهر كا حال چاهے خود بوهكر معلوم كر سكتا هے . كوشيلا نے کہا کہ میں بھی چاعتی ھوں کہ پوعدا لکھنا آچھی طرح آجائے . مكر ميرا من هي نهيں لكتا . جب ميں پڑھئے لکھنے کو بھٹھٹی ھوں تو ذرا من بہیں لگتا اور يهي دل چاعتا هے که جهت پت سب کچه خدم هرجائے تو جاکو کھیلیں، سوشیلا نے کہا کہ پڑھا بھی تو ایک کھیل هي هے اور بوے تماثیے کا کھیل هے که جو کچھ چاهو اُسی کی بابت يوه سكو. أثر تم معاوم كرنا جاهتي هو كه يهتل عها چھڑ ھے' کہاں سے آتا ھے اور اِسکے برتن کھوں کر بفتے ھیں' تو کتابوں کے پوھٹے سے معلوم ھوسکتا ھے۔ اكر تم جانفا چاهو كه يهار كيونكر بفتي ههو، درخت کیوں کر اُنٹے میں' چاند میں دعیہ دھیے سے کیوں دکھائی دیتے میں' میلہ کیوں برستا ہے' آندعی

جتكلا

كهوں چلتى هے' آدمى كها هے' جانور كهونكر بنے' بجلى

کھوں چمکتی ہے اور چراغ کیوں کو جلتا ہے تو یہ سب اور

ھزاروں قسم کی اور ہاتھی کتابوں کے پوھلے سے معلوم ھو

سكتى هين ،

ہاں - تونے میرا قام کیوں توزا ؟
ہجہ - اس لیُے کہ آپ مجھے سزا دیں .
ہاں -- کیا تجھے حزا اچھی معلوم عوتی ہے ؟
ہجہ -- سزا تو اچھی معلوم نہیں ھوتی لیکن سزا کے ہمد اماں مجھے کہانے کو ماہائی دیاتی ھیں ! राधे,

कल की चिट्ठी में सुशीला और क़शीला का थोड़ा सा हाल लिखा था. आज भी उन्हीं का और योड़ा सा हाल लिखा जाता है. एक दिन क्रशीला सुशीला के घर गई. कोई नी दस बजे का बक्तत होगा. ग्रशीला बैठी हुई अपना हिसाब लिख रही थी. कुशीला ने जा कर कहा कि कारी क्या कर रही हैं ? उठो चलो ऊपर चल कर खेलें. सुशीला ने कहा कि मैं पहले अपना हिसाव खतम कर लूं फिर कुछ भीर काम करूंगी. तुम भी देखों, तुम ने अपना कल का हिसाब लिख लिया? कुशीला ने कहा मुमे तो हिसाब विसाव जिखना आता नहीं और न मेरा ऐसे कामों में मन लगता है. सुशीला ने कहा कि वाह हिसाब किखना तो बड़ा अच्छा मन लगाने वाला काम है. रेख़ो मैं तो तीन बरस से बराबर अपना हिसाब लिखती हूँ. मुम्ते दस रूपए महीना मिलता है, उसी में अपना सब करती हूँ. और मेरे पास सब हिसाब एक एक पैसे का मौजद हैं. आज तीसरे साल का श्राजरी दिन है इस लिये मैंने सब हिसाब जोड़ कर जमा किया है. मुक्ते इन बरसों में क़ल 360 रुपए मिले. उन में से मैं ने क़ुल मिल। कर 110 रुपए खर्च किये हैं और बाक़ी 250 रुपए बैंक में जमा कराए हैं. यह देखा मेरी बैंक की किताब. इस में 250 रुपए तो असल के और 15 रुपए सूद के, कुल 265 रुपए लिखे हुए हैं. कुशीला ने कहा कि तूने रुपया बैंक में क्यों जमा करवाया ? कुछ के गहने क्यों नहीं बनवाए ? मेरा तो गहने पहनने को बढ़ा मन करता है. सुशीला ने कहा कि गहना बनवाने से क्या फायदा ? मुक्त में रुपया जाया करना है. मैंने तो पिछले तीन बरस में 10 कितावें आंगरेजी की और 25 कितावें हिन्दी और डरद की पढ़ी हैं. कहीं भी गहने बनवाने का क्रब्र फायदा नहीं पढ़ा. हां, नुक्रसान बहुत से पढ़े हैं. न मेरा ऐसी फजल बातों के करने के वास्ते मन चाहता है जिन में नुक़सान ही नुकसान हो, फायदा कुछ भी न हो. कुशीला ने कहा कि जब सब " औरतें जो बुरा दुरा कहने लगतों हैं कि अरे यह लीं डिया तो निरी मांस का लोंदा है. यह गहने क्यों नहीं . पहनती. फैसी बुरी नंगी नंगी मालूम होती है. इस पर सुशीला ने कहा कि पहले तो मुमे भी औरतों की ऐसी बातों से बुरा माल्म होता था. मगर जब से मैंने किनाबों . में पढ़ा है कि जब कभी कोई आदमी कोई नया काम करता है, तो चाहे जितना अच्छा काम क्यों न हो, जो आदमी सकीर के फक्रीर होते हैं वह उसे जरूर बुरा कहते हैं, तब के मैंने अपने मन को सममा तिया कि औरों के बुरा अला कहने पर कभी न जाना चाहिये, बलिक जो बात काक के मुताबिक हो वह करनी चाहिये.

ادي

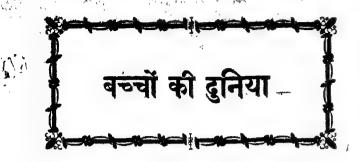
كل كي چاهي ميس سوشيلا اور كوشيلا كا تهورا ساحال لكها عها . آبيه انهيس كا اور تهورا سا حال لكها جاتا هده ايك دن كوشهلا سرشهلا كے گهر كئى . كوئى نودس بحجے كا وقت هوكا . سوشية بيتهي هردى ابنا حساب لكه رهى تهي. كوشية في جائر کها که اربی کیا کر رهی هے ؟ اُتهو چاو اوپر چاکر کههایس . سوشية نيكها قة مين بهلي أبنا حساب ختم كراون يهر كجه أور کلم کروں کی . تم بھی دیکھو کم نے ایفا کل کا حساب اله لها ؟ كرشيلا نے كيا مجمع تو حساب وساب لكهذا أنا لهمن اور ته مهرا ايسم كامون مين من لكتا هـ . سوشيلا نے کہا که والا حساب لکھنا تو ہوا اچھا من الكانے والا كام ھے . دیکھو میں تو تین برس سے برابر اپنا حساب لکھتی هين ، مجهد دس روي مهينه ملتا هي أسى مين اينا سب کرتی هوں . اور میرے پاس سب حساب ایک ایک پیسے کا موجود ھے . آج تیسرے سال کا آخری دن ھے اِس لئے میں نے سب حساب جوز کر جمع کیا ہے ، منجم اِن برسوں میں دل 360 روپے ملے . أن میں سے میں نے كل ملا کر 110 روپے خربے اللے هيں اور باقی 250 روپے بينك مهن جمع قرانه هين . يه ديكهو ميري بينك كي كتاب . اِس میں 250 روپے تو اصل کے اور 15 روپے سود کے' كل 265 روي لكه هوئے هيں . كوشيلا نے كہا كه تونے وربهه بهنک میں ایوں جمع کروآیا ؟ کچھ کے گہنے کیوں نههن؟ بنوائد مهرا تو دُبن بهنا کو بوا من ارتا هر . سوشيلا نے دیا کہ گیٹا بلوانے سے کہا فائدہ ؟ صفت میں روپیہ فالع كرنا هے . ميں لے تو پچھلے تدن برس ميں 10 کتابین انگریزی کی اور 25 کتابیں مندی اور اُردو کی یوهی هیں ، کہیں بھی کہنے بنوانے کا کچھ فائدہ نہیں یوها ، هاں نقصان بہت سے پوھے میں . نه میرا ایسی فضول باتوں کے کرنے کے واسطے من جاھدا ھے جن موں تعصان مع نقصان هو' فائدة كنيه بهي نه هو ، كرشيلا نع كيا که جب سب عورتیں جو برا برا کہنے لگتی ھیں کہ ارے یم الونڈیا تو نری مانس کا لوندا ھے ، یہ کہلے کیس انہیں پہیکتی ۔ کیسی ہری نلکی نلکی معلوم ہرتی ہے ، اِس پر سوشیلا نے کہا که پہلے تو مجھے بھیءورتیں کی ایسی باتیں سے پوا معلوم ہوتا تھا ، مکر جب سے مھن نے نتاہوں مھن پُوها ہے کہ جب کبھی کوئی آدمی کوئی تیا کلم کوتا ہے' تو تهاه جعلا الجها كام كهون نه هو جو آدمي لعهر نے قعور موقة الهور ولا أس فرور برأ كهتم دين تب سر مهن نے الم المان المائع المام مو بات عقل كے مطابق هو وا

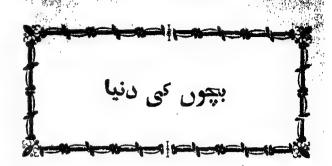
शेषा करती थी, और सोते बक्त पूरा इरावा कर लेती भी के समद जरूर चाहे कक दी हो ठीक पांच बजे उठाँगी. स वास्ते जहाँ पांच बजे वहाँ कौरन इस की आंख खुंब गती थी और वह फौरन वठ अपना बिस्तरा तह कर बिस्तरे खने की जो जगह मुकर्रर कर रखी थी वहाँ रख कौरन हा घोकर कपके पहन, चोटी गंधवा कर, वर्जिश कर इने को बैठ जावी थी. है बजे से नौ बजे तक वराबर हती थी. फिर खाना खाकर जो जो चिटियाँ किसी के ास से आती थीं सब का रोज जवाब दे देती थी. फिर गरह बजे तक खेलती थी और फिर रोटी खा कर सीने निने बरौरा का काम तीन बजे तक करती थी. इसके शाम क का बक्त अच्छे अच्छे खेलों में जिन से अक्रत आए. बास्तोरी में. अच्छी अच्छी कहानियाँ पदने में और प्रमलसन्दी की और बातें करने में गुजारती थी. और इसी क्रत में खाना बनाना भी रोज सीखा करती थी. और इस रह रोज बरोज ज्यादा अवलमन्द होती जाती थी. बहुत ी कितावें पढ़ ली वीं और हमेशा खश रहती थी.

मगर इसकी भनेली कुशीला को उस की माँ ने कुछ ी न सिखाया था. इस वास्ते जब सबेरा होता तो उस हा मन विस्तरे पर से उठने को ही नहीं करता था. इस । हते जाग पड़ने के बाद भी बहुत देर तक ऐंडा करती थी. ही सुशकित से जब सब उठ कर अपने अपने काम में ाग जाते थे तब उठती थी. उठने के बाद बजाय इस के के मह पट नहां घो कर काम से लगे. इधर से उधर और अर से इधर फिरती फिरे थी. कभी कहारी के पास जा ज इस के मसाला पीसने का तमाशा देखने लगती. कभी गेई बचा रोता हुआ। तो उस को उठा लिया. कभी किसी हे यों ही बाही तबाही बातों में लग गई. न नहाने धोने ग बन्नस मुकर्रर न कोटी गुंधवाने का. भौर वर्जिश करने हा तो जिक्क ही क्या. रारज इस तरह कभी आठ बजे नहाती हिकसी नौ बजे, और कभी नहाती ही नहीं थी. कभी कसी ने बहुत कहा तो कुछ पढ़ लिया, बरना उसी तरह ास्त बैठे रहने या एलटी सीधी बातें करने या किसी वालक बेलने में वृक्त जाया करती थी. न पढ़ना लिखना अच्छी रह सीखा था, न सीना पिरोना न खाना बनाना. एक हेन जो तरकारी बनाने बैठी तो दुगना नमक डाल दिया भीर तरकारी बिलकुल कवी रह गई, सब फिक गई. चिट्ठी प्रमार इस के पास कोई भेजता था तो कभी उस का ववाब नहीं देती थी, चाहे कोई कितना ही लिसे कि जरूर सबाब देना. क्योंकि जब कोई चिट्ठी आती यी तो जल्दी हे पह कर जहाँ पढ़ा वहीं छोड़ स्रेख में या किसी चौर बात में लग जाती थी. और चिट्टी इधर उधर हो जाती ही, फिर जवाब क्यों कर देती.

مبها کرنی تهی آور سوتے وقت پیرا آرادہ کر لہتی نہی كه صبح ضرور بهاه كته هيهو تهيك بانج بنه أتهولكي . اِس واسعاء جهان پانچ بعد وهان قوراً اسكى آنكه كهل جاتى تهى اور وه قوراً أنه اينا بسترا تهه كر بسترے رکھلےکی جو جگہ مقرر کر رکھی تھی وعاں رکھ فوراً نہا دھو کر کہوے یہں' جوڈی کادمرا کر ورزش کر پوھلے کو بیٹھ جاتی تھی ۔ چھ بھے سے نو بھے تک برابر بوھتی تھی' پھر کھانا کھاکر جو جو چٹھھاں کسی کے پاس سے آتی تھھی سب کا روز جواب دے دیتی تھی . پھر ہارہ بھے تک کھیلٹی تھی اور پھر روتی کھا ر سیلے بداے وغیرہ کا کام تین بحے تک کرتی تھی ایسکے شام تک کا وقت اچھے اچھے کھھلوں میں جن سے عقل آئے عوا خوری میں اچھی اچھی کھانھاں پڑھلے میں اور عقل مندی کی اور بانھں کریے مهن كذارتي تهي ، اور اسي وقت مهن كهانا بنانا بهي روز سیکها کرتی تھی۔ اور اس طرح ررز پروز زیادہ عقل ملد موتی جاتی تھی، بہت سی دهابھی پوھ لی تھھی اور همیشه خوش رهتی تهی ،

مگر اُسکی بہدیلی اوشیا کو اُسکی ماں نے کچھ بھی نه سكهايا تها . إس وأعطي جب سويراً هوتا تو اسكا من بسترے یو سے اُٹھنے کو ھی نھھی کرتا تھا ۔ اِس واسطے جاگ پوئے کے بعد بھی بہت دیر تک ایلڈا کرتی تھے ۔ بوس مشکل سے حب سب أته كر ابنے ابنے كم ميں لگ جاتے تھے تب اتہتی تھی، اُتھنے کے بعد بجانے اِس کے كه جهت يت نها دهوكر كام سے لكے ادهر سے أدهر اور أدهر سے اِدھر پھرتی پھرے تھی ، کھھی کھاری کے پاس جاکر أسكم مساله يهسني كا تداشه ديهنم الكتي كمهي كوثي بح روتنا هوا تو اُسکو اُٹھا لیا ، کبھی کسی سے یوں کھی واھی تواھی باتوں میں لگ گئی ، نه نهائے دھونے کا وقت مقرر نه جباتي گندهوانے کا . اور روزهي کونے کا تو ذکر هي کها . فرض اِس طرح کبھی آٹھ بھے نہاتی تھی کبھی نو بھے' اور کبھی نہائی ھی نہیں تھی ، کبھی کسی نے بہت دہا تو الجه بوه ليا ورنه أسى طرم سست بياهم رهام يا ألتى سیدھی ہاتھی کرنے یا کسی بالک سے کھھلنے میں وقت ضائم كرتي تهي ، له يوها لكها أجهى طرم سيكها تها نه سیلا یرونا نه نهانا بلانا ، ایک دن جو ترکاری بلانے بهتهی تو دالما نمک دال دیا اور ترکاری بالکل کچی ره کئی' سب پہک کئی، چتھی اار اُس کے پاس کوئی بهیجتا تها تو کبهی اسکا جراب نهیس دیتی تهی چاه كوثى كتفا هي لكه كه ضرور جرأب ديفا . الهونكم جب کوئر چتھی آتی تھی تو جلدی سے پومکر جہاں پوھا وهوں جهور کههل مهر يا کسي أور بات ميں لگ جاتے تهير . اور چالهي ادهر أدهر هرجاتي تهي پهر جراب كهون





يهاڻيو' يهڏو'

भाइयो, बहनो,

मैंने जुलाई नम्बर में आप से बायदा किया था कि आप को यह बता दिया जायगा कि नीचे दिये पत्र किस पिता ने किस बेटी को लिखे थे. तो सुनिये, वह भाग्यवान लड़की श्रीमती राधा रानी थीं और उनके वह पिता दिल्ली के बाइज्जत और बहुतों के जाने पहचाने नागर स्वर्गीय श्री राधिका नारायन थे.

हमें अकसोस है कि बहुत तलाश करने पर भी इस सिलसिले की सब से पहली चिट्ठियां हमें नहीं मिल सकीं. अब यह सिलसिला 7जून 1906 से शुरू होता है. नीचे कुछ चिट्ठियां दी जाती हैं जिन में एक कहानी कह कर बच्चों की अच्छी और बुरी तालीम में फर्क बताया गया है.

> भापकी दीदी योग माया

میں نے جولائی نمبر میں آپ سے وعدہ کیا تھا کہ آپ کو یہ بتا دیا جائے گا کہ نیمچے دیئے پتر کس پٹا نےکس بیٹی کو لکھے تھے ، تو سلنے' وہ بھاگواں لوکی شریمتی رادھا رانی تھیں اور اُن کے وہ پتا داری کے با عزت اُور بہتوں کے جانے پہنچانے ناگر سورگیہ شری رادھیکا نارائن تھے ،

همیں انسوس هے که بہت تلاش کرنے ہو بھی اس سلسلے کی سب سے پہلی چٹھیاں همیں نہیں مل سکیں ، اب یہ سلسلہ 7 جون 1906 سے شروع هوتا هے ، نینچے کیچھیاں دی جاتی هیں جن میں ایک کہائی کہکر بحوں کئی اچھی اور بری تعلیم میں فرق بٹایا گیا ہے .

آپ کی دیدی یوگ مایا

सुशीला और कुशीला

कहोड़ 7-6-'06

राधे,

कल की चिट्ठी में एक बुरी मां और उसके वह का हाल लिखा गया था. आज दो लड़िक्यों का हाल सुनो जिन में से एक की मां तो बहुत बेपरवाह और सुस्त थी और दूसरी की मां बड़ी हुशियार और अक्षलमन्द थी. एक लड़की का नाम कुशीला था और दूसरी का सुशीला. होनों एक ही गली में रहती थीं और एक दूसरे की मनेली थीं. सुशीला को तो उस की मां ने खुटपन ही से बड़ी अक्षी अक्षी आवर्ते डाली थीं. इस वास्ते वह हर रोज गरमियों में पांच बजे और जाड़ों में है बजे उठा करती थीं. एक बड़ी उस के पास की, वह अपने सिरहाने रखकर

سوشيلا أور كوشيلا

کہنور 06'–6–7

'and

ال کی چاہی میں ایک ہوی ماں اور اُسکے بھے کا حال لکھا گیا تھا آ ج دو لوکیوں کا حال سنو جن میں سے اُیک کی ماں تو بہت ہے پرواہ اور سست تھی اور دوسری کا نام گیسیة تھا اور دوسری کا سوشیة ، درتوں ایک ھی گلی میں رھاتی تھیں ، اور ایک دوسرے کی بھلیلی تھیں ، سوشیة کو تو اُسکی ماں نے چھاتین ھی سے بوی سوشیة کو تو اُسکی ماں نے چھاتین ھی سے بوی اُنجھی اُچھی اُجھی عادتیں ڈالی نہیں ، اس واسطے وہ موروز گرمیوں میں پالنے بھی اُر جازوں میں چھ بحی اُنھا کوئی تھی، ایک گھوی اُسکے پاس تھی کوئی تھی ہوگئی کوئی تھی اُنھا کوئی تھی۔ اُنہ سوھائے رکھکو

श्रीमान सममाने सौद कम्युनिस्ट समसीने तो सारा गाँव सुझी होगा. यह तो मैं कम्युनिस्टों का ही काम कर रहा हूँ. यह एक फच्चर है, इस फच्चर को डालता हूँ. और फिर इस पर कानून का हथीड़ा पड़ेगा. हमारा हाम सिर्फ कानून से नहीं होगा, अगर यह फच्चर काम महीं देगी. इमकी सुरुआत होती है दान से और खात्मा होता है कानून से. और कम्युनिस्ट शुरुआत करेंगे लाठी से और खात्मा करेंगे कानून से. आखिर में कानून से खात्मा वह भी करेंगे, मैं भी करू गा, लेकिन शुरुआत में मैं प्रेम और दान चाहता हूँ, और वह लाठी और खुट चाहते हैं.

---विनोवा

राजपति की राय

(हिन्दुस्तानी प्रचार सभा बम्बई के काम के बारे में) गवर्नमेंट दाउस, बम्बई. 26.5.751

सुमे यह सुनकर बहुत खुशी हुई है कि हिन्दुस्तानी प्रचार सभा अपना नेक काम स्कूजों में पढ़ने वाजों और वाजियों के लिये, अपने प्रचारकों के जरिये क्लासें खोल-खोलकर, बराबर कर रही है. हिन्दुस्तानी का रास्ता बापू के दिल को बहुत प्यारा था. और उनकी बड़ी आरजू थी कि इममें से हर एक, हिन्दुस्तानी दोनों लिखावटों में सीख ले. इस लिये यह बापू के तामीरी कामों का जरूरी और निहायत अहम हिस्सा है, और उन सब को जो इस मैदान में काम कर रहे हैं, सुबारकबाद देना चाहिये.

हिन्दी को हिन्द यूनियन की सरकारी जवान मान क्षेत्रे का यह मतलब नहीं है कि बालिगों को और स्कूलों में, निजी सौर पर दोनों लिखावटों में हिन्दुस्तानी सिखाने के काम को किसी तरह भी रोका जाय.

सब तो यह है कि हिन्द यूनियन के आईन (संविधान)
में जिस हिन्दी का जिकर किया गया है, वह दरअस्त
बही जवान है जिसे महात्मा गांधी हिन्दुस्तानी कहते थे.
जिन्हें दोनों चीजें सीखने का मौका मित सके, वह वेशक,
प्रभावशाली तरीक़े से राश्ट्रमाशा को अच्छी तरह पुरज़ोर
और लचकदार बातचीत का ज़िर्या बनाने में मदद है
सकेंगे.

मैं ऐसे काम करने वालों की कोशिशों की पूरी काम-वाकी काहता हूँ.

—राजेन्द्र प्रसाद

('मंगल प्रभात' से)

غربسان سنجهین قر میں کمهونستی سنجهین کے قو سازا گئی۔
سکھی ہوگا یہ تو میں کمهونستی کا ھی کام کروھا ھوں ا
یہ ایک پہچرھ' اُس پہچرکو ڈالٹا ھوں اور پہر اُس پر قانوں
کا ھکھوڑا ہوے گا ۔ ھمارا کام صرف قانوں سے نہوں ہوگا اگر یہ
پہچر کام نہیں دیکی ۔ اِس کی شروعات ہوتی ہے دان سے اور
خاتمہ ہوتا ہے قانوں سے ۔ اور کمیونست شروعات کویں
گے قانوں سے خاتمہ کویں گے قانوں سے ۔ آخر میں
قانوں سے خاتمہ وہ بھی کریں گے میں بھی کرونکا' لیکن شروعات میں میں پریم اور دان چاھتا ہوں' اور وہ قانهی اور لوت چاھتے ھیں ۔

--- ونوبا

راج پتی کی رائے

(هندستانی پرچار سبها بمبئی کے کام کے بارے میں) گورنمنت هاؤس' بمبئی . 26-5-751

مجھے یہ سن کر بہت خوشی ہوئی ہے کہ ہدستانی پرچار سبہا اپنا نیک کام اسکواوں میں پڑھتے والوں ارر بالغوں کے لئے' اپنے پرچارکوں کے فریعے کلاسیس کھول کھول کر' برابر کر رھی ہے ، ہندستانی کا راستہ باپو کے دل کو بہت بھارا تھا ، ارر اُن کی بڑی آرزو تھی کہ ہم میں سے ہر ایک' ہندستانی دونوں لکھاوتوں میں سیکھ لے ، اس لئے یہ باپو کے تعمیری کاموں کا ضروری اور نہایت اھم حصہ ہے' اور اُن سب کو جو اس میدان میں کام کر رہے ھیں' مہارک باد دینا چاہئے ،

هلدی کو هند یونین کی سرکاری زبان مان لیٹے کا یہ مطلب نہیں <u>ھے</u> کہ بالغوں کو آور اسکولوں میں' نجی طور پو دونوں اکھاوٹوں میں هندستانی سکھانے کے کام کو کسی طرح بھی روگا جائے ،

سے تو یہ ہے کہ عقد یونین کے آئین (سفودھان)
میں جس ھقتی کا ذکر کیا گھا ہے' وہ دراصل رھی زبان
ہے جسے مہاتما گاندھی ھقدستانی کہتے تھے، جقیس
دونوں چھڑیں سیکھلے کا موقعہ مل سکے' وہ بے شک'
پربھارشالی طریقے سے راشاتر بھاشا کو اچھی طرح پر زور اور
لجہدار بات چہت کا ذریعہ بقائے میں مدد دے سکیلگے،

میں ایسے کام کرنے والوں کی کوششوںکی پوری کامہابی بچاھتا ہوں ۔

---رلجهندر پرساد

﴿ مَنْكُلْ يَرِيهِاتَ * ﴿)

खोग कहेंगे कि जिसके पास पाँच पाँच हजार एकड़ जमीन होती है, वह सी एकड़ जमीन देता है तो उससे क्या होगा? तो मैं कहता हूँ कि जरा सबर रखा, सभी 5 हजार में से जो सी देता है, वह प्रेम से देता है तो मैं लूँगा और बाक्षी के बार हजार नौ सी एकड़ भी मेरे ही हैं. जब यह लोग देखेंगे कि हम जमीन देते जाते हैं रारीबों को, उससे रारीबों का प्रेम ही हम को मिलता है, तो फिर वे खुद कहेंगे कि और भी ले लो.

लेकिन तीसरे क़दम में सब ले लेने वाला हूँ

तो फिर कम्युनिस्ट हम को कहेंगे, कैसा भोला बादमी है ! लेकिन उनको मैं कहँगा कि भोला मैं नहीं हैं. मेरा घंदा मैं जानता हूँ. एक द्का थोड़ी भावना, थोड़ा वातावरन होने वों कि जमीन रारीबों को देने में फायदा है; फिर एक दफा बाताबरन तैयार हो जायगा तो क्रानन में करा लेंगा. फिर राह नहीं देखने वाला कि बाज सौ पकड़ हैं, पाँच साल के बाद और 100 एकड़ मिलेगी, और फिर पाँच साल के बाद बाकी 100 एकड मिलेगी. ऐसे चार हजार मिलने में तो सौ बरस चले जाएँगे. बात ऐसी है कि हवा बदल जानी चाहिये श्रीर हवा बदल जाती है तो क़ानून उसके साथ श्राता ही है. लेकिन में वातावरन तैयार करूँ तो क्रानून को लोग पसंद करेंगे. बाप ऐसा ही तो करता है. बच्चे को मिठाई खिलाता है, लेकिन मिठाई देता है तो वह प्रेम से देता है और तमाना लगाता है तो प्रेम से लगाता है. और जो कोई लूटने के लिये आते हैं, वह बच्चे को मिठाई खिलाते तो हैं, पर वह प्रेम की मिठाई नहीं होती. लेकिन माता जो तमाचा लगाती है, वह प्रेम का होता है. मैं तो जमीन लेता हूँ, बह प्रेम से लेता हूँ. मुक्ते तो ताज्जुब लगता है कि जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ लोग जमान देने के लिये क्यों तैयार होते हैं. मैं सममता हैं कि क्या यह गांधी जी की करामात है ? कोग जानते हैं कि यह गांधी का आदमी है तो प्रेम से देने को तैयार होते हैं. लेकिन इतनी ही बात नहीं है, और भी बात है. गांधी जी की करामात है, लेकिन परमेश्वर की भी करामात है. परमेश्वर की महिमा है कि इतनी सारी जमीन अपने हाथ में रख कर कोई ले जाने वाला नहीं है. ऐसा क्षोग जानते हैं. चािखर इतनी अभीन को वह खुद भी तो नहीं कर सकते हैं. इसी लिये इतनी जमीन अपने हाथ में रकाने से कोई फायदा नहीं है, यह बात उनके ध्यान में आ गई. इसलिये आज में बामनावतार हो गया और कहता हैं कि जमीन दे दो. तीन क़द्म दोगे तो भी बस है. लेकिन मुमे जो सी एकड मिले हैं, उतने ही मेरे नहीं हैं, वह जो चार इजार एकड बचे हैं, वह सारे के सारे मेरे ही हैं. जैसे बामन के तीन कदमों में सारा त्रिभुवन का गया, वैसा यह सामका है. तो यह सारी खुनी पगर रारीव लोग समकेंगे,

الکس کیمن کے کہ جسکے پاس پانے پانچ ہزار ایکو اسیدن میاں کی ہے ہانے ہوگا ؟ تو میں کہتا ہوں کہ ذرا صبر رکور' ابھی آ ہزار میں سے جو سو دیتا ہے' وہ پریم سردیتا ہے تو میں لوں کا ارر باقی کےچار ہزار مو ایکو بھی مہرے ہی ہیں. جب یہ لرگ دیکھھلگے کہ ہم زمھن دیتے جاتے ہیں فریدوں کو اس سے فریدوں کا گریم ہی ہم کو ملتا ہے' تو بھو رہ خود کھیں کے کہ اور بھی لے لو۔

لهكن تهسرے قدم میں سب لے لیڈے والا هوں

تو پهر کمهونست هم کو کهيس گے کهسا بهولا آدمي ه البكن أن كو مهل كهونكا كه بهولا مهل تههل هول مهرا دعندا مهل جانتا هن ایک دفعه تهروی پہاونا موزا واناورن هونے دو که زمین فریدوں کو دیئے مهن فادُده هے؛ يهر أيك دفعه واتاورن تهار هو جائے كا تو قانون میں کوالوں کا ، پھر راہ نہیں دیکھلے والا کہ آج سو ایکو ھیں' بانیم سال کے بعد اور 100 ایکو ملے گی' اور پھر پانچ سال کے بعد بائی 100 ایکو ملے گی. ایسے جار مرار ملنے میں تو سو برس چالے جائیں گے . بات ایسی هے که هوا بدل جاتی چاهئے اور هوا بدل جاتی ہے تو قانرن اُس کے ساتھ آتا ھی ہے . لیکن مهن واتاورن تهار کروں نو قانون کو لوگ پسکد کریس گے . باپ ایسا هی تو کرتا هے ، بھے کو مثنهائی کهلاتا هے' لهكين متهائي ديتا هي تووة پريم سے ديتا هے اور طماچه لتاتا ہے تو پریم سے لتاتا ہے . أور جو كرئى لوتھے كے ليكے آتے هیں' وہ بنچے کو مثابائی کھلاتے تو هیں' پر وہ پریم کی مثابائی نہیں هوتی . لیکن ماتا جو طماچہ الماتی هے' وہ پریم کا هوتا هے ، صیبی تو زمین لیٹنا هوں' وہ پريم سے ليدا هوں . مجھے تو تعجب لكتا هے كه جهاں میں جاتا ہوں' وہاں لوگ زمین دینے کے لگے کیوں تهار دوتے هیں ، سیں سمجهتا هوں که کیا یه گاندهی جى كى كرامات هے؟ لوك جالتے هيں كه يه كاندهي کا آدسی ہے تو پریم سے دیائے کو تدار ہوتے گیں ، لیکن اللمي هي بات نهين هے' اور بهي بات هے ، كاندهي جي فی کرامات هے، لیکن پرمیشور کی بھی کرامات هے. روسیشور کی مهما ہے که اُتلی ساری زمین ایے هاته میں رقع کر کوئی لے جانے والا نہیں ہے ایسا لوگ جانتے ہیں ۔ آخر آتلی زمین کو وہ خدد بھی تو نہیں کوسکتے ہیں ۔ آخر آتلی زمین کو وہ خدد بھی تو نہیں رکھلے سے ہیں قائدہ نہیں ہے یہ بات اُن کے دھیاں میں آگئی ۔ کوئی قائدہ آج میں واصراوتار ہو گیا اور کہتا ہوں کا زمین اُس لئے آج میں واصراوتار ہو گیا اور کہتا ہوں کا زمین

فیے دو ، تھن قدم دوگے تو یہی بس ھے ، لیکن معجھے ۔ بچو سو ایکو ملے ھیں' آتئے ھی میرے نہیں ھیں ، وہ جو بچار ہزار ایکر بعجے ھیں' وہ سارے سارے میرے ھی ھیں ، بجیسے واصل کے تھن قدموں میں سارا تربہوں آئیا' ریسا یہ معاملہ ھے ، تو یہ ساری خوبی اگر خریب لوگ سمجھھی گے'

जो जिस्म है, वह मेरा रूप नहीं है, मैं तो मगवान की समक हूँ और यह एक सोला पहना है, तो वह भी निडर हो सकता है. अगर वह यह सममे कि हम तो भगवान की समक हैं और यह शरीर ऊपर ऊपर का हमारा एक कपड़ा है, हम भगवान के प्रकाश भर ही हैं, तो हिम्मत आ जायगी. लोग मानते हैं कि हाथ में बंदूक आएगी तो हिम्मत आती है, लेकिन यह बिलकुल रालत खबाल है.

मेरा और उनका तरीका

यही देखों न कि कम्युनिस्टों ने विचार किया कि गरीव सोगों की सेवा करें, उनका विचार तो अच्छा है, लेकिन करोंने जो तरीका अलितवार किया है, उससे किसानों का कोई लाभ नहीं हो रहा है, बल्कि किसान हर गए हैं. गांधी जी इस लोगों में चाए और उन्होंने इस को हिम्मत दी. वह आप जोगों ने देखा. अंगरेजों ने हमारे हाथ से हथियार क्रीन लिये थे तो गांधी जी ने कहा कि हमें हथियार की कोई इरकार नहीं. और सत्यामह को जड़ाई में जहाँ तक कोगों ने देखा. औरतें जो कभी घर से बाहर नहीं निकली थीं. बन्होंने भी अपनी जान खतरे में डालो और हिन्द्स्तान े बे देशा कमाल देखा कि हजारों स्त्रियाँ बाहर आ गई. मतस्य उसका यह दुआ कि श्रीजारों की ताक़त कोई ताक़त महीं है, आत्मा की ताकत ही सच्ची ताकत है, लेकिन कन्य-निस्टों का अभी तक आत्मा की ताक़त पर विश्वास नहीं बैठा. बह भौजारों पर ही भरोसा रखे हुए हैं. अगर वह बीजारों पर भरोसा रखते हैं तो वे देखेंगे कि हिन्दुस्तान के लोग उनके कारे में कोई हमदर्शी नहीं रखते. लेकिन अगर वे इथियारों का विश्वास कोड़ दें और आत्म-शक्ति पर विश्वास रखें तो वे देखेंगे कि मैं भी उनके साथ में दाखिल होता हूँ. फिर मैं कहुँगा कि मैं भी एक कम्युनिस्ट हूँ और तुम भी कम्युनिस्ट हो हा दोनों मिल कर हिन्दुस्तान की सेवा करेंगे. लेकिन इत लोगों का तरीका अभी तक यह रहा कि वे एक-एक गाँव में फूठ डाजते हैं और मेरा तरीका यह होगा कि सारे गाँव को मैं एक बनाऊँगा. वह एक ही गाँव में एक घर वाले को दूसरे घर वाले के साथ लड़ाएँगे, मैं सब गाँव वालों को एक कसँगा.

वामनावतार का पहला कदम

अभी देखिये न कि मैं एक छोटे गाँव से हो आया, एस गाँव को लूट कर आया हूँ. एस गाँव में 50 एकड़ अमीन एक मालदार भाई से रारीकों को दिलवाई. उसके एहले भी 8 गाँवों में इसी तरह 100 एकड़, 75 एकड़ अमीन लोगों से ली और ग़रीकों को दिलवाई. आज आपके جُوْجِسُم فِي وَهُ مَيْراً رُوبِ نَهِيں فِي مَنِّ تَو هَهُوْانَ كَي جَمَّكَ هُوں تُو هَهُوُّانَ كَي جَمَّكَ هُوں اور يه ايک جولاً پهذا في تو بهگوان نَدَر هوسكتا في . اگر وه يه سمجه كه هم تو بهگوان كي چمك هيں اور يه شرير اوپر اوپر كا همارا ايك كهرا هي هم بهگوان كي يركاهي بهر هي هيں' تو هست آجائے گي . لوگ مانتے هيں كه هاته ميں بندوق آئے گي تو هست آتي هے' لوگ مانتے هيں كه هاته ميں بندوق آئے گي تو هست آتي هے' لوگ يه بالكل فلط خيال هي .

مهرا اور أن كاطريقة

یہی دیکھو نه که کمیونستوں نے وچار کیا که فریب لوگوں کی سهوا کویں ، أن كا وجاد تو أجها هے ليكن أنهوں نے جو طربقہ أختهار كيا هے ' أس سے كسانوں كا كوئى لابھ نهيل هو رها هي علكه كسان در كثير هيل ، كاندهي جي هم لوگوں میں آئے اور انہوں نے همعوہمت دی، وہ آپ لوگوں نے ديكها . انگريزوں نے همارے هاته سے همهيار جهاري لئے تهے تو کامدھی جی نے کیا کہ ھمیں ھٹھیار کی کوئی درکار نہدں ۔ اور ستھا گرہ کی لوائی میں جہاں تک لواوں نے ديكها' مورتين جو نجهي گهر ہے باهر نهيں نكلي تهين' أنهوس نے بھی اینی جان خطرے میں قائی او هندستان نے ایسا کمال دیکھا کہ ھزاروں استدیاں یاھر آگئیں مطلب أس كا يه هوا كه لوزارون كي طائت كَبِّي طائت تهين هيًّا آتما كي طالت هي سجي طالت هي له>ن كمهونستون كا أبهى تك آتماً كي طاقت ير رشواس نهين بيتها؛ ولا اوزاروں پر هی بهروسه رکھے هوئے هيں . اگر وہ اوزاروں پر بھروسہ رکھتے میں تو وہ دیکھیں گے ته مقدستان کے لوگ أن كے بارے میں كوئى همدردى نهيں ركھتے ، ليكن أثر وہ هتههاروں کا وشواس چهور دیں اور آتم شکتی ہو وشواس رکھیں تو وہ دیکھیلگے کہ میں بھی اُن کے ساتھ میں داخل هوتا هول . يهر ميل كهونكا كه ميل بهي أيك كميونست هور اور تم بهی کمیونست دو تو درنون ملکر هددستان كى سهوا كريدگي . لهكن أن لوگون كا طريقة ابهى تك يه رها که وه ایک ایک کاوں میں پھوٹ قائے هیں اور میرا طریقه په هرکا که سارے کاوں کو مهل ایک بداوں کا ، وہ ایک هی کاؤں میں ایک گهر والے کو دوسرے گهر والے کے سانه لوالهنگه، مهل سب كاول والول كو أيك كرونكا .

وامن أوتار كا يهلا قدم

ابھی دیکھٹے نہ کہ میں ایک چھرٹے گاں سے ھو آیا' اُس گاوں کو لوت کر آیا ھوں اُس گاوں میں 50 ایکو زمین ایک مالدار بھائی سے فریبوں کو دلوائی اُسکے پہلے بھی 8 گاؤں میں اسی طرح 100 ایکو' 75 ایکو زمین لوگوں سے لی لور فریبوں کو دلوائی آج آپ کے گاؤں کو بھی کچھ لوٹنے والا ھوں ابیکن یہ کمیونسٹ

कहें काना किवावे हैं तो पुक्तिस हमें बरावी है. अगर हम हम्युनिस्टों को खाना नहीं सिकावे हैं तो वह मार डालने का डर बवावे हैं. इस तरह रात में कम्युनिस्टों से तकलीक होती है, दिन में पुलिस बालों से. ऐसी स्रत में हमें क्या करना चाहिये ?

निडरता की ताकृत पैदा कीजिये

हमने कहा कि आप लोगों को निडर बनाने के लिये ही मैं आया हूँ. अगर कोई जबरदस्ती से आपके घर में घुस कर खाना मांगता है तो इसको खिलाने की जिम्मेवारी चाप पर नहीं है. उन्होंने कहा कि जिम्मेवारी तो हम पर नहीं है, लेकिन वह हम को मार हालेंगे तो हम क्या करेंगे ? मैंने उनको सममाया कि परमेश्वर ने जिसका मरना आज लिख रखा है, उसका मरना कभी टलने वाला नहीं है. और थगर उसने हमारा मरना भाज नहीं लिखा है तो कोई कम्यनिस्ट इस को मार सकने वाले नहीं. तो आप सोगों को मरने का बर छोड़ना चाहिये. जो लोग मरने से बरते हैं. वह जिन्दा नहीं हैं, लेकिन मर चुके हैं, आप सममते हैं कि हम में से कोई यहाँ रहते वाला नहीं हैं. सारे के सारे जाते वाले हैं. जब परमेश्वर का बुलावा आता है तो हरेक को जाना ही पड़ता है. इसिलये कोई बंदक ले के हमारे सामने भाएगा तो उसके सामने छाती खुली करने की हिम्मत हम में होनी चाहिये. वह अगर मारने के लिये आएगा और अगर वह भी हमारा भाई होगा तो उस पर मन में दया होनी चाहिये और उसके सामने शांति से खड़े हो जाना चाहिये और कहना चाहिये कि भाई, जबरदस्ती से कोई चीज मांगते हो तो हम देने वाले नहीं हैं, हम को करल करके जो लेना है, वह ले जाओ. जब हम लोग इस दुनिया को खोड़ कर जाते हैं तो यहाँ का सारा सरंज्ञाम साथ ले कर नहीं जाते हैं. यह जो निखरता की ताकत है, खनी लोगों का सामना करने की ताकत है, वह ताकत हम लोगों में होनी चाहिये.

हिम्मत बंद्कु में नहीं होती !

1966 · 1966 · 1

आज एक भाई ने कहा कि 'आँध्र में काकतीय हकूमत पी उसके बाद 700, 800 साज हुए, इस जमीन में कोई बहादुर इनसान ही पैदा नहीं हुआ.' लेकिन किसानों में से केतने ही ऐसे पैदा हुए होंगे, जिन्होंने मुसीवतों का सामना केपा होगा. उनका इतिहास किखने बाजा बोदे ही कोई मेला है ? इससे इम को नाउम्मीद नहीं होना चाहिये, बल्कि केसान को अपनी ताकत क्या है, उसका अन्दाज होना शिह्ये. आपने प्रदेशाद का चरित्र सुना है. वह कोटा-सा ज्या था, लेकिन उसने हिरन्यकरवप का सामना किया. वना एक कोटा-सा क्या भी अगर यह सममे कि यह المهن کهانا کهانے ههی تو پولهس همهن قوانی هے۔ الله هم سهونستوں کو کهانا نهیں کهاتے ههی تو وہ مار قاللے الله عمل کمهونستاوں سے خوات مهی کمهونستاوں سے جملیف هوتی هے' دن مربی پولوس والوں سے ایسی صورت مهیں همیں کیا کونا چاهئے ؟

ندرتا عي طاقت بيدا كيجاء

هم نے کہا کہ آپ لوگوں کو نقر بٹائے کے لیے هی حموں آیا ھوں ۔ آار کوئی زبردستی سے آپ کے گھر مھی گھس کر کھانا مانکٹا ہے تو اُس کو کھانے کی ذائد واری آپ پر نبهوں ھے . انہوں نے کہا کہ ذمع وارق تو هم پر نبهوں ھے ا لیکن وہ هم کو مار دالیں کے تو هم کها کویلکے ؟ میں نے أن كو سمجهايا كه پرميشور نے جس كا مونا آج الحه ركها هے؛ أس كا مرنا كبهى تللے والا نهوى هے . اور اكر أس في المارا مرنا أب نهيل لكها ها تو كوئي كمهونست هم كو مار سكا. والے نبھیں . تو آپ لوگوں کو سرنے کا در چھورنا چاھئے . جو لوگ مرلے یے درتے میں' وہ زندہ نہیں میں' لیکن مر چکے میں ، آپ سمجھیتے میں که هم میں سے کرئی یہاں رهلے والا انہوں هے؛ سارے کے سارے جانے والے عوں . جب يرمههور كا بقوا آنا هے تو هر ايك كو جانا هي يوتا هے . إس للي كوئى بدوق لے كے همارے سامنے آئے كا تو أسكے سامنے چھاتی کھلی کرنے کی هست هم دين هوني چاهلي ، وا اکو مارنے کے لئے آئے کا اور اکر وہ بھی همارا بھائی هوگا تو اُس ہر میں میں دیا هونی چاهئے اور اسکے سامنے شانعی سے كهور هوجانا چاهيًا أور كهذا چاهيًا كه بهائي، زيردستي سے کوئی چین مانکٹے دو تو هم دیلے والے نبھی هیں اهم، كو لا على كرك جو ليلا هـ والي جاؤ . جب هم الوك إس علیا کو چهور کر جائے میں تو یہاں کا سارا سر انجام ساتھ لے اورنہیں جاتے میں یہ جو نذرتا کی طاقت ہے خونی ليكون كا سامنا كولي كي طائب هي ولا طاقت هم لوكون مهن هوني جاهئے.

همت بلدرق میں نہیں موتی !

آج ایک بھائی نے کہا کہ 'آندہ رمیں کا کلیہ حکومت تھی اسکے بعد 800'700 سال ھوئے' اِس زمین میں کوئی اسکے بعد 800'700 سال ھوئے' اِس زمین میں بعد بھائے انسان ھی پھدا نہدں ھوا۔' لھکن کسانوں میں سے کھلے ھی ایسے پھدا ھوئے ھوئے۔ والا تبورے ھی کوئی ملا ھے؟ کھا ھوٹا۔ اُن کا انہاس لکھنے والا تبورے ھی کوئی ملا ھے؟ ایس سے هم کو نا اُمید نہیں ھونا چاھئے۔ بلکہ کسان کو اپنی طاقت کیا ھے' اس کا انداز ھونا چاھئے۔ آپ نے پرھاد کا چرتر سنا ھے۔ ولا جہوٹا سا بچھ تھا' لھکن اُس نے ھونیہ کا سامنا کھا۔ اِنگا ایک جہوٹا سا بجھ کھ یہ ایک جہوٹا سا بجھ کھ یہ ایک جہوٹا سا بجھ کھ یہ

माने हुए नेता और सारे राश्ट्र के त्वारे तो हैं ही. हकूमव करने वाली पारटी और साथ ही बसकी विरोधी पारटी दोनों का नेता होने की अनोश्री इज्जात बन्हें हासिल है, या हालत को दूसरी निगाह से देखते हुए इसे उनकी बड़ी कमनसीबी भी कहा जा सकता है. केवल तमाराबीन को यह हालत कितनी ही मजेदार क्यों न मालूम हो, लेकिन हम कोगों के लिये तो—जिनकी तक़दीर इन नेताओं के साथ जुड़ी हुई है—यह उतनी हो बड़ी दुईनाक और तकलीक देह है, जितनी कि अयोध्या की जनता के लिये दशरथ के दरबार में चलनेवाली कैकई की साजिशों थीं.

क्या इस द्दीनाक चीज से बचा नहीं जा सकता? खुदी को मिटाने और सीधी तरह सोचने से बिगड़ी हुई हातत को सुधारा जा सकता है. भगवान हम में से हर एक को यह ताक़त है.

-कि० घ० **मशस्**वाता

'सर्वोदय' से

कम्युनिस्ट जो काम चाहते हैं, वही में कर रहा हूँ !

भाइयो और बहनो,

आज मैं आपके गाँव में आया और मैंने सुना कि कल पुलिस आपके यहाँ से चार लोगों को गिरफ्तार करके ले गई है. मैं सुनता हूँ कि जिन लोगों को पकड़ा है, उनके बारे में यह शंका है कि उन लोगों ने कम्युनिस्टों को कुछ मदद पहुँचाई. पुलिस को इस तरह शंका आई और इन लोगों को वह ले गए, इससे हमको उरना नहीं चाहिये. पुलिस बाले अपना काम करते हैं. आप लोगों को यह व्यान में रखना चाहिये कि पुलिस आपकी मदद के लिये हैं, आपको तकलीक देने के लिये नहीं. जो लोग गिरफ्तार हुए हैं, उन लोगों ने कम्युनिस्टों को मदद दी होगी तो कम्युनिस्टों के कर से दी होगी या उनके साथ हमददी रखने के कारन दो होगी. यह कोई न समके कि यह लोग जो पकड़े गए हैं, सारे के सारे गुनहगार होंगे. वह अगर बिना डर के जो कुछ हुआ हैं, पुलिस बालों को सुनाऐंगे तो मैं उम्मीद करता हूँ कि उन्हें भी कोई तकलोक नहीं होगी.

दोनों तरफ़ डर

आज एक नीजवान हम से मिलने आए थे. उन्होंने एक समाल पूछा कि कम्युनिस्ट आते हैं, इसको घमकाते हैं. हम سائر هار المائد المائد

کھا اِس دردناک چھنے سے بچا نہیں جاسکتا ؟ خودی کو مثانے اور سیدھی طرح سوچئے سے بگتی ہوئی حالت کو سدھارا جاسکتا ہے . بھگوان ہم صیں سے ہر ایک کو یہ طاقت دے .

...ک ، که ، مشرورالا

اسروودے' سے

کیونست جو کام چاھتے ھیں' وھی میں کو رھا ھوں!

يهاڻيو آور بهقو'

آج میں آپ کے گؤں میں آیا آور میں نے سفا کہ کل پولیس آپ کے یہاں سے چار لوگوں کو گرفتار کر کے لے گئی ہے، میں میں سفتا ھوں کہ جن لوگوں کو پکڑا ہے' اُن کے بارے میں یہ شنکا ہے کہ اُن لوگوں نے کمیونسٹوں کو کچھ مدد وہ لے گئے' اِس سے هم کو آرنا نہیں چاھئے ۔ پولیس والے اُپنا کام کرتے ھیں ۔ آپ لوگوں کو یہ دھیان میں رفیا اُپنا کام کرتے ھیں ۔ آپ لوگوں کو یہ دھیان میں رفیا چاھئے کہ پولیس آپ کی مدد کے لئے ہے' آپ کو تکلیف دینے کے لئے نہیں ۔ جو لوگ گرفتار ھوئے ھیں' اُن لوگوں نے کمیونسٹوں کو مدد دی ھوئی تو کمیونسٹوں کے آور سے اُن کے سارے کے سارے گئے اُن کے ساتھ همدردی رکھنے کے کارن دی ھوئی سارے کے سارے گئے اور کی جو کچھ ھوا ہے۔ پولیس والوں کو سفائیں گے تو میں امید کرتا ہوں کہ آئییں یہی کوئی تکلیف اُنہیں یہی گوئی تکلیف نہیں ھوئی ۔

دونون طرف قر

ا کے ایک فوہموان هم سے ملئے آئے تھے ۔ اُنہوں نے ایک سوال پوچھا کا کمھونسمال آئے همن هم کو دهمکاتے میں ، هم

एक दर्दनाक चोज

हमारे नेताओं घीर धालवारों ने यह आहिर किया है कि कुल हिन्द कांगरेस कमेटो की बंगलोर बैठक को कांगरेस के मीतर एकता पैदा करने में बहुत बड़ी सफलता मिली हैं. लेकिन बैठक मुशक्ति से पूरी हो पाई थी कि भी किदबाई घौर श्री जैन के बयानों घौर स्तीकों ने यह साफ बता दिया कि हालत पहले ही जैसी बिगड़ी हुई है— इसमें रसी भर सुधार नहीं हुआ है. हर एक कांगरेसी धालवार ने श्री किदवाई के स्तीके को राहत देने वाली मुक्ति मानकर उसका खुला स्वागत किया है. बेकिन धाब कांगरेस को इस पेचीदगी का सामता करना पढ़ रहा है, जिस के लिये श्री नेहक जिम्मेदार हैं. घौर वह यह कि इन्होंने श्री किदबाई घौर श्री जैन को धापने केन्द्री मंत्रिमंहल में बनाए रखा है बावजूद इस बात के कि वह दोनों प्रजापारटी के नेता हैं घौर उस कांगरेस के कट्टर विरोधी हैं जिस के सदर श्री टंडन जी हैं.

इम जनता के लोगों के लिये, जिन्हें कांगरेस के भीतरी मतभेवों और फूट का बहुत कम ज्ञान है, सच्चे गुन-दोशों के आधार पर इन सारे कामों की क्रीमत आंकना मश्कल है. जनता तो अखवारों में जो कुछ छपता है. उसी से कैसला कर सकती है. और जो घटनायें घट रही हैं. उन्हें वह कांगरेस के भीतर पैठी हुई सड़ांच के बदसे बदतर होने की निशानी ही मान सकती है. जनता इस नतीजे पर आए बिना भी नहीं रह सकती कि यह सडांच ऊपर से नीचे तक सारे संगठन में फैली हुई है. नई दिल्ली और सुनों की सरकारों में बहुत ही महत्व वाले महकमों की जिन्मेदारी संभालने वाले अनेकों मिनिस्टर अपने समय, अक्रल और ताक्रत का काफी बड़ा हिस्सा मिनिस्टरों के नाते अपना फर्ज पूरा करने में नहीं, बल्कि इन गन्दे वाँब पेंचों और बाल-बाजियों में ही खर्च करते होंगे. क्या जनता यह सममे कि जनहित राज या वैलफ्रेयर स्टेट इन साजिशों और शहयंत्रीं की कटीली चनी महिंद्यों के जंगल में से पैदा होगी ?

श्री जबाहर लाल नेहरू दो रानी बाले उस नामी राजा की तरह मालूम होते हैं— जिसकी बड़ी रानी पटरानी होने पर भी राजा की कुपापात्र नहीं है और कोटी काई खास हक न रखते हुए भी राजा की कुपापात्र है. प्रजा पारटी के नेता श्री किदबाई भी यह जाहिर करते हैं कि नेहरू जी मेरे नेता और प्यारे दोस्त हैं. और, बेशक नेहरू जी कांगरेस के

ایک دردناک چیز

همارے نیتاؤں اور اخیاروں نے یہ ظاهر کہا ہے کہ کل هذه کانگریس کیتی کی بلکلور بیٹھک کو کلگریس کے پہیتر ایکٹا پھڈا کرنے میں بہت بڑی سپھلٹا ملی ہے، لیکن ہیتھک مشکل سے پرری هو پائی تھی که شری قدوائی اور شری جین کے بھانوں اور استعفوں نے یہ ساف بٹادیا که حالت پہلے هی جھسی بگڑی هوئی ہے۔ اس میں رئی بھر سدیار نہیں هوا ہے، هر ایک کانگریسی اخبار نے شری قدوائی نے استعفے کو راحت کانگریس کو اس پھچھدگی کا سامنا نرنا پررها ہے اب کانگریس کو اس پھچھدگی کا سامنا نرنا پررها ہے نے شری قدوائی اور شری جھن کو اپنے کیندری منتری میں اور وہ یہ کہ انہوں منتری میں بنائے رکھا ہے باوجود اس بات کے کہ وہ فونیں پرچا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کہ وہ فونیں پرچا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کہ وہ فونیں پرچا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کہ وہ فونیں پرچا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کہ وہ وودھی میں جسکے صدر شوی تنتری جی ہیں ،

هم جنعا کے اولوں کے لئے جلهیں کانکویس کے پههکری ست بهیدرن ارز پبرت کا بہت کم گیان ہے' ستھے گی دوشوں کے آدھار پر ان سارے کاموں کی قیمت أبعنا ممكل هے . جنتا تو اخباروں مهل جو كچه جهبتا هے اسی سے نیصله کرسکتی هے . اور جو کھٹٹائیں گیت رھی ھیں' اُنہیں وہ کانگریس کے بھیلار یہ مولی سواندھ کے بد سے بدتر مونے کی نشانی می مان سكتى هي ، جلتا إس نتيجي ير آئے بنابهي نهين وہ سکتے که یه سواندھ اورر سے نهدیے تک سارے سلکتھوں مهن پهیلی هوئی هے ، نگی دلی اُور صوبوں کی سرکاروں مهن بهمت هي مهاو وألے محصصوں کي ذمرداري سنجهاللے والم انهكون منستر الله سيم عقل أور طاقت كا كافي بوا مصم ملسالروں کے ناتے ایدا فرض پررا کرنے میں نہیں ایک أن كلديد داول بيلچول اور چالبازيول ميل هي خرج كرت هونكي كها جلتا يه سنجه كه جن هت وأب يا ربل فهر استهت ان سازهوں اور هذينتروں كى كتملى کہلی جہاریوں کے جلکل میں سے پیدا مرکی ؟

شرق جواهرال نهرو دو رانی والے اُس نامی راجه کی طرح صعلوم هوتے هیں۔۔۔جسکی بری رانی پت رانی فول هوئے ہیں دانی بحق راجه کی کریا پاتر نہیں ہے اور چہوائی کوئی شام حق نه رکھانے هوئے بهی راجه کی کریا پاتر ہے ، پرجا پارٹی کے نها شری قدوائی بهی یه هاهر کیتے ههی کہ نهرو جی مهرے نیا اور بهارے دیست ههی ، اور بهارے دی کانگریس کے

ही जान जिन के तारी भी निसती रहे. साथ ही साथ वह भी मानी हुई बात है कि कोका-कोला के फैसने से इमारे देश का काफी पैसा बाहर चला जायगा जो इसके अन्दर पढ़ने वाले जुदा जुदा रसी और चीज़ों के लिये चाहिये. इसकी बनावट की सब से खास चीज़ों तो विदेश से ही आती हैं क्योंकि पेटेन्ट का अधिकार उन्हीं को मिला हुआ है'. (मैस्र 9 अप्रेल, 1951).

जाहिर है कि बाहर की पेटेन्ट श्रुदा चीजों से ठंडाइयां भीर शरबत अब सरकार हमें विलापनी और पैसा बाहर भिजवायनी, यह सरकार की खाम पालिसी है.

चाव आगे हम क्या कहें ? हम विके जा रहे हैं अपने
पूंजीपतियों के हाथों में, और हम सब मिलकर विके जारहे
हैं अमरीका व निटेन के पूँजीपतियों के हाथों में! इसी
का नाम तरककी है, इसी का नाम वह बुनयादी चीज है
जिस पर पंडित जवाहर लाक नेहरू हम से बितहारी हो
जाने को कहते हैं. हम फिर अर्ज करेंगे कि साइन्स की इन
तक्वीरों की हमारे देश में इस वक्षत इस तरह के इस्तेमाल
की बात हमारी समफ में नहीं आती. कई बार सारी रिपोर्ट
हमने इधर से उधर तक गौर के साथ देखली, हर दका
पंडित जवाहर लाज नेहरू का सिर्फ एक जुमला हमारे
दिमाग में उतर आता है—"जनता की तरक से बेठली
हर असल बढ़ी है," खूब बढ़ी है, बढ़ रही है.

यह बेह्यी ही एक सच्चाई है. यही पंडित जवाहर साल की रिपोर्ट का निचोड़ है. यही आज़ाद हिन्दुस्तात की खुद-मुखतार सरकार के कारनामों का एक सर्टी किकेट है, यही देश की सब से बड़ी घटना है, सबसे दर्द भरी घटना है, सबसे खतरनाक घटना है.

—सुरेश रामभाई

भ्रमन या जंग ?

"आगर दुनिया की जनता अमन कायम रखने और आखीर तक अमन की रहा करने का काम खुद अपने हाथ में ले ते तो अमन कायम रहेगा और मज़बूती पकड़ेगा. लेकिन अगर जंग की बातें फैलाने बातें दुनिया की आम जनता को भूटी बातों के जाल में फंसाने, उन्हें घोका देने और एक नई बड़ी जंग में असीट काने में कामियाब हो गए तो मुमकिन है जंग न टल सके."

—स्टाविन

في جائي جن بي ترق بهي ملكي رقي بالله عن ماكي وي به بهي ماكي يه بهي ماكي يوبي ماكي ويه بهي ماكي يه بهي ماكي همار ديش كا كافي ييسه باهر چلا جائي كا جو اسكر اندر پرنے والے جدا رسوں اور چيزوں كے لئے چاهئے . اسكى بنارت كى سب سے خاص چيزوں تو وديش سے هي آتى هيں كيونكه بيتنت كا ادهيكار أنهيں كو ما هوا هے .' (ميسور 9 ايريل' 1951)

ظاهر هے که باهر کی پیٹنٹ شده چیزوںسے تهندائیاں اور شربت اب سرکار همیں پلانے کی اور پیسه باهر بهجوائے ہے۔ یه سرکار کی عام پالیسی هے ۔

اب آئے ہم کھا کہھں؟ ہم یکے جا رہے ہیں آئے پونتی گھوں کے ہاتھوں میں' اور ہم سب ملکر یکے جا رہے ہیں امریکھ و برتین کے پونتی پھیوں کے ہاتھوں میں! یہ اسی کا نام ترقی ہے' اسی کا نام رہ بنیادی چیز ہے جس و پندت جواہر لال نہرو ہم سے بلھہاری ہوجائے کو کہتے ہیں ، ہم پھر عرض کریں گے که سائنس کی اُن تدبیروں نی ہمارے دیش میں اُس وقت اِس طوح کے استعمال نی ہمارے دیش میں اُس وقت اِس طوح کے استعمال نی بات ہماری سمجھ میں نہیں آتی ۔ کئی بار ساری بورت ہم نے اِدھر سے اُدھر تک فور کے ساتھ دیکھ لی' ھر بورت میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طرف ایک جمله ہمارے دماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طرف سے رخی دراصل دماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طرف سے رخی دراصل ہماء میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طرف سے رخی دراصل دماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طرف سے رخی دراصل

یم نے رخی هی ایک سچائی هے ، یہی پندت جواهر لال کی رپورت کا نچور هے ، یہی آزاد هندستان کی خود مختار سرکار کے کارناموں کا ایک سرایه شکت هے ، یہی دیھی کی سب سے بوی گهتنا هے ، سب سے درد بہری گهتنا هے ، سب سے درد بہری گهتنا هے ، سب سے درد بہری گهتنا هے ،

--- سريش رأم بهائي

امن یا جنگ

''اگر دنیا کی جنتا اس قائم رکھنے اور آخور تک اس کی رکشا کرنے کا کام خود آنے ھاتے میں لے لے تو اس قائم رھے کا اور مضبوطی پکڑے کا ، لیکن اگر جنگ کی پاتوں پھیلانے والے دنیا کی عام جنتا کو جہرتی باتوں کے جال میں پیسائے' آنھیں دھوکا دینے اور ایک نئی ہوی جنگ میں گیسیت لانے میں کامیاب ھو گئے تو مسکن ھے جنگ نہ تل سکے ۔''

ـــ إستالي

इस बात नहीं या इस काके कायक नहीं. वह तो कथी शोमा देंगे अब इममें काम सीखने और सिकाने बातों के देमारा के पुराने जाले साफ हो जायंगे. तालीम के मौजूश हंग से वह जाले बढ़ते हैं और इन स्रोज घरों से हिन्दु-तानियों को फायदा नहीं पहुँचने देते.

मिसाल के तौर पर हम रुड़की के विल्डिंग रिसर्च इन्स्टीट्यूट को लें जो रुड़की इन्जीनियरिंग यूनिवरिसटी से इस क़दम के फासले पर है. यह रुड़की यूनिवरिसटी भी मभी हाल में बनी है जिसमें 180 लड़के पदले हैं जिनकी खिदमत में 90 तो निजी नौकर हैं, चौकीदार, चपरासी, तेकचरर, प्रोफ़ेसर चलग, जिनके मां बाप इन पर दो सौ-डाई सौ रुपया महीना खर्च करते हैं और जो डिमी लेने के बाद ठेकेदारों की खुशामद करते हैं कि एन्हें नौकर रख लें. प्रगर इस शैतानी और हैरतनाक चीज़ में आगे नहीं जाकर इम नए खुले हुए बिल्डिंग रिसर्च इन्स्टीयूट की बात करें जो हिन्दुस्तान के ग्यारह खोज घरों में से एक रतन हैं. वहां जाकर आप देखें तो पता चलेगा कि यह खोज की जा रही कि देहाती आदमी सरने घर, मज्यूत घर कैसे बनाये—इत पर कन्कीट हो, ऐसबसटस हो या और कोई शेख़-चल्ली का मसाला!

इसी तरह दक्खिन में मैसूर में ऋड रिसर्च इन्स्टीटयूट ै. वहां यह खोज हो रही है कि हमें अच्छा भीर सस्ती बराक कैसे मिले. कीन नहीं जानता कि बनस्पति के मुकाबले भी या तेल बेहतर हैं, चीनी के मुकाबले गुड़ या शकर बेहतर है, डिब्बा बंद जेलियों और मुरब्बों के मुकाबले ाजी, हरी या उनली चीज बेहतर है-तो जहाँ जरूरत हि है कि बनस्पति, चीनी और टानिकों को तैयार करने के धरसाने बन्द किये जायं वहाँ इन्स्टीटयूट वाले इस बात पर । ग्राज-पच्ची करते हैं कि किस तरह ऐसी चीज बनाली नाय कि अनाज न मिलने पर पेट भर जाय! काश एक रेसर्च इन्स्टीटयूट इस बात के लिये खुलता कि रूई वा ऊन भौर कपड़ा न मिलने पर किसी की मियागिरी से तन कैसे क लिया जाय. हमने कोका-कोला के बारे में इस कह घर हे डायरक्टर को लिखकर पूछा कि इसमें क्या खुबियाँ हैं वो सरकार इतने जोश से इसके कारखाने खुलने दे रही े तो एन्होंने जवाब दिया:--

"एक साइन्सदां की हैसियत से, मुमे तो इस बात पर पूरा यक्कीन नहीं होता कि ज़दरत में होने वाले फलों, सबज़ियों और पीचे के रसों को सदा कर जो हलकी नशीली चीज़ें तैयार की जाती है उन तक के इस्तेमाल को बन्द कर देना एक सच्ची बरकत है, लेकिन बेर, अब जब यह हमारी क्रीमी पालिसी का एक हिस्सा हो गया है तब, एक तरह से, यह मुनासिय होगा कि दूसरी मामूली भड़काने वाली चीज़ों के इस्तेमाल को तरहकी

مثال کے طور پر هم رزکی کے بلق کی رسری الستی قدم کے فاصلے پر ہے ، یہ رزای بیانهرستی بھی ابھی حال قدم کے فاصلے پر ہے ، یہ رزای بیانهرستی بھی ابھی حال میں بلی ہے جس میں 180 اوکے پوعتے بھیں جی کی خدمت میں 90 تو نجی اوکر ہیں' چوکیدار' چیراسی' لیکجورز' پرونیسر، الگ' جی کے ماں باپ اُن پر در سو تمائی سو رو به مہینه خرچ کرتے هیں اور جو تگری لیلے بعد الیکت داروں کی خوشامد کرتے ہیں اک اُنھیں نوکر رکھ لیں ، مگر اس شیطانی اور حیرت ناک چھڑ میں اگر نہیں جاکر ہم نئے کہلے ہائے بلنڈ گ رسرچ انسٹی اگر نہیں جاکر ہم نئے کہلے ہائے بلنڈ گ رسرچ انسٹی گہرت کی بات کریں جو ہندستان کے گیارہ کھوچ گھروں میں سیلے گھرا میں جا رہی ہے وہاں جاکر آپ دیکھیں تو پتھ چلے میں سیلے گھرا ہی جا رہی ہے دیہاتی آدمی سستے گھرا مطہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کنکریت ہوا ایسبسٹس مطہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کنکریت ہوا ایسبسٹس مطہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کنکریت ہوا ایسبسٹس مطہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کنکریت ہوا ایسبسٹس

اسی طرح داہن میں میسور میں فوت رسرچ استای۔
تھوت ہے ، وہاں یہ کورچ ہو رہی ہے کہ ہمیں چہی اور
سستی خوراک کیسے ملے ، کون نہیں جانتا تہ بلسپتی
کے مقابلے گئی یا تیل بہتر ہے چیئی کے مقابلے گویا
شکر بہتر ہے تابہ بند جیلیوں اور مربوں کے مقابلے تازی،
ہیسپتی، چینی اور تانکوں کو تھار کرنے کے کارخانے بند
کئے جائیں وہاں انستی تیرت والے اِس بات پر مغو پیچی
کرتے میں کہ کس طرح ایسی چیز بنائی جائے تھ اناچ نه
کرتے میں کہ کس طرح ایسی چیز بنائی جائے تھ اناچ نه
کسی کیمیاگری سے تن کیسے ڈھک لیا جائے ، ہم نے کوککولا
کسی کیمیاگری سے تن کیسے ڈھک لیا جائے ، ہم نے کوککولا
کیارے میں اُس فوڈ کیر کے ڈائر، تر کو لکھکر پرچھا کہ اِس
کیارے میں اُس فوڈ کیر جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے
میں کیا خوریاں میں جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے
میں کیا خوریاں میں جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے

" ایک سائنسدان کی حیثیت سے' مجھے تو اس بات پر پورایقین نہیں ہوتا کہ قدرت میں ہونے والے پہلوں' سبزیوں ارر پردھے کے رسوں کو سوا کو جو ہلکی نشیلی چیزیں تیار کی جاتی میں اُن تک کے استعمال کو بلد کر دینا ایک سچی برکت ہے۔ استعمال کو بلد کر دینا ایک سچی برکت ہے۔ لیکن کھر' آب جب یہ مماری قرمی پایسی کا ایک حصہ ہوگیا ہے تیب ایک طرح سے یہ منامب ہو گا کہ دوسری معمولی بورکانے والی چیزوں کے استعمال کو توقی

बागर याँ ही बार्च के तस्त्रमीने बढ़ते गए तो कह जाकाँर भीज बाटकेगी कीन जाने!

महानदी पर जो हीरा कुन्ड डाम बनाया जा रहा है उसके सिकासिले में बम्बई के नामी हफ्तेबार "भारतज्योति" में भाई इमार भशन राय का एक सममदारी भरा और दिल्लास्य लेख छपा है. उन्होंने बताया है कि हमारी सरकार यह चाहती है कि अमरीकी सरकार ने जिस तरह अपनी कोलोरे हो और टेनेसी निवयों को इस में कर लिया उसी तरह हम भी करलें. सरकार की स्कीम थी कि महानदी में सोन जगह पर—होरा फ्रन्ड. तिरु पर और बारज डाम बाँधकर पानी के हौज तैयार किये जायं. लेकिन बाद में तीन की जगह सिर्फ हीरा कुन्द में यह कारवाई करना तय पाया और 1945 में खर्चे का तखमीना 48 करोड़ के करीब था जो श्रव शौर बढ़ गया है. लेकिन, जानकार लेखक का कहना है, जब कोलोरेडो जैसी छोटी नदी को जाबू में लाने के लिये अमरीका वालों ने 134 होज बनाए ता महानदी जैसी महानदी के लिये तीन हों जों से क्या होने वाला है और अब तो तीन की जगह एक ही बन रहा है. यही नहीं, कोलारेडो नदी में हीजों की अमर जहाँ एक हजार से दो हजार साम तह की है, महानदी वालों के लिये सरकारी अन्दाजा सिर्फ छ: सी साल का है और भाई कुमार भूशन राय ने हिसाब लगा कर दिखलाया है कि यह ठीक से एक सौ साल भे नहीं होगा! फिर, जब कोज़ोरेडो स्कीम पर क्रल सर्च तीन भरब झयालीस करोड़ चार लाख सत्तानवे इजार दो सौ डाजर (या दस-बारह ऋरव रुपय यानी हजार-भारह सी करोड़ रुपए के क़रीय) पड़ा तो महानदी पर कुल खर्च कितना बैठेगा और वह रुप्या कहाँ से बाएगा ? इनका कहना है— 'उसारी नदी स्कीमों पर फिर से सोचने और उनकी क्रीमत आँकने का बक्षत आ गया है. अलग अलग आदमी एक ही चीज को अलग अलग रोशनी में देखते हैं. इसिलये में स्मीद करता है कि आगर मैं साफ साफ बौर ख़ुल कर अपनी राय को पेश कर दूं जो सरकारी स्कीम बनाने बालों की राय से बहत जुदा है तो इसे बनकी शान के खिलाफ नहीं सममा जायगा."

यह राय है पढ़े लिखे इन्जीनियर लिगों की ! तब फर मामूली किसान तो यही कहेगा—'बाबा, बखशों ! इम कुजाँ स्रोद लेंगे और जो पड़ेगी अुगत लेंगे.'' कहने की ज़रूरत नहीं कि इन योजनाओं का कितना पैसा काम में न आकर शलत तरह से जाया हो जाता है और हिसाब किताब के मामले में जो बेतरतीबी रही है उसीक चर्चा तो पार्लिमेन्ट में भी खा चुकी है.

विज्ञान के खोज घरों के बारे में हमारी वही हालत है जो दूध के जले की होती हैं. माना कि यह अच्छी चीज हैं, सक्ष्यता के घर हैं—लेकिन हमारे लायक नहीं, कम से इस مهاندی پر جو هیرا کلت دام بنایا جا رها ه اسکے المسلم مهن بمهام کے نامے ہفتیے وار "بهارت جهوتے" مهل هائي كمار بهوشن رائيكا ايك سمجهدارم بهرا اور دلنجسب یکھ چھیا ھے اُنھیں نے بتایا ھے کہ هماری سرکار یہ جاعتی ے کا امریکیسرکار نے جس طرح اُپٹیکولوریکو اور تھنھسی دیوں کو بس میں کر لھا اُسی طرح هم بھی کر لیں، سرکار ى اسكيم تهى كه مهاك ي مهن تين جُكه پر -- هيراكند، ہرو پور اور بارج قام باندھ کر بانی کے حوض تھار کائے عائهن . ليكن بعد مين تين كي جاته صرف هيرافقة مين ه كاروائي كرا طم يايا اور 349 مين خرج كا تخميمه 4/ کرور کے قریب تھا جو 'ب اور ہوھ گیا ہے ، لیکن جان ار لیکیک کا کہنا ہے' جب کواوریڈر جیسی چھوٹی ندی و قا و موں لائے کے لئے امریکہ والوں نے 134 حوض بنائے و مہاندی جیسی مہاندی کے ایکے تین حوضوں سے کیا ونے والا ھے اور 'ب تو تھن کی جگه ایک ھی بن رھا ھے ۔ ھی نہیں' کواوریڈو ندی میں حوضوں کی مدر جہاں ایک بزار سے دو ہزار سال نک کی ہے ، مہاندی والوں کے لیے سرکاری دازه صرف چه سو سال کا هے اور بھائی کمار بھوشن وائے نے حساب لکا کر دکولایا هے که یه تهیک سے ایک سو سال هي نهيبي هوکا! پهر جب کولوريڌو اسکهم پر کل خرچ ين ارب چهياليس كررة چار لاكه ستانوے هزار در سو قالر یا دسے بارہ ارب روپے بیعنی ہزار بارہ سو کروز روپے کے ریب) پوا تو مهاندی پر ال خرج کندنا بیتهیا آور وه ويه كهارس آنيكا ؟ أن كا كهذا هي -- "هماري ندى اسكيمون ر يهر سے سوچلے اور أن كى تهدمت آسكلے كا رقت آئها ہے ، الگ الگ آدمی ایک هی چیز و الگ الگ روشلی بهي ديمهتے هيل آ اسلئه مهي أنها كرتا هول كه اگر لیلی ماف ماف اور کهل کر آیڈی رائے کو پیش کر 'وں ہو سرکاری اسکام بقائے والوں کی وائے سے بہت جدا ہے و اسے اُن کی شان کے خلاب نہیں سمجھا جائے کا .''

یہ رائے ہے پونے لکھے انجینیر لوڈرں کی ! تب پھر
معمولی کسان تو یہی کہ کا ۔۔۔ '' بابا' بخشو ! هم کذران کھود
ینگے اور جو پڑیگی بھات لینگے ۔'' کھنے کی ضرورت
بھی که ان یوجاناوں کا کتنا پھسه کام میں نه آکر فاط
درج سے ضائع هوجانا ہے اور حساب کتاب کے معاملے مھی
جو یہ توتیبی رای ہے اُس کی چرچا تو یارلھمنت مھی
ہی آچکی ہے۔

رکیاں کے کھوچ گھرں کے پاپہے میں هداری وهی حالت یے جو دودھ کے جلے کی اُلھی گئے ، مانا که یه اچہی چیز ہے، مبھیکا کے گھر هیں -- لیکن همارے لائق تبھین کم سے کم हमारी बात राजत साबित हों. के किन पूत के कच्छन पाकने में जैसे वीखते हैं उससे ही हम उसके आगे का अन्दाजा कगा सकते हैं.

प्लानिंग कमीशन ने हाल में ही एक पंच-साला स्कीम मुल्क के आगे रखी है और बताया है कि किस काम में कितना रुपया खर्च करें तो पांच साल में हम अपने देश को क्या बना लेंगे. प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट को हम अच्छी तरह समक रहे हैं और उन्मीद है कि अगले नम्बर में पूरे ब्योर के साथ उस पर अपनी राय जाहिर कर सकेंगे. मगर यहाँ हम एक बात कहे बिना नहीं रह सकते जो इस प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट को सरसरी तौर पर देखने से हमें जुमती हुई मालूम हुई. वह यह कि "न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेंगी." अगर कमीशन उन्हें नचाले गया तो राधा परदेसियों के हाथों बिकी जहर रखी है.

नदी-कीमों को भी हम ग्रुवहे की आँखों से देखते हैं.

गहले तो हमारा दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि

स्म तरह दामोदर, महानदी वरोरा पर डाम बांध बांध

हर हम कोई खास काबू उनके बहाब पर पालेंगे और

प्रपने सूखे खेतों को हरा कर लेंगे. हमें मालूम है कि पेजाब

में जगह जगह जहां बड़े जोरों से नहरें खोदी गई थीं या डाम

गंधे गए ये बहां शुरू के बरसों में तो खूब अच्छी पीध उगी

किन फिर बाद में कहीं कहीं जमीन पर उपजाऊ मिट्टी की

गह नमकीनी मिट्टी—सज्जी जैसी—की तह जम गई और

ह इलाक़े एक दम निकम्मे से बन गए. यही हाल इन

हीमों से भी ईश्वर न करे हो जाय!

अब तक जो इन डामों का तजुरवा है वह भी दृद भरा रहा. तीन डामों को तो इम जानते हैं जिन के लिये रों से तैयारी हुई, लाखों रुपए खर्च किये गए मगर हमें उन्हें बीच में ही छोड़ बिया गया—उत्तर प्रदेश में इन्द डाम, मदरास में रामपद सागर डाम और आसाम महापुत्रा डाम. अभी 24 जुलाई को बंगाज के गवरनर ने हा—"इम पिछ्छमी बंगाज वालों को जब यह मालूम हुआ दामोदार-वाद-रोक-डाम स्कीम पर सरकार अब कोई ान नहीं दे रही है तो इम पस्त हिम्मत हो गए." यानी मोदर घाटी स्कीम के मुकम्मज हो जाने पर भी दामोदर बादें पिछ्छमी बंगाज के दुखियों को सताती रहेंगी.

अकरा-नंगल डाम पर साल दर साल खर्च का जो स्मीना है, वह देखने की चीज है—

करोड़ रूपये	
42	
70	
110	
133	

عباری بانیں فلط ثابت هوں . لیکن پرست کے تعدیق باللہ میں جیسے دیکھتے هیں اسسے هی هم اس کے آگر کا اندازہ لا سکتے هیں .

یا الله کی کیوشن نے حال میں هی ایک پانچ سالت اسکیم ملک کے آلے رکھی ہے اور بتایا ہے کہ کس کام میں کتا رویہ خرچ کریں تو پانچ سال میں هم آبید دیش کو کیا بنا لینکے ، پلانگ کیوشن کی رپورت کو هم آبچهی طرح سمجھ وہے هیں اور آمید ہے کہ اگلے نمیر میں پررے بیرے یہ سات آس پر آپئی رائے ظاهر کو سکیا گئے ، مگر بیان هم ایک بات کہے بنا نہیں رہ سکتے جو آس پلانلگ کیوشن کی رپورت کو سرسری طور پر دیکھائے سے همیں کمیشن کی رپورت کو سرسری طور پر دیکھائے سے همیں میٹی هرئی معلوم هوئی ، وہ یہ که " نه نو میں تیل ہوگا نے رادھا ناچیا گئی ،" اگر کیوشن آنھیں نیچالے گیا تو واتھا پردیسیوں کے هاتھوں یکی ضرور رکھی ہے ۔

ندی اسکیدوں کو بھی هم شبت کی آمکھوں سے دیکھتے

ھیں ، پہلے تو هدارا دل اس بات کی گواهی نہیں دیتا

کھ اس طرح دامودر' مہاندی وفیرہ پر تام باندھ باندھ کر

هم گوئی خاص قابو اُن کے بہاؤ پر پالیلگے اُور اُھ سو' علی

کھھٹوں کو هزا کر لیلگے ، همیں معلوم هے که پنجاب میں

چگہ چگہ جہاں ہوے زوروں سے نہریں کھودی گئی تھیں

یا قام با ندھے گئے تھے وہاں شروع کے برسوں میں تو خوب

لچھی پودھ آئی لیکن پھر بعد میں کہیں کھوں زمین نور ایجاؤ متی کی جگہ نمینی متی ۔۔۔ سجی جیسی

پر ایجاؤ متی کی جگہ نمینی متی ۔۔۔ سجی جیسی

سر ایجاؤ متی کی جگہ نمینی متی ۔۔۔ سجی جیسی

یر ایجاؤ متی کی جگہ نمینی متی ۔۔۔ سجی جیسی

اب لک چو اِن دَاموں کا تجربہ هے وہ بھی دود بھرا هی رھا ۔ تین دَاموں کو تو هم جانتے هیں جن کے لئے زوروں سے تیاری هوئی' لاکھوں روپئے خرچ کئے گئے مگر بعد میں اُنھیں بیچ میں هی چھوڑ دیا گیا۔ اتربردیش میں رهند دَام' مدراس میں رأم پد ساگر دَام اور آسام میں برهم پترا دَام ، ابھی £2 جولائی کو بناال کے گورنر نے کہا۔۔''هم پتجھمی بنگال والوں کو جب یہ معلوم هوا که دامودر یازه روک دَام اسکیم پر سرکار اب کوئی دهیان نہیں دے رهی هے تو هم اسکیم پر سرکار اب کوئی دهیان نہیں دے رهی هے تو هم بسعه همت هوئئے ۔'' یعلی دامودر گیائی اسکیم کے مکمل بھیجانے پر بھی دامودر کی بازهیں پتجھمی بنگال کے دکھیوں خوستانی رهینگی ۔

بهکراً نفکل دام پر سال در سال خرج کا جو تضمهده هے، ود دیکھلے کی چیز ہے۔

کروز رو پے			سن
42			1947
. 70	i		1948
110		,	1949
133			1950

तरीका अमल में काएँ उसकी कामयाबी इसमें है कि वह हमें हमारो मनशा के अनुसार नतीजे देता है या नहीं, असल चीज तरीका नहीं बिक मकसद है."

इस निगाह से देखते हुए वह फिर नदी स्कीमों पर पहुँच गए और उसके बाद खेती पर. बदती हुई आबादी से मचरा कर उन्होंने "कुनवा प्लानिंग" की सलाह दी है. इसी का नाम है वर्ध-कन्द्रोल. श्रीर क्योंकि अब तक यह कन्द्रोल नहीं हुना इसलिये उनके खयाल से बनाज का मसला दिन 'पर दिन टेढ़ा हो गया और देश के कुछ हिस्सों में क़हत जैसी हालत पैदा हो गई. सरकार ने 'और ग़ल्ला उपजाओ' भान्योक्तन चलाया जो कामयाव तो रहा "मगर नतीजे इतने साफ साफ नहीं विखलाई पड़े." इसी सिलसिले में उन्होंने अनाज बरौरा के मौजूदा कन्ट्रोल को भी जरूरो बताया है.

पंडित जवाहर लाज नेहरू ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की ज़ुशी जाहिर की है कि इस चार साल के अरसे में हमने नवा विधान बना डाला, जमींवारी प्रथा को खत्म करने की त्रजबीचें रच डालीं, हिन्दू-फोड बिल जैसे इनिक्रजाबी क्रदम के लिये क़ातून गढ ढाला. मगर हवा में कोई फरक तो नहीं दोख रहा है. हम भी ख़ुश हो लेते हैं कि चलो अच्छा हुआ यह हो गया, लेकिन यह सब काले अचर हैं जिनसे फायदा को काई दूसरे ही उठा ले जाते हैं.

अपनी रिपोर्ट के बाद वाले हिस्से में पंडित जा ने आपनी विदेशी पातिसी, कशमार का सवात, दाना बगातों में तना तनी, प्रजा और सोशालिस्ट पार्टियों आर आने वाले खनाव में कांगरेस के फर्ज पर रोशना डाजी है. आर यह सलाहें दो हैं कि क्या करना चादिय. इसी द्रारान में उन्होंने सरकारा मुलाविमों के काम की वारीक करत हुए कहा है-- "मेरा खयाल है कि जा सखत झालाचना उनका क्री आतो है वह बहुत हद तक सहा नहीं है.......... सुमे यक्कांन है कि उन्होंने कभा भी इतना मेहनत स काम नहीं किया जिल्ला इन चन्द् बरस में." इसके अलावा यह भा बताया है कि चोर्ज कैसे बलाना चाहियें.

बड़े आदर मगर दुख के साथ हमें कहना पड़ता है कि इस रिपार्ट में पंडित जा का सिकं एक बात के अलावा कांड्रे दसरी चीज हमार गले नहीं उतरती. वह है उनका यह सानना कि सरकार और जनता में बदम बगा बढ़ी है. हम धममते हैं कि इन पार परस में सिवाय इस पदमजगां के किसी दूसरी चीज का पैदवार नहीं बदा. इससे कही ज्यादा दुख इस इस बात का है कि जिन तान चाज़ों पर पंदित जी सब से ज्यादा जार देते हैं—विज्ञान खोज घर, नदो स्कीमें श्रीर प्लानिंग कमीशन-वह मुल्हमें तरा लाने के बजाय सवाही लाने वाली है. हम महसूस करते हैं कि हम कितनी क्षेत्रांत बात कह रहे हैं भार हमारी दिला तमन्ना है कि اويله عبل مهن لالهن أسكى كامهابي اس مهن هي كه ولا سهن هناري سلها كے الرسار تعهده ديتا هے يا نيهن . سُل جِهِرَ طريقة نهين بلكه مقصد هي ."

اِس نگاہ سے دیکھتے ہوئے وہ پھر ندی اسکھموں پر چونیم گئے اور اُسکے بعد تھھتی پر ۔ بوعتی تعوثی آبادی سے ببراً كر أنهون في "كلبه يلاندك "كي ملات دي هي . سے کا نام ہے برتھ کفترول ، اور کھونکہ اب تک یہ کفترول ہمں ہوا اسلام أن ك خيال سے اناج كا مسئله دي پر س تہوھا ھرکیا اور دیھی کے کنچھ حسوں میں قنصط میسی حالت پیدا ھوگئی ۔ سرکار نے 'ارر غلم اُپنجاؤ' ندرلن چلایا جو کامیاب تو رها " مکر ، نظمت الله صاف ساف نهين دانهائي يوء. " إسى سلسلے ميں أنهوں نے ناہے وفہرہ کے موجودہ کفٹرول کو بھی ضروری بعایا ہے .

ینڈت جواہر لال نہرو نے اینی رپورٹ میں اِس بات کی خوشی ظاهر کی ہے کہ اِس چار سال کے عرصے میں ہم نے نیا ودعان بنا ڈالا زمیدداری پر تھا کو ختم کرنے کی جويزيں رج قاليں، هندو كوة بل جيسے انقلابي قدم كے لئے انون گوه دالا . ۱۶ هوا مهل كوئي فرق تو نههل ديكه ها هے . هم بهى خوش هو لينتے هيں كه چلو أچها هوأ ء هوگها الهكن يه سب كالے اكشر هيں جن سے قائدہ تو وئی درسرے هی أنها لے جاتے هيں .

اینی رپورت کے بعد والے حصے میں پندس جی نے بدى وديشى باليسى؛ تشدير كا سوال ، دونون بلكالون سي تفاقفي، يرجا أور سوفلست بارتهون أو أله واله جفاو بھی کنگریس کے فرض پر روشنی قالی ہے اور یہ صلاحها سى ههى كه كها كرنا چاهكه . إسى دوران ميں أدبوں لے مرکاوی مقارموں کے کام کی تعریف کرتے ہوئے کہا ہے -امهرا خهال هے که جو سخت آلوچلا أن کی کی ماتی ہے وہ بہت حد تک صحیح نہیں ہے.... مجھ قین ہے کہ اُنہوں نے کبھی بھی اتامی مصلت سے کام مين كها جعنا إن چند برس مهن ." إسيم عاوه يه يهي تاياً هے که جهزين کيسے چلانا چاهئيں .

ہوے آدر مگر دکھ کے ساتھ ھمھن کھلا پوتا ہے که اِس پورت میں بلڈت جی کی صرف ایک بات کے علاوہ کوئی وسرى جهز همارے كلے نبهوں أترتى . ولا هے أن كا يه مانقا نه سرکار اور بجنها میں بدموکی بوهی هے . هم سمجه علم نیں کہ ان چار برس میں سواٹے اِس بدمزگی کے کسی رسري جهو کي پيهاوار تنهين يوهي ، اس سے کيش زيافة اکه همهن إس بات کا هے که جن تهن چيزوں پر پلدت جي یب سے زیادہ زور دیتے میں ۔۔ وکھان کھو کھو' ندی اسکیمیں رر بالنگ کمیشن ــ وه ملک مین تری الے کے مِعِالِم الهاهي الله والي هون . هم مصموس كرتے هون كه هم على سنگهين بالله أنه رهم مين اور مماري داري سلنا ۾ که

जाहिर है कि वह रिपोर्ट विक्रते पार साल का कोई इतिहास नहीं हो सकती. यह तो महज कुंद्र घटनाओं और इधर-उधर की बातों से भरी एक छोटी सी गठरी हो सकती है जिससे दूसरों को मोदा घन्दाजा हो जाय और आगे के लिये रास्ता निकालने में मदद मिले लेकिन हमारी मुसीबत यह और भी है कि एक छोटे से लेख में उस गठरी, की चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, सभी बीजों को निकाल निकाल कर जाँच कर उनकी कीमत परखना नामुमकिन नहीं तो मुशकिल जरूर है. इसलिये हम सिर्क खास खास नमूनों को लेकर संतोश करेंगे.

पंडित जवाहर लाल ने शुरू में ही कहा है कि आजादी के साथ साथ हकूमत पर मुसीवतों के पहाड़ दूट पड़े— बटवारा और लाखों की तादाद में वे घरवालों का आना, करमीर पर पाकिस्तान का हमला, बापू की हत्या, बीजों के दाम चढ़ जाना और आरिथक बन्दोबस्त ढांवाडोल हो जाना. इन सभी को दुरुस्त करने के फेर में सरकार बड़े बड़े चकरों में फंसती चली गई और काम संभलते हुए भी नहीं संभल रहा था. नतीजा हुआ जनता और सरकार के बीच सहयोग की कमी. यह कमी बढ़ती ही गई और इन चार साल—में ज्वरदस्त कोशिशों के होते हुए भी—जनता की सरकार के कामों के साथ बेरुसी हद को पहुंच गई.

इतना कहने के बाद जवाहर लाल जो ने अपनी सरकार के कारनामे गिनाये हैं. हम उन्हें चुन कर नीचे देते हैं—

- 1. रियासतों का मिलाया जाना जिसके लिये हम सब स्वार्गीय सरदार पटेल के एहसान मन्द हैं.
- 2. इमारे देश में पिछते चन्द बरस में विज्ञानी खोज में मार्के की तरक्षकी, जिसे खाम तौरसे नज़र अन्दाज़ कर दिया जाता है. विज्ञान और उसके कारनामों की दुनिया में यह आगे की उन्नति के लिये एक बुनयादी चीज़ है.
- 3. निवयों वाली स्कीमें, जैसे दामोदर घाटी, भकरा नंगल और हीराकुन्छ.
 - 4. शरनाथियों का बसाना.
 - 5. प्लानिंग कमोशन का क्रायम होना.

इसके बाद पंडित जी यह क़ब्रूल करते हैं कि देश की जो बुनयादी आरियक पेचीदगी थी उसे कामयाबी के साथ हल नहीं किया जा सका है. वह इस कमी को बहुत गहराई के साथ महसूस करते हैं और सारी जिम्मेदारी अपने मत्थे सेते हैं.

आगे चलकर पंडित जी उस्ती बड़े सवाकों पर आ जाते हैं कि हमें अपनी राजकाजी, माली और समाजी बढ़ोतरी के क्षिये आगे क्या निशान रखना चाहिये और कौतसा रास्ता अपनाना है. उनका कहना है—"हम जो भी العامر في كه يه رپورت پنچهال جار سال كا كوان النهاس الهمس هوسكتى . يه تو محصف كنچه كهتاؤن اور الهمر المحمد كي باتوں سے بهرى ايك چهوتى سى كتهرى هوسكتى هے جس سے دوسروں كو موتا اندازہ هوجائے اور آئے كے لئے راسته نكالئے ميں مدد ملے . ليكن همارى مصهبت يك اور بهى هے كه ايك چهوتے سے ليكه ميں اس كتهرى كى عاور بهى هو كه ايك چهوتے سے ليكه ميں اس كتهرى كى خاص وا چهوتى هى كيوں نه هو سبهى چهووں كو نكال نكال كر جانج كر أن كى قيمت پركها الممكن نهيں تو مشكل ضرور هے . اس لئے هم صرف خاص خاص نمونوں كو لے كر سنتوش كريں ئے ،

پفت جواهر لال فے شروع میں هی کہا ہے کہ آزادی کے ساتھ ساتھ ساتھ ساتھ حکومت پر مصیبتوں کے پہار توق پڑے ۔۔۔ پتٹوارہ اور لاکھوں کی تعداد میں بے گھر والوں کا آنا کشمیر پر یاکستان کا حملہ باپو کی هتھا چیزوں کے دام ہوھ جانا اور آرتھک بندوبست دانوا دول هوجانا ، ان سبھی کو دوست کرنے کے بھور میں سرکار برے برے جکروں میں پھنستی چلی گئی اور کام سنجھلتے هوئے بھی نہیں سنجھل رہا تھا ، ندیجہ هوا جندا اور سرکار کے بھی سہوگ کی کمی ، یہ کمی بوهتی هی گئی اور ان چار سال میں سرپار کے کاموں کے ساتھ بے رخی حد کو بھونی گئی :

اِتنا کہنے کے بعد جراهر لال جی نے اپنی سرکار کے کارنامے کنائے هیں . هم اُنہیں چن کرنیتے دیتے هیں --

- ریاستیں کا ملایا جانا جس کے لئے ہم سب سررگیم سردار پالیل کے احسان مند ہیں .
- 2. همارے دیش میں پنچھلے چند برس میں وکھانی کھوے میں معرکے کی ترقی جسے عام طور سے نظر انداز کر دیا جاتا ہے ، رگیاں اور اسکے کارناموں کی دنیا ۔ کس نے آئے کی اندی کے لئے ایک بنیادی چیز ہے .
- 3. ندیوی والی اسکیمیں' جیسے دامودر کھاتی بھکرا تنگل اور میرا کند .
 - 4. شرنارتهیون کا بسانا ،
 - ت. پلانلگ كىيشى كا قائم ھونا .

اسکے بعد پندت جی یہ قبول کرتے میں کہ دیمی کی ہو پہنے ہو پندت ہی یہ قبول کرتے میں کہ دیمی کی ہو پہنے کہ اللہ اسکا ہے ۔ رہ اس کمی کو بہت گہرائی کے ساتھ محصوس کرتے میں اور ساری ذیے داری ایے معید اللہ عمل ۔

آگے چلکو پلڈت جی اصولی بڑے سوالوں پو آجاتے میں کہ ھمیں ایلی واج کاجی' مالی اور سماجی پوھوٹوی کے لئے آئے کہا نشان رکہنا چاھئے اور کون سا راستہ ایٹانا ھے ۔ اُن کا کہنا ھے ۔۔۔ '' ھم جو بھی

बीच में खड़ी की गई. शहर की बोबी दी जाड़ी खरनी हो गई, लेकिन देहात की बोबी बहुत छुछ तुरकी ही रही और इसकिये तुरकों के बास्ते तुरकी जबान को फिर जिन्हा करना मुमकिन हो गया. उन्नोसवीं सदी में तुरकों के दिलों में भी आजादी की तरंग छठी और साथ ही यह खयाल भी आ गया कि आजादी हासिल करने के लिये यह दीवार भी गिरानी पड़ेगी. चुनांचे उन्नोसवीं सदी के आखिर में छुछ ऐसे नीजवान पैदा हो गए जिन्होंने भाशा को सुधारने की कोशिश की लेकिन खिलाफत के नाहानों के सामने उनकी छुछ चली नहीं.

[भाई मद्दन गोपाल जी की किताब 'भाशा' के आखिरी अध्याय का अधूरा हिस्सा. बाक्षी अगले परचे में]

स्वाराज के चार साल

हर कारज के करने में यह दस्तूर बरता जाता है कि खाल के तमाम होने पर या बीच में जब कभी सहित्यत हो अपने सार काम का लेखा ड्योदा ठीक करके उसका पूरा चिट्टा कारकुन लोग अपने मालिक के आगे पेश करहें या अपन साथी साफीवारों को समका दें और तब लोग गर्वे साल के तजरबे के बाधार पर बापस में सलाह सक्कारित कर के कारों के लिये अपना प्रोप्राम बनायें. हकुमत या सरकार का काम भी एक कारज बन गया है ा और लोकशाही के बढ़ते हुए प्रवार से उसकी बागडोर संमाजने वालों की यह जिम्मेदारी और भी वद जाती है कि जिन्होंने उन को कुरसी पर बिठाया है उनको अपने काम की जवाबदही दें. चार साल हो रहे हैं जब हमारा देश काजाद हुआ था और उसके इंतजाम का सारा बोक पंचत जवाहर ताल नेहरू के कंबों पर रखा गया था. बैसे तो आजादी के क़रीब एक बरस पहले से ही यह बोम इनके ऊपर आचुका था. लेकिन इन चार पांच बरस में एक बार भी सरकारी काम का 'हिसाब' जनता या कांगरेस (जिस ने श्राजादी जीती थी) या शायद कांगरेस पार्ली-मेन्टी पारटी के आगे भी नहीं आया और काम चलता रहा. बोटी पर प्रंडित जवाहर लाल थे इसलिये कोई इतनी हिम्मत भी कैसे करता कि उनसे हिसाब तताब करे. खुशी की बात है कि जवाहर लाल जी ने खद ही यह रिपोर्ट कत हिन्द कांगरेस कमेटी की खातिर उसकी हाल में बंगलीर में दुई बैठक के पहले मुल्क के सामने पेश करदी. इन्हर्भ इस दरिया दिली और नम्रता पर उनके आगे छिर और भी कुछ जाता है.

یہ میں کہوں کی گئی۔ شہر کی اولی ہو آدھی عربی اور میکن موبی اور میکن دیہات کی بولی یہت کتھ ترکی ہی رہی اور اسلے ترکوں کے واسطے ترکی رہاں کو پھر زندہ کرنا میکن ہوگیا ، اُنیسویں صدی میں ترکوں کے دلوں میں بھی آزائنی کی ترنگ اُٹھی اور ساتھ ھی یہ خیال بھی آئیا کہ آزائنی حاصل کرنے کے لئے یہ دیوار بھی کرانی پرے گی ، چانسچہ اُنیسویں صدی کے لئے یہ دیوار بھی کرانی پرے گی ، چانسچہ اُنیسویں صدی کے آخر میں کتھ ایسے نوجوان پیدا ہوگئے جنہوں نے براھملوں کے سامنے اُن دی کچھ چانی نہیں ،

[بهائی مدن گوبال جی کی دلاب 'بہاشا' کے آخری ادھیائے کا ادبورا حصه ، باقی اللے پرچے میں ،]

سواراج کے چار سال

ھر کارہے کے کرنے میں یہ دستور برتا جاتا ہے کہ سال کے تمام هوئے پر یا بھی میں جب دیھی سھولھت هو الي سارے کام کا لیکھا تیورہا تھیک کرکے اُس کا پورا چاتھا کارکن لوگ ایم مالک کے آئے پیش کردیس یا ایم ساتھی ساجهی داروں دو سمجهادیوں اور تب لوگ گئے سال کے تجریے کے آدھار پر آپس میں صلح مشورہ کرکے آگے کے لئے آیدا پروگرام بدائیں ، حکومت یا سرکار کا کام بھی ایک کارے بن گھا ہے اور لوک شاھی کے برعظے هوئے پرچار سے اس کی باک دور سنبھالنے والوں کی یہ فامعداری اور بھی ہوھ جاتی ہے که جدوس نے اُن کو کرسی پر بھھایا هم أن كو الله كلم كي جواب دهي ديس . چار سال هورهم ھیں جب ممارا دیمی آراد موا تھا اور اُس کے انتظام کا ساراً بوجه یندت جواهرلال نهرو نے تندھوں پر ردھا گیا تھا۔ ویسے تو آزادی کے قریب ایک برس پہلے سے ھی یہ بوجہ اُن کے اوپر آچکا تھا . لیکن اُن چار یانیم برس مهن ایک بار بهی سرکاری کام کا 'حساب' جنتا یا کانگریس (جس نے آزادی جیتی تھی) یا شاید کانگریس ہارلمینٹری ہارتی ہے آئے بھی نہیں آیا اور كلم جلتا رها . چوتى پر پندس جواهرال ته إس لئے إتلى كوئى همت بهى فيسم درنا كه أن سم حساب طلب كرم . خوشی کی بات ہے ته جواءرال جی نے خود هی يه ربورت کل هلد کانگریس کمهای کی خاطر اس کی حال میں بنگلور میں عوثی بیٹیک کے پہلے ملک کے سامنے پیمی کردیی . أن كى إس دريا داى اور نمرتا پر أن كے آئے سر اور بھی جھک جاتا ہے۔

किया को समस नहीं सकता. इंदानी दो हिस्सी में बट गए. 90 की सदी से ज्यादा अनपढ़ और पाँच हैं की सदी पढ़े हुए. इन दो हिस्सों को जुदा करने के लिये अधान को दीवार जुनी गई. इस दीवार को खड़ी करने वाले थे ईरान के बाझन जिन्हें शायद वह मौलाना कहते हैं. इन बाझनों का चाहे वह किसी देस या जमाने के हों सबसे बड़ा हथकंडा है जादू टोने का और खास कर भाशा का जादू. बोलेंगे ऐसी बोली जो दूसरा अच्छी तरह से समम न सके. जो पाठ कराएंगे तो ऐसी बोली में जो समम से बाहर हो. ताबीज गुरमंत्र सब का बही ढंग. दूसरा जादू जो वह सदा चलाते हैं वह है बड़े बाप के बेटे का ताकि जजमान आगे की न सोचें पांछे को की ताकते रहें.

षत्रीसवीं सदी में इरानियों को भी लोकराज की सुमी. क्रानूनी मजिलसें बनीं भी, दूटीं भी, बावशाह अच्छे भी हए बरे भी सन 1921 में रजाखाँ एक कीजी अकसर ने हकूमत की बाग जबरदस्ती अपने हाथ में ले ली और 1925 में शाह ही नहीं मुल्क का खकेला हिक्टेटर बन बैठा. वह देस प्रेमा था इसलिये देस को भो उस से प्रेम हो गया. वह देस का रुख बदलना चाहता था. आगे देखो. पीछे देखना छोड़ दो. किसी गिरे हुए देस को सुधारने का यही गुरमंत्र हो सकता है. परदा उड़ा कर और शादी तलाक के क़ानून में सुधार कर के औरतों को आजाद किया. धौर बोली को अरबी से छुड़ाकर प्रजा को वहां के शाझनों की क़ैंद में से निकाला भौर वह कसील गिरा कर जो ईरानी को ईरानी से जुदा करती थी देस में एकता पैदा की और तासीम भासान कर दी. यह तो सब जानते हैं कि ईरान में मुसलनान ही रहते हैं, उनकी लिपि एक है भीर बोली भी बहत कुछ एक.

तुरकों के पुराने इतिहास में जाने की जरूरत नहीं. इतना कहना काली है कि मुसलमानों के बाने से पहले भी तुरकी एक बहुत बड़ा राज था. जबान बहुत सादा मुलमी हुई. मामर सावा और मामरी जिन्स से पाक. कुन बाठ स्वर छीर लफ्न स्वरों से लवे हुए. गो अरबों की हकूमत तुरकों पर बहुत दिन न रह सकी. अरबी अपने इतामा खजाने की बनह से जनोसवीं सदी तक तुरकी जबान की गरदन पर सवार रहो और उस म जुड़े हुए व्यंजनों को बीमारी पैदा कर दो. तुरकी मुलतानों की हकूमत दूर दूर के मुलकों तक फैली यहाँ तक कि अरब भी इनके राज में बा गया. तुर्क मुलतान ही न हुए इसलाम के खनीका भी बन बैठे. इस का बतीजा यह हुआ कि तुरकी माझनों की पांचों नंगितयां जी में. बही माझनों के हथकंड जबान के आदू तुरकी में भी खेले जाने लगे. जबान की दीवार महाँ भी खड़ी की गई. शुकर इतना है कि यह दीवार शहर और देहात के

المنافعة المان ال

آنیسویں صدی میں ایوانیوں کو بھی لوک راچ کی سوجوي . قانونى متجلسين بئين بهي ' توتين بهي ، بادشاه اچے بھی هوئے برے بھی . سن 1921 مھں رضا خال ایک قوجی اقسر نے حکومت کی باک زیردستی آیے ہاتھ میں نے لی اور 1925 میں شاہ ھی نہیں ملک کا اکیلا ڈکٹیٹر ین بهاها ولا دیش پریسی تها اس لئے دیش کو بھی أس سے پریم هرلیا . وہ دیس کا رہے بدلنا جا تھا ، اُگے هیکهوا پهچه دیکهدا چهور دو . کسی گرے هوئے دیس کو سدمارنے کا یہی گرر منتر مرسکتا ہے ، پردہ أوا كر ارر هادی طلق بے قانون میں سدعار کرکے عروتوں کو آزاد کیا . اور ہوئی کر عربی سے چھڑا کر پرچا کو رھاں نے براھملوں کی الهد مهو سے نکالا اور وہ فصیل گوا کر جو ایرانی کو آیرانی سے جدا کرتی تھی دیس میں ایکتا پیدا کی اور تعلیم آسان کر دسی . یه تو سب جانتے هیں که آیران مهی مسلمان هي رهيد هين' أن دي لهي أيك هي أرد بولي بهي البيت نجه ايک .

توکوں کے پوانے انہاس مہرجانے کی ضرورت نہیں النا کہنا کائی ہے دہ مسلمانوں کے آنے سے پہلے بھی ترئی آپکت بہت بادہ سلجہتی ہوئی ، گیک بہت بادہ سلجہتی ہوئی ، گرامر سادہ آر گرامری جاس سے پاک ، کل آنہ سور آور گرامری جاس سے پاک ، کل آنہ سور آور پہت دن نہ رہ سکی، عربی اپ علمی خزانے کی وجہ سے آپہت دن نہ رہ سکی، عربی اپ علمی خزانے کی وجہ سے آپہنین جورے موئے ویلجنوں کی بیماری پیدا کر دنی اور گری شامان کی مکرمت دور درر کے ملکوں تک پہیلی گری شامان کی محرب بھی ان نے راج میں آنہا ، ترک سلمان کی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کے متعلقہ بھی بن بینتے ، اس کا نتیجہ بھی پراہمنوں کے متعلقہ بھی بن بینتے ، اس کا نتیجہ بھی پراہمنوں کے متعلقہ بھی بن بینتے ، اس کا نتیجہ بھی براہمنوں کے متعلقہ بھی بن بینتے ، اس کا نتیجہ بھی براہمنوں کے متعلقہ بھی بن بینتے ، اس کا نتیجہ بھی براہمنوں کے متعلقہ بھی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کی براہمنوں کی دینوار شہر اور دیہات کے کہائی ، بھکر اتفا ہے کہ یہ دیوار شہر اور دیہات کے گری دیہات کے گری دیہات کے گری دیہات کے گری دیہار شہر اور دیہات کے گری دیہات کے گری دیہات کے گری دیہار شہر اور دیہات کے گری دیہات کی دیہات کری دیہات کی دیہات کی دیہات کے گری دیہات کی دیہات کری دیہات کی دیہا

right year of the

जहरत ही नहीं पड़ी, इसकिये मुनासिक है कि हम कुछ थोड़ी सी सरसरी निगाह तुरकों और ईरानियों के इविहास और जुमाफिये पर डालें भीर फिर अपने इतिहास स्वीर जुगराफिये से चन्हें मिलाएं

र्भरान के शरू की तवारीख की बाबत लिखने की यहाँ जरूरत नहीं. शायद हिन्दुस्तान से पहले आर्य ईरान में जाकर बसे. ईरान और आर्य दोनों एक ही धात से हैं. जो पहली फारसी है वह वैदिक से बहुत कुछ मिलती जुनती है. लेकिन आहिस्ता आहिस्ता उस क्रानून के मृताबिक जो हर बोको पर लागू है उस के बन्द ऐसे खते कि स्वरों से लद गई. लक्त्र पिस घिस कर छोटे होते गए. छटी सदी बी० सी० में ईरानी राज को बह चाँव लगे कि रूम सागर से लेकर हिन्दुस्तान में कशमीर की घाटियों और सिन्ध की वादियों तक फैल गया. गो चौथी सदी बीठ सीठ में सिकन्दर ने उस मुल्क को कतह कर लिया पर राज ईरान में इरानियों का ही रहा. यह ठीक कि वह वो सदियों तक यूनान को जिराज देते रहे. तब से सातवीं सदी ईसवी तक यामी कोई वो हजार बरस तक ईरान में राज बहत कुछ ईरानी बार्यों का ही रहा. नतीजा यह कि ईरानी भाशा सुबरती रही. सातवीं सदी में सुनलमान अरवीं ने ईरान को जीता. ईरानियों ने इससाम जरूर क्रयुल किया लेकिन इसलाम की परहेजगारी उन्हें अपने में समी न सकी. वही खिलाने पिलाने का प्रेम. राग और चित्रकला का अनुराग. रोर व सुखन का शोक भीर प्रकृति की पूजा उनमें जारी रही. यह हैं बार जास गुन बायों के हमें भी दावा है आर्व होते का लेकिन उन के गुनों में से एक भी अब हमारे में नहीं पाया जाता. जो थोड़ा बहुत ग्रवती से कहीं दिखाई दे जाता है तो वह समम लो इन ईरानियों, यूनानियों और पश्चिमी क्षीमों की मेहरवानियों का नतीजा है. गो इस मनवारी स्रोम पर बारब कुछ ज्यादा मुद्रुत तक हकूमत न कर सके, अरबी ने अपना सिकका ईरानी पर जमा लिया. इसमें इस तो हकूमत का हाथ था लेकिन बहुत सा हाथ उस इंस्मी जलीरे का था जो बरबों के इल्मी शीक ने सारी द्वनिया के इल्मों से अरबी में जमा कर लिया था. अरबी सदियों तक पश्चिमी पशिया की ही नहीं बहुत से योरपी देशों की इल्मी जवान रही हैं. दसवीं सदी में जब हकूमत की बाग ईरानियों के डाथ में फिर का गई तो ईरानी ने भी फिर पर निकाले. फिरवौसी ने उस सदी के आखिर में शाहनामा लिखा जिस की खबान शुद्ध ईरानी है. फिर भाशा विद्या के इस नियम के अनुसार जिस को मैं बहत दफा लिख चुका हुँ घरबी जो इल्मी जवान बी उस ने ईरानी को दवा लिया. हाफिज जो चौदहवीं सदी में पैदा हुआ या उस की शायरी अरबी लक्ष्यों से खदी हुई है. नवीजा यह कि कोई ईरानी कुछ भरबी जाने बिना अपनी बोली की

راف على فينهن فوي ؛ اس الله متعاشب في العاظم المنه رہے سے سرسری نگاہ توکوں اور ایراندوں کے اِتہاس جَعْرَافِهِ ير دَالِينِ أور يهر أهِ إِنهاس أور جغرافه س

ایران کے شروع کی تواریخ کی بابت لکھنے کی یہاں رت نہیں. شاید هندستان سے پہلے آریم ایران میں جاکر . . ایران اور آریه دونوں ایک هی دهات سے هیں . جو ی فارسی هے وہ ویدک سے بہت کچھ ملای جلام هے . ین آهسته آهسته اُس قانون کے مطابق جو هر بولی پر ہے اُسکے بند ایسے کہلے که سوروں سے لد گئی . لفظ ں گیس کو چھوٹے ہوتے گئے ۔ چھٹی صدی ہی ، سی ، ں ایرانی راج کو وہ چاند لکے کہ روم ساکر سے لے کر استان میں کشمھر کی گھاتیوں اور سندھ کی وادیوں ، پهیل گها . گو چوتهی صدی بی . سی . میں سکندر اس ملک کو فعم کر لها پر راج ایران میں آیرانیوں کا رها . یه تهیک که وه دو صدیون تک یونان کو خراب ہ رہے ۔ تب سے ساتویں صدے عیسون تک یعلی کوئی زار برس تک ایران میں رابم بہت کتھ ایرانی آریوں بي رها . نتيجه يه كه أيراني بهاشا سدهرتي .رهي . ایس صدی میں مسامان عربوں نے آیران کو جیتا . نھرں نے اسلام ضرور قبول کھا لیکن اسلام کی پرھیزگاری س أبيد ميں سبو نه سکی وهی کہلانے پلانے کا پريم ، اور چدر کلا کا انوراگ، شعرو سخن کا شوق ارر پرکرتی پوچا أن ميں جاري رحى . يه هيل چار خاص كن ں کے ، ہمیں بھی دعوہ ہے آریہ ہونے کا لیکن اُن کے ے میں سے ایک بھی اب همارے میں نہیں پایا جاتا ، تهورا بهت فلطى سے كهيں دكهائى دے جاتاهے تو وہ سمجه ان أيرانيون أور بجهمي قومون كي مهربانيون لهجة هي ، كو اس ملحالي قوم پر عرب كجه زيادة مدت حکومت نه کو سکے عربی نے اپنا سکه ایرانی پر جمع . اِسبوس الجه تو حكومت كا هاته تها الركن بهت سأ ، اُس علمی فخارے کا تھا جو عربوں کے علمی شبق نے ماری ا کے علموں سے عربی میں جمع کو اینا تھا ، عربی صدیوں ا پنچهمی ایشها ای هی نههریجت سے یورپی دیسوں کی ہے زیاں رعی ہے افسایس صدیع میں جب حکومت کی ے ایرانورں کے هاتھ مهر پهر آگئی تر ایرا ی نے ہوےپھر پر ہ' فردوسی نے اُس صدی کے آخر میں شاہدامہ لکھا ں کی زبان شدھ ایرانی ہے ۔ پھر بھاشا ودیا کے اس نہم نرسار جسكو مهن يهب دفعه لكه چكا هون عربي علمی زبان تھی اُس نے ایرانی کو دینا لھا۔ ه جو چوردهوین فبدن مین بهدا هوا تها اسکی ربی عربی لفظوں سے لدی ہوٹی ہے۔ تعیمت یہ دراني ايرأس كنهم عربي جائي بدا أيدي بواي كي

हुइ। भारी हुजा कभी किसी का. आखिर मिता जुड़ा कर वसेरा करना पड़ा. दूसरी बात यह कि बातीनी और रमैनिक दोनों आर्थ भाशा की बेटी हैं. केवत जुणांकिया नो का जुदा. एक उत्तर में जा कर बसी, दूसरी दक्खिन जिनसे इन के रंग हुए में ही नहीं बनावट में भी करक गया.

हमारी बोली खिचड़ी नहीं सत नजी है. गो मुक्ते अब द नहीं कि बचपन में इसे सीखने के लिये मुक्ते कोई खास एकिल हुई थी. इतनी समम अब जरूर है कि एक हिन्द-ानी बच्चे के लिये यह खड़ी बोली हिन्दुस्तानी सीखना ना आसान नहीं जितना शायद एक जलबासी के लिये त भाशा या एक मदरासी के लिये अपनी मां बोली खना. इसलिये अगर मेरे बच्चों के बच्चों और उन के बच्चों लिये यह आसान बनाई जा सके और हम न बनावें तो । त्रपनी सन्तान के दुशमन हैं. आजकत कुछ भाई इस सतनजापन निकालने की धुन में हैं और अगरचे वह सान के माने नहीं समभते केवल शुद्धी को समभते हैं का हाथ बटाना हमारा धर्म है ! क्योंकि मुशकिल लक्ष्य घिस कर आप ही आसान हो जाएंगे (ज्वान की इस को कोई नहीं रोक सकता) भाशा बिना बीने इकनजी हैं। सकती, लेकिन बीनने से पहले यह सोचना जरूरी के क्या हम बीनने में सफल हो सकते हैं ? अगर नहीं कोशिश फज्ल ही नहीं नुक्रसान भी पहुँचाती है.

यह तो सब जानते हैं कि इस सदी के शुरू में दो ायाई क्रौमें आजादी हासिल करते ही यह काम कर सर्की. ा कि मैं हरफों के बाब में लिख आया हूँ. तुर्क अपनी ान में से सारे अरबी और फारसी लक्क निकालने में ायाव हो गए. ईरानियों ने सारे ऋरबी लक्जों को देश ाला देना ठीक नहीं सममा लेकिन उनकी ईरानी में नि फजल अनगिनत भरती के लक्ष्य घुस गए थे उन को जन्होंने मार भगाया. हमारे भाई भी इन तरकों : ईरानियों की तरह उन अरबी और फारसी सक्खों को हमारी हिन्दुस्तानी में आ घुसे हैं निकालना चाहते हैं ; बड़े जोरों से कहते हैं कि जो तुर्क और ईरानी कर वह हम तो बहुत आसानी से कर सकते हैं क्योंकि रे पास संस्कृत का भंडार मौजूद है. जाहिरा तो उनकी सोवह आने पकी मालूम होती है. फारसी में एक वत है--आधे हकीम से जान का डर आधे मुझा से न का डर-इसी तरह आधे पंडित से देस का डर. हमारे त आधे पंडित हैं. अपना इतिहास जो सच पूछो इति-: नहीं इति-रोना है. उसे तो वह जान ही नहीं सकते के हमारे कुछ बड़ों ने उस पर खब मोटा गाडा पोचा रक्सा है और दूसरों का इतिहास जानने की चन्हें कभी

ولوا بهاری هوا کبهی کسی کا . آخر مل جال قراق بسهرا عرف ہوا . درسری بات یہ که الطبلی اور جرم هکت ادوارں آریه بهاشا کی بیاتی هیں . کیول جغرافیه دولوں کا جدا . ایک ادر میں جاکر بسی' درسری دکیان میں جان سے ان کے زنگ روپ میں هی نہیں بدارت میں بھی درق هرکیا .

هماري بولي کهچوي نهين ست تجي هي . گو منده اب یاد نہیں که بجین میں آسے سیکھلے کے اللے سجھ خاص مشکل هوئی تهی . اتلی سمجه اب ضرور ه که ایک مدد مانی بھے کے لئے یہ کہوی بولی هددستانی سیکینا اتنا آسان نہیں جتنا شاید ایک برج باسی کے لئے برہے بھاشا یا ایک مدراسی کے لئے اپنی ماں بولی سهکهنا آ اس لئے اگر مهرے بحوں کے بحوں اور آن کے بجور کے لیے یہ آسان بقائی جاسکے اور هم نے بقاویں نو هم ایابی سفتان کے دشمن ههن . آج کل کنچه بهائی اس کا ست نجاین نکالقے کی دھن میں میں اور اگرچہ وہ آسان کے معلی نہیں سمجھتے کھول شدہی کو سمجها هين أنكا هاته يقانا همارا دهوم في اكيونكم مشکل لفظ تو گهس کر آپ هی آسان هوجائهلکے (زیان کی اس بازه کو کوئی نهیں روک سکتا) بهاشا بنا بهنے اِک نجی نہیں ہو سکتی ۔ لیکن بهننے سے عبلہ یہ سوچنا ضروری ہے که کیا هم دینانے میں سپیل هو س*ک*ھے میں ؟ اگر نہیں تو کوش*ص فضول هی نہی*ں نقصان بہی پہونچاتی ہے .

یت تو سب جانتے میں کہ اس صدی کے شروع میں دو ایشیائی قومیس آزادی حاصل کرتے هی یه کام کرسکیس. جهسا که مهی حرفوں کے باب مهی لکھ آیا هوں ، ترک اپنی زبان میں سے سارے عبری اور قارسی لفظ نکالئے مهن کامیاب هرکیّے . ایرانیوں نے سارے عربی لفظوں کو ديس نكالا دينا تهيك نهيل سنجها ليكن أن كي أيراني میں جتنے فضول انگلت بهرتی کے لفظ گیس گئے تھے اُن سب کو اُنھوں نے مار بھکایا ، ھمارے بھائی بھی ان ترون اور ایرانهون کی طرح اُن عربی اور فارسی لغظرن دو جو هداري هندستاني مين آگهسي هين نكالنا جاهتے هيں اور بوبے زوروں سے کہتے هيں که جو ترک اور أيراني كرسكے وہ هم تو بہت آساني سے كرسكتے هيں کیونکه همارے پاس سلسکرت کا بهلدار موجود هے ، ظاهراً تو أن كي بات سوك آنے يكي معلوم هوتي هے. فارسی میں ایک کہاوت ہے۔۔آدھے حکمے سے جان کا در اور آدھ ما سے ایمان کا در-اسی طرح آدھ بلات سے ديس لا در. همارے پلدت آدھے بلدت هيں۔ اپنا أتهاس تو سيم يوجهو أتهاس نهيس إتى ورنا هـ. آسے تو وہ جان ھی نہیں سکتے کیونکہ ھمارے کنچہ بوؤں نے آمی پر خوب موتا کارہا پوچا پھھر رکھا ہے اور قارسروں کا اتہاس جانئے کی آنہیں کبھی

भीर बेलाग सिपाही थे, जो नतीजों की परवाह न करते हुए देश भीर धर्म की खिदमत करते करते हमेशा के लिये भाराम की नींद सो गए. हम सब अल्लाह से आए हैं भीर अल्लाह ही की तरफ हम सब को जाना है.

("ब्रहरार" देहली के आधार पर)

اور ہے لاگ سیامی تھے جو ٹیعنجوں کی پرواد تہ کرتے ہوئے۔ دیمی اور دھرم کی خدمت کرتے کرتے سیشہ کے لئے آرام ای نهند سو گئے۔ ہم سب الله سے آئے ہیں ارر الله ہی ای طرف ہم سب کو جاتا ہے۔

(" احرار " دهلی کے آدیار پر)

खालिस बोली-खिचड़ी बोली और बोली की दीवार

(भाई मदन गोपाल)

कुछ संगरेकी विद्वानों का यह खयाल दुरुस्त माल्म होता है कि एक अंगरेज के लिये अंगरेजी सीखना ज्यादा सुशकिल है बनिस्वत एक जरमन या फ्रांसीसी के लिये जरमन या फ्राँसीसी सीखना. वजह यह बताई जाती है कि फ्रांसीसी, स्पैनिश भौर इटालियन रोमानी जबानें हैं जिनकी जहें अकसर जातीनी से निकली हैं इसिलये इन जवानों के बहुत से लक्ष्म ऐसे हैं जिन की जड़ वही होने के कारन उन सब तफ्रकों का जो इस जह से निकले हैं सममाना और याद करना बहुत ज्यादा आसान है. यही हाल स्त्रीडिश, डैनिश और जरमन का है क्योंकि उन के अकसर लक्ज जरमैनिक जड़ों से निकते हुए हैं इसलिये जब एक जड़ सीख ली तो, उस जड़ में से जितने लक्ज अपनी बोली में आ गए हैं उनकी शकत चूँ कि आपस में मिलती जुलती है और बह एक ही घराने के मालूम होते हैं, उन्हें समफना और याद रखना मुशक्ति नहीं होता. अंगरेजी च कि एक खियड़ी बोली है जिस में अकसर लातीनी जड़ों के लक्ष्ज और जरमैनिक जड़ों के लक्ष्ज ही नहीं, काफी यूनानी जफ्ज भो आ मिले हैं, इसलिये उन्हें जानने के लिये याद्दाश्त पर जयादा कोर डाजना पड़ता है. बिलकुल खान्ति बोलो तो दुनिया में न कोई हुई और न कोई है. थोड़े बिदेसी लक्ष्ज तो हर जुवान में आ ही जाते हैं. उन से जवान की बनावट में फरक नहीं आता, वह तो दाल में नमक मसाले का ही काम देते हैं.

अंगरेजो में यह दो भाँतिपन क्यों और कैसे आया ? इस का जवाब इंगलैन्ड की हिस्ट्री देती है किस में पड़ने का यहाँ कोई ज़रूरत नहीं. यह बताना अकरी मालूम होता है कि बौदहवीं सदी से लेकर दशीसवीं सदी तक यानी पाँच सी बरस इन दोनों में एक दूसरे को निकालने के लिये खूब जंग रही लेकिन चली किसी की नहीं. कभी किसी का

خالص بولی۔کھچڑی بولی اور بولی کی دیوار

(بهائی مدن گوپال)

كجه انكريزي ودوانون كا يه خيال درست معاوم عونا هر که ایک انگریز کے لئے انگریزی سیکیٹا زیادہ مشکل ہے به نسبت ایک جرمن یا فرانسیسی کے لیے جرمن يا فرانسهسي سيكهنا ، وجه يه يعاثي جاتي هـ كه فرانسيسي ؛ اسهيده أور إثالهن روماني زبانهن هين جن کی جزیں اکثر لطینی سے نکلی میں اس لئے اِن بانس کے بہت سے لفظ ایسے هیں جن کی جو وهی هولے کے کارن اُن سب لفظین کا جو اُس جو سے نکلے میں سمجهلا أور ياد كرنا بهت زيادة آسان هي . يهي حال سردُنیدَش عندش اور جرمن کا هے کیونکه أن کے اکثر غظ جرمهنک جروں سے نکلے ہوئے میں اس لئے جب ایک جو سیکھ لی تو' اُس جو میں سے جتلے لفظ اہلی ہولی میں آئے میں اُن کی شکل چونکه آیس میں ملتی جلتی هے اور وہ ایک هی گهرانے کے معاوم هوتے مهن أنهيل سمجهنا اورياد ركهنا مشكل نههل هوتا . انگریزی چونکه ایک کهنچوی بولی هے جس میں اکثر اطینی جوں کے لفظ أور جرمینک جوں کے لفظ عی نهين كافي يوناني لفظ بهي آملي هين اس لئے أنهين جانئے کے لئے یاد داشت پر زیادہ زور ڈالٹا پونا ھے . بالکل خالص بولی تو دنیا میں نہ کوٹی هوٹی اور نہ کوئی ہے ، تهورے بدیسی لفظ تو هر زبان مهن آهی جاتے هيں . أن سے زبان کی بغارت میں فرق نہیں آتا' وہ تو دال میں مک مسالے کا هي کام ديتے هيں.

انگریزی میں یہ دو بھانتی پن کیوں اور کیسے آیا ؟
اس کا جواب انگلیفڈ کی ہستری دیتی ہے جس میں
ہونے کی یہاں کوئی ضرورت نہیں ۔ یہ بتانا ضروری معلوم
موتا ہے کہ چودھویں صدی سے لیکر اُنیسویں صدی تک یعلی
ہانتے سو پرس ان دونوں میں ایک دوسرے کو تکالمے کے لئے
خوب جنگ رھی لیکن جلی کسی کی نہیں ۔ کہی کسی کا

यम 1921 में येदी राजकाशी किनाती शरू हुई, कई र मौलाना से बहुत कुछ मत मेर हुआ. लेकिन मौलाना म भी मिलले उसी पहले की सी मुहब्बत और उतने ही पने पन से मिलते. मेरे दिल में भी मौलाना का अदब र मान बहता बला गया.

सन 1947 में प्रची पंजाब के उजदने के साथ लाध-ना भी उज़ड़ा. मैं भी बेबतन होकर दिल्ली आगया. ली में मौलाना इसरत से मिला. इसारी मुसीवतों 'हाल सुनकर बहुत हमद्दी जाहिर की. बालिद साहब देहान्त की ख़बर सुन कर बहुत दुखी हुए. इस के द मौलाना जब जब दिल्ली बाते मेरे मकान पर जहर ाते और हमेशा मुमसे और बच्चों से मुहब्बत की बातें

24 अप्रैल सन '51 को मैं किसी काम से लखनऊ चा. मौलाना इसरत लखनऊ ठहरे हुए थे. करीब दो ीने से भीमार थे. इलाज हो रहा था. 25 अप्रैल की सबह मौलाना इसरत से मिलने गया. मैंने देखते ही समम या कि अब सच्चे घर की तरक जाने की तैयारियाँ हैं. तास कर के बराबर की चारपाई पर बैठ गया. मौलाना आहिस्ता आहिस्ता अपना हाथ बढ़ाया. उनका हाथ ाने दोतों हाथों में लेकर कुछ रक कर मैंने कहा-"माप याद होगा पहली मरतवा आप सन 1912 में लुधि-ता आए थे. मेरे एक सवाल के जवाब में आप ने फर-या था कि मैं इतना तन्द्रहस्त इस लिये हुँ कि मेरे दिल किसी कोने में मोत का डर बाक़ी नहीं रहा."

मौलाना ने जवाब दिया-"मुमे याद है."

मैंने फिर कहना ग्ररू किया—''एक इनसान इनसानी म के लिये और एक मुसलमान इसलाम के लिये अपनी न्दगी में जो अच्छी से अच्छी जिदमत कर सकता है पने उस में कोई कसर उठा न रक्खी. अल्लाह के यहाँ ती का कोई अमल फजल नहीं जाता. आपको भी इस नेक फल जरूर मिलेगा?"

मीलाना ने कमज़ोर आवाज में जवाब दिया-"इस सबह है."

इस फिकरे के साथ साथ मौलाना की आँखों से आंस ी हो गए. मौलाना का यह जवाब खुदा के खीफ में हवा ा था. ऐसा जवाब एक रूहानी परहेजगार आवसी ही उकता है.

मीलाना इसरत भाजकल की जबान में सच्चे ग्रसल-। और सच्चे कम्युनिस्ट थे. इसी लिये वह किसी श्चित में खप न सके. वह हिन्दुस्तान की राजकाजी बुगी का एक खास बाब (अध्याय) थे. वह एक बहादुर

المن 1921 ميس مهري وأي كلجي وتدكي البوج الواتي . كلى يار موالا بي يهت كنيه مت بهيد هوا . ليكن موالا بوب بھی ملتے اُسی پہلے کی سی مصبت اور اُتلے ہی اله يون سے ملتے مهربے دل ميں يهي مولانا كا أدب اور مان بوهم الحد كها .

سن 1947 میں پورپی بنجاب کے اُجوئے کے ساتھ لدهیاء بهی اجوا میں بھی بے وطن هو کر دائی آگیا . دلی میں مولانا حسرت سے ملا ، هماری مصیبترس کا حال سن کو بہت هددردی ظاهر کی ، والد صاحب کے دیہانت كي خير سلكر بيت دكهي هواء . إسكم بعد مولانا جب جب دئی آتے میرے متان پر فرور آتے اور هدیشه مجه سے أور بحول سے محصت کی باتیں کرتے .

24 اپريل سن 51' كو مين كسى كام سے لكهاؤ يهونجا . مولانا حسرت لكهاؤ تهورے هرئے تھے . قریب دو مهیلے سے بیمار تھے . ملاج دو رها تھا . 25 اپریل کی صنح میں موانا حسرت سے ملنے گیا میں نے دیکھتے ھی سبعه لها كم أب سجع كهر كي طرف جائے كي تهارياں ههى . سلم کرکے برابر کی چار پائی پر بیٹھ گیا ، مولانا نے آھستہ آميسكم أيلنا هاته بوهايا . أن كا هاته أفي دونون هاتهون مدو . للے کو کنچھ رک کر میں نے کہا ۔۔'' آپ کو یاد ہوگا پہلی مرتبه آپ سن 1912 مهن لدهیانه آئے تھے، مهری ایک سوال کے جواب میں آپنے فرسایا تھا که میں اتفا تلدرست اُس لگے موں کا مہرے دل کے کسی کونے میں موت کا در **يائي** نهين رها ."

مراتا نے جراب دیا ۔ " مجھے یاد ھے ."

مهس نے پہر کہنا شروع کیا -- ایک انسان انسانی قیم کے لئے اور ایک مسلمان اسلم کے لئے اپنی زندگی میں جو الجميس اجمى خدمت كو سكتا هے آپ لے أسمين كوئى كاسر أتها نه ركهي . ألله كے يہاں كسى كا كوئى عمل فضول البهن جاتا ، آپ کو بھی اِس کا نیک پھل ضرور ملے کا ، ''

مولانا نے کمزور آراز میں جواب دیا۔۔۔'' 🌦 میں

اس فقرے کے ساتھ ساتھ مولایا کی آنکھوں سے آنسو نجاری موالی ، مولانا کا یہ جواب شدا کے گوف میں قوبا هوا تها ، ایسا جواب ایک روحانی پرهیزگار آدمی هی دی

مولانا حسرت آجکل کی زبان میں سچے مسلمان أور سبعي كمهونسك تهي أسى لله ولا كسي جماعت مين کھیں نے سکے وہ ہلدستان کی راب کابھی زندگی کا ایک خاص باب (الحمائے) تھے۔ وہ ایک بہادر

(153)

जवाब मिला—"मेरे दिल के किसी कीने में मौत का कर नहीं रहा. शहीब होने का शौक बदता जा रहा है. सब मुशिकतों से गुजर चुका हूँ. अब एक फाँसी रह गई है. इस के लिये अपने को हर वहत तैयार पाता हूँ."

यह जुमले मौलाना की जबान से बहुत ही क़ुद्रती की सीर सीधे सादे हंग से निकते. मेरे लिये इन जुमलों में बहुत कुछ था. इन से मेरे दिक व दिमारा पर जो असर होना चाहिये था वही हुआ.

"इस बन्नत आप का माहाना खर्च क्या है ?"

"सिर्फ पाँच रुपए माह्बार में मैं अपनी जिन्द्गी अच्छी तरह गुजार सेता हूँ. जिन्दगी की जरूरतों को कम से कम कर दिया है."

मेरे वालिद साहब कानपुर में तालीम के लिये ठहरे हुए भे. इसी जमाने में मौलाना इसरत से इन का गहरा मेल जाल होगया. वालिद साहब से मोलाना इसरत की जिन्दगी के हालात सुनने का अकसर मौका मिला.

एक दिन वालिद साहब कहने लगे कि हसरत की तरह विक्या गुजारने वाले आदमी बहुत हो कम होंगे. एक सफर में मेरा उन का साथ हुआ. मेरे साथ घर का बना खाना था जो तीन चार आदमियों के लिये काफी था. बोपहर के वक्ष्य मैंने खाना निकाला और मौलाना हसरत से खाना खाने के लिये कहा. उन्होंने इनकार कर दिया. जब मैंने बहुत जिद की तो कहने लगे—"भाई! मैं कई वरस से खागातार रोजे रखता हूँ. मैं जिस रास्ते पर चल रहा हूँ खसकी हर तकली क बरदाशत करने के लिये जिस्म को आदी खाना है."

बालिय साहब ने बताया कि मौलाना हसरत का यह जमत क्ररीब बीस बरस जारी रहा और जहाँ तक हो सकता था कोई न कोई बहाना लेकर उसे साथियों और होस्तों से छिपाते थे.

मौलाना इसरत अलीगद से एक रिसाला 'उरदू-ए-मुझल्ला' निकालते थे. उन हिनों मौलाना के पास इतना रुपवा न था कि नौकर रख कर काम कराते, इसलिये मौलाना जुद और उनकी बेगम साहिबा और उन का एक सायक शागिई तीनों मिल कर प्रेस की हैंड मशीन चलाते थे, खुद ही पत्थर जमाते थे और पैक करके डाक जाने पहुंचाने तक के सब काम खुद ही करते थे. इसी परचे से आप की रोजी थी.

मौलाना इसरत का वालिद साइव से को सम्बन्ध था इसकी विना पर में अकसर मौलाना से मिलता रहा. इर बार मुलाक्षात के बाद जब लौटा तो बहुत कुछ ले कर نہیں رہا ، شہید ہونے فل کے کسی کوئے مہی موت کا گر نہیں رہا ، شہید ہونےکا شرق بوهتا جا رہا ہے ، سب مشکلوں سے گذر بچکا ہوں، آبایک پہانسی رہ گئی<u>ہے</u>، اسکے لئے آبے کو ہر وقت تیار پاتا ہوں ۔''

یہ جملے مولانا کی زبان سے بہت ھی قدرتی اور سہدھے سادے ڈھلگ سے نکلے ، مہرے لئے اُن جملوں میں بہت کچھ تھا ، اُن سے مہرے دل اور دماغ پر جو اثر ھونا چاھئے تھا وھی ھوا ،

الس وقت آپ کا ماهانه خرب اها هے ؟"

'' صرف پانچ روپے ماهوار میں میں اپنی زندگی چھی طرح گذار لیتا هوں ، زندگی کی ضرورتوں کو کم سے کم در دیا ھے ۔''

ميورے والد صاحب كانهور مهل تعاهم كے لئے تههرے هوئے تهے ، أسى زمانے ميں مولانا حسوت سے أن كا كهرا مهل جول هوئيا ، والد صاحب سے مولانا حسوت كي زندگى كے حالات سلنے كا أكثر موقع ملا ،

ایک دن والد صاحب اجنے لئے که حسرت کی طرح زندگی گذارنے والے آدائی بہت هی دم هوائئے ۔ ایک سفو مهی میرا آن کا سانه هوآ ۔ میرے ساته کهو کا بنا کهانا تها جو تهین چار آداموں کے لئے کافی تها دوبهو کے وقت میں نے کہانا نکالا اور مولانا حسرت سے کهانا کهانے کے لئے کہا ۔ انہوں نے انکار کر دیا ، جب میں نے بہت ضد کی تو کہنے انہوں نے انکار کر دیا ، جب میں نے بہت ضد کی تو کہنے لئے سائی اردوزے رکھتا ہوں ، میں جس راستے پر چل رہا ہوں اسکی ہر تکاہف مور اسکی ہر تکاہف برداشت کرنے کے ائیے جسم کو عادی بنانا ہے ۔''

واند صاحب نے بتایا کہ مولانا حسرت کا یہ عمل قویب پیس برس جاری رہا اور جہاں تک ہوسکتا تھا کوئی نہ کوئی بھانہ لیکر اسے ساتھوں اور دوستوں سے چھیاتے تھے ،

مولانا حسوت علی گذاه سے ایک رسانہ ' أردرئے معلی ' نکائیے تھے ۔ أن دنوں مولانا نے پاس اتفا روپیم نم تما کم نوکر رکھکر کام کراتے' اس لئے مولانا خود اور أن کی بھگم صاحبہ اور أن کا ایک لائق شاگرد تھلوں ملکو پریس کی ھیلڈ مشین چاتے تھے اور پیک میلڈ مشین چاتے تھے اور پیک کرکے قافتہ نے پہونچانے تک کے سب کام خود هی کرتے تھے ۔ اسی پرچے سے آپ کی دوزی تھی ۔

مواتنا حسرت کا رالد صاحب سے جو سمبندھ تھا اُسکی بند پر میں اکثر مواتنا سے ملتا رہا ، عربار ملقات کے بعد جب لوٹا ،

many the second of the second

मौलाना इसरत मोहानी से मुलाकात

(भाई मौलाना इबीबुर्रह्मान लुधियानवी)

महीना तो याद नहीं. सन 1912 की एक सुबह को केसीने दरवाजा खटखटाया. मैंने फौरन दरवाजा खोला. नेरे सामने एक बाइज्जत इनसान जिसके चेहरे पर मतानत, तनजीदगी और परहेजगारी के आसार दिखाई देते थे । हुत ही सादा मगर साफ सुधरे जिंबास में खड़ा था.

"आप का इस्म शरीफ (शुभ नाम) ?"

"फजलुल इसन."

''सैयद फजलुल इसन इसरत ?"

"जी हाँ."

मौलाना इसरत से मेरी यह पहली मुलाकात थी.

मैंने कौरन दो मनिष्णली मसिजद कर वह कमरा जिस में रेरे वालिद साहब रहते थे खोल दिया और मौलाना हसरत हो इसी कमरे में ठहराया.

उस जमाने में मौलाना हसरत बहुत ही खतरनाक आइमी सममे जाते थे, इस लिये अंगरेज सरकार की तरक से सी. आई. डी. के दो आदभी हर बक्तत मौलाना की निगरानी और देख भाल के लिये रहते थे.

मौताना को अपने मकान पर देख कर मुक्ते कितनी जुशी हुई इसका क्या कोई अन्दाजा कर सकता है! रसमी बात चीत के बाद मैंने पूछा—"क्या आप के लुधियाना तशरीक लाने का मकसद सिर्क किवला बालिद साहब से मुलाकृत करना है या कुछ और भी ?"

इन्होंने जवाब दिया—''श्रंगरेजी माल के हिन्दुस्तान में बाइकाट की तहरीक चलाना चाहता हूँ. इस सिलसिले में हिन्दुस्तान के चलमा से फतवा लेने के लिये एक मसीदा तैयार किया है. इस बक्षत देवबन्द से था रहा हूँ. इस फतवे पर देवबन्द में सिर्फ शैखुल हिन्द मौलाना महमूदुल इसन ने दस्तखत किये हैं. आप के वालिद साहब से दस्तखत लेने के लिये लुधियाने आया हूँ."

चन दिनों वालिद साहब लुधियाना न थे इसलिये कतवा

पर उनके दस्त खत न मिल सके.

मौलाना डेढ़ दिन लुधियाना ठहरे. उनके इस क्रयाम का मेरी तबीयत पर बहुत असर पड़ा और इस बोड़े से अरसे में मुल्की और मजहबी हालात पर उन्होंने मुक्ते बहुत कुछ बताया.

मौलाना के रवाना होने से थोड़ी देर पहले हिम्मत कर के मैंने पूछा—"आप की तन्दुरुस्ती इस कृदर अच्छी कैसे हैं ?"

مولانا حسرت موهانی سے ملاقات .

(بهائي مولانا حبيب ألرحمان لدههانوي)

مہیدہ تو یاد نہیں ۔ سن 1912 کی ایک مجمع کو گسی نے دروازہ کھٹایا ، میں نے قوراً دروازہ کھولا ، میرے سامنے ایک باعزت انسان جسکے چہرے پر متانت سنجیدگی اور پرھیزگاری کے آثار دکھائی ہیتے تھے بہت ھی سادہ مگر ماف ستھرے لباس میں کھڑا تھا ،

" آیکا اِسم شریف (هجه نام) ؟"

" فقل التعسن ،"

" سهد فقل ألحسن حسرت ؟"

¹⁷ جي ها*ن* ."

مولانا حسرت سے مدري يك پہلى ماقات تهى .

میں نے قوراً دومئزلی مستجد کا وہ کمرہ جس میں میرے والد صاحب رہتے تھے کھول دیا اور مولانا حسرت کو اُسی کمرے میں تھہوایا ۔

أس زمانے میں مولانا حسرت بہت ھی خطرناک آدمی سمجھ جاتے تھے' اس لئے انکریز سرکار کی طرف سے سی، آئی ، ڈی کے دو آدمی ھر وقت مولانا کی نگرانی اور دیکھ بھال کے لئے رھتے تھے ،

مولانا کو آیے مکان پر دیکھکر مجھے کتنی خوشی هوئی اس کا کیا کوئی آندازہ کو سکتا ہے! رسمی بات چھت کے پعد میں نے پوچھا — '' کہا آپ کے لدھیانہ تشریف لانے کا مقصد صرف قبلہ والد صاحب سے ملاقات کرنا ہے یا کچھ

انہوں نے جواب دیا ۔'' انگریزی مال کے هندستان میں ہائیکات کی تصریک چانا چاهتا ہوں ، اس سلسلے میں ہائیکات کی تصریک چانا چاهتا ہوں ، اس سلسلے میں هندستان کے علما کے فتوں لینے کے لئے ایک مسودہ بھار کیا ہے ، اس وقت دیو بند سے آرما ہوں ، اس فتوں نے وہ دیو بند میں صرف دیم آلیا مولانا مصمودالحسن نے میں علم کئے میں ، آپ کے والد صاحب سے دستخط لینے میں گو لئے لدعیانے آیا ہوں ''

أن دنون والد صاحب لدعهانه نه ته اسليَّ فتوي هو

ال کے دستخط نہ مل سکے .

مولانا قیرہ دن لدھیانہ تھہرے ۔ اُن کے اِس قیام کا میری طبیعت پر بہت اثر پڑا اور اس تھوڑے سے عرمے میں ملکی اور مذھبی حالت پر اُنھوں نے مجھے بہت میجھے بہت کیچھ بتایا ۔

مولانا کے روانہ ہوتے سے تھوڑی دیر پہلے ہست کرکے میں ا کے پونچھا ۔۔۔'' آپ کی تقدرستی اس قدر اچھی کیسے ۔ نائی ہونچھا ۔۔۔'' آپ کی تقدرستی اس قدر اچھی کیسے

वर्दी पहने टालैरको में घम रहे थे. वह नई नई खीक देख रहे थे. इसरे दिन इनके एक दल ने "अपने" लेखक के दर्शन करने का निश्चय किया. उन लोगों ने अपने आने की खबर गोर्की को पहले से नहीं दी थी . रूसी माई चारे के मताबिक यह बात एकटम साफ थी कि उनका लेखक उनका स्वागत करेगा ही. उन्होंने ठीक ही सोबा था. जब वह लोग आए तो गोर्की ने उनका स्वागत किया और अन्दर ले गए. इसरे दिन गोर्की ने मुमे हँसते हुए सुनाया कि इन लोगों ने (जिनकी सेवा गोर्की के लिये सब से बड़ी चीज थी) इन्हें हैरान कर डाला. घर में घुसते घुसते उन्होंने पूछना शक किया- "आप यहां कैसे रहते हैं ?" "आपके रहने का हंग एक दम बुर्जेच्या है-चौर फिर आप रूस क्यों नहीं चलते ?'' गोर्की को इस सब की जवाबद्ही करनी पड़ी. असल में यह सीधे सादे भोले भाले लोग उतने कठोर नहीं थे जितना कि वह दिखा रहे थे. उन लोगों ने आराम से चाय पी, बात चीत की और बलते वक्रत एक एक करके गोर्की के गले लगे. यह घटना अचरज भरी चीज थी. गोर्की इस नई पीढ़ी के भोले पन से मुख हो गए थे. इन लोगों की बेतक-एलुकी से उन्हें जरा भी परेशानी नहीं हुई, वह बार बार कह रहे थे-"हम लोगों की दुनिया में कितना फरक था ! या तो हम लोग डरपोक होते थे या बेरहम. लेकिन आत्मविश्वास तो नाम को भी नहीं था." और जब मैंने कहा-"मेरे स्वयाल में आपकी सबसे बड़ी इच्छा उनके साथ ही चले जाने की थी." तो नन्होंने मेरी और देखा और कहा- "ब्राप ने कैसे जान लिया? सचमुच आखीर तक मैं सोच रहा था कि मैं कितावें, काराज वरौरा सब कुछ छोड़ छाड़ कर इन जवानों के साथ पंद्रह दिन के लिये चला जाऊं. इससे मुक्ते मालम हो जाता कि कुस अब क्या है. दूर रहने से आदमी अपनी समसे अच्छी चीज को भूत जाता है और हममें से किसी ने निर्वायन (जलावतनी) में कोई भी काम की चीज नहीं निस्वी."

अनुलादक-प्रकाश चन्द्र चतुर्वेदी

तमाम सोना

(भाई नष्म आफ्रन्दी)

माया माटी है और लोना है तू, संसार की हाट में खिलौना है तू.

सममा ही नहीं भापको मूरख लोभी, बाहर भीवर वमाम सोना है तू.

ووهن يبطر ڈالهنگو سين ايور روزني. ولا لکر لکي جهزين فيکه ره ته دوسر دن أن كاليك دل له "اله" ليكيك ك دوهن کرنے کا نشجے کیا ، أن لوگوں نے آنے کی خبر گررکے کو پہلے سے نہیں دی تھی روسی بھائی چارے کے مطابق یہ بات ایک دم صاف تھی کھ اُن کا ایکھک اُن کا سوالت کرے گا ھی . آنہوں نے تھیک ھی سوچا تھا ، جب وہ لوگ آئے تو گورکی نے اُن کا سواکت کھا اور اُندر لے گئے . دوسرے دن گورکی نے منجھے منستے - مولے سنایا که اِن لوگوں نے (جانکی سهوا گورکی کے لئے سب سے بوی چھڑ تھی) اُنھیں حهران کو قالا . گهر میں گهستے گهستے آنهوں نے یوچهنا شروع کیا ۔ '' آپ یہاں کیسے رہتے ہیں ؟'' " آپ کے رمنے کا دھنگ ایک دم برژوا ہے - اور پھر آپ روس کھوں نہوں چلتے ؟ ن گورکی کو اِس سب کی جوابدھی کرنی پڑی ، اصل میں یه سیدھے سادے بهولے بهالے لوگ أُنف كتبور نهين ته جتما كه وه دكها رقع ته. أن لوكوں نے آوام سے چائے ہی' بات چیت كى أور چاہے وقمت ایک ایک کرکے گورکی کے گلے لکے یہ کوشفا اچرج بھری چیز تھی ، گورکی اِس نکی پیوھی کے بھولے ہیں سے مگدھ ھوگئے تھے۔ اِن اوکوں کی بے تکلفی سے اُنھیں ڈرا بھی پریشانی نهیں هوئی، وه بار بار که رهے تھے۔ او هم لوگوں کی دنیا میں کننا فرق تها! یا تو هم لوگ ةرپوک هوتے اتھے یا ہے رحم ، لیکن آتم وشواس تو نام کو بھی نہیں تھا ۔'' اور جب میں نے کہا ۔۔" میرے خیال میں آپ کی سب سے بوس اِچھا اُن کے ساتھ ھی چلے جانے کی تھی'' تو أنهوں " نے میری اور دیکھا آور کہا ۔۔۔" آپ نے کیسے جان لیا ؟ سیم میم آخیر تک میں سوچ رہا تھا کہ میں کتابین کافذ وفیره سب کچه چهور چهار کر اِن جوانوں کے ساتھ بندرہ دن کے لئے چلا جاؤں . اِس سے محجمے معلوم هوجاتا که روس أب كيا هے . دور رهنے سے آدمی أيلي سب سے اچھیچیز کو بھول جاتا ہے اور هم میں سے کسی نے نروأسي رجلا وطلي) مهن كولي كلم كيچهز نههن لكهيُّ.

انووادك - پركاش چندر چترويدى

قمام سونا (بهائی نجم آنلدی) مایا مائی هے ارر لونا هے تو' سنسارکی هات میں کهلونا هے تو۔ سمجها'هینہیںآپکومورکه لوبهی' یاهر بهیتر تمام سونا هے تو۔

गाफी शंकने वाला, भोकी या जावारा समस सकता था. बह पूरी तरह रूसी 'मामुक्ती आदमी' थे. रास्ते में कोई भी जनकी तरक बिना ध्यान दिये और बिना कोई खास बात देखे निकल जा सकता था लेकिन आमने-सामने बैठ कर मात चीत करने पर मालूम हो जाता था कि वह कीन हैं. अन जाने में ही वह अपनी कहानियों के पात्र (किरदार) के साथ सहज ही घल-मिल जाते थे. एकबार उन्होंने एक बढे श्रावमी का हाल सुनाया और उनकी बात का तरजुमा होने के पहले ही उस बुढ़े की पूरी शकत मेरे सामने आ गई. यह कुबड़ा, थका हुआ बूढ़ा उन्हें यात्रा के समय मिला था. आप ही आप गोर्की का सिर आगे को अक गया, कंधे भी जैसे बोम से मुक गए और वह आँखें, जो अभी तक चमक रही थीं, उनमें थडान आगई. आवाज भी लड़खड़ाने लगी. अनजाने में ही गोर्की वह बढ़ा बन गए. कौरन ही कोई हँसी की बात आई तो गोर्की ठट्टा मार कर हँसने लगे. उन का चेहरा फिर से चमकने लगा, जब वह गांव और जनतां के बारे में बात बीत करते तो उन्हें बड़ा धानन्द आता था. इनकी हर एक बात, हरेक चीज सरल **भौर** स्वाभाविक थी. उनकी चालढाल, बैठने का ढंग, हँसी वरौरा सब कुछ ! एक देन शाम को उहोंने पुराने रूसी सिपाही का भेस बनाया, हमर में एक तलवार जटका ली और उनकी आँखें कोई श्रास चीज देखने लगीं; भवें तन गई; चाल में तेजी आगई. ोकिन एक छन बाद यह भेस हटाते ही बच्चों की तरह ।धर खिलखिलाहट उनके चेहरे पर खेलने लगी. उनके प्रन्तर श्राचरज भरी शक्ति थी. शरीर विज्ञान के सारे बंधन ोड़ कर वह केवल एक फेफड़े के सहारे जिन्दा रहते थे. उन वे पनाह इच्छा शांक्ति थी और अपना फर्ज पूरा करने की ाभिलाशा ही उन्हें जिन्दा रखती थी. रोज सुबह वह अपने न्तर अक्षरों में अपने नावेल का हिस्सा लिखते थे और कहीं सवालों के जवाब देते थे जो उन के देश के नए लेखक ीर काराकती खतों के जरिये पूछते थे. उनके साथ रह कर के रूस का तरजबा हुआ, बोलशेविक रूस का नहीं, पुराने स का भी नहीं, बरिक रूस की महान ताक्रतवर जनता । इन दिनों वह पूरी तरह से किसी फैसले पर नहीं पहुँच ए थे. पुराने क्रांतिकारी होने के नाते उन्हें क्रांति की कांचा थी; वह लेनिन के मित्र थे, फिर भी पूरी तरह से र्री में शामिल होने से भिमक रहे थे. लेकिन उन्हें सदा ाँ की चिन्ता सगी रहती थी.

संजोग से मुफे एक ऐसा सीन दिखाई दिया जो रूस की फाँकी था. इससे उनके मन की खींचातानी की तस्बीर मेरे सामने आगई. उन दिनों पहला रूसी जि नेपस्स के बन्दरगाह पर लगा था. जवान जहाजी होंने परिद्य की दुनिया कभी नहीं देखी थी अपनी

وي هانكلي والا موچى يا آواره سبعه سكفا تها . وه يوزي المان المسولي آدمی تھے ، راستے میں کوئی المی المان ال كرني ير معلوم هو جانا تها كه ولا كون هين . أن جاني میں هی وہ ایدی کہانہوں کے پاتر (کردار) کے ساتھ سہم ھی کہل مل جاتے تھے . ایک بار اُنھوں نے ایک بوڑھے آدسی کا حال سدایا آرر اُنگی بات کا ترجمه هولے کے پہلے ھی اس ہورہے کی ہوری شکل مھرے سامنے آگئی . یہ کہوا، تھکا ہوا ہوڑھا اُنھوں یاترا کے سے ملا تھا ۔ آپ هي آپ گورکي کا سر آئي کو جهک گيا . کنده بهي جیسے برجہ سے جهک گئے آور وہ آنکهیں' جو ایهی تک چمک رهی تهین أن سین تهكان آلكنی. آواز بهی لوکھوائے لکی ، ان جانے میں ھی گورکی وہ بوڑھا بن گئے۔ فوراً هی کوئی هفسی کی بات آئی تو گئے کا تعلقہ کارکر هفسنے لکے اُن کا چہرہ بھر سے چهم کرتے تو انهیں بوا آندد آنا تها . اُنکی هر ایک باس مر ایک چیز سرل اور سوابهاوک تهی . أنكی چال تعال بيتها كا دهاك منسى وفيره سب كجه ! ايك دور شام کو اُنھوں نے پرانے روسی سیاھی کا بھھس بغایا، كسر مين أيك تلوار للكالى أور أنكى أنكهين كوئى خامى چيز ديمها لكين؛ بهوس تن كلين؛ چال مين تهزي آئدي. ليكن ايك چهن بعد يه بهيس همات هي بهرس کی طرح مدهر کهلکهالعت أنکے چهرے یو کهیلئے لعی . ألكم أندر أجرج بهری شكتی تهی . شرير وكهان کے سارے بلدھن تورکر وہ کھول ایک پھیپھوے کے سہارے إندا رمتے تھے أن ميں بے بناہ اِچها شكتى تهى أور آیدا قرض پیرا درنے کی ابھیلاشا می انھیں زندہ رکھتی فهي . روز صبع ولا أنهِ سلدر اكشرون مين أنهِ ناول كا عصم لکھتے تھے آور سیکورں سوالوں کے جواب دیتے تھے جو ان ہے دیمی کے نئے لیکھک آور کارکرتا خطوں کے في يع يوجها ته أنك ساته رهكر مجه روس كا تصریم هوا بولشیوک روس ا نهین پرانے روس کا بھی المهدر المكه روس كي مهان طاقت ور جدما كا . أن فالوں وہ پوری طرح سے اسی فیصلے پر نہیں پہلے ہائے تھے، پرانے کرانتکاری ہونے کے ناتے انہیں کرانتی کی آئیسا تھی؛ وہ لیلن کے متر تھے؛ پہر بھی پوری طرح سے ارتانی میں شامل ہونے سے جمجہک رہے تھے، لیکن أَلْهُهُن سدا وهان في جلتا لكي رهتي تهي .

سلتھوگ سے منجھے ایک ایسا سین دکھائی دیا جو ایک روس دیجھائتی تھا ۔ اِس سے اُن نے من کی کھھلتھا گائی دکی پرری تصویر مھرے ساملے آئڈی ۔ اُن دنوں پہلا ہوائی جہاز نیپاز کے بلدرگاہ پر لٹا تھا ۔ جوان جھازی جلوں نہیں دیکھی تھی اُپلی جلوں نہیں دیکھی تھی اُپلی

養養文化 1 11111

12. हैदराबाद (जागीरों का अन्त) क्रायदा, 1358 फसली (1358 फसली का नम्बर चनहत्तर)

13. हैदराबाद जागीर (मुखाबजा) कायदा, 1359 फसली (1359 फसली का नम्बर पच्चीस)."

Proprietor:—मानिक
Sub-proprietor:—उप-मानिक
Under-proprietor:—नायब-मानिक
Intermediary:—बिचौितया
Tenure:—पट्टा
Conversion:—बदलाव
'Alienation of land:—जमीन दूसरे के नाम
कर देना.

Commutation:—मुञावजा

1. حيورايات (جاليوس كا أست) لامدة 1858 (1368 فصلي كا نسبر أنهتر).

1. حيدرآباد جاگهر (ممارضه) قامده 1359 (1359 فصلي كا نمبر پنچيس)"

مالك --: Proprietor

آپ مالک :-: Sub-proprietor

نائب مالک -: Under proprietor

Intermediary:-- بجرایا

يته -- Tenure

بدلاء --: Conversion

اسرے کے نام کر دینا --: Alienation of land

معارضة --: Commutation

गोकीं की एक भलक

(लेखक स्टीफन जिवग)

क्स से बापस आते वक्षत जो सबसे की मती चीज मैं आपने साथ जाया वह थी गोर्की के साथ दोशी, जिनसे पहली बार मास्कों में ही मुजाकात हुई थी. एक दो साल बाद मैं उनसे सौरेन्टों में मिला जहां वह अपनी तन्दुकरती सुघारने के जिये गए हुए थे. इस बार उनका मेहमान होकर तीन कभी न भूजने वाले दिन विताने का सौभाग्य मुक्ते मिला.

इस मुलाकात का भी एक दिल चस्प पहलू था. गोर्की कोई
विदेशी भाशा नहीं जानते थे और मैं रूसी भाशा नहीं
जानता था. इसकी बजह से होना तो यह चाहिये था कि
था तो हम दोनों एक दूसरे के सामने मूर्ति की तरह चुप
बाप बैठे रहें या बात चीत करें तो अपनी मित्र मैरी
बुढ़कां की मारफत जो दुभाशिए या तरजुमान का काम
करती थीं. गोर्की दुनिया के साहित्य के सबसे महान कहानी
कार थे. कहानी उनके लिये केवल कला ही नहीं थी बल्कि वह
उनके समूचे जीवन की आईना भी थी. वह जिन्दगी से भरे
पुरे थे और अपनी रचनाओं के साथ एक रूप हो जाते थे
इसकिये उनकी भाशा जाने बिना ही धनकी बात उनके
बेहरे से समम में जा जाती थी. वह पूरी तरह से फसी' थे.
इस भाव को दूसरे शब्दों में नहीं कहा जा सकता. उनकी
शाक्त में कोई भी चीज ऐसी नहीं थी जो दूसरों को अपनी
वरफ खींचे. कोई भी इस लम्बे आदमी को मजदूर, किसान,

گورکی کی ایک جهلک (لیمهک استینن زویک)

س سے واپس آتے وقت جو سپ سے قیمتی چیز پے ساتھ لایا وہ تھی گورکی کے ساتھ دوستی' جن سے بار ماسکو میں ھی ملاقات ھوٹی تھی ، ایک دو ھد میں اُن سے سورینٹو میں ملا جہاں وہ اُپنی سدھارنے کے لئے گئے ھوٹے تھے ، اِس بار اُن کا ھوکر تین کیھی نہ بھولنے والے دن بتانے کا محصے میل

مالقات كا بهى أيك دانچسپ دِمِلُو تَهَا . كُوركي دیشی بهاشا نہیں جانتے تھے آور میں روسی بهاشا مائتاً تها . اسكى وجه سے عونا تو يه چاهك تها و هم درنوں ایک درسرے کے سامنے مورثی کی طرح چاپ بیتم رهیں یا بات چیت کریں تو اپنی ری روتورگ کی معرفت جو دو بهاشکے یا ترجمان ئی تھیں . گورکی دنیا کے ساعتیہ کے سب سے کھانی کار تھے، کھانی آکے لئے کھول الاھی هي بلكه وه أنكي سموجي جهون كي أثيثه بهي تهي . س سے بھرے ھررے تھے آور اینی رچناؤں کے ساتھ ب دو جاتے تھے . اللئے أنكى بهاشا جانے بناهى ات أنكم جهرم سے سمنجه ميں آجاتي تهي . ا طرم سے 'روسی' تھے ، اِس بہاو کو دوسرے شیدوں مهن الها جاسكتا . أنكى شكل مين كوثى يهى سی تهیں تھی جو دوسروں کو ایلی طرف . کوئی بهی آس لمهم آدامی کو مزدور کسان

12. दुझा 372 में सुधार— विधान की दुका 372 की धारा (3) की चप-धारा (प) में, "दो बरस" शब्दों की जगह "तीन बरस" शब्द रख दिये जायंगे.

13. दुक्ता 376 में सुधार— विधान की दका 376 की धारा (1) के धन्त में, नीचे किसी शब्द जोड़े जायंगे, यानी:—

"कोई ऐसा जज, इस बात के रहते भी कि वह भारत का नागर नहीं है, उस हाई कोर्ट का सरजज या किसी दूसरे हाई कोर्ट का सरजज या कोई दूसरा जज नियोजे जाने का का पात्र होगा."

14. नवीं पट्टी का जोड़ा जाना—विधान की भाठवीं पट्टी के बाद, नीचे लिखी पट्टी जोड़ दी जायगी यानीः—

"नवीं पट्टी

[दका 31 बी]

- 1. बिहार जमीन सुधार ऐक्ट, 1950 (1950 का बेहार ऐक्ट नम्बर तीस).
- 2. बम्बई पट्टादारी और काश्तकारी खमीन ऐक्ट, 948 (1948 का बम्बई ऐक्ट नम्बर सरसठ).
- 3. बम्बई मालकी पट्टा अन्त ऐक्ट, 1949 (1949) बम्बई ऐक्ट नम्बर इकसठ).
- 4. बम्बई तालुकदारी पट्टा अन्त ऐक्ट, 1949 (1949 । बम्बई ऐक्ट नम्बर बासठ).
- 5. पंचमहाल मेहवासी पट्टा अन्त ऐक्ट, 1949 1949 का बम्बई ऐक्ट नम्बर तिरसठ).
- 6. वन्वई खोटी अन्त ऐक्ट, 1950 (1950 का वई ऐक्ट, नम्बर छै).
- 7. बम्बई परगना और कुलकरनी वतन अन्त ऐक्ट, 50 (1950 का बम्बई ऐक्ट नम्बर साठ).
- 8. मध्य प्रदेश मालिकाना श्रिषकारों का (मिलिकियतें, लिल, दूखरे के नाम की गई खमीन) अन्त ऐक्ट, 1950 .951 का मध्य प्रदेश ऐक्ट नम्बर एक).
- 9. मदरास मिलकियत (धन्त और रैयतबाड़ी में नाव) ऐक्ट, 1948 (1948 का मदरास ऐक्ट र छुड़ीस).
- 10. मदरास मिलकियत (अन्त और रैयतवाड़ी में हाव) सुधार देक्ट, 1950 (1950 का महरास देक्ट र एक).
- 11. एतर प्रदेश बर्मीदारी अन्त और बमीन सुधार , 1950 (1951 का उत्तर प्रदेश ऐक्ट नम्बर एक).

12. دامه 372 مهن سدهار و وهان کی دامه 378 کی دارا (اے) مهن' " دو 378 کی دارا (اے) مهن' " دو اوس '' شدد رک دائے دائے کی جاتم " تدن برس '' شدد رک دائے جاتم کی جاتم کی د

13 دفعه 376 میں سدھار — ودھان کی دفعه 376 کی دھارا (1) کے انت میں' نیچے لکھے شہد جوڑے جائیں کے' یعنی :—

'' کوئی ایسا چیے' اس بات کے رہتے بھی که وہ بھارت کا ناگر نہیں ہے' اُس ہائی کورت کا سر جیج یا کسی دوسرے ہائی کورت کا سر جیج یا کوئی دوسرا جیج نھوچے جائے کا پاتر ہوگا ۔''

بٹی کے بعد' نیچے لکھی پٹی جور دی جائے گی یعثی:-د بعد' نیچے لکھی پٹی جور دی جائے گی یعثی:-د نویں پٹی

[دنعه 31 بي]

- 1. بهار زمين سدهار ايكت ' 1950 (1950 ك بهار ايكتانيهر تهس) .
- 2. بمبئي پٽه داري آور انشتکاري زمين ايکت 1948 (1948 ع بمبئي ايکت نمبر سرسٽه).
- پممئی مالکی پته انت ایکت '1949 (1949 کا بمبئی ایکت نمبر اکسته).
- 4. بىبئى تعلقدارى يى انت ايكت 1949 (1949) كا يىبئى ايكت نىبر باسته ...
- 5. ينج متعال مهواسى يتم انت ايكت 1949 (1949 كا بمبئى ايكت نمبر ترسته).
- 6. بىبئى كهرتى انت ايكتُ 1950 ، 1950 كا بىبئى ايكت نىبر چە).
- 7. بمثى پرئلة اور كلعرني وطن انت أيكت 1950 (1950 كا بمبئى ايكت نبير ساته).
- 8. مندهیه پردیش مالکانه ادهیکاروں کا (ملکیتیں' محال' دوسرے کے نام کی گئی زمون) انت ایکت' 1950 (1951 کا مدهیه پردیش ایکت نمبر ایک).
- 9. مدراس ملکیت (انت اور رعیت واری میں بدائو) ایکت 1948 (1948 کا مدراس ایکت نمبر بدائو).
- 10 مدراس ملكيت (أنت ارر رميت وارى مين بدلاو) مدراس ايكت نمبر بدلاو) مدراس ايكت نمبر ايك).
- اً 11. أثر پرديش زمينداري انت ازر زمهن سدهار آيكت 1950 (1951 كا أثر پرديش ايكت نمبر ايك)

: चारम्भ में चौर हर सास के पहले इसलास²⁷ शब्द स दिये जायंगे.

- (2) धारा (2) में, "और यह बहस सहन के शीर कामों से पहले हो" शब्द निकाल दिये जायंगे.
- 8. दुङ्गा 174 में सुधार— विधान की दुका 174 ही जगह, नीचे लिखी दुका रख दी जायगी, यानी:—

"174. रियासत की क्रान्न सभा के इजलास, उनका बरख़ास्त होना और उनका भंग होना— (1) रियासत पित समय समय पर रियासत की कानून सभा के सदन को या हर सदन को मिलने के लिये जिस समय भौर जिस जगह ठीक सममेगा बुलाएगा, लेकिन एक इजलास में उसकी भाजिरी बैठक भौर भगले इजलास में उसकी पहली बैठक की जो तारीख ठहराई गई हो उनके बीच है महीने नहीं बीतने पायंगे.

- (2) रियासत पति समय समय पर-
 - (प) सदन को या किसी सदन को बरखास्त कर सकता है.
- (बी) जाम सदन को भंग कर सकता है."
- 9. दफ्रा 176 में सुधार— विधान की दका 176 में,—
- (1) घारा (1) में, "हर इजलास" शब्दों की जगह "आस सदन के हर आम चुनाव के बाद पहले इजलास के आरम्भ में और हर साल के पहले इजलास" शब्द रख दिये जायंगे;
- (2) घारा (2) में, "और यह बहस सदन के और कामों से पहले हो" शब्द निकाल दिये जायंगे.
- 10. दफ्ता 341 में सुधार— विधान की दफ़ा 841 की भारा (1) में, 'किसी रियासत के रियासत पति या राज प्रमुख से सलाह कर के" शब्दों की जगह 'किसी रियासत के बार में, भौर जह वह कोई ऐसी रियासत है को पहली पट्टो के भाग (ए) या भाग (वी) में दर्ज है, वहाँ उस रियासत के रियासत पति या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्द रख दिये जायंगे.
- 11. द्फा 342 में सुघार— विधान की द्फा 342 की धारा (1) में, "किसी रियासत के रियासत पित या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्दों की जगह "किसी रियासत के बारे में, और जहाँ वह कोई ऐसी रियासत है जो पहली पट्टी के भाग (ए) या भाग (बी) में दर्ज है, वहाँ उस रियासत के रियासत पित या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्द रख दिये जायंगे.

کے آرمیم میں اور دو سال کے پہلے اجلاس به شبت رکھ فالد جائیں کے .

- (2) دعارا (2) میں' '' اور یہ بحث سدن کے اور کاموں سے پہلے هو' شبد نکال دئے جائیں گے .
- 8. دنعہ 174 میں سدھار ردھان کی دنعہ 174 کی جگه' نیچے لکھی دنعہ رکھ دبی جائے کی' یعلی: —

" 174. ریاست کی قانون سبھا کے اجلاس' اُن کا برخاست ہونا اور اُن بھنگ ہونا — (1) ریاست پتی سے سے پر ریاست کی قانون سبھا کے سدن کو یا ہر سدن کو ملنے کے لئے جس سے اور جس جگہ ٹھھک سمجھ کا بلائے کا لیکن ایک اجلاس میں اُسکی آخری بھٹھک اور اگلے اجلاس میں اُسکی پہلی بھٹھک کی جو تاریخ ٹھیرائی گئی ہو اُن کے بھی جھ مہینے نہیں بھٹنے پاٹیں گے .

- (2) ریاست یتی سے سے پر
- (اے) سدن کو یا کسی سدن کو پرخاست کر سکتا ہے۔
 - (بی) عام سدن کو پہنگ کو سنتا ھے ."
- (1) دھارا (1) مھن' ' ھر اجائس '' شہدوں کی جگھ '' عام سدن کے ھر عام چااؤ کے بعد پہلے اجائس کے آرمیہ میں اور ھر سال کے پہلے اجائس '' شبد رکہ دئے جائیں گے '
- (2) دھارا (2) مھن' " اور یہ بعث سدن کے اور کاموں سے پہلے ھو ''شہد نکال دئے جاٹھں گے ،
- 10. دفعہ 341 میں سدھار -- ودھان کی دفعہ 341 کی دفعہ 341 کی دھارا (1) میں' '' کسی ریاست کے ریاست پتی یا راج پر مکھ سے صلح کوئے '' شبدوں کیجکہ '' کسی ریاست کے بارے میں' اور جہاں ولا کوئی ایسی ریاست ہے جو پہلی پتی کے بھاگ (اے) یا بھاگ (بی) میں درج ہے' وہاں اُس ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمکھ سے صلح کرکے '' شہد رکھ دئے جائیں گے ،
- 11. دفعة 342 میں سدھار ردھان کی دفعة 341 کی دهان کی دفعة 341 کی دهارا (1) میں' '' کسی ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمکھ سے صلح کرکے' شیدوں کی جگه ''کسی ریاست کے بارے میں' اور جہاں وہ کوئی ایسی بیاست قے جو پہلی پتی کے بھاگ (اے) یا بھاگ (یی) میں ادرج ھے' وہاں اُس ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمکھ سے صلح کرکے '' شہد رکھ دئے خاتیوں کے۔

- (बी) "अधिकारी" राज्य में, किसी मिसकियत के सम्बन्ध में, वह सब अधिकार शामिल होंगे जो किसी मालिक, वप-मालिक, नायव-मालिक, पट्टेवार या दूसरे विचीलिया को हासिल हैं, और उसमें जमीन की माल गुजारी के बारे में सब अधिकार था निज नियम शामिल होंगे."
- नई दफा 31बी का जोड़ा जाना-विधान की दका 31 ए के बाद, जिसे धारा 4 से जोड़ा गया है, नीचे तिस्ती दका जोड़ी जायगी, यानी:-
- "31 बी. कुछ ऐक्टों स्त्रीर क्रायदों का सरदुरुस्त ठहराया जाना .--- दका 31 ए के बन्धानों की आमियत में कमी किये बिना, नशीं पट्टी में दर्ज ऐक्टों या कायदों में से किसी को भी या उनके किसी बन्धानों को, इस विना पर कि वह ऐक्ट, कायदा या बन्धान इस भाग के किन्हीं बन्धानों से वे मेल हैं या वह उन अधिकारों में से किसी को छीन लेता है या कम कर देता है जो इस भाग के किन्हीं बन्धानों में दिये गए हैं, न रह समका जायगा और न कभी रह हुआ सममा जायगा और इसके ख़िलाफ किसी अदालत या पंच अदालत का फैसला, डिमी या हुनम होते हुए भी, उन ऐक्टों, और कृ।यदों में से हर एक, किसी अधिकारी कृ।नून समा के इस शक्ति के अधीन कि वह उसे सुधार सकती है या रट्ट कर सकती है, अमल में रहेगा."
- 6. दुन्ना 85 में सुधार---विधान की दुका 85 की जगह नीचे तिस्ती दका रख दी जायगी, यानी:--
- "85. राज पंचायत के इजलास, उनका बरख़ास्त होना श्रीर मंग होना-(1) राजपति समय समय पर राज पंचायत के हर सदन को जिस समय और जिस जगह ठीक सममेगा मिलने के लिये बुलायगा, लेकिन एक इजलास में उस सदन की आखिरी बैठक और अगले इजलात में क्सकी पहली बैठक की जो तारीख ठहराई गई हो, उनके कीच है महीने नहीं बीतने पायंगे.
 - (2) राजपति समय समय पर-
 - (ए) सदनों को या किसी एक मदन को बरखास्त कर सकता है:
 - (बी) लोक सदन को भंग कर सकता है."
 - 7. दुः 87 में सुधार.—विधान की वृक्ता 87 में,—

(1) धारा (1) # "हर इजलास" शब्दों की जगह "बोडसर्म के इर काम चुनाव के बाद पहले इजलास

(بی) " ادهیکاروں " شید میں کسی منگیت کے سبددھ میں وہ سب ادھیکار شامل ہونگے جو کسی مالک کی مالک نائب مالک ہتے داریا درسرے بحولها کو حاصل ههن، اور اُس میں زمین کی مالکذاری کے بارے مير سب ادهيكار يا نبج نهم شامل هونكه ."

5. نئی دنعه 31 بی کا جوزا جایا -- ودهان کی دفعه 31 اے کے بعد ، جسے دھارا 4 سے جورا گھا ھے ، نہجے لکھی دامہ جوری جائے گی' یعنی :--

131 بي. كجه ايكتون أور قاعدون كا سردوست تههرأيا جانا . سدفعه 31 اے کے بندھاس کی عامیت میں کسی كلي بدا نويس بتى مدر درج ايكتون يا قاعدون مدن سے كسى کو بھی یا اُن کے کسی بلدہ آئوں کوا اِس بنا پر که وہ ایکت قامدہ یا بلدمان اِس بھاگ کے کلھیں بادھ نوں سے یے میل ہے یا وہ اُن ادھیکاروں میں سے کسی کو چھین لیتا م یا کم کر دیتا هے جو اِس بهاگ کے کلهیں بلدهانوں میں دائد گلّے میں' نه رد سمجها جائے گا اور نه کبهی رد هوا سمجها جائية كا أور إسكم خلافكسي عدالت يا يغي عدالت كا فيصله' تكرى يا حكم هوت هوئے بهى' أن أيكتوں' أور قاعدوں میں سے هر ایک کسی ادهیکاری قانون سبها کے اس شمعی کے ادمین کر وہ اُسے سدھار سکتی ھے یا رد کر سكتى هے؛ عمل ميں رهے گا ۔''

6. دندة 85 ميل سدهار --- ردهان كي دنعة 85 کی چکه نیسے لکھی دفعہ رکھ دبی جائے گی، یعنی :--

'' 85 . راج پلچایت کے اجلاس' اُن کا برخاست ھونا اور بھنگ ہونا —(1) راج پھی سے سمے پر راج پنجابت کے ہر سدن کو جس سمے اور جس جگه تھیک سمجھے کا ملئے کے لکے بائے کا لهمن ایک اجلاس مهن اس سدن کی آخری بیتهک اور اللے اجلاس میں اُسکی پہلی بیتهک کی جو تاریم قبہرائی کئی ھو' اُن کے بیج چه مہینے نہیں بیتنے

- (2) راج پتی سے سے پر۔۔
- (أے) سدنوں کو یا کسی ایک سدن کو برخاست ک سکتا مے؛
 - (ہی) لوگ سدن کو بہنگ کر سکتا ھے۔''
- 7. دامه 87 میں سدھار .- ودھان کی دامه 87
- (1) دهارا (1) مين " هر اجلاس " شيدون كي جگته 11 لوک سدن کے هر مام چناز کے بعد پہلے اجلاس

(2) कोई कानून जो विधान के आरम्भ से ठीक पहले भारत के भूभाग में अमल में था, और जो इस घारा की उपधारा (1) से सुधारी हुई विधान की दका 19 के बन्धानों से मेल खाता है, सिर्फ इसी बिना पर न रह सममा जायगा, न कभी भी रह हुआ सममा जायगा, कि वह एक ऐसा कानून है जो उस अधिकार को छीन लेता है या कम कर देता है जो अधिकार उस दका की धारा (1) की उपधारा (प) में दिया गया है और जिस के अमल को उस दका की धारा (2) से, जैसी वह शुरू में कानून बनी थी, नहीं बचाया गया था.

समभाव— इस उपधारा में "कानून श्रमत में" शब्दों के वही मानी हैं जो विधान की दका 13 की धारा (1) में हैं.

4. नई दुफ़ा 31 ए का जोड़ा जाना—विधान की दका 31 के बाद नीचे लिखी दक्ता जोड़ी जायगी, और बह हमेशा से जोड़ी हुई सममी जायगी, यानी:—

31 ए. उन कानूनों का बचाव जो मिलकियतों वग़ैरा को हासिल करने का बन्धान करते हैं— (1) हस भाग के, ऊपर लिखे बन्धानों में, किसी बात के रहते भी, किसी भी कानून को जो इस बात का बन्धान करता है कि राज किसी मिलकियत को या उसके बारे में किन्हीं अधिकारों को हासिज कर ले या जो ऐसे किन्हीं अधिकारों को हासिज कर ले या जो ऐसे किन्हीं अधिकारों को ससम कर देने या उनमें अदल बदल कर देने का बन्धान करता है, इस बिना पर रद्द नहीं समका जायगा कि वह कानून इस भाग के किन्हीं बन्धानों से बेमेल है या वह उन अधिकारों में से किसी को छीन लेता है या कम कर देता है जो इस भाग के किन्हीं बन्धानों में दिये गए हैं:

रातें कि जहां वह कानून कोई ऐसा कानून है जिसे किसी रियासत की कानून सभा ने बनाया है, वहाँ उस कानून पर इस दका के बन्धान तब तक नहीं लागू होंगे जब तक कि वह कानून राजपित के विचार के लिये रखा न गया हो और उस पर राजपित की मंजूरी न मिल गई हो.

(2) इस दका में,—

(ए) "मिलकियत" शब्द के, किसी मुकामी छेत्र के सम्बन्ध में, वही मानी होंगे जो उस छेत्र में अमल में जमीन के पट्टों के सम्बन्ध के मौजूदा कानून में उस शब्द के या उसकी बराबरी के मुकामी शब्द के मानी होते हैं, और उसमें हर जागीर, इनाम, या माफी या इसी तरह की दूसरी देनगी भी शामिल होंगी. بھارت کے بھوبھائی میں عمل میں تھا' اور جو اِس دھارا کی اُسدھارا (1) سے سدھاری ھوئی ودھان کی دفعہ 19 کی اُسدھارا (1) سے سدھاری ھوئی ودھان کی دفعہ 19 کے بلدھانوں سے میل کھاتا ہے' صرف اِسی بلاپر نہ ود سمجھا جائے کا' کہ وہ ایک ایسا قانوں ہے جو اُس ادھیکار کو چھین لھتا ہے یا کم کردیتا ہے جو ادھیکار اُس دفعہ کی دھارا ہے یا کم کردیتا ہے جو ادھیکار اُس دفعہ کی دھارا (1) کی آپدھارا (اے) میں دیا کیا ہے اور جسی کے صل کو اُس دفعہ کی کھارا (2) سے' جیسی وہ شروع میں قانوں بنی تھی' نہیں بچایا گھا تھا .

سمجھاؤ — اِس اُپدھارا میں ''قانوں عمل میں'' شبدوں کے وهی معلی هیں جو ودھان کی دفعہ 13 کی دھارا (1) میں هیں .

4. نگی دفعہ 31 اے کا جوراً جانا — ودمان کی دفعہ 31 کے بعد نہجے لکھی دفعہ جوری جائے گی' اور وہ همهشه سے جوری هوئی سبجھی جائے گی' یعنی :--

" 31 اے . اُن قانونوں کا بچاؤ جو ملکیتوں وغیرہ کو حاصل کرنے کا بلدھان کرتے ھیں — (1) اِس بھاگ فی حاصل کرنے کا بلدھان کرتے ھیں نہیں اس کے رهتے بھی، کسی بھی قانون کو جو اِس بات کا بلدھان کرتا ھے کہ واج کسی ملکیت کو یا اُسکے بارے میں کنھیں ادھیکاروں کو حاصل کرلے یا جو ایسے کنہیں ادھیکاروں کو ختم کردینے یا اُن میں آدل بدل کر دینے کا بلدھان کرتا ھے، اِس بنا پر زد نہیں سمجھا جائے کا کہ وہ قانون اِس بھاگ کے کلیں بندھانوں سے یہ میل ھے یا وہ اُن ادھیکاروں میں سے کسی کو چھین لیانا ھے یا کم کر دیتا ھے جو اِس بھاگ کے کنھیں کو چھین لیانا ھے یا کم کر دیتا ھے جو اِس بھاگ کے کنھیں بہاگ کے کنھیں کو چھین لیانا ھے یا کم کر دیتا ھے جو اِس بھاگ کے کنھیں کو جھین لیانا میں دیئے گئے ھیں:

شرطیکہ جہاں وہ قانون کوئی ایسا قانون ہے جسے کسی ریاست کی قانون سبیا نے بنایا ہے؛ وہاں اُس قانون پر اِس دفعہ نے بندھان عب تک نہیں لاگو ہونگے جب تک کہ وہ قانون راج پتی کے وچار کے لئے رکھا نہ گیا ھو اور اُس پر راج پتی کی منظوری نہ مل گئی ہو.

(2) إس دفعة مين⁴

(اہے) '' ملکیت '' شید کے' کسی مقامی چھیتر کے سمبندھ میں' وھی معنی ھونگے جو اُس چھیتر میں عمل میں زمین کے پتوں کے سمبندھ کے موجودہ قانون میں اُس شبد کے یا اُسکی برابری کے مقامی شبد کے معنی ھوتے عیں' اور اُسمیں ھر جائیز' انعام' یا معانی یا اِسی طرح کی دوسری دینئگی بھی شامل ھوں گی ۔

हुई नागरों की किन्हीं जमातों की तरक्की के लिये, या पट्टी दर्ज जातों और पट्टी दर्ज कवीलों के लिये, कोई खास बन्धान करने से राज को नहीं रोकेगी."

- 3. दफा 19 में सुधार और कुछ क़ान्नों का सरदुह्रस्त ठहराया जाना—
 - (1) विधान की दका 19 में, -
 - (ए) धारा (2) की जगह नीचे लिखी धारा रख दी जायगी, और यह सममा जायगा कि उस धारा को हमेशा से नीचे लिखे रूप में क़ातून बनाया गया, यानी:—
- "(2) घारा (1) की उपघारा (ए) की किसी बात का किसी मौजूदा क़ानून के अमल पर वहाँ तक कोई असर नहीं होगा जहाँ तक वह क़ानून राज की सुरचा के, बिदेसी राजों के साथ दोस्ताना रिश्तों के, जन-व्यवस्था के, भलमंसी या सदाचार के, हितों में, या अदालत की तौहीन के, मानहानि के, या किसी जुर्म के लिये उकसाने के, सम्बन्ध में, उस अधिकार से काम लेने पर उचित रकावटें लगाता है जो उस उपधारा में दिया गया है, और न उस उपधारा की किसी बात से राज को कोई ऐसा क़ानून बनाने से रोका जा सकेगा."
 - (बी) धारा (6) में, उन शब्दों की जगह जो "उस उपधारा की किसी बात का" शब्दों के साथ शुरू होते हैं और "कोई ऐसा क्रानून बनाने से रोका जा सकेगा" शब्दों के साथ खतम होते हैं, नीचे लिखे शब्द रख दिये जायंगे, यानी:—

"उस उपधारा की किसी बात का किसी मौजूदा कानून के असल पर वहां तक कोई असर नहीं होगा जहां तक इस क़ानून का सम्बन्ध,—

- (एक) ऐसी पेशे सम्बन्धी या तकनीकी जोगताओं से है जो किसी पेशे को अपनाने, या कोई धन्दा, ब्योपार या कारबार करने के लिये जरूरी हो, या
- (दो) राज के, या किसी ऐसी एकतनी के जो राज की मिलकियत है या इसके दबान में है, किसी ब्योपार, कारबार, ख्योग या सेवा करने से हैं, चाहे वह ब्योपार, कारबार, ख्योग या सेवा नागरों को उस से पूरे तौर पर या इस हद तक झलग रख कर की जाती हो या नहीं,

और न उस उपधारा की किसी बात से राज को कोई ऐसा फ़ानून बनाने से रोका जा सकेगा जिसका सम्बन्ध इन में से किसी से हो." مرائی ماگروں کی کنہیں جماعتوں کی ترقی کے لئے' یا پائی فرج استان اور پتی دوج قبیلوں کے لئے' کوئی خاص بقدهاں اور کے لئے۔'' کوئی خاص بقدهاں اور کے لئے۔''

3 دنعه 19 مين سدهار اور کچه قانونون کا سر درست تههرايا جانا —

(1) ودهان كي دنعة 19 مين'-

(اے) دھارا (2) کی جگه نیچے لکھی دھارا رکھ دی جائے گی' اور یہ سمجھا جائے گا که اُس دھارا کو ھمیشہ سے نیچے لکھے روپ میں قانوں بنایا گیا' یعنی: ۔۔۔

(بی) دھارا (6 میں' اُن شہدوں کی جگہ جو ''اُس اُپدھارا کی کسی بات کا'' شہدوں کے ساتھ شروع ھوتے ھیں اور ''کوئی ایسا قانوں بدانے سے روکا جامکے گا'' شہدوں کے ساتھ ختم ھوتے ھیں' نیچے لکھے شبد رکھ دیئے جائیں گے' یعنی:—

'' آس آپدھارا کی کسی بات کا کسی موجودہ قانوں کے صل پر رھاں تک کوئی اثر نہیں ھوگا جہاں تک آس قانوں کا سمبلدھ'۔۔۔

(ایک) ایسی پیشے سمبندھی یاتکنیکی جوگتاؤں سے مے جو کسی پیشے کو اپنانے یا کوئی دھندا' پیوردار یا کاربار کرنے کے لئے ضروری ھو' یا

(دور) راج کے کہ کہ کسی ایسی ایک تنی کے جو راج کی ملکیت ہے یا اُس کے دیان میں ہے کسی بیویار' کاریار' اُدیوگ یا سیوا کرنے سے ہے' چاہے وہ بیوپار' کاریار' اُدیوگ یا سیوا ناگروں کو اُس سے پورے طور پر یا کچھ حد تک الگ رکھ کر کی جاتی ہو یا نہیں'

اور نے اُس آپنھارا کی کسی بات سے راج کو کوئی آیسا قانون بنانے سے روکا جاسکے کا جس کا سبیندھ اِن میں سے کسی سے ھو۔"

Marioto marie and have been been been a fine of

था सकती थीं. काम की जगहों पर दो महीने से लेकर पाँच बरस के बच्चों के लिये देख भाख संस्थाएँ मुपत बना दी गई. दिन में कई घन्टों की छुट्टी मां को दे दी जाती थी ताकि वह जा कर बच्चे को दूध पिला सके. ऐसे सब वधों को नकदी और कपड़े बगौरा की सहायता सरकार से मिलने लगी.

श्रीरतों को मां बनने के बाद जो कठिनाइयाँ मेलनी पड़ती थीं वह जतम कर दी गई श्रीर उसी के साथ साथ प्रचार के सारे साधनों के जिरिये जनता को शिचा भी दी गई. यह चौथा क़दम था. मां बनने के खिलाफ जो ग़लत धारनाएं बन गई थीं उनका जोरदार ढंग से खंडन किया गया. मां बनना एक मान बताया गया श्रीर श्रादर्श श्रीर पवित्र जीवन बिताने के लिये लोगों को उभारा गया.

हस की औरतें अब सदाचार के आदर्श को पूरा कर सकती थीं, मां बनने का आनन्द ले सकती थीं, घर गृहस्थी ठीक रख सकती थीं, बच्चों को प्रेम दे सकती थीं और साथ ही साथ किसी तरह की माली चिन्ता से भी दूर बी—उनकी कोमल भावनाएं उभर आई थीं, सारे पोचे धुल गए थे. आखिरी कदम वहाँ की सरकार ने यह उठाया कि सन् '44 में पेट गिराने के सम्बन्ध के कानूनों को बदल दिया और पहले जो चीज कानूनी जायज ठहरा दी गई थी अब रीर कानूनी ठहरा दी गई. रूस में अब पेट गिराना ग़ैर कानूनी है. जिस तरह और जिन अस्तों को सामने रख कर कदम उठाए गए उनका नतीजा यह है कि सारी रूसी कीम इस काम को बुरा सममने लगी है और पेट गिराना हस में अब करीब करीब ना पैद है. أسكتى تهين كام كى جكبوں پر دو مهيئے اسے لے گو يائے برس كے بچوں كے لئے ديكھ بهال سنستهائيں منت بنا دبى كئى گهنتوں كى منت بنا دبى كئى گهنتوں كى چهتى ماں كو دے دبى جاتى تهى تاكه وہ جاكو بحجے كو دوده پلا سكے ـ أيسے سب بچوں كو نقدى أور كپڑے وفهرہ كى سهائتا سركار سے ملئے لكى .

مورتوں کو ماں بننے کے بعد جو کٹھنائیاں جھیلنی پڑتی تھیں وہ ختم کو دبی گئیں اور اُسی کے ساتھ ساتھ برچار کے سارے سادھنوں کے ذریعے جنتا کو شکشا بھی دبی گئی ۔ یہ چوتھا قدم تھا ۔ ماں بننے کے خلاف جو فلط دھارنائیں بن کئی تھیں اُن کا زور دار دھنگ سے کھندن کیا گیا ۔ ماں بننا ایک مان بتایا گیا اور آدرش اور پوتر جیوں بتانے کے لئے لوگوں کو اُبھارا گیا ۔

روس کی عورتیں اب سداچار کے آدرش کو پورا کرسکتی تھیں' ماں بننے کا آنند لے سکتی تھیں' گھر گوھستی تھیں' ماں بننے کا آنند لے سکتی تھیں' بچوں کو پریم دے سکتی تھیں اور ساتھ ھی ساتھ کسی طرح کی مالی چنتا سے بھی دور تھھیں ۔ اُن کی کومل بھاؤنائیں اُبھر آئی تھیں' سارے پوچے دھل گئے تھے ۔ آخری قدم وھاں کیسرکار نے یہ اُٹھایا کہ سن 44 میں پیت گرانے کے سمبندھ کے قانونوں' کو بدل دیا اور پہلے جو چیز قانونی جائز تھہرا دس گئی تھی اب دیا اور پہلے جو چیز قانونی جائز تھہرا دس گئی تھی اب فیر قانونی تھہرا دس گئی ، روس میں اب پیت گرانا فیر قانونی قوم اِس کام آٹھائے گئے اُن کا نتیجہ یہ ھے کہ ساری روسی قوم اِس کام کو برا سمجھنے لگی ھے اور پیت گرانا روس میں اب قریب ناپید ھے .

विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951

भारत के विधान में सुधार करने के लिये एक ऐक्ट.

[18 जून, 1951]

राज पंचायत नीचे लिखा ऐक्ट बनाती हैं: -

- छोटा सरनामा— इस ऐक्ट को विधान (पहला संघार) ऐक्ट, 1951 कहा जाय.
- 2. दुफ़ा 15 में सुधार— विधान की दका 15 में नीचे लिखी धारा जोड़ दी जायगी:—
- "(4) इस दका की, या दका 29 की घारा (2) को कोई बात, समाजी और तालीमी निगाइ से पिछड़ी

ودهان (پهلا سدهار) ايكت ' 1951

بھارت کے ودھان میں سدھار کرنے کے لئے ایک ایکت . [18 جون' 1951]

راب بنجايت نيج لكها ايكت بناتي هي:

- 1. چهوتا سرنامه __اِس ایکت کو ودهان (پهلا سدهار) ایکت 1951 کها جائے .
- 2. دامه 15 میں سدھار --ردھان کی دامه 15 میں نیچے لکھی دھارا جور دی جائے گی :--
- (2) إس دفعه كئ يا دفعه 29 كى دهارا (2) كى كوئى باس ساجى اور تعليمي نكاة سے پچھوى

का पीछा करने की कोई जरूरत नहीं पड़ी. जब द्वा सस्ती, जन्छी और जानकार हाथों से मिलती हो तो महँगे, नातजरवेकार मुजरिमों के पास कोई क्यों जाने लगा!

दूसरा बढ़ा क़दम रूस ने यह उठाया कि इस काम के लिये अस्पताल खोले गए. यहाँ खाली दवा नहीं दी जाती थी बल्कि सलाह मशबिरे के लिये एक बोर्ड भी कायम था. इस अस्पताल में ऐसी औरतें बुलाई जाती थीं और उन्हें गुप्त मदद देने का वायदा किया जाता था. इन अस्पतालों और केन्द्रों का काम "गुप्त क़रल करना" नहीं या बल्कि पेट गिरवाने वाली औरतों को सममा बुमा कर ऐसा काम करने से रोकना था. इस काम में यह अस्पताल बहुत कामयाव रहे. ऐसी औरतें परेशानी की हालत में रहता हैं. वह चाहती हैं कि किसीन किसी सूरत मामला चाहिर हो जाने से पहले उसका निपटारा करलें. बेचारियों को पेट गिराने क बारे में कुछ ज्ञान नहीं होता. उड़ी उड़ाई वातें उनके कानों में पड़ी रहती है. एसे बक्त में दन्हें एक सच्चे दोस्त. एक सच्चे हमदर्द की जरूरत होती है जो उन्हें सलाह दे सके भौर इनके दिल में बैठे हुए डर को कम कर सके. अस्पतालों में सलाइकार बोर्डों ने बहुत सफलता हासिल की. जा लड़की या औरत पेट गिराने के लिये आतो थी वह इस सलाहकार बोर्ड के सामने लाई जाती थी. बोर्ड के मेम्बर बड़ी इमदर्दी से उसे सब चीजें बताते थे. सब ऊँच नीच समभाकर उससे इरादा बदलने की अपील करते थे. इन लोगों की हमदर्वी ने जबरदस्त असर किया. चन्द्र साल के अन्दर 51 फासदी ऐसी औरतों ने पेट गिराने से तौबा कर ली. इन्हीं अस्पतालों में उन के बच्चे पैदा हए और जिय. बाक़ी 49 फोसदी औरतें किसी सरत से मां बनने के लियं राजी न की जा सकीं. उनका आपरेशन कर दिया गया. इसरा चारा भी न था. इन अस्पतालों से निराश होकर यह औरतें फिर मुर्जारमां के फन्दे में फंस जातीं.

पेट गिराना कानूनी बना देने से बारह साल में रूस के अन्दर करीब तीन लाख औरतों की जान बचाली गई. लेकिन रूस के अधिकारियों का असली मकसद कुछ और था. आन्दोलन का रख अब दूसरी तरफ पलटा गया. पेट गिराने को कारनों को मालूम करने की कोशिश की गई और उन कारनों को बूर करने के लियं कानून बनाए गए. यह इस रास्ते का तीसरा कहम था.

हर खौरत को गर्भ के जमाने में मुक्त दवा और हाक्टरी मदद दो जाने लगी. सोहर से पहले पाँच हक्ते की खुट्टी खौर सोहर के बाद छै हक्ते की खुट्टी खौरतों को मिलने लगी. सोहर का जमाना खतम करने के बाद माएँ खारने काम या नौकरी पर बिना किसी कहावट के फिर المهمية الرق كي كولى ضرورت نهيس ووي ، حب الواسسالي" الهمى اور جانكار هاتهون سے ملتي هو تو مهلكے التجوجه كار متجوموں كے ياس كوئي كيون جانے لكا !

درسرا ہوا قدم روس نے یہ اُٹھایا که اِس کام کے لیے استال المولے كئے . يہاں خالى دوا نهيں سى جالى تهى بلکت صلام مشورہ کے لئے ایک بورہ بھی قائم تھا . اِس اسيتال مين ايسي عورتين بائي جاتي تهين أور أنههن كيت و دد ديني كا وعدة كيا جاتا تها . إن اسهتالوس أور كهندورن كا كام "كيت قعل كرنا" نهين تها بلكه يهت كرراني والى عورتوں كو سمجها بجها كر أيسا كام كرتے سے روكا تها . اس کام میں یہ اسپتال بہت کامیدب رھے ۔ ایسی عورتیں پریشانی کی حالت میں رمتی هیں . وہ چامتی هیں که کسی نه کسی صورت معامله طاهر هو جانے سے پہلے اُس کا نہمارا کولیں ، بھچاریوں کو پیت گرانے کے بارے مين كهه كيان نهين هوتا ، أرى أرائى باتين أن ف كانون مين يوى رهتى هين ، ايسے رقت مين أنهين ایک سچے درست ایک سچے همدرد کی ضرورت هوتی هے جو انہیں صلاح دے سکے اور ان کے دل میں بیٹھ آھوئے قر کو کم کر سکے . اسپتالوں میں صلاح کاربورڈوں نے بہت سههلتا حامل کی . جو لوئی یا عورت پیت گرانے کے لئے آتی تھی وہ اِس فالح کارپورڈ کے سامانے لائیجاتی تھی . پورة کے منبر بوی هندردي سے سے چیزیں بتاتے تھے۔ سب اونیج نیج سمجهاکر اس بے ارادہ بدلتے کی ایدل كرتے تھے۔ إن لوكوں كي همدردي نے زوردست اثر كيا . جد سال کے اندر 51 فی صدبی ایسی عورتوں نے پہت گرائے سے توبع کرلی ، انہیں اسپتالوں میں اُن کے بنچے يهذا هوله اور جلّے " بالی 49 فی صدی عورتیں کسی مورت سے ماں بللے کے لئے راضی نه کی جاسکیں . اُن المريشين كرديا كيا . دوسرا چارة بهي نه تها . إن استالوں سے نراش هوکو بنه عورتیس پهر محورموں کے پهندے میں پہنس جاتیں .

پہت گرانا قانونی بنا دیئے ہے بارہ سال میں روس کے اسر قریب تین لاکھ عورتوں کی جان بچا لی گئی .
لیکن روس نے ادھیکاریوں کا اصلی مقصد کچھ اور تھا ،
آندولن کا رئے 'ب دوسری طرف پلٹا گیا ، پیت گرائے ۔
آزائی عورتیں عام طور سے خراب نہیں عوتیں ، پیت گرائے کے کارنوں کو معلوم کرنے کی کوشش کی گئی اور ان کوانوں کو دور کرنے کے لئے قانوں بنائے گئے ، یہ اِس راستے کا تیسرا قدم تھا ،

هر مورت کو دربه کے زمانے میں مفت درا اور داکاری مدت درا اور داکاری مدت درا اور داکاری مدت درا اور مدت مدت مدت در بانج هفته اور سوهر کے بعد چیے هفتے کی چہالی مورد کا زمانہ خام کرتے کے بعد مالیں ایے کام یا نوکری پرینا کسی رکارت کے بعد مالیں ایے کام یا نوکری پرینا کسی رکارت کے بعد

योरप में यह खंडत भी अल पड़ा है कि मां बनने से लूबस्रती ख़तम हो जाती है. इस लिये भी पेट गिराने को और अधिक बढ़ावा मिला. हिन्दुस्तान में भी आजकल यह रोग जोर पकड़ रहा है. बच्चा पैदा करने में औरतों को जिसमानी तकलीक बरदाशत करनी पड़ती है. पेट गिराने में भी शायद तकलीक बठानी पड़ती है. लेकिन यह तकलीक एक बार होकर ख़तम हो जाती है और बच्चा पैदा करने पर तकलीक और चिन्ता बराबर बनी रहती है. लगातार तकलीक से एक बार तकलीक उठा लेना ज्यादा अच्छा है.

रूसी विज्ञानियों ने इस बात की जाँच पड़ताल की और इस नतीजे पर पहुँचे कि पेट गिराने की जड़ गरी जी और दुराचार में हैं. अगर औरतों को माली बिन्ता से छुट्टी देदी जाय और उनका सदाचार ऊँचा कर दिया जाय तो पेट गिराने का मसला खुदबखुद ख्तम हो जायगा. जार के जमाने में पेट गिराने की वजह से 25 हजार औरतें हर साल मर जाती थीं. क्रानून बहुत सखत था. कोई डाक्टर पेट नहीं गिरा सकता था. ऐसा करने पर करल के जुमें में सजा दी जाती थां. इसो तरह का क्रानून करीब करीब कुसरे मुल्कों में भी जारी है.

रूस में पहली मरतवा पेट गिराने के खिलाफ जबरदस्त अमली तजबीज की गई. उनका पहला क़दम यह था कि पेट गिराने को क़ानून बनाकर जायज ठहरा दिया गया. हर डाक्टर को पेट गिराने की इजाजत देदी गई. यह बात अजीव लगती है. मालूम होता है कि पेट गिराना आसान हो गया तो और भी अधिक लोग पेट गिराएंगे. पर नताजा चलटा हुआ, पहले आइये देख लें उन देशों में पेट गिराने की क्या हालत रही जहाँ अब भी सखत कानून लागू हैं और पेट गिराने वाले को सखत सजा दी जाती है. अमरीका को ही ले लीजिये. बै लाख बस्ती हजार वर्ष उस देश में हर साल पैदा होने से पहले मार दिये जाते हैं. मीज़दा ज्माने की तमाम ईजादों के होते हुए भी बाठ हजार औरते वहाँ हर साल पेट गिराने की वजह से मर जाती हैं. से किन रूस में, जहाँ शुरू में पेट गिराना जायज उहराया गया था, आज पेट गिराना करीब करीब नापेद है. इससे पहले जानकार डाक्टर पेट गिरायें तो सजा पाते थे लेकिन अधडाक्टर, नर्स और दूसरे ऐसे ही लोग ख्तरनाक तरीक्रों से पेट गिराते थे और पकड़ में न शाते थे. नतीजा यह था कि खतरनाक द्वाओं के इस्तेमाल से ऐसी औरतों की तन्द्रहरती पर जनरदस्त असर पड़ता था भीर मौत भी हो जाती थी. सोवियट रूस में एक वरफ यह क़ानून पास किया गया कि हर डाक्टर पेट गिरा सकता है और दूसरी सरफ यह भी क़ानून बना दिया गया कि सैर डाक्टरों को पेट गिराने के जुमें में सखत सजा दी जायगी. मुजरिमों

ورق میں یہ خیط بھی چل ہوا ہے کہ مال بقلے سے خوبصورتی ختم هو جاتی ہے۔ اس لئے بھی پیمتگرانے کو اور ادھک بوھارا لا، هندستان میں بھی آج کل یہ روگ زور پکر رھا ہے . جہ پیدا کرنے میں عورتوں کو جسمانی تعلیف برداشت رنی پرتی ہے . بیت گرانے میں بھی شاید تعلیف تهائی پرتی ہے . لیکن یہ تعلیف ایک بار ہو کر ختم ہو جاتی ہے اور بچھ یہذا کرنے پر تعلیف اور چاہا رابر بنی رہتی ہے . لگاتار تعلیف سے ایک بار تعلیف شاہدنا زیادہ اچھا ہے .

روسی وگیانیوں نے اِس بات کی جانچ پوتال اُکی و اِس نتیجے پر بہونچے که بہت گرانے کی جو غریبی پر دراچار میں ہے ، اگر عورتوں کو مالی چفتا سے چہتی ہے دی جائے اور اُن کا سداچار اونچا کردیا جائے تو مت گرانے کا مسلم خرد بخود ختم ہو جائے گا ، زار کے مالے میں بیت گرانے کی وجه ہے 25 ہزار مرزنوں ہرال مرج تی تہیں گرانے کی وجه ہے گئر ہزنوں ہرال مرج تی تہیں گرا سکتا تھا ، ایسا کرنے پر قتل کے اکثر پیت نہیں گرا سکتا تھا ، ایسا کرنے پر قتل کے مرم میں سؤادی جاتی ، اسی طرح کا قائری قریب قریب وسرے ملکوں میں بھی جاری ہے ،

روس میں پہلی مرتبہ بیت گرانے کے خلاف زیردست ملى تنجويز كى كُنَّى . أن كا پهلاً قدم يه تها كه بهت الي كو قا ون بغاكر جائز تههرا ديا كها . هر قا شر كو ہت کرانے کی اجازت دے دی گئی . یہ بات عجیب عتى هے . معلوم هوتا هے كه پيت كرانا آسان هوكيا تو ر بھی ادعک لوگ بیت کرائیں کے . پر نتیجہ التا ول يهلم آئيم ديكم ليس أن ديشون مهن بيت كران كي يا حالت رهي جهان أب بهي سخت قا ون لاكو هين ر يهت گوانے والے كو سخت سؤا دى جاتى ہے . أمويكه و وی لے لیجئے ، چہ لاکہ اسی هزار بحے اُس دیس یں مر سال پیدا مولے سے پہلے ماردیئے جاتے مدں. برجرد، زمانے کی تمام ایتجادوں کے هوتے هوئے بھی أتّه باُر عردتیں وهاں هر سال بیت گرانے کی وجه سے مرجانی يق . ليكن روس مهن جهان شورع مان پيت كرانا عاللو تههرايا كها تها أج بهت كرانا قريب قريب نابيد ے . اِس سے پہلی جانکار قاکیر پیمٹ گرائیں تو سوا باتے ہے لیکن ادھ ڈاکٹرا نرس اور دوسرے ایسے می لوگ بطرناک طریقوں سے پیسٹ گراتے تھے اور پکر میں نم آتے ہے . نتیجه یه تبا که خطرناک دواؤں کے استعمال سے مسى مروتوں كى تقدرستنى پر زيردست أثر يوتا تها اور وت بهی دو جاتی تهی . صوریت روس مهن أیک طرف م تانون پاس کها کها دم هر قاکتر پیت گرا سکتا م اور ارسری طرف یہ یہی قانون پنا دیا گیا کہ غیر ڈاکٹروں کو مت کرانے کے جرم میں سطعت سزادی جائے گی، مجرموں

A STATE OF THE STA

स्थान गुक्त होते हैं, जहां काम करने वासी औरतें अपने वच्चों को छोड़ सकती हैं.

पेट गिराने की समस्या को जिन तरीकों से कस में हल किया गया है उन पर रोशनी खालने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि यह समस्या क्या और क्यों है. कुछ माएँ ऐसी होती हैं जो मां बनना नहीं चाहतीं और किसी न किसी ढंग से पैदा होने वाली जिन्दगी को मौत की गोद में पटक देती हैं. कहते हैं औरतों की भावनाएं मर्द से अधिक कोमल होती हैं. किसी कोमल भावना वाले के लिये क्या यह मुमकित है ? लेकिन जब कोमल भावनाओं पर हर, भूट, धोके के मोटे मोटे पोचे फिरे हों तो क्या किया जाय. कोई औरत भी शायद पेट गिराना नहीं चाहती लेकिन मजबूरी को क्या किया जाय. वह सब कुछ करना पड़ता है जिसे करने को मन नहीं चाहता. सद्वार को अपर इठाने के लिये जहरो है कि इन पोचों को घो दिया जाय और आदमी की कोमता भावनाओं को उजागर किया जाय. श्राइये देखें वह कौन सी हालतें हैं जो एक मां को पैदा होने से पहले बच्चे को मारने पर मजबूर कर देती हैं. रूस भीर योरपी देशों की समस्या हमारे देश से कुछ अलग है. हमारे यहां कुछ साल पहले तो सिर्फ लोफ लाज के कारन पेट गिराया जाता था. किसी कमजोरी में पड़ कर या किसी तरह धोका खाकर कुँवारी या विधवा औरतें पेट से हो जाती थीं और अपने को समाज में वे इन्जत होने से बचाने के लिये उन्हें इस तरह के जून अपनी गरदन पर लेने पड़ते थे. लेकिन अब बड़े बड़े घरों में जीवन स्तर ऊँचा रखने के लियं बर्थ कन्द्रोल पर अमल किया जाता है और जब वह असफल रहता है तो पेट गिराने की नौबत आती है ! पर दूसरे देशों में श्रीर दूसरे कारन भी हैं जो मजबूर करते हैं कि पेट गिरवा दिया जाय. रोजी रोजगार पेट गिराने के मसले पर बहुत असर रखते हैं. योरप में बहुत सी औरतों को अपनी रोजी खुद कमानी पड़ती हैं. पहली लड़ाई के बाद मदौं की कमी हो गई थी. उस बक्त से श्रीरतों में नौकरी का सिलसिला और जोरों से चल पड़ा है. उसी बक्त से पेट गिराने की समस्या भी बहुत भयानक हो गई है. मां बनने में इन बेचारी औरतों को नौकरी से हाथ घोना पड़ता है. जब नौकरी ही न रहे तो ख़द क्या खाएं और वच्चे को क्या खिलाएं, इस मांमट से फरसत पाने के किये यही अच्छा समका जाता है कि पैदा होने से पहले ही इस जंजाल से छुट्टी पा ली जाय. जीवन स्तर बढाने का भी सवाल योरप के लोगों के सामने हैं. रहने सहने के ढंग में बढ़ीती और आसायश बड़े बड़े खानदान वालों के लिये नाममकिन है. इस लिये कोशिश की जाती है कि कम से कम बच्चे पैदा हों ताकि पासन पोसन की जिम्मेदारी से छढ़कारा मिल सके और जीवन मौज में बिताया जा सके.

المتعملي منع هوتے هيں؛ جہاں کام کرنے والي هورائي ألها المتعمل كام كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كام كرنے والي المتعمل كام كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كام كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كام كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كرنے والي المتعمل كرنے والي كرنے والي

پھنے گرانے کی سیسیا کو جن طریقوں سے روس مھن خل کیا گیا ہے أن پر روشنى دالنے سے پہلے يه جان لينا مروبي هے كه يه سمسيا كيا أور كيوں هے . كنچه مائيس اليسي هوتي هين جو مان بلغا نهين چاهاهي اور كسي نع کسی قطنگ سے پیدا ہونے والی زندگی کو موت کی گرد میں پٹک دیتی میں . کہتے میں عورتوں کی بہاؤنائیں مرد سے ادامک کومل موتی ھیں، کسی کومل بھاوتا والے کے لئے کیا یہ ممکن ھے ؟ لیکن جب کرمل بھاؤناؤں یہ قر' جوہت دھوکے کے مہلے مرائے پوچے بعرے ھوں تو كَمَا كَمَا جَائِمٍ ، كُونُي عورت بهي شايد بهت گرانا نهين چاهتنی ، لیکن مجبوری کو کیا کیا جائے . ولا سب کنچه کرنا ہوتا ہے جسے درنے کو من نہیں چاها . سداچار کو ارپر اُٹھانے کے لئے ضروری ھے نہ اِن پوچوں کو دھو دیا جائے اور آدمی کی کومل بھاؤناؤں کو اُجاگر کھا جائے . آڻهے ديكههن وہ كونسي حالتين هيں جو ايك مان كو یودا هونے سے پہلے بحے کو مارنے پر مجبور کردیتی هوں . ررس اور یورپی دیشوں کی سمسیا همارے دیش سے کنچه الگ هے'. همارے يهاں كنچه سال پهلے تو صوف لوك الب کے کاروں پیسٹ گرایا جاتا تھا ۔ کسی کمزوری صیب ہو کر يا كسى طرح دهوكا كهاذر كنواري يا بدهوا عورتهن يهت سے ھو جاتے تھھن اور اسے کو سماے میں بے عزت ھولے سے ہجائے کے لئے اُنھیں اِس طرح کے خون اُبلی گردن پر لینے ہوتے تھ ، لیکن أب بوے بوے گهروں مهی جهون استر اونجا رکھنے کے لئے برته کنترول پر عمل کیا جاتا ہے اور جب ولا اسپهل رهتا هے تو پهت کرائے کی نوبت آتی ھے! ہر دوسرے دیشوں میں اور دوسرے کارن بھی ھیں جو مجبور کرتے میں که بہت گروا دیا جائے ، روزی روزگار یہت گرانے کے مسللے پر بہت اثر رکھتے میں . یورپ میں بہت سی عورتوں کو اُپڈی روزی خود کمآنی پوتی ہے . پہلے لوآئی کے بعد مردوں کی کمی هوگئی تھی ، اُس وقعت سے عروتوں میں نوکری کا سلسلہ اور زوروں سے چل ہوا ہے ، اُسی وقت سے پیت گرانے کی سدسیا بھی بیت بههانک هوگئی هے . مال بدلے میں اِن بیجاری عورتوں الله الموادي سے هاته دعولا يوتا هے . جب نوكري هي نام رهے بم خود کیا کہائیں اور بھے کو کیا کہائیں اس جهلمجهت سے فرصت بانے کے لئے یہے اچھا سمجها جاتا م که پیدا هونے سے بہلے هی اِس جنجال سے چهتی یالی جائے . جیرن استر بوھانے کا بھی سوال یورب کے لوگوں کے ساملے ہے، رہلے سیلے کے قعلگ میں بوہوتی اور أسالهن بوے بوے خاندان والرس كرائے ناممكن هے. إس ليك کوشھے کے جاتے ہے کہ کم سے کم بھے پیدا میں تاکہ پالن پوسن کی فمعداره سے چهتکارا مل سکے اور جهون موج میں بتایا جاسکے.

Balling & Balling and the Control of the Control of

जगह फैला हुआ है. घट्टा लग जाने, कोई जिसमानी गड़बड़ी हो जाने से भी पेट गिर जाता है. हमें रोग के इस पहलू से यहाँ मतलब नहीं है. यह हादसे पहतियात से रोके जा सकते हैं. हम "पेट गिराने" के उस पहलू पर रोशनी डालना चाहते हैं जिसे क़त्ल कहा जाता है. इस हरकत को सभी क़त्त मानते हैं. चाहे मजहब के मानने वाले हों और चाहे साइन्स के प्रेमी किसी की भी इस बारे में दसरी राय नहीं है. पेट गिराने का मतलब है किसी नये इनसान को पैदा होने से पहले मार डालना. एक नई जिन्हगी को पैदा न होने देने के सवाल पर सोचते सोचते एक और सवाल खड़ा हो जाता है. आखिर वर्ध कन्टोल को क्या कहा जायगा ? क्या बर्थ कन्टोल (दवाओं श्रीर डाक्टरी के जरिये बच्चों की पैदाइश को रोकना) कुरक करने का बदिया ढंग नहीं है ? और क्या इस के इस्ते-माल का प्रचार करने वालों को करल के उभारने के इलजाम में सजा दी जा सकती है ? जवाब यह दिया जाता है, नहीं, वर्ष कन्द्रोल पर कानून हाथ नहीं उठा सकता. संस्थाएँ खुली हुई हैं. यह वर्थ कन्ट्रोल का प्रचार करती रहती हैं. दुनिया में इस चीज का प्रचार बहुत संगठित ढंग से किया जा रहा है. दूसरे देशों की सरकारें आबादी के बदने से भवरा रही हैं. वह हर तरह का सहयोग वर्थ कन्द्रोल जान्दोलन को देती हैं. पर रूस में मामला बिलकुल उलटा है. वर्थ (जन्म) को कन्ट्रोल करने की कौन कहे वहां वर्थ बढाने के लिये इनाम दिये जाते हैं. 15 करोड़ डालर हर साल माताओं की सेवा में खर्च किया जाता है. उयादा बच्चे पैदा करने बाली माताओं को मान दिया जाता है. इस तरह के मान को जाहिर करने के लिये वहाँ तीन तमरो होते हैं; (1) मेटरनिटी मद्र, (2) आडर आफ मद्रसी गिलोरी और (3) हीरोइन मदर. जो मां जितने ज्यादा बच्चे पालती या पैदा करती है उतना ही बड़ा तमग़ा उसे दिया जाता है.

माताओं को नक्कदी सहायता भी दी जाती है. हर गर्भ वर्ती स्त्री को डाक्टरी मदद, जरूरी छुट्टी और रिजायतें तो दी ही जाती हैं. हर स्त्री को तीसरा बच्चा पैदा होने पर 80 डालर इनाम दिया जाता है. चौथे बच्चे की पैदाइश पर 250 डालर इकट्टा और 16 डालर हर महीने मां को दिये जाते हैं. पांचवें बच्चे के पैदा होने पर 34 डालर इकट्टा और 24 डालर हर महीने मां को आमदनी होती है. इस तरह दस बच्चों तक मामला चलता रहता है. ग्यार-हवें बच्चे की पैदाइश पर इकट्टा 1000 डालर और 60 डालर हर महीने मां को दिये जाते हैं. विधवा माओं को 20 डालर से 40 डालर तक हर बच्चे के लिये बाहर बरस तक मिलता है. छोटे बच्चों की देख भाल के लिये

جَالُمُ فِهِيلًا هُواْ هِي دُهِكَا اللَّهُ بَهَالِي كَبِرُي جَسَمَالَي كُوْ بَي هُو جانے سے بھی پیس کرجاتا ہے ، همیں روگ کے اِس پہلو سے يهان مطلب نهين هے . يه هادئے احتياط سے روكے جاسكتے هيل . هم '' پهت كرانے " كم أس بهلو ير روشلي دَاللا چاهتے هيں جسے قتل كها جاتا هے . اِس حركت كو سبهى قتل مانتے هيں . چاهے مذهب كے ماننے والے هوں أور چاھے سائنس کے پریدیکسیکی بھی اِس بارے میں درسری رائے نہیں ہے ، یہت کرانے کا مطلب ہے کسی نگه انسان کو پہدا ہونے سے بہلے مار ڈالٹا . ایک نگی زندگی کو پیدا نہ ھونے دینے کے سوال پر سوچتے سوچتے ایک اور سوال کهوا هوجاتا هے . آخر برته کفترول کو کها کہا جائے کا ؟ کها برتم کفاترول (دواؤں اور داکاتری کے ذریعے بھوں کی پیدائش کو روکنا) قتل کرنے کا بوھیا تعنگ نہیں ہے ؟ اور کیا اِس کے استعمال کا پرچار کرنے والوں کو قتل کے ابھارنے کے الزام میں سزا دی جاسکتی ہے ؟ جواب یه دیا جاتا هے نہیں' برته كئةرول پر قانون هاته نهيں أتها سعما ، سدستهائهن کهلی هوئی هین ، وه برته کلترول کا يرجار كرتي ومتى دين دنها مين اس چيز كا پرچار بهت سنکتیت دهنگ سے کیا جا رہا ہے . درسرے دیشوں کی سرکاریں آبادی کے بوھلے سے گھدرا رھی ھیں ، وہ ہر طرح کا سههاگ برته کنترول آندرلن کو دیتی هیس . پر روس سها معاملت بالكل ألتّنا هـ. برته (جدم) كو دفقرول كرني كي کون کہے وهاں درته برعانے کے لئے انعام دیئے جاتے هیں . یڈیوہ کرور ڈالر ہر سال ماتاؤں کی سہوا میں خرچ کیا جاتا ھے زیادہ بھے پیدا کرنے والی ماناؤں کو مان دیا جانا ھے. اِس طرح کے مان آو ظاهر کرنے کے لیّے رهاں تهن تمغير هوتي هين : (1) مهترنتي مدر ' (2) آردر آف مدرس کاوری اور (3) هیروئن مدر ، جو مال جتابے زیادہ بجے پالتی یا پیدا کرتی هے اتنا هی بوا تسفه أسے دیا جأتا هي.

ماتاؤں کو نقدی سہانگا بھی دسی جاتی ہے ، ہو گربھوتی لستری کو قاکتری مددا ضروری چھٹی اور رعائتیں تو دی ہی جاتی میں ، ھر استری کو تیسرا بچتے پیدا ھونے پر 30 قائر انعام دیا جاتا ہے ، چوتھ بچے کیپیدائص پر 250 قائر اکتھا اور 16 قائر مر مہینے ماں کو دیئے جاتے میں ، پانچوس بچے کے پیدا ھونے پر 34 قائر اکتھا اور 24 قائر مر مہینے ماں کو آمدنی ھوتی ہے ، اِس طرح دس بچوں مر مہینے ماں کو آمدنی ھوتی ہے ، اِس طرح دس بچوں تک معاملہ چلتا رهتا ہے ، گھارھویں بچے کی پیدائش پر اکتھا 1000 قائر اور 60 قائر ھر مہینے ماں کو دیئے جاتے ھیں ، ودھوا ماوں کو 20 قائر سے 40 قائر تک ھر بچے کے لئے ہیں ، ودھوا ماوں کو 20 قائر سے 40 قائر تک ھر بچے کے لئے ہیں مرتبے ہیں کی دیکھ بھال کھائے

रूस में सदाचार-गर्भ हत्या

(भाई मुजीब रिजवी)

गुप्त रोगों और वेश्या पन से फरसत पाकर रूसी प्रधिकारियों ने दुराचार के खिलाफ लड़ाई बन्द नहीं की. न्हें उन सारी हालतों को बदलना था जो आदमी को ब्राचार से गिराती हैं. वेश्यापन को खतम करने का जरूरी ातलब दराचार या बदचलनी को खतम करना नहीं होता. सिरे कुछ देशों में भी क़ानून बना दिया गया है कि कोई पीरत बेश्या नहीं बन सकती और न अपना बदन बेचने के लेये किसी जगह दुकान लगा सकती है. फिर भी दुराचार हां जब फल फूल रहा है. अन्तर इतना हुआ है कि दूरा-गर के स्थानों का नाम नाइट क्लब, बालक्म, होटल । गौरा रख दिया गया है. कोठे न सही विजली के पोल के ीचे ही दुकान लगा ली जाती है. पुलिस वाले कानून का ंडा नचाते रह जाते हैं लेकिन इस तरह के अपराधी हाथ ाहीं आते. जो क़ानून को घोका देना बाहे उसके लिये प्रनिगनत मौक्रे क्रानुन ही पैदा कर देते हैं. इन देशों के लोग जनन और सजा के बल पर रोके जाते हैं इसलिये यह हानून को धोका दे सकते हैं. हस में साइन्सी असून पर शौर एक खास ढंग से वेश्यापन को खतम किया गया है. हां पहले लोगों का सदाचार ऊँचा किया गया. लोग खद ाब किसी चीज के खिलाफ खड़े हो जायं तो उन्हें कानन ही जरूरत नहीं होती, लोगों के दिन और दिमाग को अपील ही जाय तो कानून को धोका देने की जरूरत भी नहीं हती. रूस में अगर कानून वने तो तब बने जब उनकी ोडते की फिसी में इच्छा बाक़ी न रह गई थां. हसी कानून वल इसलिये हैं कि किसी मानसिक कमजोरी से गिरते जसान पर जरा रोक रखी जा सके. अभी वहां ऐसे काननों ी जरूरत भी है. बुराई का असर जल्दी होता है. जब गरीं तरफ लू चल रही हो तो ठन्डे कमरे से बिना हतियात किये निकलना खतरनाक साबित होता है. कहने हा मतलब यह है कि उन दूसरे देशों की तरह रूस में श्याओं और वेश्यापन के स्थानों को कोई दूसरा लुभावना ाम नहीं दिया गया बल्कि इस काम के खिलाफ खुद जनता ही भावना इतनी उभार दी गई है और उसको इसके कसान इस तरह बता दिये गए कि अब बिना किसी हानून और सजा के ही वहां के लोग इन बुराइयों से दर गगते हैं. सब से बड़ी बात यह है कि वहां वह हालात हो मब नहीं हैं जो किसी भले आदमी को मजबूर करके इन हों में ढकेल देते हैं.

दुराचार के एक पहलू को ख़तम करके अधिकारियों ने स्तरे पहलू पर नजर काली. "पेट गिराने" का रोग जगह

روس میں ساچار-گربھ هتیا

(بهائی معجیب رضوی)

گیت روگوں اور ویشها پن سے قرصت پاکر روسی ادههکاریس نے درا چار کے خلاف لوائی بلد نہدی کی. اُنهیں أن ساري حالمو كو بدلنا تها جو آدمي كو سداچار سے گرآتی میں ویشیا پن او ختم کرنے کا ضروری مطلب دراچار یا بد چلنی کو ختم کرنا نهیں هوتا . دوسرے کیچه دیشوں مرن پهی قانون بنا دیا گها هے که کوئی مورت ويشها نههربن مكتى اورنه ابنا بدن بهچنے كالتےكسى جگه دولان لکا سکتی هے ، پهر بهی درا چار وهاں خوب یهل یهبل رها هے ، انتر اتنا هوا هے که درلچار کے استهانوں كا نام نائت كلب بال روم عوثل وفيرة ركه ديا كيا هي . کوالی نہ سہے بجلی کے پول نے نیچے هی دوان لکالی جانی ھے ، ہوایس والے قانون کا ڈنڈا نجاتے رہ جاتے میں لیکن اِسطرح کے آپرادمی هاته نههں آتے ، جو قانون کو دعوکا دینا چاھے اُس کے لئے اُن گفت موقعے قانون ھی پھدا کر دیتے هیں ، اِن دیشوں کے لوگ قانون اور سؤا کے بل پر روکے جاتے ههی اس لیئے یہ قانون کو دهرکا دےسکتے ههی . روس میں سانڈسی اصول پر ارز ایک خاص دھنگ سے ویشیا پن كو تعم كيا كيا هي . وهان بهلي لوكن كا سداچار ارنجا ديا گیا، لوگ خرد جب کسی چیز کے خلاف کوڑے هوجائیں تو اُنھیں قانوں کی ضرورت نھیں ھوتی ، لوگوں کے دل اور دماغ کو ایهل کی جائے تو قانون کو دھوکا دینے کی ضرورت پھی نہیں رھتی. روس میں اگر قانون بنے تو تب بنے جب أن كو ترونے كى كسى مهن أچها باقى نه ره كئى تهى . روسی قانون کیول اِس لئے هیں نداکسی مانسک کمزوری سے گرتے اسارر ہر ذرا ررک رکھی جاسکے ، ابھی وهاں آیسے قافونوں ،کی فوررت بھی ہے ، برائی کا اثر جادی ہوتا ہے ، جب چاروں طرف لو چل رھی ھو تو تھاتھے کمرے سے بنا أحتهاط كأر تكلنا خطرناك ثابت هوتا هي كهلي كا مطلب یت مے که آن دوسے دیشوں کی طرح روس میں ویشهاؤں أور ریشها پن کے استهادرں کو کوئی درسوا لیهاؤنا نام نههیں فیا لیا بلاء اس کام کے خلاف خود جاتا کی بہاؤنا اتلی اہمار دی گئی ہے اور اس کو اس کے نقصان اِس طرح بعا دینے گئے که اب بنا کسی قانون اور سزا کے هی وهاں کے لوگ اُن ہوانہوں سے دور بھائتے دیس . سب سے بوی بات يه هے كه وهاں وہ حالات هي أب نهيں هيں جو كسى بهلے آدمی کو معجبور کرکے اِن کووش میں ڈھکیل دیتے

دراچار کے ایک پہلو کو ختم کرکے ادھیکاریوں نے دوسرے پہلو ہو نظر ڈالی ۔ '' پیت کرانے '' کا روگ جگ

इस तरह जब भारा सभा से बाहर के सीय वर्जीर बनाए जार्बने तो इससे नीचे जिसे कायहे होंगे:—

- योग्य जानकारों को ढूँढकर वजीर बनाया जा सकेगा.
- 2. भारा सभा एन पर श्रंकुश रस्न सकेगी. सारी भारा सभा यह काम करने के किये आजाद रहेगी.
- 3. शालोचकों को वजीर बनाकर धनका मुँह बन्द करने की चाल न बली जा सकेगी.
- 4. हर चालाक आदमी को खुश करने का सवाल न होगा, इसलिये थोड़े से वजीरों से काम चलाया जा सकेगा. इससे खर्च में बचत होगी.
- क्जीर बाहर के आदमी होंगे इसिलये जुनाव वाले क्लोग बचीरों को परेशान न कर सकेंगे.
- 6. चुनाव की चल-चल से बचे रहने के कारन बजीर लोग आफिस का काम अच्छी तरह कर सकेंगे.
- 7. इकूमत का खौर खाफिस का काम करने के लिये ही उन्हें रखा गया है, इसलिये उन्हें इस काम में खास ध्यान देना होगा. दलबन्दियों के मगड़ों से वह लगभग बच्चे रहेंगे.
- 8. प्रान्त के बाहर के भी बजीर होने से सरकारों में प्रान्तीयता का भाव न पनप पापना और भारत के एक जान होने में इससे मदद मिलेगी.
- 9. बारा सभा का हर मेम्बर वजीर बनने के जिये जो तिकड़म भिड़ाता रहता है वह बन्द हो जायगी.

इस देश की हालत के मुताबिक यही तरीका ठीक है. हमारे बाज के विधान में इस तरह का सुधार होना ज़रूरी है. اُس طرح دھارا سیھا ہے باہر کے لوگ وزیر بھالے خالیدگے تو اس ہے نہمے لکے فائدے ہونکے:--

- یوگهه جان کاروں کو قعوندھ کر وزیر بغایا اسکے گا۔
- دھارا سبھا ان پر انکش رکھ سکیگی۔ ساری دھارا سبھا یہ کام کرنے کے لئے آزاد رھیگی ۔
- 3. آلوچکوں کو وزیر بناکر اُن کا منه بند کرنے کی چال نه چلی جاسکے گی .
- 4. هز چالاک آدمی کو خوهی کرنے کا سوال نه هوگا ' اس لگے تهورے سے وزیروں سے کام چالیا جاسکے کا ، اس سے خربے میں بچت هوگی .
- 5. وزیر باهر کے آدسی هونگے اس لئے چناو والے لوگ وزیروں کو یریشان نع کرسکھنگے .
- چٹاو کی چٹے چٹے سے بنچے رہٹے کے کارن وزیر لوگ آئس کا کام اُچھی طرح کرسکینگے ،
- 7. حکومت کا اور آفس کا کام کرنے کے لئے ھی اُنھیں رکھا گیا ھے' اس لئے اُنھیں اس کام میں خاص دھیان دیٹا ھوگا . دل بندیوں کے جھکڑوں سے وہ لگ بھگ بھے رھیں گے .
- 8. پرآنت کے باہر کے بھی وزیر ہونے سے سرکاروں میں پرآنتیکا کا بھاؤ نہ یڈپ پائیکا اور بھارت کے ایک جان ہونے میں اس سے مدد ملے گی .
- 9. دهارا سبها کا هر صبر وزیر بنتے کے لئے جو تکوم بهواتا رها هے ولا بند هوجائے گی .

اس دیھی کی حالت کے مطابق یہی طریقہ تبھک ہے ۔ ھمارے آج کے ردمان میں اِس طرح کا سددار ھونا ضروری ہے ۔

प्रेम-डमर

(भाई 'नज्म' आफन्दी)

सुध बुध का धनी पीत नगर क्या जाने, यह तुममें हैं सूम बूम अगर, क्या जाने. ऑर्खे लोते हुए चला जाता है, मूरल तू प्रेम की हगर क्या जाने.

پريم تگر

(بهالی نجم آنندی)

سده بده کا دهلی بهت نگر کیا جائے' یه تجه مهن هے سوجه بوجه آثر' کیا جائے ، آنکهیں کهولے هوئے چلا جاتا هے' مورکه تو پریم کی قکر کها جائے۔

- THE PROPERTY OF THE PROPERTY O 5. बारा समा के मेम्बर जब बजीर या सेक टरी बन जाते हैं तब जिस इलक्षे से उन का चुनाब हुआ था, जिन लोगों ने उन्हें चुनाव में मदद की थी वह लोग अपना • अपना काम (कराने के लिये दबाव डालने लगते हैं, अगर उनका काम न किया जाए तो अगला चुनाव लड़ने में वह साथ न देंगे या विरोध करेंगे. इसिलये उनके बेजा काम भी करने पडते हैं.
- 6. जुनाव हलक्षे के लोगों से मिलने जुलने में इतना समय निकल जाता है कि वजीर और नायव बजीर लोग े अपने आफिस का काम नहीं के बराबर कर पाते हैं.
- 7. े घारा सभा के सेम्बर्होने के कारन वजीर वगैरा लोग अपने को नौकर की तरह जिम्मेदार नहीं सममते हैं. ्रयक तरह (से मालिकों में ही अपनी गिनती करते हैं. इस-लिये कहीं कहीं ऐसा होता है कि दुम्तर खाली पड़ा रहता है. सब वजीर वरीरा अपने अपने बंगलों पर आफिस बना लिया करते हैं और जनता को अपने काम के लिये बंगलों बंगलों भटकना पड़ता है. इस तरह साहब को आफिस के नौकर घर के नौकर के रूप में मिल जाते हैं. आफिस के नाम पर बंगलों को महल बनाने में और मदद मिल जाती है. साहब बहादुर घर में सो रहे हों तब भी वह आफिस की हाजरी समको जाती है.
- 8. धारा सभा के मेन्दरों पर ब्लुनाव का भूत सदा सवार रहता है इसलिये वह सरकारी काम के बहाने अपने प्रचार में लग जाते हैं. बजीर बन जाने पर तो यह काम श्रीर भी बढ़ जाते हैं, इसितये शासन के काम में वह कम से कम समय दे पाते हैं. दौरा भत्ता, पारटी मीटिंग या इसी निगाह से मिलना जुलना उनके खास प्रोप्राम बन जाते हैं.

यह ऐसी बुराइयाँ हैं जिनसे लोकशाही सरकार सच-मुच लोकशाही नहीं बन पाती और इसके सभी लाभ नरट हो जाते हैं. इसके लिये कुछ सुधार करने की जरूरत है. एक सुधार की तरफ ख़ास तौर पर ध्यान खींचा जाता है-

सरकार बनाने का काम धारा सभा या पार्लिमेन्ट तो करे पर वाचीर धारा सभा या पालिमेन्ट के बाहर के बादमी ही बनाए जायें, बल्कि इसमें प्रान्त से बाहर के आदमी भी किये जायँ, हाँ, यह ठीक है कि घारा सभा में जिस दब का बहुमत होगा उस दलं की पालिसी को स्वीकार करने वाले या दसी पालिसी को मानने। वाले लोग ही वजीर बनाए जायंगे और धारा सभा उन्हें अलग कर सकेगी. उन्हें धारा सभा की राय के अनुसार काम करना होगा, पर वह घारा समा के किसी फैसले में वोट न देसकेंगे. हाँ, कोई बात भी सरकार की तरफ से पेश कर सकेंगे.

الله المارا سبها كروسير بحب وزير يا سكونكري من جال المهور تب بعس حلقے سے أن كا جدار هوا تها؛ جن اولوں لے کے لئے دباو دالنے دعتے میں ۔ آلو اُن کا کام نه کها جائے تو الله چداو لونے میں وہ ساتھ نه دیدگے یا ورودھ کریدگے' السلبئد أن كے بيجا كام بھى كرنے پرتے ہدں .

6. جنار حلتم کے لوگوں سے مللے جلنے میں اُتنا سیے نعل جاتا ہے کہ وزایر اور نائب وزیر لوگ ائے آفس کا کم نہیں کے برابر کر پاتے ھیں .

7. دھارا سبھا کے معبر ھونے کے کارن وزیر وفھرہ لوگ ای کو نوکر کی طرح ذمه دار نهیں سمجھیے میں۔ ایک طرح سے مالکوں میں ھی اپلی گلتی کرتے ھیں. اسلك كبين كبين ايسا هوتا هے كه دفتر خالى يوا رهتا ھے ۔ سب وزیر وغهرہ آئے آئے بنکلوں پر آفس بنا لیا کرتے هیں اور جنتا کو آئے کام کے لئے بنگلوں بنگلوں بہتکنا ہوتا ھے ، اِسطرم صاحب کو آفس کے نوکر گھر کے نوکر کے روپ میں مل جاتے هیں . آفس کے نام پر بذکلوں کو معصل بقائع مين أور مدد مل جاتي هي صاحب بهادر گهر مهن سو رهے هوں تب يهي وه آفس كيحاضري سمجهي جاتی ہے .

8 دھارا سبھا کے سمبروں پر چاو کا بھوت سدا سوار رها ہے اِسلمے وہ سرکاری کام کے بہائے اپنے پرچار مھی لگ جاتے هيں . وزير بن جانے پر تو يه کام أور بھی بوھ جاتے ههں' اِس لئے شاسن كےكام ميں وہ كم سے كم سے دے پاتے هوں ، دورہ بهتم' پارتی میتنگ یا اِسی نااہ سے ملدا جللا أن كے خاص پروگرام بن جاتے ميں .

یہ ایسی ہرائیاں میں جن سے لوک شاهی سرکار سیم می لوک شاهی نهیں بن پاتی اور اسکے سبھی لابھ نشت هوجاتے هيں . اِسكے لئے كچه سدهار كرنے كي ضرورت هے . ایک سدهار کی طرف خاص طور پر دهیان کهینچا حاتا هے ـــ

سرکار بنائے کا کام دھارا سبھا یا پارلیمنت تو کرے پر وزير فعاراً سبها يا پارليمنت كے باهر كے آدمى هي بقائد جَالُين ' بلكة إس مين پرانت سے باهر كے آدمي بھي لئے جائين . هان يه تهيك ه كه دهارا سبها مين جس دل كا بهومت هولا أسدل كي بالهسيكو سويكار كرني والي يا لسي پالهسی کو مانیے والے لوگ هی وزیر بدائے جائیس کے اور دھارا سَبِهَا أَنْهِينِ الكَ كُو سَكِ كَي. أَنْهِينِ دَهَاراً سَبِهَا فِي رَائِم كِي رانوسار کام کرنا هوگا پر وہ دھارا سبھا کے کسی فیصلے میں ووق نے درہے سکھن گے ، ھاں' کوئی بات بھ سرکار کے طوق سے پیش کر سکھن گے .

(नकसियात) की नजर्ं से विचार किया. इस लिये कहें तरीका लोकशाही सरकार बनाने में सफल नहीं हुआ और न इस से सरकार बनने के लिये अच्छे आदमी मिल सके. आज की हालत में इस मामले में हमारे सामने यह दिक्कतों आरही हैं:—

1. हर तरह के अच्छे अच्छे जानकार चुनाव लड़कर धारा सभा में नहीं पहुँचते. जियादातर जानकारों में अच्छी तरह काम करने की लियाक़त भले ही हो पर चुनाव लड़ने की लियाक़त नहीं होती या तबियत नहीं होती. जब धारा सभा के मेम्बरों में से ही बजीर बनने के लिये आदमी लेने का रिवाज है तब ऊँचे दरजे के जानकारों की कमी खटकती है. सेहत मंत्री के लिये हमें तन्दु रस्ती का अच्छा जानकार नहीं मिलता, शिचा मंत्री के लिये ऊँचे दरजे का तालीम शास्त्री नहीं मिलता, खेती मंत्री के लिये खेती विद्या का अच्छा जानकार नहीं मिलता, इसलिये खेती मंद्रल में बटिया आदमी भर लेना पडते हैं.

2. बारा सभा सरकार के उत्तर अंकुश (कन्ट्रोल) रखने के लिये हैं. पर धारा सभा के सभी मेम्बर इतनी क्रियाफ़त नहीं रखते कि सरकार पर अंकुश रख सकें. सैकड़ा पीछे शायद पन्द्रह बीस आदमी ही इतनी लियाफ़त के हों. पर लगभग वही सब के सब या तो मंत्री बना लिये जाते हैं या छप मंत्री, सेक्टरी बग़ैरा. तब उनपर अंकुश रखने के लिये कोई नहीं रह जाता. जो रह जाते हैं वह 'तगमग या तो उनके मददगार होते हैं या हाँ में हाँ मिलाने वाले. ऐसी हालत में धारा सभा और सरकार करीब करीब एक हो जाती है, तब धारा सभा का सरकार पर अंकुश कैसे रह सकता है ? कुछ बचे खुचे लोग टीका मले ही करलें पर नए चुनाव तक सरकार को बदल नहीं सकते. धारा सभा सरकार पर अंकुश तभी रखा सकती है जब सरकार धारा सभा से अलग हो, धारा सभा का हिस्सा नहीं.

8. आज के तरीक़े में सरकार बनाने वाले लोग अपनी खुराई से बचने के लिये बुराई चताने वाले मेम्बरों को सरकार में शामिल कर लेते हैं. देखा कि कोई मेम्बर पोल पट्टी खोलने में जियादा होशयार है तो इसे भी मंत्री बनाकर सामेदार बना लिया. इससे खर्च बढ़ जाता है और सरकार की बेलगामी ज्यों की त्यों बनी रहती है. इस बाल से लोक शाही फेल हो जाती है.

4. ब्रिटिश सरकार के समय में जहाँ तीन वजीर काम करते ये खीर काम अच्छी तरह होता था वहाँ दस दस व्यापित कीर कीर दस दस विकेटरी रख जिये जाते हैं. इस तरह खाज सरकार कहजाने वाजों का जनता पर बोम चौगुना कुना बढ़ा हुआ है.

(بنسهات) کی نظر آیے وجار کیا ، اِسَ لگزایة طویقه اوگ شاهی سرکار بنانے میں سپیل نہیں ہوا آور نه اِس سے سرکار بنانے کے لئے اُنجی آدمی مل سکے . آج کی حالت میں اِس معاملے میں همارے ساملے یه دفتوں آرهی هیں :--

1. هر طرح کے اچھے اچھے جانکار چاو لوکر دھاراً سبھا میں نہیں پہلچتے . زیادہ تر جانکاروں میں اچھی طرح کام کرنے کی لیاقت بہلے هی هو پر چاو لونے کی لیاقت نہیں هوتی . جب دھارا سبھا کے مسہروں میں سے هی وزیر بننے کے لئے آدمی لینے کا رواج هے تب اونتچے درجے کے جانکاروں کی کمی کھٹکتی هے . صحت منتری کے لئے همیں تندرستی کا اچھا جانکار نہیں ملتا شکھا منتری کے لئے اونچے درجے کا تعلیم شاستری نہیں ملتا کھیتی منتری کے لئے اوبی منتری دیا کا اچھا جانکار نہیں ملتا اسلیکے دیر منتی میں دیا کا اچھا جانکار نہیں ملتا اسلیکے دیر منتری کے لئے اوبی میں بھر لینا پرتے ہیں .

2. دھارا سبھا سرکار کے اوپر انکش (کنٹرول) رکھنے کے لئے ھے. پر دھارا سبھا کے سبھی صمبر اِتنی لیاقت نہیں رکھتے که سرکار پر انکش رکھ سکیں . سیکوہ پیچھے شاید پندرہ بیس آدمی ھی اِتنی ایاقت کے ھوں . پر لگ بھگ وھی سبکے سب یا تو منتری بنا لئے جاتے ھیں یا آپ منتری سیکریٹری وفیرہ . تب اُنپر انکش رکھنے کے لئے کوئی نہیں رہ جاتا . جو رہ جاتا . جو رہ جاتے میں وہ لگ بھگ یا تو اُن کے مددگار ھوتے ھیں یا ھاں میں ماں مانے والے . ایسی حالت میں دھارا سبھا آور اسرکار قریب قریب ایک ھوجاتی ھے؟ کچھ بچے کھچے اول سبکا ہے ہی کرلیں پر نئے چناؤ تک سرکار کو بدل لوگ ٹیکا پہلے ھی کرلیں پر نئے چناؤ تک سرکار کو بدل نہیں سکتے . دھارا سبھا سرکار پر انکش تبھی رکھ سکتی ھے جب سرکار دھارا سبھا سے الگ ھو، دھارا سبھا کا حجہ سرکار دھارا سبھا سے الگ ھو، دھارا سبھا کا حجہ سرکار دھارا سبھا سے الگ ھو، دھارا سبھا کا حجہ نہیں .

3. آج کے طریقے میں سرکار بغانے والے لوگ آپئی برائی یتانے والے میں کو سرکار میں برائی یتانے والے میں کو سرکار میں شامل کرلیتے میں زیادہ موشیار ہے تو آسے بھی منتری بغاکر ساجھے دار بغالها . اِس سے خرچ بوھ جاتا ہے اور سرکار کی یہ لکامنی جھوں کی تھوں بغی رہتی ہے . اِس جال سے لوگ ہاھی فیل ھو جاتی ہے .

4. برتھ سرکار کے سے میں جہاں تین وزیر کام کرتے تھے اور کام اچھی طرح ہوتا تھا وہاں دس دس وزیر اور دس دس سکریڈری رکھ لئے جاتے میں ۔ اِس طرح آج سرکار کیائے والین کا جفتا پر بوجھ جولفا ہے گنا بوہا ہوا ہے ۔

चल हुक्म पालने में लगे कि मीत का बर मागा और जब यह।गंदा हर गया कि सत्य सोचने, बोलने और कर डालने का बल आसा. यह बल आया और अंदर बैठी सारी ताक़तों का एका हुआ और एका हुआ कि आत्मा चमकी और विजय देवी के दर्शन हुए.

अब चिन्ता कैसे ? नतीजे से अब क्या मतलब ? कैसी जीत; किसकी हार ? सब मन, वचन, कर्म अपने राम को समर्पन--

चब मँकी चात्मा के सामने हैं :--सबमें राम और राम में सब यानी में सबमें और सब मुक्तमें.

—भगवानतीन

लोकशाही सरकार-एक सुभाव (स्वामी सत्यभक्त)

राजा या तानाशाह (डिक्टेटर) की सरकार आपको :पसन्द हो या न हो, आप उसे आसानी से बदल नहीं सकते, उसे बदलने का अधिकार आपके हाथ में नहीं होता. वह क्षण्डा राज करे तो उसकी मेहरवानी, न करे तो झाप की क़िस्मत. पर आज का जमाना ऐसी पराधीनता को सह नहीं सकता, इस लिये संसार में लगभग सभी जगह लोकशाही (जमहूरी) सरकारें हो गई हैं. जनता इन्हें चुनकर बनाती है और आशा की जाती है कि जनता की इच्छा के अनुसार यह काम करेंगी. अगर जनता की इच्छा के अनुसार यह काम न करें तो पार्लिमेंट वा धारा-सभा को अधिकार है कि इन सरकारों को अलग करहे. भारत के विधान में इसी तरह की सरकारें बनाने की योजना रक्खी गई है. इस योजना के अनुसार घारा सभा में जिस पारटो का बहुमत होता है उस पारटी के मेन्बरों में से कुछ मेम्बर सरकार या वशीर मंडल बना दिये जाते हैं जो कि घारा समा के अधीन रहकर काम करते हैं. इस तरह की सरकार लोकशाही या जनतंत्री सरकार कहलाती है. इंग्लैन्ह के विधान से हमने यह नक्षल की है.

बेकिन इस तराक्षे को काम में जाते समय हमने भारत की हासत पर ध्यान नहीं दिया और न मनोविज्ञान الله علم بالله مين لك كه موت كا قو بها أور بين يد كنده دركها كد سعيد سوجله الولل أور الرقالل عَامِيلَ أَيًّا . يه بل آيا أور اندر بيتهي ساري طاقتون والرائين عرك .

اب چنٹا کیسے ؟ نتیجے سے آب کیا مطلب ؟ کیسی جهت؛ کس کی هار ؟ سب من وچن کرم اله رأم کو

اب منجه آسا کے سامنے میں:-سب میں رام آور رام میں سب مهن سب مين آور سڀ منجه مين . -- بهگوان دين

اوک شاهی سرکار-ایک سجهاو (سرامی ستیه بهتمت)

راجه یا تاناشاه (دَکتیتر) کی سرکار آپ کو پسقد هو يا نه هوا آپ أس آساني سے بدل نهيں سكتے أسے بدللے کا آدھیکار آپ کے هاته میں نہیں هوتا ، وہ اچها راہے کرے تو اُسکی مہربانی' نہ کرے تو آپ کی قسمت . یو آبے کا زمانہ ایسی پرادھیلتا کو سہم نہیں سکتا ' أسلك سدسار مين لك يهك سبهى جكه لوك شاهى (جمهورس) سركارين هوكثى هين . جنتا إنهين جنكر پہاتی ہے آور آشا کی جاتی ہے کہ جنتا کی اِچھا کے اُنوسار یع کلم کرینگی . اگر جنتا کی اِچها کے انوساریه کام نه عيين تو پارليمنت يا دهارا سبها دو ادهيكار هي كه اين سرکاروں کو آلگ کردے ، بھارت کے ودعان میں اِسی طربیم کی سرکاریس بدانے کی یوجدا رکھی نگی ہے ۔ اِس بينها كم انوسار دهارا سبها مين جس پارتى كا يهومت جيدًا علم أس يارثي كم ممدرون مين سے كنچه ممدر سوكار يًا وإير مندل بناديث جاتے هيں جو كه دهارا سبها كے المهين رهكو كام كرتے هيں . اِس طرح كى سركار لوك شاهی یا چن تلقری سرکار کہلاتی هے . انگلیلڈ کے ودھان سے مم نے یہ نقل کی ہے .

الماليكان إس طريائي كوكام ميون لاتے سے هم نے بهارت كي تحالت ير دههان نهيل ديا أور نه مدوكهان

فوشن کے معمل کھونے کرفاجو رنگ السکتا ہے وہ مانو سمانے کے رامی نہیں ھوسکتا ۔ مارکس نے ماتی وادی سادھنوں کو اِتفا مہتو دیا کہ نیٹک سدھانت اور چال چان کی سفائی ایک دم پیچھے جاہری دیا کو اُدارتا' ھمدردی اُسکی نظر میں پیسے کی شاخیں بن کو رہ گئیں ۔ یہ کسی حدتک تھیک ہے کہ ماتی وادی چکر نیٹک وچاروں پر اُپنا اثر دالتا ہے پر عمیشہ اُور ھر حالت میں نہیں' اگر ھر طرح سے پیسے کی بنیاد پر مالت میں نہیں' اگر ھر طرح سے پیسے کی بنیاد پر ویسا نہ کبھی ھوا نہ ھوتا سفا ۔ اگال کے چاھئے تھا پر ویسا نہ کبھی ھوا نہ ھوتا سفا ۔ اگال کے موقع پر ماں کو اپنے بچے بھچنے کی بات سفی ہے اُور وہ تھیک بھی ہے رکھی ھزاروں میں ایک ، ایواد تو اُلٹا یہ ثابت کرتا ہے کہ ٹی بھے ہی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بلوان ہوتا ہے؛ کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بلوان ہوتا ہے؛ کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بلوان ہوتا ہے؛ کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بلوان ہوتا ہے؛ کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بینی سے دیسر ایک سدھانتوں پر تکا ہوا ہے ۔

جو آدمی ایم وقت کی سماجی آور آرتهک حالت میں کرانعی پیدا کردے آور لوگوں کے دل میں اُتھل یتھل مدیادے اور اُنکو اُن فلامیوں سے نکال دیے وہی اِتہاس بغانا هے آور وهي إنهاس كو ألت بلت ذالتا هے. بده مهابیر' میسول سے لیکر کاندھ تک کا اِتہاس کواہ ہے کہ یه لوگ اینے وقت کی سماجی آور آرتهک اوستها میں يبدأ نهيس أسكے خلاف كهرے هوئے آور ارته كو نيجا ديهاكر اخلق آور آونچے چال چلن کو راج گدی دلوائی . سماج سهوا کی بهاونا آور مانو سیوا کی بهاونا جگا کر ولا یه جادو کر پائے ، مانوتا یا مانو پریم اع آپ مهی دهوکے کی جهز ھے اگر اُسکی تہ میں آتم بل نه هو آرر آتم بل کی پہنچان ھے کرم' کھونکہ کرم آتم بل کا پہل ھے اور وہ کرم آیسا ھونا چاھیئے جو آدمی میں سچی آور نرمل بھاونا بیدا کرے آور ایسی کوئی بھی اِچھا بھدا کرے که وہ کرتویه کو سمجھلے لگے اور اسکو ہورا کرنے میں جت جانے . بس اب آتما کی منتهائی یہی ہے کہ هم سماج کو ایسی تعلیم دين كه أن مين جب بهاونا كي ترنكين تهين تو وا سنچی آور مانوجت هون . هوا ٔ پانی ٔ ورشنی کی طرح نهمی ایمانداری اسسا سجائی کے دام بدعی نہوں آنک سکعی اسے تو من هی آنکے کا ، وہ تو بھاولا کی لرازو میں هي تل سكتي هے .

اب سلئے' آتمائس طرح منجھ کی :--

هے همت تو ايے انڊر سماجاؤ آور ايے ستيد يعلى رام کو کهرچ لو .

مين وچين كرم سے الله كرم كي حكم بالقي مهن لك جاور

दर्शन के महत्व खंदे करना को रंग ला सकता है वह मानव समाज के रख से रहने के क्रांबिल नहीं हो सकता. मार्क्यने माटीवादी साधनों को इतना महत्त्व दिया कि नैतिक सिद्धान्त और चाल-चलन की सफाई एकदम पीछे जा पड़ी—दया, कदारता, हमदर्श एसकी नजर में पैसे की शाखें बनकर रह गई. यह किसी हद तक ठीक है कि माटोबादी चक्र नैतिक विचारों पर अपना असर डालता है पर पेशा और हर हाजत में नहीं; अगर हर तरह से पैसे की बुनि के द पर नैतिक महत्व खड़ा होता तो ग़रीबी में वह महत्व गिर पड़ना चाहिये था पर वैसा न कभी हुआ न होता सुना. अकाल के मौके पर मां को अपने बच्नो बेबने की बात सुनी है और वह ठीक भी है पर कहीं हजारे में एक. अपवाद हो उत्तरा यह साबित करता है कि नैतिक बल पैसे से कहीं ज्यादा बलवान होता है; कुछ भी हो गार्क्य का फलसफा कच्चे नैतिक सिद्धान्तों पर टिका हुआ है.

जो आदमी अपने बहुत की समाजी और आर्थिक हालत में क्रांति पैदा कर दे भीर लोगों के दिल में जयल पुथक मचा दे और ननको उन गुकामियों से निकाल दे वही इतिहास बनाता है और वहीं इतिहास को उत्तट पुलट बासता है. बुद्ध, महाबीर, ईसा से लेकर गांधी तक का इतिहास गवाह है कि यह लोग अपने बक्त की समाजी भौर भार्थिक भवस्था में पैदा नहीं उसके खिलाफ खड़े हुए श्रीर अर्थ को नीचा दिखाकर इखलाक और ऊँचे चाल-चक्कन को राज गद्दी दिलवाई. समाज-सेवा की भावना और मानव सेवा की भावना जगाकर वह यह जाद कर बाये. मानवता या मानव प्रेम अपने जाप में धोके की जीज है अगर उसकी तह में आत्मवल न हो और आत्मवल की पहचान है कर्म, क्योंकि कर्म आत्मवल 🤼 का फल है और वह कर्म ऐसा होना चाहिये जो आदमी में सचची और निर्मल भावना पैदा करे और ऐसी कोई भी इच्छा पैदा करे कि वह कर्त्तव्य को समक्तने लगे और इसको पूरा करने में जुट जाये. वस अब आत्मा की मँमाई यही है कि हम समाज को ऐसी तालीम दें कि उनमें जब भावना की तरंगें वह तो वह सक्वी और मानवोचित हों. हवा, पानी, रोशनी की तरह नेकी, ईमानवारी, ऋहिन्सा, सच्चाई के दाम बुद्धि नहीं आँक सकती, उसे तो मन ही आँकेगा. वह तो भावना की तराजू में ही तुल सक्ती है.

बाद सुनिये, बात्मा किस तरह मँमेगीः—

है हिम्मत तो अपने अन्दर समा जाओ और अपने सत्य यानी राम को स्रोज स्रो.

का, वचन, कर्म से अपने कार्न के हुक्स पालने में क्षम आओ.

(132) '51 ----

WHEN 'ST

آواد عبن آور یہی تو گهملت نکر جائے والی سوک جے جہاں آواد عبن آور یہی تو گهملت نکر جائے والی سوک جے جہاں آوادی فلامی کاروپ لےلیتی ہے ۔ جو ایک (الکیا) یہ سمجهتا ہے کہ سماج کے ساتھ اسکا آزادی کا رشته ہے ، وہی ایک (آلگیا) سمجے معلے میں آزاد ہے . آپسی بھوہار میں چھوٹے ہوے عہدوں کے ناتے دوسرے سے ایک کا رتی بھر قر بھی میں بھو آدزای کو کہا سکتا ہے .

خاص وأد نام سے پچھم میں ایک نیادرشن کھوا ہوگیا ھے . پچھم کے لوگ من مائی کے دوت واد سے اوب گئے ھیں کهونکه أب تک وهال يا تو يه مانا جاتا تها که آدمی پس من (ماثلة) هـ، يا يه مانا جاتا تها كه آدمي بس ماتي (مهتر) هے، يا يه مانا جاتا تها كه آدمي بس من ماثي (مائلة ميتر) كا يتلا هي . خاص وأدبي كهتم هيل آدمي نعمن ہے نع مائی ہے اور نع من مائی ۔ وہ ہے پرھی (Person) . بس إس وجار دهارا كا نام ه خاص واد یا پرض واد . الس وجار دهارا نے آدرهی واد آور مائی وأد كو بهت پهچه چهور ديا اور يه وچار دهارا هنده درشین دهارا سے کائی هوئی ایک نهر هی سی نکتی ہے . يهال فرا وچار آور كوم كا رشته سمجه لها جاي . هم يهلي وجارت هوں یا پہلے کوم کرتے هوں ؟ اِسکا جواب بہت مشکل آور بهت آسان هے . مشکل یوں که کوئی کرم ایسا نهین جسکے بهنچه وچار نه هو ، آسان یون که کوم ساملے ہے وجار آنکھ کے پرے اسلئے کرم ضروری أور پہلے . کرم کو ہوا سمجھنا ھی ہوے کا کھونکہ کرم میں میار شامل هے . وجار تو اکیلا آور نکما هے . أسے بوا سمجھنے سے کیا فائدہ ، آدرهی واد میں یہ ہوا عیب مے که بسی سوچے جاو سوچے جاو آور اِسلئے وہ هبکو ماتی واد کی کھائی میں جا پاتھتا ہے ۔ یہاں کولی یہ سوال کھوا کر سكدًا هي كه كرم تو سو سي پهر تك ماتي راد هي . اب ؟ يس إسى كے لئے آيا خاص واد . وا كہما هے نه آدرهى والف کی برفیلی چورتیاں ناپتے پہرو نه مارکس رشی کے مالی واد کے سمندر میں فرطے کھاتے پھرو . اِس میس ھگٹ کہیں که مارکس رشی نے مانو سماج پر ہوا احسان کیا ہے ، اُنہوں لے آدمی کے جمون کو اِس طرح کہول کو سمجها دیا ہے جس طرح جراح آدمی کی لاش کو چیر کر رگ رک کا کیاں کرا میکا ھے، آلنا می کیس ؟ انہوں نے تو ید سکهادیا که جهبری کا بدل دالنا آدمی کے هاته کی عاس هے اور یہ که وہ کلسے بدلا جاسکتا ہے ؟

لیکن اولا اِس دهن میں جا میت اِتہاس میں۔ وہاں کی کوانتھوں پر کیا تھا ؟ ماتی وا دیا ناکا ناچ اِ اِتہاس کی کوانتھوں پر

का वह आजाद हों और यही तो यमंड नगर जानेवाली सड़क हैं जहाँ आजादी गुलामी का रूप ले लेती हैं. जो एक (अलिग्या) यह सममता है कि समाज के साथ उसका आजादी का रिश्ता है, वही एक, (अलिग्या) सड़के माने में आजाद हैं. आपसी ज्योहार में छोटे बड़े ओहदों के नाते दूसरे से एक का रत्तीभर हर भी मन मर आजादी को सा सकता है.

खासवाद नाम से पिन्छम में एक नया दर्शन खड़ा हो गया है, पच्छिम के लोग मन माटी के दुत्तवाद से जब गये हैं क्योंकि अब तक वहाँ या तो यह माना जाता था कि ष्पादमी बस मन (माइन्ड) है, या यह माना जाता था कि आदमी बस माटी (मैटर) है, या यह माना जाता था कि श्रादमी वस मन-माटी (माइन्ड-मैटर) का पुतला है. खासवादी कहते हैं आदमी न मन है, न माटी है और न मन-माटी. वह है पुरुश (Person). बस इस विचार-धारा का नाम है जासवाद या पुरुशवाद, इस विचार धारा ने श्रादर्शवाद और माटी वाद को बहुत पीछे छोड़ दिया और यह विचार भारा हिन्दू दर्शन धारा से काटी हुई एक नहर ही सी लगती है. यहाँ जरा विचार और कर्म का रिश्ता समम लिया जाय. इम पहले विचारते हैं या पहले कर्म करते हैं ? इसका जवाब बहुत मुश्किल और बहुत आसान है. मुश्कल यों कि कोई कर्म ऐसा नहीं जिसके पीछे विचार न हो. और कोई विचार ऐसा नहीं जिसके पीछे कर्म न हो. आसान यों कि कर्म सामने हैं विचार आँख के परे, इसलिये कर्म जरूरी और पहले. कर्म को बढ़ा समकता ही पढ़ेगा क्योंकि कर्म में विचार शामिल है. विचार तो श्रकेला और निकम्मा है. उसे बड़ा समकते से क्या फायदा. आदरीवाद में यह बड़ा ऐब है कि बस सोचे जाओ सोचे जाओ और इसिलये वह हमको माटीबाद की खाई में जा पटखता है. यहाँ कोई यह सवाल खड़ा कर सकता है कि कर्म तो सर से पैर तक माटीवाद है. श्रव ? बस इसी के लिये श्राया खासावाद. वह कहता है न आदर्शवाद की वर्जीली चोटियाँ नापते फिरो. न मार्क्स रिशि के माटीवाद के समुंदर में ग़ोते खाते फिरो. इसमें शक नहीं कि मार्क्स रिशि ने मानव समाज पर बढ़ा एहसान किया है. उन्होंने भादमी के जीवन को इस तरह स्रोतकर समम्मा दिया है जिस तरह जरोह चादमी की लाश को चीर कर रग रग का ज्ञान करा देता है, इतना ही क्यों ? एन्होंने तो यह सिखा दिया कि जीवन का बदल उन्लना आदमी के हाथ की बात है और यह कि वह कैसे बदला · जा सकता है ?

लेखिन, वह इस धुन में जा घुसे इतिहास में. वहाँ क्या था ? माटीबाद का नंगा नाच ! इतिहास की क्रान्तियों पर इसी तरह की मन, बचन, कर्म की तस्तीनता का नाम है 'ईरबरार्पन'.

रहे कोघ, मान, माया लोभ यह तो उपर की रीति से किये अभ्यास के बाद बेदम हो जाते हैं और इस वक्षत आदमी में काम करने की ताकृत वे हिसाब बढ़ जाती है.

हसे अपने पन का ध्यान नहीं रहता और इसी को कुछ स्रोग कहते हैं कि वह तो ईश्वर के हाथ का श्रीजार भर रह गया है.

वस इसी अवस्था का नाम है:-'ों सब में और सब मुक्त में"

भगवद्गीता का यही सन्देश और यही निचोड़ है. आत्म-मॅमाई की कला पर इससे बढ़ कर और क्या कहा जा सकता है. गी ए जो टपनिशदों का निचोड़ है, वह गुस्से को ठंडा करती है, मानको डाती है, मोह का नाश करती है, लालच की जड़ काटती है. इस गीता से न जाने कैसे कोई यह मतलब निकाल बैठता है कि उस में भगवान ने अर्जुन को लड़ाई का उपदेश दिया. गीता को निश्काम कर्म इसने का प्रन्थ बताना और फिर अर्जुन के उस जयद्र-थवंच कमें को उस गीता की क्योटी पर ठीक उतारना जिसको अर्जुन ने अभिमन्यु का बदला लेने के लिये किया था, कहाँ तक ठीक हो सकता है उसे हरेक आसानी से समम सकता है.

यह ठीक है कि आत्म-मँमाई में आजकत का समाज आहे आता है पर आज का समाज तो निरा स्वार्थी बना हुआ है और बहुत जल्दी ही या तो उसकी सुधरना होगा या किसी में मिल जाना होगा. सुधार इसके सिवाय क्या हो सकता है कि अब एक (अलगिया, व्यश्टि, इनडिविजु-अल) सब के लिये रहना सीखे और सब (समिश्ट) एक की रक्षा के लिये तैयार रहें.

समाज के लिये न जीकर जो अपने लिये जीता है वही
पूजा, पैसा अतिश्वा का मूका होता है और अपने किसी मतलब
का पूरा करने के लिये वह सारे स्वांग रचता है, तरह तरह
के ह्रव धरता है. आज इसो वजह से सिपाही सिपाही है,
आदमी नहीं; पुजारी पुजारी है, बनिया बनिया है और
कारीगर करीगर है, आदमी कोई भी नहीं. यह क्या बात है
कि जो कल दारोगा या आज दारोगा न रहने से दो कौड़ी
का भी आदमी नहीं रहता ? असल में वह जब दारोगा या
तब आदमी नहीं था, अपने दारोगापन से पूजा, प्रतिश्वा,
पैसा कमाने में लगा था, फिर वह दो कौड़ी का रह ही जायगा.
यही हात आज बजीरों तक का है, और अगर दारोगा या
बजीर ने निरकाम कर्म किया होता तो जीते जी उनकी
हफ्जत समाज में बनी रहती. दारोगा और वजीर अपने
ओहदे पर रह कर आजादी का अर्थ मूल जाते हैं. वह

اُسی طوح کی سی ' واہمن ' کرم کی تلیفتا کا تام ہے۔ ' لیشور ارون '

رهے کرودھ' مان ' مایا لوبھ یہ تو ارپر کی ریت سے گئے ابھیاس کے بعد بیدم ہوجاتے ھیں اور اِس وقت آدمی میں کام کرنے کی طاقت ہے حساب بوھ جانی ہے .

اُسے اٹے پی کا دھیاں نہیں رھٹا آوو اِسی کو کچھ لوگ کھٹے ھیں کہ وہ تو ایشور کے ھاتھ کا اوزار بھر رہ گیا ہے۔

بس إسي أوستها كا نام هے :-

" مهن سب مين آور سب مجه مين "

بهکودگهتا کا یہی سندیش آور یہی نچوز ہے۔ آتم منتجهائی کی کا بر اِس سے بوهکو آور کها کہا جاسکتا ہے۔ گهتا جو اُینشدوں کا نچوز ہے' وہ قصے کو تهندا کرتی ہے' مان کو دھاتی ہے۔ اُس کیتا سے نه جانے کیسے کوئی یہ مطلب نکال بیٹهتا ہے که اُس مهن بهکوان نے ارجن کو لوائی کا اُیدیش دیا ۔ گیتا کو نشکام کوم نرنے کا گرنتھ بتانا اور پهر اُرجن کے اُس جهدرته ودھ کرم کو اُس گیتا کی کسوتی پر تهیک اُکارنا جس کو اُرجن نے ابهیمنهو کا بدلے لہنے کے لئے کیا تھا' کہاں تک تهیک ہوسکتا ہے اُس ہیدا ہے۔ اُس لینا ہے ہو۔ اُرکن نے ابهیمنهو کا بدلے لینے کے لئے کیا تھا' کہاں تک تهیک ہوسکتا ہے اُس ہی آبیا ہیں۔ آبیا ہے۔

یہ تھیک ہے کہ آتم ملجھائی میں آج کل کا سماج اور آت ہے اور آج کا سماج تو نرا سوارتھی بنا ہوا ہے اور بہت جلدی ھی یا تو اُسکو سدھرنا ھوگا یا کسی میں مل جانا ھوگا ۔ سدھار اِسکے سوا کیا ھوسکتا ہے کہ اب ایک (الکیا' ویشٹی' انتیویجول) سب کے لئے رھنا ایک رکشا کے لئے تیار میسی ،

سماج کے لئے نہ جی کو جو اپر لئے جیتا ہے وہی جیوا' پیست پرتشتها کا پہوکا ہوتا'ہے آور' آپ کسی مطلب کو پیرا کرنے کے لئے وہ سارے سوانگ رچتا ہے' طرح طرح کے روپ دھرتا ہے ، آج اِسی وجہ سے سیاھی سیاھی ہے' آدمی نہیں؛ پنجاری پنجاری ہے' بنیا بنیا ہے آور کاریکر کاریکر ہے' آدمی کوئی بھی نہیں ، یہ کیا آبات ہے کیا جو کل داررفہ تھا آج داروفہ نہ رھئے سے دوکوہی کا جھی آدمی نہیں رہتا ؟ اُصل میں وہ جب داروفہ تھا تب آدمی نہیں تھا' آپ داروفہ بن سے پوجا' پرتشتھا' بھی آدمی نہیں تھا' آپ داروفہ یا وہ می جائیکا، یہی حال آج والدوں تک کا ہے' اگر داروفہ یا وزیر نے نشکام کوم کیا حول تو جوہی کے دوروبری کی کی جوہی کو دوروبری کی کی کو دوروبری کا اُرتہ بھی دی دوروبری کی کوروبری کیا تھا تھا کو دوروبری کی کوروبری کو دوروبری کی کا ہے' اگر داروفہ یا وہ دوروبری کیا ہے میں بنی دھی۔ داروفہ خور دوروبر اپنے عہدے پر دھکر آزادی کا آرتہ بہول جاتے ہیں ، وہ

नाम है निरमय और ज्योहार मकेंद्र निरमय यानी ज्ञान यानी जाह्यनचारा समाज को निगाह में रखते हुए बड़ी खतरनाक है, चकेता ज्योहार यानी चतुभव वानी जमन-विचार समाज में चथल पुथल तो मचा सकता है, बहुत काम भी कर सकता है पर वह टिकाऊ नहीं हो सकता. चतुभव के लिये समाज और समाज के ज्ञादमियों की जितनी चाहरत होती है चतनी ज्ञान के लिये नहीं. लोक संग्रह के लिये चातुभव बेहद जरुरी, है. समाज की रज्ञा के लिये चातुभव ही काम करता है.

खासपन की परनता के लिये यानी चात्म-मँमाई के लिये घर छोड़कर जंगल में रहना तो पड़ता है पर वह हरेक के लिये जरूरी नहीं और हमेशा के लिये तो हरगिज जरूरी नहीं, और किसी के लिये जहरी नहीं. असल में घर छोड़ने का इतना ही सहस्व है जितना साँसे बाहर छोड़ने का. साँस बाहर ब्रोइना तो जरूरी है पर साँस ब्रोड़े रखना जरूरी नहीं, उसको फिर अंदर भी लेना पड़ता है. ठीक इसी तरह अनुभव के लिये यानी आत्म-मॅमाई के लिये समाज से अलग रहना जितना जरूरी है उतना ही समाज से घुलमिल कर रहना भी जरूरी है. समाज से अलग रहकर आत्म-विश्वास बढाया जाता है-सोचा समका जाता है पर इतना भर तो अनुभव के लिये काफी नहीं. उस सोचे सममे पर अमल करने से तो आत्म मंमाई पूरी होगी और उस पर अमल करने के लिये तो समाज की जरूरत है, समाज के साथ रहते की जरूरत हैं. समाज में रह कर अपने सोचे समभे पर अमल करके ज्ञान को बल मिलता है. निश्चय का रूप सामने आ जाता है. बस उसी तरह साँस अन्दर खींबने और बाहर निकालने की तरह अनुभव या आत्म-मँमाई के लिये कभी समाज से अलग रहना पड़ता है और कभी उसमें घुल मिल कर.

समाज से अलग होकर अलग पन जागता है भीर खासपन विचार में लग जाता है.

अब आसपन अपने मीतर की सारी शक्तियों को बुलावा देता है और उनके आने पर उनकी मदद से अपने भीतर बैठे स्था को जानने की कोशिश करता है. उनको जान कर अपने मन, बचन, कर्म में उसको चुला कर उनको समाज के काम के रूप में जाहिर करता है. उसके विचार बचनऔर कर्म सत्य के कवच में चुलकर उसको निडर बना देते हैं. अब मौत से उसको कोई डर नहीं रह जाता. शक्ति बेहद बद जाती है. मानो किसी मीटर में बिजली का तार कोड़ दिया गया हो,

मन, वचन, कमें की समता से उसका हरेक काम इतना पक्का हो जाता है कि उसको अब इस बात का ध्यान ही नहीं रह जाता कि उसके कामों का नतीजा क्या होता. नतीजे की जिसे परवाह नहीं उसके लिये हार जीव कैसी ? الم المن المنتي أور يهوهار . الحية تشتي يعلى المان يعلى المالي يعلى شرمان وجاد سناج ميس المالي يتهل تو مجا سكتا هـ ابهت كام يهى كو سكتا هـ يورة تكاو نهيان هوسكتا . انوبهو كم لئے سناج أور سماج كم الدميون كى جاتلى قبان كم لئے انوبهو بهتك ضرورى هـ المالي كم لئے انوبهو بهتك ضرورى هـ . سماج كى وكما كم لئے انوبهو بهتك ضرورى هـ .

کاص بن کی بہرنتا کے لئے یعنی آتم منجهائی کے لئے کھر چھور کر جلکل میں رها تو پوتا ہے پر وہ هر ایک کے لئے ضروری نہیں اور همیشه کے لئے تو هرگز ضروری نهیں اور کسی کے لئے ضروری نہیں ، اصل میں گھر جا ورتے كا إتلا هي مهتو هي جتنا سانسين باهر چهورني كا. منانس باهر چهرونا تو ضروری هے پر سانس چهورے و ركهنا ضروري نهين' إسكو پهر اندر بهي لهنا پوتا هي . تهيك اِسی طرح انوبھو کے لگے یعنی آتم منجھائی کے لیے سماج سے آلگ رہنا جننا ضروری ہے آتنا ہی سماج سے کہل ملکر رها بهی فروري هے . سماج سے آلگ رهکر آتم وشواس بوهايا جاتا هي -- سوچا سنجها جاتا هي پر اتنا بهر تو انوبہو کے لئے کانی نہیں ، اُس سوچے سمجھے پر عمل کرتے سے تو آتم مخصهائی پوری هوگی اور اُس پر عمل کرنے کے لیے ہو سداج کی ضرورت ہے' سماج کے ساتھ رہلے کی ضرورت ھے . سماہ میں رهکر أبلے سوچے سدجھے پر عمل كركے كھان كو بل ملتا هـ نشيع كا روب سامليه أجانا هـ . يس أسى طرح سائس أندر الهيذچنے أور باعر نكالنے كى طرح أتوبهو یا آتم منتجهائی کے لئے کبھی سماج سے الگ رهلا ہوتا ہے ا اور کیهی اس میں گهل ملکر .

سماج سے الگ هوکر آلک پن جاگتا هے اُور خاص پن : وجار میں لگ جاتا هے .

اب خاص پن آپ بھیٹر کی ساری شکتھوں کو بالرا ادیکا ہے اور اُن کے آنے پر اُن کی مدد سے آپ بھیٹر بھتے استیہ کو جانئے کی کوشش کرتا ہے ۔ اُن کو جان کر آبھ من اُستیہ کو میں آسکو کھا کر اُن کو ساج کے کام کے ورب اُمیں ظاہر کرتا ہے ۔ اُس کے وجار وجن اُور کرم ستیہ کے اُسی طاہر کرتا ہے ۔ اُس کے وجار وجن اُور کرم ستیہ کے اُسی کو اُسکو ندر بنا دیتے ہیں ، اب موت سے اُس کو کوئی در نہیں رہ جانا ، شکتی ہے حد ہوت جاتی اُس کو کوئی در نہیں رہ جانا ، شکتی ہے حد ہوت جوتی ہے میں مہدر میں بجلی کا تار جور دیا گھا ہو۔

من وچی اکرم کی سبتا سے اُس کا هر ایک کام آلتا یک هوجاتا ہے کہ اُسکو آپ اِس بات کا دهیاں هی نہیں رہ خاتا کہ اُس کے کاموں کا نتیجہ کیا هوگا ، نتیجے کی جسے پرواد نہیں اُس کے لئے هار جیت کیسی ؟ कि यह शक होने क्रमांक है कि कहने बाका जुद भी ठीक ठीक समम रहा है या नहीं; जर, इस बात को छोड़िये, इसारे काम की बाह्य तो इतनी ही है कि एक खासपन हम सब में है.

अक्षगपन और कासपन को समके विना आत्म-मँमाई में सगना सतरे की चील है.

इस दो पन में से खासपन ही हमारे काम का है. यही आहमा के ज्यादा निकट है, इसी को समम लेना चाहिये, यह खासपन धासल में आत्मा ही है पर मैला चहुत है और मैली धात्मा को अगर कोई आहंकार कह बैठे या खमीर कह बैठे ले खुरा ही क्या करता है ? आज खासपन ने जो रूप ले रहा है वह परमात्मा के निकट बाला नहीं हो सकता है और मैली आत्मा माटी पवियों, जड़वादियों का दिया 'खमीर' नाम ही पा सकती है. जर्मन डाक्टर निटशे ने इस को आदमी के भीतर का 'अहंकार भरा अलगपन' (ईगो इस्टिक इनडिविजुएलिटी) कहा तो ठीक ही कहा. ओ मारधाड़ में आतम पूरनता माने, जो दुनिया पर छा जाने की किकर में मस्त होकर जी चाहे कर डालने में आतम पूरनता माने, वह आहंकार भरा अलगपन नाम नहीं पाएगा तो और क्या !

हिन्दू दर्शन ने इस अलगपन और खासपन को अपने हंग से अलग समका है, और ऐसा समका है कि अगर इस पर असल किया जाय तो दुनिया में चारों ओर अमन चैन असन चैन ही दिखाई पड़े. इस दर्शन को दलीलों से मूटा साबित करना तो अमन चैन को लितयाना है या इसको दलीलों से यह साबित करना कि नहीं वह दर्शन इस को अहंकार का पाठ देता है, दर्शन के साथ अन्याय करना है. हिन्दू दर्शन का निचोड़ है—'एक अनेक में समाया है और अनेक एक में यानी सत्य सब में और सब सत्य में.'

खासपन एक आदमी के अनोखेपन का सबूत नहीं है वह तो सारे आदमियों के अनोखेपन का सबूत है, उस खासपन से तो हम आदमी और जानवर को अलग अलग कर पाते हैं.

हिन्दुस्तान का इतिहास बताता है कि मुद्दूत से इस देश में हो तरह की विचार भाराएँ बहती आई हैं—एक हान भारा और दूसरी अनुभव भारा इन्हों का दूसरा नाम बाह्मन संस्कृति और अमन संस्कृति है. हान भारा अलग-पन पर जोर देती है और ख़ासपन को बहुत कम खूती है. खुमब भारा खासपन पर जोर देती है और अलगपन समाई रहती है. हान भारा और खनुमब भारा के दूसरे کا رہے گئی ہوئے لگھا ہے کہ کہتے والا خوہ ہیں تہمک تممک سنجم رہا ہے یا نہیں؛ خیرا اِس بات کو چھورویکے' ہمارے کام کی بات تو اِنٹی ہی ہے کہ ایک خاص پن ہم سب میں ہے .

الگ پن آور خاص بن کو سمجھ بنا آنم سلجهالی میں لکنا خطرے کی چیز ھے۔

اِن دو پن میں یے خاص پن هی همارے کام کا هے .

یہ آتما کے زیادہ نکت ہے اِسی کو سمنچہ لیفا چاهئے اُور

یہ خاص پن اصل میں آتما هی ہے پر میڈ بہت ہے اُور
میلی آتما کو اگر کوئی اهدکار کے بیٹھے یا خمیر کے بیٹھے

تو برا هی کیا کرتا ہے ؟ آج خاص پن نے جو روپ لے رکھا

فکت والا هی هرسکتا ہے آرر میلی آتما ماتی وادیوں
نکت والا هی هرسکتا ہے آرر میلی آتما ماتی وادیوں

ذکت والا هی هرسکتا ہے آرر میلی آتما ماتی وادیوں

قاکٹر ناشے نے اِسکو آنسی کے پہیٹر کا 'اهنکار بھرا الگ پن'

(ایکو اِسٹک انتیویجوئلیٹی ' کہا تو تھیک هی کہا .

جو مار دھار میں آتم بورنتا مانے' جو دنیا پر چھا جائے

جو مار دھار میں مست هوکر جی چاھے کر قالمے میں آتم

پورنتا مانے' وہ اهنکار بھرا الگ پن نام نہیں پائے کا تو

آور کیا !

هندر فرشن نے اِس الگ پن آور خاص پن کو اور خاص پن کو اور دھنگ سے الگ سبجها هے، آور ایسا سبجها هے که اگر اُس پر عمل کھا جائے تو دنها میں چارس اور امن چین امن چهن امن چهن کو لایانا هے یا اُسکو سے جهوتا ثابت کرنا تو اُمن چهن کو لایانا هے یا اُسکو دلیلوں سے یہ ثابت کرنا کہ نہیں وہ درشن هم کو اُهنار کا پاتھ دیکا هے، درشن کے ساتھ اُنهائے کرنا هے ، هندو درشن کا نتھوت هے — ایک اُنیک میں سمایا هے اور اُسب سلامی اُرد سب سلامی میں اور سب سلامی میں، ،

خاص پن ایک آدمی کے انوکھ بن کا ثبوت نہیں کے وہ تو سارے آدمیوں کے انوکھ پن کا ثبوت ہے، اُس خاص پن کا ثبوت ہے، اُس خاص پن سے تو ہم آدمی اور جانور کو الگ آلگ کر پاتے ہیں .

هندستان کا اِتهاس بتاتا هے که مدت سے اِس دیش مہیں دو طرح کی وچار دھارائیں بہتی آئی هیں۔۔ایک گهان دعارا اور دوسری انوبھو دھارا۔ اِنھیں کا دوسرا نام پراھس سلسکرتی اور شرمن سلسکرتی ھے۔ گهان دھارا الگ بن پر زور دیتی ھے اور خاص بن کو بہت کم چھوتی ہے۔ ارجہو دھارا خاص بن پر زور دیتی ہے اور الگ بن میں سیاتی وھتی ہے۔ گهان دھارا آور انوبھو دھارا کے دوسرے

चात्म-मॅमाई

इमारी कात्मा साक नहीं है, इतना ही नहीं, वह इतनी मैशी है कि क्कको माँमने की जरूरत है.

जाप मुमले जलग, मैं जाप से जलग, यों हम सब जलग जलग हैं. इस का नाम है जलगपन, जलगपन को कुछ लोग व्यक्तित्व, इनकरादियत या इनदिविजुएकिटी भी कहते हैं. यह जलगपन सब में मौजूद है.

अलगपत के बारे में कुछ का यह कहना है कि यह जलगपन पेसा है, जैसे बूँद का अलगपन, जो पानी में मिलकर पानी में ही घुल मिल जाती है और फिर बूँद जैसी कोई चीज ही नहीं रह जाती. कुछ का यह कहना है कि नहीं, यह अलगपन सदा कायम रहता है.

इस जलगपन की बात इमने यों कही कि जात्म-मँमाई में लगनेवाले जलग जलग लोगों ने ऐसी दो जलग जलग बातें हमारे सामने रखी हैं.

इस जानकारी से आत्म-मँमाई में कोई ठकावट नहीं होती और नहोनी चाहिये.

आप किसी तरह सोचते हैं, मैं किसी तरह सोचता हूँ. आपकी बात सब सुन तेते हैं, मेरी बात कोई नहीं सुनता. आप से कुछ लोग डरते हैं, मुसे कुछ लोग डराते हैं. यों आप और मैं अलग अलग हैं. इस तरह का अलग-पन भी सब में मिलता है. यह लास तरह का अलगपन 'सासपन' इहलाता है, जिसे 'विशेशत्व' 'पुत्रशत्व' शिखस-यत या परसनालिटी भी कहते हैं.

इस खासपन के बारे में कोई कुछ कहता है, कोई कुछ.

पक का कहना है—यही पुरुश या परमात्मा है; दूसरे का कहना है—यही आत्मा है; तीसरे का कहना है—यही आत्मा है; तीसरे का कहना है—यही आहंकार है; बौथे का कहना है—यही आत्मपन की पूरनता का रूप है, यानी यही पूरनता है; पाँच मृत मिल कर जो पुतका बना उसी का यह नतीजा है. यह पाँचवाँ अपनी बात को दूसरों के मन में बिठाने के किये यह दलील देता है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन जाती है, कोई भी दो जीज मिलकर एक तीसरी जीज बन कर वास पन को सहत कर विये हैं, जैसे प्रहोनियम, क्यूरियम,—अमेरिकेनियम, यह पाँचवाँ इस दलील के जोर पर इस लासपन को बहुत मानूसी, जमीर जैसी जीज वो समसता है, पर असको आहत मानूसी, जमीर जैसी जीज वो समसता है, पर असको आहत मानूसी, जमीर जैसी जीज वो समसता है, पर असको आहत मानूसी तक प्रहेंजाने में इतना येचीहा कना दिया है

الم منجهائي

هماری آنیا معلق نہیں ہے اِنلا می نہیں وہ اِنلی میٹی ہو اِنلی میٹی ہے کا اُسکو مالنجھلے کی ضرورت ہے .

آپ معجه سے الگ' میں آپ سے الگ' یوں هم سب الگ الگ هیں . الگ یون کو الگ الگ الگ ہیں ۔ الگ یون کو کھھ لوگ ریکٹھو ' انفرادیت یا اِنقیویتجوٹلٹی بھی کہتے ۔ هیں . یه الگ ہی سب میں موجود ہے .

الگ پن کے بارے میں کچھ کا یہ کپتا ہے کہ یہ اُلگ پن ایسا ہے ' جیسے بوند کا الگ پن ' جو پانی میں ملکر پانی میں ہی گہل سل جاتی ہے اور پور بوند جیسی کوئی چیز ہی نہیں رہ جاتی ، کچھ کا یہ کہنا ہے کہ نہیں' یہ الگ پن سدا قائم رہتا ہے ۔

ا اس جانکاری ہے آتم ملجهائی میں کوئی رکارت نہیں ہوتی اور نہ ہونی جاھئے۔

آپ کسی طرح سوچتے هیں' میں کسی طرح سوچتا موں ۔ آپ کی بات سب سن لیتے هیں' میری بات کوئی نہیں سفتا ۔ آپ سے کچھ لوگ قرتے هیں' منجمے کنچھ لوگ قرآتے هیں ۔ یوں آپ اور میں الک الگ هیں ۔ ٹیس طرح کا الگ پن بھی سب میں ملتا ہے ۔ یہ خاص طرح کا الگ پن ' خاص پن کہلاتا ہے' جسے ' وشیشتو' ایرمیتو ' شخصیت یا پرسفالتی بھی کہتے ہیں ۔

 हुए दी वे कि मैंने अपने अवह के दरवाचे कर जो शक्त किसे हुए थे उन्हें जिस सबद मेरे बंदे ने पड़ा था, सुवार दिया. और किर घर से बाइर अवह दिला ने पूरी पूरी गवाही दी कि दूरवर दें और हर जैनह है तब मैं एकान्त से बाइर निकल कर किर दुनिया में वापस आया और आजकल जब कभी भी कोई मौका मिलता है तो दुनिया के लोगों को 'प्रमु हैं' ऐसी बार्वे करता हूं, और हमेशा प्रमु के प्रेम का गीत गावा रहता हूं."

तब जिस स्टेशन पर उन्हें श्तरना था, वहाँ गाड़ी आ पहुंची, और वह अपनी जगह से एठकर गाड़ी के बाहर निकतो. मैंने उन्हें जाम किया. उन्होंने मुक्ते आशीर्वाद दिया और कहा—''बेटा, पुन्हें भी प्रभु को पहचानने की बेसबरी और बेचैनी का बुखा, जन्दी ही और जोर से चढ़े.''

यह उनका आशीबोद कव फलेगा, यह तो मैं नहीं कह सकता, हाँ, इतना ज़रूर कहुँगा कि उनका यह आशीबीद मैं अपने जीवन की एक बहुत बड़ी और क्रीमती विस्शिश समम्बद्धा हूँ. میں ہی قبیعہ سین کے اپنے بالعو کے دروائے پر بھر مید کئی۔

الدر یور گیر سے باہر انکل ہوا ، برس تک ایفات میں دنیا
سے دور رہا اور جب دال نے یوری بوری کواہی دی که ایشور
سے دور رہا اور جب دال نے یوری بوری کواہی دی که ایشور
سے اور ہر جکہ ہے تب میں ایکانت سے باہر تکلکر پیر
منیا میں واپس آیا اور آج کل جب کیمی بھی کولی موقع
منیا میں واپس آیا اور آج کل جب کیمی بھی کولی موقع
منیا ہے تو بنیا کے لوگوں کو ایربیو میں' ایسی باتیں کوتا
ہوں' اور ہمیشہ پربیو کے بریم کا گیت کاتا رہتا ہوں ۔''

حب جس استیشن پر أنهین أترنا تها وهان كاری آیهونچی أور وه ایلی جگه سے أنهكر كاري كے باهر تكلے . مهن في أنهين پرنام كها . أنهون في منجه آشهر وأد ديا أور كها —'' يهنا تمهين بهى پربهو كو پهنچانفي كى يصورى أور يه چهيني كا يتفار جلدى هى أور زور سے چوھے .''

یم أن كا آشهر واد كب پهليكا یم تو مهن لهين كه سختا هان اِتفا ضرور كهونكا كم أن كا یم آشهر واد مهن اهه جهون كی ایک بهت بچی اور قهمتای بخشش سمجهتا هن .

साजन रूप पुजारी निकले

(भाई 'बिसमिल' शेखूपुरी)

भौरों ने भी कहा था ऐसा पी को जान न अपने जैसा स्रोग जिन्हें कहते वे योगी

> अक्सर वह संसारी निकले साजन रूप पुजारी निकले.

मैंने समका प्यार करेंगे भौरों का ना ध्यान घरेंगे जितने नयन ये भोते भाते

> खतने अत्याचारी निकले साजन रूप पुजारी निकले.

प्रेम पुजारी कहने वाले प्रेम नगर में रहने वाले हो दिन इस दुनिया में खाकर

जोबन के न्योपारी निकले

ساجن روب بجاری نکلے

(پهالی ایسمل شهنام پوری) .

بھوتروں کے بھی کہا تھا ایسا پی کو جان ند ایے جیسا لوگ جانیں کہتے تھے ہوگی

اکٹر وہ سنساری نکلے ، ساجن روپ پنجاری نکلے ،

> میں نے سنجھا پیار کریں کے اوروں کا نا دعیان دھریں کے جعنے نین تیے بھولے بھالے

اللے الباچاری نکلے . ساجن روپ بجاری نکلے .

> پریم یعوان کیتے والے پریم نافر میں زمنے والے ہو میں لین علیا میں اکر

جوابی کے بیوباری تعلم ساجن رب پنجاری نعلم

जनाव जिला—"मेरा सात वरस का सबका." "बह कैसे. माई साहब १"

"तो सुन लो मेरी प्रशु से 'प्रेम सगाई' की कहानी:
''आज से चालीस बरस पहिले मैं एक प्रोफोसर था. मुमे
अपने इल्म पर बड़ा ही घमंड था और शासार्थ का तो
मुमे एक खास शीक था. औरों को दलील बाजी मैं किस
तरह से हरा दूं इसी फिक में मैं दिन रात रहता था. एक दफा
हमारे शहर में एक बड़े बिद्वान आए. चनसे आम कोगों के
सामने मैंने ''ईश्वर है या नहीं" इस मजमून पर दलील
छेड़ी. आखिर मैं बहुस में उनसे जीत गया. लोगों में मेरी
बाद बाह होने लगी और मेरे राहर की तो कोई हद ही न
रही, यहाँ तक कि मैंने अपने घर के बाहर के दरवाजे पर
बड़े अखरों में यह शब्द लिखाना दिये—

GOD IS NO WHERE

यानी ईश्वर कहीं भी नहीं है.

'इसके बाद मैं अपनी नास्तिकता के नशे में रात दिन चूर रहने लगा.

"इतने में मेरे घर में एक लड़का पैदा हुआ. मगर इसके पैदा होने से भी मेरे दिल में प्रभु का या इसकी कुपा का रत्ती भर भी ख़याल न आया. वह जब सादे पाँच बरस का हुआ तो मैंने इसे एक अंगरज़ी स्कूल में पढ़ने के लिये भेजा. आहिस्ता आहिस्ता वह अंगरेज़ी के कुछ छोटे छोटे फिक्करे पढ़ने लगा.

"एक दिन जब वहं और मैं शाम को सैर करके घर वापस आए तो वह घर में दाखिल होने की जगह अचानक दरवाज़ के बाहर खड़ा हो गया और जो शब्द उस पर अंगरेज़ी में लिखे हुए थे चन्हें चुपचाप पढ़ने लगा. फिर मेरी तरक देखकर कहने लगा—

" 'पिताजी, मैं बताऊँ दरवाजे पर क्या किसा हुआ है ?'
" 'अगर बता सकते हो तो बताओ, बेटा !' मैंने जवाब (या.

"फिर बह शब्दों को एक एक करके पढ़ने क्षगा. वसने जन्हें इस तरह पढ़ा---

'GOD IS NOW HERE'

यानी ईरवर अब यहीं ही है.

"साल्म नहीं क्यों, अपने केटे को इन शब्दों को इस तरह पढ़ते देखकर मेरे सारे जिस्म में एक किस्म की विजली होड़ डठी और मेरे मुँह से अपने आप वह शब्द निकल पढ़ें—'बात तो बिल्कुल सही हैं !' उस वक्कत से मुमे एक किस्म की केचेनी का बुखार बढ़ गया और सारी रात उस बुखार में में एड़ा रहा. सुबह हुई, अभी घर के लोग सोए پېراب مالا ـــ " ميرا سانه يرس کا لوگا ."

* ولا كيس ، بهائي صاحب لا"

GOD IS NO WHERE

یعلی ایشور کہیں بھی نہیں ہے ۔

'' اِس کے بعد میں ایلیناستکتا کے نشے میں رات دن وور رهلے لگا ،

'' آتنے میں مہرے کہر میں ایک لوکا پیدا ہوا ، مکر اُس کے پیدا ہونے سے بھی مہرے دل میں پربھو کا یا اُس کی کریا کا رتی بھر بھی خیال نہ آیا ، وہ جب ساتھ یانیے پرس کا ہوا تو میں نے اُسے ایک انگریؤی اسکول میں پوھنے کے لئے پھیجا ، آھستہ آھستہ وہ انگریؤی کے کچھ جھوٹے جھوٹے جھوٹے فقرے پوھنے لئا ،

" 'پتا جي' ميں بتاوں دررازه پر کيا لکھا هوا هِ ڳ' " 'اگر بتا سکتے هو تو بتاو' بيتا ا' ميں نے جواب ديا ۔

" پھر وہ شہدوں کو ایک ایک کرکے پوھٹے لگا ، اُس نے اُس کے اُس کے

'GOD IS NOW HERE'

﴿ يَعِلَى ايشرر أب يهون هي هـ .

'' معلوم نہیں ایوں' آپ بیتے کو اِن شیدوں کو اِسطرے
پوہٹے دیکھیکر میورے سارے جسم میں ایک قسم کی بجلی دور
آپی اور میورے مدہ سے آپ آپ یہ شید نکل ہوے۔' بات
تو بالکل صحیمے ہے ا' اُس وقت سے مجھے ایک قسم کی
یہ جیلی کا بطار جودہ گیا اور ساری رات اِس بخار میں
میں' ہوا رہا ، صبح ہوئی' ابھی کہر کے لوگ سیلے

ईश्वर की कुद्रत के कानूनों को मानना है. यही वह कानून है जो सब कौमों, सब मुलकों और सब मजहबों के हानी, महात्मा और साइंसदां बताते आए हैं. इन कानूनों को मानने और एन पर अमल करने से ही इस दुनिया और दूसरी दुनिया में आदमी को सुख मिल सकता है.

ंबह वह कायदे कान्न हैं जिन पर सब अलग अलग भर्म एक राय हैं.

इस आज तक सुनते आए हैं कि इर बच्चे को तीन बार यानी पदना, लिखना और हिसाब सिखाना जरूरी है. इन तीन में एक चौथा आर 'यूनीवरसल रिलिजन' यानी ज्यापक काचमगीर मजहबे इनसानियत, मानव धर्म का भी हमें जोड़ ले ज चाहिये. पर पहले इस मानव धर्म को को ज निकालना को गममना होगा. यह मानव धर्म वह असल हैं जो सब धर्म मजहबों के अन्दर एक करावर पाए जाते हैं. दुनिया के तालीम देने वालों और साइन्स दानों का फ की है कि वह इस काम में मदद दें. अलग अलग मतीं भौर तफरकों के भन्दर से एकता के जवाहर बीन निकालें. इसके लिये दुनिया के सब बड़े बड़े मजहबीं की खोज जरूरी है. फिर इन एकता के क़ीमती जवाहरात को जमा कर के किताबों और पाठों की सूरत में दुनिया के सब लड़कों और लड़कियों को सिखावें. दुनिया को एक करने के जितने सरीके बताए जा रहे हैं उन में सबसे मुफ़ीद, सबसे जरूरी भौर सबसे टिकाऊ तरीका यही है.+

ایمور کی قفرت کے قالونوں کو صافقا ہے ۔ یہی وہ قانوں ہے جو سب قوموں سب ملکوں آور سائنس داں پھاتے سب مقدوں کے گھانی' مہاتما آور سائنس داں پھاتے آور انہر عمل کرتے سے ھی اِس دنھا آور دوسری دنھا میں آدمی کو سکھ مل سکھا ہے۔

یہ وہ قاعدیے قانون هیں جن پر سب آلگ آلگ دھرم ایک راآے ھیں ،

هم آب تک سنتے آئے هیں که هر بنچے کو تهن آر يعلى لهوهنا لكهنا أور حساب سكهانا فروري هـ . إن تهن میں ایک چوتها آر 'یونیورسل ریلهجن' یعلی ریاپک عالمُكهر مؤهب أنسانهت مانو دهرم كا يهى همهن جور لينا جاهيًے . يو يهلے إس مالو دهرم كو كهوم نكالنا أور سمجهدا هوكا . يه مانو دهرم وه امول ههي جو سب دعرم مذهبوں کے اندر ایک برابر یائے جاتے میں . دنیا کے تعلیم دیلیے والوں آور سائنس دانوں کا فرض ہے کہ وہ اِس کام میں مدد دایس . الگ الگ مقوں آور تفرقوں کے اندر سے ایکھا کے جواہر بھی نکالیں' اِسکے لگے دنیا کے سب ہوے ہوے مذھهوں کی کھوچ ضروری ہے پھر اِن ایکٹا کے تهمتی جواهرات کو جمع کرکے کتابوں اور پاتھوں کی صورت میں دنیا کے سب لڑوں أور لڑکھوں کو سکھاویں . دنیا کو ایک کرنے کے جدئے طریقے بتائے جارہے میں أن میں سب سے مفید' سب سے فروری آرر سب سے تکاؤ طريقه يهي هے .*

स्फ़ियों की सोहबत में

(2).

(भाई गु० म०)

"यह सगन आपकी प्रभु से कब की लगी हुई है, भाई साहब ?" मैंने अपने साथी से, जो मेरे साथ रेल में सफर कर रहे बे, पूछा.

"तक्ररीयन तीस बरस से.'' इन्होंने जवाब विया.

"और इस रास्ते पर पहले आपको कीन लाया ?'' मैंने फिर बनसे पूछा.

صونیوں کی صحبت میں (2)

(بهائی ک . م .)

'' یہ لگن آپکی پربھو سے کب کی لگی ہوئی ہے' بھائی صاحب ؟'' میں نے ابھ سانھی سے' جو مھرے ساتھ ریل میں سفر کر رہے تھے' پوچھا ،

" تقریباً نیس برس سے ،" أنهوں نے جواب دیا ،

'' أور أس وأسلام بر بهلم آيكو كون لايا ؟' مين لم بهر أن سم يوجودا .

[•] अधिक जानकारी के लिये लेखक की अंगरेजी कितान—The Essential Unity of All Religions पढ़िये

ادمک جانگاری کے لئے لیکیک کی انگریزی کتاب
 The Essential Unity of All Religions

of space it were some or on space it we are कान्ति और सकुन मिलेगा जो उसकी छीनना नामुमकिन भी है और जरूम भी. जावमी के विका से यह बास नहीं मिट सकती कि भगर क्से सारी दुनिया भी मिल जावे पर इसकी बात्सा या रूह इससे सो आवे तो उसे कोई कायदा नहीं. अगर सममदार आदमी लोगों को सच्चा धीर साइन्सी मजहब न हैंगे तो लोग मजबूर होकर मृदे बहुमों और अन्धविश्वासों के उन मजहबों में फंसते रहेंगे जो दुनिया भर के पंढे पुजारी, पादरी और कठ मुझा इन्हें देते रहते हैं. धर्म मज़हब की पियास केवत कन लोगों में नहीं होती जो जानवरों की तरह आगे पीछे नहीं देख सकते, या उन कोगों में भी नहीं होती जो सब देख भाज कर अपनी अनन्त आत्माके अन्दर सारी दुनियाका रहस्य यानी राज देख चुके हैं. यह दूसरे लोग धर्म मजहब से अपर एठ चुके, आज की दुनिया में इस तरह के आदमी विरले ही हैं. अधिकतर लोगों के लिये धर्म की पारूरत है इसीलिये धर्म (जन्दा है. उसका एक रूप लतम हो जाता है तो वह दूसरा रूप धारन कर लेता है.

स्वामी शक्रंराचार्य ने लिखा है—''जो आदमी इच्छा, इतन चौर कर्म तीनों गुनों से ऊपर इठ जाता है उसके लिये फिर न कोई विधि या हुकुम है चौर न किसी चीज का निशेध या मनाही."

इसी बात को सूकी वूसरे राब्यों में कहता है—"जो रब को पहुंच गया वह रब हो गया, जिस के लिये सब रब ही रब है उसके लिये फिर अलग रब कहां, जहां सूरज ही सूरज है वहां रात कहां, सूकी अपने को मिटा चुका; जिसने अपने को मिटा दिया उसके लिये कोई मजहब नहीं, जो यार तक पहुंच गया उसे दूसरा कोई मतलब नहीं."

बगर यह बात सब है, और यह सब है कि इनसान के दिल के बन्दर यह बात जमी हुई है कि इस जिन्दगी के बाद भी कोई जिन्दगी है, और आदमी उस जिन्दगी को और इस जिन्दगी के साथ उसके सम्बन्ध को जानना और सममता बाहता है, अगर यह बात है, और यह सब है कि साइन्स बीदन के लिये हैं, जीवन साइंस के लिये नहीं, तो सममतार बादमी कभी इस बात को आखिरी नहीं मान सकता कि साइंस और मजहब दोनों में मेल नामुमकिन हैं. इक्रीकृत, साइंस, बेद, मारकत और कान पांचों के एक ही मानी हैं. इसे इन पाँचों को एक दूसरे की रोशनी में देख कर इन की एकदा को सममना है.

वैशेशिक सूत्र में किसा है—''यतो अभ्युद्य निःशेयस सिक्षिः सघर्मः'' मानी जिस बात से इस दुनिया में जीर दुवारी दुनिया में दोनों में भादमी को सुख मिले बही धर्म दुवारी दुनिया में दोनों में भादमी को मानने का मतसब ही

ی مناهب کی مرورت رد کی، قب لگتا معجد مون أس وه شانعی أور سكون ملے گا جو اس س معاللاً نا منكن بهي هے أور ظلم بهي . أدمى كے عل سے الله دات نہیں مت سکتی که اگر آسے ساری دنیا بھی مل جارے در اسکی آنما یا درج اس سے کھو جارے تو أس كوئي قائدة نهين . اكر سمجهدار آدمي لوگين كو سجا آور سائنسی مذهب نه دینگے تو لوگ مجبور ھوکو جھوتے وھموں آور اندھ وشواسوں کے اُن مذھبوں میں ممنستے رهیں کے جو دنیا بھر کے بندے بحاری یادری آور کته ملا أنهيس ديته رهته هيس . دهرم مذهب كي يهاس کهول أن لوگوں ميں نہيں هوتی جو جاتوروں کی طرح آئے پہنچو نہیں دیکھ سکتے' یا ان لوگوں میں بھی نہتی ہوئی جو سب دیکھ بھال کر اپلی انقت آتماً کے آندر ساری دنیا کا رہسیہ یعنی راز دیکھ چکے مہن ، یہ درسرے لوگ دھرم سڈھپ سے اورر اُتھ چکے . آج کی دنھا میں اِس طرح کے آدمی برئے می میں ، ادھک تر لوگوں کے لئے دعرم کی ضرورت مے اِسی لیے دھرم زندہ هے . اُسکا ایک روپ ختم هو جاتا هے تو وہ درسرا روپ دھارن کرلیٹا هے .

سوامی شدکر اچاریه نے لکھا ہے۔۔۔''جو آدمی اِچھا' گھاں اور کرم تھذوں گفوں سے اُوپر اُنّه جاتا ہے اُسکے لگے پھر نه کوئی ودعی یا حکم ہے اُور نه کسی چھڑ کا تشهده یا مقاهی''

اسی بات کو صوفی دوسرے شبدوں میں کہتا ہے۔
''جو رب کو پہنچ گیا وہ رب ھوگرا جسکےلگے سب رب ھی
رب ہے اسکے لگے پھر الگ رب کہاں' جہاں سورچ ھی سورچ
ہے وہاں رات کہاں' صوفی آئے کو مثا چکا' جس نے آئے کو مثا دیا اُسکے لگے کوئی مذھب نہیں' جو یار تک پہلچ
گیا اُسے دوسرا کوئی مطلب نہیں''

اگر یہ بات سے ہے' اور یہ سے ہے کہ انسان کے دل کے اندر یہ بات جمی ہوئی ہے کہ اِس زندگی کے بعد بہی کوئی زندگی کے بعد اِس زندگی کے بعد اِس زندگی کے ساتہ اُسکے سمبلدھ کو جانا آور سمجھا جاما ہے' اُڈر یہ بات ہے' آور یہ سے ہے کہ سمجھا جاما ہے' اُڈر یہ بات ہے' آور یہ سے ہے کہ سائٹس جیون کے لئے ہے' جیون سائٹس کے لئے نہیں' سائٹس جیون کے لئے ہے' جیون سائٹس کے لئے نہیں مان سائٹس آور مذہب دونوں میں میل ناممکن ہیں۔ حقیقہت' سائٹس آور مذہب دونوں میں میل ناممکن ہے ۔ حقیقہت' سائٹس رید' معرفت آور گیان پانچوں کو ایک ہوسرے کی دوسرے کی دوشلی میں دیکوکر اِن کی ایکنا کو سمجھا ہے۔ دوسرے کی دوشلی میں دیکوکر اِن کی ایکنا کو سمجھا ہے۔ دوسرے کی دوشلی میں دیکوکر اِن کی ایکنا کو سمجھا ہے۔ شہور میں سدھی سمبر میں لکھا ہے۔ ''یتو اُبھیودے نیم شرے یس سدھی سمبر میں دیکوکر اِن کی ایکنا کو سمجھا ہے۔ شہورے یس سدھی سمبر میں دیکوکر اِن کی آگیاؤں کو مانئے کا مطاب ہی

मतलब है जो हिन्द पुस्तकों में 'यम' और 'बमाबान' का 'अल-जन्तर' और 'अल-करीम' का वही अर्थ है जो 'घोर' और 'दयास' का. 'अल-जलील' और 'अल-जमील' के बही मानी हैं जो 'ईश्वर' और 'मधुर' के, वरौरा: इसी तरह के जोड़े जोड़े के नाम ईरवर के दुनिया की सब पर्स पुस्तकों में मिलते हैं.

, इसलाम की किताबों में जिन्हें 'सिकात' कहा गया है हिन्द किताबों में उन्हीं को 'विभूतियाँ' कहा गया है. 'सिफात' दो तरह की हैं. 'जलाली' और 'जमाली' विभू-तियाँ भी दो तरह की हैं. 'ऐश्ये बाली' और 'माध्ये वाली'. दोनों का एक ही मतलब है.

यह दियों के पर्म प्रन्थों में भी जिन्हें 'क़ब्बालह' कहा जाता है ठीक इसी तर् की नाम मिस्तते हैं. 'क्रव्वालह' के बहुत से नाम अरबी और संस्कृत नामों से बिलकुल मिलते हर है.

क़रान में चल्लाह के निम्नानवे नाम मशहर हैं. पारसी · किताबों में 'बहुरमज्द' के एक सी एक नाम हैं. यह एक सौ एक नाम वेदों के संस्कृत नामों से बेहद मिलते हुए हैं जैसे पारसी 'बहुरमज्द' संस्कृत 'बसुर-मेथा' पारसी 'अवितन्य' वैदिक 'अभितन्य' पारसी 'खत्' वैदिक 'कतु', फारसी 'खिरद'. पारसी 'चिरित' वैद्दिक 'चित'. पारसी 'दाता' संस्कृत 'घाता'. पारसी 'थू।ता' संस्कृत 'त्राता'. पारसी 'दरेदर्शता' संस्कृत 'द्रहरटा'. पारसी 'प्नाता' संस्कृत 'क्राता' वरौरा बरौरा. ईश्वर के इन पारसी नामों का एक एक का ठीक वही मतलब है जो संस्कृत नामों का. पुरानी पारसी भाशा और संस्कृत दोनों का निकास एक जगह से है.

यही दुई का ख़याल और यही जोड़े जोड़े के नाम हमें चीनी महात्मा कंगकृत के की किता में मिलते हैं.

ठीक यही चीजें चीनी महात्मा लाओतजें की किताबों में भी मिलती हैं. लाब्रोतजे जिसे 'सनत्साइ' कहता है उसी को हिन्दू कितावें 'सन्सार' कहती हैं.

यूनानी धर्म की कितावों से भी इसी तरह की वातें नक्षत की जा सकती हैं.

बादमी की जिन्दगी इस दुई के साथ एक लगातार संप्राम है. इसी दुई में से हमें अपना रास्ता बनाना है, ठीक खुनना है, दुई को पार करना है.

यहीं सब धर्मी का उपदेश है, यही सब विद्याओं का धीर यही ऊँची से ऊँषी साइंस का. सब यह है कि हमें पक साइन्सी मजहब की ज़रूरत है. मजहब दुनिया के लिये उतना ही पहरी है जितना साइंस. भादमी जब तक दहें भीर मीत की बाबत सोचता रहेगा, जब तक वह अपने आगे और पीछे दोनों तरफ निगाह बालेगा. तब तक इनसार

ملک و جرمانو وسائل میں ایم اور جینانوال ا "النجهار" أور "الكريم" كا وهي أرته ها جو "كهرر" أور "ديالو" كا التصليل أور الصيل ك وعيمعلي هيل جو ايشور آور ا سدهر ، کے رفدرہ ، اِسی طرح کے جوڑے جوڑے کے تام لیشور کے فائیا کی سب دھرم پستکس میں ملتے ھیں . . إسلام كي كتابس مهي جلهين " صفات ، كها كيا هي هندو کتابوں میں آنہیں کو ' وبھوتیاں ' کہا گیا ہے ، ' صفاحه ' دو طرح کی هیں ، ' جلالی ' آور ' جمالی ،' ربهوتیاں بھی دو طرح کی هیں ، ' أیشوریّ والی ' آور ' مادهریه والی ،' دونوں کا آیک هی مطلب هے .

یہودیوں کے دھرم گرنتھوں میں بھی جنھیں 'قبالہ' کہا جاتا ہے تھیک اِسی طرح کے نام ملتے میں . 'قبالہ' کے بہمت سے نام عربی آور سلسکرت ناموں سے پاکل ملتے ہوئے ہیں ۔

قرآن میں اللہ کے ثمانوے نام مشہور ھیں ، ھارسی کتابوں میں 'امرموں' کے ایک سو ایک تام میں ، یہ ایک سو ایک نام ویدوں کے سلسکرت ناموں سے بیعدہ ملته هوأه ههن ، جهسه پارسي الهرمودا سلسكرت 'أسرمهدها' يارسي 'اريغليه بريديك 'ايهيغلهه' يارسي 'کهرتو' ریدک 'کرتو' فارسی 'خرد' ، پارسی 'چشتی ويدك 'چت'، يارسي 'داتان سلسكرت 'دهاتا'، يارسي أتهرانا سنسكرت أترانا ، پارسى "دوردرشتا" سندرت 'دور درشتا ، پارسی 'زناتا سفسکرت 'کیاتا وفهره وفهره ، ایشور کے اِن پارسی ناموں کا ایک ایک کا تھیک وہی مطلب هے جو سلسکرت ناموں کا . پرانی پارسی بهاشا أور سلسكرت دونوں لا نكاس ايك جكه سے ہے .

یہی 'دوئی' کا خھال اور یہی جوڑے جوڑے کے نام همیں چھٹی میاندا کلگ فوتوے کی کتابوں میں ملتے

ٹھیک یہی چیزیں چیئی مہاتما لاوتزے کی کتابس میں بھی سلتی هیں ، لاوتؤے جسے "سلتسائی" کہتا ہے آسی کو ملدو کاتابهن اسلسارا کهانی ههن .

یونانی دهرم کی کتابوں سے بھی اسی طرح کی باتھں نقل کی جاسکتی هیں .

آدمی کی زندگی اس دوئی کے ساتھ ایک اعادار سلکرام ھے ، اِسی فوٹی میں سے همیں اپنا راسته بناتا ہے تہیک حملنا هے افرائی کو چار کرنا هے .

يہى سب دھرموں لا أيديمى هے يہى سب ودياوں كا اور یہی اونچی ش آونچی سائلس کا . سے یہ مے که همهن ایک سائلسی مذهب کی مرورت ہے . مذهب دنها كر لكر الله هي فروري في جنتها سائلس . آدمي جب عک دوہ اور موت کی بایت سبجتا رہے کا جب تک رہ الله ألم أور يمنعه في الله الله قال كا تب تك السان

المرز ساهب في الواقة

से और एक रस होकर सामना करते हुए अपनी तरक और वृसरी तरफ अपने फरकों को पूरा करते रहना और इससे अपने खुद के लिये कोई बदला न चाहना ही इन्द यानी दुई से ऊपर चठना है.

यूनान के एक मशहूर मन्दिर, डेलिफिक टेन्पिल पर यह दो बादव खुदे हुए थे. एक- कोई चीज हुद से जियादा नहीं.' और दो-'अपने को जानो.' यह दोनों बातें एक दूसरे को परा करती हैं. जो किसी बात में भी हद से बदता है बह अपने को नहीं जान सकता. यह सम्तोल यानी सकृत हासिल कर बेना ही सच्चा ज्ञान हासिल कर लेना और अपने को पहचानना है.

पारसी धर्म के बानी जारतरत ने लिखा है— "डजाला भौर अधेरा, अच्छाई और बुराई जो एक दूसरे के साथ बंबी हुई हैं हमेशा से चली आरही हैं. फिर भी वह एक इसरे से अलग हैं. इमारे सोच फिकर में, इमारी बातों में भौर हमारे कामों में सब जगह यह साथ साथ भौर अलग अलग दिखाई देती हैं. समभवार आदमी रोशनी की तरक चलते हैं और नासमक तब तक अधेरे की तरक को चलते रहते हैं, जब तक वह सममतार नही जाएं. इन्हीं पराने रास्तों पर चल कर अच्छी और बरी इच्छाएं बादमी में पैदा होती हैं. इन्हीं से एक नफरत की तरफ जाते हैं और दसरे मुहब्बत की तरफ, ऐ अहरमपद (ईश-बर)! मुक्ते अपने मन पर कायू हासिल करके इस दुई से ऊपर उठते हुए सीधे रास्ते पर चलने की ताकत दे."

सब धर्म पुस्तकों में ईश्वर अल्लाह के नामों के बारे में भी यह दुई मौजूद है और सब धर्म वालों ने ईश्वर को हो वो नामों से प्रकारा है.

क्ररान उसे 'अल-अञ्बल' और 'अल-आखिर' कह हर पुकारता है, वेदों में उसे 'आदि' और 'अन्त' कहा ाया है, वोनों के एक ही मानी हैं, क़रान उसे 'अल-बातिन' मीर 'अल-आहर' कह कर पुकारता है. वेद उसी को भव्यक्त' और 'व्यक्त' कहता है. दोनों का एक ही मतलब करान में उसे 'अल-बादी' और 'अल-जामी' कहा गया े. बेहीं में उसी को 'सुरटा' और 'संहाती' कहा गया है. ोनों का ठीक वही मनशा है. करान में 'मल-मुही' और बाब-अमीत' नाम आते हैं. वेदों में उसी को 'भव' और हर' कहां गया है, यानी जान डालने वाला और मारने शका. फ़रान में जो 'अल-मुजिल' और 'अल-हादी' से ।तलव हैं वही बेदों में 'मायी' और 'तारक' से हैं. यानी भाने बाला या भाजमाने बाला और ठीक रास्ता बताने । ला. करान में 'मल-कहहार' भीर 'मलरज्जाक' नाम गते हैं. वेदों में बन्हीं के मुक़ाबतों के 'ठद्र' और 'शिव' करान में 'राष्ट्रकाम ' और 'राक्कार 'का वही

الله الله وس هوكر منامقا كرته هوكم الباني هوك الور دوسري طرف اله فرضول كو يورا كرتة رهال آرو إس يد آیے ہود کے لئے کوئی بدلہ نه چاهدا هی دوند يعلى فولى سے اریر أتهنا هے .

یونان کے ایک مشہور مندر' ڈیلفک ٹمیل پر یع دو واكيم كودے هوئے تھے ، أيك -- 'اوئي چهز هد سے زيادہ نهیں'، اور دوستاھے کو جانو' ، یہ دونوں باتھی ایک دوسرے کو پورا کرتے ھیں ، جو کسی بات میں بھی حد سے پوھھا ي وه أيه كو نهيل جان سكتا . يه سدتول يعلى سكون حاصل کو لیدا هی سجا گیان حاصل کر لیدا اور آی کو بمنجاننا هي .

پارسی دهرم کے بانی زرتشت نے لکھا ہے ۔۔ " اُجالا اور اندھیرا اجہائی آور برائی جو ایک دوسوے کے ساتھ بندهی هوئی هیں هدیشه سے چلی آرهی هیں ، پهر بهی یہ ایک دوسرے سے انگ میں ممارے سوچ فکر میں هماری بانوں میں اور همارے کاموں میں سب جاکہ یہ ساته ساته أور الگ أنگ دكهائي ديتي هين . سمجهدار آدمی رودنی کی طرف چلتے دیں اور نا سیجھ تب تک اندهیرے کی طرف کو چلتے رہتے ہیں' جبتک وہ سمجهدار نه هوچائهن ، اِنههن پرانے راستون پر چلکر اُچهی اور بری الجهائيس آدمي مين پيدا هوتي هين . اِنهين سے ايک نفرت کے طوف جاتے میں آور دوسرے مصبت کی طرف ، اے اهر مود (ایشور) ا مجھ اپے من پر قابو حاصل کرکے اس دوای سے اوپر اُتھتے ہوئے سیدھے راستے پر چلانے کی طاقت د د . "

سب دھرم یستکوں میں ایشور الله کے ناموں کے بارے مهن بھی یہ دوئی موجود ہے اور سب دھرم والس نے ایشور کو در دو ناموں سے پکارا ھے .

قرآن أسے ' الاول ' أور ' ألاخر ' كهكر يكارتا هے ، ويدوں مهى أي ' آدى ' أرر ' أنت ' كها كها هـ ، دونوں كے أيكَ هي معني ههن . قرآن أسه ' ألباطن ' أور ' أَلْظَاهُر ' كهكر يكارنا هي . ويد أسى كو ' اديكت ' آور ' ويكت ' كهال هے ، دونوں کا ایک ہے مطلب هے ، قرآن میں اُسے 'المانسی' آور الجامي ' كها گيا هے ، ويدون مهن أسي كو ' سرشگا ' أور ' سلهارتا ' كها كيا هے ، درنوں كا تهيك وهي ملها هـ . المرآن مين ' المصى ' أور ' المميت ' نام آية هين ، ويدون ميس أسى كو ' بهو' أور ' هر' كها كيا هے' يعلى جان قاللے والا أور مارية والا ، قرآن مهن جو " المضل " أور " الهاهي " سے مطلب کے رهی ویدوں میں ' مالی ' آور ' تارک ' سے هـ عملى لمهاني وألا يا آزماني والا أور تهيك راسعه يعاني والا . قرآن مين ' القهار ' أرر ' الرزاق ' نام أقر هين . وہدوں میں آنہیں کے مقابلے کے ' رو در ' آور ' شہو ' شیں ، قرآن میں ' فقیان ' آور ' فقار ' کا وہی

धर्म मज़हब की ज़रूरत

(डाक्टर भगवान दास)

दुनिया के सब बड़े बड़े मजह वों की धर्म पुस्तकों को मिला कर पढ़ने से उन में तरह तरह की समानता देखने हो मिलाती हैं. मिसाल के तौर पर यह खयाल सब धर्म इसकों में पाया जाता है कि लगभग हर चीज के दो हलू होते हैं और समम्बदारी इसी बात में है कि हम दोनों हलू जों को मिला कर देखें और जहाँ तक हो सके बीच के उसते से चलने को कोशिश करें. उपनिशद में लिखा है—यह सारा जगत दुरूपय / दुई से भरा) है. यहाँ की एक बीजें दो से जोड़ों में रहती हैं."

क़ुरान में अल्लाह कहता है—"हमने सब चीजें दो दो जोडों में बनाई हैं."

ठीक यही बात इनजील में कही गई है.

कभी कभी इन दो में से देख भाल कर एक को जुनना इ जाता है. योगभारय में लिखा है—'आदमी के चित मनी मन की नदी एक दूसरे के खिलाफ दो तरफ को बहती हती है, कभी भलाई और नेकी की तरफ और कभी पाप बीर बरबादी की तरफ एक स्की ने कहा हैं—'एक कड़ुवे मनी की नदी और दूसरी मीठे पानी की नदी दोनों साथ माथ बहती रहती हैं, और इन दोनों के बीच से तलवार प्रभार की तरह बारीक असकी सकून और सलामती का

महाभारत में लिखा है—"जिस तरह सरदी और रमी के बीच पक जगह है जहाँ न सरदी है चौर न गरमी, सी तरह सुख और दुख के बीच में शान्ति का वह मुकाम जहाँ न सुख है और न दुख." यही स्वयाल सब मजहबी केताकों में मिजता है. गीता में बार बार यह विचार आया —"ऐ कर्जुन! जो कादमी दुन्द (दुई वा रीरियत) से उपर ठ जाता है वह आसानी के साथ सब बन्धनों से कूट राता है. जो कामवाबी और नाकामयां में एक रस हता है, जो अपने पराप का करक नहीं करता, जिसे किसी है बैर नहीं, जो अपने लिये जो कुछ भी मिल जाय उसी सन्तोश मान लेता है, वह दुनिया, में अपना फर्ज पूरा इरते हुए भी अपने कामों से बन्धन में नहीं पड़ता."

सब धर्म पुस्तकें हमें यह सममाती हैं कि इस दुनिया शिम और हानि, नका और नुक्रसान, सुख और दुख शिम साथ चलते हैं. ज़ब तक हमारे असग असग जिस्म हैं अ तक यह सब रहेंगे. इसिलये इन सब का शास्त चित्र

فهرم مذهب كي ضرورت

(قائقر بهغوان داس)

فیا کے سب ہو۔ ہوے مذھبوں کی دہوم پستکوں کو ملاکو پر ہو ہائی پر ہفتے سے اُن موں طرح طرح کی سمانتا دیکھتے کو ملائی ہے ، مثال کے طور پر یہ خیال سب دھرم پستکوں میں پایا جاتا ہے کہ لگ بھٹ ہو چیؤ کے دو پہلو ھوتے ھیں آور سمتجھداری اِسی بات موں ہے کہ ھم دونوں پہلوؤں کو ملا کو دیکھیں آور جہاں تک ہوسکے بینچ کے راستے سے چللے کی کوشش کریں ، آپنشد میں لکھا ہے ۔ '' یہ سارا جکت دوند مے (دوئی سے بھوا) ہے ، یہاں کی سب چیؤیں دو دو کے جوزوں میں رھتی ھیں ''

قرآن میں اللہ کہتا ہے ۔۔'' هم نے سب چیزیں دو دو کے جوزوں میں پذائی هیں ،''

تهیک یہی بات انجیل میں کہی گئی ہے .

کبھی کبھی اون دو میں سے دیکھ بھال کر آیک کو چاہا پر جاتا ہے ۔ یوگ بھاشیہ میں لکھا ہے ۔۔'' آدسی کے چت یعلی میں کی ندی ایک دوسرے نے خالف دو طرف کو بہتی رہتی ہیائی آرر نیکی کی طرف آور کبھی پ پ آور بریدی کی طرف ایک صوفی نے کہا ہے ۔۔''ایک کروے پانی کی ندی آور دوسری میشے پانی کی ندی دونوں ساتھ ساتھ بہتی رہتی ہیں' آور اِن دونوں کے بھی سے تلوار کی دھار کی طرح باریک اصلی سکون اور ساتھ ہے ''

مها بهارت میں لکھا ہے۔ '' جسطرے سردی آور گرمی' کے بیچ ایک جگہ ہے جہاں ته سردی ہے آور نه گرمی' اسی طرح سکھ آور داھ کے بیچ میں شانتی کا وہ مقام ہے جہاں نه سکھ ہے آرر نه دکھ '' یہی خھال سب مذھبی کتابوں میں ملتا ہے ۔ گیتا میں بار بار یہ وچار آیا ہے ۔ '' اے ارجن اِ جو آدمی دوند (دوئی یا فہریت) سے اوپر آتے جاتا ہے وہ آسانی کے ساتھ سب بلدھلوں سے چھوت جاتا ہے ، جو کامهابی آور ناکامیابی میں ایک جوت جاتا ہے ، جو کامهابی آور ناکامیابی میں ایک کسی سے بھر نہیں' جو آپ برائے کا فرق نہیں کرتا' جسے کسی سے بھر نہیں' جو آپ لئے جو کچھ بھی مل جائے اُسی میں سفتوش ماں لیتا ہے' وہ دنیا میں ایتا فرض پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں فرض پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں نہیں پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں نہیں پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں نہیں پورا کرتے ہوئے۔

سب دهرم پستکھیں همیں به سمجهاتی ههیں که اِس دنها مهیں لابه آور هائی نفع آور تقصان سکه آور دکه سانه ساته بهای جهیں ، بوب تک همارے ایک الگ جسم ههیں تسب تکسید همی وقفقگی ایس لگر اِن سبکا شانست جمعا विवारियों उक्ती हैं तेरी शरारत पर करता की आँखों से बाक्द की यू आती है बराबर आब जनता की साँखों से हिरायार ! उपकता है अब और ही कुछ जनता की बातों से खद मीत की आँख अस्पक जाती है अब जनता की निगाहों से बह छलका सज का पैमाना, तारीख ने वी छापा मारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाव बलेगा बंजारा,

(28)

बह देख कि अब दुनिया भर में मज़्द्धमों के दल सजते हैं बह सुन कि सताए हुए तेरे चेरों की तरह गरजते हैं गुस्से से वह चेहरे दमकते हैं शोलों से वह सीने मैंजते हैं वह बाग़ियों के लक्कर में कही अब कूच के डंके बजते हैं वह उन्हें रारर वह इनक़लाब के काले नाग ने फुनकारा सब ठाउ पदा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(29)

मैं वाल स्ट्रीट के सह बाज़ों का असली रूप दिखाता हूँ इस हुक्मरान तक के के उस से आज नकाब उठाता हूँ दुनिया भर में इस फैले हुए ख़तरे से तुम्हें चौंकाता हूँ अमरीकी बंजारानामा गा गा के 'फिराक' सुनाता हूँ सब मिल के लगाओं देश देश में जनता की जय का नारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद बलेगा बंजारा,

['फिराक्न' साहब की इस कविता में जहाँ अमरीकी जिल्लगी का खासा चित्र है वहाँ इसमें हिन्दुस्तामी बोल चाल के कुछ चुने हुए महाबरे भी भरे हुए हैं जैसे वे भाव की पढ़ना. वारा न्यारा. दुकान बढ़ाना, पल्ले पढ़ना, पारा चढ़ना, सर मारना. द्रशत कसल, शैलान की आँत, वार्तों में आना हो दिन की चाँदनी फिर अन्धेरा पाख, बग़ैरा वगैरा. यह हिन्दी सीखने वालों के लिये बढ़े काम के हैं.

इसी तरह की 'किराक' साहब की एक दूसरी कविता "इम बाबर देस को देख आए" सितम्बर के 'नया हिन्द' में इम खाप रहे हैं.

--पडीटर]

مهناریاں ارتی هیں تیری شرارت پر جنتا کی آنکھوں سے بارود کی ہو آتی ہے برابر آب جنتا کی سانسوں سے هشهار! ٹیکٹا ہے اب اور هی کچه جنتا کی باتوں سے خود موت کی آنکھ جھیک جاتی ہے اب جنتا کی ناھوں سے وہ جھیک صبر کا پیمانہ' تاریخ نے وہ چھایا مارا سب تھات ہوا رہ جائے گا بنجاراً.

(28)

وہ دیکھ کہ آپ دنیا بھر میں مطلوموں کے دلسجھے ھیں وہ سن کہ سخالے ھوئے تیرے شہروں کی طرح گرجھے ھیں مصلے وہ سینے ملجھے ھیں مصلے وہ سینے ملجھے ھیں وہ باقیوں کے لشکر میں کہیں آپ کرچ کے ذنائے بجھے ھیں وہ آڑے شرر وہ انتلاب کے کالے ناگ نے پہلکاراً سب تہات ہوا رہ جائے کا بنجاراً ۔

(29)

میں وال استریت کے ستے بازوں کا اصلی ررپ دکھاتا ھوں اس حکمولی طبقے کے رخ سے آج نقاب اُٹھانا ھوں دنیا بھو میں اِس پھھلےھوئے خطرے سے تمہیں چونکا ھوں امریکی بنجارہ نامہ کا کا کے ' فراق' سفاتا ھوں سب مل کے لکاو دیھی دیھی میں جلتا کی جے کا نعرہ سب ٹھات پوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجاراً،

['فراق' ماحب کی اِس کویتا میں جہاں امریکی زندگی کا خاصا چتر هے وهاں اُس میں هددستانی بول چال کے کچھ چنے هوئے محصاوری بھی بھرے هوئے هیں، جیسے یہ بھاؤ کی ہونا، وأوا نہازا، فوکان بوهانا، یلے پونا، یارہ چوهنا، سرمارنا، دفل فسل شیطان کی آنت، بانوں میں آنا، فودن کی چاندنی بھر اندهیوا یائه، وفیوہ وفیوہ، یہ هندی سیکھنے والوں کے لئے بوے کام کے هیں،

اسی طرح کی ' فراق ' صاحب کی ایک دوسری کویتا '' هم قالر دیس کو دیکھ آئے '' ستمبر کے '' نیا هند ' میں هم چہاپ رہے هیں .

-ایتبتر]

⁽²⁸⁾ शरर - विभगारियों (29) नमाय - पर्दा.

दी तरह बहुत दुनिया भर के मज़दूरों और किसानों ने की तेरी विद्यारों पर हैरत दीवानों ने फ़रज़ानों ने भागत सीनों में ज़ोर भरा फिर ख़ुन हुए अरमानों ने भी पैंतरेबाज़ अब देखेगा कि सताए हुए इनसानों ने दुनिया के अखाबे में तुमको एक रोज़ उठा के दे मारा सम ठाट पदा रह जाएगा जब साद बलेगा बंजारा.

(23)

को बात बनाई थी तूने वह बात विगइने बाली है जो बज़म जमाई थी तूने वह बज़म उक्कइने वाली है अब छुटे हुए टाथों की बग़ावत ज़ोर पक्कइने वाली है बंजारे सर की खेरे मना बे भाव की पहने वाली है तारे नज़र आएंगे दिन के अब सर पै बजेगा नक्क़ारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(24)

दुनिया को बनामे आज़ादी तूने दिये गृरू पर गृरू वे दुनिया भर से आज़ादी के बादे हैं तेरे मूटे सरूचे जो आजाएं भरों में तेरे अब लोग नहीं ऐसे करूचे क्या मर्गे - कोरिया आज़ादी है जो आज़ादी के बरूचे अब कीदे ज़िन्दगी से तुमको यह दुनिया देगी छुटकारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाह चलेगा बंजारा.

(25)

एडम बम बौन पे फेंकोगे ? बढ़ बढ़ के बोलना क्यों बाबा इस विश्व शान्ति के सागर में यूँ ज़हर बोलना क्यों बाबा बीवन बाज़ार में मौत की यह दूकान खोलना क्यों बाबा तहज़ीब की फूल सी क़दरों को काँटों में तोलना क्यों बाबा बालर की मकर खाँदनी दो दिन फिर खाँधियारा पखवारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाख बलेगा बंजारा

(26)

बाज़रे जहाँ में देखें कब तक मबी रहे यह लेव देव दुनिया के गले का फंदा कब तक तेरे करों की जनेव दुनिया की मिटाने की भमकी, यह दया भाव यह महासेव तेरा ही एटम बम करदे सर पर तेरे बम महादेव बह दिन लद गए कि फिरे ऐंडता, कोई ज़िलम इत्यारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा. فی طرح بہم دنیا بھر کے مزدوروں اور کسانوں کے کی تھری بدعتوں پر حدیث دیوانوں نے فرزانوں نے کہائل سینوں میں زور بھرا پھر خون ہوئے ارمانوں نے آر پینندرے باز اب دیکھے کا کہ ستانے ہوئے انسانوں نے دنیا کے اکہارے میں تجه کو ایک روز اُتھاکے دیے مارا سب تھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجاراً۔

(23)

جو بات بنائی تھی تونے وہ بات بکونے والی ہے جو بوم جمائی تھی تونے وہ بوم اکھونے والی ہے اب لگے ہوئے۔ دائی ہے اب لگے ہوئے۔ ہانی ہے بنجارے سر کی خمور مالے بہاؤ کی پونے والی ہے تاریے نظر آئیں گے دن دو جب سر پہ بجے کا نقاراً سب تہات پوا رہ جائے کا بنجاراً ،

(24).

دنیا کو بقام آزادی ترنے دیگے مجے پر مجے دنیا بھر سے آزادی کے وعدے میں تمرے جمواتے سچے جو آجائیں بھروں میں تمرے آب لوگ نہیں ایسے کچے کیا مرگ کوریا آزادی ہے او آزادی کے بچے آپ قید زندگی سے تجھ کو یہ دنیا دے کی چھٹکارا سب تھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجارا،

(25)

ایٹم ہم چھین په پھینکو کے' بوہ بوہ کے بولفا کیوں بایا اس وشو شانتی کے سائر میں یوں زمر گھولفا کیوں بایا جھوں پازار میں موت کی یه دوکان کھولفا کیوں بایا تہلیب کی پھولسی فدور کو کانٹوں میں تولفا کیوں بایا قالر کی مکر چاندنی دو دن پھر اندھیارا یکھوارا سب تھانت ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجوارا

(26)

بازار جہاں میں دیکھیں کب تک منچی رہے یہ لہودیو دنیا کے گلے کا پہلدا کب تک تیرے قرضوں کی جلہو دنیا کو مثالے کی دھمکی' یہ دیا بہاؤ یہ مہاسہو تھرا ھی ایٹم بم کر دُنے سر پر تیرے بم مہادیو وہ دن لد گئے کہ پھرے ایٹھہتا' کوئی طالم ھتھارا سب تہائے وا وہ جائے کا جب لاد جانے کا بنجارا۔''

⁽²²⁾ तरह देना = मौका देना; विद्यातों = नई नाजायज वालों; करज़ानों = अमलामंदों (23) वदम = महफ़िल (24) गरों = बहुकाने में; मर्गे कोरिया = कोरिया की मौत (26) क्ज़ों का जनेव = विन्तुकों के जनेक में तीन भागे तीन क्ज़ों की आलामत होते हैं— कहुकों के जनेक में तीन भागे तीन क्ज़ों की आलामत होते हैं— कहा जिता का कृत्, गुरू का कृत् और ईस्टर का कृत्, सेव = सेवा.

⁽²²⁾ طرح دینا = موقع دینا؛ بدعتوں = نئی نلجائز باتوں؛ فرزانوں = عقل مندوں (23) بوم = متعلل (24) بهروں = بہتائے میں؛ مرک کرریا = کوریا کی مرف کوریا = کوریا کی مرف کوریا = کوریا کی مرف (26) کرفوں کا جنیو میں تھوں معلی تیوں فرفوں کی ملامت ہوتے میں اسال بتا کا الرفی کرو الرفی کرو الرفی کرو کا فرفی؛ میو = میوا

दिन रता नहीं बालर कालर कव तक इस धुन में मरी कावा कव तक इस गम में धुलो बाबा कव तक यह ध्यान घरो बाबा कुछ सोची सममी ग़ीर करो कुछ अपने औं वें दरो बाबा ''अब मीत नकारा बाज चुका चलने की फिक्र करो बाबा'' उठ जाना है तुमको दुनिया से बालर का फेंक के पुरतारी सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(18)

बंजारे! मरारिक मग्रिब की अपना ही दुख क्या बोबा है रिजवे, बल्लेस, आहजन हावर बटमारों को किस पर छोड़ा है क्या दुनिया भर को छट के अब भी कारबार का तोड़ा है कुछ रोज़ उसे कर जहरमार दुनिया का लहू जो निजोबा है जमहूरे जहाँ इन तेरे पिट्टु आं को कर देंगे नाकारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(.19)

ये यू, एन. को. में ऐस्पारी यह फोड़ फाँस यह दग्ल फुसल ये हिफ़्ज़ें ध्यमन के पाकीज़ा राज़ीनामे में रहोबदल यह बैनुलझक़्त्रामी साज़िश यह तानाशाही छल बल कल यह धाग धुआँ यह चिनगारी यह तीसरी जंग के दल बादल पैग़ामे धाजल है तेरे लिये बजता हुआ ध्यम्न का नक़्क़ारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(20)

यह मारशल एक, यह पैसिफ्क एड, यह लेन देन रिस्ता नाता धौर बेनुलकीमी बेंक का वो हौतान की ग्राँत बही खाता यह डालर साम्राज का एइसाँ श्रव तो उठाया नहीं जाता बुनिया को उसके हाल पे छोक, श्रव श्रो बुनिया के श्रवस्ता सुमको भी एक दिन ले ड्वेगी कर्ज़ की यह बदती भारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(21)

सलारेंगी तेरी सब तक्कीरें पलटेंगी जहाँ की तक्दीरें क्या थाम सकेंगी लाज़ीरें क्या रोक सकेंगी ज़ंजीरें ट्रंटेगा यें मौत का सकाटा जब बोल उठेंगी तसवीरें एक दिन क्रिन जाएंगी तुमसे तेरी संगीनें शमशीरें भूकी क्रीर नंगी जनता को वह देख अजल ने सनकाश सब ठाढ पड़ा रह जाएंगा जब लाद करेंगा बंजाश

تعنی والت وهی قالر قالر کب تک اِس دهن میں صور بایا کب تک یا دهرر میں دهرر بایا کب تک یه دهیان دهرر بایا گیری سوچو سنجهو غور کرو کچه آیے جی میں قرو بایا " آی موت نقارہ باج چکا چلئے کی فکر کرو بایا " آی جانا ہے تم کر دنیا سے قالو کا پھیلک کے پشتارا سب تات ہوا رہ جائے گا جب لاد چلے کا بنجارا،

(18)

پنجارے! مشرق مغرب کواپنا ھی دکھ کیا تھوڑا ہے رہوے کا تھوڑا ہے رہوے کا تھوں اسے کہا دنیا کہ کہا کہار کا توڑا ہے کہا دنیا کہ کہا کہ کہار کا توڑا ہے کہا دنیا کا لیو جو نکھوڑا ہے کہور جہاں اِن تیرے پتھوڑاں کو کردیوں کے ناکارا سب تھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چالے کا بجفارا.

(19)

یه یو . اِن . او . مین عیاری یه پهور پهانس یه دفل فصل یه حفظ امن کے پاکیزه رافی نامے میں رد و بدل یه بین الاقوامی سازش یه تانا شاهی چهل بال کل یه آگ دهران یه چنگاری یه تیسری جنگ کے دل بادل پیغلم اجل هے تیرے لئے بنجتا هوا امن کا نقارا سب تهات پرا ره جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا .

(20)

په مارشل اید، یه پهنسک اید، یه لهبی دبین رشته ناتا اور بهبیالقومی بهنک کا وه شیطان کی آنت بهبی کهاتا به قالر سامراج کا احسان اب تو اتهایا بهبی جاتا دبنها کو اس کے حال به چهور اب او دنها کے ان داتا تجهیو بهبی ایک دن لے دریے کی قرض کی یه بوهتی دهارا سب تهات بوا ره جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا .

(21)

التهل الم المهل الديوريل بلتهل المجهال المتدويل التهل المهادي التحويل المها المهل المهاد المهل المهل المهاد المهل المهل المهاد المهل ا

¹⁷⁾ पुरतारा = पीठ का बोम (18) बटमार = रास्ते का डाकू; इरमार = इज्म करना; जमहूरे जहाँ = दुनिया की जनता; कारा = निक्रमा (19) दग्ल फसल = किसी को लड़ा देना, किसी फेसा देना; दिप्तक समान = शान्ति रुखा; बैठल सक्नामी = सैतर स्वी (21) लाकी = समाएँ.

खुन को असरीकी बंजारे! संसार तेरी बूकान नहीं क्यी बीनी भी ताजिर हैं, इनसान हैं वो शैतान नहीं है जिनसे उनका कारबार जानें उनकी हलकान नहीं यह तेरी समक्ष में आजाए क्या इसका कोई इमकान नहीं? डाके से कोई दुनिया में फला ? चोरी से किसी को हुआ वारा ? सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(13)

तू हिन्दुस्तान श्रीर पाकिस्तान को नरक बना कर छोड़ेगा बत्त आर्थ श्रगर तेरी वालें दोनों को मिटाकर छोड़ेगा होनों को जबाद के छोड़ेगा वीरान बना कर छोड़ेगा होनों को चबा कर छोड़ेगा दोनों को खाकर छोड़ेगा लेकिन ये निवाले । बन आएँगे तेरे जिये संगे खारा सब ठाट पड़ा रह आएगा जब लाद चलेगा बंजारा

(14)

जिन कीमों का तू मददगार बनता है क्या तू उनके यहाँ भारी भारी फ़ैक्टरियों के बनने का दिल से है छ्वाहाँ जिन मुल्कों का तू ठेकेदार बनता है ऐ दल्लाले जहाँ ! उन में भी दौलत बरस पदे इस बात की तुमको फिक कहाँ ऐ अपने दोक्तों के दुशमन ले मीत ने वह फन्दा मारा सब ठाड पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(15)

कृताले कोरिया याद रहे जब फ़ैसले का वक्ष्त आएगा तारीख़ का सबसे बड़ा सुजरिम इनसाफ़ तुमें ठहराएगा इनसान बयक आवाज़ तेरा हर जुस्मो सितम गिनवाएगा अपने करतृत बाद करके तू पीट के सर पछताएगा जो मौत के मुंह पर बढ़ जाए इसका भी किसी में है यारा सब डाट पड़ा रह जाएगा जब लाद बलेगा बंजारा.

(16)

आपान, कोरिया, जीन, मलाया, इन्डोनीशिया और बरमा बूनान, मिल्ल, करामीर और तिब्बत, यूगोस्लेविया, आस्ट्रेलिया फिल्लस्तीन, ईरान, सीरिया, बोरप, एशिया, अफ़रीका किस किस पर आँखें हैं तेरी कुछ लालन की हद है बाबा हो गज़ ही कफ़न हाथ आएगा गो दुनिया दुनिया सर मारा सब ठाट पड़ा रह आएगा जब साह बलेगा बंजारा.

(12) ताजिर व्योपारी; इलकान = परेशान; वारा = फायदा (13) निवाले = कौर; संगे खारा = सख्त पत्थर (14) ख्वाहाँ = इच्छुक (15) क्लाले कोरिया = कोरिया का इत्यारा; वयक आवाज = एक आवाज से. سن او امریکی بنجاری ا سنسار تهری دولان نهیس وسی جهنگی بهی تاجر هیں انسان هیں وقشیطان نهیں اللہ جن سے آن کا کاربار جانیں آن کی هلکان نهیں به تهری سمجه میں آجائے کها اِس کا کوئی امکان نهیں؟ اُلگیے کوئی دنیا میں پهلا؟ چوری سے کسی کو هوا وارا ؟ مب تهات بوا را جائے کا بنجارا.

(13)

و مندستان اور پاکستان کو نوک بااور چهورے کا ملک جائیں آثر تیری چالیں دونوں کو مقائر چهورے کا اونوں کو مقائر چهورے کا اونوں کو اجاز چهورے کا دونوں کو کھاکر چهورے کا مونوں کو کھاکر چهورے کا عالمی کے تھرے لگے سنگذارا میں تھات پوا وہ جائے کا جب اللہ چانے کا بنجار ا

(14)

من قوموں کا تو مددگار بنتا ہے کیا تو اُن کے یہاں ہاری بھاری فیکٹریوں کے بننے کا دل سے ہے خراہاں ا من ملکوں کا تو تھھکیدار بنتا ہے اے دلال جہاں! ین میں بھی دولت برس بڑے اِسبات کی تجھکوفکرکہاں اے یہ دوستوں کے دشدن لے مرت نے وہ پھندا مارا سب تھات بڑا وہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا۔

(15)

تمال کوریا یاد رہے جب فیصلے کا وقت آئے گا اربیع کا سب سے بڑا مجرم انصاب تجھے تھھرائے گا نسان بھ یک آواز تیرا ھر ظلم و سمم گلوانے گا نسان بھ یک آواز تیرا ھر ظلم و سمم گلوانے گا یہ کوئوت یاد کرکے تو پیت نے سر پچھتائے گا جو موت کے ملت پر چرھ جائے اِسکا بھیکسی میں ہے یارا سب تھات ہوا رہ جائے گا جب لاد چلے گا بلخار ،

(16)

واپان' کرریا' چهن' مالیا' انترنیشها اور برما ونان' مصر' کشمیر ارر تبحث' یوگوسلیویا آستاریلیا السطهی' ایران' سیریا' یا رپ' ایشیا' افریقا اس کس پر آنکهیں هیں توری کچه اللج کی حد هے بایا اوگؤ هی کان هانه آئے کا کو دنها دنیا سو مارا س

⁽²¹⁾ تاجر= بیوپاری؛ هلکان = پریشان؛ وارا = فائده (13) نوالے = کور؛ سلگ خارا = سخت یتهر (13) خارا = سخت یتهر (14) خواهان = کوریا کا یتهال کوریا = کوریا کا یتهارا؛ به یک آواز = ایک آواز سی

सीजाक कालराक चेवा चेचक हैजा प्लेग महामारी कीक कंठमाला सरतान जलंघर विक स्लाहारी हर कौम तेरी इन सीगातों से है अब जीने से आरी से तेरे भी दिन का पहुंचे हुशियार ! को मीत के ब्योपाई. चय विफरी हुई दुनिया का बराबर बढ़ता जाता है पारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(9)

इनिया में ६४ उठा रक्का है ज़ालिय तेरी सियासत ने दुनिया, की सिरे से खुट रखा है जालिम तेरी तिजारत ने दुनिया को भूका मार रखा है जालिम तेरी कफालत ने दुनिया को जलील बना रक्खा है जालिम तेरी जलालत ने एक दिन दुनिया को खटने का मिट जायगा तेरा न्योपारा सब ठाट पदा रह आएगा जब लाह चलेगा बंजारा.

(10)

यह नीत्रो बेटिंग और लिन्चिंग तेरे किरदार में शामिल हैं माओं बहुनों बच्चों के लहु इस कारोबार में शामिल हैं यह करल व गारत डाकाजनी तेरे ज्योहार में शामिल हैं दौतान भी जिन पापों से डरे तेरे अतदार में शामिल हैं भाव मौत की देवी लेने वाली है तेरे कह का चटखारा सब ठाट प्रवा रह जाएगा जब लाद बलेगा बंबारां.

(11)

क्या रूस है ऐसा बंजारा ? सामान तो उसके पास भी है क्या चीन है ऐसा बंजारा ? उससे दुनिया को आस भी है सनभत, हिरफ़त, दौलत, इज़्ज़त नवजनतंत्रों को रास भी है कसवल इन सब में है लेकिन क्या इनसे किसी को हास भी है एक रोज़ अजल के हाथों कहीं खुल जाय न मेद भरम सारा सब ठाढ पढ़ा रह जाएगा जब लाह जलेगा बंजारा.

سرزاك آتشك كهيئا جيجك هيفه يليك سأمأون كوره كناته مالا سرطان جلندهر دق سوكهاهاري نفرتور تهری اِن سو فاترن سے ہے آپ جہتے سے ماری لے تیرے بھی دن آپہونجے هوشیار! او موت کے بھیھاری أب بههري هولي دنها كا برابر جوهمًا جانا هي ياراً سب تهاف يوا ره جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا .

(9)

دنیا مهی حشر أتها ركها هے ظالم تهری سیاست نے دنها کو سرے سے اوت رکھا ہے ظالم تھری تحیارت نے دنیا کو بھوکا مار رکھا ہے ظالم تیوی کفالت نے دنیا کو ذلیل بنا رکها هے طالع تیری ڈلالت نے ایک دن دنیا کو لوٹنے کا ست جائے کا تھرا بھوپارا سب تهات يوارد جائے کا جب ادد چلے کا بلجارا.

(10)

یه نهکری بیشنگ اورلئجنگ تهری کردار میں شامل به ماوں بہدوں بچوں کے ابوالس کاروبار میں شامل میں یہ تعل وفارت ڈاکھ زنی تھرے بیوهار میں شامل هیں شیطان بھی جن پایس سے درے تیرے اطوار میں شامل میں اب موت کی دیمی لیلے والی ہے تیرے لہو کا چاتشاوا سب تهات يوا ره جائے کا جب لاد چلے کا بنجاراً.

(11)

کھا روس ہے ایسا بنجارہ؟ سامان تو اُس کے بھی ہاس ہے کیا جوہن ہے ایسا بلجاہ ؟ اُس سے دنیا کو آس بھی ہے صفعت' حوفت' دولت' عوت نوجن تفعرون كورأس بهي ه کس بر انسبمیں فراسکن کیا ان سے کسی کو عراس بھی ہے یک روزاجل کے ماتوں کہوں کھل جائے نہ یہود یمرم سارا سب تهات يوا ره جائے كا جب لاد چانے كا بلجارا.

⁽⁸⁾ सौगात = तोहफा; भारी = बेजार; विफरी = नाराज् हीर बेबीन (9) इश्र = क्यामत ; कफ़ालत = मदद (मार्शल एड) 10) नीघों बेटिंग धीर लिन्बिंग = किसी कालें नीघो को इसी भी भूडे सच्चे इसजाम पर पक्ष कर मार डासने वा जसा |ने का दिवाल; किरदार = चरित्र; अतवार = उंग (11) समझत रिकृत = छयोग भदि; नवजनतंत्र = योरप की नई लोकशाहियाँ; म् = स्वाप्तिः; कसवतः = ताकृतः; हास = वरः

⁽⁸⁾ سوفات = تتدنه؛ عارى = يه زأر؛ بههرى = نارانى أور به چین (9) حشر=قیامت؛ كفالت=مدد (مارشل اید) (10) نیکرو"بیتنگ اور لنچنگ حکسی کالے نیکرو کو کسی بھی جھوٹے سجے الزام پر یکو کر مارۃ اللے یا جلا دیائے کا روایے؛ کردار = چرنر؛ اطوار = تھنگ (11) سلمت حواسه أديوك دهندے؛ نوجن تلارديبيب كى نتى لوك شاهيان؛ رأس - موانق؛ كس بل = طالعه؛

दिटलर मुसोकिनी टोजो का जो इश्र हुआ वो देख लिया इंगलैन्ड में हो या फ़ान्स में हो मगरिय हो कि मशरिक का ख़िला आह ऊँचे सुरों में सरमाए का राग सुनाई नहीं देता इस साज पर ऐसी चोट पड़ी जैसे फट जाए हर परदा पूंजी का पियानो इट चुका अब हाथ में ले ले इकतारा सब टाट पढ़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बेजारा.

(5)

बह मोटर, जीप, रेमिंगटन, पारकर, ब्लेख, जहाजी सरो सामोँ यह लोहा लंगर टीन रबर पेट्रोल केरोसिन गैस धुआँ बिजली के खिलीने लहू बाजे गेंद तारा गुहें गुकियाँ जब मौत बदायगी तेरी दुकाँ कुछ भी पल्ले न पदेगा मियाँ सब माल धरा रह जाएगा जब पैके अजल ने ललकारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(6)

यह लिप्सिटिक, पाउडर, सास, पिकिल यह पशमीने यह कीमती फ्र नंगी तस्वीरों के एलबम, जहरीला जिन्सी लिटरेचर और हालीवुड की फ़िल्मों का वह गंदा सदा गला कलचर धमरीकी तर्ज जिन्दगी का यह टीम टाम यह करोंफ्र हर गुनहगार का मीत के हाथों हो जाता है निस्तारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा

(7)

क्या कोका कोला, मारगेरीन, क्या एग पाउडर क्या चाट चसक क्या नाइट कलब, क्या नारकेटिक, अफ़र्यू का धुआँ, कोकीन मदक क्या टर्डिल सूप और क्या सासेज क्या बेकन पोर्क, शराब गज़क क्या तहज़ीब ऐसी चटोरी भी क्या तकक अकक क्या चटक मटक इस अगक्स बगक्स खाने पीने ने वे मीत तुक्ते मारा सब ठाउ पका रह आएगा जब लाइ बलेगा बंजारा. مثائر مسوالی توجو کا جو حشر هوا وہ دیکھ لھا انگلیفلڈ میں هویافوانس میں هونفرب هو که مشرق کا خطا آپ اوانچے سروں میں سرمائے کا راک سفائی نہیں دیگا اِس ساز پر ایسی چوت بوی جیسے پہت جائے هر پردا پونجی کا پہانو توق چکا آب هاتھ میں لے لے اکتارا سب تهات پوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا.

(5)

یہ موٹر' جیمی' ریمنگٹن' پارکر' بلیڈ' جہاز و سرو ساماں یہ لوھا لنگر تین ربر پٹرول کیرو سن گیس دھواں بجلی کے کہلونے لئو باچے کیلد تاھی گڈے گویاں جب موت بوھائے کی تیری دوکال کچہ بھی پلے نه پوے کامیاں سب مال دھرا رہ جائے کا جب پیک اجل نے للکارا سب تہات پوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجاراً.

(6)

یہ لیسٹک پاوڈر' ساس' پکل یہ پشمیلے یہ قیمتی فر ننگی تصویروں کے البم' زهریلا جنسی لگرینچر اور هالی وڈ کی فلام سوا گلا کلچر اور هالی وڈ کی فلام سوا گلا کلچر امریکی طرز زندگی کا یہ تیم تام یہ کروفر هر گلهکار کا موت کے هانهوں هو جاتا ہے نستدا سب تهات ہوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجارا

(7)

کھا کوکا کولا' مارگرین' کھا اِٹ پازڈر کھا چات چسک کھا نائٹ کلین مدک کھا تائٹ کلیٹ' کھا نائٹ کلیٹ مدک کھا اُرٹل سوپ اُور کھا ساسیج کھا بھکن پورک' شراب گزک کھا تہلیب ایسی چاوری بھی کھاتوک بھوک کھا چھک ماک اِس اُگوم بگوم کھائے پھلنے نے بے مرت تجھے مارا سب اُھات بوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بغجاراً۔

⁽⁴⁾ इश्र = नतीजा; मग्रिक = पिछ्छम; मश्रिक = प्रव ; स्थिता = इलाका (5) सरी सामाँ = सामान; पैके अजल = मीत का फ्रिश्ता (6) सास = एक तरह की चढनी; पिकिल = विकासती अचार; जिम्सी लिटरेचर = काम वासना-साहित्य; कर्रोफ्र = शान-शौकत (7) नारकेडिक = एक नशा; टर्डिस स्प = क्छुने का शोरवा; सासेज = एक विकासती खाना; वेकन क्यां = गुज्य का गोस्त; गज़क = शराव के साम का खाना.

⁽⁴⁾ حشر = نتیجه ؛ مغرب = پچهم ؛ مشرق = پورب ؛ خطا = علائه (5) سروسامان = سامان ؛ پهک اجل = موت کا فرشته (6) ساس = ایک طرح کی چگفی ؛ پکل = والیتی آجار ؛ جفسی لاریجر = کا واسفا ساهنده ؛ کروفر = شان شوکت (7) نارکتک = ایک نشه ؛ گرال سوب = کیچور کا هوریا؛ ساسه ج = ایک والیتی کهانا ؛ بیکن پورک = سور کا گرشت ؛ گرگ = شراب کی کمانه کا کهانا .

विस्य 11

भगस्त, सन् '51

नम्बर 2

اكست سن 51' نمهر 2

علد 11

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानां बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली. جات آدمی' پریم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هند ' پہنچے کا کهر گهر لیُے پریم کی جهولی ،

अमरीकी वंजारानामा

(भाई रचपित सहाय 'फिराक्त' गोरखपुरी)

(1)

को कमरीका के बंजारे ! क्यों देस विदेस फिरे मारा क्र्इज़क क्षजल का लुटे है दिन रात बजा कर नक्षकारा क्या तशकर बेबे सबमेरीन क्या तथ्यारा क्या गुब्बारा क्या तोप टैंक ज़हरीले गैस प्रेनेड धुश्रों ग्रीर श्रंगारा क्जता है मौत का नक्षकारा होता है तेरा वारा न्यारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(2)

क्यों खुन से सारे आलम के तू अपना दिया जलाता है क्यों मौत के इन हथिबारों को अपना ब्योपार बनाता है यह मंडी मंडी दुकाँ दुकाँ क्यों तू आग बिकाता है खुद घर के चिराग से बंजारे, सुनते हैं कि घर फुंक जाता है यह एटम बंग हाइड्रोजन बग कर देंगे तेरा निषटारा सब ठाट पड़ा रह जाएंगा जब लाद चलेंगा बंजारा.

(3)

यह दुनिया भर में कैसा ताना बाना फैला रक्खा है किस नाते दुनिया भर में अपना हिस्सा बखरा रक्खा है क्यों देश देश के कारबार में अपना साम्रा रक्खा है इन चालों से क्या मिल जाएगा इन बातों में क्या रक्खा है बसे दी हिन का ये लैन देन यह लेखा जीखा है सारा संबं ठाउ क्या रह काएगा जब लाद बलेगा बंजारा.

(1) कर्ज़ाक का का का का नितः तथ्यारा हवाई जहाज़; प्रेनेड कोटा वम; नक्कारा का नगाड़ा (2) आलम व्युनिया

امريكي بنجاره نامه

(بہائی رگھویتی سہائے 'فراق' گورکھپوری)

(1)

او امریکت کے بنجارے! کہرں دیس بدیس پہرے مارا قواق اجل کا لوئے ہے دن رات بجاکر نقارا کہا قبارا کہا لشکر بیوے سیمرین کیا طیارا کہا قبارا کہا ترب ڈیلک زھریاے گیس گریدیڈ دعواں اور انقارا بیجیٹا ہے مرت کا نقارا ھوتا ہے تہرا وارا نیارا سب تہائے یوا رہ جائے کا جب لاد جاے کا بنجارا۔

(2)

کھوں خون سے سارے عالم کے تو اپنا دیا جلاتا ھے کھوں موت کے اِن ھٹھھاروں کو اپنا بھوپار بناتا ھے یہ مندی مندی درکاں درکاں کھوں تو آگ بچھاتا ھے کود گھر کے چراغ سے بنجارے' سنتے ھیں که گھر پہنک جاتا ھے بید ایٹم بم ھائڈ روجن بم کردینگے تھرا نبتارا سب تہات ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا ،

(3)

یہ دنیا بہر میں کیسا تانا بانا پہیلا رکھا ہے کس ناتے دنیا بہر میں اپنا حصہ بخرا رکھا ہے کس ناتے دنیا بہر میں لینا ساجھا رکھا ہے کیس دیشن دیشن کے کاربار میں اپنا ساجھا رکھا ہے اُن چالوں سے کیا مل جائے کا اِن باتوں میں کھا رکھا ہے سازا بین در دن کا یہ لین دین یہ لیکھا جوکھا ہے سازا میب تھات پرا رہ جائے کا جب لاد چلے کا ہتجارا ب

(1) فؤلق = قاكو؛ اجل = موت؛ طيارة = هوائى جهاز؛ فريلية = جهوتايم ؛ نقارا = ناارا (2) عالم = دلها (3) بشرا = حصة ،

ह्नी कलचर सोसाइटी

माहवारी परचा अगस्त 1951

هندستانی کلچر سوسائٹی ا ا ماهواری پرچا

اگست 1951

wies IFF

کیا کس سے

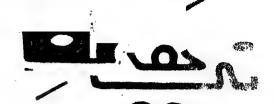
अर्थ बंजारा नामा (कविता)—भाई रघुपति		[أمريكي بغنجارا نامه (كويتنا) ــبهائي رگهو پتي سهائے
(B .174'	113	المراق '
क्षा की जरूरत _डाक्टर भगवान दास	120	2-فهرم مذهب کی ضرورت-قاکتر بهگوان دین
्री सोहबत में — भाई गु. म	124	: سوفیوں کی صحبت میں۔بہائی گ ، م . · · · · · · ·
रूप पुजारी निकले (कविता) — माई		4-ساجن روپ پجاری نکلے (کویٹا)-بہائی 'ہسمل'
- Marie	126	شهخو پورې
्रस्य राज्यपुरा संसाईभगवानदोन	127	الله منجهائيبهكوان دين المنجهائيبهكوان دين
ादी-एक सुकाव-स्वामी सत्यभक्त	133	لوک شاهی-ایک سجهاو-سوامی ستهه بهکت
रह (कविता)—भाई 'नउम' आफन्दी	136	آپريم ڌار (کويٽا)بهائي انجم' آفلدي
इंदाचार-गर्भ हत्या-माई मुजीव रिजवी	137	8روس میں سداچار-گربه هتیا-بهائی مجیب رضوی
्रिमहता सुधार) ऐक्ट, 1951	142	ردهان (پهلا سدهار) ايكت ' 1951 ····
के एक मज़क-लेखक माई स्टीकन जिनग;		10—گور′ىكىايك جهلك—ليكهك' بهائىستينن زريگ
The state of the s	• 148	انووادک بهائی پرکاش چندر چنر ویدی
क्षीना (कविता)—भाई 'नज्म' श्राकन्दी	150	11تمام سونا (كويدًا) بهائي 'نجم' آفلني
इसरत मोहानी से मुलाकात—मौलाना		21 مولانا حسرت موهاني سيملاقاتمولانا حميب الرحمان
मान लुधियानवी	151	لدههانوي
के कोली—खिचड़ी बोली और बोली की		31خالص ہولیکھچڑی ہولی آرر ہولی کی دیوار
आई मदन गोपाल	154	بهائی مدن گوپال
बार साल—सुरेश रामभाई	158	14 سوراج کے چار سال سریش رام بھائی
नाक चीज-भाई किशोरताल मशरूत्राता	165	15—أيك دردناك چهز—بهائى كدرر لال مشرر والا
ह जो काम चाहते हैं, वही मैं कर रहा		16کمیونسِت جو کام چاهتے هیں' وهی میں کر رها
नर्व विनोवा	166	هوں۔۔۔آچاریہ ونوبا
दुनिया	171	17—بچوں کی دنیا
36 619	175	18—کچه کتابیں
क्रिस की जुलाई महीने की डायरी	181	19—دیس ہدیس کی جولائی مہینے کی ڈاٹری
राय_देस और राजकाजी पारटियाँ—		20- هماري رائي- ديش أور راج كاجي پارتيان-سندر لال؛
अभी एकता कानकरेन्स और मंडल-		قومی ایکتا کانفرنس آور مندل-سریش رام بهائی؛
निया है; यू. पी. सरकार के जिये-किशोर-		يو . پي . سرکار کے لئے۔۔۔کشور لال مشرو والا ؛ يوجفا
क्सू है है। ला; थोजना या खिलवाड जे. सी.		يا كهلوار- ي . سى . كماريها ؛ ودهان ميس سدهار-
विधान में सुधार—सुरेश राममाई	183	سریش رام بهائی .

लाल में है रुपया साल, बाहर दस रुपया

'नचा हिन्द'

هندستان مهن چه روپيه سال' باهر دس روپيه





एडीटर—ताराचंद, भगवानदीन, मुज़फ्फर हसन, बिशम्भर नाथ, सुन्दरलाई اتيتر---تارا چند' بهكوان دين مظفرحسن بشمجهر ناته سندر الل

ं नायव एडीटर—स्**रेश रामभाई, महमूद अहमद 'हनर'**

ریش رام بهائی' مصود احد 'هذر ·

इस नम्बर के ख़ास लेख

श्रमरीकी बंजारा नामा (कविता)—रघुपति सहाय 'फिराक' धर्म मजहब की जरूरत-डाक्टर भगवान दास चात्म मंभाई-भगवानदीन लोक शाही-एक सुकाव-स्वामी सत्यभक्त गोर्की की एक मतक—इस्टीकन जियग मौलाना इसरत मोहानी से मुलाकात-मौलना हबीबुर्रहमान लुधियानवी स्वराज के बार साल-सुरेश रामभाई

हमारी राय-

देश और राजकाजी पारटियां—सुन्दरलाल यू. पी. सरकार के लिये-किशोरलाल मशरूवाला योजना या खिलबाड़-जे. सी. कुमारप्पा विधान में सुधार-सुरेश रामभाई

س نمبر کے خاص لیکھ

أمريكى بنجاره نامه (كويتا)—ركهويتي سهائے أ فراق فهرم مذهب کی فرورت-داندر بهکوان داس أتم ملجهاثي-بهكوان دين لوك شاهى -ايك سجهاو -سوامي ستهه بهكت گورگی کی ایک جهلک استینن زویگ مُؤلِّلُهِ حسرت موهاتي سے ملاقات—مولانا ڪيوبُ الرحمان یویکے کا المجال-سویش رام بھائی

> بيم أور والع كاجي بارتيان-سلدر لال 🖓 ہی . سرکار کے لئے - کشور ال مشرو والا الهوهقا يا كهلواز - چ . سي . كماريها ودهاريههن سدمار-سريش رأم بهائي

स्तानी कलचर सोसाइटी,इलाहाबाद 🎇



اگست 1951

لهمت دس إنه

हिन्दुस्तानी कलचर

पर

निबन्धों (मकालों) के लिये

इनाम

दिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने तय किया है कि हिन्दुस्तानी कलचर पर तीन सबसे अच्छे निवन्धों (मकालों) के लिये तीन इनाम दिये जाएं. बहला इनाम एक हजार अवस, दूसरा इनाम पाँच सी रुपए और तीसरा इनाम ढाई औ डपए.

निष्यमों में उस हिन्दुस्तानी कलचर के, जो पिछले सारे जमाने में रूप कर्ती रही है, टिकाऊ पहलुओं को बयान करते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कलचर के रंग रूप कराने की कोशिश होनी चाहिये. निश्म्य अंगरेजी में हिन्दुस्तानी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस क्ष्मार से अधिक शब्द न हों. जुलश्केप काग़ज़ पर, काग़ज़ एक तरक, एक चौथाई हाशिया छोड़कर, टाइप करके हर वित्रम्य की तीन कापियाँ 30 सितम्बर सन् 1951 तक के पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कलचर को तेन कापियाँ की साहियें. हिन्दुस्तानी कलचर की तीन कापियाँ के पर हुए नियम्धों में से जिसे की साहियें हाशिया करें.

सुन्दरलाल

सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद.

ब्लोट: बंबई निवन्ध पहले 30 जून तक मैंगाए गए थे बार क्लाईकी, रक्तमें कुछ कम थीं. अब इस के लिये क्लाईकीर रक्तम दोनों बढ़ा दिये गए हैं.

-सुन्द्रताता

هندستانی کلچر

22

نبندھوں (مقالوں) کے لئے

أنعام

هندستانی کلچر سوسائٹی نے طے کہا ہے کہ هندستانی کنچر پرتین سب سے اُچھے نبندہوں (مقالوں) کے لئے تین انعام دئے جائیں ، پہلا انعام ایک جزار ررپ دوسرا انعام یانچ سو روپ ،

نبلده موں اوپ لیکی اھی فی کلچر کے جو پچھلے سارے زماے موں اوپ لیکی اھی فی تکاؤ پہلوؤں کو بھان کرتے ہوئے آئے کے لئے ایک ھندستانی کلچر کے رنگ ارب کو بتانے کی کوشش ھونی چاھئے ، نبلدھ انگریزی میں یا ھندستانی میں ھونے چاھئیں ، پانچ ھزار سے کم یا دس ھزار سے ادھک شبد نہ ھوں ، فلسکیپ کافڈ پر کافل کے ایک طرف ایک چوتھائی حاشیہ چھرز کر آئٹ کر کے ایک طرف ایک چوتھائی حاشیہ چھرز کر آئٹ کر کے ھر نبلدھ کی تین کاپیاں 30 ستمبر سن 1951 تک نہجے کے پتے پر آجانی چاھئیں ، ھندستای کلچر سرسائٹی کو حق ہوگا کہ آئے ھرئے نبلدھوں میں سے جسے چاھ شائع

سندرلال سعریتری، هددستانی کلنچر سرسائتی 145 متھی گنم، الدآباد

نوٹ -- یہ نبدہ پہلے 30 جون تک متاائے گئے تھے اور انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں ، آپ اِس نے لگے وقت اُور وقم دونوں ہوتا دئے گئے میں ،

--سندرالل

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

معينان الهير سوخالتي

मक्सद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों कौरा का छापना .
- े (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानकरेन्सों, केक्चरों से सब धर्मों, जातों, विरादरियों श्रीर फिक्कों में आपस का मेल बढ़ाना .

--: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िम० घड्युल मजीद ख्वाजा; बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अञ्चल इक ; गवर्निंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास ; सेक टरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडो के और मेम्बर-

डा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मंजर झली साखता, श्री बी० जी० खेर, मि० एस० के० रुद्रा, पं० बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्मद अब्दुल राप्तकार और श्री खोम प्रकाश पालीवाल .

मेम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरताल सेकेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टी गंज, इलाहाबाद.

नोट—सोसाइटी के नये क्रायदे के अनुसार मेम्बरी की फीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द्" के जो गाइक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया अन्या देने पर ही मेम्बर बना लिया जायगा. अलग से मेम्बरी की फीस देने बाले सोसाइटी की निकली हुई कोई बिवाब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या الله ایسی هندستانی کلچر کا بوهانا بههلانا اینا جس میں سب هندستانی شامل هوں . اینا بههلانے کے لئے کتابوں اخباروں رسالوں

هموں' کتاب گهروں' سیماوں' کانفرنسوں' شب معرموں' جاتوں' برآدریوں اور فرقوں میں شہرمانا ،

-:0:-

ی پاتس کے اور معبر ۔۔۔

سهد محمودا قاکتر تارا چندا مولوی سید مین مسلم منظر علی سید کی . اودرا پنگت بشمیم ناته مهاتما کی محمد عبدالنفار کی محمد عبدالنفار کی ورکاش پالهوال .

کے قاعدوں کے لئے لکھٹے ۔

سندر لال سكريترى، هندستانى كلىچر سوسائتى، 145، متهى كنج، العآباد .

وسائقی نے نئے قامدے کے انوسار صمیری کی الیک روپیہ کرنس گئی ہے ۔ "نہا ہند" کے ویٹھا چاہیں اُن کو صرف چہہ روپیہ چندہ مسیری کی مسیری کی الگ سے صمیری کی اُلگ سے صمیری کی اُلگ سے صمیری کی اُلگ سے صمیری کی اُلگ سے صمیری کی نکلی ہوئی کوئی کتاب جو اُلگ سیسائٹی کی نکلی ہوئی کوئی کتاب جو گئے ہیں اور ایک روپیہ کم کواسکیٹی۔

राजकाजी मामको में रखी भर भी भेदभाव नहीं करते, जिनके दिस और विभास हर तरह की संगनपारी से उपर चठ चुके हैं, देश की ख़राकिस्मती से हुई मजहब के भारक वासियों में इस तरह के काकी आव्मी मीजूद हैं. प्रोफेसर सुधीर कुमार रुद्र इसी तरह के एक आवर्श भारत वासी थे. इसी तरह के लोग हमारे राश्ट्रीय महल के सच्चे निर्माता कर्ता सकते हैं. इस निगाइ से प्रोफ्रेसर सुधीर कुमार रुद्र 📆 जीवन अपने स्वर्गीय पिता प्रिंसपत्न सुशील कुमार रुद्र 🖣 जीवन की तरह उन हजारों भारतबाखियों के लिये जो मारत रारट्रीयता को खुले और छिपे किसी एक धर्म के साथ जोड़ते रहते हैं, सच्ची राश्ट्रीयता के एक बहुत बढ़े सबक्र का काम दे सकता है.

हमें भाई सुधीर कुमार ठद्र के चले जाने का बड़ा दुख है. हिन्दुस्तानी फलचर सोसाइटी के अन्दर वह एक बहुत बड़ी कमी पैदा कर गए हैं. भगवान उनकी खातमा को शान्ति भौर उनके सम्बन्धियों भीर मित्रों को सन्तोश हैं.

*2*9. 6. '51.

— सुन्द्रलाल

'नया हिन्द' के पाठकों से

'नया हिन्द' के प्रेमी देखेंगे कि इस नम्बर से 'नया हिन्द' नई शकत में निकल रहा है. इस बन्दोबस्त की वजह से जुलाई नम्बर के छपने में इतनी देर हो गई जिसके लिये इस माक्री के तलबगार हैं. इस पूरी कोशिश करेंगे कि 'नया हिन्द' का अगला नम्बर अगस्त महीने के पहले इक्ते में पाठकों के पास पहुँच जाय और आगे से बराबर डीक वंद्रस पर मिलता रहे.

दफ्तर से कई बार एक एक पते की आँच करने के बाद 'नवा हिन्द' बाकलाने भेजा जाता है फिर भी हमारे पास अकसर 'नया हिन्द' के न पहुँचने की शिकायतें आती रहती हैं. अपने प्रेमियों से इस अपील करेंगे कि इस बारे में बह अपने डाक्खाने से पूछताछ करने के बाद हमें इसलां दिया करें. इस दूसरा परवा भेज दिया करेंगे.

नया नम्बर आपके हाथ में हैं, जम्मीद है कि इस विकासिले में आप अपने सुकाब मेज कर हमें इस बात का मौका देंगे की हम आपकी ज्यादा से जयादा सेवा कर सकें.

रहनाकारण, राव की के ब्रेश्वरसाव, बार्वजनिक जीवन कीह हो हो हुए। अपन प्रदेश हैं हुए हुए हैं العِن المعاملون مهن رتق بهر بهي بهيد بهاد قهيد كوي ون كا دل أور دماغ هر طرح كي تنك نطري من أوهر أله وك هيل . ديش كي غرض قسندي سے هر مذهب كے مارت باسهون مهن إسطوم كے كافي أدمى موجود هين . روفیسر سدھیر کمار رودر آسی طرح کے ایک آدرهی بھارت اسی تھے . اِسی طرح کے اوک عمارے راشتری معل کے سجے نرماتا کہلا سکتے ھیں . اُس نکاہ سے پروفسهر سدههر مار روفر کا جیران آیے سورگیہ پتا پرنسیل سوشیل کمار رودر کے جھوں کی طرح أن هزاروں بھارت باعوں كے لئے جو ھارت راشدریدا کو کھلے اور چھھے کسی ایک، دھرم کے ساتھ جررتے رہتے میں' سچی راشتریتا کے آیک بہت بوے سبق ا کام دیے سکھا ھے .

> همیں بھائی سدھیر کدار رودر کے چاہ جائے کا بوآ اکه ه . هددستانی کلچر سوسائتی کے اندر وہ ایک بہت بوی کمی پیدا کو گئے هیں . بهگوان أن کی آتما کو شابتی ور أن کے سمجندھیوں اور محروں کو سنحوش دیں ۔

. Il Juliu ---

29-6-'51

'نیا هند' کے پاٹھکوں سے

' نہا مدد ' کے پریسی دیکھھلگے که اس نمبر سے ا نہا ہلد ' نئی شکل مہی نکل رہا ہے ۔ اس ہندویست کی وجه سے جولائی نمبر کے چھپلے میں اندی دیر ہوگئی جس کے لئے هم معانی کے طابکار هیں . هم پرری کوشش لريلكے ك، انها هادًا كا أَنْلا نمبر اكست مهونے كے يہلے هديے سیں پاٹھکوں کے داس یہونی جائد ارر آگہ سے ہراہر تھیک وقت پر مالتا رہے .

دفتر سے کئی بار ایک ایک پتے کی جانبے کرنے کے بعد ا نیا مند ا ڈاکھائے بہیجا جاتا ہے پہر یہی مبارے پاس اکثر 'نها هند' کے نع پہونچینے کی شکائتیں آتی رهتی هیں ، ام پریسوں سے هم آپول کریدگے که اس بارے مهں وہ آھے دَائِشًا لِهِ سِي يُوجِهِ تَاجِهِ كُرِلْ كِي يَمَدُ هَمِينَ أَطَلَامَ ثَيَا كُرِينَ إ هم دوسرا پرچه بهیم دیاکریس کے .

نها تميز آپ کے هاته مهن هے . اُمهد هے که اس سلسلے میں آپ ایے سجهای بههیم کر هدیں اس بات کا موقع دينك كه هم آپ كى زيادة سے زيادة سهوا كو سكهن .

— ليڌيئر

THE REST OF THE REST OF THE REST OF अब प्रदत्ता पासरी मालूस होता है. विसपस सह बहुत ही क्यार विचारों के आइसी थे. उनका दिस सानव प्रेम से अरा हुआ था. किसी तरह की मजहबी तंग नजरी चन्हें क् भी नहीं गई थी. वह सक्ये हिन्दुस्तानी और सक्ये इनसान बे. दिल्की में इस खमाने में दिन्यू, मुसलमान जीर ईसाई सब उन्हें त्यार करते थे और सब बड़ी इञ्जत की निगाह से देखते थे. दीन बन्धु सी. एफ. एन्ड्रूज उनके साबियों में से थे. साला हर द्याल उनके शागिरहों में थे. सहारमा गांधी से चन्हें बड़ा गहरा प्रेम था. दोनों में गाढ़ी मित्रता थी. दक्किन अफरीका से आने के बाद शुरू के दिनों में सहात्मा गांधी दिल्ली में उन्हों के यहाँ ठहरा करते थे. इमें भी गांबी जी से दिल्ली में प्रिंसपल उड़ के मकान पर मिलने और वार्ते करने का सौभाग्य मिला है. उन दिनों गांधी जी नीची गुजराती धोती, कुरता और अंगरका पहनते थे और काठियावादी पगदी बांधते थे.

प्रिंसपक सुशील कुमार रुद्र सच्चे देश भक्त थे. इस देश में चिह्मा का युग चाने से पहले उनके न जाने कितने विद्यार्थी जेकों में सबे चौर सूक्षियों पर लटक गए. इस देश के बहुत से देश भक्तों चौर रारद्र सेवकों के लिये प्रिंसपक सुशील कुमार रुद्र एक चाद्शे देश भक्त चौर चाद्शे रारट सेवक थे.

त्रोफ्रेसर सुधीर कुमार रह एक योग्य और नेक पिता के योग्य और नेक पुत्र थे. ईसाई धर्म जिन जिन गुनों पर जोर देता है वह सब उनके अन्दर मौजूद थे. पर किसी तरह की अनुदारता, संकीनेता या तंग नजरी अपने वाप की तरह उन्हें भी खूंन गई थी. त्रोफ्रेसर सुधीर कुमार रह दिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के क्रायम करने वालों और शुक्त से अपनी मृत्यु के समय तक उसकी इन्सजामिया कमेटी के मेम्बरों में से एक थे. गांधी जी अन्हें हमेशा वातसक्य (पिव्राना) त्रेम की निगाह से देखते थे.

हमारा देश अनेक अमें का गहवारा है. दुनिया के सब अमें को इसमें आदर और प्रेम के साथ जगह मिली है. दिन्दू, मुस्तमान, सिका, पारसी, यहूदी, ईसाई, बीद और जैन सब इसके अन्दर बसे हुए हैं. भारत माता सबकी एक बरावर माता है. इस संगम के कारन ही यह देश चर्म की निगाह से दुनिया के लिये एक आदर्श देश हैं. हमारा राएड़ एक मिला जुला राइड है. हमारे इस आदर्श राइड में सबसे मुबारक वह हिन्दू, वह मुस्तममान, वह सिका, वह पारसी, वह बहुती, वह ईसाई, वह बीद और वह जैन हैं जो अपने अपने अलग अलग अलग अमें को मानते हुए भी, अपने अमें के कैंने से कैंने गुनों को धारन करते हुए भी सकने मारती

A STATE OF THE STA النوية الوقاة فوورس معاوم هوتا في يونسهل والنو يهدها في الولو المانون كي أدمي تهي . أن كا دل مانو يويم سے بهرا هيا فيا . الماس ملوم كي مذهبي تلك نظري أنيهن جهو يهي تهيين گلی تهی . وه سچ هندستانی اور سچ اسان ته ، دلی مهن أس زماني مين هلدو مسلمان أور ههسالي سب أنهيس يعار كرت ته أور سب يوى عزت كى نكاه س ديكهد الهدر هيري بلدهو سي ، ليف ، ليلةروز أن كم ساتههون منهن من الله مر ديال أن كي شاكردون مهى تهي . مراقعة كافدهى سے أنهيں ہوا كهرا يريم تها . دونين مين الوهى مترتا تهى . دكهن أفريقه س آنے كے بعد شروع كے خوامیں میں مہاتما کاندھی دلی میں آنہیں کے یہاں ٹیہوا گرتے تھے ۔ همیں یونی کاندهی جی سے دانی میں پرنسیل رودو کے سکان پر مرلئے اور باتیں کرنے کا سوبھائیہ ملا ہے . أن فنون الندهي جي نيچي گجراتي دهوتي، كرته اور الكركها پہلتے تھے اُور کاٹھھاواڑی پکوی باندھتے تھے۔

پرنسپل سوشهل کمار رودر ستھے دیش بھکمت تھے ،
اس دیھی میں اهلسا کا یک آنے سے پہلے اُن کے نه جانے کتنے
ودیارتھی جیلوں میں سرے ارر سولیوں پر لٹک گئے ، اُس
فیھی کے بہت سے دیھی بھکتوں اور راشتو سیوکوں کے لئے
پرنسپل سوشیل کمار رودر ایک آدرش دیھی بھکت
اور آدرش راشتر سیوک تھے ،

پروفیسر سدهیر کمار رودر ایک یوکیه اور نیک پتا کے یوکیه اور نیک پتر تھے ، عیسائی دهرم جن جن گئوں پر رود دیتا ہے وہ سب ان کے اندر موجود تھے پر کسی طرح کی انودارتا' ساکیرنتا یا تاگ نظری آنے باپ کی طرح آئیمیں بھی چھو نہ گئی تھی ، پروفیسر سدهیر کمار رودر مخدستانی کلچر سوسائٹی کے قائم کرنے والوں اور گیروع سے اپنی مرتبو کے سیے تک اسکی انتظامیم گیروع سے اپنی مرتبو کے سیے تک اسکی انتظامیم گیروع سے اپنی مرتبو کے سیے تک اسکی انتظامیم جی گیروع ہے دیکھیتے تھے ،

 गरा सा भी करण के कारणार का जाने ताने में कोई करण पड़ने पाएगा. जो देश भी किसी दूसरे को चूसना या उससे वेका फायबर उठामा नहीं चाहते और सम के साथ मेल मिलाप और अमन से रहना चाहते हैं उनके सारे चापसी मामले आसानी से शान्ति के साथ तय हो सकते हैं. मारत अपनी शाकि भर इस रास्ते पर चलता रहा है, चलता रहेगा और दूसरों को इस पर चलने की सलाह और माइद देशा रहेगा.

28. 6. '51,

—सुन्दरकाल

विनोबा जी तेलंगाना में--

इस नम्बर में दूसरी जगह इम विनोवा जी की तेलंगाना बाका पर श्री सुरेश राममाई का लेख दें रहे हैं. विनोबा जी की इस सच्ची और प्रेम भरी कोशिश ने देश के बहुत से कोगों का ध्यान उनकी तरफ खींचा है. इस अनोसी कोशिश में जियनी भी सफलता उन्हें मिली वह बड़ी ख़री की चीच चौर चागे के लिये उम्मीद दिलाने वाली चौर रास्ता दिसाने वाली है. जैसा विनोधा जी ने कई जगह कहा है हमें इसमें जरा भी शक नहीं कि महिन्सा और कम्युनिजम का मेल ही इस देश के और दुनिया के अधिकतर दुखों का हकाक है, सले ही इसमें बाद तक के कम्यूनियम का रंग हम बहुत कुछ बद्दा जावे और भने ही इस समय के महिंदा अक्तों की कुछ जमी हुई मानताएँ भी हिंग जाएँ. दुनिया में कोई समम्बदार आदमी यह नहीं कह सकता कि इसे बाइन्स कोई नई बीज नहीं सीखनी. मानव उन्नति की नदी बराबर बहती ही रहती है, इस विनोधा जी के इस होरे के लिये उन्हें और देश को दोनों को बचाई देते हैं कौर चाहते हैं कि इसी तरह के अहिंसा के तरीक़े इसी काम के जिये देश के इक ऐसे इलाकों में भी आजमाए बाब जो अभी तक कम्यूनिस्टों के हिंसा के तरीकों से बचे BR E.

29. 6. '51.

-सन्दरकाष

प्रोफ़ेसर सुधीर कुमार रुद्र-

21 जून सन '51 को इलाइ।बाद यूनिवरसिटी के प्रोक्रसर सुधीर कुमार ठह की नैनीताल में अचानक मृत्यु हो गई. प्रोक्रेसर ठह का यह 60वां साथ था. उनतीस साथ यह इलाहाबाद यूनिवरसिटी की सेवा कर खुके वे. खुनु विसक्त अचानक हुई. नैनीशाल की सात साल मील के सार हुए थे. तैरते तैरते पानी की महादियों में फंस हुए और वहीं जीवन जीजा समाप्त हो गई.

श्रोकेसर सुपीर कुमार रह ईसाई थे. बनके पिता

فراسا بھی فی ہوں کا اور ان فرنس طرف کے موفائیں کو پہلے ہائے۔
یکوریوں کے کار بار یا آئے جائے میں والی فرق ہوئے دائے۔
کیکر بھی کسی دوسرے کو جوسفا یا اُس سے بینجا فائدہ آٹھاگا
نہیں جانتے اور سب کے ساتھ میل مائی اور اُمن سے وفقا جانکے میں اُن کے سارے آیسی معاملے آساتی سے شاتھی کے ساتھ طے ہوسکتے میں ، بیارت اپنی شکتی بھر اِس راستے پر چلتا رہا ہے 'چلتا رہے کا اور دوسروں کہ ایس پر چلئے کی مائے اور مدد دیتا رہے گا اور دوسروں کہ ایس پر چلئے کی مائے اور مدد دیتا رہے گا

ــسالدر لأل

28-6-51

ونوبا جي تيلنگانه ميں ـــ

إس تبهر مين هوسري جائه هم وتوبا جي کي تهللکانه یاترا پر سری سریص رام بھائی کا لیکھ دے رہے میں . ونوعا جی کی اس سچی اور پرزم بھری کوشش نے دیش کے بہت سے لیکوں کا دھیاں اُن کی طرف کھیلچا ہے . اِس انوکھی كوشص مرن جعلى بهي سبهاها أنهين ملى ولا يويخوشي كي جيز اور آلے كے لئے أحيد دلانے والى اور راسته دكھالے والى هے . جيسا ونوبا جي نے کئي جگه کہا هے همين اس مُهِنَّ قَرَا يَهِي هَكَ تُهِينَ كَهُ أَعَمُساً أَوْرَ كَنَهُونُومَ كَا مَهْلُ هِي اس دیش کے اور دنیا کے ادھک تر دکھوں کا علام ھے ، بھلے ھی اِسمیں آب تک کے کمیوانوم کا رنگ روپ بہت کچھ بدال جاوے اور بھلے میاس سیے کے اهدسا بھکٹوں کی کچھ جس هرائي مانتالين بهي هل جالين . دنها مين كرأى سمجهدار آدمی یه نبهی که سععا که آسے آثلندہ کوئی نگی چهو نیہوں سہوعتی ، ماتو آنتھی کی تدی برابر بہتی ہی رہی ھے . هم ونوبا جی کے اس دورے کے لئے آنھیں اور دیش کو درنوں کو بدھائی دیتے میں اور چاہتے میں که اِسی طرے کے اُھٹسا کے طریقے اِسی کام کے لئے دیش کے کچھ اُسے والقرس مين بهي آزمال جاليس جو ابهي لك كيهونسالون کے هنسا کے طریقیں سے بھے هوئے هدن .

- سلدر ال

29-6-51

پرونیس سدهیر کهار رودر-

21 جون سن 51 کو الدابات ہو ہورسٹی کے پروفیسر سدھیر کمار وردو کی نیعی قال میں اچانک مرتبو ہوگئی۔ پروفیسو وردو کا یہ 60 ولی سال تھا ۔ انتیس سال وہ الدابات ہوئی۔ پرفیورسٹنی کی سورا کو چھے تھے۔ مرتبو بالکل اجانک ہوئی نیفی قال کی سامن قال جھیل میں نیائے کئے ہوئے تھے ۔ تھوٹی الار وہیں بہلس گلے اور وہیں جھیں الا تعانی ہوئیں۔

 पानकाया गामान पना का प्रकार ने प्रकार गाय प्राप्त गाय पानित की की की प्रकार समझी जायगी. तिब्बत की सरहद को दूसरे देशों की दुखल अन्दाजी से बचाना चीनी सरकार का कर्ज होगा और उसे इसके प्रवन्ध करने का इक होगा. अंतरकीमी मामकों में तिब्बत चीन के साथ रहेगा.

पाहिर है तिब्बत में न इतनी शक्ति है और न र्े पुता कि वह आजकत की नाजुक अंतरक़ौमी हालत में दूसरे देशों से अपना बचाव कर सके. दुनिया के दोनों बदे बढ़े वल सब छोटे और कमजोर देशों की मलाई बाहने और हिफाजत करने का दम भरते हैं. सबाल सिर्फ इतना है कि इस तरह का कोई भी छोटा देश इन दोनों में से किस पर अयादा एतबार करे. हमें इसके कहने में जरा भी संकोच नहीं कि तिब्बत का भला चीन के साथ रहने में है और चीन की सलामती एक दरजे तक तिब्बत की सलामती पर निर्भर है. इसलिये चीन और तिब्बत के इस समम्मौते पर हम दिल से दोनों देशों को बधाई देते हैं.

यह सममीता इस फैबी हुई और खतरनाक रालतफहमी को भी दूर करता है कि जाल चीन या किसी भी
लाल देश का असर जहाँ कहीं बदता है लोगों के धार्मक
विश्वासों और उनके रीत रिवाजों पर जबरदस्ती हमला
करता है. हम तो चाहते हैं कि तिब्बत अपने पुराने गए
बीते, दक्षियानूसी धार्मिक जंजालों से भी बाहर निकल सके
और अपने रीत रिवाजों को अक्रल, साइन्स और मानव
प्रेम की रोशनी में सुधार सके. पर यह काम चीनियों का
नहीं. यह तिब्बती नताओं और वहाँ की जनता को खुद
ही करना होगा. कोई भी विदेशी सरकार, अगर उसमें
करा सी भी समम है, दूसरे लोगों पर अपना असर कायम
रखने के लिये उनके धार्मिक अंध विश्वासों और उनके
सहे गते रीत रिवाजों को बदलता या सुधारती नहीं, उन्हें
और बढ़ाती और उनसे फायदा उठाती है.

एक छोटी सी बात और है. चीन और भारत के बीच तिजारत हमेशा से बड़ी अच्छी तरह होती रही है. इस तिजारत के रास्ते पर दो जगह एक ग्यानत्से और दूसरा यातुंग पर भारत सरकार की ट्रेड एजेन्सियाँ रहती हैं. ग्यानत्से में सीदागरों और यात्रियों की हिफाजत के जिये योड़ी सी हिन्दुस्तानी कीज भी रहती है. इस तिजारत के रास्ते पर भारत के इक्ष डाक घर और तार घर भी हैं. तिब्बत की राजधानी जासा में सारत सरकार का एक पजेन्द्र भी रहता है. यह सब चीजें केवल दोनों के भले के जिये थीं और हैं. हमें इसमें जरा भी शक नहीं कि इस इन्सज़ाम में कोई छोटी या बड़ी तबदीकी भले ही हो, न ربے مجی معدم جدوں ہ دوں یہ رہے ہے۔ مجیب می جور جیسی اللہ اللہ سمجھی جائےگی۔ تبحیکی شرحد کو فیسوے میں اللہ اندازی سے بحیانا جیلی سرکار کا فرقی ہوگا ۔ اندر قومی اور آسے اِس کے پربلدھ کرنے کا حق ہوگا ، اندر قومی معاملوں میں تبت جدی کے ساتھ رہے گا ۔

ظاهر ہے تبت میں نہ اتنی شکتی ہے لور نہ یوگتا کہ وہ آج کل کی نازک اندر قومی حالت میں دوسرے دیسوں سے اپنایتھاو کر سکے دنیا کے دونوں بڑے ہجے دل سب جھوتے اور کمزور دیشوں کی بھلائی چاھئے اور حفاظت نوئے کا دم بھرتے ھیں ، سوال صرف اتنا ہے تہ اِسطرے کوئی بھی جھوتا دیش اِن دونوں میں سے کس پر زیادہ اعتبار کرنے ، ھمیں اِس کے کہنے میں درا بھی سنکوچ نہیں کہ تبت کا بھلا چھن کے ساتھ رھنے میں ہے اور چھن کی سلامتی ایک درجے تک نبت کی سلامتی پر نربھر ہے . اس سمجھوسے پر فربھر ہے . اس سمجھوسے پر ھم دل سے اس دیشوں کو بدھائی دیتے ھیں .

یم سمجهوته اس پهیلی هوئی اور خطرناک فلط فهمی فو بهی دور کرتا هے که لال چین یا کسی بهی قل دیش کا اگر جهاں دیوں بوه الله چین یا کسی بهی قل دیش اور آن کے ریت رواجوں پر زبردسانی حمله کرتا هے . هم تو چاهائے ههی که تبت اپنے پرانے دئے بہتے؛ دفهانوسی دهارمک جلاحالوں سے بهی باعر نکل سکے اُرر اپنے ریت رواجوں دو حقل اسائلس اور مانو پریم کی روشلی میں سدهار سکے ، پر یه کام چینیوں کا نہیں . یہ تبتی نیتاؤں اور وهاں کی بر یه کام چینیوں کا نہیں . یہ تبتی نیتاؤں اور وهاں کی جلتا کو خود هی کرنا هوگا . کوئی بهی ودیشی سرکار' اگر اس مهی دان سی بهی سمجه هے ' دوسرے لوئوں هر اپنا اُشر قائم رکھنے کے لئے ان کے دهارمت انده وشواسوں اور اُن اُنہیں اور بوهائی یا سدهارتی نہیں' اُنہیں اور بوهائی اور اُن سے قائدہ اِنهائی ہے .

ایک چهرائی سی بات اور هے ، چین اور بهارت کے بیچ تھارت همیشه سے بری اچهی طرح هرائی رهی هے ، اِس انتجارت کے راستے پر در جگه ایک ایانتسے اور دوسرا یا انگ مہین سوداگروں اور یاتریوں کی حفاظت کے لئے تهراڑی سی میڈن سوداگروں اور یاتریوں کی حفاظت کے لئے تهراڑی سی هندستانی فوج بهی رهائی هے ، اِس تجارت کے راستے پر بهارت کے گفته ہاک اور تار کبر بهی هیں تبت کی راجدهائی ایک ایجادت بهی رها هے ، یہ ایسا میں بهارت سرار کا ایک ایجادت بهی رها هے ، یہ شمیل اور هیں ، انتظام شمیل اِس میں فرا بهی شک نہیں که اِس انتظام شمیل اوس میں فرا بهی شک نہیں که اِس انتظام شمیل کئی جهارت سرار اور جهائی شدیائی بہاے هی هو نه اُس سے بهارت سرار اور جهائی شدیائی بہاے هی هو نه اُس سے بهارت سرار اور جهائی سرار کی مارا اور جهائی اُس سے بهارت سرار اور جهائی سرکار کی مارا امیں اُس سے بهارت سرار اور جهائی سرکار کی مارا امین

सित्यों से तिन्दत को अपने शरीर का एक अंग मानता रहा है. सारत ने कभी भी चीन के इस दावे से इनकार नहीं किया. अक्तूबर सन '50 में चीनी सेना के तिन्दत में धुसने पर भी भारत सरकार ने तिन्दत पर चीन के इस दावे को ठीक मान लिया.

जंब से एक तरफ़ रूस और चीन और दसरी तरफ इंगलैन्ड और अमरीका में खेंचातानी शुरू हुई तिव्यत पर भी दोनों तरफ से होरे हाले जाने लगे. तिब्बत में सिंदुयों से एक तरह की दोहरी इक्रमत चलती थी. बालाई लामा वहाँ का राजकाजी हाकिम था और पंचेन लामा वहाँ का मजहबी या आध्यात्मिक शासक, हाल में एक अजीव वात यह दुई कि, कहा जाता है, दालाई लामा कुछ अंगरेजों और अमरीका वालों के असर में आने लगा था और पंचेन लामा चीन और कम्यूनिकम की तरक मुक्ता था. तिब्बत की सरहद भारत, लहुाल और कशमीर से मिली हुई है. रूस और कशमीर में बहुत थोड़ा फासला है. अकतानिस्तान और पाकिस्तान की सरहदें भी पास पास ही हैं. ऐसी सूरत में, जाहिर है, रूसो-चीना और ऐंग्लो-अमरीका दोनों में से कोई भी तिब्बत की तरफ से बेपरवाह नहीं हो सकता. चीन के लिये तिब्बत का सवाल और भी गहरा सवाल था. तिब्बत के ऊपर चीन की अपनी सलामती का दार मदार था.

पेंग्लो. अमरीका के तिब्बत पर बदते हुए असर और रेशेदवानियों को देखकर चीन ने इस बिना के ऊपर कि तिब्बत बदे चीन का एक अंग है, अक्तूबर सन '50 में अपनी फीजें तिब्बत भेजीं. भारत 'ने एक सच्चे मित्रराश्ट्र की हैंसियत से चीन के दाबे से तो इनकार नहीं किया लेकिन चीनी सरकार को दोस्ताना सलाह दी कि फीज को आगे बहने से रोका जाय और शान्ति के साथ बातचीत करके चान और तिब्बत के बीच का मामला तथ कर लिया जाय. बाड़ी सी लिखा पढ़ी हुई. चीनी सरकार ने अपनी फीज को आगे बढ़ने से रोक दिया. चीन की राजधानी पेकिंग में चीनी सरकार और तिब्बत के नुमाइन्दों के बीच बातचीत शुरू हुई मई सन '51 के आलीर में चीन और तिब्बत के बाब शान्ति सममीता होगया. सममीते की सत्रह शर्ते हैं. हमारे देश की अन्तर की मी राजधीत की सत्रह शर्ते हैं. हमारे देश की अन्तर की मी राजधीत की यह एक छोटी सी लेकिन सासी अच्छी जीत हैं.

सममीते की खास खास बातें यह हैं—दालाई लामा विकार के राजकाजी शासक बने रहेंगे. पंचेन लामा नहीं के आध्यात्मक गुरू रहेंगे. अपने मजहबी मामलों और रीत रिवाज के पालने में सबको पूरी आखादी होगी. विकास के अन्दर के सासन में विकाद सरकार पूरी वरह आखाद ایس سے تھٹ کو آئے شریر کا ایک انگ مانٹا رہا ہے۔ ارس نے کبھی بھی چین کے اِس دعوے سے انکار نہھن ا ۔ اکتوبر سن 50' میں چیلی سیدا کے تہت میں سلے پر بھی پھارت سرکار نے تہت پر چھن کے اِس دعوے تھیک مان لیا ۔

جب سے ایک طرف روس اور چین اور دوسری طرف لمهلد أور أمريكه مهل كهيلجا تاني شروع هوتى تهت بھی درنس طرف سے قررے ڈالے جانے لکے . تبت ن صديون سے ايك.طرح كى دوهرى حكومت جلتى . دالائی لاما رهال کاراج کاجی حاکم تها اور ینچن لاما ل كا مذهبي يا أدهياتمك شاسك . حال مين أيك يهب بات يه موثني كه كها جانا هي دالاني لاما كجه ریزوں اور امریکہ والوں کے اثر مھی آنے لگا تھا اور چن لاما چهن أور كميونزم كى طرف جهكا تها . عا کی سرحد بهارت الداع اور کشمیر سے ملی هوائی هے. س أرر كشمهر مين بهت تهرزا فاصله هي . انغانستان پاکستان کی سرحدیں بھی پاس پاس ھی ھیں۔ مي صورت مهن ظاهر هے ورسو جهدا اور ايلكلو . یکھ دونوں میں سے کوئی بھی تبت کی طرف سے پرواہ نہیں هوسکتا . چهن کے اللہ تبت کا سوال اور ع كُهوا سوال تها ، تبت كي أوير چهن كي ايني سلامعي الرمدار تها .

اینکلو امریکہ کے تبت پر بوھٹے ہوئے اثر اور ریشے بھوں کو دیکھکر چین نے اس بنا کے اوپر کہ تبت ہوے بن کا ایک انگ ہے اکتوبر سن 50 میں اپنی فوجیس ت بھیجیں ، بھارت نے ایک سچے متر راشتر کی شیت سے چین کے دعوے سے تو انکار نہیں کیا لیکن نی سرکار کو دوستانہ صفح دی کہ فوج کو آگے بوھنے سے جائے اور شانتی کے ساتھ بات چیت کرکے چین اور ت کے بیچ کا معاملہ طے کرلیا جائے ، تھوڑی سی اپھی ہوئی ، چینی سرکار نے اپنی فوج کو آگے بوھی کی راجدہانی پیکنگ میں نے سے روک دیا ، چھن کی راجدہانی پیکنگ میں نے ہوئی ، مئی سن 13 کے آخیر میں چین اور تبت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بیچ بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بیچ بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بیچ بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بیچ بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بیچ بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندی سے سمجھوتا ہوئیا ، سمجھوتے کی سترہ بیچ شانتی سے سمجھوتا ہوئیا ، سمجھوتے کی سترہ بیچ شانتی سے سمجھوتا ہوئیا ، سمجھوتے کی سترہ بیچ شانتی سے سمجھوتا ہوئیا ، سمجھوتے کی سترہ بیچ شانتی سے سمجھوتا ہوئیا ، سمجھوتے کی سترہ بیچ شانتی سے سمجھوتی سی لیکن خاصی اچھی جیت ہے .

سمجھوتے کی خاص خاص باتیں یہ میں۔دالائی لاما ت کے رأیج کاجی شاسک بلے رہیں گے، پنچن لاما وہاں کے ماسک گرو رہیں اور رہت کے باللے میں صب کو پوری آزادی مرکی، تیت الدر کے شامی میں تبنی شرکار پرری طرح آزاد

क्यूने किसी भी प्यारे वेसे से जीर उसने एक नहीं कुपकापी थी काके प्यारे चेकों में से बे-बह काम नहीं सोना पाइते थे को कपसानी जी ने नई पारटी के नेता की हैसिबत से इस समय हाथ में लिया है, देश के दुखों का यह इसाज भी हो सकता है और इसे भाषमाया जा सकता है और आजमाया जायगा, पर गांधी जी का सोका और बताया इलाज यह नहीं था. गांधी जी का बताया इक्षाज वह है जो किसी भी ऊँचे काँगरेस बाले के मन को नहीं भाषा, यानी काँगरेस बालों का हकमत की कुरसियों और बोहवों के मोह को वितकत छोडकर बोक सेवफ संघ के रूप में गाँव गाँव में जाना और जनता से सीधा नाता जोड़ना. यू. पी. सरकार की मदद से जो लोक सेवक संघ इस सूबे में बनाया गया है उसमें और गांधी जी के लोक सेवक संघ में भाकारा पाताल का धन्तर है. गांधी जी के बताप रास्ते को न सरकारी काँगरेस बालों ने माना और न आधार्य कपतानी और एनकी पारटी ने. फिर भी इसें इसमें शक नहीं कि जहाँ तक नेक इरावों का सम्बन्ध है नई पारटी पुरानी सरकारी पारटी से कुछ न कुछ इंच आध इंच केंचे पर ही है, नीचे नहीं, जनता के सक्चे वाभ की इन चुनावों से आशा हो या न हो एक बार देश को इन चुनावों के मयंकर जंजालों से निकलना ही है. हमें बिश्वास है कि इन पेचवार रास्तों से वहा कर और अजरबा हासिल करके ही देश और जनता अपनी भलाई के सचने रास्ते को पा सकेगी.

26. 6. '51

—सुन्दरताल

तिब्बत, चीन और भारत

अँचे पहाड़ों और बरफ की वीवारों से पिरा हुआ छोटा सा देश विकाद हमेशा से अपने दोनों बढ़े पड़ो सियों चीन और हिन्दुस्तान के साथ प्रेम से रहता आया है. अफरानि-स्तान कई बार भारत का एक सूबा रद खुका है. किसी समय जब बिन्ध्याचल से नीचे का देश भारत में नहीं गिना जाता था तब भी अफरानिस्तान भारत का एक दुकड़ा था. औरंगचेब ने भी अफरानिस्तान को जीत कर कसे अपने साम्राज का एक सूबा बनाया और राजा जसबन्तसिंह को वहाँ का गबरनर मुक्रंर किया. लेकिन विकाद को हिन्दुस्तानी सस्यनत में शामिल करने का खयात कभी किसी भी हिन्दू या मुसलमान सम्राट को नहीं हुआ. सौदानरों, वात्रियों और धर्म प्रचारकों का आना जाना दोनों देशों में बराबर जादी रहा और अब एक हैं. विकाद की आवादी करीब सीस सामने काले हैं.

कावने कान्यह के शासन में विव्यव क्रशीय करीय हमेशा पाक्षक रहा है होकिय कंतरकोमी सम्बन्ध के क्रिये पीन

لي كسى يهى يهارے چيلے ص-الرد اس معن شك جيس ان کے پوار کے جدارں میں سے تھے۔۔وہ کام تہیں عيليه في إس سد ماله مين ليا هي ديش كي عكوس ع ید مالی بھی ہوسکا ہے آور اِسے آزمایا جا سکتا ہے آور آزمایا جائے کا . پر کاندھی جی کا سوچا اُور بتایا علیہ یہ نهين عها . الندهي جي كا بتايا ملاج وه هي جو كسي بهي ﴿ الْمُجِيدِ كَالْكُرِيسِ وَأَلِي كُمْ مِن كُو تَهِينِ بِهَاينًا يُعِلِّي کلگریس والوں کا حکومت کی کرسووں آور عیدیوں کے مولا کو پالکل جہور کر لوک سیوک سلکھ کے روپ سمین کاوں اللهن مين جانا أور جلتا سي سهدما ناتا جوزنا . يو . ي . سرکار کی مدد سے جو لوک سہوک سلکھ اِس صوبے مہیں ا بنا ایا گیا ہے اُس میں آور کاندھی جی کے لوک سیوک سقاله میں آگاش ہاتال کا انتر ہے ، لاندھی جی کے بتائے واستيم كو نه سركاري كانكريس والون نے مانا أور نه آجارية عربانی آور أن كي يارتي لے . پهر بهي همين أس مين هک نهیں که جہاں تک نیک إراس کا سمبندھ مے نئی پارٹی پرانی سرکاری پارٹی سے کھی نه کھی اِنہے آدھ اِنہے أونجي پر هي هے' نيجے نهيں ، جنتا کے سجے لابه کي اُن چفاوس سے آشا ہو یا نہ مو ایک ہار دیش کو اِن جھاروں کے بھیڈکر جلجانوں سے تلکنا ھی ھے، ھموں برشواس هے که اِن پیچ دار راستین سے چاکر آور تجربه حاصل کر کے هی ديش آور جلتا ايلی بهائی کے سجے واستنے کو ہاسکے گی ۔

- سندر ال

26-6-'51

تبت چین اور بھارت __

اونجے پہاروں اور برف کی دیواروں سے گہرا ہوا چھوتا سا دیش تبت همیشہ سے اپنے دونوں ہوے پروسیوں چین اور هندستان کے ساتھ پریم سے رهتا آیا ہے . افغالستان کئی بار بھارت کا آیک صوبہ رہ چکا ہے . کسی سیے جب بلکدهیاچل سے نینچے کا دیش بھارت میں نہیں گنا جاتا تھا تب بھی افغانستان بھارت کا آیک تکوا تھا . گورنگ زیب نے بھی افغانستان کو جھت کو آسے اپنے سامراج کا ایک صوبہ بنایا اور راجہ جسونت سنگھ کو سامراج کا ایک صوبہ بنایا اور راجہ جسونت سنگھ کو رهاں کا گورنر مقرر کیا . لیکن تبت تو هندستانی سفطنت میں شامل کرنے کا خیال کبھی کسی بھی منظفت میں شامل کرنے کا خیال کبھی کسی بھی بھتو یا مسلمان سمرات کو نہیں ہوا . سوداگروں کیا آدا جانا دونوں دیشوں بیاتواوں اور دھرم پرچارکوں کا آدا جانا دونوں دیشوں میں بازور جاری رہا اور اب تک ہے . تبت کی آبنادی خیس میں ادھک تر لوگ پوشھ مت

الها أندر ع هاسي مهن تبت قريب قريب جيهده . أزأد رها هي ليكون أنكر قومي سمينده كي الله جيهن

- The state of the

गया है ज्यासे व केवल यही सुमिकन है कि किसी आहे कीवा पर से कम्ट्रोल कम न किया जाने, बल्कि यह भी साक कह दिया गया है कि मुमिकन है और जियादा बीजों पर और इससे बढ़ कर कम्ट्रोल की जरूरत पड़े.

इस जाचार्य कुपलानी की कठिनाइयों को समक सकते हैं. उनके दल में इस समय हर तरह के जौर हर विचार के लोग भरे हुए हैं. उन सब को किसी तरह साय लेकर चलना है. कुल मिलाकर हमें इसके कहने में जरा भी संकोच नहीं कि नई पारटी का यह ऐलान खासा अच्छा और उन्मीद दिलाने वाला ऐलान है. गांधी जी के सच्चे अनुयाई भी जे. सी. कुमरप्पा पटना में मौजूद ये और उनके विचारों की छाप इस ऐलान में कई जगह दिखाई देती है. हम दिल से चाहते हैं कि आचार्य कुपलानी और उनकी पारटी सरकारी काँगरेस से किसी भी समय मिल जुल कर या अपने बजूद को अलग रक्ष कर जिस तरह भी हो सके इस प्रोमाम को बदाने और इन बावों को पूरा करने में सफ्त हो.

पर खुनाब से 'पहले जनता को तरह तरह के वावे विकास देना एक पुरानी बीज है. 15 बगरत सन '47 से वहले समय समय पर कॉगरेस ने अपने प्रोप्राम बौर जपनी पाक्षिसी के जो ऐलान निकाले ये वह सब देश के सामने मौजूब हैं. कॉगरेस के सेवकों के जरिय 'कुवाग्रः प्रश्वीपितः' यानी 'को जोते बोप वहीं जमीन का मालिक' की बावाज बारबार सारे देश में गूँज चुकी है फिर भी हमें किसी बावमी या वृत पर पहले से इसके जिलाफ राय नहीं कायम कर लेनी बाहिये. हम इस नई पारटी के छड़े होने को एक कुद्रती बीज मानते हैं बौर बाकी देशवासियों के साथ इस बात के देखने का इन्सकार करेंगे कि यह नई पारटी अपने बाहों को कहां तक पूरा करती है.

केवल एक बात और कह कर हम इस नोट को खतम करेंगे. इमने आवार्य कुपलानी की पटना की तक़रीरों को भ्यानसे पढ़ा है. बन्होंने कम से कम दो बार सुनने वालों को यह बाद दिलाया कि आवार्य कुपलानी के कॉंगरेस की सदारत से इस्तीका देने के बाद जब बरकिंग कमेटी की मेम्बरी की बात आई तो गांधी जी ने श्रीमती सुचिता कुपलानी से यह कहा कि—"मुक्ते कुपलानी की वक और काम के लिये श्रकरत है." इस बात का हवाला देते हुए आवार्य कुपलानी ने यह साक जाहिर किया कि गांबी जी बन से यही काम कराना बाहते थे. इस पर उन्हें खूब दालियाँ भी मिलीं.

चुनाव नीति के किहाज से यह सब बातें जायज हो सकती हैं. पर हम बड़ी नम्नता के खाय कहना चाहते हैं कि सांबी जी काँगरेस गवरमेन्टों के हुएक के दबार के साह گیا ہے گیں ہے کہ گھول یہی مسلمی ہے گار کسی ہیں ہوں ہیں۔ یر سے کاگلوول کم نہ کھا جارے ایکٹ یہ بھی صاف کیلیا کہا ہے کہ مسلمی ہے اور زیادہ چھڑوں پر اور اِس سے بوهلار کلارول کی فسرورٹ پڑے ۔

هم آچاریه کریانی کی کاهائیوں کو سمجه سکاتے هیں ،
ان کے دال میں اِس سے هر طرح کے آور هر وچار کے لوگ بهرے هوئے هیں . اُن سب کو کسی طرح ساتھ لے کر چلقا نہیں کا مالا کر همیں اُس کے کہتے میں ذرا بھی سنکوچ نہیں کا نئی پارٹی کا یہ اُعلان خاصا اچها آور اُمید دالا اِلله اعلان ہے . کاندهی جی کے سجے اُنویائی شری جے ، سی ،
کماریہا پائٹ میں موجود عمد اور اُن کے دچاروں کی جہاپ اس اعلان میں کئی جگه دکھائی دیائی ہے ، هم دال سے چاهتے هیں کہ آچاریہ کریائی اور اُنکی پارٹی سرکاری کانگریس سے کسی بھی سمہ مل جل کر یا آله سرکاری کانگریس سے کسی بھی سمہ مل جل کر یا آله ہودود کو الگ رکھکر جسطرح بھی هو سکے اِس پروگرام کو بودا کرنے میں سبھل هو ،

پر چفاو سے پہلے جفقا کو طرح طرح کے وعدے دلاسے دیفا ایک پرائی چھو ہے ، 15 اگست سن 47 سے پہلے سے پہلے سے سے سے در کانگریس نے اپنے پروگرام اور اپنی پالیسی کے جو اعلان نکالے تھے وہ سپ دیش کے ساملے موجود ھیں ، کانگریس کے سهولوں کے قریعے 'کرشانہ پرتھوی ہتی' یعنی یعنی 'جو جوتے ہوئے وہی زمین کا مالک' کی آواز بار بار سارے دیش میں گرنج چکی ہے پھر بھی ھمیں کسی آدمی یا دل پر پہلے سے اس کے خلاف رائے نہیں قائم کر لینی دل پر پہلے سے اس کے خلاف رائے نہیں قائم کر لینی چامئے ، ھم اِس نئی پارٹی کے کھوے ھونے کو ایک قدرتی چھو ماتے ھیں اور بائی دیش واسیوں کے ساتھ اِس بات کے دیکھنے کا انتظار کرینگے کہ یہ نئی پارٹی آپ اِس بات کے دیکھنے کا انتظار کرینگے کہ یہ نئی پارٹی آپ

کہول ایک بات اور کہکو ھم اِس نوت کو ختم کریلئے،
مم نے آچاریہ کریلانی کی پتلے کی تقریروں کو دھیاں سے
بولما ہے ، انہوں نے کم سے کم دو بار سلنے والوں کو یہ یاد
دائیا کہ آچاریہ کریلنی کے کانکریس کی صدارت سے استعما
دیلے کے بعد جب ورکنگ کمیٹی کی صدبری کی بات
آئی تو کاندھی جی نے شریمٹی سنچھٹا کریلانی سے یہ کہا
کہ ۔ '' مجھے کریلانی کی ایک آور کام کے لئے شرورت
میں بات کا حوالہ دیتے ہوئے آچاریہ کریلانی نے یہ
صاف ظاہر کیا کہ گاندھی جی اُن سے یہی کام کرانا چاھیے
ساف ظاہر کیا کہ گاندھی جی اُن سے یہی کام کرانا چاھیے

وفار نہتی کے تصاف سے بھا سب بانیں جائز ہوسکتی میں۔ پر مر بری نسان کے ساتھ کہفا چاہتے میں که کاندھی ہونے کانگروں کے ساتھ کے تجربے کے بعد

खनवा से करता है, कुरकानी पारटी की तरफ से जो देखान पटना में किया गया है उसमें कई बहुत अच्छी अच्छी वार्ते हैं—

सरकारी नीकरों को सुधारा जायगा और इकुमत को विसकुत नए ढंग पर ढाला जायगा, चोर बाजारी बन्द की जायगी, जमीन को जो बोए जोतेगा वही जमीन का मालिक होगा, गांव के ख्योग धन्दों को बढावा दिया जायगा, सासकर पहनने के कपड़ों और साने की चींजों को बड़े बड़े कल कारलानों की जगह घरेलू धन्दों के जरिये ही पैदा कराया जायगा. देश में छोटी से छोटी मजदूरी और बड़ी से बड़ी आमदनी का श्रीसत एक और बीस से जियादा न होगा यानी अगर कम से कम मजदरी पाने वाले मजदर को पंचास रुपए मिलते हैं तो अधिक से अधिक तनखाह वाले द्वाकिस को हजार से जियादा न मिलेंगे, एक ऐसी समाज क्रायम की जायगी जिसमें कोई जात पात न हो और कोई मालिक मजदर या अमीर रारीब न हो और कोई किसी से बेजा कायदा न उठावे. इस बात पर शौर किया जायगा कि सरकारी 'कन्द्रोल' का दायरा कहाँ तक कम किया जा सकता है और जनता के कारबार व्योपार धन्दों में सर-कारी दलत कहाँ तक कम हो सकता है. हरिजनों और द्वे हुन्नों को उभारा जायगा, पैदावार बढ़ाई जायगी, स्वदेशी को फिर से जगाया जायगा, विदेशों से ऐसे माल की आमद, जो देश में पैदा हो सकते हैं, कम की जायगी. खेती में नए और जियादा भच्छे तरीक्रे काम में जाए जायेंगे. गांवों में फिर से जान बाली जायगी, हर किसान को कम से कम इतनी जमीन दी जायगी जिससे उसका और उसके बच्चों का बच्छी तरह गुजारा हो सके, कोबापरेटिव कारमिंग यानी सरकारी या सिकवा खेती को बढावा दिया जायगा, बंजर जमीनों को काम में लाया जायगा. तालीम में सुधार किये जायँगे, जो शरनाथीं भाई पाकिस्तान बापस जाना चाहेंगे. पाकिस्तान सरकार से बात बीत करके और पाकिस्तान में उनके कारबार और सुख शान्ति का प्रबन्ध करके उन्हें वापस भेजा जायगा, अन्तर क्रीमी राजनाति में देश को बिलकुल तटस्थ यानी ग़ैर जानिबवार रक्सा जायगा, बरौरा वरौरा.

इमने यह सब बीजें नई पारटी के पटने के ऐलान से ली हैं. केवल उन्हें अपने शब्दों में और बोड़े से में कहने की कोरिशा की हैं. कहीं कहीं ऐलान को समफने में हमारे जैसे पदने बालों को कठिनाई हो सकती हैं. कहीं कहीं एक दूसरे के खिलाफ बातें भी विखाई देती हैं. जियादा बहस में न जाकर इम केवल एक बाद की तरफ ज्यान दिलाते हैं. इस समय जनता की सब से बड़ी मुसीबत 'कन्द्रोल' के कारन हैं. जिन शब्दों में कन्द्रोल का ऐलान में जिकर किया سرلاری نوکروں کو سدھاوا جائیٹا آور حکومت کو پالکل ئے تمنگ پر تمالا جائیکا' چور بازاری بند کی جائیکی' مھن کو جو ہوئے جوتے کا وھی زمین کا مالک ھوگا کاوں ل أديوك دهندون كو بوهاوا ديا جائهمًا عاص كر يهلني ل کھروں آور کھانے کی چھڑوں کو بڑے بڑے کل کارشانوں ہ جکہ گھریلو دھندرں کے ذریعے ھی پیدا کرایا جائیکا ۔ یش میں چھوٹی سے چھوٹی مزدرری آور ہوں سے ہوں سدنی کا آوسط ایک آور بیس سے زیادہ نہ ہوگا یعلی اگر م سے کم مزدوری یانے والے مزدور کو پھیاس روپے ملتے یں تو ادھک سے ادھک تفخواہ والے حاکم کو ہوار سے ہادہ نا ماین کے ایک ایسی ساج قائم کی جاٹھکی س میں کوئی جات پات نه هو آور فوئی مالک مزدور امیر فریب نه هو آور کوئی کسی سے بینجا فائدہ نه لهاوے اس بات پر فور کیا جائیکا که سرکاری "کفترول" دائرہ کہاں تک کم کیا جاسکتا ہے آور جدتا کے: کاربار ہوپار دھندوں میں سرکاری دخل کہاں تک کم هوسکتا يا هريجاون أور ديے هوؤن کو أيهارا جائيكا عهدارار رهائی جائهگی سودیشی کو پهر سے جالیا جائها ودبیشوں ، ایسے مال کی آدد جو دیش میں پیدا "ہو سکتے ين كم كي جانهكي كهيتي مين نبي أور زياده الجهر ريقے كام ميں لائے جائيدگے . كاورن ميں يهر سے جان ریکے دار لی جائیگی، هر کسان کو کم سے کم اتلی زمهن دی انهگی جس سے اسکا آور اسکے بچوں کا اچھی طرح ارد هوسك كوآپريدو فارملك يعلى سهكاري يا سجهدا لهنعي كو يوهارا ديا جائيكا 'بنجر زمينين كو كام مين ا جائها تعليم مين مدهار كيُّ جائين كي جو شرنارتهي ائى پاكستان وايس جانا چاههن كي پاكستان سركار بات جهدت كرك أور بالسعان مين أنع كاربار أور مه شائعي كا يربلده كرك أنهيس وايس بههجا جالهكا الرُ الومي راج انهالي مين ديش كو بالعل تاسعه يعلى و جانب فأر ركها جائيكا وفهره وفهره

ھم نے یہ سب چھزیں نگی پارٹی کے پتلنے کے املان سے میں اور تھوڑے سے میں اپر شہدر میں اور تھوڑے سے میں اور کی کوشش کی ہے ۔ کہیں اداخ جہشے پوہنے والوں کو کہتنائی ہو سکتی ہے ، کہیں ہی ایک دوسرے کے خلاف باتیں بھی دکھائی دیتائی ہیں ، ان بحصت میں نہ جاکر ہم کیول ایک بات کی طرف تھیاں نہ بحصت میں نہ جاکر ہم کیول ایک بات کی طرف تھیاں نہ بحصت میں شہدوں میں کنترول کا اعلیٰ میں ڈکو کھا گاری ہے ، جی ہیدوں میں کنترول کا اعلیٰ میں ڈکو کھا

ताने के बाद से इस विशास भवन की बुनियादें एक दम तिचे से खिसकने क्यों. नतीजा यह हुआ कि इस बार जो [रार पड़ी इसने सारे भवन ही को बीच से दुकड़े करके इंडइर के रूप में दुनिया के सामने रस्त दिया.

कांगरेस समापित का आखिरी चुनाव शायद अपने गि का पहला चुनाव है जिसमें खुद रारण पूंजी पितयों है हवाई जहाओं से वोट लेने में मददं ली गई और पूरे पूरे सूबों के वोट वहां की आपसी दल बन्दियों से जिस ग्रारह भी हो फायदा चठा कर और एक एक को बारी बारी मि दिलासा देकर हासिल किये गए. कांगरेस की गिरावट ही शायद यह सब से दर्दनाक मिसान है.

कांगरेस और हकूमत के गठबन्धन ने और भी जह-ीलें नतीजे पैदा किये. धन ब्यौर सत्ता के लोभ ने तो तैकडों को गिराया ही, डिसि व्लिच यानी शिस्त के नाम र फरमान जारी होने लगे कि कोई कांगरेस वाला भारत धरकार या किसी सुवाई सरकार के किसी काम के खि-हाफ किसी तरह की नुक्तार्चानी न करे. यहाँ तक कि मगर ऐसे किसी इलाक के लोग जहाँ अभी तक शराब की दुकानें ख़ली दुई हैं शराब बन्दी का आन्दोलन शरू इरें तो किसी कांगरेस बाले के उस जान्दोलन में हिस्सा बेने पर उसके जिलाफ शिस्ती कारवाई की धमकियां वी गई. इन हालात में भाचार्य कुपलानी और उनके साथियों का ख़ुले कांगरेस से अलग होकर किसान मज़रूर प्रजा पारटी खड़ा करना एक क़द्रती और होनहार बात थी. मासूम होता है इस पारटी के बनते ही शिस्ती कारवाई की धमकी एक दम हवा हो गई. सरकारी कांगरेस के छाध-कारियों को दिखाई दे गया कि अब अगर किसी की तरफ इस तरह की कारवाई का इशारा भी किया गया तो वह मद कृद कर दूसरी पारटी में पहुँच जायगा.

इन दोनों पारटियों का आगे चल कर क्या हरार होगा, कंगलीर में या उसके बाद इनके फिर से मेल की कोशिशों कामयात्र होंगी या नहीं, और अगर न हुई तो पड़े चुनाव में इनकी लागडाट के क्या नतीजे होंगे इन सवालों में इस समय पड़ना वेकार है. जाहिर है, जो लोग कांगरेस को जिल्हा रखने के अभी तक सपने देख रहे हैं और थोड़ी पहुत समक रखते हैं वह इसकी पूरी कोशिश करेंगे कि जिस तरह भी हो यह दरार फिर से भर जाय. पर अभी इस समय आचार्य कुपलानी की पारटी कुछ जोर पकड़ती दिखाई दे रही है. उसकी है भी वठती हुई उमर: सरकारी

राजकाज में जो भी नया दक्ष सामने आता है वह समने अस्तों के साथ खपते हुए—अगर कोई उसके खास असूत हों तो—ऊँचे से ऊँचे और अच्छे से अच्छे नारे جائے کے بعق سے اِس رشال بھوں کی بلیانیوں گرگ ہم نہاچے سے کہسکتے لکیں۔ نتیجہ یہ ہوا کہ اِس بار جو درار چوں اُسلے سارے بھون می کو بینے سے ٹکوے کرکے کہلڈندر کے روپ میں دنیا کے ساملے رکیدیا۔

کانگریس سبھایٹی کا آخری چذاؤ شاید آپے ڈھلگ کا پہلا چکار کے جس میں خود فرض پونجی یعیوں کے ہوائی جہازوں سے ووٹ لیڈے میں مدد لی گئی آور پردے تورے صوبوں کے ووٹ وہاں کی آپسی دل بلدیوں سے جس طرح بھی ہو فائدہ اُتھاکر آور آیک ایک کو باری باری دم دالسا دے کو حاصل کئے گئے ۔ کانگریس کی گراوٹ کی شاید یہ سب سے دردناک مثال ہے ۔

کانگریس آرر حکومت کے گاتھ بلدھن نے آوز بھی زمریلے لعیمے بهدا کئے . دهن آور سعتا کے لوبھ نے تو سیکوں کو گرأیا کے قسیلی یعلی شست کے نام یو فرمان جاري هولم لكي كه كوثى كانكريس والا بهارت سركار یا کسی صوبائی سرکار کے کسی کام کے خلاف کسی طرح کی نکفہ چیلی نه کرے . یہاں تک که اگر ایسے کسی علقے کے لوگ جہاں ابھی تک شرآب کی دوکانیں کھلی هوئی ههی شراب بندی کا آندولن شروع کریس تو کسی كانكريس والے كے أس آندولن مهن حصة ليلے پر أسكے خلاف شستی کاروائی کی دهمکیان دی گئین . إن حالت میں آجاریہ کربلائی آور اُنکے ساتھیوں کا کھلے كالكريس سے الگ هوكر كسان مزدور پرجا پارتى كهرا كرنا ایک قدرتی آور هونهار باك تهی . معلوم هوتا هے إس ہارتی کے بنتے ھی شستی کاورائی کی دھمکی ایک دم ھوا ھو گئی ، سرکاری کانگریس کے آدھیکاریوں کو دکھائی دے کہا کہ آب اگر کسی کی طرف اِس طرح کی کاروائی کا اشاره بهی کها گها تو وه جهت کود کو دوسری پارتی مهی بهلي جائيكا .

ان درنوں پارتیوں کا آئے چاکر کیا حشر ہوگا' بنگلور میں یا اسکے بعد ان کے پہر سے میل کی کوششیں کامیاب شونگی یا نہیں' آور آگر نہ ہوئیں تو بڑے چااو میں انکی لاگ تانمت کے کیا نتیجے ہونگے ان سوالوں میں اسے پرنا بیکار ہے ، طاعر ہے' جو لوگ کانگریس کو اندہ رکھئے کے ابھی تک سپلے دیکھ رہے میں آور تھوڑی بہت سمجه رکھتے میں وہ اِسکی پوری کوشش کریائی بہت سمجه رکھتے میں وہ اِسکی پوری کوشش کریائی کہ بچس طرح بھی ہو یہ درار پھر سے بھر جانے ، بر آبھی اس سسے آبھاری کریائی گئی بارتی کچھ زور بکوتی دخوانی در ہی در سرکاوی دی رہی ہو ہے ، سرکاوی دی رہی ہو ہی میں ، سرکاوی

رائے گئے جیس جو بھی لیا دل ساملے آتا ہے وہ آئے اسرائوں کے ساتھ فہیلے ہولے۔۔۔اگر کولی اُسکے عالمی امرال بھی فیساؤنجے نے ارتباع اور اچنے سے اچھے رہدے अमरीका की सरकार ने काई करोड़ बाकर कतीर कर्ष के भी ईरान को देने कहा है. पर ईरान की सरकार तब तक इस बात पर भी सोचने के लिये तैयार नहीं जब तक अगरेज कम्पनी से मगड़ा तय न हो जाय और ईरानी तेल का सारा कारबार ईरानियों के हाथों में न आ जाय.

पक बड़ी बात यह है कि आंगरेज कम्पनी और उसके आइमियों के तरह तरह की शरारतें करने पर भी और सारी ईरानी क्रीम के दिकों में आंगरेजों के ख़िलाफ गुस्सा भरा होने पर भी मोहम्मद मुस्सादिक का इन्तजाम इतना सुन्दर और उनका असर इतना ज़बरदस्त है कि अब तक ईरान भर में आंगरेजों के जान माल को किसी तरह का नुक्रसान नहीं पहुँचा.

एशिया की बेदारी

कोरिया हो या चीन, तिब्बत हो या इन्हो चीन, ईरान हो या मिस्न, एक क्रीम के दूसरी क्रीम की कमकोरी से कायता छठाने के दिन बाब हमेशा के लिये लद चुके, बाच्छा हो बगर इंगलैन्ड बीर बमरीका जैसे देशों की सरकार दुनिया की बदली हुई हालत से सबक्र सीख कर बपने रास्ते को दुक्त कर लें बीर पशियाई क्रीमों को इन मुसीबतों बीर कुरबानियों से बचने का मौका दें जिनसे किसी ग़ैर को कायदा नहीं पहुँच सकता. जमाने का बहाव रोका नहीं जा सकता. हम मोहम्मद मुस्सादिक बीर उनके देश को इस कठिन परिस्थिति का सच्चाई, ईमानदारी, इनसाक बीर हिम्मत के साथ मुकाबला करने के लिये दिल से बधाई देते हैं.

30, 6, 51.

- सुन्दरलाल

कांगरेस झौर दलबन्दी-

कांगरेस की मिसाल एक विशास भवन से दी जा सकती है जिसने पिछते 65 वरस में लाखों खोजी आत्माओं को अपनी दीवारों के अन्दर पनाह दी और उन्हें धर्म का सच्चा रास्ता दिखाया. इस देश के लोगों पर कांगरेस का पहसान इतिहास के पन्नों से किसी के मिटाये नहीं सिटाया जा सकता.

इस सुन्दर भवन के अन्दर कई बार दरारें पड़ खुकी हैं. सन 1906 में नरम दल और गरम दल की दरार और सन '23 में कौंसिल पारटी और नो चैंज पारटी की दरार इसकी सबसे बड़ी मिसालें हैं. हर बार दरार पड़ने के बाद उसकी मरम्मत की कोशिश हुई और वह कोशिश काफी कामवाब मी रही.

पर 15 जगस्त सन '47 के बाद से, वानी कांगरेस का जसकी सकस्त देश, की राजकाजी आजावी, पूरा हो المربعة كى سركار نے دهائى كرور دالر بطور قرض كے بھى اللہ اللہ كو دينے كہا ہے ، پر ايران كى سركار لمتك إس بات اللہ بھى سوچلے كے لئے تيار نہيں جمعك انكريز كمهتى ليے جهكوا مئے نه هو جائے آور ايرانى تهل كا سارا كاربار ايرانيس كے هاتموں ميں نه آجائے ،

ایک یوی بات یہ ہے کہ انگریز کمھئی آور اُسکے آدمہبر کے طرح طرح کی شوارتیں کرتے پر بھی آور ساری ایرانی قوم کے دلوں میں انگریزوں کے خلاف عصہ بھرا ھونے پر بھی محصد مصادق کا انتظام اِتنا سقدر آور اُن کا اُثر اتنا زبردست ہے کہ اب تک ایران بھر میں انگریزوں کے جان مال کو کسی طوح کا نقصان نہیں پہلچا .

ایشیا کی بیداری

کوریا هو یا چین ' تبت هو یا اندو چین ' ایران هو یا مصر' ایک قوم کے درسری قوم کی کمزرری سے قائدہ اقبائے کے دن آب هسیشہ کے لئے لد چکے . اُچها هو اگر انگلیفت آرر آمریکہ جیسے دیشوں کی سرکاریں دانها کی کوانین آرر ایشهائی قوموں کو اُن مصیبتوں آور قربانهوں سے بچینے کا موقعہ دیں جن سے کسی غیر کو قائدہ نہیں پہلے سکتا . زمانے کا بہاو روکا نہیں جاسکتا . هم محمد مصادق آور آنکے دیش کو اِس کتین پرستھتی کا سبچائی' ایمانداری' انصاف آور همت کے ساتھ مقابلہ کونے کے لئے دل سے بدھائی دیتے هیں ۔

-سلدر لال

30.6.'51

الكانكريس أور دل بندي__

کانگریس کی مثال ایک وشال بهون سے دی جاسکتی ہے جس نے پنچھلے 65 برس میں لاکھوں کھوجی آتماوں کو اندر بناہ دی آور آنھیں فاھرم کا اندر بناہ دی آور آنھیں فاھرم کا انتخاب است دیش کے لوگوں پر کانگریس کا الحسان اِتہاس کے بنوں سے کسی کے مثالے نہیں مثایا آبہا سکتا ،

اِس سفدر بھون کے آندر کئی بار دراریں ہو جانی فیس سفدر بھوں کے آندر کئی بار دراریں ہو جانی فیس ۔ سن 1906 میں درم آور کرم دل کی درار آور سن اور میں کونسل پارٹی آور نو جھنج پارٹی کی درار ایس ایکی سب سے بوی مثالین ھیں ۔ ھر بار درار پر نے کوشش فرئی آور وہ کوشش گئے بعد آسکی موست کی کوشش ھوئی آور وہ کوشش گائے کامیاب بھی وہی

پر 15 اکست سن 47' کے بعد سے' یعلی کانگریس کا اسلی مقصد' دیش کی راج کاجی آزادی' پورا ہو

15°C

1 100 . L

2014: 20

ईरान और मुस्सादिक को नाकाम करने की जो कोरिश्रों हो रही हैं बनकी तफसील में जाना फजूल है. मुस्सादिक और उसका देश इस मामले में चट्टान की तरह घटल हैं. मुस्सादिक कह चुके हैं कि उन्हें अपने सारे तेल के कारबार को बन्द कर देना मंजूर हैं—वह उसे आग लगा देने के लिये भी तैयार हैं—लेकिन अंगरंज कम्पनी के पैर अब फिर से अपने देश में जमने न हेंगे.

ईरानी सरकारी को खब तक अपने हिस्से के देव करोड़ पीँड सालाना अंगरेज़ कम्पनी से मिजते थे. खब अगर यह सारा धंवा ईरान सरकार के हाथों में आ गया तो इस काम से ईरान की आमदनी बारह करोड़ पीँड थानी क्रीब दो अरब रुपए सालाना होगी.

विस्ती में किसी ने भारत के बड़े बज़ीर जवाहरतात जी से सन 1933 के ईरान के सममौते और आजकत के इस सवाल पर राय पूझी, जवाहरतात जी ने ईरानी सरकार के साथ हमदरदी ज़ाहिर करते हुए कहा कि सन '33 का सममौता इस तरह के बहुत से सममौतों की तरह पक ताकृतवर और एक कमजोर आदमी के बीच का ज़बरदस्ती का सममौता था जो हो करोड़ ईरानियों के हित के ख़िलाफ नहीं चल सकता. इसे सुनकर मोहम्मद सुस्तादिक ने भारत सरकार का शुक्रिया चन्न किया. इस मामले में जवाहरताल जी की आवाज सारे भारत की बल्कि सारे एशिया की आवाज है.

अंगरेज कम्पनी को सबसे बड़ा प्तराज यही हो सकता था कि उसका इरान के तेल में धन लगा हुआ है. लेकिन कम्पनी का कुल धन जो इस काम में धन तक लगा है, हो करोड़ पाँड यानी क़रीब 30 करोड़ हपए के है. और पिछले सात बरस के अन्दर ही कम्पनी इससे कम से कम दुगना मुनाफे के तौर पर कमा चुकी है. इस पर मी मोहम्मद मुस्सादिक ने यह बादा किया है कि तेल के धंदे से जो कुछ आमदनी इरान को होगी उसका पच्चीस की सदी हर साल इस बात के लिये अलग रक्खा जायगा कि इस सारे मामले में हुआ हो उसे पूरा कर दिया जाय.

इंग्लेन्ड और अमरीका में लागडाट

इस मामले में एक बात और चमक बठी है. वह यह कि इंगलैन्ड और अमरीका भी ईरान के मामले में एक दिल मही हैं, दोनों में कुछ लाग-डांट है. अमरीका की कुछ कम्पनियों ने ईरानी सरकार से यह भी कहा है कि अगर अंगरेख कम्पनी की जगह बन्हें ठेका दे दिया जाय तो वह आंगरेख कम्पनी के 16 फीसदी के बजाब 72 फी सदी अनाफा ईरानी सरकार को देने को तैयार हैं. मोहम्मद अस्मादिक को अब कोई इस तरह की बीज मंजूर नहीं. ایران آور مصادی کو نا کم کرنے کی جو گوشھیں کے رہی خیا اور مصادی کے مصادی آن کی تفصیل میں جانا فضول ہے ، مصادی آور اسکا دیش اِس معاملے میں جانان کی طرح اُٹل ھیں ، مصادی کہ چکے ھیں کہ اُنہیں آئے سارے تیل کے کاردار کو بند کردینا منظور ہے۔۔وہ آئے آگ لٹا دینے کے لئے بھی تیار ھیں۔۔لیکن انگریز کمہنی کے بھیر اب بھر سے آئے دیش میں جملے نا دینکے .

ایرانی سرکار کو ابتک آئے حصے کے قیرہ کرور پونڈ سالانہ آنکریر کمپنی سے ملتے تھے ۔ آب اگر یہ سارا دھندا ایران سرکار کے ھاتھوں میس آگھا تو اِس کام سے ایران کی آمدنی بارہ کرور پونڈ یعنی قریب دو ارب رویے سالانہ ھوئی ،

دلی میں کسی نے بھارت کے بڑے وزیر جوافر ال جی سے سن 1933 کے ایران کے سمجھوتے آور آج کل کے اِس سوال پر وائے پوچھی ، جوافر الل جی نے ایرانی سرکار کے ساتھ همدردی ظاہر کرتے ہوئے کہا کہ سن 33' کا سمجھوتہ اِس طرح کے بہت سے سمجھوتوں کی طرح ایک طاقتور آور ایک کمزور آدمی کے بیچ کا زبردستی کا سمجھوتہ تھا جو دو کرور ایرانیوں کے بیچ کا زبردستی کا سمجھوتہ تھا ہو دو کرور ایرانیوں کے ہت کے خلاف نہیں چل سکتا ، اِس معاملے میں جوافر الل جی کی آواز سارے بھارت ایل کی اواز سارے بھارت کے بلکہ سارے ایشھا کی آواز ہے .

انگریز کمپنی کو سب سے ہوا اعتراض یہی هوسکتا تھا کہ اُس کا ایران کے تیل میں دھن لکا ھوا ہے ۔ لیکن کمپنی کا کل دھن جو اِس کام میں ابتک لکا ہے' دو کرور پونڈ یعلی قریب تیس کررز ررپہ کے ہے آور پچھلے سات پرس کے اندر ھی کمپنی اِس سے کم سے کم دوگنا ممانتی نے یہ وعدہ کیا ہے کہ تیل کے دھندے سے جو کچھ آمدنی ایران کو ھوگی اُسکا پچھس فیصدی ھو سال کچھ آمدنی ایران کو ھوگی اُسکا پچھس فیصدی ھو سال اِس بات کا ہو بھی ھوچانہ یا نقصان اِس سارے معاملے میں ھوا اسے پورا کردیا جائے .

انكليند اور امريكه مين لاك دات

اس معاملے میں ایک بات آور چسک آنہی ہے، وہ یہ کہ انگلیفڈ آور آمریکہ بھی ایران کے معاملے میں ایک دل نہیں ہیں دونوں میں کچھ لاگ ڈانٹ ہے ۔ امریکہ کی کچھ کمپلیوں نے ایرانی سرکار سے یہ بھی کہا ہے کہ اگر انگریز کمپلی کے ایرانی سرکار سے یہ بھی حیا جائے تو وہ آنگریز کمپلی کے 16 فیصدی کے بھاے 72 جائے دو وہ انگریز کمپلی کے 16 فیصدی کے بھاے 72 مصدی کے بھار میں ، محصد فیصدی کو ایرانی سرکار کو دیئے کو تھار میں ، محصد مصدی کو ایرانی سرکار کو دیئے کو تھار میں ، محصد مصدی کو ایرانی سرکار کو دیئے کی چیز منظور نہیں ، محصد

विश्व विशेष के देशी में इसमैन्द बीर कमरीका की एक बहुत बढ़ी पंचद इन केशों के तेल के छुएँ हैं. यह छुएँ ईरान, इराक, शाम (सीरिया), अरब और मिल में इघर से डबर तक फेले हुए हैं. सब जगह कम या ज्यादा इसी तरह के ठेड़े आंगरेजों या अमरीका वालों को मिले हुए हैं. इसलिये ईरान का तेल का सवाल केवल ईरान का सवाल नहीं बल्कि सारी पष्टिक्षम एशिया की आजादी या बरवादी का सवाल है.

ईरान का अपने तेल पर कृब्ज़ा

ईरान की मजतिस ने 20 मार्च सन '51 को एक राय होकर पास कर दिया कि ईरान की जमीन से तेल निकालने, इसे साफ करने और दुनिया में बेचने का काम ईरानी सरकार अपने हाथ में ले ले और इसे जहाँ तक हो सके ईरानियों के हाथों ही कराया जाय. अंगरेज करपनी को नोटिस दे दिया गया कि सन '33 का ठेका रह सममा जाय. अंगरेज कम्पनी ने यू. एन. ओ. की अदालत से अपील करना चाहा. अपील दायर भी हो गया. मोहम्मद मुस्सादिक ने ईरानी सरकार और एक व्योपारी कम्पनी के मामले में यू. एन. को. की कदालत के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया. फिर एक बार हमेशा की तरह साजिशों और धमकियों का दौर शुरू हुआ। अगरेजी जंगी जहाज ईरान की खाड़ी में दिखाई देने लगे. लेकिन सन '21 का रूस और ईरान का सममौता मौजूद है, जिससे खंगरेज सरकार की बदने की हिम्मत न हो सकी. मोहम्मद मुस्सादिक को गिराने की कोशिशों की गई, पानी की तरह रुपया खर्च करके मजलिस के मेम्बरों, ईरान के बजीरों और सरकारी नौकरों को तीकने फोड़ने की कोशिशें हुईं. पेशीन-गोई की गई कि मोहम्मद् मुस्सादिक को मजितस में बहमत नहीं मिल सकता और उसकी सरकार खतम होने वाली है. मजिलस के सामने मोहम्मद मुस्सादिक पर विश्वास की तजवीज आई और एक राय से पास हो गई. यह भी पेशीन गोई की गई कि तेल की आमदनी कक जाने से ईरान की सरकार का दिवाला निकल जायगा. लेकिन ईरान की सारी जनता, समीर और ग़रीन ने अपनी फिन्दगी भर की कमाई, नक्दी और जेवर मुस्सादिक के हवाले कर दिये, यहाँ तक कि मुस्सादिक को करोड़ों की रक्षमें बौटानी पड़ गहूँ, और ऐकान करना पड़ा कि अब कोई रुपया बराँरा न मेजे, सरकार को कोई जरूरत नहीं है. इस बीच रूस ने भी 308 मन सोना, जो उसे पिछली जंग के एक समग्रीते के चनुसार ईरान को देना था, ईरान भेज दिया है. मुस्मादिक काज सारा ईरानी कीम का देवता बना हवा है चीर माह्य होता है कि देश के साथ दशा के बीज अब इस हवा में हैराल के जन्मर पनमने नहीं पा रहे हैं.

بچہم ایھیا کے دیھوں میں انگلیقہ اور املیکہ کی اللہ بہت ہوں یکو ان دیھوں کے تبل کے کلولیں ھیں کا کیوٹیں ایران عرب اور مصر میں عربے ادعو تک ہمیا عربے ادعو تک ہمیا عربے ادعو تک ہمیا عربی اس عربے ادعو کے تبیکہ انگریزوں یا امریکہ والوں کو ملے عربے بن اس لگے ایران کا تبل کا سوال کیول ایران کا سوال میں بلکہ سارے بجہم ایشیا کی آزادی یا بریادی کا وال ہے .

ران کا اینے ٹیل پر قبضه

ایران کی مجلس لے 20 مارچ سن 51' کو ایک راہ وکر یاس کردیا که ایران کی زمین سے تیل نکالمے اسے اف کرنے آور دنیا میں بیچلے کا کام ایرانی سرکار ابھ اتھ میں لے لے آور اِسے جہاں تک هو سکے ایرانیوں کے باتھوں ھی کرایا جائے ، انگریز کمیشی کو نوٹس دے دیا با كه سن 33 كا تهيكة رد سمجها جائے . أنكريو كميلى م يو . ين , او . كى عدالت سے اپيل كرنا چاها . اپيل الر بھی ھو کیا ، متحمد مصادق نے ایرانی سرکار آور کے بھوداری کمینی کے معاملے میں یو ، این ، او ، کی دالت کے ادھیکار کو مانلے سے انکار کردیا ، پھر ایک او همیشه کی طرح سازشوں آور دهکیوں کا دور شروع وا ، انکریزی جنگی جهاز ایران کی کهاری میں دامائی یقے لکے لیکن سن 21' کا روس اور ایران کا محهوتم موجود ہے؛ جس سے انگریز سرکار کی ہوھلے کی ست نه هوالسكي . محمد مصادق كو كرائے كى كوششيس ی گئیں ، پانی کی طرح اردیاء خرج کرکے مجلس کے ممبروں' ایران کے وزیروں آور سرکاری آنوکروں کو تورثے ہورتے کی کرششیں هوئیں ، پیشینگوئی کی گئی که عضد مصادق کو منجلس میں بہومت نہیں مل سکتا ور اُسکی سرکار خاتم ہونے والی ہے ، محیلس کے سامنے مصد مصادق پر وشواس کی تجریز آلی آور ایک رائے ے پاس موکئی ۔ یہ بھی پیشدی کوئی کی گئی کہ تیل ی آمدای رک جانے سے ایران کی سرکار کا دیراء نکل عاليه ليكن ايران كي ساري جلتا امير ارد فريب لے اللي ولدكي بهركي كمائي نقدي أور زيور صصادق كي عوالي عرديلي يهال تك كه مصادق كو كروزول كي وقميل بتانی پرکٹھں آور املان کرنا پرا که کوئی رویہ وهمرہ نه المنجها سركار كو كوئى فرررت نهيس هـ أس المه بس نے بھی 308 میں سونا کو اُسے پیچھای جلگ کے ک سمجهوتے کے انوسار ایران کو دینا تھا، ایوان بھھیے را ھے۔ مصافع آج سازی ایرانی قوم کا دیوتا با ا ہوا ھے آور عليم هوتا هے كه ديش كے ساته دفا كے بيبے أب إس وا مهن ایران کے اندر پلیلے نہیں یا رہے هیں ۔ करनती अवने हुनकों का 15 की बनी देखते बरकार की हेवी की अब कि करती करपती आपने मुनाफे का 49 की सबी ईरानी सरकार को देने को तैयार हो गई. इस असम भी ईरान के बड़े बजीर ने उसे मंजर कर ज़िया बेकिन वरीर मजलिस के पास किये ठेका मंजूर न समन्त जा सकता था. ईरान में उस समय तक यह खेयाल बहुत बोर मकद चुका था कि ईरान का तेस ईरान की मिस-किंबत है. ईरान इसे खुद निकाल कर और साफ करके पूरा कायदा क्यों न उठाएँ. विदेशी माहिर जरूरत के मुता-विक नौकर रक्खे जा सकते हैं-जिस देश से भी आसानी से मिक्क सकें. यह एक ध्यान देने की बात है कि यही मोहम्मद मुस्सादिक को इस समय अंगरेज कम्पनी के ठेके के किलाफ डटा हुआ है, उस समय रूसी कम्पनी को ठेका देने के भी जोरों से खिलाफ बा. मजलिस ने रूसी कम्पनी की दरखास्त नामंजूर करदी. उसी समय से यह बात पक्की होगई कि ईरोम जितनी जल्दी हो सकेगा व्यंगरेज कम्पनी के ठेके को भी खतम करने की कोशिश करेगा.

प्रेंग्ली अमरीकी साजिशें

सन 1946 के बाद से दुनिया और खासकर पशिवाई अल्डीं की राजकाजी और माली हातत कहीं ज्यादा वेचीदा होती जा रही है. सन '50 और '51 के ईरान के हालात माउड़ों के सामने ताजा हैं. जहाँ से और जिथर से भी हो हाके इंग्लैन्ड और अमरीका रुख के खिलाफ आखिरी जंग सहने की तैयारी कर रहे हैं. हाल में अमरीका की बारकार ने बाधी दुनिया के ऊपर और सोवियत रूस के कारों तरफ अपने फीजी, समन्दरी और इवाई अडे बनाने के ब्रिये अपनी काँगरेस से 656 करोड़ डाबार यानी करीब बीस बारव उपर की माँग की है. बाड़ों का यह सिलसिला द्धनिया के 48 स्वास स्वास देशों में से 44 देशों में फैला हुआ होगा जिनमें जापान, फिलिपाइन्ड बरौरा सब शामिल हैं. बहुत से देशों के नाम अभी गुप्त रक्के गए हैं. यह सिक सिका दो साल में वनकर तैयार होगा. 35 लाख बादमियों की इसमें जरूरत होगी, बमरीकी सरकार ने साफ कहा है कि यह अड्ड ऐसे मुकामों पर होंगे जहाँ से जलरत पदने पर इस पर जासानी से बम बरसाए जा सकें. जाहिर है बीच एशिया और पण्डिम पशिया के सब शुरूक इस जाल का शिकार हैं.

सन '50 में इंगलैन्ड और अमरीका ने मिलकर इंडामी सरकार से दरखास्त की कि इन वोनों देशों को ईरान में जुराराफियाई सर्वे (ज्योमाफिकत एनड होपोमाफिकत सर्वे) करने की इजाज़त दी जाय. रूस ने ईरान को इस अवसीय के खिलाक थागाइ किया, ईरान ने इजायत देने हैं इनकार कर दिया. و حياتي على جدالة واسي كنيلي أو سلاف لا 45 في صلامي أيوأني سركار كو ديله كو تهار هيكاني س سیے بھی لیوان کے بڑے وزیر نے اسے منظور کر لیا يكن يغهر متجلس كے ياس كار الهيكة ملظور نه سجها جا سكتا تها . ايران مين أس سيد تك يه خهال ہم زور یکو چکا تھا کہ ایران کا تیل آیران کی ملکیت ا ایران أے خود نکال کر اور صاف کرکے پیرا فائدہ کیس نه أَتَّهَائِم ، وديشي ماهر ضرورت كه مطابق نوكر ركه جا سكتے هيں - جس ديش سے بھي أسانيسے مل سكهن . به ایک دههان دیلی کی بات ه که یهی مصد مصافق ہو اس سے انگریز کمھلی کے تہیکے کے خلاف ڈٹا ہوا ہے' س سمیر روسی کمپلی کو تهیکت دیلے کے بھی زوروں سے غلاف تھا ، مجلس نے روسی کمپنی کی درخولست نا ملظور کر دی ، اُسی سمے سے یہ بات یکی هوگئی که یران چندی جلدی هرسکیکا انگریز کمپدی کے تھیکے کو بھی ختم کرنے کی کوشش کریگا ،

ايلكلو أمريكي سازشهن

سن 46' کے بعد سے دنیا اور خاص کو ایشیانی ملکوں لی رأج کاچی اور مالی حالت کههن زیاده پهچیده هوتی جا رهی هے ، سن 50' اور 51' کے ایران کے حالات پاٹھکیں کے ساملے تازہ هیں ، جہاں سے اُور جُدهر سے بھی هرسکے انگلینڈ اور امریکہ روس کے خلاف اخری جنگ لونے کی تیاری کو رہے میں . حال میں امریکه کی سرکار نے آدھی دنیا کے اُوپر اور سوریت روس کے چاروں طرف اپنے فوجی سمندری اور هوائی اقد بنانے کے لئے ایلی کانگریس سے 656 كرور ةالر يعلى قريب بهس أرب روي كي مانك كي هے . أدول كا ية سلسلة دانها كے 48 خاص خاص ديشوں میں سے 44 دیشوں میں پہیلا ہوا ہوتا جن میں جایاں ا فليالكس وفيرة سب شامل هيس. بهت سے ديھوں كے نام أبهى كيت راع كلي هيل . يه سلسلة دو سال مهل بنكر تيار هوكا. 35 لاكه آدميون كي أس مهن فرورت هوكي. امریکی سرکار نے صاف کہا ہے که یہ ادے ایسے مقاموں پر هرنگے جہاں سے ضرورت پرنے پر روس پر آسانی سے ہم برسائے جاسكهن ، ظاهر هے بينے ايشيا اور ينجهم ايشها كے سب ماك اس جال كا هناو مهن ،

سری 50' میں انگلیات اور امریکہ نے ملکر ایرانی سرکار سے درخواست کی کہ ان دونوں دیشوں کو ایران میں جغرافیائی سروے) جغرافیائی سروے) کرنے کی اجلات می جائے۔ روس نے ایران کو اِس تجویزا کے خلاف ایک کونے کی اجلات فیلے سے انکار کو دیا۔ خلاف کیا۔

सिये रका शाह पर इद दरके का दुनान हाता नपा. इस समय भी इंग्लैम्ड के जंगी जहांक इरान की खादी में पहुँच गप थे. हासत नाजुक हो चली थी. आखिर रजा शाह ने अपनी मरजी के खिलाफ इस शर्त को मान दिया.

मई सन '33 में ईरान की सरकार चौर ऐंगलो ईरानियन चाइल कम्पनी के बीच एक नया सममौता होगया जिसमें ईरान के दिक्खन पिछमी किनारे की एक बाल बर्ग मील जमीन में, जो कुल ईरान का 62 वां हिस्सा है, अंगरेज कम्पनी को साठ बरस के लिये तेल निकालने, उसे साफ करने और बेचने का ठेका मिल गया.

रजा शाह के साथ अंगरेजों के मता है और दोनों में

दूसरी बड़ी जंग

सन '39 में दूसरी बड़ी जंग शुरू होगई. कुछ दिनों बाद जरमनी ने रूस पर हमला कर दिया. रूस और इंगलैन्ड दोनों के लिये अब जरमनी को बढने से रोकने की कोशिश करना जरूरी द्वीगया. इसके अलावा रूसी क्रीज को रसद और सामान पहुँचाने का रास्ता भी ईरान से होकर ही था. फिर वही सन '14 वाली हालत पैटा होगई. अगस्त सन '41 में रूसी फ़ीज ने उत्तर ईरान पर और अंगरेज़ी कीज ने दक्किन ईरान पर एक ही दिन क्रब्जा कर जिया. रजा शाह जासकर श्रंगरेजों के इस क्रब्जे के खिलाफ था. वह ईरान की तरफ से जरमनी के खिलाफ जंग का ऐलान करना भी नहीं चाहता था. झंगरेजों की साजिशें ईरान में रजा शाह के खिलाफ पहले ही से चल रही थीं. रजा शाह के समाज सुधारों से मौका पाकर अंगरेजों ने कट्टर मौलवियों और ईरान के कुछ बड़े बड़े जमींदारों को रंजा शाह के खिलाफ तैयार किया. सन '41 ही में रजा शाह गई। से उतार दिया गया और उसका बाईस साल का लड़का ईरान के तखत पर बैठा दिया गया, ईरान ने जरमनी के खिलाफ जंग का ऐसान कर दिया. कहा जाता है कि रजा शाह के ख़िलाफ इस साजिश में कस का कोई हाथ न या. लेकिन अमरीका का पूरा पूरा हिस्सा था.

दिसम्बर सन '43 में अंगरेज, रूस और अमरीका तीनों ने एकान कर दिया कि जंग ख़तम होने के हैं महीने के अमर्गर सब विदेशी फीजें ईरान से हटा जी जायंगी. दो सितम्बर सन '45 को जंग ख़तम हुई. सन '46 में अगरेजी, अमरीकी और रूसी कीजें ईरान से हटा जी गई.

क्सी साल उत्तर ईरान से तेल निकालने के लिये हस ने अपनी एक कश्पनी बनाई और ईरानी सरकार से उसी वरह तेल निकालने का ठेका लेना बाहा जिस तरह आंगरेज कश्यनी को मिता हुआ था. करक केवल यह या कि अंगरेज الله رقبا شاه پر حد درج کا دیاو دالا قها ، اس جدر به این این که اول که اول که اول که اول که اول که اول که که در که که در که در که در که در که در که که که در که در که که در ک

مئی سن 33' میں ایران کی سرکار اور اینگلو ایرانین آئل کمیلی کے بیچ ایک نیا سنجهوته هوگیا جس ایرانین آئل کمیلی کے بیچ ایک نیا سنجهوته هوگیا جس میل زمین میں' جو کل ایران کا 62 وال حصه هے' انگریز کمیلی کو ساتھ برس کے لئے تیل نکالئے' اُسے صاف کوئے اور بیجیئے کا تبیکہ مل گیا ۔

ت رضا شاہ کے ساتھ انگریؤوں کے جھکڑے اور دونوں میں آن بن بوھٹی چلی گئی .

دوسری بوی جنگ

ر سى 39 ميں درسرى يوى جنگ شروع هوكئي. کچھ دنیں بعد جرمنی نے روس پر حملہ کر دیا . روس اور انگلینڈ دونوں کے لئے اب جرمنی کو بوھنے سے روکنے کئے کوشش کرنا ضروری هوگیا ، اِس کے علاوہ روسی قوب کو رسد اور سامان پہونچانے کا راسته بھی ایران سے هوکر هی تها . پهر وهي سن 14' والي حالت پهدا هوکئي . اگست سن 41' میں روسی فوج نے اُتر ایران پر اور انگریزی فوج نے دکھن ایران پر ایک ھی دن قبضه کر لیا ، رضا شاہ خاصکر انگریزوں کے اس قبضے کے خُلاف تھا ، وا ایران کی طرف سے جرمنی کے خلاف جنگ ا العان كرنا يهى نهيس جاهتا تها . انكريزوں كى سازشيس أيرأن ميں رضا شاہ كے خلاف پہلے هي سے جل رهي تهيں. والما شاہ کے سمانے سدھاروں سے موقع یادر انگریزوں کے کالو فولویوں اور ایرآن کے کچھ بڑے بڑے زمینداروں کو رضا شاہ کے خطاف تھار کیا ، سن 41' ھی میں رضا شاہ گدی سے آتار فیا اور اس کا ہائیس سال کا لوکا ایران کے تخت پر بهاها دیا کها . ایران نے جرمنی کے خلاف جنگ کا اعلان كُوْ دياً. كُما جاتا هے كه رضا شاء كے خلاف إس سازهي مين رُّوُس کا کوٹی هانه نه تها ، لیکن امریکه کا پورا پورا حصة تها

فسمبر سن 43' میں انگریز' روس اور امریکہ تیدوں نے افغان کو دیا کہ جلگ ختم ہونے کے چہہ مہینے کے اندر سب وقیمی قوجیس ایران سے مثا لی جائینگی . دو ستمبر سن 45' میں انگریزی' آمریکی اور روسی قوجیس ایران سے مثا لی گئیں .

اسی سال آتر ایوان سے تیل نکالئے کے لئے روس نے ایکی ایک کمپلی بنائی اور ایرانی سرکار سے اُسی طرح انگریز کیالئے کا تھیکہ لینا چاہا ہمس طرح انگریز کمپلی کو 14 موا تھا ۔ فرق کیول یہ تھا کہ انگریز

हो गया था, एक एक कर वह सब रिकायतें कंगरेकों से वापस के की की हैरान की कमजोरी के जमाने में कर्कें सिक चुकी थीं. इन्पीरियल बैंक आफ परशिया तोड़ डाला गया. ईरान की खाड़ी में सब अंगरेज़ी रोशनी घरों पर ईरानी सरकार का कब्जा होगया. इन्हों योरोपियन टेलीप्राफ कम्पनी का सारा कारबार ईरानी सरकार ने अपने हाथों में के लिया. इंगलैन्ड को अपने कोयला भरने के स्टेशन इटाने पड़े वगैरा.

ईरान और अंगरेज़ों का सम्बन्ध अब सिर्फ एक चीज के बारे में रह गया और वह था तेल निकालने का ठेका. यह ठेका ईरानी सरकार की तरफ से एक अंगरेज़ी ब्यो-पारी कम्पनी 'एंग्लो ईरानियन आहल कम्पनी' को मिला हुआ था और तय यह था कि अंगरेज कम्पनी तेल के इस ब्योपार से जो कुछ सुनाका कमाएगी उसका सोलह की सवी ईरानी सरकार को देगी.

 जिस तरह इस वक्त्त 'यू. एन. ओ.' है उसी तरह इस बन्नत 'लीग आफ नेशन्स' बनी हुई थी. यू. एन. ओ. कहने को सब क़ौमों की पंचायत है पर असल में दो तीन सक्ततनत के प्यासे मुलकों के हाथ की कठपुतली है, ठीक यही हालत उस बक्त लीग आफ नेशन्स की थी. जिस तरह अब सन 1951 में एंग्लो ईरानियन बाइल कम्पनी ने मोहन्मद मुस्सादिक के हुकुम के खिलाक यू. एन. चो. की कायम की हुई हेग की अन्तरक़ौमी अदालत से अपील की है, उसी तरह उस वक़्त इसी कम्पनीने रजाशाह के इकुम के खिलाफ लीग आफ नेशन्स से अपील करना चाहा था. ठीक जिस तरह मोहम्मद मुस्सादिक ने इस समय ईरानी सरकार और एक ब्योपारी कन्पनी के बीच के मार् में अंतरक़ीमी अदालत के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया उसी तरह उस समय रजा शाह ने लीग आफ नेशन्स के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया.

सन 1933 का समभौता

बातचीत हुई. कम्पनी ने बहुत सी नई शतें रजा शाह की मान जीं. सिर्फ एक बात पर मामला कुछ घटका. नई शतों के बदले में कम्पनी ने इस बात पर जोर दिया कि कम्पनी का ठेका नए खिरे से साठ बरस के लिये कर दिया जाय. यानी जो ठेका सन 1962 में सतम होने बाला या बह सन 1993 में सतम हो. इस शर्त को मंजूर कराने के

"नवन्त्र सन 1932 में रजा शाह ने यह देख कर कि संगरेज कम्पनी ईरानी सरकार को उसके हिस्से की सुनासिय रक्त करा नहीं कर रही है कम्पनी पर कुछ नई सर्वे खगाना चाहा और हुकुम दिया कि सगर नई शर्ते क सानी गई तो कम्पनी का ठेका रह समझ जायगा.

موگها تها ایک ایک کر وه سب رمانعیل انگزیزوں پر رایس فی میں بحوایران کی کمزری کے زمانے میں انہیں مل جائی نہیں ۔ امیمریل بیدک آف پرشیا تور ڈالا گیا ، ایران کی کھاری میں سب انگریزی رزشلی گهروں پر ایرانی سرکار کا قبضه هوگیا ، اندو یوروپین تیلیکراف کمیلی کا سارا کاربار ایرانی سرکار نے ایے هاتموں میں لے لیا ۔ انگلیفڈ کو ایک کوئلم بھرنے کے استیشن هتانے ہونے وفیود ،

ایران اور انگریزوں کا سمبقدھ اب صرف ایک چھڑ کے بارے میں رہ گیا اور وہ تھا تیل نکائے کا تھیکھ ۔ پہ تھیکھ یرانی سرکار کی طرف سے ایک انگریزی بھرچاری کمپنی اینگلو ایرانین آئل کمپنی کو ملا ہوا تھا اور طے یہ تھا کہ انگریز کمپنی تیل کے اس بھوپار سے جو کچھ منافع نمائیگی اسکا سولہ فیصدی ایرانی سرکار کو دیگی ۔

* جس طرح اس وقت 'یو ، این ، او ؛ هے اسی طرح اسوقت 'لیگ آف نیشلس' بنی هوئی تهی ، یو ، این ، او کہلے کو سب قوموں کی پلچائت هے پر اصل میں دو نین سلطنت کے پیاسے ملکوں کے هاته کی کالم پائی هے' بیک یہی حالت اُس وقت لیگ آف نیشنس کی تهی ، یو سطرح اب سن 1951 میں اینگلو ایرانین آئل کمپنی نے محمد مصادق کے حکم کے خلاف یو ، این ، او ، کی قائم اُسی طرح اُس وقت اِسی کمپنی نے رضا شاہ کے حکم کے اُسی طرح اُس وقت اِسی کمپنی نے رضا شاہ کے حکم کے خلاف لیگ آف نیشنس سے اییل کرنا چاها تھا ، تبیک جس طرح محمد مصادق نے اُس سے ایرانی سرکار اور جس طرح محمد مصادق نے اُس سے ایرانی سرکار اور میں انکر قومی عدالت کے ادھیکار کو ماننے سے انکار کردیا استطرح اُس سے رضا شاہ نے لیگ آف نیشنس کے ادھیکار کو ماننے سے انکار کردیا ،

سن 1933 كا سمجهوته

بات چیت ہوئی ، کمپنی نے بہت سی نئی شرطیں رضا شاہ کی مان لیں ، صرف ایک بات پر معاملہ کچہ آتک ، نئی شرطوں کے بدلے میں کمپنی نے اس بات پر زور دیا کہ کمپنی کا ٹھیکہ نئے سرے سے ساتھ برس کے لئے کو دیا جائے ، یعنی جؤ ٹھیکہ سن 1962 میں ختم ہوئے والا تیا وہ سن 1993 میں شعم ہوئے والا تھا وہ سن 1993 میں شعم ہو کے اس شرط کو منظور کوائے کے۔

ب نومبر سن 1932 میں رضا شاہ نے یہ دیکھکر کہ انگریز کمیٹی ایرائی سرکار کو اسکے حصے کی مقاسب رقم ادا نہیں کررھی ہے کمیٹی پر کچھ نئی شرطیں لگانا چاھا اور حکم دیا کہ اگر نئی شرطیں نہ مانی گٹھی تو کمیٹی کا ٹیفکہ رہ سبجہا جائیگا۔

LA SERVICE OF THE SER

2.4

हरात के वह क्योर ने बाद कवंत्र की नई एजकीज मान विवा, पर इस भीच ईराम में मज़किस यानी वहाँ । पार्किमेन्ट कायम हो चुकी थी, जब तक मजलिस नई । बीज को मंजूर न कर ले तब तक उसे मंजूर नहीं तमा जा सकता था.

यह नई तजवीज ठीक इसी तरह की थी जो अंगरेज शिसवीं सदी में मिल के ऊपर ताद चुके थे. अगर विश्व इस सममौते को मान जेती तो इसका मतलव ; अरसे के लिये ईरान की आजावी का खातमा था.

ान और बोलशेविक रूस

बोलरोविक रूस ने एक और कदम बढाया. फरवरी । 1921 में नई रूसी सरकार ने अपनी तरक से ईरान अन्दर वह सब रिआयतें और सास अधिकार हो इ का ऐलान कर विया जो जार की सरकार ने ईरान ले रक्खे थे. इसी समय रूस और ईरान में यह सुलह-मा होगया कि बगर अंगरेज अपनी जंग के बक्तत की ई हुई फीज को ईरान की जमीन से हटाने में देर करेंगे. आइन्दा किसी समय कोई विदेशी ताकत अपनी ज ईरान के किसी हिस्से में उतारेगी तो रूस फौरन अपनी त्र ईरान में भेज कर इस दूसरी ताकत की फौज को र निकालने में ईरानी सरकार को मदद देगा.

ईरान और रूस के बीच तिजारत और दोस्ती बढ़ती री गई. एक बढ़े दरजे तक रूस की उस समय की रवाइयों ने ही ईरानियों को हिन्मत दिलाई और उनके को इंगलैन्ड के जाता में फँसने से बचाया.

ाखाँ

इसी संकट के समय ईरानी देशभक्त, नेता और गरक रका काँ ने ईरान के शासन भी बाग अपने दायों ली. रजा खाँ ईरान का फीड़ी डिक्टेटर बना सारी ानी फीज और ईरानी जनता में एक नई जान आगई. । 1921 में रजा खाँ ने अंगरेजों की सन 1919 वाली कीन को नामंबूर कर दिया. मजलिस ने उसे पास ने से इनकार कर विया.

अंगरेजों ने देख किया कि अगर जनता और फीज ों की सरजी के ख़िलाक और अधिक जबरदस्ती की शेश की गई तो सारा ईरान बोलशेविक कस की गोद ता बैठेगा.

रजा साँ की ताकत बढ़ती गई. स्मिय साहब को ईरान ह कर भागना पदा. लार्ड कर्जन अपना सा मेंह लेखर लैन्ड बापस था गए. इसके बाद सन 1922 से लेकर बरस के अन्त्र क्ष्मा जों ने, जो बाद में रजा शाह

المان ك بزے وزير لے لاوالروں كى قلى المون الومان لها ، الوزاس بهيم ايران مون مجلس يعلى وهان كي غازلىنىڭ قائم ھوبھكى تھى جيناك شعفلس لكى الصيرية كو منظور نه كرلے تب تك أب منظور نهيں سبعها . Ist litting

يه نائى تجويز تهيك أسى طرح كى نهي جو اناريز انہسپیں صدی میں مصر کے آریر لاد چکے تھے۔ اگر معهلس إس سدجهوي كو مان ليكي تو إس كا مطلب الله مرصم کے لگے ایران کی آزادی کا خاتمہ تھا .

الميران آور دولشهوك روس

پولشهوک روس نے ایک اور قدم بچھایا ، فروری سن 1921 میں نئی روسی سرکار نے اپنی طرف سے ایران کے الدر ولا سب رمالتهن أور خاص المهكار جهور دينے كا اعلان کردیا جو زار کی سرکار نے ایران میں لے رکھے تھے ۔ اِسی سهد روس آور ايران مهن يه صاحصنامه هوگها كه اگر انگريز ایشی جالک کے وقت کی آئی ہوائی فوج کو ایران کی زمیوں سے مقالے میں دیر کریں گے کا آگلدہ کسی اسے گوائی ودیشی طاقی ایلی قوم ایران کے کسی حصے میں أقاريه كي تو روس فوراً ايدي فوب ايران مهن بههم كر اُس دوسری طاقت کی قرح کو یافر نکاللے میں ایرانی سرکار کو مدد درے گا ،

ایران اور روس کے برجے تجارت اور دوستی بوهتی چالی گگی ، ایک ہوے درجے تک روس کی اُس سے کی کارواٹیوں نے ھی ایرانیوں کو ھمت دلائی آرر اُن کے دیکھی کو انگلهات کے جال میں پہلستے سے بحیایا ،

أسى سلامت کے سے ایرانی دیش بهکت نها اور سدعارک رضا خان نے ایران کے شاسن کی باک اپنے هاتموں مهن لی رضا خان أيران لا فوجي تكتيتر بنا . ساري ایرانی فوج اور ایرانی جلتا مهن ایک نثی جان آنتی . سن 1921 میں رضا خال نے انگریزوں کی سن 1919 والی تجویز کونا ملظور کردیا ، مجاس نے آسے باس کرنے سے

الكريورن في ديكه لها كد اكر جلتا أور قوم درتون كي سرفی کے خطف اور ادھک زوردستی کی کوشھ کی گئی تو سازا ایران بولشهرک روس کی کود مهل چا بهانهها .

رضا خاں کی طاقت برمٹی گئی ۔ استثار صاحب كو أيران جهوراكر بهاكلا بوا. الرذكرزن أينا سا مقه ليعر التعليدية واپس أكلي . أسكر بعد سن 1922 مر الهاعو دس بنوس کے اُتحدر وقعا متعال نے جو بعد میں وقعا شاہ

कान्दर इस जुमाने के क्रिसियों और वंगरेजों की साजिशों को वदी अच्छी तरह और वहे दर्द के साथ दिसलाया है. रूस और इंगलैन्ड ही के असर से शस्तर को ईरान से निकास दिया गया. कस और इंगलैन्ड की साजिशों और बढ़ती चली गई. ईरान की हालत वद से बदतर होती गई. पहली चली जंग

सन 1914 में पहली बड़ी जंग शुरू हुई. तुर्की और अरमनी एक तरफ वे और इंगलैन्ड और रूख दूसरी तरफ. तुर्की की सरहद ईरान के उत्तर पिछमी सरहद से मिली हुई है. तुर्की या जरमनी के इमले से अपने बचाब का बहाना केकर जब रूसी फीज ने बाजाब्ता उत्तरी ईरान पर क़ब्ज़ा कर किया और अंगरेजी फीज ने व्विस्त्रनी ईरान में देरे आज दिये.

सन 1917 में रूस में इनक्रताय हुआ। जार की सत्तरनत इमेशा के लिये ख़तम होगई. रूस में बोलशेविक इक्सत क्रायम हो गई. रूस की सारी राजनीत बदल गई. इस इनक्रताय के बाद ही रूस ने अपनी सारी कीज ईरान से इस ती.

हंगलैन्ड के लिये जब मैदान और साफ होगया. सन 1918 में जंग जतम होगई. फिर भी जंगरेज़ी कीज ईरान को खाबी करने की जगह जब उत्तर की तरफ फैज गई. ईरान का कक्ष से खतरा जब मिट जुका था. पर उत्तर से दिन्छन तक सारे ईरान में जब जगह जगह जंगरेज़ी फौज की खाबनियाँ पढ़ी हुई थीं.

लाई कर्जन की साजिश

सन 1919 में बही लाई कर्जन, जिन्होंने 14 बरस पहले हिन्दुस्तान के गबरनर जनरल की हैसियत से बंगाल के हो दुकड़े करके इस देश में खलबली मचा दी थी, ईरान पहुँचे. ईरानी सरकार के साथ उन्होंने अब एक नया समग्रीता करना चाहा. इस समग्रीते की पहली दका यह बी कि इंगलैन्ड की सरकार ईरान को पूरी तरह आजाद सुरुक मानती है और बाकी सब दकों में इस बात का प्रवन्ध किया गया था कि ईरान की सारी कीज और वहाँ के सारे सरकारी मुलाजिम जंगरेओं के पूरी तरह मातहत हो आवें.

सिय नाम के एक अंगरेज़ को एक बहुत शहे अमले के साथ ईरानी सरकार का माली सलाहकार (जाइनेन-शियल पडवाइज़र) बना कर मेजा गया. इच्पीरियल केंद्र आफ परशिया नाम से एक नवा बैंद्र अंगरेजों की मूंजी से और पूरी तरह अंगरेजों के अधिकार में तेहरान है जोत दिया गया जिस से ईरान के आधिक जीवन को इस तरह अपने कन्जे में रकता जा सके. ईराय की राज- اندر آس زمانے کے روسوں اور الکریوں کی سازشوں کو جوں اچھی طرح اور بورے درد کے ساتھ دایکیا ہے ۔ ہوس اور الکلیفڈ می کے اثر سے شستر کو ایران سے نکل دیا گیا ۔ روس اور انگلیفڈ کی سازشیں اور بوہتی جای گیں ۔ ایران کی حالت ید سے بدتر مرتی کئی ۔

پہلی ہی جلک

سن 1914 میں پہلی ہوی جدگ غروع ہوئی ، ترکی اور جرمنی ایک طرف تھے اور انگلیلڈ اور روس دوسوی طرف ، ترکی کی سرحد ایران کے اُتر پچھمی سرحد سے ملی ہوئی ہے ، ترکی یا جرملی کے حملے سے آئے بنچاو کا بہاند لے کر اب روسی فوج نے یاضابطہ اُتری ایران پر قبقہ کر لیا اور انگریزی فوج نے دکھلی ایران میں تیرے دال دئیے ،

سن 1917 میں روس میں انقلاب ہوا ۔ زار کی سلطلت میشہ کے لئے ختم ہوگئی۔ روس میں پولھیوک حکومت قائم ہوگئی ۔ روس کی ساری راج نیت بدل گئی ۔ اِس انقلاب کے بعد هی روس نے اپنی ساری فوج آیران سے مثالی ۔

انگلینڈ کے لئے آپ میدان اور صاف ہوگیا . سن 1918 میں جنگ ختم ہوگئی ۔ پھر بھی انگریزی فوج ایران کو خالی کو خالی کو کئی ، ایران کا روس سے خطرہ آپ مت چکا تھا ، پر اُتر سے دکھن تک سارے ایران میں آپ جگه جگه انگریزی فوج کی چھاؤنھاں پڑی ہوئی تھیں ،

لارت کرزن کی سازھی

سی 1919 میں وھی الرة کرزن جنہوں نے 14 پرسی پہلے ھندستان کے گورنو جنول کی حیثیمت سے باتال کے دو تعربے کرکے اِس دیش میں کہنبلی متهادی تھی ایران پہنچے ، ایرانی سرکار کے ساتھ آنہوں نے آب ایک نیا سمجھوتے کرنا چاھا ، اِس سمجھوتے کی پہلی دفعہ یہ تھی کہ انگلینڈ کی سرکار ایران کو پوری طرح آزاد ملک مانٹی ہے آور باقی سب دفعوں میں اِس بات کا پربندھ کیا گیا تھا کہ ایران کی ساوی فوج آور وہاں کے سارے سرکاری مقارم آنگریؤوں کے پوری طرح مانتصت ہو جاویں ،

است المرائی سرائر کا مانی صلح کار (فائللشیل ایکرائزر)

کے ساتھ ایرائی سرائر کا مانی صلح کار (فائللشیل ایکرائزر)

بقاکر بھیجا گیا ، امہیریل بھلک آف پرشھا نام سے ایک نیا بھلک اگاریوں کی پرنجی سے آور پرری طرح آگریوں کی اسمیکر میں طرح آگریوں کے اسمیکر میں طہرای میں کبرل دیا کیا جس سے ایران کی آرتیک بھی رکھا جاسکے ،

ایران کی والے معلی طہرای میں سازھوں کا ایک کیا ۔

जहां को जहां जो बोरी रोकने का बहाना केंकर सूटना शुरू कर दिया. ईरान के साथ इंबियारों की सारी तिजारत अपने हाथ में से ली, अपने जहां जो के लिये कोयला भरने के लिये स्टेशन बना लिये. यहाँ तक कि ईरान की खाड़ी का वह सारा हिस्सा जो किनारे से मिला हुआ है, अंगरेजों की फीजी जहां जी चीकियों से भर गया.

सन 1901 में चांगरेजों ने दक्किन पण्छिमी ईरान में मिट्टी के तेल के कुछों का पता लगाने और तेल निकालने का ठेका साठ बरस के लिये उस समय की कमजोर और

नासमक ईरानी सरकार से हासिल कर लिया.

रूस भी चुप न रह सकता था. उत्तर ईरान में जहाँ इस और ईरान की सरहद मिली हुई है इस ने रेलें बनाने, बैंक खोलने और विजारती माल पर चुँगी बसूल करने के ठेके उसी समय के आसपास ईरानी सरकार से हासिल कर लिये.

ईरान की सूट में रूस और इंग्लैन्ड की लाग-डाट बदती गई.

जरमनी भी ईरान की खाड़ी की तरक बढ़ा और एक दो जगह उसने भी अपने कौजी जहाजी अहू बना डाले.

सन 1904 में जरमनी के खिलाफ इंगलैन्ड और फ़ान्स में वोस्ती होगई.

सन 1905 में रूस जापान युद्ध में रूस ने बुरी तरह हार खाई.

रुस की हिम्मतें अब कुछ दिनों के लिये टूट चुकी थीं. सन 1907 में इंगलैन्ड ने मौका देखकर जरमनी के जिलाफ रूस के साथ सममौता कर लिया. इंगलैन्ड और रूस ने आपस में तय कर लिया कि ईरान के तीन दुकड़े कर दिये जायं. उत्तर का हिस्सा रूस के असर में रहे, दक्लिन का इंगलैन्ड के और बीच का थोड़ा सा दुकड़ा 'आजाद' छोड़ दिया जाने.

मई सन 1908 में अंगरेजों को दक्किन पिछ्छमी ईरान में कुछ तेल के छुएं मिले. इंगलैन्ड का नाता ईरान के साथ बढता चला गया.

• रूस और इंगलैन्ड दोनों की तरफ से अब ईरान में साजिशों के जाल बिझाए जाने लगे और ईरानी सरकार को अपनी कठपुतली बना कर रखने की कोशिशें होने लगीं.

अमरीकियों के दिल में उस समय तक अपना साम्राज बढ़ाने की लालसा नहीं जागी थी. एक अमरीकी विद्वान मारगन शस्त्रर को ईरानी सरकार ने अपने खजाने का सबसे बढ़ा अफसर मुक्रेर किया. शस्त्रर एक बढ़ा ईमान-दार आदमी था. ईरानियों से इसे और उससे ईरानियों को सुख्या में मा. उसने अपनी मशहूर किलाब 'स्ट्रैंगिलिंग आफ परशियां' (ईरान का गला घोटा आना) में ईरान के جہازوں کو جہازی جوری روکلے کا بہاند لے گر آوگا شروع کر دیا ، ایران کے ساتھ هتھیاروں کی ساری تبجارت اپنے هاتھ میں لے لی' آپ جہازوں کے لئے کوالم بہری کے لئے اسٹیشن بنالئے ، یہاں تک کد ایران کی کہاری کا وہ سارا حصہ جو کنارے سے ما ہوا ہے' انگرینوں کی قویمی جہازی چوکھوں سے بھر گیا .

سی 1901 میں انگریزوں نے دکون پچھمی ایران میں مقی کے تیل کے کدووں کا پتم لٹانے اور تیل نکالمے کا ٹھیکھ ساتھ پرس کے لئے اس سے کی کمزور اور ناسمجھ ایرانی سیکار سے حاصل کر لیا .

روس بھی جب نہ رہ سکتا تھا ۔ اتر ایران میں جہاں ورس اور ایران کی سرحد ملی ہوئی ہے ' روس نے ریلیں یدائے' بھنک کھولئے اور تجاوتی مال پر چنگی وصول کوئے کے تھیکے اسی سے کے آس یاس ایرانی سرکار سے حاصل کولئے

ایران کی لوت میں روس اور انگلینڈ کی لاک تانت بوهتی کئی .

جرماتی بھی ایران کی کھاڑی کی طرف ہوھا۔ ارر۔ ایک در ج*کہ اُس نے ب*ھی اپنے نوجی جہاری اتا<u>ہے</u> بنا ڈالے ۔

میں 1904 میں جرمذی کے خلاف انگلینڈ اور فرانس میں دوستی ہوگئی ،

سن 1905 میں روس جاپان یدھ میں روس کے بری طرح ھار کھائی .

روش کی همتنیں اب کنچه دنوں کے لئے توت بھکی تھیں .

سن 1907 میں انگلینڈ نے موقع دیکھکو جوملی کے خلاف روس کے ساتھ سمجھوتہ کر لیا ، انگلینڈ اور ووس نے آپس میں طے کر لیا که ایران کے تین تکوے کو دائیہ جائیں ، اتر کا حصہ روس کے اثر میں رہے' دکھن کا انگلینڈ کے اور بھی کا تھوڑا سا تکوا ' آزاد' چھوڑ دیا جارے ،

مگی سن 1908 میں انگریزرں کو دکھن پنچھمی ایران آسھی کنچھ ٹیل کے کوئیں ملے ، انگلیلڈ کا ناتھ ایران کے آساتھ بوھعا چھ گیا ،

روس اور انگلهند دونوں کی طرف سے آپ ایران مہی سازشوں کے جال بچھائے جائے لگے اور ایرانی سرکار کو ایڈی کھی یعلی بھا کو رکھنے کی کرششیں ھوئے لگیں .

امریکھوں کے دل میں اُس سے تک اپنا سامراج پوھائے کی السا نہیں جاگی تھی ، ایک امریکی وہواں مارگن شستر کو ایرانی سرکار نے اپنے خزانے کا سب سے بڑا افسر مقرر کیا ، شستر ایک بڑا ایماندار آدمی تھا ، ایرانیوں کو سچا پریم تھا ، ایرانیوں کو سچا پریم تھا ، اُس نے آبلی مشہور ، کتاب ' ستریلکلنگ آف پرشیا' (ایران کا کلا کھونقا جاتا) میں ایران کے پرشیا' (ایران کا کلا کھونقا جاتا) میں ایران کے

का बदन इतना इलका फुलका है कि माल्म होता है इना के एक मोंके में छड़ जायगा, पर उस दुबले पतले जिस्म के अन्दर ऐसी जबरदस्त कूबते इराई। (संकर्लप शाक्ति) है जो ईरान के अलबुर्ज पहाड़ की चट्टान से भी ज्यादा अप्टल और जो अवादान के सारे तेल से ज्यादा महस्र घठने वाली है."

मुस्सादिक के रहन सहन से लोग उन्हें 'दरवेश' कहते हैं. कहते हैं उनका बिना करश का कमरा सामान से उतना ही खाली होता है जितना किसी साधू की कुटिया. वह ईरान के "सन्त देशभक्त" कहलाते हैं. लोग महात्मा गांधी से उनकी तुलना करते हैं.

मालूम होता है मुस्सादिक तेल के मामले में अंगरेकों के या दुनिया की किसी भी ताक़त के सामने बाल बराबर भी मुकने को तैयार नहीं. पर मोहम्मद मुस्सादिक कट्टर या अंधिवश्वासी नहीं हैं. उन्होंने फ्रॉन्स में राजनीत और अधंशात्र की तालीम पाई है, स्वेट अरलैन्ड में कानून के डाक्टर की डिगरी ली है. मुस्सादिक उनका ग्रुरू का नाम नहीं है, जब उनकी उमर केवल 25 बरस की थी तो उनकी ग्रेर मामूली ईमानदारी और सच्चाई को देल कर उस समय के ईरान के शाह ने उन्हें 'मुस्सादिक' का खिताब दिया था जिसके मानी होते हैं सच्चा और ईमानदार. दुनिया के बहुत से लोगों को यक्तीन है कि मुस्सादिक न केवल ईरानियों को ग्रीबी और जहालत से ही छुटकारा दिलाने के लिये आए हैं बिल्क बीच पशिया और पिड्झम पशिया के देशों की बहुत सी उल्लानों के उनके ज़रिये मुल्कने की आशा की जाती है.

महात्मा गांधी और मोहन्मद मुस्सादिक में बहुत सी बातें मिलती जुलती हैं और इसमें कोई शक नहीं मोहन्मद मुस्सादिक इस समय की दुनिया के ऊँचे से ऊँचे और नेक से नेक बादिमयों में से हैं.

ईरान, इंगलैन्ड और इस

इंगलैन्ड ने पिछली सदी में ईरान और आसपास के समन्दर में बसी तरह बढ़ना शुरू किया जिस तरह कई सदी पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी ने हिन्दुस्तान में किया था. सन 1870 में एक इन्डो योरोपियन टेलीग्राफ कम्पनी बनाई गई जिसने हिन्दुस्तान और योरप में समझ्य के लिये ईरान के अन्दर तार के अम्बे बिछाने शुरू किये. इसके बाद अंगरेज ईरान की खाड़ी की तरफ बढ़े. धीरे धीरे ईरान के किनार के समन्दर में इपर से उपर तक अंगरेजों ने अपने रोशनी पर (लाइट हाउस) बना डाले, समन्दर से तार खबर के जिने के लिये 'केबल्स' डाल दिये, ठीक जिस तरह वह कियु ततान में कर चुके थे उसी तरह पास से जाने वाले

کا بدن اتفا هلکا پهلکا هے که معلوم هوتا هے حوال کے ایک جهونکھے میں اُر جائیکا' پر اُس دیلے پہتلے جسم کے اندر ایسی زبردست قوت ارائی (سلکلپ شکتی) هے جو ایران کے البرز بہار کی جان سے بھی زیادہ اُتل اور جو ابادان کے سارے تیل سے زیادہ بھرک اُتھے والی هے "،

مصادی کے رهن سهن ہے لوگ آنهیں 'فرویش 'کہتے هیں۔ کہتے هیں آن کا بنا فرش کا کمرہ سامان سے آننا هی خالی هوتا هے جتنا کسی سادهو کی کٹیا ۔ رہ ایران کے ''سلت دیش بہکت '' کہلاتے هیں لوگ مہاتما گاندهی سے آن کی تلنا کرتے هیں .

معدوم هوتا ہے مصادق تول کے معاملے میں انگریزوں کے یا دنیا کی کسی بھی طاقت کے ساملے ہال برابر بھی جھکنے کو تیار نبھی ، پر محصد مصادق کاریا اندھ وشواسی نبھی هیں ، انہوں نے فرانس میں راج نبیت اور دانی نبھی تکری لی تعلیم یائی ہے؛ سوئازرلیلڈ میں قائری کے دائلر کی تکری لی ہے ، مصادق ان کا شروع کا نام نہیں ہے ، حب انکی عمر کیول 25 برس کی تھی تو انکی غیر معمولی ایمانداری اور سجائی کو دیکھکر اُس سمے کے ایران کے شاہ نے اُنہیں 'مصادق' کا خطاب دیا تھا جسکے معنی هرتے میںسچا اور ایماندار ، دنیا کے بہت سے لوگوں کو یقین ہے کہ مصادق نہ کیول ایرانیوں کو غریبی اور جہالت سے هی چھاٹکارا نہ کیول ایرانیوں کو غریبی اور جہالت سے هی چھاٹکارا دیا کی بہت سی اُلجھنوں کے اُن کے ذریعے سلجھنے کی دیشوں کی بہت سی اُلجھنوں کے اُن کے ذریعے سلجھنے کی دیشوں کی بہت سی اُلجھنوں کے اُن کے ذریعے سلجھنے کی

مہاتما کاندھی اور محمد مصادق میں بہت سی باتیں ملتی جلتی ہوں اور اس میں کوئی شک نہیں' محمد مصادق اس سے کی دنیا کے اونچے سے ارنچے اور نیک سے نیگ آدمیوں میں سے ہیں ،

ایران انکلیند اور روس

---- 2.m



ईरान का तेल संकट-

ईरान की आजकल की मुसीवतों की शुरुआत क्लीसवीं
सदी ईसवी में उस समय से होती है जब अंगरेजी राज
गारत में पूरी तरह जम जुका था, रूस के जार का जी
गारत में पूरी तरह जम जुका था, रूस के जार का जी
गारत में पूरी तरह जम जुका था, रूस के जार का जी
गारत के इस नप साम्राज को देख देख कर लक्षणा
हा था और हिन्दुस्तान पर रूस के इमले की जवरें
गाप दिन चढ़वी रहती थीं. रूस के बढ़ने का रास्ता ईरान
हो कर ही विखाई देता था और ईरान में ही अंगरेज
सबसे जयादा कामयावी के साथ बढ़ती हुई रूसी कीज
हो रोक सकते थे. पर इस पुराने इतिहास में जाने से पहले
गों एक निगाह इस आदमी पर दाल लेनी चाहिये जिस
हे हाथों में इस समय ईरानी क्रीम की राजकाजी वाग
गजर आसी है.

डाक्टर मोहम्मद ग्रुस्सादिक

ईरान के आजकत के वहे बजीर डाक्टर मोहन्मद रसाविक की उमर इस बक्तत लगभग सत्तर खाल की है. इस महीने पहले तक दुनिया में बहुत कम लोग छन्हें मानते थे. आज दुनिया का शायद ही कोई अखबार हो जेसमें मुस्साविक का नाम बार बार न बा चुका हो. शेरप के पत्रकार और राजकाजी क्षोग आमतौर पर गेहम्मद मुस्सादिक की इद दरजे की सादगी, सच्चाई, मानदारी और देशभक्ति की वारीफ करते हैं. हाल में क बालाक बंगरेज राज नेता इसी तेल के मामले में रसाविक से मिलने गए थे. लौट कर अपनी नाकामी की रचा करते हुए उन्होंने कहा कि ''हम एक ऐसे बदमारा काम चन्ना सकते थे जिस पर भरोसा हो सकता, पर ह ईमानदार कहर अजहबी बादमी से कैसे काम निकल व्या है." मोहन्मव मस्माविक बहुत भावुक हैं. ईरान की लिस में ईरान की ससीयतों का जिकर करते हुए वह ं बार रो पश्चे हैं. बनके बेखाग और निस्वार्थ होने को सब सामग्रे हैं 21 गई को ईरान की सेनेट में रोते वनहोंने अध्या अमें बह तेज का मामला जतम कर लूं गुरन्त हुन करी बाबह बूसरा चावमी मुक्रेर कर ." कुलरी कार्य पढ अवटीकी बिकता है—"मुस्सादिक

ایران کا تیل سنکت --

ایران کی آج کل کی مصیبتوں کی شروعات آنیسویں صدی عیسوی میں اُس سے سے هوتی ہے جب انکویوی واج بھارت میں پوریطرح جم چاہ تھا' روس کے زار کا جی انگلیلڈ کے اِس نگے سامراج کو دیکھکر للچا رہا تھا اور ایندستان پر روس کے حملے کی خبریں آئے دن اُرتی رهتی تھیں ، روس کے بوهلے کا راستہ ایران هوکر هی دکھائی دیگا تھا اور ایران میں هی انکویز سب سے زیادہ کامیابی کے ساتھ بوھتی هوئی روسی فرج کو روک سکتے تھے ، پر اُس پولٹے بوھتی هوئی روسی فرج کو روک سکتے تھے ، پر آس پولٹے اُس میں جانے سے پہلے همیں ایک نکاہ اُس سے آدمی پر ڈال لیٹی چاہئے جس کے هاتھوں میں اُس سے ایرانی قوم کی راج کاجی باک نظر آتی ہے .

تاكلر مصدد مصادق

ایران کے آب کل کے بوے وزیر ڈاکٹر محمد مصادق کی مدر اس وقت لک بهگ ستر سال کی ہے . کچھ مهھلے پہلے تک دنیا میں بہت کم لوگ آنہیں جانتے تھ ، آج دنها کا شاید هی کوئی اخدار هو جس مهن معادق کا نام ہار دار نے آچکا ھو . یورپ کے پعرکار اور راج کاجی لوگ عام طور پر مصد مصادق کی حد درجے کی سادگی' سجائی' ایمانداری اور دیش بهکتی کی تعریف کرتے هیں ۔ حال مهل ایک جالات انگریز راج نیدا اسی تیل کے معاملے میں امصادق سے ملنے گئے تھے ، لوت کو اپنی ناکامی کی چورچا کرتے ہوئے اُنہوں نے کہا کہ " ہم ایک ایسے بدمعاهی نے کام جلا سکتے تھے جس پر بھروسہ هوسکتا کر لیک السائدار كار ماهبي أدسي كيسيكام نكل سكا هي" مصد مصادق بهم بهاوک ههر ، ايران كي معاس مهر ايران كي مصيبتون كا ذكر كرته هواء وه بار بار رو يرته هيس . أن کے نے لاک اور نسوارتہ ہونے کو بھی سب مانٹے ہیں . 21 مئی کو لیران کی سیلیت میں روتے ہوئے الهون في كها سـ " مهن يه تهل كا معامله ختم كولون أور ترنب تم مهري جگه درسرا آدمي مترر كر لهنا ." عوسري طرف ليك أمريكي لكهانا هـ ... " مصادق

है कि बिन्दुस्ताम की इर बोबोद्दी इसका अनुवाद निकास बाने की कोशिश कर ताकि सभी बादमी इससे कावना की कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य बढ़ा सकें. जाखिर में इस जयने माई गोरा को इस नन्हीं सी मगर बेश कीमती चीज तैवार करने पर दिल से बबाई देते हैं.

--सरेश रामभाई

-- سريعي رأم يهائي

स्त्री पुरुश मर्यादा

बेखक-किशोरलास मरारुवाला, विखावट-नागरी. सफो-एक सौ अठासी. दाम-पौने दो दपया.

मिलने का पता-नवजीवन प्रकारान मंदिर, बहम-वाचाद.

यह किताब गाजरावी में किस्ते हुए सेसों के संग्रह का हिन्द्स्तानी में तरजुमा है.

इसका हर लेख पढ़ने, और ध्यान से पढ़ने लायक है, हर लेख में नयापन तो मिलेगा ही, और साथ में दो बीचें और मिलेंगी. एक यह कि पढ़ने बाले के मन में पढ़े परसों के शक आसानी से दूर होते चले जायंगे. दूसरी बाद बह कि पढ़ने बाले में एक जान सी पड़ती मालूम परेगी, जिसके बता पर वसे समाज में इनक्रताब करने की बाद सूक्त सकती है.

किवाब के किखने बाले भी किशोर लाज मरारुवाला येखे आदमी हैं जिनकी लेखनी से यह सब शोभा देश है.

इस ज्यादा न कहकर नीचे कक लेख गिनाये देते हैं. बिनपर वही साफ राय चाहिर की गई है जिसकी आज-कत वडी चरुरत थी.

- 1. प्रवर्गे के दोश
- 2. नवजवान और शादी
- 3. रित्रयों पर अस्याचार
- 4. स्त्री-पुरुश का सम्बन्ध
- 5. सह शिचा
- 6. संतति नियमन का सवात
- 7. बुहापे में विवाह
- 8. ब्रह्मचर्य का साध्य

कर्री कर्री माशा कठिन हो गई है, संस्कृत के पेसे शक्यों की भरमार है कि काश्रिज के विद्यार्थी भी टीपनी बानी म्हासरी की मदद के बिना किताब से पूरा फायदा नहीं कडा सकते. इतनी काम की किताब के साथ टीपनी होना बकरी थी.

ستری پرش مریانا

ليكهك - كهرر ال مهرو وألا لكهارت-ناكري. صفعیے - ایک سو اٹھاسی . دام پولے دو روپے .

ملنے کا یعد - نوجیوں پرکاشی ملدر' احمدآباد .

یہ کتاب گجرانی میں لکھے ہوئے لیکھوں کے مذکرہ کا هستاني مين ترجيه هـ .

Salve and the Contract of the

س هُم أَهِم بِهِ اللَّهِ كُورَا كُو إِسْ تَلْهِي سَيْمَكُر بِهِهِي فَهُمْعَيْ

ہو تھار کرنے ہر دل سے بدھائے دیتے میں ۔

اِس کا هر لیکھ پوهلی' اور دههان سے پوهلے لائی ہے. لیکه مهی نها پن تو ملیا هی اور ساته مهی دو چهویی ملیں گی ، ایک یہ کہ پوھنے والے کے من میں پوے س کے شک آسانی سے دور هوتے چانے جائیں کے ، دوسری ت یه که پوهلے والے میں ایک جان سی پوتی معلوم ے گی، جسکے بل پر اُسے سماج میں انقلاب کرنے کی بات جه سکتی ہے ،

کتاب کے لکھلے والے شری کشور لال مشرو والا لیسے س میں جلکی لیکھلی سے یہ سب شربہا دیتا ہے، هم زیادہ نه کپکر نهجے اچه لیکه گذائے دیتے ههر،' یر بری صاف رائے ظاہر کی گئی ہے جسکی آج کل ے ضرورت تھی ۔

- 1. پرشوں کے دوش
- 2. نوجوان اور شاسي
- 3. استریس پر اتهاچار
- 4. إسترى يرض كا سميلده
 - ة. سيء شكما
- 8. سنتتى نيس كا سوال
 - 7. بوهاي مين وواه
 - پرهمچريد کا سادهيد

کیمن کیمن بہاشا کالمن مرکثی ہے . ساسکرت کے م شددوں کی بہرمار ہے که کالیم کے ردیارتھی بھی تھیلی لی کلسری کی مدہ کے پنا کتاب سے پررا فائدہ نہیں آتھا تحد ، أَتَنَى عَلَمُ كَي كِتَابُ كِي سَالَةٍ تَنْهَلَى هُونَا صُرورَى لَهِي.

हैं सहा नास्तिक (सुपर पंजीस्ट) हूँ." यह शादी मार्च 1948 है सेवा मान आश्रम में ठबर बापा और पंडित सुन्दरबाज हरोरा की मीजूदगी में हुई.

कुल किताब में 54 सके हैं जिन में से 23 सके की मी किशोरलाल भाई की भूमिका है. किताब क्या है एक बहुत ही दिलबस्य और आंखें खोल देने वाली कहानी है.

श्री किशोरताल भाई की भूमिका उनके गहरे इलम ग्रीर पहुँचे हुए तजरबे का एक, श्राला नमूना है. श्रपनी पूमिका के आखीर में उन्हों ने कहा है कि "ज्यादा सोच वेचार और तजरबे के बाद गोरा के विचार बदल सकते हैं या और भी पक्के हो जा सकते हैं यह कई बातों पर उनहसिर है. लेकिन जब तक उनके दिल में मुहब्बत है ग्रीर जब तक क्या निजी क्या समाजी जीवन में उनका प्रस्तलाकी चाल चलन और हिम्मत बुलन्द बने रहते हैं गौर जब तक वह सेवा और त्याग का जीवन बिताते हैं ।ब तक उनका नाम इंश्वर के अपने बन्दों में रहेगा. उनकी खातिर, देव भी आदेव नाम अपना लेगा."

भी किशोरलाल भाई की इस सच्ची बात पर हमें तेमा रोलां की एक किताब—राम कुरत परमहंस की बीबनी—याद बा रही हैं जिस में पच्छिम के उस महान बेचारक और कलाकार ने कहा हैं—

"...... बहुत से आदमी ऐसे हैं जो सभी तरह के गजहबी विश्वास से बरी हैं या उनका खयात है कि वह ररी हैं, लेकिन दरअसल वह एक अति बौद्धिक चेतना ही हालत में दूबे रहते हैं, जिसे वह समाजवाद, कम्यू-नेज्म, जीव-दयावाद, राश्द्रीयता या बुद्धिवाद भी कहते हैं. विचार की चीज से नहीं लेकिन विचार की बुलनदी ग खुबी से उसका पैदा होना निश्चित होता है. और हम रह तथ कर सकते हैं कि वह मजहब से पैदा होता है ग नहीं. अगर वह विचार हर तरह की मुसीबत सहकर, क लगन और हर तरह के बिलदान की तैयारी के साथ, उचाई की खोज की तरफ निष्ठरता से जाता है तो मैं हिं मजहबंही कहूंगा. क्योंकि मजहबं के अन्दर यह वेश्वास शामिल ही है कि इन्सानी कोशिश का मकसद तमाज के जीवन से ऊँचा और सारे मानव समाज के नीवन से भी ऊँचा है. नाह्तिकता भी, जब वह सौ फीसदी उच्ची ताक़तवर प्रकृतियों से निकलती है, और जब वह ब्मजोरी की नहीं बल्कि ताकत की एक शकल होती है. तो वह भी धार्मिक आत्मा की महान सेना के मार्च में शामिल हो जाती है."

जैसा इम ऊपर कह चुके हैं किताब पढ़ने कायक है. इर अंगरेची जानने वाले से इम कहेंगे कि इस को शीर वे देखें और नवजीवन प्रकारान मन्दिर से हमारी प्रार्थना تو مها نامخک (سوہر آیدههست) خوں ،" یہ شافی مارچ 1948 میں سیرا کرام آشرم میں تبکر بایا اور ہلکت سندر الل رفیرہ کی موجودای میں ہوئی ،

کل کتاب میں 15 صفحے هیں جن میں سے 23 صفحے کی شری کشور الل بھائی کی بھو-یکا ہے ، کتاب کیا ہے ایک بہت هی داچسب اور آنکھیں گھول دیائے والی کہائی ہے .

شری کشور لال بھا ی کی بھرمیکا اُن کے گہرہے علم اور پہنچے ھوئے تجربے کا ایک اعلا نمونہ ھے ۔ اپلی بھومیکا کے آخیر میں اُنھرں نے کہا ھے کہ '' زیادہ سوچ وچار اُور تجربے کے بعد اورا کے وچار بدل سائے ھیں یا اور بھی پائے ھو جا ساتھے ھیں یہ کئی باتوں پر منحصور ھے ۔ لھکی جب تک اُن کے دل میں متحبت ھے اور جب تک کیا جی کہا سماجی جنون میں اُن کا اخلاقی چال چان اور همت بلند بنے رہتے ھیں اور جب تک وہ سیوا اور تھاگ کا جنون بناتے ھیں تبتک اُنکا نام اُیشور کے ابھے بندوں میں وہے کا ، اُن کی خاطر' دیو بھی ادرو نام اپنا لے گا ۔''

شری کشور لال بہائی کی اِس سچی بات پر تقمیں روسا رولاں کی ایک کتاب — رأم کرشن پرم هاس کی جدوئی ۔۔ یاد آرهی هے جس میس پچھم کے اُس. مہان وچارک اور کلا کار نے کہا ہے —

" بهت سے آدمی أیسے هیں جو سمهی طرح کے مذھبی وشواس سے بری میں یا أن كا خیال هے كه ولا بری هين لركن دراسل ولا أيك الىبودهك چيتنا كي حالت مهن دويه رهاي هين جسے وه سداج وادا كمهولوم جدوديا واد راشتریتا یا بدمی واد بهی کهتم همی ، وجار کی چهز سے نہیں لیکن وچار کی بالمدی یا خوبی سے اُس کا پیدا هولاً لشجمت هوتا هے . اور هم يه طے كرسكتے هيں كه وه مدهب سے پیدا موتا ہے یا نہیں ، ادر وہ وجار هر طرح کی مصیبت سع کو ایک لای اور هر طرح کے بلهدان کی تهاری کے بیاتھ سچائی کی کھوے کی طرف نڈرتا سے جاتا ہے۔ تو میں اُسے مقامب ھی کہوں گا ، کیونکہ مذھب کے الدریہ وشواس شامل هي هے که انساني کوشش کا مقصد سمام کے ، جورن سے اونتھا اور سارے مانو سماج کے جھوں سے بھی أونجاً في داستكتا بهي جب ولا سو المصدي سجى طالترو يركزتون سے نكلتى في أور جب ولا كمزورى في الهذر المكت طالب کی آیک شکل هوتی هے تو وہ یہی دهارمک آتما يكي مهان سيدا كي مارج مين شامل هوجاتي في ال

جنسا هم أربر كه چكے هيں كتاب پوهنے التى هے . هر أنگريزى جانئے وألے سے هم انهن كے كه إس كو غور سے ديكھے اور نو جهوں پركاشن مقدر سے همارى پرارتهنا

एन एथीस्ट विद गांधी

लेखक—भाई गोरा (जी. राम चन्द्र राव) भूमिका लेखक—भाई किशोर खाल मशरूवाला. लिखावट – अंगरेजी, दाम—एक रुपया.

निकालने वाले — नवजीवन पञ्लिशिंग हाउस, अहमदाबाद.

गांधी जी की शहादत के बाद उनके उपर उनके जीवन की मांकियों और दूसरी बीजों को लेकर बहुत बड़ी तादाद में किताबें निकली हैं. लेकिन वह सब एक तरक और माई गोरा की यह किताब एक तरफ. इसमें हमें बापू के जीवन का एक बड़े कमाल का पहलू मिलता हैं. पहले तो बापू ने गोरा से मिलने से इनकार किया मगर बाद में जब गोरा के नास्तिक केन्द्र पटामाटा (बेजबाड़ा-आन्ध्र) के पक कारकुन ने वहाँ के काम की तस्वीर बापू के आगे रखी तो उनहोंने केन्द्र के मुखिया, गोरा को अपने आश्रम में आने की दावत दी. यही नहीं, बापू ने उनके केन्द्र के साथियों और उनके बीबी बच्चों को भी बुलाया और उनसे बातें कीं.

गोरा का कहना है कि बीसियों लोगों ने नास्तिक केन्द्र और नास्तिकता के बारे में उनसे बरचा की थी लेकिन एक प्रवाल जो बापू ने उनसे किया वह और किसी ने कभी नहीं किया—यह कि "आप नास्तिकता क्यों चाहते हैं ?" यह ऐसा दर्द भरा सवाल था जिससे गोरा का रोम रोम हिल उठा और उन्होंने ने सारी दास्तान सुना कर बापू को आंखर में बतलाया कि मैं नास्तिकता इस बजह से चाइता हूँ ताकि इनसान में खुद के अन्दर भरोसा पैदा हो और अहिंसात्मक तरीक़ से समाजी और माली बराबरी कायम की जा सके. इस पर बापू ने कहा कि " न मैं यह कह सकता हूँ कि आपकी ना स्तिकता राजत है न यह कि मेरी आस्तिकता ही सही है. हम दोनों सच की तलाश में हैं... मैं आपकी मदद करूँगा, हाँलांकि आपका रास्ता मेरे रास्ते के जिलाफ है," इतनी गहरी हमदरदी का वादा पाकर गोरा का कलेजा फुल उठा.

लेकिन घटनाओं का चक्कर कुछ इस तरह चला कि बापू फिर गोरा को अपने सामने सेबामाम न बुला सके. गोरा जन्म के बाह्यन हैं. उन्होंने अपनी बेटी की शाही एक हरिजन लड़के से करना तस की थी. यह शादी बापू कराने बाले थे और मद्रास में गोरा से मुलाकात होने पर बापू ने उनसे कहा था कि क्योंकि लड़का लड़की दोनों ही नास्तिक हैं इसलिये शादी की रस्म में 'ईश्वर के नाम पर' लक्क न आकर 'सत्य के नाम पर' लक्क आयेंगे, और आगे उन्होंने

ایتهیست و کاندهی

المكهك بهائى كورا (جى. رأم چقدر راو)
يهومهالمكهك - بهائىكشور لال مشرر ولا.
لكهارت - انكريزي، دام - أيك رريق.
نكالتى واله - نوجهون يبلشلگ هاوس، احمدآباد.

الدھی جی کی شہادت کے بعد اُن کے اوپر اُن کے اوپر اُن کے کی جھانکھوں اور دوسری چھؤوں کو لیکر بہت تعداد میں کتابیں نکلی ھیں ، لیکن وہ سب ایک اور بھائی گورا کی بیت کتاب ایک طوف ، اِس م س یاپو کے جیون کا ایک بوے کمال کا پہلو ملتا ھے ، تو باپو نے گورا سےملئے سے اُنکار کیا مگر بعد میں جب کے داستک کھندر بٹا ماتا (بیج واُزہ آندھر) کے داستک کھندر بٹا ماتا (بیج واُزہ آندھر) کے کارکن نے وہاں کے کام کی تصویر باپو کے آئے رکھی تو یہی نہیں بایو نے اُن کے کیندر کے ساتھیوں یہی نہیں بایو نے اُن کے کیندر کے ساتھیوں یہی بیدی اورا اُن سے باتیں کیں ،

اورا کا کہنا ہے کہ بھسیوں لوگوں نے ناستک کیددر اور کمتا کے بارے میں اُن سے چُرچا کی تھی لیکن ایک بجو باپو نے اُن سے کیا رہ اور کسی نے کبھی نہیں ۔ یہ کہ '' آپ ناستکہا کبوں چاھٹے ھیں آ' یہ ایسا بورا سوال تھا اور اُنھوں ۔ یہ استان سنائر یاپو کو آخر میں بتنایا کہ میں کہا اِس وجه سے چاھٹا ھوں تاکہ انسان میں غرد نے بھروسہ بیدا ہو اور اھنساندک طریقے سے سماجی اور برابری قائم کی جاسکے ۔ اس پر یاپو نے کہا کہ '' نہ برابری قائم کی جاسکے ۔ اس پر یاپو نے کہا کہ '' نہ برابری قائم کی جاسکے ۔ اس پر یاپو نے کہا کہ '' نہ برابری آستکہا ھی صحیبے ہے ، ھم دونوں سچ کی تلاش بری آستکہا ھی صحیبے ہے ، ھم دونوں سچ کی تلاش عیں اُسیری آستکہا ھی صحیبے ہے ، ھم دونوں سچ کی تلاش عیں اُسیری آستکہا ہی صحیبے ہے ، ھم دونوں سچ کی تلاش عیں اُسیری آستکہا ہی صحیبے ہے ، ہم دونوں سچ کی تلاش عیں اُسیری آستی گہری ھمدردی

 यह अक्रवार हात ही में निक्यना शुरू हुआ है. इसके पहले जात की चार कापियाँ, नम्बर 5, 6, 7, और 10 अपनी राय चाहिर करने के किये हमें मिली हैं. अंगरेची में 'इकोनामिक रिक्यू' नाम का परचा काँगरेस के सदर दक्तर से कापी अरसे से निकल रहा है, 'आर्थिक समीचा' उसका हिन्दी नम्ना माल्म पदता है.

इमारे देश में लेन देन, रुपए पैसे के मामले पर असमारों की जाम तौर से कमी है, फिर अच्छे और समम-हार असमारों की तो और भी ज्याहा कमी है. इसिलये कांगरेस दूपतर जैसी जिम्मेदार जगह से इन सवालों पर निकलने बाले इस पंत्रह रोजा असबार का हम दिल से स्वागत करते हैं.

इस असवार में दो बातें निराली हैं. एक तो इसमें सम्पादक की तरफ से अपनी राय जैसी कोई बीज नहीं रहती. दूसरे वह कि इसमें जो लेख अपते हैं वह किसी दूसरे असवार या सरकारी रिपोर्ट से लिये गये होते हैं. इसिंकिये किसी हौसलामन्द को यह तकलीफ करने की जहरत नहीं है कि 'आर्थिक समीजा' में अपने के लिये कोई अपनी नई बीज भेजे.

तो हम 'आर्थिक समीचा' को कांगरेस के नकरिये से चुने हुए आर्थिक मामलों से ताल्लुक रखने बाले लेखों का एक मजमुआ मानते हैं. लेकिन जो लेख इसमें रहते हैं बह सचमुच काम के हैं जिनसे काफी जानकारी मिल सकती है. पाँचवां नम्बर बजट नम्बर है जिसमें नई दिल्ली की सरकार के खलावा पंजाब, क्तर प्रदेश, बड़ीसा, बिहार, पच्छिमी बंगाल, आसाम, बम्बई, मध्य प्रदेश और महास सरकारों के इस साल के बजट दिये गये हैं.

से लों के बारे में इस इतना ज़कर कहेंगे कि बनसे यह एक ख़ास मतक निकतती है कि वह हकूमत और कांगरेस के पहलू से ही सब बीजों को देखते हैं. हाँ, कुछ केस ऐसे भी हैं— तैसे छटे नश्वर में भी किशोर लाल पनश्याम लाल मश्रक्वाला का लेख या दसवें नश्वर में भी कुमारणा हा लेख—जो इस असर के नहीं कहे जा सकते. फिर भी माम जनता का एक हित होता है. और कीन नहीं जानता के आज हिन्दुस्तान के लोग जितने दुसी आर्थिक रूप से चिने शायव ही कभी रहे हों! इस बाहते थे कि आर्थिक समीदा' इकूमत और कांगरेस की मजबूरियों और [सीदारों के ही बहम में न पदकर लोगों के दुसाहों का भी यान रसे और नीचे से चठने वाली कनकी दर्व भरी आह ید الفیار حال هی مهی تعلقا شروع هوا هی آسکی الله سال کی چار کایفان نمیر 5 6 7 آور 10 آپلی وائد الاهر کرلے کے لئے همیں ملی هیں . انگریوی میں اکونامک ریویو نام کا پرچه کاگریس کے صدر داخو سے اللی عرصے سے تعلل رہا ہے . 'آرتیک سمیکشا' اسکا هقدی موند معلوم پرتا ہے .

هداری دیش میں لین دین' روی پیسے کے معاملے پر المباروں کی عام طور سے کسی ہے' پہر اچھے اور سمجھدار المباروں کی تو اور بھی زیادہ کسی ہے۔ اس لئے کاگریس فقتر جیسی فیردار جات سے ان سوالیں پر نکلفے والے اس پندرہ روزہ اخبار کا هم دال سے سوالت کرتے هیں .

اس اخبار میں دو بانیں نرائی دیں ۔ آیک تو اس میں سہادک کی طرف ہے آیکی رائے جیسی کوئی چیز نہیں ردھتی ، دوسرے یہ کہ اس میں جو لیکھ چھیٹے دیں وہ کسی درسرے اخبار یا سرناری ویورٹ سے لئے گئے دوتے دیں ، اس لئے کسی حوصاء مقد کو یہ تکلیف کرنے کی فرررٹ نہیں ہے که 'آرتیک سبھکھا' میں چھیٹے کے لئے کوئی آپنی نہیں ہے که 'آرتیک سبھکھا' میں چھیٹے کے لئے کوئی آپنی نئی چھیڑ بھیجے ،

تو هم ' آرتهک سدهکشا ' کو کالگریس کے نظریے سے چنے هرئے آرتهک معاملوں سے تعاقی راهئے والے لیکھوں کا ایک مجموعه مائٹے هیں ، لیکن جو لیکھ اس مهی رهٹے هیں ولا سے کافی جانکاری مثل سکتی ہے ، پانچواں نمور پجس نمور ہے جس میں نگی دلی کی سوکار کے عارہ پنجاب' آتروردیھی' آویسہ' بہار' پجھمی بنگال' آسام' بمبئی' مدھیم پردیھی اور مدراس پجھمی بنگال' آسام' بمبئی' مدھیم پردیھی اور مدراس سرکارری کے اس سال کے بجس دیئے گئے هیں ،

لیکھوں کے بارے سیس ہم آننا ضرور کہیلگے کہ اُن سے

ایک خاص جہلک نکلتی ہے کہ وہ حکومت اور

لانگریس کے پہلو سے سب چیزوں کو دیکھتے ہیں ہوئی گریس کے پہلو سے سب چیزوں کو دیکھتے ہیمر میں شری کشورلال کہنشیام لال مشرر والا کا لیکھ یا دسوس کمبر میں شرق کمارپیا کا لیکھ—جو اُس اُٹر کے تہیں کہی جاسکتے ، پھر بھی عام جنتا کا ایک ہمت ہوتا ہے ،

اُور کون نہیں جانتا کہ آج ہندستان کے لوگ جتلے دکھی آور کون نہیں جانتا کہ آج ہندستان کے لوگ جتلے دکھی جامتے ہی اُٹھی جامتے ہی گاریس جامتے ہی گاریس جامتے ہی گاریس کے دکھوں اُور مصبحوں کے ہی وہم میں نہ پوکر بھوں گی دکھوں کے دکھوں کا بھی دھیان رکھ اور نہیجے سے اُٹھنے لیگوں کے دکھوں کا بھی دھیان رکھ اور نہیجے سے اُٹھنے لیگوں کے دکھوں کا بھی دھیان رکھ اور نہیجے سے اُٹھنے وائی اُن کی دود بھوں آء کو اوپر تک پونچائے ،

سريص رأم يهالى

هارا راج

हमारा राज

लेखक—मदन मोइन गुप्त. लिखावट—उरदू. वाम—दस बाने. सके—बींसठ.

सिखने का पता—मक्तवा जामिया लिमिटेड, जामिया नगर, देहली.

यह किताब मारत के विधान का खुतासा है. बच्चों को सममाने के लिये लिखा गया है इसलिये भाशा काकी मासान लिखी गई है. मोटी मोटी बातें सभी सममा दी गई हैं. तस्वीर घौर नक्ष्शे देकर घौर भी घासान कर दी गई हैं. कहीं कहीं इस तरह लिख दिया गया है जिससे बच्चों के दिन पर ठीक असर नहीं बैठ सकता, जैसे सफा सात पर बराबरी के इक बताते हुए इस तरह लिखा गया है—

"ऊपर लिखे हुए उसूलों को अमल में लाने के लिये, वस्तूर में जनता को कुछ इक दिये गए हैं.............."

इस इबारत से बच्चे के दिले पर यह असर रह सकता है कि इक सरकार ने जनता को दिये हैं जब कि बात ऐसी नहीं है. असल में दस्तूर यानी विधान जनता ने अपनी तरक से भेजे हुए आदमियों की मारकत तैयार करा कर उस सरकार के हाथ में सौंपा हैं जिसे जनता ने खुद बनाया है और जिसमें उन बच्चों के मां बाप का भी हाथ है जिन बच्चों के हाथ में यह किताब पहुँचेगी. इसकिये जपर की इवारत को इस तरह लिखना ठीक रहता—

'ऊपर किसे हुए उस्कों को अमल में लाने के लिये इसतूर में अनता ने अपने इक गिना दिये हैं, जो उसके पैशाइशी और बुनियादी इक हैं.'

इसी तरह की भूतों किताब में दो एक जगह और हैं. इस कहना तो यह चाहते थे कि यह किताब इस तरह दुवस्त करके ही बच्चों के हाय में दी जानी चाहिये थी पर जब इतना ही कहना काकी है कि दूसरी छपाई में इसे क्षिक कर दिया जाय.

—¥.

आर्थिक-समीक्षा

(इल हिन्द काँगरेस कमेटी के माली, राजकाजी खोज महकमे का पंदरह रोजा अखबार)

सम्पादक—भाई दर्शदेव मासवीयः निकासने वाले, दप्रतर इस दिन्द कांगरेस कमेटी, नई दिल्ली. सासाना चन्दा चार रुपए. لیمهک سمدن موهن گیت کهاوت اردو. دام سدس آنی منجی سهوندی

ملئے کا پٹھ—مکھید جامعہ لیمکٹ جامعہ نگر' دھلی ۔

یه کتاب بهارت کے ودھان کا خلاصہ ہے . بچوں کو سمجھائے کے لئے لکھا گیا ہے اِسلٹے بھاشا کائی آسان لکھی لئی ہے . موتی موتی باتیں سمھی سمجھادی گئی ھیں ۔ صویر اور بقشے دیکو اور بھی آسان کردی گئی ھیں ، کہیں اُبیاں اُر نہیں طرح لکھ دیا گیا ہے جس سے بچوں کے دال ہو تھیک اثر نہیں بھاتے سکتا 'جہسے صفحت سات پر رابری کے حق باتاتے ہوئے اِس طرح لکھا گیا ہے۔۔۔

''اُوہر لکھے، هوئے اصولیں کو عمل میں لائے کے لگے۔ ستور میں جلتا کو کچھ حق دیگے گئے هیں۔۔۔۔۔''۔

اِس عبارت سے بنتے کے دل پر یہ اثر رہ سکتا ہے کہ مق سرکار نے چھٹیا کو دیئے ھیں جب که بات ایسی نہیں ہے ۔ اصل میں دستور یعلی ودھان جنتا نے اپنی طرف بے بھینچے ھیئے آدمیوں کی معرفت تیار کرائر اُس سرکار کے ہاتہ میں سونیا ہے جسے جنتا نے خرد بنایا ہے ارر جس میں اُن بچرں کے آئماں باپ کا بھی ہاتہ ہے جن جوں کے ہاتہ میں یہ کتاب پہنتے گی ۔ اسلئے اوپر کی بدارت کو اِسطرے لکھنا تھیک رہتا۔

'ارپر لکھے ھوٹے اسولوں کو عمل میں لانے کے لگے استور میں جفتا نے آئے حتی گلا دئے ھیں' جو اُس کے یدائشی اور بنیائی حتی ھیں ۔

اسی طرح کی بھولیں کتاب میں دو ایک جگت اور بیں ، ہم کھٹا تو یہ چاہتے تھے کہ یہ کتاب اِس طرح اور ایک عرب اور اور ایک جگت کی یہ دوسری جاتی ہیں ہیں ہی پر اب اتفا ہی کہنا کائی ہے کہ دوسری چھھائی میں سے تعیک کردیا جائے ۔

. 44-

أرتهك سيكشا

(کل هند کانگریس کمیٹی کے مالی' زاج کاجی کھوچ محکمہ کا پندرہ روزہ اخبار)

سمهادک سیهالی هرهی دیو مالوی؛ نکالله واله؛ انتر کل هفت کانگریس کمهنی، نکی دلی سالانه جلده ۱۹ روید ، 1-ख्वाई खिदमतगारों की तहरीक क्या थी.

2-अंगरेजों ने सता सता कर पठान औम की लूटमार की आक्त दास दी थी. इस आदत को हुदाने के सिये इन जुदाई सिदमतगारों ने क्या किया.

3 - जुदाई जिद्मतगार राजकाजी मैदान मैं कब भौर

कैसे भाए

4-कॉंगरेस के साथ मिसकर खुदाई खिद्मतगारों ने हिन्दुस्तान की माजादी के किये क्या क्या तकसीकें सहीं.

5—किस तरह व्यवार के भक्त यह खुबाई खिव्मतगार अहिन्सा के भक्त वन गए और खूट मार छोड़कर लोक सेवा के काम में सग गए.

6—इस किताब को पढ़कर पठानों का स्वभाव समफ में बा जाबगा बीर यह पता क्षग जायगा कि पठान दोस्त बनकर किस तरह दोस्त की खातिर जान पर खेक जाता है.

7—पठान नाम धर्म के खयाल से नहीं पड़ा, बोली के ख़्याल से पड़ा है. जो परातो बोलते हैं बह सब पठान कहे जाते हैं, फिर चाहे बह हिन्दू हों, मुसलमान हों या किसी भी बर्म को मानते हों.

किताब के अन्दर बहुत सी तस्वीरें भी हैं और सम के लिहाज से यह किताब बहुत सहती है.

-H.

आपका बचा, उसकी सेहत और परवरिश

सेसक—डाक्टर पी. राज. मूँगा. लिखावट—डरदू. बाम—तीन रुपए-सफ्रें— वो सौ पेंसठ.

मिलने का पता—मक्तवा जामिया लिमिटेड, जामिया नगर, बेहली

यह किताब पदी किसी चौरतों के तिये किसी गई है. जो जफ्दी उरदू नहीं जानतीं वह इससे पूरा फायदा नहीं उठा सकतों. कुद्ध तस्त्रीरें चौर नक्ष्यों भी दिये गए हैं, इससे किताब के समझने में जासानी होती है. इसमें ज्यादातर वह तरीके बतलाए गए हैं जो जस्पताकों में काम आवे हैं या जमीर परों, में जिनसे काम किया जाता है, दवाएँ सब जगरें जो हैं, यह उन्हीं के काम की है जो शहरों में नीम चगरें जी हैं, यह उन्हीं के काम की है जो शहरों में नीम اِس کتاب میں کا دھی جی کے فرائٹیور کے فورٹ کا ہورہ کا بھوگوں کا بھوگوں کا بھوگوں کا بھوگوں کا بھوگوں کا بھوگوں فرز اللہ فرائٹیو کا بھوگوں کا بھوگوں کی ایس کتاب کو پوھانے سے یہ کام باتیں معلوم ہونگی ۔۔۔ اِس کتاب کو پوھانے سے یہ کام باتیں معلوم ہونگی ۔۔۔

1-شدائی خدمت گاروں کی تصریک کیا تھی . 2-سانگریؤوں نے سٹا سٹا کر پٹھان قوم کی لوق مار مادس قال دی تھی ، اُس عادت کو چھڑائے کے لئے خدائی خدمتکاروں نے کیا کیا .

السفدائي خدمتار راج کاهي ميدان مين کپ

السالانگریس کے ساتھ ملکر خدائی خدمت کاورں ملکو خدائی خدمت کاورں ملکو ملکو تکلینیں سیمی ، تامیک کی آزادی کے لئے کیا کیا تکلینیں سیمی تامیک ملکو تامیک کار کی سیمار چہور کو لوگ سیوا کام میں لگ گئے .

6-ایس کتاب کو پوءکر پتهانوں کا سوبهار سمجه بن آجائهکا آور یه پته نگ جائیکا که پتهان دوست کر کسی طرح دوست کی خاطر جان پر کهیل جاتا ہے .
7--پتهای نام دهرم کے خیال سے نہیں پڑا، بولی کے

اسے ہماں دام دھرم کے حیال سے نبھی ہوا اوری کے اللہ سے ہوا ہے ، جو پشاو بولتے ہیں را سب ہماں میں جاتے ہیں' بہر چاہے وہ هذهو هوں' مسامان موں یا می بھی دھرم کو مانتے ہوں .

کتاب کے اندر بہت سی تصویریں بھی ھیں آور دام کے ماط ہے ۔ ماط سے کتاب بہت سستی ہے ۔

-

ب کا بچه ٔ اُس کی صحت اور پرورش المعهدات العربی ، رای ، مرنعا ، اعماره -- اردر ،

دام تهن وریاء-سنجے-دو سو پهلساله .

ميلي كا يعه--مكتبه جامعه ليهلگ جامعه نگر أم .

میہ کتاب پومی لکھی مورتوں کے لگے لکھی گئی ہے و آچھی آردو نہیں جانتیں وہ اِس سے پورا قائدہ نہیں ہے اسکتیں ، کچھ تصویریں آرر نتشے بھی دئے گئے گئے ہیں آسانی ہوتی ہے ، بین آسانی ہوتی ہے ، سمجھئے میں آسانی ہوتی ہے ، سمجھئے میں آسانی ہوتی ہے کام لھا اُن کام آئے میں جو ہسکتالوں بین کام لھا آتا ہے ، موالیں سمیا آنگریزی میں ، یہ آنھیں کے کام لھا ہو ہیں میں بھی نہم آنگریزی تملک سے رہتے ہیں ، ہوائیں میں نہم آنگریزی تملک سے رہتے ہیں ۔

मेरे वर्ष की तकलीक, क्स दुलिया से पृत्रों की सह सके, न बेहोश हो !

यह खूब कहा !

"दुका सहके मुख दुगना हो जाता है !''
तो, क्या जान के, जाज के मुख के कारन दुख दिया

दिल के दुकदे तो गिनो !

मुक्ते अधूरा ही पुल बहुत होता !

को मुक्ते गुजरी तुमने सही होती,
तो पृक्रती 'शिकवा कव खतम होता है ?'
तुमसे क्या पूलूँ कि तुमरे क्या गुजरी,
तुम्हारे दिल को लगती तो यों तद्देश छोड़ते !

शब कहिये इसकी क्या सभाकोचना की जाय ?

—₩.

राज-भाशा बोधनी

क्षेत्रक-श्री देववृतं विद्यार्थी, जिल्लावट-हिन्दी. दाम-दो रुपये. सफ्रे-दो सी सत्तावन.

मिलने का पता—मिलल भारतीय हिन्दी परिशद. 9, कीरोक्साह रोड, नई दिली.

राज-भारा। बोधनी के नाम से तो यह पहिली बार ही निकली है पर जैमा इस किताब के धंगरेजी में लिखे परिचय से पता चलता है यह पहिले "हिन्दी सेक्त टाट कार नान हिन्दी एम्पीज" के नाम से निकल चुकी है. किताब कासी जिली गई है और उन लोगों के बढ़े काम की हैं जो हिन्दी सीलना चाहते हैं. पर यह है उन्हीं लोगों के जिये, जो अंगरेजी जानते हों और हिन्दी सीलना चाहते हों. यह किताब आम आदमियों के इतने काम को नहीं है, जिसनी उन आदमियों के काम की है, जो पार्कियामेन्ट के मेम्बर हैं, क्योंकि उन्हीं को निगाह में रखकर जिली गई है. आप की मूर्लों कम ही हैं, और जो हैं उनकी एक सूची दे दी गई है, हो उपय में सस्ती ही है.

___W.

गांभी जी बादशाह ख़ां के देश में

स्तेसक-भी प्यारे लात. सिसाबट-वर्.

सके-352, दाम-तीन रुपए.

मिसने का पता—मक्तवा जामिया विमिटेक, विमयानगर, बेहबी. معرب قرد فی تعقیق اس فقیدا سے اوجعد بدرسید سکے ند پردوش ہو ا

'' دکو سپ کے سکو دگذا درجاتا ہے آ'

ثرا کیا جان کے آ آ کے سکو کے کارن دکو دیا تھا ؟

دل کے تکویے تو گذو ا

محجھے ادھررا ھی سکو بہت ہوتا !

جو محجھے گزری تم نے سپی ہوتی '

تو ہرچوہتی ' ہکوہ کب ختم دوتا ہے ؟ '

تم سے کھا ہرچوں که تم یہ کھا گزری '

تم سے کھا ہرچوں که تم یہ کھا گزری '

اب کیٹے اس کی کھا سمالوچٹا کی جائے ؟

#/---

راج بهاشا بودهني

لیکهک -- شری دیردرت ودیارتهی که اوق-هندی. دام بد دو رویک ، صنحی-دوسو ستارن . ملئے کا پته -- اکهل بهارته هندی پریشد . 9 فهروز شاه رود نثی دلی .

راج بہا تا ہودھئی کے نام سے تو یہ پہلی بار ھی نکلی ہے پر جہسا اِس کتاب کے انگریزی میں لکھے پریجے سے پتہ چلتا ہے یہ پہلے '' ھندی سیلف ٹاٹ فارنان ھندی امپیز'' کے نام سے نکل چکی ہے ۔ کتاب خاص لکھی گئی ہے اور اُن لوگوں کے بوے کام کی ہے جو هندی سیکھنا چاھتے ھیں ، پر یہ ہے آنہیں لوگوں کے لئے' جو انگریزی جانتے ھیں اور ھندی سیکھنا چاھتے ھوں ، یہ کتاب عام آدمیوں کے اُنٹے کام کی نہیں ہے' چتنی اُن آدمیوں نکے اُنہیں کو نام کی نہیں ہے' چتنی اُن آدمیوں نکے نام کی بہولیں کم ھی نام کی بہولیں کم ھی نام کی ایک سوچی دے دی گئی ہے ، جہانے کی بہولیں کم ھی ہے۔ در ورویئے مہی سستی ھی ہے ۔

44---

1 L

گاندھی جی باںشاہ خاں کے دیش میں لیکوک فری بیارے قل کیارہ ۔ ارس میں میری میری دیا۔ منبعہ 352 مار - نین دیا۔

ملل لا يتقسمكته جامعة لهمهات جامعة نكوا



परछाई

پرچهائیں

लेखक—आसिक चली साहर, द्वावरनर, आसामा लिखावट—उरदू. दाम—चार उपया. सके—इक्यानवे.

मिलने का पता-त्रांजुमन तरक्की चरदू, चलीगढ़.

कहीं कहीं इक्का दुक्का राब्दों को छोड़कर किताब की इवारत खासी आसान है. अगर यह ज्यों की त्यों नागरी लिखाबट में छाप दी जाय तो वह लोग भी खूब रस ले सकते हैं जो उरदू लिखाबट नहीं जानते. बोल चाल की भाशा में इतनी गहरी किताब लिखी जा सकती है यह इस बात का सबूत है. आदमी के पास जब कुछ कहने को होता है और वह इतना ज्यादा होता है कि वह खुद फूट निकलता है तो ज्यादातर भाशा वही रहती है जो उसने मां की गोद में सीखी होती है और अपने हमजो-लियों के साथ बोली होती है.

चरदू अदब में यह अपने ढंग की निराली चीज है.

'परछाई' इसका नाम है और परछाई को लेकर ही जीवन के एक पहलू को दिल पकड़ भाशा में दर्शया गया है. इसे पढ़ते पढ़ते हम अपने आप को भूल गये, यह हमें पाद ही न रहा कि हमें इसकी रिक्यू करना है. इस किताब की समालोचना नहीं हो सकती. इसिलये हम कहीं से हस किताब को खोलते हैं और वहीं से कुछ लिखे देते हैं. हमारे पढ़ने वाले समक लें कि इसब की सब किताब ऐसी हि—

(सफा पचास — 4.)
तुम्हारे परधर दिल को क्या खबर ?
जो मुक्तपे बीती, मेरे दिल से पूछो !
या सुनने गुनने बाल से !
मेरी केंचेनी,
समुन्दर की मीजों में देखो !
मेरी तक्य का हाल,
इस कबूतर से पूछो जो बाज के पंजों में हो !

دام - چار رویه، منسے-انهانوے ،

مللے کا پته - انجمن ترقی اُردو علهگذه.

کہیں کہیں اِکا دکا شہدوں کو چھوڑ کر کتاب کی عبارت خاصی آسان ہے ۔ اُکر یہ جیوں کی تھوں ناگری لکھاوت میں چھان دی جائے تو وہ لوگ بھی خوب رس لے سکتے میں جو آردو لکھاوت نہیں جانتے ، یول چال کی بھاشا میں اتنی کہری کتاب لکھی جاسکتی ہے یہ اُس بات کا ٹیموت ہے ، آدمی کے یاس جب کچھ کہنے کو ھوتا ہے اور وہ اِنفا زیادہ ھوتا ہے کہ وہ خود پھوت نکلتا ہے تو زیادہ تر بھاشا وھی رھتی ہے جو اُس نے ماں کی گود میں سھکھی ہوتی ہے اور آنے همچولیوں کے ساتھ ہولی ھوتی ہے .

آردو ادب میں یہ ایے دھنگ کی نرائی چھڑھ۔

'پرچھائیں' اِس کا نام ہے اور پرچھائیں کو لیکر ھی جھوں

کے ایک پہلو کو دل پکر بھاشا میں درشایا گیا ہے۔ اِس

پردیے پرھیے ہم ایے آپ کو بھول گئے' یہ ھمیں یاد ھی 'نہ

رما کہ عمیں اِسکی ریریو کرنا ہے۔ اِس کتاب کی سمالوچانا

تہیں ھوسکتی اس لئے ھم کہوں سے اس کتاب کو کھولتے

ھیں اور رھیں سے کچھ لکھے دیتے ھیں۔ ھمارے پرھیے

والے سمجھ لیں کہ سب کی سب کتاب ایسی ھی ہے۔

(منحه بحاس -- 4 .)

إلمهاري يتهر عل كو كيا خبر؟

جو معجهیه بیتی میرے دل سے پوچھو!

ریا سللے کیلے والوں سے !

- Asia 4 . 016

سلدر کی موجوں میں دیکیو

مهری نوپ کا حال'

أس كبوتر سے پوچھو جو باز كے يتجون ميں هو أ

मां वहाँ चा पहुँची चौर बोली-"क्यों ताइक मताबते हो.

तुम तीनों के हाथ सुन्दर है."

पर इससे फैसला न हुआ. इतने में एक भिकारी आ पहुंचा. उसने गिड़गिड़ाकर भीक माँगी. रामू रयामू दोनों. ने उसे डाँटकर कहा—"पहले यह बताओं कि इस तीनों में किसके हाथ सबसे अधिक सुन्दर हैं ? फिर तुम्हें साने को देंगे."

भिकारी की आँखें भर आई'. एसने रोते हुए जवाब दिया-- "बेटा, मैं क्या जानूं किसके हाथ सुन्दर हैं. मुके

भूक लगी है. एक रोटी दे दो."

सरका को भिकारी पर दया आई. यह दौड़ी हुई घर में गई और अपने खाने की रोटियाँ काकर भिकारी के हाथों पर रख दीं. भिकारी जब रोटी लेकर चला गया तब रामू और रयामू से उनकी मां ने कहा—"तुम दोनों के हाथ सुन्दर नहीं हैं. हाथ तो सुन्दर इस छोटी लड़की के हैं, जिसने भूके प्यासे की सुध ली."

मां की यह बात सुनकर रामू और श्याम् बहुत लिजत हुए. सब है, रारीबों की मदद करने वाले ही संसार में

अच्छे कहे जाते हैं.

भिल मिल तारे

(भाई अशोक)

मिल मिल तारे, मिल मिल तारे! जगते हो क्यों इतने प्यारे? रोज़ सबेरे क्यों छिप जाते? और रात को क्यों छग जाते?

ह्यांटे बड़े आनीखे तारे! रहते हो क्यों हम से न्यारे? दूर कहाँ है बास तुन्हारा? तुम से है कुछ काम हमारा.

जग को तुम प्रकाश हो देते, बद्दे में न कभी कुछ लेते. तुम कितने हो परोपकारी, धन्य तुन्हारी महिमा न्यारी.

> कही, चाँव से क्या डरते हो? फिला मिला मिला जो करते हो. यदि डरते हो तो बतलाओ, मुक्त से अब तुम मत शरमाओ.

जियो सदा ऐ किल मिल तारे, वने रहो तुम सब के प्यारे. नित्य रात को रहो चमकते, रहो चाँद के साथ दमकते. مان وهان آيهلنجين آور بياس-"قبس ناحق جهاولد

هور اتم تهلوں کے هاڻه سلندر هيں". مراب سرفيم ادار ها اُدار م

پر اس سے فیصالا نا ہوا ، اُنٹے میں ایک بھکاری آیہلیچا ، اُس کے کو کوا کر بھیک مانگی ، رامو شیامو دونون کے اُسے ڈانٹ کو کہا۔۔۔''پہلے یا یاو کا هم تیلوں میں کس کے ماتھ ،سب سے ادامک سفدر هیں ؟ پھر تمہیں کہانے کو دینگ''

بھکاری کی آنکھیں بھر آئیں ، اُسٹے روتے ہوئے جواب دیا۔۔۔''بہتا' میں کیا جانوں کس کے هانھ سندر ہیں ۔

مجه بهوک لکی هے . ایک روتی دیدو".

سرلا کو بھکاری پر دیا آئی، وہ دوری ھوٹھ گھر میں گئی آور اپے کھانے کی روتھاں لاکر بھکاری کے مانھوں پر رکھدیں، بھکاری جسب روتی لے کو چلا گیا تب رامو آور شیامو سے آنکی ماں نے کہا۔۔۔ 'تم دونوں کے ھانھ سلدر نہیں ھیں، ھاتھ تو سلدر اِس چھوٹی لرکی کے ھیں' جس نے بھوکے پھاسے کی سدھ لی''،

ماں کی یہ بات سن کر رامو آور شیاءو بہت لجت هوئے ، سبج هے؛ فریبوں کی حدد کرنے والے هی سنسار

میں اچھ کہے جاتے میں ۔

جهل مل تارے

(بهائی اشوک)

جهل مل تارے' جهل مل تارے! لکتے هو کهوں اِتقے پیارے ؟ روز سهورے کیوں چهپ جاتے ؟ اور رات کو کهوں آگ آتے ؟

چھُوٹے ہوے انوکیے تارے! رہعے ہو کیوں ہم سے نیارے؟ دور کہاں ہے واس تمہارا؟ تم سے ہے عججہ کام ہمارا۔

جگ کو تم پرکاش هو دینتے' بدلے میں نه کبهی کچه لیتے، تم کتلے هو پروپکاری' دملیم تمہاری میما نیاری،

کہو' چاند سے کھا ڈرتے ہو؟ جھل مل جھل مل جو کرتے ہو، یدی ڈرتے ہو تو بٹلو' مجھسے آپ تم مت شرماؤ،

> جهو سدا لے جهل مل تاریہ' بلے رهو تم سب کے نیارے ، نتیع راس کو رهو چسکتے' رهو چهانه کے ساته دمکتے ،

शासक घर यह वी पराये काली थी, मगर केवल शुरुपाती शिक्षा के सिवे. सक्की की असकी शिका हो इन चिट्टियों से ही पूरी हुई. और यह शिका भी कैसी ! झान की शायद ही कोई ऐसी शांका बची हो, जिसकी बाबत जुरुरत भर इस चिटियों में न बताया गया हो. जाज पवास बरस बाद भी को बिराय जाम तौर से तड़कियों की पढ़ाई में शामित नहीं किये जाते, उन सब की तासीम इन चिट्टियों में दी गई है. कर्ष विद्या, गृहस्य विद्या, प्रानी विद्या, बनस्वति विद्या, इतिहास, जुराराकिया, ज्योतिश, हिसाब, दर्शन और नीति सभी तो जा गए, जौर इसके जलावा खाने पीने, रहने सहने, सेहत वरारह के सम्बन्ध में साधारन ज्ञान की बातें हर चिट्टी में भरी पड़ी हैं. मैं अपने को एक पड़ी जिस्ती करकी मानती हूँ और मैंने कालिज की शिका भी पाई है, मगर इन चिट्ठीयों को पढ़ कर मेरी तो जैसे नए सिरे से फिर तालीम हो गई. इतनी नई बातें सुम को माल्यम हुई हैं, जिनको स्कूल और कालिज में जानने का कभी कोई मौका ही न मिला क्योंकि वह इमारी पढ़ाई का कोई हिस्सा थीं ही नहीं.

मेरी यह खुश किस्मती है कि मुक्तको यह चिट्टियां पदने को मिलीं, और इनको पदकर मैं विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि यही सक्वे मानों में शिचा है, जिससे ज्ञान, केवल इम्तहान पास करने के लिये बुद्धि का बीम न बन कर, हमारे शरीर, दिमारा और आत्मा का बल बढ़ा सकता है, हमारा चरित्र बना सकता है और हमें अपने देश का एक चपयोगी नागर बनने के सायक कर सकता है. 'नया हिन्द' के जरिये यह चिट्टियाँ हर महीने आपको पढ़ने के लिये मिन्नती रहेंगी.

धगस्त के नम्बर में जब पहली चिट्टी छपेगी तब आपको यह जरूर मालूम हो जायगा कि किस बाप ने अपनी किस बेटी को यह चिद्रियाँ लिखी थीं.

> ब्यापकी दीदी योगमाया

सुन्दर हाथ

(भाई सी० बी॰ रामक्ररनन, देहली)

दोपहर का समय था. रामू श्यामू दोनों काँगन में चौद्धी पर बैठे बातें कर रहे थे, पास ही उनकी छोटी बहन सरका भी बैठो हुई थी. बात ही बात में दोनों माई आपम में कहने करे "बताको हम दीनों में किसका हाथ सबसे अधिक सम्बर है १"

्बोनों भाई वर्दे नटसह थे. मट दौद कर अन्तर गए, साबन से हाथ धोप चौर बाकर बैठ गए. पर सरका भवनी बनाइ से न इटी. दोनों को मनावृते हुए देख कर उनकी

شاید کیر پر بھی پرهائے آئی تھی معر قبول شرماتی فکشا کے لئے۔ لوکی کی اصلی فکھا تو اِن چارهوں سے هي ووي هوائي . آور يه هاها بهي كِيْسَى ! كَهَانِ كَي شَارِدَ هَي كُولَي أَيْسَي شَاكِهَا بِهِي هُوا جُدّ كي بابت فرورت بهر إن چاههرن مهن نه بعايا لها هو ، آب پنچاس برس بعد بھی جو رشے عام طور سے لوکھیں کی پڑھائی میں شامل نہیں کئے جاتے اُن سب کی تعلیم اِن چاتھوں میں دی گئی ہے ، اُرتہ ردیا' عرهسته وديا براني وديا بنسيعي وديا إتهاس جغرافها چه وتعی حساب فرشن آور نیدی سبهی تو آگی اور إسكے علاوہ كهائے بهذے رهنے سهلے صحبت وفهوہ كے سبهنده مهل سادهارن گهان کی باتین هر چاهی مهل بهری پوی هیں . میں اپنے کو ایک پوهی لکھی لوکی مانعی هرن اور مهن لے کالم کی شکشا بھی پانی ہے مگر آن چاتههرن کو پڑهکر مهری تو جهسے نگے سرے سے يهر تعليم هوككي . إنني اللي باتهن مجهكو معلوم هوئي ههي جذعو اسكول أور كالبع مدن جانفے كا كبهى كوثر موقعه هي نه ملا كيونكه ولا هماري پوهائي كا كوثي جصت تهين هي نهين ،

مهري هه خوش تستعي هے که مجهمو يه چتههان پوھلے کو ملیں' آرر اِن کو پوھکر میں وشواس کے ساتھ کہ سکتی هوں که يہی سنجے معلوں موں شکشا هے، جس سے گھاں کھول امعتصان یاس کرنے کے لئے بدھے کاہوجھ نع بن کرا همارے شریرا دماغ أور آتما كا بل بوهاسكتا هـ" هماوا جوتر بناسكتاه أور همهن الهديشكا أيك أيهوكي ناار بلقے کے لائق کرسکتا ہے، 'نہا ہند' کے ذریعے یہ جانہماں مر مہینے آپ کو پوھلے کے لئے ملتی رھیں گی .

اگست کے نمور مان جب پہلی چٹھی چھھیکی تب آپ کو یہ ضرور معاوم هوجائیکا که کس باپ نے اپنی کس پیتی کو یه چتههان لکهی تههی .

آپ کی دیشی یوگ مایا

سندر هاته

(بهائی سی ، وی . رام کرشدن دهلی)

دو پهر کا سيم تها . رامو شهامو دونون آنکن مهن چوکی پر بیتھ باتیں کررھے تھے، یاس ھی اُنکی چهوڻي پهن سرلا بهي آيٽهي هوڻي تهي. پآت هي ہات میں تونوں بھائی آپس میں کہنے لگے۔"بعاؤ ہم تھنیں میں اس کا ماتھ سب سے ادبک سندر ہے ؟''

دونوں بھائی ہوے نمی کھٹ تھے جھٹ دور کر اندر مُلُنُ صابن سے هاته دهوئے اور آکر بیٹھ کئے . پر سرلا ایلی جگھ سے نہ ملی ، دونوں کو جھکوتے موٹے دیکھکر اُن کی

हाथ क्रग गया वरना वह भी नहीं. इमारी माओं ने नहीं तो इमारी दादी नानी ने तो यह जमाना जरूर देखा था.

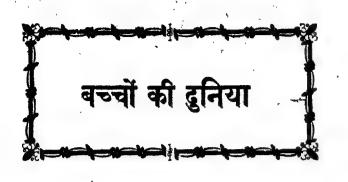
मगर इसी काले समय में हिन्दुस्तान का भाग्य हरबह ले रहा था. जिन हिन्दुस्तानियों ने सोते ही सोते अपने देश को दसरों के हाथ सौंप दिया था, उन्हों की सन्तान ने देश को इस गढ़े में से निकालने की पहली कोशिश की. 1857 के बाद देश भर मानो जाग सा उठा. हमारे पतन के कारन व दे जाने लगे, चौर उन्होंने देखा कि राजकाजी राजलत के साथ साथ हमारे समाज, हमारे कुद्धन्व और इमारे निजी बाचरन में ऐसी बुराइयां का गई थीं जिनको दर किये बिना देश का उद्धार नहीं हो सकता था. हिन्द्रस्तानी समाज में औरतों की गिरी दुई दशा की घोर उनका ध्यान खास तौर से गया. घौरतों की पढ़ाई लिखाई के लिये बान्दोलन चला, सभाएँ हुई, प्रचार हुआ, मगर इस मैदान में मंच पर से बोजने बालों और अखबारों में लेख किखने वालों से बढ कर काम बन लोगों ने किया, जिन्होंने नारी शिक्षा के इस ऊँचे असूल को अमली रूप दिया और समाज के क़ वे विरोध का सामना करके, और अपने कुन्ने के बढ़े बूढ़ों के सखत बुरा भला कहने पर भी, खपनी लड़कियों को पढ़ाया. इमारे देश के कोने कोने में बाज लड़कियों के क्षिये जो स्कूल और कालिज खुले हुए हैं, और लक्कों से ज्यादा लड़कियों की पढ़ाई पर जो जोर दिया जाता है, वह इन्हीं महापुरुशों की अनथक कोशिशों का फल है.

इस लेख के ग्रुरू में जो चिट्टी की तसवीर छापी गई है वह उन चिट्टियों में से एक चिट्ठी का दुकड़ा है जो सन 1907 में एक बाप ने अपनी बेटी की लिखी थीं. बाप एक जवान इंजीनियर था जो जैठ वैसाख की लू लपटों की परबाह न करके घोड़े पर चढ़ कर सैकड़ों मील का सफर करके पश्चिमी पंजाब में नहरे ख़ुद्वा कर रेगिस्तान को शक्तजार बना रहा था. बेटी दिल्ली के बिचले दरजे के कल की ग्यारह बारह बरस की लड़की थी, जिसकी लगभग धव सहेलियों और और इमचन्न लड़कियों की शादियां हुए भी कई बरस हो गए थे, इस जदकी के बाप ने उसकी इतनी अस्दी शादी करने से साफ इनकार कर दिया था और हुसी कारन अपने इन्बे, अपनी विराहरी और अपने समाज में काकी बुराई भी उठाई थी. दिल्ली में इस समय सद्कियों के लिये शायद कोई स्कूल वरारा था ही नहीं, और अगर एक आध था भी तो एक मले घराने की लड़की को बाहर कीन निकाले. बाप अगर शहर में होता तो शायव इसका कुछ प्रबन्ध कर ही देता, मगर क्से तो बारह महीने बाहर ही रहना पढ़ता था. पर लक्की को पढ़ाना भी जरूरी था, इसिवये सैकड़ों मील की दूरी से चिद्वियोंके ज्रिये, अपने अपनी वेटी की तालीम शुरू की, एक आध उस्तानी

عالیہ لگتا گیا۔ وزائد وہ بھی نہیں : هناری ماؤں لے الہوں تو هماوی فافنی نائی نے تو یہ زمانہ ضرور دیکھا تھا .

مكر إسن كالے سيے ميں هندستان كا بهاگ كروها أي رها تها ، جن هندستانهوں نے سوتے هی سرتے ابه ديھي کو دوسروں کے ہاتھ سوئٹ دیا تھا کا اُنھیں کی سلعان لے دیدس کو اِس گذیر میں سے نالیے کی پہلی کوشف کی ، 1857 کے بعد دیمی بہر مانو جاگ سا اُتھا . همارے یتن کے کارن قھونڈے جانے لکو اُنہوں نے دیکھا که راجکنجی ففامت کے ساتھ ساتھ همارے سماج عمارے کالمب اور همارے نجی آچرن میں ایسی برانهاں آگئی تهین جن كو دور كيُّم بدا ديش كا أددعار نهيس هو سمعا تها . هددستانی سمایے مهی عورتین کی گری هرای دشا کی اور اُنکا دھیان خاص طور سے گیا کورتس کی پوھائی الكهائي كُم لَنُم أَندولن جلا ، سبهائين هولين ورهار هوا . مكر اس مهدان مهن منج هر سے بوالمے والوں اور اخباروں میں ایک لکھٹے والوں نیڈ بوھکر کام اُن لوگوں نے کھا جدوں نے ناری شکشا کے اس اُونجے اُصول کو عملی روب دیا اور سماہ کے کوے ورودھ کا سامدا کرکے اور آیے کنیے کے بڑے برونس کے "سخت برا بہلا کہنے پر بھی" أبدى لوکهوں کو يوهايا ، همارے ديش کے کوئے کوئے مهن آبے لوکھوں کے لئے جو اسکول اور کالم کھلے ھوٹے ھیں اور لوكوں سے زیادہ لوكووں كى پوهائى پر جو زور دیا جاتا ھے ، وہ اِنہیں مہایرشوں کی انتہک کوششوں کا پہل ھے .

اس لهکه کے شروع میں جو چاہی کی تصویر چهاپی گئے ہے وہ اُن چٹھیوں میں سے ایک چھٹی کا تعوا ہے جو سن 1907 میں ایک باپ نے اُپڈی بیٹی کو لکھی تههن ، باپ ایک جوان انجهدیر تها جو جهانه بهساکه کی لو لهالوں کی پرواہ نه کر کے گهور ہے پر چوهمر سیکوں مہل کا سفر کر کے پچھنی پلجاب میں نہریں کهودواکر ویکستان کو کلزار بنا رها تها . بهتن دلی کے بنچلے درجے کے دل کی گیارہ بارہ برس کی لڑکی تھی، جسکے لگ ہوگ سب سبھلیوں اُرد همعدر لواهوں کی شادیاں هوئے بھی کئی برس هوکٹے تھے ، اِس لوکی کے باپ نے اُس کی اِتنّی جلسی شادی کرنے سے ماف اِنکار کردیا تھا اور اِسی کارن آھے کشیہ ایشی برادری اور آھے سماج مهن کافی برائی بهی اُتهائی تهی ، دلی مهن اس سم لوکھوں کے لیے شاید کوئی آسکول وقهرہ تھا هی نبهن اور اکر ایک آده تها بهی تو ایک بهلے کہرائے کی لوکی کو باہر کرن تکالے . پاپ آگر شہر میں هرتا تو شاید اِسکا کنهه پریقده کرهی دیتا مکر أیه تو باره مهیقی باهر هی رهها پوتا تها . پر لوکی کو پوهاتا بهی فروری تها اسلانے سیموں مہل کی دوری سے جانوں کے ذريع أسل ايني بيعى في الله شروعكي. ايك آدم أسعاني



ببجوں کی دنیا

माई बहनो,

بهت دن نهین مولے هلدستان میں خاص کر آتریں

ابهاري بيتو!

الكهاليكي بأت نهيس أتهتى

تهي . پرده ايسا تها که ايک

هي گهر مين مرد الک اور

فروتين الک رهاني تهين : لوک و درایا دهن سمجه

جادی سے جلدی ماں بان

أفكا بوجها ابع سرسے أتار نے

کی کوشش کرتے تھے اور آتھ

آٹھ نو نو پرس کی ناھی

بحيال دامن بنتي تهاس

گهر پساتی توهی ارز کبهی

کہم بنا ایے بترس کے درشن

كثير هي ودهوا هو جاتي تهيو . جو بهلي مان باپ

تھے وہ اپلی لڑکیبوں کو

سَعِالِهِ بِعَالِهِ تَهِ أُورِ زيورس

سے لاد دیتے تیے' جو اُنٹے

بھلے نہوں تھے وہ پہار سے

ادھک ماریہت سے کام لیتے

تھے' مگر کسی کو بھی ا*س*

يات كا دهيان ديهن أنا تها

قه لوکیوں کے لئے کہانے پیلے'

کہوے گہلوں کے علاوہ کھید

دِماغی خبراک کی بھی

فرورت هن أنكى هيدتي

बहुत दिन नहीं हुए हिन्दुस्तान में, खासकर उत्तरी हिन्दस्तान में, स्कूज़ कालिजों की तो कौन कहे, लड़कियों

هندستان میں اسکول کالجوں کی تو کون کہے کوکیوں کی گہر میں یہی پڑھائی

की घर में भी पढ़ाई लिखाई की बात नहीं उठती थी. परवाऐसा था कि एक ही घर में मई अलग और श्रीरतें अलग रहती थीं. लड़कियों को पराया धन समभ जल्दी से जल्दी मां बाप इतका बोसा अपने सर से उतारने की कोशिश करते थे, और आठ आठ नी नी बरस की नन्ही बिचियाँ दुलहिन बनती थीं, घर बसाती थीं और कभी कभी बिना अपने पतियों के दर्शन किये ही विधवा हो जाती थीं. जो भले मां बाप थे बह अपनी लड़िक्यों को सजाते बनाते थे और जेवरों से लाद देते थे, जो इतने भले नहीं थे बह प्यार से अधिक मार पीट से काम लेते थे. मगर किसी को भी इस बात का ध्यान नहीं आता था कि तदक्यों के लिये खाने पीने. कपड़े गहनों के अलावा कक दिमाशी ख़राक की भी जरूरत है. उनकी धस्ती कठप्रक्रियों या सुन्दर

TE SIE के बीन में सीन (फिता है। उने के बीन भारे ग्रीत के असर क उपनीर जिल प्रदा सतात की (बनक्न की प्र भेषे इतक कामानी की तरक रस व समारव की जास्तान तक बढा रें के क्षिमतंगर यह लाइन जारमानके वैभावा एक जी बना ध्राम सामार चूरती वासि थुराका तारा कभी मंबी ह्या महिने रात की जापी जन द पर काग म म स्त्र रहा है।। पानी ने। नमीन के बारे। कित्य केला दुला है उसके समय अधिहें हैं और जो छोरा टुक़्री बारें। गरम Mमनीत से विरास्त्रा है। उस्के जील महें है। इसी तराट समेक्स ख़बी के

كله يتلهون يا سلاه گزیوں سے ہومکر کچھ اور गुक्तियों से बद कर इस और नहीं थी. अगर किस्मत نهين تهيء اكر قسمت भण्डी दुई तो बारह कड़ी और कुछ जमा बाकी أور كجه جمع بالي

اچهی هوئی تو باره کهوی

किसान की मुसीबत नहीं दूर होने बाली है. अगर गाँव के मिलने बाले कच्चे माल को लेकर एसका तैयार माल किसान लोग बनाने लग जायँ तभी वह अपनी हालत को संभात सकते हैं."

पढ़ाई या तालीम के सिलसिले में चन्होंने कहा— ''धनवानों को बाहिये अपने गांव में ही पाठशालाएँ खोलें. इससे तालीम का ऐसा बन्दोबस्त होगा जिससे कि सभी जात के बालकों को एकसा लाभ पहुँचेगा. इन पाठशालाओं में महात्मा गांधी की बताई हुई नई तालीम के ढंग पर बढ़ाई होनी चाहिये. इसके मुताबिक अमीर रारीब, हर छोटी बड़ी जात के बच्चों को बढ़ई का काम, हल चलाने बरौरा की स्योहारी तालीम ही जायगी. इस तालीम की बदौलत समाज में बैठी हुई ऊँच नीच जड़ से खतम हो जायगी.''

विनोबाजी की यह यात्रा गोदावरी नदी के किनारे मंचेरियल गांव पहुँचने पर 6 जून 1951 को पूरी हुई. 51 दिन के सफर में उन्होंने 51 गांव में क्रयाम किया और क्रारीब दो सौ गांवों से होकर गुजारे. अपनी इस यात्रा में क्रारीब नौ हजार पकड़ जामीन उन्हें दान में मिली जिसकी क्रासीम के लिये तीन जनों की एक कमेटी उन्होंने बना दी है.

मंचेरियल गाँव से पैदल चलकर 27 जून को विनोबाजी जपने परमधाम जाशम वापस पहुंच गए. सर्वोदय सम्मेलन, शिवरामपल्ली (हैदराबाद), में शिरकत करने के लिये विनोबाजी 8 मार्च को सबेरे अपने आश्रम से निकले थे. सादे तीन महीने की इस अनोखी यात्रा से देश भर का ध्यान विनोबीजी .की तरफ गया है. बापू के जाने के बाद यह पहला मीका है जब लोगों के कानों में प्यार और मुहब्बत की सुरीबी तान सुनाई पड़ी है. वेलंगाना जैसे त्कानी इलाके में उसका असर साफ साफ माल्म हो रहा है. •

—सुरेश रामभाई

کسان کی مصوبت مہوں دور ہوئے والی ہے، آلو گوں میں ملکے والے کچے مال کو لیکو اس کا تیار مال کسان لوگ بغائے لگ جائیں تبھی وہ آیٹی حالت کو سنبھال سکتے میں ۔''

پوهائی یا تعلهم کے ساسلے میں اُنہوں نے کہا ۔۔
'' دھٹوانوں کو چاھئے اپے گاؤں میں ھی پاتب شالائیں
کیولیں ۔ اِس سے تعلیم کا ایسا بندوبست ہوگا جس سے که
سبھی جات کے بالکوں کو آیک سا لابہ پہنچے گا ۔ اِن
پاتہ شالاؤں میں مہاتما گاندھی کی بتائی ہوئی نئی تعلیم
کے تھلگ پر پوھائی ہونی چاھئے ۔ اِسکے مطابق امیر
غوریب' ہو چووائی ہونی جات کے بچوں کو بوھئی کا کام'
مل چلانے وفیرہ کی بیوعاری تعلیم دی جا ٹیکی ۔ اِس
تعلیم کی بدولت سماج میں بیتھی ہوئی اُرنی نیچ جو
سے شتم ہوجائیگی ۔''

ونوبا جی کی یہ یاترا گوداوریندی کے کدارے مدچھریل کاوں پہنچنے پر 6 جون 1951 کو پوری ہوئی . 51 دن کے سفر میں آنہوں نے 51 کاوں میں قیام کیا اور قریب دوسو کاوں سے ہو کر گزرے . اینی اِس یاترا میں قریب نو ہزار ایکو زمین آنہیں دان میں ملی جسکی تقسیم کے لئے تین جنوں کی ایک کمیٹی آنہوں نے بنا دی ہے .

ملچھریل اوں سے بھدل چاکر 27 جون کو ونوبا جی ایم پرم دھام آشرم راپس پہنچ گئے ۔ سرودے سبھلی شھو رام پلی (حددرآباد) میں شرکت کرنے کے لئے ونوبا جی 8 مارچ کو سوپرے اپنے آشرم سے نکلے تھے ۔ ساڑھے تین مہیئے کی اِس انوکھی یاترا سے دیش بھر کا دھیان ونوبا جی کی طرف گیا ہے ۔ باہو کے جانے کے بعد یہ پہلا موقع ہے جب لوگوں کے کاتوں میں بھار اور محصب کی سریلی تان سفائی بڑی ہے ۔ تھلگات جیسے طوفانی علاقے میں اُس کا اثر صاف معلوم ہو رہا ہے ۔ ہ

سسريش رام بهالي

[•] इस केस में विनोबाजी की स्वीचीं की रिपोर्टें इमने उन अगरेजी बुलेटिनों से तरजुमा करके दी हैं जो इमें हैदरा-बाद रियासत के डायरेक्टर आफ इनकारमैशन से लगातार सिसते रहें हैं. इसके लिये इस उनके पैइसान मन्द हैं

اس لیکو میں ونویا جی کی سینچوں کی رپورٹوں مم نے اُن آنگریونی بلیٹلوں سے ترجمہ کر کے دی ہیں جو میں حیدرآبات ریاست کے قائرکٹر آف اندارمیشن سے لگتار ملتے رہے میں ملت ہیں ملتے رہے میں ایکی ایکے لئے ہم لی کے احسان ملت ہیں اسکے لئے ہم لی کے احسان ملت ہیں اسکی اُنہ ہم لی کے احسان ملت ہیں اسکی اُنہ ہم لی کے احسان میں اسکی اُنہ ہم لی کے احسان میں اسکی اُنہ ہم لی کے اُنہ ہم لیکھی اُنہ ہم لی کے اُنہ ہم لیک ہم کے اُنہ ہم لی کے اُنہ ہم لی کے اُنہ ہم لی کے اُنہ ہم کے

कम्युनिक्ट चपना काम कर रहे हैं और सरकार भी अपने सरीके से अपना काम कर रही है. मैं भी यहाँ पर क्रम काम अपने तरीक़ से कर रहा है जिसका आधार प्रेम है, महत्रवत है." यह प्रोम का रास्ता वही रास्ता है जो हाल ही में हमारे चापू दुनिया को बता कर गय हैं, यह वह सनातन रास्ता है जिसे संतों, पैराम्बरों और अवतारों ने बारबार दोहराया है. वेलंगाना में दिन में सरकार का जोर, रात में कम्युनिस्टों का जोर-इससे न कम्युनिस्टों का अला होगा न सरकार का. जैसा विनोबा जी ने कहा-"पुलिस की होशियारी और कम्युनिस्ट कारकरताओं में फूट की वजह से तेलंगाना के अन्दर के कम्यूनिस्ट हंगामे का जोर-शोर कुछ घरसे के लिय भले ही मंदा पड़ जाय लेकिन जब तक इम शराब बन्दी करके और अमीन का दोबारा बँटवारा करके वहाँ की रारीबी का सवाल इल नहीं कर लेते तब तक कम्यूनिजम एक सवाल की शकल में बना ही रहने वाला है."

एक बार जब बरंगल जेज में कम्यूनिस्ट क्रैंदियों से विनोबा जी मिले तो उन्होंने पूछा ब्या इस तरह अमीरों को फिर से अपने घरों में बसा कर आप सवाल इल कर सकेंगे ? विनोबा जी ने जवाब दिया—'मुक्ते बक्तीन हैं कि दिल बदलते हैं. जमीन दान देने से आदमी के अन्दर रहने वाली भलाई और बुराई में भिड़ंत हो जायगी और फिर उनका नजरिया संभल जायगा. पिछमी साइन्स और हिन्दुस्तानी फलसके के मेल का नतीजा लाशिमी तौर पर अच्छा और मीठा होगा. अहिंसा ही सब बुराइयों का इलाज है."

लेकिन यह प्रेम का रास्ता कोई हँसी खेल नहीं हैं. तलवार की धार पर चलना आसान है मगर प्रेम की धार इससे भी ज्यादा पैनी और पतली हैं. विनोबा जी ने गावीचरला गाँव में कहा—"काँगरेस वाले तो जनता की सेवा कर नहीं सकते क्योंकि सेवा का उसूल काँगरेस के लिये एक मजाक हो गया हैं. समाजवादी किसी क़दर अच्छे हैं मगर वह भी सचा के पीछे पागल हो रहे हैं. ऐसी हालत में सर्वोदय समाज ही सौदा पटा सकता है."

इस उपर कह जुके हैं कि विनोबा जी ने गाँव वालों को कुएँ सोदने के लिये सलाह दी है. इस बीज पर उन्होंने बारबार इसरार किया है. एक गाँव में उन्होंने कहा—"इमें नहरें भी सोदनी चाहियें. नए कुएँ और नई नहरें सोदने से एक नया जमाना जा जायगा जिसमें कोई जादमी भी बीस एकड़ सिंचाई की जमीन पाकर सन्तोरा से रहेगा. हालाँकि अब सी एकड़ से भी काम नहीं चलता है." इसके असावा वह चाहते हैं कि देहाती उद्योग-धन्ने बदें— "दिना देहाती दसकारियों के केवल अमीनें रसकर,

فعونست الله كام كو رهے! هين ليو سرا العل أله حاريق س أيدًا كام كو رهى عد . مهال عمى عبال يو کیچھ کام آلے طریقے سے کر رہا ہوں جس کا آدھار ہویم ھے؛ مبعصبت هے ،' یه پریم کا راسته وهی راسته هے جو حال هي ميں همارے بايو دنيا، إكو باتا كو گاتے هيں ا يه وه سنائن رأسته هے حسے سنتوں پهنمبروں أور اوتاروں نے بار بار دو ورایا ہے . تھللکاتھ میں دن میں سُوگار کا زور' رات میں کمیونسٹس کا زور - اِس سے نے کمھونسٹوں اکا بھلا ھوگا نے سرکار کا جهسا ونویا جی نے کہا ۔۔ " پولیس کی هوشیاری اور کمھونست کارکوتاوں میں پہوٹ کی وجه سے تیلنانہ کے آلدر کے کمیرنست هلکامیے کا زور شور کنچھ مرمی كم للم بهلم هي مندأ يو جائم ليكن جب تك هم شرأب ہلک و کرکے اور زمین کا دوبارہ بالوارہ درکے وعال کی غویجی كا سوال حل نهيل او لهتي تب تك المهونوم ليك سوال كى شكل مين بنا هي رعني والا هي ."

ایک بار جب ورنگلجیل میں کمیونست آبددیوں سے ونوبا جی ملے تو نہوں نے پوچھا کیا اسطرے امیروں کو پھر سے ایے گھروں میں بسا کر آپ سوال حل کر سکیں گے آ ونوبا جی نے جواب دیا ''مجھے یقین ہے کہ دل بداتے میں ، ومین دان دینہ سے آدمی کے اندر رہنے والی بھلائی اور برائی میں بہونت ہوجا بھی اور پھر اُن کا نظر یہ سنبهل جائیگا، پچھمی سائنس اور هندستانی فلسنے کے میل کا خاتیجہ الزمی طور پر اچھا اور میتھا ہوگا، اهدسا هی سب برائیوں کا علاج ہے ۔''

لهکن یه پریم کا راسته کوئی هدسی کهیل نهیں ہے ،
تلوار کی دهار پر چالما آبان ہے مکر پریم کی دهار اِس سے
یھی زیادہ پہلی اور پالی ہے ، وزویا جی نے گاری چرلا گاؤں
میں کہا ۔۔'' کانگریس والے تو جفاا کی سیوا کر نهیں
سکتے کیونکہ سیوا کا اصول کانگریس کے لئے ایک مذاتی
ہوگیا ہے، سیاج وادبی کسی قدر اچھے ہیں مار وہ بھی
سنتا کے پہنچھے پاکل ہو رہے ہیں ، ایسی حالت میں
سروردے سیاج ہی سردا پتا سکتا ہے ۔''

ھم أوپر كه چكے هيں كه ونوبا جى نے كاؤں والوں كو كنوئيں كهوئي كے لئے صلح نبى هے اس چيؤ پر أنهوں نے باو بار إصرار كيا هے ، أيك كاؤں ميں أنهوں نے كها — "همين نهويں بهى كهردنى چاهئيں ، نئے كلوئيں أور نئى تهويں كهوئى ايك نيا زمانه آجائيكا جس ميں كوئى أدمى بهى بيس أيكو سينجائى كى زمين ياكو سينجوش بيد رهے كا ، حالانكة أب شو أيكو سے بهى كام نهيں چائتا هيں كه ديہاتى أديوك فجلانے بوهيں —"ينا ديہاتى أديوك فجلانے بوهيں ستكاريوں كے كيول زميني أديوك

इस अपर कह चने हैं कि तेलंगाना में कन्यनिस्टी के हाथी हो जाने की बजह विनोबाजी ने क्या बताई हैं। कम्यूनिस्टों की जात से धन्हें कोई शिकायत नहीं है. वह धनसे सहब्बत करते हैं और छनके दिल में कम्युनिस्टों के किये जगह है. एक गांव में प्रार्थना के बाद बोलते हुए विनोबाजी ने कहा-"मुक्ते मालूम हुआ कि इस गांव में इस आप्रति है क्योंकि कम्यूनिस्टों ने यहां कुछ काम किया हैं. मैं कम्यूनिस्टों को अपना भाई मानता हूँ. उनमें मेरे कई एक दोस्त हैं. कम्यूनिस्ट होना कोई गुनाह नहीं है. कम्यूनिस्ट होने के माने हैं रारीबों की सेवा करना." लेकिन विनोबाजी की यह पक्की राय है कि कम्यूनिस्टों का रास्ता मुल्क के लिये ठीक नहीं है, उसी स्पीच में उन्होंने कहा-"लेकिन कम्युनिस्ट लोग हिंसा और खून खराबी के कामों में लगे रहते हैं, यह बहुत राजत चीज है. इसी वजह से उनकी सारी की-कराई मेहनत मिट्टी में मिल जाती है "मेरी यह दिली इच्छा है कि मैं लोगों को यह समका सकूँ कि जनता की असली सेवा करने का तरीक़ा अहिंसा का तरीक़ा ही है," एक दूसरी जगह पर चन्होंने कहा-"मैं कम्यूनिस्ट भाइयों को यह साफ तौर पर बता देना बाहता हूँ कि उनके लिये अब इसकी कोई जरूरत नहीं कि वह अमीरों को करत करें, क्योंकि अब तो लोकराज का जमाना आ गया है, यह अमीर तो बिना पिस्तीत के ही मारे जा सकते हैं, क्योंकि हर वालिश आदमी को अब बोट देने का अखतियार मिल चुका है. आगे आने वाला राज आम जनता का राज होगा. मैं कम्युनिस्ट भाइयों से विनती करता हूँ कि वह खुते में आये और काम करें. अगर वह देसा करेंगे तो मैं बनका पूरा साथ दूंगा. अगर कम्यूनिस्ट हिंसा का रास्ता छोड़ दें तो सब अच्छे और नेक स्रोग उनकी मदद करेंगे. महात्मा गांधी कहा करते थे-'मैं कम्यूनिस्टं हूँ लेकिन मैं जुद्कुशी वाला हिंसा का रास्ता नहीं श्रापनाऊँगा, ? ?

यही नहीं, विनोबाजी और आगे जाते हैं. उन्होंने कहा—"मेरी उनसे आरजू है कि हिंसा करना बन्द करें और आगर बह ऐसा करतें तो मैं उनके साथ रहकर हिन्दुस्तान के कोने कीने में जादर कम्यूनिज्य का परचार कसँगा."

विनोवा जी का तरीका प्रेम का तरीका है. यही प्रेम का पाठ वह जगह जगह पढ़ाते हैं. एक गाँव में उन्होंने कहा—''आपको जो सारी हवा में कक्षे दिखाई दे रहा है यह भगवान की वरकत है. अगर हर कोई भगवान पर भरोसा रखे तो भगवान जरूर रास्ता विख्वकाता है. भगवान हर एक दिखा में मौजूद है. हम अससे दुआ करें तो बहुत का काम हो सकता है. मैं यहाँ कोई बंदूक केकर या हकूमत की बजरी हुई कोई दूसरी ताकत लेकर नहीं आया है.

The state of the s اوی ہوجائے کی وجم ونوبا جی کے کہا یکائی ہے۔ يونسگون کي فالع سے اُنهون کوئي شکايت نبهن هے . وا سے معصبت کرتے میں آور آن کے دل میں کمھونسٹون، لئے جگاہ ھے ، ایک گاؤں میں پرارتھڈا کے بعد بولٹے ہوگے۔ یا جے نے کہا ۔۔۔ " مجھے معلیم ہوا کہ اِس کان میں ہم جاگرتی ہے کیونکہ کمیونسٹوں نے یہاں کچھ کام کیا مهن کمهونستين کو ايدا بهائي مانعا هرن . أن مهن رہے کئی ایک درست هیں . کمهونست هونا کوئی گلاہ اں ہے ، کمہونست هونے کے معلے هيں فريدوں کی سهوا ا " لهامُن وتوبا جي کي يه بکي وائد هي انه امهر ساتون " واسته ملک کے لئے تهیک نهیں ہے ، اسی اسهیم میں وں نے کہا ۔" لھے ی کمیونسٹ لوگ منسا اور خون رابي كے كاموں ميں لكے رهاتے هيں . يه بہت فاعلا چهز ، اِسی وجه سے اُنکی ساری کی کرٹی معمامت ملی میں ا جائي هے مهري يه دالي اِچها هے که مهن یں کو یہ سمجھا سکوں کہ جلتا کی اصلی سھوا کرتے کا يقة أهلسا كا طريقة هي هي ." ايك درسي جكه پر وں نے کہا ۔۔۔" میں کمروست بھائیوں کو یہ صاف ر پر بند دبیدا جامعا موں که أن كے لئے أب إسكى كوئى ورت نهیں که وہ اُمهروں کو قعل کریں' کیواکم آپ تو ے راہے کا زمانہ آنیا ھے . یہ زمیر تو بنا پستول کے ھی ريے جا سکتے هيں؛ کهونکه هر بالغ آدمی کو اب ووت نے کا اختیار مل چکا ہے . آئے آلے وال راج عام جنتا کا م هوگا ، مين كيهونست بهائهوں سے وتعی كرتا هوں كه کھلے میں آئیں اور کام کریں، اگر وہ ایسا کرینگے تو میں كا دورا ساته دول كا . الركسيونست هنشا كا راسته جهور ن تو سب اچهاور نیک اوک أنعیمده كرينگه. مهاتما دهی کہا کرتے تھے ۔۔ میں کمیونسٹ هوں لیکن میں ود كشي والا هذسا كا وأسعم تهدين ايناون كا" "

یہی نہیں' ونوبا جی اور آئے جاتے دیں . اُنہوں نے ا ۔ '' میری اُن سے آرزو ہے کہ منسا کرنا بند کریں آور وہ ایسا کر لیں تو میں اُن کے ساتھ رمکر مندستان کے نے کوئے میں جاکر کمیونزم کا پرچار کروں گا ۔''

ونوبا جی کا طریقہ پریم کا طریقہ ہے ۔ یہی پریم کا پاتھ جکہ جگہ پڑھاتے میں ۔ ایک کاوں میں آنہوں نے کہا ۔'' آپ کو جو ساری ھوا میں فرق دُنھائی دے رہا ہے بھکواں کی برکت ہے ۔ اگر ھر کوئی بھکواں پر بھرومہ یہ تو بھکوان ضرور راستہ دکھاتا ہے ۔ بھکواں عر ایک دل من موجود ہے ۔ ھم اس سے دعا کریں تو بہت سا کام ھو ساتھ ۔ میں یہاں کوئی بندرق لیکر نہیں آیا ھوں ۔ میں ھوٹی کوئی دوسری طاقت لیکر نہیں آیا ھوں ۔ तोंगी की केनेंगी वाली रहेगी और व्यस्त शानित क्रायस होगी. जो लोग दान वाली जमीनें पार्चे पतको सरकार की तरफ से तकावी वरीरा की दूसरी सहक्षियतें मिलनी चाहियें. इसके खलावा सरकार को चाहिये कि वह एक कानून बनादे जिसमें यह साफ कर दिया जाये कि एक आदमी हद से हद कितनी जमीन अपने पास रख सकुता है और इसी क्रानून में यह भी जाहिर कर देना चाहिये कि बाक़ी जमीन रारीबीं को दान दे दी जाय. अगर यह बीजें अमल में आने करों तो कम्यूनिस्टों का नाम नहीं रहेगा."

इस के बाद बचते हैं बाकी तेलगाना के बाशिन्दे. उनसे विनोबा जी ने कहा — "बालिग उमर वाले भाइयों को मैं एक सबक देना बाहता हूँ. वह यह कि शावी के समय बर को दिवना या दहेज के बजाय कुआं खुदवावें. इस तरह देश भर में कुएँ बन जायँगे जिनसे अपने देश की तरक्की होगी. नई तालीम और शादी के समय कुएँ खुदबाना इन दो तरीकों से सारा गांव गोठुल बन जायगा. गोठुल के माने हैं कि सभी के पास जो दौलत है उसका इस्तेमाल सभी कर सकें." इम यहाँ यह बतावें कि अपने परमधाम आश्रम में (जो वर्षा शहर से पांच मील की दूरी पर है) विनोबाजी ने आश्रम के भाई बहनों की मदद से एक कुआं खुद ही पार साल खोदा है जहाँ बिजली या वैस की जगह आश्रमवासी ही रहट खेंबते हैं.

यह खयाल पैदा होगा कि विनोबाजी जमीन का दान क्यों मांगते हैं ? क्या पैसा लेकर और फिर उसे ग़रीबों में बांट कर सवाल का इल नहीं हो सकता ? नहीं, हरगिय नहीं. इस बारे में विनोबाजी बहुत सखत हैं. उन्होंने एक जगह कहा-"मैं दान में रुपया नहीं लेता. असल बात यह है कि रुपए ने हिन्दुस्तान को तबाह कर दिया है. चीओं की जो क्रीमत है वह नहीं घटती-बदती, रुपए की क्रीमत घटती-बदर्ता है. अनाज की क्रीमत मुस्तक्रिल है. मैं तो लोगों को रुपए के चंगुल से छुड़ाना चाहता हूँ. रुपया तो महज एक जरिया है भीर यह दान देनेवाले के अन्दर धमंड पैदा कराता है. केकिन जमीन-दान में तो ग़रीब का जम्मजात इक है. इसिक्ये मैं जमीन-दान लेता हुं " जगर हर •कोई मुद्दब्बत के साथ ग़रीबों को अपनायेगा तो कम्यूनिस्टों का रंग आप से आप जाता रहेगा." विनोबाजी तो पिछते हेद बरस से ज्यादा हुआ इस चीज पर ख़ुद अमल कर रहे हैं. इन्होंने जीवन भर के बिये सिर्फ अम-दान (जिस्म की मेहनत की शक्त में वान) लेना क्रवूल किया है, इसी आधार पर वनका कांश्रम चल रहा है जिसमें वनको जबरव्स्त कामयानी हुई है. एसकी तकसील में इस क्का इम नहीं जायँगे.

الوگوں کی یہ بھیلی جانی رہے گی آور آدس شائلے گائی دیگی۔
جو لوگ دان والی زمیانیں پاٹیس آنکو سراار کی عفوات سے
تقاری وفیرہ کی دوسری سپولٹیں مللی جادگیہ دوسری الیک قادون بطافیے جس
میں یہ مان کردیا جائے کہ ایک آدمی حدد سے حد کھلی
دمیں ابھ چاس رکھ سکتا ہے اور اِسی قانون میں یہ بھی
طاهر کردینا چاھئے کہ بالی زمین فویدیں کو دان دے
دی جانے ۔ اگر یہ جہزیں عمل میس آلے لکھی تو

اسکے بعد بھی باقی تبلنات کے باشندے .

ان سے ونوبا جی لے کہا۔ ''بالغ عدر والے بہائیوں کو میں ایک سبق دینا چاھٹا ھوں . وہ یہ کہ ھادی کے سیے بر کو دکشنا یا دھیؤ کے بجائے کنواں کیدوا دیں . اِس طوح دیھی بھر میں کنولیں بن جائیں گے جن سے اپنے فیعملی توقی ھوئی ، نئی تعلیم اور شادی کے سبے کنوئیں کیدوانا اِن دو طریقوں سے ساراً گاؤں گرکل بن جائیگا .

گوکل کے معنے ھیں کہ سبھی کے پاس جو دولت ہے اُسکا استعمال سبھی کر سکیں' ، ھم یہاں یہ بتادیں کہ آپ استعمال سبھی کر سکیں' ، ھم یہاں یہ بتادیں کہ آپ دوری پر ہے) ونوبا جی نے آشرم کے بھائی بہتوں کی مدد دوری پر ہے) ونوبا جی نے آشرم کے بھائی بہتوں کی مدد سے آپنے میل کی جبان بھی دھت کھیئچتے یہ بیل کی جبان بھی دھت کھیئچتے۔

يه خيال پهدا هوا انه وتوبا جي زمين کا دان کيون مانكته ههن لا ديا يهسه ليكر أوريهر أبير قريبون مهن یانت کر سوال کاهل نهیں هرسکتا ؟ نهیں، هرگز نهیں۔ اس بارے میں ونوہا جی بہت سخت هیں . أبهوں لے ایک چگه کها ساز میں دان میں وربیه نهیں لیکا . اسل باس یه ه که روپ نے هندستان کو تباہ کر دیا ه جدور کی جر قیست هے وہ نہیں گھٹھی بوھھی روپے کی قيست گهتتي بوهتي هـ ، اللج کي قيست مستقل هـ ، مين تو لولس دو روي كه چنكل سر چهوانا جاهتا هول. رويه تي محصف ايک ذريعه هے اور يه دان ديلے والے نے اندر المسقة بيدا فراتا هي . لهكن زمون دأن مين تو فريب كا جلم جات حق هـ ، أسلنه مين زمين دان لهدا هور.... اکر شر کرکیمنصب کے ساتھ فریدوں کو اُیڈائے گا تو کمھونسٹوں کا رنگ آپ سے آپ جاتا رہے گا" ، ونوبا جی تو پنچھلے قیوھ پرس سے زیادہ هوا اِسچیز پر خود عمل کر رہے میں. انہوں لے جہوں بہر کے لئے صرف شرم دان (جسم کی معدلت بي شعل مين دان) لينا قبول نيا هـ . إسى ادهار ير ان کا آشرم چل رما ہے جس میں ان کو زیردست کمیابی هوئي هے ، اسکي تفصیل میں اس وقت هم نییں جائيں کے و

लोग कुछ न कुछ चढ़ाते हैं इसी तरह इस यह में हमें जमीन दान देना चाहिये. लोग शक करते थे कि भक्ता-कलाजुग में भी कोई ऐसा बान दे सकेगा लेकिन जब मांगने बाका पैदा हो जाता है सो देने बाजे भी मिल जाते हैं और काब तक (30 मई) मुक्ते सादे-तीन इजार एकद जमीन मिल चुकी है." इस भूमि दान को ही विनोबा जी ने 'सही रास्ता' बताया है. अपनी एसी स्पीच में आगे बलकर क्टोंने कहा-"गर्मी के मौसम में जापको घास दिखाई नहीं देती. लेकिन पानी पड़ते ही घास बग आती है क्योंकि इसके बीज तो जमीन में रहते ही हैं. इसी तरह पुलिस कुछ बहुत के लिये कम्युनिस्ट बासर भन्ने कम कर दे लेकिन इसे जब से नहीं खतम कर सकती. इसको जड़ से खतम करने के लिये हमें सही रास्ता अपनाना होगा. कुछ काँगरेस बालों ने समस्ये कहा कि यह रास्ता हमारी समम में नहीं आता. अगर वह इस यह का मतलब नहीं सममते और कोगों के दिलों में पैदा होने वाली तबदीली नहीं देख सकते तो मैं सममता है कि उन्होंने बाँखें बन्द करली हैं. बागर कन्हें आहिंसा के अन्दर यक्तीन नहीं है तो बेहतर यह है कि बह कम्यनिस्ट पार्टी में शरीक हो जायें. मैं तो उनसे कहना भाइता हैं कि भगर वह इस यह में हिस्सा लेंगे तो काँगरेस की इज्जत और उसका लिहाज बढ़ेगा, उनके हिस्सा लेने से धनके जीवन में फर्क पड़ेगा, समाज में कान्ति होगी और हर पक का दिल बदल जायेगा जिसका नतीजा यह होगा कि देश की काया पलट जायेगी और देश खब फले फूलेगा."

बिनोबा जी ने यह भी साफ कर दिया कि दान देने बासे जो दान दें सो अपना फर्ज समफ कर, न कि यह कि वह कोई एहसान कर रहे हैं. एक जगह बन्होंने कहा— "यह जो दान दिये जा रहे हैं कोई एहसान नहीं है. शास्त्रों में बताया गया है कि दान देना माने जो अपने पास है खबको दूसरे के साथ मिला कर भोगना. इससे साफ ज़ाहिर है कि दान देने से कोई भी किसी दूसरे पर एहसान नहीं करता है."

केकिन अन इक्सित का क्या फर्ज है ? उसे अपनी हिंसा अरी कारवाई तो बन्द कर ही देनी चाहिये. इसके अलावा उसे चाहिये कि ऐसे कानून पास करे जिनके मातहत कोई आदमी ज़रूरत से ज्यादा ज़मीन अपने द्दाध में रस ही स सके. बिनोबा जी के लक्ष्यों में—''जो काम मैंने शुरू किया है उसे जारी रहना चाहिये. नलगुन्डा ज़िला कांगरेस कमेटी के सदर, माई केशवराव जी इसे चढ़ायेंगे. मेरे तक्षमीने के मुताबिक नलगुन्डा जिले की चौदद पंद्रद लाख के करीब आवादों है. और अगर चौदह पंद्रद हजार कोगों की कियी दान में मिल जाये तो चौदह पंद्रद हजार लोगों की कियी कससे चल जायेगी. जमीन बँटने के इस काम से

لولت النهرو له النهو بهوهائے هيں اسي طرح اِس يائيلا سوي منهن زمين داي دينا جاهك . لوك شك كرت تم كه بها کلچگ میں بھی کوئی ایسا دان دے سکے کا، لیکن ہیں مانكني والا بهدا هو جانا ه تو ديلي والي بهي مل جات هيس أور أب تك (30 مئي) مجهد ساتھ تين هوار ایکو زمین مل چکی هے". آس بهومی دان کو هی ونوبا جي نے اصحیم راسته عالیا ہے . اینی اُسی اسپیج امیں آکے چل کر اُنھوں نے کیا۔۔''گرمی کے موسم میں آپ کو گهاس دکهائی نهیس دیتنی . لیکن پانی پرتے هی گهاس اک آئی ہے کھونکہ اُسکے بھیم تو زمین میں رہتے ہی ھیں ، اِسی طرح پولیس کچھ وقت کے لئے کمپونست اثر بهلم كم كردے لهكن إلى جو سے نبهن ختم كرسكتى . اسكو جو سے ختم درنے كے لئے هميں صحيم رأسته اينانا هوگا ، کچه کانگریس والوں نے مجھسے کیا که یه راسته هداري سمجه مهل نهيل آنا . اكر ولا إس يكيم كا مطلب نہیں سمجھتے آور لوگوں کے دلوں میں پیدا ہونے والی تبدیلی نهین دیکه سکتے تو مهی سمجهتا هی که أنهوں نے آنكھوں بدد كرلى هيں ، أكر أنهيں أهدسا كے اندر یقین نہیں ہے تو بہتر یہ ہے کہ وہ کمھونست یارتی میں شریک هوجائیں ، میں تو اُن سے کہنا جامتا هر که اگر ولا اِس یکیه مهل حصه لینکے تو کانگریس کی غزت آور اُسکا لحاظ پوھے کا ، اُنکے حصه لینے سے انکے جهرن میں فرق پویکا' سماج میں کرانتی هوگی آرر هو آیک كا دل بدل جائها جس كا نتهجه يه هوكا كة ديش كي كايا بلت جائيكي أور ديش خوب پهلے پهولے كا".

ونوبا جی نے یہ بھی صاف کردیا که دان دیئے والے جو دان دیں سو اپنا فرض سمجھکر' نه که یه که وہ کوئی احسان کردھے ھیں . ایک جگه أنهوں نے کہا۔"یه جو دان دئیے جارھ ھیں' کوئی احسان نہیں ھے . شاسترون میں بتایا گیا ھے که دان دینا معنے جو ایچ پاس ھے اسکو دوسرے کے ساتھ ملکر بھوگنا . اِس سے صاف ظاھر ھے که دان دینے سے کوئی بھی کسی دوسرے پر احسان نہیں کرتا ھے"۔

لیکن آب حکومت کا کیا قرض ہے ؟ آسے اپنی هنسا بہری کاروائی تو بند کرھی دینی چاھئے ، اِسکے علوہ آسے چاھئے کے ایسے قاتون پاس کرے جنکے ماتحت کوئی آدمی فرورت سے زیادہ زمین آپے ھاتے میں رکہ ھی نے سکے رزوبا جی کے لنظیں میں۔۔''جو کلم میں نے شروع کیا ہے جاری رھنا چاھئے ، نلکنقہ ضلع کانگریس کمیٹی کے ضدو بہائی کیشوراو جی آبے چائینگے ، مورے تشمیلے کے مطابق نلگنقہ ضلع کی چودہ پندرہ الکہ کے تریب کے مطابق نلگنقہ ضلع کی چودہ پندرہ الکہ کے تریب میں میں جائے تو چودہ پندرہ ھزار لیکو زمین کی دوئی میں میں جائے تو چودہ پندرہ ھزار لوگیں کی دوئی اس میں جیل جائے تو چودہ پندرہ ھزار لوگیں کی دوئی اس میں جیل جائے تو چودہ پندرہ ھزار لوگیں کی دوئی

वा सकता है जो कहाते वासापायी गांव में 31 महे को दी थी- 'इस गांव की सावादी 3000 है और यहाँ खमीन भी 3000 एकड़ हैं. तेकिन 10 सानवान ही सारी जमीन के मालिक हैं जब कि 600 खानदान दें अभीन वाले हैं. किसी देहाती सनवत या दस्तकारी का भी इन्तकाम नहीं हैं. बुनकरों को सूत सिर्फ इतना मिलता है कि मधीने में भाठ दिन काम चल जाय. जमीन के बराबर के बटबारे के साथ साथ देहाती घंदों की भी तरककी होनी चाहिये. गांव वाले पैंसा कमाने की फसलों न पैवा करें. इन्हें चाहिये कि अनाज पैदा करें और इतनी कपास खगालें कि अपने कपड़े का सवाल ख़ुद इल कर सकें. तेलंगाना में मुसीबत यही है कि पैसे कमाने वाली फसलें जैसे मँगफती और तम्बाकू वे इन्तहा पैदा की जाती हैं." हम यहाँ यह बतावें कि पैसे कमाने वाली कसकों की-जैसे ईख, पटसन, म्रॅंगफली, तम्बाकू बरौरा—खेती के लिये जनता को मजबूर करके हिन्द सरकार ने अनाज के सवाल को और खतरनाक बना दिया है. विनोबा जी इन सब चीजों से कितने परेशान हैं यह उनकी पक इसरी स्वीच से. जो 28 मई को दी गई थी, पता चलता है- "चालीस साल पहले जब मैं पढता था तो अपने देश की हालत की बाबत पढकर और सोच विचार करने पर मुक्ते उस पर दुख होता था. आज चालीस साल बाद भी उन दालतों में कोई करक नहीं है ! इसके खिलाफ, वह और ज्यादा विगड़ गई हैं." तेलंगाना में जो कम्युनिस्टों के आन्दोलन ने जोर पकड लिया है उसकी धजह बताते हुए विनोश जी ने कहा है-"अमीर और रईस लोग ही कम्यूनिश्में के पैदा हो जाने के जिम्मेवार हैं. असल बात यह है कि कम्युनिस्ट रईस लोगों की ही भौताद हैं."

वेलंगाना की बीमारी को समक लेने के बाद दूसरा सवाल जो सामने आता है वह है इसका इलाज. कम्यूनिस्टों ने यह समभा कि जमीनें जबरदस्ती छीनकर गरीबों में बांट देना इसका इलाज है. हकूमत असली मरज की दवा करने के बजाय कम्यूनिस्टों को नेस्तनाबृद करने में फाँस गई. विनोबा जी को महसूस हुआ— 'कम्यूनिस्टों के असर को खतम करने में पुलिस बहुत कामबाब न हो सकेगी. इसको खत्म करने का तो एक ही रास्ता है. वह यह कि जमीन का जो नाबराबर बँटवारा है उसे शान्ति के साथ बदल दिया जाय." या जैसा एक दूसरी स्पीच में चन्होंने कहा-"पुराने ज्माने में जब भी कोई संकट देश में भाता था तो हमारे पुरसा लोग यह किया करते थे. मैं भी इसीलिये एक यह करना चाहता हूँ और मैंने यह भूमि दान यह शुरू कर दिया है. मैं लोगों से कहता हूँ कि अपनी जमीने दान में दीजिये. इर एक को चाहिये कि इस यह में शरीक हो क्योंकि पह सकती बेहतरी में लिये हैं. हवन या यह में

عَا سُكِنا هِي هِو الْهِولِ فِي بِالْرِيالِي كُونِ مَهِن 25 هِيلِي عُو دي تهي --" اِس کارن کي آبادي 3000 هـ آور بهان واتيان المهي 3000 ايكو هي . ليكن 10 خالدان هي ساري ومهن ُ کے مالک ہیں جب کہ 600 خاندان نے رمین والے میں . کسی درجاتی صلعت یا دستکاری کا بهی انتظام نهدن هے . بدعرون كو سوت صرف الله مالمًا في له مهدال مدن أله دن اکلم چل جائے زمین کے برابر کے بتوارے کے ساتھ ساتھ دیہاتی دىقدون كى يهبى ترقى ھونى چاھئے . كاوں والے پيستو كمالے كى قصلهن نه يبدأ كريس أنهين جاهيَّم كه أناج بهدأ كرين آرد اتفی کہاس اکالیس که اینے کپونے کا سوال خود حل کو سكين . تيلنانه ، بين مصهبت يهي هے كه ربيعے كماتے 'والي قصلون جهسم مونگ پهلي اور تممانو يي انتها پهدا 🕶 کی جاتی ہیں .'' ہم یہاں یہ بتا دیں که پہسے کمانے وَالَّي قَصَارُنَ كَي - جَهِسِمِ أَيْكُهُ بِتَ سَنَ مُونَكَ فِهِلَيُ ا تمماکو رفهره -- کههای کے لئے جناتا کو محبور کرکے هات سرگار نے تاہے کے سوال کو اور خطرناک بدا دیا ہے، وتوہاجی ان سب چہزوں سے دلائے پریشان میں یہ اُن کی ایک دوسري إسههم سے جو 28 مئي دو دي گئي تهي پته چلتا هي سبه ! جاالهس سال پهلے جب مهن يوعما تها تو الله دریس کی حاامت کی بابت پوهکر آور سوچ رچار کرنے پر اصحے اُس پر دکھ موتا تھا۔ آج چالیس سال بعد بھی اُن بدالعون میں 'ولی فرق نہیں ہے ، اِسکے خلاف' وہ اور زیادہ له کو کئے بھی ا کا تھا لمکانہ میں جو کمیونسٹوں کے آندوای نے زور پکی ایا ہے اُسکی وجہ بتاتے هوئے ونوبا جی نے کہا --الله امیر اور رادس لوگ می کمهونستی کے پیدا هوجائے ا كه دمر دار هون . اصل بات يه ه كه كمهونست رئيس اليكون كي هي أولاد هيس ال

تهللکانه کی بهماری کو سمجه لهنے کے بعد دوسرا سوال جو ساملے أنا هے وہ هے إسكا عليم . كمي تسكون غریه سمنچها که زمیدی زبردستی چهین کر غریدوں میں عالم دينا أسكا علم هي حكومت أصلي مرض كي درا الول کے بحالے کدیواسٹاں کو نیست نایود کرنے میں المهلس لكي . وتوبا جي كو محسوس هوا- - "كمهونستون ﴿ كُمُ الْرُ كُو خُمَّم كُرِنْ مِينَ يُولِيسَ يَهِتَ كَامِيابُ لَهُ هُوسِكِمْ گی ، اسکو ختم کرنے کا تو ایک هی راسته هے . وہ یہ الله ومهن کا جو نا برابر بالواره هے أسے شانتی کے ساتھ بدار فيها جائ: " يا جهسا أيك دوسري أسهيج مهن أنهون نے 'كها-" الرائي زماني مون جب بهي كولي سنكت ديش بنهن آتا تها تو همارے پولها لوگ بیکهه کیا کرتے تھے۔ بُهُن بھی اُسلئے ایک یکھے کرنا چاعثا ہوں آور مھی نے الله بهرمی دان یکهه شروع کردیا ه . میں لوگوں سے کها هوں که اینی زمهدیں دان میں دیجئے . اور ایک گو چاغک که اِس یکهه مهن شریک هو کهونکه یه سب کی بہتری کے لئے ہے . عون یا یکید میں

है कि वहाँ कम्युनिस्टों का जोर है और हकूमत की दाल नहीं गलती. यह भी मशहूर है कि दम्यूनिस्टी ने वहाँ पर जबरवस्त आतंक जमा रखा है जिससे जनता बुरी तरह परेशान है. इस इलाक के इब बादमियों को, जो पैसे वाले और दौलतमन्द थे, अपना घर बार छोड़ कर हैदराबाद के शहर में ढिकाना खूँढना पड़ा. ऐसी हालत में हकूमत ने अपना कर्ज सममा कि लोगों की जान माल की हिफाजत करे और नुकसान पहुँचाने वालों को सजा दे. कहते हैं हैंद-राबाद की हकूमत और नई दिल्ली की सरकार दोनों मिलकर तेलंगाना पर टट पड़ीं और सिर के जुड़ों की तरह कम्युनिस्टों को बीन बीन कर फेंकब्रेने का तुफान मचा दिया. लेकिन मरज बढता गया च्यों च्यों दवा की. तेलंगाना के दिखयों की बाबाजतेज होती गई, उसे सुनकर एक इनसान का दिल तड़प उठा, बिना कोई हथियार लिये वह उनके दिल का हाल जानने की रारज से पैदल निकल पड़ा. यह गांधी जी के नामी सत्याप्रही बिनोबा जी हैं जिन्हों ने रामनवमी के दिन, 15 अप्रैल 1951 को, हैदराबाद के शहर से तेलंगाना के लिये कुच किया. जैसा उन्होंने एक जगह आगे चल कर कहा- 'शान्ति का संदेश फैलाने की स्नातिर शान्ति सेना का एक सिपाडी होने के नाते मैं तेलंगाना में घूमना चाइता था. बहुत अर्से से, मैं कई वजहों से अपनी इस इंख्या को पूरा नहीं कर सका. लेकिन, भगवान राम का भारीबींद लेकर मैंने अब यह दौरा शरू कर दिया है."

तेलंगाना में असली सवाज क्या है शविनोवा जी के सक्जों में-- "यहाँ पर कुछ लोगों के पास तो हजारों पकड़ क्सीन है और इस्त्र के पास एक इंच भी नहीं." जाहिर है कि मुट्टी भर आदमियों की तादाद तेलंगाना के लाखों बाशिन्दों की मेहनत व पैसे को चूस कर जी रही है, जिसकी वजह से ग़रीब और अमीर के बीच जमीन भासमान का भेद खड़ा हो गया है. इसी चीज से दहलकर और अपने राजकाजी खयालों से असर लेकर क़रीब पंद्रह बरस से कुछ कम्युनिस्ट नौजवान तेलंगाना के इलाके में अपने तरीक़ से जनता की खिदमत करने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन बद्किस्मती यह है कि इन बहादुरों ने अपने मक्रसद् को पाने की खातिर किसी एक निरिचत शास्ते को नहीं अपनाया. वह हर तदबीर अमल में लाए और अपने रास्ते की हर रुकावट को उन्होंने बेरहमी के साथ उखाड फेंका. यहाँ तक कि अमीरों के मकान जला डाले, कुछ को भौत के घाट भी उतार दिया और उनकी जमीन को वे जमीन बालों में बांट दिया. लाजमी सौर पर जमींदार लोग अपनी जान लेकर भाग निकले और इकुमत हैदराबाद का द्रवाज्य खटखटाने लगे.

31

तेलंगाना में आम रच्यत की हालत कितनी संगीन है इसका अन्दाज विनोबा जी की एक दूसरी स्पीय से लगाया

له رهان کیهونشگین کا زور ہے۔ اور حکومت کی جال ل گلای . يه يهي مشهور ۾ که کميونسالون ل ے پر زیردست آتنک جما رکھا ہے جس سے نا برق طرح پريشان هے . اِس علاله کے کنچه ہوں کو' جو بھسے وائے آور دولت مدد تھے' اینا گھر ہار رہ کر حهدرآباد کے شہر میں تهکانه تھرنڈھٹا ہوا۔ ایسی من میں حکومت نے ایٹا فرض سمجھا که لوگوں کی ، مال کی حفاظت کرے آور نقضان پہنچانے والوں کو دیے ، کہتے میں حیدرآباد کی حکوست آور نگی دلی سرکار دونوں ملکر تیلفانه پر دوق پویس آور سر کے ں کی طرنے کمورنسٹوں کو بین بین کر پھیلکدیا کا ان محياً ديا. لهكن مرض بوقعًا كها جون جون دوأ . تیلنانه کے دکھیوں کی آواز تیز هوتی گئی ، اُسے سلکو ، انسان كا دل توب أتها . بنا كوئي هتههار لئه ولا أن دل کا حال جالئے کی فرق سے پیدل ٹکل پوا ۔ یہ ھی جی کے نامی ساتھا گرھی ونوبا جی ھیں جدووں ام نومی کے دن' 15 ایریل 1951 کو' حیدرآباد کے شہر بللكاتم كے لئے كوچ كها . جيسا أنهوں نے أيك جكم چاکر کہا ۔۔۔'' شانتی کا سلدیش بھیلالے کی خاطر تی سینا کا ایک سیاهی هولے کے ناتے میں تیلنکانه عُمومدا چاما تها ، بهت عرص شے مهل کئی وجهوں اینی اِس اِچها کو پورا نهیس در سکا ، لیکن بهکوان رام شیبواد لے کر میں نے آپ یہ دورہ شروع کر دیا ہے ۔''

تيلنگانه ميں اصلى سوال كيا هے ؟ واوبا جي كے لفظوں ے ۔۔۔'' یہاں پر کچھ لوگرں کے پاس تو ہزاروں ایکر ن هے آور کچھ کے پاس ایک انبج بھی نہیں ." ظاهر له متهی بهر آدمهوں کی تعداد الملتانہ کے لاکهرن لدوں کی معصلت و پیسے کو چوس کر جی رھی ھے۔ کی وجہ سے فریب آور اُمھر کے بیج زمین آسمان کا د کہوا هوگها هے . إسى چهز سے دعل كر اور الله راج كاچى الوں سے اثر لیکر قریب پندرہ برس سے کچھ کمیونست وان تھا لماند کے علقہ میں انبے طریقہ سے جفتا کی مت کرنے کی کوشش کرھے میں ۔ لیکن بدقستی یہ که ان بهادروں نے ایم مقصد کو یانے کی خاطر کسی ا لشجمت واستم كو نهيل أيقايا . ولا هو تدبير عمل ی اللے اور ایم راستے کی هر رکاوت کو آنهوں نے بے رحمی ماتھ اُکھار پھیٹکا . پیماں تک کہ امیروں کے مکان جا ا کچھ کو موت کے گہات بھی آثار دیا اور اُن کی زمین ، زمين وألون مين بالبت ديا . لازمي طور ير زميلدأر البلي جابي ليعر بهاك نكله اور حكومت حيدرآباد رازه کهتکهتا نے لکے

تبللکانہ میں فلر ومیت کی خالت کتلی سلکین ہے ۔ کا انداز ولید جی کی ایک دوسری اسپیج سے لکایا

विनोबा जी की तेलंगाना यात्रा

"मैं जापके सुन्दर देश में पैदल घूम रहा हूँ जीर आप लोगों के बीच घूमने फिरने से इम सबको बड़ी खरी हासिल हो रही हैं. इस इलाक में लोग ईश्वर की प्रार्थना में गाने गाते हैं और हमारा स्वागत करते हैं. वह एक एक मील तक भजन गाते हुए चले आते हैं. वह तेलगू श्रीर हिन्दी में भजन गाते हैं. सच यह है कि यही हमारी क्रीम की ताक़त है. बहुत से राजाओं ने राज किया और खतम हो गए और इसने उन्हें मुला भी दिया. इस सिर्फ एक राजा को जानते हैं और वह भगवान राजा राम हैं. ईरवर का नाम गंगा की तरह मुसलसल जारी है. गंगा हर जगह मौजूद नहीं है लेकिन भगवान राम का नाम मौजूद है. तेलंगाना में मैं बार या पांच ज़िलों में घूम चुका हूँ, जब मैं नक्तगुन्हा किले में दाखिल हुआ तो लोगों ने गुमसे कहा कि आप दम्यूनिस्टों के इलाक़ों में दाखिल हुए हैं. तेकिन राम नाम का जो भजन मैंने आदिलाबाद जिले में सुना था वह इस नलगुन्डा चिले में भी सुना. कम्यूनिस्ट आयेंगे और जायेंगे लेकिन राम नाम का नहीं मिटा सकेंगे. राम नाम हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी ताक्रत है. पर इमने राम नाम का पूरा पूरा मतलब नहीं समका है. जो कोई भी राम नाम पुकारता है वह भगत होने का दावा करता है. लेकिन आखिर भगत है क्या चीज ? और भगवान कहाँ रहते हैं ? सबी बात यह है कि वह किसी एक कोने में नहीं रहते हैं और न वह बैकुन्ठ या कैलाश में रहते हैं. वह हर आदमी के दिल में रहते हैं. इसिलिये हम हर एक की सेवा करने और हर एक के साथ मुहब्बत करने का प्रन लेते हैं. इस तरह भगवान जो हर इनसान के विल में रहते हैं इस उनके सेवक बन जाते हैं. भजन गाना और हर इनसाम के साथ भूहब्बत रखना दोनों एक बात हैं. यही सबक्त इमें गीवा सिखकावी है." यह राज्य नलगुन्डा जिले के नागवाद गांव में एक मरी समा में शाम की प्रार्थना के बाप आचार्य विनोबा माबे ने 28 अप्रैल को कहे.

तेलंगाना देवराबाद रियासत के प्रबी इक्षाके का नाम है, जहाँ के लोगों की बोली तेलुगू है और जिनमें अतराजे वलदा नलगुन्हा, बरंगल, करीमनगर, महबूबनगर और निजामाबाद के जिले ह्यासिक हैं. सारे हिन्दुस्तान में आज तेलंगाना का नाम केला हुआ है और यह बाद महाहर

ونوبا جي کي تيلنگانه ياترا

''مهی آت کے سندر دیش میں پیدل گھوم رہا ھوں آور آپ لوگوں کے بیٹے گہومنے پورنے سے ھم سپ کو يوى خوشى حامل هورهى هي. إس علاق مين لوگ الهشور كي پرارتها ميس كالے كاتے هيں آرر همارا سواكت كرتے هيں . وہ ايك ايك ميل تك بهجن كاتے هوا جانے آتے میں ، وہ تیلکو اور هلدی میں بہجوں گاتے میں ، سم یه هم که یهی هداری قوم کی طاقت هم . بهت س راجاوں نے راج کیا آور خاتم هرکئے اور هم نے اُنهیں بھا بهي ديا . هم صرف ايك راجه كو جانات ههي أرد وا يهكوان راجه رأم هيس . ايشور كانام كذكا كي طرح مسلسل جاري هے . کلکا هر جاته موجود نهيں هے ليکن بهگوان رأم كا نام موجود ه. تهللتانه مهل مهل چار يا پانيج مُلْعُون وَهُن لَهُوم حِكَا هُون ، حِب مِين لَلْكُلْكَة صَلَّع منهن فأخل هوا تو لوكون نے منجهسے كها كه آب كمهونسكون كر علاقي مين داخل هوائه هين . ليكن رأم نام كا جو همجس مدن نے عادل آباد ضلع میں سفاتھا وہ اِس تلکفته قلع مهن بهي مقا . كميونست ألينكي آور جالهنگي ليكن وام نام کو تھھی مگاسکھی گے ، رام نام ھلٹسگان کی سب سے بوی طالت ہے ، ہر ہم نے رام نام کا پورا بورا مطلب نهیں سمجها هے . جو كوئى بهي رام نام پكاوتا هے ولا بهكس هول كا دعوا كرتا هي اليكن أخر بهكت هي كيا جهو؟ أور بهكوان كهال رهتے هيل ؟ سچى بات يه هے که ولا کسی آیک کونے میں نہیں رہتے میں آور نه ولا بهكلته يا كيلهي مين رهتے هيں ، وه هر آدمي كے دل مين وعالم مهن ، اسلکے هم هر ایک کی سهوا کرنے آور هر ایک کے ساتھ محصبت کرنے کا پرن لیکے میں . اِس طربے پہکران جو مر انسان کے دل میں رمعے میں م آس کے سورک بن جاتے ھوں . بھنجن کانا آور ھو انسان ع ساته معصمت رکها دونون ایک بات ههن ، یهی سبق منين ليتا سكهاتي هي ." يه شبد للكلدة ضلع كي ناگوالد کاوں میں ایک بهری سبها میں شام کی پرارتها کے بعد آجاریہ ونوبا بھارے لے 28 ایریل کو کیے ۔

تلیلگانہ حمیدرآباد ریاست کے پورہی علائے کا نام ہے جہاں کے لوگوں کی بولیٰ تھلکو ہے آور جن میں اطراف بلدہ نائلگنٹ ورنگل' کویم نکر' محصوب نکر اور نظام آیاد کے ضلع شامل ہوں، سارے هلدستان میں آنے تھلگائٹ کا نام پہچلا ہوا ہے آور یک بات مشہور

मिस सकेगा." अमरीका से कहीं बदकर अपने देस में हमारी सारी मुसीवतों की जब में किसानों की बुरी दासव ही है. इससिये उसे सुवारना हमारा पहला कर्ज है.

कुछ इधर और कुछ दधर फुटकर कोशिशें करने से काम नहीं बल सकता. हम खादी और दूसरे गाँव के धंदों को संगठित कर सकते हैं, देहातों की सकाई और तन्दुकरती सुभारने की कोशिश कर सकते हैं या स्कूल और रात स्कूल भी चला सकते हैं. ये सब कोशिशों अच्छी हैं, पर वे किसी पुखता बुनियाद पर खड़ी हैं यह तब तक नहीं कहा जा सकता जब तक इन कोशिशों के जिरये गाँव की माली हालत नहीं सुधरती. गाँव की माली हालत तभी सुधरी कही जा सकती है जब वे खाने और कपड़े के मामले में अपने पैरों पर खड़े हों, किसी दूसरे का आसरा न देखें. करोड़ों टन नाज बाहर से जाने से हालत सुधर नहीं सकती. यह तो सिर्फ ऊपरी मरहम पट्टी करना होगा. इसिलये कम से कम अब यह जकरी होगया है कि हमारे नेता हुकूमत से अपना दिश हटाकर उसे रचनात्मक काम में लगावें.

पंडित नेहरू की सरकार बाहरी तड़क भड़क और जाड़म्बर के बावजूद दूरदेश साबित नहीं हुई. हमारे देहातों की हालत सुधारने की जसने कोई नई तरकी नहीं सोच निकालीं. जहाँ कहीं हालत सुधारने की कोशिशों की गई वहाँ की हालत और भी बद से बदतर होगई, क्योंकि हुकूमत को गाँव की असली हालत से वाक्रिक्रयत नहीं थी और दूर बैठे बैठे केवल हुकुम जारी करके काम किया गया. हमें तो ऐसी सरकार चाहिये जो गाँव की जिन्द्गी के बिलकुत पास और उससे मिली रहे और गाँव वालों की जारूरतों को जाने.

क्या इस आशा करें कि पटना में इसारे जो नेता लोग इकट्टा हो रहे हैं वे हिम्मत के साथ और एक दिल हो कर इस सवाल को गांधी जी के बताए हुए रास्ते से सुलमाने की कोशिश करके देस को आनेवाली बरवादी से बचाएंगे ? •

('प्राम-उद्योग-पत्रिका' से)

ل سکے گا گا امریکہ سے کہیں برهکر آلے دیس میں ساری ساری مصیبتیں کی جو میں کسالوں کی بری عالمت هی هے . عالمت هی هے اسلام آلے سدهارتا همارا پہلا فرض هے .

کچھ اِدھر اور کچھ اُنھر پھٹکر کوششیس کرتے سے کام بھی چل سکتا ، ھم کھادی اور دوسرے گاؤں کے دھلاوں اور سلکتے ھیں اور دوسرے گاؤں کے دھلاوں اور رات مدھار نے کی کوشش کرسکتے ھیں یا اسکول آور رات اسکول بھی چھ سکتے ھیں ، یہ سب کوششیں اچھی ھیں اور واد کسی پختہ بلیاد پر کھڑی ھیں یہ تب تک نہیں جا سکتا جب تک اِن کوششوں کے ذریعے گاؤں کی مالی حالت تبھی سدھوی جالت نہیں سدھرتی ، گاؤں کی مالی حالت تبھی سدھوی اپنی جا سکتی ھے جب وہ کھائے آور کپڑے کے معاملے میں اور وی تا اسرا نہ دیکھیں ، اور وی ناج باھر سے لانے سے حالت سدھر نہیں سکتی ، اور سرت اوپری موھم پٹی کرنا ھوگا ، اس لیے کم سے کم اب یہ ضروری ھوگیا ھے کہ ھمارے نیٹا حکومت سے اپلا اب یہ ضروری ھوگیا ھے کہ ھمارے نیٹا حکومت سے اپلا اب یہ ضروری ھوگیا ھے کہ ھمارے نیٹا حکومت سے اپلا

پلتوت نہرو کی سرکار باھری توف بھوک آور آقسبر کے باوجود دوراندیش ثابت نہیں ھوئی ۔ ھمارے دیہاتوں کی حالت سدھار نے کی اُس نے کوئی نگی ترکیبیں نہیں سوچ نکلیں ، جہاں کہیں حالت سدھارنے کی کوششیں کی گئیں وھاں کی حالت آور بھی بد سے بدتو ھوگئی کیونکہ حکومت کو گاؤں کی اصلی حالت سے واقف نہیں تھی اور درر بیٹھے بیٹھے کیول حکم جاری کرکے کام کیا تھی اور درر بیٹھے بیٹھے کیول حکم جاری کرکے کام کیا کیا ، ھمیں تو ایسی سرکار چاہئے جو گاؤں کی زندگی کے بالکل پاس آور اُس سے مئی رہے آور گاؤں وُالوں کی ضرورتوں کو جائے ۔

کھا ہم آشا کریں کہ یکلہ میں ہمارے جو نیکا لوگ اکتھا ہو رہے ہیں وہ ہمت کے ساتھ اور ایک دل ہوکر اس سوال کو کاندھی جی کے بخائے ہوئے راستے سے سلجھانے کی کوشش کرکے دیس کو آنے والی بربادی سے بچائیلگے ؟ ہ

बगला क्रवम

(भाई जे. सी. अमारणा)

'कॉमरेस खब खपना काम कर चुकी है, और उसे अब खपना कप बदत देना चाहिये' यह बात गांधी जी ने कही थी. इसके बाद तीन बहुत खातक साल गुंधर चुके. हममें से झुझ लोग कॉगरेस के मुर्चे को बरक में रख कर उसके इब् गिर्ब नाचने में बहुत खुश नजर बाते थे. पर इस्स बर उसके बाद मुर्चे से सदन की बदबू बाने ही लगी. भी टी. प्रकाशम, बाक्टर प्रफुक्सचंद्र घोश बार आवार्य इपतानी सरीखे लोगों के पीछे झुझ कॉगरेसी इस मुर्चे को छोड़कर रास्ट्र में नई जान चूँकने के लिये बागो बढ़े. नई जान फूँकने के लिये कौन सा रास्ता आवतियार किया जायगा यही बाज सब लोगों के मन में बढ़ी सोचने की बात है. रास्ट्र की मलाई बाहने वालों की एक सभा जून में पटना में इस बात पर विचार करने के लिये बुलाई गई है.

गांधी जी ने सुमाया था कि कॉंगरेस को इक्सत बाहने बांबी राजनीत छोड़कर नई क्रीम तैयार करने के लिये एक रचनात्मक काम करने वाली संस्था बन जाना चाहिये जिससे इस देस के सात लाख गावों को, न कि शहरों और करवों को, समाजी, सदाचारी और माली आजादी हासिल हो सके. क्या अभी भी हमें गांधी जी के रास्ते पर चलने की बात स्फेगी, था हम अपने अज्ञान से हँसते हँसते बरबादी की तरफ बदते रहेंगे ?

अंगरेकी राज के जमाने में रचनात्मक कामों में भी कुछ कुछ राजनैतिक वृ रहती थी. उस संमय चरस्रे की बनियाव में मैनचेस्टर की जड एखाडना खास मक्सर था. अब यह सब बदलना होगा. अब हमें सारा ध्यान खेती को धरी मानकर गाँवों की फिर हे तामीर करने पर देना चाहिये. अब गाँव की समाजी और माली जिन्दगी इस तरह गड़नी चाहिये कि वह सक्ये जनराज की सुनियार कन सके. गाँव में ही सबको ऐसी दे तिंग मिलनी चाहिये कि कोई भी गाँव वाला आगे चल कर राजनीत में पडकर भी देस की सेवा ही करता रहे. हमारी राजनीत हमारी मासी जिन्दगी की दासी होनी चाहिये, मासिक नहीं. अमरीका जैसे देस में भी, जहाँ के सब धरे बड़े बड़े कारकानों में समाप हुए हैं, वहाँ के खेती विभाग के सेक दूरी श्री जनन, अपनी रिपोर्ट में कहते हैं, 'दुनिया भर के वेदावियों का रहन सहन सुधारने से और जमीन का जगान इस तरह तय करने से जिससे सब के साथ इनसाफ हो और सब बाइसिमों का मान बढ़े, केवल अपने देस को ही नहीं बरिक सारी हिनेया को राजकाकी और मासी टिकाव

اکلا قدر

(بھائی جے . سی ، کمار پہا)

المُعَارِيْسَ إِبِ إِبِنَا كُمْ مُرْجِعُي هِـ الرَّأْسِ إِبِ إَيْفَا ﴿ وَإِنِّ بدل دیدا جاهلے یہ بات کاندھی جی لے کہی تھی. اِسكم بعد تين بيت كهاتك سال كدر چكے . هم ميں سے کی لیا کانگریس کے مردے کو برف مہوں رگوہر اُسکے إرى كرد ناچلے ميں بيت خوش نظر آتے تھے . پر كچه عرمیے بعد مردے سے سون کی بدہو آلے هی لگی . شری لي براهم قائلر بريهل جدر كهوش اور آجاريه كرياني سریعی لواس کے پیچم کچه کانگریسی اِس مردیم کو جَهُورِكُو وَالشَّعُو مِينَ لَكُي جَانَ يِبُولُكُ فِي لَكُ أَلَّمَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ فکی جان یہونکلے کے اللہ کون سا راستہ اشتمار کیا جائمتا یہی آپ سب لوگوں کے من میں بوی سوچانے کی بات بھے ، راشتر کی بہلائی چاھانے والوں کی ایک سبھا جون مهن بلغه مهن إس بات ير رچار كرنے كرائے بلائى كئى ھ. الندهي جي نے سجهايا تها كه كانكريس كو حكومت جاهفے والی والے نیت جمور کو نئی قوم ثیار کرنے کے لئے لیک رجدانیک کام کرنے والی سدستھا بن جانا چاھئے عبس سے اس دیس کے سات لاکھ کاورں کو' نے کہ شہروں آور الصدين كوا سماجي سداچاري آرر مالي آزادي حاصل ھوسکے ، کھا ابھی بھی مسین کاندھی جی کے راسٹے پر بهللے کی بات سوجھ کی یا هم اند آکدان سے هنستے

جابستے بربانس کی طرف بوھتے رائیں کے ؟ انتریزی راب کے زمانے میں اجتالدک کاموں میں بھی کیه کچه راج نیتک بو رهتی تهی اس سے چرکے کی بنياد ميں مينچسر كى جر أكوارنا خاص مقصد تها . أب يه سب بدلنا مولاً . آب همين سارا دعهان كهيتي كو شهرى مانكر كاورن كي يهرس تعمير كرل ير دينا جاهكي. اب الوں کی سیاجی آرز مالی زندگی اِس طرح گوهلی المالي كه ولا ستج جن راج كى بلياد بن سك . كاون اللهن هي ساب كو ايسي تريلنگ مالمي جاهل كه كولي المهى كاول والا أكم جول كر رام نهت مين يوكر يهي ديس کی سهوا می کرتا رہے ، هماری راج نیت هماری مالی ﴿ إِلْعَلَى كَي دَاسَى هُونِي جِاهَيُّهُ مَالِكَ تَهِينِ ، امريكة چھسے دیس میں بھی' جہاں کے سب دھلدے ہوے ہونے کارشانوں میں سمائے ہوئے میں وہاں کے کھیٹی وبھاگ کے سکریکری شر پرنن ایلی رپورٹ میں کیکے ہیں' 2/ فنها بهر کے دیہاتھوں کا رهن سهن سدهارتے سے آور زمهن کا لٹان اِس طرح طے کرنے سے جس سے سب کے ساتھ أنصاف هو أور سب أدمهون كا مان بوهـ كيول اله ديس کو بھی نیھں' بلکھ ساری دنیا کو رأب کلجی آور مالی آگاو

अपना जसका करें, में मानता है कि इस के सिवा को अरिया निवाने बाबा नहीं हैं. मैंने सोशक्तिस्टों से भी यह की है, बाद कथी वे अमको मिले, वृसरे बदानों से भी बात की और पूछ लिया कि जमीन की तकसीम, जो कि ज़रूर करती. चाहिये, कर लो. तिस पर भी क्या भाग सममते हैं कि इन किसानी की हालत उतने से सुखर जायगी और बतने से बनको साल भर का काम मिल जायगा ? और इसमें से उनकी जीवन की जरूरते पूरी हो सकेंगी ? क्यां आप यह सममते हैं कि खहर बरौरा के बरौर कोई मशीनी स्कीम दस पाँच साल में ऐसी हो सकेगी जिससे लाखों करोड़ों को काम दिया जा सकेगा? तो इसका जवाब उनकी 'नहीं' में देना पड़ता है. उनको मानना पड़ता है कि और कोई रास्ता इम नहीं देखते हैं. लेकिन वे कहते हैं कि इसका मतलब यह होता है कि सरकार हम अपने इश्य में क्षे काँ भीर भपना समाजवाद का भीर इसरा प्रोपाम बजावें. तो हिन्दुस्तान की बाभी की दालत को देखते हुए जो सीचा सा काम इस कर सकते हैं वह करने, से इनकार करें और दस' पंद्रह साल के बाद कुछ बात होगी उसकी आशा में अपना जीवन बेकार बनाएं, ऐसी बात हो जाती है.

गारंधी जी का मन्त्र

इस्तिये आप सब लोगों से मेरी प्रार्थना है कि गांधी जी में जो खरर मंत्र हमें दिया है वह अभी की हालत में कमजोर नहीं दुआ है बल्फि ताकतवर दुआ है. यह जब कि मिलें 17। गंज कपड़ा। पैदा करती थीं, वह आज 12 गज पैदा करेंगी और जाहिर कर रही हैं कि इस साल आधा गज धौर पैदाबार कम होगी क्योंकि काफी इक्तालें हो चुकी हैं, तो मिलों पर आधार रखने के लिये कोई सबब नहीं है. चौर गांधी जी के जाने के बाद कोई पेसी दूसरी हालत पैदा नहीं हुई है जिससे खादी को अलग करके भी हम अपने सवात हत कर सकते हैं. अगर किसी के मन में कोई स्कीम आई है और बिना सहर के हमारा काम निभ आवगा, ऐसा किसी को लगा है, तो उससे चरचा करना बाहुँगा और कोई दलीखें उसके पास हैं, कोई सबूत हैं तो मैं जानना चाहुँगा, लेकिन अगर ऐसा सबूत मिलता नहीं है तो इस सब सोग खादी के काम में अपनी अद्धा ताजा करें, पक्की करें और खादी का शास्त्र (इल्म) जितना अरपूर बना सकते हैं, सतना बनाने में अपना सहयोग दें. इसमा कह के मैं जाहिर करता हूँ कि यह प्रवर्शन मब खुला.

لفت الن و الله الله الله الله الله الله ر مون ما والا نبين ه. مين ا شاستان سے بھی بات کی ہے' جب کیبی وہ سویگو ہا۔ هوسر ، جوانوں سے بھی بات کی اور پوچه لها که ين كي تقسيم جو كه ضرور كرنى چاهكے كرلو ، بر بھی کھا آپ سمجھھے ھوں که اِن کسانوں کی الت اُلئے سے سدھر جالیکی اور اُلئے سے انگو سال بھو کار مل جالیکا ؟ آور اُس میں سے اُنکی جهرن کی ورتهن پوري هرسکيس کي ؟ کها آپ يه سمجهتے ههن کھدر وفہرہ کے یقهر کوئی مشهلی اسکیم دس یاتی ل میں ایسی ہو سکے کی جس سے لاکورں کرووں کو ديا جاسكم ال ؟ إسكا جواب أن كو "نهين" مين ديالا تا هے . أن كو مالكا يونا هے كه آرر كوئى راسته هم تهين عهتم هيل ، ليكن وه كهتم هيل كه أسكا مطلب يه تا ھے کہ سرکار هم آنے هاته مهن لے لهن أور أيمًا سماج ن کا اور دوسرا پروگرام چلاویون . تو هندستان کی ایمی کی الت كو ديكها فول جو سهدها سا كام هم كو سكتے هيں کرتے سے اِنکار کریں آور دس پلدرہ سال کے بعد کچھ ت هوكى أسكى آشا مهن ايقا جهرن بهكار يقالين، سی ہات ہوجاتی ہے .

الاده_{ى ج}ى كا ملعر

إسليم آپ سب لوگوں سے مهري پرارتها هے که گاندهی ر نے جو کھدر منٹر همين ديا هے وہ ابھی کی حالت يس كمزور نهيس هوا هي بلكة طاقت ور هوا هي . ية جب ، ملیں 17 کو کہوا پیدا کرتے تھیں' وہ آے 12 کو پیدا یں کی اور ہامر کررھی میں که اِس سال آدیا کو آور داوار کم هوکی کهونکه کافی هوتالیس هو چکی هیس. ، ملوں پر آدھار رکھنے کے لئے کوئی سبب نہیں ہے . ر اللذھی جی کے جائے کے بعد کوئی ایسی دوسری عالمت پیدا نہیں ہولی ہے جس سے کھادی کو الگ رکے بھی هم انھے سوال حل کرسکتے دیں . اگر کسی کے ن میں کوئی اسکیم آئی ہے آور بقا کھدر کے عماراً کام به جالها ایسا کسی عولنا ها تو اس سے جرجا کرنا جاهوں کا اور کوئی دایلیں اُسکے پاس میں کوئی ثبوت بهن تو مهن جانفا جاهون 8 ، ليكن أكر ايسا ثبوت طلقا ہیں ہے ہو هم سب لوگ کهادی کے کام میں اپلی شردها ازه کریں کی کریں آور کھائی کا شاستر (علم) جعدا مريور بقا سكتے هيوا أتنا بقالے ميں أيقا سبيوك ديور. تنا کیے کے میں فاہر کرتا میں که یه پردرشی اب کہل يا 🚓 🐧

and the state of t

बौर कह रहे हैं कि माहकों स्वराज मिल गया है. जिनकें नाम से बौर जिनके काम के खिये आपने स्वराज हासिल किया उनकी सेवा के लिये फुरसत पाइये और आइये, ऐसी पुकार हो रही है.

खादी की अहमियत

खास करके इस हैदराबाद स्टेट में जो देखा, उसने खादी के लिये मेरी अदा और मी पक्की कर दी. और बहुत लोगों का, यह जो खयाल होता था कि हाता कि खादी की जरुरत आज भी कम तो नहीं है, फिर भी कुछ दूसरे पहलुओं पर जोर देना आज शायद ज्यादा जरूरी होगया है और खादी का काम, मुमकिन है आगे न भी चले, यह जयाल मैंने रालत पाया. वहाँ लोगों से पूछा, जो साय बाए थे उनसे भी पूछा कि क्या इन देहातों को सिवा खदूर के कोई ऐसा जरिया है जिससे उनको कोई राहत पहुंचा सकते हैं ? इमदाद दे सकते हैं ? ढारस पैदा कर सकते हैं ? तो मैंने तो कोई जरिया नहीं पाया, जाहिर बात है कि जो चीज हर आदमी इस्तेमाल करता है, और चाहे फाक्ना भी करले, लेकिन बिना कपड़े के नहीं चल सकता. क्योंकि वह सभ्यता की निशानी समभी गई है, ऐसी जो चीज और जिसका कच्चा माल गाँवों में पड़ा है वह धंदा गाँव का रिज़र्व धंदा होना चाहिये. वह वहाँ से झीना गया है और रूसरे भी कई धंदे जिनके लिये कच्चा माल गाँवों में पड़ा है, उनके हाथ से छीन जिये गए हैं और छीने जा रहे हैं. ऐसी हालत में सिवा गाँव के उद्योग धंदों के कीर उसमें भी सिवा खादी के और कौन सा धंदा हम उनको दे सकते हैं ? कौन सा ऐसा जरिया है जिससे उनको राहत पहुँचा सकते हैं ? इस पर बहुत सोचा. लेकिन गाँवों की मदद करने का इससे बेहतर साधन नहीं देखा. हाँ, सफाई का काम है. आदमी का मैला बेकार जा रहा है. इसका इस्तेमाल करने की स्कीम बना सकते हैं. और भी कुछ काम कर सकते हैं, लेकिन उन सब कामों को करवे हुए भी उनको खादी के काम से जितनी राहत हम पहुंचा सकते हैं, उतनी और किसी काम से नहीं पहुँचा सकते. यह बात लुद ब खुद साबित सी मुक्ते लगी और मैं मानता हूँ कि हममें से जो भी गाँव में पहुँचेगा, उसको वैसी ही लगेगी.

भकेला सहारा

लेकिन सिर्फ इस फलसके से काम होने वाला नहीं है. अपने मन में यह संकल्प (अहद) कर लीजिये की यह जो खादी का मंत्र है, वह हम हिन्दुस्तान के हर एक किसान के पास पहुँ चाएँगे और इस बारे में हार नहीं खाएँगे. ऐसा शक नहीं करेंगे कि दूसरे बहुत सारे काम पड़े हैं तो इस पर ही इसना जोर क्यों ? अगर ऐसा शक पैदा होता है तो इन गांबों का दुर्शन करें और दुवारा सोचकर آور کی رہے میں کہ بہائیوا سوراج مل گیا ہے ، بھاگیے عام سے آور جدکتے کام کے لئے آپ نے سوراج خاصل کیا اُن کی سہوا کے لئے فرصت ہائیہ آور آئیہ' ایمی یکار ہو رہی ہے ،

🕬 گهادنی ایی اهمیت ۽

خاصکر کے اِس حیدرآباد استیت میں جو دیکھا أسلم كهادي كے لئے مهرى شردها أور بهى يكى كو دىي . أور بهت لولول كاليه جو خهال هوتا تها كه حالاتكم كهاكس کی فرورت آج بھی کم تو نہیں ہے پہر بھی کچھ درسرے پہلوؤں پر زور دینا آج شاید زیادہ ضروری هوکیا هے آور كَهَادُى كَا كُلُم مُسكن هِ آلَے نه بهي چلي يع خيال مين نے فلط فایا ، وهاں لوگوں سے پرچھا، جو ساتھ آلے تھے أن سے بھے پونچھا کھ کھا اِن دیہاتوں کو سوا کھدر کے کوئی ایسا فریعه هے جس سے اُن کو کوئی راحت پہنچا سکتے میں؟ امداد دے سکتے میں ؟ تعارس پیدا کر سکتے هیں ؟ تو مُوں نے تو کوئی ذریعہ نہیں پایا ، ظاهر بات ہے کہ جو خِيرٌ هُرُ آدمي استعمال كرنا هـ ' آرر چاهـ قاله يهي كرلهن لَيْكُنِّي لِنَا كَيْرِي كِي نهين چل سكتا . كيونُكه وه سبهيتا كُنُ بُهَاتِي سَنجِهِي كُنُي هِي ، أيسي جو چيز آرر جس كا کھا مال کاوں میں ہوا ہے وہ دھندا: کاوں کا ریزرو دھندا هونا المحاهية و ولا ومال سے جهدما كيا هے أور درسرے بهي کئی دھندے جن کے لئے کچا مال کاؤں میں ہوا ہے' اُن کے عاتم سے چہیں لئے گئے میں اور چہیئے جا رہے میں . ایسے حالت میں سوا گارں کے اُدیوگ دھندوں کے اور اُس میں بھی سوا کہادی کے اور کون سا دعندا هم اُن کو دے سُمُعِيمَ هيں ؟ كون سا أيسا ذريعه هے جس سے ااُن كو راحت يهلجا سكتے هيں؟ اِس پر بہت سوچا . ليكن كاوں كىمدد كرنے كا إس سے بہتر سادهن نههن ديكها . هان صفائي ، كا كام هم . آدمى كا مهلا بيكار جا رها هم . أس كا استعمال کرنے کی اسکیم بنا سکتے هیں آور بھی کچھ کام کو سکتے غين . ليكن أن سب كامور كو كرته مواء بهي أن كو كهادي ك كلم سے جندى راحت هم بهندها سكتے هيں' أتكى أور کُسی کام سے نہیں پہنچا سکتے . یہ بات خود بطود ثابت سے مجھے لکی آور میں مانتا ہوں کہ ہم میں سے جو بھی الماون مهن بهنجے کا اسکو ریاسی هی لکے کی .

العلاشيارا

لیکن صوف اِس فاسنے سے کام هونے والا نہیں ہے ۔
اپھ میں میں یہ سلکاپ (عہد) کرلیجئے کہ یہ جو
کہادی کا منتر ہے وہ ہم هندستان کے هر ایک قسان
کے پاس پہنچائیں گے آور اِس بارے میں هار نہیں
کہائیں گے ، ایسا شک نہیں کرینکہ کہ درسرے بہت
سارے کام ہوے هیں تو اِسٹر هی اُننا زور کیوں ؟ اگر ایسا
شک پہذا هوتا ہے تو اُن گاؤوں کا درشن کریں آور دربارہ سرچکر

मास गाँवों में जोरों से आयगा. आज भी काफी वावाद में भावा है, और वह जो थोड़ा सा बचा हुआ काम है वह भी बरबाद हो सकता है, यह सब कुछ इमने देखा.

गाँव की प्रकार

कई देहात ऐसे मिले कि आगर हमें यहाँ, शिवरामपन्नी में, आने की जरूरत न होती तो वहीं चंद रोज रह जाने की इंच्छा होती. क्योंकि एक जगह देखना, वहाँ की कमियाँ महसूस करना, उनको हम इल कर सकते हैं ऐसा विश्वास करना और फिर भी उस जगह को छोड़कर आगे बढ़ना, यह अच्छा नहीं सगता था. फिर भी वह करना पड़ा. जहाँ जहाँ हो सके वहाँ लोगों में मुक्रामी ही काम करने वाले निकलें, ऐसी कोशिश भी की. अनुभव का सार यही है कि इस जो अक्सर शहरों में काम करते हैं और शहरों से सम्बन्ध रखते हैं वे अपना शहर का सम्बन्ध कायम रख कर भी अगर अपनी रहने की जगह देहात ही में रक्खें और इसमें से हर एक के नाम पर अगर एक देहात रहे तो बहत भारी काम होगा.

बहुत दफा सोचता हूँ तो लगता है कि यह क्यों नहीं हो सकता कि जो भी काम हम करते हैं, चाहे कोई काँगरेस कमेटी का आफिस भी चलाता हो, तो वह किसी देहात में क्यों न खोते ? जहाँ पोस्ट आफिस बरौरा का कुछ सभीत। हो, ऐसे देहात में वह बैठ सकता है. और अगर हम में से कोई शहर के नजदीक ही रहना चाहते हैं तो वे शहर के नकदीक का गाँव लेकर बैठ सकते हैं. वहाँ रहने से ही कुछ न कुछ गाँव का सम्बन्ध आयगा. और 'देहात में जाना चाहिये' यह जो पुकार बापू ने उठाई थी, उसको कुछ इद तक इम पूरा कर सकते हैं. देहात के लोग बहुत आशा रखते हैं कि गांधी जी के बाद उनके सेवक कुछ न कुछ काम करेंगे, उनकी सेवा में लग जायँगे, दूसरे बहुत सारे सोग कुछ सेवा करते भी हैं, फिर भी वह सिर्फ नाम को होती है, जोश दिलाने वाली नहीं होती है और बेलाग तो होसी ही नहीं है. इस वक्स जरूरत है बेलाग सेवा की. यानी देसी सेवा की कि जिसके पीछे कोई दूसरा मकसद न हो, सिवा इसके कि जिनकी हम सेवा करते हैं उनकी सेवा करके बनको हिस्सत देना और सदद पहुंचाना आज कल जो सेवा की जाती है वह अपने निजी स्वार्थ के जयाल से की जाती है और वह भी बहुत कम. देहात के पीछे देहात देखे गए जहाँ बहुत स्त्रोग पहुंचे भी नहीं हैं. वहाँ अगर कोई सभा हुई तो एबेक्शन की हुई, और कोई सभा नहीं हुई. जहाँ इल्म ज्ञान का अबार नाम की, भी नहीं है, जहाँ किसी तरह की रोशनी नहीं पहुंची है, जहाँ स्कूल भी नहीं है, जहाँ वचों के विकास का कोई खयाल नहीं है, ऐसे कई गाँव देले. इमकी वे सारे गाँव के लोग बुला रहे हैं

، الروال معلى زورون سے آلها۔ أج يمي كاني تعداد مهن أيا اور يزه بحر تموراً سا بحيا هوا كام هـ وه بهى برياد هوستعا یہ سب کچھ ھم نے دیکھا ۔ کوں کی پکار

کگی دیہات ایسے ملے کہ اگر ہدیں یہاں' شہو رام پای ' آنے کی ضرورت نه هولی تو وهيس چند روز را جانے ، إجها هوتي ، كيونكم ايك جكم ديكهدا وهال كم كمهال سوس کونا اُن کو هم حل کر سکتے هیں ایسا وشواس آور پهر دهي أس جات كو چهور كر آكي بوهنا به أجها ل لکتا تها ، پهر يهي وه كرنا يوا ، جهال جهال هوسك ا لوگوں میں مقامی هی کام کرنے والے نکلیں ایسی اس بھي کي . انرپهو کا ساريبي هے که هم جو اکثر یں میں کام کرتے ھیں آور شہرون سے سمبلدھ رکھتے ، ولا أينا شهر كا سميده قائم وكهكر يهي أكر أيدي رهني جگہ دیہات هی مین رکهیں اور هم میں سے هر ایک ام پر اگر ایک دیہات رہے تو بہت بہاری کام هوگا .

بهت دفعه سوچها هور تو لکها هے که یه کیور نهیں کالا که چو بهی کام هم کرتے هیں چاهے کرئی کانگریس لى كا آفس بهي چلاتا هو اتو وه كسي ديهات مهن كهون مرك ؟ جهال يوست آنس وفيرة كا كجه سبهيتا هو دیہات میں وہ بھٹھ سکتا ہے ، اور اگر ہم میں سے ، شہر کے نزدیک می رها چاہتے میں تو وہ شہر کے ا کا گاؤں لیکر بیٹھ سکتے ھیں ، وھاں رھلے سے ھی نه کچه کان کا سنبنده آنے کا ، آرد دیہات میں جانا ائے' یہ جو پکار بانو نے اُٹھائی تھی' اس کو کھچ حد هم پورا کر سکتے هيں . ديهات کے لوگ بہت آشا ، هیں که کاندهی جی کے بعد أن کے سیرک کنچه ته کام کریدگیے . اُن کی سیوا میں لگ جائیں گے . دوسرے ، سارے لوگ کچھ سهوا کرتے بھی هيں ، پهر بھی وه ، فام کو عوتی هے جوهی دلانے والی نههن هوتی هے له لاك تو هوتي هي نهين هي . إس وقت ضرورت ه ال سهوا كي . يعنى أيسى سيوا كي جسك يدجه ر دوسرا مقصد نه هو! سوا إسكيم كه جذكي هم سهوا هیں اُن کی سپوا کرکے اُن کو همت دیلا آور مدد چانا ۔ آب کل جو سہوا کی جاتی ھے وہ اپنے نجی سوارتھ خیال سے کی جاتی ہے اور وہ بھی بہت کم. ت کے پہنچھے دیہات دیکھے گئے جہاں بیت لوگ چ بھي نيھيں ھھي . وهان اگر کوئي سيها هوئي تو هن کی هوای آور کولی سیها نهیں هوائی . جهاں کھاں کا پرنجار تام کو بھی نہیں ھے جہاں کسی طرح (رشلى نهدين بهليسي بها بديان اسكول بهي نهدي جهان الجوالة عروكاس كا كولين خهال نهون ها أيسم ، گائل علیکھے ، همکو وہ سارے گاؤں کے لوگ بلا رہے همی

देहात की जीवन बूटी •

मेरे कत्यंत प्यारे भाइयो और बहनो !

पेरस यात्रा का यह मेरा आसिरी दिन है. हैदराशद से यहाँ तक का छोटा सा पाँच मील का सकर बाज हुआ. रास्ते में परमेश्वर की कृपा से सब तरह से अध्या रहा भीर बहुत ही दिलचस्प तजरने हुए, देहात के कोगों में जोश देखा. शहरों में भी जोश कम नहीं था. सेकिन देहात में एक खास भावना देखी जिससे यह साक खाहिर होगया कि हमारा वहाँ पहुँचना कितना जरूरी था और है. रोज हम बैसे ज्यादा नहीं चलते थे, लेकिन कोशिश वह होती भी कि छोटे छोटे गाँव में मुकाम करें. कई छोटे छोटे गाँव देखने में जाए. जहाँ बन सका वहाँ गाँव के वसें में भी भूम आया. हालाँ कि मैं तेलगू जानता हूँ, पर तेलगू में बात नहीं कर सकता. फिर भी जितना कुछ ज्ञान या इसका बहुत इस्तेमाल हुआ-प्रेमभाव बढ़ाने में. जब मैंने हन भाशाओं का अभ्यास शुरू किया या प्रेमभाव के विकास की नज़र से, तो प्रार्थना में मैं. रिथत प्रज्ञ के लक्स वेलग् भाशा में बोलता था. मैंने देखा कि वे लक्षण उनके देल तक सीधे पहुंच जाते थे और उनको महसूस होता रा कि अपना ही एक भाई बोल रहा है. बहुत प्रेम से लोगों । हमारा स्वागत किया.

गाँव की गिरावट

गाँवों की जो हालत हमने देखी वह जैसा हम सोचते। वैसी ही थी. इतना ही नहीं, बल्कि बदतर थी. इतनी क्लना हम घर बैठे नहीं कर सकते थे. सिवाय खेती के, ते एक ही धंदा उनके हाथ में रहा है, और कोई धंदा कई हातों में वहीं देखा. कुछ देहात ऐसे जरूर थे कि अहाँ सरे दो बार धंदे चलते थे. लेकिन कुछ ऐसे भी देहात के जहाँ वे भी छोटे छोटे धंदे मौजूद नहीं हैं. कुछ औरतें तिसी थीं. कुछ आदमी भी कातने वाले देखे. और अपने ति का कपड़ा पहनने वाले भी कुछ देखे. इस पर से यह हिए हैं कि यह एक धंदा ऐसा या और है कि को हर खत में देहात में बल सकता है. लेकिन अभी इस मुलक आमद-रक्त के साथन वहुत नहीं हुए हैं और सक्कें न रही हैं. लेकिन जैसे जैसे में साधन वहुती, बाहर का

क सर्वोदय सम्मेकन, शिवरामपत्नी, हैदराबाद में भूमें '51 को भी विमोवा की का भारान को कन्होंने सर्वस को करे बाद काँ दिया. मारा। कहीं कहीं भासान र की कहें है.

ويهات كي جيون بوتي .

ميريد الاعلت بهارے بهالهو أور بهلو!

پیدل یادرا کا یہ میرا آخری دن ہے . حهدرآباد سے یہاں تک کا جہوتا سا ہانے میل کاستر آج هوا . واستم میں پرمهشور کی کریا سے سب طرح سے انہما رھا اور یہم ھی دلهسب تجريه مرئه . ديبات كم لوكس مهل جرهي ديكها . شهرون میں بھی جوش کم نہیں تھا ، لیکن دیہات میں ایک خاص بهارنا دیکهی جس سر یه صاف طاهر هرکها که همارا وهان پهنستيا کتنا ضروري تها اور هے . روز هم وبعيم زياده ندين چلتے تھے' ليكن كوشش يه هوتى تهى كه جهوتي چهوتي كان مهن مقام كرين ، كئى چهوتي چهوته کاوں دیا کھیے میں آئے ۔ جہاں بن سکا وهاں کاوں کے گھروں مهن بهي الهوم آيا ، حالانكه مين تيلكو جانتا هون ور تهاكو مريس باس نهيركر سكتا . يهر بهي جتفا كچه گهان تها أسكا بهت استعمال هوا-- بريم بهاؤ بوها في مهن. جب مهن نے ان بھاشاؤں کا ابھیاس شروع کیا تھا پریم بھاو کے وکاس عی قطر سے اور پرارتھنا میں امیں سعیت پرکیہ کے لکھن ٹھٹھو بہاشا میں براہا تیا ۔ میں نے دیکھا که وہ لکشن أن كے دال تك سيدھ دہليم جاتے تھ اور أن كو متصوس هرتا تها که اینا هی ایک بهائی برل رها هے . بهت پر یم سے ليلون في هماراً صراكت كيا .

الموں کی گراوت

[&]quot; سروود می سنیان شهورام یلی حهدرآیاد میں 151 کو فرق ولوہا جی ایمانی بیافن جو آنھر فی اسالھی کو ایمانی کو

कावारी काने. जनता का नेता जनता की सरकार ने कर् किया और अवता के ही काम के तिये, फिर बेकार का मोद क्यों !

क्षतकार शोर मचा सकते हैं कि अगर राय ली जाकेगी की हमारी बात को कुछ भी राय न मिलेगी. इस से क्या होता है. सोमनाय में चालिर यूँमी तो वह चीजा जायगी जिसे भारत की 100 की सदी जनता अपनाये हुए हैं, कोई इमें रोक कर ठीक करने लगेगा, नहीं नहीं 'पचास की सदी'. तब हम कहेंगे कि जाइये और सोमनाय के दर्शन कीजिये और इमारी सचाई की जाँच कर लीजिये!

बापू! बाप मुसकराते क्यों हैं ? इस तो सच ही कह रहें हैं!

-भगवानवीन

नाच

नाच रहे मन नाचे जायो क्षीग हुँसे हुँसने दो उनकी, अपने राम रिकाओ

दुनक दुनक चुँघर बजने दो सुख रस साज सजा सजने दो यह ही रंग मुक्ते इजने दो नेक न सोचो इघर उघर की, गाओ वान उदाछो.

थिरक थिरक कर जो किरकैयाँ खडे सामने राम गुसैयाँ बाब न छोड़ना इनकी छैयाँ. हिलाने दो अब दुड़ी गरदन, हाँ नैना मटकाओ

कंघा अपनी बारी अले छाती सुख सांसों से फूले बाँह एठे आ नीचे मृतो हो नितम्ब बेखटक मटकने, कमर मुका लचकाओ

सिर का घड़ा न रसी उलके हाथ कटोरा नेक न इसके ऐसे नाची इलके हसके पाँच तले का एक बताशा, को तुम तोड़ न पाकी

लग बाओ अब बाँह उठाने चौर कलाई हो सच्छाने उंगकी पोर पोर खहराने अपने तन में औरों के भी, सुख विजली लहराओ -- भगवानदीन جلالا لا فهال . جلعا كا يهسه جلعا كي سركار لـ غري كيا ارر جَلَيْنَا كِي هِي عَلَم كِي لَكُ عِهِم بِهِ لَا يُعَادِ كَا هُورِ كَهِينِ !

بعركار شور معها سكتے هيں كه أكر رأت لي جاريكي او هناري يات كو كجه يهي زائي نه ملير كي . اِس سے كها هوتا ھے ، سومعاته مهن آخريس بهي تو وه جهز آئيكي جسي بهارس کی سولیصدی جلعا اینائے مولے ہے، کوئی هنیں روک کو تبیک کرلے لگے ۱ ' نہیں نہیں ' پنچاس نیصدی' . تب هم کیس کے که جائیے اور سرمناته کے درمی کیجائے اور هناري سجائي كي جانب كر ليجئه ! بايو! أب مسكرات كيون هين ؟ هم لو سي هي كهه

رھے میں ا

ــبهكوأندين

خان

ناچ رہے من ناچے جاؤ لوگ هفسیں هفشنے دو اُنکو' ایے رام رجهاؤ

تهلك تهلك گهلكهرو بجلے دو سکھ رس ساہے سجا سجائے دو یه هی رنگ مجهد چهجاد دو نیک نه سوچو اِدهر ادهر کی کاو تان اواو

تهرک تهرک کرلو پهرکيان کھوے ساملے رام کسیاں . أب نه چهورنا إن كي چههال هلغه دو اب لايتي گردن وال نينا متكاو

کندھا اپنی باری أولے چھاتی شکھ سائسوں سے پھولے بانه أتم أنهج جورك دونتسب نے کھٹک مٹکئے کی جما لحکا

سرکا گھڑا نہ رتی تھلکے هاته کاررا نیک نه چبلکے أيس ناخو هاكر هاكر پاؤں تلے کا لیک بعاشہ جو تے تور نہ پاؤ .

لك جاء أب يانه أتهاني پور پور لهرا<u>ئے</u> آھ تن میں آوروں کے بھی سکھ بجلے لیراؤ -بهکوان دین

में बिनाइ जानिक रहम है. विवाद की सब रहमें भी धार्मिक होती हैं, वह गालियाँ भी धर्म समम कर गाई जाती हैं जीर बूदे बड़ों से हमने यह सुना है कि वह सीता जौर रुक्मनी के विवाह के जबसर पर भी गाई गई थीं. और रास लीला में तो अब भी हम उसका रिवाज देखते हैं. इसलिये आज हमें बड़ा दुल हो रहा है कि 'मद्र संस्कृति' की ऐसी एक रस्म को तो इकर हमने वहीं काम किया जो उसने किया, जिसने सती प्रथा तोड़ी या जिसने सोमनाथ का मन्दिर तोड़ा. अब हम चाहते हैं कि गाली की इस रस्म को फिर से जारी करने की रस्म के लिये रारद्रपति को जुलकार्ये और भीक माँगकर उसके लिये सार्वा जुटायें, क्योंकि मजदूरी करके तो हम आज के हिन्दुस्तान में, तीन जनम में भी इतना पैसा नहीं जुटा सकते!

बापू। जब अंगरेज यहाँ राज करते थे तो हुकूमत करने के नाते कुछ ऐसे काम कर बैठते थे जो लोगों की नजर में जुल्म माने जाते थे—जैसे जिल्लियान वाला बारा, मोपला इन इंजडी, विमूर आरटी दुर्घटना .

कोग तो, नासमकी से, माँ बाप अगर वच्चे को दो चपत जमा दें तो इसको भी ालत समम बैठते हैं, असल में इस तरह के कामों को समकते के लिये मामूल से ज्यादा बुद्ध चाहिये! श्रंगरेजी राज में यह काम ईसाई धर्म के जानकार गदरी किया करते थे, खीर वही ठीक ठीक बता सकते थे. परकारी काम कोई मामूली काम तो होते नहीं जिन्हें हर कोई समम ले: उसको सममने के लिये सन्तों की श सन्त जैसों की जरूरत होती है! सन्त-जैसों के बगैर वे वह समफ में आ ही नहीं सकते. बापू! आज काँगरेसी सरकार के बहुत से काम इतने पेचीदा और बहुत से रेखने में इतने बेतुके मालूम होते हैं जिन्हें हर कोई नहीं समम्ब सकता. इसिलये इन कामों को सममने के लिये पन्तों या सन्त जैसों की जरूरत है ! और यह काम वर्धा के 'हरिजन' और 'सर्वोदय' पत्रोंने ले रखा है. हमारे रेस के भलेमानस पत्रकारों को इतना भी नहीं सुमता के अपने पत्रों में सरकारी कामों पर राय देने से पहिले 'हरिजन' और 'सर्वोदय' पढ लिया करें!

सोमनाथ को लेकर ही जून सन इक्यावन के 'सर्वीह्य' में राक्ट्रपति के प्रमास पाटन जाने के बारे में साफ राय शे नई है, और वह यह कि वहाँ जो कुछ हुआ, वह करी हुआ जिसको हिन्दुस्तान की जनता चाहती थी! और बनता की सरकार वह न करे, जो जनता चाहती है, तो और क्या करें?

अनता का भारत, जनता के पहाड़, जनता के पत्थर. इसी अवर से तैयार हुए जनता के सोमनाय, जनता के लड़ جبھی وواد تھاوسک رسم ہے۔ پواد کی سب پسلامی مسلم ہیں فحرم بھی جمارسک موتی میں ود کانیاں یہی فحرم سیا ہیں جاتی میں آور بوڑھے بڑوں سے هم نے یہ سیا ہے کہ وہ سیتا آور رکسلی کے وواد کے آوسر پر بھی کائی کئی تھیں۔ آور راس لیلا میں تو آپ بھی هم اُس کا وواج کی بھی ہے ہیں اِسلامی آے ہیں بڑا دانہ هو رها ہے کہ ' بھدر سیسکرتی ' کی ایسی ایک رسم کو تور کر هم نے وهی کام بیسترتی ' کی ایسی ایک رسم کو تور کر هم نے وهی کام بیوسلانہ کا میدر تورا ۔ آپ هم چاهتے میں که کالی کی اِس بوسلانہ کا میدر تورا ۔ آپ هم چاهتے میں که کالی کی اِس بیسم کو پہر سے جاری کرنیکی رسم کے لئے دراشار پاتی کو بیونکہ مزدروی کرکے تب هم آجکے هندستان میں' تیں جنم میں بھی اِنتا ہیست نہیں جاتا سکتے اِ

The state of the s

یاپو! جب انگریز یہاں راج کرتے تھے تو حکومت کرنے کے ناتے کچھ ایسے کام کر پیٹھتے تھے جو لوگوں کی نظر میں طام مانے جاتے تھے — جیسے جلیان والا باغ' موبلا تریین تربحتی جمید کیا۔

الوگ تو' ناسمتههی سے' ماں باپ اگر بتھےکو دو جہت جمادين تو أسكو يهى غلط سمجه بيالهاتم هيان . امل مهن اِسطرم کے کاموں کو سمجھنے کے لیے معمول سے زیادہ بدهی چاهگے! انگریزی راج.میں یه کام عیسائی دهرم کے جان کار پادری کیا کرتے تھے اور رھی تھیک تھیک بعا سکھے تھے ، سرکاری کام کوئی معمولی کام تو ہوتے نہیں جلهیں هر کوئی سمجه لے . اسکو سمجهاے کے لگے سفتوں کی یا سنت جیسوں کی ضرورت هوتی هے! سنت جهسوں کے بغیر تو وہ سنجھ میں آھی نہیں سکتے ، باہو! آج کانگریسی سرکار کے بہت سے کام اِتلے پیچھدہ اور بیت سے دیکھانے میں اُتلے ہے تکے معلوم عوتے میں جلهیں عر کوئی نہیں سمجه سکتا . اِسلیے ان کاموں کو سمجھلے کے لله سلتوں یا سنت جیسوں کی ضرورت ھے! اور یہ کام وردها کے ' هريجن ' اور ' سروردے ' پتاروں نے لے رکھا ھے . همارے دیس کے بھلے مانس پترکاروں کو اِنکا بھی نہیں سرجهتا که اید پتروں میں سرکاری کاموں پر رائے دیلے سے پہلے ' مربحی ' ارر ' سروردے ' پوھ لیا کریں !

سوملاته کو لیکر هی جون سن 51' کے ' سرووں ہے ' میں راشتر پتی کے پربھاس پاتی جائے کے بارے میں صاف وائے دی گئی ہے آور وہ یہ کہ وهاں جو کچھ هوا' وہ وهی هوا جسکو هندستان کی جنتا چاهتی تهی ! آور جنتا کی سرکار وہ نہ کرے' جو جنتا چاهتی ہے' تو اور کہا کرے ؟

جنتا کا بھارت جنتا کے بہار 'جنتا کے پتھر ، اُسی اُنہ اُنہ سرمناتھ' جنتا کے لڈر '

इस सामने में शाहद्वात से मिले और उन्हें इस बात के जिले राजी करलें कि को अनके मन्दिर के पास एक शराब की इकान को तने की रसम जदा कर दें. और जब इमारे रास्ट्रपति वह रसम अदा करने जायँगे, तब भी सब नहीं तो ऐसे पत्रकार, जिनके धम में शराब मना है, कुछ न कुछ जाकर जिला मारेंगे ! वापू! जब जाप ही बताइये कि जागर इमारे रास्ट्रपति इन पत्रकारों की राय पर जमल करने जागें तो एक दिन भी हुकुमत चल सके ? इन शोर स्वाने वालों को हुकुमत की चाल से क्या सरोकार!

बापू ! जब धर्म के नाते हमारे रारट्रपति मैरवी चक में शामिल होने जायंगे, तब तो यह पत्रकार बौखला इसेंगे, पर इनकी बौखलाहट की दो कौड़ी भी डठेंगी ! इनको यह तक नहीं माल्म कि जिसे वह 'कुसंग समा' इस्ते हैं, असल में वो 'मद्र समा' है, और अगर इन्हें इसारी बात पर पत्तबार न हो, तो इम सब्त में जून सन इस्यावन के 'सर्वीद्य' को पेश करते हैं जिसमें श्री किशोर काल मशरूवाला ने भी श्वामी सहजानन्द की बताई 'कुसंग़ स्नमा' को बड़े संकोच के साथ 'मद्र समा' का नाम दिया है, आपू ! यह पत्रकार नासमम हैं, यह बात तुरी नहीं, पर सम्मा हैने वाले जो दो बार पत्र और जो दो चार आदमी रह गाने हैं, उनसे यह लोग समम भी दो नहीं लेते !

सापू ! जगर हम भूतते नहीं हैं तो जापने एक बार स्वामी दयानन्द जी के लिखे सत्यार्थ प्रकाश के बारे में हो बार कहे श्रेश पर जाज तो हम 'सर्वोदय' से सीख लेकर सत्यार्थ प्रकाश पर नहीं, स्वामी जी पर यह टीका करते हैं कि बन्होंने मूर्ति की पूजा जैसी 'मद्र संस्कृति' के लिखाक लेखनी चठाकर उस 'सन्त संस्कृति' को लाय लेकर क्या पहुँ बाया जो 'मद्र संस्कृति' को लाय लेकर क्या थी ! नापू! स्वामी जी गुजराती थे, इसलिये हम जापसे पूछते हैं कि हम ठीक टीका कर रहें हैं न ?

ं बापू ! अब आपसे क्या खुपायें. 'अह संस्कृति' के लिकाफ बाईस बरस की रमर में हमारे हाथ से भी एक गुनाए ही गया है. हम चाहते हैं एक दिन राष्ट्रपित को बुकाकर सम पाप का प्रायश्चित कर डालों.

बह पाप यह है-

विवाद के मौके पर आई हुई बरात को धरात की धौरतें गाकियाँ गाती हैं, और बद गाकियाँ इतनो गंदी होती हैं—हाय! हाय! इस बर्स की 'मद्र संस्कृति' के लिये गुल्या राज्य निकाल बैठे—साफ करना बापू! बह गाकियाँ सबगुब ऐसी होती हैं कि मकी आदिमयों को मकी नहीं लगती, हमें भी अच्छी नहीं कर्गी. हिन्दु वी

س معادل معنی واقتاریتی بند ملین اور آلیسی بر بات کے مقدو کے اس یابت کے لیے واقعی کولیں کو رہ آئے مقدو کے اس لیک عمارے واشتریتی یہ رسم ادا کرنے جائیفئے اس بھی سب نہیں او ایسے پترکار جنکے دھرم میں براب منع ہے کچھ نه کچھ فدرور لکھ ماریفکے آ باہو آ ب آب ہی بتائیے که اگر همارے واشتریتی اِن پترکاری ب آب ہی جنگ کرنے لکیں تو ایک دن بھی جنگومت بی وائے ہو عمل کرنے لکیں تو ایک دن بھی جنگومت کی جال مدید ی اِن شور منجانے والوں کو حکومت کی جال مدید ی اِن شور منجانے والوں کو حکومت کی جال

باہو ا جب دھرم کے تاتے ھمارے راشترہتی بھوروی ہمی شامل ھوتے جائیلئے تب تو یہ ہترکار ہوکھا لیں گئے، پر اِن کی بوکھاھت کی دو کوری بھی تبیلاگی ؟ اِن کو یہ تک نہوں معاوم کہ جسے یہ کوسلگ سبها کہتے ھیں امل میں وہ ابہدر سبها ہا آور اگر اِنہیں ھما ہی بات پر اعتجار نہ ھو' تو ھم ہوت میں جس میں شری کشورال مشرو والا نے شری رتے ھیں جس میں شری کشورال مشرو والا نے شری رامی شہواتات کی باتائی 'کوسلگ سبها' کو بجی رامی شہوتاتات کی باتائی 'کوسلگ سبها' کو بجی ملکوچ کے ساتھ 'بہدر سبها' کا نام دیا ھے، بابوا یہ ترکار نا سبجہ ھیں' یہ سبجہ اور جو دو جار آدسی رھکئے یہ والے جو دو جار پھر اور جو دو جار آدسی رھکئے این این اُن سے یہ لوگ س بجہ بھی تو نہیں لھتے اُن سے یہ لوگ س بجہ بھی تو نہیں لھتے اُن سے یہ لوگ س بجہ بھی تو نہیں لھتے اُن

باپورا اگر هم بھواجے نہیں هیں تو آپ نے ایک بار موامی دیا نقد جی کے لکھے سٹھا رتھ پرااش کے بارے میں دو بھار کوے شہد کیے تھے' پر آج تو هم ' سروردے' سے یکھ لیکر سٹیارتھ پوااش پر نہیں' سوامی جی پر یہ ڈیکا رتے دیں کہ اُنھوں نے مورتی کی پوجا جرسی ' بھدر مسکرتی' کے خلاف لیکھٹی اُٹھا کر اُس 'سقت سٹسکرتی' و دھکا پہنچیایا جو 'بھدر سٹسکرتی' کو ساتھ لیکر چلی تھی! ایو ! سوامی جی گنجراتی تھے اِس لیے ہم آپ سے پرچھجے دوں کہ دم ٹھیک ٹیکا کو رہے ہیں نہ اُ

یاپو ا آب آپ سے کیا چھپائیں ۔ ' بہدر سلسائرتی ' کا خلاف بائیس برس کی صر میں ممارے ہاتھ سے بھی یک گفاہ ہوگیا ہے ۔ ہم چاہتے ہیں ایک دن راشائر یائی و بلا کر آس چاپ کا پرایشجہسے کر دائیں ۔

ولا پاپ يه هے --

बार वह समयहर कि वह अपना जून बान ही माँ रहे हैं, जब भी उनसे हुई। झीमने की छोशिश की उन तब वह इससे नाराज हुये और उन्होंने युक्त ही माना. फिर वर्भ की खातिर वह रारीव आएमी मुके रह कर पंडों को सह सिलाने से रोके जायंगे तो कितने नाराज होंगे ओर कितना दुक्त मानेंगे, इसका अन्ताजा यह मूरस पत्रकार जरा भी नहीं सगा पाते और साधु पुरुश, मुँशी कन्हेया साल, पर फबती कस बैठते हैं और रिशी तुल्य रास्ट्रपित महापंडित राजेन्द्र प्रसाद पर, जो जी में बाया, लिख मारते हैं। बावू! कोई इनसे यह पूछे कि यह कितनी सरकारें अब तक बला चुके हैं ? कहाँ राजनेता और कहाँ यह दुट-पुँजिये पत्रकार!

संकुलर सरकार के नाते या अपनी निजी हैसियत से कल अगर जगनाय पुरी के मन्दिर के मालिक, राश्ट्रपति को उन मूर्तियों का पदा इटाने को बुलायें, जिन पर अम के ठीक ठीक न समकने वालों ने पदा इलवा रखा है, और उनका बुलावा मंजूर करके इमारे राश्ट्रपति पदा इटाने के लिये जाय, तब न जाने इन नासमक पत्रकारों का क्या हाल होगा! "राजभीत जगत के ये बच्चे पत्रकार, टक्कर लेने बैठे हैं, राजनीत में घुटे बड़े बुढ़े—महारिययों से! सरकार की हैसियत से, सेकुलर सरकार अभी क्या क्या नहीं करेगी, इसका उनको क्या अन्दाजा!

सती धर्म नरट हो चुका है और वो मी सोमनाथ के मन्दिर की तरह पापी विलियम बेंटिंग घराशाई कर गया है! अभी वसका बद्धार बाक़ी है! और हिन्दू धरम के नाते भी करपात्री जो और भीमती प्रभावती राजे, किसी देवी को सती होने को तैयार करके, सती प्रथा के बद्धार की खातिर राश्ट्रवित की निमंत्रन दें और सेकुलर सरकार के राश्ट्रवित होने के नाते जब वन्हें वहाँ जाना ही पढ़े तब तो यह पत्रकार शायद आग बगूला हो आयगें! बागू! यह पत्रकार, न तो राजनीति के पेवों को सममते हैं, न नेता गिरी के वाँच पेचों से वाक़िफ हैं. रही चुनाव की कला, वसकी इन्हें अभी अलिक वे भी नहीं आती. पंखे के नीचे दुर्सी मेज के सहारे कृतम घसीट कर यह पत्रकार न जाने अपने को क्या सममते हैं.

वाप् । जाप शराव बन्द करने की बात तो कह गये.
पर उस बक्त शायत आपकी नजर या तो इसलाम अमें
पर रही, या उन रारीव मज़दूरों पर रही जो शराब पीकर अपनी जीरत बच्चों को भूकों मारते थे. जगर कहीं
आपकी नजर शाक धर्मियों या बाम मार्गियों पर गई
होती, या कम से कम उनका कोई डेपूटेशन आपके पास
आया होता तो जाप बादे दुनिया की शराब बन्द करा
देते, पर बनका ही की के नाते कुछ खयाज करते ही !

ر یه سمجهکر که یه اینا خرق آپ هی یی رقه بن جب یهی آن سے هتی بجهیقال کی کوشش کی بن جب یهی آن سے هتی بجهیقال کی کوشش کی بهر تب و ته هی اراض موثر آور گهرن نے دکه هی آش یهر دهرم کی خاطریه فریب آدس بهرکے رهکر آبی کو لقر کهانے تاراض کی آور کھانے تاراض کی آور کھانا دان مانهن کے اسکا آندازہ یه مورکه پھرکار ایمی نهیں لٹایاتے آور سادھو پرش ملشی فلهینائل پهیمتی کس بیٹھتے هیں آور رشی تله راشگریتی پهیمتی کس بیٹھتے هیں آور رشی تله راشگریتی بایتی کر اجددر پرساد پر جو جی میں آیا که مارتے باید ا کوئی ان بے یه پوچھے که یه کتاب مرکاری یه بینچگے هیں ؟ کہاں راج نیتا آور کہاں یه بینچگے پرکار!

سهکولو سرکار کے ناتے یا آپنی نجی حیثیت سے کل جگفاتھ پوری کے مقدر کے مالک' راشتریتی کو اُن پرتیوں کا پردہ مقانے کو بھٹیں' جن پر دھرم کے تھیک مک نه سمجھنے والوں نے پردہ قوا رکھا ہے' آور اُن کا وا مفظور کرکے ممارے راشتر نہتی پردہ مقانے کے لئے اُن نا سمجھ پترکاروں کا کھا حال المین' تب نه جانے اِن نا سمجھ پترکاروں کا کھا حال گا۔ راج نہت جگمت کے یہ بجے پترکار' تکر لھئے گئے مھیں' راج نہت میں گھتے ہوے ہورہے مہارتھوں یا سرکار ابھی کھا کھا ہی کوریکی اِسکا اُنکو کھا اندازہ!

ستی دهرم اشت هو چکا هے اور وہ یہی سوماته کے قدر کی طرح پاپی والم بھنگلگ دهراشائی کو گیا هے!

پاتری جی آور شریمتی پربھاوتی واچے کسی دیوی کو بھی ہی هوئے کو تیار کرکے ستی پرتھا کے اُددهاو کی خاطر شگریتی کو نملترن دیں آور سهکولو سرکار کے واشگریتی بی ناتے جب انہیں وعال جانا هی پوے تب تو یہ نوگو شاید آگ بگولا هو جائیدگے! بابو! یہ پترکار' نه تو بہ نهمت کے بہتوں کو سمتجہتے هیں' نه نهنگلیوی کے اور پہتوں سے واقف هیں ، وہی چھاؤ کی کلا' آسکی بھی ابھی الف یہ بھی نہیں آئی ، پلکھے کے نہتھے ہیں میں کی کلا' آسکی بھی میں کو سے کو یہ پتوکار نه جائے ہیں میں کی سہارے تلم کوسیت کو یہ پتوکار نه جائے ہیں میں کو کہا سمجہتے هیں ،

یاپو! آپ شرآپ بلد کرنے کی بات تو کیہ گئے۔ ہو س وقعت شاید آپ کی نظر یا تو آسلم دعوم ہو رھی' یا ی فریب مؤفوروں ہو رھی جو شرآب ہی کو ایٹی عورت چوں کو بھوگوں مارتے تھے۔ اگر کہیں آپ کی نظر اگمت دھومیوں یا بلم مارکھوں پر گئی ھوتی' یا کم سے کم یکا کوئی تیہوٹیشن آب کے باس آیا ھوتا تو آپ بھاچے جنھا س شراب بلد کوافیشن آب کو ایکا تو دھوم کے ناتے کچھ خھال س شراب بلد کوافیشن ایر ایکا تو دھوم کے ناتے کچھ خھال

बापू से !

r I

باپر سے

ياپو!

ं वाप ! सोमनाथ के मन्दिर के खुताने का काम दृए इक्तों बीत गये, पर अखबार हैं कि अभी तक न आवाजे कसने से बाज बातें हैं और न क्षींटे फेंकने से. यह अपनी धुन में इतने मश्त हो जाते हैं कि इन्हें यह तक याद नहीं रहता कि. बाय । जाप खुद एक बार एक गुरुद्वारे में एक जधना बहा चुके हैं. यह ठीक है कि उन दिनों हिन्दुस्तान में कांगरेकों का राज था. पर इससे क्या ! आप सिक धर्मी तो नहीं थे. जाप तो सर्व वर्ग समभावी थे, जौर 'सेकूतर' शब्द का 'सर्व धर्म समभाव' से जब्दा और क्या वर्थ हो सकता है ? बस, जाजकल की हमारी सेकलर सरकार सर्व धर्म समभावी है, और इस नाते हमारी सरकार. सरकारी हैसियत से, किसी को भी सोमनाथ का मन्दिर खोखने के लिये भेज सकती वी और एक अधना नहीं आधा करोड़ या आधा अरब,अगर उसमें समाई हो. तो स्रोमनाय के मन्दिर को दान दे सकती बी या उसमें बढ़ा सकती थी. पर ऐसा कब तो सरकार ने किया नहीं. हमारे रास्ट्रपति तो निजी हैसियत से वहाँ पहुँचे थे भौर उसी सिक्षसिते में सरकार ने योका बहुत खर्च कर दिया था. पर इस बात को भी क्रम नासमक पत्रकार से इदे कौर सई का फावदा बनाकर जनता के सामने रख दिया. प्रशास पाटन में किस बीच की स्थापना हो रही बी, इससे सेकुतर सरकार के रास्ट्रपति को क्या मतलब, उनका तो सिर्फ इतना काम है कि वह यह जान लें कि वहाँ धर्म के रिवाज के माफिक नया काम शुरू किया जा रहा है या किसी प्रहाने रिवाज या प्रराने मन्दिर में फिर से जान बाली जा रही है, और सोमनाय में इसके सिवा और हुआ ही क्या ? मले ही हिन्दुस्तान के डरोड़ों आदमी और दुनिया के अरबों आदमी इस तरह की खिंग स्थापना की, बाज के क्माने में गिरा हुआ काम सममते हों, पर लाखों आदमी देखें भी तो हैं जो लिंग पूजा करते हैं और अपनों माँ-बहनों, बेटियों से उसकी पूजा कराते हैं. तो क्या सेकुलर क्रकार ऐसी बाखों की तावाद बाबी प्रजा का दिल तोड हैं। इससे क्या हुआ, अगर इस काम में शामिल होने से कास दो कास सर्व हो गये और इससे भी क्या हजा क्षार इस पाँच इकार रारीच जावनी मुके रह जायं. वह मूं मुंके रहे, खुशी से रहे, बगर उन्हें मूंके रहने से होई किया वो वह करहे दुसी होते. बापू ! इस सक कहते हैं कि काने सी फीसदी कुचों को सूखी हड़ी क्योरते देखकर

سومناته کے ملدر کے کہائے کا کام هوئے هندوں بهت گئے' پر اشہار میں که ابھی تک نه آوازے کسلے سے باز آتے هوں آور نه چههاتے بههلکنے سے ، یه اینی دارن میں اُنلے مست هرجاتے هیں که اِنهیں یه تک یاد نہیں رھٹا کہ باہو! آپ خود ایک بار ایک گرودوارے میں ایک اداما جرما جائے میں ، یہ تبیک مے که أن دنون هندستان مين انكريزون كا راج تها . پر اِس سے کیا | آپ سکھ دھرمی تو نہیں تھے . آپ تو سرو دھرم سمبهاوی تھ' اور 'سیکولر' شید کا اسرو دهرم سمبهاو' سے الجها أور كها أرته هوسكتا هي ؟ بس أم كل كي هماري سهكوار سركار سرو دهرم سمبهاري هے أور أِس ثالة هماري سرکار' سرکاری حیثیت سے' کسی کو بھی سومداتھ کا مُقُدُرُ کھُولُگُ کے لگے بھینے سکتی تھی آور ایک ادعنا نہیں آدیا کروو یا آدھا ارب اگر اس میں سمائی ہوا تو سوملانہ کے مرادر کو دان دیے سیعی تھی یا اس مهن چونا سکتی تھی ، یو ایسا کیچه تو سرکار لے کھا نہیں ، همارے راه مریتی تو نجی حیثیت سے رهاں پہلچے تھ آور اُسی سلسلے میں سرار نے تھوڑا بہت خرچ کردیا تها . پر اُس بات کو بهی کچه نا ممجه بعرفار لے اُڑے اور سوئی کا پھاروا بناکر جنعا کے ساملنے رکهدیا ، پربهاس پائن میں کس چهر کی ستهایدا هو زھی تھی اس سے سیکولر سرکار کے راشتریعی کو کھا • عللب . أن كا تو مرف إثلا كلم هي كه ولا ينه جان ليس که رهاں دهرم کے رزاج کے موانی نیا کام شروع کیا جارها ھے یا کسی پرائے رواج یا پرانے مندر میں پہر سے جان قالی جارهی هے؛ آور سومقاته مهن اسکے سوا آور هوا۔ هی کیا ؟ بہلے می هندستان کے کررز ں آدمی آرر دنیا کے أربون آدمی اِس طرح کی لنگ ستهایداً کو' آب کے زمانے · بس کرا هوا کام سمجهته هون در لاکهون بادسی ایسی بھی تو میں جو لنگ پوجا کرتے میں آور ایلی ماں يهنوں' بيٽيوں سے اُسکی پوجا کراتے هيں . تو کيا سهکوار سرکار ایسی اکهرس کی تعداد وانی پرجا کا دال توردے ؟ اِس سے کیا ہوا اگر اِس کام میں شامل ہونے سے لاکھ دو لاکھ خربے ھولکئے آور اِس سے بہی کھا ھوا اگر دس یالی هزار فریب آدسی بهرکے رہ جائیں . وہ جو بهرکے رہ خانیں سے کوئی بهرکے رهنے سے کوئی روكتا تو وه الله دكي هوتے ، بايو! هم سے كهتم هيں که هم لیسو فهمسدی کتون کو سوکهی هذی چچورتے دیکھکر

The state of the s

The state of the s

- सीमनाथ का सफ़र

(नमक पारा)

कुछ मत पूछो क्या क्या देखा !

हश्रे श्राक्षीदत[#] बरपा देखा. :दीन धरम का चरचा देखा का ऊँचा मंडा देखा, आह ! तिरंगा नीचा देखा भीर बताएँ क्या क्या देखा ?

मेला देखा, नर नारी का रेला देखा सत्य गुरू का चेला देखा. आग चिलम और गांजा देखा और बताएँ क्या क्या देखा ?

खुनते देखा, बाटा मैदां सनते देखा पेश बनते देखा, पेट भरों का चलना देखा भीर बताएँ क्या क्या देखा ?

राजेन्दर परशाद को देखा, सेक्यूलर बुनियाद की देखा टंडन जी उस्ताद की देखा, वैदिक काल का सपना देखा श्रीर बताएं क्या क्या देखा १

रिन्दों तक एक जाम न आया, रोटी का पैगाम न आया गांधी जी का नाम न आया, दूर वहां से चरखा देखा · भीर बताएं क्या क्या देखा ३

पंक्ति और जड़ा धारी भी, ऊँचे ऊँचे न्योगारी देखे अफ़सर सरकारी भी, हर माथे पर दीका देखा और बताएं क्या क्या देखा ?

आग लगी थी रोस में जिस दम, नीरोई को सुमती थी खुम कम कहीं पे देंखा पेट का मातम, कहीं पे लड्डू कटता देखा भीर बताएं क्या क्या देखा ?

दीलत के दल्लाल को देखा, भारत के कंगाल को देखा श्रीर कन्हेंया लाल ं की देखा, उलटा देखा सीघा भीर बताएं क्या क्या देखा १

रजवाकी का जोबन देखा, धन वालों का दर्शन देखा लाचारों का समरन देखा. इसने क्रम मत पूछी क्या क्या देखाः

('उजाता' से)

" " अदा की क्रमासत्.

Company of the second of the s

के का कर्नम सान मानक साम मुरा।

مس سومناته کا سفر (نېگ ياهن)

يه مت يوجهو كها كها ديكها!

وهر متيينس بي ديمها دين دهرم كا چرجه ديكها أوركا أونجا جهلدا ديكها أة أ ترنكا نبيجا اور بعائمين كوا كها ديكها ؟

جونا گذه کا مهله دیکها از ناری کا ریله دیکها يسعد كرو كا جهله ديكها أك چلم أور كالحا ديكها اور بتانهن کها کها دیکها ؟

بعلوه پوری، جهنتے دیکیا آتا میده سنتے دیکھا بنعے دیکھا' پیس پہرس کا جالنا دیکھا اور بتائين کيا کيا ديکها ؟

الجلدر يرشاد كو ديعها سيعيولر يلهاد كو ديغها للقن جي استاد کو ديکها ويدک کال کا سهنا ديکها ارر بعالیں کیا کیا دیکھا ؟

رہیوں تک اک جام نہ آیہ' روٹی کا پیغام نہ آیا گاندھی جی کا نام نہ آیا' دور وہاں سے چرخہ دیکھا ر اور يتانين كيا كيا رديكها ؟

يتقاف أورا جقادهاري بهي الونج أونج يدوداري بهي ونيكها افسر سركاري يهي هر ماله ير ثهكا ديكها ان بتالین کیا کیا دیکها ک

إلى لكى تهى روم مهى جسدم في نهرول كوسوجهى تهى ١٩٩٩م كنهن يه ديكها يهت كا أأتم . فهيل يه لدّو بثقا ديكها اور يعانهن کها کیا دیکها لا

المثالث کے دلل کو دیکھا انہارت کے کلتال کو دیکھا أور كلينها الله أو ديكها الكا ديكها سيدها ديكها أور بتالين كها كها ديكها ؟

وجواور کا جوین دیکها دهن والس کا درشن دیکها المارون كا سمرن ديكها مم في بهارت بهوكا ديكها كجه سع يوههو كها كها ديكها

· (- () () ()

[🖈] रोस में अब आम सगी थी उस समय नहीं का समाद . गीरोः 💮 لا كُن لكي لهوي السياسية وعالية 🛣 🕹 🚉 🕹 🕹 🖒 🖈 ورم مهون نومي الك الكي لهوي السياسية وعالية وعالية وعالية وعالية السياسية وعالية وعالية وعالية وعالية وعالية السياسية وعالية وع एक की जार केंद्र कर बाजा बजा रहा का

شرفعا كي قهامت

المراق عليها ال حالك إلى ملهى والمراك والمراك

नंतरतः (गुस्से में आकर)— वस ! वस !! जनके प्रदेश कालिमों और शोशकों को सुनाओं वही तुन्हारी शिक्त के गीत गार्थेंगे. सिद्यों के जुल्मों से तदी शरीक निता कार क्यादा करवारत नहीं कर सकती. करवाचारी हिलाफ जिहाद बोलना ही पढ़ेगा. मैं, करवाचारियों में कफन वन कर दनके साथ दफन होना पसन्द करूँ गीर तुन्हारी तरह गरीव के बाँसुओं और कमीर की शराक निता में यकसाँ प्यार रूपी केवड़े की बूदें मिलाने की हिमाकत हीं करूँ गी. तुम तो 'सक का भला करे राम' कह कर मिर होना चाहती हो और मैं 'अत्याचारियों का नाश हो कह कर मिर जाना चाहती हैं.

कुछ देर दोनों खामोश रहीं. फिर मुइब्बत ने कहा— ाब का भला करे राम' कह कर मैं अमर होना नहीं हिती, अमरता फैला देना चाहती हूँ. तुम 'अत्या-गिरयों का नाश हो' कह कर मिटती नहीं हो, और इकती हो. मैं अत्याचार ही को हड़प करके मानव को मर करती हूँ, अत्याचारी को भी अत्याचार से छुटाकर अवा मानव बना देती हूँ. तुम अत्याचारियों को हड़प रने के चकर में और भी अत्याचार फैलाती हो और बची ची मानवता को भी कुत्रसा देती हो. हाँ, अत्याचार रूपी हर पी लेने पर भी मेरी हार नहीं, मेरी जीत ही होती हैं. रैर तुम......

नकरत ने जवाब दिया—और मेरी जीत में भी मेरी . द होती हैं!

मानवता खामोश खड़ी सुन रही थी. अन सामने ाई और बोली—तुम दोनों एक तसवीर के दो पहलू. घूप झाँव का सा तुम्हारा साथ है. नफरत से ही इब्बत की कदर है. घूप न हो तो झाँव लोग किसे कहेंगे. हरत से मुह्ब्बत और मुह्ब्बत से नफरत का फरक सम में आता है. मुह्ब्बत का आदर्श है खुरे आदमी ताई झोड़कर भले बन जायं यानी लोग खुराई से नफरत है. मैं जिस दर्श से कराह रही हूँ वह कैसे दूर हो. आदमी आदमी का शोशन एक बीमारी है. शोशक और शोशित ही एक बीमारी के दो फोड़े हैं. नफरत खबरदस्ती का परेशन करने वाली डाक्टर बनकर सामने आती है और इब्बत कहती है—जान पान और हवा को शुद्ध करके पने खन को साफ करी. मुने रास्ता निकालना है !

کچه دیر درنوں خاموش رهیں۔ پهر محبت نے کہا۔۔
'سب کا بھا کرے رام' کہکر میں امر هرنا نہیں چاهتی' امرتا پیپا دیفا چاهتی هوں ، تم ' اتیاچاریوں کا ناش هو' کہکر مثنی نہیں هو ارر بهوکئی هو۔ میں اتیاچار هی کو هوپ کرکے مانو کو امر کرتی هوں' اتیاچاری کو بھی اتیارچار سے چہتا کر سچا مانو بنا دیتی ہوں ، تم اتیاچاریوں کو هوپ کرنے کے چکر میں ارر بھی اتیاچار پہیاتی هو اور بچی کہچی مانون کو بھی جہلسا دیتی هو ، بھی' اتیاچار ربی زهر پی لینے پر بھی میری هار نہیں' میری جیت هی هوتی فرتی دیلی میری هار

نفرت نے جواب دیا ۔۔۔ اور مہری جیت میں بھی میری هار هوتی هے .

مانوتا خاموش کهوی سن رهی تهی اب ساملے آئی ارر بولی سے تم دونوں ایک تصریر کے تو پہلو هو ، دهرب چهاوں کا سا تمہارا ساتھ هے ، نفرت سے هی محبت کی تدر هے ، دهرب نه هو تو چهاوں لوگ کسے کہیں گے ، نفرت سے محبت اور محبت سے نفرت کا فرق سمتجھ میں آتا هے ، محبت کا آدرهی هے برے آدسی برائی چهور کو بہلے بن جائیں یعلی لوگ برائی سے نفرت کریں ، میں جس دود هو ، آد ی سے جس دود هو ، آد ی سے آدسی کا شوشن ایک بہماری هے ، شوشک آور شوشت الهی ایک بہماری کے دو پهورے هیں ، نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بہماری کے دو پهورے هیں ، نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بہماری کے دو پهورے هیں ، نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بہماری کے دو پهورے هیں ، نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بہماری کے دو پهورے هیں ، نفرت زبردستی کا آپریشن محبور کو شدھ کرنے نی خرن کر صاف کردی محبور کیا ہے ۔

The said of grant

के रास्त बकेस रहे हैं ! या वह वह सममत है कि नमकीन जीर सह जो का देर देखकर मूखी नंगी जनता धर्म कर असली मतलब समम जायगी ! क्या टंडनजी, राजेन्द्र बाबू, मुंशी, गाडगिल और स्वर के साथ वेद मंत्र गाने वाले 150 पन्डितों ने धर्म का असली मतलब समम लिया है ! धर्म का वह अन्धापन जो सिदयों पहले दक्त हो चुका है, पिछ घसीट और हारों की वदव्दार सबी गली लाश को निकाल कर चाँदी सोने के वरक विपका कर किर उसमें जान डालने की (!) शोक्येवाची करना टंडन जी, राजेन्द्रवाबू, मुंशी और गाडगिल ही नहीं, इस मुगके बड़े से बढ़े जादगर के लिये भी नामुमकिन है!

کے راسعے قاعدیل رہے جھی ؟ یا وہ یہ سسپہلے تھی اور لقرؤں کا قاعور دیکھائر بھوکی الملی مطلب سمجھ جالھائی؟ کیا المقی مطلب سمجھ جالھائی؟ کیا مقدر کا اصلی مطلب سمجھ الھائی؟ کیا مقدر کانے والے 150 پاقتوں نے دھرم کا اصلی مطلب سمجھ لیا ہے گارہ کا وہ اندھایں جو صدیوں پہلے دائن ہوچکا کو یہ پچھ کی اور ماروں کی ہدیو دار سوی گلی لاش کو نکال کو چاندی سوئے کے ورق جھکا کو پھر اُس میں جان کو نکال کو چاندی سوئے کے ورق جھکا کو پھر اُس میں جان ماشی ار لاکل ھی نہاں اُس یک کے بڑے سے بڑے ملشی ار لاکل ھی نہاں اِس یک کے بڑے سے بڑے ملشی ار لاکل ھی نہاں اِس یک کے بڑے سے بڑے ماسور کے لئے بہی ناسکن ہے ا

नफरत और मुहब्बत

(भाई खोम प्रकाश पालीवाल)

बीसवीं सदी है. नकरत और मुहब्तत में बहस हो रही है. मुहब्बत मुसकरा रही थी और नकरत नाराज थी. दोनों की आँखों से ओमल मानवता सुन रही थी.

नकरत ने कहा—मुक्ते तुम पर कोध आता है.
मुहब्बत ने जवाब दिया—और मुक्ते तुम पर रहम !
नकरत—क्यों ?

मुहब्बत—क्योंकि तुम अग्नि कुँड की तरह हर समय मुलगने के लिये झटपटाती रहती हो.

नकरत—और तुम घर बार छोड़े हुए साधू की तरह जातिम और मजजूम दोनों में प्यार कराना चाहती हो. शेर और बकरी को एक घाट पानी पिसाना चाहती हो. मुक्ते तुम्हारी इस हिमाकृत पर कोध झाता है.

मुहस्वत (बढ़े प्यार से)—जातिम और मजत्म, शोशक और शोशित का भेद करना तुम्हारी भूल है, बहिन! मानवता के इस तरह दुकड़े करने से काम नहीं चलेगा. भगर तुम्हें कहीं जुन्म दिखाई दे तो प्यार से ही जातिम को रास्ते पर साना इनसानियत है. दूसरा रास्ता हैवानियत का है. 'अत्वाचारियों का नाश हो' न कह कर 'अत्याचार का नाश हो' कहना ज्यादा मुनासिब है. कहीं बदले की मावना जिर बदले की भावना को जन्म न दे दे और इस रौतानी चकर का कभी भंत ही न हो.

نفرت اور محبت

(بهائي أوم يركاش باليوال)

بیسویں مدی ہے ۔ نفرت آور معین میں بعث مو رهی ہے ۔ معین مسکراً رهی تهی اور نفرت ناراض تهی ۔ دونوں کی آنکہوں سے اُوجھل مانوتا سن رهی تهی ۔

غفرت نے کہا ۔۔ مجھ تم پر کرودھ آتا ھے .

مصبت نے جراب دیا ۔۔ اور مجھ تم پر رحم ا ندرت ۔۔ کیرں ؟

مصبت - کیونکه تم اگذیکند کی طرح هر سبے سلکنے کے لئے جہائیااتی رہائی هو .

نفرت -- اور تم گهر بار جهورے هواے سادهو کی طرح طالم اور مظلوم دونوں میں بیار کرانا چاهتی هو ، شهر اور بگری کو ایک گهات بانی پلانا چاهتی هو ، مجھے المهاری اس حدالت پر کرودھ آتا ہے ،

محصوت (برے بھار سے) — طالم اور مطلوم' شرشک اور شوشت کا بھید کرنا تمہاری بھول ھے' بھن ! مانوتا کے اسطرح تکرے کرنے سے کام نہیں چلے گا . اگر تمہیں کھیں طلم دکھائی دے تو بھار سے ھی طاام کو راستے پر لانا اِنسانیت ہے ۔ دارسرا راستہ حصوانیت کا ہے ۔ 'انہاچاریوں کا ناھی ھو' نے کہکر 'انہارچار کا ناش ھو' کہنا زیادہ مناسب ہے ، کھیں بدلے کی بھارتا کو چئم نہ دے دے اور اِس شیطانی چکر کا کبھی انت ھی نہ ھو ۔

फिर से प्रतिरक्ष पिक्रके हैं बार को इगिज नहीं हुई होगी? इतना ही नहीं, यह प्रतिरक्ष 101 तोपों की गढ़गड़ाहट, 74 जगहों की पाक सिट्टी, 39 स्थानों के पिक्र सक्त, 35 स्थानों की पाक सही कूटियाँ और 150 पंडितों के स्वर के साथ वेद मंत्रों के गाने के साथ हुई. साथ ही 1800 मन कड़ कों और 4000 मन नमकीन का देर भी लगाया गया था. इस बार सोमनाथ बाबा को हरिजनों को भी दर्शन देने होंगे, क्योंकि वह एक 'रौर साम्प्रदायिक' राज में प्रतिरिठत हुए हैं!

यह सारी बातें अक्षता के दिवालियेपन के साथ ही एक बहुत बड़ा सवाज हमारे सामने रखती हैं. क्या यह 'गीर साम्प्रदायिक' (सेकूलर) राज है ? और जनता की दशा सुधारने का यही तरीका है ? जिस देश में लेखक और पत्रकार, पंडित और विद्वान मुकों मरते हों, जहाँ हकारों लाखों रोगी बिना दवा के मर जाते हों, जहाँ आम जनता की तालीम, तन्दुरुखी और रहन सहन के साधनों की कमी हो, स्कूलों, पुस्तकालयों, पढाई परों, अस्पतालों, मनोरंजन की जगहों बरौरा की बेहद कमी हो. वहाँ लाखों रुपया एक मन्दिर में लगा देना-और उस डालत में जब कि मन्दिरों की देश में कभी न हो और सैकड़ों मन्दिरों की पैसे की कमी के कारन मरम्मत तक न हो पाती हो-कहाँ तक ठीक है ? और ठपयों से भी बढ कर अज्ञान और अन्धविश्वास को सरकारी तौर पर इस दरह बढ़ावा देना क्या मुनासिव है ? सब से ज्यादा दुख की बात है वन राश्ट्रपति के हाथ से इस मन्दिर की प्रविश्वा कहर सनावन हिन्दू- मन्धेपन के तरीक्रे से करवाना को जाज हिन्द्-मुसलमान, पारसी, सिख, इसाई, एँग्लो-हेडियन वरौरा नागरिकों के इस देश के सब से बड़े अधिकारी हैं. अगर वह शेव मत के होते, तबभी कोई बात थी. इसी तरह सोमनाथ के दूसरे प्रतिश्ठा करवाने बाले सरदार पटेल, जाम साहब, मुंशी और गाडगित भी रीय नहीं हैं. तब फिर इन खोगों का इस धर्म यह में मगुका बनना क्या मानी रखता है ? जवाब साफ है—इन प्रव के लिये यह एक राजकाजी खेल ही है, जिसका मकसद है बिना पैसे सोमनाथ का सरकस दिखा कर भोले माले, अनपद और अझानी, गिरानी और बेचैनी में डूबे इप कोगों को इनक्रलाब के बजाय 'जय सोमनाथ' के रास्ते नर जाने की घेरना और भुताबा देना. पिछली 11 मई हो शाम के बक्त प्रभासपाटन में बोलते हुए टंडन जी ने यह द्याफ साफ क्रवृत किया कि 'पिछले क्रमाने में धर्म के असली मानी की निस्वत उस की बाहरी निशानियों को जियादा रहरव देने के कारन जमता को करट क्यांना पढ़ा? फिर भी जिन जी और उनकी कांगरेस सरकार के बढ़े वहे अधि-मरी पदा नहीं क्या सोचकर जनता को किर क्सी करह

يه سارى باتهى عقل كرديوالله بن كه ساته هي أيك بهت بوا سوال هماريسامنيركهتي هرس . كها يه 'فهر ساميردايك' (سیکولر) راہے ہے ؟ اور جاندا کی دشا سدھارتے کا یہی طریقہ هے ؟ جس دیمی میں لیکھک اور پترکار' پلڈے ارر ردوان بهوکوں مرتے هوں' جهاں هؤاروں لاکهوں روکی ایکا درا کے مرجاتے ہوں' جہاں عام جفتا کی تعالم' تندرستی اور رهن سُهن کے ساتھنوں کی کمی هو ' آسکولوں' پسٹکا ہوں' پرهائی گهروں اسپتالوں مقورنجن کی جگهوں وقهرہ کی ہے حد کسی هوا وهاں الکهرن رودها ایک ملتر میں لکا ديدة -- أور أس حالت مهل جب كه ملدرول كي ديم میں کئی تع ہو اور سیکورں مقدروں کی ہمنے کی کدی کے کارن مرمت تک نے ہوپاتی ہو ۔ ایاں تک تہیک ھے ؟ آور روپھوں سے بھی ہوہکار اکھان اور انجھ رشواس کو سرکاری طور پر اس طرح پرهاوا داینا کها مناسب هے ؟ سب سے زیادہ دکھ کی بات ھے اُن راشدر پھی کے ماتھ سے اس مندر کی پرتشتها کتر سفاتی هندو اندهے بن کے طریقے سے کروانا' جو آبے هندو' مسلمان پارسی' سکھ' عیسائی' اینگلو اندین وفیرہ ناگرکوں کے اِس دیش کے سب سے جوے ادھیکاری ھیں . اگر ولا شیومت کے ھوتے' تب بھی کوئی بات تھی ، اِسی طرح سومذاتھ کے دوسرے پرتشاہا کروائے والے سردار پلیل جام صاحب منشی ارد کاتکل بھی شہو نہیں هیں ، تب پهر أن لركوں كا اس دعرم يكه، ميں الوا بننا کیا معلی رکھتا ہے ؟ جواب صاف ہے -- اِن سب کے لئے یہ ایک راے کامی ٹیپل ھی ہے' جس کا متصد ہے بنا پیسے سومقاتم کا سراس دکھا کر بھولے بھالے' آن بڑھ اور الهاني کراني اور يے جهدي مهن قوب هوئے لوگون کو انقلاب کے بجہائے اسے سومقاتہ کے راسانہ ہر جانے کی پزیرانا اور بہلاوا دینا ۔ پیچھلی 11 مکی کو شام کے رقمت پر بھاس بائن میں بولعے هوئے تلذن جي نے يه ماف مان تبول کیا که م پیچھلے زمانے میں دھرم کے اصلی معلی کی نسیت آسعی باهری نشانیوں کو زیادہ میتو دیا۔ کے کاری جنتا کو کشت اُٹھانا پرا ،' پھر بھی ٹلکن جی اور آن کی کانگریش سرکار کے بوت بوے ادھیکاری یته انہیں کیا میے کر جاتا کو پہر اسی کشت

(म **कांस** बांगी के पुत्रके को को के नाम पर पंताका वेश्सकों से तो राचा करन के बनावडी प्रेस चार अंगार के हर है खते जाम व्यमियार का प्रयाद किया और दसरी तरफ औरत मर्व के बापसी क दरती सम्बन्धों को ज्याता से ज्याता बन्धनों और कृतियों के जाल में कस दिया. इसका असर कटा दुवा, जिसका नतीजा हुवा जिस्मानी, विमाशी, समाजी और तरह तरह से समाज की गिराबट, कमजोरी और खोखलापन इस तो इस बात को सोच भी नहीं सकते कि कोई भी देश, कोई भी समाज इतना बेशरम और ना समम कैसे हो सकता है कि खुने आम धर्म के नामपर अपने लड़के लड़कियों और बहु-बेटियों के सामने खौरत मह के गुप्त झंगों की पूजा करे! और पेसे पुत्रकों का बाज बो हाल है. उसका देश भर में फैली वेश्याओं, देव-दासियों, साधु संन्यासियों और बदबतनी के अड़े बने मठ-मन्दिरों और सड़ी गती मौजूदा नस्तसे इन्द्र अन्दाजा किया जा सकता है.

सोमनाथ के सम्बन्ध में फैली हुई फूटी सबी बहुत सी अफबाहों को यहाँ बयान करना बेमौका होगा. पर पिछली 11 मई को 'गैर सान्त्रवायिक' भारत के राश्क्रवति ने पीताम्बर पहन कर प्रभासपाटन में सोमनाथ की जो फिर से प्रतिश्टा की है, वह कई निगाह से गौर करने की चीज है, बहुत से भारती अखबारों में न सिर्फ फिर से 'अब सोमनाब' का नारा ही गुँजाया गया, बहिक इसका इतना धुँझाधार प्रचार प्रोपेगेंडा दुवा कि कुछ छन के लिये शायद बिहार, आन्ध्र और राजस्थान के भूके पेंटों को धर्म ह्रपी अक्षीम की पीनक का नशा भी मासूम हुआ हो तो अवरज नहीं. भूकी नंगी जनता को लडू भों के देर के साथ सादे सात फुट ऊँचे कसीटी के पत्थर के शिव लिंग के दर्शन कराना कितना बड़ा घोका श्रीर राहारी है, इसे शायद यह ना समक और वे जबान माघे पशु न समम सकें. यह लगभग वैसा ही है, जैसे कोई मुक से तदपते हुए वर्ष को मुन्नुना बजाकर या गुड़िया दिखा कर फुसलाना चाहे. मन्दिर के निर्मान में 9-10 बरस और 60 65 सास रुपय लगेंगे, यह अन्दाजा है. इसमें 30 काल के लगभग जमा हो भी चुका है. मन्दिर के किनारे 3000 एक्ट्र जमीन सीगई है, जहाँ जबाहरात जड़े 56 खंभों पर 13 मं जिल का मन्दिर खड़ा किया जायगा. सन्दर के तीन हिस्से होंगे-गर्भ गृह (सब से अन्दर का हिस्सा जहाँ केवज पुजारी ही जा सकता है), गृद मंडप (बीच का हिस्सा) और नृत्य गृह (नाच घर जो सबसे बाहर का हिस्सा है). संगम्सा के क्योतिर्तिमा के पीछे पार्वती की मूर्ति होगी, मन्दिर के सिर की तरह 14 सोने के कलश-वाले सीनार होंने चौर कई की सीने की चंजीर से बजने-वाले सीने के परियास सर्गेरी इसिंध बढकर सोमनाश की ان کامن الگیں کے پیچانے کو فقرم کے بقاوتی ہوئے اور مردار کے روپ میں املے عام ویوہتھار کے پونیار کے روپ میں املے عام ویوہتھار کے پیسی قدرتی سمید کورت صرد کے آپسی قدرتی سمید کورت صرد کے آپسی قدرتی میں کیے جال میں کیوبیار اس کا اثر آلفا ہوا' جس کا نقیعت ہوا امیوری اور کھوالا پن سداجی اور طرح طرح سے سماج کی گولوت' امیوری اور کھوالا پن ہم تو اِس بات کو سوچ بھی نهیں سماج الفا نے شوم اور اسمجھ ایسے ہوسکتا ہے کہ کھلے عام دھرم کے نام پر آپ لوگ اور جو سامنے عورت مرد کے کہت نام پر آپ انکا دیکی بھر میں پھیلی ویشیائی' دیداسیوں' سادھو آنکوں کی پور میں پھیلی ویشیائی' دیداسیوں' سادھو اور بدیوں اور بدیالئی کے اقبے بلے ماتھ مددووں اور بدیولئی کے اقبے بلے ماتھ مددووں اور

🧦 سوماناته کے سدباندہ میں پہیلی ہوئی جہوئی سچی بہمت سی الواهوں کو یہاں بھان کرنا ہے موقع ہوگا۔ پر پچھلی 11 مٹی کو ' فیو سامپردایک' بھارت کے راشتر یعنی نے پہتامہر پہلکو پربہاس باتن میں سوسفاته کی جو پہر سے پرتشاما کی ہے' وہ کئی نگاہ سے فور کرنے کی چھڑ ھے ، بہمت سے بھارتی اُکھاروں میں نم صرف پھر سے ' جے سوسلاته ' كا نعره هي كنجايا كيا بلكم إسكا أتنا دهوان فھار پرچار پر ویهگلقا هوا که کچه چهن کے لئے شاید بہارا آندهر اور راجستهان کے بھوکے پہتوں کو دھرم روپی افھم کی پهاک کا نشه بهی ماور هوا هو تو آچرے نهیں ، بهوکی لنگی عملتنا كولدوورك دههرك ساته ساره سأت فت أوحج كسوتي کے یعورکے شیرلاگ کے درشن کرانا کتنا ہوا دھوکا اور غداری هُ اس شاید یه ناسمجه اور یه زبان آده پشو نه سمجه بشکهن . زه لگ بهگ ویسا هی هے جهسے کوای بهوک سے الويلاء هوائه بحد كو جهلجها بجا كريا كويا دكها كر يهسانا جهاهے . مندر کے ترمان میں 9-10 برسے اور 65-60 لاکھ ون الكهديء عم الدارة هي أس مهن سر 30 لاكه كه لك الله الله عبيع هوابهي هرچه هي مندر کے کنارے 3000 ايکر وَشَهِنِ لَى كُنُى هِ عُمْ جَهِال جواهرات جوم 56 كهموس پر 15 منزل کا مدر کھو کیا جائیکا ، مندر کے تین حصے المولكي -- كربه كرة (سب سے اندر كا تحدة جياں كهول المحاون هي جا سكتا هي) اوره ملڌب (يهي كا حصد) أَوْوَ أَمْرَاتُهُمُ أَرُهُ (تَابِعِ كُهُر جُوسَبِ سِهِ بِاهْرِ كَا حَصَمَ هِ) . الفقائل الموسول کے جھوتر لاگ کے پیچھے داروی کی عاورتی هوالی مقدر کے سر کی طرح 14 سرنے کے کلی والے أجهدار هواكم أوركتني بوء بسرته كي زنجهو في بجائل واله سول کے لوزیال اعمالے، اِس سے بوهکو سرمنااله کی

سهالي ندي هو توسطچه دي سين لها هونا. ليکيه بار 🌡 گريدان مين مدة دالكر ديكها هوتا؛ تو شايد ندرت كي بمك هم صحمود کا احسان هی مانتے اور آب هماری حالب انقی يري أور گري هواي نه هوتي جندلي كه هي هندو لوگ سلسار کی دوسری جا پیس سے دھرم کے معاملے انہیں کہیں اددی اندھے اور لکیر کے فقیر امیں؛ کیرنکم ادھیانہ (روحانیت) اور درشق (فلسفه) أن كے اجهون بر كافي بہلے سے چھایا رہا ہے . وہ آسانی سے مسلمانیں کو مورتی بهنجک (بت شکن) کیکر ابع من میں بوے گھملد)ارر ہوبھی کا سا انوبھو کرتے رہے ھیں ۔ پر سپے تو یہ ہے که نرگی نراکار ایشرر کے آیاسک مولے کا دعوول کرکے بھی انہوں نے آیدی ہرجاً کا آدھار پتھر کے جن تکورن کو بنایا ھے' اُن کی کریا سِي نه صرف إن كي يرجا أياسنا كاهي دواله نكل كيا هي بلكه به خرد بهی جزیتهر بن گئے هیں اسی دراهتنا سے اله بيجه چلنے والوں كو بجانے، كے لئے مارٹن ليوتهر نے ہردبی میں کیتہالکوں کے پونکا پنتھی بن کے خلاف آواز تھائی تھی اور اسی کے خلاف حضرت محصد لے قران شریف سیس مررتی پرجا کو گهرر ادامارمک (الامذهبی) بتایا، س پرستی کے خلاف کہری اشرف الهر کر انہوں نے مسلماتوں و دهرم کے نام پر چالئے والے ادھرم اور انھان سے کانا بیچایا؟ س کا پہت برستوں سے بہت سیباتوں میں مسامانوں ا متابله کرنے بر مانے مان لکے کا ویسے تو 'دھرم' شہدھی ج اکھان اور ناءمجھی کا پریائے (هم معنی) بن کیا ھے؟ ر إسكى ساته صورتى پرجا جيسے جو باهرى پائهلد دعرم یں جوڑ گئے میں' اُنہوں نے سماج کو اور بھی کمزور کر دیا ہے، اسی لئے سوامی دیانند سرسوتی نے پتھر پوجا کے خلاف بردست آواز آتهائی (اور انهدن انهانی آور نا سمجه سماج نے عی انعام دیا ، جو میسی و کاندهی کو ملا !)

یر انده وشواس کو متالے سے بھی بچھکر محدود کے بیچھے شاید یہ خیال بھی رہا ہو کہ دمی کے اِس خاص انگ کی پوجا کسی بھی سبھیہ اور مسکوت (شریف) سماج کے لئے مفاسب نہیں ۔ یہ مارا اُبنا اندازہ ہی ہے ۔ پر اُن میں شیولنگ کی جو تھا ہے' اُسکا خلاصہ بھی ہمیں یاٹھکوں کے سامنے رکھنے سامس نہیں ہو رہا ۔ بیت اور لنگ کی طرف اُدہک عمانی آدمی میں جانوروں کی طرح قدرتی ہے ۔ اس پر میں کمی چکوائی نے ایک ایسا پردا قال دیا ہے' جس سے میں کی بدشکنی تعک سی گئی ہے ۔ پرانوں کے زمانے کے سامے میں کافی قرق ہے ۔ س می سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سے سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سے سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سے سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سے سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی جو بھی کارن اور واتاورن رہا ہو' پر آج اُس سمی حورت مون تو سماج کے عورت مود کے سماح کے خورت مود کے سماح کی شروت مود کے سماح کی شروت مود کی سماح کی دورت مود کے سماح کی دورت مود کے سماح کی دورت مود کے دورت کے دورت مود کے دورت مو

भी सचाई हो तो क्रम भी सबक्र तिया होता, एक बार अपने गिरेबान में मूँ ह जाल कर देखा होता तो शायद नफरव की जगह हम महमूत का पहसाम ही मना ते और का ब हमारी हासत इतनी सुरी और गिरी हुई न दोती, जितनी कि है. हिन्दू लोग संसार की दूसरी जातियों से अभी के मामले में कहीं अधिक धन्धे और तकीर के फ्कीर हैं; क्योंकि मध्यातम (ह्रहानियत) भीर दर्शन (फलसफा) उनके जीवन पर काकी पहले से छाया रहा है. वह बासानी से मुसल-मानों को मूर्ति-भंजक (बुतशिकन) कहकर अपने मन में बड़े घमंड और बढ्पनका-सा अनुभव करते रहे हैं. पर सब तो यह है कि निगुन तिराकार ईश्वर के खपासक होने का बाबा करके भी इन्होंने अपनी पूजा का आधार पत्थर के जिन दकड़ों को बनाया है, उनकी कृपा से न सिर्फ इनकी पूजा-उपासना का ही दिवाला निकल गया है, बिल्क यह खद भी जड़ पतथर बन गए हैं, इसी दुर्घटना से अपने पीछे चलने वालों को बचाने के लिये मार्टिन ल्युथर ने योरप में कैथालिकों के पोंगापंधीपन के खिलाक आवाज एठाई थी और इसी के खिलाक इजरत मुहम्मद ने क़रान शरीफ में मूर्ति-पूजा को घोर अधार्मिक (लामजहबी) बताया. ब्रतपरस्ती के खिलाफ गहरी अश्रद्धा भरकर इन्होंने मुसलमानों को धर्म के नाम पर चलनेवाले अधर्म और बज्जन से कितना बचाया, इसका पता बुतपरस्ती से बहुत सी वातों में मुसलमानों का मुकाबला करने पर साफ साफ लगेगा. वैसे तो 'धर्म' शब्द ही बाज बजान और नासमभी का पर्याय (हम मानी) बन गया है: पर इसके साथ मृर्ति-पूजा जैसे जो बाहरी पाखन्ड धर्म में जुड़ गए हैं, जन्होंने समाज को और भी कमजीर कर दिया है. इसी लिये स्वामी द्यानन्द सरस्वती ने पत्थर पूजा के खिलाक जबर-द्स्त आवाज उठाई (और उन्हें अज्ञानी और ना समम समाज ने वही इनाम दिया जो ईसा व गांधी को मिला!)

पर कम्ध विश्वास को मिटाने से भी बद्कर महमूद के शिव-लिंग तोड़ने के पीछे शायद यह ख्याल भी रहा हो कि आदमी के इस जास अंग की पूजा किसी मी सभ्य और संस्कृत (शरीफ) समाज के लिये मुनासिब नहीं. यह हमारा अपना अन्दाजा ही है. पुराण में शिव-लिंग की जो कथा है, इसका जुलासा भी हमें पाठकों के सामने रखने का साहस नहीं हो रहा. पेट और लिंग की तरफ अधिक ध्यान आदमी में जानवरों की तरह क़ब्रती है. इस पर इसकी खतुराई ने एक ऐसा परदा डाल विया है, जिससे इसकी बदशकली ढक-सी गई है. पुराणों के जमाने के समाज में और आज के समाज में काफी करक है. इस समय जो भी कारन और वातावरन रहा हो, पर आज इस तरह की पूजा को सारी रखना एक शरम-जरक पिखासीट है. एक तरफ हो समाज के औरमा मर्व के हारता वह समित करता है कि इस वह समाय भी हुन्हें हुन्हें और वर्स के सामलों में बन्धे के. अन्दाजा वह होता है कि सोमताथ के हमले का मुकाबला शायद अनेले उसी हजाके के राजा की फौज (वहाँ की अन्ता नहीं) ने किया होगा और वृद्धरें राजे महाराजे उसकी हार में अपनी जीत की आशा की रुपहली रेखा देखते होंगे. हमारी इस हार का खास कारन या देश का बहुत से अलग अलग मतों, किकों और जावियों में बँटा होना और राजे महाराजों, की आपसी लाग डाँट. बदकिस्मती से यह षहरीली आदरों और खुराइयाँ इतनी हारों के बाद भी हम में से गई नहीं. सच्चे मानी में तो एक रास्ट्रीयता हम में आज तक भी नहीं आ सकी है, जिसका खुला नतीजा और सबूत है देश का कटवारा और बात परस्ती, किरका परस्ती और सूवा परस्ती का जोर!

बाब सोमनाथ के इतिहासी पहलू पर भी जरा प्रकाश हालें. पराणो और महाभारत में जिसे 'आनत्त' तथा श्रीमद भागवत में जिसे 'झानर्शपुरी' कहा गया है, उसी को पाखिनी ने 'सुराष्ट्र' और बाद के संस्कृत-साहित्य में 'सीदाष्ट्र' नाम से पुकारा गया है. ऋग्वेद (7-95-2) में जिस सरस्वती का जिकर है, वह उसी इकाक़ों में बहती थी और उसी के किनारे प्रभास नगर (पराणों के अनुसार 'प्रभास खंड') था. यहीं द्वारिका से बाकर श्रीकृश्न के शरीर छोड़ने का जिकर भी स्वन्दपुरान में है. यहाँ खास मन्दिर शिव का ही था. पर गनेश, विश्तु, सूरज वरौरा के मन्दिर भी थे, जिसके कारन यह हिन्दुओं का एक बहुत बड़ा तीर्थ हो गया या. सोमनाथ का मन्दिर आयों का पहला मन्दिर समका जाता है, जो बारह ज्योतिर्तिङ्गों में से पहले सोमनाथ (वाँव) के नाम पर बनाया गया था. कहते हैं पहले सोम (चाँद देवता) ने यह सोने का मन्दिर बनवाया. बाद में रावन ने इसी जगह चाँदी का और फिर श्री क्रश्न ने लकदी का. उनके बाद बल्लभी राजाओं ने 500-700 ई० बौर फिर सोलंकी राजाओं ने उसका रूप बद्दल दिया. 1024 ई० में सोमनाय पर महसूद राजनवी के इसले के सम्बन्ध में काठियावाद-गज टियर में एक बढ़ा मार्के का बयान है. वह यह कि महमूद ने बाकर जब शिव-लिंग की पूजा का 'महात्म' सुना, तो कोध के मारे उसने उसे तुड़वा दिया. मन्दिर तो बाद में चसके सिपहसालार मीठा खां ने तुद्वाया बताते हैं.

जिन लोगों ने इतिहास को अपनी कमजोरी छिपाने के लिये और सांप्रवृथिक चरमे से देखा है, उन्हें मले ही इस घटना में एक मुसलमान या रौर-हिन्दू की अपने धर्म हैं क्षित्रनी दिखाई दे, पर हमें तो ऐसा लगता है कि अगर हमने महमूद की इस घटना से—अगर इसमें कोई ارت یہ فارس کرتا ہے گھ عم آس سے اندھ تھے۔ الکوے اور دعوم کے معاملوں میں اندھ تھے۔ الداوہ یہ هرتا ہے کہ سرماتھ کے حملے کا مقابلہ المارد ایمار آسی علاقے کے راجہ کی قوج (رهاں کی جانا میں ایعار آسی علاقے کے راجہ کی قوج (رهاں کی جانا میں ایعار الماری الماری الماری آشا کی روبہلی ریکھا دیکھتے میں ایک الک متوں فرقوں اور جاتیوں میں بتا هونا اور راجے مہاراجوں کی آیسی لاک ڈانٹ ، بدلستی سے اور راجے مہاراجوں کی آیسی لاک ڈانٹ ، بدلستی سے بہ زهریلی مادتیں اور برائیاں اِنٹی هاروں کے بعد بھی هم بیس سے کائیں نہیں ، سچے معلی میں تو ایک راشڈویٹا نو هم میں آج تک بھی ذریس آسکی ہے، جسکا کہا تعجم اور شہوت ہے دیھی کا بہارا اور جات پرستی ورقع ورستی اور شہوت ہے دیھی کا بہارا اور جات پرستی ورقع

اب سومنانه کے اِنہاسی پہلو پر بھی ڈوا پرکھی ألهن برالون أور مهايهارت مهن جسم "آثرت" تعها لرمي مد بهاكوت مين جس "أنرت يرمي كها كيا هي سی کو یانٹی نے اسراشتر اور بعد کے سلسکرت ساہدیہ سهن 'سوراشقر' نام سے پکارا گیا ہے . رگ ہید (2-95-7) میں جس سرسوتی کا ذکر ہے کو اُسی علاقے میں بہتی ھی اور اُسی کے کفارے پربھاس نگر (پرانوں کے انوسار یربهاس کهند؛) تها . بهین درارکا سے آدر شری کرشن کے ہریر چھوڑنے کا ذکر بھی اِسکند پران میں ہے . یہاں هامی مندر شیو کامی تها . پر گلیش وشنو سورب فهره کے مندر بھی تھ' جسکے کارن یہ هندووں کا ایک عمت بوأ تهرته هوكيا تها - سومناته كا منذر أريون كا يها الغدر اسمتجها جاتا هے جو بارہ جهوترلدگوں میں سے پہلے سومناتھ (چاند) کے نام پر بنایا گیا تھا. کہتے ھیں پلے سوم (جاند دیوتا) نے یہ سونے کا مندر بنوایا . ھد میں رارن نے اُسی جاتھ جاندی کا اور پھر شری ارشن نے اکری کا ، اُن کے بعد وللیہی والجاوں نے 700-700 عهسوی اور پهر سولنکی راجاوں نے اُسکا رب بدل دیا. 1024 میسوی میں سومداته پر مصمرد فزنون کے حملے کے سمبندہ میں کاتھیاوار گزیاتھو بھی ایک ہوا معرکے کا بھان ہے . وہ یہ که محصود نے گر جمب شهولنگ کی پوجا کا 'مهاتم' سفا' تو کرودھ کے الربيد أس له أسم توراديا مدر تو بعد مهن أسكم سَهُ سِالار ميلها خال نے تورایا بعاتے هیں .

جن لوگوں نے اِنہاس کو اُپٹی کمزوری چھپانے کے لئے
پر سامپردارک چھیے سے دیکھا ھے' اُنہیں بھلے ھی اِس
بٹنا میں ایک مسلمان یا فیر ھندو کی اُنھ دعرم سے
قسلی دکھائی دیے' پر شمیں تو ایسا لگتا ہے کہ اگر ھم۔
یہ معصود کی اِس گھٹنا سے — اگر اس میں کوئی۔
یہ معصود کی اِس گھٹنا سے — اگر اس میں کوئی۔

A Marillan Control Size

دهس گلیت گرنے کی کوشش کی ہے وہ اس بات کو بھی اور کا تھر دوری الھی جاتے ہیں کہ جسطرے مقدو راجہ جاتا کو دهرم روپی الھی کا قرر دیائے اور اپنے پرتاپ اور شان شوکت کے دکھاوے کے اورنگ زیب وفہرہ اپنی جہت کی نشانی کے روپ میس مندر تورکر رهاں مسجد بنواتے تھے ، یہ دهرم کا نہیں سرداروں سرداروں کی تکر کا ایک فرو بی انگ تھا ، پیر یہ بھی اتفا سونا اور قیدائی زیور کپرے وفہرہ رهتے تھے کہ نہیں اتفا سونا اور قیدائی زیور کپرے وفہرہ رهتے تھے کہ نوگی بھی لکھرا انہیں دیکھ کر انہیں لوتنے کا لوبھ روک بیس سکتا تھا ، کہتے ہیں کہ سومناته کے مقدر میں نوازوں سے لیکر بھیلار کے آدگی تک منوں سونا لکتی بہر پر لکا تھا ، وہاں کے شہولنگ کو تورنے پر رہ بھیلار کورکھا نکا اور اس میں کافی سونا اور جواہرات وفہرہ کے کہرکھا نکا اور اس میں کافی سونا اور جواہرات وفہرہ کے کہرکھا نکا اور اس میں کافی سونا اور جواہرات وفہرہ کے بہرکھا بہتا ہوا۔

اگر ایک بل کے لئے هم یہ مان بھی لیں که اوپر لکھی اتیں میں سنچائی کا حصہ کم ہے اور ودیشیوں کے حملے وت سے آدھک ھمارے دھرم پر ھی حملے تھے تو ایک ات سمجه مهل نههل آتی که آخر فزنی کی سیفا بهارت ا هیوبهه ۱ سے آدهک تو رهی نهیں هوگی . پهر قیا ارن ہے کہ سوم دیو کی رکشا نہیں هوسکی ؟ کچھ وگیں نے لکھا ہے کہ سرمقاتھ کی رکشا کے لیے الشوں پر شیں جم گئیں' خرن کی ندیاں بہ گئیں اور اس طرح ام آلے ویروں کے یکوپویت (جلهؤ) کے دھیر لگ گئے! اگر حملے کے بھاری بن کو بڑھائے کے لیے بھی یہ سب نها کها هے تو بھی بہت ہوی وتمیقا ممالغه اور دھوکا مان يوتا هے . اگر أتكا تكوا و ودھ هوا هوتا ، تو شعرو كبهى م جهتتا ، اس سمبنده مهن ایک بات یه بهی مشهور هے له جب فواری (یا شاید اورک زیب) کے لوگ جوہے رھے تھے' تو انیک چھٹری ویروں نے اپنے آپنے میان سے اوار نکال کر بھگواں سومغاتھ سے پرارتھفا کی کہ اگر وہ کھا دیوں تو شعرو کا کام المام کردیا جائے ، پر کالے پھھر کے س شیولنگ میں آگیا دیئے کی طاقت ہوتی' تبھی و وه آالها دیانا حالته سومناته کے یہ ویر یوجک تو کیا کی آ۔ید میں تلواریں نکالے ھی رہے اور شعرو کی عرف کے لوگوں کے آگر اُنہیں تلواروں سے کاجر مولی کی طرم إنهيل كا قال جو بنقے بجاري مندر ميں مال راتے تھے' وہ انے سومناتہ بھاواں کو چھورکر کب بھاگ ئے کسی کو پتہ بھی ته چھا!

أربر كى إتهاسى الواهوں ميں كتنى سچائى هـ" به كهنا تو كتهن هـ: ير اتنا تو صاف هى هـ كه سومناته كى هار نے اس ديش كو فلام بناديا .

द्रामन साचित करते की कीशिश की है वह इस कार्य को मूख जाते हैं कि जिस तरह हिन्दू राजा जनता को चम क्ष्मी अफ़ीम का होड़ देने और अपने प्रताप और शान-शौकत के दिखाबे के किये शानदार मन्दिर खड़े करते थे, ठीक इसी तरह औरंगजेब वरारा अपनी जीत की निशानी के रूप में मन्दिर तोड़कर वहाँ मिन्डिंग बनवाते थे. यह धर्म का नहीं, सरदारों सरदारों की टक्कर का एक जरूरी अंग था. फिर यह भी सब जानते हैं कि हिन्दु ओं के मन्दिरों और मूर्तियों में इतना सोना और क्रीतमी जेबर कपड़े बरोरा रहते थे कि कोई भी लुटेरा एन्हें देखकर एन्हें खटने का लोग रोक नहीं सकता था. कहते हैं कि सोमनाथ के मन्दिर में किवाड़ों से लेकर भीतर के आंगन तक मनों सोना लकड़ी-पत्थर पर लगा था. यहाँ के शिव-लिंग को तोड़ने पर वह भीतर से खोखला निकता और उसमें काफी सोना और जवाहरात बरोरा निकते बतलाए जाते हैं.

बागर एक पक्ष के लिये हम यह मान भी लें कि इतर जिस्ती वार्तों में सचाई का हिस्सा कम है और विदेशियों के हमले लुढ से अधिक हमारे धर्म पर ही हमले थे, तो एक बात समम में नहीं आती कि आखिर राषानी की सेना भारत के शिवभक्तों से अधिक तो रही नहीं होगी. फिर क्या कारन है कि सोमदेव की रचा नहीं हो सकी ? कब लोगों ने लिखा है कि सोमनाथ की रचा के क्षिये काशों पर काशें जम गई, खन की नदियां वह गई' भौर इस तरह काम भाए वीरों के बन्नोपवीत (जनेऊ) के हेर लग गए! अगर हमले के भारीपन को बहाने के क्षिये भी यह सब कहा गया है, तो भी बहुत बड़ी विडम्बना सुवासता और घोका जान पढ़ता है. अगर इतना तगड़ा विरोध हुआ होता, तो शत्रु कभी न जीतता. इस सम्बन्ध में एक बात यह भी मशहूर है कि जब राजनवी (या शायद भौरंगजेब) के स्नोग चढ़े था रहे थे, तो अनेक चत्री वीरों ने अपने अपने स्थानसे तलवार निकाल कर भगवान सोमनाथ से प्रार्थना की कि अगर वह आहा दें तो शत्र का काम तमाम कर विया जाय. पर काले पत्वर के वस शिव-लिंग में आक्रा देने की ताक्षत होती, तभी तो वह आक्रा देता. चुनाचे सोमनाय के यह बीर पूजक तो आहा। की उम्मीद में तलवारें निकाले ही रहे और राज्य की तरफ के लोगों ने भाकर उन्हीं तलवारों से गाजर मुली की तरह इन्हें काट डाला. जो पंडे-पुजारी मन्दिर में माल डवाते थे. वह. अपने सोमनाय भगवान को छोड़ कर कब भाग गए. किसी को पता भी न बला!

जपर की इतिहासी अजवाहों में कितनी सचाई है, यह कहना तो कठिन है; पर इतना तो साफ ही है कि सोमनाय की हार ने इस वेश को गुलाम बना दिया.

(जय ?) सोमनाथ

(भाई मोहनसिंह सेंनर)

[यह लेख हिन्दी माहवारी रिसाले 'तरण' (फलकता) से लिया गया है. केवल कुछ राब्दों की जगह जरा जासान शब्द रख दिये गए हैं—एडीटर]

किसी ने हिन्दुस्तान का मुकाबला एक ऐसी भोली, बेबस और सीधी सादी औरत से किया है जिस पर कई लोगों ने हमले किये, बलात्कार किये, उसे लूटा, मारा: और वह फिर से जैसे अपने कपड़े माडकर गुजारा करने की चिन्ता से चूल्हे के पास जा बैठी-मानो जो कुछ हवा, वही डसकी किस्मत में था ! और किसी समय यह बात वाहे जागू न भी हो, पर सोमनाथ पर बार बार के हमले-जैस कि इतिहास से पता चलता है-इस बात को ठीक साबित कर रहे हैं. पिछली 11 मई को सौराश्ट्र के अन्दर प्रभास-पादन में जिस सोमनाथ की स्थापना हुई है, कहते हैं वहाँ के मन्दिर, लिंग-मृति या बस्ती पर ई० 1024, 1227, 1318, 1395, 1511 और 1520 में हमले हुए. आखिरी इमला या बरबारी खीरंगजेब के समय की बतलाई जाती है, जिसने सोमनाथ के मन्दिर की जगह एक मस्जिद बनवा दी. भारत का ग्यारहवीं से सोलहुतीं सदी तक का इतिहास बतलाता है कि बैर, बदला, इत्या या धर्म बदलवाने की निस्वत उस जमाने के हमलों का खास मक़सद सिर्फ लूट था. इसलिये सोमनाथ पर इन हमलों का सम्बन्ध धर्म या मजहब से जोड़ना इतिहास और सचाई के साथ ज्यादती करना है. सही बात यही लगती है कि दूसरे देशों से अधिक वपजाऊ होने के कारन हमारा देश वन दिनों खुशहाल था. इसलिये जहाँ कहीं गुजर बसर की इतनी सुविधा नहीं थी, वहाँ के लोगों का इमारे खुशहाल देश की तरक खिंचना स्वाभाविक था. पर आज हम जो गला फाड-फाड़ कर यह कह रहे हैं कि सोमनाथ पर 6 या 7 बार इमले हुए सो वह कोई घमंड करने की नहीं, लड़जा की बात है. समक्त में नहीं आता कि इतनी बड़ी हार और पतन की बात कहते भी हम तजाते नहीं. पर चतुर बादमी कभी भी सीधी हार स्वीकार नहीं करता. सो हमने भी अपने बल-यूते की इतनी बड़ी कमी को कभी अपनी कमी, कम-जोरी या दीनता कहकर स्वीकार नहीं किया-बल्क उलटे दुनिया की हमदर्वी हासिल करने और दुशमन के लिये नफरत फैकाने की रारज से अधिक प्रवार इसी बात का किया कि इमारे मन्दिर भीर मूर्तियाँ नश्ट कर दी गई, हमारे धर्म पर इमला हुआ, वरौरा. जिन्होंने सोमनाथ के मन्दिर-मूर्ति तोइने वाले महमूद राजनवी से लेकर वहाँ मस्जिद् बजानेवाले जौरंगजेब तक सब को जपने धर्म का

(جے ?) سومناتھ

(بهالی مرهن سلکه شهلکر)

[یه لیکه هندی ماهواری رساله "ترون" (کلکته)
سے لیتا گیتا ہے . کیول کمچه شهدوں کی جگه دوا آسان شهد راء دیکے کئے هیں --ایدتر]

کسی نے هندستان کا مقابلہ ایک آیسی بھولی ہے پس اور سیدهی سادی مورت سے کیا ہے جس پر کئی لوئوں لے حملے کئے' بلاتکار کئے' أسے لوتا' مارا؛ اور وہ يهر سے جیسے آنے کہوے جہارکر گذارا کرنے کی چنتا سے چولیے نے پاس جا بیٹھی۔مانو جو کچھ هوا' وهی اُسکی قسمت میں تھا! اور کسی سے یہ بات جاھے لاکو تھ بھی ہوا پر سومقاتہ پر بار بار کے حملے سجیسا کہ اِتہاس سے بعد چلعا هے۔۔اس بات كو تهيك ثابت كررهے هيں . یجھٹی 11 مٹی کو سوراشتر کے اندر پر بھاس پاٹن میں جس سومناته کی ستهاپلا هوئی هے کہتے هیں وهاں کے ملکو کلگ مورتی یا بسائی پر عیسوی 1520 رو 1520 1511 1395 1318 أور 1520 مين حملے هولے، آخری حمله یا بربادی اورنگ زیب کے سے کی بٹلائی جاتی ہے ' جس نے سرمذاته کے مقدر کی چکه ایک مستود بلوادی . بهارت کا گیارهریس سے سولہویس مدن تک لا إنهاس بثلاثا هے که بهر' بداء' معها يا فهرم بدلوانے کی نسبت اُس زمانے کے حساس کا خاص مقصد صرف أوق تها . اِس لدُّه سومقاته ير إن حملون کا سمیدد دهرم یا مذہب سے جورنا اِتہاس اور سجائی کے ساتھ زیادتی کرنا ہے ، صحیم بات یہی لکتم ہے کہ فرسرے دیشوں سے ادھک آپجاؤ ہونے کے کارن ممارا دیش أن دنس خرص حال تها . اس لئے جہاں کہدں گذریسر کی اِتدی سرودها نہیں تھی' وہاں کے لوگوں کا همارے عُره حال ديش كي طرف كهندها سوآبهاوك تها . ہر آبے هم جو گلا پهار پهار کر يه که رهے هيں که سومااته یر 6 پیا 7 بار حملے هوئے سو وہ کوئی گھمنڈ کرنے کی نہیں ا لتجا كي بات هي. سمجه مين نهين آنا كا أتذي بري خار اوز یعن کی بات کہتے ہیں ہم لجاتے نہیں . پر چدر المسى كمهى بهى سهدهى هار سويكار نهيس كرتا ، سوهم في بھی آیے بل ہوتے کی اتدی ہری کمی' کو کبھی ایدی کسی' عَمْرُورِي يَا هَهُمُمَّا كَهِ كُر سُويكَار تَهِين كَيا-بِلِكُمُ اللَّهِ اللَّهِ دنیا کی جدورس حاصل کرنے اور دشمین کے لگے تدرس پهیلالے کی فرنس سے افتعک پرچار اِسی بات کا کہا که ھمارین مندور اور مورتھاں تشت کردی گئیں' ھماریے دهوم اور حدثه هوا؟ وقهرة ، جلهول لے سومقاته کے مقدر منورتی الزول والے محمود فزنوی سے لیکر وہاں مسجد بقالے والے اورنگ زیب تک سب کو ابع دھور کا

करते थे. जन्ह नाम का एक बौद्ध भिद्ध सूत्रों का अब करता था, दूसरा चन्दा शब्दों का अनुवाद करता था, तीसरा पांडुतिपि तिखता था और चौथा अनुवाद की भाशा ठीक करता था. इस तरह बोधिकि की मदद करने के तिये अनुवादकों का एक पूरा मंडत था.

बोधिरिय ने चीन में बौद्ध धर्म की कुत 53 किताबों का अनुवाद किया. इस में सब से मराहूर किताब "रतन्कूट" समभी जाती है. इ नसांग यह किताब भारत से चीन लेखाया था. सन 706 ईसवी में बोधिरिय ने इस किताब का अनुवाद शुक्त किया और सन 713 ईसवी में इसे पूरा किया. कहा जाता है जिस समय यह अनुवाद पूरा होने वाला था, चीन का सम्राट अपने द्रवार के समी ओहदेदारों और महल की रानियों के साथ वहाँ मौजूद था और सम्राट ने अपने हाथ से इस अनुवाद के आखिरी पन्नों को लिखा.

''रत्नकूट'' का अनुवाद पूरा कर लेने के बाद बोधिरुचि ने अनुवाद का काम बन्दकर दिया और अपनी बाकी जिन्दगी ध्यान और योग में गुजारी.

कहा जाता है बोधिरुचि एक सौ छप्पन सात की डमर में मरा. जब उसके मरने का दिन नजदीक आया तो एक दिन उसने अपने चेलों को बुला कर कहा—

"मेरा रारीर दिन ब दिन उसी तरह कमजोर होता जा रहा है जिस तरह पानी की बूंदें घीरे घीरे भाप बनकर उड़ती जाती हैं. मैं बहुत दिन जिन्दा रह जुका हूँ और अब सुमे अपना अन्त नजदीक दिखाई पड़ रहा है. इतने दिनों तक मैं खाना खाकर अपनी कमजोरी दूर कर रहा था. अब जबकि मेरे जाने का दिन क़रीब आ गया है तो किर अब उसे आगे ठेलने की क्या जहरत ?'

. इसके बाद वह 55 दिन तक अपवास करता रहा और अन्त में शरीर त्याग दिया.

करयप मतंगा, कुमार जीव, बुद्धयश, गुण वर्मन, बोधिधर्म प्रभाकर मित्र, और बोधिकिच के अलावा और भी बहुत से हिन्दुस्तानी बौद्ध प्रचारकों की चर्चा चीनी साहित्य और चीनी सरकारी काराओं में मिलती है. उनकी जिन्दगी, उनकी कुरवानी, उनके त्याग, उनकी हिम्मत, उनके लगन का ही यह नतीजा है कि भारत और चीन के बीच गहरा और टिकाऊ कलचरी सम्बन्ध कायम हुआ और सारे चीन ने बौद्ध धर्म को अपना लिया. चीन और भारत के इस मेल मिलाप का गहरा असर आज तक होनों देसों के धर्म, समाज, रहन सहन, कला, साक्षत्य, विचारों और आदशों पर साक चमक रहा है.

رتے تھے ، برهم نام کا آیک بودہ بھکھو سوتوں کا آرائی کوئا نہا دوسوا جاندا ہمدوں کا انوواد کرتا تھا توسوا ہاتھو پی لکھتا تھا اور چوتھا الوواد کی بھاشا تھیک کرتا تھا۔ س طرح بودھی رچی کی مدد کرتے کے لئے انووادکوں کا یک پورا ماکل تھا .

بودھی رچی نے چین میں بودھ دعرم کی کل 53 ماہیں کا انوراد کیا اِس میں سب سے مشہور کتاب ' رتن کوٹ '' سمجھی جاتی ہے ۔ ھرین سانگ یہ کتاب مارت سے چین لے آیا تھا ، سن 706 میسوی میں بودھی چی نے اِس کتاب کا انوراد شرع کیا اور دن 713 میسوی میں اِسے پورا کیا ، کہا جاتا ہے جس سے یہ انوراد پورا وئے والا تھا' چین کا سمرات ایے دربار کے سبھی عہدے اروں اور محل کی رائیوں کے ساتھ وہاں موجود تھا اور مرات نے ایے هاتھ سے اس انوراد کے آخری پنوں کو لکھا ۔

'' رتن کوت '' کا انوراہ پورا کر لینے کے بعد بودھی چی نے انوراد کا کام بغد کر دیا اور ایٹی بائی زندگی دعیان ر یوگ میں گذاری ۔

کہا جاتا ہے ہودھی رچی ایک سو چھھوں سال کی سر میں مرا ، جب اُسکے مرنے کا دن نزدیک آیا تو ایک ن اُس نے اُنے چیلوں کو بلا کر کہا —

'' مہرا شریر دن بدن اُسی طرح کمزرر هوتا جا رها یہ جس طرح پانی کی بوندیں دعہرے دھیرے بہاپ بنکر رتی جاتی ھیں ، میں بہت دن زندہ رہ چکا ھوں اور اُب جھے اپنا اُنت نزدیک دکھائی پر رها ھے ، اتنے دنوں تک یق 'کھانا کہا کر اپنی کمزوری دور کر رها تھا ، اب جب ، میرے جانے کا دن قریب آئیا ھے تو پھر اب اُسے آئے عللے کی کہا ضرورت ؟'' ۔

اِس کے بعد وہ 55 دن نک آپواس کرتا رہا ارر انت بن شریر تیاک دیا ۔

کشهپ متانا کمار جهو بدهیش کی ورمی بودهی قرم پربهاگر متر اور بودهی رچی کے عقوہ اور بهی بهت هندستانی بوده پرچارکوں کی چرچا چیلئی سامتیہ رچیلی سرکاری کافلارں میں ملتی ہے ، اُن کی زندگی کی قربانی اُن کے تھاگ اُن کی همت اُن کی لکن می یہ نتهجہ ہے کہ بہارت اور چین کے بہج گہرا اور می یہ نتهجہ ہے کہ بہارت اور چین کے بہج گہرا اور اور کاری میں میل مالی کا اُن کو اینا لیا ، چین اور بہارت کے اس میل مالی کا اُن کو اینا لیا ، چین اور بہارت کے اس میل مالی کا را اثر آج تک درنوں دیسوں کے دھرم سماج وہاروں اور آدرشوں پر صاب جمک رہا ہے .

A STATE OF THE STA

कुछ दिना तक वह नकान्य वित्यविकास में वहाँ के मराहूर विद्वान शील मद से बौद दरशन प्रदेश रहा. वहीं बाद में उसे बौद दरशन का प्रोफ्रेसर बना दिया गया. पर वह नालन्य में ज्यादा दिन न रह सका. बाहर के मुल्कों में बौद धर्म का प्रचार करने की उसे बड़ी इच्छा थी इससिये वह चीन के सिये रवाना हो गया.

बीन जाते समय रास्ते में वह तुक्तस्तान में ठहरा. तुर्किस्तान के बादशाह ने उसका बदा स्वागत किया और बीद्ध धम में बड़ी दिलचस्पी ली. सन 626 ईसबी में तुर्किस्तानी द्रवार के बीनी राजदूत ने प्रभाकार को बीन जाने की दावत दी. प्रभाकर बीन जाना बाहता था पर तुर्किस्तान के बाहशाह ने उस समय उसे रोक लिया. इस पर बीन के सम्राट ने खुद तुर्किस्तान के बादशाह को लिखा और बीनी सम्राट की निजी दावत पर प्रभाकर मित्र को सन 627 ईसबी में बीन की राजधानी पहुंचा दिया गया.

चीन के सम्राट ने प्रभाकर का बढ़ा स्वागत किया. सम्राट के कहने से प्रभाकर ने बहुत सी बौद्ध पुस्तकों का अनुवाद चीनी भाशा में किया. प्रभाकर का विद्वता से चीनी सम्राट बढ़ा खुश हुआ. सम्राट ने उसकी बढ़ी इउ इस और तारीफ की.

प्रभाकर मित्र की इतनी इज्ज्ञत होते देख भीन के कंगफूरचे धर्म के मानने वाले उसके खिलाफ आवाज उठाने लगे. इसका चीनी सम्राट पर बुरा असर पड़ा सम्राट ने प्रभाकर के काम में दिलचस्पी लेना कम कर दिया.

कहा जाता है कि सम्राटके इस ज्योहार से प्रभाकर के दिल को बड़ा सदमा हुआ। सन 633 ईसवी में वह चीन ही में इस दुनिया से चल बसा.

बोधिरुचि

बोधितिब दक्खिन भारत का रहने वाला था. बारह साल की चमर में चसने घर छोड़ दिया और एक बिद्वान मान्हन से वेद, सांच्य शास्त्र बरीरा की तालीम ली.

कहा जाता है, एक बार वह एक आम बार्मिक समा में हिस्सा सेने गया. वहाँ एसकी एक बौद्ध मिच्च यशघोश से वहस हुई. वहस में उसने हार मानकी और वह तुरन्त बौद्ध धर्म अपनाकर बौद्ध मिच्च हो गया.

सन 692 ईसबी में चालुक्य दरबार के चीनी राजदूत ने बोधिरुचि को चीन के लिये दाबत दी. इसने इस दाबत को मंबूर कर लिया और सन 693 ईसबी में समुन्दर के रास्ते चीन पहुँचा.

चीन पहुंचकर उसने बौद्ध कितावों के अनुवाद का काम शुरू किया. इस काम में कई बौद्ध भिद्ध उसकी मदद کچھ میٹوں کک رید نالفتہ وہو ودیاتہ مہور وہلے کہ سمیور وہلی کے سمیور ودیاتہ میٹوں ہوئی کے سمیور ودیاتہ میٹ وہلی کے بعد میس آسے بودھ دوشن کا پروٹیسر بنا دیا گھا، پر وہ نالفت میس زیادہ دن تہ وہ سکا ، باہر کے ملکوں میں بودھ دہرم کا بینچار کرنے کی آسے بری اچھا تھی اس لگے وہ چھن کے لئے وہ ہیا ۔

چین جاتے سے راسعے میں وہ ترکستان میں تہہرا. ارکستان کے بادشاہ نے اسکا ہوا سوائٹ کیا اور بودھ دھرم میں ہوی دانچسمی لی۔ سن 626 عیسوی میں ترکستانی ادربار کے چیلی واج درت نے پرپہاکر کو چین آنے کی دعوت اسی ۔ پربہاکر چین جانا چاھٹا تھا پر ترکستان کے بادشاہ نے اس پر چین کے سموات نے کود ترکستان کے بادشاہ کو لیا ۔ اِس پر چین کے سموات کی نتجی دعوت پر پربہا کرمٹر کو سن 627 عیسوی میں جین نتجی دعوت پر پربہا کرمٹر کو سن 627 عیسوی میں جین کی راجدھانی پہونچا ادیا گیا ،

جهین کے سمرات نے پربھائر کا ہوا سواکت کیا ، سمرات کے کہتے سے پربھائر نے بہت سی بودھ پستکوں کا انوراد چھٹی بھائی میں کیا ، پربھائر کی دوتا سے چیٹی سمرات نے اسمی بریءوت اور نمریف کی.

پرہهاکو متر کی اتلی عزت ہوتے دیکھ چھن کے کلگ فوتوے دورم کے مانلے والے اسکے خلاف آواز اُٹھائے لگے ۔ اِس کا چھلیسمرات پر برا اثر ہوا اور سموات نے پرہھاکو کے کام مہی دلنچسپی لیلا کم کو دیا ۔

کہا جاتا ہے کہ سمرات کے اُس بھوھار سے پربھاکر کے دل کو ہوا صدمہ ھوا، سن 633 میسوی میں وہ چھن ھی میں اُس دنیا سے چل بسا .

بودهی رچی

ہودھی رچی دکھن بھارت کا رھلے والا تھا ۔ ہارہ سال لی مسر مہیں اُس نے گھر چھھرج دیا۔ اور ایک ودوان ہواھس سے ویٹ ساتکھھے شاسٹر رفیرہ کی تعلیم لی ۔

کہا جاتا ہے' ایک بار وہ ایک عام دھارمک سبہا مہں حصہ لیلے گیا ، وھاں اُس کی ایک بودھ بھکھو یش لیوس ہے بعض سے بعض عور مان لی لیوس سے بحدہ عور مان لی لیو وہ ترنت بودھ دھرم ایفا کر بود بھکھو ھوگھا۔

سن 692 میسوی میں چالوکیہ دریار کے چیلی راج الوس نے بودھی رچی کو چین جائے کے لئے دفوت دی۔ اس نے اس دفوت کی منظور کر لیا اور سن 693 میسوی میں سندر کے راسٹے جین پارتیا۔

چھن پہونچکو اُس نے بودہ کتابوں کے انوواد کا کام عورم کھا ، اِس کام میں کئی بودہ بہکشو اُسکی مند बहुत अस्य फैल गया. जीन के कलाकारों की नक्काशी और बुक्साजी पर भी इसका बहुत बड़ा असर पड़ा यह पंच आज भी क्रायम है लेकिन इसके मानने वाले जापान में ज्यादा पाए जाते हैं.

इसमें कोई शक नहीं कि चीन की धार्मिक जिन्दगी और वहाँ की कला पर जितना गहरा असर बोधिधर्म का पड़ा उतना किसी और हिन्दुस्तानी का नहीं पड़ा. उसके इस असर के निशान आज तक चीन की जिन्दगी में क्रायम हैं.

धर्मगुप्त-

धर्मगुष्त काठियावाइ में पैदा हुआ. तेईस साल की उसर में वह कज़ीज गया जहाँ उसने की सुदीसंघर (?) नाम के एक मठ में बौद्ध धर्म की दीजा ली. पचीस साल की उसर में वह बौद्ध भिद्ध हो गया. बौद्ध भिद्ध हो जाने बाद बह तक्का देस (उत्तर पंजाब) चला गया. यहाँ उसे माल्म हुआ कि चीन में बौद्ध धर्म केज रहा है. यही से वह चीन के लिये रवाना होगया.

सक्का से वह काशगर गया और काशगर से कूची. कूची में इसे वहाँ के राजा ने रोकना चाहा पर वह न उका. एक दिन बिना राजा की इजाजत के वह कूची से चल पड़ा और फिर अग्निरेस, तुरकान, और हामी होते हुए सन 590 ईसवी में चीन की राजधानी चाँग-गान पहुंचा.

चाँग-गान में कुछ साल रहने के बाद वह चीन के सम्राट के साथ लोगांग (कतर चीन) चला गया. वहाँ उसने बौद्ध धर्म की दस किताबों का चीनी में अनुवाद किया. वहाँ रहकर उसने उन सब एशियाई देसों का हाल एक किताब में लिखा जिनसे होकर वह चीन आया था. वह किताब अब नहीं मिलती. कहा जाता है इन देसों के बारे में धर्म गुष्त ने इस किताब में जितनी बातें लिखा थीं उतनी है नसाँग भी अपने सफरनामें में नहीं लिख सका. इस किताब के दस भाग थे—(1) पैदाबार (2) जलवायु (3) महान और रहन सहन के तरीक़ें (4) सरकार (5) रीत रिवाज (6) खान पान (7) पोशाक (8) तालीम (9) धन और तिजारती सामान (10) पहाड़, निद्याँ, राज, शहर और मशहूर शहरी.

सन 619 ईसवी में धर्म गुप्त ने चाँग-गान में ही शरीर त्याग दिया.

प्रभाकर मिश्र—

1. 1. 1. 1. 16

प्रभाकर मित्र मध्य भारत के एक राजघराने में पैदा हुआ था. दस साल की उमर में उसने भर छोड़ दिया और बौद्ध धर्म की किताबें पढ़नी शुरू कर दीं. कुछ ही साल में बह इतनी तरक्षकी कर गया कि एक खाख रलोक बह खबानी सुना सकता था. फिर वह बौद्ध भिन्नु बना क्रिया गया. بہت جلک بھیل گیا ۔ چین کے کلا کاروں کی فاقی اور بت سازی پر بھی اِس کا بہت ہوا اثر ہوا ۔ یہ پلٹھ آج بھی قائم ہے لیکن اِسکے مانئے والے جاپان میں ویادہ بائے جاتے میں .

اِس میں کوئی شک نہیں که چین کی دھارمک زندگی اور وہاں کی کلا پر جنٹا کہرا اثر بودھی دھرم کا پوا اُتنا کسی اور ھقدستانی کا نہیں پوا اُس کے اِس اثر کے نشان آج تک چین کی زندگی میں قائم ھیں ۔

دهرم کیت-

دهرم گهت کاتههاوار میں پهدا هوا . تیکیس سال کی عمر میں وہ قدوج گها جہاں آسنے کومدی سنگهرم (؟) نام کے ایک مته میں بودھ دهرم کی دیکشا لی . پنچیس سال کی عمر میں وہ بودھ بهکشو هوگها . بودھ بهکشو هرجانے کے بعد وہ تکا دیس (اُتر پنجاب) چلا گیا . یہاں اُسے معلوم هوا که چین میں بودھ دهرم پهیل رہا ہے . یہیں سے وہ چین کے لئے روانہ هوگها .

تکا سے وہ کاشفر گھا اور کاشفر سے کوچی . کوچی میں أسے وهاں كے راجه نے روكفا چاها پر وہ نه ركا . أيك فن بنا راجه كی اجازت كے وہ كوچیسے چل بڑا اور پهر اكفی ديس طرفان اور هامی هوتے هوئے بس 590 عيسوی ميں چين كی راجدهانی چانگ كان بهونچا .

چاگ کی میں کچھ سال رہلے کے بعد وہ چیں کے سدرات کے ساتھ لویانگ (اُتر چین) چھ گھا ۔ وہاں اُس نے بودھ دھرم کی دس کتابوں کا چیدی میں انوراد کیا ۔ وہاں ایمن رہکہ اُس نے اُن سب ایشیائی دیسوں کا حال ایک کتاب میں لکھا جن سے ہوکر وہ چین آیا تھا ، وہ کتاب اب نہیں ملتی ، کہا جاتا ہے اُن دیسوں کے بارے میں اُنہی ہویںسانگ بھی اُچ سفر نامے میں نہیں لکھی تھیں اُنہی ہویںسانگ بھی اُچ سفر نامے میں نہیں لکھی اُنہی ہویںسانگ بھی اُچ سفر نامے میں نہیں اُکھی جل وایو (3) مکان اُور رہی سھی کے طریقے (4) پوشاک (8) حل وایو (5) دھی اور تجارتی سامان (7) پھاک ندیاں ندیاں تعلیم (9) دھی اور تجارتی سامان (10) پھاڑ ندیاں ندیاں راہ شہر اُور مشہور شہری ،

سن 619 عيسوي مين دهرم گهت نے چانگ کان مين هی شرير تياک ديا .

پربها كرمعر-

پریہا کومٹو مدھیہ بہارت کے لیک راچ گھرائے میں ا پیدا ھوا تہا ، دس سال کی عمر میں اُس نے گھر چھوڑ دیا اور بودھ دھوم کی کتابیں پوھٹی شروع کو دیں ، کچھ ھی سال میں رہا اتھی ترقی کو گھا کہ ایک لاکھ شلوک وہا زبانی سنا سکھا تھا ، پھڑ وہ بودھ پھکشو بنا لیا گھا ،

THE WAS THE STATE OF THE STATE

स्वाह ने के विका से पूछा कि से मैंने राज की बागबार सम्हाली, मैंने बहुत से मन्दिर बनकाए, बहुत सी उम की किताबों का अनुवाद कराया और कोगों को बौद्ध भेचा बनने के लिये बढ़ावा देता रहा. का मैं अपने इन हामों की बजह से निजात हासिल करने जोग हो गया हूँ ?"

बोधिधर्म ने जवाब दिया-"यह सारी दुनिया माया है, इसत्य है. और शून्य है. आप जो भी रीत रिवाज के काम इर रहे हैं, वह आपको निर्वाण की तरफ नहीं ले जा रहे हैं, गीछे घसीट रहे हैं."

समाट ने पूछा—''तो फिर सही रास्ता कीनसा है ?'' बोबिधर्म ने जवाब दिया—''ध्यान(मराक् ने) के जरिये ही आप निर्धाण प्राप्त कर सकते हैं, इन दुनियावी रीत रिवाजों के जरिये नहीं. इन दुनियावी चीजों की तरफ से जब आप पन को हटाएँगे तभी सच्चाई दिखाई पहेगी.''

सम्राट ने पूछा—"बीद्ध धर्म की किताबों में सबसे . पवित्र कीन सी किताब है ?"

के धिधर्म ने जवाब दिया—"जब यह सारी दुनिया शून्य है और असत्य है तो फिर कौन सी किताब पवित्र है और कौनसी नहीं यह सवाल ही शलत है."

सम्राट ने पूछा—''यह कीन है जो मुक्ते इस तरह जवाब दे रहा है ?''

बोधिधम ने जवाब दिया-" मैं नहीं जानता."

सम्राट वूत्ती बोधिधम की इन बातों से बहुत नाराज हुआ. बह यह उम्मीद करता था कि बोधिधम सम्राट के ऊपरी कर्मकांड की जूब तारीक करेगा लेकिन सम्राट को निराग्न होना पड़ा. सम्राट ने बोधिधम को किसी तरह की मदद न दी. इसके बाद बोधिधम उत्तर चीन बला गया जहाँ बाई वंश का राज था.

कहा जाता है उत्तर चीन जाते समय बोधिधर्म ने याँग रसी (Yang-tse) नदी बाँस की एक छड़ी पर खड़े होकर पार की थी. इस कथा को लेकर बहुत से चीनी कलाकारों ने तसवीरें बनाई हैं.

यह भी कहा जाता है कि उत्तर चीन में लोयांग के एक मन्दिर में बोधिधर्म नी साल तक लगातार एक चट्टान पर आँख गड़ाए बैठा रहा जिसकी वजह से उसके पैर उसके शरीर से अलग हो गए. उसके पैर की चप्पल अभी तक चीन के एक मन्दिर में रखी हुई हैं. जापान में अब भी बोधिधर्म के नाम से बच्चों के लिये एक खिलीना बनता है जिसके पैर नहीं होते. इस खिलीने को 'व्रुमा'' कहते हैं.

भीन में नोधिशम ने अपने मत का प्रचार किया और बोद्ध समें का एक नुमा पंथ 'चान पंथ' के नाम से कायम किया, ''बान'' का मतलब 'ध्यान' है, भीन में यह पंथ سمرات نے بودھی دھرم سے پوجھا ۔ '' بھٹ سے مقدر کے رائے کی باک قرر سلبھالی میں نے بہمہ سے مقدر مقبوالے' بہمت سی دھرم کی کتابوں کو انرواد کرایا اور لوگوں کو بودھ بھکشو بننے کے لئے بوھاوا دیکا رھا ۔ کھا میں اپنے اور کاموں کی وجم سے نتجات حاصل کرتے جوگ بھگھاتھوں ؟''

یہ بہوتھی دھرم نے جواب دیا ۔۔۔ " یہ ساری دنھا مایا ہے' استیہ ہے اور شوایہ ہے ۔ آپ جو بھی ریت رواج کے کام کر رہے دیں ولا آپ کو نروان کی طرف نہیں لے جا رہے ھیں' پہنچنے گھسیت رہے ھیں ۔"

سنرات نے پرچھا -- '' تو پھر صحیتے راستہ کون ، ما ھر ؟''

یودهی دهرم نے جواب دیا ۔۔ '' دههان (مراقبہ) فریعے هی آپ نروان پراہت کر سکتے هیں' ان دنهاری ریت رواجوں کے فریعے نہیں ، ان دنهاری چهزرں کی طرف سے جب آپ می کو هگائنگے تبهی سچائی دکھائی پویکی.'' سمرات نے پوچها ۔۔ '' بوده دهرم کی کتابوں میں سب سے پوتر کون سی کتاب ہے ؟''

آئ ہودھی دھرم نے جواب دیا — " جب یہ ساری دنیا شونیہ ہے اور استیہ ہے تو پھر کون سی کتاب ہوتر ہے اور کون سی تبییں یہ سوال ہی فلط کے ،"

کوں سی تہیں ہے سوال هی فلط هے ،"
سراٹ نے پوچھا ۔ "یے کون هے جو مجھے اِس طرح جواب درے رها هے ؟"

" بودهی دهرم نے جواب دیا -- "میں نہیں جانگا ."
"سمرات ورتی بودہی دهرم کی ان باتوں سے بہت ناراض
هوا . ولا یہ اُمید کرتا تھا کہ بودھی دهرم سمرات کے اُوپری
کرمُ کانڈ کی خوب تعریف کریکا لیکن سمرات کو نراش هونا
پوا ، سمرات نے بودھی دهرم کو کسی طرح کی مدد نہ دی.
اِسْکے بعد بودھی دهرم اُتر چھن چھ گیا جہاں واثی ونھ

گہا جاتا ہے اُتر جہن جاتے سیے بودھی دھرم نے یائکتسی (yang-tse) ندی بانس کی ایک چھڑی پر کھڑے ھوکر پار کی تھی ، اُس کتھا کو لیکر بہت سے چیئی کلا کاروں نے تصویریں بنائی ھھی ،

یه بهی کها جاتا هے که اُتر چهیں میں لویانگ کے ایک مندر میں بوده ی دهرم نو سال تک لکاتار ایک چتان ہر آنکه گوائے بیتها رها جسکی رجه سے اُس کے پهر اُس کے شریر سے الگ هوئئے ، اُس کے پهر کی چرل اُبھی تک چین کے اُنک مندر میںرکہی هوئی هے جاپان میں ابیبهی بوده ہی دهرم کے نام سے بچوں کے لئے ایک کهاونه بغتا هے جسکے پهر نهیں هوئے ، اِس کهاونے کو ''دروما'' کہتے هیں ، جسکے پهر نهیں هوئے ، اِس کهاونے کو ''دروما'' کہتے هیں ، بوده تعین میں بوده ی دهرم کے ایک مطاب 'دهیان پہتے'' کے فام سے قائم بوده تعین میں یہ پنته بوده میں میں یہ پنته کہ تھیں میں یہ پنته

प्रसारिका राजा देशान कर दिया जाय. गुराबरीत है एक इनकार कर दिया.

कुछ समय बाद वह काशामीर से सिंहक वीप (लंका) बता गया. लंका के बौद्ध भिद्धकों ने चसका बढ़ा शानदार बागत किया जहाँ उसने बौद्ध धर्म के प्रचार में वहाँ के क्षेत्रकों को खब मदद दी-

सिंहत दीप से वह याव दीप (जावा) गया. जावा में रीद्ध धर्म फैल जुका था. वहां के राजा ने उसका बदा बागत किया. गुगावर्मन ने यहाँ भी बौद्ध धर्म के प्रचार हरने में मुकामी भिज्ञ धों की सदद की और राजा समेत समूचे राजधराने की बौद्ध धर्म का मानने वाला बना लिया.

गुणवर्मन अपनी विद्यता के लिये जीन में भी मराहर हो जुका था. जीन के नानिकंग शहर के भिद्धकों ने जीन अग्नेट को अरजी ही कि गुणवर्मन को जीन आने की दावत हो जाय. सम्राट ने मंजूर कर लिया और कुछ बौद्ध भिद्धकों को दूत बनाकर गुणवर्मन को जीन ले आने के लिये शवा भेजा. गुणवर्मन इन भिद्धकों के साथ सन 431 सबी में नानिकंग आया. जिस समय वह नानिकंग पहुँ जा शिन के सम्राट ने अपने महत्त के बाहर, निकल कर उसका बागत किया था. जीन में उन दिनों यह एक बहुत ही मनोस्ती बात थी.

गुज्यवर्भन को जेतबन मठ में ठहराया गया. वहाँ रह कर हरीब एक साल तक वह बड़ी मेहनत के साथ बौद्ध किताबों हा चीनी में अनुवाद करता रहा. एक साल बाद उसकी मौत हो गई. इसी एक साल के अरसे में उसने ग्यारह बौद्ध पुस्तकों का अनुवाद चीनी भारा। में किया.

गोधिधर्म--

1 m & ...

बोबिधर्म दक्खिन भारत में काँजी (काँजीवरम) का ज़कमार था.

काँजी से वह जावा और सुमात्रा गया. वहाँ उसने होत धर्म के एक नये पहत्त पर जोर दिया. अभी तक बौद हमें में निर्वाण (निजात) हासिल करने के लिये हो रास्तों पर होर दिया जाता था—एक कर्म मार्ग थानी अमल का एसा और दूसरा ज्ञान मार्ग थानी मारफत का रास्ता. होश्विम्न ने एक तीसरे रास्ते बानी व्यान मार्ग पर जोर हेगा. उसने बताया कि व्यान यानी मराफ़ के करिये हम अच्याई तक पहुँच सकते हैं, निर्वाण (निजात) हासिल हर सकते हैं.

बोधिधर्म अपने इस नए मार्ग का प्रवार करने वीस पहुँ वा. सन 520 ईसवी में वह समुन्दर के रास्ते से हैन्टन आया और दक्खिन बीन के सम्राट बूसी से मिला. सम्राट और बोधिधर्म में जो वात्वीत हुई उसका वयात बीन के सरकारी काराजों में मिलता है. बाबजीत इस हरह हुई— کیتہ سیے بعد وہ اشہور سے ساکیل دیپ (لفتہ) چہ کیا ، الکا کے بودہ بہتھوں لے اُس کا بوا ماندار سوالت کیا جہاں اُس نے بودہ دھرم کے پرچار سین وہاں کے بہتھوں کو شرب مدد دی .

سلکھل کیئے ہے وہ یاردیہ (جاوا) گھا ، جاوا میں ہؤدہ دھوم پھیل چکا کھا ، وھاں کے راجہ نے اُس کا ہوا سواقات کیا ، کن ورس نے یہاں بھی ہودہ دعوم کے پرچار کرتے میں مقامی بھکھوؤں کی مدد کی اور راجہ سمیت سنوچے راہے گھرانے کو بودھ دھوم کا مانلے والا بقا لیا ،

کی پرمن اپنی ودوتا کے لئے چین میں بھی مشہور موری کے بہتھروں نے چین میرات کو عرضی دھی کہ گن ورسی کو چھن آنے کی دعویت دی جائے، سمرات نے منظور کو لیا اُر کچھ بودہ بہتھوں کو دوس بنا کر گن ورسی کو چین لیا آنے کے لئے جاؤا بیتی بیتیا ہے ہی ورسی اُن بہتھوں کے ساتھ سی 431 عیسوں بیتیا ہے ہی آنے محل کے باعد نکاکر اُس کا سوائت کیا تھا، جین محل کے باعد نکاکر اُس کا سوائت کیا تھا، جین محل کے باعد نکاکر اُس کا سوائت کھا

کی درمیں کو جیتدوں متم میں تمہرایا گھا ۔ وہاں وہکر قریب ایک سال تک ولا ہوی مصلت کے ساتم بودھ کتابوں کا چیدی میں انوواد کرتا وہا ۔ ایک سال بعد اُسکی موت مرکئی ۔ اِسی ایک سال کے عرصے میں اُس نے گیارہ بودھ بستکوں کا اِنوواد چیدی بھاشا میں کیا ۔

پودهی **ده**رم

یردی دهرم دکهن یهارت مهن کانچی (کانچی ورم) کا راجکمار تها .

کانجی سے وہ جاوا اور سماترا گیا ، وہاں اُس نے بودھ دھرم کے ایک نئے پہلو پر زور دیا ، ابھی تک بودھ دھرم میں نہران (نجاب) حاصل کرنے کے لئے دو واستوں پر زور دیا جاتا تھا۔ ایک کرم مبارک یعنی عمل کا واستہ اور دوسرا گیاں مبارک یعنی دھرم نے ایک تیسرے واستے یعنی دھیاں مبارک پر زور دیا ، اُس نے بیایا کہ دھیاں یعنی مبارک پر زور دیا ، اُس نے بیایا کہ دھیاں یعنی مبارک پر زور دیا ، اُس نے بیایا کہ دھیاں یعنی مبارک پر نور دیا ، اُس نے بیایا کہ دھیاں یعنی مبارک پر خور دیا ، اُس نے بیایا کہ دھیاں یعنی مبارک پر خوان کر شکتے ہیں۔

برنھی دھرم آپے اس نگر مارک کا پرچار کرتے چھوں بہرنچا میں 520 عیسوی میں وہ سملتر کے راستے سے کیلٹن آپا ۔ اور دکھی چھوں کے سمرات ورتی سے ماہ ، سمرات ارر بودھی دھور میں جو بات چھت ہوئی اس کا بھاں جین کے معرکان کافلوں میں ملتا ہے ، بات جمت اس طرح ہوئی۔۔۔۔ विश्वासि नामर की साथ वह में हुई निर्म हैं। विश्व हैं। विश्व करें के साथ पर कर देने में की मेद मत का बार करने निकल पना बुद्ध कर पहले कारागर गया। सम ह कारागर पहुँचा करी सज़य वहाँ के राजा ने तीन बार की द्धाराण पहले का मार्थ कर ने शारीक होने कि बुद्धाया था। हुद्ध यश भी कर जल से में शारीक जा। कारागर का राजा बुद्ध यश की विद्धता और क्या के गोहार से इतना खुरा हुआ कि क्याने बुद्ध यश को अपने हिस में बुद्धा तिया। सन्हीं विनों कुमार जीव भी गरागर आया था। कुद्ध दिनों तक कुमार जीव और द्धारा वोनों मिलकर बोद्ध दरशन पढ़ते और इस पर राज्य करते रहे। इसके बाद कुमार जीव कूवी वापस खा गया।

इस साल कारामर रहने के बाद बुद्धवरा भी कूबी ।या. कुमार जीव कर्स समय कूबी में न था. यह वह समय ।। जब कुमार जीव को क़ैद करके बीन पहुँचा दिया गया ।।. बुद्धवरा ने कुमार जीव को खत लिखा कि मैं भी बीन पाना बाइल हूँ. कुमार जीव ने बीन के सम्राट से कह कर ।द्धवरा को बीन बुतवा लिया.

बुद्धमश सन 410 से 413 ईसवी तक चीन में रहा. स अरसे में प्रचार के काम में वह कुमार जीव की हर रह मदद करता रहा. बुद्धयश ने जुद कुछ बौद्ध पुस्तकों म अनुवाद किया जिनमें दीर्घागम और वर्मगुप्रविनय ।हुत मराहूर हैं.

बुद्धयरा बहुत ऊँचे चरित्र का मार्मी था. चीन के त्रजाट ने कई बार उसे कुड़ मेंट देने की कोशिश की. उसने तेने से बारबार यह कह कर इनकार कर दिया कि किसी री बौद्ध मिन्नु को यह इक नहीं कि वह इस तरह की भेंट केसी से ले.

गुणवर्मन--

गुक्षवर्मन काश्वमीर का एक राजकुमार था. वसके श्वा रिश्रद्र वहे आक्षिम राजा थे इसक्षिये क्ष्में अपना देस होइकर मागना पड़ा था. गुक्षवर्मन के पिता संघानन्द को री अपनी जिन्दगी पहादियों और अगकों में सुकक्षिप कर जिन्दगी पड़ी थी.

गुष्यवर्मन बीसं साल की उसर में घर छोड़ कर बौद्ध मञ्जू हो गाँगा. उसने बहुत जल्द ही बौद्ध दरसन की अच्छी गनकारी हाखिल करकी और एक हजार रकोड क्यानी गद कर किये. कुछ साल तक लगातार पद्चे रहने के बाद ह बौद्ध दूररान का विद्यान हो गवा.

विक के तीय साम का या तो काशमीर का राजा मर वा. के कि कीई जीकार न बी. इसकिये काशमीर रचार के बोकों ने यह तम किया कि गुस्तवर्मन को کی عملیم یاد ای نیال کی سر بیس شود به الله الله الله الله دور دیسوں میں بردہ سما کا پریهار کرلے انکل ہوا ۔ بدی یعن پہلے کا قدر کیا ۔ جس وہ الله تمر بهباری کو اُسی سیے وہاں کے واجہ نے تھی ہوار بودھ بها شہری کو اُسی سیے وہاں کے واجہ نے تھی ہوا ، بودھ بها شہری کو یہ دھارہ کی اس جاسے میں ہویک ہوا ، کا قبر کا واجہ بدی یعن کی ہوا اور اُس کے بہوھار سے آنیا شوعی تنوا کہ اُسی نے بدی کو اُس کے بہوھار سے آنیا شوعی تنوا کہ اُس نے بدی کو اُس معمل میں بلا لیا ۔ اُنہوں دنوں کہار جھو اور کہار جھو اور بیس دونوں ملکر بودھ درھی پوھتے اور اُس پر جوجا کیا ، بدی یعن وابس جو گھا ،

۔ دس سال کاشفر رہلے کے بعد بدھ یک بھی کوچی گھا ، اگفار جھیو اُس سے کوچی میں تھ تھا ، بھ وہ سیے تھا جمہ قدار جمیو کو قید گرکے جہیں پہرنچا دیا گھا تھا ، بھٹھ بھی لے کنار جمیو کو خط لکھا کہ میں بھی جہیں آنا جاملا ہوں ، کنار جمیو نے جہیں کے سنراھیے کہکر بدھیمل او جمیں بلوا لیا ،

یدھ یھی سن 410 سے 413 عیسوی تک چھوں میں رھا ، اس عرصہ میں پرچار کے کام میں وہ کبار جھو کی ھر طرح مدد کرتا رھا ، بند یھی نے خود کچھ پودھ پستکس کا ابرواد کیا جن میں دیر کہائم اور دھرم گیٹک وقے بہت مشہور ھیں ،

بدھ یعی بہت اُنچے چرتر کا آدسی تھا ، چین کے سرات نے کئی بار اُسے کچھ بھیٹت دیئے کی کوشش کی اُس نے لیڈے سے بار بار یہ کہکر اُنکار کر دیا کہ کسی بھی بوضہ بھکشو کو یہ حتی نہیں کہ وہ اس طرح کی بھیٹت کسی سے لے ،

<u>س در من</u>

گن ورمن کاشمیر کا ایک راج کمار تھا ، اُسکے دادا ہوں اُمیدر ہوے طالم راجه تھے اس لئے اُنہیں اُیٹا دیس چھوڑ کر بھاکتا پوا تھا کی ورمن کے پتا سنگھا نند کو بھی اُیٹی وزیدگی پھاڑیوں اور جنگلوں میں لگ چھپ کو کاٹٹی نوی تھی،

کی ورمن بیس سال کی عمر میں گھر چھور کر پردہ بیکشو ہوگیا'۔ اس لے بہت جلد ھی بردہ درشن کی اچھی جان کاری حاصل کر لی اور ایک ہوار شلوک زبانی یاد کر لگہ ۔ کجھ سال تک لتاتار پرھٹے رہتے کے بعد نبانی باد کر لگہ ۔ کجھ سال تک لتاتار پرھٹے رہتے کے بعد

حب ولا تهس سال؛ کا تها تو کاشمهر کا وأجه اس کها ، واجه کی گوئی آواه ته تهی ، اس لگر کاشهر دربار کے سلاتوروں کے یہ طے کها که کی ورسی کو پ में नेता युका का चीन में भी। हमांदबीर वापनी निक के किये मराहर हो युका था.

सन 383 ईसवी में चीनी कीज ने चूची पर इमका किया. सीटते समय चीनी सेनापित कुमारजीव को कैंद कर के चीन से पता जगा कि कुमारजीव को द करके चीन साया गया है तो सजाड में बढ़े आदर के साथ उसकी राजधानी में बुसाया. सन 401 ईसवी में कुमारजीव चीन की राजधानी पहुँचा और तब से बारह सास तक वह वहीं रहा.

कुमार जीव के चीन पहुँचने पर चीन के बौद्ध धर्म के इतिहास में एक नया युग शुरू हुआ. कुमार जीव से पहले जितने बौद्ध प्रचारक चीन आए वे वह चीनी जनता को बौद्ध हरशन इतनी अञ्चली तरह न समका पाते थे. उसने बौद्ध किताबों के चीनी अनुवादों को भी दुशस्त किया और खुद बहुत सी नई बौद्ध किताबों का अनुवाद किया. उसकी प्रचास चीनी किताबों अब भी मिलती हैं. वह संस्कृत और चीनी भाशा दोनों का पूरा पंडित वा.

श्रीन के दूर दूर के हिस्सों से चीनी और भारती प्रशासक उसके पास तालीम लेने काते थे. श्रीन के सम्राट ने राजभानी में उसके लिये एक केक्चर मदन बनवा दिया जिनमें वह आम जनता के सामने बौद्ध दरशन पर प्रवचन किया करता था. श्रीनी जनता पर उसकी विद्यता का इतना गहरा अग्रद पड़ा कि साखों श्रीनियों के बौद्ध धर्म अपना लेने के आलावा करीब 3000 श्रीनी उसके कहने से बौद्ध श्रिद्ध हो गए.

सन 413 इंसबी में कुमार जीव का शरीर खूटा. मरते बक्त अपने बेलों को बुलाकर इसने कहा—"मेरी जिन्त्गी को तुम अपना आवर्श न बनाओ. मेरे काम को अपनाओ और उसे पूरा करो. कीचड़ से कमल खिलता है इसलिये कीचड़ से प्रेम न करो, कमल से प्रेम करो."

जिस आदर और प्रेम के साथ भारत के रहने वाले आज भी चीनी यात्री फाइियान और होन सांग को बाद करते हैं चतने ही आदर और प्रेम के साथ चीन के रहने वाले आज कुमार जीव को याद करते हैं. सन 1924 ईसवी में जब भी रवीन्द्रनाथ ठाइन चीन गए तो ''जीबित (जिन्दा)' कमार जीव'' कह कर बनका स्वागत किया गया था.

सुद्धयश्—

बुद्धयश कारामीर के यक नामन बराने में पैता हुआ था. उसके पिता बीद धर्म के कहर दुशमन के. कहा जाता है एक बार उन्होंने एक बीद मिद्ध को प्रेर दिया था. वसीवा यह हुआ कि उनके हाथ को सबस्य मार गुजा. उस वाम को धाने के लिये पिता ने अपने सक्के बुद्धयश को असी बीद मिद्ध के इवाबे कर दिया. बुद्धक्य के बीद वर्म के बाब का था. यह असते नद शुरू हो बीद वर्म

هن هنول چه کا درون مهن اين کار جهواهي وي. د لار جهين هر چه کيا:

من 383 فیسوی میں چیلی فرچ نے کوچی پو دالم کیا چیو کو دار چیو کو بیت چیلی سیایتی کیا چیو کو بیت کرکے چین کے سمرات کو بیت کا کہ کدار چیو اید کرکے چین ایا گیا ہے تو سمرات نے بولے در کے ساتھ آسکو راج دعائی میں بایا . سن 401 لور بیسوی میں کمار جیو چین کی راجدھائی پہونچا اور بیسوی میں ادار سال تک وہ وہیں رہا .

کمار جیو کے جین پہرنچنے پر جین کے بودھ دھرم کے اتباس میں ایک تھایگ شررم ہوا ۔ کمار جھو سے ملے جالے بردھ پرچارک جیس آئے تھ رہ چیلی جلتا او برده درشن إتام أجهى طرح نه سمعها باتے تھے ، س نے بردھ کتابوں کے جھٹی آنورادوں کو بھی درست نها اور خود يهت سى نكى بوده كلايس كا الزواد كيا . سكى يجاس جهلي كتابهن أب بهي ملتى ههل. لا سلسكرت أور جهلى بهاشا دونون كا يورا يلدت تها!! چین کے دور دور کے حصوں سے چھٹی اور بھارتی رچارک اسکے ہاس تعلیم لیٹے آتے تھے، چون کے سمرات نے راجدھانی میں اُسکے ایک ایک ایکنچر بھوں بنوادیا مس میں وہ عام جلتا کے ساملے بودھ درشن پر پروجون يا كرتا تها ، چينى جلعا پر أسمى ودرتا كا أتنا كهرا ار ہوا کہ لائیس جیلیس کے بودھ دھرم اینا لیلے کے ملاوہ ریب تون هزار چینی اسکےکہنے سے بودھ پہکشو هو کئے . سن 418 میسوی میں کمار جهو کا شریر چهوتا یا رتے والت اپنے جھلوں کو بلاکر اُس نے کہا۔ امہری ندگی کو تم اینا آدرهی نه بدای ، مهرے کام کو ایناو اور آسے ررا کرو ، کھچو سے کیل کہلٹا ہے اس لگے کھچو سے پریم

جس آدر اور پریم کے ساتھ بھارت کے رھلے والے آج بھی
ھیٹی یاتری فاهیان اور ھوپن سانگ کو یاد کرتے ھیں
نئے ھی آدر اور پریم کے ساتھ جورن کے رھلے والے آج
سار جھو کو یاد کرتے ھیں ، سن 1924 عیسوی میں
میں شری ربیٹدرناتھ ٹھاکو چھی گئے تو ''جھوت
زندہ) کمار جھو' کہہ کر آنکا سوائٹ کھا گیا تھا ،

بدويش

ہ کرو' کمل سے پریم کرو ۔''

 स्वतं साम पर सबैद सार्व पर सैक्यों बौद कियामां चौर मूर्तमों को साद कर चीन सेता गया. चीन में करवंप का शाहाना स्वागत हुआ. समाद ने इसके सिये चीन की राजधानी सो-यांग में एक मठ बनवा दिया. इस मठ का नाम "पी-मा-से" बानी "सजेद घोदे वाला मठ" रजा गया क्योंकि करवंप अपने संजेद चोदे पर बैठ कर बौद धर्म का प्रचार करने निकताता था. आज भी चीन में यह मठ क्षायम है. यही चीन का सबसे पहला बौद्ध मठ कहा जाता है.

करयप चीन जाकर वहीं बस गया और फिर हिन्दुस्तान सौट कर नहीं आया. चीन में चसने बौद्ध मत का प्रचार किया और बहुत सी बौद्ध किताबों का अनुवाद किया. उसकी एक किताब "बयालीस धाराओं वाला सूत्र" चीन में बौद्ध धर्म की सबसे पहली किताब मानी जाती है. आज भी चीनी बौद्ध प्रचारक इस किताब को बौद्ध धर्म की जुनियादी किताब मानते हैं. इस किताब में बौद्ध धर्म के जुनियादी असूलों को बड़ी सफाई के साथ समकाया गया है. हाल में इस किताब का अंगरेजी अनुवाद भी हुआ है.

चीन के राज द्रवार पर करयप सर्तगा के प्रचार का गहरा असर पड़ा. बहुत से बढ़े बढ़े ओहरेदार और सरदार बीद धर्म के प्रचार में मदद करने लगे. जनता में प्रचार शुरू होगया. करयप मतंगा के चीन पहुंचने के तीन सौ साल बाद बीद धर्म सारे चीन का धर्म बन गया.

कुमारजीव--

कुमारजीव बीच एशिया के कूची देस का एक बौद्ध भिद्ध था. ६ छ पिता कुमारायन हिन्दुस्तान के एक राजा वजीर थे. कुछ कारनों से चन्होंने वजारत छोड़ ही और पामिर पहाड़ से होते हुए बीच एशिया के कूची देस में जाकर वस गए.

कूची के राजा ने कुमा यन का बड़ा स्वागत किया और उन्हें अपना राजगुरू बनाया. कुछ दिनों बाद राजा ने अपनी ज़ब्की बीव की शादी कुमारायन से करदी.

कुमारजीय इसी राजकुमारी से पैदा हुआ. उसके पैदा होने के थोड़े ही दन बाद जीव बीद्ध भिद्धनी हो गई और बीद्ध धर्म का अचार करने लगी. जब कुमारजीव नी साल का हुआ तब उसकी मां उसे लेकर काशमीर बली आहे. काशमीर में बन्धुदच नाम के गुरू ने कुमारजीव को बीद्ध दरशन और बीद्ध साहित्य की वालीम ही. काशमीर में वालीम हासिल करने के बाद कुमारजीव बीच धरीया के बहुत से देसों की यात्रा करता हुआ कुची बापस बहुँबा, जब बहु तमाम परिश्वा में बीद्ध धर्म का अवरदस्त बिहान मराहुर हो गया. उससे कुची में वालीम हासिल करने सोतान, काशबर और थारकंद से बीद्ध अवारक आवे باله اوک سلود فهوری و منکور دوده فاکور ور مورتیوں کو لادکر جین لیکا گیا ، جین خین شهمین کا شاهالم سوالت هوا . سمرات لے اُسکے اللہ جهوں ي ولي دهاني لو يانك مين أيك منه بقواديا . س منه لا نام "هو . ما . يو" يعلى "سادد گهروي الا علية وكها كها كهونكه كشهب أبه سايد كهوري ير یتھ کر بودھ دھرم کا پرچار کرنے نکالتا تھا ۔ آج بھی بھی میں یہ ماہ قائم ہے ۔ یہی چین کا سب سے پہلا وده ماله کیا جاتا ہے ، کشیب چین جاکر وقیل بس یا آوریهر مندستان لوق کر نهیل آیا . چین میل سلے بودھ مت کا پرچار کیا اُور بیت سے بودھ کتابوں انوراد كياً. أدعى ايك كتاب "بياليس دهاراول لا سوتر" جهين مهن برده دهرم کي سب سے پهلي دنب مائی جاتی ہے . آب بھی چینی بودھ پرچارگ س کتاب کو بوده دهرم کی بلهادی کتاب مانته هیں . س کتاب میں بردھ دھرم کے بقیادی امواس کو ہوی خالم کے ساتھ سمجھایا گھا ھے عال میں اِس کتاب انگریزی انوواد بھی ہوا ہے ،

چھن کے راج دربار پر کشیپ متلکا کے پرجاز کا اور سردار اور سردار دعوں ہوا۔ بہت سے بوے بوے عہدےدار اور سردار دعوں کے پرچار میں مدد کرنے لکیے ، جاتا میں چار شروع ہوگیا ، کشیپ متلکا کے چین پہرتچتے کے بی سو سال بعد بودہ دعوم سارے چین کا دعوم بن گیا ، ار جھو۔

کمار جیو بیچ ایشیا کے کوچی دیس کا ایک بودھ بیھو تھا ۔ اسکے ہتا کمارائن ھندستان کے ایک راجه ، وزیر تھے ، کچه کارنوں سے اُنھوں نے وزرات چھوڑدی و بیامر بہاڑ سے ہوتے ہوئے بیچ ایشیا کے کوچی دیس بی جاکریس گئے ،

भारत और चीन का कज़चरी मेल

. (भाई भान चन्द्र)

(2)

सन 65 ईसबी में बीच पशिया से होकर भारत से चीन पहुंचने का रास्ता खुला. इस रास्ते बौद्ध भिद्धभी और प्रवारकों का भाना जाना बढता गया. बौद साधुभी को मिश्र कहते हैं. उस समय से लेकर स्यारह सी बरस तक बौद्ध धर्म के सैकड़ों भारती भिद्ध और प्रचारक चीन पहुंचे, इन लोगों ने रास्ते की दिक्कतों और मुसीवतों का बड़ी बहादुरी के साथ मुकाबला किया. खतरनाक पहाड़ों और सनसान रेगिस्तानों को पार करते हुए उन्होंने गौतम बुद्ध का संदेश चीन पहुंचाया. चीन में इन्होंने चार स्तास काम किये.

(1) चीनी जनता और चीनी राज दरबार में बौद्ध

धर्म का प्रचार किया.

(2) बौद्ध धर्म की सैकड़ों पुस्तकों का संस्कृत से चीनी में अनुवाद किया और बहुत सी नई कितावें खुद चीनी में

(3) चीन में जगह जगह बौद्ध मठ} कायम किये जिनमें जीनी मिद्धकों और प्रचारकों को बौद्ध धर्म की वालीस वी.

(4) भारत से अनेक अच्छी अच्छी बौद्ध मुर्तियाँ भौर तसवीरें ले जाकर चीन में बौद्ध कला को रिवाज दिया.

इस तरह के बहुत से भारती प्रचारकों का चीनी साहित्य और चीन के सरकारी काराजों में बयान मिलता है. इनमें से कुछ मशहूर प्रचारकों का हाल हम नीचे देते हैं.

कश्यप मतंगा-

करयप मतंगा एक बौद्ध मिच्च, या जिस के चीन जा के बारे में एक दिलचस्य कहानी मराहर है. कहा जाता है सन 65 ईसवी में चीन के सम्राट मिंग-ती ने एक दिन सपते में रेखा कि एक सोने का आदमी चड़ता. हुआ आया और उसके महल में घुस गया. सम्राट पबरा कर उठ ठवे और अपने दरवारियों को बुला कर सपने का मतलब पूछा. दरवारियों ने बताया कि वह सोने का बादमी हिन्दुस्तान का देवता गौतम बुद्ध है. यह सुनवे ही सम्राट ने अपना एक दत, बीद प्रचारक और बीद कितावें लाने के बिये भारत भेजा.

मिंग-वी का दूत हिन्दुस्तान से करवप सर्वना नाम के पक पौद्ध भिन्न को अपने साथ चीन से गया. करवप मतंगा

(بهالی بهان جلنر)

(2)

سن 65 عيسوي مين بين أيشيا سے هوکر بهارت سے چھن پہلچئے کا راستہ کھا ۔ اِس راستے بردہ بهکشوری آور پرچارکوں کا آلا جاتا بوها گها ، بودھ سادھووں کو پھکشو کیکے ھیں ، اُس سیے سے لے کر گیارہ سو پرس تک ہودھ دھرم کے سھکوں بھارتی بھکشو اور پرچارک جين پہنچے. إن لوگوں نے راستے كي دقتوں أور مصیبتوں کا بچی بہادری کے ساتھ مقابلہ کیا . خطرناک بهارس آور سلسان ریکستانس کو یار کرتے هوائے اِنهوں نے کوتم بدھ کا سندیص جھوں پہنچایا . چین میں اِنہوں نے چار خاص کام کئے .

(1) چھٹی جلٹا آور چھٹی راے دربار میں بودھ

دهرم کا پرچار کھا .

(2) بوده دهرم کی سیکورن پستکون کا سنسکرت سے چیلی میں انواد کیا آور بہت سی نئی کتابیں خود چيلي مين لکهين .

(3) چین میں جکه جگه بوده مله قائم کئے جلیهی چهنی بهکشرون آور پرچارکون کو بوده دهرم

کی تعلیم دی .

(4) بھارت سے انیک اچھی اچھی بودھ مورتیاں أرر تصویریں لے جاکر چھن میں بودھ کلاکو رواج دیا .

اس طرنم کے، بہت سے بھارتی پرچارکوں کا چیقی ساھتیہ اور چین کے سرکاری کفارں میں بھان ملتا ھے . اِن میں سے رکھی مشہر ایرچارکس کا حال ھم نينچ ديتے هين ,

کشوبی متنکا---

كشيب متنكا أيك بوده بهكشو تها جسكے جابي جائے کے بارے میں ایک دلجسب کہانی مشہور ہے. کہا جاتا ہے سن 65 میسری میں چین کے سمرات منگ تی نے ایک دن سینے میں دیکھا کہ ایک سونے كا أَدْمَى "أَرْنَا هَوَا أَلِيا أَوْرَ أُسِكِم مَصَلَ مِينَ كَهِسَ كَهَا . ممرات فيمرأ كر أله بهاما أور أبي درباريس كو بالكر سهلي لا مطلب بوجها: دوباريس لے بتايا كه وه سولے كا آدمى هندستان كا ديوتا كوتم بده في . يه سدته هي سيراك لي الما ایک فرت بودھ پرھارک اور بودھ کتابیں الے کے لکے يهارس بههمها ،،

ملکیا الی کا دوس مددستان سے کشیب معلی نام کے ایک بودی به کشو کو آنے ساتھ جهن لے کیا . کشیب معلالا रक्षामन्ति से किसी वर्षे स्मेर आसीरान समावन पर में एक पुराने कार्य की वादगार के तौर पर क्सी पर क्सा कर किये कार्य किस तरह इस बार सोमनाथ के इससे पहले के बहुत से परवर वरीरा नए बढ़ार करने वालों ने किसी आजायकपर में रक दिने हैं और इस सब यक निस्तकार ईरवर के मानने वाले, जिसे इस ईरवर, अन्लाह और गाड सब नामों से पुढ़ार सकें, "बसुधेव कुटुस्वकम्" यानी इनसानी आईचार के सक्से विश्वासी वन सकें. यही समामती की शाहराह है, वाली गतियाँ बरवादों की तंग गिलयाँ हैं. इमें इस समय फिर गांधी जी याद था रहे हैं. उनकी इस लाइन के साथ इम इस लेख को बन्द करते हैं—

सब हो सम्मति दे भगवान !

12. 6, '51.

—सम्बरकाक

माया

माया त् वीखे क्यों गोरी ? भीतर से तू काजर कारी, मोह पिता की कोरी.

है तो दुरमन, दोस्त बताएँ हैं तो भूके, कहें साघाए क्रोब भरा तो भी मुस्काए ये सब हैं तेरी करत्तें, बनती सोधी भोरी.

हाय सरसता का मैं सेवी कैसे सममा तुमको देवी सममा जीवन नैया खेवी आदू किया राज्य का तूने, को छोरी बरजोरी.

सावे! तेरी कैसी माया बहुक, पकदने वौदा आया पक्षवाना भर हाथों जाया वब भी तो मैं तोड़ न पाया, पैरों बाँची डोरी.

था तो मैं नाटक का राना सफल हुआ नेरा बदकाना मैं बन बैठा सवा राना मेद खुका परदा गिरने पर, नक़ल रह गई कीरी.

राज्य ! विषे ईरवर को घोड़े नाम किये से से सी मॉके सुने सासु तो माथा ठोड़े गीय म माथे हुमको चार्च, हे निर्वक्ते कोरी माखा दू वीसे क्यों गोरी है

- अनवानवीन

والمائدي سے اسی بورے اور فالهشان عبوائب الهو بوطح بوضع الیک پرائے زمائے کی بادائو کے طور پر اسی طرح بوضع کو طبقہ کے اِس سے پہلے کے بہمت سے بادو رائد کے وائر کے کسی محتالیں گور میں رابدیا کے مقال اور اہم سب ایک تراکار ایشور کے مائلے والے بیاد اور الا سب نامرں سے پکار سکیں اور اور الا سب نامرں سے پکار سکیں اور اور اور اس سے پکار سکیں وشواسی بی سکیں ، یہی سلامتی کی شاہراہ ہے ، بالی وشواسی بین سکیں ، یہی سلامتی کی شاہراہ ہے ، بالی کیاں بربادی کی تلک گلیاں دیں ، همیں اِس سے پھر گلیاں بربادی کی تلک گلیاں دیں ، همیں اِس سے پھر گلیاں بربادی کے ساتھ جم اِس ایک کو بلد کرتے دیں ۔

سبکو سملتی دے پہکران !

-- سادرال

12-6-51

بايا

مایا تو دیکھے کیوں گوري کا پھینٹو سے تو کاجرکاري' مولا پٹا کی چھوری ۔

ھے تو دھمن' درست بتائے ھیں تو بہرکے کہیں لکھائے کرودھ بہرا تو بھی مسکائے یہ سپھیں تھری کرتوتیں' بنتی سیدھی بھوری ۔

هائے سرلتا کا مهن سهوی کهسے سمجھا تجھکو دیری سمجھا جهرن نها کههوی جاهو کها فقیب کا تولے' او چھوری پرجوری ،

مایے! تیری کیسی مایا بهک یکوالے دورا جہایا پیچہعانا بهر هاتموں آیا تمیا بھی تو میں تور نه پایا پیروں یاندھی می

پر تهادو میں ناٹک کا رانا سیمل هوا تیرا ییکانا میں بی یہالها ستھا رانا یمهد کہا پردا کرتے پر' نائل را گئی کرری ،

غضب ا دیا۔ ایشور کو دعرکے نام لئے لے لے سو جھوکے بیٹی سادھو تو ماتھا گھوکے موجعے کوری ۔ موجعے کوری ؟ مالیا تو دیکھے کھوں گوری ؟

-- جهگوان هيي

का में कुशों को काला कालने के, बीर इस सब के निर्मा कर अपने देश में शिवकिंग की पूजा को फिर के जोशों के साव अवकाने से अमरीका, इंगलैन्ड या किसी नुसरे देश के राजकाजी लोग हमें शाबाशी भले ही दे लेंडू कीर हमारी इन बीजों से फायदा भी भले ही सठालों, पर इस सबसे हमारी और इमारे देश की इज्जत बनके दिला में नहीं बढ़ सकती.

यसली इलाज

इस किसी मूर्ति पूजक वा। शिव पूजक के दिल को इस्ताना नहीं चाहते. अपने मंदिर बनाने, और बनमें अपने धंग से अपने इस्ट देव की पूजा बन्दगी करने की उनकी श्राकारी की भी इस हरिंगज छीनना वा कम करना नहीं भारते. पर इस नई घटना ने हमें और हमारे जैसे बहुत सों को अपने देश की संकट भरी हालत पर करा गहराई से सोचने पर सामार्थ कर दिया. इमें सोचना पड़ता है कि हमारा प्यारा देश किथर आ रहा है. पन्त्रहवीं सदी से क्षेकर जाज तक हमारे देश के कवीर साहब, गुरु नानक, ग्रह गोविन्द सिंह, स्वामी दयानन्द, राजा राममोहन राय बैसे कानेक सन्त, महात्मा और सुधारक हमें मूर्ति पूजा होइने का उपदेश देते रहे हैं. कवीर साहब और गुरु नामक की इस तरह की बानियां घर घर फैली हुई हैं. गुरु मोबिन्द सिंद वे भीरंगजेव के नाम अपने महाहर खत "क्यार नामा" में पंजाब के पहाड़ी हिन्दू राजाओं से व्यपना मुक्रावसा करते हुए किसा है-

"व या बुतपरस्तां व मन बुतशिकन "

बानी बह बुत परस्त. हैं और मैं बुतशिकन, गुरु नानक से केंद्र गुरु गोबिन्द सिंह तक दसों सिख गुरुकों की बानी इतने बाँरों के साथ एक ही सक्काई की गूँज है कि हम अनेक बार कह खुके हैं कि बागर पंजाब ने बल्कि सारे आरतवर्श में केवल सिख गुरुकों के स्पवेशों पर ही अमल किया दोता तो आज यह देश रुहानी और दुनियानी दौलतों से माकामाक दिखाई देता. स्वामी द्यानम्य ने मूर्वि पूजा को पाप बताया है और लिंग पूजा को जिम राज्यों में बयान किया है उन्हें यहाँ दोहराने की जरूरत नहीं. यही उपदेश इमें राजा राम मोहब राब ने दिया. देश की इस समय की इासत को देखते दुए इस और इमारे जैसे विचार के लोग अगवान से प्रार्थना किये विका वहीं रह सकते कि भगवान इस सबके दिलों को नफरत, गुरछे और बदके की नापाक जीर बांक मावनाओं से वाक करें. इमारी राजनीति ऊँची हो, पक्की हो, बदे दिल बालों की राजनीति हो, मानव प्रेम से जरी हुई दो जीर दूर तक देखने जांबी हो ! इसारे दिल भीर विमाश पुराने, रासर और हामिकर किरवाओं से ऊपर कर करें और इमारे अधिकतर मन्दिरों के सामान सबकी

کے میاں پہولوں کی ماہ کالم ہے اور کم سب کے اماد کو پہر کے اماد کی اماد کی اماد کی اماد کی اماد کی بہرا کو پہر کی آوروں کے سالغ جمال ہے امریکہ انگلیلڈ یا کسی موسوی دیاں کے راج کلجی لوگ جمیروں سے فائدہ یمی بملہ ھی آتھا لیس اور جماری اور جماری اور جماری دیمی بملہ ھی آتھا لیس پر اس سب سے حماری اور جمارے دیمی کی موت آتھے دائوں میں نہیں بود سکتی ۔

املی مال

بھم کسی مورٹی پوچک یا شیو پوچک کے دل کو دكهانا ليهن جاهير . أبه مندر بنائي أور أن مين أبه اهنگ سے ام آیشت دیو کی بوجا بلنگی کرنے کی آنکی أزادى كو يهى هم هوكز جهيديًّا يا كم كرنا كهين جاهي . ہر اِس نکی کھٹلا نے ہمیں اور ہمارے جھسے بہت سوں او ایم دیش کی سلکت بهری حالت پر ذرا کهرائی سے سوهلے پر متجبور کر دیا ، همیں سوچلا یونا ہے کہ همارا بهارا دیمی کدهر جا رها هے ، بلدرهویں مدی سے لیکر آنے نک همارے دیعی کے کبیر صاحب گرونالک کروکوبلڈ سلكه اسوامي دياندد راجه رام موهن رائے جهسے انهك سلس مهالما اور سدهارک همین مورتی بوجا چهور لے کا آیدیش دیتے رہے میں ، کبیر صاحب اور کررنانک کی س طرح کی بانهان گهر کهر همهلی هوئی هیں ، گررگویگذ سلکھ نے آورنگویپ کے نام آھے مشہور خط " طفر نامھ " میں پلجاب کے پہاری ملدو راجاوں سے اپنا مقابلہ کرتے موثير لكها هر ---

" و آن بعد پرستان و من بت شکنی "

يعلي ولا يمك پرست ههن أور مهن يت شكن . گرو الك في ليكر كروكويند سلكه تك ديمون سكه كروون كي بانی اتنے زوروں کے ساتھ ایک هی سچائی کی کونم هے اء هم انیک یار که چکے هیں که اگر پلجاب نے بلکه سارے بھارت ورش نے کھول سکھ گروؤں کے آیدیشوں پر ھی سل کیا هرتا دو آج یه دیس ورجانی اور دنهاری دولتیں یے مالا مال دایائی دیتا ، سوامی دیاتلد نے مررتی پوچا نو پاپ بھایا ہے اور لنگ پوجا کو جن همدوں میں بیان لها هے آنہوں یہاں دوهرائے کی فرورت ٹیوں ، یہی ابدیش همیں واجه وام موهن وائے نے دیا ، دیش کی اِس سے کی حالت کو دیکھتے ہوئے ہم اور ہمارے جیسے وجار کے لوگ بھکواں سے پرارٹھفا کئے بقا نہیں رہ سکتے کہ بھکواں ام سب کے دلوں کو تفرت عصے آور بدائے کی تایاک اور بانجه بهاوناوں سے باک کریں ، هماری وابے نیکی اولچی اوا يكي هوا بوي دل والون كي وابع تهاي هوا مانو يؤيم ے بھوں ھولی جو اور تک دیکھیلے والی ھو! ھمارے اس لور عملے پرائے اللہ اور مانی کر رہواسوں سے آرور آنہ مکین اور هماری ادفک تو ملدون کے سامان سب کی

प्रस्थानाम् वर्षे दृष्टरं का बेन्सरः की सूर्तः एका था लिय पूर्वः को इक्स व पासते हैं, कपने को चुनान से कक्षण रखते तो यह विकासन हक पर होते.

इतिहासी पहलु

इस अंक में किसी दूसरी जगह इस माई मोहन सिंह सेंगर का एक लेख इसरे हिन्दी अखबार से लेकर जाप रहे हैं. माई मोहन सिंह ने एक छोटा सा सवास सोमनाथ पर महमूद के हमले की इतिहासी सक्वाई का भी उठाया है, यह सवात परा पेचीदा है. हम यहाँ केवल इतना कह देना बाहते हैं कि महमूद कभी सोमनाथ पहुँचा भी या नहीं इस बात पर भी इतिहास के स्रोजियों में काफी मत-भेद है. मशहूर महाराष्ट्र इतिहासकार भी चिन्तामि विनायक वैद्य ने अपनी किताब "हिस्ट्री आफ हिन्दू मिडीवल इन्डिया" में इस सबाल के दोनों पहल्लों पर काफी बहस की है. हम मान लेते हैं कि दोनों तरफ कुछ न कुछ कहा जा सकता है. पर इसमें जरा भी शक नहीं कि महमूद् के सोमनाथ पर इसके के सम्बन्ध में जितनी बातें उड़ी हुई है या इतिहास की मामूली किताबों में या दूसरी कितानों में पाई जाती हैं उनमें से कम से कम नव्ने की सदी विजक्रत वे वनियाद हैं. सोमनाथ के मेले से जो निजी खत हमारे पास आप हैं जनसे मालूम होता है कि इस तरह की अगिगनत गप्पें वहाँ पर छड़ी हुई यीं और वहाँ से चारों तरफ देश में फैली होंगी. इन गण्यों ने कितनों के दिलों में जहर मरा और पुराने जखमों को ताजा किया हम नहीं कह सकते. हमारे दिमारों की यह हालत हो गई है कि हम नावेल और हिस्टी में भी फरक नहीं कर पाते. श्री कन्हेंया लाल मुंशी का नावेल "जय सोमनाथ !" नावेल ही है और नाबेल ही बताया जाता है. पर न जाने कितनी आजीव अजीव गप्पें उसी नावेज के आधार पर मेले में इतिहास बन कर फैक्सी और फैलाई गई.

गंदी राजनीति

सौराश्ट्र के राज प्रमुख जाम साहब के मुँहसे एक वड़ी सच्ची बात निकत गई. एन्ट्रोंने कहा कि सोमनाथ का फिर से एद्धार करने वालों में से छुड़ के लिये सवाल न घम का या न इतिहास का, उनके किये सवाल था राजनीति का. हम बड़ी नज़ता लेकिन पूरे जोर के साथ कह देना बाहते हैं कि इस तरह की राजनीति गन्दी, बांम और खुंद अपने को मिटा देने वाली राजनीति हैं. कहा जाता है भी कन्देया लाल मुंधी इस सारे मामले के प्रान थे. पर जहाँ तक अन्तरक्रीमी राजनीति का सम्बन्ध है इम कन्दे यह बता देना बाहते हैं कि मारतीय जनराज के प्रेसीकेंद्र के नेने, बहु जी पाँच केवल पीताम्बर पहन पर सोसनाय के मेदिर में काम और शिवानी के बैल नन्दी के

مسلمان اور هومور وہ سیوریمو میوانی یونیا یا 188 نے ہوگا کو علیہ ساتھے عیں ابھ کو جمال نے الک رکیکے کو رہا بالعل نمال پر عوق

إنهاس يهذو

بالنس وأجليتي

اس انک میں کسی دوسری جگه هم بهالی موهن سُلُمُ الله الله عامل الله الله عامي المار بير لهكر چہاپ رہے میں ، بھائی موهن سلکھ نے ایک چھوٹا سا سَفِال الدومقاته بر محمود کے حملے کی اِتھاسی سجالی لا يهن أثهايا هي به سوال ذرا يمجيده هي هم يهان النوال إننا كيد دينا جاهتے هيں كه مصود كبهى سومناته تھیفتھا بھی یا لہدہ اِس بات پر بھی اِتہاس کے کھوچھوں مهن کانی صف بههد هے ، مهورر مهاراهار اتهاس کار تقريل بهلتا المُثلق ونايك ويد لے اللي كتاب " هستري آف معدو متيول انتها " مهن إس سوال كي دردون يهلوس يُواْ كَافِيْ بِلْحَمَّكُ كُي هِي ، هم مان لينتي هيل كه تاونول طوف کنچه له کنچه کها ها سکتا هے ، پر اِس مهن درا بهن شک الْهُوَلِي كه منصبود كي سومقاته ور يصله كي سمهلده! منهق تَوْظِئَىٰ بِاللَّهِنِ أَرِي هَوْلَى هَهِنِ يَا اِللَّهِ اسَ كَيْمِعْمُولَى كَتَامُونَ مُهِنْ يَهُ تَاوَسُونِ كَعَابُونِ مَهِنَ هَالْيَجَاتِي هَهِنَ أَن مَهِنَ فِي كُم في بكم الول فيصدى بالكل بي بلهاد هين . سومقاته ك مُنهِلِ سِي حِم نصى مُعَظ همارے ياس آئے هيں أن سے معلوم عُوْمًا! هَمْ أَكُمُ إِسَ طَرِح كَي أَن كُلْت كَيْمِن وَعَالَ يُور أُرِّق هُولِينَ المهانِ أورْ وهَال سِي جارون طرف ديش مين يههاي پرائے زشمرں کو تازہ کیا ہم تھیں کے سکتے ، ہمارے دمافوں عی ہے جالت فرکئی ہے کہ هم تاول اور فسکری میں بھی المهار كرياته عربى كنههاالل منشى كا ناول " حي وَكُمُالُهُ اللَّهُ اللَّهِ عَلَى إِلَى أَوْلُ فِي يَكَايِنا جَانا هِي يَرْ نَهُ المُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّ سُهُلُو مُونِ إِنَّهَا سِ يَعْكُمْ فِهُمُلُونِ أَوْرَ فِهِمَا أَنَّى كُنُّهِنَّ .

है और न दरदेशी. हम नहीं मानते कि राजेन्द्र कालू का इशारा भारत के मुसलमानों की तरक था तो किर क्या वह लवकार समय को थी, जमाने की गरदिश को बी ? फिकरे से कुछ ऐसी ही मनक मिलती है. लेकिन बागर ऐसा है तो हम राजेन्द्र बाबू और चनके विचार के लोगों को बड़े आदर और नम्रता के साथ बता देना चाहते हैं कि यह ललकार निकम्मी और योथी है. समय आगे को बढ़ रहा है. चार दिन के लिये हम अपनी पिछ्रघसीटी हरकतों से खुरा भले ही हो जाएं, समय की गति नहीं बदल सकती, मन्दिरों और मसजिदों के जमाने लद् गये. जमाना हम्हें पीछे छोड़ चुडा. सासकर अगर मानव समाज को मादी या रहानी तरक्षकी के मैदानों में आगे चौकड़ियां भरती हैं तो इसे मूर्ति पूजा और लिंग पूजा से ऊपर इठना होगा. भारत को भी आगे बढ़ना है, फिर से महान बल्कि पहले से कहीं अधिक महान होना है, और इस आगे बढ़ने में किसी प्राचीनतम जमाने की इन रुदियों को एक पुराने रालत खबाब की तरह पीछे छोड़ जाना है. हम राजेन्द्र बाबू को इस फिक्करे के लिये बचाई नहीं दे सकते. इस फिक्करे को पदने के बाद अगर कोई यह सोचने लगे कि राजेन्द्र बाबू की पुराने जखमों को हरा न करने की बात उलटा जखमों पर नमक छिड़कना थी तो हमें उसे इस राजतकहमी के लिये मान ही कर देना पढ़ेगा.

ग़ैर मुर्ति पूजकों के साथ ज़ियादती

अगर भारत के कुछ सक्वे शिव भक्त सोमनाथ के मन्दिर को या किसी भी ऐसे मन्दिर को फिर से बनवाते और अपना आदर प्रकट करने के लिये राजेन्द्र बाब को या किसी भी जिम्मेदार सरकारी अफसर को वहाँ बुलाते और बह वहाँ चला जाता, आदर से बैठाया जाता, तो हमें कोई पतराज न होता. पर सोमनाथ में जो कुछ किया गया वह कुछ भौर ही था. जिन सूबों भीर यूनिबरसिटियों से उनके चुने हुए नुमाइन्दे बुलाए गए वह क्या केवल उनका आदर दरशाने के लिये या सब सुवा सरकारों और युनिवरसिटियों को इस "रारद्रीय" (?) काम में पट्टीदार सावित करने के सिये ? जो सोग मूर्ति पूजा को ठीक मानते हैं चन्हें निजी हैंसियत से पूरा इक है कि ऐसे काम में सहयोग वें पर जो ठीक नहीं मानते - और हम खुद मूर्तिपूजा को ठीक नहीं मानते, आर्य समाजी, मुसलमान, प्रोटेस्टेन्ट ईसाई और महा समाजी कोई ठीक नहीं मानते—हन्हें अपना तुमाइन्दा इस काम के लिये जुनने को क्यों कहा गया ? अगर यह हुक्रम सरकारी हुकुम था तो इस किसी तरह भी नहीं समम सकते कि कोई सेकुलर सरकार इस तरह का हुकुम कैसे दे सकती हैं ? इमें इस बात के कहने में श्वरा भी संकोच नहीं कि जिस समय यूनिवरसिटियों के नुमाइन्दे चुने जा बंदे वे इस बहुत अगर यूनिवरसिटी के आर्थ समाजी,

هے اور نه صوراندیشی هم نهیں مانٹے که واسلام باہو کا اشارہ بھارت کے مسلما وں کی طرف تھا۔ تو يهر كها يه للكار سب كو تهي ومالي كي گردهي كو لهي ؟ فقرے سے کچھ ایسی هی بهنک مالتی هے . لیکن اگر آیسا ھے تو ھم راجندر باہو اور اُنکے وچار کے لوگوں کو ہوے آدر اور ندرتا کے ساتھ بھا دیا چاھتے ھوں که یه للکار نکمی اور تهوتهی هے . سیے آئے کو بوھ رہا ھے ۔ چار دن کے لئے ھم اربلی پنچه گهسهتی حراتوں سے خوش بہلے ہی هوجائهں سمے کی گٹی نہیں بدل سکتی . مندروں اور مسجدوں کے زمانے لدگئے ، زمانہ اِنہیں پیچھے چھور چکا ، خاص کر اگر مانو سماج کو مادی یا روحانی ترقی کے میدانوں میں آگے چوکویاں بھرنی ہیں تو اُسے مو تی پوچا اور لنگ پوچا سے اوپر اُٹھنا هوکا ، بھارت کو بھی اکے بوهنا ھے ، بھر سے مہان بلکہ پہلے سے کہیں ادھک مہان ھونا ہے اور اِس آئی بوھنے میں کسی پراچین تم زمانے کی اِن روزھیوں كو ايك برانے فلط خواب كى طرح پينچم چهور جانا ھ. ھے الجندر باہو کو اِس فقرے کے لئے بدھائی نہیں دے سیکتے اِس فقرے کو پرھلے کے بعد اگر کوئی یہ-سوچلے لگے که راجندر بابو کی پرانے زخموں کو هرا نه کرنے کی بات النا زه،ون ير نيك چهواها تهى تو هدين أس إس فلط فہدی کے لئے معاف هی کر دینا پرے گا.

غیر مورتی پوچگوں کے ساتھ زیادتی

اکر بھارت کے کچھ سچے شیو بھکت سومقاتھ کے مقدر کو یا کسی بھی ایسے مددر کو پھر سے بغواتے اور ایغا آدر پرکت کرنے کے لیے واجلدر باہو کو یا کسی بھی ذمہ دار سرکاری انسر کو وهاں بلاتے اور وہ وهاں چلا جاتا اور سے بیتھایا جاناً تو همیں کوئی اُعتراض نه هوتا ، پر سومالته میں جو كجه كها كها وه كجه أور هم تها . جن صوبول أور يونهورستيون سے اُن کے چانے دوئے نماڈادے بلائے گئے وہ کھا کیول اُن کا آدر درشالے کے لیے یا سب صوبہ سرکاروں اور یونیورستیوں كو إس " راشترى " (؟) كام ، يس يتنى دار ثابت كرت کے لئے ؟ جو لوگ مورتی ہوجا او تھیک مانتے میں انھیں نجی حیثیت سے پورا حق ہے کہ ایسے کام میں سہیوگ دیں۔ پر جو تھیک نہیں مانتے — ارز هم خود مورتی پېچا کو تههک نههن مانتے؛ آریه سماجی مسملان؛ يروتستنت ميسائي أور برهم سماجي كوئي تهيك إنهين مانتے - أنهين أهذا نمائلده إس كام كے لئے چلفے كو، کیوں کہا گیا ہے ؟ اگر یہ حکم سرکاری حکم تھا تو هم کسی طرم بھی ٹیھی سنجھ سکتے کہ کوئیسیکولر سرکار اِس طرح ا حکم کیسے دے سکتی ہے؟ مدین اِس بات کے کہتے *س ذرا بھی سنتھوں کے جس سے یونھورسٹھوں کے نمالقدے چلے جا رہے تھے اُس والت الر یونھورسالی کے آریہ سماجی"

整次 4

क्षेत्र विकास पर क्षाहालाई के की वस सनित का किस्सा बाद का रहा है तील बरस करते को बाद है कुछ जोशीले लोग कहर सनातिनों के एक मन्दिर में कुछ हरिजनों को खबरदस्ती जलूस बना कर से गए. पुरी-हित ने देख लिया कि हठ करने से काम नहीं चलेगा. उसने दरवाजा खोल दिया. हरिजनों ने दर्शन किये. जीत की खुशी में सब लौट खाए. उसके बाद पुरोहित जी-ने गंगा जल के कलसे मंगा कर सारे मन्दिर को किर से उसी तरह घो ढाला जिस तरह खगर कोई जानवर वहाँ मैला कर जाता तो करना पड़ता.

राजेन्द्र बाबू की ललकार

राजेन्द्र बाबू की तकरीर का एक फिक्रा एतर भारत के हिन्दी चरतू अखबारों ने बढ़े बढ़े मोटे हरकों में छापा है. वह यह है—"बाज अपनी राख में से दोबारा खड़ा हो कर सोमनाथ का यह मन्दिर मानो दुनिया से ललकार कर कह रहा है कि इस दुनिया का कोई आदमी और कोई ताकत इस चीच को मिटा नहीं सकती जिसके लिये लोगों के दिलों में बेकांत श्रद्धा और प्रेम हैं."

वदे दुख के साथ हम यह कहने पर मजबूर हैं कि इस किक़रे के भाव हमें ऊँचे दिखाई नहीं देते. राजेन्द्र बायू यह कह कर बालिर किसे जलकार रहे हैं ? इन्हें और सारी दुनिया को अब यह मालूम है कि सोमनाथ का मन्दिर महमूद से पहले भी और उसके बाद भी कम से कम बाठ बार गिराया गया और आठ बार फिर से बनाया गया. फारसी की एक कहावत है-"जो आया उसने अपनी नई इमारत खड़ी की." यह कहाबत अगर किसी जगह के बारे में ठीफ उतरती है तो सोमनाथ के बारे में. पर जाहिर है इस ललकार के समय सोमनाथ के दूसरे विध्वन्सक राजेन्द्र बाब् की निगाह के सामने न थे. तो फिर क्या उन के सामने महमूह गजनबी था ? हमारा दिल नहीं मानता. हम रुहानी तकलीफ के साथ कह रहे हैं गुरवों को ललकारना किसी इनसान को शोभा नहीं देता. हम मान लेते हैं कि धनकी निगाह के सामने महमूद नहीं था. तो फिर क्या महमूद के सह घर्मी थे ? अगर ऐसा है तो हमें मालूम होना चाहिये कि हिन्दुस्तान से बाहर के जागे हुए मुसल-मानों को अब कहीं भी पहुँच कर मन्दिर या गिरजा तोडने और मसबिद बनाने की न इच्छा है, न विवयत और न जुरसत्त. किसी बाहर के देश के लोगों पर-बीर उन सबसे हमारी राजकाजी मित्रता हैं—इस तरह का इशारा हरगिज राजेन्द्र बाबू जैसे जिम्मेदार आदमी के मुंह से नहीं निकल सकता. तो फिर क्या यह जलकार हिन्दुस्तान के रारीव ससलमानों के निये भी ! हमारा दिल भर आ रहा है. किसी आवशी की करतत के लिये बसके वस समय के या सैक्ट्रों कार्य क्षाव के सह वर्षियों को सलकारना न इनसाक

یعیس اس مرقع پر الدایات کے بھی ایک مختور کا الدار رہا ہے ۔ تیس برس پہلے کی بات ہے ۔ کچھ جوانیک وگ کار سفاتھیں کے ایک مندر میں کچھ جوبیدیاری کو بردستی جلوس بنا کر لے گئے ۔ پررجمت نے دیکھ لیا کہ اس نے دروازہ کھول دیا ، اس نے دروازہ کھول دیا ، بریجلوں نے درشن کئے ۔ جہت کی خرشی میں سب بھی آئے ۔ اس کے بعد پروجمت جی نے گنتا جل کے بعد پروجمت جی نے گنتا تو کرنا پوتا ۔

الجلدر بابوكي للكار

وأجادر بابو كى تقرير كا أيك فقرة أتر بهارت كے هندى أود أخباروں نے برے برے موقے حوقوں ميں چهاپا هے . الله يه هـ -- " آج أيني رائه ميں سے دوبارة كهوا هوكر سوملاته كا يه مندر مانو دنها سے للكار كر كه رها هے كه اِس لانها كا كوئى آدمى أور كوئى طاقت أس چيز كو متما نهيں سكتى جسكے لئے لوگوں كے داوں ميں بے انت شردها أور بيم هے "

ہوے دکھ کے ساتھ هم يه کہتے پر متجبور هيں که اِس لقرے کے بہاو همیں اُونچے دکھائی نہیں دیتے ۔ راجندو عَيْمِ بِمُ كَهِمُ آخَرُ كُسِمُ لِلْكَارِ رِهِمَ هَدِينٍ ؟ أَنْهِمِينِ أَرْدِ سَارِي انها كو أب يه معلوم هے كه سومدانه كا مددر مصمود سے چاہے بھی اور اُس کے بعد بھی کم سے کم آٹھ ہار گرایا گیا ور آله بار پهر سے بدایا گیا ۔ فارسی کی ایک کہارت ہے --ا جو آيا اُس نے اپنی نئی مدارت کھڑی کی . " يه کهارت کو کسی جگه کے بارے میں تہیک آثرتی ہے تو سومغانه کے بارے میں ، پر ظاہر ہے اِس للکار کے سیے سومناتھ کے الوسري ودهونسک راجندو بابو کي نااه کے سامنے نه تھ. و پھر کیا اُن کے ساملے محصود غزنوی تھا؟ ھمارا دل نہیں بُانعاً . هم روحانی تکلیف کے ساتھ کے رہے هیں مردوں کو لمكارنا كسى إنسان كو شوبها نههس دينا . هم مان لهتي مهیں که اُنکی نکاه کے ساملے مصمود نہیں تھا ، تو پھر کیا مُعْصِود كِم سهدعومي تهي؟ أكر أيسا هي تو هيهن معلوم هونا تهاهائه که هددستان سے باهر کے جاکے هوئے مسلمانوں کو فيدكههن بهي بهشجكر مددريا كرجا تورل أور مسجد يغال الى نه إجها هـ ' نه طبيعت أور نه قرصت . كسى باهر ك الیمن کے لوگوں پر -- اور اُن سب سے هماری راہم کاچی بجرتا هـ -- إس طرح كا أشارة هركز راجندر وابو جوس مع دار آدمی کے ملت سے نہیں نکل سکتا ، تو یمر کیا یہ الكار هادستان كے فريب مسلمانوں كے لئے تھى ؟ همارا عال مر آ رھا ہے ، کسی آدمی کی کرتوت کے لئے اُس کے اُس مینے لله يا سيكور برس بعدي سهدهرمين كو للكارنا نع انصاف

क्रमण इराहा बदल गया है गांधी जी की इस बारे में राष्ट्र हमें अच्छी तरह मालूम है, उनसे हमारी काफी बात चीक हुई, जौरों से भी हमारी मौजूदगी में हुई, गांधी जी की आज्ञा से ही हमने सोमनाथ पर वह लेख लिखे जो 'हरिजन' में छपे हुए हैं.

इस मजमून पर और अधिक लिखने का हमें समय न मिल सका. गांधी जी की राय यह नहीं थी कि सोमनाय का मन्दिर लोगों के चन्दों से बनाया जाय और सरकार उसमें इस तरह से सहयोग दे जिस तरह, दिया गया है. इम पूरी जिम्मेवारी के साथ कह सकते हैं कि सोमनाथ में जो कुछ हुआ वह गांधी जी की राय के मुताबिक नहीं हुआ और परलोक में उसे सुनकर गांधी जी की आत्मा सन्तुरट नहीं हो सकती.

एक बार बहुत पहले गांधी जी से हमारी इस बारे में भी बात बीत हुई थी कि देश में मिन्दिरों और मसजिदों भी तादाद जरूरत से जयादा है. गांधी जी की साफ राय थी कि हर धर्म वालों को इस बात की आज़ादी होना बाहिये कि वह जब भी अपना कोई नया मिन्दिर, मसजिद या गिरजा बनाना बाहें तो बना सकें या पुराने की मरम्मत करना चाहें तो कर सकें. पर उनकी अपनी इच्छा यही थी कि इन आलग अलग पूजा बन्दगी के स्थानों की तादाद कम ही हो और कम ही रहे तो अच्छा है.

सुधार का धोका

दुनिया को वदी बहादुरी के साथ यह भी बताया गया है कि कट्टर सनातनियों को नाराज करके सोमनाथ के इस मामले में बड़े बड़े सुधार किये गए हैं. मन्दिर हरिजनों के क्रिये खुका रहेगा, गैर हिन्दू भी मन्दिर में जा सकेंगे वग़ैरा. पर रीर हिन्दुओं और हरिजनों के मन्दिर में जा सकते भौर सोमनाथ बाबा के दर्शन कर सकने का रिवाज तो बहुत पुराना रिवाज है. उस मन्दिर के वीन हिस्सों में से बाहर का हिस्सा हमेशा सब के लिये खुला रहा है. हमें यह मी याद रखना चाहिये कि राजेन्द्र बाब ने जिस मृति के ऊपर से सोने की पिन हटाई वह 11 मई को सनातन रिवाज के मुताबिक अभी बेजान पत्थर बी, वेबता नहीं. अभी वह राज मजदूरों के हाथों में थी, देवता का बासा अभी इस में नहीं हुआ था. अभी इसकी प्राप्त प्रतिरठा होनी बाक़ी थी. प्रान प्रतिश्ठा के बाद सूर्ति देवता बनती है. प्रान प्रतिरठा केवल नाहान पुरोहित ही करेगा. उसमें कोई रौर बाह्यन चाहे वह भारत का प्रेसीडेन्ट हो और चाहे कांगरेस का सदर हाथ न लगा सकेगा. इसकिये यह जो सनावन रिवाज में सुधार की वातें दुनिया से कही जा रही है इसमें असक्षियत नहीं के बराबर है.

ان کا را اس ایک ایمان کیا کا کا اس کاری میل واری میل واری میل واری میل ایمان کیا میل کاری میل واری میل موجودگی میل میل کا دھی جی کی آئی اس میل هوئی کا دھی جی کی آئیا سے ھی ھم نے سرمالت ہو والا لیکھ لکھے جو 'ھرزجین' میں چھپے ھوئے میں ایک لیکھ لکھے جو 'ھرزجین' میں چھپے ھوئے میں ایک میل میل میل میل کا دیا کی دانے یہ نہیں تھی کہ سومالت کا میں طرح دیا گیا ہے مملدر لرکوں کے چادوں سے بنایا جانے آزر سرکار اُس میں میں طرح دیا گیا ہے میں میں چو کچھ ھوا وہ کادھی جی کی دانے کے مطابق میں جو کچھ ھوا وہ کادھی جی کی دانے کے مطابق نہیں ھوا آور پرلوک میں اُسے سن کر کاندھی جی کی دانے کے مطابق نہیں ھوا آور پرلوک میں اُسے سن کر کاندھی جی کی

ایک بار بہت پہلے گاندھی جی سے ھماری اِس بارے میں بھی بات چھت ھوئی تھی کہ دیش میں مقدروں اور مسجدوں کی تعداد ضرورت سے زیادہ ہے ۔ گاندھی جی کی صاف رائے تھی کہ ھر دھرم والوں کو اِس بات کی آزادی ھونی چاھئے کہ وہ جب بھی ایفا کوئی نیا مقدرا مسجد یا گرجا بفانا چاھیں تو بفا سکیں یا پرائے کی مرمت کرنا چاھیں تو کوسکیں ، پو اُن کی ایفی اِچھا یہی تھی کہ اِن الگ الگ پوجا بقدائی کے ستھانوں کی تعداد کم ۔ھی ھو اُور کم ھی رہے تو اُچھا ہے ۔

سدهار کا دهوکا

دنیا کو بویبهادریکے ساتھ یہ یمی بٹایا گھا <u>ہے</u> که کٹر سفاتفهی کو ناراض کرکے سومفاتھ کے اِس معاملےمیں بوے بیے سدھار کئے گئے ھیں. مقدر ھریجنوں کے لئے کھلا رہے گا' فہر ھادر بھی مندر میں جا سکیں کے رفیرہ ، پر فیر هندووں اور هريمجنوں کے مندر مهي جاسكنے اور سومناته بايا کے درشن کر سکانے کا رواج تو بہت پرانا رواج ھے . اُس ملدر کے تھی حصوں میں سے باہر کا حصہ ہمیشہ سب کے لگے کہلا رہا ہے ، همیں یہ بھی یاد رکھنا جاھگے که راجندر ہاہو نے جس دورتی کے اوپر سے سونے کی پن مقائم وا 11 مئی کو سفاتن رواج کے مطابق ایمی بھجان ہتھر تھی ديوتا نهيل . ابهي ولا راج مزدرون کے هاتهوں موں تھي ديونا كا ياسا أيهني أس مهن نههن هوا تها . أبه ي أس کی پران پرتشکہا مونی باقی تھی ۔ پران پرتشکہا 💪 بعد مررتی دیرانا بفتی هے . پران پرتشتها کیول براهمی پروهت هي كريي كا رائس مهن كوئي فير براهس جاهر ولا بهارك كا پریسیکنٹ هو لور نهاهے کانگریس کا صدر هاته نه لکاسکے گا . اِس لکتے ہے جو سفاتی رواج میں سدھار کی باتیں دنیا ہے کہی ہوتا وہی عیں آن میں اصلوت نہوں کے איר בי ולי איר בי ליון

-

कर चुकी हैं. इस पर भी कहा का सबता है कि एक रीर जानिबदार सरकार भी किसी भी धर्म के मंदिरों, मसजिदों. गिरजों या गुरुद्वारों को इस तरह जमीनें दे सकती है. इम यह पूछना नहीं बाहते कि सौरारद संरकार ने अपने राज के ईसाइयों, मुसलमानों, पारिसबों या दसरे धर्म वालों के पाक स्थानों को अब तक कितनी जमीने दीं. पर इम जरा और भागे बढ़ें. क्या हम सचमुच ठंडे दिल से यह कह सकते हैं कि सौराश्ट सरकार या भारत सरकार का इस सोमनाथ के मामते से कोई सम्बन्ध नहीं ? राजेन्द्र बाब् वहाँ भारत के प्रेसीडेम्ट की हैसियत से गए थे या एक बहत बड़े शैव की हैसियत से १ कांगरेस प्रेसीडेन्ट वहाँ क्या केवल अपनी निजी हैसियत से ही मौजूद थे? सौराश्ट्र के राज प्रमुखं श्रीर बड़े वजीर यानी वहाँ की सरकार के दोनों बड़े अफसर क्या बस सूबे के सब से बड़े शिव भक्त भी हैं और क्या वह केवल इसी हैसियत से आगे आगे हिस्सा ले रहे थे है और फिर भारत के तमाम सबों से सब सरकारों और युनिवरसिटियों के प्रतिनिधि वहाँ किस हैसियत से और किसके हुकुम से बुलाए गए थे ? और आगे बढ़िये. दुनिया भर के चौहत्तर देशों से जो जगह जगह की मिट्टी और बनस्पति मंगाई गई वह किसके दुकुम से १ जापान जैसे देश के भारती राजदूत या उसके अमले वालों ने जो वहाँ से फूजी पहाड़ की मिट्टी और बनस्पति लेकर भेजी वह किसके हुकुम से श्रीर क्यों १ यह एक जानने की चीज है कि भारत सरकार, सुबों की सरकारों और विदेशों में हमारे राजदूतों ने इस सारे मामले में क्या खर्च किया और किसके हुकुम से किया. श्रास्तिर सोमनाथ के मन्दिर का हमारे विदेशी विभाग के साथ क्या सम्बन्ध है ? एक सौ एक तोपें क्या किसी श्रीर धर्म के मसजिद, गिरजा या गुरुद्वारे के पुनरुद्धार में भी छोड़ी गई या छोड़े जाने की तजवीज है है इस नहीं कह सकते कि भारत सरकार का मंत्रिमंडल इस काम के लिये कहाँ तक जिम्मेवार है. हमें यह भी नहीं मालूम कि ऐसे मामलों में प्रेसीडेन्ट के लिये मत्रिमंडल से या प्रधान मंत्री से सलाह कर लेना कहाँ तक जरूरी है या नहीं है. लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग देश के बहुगिनत लोगों के धर्म को खेंच तानकर किसी न किसी रूप में भारत का राष्ट्री धर्म बनाने के चक्कर में हैं उन्हें इमारी सरकारों को इस काम के अन्दर घसीट लेने में एक बार पूरी कामयाबी मिली है.

गांधी जी और सोमनाथ

श्री० मुंशी ने ठीक कहा है कि "सरदार वल्सम माई पटेल सोमनाथ के मंदिर को सरकारी खर्च पर फिर से बनवाना चाहते थे पर गांधी जी के विरोध करने पर

of Mark Market Commence

لهناه . إس ير بهي كها جاسكتا هركة أيف فهرجانبدال ار بھی کسی بھی دھرم کے مندروں مسجدوں گرجوں گرودواروں کو اِس طرح زمیلین دیے سکتی ہے۔ یہ بوجہنا نہیں جاءتے که موراشتر سرکار نے اید راہ عيسائيين مسلمانون پارسيون يا دوسرے دهرم والون یاک ستهانون کو ابتک کتنی زمهنیس دین ، هر ذرا اور آلے برھیں کیا ھم سے میے تہلدے دل سے له سکتے هيں که سوراشتر سرکار يا يهارت سرکار کا ر سیمناته کے معاملے سے کوئی سمیلدھ نہیں ؟ قدر باہو وہاں بھارت کے پریسیڈنٹ کی جیثیت لئے تھے یا ایک بہت ہوے شہو کی حیثمت سے؟ ريس يريسيدنت وهان كها كهول ايدى نصى حهثهت ھی موجود تھے؟ سوراشقر کے راہے پرمکھ آور ہوے یمنی وهاں کی سرکار کے دونوں ہونے افسر کھا مدیے کے سب سے بڑے شہوبهکت بھی میں آور ولا كهول إسى حوثهمت سے ألم ألم حصة لے رهے تھے ؟ پھر بھارت کے تمام صوبوں سے سب سرکاروں آرو ورسالیوں کے پرانیندھی وھاں کس حیثرت سے آور ی کے حکم سے بالے کئے تھے؟ آور آئے بوہئے ، دنیا کے چوہدر دیشوں سے جو جگه جگه کی متی آور بہعی منائی کئی وہ کس کے حکم سے ؟ جاپان سے دیش کے بھارتی راج دوت یا اُسکے عملے والوں جو وهاں سے نوجی پہار کی متی آور بلسیتی لے کو عمی وہ کس کے حکم سے آور کیوں ؟ یہ ایک جانئے چهن هے که پهارت سرکار صوبوں کی سرکاروں آور شیں میں همارے راج دوتوں نے اِس سارے معاملے ے کہا خربے کہا آور کس کے حکم سے کیا . آخر سومناتھ مقدر کا همارے ردیشی وبھاگ کے ساتھ کیا سمبقدھ ؟ ایک سو ایک توپیل کیا کسی اور دهرم کے مسجدا یا گرودوارے کے پذرددھار میں بھی چھوڑی ں یا چھوڑے جانے کی تجویز ھے؟ هم نبھی کیا لے کا بہارت سرکار کا ملعری ملڈل اِس کام کے لیے ن تک قامه وار هے ، همهان به بهی تههان معلوم که ہ معاملوں میں پریسیڈنٹ کے لگے منعری ماڈل سے بردهان منتري سے صلاح کرلینا کہاں تک ضروری ہے نہیں ہے . لیکن اِس میں کوئی شک نہیں که جو ے دیش کے بہوگفت لوگوں کے دھرم کو کھیفیے تان کو ی نه کسی روپ میں بہارت کا راشتری دھرم بطائے معر مهن ههن أنهين هماري سركارون كو إس كام ك کهسیت لیلے میں ایک یار پوری کامیابی ملی ہے ، هل چی اور سوماته

شری منشی نے تھیک کہا ہے کہ ''سردار راجههائی بل سرمناتہ کے مندر کو سرکاری خرچ پر پھر سے انا جاھتے تھے پر گاندھی جی کے ورودھ کرتے پر विश्वास और उन क्रीमतों पर क्रायम हैं जिन पर हमें अनन्त युगों से क्रायम चले आ रहे हैं......यह मराहुर इतिहासी मन्दिर हमारे सनातन विश्वास की एक निशानी है जिसे फिर से पूरे जोश के साथ क्रायम करने का काम हम अपने अपर ले रहे हैं."

जाहिर है राजेन्द्र बाबू और उनके साथी किसी बीते समय की 'राजकाजी और समाजी हालतों' को फिर से लाना बाह रहे हों या न चाह रहे हों कम से कम उस बीते जमाने की धार्मिक हालतों, खास कर शिवलिंग की स्थापना और उसकी पूजा को वह पूरे जोश के साथ कायम करना चाह रहे हैं.

पुराने ज़रूमों को हरा करना

दूसरी मारके की बात राजेन्द्र बायू ने ऊपर के फिक़रे में यह कही है कि वह पुराने जल्लमों को हरा करना नहीं बाहते. हम उनकी बात मान लेते हैं. फिर भी इस फिक़रे को पढ़ कर हमें हैरानी और दुख हुआ. हमारे दिल में राजेन्द्र बाबू की इज्जत है, हमें उनसे प्रेम हैं, हम उन्हें अपना भाई मानते हैं. हम उन्हों से अपील करना चाहते हैं कि वह भारत के किसी हिस्से में दौरा करके और आम जनता में मिल कर देखें या मई महीने के देसी भाशाओं के अखबारों की फाइलों को उलट पुलट कर देखें और फिर ठंडे दिल से बतावें कि सोमनाब के इस नए उद्धार से कोई पुराना जलम हरा हुआ या नहीं और हुआ तो किस दरजे तक. हम यह समक्त ही नहीं सकते कि इस सारी घटना से कोई किसी दूसरे नतीजे की आशा कैसे कर सकता था.

सरकार की ज़िम्मेवारी

13.

श्री के. एम. मुँशी ने किशोरलाल भाई के नाम अपने सत में यह भी लिखा है कि "यह काम सरकार की तरफ से नहीं हो रहा है बल्कि मन्दिर को बनाने और सोमनाध की मूर्ती को फिर से क़ायम करने का सारा खर्च एक ट्रस्ट से किया जा रहा है जो जाम चन्दों से क्रायम हुआ है." हो सकता है सौरारट सरकार ने असली धार्मिक रसम के लिये कुछ खर्च न किया हो. लेकिन श्री मुंशी ही के अनु-सार सरकार ने चारों तरफ से सड़कों की मरम्मत करवाने में, उन पर रोशनी भीर जगह जगह पानी का इन्तजाम करने में और यात्रियों को सब तरह की सुविधाएँ देने में तो रुपया खर्च किया. इस पर कहा जाता है कि सरकार इस तरह का इन्तजाम सब मेलों ठेलों पर करती ही है. पर जाम साहब ने जो सौरारद के राज प्रमुख हैं यह भी पेसान किया कि सरकार इमारतों बरौरा 🕏 आलावा एक सी दस एकड़ फर्ज़ों की जमीन और दो सो इक्यासी एकड़ अर्थे के काबिल जमीन नए मन्दिर को देने का फीलजा

رشواس آرر آن قیمتیں پر قائم میں جن پر اندت یکوں سے قائم چلے آرہے میں یہ مشہور انہاسی مقدر مدارے سفاتی وشواص کی ایک نشانی ہے جسے پہو سے پورے جوش کے ساتھ قائم کرنے کا کام هم انے اوپر لے رہے میں."

ظاہر ہے واجلد باہو آور آنکے ساتھی کسی بھتے سیے کی 'رأچ کاجی اور سماجی حالتوں' کو پھر سے لانا چاہ رہے ہوں کم سے کم اُس بھتے زمانے کی دھارمک حالتوں' خاص کر شیوالمگ کی ستھایلا آور اُسکی پوجا کو وہ پورے جرش کے ساتھ قائم' کرنا چاہ رہے میں ،

پرائے زخموں کو ہرا کرنا

دوسری معرکے کی بات راجندر بابو نے اوپر کے فقرے میں یہ گہی ہے کہ وہ پرانے زخموں کو ھوا کرنا نہیں چاھتے۔ ھم اُن کی بات مان لیتے ھوں، پھر بھی اِس فقرے کو پڑھکر ھیوں حھوانی آور دکھ ھوا، ھمارے دل میں راجندر بابو کی عزت ہے ھیں، ھم اُنہیں سے پریم ہے اُنہیں ایفا بہائی مائتے ھیں، ھم اُنہیں سے اپیل کرنا چاھتے ھیں کہ وہ بھارت کے کسی حصے میں دورہ کرکے اور عام جنتا میں ملکر دیکھیں یا مئی مہیئے کی میسی بہاشاؤں کے اخباروں کی قائلوں کو اُلت پلت کر دیکھیں آور پھر تھندے دل سے بتاویں کہ سومقاته کی اِس نئے اُددھار سے کوئی پرانا زخم ھوا ھوا یا نہیں آور ھوا تو کس درجے تک، ھم یہ سمجھ ھی نہیں سکتے کی اِس ساری گھتنا سے کوئی کسی دوسوے نتیجے کی آشا کھسے کر سکتا تھا ،

سرکار کی ذمعراری

شری کے . ایم . مذشی نے کشورلال بھائی کے نام الله خط مهن يه بهي لكها ه كه داية كام سركار كي طرف سے نہیں ہورہا ہے بلکہ صندر کو بنائے آور سرمنانہ کی مورتی کو پھر سے قائم کرنے کا سارا خرچ ایک قرست سے کیا جارہا ھے جو عام چندرں سے قائم ہوا ھے۔" ہو سکتا ہے سوراشتر سرکار نے اصلی دعارمک رسم کے لیے كچه خرچ نه كيا هو . ليكن شرى منشى هى ك ادرسار سرکار نے جاروں طرف سے سوکوں کی مرمت کروائے میں " أن پر ررشلی آرر جگه جگه پانی کا انتظام کرنے میں أرر یاتریوں کو سب طرح کی سرودھائیں دیاتے میں تو رويدة خرب كيا . إس ير كها جاتا هے كه سرار إس طرح کا انتظام سپ میلوں تهیلوں پرکرتی هی هے . یر جام ساحب نے جو سوراشٹر کے رابے پر مکھ ھدی یه بھی اعلان کھا که سرکار عمارتوں رفهرہ کے علاوہ ایک سردس ایکو بهدر کی زمون آور در سو اکهاسی ایکو کینٹی کے قابل زمین نئے ملدر کو دیلے کا قیصلہ

A SEC OF SHEET BUTCHES OF HE SHEET वासी सेकूबर रखना चाहते हैं और अपने अनव से भी स ग़र जानिक्वारी के बसुस की निवाहना बाहते हैं.

कुछ दिन हुए इसने अंगरेशी के अस्वार 'कारगे-ताइकर' में, जो बार० पस० पस० का बखबार सममा जाता है, एक लेख पढ़ा था जिसमें यह बताया गया था कि "राश्टीय स्वयं सेवक संघ केवल हिन्दकों का राज नहीं वाहता. वह किसी एक धर्म बालों का राज नहीं चाहता. वह यह भी नहीं चाहता कि हमारे राज में किसी के साथ वर्म की विना पर किसी तरह की कोई क रिकायत की जावे या फिसी धर्म बालों के साथ किसी मामले में भी किसी उरह का भेद भाव बरता जावे, वह चाहता है कि देश की तरकार इस मामले में बिलकुल रौर जानिबदार हो और तब धर्म बालों के साथ सब बातों में एक बराबर बरताव हो. सब को एक से मौक्रे दिये जावें और सब के बराबर के इक्त हों, बरौरा." यह हमने इस लेख के एक हिस्से का निचोड़ अपने शब्दों में यादवारत से देने की कोशिश की है. इमें आरगेनाइकर' के इस लेखक की नियत में शक नहीं. वह जो जी से चाहता था वही उसने लिखा.

केवल नेक इरादे काफ़ी नहीं

पर इस दुनिया में, जो इनसानों खौर क़ौमों दोनों के क्रिये एक कठिन आजमाइश की जगह है, केबल नेक इरादों से काम नहीं चल सकता, अंगरेजी की एक मशहूर कहावत है-''नरक का रास्ता नेक इरावों से पटा पड़ा है" इस में से हर एक को अपने हर काम और उसके अच्छे बूरे नतीजों पर हर पहलू से ग़ौर करना होगा, और अपने हामों के हदरती नतीओं की जिम्मेषारी अपने उपर लेनी होगी.

राजेन्द्र बाबू ने इसी तक़रीर में एक जगह कहा है कि "मैं इस बात को साफ कर देना चाहता हूँ कि इन जलसों का न यह मतलब है न हो सकता है कि हम अपने देश में किसी पुराने जमाने की राजकाजी और समाजी हालतों को फिर से कायम करना चाह रहे हैं, न इसका यह मतलब है कि इस इस दिमाराी या जिसमानी जख्म को फिर से हरा करना चाह रहे हैं जिसे समय ने अपने आप भर विया था. "

प्राने जमाने को फिर से लाना

जहाँ तक राजकाजी और समाजी हालतों का सम्बन्ध है, सब्धन के कोशिश करने पर भी किसी बीते जमाने की सब राजकाजी चौर समाजी हालसे फिर से नहीं चा सकर्ती, समय की गति किसी के रोके नहीं रक सकती. पर राजेन्द्र बाबू ही ने धारों बत कर कहा है- "यहाँ हमारा महत्रमक विकी नए सिरे से यह ऐसान करना है कि इस उस

يعلى سيكولر وكهلا جاهال هين أور أي عمل سابهي اس فیرجانبداری کے اصول کو تباهدا جاهتے هیں .

عجه من مواد مم نے الكريزى كے احداد 'آركفائور' مين جو آر . ايس . ايس . كا اخبار سنجها جاتا هـ " لک لیکھ یرها تھا جس میں یہ بتایا گیا تھا که إراشتري سريم سهوک سنگه کيول هندورن کا راج نهيس جاهدا ولا کسی ایک دهرم والس کا راج نهیس جاهدا وہ یہ بھی نہیں چامتا که همارے رام میں کسی کے ساته دهرم کی بنا پر کسی طرح کی کوئی رو رعالت کی جاورے یا کسی دھرم والرس کے ساتھ کسی معاملے میس بھی کسی طرح کا بھیدبھار برتا جاوے' وہ چاھتا ہے که دیمی کی سرکار اِس معاملے میں بالکل فیرجانبدار ھو آور سب دھرم وا وں کے ساتھ سب باتوں میں ایک ہواہر ہرتاو ہو' سب کو ایک سے موقع دیئے جاویں آور سب کے برابر کے حتی ھوں وفیرہ .'' یہ ھم نے اُس المکم کے ایک عصے کا نچور آنے شبدوں میں یادداشت سے ديني كي كوشم كي هي . همين أركنا ورا كي أس الهکهک کی نیت میں شک نہیں، وا جو جی سے جاهمًا تها وهي أسلم لكها .

کھول نیک ارادے کانی نہیں

پر اس دنها مين؛ جو انسانين أور قومون دونون كم الله ايك كالمن أزمائه كي جكة هـ؛ كنول نيك ارادوں سے کام نہیں چل سکتا ، انگریزی کی ایک مَهْبُورِ كَهَاوِتُ هِــــُ 'نَوْكَ كَا وَاسْتُهُ نَيْكُ أَوْادُونَ سِ یٹا ہوا ھے'' ہم سہی سے ہر ایک کو اپنے ہر کام آور أسكم الجمع برے تقدیدوں پر هر پهلو سے فور كرتا هوگا آبور ایم کاموں کے قدرتی نتیجوں کی ذمعداری ایم ا اوپو لهذی هوکی .

راجلدر بآبو نے أسى تقرير مهن ايك جاته كها هے كة "أمهل إس بات كو صاف كرديدًا جاهمًا هول كم إن جلسون کا نہ یہ مطلب ہے نہ موسکتا ہے کہ هم أبه دیمی میں کسی پرائے زمانے کی رابع کاجی آور سداجی حالعوں کو پھر سے قائم کرنا جاہ رہے میں' نہ اِس کا یہ مطلب هے که هم أس دمافي يا جسماني زخم كو يهر سے عرا کرنا چاہ رہے میں جسے سے نے ایے آب ہمر ديا تها."

پوللے زمام کو پھر سے لانا

بهان تک واج کاچی آور ساجی حالتون کا سدیلنده من میں کوشش کرتے پر بھی کسی بیٹے زمانے کی سير راج کاهي أور ساهي هالتهن پهري نهين أسكتهن. سیے کی گئی کسی کے روکے نہیں رک سکتی . پر راجھیور یاہو علی لے آگے چلکو کیا ہے۔"یہاں ممارا مقصد صيف نئر سرير سے يه أعلان كرنا هے كه هم أس

सोमनाथ फिर

11 मई '51 को सोमनाथ के फिर से उद्धार का मेला हो गया. मई के 'नया हिन्द' में हम इस बारे में अपनी राय दे खुके हैं. उसके बाद इमने राजेन्द्र बाबू की सोमनाथ की तक्तरीर को और भाई किशोरलाल मशरुवाला के नाम श्री के एम॰ मुंशी के उस खत को, जो 5 मई के 'हरिजन' में झपा है और जिसमें उन्होंने कुझ एतराओं पर अपनी सफाई देने की कोशिश की है, ध्यान से पदा.

नेक इरादे

26 मई के 'हरिजन' में राजेन्द्र बाबू की तक्तरीर का नीचे लिखा हिस्सा 'नागपुर टाइम्स' से लेकर छापा गया हैं:—

'हमारे देश में इसकी बहुत बड़ी जरूरत है कि हम में से दर एक इस बात को अच्छी तरद समफ ले कि हर कमा मत और हर मजहब के लिये आदर और बरावरी का माद रखते हुए बरतना ही हमारे लिये सबसे अच्छा राश्ता है. हमारी सारी क्रोम और देश का और हममें से हर एक का मला इसी में है. इसी अद्धा और विश्वास के कारन हमारे संघ (यूनियन) ने धर्म के मामले में ग़ैर जानिवदारी (सेंकुलरिज्म) की नीति अपनाई है और सब को यह भरोसा दिया है कि इस देश के किसी सम्प्रदाय या यहाँ के किसी आदमी के खिलाफ धर्म की बिना पर किसी तरह का भेद भाव नहीं बरता जायगा. और हर एक को वह सब मौक़े और सुविधाएँ दी जायँगी को दूसरों को मिली हुई हों. इसी आदर्श के अनुसार में सब धर्मों के लिये आदर और प्रेम रखता हूँ.

"मैं खुद अपनी श्रद्धा और अपने रोज के अमल में सनातनी हिन्दू हूँ और आम तौर पर सनातन धर्म के रिवाजों के मुताबिक अपने ईश्वर की पूजा प्रार्थना करता हूँ, फिर भी मुझे विश्वास है कि धर्म को मानने वाला हर आदमी अपने ही धर्म के नियमों के अनुसार भगवान की पूजा करते हुए इस तक पहुँच सकता है. इस तरह मेरे विल में न सिर्फ सब धर्मों के लिये और उनके पूजा के स्थानों के लिये आवर है बल्क जब कभी मुझे मौका मिलता है, मैं अपना आवर व्रशाने के लिये उनमें जाता भी हूँ. जब कभी मौका मिलता है मैं इरगाह और मस्जिद में, गिरजा और गुरुद्धार में उसी आवर आब से जाता हूँ जिस आवर भाव से मैं अपने धर्म के मिनदों में जाता हूँ."

राजेन्द्र बाबू के इन साम साम फ्रिकरों के बाद सोम-शिथ के मामले में चन की नियत पर किसी तरह के राक की गुजायरा नहीं रह आती. खाहिर है कि वह इस राज और سومناته يهر

والم مثی کے انہاهد، میں هم اِس بارے میں اورتیار کا میلته اینی رائے درے چکے هیں۔ اسکے ابعد هم نے راجندر بابو کی سومذاته کی تقویر کو آور ابھائی کشورلال مشرورالا کے نام شری کے ایم منشی کے اُس خط کو جو کے میٹی کے اُس خط کو جو کے میٹی کے اُس خط کو جو کے میٹی کے کر تھریجن میں چھیا ہے اور اجس میں اُنہوں نے کچھ اعتراضوں پر اپنی صفائی دینے کی کوشھی کی ہے دھیاں سے پوھا ،

نیک ارادے

26 مگی کے 'هريجن' ميس راجندر بابو کی تقرير کا نيچے لکھا حصہ 'ناگهرر ٿائيس' سے لے کر چھاپا گيا ھے:—

والمارے دیمل میں اِسکی بہت بری ضرورت ہے که هم میں سے هر ایک اِس بات کو اچھی طرح سمجھ ہے کہ هر جماعت آور هر مذہب كے لئے آدر أور برابري کا بھاؤ کہتے ہوئے برتانا ھی ھمارے لگے سب سے اچھا راسته م في أهماري ساري قوم أور ديم كا أور هم سيس سے هر ایک کا بهاا اِسی میں هے. اِسی شردها آور رشواس کے کارن همارے سنگه (یونیس) نے دهرم کے معاملے میں فہرجانبداری (سیکولرزم) کی نیتی ایدائی هے آور سبکر یہ بهررسه دیاڑھ که اِس دیش کے کسی سمہرداے یا یہاں کے کسی آدمی کے خاف دھرم کی بدایر کسی طرح کا بهید بهاؤ نهیں برتا جائیکا . آور هر ایک کو ولا سب مرقعے ارر سوودهائیں دی جائیدگی جو درسروں کو ملی هوئی هوں ایسی آدرش کے انوسار میں سب معرموں کے لئے آدر اور پریم رکھتا ھو . المیں خود اینی شردھا آور اینے روز کے عمل میں سناتنی هندو هوں اور عام طور پر سناتن دهرم کے رواجوں کے مطابق آئے ایشور کی پُوجاً پرارتھڈ کرتا ُھوں' بهر بهی مجمع وشواس فه که دهرم کو ماند والا هر آدمی آیے هی دهرم کے نیموں کے انوسار بھگوان کی پوجا کرتے هوئے اُس تک پہنچ سکتا ہے . اِس طرح میرے دل میں نه صرف سب دهرموں کے لئے أور أنکے پرجا کے ستھانوں کے لئے آدر ہے بلکہ جب کبھی مجھ مواقع ملتا ہے؛ میں ایدا آور دوشانے کے لئے اُن میں جاتا بھی هون. جب کیهی موقع ملتایه مین درگاه آور مسجد مین کرجا اور کرودواری میں اسی آدربهاو سے جاتا هوں جس آدربهاو"اسے میں انے دھرم کے مندروں میں جاتا ھوں."

راجادر باہو کے اور ماف ماف فقروں کے بعد سومناتھ کے معاملے میں گیا کی نیت پر کسی طرح کے شک کی کلیمانی نیپوں رہ جاتی طاهر ہے که وہ اِس راج آور वा. बह वह जिल्हमी में अपने को साथ वातन करने पर भी सथा न सकी और जाहिस्ता जाहिस्ता खतम होगई.

बेरयापन और गुप्त रोग होनों क्ष में अब सपना हैं. सन् 39 में डाक्टरी के विद्यार्थियों को दिखाने के लिये गुप्त रोगों के रोगी तक न मिल सकते थे. यूकरेन में जरमन कृष्णे के दिनों में कुछ स्त्रियाँ जवरदस्ती फिर बेरवार्थ बनाई गई थीं. लेकिन हिटलरी की जों के हटते ही सुद ही यह बेरवाएँ अपना मान पहचान गई और फिर वह पेशा छोड़ कर देस की स्त्रित में अच्छे नागरिकों की तरह माग लेने सगीं.

इस तरह कम्युनिस्ट रूस ने पन्द्रह बरस के अन्दर वह पाप लगभग जड़ से खतम कर दिया जिसको मिटाने की असफत कोशिशों धर्म सुधारक, सदाचार के पंडित और राजकाजी घुरंघर सभी हमेशा से करते चले आ रहे थे.

(बाक्री फिर)

चिता

चिता ! तू जीत न मुक्तको पाए जल जल मुक्ते जलाती क्या है, तू खुद ही जल जाए!

चित कर दिया सही, हाँ तूने घेर जिया तेरी धूधू ने जिपटा जिया जपट की खूने समम, समम जे जी में, मुमसे पहले तूमर जाए!

घुमड़ रही है तू घबराई फफक रही है तू पजराई चिते! कहाँ पर शान्ति हिराई खोकर शान्ति इसे जीतेगी, नेक न जो घबराए?

ते मैं तुम पर तेट चुका हूँ चुप चुप चित्त तपेट चुका हूँ मैं मालिक से भेंट चुका हूँ जक्ष कर, जल भर ते जासकती, राख न तू से पाए!

हवा हवा में शामिल करदे पानी को पानी में भर दे मिट्टी को घरती में घरदे एक चाग ले, तू अच्छी है, तू तो क़रज खुकाए! चिता! तू जीत न मुमको पाए.

— भगवांगदीन

عاً۔ وہ نای وندگی میں آپ کو لکھ جعن کرنے پر بھی کھیا تھ سکیں اور اھستہ انعستہ ختم ہوگئیں

ویشیا پن اور گیت روگ دوئوں روس میں آب سیدا میں سن 99' میں داکتری کے 'ودیارتھیوں کو دکھانے کے لئے ایت روگ میں داکتری کے 'ودیارتھیوں کو دکھانے کے لئے ایت روگ کے کہوں تک نہ مل سکتے تھے ، یوکرین میں ایت میں تعبیل زبردستی پھر ویشیائیں بدائی گئی تھیں ، لیکن ہتاہی فوجوں کے ہتتے میں خود ہی یہ ویشیائیں اینا مان بہنچان گئیں اور پھر ولا پیشہ چھر کر دیس کی اُنتی میں اُچھے ناگرکوں کی طوح بھاگ لینے لگیں .

اس طرح کمپونست روس نے پندرہ برس کے اندر وہ پاپ لگ بہگ جر سے ختم کر دیا جس کو مقانے کی اسپول کوششیں دھرم سدھارک' سداچار کے پندت اور راج کجی دھرندھر سبھی ھدیشہ سے کرتے چالےآرہے تھے .

(ہائی پھر)

چتا

جتا ! تو جیتانه مجهکو پائے. حل حل مجھ جالتیکھا ہے؛ تو خود ھی جل جائے!

چت کر دیا سہی' هاں تونے گھھر لھا تھری دھو دھو نے لپٹا لھا لپت کی لونے سنجھ' سنجھ لے جی میں' منجھسے پہلے تو مر جائے!

لے میں تجھیر لیٹ چکا ھوں چپ چپچت لھیٹچکا ھوں میں مالک سے بھیلٹچکا ھوں جل کر' جل بھر لیے جاسکتی' راکھ نہ تو لے پائے!

ھوا ھوا میں شامل کر دے پانی کو پانی میں بھر دے مثنی کو دورتی میں دور دے مثنی کو دورتی میں دور دے ایک آگ او اچھی ہے' تو تو قرض چکائے! چکائے ا

ب يهكوان دين

बाद में बर निषक गया, इस देखों में इक्षाज के साथ साथ ऐसे काम भी सिकाय गए जिनसे यह औरते इञ्जत के साथ रोजी कमा सकें. खाली रोग दर कर देने से काम नहीं बनता था. ऐसी डालत भी पैदा करनी थी जि में यह रोग किर सर न का सके. इन केन्द्रों में भौरतों की बढ़िया हैं निंग ही गई. राष्ट्र निर्मात में उनका सहस्व बता हर उनके क्यांसमान को जगाया गया इन बावों का उनके दिलों और विभारों पर जबरवस्त असर पड़ा.

अलग अलग दरजी के रोगी इन केन्द्रों में थे. कोई सन्दी भण्डा हुआ और कोई देर में. सब तरक से छुट्टी पाइंट सोवियत अधिकाचिं ने वेश्यारन पर आंखर इसला दिया, केन्द्रों से निकली स्त्रियों को बसाने की

क्षेत्रं तैयार शी गई-

(1) कोई औरत उस समय तक इन के दों से न निकासी गई जब तक उसके इज्जतदार समाजी जिन्दगी विवाने के विये पूरा इन्तकाम न हो गया. उसकी पिछली किन्दगी विलक्षत्र गुप्त रक्ला गई. समाजी कार करता श्री ते पत्र स्त्रों की कच्च के अनुनार काम दूँव रक्खा था. यह भी इन्तजाम किया गया था कि वह आरत ऐसे लागों के साथ रहे जो सदाचार के स्तर से गिरे नहीं थे.

(2) कुछ चुने लोगों ने ऐसा धौरतों की देख भाल और मददका बीदा उठा लिया दम से कम कोई एक ऐसा सहायक हर भीरत के साथ साथ काम भी करता था.

- (8) हर जिले में देख रेख करने वाले व्लों को इकट्टा करके एक सहायता शींसल बना की गई. इनकी बैठक सहीने में तीन मरतवा होती यी और यह लोग डाक्टरी. मनीवशानियों कीर फ़ैक्ट्यों के मैनवरों से सलाह संस्थित करते थे. इस तरह जब किसी भी कोई क ठनाई पदता भी तो फीरन तजरबेकार लोगों की अमरदी आर असकी सहायता मित जाती थां. बाद में भौतिल के काम को इन्हीं रोनियों ने सब बढ़ाया और अपने दसर साथियों की खुन सदद की.
- (4) इस कौंसिक ने एक कानून समिति बनावी जो बादी, नौक्रा, मजुदूरा, किराया बग्नैरा के किसी भी मगड़े में औरतों को मदद दे सके.
- (5) पहले के रोगियों से प्रार्थना की गई कि वह है लिंग केन्द्रों के अन्दर भरता कोगों से सत किवाबत करें कीर समकी हिन्सत बढाएँ.

इन केन्द्रों से निकली हुई अस्ती की सदी औरतों ने क्रमी, काम बरोरा में अच्छे अच्छे काम किये और सन्मान द्वासिक किया इनमें से बहुत बड़ी तादाव ने शावी की और साएँ वन गई. 19 फीमदी से कुछ कम औरते ऐसी किन्हें दोवारा बन्हों में भाना पड़ा. बाकी बानी वक क्रियो पर पित्रली जिन्दगा का जबरदस्त कराव असर

بمنعوبية بعولها إلى فللمزول حول عام إلى عالم الم ليس كم يعن بالمعال على بون سريه عبرتين عرص كر سالو وراق كما بيكون. خاتى روكب دور كر ديلے سے كام ليهن بلغا تھا؟ ایسی حالت بهی بهذا کرنی تهی جس میں یہ روگ مهر سر ته أثنها سعم . إن كهلدرون مين عورتون كو يزهها تريدك دى گئى واشد، نرمان ميں أن كا مهدو بعادر أن كے ابیهنان کو جانیا گیا . اِن باتوں کا اُن کے دلوں اور دمانوں ير زيردست اثر يوان

انگ الگ درجے کے روکی اِن کیلدروں میں تھے . کوئی جلدی أجها هوا أور كوئي دير ميں سب ط ب سے جهتي پاکر سرویت اُدههکاریوں نے ویشیا پن پر آخری حمله کیا ۔ کیلدروں سے نکلی استریوں کو بسائے کی یوجنا تیار

(1) کوئی عورت اُس سے تک اِن کیندروں سے نہ نکالی کئی جب تک اس کے موحدار سماجی زندگی بتانے کے لئے بوراً انتظام نه هوگها . أس كي يتهملي زندكي باعل كومت رکوی گئی . سماجی کارکرتاؤں نے اُس استانی کی رچی کے أنوسار كام قهرنده ركها تها . يه بهى انتظام كها كها تها كه وہ عورت ایسے لوگوں کے ساتھ رہے جو سداچار کے استار سے گرے نہیں تھے۔

(2) کچه چنے اوگوں نے ایسی عورتوں کی دیکھ بہال اور مدد کا بیزا اتها لیا . کم سے کم کوئی ایک آیسا سهایک هر عبرت کے سائھ ساتھ کام بہی کرتا تھا .

(3) هر ضلم مين ديكم ريكم كرنے والے دلوں كو أكثما كرك أيك سهايتنا كونسل بغادي كئي . إس كي بيتهك مهیئے میں تین مرتبہ هوتی تهی اور یہ لوگ داکتروں' منووکھاتھوں اور فیکٹریوں کے منہجروں سے صلاح مشورہ کرتے تھے۔

اِس طرح جب کسی کو کوئی کالهالی پوتی تای تو فوراً تجربه کار لوگوں کی همدردی اور عمای سهایتنا صل جاتی تھی۔ بعد میں کونسل کے کلم کو اُنھوں روگوں لے خرب برهایا اور ایم دوسرے ساتھیوں کی خرب مدد کی .

(4) اس کونسل نے ایک فانون سبیعی بدا دی جو شاهی ، نوکوی ، مودوری ، کرایت رفیره کے کسی بھی جھکوے میں عورتوں کو مدد دیے شکے .

کہندیوں یے اندر بھرتی لوگوں سے خط کتابت کریس اور اور كى هدمت پرهائين .

اِن کیلدروں سے نکتلی هوئی اُسی فیصدی عورادوں لے فيكتلون فارم وقهرة وبهن أجم أجم كام كثم أور بسمايي حامل کیا ۔ اِن میں سے بہت ہری تعداد نے شادی کی اور مائين بي گلهن . 19 فيصدى بيد كنچه كم عورتهن فيسى تهدور بعلههن دوباره عيدرون مرس أنا يوا . باقي يعلى ليك المعدور و يعيلي ولدلى لا وروست شراب الر कि जन मनोरंजन के स्वानों पर वह खास प्यान रक्ते.
वेशा करने बालियों को नहीं छेड़ा जाता था. उनके
स्वान वंद नहीं किये जाते थे. लेकिन यह आदेश दिया
गया कि मकान के मालिकों का पता लगाया जाय
और जब तक मालिकों का पता न चले और उनको
सज़ा न मिल जाय तब तक वह घर बन्द कर दिये जायें.
मिलेशिया को और जनता को चेताबनी दी गई कि वह
वेश्याओं को परेशान करने की कोई बात न करें. वेश्याओं को गिरफतार नहीं किया जा सकता था. सिर्फ दलाल या
मालिक मकान मुजरिमों के ख़िलाफ गवाही देने के लिये
वह जदावात में बुझाई जा सकती थीं.

इस आन्दोलन में भाग केने वाले सब कोगों को हिदायत थी कि वह ऐसी औरतों को विसकुत अपने बरावर 'सममें, उनको मुकल्म और बेसहारा जानकर हमदर्दी का बरताब करें और मन में नफरत विलकुल न आने दें. बेरयाएँ बाहे कुछ भी कहें, कैसा भी ठख लें लेकिन मिते— शिया का कोई आदमी कच्ची खबात न निकाले और न उनका अपमाम करे. अफसरों पर रोक थी कि वह नाम और पता भी पैसी औरतों का नोट न करें.

सरकारी हुकुम का यह हिस्सा कजीव था. गांधी जी तो कपने सत्याप्रीहर्यों को वह सबक़ दे सकते थे लेकिन किसी सरकार से यह काशा नहीं की जा सकती थी कि वह ऐसा करेगी. रूसी सरकार के मानव प्रेम ने सरकार से यह भी करना दिखाया.

एक क़ानून के अनुसार वेश्याओं के स्थानों में पाए गए महीं को गिरफ्तार करने की मनाही करवी गई. लेकिन ऐसे कोगों का नाम, पता और पेशा नोट कर लिया जाता बा. पब्लिक स्थानों और फिक्ट्रीयों के नोटिस बोर्ड पर चनके नाम पते और पेशे मोटे मोटे अक्टों में लिखकर नीचे लिख दिवा जाता या ''स्त्रियों का जिस्म खरीइने बाले.'' इस कोक जाज का जबरदश्त असर पड़ा.

पहले आर्थिक कठिनाइयों को दूर किया गया फिर जुर्म करने वालों की खतम किया गया. इसके बाद प्रचार आम्बोलन चलाया गया. लाग आग्रत भी हो गए थे. लेक्चर, इ.मे, सिनेमा, अर्जवार सभी लेडकार्म इन पापों के जिलाफ जुट गए.

हातत बहुत ने के बाद जब असत रोग की तरफ ध्यान विया गया: इवा वेने बाते अस्पतालों के बजाय है निंग केन्द्र खोते गए. तराब कही जाने बाती स्त्रियाँ पहले एक अन-अवातत के सामने बाई जाती थीं, फिर जाँच पड़ताश के बाद उनको इन केन्द्रों में दातित किया जाता था. जबर-रस्ती किसी के साथ नहीं थी. न पुलिस का पहरा होता या जीर न किसी तरह की वाता बन्दी होती थी, पहले के स्त्रियाँ पेसे केन्द्रों में बातिक होने से बबराती थीं होकन جی مقورتون کے سقیاتی پر وہ خاس فیفیان بی بید کرتے والیوں کو نہیں جیموا جاتا اس کے سقیان بید نہیں کئے جاتے تھے، ان یہ آدیمی دیا گیا کہ مکان کے مالکوں کا پتہ نو چاہے اور جب تک مالکوں کا پتہ نا چاہے اور جوانے تب تک وہ گہر بلد کر دیئے جائیں، بیمان کرتے کی کو وہ دیشیاؤں میں گئی که وہ دیشیاؤں دیشان کرتے کی کوئی بات نے کریں، ویشیاؤں کو گرفتار لیمن جا سکتا تھا، صرف دال یا مالک مکان مجرموں کے ۔ گوامی دیئے کے لئے وہ عدالت میں بالی جاسکتی تبین،

اس آندولی میں بہاک لینے والے سب لوگرں کو ہت تھی کہ وہ ایسی قورتوں کو بالکل آنے برابر سمجھیں' کو مظاوم اور یہ سہارا جان کر همدودی کا برتاؤ کریں' سی میں نفرت بالکل نہ آنے دیں ، ویشیالیں جانے کچہ کیمیں' کیسا بھی رائے لیس لیکن ملیشیا کا کوئی آدسی ایان نہ نکانے اور نم اُن کا ایسان کرے ، افسروں پر ایسی عورتوں کا نواقا

سرکاری حکم کا یہ حصہ معجدیہ تھا ۔ گاندھی جی اپر سٹھا گرھھوں کو یہ سبق دے سکتے تھے لیکن کسی سے یہ آشا نہیں کی جا سکتی تھی که وہ ایسا کرے روسی سرکار کے مانو پریم نے سرکار سے یہ بھی کروا

ایک قانون کے انوساو ویشهاؤں کے استھانوں میں یائے مردوں کو گرفتاو کرنے کی مناهی کو دی گئی ، ایکن لوگوں کا نام پائد اور پیشد نوت کر لیا جاتا تھا ، استھانوں اور فیکٹریوں کے نوٹس پورڈ پر اِن کے نام اور پیشہ موٹے موٹے اکشروں میں انکھکڑ نیجے لکھ جانا تھا '' استریوں کا جسم خریدنے والے '' ، اس لوک اِزبوشہب اُٹر پوا ،

پہلے آرتیک کلینائیوں کو دور کیا گیا پھر جرم، کرتے و کو ختم کیا گیا ۔ اِس کے بعد پرچار آندوان چالیا اُنےک خاکرت بھی ہوگئے تھے ، لکچر کوارے ساتھے اُنے ساتھ کے ملائد جت گئے ،

جااجت بدائے کے بعد آپ اصل روگ کی طرف دھیاں ایا ، دوا دیئے والے اسپتانس کے بحائے ٹریفنگ کیندر کئے ، خواب کہی جائے والی استریاں پہلے ایک جن سامئے لائی جاتی تعیم ایم بعر جانچ پوتال کے ای کو اِن کیندروں میں داخل کیا جاتا تھا ، زبردستی کے ساتھ نہیں تھی ، نہ پولیس کا بہرہ ہوتا تھا اُپولیسی طرح کی تالا یقدیی ہوتی تہی ، بہلے تو استریاں کیندروں میں ہائیل ہوئے سے گہراتی تبھی، لھائی

- (2) तुरुष में फैक्की हुई बेरोजमारी का एक इस कामी सरकारों को यह बतावा गया कि को भाषरटिव किट्टी जीर कार्म खोले वार्थ जससे बेसहारा कियों को तम मिल सके.
- (3) तमाम धौरतों को हौसला दिलाया गया कि वह कूलों और द्रेनिंग केन्द्रों में दाखिल हों. किसी पेशे और उनकाती कामों में हिस्सा सेने बाली औरतों के खिलाफ रोगों की जो बुरी घारना है, उसके खिलाफ यूनियन लड़े.

(4) अधिकारियों ने रहने सहने के लिये को आपरेटिय यात बना हिये और बेघर बार औरतों और देहात से प्रहर में आने बाली औरतों को घर मुहैया किये. यही श्रीरतें ज्यादातर वेश्या का पेशा अपना लेती थीं.

(5) वेघर बार बच्चों और बच्चिनों की रज्ञा के

क्षेत्रे फ़ौरन क़ानून क्षागू किये गए.

(6) लोगों में जामित लाने के लिये एक प्रचार इन्दोलन चलाया गया. विचार या कि सारा राश्ट्र वेश्या नि चौर गुष्त रोगों के खिलाफ चठ खड़ा हा चौर सबके इहयोग से इन बुराइयों का खातमा किया जा सके.

इन क्रान्नों से भी ज्यादा लाभ नहीं हुआ। राज के प्रांचकारियों ने सोच विचार कर देखा कि जब तक ऐसे गिग मीजूद हैं जो इस पाप से रोजी कमाते हैं उस वक्त कि वेरपाओं का खातमा नहीं हो सकता. क्योंकि औरतों मि बोड़ी सी भी कमजोरी से कायदा उठाकर यह लाग कहें इस पेरो में फँसा देते हैं. केन्द्री सरकार ने एक दूसरा अनून पास किया जिसके जरिये इस पाप के द्वालों पर शीधा इमका किया जाना सुमकित हो सका—

(1) चार के ज्ञाने में पुलिसवाले वंश्याओं को तरह हिंदू से तंग किया करते थे. अब कानून के ज़रिये पुलिस इंक्समों और कानून दोनों से वह साधन खतम कर दिये ए जिनसे वेश्याओं का तंग किया जाना मुमकिन था.

(2) एक जनरदस्त सदाई उन लोगों के खिलाक इस गई जो बेरया काम से सीधे या नासीधे कपया कमाते इस सम्बन्ध में मुकामा सरकारों को कड़ा उल अल्ति-हर करने का हुक्म दिया गया.

(3) तमाम डाक्टरों और दवाओं की आसानियाँ सब तेगों का जो भी गुप्त रोगों से दुखी थे मुकत मिसने सगीं.

मिलेरिया बाले नए कानूनों की स्प्रिट न समक सके.
व्यों के गोरलकन्दे में फंस कर रह गए. जासिए सोवियत काला को इस काम के खास कायदे बनाने पड़े. मिलेक्षा का काम सारे ऐसे स्थानों का पता सगाना ठहराया मा जहाँ ऐसे काम कराए जाते थे. इस काम से किसी रह का भी सन्धन्य रखने बाजों को कड़ी सका देना तय बाजों को कड़ी सका देना तय बाजों के कड़ी सका देना तय का ऐसे घरों के मालेक। को जादमा का ब्वोपार करने बाजों ने ठहराया गया. सिकेरिया को दिहायत की गई

(2) ملک میں بینائی فولی پیرزائی کا آیک بھی معامی سرناروں کو یہ بعایا گیا کہ کرآپریٹر فیکٹری اور قارم کورلے جالیں جس سے یہ سہارا استریرں کو کام مل سکیے۔

(3) تمام عورتین کو حوصات دالیا گیا که وہ اسکولوں اُور تریقفگ کیفدروں میں داخل ہوں ، کسی پیھیے اور صفعائی کاموں میں حصہ لیفی والی طورتوں کے خلاف لوگیں کی جو بری دعارنا ہے اُس کے خلاف یونین لڑے ،

(4) ادھوکاریوں نے رمانے سہلے کے لئےکوآپریائو استھان یقا دیگے آور ہے گھر بار عورتیں اور دیہات سے شہر میں آئے والی عورتیں کو گھر مہیا کئے ، یہی عورتیں زیادہ تر ریشیا کا بیشتہ اینا لیعنی تھیں ،

(5) ہے گھر ہار بحوں اور بجھوں کی رکشا کے لگے قوراً قانون لاکو کلے گئے ،

(6) لوگوں میں جاگرتی لانے کے لئے ایک پرچار آندولن چلایا گیا ، وچار تھا کھ سارا راشتر ویشیا پن اور گیت روگوں کے خلاف آتھ گھڑا ھو اور سب کے سپھوگ سے اِن برائیوں کا خاتمہ کیا جا سکے .

اِن قانونوں سے بھی زیادہ قابہ نہیں ہوا ۔ راج کے ادھیکاریوں نے سوچ بچار کو دیکھا کہ جب تک آیسے لوگ مرجود میں جو اِس پاپ سے روزی کماتے میں اُس وقت تک ویشھارں کا خاندہ نہیں ہوسکتا ۔ کیونکہ مورتیں کی تھوڑی سی بھیکمؤوری سے قائدہ اُتھا کو یہ لوگ اُنھیں اِس پیشے میں بھٹسا دیتے میں ۔ کیندوی سرکار نے ایک دوسرا قانوں پاس کیا جسکے ذریعے اِس پاپ کے دلائوں پوسکا حملہ کیا جانا ممکن ہوسکا ۔۔۔

(1) زار کے زمانے مہی پولیس والے ویشاوں کو طرح۔ طرح سے تلگ کیا کرتے تھے ۔ آپ قانوں کے ڈریجے پولیس کے کاموں اور قانوں درنوں سے وہ سادھی خاتم کو دیائے کائے جی سے ویشیاوں کا تلگ کیا جانا مندی تھا ۔

(2) ایک زبردست لوائی ان لوگوں کے خلاف چھھڑی گئی جو ویشھا کام سے سہدھے یا نا سیدھے رویعہ لماتے تھے ، اِس سمبلدھ میں مقامی سرکاروں کو کوا رہے اختمار کرتے کا حکم دیا گیا .

کو جو بھی گھنٹ روگوں سے دکھی تھے مقت ملئے لکھیں۔ کو جو بھی گھنٹ روگوں سے دکھی تھے مقت ملئے لکھیں۔

ملیشیا والے نئے قانونوں کی اسپرت نه سمجه سکے ۔ آخر شہدرں کے گورکہ جملدے میں پہلس کر وہ گئے ۔ آخر سویت نرماتاوں کو اِس کام کے شاص قاعدے بقائے ہوئے ، ملیشیا کا کام سارے ایسے استہانوں کا پته لگانا تھیرایا گیا جیاں ایسے کام کرائے جاتے تھے ۔ اِس کام سے کسی طوح کا بھی سمجدھ رکھتے والیں کو کوی سوا دینا طے بھی سمجدھ رکھتے والیں کو کوی سوا دینا طے ہوا ۔ ایسے گھروں کے مالکوں کو آدمی کا بھیرار کرنے کی گئی گئی

वास विके स्थास वह है कि देवी हरका हैना है जान जिससे मरों की भी पाप करने की आजाही में बचावद पैदा हो कसी विद्यानियों ने इस मसके को लूप समम्म किया था. कियों को उन्होंने सताया हुआं करार दिया और हालाद बर्कने में कम गये जिस से औरतें समाज के कारवाबार और जुक्म से खुद हुटकारा पाकर अपना सहाबार डैंवा ले जा सकें.

खार युग में दो तरह के कार्ड तमाम रिवाबा में तक मीम किये जाते थे. एक सफ़ेर कार्ड दूसरे पीछ कार्ड सिर्फ सफ़ेर कार्ड वाले नागरिक माने जाते थे पांछ कार्ड वाले नहीं. वेश्याकों को पीले कार्ड दिये जाते थे एक मरतवा जिसे पाला कार्ड मिल जाना था फर उनको सफ़ेर कार्ड कमी नहीं मिलता था. एक दका भटक जाने पर मारी जिन्द्गा के लिये तीवा प्रायश्चित के द्रवाजे वन्ध्र होजाते थे.

नए इस में पंति कार्ड की प्रथा को मिटा दिया गया. सब जीरतों को, षाहे वह काई भी काम करती रही हों, इसाका नागरिक मा किया गया कानून पास किय गये जिसके जारये क्रियों को माली, समाजी जीर राजकाजी छाजादी दी गई. पर इससे वेश्यापन के मिटाने में कोई जास कामयानी नहीं हुई.

सन '21 तक जिन्सी गद्दक्षी और बढ़ गई. बन्युनिस्ट नेता चुप नहां बैठे. सन' 23 में सवाता का एक बहुत तैयार क्या गया जा हर हरते, हर बग का औरतां के पान मेजा गया और यह यकीन दिला दिया गया कि अनके जवाब गुप्त रक्खे जायँगे. जवाबों के देखन से पता बता कि पेरो बाली और गैर पेरो बाजी औरतों में काई ज्यादा फरक नहीं है. एक सवात के जवाब में बहुत सा आरतों ने, जिस में क्यादा और कुँआर। दोनों शाःमल थीं, यह उत्तर मेजा कि ज्यादातर सूरनों में उहीं ने प्रेम के बजाय दूमरे क रनों स जिन्सी स्वन्ध में भाग खिया है. ज्यादातर औरतों ने बिना पूछे भी यह लिखा कि अगर उन्हें राजा रोजनार की गारन्टी हो जाय तो वह इस गन्दे पेरो में हर्गाज न रहेंगी.

सन् '25 में सोवियत सरहार ने एक कानून पास किया जिसके बतुसार नाम जिस्ते काम किये गए—

(1) मिलेशिया यानी वालं टबर, द्रेड यू नेयन की सहायता से हर तरह इस बात की रोक थाम करनी कि कोई मजबूरी या नौकरी करने वाली औरत अपन काम से न हटाई आब बानी किसी मी परिस्थित में अपने पैरों पर जबा खुंबारी सक्षकियों का, गर्भ (इसल) वाली औरतों को, बन औरतों को जिल के झांटे वक्चे हों और नौजवान तर करा है जो अपन कुटूका के साथ न रहती हो, जाम से हरिनेक लोकर न किया आब.

جال بلکه سوال یہ ہے کہ ایسی جالت پہوا کی جائے۔ وس سے مردوں کی بھی باب کرنے کی آزادی مهر رکاری پہتا ہو ، روسی رکھانیوں نے اس مسکلے آئے خرب سمجہ لیا تھا ، استریوں کو اُنہوں نے ستایا موا فرار دیا اور حالات بدلنے میں لگ لگے جس یہ گاؤرتیں سماج کے اتھاجار اور ظلم سے خود چھانکوا یاکو ایقا سداجار اُرنجا نے جاسکیں ،

واو یک میں هو طرح کے کارڈ تمام رهایا میں تقسیم کیے ہواتے تھے ، ایک سفید کارڈ دوسرے پیلے کارڈ ، صرف سفید کارڈ والے ناگرک مالے جاتے تھے پیلے کارڈ والے ناگرک مالے جاتے تھے ایک مرتبه جسے پیڈ کارڈ مل جاتا تھا پہر اس کو سفید کارڈ کیھی نہیں ملکا تھا ، ایک دفعہ بہتک جانے پر ساری زندگی کے لگے توبہ پرایشجوت کے دورازے بلد هوجاتے تھے .

نگے روس میں پہلے کارہ کی پرتھا کو مگا دیا گھا ،
سب مورتوں کو جاھے وہ کوئی بھی کام کرتی رہی ہوں ' روس کا
گاڑی مان لیا گیا ، قانون پاس دئے گئے جسکے ڈویعے
آسٹریوں کو مالی سماجی اور واج کاجی آزائی دی گئی ،
ہو ایس سے ویشیا پن کے مگائے میں دوئی خون
امیابی ٹییں ہوئی ،

سن 21 تک جنسی کوری اور بود گئی، کیونستانیتا بھی نہیں بیٹیں ہیٹی سن 23 میں سوالوں کا ایک جاتھا تھاو کیا گھا جو در درجے در ورگ کی عورتوں کے پاس بھیجا گھا آور یہ یقین دالیا گھا کہ اُن کے جواب گیت رکھے جاٹیں گئے ، جواب گیت رکھے جاٹیں گئے ، جواب گیت رکھے جاٹیں گئے ، جواب گیت والی اور فیر پیٹھے والی عورتوں میں کوئی زیادہ فرق نہیں ہے ۔ ایک بیوال کے جواب میں بہت سی عورتوں نے ' جس میں بیوال کے جواب میں بہت سی عورتوں نے ' جس میں بیادی اور کلواری دونوں شامل تھیں' یہ اُٹر بھیجا کہ زیادہ تر عورتوں سے تو میں آنہوں نے بریم کے بجائے دوسوے کارنوں سے تو میورتوں میں بیاگ لیا ہے ۔ زیادہ تر عورتوں نے پیٹیا ہوجھے بھی یہ لکھا کہ اگر انہیں روزی روزگار کی گرنگی پیٹیا ہوجھے بھی یہ لکھا کہ اگر انہیں دوری روزگار کی گرنگی ہیں۔

بین 25 میں سہریت سرکار نے ایک قانون پاس گیا ۔ جسکے آنوسار نہجے لکے کام کئے گئے۔۔۔

1) ملھھیا یعلی والنائیو' ٹریڈ یونین کی سہایاتا ہے ھو طور اس بات کی روک تہام کرے گی کہ کوئی مودوری بات اپنی پرسائے یملی کام ہے نہ مائی ہوائے یملی کسی بھی پرسائی میں آئے بھروں پر کموں کلواری لونھوں کو گوبہ (حمل) والی مورتوں کو جاتے ہمائی بھی طور اور نوجوائی لونھوں کو جو اپنے نامین کے مائی بھی طور کام ہے جرگو الگ نہ کہا جائے۔

असूनों के व्याचार पर इनसानी नरत को ढासना था. दूसरे मैहानों में बनके कारनामों से इस समय हमें मतलव नहीं है. बाइये देखें जिन्मी गड़बड़ी, बेरयायन, पेट गिराना, शराब पाना बरौरा मैदानों में रूस वालों ने क्या किया. 'क्या किया ' से जयादा हमारे लिये ' कैसे किया ' महत्व की चीज है. यह बुराइयाँ हर देस में हैं, हमारे देस में भी हैं. जब तक इनसे छ्रटकारा न मिलेगा, मानव समाज में सदाचार का स्तर नहीं ऊँचा हो सकता !

सोवियत विकानियों ने तारीख़ के पनने बलट डाले. एजीपैथी की तरह उन्होंने महे रोग का इलाज करना नहीं शुरू किया बल्कि यूनानी और वैश्वक की सरह पहले रोग की जड़ म। सूम करने में लग गए, बन्होंने देखा कि असली समस्या माली और समाजी है और यह कारमुला निकाला कि " पति पत्नी को एक इसरे के सम्बन्ध में बानकारी और उनके भीम में लगातार बढ़ीती ही वह नीब 🕏 जिस पर असली सदाबारी समाज खड़ा किया जा सकता है." यह मक्कसद उन्होंने अपने सामने रक्ला. रास्ते नए नए अख्तियार किये लेकिन मंखिल से कभी नजर नहीं हटाई.

जब पाकर वह लोग इलाज पर बट गए चनका इलाज खाडिरी रोग अच्छा करने के लिये नहीं या बल्कि उस सिस्टम को अच्छा करने के लिये था जिसने यह रोग पैता कर दिया था. दूसरे मुल्कों में सिस्टम का इलाज करने के बजाय रोग का इलाज किया जाता है. कभी रोग अच्छा तो हो जाता है लेकिन जब पलटा लेता है तो और भयानक

रोग अपने साथ लाता है.

कम्यु नेस्ट राज के निर्माता इसी नतीजे पर पहुंचे कि जब तक औरतों को पूरी माली, समाजी और राजकाजी काजादी न हो, की पुरश सम्बन्ध केवल प्रेम के काधार पर होगा ही नहीं और अब तक यह बात नहीं होगी तब तक जिन्सी सदाचार भी ऊपर नहीं उठ सकता. दूसरे मुल्कों में ऐसे क्रानून तो जरूर हैं जिन के अनुसार किसी की की इच्छा के विकाफ उसकी शादी करने वाले को सजा मिल सकती है लेकिन ऐसा कोई का तून नहीं है जो परिस्थितियों को इस तरह बदल सके कि वह सियां खुद ही अपनी इच्छा के खिलाक किसी दूसरे मोद में पड़कर शादी करने पर मजबूर न हों. कानून की किताबों में तो औरतों को माली. समाजी आजादा है लेकिन अमल में मामला उलटा है. बेकारी मजबूर हैं कि अपनी अन्तरात्मा को घोडा हैं. खियों की आवादी का मतलव बहुत से देसों में यही सममा गया कि क्षियों को भी पाप करने की आजावी मदों के बराबर मिल जाय. इसी नकल में शराब पाना, सिगरेट पीना बरौरा बुर काम भौरतों ने शुक्र कर दिये सवात यह नहीं है कि भौरतों को भी पाप करने की आजादी अधिक देवी

ين لا اهم ۾ اسال سال بر تونا جي س استعالوں میں انکے کارناموں سے اِس سے علیہ للب تيون ۾ . آئي ديکهين جلسي گريوي وههايي ف قرالًا شراب يهذا وقيره مهدانين مين روش والرس في كها . " كها كها بن وياده هماون لك " كهس كها " سيالو چهر ها ، یه براثیان هر دیس مین هین هماری دیس ں بون میں . جبتک اِن سے چھٹکارا نہ ملے کا مانو اج مهن سداهار کا اسعر لهبن أوتجا هوسکتا آ

سوویت رکیانیوں نے تاریع کے بھا الت ڈالے ، ایٹو نہی کی طرح آنہوں کے جہت روگ کا علیے کرنا نہیں رع کیا بلکه یونانی اور ریدک کی طرح پہلے روگ کی معلوم درنے میں لگ گئے . أنهون نے دیکھا که اصلی سها مالی اور سمایی هے اور یہ قارسولا نکالا که " پتی ی کو ایک درسرے کے سمعلدہ میں جانکاری اور اُنکے م میں لٹاتار پوھوتی ھی وہ نیو ھے جس پر اصلی أجاري سماير كهوا كها جاسكتا هي " يه مقصد أنهس لم ساملے رکھا ، راسعے نئے نئے اختمار کئے لیکن ملول کیھی نظر ٹھیں ھٹائی ۔

جو پائر ولا لوگ علم پر ڈٹ گئے . اِن کا علم ظاهری ے اچھا درنے کے لئے تبھیں تھا بلکھ اُس سسٹم کو اچھا کیلئے تھا جس نے یہ روگ پیدا کردنیا تھا ، دوسرے س میں سستم کا علاج کرتے کے بنجائے روگ کا علاج کہا ا هے . نبهی روگ اچها تو هوجاتا هے ليکن جب بلقا ا هے تو اور بهیانک روگ ایے ساتھ لاتا ہے .

کمیونست راج کے نرماتا اِسی نالیجے پر پہلچے که تک مورتوں کو پوری مالی سماجی اور راج کاچی م ته هوا استرمي پرهي سمملده کيول پريم کے آدهار مرکل می نہیں اور جیتک یہ بات بہیں موگی تبتک سي سداچار يهي اوڀر نهون اُٽه سکتا ، دوسن ون مهن ايسيه قانون تو ضرور ههن ، جلكه انوسار ا استبی کی انجها کے خلاف آس کی شادی والے کو سوا مل سکتی ہے لیکن ایسا کوئی ن نہیں ہے جو پرستهتیوں کو اس طرح بدل سکے که متریاں خود هی ایلی اچها کے خلاف کسی درسرے میں پوکر شادی کرنے پر مجمور نه هوں . قانون کی بن مین تو مروتین کو مانی، سماجی آزادی فی لیکن عمل معامله الثا نهي پرهاري مجهور هيس ده ايلي آتما کو محولا دیں۔ اسعریوں کی آزادی کا مطاب سے دنیسوں میں یہی سمجھا گیا که استریس می یاب عرق فی آوادنی مردوں عے برابر مل جائے ، نقل مهن غراب بهناء ساريت بها واجرا ارم اتن لے عودہ کو مولی ، جوال یہ میدن کے که ں کو بھی وقت ہوتے کی السی لیمک دے دی

ते. बिसी ने कहा इस में अवाधार की सतम किया जा हा है, कोई बोसा रूस में कियाँ रारट्ट की मिलकियत बना जायँगी, किसी ने बाँग दी कि रूसी क्याह की प्रथा कठा के सौर सरकारी संस्थाओं के ज़िर्दिय कच्चे पैता करायँ गे. र शक्यों के माँ बाप का पता निशान भी न मास्म होगा. स की बात यह हैं कि यह तसत धारना कम्युनिकम के र अब भी मँदी जाती है और खास कर वन देसों ज़रिये जो खद गंदगी में फँसे हुए हैं. सेनिन का चे सिसा बयान इन तसत धारनाओं का ज़बरदस्त वाद है—

" बेशक व्यास सुमानी चाहिये. लेकिन एक तम्द्रवस्त ादमी अच्छी हालतों में क्या परनासे में लेट जायना और त्वा पानी (पथेगा ? और क्या कोई आदमी उस गिलास पानी पियेगा जिसको बहुत से कोगों ने फूटा कर दिया ? समाजी पहल इन सब बातों से भी अधिक महत्व का पानी पाना एक निजी मामला है लेकिन वासना को माने में दो जिन्द्गियों का सम्बन्ध हो जाता है और एक सरी नई जिन्दगी पैदा होती है. यही जिन्दगी वासना । एक समाजी रूप देता है और समाज की तरफ अपने र्ज के पालन का आदेश देती हैं. कम्युनिस्ट होने के नाते रों बराबर भी मेरी इमदर्दी " पानी का गिलास " वाली रिना से नहीं है हालाँ।क लोग इसे " प्रेम छित " का भावना नाम देते हैं! मेरे सिये वासना की आजादी न इ जीज है जार न कम्युनिस्ट है. शायद जाप लोगां को द हो. पिझली सदी क बाच में "दिल की आजादी" म से इस चीज का प्रचार रोमांचक साहित्य में किया या था. उस समय आज के मुक्ति में प्रचार ज्यादा मक बुक्त से किया जाता था, अमल के बार में मैं कोई सला नहीं दे सकता."

तेनिन से पूछा गया कि जिन्सी (सेक्सुअल) आजादी । विराध कहाँ तक किया जायगा र असने जवाब दिया, में अपने विरोध से हमेशगी के कुँजार पन का प्रचार हीं करना वाहता. विलक्ष नहीं. कन्युनिजम रूखे पन के जाय जीवन का आनन्द, जिन्दगा की तक्प लायगा और तन्सी मानों में तुष्त या आसूदा जीवन इन वीं की ने में सहायक होगा. मेरे विचार में जिन्सी आजादी पर जोर आज कल दिया जा रहा है वह न तो आनन्द । ता है और न जिन्दगी में तक्प पैदा करता है बहक जीवन । । नन्द और तक्प छीन सेता है. इस इनक्साय के युग में ह बेहद सुरी बात है. '?

तोग कुछ भी कहें, पर कम्युनिस्ट राज कायम करने तो के सामने यह राजत धारनाएँ नहीं थीं. कम्हें सूख बालों । सत्ताबार बभारना था. उन्हें न सिर्फ आर्थिक आधार र एक सवा मानव समाज तैवार करना वा वरिक साइन्सी

" بے شک پہاس بحہانی چاھئے لیکن آیک تلدر ست آیمی اُچھی حالتیں میں کیا پرنالے میں لیت جائے گا ارد کلدا یاتی یکے کا ؟ اور کہا کوئی آدمی اُس کالس سے یائے بئے کا جسکو بہت سے لوگوں نے جہوٹا کر دیا ہے ؟ سماجي پهاو اِن سڀ باتوں سے بھی اُدھک مولاو کا ھے . باتى بهذا أيك نجى معامله هر لهكن وأسفا كو بجهاني مهن دو زندگیوں کا سمیندہ هوجاتا ہے آور ایک تهسری نگی زندگی پهدا هوتی هے . یهی زندگی وأسعًا كو ایک سماجی روپ دیدی ہے آور سماج کی طرف ایے قرض کے ہالی کا آدیش دیتی ہے . کمیونست هونے کے ناتے ڈوہ ہواہو بھی مہری همدردی '' پانی کا گلاس '' والی دھاڑنا سے نہیں ہے حالانکہ لوگ آسے '' پریم تر یعی '' کا لبھاونا نام دیتے میں ! میرے لئے راسنا کی یہ آزادی نه نئی جیز هر أور نه كميونست هي. شايد آپ لرگون كو ياد هو' يجهلي صدى كے بيچ ميں " دل كى آزادى " نام سے اِس جهنز کا پرچار روماندیک ساهتیه میں کیا گیا تھا ، اُس سے آجکے مقابلے میں پرچار زیادہ سمجھ برجھ سے کیا جاتا تھا؛ عبل کے ہارہے میں میں کوئی فیصلہ نہیں دے ". lea

لهذن سے پوچها گیا که جذسی (سکسول) آزادی کا وردھ کہاں تک کیا جائے گا؟ اُس نے جواب دیا۔ '' میں آئے وردہ سے همیشگی کے کلوار پن کا پرچار آئیس کرنا چاهگا ۔ بالکل نہیں ۔ کمیونزم روکھے پن کے پیچائے جیون کا آنلد' زندگی کی توپ لائے گا اور جلسی معلی میں تربت یا آمودہ جیون اِن چیزرں کو لائے میں سپایک ہوگا ۔ میرے رچار میں جذسی آزادی پر جو زرر سپایک ہوگا ۔ میرے رچار میں جذسی آزادی پر جو زرر آئے کل دیا جا رہا ہے رہ نہ تو آنلد لاتا ہے اور نه زندگی میں توپ پیدا کرتا ہے بلکہ جیون سے آنلد اور توپ چھیس نید ہے حد بری المکا ہے ۔ اِس انقلاب کے یک میں یہ ہے حد بری بات ہے ۔''

لوگ کتھ بھی کہوں' پر کمھونسٹ واچ قائم کرنے والوں کے سامنے یہ فاط دھارنائیں نہیں تھیں۔ اُنھیں ووسی والوں کے استاجار اُبھارنا تھا۔ اُنھیں نہ صوف آرٹھک آدھار پر ایک نیا مانو سماج تھار کرنا تھا۔ بلکھ سائلسی

रूस में सदाचार (माई मजीव रिजवी)

(1)

सदाचार यानी इसलाक पर हजारों मन सियाही और लाखों मन काराज खर्ज किये गये हैं. तरह तरह के विचार शकट किये गए हैं. सदाचार साधन है या साध्य, रास्ता है या मंजिल इस पर भी बात के बतंगड़े हुए हैं. हमें उन बहुमों से मतलब नहीं है. वेखना यह है कि बालिर जनता सदाचार शब्द किन अर्थों में इस्तेमाल करती है. जनता के सामने इस शब्द के अर्थ हैं—चोरी, बदमाशी, बेईमानी न करना और की पुठश सम्बन्ध में समाज के अच्छे बंधनों का पालन करना. इसी अर्थ में इम इस शब्द पर रोशनी बालते हैं और देखते हैं कि कहाँ तक सोवियत कस ने अपने यहाँ के लोगों के सदाचार को जपर उठाया है ?

सन् 17 के रूसी इनकलान के बाद आजीव हवा जल पड़ी. इनसान उन चीकों की कीमत कैसे समक सकता है जिन पर उसको सोचने का मौका ही नहीं मिलता. अत्या-चारों में पिसे और रोजी के लिये धींगा-मुशती करते हुए आवमी को असल में सोचने का कोई मौका ही नहीं मिलता. जब ऐसा इनसान चभरता है तो हर चीज को अपने उत्पर जुल्म का साधन समम कर तोड़ने की कोशिश करता है. रूसी इनकलान के शुरू में यह होना क़द्रती नात थी. कुछ नीजवानों और बुद्धिजीवियों ने सदाचार को अमीरों का चींचला कहना शुरू किया. कार्ल मांक्स के नारे "तम्हारे पास है ही क्या स्त्रोने के लिये सिवाय अपनी 'जजीरों के '' का कर्थ इन सक्जनों ने यह लगाया "तम कुछ नहीं खोकोगे सिवाय अपने ऊपर समाजी बंधनों के " जिस तरह यह सोग सममते थे कि फैलम की एक हरकत से लेनिन सोशिलस्ट राज कायम कर देगा जिस में कोई भी बीज पाजाना मुशकिल न होगा, उसी तरह इन लोगों ने तरह तरह की और भी रालत भारनाएँ फैलाडी, लोगों को बताया कि स्त्रीपुरुश सम्बन्ध बहुत सीधा साधा है. शुक् लगती है लाना का लेना चाहिये, प्यास सगे पानी पीना चाहिये भीर वासना कोर करे तो उसे भी पूरी कर क्षेत्रा बाहिये. पर इन बातों का कार्ल मार्क्स या कम्युनिजम के असुलों के साथ कोई सम्बन्ध नहीं था.

इन कोगों की रालवियों का नतीजा यह हुआ कि हुआ में बेरवापन वह गया. मली औरलों में भी एक दरजे वह-चलनी फैल गई. रूस विरोधी इसकों को चिल्ली पुकार का सीका मिल गया. काशी जी शहर के बन्देरी से दुवले होने

روس میں سدا چار

(بهالی مجهب رضوي)

(1)

سدا چاریعتی اخلاق پر هزارس من سیاهی اور لاکهوس کف خرج کئے گئے هیں ، طرح طرح کے وجار پرکت گئے بس ، سداچار سادهن ہے یا سادهیم استه هے یا منزل پر بھی بات کے بخلکوے هوئے هیں ، همیں آن بحدار طلب نہیں ہے ، دیکھنا یہ ہے کہ آخر جلاتا سداچار کن ارتھوں میں استعمال کرتی ہے ، جناتا کے سامئے شبد کے ارتھ هیں سحیدہ میں سماج کے اچھے بندهنوں کا کرنا ، اسی ارتھ نہیں هم اِس شبد پر روشنی کرنا ، اِسی ارتھ نہیں هم اِس شبد پر روشنی بھیں اور دیکھتے ہیں کہاں تک سوویت روس نے بھی اور دیکھتے ہیں کہ کہاں تک سوویت روس نے بھی کے ارتھایا ہے ؟

سن 17 کے روسی انقلاب کے بعد عجهب هوا چل پوی . ن أن چيزوں کی قيمت کيسے سمجه سکتا هے جن يو کو سوچنے کا موقع هی نهیں ملتا . اته چاروں میں أور روزی کیلئے دھیڈکا مشتی کرتے ہوئے آدمیٰ کو اصل ، سوچنے کا کوئی موقع هی نهیں ملتا . جب ایسا ن أبهرنا هے تو هر چهؤ كو الله اوپر طلم كا سادهن عهاد توریے کی کوشش کرتا ہے ، روسی انقلاب کے شروع ا يه هونا قدرتي يات تهي . كچه نوجوانون اور يدهي یوں نے سداچار کو امیروں کا چونجله کہنا شروع کیا . مارکس کے تعربے '' تمہارے پاس ہے عبی کھا کھولے نے سوائے' اپنی زنجیورں کے'' کا ارتبہ اِن سجنوں نے یہ "تم کچه نهیں کھوؤ کے سوائے آیے اوبر سماجی بادعتوں ' جس طرم یه لوگ سمجهی ته که قلم کی ایک ت سے لیلن سرشلست راہ قائم کر دے کا جس میں يهي جهو ياجانا مشكل نع هوكا أسي طرح إن لوكس لم ا طرح كي أور يهي غلط دهارتائين پهيلا دين . لوكون تایا که استری درش سمینده بهت سیدها سادا هے . الكتني هے كهانا كهائينا چاهيے عياس لكے بانى بهنا ئے اور واسفا زور کرے تو اُسے بھی پوری کر لینا جاھئے . ن باتوں کا کارل مارکس یا کمھو فزم کے اصولوں کے ساتھ ے سیلدھ نہیں تھا ۔

ان لوگوں کی فلطھوں کا تغینچہ یہ ہوا که روس میں یا ہن ہود گیا ۔ بھلی مورتیں میں بہی ایک درجے بدچلتی یا لگی ۔ روس ورودھی حلتیں کو جلی یکار کا موقع گیا ۔ قالمی جی گھور کے اندیشے سے دہا۔ ہوتے

स्फ्रियों की संगत में

मेरे एक दोस्त के यहाँ एक दका एक सूकी मेहमान ठहरे हुए थे. उन के बारे में मैंने ऐसा सुना था कि चार्कास करस तक उन्होंने एक जंगल में एक दरखन के नीचे रह कर खामोशी की साधना का थी. एक दिन उन पर प्रमू की कृपा हुई चौर उनकी कान्दर की चांखें मीर उनकी दिल की गांठें सब खुल गई. इम लिये जब कमी उन से कोई पूछता—'' साहबे मन! चाप चपनी साधना का मन्तर तो बताइये." ता जाप जवाध में करमाते—'' चन्दर और बाहर सं खुप रहने की कोशिश करो जब तुम खुप रहना साख जांजाने तो वह जो हर जगह मौजूद है, बाहर और मीतर भं, बोलना शुरू करगा. अब तो तुम उस बोलने का एक मीका तक नहीं रते.''

पक शाम में उन ी सूकी साहब से मिलने गया आप हुन्का पा रहे थे. आप के इवं गिर्द फरश पर एक हिन्दू, एक मुसलमान, एक पारखी और एक ईसाई साहबान बेठे हुए थे. सूकी साहब की आंखें बन्द थीं. मगर उन से जो मिलने आर ये उनकी आखें खुली थीं और सूकी साहब के बमकते वहरें पर जम हुई थीं.

यकायक बरसात होने लगी. मगर कुछ देर के बाद बरसात रुक गई. तब सुकी साहब ने अपनी आंखें खोलीं भीर सब पर अपनी करम हु।। की किरन डाल कर बोलने क्षगे-- ' अभी ही बरसात पड़ी थां. वह तो मालिक का द्या की बरशात थी, किसी समन्दर के किनारे पर बरसी सं जो एक सीप बरसात के एक क्रतरे के इन्तजार में था भाज उसके दिल का मुराद पूरा हुई होगी. बरसात का एक कतरा उसक मुँह में पड़ा हागा भार वह अब एक मोना बन गया होगा. लेकिन हम सब पर महिलक की दया की बरसात क्व पड़ेगी ? सगर पड़े भी कैस क्योंकि हम सारा दिन ऐसी दीइ धूप में क्षगे रहत हैं कि हमें चुपचाप बैठ, कर रन्तकार करना आसा ही नहीं और न ऐसा करने की क्मो खनाहिरा हो होती है. खनायम्ब ताला से दुका करना यानी खनावन्य ताखा का इन्तजार करना है. मगर तुना भी तो कोस करना नहीं चाहत. वह तो काम के कैदलाने में या तो बम्द रहते हैं और नहीं तो वाम के बाम में फॉसे रहत हैं. "

इतना कहकर सूकी साहब की आँखें फिर बन्द होगई. इद होगई कहीं नहीं, धयन दिलकर के दीदार के किये वह खुल गई क्यों के दिलकर को तो सिफ बन्द आँखों से हा देखा आहा है के ऐसा है सहाती क्षित्र का कारस्सा।

صوفیوں کی سنگت میں (بہائی ک.م.)

مهرہ ایک دوست کے بہاں ایک دفعہ ایک صوفی اہمان تہہرے هوئے تھے ، اُنکے بارے مهن مهن ہیں ایسا سقا با که چالیس بوس تک اُنہیں نے ایک جانگل میں ایک برخت کے نہیجے رہ کر خاموشی کی سادھا کی تھی ۔ یک دن اُن پر پربہو کی کریا هوئی اور اُن کی اُندر کی مکھیں اُرو اُنکی دل کی گانٹھیں سب کہاں گئیں ۔ اُس کے جب کہیں اُن سے کوئی پوچھتا۔" صاحب من اُن یا پنی سادھا کا ملتر تو بتایئے ۔" تو آپ جواب میں ارماتے۔" اُندر اور باهر سے جب رهنے کی کوشش کرو ، برماتے۔" اُندر اور باهر سے جب رهنے کی کوشش کرو ، بہت تم جب رهنا سیکھ جاؤئے تو رہ جو هر جگه موجود ہے ' باهر اور بهیتر آپئی' بولنا شروع کرے گا اُب تو تم لے پرلیے کا ایک موقع تک نہیں دیتے ۔''

ایک شام مهن آن هی صوفی صاحب سے ملئے گیا . اپ حقد ہی رہے تھے . آپکے اردگرد فرش پر ایک شدو' ایک مسلمان' ایک پارسی اور ایک میسائی صاحبان بہائے شوائے تھے . صوفی صاحب کی آنکھیں بقد تھیں . مگر آن سے جو ملئے آئے تھے آنکی آنکھیں کہلی تھیں اور صوفی صاحب کے جمعائے چہرے پر جمی شوئی تھیں ،

یکایک برسات دوئے لکی ، مگر کچھ دیر کے بعد برسات رک کئی ، تب صوفی صاحب نے آبدی آنکھیں کهوایس اور سب بر ایشی کوم کریا کی کرن ڈالکر بولنے لكر أبهى هي برسات يوى تهي ، ولا تو مالك كي ديا کی برسات تھی کسی سمندر کے کنارے پر برسوں سے جو ایک سیمی برسات کے ایک قطرے کے انتظار میں تھا آج أَسَ كِينَالَ فَي مَوَادَ يَوْرِيهُونِيهُونِي ، يُرَسَّاتَ كَا أَيْكَ قَطْرًا اس کے ملہ میں ہوا ہوتا اور وہ آپ ایک موتی ہوں گیا ہوگا ، لیکن هم سب پر مالک کی دیا کی برسات کت ہوے کے ؟ مگر ہونے بھی کیسے کیولکہ هم سارا دن ایسی درو دھوپ میں لگے رہتے میں که همیں چپ چاپ بیتبکر انتظار کرنا آتا ھی نہیں اور تھ ایسا کرتے کی کبھی خواھش ھی هوتی هے ، خدار د تعالی سے دعاکرنا یعلی خدا وند تعالیل لا انتظار كرنا هے ، مكر دما بهى تو لوك كرنا نهيں خامعى یں تو کام کے لید خانے میں یا تو بلد رہتے ہیں اور نہیں جو دام کے دام میں پہنسے رہتے ہیں ۔''

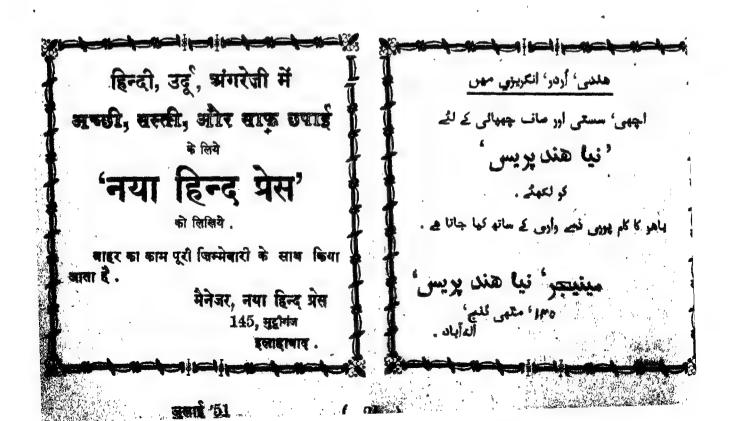
الله کیکو صوفی صاحب کی آنکییں یہر بلد ہوگئیں۔ بند ہوگئیں ؟ نہیں نہیں ' آپ داجر نے دیدار کیلئے وہ کیل گئیں ، کیونکہ ڈالبو کو تو صوف بند انکیوں سے ہی دیکھا جاتا ہے نہ ایسا ہے روحانی زندگی کا کرھنڈ!

DE 1 Miles

इस मज़इषे इमसानियत, उस मानद धर्म को कायम करना है जो सब अलग अलग दीन धर्मों की जद है, जो सब की तह में है, जो सब में बराबर मौजूद है और जो इन सब अलग अलग दीन धर्मों को एक दूसरे से मिलाता और उनका नाता जोड़ता है. दुनिया की वही कलपर सब से कॅबी और अच्छी होगी, जिसे सब दीन धर्मों की बुनियादी एकता में और सब इनसानों के एक कुदुम्ब कुनवा होने में सच्चा विश्वास हो।

हमने अपर हिन्दू और मुसलमानों की लास तौर पर बात कही है. लेकिन, हमें यह समक्त लेना चाहिये कि और भी जितने दीन धर्म हिन्दुस्तान में हैं, उन सबके मानने बालों की मदद की हमें ज़रूरत है. और उन सब में हम वैसा ही मेल मिलाप और प्रेम चाहते हैं, जैसा कि हिन्दू मुसलमानों में. हिन्दुस्तानी कलचर का यही आदर्श यही मयार हमारे सामने रहना चाहिये. ज़ाहिर है कि उस तक पहुँचने के लिये हमें बहुत लल्बा रास्ता तय करना पड़ेगा. सेकिन हम अभी से उस रास्ते पर चलना शुरू कर सकते हैं. जगर हम एक एक कृदम आगे बद्ते रहें तो एक पड़ाव से दूसरे पड़ाब पर हम अपनी मंजिल के ज्यादा से ज्यादा नज़दीक पहुँचते जायँगे. ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि हमारा अव्हा, हमारा मयार हमारी आंखों से किसी वक्तत भी आंकल न होने पाए.

هم نے أوپو هندو أور مسلمانوں كى خاص طور پر بات في هـ . لهكن ' همهن ية سمجه لينا چاهئے كه أور بهى نئے دبين دهوم هندستان ميں ههن ' أن سبكے مانئے وں كى مدد كى همين فرورت هـ . أور أن سب ميں هم سا هى مهل ملاپ أور پريم چاهئے ههن ' جهسا كه هندو سلمانوں مهن . هنستانى كلچو كا يهى آدرش يهى معيار ارے سامئے رهنا چاهئے . ظاهر هـ كه أس تك پهنچئے الى همين بهت لمبا راسته طے كرنا پوے گا . لهكن هم لي سے أس راستے پر چلنا شروع كرسكتے هيں . أكر هم أيك قدم آئے بوهئے رههن تو ايك پواؤ سے دوسوے أو پر هم أينى منزل كے زيادة سے زيادة توديك پهنچئے الى ير هم أينى منزل كے زيادة سے زيادة توديك پهنچئے الى المهن همارا آدرهن ' الى معيار هماري آدرهن اس يات كى هـ كه همارا آدرهن ' الى معيار هماري آدرهن سے كسى وقت بهى أوجهل نه سارا معيار هماري آدرهن سے كسى وقت بهى أوجهل نه سارا معيار هماري آدرهن سے كسى وقت بهى أوجهل نه



की बीजों, जावियों, नसजों, दीन घरमों, होर तरीकों, धाबार विचारों और धालन धालन तबीयतों को मिलाकर उनमें पकता, मेल मिलाप और एक समन्त्रय पैदा करें और हर एक को अपनी अपनी अगह, अपने अपने बक्त पर और अपनी अपनी तरह से काम करने, फलने फूलने और दूसरों के लिये चपयोगी मुकीद साबित होने का मौका दें.

50.A.n. 高級學術學的學術學的學術學的學術。

काव मैं सारी बात को थोड़े से शब्दों में दोहराता हूँ. हर सभ्यता, हर कलचर में तीन बातें होती हैं— (अ) हर एक में ज्ञान का, साइन्स का विद्या का भाषा का एक मंडार होता है जिस में कुछ उसकी खास चीजें होती हैं और कुछ चीजें सब में एक सी होती हैं. हर कलवर के इस तरह के मंडार में जब और चेतन, मादा और रुद्ध के बेशुमार जहूरों और रंग रूपों में से कुछ एक दिखाई दे जाते हैं, (व) इर कलचर को अपने अलग अलग काम पूरे करने होते हैं, हरेक के अलग अलग आदर्श मवार, अलग अलग उत्साह उमंगें, अलग अलग जोश, अलग श्रलग हुनर और धंरे, श्रलग श्रलग श्रार्ट और कला, खेल तमाशे, इमारतें, शहर, पूजा के तरीक़े और दीन धर्म होते हैं (स) हर कलचर के रहन सहन के अपने तरीक़े होते हैं. राज काज के अपने ढंग, चाल चलन, व्योपार तिजारत, दूसरे देसों में जा कर बसना, दूसरे देसों को जीतना और अपने अपने कारोबारी ढंग होते हैं, जिस कलवर में यह तीनों बातें जितनी अच्छी और ऊँची होंगी उतनी ही वह कलचर ऊँची और महान होगी. किसी भी कलचर में ज्ञान का खजामा जितना ज्यादा होगा, उसमें जितनी तरह तरह की चीजें होंगी वह सब चीजें जितनी सोच समम कर होशियारी और समम के साथ जमा की गई होंगी, और लोगों के आदर्श मयार, उनके शौक, उनकी उमंगें, उनके जजशत जितने कॅंचे, जितने सुन्दर, जितने पाक होंगे भीर सबकी अलाई के ख़याल से भरे हुए होंगे, और लोगों के रहन सहन के तरीके जितने सुथरे होंगे, उनके के कारबार श्रीर ब्योपार जितने फैले हुए और दुनिया भर के सब आद्मियों की भलाई करने वाले होंगे, उतनी ही वह कलचर, वह सभ्यता बड़ी, महान, ऊँची, सुन्दर स्नीर देर तक टिकने बाली होगी. सब से ऊँची, सब से सुन्दर और सब से अञ्द्री तह्यीब वह होगी जिसने इस बातको समभ लिया हो, और इस पर अमल करना शुक्र कर दिया हो, कि दुनिया के सब आर्थिक यानी माली और राजकाजी यानी सिवासी मतादों का सिर्फ एक ही इकाज है और वह यह दें कि सारे इनसानी समाज को, दुनिया के सब भादमियों को एक साइनटिफिक निजाम, एक वैद्यानिक संगठन में काया जाय. सब साम्प्रदायिक फिरकेवाराना मगर्वों का भी भाकीर में बस एक ही इंसाज है, और बह With the state of the state of

اب میں ساری بات کو تھوڑے سے شہدوں میں دھواتا ن ، هر سههرها هر كلنچر مين تين باتين هوتي هين ---أب) هر ایک مهل گهان کا سائلس کا ودیا کا بهاشا کا ب بهندار هوتا هر جسمین کنچه اُس کی خاص چهزین نی هیں اور کچھ چیزیں سب یں ایک سی هوتی ههی . کلچر کے اِس طرح کے بہندار میں جو اور چیتن مادہ روے کے بے شمار ظہوروں اور رنگ روہوں میں سے کچھ ے دکھائی دے جاتے میں' (ب) مر کلچر کو آئے الگ الک کام ہورے کرنے هوتے هوں اور ایک کے الگ الگ رض معهار، الگ الگ أتساء أملكين؛ الگ الگ جوش؛ ف الك هذر اور دهندے؛ الگ الگ آرت اور كلا كهمل نھے ممارتیں' شہر' پوجا کے طریقے اور دین دھرم ھوتے ن . (ہے) هر كلچر كے رهن سهن كے الله طريقے هوتے س ، راج کاج کے ابد دهدك، چال چلن، بهوبار تجارت، سرے دیسوں میں جاکر بسقا دوسرے دیسوں کو جوہتا اليه اليه كاروباري تعدك هوته هيل . جس كلتجر ميل تهذوں باتھی جتنی اچھی اور اونچی ھوں کی آتنی می کلتچر اُولتچی اور مهان هوگی . کسی بهی کلتچر مهن ان كا خوانه جتنا زياده هوكا أس مهن جتنى طرح رم کی چیزیں هونگیوه سب چیزین جاندیسوچ سمجهکر شھاری اور سنچھ کے ساتھ جمع کی گئی ھونگی اور لوگوں آدره معيار أنك شرق أنكى أملكين أنك جُذبات الله أونجه ' جالم سفدر ' جالم باك هولك أور سبكى لائے کے خُھال سے بھرے ھوٹے ھونگے' اور لوگوں کے رھوں ہن کے طریقے جالے ساتھرے ھونگے' اُنکے کاربار اور بھربار عُقِے پھیلے هوئے اور دنیا بہر کے سب آدمیوں کی بھائی ئے والے هونگے؛ اُتقی هی وہ کلتچر' وہ سبهها ہوی' مہان' لنجهی استدر اور دبیر تک تکنی والی هوگی . سب سے نبچی، سب سے سلدر اور سب سے اچھی تہذیب وا ہوگی میں نے اس بات کو سمجھ لیا ہو اور اس کو مدل کرنا روع کر دیا هو که دنها کے سب آرتهک یعلی مالی آیر ہے کاچی یعلی سیاسی جهاروں کا صرف ایک علی علی اور وہ یہ ہے کہ سارے انسانی سماج کو دنیا کے سب مهوں کو ایک سائنٹنک نظام' ایک ویکھانک سلکٹھوں بس قلیا جائے ، سب سامیردانک فرقعوارنه جهگورل کا بي آهير ميں بس ايک هي علي هـ' 'اور 'وا

اخلق معلهار طور طريق أرف كلا كبريلو ولتألق أور سماجي جهون ورزي برسا دموتين جهرنارا مهاء تمافينا تیبھار اور چھٹھاں' سوگ کے دین اور خوشی کے دیں اُس سب کے ہارےمیں لوگوں کے اندر ایک سی اُمٹکٹوں اور ایک سے آدرهی معیار بیدا کئے جائیں ۔ اِن اُمنگرں کے بوھائے اور مضبوط کونے کے لئے اور لوگوں کو اُن میل ملاپ کی جھیوں لا هوق دلانے کیلئے' أن مهن أن چيزون كى تهيك تهيك جانكارى پهدا كرنى اور پههلانى هوكى. هندوؤن اور مسلمانون کے ایسے گروہ کون میں ایک دوسرے سے پوری هددودی یهدا ہوگئی ہے جو آیک دوسرے کے پکے دوست میں اور جو ایک دوسرے کو سدجھتے میں ایسے مهلوں تماشوں اور تیوهاروں کے موقعوں ہو جلسے کرکے' جلوس نکال کر اور طرح طرح سے جفتا کے سامنے مثال قائم کریں . جنانے آندولن جَمْلَى تصريكهن سعهم املسا انصاف پرههزاري باكي نهمی سمجهداری شمت دهورج صدر اور اِسی طرح آن کی اچہی اچہی چیزوں کو پہیلانے کیلئے چلائی جاتی ھیں جنهیں سب دھرم مذھبوں کے لوگ اور سب طور طریقوں کے مانقے والے مانعہ اور پسقد کرتے ھیں' ایسے ھی پاک چهویس کهانا' پاک چهویس پهغا' نشه کی سب چهورس سے پرهیز کرنا' اس طرح کی سب کوششیں آهمارے اس کام میں بہت مدد دیلکی .

3 - همارے کام کے در حصے اوپر بھان کئے جا چکے هیں ، هندستانی کلچر کا تیسرا اور آخری حصه یه هے که اس طرح کے دیعقدوں' دست کاریوں' بھوپاروں اور تحیارتوں کو جاری کیا جارے اور ہوھایا جاوے جن میں ھندو اور مسلمان دونون حصة لهن اور دونون ملكر كام كريس -رجناتمک یا تعمیری،کام کی جتنی کوششیں هو رهی هیں جهسے ماں اور بحے کے بحال اور بھلائی کے طریقے' گاوں کی حالت کو شعاهارت گهریلو دهندی که کام کو ترقی دینا اور اُس کی پیداوار کو بوهانا جنگلوں کی حناظت کاوں اور شہروں کی صفائی ایساروں کے علاج کے لئے جو طرح طرح کے طریقے چل پڑے عیں اُن سب کو ملا ک اُن سے فالدہ اُٹھانے کی کوشیعن جانوروں کی نسل کو سدهارنا أور بوهانا يم سب جهزين هماري هندستاتي كلجر کو هر طرح سے مداد می دیں گی اور اُس کلچر کے اِس درسرے حصيم كو چورا كريس كي ، لهكن شرط أتلى هي ه كه هلدو اور مسامان دونوں ملکر اس مهل حصه لهل اور هر کام مهن دونون کا مهل بوهندا جلا جاري . هماري سوسائتي کو اینی پوری طاقت سے اس منهل جول کے بوهائے میں هر طرح کی مدن کرنی جاهیے.

تہوڑے سے میں نگی ملدستانی کلچر کا بقیادی کام یہ عربا بھادیے کہ، وہ سب طرح کے لوگوں سب عارج

इंखलाक सदाचार, तीर तरीके, बार्ट कता, घरेल् जिन्दगी भौर समाजी जीवन, रोजे वर्त, दावतें क्योनार, मेले तमाशे, त्योद्वार और छुट्टियाँ, सोग के दिन और खुशो के दिन इन सब के बारे में लोगों के अन्दर एक सी उमर्गे और एक से आदर्श मयार पैदा किए जावें. इन उमंगों के बढ़ाने और मजबूत करने के लिये और लोगों को इन मेल मिलाप की ची जो का शीक दिलाने के लिये उनमें इन ची जो की ठीक ठीक जानकारी पैदा करनी और फैलानी होगी. हिन्दु जों जीर मुसलमानों के ऐसे गिरोह, जिनमें एक दूसरे से पूरी हमदर्दी पैदा होगई है, जो एक दूसरे के पक्के दोस्त हैं और जो एक दूसरे को समऋते हैं ऐसे मेलां, तमाशों और त्योहारों के मौकों पर जलसे करके, जलस निकाल कर और तरह तरह से जनता के सामने मियाल कायम करें. जितने चान्दोलन, जितनी तहरीकें, सत्य, महिंसा, इन्साक, परहेजगारी, पाकी, नेकी, सममदारी, हिम्मत, धीरज, सब और इसी तरह की उन अच्छी अच्छी चीजों को फैलाने के लिये चलाई जाती हैं जिन्हें सब भर्म मजहबों के लोग और सब तौर तरीकों के मानने वाले मानते और पसन्द करते हैं, ऐसे ही पाक चीजें खाना, पाक बीज पीना, नशे की सब बीजों से परहेज करना, इस तरह की सब कोशिशें हमारे इस काम में बहुत मदद रेंगी.

3-इमारे काम दो हिस्से ऊपर बयान किए जा चुके हैं. हिन्दुस्तानी कलचर का तीसरा श्रीर श्राखिरी हिस्सा यह है कि इस तरह के धन्दों, दस्तकारियों, ब्योपारों और तिजारतों को जारी किया जावे चौर बढ़ाया जावे जिनमें दिन्दू और मुसलमान दोनों हिस्सा लें और दोनों मिलकर काम करें. रचनात्मक या तामीरी काम की जितनी कोशिशें हो रही हैं, जैसे माँ भीर बच्चे के बचाब भीर भलाई के तरीके, गाँव की दालत को सुधारना, घरेलू धन्दे, खेती के काम को तरक्की देना और उसकी पैदावार को बढ़ाना, जंगलों की हिफाजत, गाँव और शहरों की सफाई. बीमारों के इलाज के लिये जो तरह तरह के तरीके चल पदे हैं खन सब को मिलाकर उनसे फायदा बठाने की कोशिश, जानवरों की नसका को सुवारना खौर बढ़ाना, यह सब चीजें हमारी हिन्दुस्तानी कलचर को हर तरह से मदद ही देंगी और उस कलचर के इस दूसरे हिस्से को पूरा करेंगी. लेकिन शर्त इतनी ही है कि हिन्दू और मुसलमान दोनों मिल कर इनमें हिस्सा लें और हर काम में दोनों का मेल बढ़ता चला जावे. हमारी सोसाइटी को अवपनी पूरी ताकत से इस मेल जोल के बढ़ाने में हर तरह की मनुद करनी चाहिये.

शोह से में नई हिन्द्स्तानी फलबर का बुनियादी काम बह दोना चाहिये कि वह सब तरह के लोगों, सब तरह पुरुष भर क्षेत्र करें, पत्न ही फोडकार्ज से और यह है। जहने में सब बगह काब साथ केक्बर हैं.

(म) दिन्दी और उरदू के किसाने वाकों को इस बाव के किये राशी करवा पादिये कि बनमें से इर एक संस्कृत और फारसी शब्दों के करीब करीब पाँच सी ओड़े जैसे राजनीति सियासत, सध्यता तह जीव, इसकाकी नैतिक अच्छी तरह याद करते और अपने देशों और मसमूगों में हर ओड़े के दोनों शब्दों को साथ साथ काम में कावे. इस तरह चनके पड़ने वाले भी बहत जल्ही इन सब ओड़ों

को जान आवेंगे. यह भी कोशिश करनी चाहिये कि उरदू के लिखने वाले इजामत का और हिन्दी के लिखने वाले

समासों का बहुत ही कम इस्तेमास करें.

(स) देस भर में अख़कारों के जो एडीटर इस नेक ग्राम से इमदर्शी रखते हों उनसे मदद ली जावे और हिन्दी ग्रीर उरदू के रोजानां, इफ़तेबार और माहबारी रिसालों गित्रकाओं में इस तरह के अच्छे अच्छे लेख छपवाए जावें ग्री कोगों को अच्छे भी लगें और जिनसे उन्हें इन बीजों ग्री जानकारी भी हो.

(द) इस तरह की जुनी हुई छोटी छोटी कितावें नेकाली जावें जिनमें हर किताब के अन्दर उरद लिखावट **प्रौर नागरी लिखावट दोनों में ठीफ वही जबान और वही** तब्द हों. नागरी और उरदू दोनों एक दूसरे के आमने तामने के पन्नों पर हों. अंगरेजी और दूसरी योरप की तवानों में बहुत सी इस तरह की कितावें निकल चुकी िजिन्हें लोग आम तौर पर पसन्द करते हैं. उनमें से प्रच्छी से अच्छी किताबों के ढंग पर हमारी किताबें भी नकल सकती हैं, इन किताबों में जितनी तरह की जानकारी ी जा सके देनी चाहिये. जास तौर पर हिन्दुओं और उसक्रमानों का इतिहास देना चाहिये और योड़ा सा नसानी क्रीम मानव जाति का इतिहास भी दैना चाहिये. ्न किताबों में हिन्दु कों और मुसलमानों के दोनों तरह हे धार्मिक रीति रिवाज और एतकाद विश्वास भी हों. क वह जो जरूरी सममे जाते हैं भीर दूसरे वह जो इतने इसरी नहीं सममे आते. इन किताबों में ऐसी किताबें भी ोनी चाहियें जिनमें मोटे तौर पर लोगों को यह बताया ावे कि रोजी कमाने के खास खास तरी हैं कीन से हैं गीर हर आवंभी अपने लिये जीविका रोजगार का ठीक स्वता कैसे करे जिसमें उसे कामयाबी हो.

इस तरह हम अपने देस के सोगों में बच्छे और ज़ब्त विभाग तैयार कर सकेंगे जिनमें बच्छे और प्रयोगी कारासद ज्ञान का मंडार मरा हो. यह इमारी रमुखायी क्यायर के काम का एक विदाई हिस्सा हुआ.

% बारा दे कार का दूसरा दिस्सा नद दे—दीन वर्त,

خلک کا مورو قرین ایک هی بانوات فارم سے آور آیک هی جلمے میں سب جاند سالہ سالہ لاعتور دیں .

(ب) هندی اور آردو کے اکمهنے والی کو آپیں بیات گھلٹے والی کو آپی میں سے هو آپیک سنسکرت اور قارسی هندوں کے قریب قریب پائیجسو جوزے جیسے والے نیت سیاست سبهتا تہذیب اشاقی شیدک اجھی طرح یاد کو نے اور آپے لیکھوں اور مضمونوں شیدی هو جوزے کے دونوں شیدوں کو ساتھ ساتھ کام میں قور اس طرح آنکے پڑھنے والے بھی بہت جادی ان سب موروں کو جان جاریں گے . یہ بھی کوشش کرنی چاھئے والے کم آردو کے لکھنے والے اضافت کا اور هندی کے لکھنے والے سماسوں کا بہت هی کو استعمال کریں .

(ج) دیس بہر میں اخباروں کے جو اقیتر اس نیک کام سے مدودی رکھتے ہوں آئی سے مدد لی جاوے اور مقدی اور آور مقواری رصالوں پترکاؤں میں اس طرح کے اچھے اچھے لیکھ چھھوائے جائیں جو لولوں کو اچھے بھی لگیں اور جن سے آنھیں ان چھووں کی جائیں ہی جو لولوں کو اچھے بھی لگیں اور جن سے آنھیں ان چھووں کی جائیاں ہی ہوں ۔

د) اِس طرح کی چلی هوئي جهوڻي چهوڻي کتابين نکلي جارين' جن مين هر کتاب کِـ إنهر أردو لكهارك أرر ناكري لكهارك دونون مهن تههك وهي زيان اور وهي شهد هين ، ناگري اور اُردو دونون ايک عبسرے کے آملے ساملے کے پلوں ہر هوں . انگریزی اور عوسرى يورپ كى زيانوں ميں بہت مى اس طرح كى كتابوں نعل جعى هين جنهين لوك عام طور پر يساد كرتے هون . ایر مہن سے اجھی سے اُچھی کتابوں کے تھنگ پر مماری عدابهن بهی نکل سکتی هیں . ان کتابوں میں جتنی طوم کی جانکاری دی جا سکے دیلی جاهئے ، خاص طور هِر تَعْدِيرُونِ أَرْر مسلمانون كا إنهاس دينا جاهي أور تهورًا سا انسانی قوم مانو جانی کا انهاس بهی دینا چاهگه . اور کتابیں میں مددوں اور مسلما لیں کے دونوں طرح کے صفاحک ریمی روایم اور اعتقاد وشواس بهی هون ایک وه بھو ضرورمی سمجھے جاتے میں اور درسرے وہ جو اتلے ضروری نههن سنصم جاته . ان كعابون مهن أيسي كعابهن يهي ریموننی جاهلیں جن میں مرتے طور پر لوگوں کو یہ بھایا بطاوے که روزی کمانے کے خاص خاص طریقے کون سے عهیں أور هر أدمي ابي للم جهركا روزكار كا تبيك فيصله كهمي و کورے جسیس أبير كامهابي هو .

اس طرح هم ایه دیمی کے لوگوں میں ایمیے اور مشہوط استعالی کارآمد ایمی کے جس میں ایمی اور آپ یولی کارآمد الیان کا پہلاتا کا پہلاتا کا پہلاتا ہوں ہے ہاری هندستانی کلمچر کے کام کارائی دیائی حصہ ہوا ۔

2 - عمارے کام کا فوسرا حصہ یہ ہے ۔ مین جیورا

बहु कर दूसरे मुल्कों में अपनी बस्तियाँ बसाना, आंग करना, एक राजा का राज, अमीरों का राज, आम लोगों का राज बरोरा.

अब कल वर और सिविति जे शन वानी संस्कृति और सम्बता दो चीजें हुई और हर एक के तीन तीन पहल, जितने सवाल जवाब हमने उपर लिखे हैं और जितने सवाल जवाब हम तरह के और लिखे जा सकते हैं वह सब इन्हीं दो में या इन्हीं छे में जा जाते हैं. इनसे हमें पता चल जाता है कि असली कलचर या असली सम्यता क्या चीज है. असली कलचर आदमी के अन्दर की नेकी और बड़ाई है और असली सिविती जे शन या सम्यता अन्दर की नेकी का वाहरी फैलाव है.

जितनी बिद्धिया कोई कतचर होगी बतने ही अच्छे झान, अच्छी खबाहिशों और अच्छे कामों से मरी हुई बह सभ्यता होगी जो उस कलचर का जिस्म और उसका रंग रूप है. इसी तरह बाहर की सभ्यता का असर अन्दर की कतचर पर पड़ता रहेगा और दोनों का मिलकर एक अच्छा सुन्दर, दायरा या चक्र बन जायगा, जो आदमी को नेकी की तरफ से जायगा.

मुक्ते डर है कि मेरी इन बातों में शब्दों का आडम्बर दिसाई देगा, लेकिन अगर इनमें कुछ भी सचाई है तो मुक्ते मालूम होता है कि हमारी छोटी सी सोसाइटी एक बहुत बड़ा लेकिन बहुत ही क्रीमती काम हाथ में ले रही है. यह सोसाइटी एक हिन्दुस्तानी कलबर और हिन्दु-स्तानी सिविलीफोशन का बीज वो रही है, उनकी नन्ही सी पौध को रोप रही है. हमारी यह हिन्दुस्तानी कलचर और हिन्दुस्तानी सभ्यता सबसे पहले हिन्दुस्तान की पुरानी कलबर और अरब ईरान की कलचर, या दूसरे शब्दों में हिन्दू कलचर और मुसलिम कलचर, इन दोनों के अच्छे से अच्छे और जरूरी पहलुओं को मिलाने की कोशिश करेगी.

इस बीज में शंकुर फूटें और यह 'पौध फूले फले इसके लिये इमें अपने काम के तीन हिस्से करने होंगे.

1—सब से पहले आम लोगों को एकसा ज्ञान का अंडार देने के लिये—

(भ) इस नौजवानों को इस तरह तैयार करना आहिये कि वह एक हिन्दू और एक मुसलमान, दो दो मिक्क मिलकर साथ साथ काम करें. दोनों में से हर एक संस्कृत भी जानता हो भीरू फारसी भी, भीर अगर हो सके तो योदी सी अरबी भी. इन लोगों को खास तौर पर बेहाना और तसन्बुक की अच्छी से अच्छी कितावें पढ़ से साथ साथ आहियें, और दोनों धर्मों की कितावों के सास साथ अहियें काम के हिस्से जान कोने चाहियें. यह साथ साथ

بود بوشعو خوسرت مطعول،منها الهلى يستعبل يساده وفكات كرناه أوك وأجد كا وأج امهرون كا رأج عام الركون كا وأج بعود .

آپ کلچر اور سویلیویشن یعلی سنسکرتی اور سبهها اور سبهها اور جهوری اور هو ایک کے تین تهن پهلو ، جهتے سوال جواب هم نے اوپر لکھے هیں اور جاتئے سوال جواب اس طرح کے اور لکھے جا سکتے هیں وہ سب ان هی هو اس طرح کے اور لکھے جا سکتے هیں وہ سب ان هی هو اس مان ان هی چه میں آجاتے هیں ، ان سے همیں پات چل جاتا هے که اصلی کلچر یا اصلی سبهیا کیا چیز هے ، اصلی کلچر آدمی کے اندر کی نیکی اور بوائی هے اور اصلی سویلیویشن یا سبهیا اندر کی نیکی کا باهری پهلاؤ هے ،

جندی بوهیا کوئی کلچر هوگی آتنے هی اچهے گیان اچهی گیان اچهی خواهشوں آور آچهے کاموں سے بھری هوئی وہ سبهیتا هوگی جو آس کا ونگروپ هے، اِسی طرح باهر کی سبهیتا کا اثر آندر کی کلچر پر پرتا رہا اور دونوں کا مل کر ایک اچها سندر دائرہ یا چکر بن جائے کا جو آدمی کو نیکی کی طرف لے جائے گا .

مجھے قر ہے کہ مہری ان باتوں مہی شبدوں کا اُتسبو
دکھائی دے گا لیکن اگر اُن میں کچھ بھی سچھائی ہے
تو مجھے معلوم ہوتا ہے کہ ہماری چھوٹی سی سوسائٹی
ایک بہت بڑا لیکن بہت ہی ٹیمٹی کام ہاتو میں لے
رہی ہے ، یہ سوسائٹی ایک ہندستانی کلچو اور ہندستانی
سویلھؤیشن کا بھیم ہو رہی ہے' اُنکی ننھی سی پود کو
روپ رہی ہے ، ہماری یہ ہندستانی کلچو اور ہندستانی
سبھھٹا سب سے پہلے ہندستان کی پرانی کلچر اور عرب
ایران کی کلچر' اِن دونوں کے اچھے سے اُچھے اور ضروری پہلوؤں
مسلم کلچر' اِن دونوں کے اچھے سے اُچھے اور ضروری پہلوؤں
کو مائے کی کوشش کرے گی ، اس بیچ میں انکر پھوٹیں
اور یہ پود پھولےپہلے اس کہائے ہمیں آئے کام کے تھی حصے
کو مائے ہود پھولےپہلے اس کہائے ہمیں آئے کام کے تھی حصے

1 -- سب سے پہلے عام لرگرں کو ایک ساکھاں کا بھلڈار دینے کیلئے--

(الق) کنچے نوجوانوں کو اِس طرح تھار کرنا چاھئے کہ وہ ایک ھفدر اور ایک مسلمان' دو دو مل ملکر ساتھ ساتھ کام کچی ، دونوں میں ہے ہر ایک سلسکرت بھی جانتا ہو اور فارسی بھی' اور اگر ہو سکے کو تھوڑی سی موبی بھی ۔ اُن لوگوں کو خاص طور پر ویدائمت اُرر تصوف کی اچھی سے اچھی کتابیں پڑھ لھئی جاملی کے خاص خاص حامی اور بھوٹین دھرمیں کی کتابیں کے خاص خاص حابی اور بھاتھ ماتھ حاتے ہوا تھے جاملے ماتے ہاتے ہوا ہے۔

त्या केल से. आवसी का विसारा अच्छा और मजनूत हो, रेक्टर अच्छा और मजबूत हो और जिस्म अच्छा ीर मजबत हो तो इन्हीं वीनों से भण्डी और मजबूत तचर बने. दिमारा के अच्छेपन का मतलब यह है कि ावमी को बहुत सी और काम की चीजें मालूम हों नी उसके पास झान का अच्छा भंडार हो, और वह राई और भलाई में, नके और नुकसान में करक कर सके र पहचान सके कि किस चीज में उसका सचा नफा है रि किसमें नुक्तसान, दिमारा के मजबूत होने का मतलब ह है कि आदमी सब तरह की चीजों को जल्दी से समम के, उसकी याददारत अच्छी और पक्की हो और वह ोजों का ठीक ठीक फैसला कर सके. कैरेक्टर या चरित्र मजबूती का मतलब यह है कि आदमी में इतनी हिस्मत कि बह जिन चीजों को करना चाहे उन्हें करे और ानसे बचना चाहे उनसे बच सके. कैरेक्टर के अच्छेपन । मतलब यह है कि आदमी अपनी तबियत को और पने हाथ पैरों को नेक कामों की तरक लगावे. इसका तलब यह है कि खुदी यानी अपने निजी मुख की इच्छा ी रहे और सब के भले की इच्छा काम करे. जिस्म के च्छे होने का मतलब यह है कि हाथ पैर और सब अंग डौल हों और सूरत शकल व्यारी लगे. जिस्म की मजबूती मतलब यह है कि बदन में जान हो, बल बूता हो, ख्ती हो, कड़ाई हो, बदीरत की ताक्षत हो, रग पट्टे तबूत हों, मन में धीरज हो और आदमी सब काम तेजी चौर बिना लड्खड़ाए कर सके. जिस चादमी का रम, जिसका कैरेक्टर और जिसका विमाश तीनों इस ह के हों, वही पूरी तरह और ठीक ठीक 'कलचर्ड' ममा जा सकता है. इसी तरह इतिहास में जितनी बढ़ी ही सभ्यताएं, तहजीवें हुई हैं - जैसे बीती हुई सभ्यताओं मिस्री, असुरी (असीरियन), बाबुली, यूनानी, रोमन, क्सकन और पेरुवियन, और जिन्दा सभ्यताओं में चीनी. न्दुस्तानी, बहूदी, ईरानी, अरब और आज कल की ोपियन-इन सब सभ्यतात्रों के तीन खास पहल हैं-1) उनका तालीम का एक खास ढंग और जान, साइन्स र कलसके का अपना मंडार; (2) हरेक का एक स दीन धर्म, सदाबार इललाक और रहन सहन का ं जास तरीका, घरेल जिन्दगी और समाजी जिन्दगी एक सास ढंग और इनके साथ ही साथ इनसे मिली ही चीचें-चार्ट, कला, चित्रकारी, संगतराशी, गाना राना, शायरी, कविवा, जास तरह की मज़हबी और ारी इसारतें बनाना, खेल तमारो, खुट्टियाँ, त्योहार, तसे, रीति दिवाज, मजहबी किताबें, मन्दिर, मसजिद, मं; (3) ज्योपारी, विजारती और राजकाजी कामों के व साम्य तरीक्रे, खेती, ख्योग धन्दे, ब्दोपार, सट्टा,

كريا فعل س ، أدمى لا دماغ أجها أور معمولا عوا كهركالر أجها أور مضبوط هو أور جسم أجها أبر مضبوط هو تو أن هي تهدون سے أجهي أور مضبوط كلنجر بلے . دماغ کے اچھے بن کا مطلب یہ مے کہ آدمے کو یہمت سی اور کام کی جهوین معلوم هوں یعلی اُس کے پاس کیان کا اچها بهندار هو اور و براثی اور بهلائی میں' نفع اور نقصان میں فوق کر سکے اور پہنچان سکے که کس چیز میں اُس کا سچا نفع فے اور کسمیں تقصان . عماغ کے مقدبوط ہونے کا مطلب یہ مے که آدسی سب طوح کی چیزوں کو جلدی سے سمجھ سکے اُس کی یادداشت الجهني أور يكي هو أور ولا چيزوں كا تهيك تهيك فيصله کر سکے . کیرکٹر یا چرتر کی مضبوطی کا مطلب یہ ہے که آهمی میں اتنی همت هو که ود چن چهزوں کو کرنا چاھے أنهيس كرے أور جن سے بچنا جاھے أن سے بچے سكے . كيركثر کے اچھے پن کا مطلب یہ ہے کہ آدمی اپنی طبیعت کو اور أهِ هاته پهروں کو تهک کاموں کی طرف لکائے ، اِس کا مطلب یه هے که خوص یعلی اید نجی سکه کی اِچها دہی رہے اور سب کے بھلے کی اِچھا کام کرے ، جسم کے اچھے هوت کا مطلبیء هے که هانه پهر اور سب انگ سدول هوں أور صورت شكل يهاري لكه ، جسم كي مقبهوطي كا مطلب يه ه كه بدن مهل جان هو عل بوتا هو سختى هو كواثي هو' پرداشت کی طالت هو' رگ پاتم مشهوط هور' من مهن دهیرے هو آور آدمیسب کام تیزی سے اور بنا لوکھوائے کر سکے ، جس آدمی کا جسم عس کا کھرکٹر اور جس کا عماع تیلوں اِس طرح کے هوں' وهی پوری طرح اور تهیک لههك ' كلحِرة ' سمجها جاسكتا هي اسي طرح إتهاس مهن جاللي بري يري سبههايائين الهايبهن هوأي ههن بسب جهسے بیکی هوئی سبههتاوں مهن مصری آشوری (اسهوين) عابلي يوناني (ومن مهكسكن اور پهرورين أور زنده سبيهتاون مين چيدي، هددستاني يهودي ايراني مرب اور آجکل کي يوريون — ان سب سهههتاؤں کے تین خاص پہلو میں -- (1) اُن کا تعلیم کا أليك خاص تعلك أور كيان سائلس أور فلسفي كا أيلا بهندار؛ (2) هر ایک کا ایک خاص دین دهرم سداجار أخلق اور رهن سبن كا ايك خاص طريقه كهريلو زندكي اور سماجي زندكي كا ايك خاص دهلك اور إنكم ساته هي ساته ان سے ملی جلیچهزیں۔۔۔آرٹ کا ' چترکاری' سنگ عراهی کانا بحیانا؛ شاعری، کویکا خاص طرح کی مذهبی أور دوسرى معارتين بناتًا كهيل تعاهم چهتيان تهوارا مجلسے رسم رواج مذهبی تعابین مندر مسجد تهرتها (3) بھوہاری تصارتی اور راج کاجی کاموں کے کچھ شامی طبيقيا كهيعي وأديوك دهلدن بهييارا ستتنا

ك هي معلى مين استعمال كرته مهن . هلاستالي یں کلنچر کو کہیلئے - 'ششتاا 'سلسکرلی بذَّيب التاديب يا الشائستكي . اور سويليزيشي كو كها انا هي-"سههينا" اسبوداچار" اتهاديب يا اطور ريق' . اس سے زیادہ آسان شدد جنہیں سب سنجہتے یں _ جال تھاگ جلن میں' لیکن ان سے بی دیهان مهی رکهیں که شاید سریلیزیشن اور سبهیتا ونوں کا نکاس ایک هی سا هے یعلی اسبها اسوس جماعت 'شهراً اسويلائزة اورسيه دونوں كے معلے هيں-ا آدمی جو ا شہری کہلانے کے یا سببیت سوسائلی میں يتهلے كے قابل هو . دوسرى طرف "كلچر" ليتن شبد التس (Cultus) سے نکا ہے ، کلٹس کے معلی میں -عل'. زمین پر کهیدی کرنا اور آدمی کے دل اور دماغ کو المجر كرنا دونوں ايك هي سے كام همى . دونوں مهل هل مِلَانَا يَوْنَا هِيَ جَوْلَهُا يَوْنَا هِيَ رَمَهِنِ تَهَارِ كُرْنِي هُوتَي هِـُ لتی کو ہاریک کرنا ہونا ہے اور پھر اچھے قیمتی اور کام ا بیم اس میں بولے هوتے هیں . یه بیم مادی بهونک خلاقی نیٹک اور دمائی مانسک تینوں طرح کے هو سکتے نیں . بھنے ایسے هونے چاهدی جن سے جسم و روح دونوں و تقدرستی دینے والی جسمانی اور روحانی خوراک تیار او سکے . سفسکرتی مانجفا اُس کا بھی یہی مطلب هے . یہی شائستکی اور تہذیب کا مطلب ہے . ان سب شبدون مهن سلسكار كرنا اسدهارنا بهر سے صاف كرنا زیاده آنچها بنانا چیکا کر سندر رنگ روپ دینا یه سب باتیں شامل هیں ، انگریزی کی تکشفری میں کلچر اور سویلهزیشن دو وس کے معلوں مهی 'رفائن منت' شبد أنا هے' جس كا مطلب هے' يهر يهر صاف كرنا . إس لئے 'للچر' کا املی نچور اسی بات میں هونا چاهیے که آدمی کو اُس کے جھوں کے سب پہلوؤں مھی مانتجا۔ اور پھر پھو صاف کہا جائے ، اسویلزیشن کا مطلب وہ سب اوپر کی چیزیں میں جو اس طرح کے ملجے موٹے لوگوں کی کوئی نیشن کوئی قوم یا اُن کا کوئی گروہ ایم ملے جلے جوون کے سب پہلووں میں کرتا اور دکھاتا ھے . آدمی کے اندر جو چیز دیی چیپی رہتی ہے' اُس کے باہر کے روپ پیپاڑ کا نام هي أسويليويشن هي .

اب عمیں یہ دیکھنا ہے کہ آدسی کے سبھاؤ کے یہ خاص خاص چہنو کون سے میں اور اُن میں سے کس کس کا ملی ہوئی قومی زندگی کے کس کس پہلو کے ساتھ خاص سبہندہ ہے؟ ہمارے جمہوں کے تین خاص پہلو کے مات یہ میں سبہندہ ہے کہ یہ کہریکٹر یا جان اور جسم شہروں کا اجہا کواہش سے اور جسم کا کہریکٹر یا اور جسم کا

एक ही माने में इस्तेमाल करते हैं. हिन्दुस्तानी में कलचर को कहेंगे—'शिश्टता', 'संस्कृति', 'तहजीव', 'वादीव" या 'शाइस्तगी'. और सिविलीजेशन को कहा जाता है-'सभ्यता', 'समुदाचार', 'तहजीब' या 'तौर तरीक्र'. इससे जयादा आसान शब्द जिन्हें सब समझते हैं-चाल, ढंग, वत-हैं, लेकिन इनसे पूरा मतलब नहीं निकल सकता. हम एक बात यह भी ध्यान में रखें कि शायद सिविली-षेशन और सभवता दोनों का निकास एक ही सा है, यानी 'सभा', 'सिविस', 'जमात', 'शहर' 'सिविलाइज्ड' भौर 'सभ्य' दोनों के माने हैं-वह बादमी जो 'शहरी' कहलाने के या सभा सोसाइटी में बैठने के क्राबिल हो. दूमरी तरफ 'कल बर' लैटिन शब्द 'कल्टस' (cultus) से निकता है. फल्टस के माने हैं- 'हल'. जमीन पर खेती . करना और आदमी के दिल भीर दिमारा को कलचर करना दोनों एक ही से काम हैं. दोनों में इल चलाना पड़ता है, जोतना पड़ता है, ज्मीन तैयार करनी होती है, मिट्टी को बारीक करना होता है और फिर अच्छे क्रीमती और काम के बीज उसमें बोने होते हैं. यह बीज मादी मौतिक, इललाक्नी नैतिक और दिमाग्री मानसिक तीनों तरह के हो सकते हैं. बीज ऐसे होने चाहियें जिनसे जिस्म और रूइ दोनों को तन्दुरुस्ती देने वाली जिस्मानी भौर रुद्दानी खुराक तैयार हो सके. संस्कृति, मांजना, इसका भी यही मतलब है. यही शाइस्तगी और तहजीव का भतलब है. इन सब शब्दों में संस्कार करना, सुधारना. फिर से साक करना, ज्यादा अच्छा बनाना, चमका कर सुन्दर रंग रूप देना, यह सब बातें शामिल हैं. अंगरेजी की डिक्शनरी में कलचर और सिविलीजेशन दोनों के मानों में 'रिफाइनमेंट' राष्ट्र भाता है जिसका मतलब है, फिर फिर साफ करना. इसलिये 'कलवर' का असली निचोड इसी बात में होना चाहिये कि आदमी को उसके जीवन के सब पहलुकों में माँजा और फिर फिर साफ किया आवे. 'सिविली जैशन' का मतलब वह सब ऊपर की चीजें हैं जो इस तरह के मँजे हुए लोगों की कोई नेशन, कोई क्रीम या अनका कोई गिरोह अपने मिले जुले जीवन के सप पहलुओं में करता और विखाता है. आदमी के अन्दर जो चीज दबी छिपी रहती है, उसके बाहर के रूप फैकाब का की नाम ही 'सिविलिखेशन' है.

धव हमें यह देखना है कि आदमी के स्वभाव के यह सास खास पहलू कीन से हैं और उनमें से किस किस का मिली हुई कौमी जिन्दगी के किस किस पहलू के साथ खास सम्बन्ध है ? हमारे जीवन के तीन खास पहलू वह हैं—दिमारा यानी मस्तिरक, कैरेक्टर या चरित्र, और किस्स शरीर. दिमारा का सम्बन्ध झान इस्म से हैं, कैरेक-कर का चरित्र का इच्छा स्वाहिश से और जिस्स का

and suff sure is a news for any it is at कताचर में क्या क्या चीजें शामिल हैं, इस पर हम सब की एक भी राय नहीं है. एक सास तरह के कपने पहनना ? शायत ! साथ तरह से बोलना ? एक वरजे तक. यह दसरे को साम तरह से सलाम करना ? हाँ। यह भी, वालीस का एक खास ढंग ? बेशक, कुछ ची. लेकिन किस चीज की वालीम और किस तरह की ? इसमें भी चापने चापने दंग हो सकते हैं. ज्ञान का मंदार ? कुछ तो ! क्षेकिन फिर फिस तरह का झान ? तरह तरह का, क्षेत्र देन और आपसी ब्योहार में एक खास तरह का हंग ? हाँ ! यह भी, और परेलू जीवन में घर वालों में आपसी वर्ताव १ हाँ ठीक ! घर में खास सास मौकों जैसे बच्चा पैदा होना, न्यांह शादी बग़ैरा मनाने का हंग ? हाँ, बेशक, एक स्नास तरह का मजहबी जजवा बा भार्मिक भावना ? हाँ, शायद. चार्ट, कला, शायरी कविता, गाना बजाना, चित्रकारी जैसे दुनर में से किसी एक या ज्यादा की तरफ सास कुमाद ? हाँ, यह भी. मेले, तमाशे, जलसे, मौसम के त्योहार, दूसरे त्योहार और अपने इतिहास के जास जास दिन मनाना ? हाँ ! खान पान, दावतों और ज्योनारों के खास सास तरीके ? हाँ ! कब तो यह भी. मकान बनाने का कोई स्नास ढंग ? हो सकता है या शायद है, इसमें भी बहुत से बालग बालग ढंग रहेंगे. अपना एक खास साहित्य यानी अवन और अपनी साइन्स यानी विचान ? जरूर, थोड़ा बहुत. एक ऐसी बोली जिसे सब बोल और समम सकें ? बिला राक ! एक दूसरे को सममाने और एक दूसरे से बात कीत करने के लिये जरुरी है.

ऊपर के सवालों में शायद कोई बास सिलसिला मालूम नहीं होता. उनके जवाब भी जो जैसे मुक्ते सुके, इब्र मिमकते हुए मैंने लिख दिये. यह सब जवाब नामुक-न्मिल और अधूरे हैं और जैसा चाहिये साक नहीं हैं. फिर भी दूर जवाब में कुछ न कुछ सबाई जरूर है. कलचर की ऐसी क्या परिभाशा या तारीक की जाय जो अधूरी न हो, जो सुकन्मिल हो, जिससे कलचर एक अलग साक चीज विखाई दे और जिसे अक्रंब भी मानले. अब हम पहले यह देखना चाहते हैं कि हिन्दस्तानी जवान में 'क्लचर' के लिये ठाक शक्द क्या होना चाहिये ? अंगरेजी में 'सिक्किकेशन, और 'कलबर' इन दोनों राब्दों का विज्ञात यह हो मदश्व सो नहीं है, लेकिन फर भी यह दाना राज्य बहुत मिलते जुबते हैं. मोटे वीर पर कहा जा सकता है कि कल बर से आदमी की अन्दर की हासत का पता अकता है और 'सिविवाचेरान' इस चन्दर की हालत की बादकी क्षेत्र रेखा को कहते हैं, 'कसचर्ड' और विविद्यारम् क क्षेत्र राज्ये हो साग काम चीर कर

بعبلي ليين سنجه ره هين ، كلجر كس باه سهن ه ٨ كليور من كيا كيا "جوزين غامل حين إس غر هو مب کی ایک هی رائے نبھی ہے ۔ ایک خاص طور کے لهون بهلا ؟ شايد ! خاص طرح بد بولما ؟ أيك قوية نکے ۔ ایک دوسرے کو خاص طرح سے سلم کرنا ؟ ہاں ! یہ بھی ، تعلیم کا ایک خاص دعلک ؟ یے شک کنچه تو ، لھاتان کس چیز کی تعلیم اور کسطرے کی؟ اس میں بھی ال الم تعلك هو سعتے هيں . كيان كا بهلقار ؟ كچه تو ! لهکرے پہر کسطرے کا کہاں ؟ طرح طرح کا ، انھری دیری آور الله على الله على على على الله على الله الله على الله ية يهي . أور كهريلو جدون مين كهر والون مين أهسى پرتاء ؟ هال تهيک ! کهر ميل خاص خاص موقعول جهيب بعجه يهدأ هونا بهاه شادي وفيره مداني كا تعلك؟ ھاں' ہے شک ، ایک خاص طرح کا مذہبی جذبہ یا معارسك بهارنا ؟ هان شايد . أرث كلا شامري كويتا كانا بعماماً جدركاري جيسے هنر ميں سے كسى ايك يا زيادہ كي طرف خاص جهكاو؟ هان يه بهي، مهلَّم تماشي عاسي موسم کے تیوهار دوسرنے تیوهار اور آئے اِتہاس کے خاص کافن من مدانا ؟ هار ! کهان پان دموتور اور جهوناوور کے خاص خاص طریقے ؟ هاں! کچه تو یه بهی ، مكان بقائے کا کوئی خاص ڈھٹک ؟ ھو سکتا ھے یا شاید ھ' اُس میں بھی ہمت سے الگ آلک تعلک رهیں کے با ایکا أيك تفاض ساهاته يعلى أدب أرر أهلى سأللس يعلى وگهان ؟ ضرور تهورا بهت . ایک ایسی بولی جسے سب بول اور سنجه سکهن ؟ باشک ! ایک دوسرے کو سنجهتے أَوْوَ أَلِيكُمَا فَاوِهِرِ مِنْ بِنَاتَ جِهِمَتَ كُرْلُمْ كَمْ لَيْمَ ضَرُورِي هِ.

اویر کے سوالوں میں شاید کوئی خاص سلساء معلوم المهون هولاً . أنك جواب بهي جو جهم معجم سوجه مجه جهنجهکاتے هوئے میں لے لکو دئی یہ سب جواب تامكمل أور أدهورك ههن أورجيسا جاهاتم صاف تههن هیں : پیر بھی هر جواب میں کچھ نه کچھ سچائی غرور في . كلحور كي أيسي كها يربي بهاشا يا تعريف كي خالے جو اعمروں نه هوا جو مكمل هوا جس سے كلمچر ایک ادک صاف چیز دکھائی دے اور جسے مقل بھی مان الله الله م بهل يه ديكهنا جامع مهى كه مدسعاتي وال مهن فلحور كر لئے تورك عبد كيا مرتا جاملے ؟ الكريزي مين "سوليزيشن" اور "كلجر" إلى دونون شهدون كا پانکل لیک هی مطلب تو نبهن هـ' لیکن پهو بهی یه عَوْلُونِ شَيْنَ بِهِمْعًا مِلْقِي جِلْقِي هِينَ . مُوتِي طَوْرٍ يُو كَهَا جِا سکتا ہے که کلنچر سے آسی کی اندر کی حالت کا بهته بهلتا ه اور 'سویلیویشن' اس اندر کی حوایت الله يناهون رزي ويكها قو كهال هين. "كليهية" أور المروبالوق ال عولين شعدين كو لوگ عام طهور و

हिन्दुस्तानी कलचर

(डा. भगवानदास जी का भारान जो उन्होंने हिन्दुस्तानी डक्सचर सोसाक्टी की पहली बैठक में दिया)

ध्यारे दोस्तों और साथियो !

मेरा जी तो बहत बाहता था कि आप से मिलकर एक वेसे मसले पर कि जिसका हमारे देस की आगे की मलाई हे साथ गहरा लगाव है, बातें करता और खुश होता! र बद्किस्मती से मेरा जिस्म मेरे दिल का साथ नहीं दे हा है. इसिलये मैं अपने कुछ खयाल लिखकर आपके शमने रख रहा हूँ और इसी से अपनी तसल्ली कर लेवा . मैंने आपसे बहुतेरा कहा फिर भी आपने अपनी विक्रि बाडी की संवारत का भार सुक पर रखना ही क समका. मैं इस भार के उठाने के काबिल नहीं हैं. बोंकि मैं स्वभाव से ही चीजों के अमली पहलू को शायद म सममता हूँ और अपनी राय और अपने उसूलों में इ कट्टर भी हूँ. इसिलये जो कुछ कहने वाला हूँ, उसमें ापको बहुत सी कमियां दिखाई देंगी. मेरी प्राथना है कि ाप चीरज के साथ उन्हें सन लेंगे. समे बरसों से यह ह बादत सी पड़ गई है कि जिन खास खास शब्दों को व अपने पदलिक कामों या निजी कामों में भी बरतते हैं श्राच्यों के अर्थ और उनके माने में विल्कुल साक साक मम बेने की कोशिश करता हूँ हमारी सोसाइटी का म 'हिन्दुस्तानी कलचर सोसइटी' है. किसी भी सभा-साइटो का नाम खास चीज होता है. नाम ही से लागों पता चलता है, या कम से कम चलना चाहिये, कि वह रा सोसाइटा क्या चाहती है. उसका असली मकसद या ेरय क्या है, वह क्यों बनाई गई, इसके बनाने की ा रारण है और वह क्या करना चाहतो है ? हमारी बाइटी के नाम में 'हिन्दुस्ताना' शब्द के बारे में तो शिक न होना चाहिय. 'हिन्दुस्ताना' के साफ माने -'हिन्दुस्तान की चांच' या 'हिन्दुस्तान में पैदा हुआ र पक्षा हुआ आदमी, इस भारत मां का वशा' और । तरह के बादमी की सब चीजें या उसके सब मामले. ब्राइटी शब्द के माने भी काफी साफ हैं. 'सोसाइटी' मने हैं-इब ऐसे लोगों की एक जमात जो मिलकर काम करना चाहते हों और जिनका एक दूसरे से ही नाता हो जैसा किसी भी जिल्हा जिस्म के भन्दर पट्टीं भीर हाथ पैरों का एक दूसरे से.

केकिन 'कतवर' शब्द इतना जासान नहीं है. मुके साक्स कि इस सब 'कलवर' के एक ही माने समफ बा,जबा जलग. मुक्ते शक है कि हम सब एक

هندستانی کلچر

(قائلر بهگوان داس جی کا بهاشن جو آنهوں نے مادستانی کلچر سوسائلی کی پہلی بوٹلیک میں دیا) پہارے دوستو اور ساتھیو!

مهرا جي تو بهت چاها تها که آپ سے مل کر ايک ایسے مسئلے پر که جس کا همارے دیس کی آلے کی بھلائی كيساته كهرا لتاو هي باتهى كرتا أور خرص هرتا إ ير يدلسمتي سے مہرا جسم مہرے دل کا ساتھ نہیں دے رہا ہے . اِس لئے میں ایے کچھ شیال اکم کر آپ کے سامنے رکھ رہا هوں اور ﴿ إِسَى مِن اَهِلَى تَسَلَّى كَرَ لَيْنًا هُوں ، مَنْ لَيْ آبِ سے بہتھرا کیا یہر بھی آپ نے ایدی گورننگ باتھی کی صدارت کا بہار منجه پر رکهذا هي تُهيک سنجها . مهن اس بھار کے اُٹھانے کے قابل نہیں ھرں'، کیونکھ میں سوبهاؤ سے هی چهزوں کے عملی پہلو کو شاید کم سمجه ا هوں اور اہلی رائے اور ایم أصواوں میں کچھ کتر بھی عوں. اس لئے جو کچھ کہنے والا ہوں اس میں آپ کو بهت سی کمیاں دکھائی دیں گی ، میری پرارتہا ہے که آپ دعمرج کے ساتھ اُنھیں سن لھی کے . سجم برسوں سے یہ ایک عادت سی پو گئی ہے کہ جن خاص خاص شہدوں کو هم اینے بداک کاموں یا نجی کاموں میں بھی برتھے میں أن شهدوں كے ارته اور أن كے معنے ميں بالكل صاف صاف سنجه لیلے کی کوشش کرتا هوں . هماری سوسائٹی کا نام هندستانی کنچر سوسائتی هے . کسی یهی سبها سوسائتی کا نام خاص چیز هوتا هے . نام هی سے لوگوں کو پته جاتا هے یا کم سے کم چلفا چاھئے که وہ سبھا سوسائٹی کیا جاهتی م . أس لا املی منصد يا أدديم كيا هـ، ولا کھوں بقائی کئی اُس کے بقائے کی کیا فرش ہے اور وہ کھا کرنا چاعاتی ہے؟ هماری سرسائتی کے نام میں المندستانی شید کے بارے میں تو کوئی هک نه هونا جاهیًے . هادستانی کے صاف معلے هوں۔ هندستان کی چيز' يا 'هندستان مهن، پيدا هوا اور پلا هوا آدمي' اِس بھاوس ماں کا بھھا اور اس طرح کے آدمی کی سب جهورس یا أس کے سب معاملے ، سودائلی شهد کے معلى يهى كافي صاف هين. 'سوسائلي' كمعلى ههن--عنجه ایسے لوؤوں کی ایک جماعت جو مل کر کوئی کام کرنا چاہتے میں اور جن کا ایک دوسرے سے ویسا هی قاتا هو جوسا کسی بھی زنجہ جسم کے اندر رک پھھوں ارر ھاٹھ مهروں کا ایک دوسرے سے .

لیکن 'کلچر' شید اتفا آسان نہیں ہے ، مجھ نہیں سعلوم کہ ہم سب کلچو کے ایک ہی معلی سمجہ رہے میں یا آلگ الگ ، مجھے شک ہے کہ ہم سب ایک विक्रमी की कारदार का रविष्टर राज्यात सेमायटी हा कृत्यर बंगाओं देख रेख में रहेता; और वह प्रम्सणामी केमेटी के देसकों पर असत करायमा

क्रगर सेक टरीं कुछ विनों के लिये गैरहाजिए होगा तो इन्तकामी कमेटी के सदर को इस बात का अखितयार होगा कि इन्तजामी कमेटी के किसी मेन्बर को सेक टरी का काम करने के लिये मुक्तर्र कर दे.

इन्तजामी कमेटी के सदर की रजामन्दी से सेक टरी को अख्तियार होगा कि अपना कोई काम इन्तजामी कमेटी के किसी मेन्बर के सुपुर्व कर दे.

इन कायदों मे ऋदल बदल

इन्तजामी कमेटी को इस बात का अखितयार होगा कि अगर ज़रूरी सममे तो अपने मेन्डरों की कम से कम वो तिहाई की कसरत राय से इन कायदों में कोई तब्दीली करें या इन में कोई नया कायदा बढ़ावे, बशर्ते कि इन्तजामी अमेटी को यह भी इक होगा कि अपनी किसी बैठक में इाजिर मेन्डरों की कसरत राय से इस तरह के कायदे या उसूल बनावे जो इन कायदों के खिलाक न जाते हों.

मेम्बरी का एलान

मैंने हिन्दुस्तानी कल चर सोसाइटी के छपे हुए मक्तसद् और सोसाइटी बनाने की जरूरत (मेमोरेएडम जाक एसोसियेशन) पढ़े हैं. मैं सोसाइटी के मक्सदों को और उन मक्तसदों को पूरा करने के लिये सोसाइटी जो जो काम करना चाहती है उन्हें पसन्द करता हूं. मैं सब बड़े बढ़े धर्म मज़हवों और कलचरों की बुनियादी एकता को मानता हूं. मैं मानता हूं कि पिछले जमाने में हिन्दुस्तान के रहने बालों के अन्दर एक मिली जुली कलचर और एक मिली जुली समाजी जिन्दगी पैदा हो रही थी, और आज भी हमारा भला इसी में है कि हिन्दुस्तानी क्लचर की एकता को बढ़ावें. मैं बादा करता हूँ कि मैं सोसाइटी के मक्सवों को पूरा करने के लिये और सब धर्मों, जातों और विराद्दियों के लोगों में एक दूसरे की इज्जत, प्रेम और मेलजोल बढ़ाने के लिये जो कुछ कर सकूँगा करगा.

فیکوں کی کاروائی کا ریسٹر زکھ^{یں} سرسائٹی کا بھائی کی دیکھ روکھ میں رہے کا اور وہ انعظامی کنیکٹی فیصلوں پر صل کرائے کا ۔

اگر سکریگری کنچھ دنوں کیلگے فہر کافر ہوگا تو بظامی کمیگئی کے صدر کو اُس یاب کا اُحْتھار ہوگا کہ بھامی کمیگی کے کسی ممہر کو سکریگری کا کام کرنے لگے مقرر کر دے ۔

انعطامی کمیٹی کے صدر کی رضامقدی سے سکریٹری اکھتھار ہوتا کہ وہ ایفا کوئی کام انتظامی کمیٹی کے سی ممبو کے سورہ کر دے .

العامدون منهن ادل بدل

انتظامی کمیتی کو اس بات کا اختمار ہوگا کہ اگر ورس سمجھے تو اپنے ممہروں کی کم سے کم دو تہائی اکثرت والے سے ان قامدوں میں کوئی تبدیلی کرے اس میں کوئی نیا قامدہ بوعاوے بشرطیکہ انتظامی بتی کو یہ بھی حق ہوگا کہ آلیتی کسی بیٹیک میں بیٹی کو یہ بھی حق ہوگا کہ آلیتی کسی بیٹیک میں اپنے ممہروں کی کثرت والے سے اس طرح کے قامدے آلیوں بناوے جو ان قامدوں کے جانب نہ جاتے

يُرى كا اعلان

میں نے ھندستا ہی کلجور سوسائٹی کے چہیے ھوئے
سب اور سوسائٹی بغانے کی فرورت (میسو رنڈم آف
بولی ایشن) پوھے ھیں ، میں سوسائٹی کے مقصدوں
اور اس مقصدوں کو پارا کوئے کے لئے سوسائٹی جو
ام کونا چاھٹی ھے آنہیں پسفد کرنا ھیں ، میں
ایک بولے پولیدھرم ماھیوں اور کلجوروں کی بغیادی ایکٹا
مائٹا ھیں ، میں مانٹا ھوں کہ پچھلے زمانے میں
ایک ملی جلی سماجی زندگی پیدا ھو رھی تھی' اور
ایک ملی جلی سماجی زندگی پیدا ھو رھی تھی' اور
ایک ملی جلی سماجی زندگی پیدا ھو رھی تھی' اور
ایک ملی جلی سماجی زندگی پیدا ھو رھی تھی' اور
ایک ملی جلی سمانٹی کلجو کی موس سوسائٹی
ایک میں کے لوگوں میں ایک دوسرے کی عوت پریم اور
ایک بوھائے کیلئے جو کچھ کو سکوں کا کووں کا ،

व्स्तस्त्रतः

lack land

इन्सजामी कमेटी की बैठक

इन्तजासी कमेटी काम वौर पर हर तीन महीने में एक बार मिलेगी. इन्तजामी कमेटी की बैठक में तीन का कोरम होगा,

शामिल करने का अख़ितयार

क्रिन्तजामी कमेटी को अखितयार होगा कि जब कभी जकरी समसे सोसाइटी के मेन्बरों में से एकया ज्यादा सेन्बर अपनी कमेटी में शामिल कर ले.

खाली जगह

सोसाइटी के घोहदेदारों में से धौर इन्तजामी कमेटी के घोहदेदारों या मेम्बरों में से खगर किसी की जगह खाली होगी तो इन्तजामी कमेटी घपनी कसरत राय से उस जगह को भर देगी.

सोसाइटी का सदर

सोसाइटी की आम बैठक में सोसाइटी का सब्र सद्र होगा. वही उसकी आम पालिसी चलायेगा. सोसाइटी की बैठक में सद्र की ग़ैरहाजिरी में कोई एक नायब सद्र सवर होगा.

भगर सदर भीर नायब सदर दोनों शैरहाज़िर होंगे तो बैठक को अखितयार होगा कि वह दस जलसे का काम खबाने के लिये किसी को सदर चुन के.

इन्तज़ामी कमेटी का सदर

इन्तजामी कमेटी के जलसों में इन्तजामी कमेटी का सदर सदर होगा.

खुजानची

खोसाइटी के रुपये पैसे के लेन देन का काम ख्जाल्वी करेगा. वह मामदनी भीर खर्च का हिसाब रक्खेगा, सोसाइटी का सालाना चिट्ठा (बैलेन्स शीट) तैयार करावेगा भीर वसे बाजाव्ता भाविट कराकर इन्तजामी कमेटी की बैठक के सामने रक्खेगा. माडिटर को इन्तजामी कमेटी भपनी कसरव राय से मुक्तर्र करेगी. इन्तजामी कमेटी भपनी कालाना रिपोर्ट में जो खोसाइटी की भाम बैठक के सामने रक्खी जावेगी चिट्टे (बैलेन्स शीट) को सामित कर लेगी.

अपगर किसी वजह से खज़ान्त्री कुछ दिनों के लिये पहाज़िए होगा तो इन्तज़ामी कमेटी के सदर को अखितयार किया कि वह इन्तज़ामी कमेटी के किसी मैम्बर को स्वान्त्री का काम करने के लिये मुक्कर्र कर है.

सेस्टरी

किंदरी सोसाइटी की जौर इन्तजामी कमेटी की

للعبر المثرار والمك

التظامي کیهائي مام طور پر هر تهن ميهائي دوي الگيا بار ملے کی ، انتظامی کیهائی کی بیتمک تهن کا کوم مرکا

شامل كرل كا لختهار

انتظامی کمیٹی کو آختیار ہوگا کہ جب کبھی ضروری سمجھے سوسائٹی کے ممہروں میں سے آیک یا زیادہ ممبر ایٹی کمیٹی میں شامل کرئے ۔

خالی جکه

سوسائٹی کے عہدہوداروں میں سے اور انتظامی کبھٹی کے عہدہداروں یا ممدورں میں سے اگر کسی کی جاتہ خالی ہوگی تو انتظامی کمیٹی ایلی کثرت وائے سے اُس جاتہ کو بہر دے گی .

سوسالتي كا صدر

سوسائٹی کی عام پیٹھک میں سوسائٹی کا صدر صدر مدر مولا ، رھی آس کی عام ہالیسی چلائے کا سوسائٹی کی پیٹھک میں صدر کی فیر حاضری میں کوئی ایک نائب صدر صدر هوکا ،

اگر صدر اور نالب صدر دونوں فہر حاضر هوں <u>گے</u> تو پہتھک کو اختھار هوگا که وہ اس جلسے کا کام چلائے کھلگے کسی کو صدر جن لے ،

أتقظامي كمهللي كالصدر

انتظامی کیلگی کے جلسوں میں انتظامی کمیگی کا صدر صدر هوا ،

خزانجي

سوسائٹی کے رویعہ پیسے کے لین دین کا کام خزاندی کرنے گا ۔ وہ آمدنی اور خرج کا حساب وکھے گا سوسائٹی کا سائنہ چتھا (بیللس شیت) تیار کرائے گا اور اُسے یاضابطہ آڈٹ کرائر انتظامی کمیٹی کی بیٹھک کے سامنے رکھے گا ، آڈیٹر کو انتظامی کمیٹی اینی کڈرٹ رائے سے مقرر کرے گی ، انتظامی کمیٹی اینی سائنہ رپورٹ میں جو سوسائٹی کی عام بیٹھک کے سامنے رکھی جارے کی بہتھے (بیٹلس شیت کو شامل کرلیکی .

اگر کسی وجه سے خوانچی کچھ دنوں کے لگے فیر خاصر هوگا تو انتظامی کسیٹی کے صدر کو اختیار هوگا که وہ انتظامی کسیٹی کے کسی مسیر کو خوانچی کا کام کرنے کیلئے مقرر کرفانے

سكويلوي

علیکی سیسائلی کی اور انعظامی عبیکی کی

हर मेन्बर सोसाइसी की यह बपना साताना बन्दा देगा. हर ऐसा मेन्बर जो एक बार में सी वपने या ज्वादा दे देगा जिन्दगी भर सोसाइटी का मेन्बर (साइफ मेन्बर) रहेगा.

सरपरस्त (पेट्टन)

जो जोग ५०० रु० या उससे ज्यादा चन्दा देंगे उनके नाम सोसाइटी के सरपरस्तों (पेट्रन) में किस्ते जार्येंगे.

सोसाइटी के ओहदेदार

सोसाइटी के सदर

श्री शब्दुल मजीद खवाजा, एम. एल. ए, बैरिस्टर, समी मंजिल, भलीगद.

सोसाइटी के नायब सदर बाइस प्रेसीडेएट)

- (1) बा० भगवानदास, एम० प०, बी० तिट०, लेखक, रईस चीर जमीदार, बनारस.
 - (2) डा॰ अब्दुलहक, डी॰ लिट्, सेकेटरी अंजुमन तरक्कीं उरद्, कराची (पाकिस्तान)

इन्तजामी कमेटी के सेक्रेटरी और खज़ान्बी सोसाइटी के भी सेक्रेटरी और खज़ान्बी होंगे.

ञ्चाम बैठक

साल में कम से कम एक मर्तवा सोसाइटी के मेन्वरों की एक आम बैठक होगी.

सालाना आम बैठक की कार्रवाई

सोसाइटी की सालाना जाम बैठक में इन्तजामी कमेटी के उस साल के काम की रिपोट और उसके साथ सालाना चिट्ठा (बैलेन्स शीट) बैठक के सामने ग़ौर करने के लिये रक्खा जावेगा.

नोटिस

सोसाइटी की आम बैठक का नोटिस सब मेन्बरों को बैठक की तारीख से कम से कम एक महीना पहले भेजा जायगा.

कोरम

सोसाइटी की जाम बैठक का कोरम ग्यारह होगा.

ः इन्तज्ञामी कमेटी

सीसाइटी के सब काम इन्तज्मी कमेटी (गबरनिंग बाकी) के अखितवार में होंगे, वही उनका। इन्तजाम करेगी और सोसाइटी के मकसदों को पूरा करने के जिये सब बाकरी करवा उठायेगी और देख मात बरेगी. هر مسور سوساللی کو لیگ رویه ساقت جفیه ا

عرایسا منبوجو لیک بار میں سو وزیدہ یا ویادہ یے کا وندگی بہر سوسائٹی کا منبر (لائف منبر) یکا .

پرست (پهترن)

جو لوگ یانے سو روپیہ یا اُس سے زیادہ چادہ دیاگے کے نام سوسائٹی کے سرپرسٹوں (پیٹرن) میں لکھے نیائلے . ''

سوسائتی کے مهدلادار

مالکی کے صدر

. هري مبدالمجيد خواجه ايم ايل ، أدا بهرستر، بعر مقرل عليكوه .

سائٹی کے نائب صدر (وائس پریسیڈنٹ)

عب دارتر مبدلحق تیات سمریتری انجمن ترقی اردو ، کراچی (پاکستان) ،

العظامی کمیٹی کے سکریٹری اور خزانچی سوسائٹی کے سکریٹری اور خوانچی ہوں گے ،

سائی سیں کم سے کم ایک مرتبہ سوسائٹی کے مسبوری ایک عام بیٹیک عرکی ، آئے عام بیٹیک کی کارروائی

سوسائٹی کی سالانہ عام بھٹھک میں انتظامیکمیٹی اُسی سال کے کام کی رپورٹ اور اُس کے ساتھ سالانہ چٹھا ایٹلیس شہت) بیٹھک کے سامنے غور کرنے کے لگے رکھا اُورٹا ،

سوسائگی کی دام بیٹوک کا نوٹس سپ ممدروں کو ایک کی تاریخ سے کم سے کم ایک مہیلے پہلے بھیجا انگا

> سوسائلی کی دام بهتهک کا کورم گهاره هوگا . هاند کستگ

موسائلی کے سب کام انتظامی کمیٹی (گورندگ نی) کے اختمار میں ہوں گے' رہی اُن کا انتظام کریکی موسائلی کے مقصدرں کو پورا کرنے کے لئے سب فاروری نے الیائیکی اور دیکھ بھال کریکی۔

मेम्बर

- (1) श्री श्रब्दुल मजीद खगजा एम. एल. ए., वैरिस्टर, समी मंजिल, अलीगढ़ (सोसाइटी के सदर).
- (2) डा. अञ्दुल हक डी. लिट, सेक्रेटरी अंजुमन तरक्की खर्, कराची, (पाकिस्तान)
- (3 हा. सय्यद महमृद् पी. एच. ही., हेवलपमेन्ट मिनिस्टर, पटना.
- (4 मौलवी सय्यद सुलेमान नदवी, लेखक, दारुल-मुसिन्नकीन चाज्मगढ़
- (5) श्री मंज़र झली सोखता, सेवा कुंज झाश्रम, गंगा घाट, उन्नाव.
- (6) भी बी. जी. खेर, प्रीमियर, बम्बई प्रान्त, बम्बई.
- (7) श्री एस. के. कट्टा एम. ए. (केन्टब), प्रोफेसर इलाहाबाद यूनीवरसिटी, इलाहाबाद.
- (8) महात्मा भगवानदीन, एडीटर 'नया हिन्द' 145 मुट्टोगंज, इलाहाबाद.
- (9) सेठ पूनमचन्द राँका, राँका कालोनी, नागपुर.
- (10) काज़ी मोहन्मद भन्दुत रामकार, सेकटरी भंजुमन तरक्रकी बदू, भलीगढ़.
- (11) श्री भोम प्रकाश पालीवाल, पत्रकार, किरोजा-बाद, आगरा.
- (12) पं. विश्वम्भर नाथ पांडे, पडीटर 'विश्ववाणी? 142, साउथ मलाका, इलाहाबाद.

खुजान्बी

डा॰ ताराचन्द एम॰ ए०, डी॰ फिला॰, सेकेटरी ऐजुकेशन मिनिस्ट्री, 22 औरंगखेब रोड, नई दिल्ली.

सेक्रेटरी

पं अनुदरलाल, पड़ीटर 'नया हिन्द', 145, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद.

सोसाइटी के क्रायदे

मेम्बरी

इर औरत या मर्व जिसकी छमर 21 साल से उतर हो, बाहे किसी भी धर्म, जात या पोलिटिकल पार्टी का हो, सोसाइटी का मेन्बर हो सकेगा, बशर्ते कि वह उत्तर लिखे सोसाइटी के मक्तसबों से इसकाक करता हो, साथ में दिये हुवे मेन्बरों के एजान पर दस्तकत कर है और इन्तजामी क्रोडी के मेन्बरों की कसरत राम उसके नाम को मंजूर

- (1) هونی معدالمعجید خواجه ایم ، ایل ، لیے؛ پهرسائر! سنهم مقول علی کوه (سرسائٹی کے صدر)
- (2) دَاکلر مبدالحق قینت' سکریٹری انجس ترقی اُردو' کراچی' (پاکستان) ،
- 3) دَاكَلُو سَهِدَ مُتَعَمُودَ فِي . أَيْجٍ . دَى . أَ دَيُولَيْمَلُتُ مُاكِلُونِهُ مُنْ . مُلْسِلُونُ يَكُلُكُ .
- (4) مولوي سود صلهمان تدوي الهكهك داوالمصلفهن (4) أعظم كده . المطلم كده .
- (5) هری منظر علی سوخته' سهوا کلیم آشرم' گلکا گهاه' آنای
- (6) هري بي . جي . کههرا پرينهرا بنبگي پرانت^ا بنبگي ،
- (7) شری ایس ، کے ، زدرا ایم ، اے' (کھلٹب)' پروفهسر العآباد یونهورسٹی' العآباد .
- (8) مهانما بهگوان دین' ایدیتر 'نیا هند' 145' متهی گلمخ' الهآباد .
 - (٩) سهتم پوئم چدد رانکا رانکا کالونی ناکهور.
- (10) قاضى محمد عبدالغفار معريتري انجمن ترقى أردو على كوه .
- (11) شرى أرم پركاهى پالهوال پتركار فهروزآباد أ أفرة .
- (12) يلقت بهمبهر ناته باندَي، اتيتر 'رشررأني' 142 ساوته ملكا المآباد .

نچي

دَائِدُر تارا چند ایم اے'، دی فل' سکریگری ایچوکیشن منطقی 22 اورنگزیب رودا نئی دھلی ،

يتري

بنكت سندولال' أيدَيتُر 'نها هند' 145 متهى كنج' العياد .

سوسائتی کے قاعدے

٠٠

هر هورت یا مرد جسکی عمر 21 سال سے آویر هو چاھے ی بھی دهرم' جات یا پولیٹکل یارتی کا هو سوسائٹی کے سیر فوسکی گا' بھرطیکہ وہ آرپر لکھے سوسائٹی کے صدیق ہو آلفاق کرتا هو' ساتھ میں دئے هوئے ممبوئی کے ان پر مستخوف دو دے لور انعظامی کمیٹی کے ممبوری کلیت آل آل گا کہ منبطور کرنے۔

हिन्दुस्तानी कलवर सासाहटी भा

मेमोरण्डम आफ एसोसियेशन

नाम इस सोसाइटी का नाम हिन्दुस्तानी कलचर सोसा-होगा

मकुसद्

(1) पक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बदाना, फैलाना और प्रचार करना जो सब हिन्दुस्तानियों की मिली जुनी कलचर हो.

(2) ऐसे पढ़ाई घरों का कायम करना जहाँ इस हिन्दुस्तानी कलचर की तालीम वी जाय और जिनके जरिये हिन्दुस्तानी कला और कलचर के सब अंगों की जानकारी फैले.

(3) ऐसे किताय घरों का कायम करना जहाँ हिन्दुस्तान की तारील की पढ़ाई और झान बीन की जा सके; ताकि हमारी सभ्यता के कारनामों की जांच हो, और सब धर्मों, जलसकों, अद्बों, वरोरा की खोज हो सके.

(4) एकता फैलाने के लिये किताबों, अख़वारों, रिसालों वरौरा का छापना और निकालना.

(5) सभागों, कानफरेन्सों, लेकचरों का इन्तजाम और सब इस तरह के कामों का करना जो एकता बढ़ाने के लिये ज़रूरी समसे जावें. सब बमों, जातों, बिरादियों और फिरक़ों की समाजी सेवा करना जिससे आपस में मेल बढ़े.

(6) इन सब लोगों और सोसाइटियों की मदद करना जिनका मक्सद हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मकसद से मिलता हो.

(7) उपया जमा करना और ऐसे सब काम करना जितसे सोसाइटी का मक्सद और सोसाइटी बनाने की रारक पूरी हो.

इन्तज्ञाम

सोसाइटी की एक इन्तजामी कमेटी (गवरानेंग बाडी) ी, इस कमेटी के सुपुद सोसाइटी के सब कामों का जाम होगा, वह कमेटी यह होगी —

र्-तामां क्रेपटी के सदर बात्रीह सगवानसाम रम० र०, बी० किट, बेखब, र बीर क्रेसीसर, कारस,

هندستانی کلپور سوسائش ۲

ميموريندم أف ايسوسي ايشي

نام اس سوسائلی کا نام هندستانی کلنچو سوسائلی هوگا . م

ملصد

1-ایک ایسی هندستانی کلچر کا برهانا پهیلانا اور پرچار کرنا جو سب هندستانیوں کی ملی جلی کلچر هو .

2 ایسے پوھائی گھروں کا قائم کرنا جہاں اِس ھندستانی کلچو کی تعلیم دی جائے اور جلکے فوریمے ھندستانی کا اور کلچو کے سب انگوں کی جان کاری پھالے ،

8 ایسے کتاب گهروں کا قائم کرتا جیاں هقدستان کی تاریخ کی پوهائی اور چہان بھن کی جا سکے تاکه هماری سبهیتا کے کارناموں کی جانبی هو اور سب دهرموں' فلسفوں' ادبوں وفهرہ کی گهری هو سکے .

الكتا بهمال كي الله كتابون المبارون وسالون ولي المبارون وسالون والمبارون وا

5 سبهاؤں' کانفرنسوں' لیکچروں کا انتظام اور سب اس طرح کے کاموں کا کرنا جو آیکتا پوجائے کے لئے ضروری سمجھے جاویں ، سب دھرموں' جاتوں' برادریوں اور فوتوں کی سماجی سہوا کرنا جس سے آیس میں میل ہوھے ،

6 ۔ أُن سَبُ لوگوں أور سوسائتيوں كى مدد كرنا دون كا مقصد هندستاني كلىچر سوسائتي كے مقصد سے ملعا هو .

7 --- ررپیم جمع کرنا اور آیسے سب کام کرنا جوں سے سوسائٹی کا مقصد اور سوسائٹی بقائے کی فرض پررس ہو ۔ پررس ہو ۔

تعطام

سوسائٹی کی ایک انعظامی کمیٹی (گورندگ ہاتی) موالی اس کمیٹی کے سیرد سوسائٹی کے سب عاموں کا افتظام هوگا ، ولا کمیٹی بلد هوگی :---

العظامي کيهائي کے مردر

قاکار بیکران داس ایم ، لی کیلت. لیکهک وابعی ارو ومهلدار پدارس ، तरीकों को अपने मकसद के पूरा करने के लिये कर में सावें—

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बदाना किताना और प्रचार करना जो सब हिन्दुस्तानियों की मिली जुली कलचर हो.
- (2) ऐसे पढ़ाई घरों का कायम करना जहाँ इस हिन्दुस्तानी कलचर की तालीम दी जाय, और जिनके जरियें हिन्दुस्तानी कला और कलचर के सब अंगों की जान-कारी फैले.
- (3) ऐसे किताब घरों का कायम करना जहाँ हिन्दु-स्तान की तारीख़ की पढ़ाई और छानबीन की जा सके ताकि हमारी सभ्यता के कारनामों की जांच हो, और सब धर्मी, फलसकों, अथबों बरौरा की खोज हो सके.

(4) पकता फैजाने के लिये किताबों, अखवारों,

रिसालों वरौरा का छापना चौर निकालना.

- (5) सभाश्रों, कानकरेन्सों, लेकचरों का इन्तजाम जौर सब इस तरह के कामों का करना जो एकता बढ़ाने के लिये जरूरी समसे जानें. सब धर्मों, जातों, विरादिर्यों जौर किरकों की समाजी सेवा करना जिससे आपस में मेल बढ़े.
- (6) इन सब कीगों और सोसाइटियों की मदद करना जिनका मक्षद हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मक्सद से मिलता हो.
- (7) रुपया जमा करना और ऐसे सब काम करना जिनसे सोसाइटी का मकृसद और सोसाइटी बनाने की रारज पूरी हो.

सुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 1) ایک ایسی هددشتانی کلمهر کا بوهانا ایمیلانا اور پرچار کرنا جو سب هددشتانهوں کی ملی بغلی کلمهر هو.

A Sur Ly ha Frankly

 ایسے پوھاٹی گھروں کا قائم کرنا جہاں آس!
 مقدستانی کلنچو کی تملیم دی جائے اور جائے قریمے مقدستانی کلااور کلنچو کے سب انگوں

کی جان کاری پھیلے ۔

(3) آیسے کتاب گهروں کا قائم کرنا جہاں هندستان کی تاریخ کی پوهائی اور چهان بهن کی جا سکے تاکه هماری سبهیتا کے کارناموں کی جانچ هو اور سب دهرموں قلسنوں ادبوں وفیرہ کی کهوج هو سکے ،

(4) ایمعا پهیدنے کے لئے کتابوں اخباروں رسالوں

وفهره كا جهاينا أور تكالنا .

(5) سبهاوں' کانفرنسوں اور لیکھررں کا انتظام اُور سبهاوں' کانفرنسوں اور لیکھررں کا انتظام اُور سب اِس طرح کے کاموں کا کرنا جو ایکٹا ہوھانے کے لئے فرروری سمجھے جاویں ، سب دھرموں' جاتوں' ہوادریوں اُور فرتوں کی سماجی سموا کرنا جس سے آپس مہن میل ہوھ .

(6) اُن سب لوگرں اور سوسائٹھوں کی مدد کرنا جن کا مقصد هندستانی کلنچر سوسائٹی کے

مقصد سے ملتا ہو .

(7) روبهه جمع کرنا اور ایسے سب کام کرنا جن سے سوسائٹی کا مقصد اور سوسائٹی بقائے کی فرض پوری ھو .

سندرلال سكريترى؛ هندستاني كلىچر سومانتى

'नया हिन्द' की छमाही बँधी हुई बिदया जिल्दें

जुलाई सन 1946 से जून सन 1951 तक की. क्रीमत हर जिल्द की सिर्फ की कपया.

नोट-शुरू से भाज तक की कुल जिल्हें सरीदने

— मैनेजर 'नया हिन्ह' 145, सुद्वीगंज,

انیا هندا کی چهماهی بندهی هوئی بزهیا جلدیں

جولائی سن 1946 سے جوں سن 1951 تک کی . قیمت ہر جلد کی صرف جه ردیعہ . نوعوسشورع سے آج تک کی کل جلدیں شوید نے پر ذاک غورے معاف

سسمیلیجر 'نیا هلد' 145' متهی گلج' الدآیاد . ीवी को निर्मान हैं की इसे निर्माण प्रश्न दिन्द के माली।

ार की पेंची करफोर्च छोकती वर्षणी जिल पर इमारी।

समझ क्षण हो, जिल मुसीवर्कों में हवार देस माई ज क्षणे हुए हैं वह सब पर एक छा जसर डालती हैं.

हु मुसलसान जीर सब बरावर ही चनके शिकार हैं.

लिये चनके हर करने की तदवीरें सब को मिलकर निकासनी पहेंगी.

हमारे इस काम का सब से चकरी पहलू इससाकी नैतिक है. जिन्द्गी की हार ने हमारे दिलों को झीटा दिया है. हमें इस तंगी को दूर करना है. हमें अपने तों को इतना बड़ा, अपनी आत्माओं को इतना ऊँचा गता है कि हर हिन्दुस्तानी की मसाई में हम अपनी गई देखें. हमें अपने अन्दर की उन दीवारों को गिराना जिन्होंने हमें छोटे छोटे घरौंदों में बन्द कर दिया है. प्यार और मुह्डबत की जब को सींचना है जिसकी एफेलकर हमारे सब देस भाइयों को अट्ट रिशतों में घ दे.

ऊपर हमने आदशों की बात कही है और जीवन वनियादी असूलों और सब मकसदों की चर्चा की है. ाने बताया है कि इर भादमी का दिल ख़ुदा और ख़ुदी, मार्थ और स्वार्थ, सब के भने और अपने सुख की हिश की निरंतर लड़ाई का मैदान है. हम कह चुके हैं बादमो की अपनी अपनी जरूरतें और समाज की बरतें जुदा जुदा हैं. हमने कहा है हिन्द्स्तान के अलग लग फिरकों और विरादियों की जिन्दगी मिलाकर तरह (ह के मोतियों की एक लड़ी के समान है और हमारे व धर्मी के अन्दर एक सचाई की रोशनी है. हमने इस त की जरूरत बताई है कि हमें सोच समम कर वहे गने पर अपनी माली तरक्षकी की एक तजबीज तैयार रती चाहिये. इसने अपने काम के राजकाजी, तालीमी, माजी, माली, मजहबी और इखलाका पहलु मों की तरक गन दिलाया है. इन सब बातों का निचीड़ यह है कि हम क नये हिन्द्स्तान को जन्म देना चाहते हैं, ऐसे हिन्द्स्तान ो जिसके सारे रहने वालों का फकाव जीवन की तरफ क सा हो, सब समाज और नीति के एक से आदर्श लते हों, और सब सब धर्मों की बुनियादी एकता में यकीन रते हों.

काम कठिन है और इसके बहुत से रुस हैं. ते किन उसत में काम एक ही है. इसे पूरा करने के किये बाहिये के वह सब तोग जो दिग्दुस्तान के इस फिरकों और गरोहों के मेंक में विश्वास रक्षते हैं, जो एक मिली जुली देन्दुस्तानी कलकर के हामी हैं, मिलें. इस तोगों ने इस क्सव को हासिस इसने के लिये यह तजवीन की है कि कि सोसाइसी कासूब हुएं. हमारा इरावा है कि तीने विस्ते فرینی کو مثال ہے کو فیون ملکو کل کھی ہوگی سنجاز کی ایسی ترکیبیں سویعلی پوپلگی ہوں ہو شاری پوری سنجھ کرے ہو۔ جن مصیدھوں میں ہاڑا ہے کیس بھائی آج کرے ہوئے میں وہ سب پر ایک سا اللہ قالتی جیں ۔ ھفدو مسلمان اور سب برابر ھی اُن کے شکار جیس ۔ اِسلئے اُن کے دور کرنے کی تدبیریں بھی سبکو مٹکر ھی دیائٹی پوپٹگی ۔

المدارے اُس کام کا سب سے ضروری پہلو اُخلاقی یا تھتک ہے ، زندگی کی هار نے همارے دلوں کو چھوٹا کو دیا ہے ، همیں آئے دلوں کو اُنٹا ہے ، همیں آئے دلوں کو اُنٹا ارتجا بدانا ہے که هر الفا یوا اُنٹی بھلائی میں میں ہمائی بھلائی دیکھیں ، همیں آئے اندر کی اُن دیواروں کو گرانا ہے جھھوں نے همیں جھوٹے کھروندوں میں بند کر دیا ہے ، اُس بیار چھوٹے کھروندوں میں بند کر دیا ہے ، اُس بیار اور محصص کی جو کو سیجٹا ہے جسکی بیل پھیل کر همارے سب دیس بھائیوں کو الوق رشتوں میں باندھ دے ،

اوپر هم نے آدرشوں کی بات کہی ہے اور جھوں کے بلهادس أمولوں أور سجے مقصدوں کی چرچا کی ہے . هم نے متایا کے که هر آدمی کا دل خدا اور خودی پر مارته اور سوارتها سب کے بہلے آور ایے سکه کی خواهش کی تونادر الوالي كا مهدان هے . هم كه، جكے هيں كه آدسي كي أيني اید فرورتهی اور سماج کی فرورتهی جدا جدا همی . هم نے کہا ہے که مقدستان کے الگ الگ فرقوں اور برادریوں کی زندگی ملا کر طرح طرح کے موتدوں کی ایک کوی کے سدان ھے اور عمارے سب دھرموں کے اندر ایک سجائی کی روشقی ہے ۔ ہم نے اس بات کی فارورت بعالی ہے گا همیں سوچ سمجھکر ہونے پہمائے آور ایکی مالی قرقی کی ایک تجویز تهار کرنی چاهائے، هم نے ابھے کام کے راہ کاجی تعلیسی سماجی مالی مذهبی اور اخلاقی بهلووں کی ا طرف دهیان دلایا هے۔ ان سب باتوں کا نجور یہ هے که هم ایک لئے هددستان کو جنم دینا چاهتے هیں ایسے عليدستان كو جسكم سارم رهام والرن كا جهكاؤ جهون كى طرف ایک سا دو سب سمام اور نبعی کے ایک سے آدوش والعظم هون أور سب سب دهرمون كي يتهادي أيكتا مهن المحمد كرتے هوں .

کام کتمی ہے اور اِس کے بہت سے رمے میں۔ لیکن اصل میں کم ایک می ہے ۔ اِسے ہورا کرنے کے لئیے جامئے کہ وہ اسٹیا لوگی جو مقدستان کے کل فرقین اور گروموں کے میل میں وشواس راہتے میں جو ایک ملی جلی مقدستانی کلتھ کے نصامی میں ملیں ، مم لوئیں نے مقدستانی کلتھ کے نائے یہ تجویر کی ہے کہ گئے یہ تجویر کی ہے کہ گئے۔

होते रहा विकान बाका नहीं विकास इसीकिये बकरों है कि कह ऐसी जमात बनाई जाय जो इट, बदासी और ब्राह्मक को बकावटों को नये समाज के रास्ते से दूर कर है खीर बन सब ताकतों को बढ़ाये जो समाज के बन्धनों की संबद्ध करती और राज के इन्तजाम को संवारती है.

हमें ऐसे लोगों को साथ लेना है जिन्हें अपने देस के आती बाले अव्यान का पूरा यक्षीन है, जो देस के सवालों पर तंगनजारी के साथ जुदा जुदा फिरकों की अलाई के सबालों से विचार नहीं करते, जो सम्प्रदायों और फिरकों के कलें से विचार कर बीरज नहीं खो बैठते, जो कोशिश करते हैं कि हर तरह से देस की रंग बिरंगी रस्मों और रिवालों का एक दूसरे से मेल बैठा कर इकरंगी सभ्यता कायम करें. देसे भाइयों और बहनों को एक जत्थे में लाना है ताकि बह एक ऐसी सभा बनावें जिससे मेल और मुहब्बत का संदेश सारे देस में फैल सके.

इस सभा का काम जितना जिम्मेबारी का है उतना ही कठिल भी है. इसका सम्बन्ध हमारी जिन्दगी के सब यहलाओं से हैं. इसके दो पहलू हैं. एक तरफ तो आपस के इन शकों को दूर करना है जो इमें एक दूसरे से अलग करते हैं. दसरी तरफ इमें देस के सब लोगों को लेकर एक मिसी जुसी जिन्हगी का नया वाना बाना तैयार करना है, यह काम राजकाज से भी सम्बन्ध रखता है पर इसका वायरा राजकाज की हवों से बहत बाहर तक फैला हजा है. हमें वह जानकारी, वह इल्म, वह समम पैवा करना है जिसके जरिये हम अपने को और एक इसरे को पहचान सकें. ऐसे जादशों को क्रायम करना है जो सब को अपनी तरफ खींचें, सब के दिलों पर एक सा असर बालें. सब को मिलाकर एक राह पर चलने का न्यौता दें. नाममंत्री को दूर करना है, जहातात से तदना है, बीते जमाने की एलमानों को सुलमाना है, एक दूसरे के अदबी कारनामों, एक दूसरे की मचहबी खुबियों, एक दूसरे के बतान की अवाहयों को एक दूसरे पर काहिर करना है. सच्या प्रेम तभी पैवा होगा जब हमारे दिलों में एक दूसरे की इजबात होगी बौर एक दूसरे की इजबात के लिये एक दसरे को ठीक ठीक जानने और सममले की पहरत है.

यह काम मेल मिलाप का है. लोगों के जीवन में, जाए दिन के कारवार में सेकड़ों मोकों पर वक दूखरे का संग खाब होता है. हम मदरखों पाठशाकाओं में, कारवानों हकानों में, हाट वाजारों में, खेल कूद तमाशों में, मेलों स्वोदारों में पक दूसरे से मिलते हैं. संगत हमें एक दूसरे के पास जाती है, हमें प्रेम जीर दोस्ती की डोरिपों से बांबती है. पेशों और पन्यों, एसकारी और कारीगरी, ज्योवार और लेनदेन में भी हमारे सभी देशकासियों को कारवार से व वास्ता पड़ता है. जगर हमें जानने देस की

اس سبها کا کام جندا فامرزاری کا هے أندا هی كتهن می ہے . اس کا سمیندہ هماری وندگی کے سب پہلروں ہے تھے ، اس کے دو پہلو ھیں ، ایک طرف تو آپس نے اُن شکوں کو دور کرنا ہے جو همهی ایک دوسرے سے لگ کرتے میں ، دوسری طرف همین دیس کے سب لوگوں او لیکر ایک ملی جلی زندگی کا تها تانا بانا تهار کرنا ہے ، یہ کام راج کام سے بھی سمبلدھ رکھتا ہے ہر اُس کا دائرہ راے کاے کی حدول سے بہت باہر تک پہیلا ہوا ہے: همهن ولا جان كارى ولا علم ولا سنجه يهذا كرنا هـ جسك دريعي هم ابي كو اور ايك دوسرے كؤ چهچان سكهن ، ايسيم آدرشوں کو قائم کونا هےجو سب کو ایڈی طرف کھیفتھیں ۔ سب کے دلوں پر ایک سا اثر ڈا ہی اسب کو ملاکر ایک راه پر چلتے کا نیوتا دیں ، ناسمجھی کو دور کرنا ہے'۔ جمالت سر لونا هرا بهتم زمان كي ألجهلون كو سلجهانا ھے ایک دوسرے کےادبی کارناموں آیک دوسرے کی مذہبی خوبهوں' ایک دوسرے کی بھان کی اُولٹھاگھوں کو ایک درسرے پر ظاهر کرنا ہے . سنچا پریم تمهی بهدأ هوگا جب همارے دلوں میں ایک درسرے کی عوص طوکی اور ایک توسرے کی مرت کھائے لیک دوسرے کو تھیک تھیک جانئے اور مستجھانے کی ضرورت ہے .

یہ کا میل مائی کا ہے۔ لوئوں کے جھون میں آلے اس کے کوربار میں سیکٹوں موقیوں پر ایک دوسرے کا سلک برای میں ہے کہ مدرسوں بائیڈ ٹوں جوں کرخانوں درکیں میں ہو کا بازاورں میں کیمل کود تعاقبوں میں میں ایک میسر آلک دوسرے یہ ملکے میں مسلکت میں ایک میسر کی باش ائی ہے مسین بولم اور دوستی کے باش ائی ہے میسر بولم کی مسین بولم اور دوستی ایساں بولی سینی میں میں میں میں اور دیستی بولم ایساں بولیا ہوتا ہے۔ آئر میس اور دیستی بولم And the second of the second o

विकार प्रमाने में हातर एक मणबूट मीर प्रमूरत सम्भवी की शानकृष्ट इसारत कड़ी कर की थी. यह इस बनाइ से कि हिन्दू धर्म ने बापनी बाह्या के भीतरी कु ज में इसकास को जगह ही और अपने प्रेस के दायरे को बड़ाकर उसमें इसलामी विवारों को घेर लिया. विसंसे क्सकी अपनी संगनवारी कर्म हुई. ऐसे ही मुसलमानों ने भी हिन्दू मजहन और शक्सके के ऊँचे असलों को भापनाचा जिसका नतीजा यह दुवा कि धनका भापना बहुरपन नरम पदा, दोनों ने मिलकर एक ऐसी सम्यवा को पैदा किया जिसमें अपनी आनवान और बतवूते से दुनिया को अवरज में बाब दिया. बाज हमें बतीत की इस रीत को जगाना हैं. अपने प्रराने वजुरवों को नई हासतों में फिर से दृहराना है. अपनी रवादारी और प्रेम की मूली हुई रसमों को एक बार फिर से जगाना है. हिन्द और मुसलमानों की भारमा के बाइने से भाषायापी के मैत को साफ करना है, ताकि वह अपने हक्तिकी, असकी हर को पहचाने और अपने में दूसरे को और दूसरें में अपने को देख अपनी एकता को सममें और उसका रस हैं.

वही मुद्दत से हमारे मुल्क के लोग करट सहते, दुक एठाते, उस दिन की बाट जोह रहे हैं जब एक नए हिन्दु-स्तान का जन्म होगा. यह दिन तो आयेगा ही इसमें कोई हाक नहीं. पर हो सकता है कि हमारी निगाह की कमजोरी या अपने अपर भरोसे की कमी क्स दिन के आने में देर लगा दे. याद रखना चाहिये कि होनहार होकर रहेगी. बसका टालना नामुमकिन है. आएं वह सब लोग जिनकी आंखें आजकता के आपसी मनकों से धुं खता नहीं गई हैं. आएं और नई आजावी के सूरज को अपनी पूरी आवताब के बाब चगता देखें. हमें यहीन है कि दस सुरज की रोशनी में राक और शुवह के बादल बद बाजने, दुक्तिया और विरोध का कुहरा दूर हो जावगा कार नेक और मुद्दाकत का बाक आसमान हमारी आंखों

इस महत्त्वत्र को इसका करने के किन्ने हुनों एक संगठन के कारण है कमारे तेल में बहुत के वेले कोण हैं को देल का एक पहिलों को बनामने हैं कि तत्त्व किएकों कीर किर्मा के कि जोन कामको सर्वामी में हो हमारा भन्ना के कामको किसा है देले कोम के कमी नहीं हैं जो कामकों किसा को कीर निस्ता अस्तम होने हैं कि अन्ते

جالعهان زمان مين هم لاأيك مقبوط أور خوبصورجو ومعالکی شاندار مدارت کهوی کر لی تهی ، وه اس ا شد که عددو دهرم نے لینی آتما کے بوعدوں کلیم مهن کو جاکہ میں اور اسے بریم کے دائرے کو بوطا کر اس السلامي ويهاوون كو گههر لها الجس مد أسكى رايفي الطرق كم هولي ، أيس في مسلمانون لم يعي البو مقدمي أور فلسلم كم أوتجم أصولون كو أيشايا جسكا جع یہ حوا که أن كا اينا كارين نوم ہوا . دونوں نے مل ایک ایسی سبهیتا کو پیدا کیا جس نے ایڈی آن بان بال عوق بعد دنها عو الهرج مهن قال ديا . آي همهن عد كي أس ويمع كو جكانا هـ . أه يرال تعوريون كو ي مالتين مين چهر سے دورانا هے . ايني وواداري اور ر کی بھولنی ہولی رسموں کو ایک بار بھر سے جاتا وهندو ارو مسلماقوں کی آتما کے آٹھٹے سے آیا دھاپی شهل کو صاف کرنا هـ ٔ تاکه ولا الله حقیقی اصلی روب المنتخالت اور آن منهن درسرے کو اور درسرے مهی ابنے بَيْكِم أَيْنَالُي أَيْكِمُا كُو سَنطِهِينِ أَوْرَ أُسْكَا رَسِ لَهِنْ .

نہوں صفت ہے ہمارے ملک کے لوگ کشت سپتے الک نگے المائے آبس من کی بات جوہ رہے ہیں جب ایک نگے سپتے کی نامیدن کا جائے کا ہی اسیس کوئی سپتی ہیں۔ پر ہو سکتا ہے کہ ہماری نکاہ کی کمزوری یا اور بھروہ کی کسی اُس دان کے آلے میں دیر لگا دے ، راجعا جائے کہ ہونہار ہو کر رہے گی ۔ اُس کا ٹالقا بھی جہگروں ہے دعقدلا نہیں گئی ہیں ، آئیس اور پہتی جہگروں ہے دعقدلا نہیں گئی ہیں ، آئیس اور پہتی ہوری آب جاب یا اور نگی آزادس کے سورج کو ایلی پوری آب جاب باقی اور نگی آزادس کے سورج کو ایلی پوری آب جاب باقی اور نگی آرادس کے سورج کو ایلی پوری آب جاب ہانے ہیں ہمیں جائیں گے ، بادل جہت جائیں گی میں ہوائیں گے ، بادل جہت جائیں گے ، بادل جہت خائیں گے ، بادل کے جائی گے ، بادل جہت خائیں گے ، بادل کے جائی گے ، بادل کے جائی گے ، بادل کے جائی گے ، بادل کے بادل کے جائی گے ، بادل کے جائی گے ، بادل کے بادل

کی مقصد کو حاصل کرتے کے لئے مدیس ایک سلکھوں بورٹ کے حدارے دیس میں بہدت سے ایسے لوگ جو دیس کا بھا جائیٹ میں ' جو سنجیجے میں کہ اگری اور ایرفین کے جو اور آیسی سنجیوئے جوں ساوالیں اور ایرفین کے جو ایسے لوئیں کی قبیل نہیں ایسٹے کیکے ساتھیں لیو ترایش شمارم مرتے میں کہ آلیوں

यह आशाय क्षेत्र भी है. लेकिन इस खेंचातानी में इमें वह नहीं भूव जाना चाहिये कि हकूमत ही जिन्दगी का सकसद या क्षेत्र नहीं है. हकूमत तो एक हथियार है. इस हिम्बार से अगर जादमी और समाज की जिन्दगी का अस्था मंशा पूरा होता है तो हथियार अञ्जा है, सराहने सायक है, और अगर इससे इनसानी जीवन के सक्षेत्र मतलब के हासिल करने में रुकावट पड़ती है तो

इषिचार गुरा है नकरत के क्राविल है.

दुनिया की वारीख, जुद अपने समाज का तजुरना कौर अपनी समम, सन इमें यही नताते हैं कि हकूमत की वाकत का दारमदार लोगों के मेल मिलाप पर, समाज के संगठन पर जीवन के बुनियादी असूलों और असली नन्ने जुकसान की एकता पर हैं. जहाँ लोगों के मकसद एक होते हैं और उनके मन मिल जाते हैं, वहाँ उनके दिलों में एक सी थमंगों की लहरें उठती हैं, उनकी मुजाओं की रगें पक साथ फड़कती हैं, उनमें हिम्मूत, हीसला और बल बढ़ता है. इसके खिलाक जहाँ बुनियादी असूलों पर लोगों की रायें जावा जुदा होती हैं, जहां उनके विचारों में करक और जीवन के मकसदों में विरोध होता है, वहाँ सारे समाज के बदन में कह रक उक कर चलता हैं और समाज के रग पहुं डीले पह जाते हैं, जिसकी बजह से लोगों के पालचलन और इसलाक सब में कमजोरी था जाती हैं.

दक्रमत समाज की वह जमानत है जो जापस के समम्मीते पर ही कायम रह सकती हैं. क्योंडी इस सममीते हैं विचन पड़ा, एक दूसरे का मरोसा छठा, स्पोंडी राज की साख दृढी और ताकत का मारा होने समा, हिन्दुस्तान को चस की जरूरत है, पर हभी यह साम केना चाहिये कि यह पड़ा कोमी जातमा की एकता में ही बास करता है. जगर किन हिन्दुस्तानी एक बार अपनी जातमा की दुविधा को सिक हैं, अपने बाप को पहचान के को हक्कार की दाकत

یہ آواز ٹھیک بھی ہے۔ لیکن اس کھیفتھا تانی میں معیں یہ نہیں بھول جانا جامل کا حکومت ھی راندگی کہ مقصد یا دھیں نہیں ہے۔ بحکومت تو ایک محیوار ہے ۔ اس محیوار سے اگر آدمی اور سماج کی زندگی کا اصلی سفھا پورا ہوتا ہے تو محیوار اچھا ہے' سراھئے لائی ہے' اور اس بے انسانی جیوں کے سجے مطلب کے حاصل کرئے میں رکارت پونی ہے تو محیوار برا ہے' نفرت کے قابل ہے ۔

دنیا کی تاریخ' خود آی سمانے کا تجربہ اور آیکی سمجھ'
سب همیں یہی بھاتے ہیں کہ حکومت کی طالعہ با
دار مدار لوگوں کے میل ملاپ پر' سمانے کے سفگٹھی پڑا
چیوں کے بلیادی اسولوں اور اصلی نفع فقصان کی آیکھا
میں مل جاتے ہیں' وہاں آنکے دلیں سمی ایک سی اسٹکوں
کی لہریں آتھتی ہیں' ان کی بہت اون کی رکین آیک
ساتھ بہوکئی ہیں' ان میں ہست' جوملہ اور بل بوھٹا
ہے۔ اسکے خاف جہاں بلیادی اسولوں پر لوگوں کی رائیں
جدا ہوتی ہیں' جہاں الکے وجاروں میں فرق اور
جدا ہوتی ہیں' جہاں آگے وجاروں میں فرق اور
بین میں لیو رک رک کر جاتا ہے' وہاں سارے سمانے کے رگ پائیں
بین میں لیو رک رک کر جاتا ہے اور سمانے کے رگ پائیں
تھیلے اور جاتے ہیں' جس کی وجہ سے لوگوں کے نہال جاتے
اور الکاتی سب ہیں کیورٹ کے ایک جاتے ہیں۔

इसके बाद अब हमारी वारीस का मंमला समाना ाबिरी सांसें से रहा था, परिस्ता सम्यता हमारी सम्यता दकराई. इस सुदभेक का नतीजा यह दुका कि हमारे देस नय विवारों, नई शक्तियों ने घर कर लिया. इमारे पुराने ज दृटे, हमारे ज्योपार और धन्वों का पुराना ढांचा कर-पूर हो गमा, लेकिन फिर कुछ दिनों बाद ही दूटे खंडरों विकरी हुई ई'टों में एक नई इमारत के आसार दिखाई रे लगे. मुद्दी बदन के अंगों में जिन्दूगी के तिशान महकते ो. नए जीवन और नए खयाजों के असर से एक नई कीस ाती दिखाई दी समाज के एक नए पुतके की राक्त वार होने बागी. इस पुतले में नई जान और नई ताकत इसमें एक नई एकता का अनुपम भाव है. अब अगर इस ता या उसके रंग रूप को फिरफ़ों के मगदे, सूबों की जड़ा-ाँ, धर्मों के बसेड़े विगादना बाहें तो तुकसात छन्हीं का है ।। करना अमाने के बहाब के जिलाफ समाज की नाब को टा बताना है. अवरत ने हमारे देख को पहाड़ों और समु-तें के एक भौकट में गाँचा हैं. इनहीं के पारिने कुद्रत ने र से इमका करने वालों के मुकाबले के लिये जासानियाँ र की हैं. इस देस की बरती में क्सने इबर कबर तक तरह ह के वन वीवत को ब्रितरा रका है. मौजी चकरवों की गह से ही नहीं खेत और बान की अपन के स्वयास से इमारा देस एक है. हर इलाके, पर कुछटे इलाके, का देसा सिंह और सहारा है कि सब मिल कर ही आराम की मारी पक्षर कर सकते हैं. इन पाई तो अपनी इस क्षर-यक्ता को बनाए रखें और बढ़ाएँ, बाहे दोनें और है विका दें इमारे असातवार में है कि चाहे अर्रत क्षत्र विकार अपने समाजी बीवन को दुवी बनाएं THE BEAUTIFE AND IN SALL BY BEING

إسكر بعد حب هداري تاريع لا ملتجهلا زمانه أخرى سائستان لے وقا لہا، پچھنی سبهیکا هماری سبهیکا س الله الله منت جهور كا تعميمه يه هوا كه هماري ديس میں دیے وہاروں تکی مکتیس نے کیر کر لیا ، همارے ولے اولے مدارے بہربار اور دھندوں کا برایا قعالتها والكورين في يتهوي دوثي ايقالون مهن أيك نأى ممارت ا المراد الله الله مرده بدن ك الكور مين اللقي كي تقان جهلكل لك ، نكر جهون اور نق خيالون و ایک تکی اوم بنادی دوعهای دی سمای کے ایک عد کی فکل تھار ہوتے لکی ۔ اس پعلے میں لکی المناوي أب الراس ايكتا يا أسك رنك روب كو وعیں کے جمعور و صوبوں کی لوالیاں دھرموں کے معمورے المان المان المان أنهين كافي . ايسا كرنا وماني ك و کے معال سانے کی ناور کو اُلگا جانا ہے ، قدرت لے مارے دیس کو یہاورں آور سمادروں کے ایک جوکہائے منان باندها هے . اُن هي ك دريح قدرت نے باهر سے كمله اس کے مقابلے کیلئے آسائیاں پیدا کی میں ، اس عی معرتی میں اس نے ادعر سے ادعر تک طرح الم المعنى لهدن كموت اور كمان كى أيم ك خمال س من مناراً دوس ایک ہے . هر علالے پر درسرے علالے کا ایسا معسد اور مهارا هے که سب ملکر هی آرام کی ولدگی ا سامع مهن . هم جاههن تو ايدي اس قدوتي ايكتا علا مين المساور المعلق في كه جالم الدرك كر ساله ملكر أفي سنابص جهوي كو سكوي بقالهن أورجاها أغربت کی ان فیستین کر تولاز کر جمیوسما پورک اور موس کا

हैं कियाद हैती हैं. सब्बें और हुआँ के इसकों की काफी ने इस सम्यक्त की नहीं की गंदाता किया. के किन उस त्कान की मीओं के बपेड़े धोमें पहते ही गुप्ता, सातवाइन और राजपुत राजों ने नहीं के बहाब को पेसे रजवहों में बांटा कि जिनसे मुक्त भर में जीवन की खेती सेराब हुई और समाजी सिक्तयानों को घटादूट मर देने बाक्षी कसल पैदा हुई, सारवाय और सांची के टोप, बाथ और अजंता की तसवीर, सजुराहो और मुवनेश्वर के मन्दिर, कालिदास और भश्मूति के नाटक इस सुनहते जमाने की जगमगाती सावगारें हैं.

कमाने ने फिर पताटा काया, और नई नई नसलों ने इमारे देसे में बेरा डाका. अरब, तुर्क और मंगोब हिन्दु-स्तात की संस्कृतों में घुते. उनके साथ समाज का पक नया संगठन आया, धर्म के नए असूक आएजिनका ढांचा मजबूत और जिनकी तरकीय पक्की थी. हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता ने इन आनेवालों से कड़ी टक्कर जी, लेकिन हाजकाज के मैदान में अभी दिलींचातानी बन्द न हुई थी कि फिर एक नई तहजीब के निर्मान का काम शुरू हो गया.

्रइसलाम और हिन्दू धर्म, जिन के बीव आसमान अमीन का अंतर जान पहता था, एक दूसरे के पास आये. क्क ने दूसरे ही अवाह गहराई में हिलोरें चठाइ. इनके बैंक से मिक और तसब्दुक का दरिया समंद पदा. प्रेम के मतवालों और इरक के वीवानों ने लोगों के दिलों को मोह किया । इस नए पंच के चलाने वाले साधू , संतों और करवेशों ने समाज और सम्यता पर गहरा असर डाला. कबीर, वानक, चैतन्य, तुकाराम, मुईनुदीन चिरती, बाबा करीर निजासुद्रीन भौजिया और इन सरीखे सैकड़ों लकी सम्तों ने समाज के जीवन में इलचल मचा दी. बडे बढ़े सम्राटों और शहरशाहों को इनके नये आदशों के क्षामने सिर मुकाना पड़ा. जिस लहर ने हिन्दुस्तान के वीक्त समुन्दर को धुर नीचे तक मथ डाला उसका असर संभवता के हर अंग पर पहना साजमी था. इसीलिये ममले जमाने की कलकर के हर पहला पर इस मेल की काफ दिलाई देती है. शायरी और संगीत में, इमारवों और वस्त्रीरों, में रहने सहने के तरीकों और वासवसन में, खेल इद और तमाशों में, मेलों और श्योहारों में, जावों और क्रिक्रों में, हर तरफ़, हर जगह नई जिल्हारी की बगक इंगक और गरमा गरमी महसूस होती है. नए अकिन की कार्गों में नई मौजों का उभार नवर काता है.

एक बार फिर सारा हिन्तुस्तानी समाज एकता के बार्गों में बँधा. समाज के जीवन की बुनियार काम धरों और क्योपार पर कायम होती हैं. इन्हीं पर समाज के विवाह का सहारा है. इनहीं बुनियारों पर कहा और फन, किया की दहन, जान और मार्क्स का पहल सवा होता

ري المجالي في المراجعين المراجعين الم لکن کی طال کی جرمن ع لیندے لے میں کونسا شامہ واقتی اور واجھوت واجھو نے باركر أيند ري بيول مين بانقا له جيء ملك المجهون كي كهناتي سهرات هولي اور سماجي كو النائوت يهر ديل والي قصل يهدأ هوكي . سار مالنهي کے توب بالہ اور اجلتا کے تصریبوں أور بهوتهشور کے منابعان کالی داس اور بهو بهوتی أس سلملن ومال كي جكمكاتي ياد كارين هون . ، نے پہر پانٹا کھانا' اور نکی نکی تسلیل نے منارے هور تيرا قالا عرب ترك اور منكول هندستان بوں مین گھسے ، اُنکے ساتھ سمایہ کا ایک نیا آیا کا دهرم کے لئے اصول آنے جن کا تعانیا مقبوط ے توکیب کی تھی ، هددستان کی پرانے سبههتا،۔ والرس سے کوی تعر لی ، لیکن راج کاج کے میدان ي كهيدها تاني بدد نه هوئي تهي كه بهر أيك ہے کے قرصان کا کام شروم ہوگھا ۔

'اور هاهو ذهارم' جلکے بہتے آسمان زمهن کا ابتر تھا! ایک دوسرے کے پاس آئے ، ایک نے دوسرے ا گهرائي مهي هلورين أتهائهن . إنك مهل سے ر تصوف کا دریا اُملق ہوا ، بریہ کے معوالوں اور دیوائیں لے لیگیں کے دلوں کو موہ بھا اُس کے پلکھ الرسادهوا سفتون اور درويشون فيسمام أور سههيتنا الر دالا , كيهر نانك جهتن تكارام معهن الدين بابا فريد نظام الدين أولها أور أن سريعه سهكورن لتوں نے سمام کے جہرن میں عل جل مجا سی سمراتیں اور شهدشاهوں کو اِنکے نکے آدرشوں کے ر جهكانا يوا . جس الهر لي هندستان كي جهون و دهر نهجے تک مقه ڈالا اُس کا اثر سبهیتا کے هر ہوتا الزَّمَى تها . إسى ليَّه ملجهله زمانه كى كلجور بهلو پر اس مهل کی جهاب دکهاکی دیگی هـ . ر سلکيت مهن عمارتين أور تصويرون مهن رهاي طريقين اور جال جلن مين كبيل كود اور يس مهلول اور تهوهارول ميل جاتول اور فرقول اطراف المرجك الكي زندكي كي جبك دمك أور مرجوس هولي في نكر جهون كي أملكون موجون كا أيهار نظر آتا هي .

ہار پیر خارا مقدسفانی سنانے ایکٹا کے دھائیں موا سنانے کے چھوں کی پلیادیں کم دھلدس مقال ھوٹ میں انہیں پر سنانے کے معارفوں پر کا اور فری معارفوں کا مصل کھوا ھوٹا ह्यारे केव के जो जान हिन्दू सुख्यमान, जैन कीत त्यां, इसाई, किस जीर जोर जमें के मानने बारे हुन, ति जीर शांक पाने के बारे जो तो के जीरायें कर रहे बहां भी हो तरह के मान जाम कर रहे हैं. एक तरफ म जानने अपने मलों या लगालों को जावमी के मन के तान की जांकिरों हम मानते हैं, हर विशेष वृत्तरे की पने से जुना, जानने से बाद्धर समज्यता है. इसरी तरफ क्या की वानरत्यत बाकत इस जानेक्या से लोगा के रही हसने शक नहीं कि इस सारी की जातानी में हम बीरे रे यक ऐसे नए समाज का विकास कर रहे हैं किसमें ए मजहबां के कीमती अस्तों को जना कर रहा जागगा तर बसलों, फिरकों जीर मलों के सारे करक एक ऐसी वी सहयता, ऐसी तहकीन में समा जायंगे जो अपने ना में जनोस्तो और हिन्दुस्तान की तारीस में बेगिसाल तरी.

हमारे इस इसने बढ़े देस में, जिसे हिमाबय की बरफ दकी काँकी दीवार दुनिया से अक्सा करती हैं भीर तो समुन्दर की गहरी खाइयां तीन तरफ से घेरे हुए हैं, स कमाने से लेकर जो तारील की याद से परे हैं, एक के हि एक बहुत सी नसतों और बहुत सी तह जीवें भाई हैर आकर बस गई लेकिन पहले के रहने वालों और ए बाने बालों में हाल के लड़ाई मगड़ों के बाद यहाँ में दबा और पानी के असर से हमेंशा मेस जोत और दिवा और पानी के असर से हमेंशा मेस जोत और लि का दौर जावम हुआ, आपस के बैर मिटे, मेस माया हर बात जब बह समय आया और प्रमाने ने क्रम माया हर बात जब बह समय आया और प्रमाने ने क्रम हो तो कम नींब के कपर एक नई बम्बता का नया महत्त हा हुआ जिसकी नव और पुराने के संगम से पकता की

प्रकार के बाद इस तरह के बई शीक इस देश में ता सबसे करते पान प्राचित इसपीन का दांत करता. स सरवार की मुनिकार इस तिराके अनुसन, इस जनात हरता संग्रंभ के बोचन कर बहुद और अरदर पारा दे की समझ ही इसने बावनी नाता और जना में अपने सहस्र और वर्ष में समझ और जना में, रहन स्वन् की हाल हन में साथ किया कर सहयोग में माला स्वाह कर इस स्वाह की सहस्र कर सहयोग में माला स्वाह कर इस स्वाह के संग्रंभ और इस सम्बाह मेर महाने

عباری دیس میں بھی آپ فلدر مسلسان بھی ا بیدہ یارس عیسال سکیہ اور اور دعرموں کے ماندر رائے ا سکید فیل ہے اور میکوں بالے کے لئے جی دور کوششیں ا طرف جی آپ ای میکوں یا خیالوں کو آدمی کے میں کے میں بھاآ کے بیر باعر سمجھتا ہے ، دوسری طرف ایکٹا کی بیدہ بھاآ کے بیر باعر سمجھتا ہے ، دوسری طرف ایکٹا کی بیدہ بھی اس انو کیا ہے اور میں میں م دھیں ہیں میں کہ اس ساری مجھلجاتاتی میں م دھیں ہیں میں میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کو بیچا کر رایا بیدی میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کو بیچا کر رایا بیدی میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کو بیچا کر رایا بیدی میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کی بیچا کر رایا بیدی میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کی بیچا کر رایا بیدی میں مقدیوں کے قیمتی امولوں کی بیانی کی دور ایک بیدی میں امولی اور مقدستان کی تاریخ میں یہ

همان کی هیں ہیں جسے همان کی وہی میں جسے همان کی وہیں ہیں ہیں تعلق ارتجی دیواریں دانیا سے الگ کرتی میں اس اسلام کی گہری کہانیاں تین طرف سے گہری میں میں جینے جین اس رمانے سے لے کو جو کاریخ کی یاد سے پرت کی ایک بعد ایک بیجہ سی نسلیں اور بہت سی فیلیوں اور بہت سی فیلیوں اور بہت سی فیلیوں اور اور میں کہانے کی اور میں کی اور شانگی کا مور کان اور بیان کی وامین نکلیں اور بیان کی وامین نکلیں بیان گیں کے بھر مانی میل میاب کی وامین نکلیں بیان گیں گر بیان اور سنجھوتے کے قدم جمایا ، هر دفعہ جس وہ بیتوں کی اور بیان کی تھو بھی بید اور بیانے کی اور برائے کی بیدا میک کرو برائے کے ایک انہوں بھی بیدا میکئی ،

الحد الموسود في المدا أس الطرح في التي المراد المر

विन्दुस्तानी कषाचर सोलाइटी है मकलद

[बिन्दुस्तानी कतचर सीसाइटी की राजस्ती सने 1943 में हुई थी, जब कि सोसाइटी की इन्तकामी कमेटी के कम से कम चार मिन्बर जेल में के नीचे दिवे हुए सोसाइटी के मकंसर से पता चलेगा कि वह जाजारी मिन्नमें से पहले की बनी हुई है. इसने जान कर उन बाव्यों को नहीं बदला क्योंकि उन से यह भी माल्म होगा कि इस सोसाइटी के काम की जसस जरूरत जान भी उतनी ही बल्कि इससे मिक्स है जितनी उस समय बी—एडीटर]

आदमी के मन के अन्तर तो बड़ी ताकतों में हमेशा सड़ाई होती रहती है. इन में से कभी एक आदमी को अपने कस में कर तेती है और कभी तूसरी. इन दोनों में हमारे विक पर काबू पाने के लिये बराबर खींचा थानी होती रहती है.

इनमें से एक ताक्रत सुद्रारणी या स्वार्थ की है जो हमें जपनी होटी कोटी काहिशों के पूरा करने में लगाती है. वह ताक्रत, जाने या जनजाने जोर के साव हमारा व्यान हमारी दुरत की जक्रतों की तरफ और जपने भोग विसास की तरफ सींचती है. इसके जसर में जाकर हम जपनी जसली, ठोस और टिकाज मताई को भी भूत काते हैं और हमें जपने भाई बन्दों की दस मलाई की भी सुख नहीं रहती जिसके बिना हमारा जपना करवान नहीं हो सक्ता.

दूसरी ताझत इसारी वह समझ, वह अन्तर की रोशनी है जो इसारे दिस में सब से मिलकर रहने की चाह पैदा करती है. यह इससानियत का वह रिशता है जो आदमी आवसी को प्रेम के नाते में ओवता है. यह रिशता भादमी को समझूर करता है कि वह अपनी आत्मा की सोई हुई बाह्यों को दूसरे आदमियों से सिहकर और बनकी मदब से समाप, जीवन के जैंचे आदशों को पूरा और सफल करे, और आदमी और समाज दोनों के जब मैचिल की तरक से आय जहां हमें इस दुनियां में बहुक्या है.

नहर्ती ताकरा चालमी को बावसी से बदसा करती है भी अन्तर के करकों की नक्तका है इसमें ताकर बाहरों को समान के बंबनों है बाहरों है जातस से बिकास रहाती है जारे बाहरे के तहर कर वह के विकास के बंबन है जो कि सहस्र बाहर्स के सम

المخدستاني فلجرموسائلي الي وجسلوي سي التخاصي التخاص ا

آئیمی کے من کے اندر دو ہوی طالعوں میں همیشہ کی هوتی رهائی ہے ، اِن میں سے کبھی ایک آدمی کو پس میں کو لیکی ہے اور کبھی دوسری، اِن دونوں نامیارے دل پر قابو یائے کے لئے برابر کھیلچا تانی روہتی ہے ہ

عيسري طاقت هناري وه سعجها ره اندر کي درهای هو هناري قال مهن سب سے ملکر رهانے کی جالا ههدا هے . يہ انسانهت کا ره رشته هے جو آدمی آدمی کو کے نائے میں جووتا ہے . يہ رشته آدمی کو مجهور کرنا هونا اوقی آدیا کی سوئی هوئی طاقتوں کو هرسرے هون سے ملکر آور ان کی مدد سے جکائے 'جهون کے اواجیے هون کو بهرا اور سعهل کرے' اور آدمی اور سعاج هوئیں سرون لهجائے جہاں هنهن اس دفعا

जलाई सन् '51 नम्बर् 1

جوائي سن 51

कात बार्यी, प्रेस वर्ग है, हिन्दुस्तानी बोली, नवा हिन्दू पहुँचेगा घर घट विचे तेम की मोली.

والم أدمي يريم دهرم هـ مدستاني بولي الما معداء بياني كا كور كور لي يريم كي جهولي .

राम फँसे जंजालीं में (माई स्वामी मारहरवी)

रिजिय स्ती, मन्दिर दीरों, कोई घर काबाद नहीं, कर बेकल अपनी धुन में मुल्ला भी दिलशाद नहीं. न जाना एक सेव बतार्टू ? बात यह ने बुनियाद नहीं, नित्र दे वह मूल से खन्यल, स्वर्ग की वाँ दुनियाद नहीं. बकटे सीचे शन्दों से तू, उत्तटा सीधा नाम न ले, अपने आप को बिन पहचाने, राम का मूरश्व नाम न ले. भनी नैया आप हुनो कर, जग का स्रेवन हार न बन, 🏖 ब पाप के बाग ती थोले, जीवन का तू भार म बन. तिक जगर तिलक सगामा, स्वर्ग का ठेकेदार न बन, ही बद्द तेरी अल्ला अल्ला ! खुदा का सम्बरदार न बन. कर्म की जोर निराशा में, तू सन की बीर उदास न कर, कर्म के सीदे हानि लगी है, मुक्ती की तू आस न कर, क्ष सीतर काल्ता बन्द, और ईएवर क्रेंद शिवाली में, व कन्या पंत्रित जी का, अन्यत अल्ला वालों में. मार्ड राम को ऐंचा तानी, राम फैंसे जंजाली में, के बह अठ मी देखे, महत्व घरती वासी में: Ale fall to tret ween, whe faul to neat ? कीन सह क्रीका फार्क बात, धर्म का मुदा धन्या है. औं कल्पी पूर्व की, मीरवामी हायों केव विवा, की क्षेत्रका-मुक्तील में तालील बनावन केन विचा. के किया कर अन्य किया, कर हा मन्तर में केस विधा,

क्षारी क्षाप्ती कर एक हो। समयार्थ देश कर केम दिना,

commenced and that there are a first

in die k. mar war ut 1

رام بهنسے جنجالوں میں (بهالني سوامي مارهروي)

هُونُ مُعَوْمًا مَعْدُو وَيُرَانُ * كُوكُي كُهُرُ أَيَانًا تَهِينَ * والمامة بهوال أيلي دهن مين ملا بهي دل هاد نهون . ان کا ایک بهید بعادی ؟ بات یه بے بنیاد نہیں -مراس مون جومول سالهمل سرك كي يان بديادنهمي

ألق بيدي قيدون س لوا ألك سيدها كام ته ليا الها آب كو بين يهنهالي رام كا موركه نام له لي .

الله الله الله تو بعول خيرن كا تو بهار نه ين . والله الله الله إلى حدا كا لمعردار نه بي .

علي المور لواشا مين اتو من كو اور أداس الد كوا العلام في سود ي هان لكي هيا مكتبيكي لو أس نه كو .

سجيد يهوهي اللغ فكها أور ايشور قهد شوالون مهرا المراكبة في قبله عليات جو كا جلس الله واليل مهور. المن أم لي المحاداتي وام يهلس خلجالون مين المراكبة المراكبة المراكبة والمراكبة والمراكبة المراكبة المراكبة المراكبة المراكبة والمراكبة والمراكبة

المن كسى كا ايشور الله كون كسى كا بلدا هـ المراجع المجادا وال دهرم كا جهولا دهدا في

سال في العن ورفي او كوسواس هاليول يدي ديا والمعاد مهد يا تعيد بدا كر يعي بها الما الموالي الما المواسلة الم ورسان خدائر لم رقالي بنكران أثنا كر مني بها ير

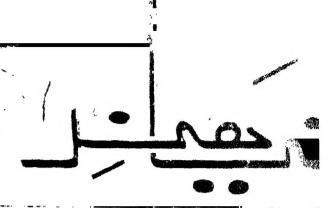
والسائل برانا فيلن لهين الله برانا باللي بي منظلات في المراق من المكرافي الماليا مالي في .

क्षेत्राची के सकता और के का कारते से क्षा कार्यक्ष संगर प्रि. संस्थात नाई सोमयकारा SHAME AND HARM

گرورگ) چورگالهستهای موهن سلکه سیلکر شاوند (بور منصبت سیمانی اوم بورکاین کالووال سوملای کاستر (کورکا) سانتگ یای

عالته أور جعن الأكليسي موا





ण्डीटर--ताराचंद, भगवानदीन, मुज्यमर हसन, बिशम्भर नाथ, सुन्दरलाल الآيتر--تارا چند' بهكوان دين' مظفرحسن' بشمههر ناته' سندر لال

नायन एडीटर-सुरेश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

इस नम्बर के खास लेख

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मक्सद-सुन्दरलाल हिन्दुस्तानी कलवर—डाक्टर भगवानदास स्फियों की संगत में -गुरद्याल महिलक सोमनाथ फिर-सुन्दरतात भारत और चीन का कसचरी मेल-मानचन्द्र (सोमनाथ को लेकर) बापू से !--भगवानदीन विनोबा जी की तेलंगाना यात्रा—सुरेश रामभाई

हमारी राय

ईरान का तेल संकट-सुन्दरलाल काँगरेस कौर दलवंदी-सुन्दरलाल तिब्बत, चीन और भारत सुन्दरलाल مِرْيُش وَأُم بِهَائِي أَ مَصَمُونَ أَجِهِمُ إِلَيْهِ لِهِ إِنَّا

اس نمبر کے خاص لیکھ

مندستانی کلچر سوسائٹی کے مقصد هندمهاني كلهرسةاكتر بهاوان داس صوفهول كي سلكت مين-كورديال ملك سيعيقاته فهر-سقدر لال المهارس أور خهن كا كلجوي مهل-بهان جلد ﴿ سُومِعُكَالُهُ كُوا لَهُكُو ﴾ بايو سي--بهكوان دين وتوبا حي كي تهلفكاته ياتوا -سريش رام بهائي

الكريس أور دل بلدي -سندر لال تبت وين أور بهارت -سندر لال

ह्यों कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद 🎇



جولائي 1951